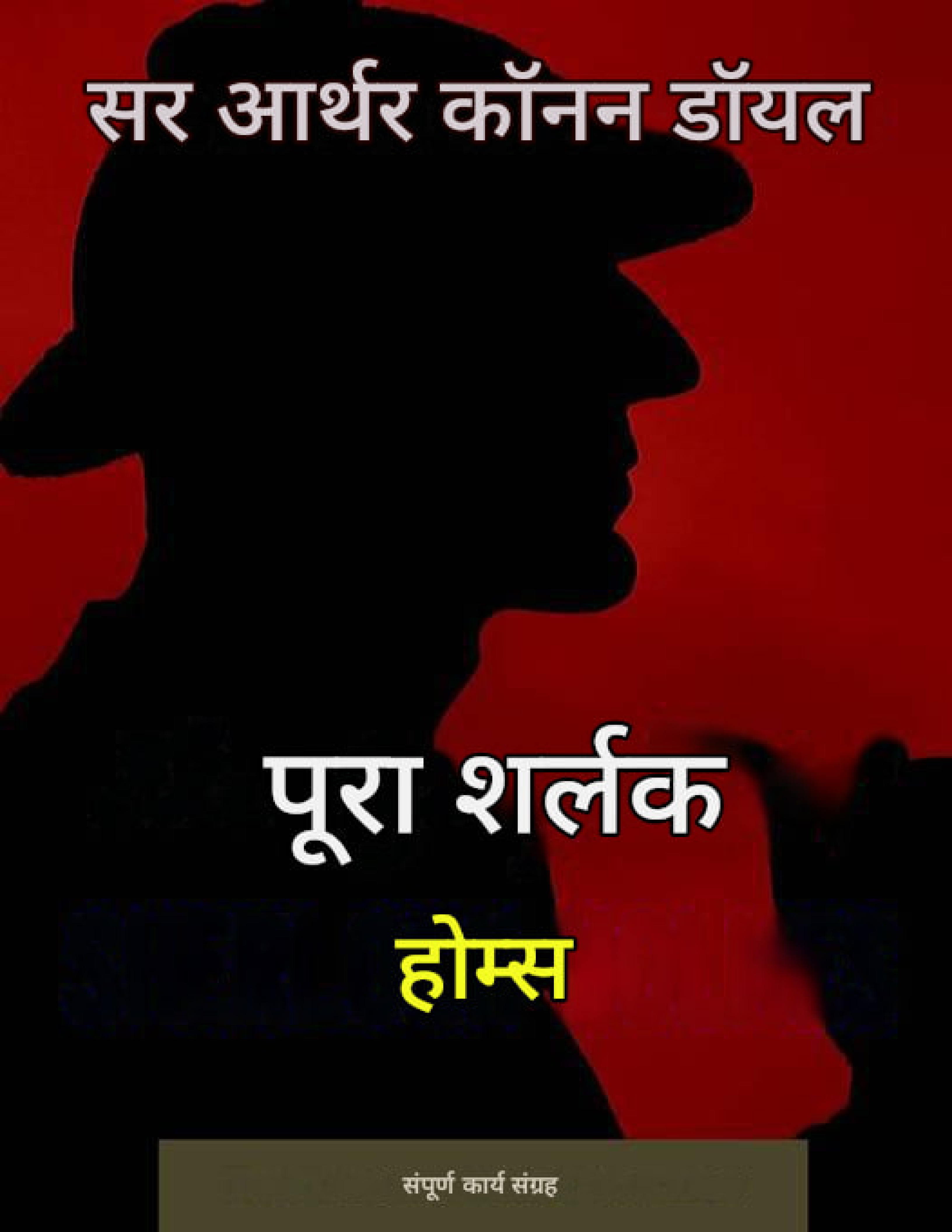

सर आर्थर कॉनन डॉयल

पूरा शर्लक होम्स

संपूर्ण कार्य संग्रह

Table of Contents

1. संपूर्ण शर्लक होम्स
ए स्टडी इन स्कारलेट
भाग I
भाग 2
चार के हस्ताक्षर
शर्लक होम्स के कारनामे
बोहेमिया में एक घोटाला
द रेड - हेडेड लीग
पहचान का एक मामला
बोस्कोम्ब घाटी का रहस्य
पांच संतरे के बीज
टेढ़े होंठ वाला आदमी
नीले कार्बुंकल का रोमांच
चित्तीदार बैंड का रोमांच
इंजीनियर के अंगूठे का रोमांच
कुलीन कुंवारे का रोमांच
बेरिल कोरोनेट का रोमांच
तांबे के बीचों का रोमांच
शर्लक होम्स के संस्मरण
सिल्वर ब्लेज़
पीला चेहरा
स्टॉक-ब्रोकर का क्लर्क
"ग्लोरिया स्कॉट"
मुस्ग्रेव अनुष्ठान
रीगेट पहेली
टेढ़ा आदमी
निवासी रोगी
ग्रीक दुभाषिया
नौसैनिक संधि
अंतिम समस्या
बास्करविल्स का जासूस
श्री शर्लक होम्स
बास्करविल्स का अभिशाप
समस्या
सर हेनरी बास्करविले
तीन टूटे धागे
बास्करविले हॉल
मेरिपिट हाउस के स्टेपलटन
डॉ. वाटसन की पहली रिपोर्ट
डॉ. वाटसन की दूसरी रिपोर्ट
डॉ. वाटसन की डायरी से उद्धरण
टॉर पर खड़ा आदमी

दलदल पर मौत
जालों की मरम्मत करना
बास्करविलस का जासूस
एक पूर्वव्यापी समीक्षा
शर्लक होम्स की वापसी
एबी ग्रेंज का रोमांच
ब्लैक पीटर का रोमांच
चार्ल्स ऑगस्टस मिलवर्टन का साहसिक कार्य
नाचते हुए पुरुषों का रोमांच
खाली घर का रोमांच
गोल्डन पिंस-नेज़ का रोमांच
लापता तीन-चौथाई का रोमांच
नारवुड बिल्डर का साहसिक कार्य
प्रायरी स्कूल का रोमांच
दूसरे दाग का रोमांच
छह नेपोलियनों का साहसिक कार्य
एकाकी साइकिल चालक का रोमांच
तीन छात्रों का रोमांच
भय की घाटी
उनका अंतिम प्रणाम
शर्लक होम्स की केस बुक
2. आतंक और रहस्य की कहानियाँ
ऊंचाइयों का आतंक
चमड़े का फ़नल
नई कब्रगाह
लेडी सन्नॉक्स का मामला
ब्लू जॉन गैप का आतंक
ब्राज़ीलियाई बिल्ली
द लॉस्ट स्पेशल
भृंग-शिकारी
घड़ियों वाला आदमी
जापानी बॉक्स
काला डॉक्टर
यहूदी का कवच

द कम्प्लीट शर्लक होम्स

और

आतंक और रहस्य की कहानियाँ

द्वारा

Arthur Conan Doyle.

सर आर्थर कॉनन डोयल

सिग्नेचर एडिशन

संपूर्ण रचनाओं का संग्रह

सभी अधिकार सुरक्षित © 2011

विषयसूची

1. संपूर्ण शर्लक होम्स

ए स्टडी इन स्कारलेट
भाग I
भाग 2

चार के हस्ताक्षर

शर्लक होम्स के कारनामे
बोहेमिया में एक घोटाला
द रेड - हेडेड लीग
पहचान का एक मामला
बोस्कोम्ब घाटी का रहस्य
पांच संतरे के बीज
टेढ़े होंठ वाला आदमी
नीले कार्बंकल का रोमांच
चित्तीदार बैंड का रोमांच
इंजीनियर के अंगूठे का रोमांच
कुलीन कुंवारे का रोमांच
बेरिल कोरोनेट का रोमांच
तांबे के बीचों का रोमांच

शर्लक होम्स के संस्मरण
सिल्वर ब्लेज़
पीला चेहरा
स्टॉक-ब्रोकर का क्लर्क
"ग्लोरिया स्कॉट"
मुस्ग्रेव अनुष्ठान
रीगेट पहेली
टेढ़ा आदमी
निवासी रोगी
ग्रीक दुभाषिया
नौसैनिक संधि
अंतिम समस्या

बास्केरविल्स का जासूस
श्री शर्लक होम्स
बास्करविल्स का अभिशाप
समस्या
सर हेनरी बास्करविले

तीन टूटे धागे
बास्करविले हॉल
मेरिपिट हाउस के स्टेपलटन
डॉ. वॉटसन की पहली रिपोर्ट
डॉ. वॉटसन की दूसरी रिपोर्ट
डॉ. वॉटसन की डायरी से उद्धरण
टॉर पर खड़ा आदमी
दलदल पर मौत
जालों की मरम्मत करना
बास्करविलस का जासूस
एक पूर्वव्यापी समीक्षा

शर्लक होम्स की वापसी
एबी ग्रेंज का रोमांच
ब्लैक पीटर का रोमांच
चार्ल्स ऑगस्टस मिलवर्टन का साहसिक कार्य
नाचते हुए पुरुषों का रोमांच
खाली घर का रोमांच
गोल्डन पिंस-नेज़ का रोमांच
लापता तीन-चौथाई का रोमांच
नॉरवुड बिल्डर का साहसिक कार्य
प्रायरी स्कूल का रोमांच
दूसरे दाग का रोमांच
छह नेपोलियनों का साहसिक कार्य
एकाकी साइकिल चालक का रोमांच
तीन छात्रों का रोमांच

भय की घाटी

उनका अंतिम प्रणाम

शर्लक होम्स की केस बुक

2. आतंक और रहस्य की कहानियाँ

ऊंचाइयों का आतंक
चमड़े का फ़नल
नई कब्रगाह
लेडी सन्नॉक्स का मामला
ब्लू जॉन गैप का आतंक
ब्राज़ीलियाई बिल्ली

द लॉस्ट स्पेशल
भृंग-शिकारी
घड़ियों वाला आदमी
जापानी बॉक्स
काला डॉक्टर
यहूदी का कवच

द कम्प्लीट शर्लक होम्स

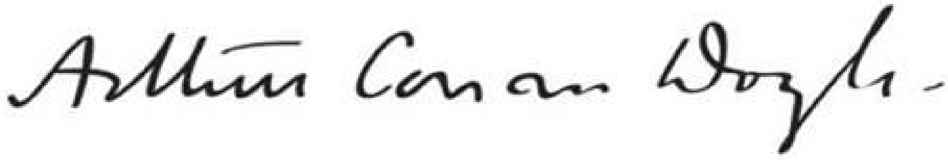

Sidney Paget

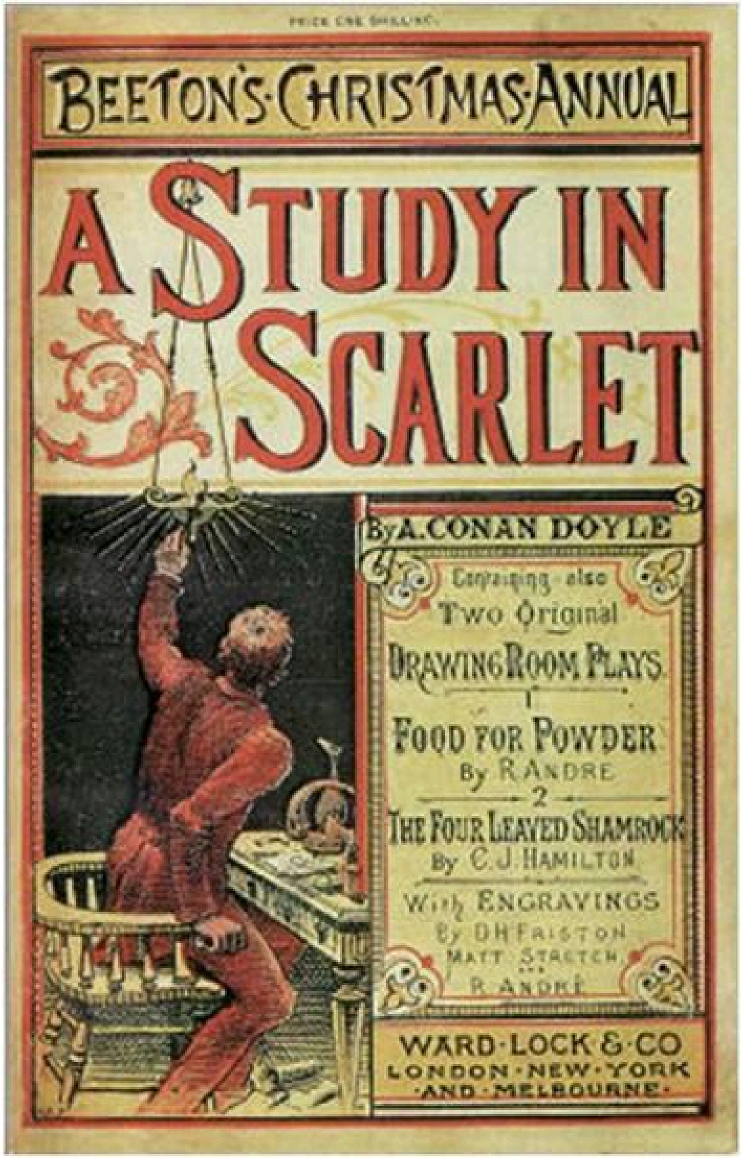
BEETON'S·CHRISTMAS·ANNUAL
A STUDY IN SCARLET
By A. CONAN DOYLE
Containing also
Two Original
DRAWING ROOM PLAYS
1
FOOD FOR POWDER
By R. ANDRE
2
THE FOUR LEAVED SHAMROCK
By C. J. HAMILTON
With ENGRAVINGS
By D.H. FRISTON
MATT STRETCH,
AND
R. ANDRÉ
WARD·LOCK & CO
LONDON·NEW·YORK
·AND·MELBOURNE·

ए स्टडी इन स्कारलेट

भाग I

यह जॉन एच. वॉटसन, एम.डी., जो सेना चिकित्सा विभाग के पूर्व सदस्य थे, की स्मृतियों का पुनर्मुद्रण है।

अध्याय 1

श्री शर्लक होम्स

सन् 1878 में मैंने लंदन विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ मेडिसिन की उपाधि प्राप्त की और सेना में सर्जन बनने के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम पूरा करने हेतु नेटली चला गया। वहाँ अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद, मुझे सहायक सर्जन के रूप में फिफ्थ नॉर्थम्बरलैंड फ्यूसिलियर्स रेजिमेंट में नियुक्त किया गया। उस समय रेजिमेंट भारत में तैनात थी, और मेरे शामिल होने से पहले ही दूसरा अफगान युद्ध छिड़ गया था। बंबई में उतरने पर मुझे पता चला कि मेरी कोर दर्रों से आगे बढ़ चुकी है और दुश्मन के इलाके में काफी अंदर तक पहुँच चुकी है। फिर भी, मैं अपने जैसी ही स्थिति में मौजूद कई अन्य अधिकारियों के साथ उनके पीछे-पीछे गया और सुरक्षित रूप से कंधार पहुँचने में सफल रहा, जहाँ मुझे मेरी रेजिमेंट मिली और मैंने तुरंत अपने नए कर्तव्यों को निभाना शुरू कर दिया।

इस अभियान ने कई लोगों को सम्मान और पदोन्नति दिलाई, लेकिन मेरे लिए यह केवल दुर्भाग्य और विपत्ति लेकर आया। मुझे मेरी ब्रिगेड से हटाकर बर्कशायर रेजिमेंट में शामिल कर दिया गया, जिनके साथ मैंने मैवांड की घातक लड़ाई में भाग लिया। वहाँ मुझे जेज़ाइल की गोली कंधे पर लगी, जिससे हड्डी चकनाचूर हो गई और सबक्लेवियन धमनी को भी छूकर निकल गई। अगर मेरे अर्दली मरे ने अपनी बहादुरी और साहस न दिखाया होता, तो मैं खूंखार गाज़ियों के हाथों में पड़ जाता। मरे ने मुझे एक घोड़े पर लादकर सुरक्षित ब्रिटिश मोर्चे तक पहुँचाया।

दर्द से बेहाल और लंबे समय तक झेली कठिनाइयों के कारण कमजोर होकर, मुझे घायलों के एक बड़े समूह के साथ पेशावर के बेस अस्पताल ले जाया गया। यहाँ मेरी हालत सुधरने लगी और मैं वार्डों में चलने-फिरने और बरामदे में थोड़ी देर धूप सेंकने में सक्षम हो गया था, तभी मुझे आंत्र ज्वर हो गया, जो हमारे भारतीय उपनिवेशों का अभिशाप है। महीनों तक मेरी जान की उम्मीद नहीं थी, और जब आखिरकार मुझे होश आया और मैं स्वस्थ होने लगा, तब मैं इतना कमजोर और दुबला-पतला हो गया था कि एक चिकित्सा समिति ने फैसला किया कि मुझे इंग्लैंड वापस भेजने में एक दिन भी देरी नहीं की जानी चाहिए। तदनुसार, मुझे ओरोंटेस नामक जहाज में भेजा गया और एक महीने बाद पोर्टसमाउथ जेटी पर उतरा। मेरा स्वास्थ्य पूरी तरह से बिगड़ चुका था, लेकिन मुझे एक उदार सरकार से अगले नौ महीने इसे सुधारने के प्रयास में बिताने की अनुमति मिली।

इंग्लैंड में मेरा कोई रिश्तेदार नहीं था, इसलिए मैं बिल्कुल आज़ाद था—या यूं कहूँ कि ग्यारह शिलिंग छह पेंस प्रतिदिन की आमदनी से कोई व्यक्ति जितना आज़ाद रह सकता है, उतना ही आज़ाद था। ऐसी परिस्थितियों में स्वाभाविक रूप से मेरा झुकाव लंदन की ओर हो गया, जो साम्राज्य के सभी आवारा और निकम्मे लोगों का अड्डा है। वहाँ मैं कुछ समय तक स्ट्रैंड के एक निजी होटल में रुका, जहाँ मैंने एक नीरस और अर्थहीन जीवन व्यतीत किया और अपने पास मौजूद धन को ज़रूरत से कहीं अधिक खर्च किया। मेरी आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो गई कि मुझे जल्द ही एहसास हुआ कि या तो मुझे महानगर छोड़कर किसी ग्रामीण इलाके में बसना होगा, या फिर मुझे अपने रहन-सहन में पूरी तरह बदलाव करना होगा। दूसरा विकल्प चुनते हुए, मैंने सबसे पहले होटल छोड़ने और किसी कम खर्चीले और साधारण मकान में रहने का फैसला किया।

जिस दिन मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा, उसी दिन मैं क्राइटेरियन बार में खड़ा था, तभी किसी ने मेरे कंधे पर थपथपाया और मुड़कर देखा तो मुझे युवा स्टैमफोर्ड दिखाई दिया, जो बार्ट्स में मेरे अधीन ड्रेसर का काम करता था। लंदन के विशाल सुनसान इलाके में किसी परिचित चेहरे को देखना एक अकेले व्यक्ति के लिए वाकई सुखद अनुभव होता है। पुराने दिनों में स्टैमफोर्ड मेरा कोई खास दोस्त नहीं था, लेकिन अब मैंने उत्साह से उसका अभिवादन किया और वह भी मुझे देखकर प्रसन्न हुआ। अपनी खुशी के मारे मैंने उसे होल्बोर्न में दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया और हम एक हैंसम गाड़ी में साथ चल पड़े।

"वॉट्सन, तुम आजकल क्या कर रहे हो?" उसने भीड़भाड़ वाली लंदन की सड़कों पर चलते हुए हैरानी से पूछा। "तुम तो एकदम पतले और अखरोट की तरह भूरे हो गए हो।"

मैंने उसे अपने कारनामों का संक्षिप्त विवरण दिया, और जैसे ही मैंने इसे समाप्त किया, हम अपने गंतव्य पर पहुँच गए।

मेरी मुसीबतों के बारे में सुनने के बाद उन्होंने सहानुभूति जताते हुए कहा, "बेचारा! अब क्या कर रहे हो?"

मैंने जवाब दिया, "मैं रहने की जगह ढूंढ रहा हूँ। यह पता लगाने की कोशिश कर रहा हूँ कि क्या उचित कीमत पर आरामदायक कमरे मिल सकते हैं।"

मेरे साथी ने कहा, "यह तो अजीब बात है; आज दूसरे व्यक्ति हो जिसने मुझसे इस अभिव्यक्ति का प्रयोग किया है।"

“और पहला कौन था?” मैंने पूछा।

“एक आदमी जो अस्पताल की रासायनिक प्रयोगशाला में काम करता है। वह आज सुबह खुद पर अफसोस जता रहा था क्योंकि उसे कुछ अच्छे कमरे मिल गए थे, जो उसकी जेब के हिसाब से बहुत महंगे थे, लेकिन उन्हें किराए पर लेने के लिए कोई उसके साथ तैयार नहीं था।”

“अरे वाह!” मैं चिल्लाई; “अगर वह सचमुच किसी ऐसे व्यक्ति को चाहता है जिसके साथ वह कमरे और खर्च साझा कर सके, तो मैं ही उसके लिए सही आदमी हूँ। मुझे अकेले रहने से बेहतर है किसी साथी का होना।”

युवा स्टैमफोर्ड ने अपने वाइन ग्लास के ऊपर से मेरी ओर कुछ अजीब सी नज़र से देखा। उसने कहा, "तुम अभी तक शर्लक होम्स को नहीं जानते; शायद तुम उसे एक नियमित साथी के रूप में पसंद न करो।"

"अरे, उसके खिलाफ क्या बात है?"

“ओह, मैंने ऐसा कुछ नहीं कहा जो मुझे उसके खिलाफ लगे। उसके विचार थोड़े अटपटे हैं— वह विज्ञान की कुछ शाखाओं का शौकीन है। जहाँ तक मुझे पता है, वह काफी सभ्य व्यक्ति है।”

“शायद मेडिकल का छात्र?” मैंने कहा।

नहीं—मुझे बिलकुल भी नहीं पता कि वह किस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहता है। मेरा मानना है कि उसे शरीर रचना विज्ञान का अच्छा ज्ञान है और वह एक उत्कृष्ट रसायनज्ञ है; लेकिन जहाँ तक मुझे पता है, उसने कभी भी व्यवस्थित चिकित्सा पाठ्यक्रम नहीं लिए हैं। उसकी पढ़ाई बहुत ही अनियमित और अटपटी है, लेकिन उसने बहुत सारा ऐसा ज्ञान अर्जित किया है जो उसके प्रोफेसरों को आश्चर्यचकित कर देगा।

मैंने पूछा, "क्या तुमने उससे कभी नहीं पूछा कि वह किसलिए जा रहा था?"

"नहीं; वह ऐसा व्यक्ति नहीं है जिससे आसानी से बात निकलवाई जा सके, हालांकि जब उसका मन करता है तो वह काफी बातूनी हो सकता है।"

मैंने कहा, “मैं उनसे मिलना चाहूँगी। अगर मुझे किसी के साथ ठहरना हो, तो मैं एक ऐसे व्यक्ति को प्राथमिकता दूँगी जो अध्ययनशील और शांत स्वभाव का हो। मैं अभी इतनी मजबूत नहीं हूँ कि ज्यादा शोर या उत्तेजना सहन कर सकूँ। अफगानिस्तान में मैंने इन दोनों का इतना सामना कर लिया है कि मेरे जीवन भर के लिए काफी है। मैं आपके इस मित्र से कैसे मिल सकती हूँ?”

“वह ज़रूर प्रयोगशाला में ही होगा,” मेरे साथी ने जवाब दिया। “या तो वह हफ़्तों तक वहाँ नहीं जाता, या फिर सुबह से शाम तक वहीं काम करता है। अगर आप चाहें तो दोपहर के भोजन के बाद हम साथ में घूम सकते हैं।”

“बिल्कुल,” मैंने जवाब दिया, और बातचीत दूसरे विषयों की ओर मुड़ गई।

होल्बॉर्न से निकलने के बाद जब हम अस्पताल की ओर जा रहे थे, तो स्टैमफोर्ड ने मुझे उस सज्जन के बारे में कुछ और जानकारी दी, जिन्हें मैं अपने साथ किराए पर रखने का प्रस्ताव कर रहा था।

“अगर आपका उससे तालमेल न बैठे तो मुझे दोष मत देना,” उसने कहा; “मैं उसके बारे में उतना ही जानता हूँ जितना मैंने प्रयोगशाला में कभी-कभार उससे मिलने से जाना है। इस व्यवस्था का प्रस्ताव आपने ही रखा था, इसलिए मुझे ज़िम्मेदार मत ठहराना।”

“अगर हमारी आपस में नहीं बनी तो अलग होना आसान होगा,” मैंने जवाब दिया। “मुझे लगता है, स्टैमफोर्ड,” मैंने अपने साथी की ओर देखते हुए कहा, “कि इस मामले से पल्ला झाड़ने का तुम्हारे पास कोई कारण है। क्या इस आदमी का स्वभाव इतना भयानक है, या फिर कुछ और बात है? इस बारे में गोलमोल बातें मत करो।”

“अव्यक्त को व्यक्त करना आसान नहीं है,” उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया। “होम्स मेरी पसंद के हिसाब से कुछ ज़्यादा ही वैज्ञानिक हैं—उनका रवैया निर्ममता की ओर जाता है। मैं कल्पना कर सकता हूँ कि वे अपने किसी दोस्त को नवीनतम वनस्पति एल्कलॉइड की एक चुटकी दे दें, दुर्भावना से नहीं, आप समझ रहे हैं ना, बल्कि केवल जिज्ञासावश ताकि इसके प्रभावों का सटीक अनुमान लगा सकें। उनकी प्रशंसा में, मुझे लगता है कि वे स्वयं भी इसे उतनी ही तत्परता से ग्रहण कर लेंगे। ऐसा लगता है कि उन्हें निश्चित और सटीक ज्ञान का जुनून है।”

"बिल्कुल सही।"

"हां, लेकिन इसे हद से ज्यादा बढ़ाया जा सकता है। जब बात चीर-फाड़ कक्षों में विषयों को छड़ी से पीटने की आती है, तो यह निश्चित रूप से एक विचित्र रूप ले रहा है।"

“विषयों को मात देना!”

"हां, यह सत्यापित करने के लिए कि मृत्यु के बाद कितने निशान रह सकते हैं। मैंने उसे ऐसा करते हुए अपनी आंखों से देखा।"

"और फिर भी आप कहते हैं कि वह मेडिकल छात्र नहीं है?"

“नहीं। पता नहीं उनके अध्ययन के विषय क्या हैं। लेकिन हम यहाँ हैं, और आपको उनके बारे में अपनी राय खुद बनानी होगी।” उनके बोलते ही हम एक संकरी गली में मुड़े और एक छोटे से दरवाज़े से अंदर गए, जो बड़े अस्पताल के एक हिस्से में खुलता था। यह जगह मेरे लिए जानी-पहचानी थी, और मुझे किसी के मार्गदर्शन की ज़रूरत नहीं थी क्योंकि हम सुनसान पत्थर की सीढ़ियों से ऊपर चढ़े और सफ़ेदी की हुई दीवारों और भूरे रंग के दरवाज़ों वाले लंबे गलियारे में आगे बढ़े। गलियारे के दूसरे छोर के पास एक नीचा मेहराबदार रास्ता उससे अलग होकर रासायनिक प्रयोगशाला की ओर जाता था।

यह एक भव्य कमरा था, जो अनगिनत बोतलों से भरा पड़ा था। चौड़ी, नीची मेजें इधर-उधर बिखरी हुई थीं, जिन पर रिटॉर्ट, टेस्ट-ट्यूब और नीली टिमटिमाती लौ वाले छोटे बन्सन लैंप रखे थे। कमरे में केवल एक ही छात्र था, जो दूर एक मेज पर झुका हुआ अपने काम में मग्न था। हमारे कदमों की आहट सुनकर उसने पीछे मुड़कर देखा और खुशी से चिल्लाते हुए उछल पड़ा। “मुझे मिल गया! मुझे मिल गया!” वह मेरे साथी से चिल्लाया और हाथ में एक टेस्ट-ट्यूब लिए हमारी ओर दौड़ा। “मुझे एक ऐसा अभिकर्मक मिला है जो हीमोग्लोबिन से अवक्षेपित होता है, और किसी और चीज से नहीं।” अगर उसे सोने की खान मिल जाती, तो भी उसके चेहरे पर इससे अधिक खुशी नहीं झलकती।

"डॉ. वाटसन, श्री शर्लक होम्स," स्टैमफोर्ड ने हमारा परिचय कराते हुए कहा।

“आप कैसे हैं?” उन्होंने बड़े ही स्नेह से कहा और मेरा हाथ इतनी मजबूती से पकड़ा कि मुझे शायद ही उनकी इस क्षमता पर भरोसा होता। “मुझे लगता है आप अफगानिस्तान में थे।”

मैंने आश्चर्य से पूछा, "तुम्हें यह कैसे पता चला?"

“छोड़ो कोई बात नहीं,” उसने मन ही मन हंसते हुए कहा। “अब सवाल हीमोग्लोबिन के बारे में है। मुझे यकीन है कि आप मेरी इस खोज का महत्व समझ गए होंगे?”

मैंने उत्तर दिया, "रासायनिक दृष्टि से तो यह दिलचस्प है, इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन व्यावहारिक दृष्टि से नहीं।"

“अरे, वाह, ये तो सालों में हुई सबसे व्यावहारिक चिकित्सा-कानूनी खोज है। क्या तुम्हें नहीं दिख रहा कि इससे हमें खून के धब्बों की अचूक जाँच मिल जाती है? अभी इधर आओ!” उसने उत्सुकता में मेरी कोट की आस्तीन पकड़ ली और मुझे उस मेज पर खींच लाया जहाँ वह काम कर रहा था। “थोड़ा ताजा खून लाओ,” उसने अपनी उंगली में एक लंबी सुई चुभोकर उससे निकली खून की एक बूंद को रासायनिक पिपेट में भरते हुए कहा। “अब, मैं इस थोड़ी मात्रा में खून को एक लीटर पानी में मिलाता हूँ। तुम देख रहे हो कि परिणामी मिश्रण शुद्ध पानी जैसा दिखता है। खून का अनुपात दस लाख में एक से अधिक नहीं हो सकता। मुझे पूरा विश्वास है कि हमें विशिष्ट प्रतिक्रिया मिल जाएगी।” बोलते-बोलते उसने बर्तन में कुछ सफेद क्रिस्टल डाले और फिर उसमें एक पारदर्शी तरल की कुछ बूंदें डालीं। पल भर में मिश्रण का रंग हल्का महोगनी हो गया और कांच के जार के तल में भूरे रंग की धूल जम गई।

“हा! हा!” वह ताली बजाते हुए चिल्लाया और नए खिलौने से खुश हुए बच्चे की तरह प्रसन्न दिख रहा था। “आपको यह कैसा लगा?”

मैंने टिप्पणी की, "यह एक बहुत ही नाजुक परीक्षा प्रतीत होती है।"

“वाह! वाह! पुराना गुआयाकुम परीक्षण बहुत ही भद्दा और अनिश्चित था। रक्त कणिकाओं की सूक्ष्मदर्शी से जाँच भी वैसी ही है। अगर दाग कुछ घंटे पुराने हों तो यह परीक्षण बेकार हो जाता है। अब, यह परीक्षण पुराने और नए, दोनों ही स्थितियों में कारगर प्रतीत होता है। अगर यह परीक्षण पहले ही आविष्कार हो गया होता, तो आज सैकड़ों लोग ऐसे हैं जो अपने अपराधों की सज़ा भुगत चुके होते।”

“बिल्कुल!” मैंने धीरे से कहा।

“आपराधिक मामले हमेशा एक ही बात पर टिके रहते हैं। किसी व्यक्ति पर अपराध होने के महीनों बाद शक किया जाता है। उसके कपड़ों की जांच की जाती है और उन पर भूरे रंग के धब्बे पाए जाते हैं। क्या ये खून के धब्बे हैं, मिट्टी के धब्बे हैं, जंग के धब्बे हैं, फलों के धब्बे हैं, या कुछ और? यह एक ऐसा सवाल है जिसने कई विशेषज्ञों

को उलझन में डाल दिया है, और क्यों? क्योंकि इसका कोई विश्वसनीय परीक्षण नहीं था। अब हमारे पास शर्लक होम्स का परीक्षण है, और अब कोई कठिनाई नहीं होगी।"

बोलते समय उनकी आंखें मानो चमक रही थीं, और उन्होंने अपना हाथ अपने दिल पर रखा और ऐसे झुके मानो उनकी कल्पना में रची गई किसी तालियां बजाती भीड़ के सामने झुक रहे हों।

मैंने उनकी उत्सुकता देखकर काफी आश्चर्यचकित होते हुए कहा, "आपको बधाई हो।"

"पिछले साल फ्रैंकफर्ट में वॉन बिशॉफ का मामला था। अगर यह नियम होता तो उसे निश्चित रूप से फांसी हो जाती। फिर ब्रैडफोर्ड का मेसन, कुख्यात मूलर, मोंटपेलियर का लेफेवरे और न्यू ऑरलियन्स का सैमसन थे। मैं ऐसे दर्जनों मामले गिना सकता हूँ जिनमें यह निर्णायक साबित होता।" "लगता है आप अपराधों का चलता-फिरता कैलेंडर हैं," स्टैमफोर्ड ने हंसते हुए कहा। "आप इसी तर्ज पर एक अखबार शुरू कर सकते हैं। इसका नाम रखिए 'पुलिस न्यूज़ ऑफ़ द पास्ट'।"

"इसे पढ़ना भी बहुत दिलचस्प हो सकता है," शर्लक होम्स ने अपनी उंगली पर लगे घाव पर प्लास्टर का एक छोटा सा टुकड़ा चिपकाते हुए कहा। "मुझे सावधान रहना होगा," उन्होंने मुस्कुराते हुए मेरी ओर मुड़ते हुए कहा, "क्योंकि मैं ज़हरों के साथ काफी प्रयोग करता हूँ।" बोलते हुए उन्होंने अपना हाथ आगे बढ़ाया, और मैंने देखा कि वह प्लास्टर के ऐसे ही टुकड़ों से भरा हुआ था और तेज़ एसिड के कारण उसका रंग बदल गया था।

"हम यहाँ व्यापार के सिलसिले में आए हैं," स्टैमफोर्ड ने एक ऊँचे तीन पैरों वाले स्टूल पर बैठते हुए कहा और अपने पैर से एक और स्टूल मेरी ओर धकेल दिया। "मेरा एक दोस्त खुदाई का काम करना चाहता है; और जैसी कि आप शिकायत कर रहे थे कि आपको कोई भी आधा हिस्सा देने को तैयार नहीं मिल रहा है, मैंने सोचा कि बेहतर होगा कि मैं आप दोनों को एक साथ ले आऊँ।"

शर्लक होम्स मेरे साथ अपने कमरे साझा करने के विचार से बेहद खुश लग रहे थे। उन्होंने कहा, "मेरी नज़र बेकर स्ट्रीट में एक सुइट पर है, जो हम दोनों के लिए एकदम उपयुक्त होगा। उम्मीद है आपको तंबाकू की तेज़ गंध से कोई परेशानी नहीं होगी।"

मैंने जवाब दिया, "मैं तो हमेशा 'शिप्स' सिगरेट ही पीता हूँ।"

"यह काफी है। मेरे पास आमतौर पर रसायन होते हैं, और मैं कभी-कभी प्रयोग करता हूँ। क्या इससे आपको परेशानी होगी?"

"बिल्कुल नहीं।"

"देखने दीजिए—मेरी और क्या कमियाँ हैं? मैं कभी-कभी उदास हो जाता हूँ और कई दिनों तक चुप रहता हूँ। जब मैं ऐसा करता हूँ तो आप मुझे रूठा हुआ नहीं समझेंगे। बस मुझे अकेला छोड़ दीजिए, मैं जल्द ही ठीक हो जाऊँगा। अब आपको क्या स्वीकार करना है? दो लोगों के लिए एक-दूसरे की सबसे बुरी बातें जान लेना ही बेहतर है, इससे पहले कि वे साथ रहना शुरू करें।"

इस पूछताछ पर मुझे हंसी आ गई। मैंने कहा, "मेरे पास एक बुल पप है, और मुझे झगड़े पसंद नहीं हैं क्योंकि मेरी नसें तनावग्रस्त हैं, मैं सुबह-सुबह अजीब समय पर उठता हूँ, और मैं बेहद आलसी हूँ। जब मैं ठीक होता हूँ तो मुझमें कुछ और बुरी आदतें भी होती हैं, लेकिन फिलहाल ये मुख्य हैं।"

"क्या आप झगड़ों की श्रेणी में वायलिन बजाना भी शामिल करते हैं?" उसने चिंता से पूछा।

मैंने उत्तर दिया, "यह बजाने वाले पर निर्भर करता है। अच्छी तरह से बजाया गया वायलिन देवताओं के लिए एक आनंद है - खराब तरीके से बजाया गया वायलिन तो..."

“ओह, कोई बात नहीं,” वह खिलखिलाते हुए हँसा। “मुझे लगता है कि हम इस मामले को सुलझा हुआ मान सकते हैं – बशर्ते कि कमरे आपको पसंद आएँ।”

हम उन्हें कब देखेंगे?

“कल दोपहर को मुझे यहाँ बुला लेना, हम साथ जाकर सब कुछ सुलझा लेंगे,” उसने जवाब दिया।

“ठीक है—ठीक दोपहर 12 बजे,” मैंने उनका हाथ मिलाते हुए कहा।

हमने उसे उसके रसायनों के बीच काम करते हुए छोड़ दिया और हम साथ-साथ मेरे होटल की ओर चल पड़े।

“वैसे,” मैंने अचानक रुककर स्टैमफोर्ड की ओर मुड़ते हुए पूछा, “उसे कैसे पता चला कि मैं अफ़गानिस्तान से आया हूँ?”

मेरे साथी ने एक रहस्यमयी मुस्कान के साथ कहा, "यह तो बस उसकी एक छोटी सी खासियत है। बहुत से लोग यह जानना चाहते हैं कि उसे चीजें कैसे पता चलती हैं।"

“अरे! क्या ये कोई रहस्य है?” मैंने हाथ मलते हुए कहा। “ये तो बहुत दिलचस्प है। हमें यहाँ लाने के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ। ‘मानव जाति का सही अध्ययन मनुष्य ही है,’ आप जानते ही हैं।”

“तो तुम्हें उसका अध्ययन करना होगा,” स्टैमफोर्ड ने मुझे विदा करते हुए कहा। “लेकिन वह तुम्हें एक पेचीदा मामला लगेगा। मेरा मानना है कि वह तुम्हारे बारे में तुमसे ज़्यादा जान लेगा। अलविदा।”

मैंने जवाब दिया, "अलविदा," और अपने नए परिचित में काफी दिलचस्पी दिखाते हुए अपने होटल की ओर चल पड़ा।

अध्याय दो

कटौती का विज्ञान

अगले दिन, जैसा कि उन्होंने तय किया था, हमारी मुलाकात हुई और हमने बेकर स्ट्रीट स्थित 221B अपार्टमेंट के उन कमरों का निरीक्षण किया, जिनके बारे में उन्होंने हमारी पिछली मुलाकात में बताया था। उनमें दो आरामदायक शयनकक्ष और एक बड़ा हवादार बैठक कक्ष था, जो खूबसूरती से सजा हुआ था और दो चौड़ी खिड़कियों से रोशन था। अपार्टमेंट हर तरह से इतने आकर्षक थे और हमारे बीच खर्च का बंटवारा करने पर कीमतें इतनी उचित लग रही थीं कि सौदा वहीं पर तय हो गया और हमने तुरंत उस पर कब्ज़ा कर लिया। उसी शाम मैंने होटल से अपना सामान निकाला और अगली सुबह शर्लक होम्स कई बक्सों और सूटकेसों के साथ मेरे पीछे-पीछे आ गए। एक-दो दिन हम सामान खोलने और अपने सामान को अच्छे से व्यवस्थित करने में व्यस्त रहे। यह सब हो जाने के बाद, हम धीरे-धीरे नए परिवेश में ढलने लगे।

होम्स के साथ रहना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। वे शांत स्वभाव के थे और उनकी आदतें नियमित थीं। उनका रात दस बजे के बाद जागना बहुत दुर्लभ था, और वे हमेशा सुबह मेरे उठने से पहले नाश्ता करके बाहर निकल जाते थे। कभी वे अपना दिन रासायनिक प्रयोगशाला में बिताते थे, कभी शव परीक्षण कक्षों में, और कभी-कभी लंबी सैर पर, जो उन्हें शहर के निचले इलाकों तक ले जाती थी। जब वे काम में मग्न होते थे, तो उनकी ऊर्जा का कोई मुकाबला नहीं होता था; लेकिन कभी-कभी उन्हें एक तरह की प्रतिक्रिया होती थी, और वे कई दिनों तक बैठक में सोफे पर लेटे रहते थे, सुबह से शाम तक एक शब्द भी नहीं बोलते थे और न ही शरीर के किसी अंग को हिलाते थे। इन मौकों पर मैंने उनकी आँखों में एक ऐसा स्वप्निल, खालीपन भरा भाव देखा था कि अगर

उनके पूरे जीवन के संयम और स्वच्छता ने ऐसी आशंका को नकारा न होता, तो मुझे उन पर किसी नशीले पदार्थ के सेवन का संदेह हो सकता था।

जैसे-जैसे सप्ताह बीतते गए, उसके प्रति मेरी रुचि और जीवन के लक्ष्यों के बारे में मेरी जिज्ञासा बढ़ती गई। उसका व्यक्तित्व और रूप-रंग ऐसा था कि किसी भी सामान्य व्यक्ति का ध्यान आकर्षित कर लेता था। उसकी लंबाई छह फुट से कुछ अधिक थी और वह इतना दुबला-पतला था कि देखने में और भी लंबा लगता था। उसकी आँखें तेज और भेदक थीं, सिवाय उन सुस्ती भरे पलों के जिनका मैंने पहले उल्लेख किया है; और उसकी पतली, बाज जैसी नाक उसके पूरे चेहरे पर सतर्कता और दृढ़ निश्चय का भाव लाती थी। उसकी ठुड्डी भी दृढ़ निश्चयी व्यक्ति की पहचान, यानी उभरी हुई और चौकोर थी। उसके हाथ हमेशा स्याही और रसायनों से सने रहते थे, फिर भी उसके स्पर्श में असाधारण कोमलता थी, जैसा कि मैंने अक्सर उसके नाजुक दार्शनिक उपकरणों को संभालते हुए देखा था।

पाठक शायद मुझे एक फिजूलखर्ची करने वाला समझेंगे, जब मैं यह स्वीकार करता हूँ कि इस व्यक्ति ने मेरी जिज्ञासा को कितना बढ़ाया और मैंने कितनी बार उसके द्वारा अपने से संबंधित हर विषय पर दिखाई गई चुप्पी को तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि, निर्णय सुनाने से पहले, यह याद रखना आवश्यक है कि मेरा जीवन कितना उद्देश्यहीन था और मेरे ध्यान को आकर्षित करने के लिए कितना कम था। मेरा स्वास्थ्य मुझे बाहर निकलने से रोकता था जब तक कि मौसम असाधारण रूप से सुहावना न हो, और मेरे कोई ऐसे मित्र नहीं थे जो मुझसे मिलने आते और मेरे दैनिक जीवन की नीरसता को तोड़ते। इन परिस्थितियों में, मैंने अपने साथी के आसपास मंडरा रहे उस छोटे से रहस्य का उत्सुकता से स्वागत किया और अपना अधिकांश समय उसे सुलझाने के प्रयास में व्यतीत किया।

वह चिकित्सा का अध्ययन नहीं कर रहे थे। उन्होंने स्वयं एक प्रश्न के उत्तर में इस विषय पर स्टैमफोर्ड के मत की पुष्टि की थी। ऐसा प्रतीत भी नहीं होता कि उन्होंने कोई ऐसा अध्ययन किया हो जिससे उन्हें विज्ञान या किसी अन्य मान्यता प्राप्त क्षेत्र में डिग्री प्राप्त हो सके और विद्वतापूर्ण जगत में प्रवेश मिल सके। फिर भी, कुछ विषयों के प्रति उनका उत्साह उल्लेखनीय था, और विलक्षण सीमाओं के भीतर उनका ज्ञान इतना व्यापक और सूक्ष्म था कि उनके अवलोकनों ने मुझे सचमुच चकित कर दिया। निश्चित रूप से कोई भी व्यक्ति इतनी मेहनत नहीं करेगा या इतनी सटीक जानकारी प्राप्त नहीं करेगा जब तक कि उसका कोई निश्चित लक्ष्य न हो। अनियमित रूप से पढ़ने वाले लोग अपने ज्ञान की सटीकता के लिए शायद ही कभी उल्लेखनीय होते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने दिमाग को छोटी-मोटी बातों में तब तक उलझाता नहीं जब तक कि उसके पास ऐसा करने का कोई ठोस कारण न हो।

उनकी अज्ञानता उनके ज्ञान जितनी ही आश्चर्यजनक थी। समकालीन साहित्य, दर्शन और राजनीति के बारे में मानो उन्हें कुछ भी पता ही नहीं था। जब मैंने थॉमस कार्लाइल का उद्धरण दिया, तो उन्होंने बड़ी भोली-भाली शैली में पूछा कि वे कौन हैं और उन्होंने क्या किया है। मेरी हैरानी तब चरम पर पहुँच गई जब मुझे संयोगवश पता चला कि उन्हें कोपरनिकस के सिद्धांत और सौर मंडल की संरचना के बारे में भी कोई जानकारी नहीं थी। उन्नीसवीं सदी में किसी सभ्य मनुष्य को यह जानकारी न होना कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है, मेरे लिए इतना असाधारण तथ्य था कि मैं इस पर विश्वास ही नहीं कर पा रहा था।

“आप आश्चर्यचकित प्रतीत हो रहे हैं,” उन्होंने मेरी हैरानी भरी अभिव्यक्ति को देखकर मुस्कुराते हुए कहा। “अब जब मुझे यह पता चल गया है, तो मैं इसे भूलने की पूरी कोशिश करूंगा।”

इसे भूल जाओ!

उन्होंने समझाया, “देखिए, मेरा मानना है कि मनुष्य का मस्तिष्क मूलतः एक छोटे से खाली कमरे की तरह होता है, और आप उसमें अपनी पसंद का सामान भर सकते हैं। एक मूर्ख व्यक्ति हर तरह का बेकार का सामान भर लेता है, जिससे उसके लिए उपयोगी ज्ञान दब जाता है, या फिर बहुत सी अन्य चीजों के साथ मिल जाता है, जिससे उसे उसे ढूंढने में कठिनाई होती है। वहीं, कुशल कारीगर अपने मस्तिष्क में क्या रखता है, इस बारे में बहुत सावधान रहता है। वह केवल उन्हीं औज़ारों को रखता है जो उसके काम में सहायक हों, लेकिन उनके पास इनका एक बड़ा संग्रह होता है, और सभी को वह एकदम व्यवस्थित रखता है। यह सोचना गलत है कि उस छोटे से कमरे की दीवारें लचीली हैं और वह जितना चाहे उतना फैल सकता है। यकीन मानिए, एक समय ऐसा आता है जब हर नए ज्ञान के साथ आप कुछ न कुछ पहले से ज्ञात ज्ञान को भूल जाते हैं। इसलिए, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि बेकार तथ्य उपयोगी तथ्यों को पीछे न धकेलें।”

“लेकिन सौर मंडल!” मैंने विरोध किया।

“इससे मुझे क्या लेना-देना?” उसने अधीरता से बीच में ही टोकते हुए कहा: “तुम कहते हो कि हम सूर्य के चारों ओर घूमते हैं। अगर हम चंद्रमा के चारों ओर भी घूमते तो इससे मुझे या मेरे काम को रत्ती भर भी फर्क नहीं पड़ता।”

मैं उनसे पूछने ही वाला था कि वह काम क्या हो सकता है, लेकिन उनके हावभाव से मुझे समझ आ गया कि यह सवाल उन्हें पसंद नहीं आएगा। फिर भी मैंने हमारी संक्षिप्त बातचीत पर विचार किया और उससे कुछ निष्कर्ष निकालने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि वे ऐसा कोई ज्ञान प्राप्त नहीं करेंगे जो उनके उद्देश्य से संबंधित न हो। इसलिए उनके पास जो भी ज्ञान था, वह उनके लिए उपयोगी था। मैंने मन ही मन उन सभी बिंदुओं को गिनाया जिन पर उन्होंने मुझे दिखाया कि वे असाधारण रूप से जानकार हैं। मैंने पेंसिल लेकर उन्हें लिख भी लिया। जब मैंने दस्तावेज़ पूरा किया तो मुझे मुस्कुराने से खुद को रोक नहीं पाया। वह इस प्रकार था:

शर्लक होम्स — उसकी सीमाएँ

1. साहित्य का ज्ञान। — शून्य।
2. “ “ दर्शनशास्त्र। — शून्य।
3. “ “ खगोल विज्ञान। — शून्य।
4. “ “ राजनीति। — कमज़ोर।
5. “ “ वनस्पति विज्ञान। — परिवर्तनीय।

बेलाडोना, अफीम और आम तौर पर जहरों का भरपूर सेवन।

उसे बागवानी के व्यावहारिक ज्ञान का कुछ भी ज्ञान नहीं है।

6. भूविज्ञान का ज्ञान। — व्यावहारिक, लेकिन सीमित।

एक दूसरे से एक नजर में विभिन्न मिट्टियों के बारे में बताएं।

सैर के बाद उसने मुझे अपनी पतलून पर लगे छींटे दिखाए और उनके रंग और गाढ़ेपन से मुझे बताया कि...

लंदन के किस हिस्से में उन्हें ये चीजें मिली थीं।

7. रसायन विज्ञान का गहन ज्ञान।
8. “शरीर रचना विज्ञान। — सटीक, लेकिन अव्यवस्थित”
9. “सनसनीखेज साहित्य। — विशाल।”

ऐसा लगता है कि उसे हर भयावह घटना की हर छोटी-बड़ी जानकारी है।

सदी में किए गए अपराध।

10. वायलिन अच्छी तरह बजाता है।
11. वह एक कुशल सिंगलस्टिक खिलाड़ी, मुक्केबाज और तलवारबाज है।

12. ब्रिटिश कानून का अच्छा व्यावहारिक ज्ञान रखता है।

जब मैंने अपनी सूची में इतना कुछ लिख लिया, तो निराशा में मैंने उसे आग में फेंक दिया। मैंने मन ही मन कहा, "अगर मैं इन सभी उपलब्धियों को मिलाकर और ऐसा कोई पेशा खोजकर, जिसमें इन सबकी ज़रूरत हो, उस व्यक्ति के असली मकसद का पता लगा सकूं, तो बेहतर है कि मैं यह कोशिश ही छोड़ दूं।"

मुझे याद है कि मैंने ऊपर उनके वायलिन वादन कौशल का ज़िक्र किया है। यह कौशल वाकई अद्भुत था, लेकिन उनकी अन्य प्रतिभाओं की तरह ही विलक्षण भी था। यह तो मैं अच्छी तरह जानता था कि वे कठिन और प्रभावशाली वायलिन बजा सकते थे, क्योंकि मेरे अनुरोध पर उन्होंने मुझे मेंडेलसन के कुछ गीत और अन्य पसंदीदा धुनें बजाकर सुनाई थीं। लेकिन जब वे अकेले होते थे, तो वे शायद ही कभी कोई संगीत बजाते या कोई जानी-मानी धुन बजाने की कोशिश करते। शाम को अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर वे आंखें बंद कर लेते और अपने घुटने पर रखे वायलिन को लापरवाही से बजाते रहते। कभी-कभी सुर मधुर और उदास होते थे। कभी-कभी वे मनमोहक और प्रसन्नतापूर्ण होते थे। स्पष्ट रूप से वे उनके विचारों को दर्शाते थे, लेकिन क्या संगीत उन विचारों की पुष्टि करता था, या वायलिन बजाना महज़ एक सनक या कल्पना का परिणाम था, यह मैं तय नहीं कर पाया। मैं इन चिढ़ाने वाले एकल वादनों के खिलाफ़ विद्रोह कर सकता था, अगर वे आमतौर पर मेरे धैर्य की परीक्षा के बदले में मेरी पसंदीदा धुनों की एक पूरी श्रृंखला को एक के बाद एक बजाकर उन्हें समाप्त न करते।

पहले हफ्ते भर तो कोई मिलने नहीं आया, और मुझे लगने लगा था कि मेरा साथी भी मेरी ही तरह अकेला है। लेकिन जल्द ही मुझे पता चला कि उसके कई परिचित थे, और वो भी समाज के अलग-अलग वर्गों से। एक छोटा सा पीला, चूहे जैसे चेहरे वाला, काली आँखों वाला आदमी था, जिसका परिचय मुझे मिस्टर लेस्ट्रेड के रूप में कराया गया, और जो एक ही हफ्ते में तीन-चार बार आया। एक सुबह एक युवती फैशनेबल कपड़े पहनकर आई और आधे घंटे से ज़्यादा रुकी। उसी दोपहर एक बूढ़ा, फटेहाल आदमी आया, जो किसी यहूदी फेरीवाले जैसा लग रहा था, और मुझे बहुत उत्तेजित सा लगा, जिसके पीछे-पीछे एक बेढंगी सी बूढ़ी औरत चल रही थी। एक बार एक बूढ़े सफेद बालों वाले सज्जन ने मेरे साथी से मुलाकात की; और एक बार मखमली वर्दी में एक रेलवे कुली आया। जब भी इनमें से कोई भी अनजान आदमी आता, तो शर्लक होम्स की तरह बैठक का कमरा इस्तेमाल करने की गुहार लगाता, और मैं अपने बेडरूम में चला जाता। वह हमेशा मुझे असुविधा पहुंचाने के लिए माफी मांगते थे। उन्होंने कहा, "मुझे इस कमरे का इस्तेमाल व्यापारिक स्थल के रूप में करना पड़ता है, और ये लोग मेरे ग्राहक हैं।" एक बार फिर मुझे उनसे सीधा सवाल पूछने का मौका मिला, लेकिन मेरी झिझक ने मुझे किसी दूसरे व्यक्ति को अपने दिल की बात बताने के लिए मजबूर करने से रोक दिया। उस समय मुझे लगा कि उनके पास इस बारे में बात न करने का कोई ठोस कारण होगा, लेकिन उन्होंने जल्द ही खुद ही इस विषय पर आकर मेरी इस धारणा को गलत साबित कर दिया।

मुझे अच्छी तरह याद है कि 4 मार्च को मैं रोज़ से थोड़ा जल्दी उठा और पाया कि शर्लक होम्स ने अभी तक नाश्ता नहीं किया था। मकान मालकिन को मेरी देर से उठने की आदत हो गई थी, इसलिए न तो मेरी प्लेट लगी थी और न ही मेरी कॉफ़ी तैयार थी। इंसानों की बेवजह की चिड़चिड़ाहट के साथ मैंने घंटी बजाई और संक्षिप्त में बताया कि मैं तैयार हूं। फिर मैंने मेज से एक पत्रिका उठाई और समय बिताने की कोशिश की, जबकि मेरा साथी चुपचाप अपना टोस्ट चबा रहा था। एक लेख के शीर्षक पर पेंसिल का निशान था, और स्वाभाविक रूप से मैंने उसे सरसरी नज़र से देखना शुरू कर दिया।

इसका कुछ महत्वाकांक्षी शीर्षक था "जीवन की पुस्तक", और इसमें यह दिखाने का प्रयास किया गया था कि एक जागरूक व्यक्ति अपने जीवन में आने वाली हर चीज़ का सटीक और व्यवस्थित रूप से अध्ययन करके कितना कुछ सीख सकता है। मुझे यह चतुराई और बेतुकेपन का एक अद्भुत मिश्रण लगा। तर्क तो सटीक और गहन था, लेकिन निष्कर्ष मुझे अतिरंजित और बेतुके प्रतीत हुए। लेखक का दावा था कि वह एक क्षणिक भाव, मांसपेशियों की एक हल्की सी हरकत या आँखों की एक नज़र से ही किसी व्यक्ति के अंतर्मन के विचारों को समझ सकता है। उनके अनुसार, अवलोकन और विश्लेषण में प्रशिक्षित व्यक्ति के लिए छल करना असंभव था। उनके निष्कर्ष यूक्लिड के अनेक कथनों की तरह अचूक थे। उनके परिणाम अनभिज्ञ लोगों को इतने चौंका देने वाले प्रतीत होते कि जब तक वे उन प्रक्रियाओं को नहीं जान लेते जिनसे वे इन निष्कर्षों तक पहुँचे थे, तब तक वे उन्हें जादूगर ही समझ सकते थे।

लेखक ने कहा, “पानी की एक बूंद से, एक तर्कशास्त्री अटलांटिक या नियाग्रा जैसे झरनों की संभावना का अनुमान लगा सकता है, भले ही उसने उनमें से किसी को देखा या सुना न हो। इसी प्रकार, सारा जीवन एक महान श्रृंखला है, जिसकी प्रकृति हमें तब पता चलती है जब हमें उसका एक भी हिस्सा दिखाया जाता है। अन्य सभी कलाओं की तरह, तर्क और विश्लेषण का विज्ञान भी एक ऐसा विज्ञान है जिसे केवल लंबे और धैर्यपूर्ण अध्ययन से ही प्राप्त किया जा सकता है, और जीवन इतना लंबा नहीं है कि कोई भी मनुष्य इसमें उच्चतम संभव पूर्णता प्राप्त कर सके। इससे पहले कि हम विषय के उन नैतिक और मानसिक पहलुओं की ओर मुड़ें जो सबसे अधिक कठिनाइयाँ प्रस्तुत करते हैं, जिज्ञासु को पहले अधिक मूलभूत समस्याओं में महारत हासिल करनी चाहिए। उसे, किसी अन्य मनुष्य से मिलने पर, एक नज़र में उस व्यक्ति के इतिहास और उसके व्यापार या पेशे को पहचानना सीखना चाहिए। यद्यपि ऐसा अभ्यास बचकाना लग सकता है, यह अवलोकन क्षमताओं को तेज करता है और सिखाता है कि कहाँ देखना है और क्या देखना है। किसी व्यक्ति के नाखूनों से, उसके कोट की आस्तीन से, उसके जूतों से, उसकी पतलून के घुटनों से, उसकी तर्जनी और अंगूठे की कठोरता से, उसके चेहरे के भाव से, उसकी कमीज़ की कफ़ से—इनमें से प्रत्येक चीज़ से किसी व्यक्ति के वास्तविक उद्देश्य का पता चलता है। यह लगभग अकल्पनीय है कि ये सभी चीज़ें मिलकर भी किसी योग्य जिज्ञासु को सही राह न दिखा सकें।

“यह कैसी बेतुकी बकवास है!” मैंने पत्रिका को मेज पर पटकते हुए चिल्लाकर कहा; “मैंने अपने जीवन में कभी ऐसी बकवास नहीं पढ़ी।”

“यह क्या है?” शर्लक होम्स ने पूछा।

“अरे, ये लेख,” मैंने नाश्ता करते हुए अपने चम्मच से उस पर इशारा करते हुए कहा। “मैंने देखा है कि आपने इसे पढ़ा है, क्योंकि आपने इस पर निशान लगाया है। मैं यह नहीं मानता कि यह चतुराई से लिखा गया है। लेकिन यह मुझे चिढ़ाता है। ज़ाहिर है, यह किसी ऐसे आरामपसंद व्यक्ति का सिद्धांत है जो अपने अध्ययन कक्ष में बैठकर ये सारे छोटे-छोटे विरोधाभास गढ़ता है। यह व्यावहारिक नहीं है। मैं उसे मेट्रो के तीसरे दर्जे के डिब्बे में बंद करके उसके सभी सहयात्रियों के पेशे बताने को कहना चाहता हूं। मैं शर्त लगा सकता हूँ कि वह ऐसा नहीं करेगा।”

“आप अपना पैसा खो देंगे,” होम्स ने शांत भाव से कहा। “जहाँ तक लेख की बात है, वह मैंने खुद लिखा है।”

"आप!"

“जी हां; मुझमें अवलोकन और तर्क दोनों की अच्छी क्षमता है। मैंने वहां जो सिद्धांत व्यक्त किए हैं, जो आपको इतने काल्पनिक लगते हैं, वे वास्तव में अत्यंत व्यावहारिक हैं - इतने व्यावहारिक कि मैं उन्हीं पर अपनी रोजी-रोटी के लिए निर्भर हूं।”

“और कैसे?” मैंने अनायास ही पूछ लिया।

“खैर, मेरा अपना एक पेशा है। शायद मैं दुनिया में इकलौता ही हूँ। मैं एक सलाहकार जासूस हूं, अगर आप समझ सकें कि इसका क्या मतलब है। यहाँ लंदन में हमारे पास बहुत सारे सरकारी जासूस हैं और बहुत सारे निजी जासूस भी। जब ये लोग कोई गलती करते हैं, तो वे मेरे पास आते हैं, और मैं उन्हें सही सुराग तक पहुँचाने में कामयाब हो जाता हूँ। वे सारे सबूत मेरे सामने रख देते हैं, और अपराध के इतिहास के अपने ज्ञान की मदद से मैं आमतौर पर उन्हें सही राह पर लाने में सक्षम होता हूं। अपराधों में एक मजबूत पारिवारिक समानता होती है, और अगर आपके पास हज़ारों अपराधों के सारे विवरण आपकी उंगलियों पर हों, तो हज़ारवें और पहले अपराध को न सुलझा पाना अजीब बात है। लेस्ट्रेड एक जाने-माने जासूस हैं। हाल ही में वे एक जालसाजी मामले में फंस गए थे, और इसी वजह से वे यहां आए हैं।”

और ये दूसरे लोग?

“इन्हें अधिकतर निजी जांच एजेंसियों द्वारा भेजा जाता है। ये सभी ऐसे लोग होते हैं जो किसी न किसी बात को लेकर परेशानी में होते हैं और थोड़ी सी जानकारी चाहते हैं। मैं उनकी कहानी सुनता हूं, वे मेरी टिप्पणियां सुनते हैं, और फिर मैं अपनी फीस ले लेता हूं।”

मैंने कहा, "लेकिन क्या आपका मतलब यह है कि आप अपने कमरे से बाहर निकले बिना ही उस गुत्थी को सुलझा सकते हैं जिसे दूसरे लोग समझ नहीं पाते, भले ही उन्होंने हर छोटी-बड़ी बात खुद देख ली हो?"

“बिल्कुल सही। मुझे इस तरह का सहज ज्ञान है। कभी-कभी कोई मामला थोड़ा जटिल हो जाता है। तब मुझे तुरंत छानबीन करनी पड़ती है और खुद देखना पड़ता है। दरअसल, मेरे पास बहुत सारा विशेष ज्ञान है जिसे मैं समस्या को सुलझाने में इस्तेमाल करता हूं, और इससे काम बहुत आसान हो जाता है। उस लेख में बताए गए तर्क के वे नियम, जिन पर आपने आपत्ति जताई थी, मेरे लिए व्यावहारिक कार्य में अमूल्य हैं। अवलोकन करना मेरी स्वाभाविक प्रवृत्ति है। जब मैंने आपसे पहली मुलाकात में कहा था कि आप अफगानिस्तान से आए हैं, तो आप शायद हैरान हुए थे।”

आपको बताया गया होगा, इसमें कोई शक नहीं।

“ऐसा कुछ नहीं। मुझे पता था कि आप अफ़गानिस्तान से आए हैं। पुरानी आदत के चलते मेरे दिमाग में विचारों की श्रृंखला इतनी तेज़ी से दौड़ी कि मैं बीच के चरणों का ध्यान रखे बिना ही निष्कर्ष पर पहुँच गया। हालाँकि, कुछ चरण थे। मेरे मन में तर्क का क्रम इस प्रकार चला, ‘यह सज्जन डॉक्टर हैं, लेकिन उनका हावभाव किसी सैनिक जैसा है। ज़ाहिर है, ये सेना के डॉक्टर हैं। ये अभी-अभी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र से आए हैं, क्योंकि इनका चेहरा सांवला है, और यह इनकी त्वचा का प्राकृतिक रंग नहीं है, क्योंकि इनकी कलाइयाँ गोरी हैं। इन्होंने कष्ट और बीमारी झेली है, जैसा कि इनके मुरझाए चेहरे से साफ़ पता चलता है। इनकी बाईं बांह में चोट लगी है। उन्होंने इसे अकड़े हुए और अप्राकृतिक तरीके से पकड़ रखा है। उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में एक अंग्रेज़ सेना के डॉक्टर ने इतनी कठिनाइयाँ कैसे झेलीं और उसकी बांह में चोट कैसे लगी? ज़ाहिर है, अफ़गानिस्तान में ही।’ विचारों की पूरी श्रृंखला में एक पल भी नहीं लगा। फिर मैंने कहा कि आप अफ़गानिस्तान से आए हैं, और आप आश्चर्यचकित रह गए।”

“जिस तरह से आप समझा रहे हैं, यह उतना ही आसान है,” मैंने मुस्कुराते हुए कहा। “आप मुझे एडगर एलन पो के डुपिन की याद दिलाते हैं। मुझे पता ही नहीं था कि कहानियों के बाहर भी ऐसे लोग मौजूद होते हैं।”

शर्लक होम्स उठे और अपनी पाइप जलाई। उन्होंने कहा, "इसमें कोई शक नहीं कि आप मुझे डुपिन से तुलना करके मेरी तारीफ कर रहे हैं। लेकिन मेरी राय में, डुपिन

बहुत ही घटिया किस्म का आदमी था। दोस्तों के विचारों में पंद्रह मिनट की चुप्पी के बाद सटीक टिप्पणी करके दखल देने की उसकी यह तरकीब सचमुच दिखावटी और सतही थी। उसमें विश्लेषणात्मक प्रतिभा तो थी, इसमें कोई शक नहीं; लेकिन वह किसी भी तरह से उतना असाधारण नहीं था जितना पो ने कल्पना की थी।"

मैंने पूछा, "क्या आपने गैबोरियाउ की रचनाएँ पढ़ी हैं? क्या लेकोक आपकी नज़र में एक जासूस की छवि पर खरा उतरता है?"

शर्लक होम्स ने व्यंग्य से नाक सिकोड़ी। उन्होंने गुस्से में कहा, “लेकॉक एक नंबर का नासमझ था; उसमें बस एक ही खूबी थी, और वो थी उसकी ऊर्जा। उस किताब ने तो मुझे सचमुच बीमार कर दिया। सवाल था कि किसी अनजान कैदी की पहचान कैसे की जाए। मैं तो चौबीस घंटे में कर सकता था। लेकोक को छह महीने लग गए। इसे जासूसों के लिए पाठ्यपुस्तक बनाया जा सकता है ताकि उन्हें सिखाया जा सके कि किन चीजों से बचना चाहिए।”

जिन दो किरदारों की मैं प्रशंसा करता था, उनके साथ इस तरह का लापरवाह व्यवहार देखकर मुझे बहुत गुस्सा आया। मैं खिड़की के पास गया और व्यस्त सड़क की ओर देखने लगा। मैंने मन ही मन कहा, "यह आदमी बहुत होशियार तो हो सकता है, लेकिन घमंडी तो है ही।"

“आजकल न तो कोई अपराध है और न ही कोई अपराधी,” उसने चिढ़ते हुए कहा। “हमारे पेशे में बुद्धि होने का क्या फायदा? मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि मुझमें नाम कमाने की क्षमता है। आज तक ऐसा कोई व्यक्ति नहीं हुआ जिसने अपराध की जाँच में उतना अध्ययन और प्रतिभा लगाई हो जितनी मैंने लगाई है। और नतीजा क्या है? कोई अपराध है ही नहीं, या ज़्यादा से ज़्यादा कोई मामूली अपराध है जिसका मकसद इतना साफ़ है कि स्कॉटलैंड यार्ड का कोई अधिकारी भी उसे समझ सकता है।”

मुझे अब भी उसकी अकड़ बातचीत के अंदाज़ से चिढ़ थी। मैंने सोचा कि बेहतर यही होगा कि विषय बदल दिया जाए।

“पता नहीं वो आदमी क्या ढूंढ रहा है?” मैंने पूछा, सड़क के दूसरी तरफ धीरे-धीरे चल रहे एक हट्टे-कट्टे, सादे कपड़े पहने व्यक्ति की ओर इशारा करते हुए, जो उत्सुकता से नंबरों को देख रहा था। उसके हाथ में एक बड़ा नीला लिफाफा था, और जाहिर तौर पर वो कोई संदेश लेकर आया था।

"आपका मतलब मरीन के सेवानिवृत्त सार्जेंट से है?" शर्लक होम्स ने कहा।

मैंने मन ही मन सोचा, “बड़ाई करो और निकल जाओ! उसे पता है कि मैं उसके अनुमान की पुष्टि नहीं कर सकता।”

यह विचार मेरे मन में आया ही था कि जिस आदमी पर हम नज़र रख रहे थे, उसकी नज़र हमारे दरवाजे पर लिखे नंबर पर पड़ी और वह तेज़ी से सड़क पार करके भागा। हमें ज़ोर से दस्तक सुनाई दी, नीचे से एक गहरी आवाज़ आई और सीढ़ियों पर भारी कदमों की आहट सुनाई दी।

"श्री शर्लक होम्स के लिए," उसने कमरे में कदम रखते हुए कहा और मेरे दोस्त को पत्र सौंप दिया।

उसके अहंकार को तोड़ने का यह एक अवसर था। उसने उस अंधाधुंध गोली चलाते समय इस बात पर ज़रा भी ध्यान नहीं दिया। मैंने अत्यंत सौम्य स्वर में कहा, "क्या मैं पूछ सकता हूँ, मेरे बच्चे, तुम्हारा पेशा क्या है?"

“कमिश्नर साहब,” उसने रूखे स्वर में कहा। “वर्दी मरम्मत के लिए भेजी गई है।”

“और आप कौन थे?” मैंने अपने साथी की ओर थोड़ी शरारती नज़र से देखते हुए पूछा।

“एक सार्जेंट, महोदय, रॉयल मरीन लाइट इन्फैंट्री, महोदय। कोई जवाब नहीं? ठीक है, महोदय।”

उसने अपनी एड़ियों को आपस में टकराया, हाथ उठाकर अभिवादन किया और चला गया।

अध्याय 3

लॉरिस्टन गार्डन का रहस्य

मैं स्वीकार करता हूँ कि अपने साथी के सिद्धांतों की व्यावहारिकता के इस नए प्रमाण से मैं काफी चौंक गया था। उनकी विश्लेषण क्षमता के प्रति मेरा सम्मान आश्चर्यजनक रूप से बढ़ गया। फिर भी, मेरे मन में कुछ संदेह बना रहा कि यह सब एक पूर्वनियोजित घटना थी, जिसका उद्देश्य मुझे चकित करना था, हालांकि मुझे इसमें फंसाने का उनका मकसद क्या हो सकता था, यह मेरी समझ से परे था। जब मैंने उनकी ओर देखा, तो वे नोट पढ़ चुके थे, और उनकी आँखों में एक खाली, भावहीन भाव था जो मानसिक तल्लीनता को दर्शाता था।

मैंने पूछा, "आखिर तुमने यह निष्कर्ष कैसे निकाला?"

“क्या निष्कर्ष निकालना है?” उसने चिढ़कर कहा।

"क्यों, वह तो मरीन का एक सेवानिवृत्त सार्जेंट था।"

“मेरे पास फालतू बातों के लिए समय नहीं है,” उसने रूखेपन से जवाब दिया, फिर मुस्कुराते हुए बोला, “मेरी बदतमीज़ी के लिए माफ़ कीजिए। आपने मेरे विचारों की कड़ी तोड़ दी; लेकिन शायद यह अच्छा ही हुआ। तो क्या आप सच में यह नहीं देख पाए कि वह आदमी मरीन का सार्जेंट था?”

"नहीं, बिलकुल नहीं।"

“यह जानना आसान था, लेकिन यह समझाना मुश्किल था कि मैं यह क्यों जानता हूँ। अगर आपसे यह साबित करने को कहा जाए कि दो और दो चार होते हैं, तो शायद आपको थोड़ी मुश्किल हो, फिर भी आप इस तथ्य के बारे में पूरी तरह आश्वस्त होते हैं। सड़क के उस पार भी मुझे उस आदमी के हाथ के पिछले हिस्से पर बना एक बड़ा नीला लंगर का टैटू दिखाई दिया। वह समुद्र की याद दिलाता था। हालाँकि, उसका हाव-भाव फौजी था और दाढ़ी भी सलीके से रखी हुई थी। बस, यही था असली मरीन। वह आत्म-महत्व और एक खास तरह का दबदबा रखने वाला व्यक्ति था। आपने उसके सिर झुकाने और छड़ी घुमाने के तरीके पर गौर किया होगा। देखने में वह एक स्थिर, सम्मानित, अधेड़ उम्र का आदमी लग रहा था - इन सभी बातों से मुझे लगा कि वह एक सार्जेंट रहा होगा।”

“शानदार!” मैंने उत्साह से कहा।

“आम बात है,” होम्स ने कहा, हालाँकि मुझे उनके चेहरे के भाव से लगा कि मेरी हैरानी और प्रशंसा देखकर उन्हें खुशी हुई। “मैंने अभी कहा था कि कोई अपराधी नहीं है। लगता है मैं गलत था – इसे देखो!” उन्होंने मुझे वह नोट दे दिया जो कमीशन अधिकारी लाया था।

मैंने उस पर नजर डालते हुए कहा, "अरे बाप रे! यह तो बहुत भयानक है!"

“यह कुछ असामान्य सा लगता है,” उन्होंने शांत भाव से कहा। “क्या आप इसे मुझे ज़ोर से पढ़कर सुना सकते हैं?”

यह वह पत्र है जो मैंने उन्हें पढ़कर सुनाया था, —

मेरे प्रिय श्री शर्लक होम्स:

“ब्रिक्सटन रोड के पास, लॉरिस्टन गार्डन्स स्थित 3 नंबर के घर में रात के समय कुछ गड़बड़ हुई है। हमारे गश्ती दल के एक आदमी ने सुबह करीब दो बजे वहां रोशनी देखी और घर खाली होने के कारण उसे कुछ गड़बड़ होने का शक हुआ। उसने दरवाजा खुला पाया और सामने के कमरे में, जो बिल्कुल खाली था, उसे एक सज्जन का शव मिला। वह अच्छे कपड़े पहने हुए थे और उनकी जेब में 'एनोक जे. ड्रेबर, क्लीवलैंड, ओहियो, यू.एस.ए.' नाम के कार्ड थे। कोई लूटपाट नहीं हुई थी और न ही इस बात का कोई सबूत है कि उस व्यक्ति की मृत्यु कैसे हुई। कमरे में खून के निशान हैं, लेकिन उनके शरीर पर कोई घाव नहीं है। हमें समझ नहीं आ रहा है कि वह खाली घर में कैसे आए; वास्तव में, यह पूरा मामला एक पहेली है। यदि आप बारह बजे से पहले कभी भी घर आ सकते हैं, तो आप मुझे वहाँ पाएंगे। जब तक मुझे आपसे कोई सूचना नहीं मिलती, मैंने सब कुछ यथावत रखा है। यदि आप नहीं आ सकते, तो मैं आपको पूरी जानकारी दूंगा और यदि आप मुझे अपनी सहायता देंगे तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा। राय।

"आपका विश्वासी,
“टोबियास ग्रेगसन।”

“ग्रेगसन स्कॉटलैंड यार्ड के सबसे होशियार लोगों में से एक है,” मेरे दोस्त ने कहा; “वह और लेस्ट्रेड दोनों ही बुरे लोगों में से सबसे बेहतरीन हैं। दोनों ही फुर्तीले और ऊर्जावान हैं, लेकिन रूढ़िवादी भी हैं—हैरान करने वाली हद तक। दोनों एक-दूसरे के दुश्मन भी हैं। पेशेवर सुंदरियों की तरह एक-दूसरे से ईर्ष्या करते हैं। अगर दोनों को इस मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया तो खूब मजा आएगा।”

जिस शांत भाव से वह आगे बढ़ रहा था, उसे देखकर मैं चकित रह गया। मैंने कहा, "बिल्कुल भी एक पल भी बर्बाद करने का समय नहीं है, क्या मैं जाकर आपके लिए एक टैक्सी मंगवा लूँ?"

“मुझे पक्का नहीं पता कि मैं जाऊँगा या नहीं। मैं इतना आलसी हूँ कि कभी जूते पहनने का मन ही नहीं करता—मतलब, जब मुझ पर जाने का मन करता है, क्योंकि कभी-कभी मैं काफी फुर्तीला भी हो सकता हूँ।”

"अरे वाह, यह तो बिल्कुल वैसा ही मौका है जिसका आप लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।"

“मेरे प्रिय मित्र, इससे मुझे क्या फर्क पड़ता है? मान लीजिए कि मैंने सारा मामला सुलझा दिया, तो आप निश्चिंत रहें कि ग्रेगसन, लेस्ट्रेड और उनके साथी सारा श्रेय अपनी जेब में डाल लेंगे। अनौपचारिक हस्ती होने का यही परिणाम होता है।”

लेकिन वह आपसे मदद की गुहार लगाता है।

“हाँ। वो जानता है कि मैं उसका वरिष्ठ हूँ, और वो मुझसे ये बात मानता भी है; लेकिन किसी तीसरे व्यक्ति के सामने ये बात स्वीकार करने से पहले वो अपनी ज़बान काट लेगा। खैर, चलो जाकर देख लेते हैं। मैं खुद ही पता लगा लूँगा। अगर कुछ और नहीं हुआ तो कम से कम उन पर हँस तो लूँगा। चलो!”

उसने जल्दी से अपना ओवरकोट पहना और इस तरह से चहलकदमी करने लगा जिससे पता चलता था कि उदासीनता की जगह अब उसमें ऊर्जा का विस्फोट हो गया था।

“अपनी टोपी ले आओ,” उसने कहा।

"क्या आप चाहते हैं कि मैं आऊं?"

“हाँ, अगर आपके पास करने के लिए और कुछ बेहतर नहीं है तो।” एक मिनट बाद हम दोनों एक हैंसम गाड़ी में थे और ब्रिक्सटन रोड की ओर तेज़ी से जा रहे थे।

धुंध और बादलों से घिरी सुबह थी, और घरों की छतों पर मटमैला सा घना पर्दा छाया हुआ था, मानो नीचे की मटमैली गलियों का प्रतिबिंब दिख रहा हो। मेरा साथी बहुत खुश था और क्रेमोना वायलिनों और स्ट्रैडिवेरियस और अमाटी वायलिनों के बीच के अंतर के बारे में लगातार बातें कर रहा था। मैं चुप था, क्योंकि उदास मौसम और जिस गंभीर काम में हम लगे थे, उससे मेरा मन उदास था।

मैंने अंत में होम्स के संगीतमय प्रवचन को रोकते हुए कहा, "ऐसा लगता है कि आप इस मामले पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं।"

“अभी तक कोई डेटा नहीं है,” उन्होंने जवाब दिया। “सभी सबूत मिलने से पहले ही सिद्धांत बनाना एक बहुत बड़ी गलती है। इससे निर्णय में पूर्वाग्रह आ जाता है।”

मैंने उंगली से इशारा करते हुए कहा, "आपको जल्द ही आपका डेटा मिल जाएगा; यह ब्रिक्सटन रोड है, और वह घर है, अगर मैं गलत नहीं हूं।"

“हां, ऐसा ही है। रुको, ड्राइवर, रुको!” हम उससे अभी भी लगभग सौ गज दूर थे, लेकिन उसने हमें उतरने के लिए ज़ोर दिया, और हमने अपनी यात्रा पैदल ही पूरी की।

लॉरिस्टन गार्डन्स का नंबर 3 मकान अशुभ और डरावना सा लग रहा था। यह उन चार मकानों में से एक था जो सड़क से कुछ दूरी पर बने थे, जिनमें से दो में लोग रह रहे थे और दो खाली थे। खाली मकानों की तीन कतारों में उदासी छाई हुई थी, जिनमें से खिड़कियाँ सूनी और वीरान थीं, सिवाय इसके कि कहीं-कहीं धुंधले शीशों पर "किराए पर उपलब्ध" का बोर्ड झरना की तरह चमक रहा था। एक छोटा सा बगीचा, जिसमें जगह-जगह मुरझाए हुए पौधे बिखरे हुए थे, इन मकानों को सड़क से अलग करता था, और इस बगीचे से होकर एक संकरा, पीले रंग का रास्ता गुजरता था, जो देखने में मिट्टी और बजरी का मिश्रण लग रहा था। रात भर हुई बारिश से पूरा इलाका कीचड़ से भरा हुआ था। बगीचे की चारदीवारी तीन फुट ऊंची ईंट की दीवार थी, जिसके ऊपर लकड़ी की रेलिंग लगी हुई थी, और इस दीवार से टिका हुआ एक मजबूत पुलिस कांस्टेबल था, जिसके चारों ओर आवारा लोगों का एक छोटा सा समूह था, जो अंदर की गतिविधियों की एक झलक पाने की व्यर्थ उम्मीद में अपनी गर्दनें गड़ाए और आंखें गड़ाए बैठे थे।

मैंने सोचा था कि शर्लक होम्स तुरंत घर में घुसकर रहस्य की जांच में जुट जाएगा। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं लग रहा था। एक बेपरवाही भरे अंदाज़ में, जो उस समय के हालातों को देखते हुए मुझे बनावटी लग रहा था, वह फुटपाथ पर इधर-उधर घूमता रहा और ज़मीन, आसमान, सामने के घरों और रेलिंग की कतार को खाली निगाहों से देखता रहा। अपनी जांच पूरी करने के बाद, वह धीरे-धीरे रास्ते पर, या यूं कहें कि रास्ते के किनारे उगी घास की पट्टी पर चलने लगा, उसकी नज़रें ज़मीन पर टिकी हुई थीं। वह दो बार रुका, और एक बार मैंने उसे मुस्कुराते हुए देखा और संतुष्टि भरी आवाज़ में कुछ कहते सुना। गीली चिकनी मिट्टी पर पैरों के कई निशान थे; लेकिन चूंकि पुलिस वहां आती-जाती रहती थी, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मेरा साथी उससे कुछ कैसे जान सकता है। फिर भी, मुझे उसकी तीव्र बुद्धि का ऐसा असाधारण प्रमाण मिला था कि मुझे पूरा यकीन था कि वह बहुत कुछ देख सकता था जो मुझसे छिपा हुआ था।

घर के दरवाजे पर हमें एक लंबा, गोरे चेहरे वाला, सुनहरे बालों वाला आदमी मिला, जिसके हाथ में एक नोटबुक थी। वह आगे बढ़ा और स्नेह से मेरे साथी का हाथ थाम लिया। उसने कहा, "आपका आना वाकई बहुत बड़ी मेहरबानी है। मैंने सब कुछ वैसे ही छोड़ दिया है।"

“सिवाय इसके!” मेरे दोस्त ने रास्ते की ओर इशारा करते हुए जवाब दिया। “अगर भैंसों का झुंड भी यहाँ से गुज़र जाता, तो इससे ज़्यादा गड़बड़ नहीं हो सकती थी। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि ग्रेगसन, तुमने इसकी इजाज़त देने से पहले अपने खुद के निष्कर्ष निकाल लिए होंगे।”

“घर के अंदर मुझे बहुत काम था,” जासूस ने टालमटोल करते हुए कहा। “मेरे सहयोगी, श्री लेस्ट्रेड, यहीं हैं। मैंने इस मामले की देखभाल के लिए उन पर भरोसा किया था।”

होम्स ने मेरी तरफ देखा और व्यंग्यपूर्ण ढंग से अपनी भौहें ऊपर उठाईं।

उन्होंने कहा, "आप और लेस्ट्रेड जैसे दो आदमियों के वहां मौजूद होने से किसी तीसरे पक्ष को ज्यादा कुछ पता नहीं चलेगा।"

ग्रेगसन ने आत्मसंतुष्टि भरे अंदाज़ में अपने हाथ मलते हुए कहा, "मुझे लगता है कि हमने वह सब कुछ कर लिया है जो किया जा सकता था; हालांकि, यह एक अजीब मामला है, और मैं जानता था कि आपको इस तरह की चीज़ों में रुचि है।"

"आप यहां टैक्सी से तो नहीं आए?" शर्लक होम्स ने पूछा।

"जी नहीं, महोदय।"

“और न ही लेस्ट्रेड?”

"जी नहीं, महोदय।"

“तो चलिए, कमरा देखते हैं।” यह बेतुकी टिप्पणी करके वह घर के अंदर चला गया, उसके पीछे ग्रेगसन भी था, जिसके चेहरे पर हैरानी साफ झलक रही थी।

एक छोटा सा गलियारा, जो लकड़ी के तख़्तों से बना था और धूल से सना हुआ था, रसोई और दफ्तरों की ओर जाता था। उसमें से बाईं और दाईं ओर दो दरवाजे खुलते थे। इनमें से एक स्पष्ट रूप से कई हफ्तों से बंद था। दूसरा भोजन कक्ष का था, जो वह कमरा था जिसमें वह रहस्यमय घटना घटी थी। होम्स अंदर चले गए, और मैं उनके पीछे-पीछे उस दबी हुई भावना के साथ गया जो मृत्यु की उपस्थिति से उत्पन्न होती है।

यह एक बड़ा चौकोर कमरा था, जो फ़र्नीचर न होने के कारण और भी बड़ा लग रहा था। दीवारों पर भद्दा सा भड़कीला वॉलपेपर लगा था, लेकिन जगह-जगह फफूंदी के धब्बे थे, और जगह-जगह से बड़े-बड़े टुकड़े उखड़कर लटक रहे थे, जिससे नीचे का पीला प्लास्टर दिखाई दे रहा था। दरवाजे के सामने एक दिखावटी चिमनी थी, जिसके ऊपर नकली सफेद संगमरमर का एक शेल्फ लगा था। इसके एक कोने पर लाल मोमबत्ती का एक टुकड़ा चिपका हुआ था। इकलौती खिड़की इतनी गंदी थी कि रोशनी धुंधली और अनिश्चित थी, जिससे हर चीज़ पर एक फीकी धूसर आभा छाई हुई थी, जो पूरे कमरे में जमी धूल की मोटी परत से और भी गहरी हो गई थी।

ये सभी बातें मैंने बाद में देखीं। इस समय मेरा ध्यान उस अकेली, गंभीर, गतिहीन आकृति पर केंद्रित था जो तख़्तों पर लेटी हुई थी, जिसकी ख़ाली, दृष्टिहीन आँखें फीकी पड़ चुकी छत को घूर रही थीं। वह लगभग तैंतालीस या चौवालीस वर्ष का एक मध्यम कद-काठी का, चौड़े कंधों वाला, घने घुंघराले काले बालों वाला और छोटी, घनी दाढ़ी वाला व्यक्ति था। उसने मोटे कपड़े का भारी फ्रॉक कोट और जैकेट, हल्के रंग की पतलून और बेदाग कॉलर व कफ़ पहन रखे थे। उसके बगल में फर्श पर एक अच्छी तरह से साफ़ की हुई टोपी रखी थी। उसके हाथ मुट्ठी में बंद थे और बाहें फैली हुई थीं, जबकि उसके निचले अंग आपस में उलझे हुए थे, मानो उसने मृत्यु के लिए भीषण संघर्ष किया हो। उसके कठोर चेहरे पर भय और, जैसा कि मुझे प्रतीत हुआ, घृणा का ऐसा भाव था जैसा मैंने पहले कभी किसी इंसान के चेहरे पर नहीं देखा था। यह भयावह और भयानक विकृति, नीचा माथा, कुंद नाक और आगे निकला हुआ जबड़ा, मृत व्यक्ति को एक विलक्षण रूप से बंदर जैसा रूप दे रहे थे, जो उसकी छटपटाती, अस्वाभाविक मुद्रा से और भी बढ़ गया था। मैंने मृत्यु को अनेक रूपों में देखा है, लेकिन लंदन के उपनगरीय इलाके की मुख्य सड़कों में से एक पर स्थित उस अंधेरे, गंदे कमरे में मृत्यु का इतना भयावह रूप मैंने पहले कभी नहीं देखा था।

हमेशा की तरह दुबले-पतले और फुर्तीले लेस्ट्रेड दरवाजे के पास खड़े थे और उन्होंने मेरे साथी और मुझे नमस्कार किया।

“यह मामला हलचल मचा देगा, महोदय,” उन्होंने टिप्पणी की। “यह मेरे देखे हुए किसी भी मामले से कहीं बढ़कर है, और मैं कोई डरपोक नहीं हूं।”

“कोई सुराग नहीं है?” ग्रेगसन ने कहा।

"बिल्कुल नहीं," लेस्ट्रेड ने कहा।

शर्लक होम्स शव के पास पहुंचा और घुटनों के बल बैठकर उसका बारीकी से निरीक्षण करने लगा। उसने चारों ओर फैले खून के कई धब्बों और छींटों की ओर इशारा करते हुए पूछा, "क्या आपको यकीन है कि कोई घाव नहीं है?"

“सकारात्मक!” दोनों जासूस चिल्लाए।

“तो फिर, ज़ाहिर है, यह खून किसी दूसरे व्यक्ति का है—संभवतः हत्यारा, अगर हत्या हुई है। यह मुझे 1934 में उट्रेक्ट में वैन जानसेन की मौत से जुड़ी परिस्थितियों की याद दिलाता है। क्या आपको वह मामला याद है, ग्रेगसन?”

"जी नहीं, महोदय।"

“इसके बारे में अच्छे से पढ़ लें—आपको सच में पढ़ना चाहिए। दुनिया में कुछ भी नया नहीं है। यह सब पहले भी हो चुका है।”

जब वह बोल रहा था, उसकी फुर्तीली उंगलियां इधर-उधर, हर जगह चल रही थीं, छू रही थीं, दबा रही थीं, बटन खोल रही थीं, जांच कर रही थीं, जबकि उसकी आंखों में वही दूर की उदासी छाई हुई थी जिसका मैंने पहले ही जिक्र किया है। जांच इतनी तेजी से की गई कि शायद ही कोई अंदाज़ा लगा पाता कि इसे कितनी बारीकी से किया गया था। अंत में, उसने मृत व्यक्ति के होंठों को सूंघा, और फिर उसके पेटेंट चमड़े के जूतों के तलवों पर नजर डाली।

“क्या वह बिल्कुल भी विचलित नहीं हुआ?” उसने पूछा।

"हमारी जांच के उद्देश्य के लिए जितना आवश्यक था, उससे अधिक नहीं।"

उन्होंने कहा, "अब आप उसे मुर्दाघर ले जा सकते हैं। इससे ज्यादा कुछ जानने की जरूरत नहीं है।"

ग्रेगसन के पास एक स्ट्रेचर और चार आदमी मौजूद थे। उसके बुलावे पर वे कमरे में दाखिल हुए और अजनबी को उठाकर बाहर ले जाया गया। जैसे ही उन्होंने उसे उठाया, एक अंगूठी खनकती हुई नीचे गिरी और ज़मीन पर लुढ़क गई। लेस्ट्रेड ने उसे उठाया और रहस्यमयी आंखों से उसे घूरने लगा।

“यहां एक महिला थी,” वह चिल्लायी। “यह एक महिला की शादी की अंगूठी है।”

बोलते समय उन्होंने उसे अपनी हथेली पर फैलाकर रखा। हम सब उनके चारों ओर जमा हो गए और उसे निहारने लगे। इसमें कोई संदेह नहीं था कि सादे सोने का वह मुकुट कभी किसी दुल्हन की उंगली की शोभा बढ़ा चुका था।

“इससे मामला और भी पेचीदा हो जाता है,” ग्रेगसन ने कहा। “भगवान ही जानता है, पहले से ही मामला काफी पेचीदा था।”

“क्या आपको यकीन है कि इससे चीजें सरल नहीं हो जातीं?” होम्स ने पूछा। “इसे घूरने से कुछ नहीं सीखा जा सकता। उसकी जेबों में आपको क्या मिला?”

“हमारे पास यहां सब कुछ है,” ग्रेगसन ने सीढ़ियों के निचले पायदान पर पड़े सामानों के ढेर की ओर इशारा करते हुए कहा। “लंदन के बारौड द्वारा निर्मित सोने की घड़ी, नंबर 97163। सोने की अल्बर्ट चेन, बहुत भारी और ठोस। सोने की अंगूठी, जिस पर मेसोनिक चिन्ह बना है। सोने की पिन - बुलडॉग के सिर के आकार की, जिसकी आंखों में माणिक जड़े हैं। रूसी चमड़े का कार्डकेस, जिसमें क्लीवलैंड के एनोक जे. ड्रेबर के कार्ड हैं, जो लिनन पर छपे ई. जे. डी. के साथ पत्राचार करते हैं। कोई पर्स नहीं

है, लेकिन सात पाउंड तेरह सेंट के खुले पैसे हैं। बोकासियो की ‘डेकैमरॉन’ का पॉकेट संस्करण, जिसके पहले पन्ने पर जोसेफ स्टैंगर्सन का नाम है। दो पत्र - एक ई. जे. ड्रेबर को और दूसरा जोसेफ स्टैंगर्सन को संबोधित।”

“किस पते पर?”

“अमेरिकन एक्सचेंज, स्ट्रैंड — जब तक बुलाया न जाए तब तक छोड़ दिया जाए। ये दोनों गुइयन स्टीमशिप कंपनी के हैं और लिवरपूल से उनकी नौकाओं के रवाना होने का जिक्र करते हैं। यह स्पष्ट है कि यह दुर्भाग्यशाली व्यक्ति न्यूयॉर्क लौटने वाला था।”

"क्या आपने स्टैंगरसन नाम के इस व्यक्ति के बारे में कोई पूछताछ की है?"

“मैंने यह काम तुरंत कर दिया, महोदय,” ग्रेगसन ने कहा। “मैंने सभी समाचार पत्रों में विज्ञापन भेज दिए हैं, और मेरा एक आदमी अमेरिकन एक्सचेंज गया है, लेकिन वह अभी तक वापस नहीं आया है।”

"क्या आपने क्लीवलैंड भेजा है?"

हमने आज सुबह टेलीग्राम भेजा था।

आपने अपनी पूछताछ को किस तरह से शब्दों में व्यक्त किया?

"हमने बस परिस्थितियों का विस्तार से वर्णन किया और कहा कि हमें किसी भी ऐसी जानकारी से खुशी होगी जो हमारी मदद कर सके।"

"क्या आपने किसी ऐसे बिंदु पर विवरण नहीं मांगा जो आपको महत्वपूर्ण प्रतीत हुआ?"

मैंने स्टैंगरसन के बारे में पूछा।

“और कुछ नहीं? क्या कोई ऐसी परिस्थिति नहीं है जिस पर यह पूरा मामला टिका हुआ प्रतीत होता हो? क्या आप दोबारा टेलीग्राम नहीं करेंगे?”

“मुझे जो कहना था, मैंने कह दिया है,” ग्रेगसन ने नाराज़गी भरे स्वर में कहा।

शर्लक होम्स मन ही मन मुस्कुराया और कुछ कहने ही वाला था कि तभी लेस्ट्रेड, जो उस समय सामने वाले कमरे में था जब हम हॉल में यह बातचीत कर रहे थे, आडंबरपूर्ण और आत्मसंतुष्ट अंदाज़ में अपने हाथ मलते हुए फिर से प्रकट हो गया।

“श्री ग्रेगसन,” उन्होंने कहा, “मैंने अभी-अभी एक अत्यंत महत्वपूर्ण खोज की है, और अगर मैंने दीवारों की सावधानीपूर्वक जांच न की होती तो इस खोज को नजरअंदाज कर दिया जाता।”

बोलते समय उस छोटे कद के व्यक्ति की आंखें चमक रही थीं, और जाहिर तौर पर वह अपने सहकर्मी के खिलाफ एक अंक हासिल करने की दबी हुई खुशी की स्थिति में था।

“इधर आओ,” उसने कमरे में वापस आते हुए कहा, जिसका वातावरण उस भयानक कैदी के चले जाने के बाद पहले से कहीं अधिक साफ-सुथरा लग रहा था। “अब, वहीं खड़े हो जाओ!”

उसने अपने जूते पर माचिस की तीली जलाई और उसे दीवार के सहारे ऊपर उठाया।

“देखो तो ज़रा!” उसने विजयी भाव से कहा।

मैंने गौर किया कि कागज जगह-जगह से उखड़ गया था। कमरे के इस खास कोने में एक बड़ा टुकड़ा उखड़ गया था, जिससे खुरदुरे प्लास्टर का एक पीला चौकोर हिस्सा दिखाई दे रहा था। इस खाली जगह पर खून जैसे लाल अक्षरों में एक शब्द लिखा हुआ था—

खरीदना

“इस बारे में आपका क्या विचार है?” जासूस ने एक तमाशा दिखाने वाले की तरह चिल्लाते हुए कहा। “इस पर किसी का ध्यान नहीं गया क्योंकि यह कमरे के सबसे अंधेरे

कोने में था, और किसी ने वहां देखने की ज़हमत ही नहीं उठाई। हत्यारे ने इसे अपने खून से लिखा है। दीवार पर फैले इस धब्बे को देखिए! इससे आत्महत्या की संभावना तो पूरी तरह खत्म हो जाती है। इसे लिखने के लिए यही कोना क्यों चुना गया? मैं आपको बताता हूँ। मेंटलपीस पर रखी उस मोमबत्ती को देखिए। उस समय वह जल रही थी, और अगर वह जल रही होती तो दीवार का यह कोना सबसे अंधेरे हिस्से की जगह सबसे रोशन होता।”

"और अब जब आपने इसे ढूंढ लिया है, तो इसका क्या मतलब है?" ग्रेगसन ने तिरस्कारपूर्ण स्वर में पूछा।

“मतलब? अरे, इसका मतलब है कि लेखक राहेल नाम की महिला को कहानी में शामिल करने वाला था, लेकिन पूरा करने से पहले ही उसे किसी ने परेशान कर दिया। मेरी बात याद रखना, जब यह मामला सुलझेगा, तो तुम्हें पता चलेगा कि राहेल नाम की एक महिला का इससे कुछ लेना-देना है। मिस्टर शर्लक होम्स, आप भले ही हंस लें, लेकिन आप बहुत होशियार और चालाक हैं, पर आखिर में सबसे अच्छा तो वही पुराना जासूस है।”

“माफ़ कीजिएगा!” मेरे साथी ने कहा, जिसने ज़ोर से हंसकर उस छोटे आदमी को नाराज़ कर दिया था। “यह बात सबसे पहले पता लगाने का श्रेय आपको ही जाता है और जैसा कि आप कह रहे हैं, इस पर कल रात के रहस्य में शामिल दूसरे व्यक्ति के लिखे होने के सारे निशान हैं। मुझे अभी तक इस कमरे की जांच करने का समय नहीं मिला है, लेकिन आपकी अनुमति से मैं अभी ऐसा करूंगा।”

बोलते-बोलते उसने अपनी जेब से एक नापने वाला टेप और एक बड़ा गोल आवर्धक लेंस निकाला। इन दोनों उपकरणों के साथ वह चुपचाप कमरे में इधर-उधर घूमता रहा, कभी रुकता, कभी घुटनों के बल बैठता और एक बार तो मुंह के बल लेट भी गया। वह अपने काम में इतना मग्न था कि मानो हमारी मौजूदगी को भूल ही गया हो, क्योंकि वह पूरे समय धीमी आवाज़ में खुद से बड़बड़ाता रहा, लगातार विस्मयबोधक स्वर, कराहें, सीटियां और प्रोत्साहन व आशा से भरी छोटी-छोटी चीखें निकालता रहा। उसे देखते हुए मुझे एक शुद्ध नस्ल के, अच्छी तरह से प्रशिक्षित शिकारी कुत्ते की याद आ गई, जो झाड़ियों में इधर-उधर दौड़ता है, उत्सुकता से कराहता है, जब तक कि उसे खोई हुई गंध न मिल जाए। बीस मिनट या उससे अधिक समय तक वह अपनी खोज जारी रखता रहा, अत्यंत सावधानी से उन निशानों के बीच की दूरी नापता रहा जो मुझे बिल्कुल दिखाई नहीं दे रहे थे, और कभी-कभी दीवारों पर भी उसी तरह से अजीब तरीके से टेप लगाता रहा। एक जगह उसने फर्श से बड़ी सावधानी से धूसर धूल का एक छोटा सा ढेर उठाया और उसे एक लिफाफे में रख दिया। अंत में उसने दूरबीन से दीवार पर लिखे शब्द को बारीकी से देखा, उसके हर अक्षर को अत्यंत सूक्ष्मता से निहारते हुए। यह सब करने के बाद वह संतुष्ट प्रतीत हुआ, क्योंकि उसने अपना टेप और दूरबीन वापस अपनी जेब में रख लिया।

उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "लोग कहते हैं कि प्रतिभा अथक परिश्रम करने की असीम क्षमता है। यह एक बहुत ही गलत परिभाषा है, लेकिन जासूसी के काम पर यह लागू होती है।"

ग्रेगसन और लेस्ट्रेड अपने शौकिया साथी की हरकतों को बड़ी उत्सुकता और कुछ हद तक तिरस्कार के साथ देख रहे थे। वे स्पष्ट रूप से इस तथ्य को समझने में विफल रहे, जिसे मैं भी समझने लगा था, कि शर्लक होम्स के छोटे से छोटे कार्य भी किसी निश्चित और व्यावहारिक उद्देश्य की ओर निर्देशित थे।

“आप इसके बारे में क्या सोचते हैं, महोदय?” दोनों ने पूछा।

“अगर मैं आपकी मदद करने का साहस करूं तो यह आपके काम में बाधा डालने जैसा होगा,” मेरे मित्र ने कहा। “आप अभी इतना अच्छा काम कर रहे हैं कि किसी का भी दखल देना खेदजनक होगा।” उनकी आवाज़ में व्यंग्य भरा था। “अगर आप मुझे अपनी जाँच के बारे में बताएंगे,” उन्होंने आगे कहा, “तो मुझे आपकी हर संभव मदद करने में खुशी होगी। इस बीच मैं उस कांस्टेबल से बात करना चाहता हूँ जिसने शव बरामद किया था। क्या आप मुझे उसका नाम और पता दे सकते हैं?”

लेस्ट्रेड ने अपनी नोटबुक पर एक नज़र डाली। “जॉन रेंस,” उन्होंने कहा। “वह अभी ड्यूटी पर नहीं है। आप उन्हें 46, ऑडली कोर्ट, केनिंग्टन पार्क गेट पर पाएंगे।”

होम्स ने पता नोट कर लिया।

“चलिए डॉक्टर,” उसने कहा: “हम जाकर उसकी तलाश करते हैं। मैं आपको एक बात बताता हूँ जो इस मामले में आपकी मदद कर सकती है,” उसने दोनों जासूसों की ओर मुड़ते हुए कहा। “यहाँ हत्या हुई है, और हत्यारा एक पुरुष था। वह छह फीट से अधिक लंबा था, जवानी में था, अपनी लंबाई के हिसाब से उसके पैर छोटे थे, वह मोटे, चौकोर नोक वाले जूते पहनता था और त्रिचिनोपोली सिगार पीता था। वह अपने शिकार को लेकर यहाँ एक चार पहिया गाड़ी में आया था, जिसे एक घोड़ा खींच रहा था जिसके दाहिने अगले पैर में तीन पुराने और एक नया नाल था। पूरी संभावना है कि हत्यारे का चेहरा लाल था, और उसके दाहिने हाथ के नाखून काफी लंबे थे। ये तो बस कुछ संकेत हैं, लेकिन इनसे आपको मदद मिल सकती है।”

लेस्ट्रेड और ग्रेगसन ने अविश्वास भरी मुस्कान के साथ एक-दूसरे की ओर देखा।

“अगर इस आदमी की हत्या हुई है, तो यह कैसे की गई?” पूर्व अधिकारी ने पूछा।

“ज़हर,” शर्लक होम्स ने संक्षिप्त लहजे में कहा और तेज़ी से चले गए। “एक और बात, लेस्ट्रेड,” उन्होंने दरवाज़े पर मुड़कर कहा: “'राचे' जर्मन भाषा में 'बदला' का मतलब है; इसलिए मिस राहेल को ढूंढने में अपना समय बर्बाद मत करो।”

जिस तीर से पार्थियन ने वार किया, उसे लेकर वह चला गया, और अपने पीछे दोनों प्रतिद्वंद्वियों को अवाक छोड़ गया।

अध्याय 4

जॉन रैंस को क्या बताना था

जब हम लॉरिस्टन गार्डेन्स के नंबर 3 से निकले तो दोपहर के एक बज रहे थे। शर्लक होम्स मुझे पास के टेलीग्राफ ऑफिस ले गए, जहाँ से उन्होंने एक लंबा टेलीग्राम भेजा। फिर उन्होंने एक टैक्सी रोकी और ड्राइवर को हमें लेस्ट्रेड द्वारा दिए गए पते पर ले जाने का आदेश दिया।

उन्होंने कहा, "प्रत्यक्ष साक्ष्य जैसा कुछ नहीं होता; वास्तव में, मैंने इस मामले पर अपना मन पूरी तरह से बना लिया है, लेकिन फिर भी हमें वह सब कुछ जान लेना चाहिए जो जानने योग्य है।"

मैंने कहा, "होम्स, तुम मुझे आश्चर्यचकित कर देते हो। यकीनन तुम उन सभी विवरणों के बारे में उतने आश्वस्त नहीं हो जितना तुम होने का दावा करते हो।"

“गलती की कोई गुंजाइश नहीं है,” उसने जवाब दिया। “वहाँ पहुँचते ही मैंने सबसे पहले यही देखा कि एक टैक्सी ने अपने पहियों से फुटपाथ के पास दो निशान बना दिए थे। अब, कल रात तक एक हफ्ते से बारिश नहीं हुई थी, इसलिए जिन पहियों ने इतने गहरे निशान छोड़े हैं, वे रात के दौरान ही बने होंगे। घोड़े के खुरों के निशान भी थे, जिनमें से एक का निशान बाकी तीन की तुलना में कहीं ज़्यादा साफ़ था, जिससे पता

चलता है कि वह नया नाल था। चूंकि बारिश शुरू होने के बाद टैक्सी वहाँ थी और सुबह के समय वहाँ नहीं थी — ग्रेगसन ने इसकी पुष्टि की है — इससे यही निष्कर्ष निकलता है कि वह रात के दौरान वहाँ रही होगी, और इसलिए, वही उन दो लोगों को घर तक लाई होगी।”

मैंने कहा, "यह तो काफी आसान लगता है; लेकिन दूसरे आदमी की ऊंचाई के बारे में क्या?"

“अरे हाँ, दस में से नौ मामलों में किसी व्यक्ति की ऊँचाई उसके कदमों की लंबाई से बताई जा सकती है। यह एक बहुत ही सरल गणना है, हालाँकि आपको आंकड़ों से बोर करने का कोई फायदा नहीं है। मैंने इस व्यक्ति के कदमों की लंबाई बाहर मिट्टी पर और अंदर धूल पर नापी। फिर मेरे पास अपनी गणना की जाँच करने का एक तरीका था। जब कोई व्यक्ति दीवार पर लिखता है, तो उसकी सहज प्रवृत्ति उसे अपनी आँखों के स्तर से ऊपर लिखने के लिए प्रेरित करती है। अब वह लिखावट ज़मीन से लगभग छह फीट ऊपर थी। यह तो बच्चों का खेल था।”

“और उनकी उम्र?” मैंने पूछा।

“खैर, अगर कोई आदमी बिना ज़रा भी मेहनत किए साढ़े चार कदम चल सकता है, तो वो बिल्कुल भी कमज़ोर और बीमार नहीं हो सकता। बगीचे के रास्ते पर बने एक छोटे से गड्ढे की चौड़ाई इतनी ही थी, जिसे उसने पार किया था। चमड़े के बूट उसके चारों ओर से घूमे थे, और चौकोर पंजों वाले जूते उस पर से कूदकर निकले गए थे। इसमें कोई रहस्य नहीं है। मैं बस रोज़मर्रा की ज़िंदगी में अवलोकन और अनुमान के उन सिद्धांतों में से कुछ को लागू कर रहा हूँ, जिनकी मैंने उस लेख में वकालत की थी। क्या कोई और बात है जो आपको उलझन में डालती है?”

मैंने सुझाव दिया, "नाखून और त्रिचिनोपोली।"

दीवार पर लिखावट खून में डूबी हुई एक आदमी की तर्जनी उंगली से की गई थी। दूरबीन से मैंने देखा कि लिखावट करते समय प्लास्टर पर हल्की खरोंच आ गई थी, जो अगर उस आदमी का नाखून कटा हुआ होता तो नहीं होती। मैंने फर्श से बिखरी हुई कुछ राख उठाई। वह गहरे रंग की और परतदार थी - ऐसी राख तो सिर्फ त्रिचिनोपोली ही बना सकते हैं। मैंने सिगार की राख का विशेष अध्ययन किया है - वास्तव में, मैंने इस विषय पर एक शोधपत्र लिखा है। मुझे गर्व है कि मैं किसी भी जाने-माने ब्रांड के सिगार या तंबाकू की राख को एक नज़र में पहचान सकता हूँ। कुशल जासूस ग्रेगसन और लेस्ट्रेड जैसे लोगों से इन्हीं बारीकियों में भिन्न होते हैं।

“और वो लालिमा लिए हुए चेहरा?” मैंने पूछा।

“अरे, वो तो काफी साहसिक प्रयास था, हालांकि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैं सही था। लेकिन इस समय आपको मुझसे ये सवाल नहीं पूछना चाहिए।”

मैंने अपने माथे पर हाथ फेरा। “मेरा दिमाग चकरा रहा है,” मैंने कहा; “जितना ज़्यादा इसके बारे में सोचता हूँ, उतना ही रहस्यमय होता जाता है। ये दोनों आदमी—अगर दो ही थे—एक खाली घर में कैसे पहुँचे? उन्हें लाने वाले टैक्सी ड्राइवर का क्या हुआ? एक आदमी दूसरे को ज़हर खाने के लिए कैसे मजबूर कर सकता है? खून कहाँ से आया? हत्यारे का मकसद क्या था, जबकि इसमें लूटपाट का कोई हाथ नहीं था? उस औरत की अंगूठी वहाँ कैसे पहुँची? सबसे बढ़कर, भागने से पहले दूसरे आदमी ने जर्मन शब्द RACHE क्यों लिखा? मैं मानता हूँ कि मुझे इन सभी तथ्यों को सुलझाने का कोई रास्ता नज़र नहीं आता।”

मेरे साथी ने सहमति जताते हुए मुस्कुराया।

“आपने स्थिति की कठिनाइयों को संक्षेप में और अच्छे से बताया है,” उन्होंने कहा। “हालांकि मैंने मुख्य तथ्यों पर अपना मत बना लिया है, फिर भी बहुत कुछ अस्पष्ट है।

जहाँ तक बेचारे लेस्ट्रेड की खोज का सवाल है, यह महज़ एक चाल थी जिसका मकसद समाजवाद और गुप्त संगठनों का संकेत देकर पुलिस को गुमराह करना था। यह किसी जर्मन ने नहीं किया था। अगर आपने ध्यान दिया हो, तो 'ए' अक्षर जर्मन शैली में छपा था। अब, एक असली जर्मन हमेशा लैटिन अक्षरों में लिखता है, इसलिए हम सुरक्षित रूप से कह सकते हैं कि यह किसी जर्मन ने नहीं, बल्कि किसी अनाड़ी नकलची ने लिखा था जिसने हद से ज़्यादा कोशिश की थी। यह सिर्फ़ जाँच को गलत दिशा में मोड़ने की एक चाल थी। मैं आपको इस मामले के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं बताऊँगा, डॉक्टर। आप जानते हैं कि एक जादूगर को तब कोई श्रेय नहीं मिलता जब वह अपनी चाल का खुलासा कर देता है और अगर मैं आपको अपने काम करने का तरीका बहुत ज़्यादा दिखा दूँ, तो आप इस निष्कर्ष पर पहुँच जाएँगे कि मैं आखिरकार एक बहुत ही साधारण व्यक्ति हूँ।”

मैंने उत्तर दिया, "मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा; आपने जासूसी को एक सटीक विज्ञान के जितना करीब लाया है, उतना करीब इस दुनिया में कभी नहीं लाया जा सकता।"

मेरे शब्दों और उन्हें कहने के मेरे गंभीर अंदाज़ से मेरा साथी प्रसन्नता से लाल हो गया। मैंने पहले ही देखा था कि वह अपनी कला की प्रशंसा के प्रति उतना ही संवेदनशील था जितना कोई लड़की अपनी सुंदरता की प्रशंसा के प्रति होती है।

“मैं आपको एक और बात बताता हूँ,” उसने कहा। “पेटेंट-लेदर्स और स्क्वायर-टोज़ एक ही टैक्सी में आए थे, और वे दोनों साथ-साथ, जितना हो सके दोस्ताना अंदाज़ में, शायद हाथ में हाथ डालकर, रास्ते पर चले। जब वे अंदर पहुँचे, तो वे कमरे में इधर-उधर घूमने लगे—या यूँ कहें कि पेटेंट-लेदर्स एक जगह खड़ा रहा जबकि स्क्वायर-टोज़ इधर-उधर घूमता रहा। धूल में मुझे सब कुछ समझ आ गया था; और मुझे यह भी समझ आ गया था कि जैसे-जैसे वह चलता गया, उसकी उत्तेजना बढ़ती गई। उसके कदमों की लंबाई बढ़ने से यह ज़ाहिर होता है। वह लगातार बातें कर रहा था, और निस्संदेह गुस्से में पागल हो रहा था। फिर त्रासदी घटी। मैंने आपको वह सब बता दिया है जो मुझे खुद पता है, क्योंकि बाकी सब सिर्फ़ अनुमान और अटकलें हैं। हालाँकि, हमारे पास शुरुआत करने के लिए एक अच्छा आधार है। हमें जल्दी करनी चाहिए, क्योंकि मुझे आज दोपहर हैले के कॉन्सर्ट में नॉर्मन नेरुदा का संगीत सुनना है।”

यह बातचीत तब हुई जब हमारी टैक्सी कई तंग गलियों और सुनसान रास्तों से गुज़र रही थी। उनमें से सबसे तंग और सुनसान गली में हमारा ड्राइवर अचानक रुक गया। उसने फीकी ईंटों की कतार में एक संकरी दरार की ओर इशारा करते हुए कहा, "वह ऑडली कोर्ट है। जब आप वापस आएंगे तो आप मुझे यहीं पाएंगे।"

ऑडली कोर्ट कोई आकर्षक इलाका नहीं था। संकरा रास्ता हमें पत्थरों से बने एक चौक में ले गया, जिसके चारों ओर गंदी-गंदी इमारतें थीं। हम गंदे बच्चों के झुंडों और फीके पड़े कपड़ों की कतारों के बीच से रास्ता बनाते हुए नंबर 46 तक पहुँचे, जिसके दरवाजे पर पीतल की एक छोटी सी पट्टी लगी थी जिस पर रैंस नाम खुदा हुआ था। पूछने पर पता चला कि कांस्टेबल सो रहा था, और हमें उसके आने का इंतज़ार करने के लिए एक छोटे से सामने वाले कमरे में ले जाया गया।

कुछ देर बाद वह प्रकट हुआ, नींद में खलल पड़ने से थोड़ा चिड़चिड़ा लग रहा था। उसने कहा, "मैंने कार्यालय में अपनी रिपोर्ट जमा कर दी है।"

होम्स ने अपनी जेब से आधा सोने का सिक्का निकाला और सोचते हुए उससे खेलने लगा। उसने कहा, "हमने सोचा कि हम यह सब आपके मुंह से सुनना पसंद करेंगे।"

"मैं आपको जो कुछ भी बता सकता हूँ, बताने में मुझे बहुत खुशी होगी," कांस्टेबल ने अपनी निगाहें उस छोटी सुनहरी डिस्क पर टिकाए हुए उत्तर दिया।

"जो कुछ भी हुआ, उसे आप अपने तरीके से हमें सुनाइए।"

रेंस घोड़े के बालों से बने सोफे पर बैठ गया और अपनी भौंहें इस तरह सिकोड़ लीं मानो वह अपने वृत्तांत में कुछ भी न छोड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित हो।

उन्होंने कहा, "मैं तुम्हें शुरू से सब कुछ बताऊंगा।" “मेरी ड्यूटी रात दस बजे से सुबह छह बजे तक है। ग्यारह बजे व्हाइट हार्ट में झगड़ा हुआ; लेकिन उसके अलावा गश्त पर सब ठीक-ठाक था। एक बजे बारिश शुरू हो गई, और मेरी मुलाकात हैरी मर्चर से हुई—जो हॉलैंड ग्रोव की गश्त संभालता है—और हम हेनरिटा स्ट्रीट के कोने पर खड़े होकर बातें करने लगे। थोड़ी देर बाद—शायद दो बजे या उसके कुछ देर बाद—मैंने सोचा कि एक नज़र डाल लूँ और ब्रिक्सटन रोड पर सब ठीक था। वह बहुत गंदा और सुनसान था। पूरे रास्ते में मुझे कोई नहीं मिला, हालाँकि एक-दो टैक्सी मेरे पास से गुज़रीं। मैं टहल रहा था, आपस में सोच रहा था कि चार गिलास जिन हॉट कितना काम आएगा, तभी अचानक उसी घर की खिड़की में एक रोशनी की चमक ने मेरा ध्यान खींचा। अब, मुझे पता था कि लॉरिस्टन गार्डन्स के वे दो घर खाली थे क्योंकि उनके मालिक नालियों की सफाई नहीं करवाते थे, हालाँकि उनमें से एक में रहने वाला आखिरी किरायेदार टाइफाइड बुखार से मर गया था। मैं पूरी तरह से हैरान रह गया। खिड़की में रोशनी देखकर मैं चौंक गया, और मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है। जब मैं दरवाजे पर पहुंचा—”

“तुम रुके और फिर वापस बगीचे के गेट की तरफ चले गए,” मेरे साथी ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “तुमने ऐसा क्यों किया?”

रेंस ने अचानक छलांग लगाई और अपने चेहरे पर अत्यंत आश्चर्य के भाव लिए शेरलॉक होम्स को घूरने लगा।

“जी हाँ, बिल्कुल सही,” उसने कहा; “लेकिन आपको यह कैसे पता चला, यह तो भगवान ही जानते हैं। देखिए, जब मैं दरवाजे तक पहुंचा, तो वहाँ इतनी खामोशी और सन्नाटा था कि मुझे लगा कि अगर कोई मेरे साथ होता तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे इस दुनिया में किसी चीज से डर नहीं लगता; लेकिन मुझे लगा कि शायद वही व्यक्ति नालियों का निरीक्षण करते हुए टाइफाइड से मर गया हो। इस ख्याल से मुझे अजीब सा डर लगा और मैं वापस गेट की तरफ गया यह देखने के लिए कि क्या मुझे मर्चर की लालटेन दिखाई देती है, लेकिन वहाँ न तो उसका कोई निशान था और न ही किसी और का।”

“क्या सड़क पर कोई नहीं था?”

“यहाँ कोई भी जीवित प्राणी नहीं था, महोदय, यहाँ तक कि एक कुत्ता भी नहीं। फिर मैंने खुद को संभाला और वापस जाकर दरवाजा खोला। अंदर सब शांत था, इसलिए मैं उस कमरे में गया जहाँ रोशनी जल रही थी। वहाँ मेंटलपीस पर एक मोमबत्ती टिमटिमा रही थी - लाल रंग की - और उसकी रोशनी में मैंने देखा -”

“हाँ, मुझे सब पता है जो तुमने देखा। तुम कमरे के चारों ओर कई बार घूमे, और तुम शव के पास घुटने टेककर बैठ गए, और फिर तुम अंदर चले गए और रसोई के दरवाज़े को आज़माया, और फिर—”

जॉन रेंस भयभीत चेहरे और आँखों में संदेह लिए उछल पड़ा। "तुम कहाँ छिपे थे कि यह सब देख पाए?" वह चिल्लाया। "मुझे लगता है कि तुम अपनी क्षमता से कहीं अधिक जानते हो।"

होम्स हँसा और अपना कार्ड मेज पर कांस्टेबल की ओर फेंक दिया। उसने कहा, "मुझे हत्या के आरोप में गिरफ्तार मत करो। मैं शिकारी कुत्तों में से एक हूँ, भेड़िया नहीं; इसके लिए मिस्टर ग्रेगसन या मिस्टर लेस्ट्रेड जवाबदेह होंगे। लेकिन बताओ, तुमने आगे क्या किया?"

रेंस अपनी सीट पर वापस बैठ गया, लेकिन उसके चेहरे पर हैरानी का भाव साफ झलक रहा था। "मैं वापस गेट पर गया और सीटी बजाई। इससे मर्चर और दो अन्य लोग मौके पर आ गए।"

"क्या उस समय सड़क खाली थी?"

"खैर, जहाँ तक किसी भी अच्छे व्यक्ति की बात है, तो ऐसा ही था।"

"आपका क्या मतलब है?"

कांस्टेबल के चेहरे पर मुस्कान फैल गई, "मैंने अपने समय में कई शराबी देखे हैं, लेकिन उस आदमी जैसा इतना ज़्यादा नशे में धुत कोई नहीं देखा। जब मैं बाहर आया तो वह गेट पर रेलिंग से टिका हुआ था और कोलंबाइन के नए झंडे या इसी तरह के किसी गीत को ज़ोर-ज़ोर से गा रहा था। वह खड़ा भी नहीं हो पा रहा था, मदद करना तो दूर की बात है।"

"वह किस तरह का आदमी था?" शर्लक होम्स ने पूछा।

इस विषयांतर पर जॉन रेंस कुछ चिढ़ते हुए प्रतीत हुए। उन्होंने कहा, "वह एक असाधारण किस्म का शराबी था। अगर हम इतने मशगूल न होते तो वह थाने में होता।"

“उसका चेहरा—उसका पहनावा—क्या तुमने उन पर ध्यान नहीं दिया?” होम्स ने अधीरता से बीच में ही टोक दिया।

“मुझे लगता है कि मैंने उन्हें देखा होगा, क्योंकि मुझे उसे सहारा देना पड़ा था—मैं और मर्चर हमारे बीच में थे। वह लंबा-चौड़ा आदमी था, जिसका चेहरा लाल था, और नीचे का हिस्सा ढका हुआ था—”

“बस इतना ही काफी है,” होम्स चिल्लाया। “उसका क्या हुआ?”

“हमें उसकी देखभाल करने की ज़रूरत ही नहीं थी, हमारे पास पहले से ही बहुत काम था,” पुलिसकर्मी ने नाराज़गी भरे स्वर में कहा। “मुझे पूरा यकीन है कि वह अपने घर का रास्ता ठीक-ठाक ही ढूंढ पाया होगा।”

“उसने कैसे कपड़े पहने थे?”

एक भूरा ओवरकोट।

क्या उसके हाथ में चाबुक था?

“चाबुक—नहीं।”

“वह उसे वहीं छोड़ गया होगा,” मेरे साथी ने बुदबुदाते हुए कहा। “उसके बाद आपने कोई टैक्सी देखी या सुनी तो नहीं?”

"नहीं।"

“ये लो आधा सोना तुम्हारे लिए,” मेरे साथी ने खड़े होकर अपनी टोपी उठाते हुए कहा। “मुझे डर है, रेंस, कि तुम कभी सेना में तरक्की नहीं कर पाओगे। तुम्हारा सिर सिर्फ सजावट के लिए नहीं, बल्कि काम के लिए भी होना चाहिए। कल रात तुम्हें सार्जेंट का पद मिल सकता था। जिस आदमी को तुमने अपनी बाहों में पकड़ा था, वही इस रहस्य का सुराग रखता है, और हम उसी की तलाश कर रहे हैं। अब इस बारे में बहस करने का कोई फायदा नहीं; मैं तुम्हें बता देता हूँ कि यह सच है। चलो, डॉक्टर।”

हम दोनों एक साथ टैक्सी की ओर चल पड़े, जिससे हमारा मुखबिर अचंभित रह गया, लेकिन जाहिर तौर पर असहज भी हो गया।

"बेवकूफ!" होम्स ने कड़वाहट से कहा, जब हम अपने ठहरने की जगह पर वापस जा रहे थे। "सोचो उसे इतनी बेमिसाल किस्मत मिली थी, और उसने उसका फायदा क्यों नहीं उठाया।"

“मुझे अभी भी पूरी तरह से समझ नहीं आ रहा है। यह सच है कि इस व्यक्ति का विवरण इस रहस्य में दूसरे पक्ष के बारे में आपके विचार से मेल खाता है। लेकिन घर छोड़ने के बाद वह वापस क्यों आया? अपराधी ऐसा नहीं करते।”

"अंगूठी, यार, अंगूठी: उसी के लिए तो वो वापस आया था। अगर उसे पकड़ने का कोई और तरीका न हो, तो हम हमेशा अंगूठी से चारा लगा सकते हैं। मैं उसे पकड़ लूंगा, डॉक्टर – मैं शर्त लगाता हूँ कि मैं उसे पकड़ लूंगा। इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपके बिना शायद मैं जाता ही नहीं, और इस तरह मैंने अब तक की सबसे बेहतरीन रचना को देखने का मौका गँवा दिया होता: लाल रंग की रचना, है ना? क्यों न हम थोड़ी कलात्मक शब्दावली का इस्तेमाल करें। जीवन के रंगहीन ताने-बाने में हत्या का लाल धागा दौड़ रहा है, और हमारा कर्तव्य है कि हम उसे सुलझाएँ, उसे अलग करें, और उसके हर एक हिस्से को उजागर करें। अब दोपहर के भोजन का समय है, और फिर नॉर्मन नेरुदा के लिए। उनका वादन और उनकी प्रस्तुति शानदार है। चोपिन की वो छोटी सी रचना क्या है जिसे वो इतनी खूबसूरती से बजाती हैं: ट्रा-ला-ला-लिरा-लिरा-ले।"

टैक्सी में पीछे की ओर झुककर, यह शौकिया खोजी कुत्ता एक चिड़िया की तरह चहचहाता रहा, जबकि मैं मानव मन के बहुआयामी स्वरूप पर चिंतन कर रहा था।

अध्याय 5

हमारे विज्ञापन से एक आगंतुक आया

सुबह की भागदौड़ मेरी कमजोर सेहत के लिए बहुत ज़्यादा थी, और दोपहर तक मैं पूरी तरह थक चुका था। होम्स के कॉन्सर्ट के लिए रवाना होने के बाद, मैं सोफे पर लेट गया और कुछ घंटे सोने की कोशिश की। यह व्यर्थ प्रयास था। जो कुछ भी हुआ था, उससे मेरा दिमाग बहुत उत्तेजित था, और अजीबोगरीब कल्पनाएँ और अटकलें उसमें उमड़ रही थीं। हर बार जब मैं अपनी आँखें बंद करता, तो मुझे उस मृत व्यक्ति का विकृत, बंदर जैसा चेहरा दिखाई देता। उस चेहरे ने मुझ पर इतना भयावह प्रभाव डाला था कि मुझे उसके मालिक को दुनिया से छीनने वाले के प्रति कृतज्ञता के अलावा कुछ और महसूस करना मुश्किल लग रहा था। अगर कभी किसी इंसान के चेहरे पर सबसे घिनौने प्रकार के पाप की झलक मिलती है, तो वह निश्चित रूप से क्लीवलैंड के एनोक जे. ड्रेबर के चेहरे पर थी। फिर भी मैं मानता था कि न्याय होना चाहिए, और पीड़ित के दुराचार को कानून की नज़र में माफ़ नहीं किया जा सकता।

जैसे-जैसे मैं इस बारे में सोचता गया, मेरे साथी की यह परिकल्पना कि उस आदमी को ज़हर दिया गया था, और भी ज़्यादा अविश्वसनीय लगने लगी। मुझे याद आया कि उसने अपने होंठ कैसे सूंघे थे, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं था कि उसने कुछ ऐसा महसूस किया होगा जिससे उसे यह विचार आया होगा। फिर, अगर ज़हर नहीं, तो उस आदमी की मौत का कारण क्या था, क्योंकि न तो कोई घाव था और न ही गला घोंटने के निशान? लेकिन, दूसरी ओर, फ़र्श पर इतना गाढ़ा खून किसका था? संघर्ष के कोई निशान नहीं थे, और न ही पीड़ित के पास कोई ऐसा हथियार था जिससे वह किसी विरोधी को घायल कर सके। जब तक ये सभी प्रश्न अनसुलझे थे, मुझे लग रहा था कि होम्स और मुझे, दोनों को ही चैन से नींद नहीं आएगी। उसके शांत, आत्मविश्वासी स्वभाव ने मुझे आश्वस्त कर दिया कि उसने पहले ही एक सिद्धांत बना लिया था जो सभी तथ्यों की व्याख्या करता था, हालांकि वह क्या था, इसका मैं एक पल के लिए भी अनुमान नहीं लगा सका।

उन्हें लौटने में बहुत देर हो गई थी—इतनी देर कि मुझे पता था कि कॉन्सर्ट की वजह से उन्हें इतना समय नहीं लग सकता था। उनके आने से पहले ही खाना मेज पर लग चुका था।

“यह शानदार था,” उन्होंने अपनी सीट पर बैठते हुए कहा। “क्या आपको डार्विन की संगीत के बारे में कही गई बातें याद हैं? उनका दावा है कि संगीत उत्पन्न करने और उसकी सराहना करने की क्षमता मानव जाति में वाणी के विकास से बहुत पहले से मौजूद थी। शायद इसीलिए हम इससे इतने सूक्ष्म रूप से प्रभावित होते हैं। हमारी आत्माओं में उन धुंधली शताब्दियों की अस्पष्ट यादें हैं जब दुनिया अपने बचपन में थी।”

मैंने टिप्पणी की, "यह तो काफी व्यापक विचार है।"

“प्रकृति की व्याख्या करने के लिए, व्यक्ति के विचार प्रकृति की तरह व्यापक होने चाहिए,” उन्होंने उत्तर दिया। “क्या बात है? तुम कुछ ठीक नहीं लग रहे हो। ब्रिक्सटन रोड वाली घटना ने तुम्हें परेशान कर दिया है।”

“सच कहूँ तो, ऐसा हुआ है,” मैंने कहा। “अफगानिस्तान में अपने अनुभवों के बाद मुझे और अधिक कठोर हो जाना चाहिए था। मैंने मैवांड में अपने ही साथियों को टुकड़ों में कटते देखा, लेकिन मेरा हौसला नहीं टूटा।”

“मैं समझ सकता हूँ। इसमें एक रहस्य है जो कल्पना को उत्तेजित करता है; जहाँ कल्पना नहीं होती वहाँ भयावहता भी नहीं होती। क्या आपने शाम का अखबार देखा है?”

"नहीं।"

“इसमें घटना का काफी अच्छा विवरण दिया गया है। इसमें इस तथ्य का उल्लेख नहीं है कि जब उस व्यक्ति को उठाया गया तो एक महिला की शादी की अंगूठी फर्श पर गिर गई। यह अच्छा ही है कि इसका उल्लेख नहीं है।”

"क्यों?"

“इस विज्ञापन को देखिए,” उन्होंने जवाब दिया। “घटना के तुरंत बाद आज सुबह मैंने इसे हर अखबार में भिजवा दिया था।”

उसने कागज़ मेरी तरफ फेंक दिया और मैंने उस पर लिखे पते पर नज़र डाली। यह "मिला" वाले कॉलम की पहली सूचना थी। उसमें लिखा था, "आज सुबह ब्रिक्सटन रोड पर, व्हाइट हार्ट टैवर्न और हॉलैंड ग्रोव के बीच सड़क पर एक सादी सोने की शादी की अंगूठी मिली है। कृपया आज शाम आठ से नौ बजे के बीच डॉ. वॉटसन, 221 बी, बेकर स्ट्रीट से संपर्क करें।"

उन्होंने कहा, "आपका नाम लेने के लिए मुझे क्षमा करें। अगर मैं अपना नाम लेता, तो इनमें से कुछ मूर्ख इसे पहचान लेते और मामले में दखलंदाजी करना चाहते।"

“कोई बात नहीं,” मैंने जवाब दिया। “लेकिन अगर कोई आवेदन करता है, तो मेरे पास अंगूठी नहीं है।”

“ओह, जी हाँ, आपके पास है,” उन्होंने मुझे एक देते हुए कहा। “यह बहुत अच्छा रहेगा। यह लगभग हूबहू वैसा ही है।”

और आपको क्या लगता है कि इस विज्ञापन का जवाब कौन देगा?

“अरे वाह, वो भूरे कोट वाला आदमी—हमारा वो रंगीन मिजाज वाला दोस्त जिसके पैर की उंगलियां चौकोर हैं। अगर वो खुद नहीं आएगा तो किसी साथी को भेज देगा।”

"क्या वह इसे बहुत खतरनाक नहीं मानेगा?"

बिल्कुल नहीं। अगर मेरा अनुमान सही है, और मेरे पास यह मानने के सभी कारण हैं कि यह सही है, तो यह आदमी अंगूठी खोने के बजाय कोई भी जोखिम उठाने को तैयार होगा। मेरे अनुमान के अनुसार, उसने ड्रेबर के शव पर झुकते समय अंगूठी गिरा दी थी, और उस समय उसे इसका पता भी नहीं चला। घर से निकलने के बाद उसे अपनी गलती का एहसास हुआ और वह जल्दी से वापस आया, लेकिन पाया कि मोमबत्ती जलती छोड़ने की उसकी अपनी मूर्खता के कारण पुलिस पहले से ही वहाँ मौजूद थी। उसे गेट पर अपनी उपस्थिति से उत्पन्न होने वाले संदेह को दूर करने के लिए

नशे में होने का नाटक करना पड़ा। अब खुद को उस आदमी की जगह पर रखकर देखें। इस मामले पर विचार करने पर, उसके मन में यह विचार अवश्य आया होगा कि घर से निकलने के बाद सड़क पर अंगूठी खो गई हो सकती है। तब वह क्या करता? वह शाम के अखबारों का बेसब्री से इंतज़ार करता, इस उम्मीद में कि मिली हुई वस्तुओं में अंगूठी मिल जाए। उसकी नज़र निश्चित रूप से इस पर पड़ती। वह बहुत खुश होता। उसे किसी जाल का डर क्यों होता? उसकी नज़र में अंगूठी मिलने का हत्या से कोई संबंध नहीं होता। वह आएगा। वह आएगा। आप उसे एक घंटे के भीतर देख लेंगे।

“और फिर?” मैंने पूछा।

"अच्छा, तो आप मुझे उससे निपटने के लिए छोड़ दीजिए। क्या आपके पास कोई हथियार है?"

मेरे पास मेरी पुरानी सर्विस रिवॉल्वर और कुछ कारतूस हैं।

"बेहतर होगा कि तुम इसे साफ करके इसमें सामान भर लो। वह बहुत ही आक्रामक होगा; और भले ही मैं उसे अचानक पकड़ लूं, फिर भी किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहना बेहतर है।"

मैं अपने बेडरूम में गया और उसकी सलाह मानी। जब मैं पिस्तौल लेकर लौटा, तो मेज खाली थी और होम्स अपने पसंदीदा काम, वायलिन बजाने में मग्न था।

मेरे अंदर आते ही उन्होंने कहा, “मामला और पेचीदा हो गया है। मुझे अभी-अभी अपने अमेरिकी टेलीग्राम का जवाब मिला है। इस मामले में मेरा नजरिया सही है।”

“और वो क्या है?” मैंने उत्सुकता से पूछा।

“मेरी वायलिन में नए तार लग जाएं तो और भी अच्छा होगा,” उसने कहा। “अपनी पिस्तौल जेब में रख लो। जब वो आए तो उससे सामान्य तरीके से बात करना। बाकी सब मुझ पर छोड़ दो। उसे घूरकर डराने की कोशिश मत करना।”

मैंने अपनी घड़ी पर नजरें डालते हुए कहा, "अभी आठ बज गए हैं।"

“जी हाँ। वह शायद कुछ ही मिनटों में यहाँ आ जाएँगे। दरवाज़ा थोड़ा सा खोल दीजिए। बस इतना ही काफी है। अब चाबी अंदर रख दीजिए। धन्यवाद! यह एक अजीब सी पुरानी किताब है जो मैंने कल एक स्टॉल से खरीदी थी — डी जुरे इंटर जेंटेस — जो 1642 में नीदरलैंड्स के लीज में लैटिन भाषा में प्रकाशित हुई थी। जब यह छोटी सी भूरे रंग की जिल्द वाली किताब छपी थी, तब चार्ल्स अभी भी जीवित थे।”

“प्रिंटर कौन है?”

“फिलिप डी क्रॉय, चाहे वह कोई भी रहा हो। किताब के पहले पन्ने पर, बहुत धुंधली स्याही से लिखा है, ‘एक्स लिब्रिस गुलिओल्मी व्हाइट’। मुझे आश्चर्य है कि विलियम व्हाइट कौन था। शायद सत्रहवीं सदी का कोई व्यावहारिक वकील रहा होगा। उसकी लिखावट में कानूनी लहजा झलकता है। मुझे लगता है, हमारा आदमी यहीं है।”

जैसे ही वह बोल रहा था, घंटी की तेज़ आवाज़ आई। शर्लक होम्स धीरे से उठे और अपनी कुर्सी को दरवाजे की ओर खिसकाया। हमने नौकरानी को हॉल से गुज़रते हुए सुना, और उसके दरवाजा खोलते ही कुंडी की तेज़ आवाज़ आई।

“क्या डॉ. वाटसन यहाँ रहते हैं?” एक स्पष्ट लेकिन कुछ कर्कश आवाज़ ने पूछा। नौकर का जवाब हम नहीं सुन पाए, लेकिन दरवाज़ा बंद हो गया और कोई सीढ़ियाँ चढ़ने लगा। कदमों की आहट अनिश्चित और लड़खड़ाती हुई थी। मेरे साथी के चेहरे पर हैरानी के भाव आ गए जब उसने आवाज़ सुनी। वह धीरे-धीरे गलियारे से गुज़रा और दरवाज़े पर हल्की सी दस्तक हुई।

मैंने चिल्लाकर कहा, "अंदर आओ।"

मेरे बुलावे पर, जिस हिंसक व्यक्ति की हमें उम्मीद थी, उसके बजाय एक बहुत बूढ़ी और झुर्रियों वाली महिला लड़खड़ाते हुए कमरे में दाखिल हुई। वह अचानक तेज

रोशनी से चकाचौंध हो गई थी, और झुककर अभिवादन करने के बाद, वह अपनी धुंधली आँखों से हमें देखती रही और कांपती हुई उंगलियों से अपनी जेब में कुछ टटोलती रही। मैंने अपने साथी की ओर देखा, और उसके चेहरे पर इतनी निराशा छाई हुई थी कि मेरे लिए अपनी हंसी रोकना मुश्किल हो गया।

बुढ़िया ने शाम का अखबार निकाला और हमारे विज्ञापन की ओर इशारा करते हुए कहा, "यही वह चीज़ है जिसके लिए मैं यहाँ आई हूँ, सज्जनों," और फिर झुककर अभिवादन किया; "ब्रिक्सटन रोड में एक सोने की शादी की अंगूठी है। यह मेरी दोस्त सैली की है, जिसकी शादी को अभी बारह महीने ही हुए हैं। उसका पति यूनियन बोट पर स्टीवर्ड है, और अगर वह घर आकर उसे बिना अंगूठी के देखे तो वह क्या कहेगा, यह मैं सोच भी नहीं सकती। वैसे भी वह काफी चिड़चिड़ा है, और शराब पीने के बाद तो और भी ज्यादा। अगर आपको परवाह हो, तो वह कल रात सर्कस देखने गई थी..."

मैंने पूछा, "क्या यह उसकी अंगूठी है?"

“भगवान का शुक्रिया!” बूढ़ी औरत चिल्लाई; “आज रात सैली बहुत खुश होगी। यही वो अंगूठी है।”

मैंने पेंसिल उठाते हुए पूछा, "आपका पता क्या है?"

“13, डंकन स्ट्रीट, हाउंड्सडिच। यहाँ से बहुत लंबा और थका देने वाला रास्ता है।”

"ब्रिक्सटन रोड किसी सर्कस और हाउंड्सडिच के बीच में नहीं पड़ती," शर्लक होम्स ने तीखे स्वर में कहा।

बुजुर्ग महिला मुड़ी और अपनी छोटी-छोटी लाल आंखों से उसे ध्यान से देखने लगी। उसने कहा, "उस सज्जन ने मुझसे मेरा पता पूछा था। सैली पेखम के मेफील्ड प्लेस नंबर 3 में किराए के मकान में रहती है।"

"और आपका नाम?"

“मेरा नाम सॉयर है — उसका नाम डेनिस है, जिससे टॉम डेनिस ने शादी की थी — और वह एक होशियार, साफ-सुथरा लड़का है, जब तक वह समुद्र में होता है, और कंपनी में उससे ज्यादा सम्मानित कोई स्टीवर्ड नहीं होता; लेकिन जब वह किनारे पर होता है, तो महिलाओं और शराब की दुकानों के चक्कर में —”

"श्रीमती सॉयर, यह रही आपकी अंगूठी," मैंने अपने साथी के इशारे पर बीच में ही कहा; "यह स्पष्ट रूप से आपकी बेटी की है, और मुझे इसे उसके असली मालिक को लौटाने में खुशी हो रही है।"

बुदबुदाते हुए कई बार आशीर्वाद देते और कृतज्ञता जताते हुए उस बुढ़िया ने उसे अपनी जेब में रखा और लड़खड़ाते हुए सीढ़ियों से नीचे उतर गई। उसके जाते ही शर्लक होम्स उछलकर खड़ा हो गया और दौड़कर अपने कमरे में चला गया। कुछ ही पलों में वह एक शॉल और टाई पहने वापस लौटा। उसने जल्दी से कहा, "मैं उसका पीछा करूंगा; वह ज़रूर उसकी साथी होगी और मुझे उसके पास ले जाएगी। मेरा इंतज़ार करो।" हॉल का दरवाज़ा हमारे मेहमान के पीछे बंद होने से पहले ही होम्स सीढ़ियों से नीचे उतर गया। खिड़की से मैंने उसे दूसरी तरफ कमज़ोरी से चलते हुए देखा, जबकि उसका पीछा करने वाला उससे थोड़ी दूरी पर उसके पीछे-पीछे चल रहा था। मैंने मन ही मन सोचा, "या तो उसका पूरा सिद्धांत गलत है, या फिर अब उसे रहस्य की तह तक ले जाया जाएगा।" उसे मुझे रुकने के लिए कहने की ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि मुझे लग रहा था कि जब तक मुझे उसके इस साहसिक कार्य का परिणाम नहीं पता चलेगा, तब तक मुझे नींद नहीं आएगी।

नौ बजने ही वाले थे जब वह रवाना हुआ। मुझे नहीं पता था कि उसे कितना समय लगेगा, लेकिन मैं अपनी पाइप पीते हुए और हेनरी मुर्जर की 'वी डे बोहेम' के पन्ने पलटते हुए बेफिक्र बैठा रहा। दस बज गए और मैंने नौकरानी के कदमों की आहट

सुनी, जो बिस्तर की ओर चली गई। ग्यारह बज गए और मकान मालकिन के शांत से कदम मेरे दरवाजे से गुजरे, वह भी उसी मंजिल की ओर जा रही थी। बारह बजने ही वाले थे कि मुझे उसकी चाबी की तेज आवाज सुनाई दी। जैसे ही वह अंदर आया, मैंने उसके चेहरे से समझ लिया कि वह सफल नहीं हुआ है। मानो हंसी और निराशा एक-दूसरे पर हावी होने की होड़ में लगी थी, लेकिन अचानक हंसी हावी हो गई और वह जोर से हंस पड़ा।

"मैं स्कॉटलैंड यार्ड वालों को ये बात किसी भी कीमत पर नहीं बताना चाहता," वो कुर्सी पर बैठते हुए चिल्लाया; "मैंने उन्हें इतना परेशान किया है कि वे मुझे कभी चैन से नहीं बैठने देते। मैं हंस सकता हूं, क्योंकि मुझे पता है कि आखिर में मैं उनसे हिसाब बराबर कर लूंगा।"

"तो फिर यह क्या है?" मैंने पूछा।

"ओह, मुझे अपने खिलाफ कहानी सुनाने में कोई आपत्ति नहीं है। वह औरत थोड़ी दूर चली ही थी कि लंगड़ाने लगी और उसके पैरों में दर्द के सारे लक्षण दिखने लगे। थोड़ी देर बाद वह रुक गई और पास से गुजर रही एक चार पहिया गाड़ी को रोका। मैं उसके पास पहुंचने में कामयाब रहा ताकि पता सुन सकूं, लेकिन मुझे इतना परेशान होने की ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि उसने इतनी ज़ोर से पता गाया कि गली के दूसरी तरफ तक सुनाई दे गया, '13, डंकन स्ट्रीट, हाउंड्सडिच जाइए,' उसने चिल्लाकर कहा। मुझे लगा कि यह सच लग रहा है, और उसे गाड़ी में सुरक्षित बिठाकर, मैं उसके पीछे छिप गया। यह एक ऐसी कला है जिसमें हर जासूस को माहिर होना चाहिए। खैर, हम तेज़ी से चल पड़े और जब तक उस गली में नहीं पहुंच गए, तब तक रुके नहीं। दरवाज़े तक पहुंचने से पहले ही मैं गाड़ी से उतर गया और आराम से गली में टहलने लगा। मैंने टैक्सी को रुकते देखा। ड्राइवर नीचे कूदा और मैंने उसे दरवाज़ा खोलते और उम्मीद से खड़े होते देखा। लेकिन कुछ भी बाहर नहीं आया। जब मैं उसके पास पहुंचा, तो वह घबराकर टटोल रहा था।" खाली टैक्सी में, वह व्यक्ति गालियों का ऐसा घालमेल कर रहा था जैसा मैंने पहले कभी नहीं सुना था। उसके यात्री का कोई अता-पता नहीं था, और मुझे डर है कि उसे किराया मिलने में काफी समय लगेगा। नंबर 13 पर पूछताछ करने पर पता चला कि वह घर केसविक नाम के एक सम्मानित अखबार विक्रेता का था, और वहां सॉयर या डेनिस नाम के किसी व्यक्ति का कभी कोई नामोनिशान नहीं था।

मैंने हैरानी से चिल्लाते हुए कहा, "क्या आपका मतलब यह है कि वह लड़खड़ाती, कमजोर बूढ़ी औरत चलती हुई टैक्सी से बिना आपकी या ड्राइवर की नज़र में आए बाहर निकल गई?"

"बुढ़ियाओं की तो ऐसी-तैसी!" शर्लक होम्स ने तीखे स्वर में कहा। "हम बुढ़ियाएँ थीं जो इतनी आसानी से बहक गई। ज़रूर कोई नौजवान रहा होगा, और वो भी फुर्तीला, साथ ही बेमिसाल अभिनेता भी। उसकी वेश-सज्जा लाजवाब थी। उसने ज़रूर देखा होगा कि कोई उसका पीछा कर रहा है, और मुझे चकमा देने के लिए उसने ये तरीका अपनाया। इससे पता चलता है कि जिस आदमी की हम तलाश कर रहे हैं, वो उतना अकेला नहीं है जितना मैंने सोचा था, बल्कि उसके ऐसे दोस्त हैं जो उसके लिए कुछ भी जोखिम उठाने को तैयार हैं। अब, डॉक्टर, आप कुछ ज़्यादा ही सजी-धजी लग रही हैं। मेरी सलाह मानिए और सो जाइए।"

मैं सचमुच बहुत थका हुआ महसूस कर रहा था, इसलिए मैंने उसकी आज्ञा का पालन किया। मैंने होम्स को सुलगती आग के सामने बैठा छोड़ दिया, और रात के कई पहरों तक मुझे उसके वायलिन की धीमी, उदास धुन सुनाई देती रही, और मैं समझ

गया कि वह अभी भी उस विचित्र समस्या पर विचार कर रहा था जिसे सुलझाने का उसने बीड़ा उठाया था।

अध्याय 6

टोबियास ग्रेगसन ने दिखाया कि वह क्या कर सकते हैं।

अगले दिन अखबार "ब्रिक्सटन रहस्य" से भरे हुए थे, जैसा कि उन्होंने इसे नाम दिया था। हर अखबार में इस मामले का विस्तृत विवरण था, और कुछ में तो इस पर संपादकीय लेख भी थे। उनमें कुछ ऐसी जानकारी थी जो मेरे लिए नई थी। मैंने अभी भी अपनी स्क्रैपबुक में इस मामले से संबंधित कई कतरनें और अंश सहेज कर रखे हैं। यहाँ उनमें से कुछ का संक्षिप्त रूप प्रस्तुत है:

डेली टेलीग्राफ ने टिप्पणी की कि अपराध के इतिहास में शायद ही कोई ऐसी त्रासदी हुई हो जिसके लक्षण इतने विचित्र हों। पीड़ित का जर्मन नाम, अन्य किसी मकसद का अभाव और दीवार पर लिखा भयावह लेख, ये सभी बातें राजनीतिक शरणार्थियों और क्रांतिकारियों द्वारा किए जाने की ओर इशारा करती हैं। अमेरिका में समाजवादियों की कई शाखाएं थीं, और मृतक ने निस्संदेह उनके अलिखित कानूनों का उल्लंघन किया था, जिसके चलते उन्हें खोजा गया था। वेहमगेरिच्ट, एक्वा टोफाना, कार्बोनारी, मार्किस डी ब्रिनविलियर्स, डार्विन का सिद्धांत, माल्थस के सिद्धांत और रैटक्लिफ हाईवे हत्याकांड का संक्षिप्त उल्लेख करने के बाद, लेख का समापन सरकार को फटकार लगाते हुए और इंग्लैंड में विदेशियों पर कड़ी निगरानी रखने की वकालत करते हुए किया गया।

द स्टैंडर्ड ने इस तथ्य पर टिप्पणी की कि इस प्रकार की गैरकानूनी घटनाएं आमतौर पर लिबरल प्रशासन के तहत होती थीं। ये जनता के मन में अस्थिरता और परिणामस्वरूप सभी सत्ता के कमजोर होने के कारण उत्पन्न होती थीं। मृतक एक अमेरिकी सज्जन थे जो कुछ हफ्तों से महानगर में रह रहे थे। वे कैम्बरवेल के टॉर्के टेरेस स्थित मैडम चारपेंटियर के बोर्डिंग हाउस में ठहरे थे। उनके साथ उनके निजी सचिव श्री जोसेफ स्टैंगर्सन भी थे। दोनों ने मंगलवार, 4 तारीख को अपनी मकान मालकिन को विदाई दी और लिवरपूल एक्सप्रेस पकड़ने के इरादे से यूस्टन स्टेशन के लिए रवाना हुए। बाद में उन्हें प्लेटफार्म पर एक साथ देखा गया। श्री ड्रेबर का शव, जैसा कि दर्ज किया गया है, यूस्टन से कई मील दूर ब्रिक्सटन रोड के एक खाली घर में मिलने तक उनके बारे में और कुछ पता नहीं चला। वे वहां कैसे पहुंचे या उनकी मृत्यु कैसे हुई, ये ऐसे प्रश्न हैं जो अभी भी रहस्य में डूबे हुए हैं। स्टैंगर्सन के ठिकाने के बारे में कुछ भी पता नहीं है। हमें यह जानकर खुशी हुई कि स्कॉटलैंड यार्ड के श्री लेस्ट्रेड और श्री ग्रेगसन दोनों इस मामले में लगे हुए हैं, और यह पूरी उम्मीद है कि ये सुप्रसिद्ध अधिकारी शीघ्र ही इस मामले पर प्रकाश डालेंगे।

डेली न्यूज ने टिप्पणी की कि इस अपराध के राजनीतिक होने में कोई संदेह नहीं था। महाद्वीपीय सरकारों में व्याप्त निरंकुशता और उदारवाद के प्रति घृणा के कारण कई ऐसे लोग हमारे देश में आ गए थे जो अपने अतीत में झेले गए अत्याचारों की यादों से आहत न होते तो उत्कृष्ट नागरिक बन सकते थे। इन लोगों में सम्मान का एक कठोर नियम था, जिसका उल्लंघन करने पर मृत्युदंड दिया जाता था। सचिव स्टैंगर्सन को ढूंढने और मृतक की आदतों के बारे में कुछ जानकारी जुटाने का हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। जिस घर में वह ठहरा था, उसका पता मिलने से एक महत्वपूर्ण

उपलब्धि हासिल हुई है - यह उपलब्धि पूरी तरह से स्कॉटलैंड यार्ड के श्री ग्रेगसन की सूझबूझ और सक्रियता के कारण संभव हुई है।

शेर्लक होम्स और मैंने नाश्ते के समय साथ मिलकर इन सूचनाओं को पढ़ा, और ऐसा प्रतीत हुआ कि उन्हें इनसे काफी मनोरंजन मिला।

मैंने तुमसे कहा था कि चाहे कुछ भी हो जाए, लेस्ट्रेड और ग्रेगसन गोल जरूर करेंगे।

"यह इस बात पर निर्भर करता है कि इसका परिणाम क्या निकलता है।"

अरे, भगवान भला करे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर वो आदमी पकड़ा जाता है, तो उनकी कोशिशों की वजह से होगा; अगर वो भाग जाता है, तो उनकी कोशिशों के बावजूद होगा। मेरी जीत होगी और तुम्हारी हार। वे कुछ भी करें, उनके अनुयायी तो होंगे ही। 'Un sot trouve toujours un plus sot qui l'admire'"

"यह सब क्या है?" मैं चिल्लाई, क्योंकि उसी क्षण हॉल और सीढ़ियों पर कई कदमों की आहट सुनाई दी, साथ ही हमारी मकान मालकिन के चेहरे पर घृणा के भाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिए।

"यह पुलिस बल का बेकर स्ट्रीट डिवीजन है," मेरे साथी ने गंभीरता से कहा; और जैसे ही उसने यह कहा, कमरे में लगभग आधा दर्जन सबसे गंदे और फटेहाल सड़क छाप अरब लोग घुस आए, जिन्हें मैंने पहले कभी नहीं देखा था।

"'सावधान!' होम्स ने तीखे स्वर में कहा, और वे छह बदमाश छोटे बदमाश किसी बदनाम मूर्ति की तरह कतार में खड़े हो गए। 'अगले कुछ दिनों में तुम विगिन्स को अकेले रिपोर्ट करने के लिए भेजोगे, और बाकी सब गली में इंतज़ार करेंगे। क्या तुम्हें वह मिल गया, विगिन्स?'"

"नहीं, जनाब, हमने ऐसा नहीं किया है," युवकों में से एक ने कहा।

"मुझे आपसे ऐसी उम्मीद बिल्कुल नहीं थी। जब तक आप ऐसा नहीं कर लेते, तब तक लगे रहिए। ये लीजिए आपकी तनख्वाह।" उन्होंने उनमें से प्रत्येक को एक शिलिंग दी। "अब जाइए, और अगली बार बेहतर रिपोर्ट लेकर आना।"

उसने हाथ हिलाया, और वे चूहों की तरह भागकर नीचे की ओर चले गए, और अगले ही पल हमें सड़क पर उनकी तीखी आवाजें सुनाई दीं।

"इन छोटे-मोटे जवानों में से एक से भी उतना काम निकल सकता है जितना पुलिस के एक दर्जन जवानों से भी नहीं निकल सकता," होम्स ने टिप्पणी की। "किसी अधिकारी जैसे दिखने वाले व्यक्ति को देखते ही लोग चुप हो जाते हैं। लेकिन ये नौजवान हर जगह जाते हैं और सब कुछ सुनते हैं। ये बहुत तेज़ दिमाग वाले भी हैं; इन्हें बस व्यवस्थित होने की ज़रूरत है।"

मैंने पूछा, "क्या आप उन्हें ब्रिक्सटन मामले के लिए नियुक्त कर रहे हैं?"

"जी हाँ; एक बात है जिसकी मुझे पुष्टि करनी है। बस कुछ ही समय की बात है। अरे वाह! अब हमें बहुत बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है! ग्रेगसन सड़क पर आ रहा है, उसके चेहरे पर परमानंद झलक रहा है। मुझे पता है, वह हमारे पास ही आ रहा है। जी हाँ, वह रुक रहा है। वह रहा!"

घंटी की जोरदार आवाज हुई, और कुछ ही सेकंड में सुनहरे बालों वाला जासूस तीन-तीन सीढ़ियाँ चढ़ता हुआ हमारे बैठक कक्ष में घुस आया।

"मेरे प्यारे साथी," उसने होम्स के बेजान हाथ को मरोड़ते हुए कहा, "मुझे बधाई दो! मैंने सारी बात दिन के उजाले की तरह स्पष्ट कर दी है।"

मुझे ऐसा लगा कि मेरे साथी के भावपूर्ण चेहरे पर चिंता की एक झलक दिखाई दी।

"क्या आपका मतलब यह है कि आप सही रास्ते पर हैं?" उसने पूछा।

"बिल्कुल सही रास्ता! जी हाँ, हमने उस आदमी को पकड़ लिया है।"

“और उसका नाम क्या है?”

"आर्थर चारपेंटियर, महारानी की नौसेना में उप-लेफ्टिनेंट," ग्रेगसन ने अपने मोटे हाथों को रगड़ते हुए और अपनी छाती फुलाते हुए गर्व से चिल्लाया।

शर्लक होम्स ने राहत की सांस ली और मुस्कुराते हुए आराम महसूस किया।

“बैठ जाइए और इनमें से एक सिगार चखिए,” उन्होंने कहा। “हम यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि आपने इसे कैसे पिया। क्या आप थोड़ी व्हिस्की और पानी लेंगे?”

“मुझे कोई आपत्ति नहीं,” जासूस ने उत्तर दिया। “पिछले एक-दो दिनों में मैंने जो अथक परिश्रम किया है, उससे मैं बहुत थक गया हूँ। शारीरिक परिश्रम से ज़्यादा, दिमाग पर बहुत ज़ोर पड़ा है। श्री शर्लक होम्स, आप इस बात को समझेंगे, क्योंकि हम दोनों ही दिमागी काम करने वाले हैं।”

होम्स ने गंभीरता से कहा, "आप मुझे बहुत सम्मान दे रहे हैं। हमें बताइए कि आप इस बेहद संतोषजनक परिणाम तक कैसे पहुंचे।"

जासूस आरामकुर्सी पर बैठ गया और बड़े आराम से सिगार का कश लेने लगा। फिर अचानक हंसी के मारे उसने अपनी जांघ पर हाथ मारा।

“मज़े की बात तो ये है,” वो चिल्लाया, “कि वो मूर्ख लेस्ट्रेड, जो खुद को बड़ा चालाक समझता है, पूरी तरह गलत रास्ते पर चला गया है। वो सेक्रेटरी स्टैंगरसन के पीछे पड़ा है, जिसका इस अपराध से उतना ही नाता है जितना उस अजन्मे बच्चे का। मुझे पूरा यकीन है कि अब तक वो उसे पकड़ चुका होगा।”

यह विचार ग्रेगसन को इतना मजेदार लगा कि वह हंसते-हंसते दम घुटने लगा।

और आपको यह सुराग कैसे मिला?

“अरे, मैं आपको इसके बारे में सब कुछ बताता हूँ। बेशक, डॉ. वॉटसन, यह पूरी तरह से हमारे बीच की बात है। सबसे पहली मुश्किल जिसका हमें सामना करना पड़ा, वह थी इस अमेरिकी के पूर्वज का पता लगाना। कुछ लोग तब तक इंतज़ार करते जब तक उनके विज्ञापनों का जवाब नहीं मिल जाता, या जब तक लोग खुद आगे आकर जानकारी नहीं देते। लेकिन टोबियास ग्रेगसन का काम करने का तरीका ऐसा नहीं है। आपको मृत व्यक्ति के बगल में पड़ी टोपी याद है?”

“जी हाँ,” होम्स ने कहा; “जॉन अंडरवुड एंड संस द्वारा, 129, कैम्बरवेल रोड।”

ग्रेगसन काफी निराश दिख रहा था।

“मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि आपने इस बात पर ध्यान दिया,” उसने कहा। “क्या आप वहाँ गए थे?”

"नहीं।"

“हा!” ग्रेगसन ने राहत भरी आवाज में कहा; “आपको कभी भी किसी अवसर को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न लगे।”

"महान व्यक्ति के लिए कुछ भी छोटा नहीं होता," होम्स ने उपदेशात्मक लहजे में कहा।

“तो, मैं अंडरवुड गया और उनसे पूछा कि क्या उन्होंने उस आकार और प्रकार की टोपी बेची है। उन्होंने अपनी किताबों में देखा और तुरंत जवाब मिल गया। उन्होंने वह टोपी मिस्टर ड्रेबर को भेजी थी, जो टार्क्वे टेरेस स्थित चारपेंटियर बोर्डिंग एस्टैब्लिशमेंट में रहते थे। इस तरह मुझे उनका पता मिल गया।”

“बहुत होशियार, — बेहद होशियार!” शर्लक होम्स ने धीरे से कहा।

“इसके बाद मैं मैडम चारपेंटियर से मिलने गया,” जासूस ने आगे बताया। “मैंने उन्हें बहुत पीला और परेशान पाया। उनकी बेटी भी कमरे में थी—वह भी बेहद खूबसूरत लड़की है; उसकी आँखें लाल थीं और जब मैंने उससे बात की तो उसके होंठ काँप रहे थे। यह बात मेरी नज़र से नहीं बची। मुझे कुछ गड़बड़ लगने लगी। आप जानते हैं ना,

मिस्टर शर्लक होम्स, जब आपको सही सुराग मिल जाता है—आपकी नसों में एक अजीब सी सिहरन दौड़ जाती है। मैंने पूछा, 'क्या आपने क्लीवलैंड के अपने दिवंगत किराएदार श्री एनोक जे. ड्रेबर की रहस्यमय मौत के बारे में सुना है?'"

मां ने सिर हिलाया। ऐसा लग रहा था जैसे वह एक शब्द भी नहीं बोल पा रही हो। बेटी फूट-फूटकर रोने लगी। मुझे पहले से कहीं ज्यादा यकीन हो गया कि इन लोगों को इस मामले की कुछ न कुछ जानकारी ज़रूर है।

मैंने पूछा, "श्री ड्रेबर आपके घर से ट्रेन पकड़ने के लिए कितने बजे निकले थे?"

"'आठ बजे,' उसने अपनी घबराहट को दबाने के लिए गले में घूंट भरते हुए कहा। 'उनके सचिव, श्री स्टैंगरसन ने कहा कि दो ट्रेनें हैं - एक 9:15 बजे और दूसरी 11 बजे। उन्हें पहली ट्रेन पकड़नी थी।'

"'और क्या वह आखिरी बार था जब आपने उसे देखा था?'"

जैसे ही मैंने सवाल पूछा, उस महिला के चेहरे पर अचानक भयानक बदलाव आ गया। उसके चेहरे के भाव एकदम गुस्से से लाल हो गए। कुछ सेकंड बाद ही वह 'हाँ' शब्द बोल पाई - और जब उसने बोला तो वह कर्कश, अस्वाभाविक स्वर में था।

"कुछ पल के लिए सन्नाटा छा गया, और फिर बेटी ने शांत, स्पष्ट आवाज में बात की।"

"'झूठ से कभी कोई भला नहीं हो सकता, माँ,' उसने कहा। 'आइए इस सज्जन से खुलकर बात करें। हमने श्री ड्रेबर को फिर से देखा था।'"

"'भगवान तुम्हें माफ करें!' मैडम चारपेंटियर चिल्लाईं, अपने हाथ ऊपर उठाते हुए और कुर्सी पर पीछे की ओर धंसते हुए। 'तुमने अपने भाई की हत्या की है।'"

"'आर्थर तो यही चाहेगा कि हम सच बोलें,' लड़की ने दृढ़ता से उत्तर दिया।

मैंने कहा, "'तुम्हें अभी मुझे इसके बारे में सब कुछ बता देना चाहिए।' 'आधी-अधूरी जानकारी न देने से भी बदतर होती है। इसके अलावा, तुम्हें नहीं पता कि हमें इसके बारे में कितना पता है।'"

"'इसका सारा दोष तुम्हारा होगा, ऐलिस!' उसकी माँ चिल्लाई; और फिर मेरी ओर मुड़कर बोली, 'मैं आपको सब कुछ बताऊंगी, महोदय। यह मत सोचिए कि मेरे बेटे की ओर से मेरी घबराहट इस डर से उपजी है कि कहीं उसका इस भयानक मामले में कोई हाथ न हो। वह पूरी तरह निर्दोष है। हालांकि, मुझे डर है कि आपकी और दूसरों की नज़रों में वह दोषी न लगे। लेकिन ऐसा होना बिल्कुल असंभव है। उसका उच्च चरित्र, उसका पेशा, उसका पिछला इतिहास, सब कुछ इसकी निंदा करते हैं।'"

मैंने जवाब दिया, "'आपके लिए सबसे अच्छा तरीका यही है कि आप सारी सच्चाई बता दें। यकीन मानिए, अगर आपका बेटा निर्दोष है तो उसे कोई नुकसान नहीं होगा।'"

"'शायद, ऐलिस, बेहतर होगा कि तुम हमें अकेला छोड़ दो,' उसने कहा और उसकी बेटी चली गई। 'अब, महोदय,' उसने आगे कहा, 'मेरा आपको यह सब बताने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन चूंकि मेरी बेचारी बेटी ने यह खुलासा कर दिया है, मेरे पास कोई विकल्प नहीं है। एक बार बोलने का फैसला कर लेने के बाद, मैं आपको बिना कुछ छोड़े सब कुछ बता दूंगी।'

मैंने कहा, 'यही तुम्हारा सबसे बुद्धिमानी भरा कदम है।'

"श्री ड्रेबर लगभग तीन सप्ताह से हमारे साथ हैं। वह और उनके सचिव, श्री स्टैंगरसन, यूरोप की यात्रा पर थे। मैंने उनके दोनों ट्रंकों पर कोपेनहेगन का लेबल देखा, जिससे पता चलता है कि वह उनका आखिरी पड़ाव था। स्टैंगरसन शांत और संयमी व्यक्ति थे, लेकिन उनके मालिक, मुझे यह कहते हुए खेद है, बिल्कुल विपरीत थे। उनकी आदतें असभ्य और व्यवहार क्रूर था। उनके आने की रात ही वे बहुत ज़्यादा शराब पी चुके थे, और वास्तव में, दिन में बारह बजे के बाद उन्हें शायद ही कभी होश में

कहा जा सकता था। नौकरानियों के प्रति उनका व्यवहार घृणित रूप से अभद्र और बेपरवाह था। सबसे बुरा तो यह था कि उन्होंने मेरी बेटी, ऐलिस के प्रति भी वही रवैया अपना लिया और उससे एक से अधिक बार इस तरह से बात की, जिसे सौभाग्य से वह इतनी भोली है कि समझ नहीं पाती। एक बार तो उन्होंने सचमुच उसे अपनी बाहों में भर लिया और गले लगा लिया - एक ऐसा घिनौना कृत्य जिसके कारण उनके अपने सचिव ने उनके इस कायरतापूर्ण व्यवहार के लिए उन्हें फटकारा।"

"'लेकिन आपने यह सब क्यों सहन किया?' मैंने पूछा। 'मुझे लगता है कि आप जब चाहें अपने किरायेदारों से छुटकारा पा सकते हैं।'

श्रीमती चारपेंटियर मेरे प्रासंगिक प्रश्न पर शरमा गईं। उन्होंने कहा, "काश मैंने उसे उसी दिन सूचना दे दी होती जिस दिन वह आया था। लेकिन यह एक बड़ा प्रलोभन था। वे प्रत्येक व्यक्ति को एक पाउंड प्रतिदिन दे रहे थे - चौदह पाउंड प्रति सप्ताह, और यह मंदी का मौसम है। मैं विधवा हूँ, और नौसेना में मेरे बेटे पर बहुत खर्च हुआ है। मैं पैसे खोना नहीं चाहती थी। मैंने सर्वोत्तम के लिए काम किया। हालाँकि, यह आखिरी बात हद से ज़्यादा थी, और मैंने इसी कारण उसे जाने की सूचना दे दी। यही उसके जाने का कारण था।"

"'कुंआ?'

"उसे जाते देख मेरा मन हल्का हो गया। मेरा बेटा अभी छुट्टी पर है, लेकिन मैंने उसे इस सब के बारे में कुछ नहीं बताया, क्योंकि उसका स्वभाव गुस्सैल है और वह अपनी बहन से बहुत प्यार करता है। जब मैंने उनके पीछे दरवाजा बंद किया तो मानो मेरे मन से बोझ उतर गया। अफ़सोस, एक घंटे से भी कम समय में घंटी बजी और मुझे पता चला कि मिस्टर ड्रेबर लौट आए हैं। वह बहुत उत्तेजित थे और जाहिर तौर पर नशे में चूर थे। वह ज़बरदस्ती उस कमरे में घुस आए जहाँ मैं अपनी बेटी के साथ बैठी थी और ट्रेन छूट जाने के बारे में कुछ अटपटी बातें करने लगे। फिर वह ऐलिस की ओर मुड़े और मेरे सामने ही उससे अपने साथ भागने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, "तुम बालिग हो, और तुम्हें रोकने वाला कोई कानून नहीं है। मेरे पास काफी पैसा है, बल्कि और भी बहुत कुछ। इस बुढ़िया की परवाह मत करो, बस अभी मेरे साथ चलो। तुम राजकुमारी की तरह रहोगी।" बेचारी ऐलिस इतनी डर गई थी कि वह उससे दूर हट गई, लेकिन उसने उसकी कलाई पकड़ ली और उसे दरवाज़े की ओर खींचने की कोशिश की। मैं चीख पड़ी, और उसी क्षण मेरा बेटा आर्थर कमरे में आया। उसके बाद क्या हुआ, मुझे नहीं पता। मैंने गालियाँ और हाथापाई की अस्पष्ट आवाज़ें सुनीं। मैं इतनी डरी हुई थी कि अपना सिर भी नहीं उठा पाई। जब मैंने ऊपर देखा तो आर्थर दरवाज़े पर खड़ा हंस रहा था, उसके हाथ में एक छड़ी थी। उसने कहा, "मुझे नहीं लगता कि वह बदमाश फिर कभी हमें परेशान करेगा। मैं उसके पीछे जाऊंगा और देखूंगा कि वह क्या करता है।" ये कहकर उसने अपनी टोपी उठाई और गली में चल पड़ा। अगली सुबह हमें श्री ड्रेबर की रहस्यमय मौत के बारे में पता चला।

"श्रीमती चारपेंटियर के मुंह से यह बात कई बार हांफते और रुक-रुक कर निकली। कभी-कभी वह इतनी धीमी आवाज में बोलती थीं कि मुझे शब्द मुश्किल से ही समझ आते थे। फिर भी मैंने उनकी कही हर बात को संक्षेप में लिख लिया, ताकि कोई गलती न हो।"

"यह तो काफी रोमांचक है," शर्लक होम्स ने जम्हाई लेते हुए कहा। "आगे क्या हुआ?"

जासूस ने आगे बताया, "जब श्रीमती चारपेंटियर रुकीं, तो मैंने देखा कि पूरा मामला एक ही बिंदु पर टिका हुआ था। मैंने अपनी आंखों से उन्हें घूरते हुए, जिस तरह से मैं

हमेशा महिलाओं के साथ कारगर साबित होता था, उनसे पूछा कि उनका बेटा किस समय लौटता है।”

“‘मुझे नहीं पता,’ उसने उत्तर दिया।”

"'नहीं जानता?'

“‘नहीं; उसके पास एक चाबी है, और वह खुद अंदर चला गया।’”

“‘जब तुम सोने चले गए थे?’”

"'हाँ।'

“‘तुम कब सोए थे?’”

“‘लगभग ग्यारह बजे।’”

“‘तो आपका बेटा कम से कम दो घंटे के लिए गायब था?’”

"'हाँ।'

“‘शायद चार या पाँच?’”

"'हाँ।'

“‘वह उस दौरान क्या कर रहा था?’”

“‘मुझे नहीं पता,’ उसने जवाब दिया, उसका चेहरा एकदम सफेद पड़ गया था।”

“उसके बाद तो कुछ और किया ही नहीं जा सकता था। मैंने लेफ्टिनेंट चारपेंटियर का पता लगाया, अपने साथ दो अधिकारियों को लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। जब मैंने उसके कंधे पर हाथ रखकर उसे चुपचाप हमारे साथ आने की चेतावनी दी, तो उसने बड़े ही बेशर्मी से जवाब दिया, ‘मुझे लगता है कि आप मुझे उस बदमाश ड्रेबर की मौत में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार कर रहे हैं।’ हमने उससे इस बारे में कुछ नहीं कहा था, इसलिए उसका इस ओर इशारा करना बेहद संदिग्ध लग रहा था।”

“बिल्कुल,” होम्स ने कहा।

“वह अब भी वही भारी लाठी लिए हुए था जिसके बारे में उसकी माँ ने बताया था कि जब वह ड्रेबर का पीछा कर रहा था तो वह उसे अपने साथ रखता था। वह एक मजबूत ओक की लाठी थी।”

तो फिर आपका सिद्धांत क्या है?

“मेरा मानना है कि वह ड्रेबर का पीछा करते हुए ब्रिक्सटन रोड तक गया। वहाँ पहुँचकर दोनों के बीच फिर से कहासुनी हुई, जिसके दौरान ड्रेबर को लाठी से पेट में शायद ज़ोरदार चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई और शरीर पर कोई निशान भी नहीं बचा। रात इतनी गीली थी कि आसपास कोई नहीं था, इसलिए चारपेंटियर अपने शिकार के शव को घसीटकर खाली घर में ले गया। मोमबत्ती, खून, दीवार पर लिखी बातें और अंगूठी, ये सब पुलिस को गुमराह करने की चालें हो सकती हैं।”

“शाबाश!” होम्स ने उत्साहवर्धक स्वर में कहा। “सचमुच, ग्रेगसन, तुम अच्छा काम कर रहे हो। हम तुमसे कुछ अच्छा ज़रूर निकालेंगे।”

“मुझे पूरा यकीन है कि मैंने इसे बड़ी चतुराई से निपटा लिया है,” जासूस ने गर्व से जवाब दिया। “उस युवक ने खुद बयान दिया कि ड्रेबर का कुछ देर पीछा करने के बाद, ड्रेबर ने उसे देख लिया और उससे बचने के लिए टैक्सी ले ली। घर लौटते समय उसकी मुलाकात एक पुराने साथी से हुई और वह उसके साथ लंबी सैर पर निकल गया। जब उससे पूछा गया कि वह साथी कहाँ रहता है, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। मुझे लगता है कि पूरा मामला बहुत ही सटीक बैठता है। मुझे लेस्ट्रेड के बारे में सोचकर हंसी आती है, जिसने गलत सुराग का पीछा करना शुरू कर दिया था। मुझे डर है कि वह इस बात को ज्यादा तवज्जो नहीं देगा। अरे वाह, ये तो वही आदमी है!”

दरअसल, लेस्ट्रेड ही थे जो हमारी बातचीत के दौरान सीढ़ियाँ चढ़कर कमरे में दाखिल हुए थे। उनके हाव-भाव और पहनावे में आमतौर पर दिखने वाला आत्मविश्वास

और चंचलता गायब थी। उनका चेहरा व्याकुल और परेशान था, जबकि उनके कपड़े अस्त-व्यस्त और गंदे थे। ज़ाहिर तौर पर वे शेर्लक होम्स से सलाह लेने आए थे, क्योंकि अपने साथी को देखते ही वे शर्मिंदा और परेशान दिखे। वे कमरे के बीचोंबीच खड़े हो गए, घबराकर अपनी टोपी से खेल रहे थे और समझ नहीं पा रहे थे कि क्या करें। अंत में उन्होंने कहा, "यह एक बेहद असाधारण मामला है—एक बेहद रहस्यमय मामला।"

"अहा, श्रीमान लेस्ट्रेड, आपको ऐसा ही लगता है!" ग्रेगसन ने विजयी भाव से कहा। "मुझे पता था कि आप इसी निष्कर्ष पर पहुँचेंगे। क्या आपने सचिव, श्री जोसेफ स्टैंगरसन को ढूँढा है?"

लेस्ट्रेड ने गंभीर स्वर में कहा, "सचिव श्री जोसेफ स्टैंगरसन की आज सुबह लगभग छह बजे हॉलिडे के प्राइवेट होटल में हत्या कर दी गई।"

अध्याय 7

अंधेरे में प्रकाश

लेस्ट्रेड ने जिस बुद्धिमत्ता से हमारा स्वागत किया, वह इतना महत्वपूर्ण और अप्रत्याशित था कि हम तीनों दंग रह गए। ग्रेगसन अपनी कुर्सी से उछल पड़ा और अपनी बची हुई व्हिस्की और पानी उलट दिया। मैं चुपचाप शेर्लक होम्स को देखता रहा, जिनके होंठ कसे हुए थे और भौंहें आँखों पर झुकी हुई थीं। "स्टैंगर्सन भी!" उन्होंने बुदबुदाया। "मामला और पेचीदा होता जा रहा है।"

"पहले तो यह काफी घना था," लेस्ट्रेड ने कुर्सी पर बैठते हुए बुदबुदाया, "लगता है मैं किसी युद्ध परिषद में आ गिरा हूँ।"

"क्या आप—क्या आप इस जानकारी के बारे में पूरी तरह आश्वस्त हैं?" ग्रेगसन हकलाते हुए बोला।

"मैं अभी-अभी उसके कमरे से आया हूँ," लेस्ट्रेड ने कहा। "जो कुछ हुआ था, उसका पता सबसे पहले मुझे ही चला।"

"हम ग्रेगसन का इस मामले पर दृष्टिकोण सुन रहे हैं," होम्स ने कहा। "क्या आप हमें यह बताने में कोई आपत्ति नहीं करेंगे कि आपने क्या देखा और क्या किया?"

"मुझे कोई आपत्ति नहीं है," लेस्ट्रेड ने बैठते हुए उत्तर दिया। मैं खुले तौर पर स्वीकार करता हूँ कि मेरा मानना था कि ड्रेबर की मौत में स्टैंगर्सन का हाथ था। इस नए घटनाक्रम ने मुझे दिखाया कि मैं पूरी तरह गलत था। एक ही बात मन में ठानकर, मैंने सचिव का पता लगाने का निश्चय किया। उन्हें 3 तारीख की शाम लगभग साढ़े आठ बजे यूस्टन स्टेशन पर एक साथ देखा गया था। सुबह दो बजे ड्रेबर ब्रिक्सटन रोड पर मृत पाया गया था। मेरे सामने सवाल यह था कि स्टैंगर्सन सुबह 8:30 बजे से लेकर अपराध के समय तक किस काम में लगा हुआ था और उसके बाद उसका क्या हुआ। मैंने लिवरपूल को टेलीग्राम भेजा, जिसमें उस व्यक्ति का विवरण दिया और उन्हें अमेरिकी नावों पर नज़र रखने की चेतावनी दी। फिर मैंने यूस्टन के आसपास के सभी होटलों और लॉजिंग हाउसों में जाकर पूछताछ शुरू की। दरअसल, मैंने तर्क दिया कि अगर ड्रेबर और उसका साथी अलग हो गए थे, तो बाद वाले के लिए स्वाभाविक यही होगा कि वह रात भर आसपास कहीं रुके और फिर अगली सुबह स्टेशन के आसपास मंडराए।

होम्स ने टिप्पणी की, "वे संभवतः पहले से ही किसी बैठक स्थल पर सहमत हो जाएंगे।"

"और ऐसा ही हुआ। मैंने कल शाम पूरी तरह से पूछताछ करने में बिताई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आज सुबह मैं बहुत जल्दी उठा और आठ बजे लिटिल जॉर्ज

स्ट्रीट स्थित हॉलेडेज़ प्राइवेट होटल पहुँच गया। जब मैंने उनसे पूछा कि क्या मिस्टर स्टैंगर्सन वहाँ रहते हैं, तो उन्होंने तुरंत हाँ में जवाब दिया।"

उन्होंने कहा, "इसमें कोई शक नहीं कि आप ही वह सज्जन हैं जिनकी उन्हें प्रतीक्षा थी। वे दो दिनों से एक सज्जन का इंतजार कर रहे हैं।"

मैंने पूछा, 'वह अब कहाँ है?'

"'वह ऊपर कमरे में बिस्तर पर है। उसने नौ बजे बुलाए जाने की इच्छा जताई है।'"

मैंने कहा, "मैं तुरंत ऊपर जाकर उनसे मिलूंगा।"

मुझे लगा कि मेरे अचानक आने से वह घबरा जाएगा और कुछ अनकही बात कह देगा। बूट्स ने मुझे कमरा दिखाने की पेशकश की: कमरा दूसरी मंजिल पर था और वहाँ तक जाने के लिए एक छोटा सा गलियारा था। बूट्स ने मुझे दरवाजा दिखाया और नीचे जाने ही वाला था कि मैंने कुछ ऐसा देखा जिससे बीस साल के अनुभव के बावजूद मेरी हालत खराब हो गई। दरवाजे के नीचे से खून की एक पतली सी लाल धार बह रही थी, जो गलियारे से होते हुए दूसरी तरफ दीवार के किनारे पर एक छोटा सा तालाब बना रही थी। मैं चीख पड़ा, जिससे बूट्स वापस आ गया। उसे देखकर वह लगभग बेहोश हो गया। दरवाजा अंदर से बंद था, लेकिन हमने धक्का देकर उसे तोड़ दिया। कमरे की खिड़की खुली थी और खिड़की के पास, दुबका हुआ, एक आदमी का शव नाइटड्रेस में पड़ा था। वह पूरी तरह से मर चुका था, और कुछ समय पहले ही मर गया था, क्योंकि उसके अंग अकड़े हुए और ठंडे थे। जब हमने उसे पलटा, तो बूट्स ने उसे तुरंत पहचान लिया कि वह वही सज्जन है जिसने नीचे वाला कमरा बुक किया था। जोसेफ स्टैंगर्सन नाम का व्यक्ति। उसकी मृत्यु का कारण बाईं ओर गहरा घाव था, जो निश्चित रूप से हृदय तक पहुंच गया होगा। और अब आता है इस मामले का सबसे विचित्र हिस्सा। आपके विचार से मृत व्यक्ति के ऊपर क्या था?

शर्लक होम्स के जवाब देने से पहले ही मुझे अपने शरीर में सिहरन सी महसूस हुई और आने वाले भयानक मंजर का पूर्वाभास हो गया।

उन्होंने कहा, "खून से लिखे अक्षरों में 'राचे' शब्द लिखा था।"

"बस यही था," लेस्ट्रेड ने विस्मय भरी आवाज में कहा, और हम सब कुछ देर के लिए चुप हो गए।

इस अज्ञात हत्यारे के कृत्यों में कुछ ऐसा सुनियोजित और रहस्यमय था कि उसके अपराधों में एक नई भयावहता झलकती थी। युद्ध के मैदान में तो मेरी नसें काफी स्थिर रहती थीं, लेकिन इसके बारे में सोचते ही उनमें झनझनाहट सी दौड़ गई।

"उस आदमी को देखा गया था," लेस्ट्रेड ने आगे बताया। "एक दूधवाला, जो डेयरी जा रहा था, होटल के पीछे बने अस्तबल से निकलने वाली गली से गुजर रहा था। उसने देखा कि वहाँ आमतौर पर पड़ी रहने वाली सीढ़ी दूसरी मंज़िल की एक खिड़की के सहारे खड़ी थी, जो पूरी तरह खुली हुई थी। आगे बढ़ने के बाद, उसने पीछे मुड़कर देखा तो एक आदमी सीढ़ी से नीचे उतर रहा था। वह इतनी खामोशी और खुलेआम नीचे उतरा कि लड़के ने सोचा कि वह होटल में काम करने वाला कोई बढ़ई या मिस्त्री होगा। उसने उस पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया, बस मन ही मन सोचा कि उसके काम पर आने का यह अच्छा समय नहीं है। उसे याद है कि वह आदमी लंबा था, उसका चेहरा लाल था और उसने एक लंबा, भूरे रंग का कोट पहना हुआ था। हत्या के बाद वह कुछ देर कमरे में रुका होगा, क्योंकि हमें बेसिन में खून से सना पानी मिला, जहाँ उसने हाथ धोए थे, और चादरों पर निशान मिले जहाँ उसने जानबूझकर चाकू से अपने हाथ पोंछे थे।"

हत्यारे का जो विवरण होम्स के खुद के विवरण से हूबहू मेल खाता था, उसे सुनकर मैंने उसकी ओर एक नजर डाली। हालांकि, उसके चेहरे पर खुशी या संतुष्टि का कोई

निशान नहीं था।

"क्या आपको कमरे में ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे हत्यारे का सुराग मिल सके?" उसने पूछा।

कुछ नहीं मिला। स्टैंगरसन की जेब में ड्रेबर का पर्स था, लेकिन लगता है यह उसकी आदत थी, क्योंकि सारा भुगतान वही करता था। पर्स में लगभग अस्सी पाउंड थे, लेकिन कुछ भी चोरी नहीं हुआ था। इन असाधारण अपराधों के पीछे जो भी मकसद हो, लूटपाट तो बिल्कुल नहीं। मारे गए व्यक्ति की जेब में कोई कागज़ या दस्तावेज़ नहीं मिले, सिवाय एक टेलीग्राम के, जो लगभग एक महीने पहले क्लीवलैंड से भेजा गया था और जिसमें लिखा था, 'जे. एच. यूरोप में हैं।' इस संदेश में किसी का नाम नहीं लिखा था।

"और कुछ नहीं था?" होम्स ने पूछा।

"कुछ खास नहीं था। उस आदमी का उपन्यास, जिसे पढ़ते-पढ़ते वह सो गया था, बिस्तर पर पड़ा था, और उसकी पाइप उसके बगल वाली कुर्सी पर थी। मेज पर पानी का एक गिलास था, और खिड़की की चौखट पर एक छोटी सी मरहम की डिब्बी थी जिसमें कुछ गोलियां थीं।"

शेरलॉक होम्स खुशी से चिल्लाते हुए अपनी कुर्सी से उछल पड़े।

"आखिरी कड़ी भी पूरी हो गई," वह खुशी से चिल्लाया। "मेरा मामला अब सुलझ गया है।"

दोनों जासूस उसे हैरानी से घूरने लगे।

मेरे साथी ने आत्मविश्वास से कहा, "अब मेरे पास वे सभी सूत्र हैं जिनसे यह उलझा हुआ मामला बना है। बेशक, अभी कुछ विवरण बाकी हैं, लेकिन स्टेशन पर ड्रेबर और स्टैंजर्सन के अलग होने से लेकर स्टैंजर्सन के शव मिलने तक के सभी मुख्य तथ्यों के बारे में मुझे उतना ही यकीन है, मानो मैंने उन्हें अपनी आँखों से देखा हो। मैं आपको अपने ज्ञान का प्रमाण दूंगा। क्या आप उन गोलियों को ढूंढ सकते हैं?"

"ये मेरे पास हैं," लेस्ट्रेड ने एक छोटा सा सफेद डिब्बा निकालते हुए कहा; "मैंने इन्हें, पर्स और टेलीग्राम को पुलिस स्टेशन में सुरक्षित रखने के इरादे से लिया था। इन गोलियों का मिलना महज एक संयोग था, क्योंकि मैं इन्हें कोई महत्व नहीं देता।"

"इन्हें यहाँ दीजिए," होम्स ने कहा। "अब, डॉक्टर," मेरी ओर मुड़ते हुए, "क्या ये साधारण गोलियां हैं?"

वे बिल्कुल भी पानी में घुलनशील नहीं थे। उनका रंग मोती जैसा भूरा था, वे छोटे, गोल और प्रकाश में लगभग पारदर्शी थे। मैंने कहा, "उनके हल्केपन और पारदर्शिता को देखते हुए, मुझे लगता है कि वे पानी में घुलनशील होंगे।"

"बिल्कुल सही," होम्स ने जवाब दिया। "अब क्या आप नीचे जाकर उस बेचारे छोटे से टेरियर कुत्ते को लाएंगे जो बहुत दिनों से बीमार है और जिसे मकान मालकिन ने कल आपको दर्द से मुक्ति दिलाने के लिए मारना चाहा था?"

मैं नीचे गया और कुत्ते को गोद में उठाकर ऊपर ले आया। उसकी साँसें फूल रही थीं और आँखें धुंधली पड़ गई थीं, जिससे पता चल रहा था कि उसका अंत निकट है। वास्तव में, उसका बर्फ़ जैसा सफ़ेद थूथन इस बात का प्रमाण था कि वह कुत्तों के सामान्य जीवनकाल को पार कर चुका है। मैंने उसे कालीन पर रखे तकिये पर लिटा दिया।

"मैं अब इन गोलियों में से एक को दो हिस्सों में काटूंगा," होम्स ने कहा और अपनी कलम निकालने वाले चाकू को निकालते हुए तुरंत कार्रवाई की। "एक हिस्सा हम भविष्य में उपयोग के लिए डिब्बे में वापस रख देंगे। दूसरा हिस्सा मैं इस वाइन ग्लास में

डालूंगा, जिसमें एक चम्मच पानी है। आप देख सकते हैं कि हमारे मित्र, डॉक्टर, सही हैं और यह आसानी से घुल जाता है।”

"यह बहुत दिलचस्प हो सकता है," लेस्ट्रेड ने उस आहत स्वर में कहा, जैसे उसे संदेह हो कि उस पर हंसा जा रहा है; "लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा है कि इसका श्री जोसेफ स्टैंगर्सन की मृत्यु से क्या संबंध है।"

“धैर्य रखो, मेरे दोस्त, धैर्य रखो! समय आने पर तुम्हें पता चलेगा कि इसमें सब कुछ इसी से जुड़ा है। अब मैं मिश्रण को स्वादिष्ट बनाने के लिए इसमें थोड़ा दूध मिलाऊंगा, और जब हमने इसे कुत्ते को दिया तो हमने देखा कि वह इसे बड़ी आसानी से चाट गया।”

बोलते-बोलते उन्होंने गिलास का सारा पेय एक तश्तरी में निकाल लिया और उसे टेरियर कुत्ते के सामने रख दिया, जिसे उसने झटपट चाटकर सुखा दिया। शर्लक होम्स के गंभीर व्यवहार ने हमें अब तक इतना आश्वस्त कर दिया था कि हम सब चुपचाप बैठे उस जानवर को ध्यान से देख रहे थे और किसी चौंकाने वाले प्रभाव की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। कुत्ता तकिये पर लेटा रहा, मुश्किल से साँस ले रहा था, लेकिन ऐसा लग रहा था कि पेय पीने से उसे न तो कोई फायदा हुआ और न ही कोई नुकसान।

होम्स ने अपनी घड़ी निकाल ली थी, और जैसे-जैसे मिनट बीतते गए और कोई नतीजा नहीं निकला, उनके चेहरे पर गहरी निराशा और हताशा के भाव उभर आए। वे अपने होंठ चबा रहे थे, मेज पर उंगलियां थपथपा रहे थे, और बेचैनी के सारे लक्षण दिखा रहे थे। उनकी भावना इतनी तीव्र थी कि मुझे उन पर तरस आ रहा था, जबकि दोनों जासूस व्यंग्य भरी मुस्कान के साथ मुस्कुरा रहे थे, उन्हें इस निराशा से ज़रा भी आपत्ति नहीं थी।

“यह महज़ संयोग नहीं हो सकता!” वह चिल्लाया, अंततः अपनी कुर्सी से उछलकर कमरे में इधर-उधर बेतहाशा घूमने लगा; “यह महज़ संयोग होना असंभव है। जिन गोलियों पर मुझे ड्रेबर के मामले में शक था, वे स्टैंगर्सन की मृत्यु के बाद मिली हैं। और फिर भी वे बेअसर हैं। इसका क्या मतलब हो सकता है? यकीनन मेरी सारी तर्क-पद्धति गलत नहीं हो सकती। यह असंभव है! और फिर भी इस बेचारे कुत्ते पर कोई असर नहीं हुआ। आह, मुझे मिल गया! मुझे मिल गया!” खुशी से चीखते हुए वह डिब्बे की ओर दौड़ा, दूसरी गोली को दो हिस्सों में काटा, उसे घोला, दूध मिलाया और टेरियर को दे दिया। बेचारे जानवर की जीभ पर वह गोली लगी ही थी कि उसके हर अंग में ऐंठन सी होने लगी और वह इतना अकड़ा हुआ और बेजान पड़ा रहा मानो उस पर बिजली गिर गई हो।

शर्लक होम्स ने एक गहरी साँस ली और माथे से पसीना पोंछा। “मुझे और अधिक विश्वास रखना चाहिए था,” उन्होंने कहा; “मुझे अब तक यह जान लेना चाहिए था कि जब कोई तथ्य कई अनुमानों के विपरीत प्रतीत होता है, तो वह हमेशा किसी अन्य व्याख्या के योग्य सिद्ध होता है। उस डिब्बे में मौजूद दो गोलियों में से एक सबसे घातक जहर की थी और दूसरी बिल्कुल हानिरहित। मुझे यह बात डिब्बा देखने से पहले ही जान लेनी चाहिए थी।”

यह आखिरी बयान मुझे इतना चौंकाने वाला लगा कि मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था कि वह होश में है। हालांकि, मरा हुआ कुत्ता इस बात का सबूत था कि उसका अनुमान सही था। मुझे ऐसा लगा जैसे मेरे दिमाग में छाई धुंध धीरे-धीरे छंट रही है और मुझे सच्चाई की हल्की-सी झलक मिलने लगी है।

“यह सब आपको अजीब लग रहा है,” होम्स ने आगे कहा, “क्योंकि आप जांच की शुरुआत में उस एकमात्र महत्वपूर्ण सुराग को नहीं समझ पाए जो आपको दिया गया

था। मुझे सौभाग्य से वह सुराग मिल गया, और उसके बाद जो कुछ भी हुआ है, उसने मेरी मूल धारणा की पुष्टि की है, और वास्तव में, यह उसका तार्किक क्रम था। इसलिए, जिन चीजों ने आपको उलझन में डाला है और मामले को और अधिक अस्पष्ट बना दिया है, उन्होंने मुझे ज्ञान दिया है और मेरे निष्कर्षों को मजबूत किया है। अजीबपन को रहस्य समझ लेना एक गलती है। सबसे सामान्य अपराध अक्सर सबसे रहस्यमय होता है, क्योंकि उसमें कोई नई या विशेष विशेषता नहीं होती जिससे निष्कर्ष निकाले जा सकें। यदि पीड़ित का शव सड़क पर पड़ा हुआ मिलता, बिना उन असाधारण और सनसनीखेज घटनाओं के, जिन्होंने इसे उल्लेखनीय बना दिया है, तो इस हत्या को सुलझाना कहीं अधिक कठिन होता। ये अजीब विवरण, मामले को और अधिक कठिन बनाने के बजाय, वास्तव में इसे कम कठिन बना रहे हैं।"

श्री ग्रेगसन, जो इस भाषण को बड़ी बेसब्री से सुन रहे थे, अब और संयम नहीं रख सके। उन्होंने कहा, "देखिए, श्री शर्लक होम्स, हम सब मानते हैं कि आप एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं और आपके काम करने के अपने तरीके हैं। लेकिन अब हमें केवल सिद्धांत और उपदेश से कुछ अधिक चाहिए। बात है असली अपराधी को पकड़ने की। मैंने अपनी बात साबित कर दी है, और लगता है मैं गलत था। युवा शार्पेंटियर इस दूसरे मामले में शामिल नहीं हो सकता था। लेस्ट्रेड ने अपने आदमी, स्टैंगर्सन का पीछा किया, और लगता है वह भी गलत था। आपने यहाँ-वहाँ इशारे किए हैं और ऐसा लगता है कि आप हमसे ज़्यादा जानते हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि हम आपसे सीधे पूछें कि आपको इस मामले की कितनी जानकारी है। क्या आप उस आदमी का नाम बता सकते हैं जिसने यह किया है?"

"मुझे लगता है कि ग्रेगसन सही कह रहे हैं, महोदय," लेस्ट्रेड ने कहा। "हम दोनों ने कोशिश की है और हम दोनों असफल रहे हैं। जब से मैं कमरे में आया हूँ, आपने एक से अधिक बार कहा है कि आपके पास सभी आवश्यक सबूत हैं। निश्चित रूप से आप अब इन्हें और छिपाकर नहीं रखेंगे।"

मैंने कहा, "हत्यारे को गिरफ्तार करने में किसी भी प्रकार की देरी उसे कोई नया अत्याचार करने का समय दे सकती है।"

हम सब के दबाव में आकर होम्स अनिर्णय के लक्षण दिखाने लगे। वे अपना सिर सीने पर झुकाए और भौंहें सिकोड़े कमरे में इधर-उधर घूमते रहे, जैसा कि वे चिंतन में डूबे रहने पर अक्सर करते थे।

अंत में अचानक रुककर और हमारी ओर मुड़कर उसने कहा, "अब और हत्याएं नहीं होंगी।" "आप इस बात को छोड़ दीजिए। आपने मुझसे पूछा है कि क्या मैं हत्यारे का नाम जानता हूँ। मैं जानता हूँ। हालाँकि, उसका नाम जानना तो छोटी बात है, उसे पकड़ने की शक्ति के मुकाबले। मुझे उम्मीद है कि मैं बहुत जल्द ऐसा कर पाऊँगा। मुझे अपने इंतज़ामों से इसे पूरा करने की पूरी उम्मीद है; लेकिन यह एक ऐसा मामला है जिसमें सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि हमें एक धूर्त और शातिर आदमी से निपटना है, जिसे, जैसा कि मुझे साबित करने का मौका मिला है, एक और उतना ही चालाक आदमी का समर्थन प्राप्त है। जब तक इस आदमी को यह आभास नहीं होता कि किसी को भी इसकी जानकारी हो सकती है, तब तक उसे पकड़ने की कुछ संभावना है - लेकिन अगर उसे ज़रा सा भी शक हुआ, तो वह अपना नाम बदल लेगा और इस महान शहर के चार मिलियन निवासियों के बीच पल भर में गायब हो जाएगा। आप दोनों की भावनाओं को ठेस पहुँचाए बिना, मुझे यह कहना होगा कि मैं इन लोगों को सरकारी बल से कहीं अधिक शक्तिशाली मानता हूँ, और इसीलिए मैंने आपकी सहायता नहीं माँगी है। अगर मैं असफल होता हूँ, तो इस चूक का सारा दोष मुझ पर ही आएगा; लेकिन मैं

इसके लिए तैयार हूं। फिलहाल मैं तैयार हूं... मैं वादा करता हूं कि जैसे ही मैं अपने निजी समझौतों को खतरे में डाले बिना आपसे संवाद कर सकूंगा, मैं ऐसा अवश्य करूंगा।

ग्रेगसन और लेस्ट्रेड इस आश्वासन से, और न ही पुलिस जासूसों के बारे में किए गए अपमानजनक उल्लेख से संतुष्ट प्रतीत नहीं हुए। ग्रेगसन का चेहरा सुनहरे बालों की जड़ों तक लाल हो गया था, जबकि लेस्ट्रेड की छोटी-छोटी आँखें जिज्ञासा और आक्रोश से चमक रही थीं। हालाँकि, दोनों को बोलने का समय ही नहीं मिला था कि दरवाजे पर दस्तक हुई और गली के अरबों के प्रवक्ता, युवा विगिन्स ने अपना तुच्छ और अप्रिय व्यक्तित्व पेश किया।

“कृपया महोदय,” उसने अपनी लटों को छूते हुए कहा, “मेरी टैक्सी नीचे खड़ी है।”

“शाबाश,” होम्स ने बेपरवाही से कहा। “क्यों न तुम इस पैटर्न को स्कॉटलैंड यार्ड में आजमाओ?” उसने दराज से स्टील की हथकड़ी निकालते हुए कहा। “देखो, स्प्रिंग कितनी खूबसूरती से काम करती है। ये पलक झपकते ही लग जाती हैं।”

लेस्ट्रेड ने टिप्पणी की, "पुराना पैटर्न काफी अच्छा है, बशर्ते हमें उन्हें पहनने के लिए सही आदमी मिल जाए।"

“बहुत बढ़िया, बहुत बढ़िया,” होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा। “टैक्सी ड्राइवर को मेरे बक्से उठाने में मदद करनी चाहिए। बस उससे कह दो कि वह ऊपर आ जाए, विगिंस।”

मुझे आश्चर्य हुआ जब मैंने देखा कि मेरा साथी ऐसे बात कर रहा था मानो वह किसी यात्रा पर निकलने वाला हो, जबकि उसने मुझे इस बारे में कुछ नहीं बताया था। कमरे में एक छोटा सा सूटकेस था, जिसे उसने निकाला और बांधने लगा। वह उसी में व्यस्त था कि तभी टैक्सी ड्राइवर कमरे में दाखिल हुआ।

"बस इस बकल को खोलने में मेरी मदद करो, कैबमैन," उसने अपना काम करते हुए घुटनों के बल बैठते हुए कहा, और उसने अपना सिर बिल्कुल नहीं घुमाया।

वह व्यक्ति कुछ उदास और अड़ियल भाव से आगे आया और मदद करने के लिए अपने हाथ बढ़ा दिए। उसी क्षण एक तेज़ क्लिक की आवाज़ आई, धातु के टकराने की आवाज़ हुई और शर्लक होम्स फिर से अपने पैरों पर खड़े हो गए।

“सज्जनों,” उसने चमकती आँखों से चिल्लाते हुए कहा, “आइए मैं आपको श्री जेफरसन होप से मिलवाता हूं, जो एनोक ड्रेबर और जोसेफ स्टेंगर्सन के हत्यारे हैं।”

यह सब एक पल में घट गया—इतनी तेज़ी से कि मुझे इसका एहसास भी नहीं हुआ। मुझे वह क्षण अच्छी तरह याद है, होम्स के विजयी भाव और उनकी आवाज़ की गूंज, टैक्सी ड्राइवर का स्तब्ध, क्रूर चेहरा, जब वह चमकती हथकड़ियों को घूर रहा था, जो मानो जादू से उसकी कलाई पर आ गई थीं। एक-दो सेकंड के लिए हम सब मानो मूर्ति बन गए थे। फिर क्रोध की एक अस्पष्ट दहाड़ के साथ, कैदी ने खुद को होम्स की पकड़ से छुड़ाया और खिड़की से बाहर कूद गया। लकड़ी और कांच उसके सामने टूट गए; लेकिन इससे पहले कि वह पूरी तरह से बाहर निकल पाता, ग्रेगसन, लेस्ट्रेड और होम्स उस पर शिकारी कुत्तों की तरह टूट पड़े। उसे घसीटकर कमरे में वापस लाया गया, और फिर एक भयंकर संघर्ष शुरू हो गया। वह इतना शक्तिशाली और इतना उग्र था कि हम चारों बार-बार उससे दूर गिरते रहे। ऐसा लग रहा था जैसे उसमें मिर्गी के दौरे से पीड़ित व्यक्ति जैसी ताकत हो। कांच से गुजरने के कारण उसका चेहरा और हाथ बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो गए थे, लेकिन खून बहने से भी उसका प्रतिरोध कम नहीं हुआ। जब तक लेस्ट्रेड ने उसके गले के कपड़े के अंदर हाथ डालकर उसे आधा गला घोंटकर नहीं मार डाला, तब तक हमें यह एहसास नहीं हुआ कि उसके संघर्ष व्यर्थ हैं; और तब भी हमें तब तक कोई सुरक्षा महसूस नहीं हुई जब तक हमने उसके हाथों के

साथ-साथ उसके पैरों को भी जकड़ नहीं लिया। यह सब करने के बाद, हम हांफते-हांफते खड़े हो गए।

"हमें उसकी टैक्सी मिल गई है," शर्लक होम्स ने कहा। "यह उसे स्कॉटलैंड यार्ड ले जाने के काम आएगी। और अब, सज्जनों," उन्होंने एक सुखद मुस्कान के साथ आगे कहा, "हमारा छोटा सा रहस्य यहीं समाप्त होता है। अब आप मुझसे जो भी प्रश्न पूछना चाहें, पूछ सकते हैं, और मैं उनका उत्तर देने से इनकार नहीं करूंगा।"

भाग 2

संतों का देश

अध्याय 1

विशाल क्षारीय मैदान पर

उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप के मध्य भाग में एक बंजर और दुर्गम रेगिस्तान फैला हुआ है, जिसने वर्षों तक सभ्यता के विकास में बाधा उत्पन्न की है। सिएरा नेवादा से नेब्रास्का तक और उत्तर में येलोस्टोन नदी से दक्षिण में कोलोराडो नदी तक फैला यह क्षेत्र वीरान और सन्नाटे से घिरा है। इस विशाल क्षेत्र में प्रकृति का स्वरूप हमेशा एक जैसा नहीं रहता। यहां बर्फ से ढके ऊंचे पर्वत और अंधेरी घाटियाँ हैं। यहां उबड़-खाबड़ दर्रों से होकर बहने वाली तेज़ नदियाँ हैं; और विशाल मैदान हैं, जो सर्दियों में बर्फ से सफेद और गर्मियों में खारी क्षारीय धूल से धूसर हो जाते हैं। फिर भी, इन सभी में बंजरपन, निर्जनता और दुख के सामान्य लक्षण दिखाई देते हैं।

इस निराशा की भूमि में कोई निवासी नहीं है। पावनी या ब्लैकफीट जनजाति के कुछ लोग कभी-कभार शिकारगाहों की ओर जाते हैं, लेकिन साहसी और साहसी लोग इन विशाल मैदानों को पीछे छोड़कर अपने प्राकृतिक मैदानों में लौटकर प्रसन्न होते हैं। कोयोट झाड़ियों में दुबका रहता है, गिद्ध भारी-भारी होकर हवा में उड़ता है, और अनाड़ी भालू अंधेरी घाटियों में धीरे-धीरे चलता है और चट्टानों के बीच से जो भी भोजन मिलता है, उसे बटोर लेता है। यही इस निर्जन क्षेत्र के एकमात्र निवासी हैं।

पूरी दुनिया में सिएरा ब्लैंको के उत्तरी ढलान से दिखने वाला नज़ारा शायद ही कहीं और हो। जहां तक नज़र जाती है, विशाल समतल मैदान फैला हुआ है, जो जगह-जगह क्षारीय मिट्टी से ढका है और छोटे-छोटे चैपरल झाड़ियों के झुंडों से घिरा है। क्षितिज के बिल्कुल किनारे पर पहाड़ों की एक लंबी श्रृंखला है, जिनकी ऊबड़-खाबड़ चोटियाँ बर्फ से ढकी हैं। इस विशाल भूभाग में जीवन का कोई संकेत नहीं है, न ही जीवन से जुड़ी किसी चीज़ का। नीले आसमान में कोई पक्षी नहीं, धूसर धरती पर कोई हलचल नहीं - सबसे बढ़कर, वहां पूर्ण सन्नाटा है। आप चाहे जितना भी सुनें, उस विशाल वीरान जगह में किसी भी आवाज़ का नामोनिशान नहीं; केवल सन्नाटा - पूर्ण और हृदय को स्तब्ध कर देने वाला सन्नाटा।

कहा जाता है कि इस विशाल मैदान में जीवन से जुड़ी कोई चीज नहीं है। यह बात पूरी तरह सच नहीं है। सिएरा ब्लैंको से नीचे देखने पर रेगिस्तान में एक पगडंडी दिखाई देती है, जो दूर जाकर कहीं खो जाती है। यह पहियों के निशानों से भरी है और कई यात्रियों के पैरों के निशानों से रौंदी गई है। जगह-जगह सफेद वस्तुएं बिखरी पड़ी हैं जो धूप में चमकती हैं और क्षार की धुंधली परत के बीच अलग से दिखाई देती हैं। पास

जाकर इन्हें देखें। ये हड्डियां हैं: कुछ बड़ी और खुरदुरी, तो कुछ छोटी और नाजुक। बड़ी हड्डियां बैलों की हैं, और छोटी ईसानों की। पंद्रह सौ मील तक इस भयानक कारवां मार्ग को इन बिखरे हुए अवशेषों के सहारे खोजा जा सकता है, जो रास्ते में गिर पड़े थे।

इस दृश्य को देखते हुए, चौदह मई, अठारह सौ सैंतालीस को एक अकेला यात्री खड़ा था। उसका रूप-रंग ऐसा था मानो वह उस क्षेत्र का कोई भूत या दानव हो। किसी के लिए यह कहना मुश्किल होता कि उसकी उम्र चालीस के करीब है या साठ के। उसका चेहरा दुबला-पतला और मुरझाया हुआ था, और उसकी भूरी, कागज़ जैसी त्वचा उभरी हुई हड्डियों पर कसकर खिंची हुई थी; उसके लंबे, भूरे बाल और दाढ़ी में जगह-जगह सफेद बाल थे; उसकी आँखें धँसी हुई थीं और उनमें एक अजीब सी चमक थी; जबकि राइफल पकड़े हुए उसका हाथ किसी कंकाल से कम मांसल नहीं था। खड़े होने पर वह सहारे के लिए अपने हथियार पर टिका हुआ था, फिर भी उसकी लंबी कद-काठी और हड्डियों का मजबूत ढांचा एक चुस्त-दुरुस्त और ऊर्जावान शरीर का आभास कराता था। हालाँकि, उसका दुबला-पतला चेहरा और उसके कपड़े, जो उसके सूखे अंगों पर ढीले-ढाले लटके हुए थे, यह बयां कर रहे थे कि किस वजह से वह इतना बूढ़ा और जर्जर दिख रहा था। वह आदमी मर रहा था - भूख और प्यास से मर रहा था।

पानी के कुछ संकेत देखने की व्यर्थ उम्मीद में वह बड़ी मुश्किल से खाई से नीचे उतरकर इस छोटी सी पहाड़ी तक पहुंचा था। अब उसके सामने विशाल खारा मैदान फैला हुआ था, और दूर तक फैली बीहड़ पर्वत श्रृंखला, जहाँ कहीं भी कोई वनस्पति या वृक्ष नहीं था जो नमी की मौजूदगी का संकेत दे सके। उस विशाल भूभाग में आशा की कोई किरण नहीं थी। उत्तर, पूर्व और पश्चिम की ओर उसने उत्सुकता भरी निगाहों से देखा, और फिर उसे एहसास हुआ कि उसकी भटकन समाप्त हो गई है, और उस बंजर चट्टान पर उसकी मृत्यु होने वाली है। "बीस साल बाद, पंखों के बिस्तर पर सोने की तरह, यहीं क्यों न मर जाऊँ?" उसने एक चट्टान की ओट में बैठते हुए बुदबुदाया।

बैठने से पहले, उसने अपनी बेकार राइफल और अपने दाहिने कंधे पर टांगे हुए भूरे शॉल में लिपटे एक बड़े बंडल को ज़मीन पर रख दिया। ऐसा लग रहा था कि वह उसके लिए कुछ ज़्यादा भारी था, क्योंकि उसे नीचे उतारते समय वह थोड़ी ज़ोर से ज़मीन पर गिरा। तुरंत ही भूरे बंडल से एक हल्की सी कराह सुनाई दी और उसमें से एक छोटा, डरा हुआ चेहरा निकला, जिसकी चमकीली भूरी आँखें थीं और दो छोटी-छोटी धब्बेदार मुट्ठियाँ थीं।

“तुमने मुझे चोट पहुंचाई!” एक बचकानी आवाज़ ने शिकायत भरे लहजे में कहा।

“क्या मैंने ऐसा किया?” उस आदमी ने पश्चाताप भरे स्वर में उत्तर दिया; “मैंने ऐसा जानबूझकर नहीं किया।” बोलते हुए उसने धूसर शॉल को हटाया और लगभग पाँच वर्ष की एक प्यारी सी छोटी बच्ची को बाहर निकाला, जिसके सुंदर जूते और छोटी सी लिनेन की एप्रन वाली गुलाबी फ्रॉक, सब कुछ उसकी माँ के प्यार की गवाही दे रहे थे। बच्ची पीली और कमजोर थी, लेकिन उसके स्वस्थ हाथ-पैर यह दर्शाते थे कि उसे अपनी साथी की तुलना में कम कष्ट सहना पड़ा था।

"अब कैसा है?" उसने चिंता से पूछा, क्योंकि वह अभी भी अपने सिर के पिछले हिस्से को ढके हुए सुनहरे घुंघराले बालों को सहला रही थी।

“इसे चूमो और ठीक करो,” उसने पूरी गंभीरता से कहा, और घायल हिस्से को उसे दिखाते हुए बोली, “माँ भी यही करती थीं। माँ कहाँ हैं?”

“मां चली गई हैं। मुझे लगता है कि आप उनसे जल्द ही मिल लेंगे।”

“चली गईं!” छोटी बच्ची ने कहा। “अजीब बात है, उसने अलविदा भी नहीं कहा; वह हमेशा अलविदा कहती थी अगर वह चाची के घर चाय पीने भी जाती थी, और अब वह तीन दिन से गायब है। सच में, कितनी सूखा है, है ना? न पानी है न खाने को?”

नहीं, कुछ नहीं है, प्रिय। तुम्हें बस कुछ देर धैर्य रखना होगा, फिर सब ठीक हो जाएगा। अगर तुमने इस तरह मेरे सामने सिर उठाया, तो तुम्हें लगेगा कि तुम बहुत ताकतवर हो। जब तुम्हारे होंठ चमड़े जैसे सख्त हों, तब बात करना आसान नहीं होता, लेकिन मुझे लगता है कि बेहतर होगा कि मैं तुम्हें सच बता दूं। तुम्हारे पास क्या है?

"कितनी सुंदर चीज़ें हैं! कितनी बढ़िया चीज़ें हैं!" छोटी बच्ची ने उत्साह से चिल्लाते हुए अभ्रक के दो चमकीले टुकड़े ऊपर उठाए। "घर वापस जाकर मैं इन्हें भाई बॉब को दे दूंगी।"

"तुम्हें जल्द ही इनसे भी खूबसूरत चीजें देखने को मिलेंगी," उस आदमी ने आत्मविश्वास से कहा। "बस थोड़ा इंतजार करो। वैसे मैं तुम्हें कुछ बताना चाहता था – तुम्हें याद है ज़ब हमने नदी छोड़ी थी?"

"ओह हां।"

"खैर, हमने सोचा था कि हमें जल्द ही कोई दूसरी नदी मिल जाएगी, समझे? लेकिन कुछ गड़बड़ थी; कंपास में, या नक्शे में, या किसी और चीज़ में, और वह नहीं मिली। पानी खत्म हो गया। बस आप जैसे लोगों के लिए एक छोटी सी बूंद बची थी, और — और —"

"और तुम खुद को धो भी नहीं सकते थे," उसके साथी ने गंभीरता से बीच में टोकते हुए, उसके गंदे चेहरे को घूरते हुए कहा।

"नहीं, न ही शराब। और मिस्टर बेंडर सबसे पहले गए, फिर इंडियन पीट, फिर मिसेज मैकग्रेगर, फिर जॉनी होन्स, और फिर, प्यारी, तुम्हारी माँ।"

"तो फिर मां भी मर चुकी है," छोटी बच्ची ने अपना चेहरा अपने एप्रन में छिपाते हुए और फूट-फूटकर रोते हुए कहा।

"हाँ, हम दोनों को छोड़कर बाकी सब चले गए। फिर मुझे लगा कि इस तरफ पानी मिलने की थोड़ी उम्मीद है, इसलिए मैंने तुम्हें अपने कंधे पर उठाया और हम दोनों साथ-साथ चलने लगे। लगता नहीं हमने हालात सुधारे हैं। अब हमारे बचने की उम्मीद बहुत ही कम है!"

"क्या आपका मतलब यह है कि हम भी मरने वाले हैं?" बच्ची ने सिसकते हुए और आंसुओं से भीगा चेहरा ऊपर उठाते हुए पूछा।

मुझे लगता है कि बात लगभग इतनी ही है।

"तुमने पहले क्यों नहीं बताया?" वह खिलखिलाकर हंसते हुए बोली। "तुमने मुझे बहुत डरा दिया था। अरे हाँ, अब तो हम मरते ही फिर से माँ के साथ होंगे।"

"हां, तुम करोगी, प्यारी।"

"और तुम भी। मैं उसे बताऊँगी कि तुम कितने अच्छे रहे हो। मुझे यकीन है कि स्वर्ग के द्वार पर वह हमारा स्वागत पानी के एक बड़े घड़े और बहुत सारे गरमागरम, दोनों तरफ से सेके हुए बकव्हीट केक के साथ करेंगी, जैसे बॉब और मुझे पसंद थे। इसमें कितना समय लगेगा?"

"मुझे नहीं पता—ज़्यादा देर नहीं।" उस आदमी की निगाहें उत्तरी क्षितिज पर टिकी थीं। आसमान के नीले आकाश में तीन छोटे-छोटे बिंदु दिखाई दिए जो हर पल आकार में बढ़ते जा रहे थे, इतनी तेज़ी से वे पास आ रहे थे। वे जल्दी ही तीन बड़े भूरे पक्षियों में बदल गए, जो दोनों यात्रियों के सिर के ऊपर चक्कर लगाते हुए कुछ चट्टानों पर बैठ गए जो उनके ऊपर नज़र रख रही थीं। वे गिद्ध थे, पश्चिम के गिद्ध, जिनका आना मृत्यु का संकेत होता है।

"मुर्गे और मुर्गियाँ!" छोटी बच्ची ने खुशी से चिल्लाते हुए उनकी अशुभ आकृतियों की ओर इशारा किया और उन्हें उठाने के लिए ताली बजाई। "बताओ, क्या भगवान ने इस देश को बनाया है?"

"बेशक उन्होंने किया होगा," उसकी सहेली ने इस अप्रत्याशित प्रश्न से कुछ चौंकते हुए कहा।

"इलिनोइस में उन्होंने ही देश बसाया था, और उन्होंने ही मिसौरी नदी के किनारे का इलाका बनाया था," छोटी बच्ची ने आगे कहा। "मुझे लगता है कि इन इलाकों में देश बसाने वाला कोई और था। यह उतना अच्छा नहीं बना है। वे पानी और पेड़ों को भूल गए।"

"प्रार्थना करने के बारे में आपका क्या विचार है?" उस व्यक्ति ने संकोच से पूछा।

"अभी रात नहीं हुई है," उसने जवाब दिया।

"कोई बात नहीं। ये बिल्कुल नियमित तो नहीं है, लेकिन उसे बुरा नहीं लगेगा, पक्का। तुम उन बातों को भूल जाओ जो तुम हर रात मैदानों में गाड़ी में बैठकर किया करती थीं।"

"आप खुद कुछ क्यों नहीं बोलते?" बच्चे ने आश्चर्य भरी निगाहों से पूछा।

"मुझे याद नहीं," उसने जवाब दिया। "मैंने तब से एक भी नहीं बोला जब मैं उस बंदूक की आधी ऊंचाई का था। मुझे लगता है कि अभी भी देर नहीं हुई है। तुम बोलो, मैं पास खड़ा रहूंगा और कोरस में शामिल हो जाऊंगा।"

"तो फिर आपको घुटने टेकने होंगे, और मुझे भी," उसने शॉल बिछाते हुए कहा। "आपको अपने हाथ इस तरह ऊपर उठाने होंगे। इससे आपको अच्छा महसूस होगा।"

अगर गिद्धों के अलावा कोई और इसे देख रहा होता, तो यह एक विचित्र दृश्य होता। संकरी चादर पर अगल-बगल दो यात्री घुटने टेककर बैठे थे - एक नन्ही सी बच्ची और एक बेपरवाह, साहसी योद्धा। उसका गोल-मटोल चेहरा और उसका झुर्रीदार, नुकीला चेहरा, दोनों ही बादलों से रहित आकाश की ओर उठे हुए थे, मानो उस भयानक सत्ता से हार्दिक प्रार्थना कर रहे हों, जिसके वे आमने-सामने थे। वहीं, दोनों की आवाज़ें - एक पतली और स्पष्ट, दूसरी गहरी और कर्कश - दया और क्षमा की विनती में एक हो उठी थीं। प्रार्थना समाप्त होने पर, वे चट्टान की छाया में फिर से बैठ गए, जब तक कि बच्ची अपने रक्षक की चौड़ी छाती पर सिर रखकर सो नहीं गई। वह कुछ देर तक उसकी नींद की निगरानी करता रहा, लेकिन प्रकृति उसके लिए बहुत शक्तिशाली साबित हुई। तीन दिन और तीन रातों तक उसने न तो आराम किया और न ही चैन। धीरे-धीरे थकी हुई आँखों पर पलकें झुक गईं, और सिर छाती पर नीचे की ओर धंसता चला गया, जब तक कि उस आदमी की सफ़ेद दाढ़ी उसके साथी के सुनहरे बालों में मिल नहीं गई, और दोनों एक ही गहरी और स्वप्नहीन नींद में सो गए।

अगर वह यात्री आधे घंटे और जागता रहता तो उसकी आँखों के सामने एक अजीब नज़ारा होता। दूर, क्षारीय मैदान के एकदम किनारे पर, धूल का एक छोटा सा गुबार उठा, जो पहले तो बहुत हल्का था और दूर के कोहरे में मुश्किल से ही अलग दिखाई दे रहा था, लेकिन धीरे-धीरे ऊंचा और चौड़ा होता गया, यहाँ तक कि एक ठोस, स्पष्ट बादल का रूप ले लिया। यह बादल आकार में बढ़ता ही गया, यहाँ तक कि यह स्पष्ट हो गया कि इसे केवल बहुत सारे चलते-फिरते जीवों द्वारा ही उठाया जा सकता है। अधिक उपजाऊ स्थानों पर, देखने वाला यह निष्कर्ष निकालता कि घास के मैदानों में चरने वाले बाइसन के उन बड़े झुंडों में से एक उसकी ओर आ रहा है। लेकिन इन शुष्क निर्जन क्षेत्रों में यह स्पष्ट रूप से असंभव था। जैसे ही धूल का बवंडर उस सुनसान टीले के करीब पहुंचा, जिस पर वे दोनों फंसे हुए लोग आराम कर रहे थे, कोहरे में से कैनवस से ढकी गाड़ियों के ठेले और सशस्त्र घुड़सवारों की आकृतियाँ दिखाई देने लगीं, और यह दृश्य पश्चिम की ओर यात्रा कर रहे एक विशाल कारवां के रूप में प्रकट हुआ। लेकिन कैसा कारवां! जब उसका अगला हिस्सा पहाड़ों की तलहटी तक पहुँचा, तो उसका पिछला हिस्सा क्षितिज पर अभी तक दिखाई नहीं दे रहा था। विशाल मैदान में

दूर-दूर तक गाड़ियों और ठेलों से भरा एक बेतरतीब समूह फैला हुआ था, जिसमें घोड़ों पर सवार और पैदल चलने वाले लोग थे। अनगिनत औरतें बोझ ढोते हुए लड़खड़ा रही थीं, और बच्चे गाड़ियों के बगल में दौड़ रहे थे या सफेद चादरों के नीचे से झाँक रहे थे। यह स्पष्ट रूप से प्रवासियों का कोई साधारण समूह नहीं था, बल्कि कुछ खानाबदोश लोग थे जो मजबूरी में एक नए देश की तलाश में निकले थे। साफ हवा में इस विशाल जनसमूह से पहियों की चरमराहट और घोड़ों के हिनहिनाने की आवाज के साथ एक अजीब सी खड़खड़ाहट और गड़गड़ाहट गूंज रही थी। इतनी तेज़ आवाज़ होने के बावजूद, यह ऊपर बैठे दो थके हुए यात्रियों को जगाने के लिए काफी नहीं थी।

जुलूस के सबसे आगे बीस या उससे अधिक गंभीर, दृढ़ चेहरे वाले पुरुष सवार थे, जो सादे सूती वस्त्र पहने हुए थे और राइफलों से लैस थे। टीले के आधार पर पहुंचकर वे रुके और आपस में संक्षिप्त परामर्श किया।

"कुएँ दाईं ओर हैं, मेरे भाइयों," एक सख्त होंठों वाले, दाढ़ी-मूंछ साफ किए हुए, भूरे बालों वाले व्यक्ति ने कहा।

"सिएरा ब्लैंको के दाईं ओर - तो हम रियो ग्रांडे तक पहुँच जाएँगे," दूसरे ने कहा।

“पानी के लिए मत डरो,” तीसरे ने पुकार कर कहा। “जो चट्टानों से पानी निकाल सकता है, वह अब अपने चुने हुए लोगों को नहीं छोड़ेगा।”

“आमीन! आमीन!” पूरे समूह ने एक साथ जवाब दिया।

वे अपनी यात्रा फिर से शुरू करने ही वाले थे कि तभी सबसे कम उम्र के और तेज नजर वाले एक व्यक्ति ने विस्मयबोध से ऊपर की ओर इशारा किया और अपने ऊपर स्थित ऊबड़-खाबड़ चट्टान की ओर देखा। उसकी चोटी से गुलाबी रंग की एक छोटी सी लकीर फड़फड़ा रही थी, जो पीछे की धूसर चट्टानों के बीच स्पष्ट और चमकदार दिखाई दे रही थी। यह दृश्य देखते ही सभी ने अपने घोड़ों की लगाम कस ली और तोपें उतार निकालीं, जबकि नए घुड़सवार अग्रिम पंक्ति को मजबूत करने के लिए तेजी से दौड़ते हुए आ गए। हर किसी की जुबान पर "रेडस्किन्स" शब्द था।

“यहाँ कितने भी इंडियन हो सकते हैं,” उस बुजुर्ग व्यक्ति ने कहा जो नेतृत्व कर रहा था। “हम पावनी जनजाति को पार कर चुके हैं, और विशाल पहाड़ों को पार करने तक कोई अन्य जनजाति नहीं है।”

“क्या मैं आगे जाकर देख लूँ, भाई स्टैंगर्सन?” बैंड के एक सदस्य ने पूछा।

“और मैं,” “और मैं,” एक दर्जन आवाजों ने एक साथ कहा।

“अपने घोड़े नीचे छोड़ दो, हम यहाँ तुम्हारा इंतज़ार करेंगे,” बड़े ने उत्तर दिया। पल भर में ही युवक घोड़ों से उतर गए, उन्हें बाँधा और उस खड़ी ढलान पर चढ़ने लगे जो उस वस्तु की ओर जाती थी जिसने उनकी जिज्ञासा जगा दी थी। वे अनुभवी खोजकर्ताओं के आत्मविश्वास और कुशलता के साथ तेज़ी से और चुपचाप आगे बढ़े। नीचे मैदान से देखने वाले उन्हें एक चट्टान से दूसरी चट्टान पर फुर्ती से जाते हुए देख सकते थे, जब तक कि उनकी आकृतियाँ क्षितिज के सामने स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगीं। जिस युवक ने सबसे पहले चेतावनी दी थी, वह उनका नेतृत्व कर रहा था। अचानक उसके अनुयायियों ने उसे आश्चर्य से अभिभूत होकर हाथ ऊपर उठाते देखा और ज़ब वे उसके पास पहुंचे तो वे भी उस दृश्य को देखकर उसी तरह प्रभावित हुए।

बंजर पहाड़ी की चोटी पर बने छोटे पठार पर एक विशाल चट्टान खड़ी थी, और इस चट्टान से सटकर एक लंबा, दाढ़ीदार और कठोर चेहरे वाला व्यक्ति लेटा हुआ था, जो अत्यधिक दुबला-पतला था। उसका शांत चेहरा और नियमित सांसें बता रही थीं कि वह गहरी नींद में सो रहा है। उसके बगल में एक बच्ची लेटी थी, जिसकी गोल सफेद भुजाएँ उसकी भूरी, मजबूत गर्दन को घेरे हुए थीं, और सुनहरे बालों वाला उसका सिर उसके मखमली कुर्ते की छाती पर टिका हुआ था। उसके गुलाबी होंठ खुले हुए थे,

जिनमें बर्फ जैसे सफेद दांतों की सीधी रेखा दिखाई दे रही थी, और उसके मासूम चेहरे पर एक चंचल मुस्कान थी। उसके गोल-मटोल छोटे सफेद पैर, जो सफेद मोजों और चमकदार बकल वाले साफ-सुथरे जूतों में समाप्त होते थे, उसके साथी के लंबे, सिकुड़े हुए पैरों के साथ एक अजीब विरोधाभास पैदा कर रहे थे। इस अजीब जोड़े के ऊपर चट्टान की कगार पर तीन गंभीर गिद्ध खड़े थे, जो नए आने वालों को देखकर निराशा की कर्कश चीखें निकालते हुए उदास होकर उड़ गए।

दुर्गंधित पक्षियों की चीखों से दोनों सोए हुए जाग उठे और अचरज से इधर-उधर देखने लगे। वह आदमी लड़खड़ाते हुए उठा और उस मैदान को देखने लगा जो नींद आने से पहले बिल्कुल सुनसान था, और अब मनुष्यों और जानवरों के इस विशाल समूह से भरा हुआ था। देखते ही उसके चेहरे पर अविश्वास का भाव आ गया और उसने अपनी हड्डियों वाले हाथ से अपनी आँखों को ढक लिया। "शायद इसे ही प्रलाप कहते हैं," वह बुदबुदाया। बच्ची उसके बगल में खड़ी थी, उसके कोट का किनारा पकड़े हुए, और कुछ नहीं बोली, बस बचपन की जिज्ञासा और जिज्ञासा भरी निगाहों से चारों ओर देख रही थी।

बचाव दल ने जल्द ही दोनों फंसे हुए लोगों को यह विश्वास दिला दिया कि उनका दिखना कोई भ्रम नहीं था। उनमें से एक ने छोटी बच्ची को अपने कंधे पर उठा लिया, जबकि दो अन्य लोगों ने उसके दुबले-पतले साथी को सहारा दिया और उसे गाड़ियों की ओर ले गए।

“मेरा नाम जॉन फेरियर है,” उस घुमक्कड़ ने बताया; “मैं और वह छोटा बच्चा ही इक्कीस लोगों में से बचे हैं। बाकी सब दक्षिण में प्यास और भूख से मर गए हैं।”

किसी ने पूछा, "क्या वह आपकी बच्ची है?"

“मुझे लगता है अब वो मेरी है,” दूसरे ने चुनौती भरे लहजे में कहा; “वो मेरी है क्योंकि मैंने उसे बचाया है। कोई भी उसे मुझसे नहीं छीन सकता। आज से वो लूसी फेरियर है। लेकिन तुम कौन हो?” उसने अपने तगड़े, धूप से झुलसे हुए रक्षकों की ओर उत्सुकता से देखते हुए पूछा; “लगता है तुममें से बहुत सारे ताकतवर हो।”

“लगभग दस हजार,” उन युवकों में से एक ने कहा; “हम ईश्वर के सताए हुए बच्चे हैं — देवदूत मोरोनी के चुने हुए लोग हैं।”

“मैंने उसके बारे में कभी कुछ नहीं सुना,” उस घुमक्कड़ ने कहा। “ऐसा लगता है कि उसने तुम लोगों का अच्छा समूह चुना है।”

“पवित्र चीज़ों का मज़ाक मत उड़ाओ,” दूसरे ने सख्ती से कहा। “हम उन पवित्र ग्रंथों में विश्वास करते हैं, जो मिस्र की लिपि में सोने की पट्टियों पर उकेरे गए थे और जिन्हें पामिरा में पवित्र जोसेफ स्मिथ को सौंपा गया था। हम इलिनोइस राज्य के नौवू से आए हैं, जहाँ हमने अपना मंदिर स्थापित किया था। हम हिंसक लोगों और नास्तिकों से शरण लेने आए हैं, भले ही यह रेगिस्तान का मध्य भाग ही क्यों न हो।”

नौवू नाम सुनते ही जॉन फेरियर को कुछ यादें ताजा हो गईं। उन्होंने कहा, "मैं समझ गया; आप मॉर्मन हैं।"

"हम मॉर्मन हैं," उनके साथियों ने एक स्वर में उत्तर दिया।

"और तुम कहां जा रहे हो?"

“हमें नहीं पता। ईश्वर का हाथ हमारे पैगंबर के माध्यम से हमारा मार्गदर्शन कर रहा है। आपको उनके सामने पेश होना होगा। वे ही बताएंगे कि आपके साथ क्या किया जाना है।”

इस समय तक वे पहाड़ी की तलहटी तक पहुँच चुके थे और तीर्थयात्रियों की भीड़ से घिरे हुए थे—पीले चेहरे वाली, विनम्र दिखने वाली महिलाएं; मजबूत, हंसते हुए बच्चे; और चिंतित, गंभीर आंखों वाले पुरुष। जब उन्होंने एक अजनबी की कम उम्र और

दूसरे की दरिद्रता देखी, तो उनमें से आश्चर्य और सहानुभूति की कई चीखें निकलीं। हालांकि, उनका दल रुका नहीं, बल्कि आगे बढ़ता रहा, मॉर्मनों की एक बड़ी भीड़ उनके पीछे-पीछे चल रही थी, जब तक कि वे एक गाड़ी तक नहीं पहुंच गए, जो अपने विशाल आकार और भव्यता के लिए ध्यान आकर्षित कर रही थी। उसमें छह घोड़े जुते हुए थे, जबकि अन्य गाड़ियों में दो या अधिक से अधिक चार घोड़े थे। चालक के बगल में एक व्यक्ति बैठा था जिसकी उम्र तीस वर्ष से अधिक नहीं रही होगी, लेकिन उसका विशाल सिर और दृढ़ भाव उसे एक नेता के रूप में दर्शाता था। वह भूरे रंग की जिल्द वाली एक किताब पढ़ रहा था, लेकिन जैसे ही भीड़ पास आई, उसने उसे एक तरफ रख दिया और घटना का विवरण ध्यान से सुना। फिर वह उन दो फंसे हुए लोगों की ओर मुड़ा।

"अगर हम तुम्हें अपने साथ ले जाते हैं," उसने गंभीर स्वर में कहा, "तो केवल अपने धर्म के अनुयायियों के रूप में ही ले जा सकते हैं। हमारे समूह में कोई भेड़िये नहीं होंगे। इस वीरान जगह में तुम्हारी हड्डियों का गलना कहीं बेहतर है बजाय इसके कि तुम उस छोटे से सड़े हुए कण की तरह साबित होओ जो समय के साथ पूरे फल को दूषित कर देता है। क्या तुम इन शर्तों पर हमारे साथ आओगे?"

"लगता है मुझे हर हाल में आपके साथ चलना पड़ेगा," फेरियर ने इतने ज़ोर से कहा कि गंभीर बुजुर्ग भी अपनी मुस्कान नहीं रोक पाए। केवल नेता ने ही अपना गंभीर और प्रभावशाली भाव बरकरार रखा।

"भाई स्टैंगरसन, इसे ले जाइए," उन्होंने कहा, "इसे और बच्चे को खाना-पीना दीजिए। इसे हमारे पवित्र धर्म की शिक्षा देना भी आपका कर्तव्य है। हमने बहुत देर कर दी है। आगे बढ़िए! सिय्योन की ओर बढ़िए!"

"आगे बढ़ो, सिय्योन की ओर!" मॉर्मन लोगों की भीड़ ने ज़ोर से आवाज़ लगाई और ये शब्द लंबी कतार में गूंजते हुए एक मुंह से दूसरे मुंह तक पहुंचते गए, और अंत में दूर जाकर धीमी फुसफुसाहट में गुम हो गए। चाबुकों की आवाज़ और पहियों की चरमराहट के साथ बड़ी-बड़ी गाड़ियां चलने लगीं और जल्द ही पूरी कतार एक बार फिर आगे बढ़ने लगी। जिस बड़े बुजुर्ग के भरोसे उन दो अनाथ बच्चों को सौंपा गया था, वे उन्हें अपनी गाड़ी तक ले गए, जहाँ उनके लिए भोजन पहले से ही तैयार था।

"तुम्हें यहीं रहना होगा," उन्होंने कहा। "कुछ दिनों में तुम अपनी थकान से उबर जाओगे। इस बीच, याद रखना कि अब और हमेशा के लिए तुम हमारे धर्म के हो। ब्रिगहम यंग ने यह कहा है, और उन्होंने जोसेफ स्मिथ की आवाज़ में बात की है, जो ईश्वर की आवाज़ है।"

अध्याय दो

यूटा का फूल

यह वह स्थान नहीं है जहाँ आप्रवासी मॉर्मनों द्वारा अपने अंतिम आश्रय स्थल तक पहुँचने से पहले झेली गई कठिनाइयों और अभावों को याद किया जाए। मिसिसिपी नदी के तट से लेकर रॉकी पर्वतमाला की पश्चिमी ढलानों तक, उन्होंने इतिहास में लगभग अद्वितीय दृढ़ता के साथ संघर्ष किया था। क्रूर मनुष्य, क्रूर पशु, भूख, प्यास, थकान और बीमारी—प्रकृति द्वारा खड़ी की गई हर बाधा—को उन्होंने एंग्लो-सैक्सन दृढ़ता से पार कर लिया था। फिर भी, लंबी यात्रा और संचित भय ने उनमें से सबसे साहसी लोगों के दिलों को भी झकझोर दिया था। ऐसा कोई नहीं था जो सूर्य के प्रकाश में नहाए यूटा की विशाल घाटी को देखकर और अपने नेता के मुख से यह जानकर कि यह प्रतिज्ञा की

भूमि है और यह कुंवारी भूमि हमेशा के लिए उनकी होगी, हृदय से प्रार्थना करने के लिए घुटनों के बल न बैठ गया हो।

यंग ने जल्द ही एक कुशल प्रशासक और दृढ़ निश्चयी नेता के रूप में अपनी क्षमता साबित कर दी। नक्शे बनाए गए और चार्ट तैयार किए गए, जिनमें भावी शहर की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। चारों ओर खेतों का बंटवारा किया गया और प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक स्थिति के अनुसार उन्हें आवंटित किया गया। व्यापारी को उसके काम में और कारीगर को उसके पेशे में लगाया गया। शहर में सड़कें और चौक मानो जादू से बन गए। ग्रामीण इलाकों में जल निकासी और बाड़बंदी का काम चला, बुवाई और सफाई की गई, और अगली गर्मियों तक पूरा इलाका गेहूं की फसल से सुनहरा हो गया। उस अनजानी बस्ती में सब कुछ फलता-फूलता रहा। सबसे बढ़कर, शहर के केंद्र में बनाया गया विशाल मंदिर लगातार ऊँचा और बड़ा होता गया। भोर की पहली किरण से लेकर सूर्यास्त तक, हथौड़े की खड़खड़ाहट और आरी की घंटियों की आवाज़ उस स्मारक से कभी नहीं रुकती थी, जिसे प्रवासियों ने उस ईश्वर के लिए बनाया था जिसने उन्हें अनेक खतरों से सुरक्षित निकाला था।

दो परित्यक्त लोग, जॉन फेरियर और वह छोटी बच्ची, जिसने जॉन के साथ अपने भाग्य का बंटवारा किया था और जिसे जॉन ने अपनी बेटी के रूप में गोद लिया था, मॉर्मनों के साथ उनकी महान तीर्थयात्रा के अंत तक गए। छोटी लूसी फेरियर को एल्डर स्टैंगर्सन की गाड़ी में बड़े आराम से ले जाया गया, जहाँ वह मॉर्मन की तीन पत्नियों और उनके बारह वर्षीय जिद्दी और उद्दंड बेटे के साथ रहती थी। अपनी माँ की मृत्यु के सदमे से बचपन की सहजता से उबरते हुए, वह जल्द ही महिलाओं की चहेती बन गई और अपने इस नए, टेंट से ढके घर में सहज हो गई। इस बीच, फेरियर अपनी कठिनाइयों से उबरकर एक उपयोगी मार्गदर्शक और अथक शिकारी के रूप में अपनी पहचान बना चुका था। उन्होंने इतनी तेजी से अपने नए साथियों का सम्मान अर्जित किया कि जब उनकी यात्रा समाप्त हुई, तो सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि उन्हें यंग और स्टैंगर्सन, केम्बाल, जॉनस्टन और ड्रेबर को छोड़कर, जो चार प्रमुख एल्डर थे, बाकी सभी बसने वालों के बराबर और उपजाऊ भूमि का एक बड़ा हिस्सा प्रदान किया जाना चाहिए।

इस प्रकार प्राप्त खेत पर जॉन फेरियर ने एक मजबूत लकड़ी का मकान बनवाया, जिसमें वर्षों बाद इतने विस्तार किए गए कि वह एक विशाल विला में तब्दील हो गया। वह व्यावहारिक स्वभाव के व्यक्ति थे, अपने काम में निपुण और कुशल कारीगर थे। उनके मजबूत स्वास्थ्य के कारण वे सुबह-शाम अपनी जमीनों को उपजाऊ बनाने और खेती करने में लगे रहते थे। इसी कारण उनका खेत और उनकी सारी संपत्ति अत्यधिक समृद्ध हुई। तीन वर्षों में वे अपने पड़ोसियों से अधिक संपन्न हो गए, छह वर्षों में वे धनी हो गए, नौ वर्षों में वे अमीर हो गए और बारह वर्षों में पूरे साल्ट लेक सिटी में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति बचा था जो उनकी बराबरी कर सके। विशाल अंतर्देशीय समुद्र से लेकर दूर स्थित वासाच पर्वतमाला तक, जॉन फेरियर से अधिक प्रसिद्ध नाम किसी का नहीं था।

एक ही तरीका था जिससे उन्होंने अपने सहधर्मियों की भावनाओं को ठेस पहुँचाई। कोई भी तर्क या समझाना-बुझाना उन्हें अपने साथियों की तरह महिलाओं के लिए कोई आश्रम स्थापित करने के लिए राजी नहीं कर सका। उन्होंने अपने इस लगातार इनकार का कभी कोई कारण नहीं बताया, बल्कि अपने दृढ़ निश्चय पर अडिग रहे। कुछ लोगों ने उन पर अपने धर्म के प्रति उदासीनता का आरोप लगाया, तो कुछ ने इसे धन के लालच और खर्च से बचने की अनिच्छा का कारण बताया। कुछ अन्य लोगों ने उनके किसी पुराने प्रेम प्रसंग और अटलांटिक महासागर के तट पर मरणासन्न हुई एक गोरी लड़की

का ज़िक्र किया। कारण चाहे जो भी हो, फेरियर ब्रह्मचर्य का पालन करते रहे। अन्य सभी मामलों में वे उस नवगठित बस्ती के धर्म के अनुरूप थे और एक रूढ़िवादी और सीधे-सादे व्यक्ति के रूप में प्रसिद्ध हुए।

लूसी फेरियर लकड़ी के घर में पली-बढ़ी और अपने दत्तक पिता के सभी कामों में उनकी मदद करती थी। पहाड़ों की ताज़ी हवा और चीड़ के पेड़ों की मीठी खुशबू उस नन्ही बच्ची के लिए माँ-बाप दोनों बन गई थी। साल दर साल वह लंबी और मज़बूत होती गई, उसके गाल और भी लाल हो गए और उसकी चाल और भी फुर्तीली हो गई। फेरियर के खेत के पास से गुजरने वाली सड़क पर कई राहगीरों को उसकी पतली, लड़की जैसी आकृति को गेहूं के खेतों में घूमते हुए देखकर या उसे अपने पिता के घोड़े पर सवार होकर, उसे पश्चिम की एक सच्ची बच्ची की सहजता और सुंदरता से चलाते हुए देखकर अपने भूले हुए विचार फिर से ताजा हो जाते थे। इस तरह कली खिल कर फूल बन गई, और जिस साल उसके पिता सबसे अमीर किसान बने, उस साल उसने उसे प्रशांत तट पर पाई जाने वाली सबसे खूबसूरत अमेरिकी लड़की का नमूना बना दिया।

लेकिन सबसे पहले यह बात पिता ने नहीं देखी कि बच्ची एक स्त्री में बदल गई है। ऐसे मामलों में ऐसा बहुत कम ही होता है। यह रहस्यमय परिवर्तन इतना सूक्ष्म और क्रमिक होता है कि इसे समय में मापना संभव नहीं है। यहाँ तक कि युवती को भी इसका तब तक पता नहीं चलता जब तक कि किसी की आवाज़ या हाथ का स्पर्श उसके दिल में हलचल न पैदा कर दे और वह गर्व और भय के मिश्रण के साथ यह न जान ले कि उसके भीतर एक नया और व्यापक स्वरूप जागृत हो गया है। ऐसे बहुत कम लोग हैं जो उस दिन को न भूल सकें और उस छोटी सी घटना को न याद रख सकें जिसने एक नए जीवन के उदय की घोषणा की थी। लूसी फेरियर के मामले में, यह घटना अपने आप में ही काफी महत्वपूर्ण थी, इसके अलावा इसका उसके और कई अन्य लोगों के भाग्य पर भविष्य में पड़ने वाला प्रभाव भी महत्वपूर्ण था।

जून की एक गर्म सुबह थी, और लैटर डे सेंटस मधुमक्खियों की तरह व्यस्त थे, जिनके छत्ते को उन्होंने अपना प्रतीक चिन्ह चुना था। खेतों और सड़कों पर मानव परिश्रम की वही गूंज सुनाई दे रही थी। धूल भरी सड़कों पर भारी बोझ लादे खच्चरों की लंबी कतारें पश्चिम की ओर जा रही थीं, क्योंकि कैलिफ़ोर्निया में सोने का बुखार फैल चुका था, और ज़मीनी रास्ता चुने हुए लोगों के शहर से होकर गुज़रता था। वहाँ दूर-दराज के चारागाहों से भेड़ों और बैलों के झुंड आ रहे थे, और थके हुए प्रवासियों के काफिले भी थे, जिनमें पुरुष और घोड़े दोनों ही अपनी अंतहीन यात्रा से समान रूप से थके हुए थे। इस रंग-बिरंगी भीड़ के बीच से, एक कुशल घुड़सवार की तरह अपना रास्ता बनाते हुए, लूसी फेरियर सरपट दौड़ रही थी, व्यायाम से उसका गोरा चेहरा लाल हो गया था और उसके लंबे भूरे बाल पीछे लहरा रहे थे। उसे शहर में अपने पिता से एक काम मिला था, और वह पहले की तरह ही पूरे जोश और निडरता के साथ वहाँ पहुँच रही थी, बस अपने काम और उसे पूरा करने के तरीके के बारे में सोच रही थी। यात्रा की थकान से चूर साहसी लोग विस्मय से उसे निहारते रहे, और यहां तक कि अपने खालों के साथ यात्रा कर रहे भावहीन भारतीय भी उस गोरे चेहरे वाली युवती की सुंदरता को देखकर अपने अभ्यस्त संयम को शिथिल कर बैठे।

शहर के बाहरी इलाके में पहुँचते ही उसने देखा कि सड़क पर मवेशियों का एक बड़ा झुंड खड़ा है, जिसे मैदानों से आए छह जंगली दिखने वाले चरवाहे चला रहे थे। अधीर होकर उसने अपने घोड़े को एक खाली जगह में धकेलकर इस बाधा को पार करने की कोशिश की। हालांकि, जैसे ही वह उसमें पूरी तरह से घुसी, जानवर उसके पीछे से आ गए और वह खुद को भयंकर आँखों वाले, लंबे सींगों वाले बैलों की चलती

हुई धारा में पूरी तरह से फंसा हुआ पाया। मवेशियों से निपटने की आदी होने के कारण, वह अपनी स्थिति से घबराई नहीं, बल्कि अपने घोड़े को आगे बढ़ाने के हर अवसर का लाभ उठाया, इस उम्मीद में कि वह काफिले से अपना रास्ता बना लेगी। दुर्भाग्य से, उनमें से एक जानवर के सींग, चाहे गलती से या जानबूझकर, जंगली घोड़े के पिछले हिस्से से ज़ोर से टकराए और उसे बेकाबू कर दिया। पल भर में वह गुस्से में फुफकारते हुए अपने पिछले पैरों पर खड़ा हो गया और इस तरह उछल-कूद करने लगा कि एक कुशल घुड़सवार के अलावा कोई भी गिर जाता। हालात बेहद खतरनाक थे। उत्तेजित घोड़े की हर छलांग उसे सींगों से टकरा देती और उसे और भी बेकाबू कर देती। लड़की बड़ी मुश्किल से खुद को घोड़े की पीठ पर संभाले हुए थी, लेकिन ज़रा सी भी चूक का मतलब था उन बेकाबू और डरे हुए जानवरों के खुरों के नीचे उसकी भयानक मौत। अचानक आने वाली आपात स्थितियों से अनजान, उसका सिर चकराने लगा और लगाम पर उसकी पकड़ ढीली पड़ने लगी। धूल के उठते बादल और संघर्ष करते जानवरों से निकलती भाप से उसका दम घुट रहा था, वह शायद हताशा में हार मान लेती, लेकिन तभी पास से एक दयालु आवाज़ आई जिसने उसे मदद का भरोसा दिलाया। उसी क्षण एक मज़बूत भूरे हाथ ने डरे हुए घोड़े को लगाम से पकड़ लिया और झुंड के बीच से रास्ता बनाते हुए उसे जल्द ही घोड़े के बाहरी इलाके में ले आया।

"आशा है आपको कोई चोट नहीं आई होगी, महोदया," उसकी रक्षक ने आदरपूर्वक कहा।

उसने उसके गहरे, उग्र चेहरे की ओर देखा और शरारती हंसी हंस पड़ी।

“मैं बहुत डरी हुई हूं,” उसने भोलेपन से कहा; “किसने सोचा होगा कि पोंचो इतनी सारी गायों से इतना डर जाएगा?”

“भगवान का शुक्र है, तुम अपनी सीट पर बैठी रहीं,” दूसरे ने गंभीरता से कहा। वह एक लंबा, खूंखार दिखने वाला नौजवान था, जो एक ताकतवर भूरे घोड़े पर सवार था और शिकारी के खुरदुरे कपड़े पहने हुए था, उसके कंधों पर एक लंबी राइफल लटकी हुई थी। “मुझे लगता है कि तुम जॉन फेरियर की बेटी हो,” उसने कहा; “मैंने तुम्हें उनके घर से घोड़े पर सवार होकर आते देखा था। जब तुम उनसे मिलो, तो उनसे पूछना कि क्या उन्हें सेंट लुइस के जेफरसन होप्स याद हैं। अगर वह वही फेरियर हैं, तो मेरे पिता और वह बहुत अच्छे दोस्त थे।”

"क्या बेहतर नहीं होगा कि आप आकर खुद ही पूछ लें?" उसने विनम्रता से पूछा।

यह सुझाव सुनकर वह युवक प्रसन्न प्रतीत हुआ और उसकी गहरी आँखों में खुशी की चमक आ गई। उसने कहा, "मैं ऐसा ही करूँगा; हम दो महीने से पहाड़ों में हैं और हमारी हालत बहुत अच्छी नहीं है। उसे हमें उसी हालत में स्वीकार करना होगा जिस हालत में हम हैं।"

“उन्हें आपका बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहिए, और मुझे भी,” उसने जवाब दिया; “वे मुझे बहुत पसंद करते हैं। अगर वे गायें मुझ पर कूद पड़तीं तो वे कभी इससे उबर नहीं पाते।”

"मैं भी ऐसा नहीं करूंगी," उसकी साथी ने कहा।

“तुम! खैर, मुझे नहीं लगता कि इससे तुम्हें कोई खास फर्क पड़ेगा। तुम तो हमारे दोस्त भी नहीं हो।”

इस टिप्पणी पर युवा शिकारी का उदास चेहरा इतना गंभीर हो गया कि लूसी फेरियर ज़ोर से हंस पड़ी।

“देखो, मेरा मतलब वो नहीं था,” उसने कहा; “बेशक, अब तुम मेरी दोस्त हो। तुम्हें हमसे मिलने आना चाहिए। अब मुझे जाना होगा, वरना पिताजी अपना कारोबार मुझे नहीं सौंपेंगे। अलविदा!”

“अलविदा,” उसने अपनी चौड़ी टोपी उठाते हुए और उसका छोटा हाथ पकड़ते हुए जवाब दिया। उसने अपने घोड़े को घुमाया, उसे चाबुक से एक झटका दिया और धूल का गुबार उड़ाते हुए चौड़ी सड़क पर तेज़ी से निकल गई।

युवा जेफरसन होप अपने साथियों के साथ उदास और चुपचाप आगे बढ़ रहे थे। वे नेवादा पहाड़ों में चांदी की खोज कर रहे थे और साल्ट लेक सिटी लौट रहे थे, इस उम्मीद में कि वे कुछ खोजी गई खानों पर काम करने के लिए पर्याप्त पूंजी जुटा लेंगे। इस अचानक घटना ने उनके विचारों को एक अलग दिशा में मोड़ने से पहले तक वे भी अपने साथियों की तरह ही इस काम में लगे हुए थे। सिएरा की ठंडी हवाओं की तरह निर्मल और निर्मल उस सुंदर युवती को देखकर उनका उग्र और बेकाबू दिल अंदर तक हिल गया था। जब वह उनकी नजरों से ओझल हो गई, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके जीवन में एक संकट आ गया है और न तो चांदी की खोज और न ही कोई अन्य प्रश्न उनके लिए इस नए और सर्वव्यापी प्रश्न जितना महत्वपूर्ण हो सकता है। उनके दिल में जो प्रेम जागा था, वह किसी लड़के की अचानक और क्षणिक कल्पना नहीं थी, बल्कि एक दृढ़ इच्छाशक्ति और दबंग स्वभाव वाले व्यक्ति का उग्र और तीव्र जुनून था। उन्हें अपने हर काम में सफल होने की आदत थी। उसने मन ही मन कसम खाई कि यदि मानवीय प्रयास और मानवीय दृढ़ता उसे सफल बना सकती है, तो वह इसमें असफल नहीं होगा।

उस रात वह जॉन फेरियर से मिलने गया, और कई बार आता रहा, जब तक कि फार्महाउस में उसका चेहरा जाना-पहचाना नहीं हो गया। घाटी में एकांत में बसे और अपने काम में मग्न जॉन को पिछले बारह वर्षों में बाहरी दुनिया की खबरें जानने का बहुत कम मौका मिला था। ये सब बातें जेफरसन होप उसे बता सकता था, और ऐसे अंदाज़ में कि लूसी और उसके पिता दोनों को ही दिलचस्पी हो जाती थी। वह कैलिफ़ोर्निया में एक अग्रणी व्यक्ति था, और उन सुनहरे दिनों में बनी और बिगड़ी दौलतों की कई अनोखी कहानियाँ सुना सकता था। वह एक स्काउट, शिकारी, चांदी का खोजकर्ता और एक रैंचमैन भी था। जहाँ कहीं भी रोमांचक कारनामों की तलाश होती थी, जेफरसन होप वहाँ पहुँच जाता था। वह जल्द ही बूढ़े किसान का चहेता बन गया, जो उसकी खूबियों की बड़ी-बड़ी तारीफ़ करता था। ऐसे मौकों पर लूसी चुप रहती थी, लेकिन उसके लाल होते गाल और उसकी चमकती, खुश आँखें साफ दिखा देती थीं कि उसका युवा दिल अब उसका अपना नहीं रहा। उसके ईमानदार पिता ने शायद इन लक्षणों पर ध्यान नहीं दिया होगा, लेकिन निश्चित रूप से उन्होंने ये लक्षण उस व्यक्ति पर नहीं छोड़े होंगे जिसने उसका स्नेह जीता था।

एक गर्मी की शाम, वह सरपट दौड़ता हुआ सड़क पर आया और फाटक पर रुक गया। वह दरवाज़े पर खड़ी थी और उससे मिलने नीचे आई। उसने लगाम बाड़ के ऊपर फेंक दी और पगडंडी पर चल पड़ा।

“मैं जा रहा हूँ, लूसी,” उसने उसके दोनों हाथ अपने हाथों में लेते हुए और उसके चेहरे की ओर स्नेह से देखते हुए कहा; “मैं अभी तुमसे मेरे साथ आने के लिए नहीं कहूँगा, लेकिन जब मैं दोबारा आऊँगा तो क्या तुम मेरे साथ आने के लिए तैयार रहोगी?”

"और यह कब होगा?" उसने शरमाते हुए और हंसते हुए पूछा।

“ज्यादा से ज्यादा दो महीने। मैं तब आकर तुम्हें अपनी बना लूंगा, मेरी जान। हमारे बीच कोई नहीं आ सकता।”

“और पिताजी के बारे में क्या?” उसने पूछा।

“उन्होंने अपनी सहमति दे दी है, बशर्ते हम इन खदानों को ठीक से चालू कर दें। मुझे इस बारे में कोई चिंता नहीं है।”

"अच्छा, ठीक है; अगर आपने और पिताजी ने सब कुछ तय कर लिया है, तो और कुछ कहने की जरूरत नहीं है," उसने फुसफुसाते हुए अपना गाल उसकी चौड़ी छाती से सटा लिया।

"भगवान का शुक्र है!" उसने भारी स्वर में कहा, झुककर उसे चूमते हुए। "अब तो बात पक्की हो गई। जितना ज़्यादा मैं यहाँ रहूँगा, जाना उतना ही मुश्किल होगा। वे लोग मेरा इंतज़ार कर रहे हैं। अलविदा, मेरी जान – अलविदा। दो महीने में तुम मुझसे मिलोगी।"

बोलते-बोलते ही उसने खुद को उससे अलग किया और घोड़े पर सवार होकर तेज़ी से भाग निकला, पीछे मुड़कर देखे बिना, मानो उसे डर हो कि अगर उसने पीछे छूट रही जगह पर एक नज़र भी डाल ली तो उसका इरादा टूट जाएगा। वह द्वार पर खड़ी रही और उसके ओझल होने तक उसे देखती रही। फिर वह घर में वापस चली गई, मानो पूरे यूटा में सबसे खुश लड़की हो।

अध्याय 3

जॉन फेरियर ने पैगंबर से बातचीत की

जेफरसन होप और उनके साथियों को साल्ट लेक सिटी से गए तीन सप्ताह बीत चुके थे। जॉन फेरियर का हृदय उस युवक की वापसी और अपनी गोद ली हुई बेटी के बिछड़ने के डर से भारी था। फिर भी, उसका हंसमुख और प्रसन्न चेहरा उन्हें इस व्यवस्था को किसी भी तर्क से कहीं अधिक स्वीकारने के लिए प्रेरित कर रहा था। उन्होंने अपने दृढ़ हृदय में हमेशा यह निश्चय कर लिया था कि कोई भी बात उन्हें अपनी बेटी की शादी किसी मॉर्मन से करने की अनुमति नहीं देगी। ऐसे विवाह को वे विवाह नहीं, बल्कि एक शर्म और कलंक मानते थे। मॉर्मन सिद्धांतों के बारे में उनकी जो भी राय हो, इस एक मुद्दे पर वे अटल थे। हालांकि, उन्हें इस विषय पर चुप रहना पड़ा, क्योंकि संतों की भूमि में उन दिनों किसी भी गैर-परंपरागत राय को व्यक्त करना खतरनाक माना जाता था।

हाँ, यह एक खतरनाक मामला था—इतना खतरनाक कि बड़े से बड़े संत भी अपने धार्मिक विचारों को दबी आवाज़ में कहने की हिम्मत नहीं करते थे, कहीं उनके मुँह से निकली कोई बात गलत न समझी जाए और उन पर तुरंत दंड न आ पड़े। उत्पीड़न के शिकार अब खुद ही उत्पीड़क बन गए थे, और वो भी बेहद भयानक उत्पीड़क। न तो सेविले का इनक्विजिशन, न ही जर्मन वेहमगेरिच्ट, और न ही इटली के गुप्त संगठन कभी भी यूटा राज्य पर छाए संकट से अधिक भयावह तंत्र को सक्रिय कर पाए थे।

इसकी अदृश्यता और इससे जुड़ा रहस्य इस संगठन को और भी भयानक बना देता था। यह सर्वज्ञ और सर्वशक्तिमान प्रतीत होता था, फिर भी न तो दिखाई देता था और न ही सुनाई देता था। चर्च के विरुद्ध खड़े रहने वाला व्यक्ति गायब हो जाता था, और कोई नहीं जानता था कि वह कहाँ गया या उसके साथ क्या हुआ। उसकी पत्नी और बच्चे घर पर उसका इंतज़ार करते थे, लेकिन कोई पिता कभी वापस नहीं लौटा और उन्हें यह नहीं बता पाया कि गुप्त न्यायाधीशों के हाथों उसका क्या हाल हुआ। एक उतावला शब्द या जल्दबाजी में किया गया कार्य विनाश का कारण बनता था, फिर भी कोई नहीं जानता था कि उन पर मंडरा रही इस भयानक शक्ति का स्वरूप क्या हो सकता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि लोग भय और कांपते हुए घूमते थे, और यहाँ तक कि जंगल के बीचोंबीच भी वे अपने मन में उठ रहे संदेहों को फुसफुसाने की हिम्मत नहीं करते थे।

आरंभ में यह अस्पष्ट और भयानक शक्ति केवल उन अवज्ञाकारी लोगों पर ही प्रयोग की जाती थी, जिन्होंने मॉर्मन धर्म को अपना लिया था, लेकिन बाद में उसे विकृत करना या त्याग देना चाहते थे। लेकिन जल्द ही इसका दायरा व्यापक हो गया। वयस्क महिलाओं की संख्या कम होती जा रही थी, और महिला आबादी के बिना बहुविवाह एक निरर्थक सिद्धांत था। अजीबोग़रीब अफवाहें फैलने लगीं - उन क्षेत्रों में अप्रवासियों की हत्या और लूटपाट की अफवाहें, जहाँ कभी भारतीयों को नहीं देखा गया था। एल्डर्स के हरम में नई महिलाएं दिखाई देने लगीं - ऐसी महिलाएं जो दुखी और रोती थीं, और जिनके चेहरों पर एक अमिट भय के निशान थे। पहाड़ों पर देर से पहुंचने वाले यात्रियों ने नकाबपोश, चुपके से और बिना आवाज किए, हथियारबंद पुरुषों के गिरोहों के बारे में बताया, जो अंधेरे में उनके पास से गुजर जाते थे। ये कहानियां और अफवाहें ठोस रूप लेने लगीं, और इनकी पुष्टि होती रही, अंततः इन्हें एक निश्चित नाम मिल गया। आज भी, पश्चिम के सुनसान खेतों में, डैनाइट बैंड या बदला लेने वाले स्वर्गदूतों का नाम अशुभ और अपशगुन के रूप में लिया जाता है।

जिस संगठन ने इतने भयानक परिणाम उत्पन्न किए, उसके बारे में पूरी जानकारी मिलने से लोगों के मन में व्याप्त भय कम होने के बजाय और बढ़ गया। किसी को नहीं पता था कि इस निर्दयी संगठन का सदस्य कौन है। धर्म के नाम पर किए गए रक्तपात और हिंसा में शामिल लोगों के नाम पूरी तरह गुप्त रखे गए थे। जिस मित्र से आपने पैगंबर और उनके मिशन के बारे में अपनी आशंकाएं व्यक्त की थीं, वही व्यक्ति रात में आग और तलवार लेकर भयानक प्रतिशोध लेने आ सकता था। इसलिए हर कोई अपने पड़ोसी से डरता था और कोई भी अपने दिल की बात किसी को नहीं बताता था।

एक सुहावनी सुबह जॉन फेरियर अपने गेहूं के खेतों की ओर जाने ही वाले थे कि उन्हें कुंडी की आवाज सुनाई दी और खिड़की से झांकने पर उन्होंने देखा कि एक हट्टा-कट्टा, सुनहरे बालों वाला अधेड़ उम्र का आदमी रास्ते से आ रहा है। उनका दिल ज़ोर से धड़कने लगा, क्योंकि यह कोई और नहीं बल्कि स्वयं महान ब्रिगहम यंग थे। घबराहट से भरे हुए - क्योंकि वे जानते थे कि ऐसी मुलाकात उनके लिए शुभ संकेत नहीं है - फेरियर मॉर्मन सरदार का अभिवादन करने के लिए दरवाजे की ओर दौड़े। लेकिन सरदार ने उनके अभिवादन को ठंडेपन से स्वीकार किया और गंभीर चेहरे के साथ बैठक कक्ष में उनके पीछे चले गए।

“भाई फेरियर,” उसने बैठते हुए कहा और अपनी हल्की रंग की पलकों के नीचे से किसान को ध्यान से देखते हुए बोला, “सच्चे विश्वासी आपके अच्छे मित्र रहे हैं। जब आप रेगिस्तान में भूख से मर रहे थे, तब हमने आपको सहारा दिया, अपना भोजन आपके साथ साझा किया, आपको सुरक्षित रूप से चुनी हुई घाटी तक पहुँचाया, आपको ज़मीन का एक अच्छा हिस्सा दिया और हमारी सुरक्षा में आपको समृद्ध होने दिया। क्या यह सच नहीं है?”

“यही सच है,” जॉन फेरियर ने उत्तर दिया।

“इन सबके बदले हमने आपसे केवल एक ही शर्त रखी थी: कि आप सच्चे धर्म को अपनाएं और हर तरह से उसके रीति-रिवाजों का पालन करें। आपने ऐसा करने का वादा किया था, और अगर आम राय सही है, तो आपने इस वादे को पूरा नहीं किया।”

“और मैंने इसकी उपेक्षा कैसे की?” फेरियर ने विरोध जताते हुए अपने हाथ फैलाते हुए पूछा। “क्या मैंने सार्वजनिक कोष में दान नहीं दिया? क्या मैं मंदिर नहीं गया? क्या मैंने ऐसा नहीं किया?”

“तुम्हारी पत्नियाँ कहाँ हैं?” यंग ने चारों ओर देखते हुए पूछा। “उन्हें अंदर बुलाओ, ताकि मैं उनका अभिवादन कर सकूं।”

"यह सच है कि मैंने शादी नहीं की," फेरियर ने जवाब दिया। "लेकिन उस समय महिलाएं कम थीं, और मुझसे बेहतर हक रखने वाली कई महिलाएं थीं। मैं अकेला नहीं था: मेरी बेटी मेरी जरूरतों का ख्याल रखती थी।"

"मैं आपसे उसी बेटी के बारे में बात करना चाहता हूँ," मॉर्मन समुदाय के नेता ने कहा। "वह यूटा की शान बन गई है और देश के कई प्रभावशाली लोगों की नजरों में उसने अपनी जगह बना ली है।"

जॉन फेरियर मन ही मन आह भरी।

"उसके बारे में ऐसी कहानियां प्रचलित हैं जिन पर मुझे विश्वास करना कठिन लगता है—कहानियां कि उसका विवाह किसी गैर-यहूदी से हुआ है। यह सब व्यर्थ की बातें हैं। संत जोसेफ स्मिथ की संहिता का तेरहवां नियम क्या है? 'सच्चे विश्वास की प्रत्येक कन्या का विवाह चुने हुए व्यक्ति से ही होना चाहिए; क्योंकि यदि वह किसी गैर-यहूदी से विवाह करती है, तो वह घोर पाप करती है।' ऐसा होने पर, यह असंभव है कि आप, जो पवित्र धर्म का पालन करते हैं, अपनी पुत्री को इसका उल्लंघन करने दें।"

जॉन फेरियर ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन वह घबराहट में अपनी घुड़सवारी की चाबुक से खेल रहा था।

"इस एक बात पर आपके पूरे विश्वास की परीक्षा होगी—चार सदस्यों की पवित्र सभा में यही निर्णय लिया गया है। लड़की अभी जवान है, और हम नहीं चाहते कि उसकी शादी किसी बूढ़े से हो, न ही हम उसे अपनी पसंद से वंचित करना चाहते हैं। हम बुजुर्गों के पास कई बछियाएँ हैं, लेकिन हमें अपने बच्चों का भी ध्यान रखना होगा। स्टैंगर्सन का एक बेटा है, और ड्रेबर का भी एक बेटा है, और उनमें से कोई भी आपकी बेटी का अपने घर में सहर्ष स्वागत करेगा। उसे उनमें से किसी एक को चुनने दीजिए। वे जवान और धनी हैं, और सच्चे विश्वास के अनुयायी हैं। इस बारे में आपका क्या विचार है?"

फेरियर कुछ देर तक भौंहें सिकोड़कर चुप रहा।

अंत में उन्होंने कहा, "आप हमें समय दीजिए। मेरी बेटी बहुत छोटी है - उसकी शादी की उम्र अभी मुश्किल से ही हुई है।"

"उसे चुनने के लिए एक महीने का समय मिलेगा," यंग ने अपनी सीट से उठते हुए कहा। "उस समय के अंत में वह अपना जवाब देगी।"

वह दरवाजे से गुजर ही रहा था कि तभी उसने लाल चेहरे और चमकती आँखों से मुड़कर कहा, "जॉन फेरियर, तुम्हारे लिए बेहतर होता कि तुम और वह अब सिएरा ब्लैंको पर कंकाल की तरह पड़े होते, बजाय इसके कि तुम पवित्र चार के आदेशों के विरुद्ध अपनी कमजोर इच्छाशक्ति का इस्तेमाल करो!"

उसने हाथ से धमकी भरा इशारा करते हुए दरवाजे से मुंह मोड़ लिया, और फेरियर ने कंकड़ वाले रास्ते पर उसके भारी कदमों की चरमराहट सुनी।

वह अब भी अपनी कोहनी घुटने पर टिकाए बैठा था, यह सोच रहा था कि अपनी बेटी से इस बारे में कैसे बात करे, तभी किसी ने कोमल हाथ से उसका हाथ थाम लिया और ऊपर देखते ही उसने अपनी बेटी को अपने बगल में खड़ा पाया। उसके पीले, भयभीत चेहरे को देखकर वह समझ गया कि उसने सब कुछ सुन लिया था।

"मैं कुछ नहीं कर सकती थी," उसने उसकी नज़र का जवाब देते हुए कहा। "उसकी आवाज़ पूरे घर में गूंज उठी। ओह, पिताजी, पिताजी, अब हम क्या करें?"

"डरिए मत," उसने जवाब दिया, उसे अपनी ओर खींचते हुए और अपने चौड़े, खुरदुरे हाथ से उसके भूरे बालों को प्यार से सहलाते हुए। "हम इसे किसी न किसी तरह ठीक कर लेंगे। कहीं इस लड़के के लिए आपकी चाहत कम तो नहीं हो रही?"

एक सिसकी और उसके हाथ को हल्के से दबाना ही उसकी एकमात्र प्रतिक्रिया थी।

"नहीं; बिलकुल नहीं। मैं यह सुनना नहीं चाहता कि तुमने ऐसा किया। वह एक होनहार लड़का है, और वह ईसाई है, जो इन लोगों से कहीं बढ़कर है, चाहे वे कितनी भी प्रार्थना और उपदेश क्यों न दें। कल नेवादा के लिए एक दल रवाना हो रहा है, और मैं उसे संदेश भेजकर बता दूंगा कि हम किस मुसीबत में हैं। अगर मैं उस नौजवान को ज़रा भी जानता हूं, तो वह इतनी तेज़ी से वापस आएगा कि बिजली के तार भी उसे मात दे देंगे।"

अपने पिता के वर्णन को सुनकर लूसी आंसू बहाते हुए हंस पड़ी।

"जब वह आएंगे, तो हमें सबसे अच्छी सलाह देंगे। लेकिन मुझे तुम्हारे लिए डर लग रहा है, प्रिय। पैगंबर का विरोध करने वालों के बारे में ऐसी भयानक कहानियां सुनने को मिलती हैं; उनके साथ हमेशा कुछ न कुछ बुरा होता है।"

"लेकिन हमने अभी तक उसका विरोध नहीं किया है," उसके पिता ने जवाब दिया। "जब हम विरोध करेंगे, तब तूफ़ानों के लिए तैयार रहना होगा। हमारे पास पूरा एक महीना है; उसके बाद, मुझे लगता है कि हमारे लिए यूटा से निकल जाना ही सबसे अच्छा होगा।"

"यूटा छोड़ दो!"

बात लगभग इतनी ही है।

लेकिन खेत का क्या?

"हम जितना पैसा इकट्ठा कर सकते हैं, उतना करेंगे और बाकी छोड़ देंगे। सच कहूँ तो, लूसी, यह पहली बार नहीं है जब मैंने ऐसा करने के बारे में सोचा है। मुझे किसी के सामने झुकने की परवाह नहीं है, जैसे ये लोग अपने पैगंबर के सामने झुकते हैं। मैं एक स्वतंत्र अमेरिकी हूँ, और यह सब मेरे लिए नया है। लगता है मैं सीखने के लिए बहुत बूढ़ा हो गया हूँ। अगर वह इस खेत के आसपास घूमता हुआ आया, तो हो सकता है कि उसे विपरीत दिशा से आती हुई गोलियों की बौछार का सामना करना पड़े।"

"लेकिन वे हमें जाने नहीं देंगे," उनकी बेटी ने आपत्ति जताई।

"जेफ़रसन के आने तक इंतज़ार करो, हम जल्दी ही यह काम कर लेंगे। तब तक, मेरी प्यारी, तुम चिंता मत करो और अपनी आँखें मत फुलाओ, वरना जब वह तुम्हें देखेगा तो मुझसे टकरा जाएगा। डरने की कोई बात नहीं है, और कोई खतरा नहीं है।"

जॉन फेरियर ने ये सांत्वना भरे शब्द बहुत ही आत्मविश्वास भरे स्वर में कहे, लेकिन वह इस बात पर गौर करने से खुद को रोक नहीं सकी कि उस रात उसने दरवाजों को ठीक से बंद करने में असामान्य सावधानी बरती थी, और उसने अपने शयनकक्ष की दीवार पर टंगी जंग लगी पुरानी बंदूक को बड़े ध्यान से साफ किया और उसमें गोलियां भरीं।

अध्याय 4

जीवन के लिए एक उड़ान

मॉर्मन पैगंबर से मुलाकात के बाद अगली सुबह जॉन फेरियर साल्ट लेक सिटी गए और नेवादा पर्वतों की ओर जा रहे अपने परिचित से मिलकर उन्होंने जेफरसन होप को अपना संदेश सौंपा। संदेश में उन्होंने उस युवक को उन पर मंडरा रहे आसन्न खतरे के बारे में बताया और यह भी कहा कि उसका वापस लौटना कितना आवश्यक है।

ऐसा करने के बाद जेफरसन होप का मन हल्का हुआ और वह मन हल्का करके घर लौट आया।

जैसे ही वह अपने खेत के पास पहुँचा, उसे फाटक के प्रत्येक खंभे से एक-एक घोड़ा बंधा देखकर आश्चर्य हुआ। अंदर प्रवेश करते ही उसे और भी आश्चर्य हुआ जब उसने अपने बैठक कक्ष में दो युवकों को देखा। एक, जिसका चेहरा लंबा और पीला था, झूला कुर्सी पर पीछे की ओर झुका हुआ था और उसके पैर चूल्हे पर रखे हुए थे। दूसरा, एक गठीली गर्दन वाला और फूले हुए चेहरे वाला युवक, खिड़की के सामने जेब में हाथ डाले खड़ा एक लोकप्रिय भजन सीटी बजा रहा था। फेरियर के अंदर आते ही दोनों ने उसे सिर हिलाकर अभिवादन किया और झूला कुर्सी पर बैठे युवक ने बातचीत शुरू की।

उन्होंने कहा, "शायद आप हमें नहीं जानते। मैं एल्डर ड्रेबर का बेटा हूँ, और मैं जोसेफ स्टैंगरसन हूँ, जिसने आपके साथ रेगिस्तान में यात्रा की थी जब प्रभु ने अपना हाथ बढ़ाया और आपको सच्चे समूह में इकट्ठा किया।"

"जैसे वह अपने उचित समय में सभी राष्ट्रों को पीसता है," दूसरे ने नाक से निकलती हुई आवाज़ में कहा; "वह धीरे-धीरे पीसता है लेकिन बहुत बारीक पीसता है।"

जॉन फेरियर ने ठंडे लहजे में सिर झुकाया। उसे अंदाज़ा हो गया था कि उसके आगंतुक कौन हैं।

"हम अपने पिता की सलाह पर आपकी बेटी का हाथ मांगने आए हैं, ताकि हम दोनों में से जो भी आपको और आपकी बेटी को अच्छा लगे, उससे शादी कर सकें। चूंकि मेरी केवल चार पत्नियां हैं और भाई ड्रेबर की सात, इसलिए मुझे लगता है कि मेरा दावा अधिक मजबूत है।"

"नहीं, नहीं, भाई स्टैंगरसन," दूसरे ने चिल्लाकर कहा; "सवाल यह नहीं है कि हमारे पास कितनी पत्नियाँ हैं, बल्कि यह है कि हम कितनों को रख सकते हैं। मेरे पिता ने अब अपनी मिलें मुझे सौंप दी हैं, और मैं पहले से ज़्यादा अमीर हो गया हूँ।"

"लेकिन मेरी संभावनाएं बेहतर हैं," दूसरे ने गर्मजोशी से कहा। "जब प्रभु मेरे पिता को अपने पास बुला लेंगे, तो मुझे उनका चमड़ा बनाने का कारखाना और उनकी चमड़ा फैक्टरी मिल जाएगी। तब मैं तुम्हारा बड़ा हो जाऊंगा और चर्च में मेरा पद भी ऊंचा होगा।"

"यह फैसला तो युवती ही करेगी," युवा ड्रेबर ने शीशे में अपनी परछाई को देखकर मुस्कुराते हुए जवाब दिया। "हम सारा फैसला उसी पर छोड़ देंगे।"

इस बातचीत के दौरान जॉन फेरियर गुस्से से आग बबूला होकर दरवाजे पर खड़ा था, और मुश्किल से ही अपने दो आगंतुकों की पीठ पर चाबुक मारने से खुद को रोक पा रहा था।

अंत में, वह उनके पास आते हुए बोला, "देखो, जब मेरी बेटी तुम्हें बुलाएगी, तब तुम आ सकते हो, लेकिन तब तक मैं तुम्हारा चेहरा दोबारा नहीं देखना चाहता।"

दोनों युवा मॉर्मन उसे विस्मय से देख रहे थे। उनकी नज़र में उस युवती का हाथ पाने के लिए उनके बीच की यह प्रतिस्पर्धा उस युवती और उसके पिता दोनों के लिए सर्वोच्च सम्मान की बात थी।

"कमरे से बाहर निकलने के दो रास्ते हैं," फेरियर चिल्लाया; "एक दरवाजा है, और एक खिड़की है। आप कौन सा रास्ता इस्तेमाल करना चाहेंगे?"

उसका भूरा चेहरा इतना क्रूर और उसके दुबले-पतले हाथ इतने डरावने लग रहे थे कि उसके आगंतुक डर के मारे उछल पड़े और जल्दी से पीछे हट गए। बूढ़ा किसान भी उनके पीछे दरवाजे तक गया।

"जब आप तय कर लें कि कौन सा विकल्प चुनना है, तो मुझे बता देना," उसने व्यंग्यपूर्वक कहा।

“तुम्हें इसका ख़ामियाजा भुगतना पड़ेगा!” स्टैंगरसन गुस्से से लाल होकर चिल्लाया। “तुमने पैगंबर और चार सदस्यीय परिषद की अवहेलना की है। तुम्हें जीवन भर इसका पछतावा रहेगा।”

“प्रभु का हाथ तुम पर भारी पड़ेगा,” युवा ड्रेबर चिल्लाया; “वह उठेगा और तुम्हें मारेगा!”

“तो फिर मैं मार-पीट शुरू कर दूंगा,” फेरियर ने क्रोध से कहा और अगर लूसी ने उसे बांह से पकड़कर रोका न होता तो वह अपनी बंदूक लेने के लिए ऊपर की ओर दौड़ पड़ता। इससे पहले कि वह उससे बच पाता, घोड़ों के खुरों की आवाज ने उसे बता दिया कि वे उसकी पहुंच से बाहर हैं।

“ये बदमाश नौजवान!” उसने माथे से पसीना पोंछते हुए कहा; “मेरी प्यारी, मैं तुम्हें इन दोनों की पत्नी के रूप में देखने के बजाय तुम्हारी कब्र में देखना पसंद करूंगा।”

“और मुझे भी ऐसा ही करना चाहिए, पिताजी,” उसने उत्साह से उत्तर दिया; “लेकिन जेफरसन जल्द ही यहां आ जाएगा।”

“हां। वह जल्द ही आ जाएगा। जितनी जल्दी हो उतना अच्छा, क्योंकि हमें नहीं पता कि उनका अगला कदम क्या होगा।”

यह वाकई ज़रूरी था कि कोई ऐसा व्यक्ति सलाह और मदद देने के लिए आगे आए जो उस बलवान बूढ़े किसान और उसकी गोद ली हुई बेटी की सहायता कर सके। बस्ती के पूरे इतिहास में बड़ों के अधिकार की इतनी घोर अवज्ञा का ऐसा मामला पहले कभी नहीं हुआ था। अगर छोटी-मोटी गलतियों की इतनी कड़ी सज़ा दी जाती है, तो इस कट्टर विद्रोही का क्या हश्र होगा? फेरियर जानता था कि उसका धन और रुतबा उसके किसी काम नहीं आएगा। उससे भी ज़्यादा मशहूर और धनी लोग पहले ही गुपचुप तरीके से ले जाए जा चुके थे और उनकी संपत्ति चर्च को सौंप दी गई थी। वह एक बहादुर आदमी था, लेकिन अपने ऊपर मंडरा रहे अस्पष्ट, डरावने डर से कांप रहा था। किसी भी ज्ञात खतरे का वह दृढ़ता से सामना कर सकता था, लेकिन यह अनिश्चितता उसे बेचैन कर रही थी। उसने अपने डर को अपनी बेटी से छुपाया और पूरे मामले को हल्के में लेने का दिखावा किया, हालांकि उसकी बेटी, प्रेम भरी पैनी नज़र से, साफ देख सकती थी कि वह बेचैन है।

उन्हें उम्मीद थी कि यंग से उनके आचरण के संबंध में कोई संदेश या फटकार मिलेगी, और उनकी उम्मीद सही निकली, हालांकि यह अप्रत्याशित तरीके से आई। अगली सुबह उठने पर उन्होंने आश्चर्य से देखा कि उनके बिस्तर की चादर पर, उनकी छाती के ठीक ऊपर, कागज़ का एक छोटा सा चौकोर टुकड़ा पिन से लगा हुआ था। उस पर मोटे, बिखरे अक्षरों में लिखा था: —

आपको संशोधन के लिए उनतीस दिन दिए गए हैं, और फिर—”

वह दौड़ किसी भी धमकी से कहीं अधिक भयावह थी। यह चेतावनी उसके कमरे तक कैसे पहुँची, यह बात जान फेरियर को बेहद परेशान कर रही थी, क्योंकि उसके नौकर एक बाहरी कमरे में सोते थे और सभी दरवाजे-खिड़कियां सुरक्षित थीं। उसने कागज को मसल कर फेंक दिया और अपनी बेटी से कुछ नहीं कहा, लेकिन इस घटना ने उसके दिल में सिहरन पैदा कर दी। 29 दिन स्पष्ट रूप से उस महीने के शेष दिन थे जिसका यंग ने वादा किया था। ऐसी रहस्यमय शक्तियों से लैस दुश्मन के सामने कौन सी ताकत या साहस काम आ सकता था? जिस हाथ ने वह पिन ठोकी थी, वह उसे दिल में भी मार सकता था, और वह कभी नहीं जान पाता कि उसे किसने मारा था।

अगली सुबह वह और भी ज़्यादा घबरा गया। वे नाश्ता करने बैठे ही थे कि लूसी ने हैरानी से चिल्लाते हुए ऊपर की ओर इशारा किया। छत के बीचोंबीच जली हुई लकड़ी से 28 लिखा हुआ था। उसकी बेटी को वह समझ नहीं आया, और उसने उसे कुछ नहीं बताया। उस रात वह अपनी बंदूक लेकर पहरा देता रहा। उसने कुछ देखा या सुना नहीं, फिर भी सुबह उसके दरवाज़े के बाहर बड़े अक्षरों में 27 लिखा हुआ था।

इस प्रकार दिन बीतते गए; और जैसे ही सुबह हुई, उसने पाया कि उसके अदृश्य शत्रुओं ने अपना हिसाब-किताब रखा हुआ था और किसी प्रमुख स्थान पर यह अंकित कर रखा था कि उसके पास अनुग्रह के महीने में कितने दिन शेष बचे हैं। कभी-कभी ये अशुभ संख्याएँ दीवारों पर, कभी फ़र्श पर, कभी-कभी बगीचे के द्वार या रेलिंग पर चिपके छोटे-छोटे पत्रों पर दिखाई देती थीं। अपनी पूरी सतर्कता के बावजूद जॉन फ़ेरियर यह पता नहीं लगा सका कि ये दैनिक चेतावनियाँ कहाँ से आ रही थीं। उन्हें देखकर उस पर एक ऐसा भय छा जाता था जो लगभग अंधविश्वास जैसा था। वह थका हुआ और बेचैन हो जाता था, और उसकी आँखों में किसी शिकार किए गए प्राणी जैसी व्याकुलता झलकती थी। अब उसके जीवन में केवल एक ही आशा बची थी, और वह थी नेवादा से आने वाले युवा शिकारी का आगमन।

बीस की संख्या पंद्रह हो गई, फिर पंद्रह की दस, लेकिन लापता व्यक्ति का कोई पता नहीं चला। एक-एक करके संख्या कम होती गई, और फिर भी उसका कोई आभास नहीं हुआ। जब भी कोई घुड़सवार सड़क पर सरपट दौड़ता या कोई सारथी अपने घोड़ों को पुकारता, बूढ़ा किसान यह सोचकर द्वार की ओर दौड़ता कि आखिरकार मदद आ गई है। अंत में, जब उसने देखा कि पाँच की जगह चार और फिर तीन रह गए, तो उसका हौसला पस्त हो गया और उसने भागने की सारी उम्मीद छोड़ दी। अकेले और बस्ती के चारों ओर फैले पहाड़ों के सीमित ज्ञान के साथ, वह जानता था कि वह असहाय है। अधिक उपयोग वाली सड़कों पर कड़ी निगरानी और पहरा था, और परिषद के आदेश के बिना कोई भी उन पर से नहीं गुजर सकता था। वह जिधर भी मुड़ता, उस पर मंडरा रहे खतरे से बचना नामुमकिन लग रहा था। फिर भी, बूढ़े ने अपनी बेटी के अपमान को स्वीकार करने से पहले अपनी जान देने का निश्चय नहीं छोड़ा।

एक शाम वह अकेले बैठे अपनी परेशानियों पर गहराई से विचार कर रहे थे और उनसे निकलने का कोई रास्ता व्यर्थ ही खोज रहे थे। उस सुबह उनके घर की दीवार पर अंक 2 दिखाई दिया था और अगला दिन नियत समय का आख़िरी दिन था: फिर क्या होगा? तरह-तरह के अस्पष्ट और भयानक विचार उनके मन में उमड़ रहे थे। और उनकी बेटी—उनके जाने के बाद उसका क्या होगा? क्या उनके चारों ओर बुने गए अदृश्य जाल से कोई बच निकलने का रास्ता नहीं था? उन्होंने अपना सिर मेज पर रख दिया और अपनी बेबसी के विचार से फूट-फूट कर रोने लगे।

यह क्या था? सन्नाटे में उसे एक हल्की खरोंच की आवाज़ सुनाई दी—धीमी, लेकिन रात के सन्नाटे में एकदम साफ़। यह घर के दरवाज़े से आ रही थी। फेरियर दबे पांव हाल में गया और ध्यान से सुनने लगा। कुछ पल का सन्नाटा छा गया, और फिर वही धीमी, डरावनी आवाज़ दोबारा सुनाई दी। ज़ाहिर है, कोई दरवाज़े के किसी पैनल पर बहुत धीरे से थपथपा रहा था। क्या यह कोई आधी रात का हत्यारा था जो गुप्त न्यायाधिकरण के खूनी आदेशों को पूरा करने आया था? या फिर कोई एजेंट था जो यह लिख रहा था कि आखिरी दिन आ गया है? जॉन फेरियर को लगा कि इस अनिश्चितता से बेहतर है तुरंत मौत, जो उसकी नसों को कंपा रही थी और उसके दिल को ठंडा कर रही थी। तेज़ी से आगे बढ़ते हुए, उसने कुंडी खींची और दरवाज़ा खोल दिया।

बाहर सब शांत और स्थिर था। रात सुहाना था और आसमान में तारे खूब चमक रहे थे। किसान के सामने बाड़ और फाटक से घिरा छोटा सा बगीचा था, लेकिन न तो बगीचे में और न ही सड़क पर कोई इंसान दिखाई दे रहा था। राहत की सांस लेते हुए फेरियर ने दाएं-बाएं देखा, और तभी अचानक उसकी नजर अपने पैरों पर पड़ी, तो उसने हैरानी से देखा कि एक आदमी जमीन पर औंधा पड़ा है, उसके हाथ-पैर फैले हुए हैं।

यह दृश्य देखकर वह इतना भयभीत हो गया कि चीखने की इच्छा को दबाने के लिए उसने अपना हाथ गले पर रखकर दीवार का सहारा लिया। पहले तो उसे लगा कि ज़मीन पर पड़ा हुआ व्यक्ति किसी घायल या मरणासन्न व्यक्ति का है, लेकिन जैसे-जैसे उसने उसे देखा, वह एक सांप की तरह तेज़ी से और बिना आवाज़ किए ज़मीन पर रेंगता हुआ हॉल में चला गया। घर के अंदर पहुँचते ही वह व्यक्ति उछलकर खड़ा हो गया, दरवाज़ा बंद कर लिया और चकित किसान के सामने जेफरसन होप का क्रूर चेहरा और दृढ़ भाव प्रकट किया।

“हे भगवान!” जॉन फेरियर हांफते हुए बोला। “तुमने मुझे कितना डरा दिया! आखिर तुम इस तरह अंदर क्यों आए?”

“मुझे खाना दो,” दूसरे ने कर्कश स्वर में कहा। “मुझे अड़तालीस घंटे से निवाला भी नहीं मिला।” उसने मेज़बान के रात के खाने से बचे ठंडे मांस और रोटी पर झपट्टा मारा और उसे जल्दी-जल्दी खाने लगा। “क्या लूसी ठीक है?” उसने भूख मिटाने के बाद पूछा।

“हां। उसे खतरे का अंदाजा नहीं है,” उसके पिता ने जवाब दिया।

“यह अच्छी बात है। घर चारों तरफ से सुरक्षित है। इसीलिए मैं रेंगते हुए ऊपर चढ़ा। वे बहुत चालाक तो हैं, लेकिन वाशो के शिकारी को पकड़ने के लिए उतने चालाक नहीं हैं।”

जॉन फेरियर को अब यह एहसास हो गया था कि उसे एक वफादार साथी मिल गया है, और वह खुद को बिल्कुल अलग महसूस कर रहा था। उसने उस नौजवान का चमचमाता हाथ पकड़ा और स्नेह से सहलाया। उसने कहा, "तुम पर गर्व किया जा सकता है। ऐसे लोग बहुत कम होते हैं जो हमारे खतरे और मुसीबतों में हमारा साथ देने को तैयार हों।"

“तुमने बिल्कुल सही कहा, दोस्त,” युवा शिकारी ने जवाब दिया। “मैं तुम्हारा सम्मान करता हूं, लेकिन अगर तुम इस धंधे में अकेले होते तो मैं ऐसे जोखिम भरे काम में हाथ डालने से पहले दो बार सोचता। लूसी की वजह से ही मैं यहाँ आया हूँ, और इससे पहले कि उसे कोई नुकसान पहुंचे, मुझे लगता है कि यूटा में होप परिवार का एक सदस्य कम हो जाएगा।”

"हम क्या करने के लिए हैं?"

“कल तुम्हारा आखिरी दिन है, और अगर तुमने आज रात कोई कदम नहीं उठाया तो सब कुछ खत्म हो जाएगा। ईगल रेविन में मेरा एक खच्चर और दो घोड़े तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं। तुम्हारे पास कितने पैसे हैं?”

“दो हजार डॉलर सोने में और पांच हजार डॉलर नोटों में।”

“बस इतना काफी है। मुझे इसमें और भी बहुत कुछ जोड़ना है। हमें पहाड़ों से होते हुए कार्सन सिटी की ओर बढ़ना होगा। बेहतर होगा कि तुम लूसी को जगा दो। अच्छा है कि नौकर घर में नहीं सोते।”

फेरियर अपनी बेटी को आगामी यात्रा के लिए तैयार करने में व्यस्त था, तभी जेफरसन होप ने खाने-पीने की सभी चीज़ें एक छोटे से पार्सल में पैक कर लीं और एक मिट्टी के बर्तन में पानी भर लिया, क्योंकि उसे अनुभव था कि पहाड़ों में कुएँ बहुत कम और दूर-दूर होते हैं। उसने अभी अपनी व्यवस्था पूरी ही की थी कि किसान अपनी बेटी

को तैयार-संवरे लेकर वापस आ गया। प्रेमियों का मिलन गर्मजोशी भरा था, लेकिन संक्षिप्त था, क्योंकि पल-पल कीमती थे और बहुत कुछ करना बाकी था।

“हमें तुरंत निकलना होगा,” जेफरसन होप ने धीमी लेकिन दृढ़ आवाज में कहा, मानो उन्हें खतरे की गंभीरता का एहसास हो, लेकिन उन्होंने उसका सामना करने के लिए अपना हौसला मजबूत कर लिया हो। “आगे और पीछे के दरवाजों पर पहरा है, लेकिन सावधानी से हम बगल की खिड़की से निकलकर खेतों को पार कर सकते हैं। एक बार सड़क पर आ जाने के बाद हम उस घाटी से केवल दो मील दूर हैं जहाँ घोड़े इंतज़ार कर रहे हैं। सुबह होने तक हम पहाड़ों के आधे रास्ते तक पहुँच चुके होंगे।”

"अगर हमें रोक दिया गया तो क्या होगा?" फेरियर ने पूछा।

होप ने अपनी कमीज़ के आगे निकले रिवाल्वर के बट पर हाथ मारा। "अगर वे हमारे लिए बहुत ज़्यादा हैं, तो हम उनमें से दो या तीन को अपने साथ ले जाएंगे," उसने एक भयावह मुस्कान के साथ कहा।

घर की सारी बत्तियाँ बुझ चुकी थीं, और अँधेरी खिड़की से फेरियर उन खेतों को देख रहा था जो कभी उसके अपने थे, और जिन्हें वह अब हमेशा के लिए छोड़ने वाला था। हालाँकि, उसने लंबे समय से खुद को इस त्याग के लिए तैयार कर रखा था, और अपनी बेटी के सम्मान और खुशी का ख्याल उसके बर्बाद हुए भाग्य के किसी भी अफसोस से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण था। सब कुछ इतना शांत और खुशहाल लग रहा था, सरसराते पेड़ और अनाज के खेतों का विशाल शांत विस्तार, कि यह समझना मुश्किल था कि इस सब के बीच हत्या की भावना छिपी हुई है। फिर भी, युवा शिकारी का सफेद चेहरा और दृढ़ भाव यह दर्शाते थे कि घर की ओर बढ़ते हुए उसने इतना कुछ देख लिया था कि वह इस मामले में संतुष्ट हो गया था।

फेरियर के पास सोने और नोटों से भरा थैला था, जेफरसन होप के पास थोड़ा सा राशन और पानी था, जबकि लूसी के पास एक छोटा सा बंडल था जिसमें उसकी कुछ कीमती चीजें थीं। खिड़की को बहुत धीरे और सावधानी से खोलते हुए, वे तब तक इंतजार करते रहे जब तक कि एक काले बादल ने रात को थोड़ा सा ढक नहीं लिया, और फिर एक-एक करके छोटे से बगीचे में प्रवेश कर गए। दबी हुई सांसों और दुबके हुए वे लड़खड़ाते हुए बगीचे में पहुँचे और झाड़ियों की ओट में शरण ली, जिनके किनारे-किनारे वे तब तक चलते रहे जब तक कि वे उस खाई तक नहीं पहुँच गए जो मक्के के खेत में खुलती थी। वे अभी इस जगह पर पहुँच ही रहे थे कि उस युवक ने अपने दोनों साथियों को पकड़ लिया और उन्हें छाया में खींच लिया, जहाँ वे चुपचाप कांपते हुए पड़े रहे।

यह अच्छा ही हुआ कि मैदानी इलाकों में रहने के कारण जेफरसन होप के कान किसी लोमड़ी की तरह तेज़ थे। वह और उसके दोस्त अभी ठीक से बैठे भी नहीं थे कि कुछ ही गज की दूरी पर एक पहाड़ी उल्लू की उदास आवाज सुनाई दी, जिसके तुरंत बाद थोड़ी ही दूरी पर एक और आवाज सुनाई दी। उसी क्षण, जिस जगह की वे तलाश कर रहे थे, वहीं से एक धुंधली सी आकृति निकली और उसने फिर से वही दर्द भरी आवाज निकाली, जिसके बाद एक दूसरा आदमी भी अंधेरे से बाहर आ गया।

"कल आधी रात को," पहले व्यक्ति ने कहा, जो अधिकारिक प्रतीत हो रहा था। "जब व्हिपूरविल तीन बार बोलेगा।"

“सब ठीक है,” दूसरे ने जवाब दिया। “क्या मैं भाई ड्रेबर को बता दूं?”

इसे उसे दे दो, और वह इसे दूसरों को दे देगा। सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक!

“सात बजकर पांच मिनट!” दूसरे ने दोहराया; और दोनों आकृतियाँ अलग-अलग दिशाओं में तेज़ी से गायब हो गईं। उनके अंतिम शब्द स्पष्ट रूप से किसी प्रकार का संकेत और प्रतिसंकेत थे। जैसे ही उनके कदमों की आहट दूर होती चली गई,

जेफरसन होप उछलकर खड़ा हो गया, और अपने साथियों को उस खाई से निकलने में मदद करते हुए, पूरी गति से खेतों के पार आगे बढ़ा, जब लड़की की ताकत कमज़ोर पड़ने लगी तो उसे सहारा देकर आधा उठाकर ले गया।

“जल्दी करो! जल्दी करो!” वह बीच-बीच में हांफते हुए कहता था। “हम पहरेदारों की कतार पार कर चुके हैं। सब कुछ गति पर निर्भर करता है। जल्दी करो!”

मुख्य सड़क पर पहुँचते ही उन्होंने तेज़ी से प्रगति की। केवल एक बार ही उनकी मुलाक़ात किसी से हुई, और तब वे किसी तरह एक खेत में घुस गए और पहचान से बच गए। कस्बे तक पहुँचने से पहले शिकारी एक ऊबड़-खाबड़ और संकरे रास्ते पर मुड़ गया जो पहाड़ों की ओर जाता था। अँधेरे में दो काली, नुकीली चोटियाँ उनके ऊपर मंडरा रही थीं, और उनके बीच से गुज़रने वाला दर्रा ईगल केन्यन था जहाँ घोड़े उनका इंतज़ार कर रहे थे। अचूक सूझबूझ से जेफरसन होप बड़े-बड़े पत्थरों के बीच से और सूखे हुए जलमार्ग के किनारे-किनारे अपना रास्ता बनाते हुए उस एकांत कोने तक पहुँचे जहाँ चट्टानों से घिरा हुआ था और जहाँ वफ़ादार जानवरों को बाँधकर रखा गया था। लड़की को खच्चर पर बिठाया गया, और बूढ़े फेरियर को उसके पैसों के थैले के साथ एक घोड़े पर बिठाया गया, जबकि जेफरसन होप दूसरे घोड़े को लेकर उस खड़ी और खतरनाक पगडंडी पर आगे बढ़े।

प्रकृति के सबसे उग्र रूपों का सामना करने के आदी न होने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह एक बेहद मुश्किल रास्ता था। एक ओर हज़ार फीट या उससे भी अधिक ऊँचा एक विशाल चट्टानी टीला खड़ा था, जो काला, कठोर और भयावह प्रतीत होता था, जिसकी ऊबड़-खाबड़ सतह पर बेसाल्ट के लंबे स्तंभ किसी पत्थर के राक्षस की पसलियों की तरह दिखते थे। दूसरी ओर, पत्थरों और मलबे का एक बेतरतीब ढेर था, जिसने आगे बढ़ना नामुमकिन बना दिया था। इन दोनों के बीच टेढ़े-मेढ़े रास्ते थे, जो कहीं-कहीं इतने संकरे थे कि उन्हें कतार बनाकर चलना पड़ता था, और इतने ऊबड़-खाबड़ थे कि केवल अनुभवी घुड़सवार ही उन्हें पार कर सकते थे। फिर भी, तमाम खतरों और कठिनाइयों के बावजूद, भागने वालों के दिल हल्के थे, क्योंकि हर कदम उन्हें उस भयानक तानाशाही से दूर कर रहा था जिससे वे भाग रहे थे।

हालांकि, जल्द ही उन्हें इस बात का प्रमाण मिल गया कि वे अभी भी संतों के अधिकार क्षेत्र में हैं। वे दर्रे के सबसे दुर्गम और सुनसान हिस्से में पहुँच ही गए थे कि लड़की चौंक कर चिल्लाई और ऊपर की ओर इशारा किया। रास्ते के ऊपर स्थित एक चट्टान पर, जो आकाश के बीच स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी, एक अकेला संतरी खड़ा था। जैसे ही उन्होंने उसे देखा, उसने भी उन्हें देख लिया और उसकी सैन्य चुनौती भरी आवाज़, "वहाँ कौन है?", शांत घाटी में गूंज उठी।

"नेवादा के लिए यात्री," जेफरसन होप ने अपनी काठी से लटकी राइफल पर हाथ रखते हुए कहा।

वे देख सकते थे कि अकेला पहरेदार अपनी बंदूक को छूपकर देख रहा था, और उनकी ओर ऐसे देख रहा था मानो उनके जवाब से असंतुष्ट हो।

“किसकी अनुमति से?” उसने पूछा।

“पवित्र चार,” फेरियर ने उत्तर दिया। मॉर्मन धर्म में अपने अनुभवों से उसने सीखा था कि वही सर्वोच्च अधिकार है जिसका वह हवाला दे सकता है।

“सात बजने में नौ मिनट बाकी हैं,” संतरी चिल्लाया।

"सात बजने में पांच मिनट बाकी हैं," जेफरसन होप ने तुरंत जवाब दिया, उन्हें बगीचे में सुनी गई प्रतिसंकेत याद आ गई थी।

“आगे बढ़ो, और प्रभु तुम्हारे साथ रहें,” ऊपर से आवाज़ आई। उसके चौकी के आगे रास्ता चौड़ा हो गया, और घोड़े सरपट दौड़ने लगे। पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें

अकेला पहरेदार अपनी तोप पर टिका हुआ दिखाई दिया, और वे समझ गए कि वे चुने हुए लोगों की बाहरी चौकी को पार कर चुके हैं, और अब उनके सामने आज़ादी है।

अध्याय 5

बदला लेने वाले देवदूत

पूरी रात उनका रास्ता जटिल दर्रों और ऊबड़-खाबड़, पथरीले रास्तों से होकर गुज़रा। कई बार वे रास्ता भटक गए, लेकिन पहाड़ों के बारे में होप के गहन ज्ञान ने उन्हें एक बार फिर सही राह पर ला खड़ा किया। सुबह होते ही उनके सामने एक अद्भुत, लेकिन निर्भीक सुंदरता का दृश्य था। चारों ओर बर्फ से ढकी विशाल चोटियाँ उन्हें घेरे हुए थीं, मानो दूर क्षितिज की ओर एक-दूसरे के ऊपर से झाँक रही हों। उनके दोनों ओर चट्टानी किनारे इतने ऊँचे थे कि लार्च और चीड़ के पेड़ मानो उनके सिर के ऊपर लटके हुए थे और मानो हवा का एक झोंका ही उन्हें नीचे गिरा सकता था। यह डर पूरी तरह से भ्रम भी नहीं था, क्योंकि बंजर घाटी में भी इसी तरह गिरे हुए पेड़ और चट्टानें बिखरी पड़ी थीं। उनके गुज़रते ही एक विशाल चट्टान कर्कश गड़गड़ाहट के साथ नीचे गिरी, जिसकी गूँज शांत घाटियों में गूंज उठी और थके हुए घोड़े अचानक सरपट दौड़ने लगे।

जैसे-जैसे सूरज धीरे-धीरे पूर्वी क्षितिज से ऊपर उठा, विशाल पहाड़ों की चोटियाँ एक-एक करके जगमगा उठीं, मानो किसी उत्सव में दीपक जल रहे हों, जब तक कि वे सभी लालिमा लिए चमकने लगीं। इस शानदार नज़ारे ने तीनों भगोड़ों के दिलों को खुश कर दिया और उन्हें नई ऊर्जा प्रदान की। एक गहरी खाई से बहते हुए तेज़ झरने के पास वे रुके और अपने घोड़ों को पानी पिलाया, साथ ही जल्दी से नाश्ता भी किया। लूसी और उसके पिता और अधिक आराम करना चाहते थे, लेकिन जेफरसन होप अटल था। उसने कहा, "इस समय तक वे हमारा पीछा कर रहे होंगे। सब कुछ हमारी गति पर निर्भर करता है। कार्सन में सुरक्षित पहुँचने के बाद, हम अपने शेष जीवन के लिए आराम कर सकते हैं।"

पूरे दिन वे दर्रों से जूझते हुए आगे बढ़ते रहे और शाम तक उन्होंने अनुमान लगाया कि वे अपने दुश्मनों से तीस मील से भी अधिक दूर हैं। रात में उन्होंने एक ऊँची चट्टान की तलहटी को चुना, जहाँ चट्टानों ने ठंडी हवा से कुछ हद तक बचाव किया, और वहाँ गर्मी पाने के लिए एक-दूसरे से सटकर कुछ घंटे सोए। हालाँकि, भोर होने से पहले ही वे उठ गए और फिर से अपने रास्ते पर चल पड़े। उन्हें पीछा करने वालों का कोई संकेत नहीं मिला था, और जेफरसन होप को लगने लगा कि वे उस भयानक संगठन की पहुँच से पूरी तरह बाहर निकल चुके हैं, जिसकी शत्रुता उन्होंने मोल ली थी। उन्हें इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि वह लोहे की पकड़ कितनी दूर तक पहुँच सकती है, या कितनी जल्दी वह उन्हें जकड़ कर कुचल देगी।

अपनी यात्रा के दूसरे दिन के मध्य में उनका थोड़ा-सा राशन ख़त्म होने लगा। हालांकि, इससे शिकारी को कोई खास चिंता नहीं हुई, क्योंकि पहाड़ों में शिकार मिलने की संभावना थी और वह पहले भी कई बार अपनी राइफल पर निर्भर रह चुका था। एक सुरक्षित जगह चुनकर, उसने कुछ सूखी टहनियों को इकट्ठा किया और तेज़ आग जलाई, ताकि उसके साथी खुद को गर्म कर सकें, क्योंकि वे अब समुद्र तल से लगभग पाँच हज़ार फीट ऊपर थे और हवा ठंडी और सर्द थी। घोड़ों को बाँधकर और लूसी को अलविदा कहकर, उसने अपनी बंदूक कंधे पर डाली और जो भी मौका मिले, उसकी तलाश में निकल पड़ा। पीछे मुड़कर देखा तो बूढ़ा आदमी और युवती जलती हुई आग

के पास झुके हुए थे, जबकि तीनों जानवर पृष्ठभूमि में स्थिर खड़े थे। फिर बीच में आने वाली चट्टानों ने उन्हें उसकी नज़र से ओझल कर दिया।

वह एक के बाद एक कई घाटियों से होते हुए कुछ मील तक चलता रहा, लेकिन उसे कुछ नहीं मिला। हालांकि, पेड़ों की छाल पर बने निशानों और अन्य संकेतों से उसने अनुमान लगाया कि आसपास कई भालू मौजूद हैं। अंततः, दो-तीन घंटे की व्यर्थ खोज के बाद, वह निराश होकर वापस लौटने ही वाला था कि तभी ऊपर की ओर देखते हुए उसे एक ऐसा दृश्य दिखाई दिया जिससे उसका हृदय आनंद से भर गया। उससे तीन-चार सौ फीट ऊपर एक ऊँची चोटी के किनारे पर, एक प्राणी खड़ा था जो देखने में भेड़ जैसा लग रहा था, लेकिन उसके सींगों का एक विशाल जोड़ा था। वह विशाल सींगों वाला भालू (जैसा कि उसे कहा जाता है) शायद भेड़ों के झुंड का रक्षक था, जो शिकारी को दिखाई नहीं दे रहे थे; लेकिन सौभाग्य से वह विपरीत दिशा में जा रहा था और उसने उसे नहीं देखा था। वह मुंह के बल लेट गया, अपनी राइफल को एक चट्टान पर टिकाया और ट्रिगर दबाने से पहले एक लंबा और स्थिर निशाना साधा। जानवर हवा में उछला, एक पल के लिए खाई के किनारे पर लड़खड़ाया और फिर नीचे घाटी में गिर पड़ा।

वह जानवर इतना भारी था कि उसे उठाना असंभव था, इसलिए शिकारी ने उसकी एक जांघ और बगल का कुछ हिस्सा काटकर ही संतोष किया। इस शिकार को कंधे पर लादकर वह जल्दी से वापस लौटने लगा, क्योंकि शाम ढलने लगी थी। लेकिन जैसे ही उसने चलना शुरू किया, उसे अपनी मुश्किल का एहसास हो गया। जल्दबाजी में वह उन घाटियों से बहुत दूर भटक गया था जिन्हें वह जानता था, और अब उसे अपना रास्ता ढूंढना मुश्किल हो रहा था। जिस घाटी में वह था, वह कई दर्रों में बंटी हुई थी, जो एक-दूसरे से इतनी मिलती-जुलती थीं कि उनमें फर्क करना नामुमकिन था। वह एक दर्रे का पीछा करते हुए एक मील या उससे अधिक दूर तक गया, जब तक कि वह एक पहाड़ी झरने के पास नहीं पहुँच गया, जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा था। यह सोचकर कि उसने गलत मोड़ ले लिया है, उसने दूसरा रास्ता आजमाया, लेकिन नतीजा वही रहा। रात तेज़ी से छा रही थी, और लगभग अंधेरा होने से पहले वह आखिरकार एक जानी-पहचानी घाटी में पहुँच गया। फिर भी सही रास्ते पर बने रहना आसान नहीं था, क्योंकि चाँद अभी तक निकला नहीं था, और दोनों ओर की ऊँची चट्टानों ने अंधेरे को और भी गहरा बना दिया था। अपने बोझ से दबे और परिश्रम से थके हुए, वह लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ रहे थे, इस सोच से हिम्मत बनाए हुए थे कि हर कदम उन्हें लूसी के करीब ला रहा है, और उनके पास इतना भोजन है कि वे अपनी बाकी यात्रा के लिए उसका इस्तेमाल कर सकें।

अब वह उसी दर्रे के मुहाने पर आ पहुँचा था जहाँ उसने उन्हें छोड़ा था। अँधेरे में भी वह उस दर्रे को घेरने वाली चट्टानों की रूपरेखा पहचान सकता था। उसने सोचा, वे ज़रूर बेसब्री से उसका इंतज़ार कर रहे होंगे, क्योंकि वह लगभग पाँच घंटे से अनुपस्थित था। दिल की खुशी में उसने अपने हाथों को मुंह पर रखा और घाटी में ज़ोर से आवाज़ गूँजने दी, मानो यह संकेत दे रहा हो कि वह आ रहा है। वह रुका और जवाब सुनने लगा। कोई आवाज़ नहीं आई, सिवाय उसकी अपनी चीख के, जो सुनसान, खामोश घाटियों में गूँजती हुई अनगिनत बार उसके कानों तक पहुँची। उसने फिर से चिल्लाया, पहले से भी ज़्यादा ज़ोर से, और फिर से उन दोस्तों की कोई आहट नहीं आई जिन्हें वह कुछ ही समय पहले छोड़कर आया था। एक अस्पष्ट, अज्ञात भय उस पर छा गया, और वह घबराकर आगे बढ़ गया, घबराहट में कीमती खाना गिरा दिया।

जब वह कोने से मुड़ा, तो उसे वह जगह साफ़ दिखाई दी जहाँ आग जलाई गई थी। वहाँ अभी भी लकड़ी की राख का ढेर सुलग रहा था, लेकिन ज़ाहिर था कि उसके जाने

के बाद से उसकी देखभाल नहीं की गई थी। चारों ओर वही सन्नाटा छाया हुआ था। अपने सारे डर को विश्वास में बदलते हुए, वह तेज़ी से आगे बढ़ा। आग के अवशेषों के पास कोई भी जीवित प्राणी नहीं था: जानवर, मनुष्य, स्त्री, सब गायब हो चुके थे। यह बिल्कुल स्पष्ट था कि उसकी अनुपस्थिति में कोई अचानक और भयानक आपदा आई थी - एक ऐसी आपदा जिसने उन सबको अपनी चपेट में ले लिया था, लेकिन अपने पीछे कोई निशान नहीं छोड़ा था।

इस झटके से जेफरसन होप स्तब्ध और अचंभित हो गए, उनका सिर चकरा गया और गिरने से बचने के लिए उन्हें अपनी राइफल का सहारा लेना पड़ा। हालांकि, वे स्वभाव से कर्मठ व्यक्ति थे और जल्द ही अपनी क्षणिक कमजोरी से उबर गए। सुलगती आग से उन्होंने अधजली लकड़ी का एक टुकड़ा उठाया, उसे फूंककर आग लगाई और उसकी मदद से छोटे से शिविर का मुआयना करने लगे। ज़मीन पर घोड़ों के पैरों के निशान थे, जिससे पता चलता था कि घुड़सवारों के एक बड़े दल ने भगोड़ों का पीछा किया था, और उनके पदचिह्नों की दिशा से यह सिद्ध हुआ कि वे बाद में साल्ट लेक सिटी लौट गए थे। क्या वे उनके दोनों साथियों को अपने साथ ले गए थे? जेफरसन होप लगभग इस बात पर यकीन कर चुके थे कि वे ऐसा ही करेंगे, तभी उनकी नज़र एक ऐसी चीज़ पर पड़ी जिससे उनके शरीर की हर नस फड़क उठी। शिविर के एक तरफ थोड़ी दूर पर लाल मिट्टी का एक नीचा ढेर था, जो निश्चित रूप से पहले वहाँ नहीं था। इसे देखकर कोई संदेह नहीं था कि यह कोई नई खोदी गई कब्र है। जैसे ही युवा शिकारी उसके पास पहुंचा, उसने देखा कि उस पर एक छड़ी गड़ी हुई थी, जिसके बीच में एक कागज़ फंसा हुआ था। कागज़ पर लिखा हुआ संक्षिप्त था, लेकिन सटीक था:

जॉन फेरियर,

पूर्व में साल्ट लेक सिटी के निवासी।

4 अगस्त, 1860 को निधन हो गया।

वह हट्टा-कट्टा बूढ़ा आदमी, जिसे वह कुछ ही समय पहले छोड़कर गया था, अब जा चुका था, और यही उसकी समाधि पर लिखा था। जेफरसन होप ने घबराकर चारों ओर देखा कि क्या कोई दूसरी कब्र है, लेकिन उसका कोई निशान नहीं था। लूसी को उनके भयानक पीछा करने वाले वापस ले गए थे ताकि वह अपनी नियति पूरी कर सके, यानी एक एल्डर के बेटे के हरम की सदस्य बन सके। जब उस नौजवान को उसके भाग्य की निश्चितता और उसे रोकने में अपनी लाचारी का एहसास हुआ, तो उसने कामना की कि काश वह भी उस बूढ़े किसान के साथ उसकी अंतिम शांत विश्रामस्थल में लेटा होता।

लेकिन फिर भी, उनके सक्रिय मन ने निराशा से उपजी सुस्ती को झटक दिया। अगर उनके पास और कुछ नहीं बचा था, तो कम से कम वे अपना जीवन बदला लेने में लगा सकते थे। अदम्य धैर्य और दृढ़ता के साथ, जेफरसन होप में निरंतर प्रतिशोध की शक्ति भी थी, जो शायद उन्होंने उन आदिवासियों से सीखी थी जिनके बीच वे रहे थे। जब वे उस सुनसान आग के पास खड़े थे, तो उन्हें लगा कि उनके दुख को शांत करने का एकमात्र उपाय उनके शत्रुओं से स्वयं अपने हाथों से पूर्ण और सटीक प्रतिशोध लेना है। उन्होंने ठान लिया कि उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक ऊर्जा इसी एक लक्ष्य के लिए समर्पित होनी चाहिए। गंभीर, सफेद चेहरे के साथ, वे उस जगह वापस गए जहां

उन्होंने खाना गिराया था, और सुलगती आग को फिर से जलाकर उन्होंने कुछ दिनों के लिए पर्याप्त खाना पकाया। उन्होंने इसे एक गठरी में बाँधा, और थके होने के बावजूद, वे बदला लेने वाले स्वर्गदूतों के मार्ग पर पहाड़ों से होते हुए वापस चल पड़े।

पांच दिनों तक वह थके-हारे, पैरों में दर्द और थकान के साथ उन्हीं दर्रों से गुज़रता रहा, जिन्हें वह पहले घोड़े पर सवार होकर पार कर चुका था। रात को वह चट्टानों के बीच लेट जाता और कुछ घंटे झपकी ले लेता; लेकिन भोर होने से पहले ही वह फिर से अपने रास्ते पर निकल पड़ता था। छठे दिन वह ईगल कैनन पहुँचा, जहाँ से उन्होंने अपनी दुर्भाग्यपूर्ण यात्रा शुरू की थी। वहाँ से वह संतों के घर को देख सकता था। थका-हारा, वह अपनी राइफल पर झुक गया और अपने दुबले-पतले हाथ को नीचे फैले शांत शहर की ओर गुस्से से हिलाया। जब उसने शहर को देखा, तो उसने पाया कि कुछ मुख्य सड़कों पर झंडे लगे थे और उत्सव के अन्य संकेत भी थे। वह अभी सोच ही रहा था कि इसका क्या अर्थ हो सकता है, तभी उसने घोड़े के खुरों की आहट सुनी और एक घुड़सवार को अपनी ओर आते देखा। पास पहुँचते ही उसने उसे कूपर नाम के एक मॉर्मन के रूप में पहचाना, जिसकी उसने समय-समय पर सेवा की थी। इसलिए जब वह उसके पास पहुंचा तो उसने उससे बात की, ताकि उसे पता चल सके कि लूसी फेरियर का क्या हुआ था।

"मैं जेफरसन होप हूँ," उसने कहा। "तुम्हें मैं याद हूँगा।"

मार्मन ने उसे घोर आश्चर्य से देखा—वास्तव में, इस फटेहाल, अस्त-व्यस्त, घुमक्कड़ में, भयानक सफेद चेहरे और उग्र, जंगली आँखों वाले व्यक्ति में पुराने दिनों के चुस्त-दुरुस्त युवा शिकारी को पहचानना मुश्किल था। हालाँकि, अंततः उसकी पहचान सुनिश्चित होने पर, उस व्यक्ति का आश्चर्य घबराहट में बदल गया।

"यहाँ आना तुम्हारी मूर्खता है," वह चिल्लाया। "तुम्हारे साथ बात करते हुए देखे जाने पर मेरी जान को भी उतना ही खतरा है। तुम्हारे खिलाफ होली फोर की तरफ से वारंट जारी है क्योंकि तुमने फेरियर्स को भागने में मदद की थी।"

"मुझे उनसे या उनके वारंट से डर नहीं लगता," होप ने गंभीरता से कहा। "आपको इस मामले की कुछ जानकारी तो ज़रूर होगी, कूपर। मैं आपसे आपकी हर प्रिय चीज़ की कसम खाकर विनती करता हूँ कि आप कुछ सवालों के जवाब दें। हम हमेशा से दोस्त रहे हैं। भगवान के लिए, मुझे जवाब देने से इनकार मत कीजिए।"

"क्या बात है?" मॉर्मन ने घबराकर पूछा। "जल्दी बताओ। चट्टानों के भी कान होते हैं और पेड़ों की आंखें।"

"लूसी फेरियर का क्या हुआ?"

"कल ही उसकी शादी नौजवान ड्रेबर से हुई है। रुको, यार, रुको; तुम्हारे अंदर जान नहीं बची है।"

"मुझे नज़रअंदाज़ कर दो," होप ने धीमी आवाज़ में कहा। उसका चेहरा एकदम पीला पड़ गया था और वह उस पत्थर पर धंस गया था जिस पर वह टिका हुआ था। "शादीशुदा, तुम कह रहे हो?"

"कल शादी हो गई – एंडोमेंट हाउस पर लगे उन झंडों का यही मकसद है। युवा ड्रेबर और युवा स्टेंगरसन के बीच इस बात पर बहस हुई कि उसे कौन रखेगा। वे दोनों उस दल में थे जो उनका पीछा कर रहा था, और स्टेंगरसन ने उसके पिता को गोली मार दी थी, जिससे उसे सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा था; लेकिन जब परिषद में इस पर बहस हुई, तो ड्रेबर का दल ज़्यादा ताकतवर साबित हुआ, इसलिए पैगंबर ने उसे ड्रेबर को सौंप दिया। हालांकि, कोई भी उसे ज़्यादा समय तक अपने पास नहीं रख पाएगा, क्योंकि मैंने कल उसके चेहरे पर मौत देखी। वह औरत से ज़्यादा भूत जैसी लग रही है। तो क्या आप जा रहे हैं?"

“हाँ, मैं जा रहा हूं,” जेफरसन होप ने अपनी सीट से उठते हुए कहा। उनका चेहरा संगमरमर से तराशा हुआ प्रतीत हो रहा था, भाव इतने कठोर और दृढ़ थे, जबकि उनकी आँखें एक अशुभ चमक से दमक रही थीं।

"आप कहां जा रहे हैं?"

“कोई बात नहीं,” उसने उत्तर दिया; और अपना हथियार कंधे पर टांगकर, घाटी से नीचे की ओर चल पड़ा, पहाड़ों के भीतरी इलाकों में जंगली जानवरों के निवास स्थान की ओर। उन सब में उसके जैसा क्रूर और खतरनाक कोई नहीं था।

मॉर्मन की भविष्यवाणी पूरी तरह सच साबित हुई। चाहे उसके पिता की भयानक मृत्यु हो या उस घृणित विवाह का प्रभाव, जिसमें उसे जबरदस्ती धकेला गया था, बेचारी लूसी फिर कभी सिर उठाकर खड़ी नहीं हो सकी, बल्कि एक महीने के भीतर ही उसकी मृत्यु हो गई। उसके शराबी पति, जिसने मुख्य रूप से जॉन फेरियर की संपत्ति के लिए उससे शादी की थी, ने अपने शोक पर कोई विशेष दुख नहीं जताया; लेकिन उसकी अन्य पत्नियाँ उसके लिए शोक मनाती रहीं और मॉर्मन रीति-रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार से पहले की रात उसके साथ जागती रहीं। वे सुबह तड़के अर्थी के चारों ओर एकत्रित थीं, तभी उनके अवर्णनीय भय और आश्चर्य के बीच, दरवाजा अचानक खुल गया और फटे-पुराने कपड़ों में एक क्रूर दिखने वाला, झुलसा हुआ आदमी कमरे में दाखिल हुआ। सहमी हुई महिलाओं की ओर देखे बिना या उनसे एक शब्द भी कहे बिना, वह उस सफेद, शांत आकृति के पास गया जिसमें कभी लूसी फेरियर की पवित्र आत्मा समाई हुई थी। उसके ऊपर झुककर, उसने श्रद्धापूर्वक उसके ठंडे माथे पर अपने होंठ रखे, और फिर उसका हाथ पकड़कर उसकी उंगली से शादी की अंगूठी उतार ली। "उसे इसमें दफनाया नहीं जाएगा," वह भयंकर गुर्राहट के साथ चिल्लाया, और इससे पहले कि कोई शोर मचा पाता, वह सीढ़ियों से नीचे कूद गया और गायब हो गया। यह घटना इतनी विचित्र और संक्षिप्त थी कि देखने वालों को खुद भी इस पर विश्वास करना मुश्किल हो सकता था, या दूसरों को भी इस पर यकीन दिलाना मुश्किल हो सकता था, अगर यह निर्विवाद तथ्य न होता कि सोने का मुकुट, जो उसे दुल्हन होने का प्रतीक था, गायब हो गया था।

कुछ महीनों तक जेफरसन होप पहाड़ों में भटकता रहा, एक विचित्र और बेफिक्र जीवन जीता रहा, और अपने दिल में बदले की तीव्र इच्छा पालता रहा। शहर में उस रहस्यमय आकृति की कहानियां प्रचलित थीं, जिसे उपनगरों में घूमते हुए और सुनसान पहाड़ी घाटियों में भटकते हुए देखा गया था। एक बार एक गोली स्टैंगर्सन की खिड़की से गुज़री और उससे एक फुट की दूरी पर दीवार से टकराकर चपटी हो गई। एक अन्य अवसर पर, जब ड्रेबर एक चट्टान के नीचे से गुज़र रहा था, तो एक बड़ा पत्थर उस पर गिर पड़ा, और वह अपने चेहरे के बल गिरकर ही भयानक मौत से बच पाया। दोनों युवा मॉर्मनों को जल्द ही अपने ऊपर हो रहे इन हमलों का कारण पता चल गया, और उन्होंने अपने दुश्मन को पकड़ने या मारने की उम्मीद में बार-बार पहाड़ों में अभियान चलाए, लेकिन हर बार असफल रहे। फिर उन्होंने अकेले या रात होने के बाद बाहर न निकलने और अपने घरों की सुरक्षा करने का एहतियाती कदम उठाया। कुछ समय बाद वे इन उपायों में ढील दे सके, क्योंकि उनके दुश्मन का न तो कोई आभास हुआ और न ही कोई दृश्य दिखाई दिया, और उन्हें उम्मीद थी कि समय के साथ उसकी प्रतिशोध की भावना शांत हो गई होगी।

ऐसा होने के बजाय, इसने इसे और भी बढ़ा दिया था। शिकारी का मन कठोर और अटल था, और बदला लेने की प्रबल भावना ने उस पर इस कदर कब्जा कर लिया था कि किसी और भावना के लिए कोई जगह ही नहीं बची थी। फिर भी, वह सबसे बढ़कर व्यावहारिक था। उसे जल्द ही एहसास हो गया कि उसका मजबूत शरीर भी उस

निरंतर तनाव को सहन नहीं कर सकता जो वह उस पर डाल रहा था। खुले में रहना और पौष्टिक भोजन न मिलना उसे कमज़ोर कर रहा था। अगर वह पहाड़ों में कुत्ते की तरह मर जाता तो उसके बदले का क्या होता? और फिर भी, अगर वह लगा रहा तो ऐसी मौत निश्चित रूप से उसकी आहट थी। उसने महसूस किया कि यह अपने दुश्मन के खेल में शामिल होना है, इसलिए वह अनिच्छा से नेवादा की पुरानी खानों में लौट आया, ताकि वह अपना स्वास्थ्य सुधार सके और इतना पैसा जमा कर सके जिससे वह बिना किसी अभाव के अपने लक्ष्य को पूरा कर सके।

उसका इरादा ज़्यादा से ज़्यादा एक साल के लिए अनुपस्थित रहने का था, लेकिन अप्रत्याशित परिस्थितियों के चलते वह लगभग पाँच साल तक खदानों से दूर नहीं रह सका। हालाँकि, उस समय के अंत तक, उसके साथ हुए अन्याय की यादें और बदला लेने की तीव्र इच्छा उतनी ही प्रबल थी जितनी उस यादगार रात को थी जब वह जॉन फेरियर की कब्र पर खड़ा था। भेष बदलकर और एक नकली नाम से, वह साल्ट लेक सिटी लौट आया, उसे अपनी जान की परवाह नहीं थी, बस उसे न्याय मिलना बाकी था। वहाँ उसका इंतज़ार बुरी खबर कर रही थी। कुछ महीने पहले ही चुने हुए लोगों में फूट पड़ गई थी, चर्च के कुछ युवा सदस्यों ने बड़ों के अधिकार के विरुद्ध विद्रोह कर दिया था, और इसका परिणाम यह हुआ था कि कुछ असंतुष्ट लोग अलग हो गए थे, जो यूटा छोड़कर गैर-यहूदी बन गए थे। इनमें ड्रेबर और स्टेंगर्सन भी शामिल थे; और कोई नहीं जानता था कि वे कहाँ गए थे। अफवाहें थीं कि ड्रेबर अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा धन में परिवर्तित करने में सफल रहा था और वह एक धनी व्यक्ति के रूप में विदा हुआ था, जबकि उसका साथी स्टैंगर्सन अपेक्षाकृत गरीब था। हालांकि, उनके ठिकाने के बारे में कोई सुराग नहीं था।

कई लोग, चाहे वे कितने भी प्रतिशोधी क्यों न हों, ऐसी मुश्किल का सामना करने पर बदला लेने का विचार ही छोड़ देते, लेकिन जेफ़रसन होप एक पल के लिए भी नहीं डगमगाए। अपनी थोड़ी-बहुत कमाई से, जो उन्होंने छोटे-मोटे काम करके जुटाई थी, वे अपने दुश्मनों की तलाश में अमेरिका के एक शहर से दूसरे शहर भटकते रहे। साल बीतते गए, उनके काले बाल सफ़ेद हो गए, लेकिन वे फिर भी भटकते रहे, एक शिकारी कुत्ते की तरह, उनका सारा ध्यान उसी एक लक्ष्य पर केंद्रित था जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया था। आखिरकार उनकी लगन रंग लाई। खिड़की में बस एक चेहरा दिखा, लेकिन उस एक झलक ने उन्हें बता दिया कि ओहियो के क्लीवलैंड में वे लोग मौजूद हैं जिनकी वे तलाश कर रहे थे। बदला लेने की पूरी योजना बनाकर वे अपने दयनीय कमरे में लौट आए। संयोग से, ड्रेबर ने अपनी खिड़की से सड़क पर उस आवारा को पहचान लिया और उसकी आँखों में हत्या की भावना देख ली। वह अपने निजी सचिव स्टैंजर्सन के साथ एक शांति न्यायाधीश के समक्ष जल्दी से पहुंचे और उन्हें बताया कि एक पुराने प्रतिद्वंद्वी की ईर्ष्या और घृणा के कारण उनकी जान को खतरा है। उसी शाम जेफरसन होप को हिरासत में ले लिया गया और ज़मानत न मिलने के कारण उन्हें कुछ हफ्तों तक हिरासत में रखा गया। जब अंततः उन्हें रिहा किया गया तो उन्होंने पाया कि ड्रेबर का घर खाली था और वह और उनका सचिव यूरोप के लिए रवाना हो चुके थे।

एक बार फिर बदला लेने वाले को नाकामयाबी मिली, और एक बार फिर उसकी तीव्र घृणा ने उसे पीछा जारी रखने के लिए प्रेरित किया। हालाँकि, पैसों की कमी थी, और कुछ समय के लिए उसे काम पर लौटना पड़ा, अपनी आने वाली यात्रा के लिए एक-एक डॉलर बचाना पड़ा। आखिरकार, जीवनयापन के लिए पर्याप्त धन इकट्ठा करने के बाद, वह यूरोप के लिए रवाना हुआ, और शहर-दर-शहर अपने दुश्मनों का पीछा करता रहा, कोई भी छोटा-मोटा काम करता रहा, लेकिन भगोड़ों को कभी पकड़

नहीं पाया। जब वह सेंट पीटर्सबर्ग पहुँचा, तो वे पेरिस के लिए निकल चुके थे; और जब उसने वहाँ उनका पीछा किया, तो उसे पता चला कि वे कोपेनहेगन के लिए निकल चुके हैं। डेनमार्क की राजधानी में वह फिर कुछ दिन देर से पहुँचा, क्योंकि वे लंदन चले गए थे, जहाँ अंततः वह उन्हें पकड़ने में सफल रहा। वहाँ क्या हुआ, इसके बारे में हम डॉ. वॉटसन की डायरी में दर्ज उस अनुभवी शिकारी के अपने विवरण को उद्धृत करने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते, जिसके लिए हम पहले से ही बहुत आभारी हैं।

अध्याय 6

स्मृतियों का सिलसिला जारी है

जॉन वॉटसन, एम.डी.

हमारे कैदी का भयंकर प्रतिरोध हमारे प्रति उसके किसी भी प्रकार के क्रोध का संकेत नहीं दे रहा था, क्योंकि खुद को शक्तिहीन पाकर वह सौम्य भाव से मुस्कुराया और आशा व्यक्त की कि उसने हाथापाई में हममें से किसी को चोट नहीं पहुंचाई होगी। उसने शर्लक होम्स से कहा, "मुझे लगता है कि आप मुझे पुलिस स्टेशन ले जा रहे हैं। मेरी टैक्सी दरवाजे पर खड़ी है। अगर आप मेरे पैर खोल देंगे तो मैं पैदल ही चला जाऊंगा। अब मुझे उठाना उतना आसान नहीं है जितना पहले था।"

ग्रेगसन और लेस्ट्रेड ने एक-दूसरे को देखा, मानो उन्हें यह प्रस्ताव कुछ ज़्यादा ही साहसिक लगा हो; लेकिन होम्स ने कैदी की बात पर तुरंत विश्वास कर लिया और उसके टखनों पर बंधी तौलिया खोल दी। वह उठा और अपने पैर फैलाए, मानो यह सुनिश्चित करना चाहता हो कि वे फिर से आज़ाद हो गए हैं। मुझे याद है कि उसे देखते हुए मैंने मन ही मन सोचा था कि मैंने शायद ही कभी इतना ताकतवर आदमी देखा हो; और उसके गहरे, धूप से झुलसे चेहरे पर दृढ़ संकल्प और ऊर्जा का ऐसा भाव था जो उसकी शारीरिक शक्ति की तरह ही प्रभावशाली था।

“अगर पुलिस प्रमुख का कोई पद खाली है, तो मुझे लगता है कि आप ही इसके लिए सही व्यक्ति हैं,” उन्होंने मेरे साथ किराए पर रहने वाले व्यक्ति की ओर स्पष्ट प्रशंसा भरी निगाहों से देखते हुए कहा। “जिस तरह से आपने मेरा पीछा किया, वह एक चेतावनी थी।”

होम्स ने दोनों जासूसों से कहा, "बेहतर होगा कि तुम मेरे साथ चलो।"

“मैं तुम्हें गाड़ी से ले जा सकता हूँ,” लेस्ट्रेड ने कहा।

“अच्छा! और ग्रेगसन मेरे साथ अंदर आ सकता है। आप भी, डॉक्टर साहब। आपने इस मामले में दिलचस्पी दिखाई है, तो बेहतर होगा कि आप हमारे साथ ही रहें।”

मैंने सहर्ष सहमति दी और हम सब एक साथ नीचे उतरे। हमारे कैदी ने भागने का कोई प्रयास नहीं किया, बल्कि शांति से अपनी गाड़ी में बैठ गया और हम उसके पीछे-पीछे चले गए। लेस्ट्रेड गाड़ी में चढ़ा, घोड़े को चाबुक मारा और हमें बहुत कम समय में हमारे गंतव्य तक पहुंचा दिया। हमें एक छोटे से कमरे में ले जाया गया, जहां एक पुलिस निरीक्षक ने हमारे कैदी का नाम और उन लोगों के नाम नोट किए, जिन पर हत्या का आरोप लगाया गया था। वह अधिकारी एक सफेद चेहरे वाला, भावहीन व्यक्ति था, जो अपने कर्तव्यों को नीरस और मशीनी तरीके से निभा रहा था। उसने कहा, "कैदी को सप्ताह के दौरान मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा; इस बीच, श्री जेफरसन होप, क्या आप कुछ कहना चाहते हैं? मैं आपको चेतावनी देता हूँ कि आपके शब्द लिख लिए जाएँगे और आपके विरुद्ध इस्तेमाल किए जा सकते हैं।"

“मुझे बहुत कुछ कहना है,” हमारे कैदी ने धीरे-धीरे कहा। “मैं आप सभी सज्जनों को इसके बारे में सब कुछ बताना चाहता हूं।”

निरीक्षक ने पूछा, "क्या बेहतर होगा कि आप इसे अपने मुकदमे के लिए बचाकर न रखें?"

“हो सकता है मुझ पर कभी मुकदमा न चले,” उसने जवाब दिया। “घबराने की ज़रूरत नहीं है। मैं आत्महत्या के बारे में नहीं सोच रहा हूं। क्या आप डॉक्टर हैं?” यह आखिरी सवाल पूछते हुए उसने अपनी तीखी काली आँखें मुझ पर टिका दीं।

“हां, मैं हूं,” मैंने उत्तर दिया।

"तो अपना हाथ यहाँ रखो," उसने मुस्कुराते हुए कहा और हथकड़ी लगी कलाइयों से अपनी छाती की ओर इशारा किया।

मैंने ऐसा ही किया; और तुरंत ही मुझे अंदर एक असाधारण धड़कन और हलचल का एहसास हुआ। उसकी छाती की दीवारें ऐसे कांप रही थीं और हिल रही थीं जैसे कोई कमजोर इमारत अंदर से किसी शक्तिशाली मशीन के चलने पर कांपती हो। कमरे की खामोशी में मुझे एक धीमी गुनगुनाहट और भिनभिनाहट सुनाई दी जो उसी स्रोत से आ रही थी।

मैंने चिल्लाकर कहा, "अरे, तुम्हें तो महाधमनी धमनीविस्फार हो गया है!"

“इसे यही कहते हैं,” उसने शांत भाव से कहा। “मैं पिछले हफ्ते इसके बारे में डॉक्टर के पास गया था, और उन्होंने मुझे बताया कि कुछ ही दिनों में यह फट जाएगा। यह कई सालों से बिगड़ता जा रहा है। साल्ट लेक पहाड़ों में अत्यधिक धूप और कम पोषण के कारण मुझे यह हुआ। मैंने अपना काम कर दिया है, और मुझे परवाह नहीं कि मैं कब मरूंगा, लेकिन मैं अपने पीछे कुछ निशान छोड़ना चाहता हूं। मैं एक आम हत्यारे के रूप में याद नहीं किया जाना चाहता।”

इंस्पेक्टर और दोनों जासूसों ने उसे अपनी कहानी बताने की अनुमति देने की उचितता के बारे में जल्दबाजी में चर्चा की।

“क्या आपको लगता है, डॉक्टर, कि तत्काल कोई खतरा है?” पहले वाले ने पूछा।

“बिल्कुल है,” मैंने उत्तर दिया।

“ऐसे में न्याय के हित में उनका बयान लेना हमारा कर्तव्य है,” निरीक्षक ने कहा। “महोदय, आप अपना बयान देने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन मैं आपको फिर से चेतावनी देता हूं कि इसे लिख लिया जाएगा।”

“आपकी अनुमति से मैं बैठ जाता हूँ,” कैदी ने कहा, और अपने शब्दों को क्रियान्वित किया। “मेरी इस मानसिक परेशानी के कारण मैं जल्दी थक जाता हूं, और आधे घंटे पहले हुई झड़प ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। मैं मृत्यु के कगार पर हूं, और मैं आपसे झूठ नहीं बोलूंगा। मेरा हर शब्द बिल्कुल सच है, और आप इसका कैसे भी उपयोग करें, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।”

इन शब्दों के साथ, जेफरसन होप अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए और निम्नलिखित उल्लेखनीय कथन शुरू किया। उन्होंने शांत और व्यवस्थित ढंग से बात की, मानो वे घटनाएं सामान्य ही हों। मैं नीचे दिए गए विवरण की सत्यता की पुष्टि कर सकता हूं, क्योंकि मुझे लेस्ट्रेड की नोटबुक तक पहुंच प्राप्त हुई है जिसमें कैदी के शब्द ठीक वैसे ही लिखे गए हैं जैसे उन्होंने कहे थे।

“तुम्हें इससे कोई खास मतलब नहीं है कि मैं इन आदमियों से नफरत क्यों करता था,” उसने कहा; “इतना काफी है कि वे दो इंसानों – एक बाप-बेटी – की मौत के दोषी थे और इस तरह उन्होंने अपनी जान गंवा दी थी। उनके जुर्म को बीते समय में, मेरे लिए किसी भी अदालत में उन्हें दोषी साबित करना नामुमकिन था। फिर भी, मुझे उनके

गुनाह का पता था, और मैंने ठान लिया था कि मैं ही जज, जूरी और जल्लाद, सब कुछ बनूंगा। अगर तुममें थोड़ी भी हिम्मत है, तो मेरी जगह होते तो तुम भी यही करते।”

“जिस लड़की की मैंने बात की थी, उसकी शादी बीस साल पहले मुझसे होने वाली थी। उसे उसी ड्रेबर से जबरन शादी करनी पड़ी और इस बात से उसका दिल टूट गया। मैंने उसकी मरी हुई उंगली से शादी की अंगूठी उतार ली और कसम खाई कि उसकी मरती हुई नज़रें उसी अंगूठी पर टिकी रहें और उसके आखिरी विचार उसी अपराध के बारे में हों जिसके लिए उसे सज़ा मिली थी। मैं उसे अपने साथ लिए घूमता रहा और दो महाद्वीपों में उसका और उसके साथी का पीछा करता रहा, जब तक कि मैंने उन्हें पकड़ नहीं लिया। उन्होंने मुझे थकाने की कोशिश की, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके। अगर कल मेरी मृत्यु हो जाती है, जैसा कि संभव है, तो मैं यह जानते हुए मरूंगा कि इस दुनिया में मेरा काम पूरा हो गया है और अच्छी तरह से पूरा हुआ है। वे मर चुके हैं, और मेरे हाथों। मेरे लिए आशा करने या चाहने के लिए कुछ भी नहीं बचा है।”

वे अमीर थे और मैं गरीब, इसलिए उनके पीछे चलना मेरे लिए आसान नहीं था। जब मैं लंदन पहुँचा तो मेरी जेब लगभग खाली थी, और मुझे लगा कि मुझे अपनी जीविका चलाने के लिए कुछ न कुछ काम करना ही पड़ेगा। गाड़ी चलाना और सवारी करना मेरे लिए पैदल चलने जितना ही स्वाभाविक है, इसलिए मैंने एक टैक्सी मालिक के दफ्तर में आवेदन किया और जल्द ही मुझे नौकरी मिल गई। मुझे मालिक को हर हफ्ते एक निश्चित रकम देनी होती थी, और जो भी बचता था मैं उसे अपने पास रख लेता था। वैसे तो बहुत कम ही बचता था, लेकिन मैंने किसी तरह गुजारा कर लिया। सबसे मुश्किल काम था शहर के रास्ते सीखना, क्योंकि मुझे लगता है कि आज तक जितने भी रास्ते बने हैं, उनमें से यह शहर सबसे ज्यादा उलझाने वाला है। हालांकि, मेरे पास एक नक्शा था, और एक बार जब मैंने मुख्य होटल और स्टेशन ढूंढ लिए, तो मेरा काम आसानी से चल पड़ा।

मुझे अपने दोनों सज्जनों के ठिकाने का पता लगाने में कुछ समय लग गया; लेकिन मैंने तब तक पूछताछ की जब तक कि आखिरकार मैं उनसे नहीं मिल गया। वे नदी के उस पार कैम्बरवेल के एक बोर्डिंग हाउस में थे। जैसे ही मैंने उन्हें ढूंढ लिया, मुझे पता चल गया कि वे अब मेरे रहमो-करम पर हैं। मैंने अपनी दाढ़ी बढ़ा ली थी, और उनके मुझे पहचानने का कोई मौका नहीं था। मैं उनका पीछा करता रहा और तब तक उनके पीछे-पीछे चलता रहा जब तक मुझे मौका नहीं मिल गया। मैंने ठान लिया था कि वे मुझसे दोबारा बच नहीं पाएंगे।

“वे लगभग ऐसा करने ही वाले थे। लंदन में वे जहाँ भी जाते, मैं हमेशा उनके पीछे-पीछे रहता। कभी मैं टैक्सी से उनका पीछा करता, कभी पैदल, लेकिन टैक्सी से करना सबसे अच्छा था, क्योंकि तब वे मुझसे बच नहीं पाते थे। “मैं सुबह जल्दी या देर रात ही कुछ कमा पाता था, इसलिए मैं अपने मालिक से बकाया रखने लगा। हालांकि, मुझे इसकी परवाह नहीं थी, जब तक मुझे मनचाहे लोग मिलते रहते थे।”

वे बड़े धूर्त थे। उन्हें ज़रूर लगा होगा कि उनका पीछा किया जा सकता है, क्योंकि वे कभी अकेले बाहर नहीं जाते थे, और रात होने के बाद तो कभी नहीं। दो हफ़्तों तक मैं रोज़ उनके पीछे गाड़ी चलाता रहा, और उन्हें कभी अलग होते नहीं देखा। ड्रेबर तो आधे समय नशे में रहता था, लेकिन स्टैंगर्सन को सोते हुए नहीं देखा जा सकता था। मैंने उन पर देर रात से सुबह तक नज़र रखी, लेकिन कभी भी उनके अलग होने का कोई आभास नहीं हुआ; पर मैं निराश नहीं हुआ, क्योंकि मुझे अंदर से महसूस हो रहा था कि वो घड़ी लगभग आ ही गई है। मेरा एकमात्र डर यही था कि कहीं मेरे सीने में दबी हुई ये भावना समय से पहले ही फूट न जाए और मेरा काम अधूरा न रह जाए।

आखिरकार, एक शाम मैं टॉरके टेरेस पर गाड़ी चला रहा था, जैसा कि उस गली का नाम था जहाँ से वे लोग ट्रेन में चढ़े थे, तभी मैंने एक टैक्सी को उनके दरवाजे के पास आते देखा। थोड़ी देर बाद कुछ सामान बाहर निकाला गया और कुछ समय बाद ड्रेबर और स्टैंगर्सन भी उसके पीछे-पीछे गए और गाड़ी में सवार होकर चले गए। मैंने अपने घोड़े को चाबुक मारा और उन पर नज़र रखने लगा, मैं बहुत बेचैन था, क्योंकि मुझे डर था कि वे अपना ठिकाना बदल देंगे। यूस्टन स्टेशन पर वे उतरे, और मैंने एक लड़के को अपना घोड़ा पकड़ने के लिए छोड़कर उनके पीछे प्लेटफार्म पर चला गया। मैंने उन्हें लिवरपूल ट्रेन के बारे में पूछते सुना, और गार्ड ने जवाब दिया कि एक ट्रेन अभी-अभी गई है, और कुछ घंटों तक दूसरी नहीं आएगी। स्टैंगर्सन इससे नाराज़ लग रहा था, लेकिन ड्रेबर खुश था। भीड़भाड़ में मैं उनके इतना करीब पहुँच गया था कि मैं उनके बीच की हर बात सुन सकता था। ड्रेबर ने कहा कि उसे अपना एक छोटा सा काम है, और अगर दूसरा उसका इंतज़ार करेगा तो वह जल्द ही उससे मिल जाएगा। उसके साथी ने उसे टोका और याद दिलाया कि उन्होंने साथ रहने का फैसला किया था। ड्रेबर ने जवाब दिया कि मामला नाजुक है और उसे अकेले ही जाना होगा। स्टैंगर्सन ने इस पर क्या कहा, यह मैं नहीं समझ पाया, लेकिन दूसरा व्यक्ति गुस्से में भड़क उठा और उसे याद दिलाया कि वह उसका सिर्फ एक वेतनभोगी नौकर है और उसे आदेश देने की हिम्मत नहीं करनी चाहिए। इस पर सचिव ने हार मान ली और उससे बस इतना ही कहा कि अगर उसकी आखिरी ट्रेन छूट जाए तो वह हालिडे के प्राइवेट होटल में उससे मिल ले। इस पर ड्रेबर ने जवाब दिया कि वह ग्यारह बजे से पहले प्लेटफार्म पर वापस आ जाएगा और स्टेशन से बाहर निकल गया।

जिस पल का मैं इतने लंबे समय से इंतज़ार कर रहा था, वह आख़िरकार आ ही गया। मेरे दुश्मन अब मेरे काबू में थे। साथ मिलकर वे एक-दूसरे की रक्षा कर सकते थे, लेकिन अकेले वे मेरी दया पर निर्भर थे। फिर भी मैंने जल्दबाज़ी नहीं की। मेरी योजनाएँ पहले से ही तैयार थीं। बदला लेने में तब तक कोई संतुष्टि नहीं मिलती जब तक अपराधी को यह एहसास न हो जाए कि उसे किसने मारा है और उसे यह दंड क्यों मिला है। मैंने ऐसी योजनाएँ बना रखी थीं जिनसे मुझे उस व्यक्ति को, जिसने मेरे साथ अन्याय किया था, यह समझाने का मौका मिले कि उसका पुराना पाप उसका पीछा कर रहा है। संयोग से कुछ दिन पहले ब्रिक्सटन रोड के कुछ घरों की देखरेख कर रहे एक सज्जन ने उनमें से एक घर की चाबी मेरी गाड़ी में गिरा दी थी। उसी शाम चाबी वापस कर दी गई; लेकिन इस बीच मैंने उसकी एक प्रति बनवा ली थी और उसकी एक प्रतिकृति भी बनवा ली थी। इस तरह मुझे इस बड़े शहर में कम से कम एक ऐसी जगह मिल गई जहाँ मैं निश्चिंत होकर रह सकता था। अब मुझे ड्रेबर को उस घर तक कैसे पहुँचाना है, यही सबसे बड़ी समस्या थी जिसे मुझे हल करना था।

"वह सड़क पर चलते हुए एक-दो शराब की दुकानों में गए और आखिरी दुकान में करीब आधे घंटे तक रुके। जब वह बाहर आए तो लड़खड़ाते हुए चल रहे थे और साफ़ तौर पर नशे में थे। मेरे ठीक आगे एक गाड़ी खड़ी थी, जिसे उन्होंने रोका। मैं उनके पीछे इतनी करीब से गया कि पूरे रास्ते मेरे घोड़े की नाक उनके ड्राइवर से एक गज की दूरी पर थी। हम वाटरलू ब्रिज पार करते हुए और मीलों लंबी सड़कों से गुज़रते हुए, मुझे आश्चर्य हुआ कि हम वापस उसी टेरेस में पहुँच गए जहाँ से उन्होंने गाड़ी ली थी। मैं समझ नहीं पा रहा था कि वहाँ लौटने का उनका क्या इरादा था; लेकिन मैं आगे बढ़ा और घर से लगभग सौ गज की दूरी पर अपनी टैक्सी रोक दी। वह उसमें बैठ गए, और उनकी गाड़ी चली गई। कृपया मुझे एक गिलास पानी दे दीजिए। बात करते-करते मेरा मुँह सूख गया है।"

मैंने उसे गिलास पकड़ाया और उसने उसे पूरा पी लिया।

"अब ठीक है," उसने कहा। "खैर, मैं पंद्रह मिनट या उससे भी ज़्यादा इंतज़ार करता रहा, तभी अचानक घर के अंदर लोगों के झगड़ने जैसी आवाज़ आई। अगले ही पल दरवाज़ा ज़ोर से खुला और दो आदमी दिखाई दिए, जिनमें से एक ड्रेबर था और दूसरा एक नौजवान था जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था। उस आदमी ने ड्रेबर का कॉलर पकड़ रखा था और जब वे सीढ़ियों के पास पहुँचे तो उसने उसे धक्का दिया और लात मारी जिससे वह सड़क के उस पार आधा जा गिरा। 'अरे कुत्ते!' वह चिल्लाया और अपनी छड़ी हिलाते हुए बोला, 'मैं तुझे सिखाऊँगा कि एक नेक लड़की का अपमान कैसे करते हैं!' वह इतना गुस्से में था कि मुझे लगता है कि वह ड्रेबर को अपनी लाठी से पीट देता, लेकिन वह कुत्ता लड़खड़ाते हुए जितनी तेज़ी से भाग सकता था, भाग गया। वह कोने तक भागा और फिर मेरी टैक्सी देखकर उसने मुझे आवाज़ दी और अंदर कूद गया। 'मुझे हॉलिडे के प्राइवेट होटल तक ले चलो,' उसने कहा।

जब मैंने उसे अपनी टैक्सी में बिठा लिया, तो मेरा दिल खुशी से इतना उछल पड़ा कि मुझे डर लगने लगा कि कहीं आखिरी पल में मेरी धमनी फट न जाए। मैं धीरे-धीरे गाड़ी चलाता रहा, मन ही मन सोचता रहा कि क्या करना सबसे अच्छा होगा। मैं उसे सीधे ग्रामीण इलाके में ले जा सकता था, और वहाँ किसी सुनसान गली में उससे आखिरी बार मिल सकता था। मैंने लगभग यही तय कर लिया था, तभी उसने मेरी समस्या का हल निकाल दिया। शराब का नशा उस पर फिर से चढ़ गया था, और उसने मुझे एक शराबखाने के बाहर गाड़ी रोकने का आदेश दिया। वह अंदर चला गया, और मुझे उसका इंतज़ार करने के लिए कह दिया। वह वहाँ बंद होने तक बैठा रहा, और जब वह बाहर आया तो वह इतना नशे में था कि मुझे पता चल गया कि अब सब कुछ मेरे हाथ में है।

"यह मत सोचो कि मैंने उसे बेरहमी से मारने का इरादा किया था। अगर मैंने ऐसा किया होता तो यह केवल कठोर न्याय होता, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सका। मैंने बहुत पहले ही तय कर लिया था कि अगर वह अपनी जान जोखिम में डालना चाहे तो उसे सबक सिखाना चाहिए। अमेरिका में अपने घुमंतू जीवन के दौरान मैंने कई तरह की नौकरियाँ की हैं, जिनमें से एक बार मैं यॉर्क कॉलेज की प्रयोगशाला में चौकीदार और सफाईकर्मी भी था। एक दिन प्रोफेसर जहर पर व्याख्यान दे रहे थे, और उन्होंने अपने छात्रों को एक एल्कलॉइड दिखाया, जिसे उन्होंने दक्षिण अमेरिकी तीर के जहर से निकाला था, और जो इतना शक्तिशाली था कि उसकी थोड़ी सी मात्रा भी तुरंत मौत का कारण बन सकती थी। मैंने वह बोतल देख ली जिसमें यह मिश्रण रखा था, और जब सारी बोतलें खाली हो गईं, तो मैंने उसमें से थोड़ा सा निकाल लिया। मैं अच्छी तरह से घोलने में माहिर था, इसलिए मैंने इस एल्कलॉइड को छोटी, घुलनशील गोलियों में बदल दिया, और प्रत्येक गोली को एक डिब्बे में बिना जहर के बनी एक समान गोली के साथ रख दिया। मैंने उस समय तय किया था कि जब मुझे मौका मिलेगा तो मेरे साथी इन डिब्बों में से एक-एक गोली निकालेंगे, जबकि मैं वह गोली खा लूँगा जो मेरे पास थी।" यह वैसा ही घातक होगा और रूमाल के आर-पार गोली चलाने की तुलना में काफी कम शोरगुल वाला होगा। उस दिन से मैं हमेशा अपने साथ गोलियों के डिब्बे रखता था, और अब वह समय आ गया था जब मुझे उनका उपयोग करना था।

"बारह बजने में लगभग एक बज रहा था, और रात बेहद ठंडी और सर्द थी, तेज़ हवा चल रही थी और मूसलाधार बारिश हो रही थी। बाहर का मौसम भले ही उदास था, लेकिन मैं अंदर से बहुत खुश था—इतना खुश कि खुशी से चिल्ला सकता था। अगर आप में से किसी सज्जन ने कभी किसी चीज़ के लिए तड़पा हो, बीस साल तक उसका इंतज़ार किया हो, और फिर अचानक वह चीज़ आपकी पहुँच में आ गई हो, तो आप मेरी भावनाओं को समझ सकते हैं। मैंने एक सिगार जलाया और अपने मन को शांत

करने के लिए कश लगाए, लेकिन मेरे हाथ कांप रहे थे और कनपटी उत्तेजना से फड़क रही थी। गाड़ी चलाते हुए, मुझे अंधेरे में से बूढ़े जॉन फेरियर और प्यारी लूसी मेरी तरफ देखते और मुस्कुराते हुए दिखाई दिए, ठीक वैसे ही जैसे आप सभी इस कमरे में दिखाई दे रहे हैं। ब्रिक्सटन रोड पर घर के पास रुकने तक वे पूरे रास्ते मेरे आगे-आगे, घोड़े के दोनों ओर एक-एक करके बैठे रहे।"

"वहां न कोई दिखाई दे रहा था, न ही बारिश की बूंदों की आवाज़ सुनाई दे रही थी। जब मैंने खिड़की से अंदर देखा, तो ड्रेबर नशे में धुत्त होकर सो रहा था। मैंने उसे बांह से हिलाकर कहा, 'अब बाहर निकलने का समय है।'"

"'ठीक है, टैक्सी ड्राइवर,' उसने कहा।"

"मुझे लगता है कि उसने सोचा होगा कि हम उसी होटल में आ गए हैं जिसका उसने ज़िक्र किया था, क्योंकि वह बिना कुछ कहे गाड़ी से उतर गया और मेरे पीछे-पीछे बगीचे में आ गया। मुझे उसे सहारा देने के लिए उसके बगल में चलना पड़ा, क्योंकि वह अभी भी थोड़ा भारी था। जब हम दरवाज़े पर पहुंचे, तो मैंने उसे खोला और उसे सामने वाले कमरे में ले गया। मैं आपको वचन देता हूं कि पूरे रास्ते पिता और बेटी हमारे आगे-आगे चल रहे थे।"

"'यहां बहुत अंधेरा है,' उसने पैर पटकते हुए कहा।

"'जल्द ही हमें रोशनी मिल जाएगी,' मैंने माचिस जलाकर मोमबत्ती में डालते हुए कहा, जिसे मैं अपने साथ लाया था। 'अब, एनोक ड्रेबर,' मैंने उसकी ओर मुड़कर और रोशनी को अपने चेहरे पर रखते हुए पूछा, 'मैं कौन हूं?'"

"उसने धुंधली, नशे में डूबी आंखों से एक पल के लिए मेरी ओर देखा, और फिर मैंने उसकी आंखों में खौफ देखा, और उसके पूरे चेहरे पर एक अजीब सी झनझनाहट छा गई, जिससे मुझे पता चल गया कि वह मुझे पहचानता है। वह गुस्से से लाल चेहरे के साथ पीछे हट गया, और मैंने उसके माथे पर पसीना आते देखा, जबकि उसके दांत किटकिटा रहे थे। यह देखकर मैं दरवाजे से पीठ टिकाकर जोर-जोर से हंसने लगा। मुझे हमेशा से पता था कि बदला मीठा होता है, लेकिन मैंने कभी भी मन की उस शांति की उम्मीद नहीं की थी जो अब मुझे मिल रही थी।"

"'कुत्ते!' मैंने कहा; 'मैंने साल्ट लेक सिटी से सेंट पीटर्सबर्ग तक तुम्हारा पीछा किया है, और तुम हमेशा मुझसे बच निकले। अब, आखिरकार तुम्हारी भटकन का अंत हो गया है, क्योंकि या तो तुम या मैं कल का सूरज उगते हुए नहीं देख पाएंगे।' मेरी बात सुनकर वह और भी दूर हट गया, और मैं उसके चेहरे पर देख सकता था कि वह मुझे पागल समझ रहा था। उस समय तो मैं पागल ही था। मेरी कनपटी की नसें हथौड़े की तरह धड़क रही थीं, और मुझे लगता है कि अगर मेरी नाक से खून बहकर मुझे राहत न देता तो मुझे दौरा पड़ जाता।"

"'अब तुम लूसी फेरियर के बारे में क्या सोचते हो?' मैंने चिल्लाते हुए दरवाज़ा बंद किया और चाबी उसके चेहरे के सामने लहराई। 'सज़ा मिलने में देर तो लगी, पर आखिरकार तुम्हें मिल ही गई।' मैंने देखा कि मेरे बोलते ही उसके कायर होंठ कांपने लगे। वह अपनी जान की भीख मांग सकता था, पर वह अच्छी तरह जानता था कि यह व्यर्थ है।"

"'क्या तुम मेरी हत्या करोगे?' उसने हकलाते हुए कहा।

"'कोई हत्या नहीं हुई है,' मैंने उत्तर दिया। 'पागल कुत्ते की हत्या की बात कौन करता है? मेरी प्यारी पर तुमने कैसी दया दिखाई, जब तुमने उसे उसके मारे गए पिता से घसीटकर अपने शापित और निर्लज्ज हरम में ले गए?'"

"'उसके पिता की हत्या मैंने नहीं की,' वह चिल्लाया।

"'लेकिन तुमने ही उसका मासूम दिल तोड़ा था,' मैं चीखते हुए उसके सामने डिब्बा रख दिया। 'सर्वोच्च ईश्वर को हमारे बीच फैसला करने दो। चुनो और खाओ। एक में मृत्यु है और दूसरे में जीवन। जो तुम छोड़ोगे, मैं वही ले लूंगी। देखते हैं कि धरती पर न्याय है या हम सब भाग्य के गुलाम हैं।'"

वह चीख-चीखकर दया की भीख माँगते हुए दुबक गया, लेकिन मैंने चाकू निकाला और तब तक उसकी गर्दन पर रखा जब तक उसने मेरी बात नहीं मान ली। फिर मैंने दूसरे को निगल लिया, और हम एक मिनट से ज़्यादा समय तक चुपचाप एक-दूसरे के सामने खड़े रहे, यह देखने के लिए कि कौन ज़िंदा रहेगा और कौन मरेगा। क्या मैं कभी उसके चेहरे के उस भाव को भूल पाऊँगी जब ज़हर के पहले दर्द ने उसे बताया कि ज़हर उसके शरीर में पहुँच गया है? यह देखकर मैं हँस पड़ी और लूसी की शादी की अंगूठी उसकी आँखों के सामने रख दी। यह बस एक पल के लिए था, क्योंकि एल्केलॉइड का असर बहुत तेज़ होता है। दर्द की एक लहर ने उसके चेहरे को बिगाड़ दिया; उसने अपने हाथ आगे फैला दिए, लड़खड़ाया, और फिर एक कर्कश चीख के साथ ज़मीन पर गिर पड़ा। मैंने उसे अपने पैर से पलटा और अपना हाथ उसके दिल पर रखा। कोई हलचल नहीं थी। वह मर चुका था।

मेरी नाक से खून बह रहा था, लेकिन मैंने उस पर ध्यान नहीं दिया था। पता नहीं क्या हुआ था कि मेरे दिमाग में दीवार पर खून से लिखने का ख्याल आया। शायद पुलिस को गुमराह करने का कोई शरारती विचार था, क्योंकि मैं हल्का-फुल्का और खुश था। मुझे याद है न्यूयार्क में एक जर्मन मिला था जिसके ऊपर RACHE लिखा हुआ था, और उस समय अखबारों में यह तर्क दिया गया था कि किसी गुप्त संगठन ने ऐसा किया होगा। मैंने सोचा कि जो बात न्यूयार्क वालों को परेशान कर रही है, वही लंदन वालों को भी परेशान करेगी, इसलिए मैंने अपनी उंगली अपने खून में डुबोई और दीवार पर एक सुविधाजनक जगह पर छाप दी। फिर मैं अपनी टैक्सी की तरफ गया और देखा कि वहाँ कोई नहीं था, और रात अभी भी बहुत उथल-पुथल भरी थी। कुछ दूर गाड़ी चलाने के बाद, मैंने उस जेब में हाथ डाला जिसमें मैं आमतौर पर लूसी की अंगूठी रखता था, और पाया कि वह वहाँ नहीं थी। मैं यह देखकर दंग रह गया, क्योंकि वह उसकी एकमात्र निशानी थी जो मेरे पास थी। यह सोचकर कि शायद ड्रेबर के शव पर झुकते समय वह मुझसे गिर गई हो, मैं गाड़ी चलाता रहा। वापस आकर, मैंने अपनी टैक्सी एक गली में खड़ी कर दी और हिम्मत से उस घर की ओर चल पड़ी—क्योंकि अंगूठी खोने के बजाय मैं कुछ भी करने को तैयार थी। वहां पहुंचते ही, बाहर आ रहे एक पुलिस अधिकारी ने मुझे गले लगा लिया और मैंने बड़ी मुश्किल से नशे में होने का नाटक करके उसके शक को दूर किया।

"इसी तरह एनोक ड्रेबर का अंत हुआ। मुझे बस स्टैंगर्सन के लिए इतना ही करना था, ताकि जॉन फेरियर का कर्ज चुका सकूं। मुझे पता था कि वह हॉलिडे के प्राइवेट होटल में ठहरा हुआ है, और मैं दिन भर वहीं मंडराता रहा, लेकिन वह बाहर नहीं आया। मुझे लगता है कि जब ड्रेबर नहीं आया, तो उसे कुछ शक हुआ होगा। स्टैंगर्सन चालाक था और हमेशा सतर्क रहता था। अगर उसे लगा कि घर के अंदर रहकर वह मुझे रोक सकता है, तो वह बहुत बड़ी गलती कर रहा था। मुझे जल्द ही उसके बेडरूम की खिड़की का पता चल गया, और अगली सुबह मैंने होटल के पीछे वाली गली में पड़ी कुछ सीढ़ियों का फ़ायदा उठाया और भोर के धुंधलेपन में उसके कमरे में घुस गया। मैंने उसे जगाया और बताया कि अब वह घड़ी आ गई है जब उसे उस जान का हिसाब देना होगा जो उसने कुछ समय पहले ली थी। मैंने उसे ड्रेबर की मौत के बारे में बताया और उसे जहर की गोलियों में से एक चुनने का विकल्प दिया। सुरक्षा के इस मौके को भुनाने के बजाय, वह अपने बिस्तर से उछल पड़ा और मेरी गर्दन पर झपटा। आत्मरक्षा

में मैंने उसके दिल में चाकू घोंप दिया। वैसे भी परिणाम वही होता, क्योंकि ईश्वर ने कभी भी उसके दोषी हाथ को जहर के अलावा कुछ और चुनने की अनुमति नहीं दी होती।

“मुझे अब ज्यादा कुछ कहना नहीं है, और यह अच्छा ही है, क्योंकि मेरा काम लगभग खत्म हो चुका है। मैंने एक-दो दिन टैक्सी चलाई, इस इरादे से कि जब तक अमेरिका वापस जाने के लिए पर्याप्त पैसे जमा न हो जाएं, तब तक यही करता रहूंगा। मैं टैक्सी यार्ड में खड़ा था, तभी एक फटेहाल युवक ने पूछा कि क्या यहाँ जेफरसन होप नाम का कोई टैक्सी ड्राइवर है, और बताया कि बेकर स्ट्रीट के 221B में एक सज्जन को उसकी टैक्सी चाहिए। मुझे कुछ भी बुरा नहीं लगा, इसीलिए मैं इधर-उधर देखने गया, और फिर अचानक मैंने देखा कि इस युवक ने मेरी कलाई पर हथकड़ी लगा दी है, और मुझे इतनी सफाई से जकड़ा हुआ है जितना मैंने अपनी जिंदगी में कभी नहीं देखा था। यही मेरी कहानी है, सज्जनों। आप मुझे हत्यारा मान सकते हैं; लेकिन मेरा मानना है कि मैं भी उतना ही न्याय का अधिकारी हूं जितना आप हैं।”

उस व्यक्ति का वृत्तांत इतना रोमांचक था और उसका अंदाज़ इतना प्रभावशाली था कि हम सब चुपचाप बैठे रहे और ध्यान से सुनते रहे। यहाँ तक कि पेशेवर जासूस भी, जो अपराध के हर पहलू से बेपरवाह थे, उस व्यक्ति की कहानी में गहरी दिलचस्पी लेते नज़र आए। जब उसने अपनी कहानी समाप्त की, तो हम कुछ मिनटों तक खामोशी में बैठे रहे, जिसे केवल लेस्ट्रेड की पेंसिल की खरोंच की आवाज़ ने तोड़ा, जब वह अपने संक्षिप्त विवरण को अंतिम रूप दे रहा था।

अंत में शर्लक होम्स ने कहा, "एक ही बात है जिस पर मुझे थोड़ी और जानकारी चाहिए। आपका वह साथी कौन था जो उस अंगूठी को लेने आया था जिसका मैंने विज्ञापन दिया था?"

कैदी ने मेरे दोस्त को शरारती अंदाज़ में आँख मारी। उसने कहा, “मैं अपने राज़ तो बता सकता हूँ, लेकिन दूसरों को मुसीबत में नहीं डालता। मैंने तुम्हारा विज्ञापन देखा और सोचा कि शायद यह कोई चाल हो, या फिर वही अंगूठी हो जो मुझे चाहिए थी। मेरे दोस्त ने खुद जाकर देखने की पेशकश की। मुझे लगता है तुम मानोगे कि उसने यह चालाकी से किया।”

"इसमें कोई शक नहीं," होम्स ने पूरे उत्साह से कहा।

“अब, सज्जनों,” इंस्पेक्टर ने गंभीरता से कहा, “कानून के नियमों का पालन करना होगा। गुरुवार को कैदी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा, और आपकी उपस्थिति अनिवार्य होगी। तब तक मैं उसकी जिम्मेदारी संभालूंगा।” बोलते ही उन्होंने घंटी बजा दी, और जेफरसन होप को कुछ वार्डर ले गए, जबकि मैं और मेरा दोस्त स्टेशन से बाहर निकलकर टैक्सी से बेकर स्ट्रीट वापस चले गए।

अध्याय 7

निष्कर्ष

हमें गुरुवार को मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने की चेतावनी दी गई थी; लेकिन जब गुरुवार आया तो हमारी गवाही की कोई ज़रूरत नहीं थी। एक उच्च न्यायाधीश ने मामले को अपने हाथ में ले लिया था, और जेफरसन होप को एक अदालत में पेश होने के लिए बुलाया गया था जहाँ उसे कड़ी सज़ा दी जानी थी। उसकी गिरफ्तारी के ठीक बाद वाली रात को उसकी धमनी फट गई, और सुबह वह कोठरी के फर्श पर पड़ा मिला, उसके चेहरे पर एक शांत मुस्कान थी, मानो वह अपने अंतिम क्षणों में एक सार्थक जीवन और अच्छे काम को याद कर पा रहा हो।

अगली शाम जब हम इस बारे में बातचीत कर रहे थे, होम्स ने टिप्पणी की, "ग्रेगसन और लेस्ट्रेड उसकी मौत से बहुत खुश होंगे। अब उनका बड़ा विज्ञापन कहाँ होगा?"

मैंने जवाब दिया, "मुझे नहीं लगता कि उनकी गिरफ्तारी में उनका कोई खास हाथ था।"

“इस दुनिया में तुम जो भी करो, उसका कोई महत्व नहीं है,” मेरे साथी ने कड़वाहट से जवाब दिया। “सवाल यह है कि तुम लोगों को क्या यकीन दिला सकते हो कि तुमने क्या किया है? छोड़ो,” थोड़ी देर रुकने के बाद वह और भी उत्साहित होकर बोला। “मैं किसी भी कीमत पर इस जांच से नहीं चूकना चाहता था। मेरी याद में इससे बेहतर कोई मामला नहीं रहा। भले ही यह सरल था, लेकिन इसमें कई बेहद शिक्षाप्रद बातें थीं।”

“बिल्कुल आसान!” मैंने कहा।

“खैर, सच कहें तो, इसे कुछ और कहना मुश्किल है,” शर्लक होम्स ने मेरी हैरानी पर मुस्कुराते हुए कहा। “इसकी अंतर्निहित सरलता का प्रमाण यह है कि कुछ साधारण अनुमानों के अलावा किसी और मदद के बिना, मैं तीन दिनों के भीतर अपराधी को पकड़ने में सक्षम हो गया।”

“यह सच है,” मैंने कहा।

मैंने आपको पहले ही समझाया है कि जो सामान्य से हटकर होता है, वह अक्सर बाधा नहीं बल्कि मार्गदर्शक होता है। इस तरह की समस्या को हल करने में सबसे महत्वपूर्ण बात है पीछे की ओर तर्क करने की क्षमता। यह एक बहुत ही उपयोगी और आसान कौशल है, लेकिन लोग इसका ज्यादा अभ्यास नहीं करते। रोजमर्रा के जीवन में आगे की ओर तर्क करना अधिक उपयोगी होता है, और इस तरह दूसरा पहलू उपेक्षित हो जाता है। विश्लेषणात्मक तर्क करने वाले एक व्यक्ति के मुकाबले संश्लेषणात्मक तर्क करने वाले पचास लोग होते हैं।

मैंने कहा, "मैं स्वीकार करता हूँ कि मुझे आपकी बात पूरी तरह समझ नहीं आई।"

“मुझे इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। चलिए देखते हैं, क्या मैं इसे और स्पष्ट कर सकता हूं। अधिकांश लोग, यदि आप उन्हें घटनाओं का क्रम बताएं, तो वे आपको बता देंगे कि परिणाम क्या होगा। वे उन घटनाओं को अपने मन में जोड़कर यह तर्क दे सकते हैं कि कुछ न कुछ घटित होगा। हालांकि, ऐसे बहुत कम लोग होते हैं जो, यदि आप उन्हें परिणाम बता दें, तो अपनी अंतरात्मा से उन चरणों का पता लगा सकें जो उस परिणाम तक ले गए। यही वह क्षमता है जिसे मैं पीछे की ओर तर्क करने या विश्लेषणात्मक रूप से सोचने की बात करता हूँ।”

मैंने कहा, "मैं समझ गया।"

“यह एक ऐसा मामला था जिसमें आपको परिणाम बता दिया गया था और बाकी सब आपको खुद ही पता लगाना था। अब मैं आपको अपनी तर्क प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को समझाने का प्रयास करता हूँ। शुरुआत से शुरू करते हैं। जैसा कि आप जानते हैं, मैं पैदल ही घर पहुँचा, और मेरा मन पूरी तरह से सभी धारणाओं से मुक्त था। मैंने स्वाभाविक रूप से सड़क का निरीक्षण करना शुरू किया, और जैसा कि मैंने आपको पहले ही समझाया है, वहाँ मुझे एक टैक्सी के निशान स्पष्ट रूप से दिखाई दिए, जो मैंने पूछताछ करके पता लगाया कि रात के दौरान वहाँ रहे होंगे। मैंने पहियों की चौड़ाई देखकर यह सुनिश्चित कर लिया कि यह एक टैक्सी थी, न कि कोई निजी गाड़ी। लंदन की आम ग्रोलर (छोटी टैक्सी) एक सज्जन की बग्घी की तुलना में काफी कम चौड़ी होती है।”

“यह पहला सुराग था जो मुझे मिला। फिर मैं धीरे-धीरे बगीचे के रास्ते पर चला, जो चिकनी मिट्टी का बना था, जो पदचिह्न लेने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त थी। बेशक, आपको यह केवल कीचड़ की एक कुचली हुई रेखा लग रही होगी, लेकिन मेरी पारखी

नज़रों के लिए इसकी सतह पर हर निशान का एक अर्थ था। जासूसी विज्ञान की कोई भी शाखा पदचिह्नों का पता लगाने की कला जितनी महत्वपूर्ण और उपेक्षित नहीं है। सौभाग्य से, मैंने हमेशा इस पर बहुत ज़ोर दिया है, और बहुत अभ्यास ने इसे मेरी सहजता बना दिया है। मैंने कांस्टेबलों के भारी पदचिह्न देखे, लेकिन मैंने उन दो आदमियों के पदचिह्न भी देखे जो सबसे पहले बगीचे से गुज़रे थे। यह आसानी से पता चल गया कि वे दूसरों से पहले आए थे, क्योंकि कुछ जगहों पर उनके निशान दूसरों के ऊपर से गुज़रने के कारण पूरी तरह से मिट गए थे। इस तरह मेरा दूसरा सुराग मिला, जिससे मुझे पता चला कि रात में आने वाले आगंतुक दो थे, एक अपनी लंबाई के लिए उल्लेखनीय था (जैसा कि मैंने उसके कदमों की लंबाई से अनुमान लगाया), और दूसरा फैशनेबल कपड़े पहने हुए था, जैसा कि उसके द्वारा छोड़े गए छोटे और सुरुचिपूर्ण निशान से पता चलता है। घुटनों तक पहने जाने वाले जूते।

घर में प्रवेश करते ही मेरा यह अंतिम अनुमान पुष्ट हो गया। मेरा वह सुसज्जित व्यक्ति मेरे सामने पड़ा था। यानी, लंबे कद वाले व्यक्ति ने ही हत्या की थी, यदि हत्या हुई थी तो। मृतक के शरीर पर कोई घाव नहीं था, लेकिन उसके चेहरे पर दिख रहे व्याकुल भावों से मुझे यकीन हो गया कि उसने अपनी मृत्यु को पहले ही भांप लिया था। हृदय रोग या किसी भी अचानक प्राकृतिक कारण से मरने वाले व्यक्ति के चेहरे पर कभी भी व्याकुलता के भाव नहीं दिखते। मृतक के होंठों को सूंघने पर मुझे हल्की खट्टी गंध आई और मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उसे जबरदस्ती जहर दिया गया था। फिर, मैंने उसके चेहरे पर दिख रही घृणा और भय को देखते हुए यह तर्क दिया कि उसे जबरदस्ती जहर दिया गया था। मैंने इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए अन्य परिकल्पनाओं को खारिज करने की विधि का प्रयोग किया, क्योंकि कोई अन्य परिकल्पना तथ्यों से मेल नहीं खाती थी। यह मत सोचिए कि यह कोई बिल्कुल अनसुना विचार था। आपराधिक इतिहास में जबरदस्ती जहर देना कोई नई बात नहीं है। ओडेसा में डोल्स्की और मोंटपेलियर में लेटूरियर के मामले किसी भी विषविज्ञानी को तुरंत याद आ जाएंगे।

"और अब सबसे बड़ा सवाल यह था कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। हत्या का मकसद लूटपाट नहीं था, क्योंकि कुछ भी नहीं लिया गया था। तो क्या यह राजनीति थी, या कोई महिला? यही सवाल मेरे सामने था। मेरा झुकाव शुरू से ही दूसरे अनुमान की ओर था। राजनीतिक हत्यारे अपना काम करके भाग जाने में बहुत खुश होते हैं। इसके विपरीत, यह हत्या बेहद सोची-समझी साजिश थी, और अपराधी ने पूरे कमरे में अपने निशान छोड़े थे, जिससे पता चलता था कि वह हर समय वहीं मौजूद था। यह कोई निजी अन्याय रहा होगा, न कि राजनीतिक, जिसके लिए इतने सुनियोजित प्रतिशोध की आवश्यकता थी। जब दीवार पर लिखा हुआ मिला, तो मेरा अपने विचार पर और भी अधिक बल पड़ा। यह स्पष्ट रूप से एक छलावा था। हालांकि, जब अंगूठी मिली, तो सवाल हल हो गया। स्पष्ट रूप से हत्यारे ने इसका इस्तेमाल अपने शिकार को किसी मृत या अनुपस्थित महिला की याद दिलाने के लिए किया था। इसी बिंदु पर मैंने ग्रेगसन से पूछा कि क्या उन्होंने क्लीवलैंड को भेजे गए अपने टेलीग्राम में श्री ड्रेबर के पूर्व करियर के किसी विशेष बिंदु के बारे में पूछताछ की थी। आपको याद होगा, उन्होंने नकारात्मक उत्तर दिया था।"

"फिर मैंने कमरे का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया, जिससे हत्यारे की लंबाई के बारे में मेरा अनुमान और पुख्ता हो गया, और मुझे त्रिचिनोपोली सिगार और उसके नाखूनों की लंबाई के बारे में अतिरिक्त जानकारी मिली। संघर्ष के कोई निशान न होने के कारण, मैं पहले ही इस निष्कर्ष पर पहुंच चुका था कि फर्श पर फैला खून हत्यारे की नाक से उत्तेजना में निकला था। मैंने देखा कि खून का निशान उसके पैरों के निशान से मेल खाता था। बहुत कम ही ऐसा होता है कि कोई व्यक्ति, जब तक कि वह बहुत उग्र न

हो, भावनाओं में इस तरह भड़क उठे, इसलिए मैंने अनुमान लगाया कि अपराधी शायद एक हट्टा-कट्टा और लाल चेहरे वाला आदमी था। घटनाओं ने साबित कर दिया कि मेरा अनुमान सही था।"

घर से निकलने के बाद, मैंने वह काम शुरू किया जिसे ग्रेगसन ने नज़रअंदाज़ कर दिया था। मैंने क्लीवलैंड के पुलिस प्रमुख को टेलीग्राम भेजा, जिसमें मैंने एनोक ड्रेबर की शादी से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में ही पूछताछ की। जवाब निर्णायक था। मुझे पता चला कि ड्रेबर ने पहले ही जेफरसन होप नाम के अपने पुराने प्रेमी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कानूनी सुरक्षा के लिए अर्जी दी थी, और वही होप इस समय यूरोप में था। अब मुझे पता चल गया था कि रहस्य का सुराग मेरे हाथ में है, और अब बस हत्यारे को पकड़ना बाकी था।

मैंने मन ही मन तय कर लिया था कि ड्रेबर के साथ घर में घुसने वाला आदमी कोई और नहीं बल्कि वही आदमी था जिसने टैक्सी चलाई थी। सड़क पर बने निशानों से पता चला कि घोड़ा ऐसे भटक गया था जो किसी के होने पर नामुमकिन था। फिर ड्राइवर कहाँ हो सकता था, सिवाय घर के अंदर होने के? फिर, यह मानना बेतुका है कि कोई समझदार आदमी किसी तीसरे व्यक्ति की आँखों के सामने जानबूझकर अपराध करेगा, जो उसे धोखा देने के लिए तैयार था। अंत में, मान लीजिए कि एक आदमी दूसरे का लंदन में पीछा करना चाहता है, तो टैक्सी ड्राइवर बनने से बेहतर तरीका क्या हो सकता है? इन सभी बातों ने मुझे इस अटल निष्कर्ष पर पहुँचाया कि जेफरसन होप महानगर के टैक्सी ड्राइवरों के बीच ही कहीं मिलेगा।

"अगर वह ऐसा होता, तो यह मानने का कोई कारण नहीं था कि वह अब ऐसा नहीं रहा। इसके विपरीत, उसके नज़रिए से, कोई भी अचानक बदलाव उसकी ओर ध्यान आकर्षित कर सकता था। वह शायद कुछ समय के लिए ही सही, अपने कर्तव्यों का पालन करता रहता। यह मानने का कोई कारण नहीं था कि वह किसी छद्म नाम से रह रहा था। वह ऐसे देश में अपना नाम क्यों बदलता जहाँ कोई उसका असली नाम नहीं जानता था? इसलिए मैंने अपने गली-मोहल्ले के अरब जासूसों का दल संगठित किया और उन्हें लंदन के हर टैक्सी मालिक के पास भेजा, जब तक कि उन्होंने उस आदमी को ढूंढ नहीं निकाला जिसकी मुझे तलाश थी। वे कितनी अच्छी तरह सफल हुए और मैंने कितनी जल्दी इसका फायदा उठाया, यह बात आज भी आपको याद है। स्टैंगर्सन की हत्या एक ऐसी घटना थी जो पूरी तरह से अप्रत्याशित थी, लेकिन जिसे किसी भी हालत में रोका नहीं जा सकता था। जैसा कि आप जानते हैं, इसी के ज़रिए मुझे वे गोलियाँ मिलीं, जिनके अस्तित्व का मुझे पहले से ही अनुमान था। देखिए, यह पूरी घटना तार्किक अनुक्रमों की एक ऐसी कड़ी है जिसमें कोई रुकावट या खामी नहीं है।"

"यह तो अद्भुत है!" मैंने खुशी से कहा। "आपकी खूबियों को सार्वजनिक रूप से मान्यता मिलनी चाहिए। आपको इस मामले का विवरण प्रकाशित करना चाहिए। अगर आप नहीं करेंगे, तो मैं आपके लिए कर दूंगी।"

"आप जो चाहें कर सकते हैं, डॉक्टर," उन्होंने उत्तर दिया। "देखिए!" उन्होंने मुझे एक कागज देते हुए कहा, "इसे देखिए!"

यह उस दिन का 'इको' अखबार था, और जिस पैराग्राफ की ओर उन्होंने इशारा किया वह विचाराधीन मामले को समर्पित था।

"जनता ने होप नामक व्यक्ति की अचानक मृत्यु से एक सनसनीखेज घटना को खो दिया है, जिस पर श्री एनोक ड्रेबर और श्री जोसेफ स्टैंगर्सन की हत्या का संदेह था। इस मामले का विवरण शायद अब कभी पता नहीं चल पाएगा, हालांकि हमें विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि यह अपराध एक पुराने और प्रेमपूर्ण झगड़े का परिणाम था, जिसमें प्रेम और मॉर्मनवाद की भूमिका थी। ऐसा लगता है कि दोनों पीड़ित अपने युवावस्था में

लैटर डे सेंटस से संबंधित थे, और मृतक होप भी साल्ट लेक सिटी का रहने वाला था। यदि इस मामले का कोई अन्य प्रभाव नहीं पड़ा है, तो कम से कम इसने हमारी पुलिस की कार्यकुशलता को सबसे प्रभावशाली ढंग से उजागर किया है, और सभी विदेशियों के लिए एक सबक के रूप में काम करेगा कि वे अपने झगड़ों को अपने देश में ही सुलझा लें, न कि उन्हें ब्रिटिश धरती पर ले आएं। यह एक खुला रहस्य है कि इस चतुर गिरफ्तारी का पूरा श्रेय स्कॉटलैंड यार्ड के जाने-माने अधिकारियों, श्री लेस्ट्रेड और ग्रेगसन को जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि उस व्यक्ति को एक निश्चित व्यक्ति के कमरों में पकड़ा गया था। श्री शर्लक होम्स, जिन्होंने स्वयं एक शौकिया जासूस के रूप में जासूसी के क्षेत्र में कुछ प्रतिभा दिखाई है और जो ऐसे प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में समय के साथ उनकी कुशलता के स्तर तक पहुँचने की आशा कर सकते हैं। यह आशा की जाती है कि दोनों अधिकारियों को उनकी सेवाओं के उचित सम्मान के रूप में किसी प्रकार का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

"क्या मैंने तुम्हें शुरुआत में ही नहीं बताया था?" शर्लक होम्स हंसते हुए चिल्लाया। "हमारी सारी मेहनत का यही नतीजा निकला: उन्हें प्रशंसा पत्र दिलवाना!"

"कोई बात नहीं," मैंने उत्तर दिया; "मेरे जर्नल में सभी तथ्य हैं, और जनता को उनकी जानकारी हो जाएगी। तब तक आपको सफलता की अनुभूति से संतुष्ट रहना होगा, जैसे रोमन कंजूस करता था।"

लोग मुझ पर ताने मारते हैं, लेकिन मैं खुद की तारीफ करता हूँ। मैं घर पर हूँ और संदूक में रखे सिक्कों को निहार रहा हूँ।

चार के हस्ताक्षर

अध्याय 1

कटौती का विज्ञान

शर्लक होम्स ने शेल्फ के कोने से अपनी बोतल उठाई और साफ-सुथरे मोरोक्को के कवर से अपनी हाइपोडर्मिक सिरिंज निकाली। अपनी लंबी, सफेद, काँपती उंगलियों से उन्होंने नाजुक सुई को ठीक किया और अपनी बाईं कमीज की कफ़ को पीछे किया। कुछ देर तक उनकी नज़रें अपनी मज़बूत बांह और कलाई पर टिकी रहीं, जो अनगिनत छेद के निशानों से भरी हुई थीं। अंत में, उन्होंने नुकीली नोक को अंदर तक डाला, छोटे पिस्टन को दबाया और संतुष्टि की एक लंबी सांस लेते हुए मखमली कुर्सी पर वापस बैठ गए।

कई महीनों तक दिन में तीन बार मैंने यह नज़ारा देखा था, लेकिन आदत ने मेरे मन को इससे संतुष्ट नहीं किया था। इसके विपरीत, दिन-प्रतिदिन मैं इसे देखकर और भी चिड़चिड़ा हो गया था, और हर रात यह सोचकर मेरा अंतरात्मा मुझे कचोटता था कि मैंने विरोध करने का साहस क्यों नहीं किया। मैंने बार-बार यह प्रतिज्ञा की थी कि मैं इस विषय पर अपने दिल की बात कहूंगा; लेकिन मेरे साथी के शांत, बेपरवाह रवैये में कुछ ऐसा था जो उसे आखिरी व्यक्ति बनाता था जिसके साथ कोई भी किसी भी तरह की गुस्ताखी करने की हिम्मत नहीं करता था। उसकी महान शक्ति, उसका प्रभावशाली व्यवहार, और उसके कई असाधारण गुणों का मेरा अनुभव, इन सबने मुझे उससे टकराव करने में संकोच और झिझक पैदा कर दी थी।

फिर भी उस दोपहर, चाहे वह मेरे दोपहर के भोजन के साथ ली गई ब्यून वाइन हो या उनके अत्यधिक विचारशील व्यवहार से उत्पन्न अतिरिक्त झुंझलाहट, मुझे अचानक लगा कि मैं अब और सहन नहीं कर सकता।

मैंने पूछा, "आज क्या है, मॉर्फिन या कोकीन?"

उसने आलस्य से अपनी निगाहें उस पुरानी काली-अक्षर वाली किताब से ऊपर उठाईं जिसे उसने खोल रखा था।

उन्होंने कहा, "यह कोकीन है, सात प्रतिशत का घोल। क्या आप इसे आजमाना चाहेंगे?"

“नहीं, बिलकुल नहीं,” मैंने रूखेपन से जवाब दिया। “मेरा स्वास्थ्य अभी तक अफ़गानिस्तान अभियान से उबर नहीं पाया है। मैं इस पर और अधिक दबाव नहीं डाल सकता।”

मेरी उग्रता देखकर वह मुस्कुराया। "शायद तुम सही हो, वॉटसन," उसने कहा। "मेरा मानना है कि शारीरिक रूप से इसका प्रभाव बुरा है। लेकिन मुझे यह मन को इतना अधिक उत्तेजित और स्पष्ट करने वाला लगता है कि इसका द्वितीयक प्रभाव नगण्य है।"

“लेकिन सोचो!” मैंने गंभीरता से कहा। “परिणामों का हिसाब लगाओ! जैसा कि तुम कहते हो, तुम्हारा दिमाग उत्तेजित और सक्रिय हो सकता है, लेकिन यह एक रोगग्रस्त और हानिकारक प्रक्रिया है जिसमें ऊतकों में अधिक परिवर्तन होते हैं और कम से कम स्थायी कमजोरी तो रह ही सकती है। तुम यह भी जानते हो कि इसका तुम पर कितना बुरा असर पड़ता है। यकीनन यह खेल खेलने लायक नहीं है। तुम मात्र क्षणिक आनंद के लिए उन महान शक्तियों को खोने का जोखिम क्यों उठा रहे हो जिनसे तुम संपन्न हुए हो? याद रखो कि मैं न केवल एक साथी के रूप में दूसरे साथी से बात कर रहा हूं, बल्कि एक चिकित्सक के रूप में उस व्यक्ति से बात कर रहा हूं जिसके स्वास्थ्य के लिए वह कुछ हद तक जिम्मेदार है।”

वह नाराज नहीं दिखे। इसके विपरीत, उन्होंने अपनी उंगलियों को आपस में जोड़ा और अपनी कोहनियों को कुर्सी के आर्मरेस्ट पर टिका दिया, मानो उन्हें बातचीत का बहुत शौक हो।

उन्होंने कहा, “मेरा मन ठहराव से विद्रोह करता है। मुझे समस्याएँ दो, काम दो, सबसे जटिल गूढ़ पहेली या सबसे पेचीदा विश्लेषण दो, और मैं अपने ही वातावरण में होता हूँ। तब मुझे कृत्रिम उत्तेजकों की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन मुझे जीवन की नीरस दिनचर्या से घृणा है। मैं मानसिक उत्थान के लिए तरसता हूँ। इसीलिए मैंने अपना विशेष पेशा चुना है, या यूं कहें कि इसे बनाया है, क्योंकि मैं दुनिया में अकेला हूं।”

"क्या वही एक अनौपचारिक जासूस है?" मैंने भौंहें चढ़ाते हुए कहा।

“मैं इकलौता गैर-सरकारी सलाहकार जासूस हूं,” उसने जवाब दिया। “जासूसी के क्षेत्र में मैं सर्वोच्च न्यायालय हूं। जब ग्रेगसन, लेस्ट्रेड या एथेलनी जोन्स अपनी क्षमता से बाहर हो जाते हैं—जो कि वैसे तो उनकी सामान्य स्थिति होती है—तो मामला मेरे सामने आता है। मैं एक विशेषज्ञ के रूप में आंकड़ों की जांच करता हूँ और एक विशेषज्ञ की राय देता हूं। ऐसे मामलों में मैं कोई श्रेय नहीं लेता। मेरा नाम किसी अखबार में नहीं छपता। काम करना, अपनी विशेष क्षमताओं के लिए कोई क्षेत्र खोजना, यही मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। लेकिन जेफरसन होप मामले में आपको मेरी कार्यशैली का कुछ अनुभव तो हो ही चुका है।”

“जी हाँ, बिलकुल,” मैंने सौहार्दपूर्वक कहा। “जीवन में मुझे कभी किसी चीज़ ने इतना प्रभावित नहीं किया। मैंने तो इसे एक छोटे से ब्रोशर में भी समाहित कर लिया है, जिसका शीर्षक कुछ हद तक अवास्तविक है, ‘स्कार्लेट का अध्ययन’।”

उसने दुख से अपना सिर हिलाया।

“मैंने इस पर सरसरी नज़र डाली,” उसने कहा। “सच कहूँ तो, मैं आपको इसके लिए बधाई नहीं दे सकता। जासूसी एक सटीक विज्ञान है, या होना चाहिए, और इसे उसी ठंडे और भावहीन तरीके से किया जाना चाहिए। आपने इसमें रोमांटिकता का पुट डालने की कोशिश की है, जिसका असर कुछ ऐसा ही होता है जैसे आप यूक्लिड के पांचवें प्रश्न में कोई प्रेम कहानी या भागकर शादी करने की घटना जोड़ दें।”

“लेकिन रोमांस तो था ही,” मैंने विरोध जताते हुए कहा। “मैं तथ्यों के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकता था।”

“कुछ तथ्यों को दबा देना चाहिए, या कम से कम, उनके साथ व्यवहार करते समय उचित अनुपात का ध्यान रखना चाहिए। इस मामले में उल्लेख के योग्य एकमात्र बिंदु प्रभावों से कारणों तक पहुंचने का विचित्र विश्लेषणात्मक तर्क था, जिसके द्वारा मैं इसे सुलझाने में सफल रहा।”

मुझे उस रचना की आलोचना से बहुत गुस्सा आया, जिसे खास तौर पर उन्हें खुश करने के लिए तैयार किया गया था। मैं यह भी स्वीकार करता हूँ कि मुझे उनके अहंकार से भी चिढ़ हुई, जो मानो यह चाहता था कि मेरे पर्चे की हर पंक्ति उन्हीं के विशेष कार्यों के लिए समर्पित हो। बेकर स्ट्रीट में उनके साथ रहने के दौरान मैंने कई बार देखा था कि मेरे साथी के शांत और उपदेशात्मक स्वभाव के पीछे थोड़ा सा घमंड छिपा हुआ था। हालांकि मैंने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की, बल्कि अपने घायल पैर को सहलाता रहा। कुछ समय पहले मेरे पैर में जेज़ाइल की गोली लगी थी, और हालांकि इससे मुझे चलने में कोई दिक्कत नहीं होती थी, फिर भी मौसम बदलने पर उसमें दर्द होने लगता था।

कुछ देर बाद होम्स ने अपनी पुरानी पाइप भरते हुए कहा, “हाल ही में मेरा कार्यक्षेत्र यूरोप तक फैल गया है। पिछले हफ्ते मुझसे फ्रांकोईस ले विलार्ड ने सलाह ली थी, जो शायद आप जानते ही होंगे कि आजकल फ्रांसीसी जासूसी जगत में काफी नाम कमा रहे हैं। उनमें सहज ज्ञान की अद्भुत क्षमता तो है, लेकिन सटीक ज्ञान की व्यापकता का अभाव है, जो उनकी कला के उच्च स्तर तक पहुंचने के लिए आवश्यक है। मामला एक वसीयत से जुड़ा था और उसमें कुछ रोचक पहलू थे। मैं उन्हें दो मिलते-जुलते मामलों के बारे में बता सका, एक 1857 में रीगा में और दूसरा 1871 में सेंट लुइस में, जिनसे उन्हें सही हल का पता चला। ये रहा वो पत्र जो मुझे आज सुबह मिला, जिसमें मेरी सहायता के लिए आभार व्यक्त किया गया है।”

बोलते-बोलते उसने एक मुड़ा हुआ विदेशी नोटपैड फेंक दिया। मैंने उस पर सरसरी नज़र डाली और प्रशंसा के अनेकों शब्द, जिनमें कहीं-कहीं 'शानदार', 'अति उत्कृष्ट' और 'अति उत्कृष्ट' जैसे शब्द भी लिखे थे, सभी फ्रांसीसी व्यक्ति की गहरी प्रशंसा को दर्शाते थे।

मैंने कहा, "वह अपने गुरु से शिष्य की तरह बात करता है।"

“ओह, वो मेरी मदद की कुछ ज़्यादा ही अहमियत देते हैं,” शर्लक होम्स ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा। “वो खुद भी काफ़ी प्रतिभाशाली हैं। एक आदर्श जासूस के लिए ज़रूरी तीन गुणों में से दो उनमें मौजूद हैं। उनमें अवलोकन और अनुमान लगाने की ज़बरदस्त क्षमता है। बस ज्ञान की कमी है, जो समय के साथ आ सकती है। वो अभी मेरी छोटी-छोटी रचनाओं का फ्रेंच में अनुवाद कर रहे हैं।”

“आपकी रचनाएँ?”

“अरे, तुम्हें पता नहीं था?” वह हंसते हुए बोला। “जी हां, मैंने कई मोनोग्राफ लिखे हैं। ये सभी तकनीकी विषयों पर हैं। उदाहरण के लिए, यह एक है ‘विभिन्न प्रकार के तंबाकू की राख में अंतर’। इसमें मैंने सिगार, सिगरेट और पाइप तंबाकू के एक सौ

चालीस प्रकारों का वर्णन किया है, साथ ही राख में अंतर दर्शाने के लिए रंगीन चित्र भी दिए हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है जो आपराधिक मुकदमों में बार-बार सामने आता है, और कभी-कभी सुराग के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए, यदि आप निश्चित रूप से कह सकते हैं कि किसी हत्या को एक ऐसे व्यक्ति ने अंजाम दिया है जो इंडियन लंकह पी रहा था, तो इससे आपकी जांच का दायरा स्पष्ट रूप से सीमित हो जाता है। एक पारखी की नजर में त्रिचिनोपोली की काली राख और बर्ड्स-आई के सफेद रोएं में उतना ही अंतर होता है जितना कि पत्तागोभी और आलू में।"

मैंने टिप्पणी की, "आपमें सूक्ष्म विवरणों को समझने की असाधारण प्रतिभा है।"

"मैं इनके महत्व को समझता/समझती हूँ। यहाँ पदचिह्नों के निशान खोजने पर मेरा एक शोधपत्र है, जिसमें प्लास्टर ऑफ पेरिस के उपयोग पर कुछ टिप्पणियाँ भी हैं, जिसका उपयोग छापों को संरक्षित करने के लिए किया जाता है। यहाँ एक और रोचक कृति है जो हाथ की बनावट पर किसी पेशे के प्रभाव को दर्शाती है, जिसमें स्लेटर, नाविक, कॉर्क काटने वाले, कंपोजिटर, बुनकर और हीरा पॉलिश करने वालों के हाथों के लिथोटाइप शामिल हैं। यह वैज्ञानिक जासूस के लिए बहुत ही व्यावहारिक महत्व का विषय है—विशेषकर लावारिस शवों के मामलों में, या अपराधियों के पूर्ववृत्त का पता लगाने में। लेकिन मैं अपने शौक के बारे में बताकर आपको थका रहा/रही हूँ।"

"बिल्कुल नहीं," मैंने गंभीरता से उत्तर दिया। "यह मेरे लिए अत्यंत रुचिकर है, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि मुझे आपके द्वारा इसके व्यावहारिक अनुप्रयोग को देखने का अवसर मिला है। लेकिन आपने अभी अवलोकन और निष्कर्ष की बात की। निश्चित रूप से एक दूसरे को कुछ हद तक निहित करता है।"

"क्यों नहीं," उन्होंने अपनी आरामकुर्सी पर आराम से पीछे झुकते हुए और अपनी पाइप से नीले रंग के गाढ़े धुएं के गुच्छे उड़ाते हुए जवाब दिया। "उदाहरण के लिए, अवलोकन से मुझे पता चलता है कि आप आज सुबह विगमोर स्ट्रीट डाकघर गए थे, लेकिन अनुमान से मुझे यह भी पता चलता है कि वहाँ से आपने एक टेलीग्राम भेजा था।"

"बिल्कुल!" मैंने कहा। "दोनों बातें बिल्कुल सही हैं! लेकिन मैं मानता हूं कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप इस नतीजे पर कैसे पहुंचे। यह मेरी ओर से अचानक आया एक विचार था, और मैंने इसके बारे में किसी से बात नहीं की है।"

"यह तो बिलकुल सरल है," मेरी हैरानी पर हंसते हुए उन्होंने कहा— "इतना सरल कि स्पष्टीकरण की कोई आवश्यकता ही नहीं; फिर भी यह अवलोकन और अनुमान की सीमाओं को परिभाषित करने में सहायक हो सकता है। अवलोकन से मुझे पता चलता है कि आपके पैर के तलवे पर थोड़ी सी लाल रंग की मिट्टी चिपकी हुई है। विगमोर स्ट्रीट ऑफिस के ठीक सामने फुटपाथ उखाड़कर मिट्टी डाली गई है, जो इस तरह से पड़ी है कि अंदर जाते समय उस पर पैर रखना मुश्किल है। मिट्टी का रंग एक खास लाल है, जो मेरी जानकारी के अनुसार आस-पास कहीं और नहीं मिलता। इतना तो अवलोकन है। बाकी अनुमान है।"

"तो फिर आपने टेलीग्राम का अनुमान कैसे लगाया?"

"अरे हाँ, मुझे तो पता ही था कि तुमने कोई पत्र नहीं लिखा है, क्योंकि मैं तो सुबह से तुम्हारे सामने ही बैठा था। मैंने तुम्हारी खुली मेज पर डाक टिकटों की एक शीट और पोस्टकार्डों का एक मोटा बंडल भी देखा। फिर तुम डाकघर किसलिए गए थे, सिवाय तार भेजने के? बाकी सब बातों को छोड़ दो, तो जो एक बात बचती है, वही सच है।"

"इस मामले में तो बिल्कुल सही है," मैंने थोड़ा सोचने के बाद जवाब दिया। "लेकिन बात तो, जैसा कि आपने कहा, बहुत ही सरल है। अगर मैं आपके सिद्धांतों को और भी कड़े परीक्षण पर परखूँ तो क्या आप मुझे गुस्ताखी समझेंगे?"

“इसके विपरीत,” उन्होंने उत्तर दिया, “इससे मुझे कोकीन की दूसरी खुराक लेने से रोका जा सकेगा। आप मेरे सामने जो भी समस्या प्रस्तुत करें, उस पर विचार करने में मुझे प्रसन्नता होगी।”

मैंने आपको यह कहते सुना है कि किसी व्यक्ति के लिए दैनिक उपयोग की किसी भी वस्तु पर अपनी व्यक्तिगत छाप छोड़े बिना उसे पहचानना मुश्किल होता है, और वह छाप एक कुशल पर्यवेक्षक द्वारा स्पष्ट रूप से पढ़ी जा सकती है। अब, मेरे पास एक घड़ी है जो हाल ही में मेरे पास आई है। क्या आप कृपया इसके पूर्व मालिक के चरित्र या आदतों के बारे में अपनी राय दे सकते हैं?

मैंने मन ही मन थोड़ी हंसी के साथ उसे घड़ी सौंप दी, क्योंकि मेरी समझ से यह परीक्षा असंभव थी, और मेरा इरादा उसे उसके कभी-कभार अपनाए जाने वाले कुछ हठधर्मी लहजे के खिलाफ सबक सिखाने का था। उसने घड़ी को हाथ में संभाला, डायल को ध्यान से देखा, उसका पिछला हिस्सा खोला और पहले अपनी नंगी आंखों से और फिर एक शक्तिशाली उत्तल लेंस से उसके पुर्जों की जांच की। जब उसने आखिरकार घड़ी का केस बंद किया और मुझे वापस सौंप दिया, तो उसके निराश चेहरे को देखकर मैं अपनी हंसी नहीं रोक पाया।

उन्होंने कहा, "मेरे पास बहुत कम आंकड़े हैं। घड़ी की हाल ही में सफाई की गई है, जिससे मुझे सबसे महत्वपूर्ण जानकारी नहीं मिल पा रही है।"

“आप सही कह रहे हैं,” मैंने जवाब दिया। “इसे मेरे पास भेजने से पहले साफ किया गया था।”

मन ही मन मैंने अपने साथी पर आरोप लगाया कि वह अपनी असफलता को छिपाने के लिए बेहद घटिया और बेअसर बहाना बना रहा है। एक गंदी घड़ी से उसे भला क्या जानकारी मिल सकती थी?

“हालांकि मेरी खोज संतोषजनक नहीं रही, लेकिन पूरी तरह से निष्फल भी नहीं रही,” उसने सपनों में खोई हुई, भावहीन आँखों से छत की ओर देखते हुए कहा। “यदि आप इसमें सुधार करें, तो मेरा अनुमान है कि यह घड़ी आपके बड़े भाई की थी, जो उन्हें आपके पिता से विरासत में मिली थी।”

"जो आप निस्संदेह एच.डब्ल्यू. की पीठ से इकट्ठा करते हैं?"

“बिल्कुल सही। 'W' आपके नाम का संकेत देता है। घड़ी लगभग पचास साल पुरानी है, और उस पर लिखे अक्षर भी घड़ी जितने ही पुराने हैं: इसलिए यह पिछली पीढ़ी के लिए बनाई गई थी। गहने आमतौर पर सबसे बड़े बेटे को विरासत में मिलते हैं, और उसका नाम भी पिता के नाम जैसा ही होने की संभावना रहती है। अगर मुझे सही याद है, तो आपके पिता को गुज़रे कई साल हो गए हैं। इसलिए यह आपके सबसे बड़े भाई के पास रही है।”

मैंने कहा, "अभी तक तो ठीक है। और कुछ?"

“वह एक अव्यवस्थित आदतों वाला व्यक्ति था—बेहद लापरवाह और बेपरवाह। उसके पास अच्छे अवसर थे, लेकिन उसने उन्हें गंवा दिया, कुछ समय गरीबी में बिताया, बीच-बीच में थोड़े समय के लिए समृद्धि का आनंद लिया, और अंत में शराब के आदी होकर उसकी मृत्यु हो गई। मुझे बस इतना ही पता चला है।”

मैं अपनी कुर्सी से उछलकर उठा और अपने दिल में काफी कड़वाहट लिए हुए कमरे में लंगड़ाते हुए इधर-उधर घूमने लगा।

“होम्स, यह आपके लिए शोभा नहीं देता,” मैंने कहा। “मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि आप इस हद तक गिर सकते हैं। आपने मेरे अभागे भाई के इतिहास की छानबीन की है, और अब आप यह दावा कर रहे हैं कि आपने यह सब मनगढ़ंत तरीके से हासिल किया है। आप मुझसे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि मैं मान लूँ कि आपने

यह सब उसकी पुरानी घड़ी से पढ़ा है! यह निर्दयता है और साफ शब्दों में कहूँ तो इसमें छल-कपट की झलक है।"

"मेरे प्रिय डॉक्टर," उन्होंने विनम्रता से कहा, "कृपया मेरी क्षमा स्वीकार करें। इस मामले को एक अमूर्त समस्या मानते हुए, मैं भूल गया था कि यह आपके लिए कितना व्यक्तिगत और कष्टदायक हो सकता है। हालांकि, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जब तक आपने मुझे घड़ी नहीं सौंपी, तब तक मुझे यह भी नहीं पता था कि आपका कोई भाई है।"

"तो फिर, हे भगवान, आपको ये तथ्य कहाँ से मिले? ये हर तरह से बिलकुल सही हैं।"

"वाह, ये तो अच्छी किस्मत है। मैं तो सिर्फ संभावनाओं के आधार पर ही बता सकता था। मुझे इतनी सटीकता की बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी।"

"लेकिन यह महज अनुमान नहीं था?"

नहीं, नहीं: मैं कभी अंदाज़ा नहीं लगाता। यह एक बुरी आदत है – तर्क शक्ति के लिए हानिकारक। जो आपको अजीब लग रहा है, वह केवल इसलिए है क्योंकि आप मेरी बात को समझ नहीं पा रहे हैं या उन छोटी-छोटी बातों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिन पर बड़े निष्कर्ष निर्भर करते हैं। उदाहरण के लिए, मैंने यह कहकर शुरुआत की थी कि आपका भाई लापरवाह था। जब आप उस घड़ी के डिब्बे के निचले हिस्से को देखते हैं, तो आप पाते हैं कि वह न केवल दो जगहों से धंसा हुआ है, बल्कि उस पर जगह-जगह कट और निशान भी हैं, क्योंकि वह उसी जेब में सिक्के या चाबियाँ जैसी दूसरी कठोर वस्तुएँ भी रखता था। यह मानना कोई बड़ी बात नहीं है कि जो व्यक्ति पचास गिनी की घड़ी को इतनी लापरवाही से रखता है, वह लापरवाह ही होगा। और यह अनुमान लगाना भी कोई बहुत दूर की बात नहीं है कि जिस व्यक्ति को इतनी कीमती वस्तु विरासत में मिलती है, वह बाकी मामलों में काफी संपन्न होगा।

मैंने सिर हिलाकर यह दर्शाया कि मुझे उसकी बात समझ आ गई है।

इंग्लैंड में गिरवी रखने वालों की यह आम प्रथा है कि जब वे कोई घड़ी लेते हैं, तो वे घड़ी के अंदर की तरफ पिनपॉइंट से टिकट के नंबर खरोंच कर लिख देते हैं। यह लेबल लगाने से ज़्यादा सुविधाजनक होता है क्योंकि इसमें नंबर खो जाने या बदल जाने का कोई खतरा नहीं होता। इस घड़ी के अंदर की तरफ मेरी लेंस से कम से कम चार ऐसे नंबर दिखाई दे रहे हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि आपका भाई अक्सर आर्थिक तंगी में रहता था। दूसरा निष्कर्ष यह है कि उसके जीवन में कभी-कभार समृद्धि भी आती थी, वरना वह गिरवी रखी घड़ी को छुड़ा नहीं पाता। अंत में, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप अंदर की प्लेट को देखें, जिसमें चाबी का छेद है। छेद के चारों ओर हज़ारों खरोंचों को देखिए - ये निशान हैं जहाँ चाबी फिसल गई है। भला किसी समझदार आदमी की चाबी से ये निशान कैसे बन सकते हैं? लेकिन आपको किसी शराबी की घड़ी बिना इन निशानों के कभी नहीं मिलेगी। वह रात में घड़ी में चाबी भरता है, और इस तरह उसके कांपते हाथों के ये निशान बन जाते हैं। आखिर इसमें रहस्य क्या है?

"यह बिल्कुल स्पष्ट है," मैंने उत्तर दिया। "मैंने आपके साथ जो अन्याय किया, उसके लिए मुझे खेद है। मुझे आपकी अद्भुत प्रतिभा पर और अधिक विश्वास रखना चाहिए था। क्या मैं पूछ सकता हूँ कि क्या आप इस समय किसी पेशेवर कार्य में लगे हुए हैं?"

कुछ नहीं। इसीलिए कोकीन। मैं दिमागी कसरत के बिना नहीं जी सकता। जीने का और क्या मकसद? यहाँ खिड़की पर खड़े हो जाओ। क्या कभी कोई दुनिया इतनी नीरस, उदास और निरर्थक थी? देखो कैसे पीला कोहरा गली में घूमता हुआ नीचे आ रहा है और मटमैले घरों पर छा रहा है। इससे अधिक निराशाजनक रूप से नीरस और

भौतिक क्या हो सकता है? डॉक्टर, शक्तियों का क्या फायदा जब उन्हें इस्तेमाल करने के लिए कोई क्षेत्र ही न हो? अपराध आम बात है, जीवन आम बात है, और आम गुणों के अलावा पृथ्वी पर किसी भी गुण का कोई महत्व नहीं है।

इस तीखी आलोचना का जवाब देने के लिए मैंने अभी अपना मुंह खोला ही था कि एक तेज दस्तक के साथ, हमारी मकान मालकिन पीतल की थाली पर एक कार्ड लिए हुए अंदर आ गईं।

"आपके लिए एक युवती, महोदय," उसने मेरे साथी को संबोधित करते हुए कहा।

"मिस मैरी मोरस्टन," उन्होंने पढ़ा। "हम्म! मुझे यह नाम याद नहीं आ रहा। श्रीमती हडसन, कृपया युवती को आगे आने के लिए कहें। डॉक्टर साहब, आप मत जाइए। मैं चाहूंगी कि आप यहीं रहें।"

अध्याय दो

मामले का विवरण

मिस मोरस्टन ने दृढ़ कदमों और संयमित व्यवहार के साथ कमरे में प्रवेश किया। वह सुनहरे बालों वाली एक युवती थीं, छोटी कद-काठी की, सुंदर, अच्छे दस्तानों से सजी और बेहद सुरुचिपूर्ण ढंग से कपड़े पहने हुए। हालांकि, उनके पहनावे में सादगी झलक रही थी, जो सीमित आर्थिक स्थिति का संकेत दे रही थी। पोशाक गहरे भूरे रंग की थी, बिना किसी कढ़ाई या जोड़ के, और उन्होंने उसी फीके रंग की एक छोटी सी पगड़ी पहन रखी थी, जिसके किनारे पर लगे सफेद पंख के एक छोटे से टुकड़े से ही थोड़ी सी चमक आ रही थी। उनके चेहरे पर न तो कोई नियमितता थी और न ही कोई सुंदर रंगत, लेकिन उनका भाव मधुर और सौम्य था, और उनकी बड़ी नीली आँखें अत्यंत आध्यात्मिक और सहानुभूतिपूर्ण थीं। कई देशों और तीन अलग-अलग महाद्वीपों की महिलाओं को देखने के अपने अनुभव में, मैंने कभी ऐसा चेहरा नहीं देखा जो इतने परिष्कृत और संवेदनशील स्वभाव का स्पष्ट संकेत देता हो। मैं यह देखे बिना नहीं रह सकी कि जैसे ही वह उस कुर्सी पर बैठीं जो शर्लक होम्स ने उनके लिए रखी थी, उनके होंठ कांप रहे थे, उनके हाथ थरथरा रहे थे, और उनमें तीव्र आंतरिक बेचैनी के सभी लक्षण दिखाई दे रहे थे।

"मैं आपके पास आई हूँ, श्रीमान होम्स," उसने कहा, "क्योंकि आपने एक बार मेरी मालकिन, श्रीमती सेसिल फॉरेस्टर की एक छोटी सी घरेलू समस्या को सुलझाने में मदद की थी। वह आपकी दयालुता और कुशलता से बहुत प्रभावित हुई थीं।"

"श्रीमती सेसिल फॉरेस्टर," उन्होंने सोच-समझकर दोहराया। "मुझे लगता है कि मैंने उनकी थोड़ी बहुत मदद की थी। लेकिन जहाँ तक मुझे याद है, मामला बहुत ही सरल था।"

"उसे ऐसा नहीं लगता था। लेकिन कम से कम मेरे बारे में तो आप ऐसा नहीं कह सकते। मैं जिस स्थिति में हूँ, उससे ज़्यादा अजीब, उससे ज़्यादा पूरी तरह से समझ से परे कुछ और सोच ही नहीं सकता।"

होम्स ने अपने हाथों को रगड़ा और उनकी आँखों में चमक आ गई। वे अपनी कुर्सी पर आगे की ओर झुक गए, उनके तीक्ष्ण और पैनी नज़रों में असाधारण एकाग्रता का भाव था।

उन्होंने चुस्त और व्यावसायिक लहजे में कहा, "अपनी बात रखिए।"

मुझे लगा कि मेरी स्थिति शर्मनाक थी।

"मुझे पूरा यकीन है कि आप मुझे माफ कर देंगे," मैंने अपनी कुर्सी से उठते हुए कहा।

मुझे आश्चर्य हुआ जब उस युवती ने मुझे रोकने के लिए अपना दस्ताने पहना हुआ हाथ ऊपर उठाया।

उसने कहा, "अगर आपका दोस्त रुकने की कृपा करे, तो वह मेरे लिए अमूल्य सहायता साबित हो सकता है।"

मैं वापस अपनी कुर्सी पर बैठ गया।

“संक्षेप में,” उन्होंने आगे कहा, “तथ्य इस प्रकार हैं। मेरे पिता एक भारतीय रेजिमेंट में अधिकारी थे, जिन्होंने मुझे बचपन में ही घर भेज दिया था। मेरी माँ का निधन हो चुका था और इंग्लैंड में मेरा कोई रिश्तेदार नहीं था। फिर भी, मुझे एडिनबर्ग के एक आरामदायक बोर्डिंग स्कूल में रखा गया और मैं सत्रह वर्ष की आयु तक वहीं रही। वर्ष 1878 में मेरे पिता, जो अपनी रेजिमेंट के वरिष्ठ कप्तान थे, ने बारह महीने की छुट्टी ली और घर आ गए। उन्होंने लंदन से मुझे टेलीग्राम भेजा कि वे सुरक्षित पहुँच गए हैं और मुझे तुरंत आने का निर्देश दिया, साथ ही अपना पता लैंगहम होटल दिया। मुझे याद है कि उनका संदेश स्नेह और दया से भरा था। लंदन पहुँचकर मैं लैंगहम होटल गई और मुझे बताया गया कि कैप्टन मोरस्टन वहाँ ठहरे हुए हैं, लेकिन वे पिछली रात बाहर गए थे और वापस नहीं लौटे थे। मैंने पूरे दिन उनका इंतज़ार किया, लेकिन कोई खबर नहीं मिली। उस रात, होटल के प्रबंधक की सलाह पर, मैंने पुलिस से संपर्क किया और अगली सुबह हमने सभी अखबारों में विज्ञापन दिया। हमारी पूछताछ का कोई नतीजा नहीं निकला; और उस दिन से आज तक उनके बारे में कोई खबर नहीं मिली है। मैंने अपने दुर्भाग्यपूर्ण पिता के बारे में सुना। वह मन में शांति और सुकून की उम्मीद लिए घर लौटे थे, लेकिन इसके बजाय—"

उसने अपना हाथ अपने गले पर रखा, और एक सिसकी के साथ उसका वाक्य अधूरा रह गया।

“तारीख?” होम्स ने अपनी नोटबुक खोलते हुए पूछा।

"वह 3 दिसंबर, 1878 को गायब हो गया था - लगभग दस साल पहले।"

“उसका सामान?”

“होटल में ही रुका रहा। वहाँ ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे कोई सुराग मिल सके — कुछ कपड़े, कुछ किताबें और अंडमान द्वीप समूह से लाई गई काफी सारी अनोखी वस्तुएँ। वह वहाँ कैदियों की सुरक्षा के प्रभारी अधिकारियों में से एक था।”

"क्या शहर में उसके कोई दोस्त थे?"

“हमें केवल एक ही व्यक्ति के बारे में पता है — मेजर शोल्टो, जो उनकी अपनी रेजिमेंट, चौंतीसवीं बॉम्बे इन्फैंट्री के थे। मेजर कुछ समय पहले ही सेवानिवृत्त हुए थे और अपर नॉरवुड में रहते थे। हमने उनसे संपर्क तो किया, लेकिन उन्हें यह भी नहीं पता था कि उनका साथी अधिकारी इंग्लैंड में है।”

"यह एक विलक्षण मामला है," होम्स ने टिप्पणी की।

“मैंने अभी तक आपको सबसे अनोखी बात नहीं बताई है। लगभग छह साल पहले —ठीक कहें तो, 4 मई, 1882 को—टाइम्स अखबार में एक विज्ञापन छपा था जिसमें मिस मैरी मोरस्टन का पता मांगा गया था और कहा गया था कि अगर वे आगे आकर अपना पता दें तो उन्हें फायदा होगा। उसमें न तो नाम था और न ही पता। उस समय मैं श्रीमती सेसिल फॉरेस्टर के परिवार में गवर्नेस के तौर पर काम करने लगी थी। उनकी सलाह पर मैंने विज्ञापन में अपना पता लिखवाया। उसी दिन डाक से मेरे नाम का एक छोटा सा गत्ते का डिब्बा आया, जिसमें मुझे एक बहुत बड़ा और चमकदार मोती मिला। उसमें कुछ भी लिखा नहीं था। तब से हर साल उसी तारीख को ऐसा ही एक डिब्बा

आता है, जिसमें ऐसा ही मोती होता है, और भेजने वाले के बारे में कोई जानकारी नहीं होती। एक विशेषज्ञ ने इन्हें दुर्लभ किस्म का और काफी कीमती बताया है। आप खुद देख सकते हैं कि ये कितने सुंदर हैं।”

बोलते-बोलते उसने एक चपटा डिब्बा खोला और मुझे अब तक देखे गए सबसे बेहतरीन छह मोती दिखाए।

“आपका बयान बहुत दिलचस्प है,” शर्लक होम्स ने कहा। “क्या आपके दिमाग में कुछ और आया है?”

जी हां, और आज ही। इसीलिए मैं आपके पास आया हूं। आज सुबह मुझे यह पत्र मिला, जिसे शायद आप स्वयं पढ़ लेंगे।

“धन्यवाद,” होम्स ने कहा। “लिफाफा भी भेज दीजिए, कृपया। डाक टिकट लंदन, दक्षिण पश्चिम। तारीख 7 जुलाई। हम्म! कोने पर आदमी का अंगूठे का निशान है—शायद डाकिया है। बढ़िया कागज़। एक लिफाफे का दाम छह पैंस। खास आदमी, स्टेशनरी पहने हुए। कोई पता नहीं।”

“आज रात सात बजे लाइसियम थिएटर के बाहर बाईं ओर से तीसरे खंभे के पास रहना। अगर आपको शक हो तो अपने साथ दो दोस्त लाना। आप एक पीड़ित महिला हैं और आपको न्याय मिलेगा। पुलिस को मत लाना। अगर आप लाते हैं तो सब व्यर्थ हो जाएगा। आपका अज्ञात मित्र।”

वाह, सच में, यह एक बहुत ही प्यारा रहस्य है! आप क्या करने का इरादा रखती हैं, मिस मोरस्टन?

मैं आपसे ठीक यही पूछना चाहता हूं।

“तो हम ज़रूर चलेंगे—आप और मैं और—हाँ, डॉ. वॉटसन ही तो हैं वो आदमी। आपके संवाददाता का कहना है कि वो हमारे दो दोस्त हैं। हम दोनों पहले भी साथ काम कर चुके हैं।”

"लेकिन क्या वह आएगा?" उसने अपनी आवाज और हावभाव में कुछ अपील भरी भावना के साथ पूछा।

मैंने उत्साहपूर्वक कहा, "अगर मैं किसी भी प्रकार से आपकी सेवा कर सकूं तो मुझे गर्व और खुशी होगी।"

“आप दोनों बहुत दयालु हैं,” उसने जवाब दिया। “मैं सेवानिवृत्त जीवन जी रही हूँ और मेरे कोई मित्र नहीं हैं जिनसे मैं मदद मांग सकूं। अगर मैं छह बजे यहाँ आ जाऊँ तो ठीक रहेगा, मुझे लगता है?”

"आपको देर नहीं करनी चाहिए," होम्स ने कहा। "लेकिन एक और बात है। क्या यह लिखावट मोती के डिब्बों पर लिखे पतों की लिखावट से मेल खाती है?"

“ये मेरे पास यहीं हैं,” उसने जवाब दिया और आधा दर्जन कागज के टुकड़े निकाल कर दिए।

“आप वाकई एक आदर्श ग्राहक हैं। आपका अनुमान बिल्कुल सही है। चलिए अब देखते हैं।” उन्होंने कागज़ों को मेज पर फैलाया और एक-एक करके उन पर नज़र डाली। “पत्र को छोड़कर बाकी सब पर लिखावट छिपी हुई है,” उन्होंने थोड़ी देर बाद कहा; “लेकिन लेखक के बारे में कोई संदेह नहीं हो सकता। देखिए कैसे ग्रीक 'e' उभर कर सामने आ रहा है, और आखिरी 's' का घुमाव देखिए। ये निस्संदेह एक ही व्यक्ति की लिखावट है। मैं आपको झूठी उम्मीदें नहीं दिलाना चाहता, मिस मोरस्टन, लेकिन क्या इस लिखावट और आपके पिता की लिखावट में कोई समानता है?”

"इससे ज्यादा अलग कुछ हो ही नहीं सकता।"

मुझे आपसे यही सुनने की उम्मीद थी। तो हम छह बजे आपका इंतजार करेंगे। कृपया मुझे कागज़ात अपने पास रखने दें। मैं उससे पहले इस मामले की जाँच कर

सकता हूं। अभी तो केवल साढ़े तीन बजे हैं। अलविदा।

"अलविदा," हमारी मेहमान ने कहा; और हममें से एक-दूसरे को एक उज्ज्वल, दयालु नज़र से देखते हुए, उसने अपनी मोतियों की पेटी को अपनी छाती में वापस रखा और जल्दी से चली गई।

खिड़की पर खड़े होकर, मैंने उसे तेज़ी से सड़क पर चलते हुए देखा, जब तक कि धूसर पगड़ी और सफेद पंख उदास भीड़ में एक छोटे से बिंदु की तरह दिखाई देने लगे।

“कितनी खूबसूरत महिला है!” मैंने अपने साथी की ओर मुड़कर कहा।

उसने अपनी पाइप दोबारा जला ली थी और झुकी हुई पलकों के साथ पीछे की ओर झुक गया था। "क्या वह है?" उसने सुस्त स्वर में कहा; "मैंने ध्यान नहीं दिया।"

“तुम सचमुच एक मशीन हो – एक हिसाब-किताब करने वाली मशीन,” मैंने चिल्लाकर कहा। “तुम्हारे अंदर कभी-कभी तो सरासर अमानवीयता झलकती है।”

उन्होंने हल्की सी मुस्कान दी।

“सबसे ज़रूरी बात,” वह चिल्लाया, “यह है कि आप अपने फ़ैसले को व्यक्तिगत गुणों से प्रभावित न होने दें। मेरे लिए ग्राहक महज़ एक इकाई है, समस्या का एक हिस्सा। भावनात्मक गुण स्पष्ट तर्क के विरोधी होते हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मेरी जान-पहचान की सबसे आकर्षक महिला को तीन छोटे बच्चों को ज़हर देकर उनके बीमा के पैसे हड़पने के जुर्म में फांसी दी गई थी, और मेरे परिचितों में सबसे घृणित व्यक्ति एक परोपकारी है जिसने लंदन के गरीबों पर लगभग ढाई लाख खर्च कर दिए हैं।”

“लेकिन इस मामले में—”

मैं कभी अपवाद नहीं बनाता। अपवाद नियम को गलत साबित करता है। क्या आपको कभी लिखावट में चरित्र का अध्ययन करने का अवसर मिला है? इस व्यक्ति की लिखावट के बारे में आपका क्या विचार है?

मैंने उत्तर दिया, “यह सुपाठ्य और नियमित है। एक ऐसा व्यक्ति जिसकी व्यावसायिक आदतें अच्छी हैं और जिसका चरित्र दृढ़ है।”

होम्स ने अपना सिर हिलाया।

“उसके लंबे-लंबे पत्रों को देखो,” उसने कहा। “ये आम पत्रों से कुछ खास नहीं हैं। शायद वो 'd' 'a' हो और वो 'i' 'e'। चरित्रवान लोग हमेशा अपने लंबे पत्रों में स्पष्टता रखते हैं, चाहे उनकी लिखावट कितनी भी अस्पष्ट क्यों न हो। उसके 'k' में हिचकिचाहट है और बड़े अक्षरों में आत्मविश्वास। मैं अब जा रहा हूँ। मुझे कुछ सिफारिशें करनी हैं। मैं इस किताब की सिफारिश करना चाहूँगा – अब तक लिखी गई सबसे उल्लेखनीय किताबों में से एक। ये विनवुड रीड की 'मार्टिरडम ऑफ मैन' है। मैं एक घंटे में वापस आ जाऊंगा।”

मैं खिड़की के पास किताब हाथ में लिए बैठा था, लेकिन मेरे विचार लेखक की साहसिक अटकलों से कोसों दूर थे। मेरा मन हमारी दिवंगत मेहमान पर केंद्रित था— उसकी मुस्कान, उसकी आवाज़ का गहरा और मधुर स्वर, उसके जीवन पर छाया हुआ रहस्य। अगर वह अपने पिता के लापता होने के समय सत्रह वर्ष की थी, तो अब वह सत्रह वर्ष की होगी— एक प्यारी उम्र, जब जवानी अपना आत्म-बोध खो देती है और अनुभव से थोड़ी परिपक्व हो जाती है। इसलिए मैं बैठा सोचता रहा, जब तक कि मेरे मन में इतने खतरनाक विचार नहीं आ गए कि मैं जल्दी से अपनी मेज पर गया और पैथोलाजी पर नवीनतम ग्रंथ में पूरी तरह डूब गया। मैं, एक सेना का सर्जन, जिसकी टांग कमजोर है और बैंक खाता भी खाली है, ऐसी बातें सोचने की हिम्मत कैसे कर सकता था? वह एक इकाई थी, एक फैक्टर— बस इतना ही। अगर मेरा भविष्य अंधकारमय

था, तो कल्पना के कोरी कल्पनाओं से उसे रोशन करने की कोशिश करने के बजाय, एक मर्द की तरह उसका सामना करना ही बेहतर था।

अध्याय 3

समाधान की तलाश में

होम्स साढ़े पाँच बजे वापस लौटे। वे चुस्त-दुरुस्त, उत्साही और बेहद खुश थे, हालांकि उनका यह मूड कभी-कभी घोर अवसाद में बदल जाता था।

उन्होंने मेरे द्वारा परोसी गई चाय का प्याला लेते हुए कहा, "इस मामले में कोई बड़ा रहस्य नहीं है; तथ्य केवल एक ही स्पष्टीकरण की अनुमति देते प्रतीत होते हैं।"

"क्या! तुमने इसे पहले ही हल कर लिया?"

"खैर, इतना कहना काफी नहीं होगा। मुझे बस एक संकेत देने वाला तथ्य मिला है, बस इतना ही। हालांकि, यह बहुत ही संकेतपूर्ण है। अभी और जानकारी जोड़ी जानी बाकी है। टाइम्स के पुराने रिकॉर्ड खंगालने पर मुझे पता चला है कि अपर नॉरवुड के मेजर शोल्टो, जो चौंतीसवीं बॉम्बे इन्फेंट्री में थे, का निधन 28 अप्रैल, 1882 को हो गया था।"

"हो सकता है मैं बहुत मंदबुद्धि हूँ, होम्स, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि इससे क्या संकेत मिलता है।"

"नहीं? आपने मुझे चौंका दिया। तो इसे इस तरह समझिए। कैप्टन मोरस्टन गायब हो जाते हैं। लंदन में एकमात्र व्यक्ति जिससे वे मिल सकते थे, मेजर शोल्टो हैं। मेजर शोल्टो ने लंदन में उनके होने की कोई खबर होने से इनकार किया। चार साल बाद शोल्टो की मृत्यु हो जाती है। उनकी मृत्यु के एक सप्ताह के भीतर कैप्टन मोरस्टन की बेटी को एक कीमती उपहार मिलता है, जो हर साल दोहराया जाता है और अब एक पत्र में परिणत होता है जिसमें उसे एक पीड़ित महिला के रूप में वर्णित किया गया है। यह किस अन्याय की ओर इशारा करता है सिवाय उसके पिता के इस अभाव के? और शोल्टो की मृत्यु के तुरंत बाद उपहार क्यों शुरू हुए, सिवाय इसके कि शोल्टो का उत्तराधिकारी इस रहस्य के बारे में कुछ जानता हो और क्षतिपूर्ति करना चाहता हो? क्या आपके पास कोई वैकल्पिक सिद्धांत है जो तथ्यों से मेल खाता हो?"

"लेकिन यह कैसा अजीब मुआवज़ा है! और कितना अजीब तरीके से दिया गया है! आखिर उसने छह साल पहले के बजाय अब पत्र क्यों लिखा? फिर, पत्र में उसे न्याय दिलाने की बात कही गई है। उसे कैसा न्याय मिल सकता है? यह मानना बहुत बड़ी बात है कि उसके पिता अभी भी जीवित हैं। आपको उसके मामले में किसी और अन्याय की जानकारी नहीं है।"

"मुश्किलें तो हैं ही, लेकिन आज रात का हमारा अभियान इन सभी को सुलझा देगा। अरे, यहाँ एक चार पहिया वाहन है, और मिस मोरस्टन अंदर हैं। क्या आप सब तैयार हैं? तो चलिए, नीचे चलते हैं, क्योंकि काफी देर हो चुकी है।"

मैंने अपनी टोपी और अपनी सबसे भारी लाठी उठाई, लेकिन मैंने देखा कि होम्स ने अपनी दराज से रिवॉल्वर निकाली और उसे अपनी जेब में रख लिया। यह स्पष्ट था कि वह सोच रहा था कि आज रात का हमारा काम काफी गंभीर हो सकता है।

मिस मोरस्टन ने एक गहरे रंग का लबादा ओढ़ा हुआ था, और उनका संवेदनशील चेहरा संयमित था, लेकिन पीला पड़ा हुआ था। अगर उन्हें उस विचित्र कार्य को लेकर थोड़ी भी बेचैनी महसूस न हुई होती, जिस पर हम निकल रहे थे, तो वे एक असाधारण

महिला ही होतीं। फिर भी, उनका आत्म-नियंत्रण पूर्ण था, और उन्होंने शर्लक होम्स द्वारा पूछे गए कुछ अतिरिक्त प्रश्नों का सहर्ष उत्तर दिया।

"मेजर शोल्टो पापा के बहुत खास दोस्त थे," उन्होंने कहा। "उनके पत्रों में मेजर का ज़िक्र अक्सर होता था। वे और पापा अंडमान द्वीप समूह में सैनिकों के कमांडर थे, इसलिए वे अक्सर साथ रहते थे। वैसे, पापा की मेज में एक अजीब सा कागज़ मिला जिसे कोई समझ नहीं पाया। मुझे नहीं लगता कि यह ज़रा भी महत्वपूर्ण है, लेकिन मुझे लगा कि शायद आप इसे देखना चाहें, इसलिए मैं इसे अपने साथ ले आई। यह यहाँ है।"

होम्स ने कागज को सावधानीपूर्वक खोला और अपने घुटने पर फैलाकर सीधा किया। फिर उन्होंने अपने दोहरे लेंस से कागज की पूरी तरह से जांच की।

"यह भारतीय निर्मित कागज है," उन्होंने टिप्पणी की। "इसे कभी किसी तख्ते पर पिन से लगाया गया था। इस पर बना चित्र किसी विशाल भवन के एक भाग का नक्शा प्रतीत होता है, जिसमें अनेक हॉल, गलियारे और रास्ते हैं। एक बिंदु पर लाल स्याही से एक छोटा सा क्रॉस बना है, और उसके ऊपर धुंधली पेंसिल लिखावट में 'बाएं से 3.37' लिखा है। बाएं कोने में एक विचित्र चित्रलिपि है, जिसमें चार क्रॉस एक पंक्ति में हैं और उनकी भुजाएँ एक दूसरे को छू रही हैं। इसके बगल में बहुत ही खुरदुरे और मोटे अक्षरों में लिखा है, 'चारों का चिन्ह – जोनाथन स्मॉल, मोहम्मद सिंह, अब्दुल्ला खान, दोस्त अकबर।' नहीं, मैं स्वीकार करता हूँ कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि इसका इस मामले से क्या संबंध है। फिर भी, यह स्पष्ट रूप से एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसे एक पर्स में सावधानी से रखा गया है, क्योंकि इसका एक तरफ से दूसरा तरफ बिल्कुल साफ है।"

"हमें यह उसके पर्स में मिला।"

"इसे सावधानीपूर्वक संभाल कर रखिएगा, मिस मोरस्टन, क्योंकि यह हमारे काम आ सकता है। मुझे शक होने लगा है कि यह मामला मेरी शुरुआती सोच से कहीं अधिक गहरा और पेचीदा हो सकता है। मुझे अपने विचारों पर पुनर्विचार करना होगा।"

वह टैक्सी में पीछे की ओर झुक गया, और उसकी तनी हुई भौंहों और खाली आँखों से मैं समझ गया कि वह गहन चिंतन में डूबा हुआ है। मिस मोरस्टन और मैंने दबी आवाज़ में अपने वर्तमान अभियान और उसके संभावित परिणाम के बारे में बातचीत की, लेकिन हमारे साथी ने यात्रा के अंत तक अपना अभेद्य संयम बनाए रखा।

सितंबर की शाम थी और अभी सात बजे भी नहीं थे, लेकिन दिन उदास और नीरस रहा था, और शहर पर घना, बूंदा-बांदी वाला कोहरा छाया हुआ था। मटमैले रंग के बादल कीचड़ भरी सड़कों पर उदास से लटके हुए थे। स्टैंड पर लैंप धुंधली रोशनी के धब्बों की तरह लग रहे थे, जो फिसलन भरे फुटपाथ पर हल्की गोलाकार चमक बिखेर रहे थे। दुकानों की खिड़कियों से पीली रोशनी भाप से भरी हवा में फैल रही थी और भीड़भाड़ वाली सड़क पर धुंधली, बदलती हुई रोशनी बिखेर रही थी। मेरे मन में, उन अनगिनत चेहरों में कुछ अजीब और भूतियापन सा था जो रोशनी की इन संकरी पट्टियों के बीच से गुजर रहे थे - उदास और खुश, थके-हारे और हंसमुख। सभी मनुष्यों की तरह, वे अंधकार से प्रकाश में और फिर वापस अंधकार में आ रहे थे। मैं भावनाओं से प्रभावित नहीं होता, लेकिन वह नीरस, भारी शाम, और जिस अजीब काम में हम लगे हुए थे, उन दोनों ने मिलकर मुझे बेचैन और उदास कर दिया था। मिस मोरस्टन के हावभाव से मुझे समझ आ गया कि वह भी इसी भावना से ग्रस्त थीं। होम्स ही तुच्छ प्रभावों से ऊपर उठ सकते थे। उन्होंने अपनी खुली नोटबुक अपने घुटने पर रखी हुई थी और समय-समय पर अपनी जेब में लगी लालटेन की रोशनी में आँकड़े और नोट्स लिख रहे थे।

लाइसियम थिएटर के पार्श्व द्वारों पर पहले से ही भारी भीड़ जमा थी। सामने लगातार खड़खड़ाती हुई ठेले और चार पहिया वाहन आते-जाते रहे, जिनमें शर्ट पहने पुरुष और शॉल ओढ़े, हीरे जड़े गहने पहने महिलाएं सवार थीं। हम मुश्किल से तीसरे खंभे तक पहुँचे ही थे कि कोचवान के वेश में एक छोटा, सांवला, फुर्तीला आदमी हमसे मिला।

"क्या आप वही लोग हैं जो मिस मोरस्टन के साथ आए हैं?" उसने पूछा।

"मैं मिस मोरस्टन हूं, और ये दोनों सज्जन मेरे दोस्त हैं," उसने कहा।

उन्होंने अपनी तीक्ष्ण और प्रश्नसूचक निगाहों से हमें घूरकर देखा।

"आप मुझे क्षमा करेंगी, महोदया," उसने एक निश्चित दृढ़ता के साथ कहा, "लेकिन मुझे आपसे यह वचन लेने के लिए कहना था कि आपके दोनों साथियों में से कोई भी पुलिस अधिकारी नहीं है।"

"मैं आपको इस बात का वचन देती हूं," उसने जवाब दिया।

उसने एक तीखी सीटी बजाई, जिस पर एक सड़क छाप अरब व्यक्ति चार पहिया वाहन लेकर आया और दरवाजा खोल दिया। हमसे बात करने वाला व्यक्ति गाड़ी में बैठ गया, जबकि हम अंदर बैठ गए। हमारे बैठते ही था कि चालक ने अपने घोड़े को चाबुक मारा और हम धुंध भरी सड़कों पर तेज रफ्तार से निकल पड़े।

हालात बड़े अजीब थे। हम एक अनजान जगह पर, एक अनजान काम के लिए जा रहे थे। हमारा निमंत्रण या तो पूरी तरह से धोखा था—जो कि एक असंभव सी बात थी—या फिर हमारे पास यह सोचने का ठोस कारण था कि हमारी यात्रा से कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे जुड़े हो सकते हैं। मिस मोरस्टन का व्यवहार हमेशा की तरह दृढ़ और संयमित थी। मैंने उन्हें अफगानिस्तान में अपने कारनामों की याद दिलाकर खुश करने और उनका मनोरंजन करने की कोशिश की; लेकिन सच कहूं तो, मैं खुद अपनी स्थिति को लेकर इतना उत्साहित और अपनी मंज़िल को लेकर इतना उत्सुक था कि मेरी कहानियाँ थोड़ी उलझी हुई थीं। आज भी वह कहती हैं कि मैंने उन्हें एक मार्मिक किस्सा सुनाया था कि कैसे आधी रात को एक बंदूक मेरे तंबू में झाँक रही थी, और कैसे मैंने उस पर दो बैरल वाली बाघ के बच्चे की गोली चलाई थी। पहले तो मुझे अंदाज़ा था कि हम किस दिशा में जा रहे हैं; लेकिन जल्द ही, हमारी रफ़्तार, कोहरे और लंदन के बारे में मेरे सीमित ज्ञान के कारण, मैं रास्ता भटक गया और मुझे बस इतना पता चला कि हम बहुत दूर जा रहे हैं। हालांकि, शर्लक होम्स की कोई गलती नहीं थी, और जैसे ही टैक्सी चौकों से होते हुए और घुमावदार गलियों से गुजरती हुई आगे बढ़ी, उसने नामों को बुदबुदाया।

"रोचेस्टर रो," उसने कहा। "अब विंसेंट स्क्वायर। अब हम वॉक्सहॉल ब्रिज रोड पर आ गए हैं। हम जाहिर तौर पर सरे की तरफ जा रहे हैं। हाँ, मुझे भी यही लगा था। अब हम पुल पर हैं। आप नदी की झलक देख सकते हैं।"

हमें सचमुच टेम्स नदी के एक हिस्से का क्षणिक दृश्य देखने को मिला, जहाँ लैंप चौड़े, शांत पानी पर चमक रहे थे; लेकिन हमारी टैक्सी तेजी से आगे बढ़ी और जल्द ही दूसरी तरफ की गलियों के एक भूलभुलैया में फंस गई।

मेरे साथी ने कहा, "वर्ड्सवर्थ रोड। प्रायरी रोड। लार्क हॉल लेन। स्टॉकवेल प्लेस। रॉबर्ट स्ट्रीट। कोल्ड हार्बर लेन। ऐसा लगता है कि हमारी खोज हमें किसी बहुत ही फैशनेबल इलाके में नहीं ले जा रही है।"

हम सचमुच एक संदिग्ध और भयावह इलाके में पहुँच गए थे। नीरस ईंटों से बने घरों की लंबी कतारें कोने पर स्थित शराबखानों की भद्दी चमक और भड़कीली रोशनी से कुछ राहत देती थीं। फिर दो मंजिला विलाओं की कतारें आईं, जिनमें से प्रत्येक के सामने एक छोटा सा बगीचा था, और फिर नई, घूरती हुई ईंटों की इमारतों की अंतहीन कतारें - विशाल शहर के ग्रामीण इलाकों में फैले राक्षसी तंतु। आखिरकार टैक्सी एक

नई पंक्ति के तीसरे घर के सामने रुकी। बाकी कोई भी घर आबाद नहीं था, और जिस घर के सामने हम रुके थे, वह भी अपने पड़ोसियों की तरह ही अंधेरा था, सिवाय रसोई की खिड़की में एक हल्की सी रोशनी के। लेकिन हमारे दस्तक देते ही, पीले रंग की पगड़ी, सफेद ढीले-ढाले कपड़े और पीले रंग की कमरबंद पहने एक हिंदू नौकर ने तुरंत दरवाजा खोल दिया। एक साधारण से उपनगरीय मकान के दरवाजे पर इस पूर्वी आकृति का खड़ा होना कुछ अजीब तरह से असंगत था।

"साहिब आपका इंतजार कर रहे हैं," उन्होंने कहा, और उनके बोलते ही अंदर के किसी कमरे से एक तीखी, कर्कश आवाज आई।

"उन्हें मेरे सामने लाओ, खितमुतगर," उसने कहा। "उन्हें सीधे मेरे सामने लाओ।"

अध्याय 4

गंजे आदमी की कहानी

हम उस भारतीय के पीछे-पीछे एक गंदी और साधारण गली से गुज़रे, जो कम रोशनी वाली और बदतर साज-सज्जा वाली थी, जब तक कि वह दाहिनी ओर एक दरवाज़े पर नहीं पहुँचा, जिसे उसने खोल दिया। पीले रंग की तेज़ रोशनी हम पर पड़ी, और उस चकाचौंध के केंद्र में एक छोटा आदमी खड़ा था, जिसका सिर बहुत ऊंचा था, उसके माथे पर लाल बालों का गुच्छा था, और एक चमकदार गंजा सिर था जो देवदार के पेड़ों से पर्वत शिखर की तरह निकला हुआ था। वह खड़े-खड़े अपने हाथों को आपस में मरोड़ रहा था, और उसके चेहरे के भाव लगातार बदलते रहते थे - कभी मुस्कुराता, कभी गुस्से से घूरता, लेकिन एक पल के लिए भी शांत नहीं। कुदरत ने उसे लटकते होंठ और पीले, टेढ़े-मेढ़े दांत दिए थे, जिन्हें वह बार-बार अपने चेहरे के निचले हिस्से पर हाथ फेरकर छिपाने की कमज़ोर कोशिश करता था। अपने गंजेपन के बावजूद वह जवान दिखता था। असल में, वह अभी-अभी तीस साल का हुआ था।

"आपका सेवक, मिस मोरस्टन," वह पतली, ऊँची आवाज़ में बार-बार दोहराता रहा। "आपका सेवक, सज्जनों। कृपया मेरे छोटे से पवित्र स्थान में प्रवेश करें। यह एक छोटी सी जगह है, महोदया, लेकिन मैंने इसे अपनी पसंद के अनुसार सजाया है। दक्षिण लंदन के भयानक रेगिस्तान में कला का एक नखलिस्तान।"

जिस कमरे में उन्होंने हमें बुलाया था, उसकी सुंदरता देखकर हम सब दंग रह गए। उस जर्जर से घर में वह कमरा पीतल की चौखट में जड़े कीमती हीरे की तरह बेमेल लग रहा था। दीवारों पर बेहद खूबसूरत और चमकदार पर्दे और टेपेस्ट्री लटके हुए थे, जो जगह-जगह से मुड़कर किसी अलंकृत पेंटिंग या पूर्वी शैली के फूलदान को दिखा रहे थे। कालीन अंबर और काले रंग का था, इतना मुलायम और मोटा कि पैर उसमें ऐसे धंस जाते थे मानो काई के बिस्तर पर चल रहे हों। उस पर बिछी दो बड़ी बाघ की खालें पूर्वी विलासिता का एहसास और बढ़ा रही थीं, साथ ही कोने में चटाई पर रखा एक बड़ा हुक्का भी। कमरे के बीचोंबीच लगभग अदृश्य सुनहरे तार से चांदी के कबूतर के आकार का एक दीपक लटका हुआ था। जलते ही उसकी हल्की और मनमोहक खुशबू हवा में घुल गई।

"श्री थाडियस शोल्टो," उस छोटे कद के व्यक्ति ने अभी भी झटके खाते और मुस्कुराते हुए कहा। "यही मेरा नाम है। आप मिस मोरस्टन हैं, बिल्कुल। और ये सज्जन —"

"ये हैं मिस्टर शर्लक होम्स, और ये हैं डॉ. वॉटसन।"

“एक डॉक्टर?” वह बहुत उत्साहित होकर बोला। “क्या आपके पास स्टेथोस्कोप है? क्या मैं आपसे एक प्रश्न पूछ सकता हूँ? क्या आप मेरी मदद कर सकते हैं? मुझे अपने माइट्रल वाल्व के बारे में गंभीर संदेह है। महाधमनी वाल्व पर तो मुझे भरोसा है, लेकिन माइट्रल वाल्व के बारे में आपकी राय मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी।”

मैंने अनुरोध के अनुसार उसके दिल की धड़कन सुनी, लेकिन मुझे कुछ भी असामान्य नहीं मिला, सिवाय इसके कि वह भय के उन्माद में था, क्योंकि वह सिर से पैर तक कांप रहा था।

मैंने कहा, "यह सामान्य प्रतीत होता है। आपको चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है।"

“मेरी चिंता के लिए क्षमा करें, मिस मोरस्टन,” उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा। “मैं बहुत कष्ट झेल रहा हूँ, और मुझे लंबे समय से उस वाल्व को लेकर संदेह था। यह जानकर मुझे बहुत खुशी हुई कि मेरा संदेह निराधार था। अगर आपके पिता, मिस मोरस्टन, ने अपने दिल पर इतना दबाव न डाला होता, तो शायद वे आज जीवित होते।”

मुझे उस आदमी के चेहरे पर घूंसा मारने का मन कर रहा था, क्योंकि उसने इतने नाजुक मामले पर इतनी बेपरवाही और लापरवाही से टिप्पणी की थी। मिस मोरस्टन बैठ गईं और उनका चेहरा होंठों तक सफेद पड़ गया।

उसने कहा, "मुझे अपने दिल में पता था कि वह मर चुका है।"

“मैं आपको सारी जानकारी दे सकता हूँ,” उसने कहा; “और तो और, मैं आपके साथ न्याय कर सकता हूँ; और मैं ऐसा करूँगा, चाहे भाई बार्थोलोम्यू कुछ भी कहें। मुझे बहुत खुशी है कि आपके मित्र यहाँ न केवल आपके साथ हैं, बल्कि मेरे द्वारा कही और की जाने वाली बातों के गवाह भी हैं। हम तीनों मिलकर भाई बार्थोलोम्यू को चुनौती दे सकते हैं। लेकिन हमें किसी बाहरी व्यक्ति को शामिल नहीं करना है—न पुलिस को और न ही अधिकारियों को। हम बिना किसी हस्तक्षेप के आपस में सब कुछ संतोषजनक ढंग से सुलझा लेंगे। भाई बार्थोलोम्यू को किसी भी प्रकार की सार्वजनिक चर्चा से सबसे ज्यादा गुस्सा आएगा।”

वह एक नीची सोफे पर बैठ गया और अपनी कमजोर, पानी से भरी नीली आंखों से जिज्ञासा भरी नजरों से हमारी ओर देखने लगा।

होम्स ने कहा, "मेरी ओर से, आप जो कुछ भी कहना चाहें, वह आगे नहीं बढ़ेगा।"

मैंने सहमति जताने के लिए सिर हिलाया।

“बहुत बढ़िया! बहुत बढ़िया,” उसने कहा। “क्या मैं आपको एक गिलास चियांटी, मिस मोरस्टन, पेश करूं? या टोके? मेरे पास और कोई शराब नहीं है। क्या मैं एक बोतल खोलूं? नहीं? ठीक है, तो मुझे उम्मीद है कि आपको तंबाकू के धुएँ से, पूर्वी तंबाकू की मनमोहक खुशबू से कोई आपत्ति नहीं होगी। मैं थोड़ा घबराया हुआ हूँ, और मुझे हुक्का एक अनमोल सुखदायक औषधि लगता है।”

उसने बड़े कटोरे में मोमबत्ती जलाई, और गुलाब जल के बीच से धुआँ मज़े से बुलबुले की तरह उठने लगा। हम तीनों अर्धवृत्त में सिर आगे करके और ठुड्डी हाथों पर टिकाकर बैठे थे, जबकि वह अजीब, फुर्तीला सा छोटा सा जीव, अपने ऊँचे, चमकदार सिर के साथ, बीच में बेचैनी से कश लगा रहा था।

“जब मैंने पहली बार आपसे यह संदेश भेजने का निश्चय किया,” उन्होंने कहा, “मैं आपको अपना पता दे सकता था; लेकिन मुझे डर था कि आप मेरी बात अनसुनी कर देंगे और अपने साथ अप्रिय लोगों को ले आएंगे। इसलिए मैंने यह तय किया कि मेरा आदमी विलियम्स आपसे पहले मिल सके। मुझे उसके विवेक पर पूरा भरोसा है, और उसे आदेश दिया गया था कि यदि वह संतुष्ट न हो तो इस मामले में आगे न बढ़े। आप मेरी इन सावधानियों को माफ करेंगे, लेकिन मैं कुछ हद तक एकांतप्रिय, और शायद

परिष्कृत, रुचियों वाला व्यक्ति हूँ, और एक पुलिसकर्मी से ज्यादा भद्दा कोई नहीं होता। मैं हर तरह के कठोर भौतिकवाद से स्वाभाविक रूप से दूर रहता हूँ। मैं शायद ही कभी असभ्य लोगों के संपर्क में आता हूँ। जैसा कि आप देख रहे हैं, मैं अपने आस-पास कुछ शालीनता का माहौल बनाए रखता हूँ। मैं खुद को कला का संरक्षक कह सकता हूँ। यह मेरी कमजोरी है। यह परिदृश्य एक असली कोरोट है, और यद्यपि एक कला पारखी शायद उस साल्वाडोर रोजा पर संदेह कर सकता है, लेकिन बोगुएरो के बारे में जरा भी संदेह नहीं हो सकता। मैं आधुनिक फ्रांसीसी स्कूल।"

"श्रीमान शोल्टो, आप मुझे क्षमा करेंगे," मिस मोरस्टन ने कहा, "लेकिन मैं आपके अनुरोध पर यहाँ कुछ जानने के लिए आई हूँ जो आप मुझे बताना चाहते हैं। काफी रात हो चुकी है, और मैं चाहती हूँ कि यह मुलाकात यथासंभव संक्षिप्त हो।"

"ज्यादा से ज्यादा इसमें कुछ समय तो लगेगा ही," उसने जवाब दिया; "क्योंकि हमें निश्चित रूप से नॉरवुड जाकर ब्रदर बार्थोलोम्यू से मिलना होगा। हम सब जाएंगे और कोशिश करेंगे कि क्या हम ब्रदर बार्थोलोम्यू को मना सकते हैं। वह मुझसे बहुत नाराज हैं क्योंकि मैंने वह रास्ता चुना है जो मुझे सही लगा। कल रात मेरी उनसे काफी तीखी बहस हुई थी। आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि जब वह गुस्से में होते हैं तो कितने भयानक हो जाते हैं।"

मैंने यह कहने का साहस किया, "अगर हमें नॉरवुड जाना ही है, तो शायद तुरंत निकलना ही बेहतर होगा।"

वह तब तक हंसता रहा जब तक उसके कान बिल्कुल लाल नहीं हो गए।

"यह ठीक नहीं होगा," वह चिल्लाया। "मुझे नहीं पता कि अगर मैं तुम्हें इस तरह अचानक ले आऊं तो वह क्या कहेगा। नहीं, मुझे तुम्हें पहले से समझाना होगा कि हम सब एक-दूसरे के प्रति क्या रवैया रखते हैं। सबसे पहले, मुझे तुम्हें यह बताना होगा कि इस कहानी में कई ऐसे पहलू हैं जिनके बारे में मुझे खुद भी जानकारी नहीं है। मैं तुम्हें केवल वही तथ्य बता सकता हूँ जो मुझे खुद पता हैं।"

जैसा कि आपने अनुमान लगाया होगा, मेरे पिता मेजर जॉन शोल्टो थे, जो कभी भारतीय सेना में थे। वे लगभग ग्यारह साल पहले सेवानिवृत्त हुए और अपर नॉरवुड के पांडिचेरी लॉज में रहने आए। उन्होंने भारत में खूब तरक्की की और अपने साथ काफी धन, बहुमूल्य कलाकृतियों का एक बड़ा संग्रह और कई स्थानीय नौकर लेकर लौटे। इन सुविधाओं से उन्होंने एक घर खरीदा और बड़े आराम से जीवन व्यतीत किया। मेरे जुड़वां भाई बार्थोलोम्यू और मैं ही उनकी इकलौती संतान थे।

मुझे कैप्टन मोरस्टन के लापता होने से मची सनसनी आज भी अच्छी तरह याद है। हमने अखबारों में सारी जानकारी पढ़ी और यह जानते हुए कि वह हमारे पिता के मित्र थे, हमने उनकी उपस्थिति में इस मामले पर खुलकर चर्चा की। वह भी हमारे अनुमानों में शामिल होते थे कि क्या हुआ होगा। हमें एक पल के लिए भी यह शक नहीं था कि उन्होंने अपने भीतर सारा रहस्य छिपा रखा है, कि सभी लोगों में से केवल वही आर्थर मोरस्टन के भाग्य को जानते हैं।

"हम इतना तो जानते थे कि हमारे पिता पर कोई रहस्य, कोई बड़ा खतरा मंडरा रहा था। उन्हें अकेले बाहर जाने से बहुत डर लगता था, और वे हमेशा पॉन्डिचेरी लॉज में कुली के तौर पर दो मुक्केबाजों को रखते थे। विलियम्स, जिन्होंने आज रात आपको गाड़ी से पहुंचाया, उनमें से एक थे। वे एक समय इंग्लैंड के लाइटवेट चैंपियन रह चुके थे। हमारे पिता ने हमें कभी नहीं बताया कि उन्हें किस बात का डर था, लेकिन उन्हें लकड़ी के पैरों वाले लोगों से सख्त नफरत थी। एक बार तो उन्होंने सचमुच एक लकड़ी के पैर वाले आदमी पर अपनी रिवाल्वर चला दी थी, जो असल में एक सीधा-सादा व्यापारी निकला जो ऑर्डर लेने आया था। हमें इस मामले को दबाने के लिए मोटी रकम

चुकानी पड़ी। मेरे भाई और मैं इसे मेरे पिता की एक मामूली सनक समझते थे, लेकिन बाद में हुई घटनाओं ने हमें अपना विचार बदलने पर मजबूर कर दिया।”

1882 की शुरुआत में मेरे पिता को भारत से एक पत्र मिला, जिससे उन्हें गहरा सदमा लगा। जब उन्होंने पत्र खोला तो वे नाश्ते की मेज पर ही लगभग बेहोश हो गए, और उसी दिन से उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई और अंत में उनकी मृत्यु हो गई। पत्र में क्या था, यह हम कभी नहीं जान पाए, लेकिन जब उन्होंने उसे पकड़ा तो मैंने देखा कि वह संक्षिप्त था और लिखावट बहुत ही खराब थी। वे कई वर्षों से तिल्ली बढ़ने की समस्या से पीड़ित थे, लेकिन अब उनकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी, और अप्रैल के अंत में हमें बताया गया कि उनके बचने की कोई उम्मीद नहीं है, और वे हमसे अंतिम संदेश भेजना चाहते हैं।

जब हम उनके कमरे में दाखिल हुए तो वे तकियों के सहारे लेटे हुए थे और ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रहे थे। उन्होंने हमसे दरवाज़ा बंद करने और बिस्तर के दोनों ओर आने की विनती की। फिर हमारे हाथ पकड़कर उन्होंने हमसे एक मार्मिक बात कही, उनकी आवाज़ दर्द और भावनाओं दोनों से भरी हुई थी। मैं कोशिश करूँगा कि उसे उन्हीं के शब्दों में आपको बताऊं।

“‘इस अत्यंत महत्वपूर्ण क्षण में मेरे मन में केवल एक ही बात खटक रही है। वह है गरीब मोरस्टन की अनाथ बच्ची के प्रति मेरा व्यवहार। वह शापित लालच, जो जीवन भर मेरा सबसे बड़ा पाप रहा है, ने उसे उस खजाने से वंचित रखा है, जिसका कम से कम आधा हिस्सा उसका होना चाहिए था। फिर भी मैंने स्वयं उसका उपयोग नहीं किया, क्योंकि लोभ इतना अंधा और मूर्खतापूर्ण है। मात्र अधिकार का भाव ही मुझे इतना प्रिय था कि मैं उसे किसी और के साथ साझा नहीं कर सका। कुनैन की बोतल के पास मोतियों से जड़ी वह माला देखो। उसे भी मैं अपने से अलग नहीं कर सका, हालांकि मैंने उसे उसे भेजने के इरादे से ही निकाला था। मेरे पुत्रों, तुम उसे आगरा के खज़ाने में से उसका उचित हिस्सा दोगे। लेकिन मेरे जाने तक उसे कुछ भी मत भेजना—यहाँ तक कि माला भी नहीं। आख़िरकार, मनुष्य ऐसे बुरे भी रहे हैं और सुधर भी गए हैं।’”

“‘मैं आपको बताता हूं कि मोरस्टन की मृत्यु कैसे हुई,’ उन्होंने आगे कहा। ‘वह कई वर्षों से कमज़ोर हृदय से पीड़ित थे, लेकिन उन्होंने यह बात सबसे छुपा रखी थी। केवल मुझे ही पता था। भारत में रहते हुए, संयोगवश हम दोनों को एक बड़ा खज़ाना मिला। मैं उसे इंग्लैंड ले आया, और मोरस्टन के आने की रात वह अपना हिस्सा लेने सीधे यहाँ आ गए। वह स्टेशन से पैदल चलकर आए और मेरे वफ़ादार बूढ़े लाल चौधरी ने उनका स्वागत किया, जिनकी अब मृत्यु हो चुकी है। खज़ाने के बंटवारे को लेकर मोरस्टन और मेरे बीच मतभेद हो गया और हम दोनों के बीच तीखी बहस हुई। मोरस्टन गुस्से में अपनी कुर्सी से उछल पड़े, फिर अचानक उन्होंने अपना हाथ अपनी बगल पर दबाया, उनका चेहरा पीला पड़ गया और वह पीछे की ओर गिर पड़े, उनका सिर खज़ाने के संदूक के कोने से टकरा गया। जब मैं उनके ऊपर झुका तो यह देखकर मैं भयभीत हो गयी कि उनकी मृत्यु हो चुकी थी।’

“काफ़ी देर तक मैं अधमरा बैठा रहा, सोचता रहा कि क्या करूँ। मेरा पहला विचार तो सहायता के लिए पुकारने का ही था; लेकिन मैं इस बात को भी स्वीकार कर रहा था कि मुझ पर उसकी हत्या का आरोप लगने की पूरी संभावना थी। झगड़े के दौरान उसकी मौत और उसके सिर पर लगा घाव मेरे खिलाफ़ एक बड़ा दाग साबित होगा। फिर, खज़ाने के बारे में कुछ तथ्य सामने आए बिना कोई आधिकारिक जाँच नहीं हो सकती थी, जिसे मैं विशेष रूप से गुप्त रखना चाहता था। उसने मुझे बताया था कि धरती पर कोई नहीं जानता कि वह कहाँ गया है। ऐसा लगता था कि किसी को भी यह जानने की कोई आवश्यकता नहीं है।”

मैं अभी इस मामले पर विचार ही कर रहा था कि तभी ऊपर देखते हुए मैंने अपने नौकर लाल चौदार को दरवाजे पर देखा। वह चुपके से अंदर आया और दरवाजा बंद कर लिया। “घबराइए मत, साहब, किसी को पता नहीं चलेगा कि आपने उसे मार डाला है। चलिए उसे छुपा देते हैं, और भला किसे पता चलेगा?” “मैंने उसे नहीं मारा,” मैंने कहा। लाल चौदार ने सिर हिलाया और मुस्कुराया। “मैंने सब कुछ सुना, साहब, मैंने आपकी लड़ाई सुनी, और मैंने वार की आवाज भी सुनी। लेकिन मेरे होंठ बंद हैं। घर में सब सो रहे हैं। चलिए उसे साथ मिलकर छुपा देते हैं।” बस, यही मेरे लिए काफ़ी था। अगर मेरा अपना नौकर ही मेरी बेगुनाही पर यकीन नहीं कर सकता, तो मैं बारह बेवकूफ व्यापारियों के सामने जूरी में बैठकर कैसे अपनी बेगुनाही साबित कर सकता था? लाल चौदार और मैंने उसी रात लाश को ठिकाने लगा दिया, और कुछ ही दिनों में लंदन के अखबार कैप्टन मोरस्टन के रहस्यमय ढंग से गायब होने की खबरों से भर गए। मेरी बातों से आपको समझ आ जाएगा कि इस मामले में मुझे शायद ही दोषी ठहराया जा सकता है। मेरी गलती तो बस इतनी है कि हमने न सिर्फ लाश बल्कि खजाना भी छिपाया और मैंने मोरस्टन के हिस्से के साथ-साथ अपने हिस्से पर भी अपना हक जमाए रखा। इसलिए मैं चाहता हूं कि आप भरपाई करें। मेरी बात ध्यान से सुनिए। खजाना छिपा है—’

“उस पल उसके चेहरे पर एक भयानक बदलाव आया; उसकी आँखें गुस्से से घूर रही थीं, उसका जबड़ा लटक गया था, और वह ऐसी आवाज़ में चिल्लाया जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता, ‘उसे बाहर रखो! भगवान के लिए, उसे बाहर रखो!’ हम दोनों पीछे खिड़की की ओर देखने लगे जिस पर उसकी निगाह टिकी हुई थी। अँधेरे में से एक चेहरा हमारी ओर देख रहा था। हम देख सकते थे कि नाक शीशे से सटी होने के कारण सफेद पड़ गई थी। वह दाढ़ी वाला, बालों से भरा चेहरा था, जिसकी आँखें क्रूर और हिंसक थीं और चेहरे पर घोर द्वेष का भाव था। मैं और मेरा भाई खिड़की की ओर दौड़े, लेकिन वह आदमी जा चुका था। जब हम अपने पिता के पास लौटे तो उनका सिर झुक गया था और उनकी नब्ज़ रुक गई थी।”

“हमने उस रात बगीचे की तलाशी ली, लेकिन घुसपैठिए का कोई सुराग नहीं मिला, सिवाय खिड़की के ठीक नीचे फूलों की क्यारी में एक पैर के निशान के। उस एक निशान के बिना, हम सोच सकते थे कि शायद हमारी कल्पना ने ही उस खूंखार, क्रूर चेहरे को गढ़ा था। लेकिन जल्द ही हमें एक और, और भी पुख्ता सबूत मिला कि हमारे चारों ओर गुप्त एजेंसियां काम कर रही थीं। सुबह मेरे पिता के कमरे की खिड़की खुली मिली, उनकी अलमारियां और बक्से बिखरे पड़े थे, और उनकी छाती पर कागज का एक फटा हुआ टुकड़ा चिपका हुआ था जिस पर 'चार का निशान' लिखा हुआ था। उस वाक्यांश का क्या अर्थ था या हमारा गुप्त आगंतुक कौन था, यह हम कभी नहीं जान पाए। जहां तक हम समझ सकते हैं, मेरे पिता की कोई भी संपत्ति वास्तव में चोरी नहीं हुई थी, हालांकि सब कुछ अस्त-व्यस्त कर दिया गया था। मेरे भाई और मैंने स्वाभाविक रूप से इस अजीब घटना को उस डर से जोड़ा जो मेरे पिता को उनके जीवनकाल में सताता रहा, लेकिन यह आज भी हमारे लिए एक रहस्य बना हुआ है।”

छोटे कद के उस व्यक्ति ने अपना हुक्का फिर से जलाने के लिए रुककर कुछ पल सोच-विचार करते हुए कश लगाए। हम सब उसकी असाधारण कहानी को ध्यान से सुन रहे थे। अपने पिता की मृत्यु का संक्षिप्त वर्णन सुनकर मिस मोरस्टन का चेहरा एकदम पीला पड़ गया था, और एक पल के लिए मुझे लगा कि वह बेहोश हो जाएंगी। लेकिन जैसे ही मैंने चुपचाप साइड टेबल पर रखे एक वेनेशियन जग से उनके लिए पानी का गिलास निकाला, वह एक गिलास पानी पीकर संभल गईं। शर्लक होम्स अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुके हुए थे, उनके चेहरे पर एक खोया हुआ भाव था और

उनकी चमकती आँखों पर पलकें झुकी हुई थीं। जब मैंने उनकी ओर देखा, तो मेरे मन में यह ख्याल आया कि ठीक उसी दिन उन्होंने जीवन की नीरसता के बारे में कितनी कड़वी शिकायत की थी। कम से कम यहाँ एक ऐसी समस्या थी जो उनकी बुद्धिमत्ता की पूरी परीक्षा लेगी। श्री थाडियस शोल्टो ने अपनी कहानी के प्रभाव पर स्पष्ट गर्व के साथ हम सभी को बारी-बारी से देखा और फिर अपने बड़े से पाइप के कश लेते हुए अपनी बात जारी रखी।

“जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, मैं और मेरा भाई उस खजाने को लेकर बहुत उत्साहित थे जिसके बारे में मेरे पिता ने बताया था। हफ़्तों और महीनों तक हमने बगीचे के हर कोने में खुदाई की, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। यह सोचकर बहुत गुस्सा आता था कि मरने से ठीक पहले उनके मुंह से उसी खजाने का ज़िक्र था। उनके द्वारा निकाली गई माला से हम खोए हुए खज़ाने की भव्यता का अंदाज़ा लगा सकते थे। इस माला को लेकर मेरे भाई बार्थोलोम्यू और मेरी थोड़ी बातचीत हुई। मोती ज़ाहिर तौर पर बहुत कीमती थे, और वह उन्हें देने से हिचकिचा रहा था, क्योंकि दोस्तों के बीच मेरा भाई खुद मेरे पिता की थोड़ी आलोचना करता था। उसे यह भी लगता था कि अगर हम माला दे देंगे तो इससे अफवाहें फैलेंगी और अंत में हम मुसीबत में पड़ जाएंगे। मैंने बड़ी मुश्किल से उसे समझाया कि मुझे मिस मोरस्टन का पता पता करने दो और मैं उन्हें नियमित अंतराल पर एक-एक मोती भेज दूं ताकि कम से कम उन्हें कभी भी अभाव का एहसास न हो।”

"यह एक नेक विचार था," हमारे साथी ने गंभीरता से कहा; "यह आपकी बहुत बड़ी मेहरबानी थी।"

उस छोटे आदमी ने तिरस्कारपूर्ण ढंग से अपना हाथ हिलाया।

“हम आपके ट्रस्टी थे,” उन्होंने कहा; “मेरा यही नज़रिया था, हालाँकि ब्रदर बार्थोलोम्यू इसे पूरी तरह से नहीं देख पा रहे थे। हमारे पास खुद भी बहुत पैसा था। मुझे और कुछ नहीं चाहिए था। इसके अलावा, एक युवती के साथ इस तरह का घिनौना व्यवहार करना बहुत ही बुरा होता। ‘Le mauvais godt mene au crime’ (अपराध के प्रति बुरा व्यवहार)। फ्रांसीसी लोग ऐसी बातें बड़े सलीके से कहते हैं। इस विषय पर हमारी राय इतनी अलग थी कि मुझे लगा कि अपने लिए अलग कमरा लेना ही बेहतर होगा; इसलिए मैं पांडिचेरी लॉज छोड़कर चला गया, अपने साथ बूढ़े खितमुतगार और विलियम्स को भी ले गया। लेकिन कल मुझे पता चला कि एक बेहद महत्वपूर्ण घटना घटी है। खजाना मिल गया है। मैंने तुरंत मिस मोरस्टन से संपर्क किया, और अब हमें बस नॉरवुड जाकर अपना हिस्सा मांगना बाकी है। मैंने कल रात ब्रदर बार्थोलोम्यू को अपने विचार समझा दिए, इसलिए हमारा स्वागत न हो तो भी, हमारा इंतज़ार तो किया जाएगा।”

श्री थाडियस शोल्टो चुप हो गए और अपने आलीशान सोफे पर बेचैनी से बैठ गए। हम सब चुप रहे, रहस्यमय घटनाक्रम में आए नए मोड़ पर विचार कर रहे थे। होम्स सबसे पहले उठ खड़े हुए।

“आपने शुरू से अंत तक बहुत अच्छा काम किया है, महोदय,” उन्होंने कहा। “संभव है कि हम आपके लिए कुछ अस्पष्ट बातों पर प्रकाश डालकर आपको कुछ हद तक लाभ पहुँचा सकें। लेकिन, जैसा कि मिस मोरस्टन ने अभी कहा, बहुत देर हो चुकी है, और बेहतर होगा कि हम इस मामले को बिना देरी किए निपटा लें।”

हमारे नए परिचित ने बड़ी सावधानी से अपने हुक्के की नली को समेटा और पर्दे के पीछे से एक बहुत लंबा, जालीदार कोट निकाला, जिसमें एस्ट्राखान कॉलर और कफ लगे थे। रात के घोर अंधेरे के बावजूद उन्होंने इसे कसकर बंद कर लिया और अपने पहनावे को पूरा करने के लिए कानों ढकने वाली लटकती पट्टियों वाली खरगोश की

खाल की टोपी पहन ली, जिससे उनके चेहरे के अलावा शरीर का कोई भी हिस्सा दिखाई नहीं दे रहा था।

गलियारे से आगे बढ़ते हुए उन्होंने कहा, "मेरी सेहत कुछ नाजुक है। मुझे मजबूरी में बीमारों की देखभाल करनी पड़ रही है।"

हमारी टैक्सी बाहर हमारा इंतज़ार कर रही थी, और हमारा कार्यक्रम स्पष्ट रूप से पहले से तय था, क्योंकि चालक ने तुरंत तेज़ गति से गाड़ी चलाना शुरू कर दिया। थडियस शोल्टो लगातार बोलता रहा, उसकी आवाज़ पहियों की खड़खड़ाहट से भी कहीं ज़्यादा तेज़ थी।

उन्होंने कहा, "बार्थोलोम्यू एक चतुर व्यक्ति है।" “आपको क्या लगता है कि उसे खजाने का पता कैसे चला? उसने यह निष्कर्ष निकाला कि खजाना घर के अंदर ही कहीं है, इसलिए उसने घर के पूरे घन क्षेत्रफल का हिसाब लगाया और हर जगह नाप-जोख की ताकि एक इंच भी न छूटे। उसने पाया कि इमारत की ऊंचाई चौहत्तर फीट थी, लेकिन सभी अलग-अलग कमरों की ऊंचाइयों को जोड़ने और उनके बीच की जगह (जो उसने छेद करके पता लगाई थी) को ध्यान में रखने के बाद भी कुल ऊंचाई सत्तर फीट से अधिक नहीं हो पाई। चार फीट की ऊंचाई का हिसाब नहीं मिल पाया। यह ऊंचाई इमारत के सबसे ऊपरी हिस्से में ही हो सकती थी। इसलिए उसने सबसे ऊंचे कमरे की लकड़ी और प्लास्टर की छत में एक छेद किया, और वहां उसे उसके ऊपर एक और छोटा सा कमरा मिला, जो बंद था और जिसके बारे में किसी को पता नहीं था। बीच में खजाने का संदूक दो शहतीरों पर टिका हुआ था। उसने उसे छेद से नीचे उतारा, और वह वहीं पड़ा है। वह गहनों का मूल्य कम से कम पांच लाख स्टर्लिंग बताता है।”

इस विशाल राशि का जिक्र सुनते ही हम सब एक-दूसरे को हैरानी से देखने लगे। अगर हम मिस मोरस्टन के अधिकार सुरक्षित कर लेते, तो वह एक जरूरतमंद गवर्नेस से इंग्लैंड की सबसे अमीर वारिस बन जाती। बेशक, एक वफादार दोस्त को ऐसी खबर सुनकर खुश होना चाहिए था, लेकिन मुझे यह कहते हुए शर्म आती है कि स्वार्थ ने मुझे जकड़ लिया और मेरा दिल सीसे की तरह भारी हो गया। मैंने हकलाते हुए बधाई के कुछ शब्द कहे और फिर सिर झुकाकर उदास होकर बैठ गया, मानो अपने नए परिचित की बातों पर ध्यान ही न दे रहा हो। वह स्पष्ट रूप से एक पक्का हाइपोकॉन्ड्रिएक था, और मुझे सपने में भी यह एहसास हो रहा था कि वह लगातार लक्षणों की लंबी-लंबी सूची सुना रहा था और अनगिनत नीम-हकीम दवाओं की संरचना और क्रिया के बारे में जानकारी मांग रहा था, जिनमें से कुछ को वह अपनी जेब में चमड़े के डिब्बे में रखता था। मुझे उम्मीद है कि उस रात मैंने उसे जो भी जवाब दिए, उनमें से उसे कुछ भी याद नहीं होगा। होम्स का कहना है कि उसने मुझे अरंडी के तेल की दो बूंद से अधिक मात्रा लेने के गंभीर खतरे के बारे में चेतावनी देते हुए सुना था, जबकि मैंने उसे नींद लाने वाली दवा के रूप में स्ट्राइक्निन की अधिक मात्रा लेने की सलाह दी थी। खैर, जब हमारी टैक्सी झटके से रुकी और कोचवान दरवाजा खोलने के लिए नीचे कूदा, तो मुझे वाकई राहत मिली।

"यह, मिस मोरस्टन, पॉन्डिचेरी लॉज है," श्री थाडियस शोल्टो ने उन्हें सौंपते हुए कहा।

अध्याय 5

पॉन्डिचेरी लॉज की त्रासदी

रात के रोमांच के इस अंतिम पड़ाव पर पहुँचते-पहुँचते लगभग ग्यारह बज चुके थे। हम बड़े शहर के उमस भरे कोहरे को पीछे छोड़ चुके थे और रात काफी सुहावनी थी। पश्चिम से गर्म हवा चल रही थी और घने बादल धीरे-धीरे आकाश में आगे बढ़ रहे थे, जिनमें से कभी-कभार आधा चाँद झाँक रहा था। दूर तक देखने के लिए आसमान काफी साफ था, लेकिन थाडियस शोल्टो ने हमें बेहतर रोशनी देने के लिए गाड़ी से एक साइड लैंप उतार लिया।

पॉन्डिचेरी लॉज अपने निजी परिसर में स्थित था और चारों ओर से टूटे हुए कांच से सजी एक बहुत ऊंची पत्थर की दीवार से घिरा हुआ था। अंदर जाने का एकमात्र रास्ता लोहे की कुंडी वाला एक संकरा दरवाजा था। हमारे गाइड ने उस पर डाकिया जैसी एक अजीब सी खटखटाहट की आवाज की।

अंदर से एक कर्कश आवाज आई, "वहाँ कौन है?"

“मैं हूं मैकमर्डो। अब तक तो आप मेरी दस्तक पहचान ही चुके होंगे।”

एक गड़गड़ाहट की आवाज आई और चाबियों के खड़कने और झनझनाने की आवाज सुनाई दी। दरवाजा भारी भरकम होकर पीछे की ओर खुला, और एक छोटा, चौड़े सीने वाला आदमी खुले में खड़ा था, लालटेन की पीली रोशनी उसके उभरे हुए चेहरे और टिमटिमाती, अविश्वास भरी आँखों पर पड़ रही थी।

“क्या आप ही हैं, श्री थडियस? लेकिन बाकी लोग कौन हैं? मुझे उनके बारे में स्वामी से कोई आदेश नहीं मिला था।”

“नहीं, मैकमर्डो? तुमने मुझे चौंका दिया! मैंने कल रात अपने भाई से कहा था कि मुझे कुछ दोस्तों को लाना चाहिए।”

“मिस्टर थडियस, वो आज अपने कमरे से बाहर नहीं निकले हैं, और मुझे कोई आदेश नहीं मिला है। आप अच्छी तरह जानते हैं कि मुझे नियमों का पालन करना होगा। मैं आपको अंदर आने दे सकता हूँ, लेकिन आपके दोस्तों को वहीं रुकना होगा।”

यह एक अप्रत्याशित बाधा थी। थाडियस शोल्टो ने असमंजस और असहाय भाव से अपने चारों ओर देखा।

“मैकमर्डो, यह तुम्हारी बहुत बड़ी गलती है!” उसने कहा। “अगर मैं उन्हें गारंटी दे दूं, तो तुम्हारे लिए इतना ही काफी है। यहाँ वह युवती भी है। वह इस समय सार्वजनिक सड़क पर इंतजार नहीं कर सकती।”

“बहुत खेद है, श्रीमान थाडियस,” कुली ने दृढ़ता से कहा। “लोग आपके मित्र हो सकते हैं, लेकिन मालिक के मित्र नहीं। वह मुझे अपना कर्तव्य निभाने के लिए अच्छा वेतन देते हैं, और मैं अपना कर्तव्य अवश्य निभाऊंगा। मैं आपके किसी मित्र को नहीं जानता।”

“ओह, हाँ, मैकमर्डो,” शर्लक होम्स ने सौहार्दपूर्वक कहा। “मुझे नहीं लगता कि तुम मुझे भूल सकते हो। क्या तुम्हें वह शौकिया मुक्केबाज याद नहीं है जिसने चार साल पहले तुम्हारे चैरिटी कार्यक्रम की रात एलिसन के कमरे में तुम्हारे साथ तीन राउंड तक लड़ाई की थी?”

“श्री शर्लक होम्स नहीं!” पुरस्कार विजेता मुक्केबाज दहाड़ा। “अरे! मैं तुम्हें कैसे गलत समझ गया? अगर तुम वहाँ चुपचाप खड़े रहने के बजाय आगे बढ़कर मेरे जबड़े पर अपना वो जोरदार मुक्का मार देते, तो मैं तुम्हें बिना किसी शक के पहचान लेता। आह, तुमने तो अपनी प्रतिभा को बर्बाद कर दिया! अगर तुम भी कुछ बड़ा करते, तो तुम ऊंचा लक्ष्य रख सकते थे।”

“देखो, वाटसन, अगर सब कुछ विफल हो जाए, तो मेरे पास अभी भी वैज्ञानिकों के पेशे का एक विकल्प खुला है,” होम्स ने हंसते हुए कहा। “मुझे पूरा यकीन है कि हमारा दोस्त अब हमें निराश नहीं करेगा।”

“आप अंदर आइए, महोदय, आप अंदर आइए—आप और आपके मित्र,” उसने उत्तर दिया। “माफ़ कीजिए, श्रीमान थडियूस, लेकिन आदेश बहुत सख्त हैं। आपके मित्रों को अंदर आने देने से पहले मुझे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी थी।”

अंदर, एक बजरी का रास्ता सुनसान मैदानों से होते हुए एक विशाल, चौकोर और साधारण से घर तक जाता था, जो पूरी तरह से अंधेरे में डूबा हुआ था, सिवाय उस जगह के जहाँ चाँद की किरण एक कोने पर पड़कर अटारी की खिड़की से चमक रही थी। इमारत का विशाल आकार, उसका अंधकार और सन्नाटा, दिल को दहला देने वाला था। यहाँ तक कि थाडियस शोल्टो भी असहज लग रहा था, और उसके हाथ में लालटेन काँप रही थी और खड़खड़ा रही थी।

“मुझे समझ नहीं आ रहा,” उसने कहा। “ज़रूर कोई गलती हुई है। मैंने बार्थोलोम्यू को साफ़-साफ़ कहा था कि हमें यहाँ होना चाहिए, फिर भी उसकी खिड़की में कोई रोशनी नहीं है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि ऐसा क्यों हो रहा है।”

"क्या वह हमेशा इसी तरह परिसर की रखवाली करता है?" होम्स ने पूछा।

“हाँ; उसने मेरे पिता की परंपरा का पालन किया है। वह लाडला बेटा था, और मुझे कभी-कभी लगता है कि मेरे पिता ने उसे मुझसे ज़्यादा बातें बताई होंगी। ऊपर वह बार्थोलोम्यू की खिड़की है जहाँ चाँदनी पड़ती है। वह काफ़ी चमकदार है, लेकिन मुझे लगता है कि अंदर से कोई रोशनी नहीं आ रही है।”

“कुछ नहीं,” होम्स ने कहा। “लेकिन मुझे दरवाजे के बगल वाली उस छोटी सी खिड़की में रोशनी की एक हल्की सी चमक दिखाई दे रही है।”

“अरे, ये तो हाउसकीपर का कमरा है। यहीं पर बूढ़ी श्रीमती बर्नस्टोन बैठती हैं। वो हमें सब कुछ बता सकती हैं। लेकिन शायद आपको यहाँ एक-दो मिनट रुकने में कोई आपत्ति न हो, क्योंकि अगर हम सब एक साथ अंदर चले गए और उन्हें हमारे आने की खबर नहीं मिली, तो वो घबरा सकती हैं। लेकिन चुप रहो! ये क्या है?”

उसने लालटेन ऊपर उठाई, और उसका हाथ कांपता रहा, जिससे चारों ओर रोशनी के घेरे टिमटिमाते और हिलते-डुलते रहे। मिस मोरस्टन ने मेरी कलाई पकड़ ली, और हम सब धड़कते दिलों के साथ कान लगाकर सुनने लगे। उस बड़े काले घर से सन्नाटे भरी रात में सबसे उदास और दयनीय आवाज़ सुनाई दी - एक डरी हुई औरत की तीखी, टूटी हुई सिसकियाँ।

“ये श्रीमती बर्नस्टोन हैं,” शोल्टो ने कहा। “ये घर में इकलौती महिला हैं। यहीं रुकिए। मैं एक पल में वापस आता हूँ।”

वह जल्दी से दरवाजे की ओर बढ़ा और अपने खास अंदाज में दस्तक दी। हमने देखा कि एक लंबी बूढ़ी औरत ने उसे अंदर आने दिया और उसे देखते ही खुशी से झूम उठी।

“ओह, श्रीमान थाडियस, महोदय, मुझे बहुत खुशी है कि आप आए हैं! मुझे बहुत खुशी है कि आप आए हैं, श्रीमान थाडियस!”

हमने उसकी बार-बार की गई खुशियों को तब तक सुना जब तक कि दरवाजा बंद नहीं हो गया और उसकी आवाज एक धीमी, नीरस ध्वनि में विलीन नहीं हो गई।

हमारे गाइड ने हमें लालटेन दे दी थी। होम्स ने उसे धीरे से घुमाया और घर और मैदान में फैले कूड़े के बड़े-बड़े ढेरों को ध्यान से देखा। मिस मोरस्टन और मैं साथ खड़े थे, और उनका हाथ मेरे हाथ में था। प्रेम एक अद्भुत और सूक्ष्म चीज़ है, क्योंकि हम दोनों, जिन्होंने उस दिन से पहले कभी एक-दूसरे को नहीं देखा था, जिनके बीच स्नेह का एक शब्द या नज़र भी कभी नहीं मिली थी, फिर भी अब संकट की इस घड़ी में हमारे हाथ सहज रूप से एक-दूसरे की ओर बढ़ रहे थे। मुझे तब से इस पर आश्चर्य होता रहा है, लेकिन उस समय मुझे लगा कि उनके पास जाना सबसे स्वाभाविक बात थी, और

जैसा कि उन्होंने मुझे अक्सर बताया है, उनके भीतर भी मुझसे सांत्वना और सुरक्षा पाने की सहज प्रवृत्ति थी। इसलिए हम दो बच्चों की तरह हाथ में हाथ डाले खड़े थे, और हमारे चारों ओर फैली तमाम अंधेरी चीज़ों के बावजूद हमारे दिलों में शांति थी।

"यह कितनी अजीब जगह है!" उसने चारों ओर देखते हुए कहा।

"ऐसा लगता है मानो इंग्लैंड के सारे छछूंदर इसमें छोड़ दिए गए हों। मैंने बैलेरेट के पास एक पहाड़ी पर कुछ ऐसा ही देखा है, जहाँ खोजकर्ता काम कर रहे थे।"

“और उसी कारण से,” होम्स ने कहा। “ये खजाने की तलाश करने वालों के निशान हैं। आपको याद रखना चाहिए कि वे छह साल से इसकी खोज कर रहे थे। इसलिए यह जगह किसी गड्ढे जैसी दिखती है, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है।”

उसी क्षण घर का दरवाजा जोर से खुला और थडियस शोल्टो हाथों को आगे की ओर फैलाए और आंखों में दहशत लिए बाहर भागा आया।

“बार्थोलोम्यू के साथ कुछ गड़बड़ है!” वह चिल्लाया। “मैं डर गया हूँ! मेरे हौसले पस्त नहीं हैं।”

वह सचमुच डर से आधा रो रहा था, और उसके कांपते हुए, कमजोर चेहरे पर, जो विशाल एस्ट्राखान कॉलर से बाहर झांक रहा था, एक भयभीत बच्चे की असहाय, विनती भरी अभिव्यक्ति थी।

"घर के अंदर आओ," होम्स ने अपने स्पष्ट और दृढ़ लहजे में कहा।

“जी हां, कीजिए!” थाडियस शोल्टो ने विनती की। “मैं सचमुच दिशा-निर्देश देने में सक्षम नहीं हूं।”

हम सब उसके पीछे-पीछे गलियारे के बाईं ओर स्थित हाउसकीपर के कमरे में गए। बूढ़ी औरत डरी हुई और बेचैन होकर इधर-उधर टहल रही थी, उंगलियां कुरेद रही थी, लेकिन मिस मोरस्टन को देखकर उसे कुछ सुकून मिला।

“भगवान आपके प्यारे, शांत चेहरे को आशीर्वाद दें!” वह सिसकते हुए बोली। “आपको देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा। ओह, लेकिन आज का दिन मेरे लिए बहुत कष्टदायक रहा है!”

हमारी साथी ने उसके पतले, काम से थके हुए हाथ पर थपथपाया और दयालु, स्त्रीत्वपूर्ण सांत्वना के कुछ शब्द बुदबुदाए जिससे दूसरी के बेजान गालों पर फिर से रंगत लौट आई।

“मालिक ने खुद को कमरे में बंद कर लिया है और मुझे जवाब नहीं दे रहे हैं,” उसने बताया। “मैं दिन भर उनसे खबर सुनने का इंतज़ार करती रही, क्योंकि उन्हें अक्सर अकेले रहना पसंद होता है—लेकिन एक घंटे पहले मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है, इसलिए मैं ऊपर गई और चाबी के छेद से झांका। आपको भी ऊपर जाना चाहिए, श्री थडियस—आपको खुद जाकर देखना चाहिए। मैंने श्री बार्थोलोम्यू शोल्टो को दस साल से सुख-दुख दोनों में देखा है, लेकिन मैंने उन्हें कभी ऐसे उदासी चेहरे के साथ नहीं देखा।”

शर्लक होम्स ने दीपक उठाया और आगे-आगे चलने लगे, क्योंकि थैडियस शोल्टो बुरी तरह घबराया हुआ था। वह इतना भयभीत था कि सीढ़ियाँ चढ़ते समय मुझे अपना हाथ उसकी बांह के नीचे से निकालना पड़ा, क्योंकि उसके घुटने कांप रहे थे। ऊपर चढ़ते समय, होम्स ने दो बार अपनी जेब से लेंस निकाला और ध्यान से उन निशानों की जाँच की जो मुझे सीढ़ियों पर बिछी नारियल की चटाई पर धूल के बेतरतीब धब्बे मात्र लग रहे थे। वह दीपक को नीचे झुकाए धीरे-धीरे एक-एक सीढ़ी पर चलता रहा और दाएं-बाएं पैनी नजरें घुमाता रहा। मिस मोरस्टन डरी हुई नौकरानी के साथ पीछे रह गई थीं।

सीढ़ियों की तीसरी उड़ान एक लंबे सीधे गलियारे में जाकर खत्म होती थी, जिसके दाहिनी ओर भारतीय शैली में बनी एक बड़ी पेंटिंग थी और बाईं ओर तीन दरवाजे थे। होम्स उसी धीमी और व्यवस्थित गति से आगे बढ़े, जबकि हम उनके ठीक पीछे-पीछे चल रहे थे, हमारी लंबी काली परछाइयाँ गलियारे में पीछे की ओर जाती हुई दिखाई दे रही थीं। तीसरा दरवाजा वही था जिसे हम खोज रहे थे। होम्स ने दस्तक दी लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, फिर उन्होंने हैंडल घुमाकर उसे खोलने की कोशिश की। हालाँकि, वह अंदर से बंद था, और एक चौड़े और मज़बूत बोल्ट से बंद था, जैसा कि हमने अपनी लैंप की बत्ती उस पर रखकर देखा। हालाँकि, चाबी घुमाने पर भी छेद पूरी तरह बंद नहीं हुआ। शर्लक होम्स नीचे झुके और तुरंत एक गहरी साँस लेते हुए उठ खड़े हुए।

"वाटसन, इसमें कुछ शैतानी बात है," उसने कहा, और वह पहले से कहीं अधिक भावुक लग रहा था। "तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?"

मैं छेद के पास झुका और भय से पीछे हट गया। कमरे में चाँदनी आ रही थी और वह धुंधली, अस्थिर चमक से जगमगा रहा था। सीधे मेरी ओर देखते हुए, मानो हवा में लटका हुआ हो, क्योंकि नीचे सब कुछ छाया में था, एक चेहरा लटका हुआ था - हमारे साथी थाडियस का चेहरा। वही ऊंचा, चमकता हुआ सिर, वही लाल बालों का गोलाकार गुच्छा, वही भावहीन चेहरा। हालाँकि, चेहरे पर एक भयानक मुस्कान थी, एक स्थिर और अस्वाभाविक मुस्कराहट, जो उस शांत और चाँदनी से जगमगाते कमरे में किसी भी गुस्से या विकृति से कहीं अधिक भयावह थी। चेहरा हमारे छोटे दोस्त से इतना मिलता-जुलता था कि मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए उसकी ओर देखा कि वह वास्तव में हमारे साथ है। तभी मुझे याद आया कि उसने हमें बताया था कि वह और उसका भाई जुड़वाँ हैं।

मैंने होम्स से कहा, "यह तो बहुत बुरा हुआ! अब क्या किया जाए?"

"दरवाजा तोड़ना ही होगा," उसने जवाब दिया और उस पर झपट्टा मारते हुए, उसने अपना पूरा वजन ताले पर डाल दिया।

वह चरमराया और कराह उठा, लेकिन झुका नहीं। हम सबने मिलकर एक बार फिर उस पर ज़ोर लगाया, और इस बार वह अचानक चटक कर टूट गया, और हम खुद को बार्थोलोम्यू शोल्टो के कक्ष में पाए।

ऐसा प्रतीत होता था मानो इसे किसी रासायनिक प्रयोगशाला के रूप में तैयार किया गया हो। दरवाजे के सामने वाली दीवार पर कांच के ढक्कन वाली बोतलों की दोहरी कतार लगी हुई थी, और मेज पर बन्सन बर्नर, टेस्ट ट्यूब और रिटॉर्ट बिखरे पड़े थे। कोनों में बेंत की टोकरियों में एसिड से भरे बड़े-बड़े बर्तन रखे थे। इनमें से एक बर्तन से रिसाव हो रहा था या वह टूट गया था, क्योंकि उसमें से गहरे रंग का तरल पदार्थ रिस रहा था, और हवा में एक अजीब सी तीखी, तारकोल जैसी गंध फैली हुई थी। कमरे के एक कोने में लकड़ी और प्लास्टर के ढेर के बीच सीढ़ियाँ बनी हुई थीं, और उनके ऊपर छत में इतना बड़ा छेद था कि उसमें से एक आदमी गुजर सकता था। सीढ़ियों के नीचे रस्सी का एक लंबा कुंडल लापरवाही से फेंका हुआ था।

मेज के पास लकड़ी की कुर्सी पर घर का मालिक ढेर की तरह बैठा था, उसका सिर बाएँ कंधे पर झुका हुआ था और उसके चेहरे पर एक भयानक, रहस्यमयी मुस्कान थी। वह अकड़ा हुआ और ठंडा था और स्पष्ट रूप से कई घंटों से मृत प्रतीत हो रहा था। मुझे ऐसा लगा कि न केवल उसका चेहरा बल्कि उसके सभी अंग भी अजीबोगरीब ढंग से मुड़े हुए थे। मेज पर उसके हाथ के पास एक अजीब सा औज़ार पड़ा था - एक भूरे रंग की, बारीक रेशों वाली छड़ी, जिसका पत्थर का सिर हथौड़े जैसा था, जिसे मोटे धागे से बेतरतीब ढंग से बांधा गया था। उसके बगल में नोटपैड का एक फटा हुआ पन्ना था

जिस पर कुछ शब्द लिखे हुए थे। होम्स ने उस पर एक नज़र डाली और फिर उसे मुझे दे दिया।

"देखो," उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाते हुए कहा।

लालटेन की रोशनी में मैंने भय और रोमांच के साथ पढ़ा, "चारों का चिन्ह।"

मैंने पूछा, "भगवान के नाम पर, इन सबका क्या मतलब है?"

"इसका मतलब हत्या है," उसने मृत व्यक्ति के ऊपर झुकते हुए कहा। "आह! मुझे यही उम्मीद थी। इधर देखो!"

उसने कान के ठीक ऊपर त्वचा में चुभे हुए एक लंबे, काले कांटे जैसी दिखने वाली चीज की ओर इशारा किया।

मैंने कहा, "यह तो कांटे जैसा दिखता है।"

"यह एक कांटा है। आप इसे निकाल सकते हैं। लेकिन सावधान रहें, क्योंकि यह विषैला है।"

मैंने उसे अपनी उंगली और अंगूठे के बीच उठाया। वह त्वचा से इतनी आसानी से अलग हो गया कि लगभग कोई निशान ही नहीं बचा। खून का एक छोटा सा धब्बा उस जगह को दिखा रहा था जहाँ छेद हुआ था।

मैंने कहा, "यह सब मेरे लिए एक अनसुलझा रहस्य है। चीजें स्पष्ट होने के बजाय और भी गहरी होती जा रही हैं।"

"इसके विपरीत," उन्होंने उत्तर दिया, "यह हर पल को स्पष्ट करता है। मुझे पूरी तरह से जुड़े हुए मामले के लिए केवल कुछ लापता कड़ियों की आवश्यकता है।"

कमरे में प्रवेश करने के बाद से हम अपने साथी की उपस्थिति को लगभग भूल ही गए थे। वह अभी भी दरवाजे पर खड़ा था, भय से भरा हुआ, अपने हाथों को मलते हुए और खुद से बड़बड़ाते हुए। लेकिन अचानक, वह एक तीखी, कर्कश चीख के साथ फूट पड़ा।

"खजाना गायब हो गया!" उसने कहा। "उन्होंने उसका खजाना चुरा लिया! वह छेद रहा जिससे हमने उसे नीचे उतारा था। मैंने इसमें उसकी मदद की थी! मैं आखिरी व्यक्ति था जिसने उसे देखा था! मैंने उसे कल रात यहीं छोड़ा था, और जब मैं नीचे आया तो मैंने उसे दरवाजा बंद करते सुना।"

"उस समय क्या समय हुआ था?"

"दस बज रहे थे। और अब वो मर चुका है, पुलिस को बुलाया जाएगा, और मुझ पर इसमें हाथ होने का शक किया जाएगा। ओह, हाँ, मुझे पूरा यकीन है। लेकिन आपको ऐसा नहीं लगता, सज्जनों? आपको यकीनन नहीं लगता कि इसमें मेरा हाथ था? अगर ऐसा होता तो क्या मैं आपको यहाँ लाता? हे भगवान! हे भगवान! मुझे पता है मैं पागल हो जाऊँगा!"

वह उन्माद में आकर अपने हाथ झटकने लगा और पैर पटकने लगा।

"आपको डरने की कोई ज़रूरत नहीं है, श्रीमान शोल्टो," होम्स ने उनके कंधे पर हाथ रखते हुए विनम्रता से कहा; "मेरी सलाह मानिए और थाने जाकर पुलिस को मामले की सूचना दीजिए। पुलिस की हर तरह से मदद करने की पेशकश कीजिए। हम आपके लौटने तक यहीं इंतज़ार करेंगे।"

वह छोटा लड़का अधमरी सी मुद्रा में आज्ञा का पालन करने लगा, और हमने उसे अंधेरे में लड़खड़ाते हुए सीढ़ियों से नीचे उतरते सुना।

अध्याय 6

शर्लक होम्स एक प्रदर्शन देते हैं

“अब, वॉटसन,” होम्स ने अपने हाथ मलते हुए कहा, “हमारे पास आधा घंटा है। आइए इसका सदुपयोग करें। जैसा कि मैंने आपको बताया है, मेरा मामला लगभग सुलझ चुका है; लेकिन हमें अति आत्मविश्वास में नहीं आना चाहिए। मामला अभी भले ही सरल लग रहा हो, लेकिन इसके पीछे कुछ गहरा रहस्य छिपा हो सकता है।”

“बिल्कुल आसान!” मैंने कहा।

“ज़रूर,” उन्होंने एक गंभीर प्रोफेसर की तरह अपनी कक्षा को समझाते हुए कहा। “बस वहीं कोने में बैठ जाओ, ताकि तुम्हारे पैरों के निशान से मामला और उलझ न जाए। अब काम शुरू करो! सबसे पहले, ये लोग आए कैसे और कैसे गए? कल रात से दरवाज़ा नहीं खुला है। खिड़की का क्या हुआ?” वे लैंप को खिड़की के पास ले गए और अपनी बातें ज़ोर-ज़ोर से बुदबुदाते रहे, लेकिन मुझसे नहीं, बल्कि खुद से ही कह रहे थे। “खिड़की अंदर की तरफ से कुंडी से बंद है। ढांचा मज़बूत है। किनारे पर कोई कब्ज़ा नहीं है। चलो इसे खोलते हैं। आस-पास कोई पानी का पाइप नहीं है। छत बिल्कुल पहुंच से बाहर है। फिर भी एक आदमी खिड़की से ऊपर चढ़ा था। कल रात थोड़ी बारिश हुई थी। यहाँ चौखट पर मिट्टी में एक पैर का निशान है। और यहाँ एक गोल कीचड़ का निशान है, और यहाँ फर्श पर, और यहाँ मेज़ के पास। देखो, वॉटसन! यह तो वाकई एक बढ़िया उदाहरण है।”

मैंने गोल, सुस्पष्ट रूप से परिभाषित कीचड़ से ढकी डिस्क को देखा।

मैंने कहा, "यह पैरों के निशान नहीं हैं।"

“यह हमारे लिए कहीं अधिक मूल्यवान है। यह एक लकड़ी के ठूंठ का निशान है। आप यहाँ चौखट पर जूते का निशान देख सकते हैं, एक भारी जूते का निशान जिसकी एड़ी चौड़ी धातु की है, और उसके बगल में लकड़ी के अंगूठे का निशान है।”

"यह लकड़ी के पैर वाला आदमी है।"

“बिल्कुल सही। लेकिन एक और व्यक्ति भी था—एक बहुत ही सक्षम और कुशल सहयोगी। क्या आप उस दीवार को पार कर सकते हैं, डॉक्टर?”

मैंने खुली खिड़की से बाहर देखा। घर के उस कोने पर चाँद की रोशनी अभी भी तेज़ चमक रही थी। हम ज़मीन से लगभग साठ फीट ऊपर थे, और मैं जहाँ तक देखता, मुझे न तो पैर रखने की कोई जगह दिखाई देती थी, न ही ईंटों में कोई दरार।

मैंने जवाब दिया, "यह बिल्कुल असंभव है।"

“बिना किसी मदद के तो ऐसा ही है। लेकिन मान लीजिए कि आपका कोई दोस्त यहाँ ऊपर होता जो आपको यह मज़बूत रस्सी नीचे उतारता, जो मुझे कोने में दिख रही है, और उसका एक सिरा दीवार में लगे इस बड़े हुक से बांध देता। तब, मुझे लगता है, अगर आप फुर्तीले होते, तो लकड़ी के पैर समेत ऊपर चढ़ जाते। आप उसी तरह वापस जाते, और आपका साथी रस्सी खींचता, उसे हुक से खोलता, खिड़की बंद करता, अंदर से उसे कुंडी से दबाता, और उसी रास्ते से चला जाता जिससे वह आया था। एक छोटी सी बात और,” उसने रस्सी को छूते हुए कहा, “कि हमारा लकड़ी के पैर वाला दोस्त, हालाँकि एक अच्छा पर्वतारोही था, पेशेवर नाविक नहीं था। उसके हाथ बिल्कुल भी खुरदुरे नहीं थे। मेरे लेंस से एक से ज़्यादा खून के निशान दिख रहे हैं, खासकर रस्सी के आखिरी सिरे की तरफ, जिससे मुझे लगता है कि वह इतनी तेज़ी से नीचे फिसला कि उसके हाथों की चमड़ी छिल गई।”

मैंने कहा, “यह सब तो ठीक है; लेकिन मामला पहले से कहीं ज़्यादा पेचीदा हो गया है। इस रहस्यमय सहयोगी का क्या? वह कमरे में कैसे आया?”

“हाँ, वही सहयोगी!” होम्स ने सोच-विचार करते हुए दोहराया। “इस सहयोगी के बारे में कुछ दिलचस्प बातें हैं। वह इस मामले को सामान्य मामलों से ऊपर उठाता है। मुझे लगता है कि यह सहयोगी इस देश के अपराध इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा

—हालाँकि भारत और, अगर मेरी याददाश्त सही है, तो सेनेगाम्बिया से भी मिलते-जुलते मामले सामने आए हैं।”

“तो फिर वो आया कैसे?” मैंने फिर पूछा। “दरवाजा बंद है; खिड़की तक पहुंचना मुश्किल है। क्या वो चिमनी के रास्ते आया होगा?”

“जाली बहुत छोटी है,” उसने जवाब दिया। “मैंने इस संभावना पर पहले ही विचार कर लिया था।”

“तो फिर कैसे?” मैंने जोर देकर पूछा।

“तुम मेरी बात नहीं मानोगे,” उसने सिर हिलाते हुए कहा। “मैंने तुमसे कितनी बार कहा है कि जब तुम असंभव को हटा देते हो, तो जो कुछ भी बचता है, चाहे वह कितना भी असंभावित क्यों न हो, वही सत्य होना चाहिए? हम जानते हैं कि वह दरवाजे, खिड़की या चिमनी से नहीं आया। हम यह भी जानते हैं कि वह कमरे में छिप नहीं सकता था, क्योंकि वहाँ छिपना संभव ही नहीं है। तो फिर वह कब आया?”

“वह छत में बने छेद से अंदर आया!” मैंने चिल्लाकर कहा।

“बेशक उसने किया होगा। उसने ऐसा जरूर किया होगा। अगर आप कृपा करके मेरे लिए दीपक थामे रखें, तो अब हम अपनी खोज ऊपर वाले कमरे तक बढ़ाएंगे—वह गुप्त कमरा जिसमें खजाना मिला था।”

वह सीढ़ियों पर चढ़ा और दोनों हाथों से एक शहतीर को पकड़कर अटारी में चढ़ गया। फिर, पेट के बल लेटकर उसने दीपक उठाया और उसे पकड़े रहा जबकि मैं उसके पीछे-पीछे गया।

जिस कमरे में हम पहुँचे, वह लगभग दस फीट चौड़ा और छह फीट चौड़ा था। फर्श शहतीरों से बना था, जिनके बीच पतली पट्टियाँ और प्लास्टर लगे थे, इसलिए चलने के लिए एक शहतीर पर पैर रखना पड़ता था। छत ऊपर की ओर एक शिखर तक जाती थी और स्पष्ट रूप से घर की असली छत का भीतरी आवरण थी। वहां किसी भी प्रकार का कोई फर्नीचर नहीं था, और वर्षों से जमा धूल फर्श पर मोटी परत के रूप में जमी हुई थी।

“ये लीजिए,” शर्लक होम्स ने ढलान वाली दीवार पर हाथ रखते हुए कहा। “ये एक गुप्त दरवाज़ा है जो छत पर खुलता है। मैं इसे पीछे दबा सकता हूं, और ये रही छत, जो हल्के कोण पर ढलान वाली है। तो, नंबर वन इसी रास्ते से अंदर आया था। चलिए देखते हैं कि क्या हमें उसकी व्यक्तिगत पहचान के कुछ और निशान मिलते हैं?”

उसने दीपक को ज़मीन पर पटक दिया, और ऐसा करते ही मैंने उस रात दूसरी बार उसके चेहरे पर हैरानी और अचरज का भाव देखा। उसकी नज़र का पीछा करते हुए, मेरे कपड़े के नीचे मेरी त्वचा ठंडी पड़ गई। ज़मीन पर नंगे पैर के निशान घने रूप से फैले हुए थे—स्पष्ट, सुव्यवस्थित, एकदम सही आकार के, लेकिन एक आम आदमी के पैरों के आकार के लगभग आधे।

मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "होम्स, एक बच्चे ने यह भयानक काम किया है।"

उसने पल भर में अपना आत्मविश्वास वापस पा लिया था।

“मैं उस पल के लिए स्तब्ध रह गया था,” उन्होंने कहा, “लेकिन यह बिल्कुल स्वाभाविक है। मेरी याददाश्त ने मेरा साथ नहीं दिया, वरना मैं इसका पहले से अनुमान लगा सकता था। यहाँ सीखने के लिए और कुछ नहीं है। चलिए नीचे चलते हैं।”

"तो फिर उन पदचिह्नों के बारे में आपका क्या सिद्धांत है?" मैंने उत्सुकता से पूछा जब हम एक बार फिर निचले कमरे में पहुंच गए थे।

“मेरे प्रिय वाटसन, आप स्वयं थोड़ा विश्लेषण करके देखिए,” उन्होंने थोड़ी अधीरता से कहा। “आप मेरी विधियों को जानते हैं। उन्हें लागू कीजिए, और परिणामों की तुलना करना ज्ञानवर्धक होगा।”

मैंने उत्तर दिया, "मैं ऐसी किसी भी चीज़ की कल्पना नहीं कर सकता जो तथ्यों को छिपा सके।"

उन्होंने लापरवाही से कहा, "यह जल्द ही आपके लिए स्पष्ट हो जाएगा। मुझे लगता है कि यहाँ और कुछ महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन मैं देखूंगा।"

उसने झटपट अपना लेंस और नापने वाला टेप निकाला और घुटनों के बल कमरे में इधर-उधर घूमने लगा, नापते, तुलना करते, जाँचते हुए। उसकी लंबी पतली नाक तख्तों से बस कुछ इंच की दूरी पर थी और उसकी छोटी-छोटी आँखें किसी पक्षी की तरह चमक रही थीं और अंदर धँसी हुई थीं। उसकी हरकतें इतनी तेज़, खामोश और चोरी-छिपे थीं, मानो कोई प्रशिक्षित शिकारी किसी गंध को सूंघ रहा हो, कि मैं सोचे बिना नहीं रह सका कि अगर उसने अपनी ऊर्जा और बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल कानून की रक्षा करने के बजाय उसके खिलाफ़ किया होता तो वह कितना खूंखार अपराधी बन जाता। खोजते हुए वह लगातार खुद से कुछ बुदबुदा रहा था, और अंत में खुशी से ज़ोर से चिल्ला उठा।

“हम तो वाकई भाग्यशाली हैं,” उसने कहा। “अब हमें बहुत कम परेशानी होगी। नंबर एक दुर्भाग्यवश क्रियोसोट पर पैर रख बैठा है। आप इस बदबूदार ढेर के किनारे पर उसके छोटे से पैर के निशान की रूपरेखा देख सकते हैं। आप देख रहे हैं, कारबाय में दरार आ गई है और वह पदार्थ बाहर रिस गया है।”

“तो फिर क्या?” मैंने पूछा।

“हमने उसे पकड़ लिया है, बस इतना ही,” उसने कहा।

“मैं एक ऐसे कुत्ते को जानता हूँ जो उस गंध का पीछा दुनिया के छोर तक कर सकता है। अगर कुत्तों का एक झुंड एक पहाड़ी इलाके में एक मछली का पीछा कर सकता है, तो एक विशेष रूप से प्रशिक्षित शिकारी कुत्ता इतनी तीखी गंध का पीछा कितनी दूर तक कर सकता है? यह तीन के नियम के किसी हल जैसा लगता है। इसका उत्तर हमें सही जानकारी देगा— लेकिन अरे! यहाँ कानून के मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि मौजूद हैं।”

नीचे से भारी कदमों की आहट और तेज आवाजों का शोर सुनाई दे रहा था, और हॉल का दरवाजा एक जोरदार धमाके के साथ बंद हो गया।

होम्स ने कहा, "उनके आने से पहले, बस अपना हाथ इस बेचारे की बांह पर और यहां उसकी टांग पर रखिए। आपको क्या महसूस होता है?"

मैंने जवाब दिया, "मांसपेशियां तख्ते की तरह सख्त हैं।"

“बिल्कुल सही। वे अत्यधिक संकुचन की स्थिति में हैं, जो सामान्य अकड़न से कहीं अधिक है। चेहरे की इस विकृति, इस हिप्पोक्रेटिक मुस्कान, या जिसे पुराने लेखकों ने 'रिसस सार्डोनिकस' कहा था, को देखते हुए, आपके मन में क्या निष्कर्ष निकलता है?”

मैंने उत्तर दिया, "किसी शक्तिशाली वनस्पति एल्कलॉइड से मृत्यु, स्ट्राइकिन जैसी कोई चीज़ जिससे टिटनेस हो सकता है।"

“चेहरे की खिंची हुई मांसपेशियों को देखते ही मेरे मन में यही विचार आया। कमरे में पहुँचते ही मैंने तुरंत यह पता लगाने की कोशिश की कि ज़हर शरीर में कैसे पहुँचा। जैसा कि आपने देखा, मुझे एक काँटा मिला जो सिर की त्वचा में हल्के से चुभाया गया था। आपने गौर किया होगा कि सिर का वह हिस्सा जहाँ चोट लगी थी, वह छत में बने छेद की ओर मुड़ा होता अगर वह व्यक्ति अपनी कुर्सी पर सीधा बैठा होता। अब इस काँटे की जाँच कीजिए।”

मैंने उसे सावधानी से उठाया और लालटेन की रोशनी में देखा। वह लंबा, नुकीला और काला था, नोक के पास उस पर एक चिकनी परत सी थी, मानो उस पर कोई

चिपचिपा पदार्थ सूख गया हो। उसके कुंद सिरे को चाकू से काटकर गोल कर दिया गया था।

“क्या यह अंग्रेजी कांटा है?” उसने पूछा।

"नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है।"

"इन सभी आंकड़ों के आधार पर आप कुछ उचित निष्कर्ष निकाल सकते हैं। लेकिन यहाँ तो नियमित सैनिक मौजूद हैं, इसलिए सहायक बल पीछे हट सकते हैं।"

जैसे ही वह बोल रहा था, गलियारे में पास आते कदमों की तेज़ आवाज़ सुनाई दी, और एक मोटा-ताज़ा, गठीला आदमी भूरे रंग के सूट में भारी कदमों से कमरे में दाखिल हुआ। उसका चेहरा लाल था, वह गठीला और तगड़ा था, और उसकी छोटी-छोटी चमकती आँखें सूजी हुई थैलियों के बीच से तेज़ी से झाँक रही थीं। उसके पीछे-पीछे वर्दी में एक इंस्पेक्टर और अभी भी धड़कते हुए थाडियस शोल्टो चल रहे थे।

“ये तो एक बड़ा कारोबार है!” उसने दबी हुई, कर्कश आवाज़ में कहा। “ये तो बड़ा कारोबार है! लेकिन ये सब कौन हैं? अरे, ये तो घर खरगोशों के बिल की तरह भरा हुआ लग रहा है!”

"मुझे लगता है कि आपको मैं याद आऊंगा, श्री एथेलनी जोन्स," होम्स ने धीमी आवाज़ में कहा।

“अरे हाँ, बिल्कुल!” उसने हांफते हुए कहा। “मैं तो श्री शर्लक होम्स हूँ, सिद्धांतकार। याद है आपको! बिशपगेट ज्वेल केस में आपने हम सबको कारणों, निष्कर्ष और परिणाम के बारे में जो ज्ञान दिया था, वो मुझे आज भी याद है। आपने ही तो हमें सही राह दिखाई थी; लेकिन अब आप मानेंगे कि ये अच्छे मार्गदर्शन से ज़्यादा किस्मत की बात थी।”

"यह बहुत ही सरल तर्क था।"

अरे, अब बस करो! अपनी गलती मानने में कभी शर्म मत करो। लेकिन ये सब क्या है? बहुत बुरा हुआ! बहुत बुरा हुआ! यहाँ सब कुछ साफ़-साफ़ सच है – कोई अटकलें नहीं चलेंगी। कितनी अच्छी बात है कि मैं उस समय नॉरवुड में एक दूसरे मामले के सिलसिले में था! जब मुझे यह संदेश मिला, मैं थाने में ही था। आपको क्या लगता है उस आदमी की मौत किस वजह से हुई?

"ओह, यह मेरे लिए सिद्धांत गढ़ने का कोई मामला नहीं है," होम्स ने रूखेपन से कहा।

नहीं, नहीं। फिर भी, हम इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि आप कभी-कभी बिल्कुल सही बात कहते हैं। अरे वाह! दरवाजा बंद था, मैं समझ सकता हूँ। पाँच लाख रुपये के गहने गायब हैं। खिड़की का क्या हाल था?

"जमा हुआ है; लेकिन चौखट पर सीढ़ियाँ हैं।"

“अच्छा, अच्छा, अगर यह बंधा हुआ था तो सीढ़ियों का इससे कोई लेना-देना नहीं हो सकता। यह तो आम समझ की बात है। आदमी को दौरा पड़ सकता था और उसकी मौत हो गई होगी; लेकिन फिर गहने गायब हैं। हा! मेरे पास एक सिद्धांत है। ऐसे विचार कभी-कभी मेरे दिमाग में आते हैं। — बस बाहर निकल जाइए, सार्जेंट, और आप, मिस्टर शोल्टो। आपका दोस्त यहीं रह सकता है। — होम्स, आप इसके बारे में क्या सोचते हैं? शोल्टो ने खुद कबूल किया है कि वह कल रात अपने भाई के साथ था। भाई को दौरा पड़ा और उसकी मौत हो गई, जिस पर शोल्टो खजाना लेकर भाग गया? कैसा लगा?”

"जिस पर मृत व्यक्ति ने बड़ी समझदारी से उठकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया।"

"हम्म! इसमें कुछ गड़बड़ है। चलिए, सामान्य बुद्धि का प्रयोग करें। यह थाडियस शोल्टो अपने भाई के साथ था; उनके बीच झगड़ा हुआ; इतना तो हम जानते हैं। भाई मर चुका है और गहने गायब हैं। इतना भी हम जानते हैं। थडियस के जाने के बाद से किसी ने भी भाई को नहीं देखा। उसके बिस्तर पर कोई सोया नहीं था। थडियस स्पष्ट रूप से बहुत परेशान है। उसका रूप-रंग—खैर, आकर्षक नहीं है। आप देख रहे हैं कि मैं थडियस के चारों ओर अपना जाल बुन रहा हूँ। जाल उस पर कसने लगा है।"

"आपको अभी पूरी जानकारी नहीं है," होम्स ने कहा। "लकड़ी का यह टुकड़ा, जिसके बारे में मुझे पूरा यकीन है कि यह ज़हरीला था, उस आदमी की खोपड़ी में था जहां आपको अभी भी निशान दिख रहा है; यह कार्ड, जिस पर जैसा आप देख रहे हैं वैसा लिखा हुआ है, मेज पर था, और इसके बगल में यह अजीब सा पत्थर का बना औजार पड़ा था। ये सब आपकी थ्योरी में कैसे फिट बैठता है?"

"हर तरह से इसकी पुष्टि हो गई," मोटे जासूस ने अकड़कर कहा। "घर भारतीय विचित्रताओं से भरा पड़ा है। थैडियस ने इसका ज़िक्र किया था, और अगर यह टुकड़ा ज़हरीला है तो थैडियस भी किसी और की तरह इसका इस्तेमाल जानलेवा कामों में कर सकता था। कार्ड कोई जादू-टोना है—शायद कोई चाल है। सवाल बस इतना है कि वह यहां से गया कैसे? अरे हां, छत में एक छेद है।"

अपने भारी-भरकम शरीर के बावजूद, वह बड़ी फुर्ती से सीढ़ियों पर चढ़ गया और अटारी में घुस गया, और उसके तुरंत बाद हमने उसकी खुशी भरी आवाज सुनी जिसमें वह घोषणा कर रहा था कि उसे गुप्त द्वार मिल गया है।

"वह कुछ न कुछ तो ढूंढ ही लेता है," होम्स ने कंधे उचकाते हुए कहा; "कभी-कभी उसमें तर्क की झलक दिखती है। बुद्धि वाले मूर्खों से ज्यादा परेशानी देने वाले कोई नहीं होते!"

"देखो!" एथेलनी जोन्स सीढ़ियों से नीचे आते हुए फिर से प्रकट हुए और बोले; "आखिरकार, तथ्य सिद्धांतों से बेहतर होते हैं। इस मामले में मेरा अनुमान सही साबित हुआ है। छत से जुड़ा एक गुप्त दरवाजा है, और वह आंशिक रूप से खुला है।"

मैंने ही इसे खोला था।

"ओह, बिल्कुल! आपने इसे देखा था ना?" इस खोज से वह थोड़ा निराश लग रहा था। "खैर, जिसने भी इसे देखा हो, इससे पता चलता है कि हमारा सज्जन कैसे बच निकला। इंस्पेक्टर!"

"जी हां, महोदय," यह वाक्य से लिया गया है।

"श्री शोल्टो को इधर आने के लिए कहें। श्री शोल्टो, मेरा यह कर्तव्य है कि मैं आपको सूचित करूं कि आप जो कुछ भी कहेंगे, उसका इस्तेमाल आपके खिलाफ किया जाएगा। मैं आपको रानी के नाम पर गिरफ्तार करता हूं क्योंकि आप अपने भाई की मृत्यु में शामिल हैं।"

"लो, अब! मैंने तुमसे कहा था ना!" बेचारा छोटा आदमी चिल्लाया और अपने हाथ फैलाते हुए हममें से एक-एक करके सभी को देखने लगा।

"आप इसके बारे में चिंता न करें, श्रीमान शोल्टो," होम्स ने कहा; "मुझे लगता है कि मैं आपको इस आरोप से बरी करने का वादा कर सकता हूं।"

"ज़्यादा वादे मत कीजिए, श्रीमान सिद्धांतकार, ज़्यादा वादे मत कीजिए!" जासूस ने झल्लाकर कहा। "हो सकता है कि यह मामला आपकी सोच से कहीं ज़्यादा पेचीदा हो।"

"मैं न केवल उसे बेगुनाह साबित करूँगा, श्रीमान जोन्स, बल्कि मैं आपको कल रात इस कमरे में मौजूद दो लोगों में से एक का नाम और विवरण निःशुल्क प्रदान करूँगा। मेरे पास यह मानने के सभी कारण हैं कि उसका नाम जोनाथन स्मॉल है। वह कम पढ़ा-

लिखा, कद में छोटा, फुर्तीला आदमी है, जिसका दाहिना पैर कटा हुआ है और उसने लकड़ी का एक ठूंठ पहना हुआ है जो अंदर से घिसा हुआ है। उसके बाएं जूते का तलवा खुरदुरा और चौकोर है, और एड़ी के चारों ओर लोहे की पट्टी लगी है। वह अधेड़ उम्र का आदमी है, धूप से झुलसा हुआ है और एक अपराधी रह चुका है। ये कुछ संकेत आपके लिए सहायक हो सकते हैं, साथ ही यह तथ्य भी कि उसके हाथ की हथेली से काफी त्वचा गायब है। दूसरा आदमी—"

"अरे! वो दूसरा आदमी?" एथेलनी जोन्स ने व्यंग्यपूर्ण स्वर में पूछा, लेकिन फिर भी, जैसा कि मैं आसानी से देख सकता था, दूसरे के व्यवहार की सटीकता से प्रभावित था।

"ये तो काफी जिज्ञासु व्यक्ति हैं," शेर्लक होम्स ने मुड़ते हुए कहा। "मुझे उम्मीद है कि बहुत जल्द मैं आपको इन दोनों से मिलवा सकूंगा। वॉटसन, आपसे एक बात करनी है।"

वह मुझे सीढ़ियों के शीर्ष पर ले गया।

उन्होंने कहा, "इस अप्रत्याशित घटना के कारण हम अपनी यात्रा के मूल उद्देश्य से भटक गए हैं।"

मैंने उत्तर दिया, "मैं भी यही सोच रहा था; यह उचित नहीं है कि मिस मोरस्टन इस जर्जर घर में रहें।"

नहीं। आपको उसे घर तक छोड़ना होगा। वह लोअर कैम्बरवेल में श्रीमती सेसिल फॉरेस्टर के साथ रहती है, इसलिए ज़्यादा दूर नहीं है। अगर आप दोबारा गाड़ी चलाकर आएंगे तो मैं यहीं आपका इंतज़ार करूँगा। या शायद आप बहुत थक गए हैं?

बिल्कुल नहीं। जब तक मुझे इस अद्भुत मामले के बारे में और जानकारी नहीं मिल जाती, तब तक मुझे चैन नहीं मिलेगा। मैंने जीवन के कुछ बुरे पहलू देखे हैं, लेकिन मैं आपको वचन देता हूँ कि आज रात लगातार हुए इन अजीबोगरीब आश्चर्यों ने मुझे पूरी तरह से झकझोर दिया है। फिर भी, अब जब मैं यहाँ तक पहुंच गया हूं, तो मैं इस मामले को आपके साथ सुलझाना चाहूंगा।

"आपकी उपस्थिति मेरे लिए बहुत उपयोगी होगी," उसने उत्तर दिया। "हम इस मामले को अलग-अलग सुलझा लेंगे और इस जोन्स को जो चाहे वो मनगढ़ंत कहानी बनाने दो। मिस मोरस्टन को छोड़ने के बाद, मैं चाहता हूँ कि आप लैम्बेथ में पानी के किनारे के पास, पिंचिन लेन नंबर 3 पर जाएँ। दाहिनी ओर तीसरा घर एक चिड़ियों की दुकान है; उसका नाम शेरमन है। आपको खिड़की में एक नेवला एक छोटे खरगोश को पकड़े हुए दिखाई देगा। बूढ़े शेरमन को जगाएँ और उसे मेरी ओर से नमस्कार करते हुए बताएँ कि मुझे टोबी तुरंत चाहिए। आप टोबी को अपने साथ टैक्सी में वापस ले आएँगे।"

"शायद एक कुत्ता।"

"हाँ, एक विचित्र आवारा कुत्ता जिसकी सूंघने की शक्ति अद्भुत है। मुझे लंदन के पूरे जासूस बल की मदद से ज़्यादा टोबी की मदद चाहिए।"

मैंने कहा, "मैं उसे ले आता हूँ। अभी एक बज रहा है। अगर मुझे नया घोड़ा मिल जाए तो मैं तीन बजने से पहले वापस आ जाऊँगा।"

"और मैं," होम्स ने कहा, "श्रीमती बर्नस्टोन और उस भारतीय नौकर से जो कुछ सीख सकता हूँ, वह देखूंगा, जिसके बारे में श्री थेडियस ने मुझे बताया है कि वह बगल वाले कमरे में सोता है। फिर मैं महान जोन्स के तरीकों का अध्ययन करूंगा और उनके तीखे व्यंग्य सुनूंगा।"

"'हमें इस बात की आदत हो गई है कि लोग उन चीजों का मजाक उड़ाते हैं जिन्हें वे समझते नहीं हैं।'"

"गोएथे की लेखन शैली हमेशा संक्षिप्त और सारगर्भित होती है।"

अध्याय 7

बैरल का प्रकरण

पुलिस अपने साथ एक टैक्सी लाई थी, और उसी में मैंने मिस मोरस्टन को उनके घर तक पहुँचाया। महिलाओं के देवदूत स्वभाव के अनुसार, जब तक कोई उनसे कमज़ोर सहारा दे रहा था, उन्होंने शांत चेहरे से सारी परेशानी सहन कर ली थी, और मैंने उन्हें डरी हुई गृहणी के पास प्रसन्न और शांत पाया था। लेकिन टैक्सी में, पहले तो वे बेहोश हो गईं और फिर फूट-फूटकर रोने लगीं - रात के उन भयानक अनुभवों ने उन्हें बुरी तरह झकझोर दिया था। उन्होंने बाद में मुझे बताया कि उस यात्रा के दौरान उन्हें लगा कि मैं ठंडा और उदासीन था। उन्हें मेरे भीतर चल रहे संघर्ष और खुद को रोकने के मेरे प्रयास का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था। मेरी सहानुभूति और प्यार उनके साथ था, ठीक वैसे ही जैसे बगीचे में मेरा हाथ उनके लिए था। मुझे लगा कि जीवन की वर्षों की परंपराओं ने मुझे उनके मीठे, साहसी स्वभाव को नहीं सिखाया, जैसा कि उस एक दिन के अजीब अनुभवों ने सिखाया था। फिर भी दो विचार थे जिन्होंने मेरे होठों पर स्नेह के शब्दों को रोक दिया। वे कमज़ोर और असहाय थीं, मानसिक और मानसिक रूप से हिल गई थीं। ऐसे समय में उन पर प्यार जताना उनके लिए अनुचित था। इससे भी बुरी बात यह थी कि वह धनी थी। अगर होम्स की जांच सफल होती, तो वह वारिस होती। क्या यह उचित था, क्या यह सम्मानजनक था कि एक मामूली वेतन पाने वाला सर्जन संयोगवश बने इस घनिष्ठ संबंध का इस तरह फायदा उठाए? क्या वह मुझे महज़ एक साधारण दौलतखोर न समझे? मैं यह जोखिम नहीं उठा सकता था कि उसके मन में ऐसा कोई विचार आए। आगरा का यह खजाना हमारे बीच एक अभेद्य बाधा की तरह खड़ा था।

जब हम श्रीमती सेसिल फॉरेस्टर के घर पहुँचे तो लगभग दो बज रहे थे। नौकरानियाँ घंटों पहले सो चुकी थीं, लेकिन श्रीमती फॉरेस्टर मिस मोरस्टन को मिले उस अजीब संदेश में इतनी दिलचस्पी ले रही थीं कि उनके लौटने की उम्मीद में जागती रहीं। उन्होंने खुद दरवाजा खोला, एक अधेड़ उम्र की, शालीन महिला, और मुझे यह देखकर खुशी हुई कि उन्होंने कितनी कोमलता से मेरी कमर में हाथ डाला और कितनी ममता भरी आवाज में मेरा स्वागत किया। वह स्पष्ट रूप से केवल एक आश्रित नहीं बल्कि एक सम्मानित मित्र थीं। मेरा परिचय कराया गया, और श्रीमती फॉरेस्टर ने मुझसे विनती की कि मैं अंदर आकर उन्हें अपने कारनामों के बारे में बताऊं। हालांकि, मैंने अपने काम की अहमियत समझाई और वादा किया कि मामले में जो भी प्रगति होगी, मैं आकर आपको जरूर बताऊँगी। जब हम गाड़ी में बैठकर जाने लगे तो मैंने एक नज़र पीछे मुड़कर देखी, और मुझे अब भी सीढ़ियों पर वह छोटा सा समूह दिखाई दे रहा है - दो सुंदर, एक-दूसरे से चिपकी हुई आकृतियाँ, आधा खुला दरवाज़ा, रंगीन कांच से छनकर आती हॉल की रोशनी, बैरोमीटर और चमकीली सीढ़ियों की छड़ें। उस भयंकर, अंधकारमय व्यवसाय के बीच, जिसने हमें पूरी तरह से अपने कब्जे में ले रखा था, एक शांत अंग्रेजी घर की एक झलक भी देखना सुकून देने वाला था।

और जैसे-जैसे मैं घटी घटनाओं के बारे में सोचता गया, वे और भी भयावह और रहस्यमय होती गईं। शांत, गैस की रोशनी से जगमगाती गलियों से गुज़रते हुए मैंने घटनाओं के उस पूरे असाधारण क्रम की समीक्षा की। मूल समस्या तो यही थी: कम से कम वह अब काफ़ी हद तक स्पष्ट हो चुकी थी। कैप्टन मोरस्टन की मृत्यु, मोतियों का भेजना, विज्ञापन, पत्र—इन सभी घटनाओं पर हमें प्रकाश मिला था। हालांकि, इनसे हम

एक गहरे और कहीं अधिक दुखद रहस्य की ओर ही अग्रसर हुए थे। भारतीय खजाना, मोरस्टन के सामान में मिली रहस्यमयी योजना, मेजर शोल्टो की मृत्यु का विचित्र दृश्य, खजाने की पुनः खोज और उसके तुरंत बाद खोजकर्ता की हत्या, अपराध से जुड़ी अत्यंत विलक्षण चीज़ें, पदचिह्न, उल्लेखनीय हथियार, कार्ड पर लिखे शब्द, जो कैप्टन मोरस्टन के चार्ट पर लिखे शब्दों से मेल खाते थे—यह वास्तव में एक भूलभुलैया थी जिसमें मेरे साथी किराएदार से कम बुद्धि वाला व्यक्ति सुराग खोजने की उम्मीद ही छोड़ सकता था।

लेम्बेथ के निचले इलाके में पिंचिन लेन में जर्जर हालत में दो मंजिला ईंटों के मकानों की एक कतार थी। मकान नंबर 3 पर मुझे काफी देर तक दस्तक देनी पड़ी, तब जाकर मेरी बात बनी। आखिरकार, पर्दे के पीछे मोमबत्ती की हल्की रोशनी दिखाई दी और ऊपर वाली खिड़की से एक चेहरा झांका।

“चलो, शराबी आवारा,” उस चेहरे ने कहा। “अगर तुमने और हंगामा किया, तो मैं कुत्तों का पिंजरा खोलकर तैंतालीस कुत्ते तुम पर छोड़ दूंगा।”

मैंने कहा, "अगर आप एक को बाहर निकलने देंगे, तो मैं उसी के लिए आया हूँ।"

“चलो!” आवाज चिल्लाई। “भगवान कसम, इस थैले में एक वाइपर है, और अगर तुमने इसे नहीं पकड़ा तो मैं इसे तुम्हारे सिर पर गिरा दूँगा!”

“लेकिन मुझे कुत्ता चाहिए,” मैं रोते हुए बोली।

“मुझसे बहस मत करो!” श्री शेरमन चिल्लाए। “अब हट जाओ, क्योंकि जैसे ही मैं ‘तीन’ कहूंगा, वाइपर नीचे आ जाएगा।”

“श्रीमान शेरलॉक होम्स,” मैंने कहना शुरू किया; लेकिन इन शब्दों का जादुई असर हुआ, खिड़की तुरंत नीचे गिर गई और एक मिनट के भीतर दरवाज़ा खुल गया। श्री शेरमैन दुबले-पतले, लंबे कद के बूढ़े व्यक्ति थे, जिनके कंधे झुके हुए थे, गर्दन पतली थी और उन्होंने नीले रंग का चश्मा पहना हुआ था।

“श्री शर्लक के मित्र का हमेशा स्वागत है,” उसने कहा। “अंदर आइए, महोदय। बिज्जू से दूर रहिए, क्योंकि वह काटता है। अरे, शरारती, शरारती; क्या आप सज्जन को काटना चाहेंगे?” यह बात उसने एक नेवले से कही जिसने अपने पिंजरे की सलाखों के बीच से अपना शरारती सिर और लाल आँखें बाहर निकालीं। “कोई बात नहीं, महोदय; यह तो बस एक घोंघा है। इसके कोई नुकीले दांत नहीं हैं, इसलिए मैं इसे कमरे में घूमने देता हूं, क्योंकि यह भृंगों को कम रखता है। आपको बुरा नहीं मानना चाहिए कि मैं शुरू में आपसे थोड़ा रूखा व्यवहार कर रहा हूँ, क्योंकि बच्चे मुझे चिढ़ाते हैं, और कई बच्चे तो इस गली में आकर मुझे पीटने की कोशिश करते हैं। श्री शर्लक होम्स क्या चाहते थे, महोदय?”

उसे तुम्हारा कुत्ता चाहिए था।

“अरे! वो तो टोबी होगा।”

"हां, नाम टोबी था।"

"टोबी यहां बाईं ओर नंबर 7 पर रहता है।"

वह अपने चारों ओर जमा हुए विचित्र जानवरों के परिवार के बीच मोमबत्ती लेकर धीरे-धीरे आगे बढ़ा। धुंधली, अस्पष्ट रोशनी में मुझे धुंधला-धुंधला दिखाई दे रहा था कि हर कोने से टिमटिमाती आँखें हम पर टकटकी लगाए देख रही थीं। यहाँ तक कि हमारे सिर के ऊपर की छत पर भी गंभीर पक्षी बैठे थे, जो हमारी आवाज़ों से उनकी नींद में खलल पड़ने पर आलस से एक पैर से दूसरे पैर पर अपना भार बदल रहे थे।

टोबी एक बदसूरत, लंबे बालों वाला, लटके कानों वाला प्राणी निकला, जो आधा स्पैनियल और आधा लर्चर था, भूरे और सफेद रंग का था और बहुत ही भद्दा, लड़खड़ाता हुआ चलता था। कुछ झिझक के बाद, उसने चीनी का एक टुकड़ा स्वीकार

किया जो बूढ़े प्रकृतिवादी ने मुझे दिया था, और इस तरह एक दोस्ती पक्की करके, वह मेरे पीछे-पीछे टैक्सी तक आया और मेरे साथ चलने में कोई आनाकानी नहीं की। महल की घड़ी में ठीक तीन बजे थे जब मैंने खुद को एक बार फिर पांडिचेरी लॉज में पाया। मुझे पता चला कि पूर्व मुक्केबाज मैकमर्डो को सहायक होने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था, और उसे और श्री शोल्टो दोनों को थाने ले जाया गया था। दो कांस्टेबल संकरे गेट पर पहरा दे रहे थे, लेकिन जासूस का नाम लेने पर उन्होंने मुझे कुत्ते के साथ अंदर जाने दिया।

होम्स दरवाजे की सीढ़ी पर हाथों को जेब में डाले, पाइप पीते हुए खड़ा था।

“अरे, तुमने उसे पकड़ लिया!” उसने कहा। “अच्छा कुत्ता! एथेलनी जोन्स चला गया है। तुम्हारे जाने के बाद से यहां बहुत हलचल मची हुई है। उसने न केवल मेरे दोस्त थाडियस को गिरफ्तार किया है, बल्कि चौकीदार, नौकरानी और भारतीय नौकर को भी गिरफ्तार कर लिया है। ऊपर एक सार्जेंट के अलावा, यहां हम अकेले हैं। कुत्ते को यहीं छोड़ दो और ऊपर आ जाओ।”

हमने टोबी को हॉल की मेज से बांध दिया और सीढ़ियों से ऊपर चले गए। कमरा वैसा ही था जैसा हमने छोड़ा था, बस बीच में रखी आकृति पर एक चादर पड़ी हुई थी। कोने में एक थका हुआ सा दिखने वाला पुलिस सार्जेंट लेटा हुआ था।

“सार्जेंट, मुझे अपना निशाना दीजिए,” मेरे साथी ने कहा। “अब इस कार्ड के टुकड़े को मेरे गले में इस तरह बाँध दीजिए कि यह मेरे सामने लटकता रहे। धन्यवाद। अब मुझे अपने जूते और मोज़े उतारने हैं। आप इन्हें अपने साथ नीचे ले जाइए, वाटसन। मैं थोड़ी चढ़ाई करने जा रहा हूं। और अपने रूमाल को क्रियोसोट में डुबो लीजिए। बस इतना ही काफी है। अब एक पल के लिए मेरे साथ अटारी में आइए।”

हम छेद से ऊपर चढ़ गए। होम्स ने धूल में बने पदचिह्नों पर एक बार फिर अपनी रोशनी डाली।

“मैं चाहता हूँ कि आप विशेष रूप से इन पदचिह्नों पर ध्यान दें,” उन्होंने कहा। “क्या आपको इनमें कुछ उल्लेखनीय दिखाई देता है?”

मैंने कहा, "ये किसी बच्चे या किसी छोटी महिला के हैं।"

“उनके आकार के अलावा, और क्या है? क्या और कुछ नहीं?”

"ये अन्य पदचिह्नों की तरह ही प्रतीत होते हैं।"

“बिल्कुल नहीं। यहां देखो! ये धूल में एक दाहिने पैर का निशान है। अब मैं अपने नंगे पैर से इसके बगल में एक निशान बनाता हूँ। मुख्य अंतर क्या है?”

“तुम्हारी उंगलियां आपस में सटी हुई हैं। दूसरे प्रिंट में हर उंगली अलग-अलग दिखाई दे रही है।”

“बिल्कुल सही। यही तो बात है। इसे याद रखना। अब, क्या आप कृपया उस खिड़की के पास जाकर लकड़ी के किनारे को सूंघेंगे? मैं यहीं रुकूंगा, क्योंकि मेरे हाथ में यह रूमाल है।”

मैंने उसके निर्देशानुसार किया और तुरंत ही मुझे तारकोल जैसी तेज गंध महसूस हुई।

“भागने के लिए उसने यहीं पर गलती की। अगर आप उसका पता लगा सकते हैं, तो मुझे लगता है कि टोबी को कोई दिक्कत नहीं होगी। अब नीचे जाओ, कुत्ते को खुला छोड़ दो और ब्लोंडिन पर नज़र रखो।”

जब मैं बाहर मैदान में पहुंचा, तब तक शर्लक होम्स छत पर थे, और मैं उन्हें एक विशाल जुगनू की तरह धीरे-धीरे छत की मेड़ पर रेंगते हुए देख सकता था। चिमनियों के ढेर के पीछे वे मेरी नज़र से ओझल हो गए, लेकिन थोड़ी देर बाद वे फिर से दिखाई

दिए और फिर दूसरी तरफ गायब हो गए। जब मैं वहाँ पहुँचा तो मैंने उन्हें एक कोने की छज्जे पर बैठे हुए पाया।

“क्या तुम हो, वॉटसन?” वह चिल्लाया।

"हाँ।"

“यही वह जगह है। नीचे वह काली चीज क्या है?”

“पानी का एक बैरल।”

“इसके ऊपर?

"हाँ।"

"सीढ़ी का कोई निशान नहीं?"

"नहीं।"

“अरे यार, ये तो बहुत खतरनाक जगह है! मुझे तो वहाँ से उतर जाना चाहिए जहाँ से ये चढ़ गया। पानी का पाइप तो काफी मजबूत लग रहा है। चलो, शुरू करते हैं।”

पैरों की आहट सुनाई दी और लालटेन धीरे-धीरे दीवार के किनारे से नीचे आने लगी। फिर एक हल्की सी छलांग लगाकर वह बैरल पर आ गिरा और वहाँ से ज़मीन पर।

“उसका पीछा करना आसान था,” उसने अपनी मोजों और बूटों पर हाथ रखते हुए कहा। “पूरे रास्ते में टाइलें ढीली पड़ी थीं, और जल्दबाजी में उसने यह गिरा दिया। इससे मेरी बात की पुष्टि होती है, जैसा कि आप डॉक्टर कहते हैं।”

उसने मुझे जो वस्तु दिखाई, वह रंगीन घासों से बुनी हुई एक छोटी सी थैली थी, जिस पर कुछ भद्दे मोती पिरोए हुए थे। आकार और माप में यह सिगरेट के डिब्बे से मिलती-जुलती थी। इसके अंदर गहरे रंग की लकड़ी के आधे दर्जन नुकीले टुकड़े थे, जो एक सिरे से नुकीले और दूसरे सिरे से गोल थे, ठीक वैसे ही जैसे बार्थोलोम्यू शोल्टो को लगे थे।

“ये तो बहुत भयानक चीज़ें हैं,” उसने कहा। “ध्यान रखना, कहीं चुभ न जाए। मुझे इन्हें पाकर बहुत खुशी है, क्योंकि शायद उसके पास बस यही हैं। अब डर कम है कि कहीं जल्द ही तुम्हें या मुझे भी इनमें से कोई चुभ न जाए। मैं तो मार्टिनी की गोली खाना ज़्यादा पसंद करूँगा। क्या तुम छह मील पैदल चलने के लिए तैयार हो, वॉटसन?”

“बिल्कुल,” मैंने उत्तर दिया।

"क्या तुम्हारा पैर इसे सहन कर पाएगा?"

"ओह हाँ।"

“लो, कुत्ते! प्यारे टोबी! इसे सूंघो, टोबी, इसे सूंघो!” उसने क्रियोसोट से भीगा हुआ रूमाल कुत्ते की नाक के नीचे सरका दिया, जबकि वह जानवर अपने रोएँदार पैरों को फैलाकर, और अपना सिर बड़े ही हास्यास्पद ढंग से ऊपर उठाकर खड़ा था, मानो कोई पारखी किसी मशहूर वाइन की खुशबू सूंघ रहा हो। फिर होम्स ने रूमाल को दूर फेंक दिया, कुत्ते के गले में एक मज़बूत रस्सी बाँधी, और उसे पानी के बैरल के पास ले गया। वह जानवर तुरंत ऊँची, काँपती हुई आवाज़ में भौंकने लगा और अपनी नाक ज़मीन पर और पूंछ हवा में उठाकर, इतनी तेज़ी से पगडंडी पर दौड़ पड़ा कि उसकी रस्सी खिंच गई और हमें भी अपनी पूरी गति से चलना पड़ा।

पूरब धीरे-धीरे सफेद होता जा रहा था, और अब हम ठंडी, धूसर रोशनी में कुछ दूर तक देख पा रहे थे। चौकोर, विशाल मकान, अपनी काली, खाली खिड़कियों और ऊँची, नंगी दीवारों के साथ, हमारे पीछे उदास और वीरान खड़ा था। हमारा रास्ता मैदान के बीचोंबीच से होकर, खाइयों और गड्ढों के बीच से गुजरता था, जिनसे मैदान के निशान और निशान बने हुए थे। बिखरे हुए मिट्टी के ढेरों और बेतरतीब ढंग से उगी झाड़ियों से

भरा पूरा स्थान उजाड़ और अशुभ सा दिख रहा था, जो उस पर छाए काले दुख से मेल खाता था।

चारदीवारी तक पहुँचते ही टोबी उत्सुकता से मूँदते हुए उसकी छाया में दौड़ने लगा और अंत में एक छोटे से बीच के पेड़ की ओट में एक कोने में रुक गया। जहाँ दोनों दीवारें मिलती थीं, वहाँ कई ईंटें ढीली हो गई थीं और उनसे बने गड्ढे नीचे से घिसकर गोल हो गए थे, मानो उनका इस्तेमाल सीढ़ी की तरह किया जाता रहा हो। होम्स ऊपर चढ़ गया और मुझसे कुत्ते को लेकर दूसरी तरफ छोड़ दिया।

"वहाँ लकड़ी के पैर वाले के हाथ का निशान है," जब मैं उसके बगल में घोड़े पर चढ़ा, तो उसने कहा। "सफेद प्लास्टर पर खून का हल्का धब्बा दिख रहा है। कितनी अच्छी बात है कि कल से कोई तेज़ बारिश नहीं हुई! उनकी अट्ठाईस घंटे की शुरुआती दौड़ के बावजूद गंध सड़क पर बनी रहेगी।"

मैं स्वीकार करता हूँ कि इस बीच लंदन की सड़क पर भारी यातायात को देखकर मुझे भी संदेह हुआ था। हालाँकि, मेरी आशंकाएँ जल्द ही दूर हो गईं। टोबी न तो रुका और न ही मुड़ा, बल्कि अपनी विशिष्ट लुढ़कती हुई चाल से चलता रहा। स्पष्ट रूप से, क्रेओसोट की तीखी गंध अन्य सभी गंधों से कहीं अधिक प्रबल थी।

होम्स ने कहा, "यह मत सोचो कि इस मामले में मेरी सफलता महज़ इस बात पर निर्भर है कि इनमें से किसी एक ने गलती से रसायन में पैर रख दिया हो। अब मेरे पास ऐसी जानकारी है जिससे मैं कई अलग-अलग तरीकों से उनका पता लगा सकता हूँ। हालाँकि, यह सबसे आसान तरीका है, और चूंकि किस्मत ने इसे हमारे हाथ में दिया है, इसलिए अगर मैं इसे नज़रअंदाज़ करता हूँ तो मैं दोषी कहलाऊंगा। लेकिन इसने इस मामले को एक छोटी-सी बौद्धिक पहेली बनने से रोक दिया है, जैसा कि एक समय होने की उम्मीद थी। इस स्पष्ट सुराग के बिना शायद इससे कुछ श्रेय मिल सकता था।"

"इसमें कोई शक नहीं, बल्कि बहुत कुछ है," मैंने कहा। "मैं आपको यकीन दिलाता हूँ, होम्स, कि इस मामले में आपने जिस तरीके से नतीजे हासिल किए हैं, उससे मैं जेफरसन होप हत्याकांड से भी ज़्यादा हैरान हूँ। यह मामला मुझे कहीं ज़्यादा पेचीदा और रहस्यमय लगता है। उदाहरण के लिए, आपने लकड़ी के पैर वाले आदमी का इतने आत्मविश्वास से वर्णन कैसे किया?"

अरे, मेरे प्यारे बच्चे! ये तो बिल्कुल सीधा-सादा मामला था। मैं कोई नाटकीयता नहीं दिखाना चाहता। सब कुछ साफ़ और स्पष्ट है। एक कैदी-रक्षक दल के दो अधिकारियों को दबे हुए खज़ाने के बारे में एक महत्वपूर्ण रहस्य पता चलता है। जोनाथन स्मॉल नाम के एक अंग्रेज ने उनके लिए एक नक्शा बनाया था। आपको याद होगा कि हमने कप्तान मोरस्टन के पास मौजूद नक्शे पर उसका नाम देखा था। उसने अपने और अपने साथियों की ओर से उस पर हस्ताक्षर किए थे - जिसे वह कुछ नाटकीय अंदाज़ में 'चारों का निशान' कहता था। इस नक्शे की मदद से, अधिकारियों - या उनमें से एक - को खजाना मिल जाता है और वह उसे इंग्लैंड ले आता है, और मान लीजिए कि उसने खज़ाना पाने की कोई शर्त पूरी नहीं की। तो फिर, जोनाथन स्मॉल को खुद खजाना क्यों नहीं मिला? जवाब स्पष्ट है। नक्शा उस समय का है जब मोरस्टन कैदियों के साथ घनिष्ठ संपर्क में था। जोनाथन स्मॉल को खज़ाना इसलिए नहीं मिला क्योंकि वह और उसके साथी खुद कैदी थे और भाग नहीं सकते थे।

"लेकिन यह तो सिर्फ अटकलबाजी है," मैंने कहा।

"यह उससे कहीं अधिक है। यह एकमात्र परिकल्पना है जो तथ्यों को समाहित करती है। आइए देखें कि यह घटनाक्रम से कैसे मेल खाती है। मेजर शोल्टो कुछ वर्षों तक शांति से रहते हैं, अपने खजाने के अधिकार में प्रसन्न रहते हैं। फिर उन्हें भारत से एक पत्र मिलता है जिससे वे बुरी तरह भयभीत हो जाते हैं। आखिर वह क्या था?"

"एक पत्र जिसमें यह बताया गया था कि जिन लोगों के साथ उसने अन्याय किया था, उन्हें रिहा कर दिया गया है।"

या फिर वह भाग निकला था। इसकी संभावना कहीं अधिक है, क्योंकि उसे उनकी कैद की अवधि का पता होता। यह उसके लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं होती। फिर वह क्या करता है? वह एक लकड़ी के पैर वाले आदमी से अपनी रक्षा करता है - ध्यान रहे, वह एक गोरा आदमी है, क्योंकि वह एक गोरे व्यापारी को ही गोरा समझ लेता है और उस पर पिस्तौल से गोली चला देता है। अब, चार्ट पर केवल एक गोरे आदमी का नाम है। बाकी सभी हिंदू या मुसलमान हैं। कोई दूसरा गोरा आदमी नहीं है। इसलिए हम विश्वासपूर्वक कह सकते हैं कि लकड़ी के पैर वाला आदमी जोनाथन स्मॉल ही है। क्या यह तर्क आपको गलत लगता है?

"नहीं: यह स्पष्ट और संक्षिप्त है।"

चलिए, अब हम खुद को जोनाथन स्मॉल की जगह पर रखकर देखते हैं। आइए, उसके नज़रिए से देखें। वह इंग्लैंड दोहरे इरादे से आता है: अपने अधिकारों को वापस पाना और उस व्यक्ति से बदला लेना जिसने उसके साथ अन्याय किया था। उसे पता चल गया कि शोल्टो कहाँ रहता है, और संभवतः उसने घर के अंदर किसी से संपर्क स्थापित कर लिया था। वहाँ एक बटलर है, लाल राव, जिसे हमने नहीं देखा है। श्रीमती बर्नस्टोन ने उसका चरित्र बिल्कुल भी अच्छा नहीं बताया है। हालांकि, स्मॉल को पता नहीं चल सका कि खजाना कहाँ छिपा था, क्योंकि मेजर और एक वफादार नौकर (जिसकी मृत्यु हो चुकी थी) के अलावा किसी को भी इसके बारे में पता नहीं था। अचानक स्मॉल को पता चलता है कि मेजर अपनी मृत्युशय्या पर है। इस डर से कि खजाने का रहस्य उसके साथ ही न मिट जाए, वह पहरेदारों को पार करते हुए मरते हुए आदमी की खिड़की तक पहुंचता है, लेकिन उसके दो बेटों की मौजूदगी के कारण ही वह अंदर जाने से रुकता है। हालांकि, मरे हुए आदमी के प्रति घृणा से पागल होकर, वह उस रात कमरे में घुसता है, खजाने से संबंधित किसी ज्ञापन की खोजने की उम्मीद में उसके निजी कागजात खंगालता है, और अंत में एक संदेश छोड़ जाता है। कार्ड पर लिखे संक्षिप्त संदेश में उसकी यात्रा की स्मृति चिन्ह के रूप में कुछ लिखा था। उसने निस्संदेह पहले से ही योजना बना रखी थी कि यदि वह मेजर की हत्या कर दे, तो वह शव पर कुछ ऐसा निशान छोड़ देगा जिससे यह संकेत मिले कि यह कोई सामान्य हत्या नहीं थी, बल्कि उसके चारों साथियों के नज़रिए से न्याय का एक रूपक था। इस तरह की सनकी और विचित्र कल्पनाएँ अपराध के इतिहास में आम हैं और आमतौर पर अपराधी के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। क्या आप यह सब समझ रहे हैं?

"बिल्कुल स्पष्ट रूप से।"

अब जोनाथन स्मॉल क्या कर सकता था? वह केवल खजाने की खोज के प्रयासों पर गुप्त रूप से नज़र रख सकता था। संभवतः वह इंग्लैंड छोड़कर चला जाता है और बीच-बीच में लौटता है। फिर अटारी का पता चलता है और उसे तुरंत इसकी सूचना दी जाती है। हम फिर से घर में किसी साथी की मौजूदगी का पता लगाते हैं। जोनाथन, अपने लकड़ी के पैर के कारण, बार्थोलोम्यू शोल्टो के ऊंचे कमरे तक पहुंचने में पूरी तरह असमर्थ है। हालांकि, वह अपने साथ एक अजीब से साथी को ले जाता है, जो इस कठिनाई को पार कर लेता है लेकिन अपना नंगा पैर क्रियोसोट में डुबो देता है, जिससे टोबी की कहानी शुरू होती है, और एक क्षतिग्रस्त एड़ी की नस वाले आधे वेतनभोगी अधिकारी को छह मील लंगड़ाकर चलना पड़ता है।

लेकिन अपराध जोनाथन ने नहीं बल्कि उसके सहयोगी ने किया था।

"बिल्कुल सही। और जोनाथन को तो इस बात से बहुत घृणा हुई होगी, कमरे में घुसते ही उसके इधर-उधर पैर पटकने के तरीके से तो यही लगता है। उसे बार्थोलोम्यू

शोल्टो से कोई शिकायत नहीं थी और वह चाहता था कि उसे बस बांधकर मुंह बंद कर दिया जाए। वह अपने सिर को फंदे में नहीं डालना चाहता था। लेकिन कोई चारा नहीं था: उसके साथी की जंगली प्रवृत्ति जाग उठी थी और ज़हर ने अपना असर दिखा दिया था: इसलिए जोनाथन स्मॉल ने अपना रिकॉर्ड वहीं छोड़ दिया, खजाने का बक्सा ज़मीन पर रख दिया और खुद भी उसके पीछे चला गया। जहाँ तक मैं समझ पाया हूं, घटनाक्रम यही था। ज़ाहिर है, उसकी शारीरिक बनावट की बात करें तो वह अधेड़ उम्र का होगा और अंडमान जैसी भीषण गर्मी में रहने के बाद धूप से झुलसा हुआ होगा। उसकी लंबाई उसके कदमों की लंबाई से आसानी से समझी जा सकती है, और हम जानते हैं कि उसकी दाढ़ी थी। उसकी दाढ़ी ही वह एक बात थी जिसने थडियस शोल्टो को खिड़की पर उसे देखते ही प्रभावित किया। मुझे नहीं लगता कि इसके अलावा और कुछ है।"

"सहयोगी?"

"अरे, खैर, इसमें कोई बड़ा रहस्य नहीं है। लेकिन आपको जल्द ही इसके बारे में सब पता चल जाएगा। सुबह की हवा कितनी मीठी है! देखो, वह छोटा सा बादल किसी विशालकाय राजहंस के गुलाबी पंख की तरह तैर रहा है। अब सूरज का लाल किनारा लंदन के बादलों के ऊपर से निकल रहा है। यह बहुत से लोगों पर चमक रहा है, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि आप और मुझ से ज़्यादा अजीब काम पर कोई नहीं है। प्रकृति की महान शक्तियों के सामने हम अपनी छोटी-छोटी महत्वाकांक्षाओं और कोशिशों के साथ कितने छोटे महसूस करते हैं! क्या आप जीन पॉल में ठीक हैं?"

"बिल्कुल सही। मैंने कार्लाइल के माध्यम से ही उन तक पहुंचने का रास्ता खोजा।"

"यह तो मानो छोटी नदी का अनुसरण करते हुए मुख्य झील तक पहुंचने जैसा था। वह एक विचित्र लेकिन गहन टिप्पणी करते हैं। वह यह है कि मनुष्य की वास्तविक महानता का मुख्य प्रमाण उसकी अपनी तुच्छता की अनुभूति में निहित है। यह तुलना और सराहना की ऐसी शक्ति को दर्शाता है जो स्वयं में ही श्रेष्ठता का प्रमाण है। रिक्टर की बातों में बहुत कुछ सोचने लायक है। आपके पास पिस्तौल तो नहीं है ना?"

मेरे पास मेरी छड़ी है।

"अगर हम उनके ठिकाने तक पहुँच गए तो शायद हमें इसी तरह की किसी चीज़ की ज़रूरत पड़ सकती है। जोनाथन, मैं यह ज़िम्मेदारी तुम पर छोड़ता हूं, लेकिन अगर दूसरा व्यक्ति हिंसक हुआ तो मैं उसे गोली मार दूंगा।"

बोलते-बोलते उसने अपना रिवॉल्वर निकाला और उसकी दो पेटियों में गोलियां भरकर उसे वापस अपनी जैकेट की दाहिनी जेब में रख लिया।

इस दौरान हम टोबी के मार्गदर्शन में अर्ध-ग्रामीण विला-युक्त सड़कों से होते हुए महानगर की ओर बढ़ रहे थे। लेकिन अब हम लगातार गलियों में पहुंचने लगे थे, जहाँ मजदूर और गोदी में काम करने वाले लोग पहले से ही चहल-पहल में थे, और मैली-कुचैली औरतें खिड़कियों के शटर उतारकर दरवाज़ों की सीढ़ियाँ साफ कर रही थीं। चौकोर आकार के कोने वाले पब में कारोबार अभी शुरू ही हुआ था, और खुरदुरे से दिखने वाले आदमी सुबह की भीगी दाढ़ी पर अपनी आस्तीनें रगड़ते हुए बाहर निकल रहे थे। अजीब से कुत्ते टहलते हुए हमारे पास आते और हमें हैरानी से घूरते, लेकिन हमारा अनोखा टोबी न तो दाईं ओर देखता और न ही बाईं ओर, बल्कि अपनी नाक ज़मीन पर गड़ाए और कभी-कभार उत्सुकता से भौंकते हुए आगे बढ़ता रहा, मानो किसी गर्म गंध का संकेत दे रहा हो।

हम स्ट्रीथम, ब्रिक्सटन, कैम्बरवेल से गुजर चुके थे और अब खुद को केनिंग्टन लेन में पा रहे थे, ओवल के पूर्व की ओर की गलियों से होते हुए। जिन लोगों का हम पीछा कर रहे थे, वे शायद नज़रों से बचने के इरादे से टेढ़े-मेढ़े रास्ते से जा रहे थे। अगर उन्हें

कोई समानांतर गली काम आ सकती थी, तो वे मुख्य सड़क पर नहीं चलते थे। केनिंग्टन लेन के अंत में वे बॉन्ड स्ट्रीट और माइल्स स्ट्रीट से होते हुए बाईं ओर मुड़ गए। जहाँ माइल्स स्ट्रीट नाइट्स प्लेस में बदल जाती है, वहाँ टोबी ने आगे बढ़ना बंद कर दिया और एक कान ऊपर और दूसरा नीचे लटकाए हुए आगे-पीछे दौड़ने लगा, मानो किसी कुत्ते की दुविधा का साक्षात चित्र हो। फिर वह गोल-गोल घूमने लगा, बीच-बीच में हमारी ओर देखता, मानो अपनी शर्मिंदगी में सहानुभूति माँग रहा हो।

"इस कुत्ते को आखिर हुआ क्या है?" होम्स गुर्राया। "ये न तो टैक्सी लेंगे और न ही गुब्बारे में उड़कर कहीं जाएँगे।"

मैंने सुझाव दिया, "शायद वे यहां कुछ देर तक खड़े रहे होंगे।"

"अरे! कोई बात नहीं। वह फिर से चला गया," मेरे साथी ने राहत भरी आवाज में कहा।

वह सचमुच चल पड़ा था, क्योंकि एक बार फिर चारों ओर सूंघने के बाद उसने अचानक मन बना लिया और ऐसी ऊर्जा और दृढ़ निश्चय के साथ भाग निकला जैसा उसने पहले कभी नहीं दिखाया था। गंध पहले से कहीं अधिक तीव्र प्रतीत हो रही थी, क्योंकि उसने अपनी नाक ज़मीन पर भी नहीं रखी थी, बल्कि अपनी रस्सी खींचकर दौड़ने की कोशिश कर रहा था। होम्स की आँखों की चमक से मैं समझ गया कि उसे लग रहा था कि हम अपनी यात्रा के अंत के करीब हैं।

अब हमारा रास्ता नाइन एल्म्स की ओर मुड़ा और हम व्हाइट ईगल टैवर्न के ठीक आगे ब्रॉडेरिक और नेल्सन के बड़े लकड़ी के गोदाम तक पहुँच गए। यहाँ कुत्ता, उत्साह से पागल होकर, बगल के गेट से बाड़े में घुस गया, जहाँ लकड़हारे पहले से ही काम कर रहे थे। कुत्ता लकड़ी के बुरादे और छिलके के बीच से दौड़ता हुआ एक गली से गुजरा, एक रास्ते से होते हुए, लकड़ी के दो ढेरों के बीच से होते हुए, अंत में, एक विजयी भौंक के साथ, उस बड़े बैरल पर कूद पड़ा जो अभी भी उस हाथगाड़ी पर रखा था जिस पर उसे लाया गया था। लटकती जीभ और झपकती आँखों के साथ टोबी बैरल पर खड़ा था, हममें से हर एक को प्रशंसा का कोई संकेत पाने के लिए देख रहा था। बैरल के तख्ते और ट्रॉली के पहिए एक गहरे तरल पदार्थ से सने हुए थे, और पूरी हवा में क्रेओसोट की गंध फैली हुई थी।

शर्लक होम्स और मैंने एक-दूसरे को खाली निगाहों से देखा और फिर एक साथ बेकाबू होकर हंसने लगे।

अध्याय 8

बेकर स्ट्रीट इरेगुलर्स

"अब क्या?" मैंने पूछा। "टोबी ने अपनी अचूकता की छवि खो दी है।"

"उसने अपनी समझ के अनुसार काम किया," होम्स ने उसे बैरल से नीचे उतारते हुए और लकड़ी के गोदाम से बाहर ले जाते हुए कहा। "अगर आप इस बात पर गौर करें कि लंदन में एक दिन में कितना क्रियोसोट ढोया जाता है, तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि हमारा रास्ता उससे टकरा गया। इसका आजकल बहुत उपयोग होता है, खासकर लकड़ी को सुखाने के लिए। बेचारे टोबी की कोई गलती नहीं है।"

"मुझे लगता है कि हमें फिर से मुख्य सुराग पर ध्यान केंद्रित करना होगा।"

"हाँ। और, सौभाग्य से, हमें ज़्यादा दूर नहीं जाना है। ज़ाहिर है, नाइट्स प्लेस के कोने पर कुत्ते को जो बात उलझन में डाले रही थी, वह यह थी कि वहाँ दो अलग-अलग

रास्ते विपरीत दिशाओं में जा रहे थे। हमने गलत रास्ता ले लिया। अब बस दूसरे रास्ते पर चलना बाकी है।”

इसमें कोई कठिनाई नहीं थी। टोबी को उस स्थान पर ले जाने के बाद जहाँ उसने गलती की थी, उसने चारों ओर एक विस्तृत घेरा बनाया और अंत में एक नई दिशा में तेज़ी से निकल गया।

मैंने कहा, "हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि वह हमें उस जगह पर न ले जाए जहां से क्रेओसोट का बैरल आया था।"

“मैंने इसके बारे में सोचा था। लेकिन आपने ध्यान दिया होगा कि वह फुटपाथ पर ही चल रहा है, जबकि बैरल सड़क पर आगे बढ़ गया। नहीं, अब हम सही सुराग की ओर बढ़ रहे हैं।”

यह नदी की ओर नीचे की ओर जाती थी, बेलमोंट प्लेस और प्रिंस स्ट्रीट से होकर गुजरती थी। ब्रॉड स्ट्रीट के अंत में यह सीधे पानी के किनारे तक जाती थी, जहाँ एक छोटा सा लकड़ी का घाट था। टोबी हमें इसके बिल्कुल किनारे तक ले गया और वहाँ धीमी आवाज़ में रोते हुए, दूर बहती हुई अंधेरी धारा को देख रहा था।

“हमारी किस्मत खराब है,” होम्स ने कहा। “वे यहां नाव से आ गए हैं।”

पानी में और घाट के किनारे कई छोटी नावें और छोटी नौकाएँ पड़ी थीं। हमने टोबी को बारी-बारी से उन सभी के पास ले गए, लेकिन उसने उत्सुकता से सूंघा तो सही, पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

उस साधारण से घाट के पास ही एक छोटा सा ईंटों का मकान था, जिसकी दूसरी खिड़की से एक लकड़ी का तख्ती लटका हुआ था। उस पर बड़े अक्षरों में "मॉर्डकै स्मिथ" लिखा था, और उसके नीचे "घंटे या दिन के हिसाब से नाव किराए पर उपलब्ध" लिखा था। दरवाजे के ऊपर एक और शिलालेख से पता चला कि वहाँ एक स्टीमर नाव रखी हुई थी - इस बात की पुष्टि घाट पर पड़े कोयले के बड़े ढेर से हुई। शर्लक होम्स ने धीरे-धीरे चारों ओर देखा, और उनके चेहरे पर एक अशुभ भाव आ गया।

“यह तो बुरा लग रहा है,” उसने कहा। “ये लोग मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा चालाक हैं। ऐसा लगता है कि इन्होंने अपने सारे सबूत मिटा दिए हैं। मुझे डर है कि यहाँ पहले से ही कोई साजिश रची गई है।”

वह घर के दरवाजे के पास पहुँच ही रहा था कि दरवाजा खुला और छह साल का एक छोटा घुंघराले बालों वाला लड़का दौड़ता हुआ बाहर आया, उसके पीछे एक हष्ट-पुष्ट, लाल चेहरे वाली महिला थी जिसके हाथ में एक बड़ा स्पंज था।

“जाकर नहा लो, जैक,” वह चिल्लाई। “वापस आ जाओ, बदमाश बच्चे; क्योंकि अगर तुम्हारे पिताजी घर आए और तुम्हें इस हालत में देखा तो वे हमें खूब खरी-खोटी सुनाएंगे।”

“प्यारे नन्हे बच्चे!” होम्स ने चतुराई से कहा। “कितना मासूम और शरारती बच्चा है! जैक, क्या तुम्हें कुछ चाहिए?”

युवक ने कुछ देर सोचा।

“मुझे एक शिलिंग चाहिए,” उसने कहा।

"क्या आपको इससे बेहतर कुछ और चाहिए?"

कुछ सोचने के बाद उस प्रतिभाशाली बच्चे ने जवाब दिया, "मुझे दो शिलिंग ज्यादा पसंद आएंगे।"

“लो, ये लो! पकड़ो! – बहुत ही प्यारी बच्ची है, श्रीमती स्मिथ!”

"भगवान आपका भला करे, महोदय, वह ऐसा ही है, और बहुत ही आगे बढ़कर काम करता है। वह मेरे लिए संभालना लगभग असंभव हो जाता है, खासकर जब मेरा आदमी कई दिनों तक अनुपस्थित रहता है।"

“क्या वह जा रहे हैं?” होम्स ने निराश स्वर में कहा। “मुझे खेद है, क्योंकि मैं श्री स्मिथ से बात करना चाहता था।”

“वह कल सुबह से गायब है, महोदय, और सच कहूँ तो, मुझे उसके बारे में डर लगने लगा है। लेकिन अगर बात नाव की होती, महोदय, तो शायद मैं भी काम चला सकता था।”

मैं उसका स्टीम लॉन्च किराए पर लेना चाहता था।

“अरे वाह, महोदय, वो तो स्टीम लॉन्च में गए हैं। यही बात मुझे परेशान कर रही है, क्योंकि मुझे पता है कि उसमें इतना ही कोयला है कि वो वूलविच जाकर वापस आ सकें। अगर वो बजरा में गए होते तो मुझे कोई हैरानी नहीं होती; क्योंकि कई बार काम के सिलसिले में वो ग्रेवसेंड तक गए हैं, और अगर वहाँ ज्यादा काम होता तो वो रुक भी जाते। लेकिन बिना कोयले के स्टीम लॉन्च का क्या फायदा?”

"हो सकता है उसने नदी के किनारे किसी घाट से कुछ खरीदा हो।"

“हो सकता है, महोदय, लेकिन यह उसका तरीका नहीं है। मैंने कई बार उसे कुछ बोरियों के लिए वसूले जाने वाले दामों पर आपत्ति जताते सुना है। इसके अलावा, मुझे वह लकड़ी के पैर वाला आदमी, उसका बदसूरत चेहरा और अटपटी बातें पसंद नहीं हैं। आखिर वह हमेशा यहाँ क्यों घूमता रहता है?”

"लकड़ी के पैर वाला आदमी?" होम्स ने भावहीन आश्चर्य के साथ कहा।

जी हाँ, एक भूरे रंग का, बंदर जैसे चेहरे वाला आदमी, जिसने मेरे पिताजी को कई बार बुलाया है। उसी ने कल रात उन्हें जगाया था और इतना ही नहीं, मेरे पिताजी को पता था कि वह आ रहा है, क्योंकि उन्होंने नाव में भाप भर रखी थी। मैं आपको साफ-साफ बता दूं, महोदय, मुझे इस बारे में बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा है।

“लेकिन, मेरी प्यारी श्रीमती स्मिथ,” होम्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, “आप बेवजह ही घबरा रही हैं। आपको कैसे पता चला कि रात में लकड़ी के पैर वाला आदमी ही आया था? मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप इतनी निश्चित कैसे हो सकती हैं।”

“उनकी आवाज़, साहब। मैं उनकी आवाज़ पहचानता था, जो थोड़ी भारी और अस्पष्ट सी थी। उन्होंने खिड़की पर दस्तक दी—लगभग तीन बजे होंगे। ‘जल्दी चलो, दोस्त,’ उन्होंने कहा: ‘पहरेदारी करने का समय हो गया है।’ मेरे पिताजी ने जिम को जगाया—वह मेरा सबसे बड़ा बेटा है—और वे मुझसे एक शब्द भी कहे बिना चले गए। मैं लकड़ी के पैर की पत्थरों पर खटखटाहट सुन सकता था।”

"और क्या यह लकड़ी के पैर वाला आदमी अकेला था?"

“मैं निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता, महोदय। मैंने किसी और को बोलते हुए नहीं सुना।”

"मुझे खेद है, श्रीमती स्मिथ, क्योंकि मुझे एक स्टीम लॉन्च चाहिए थी, और मैंने इसके बारे में अच्छी खबरें सुनी हैं - मुझे देखने दीजिए, उसका नाम क्या है?"

"ऑरोरा, महोदय।"

“अरे! क्या यह वह पुरानी हरी नाव नहीं है जिस पर पीली रेखा बनी होती है और जिसका बीम बहुत चौड़ा होता है?”

“जी नहीं, बिलकुल। वह नदी पर मौजूद किसी भी छोटी नाव की तरह ही सुंदर और आकर्षक है। उसे अभी-अभी रंगा गया है, काले रंग पर दो लाल धारियाँ हैं।”

“धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि आपको जल्द ही मिस्टर स्मिथ से खबर मिलेगी। मैं नदी के रास्ते जा रहा हूं, और अगर मुझे ऑरोरा का कुछ भी दिखाई दिया तो मैं उन्हें बता दूंगा कि आप चिंतित हैं। एक काला फनल, आप कह रहे हैं?”

नहीं, महोदय। काला रंग, सफेद पट्टी के साथ।

“अरे हाँ, बिल्कुल। किनारे हो काले थे। सुप्रभात, श्रीमती स्मिथ। यहाँ एक नाविक है जिसके पास एक छोटी नाव है, वॉट्सन। हम उसी में बैठकर नदी पार करेंगे।”

जब हम नाव के चबूतरे पर बैठे थे, तब होम्स ने कहा, "ऐसे लोगों के साथ सबसे ज़रूरी बात यह है कि उन्हें कभी यह न लगने दें कि उनकी जानकारी आपके लिए ज़रा भी महत्वपूर्ण हो सकती है। अगर आप ऐसा करेंगे तो वे तुरंत सीप की तरह चुप हो जाएंगे। अगर आप उनकी बात को विनम्रता से सुनें, तो आपको अपनी मनचाही बात मिलने की पूरी संभावना है।"

मैंने कहा, "अब हमारा रास्ता काफी स्पष्ट लग रहा है।"

"फिर तुम क्या करोगे?"

मैं एक नाव किराए पर लेकर अरोरा के मार्ग पर नदी में आगे बढ़ूंगा।

“मेरे प्रिय मित्र, यह एक बहुत बड़ा काम होगा। वह यहाँ से ग्रीनविच के बीच नदी के दोनों किनारों पर किसी भी घाट पर रुकी हो सकती है। पुल के नीचे मीलों तक घाटों का एक जटिल जाल फैला हुआ है। यदि आप अकेले ही इस काम में जुट जाएँ तो इन सभी घाटों को खोजने में आपको कई दिन लग जाएँगे।”

"तो फिर पुलिस को काम पर लगाओ।"

“नहीं। मैं शायद आखिरी समय में एथलनी जोन्स को बुलाऊँगा। वह बुरा आदमी नहीं है, और मैं ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहूँगा जिससे उसके पेशेवर जीवन को नुकसान पहुँचे। लेकिन अब जब हम इतना आगे बढ़ चुके हैं, तो मेरा मन कर रहा है कि मैं खुद ही इस मामले को सुलझा लूं।” “तो क्या हम घाट पर काम करने वालों से जानकारी मांगने के लिए विज्ञापन दे सकते हैं?”

हालात बदतर होते जा रहे हैं! हमारे आदमियों को पता चल जाएगा कि पुलिस उनका पीछा कर रही है और वे देश से भाग जाएंगे। वैसे तो उनके भागने की संभावना काफी है, लेकिन जब तक उन्हें लगेगा कि वे पूरी तरह सुरक्षित हैं, तब तक उन्हें कोई जल्दी नहीं होगी। जोन्स की ऊर्जा हमारे लिए बहुत काम आएगी, क्योंकि इस मामले पर उनका नजरिया अखबारों में जरूर छपेगा और भागने वालों को लगेगा कि सब लोग गलत दिशा में भटक रहे हैं।

"तो फिर हम क्या करें?" मैंने मिलबैंक जेल के पास उतरते ही पूछा।

“यह गाड़ी लो, घर जाओ, नाश्ता करो और एक घंटे सो जाओ। आज रात फिर से पैदल चलना पड़ सकता है। टैक्सी ड्राइवर, किसी टेलीग्राफ स्टेशन पर रुकना! हम टोबी को अपने पास रखेंगे, क्योंकि वह हमारे काम आ सकता है।”

हम ग्रेट पीटर स्ट्रीट डाकघर पर रुके, और होम्स ने अपना तार भेजा।

"तुम्हें क्या लगता है कि यह किसके लिए है?" उसने पूछा जब हमने अपनी यात्रा फिर से शुरू की।

मुझे यकीन है कि मुझे नहीं पता।

"क्या आपको जेफरसन होप मामले में मेरे द्वारा नियुक्त जासूस पुलिस बल के बेकर स्ट्रीट डिवीजन याद हैं?"

“अच्छा,” मैंने हंसते हुए कहा।

“यही वो स्थिति है जहाँ वे अमूल्य साबित हो सकते हैं। अगर वे नाकाम रहे तो मेरे पास दूसरे साधन भी हैं, लेकिन मैं पहले उन्हें आज़माऊँगा। वो तार मेरे छोटे से लेफ्टिनेंट विगिंस के लिए था, और मुझे उम्मीद है कि नाश्ता खत्म होने से पहले ही वो और उसका गिरोह हमारे पास पहुँच जाएगा।”

अब आठ-नौ बज रहे थे और रात भर के लगातार झगड़ों के बाद मुझमें तीव्र प्रतिक्रिया हो रही थी। मैं सुस्त और थका हुआ था, मेरा दिमाग सुस्त और शरीर थका हुआ था। मेरे साथी में जो पेशेवर उत्साह था, वह मुझमें नहीं था, और न ही मैं इस मामले

को महज एक अमूर्त बौद्धिक समस्या के रूप में देख सकता था। बार्थोलोम्यू शोल्टो की मृत्यु के बारे में मैंने कुछ खास अच्छी बातें नहीं सुनी थीं और उनके हत्यारों के प्रति मेरे मन में कोई तीव्र घृणा नहीं थी। लेकिन खजाना एक अलग ही मामला था। वह, या उसका कुछ हिस्सा, सही मायने में मिस मोरस्टन का था। जब तक उसे वापस पाने की कोई संभावना थी, मैं अपना जीवन इसी एक लक्ष्य के लिए समर्पित करने को तैयार था। सच है, अगर मुझे वह मिल जाता, तो शायद वह हमेशा के लिए मेरी पहुँच से बाहर हो जाती। फिर भी, इस तरह के विचार से प्रभावित होना एक तुच्छ और स्वार्थी प्रेम होगा। अगर होम्स अपराधियों को ढूंढने के लिए काम कर सकता है, तो मेरे पास खजाना ढूंढने के लिए दस गुना अधिक मजबूत कारण था।

बेकर स्ट्रीट में नहाने और कपड़े बदलने से मुझे बहुत ताज़गी मिली। जब मैं अपने कमरे में आया तो नाश्ता लगा हुआ था और होम्स कॉफ़ी परोस रहे थे।

“ये लीजिए,” उसने हंसते हुए और खुले अखबार की ओर इशारा करते हुए कहा। “ऊर्जावान जोन्स और सर्वव्यापी पत्रकार ने इसे आपस में सुलझा लिया है। लेकिन आप इस मामले को काफी सुन चुके हैं। पहले अपना हैम और अंडा खा लीजिए।”

मैंने उससे अखबार लिया और संक्षिप्त सूचना पढ़ी, जिसका शीर्षक था "अपर नॉरवुड में रहस्यमय गतिविधि"।

कल रात करीब बारह बजे [स्टैंडर्ड अखबार के अनुसार] अपर नॉरवुड स्थित पॉन्डिचेरी लॉज के निवासी श्री बार्थोलोम्यू शोल्टो अपने कमरे में मृत पाए गए। उनकी मृत्यु के हालात देखकर किसी साजिश का संदेह होता है। जहाँ तक हमें जानकारी मिली है, श्री शोल्टो के शरीर पर हिंसा के कोई निशान नहीं मिले हैं, लेकिन उनके पिता से विरासत में मिले भारतीय रत्नों का एक बहुमूल्य संग्रह चोरी हो गया है। सबसे पहले श्री शर्लक होम्स और डॉ. वॉटसन ने इस घटना का पता लगाया, जो मृतक के भाई श्री थाडियस शोल्टो के साथ उनके घर गए थे। संयोगवश, पुलिस जांच दल के जाने-माने सदस्य श्री एथेलनी जोन्स उस समय नॉरवुड पुलिस स्टेशन में मौजूद थे और सूचना मिलते ही आधे घंटे के भीतर घटनास्थल पर पहुँच गए। उनकी प्रशिक्षित और अनुभवी क्षमताएं तुरंत अपराधियों का पता लगाने में जुट गईं, जिसका संतोषजनक परिणाम यह हुआ कि भाई थाडियस शोल्टो को हाउसकीपर श्रीमती बर्नस्टोन, लाल राव नामक एक भारतीय बटलर और मैकमर्डो नामक एक चौकीदार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। यह पूरी तरह से निश्चित है कि चोर या चोर घर से अच्छी तरह परिचित थे, क्योंकि श्री जोन्स के सुप्रसिद्ध तकनीकी ज्ञान और सूक्ष्म अवलोकन क्षमता ने उन्हें निर्णायक रूप से यह साबित करने में सक्षम बनाया कि अपराधी दरवाजे या खिड़की से प्रवेश नहीं कर सकते थे, बल्कि इमारत की छत से होकर और फिर एक गुप्त दरवाजे से उस कमरे में घुसे होंगे जो उस कमरे से जुड़ा था जिसमें शव मिला था। यह तथ्य, जो स्पष्ट रूप से सिद्ध हो चुका है, निर्णायक रूप से साबित करता है कि यह कोई साधारण चोरी नहीं थी। कानून के अधिकारियों की त्वरित और ऊर्जावान कार्रवाई ऐसे अवसरों पर एक सशक्त और कुशल व्यक्ति की उपस्थिति के महान लाभ को दर्शाती है। हम यह सोचने से खुद को रोक नहीं सकते कि यह उन लोगों के तर्क को बल देता है जो हमारे जासूसों को अधिक विकेंद्रीकृत देखना चाहते हैं, और इस प्रकार उन्हें उन मामलों के साथ अधिक निकट और प्रभावी संपर्क में लाना चाहते हैं जिनकी जांच करना उनका कर्तव्य है।

“कितना खूबसूरत है!” होम्स ने कॉफी का कप पकड़े हुए मुस्कुराते हुए कहा। “आपको यह कैसा लगा?”

मुझे लगता है कि हम खुद भी इस अपराध के लिए गिरफ्तार होने से बाल-बाल बच गए हैं।

"मैं भी यही सोचता हूं। अगर उसे फिर से अपनी ऊर्जा का दौरा पड़ जाए तो मैं हमारी सुरक्षा की जिम्मेदारी नहीं लूंगा।"

इसी क्षण घंटी ज़ोर से बजी, और मैं हमारी मकान मालकिन श्रीमती हडसन को विरोध और निराशा में विलाप करते हुए अपनी आवाज उठाते हुए सुन सकता था।

"हे भगवान, होम्स," मैंने आधा उठते हुए कहा, "मुझे लगता है कि वे सचमुच हमारे पीछे पड़े हैं।"

"नहीं, बात इतनी भी बुरी नहीं है। ये तो अनौपचारिक बल है – बेकर स्ट्रीट के अनियमित बल।"

जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, सीढ़ियों पर नंगे पैरों की तेज़ आहट सुनाई दी, ऊँची आवाज़ों का शोर गूंज उठा और एक दर्जन गंदे और फटे-पुराने कपड़े पहने छोटे-छोटे गली के लड़के अंदर घुस आए। शोर-शराबे के बावजूद उनमें कुछ अनुशासन तो था ही, क्योंकि वे तुरंत कतार में खड़े हो गए और उम्मीद भरी निगाहों से हमारी ओर देखने लगे। उनमें से एक, जो बाकियों से लंबा और उम्र में बड़ा था, बड़े ही घमंडी अंदाज़ में आगे बढ़ा, जो ऐसे बदनाम से छोटे लड़के के लिए बहुत हास्यास्पद था।

"आपका संदेश मिल गया, महोदय," उसने कहा, "और मैंने उन्हें तुरंत बुला लिया है। टिकटों के लिए तीन शिलिंग और एक चमड़ा दिया जाएगा।"

"ये लीजिए," होम्स ने कुछ चांदी के सिक्के निकालते हुए कहा। "भविष्य में वे आपको, विगिंस, और आप मुझे रिपोर्ट कर सकते हैं। मैं इस तरह घर में घुसपैठ नहीं होने दे सकता। हालांकि, यह अच्छा ही है कि आप सभी निर्देश सुन लें। मैं 'अरोरा' नाम की एक स्टीम लॉन्च का पता लगाना चाहता हूं, जिसका मालिक मोर्दकै स्मिथ है। वह काले रंग की है जिस पर दो लाल धारियाँ हैं, और उसकी चिमनी काले रंग की है जिस पर एक सफेद पट्टी है। वह नदी में कहीं नीचे है। मैं चाहता हूँ कि एक लड़का मिलबैंक के सामने मोर्दकै स्मिथ के घाट पर रहे और नाव के वापस आने पर मुझे बताए। आप इसे आपस में बाँट लें और दोनों किनारों की अच्छी तरह से जाँच करें। जैसे ही आपको कोई खबर मिले, मुझे बता देना। क्या सब ठीक है?"

"जी जी साहब," विगिंस ने कहा।

"पुराने वेतनमान के अनुसार, और नाव ढूंढने वाले लड़के को एक गिनी (सिक्का) मिलेगा। ये लो एक दिन का अग्रिम भुगतान। अब जाओ!"

उसने उन्हें एक-एक शिलिंग दी, और वे तेजी से सीढ़ियों से नीचे उतर गए, और मैंने उन्हें कुछ ही क्षण बाद सड़क पर दौड़ते हुए देखा।

"अगर नाव पानी के ऊपर है तो वे उसे ढूंढ लेंगे," होम्स ने मेज से उठते हुए और अपनी पाइप जलाते हुए कहा। "वे हर जगह जा सकते हैं, सब कुछ देख सकते हैं, सबकी बातें सुन सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि शाम से पहले ही हमें खबर मिल जाएगी कि उन्होंने उसे देख लिया है। इस बीच, हम नतीजों का इंतजार करने के अलावा कुछ नहीं कर सकते। जब तक हमें या तो अरोरा या श्री मोर्दकै स्मिथ नहीं मिल जाते, तब तक हम इस अधूरी खोज को आगे नहीं बढ़ा सकते।"

"टोबी ये जूठे टुकड़े खा सकता है, मुझे पूरा यकीन है। क्या आप सोने जा रहे हैं, होम्स?"

नहीं: मैं थका हुआ नहीं हूँ। मेरा शरीर अजीब है। मुझे काम से कभी थकान महसूस नहीं होती, जबकि खाली बैठने से मैं पूरी तरह थक जाता हूं। मैं सिगरेट पीने जा रहा हूं और उस अजीबोगरीब काम के बारे में सोचूंगा जिसमें मेरी प्यारी ग्राहक ने हमें उलझाया है। अगर कभी किसी इंसान को कोई आसान काम मिला है, तो हमारा यह

काम ज़रूर आसान होगा। लकड़ी के पैर वाले लोग इतने आम नहीं होते, लेकिन मुझे लगता है कि दूसरा आदमी बिल्कुल अनोखा होगा।

"फिर वही दूसरा आदमी!"

"वैसे भी, मैं उसे आपके लिए रहस्यमय नहीं बनाना चाहता। लेकिन आपने अपनी राय तो बना ही ली होगी। अब, आँकड़ों पर गौर कीजिए। छोटे-छोटे पदचिह्न, कभी जूतों से जकड़ी न गई उंगलियां, नंगे पैर, पत्थर की नोक वाली लकड़ी की गदा, अद्भुत फुर्ती, छोटे विषैले तीर। इन सब से आपका क्या निष्कर्ष निकलता है?"

"एक बर्बर!" मैंने हैरानी से कहा। "शायद उन भारतीयों में से एक जो जोनाथन स्मॉल के साथी थे।"

"बिल्कुल नहीं," उसने कहा। "जब मैंने पहली बार अजीब हथियारों के निशान देखे तो मुझे ऐसा ही लगा, लेकिन पैरों के निशानों की असाधारण प्रकृति ने मुझे अपने विचार पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया। भारतीय प्रायद्वीप के कुछ निवासी कद में छोटे होते हैं, लेकिन कोई भी ऐसे निशान नहीं छोड़ सकता। सच्चे हिंदू के पैर लंबे और पतले होते हैं। चप्पल पहनने वाले मुसलमान का अंगूठा बाकी उंगलियों से काफी अलग होता है क्योंकि चप्पल की पट्टी आमतौर पर बीच से निकलती है। ये छोटे तीर भी केवल एक ही तरीके से चलाए जा सकते हैं। ये किसी फूंकने वाली पाइप से निकले हैं। तो फिर, हमें अपना जंगली कहाँ मिलेगा?"

मैंने अनुमान लगाया, "दक्षिण अमेरिका।"

उसने अपना हाथ ऊपर उठाया और शेल्फ से एक मोटी किताब नीचे उतार ली।

"यह एक राजपत्र का पहला खंड है जिसे अब प्रकाशित किया जा रहा है। इसे नवीनतम प्रामाणिक स्रोत माना जा सकता है। हमारे पास यहाँ क्या है?"

"अंडमान द्वीप समूह, जो बंगाल की खाड़ी में सुमात्रा से 340 मील उत्तर में स्थित है।"

हम्म! हम्म! ये सब क्या है? नम जलवायु, प्रवाल भित्तियाँ, शार्क, पोर्ट ब्लेयर, कैदी बैरक, रटलैंड द्वीप, कॉटनवुड के पेड़ — आह, हम यहाँ हैं!

अंडमान द्वीप समूह के मूल निवासी शायद पृथ्वी पर सबसे छोटी नस्ल होने का गौरव प्राप्त कर सकते हैं, हालांकि कुछ मानवविज्ञानी अफ्रीका के बुशमैन, अमेरिका के डिगर इंडियन और टेरा डेल फ्यूगियन को इस श्रेणी में बेहतर मानते हैं। इनकी औसत ऊंचाई चार फीट से थोड़ी कम है, हालांकि कई वयस्क इससे भी काफी छोटे पाए जाते हैं। ये उग्र, चिड़चिड़े और ज़िद्दी लोग हैं, लेकिन एक बार विश्वास जीतने के बाद ये बेहद निष्ठावान मित्रता निभाने में सक्षम होते हैं।

इसे याद रखना, वॉटसन। अब, इसे सुनो।

"वे स्वभाव से ही भयंकर हैं, उनके बड़े, बेढंगे सिर, छोटी-छोटी क्रूर आँखें और विकृत चेहरे हैं। हालांकि, उनके पैर और हाथ आश्चर्यजनक रूप से छोटे हैं। वे इतने अड़ियल और क्रूर हैं कि ब्रिटिश अधिकारियों के सभी प्रयास उन्हें किसी भी हद तक अपने वश में करने में विफल रहे हैं। वे हमेशा से ही जहाज़ दुर्घटना में बचे लोगों के लिए आतंक का कारण रहे हैं, वे बचे हुए लोगों को अपने पत्थर के डंडों से मार डालते हैं या अपने विषैले तीरों से उन्हें घायल कर देते हैं। इन नरसंहारों का अंत हमेशा नरभक्षण भोज के साथ होता है।"

वॉटसन, आप लोग कितने अच्छे और मिलनसार हैं! अगर इस व्यक्ति को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता, तो मामला और भी भयावह मोड़ ले सकता था। मुझे लगता है कि जोनाथन स्मॉल को अब भी उसे काम पर न रखने का बहुत अफसोस होगा।

लेकिन उसे इतना विलक्षण साथी कैसे मिल गया?

“अरे, यह तो मेरी समझ से परे है। वैसे, चूंकि हमने पहले ही तय कर लिया था कि स्मॉल अंडमान से आया है, इसलिए इस द्वीपवासी का उसके साथ होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। हमें समय आने पर सब पता चल जाएगा। देखो, वॉटसन; तुम तो बिल्कुल थके हुए लग रहे हो। सोफे पर लेट जाओ और देखो, क्या मैं तुम्हें सुला सकता हूं।”

उन्होंने कोने से अपनी वायलिन उठाई, और जैसे ही मैं लेट गया, उन्होंने एक धीमी, मधुर, स्वप्निल धुन बजानी शुरू कर दी - निस्संदेह उनकी अपनी धुन, क्योंकि उनमें तात्कालिक रचना की अद्भुत प्रतिभा थी। मुझे उनके दुबले-पतले अंगों, उनके गंभीर चेहरे और उनके वायलिन के उठने-गिरने की धुंधली सी याद है। फिर मुझे ऐसा लगा जैसे मैं ध्वनि के एक कोमल सागर पर शांतिपूर्वक बह रहा हूं, जब तक कि मैं स्वप्नलोक में नहीं पहुंच गया, जहां मैरी मोरस्टन का प्यारा चेहरा मुझे देख रहा था।

अध्याय 9

श्रृंखला में एक दरार

दोपहर ढलने के काफी बाद मैं तरोताज़ा होकर उठा। शर्लक होम्स ठीक उसी तरह बैठे थे जैसे मैंने उन्हें छोड़ा था, बस फर्क इतना था कि उन्होंने अपना वायलिन एक तरफ रख दिया था और एक किताब में मग्न थे। जैसे ही मैं उठा, उन्होंने मेरी तरफ देखा और मैंने गौर किया कि उनका चेहरा उदास और परेशान था।

उन्होंने कहा, "तुम चैन से सोए हो। मुझे डर था कि हमारी बातचीत से तुम्हारी नींद खुल जाएगी।"

मैंने जवाब दिया, "मैंने कुछ नहीं सुना। तो क्या आपको कोई ताज़ा खबर मिली है?"

“दुर्भाग्यवश, नहीं। मैं स्वीकार करता हूं कि मैं आश्चर्यचकित और निराश हूं। मुझे इस समय तक कुछ निश्चित जानकारी मिलने की उम्मीद थी। विगिंस अभी रिपोर्ट देने आए थे। उनका कहना है कि प्रक्षेपण का कोई सुराग नहीं मिला है। यह एक चौंकाने वाली बात है, क्योंकि हर घंटा महत्वपूर्ण होता है।”

“क्या मैं कुछ कर सकता हूं? मैं अब बिल्कुल तरोताज़ा हूँ, और एक और रात की सैर के लिए पूरी तरह तैयार हूं।”

“नहीं; हम कुछ नहीं कर सकते। हम केवल प्रतीक्षा कर सकते हैं। यदि हम स्वयं चले गए तो संदेश हमारी अनुपस्थिति में आ सकता है और देरी हो सकती है। आप जो चाहें कर सकते हैं, लेकिन मुझे सतर्क रहना होगा।”

“फिर मैं कैम्बरवेल जाकर श्रीमती सेसिल फॉरेस्टर से मिलूंगा। उन्होंने कल मुझे ऐसा करने के लिए कहा था।”

"श्रीमती सेसिल फॉरेस्टर के बारे में?" होम्स ने अपनी आंखों में मुस्कान की चमक के साथ पूछा।

"हां, बिल्कुल मिस मोरस्टन के बारे में भी। वे यह जानने के लिए उत्सुक थे कि क्या हुआ।"

होम्स ने कहा, "मैं उन्हें ज्यादा कुछ नहीं बताऊंगा। महिलाओं पर कभी भी पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता - खासकर उनमें से सबसे अच्छी महिलाओं पर भी नहीं।"

मैंने इस घृणित भावना पर बहस करने के लिए रुकने की जरूरत नहीं समझी।

मैंने कहा, "मैं एक-दो घंटे में वापस आ जाऊंगा।"

“ठीक है! शुभकामनाएँ! लेकिन, मैं कहता हूं, अगर आप नदी पार कर रहे हैं तो बेहतर होगा कि आप टोबी को वापस लौटा दें, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि अब हमें

उसकी कोई ज़रूरत होगी।"

मैंने अपने आवारा कुत्ते को लिया और उसे, साथ ही एक आधा सोवरिन (लगभग 175 सेंट) को, पिंचिन लेन में रहने वाले बूढ़े प्रकृतिवादी के यहाँ छोड़ दिया। कैम्बरवेल में मुझे मिस मोरस्टन रात भर के रोमांच के बाद थोड़ी थकी हुई मिलीं, लेकिन खबर सुनने के लिए बहुत उत्सुक थीं। श्रीमती फॉरेस्टर भी उत्सुकता से भरी हुई थीं। मैंने उन्हें सब कुछ बताया जो हमने किया था, हालांकि त्रासदी के अधिक भयावह हिस्सों को छिपा लिया। इस प्रकार, हालांकि मैंने श्री शोल्टो की मृत्यु के बारे में बताया, मैंने इसके सटीक तरीके और ढंग के बारे में कुछ नहीं कहा। फिर भी, मेरे द्वारा छिपाई गई सभी बातों के बावजूद, उन्हें चौंकाने और आश्चर्यचकित करने के लिए काफी कुछ था।

"यह एक प्रेम कहानी है!" श्रीमती फॉरेस्टर चिल्लाईं। "एक घायल महिला, आधा मिलियन का खजाना, एक काला नरभक्षी और एक लकड़ी के पैर वाला बदमाश। ये पारंपरिक ड्रैगन या दुष्ट अर्ल की जगह लेते हैं।"

"और दो वीर योद्धा बचाव के लिए आ रहे हैं," मिस मोरस्टन ने मेरी ओर एक चमकीली नज़र डालते हुए कहा।

"अरे, मेरी, तुम्हारा भविष्य इस खोज के नतीजे पर निर्भर करता है। मुझे नहीं लगता कि तुम इस बात से पूरी तरह उत्साहित हो। ज़रा सोचो, इतना अमीर होना और पूरी दुनिया तुम्हारे कदमों में होना कैसा होगा!"

यह देखकर मेरे दिल में थोड़ी खुशी की लहर दौड़ गई कि उसने इस संभावना पर जरा भी प्रसन्नता नहीं दिखाई। इसके विपरीत, उसने गर्व से अपना सिर ऐसे उछाला मानो उसे इस मामले में कोई खास दिलचस्पी न हो।

"मुझे श्री थाडियस शोल्टो की चिंता है," उन्होंने कहा। "बाकी सब कुछ मायने नहीं रखता; लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने शुरू से लेकर अंत तक बेहद दयालु और सम्मानजनक व्यवहार किया है। उन्हें इस भयानक और निराधार आरोप से बरी करना हमारा कर्तव्य है।"

कैंबरवेल से निकलते समय शाम हो चुकी थी, और घर पहुँचते-पहुँचते काफी अंधेरा हो गया था। मेरे साथी की किताब और पाइप उसकी कुर्सी के पास पड़े थे, लेकिन वह गायब था। मैंने एक नोट मिलने की उम्मीद में चारों ओर देखा, लेकिन कोई नोट नहीं मिला।

जब श्रीमती हडसन पर्दे गिराने के लिए आगे आईं, तो मैंने उनसे कहा, "मुझे लगता है कि श्री शर्लक होम्स बाहर गए हैं।"

"नहीं, महोदय। वह अपने कमरे में चले गए हैं, महोदय। क्या आप जानते हैं, महोदय," अपनी आवाज़ को प्रभावशाली फुसफुसाहट में बदलते हुए उन्होंने कहा, "मुझे उनके स्वास्थ्य की चिंता है।"

"ऐसा क्यों, श्रीमती हडसन?"

"खैर, वो तो बड़े अजीब हैं, साहब। आपके जाने के बाद वो चलते ही रहे, इधर-उधर, इधर-उधर, यहाँ तक कि मुझे उनके कदमों की आहट से ऊब होने लगी। फिर मैंने उन्हें खुद से बातें करते और कुछ बुदबुदाते सुना, और हर बार घंटी बजने पर वो सीढ़ियों पर आकर कहते, 'क्या बात है, श्रीमती हडसन?' और अब वो धड़ाम से अपने कमरे में चले गए हैं, लेकिन मुझे उनके जाने की आवाज़ पहले जैसी ही सुनाई दे रही है। उम्मीद है कि वो बीमार नहीं होंगे, साहब। मैंने उनसे ठंडी दवा के बारे में कुछ कहने की हिम्मत की, लेकिन उन्होंने मुझे ऐसे घूरकर देखा, साहब, कि मुझे नहीं पता कि मैं कमरे से कैसे निकल पाई।"

"मुझे नहीं लगता कि आपको चिंता करने की कोई वजह है, श्रीमती हडसन," मैंने जवाब दिया। "मैंने उन्हें पहले भी इस तरह देखा है। उनके मन में कोई छोटी सी बात

चल रही है जिसकी वजह से वे बेचैन हैं।”

मैंने हमारी सम्मानित मकान मालकिन से हल्के-फुल्के अंदाज में बात करने की कोशिश की, लेकिन मैं खुद थोड़ा असहज महसूस कर रहा था क्योंकि पूरी रात के दौरान मुझे समय-समय पर उनके कदमों की धीमी आवाज सुनाई देती रही और मैं जानता था कि उनकी उत्साही आत्मा इस अनैच्छिक निष्क्रियता से कितनी परेशान थी।

नाश्ते के समय वह थका हुआ और मुरझाया हुआ लग रहा था, उसके दोनों गालों पर बुखार के कारण हल्के-हल्के लाल धब्बे दिखाई दे रहे थे।

मैंने कहा, "बुजुर्ग, आप खुद को थका रहे हैं। मैंने आपको रात में इधर-उधर घूमते सुना था।"

“नहीं, मुझे नींद नहीं आ रही थी,” उन्होंने उत्तर दिया। “यह भयानक समस्या मुझे परेशान कर रही है। जब बाकी सब कुछ पार हो चुका है, तो इतनी छोटी सी बाधा से हार मानना बहुत मुश्किल है। मैं उन लोगों को, नाव को, सब कुछ जानता हूं; फिर भी मुझे कोई खबर नहीं मिल रही। मैंने अन्य एजेंसियों को काम पर लगा दिया है और अपने पास मौजूद हर साधन का इस्तेमाल किया है। पूरी नदी को दोनों तरफ से छान मारा है, लेकिन कोई खबर नहीं मिली, न ही श्रीमती स्मिथ को अपने पति के बारे में कोई जानकारी मिली है। मैं जल्द ही इस निष्कर्ष पर पहुंच जाऊंगा कि उन्होंने नाव को डुबो दिया है। लेकिन इस बात पर कुछ आपत्तियाँ हैं।”

या फिर श्रीमती स्मिथ ने हमें गलत दिशा में भेज दिया है।

नहीं, मुझे लगता है कि इसे खारिज किया जा सकता है। मैंने पूछताछ करवाई थी, और इस तरह की कोई लॉन्चिंग होने वाली है।

"क्या यह नदी के ऊपर की ओर जा सकता था?"

मैंने उस संभावना पर भी विचार किया है, और एक खोज दल रिचमंड तक जाएगा। अगर आज कोई खबर नहीं मिली तो मैं कल खुद रवाना हो जाऊंगा और नाव के बजाय उन आदमियों को ढूंढने जाऊंगा। लेकिन यकीन मानिए, हमें कुछ न कुछ जरूर सुनने को मिलेगा।

लेकिन हमें कुछ नहीं मिला। विगिंस या अन्य एजेंसियों से हमें एक भी खबर नहीं मिली। नॉरवुड त्रासदी पर अधिकांश अखबारों में लेख छपे थे। वे सभी दुर्भाग्यपूर्ण थाडियस शोल्टो के प्रति शत्रुतापूर्ण प्रतीत हो रहे थे। हालांकि, उनमें से किसी में भी कोई नई जानकारी नहीं मिली, सिवाय इसके कि अगले दिन एक जांच होनी थी। मैं शाम को कैम्बरवेल गया और महिलाओं को अपनी असफलता की सूचना दी, और लौटने पर मैंने होम्स को उदास और कुछ मायूस पाया। वह मेरे सवालों का मुश्किल से ही जवाब दे रहे थे और पूरी शाम एक जटिल रासायनिक विश्लेषण में लगे रहे, जिसमें रिटॉर्ट्स को बहुत गर्म करना और वाष्पों का आसवन करना शामिल था, जिसका अंत एक ऐसी दुर्गंध में हुआ जिसने मुझे कमरे से बाहर निकाल दिया। सुबह के छोटे घंटों तक मैं उनकी टेस्ट ट्यूबों की खनक सुन सकता था, जिससे मुझे पता चला कि वह अभी भी अपने दुर्गंधयुक्त प्रयोग में लगे हुए थे।

भोर होते ही मैं अचानक चौंककर जाग गया और यह देखकर आश्चर्यचकित रह गया कि वह मेरे बिस्तर के पास खड़ा था, एक भद्दी नाविक पोशाक पहने हुए, ऊपर एक जैकेट और गले में एक मोटा लाल स्कार्फ लपेटे हुए।

“मैं नदी के रास्ते जा रहा हूं, वॉटसन,” उसने कहा। “मैंने इस बारे में बहुत सोचा है, और मुझे इससे निकलने का केवल एक ही रास्ता नज़र आ रहा है। हर हाल में कोशिश करना तो बनता है।”

“तो क्या मैं आपके साथ आ सकता हूँ?” मैंने कहा।

“नहीं; अगर आप मेरे प्रतिनिधि के रूप में यहीं रहें तो आप कहीं अधिक उपयोगी साबित होंगे। मुझे जाने का मन नहीं है, क्योंकि दिन में कोई न कोई संदेश आने की पूरी संभावना है, हालांकि विगिंस कल रात इस बारे में निराश थे। मैं चाहता हूं कि आप सभी चिट्ठियां और टेलीग्राम खोलें और कोई भी खबर आने पर अपने विवेक से कार्रवाई करें। क्या मैं आप पर भरोसा कर सकता हूं?”

"बिल्कुल।"

मुझे डर है कि आप मुझे तार नहीं भेज पाएंगे, क्योंकि मुझे अभी ठीक से पता नहीं है कि मैं कहां होऊंगा। लेकिन अगर किस्मत अच्छी रही, तो शायद मुझे ज्यादा देर तक दूर नहीं रहना पड़ेगा। वापस आने से पहले मुझे कोई न कोई खबर जरूर मिल जाएगी।

नाश्ते के समय तक मुझे उनके बारे में कुछ भी पता नहीं चला था। लेकिन जब मैंने स्टैंडर्ड अखबार खोला, तो पाया कि उसमें इस व्यवसाय का एक नया जिक्र था।

अपर नॉरवुड त्रासदी के संदर्भ में [इसमें टिप्पणी की गई] हमारे पास यह मानने का कारण है कि मामला पहले की अपेक्षा कहीं अधिक जटिल और रहस्यमय होने वाला है। नए सबूतों से पता चला है कि श्री थाड्डियस शोल्टो का इस मामले में किसी भी तरह से शामिल होना बिल्कुल असंभव है। उन्हें और हाउसकीपर श्रीमती बर्नस्टोन को कल शाम रिहा कर दिया गया। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि पुलिस को असली दोषियों के बारे में सुराग मिल गया है और स्कॉटलैंड यार्ड के श्री एथेलनी जोन्स अपनी पूरी ऊर्जा और बुद्धिमत्ता के साथ इस मामले की पैरवी कर रहे हैं। किसी भी क्षण और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

“अभी तक तो यह ठीक है,” मैंने सोचा। “मेरा दोस्त शोल्टो सुरक्षित है, कम से कम। मुझे आश्चर्य है कि नया सुराग क्या हो सकता है, हालांकि ऐसा लगता है कि जब भी पुलिस कोई गलती करती है तो यह एक घिसा-पिटा तरीका ही होता है।”

मैंने अखबार को मेज पर पटक दिया, लेकिन उसी क्षण मेरी नज़र पीड़ा वाले कॉलम में एक विज्ञापन पर पड़ी। वह इस प्रकार था:

गुमशुदा— चूंकि नाविक मोर्डेकै स्मिथ और उनका बेटा जिम पिछले मंगलवार की सुबह लगभग तीन बजे स्टीम लॉन्च 'अरोरा' (काली रंग की, दो लाल धारियों वाली, चिमनी काली, सफेद पट्टी वाली) में स्मिथ्स व्हार्फ से रवाना हुए थे, इसलिए श्रीमती स्मिथ को स्मिथ्स व्हार्फ या 221B, बेकर स्ट्रीट पर उक्त मोर्डेकै स्मिथ और लॉन्च 'अरोरा' के ठिकाने के बारे में जानकारी देने वाले किसी भी व्यक्ति को पांच पाउंड का भुगतान किया जाएगा।

यह स्पष्ट रूप से होम्स का काम था। बेकर स्ट्रीट का पता ही इसे साबित करने के लिए काफी था। मुझे यह काफी चतुराई भरा लगा क्योंकि भगोड़े इसे पढ़ सकते थे और उन्हें इसमें एक पत्नी की अपने लापता पति के लिए स्वाभाविक चिंता से अधिक कुछ नहीं दिखता।

दिन बहुत लंबा था। हर बार जब दरवाजे पर दस्तक होती या गली में किसी के कदमों की आहट सुनाई देती, तो मुझे लगता कि या तो होम्स लौट रहे हैं या उनके विज्ञापन का जवाब आया है। मैंने पढ़ने की कोशिश की, लेकिन मेरे विचार भटककर हमारी अजीब खोज और उस बेमेल और शातिर जोड़ी पर चले जाते, जिनका हम पीछा कर रहे थे। क्या मेरे साथी के तर्क में कोई बड़ी खामी हो सकती है? क्या वह किसी बड़े आत्म-धोखे का शिकार तो नहीं है? क्या यह संभव नहीं है कि उसके तेज और कल्पनाशील दिमाग ने इस बेतुके सिद्धांत को गलत आधारों पर खड़ा कर दिया हो? मैंने उसे कभी गलत होते नहीं देखा था, फिर भी सबसे तेज तर्कशील व्यक्ति भी कभी-कभी धोखा खा सकता है। मुझे लगा कि वह शायद अपने तर्क को ज़रूरत से ज़्यादा परिष्कृत करने के कारण गलती कर बैठा है - एक सरल और सामान्य व्याख्या के बजाय एक

सूक्ष्म और विचित्र व्याख्या को प्राथमिकता देने के कारण। फिर भी, दूसरी ओर, मैंने खुद सबूत देखे थे और उसके निष्कर्षों के कारण भी सुने थे। जब मैंने विचित्र परिस्थितियों की लंबी श्रृंखला पर गौर किया, जिनमें से कई अपने आप में तुच्छ थीं लेकिन सभी एक ही दिशा की ओर इशारा कर रही थीं, तो मैं खुद से यह बात छिपा नहीं सका कि भले ही होम्स की व्याख्या गलत हो, लेकिन वास्तविक सिद्धांत भी उतना ही विचित्र और चौंकाने वाला होना चाहिए।

दोपहर तीन बजे घंटी की तेज़ आवाज़ गूंजी, हॉल में एक प्रभावशाली आवाज़ सुनाई दी, और मुझे आश्चर्य हुआ कि श्री एथलनी जोन्स मेरे सामने प्रकट हुए। हालांकि, वे अपर नॉरवुड में इतने आत्मविश्वास से इस मामले को संभालने वाले उस कठोर और कुशल प्रोफेसर से बिल्कुल अलग थे। उनका चेहरा उदास था, और उनका व्यवहार विनम्र और क्षमाप्रार्थी था।

“शुभ दिन, महोदय; शुभ दिन,” उन्होंने कहा। “मुझे पता चला है कि श्री शर्लक होम्स बाहर गए हुए हैं।”

जी हां, और मुझे पक्का पता नहीं कि वह कब लौटेगा। लेकिन शायद आप थोड़ा इंतज़ार करना चाहें। उस कुर्सी पर बैठिए और इन सिगारों में से एक का आनंद लीजिए।

"धन्यवाद; मुझे कोई आपत्ति नहीं है," उसने लाल रुमाल से अपना चेहरा पोंछते हुए कहा।

“और एक व्हिस्की और सोडा?”

“ठीक है, आधा गिलास। साल के इस समय के हिसाब से बहुत गर्मी है, और मुझे काफी चिंता और परेशानी का सामना करना पड़ा है। क्या आप नॉरवुड मामले के बारे में मेरी थ्योरी जानते हैं?”

मुझे याद है कि आपने ऐसा कहा था।

“खैर, मुझे इस पर पुनर्विचार करना पड़ा है। मैंने श्री शोल्टो को पूरी तरह से घेर लिया था, तभी अचानक वह बीच में मौजूद एक छेद से निकल गए। उन्होंने एक ऐसा पुख्ता सबूत पेश कर दिया जिसे झुठलायी नहीं जा सकता था। अपने भाई के कमरे से निकलने के बाद से वह लगातार किसी न किसी की नजरों से ओझल नहीं हुए। इसलिए यह संभव नहीं है कि वह छतों पर चढ़कर और गुप्त दरवाजों से होकर गुजरे हों। यह बहुत ही पेचीदा मामला है, और मेरी पेशेवर साख दांव पर लगी है। थोड़ी सी मदद से मुझे बहुत खुशी होगी।”

“हम सभी को कभी-कभी मदद की जरूरत पड़ती है,” मैंने कहा।

“आपके मित्र, श्री शर्लक होम्स, एक अद्भुत व्यक्ति हैं, महोदय,” उन्होंने भारी और गोपनीय स्वर में कहा। “वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें कोई हरा नहीं सकता। मैंने उस नौजवान को कई मामलों में उलझते देखा है, लेकिन मैंने आज तक ऐसा कोई मामला नहीं देखा जिस पर वे प्रकाश न डाल सकें। उनके तरीके थोड़े अनियमित हैं और शायद वे सिद्धांतों पर जल्दी पहुंच जाते हैं, लेकिन कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि वे एक बहुत ही होनहार अधिकारी बनते, और मुझे परवाह नहीं कि यह बात कौन जाने। मुझे आज सुबह उनसे एक तार मिला है, जिससे मुझे पता चला है कि उन्हें शोल्टो मामले में कुछ सुराग मिला है। यह उनका संदेश है।”

उसने अपनी जेब से टेलीग्राम निकाला और मुझे दे दिया। उस पर पॉप्लर से बारह बजे की तारीख लिखी थी।

उसने कहा, "तुरंत बेकर स्ट्रीट जाओ। अगर मैं वापस न आऊं, तो मेरा इंतज़ार करना। मैं शोल्टो गिरोह के पीछे-पीछे चल रहा हूं। अगर तुम अंत में शामिल होना चाहते हो, तो आज रात हमारे साथ आ सकते हो।"

“यह अच्छा लग रहा है। ज़ाहिर है उसने फिर से गंध पहचान ली है,” मैंने कहा।

“अरे, तो फिर उसकी भी गलती है,” जोन्स ने स्पष्ट संतुष्टि के साथ कहा। “कभी-कभी तो हम जैसे अच्छे से अच्छे लोग भी गलती कर बैठते हैं। बेशक यह झूठी खबर भी हो सकती है, लेकिन कानून के अधिकारी के रूप में मेरा कर्तव्य है कि मैं कोई मौका न गंवाऊं। लेकिन दरवाजे पर कोई है। शायद यही वह व्यक्ति हो।”

सीढ़ियाँ चढ़ते हुए भारी कदमों की आहट सुनाई दी, साथ ही घरघराहट और घुरघुराहट की आवाज़ भी आई, मानो कोई व्यक्ति साँस लेने में बहुत तकलीफ से जूझ रहा हो। एक-दो बार वह रुका, मानो चढ़ाई उसके लिए असहनीय हो, लेकिन आखिरकार वह हमारे दरवाजे तक पहुँचा और अंदर आ गया। उसका रूप-रंग उन आवाज़ों से मेल खाता था जो हमने सुनी थीं। वह एक बूढ़ा आदमी था, जिसने नाविकों वाले वस्त्र पहने थे, और गले तक बटन लगी एक पुरानी जैकेट थी। उसकी पीठ झुकी हुई थी, घुटने काँप रहे थे, और उसकी साँसें अस्थमा के दर्द से भरी हुई थीं। जब वह एक मोटी ओक की लाठी पर टिका हुआ था, तो उसके कंधे हवा भरने के प्रयास में ऊपर-नीचे हो रहे थे। उसकी ठुड्डी पर एक रंगीन दुपट्टा था, और मैं उसके चेहरे का केवल एक जोड़ी तेज काली आँखों को ही देख पा रहा था, जो घनी सफेद भौंहों और लंबी भूरी मूंछों से ढकी हुई थीं। कुल मिलाकर, वह मुझे एक सम्मानित नाविक की तरह लग रहा थी जो उम्र और गरीबी के कारण गिर चुका था।

“क्या बात है, मेरे दोस्त?” मैंने पूछा।

उन्होंने वृद्धावस्था की धीमी और व्यवस्थित शैली में अपने चारों ओर देखा।

“क्या श्री शर्लक होम्स यहाँ हैं?” उसने कहा।

“नहीं; लेकिन मैं उनकी तरफ़ से अभिनय कर रहा हूँ। आप उनके लिए जो भी संदेश देना चाहें, मुझे बता सकते हैं।”

उन्होंने कहा, "मुझे यह बात सीधे उन्हें ही बतानी थी।"

लेकिन मैं आपको बता दूं कि मैं उसके लिए अभिनय कर रहा हूं। क्या यह मोर्दकै स्मिथ की नाव के बारे में था?

“हाँ। मुझे अच्छी तरह पता है कि वह कहाँ है। और मुझे यह भी पता है कि वह किन लोगों के पीछे पड़ा है। और मुझे यह भी पता है कि खजाना कहाँ है। मुझे इसके बारे में सब कुछ पता है।”

"तो मुझे बताओ, मैं उसे बता दूंगा।"

"मुझे यह बात उसे ही बतानी थी," उसने एक बहुत बूढ़े आदमी के चिड़चिड़े हठ के साथ दोहराया।

"ठीक है, आपको उसका इंतजार करना होगा।"

नहीं, नहीं; मैं किसी को खुश करने के लिए पूरा दिन बर्बाद नहीं करने वाला। अगर मिस्टर होम्स यहाँ नहीं हैं, तो उन्हें खुद ही सब कुछ पता लगाना होगा। मुझे आप दोनों के चेहरे-मोहरे से कोई लेना-देना नहीं है, और मैं एक शब्द भी नहीं बोलूंगा।

वह दरवाज़े की ओर धीरे-धीरे बढ़ा, लेकिन एथेलनी जोन्स उसके आगे आ गया।

“थोड़ा रुकिए, मेरे दोस्त,” उसने कहा। “आपके पास महत्वपूर्ण जानकारी है, और आपको यहाँ से नहीं जाना चाहिए। चाहे आपको पसंद हो या न हो, हम आपको तब तक यहीं रखेंगे जब तक हमारा दोस्त वापस नहीं आ जाता।”

बूढ़ा आदमी दरवाजे की ओर थोड़ा दौड़ा, लेकिन जैसे ही एथेलनी जोन्स ने अपनी चौड़ी पीठ दरवाजे से सटाई, उसने प्रतिरोध की निरर्थकता को पहचान लिया।

“ये कैसा व्यवहार है!” उसने अपनी छड़ी पटकते हुए चिल्लाकर कहा। “मैं यहाँ एक सज्जन व्यक्ति से मिलने आया हूँ, और तुम दोनों, जिन्हें मैंने जीवन भर नहीं देखा, मुझे पकड़कर मेरे साथ इस तरह का व्यवहार कर रहे हो!”

मैंने कहा, “आपको कोई नुकसान नहीं होगा। हम आपके समय की हानि की भरपाई करेंगे। यहाँ सोफे पर बैठ जाइए, आपको ज्यादा इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा।”

वह काफी उदास लग रहा था और अपने हाथों पर चेहरा टिकाकर बैठ गया। जोन्स और मैंने अपनी सिगार और बातचीत जारी रखी। लेकिन अचानक, होम्स की आवाज़ ने हमारी बातचीत में खलल डाला।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि आप मुझे एक सिगार भी देंगे।"

हम दोनों अपनी-अपनी कुर्सियों पर चौंक गए। होम्स हमारे पास ही शांत भाव से मनोरंजन करते हुए बैठे थे।

“होम्स!” मैंने हैरानी से कहा। “तुम यहाँ हो! लेकिन वो बूढ़ा आदमी कहाँ है?”

“ये रहा बूढ़ा आदमी,” उसने सफेद बालों का एक गुच्छा आगे बढ़ाते हुए कहा। “ये रहा वो – विग, मूंछें, भौंहें, सब कुछ। मुझे लगा था कि मेरा भेष काफी अच्छा है, लेकिन मुझे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि यह इस परीक्षा में खरा उतरेगा।”

“अरे वाह, बदमाश!” जोन्स बेहद खुश होकर चिल्लाया। “तुम एक बेहतरीन अभिनेता बन सकते थे, वो भी एक अनोखा अभिनेता। तुम्हारी खांसी बिल्कुल मजदूरों वाली थी, और तुम्हारे ये कमजोर पैर हफ्ते में दस पाउंड के लायक थे। हालांकि, मुझे लगा था कि मैं तुम्हारी आंखों की चमक को पहचानता हूं। देखा, तुम इतनी आसानी से हमसे बच नहीं पाए।”

“मैं दिन भर इसी वेश में काम कर रहा हूँ,” उसने सिगार जलाते हुए कहा। “देखो, कई अपराधी मुझे जानने लगे हैं — खासकर तब से जब से हमारे इस दोस्त ने मेरे कुछ मामलों को प्रकाशित करना शुरू किया है: इसलिए मैं इस तरह के साधारण वेश में ही अपना काम कर सकता हूं। क्या तुम्हें मेरा तार मिला?”

“हां; इसी वजह से मैं यहां आया हूं।”

“आपके मामले में कितनी प्रगति हुई है?”

“सब कुछ व्यर्थ हो गया। मुझे अपने दो कैदियों को रिहा करना पड़ा, और बाकी दो के खिलाफ कोई सबूत नहीं है।”

“कोई बात नहीं। हम उनकी जगह दो और लोगों को नियुक्त कर देंगे। लेकिन आपको मेरे आदेशों का पालन करना होगा। आपको सभी आधिकारिक श्रेय मिल सकते हैं, लेकिन आपको मेरे निर्देशों के अनुसार कार्य करना होगा। क्या आप सहमत हैं?”

"बिल्कुल, अगर आप मुझे उन आदमियों तक पहुँचाने में मदद करेंगे।"

"तो फिर, सबसे पहले मुझे एक तेज पुलिस नाव - एक स्टीम लॉन्च - चाहिए जो सात बजे वेस्टमिंस्टर सीढ़ियों पर मौजूद हो।"

“इसे आसानी से संभाला जा सकता है। वहां हमेशा कोई न कोई मौजूद रहता है, लेकिन मैं सड़क पार करके फोन करके यह सुनिश्चित कर सकता हूं।”

"तब मुझे प्रतिरोध की स्थिति में दो दृढ़ निश्चयी पुरुषों की आवश्यकता होगी।"

“नाव में दो या तीन लोग होंगे। और क्या?”

“जब हम आदमियों को पकड़ लेंगे, तो हमें खजाना मिल जाएगा। मुझे लगता है कि मेरे दोस्त को यह जानकर खुशी होगी कि वह इस बक्से को उस युवती के पास ले जाए जिसका आधा हिस्सा सही मायने में है। उसे ही इसे सबसे पहले खोलने दो। है ना, वाटसन?”

मुझे इसमें बहुत खुशी होगी।

“यह कार्यवाही कुछ अनियमित है,” जोन्स ने सिर हिलाते हुए कहा। “हालांकि, पूरी प्रक्रिया ही अनियमित है, और मुझे लगता है कि हमें इसे अनदेखा करना होगा। आधिकारिक जांच पूरी होने तक खजाना अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा।”

“बिल्कुल। यह आसानी से हो जाएगा। एक और बात। मैं इस मामले के बारे में जोनाथन स्मॉल से खुद कुछ जानकारी लेना चाहूंगा। आप जानते हैं कि मुझे अपने मामलों की बारीकियों को समझना पसंद है। अगर उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए, तो मेरे कमरे में या कहीं और उनसे अनौपचारिक मुलाकात करने में कोई आपत्ति नहीं है।”

“खैर, इस स्थिति के स्वामी आप ही हैं। मुझे अभी तक जोनाथन स्मॉल के अस्तित्व का कोई सबूत नहीं मिला है। हालांकि, अगर आप उसे पकड़ लेते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि मैं आपको उससे साक्षात्कार देने से मना कर सकता हूं।”

"तो फिर यह बात समझ में आ गई?"

“बिल्कुल सही। क्या और कुछ है?”

“बस मेरी यही गुजारिश है कि आप हमारे साथ भोजन करें। खाना आधे घंटे में तैयार हो जाएगा। मेरे पास सीपियाँ और दो तीतर हैं, साथ में कुछ चुनिंदा सफेद वाइन भी है। — वाटसन, आपने अभी तक एक गृहणी के रूप में मेरी खूबियों को पहचाना ही नहीं है।”

अध्याय 10

द्वीपवासी का अंत

हमारा भोजन बहुत ही खुशनुमा रहा। होम्स जब चाहें तब बहुत अच्छी तरह से बात कर सकते थे, और उस रात उन्होंने ऐसा ही किया। वे एक अजीब सी उमंग में डूबे हुए लग रहे थे। मैंने उन्हें इतना प्रतिभाशाली कभी नहीं देखा था। उन्होंने एक के बाद एक कई विषयों पर बात की - चमत्कारिक नाटकों पर, मध्यकालीन मिट्टी के बर्तनों पर, स्टेडिवेरियस वायलिन पर, श्रीलंका के बौद्ध धर्म पर और भविष्य के युद्धपोतों पर - हर विषय को ऐसे प्रस्तुत किया मानो उन्होंने उस पर विशेष अध्ययन किया हो। उनकी हंसमुखता पिछले दिनों की उनकी गहरी उदासी से उबरने का संकेत थी। एथेलनी जोन्स अपने खाली समय में एक मिलनसार व्यक्ति साबित हुए और उन्होंने एक शौकीन मिजाज व्यक्ति की तरह भोजन किया। मैं खुद इस बात से बहुत खुश था कि हम अपने काम के अंत के करीब थे, और मुझे होम्स की खुशी का कुछ अंश महसूस हुआ। भोजन के दौरान हममें से किसी ने भी उस कारण का जिक्र नहीं किया जिसके लिए हम सब यहाँ आए थे।

जब कपड़ा साफ हो गया तो होम्स ने अपनी घड़ी पर नजर डाली और तीन गिलास पोर्ट वाइन से भर लिए।

“हमारी छोटी सी मुहिम की सफलता के लिए एक और शानदार शुरुआत! अब हमारे जाने का समय हो गया है। क्या तुम्हारे पास पिस्तौल है, वाटसन?” उसने कहा।

मेरी डेस्क में मेरी पुरानी सर्विस-रिवॉल्वर रखी है।

“तो बेहतर होगा कि आप इसे ले लें। तैयार रहना अच्छा है। मैं देख रहा हूँ कि टैक्सी दरवाजे पर खड़ी है। मैंने इसे साढ़े छह बजे के लिए बुक किया है।”

सात बजने में थोड़ा ही समय लगा जब हम वेस्टमिंस्टर घाट पर पहुँचे और वहाँ हमारी नौका हमारा इंतज़ार कर रही थी। होम्स ने उसे ध्यान से देखा।

क्या इसमें पुलिस-नाव होने का कोई संकेत है?

"हां, बगल में लगा वो हरा लैंप।"

"तो फिर इसे उतार दो।"

थोड़ा सा बदलाव किया गया, हम जहाज पर चढ़े और रस्सियाँ खोल दी गईं। जोन्स, होम्स और मैं जहाज के पिछले हिस्से में बैठे थे। पतवार पर एक आदमी था, इंजनों की देखभाल के लिए एक आदमी था और आगे की तरफ दो हट्टे-कट्टे पुलिस इंस्पेक्टर थे।

“कहाँ जाना है?” जोन्स ने पूछा।

“टावर की ओर। उनसे कहो कि जैकबसन यार्ड के सामने रुकें।”

हमारी नाव ज़ाहिर तौर पर बहुत तेज़ थी। हम माल से लदी नावों की लंबी कतारों को ऐसे पार कर गए मानो वे स्थिर हों। होम्स ने संतुष्टि भरी मुस्कान बिखेरी जब हमने एक नदी के स्टीमर को पीछे छोड़ते हुए उसे पीछे छोड़ दिया।

उन्होंने कहा, "हमें नदी में कुछ भी पकड़ने में सक्षम होना चाहिए।"

“खैर, ऐसा तो बिल्कुल नहीं है। लेकिन हमें टक्कर देने वाले लॉन्च भी बहुत कम हैं।”

“हमें अरोरा को पकड़ना होगा, और वह अपने तेज़तर्रार जहाज के लिए मशहूर है। मैं तुम्हें बताता हूँ कि असलियत क्या है, वॉटसन। तुम्हें याद है कि इतनी छोटी सी बात पर मुझे कितना गुस्सा आया था?”

"हाँ।"

“खैर, मैंने रासायनिक विश्लेषण में डूबकर अपने दिमाग को पूरी तरह से आराम दिया। हमारे एक महान राजनेता ने कहा है कि काम में बदलाव सबसे अच्छा आराम होता है। और यह सच है। जब मैं जिस हाइड्रोकार्बन पर काम कर रहा था, उसे घोलने में सफल हो गया, तो मैं शोल्टोस की समस्या पर वापस आया और पूरे मामले पर फिर से विचार किया। मेरे लड़के नदी में ऊपर-नीचे हर जगह गए, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। नाव न तो किसी घाट पर थी और न ही वापस लौटी थी। फिर भी, अपने निशान मिटाने के लिए उसे डुबोना तो संभव ही नहीं था, हालाँकि अगर बाकी सभी तरीके विफल हो जाते, तो यह एक संभावित परिकल्पना बनी रहती। मैं जानता था कि इस स्मॉल नाम के व्यक्ति में कुछ हद तक धूर्तता थी, लेकिन मुझे नहीं लगता था कि वह इतनी सूक्ष्म कुशलता में सक्षम था। यह आमतौर पर उच्च शिक्षा का परिणाम होता है। फिर मैंने सोचा कि चूंकि वह निश्चित रूप से कुछ समय लंदन में रहा होगा - जैसा कि हमारे पास सबूत थे कि वह पॉन्डिचेरी लॉज पर लगातार नज़र रखता था - वह पल भर में तो नहीं जा सकता था, बल्कि उसे कुछ समय चाहिए होगा, भले ही वह सिर्फ एक दिन ही क्यों न हो, व्यवस्था करने के लिए। उसके अफेयर। कम से कम संभावनाओं का यही आकलन था।

मैंने कहा, "मुझे यह थोड़ा कमजोर लगता है; यह अधिक संभावना है कि उसने अपने अभियान पर निकलने से पहले ही अपने सारे इंतजाम कर लिए थे।"

“नहीं, मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। ज़रूरत पड़ने पर उसका यह ठिकाना उसके लिए इतना कीमती साबित होगा कि वह इसे तब तक नहीं छोड़ेगा जब तक उसे यकीन न हो जाए कि वह इसके बिना रह सकता है। लेकिन एक और बात मेरे दिमाग में आई। जोनाथन स्मॉल को जरूर लगा होगा कि उसके साथी का अजीबोगरीब रूप, चाहे उसने उसे कितना भी ढक रखा हो, गपशप का कारण बनेगा और शायद इस नॉरवुड त्रासदी से जुड़ जाएगा। वह इतना समझदार था कि यह बात समझ गया था। वे अपने मुख्यालय से अंधेरे में निकले थे और वह उजाला होने से पहले वापस लौटना चाहता था। श्रीमती स्मिथ के अनुसार, जब वे नाव पर चढ़े तब तीन बज चुके थे। एक-दो घंटे में उजाला हो जाएगा और लोग भी दिखने लगेंगे। इसलिए, मैंने तर्क दिया, वे ज़्यादा दूर नहीं गए। उन्होंने स्मिथ को चुप रहने के लिए अच्छी रकम दी, उसकी नाव को आखिरी भागने के लिए बचाकर रखा और खजाने का डिब्बा लेकर जल्दी से अपने कमरे की ओर चल दिए। दो रातों में, जब उन्हें अखबारों में छपी खबरों और किसी तरह के संदेह

का पता चल जाएगा, तो वे अंधेरे में ग्रेवसेंड के किसी जहाज पर चढ़ जाएंगे। या फिर डाउन्स में, जहां निस्संदेह उन्होंने अमेरिका या उपनिवेशों के लिए यात्रा की व्यवस्था पहले ही कर ली होगी।"

लेकिन प्रक्षेपण? वे उसे अपने आवास तक नहीं ले जा सकते थे।

“बिल्कुल सही। मैंने तर्क दिया कि अदृश्य होने के बावजूद, नाव ज़्यादा दूर नहीं होगी। फिर मैंने खुद को स्मॉल की जगह रखकर सोचा और एक समझदार व्यक्ति की नज़र से इस बात को समझा। वह शायद यही सोचता कि नाव को वापस भेजना या उसे घाट पर रखना, अगर पुलिस को उसका पता चल भी जाए तो पीछा करना आसान बना देगा। तो फिर, वह नाव को कैसे छिपा सकता था और ज़रूरत पड़ने पर उसे अपने पास कैसे रख सकता था? मैंने सोचा कि अगर मैं उसकी जगह होता तो क्या करता। मुझे बस एक ही तरीका सूझा। मैं नाव को किसी नाव बनाने वाले या मरम्मत करने वाले को सौंप देता और उसे उसमें थोड़ा-बहुत बदलाव करने का निर्देश देता। फिर उसे उसके शेड या यार्ड में ले जाया जाता, जिससे वह पूरी तरह से छिप जाती, और साथ ही मैं उसे कुछ ही घंटों के नोटिस पर अपने पास रख सकता था।”

"यह तो काफी आसान लगता है।"

“ये बहुत ही सरल चीजें हैं जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। हालांकि, मैंने इस विचार पर अमल करने का निश्चय किया। मैं तुरंत एक साधारण नाविक की नाव में सवार होकर नदी के किनारे स्थित सभी शिपयार्ड में पूछताछ करने निकल पड़ा। पंद्रह शिपयार्ड में मुझे कोई जानकारी नहीं मिली, लेकिन सोलहवें शिपयार्ड - जैकबसन के शिपयार्ड - में मुझे पता चला कि दो दिन पहले एक लकड़ी के पैर वाले व्यक्ति ने अरोरा को उनके हवाले कर दिया था, और उसके पतवार के बारे में कुछ मामूली निर्देश दिए थे। फोरमैन ने कहा, 'उसके पतवार में कोई खराबी नहीं है। वह वहीं पड़ी है, लाल धारियों के साथ।' उसी क्षण मोर्दकै स्मिथ, लापता मालिक, नीचे आया। वह शराब के नशे में धुत था। मैं उसे पहचान नहीं पाता, लेकिन उसने अपना नाम और अपनी नाव का नाम जोर से पुकारा। उसने कहा, 'मुझे वह आज रात आठ बजे चाहिए - ठीक आठ बजे, क्योंकि मेरे दो सज्जन हैं जो इंतजार नहीं करेंगे।' जाहिर है, उन्होंने उसे अच्छी रकम दी थी, क्योंकि वह वह बहुत अमीर था, अपने साथियों पर सिक्के लुटा रहा था। मैं कुछ दूर तक उसके पीछे गया, लेकिन वह एक शराबखाने में चला गया; इसलिए मैं वापस यार्ड में आ गया, और रास्ते में संयोग से मुझे मेरा एक साथी मिल गया, तो मैंने उसे नाव पर संतरी बना दिया। उसे पानी के किनारे खड़ा होकर नाव के चलने पर हमें अपना रुमाल लहराना है। हम नदी में ही रहेंगे, और अगर हम अपने साथ आदमी, खजाना और सब कुछ न ले जाएं तो यह बहुत अजीब बात होगी।

"आपने यह सब बहुत ही चतुराई से योजना बनाई है, चाहे वे सही आदमी हों या नहीं," जोन्स ने कहा; "लेकिन अगर यह मामला मेरे हाथ में होता तो मैं जैकबसन यार्ड में पुलिस की एक टुकड़ी तैनात कर देता और उनके आते ही उन्हें गिरफ्तार कर लेता।"

“ऐसा कभी नहीं हो सकता था। यह स्मॉल नाम का आदमी काफी चतुर है। वह आगे एक जासूस भेज देता, और अगर उसे किसी बात पर शक होता तो वह एक और हफ्ते तक आराम से बैठा रहता।”

“लेकिन तुम मोर्दकै स्मिथ के साथ बने रह सकते थे, और इस तरह उनके छिपने की जगह तक पहुँच सकते थे,” मैंने कहा।

“उस स्थिति में तो मेरा पूरा दिन बर्बाद हो जाता। मुझे लगता है कि स्मिथ को उनके ठिकाने का पता होने की संभावना सौ में से एक है। जब तक उसे शराब और अच्छी तनख्वाह मिलती रहेगी, वह सवाल क्यों पूछेगा? वे उसे संदेश भेजकर निर्देश देते हैं। नहीं, मैंने हर संभव उपाय पर विचार किया है, और यही सबसे अच्छा है।”

इस बातचीत के दौरान, हम टेम्स नदी पर बने पुलों की लंबी श्रृंखला की तस्वीरें ले रहे थे। जैसे ही हम सिटी से गुज़रे, सूरज की आखिरी किरणें सेंट पॉल चर्च के शिखर पर बने क्रॉस को सुनहरी रोशनी से जगमगा रही थीं। टावर तक पहुँचने से पहले ही शाम हो चुकी थी।

“यह जैकबसन यार्ड है,” होम्स ने सरे की तरफ़ लगे मस्तूलों और रस्सियों के समूह की ओर इशारा करते हुए कहा। “इन छोटी नावों की आड़ में यहां धीरे-धीरे आगे-पीछे चक्कर लगाइए।” उन्होंने अपनी जेब से दूरबीन निकाली और कुछ देर किनारे को निहारा। “मुझे मेरा संतरी अपनी चौकी पर दिख रहा है,” उन्होंने कहा, “लेकिन रुमाल का कोई निशान नहीं है।”

"मान लीजिए कि हम थोड़ी दूर नीचे की ओर जाकर उनका इंतजार करें," जोन्स ने उत्सुकता से कहा।

इस समय तक हम सभी उत्सुक हो चुके थे, यहां तक कि पुलिसकर्मी और ईंधन भरने वाले भी, जिन्हें आगे क्या होने वाला है इसका बहुत ही अस्पष्ट अंदाजा था।

“हमें किसी भी बात को हल्के में लेने का कोई अधिकार नहीं है,” होम्स ने उत्तर दिया। “इस बात की पूरी संभावना है कि वे नदी के बहाव की दिशा में ही जाएँगे, लेकिन हम निश्चित नहीं कह सकते। इस जगह से हमें आँगन का प्रवेश द्वार दिखाई दे रहा है, और वे हमें मुश्किल से ही देख पाएँगे। रात साफ़ होगी और खूब रोशनी होगी। हमें यहीं रुकना होगा। देखो कैसे लोग गैस की रोशनी में उधर उमड़ रहे हैं।”

वे आंगन में काम करके आ रहे हैं।

"गंदे से दिखने वाले बदमाश, लेकिन मुझे लगता है कि हर किसी के अंदर कोई न कोई अमर चिंगारी छिपी होती है। उन्हें देखकर ऐसा लगता ही नहीं। इसकी कोई पूर्व-निर्धारित संभावना नहीं है। मनुष्य एक विचित्र पहेली है!"

मैंने सुझाव दिया, "कोई उसे जानवर के शरीर में छिपी आत्मा कहता है।"

होम्स ने कहा, “विनवुड रीड इस विषय पर बहुत अच्छी बातें कहते हैं। उनका कहना है कि जहाँ एक व्यक्ति एक अनसुलझी पहेली है, वहीं सामूहिक रूप से वह एक गणितीय निश्चितता बन जाता है। उदाहरण के लिए, आप कभी भी यह भविष्यवाणी नहीं कर सकते कि कोई एक व्यक्ति क्या करेगा, लेकिन आप सटीकता से बता सकते हैं कि औसतन कितने लोग क्या करेंगे। व्यक्ति बदलते रहते हैं, लेकिन प्रतिशत स्थिर रहते हैं। सांख्यिकीविद् यही कहते हैं। लेकिन क्या मुझे कोई रूमाल दिख रहा है? ज़रूर वहाँ कुछ सफेद फड़फड़ा रहा होगा।”

“हां, यह तुम्हारा ही बेटा है,” मैं चिल्लाई। “मैं उसे साफ-साफ देख सकती हूं।”

“और वह रही आरोरा,” होम्स ने हैरानी से कहा, “और वह तो पूरी रफ्तार से जा रही है! इंजीनियर, पूरी गति से आगे बढ़ो। उस पीली बत्ती वाली नाव का पीछा करो। कसम से, अगर वह हमसे आगे निकल गई तो मैं खुद को कभी माफ नहीं कर पाऊंगा!”

वह चुपके से यार्ड के प्रवेश द्वार से निकल गई और दो-तीन छोटी नावों के बीच से गुज़र गई, जिससे हमारे देखने से पहले ही उसने काफी गति पकड़ ली थी। अब वह नदी में तेज़ी से किनारे की ओर बढ़ रही थी। जोन्स ने गंभीरता से उसकी ओर देखा और अपना सिर हिलाया।

उन्होंने कहा, "वह बहुत तेज है। मुझे संदेह है कि हम उसे पकड़ पाएंगे।"

“हमें उसे पकड़ना ही होगा!” होम्स दांत पीसते हुए चिल्लाया। “पूरी ताकत लगा दो, स्टीमर! उससे हर संभव काम करवाओ! चाहे नाव जल भी जाए, हमें उन्हें पकड़ना ही होगा!”

अब हम उसके ठीक पीछे थे। भट्टियाँ गरज रही थीं, और शक्तिशाली इंजन एक बड़े धातुई हृदय की तरह सरसराते और खड़खड़ाते हुए चल रहे थे। उसका नुकीला,

ढलानदार अगला हिस्सा शांत नदी के पानी को चीरता हुआ हमारे दाएं और बाएं दो लहरें बना रहा था। इंजनों की हर धड़कन के साथ हम उछलते और कांपते हुए किसी जीवित प्राणी की तरह हिल रहे थे। हमारे आगे लगे एक बड़े पीले लालटेन से हमारे सामने रोशनी की एक लंबी, टिमटिमाती हुई कीप बन रही थी। ठीक आगे पानी पर एक गहरा धब्बा दिखा रहा था कि अरोरा कहाँ है, और उसके पीछे सफेद झाग का बवंडर उसकी गति का संकेत दे रहा था। हम नावों, स्टीमरों, व्यापारिक जहाजों के पास से तेज़ी से गुज़र रहे थे, एक के पीछे और दूसरे के चारों ओर। अंधेरे से आवाज़ें हमें पुकार रही थीं, लेकिन अरोरा फिर भी गरजती हुई आगे बढ़ रही थी, और हम फिर भी उसके पीछे-पीछे चल रहे थे।

"भरपूर शक्ति लगाओ, साथियों, भरपूर शक्ति लगाओ!" होम्स ने इंजन-रूम में नीचे देखते हुए चिल्लाया, जबकि नीचे से आती तेज रोशनी उसके उत्सुक, तीखे चेहरे पर पड़ रही थी। "जितनी भाप हो सके, उतनी निकाल लो।"

"मुझे लगता है कि हमें थोड़ा फायदा होगा," जोन्स ने ऑरोरा पर नजर रखते हुए कहा।

मैंने कहा, "मुझे पूरा यकीन है। हम कुछ ही मिनटों में उसके पास पहुंच जाएंगे।"

ठीक उसी क्षण, हमारी बदकिस्मती से, तीन नावों को खींचती हुई एक टगबोट हमारे बीच आ गई। हमने बड़ी मुश्किल से पतवार को तेज़ी से घुमाकर टक्कर से खुद को बचाया, और इससे पहले कि हम उन्हें पार करके अपनी राह पर वापस लौट पाते, अरोरा हमसे लगभग दो सौ गज आगे निकल चुकी थी। फिर भी, वह साफ़ दिखाई दे रही थी, और धुंधली, अनिश्चित शाम साफ़, तारों भरी रात में बदल रही थी। हमारे बॉयलर अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे थे, और नाजुक ढांचा उस ज़बरदस्त ऊर्जा से कांप रहा था और चरमरा रहा था जो हमें आगे बढ़ा रही थी। हम पानी के बहाव से होते हुए, वेस्ट इंडिया डॉक्स से आगे, लंबे डेप्टफोर्ड रीच से नीचे, और आइल ऑफ डॉग्स को पार करने के बाद फिर से ऊपर आ गए थे। हमारे सामने धुंधली सी दिखने वाली चीज़ अब साफ तौर पर सुंदर अरोरा में बदल गई। जोन्स ने हमारी सर्चलाइट उस पर घुमाई, जिससे हम उसके डेक पर मौजूद लोगों को साफ देख सके। एक आदमी जहाज के पिछले हिस्से के पास बैठा था, उसके घुटनों के बीच कुछ काला था, जिस पर वह झुका हुआ था। उसके बगल में एक काला सा ढेर पड़ा था, जो देखने में न्यूफ़ाउंडलैंड कुत्ते जैसा लग रहा था। लड़का पतवार पकड़े हुए था, जबकि भट्टी की लाल चमक के बीच मैं बूढ़े स्मिथ को देख सकता था, जो कमर तक नंगे बदन था और जान बचाने के लिए कोयले खोद रहा था। शायद पहले उन्हें शक हुआ होगा कि हम सचमुच उनका पीछा कर रहे हैं या नहीं, लेकिन अब जैसे-जैसे हम उनके हर मोड़ और घुमाव का पीछा करते गए, इस बारे में कोई संदेह नहीं रह गया था। ग्रीनविच में हम उनसे लगभग तीन सौ कदम पीछे थे। ब्लैकवॉल में हम दो सौ पचास कदम से ज़्यादा पीछे नहीं रहे होंगे। मैंने अपने उतार-चढ़ाव भरे करियर में कई देशों में कई जीवों का पीछा किया है, लेकिन किसी भी खेल ने मुझे इतना रोमांच नहीं दिया जितना कि टेम्स नदी पर इस पागलपन भरे, उड़ते हुए शिकार ने। धीरे-धीरे हम उनके करीब आते गए, एक-एक गज करके। रात के सन्नाटे में हम उनकी मशीनों की हांफने और खड़खड़ाहट सुन सकते थे। जहाज के पिछले हिस्से में बैठा आदमी अभी भी डेक पर झुका हुआ था, और उसकी बाहें ऐसे हिल रही थीं मानो वह कुछ काम में व्यस्त हो, जबकि वह बीच-बीच में ऊपर देखता और एक नज़र से हमारे बीच की दूरी नापता। हम उनके और करीब आते गए। जोन्स ने उन्हें रुकने के लिए चिल्लाया। हम उनसे चार नावों की दूरी से भी कम थे, दोनों नावें ज़बरदस्त रफ़्तार से चल रही थीं। नदी का साफ़ पानी था, एक तरफ बार्किंग लेवल और दूसरी तरफ उदास प्लमस्टेड मार्शेस।

हमारी आवाज़ सुनकर नाव के पिछले हिस्से में बैठा आदमी डेक से उछल पड़ा और अपनी दोनों मुट्ठियाँ हमारी तरफ़ हिलाते हुए, ऊँची और फटी हुई आवाज़ में गालियाँ देने लगा। वह अच्छी-खासी कद-काठी का, ताकतवर आदमी था, और जब वह पैर फैलाकर खड़ा हुआ, तो मैंने देखा कि उसकी जांघ से नीचे दाहिनी तरफ़ बस एक लकड़ी का ठूंठ था। उसकी तीखी, गुस्से भरी चीखों की आवाज़ सुनकर डेक पर सिकुड़े हुए बंडल में हलचल हुई। वह सीधा खड़ा हो गया और एक छोटा सा काला आदमी दिखाई दिया - इतना छोटा मैंने पहले कभी नहीं देखा था - जिसका सिर बड़ा और बेढंगा था और बाल उलझे हुए और बिखरे हुए थे। होम्स ने पहले ही अपना रिवॉल्वर निकाल लिया था, और इस क्रूर, विकृत प्राणी को देखकर मैंने भी अपना रिवॉल्वर निकाल लिया। वह किसी गहरे रंग के लबादे या कंबल में लिपटा हुआ था, जिससे केवल उसका चेहरा ही दिखाई दे रहा था, लेकिन वह चेहरा किसी को भी रातों की नींद उड़ाने के लिए काफी था। मैंने पहले कभी ऐसे चेहरे के भाव नहीं देखे थे जो इतनी क्रूरता और निर्ममता से भरे हों। उसकी छोटी-छोटी आँखें एक उदास रोशनी से चमक रही थीं और उसके मोटे होंठ दाँतों से पीछे की ओर खिंचे हुए थे, जो आधे पशुवत क्रोध से हम पर गुर्रा रहे थे और बड़बड़ा रहे थे।

"अगर वह हाथ उठाए तो गोली चला देना," होम्स ने धीमी आवाज़ में कहा।

इस समय तक हम नाव से बस एक कदम की दूरी पर थे, और लगभग अपने लक्ष्य के करीब पहुँच चुके थे। मैं उन दोनों को अभी भी देख सकता हूँ, जैसे वे खड़े थे - गोरा आदमी अपने पैर फैलाए हुए गालियाँ बक रहा था, और वह अपवित्र बौना अपने भयानक चेहरे और मजबूत पीले दाँतों के साथ हमारी लालटेन की रोशनी में हम पर गुर्रा रहा था।

अच्छा हुआ कि हमें वह साफ़ दिखाई दे रहा था। जैसे ही हमने देखा, उसने अपने आवरण के नीचे से लकड़ी का एक छोटा, गोल टुकड़ा निकाला, जैसे स्कूल का स्केल, और उसे अपने होठों से लगा लिया। हमारी पिस्तौलें एक साथ चलीं। वह घूमा, अपने हाथ ऊपर उठाए और एक घुटती हुई खांसी के साथ नदी में एक तरफ गिर गया। पानी के सफेद भंवर के बीच मैंने उसकी ज़हरीली, डरावनी आँखों की एक झलक देखी। उसी क्षण लकड़ी के पैर वाले आदमी ने पतवार पर खुद को गिरा दिया और उसे ज़ोर से नीचे कर दिया जिससे उसकी नाव सीधे दक्षिणी किनारे की ओर बढ़ गई, जबकि हम उसके पिछले हिस्से से तेज़ी से निकल गए, बस कुछ ही फीट की दूरी से। हम पल भर में उसके पीछे पहुँच गए, लेकिन वह पहले ही लगभग किनारे पर पहुँच चुकी थी। वह एक जंगली और सुनसान जगह थी, जहाँ दलदली भूमि के विशाल विस्तार पर चाँद की रोशनी टिमटिमा रही थी, जिसमें रुके हुए पानी के तालाब और सड़ती हुई वनस्पति के ढेर थे। एक धीमी सी धमक के साथ नाव कीचड़ के टीले पर आकर रुक गई, उसका अगला हिस्सा हवा में और पिछला हिस्सा पानी से सटा हुआ था। भागने वाला व्यक्ति उछलकर बाहर निकला, लेकिन उसका ठूंठ तुरंत ही पूरी लंबाई तक गीली मिट्टी में धंस गया। वह व्यर्थ ही छटपटाता रहा। वह न तो आगे बढ़ पा रहा था और न ही पीछे हट पा रहा था। वह बेबसी में चिल्लाया और दूसरे पैर से कीचड़ में बेतहाशा लात मारी, लेकिन उसके संघर्ष से उसका लकड़ी का पिन चिपचिपे टीले में और गहरा धंसता चला गया। जब हम अपनी नाव उसके पास लाए, तो वह इतनी मजबूती से जमा हुआ था कि उसके कंधों पर रस्सी का एक सिरा डालकर ही हम उसे खींचकर बाहर निकाल पाए और उसे किसी दुष्ट मछली की तरह अपनी नाव पर लाद सके। पिता और पुत्र, दोनों स्मिथ, अपनी नाव में उदास बैठे थे, लेकिन आदेश मिलने पर विनम्रता से नाव पर आ गए। हमने अरोरा को खींचकर अपनी नाव के पिछले हिस्से से बांध दिया। डेक पर भारतीय कारीगरी का बना एक ठोस लोहे का संदूक रखा था। इसमें कोई शक नहीं था कि यह

वही था जिसमें शोल्टोस का अशुभ खजाना रखा था। चाबी तो नहीं थी, लेकिन इसका वज़न काफ़ी था, इसलिए हमने इसे सावधानी से अपने छोटे से केबिन में रख लिया। जैसे ही हम धीरे-धीरे नदी के विपरीत दिशा में आगे बढ़े, हमने हर दिशा में सर्चलाइट घुमाई, लेकिन उस द्वीपवासी का कोई निशान नहीं मिला। टेम्स नदी की तलहटी में कहीं गहरे कीचड़ में उस अजीब आगंतुक की हड्डियाँ दबी हुई हैं जो हमारे तटों पर आया था।

“यहाँ देखो,” होम्स ने लकड़ी के दरवाज़े की ओर इशारा करते हुए कहा। “हम पिस्तौल चलाने में ज़रा भी देर नहीं कर पाए;” और सच में, जहाँ हम खड़े थे, ठीक उसके पीछे वही जानलेवा तीर अटक गया जिसे हम अच्छी तरह जानते थे। गोली चलाते ही वह हमारे बीच से तेज़ी से गुज़रा होगा। होम्स ने उस पर मुस्कुराते हुए अपने सहज अंदाज़ में कंधे उचका दिए, लेकिन मैं मानता हूँ कि उस रात हमारे इतने करीब से गुज़री उस भयानक मौत के बारे में सोचकर मेरा मन काँप उठा।

अध्याय 11

आगरा का महान खजाना

हमारा कैदी उस लोहे के बक्से के ठीक सामने वाली झोपड़ी में बैठा था, जिसके लिए उसने इतना संघर्ष किया था और इतना लंबा इंतजार किया था। वह धूप से झुलसा हुआ, बेपरवाह आँखों वाला व्यक्ति था, जिसके सांवले रंग के चेहरे पर झुर्रियों और रेखाओं का जाल छाया हुआ था, जो उसके कठिन, खुले आसमान के नीचे के जीवन की कहानी बयां करता था। उसकी दाढ़ी वाली ठुड्डी में एक विलक्षण उभार था, जो यह दर्शाता था कि वह अपने उद्देश्य से आसानी से विचलित नहीं होने वाला था। उसकी उम्र लगभग पचास के आसपास रही होगी, क्योंकि उसके काले, घुंघराले बाल घने होकर सफ़ेद हो गए थे। शांत अवस्था में उसका चेहरा अप्रिय नहीं था, हालांकि उसकी घनी भौहें और आक्रामक ठुड्डी, जैसा कि मैंने हाल ही में देखा था, क्रोध में आने पर उसे एक भयानक रूप दे देती थी। वह अब हथकड़ी लगे हाथों को गोद में रखकर और सिर को सीने पर झुकाकर बैठा था, और अपनी तेज, चमकती आँखों से उस बक्से को देख रहा था जो उसके बुरे कर्मों का कारण बना था। मुझे ऐसा लगा कि उसके कठोर और संयमित चेहरे पर क्रोध से अधिक दुःख था। एक बार उसने मेरी तरफ देखा, उसकी आँखों में हास्य की एक झलक थी।

"खैर, जोनाथन स्मॉल," होम्स ने सिगार जलाते हुए कहा, "मुझे खेद है कि बात यहाँ तक आ गई है।"

“और मैं भी यही सोचता हूँ, महोदय,” उसने स्पष्ट रूप से उत्तर दिया। “मुझे नहीं लगता कि मैं यह काम कर पाऊँगा। मैं आपको लिखित वचन देता हूँ कि मैंने श्री शोल्टो पर कभी हाथ नहीं उठाया। यह उस छोटे शैतान, टोंगा का काम था, जिसने उन पर अपना शापित तीर चलाया। इसमें मेरा कोई हाथ नहीं था, महोदय। मुझे उतना ही दुख हुआ जितना कि मेरे किसी रिश्तेदार को हुआ हो। मैंने उस छोटे शैतान को रस्सी के ढीले सिरे से खूब पीटा, लेकिन जो हो गया सो हो गया, और मैं उसे बदल नहीं सकता था।”

होम्स ने कहा, "एक सिगार पी लो; और मेरी बोतल से एक घूंट ले लो, क्योंकि तुम बहुत भीगे हुए हो। तुम कैसे उम्मीद कर सकते हो कि यह छोटा और कमजोर काला आदमी मिस्टर शोल्टो को काबू में कर लेगा और रस्सी चढ़ते समय उन्हें पकड़े रखेगा?"

“महोदय, ऐसा लगता है जैसे आपको इसके बारे में सब कुछ पता है, मानो आप खुद वहाँ मौजूद थे। सच तो यह है कि मुझे उम्मीद थी कि कमरा खाली होगा। मैं घर के तौर-तरीकों से अच्छी तरह वाकिफ था, और यह वही समय था जब श्री शोल्टो आमतौर पर रात के खाने के लिए नीचे जाते थे। मैं इस मामले को छुपाऊंगा नहीं। मेरा सबसे अच्छा बचाव बस सीधी-सादी सच्चाई है। अब, अगर वह बूढ़ा मेजर होता तो मैं उस पर बेफिक्री से वार कर देता। मुझे उसे चाकू मारने में उतना ही संकोच होता जितना इस सिगार को पीने में। लेकिन यह लानत है कि मुझे इस नौजवान शोल्टो के आगे झुकना पड़ा, जिससे मेरा कोई झगड़ा नहीं था।”

“आप स्कॉटलैंड यार्ड के श्री एथेलनी जोन्स की निगरानी में हैं। वे आपको मेरे कमरे में लाएंगे और मैं आपसे इस मामले का सही-सही ब्यौरा पूछूंगा। आपको सब कुछ साफ-साफ बताना होगा, क्योंकि अगर आप ऐसा करेंगे तो मुझे उम्मीद है कि मैं आपकी मदद कर सकूंगा। मुझे लगता है कि मैं यह साबित कर सकता हूं कि जहर इतनी तेजी से असर करता है कि आपके कमरे में पहुंचने से पहले ही वह आदमी मर चुका था।”

“जी हाँ, महोदय। मुझे अपने जीवन में ऐसा झटका कभी नहीं लगा जैसा उस समय लगा जब मैंने उसे खिड़की से चढ़ते हुए कंधे पर सिर रखकर मेरी तरफ मुस्कुराते हुए देखा। महोदय, मैं सचमुच हिल गया था। अगर वह भाग न जाता तो मैं टोंगा को लगभग जान से मार देता। इसी तरह वह अपना क्लब और अपने कुछ डार्ट्स भी छोड़ गया, जैसा कि उसने मुझे बताया, जिससे मुझे लगता है कि आपको हमारा पता लगाने में मदद मिली; हालाँकि आप कैसे लगे रहे, यह मैं नहीं बता सकता। मुझे इसके लिए आपसे कोई द्वेष नहीं है। लेकिन यह अजीब बात लगती है,” उसने कड़वी मुस्कान के साथ कहा, “कि मैं, जिसका पांच लाख की संपत्ति पर पूरा हक है, अपने जीवन का पहला आधा हिस्सा अंडमान में एक तटबंध बनाने में बिताऊँ और दूसरा आधा हिस्सा डार्टमूर में नालियाँ खोदने में बिताऊँ। मेरे लिए वह बुरा दिन था जब मैंने पहली बार व्यापारी अचमेट को देखा और आगरा के खजाने से मेरा वास्ता पड़ा, जिसने उसके मालिक पर अभिशाप के सिवा कुछ नहीं लाया। उसके लिए यह इसने हत्या को जन्म दिया, मेजर शोल्टो के लिए इसने भय और अपराधबोध को जन्म दिया, मेरे लिए इसका मतलब जीवन भर की गुलामी है।"

इसी क्षण एथेलनी जोन्स ने अपना चौड़ा चेहरा और भारी कंधे उस छोटी सी झोपड़ी में घुसा दिए।

“बिल्कुल पारिवारिक पार्टी थी,” उसने कहा। “मुझे लगता है मुझे भी उस बोतल से एक घूंट पीना चाहिए, होम्स। खैर, मुझे लगता है हमें सबको एक-दूसरे को बधाई देनी चाहिए। अफसोस है कि हम दूसरे को जिंदा नहीं पकड़ पाए, लेकिन कोई चारा नहीं था। मैं कहता हूँ, होम्स, तुम्हें मानना पड़ेगा कि तुम बाल-बाल बच गए। उसे काबू में करना हमारे लिए बहुत मुश्किल था।”

“अंत भला तो सब भला,” होम्स ने कहा। “लेकिन मुझे बिल्कुल भी नहीं पता था कि ऑरोरा इतना बड़ा जहाज़ था।”

“स्मिथ का कहना है कि वह नदी पर चलने वाली सबसे तेज़ नावों में से एक है, और अगर इंजन में मदद करने के लिए कोई दूसरा आदमी होता तो हम उसे कभी पकड़ नहीं पाते। वह कसम खाकर कहता है कि उसे नॉरवुड के इस मामले के बारे में कुछ भी पता नहीं था।”

“उसने भी कुछ नहीं कहा,” हमारे कैदी ने रोते हुए कहा— “एक शब्द भी नहीं। मैंने उसकी नाव इसलिए चुनी क्योंकि मैंने सुना था कि वह बहुत तेज़ चलती है। हमने उसे कुछ नहीं बताया; लेकिन हमने उसे अच्छा-खासा भुगतान किया था, और अगर हम

ब्राज़ील जाने वाले अपने जहाज़, एस्मेराल्डा, को ग्रेवसेंड में पहुँच जाते, तो उसे अच्छा-खासा इनाम मिलने वाला था।"

"खैर, अगर उसने कोई गलती नहीं की है तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उसके साथ कोई अन्याय न हो। अगर हम अपने आदमियों को पकड़ने में जल्दी करते हैं, तो उन्हें सज़ा देने में उतनी जल्दी नहीं करते।" यह देखना मज़ेदार था कि महत्वपूर्ण जोन्स अपनी गिरफ्तारी के बल पर पहले से ही खुद को बड़ा समझने लगा था। शर्लक होम्स के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान से मैं समझ गया कि उसने मेरी बात को समझ लिया था।

"हम अभी वॉक्सहॉल ब्रिज पर होंगे," जोन्स ने कहा, "और आपको, डॉ. वॉटसन, खजाने के बक्से के साथ उतार देंगे। मुझे आपको यह बताने की शायद ही ज़रूरत है कि ऐसा करके मैं अपने ऊपर एक बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी ले रहा हूं। यह बहुत ही असामान्य है, लेकिन ज़ाहिर है, समझौता तो समझौता होता है। हालांकि, कर्तव्यवश मुझे आपके साथ एक निरीक्षक भेजना होगा, क्योंकि आपके पास इतना महत्वपूर्ण दायित्व है। आप गाड़ी चलाएंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है।"

"हां, मैं गाड़ी चलाऊंगा।"

"अफसोस की बात है कि चाबी नहीं है, ताकि हम पहले सामान की सूची बना सकें। आपको इसे तोड़ना पड़ेगा। चाबी कहाँ है, मेरे साथी?"

"नदी के तल में," स्मॉल ने संक्षेप में कहा।

"हम्म! आपने बेवजह परेशानी खड़ी की, इसका कोई फायदा नहीं था। आपकी वजह से हमें पहले ही बहुत काम मिल चुका है। खैर, डॉक्टर साहब, आपको सावधान रहने की चेतावनी देने की जरूरत नहीं है। आप उस बक्से को बेकर स्ट्रीट के कमरों में वापस ले आइए। स्टेशन जाते समय हम आपको वहीं मिल जाएंगे।"

मुझे भारी लोहे के बक्से के साथ वॉक्सहॉल में उतारा गया, और मेरे साथ एक विनम्र और मिलनसार इंस्पेक्टर भी था। पंद्रह मिनट की ड्राइव के बाद हम श्रीमती सेसिल फॉरेस्टर के घर पहुँचे। नौकरानी इतनी देर से आए मेहमान को देखकर हैरान लग रही थी। उसने बताया कि श्रीमती सेसिल फॉरेस्टर शाम के लिए बाहर गई हैं और उन्हें बहुत देर हो जाएगी। लेकिन मिस मोरस्टन ड्राइंग रूम में थीं, इसलिए मैं बक्सा हाथ में लिए ड्राइंग रूम में चला गया, और उस मददगार इंस्पेक्टर को कैब में ही छोड़ दिया।

वह खुली खिड़की के पास बैठी थी, उसने किसी पारदर्शी सफेद कपड़े का वस्त्र पहना हुआ था, जिसके गले और कमर पर हल्के लाल रंग की कढ़ाई थी। एक शेडेड लैंप की हल्की रोशनी उस पर पड़ रही थी, जब वह टोकरीनुमा कुर्सी पर पीछे की ओर झुकी हुई थी, उसके शांत और गंभीर चेहरे पर पड़ रही थी, और उसके घने बालों की लटों को एक हल्की, धातु जैसी चमक दे रही थी। उसकी एक सफेद बांह और हाथ कुर्सी के किनारे पर लटके हुए थे, और उसकी पूरी मुद्रा और आकृति एक गहरी उदासी को दर्शा रही थी। लेकिन मेरे कदमों की आहट सुनते ही वह उछल पड़ी, और आश्चर्य और खुशी की एक तेज़ लालिमा उसके पीले गालों पर फैल गई।

"मैंने एक टैक्सी के आने की आवाज़ सुनी," उसने कहा। "मुझे लगा कि श्रीमती फॉरेस्टर बहुत जल्दी लौट आई हैं, लेकिन मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि यह आप होंगे। आप मेरे लिए क्या खबर लाए हैं?"

"मैं खबर से भी बेहतर चीज लाया हूँ," मैंने बक्सा मेज़ पर रखते हुए और भारी मन से हँसते हुए और उत्साह से कहा। "मैं तुम्हारे लिए ऐसी चीज लाया हूं जो दुनिया की सारी खबरों से कहीं ज्यादा कीमती है। मैं तुम्हारे लिए खजाना लाया हूं।"

उसने लोहे के बक्से पर एक नज़र डाली।

"तो क्या यही खजाना है?" उसने बड़े शांत भाव से पूछा।

"जी हाँ, यही है आगरा का महान खजाना। इसका आधा हिस्सा तुम्हारा है और आधा थैडियस शोल्टो का। तुम दोनों को कुछ लाख मिलेंगे। सोचो ज़रा! दस हज़ार पाउंड की वार्षिक पेंशन। इंग्लैंड में शायद ही कोई इतनी अमीर युवती होगी। है ना शानदार?"

मुझे लगता है कि मैंने अपनी खुशी को कुछ ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया होगा, और मेरी बधाई में उसे कुछ खोखलापन महसूस हुआ होगा, क्योंकि मैंने देखा कि उसकी भौंहें थोड़ी सी उठीं और उसने उत्सुकता से मेरी तरफ देखा।

उसने कहा, "अगर मेरे पास पैसे हैं, तो मैं आपको ही दूंगी।"

"नहीं, नहीं," मैंने उत्तर दिया, "मुझसे नहीं, बल्कि मेरे मित्र शर्लक होम्स से। मैं चाहे जितनी भी कोशिश कर लूं, उस सुराग का पीछा नहीं कर सकता था—वह सुराग जिसने उनकी विश्लेषणात्मक प्रतिभा को भी चुनौती दी थी। हुआ यूँ कि हम आखिरी क्षण में उसे लगभग खो ही चुके थे।"

"कृपया बैठ जाइए और मुझे इसके बारे में सब कुछ बताइए, डॉ. वॉटसन," उसने कहा।

मैंने उसे आखिरी बार देखने के बाद जो कुछ हुआ था, उसका संक्षेप में वर्णन किया। होम्स की खोज की नई विधि, ऑरोरा की खोज, एथेलनी जोन्स का प्रकट होना, शाम को हमारा अभियान, और टेम्स नदी में हुई रोमांचक भागदौड़। उसने होंठ खोलकर और चमकती आँखों से हमारे कारनामों का मेरा वर्णन सुना। जब मैंने उस तीर का जिक्र किया जो बाल-बाल हमें लगने से चूक गया था, तो उसका चेहरा इतना पीला पड़ गया कि मुझे लगा जैसे वह बेहोश हो जाएगी।

"कुछ नहीं," उसने कहा जब मैं जल्दी से उसके लिए पानी डालने गई। "मैं बिल्कुल ठीक हूँ। यह सुनकर मुझे बहुत बड़ा झटका लगा कि मैंने अपने दोस्तों को इतने भयानक खतरे में डाल दिया था।"

"वह सब खत्म हो गया," मैंने जवाब दिया। "कुछ नहीं हुआ था। मैं आपको और कोई निराशाजनक बात नहीं बताऊंगा। चलिए कुछ अच्छी बात करते हैं। वह रहा खजाना। इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है? मुझे इसे अपने साथ लाने की अनुमति मिल गई थी, क्योंकि मुझे लगा कि इसे सबसे पहले देखना आपको अच्छा लगेगा।"

"मुझे इसमें बहुत दिलचस्पी होगी," उसने कहा। हालाँकि, उसकी आवाज़ में कोई उत्साह नहीं था। उसे शायद यह बात खटक रही थी कि इतनी मेहनत से जीते गए पुरस्कार के प्रति उदासीन रहना शायद अनुचित लगे।

"कितना सुंदर डिब्बा है!" उसने झुकते हुए कहा। "मुझे लगता है यह भारतीय कारीगरी है?"

"जी हां; यह बनारस की धातु-कला है।"

"और ये तो बहुत भारी है!" उसने इसे उठाने की कोशिश करते हुए कहा। "ये डिब्बा तो ज़रूर कीमती होगा। चाबी कहाँ है?"

मैंने जवाब दिया, "स्मॉल ने इसे टेम्स नदी में फेंक दिया। मुझे श्रीमती फॉरेस्टर का पोकर उधार लेना होगा।"

सामने की तरफ एक मोटा और चौड़ा कुंडा था, जिस पर बैठे हुए बुद्ध की आकृति बनी हुई थी। मैंने पोकर का सिरा इसके नीचे डाला और उसे लीवर की तरह बाहर की ओर घुमाया। कुंडा ज़ोरदार आवाज़ के साथ खुल गया। कांपती उंगलियों से मैंने ढक्कन वापस फेंक दिया। हम दोनों अचरज से देखते रह गए। डिब्बा खाली था!

इसमें वजन होना कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। लोहे की बनावट चारों ओर से दो-तिहाई इंच मोटी थी। यह विशाल, अच्छी तरह से निर्मित और ठोस था, मानो किसी

कीमती वस्तु को रखने के लिए बनाया गया संदूक हो, लेकिन इसके अंदर धातु या आभूषण का एक भी टुकड़ा नहीं था। यह बिल्कुल खाली था।

"खजाना खो गया है," मिस मोरस्टन ने शांत भाव से कहा।

जैसे ही मैंने उन शब्दों को सुना और उनका अर्थ समझा, मेरी आत्मा से एक गहरा अंधकार छंट गया। मुझे नहीं पता था कि आगरा का यह खजाना अब तक मुझे कितना बोझिल कर रहा था, जब तक कि वह आखिरकार हट नहीं गया। यह स्वार्थपूर्ण था, निस्संदेह, विश्वासघाती था, गलत था, लेकिन मुझे बस इतना ही समझ आ रहा था कि हमारे बीच की सुनहरी दीवार हट गई है।

“भगवान का शुक्र है!” मैंने अपने दिल से यह बात कही।

उसने मेरी तरफ एक झटपट, सवालिया मुस्कान के साथ देखा।

“तुम ऐसा क्यों कह रहे हो?” उसने पूछा।

“क्योंकि तुम फिर से मेरी पहुँच में हो,” मैंने उसका हाथ थामते हुए कहा। उसने अपना हाथ नहीं छुड़ाया। “क्योंकि मैं तुमसे उतना ही सच्चा प्यार करता हूँ, मेरी, जितना कोई पुरुष किसी स्त्री से करता है। क्योंकि इस खज़ाने, इस दौलत ने मेरे होंठों पर पाबंदी लगा रखी थी। अब जब ये सब चले गए हैं, तो मैं तुम्हें बता सकता हूँ कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूँ। इसीलिए मैंने कहा, ‘भगवान का शुक्र है’।”

"तो मैं भी 'भगवान का शुक्र है' कहती हूँ," उसने फुसफुसाते हुए कहा जब मैंने उसे अपनी तरफ खींचा।

जिसने भी अपना खजाना खोया हो, मुझे उस रात यह एहसास हो गया था कि मैंने एक खजाना पा लिया है।

अध्याय 12

जोनाथन स्मॉल की विचित्र कहानी

टैक्सी में बैठा वह इंस्पेक्टर बहुत धैर्यवान व्यक्ति था, क्योंकि मुझे उससे दोबारा मिलने में काफी समय लग गया। जब मैंने उसे खाली डिब्बा दिखाया तो उसका चेहरा उदास हो गया।

“इनाम तो गया!” उसने उदास स्वर में कहा। “जहाँ पैसा नहीं होता, वहाँ तनख्वाह भी नहीं मिलती। अगर खजाना होता, तो आज रात की मेहनत के बदले सैम ब्राउन और मुझे दस-दस पाउंड ही मिलते।”

मैंने कहा, “श्री थाडियस शोल्टो एक धनी व्यक्ति हैं; वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आपको इनाम मिले, चाहे खजाना मिले या न मिले।”

हालांकि, निरीक्षक ने हताशा से अपना सिर हिलाया।

“यह एक घटिया काम है,” उन्होंने दोहराया; “और श्री एथेलनी जोन्स भी यही सोचेंगे।”

उसका अनुमान सही निकला, क्योंकि जब मैं बेकर स्ट्रीट पहुँचा और उसे खाली डिब्बा दिखाया तो जासूस का चेहरा एकदम खाली-खाली सा लग रहा था। होम्स, कैदी और वह तीनों अभी-अभी पहुंचे थे, क्योंकि उन्होंने अपनी योजना में इतना बदलाव कर दिया था कि रास्ते में पड़ने वाले एक स्टेशन पर ही आत्मसमर्पण कर देंगे। मेरा साथी हमेशा की तरह सुस्त भाव से अपनी कुर्सी पर बैठा रहा, जबकि स्मॉल उसके सामने लकड़ी का एक पैर अपने सही पैर के ऊपर रखकर अकड़कर बैठा रहा। जैसे ही मैंने उसे खाली डिब्बा दिखाया, वह कुर्सी पर पीछे झुक गया और ज़ोर से हँस पड़ा।

“यह सब तुम्हारी करतूत है, स्मॉल,” एथेलनी जोन्स ने गुस्से से कहा।

"हाँ, मैंने इसे ऐसी जगह छिपा दिया है जहाँ तुम कभी इस पर हाथ नहीं लगा पाओगे," वह खुशी से चिल्लाया। "यह मेरा खजाना है, और अगर मुझे यह नहीं मिल सकता तो मैं पूरी कोशिश करूँगा कि किसी और को भी न मिले। मैं तुमसे कहता हूँ कि इस पर किसी भी जीवित व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, सिवाय उन तीन आदमियों के जो अंडमान की कैदी-बेड़ों में हैं और मेरे। अब मुझे पता है कि मैं इसका इस्तेमाल नहीं कर सकता, और मुझे यह भी पता है कि वे भी नहीं कर सकते। मैंने हमेशा उनके लिए उतना ही किया जितना अपने लिए। यह हमेशा से हमारे साथ चार लोगों का प्रतीक रहा है। खैर, मुझे पता है कि वे मुझसे वही करवाते जो मैंने किया है, और खज़ाने को शोल्टो या मोरस्टन के रिश्तेदारों के हाथों में जाने देने के बजाय टेम्स नदी में फेंकवा देते। हमने अचमेट के लिए जो किया वह उन्हें अमीर बनाने के लिए नहीं था। तुम्हें खजाना वहीं मिलेगा जहाँ चाबी है और जहाँ छोटा टोंगा है। जब मैंने देखा कि तुम्हारी नाव हमें पकड़ने वाली है, तो मैंने लूटे हुए सामान को एक सुरक्षित जगह पर रख दिया। इस यात्रा में तुम्हारे लिए कोई रुपये नहीं हैं।"

"तुम हमें धोखा दे रहे हो, स्मॉल," एथेलनी जोन्स ने सख्ती से कहा; "अगर तुम खजाने को टेम्स नदी में फेंकना चाहते, तो तुम्हारे लिए बक्से समेत फेंकना ज्यादा आसान होता।"

"मेरे लिए फेंकना आसान है और तुम्हारे लिए उसे वापस लाना आसान," उसने एक तीखे अंदाज़ में तिरछी नज़र से देखते हुए जवाब दिया। "जिस आदमी ने मुझे ढूंढने की चतुराई दिखाई, वह नदी की तलहटी से लोहे का बक्सा भी उठा सकता है। अब जब वे लगभग पाँच मील के दायरे में बिखरे पड़े हैं, तो यह काम शायद ज़्यादा मुश्किल हो। फिर भी, मुझे ऐसा करने का बहुत मन हुआ। जब तुम हमारे साथ आए, तो मैं लगभग पागल हो गया था। लेकिन अब पछताने का कोई फ़ायदा नहीं। मैंने अपनी ज़िंदगी में उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन मैंने बीती बातों पर पछताना नहीं सीखा है।"

"स्मॉल, यह बहुत गंभीर मामला है," जासूस ने कहा। "अगर तुमने इस तरह न्याय में बाधा डालने के बजाय न्याय में मदद की होती, तो मुकदमे में तुम्हारे जीतने की संभावना बेहतर होती।"

"न्याय!" पूर्व कैदी गुस्से से बोला। "यह कैसा न्याय है! अगर यह हमारा नहीं है, तो किसका माल है? कैसा न्याय है कि मैं इसे उन लोगों को दे दूं जिन्होंने इसे कभी कमाया ही नहीं? देखो मैंने इसे कैसे कमाया है! उस बुखार से भरे दलदल में बीस लंबे साल, दिन भर मैंग्रोव के पेड़ के नीचे काम करता रहा, रात भर गंदी कैदी-झोपड़ियों में जंजीरों में जकड़ा रहा, मच्छरों के काटने से परेशान, जुकाम से तड़पता रहा, हर उस काले चेहरे वाले पुलिसवाले से तंग आता रहा जो गोरे आदमी से अपना हक छीनने में माहिर था। इसी तरह मैंने आगरा का खजाना कमाया, और तुम मुझसे न्याय की बात कर रहे हो क्योंकि मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकता कि मैंने यह कीमत सिर्फ इसलिए चुकाई ताकि कोई और इसका आनंद ले सके! मैं बीस बार फांसी पर चढ़ना या टोंगा के तीरों में छुरा घोंपना पसंद करूंगा, बजाय इसके कि एक कैदी की कोठरी में रहूं और यह देखूं कि कोई और उस पैसे से महल में आराम से रह रहा है जो मेरा होना चाहिए था।"

स्मॉल ने अपना संयम का मुखौटा उतार दिया था, और यह सब शब्दों के एक उग्र बवंडर में प्रकट हुआ, उसकी आँखें धधक रही थीं, और उसके हाथों की भावुक गति के साथ हथकड़ियाँ आपस में टकरा रही थीं। उस व्यक्ति के क्रोध और जुनून को देखकर मैं समझ गया कि मेजर शोल्टो को जब पहली बार पता चला कि घायल कैदी उसका पीछा कर रहा है, तो उसके मन में जो भय था वह निराधार या अस्वाभाविक नहीं था।

होम्स ने धीमी आवाज़ में कहा, "आप भूल रहे हैं कि हमें इस सब के बारे में कुछ नहीं पता। हमने आपकी कहानी नहीं सुनी है, और हम यह नहीं बता सकते कि न्याय

शुरू में आपके पक्ष में कितना रहा होगा।"

"जी महोदय, आपने मेरे प्रति बहुत ही प्रशंसा व्यक्त की है, हालांकि मैं देख सकती हूँ कि इन कंगनों के लिए मैं आपकी आभारी हूं। फिर भी, मुझे इसका कोई मलाल नहीं है। सब कुछ उचित और स्पष्ट है। यदि आप मेरी कहानी सुनना चाहते हैं, तो मैं इसे छुपाना नहीं चाहती। मैं जो कुछ भी कह रही हूँ, वह ईश्वर का सत्य है, एक-एक शब्द। धन्यवाद, आप गिलास मेरे पास रख दीजिए, और यदि मुझे प्यास लगे तो मैं इसे पी लूंगी।"

मैं स्वयं वॉर्सेस्टरशायर का रहने वाला हूँ, मेरा जन्म पर्शोर के पास हुआ था। मैं कह सकता हूँ कि अगर आप ढूंढें तो आपको वहाँ बहुत सारे स्मॉल परिवार के लोग रहते हुए मिल जाएँगे। मैंने कई बार वहां जाकर देखने का सोचा है, लेकिन सच तो यह है कि मैं कभी भी परिवार के लिए कोई गौरवशाली व्यक्ति नहीं रहा, और मुझे संदेह है कि वे मुझे देखकर इतने खुश होंगे। वे सभी स्थिर, चर्च जाने वाले, छोटे किसान थे, ग्रामीण इलाकों में जाने-माने और सम्मानित लोग थे, जबकि मैं हमेशा थोड़ा आवारा टाइप का था। आखिरकार, जब मैं लगभग अठारह साल का हुआ, तो मैंने उन्हें और परेशान नहीं किया, क्योंकि मैं एक लड़की के चक्कर में फंस गया था और उससे निकलने का एकमात्र रास्ता रानी का पैसा लेकर थर्ड बफ्स में भर्ती होना था, जो उस समय भारत के लिए रवाना हो रही थी।

"वैसे तो मेरी किस्मत में सैनिक बनना लिखा ही नहीं था। मैंने अभी-अभी पैदल मार्च करना सीखा ही था और बंदूक चलाना भी, कि मैं इतनी बड़ी बेवकूफी कर बैठा कि गंगा में तैरने चला गया। मेरी किस्मत अच्छी थी कि मेरे कंपनी सार्जेंट जॉन होल्डर भी उसी समय पानी में थे, और वे सेना के सबसे बेहतरीन तैराकों में से एक थे। जैसे ही मैं आधे रास्ते में पहुँचा, एक मगरमच्छ ने मुझे पकड़ लिया और मेरे दाहिने पैर को घुटने के ठीक ऊपर से इतनी सफाई से काट दिया जैसे कोई सर्जन काट सकता हो। सदमे और खून की कमी से मैं बेहोश हो गया, और अगर होल्डर ने मुझे न पकड़ा होता और नाव की किनारे तक न खींचा होता तो मैं डूब ही गया होता। मुझे पाँच महीने अस्पताल में रहना पड़ा, और जब आखिरकार मैं अपने कटे हुए पैर पर लकड़ी का अंगूठा बांधकर लंगड़ाते हुए बाहर निकला, तो मैंने खुद को सेना से अयोग्य घोषित पाया और किसी भी सक्रिय काम के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, उस समय मेरी किस्मत बहुत खराब थी, क्योंकि मैं बीस साल का भी नहीं हुआ था और एक अपाहिज था। लेकिन जल्द ही मेरी बदकिस्मती मेरे लिए एक वरदान साबित हुई। एबेल व्हाइट नाम का एक आदमी, जो नील की खेती करने आया था, अपने मजदूरों की देखरेख करने और उन्हें काम में लगाए रखने के लिए एक ओवरसियर की तलाश में था। संयोग से वह हमारे कर्नल का दोस्त था, जिसने दुर्घटना के बाद से मुझमें दिलचस्पी दिखाई थी। संक्षेप में, कर्नल ने उस पद के लिए मेरी ज़ोरदार सिफारिश की, और चूंकि काम ज़्यादातर घोड़े पर सवार होकर करना होता था, इसलिए मेरा पैर कोई बड़ी बाधा नहीं था, क्योंकि मेरी जांघ में इतना दम था कि मैं काठी पर अच्छी पकड़ बनाए रख सकूं। मुझे बस बागान में घोड़े पर सवार होकर काम करते हुए मजदूरों पर नज़र रखनी थी और कामचोरों की रिपोर्ट करनी थी। तनख्वाह अच्छी थी, रहने की जगह आरामदायक थी, और कुल मिलाकर मैं नील की खेती में अपना शेष जीवन बिताने के लिए संतुष्ट था। श्री एबेल व्हाइट एक दयालु व्यक्ति थे, और वह अक्सर मेरे छोटे से घर में आते रहते थे। मेरे साथ झोंपड़ी में बैठो और पाइप पियो, क्योंकि वहाँ के गोरे लोग एक-दूसरे के प्रति वैसा स्नेह महसूस करते हैं जैसा वे यहाँ घर पर कभी नहीं करते।

खैर, मेरी किस्मत कभी लंबे समय तक साथ नहीं देती थी। अचानक, बिना किसी चेतावनी के, हम पर भीषण विद्रोह टूट पड़ा। एक महीना भारत बिल्कुल शांत और स्थिर था, मानो सरे या केंट हो; अगले ही पल दो लाख काले शैतान बेकाबू हो गए, और देश नरक बन गया। बेशक आप सब इसके बारे में जानते हैं, सज्जनों - मुझसे कहीं ज़्यादा, शायद, क्योंकि पढ़ना-लिखना मेरा काम नहीं है। मैं तो बस वही जानता हूँ जो मैंने अपनी आँखों से देखा। हमारा बागान उत्तर-पश्चिमी प्रांतों की सीमा के पास मुत्तरा नामक स्थान पर था। रात-रात भर पूरा आकाश जलते हुए बंगलों से जगमगाता रहता था, और दिन-ब-दिन यूरोपीय लोगों के छोटे-छोटे समूह अपनी पत्नियों और बच्चों के साथ आगरा जाते हुए हमारी जागीर से गुज़रते थे, जहाँ निकटतम सेनाएँ थीं। श्री एबेल व्हाइट एक ज़िद्दी आदमी थे। उन्होंने अपने दिमाग में ठान लिया था कि इस मामले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है, और यह जितनी अचानक शुरू हुआ है, उतनी ही अचानक शांत भी हो जाएगा। वे अपने बरामदे में बैठकर व्हिस्की पीते और सिगार पीते रहते थे, जबकि उसके बारे में पूरे देश में आक्रोश छाया हुआ था। बेशक, हम उसके साथ खड़े रहे, मैं और डॉसन, जो अपनी पत्नी के साथ मिलकर हिसाब-किताब और प्रबंधन का काम करते थे। खैर, एक दिन सब कुछ बिगड़ गया। मैं एक दूर के बागान में गया हुआ था और शाम को धीरे-धीरे घर लौट रहा था, तभी मेरी नज़र एक गहरी खाई के तले पर कुछ ढेरों के ढेर पर पड़ी। मैं देखने के लिए नीचे गया, और जब मैंने देखा कि डॉसन की पत्नी के शरीर पर पट्टियाँ गिरी हुई थीं और सियार और देसी कुत्तों ने उसे आधा खा लिया था, तो मेरा दिल दहल गया। सड़क पर थोड़ा आगे डॉसन खुद मुंह के बल पड़ा था, बिल्कुल मृत, उसके हाथ में एक खाली रिवाल्वर थी, और उसके सामने चार सिपाही एक दूसरे के ऊपर लेटे हुए थे। मैंने अपने घोड़े की लगाम खींची, यह सोचकर कि मुझे किस तरफ मुड़ना चाहिए; लेकिन उसी क्षण मैंने एबेल व्हाइट के बंगले से घना धुआँ उठता देखा और छत से आग की लपटें फूटने लगीं। तब मुझे एहसास हुआ कि मैं अपने मालिक का कोई भला नहीं कर सकता, बल्कि अगर मैंने इस मामले में दखल दिया तो मैं अपनी जान ही गँवा दूँगा। मामला बिगड़ गया। जहाँ मैं खड़ा था, वहाँ से मुझे सैकड़ों काले शैतान, अपनी लाल जैकेट पहने हुए, जलते हुए घर के चारों ओर नाचते और चिल्लाते हुए दिखाई दिए। उनमें से कुछ ने मेरी ओर इशारा किया, और दो गोलियाँ मेरे सिर के पास से निकल गईं; इसलिए मैं धान के खेतों से भाग निकला, और देर रात आगरा की दीवारों के भीतर सुरक्षित पहुँच गया।

लेकिन जैसा कि बाद में साबित हुआ, वहाँ भी कोई खास सुरक्षा नहीं थी। पूरा देश मधुमक्खियों के झुंड की तरह उफान पर था। जहाँ कहीं भी अंग्रेज छोटे-छोटे समूहों में इकट्ठा हो सके, उन्होंने केवल उतनी ही ज़मीन पर कब्ज़ा जमाए रखी जहाँ तक उनकी तोपों का नियंत्रण था। बाकी हर जगह वे बेबस होकर भाग रहे थे। यह लाखों की सैकड़ों के खिलाफ लड़ाई थी; और इसका सबसे क्रूर पहलू यह था कि जिन सैनिकों से हम लड़ रहे थे, पैदल, घुड़सवार और तोपची, वे हमारे अपने चुने हुए सैनिक थे, जिन्हें हमने सिखाया और प्रशिक्षित किया था, जो हमारे अपने हथियार चलाते थे और हमारे अपने बिगुल बजाते थे। आगरा में थर्ड बंगाल फ्यूसिलियर्स, कुछ सिख, घुड़सवारों की दो टुकड़ियाँ और तोपखाने की एक बैटरी थी। क्लर्कों और व्यापारियों का एक स्वयंसेवी दल बनाया गया था, और मैं उसमें शामिल हो गया, भले ही मेरा एक पैर टूटा हुआ था। हम जुलाई की शुरुआत में शाहगंज में विद्रोहियों से मुकाबला करने निकले, और हमने उन्हें कुछ समय के लिए पीछे धकेल दिया, लेकिन हमारा बारूद खत्म हो गया, और हमें शहर की ओर पीछे हटना पड़ा।

"हर तरफ से हमें सिर्फ बुरी खबरें ही मिल रही थीं—इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है, क्योंकि अगर आप नक्शा देखेंगे तो पाएंगे कि हम ठीक इसके केंद्र में थे।

लखनऊ पूर्व में सौ मील से भी कम दूरी पर है, और कानपुर दक्षिण में लगभग उतनी ही दूरी पर। हर दिशा से सिर्फ यातना, हत्या और अत्याचार ही हो रहे थे।"

आगरा शहर एक विशाल जगह है, जो हर तरह के कट्टरपंथियों और शैतान-पूजा करने वालों से भरा पड़ा है। हमारे मुट्ठी भर सैनिक संकरी, घुमावदार गलियों में खो गए। इसलिए हमारा नेता नदी पार करके आगरा के पुराने किले में चला गया और वहाँ अपना स्थान ग्रहण किया। मुझे नहीं पता कि आप में से किसी ने उस पुराने किले के बारे में कुछ पढ़ा या सुना है या नहीं। वह एक बहुत ही विचित्र जगह है - अब तक की सबसे विचित्र जगह जहाँ मैं गया हूं, और मैं कुछ बहुत ही विचित्र जगहों पर भी गया हूं। सबसे पहले तो यह आकार में बहुत बड़ा है। मुझे लगता है कि इसका परिसर कई एकड़ में फैला होगा। इसमें एक आधुनिक हिस्सा है, जिसमें हमारी पूरी सेना, महिलाएं, बच्चे, भंडार और बाकी सब कुछ रखा गया था, और फिर भी काफी जगह बची थी। लेकिन आधुनिक हिस्सा पुराने हिस्से के आकार का बिल्कुल भी नहीं है, जहाँ कोई नहीं जाता, और जो बिच्छुओं और कनखियों का घर है। यह पूरी तरह से बड़े-बड़े सुनसान हॉल, घुमावदार रास्तों और लंबे गलियारों से भरा हुआ है, जो अंदर-बाहर मुड़ते रहते हैं, जिससे लोगों के लिए वहाँ से गुजरना काफी आसान हो जाता है। उसमें खो जाना। इसी कारण से उसमें शायद ही कोई जाता था, हालांकि कभी-कभार मशालें लिए कुछ लोग खोजबीन करने निकल जाते थे।

नदी पुराने किले के सामने से बहती है और इस प्रकार उसकी रक्षा करती है, लेकिन किनारों और पीछे कई दरवाज़े हैं, और इन सभी की सुरक्षा करना आवश्यक था, पुराने हिस्से में भी और उस हिस्से में भी जहाँ हमारी सेना तैनात थी। हमारे पास सैनिकों की कमी थी, इमारत के कोनों पर पहरा देने और तोपों को चलाने के लिए भी मुश्किल से ही पर्याप्त सैनिक थे। इसलिए, हमारे लिए अनगिनत दरवाज़ों में से प्रत्येक पर एक मजबूत पहरा तैनात करना असंभव था। हमने किले के बीच में एक केंद्रीय चौकी बनाई और प्रत्येक द्वार की जिम्मेदारी एक श्वेत व्यक्ति और दो या तीन स्थानीय सैनिकों को सौंपी। मुझे इमारत के दक्षिण-पश्चिम तरफ एक छोटे से एकांत दरवाजे की रात के कुछ घंटों के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई। दो सिख सैनिकों को मेरे अधीन रखा गया और मुझे निर्देश दिया गया कि यदि कुछ भी गड़बड़ हो तो मैं अपनी बंदूक चलाऊं, और तब मुझे केंद्रीय पहरे से तुरंत मदद मिलने की उम्मीद थी। हालांकि, पहरा लगभग दो सौ कदम दूर था, और बीच का रास्ता गलियारों के एक भूलभुलैया में बंटा हुआ था। गलियारों को देखते हुए, मुझे इस बात पर बहुत संदेह था कि वास्तविक हमले की स्थिति में वे समय पर पहुंचकर किसी काम के साबित हो पाएंगे या नहीं।

"खैर, मुझे यह छोटी सी कमान मिलने पर काफी गर्व था, क्योंकि मैं नया-नया भर्ती हुआ था और मेरे पैर भी लंगड़े थे। दो रात मैंने अपने पंजाबियों के साथ पहरा दिया। वे लंबे-लंबे, खूंखार दिखने वाले जवान थे, जिनका नाम मोहम्मद सिंह और अब्दुल्ला खान था। दोनों ही अनुभवी योद्धा थे, जिन्होंने चिलियन वाला में हमारे खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। वे अच्छी अंग्रेज़ी बोल लेते थे, लेकिन मैं उनसे कुछ ख़ास नहीं समझ पाया। वे एक साथ खड़े रहना और रात भर अपनी अजीब सिख बोली में बड़बड़ाना पसंद करते थे। मैं खुद गेट के बाहर खड़ा रहता था, चौड़ी, घुमावदार नदी और बड़े शहर की टिमटिमाती रोशनी को देखता रहता था। ढोल की थाप, ढोल की खड़खड़ाहट और अफीम और धमाकों से मदहोश विद्रोहियों की चीखें और चिल्लाहटें हमें रात भर नदी के उस पार हमारे खतरनाक पड़ोसियों की याद दिलाती रहती थीं। हर दो घंटे में रात्रि अधिकारी सभी चौकियों पर आकर यह सुनिश्चित करता था कि सब ठीक है।"

मेरी पहरेदारी की तीसरी रात अंधेरी और धुंधली थी, हल्की-हल्की बारिश हो रही थी। ऐसे मौसम में घंटों तक द्वार पर खड़े रहना बहुत उबाऊ काम था। मैंने बार-बार

अपने सिख साथियों से बात करने की कोशिश की, लेकिन ज़्यादा सफलता नहीं मिली। सुबह दो बजे पहरा खत्म हुआ और रात की थकान कुछ पल के लिए दूर हुई। जब मैंने देखा कि मेरे साथी बातचीत में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं, तो मैंने अपनी पाइप निकाला और माचिस जलाने के लिए अपनी बंदूक नीचे रख दी। पल भर में दोनों सिख मुझ पर टूट पड़े। उनमें से एक ने मेरी बंदूक छीन ली और उसे मेरे सिर पर तान दिया, जबकि दूसरे ने एक बड़ा चाकू मेरे गले पर रख दिया और दांतों के बीच से कसम खाते हुए कहा कि अगर मैं एक कदम भी हिला तो वह उसे मुझमें घोंप देगा।

"मेरा पहला ख्याल यही आया कि ये लोग विद्रोहियों के साथ मिले हुए हैं और ये किसी हमले की शुरुआत है। अगर हमारा दरवाज़ा सिपाहियों के हाथ में होता तो ये जगह उनके हाथ में आ जाती और औरतों व बच्चों के साथ वही बर्ताव होता जो कानपुर में हुआ था। शायद आप लोग सोचें कि मैं बस अपनी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कह रही हूँ, लेकिन मैं आपको यकीन दिलाती हूँ कि जब मैंने ये सोचा, तो भले ही चाकू की नोक मेरे गले पर थी, मैंने चीखने के इरादे से अपना मुँह खोला, चाहे वो मेरी आखिरी चीख ही क्यों न हो, जिससे मुख्य पहरेदार सतर्क हो जाए। मुझे पकड़े हुए आदमी को शायद मेरे विचार पता चल गए थे; क्योंकि जैसे ही मैंने खुद को तैयार किया, उसने फुसफुसाकर कहा: 'शोर मत मचाओ। किला काफी सुरक्षित है। नदी के इस तरफ कोई विद्रोही कुत्ते नहीं हैं।' उसकी बात में सच्चाई झलक रही थी और मैं जानती थी कि अगर मैंने आवाज़ उठाई तो मैं मर जाऊँगी। मैंने ये बात उसकी भूरी आँखों में पढ़ ली थी। इसलिए मैं चुपचाप इंतजार करती रही कि वे मुझसे क्या चाहते हैं।"

"'मेरी बात सुनिए, साहब,' उन दोनों में से लंबे और उग्र स्वभाव वाले व्यक्ति ने कहा, जिसे वे अब्दुल्ला खान कहते थे। 'या तो आप अभी हमारे साथ हों, या फिर हमेशा के लिए खामोश हो जाएं। यह मामला इतना गंभीर है कि हम संकोच नहीं कर सकते। या तो आप ईसाइयों के क्रूस पर ली गई शपथ के अनुसार पूरे दिल से हमारे साथ हों, या फिर आज रात आपका शरीर खाई में फेंक दिया जाएगा, और हम विद्रोही सेना में अपने भाइयों के पास चले जाएँगे। कोई मध्य मार्ग नहीं है। क्या चुनना है—मृत्यु या जीवन? हम आपको निर्णय लेने के लिए केवल तीन मिनट का समय दे रहे हैं, क्योंकि समय बीत रहा है, और गोलियाँ चलने से पहले सब कुछ करना होगा।'

मैंने कहा, "'मैं कैसे फैसला करूं?' आपने मुझे यह नहीं बताया कि आप मुझसे क्या चाहते हैं। लेकिन मैं आपको अभी बता देता हूँ कि अगर यह किले की सुरक्षा के खिलाफ कुछ भी है तो मैं इससे कोई वास्ता नहीं रखूंगा, इसलिए आप अपना चाकू घर ले जा सकते हैं और आपका स्वागत है।'"

"'यह किले के खिलाफ कुछ नहीं है,' उसने कहा। 'हम आपसे केवल वही करने को कह रहे हैं जिसके लिए आपके देशवासी इस भूमि पर आते हैं। हम आपसे धनवान बनने को कह रहे हैं। यदि आप आज रात हमारे साथ शामिल हो जाते हैं, तो हम नंगी तलवार पर कसम खाकर और उस त्रिविध शपथ से, जिसे आज तक कोई सिख नहीं तोड़ पाया है, आपसे वादा करते हैं कि आपको लूट का आपका उचित हिस्सा मिलेगा। खजाने का एक चौथाई हिस्सा आपका होगा। इससे बेहतर हम कुछ नहीं कह सकते।'

"'लेकिन फिर खज़ाना क्या है?' मैंने पूछा। 'मैं भी उतना ही अमीर बनने को तैयार हूँ जितना आप बन सकते हैं, बस आप मुझे यह दिखा दें कि यह कैसे किया जा सकता है।'

"'तो तुम शपथ लोगे,' उसने कहा, 'अपने पिता की अस्थियों की, अपनी माता के सम्मान की, अपने विश्वास के क्रूस की, कि तुम हमारे विरुद्ध न तो अभी और न ही बाद में कभी हाथ उठाओगे और न ही एक शब्द बोलोगे?'"

मैंने उत्तर दिया, "मैं शपथ लेता हूं, बशर्ते कि किला खतरे में न हो।"

“‘तब मैं और मेरा साथी शपथ लेंगे कि खज़ाने का एक चौथाई हिस्सा आपको मिलेगा, जिसे हम चारों के बीच बराबर-बराबर बाँटा जाएगा।’

मैंने कहा, ‘केवल तीन ही हैं।’

“नहीं; दोस्त अकबर को उसका हिस्सा मिलना ही चाहिए। हम उनके इंतज़ार में आपको कहानी सुना सकते हैं। आप द्वार पर खड़े रहिए, महोमेट सिंह, और उनके आने की सूचना दे दीजिए। साहब, बात यही है, और मैं आपको इसलिए बता रहा हूँ क्योंकि मैं जानता हूँ कि शपथ एक फिरंगी पर बाध्यकारी होती है, और हम आप पर भरोसा कर सकते हैं। अगर आप झूठे हिंदू होते, चाहे आपने उनके झूठे मंदिरों में सभी देवताओं की कसम खाई होती, तो आपका खून चाकू पर होता और आपका शरीर पानी में होता। लेकिन सिख अंग्रेज को जानता है, और अंग्रेज सिख को जानता है। इसलिए, मेरी बात ध्यान से सुनिए।”

“उत्तरी प्रांतों में एक राजा है जिसके पास बहुत धन है, हालाँकि उसकी ज़मीनें छोटी हैं। उसे अपने पिता से बहुत कुछ विरासत में मिला है, और उससे भी अधिक उसने स्वयं अर्जित किया है, क्योंकि वह शिष्ट स्वभाव का है और सोने को खर्च करने के बजाय जमा करता है। जब संकट शुरू हुआ तो वह शेर और बाघ दोनों से, सिपाही से और कंपनी के राज से मित्रता करने को तैयार था। लेकिन जल्द ही उसे लगा कि गोरों का दिन आ गया है, क्योंकि पूरे देश में उसे केवल उनकी मृत्यु और उनके पतन की ही खबरें सुनाई दे रही थीं। फिर भी, सावधान रहने के कारण, उसने ऐसी योजना बनाई कि चाहे कुछ भी हो जाए, कम से कम उसके खज़ाने का आधा हिस्सा उसके पास रहे। सोने और चांदी का जो कुछ भी था, उसने उसे अपने महल के तहखानों में रखा, लेकिन उसके पास जो सबसे कीमती पत्थर और उत्तम मोती थे, उन्हें उसने एक लोहे के बक्से में भरकर एक भरोसेमंद नौकर के द्वारा भेजा, जो व्यापारी के वेश में उन्हें आगरा के किले तक ले जाएगा, जहाँ वे तब तक रहेंगे जब तक देश में शांति स्थापित नहीं हो जाती। इस प्रकार, यदि विद्रोही जीत जाते हैं तो वह उसके पास धन तो होता, लेकिन यदि कंपनी जीत जाती, तो उसके गहने सुरक्षित रहते। इस प्रकार अपनी संपत्ति बाँटने के बाद, उसने सिपाहियों का साथ दिया, क्योंकि उसकी सीमाओं पर सिपाही बलवान थे। ध्यान रहे, साहब, ऐसा करने से उसकी संपत्ति उन लोगों की हो जाती है जिन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वाह किया है।

“यह ढोंगी व्यापारी, जो अचमेट के नाम से घूमता है, आगरा शहर में है और किले में प्रवेश करना चाहता है। उसके साथ मेरा सौतेला भाई दोस्त अकबर है, जो उसका रहस्य जानता है। दोस्त अकबर ने आज रात उसे किले के एक कोने में ले जाने का वादा किया है और इसी को उसने चुना है। वह अभी यहाँ आएगा और यहाँ उसे महोमेट सिंह और मैं उसका इंतज़ार करते मिलेंगे। यह जगह सुनसान है और किसी को उसके आने की भनक नहीं लगेगी। दुनिया अचमेट व्यापारी को कभी नहीं जानेगी, लेकिन बादशाह का बड़ा खजाना हम सब में बाँट दिया जाएगा। साहब, इस बारे में आपका क्या कहना है?”

“वॉर्सेस्टरशायर में मनुष्य का जीवन महान और पवित्र माना जाता है; लेकिन जब चारों ओर आग और खून हो, और हर मोड़ पर मौत का सामना करने की आदत हो, तो स्थिति बिल्कुल अलग हो जाती है। व्यापारी अखमेट जीवित रहा या मर गया, यह मेरे लिए हवा के समान हल्का था, लेकिन खजाने की बात सुनकर मेरा दिल उसकी ओर खिंचा चला गया, और मैंने सोचा कि मैं अपने देश में इसका क्या करूँगा, और मेरे लोग कैसे हैरान होंगे जब वे अपने निकम्मे को सोने के सिक्कों से भरी जेबें लेकर लौटते देखेंगे। इसलिए मैंने अपना मन बना लिया था। हालाँकि, अब्दुल्ला खान ने यह सोचकर कि मैं हिचकिचा रहा हूँ, इस मामले पर और जोर दिया।”

"'साहिब, ज़रा सोचिए,' उसने कहा, 'अगर इस आदमी को कमांडर ने पकड़ लिया तो उसे फांसी या गोली मार दी जाएगी और उसके गहने सरकार ज़ब्त कर लेगी, जिससे किसी को भी एक रुपया भी फ़ायदा नहीं होगा। अब, जब हम उसे पकड़ रहे हैं, तो बाकी काम भी क्यों न करें? गहने हमारे पास भी उतने ही सुरक्षित रहेंगे जितने कंपनी के खजाने में। इतने गहने होंगे कि हममें से हर कोई अमीर और बड़ा सरदार बन जाएगा। इस बारे में किसी को पता नहीं चल सकता, क्योंकि यहाँ हम सभी से कटे हुए हैं। इससे बेहतर और क्या हो सकता है? तो फिर बताइए, साहब, कि आप हमारे साथ हैं या हमें आपको दुश्मन समझना चाहिए।'

मैंने कहा, 'मैं दिल और जान से तुम्हारे साथ हूं।'

"'यह ठीक है,' उसने मेरी बंदूक मुझे वापस देते हुए उत्तर दिया। 'आप देख सकते हैं कि हम आप पर भरोसा करते हैं, क्योंकि आपका वचन, हमारे वचन की तरह, अटूट है। अब हमें केवल मेरे भाई और व्यापारी का इंतजार करना है।'

मैंने पूछा, "क्या तुम्हारे भाई को पता है कि तुम क्या करने वाले हो?"

"'यह योजना उसकी है। उसने ही इसे तैयार किया है। हम द्वार पर जाएंगे और मोहम्मद सिंह के साथ पहरा देंगे।'"

बारिश लगातार हो रही थी, क्योंकि बारिश का मौसम अभी शुरू ही हुआ था। आसमान में भूरे, घने बादल छाए हुए थे और कुछ भी ठीक से दिखाई नहीं दे रहा था। हमारे दरवाजे के सामने एक गहरी खाई थी, लेकिन कुछ जगहों पर पानी लगभग सूख चुका था और उसे आसानी से पार किया जा सकता था। उन दो जंगली पंजाबियों के साथ वहाँ खड़े होकर उस आदमी का इंतज़ार करना मेरे लिए अजीब सा था जो मौत की ओर बढ़ रहा था।

अचानक मेरी नज़र खाई के दूसरी ओर एक धुंधली लालटेन की चमक पर पड़ी। वह टीलों के बीच गायब हो गई, और फिर धीरे-धीरे हमारी ओर आती हुई दिखाई दी।

"'ये रहे!' मैंने हैरानी से कहा।"

"'आप हमेशा की तरह उसे चुनौती देंगे, साहब।' अब्दुल्ला ने फुसफुसाते हुए कहा। 'उसे डरने का कोई कारण न दें। हमें उसके साथ अंदर भेजें, बाकी काम हम कर लेंगे जबकि आप यहां पहरा देते रहें। लालटेन तैयार रखें ताकि हम यह सुनिश्चित कर सकें कि वह वास्तव में वही व्यक्ति है।'"

प्रकाश धीरे-धीरे आगे बढ़ता गया, कभी रुकता तो कभी बढ़ता, जब तक कि मुझे खाई के दूसरी ओर दो धुंधली आकृतियाँ दिखाई नहीं दीं। मैंने उन्हें ढलान वाले किनारे से नीचे उतरने दिया, कीचड़ में छपछपाते हुए जाने दिया और फाटक तक आधे रास्ते तक चढ़ने दिया, उसके बाद ही मैंने उन्हें चुनौती दी।

मैंने दबी हुई आवाज में कहा, "'वहाँ कौन जाता है?'"

"'दोस्तों,' जवाब आया। मैंने अपनी लालटेन खोली और उन पर रोशनी की बौछार कर दी। पहला एक विशालकाय सिख था जिसकी काली दाढ़ी कमरबंद तक फैली हुई थी। शो के बाहर मैंने इतना लंबा आदमी कभी नहीं देखा था। दूसरा एक छोटा, मोटा, गोल-मटोल आदमी था जिसने एक बड़ी पीली पगड़ी पहनी थी और हाथ में शॉल ओढ़े एक गठरी थी। वह डर से कांप रहा था, उसके हाथ ऐसे फड़फड़ा रहे थे जैसे उसे बुखार हो, और उसका सिर इधर-उधर घूम रहा था, उसकी दो छोटी-छोटी चमकदार आंखें ऐसे चमक रही थीं जैसे कोई चूहा अपने बिल से बाहर निकलता है। उसे मारने का ख्याल आते ही मुझे कंपकंपी छूट गई, लेकिन मैंने खजाने के बारे में सोचा और मेरा दिल पत्थर की तरह सख्त हो गया। जब उसने मेरा सफेद चेहरा देखा तो खुशी से चहचहाया और मेरी तरफ दौड़ता हुआ आया।

"'आपको सुरक्षा, साहब,' वह हांफते हुए बोला, 'दुखी व्यापारी अचमेट को आपकी सुरक्षा। मैं राजपूताना पार करके आगरा के किले में शरण लेने आया था। कंपनी का मित्र होने के कारण मुझे लूटा गया, पीटा गया और गालियां दी गईं। आज की रात मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं और मेरा सारा सामान सुरक्षित हैं।'"

मैंने पूछा, "तुम्हारे बंडल में क्या है?"

"'एक लोहे का बक्सा,' उसने उत्तर दिया, 'जिसमें एक-दो छोटी-मोटी पारिवारिक वस्तुएँ हैं जिनका दूसरों के लिए कोई मूल्य नहीं है, परन्तु जिन्हें खोने पर मुझे खेद होगा। फिर भी मैं भिखारी नहीं हूं; और मैं आपको, युवा साहब, और आपके राज्यपाल को भी, यदि वह मुझे आश्रय देंगे, तो पुरस्कृत करूंगा।'"

"मैं उस आदमी से और बात करने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था। जितना ज़्यादा मैं उसके मोटे, डरे हुए चेहरे को देखता, उतना ही मुझे उसे बेरहमी से मार डालना कठिन लगता। यही बेहतर था कि इसे जल्द से जल्द खत्म कर दिया जाए।"

"'इसे मुख्य पहरेदार के पास ले चलो,' मैंने कहा। दोनों सिख उसके चारों ओर से उस पर टूट पड़े, और वह विशालकाय व्यक्ति उनके पीछे-पीछे अंधेरे द्वार से अंदर चला गया। मौत ने उसे इतना घेर लिया था जितना पहले कभी नहीं देखा था। मैं लालटेन लेकर द्वार पर ही खड़ा रहा।"

सुनसान गलियारों में उनके कदमों की धीमी आहट सुनाई दे रही थी। अचानक वह आहट बंद हो गई, और मुझे आवाज़ें और हाथापाई सुनाई दी, साथ ही वार-पलटवार की आवाज़ भी। एक पल बाद, मेरे डर के मारे, मेरी तरफ़ कदमों की तेज़ आवाज़ आई, साथ ही एक भागते हुए आदमी की ज़ोरदार साँसें सुनाई दे रही थीं। मैंने अपनी लालटेन उस लंबे सीधे गलियारे में घुमाई, और वहाँ वह मोटा आदमी हवा की तरह दौड़ रहा था, उसके चेहरे पर खून का धब्बा था, और उसके ठीक पीछे, बाघ की तरह उछलता हुआ, वह बड़ा सा काली दाढ़ी वाला सिख, जिसके हाथ में चाकू चमक रहा था। मैंने उस छोटे व्यापारी जितना तेज़ दौड़ते हुए किसी आदमी को कभी नहीं देखा था। वह सिख के करीब पहुंच रहा था, और मैं देख सकता था कि अगर वह एक बार मुझे पार करके खुली हवा में पहुंच गया तो वह खुद को बचा लेगा। मेरा दिल उसके लिए नरम पड़ गया, लेकिन फिर से उसके खजाने के ख्याल ने मुझे कठोर और कड़वा बना दिया। जैसे ही वह मेरे पास से भागा, मैंने अपनी बंदूक उसके पैरों के बीच फेंक दी, और वह गोली लगे खरगोश की तरह दो बार लुढ़क गया। इससे पहले कि वह लड़खड़ाकर अपने पैरों पर खड़ा हो पाता, सिख उस पर टूट पड़ा और उसने दो बार चाकू उसकी बगल में घोंप दिया। वह आदमी न तो कराह उठा, न ही उसने कोई हरकत की, बल्कि वहीं पड़ा रहा जहाँ वह गिरा था। मुझे लगता है कि गिरने से उसकी गर्दन टूट गई होगी। देखिए, सज्जनों, मैं अपना वादा निभा रहा हूँ। मैं आपको इस घटना का हर एक शब्द ठीक वैसे ही बता रहा हूँ जैसे वह घटी, चाहे वह मेरे पक्ष में हो या न हो।

वह रुका और हथकड़ी लगे हाथों से व्हिस्की और पानी मांगा जो होम्स ने उसके लिए बनाया था। मैं स्वीकार करता हूँ कि अब मुझे उस आदमी से बेहद घृणा होने लगी थी, न केवल उस निर्मम कृत्य के लिए जिसमें वह शामिल था, बल्कि उससे भी कहीं अधिक उस हल्के-फुल्के और लापरवाह तरीके के लिए जिससे उसने इसे सुनाया था। उसे जो भी सज़ा मिलने वाली थी, मुझे लगा कि वह मुझसे सहानुभूति की उम्मीद नहीं कर सकता। शर्लक होम्स और जोन्स घुटनों पर हाथ रखे बैठे थे, कहानी में गहरी दिलचस्पी ले रहे थे, लेकिन उनके चेहरों पर एक जैसी घृणा झलक रही थी। शायद उसने यह देख लिया था, क्योंकि कहानी सुनाते समय उसकी आवाज़ और हाव-भाव में थोड़ी सी अवज्ञा झलक रही थी।

“यह सब बहुत बुरा था, इसमें कोई शक नहीं,” उसने कहा। “मैं जानना चाहता हूँ कि मेरी जगह कितने लोग इस लूट का हिस्सा ठुकरा देते, जब उन्हें पता होता कि इसके बदले उनकी गर्दन काट दी जाएगी। इसके अलावा, एक बार वह किले में पहुँच गया तो या तो मेरी जान बचती या उसकी। अगर वह बाहर निकल जाता, तो सारा मामला सामने आ जाता, और मेरा कोर्ट-मार्शल हो जाता और मुझे गोली मार दी जाती; क्योंकि उस समय लोग बिल्कुल भी दयालु नहीं थे।”

होम्स ने संक्षेप में कहा, "अपनी कहानी जारी रखो।"

“ठीक है, अब्दुल्ला, अकबर और मैं उसे अंदर ले आए। कद छोटा होने के बावजूद उसका वज़न काफी था। मोहम्मद सिंह को द्वारपाल के रूप में छोड़ दिया गया। हम उसे उस जगह ले गए जो सिखों ने पहले से तैयार कर रखी थी। वह जगह कुछ दूरी पर थी, जहाँ एक घुमावदार रास्ता एक बड़े खाली हॉल की ओर जाता था, जिसकी ईंटों की दीवारें टूट-फूट रही थीं। ज़मीन एक जगह धंस गई थी, जिससे एक प्राकृतिक कब्र बन गई थी, इसलिए हमने व्यापारी अखमेट को वहाँ छोड़ दिया, पहले उसे ढीली ईंटों से ढक दिया। यह करने के बाद, हम सब खजाने की ओर वापस चले गए।”

“यह वहीं पड़ा था जहाँ उसने पहले हमले के समय इसे गिराया था। डिब्बा वही था जो अब आपकी मेज पर खुला पड़ा है। ऊपर के नक्काशीदार हैंडल पर रेशमी डोरी से एक चाबी लटकी हुई थी। हमने उसे खोला, और लालटेन की रोशनी रत्नों के एक संग्रह पर चमकी, जिनके बारे में मैंने पर्सहोर में अपने बचपन में पढ़ा और सोचा था। उन्हें देखना चकाचौंध कर देने वाला था। जब हमने उन्हें निहार लिया, तो हमने उन सभी को बाहर निकाला और उनकी एक सूची बनाई। उनमें एक सौ तैंतालीस उच्च कोटि के हीरे थे, जिनमें से एक को, मेरा मानना है, 'महान मुगल' कहा जाता है, और कहा जाता है कि यह अस्तित्व में दूसरा सबसे बड़ा पत्थर है। फिर सत्तानवे बहुत ही सुंदर पन्ना और एक सौ सत्तर माणिक थे, जिनमें से कुछ छोटे थे। चालीस कार्बंकल, दो सौ दस नीलम, इकसठ अगेट और बड़ी मात्रा में बेरिल, ओनेक्स, कैट्स-आई, फ़िरोज़ा आदि थे। अन्य पत्थर भी थे, जिनके नाम मुझे उस समय तक नहीं पता थे, हालांकि बाद में मुझे उनके बारे में अधिक जानकारी हो गई। इसके अलावा, लगभग तीन सौ बहुत ही उत्तम मोती थे, जिनमें से बारह सोने के मुकुट में जड़े हुए थे। वैसे, ये मोती संदूक से निकाल लिए गए थे और जब मैंने उसे बरामद किया तो वे वहाँ नहीं थे।

“अपने खजाने की गिनती करने के बाद हमने उसे वापस संदूक में रखा और उसे मोहम्मद सिंह को दिखाने के लिए द्वार तक ले गए। फिर हमने एक-दूसरे का साथ देने और अपने रहस्य को गुप्त रखने की शपथ दोहराई। हमने देश में शांति स्थापित होने तक अपने लूटे हुए माल को सुरक्षित स्थान पर छिपाने और फिर उसे आपस में बराबर बाँटने का निर्णय लिया। फिलहाल इसे बाँटने का कोई फायदा नहीं था, क्योंकि अगर इतने कीमती रत्न हमारे पास पाए जाते तो संदेह पैदा हो जाता, और किले में न तो कोई एकांत था और न ही कोई ऐसी जगह जहाँ हम उन्हें रख सकें। इसलिए हम संदूक को उसी हॉल में ले गए जहाँ हमने शव को दफनाया था, और वहाँ, सबसे अच्छी तरह से संरक्षित दीवार की कुछ ईंटों के नीचे, हमने एक गड्ढा खोदा और अपना खजाना रख दिया। हमने उस जगह को ध्यान से नोट कर लिया, और अगले दिन मैंने हम सभी के लिए चार नक्शे बनाए, और नीचे हम चारों के हस्ताक्षर कर दिए, क्योंकि हमने शपथ ली थी कि हम सभी हमेशा सबके लिए काम करेंगे, ताकि कोई भी इसका फायदा न उठा सके। यह एक ऐसी शपथ है जिसे मैं अपने दिल पर हाथ रखकर कसम खा सकता हूँ कि मैंने कभी नहीं तोड़ा है।”

खैर, आप सज्जनों को भारतीय विद्रोह के परिणाम बताने का कोई फायदा नहीं है। विल्सन द्वारा दिल्ली पर कब्जा करने और सर कॉलिन द्वारा लखनऊ को मुक्त कराने

के बाद विद्रोह की कमर टूट गई। नए सैनिक बड़ी संख्या में आने लगे और नाना साहब सीमा पार कर गए। कर्नल ग्रेटहेड के नेतृत्व में एक सेना आगरा पहुंची और पांडियों को वहां से खदेड़ दिया। देश में शांति स्थापित होती दिख रही थी और हम चारों को उम्मीद सताने लगी थी कि अब वह समय आ गया है जब हम लूट के अपने हिस्से के साथ सुरक्षित रूप से जा सकेंगे। लेकिन पल भर में ही हमारी उम्मीदें चकनाचूर हो गईं जब हमें अचमेट के हत्यारों के रूप में गिरफ्तार कर लिया गया।

"यह सब इस तरह हुआ। जब राजा ने अपने गहने अखमेट के हाथों में सौंपे, तो उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह जानता था कि वह एक भरोसेमंद आदमी है। लेकिन पूरब में लोग शंकालु होते हैं: इसलिए राजा ने क्या किया? उसने एक और भी भरोसेमंद सेवक को नियुक्त किया और उसे पहले वाले पर जासूसी करने का काम सौंपा। दूसरे सेवक को आदेश दिया गया था कि वह अखमेट को अपनी नज़रों से ओझल न होने दे, और वह परछाईं की तरह उसके पीछे-पीछे चलता रहा। उस रात वह उसके पीछे गया और उसे द्वार से गुजरते हुए देखा। उसने सोचा कि अखमेट ने किले में शरण ले ली है और अगले दिन उसने खुद भी वहाँ प्रवेश के लिए आवेदन किया, लेकिन अखमेट का कोई सुराग नहीं मिला। यह बात उसे इतनी अज़ीब लगी कि उसने इस बारे में गाइडों के एक सार्जेंट से बात की, जिसने यह बात कमांडेंट को बता दी। तुरंत पूरी तलाशी ली गई और शव बरामद हुआ। इस प्रकार, जिस क्षण हमने सोचा कि सब कुछ सुरक्षित है, हम चारों को पकड़ लिया गया और हत्या के आरोप में मुकदमे के लिए लाया गया - हम तीन को इसलिए क्योंकि हमने उस रात द्वार पर पहरा दिया था, और चौथे को इसलिए क्योंकि वह अखमेट के साथ था। हत्या कर दी गई। मुकदमे में गहनों के बारे में एक शब्द भी सामने नहीं आया, क्योंकि राजा को पदच्युत कर भारत से निकाल दिया गया था; इसलिए किसी को भी उनमें कोई विशेष रुचि नहीं थी। हालांकि, हत्या स्पष्ट रूप से सिद्ध हो गई थी, और यह निश्चित था कि हम सभी इसमें शामिल थे। तीनों सिखों को आजीवन कारावास की सजा मिली, और मुझे मृत्युदंड दिया गया, हालांकि बाद में मेरी सजा को भी अन्य लोगों के समान कर दिया गया।

"उस समय हम एक अजीबोगरीब स्थिति में फंस गए थे। हम चारों के पैर बंधे हुए थे और फिर से बाहर निकलने की कोई उम्मीद नहीं थी, जबकि हममें से हर एक के पास एक ऐसा रहस्य था जो अगर हम उसका इस्तेमाल कर पाते तो हममें से हर एक को महल में पहुंचा सकता था। हर छोटे-मोटे अधिकारी की लात-घूंसे सहना, खाने के लिए चावल और पीने के लिए पानी मिलना, जबकि बाहर एक शानदार दौलत उसका इंतजार कर रही थी, किसी भी आदमी को हड़पने के लिए काफी था। इससे मैं पागल हो सकता था; लेकिन मैं हमेशा से काफी जिद्दी था, इसलिए मैंने धैर्य रखा और सही समय का इंतजार किया।"

अंततः मुझे लगा कि वो समय आ गया है। मुझे आगरा से मद्रास और फिर वहाँ से अंडमान के ब्लेयर द्वीप पर स्थानांतरित कर दिया गया। इस बस्ती में बहुत कम श्वेत कैदी हैं, और चूंकि मैंने शुरू से ही अच्छा व्यवहार किया था, इसलिए मैं जल्द ही एक विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्ति का पुत्र बन गया। मुझे होप टाउन में एक झोपड़ी दी गई, जो माउंट हैरियट की ढलानों पर एक छोटा सा स्थान है, और मुझे लगभग अकेला छोड़ दिया गया। यह एक उजाड़, बुखार से ग्रस्त जगह है, और हमारे छोटे से खुले मैदानों के बाहर का सारा इलाका जंगली नरभक्षी आदिवासियों से भरा हुआ था, जो मौका मिलते ही हम पर जहरीला तीर चलाने के लिए तैयार रहते थे। खुदाई, खाई खोदना, शकरकंद की रोपाई और दर्जनों अन्य काम करने होते थे, इसलिए हम दिन भर व्यस्त रहते थे; हालांकि शाम को हमें थोड़ा समय अपने लिए मिलता था। अन्य चीजों के अलावा, मैंने सर्जन के लिए दवाइयाँ बाँटना सीखा और उनके ज्ञान का थोड़ा-बहुत ज्ञान प्राप्त किया।

में हर समय भागने के मौके की तलाश में रहता था; लेकिन यह किसी भी अन्य भूमि से सैकड़ों मील दूर है। और उन समुद्रों में हवा न के बराबर या बहुत कम होती है: इसीलिए वहां से निकलना बेहद मुश्किल काम था।

सर्जन डॉ. सोमरटन एक फुर्तीले और खेल-प्रेमी नौजवान थे, और बाकी युवा अधिकारी शाम को उनके कमरे में इकट्ठा होकर ताश खेलते थे। वह क्लिनिक, जहाँ मैं अपनी दवाइयाँ तैयार करता था, उनके बैठक कक्ष के बगल में था, और हमारे बीच एक छोटी सी खिड़की थी। अक्सर, जब मुझे अकेलापन महसूस होता था, तो मैं क्लिनिक का लैंप बुझा देता था, और फिर वहाँ खड़े होकर उनकी बातें सुनता और उन्हें खेलते देखता था। मुझे खुद भी ताश खेलना पसंद है, और यह लगभग ऐसा ही था जैसे खुद ताश खेलते हुए दूसरों को देखना। वहां मेजर शोल्टो, कैप्टन मोरस्टन और लेफ्टिनेंट ब्रोमली ब्राउन थे, जो देशी सैनिकों के कमांडर थे, और स्वयं सर्जन और दो-तीन जेल अधिकारी भी थे, जो चालाक और अनुभवी थे और बड़ी चतुराई से सुरक्षित खेल खेलते थे। वे सब मिलकर एक छोटा सा आरामदायक समूह बनाते थे।

"खैर, एक बात जो मुझे बहुत जल्दी समझ में आ गई, वो ये थी कि सैनिक हमेशा हारते थे और नागरिक जीतते थे। ध्यान रहे, मैं ये नहीं कह रहा कि इसमें कुछ अन्याय था, पर ऐसा ही था। अंडमान में रहने के बाद से इन कैदियों ने ताश खेलने के अलावा कुछ नहीं किया था, और वे एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह जानते थे, जबकि बाकी लोग बस समय बिताने के लिए खेलते थे और जैसे मन करे वैसे अपने पत्ते फेंक देते थे। रात-दर-रात सैनिक कंगाल होते उठते थे, और जितना कंगाल होते जाते थे, उतना ही खेलने की उनकी इच्छा बढ़ती जाती थी। मेजर शोल्टो सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। पहले तो वो नोटों और सोने में भुगतान करते थे, लेकिन जल्द ही बात हाथ के नोटों और बड़ी रकम पर आ गई। कभी-कभी कुछ दांव जीतने से उनका हौसला बढ़ता था, और फिर किस्मत पहले से भी बदतर हो जाती थी। सारा दिन वो गुस्से से लाल होकर इधर-उधर भटकते रहते थे, और ज़रूरत से ज़्यादा शराब पीने लगे थे।

"एक रात उसे सामान्य से भी अधिक भारी नुकसान हुआ। मैं अपनी झोपड़ी में बैठा था जब वह और कैप्टन मोरस्टन अपने क्वार्टर की ओर लड़खड़ाते हुए आए। वे दोनों घनिष्ठ मित्र थे और कभी अलग नहीं होते थे। मेजर अपने नुकसान के बारे में बड़बड़ा रहा था।"

"'सब कुछ खत्म हो गया है, मोरस्टन,' जब वे मेरी झोपड़ी के पास से गुजर रहे थे, तब वह कह रहा था। 'मुझे अपने कागज़ात जमा करने होंगे। मैं बर्बाद हो चुका हूं।'"

"'बकवास, यार!' दूसरे ने उसके कंधे पर थपथपाते हुए कहा। 'मेरा भी ऐसा ही एक बुरा अनुभव रहा है, लेकिन—' मैं बस इतना ही सुन पाया, लेकिन यह मुझे सोचने पर मजबूर करने के लिए काफी था।"

"कुछ दिनों बाद मेजर शोल्टो समुद्र तट पर टहल रहे थे: इसलिए मैंने उनसे बात करने का मौका लिया।

मैंने कहा, "'मेजर, मैं आपकी सलाह लेना चाहता हूँ।'"

"'अच्छा, स्मॉल, क्या बात है?' उसने अपने होठों से सिगरेट हटाते हुए पूछा।

मैंने कहा, "'मैं आपसे पूछना चाहता था, महोदय, कि छिपा हुआ खजाना किसे सौंपा जाना चाहिए। मुझे पता है कि आधा मिलियन मूल्य का खजाना कहाँ है, और चूंकि मैं इसका उपयोग स्वयं नहीं कर सकता, इसलिए मैंने सोचा कि शायद सबसे अच्छा यही होगा कि मैं इसे उचित अधिकारियों को सौंप दूं, और फिर शायद वे मेरी सजा कम करवा देंगे।'"

"'आधा मिलियन, स्मॉल?' उसने हांफते हुए कहा, और यह देखने के लिए मेरी ओर ध्यान से देखा कि क्या मैं सच में ऐसा कह रहा हूं।"

“जी हां, महोदय— रत्नों और मोतियों से बना हुआ। यह वहां किसी के भी लिए तैयार पड़ा है। और इसकी अजीब बात यह है कि इसका असली मालिक कानून से बाहर है और संपत्ति नहीं रख सकता, इसलिए यह पहले आने वाले व्यक्ति का हो जाता है।”

“‘सरकार को, स्मॉल,’ वह हकलाते हुए बोला, ‘सरकार को।’ लेकिन उसने यह बात रुक-रुक कर कही, और मुझे अपने दिल में पता चल गया कि मैंने उसे पकड़ लिया है।”

“‘तो फिर, महोदय, आपको लगता है कि मुझे यह जानकारी गवर्नर-जनरल को देनी चाहिए?’ मैंने धीरे से कहा।

“‘अच्छा, अच्छा, तुम्हें कोई भी जल्दबाजी वाला काम नहीं करना चाहिए, वरना तुम्हें पछतावा हो सकता है। मुझे सब कुछ बताओ, स्मॉल। मुझे सारे तथ्य बताओ।’”

मैंने उसे पूरी कहानी कुछ छोटे-मोटे बदलावों के साथ सुनाई, ताकि वह जगहों को पहचान न सके। जब मैंने कहानी खत्म की तो वह एकदम शांत खड़ा रहा और सोच में डूबा हुआ था। उसके होंठों की हल्की सी हरकत से मैं समझ गया कि उसके अंदर एक कशमकश चल रही है।

“‘यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है, स्मॉल,’ उसने अंत में कहा। ‘तुम्हें इसके बारे में किसी से एक शब्द भी नहीं कहना है, और मैं तुमसे जल्द ही फिर मिलूंगा।’

“दो रात बाद वह और उसका दोस्त, कैप्टन मोरस्टन, आधी रात को लालटेन लेकर मेरी झोपड़ी में आए।”

“‘स्मॉल, मैं चाहता हूं कि तुम कैप्टन मोरस्टन को यह कहानी अपने मुंह से सुनाओ,’ उसने कहा।

मैंने इसे वैसे ही दोहराया जैसे मैंने इसे पहले बताया था।

“‘यह बात सच लगती है, है ना?’ उसने कहा। ‘क्या इस पर अमल करना सही रहेगा?’”

कैप्टन मोरस्टन ने सिर हिलाया।

“‘सुनो, स्मॉल,’ मेजर ने कहा। ‘मेरे दोस्त और मैं इस बारे में बात कर रहे थे, और हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि तुम्हारा यह रहस्य सरकारी मामला तो नहीं है, बल्कि तुम्हारा निजी मामला है, जिसे तुम अपनी इच्छानुसार निपटाने का पूरा अधिकार रखते हो। अब सवाल यह है कि तुम इसके लिए क्या कीमत मांगोगे? अगर हम शर्तों पर सहमत हो जाएं, तो हम इस मामले को अपने हाथ में लेने और कम से कम इसकी जांच करने के लिए तैयार हो सकते हैं।’ उसने शांत और बेपरवाह लहजे में बोलने की कोशिश की, लेकिन उसकी आंखें उत्साह और लालच से चमक रही थीं।

“‘तो फिर, सज्जनों,’ मैंने शांत रहने की कोशिश करते हुए उत्तर दिया, लेकिन मैं भी उतना ही उत्तेजित था जितना वह था, ‘मेरी स्थिति में एक व्यक्ति केवल एक ही सौदा कर सकता है। मैं चाहूंगा कि आप मेरी और मेरे तीनों साथियों की स्वतंत्रता में मेरी मदद करें। फिर हम आपको साझेदार बनाएंगे और आपको पांचवां हिस्सा देंगे जिसे आप आपस में बांट लेंगे।’

“‘हुम्म!’ उसने कहा। ‘पांचवां हिस्सा! यह तो बहुत लुभावना नहीं है।’”

मैंने कहा, “‘प्रत्येक की कीमत पचास हजार होगी।’”

“‘लेकिन हम आपकी स्वतंत्रता कैसे प्राप्त कर सकते हैं? आप अच्छी तरह जानते हैं कि आप एक असंभव बात पूछ रहे हैं।’”

“‘ऐसा कुछ नहीं है,’ मैंने उत्तर दिया। ‘मैंने हर छोटी से छोटी बात पर विचार कर लिया है। हमारे भागने में एकमात्र बाधा यह है कि हमें यात्रा के लिए उपयुक्त कोई नाव नहीं मिल रही है, और इतने लंबे समय तक चलने वाला भोजन भी नहीं है। कलकत्ता या

मद्रास में बहुत सारी छोटी नौकाएँ और नावें हैं जो हमारे काम आ सकती हैं। क्या आप एक नाव ला सकते हैं? हम रात तक उस पर सवार होने का वादा करते हैं, और यदि आप हमें भारतीय तट के किसी भी हिस्से पर छोड़ देंगे तो आप अपना वादा पूरा कर देंगे।'

"'अगर सिर्फ एक ही होता,' उसने कहा।

"'कोई नहीं या सभी,' मैंने उत्तर दिया। 'हमने शपथ ली है। हम चारों को हमेशा साथ मिलकर काम करना होगा।'

"'देखो, मोरस्टन,' उसने कहा, 'स्मॉल अपनी बात का पक्का आदमी है। वह अपने दोस्तों से नहीं डरता। मुझे लगता है कि हम उस पर पूरा भरोसा कर सकते हैं।'"

"'यह एक गंदा धंधा है,' दूसरे ने जवाब दिया। 'लेकिन जैसा कि आप कहते हैं, इस पैसे से हमारे कमीशन में काफी बचत होगी।'"

"'अच्छा, स्मॉल,' मेजर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें आपसे मिलने की कोशिश करनी चाहिए। बेशक, हमें पहले आपकी कहानी की सच्चाई की जांच करनी होगी। मुझे बताओ कि बक्सा कहाँ छिपा है, और मैं छुट्टी लेकर मासिक राहत-नाव से भारत वापस जाकर इस मामले की जांच करूंगा।'

"'इतनी जल्दी नहीं,' मैंने कहा, जैसे-जैसे वह गर्म होता गया, मैं और ठंडा होता गया। 'मुझे अपने तीनों साथियों की सहमति चाहिए। मैं तुमसे कहता हूं कि या तो हमारे साथ चार होंगे या कोई नहीं।'"

"'बकवास!' उसने बीच में ही टोकते हुए कहा। 'हमारे समझौते से तीन काले लोगों का क्या लेना-देना है?'"

मैंने कहा, "चाहे वे काले हों या नीले, वे मेरे साथ हैं, और हम सब एक साथ चलते हैं।"

"खैर, मामला दूसरी बैठक में सुलझा, जिसमें मोहम्मद सिंह, अब्दुल्ला खान और दोस्त अकबर सभी उपस्थित थे। हमने इस मामले पर फिर से चर्चा की और अंत में एक समझौता हुआ। हमें दोनों अधिकारियों को आगरा किले के उस हिस्से के नक्शे उपलब्ध कराने थे और दीवार में उस जगह को चिह्नित करना था जहाँ खजाना छिपा था। मेजर शोल्टो को हमारी बात की सच्चाई जानने के लिए भारत जाना था। अगर उन्हें बक्सा मिल जाता, तो उन्हें उसे वहीं छोड़ देना था, एक छोटी नौका को यात्रा के लिए तैयार करके भेजना था, जो रटलैंड द्वीप के पास खड़ी रहेगी, जहाँ से हमें अपना रास्ता तय करना था, और अंत में अपने कर्तव्यों पर लौट आना था। फिर कैप्टन मोरस्टन को छुट्टी के लिए आवेदन करना था, आगरा में हमसे मिलना था, और वहाँ खज़ाने का अंतिम बंटवारा होना था, जिसमें उन्हें मेजर का हिस्सा और अपना हिस्सा दोनों मिलना था। हमने मन में सोची जा सकने वाली और होठों से बोली जा सकने वाली सबसे गंभीर शपथों से इस समझौते को पक्का किया। मैं पूरी रात कागज और स्याही लेकर बैठा रहा, और सुबह तक मेरे पास दोनों नक्शे तैयार थे, जिन पर चार का चिन्ह अंकित था — यह अब्दुल्ला, अकबर, मुहम्मद और मेरे बारे में है।

"खैर, सज्जनों, मेरी लंबी कहानी आपको थका रही है, और मुझे पता है कि मेरे मित्र श्री जोन्स मुझे जल्द से जल्द जेल में छुड़वाना चाहते हैं। मैं इसे जितना हो सके उतना छोटा करके बताता हूं। दुष्ट शोल्टो भारत चला गया, लेकिन वह कभी वापस नहीं आया। कुछ ही समय बाद कैप्टन मोरस्टन ने मुझे एक डाक-नाव में यात्रियों की सूची में उसका नाम दिखाया। उसके चाचा की मृत्यु हो गई थी, और उसे काफी संपत्ति विरासत में मिली थी, और उसने सेना छोड़ दी थी; फिर भी वह पांच आदमियों के साथ वैसा ही व्यवहार कर सकता था जैसा उसने हमारे साथ किया था। मोरस्टन कुछ समय बाद आगरा गया और जैसा कि हमें उम्मीद थी, उसने पाया कि खजाना सचमुच गायब हो

गया था। उस बदमाश ने सारा खजाना चुरा लिया था, बिना उन शर्तों में से एक को पूरा किए जिन पर हमने उसे रहस्य बताया था। उसके बाद से मैं केवल बदला लेने के लिए जीता रहा। मैं दिन भर इसके बारे में सोचता और रात भर इसे अपने मन में पालता रहता। यह मेरे लिए एक प्रबल, जुनून बन गया था। मुझे कानून की कोई परवाह नहीं थी - फांसी की भी कोई परवाह नहीं थी। भाग निकलना, शोल्टो को ढूंढना, उसका गला दबाना - यही मेरा एकमात्र विचार था।" मेरे मन में आगरा का खजाना भी शोल्टो के वध के मुकाबले कम महत्वपूर्ण हो गया था।

"खैर, मैंने इस जीवन में कई चीजों का निश्चय किया है, और ऐसा कोई काम नहीं छोड़ा जिसे मैंने अधूरा न छोड़ा हो। लेकिन मेरा समय आने में कई साल लग गए। मैंने आपको बताया है कि मैंने चिकित्सा का थोड़ा-बहुत ज्ञान प्राप्त कर लिया था। एक दिन जब डा. सोमरटन बुखार से बीमार थे, तो जंगल में कैदियों के एक गिरोह ने एक छोटे से अंडमान द्वीपवासी को उठा लिया। वह बहुत बीमार था और मरने के लिए एक सुनसान जगह पर गया था। मैंने उसे अपने पास ले लिया, हालाँकि वह एक छोटे साँप की तरह ज़हरीला था, और कुछ महीनों बाद मैंने उसे ठीक कर दिया और वह चलने-फिरने लगा। तब उसे मुझसे लगाव हो गया, और वह मुश्किल से ही अपने जंगल में वापस जाता था, बल्कि हमेशा मेरी झोपड़ी के आसपास मंडराता रहता था। मैंने उससे उसकी थोड़ी-बहुत बोली सीख ली, और इससे वह मुझे और भी ज़्यादा पसंद करने लगा।"

"टोंगा—उसका यही नाम था—एक कुशल नाविक था और उसके पास अपनी एक बड़ी, विशाल डोंगी थी। जब मुझे पता चला कि वह मुझसे बहुत प्यार करता है और मेरी सेवा के लिए कुछ भी कर सकता है, तो मुझे भागने का मौका मिल गया। मैंने उससे इस बारे में बात की। उसे एक निश्चित रात को अपनी डोंगी एक पुराने घाट पर लानी थी, जहाँ कभी पहरा नहीं होता था, और वहाँ से मुझे ले जाना था। मैंने उसे निर्देश दिया कि वह कई लौकी पानी और ढेर सारे शकरकंद, नारियल और मीठे आलू लेकर आए।"

"छोटा टोंगा बहुत ही सच्चा और वफादार था। उससे ज़्यादा वफ़ादार साथी किसी को नहीं मिला होगा। तय रात को उसकी नाव घाट पर थी। संयोग से, वहाँ एक कैदी गार्ड भी मौजूद था—एक नीच पठान, जिसने मुझे अपमानित करने और चोट पहुँचाने का कोई मौका नहीं छोड़ा था। मैंने हमेशा बदला लेने की कसम खाई थी, और अब मुझे मौका मिल गया था। ऐसा लग रहा था मानो किस्मत ने उसे मेरे रास्ते में खड़ा कर दिया हो ताकि द्वीप छोड़ने से पहले मैं अपना कर्ज़ चुका सकूं। वह किनारे पर मेरी तरफ पीठ करके खड़ा था, और उसकी कार्बाइन उसके कंधे पर थी। मैंने उसके सिर पर पत्थर मारने के लिए इधर-उधर देखा, लेकिन मुझे कोई पत्थर नहीं दिखा।"

"तभी मेरे दिमाग में एक अजीब सा ख्याल आया और मुझे पता चल गया कि मैं हथियार कहाँ से पा सकता हूँ। मैं अंधेरे में बैठ गया और अपनी लकड़ी की टांग खोल दी। तीन लंबी छलांगों में मैं उस पर टूट पड़ा। उसने अपनी कार्बाइन कंधे पर रखी, लेकिन मैंने उसे पूरा वार किया और उसकी खोपड़ी का अगला हिस्सा चकनाचूर कर दिया। अब आप लकड़ी में वह दरार देख सकते हैं जहाँ मैंने उसे मारा था। हम दोनों एक साथ गिर पड़े, क्योंकि मैं अपना संतुलन नहीं रख सका; लेकिन जब मैं उठा तो मैंने उसे अभी भी शांत पड़ा हुआ पाया। मैं नाव की ओर भागा और एक घंटे में हम समुद्र में काफी दूर निकल गए। टोंगा अपने साथ अपना सारा सामान, अपने हथियार और अपने देवता लाया था। अन्य चीजों के अलावा, उसके पास एक लंबा बांस का भाला और अंडमान के नारियल की चटाई थी, जिससे मैंने एक तरह का पाल बनाया। दस दिनों तक हम किस्मत के भरोसे भटकते रहे और ग्यारहवें दिन हमें एक व्यापारी ने उठा लिया जो सिंगापुर से जिद्दाह जा रहा था और मलय तीर्थयात्रियों का सामान लाद रहा था। वे नशे में धुत लोग थे, और टोंगा और मैं जल्द ही उन्हें काबू में करने में कामयाब हो गए।

उनके बीच बस जाओ। उनमें एक बहुत अच्छी खूबी थी: वे तुम्हें अकेला छोड़ देते थे और कोई सवाल नहीं पूछते थे।

खैर, अगर मैं आपको अपने और अपने छोटे दोस्त के सारे कारनामों के बारे में बताऊं, तो आप मुझे धन्यवाद नहीं देंगे, क्योंकि मैं आपको सूरज निकलने तक यहीं रोके रखूंगा। हम दुनिया भर में इधर-उधर भटकते रहे, हर बार कुछ न कुछ ऐसा हो जाता था जो हमें लंदन जाने से रोक देता था। फिर भी, मैंने कभी भी अपना मकसद नहीं छोड़ा। मैं रात को शोल्टो के सपने देखता था। सौ बार मैंने उसे नींद में ही मार डाला। आखिरकार, लगभग तीन-चार साल पहले, हम इंग्लैंड पहुंच गए। मुझे शोल्टो का पता लगाने में कोई खास मुश्किल नहीं हुई, और मैंने यह पता लगाने का काम शुरू किया कि क्या उसने खजाना हासिल कर लिया है, या क्या वह अभी भी उसके पास है। मैंने एक ऐसे व्यक्ति से दोस्ती की जो मेरी मदद कर सकता था - मैं किसी का नाम नहीं ले रहा, क्योंकि मैं किसी और को मुसीबत में नहीं डालना चाहता - और जल्द ही मुझे पता चला कि गहने अभी भी उसके पास हैं। फिर मैंने कई तरीकों से उस तक पहुँचने की कोशिश की; लेकिन वह बहुत चालाक था और अपने बेटों और अपने खितमुतगार के अलावा, हमेशा दो मुक्केबाजों को अपनी सुरक्षा के लिए रखता था।

"लेकिन एक दिन मुझे खबर मिली कि वह मर रहा है। मैं तुरंत बगीचे की ओर भागा, इस बात से बहुत क्रोधित था कि वह इस तरह मेरे चंगुल से निकल गया। खिड़की से मैंने उसे अपने बिस्तर पर लेटा हुआ देखा, उसके दोनों ओर उसके बेटे थे। मैं अंदर जाकर उन तीनों के साथ मौका आजमाना चाहता था, लेकिन जैसे ही मैंने उसे देखा, उसका जबड़ा नीचे गिर गया, और मैं समझ गया कि वह मर चुका है। हालांकि, उसी रात मैं उसके कमरे में गया और उसके कागजात खंगाले कि क्या उसमें हमारे गहने छुपाने का कोई रिकॉर्ड है। लेकिन उसमें एक भी बात नहीं लिखी थी, इसलिए मैं कड़वाहट और गुस्से से भरा हुआ वापस आ गया। जाने से पहले मैंने सोचा कि अगर मैं कभी अपने सिख दोस्तों से फिर मिलूं तो यह जानकर तसल्ली होगी कि मैंने अपनी नफरत का कुछ निशान छोड़ा है; इसीलिए मैंने हम चारों का चिन्ह, जैसा कि चार्ट पर था, लिख दिया और उसे उसकी छाती पर लगा दिया। यह बहुत दुखद था कि उसे उन लोगों की कोई निशानी के बिना कब्र में ले जाया जाए जिन्हें उसने लूटा था। मूर्ख हो।

"उस समय हम अपना गुजारा करते थे, जब मैं बेचारे टोंगा को मेलों और ऐसी ही दूसरी जगहों पर काले नरभक्षी के रूप में प्रदर्शित करता था। वह कच्चा मांस खाता था और अपना युद्ध-नृत्य करता था: इसलिए दिनभर की मेहनत के बाद हमारे पास हमेशा कुछ पैसे बच जाते थे। मुझे अभी भी पांडिचेरी लॉज से सारी खबरें मिलती रहती थीं, और कुछ सालों तक खजाने की खोज के अलावा कोई खबर नहीं मिली। आखिरकार, वह मिल ही गया जिसका हम इतने लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। खजाना मिल गया था। यह घर की छत पर श्री बार्थोलोम्यू शोल्टो की रासायनिक प्रयोगशाला में था। मैं तुरंत वहाँ गया और जगह देखी, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं अपने लकड़ी के पैर के साथ वहाँ तक कैसे पहुँचूंगा। हालाँकि, मुझे छत में एक गुप्त दरवाजे के बारे में पता चला, और श्री शोल्टो के रात के खाने के समय के बारे में भी। मुझे लगा कि मैं टोंगा की मदद से यह काम आसानी से कर सकता हूं। मैं उसे कमर में एक लंबी रस्सी बांधकर अपने साथ बाहर ले आया। वह बिल्ली की तरह चढ़ सकता था, और उसने जल्दी ही अपना रास्ता बना लिया। छत के रास्ते, लेकिन बदकिस्मती से बार्थोलोम्यू शोल्टो अभी भी कमरे में था, जिसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ा। टोंगा ने उसे मारकर बड़ी चालाकी दिखाई, क्योंकि जब मैं रस्सी से ऊपर आया तो मैंने उसे मोर की तरह इतराते हुए पाया। जब मैंने रस्सी के दूसरे सिरे से उस पर हमला किया और उसे छोटा सा खून का प्यासा शैतान कहा तो वह बहुत हैरान हुआ। मैंने खजाने का बक्सा

उठाया और उसे नीचे उतारा, फिर खुद भी नीचे उतर गया। पहले मैंने मेज़ पर चारों के निशान छोड़ दिए ताकि यह पता चले कि गहने आखिरकार उन लोगों के पास वापस आ गए हैं जिन पर उनका सबसे ज़्यादा हक था। फिर टोंगा ने रस्सी ऊपर खींची, खिड़की बंद की और जिस रास्ते से आया था उसी रास्ते से चला गया।

“मुझे नहीं लगता कि मुझे आपको और कुछ बताना है। मैंने एक नाविक को स्मिथ की नाव, अरोरा, की गति के बारे में बात करते सुना था, इसलिए मैंने सोचा कि वह बूढ़े स्मिथ के साथ हमारे भागने के लिए एक अच्छा साधन होगी, और अगर वह हमें सुरक्षित हमारे जहाज तक पहुंचा देता तो मैं उसे एक बड़ी रकम देने वाला था। उसे बेशक पता था कि कुछ गड़बड़ है, लेकिन उसे हमारे राज़ पता नहीं थे। यह सब सच है, और अगर मैं यह सब आपको बता रहा हूँ, सज्जनों, तो यह आपको हंसाने के लिए नहीं है - क्योंकि आपने मेरा कोई भला नहीं किया है - बल्कि इसलिए है क्योंकि मुझे लगता है कि मैं अपना सबसे अच्छा बचाव यही कर सकता हूँ कि मैं कुछ भी न छिपाऊं, बल्कि पूरी दुनिया को बता दूं कि मेजर शोल्टो ने मेरे साथ कितना बुरा बर्ताव किया है, और मैं उसके बेटे की मौत के लिए कितना निर्दोष हूँ।”

“बहुत ही उल्लेखनीय विवरण,” शर्लक होम्स ने कहा। “एक बेहद दिलचस्प मामले का शानदार अंत। आपके वर्णन के अंतिम भाग में मुझे कुछ भी नया नहीं पता, सिवाय इसके कि आप अपनी रस्सी खुद लाए थे। यह मुझे पता नहीं था। वैसे, मुझे उम्मीद थी कि टोंगा ने अपने सारे तीर खो दिए होंगे; फिर भी उसने नाव में हम पर एक तीर चला दिया।”

"उसने वे सभी खो दिए थे, महोदय, सिवाय उसके जो उस समय उसकी चिलम में था।"

“अरे हाँ, बिल्कुल,” होम्स ने कहा। “मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं था।”

"क्या कोई और बात है जिसके बारे में आप पूछना चाहेंगे?" कैदी ने विनम्रतापूर्वक पूछा।

“मुझे नहीं लगता, धन्यवाद,” मेरे साथी ने उत्तर दिया।

“खैर, होम्स,” एथलनी जोन्स ने कहा, “आप तो खुशमिजाज इंसान हैं, और हम सब जानते हैं कि आप अपराध के पारखी हैं; लेकिन कर्तव्य तो कर्तव्य है, और मैंने आपकी और आपके दोस्त की बात मानकर कुछ ज़्यादा ही कर दिया है। जब हमारा कहानीकार यहाँ ताला लगाकर सुरक्षित पहुंच जाएगा, तब मुझे ज़्यादा राहत मिलेगी। टैक्सी अभी भी इंतज़ार कर रही है, और नीचे दो इंस्पेक्टर हैं। आप दोनों की मदद के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। बेशक, मुकदमे में आपकी ज़रूरत पड़ेगी। शुभ रात्रि।”

“शुभ रात्रि, सज्जनों,” जोनाथन स्मॉल ने कहा।

“पहले तुम, स्मॉल,” कमरे से निकलते हुए सतर्क जोन्स ने कहा। “मैं इस बात का खास ख्याल रखूंगा कि तुम मुझे अपनी लकड़ी की टांग से न मारो, चाहे तुमने अंडमान द्वीप समूह में उस सज्जन के साथ कुछ भी किया हो।”

“अच्छा, और यहीं हमारे छोटे से नाटक का अंत होता है,” कुछ देर चुपचाप बैठकर सिगरेट पीने के बाद मैंने कहा। “मुझे डर है कि शायद यह आखिरी जाँच होगी जिसमें मुझे आपके तरीकों का अध्ययन करने का मौका मिलेगा। मिस मोरस्टन ने मुझे भावी पति के रूप में स्वीकार करके मुझे सम्मानित किया है।”

उसने बेहद दयनीय आह भरी।

उन्होंने कहा, "मुझे इसी बात का डर था। मैं आपको बधाई नहीं दे सकता।"

मुझे थोड़ा दुख हुआ।

मैंने पूछा, "क्या आपको मेरे चुनाव से असंतुष्ट होने का कोई कारण है?"

बिल्कुल नहीं। मुझे लगता है कि वह मेरी अब तक की सबसे आकर्षक युवतियों में से एक है और हमारे द्वारा किए जा रहे काम में बहुत उपयोगी साबित हो सकती थी। उसमें इस मामले में असाधारण प्रतिभा थी, इसका प्रमाण यह है कि उसने आगरा की योजना को अपने पिता के अन्य सभी कागजों से अलग रखा। लेकिन प्रेम एक भावनात्मक चीज़ है, और जो कुछ भी भावनात्मक होता है वह उस सच्ची, निर्मम बुद्धि के विपरीत होता है जिसे मैं सर्वोपरि मानता हूँ। मैं स्वयं कभी विवाह नहीं करूँगा, कहीं ऐसा न हो कि मेरा निर्णय पक्षपातपूर्ण हो जाए।

मैंने हंसते हुए कहा, "मुझे उम्मीद है कि मेरा विवेक इस कठिन परीक्षा में भी कायम रहेगा। लेकिन आप थके हुए लग रहे हैं।"

"हां, इसका असर मुझ पर पहले ही दिखने लगा है। मैं एक हफ्ते तक बिल्कुल बेजान सा रहूंगा।"

मैंने कहा, "अजीब बात है कि जो चीज मैं किसी दूसरे व्यक्ति में आलस्य कहूँगा, वही चीज आपमें शानदार ऊर्जा और जोश के साथ बारी-बारी से दिखाई देती है।"

“हाँ,” उसने उत्तर दिया, “मुझमें एक बहुत अच्छे आलसी और साथ ही एक फुर्तीले, अच्छे स्वभाव वाले व्यक्ति बनने के गुण हैं। मैं अक्सर पुराने गोएथे की उन पंक्तियों के बारे में सोचता हूँ:

“यह अफसोस की बात है कि प्रकृति ने तुममें से केवल एक ही मनुष्य को बनाया, क्योंकि यह पदार्थ एक योग्य व्यक्ति और एक बदमाश के लिए बना था।”

वैसे, नॉरवुड के इस मामले के संदर्भ में, जैसा कि मैंने अनुमान लगाया था, उनके घर में उनका एक साथी था, जो बटलर लाल राव के अलावा और कोई नहीं हो सकता था: इसलिए वास्तव में जोन्स को अपने बड़े शिकार में एक मछली पकड़ने का पूरा श्रेय प्राप्त है।

मैंने कहा, "यह बंटवारा कुछ अनुचित सा लगता है। इस धंधे में सारा काम तो तुमने ही किया है। मुझे तो पत्नी मिल गई, सारा श्रेय जोन्स को मिल गया, और तुम्हारे लिए क्या बचा?"

शर्लक होम्स ने कहा, "मेरे लिए अभी भी कोकीन की बोतल बाकी है।" और उन्होंने उसे लेने के लिए अपना लंबा सफेद हाथ ऊपर उठाया।

शर्लक होम्स के कारनामे

बोहेमिया में एक घोटाला

शर्लक होम्स के लिए वह हमेशा एक स्त्री ही थीं। मैंने उन्हें शायद ही कभी उनका नाम किसी और नाम से लेते सुना हो। उनकी नज़र में वह अपनी जाति की सभी स्त्रियों से श्रेष्ठ और सर्वोपरि थीं। ऐसा नहीं था कि उन्हें आइरीन एडलर के लिए प्रेम जैसी कोई भावना थी। सभी भावनाएँ, और विशेष रूप से वह भावना, उनके ठंडे, सटीक लेकिन अद्भुत रूप से संतुलित मन को घृणित लगती थीं। मेरा मानना है कि वह दुनिया की सबसे परिपूर्ण तर्कशक्ति और अवलोकन शक्ति थे, लेकिन एक प्रेमी के रूप में वह खुद को गलत स्थिति में पाते। उन्होंने कोमल भावनाओं के बारे में कभी बात नहीं की, सिवाय ताने और उपहास के। ये भावनाएँ एक पर्यवेक्षक के लिए प्रशंसनीय थीं - पुरुषों के इरादों और कार्यों से पर्दा उठाने के लिए उत्कृष्ट। लेकिन एक प्रशिक्षित तर्कशील व्यक्ति के लिए अपने स्वयं के कोमल और सूक्ष्म रूप से संतुलित स्वभाव में इस तरह के हस्तक्षेप को स्वीकार करना एक विचलित करने वाला कारक था जो उनके सभी

मानसिक परिणामों पर संदेह पैदा कर सकता था। एक संवेदनशील उपकरण में धूल का कण, या उनके अपने उच्च-शक्ति वाले लेंस में दरार, उनके जैसे स्वभाव में एक तीव्र भावना से अधिक विचलित करने वाली नहीं होती। फिर भी उनके लिए केवल एक ही महिला थी, और वह महिला दिवंगत आइरीन एडलर थीं, जिनकी यादें संदिग्ध और अस्पष्ट हैं।

हाल ही में मेरी होम्स से मुलाकात कम ही हुई थी। शादी ने हमें एक-दूसरे से दूर कर दिया था। मेरी अपनी पूर्ण खुशी और घर-केंद्रित रुचियां, जो किसी व्यक्ति के अपने जीवन का स्वामी बनने पर उत्पन्न होती हैं, मेरा सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती थीं। वहीं, होम्स, जो अपने पूरे बोहेमियन स्वभाव से समाज के हर रूप से घृणा करते थे, बेकर स्ट्रीट स्थित हमारे किराए के कमरे में अपनी पुरानी किताबों में डूबे रहते थे और हर हफ्ते कोकीन और महत्वाकांक्षा के बीच उलझे रहते थे - कभी नशे की सुस्ती में डूबे रहते थे तो कभी अपने तेज स्वभाव की ऊर्जा में। अपराध के अध्ययन में उनकी रुचि आज भी पहले की तरह गहरी थी और वे अपनी असीम बुद्धि और असाधारण अवलोकन शक्ति का उपयोग उन सुरागों का पीछा करने और उन रहस्यों को सुलझाने में करते थे जिन्हें पुलिस ने निराशाजनक मानकर छोड़ दिया था। समय-समय पर मुझे उनके कारनामों के बारे में कुछ अस्पष्ट विवरण सुनने को मिलते थे: ट्रेपोफ हत्याकांड के सिलसिले में ओडेसा में उनकी नियुक्ति, ट्रिंकोमाली में एटकिंसन बंधुओं की विलक्षण त्रासदी को सुलझाने का उनका प्रयास, और अंत में हॉलैंड के शासक परिवार के लिए उन्होंने जिस कुशलता और सफलता से मिशन पूरा किया था। हालांकि, उनकी सक्रियता के इन संकेतों के अलावा, जो मुझे दैनिक समाचार पत्रों के सभी पाठकों के साथ ही मिलते थे, मैं अपने पूर्व मित्र और साथी के बारे में बहुत कम जानता था।

एक रात—यह 20 मार्च, 1888 की बात है—मैं एक मरीज़ से मिलकर लौट रहा था (क्योंकि मैं अब सिविल प्रैक्टिस में लौट आया था), और मेरा रास्ता बेकर स्ट्रीट से होकर गुज़रा। जैसे ही मैं उस जाने-पहचाने दरवाज़े से गुज़रा, जो हमेशा मेरे मन में मेरे प्रेम प्रसंग और 'स्टडी इन स्कारलेट' की काली घटनाओं से जुड़ा रहेगा, मुझे होम्स को फिर से देखने और यह जानने की तीव्र इच्छा हुई कि वह अपनी असाधारण शक्तियों का उपयोग कैसे कर रहे हैं। उनके कमरे जगमगा रहे थे, और जैसे ही मैंने ऊपर देखा, मैंने उनकी लंबी, दुबली-पतली आकृति को पर्दे के पीछे एक धुंधली परछाई में दो बार गुज़रते देखा। वह कमरे में तेज़ी से, उत्सुकता से चहलकदमी कर रहे थे, उनका सिर सीने पर झुका हुआ था और हाथ पीछे बंधे हुए थे। मैं, जो उनके हर मिजाज और आदत को जानता था, उनके हाव-भाव और व्यवहार ने खुद ही कहानी बयां कर दी। वह फिर से काम पर लग गए थे। वह नशे में धुत्त अपने सपनों से जाग उठे थे और किसी नई समस्या की तह तक जाने के लिए बेताब थे। मैंने घंटी बजाई और मुझे उस कमरे में ले जाया गया जो पहले आंशिक रूप से मेरा अपना था।

उनका व्यवहार भावुक नहीं था। ऐसा अक्सर होता ही था; लेकिन मुझे लगता है कि वे मुझे देखकर खुश थे। बिना कुछ बोले, बस स्नेह भरी निगाहों से उन्होंने मुझे एक कुर्सी की ओर इशारा किया, सिगार का डिब्बा मेरी ओर फेंका और कोने में रखे एक शराब के डिब्बे और गैस सिलेंडर की ओर इशारा किया। फिर वे आग के सामने खड़े हो गए और अपनी अनोखी अंतर्मुखी शैली में मुझे निहारने लगे।

“शादीशुदा होना तुम पर जंचता है,” उसने टिप्पणी की। “मुझे लगता है, वॉटसन, जब से मैंने तुम्हें देखा है तब से तुम्हारा वजन साढ़े सात पाउंड बढ़ गया है।”

“सात!” मैंने उत्तर दिया।

"सचमुच, मुझे थोड़ा और सोचना चाहिए था। बस थोड़ा सा और, वॉटसन। और व्यवहार में भी, मैं देख रहा हूं। आपने मुझे यह नहीं बताया कि आप सेना में भर्ती होने

का इरादा रखते हैं।"

"तो फिर आपको कैसे पता?"

"मैं इसे देख रहा हूं, मैं इसका अनुमान लगा रहा हूँ। मुझे कैसे पता चलेगा कि आप आजकल खुद को बहुत गीला कर रहे हैं, और आपके पास एक बेहद अनाड़ी और लापरवाह नौकरानी है?"

"मेरे प्यारे होम्स," मैंने कहा, "यह तो हद से ज़्यादा है। अगर आप कुछ सदियाँ पहले रहते तो ज़रूर जलकर राख हो जाते। यह सच है कि मैं गुरुवार को गाँव में घूमने गया था और बुरी हालत में घर लौटा, लेकिन चूंकि मैंने अपने कपड़े बदल लिए हैं, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप यह कैसे समझ रहे हैं। जहाँ तक मेरी जेन की बात है, वह सुधरने वाली नहीं है, और मेरी पत्नी ने उसे नौकरी से निकाल दिया है, लेकिन फिर भी, मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप यह कैसे पता लगा रहे हैं।"

वह मन ही मन मुस्कुराया और अपने लंबे, घबराए हुए हाथों को आपस में रगड़ने लगा।

"यह तो बिलकुल सीधा-सादा है," उन्होंने कहा; "मेरी आँखों ने देखा है कि आपके बाएँ जूते के अंदरूनी हिस्से में, ठीक उसी जगह जहाँ आग की रोशनी पड़ रही है, चमड़े पर लगभग समानांतर छह निशान हैं। ज़ाहिर है, ये निशान किसी ऐसे व्यक्ति ने बनाएं हैं जिसने लापरवाही से जूते के तलवे के किनारों को खुरचकर उस पर जमी मिट्टी को हटाया होगा। इसलिए, आप समझ रहे हैं ना, मेरा दोहरा अनुमान है कि आप खराब मौसम में बाहर थे, और आपके जूते लंदन के किसी शातिर कारीगर ने काटे होंगे। जहाँ तक आपके पेशे की बात है, अगर कोई सज्जन मेरे कमरे में आयोडोफ़ार्म की गंध लिए, अपनी दाहिनी तर्जनी उंगली पर सिल्वर नाइट्रेट का काला निशान लिए, और अपनी टोपी के दाहिनी ओर उभरा हुआ हिस्सा दिखाकर अपना स्टेथोस्कोप छुपाए हुए आए, तो मैं सचमुच मूर्ख ही हूंगा अगर मैं उसे चिकित्सा जगत का सक्रिय सदस्य न मान लूँ।"

उनकी तर्क प्रक्रिया को समझाने की सहजता देखकर मुझे हंसी आ गई। मैंने कहा, "जब मैं आपके तर्क सुनता हूँ, तो मुझे वह बात इतनी सरल लगती है कि मैं खुद भी आसानी से कर सकता हूं, हालांकि आपके तर्क के हर चरण में मैं उलझन में पड़ जाता हूं जब तक आप अपनी प्रक्रिया नहीं समझाते। फिर भी मुझे विश्वास है कि मेरी आँखें आपकी आँखों जितनी ही अच्छी हैं।"

"बिल्कुल," उसने सिगरेट जलाते हुए और एक कुर्सी पर बैठते हुए जवाब दिया। "आप देखते तो हैं, पर ध्यान नहीं देते। अंतर स्पष्ट है। उदाहरण के लिए, आपने अक्सर वे सीढ़ियाँ देखी होंगी जो हॉल से इस कमरे तक जाती हैं।"

"बार-बार।"

"कितनी बार?"

"खैर, सैकड़ों बार।"

तो फिर कितने लोग हैं?

"कितने? मुझे नहीं पता।"

"बिल्कुल सही! आपने ध्यान नहीं दिया। और फिर भी आपने देखा है। यही तो मेरा मतलब है। अब, मुझे पता है कि सत्रह चरण हैं, क्योंकि मैंने देखा भी है और अवलोकन भी किया है। वैसे, चूंकि आपको इन छोटी-छोटी समस्याओं में रुचि है, और चूंकि आप मेरी एक-दो छोटी-मोटी घटनाओं को लिखने की कृपा कर रहे हैं, तो शायद आपको इसमें भी रुचि हो।" उन्होंने मेज़ पर खुला पड़ा हुआ गुलाबी रंग का मोटा नोट-पेपर फेंक दिया। "यह पिछली डाक से आया है," उन्होंने कहा। "इसे ज़ोर से पढ़िए।"

उस नोट पर न तो तारीख थी और न ही हस्ताक्षर या पता।

“आज रात पौने आठ बजे एक सज्जन आपसे मिलने आएंगे, जो एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामले पर आपसे परामर्श करना चाहते हैं। यूरोप के एक शाही परिवार के प्रति आपकी हालिया सेवाओं से यह सिद्ध होता है कि आप उन मामलों के लिए पूरी तरह से विश्वसनीय हैं, जिनका महत्व शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। आपके बारे में यह जानकारी हमें हर तरफ से मिली है। कृपया उस समय अपने कमरे में उपस्थित रहें, और यदि आपका आगंतुक मुखौटा पहने हो तो बुरा न मानें।”

मैंने कहा, "यह तो वाकई एक रहस्य है। आपके विचार से इसका क्या अर्थ है?"

“मेरे पास अभी कोई डेटा नहीं है। डेटा मिलने से पहले सिद्धांत बनाना एक बहुत बड़ी गलती है। अनजाने में ही व्यक्ति तथ्यों को सिद्धांतों के अनुरूप ढालने लगता है, न कि सिद्धांतों को तथ्यों के अनुरूप। लेकिन उस नोट से आप क्या निष्कर्ष निकालते हैं?”

मैंने लेख और जिस कागज पर वह लिखा गया था, दोनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया।

मैंने अपने साथी की नकल करने की कोशिश करते हुए कहा, "जिस व्यक्ति ने इसे लिखा होगा, वह शायद अमीर रहा होगा। ऐसा कागज आधे शिलिंग से कम में एक पैकेट भी नहीं मिल सकता। यह बहुत मज़बूत और कड़ा होता है।"

“अजीब – यही सही शब्द है,” होम्स ने कहा। “यह बिल्कुल भी अंग्रेजी अखबार नहीं है। इसे रोशनी में देखो।”

मैंने ऐसा किया और कागज की बनावट में बुने हुए एक बड़े "ई" के साथ एक छोटा "जी", एक "पी" और एक बड़े "जी" के साथ एक छोटा "एफ" देखा।

“इस बारे में आपकी क्या राय है?” होम्स ने पूछा।

"निश्चित रूप से निर्माता का नाम; या बल्कि उसका मोनोग्राम।"

“बिल्कुल नहीं। छोटे ‘t’ वाला ‘G’ ‘Gesellschaft’ के लिए है, जो जर्मन भाषा में ‘Company’ का मतलब है। यह हमारे ‘Co’ की तरह ही एक प्रचलित संक्षिप्त रूप है। ‘P’ का मतलब है ‘Papier’। अब ‘Eg’ की बात करते हैं। चलिए, अपने महाद्वीपीय गज़ेटियर पर एक नज़र डालते हैं।” उन्होंने अपनी अलमारियों से एक भारी भूरी किताब निकाली। “एग्लो, एग्लोनित्ज़ – यहाँ हम हैं, एग्रिया। यह एक जर्मन भाषी देश में है – बोहेमिया में, कार्ल्सबैड से ज़्यादा दूर नहीं। ‘वालेंस्टीन की मृत्यु के स्थल के रूप में और अपने कई कांच कारखानों और कागज़ मिलों के लिए उल्लेखनीय है।’ हा हा, मेरे बच्चे, तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?” उनकी आँखें चमक उठीं और उन्होंने अपनी सिगरेट से नीले रंग का एक बड़ा विजयी धुआं उड़ाया।

मैंने कहा, "यह कागज बोहेमिया में बना था।"

“बिल्कुल सही। और यह नोट लिखने वाला एक जर्मन है। क्या आपने वाक्य की विचित्र बनावट पर ध्यान दिया है — ‘आपके बारे में यह जानकारी हमें हर तरफ से मिली है।’ कोई फ्रांसीसी या रूसी इसे नहीं लिख सकता था। जर्मन ही तो अपनी क्रियाओं के प्रति इतने असभ्य हैं। इसलिए अब बस यह पता लगाना बाकी है कि इस जर्मन को क्या चाहिए जो बोहेमियन कागज़ पर लिखता है और अपना चेहरा दिखाने के बजाय मुखौटा पहनना पसंद करता है। और अगर मैं गलत नहीं हूं, तो वह हमारे सभी संदेहों को दूर करने आ रहा है।”

जब वह बोल रहा था तभी घोड़ों के खुरों की तेज़ आवाज़ और पहियों के सड़क के किनारे से टकराने की आवाज़ आई, उसके बाद घंटी को ज़ोर से खींचने की आवाज़ हुई। होम्स ने सीटी बजाई।

“लगता तो एक जोड़ी है,” उसने कहा। “हाँ,” उसने खिड़की से बाहर देखते हुए कहा। “एक बढ़िया सी छोटी बग्घी और दो खूबसूरत घोड़े। एक-एक की कीमत डेढ़ सौ गिनी है। इस मामले में पैसा तो है ही, वाटसन, अगर और कुछ नहीं तो।”

"मुझे लगता है कि मुझे अब जाना चाहिए, होम्स।"

"बिल्कुल नहीं, डॉक्टर साहब। आप यहीं रहिए। मैं अपने बॉसुवेल के बिना खो गया हूँ। और यह दिलचस्प होने वाला है। इसे न देख पाना अफसोस की बात होगी।"

लेकिन आपका ग्राहक—"

"उसकी चिंता मत करो। मुझे तुम्हारी मदद की ज़रूरत पड़ सकती है, और उसे भी। वह आ रहा है। डॉक्टर साहब, उस कुर्सी पर बैठ जाइए और हमें अपना पूरा ध्यान दीजिए।"

सीढ़ियों और गलियारे में सुनाई देने वाले धीमे और भारी कदमों की आहट दरवाज़े के ठीक बाहर आकर रुक गई। फिर एक ज़ोरदार और अधिकारपूर्ण दस्तक सुनाई दी।

"अंदर आओ!" होम्स ने कहा।

एक व्यक्ति अंदर आया जिसकी लंबाई छह फुट छह इंच से कम नहीं रही होगी, और उसका सीना और हाथ-पैर हरक्यूलिस जैसे मजबूत थे। उसका पहनावा इतना भव्य था कि इंग्लैंड में उसे भद्दा माना जाता। उसके दोहरे सीने वाले कोट की आस्तीनों और सामने के हिस्से पर एस्ट्राखान की मोटी पट्टियाँ कटी हुई थीं, जबकि उसके कंधों पर पड़ा गहरा नीला चोला चमकीले रेशम से जड़ा हुआ था और गले में एक चमकीले बेरिल रत्न से जड़ा हुआ था। उसके घुटने तक ऊँचे जूते, जिनके ऊपरी हिस्से पर भूरे रंग के फर की कढ़ाई थी, उसकी पूरी वेशभूषा से झलकती बर्बर समृद्धि का आभास देते थे। उसने हाथ में चौड़ी किनारी वाली टोपी पकड़ी हुई थी, और अपने चेहरे के ऊपरी हिस्से पर, गालों की हड्डियों से नीचे तक, एक काला मुखौटा पहने हुए था, जिसे उसने शायद उसी क्षण ठीक किया था, क्योंकि अंदर आते समय भी उसका हाथ मुखौटे की ओर ही उठा हुआ था। चेहरे के निचले हिस्से से देखने पर वह एक मजबूत चरित्र वाले व्यक्ति प्रतीत होते थे, जिनके होंठ मोटे और लटके हुए थे, और उनकी लंबी, सीधी ठुड्डी हठ की हद तक पहुंचे दृढ़ संकल्प का संकेत देती थी।

"तुम्हें मेरा संदेश मिला था?" उसने गहरी, कर्कश आवाज़ में और स्पष्ट जर्मन लहजे में पूछा। "मैंने तुमसे कहा था कि मैं फोन करूंगा।" वह हममें से एक-एक करके देखता रहा, मानो उसे समझ नहीं आ रहा था कि किससे बात करे।

"कृपया बैठ जाइए," होम्स ने कहा। "ये मेरे मित्र और सहकर्मी डॉ. वॉटसन हैं, जो कभी-कभी मेरे मामलों में मेरी मदद करने की कृपा करते हैं। मुझे किससे बात करने का सौभाग्य प्राप्त है?"

"आप मुझे काउंट वॉन क्रैम, एक बोहेमियन रईस के रूप में संबोधित कर सकते हैं। मुझे पता है कि यह सज्जन, आपके मित्र, एक सम्मानित और विवेकशील व्यक्ति हैं, जिन पर मैं अत्यंत महत्वपूर्ण मामले में भरोसा कर सकता हूं। यदि ऐसा नहीं है, तो मैं आपसे अकेले में बात करनी अधिक पसंद करूंगा।"

मैं जाने के लिए उठा, लेकिन होम्स ने मेरी कलाई पकड़कर मुझे वापस कुर्सी पर धकेल दिया। उन्होंने कहा, "या तो दोनों, या कुछ भी नहीं। आप इस सज्जन के सामने वह सब कुछ कह सकते हैं जो आप मुझसे कह सकते हैं।"

काउंट ने अपने चौड़े कंधों को उचकाते हुए कहा, "तो मुझे शुरुआत आप दोनों को दो साल के लिए पूरी तरह से गुप्त रखने की बाध्यता से करनी होगी; उस समय के अंत तक यह मामला महत्वहीन हो जाएगा। फिलहाल यह कहना गलत नहीं होगा कि यह इतना महत्वपूर्ण है कि इसका यूरोपीय इतिहास पर प्रभाव पड़ सकता है।"

"मैं वादा करता हूं," होम्स ने कहा।

और मैं भी।

“कृपया इस मुखौटे को माफ करें,” हमारे अजनबी आगंतुक ने आगे कहा। “मुझे नियुक्त करने वाले आदरणीय व्यक्ति चाहते हैं कि उनका प्रतिनिधि आपसे अपरिचित रहे, और मैं तुरंत स्वीकार करता हूं कि जिस उपाधि से मैंने अभी अपना परिचय दिया है, वह वास्तव में मेरी अपनी नहीं है।”

"मुझे इसकी जानकारी थी," होम्स ने रूखेपन से कहा।

हालात बेहद नाजुक हैं, और हर संभव सावधानी बरतनी होगी ताकि एक बड़े घोटाले को रोका जा सके जिससे यूरोप के सबसे प्रभावशाली परिवारों में से एक की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। सीधे शब्दों में कहें तो, यह मामला बोहेमिया के वंशानुगत राजा, महान ऑर्मस्टीन राजवंश से जुड़ा है।

"मुझे भी इस बात की जानकारी थी," होम्स ने धीरे से कहा, अपनी कुर्सी पर आराम से बैठते हुए और अपनी आँखें बंद करते हुए।

हमारे आगंतुक ने उस सुस्त, आरामदेह मुद्रा में बैठे व्यक्ति को कुछ आश्चर्य के साथ देखा, जिसे निस्संदेह यूरोप का सबसे तीक्ष्ण बुद्धिजीवी और सबसे ऊर्जावान एजेंट बताया गया था। होम्स ने धीरे-धीरे अपनी आँखें खोलीं और अपने विशालकाय ग्राहक को अधीरता से देखा।

उन्होंने टिप्पणी की, "यदि महाराज आप अपना पक्ष स्पष्ट करने की कृपा करें, तो मैं आपको बेहतर सलाह दे पाऊंगा।"

वह आदमी अपनी कुर्सी से उछल पड़ा और बेकाबू होकर कमरे में इधर-उधर घूमने लगा। फिर हताशा में उसने अपने चेहरे से नकाब उतारकर ज़मीन पर फेंक दिया। “तुम सही कह रहे हो,” वह चिल्लाया; “मैं राजा हूं। मुझे इसे छिपाने की कोशिश क्यों करनी चाहिए?”

“अरे, ऐसा क्यों?” होम्स ने धीमी आवाज़ में कहा। “महाराज, आपने अभी बोलना भी शुरू नहीं किया था कि मुझे पता चला कि मैं विल्हेम गोट्सरिच सिगिसमंड वॉन ऑर्मस्टीन, कैसल फेलस्टीन के ग्रैंड ड्यूक और बोहेमिया के वंशानुगत राजा को संबोधित कर रहा हूँ।”

“पर आप समझ सकते हैं,” हमारे अजनबी आगंतुक ने एक बार फिर बैठते हुए और अपने ऊंचे सफेद माथे पर हाथ फेरते हुए कहा, “आप समझ सकते हैं कि मुझे स्वयं ऐसे काम करने की आदत नहीं है। फिर भी मामला इतना नाजुक था कि मैं इसे किसी एजेंट को सौंपे बिना खुद को उसके अधिकार में नहीं रख सकता था। मैं आपसे परामर्श करने के उद्देश्य से प्राग से गुप्त रूप से आया हूँ।”

"तो फिर, कृपया सलाह लें," होम्स ने अपनी आँखें एक बार फिर बंद करते हुए कहा।

संक्षेप में तथ्य ये हैं: लगभग पाँच साल पहले, वारसॉ की एक लंबी यात्रा के दौरान, मेरी मुलाकात प्रसिद्ध साहसी महिला, आइरीन एडलर से हुई। यह नाम निस्संदेह आपके लिए परिचित होगा।

“कृपया मेरी सूची में उनका नाम ढूंढ लीजिए, डॉक्टर,” होम्स ने आंखें खोले बिना धीरे से कहा। कई वर्षों से उन्होंने पुरुषों और वस्तुओं से संबंधित सभी अनुच्छेदों को क्रमबद्ध करने की एक प्रणाली अपना रखी थी, जिससे किसी विषय या व्यक्ति का नाम लेना मुश्किल हो जाता था जिसके बारे में वे तुरंत जानकारी न दे सकें। इस मामले में, मुझे उनकी जीवनी एक हिब्रू रब्बी और एक ऐसे स्टाफ-कमांडर की जीवनी के बीच में मिली, जिसने गहरे समुद्र की मछलियों पर एक मोनोग्राफ लिखा था।

“देखने दीजिए!” होम्स ने कहा। “हम्म! 1858 में न्यू जर्सी में जन्मीं। कॉन्ट्राल्टो – हम्म! ला स्काला, हम्म! वारसॉ के इंपीरियल ओपेरा की प्राइमा डोना – जी हाँ! ओपेरा मंच से सेवानिवृत्त – हा! लंदन में रहती हैं – बिल्कुल सही! महामहिम, जैसा कि मुझे पता

चला है, इस युवती के साथ उलझ गए, उसे कुछ आपत्तिजनक पत्र लिखे, और अब वे उन पत्रों को वापस पाना चाहते हैं।”

“बिल्कुल सही। लेकिन कैसे—”

क्या कोई गुप्त विवाह हुआ था?

"कोई नहीं।"

“कोई कानूनी कागजात या प्रमाण पत्र नहीं?”

"कोई नहीं।"

“तो मैं महाराज की बात समझ नहीं पा रहा हूँ। अगर यह युवती ब्लैकमेल करने या अन्य उद्देश्यों के लिए अपने पत्र पेश करती है, तो वह उनकी प्रामाणिकता कैसे साबित करेगी?”

“वहाँ लिखा हुआ है।”

"छी, छी! जालसाजी।"

“मेरा निजी नोट-पेपर।”

"चुराया हुआ।"

“मेरी अपनी मुहर।”

“नकल की गई।”

“मेरी तस्वीर।”

"खरीदा।"

हम दोनों उस तस्वीर में थे।

“अरे बाप रे! यह तो बहुत बुरा हुआ! महाराज ने सचमुच एक बड़ी गलती कर दी है।”

मैं पागल हो गया था—पूरी तरह से विक्षिप्त हो गया था।

आपने खुद को गंभीर रूप से खतरे में डाल दिया है।

“तब मैं केवल युवराज था। मैं जवान था। अब मैं केवल तीस साल का हूँ।”

इसे वापस पाना होगा।

हमने कोशिश की और असफल रहे।

"महामहिम को भुगतान करना होगा। इसे खरीदना ही होगा।"

वह नहीं बेचेगी।

"तो फिर चोरी हो गई।"

“पांच बार कोशिश की गई है। दो बार मेरे वेतनभोगी चोरों ने उसके घर में तोड़फोड़ की। एक बार जब वह यात्रा कर रही थी तो हमने उसका सामान सुरक्षित जगह पहुंचा दिया। दो बार उसे रास्ते में रोका गया। लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।”

“इसका कोई संकेत नहीं मिला?”

"बिल्कुल नहीं।"

होम्स हँसे। उन्होंने कहा, "यह तो एक छोटी सी, प्यारी सी समस्या है।"

“लेकिन मेरे लिए यह बहुत गंभीर मामला है,” राजा ने तिरस्कारपूर्ण लहजे में उत्तर दिया।

“जी हां, बिल्कुल। और वह उस तस्वीर का क्या करने वाली है?”

मुझे बर्बाद करने के लिए।

"आख़िर कैसे?"

मेरी शादी होने वाली है।

मैंने तो यही सुना है।

“स्कैंडिनेविया के राजा की दूसरी पुत्री क्लोटिल्डे लोथमैन वॉन सैक्स-मेनिंगेन को। आप उनके परिवार के सख्त सिद्धांतों से भलीभांति परिचित होंगी। वे स्वयं अत्यंत

शालीन हैं। मेरे आचरण के बारे में जरा सा भी संदेह होने पर मामला समाप्त हो जाएगा।"

और आइरीन एडलर?

"वह उन्हें तस्वीर भेजने की धमकी देती है। और वह ऐसा करेगी भी। मुझे पता है कि वह ऐसा करेगी। आप उसे नहीं जानते, लेकिन उसका दिल फौलादी है। उसका चेहरा बेहद खूबसूरत है, और उसका दिमाग सबसे दृढ़ पुरुषों जैसा है। मैं किसी और महिला से शादी न करूं, इसके लिए वह कुछ भी करने को तैयार है—बिल्कुल भी नहीं।"

"क्या आपको यकीन है कि उसने अभी तक इसे नहीं भेजा है?"

"मुझे यकीन है।"

और क्यों?

क्योंकि उसने कहा है कि वह इसे उस दिन भेजेगी जब सगाई की सार्वजनिक घोषणा की जाएगी। वह अगले सोमवार होगा।

"ओह, तो हमारे पास अभी तीन दिन हैं," होम्स ने जम्हाई लेते हुए कहा। "यह तो बहुत अच्छी बात है, क्योंकि मुझे इस समय एक-दो महत्वपूर्ण मामलों को देखना है। महाराज, आप फिलहाल लंदन में ही रहेंगे।"

"ज़रूर। आप मुझे लैंगहम में काउंट वॉन क्रैम के नाम से पाएंगे।"

"फिर मैं आपको एक पत्र लिखकर प्रगति की जानकारी दूंगा।"

"कृपया ऐसा ही करें। मैं पूरी तरह से चिंतित हो जाऊंगा।"

तो फिर पैसों का क्या?

आपको पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त है।

"बिल्कुल?"

मैं तुमसे कहता हूँ कि उस तस्वीर को पाने के लिए मैं अपने राज्य का एक प्रांत दे दूंगा।

और वर्तमान खर्चों के लिए?

राजा ने अपने लबादे के नीचे से चमड़े का एक भारी थैला निकाला और उसे मेज पर रख दिया।

उन्होंने कहा, "तीन सौ पाउंड सोने के और सात सौ पाउंड नोटों के हैं।"

होम्स ने अपनी नोटबुक के एक पन्ने पर रसीद लिखी और उसे उसे सौंप दी।

"और मैडमोजेल का पता?" उसने पूछा।

"क्या ब्रायोनी लाज, सर्पेन्टाइन एवेन्यू, सेंट जॉन्स वुड में स्थित है?"

होम्स ने इसे नोट कर लिया। "एक और सवाल," उसने कहा। "क्या वह तस्वीर एक कैबिनेट थी?"

"वह था।"

"तो शुभ रात्रि, महाराज, और मुझे आशा है कि जल्द ही आपके लिए कोई अच्छी खबर होगी। और शुभ रात्रि, वाटसन," उन्होंने आगे कहा, जैसे ही शाही गाड़ी के पहिए सड़क पर आगे बढ़े। "यदि आप कल दोपहर तीन बजे आने की कृपा करें तो मैं इस छोटे से मामले पर आपसे बात करना चाहूंगा।"

—

ठीक तीन बजे मैं बेकर स्ट्रीट पर था, लेकिन होम्स अभी तक नहीं लौटे थे। मकान मालकिन ने मुझे बताया कि वे सुबह आठ बजे के कुछ देर बाद घर से निकले थे। फिर भी मैं आग के पास बैठ गया, उनका इंतज़ार करने के इरादे से, चाहे उन्हें कितना भी समय लगे। मैं पहले से ही उनकी जाँच में गहरी दिलचस्पी ले रहा था, क्योंकि यद्यपि

इसमें उन दो अपराधों से जुड़े किसी भी भयावह और रहस्यमय पहलू का अभाव था जिनका मैंने पहले ही उल्लेख किया है, फिर भी, मामले की प्रकृति और उनके मुवक्किल की उच्च प्रतिष्ठा ने इसे एक अलग ही पहचान दी थी। वास्तव में, मेरे मित्र के हाथ में जो जाँच थी, उसकी प्रकृति के अलावा, किसी भी स्थिति पर उनकी महारत और उनकी तीक्ष्ण, पैनी तर्कशक्ति में कुछ ऐसा था जिसने मुझे उनकी कार्यशैली का अध्ययन करने और उन त्वरित, सूक्ष्म तरीकों का अनुसरण करने में आनंद दिया जिनसे वे सबसे जटिल रहस्यों को सुलझाते थे। मैं उनकी निरंतर सफलता का इतना आदी हो चुका था कि उनकी असफलता की संभावना मेरे दिमाग से ओझल हो गई थी।

लगभग चार बज रहे थे जब दरवाज़ा खुला और एक नशे में धुत सा दिखने वाला दूल्हा, बिखरे बालों और बढ़ी हुई मूछों के साथ, लाल चेहरे और भद्दे कपड़ों में कमरे में दाखिल हुआ। अपने दोस्त की वेश बदलने की अद्भुत क्षमता से मैं परिचित था, इसलिए मुझे तीन बार देखना पड़ा तब जाकर मुझे यकीन हुआ कि वह सच में वही है। उसने सिर हिलाकर बेडरूम में गायब हो गया, और पाँच मिनट बाद ट्वीड सूट में, पहले की तरह सभ्य रूप में बाहर आया। उसने अपने हाथ जेब में डाले और आग के सामने पैर फैलाकर कुछ मिनट तक दिल खोलकर हंसा।

“वाह, सचमुच!” वह चिल्लाया, और फिर उसका गला रुंध गया और वह तब तक हंसता रहा जब तक कि वह कुर्सी पर बेजान और असहाय होकर लेटने के लिए मजबूर नहीं हो गया।

"यह क्या है?"

“यह तो बहुत ही मज़ेदार है। मुझे यकीन है कि आप कभी अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि मैंने अपनी सुबह कैसे बिताई या मैंने आखिर में क्या किया।”

“मैं कल्पना भी नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि आप मिस आइरीन एडलर की आदतों और शायद उनके घर पर भी नजर रख रहे होंगे।”

“बिल्कुल सही; लेकिन आगे जो हुआ वो कुछ असामान्य था। फिर भी मैं आपको बताता हूँ। आज सुबह आठ बजे के कुछ देर बाद मैं एक बेरोजगार घुड़सवार के वेश में घर से निकला। घुड़सवारों में अद्भुत अपनापन और आपसी सहयोग होता है। अगर आप भी उनमें से एक बन जाएँगे, तो आपको सब कुछ पता चल जाएगा। मुझे जल्द ही ब्रायोनी लॉज मिल गया। यह एक छोटा सा विला है, जिसके पीछे बगीचा है, लेकिन सामने की तरफ सड़क तक दो मंजिला इमारत बनी हुई है। दरवाज़े पर चब लॉक लगा है। दाहिनी ओर एक बड़ा बैठक कक्ष है, जो अच्छी तरह से सुसज्जित है, जिसमें फर्श तक लंबी खिड़कियाँ हैं, और वे अजीबोगरीब अंग्रेजी खिड़की के ताले हैं जिन्हें एक बच्चा भी खोल सकता है। पीछे कुछ खास नहीं था, सिवाय इसके कि गलियारे की खिड़की तक कोच-हाउस की छत से पहुँचा जा सकता था। मैंने उसके चारों ओर घूमकर हर कोण से बारीकी से निरीक्षण किया, लेकिन मुझे कुछ और दिलचस्प नहीं लगा।

“फिर मैं गली में टहलते हुए गया और जैसा कि मुझे उम्मीद थी, मुझे बगीचे की एक दीवार के पास वाली एक छोटी सी गली में घोड़ों का अस्तबल मिला। मैंने अस्तबल के कर्मचारियों को उनके घोड़ों की मालिश करने में मदद की और बदले में मुझे दो पेंस, एक गिलास आधा-आधा पेय, दो बार भरा हुआ तंबाकू और मिस एडलर के बारे में जितनी जानकारी चाहिए थी, उतनी मिली, साथ ही आस-पड़ोस के आधे दर्जन अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी मिली जिनमें मेरी ज़रा भी दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन जिनकी जीवनियाँ मुझे सुनने के लिए विवश होना पड़ा।”

“और आइरीन एडलर का क्या हुआ?” मैंने पूछा।

"ओह, उसने उस इलाके के सभी पुरुषों को अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। वह इस दुनिया में सबसे खूबसूरत है। सर्पेंटाइन-म्यूज़ में रहने वाले सभी लोग यही कहते हैं। वह शांत जीवन जीती है, संगीत कार्यक्रमों में गाती है, हर दिन पाँच बजे निकलती है और ठीक सात बजे रात के खाने के लिए लौट आती है। बाकी समय वह शायद ही कभी बाहर जाती है, सिवाय जब वह गाती है। उसका केवल एक ही पुरुष आगंतुक है, लेकिन वह अक्सर उससे मिलता है। वह सांवला, सुंदर और आकर्षक है, दिन में कम से कम एक बार तो आता ही है, और अक्सर दो बार आता है। वह इनर टेम्पल के मिस्टर गॉड्फ्रे नॉर्टन हैं। एक कैब ड्राइवर के भरोसेमंद होने के क्या फायदे हैं, देखिए। वे उसे सर्पेंटाइन-म्यूज़ से एक दर्जन बार घर छोड़ चुके थे और उसके बारे में सब कुछ जानते थे। जब मैंने उनकी सारी बातें सुन लीं, तो मैं एक बार फिर ब्रायोनी लॉज के पास इधर-उधर घूमने लगा और अपनी प्रचार योजना पर विचार करने लगा।"

"गॉड्फ्रे नॉर्टन इस मामले में एक अहम कड़ी थे। वे एक वकील थे। यह बात कुछ अशुभ संकेत दे रही थी। उन दोनों के बीच क्या रिश्ता था, और उनके बार-बार आने का मकसद क्या था? क्या वह उनकी मुवक्किल, उनकी दोस्त या उनकी प्रेमिका थीं? अगर वह मुवक्किल थीं, तो शायद उन्होंने ही तस्वीर उनके पास सौंपी थी। अगर वह प्रेमिका थीं, तो इसकी संभावना कम थी। इसी सवाल के जवाब पर निर्भर करता था कि मैं ब्रायोनी लॉज में अपना काम जारी रखूँ या टेंपल स्थित उस सज्जन के कमरों की ओर ध्यान दूं। यह एक नाजुक मामला था, और इससे मेरी जाँच का दायरा बढ़ गया। मुझे डर है कि इन विवरणों से आप ऊब गए होंगे, लेकिन अगर आप स्थिति को समझना चाहते हैं, तो मुझे आपको अपनी छोटी-मोटी परेशानियाँ बतानी होंगी।"

मैंने जवाब दिया, "मैं आपका बारीकी से अनुसरण कर रहा हूँ।"

मैं अभी भी इस मामले पर विचार कर ही रही थी कि तभी एक टैक्सी ब्रायोनी लॉज के सामने आकर रुकी और एक सज्जन उससे बाहर निकले। वे बेहद आकर्षक, सांवले, तीखे और मूंछों वाले व्यक्ति थे - जाहिर तौर पर वही थे जिनके बारे में मैंने सुना था। वे बहुत जल्दी में लग रहे थे, उन्होंने टैक्सी ड्राइवर को रुकने के लिए कहा और नौकरानी को ऐसे धक्का देकर निकल गए जैसे वे अपने घर में पूरी तरह सहज़ हों।

"वह लगभग आधे घंटे तक घर में रहा, और मैं बैठक कक्ष की खिड़कियों से उसकी झलक देख पा रही थी; वह इधर-उधर टहल रहा था, उत्तेजित होकर बातें कर रहा था और अपने हाथ हिला रहा था। मुझे उसका कुछ भी दिखाई नहीं दिया। थोड़ी देर बाद वह बाहर निकला, पहले से भी ज़्यादा घबराया हुआ लग रहा था। जैसे ही वह टैक्सी के पास पहुंचा, उसने अपनी जेब से एक सोने की घड़ी निकाली और उसे ध्यान से देखते हुए चिल्लाया, 'तेज़ गाड़ी चलाओ, पहले रीजेंट स्ट्रीट में ग्रास एंड हेंकीज़ तक, और फिर एजवेयर रोड में सेंट मोनिका चर्च तक। अगर बीस मिनट में पहुँच गए तो आधा गिनी मिलेगा!'"

वे चले गए, और मैं सोच ही रहा था कि क्या मुझे भी उनके पीछे जाना चाहिए, तभी गली से एक छोटी सी सुंदर लैंडौ गाड़ी आई। उसका कोचवान आधे खुले कोट में था, टाई उसके कान के नीचे लटकी थी, और उसके हार्नेस के सारे टैग बकल से बाहर निकले हुए थे। गाड़ी रुकी भी नहीं थी कि वह हॉल के दरवाजे से निकलकर अंदर चली गई। उस पल मैंने बस उसकी एक झलक देखी, लेकिन वह एक खूबसूरत महिला थी, जिसका चेहरा इतना आकर्षक था कि कोई भी आदमी उस पर फिदा हो जाए।

"'सेंट मोनिका का चर्च, जॉन,' वह चिल्लाई, 'और अगर तुम बीस मिनट में वहाँ पहुँच जाओ तो आधा सॉवरेन मिलेगा।'"

"वॉटसन, यह मौका हाथ से जाने देना ठीक नहीं था। मैं सोच ही रही थी कि भाग जाऊं या फिर उसके पीछे छिप जाऊं, तभी एक टैक्सी सड़क पर आई। ड्राइवर ने

इतनी खस्ताहाल सवारी को देखकर दो बार सोचा, लेकिन उसके कुछ कहने से पहले ही मैं उसमें बैठ गई। मैंने कहा, 'संट मोनिका का चर्च, और अगर आप बीस मिनट में पहुंच गए तो आधा सॉवरेन (एक तरह का सोना) मिलेगा।' बारह बजने में पच्चीस मिनट बाकी थे, और ज़ाहिर है, हवा का रुख साफ था।"

"मेरा टैक्सी ड्राइवर बहुत तेज़ गाड़ी चला रहा था। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी इतनी तेज़ गाड़ी चलाई होगी, लेकिन बाकी लोग हमसे पहले ही वहाँ पहुंच गए थे। जब मैं पहुँचा, तो टैक्सी और उनके धुएँ से भरे घोड़ों वाली लैंडौ गाड़ी दरवाज़े के सामने खड़ी थी। मैंने ड्राइवर को किराया दिया और जल्दी से चर्च में घुस गया। वहाँ मेरे पीछे आए दो लोगों और एक पादरी के अलावा कोई नहीं था, जो उनसे कुछ कह रहा था। वे तीनों वेदी के सामने एक समूह में खड़े थे। मैं किसी भी आवारा की तरह बगल के गलियारे में धीरे-धीरे चलने लगा। अचानक, मुझे आश्चर्य हुआ, वेदी पर खड़े तीनों मेरी ओर मुड़े और गॉडफ्रे नॉर्टन पूरी तेज़ी से मेरी ओर दौड़ता हुआ आया।

"'भगवान का शुक्र है,' वह चिल्लाया। 'तुम ठीक हो जाओगे। आओ! आओ!'"

"'तो फिर क्या?' मैंने पूछा।"

"'आओ यार, आओ, बस तीन मिनट, वरना यह गैरकानूनी हो जाएगा।'

मुझे घसीटते हुए वेदी तक लाया गया, और इससे पहले कि मुझे पता चलता कि मैं कहाँ हूँ, मैंने खुद को उन बातों का जवाब बुदबुदाते हुए पाया जो मेरे कान में फुसफुसाई जा रही थीं, और उन चीजों के लिए गवाही दे रहा था जिनके बारे में मुझे कुछ भी पता नहीं था, और कुल मिलाकर कुंवारी आइरीन एडलर और कुंवारे गॉडफ्रे नॉर्टन के बीच विवाह संपन्न कराने में मदद कर रहा था। यह सब पल भर में हो गया, और एक तरफ सज्जन मुझे धन्यवाद दे रहे थे और दूसरी तरफ महिला, जबकि सामने पादरी मुझ पर मुस्कुरा रहे थे। यह मेरे जीवन की सबसे हास्यास्पद स्थिति थी, और इसी बात को सोचकर मुझे अभी हंसी आ रही है। ऐसा लगता है कि उनके लाइसेंस को लेकर कुछ अनौपचारिकता थी, पादरी ने किसी गवाह के बिना उनका विवाह कराने से साफ इनकार कर दिया था, और मेरे सौभाग्य से वहाँ पहुंचने से दूल्हे को बेस्ट मैन की तलाश में सड़कों पर भटकने से बचा लिया। दुल्हन ने मुझे एक सोने का सिक्का दिया, और मैं इसे उस अवसर की याद में अपनी घड़ी की चेन में पहनूंगा।

"यह तो बिल्कुल अप्रत्याशित घटनाक्रम है," मैंने कहा; "और फिर क्या होगा?"

"खैर, मुझे अपनी योजनाओं पर गंभीर खतरा मंडराता हुआ दिखाई दिया। ऐसा लग रहा था कि वे दोनों तुरंत निकल पड़ेंगे, और इसलिए मुझे भी तुरंत और सक्रिय कदम उठाने पड़ेंगे। लेकिन चर्च के द्वार पर वे अलग हो गए, वह मंदिर की ओर वापस चला गया और वह अपने घर। जाते समय उसने कहा, 'मैं हमेशा की तरह पांच बजे पार्क में गाड़ी चलाकर जाऊंगी।' इसके बाद मैंने कुछ नहीं सुना। वे अलग-अलग दिशाओं में चले गए, और मैं अपनी व्यवस्था करने चला गया।"

"जो हैं?"

"थोड़ा ठंडा गोमांस और एक गिलास बीयर," उसने घंटी बजाते हुए उत्तर दिया। "मैं इतना व्यस्त था कि खाने के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिला, और आज शाम तो और भी व्यस्त रहने वाला हूँ। वैसे, डॉक्टर साहब, मुझे आपके सहयोग की आवश्यकता होगी।"

मुझे बेहद खुशी होगी।

"क्या आपको कानून तोड़ने में कोई आपत्ति नहीं है?"

"कम से कम नहीं।"

"और न ही गिरफ्तारी का खतरा है?"

"अच्छे उद्देश्य के लिए नहीं।"

“वाह, यह तो बहुत ही बढ़िया पहल है!”
"तो मैं ही तुम्हारा आदमी हूँ।"
मुझे पूरा यकीन था कि मैं आप पर भरोसा कर सकता हूँ।
लेकिन आपकी इच्छा क्या है?
“जब श्रीमती टर्नर थाली ले आएंगी, तब मैं आपको सब कुछ स्पष्ट कर दूंगा। अब,” उन्होंने हमारी मकान मालकिन द्वारा परोसे गए सादे भोजन पर ललचाते हुए कहा, “मुझे खाते-खाते इस पर चर्चा करनी होगी, क्योंकि मेरे पास ज्यादा समय नहीं है। लगभग पाँच बज चुके हैं। दो घंटे में हमें घटनास्थल पर होना है। मिस आइरीन, या कहें मैडम, सात बजे अपनी यात्रा से लौटेंगी। हमें उनसे मिलने के लिए ब्रायोनी लॉज में होना होगा।”
“और फिर क्या?”
“यह काम मुझ पर छोड़ दीजिए। मैंने पहले ही सब कुछ तय कर लिया है। बस एक बात पर मुझे अड़े रहना है। चाहे कुछ भी हो जाए, आपको इसमें दखल नहीं देना है। समझे?”
“क्या मुझे तटस्थ रहना चाहिए?”
“कुछ भी मत करना। शायद थोड़ी-बहुत अप्रिय घटना हो सकती है। उसमें शामिल मत होना। इसका अंत मुझे घर के अंदर ले जाने के साथ होगा। चार-पाँच मिनट बाद बैठक की खिड़की खुल जाएगी। तुम्हें उस खुली खिड़की के पास खड़े रहना है।”
"हाँ।"
"तुम मुझे देखते रहना, क्योंकि मैं तुम्हें दिखाई दूंगा।"
"हाँ।"
और जब मैं अपना हाथ उठाऊँगा, तो तुम वही चीज़ कमरे में फेंकोगे जो मैं तुम्हें फेंकने के लिए दूँगा, और साथ ही आग लगने की चेतावनी भी दोगे। क्या तुम मेरी बात समझ रहे हो?
“पूरी तरह से।”
“यह कोई बहुत खतरनाक चीज नहीं है,” उसने अपनी जेब से सिगार के आकार का एक लंबा रोल निकालते हुए कहा। “यह एक साधारण प्लंबर का स्मोकरॉकेट है, जिसके दोनों सिरों पर ढक्कन लगे हैं ताकि यह अपने आप जल जाए। आपका काम बस इतना ही है। जब आप आग की आवाज लगाएंगे, तो काफी लोग आपका साथ देंगे। फिर आप गली के अंत तक जा सकते हैं, और मैं दस मिनट में आपसे मिलूंगा। मुझे उम्मीद है कि मैंने अपनी बात स्पष्ट कर दी है?”
"मुझे तटस्थ रहना है, खिड़की के पास जाना है, आपको देखना है, और संकेत मिलते ही इस वस्तु को अंदर फेंकना है, फिर गोलीबारी की आवाज उठानी है, और गली के कोने पर आपका इंतजार करना है।"
"एकदम सही।"
"तो फिर आप मुझ पर पूरी तरह भरोसा कर सकते हैं।"
“यह बहुत बढ़िया है। मुझे लगता है कि शायद अब समय आ गया है कि मैं अपनी नई भूमिका के लिए तैयारी शुरू कर दूं।
वह अपने शयनकक्ष में चले गए और कुछ ही मिनटों में एक मिलनसार और सरल स्वभाव वाले गैर-परंपरावादी पादरी के वेश में लौट आए। उनकी चौड़ी काली टोपी, ढीली पतलून, सफेद टाई, सहानुभूतिपूर्ण मुस्कान और उनकी उत्सुकता भरी निगाहें ऐसी थीं मानो केवल मिस्टर जॉन हेयर ही उनकी बराबरी कर सकते थे। बात सिर्फ इतनी ही नहीं थी कि होम्स ने अपना वेश बदला। उनका भाव, उनका व्यवहार, उनकी आत्मा तक हर नए किरदार के साथ बदलती हुई प्रतीत होती थी। रंगमंच ने एक उत्कृष्ट

अभिनेता को खो दिया, ठीक वैसे ही जैसे विज्ञान ने एक तीक्ष्ण बुद्धिजीवी को खो दिया, जब वह अपराध विशेषज्ञ बन गए।

बेकर स्ट्रीट से निकलते समय सवा छह बज रहे थे, और सर्पेन्टाइन एवेन्यू में पहुँचने पर भी पूरे होने में दस मिनट बाकी थे। शाम ढल रही थी, और ब्रियोनी लॉज के सामने हम इधर-उधर टहल रहे थे, उसके मालिक के आने का इंतज़ार करते हुए, जैसे ही लैंप जलाए जा रहे थे। घर बिल्कुल वैसा ही था जैसा मैंने शर्लक होम्स के संक्षिप्त वर्णन से कल्पना की थी, लेकिन इलाका मेरी उम्मीद से कम एकांत वाला लग रहा था। इसके विपरीत, एक शांत मोहल्ले की छोटी सी गली के लिए, यह आश्चर्यजनक रूप से जीवंत था। एक कोने में फटे-पुराने कपड़े पहने कुछ लोग सिगरेट पीते और हंसते हुए बैठे थे, एक कैंची तेज करने वाला अपने चरखे के साथ बैठा था, दो गार्ड एक नर्स के साथ छेड़छाड़ कर रहे थे, और कई अच्छे कपड़े पहने युवक मुँह में सिगार लिए इधर-उधर घूम रहे थे।

"देखिए," होम्स ने घर के सामने इधर-उधर टहलते हुए कहा, "इस शादी ने मामले को काफी सरल बना दिया है। अब तस्वीर दोधारी तलवार बन गई है। संभावना यही है कि वह भी मिस्टर गॉडफ्रे नॉर्टन द्वारा इसे देखे जाने से उतनी ही कतराएगी, जितना कि हमारा मुवक्किल अपनी राजकुमारी के सामने इसे आने से। अब सवाल यह है कि हमें तस्वीर कहाँ से मिलेगी?"

"दरअसल, कहाँ?"

"यह बहुत ही असंभव है कि वह इसे अपने साथ रखती हो। यह अलमारी के आकार का है। किसी महिला के कपड़ों में इसे आसानी से छिपाना संभव नहीं है। वह जानती है कि राजा उसे रोककर तलाशी ले सकता है। इस तरह के दो प्रयास पहले ही किए जा चुके हैं। इसलिए हम यह मान सकते हैं कि वह इसे अपने साथ नहीं रखती है।"

"तो फिर कहाँ?"

"उसका बैंकर या उसका वकील। ये दो संभावनाएं हैं। लेकिन मुझे लगता है कि इनमें से कोई नहीं। महिलाएं स्वभाव से ही गोपनीय होती हैं, और वे अपनी बातें गुप्त रखना पसंद करती हैं। वह इसे किसी और को क्यों सौंपेगी? वह अपनी सुरक्षा पर भरोसा कर सकती है, लेकिन वह यह नहीं कह सकती कि किसी व्यापारी पर अप्रत्यक्ष या राजनीतिक रूप से क्या प्रभाव डाला जा सकता है। इसके अलावा, याद रखें कि उसने कुछ ही दिनों में इसका इस्तेमाल करने का फैसला कर लिया था। यह वहीं होना चाहिए जहां वह इसे आसानी से पा सके। यह उसके अपने घर में ही होना चाहिए।"

लेकिन इसमें दो बार चोरी हो चुकी है।

"छी! उन्हें देखना ही नहीं आता था।"

लेकिन आप कैसे दिखेंगे?

मैं नहीं देखूंगा।

"तो क्या?"

मैं उससे मुझे दिखाने के लिए कहूँगा।

लेकिन वह मना कर देगी।

"वह ऐसा नहीं कर पाएगी। लेकिन मुझे पहियों की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही है। यह उसकी गाड़ी है। अब मेरे आदेशों का अक्षरशः पालन करो।"

जैसे ही वह बोल रहा था, एक गाड़ी की साइड लाइट की चमकती रोशनी सड़क के मोड़ से आती हुई दिखाई दी। यह एक छोटी सी शानदार लैंडौ गाड़ी थी जो खड़खड़ाती हुई ब्रायोनी लॉज के दरवाजे पर आकर रुकी। जैसे ही गाड़ी रुकी, कोने पर बैठे आवारा लोगों में से एक तांबे का सिक्का कमाने की उम्मीद में दरवाजा खोलने के लिए आगे बढ़ा, लेकिन उसी इरादे से आए दूसरे आवारा ने उसे कोहनी मारकर हटा दिया।

एक भयंकर झगड़ा शुरू हो गया, जिसे दो गार्डों ने और बढ़ा दिया, जो एक आवारा का साथ दे रहे थे, और कैंची तेज करने वाला भी उतना ही गुस्से में दूसरी तरफ था। एक मुक्का मारा गया, और पल भर में गाड़ी से उतरी महिला, गुस्से से लाल हुए और आपस में लड़ रहे पुरुषों के एक छोटे से समूह के बीच आ गई, जो एक-दूसरे पर मुक्कों और लाठियों से बेरहमी से वार कर रहे थे। होम्स महिला की रक्षा के लिए भीड़ में कूद पड़ा; लेकिन जैसे ही वह उसके पास पहुँचा, वह चीख पड़ा और खून से लथपथ चेहरे के साथ ज़मीन पर गिर गया। उसके गिरने पर पहरेदार एक दिशा में और आवारा लोग दूसरी दिशा में भाग गए, जबकि कुछ सजे-धजे लोग, जो झगड़े में शामिल हुए बिना उसे देख रहे थे, महिला की मदद करने और घायल व्यक्ति की देखभाल करने के लिए जमा हो गए। आइरीन एडलर, जिसे मैं अब भी इसी नाम से पुकारूँगी, सीढ़ियों से ऊपर चढ़ गई थी; लेकिन वह हॉल की रोशनी में अपनी आकर्षक आकृति को उभारते हुए सबसे ऊपर खड़ी थी और सड़क की ओर देख रही थी।

“क्या बेचारे सज्जन को ज्यादा चोट लगी है?” उसने पूछा।

“वह मर गया है,” कई आवाजों ने एक साथ कहा।

“नहीं, नहीं, उसमें अभी जान बाकी है!” दूसरे ने चिल्लाकर कहा। “लेकिन अस्पताल ले जाने से पहले ही उसकी जान चली जाएगी।”

“वह तो बड़ा बहादुर है,” एक महिला ने कहा। “अगर वह न होता तो वे उस महिला का पर्स और घड़ी चुरा लेते। वे एक गिरोह थे, और काफी बदमाश भी। आह, अब वह ज़िंदा है।”

“वह सड़क पर लेट नहीं सकता। क्या हम उसे अंदर ला सकते हैं, महोदया?”

“ज़रूर। उन्हें बैठक में ले आइए। यहाँ एक आरामदायक सोफ़ा है। कृपया इधर आइए!”

धीरे-धीरे और गंभीर भाव से उन्हें ब्रायोनी लॉज में लाया गया और मुख्य कमरे में लिटाया गया, जबकि मैं खिड़की के पास अपनी जगह से सारी कार्यवाही देख रहा था। लैंप जला दिए गए थे, लेकिन पर्दे नहीं खींचे गए थे, इसलिए मैं होम्स को सोफे पर लेटे हुए देख सकता था। मुझे नहीं पता कि उस क्षण उन्हें अपनी भूमिका के लिए पश्चाताप हुआ या नहीं, लेकिन मैं जानता हूँ कि मैंने अपने जीवन में कभी इतना गहरा शर्मिंदगी महसूस नहीं की जितनी उस खूबसूरत स्त्री को देखकर की जिसके खिलाफ मैं साजिश रच रहा था, या उस शालीनता और दयालुता को देखकर जिसके साथ उसने घायल व्यक्ति की सेवा की। फिर भी, होम्स के प्रति सबसे बड़ा विश्वासघात होता अगर मैं उस भूमिका से पीछे हट जाता जो उन्होंने मुझे सौंपी थी। मैंने अपने दिल को कठोर किया और अपने शॉल के नीचे से स्मोक-रॉकेट निकाला। आखिरकार, मैंने सोचा, हम उसे नुकसान नहीं पहुँचा रहे हैं। हम तो बस उसे किसी और को नुकसान पहुँचाने से रोक रहे हैं।

होम्स सोफे पर उठ बैठे थे, और मैंने उन्हें ऐसे हिलते-डुलते देखा जैसे उन्हें ताज़ी हवा की ज़रूरत हो। एक नौकरानी दौड़कर आई और खिड़की खोल दी। उसी क्षण मैंने उन्हें हाथ उठाते देखा और, इशारा मिलते ही मैंने "आग!" चिल्लाते हुए अपना रॉकेट कमरे में फेंक दिया। मेरे मुँह से शब्द निकलते ही, वहाँ मौजूद सभी दर्शक, सजे-धजे और बीमार - सज्जन, अस्तबल के कर्मचारी और नौकरानियाँ - एक साथ "आग!" चिल्लाने लगे। धुएँ के घने बादल कमरे में फैल गए और खुली खिड़की से बाहर निकल गए। मैंने भागते हुए लोगों की एक झलक देखी, और एक पल बाद अंदर से होम्स की आवाज़ आई, जो उन्हें आश्वस्त कर रहे थे कि यह झूठी खबर थी। चिल्लाती हुई भीड़ से बचते हुए मैं गली के कोने तक पहुँचा, और दस मिनट बाद अपने दोस्त का हाथ अपने हाथ में पाकर और उस शोरगुल से दूर होकर मुझे बहुत खुशी हुई। वह कुछ मिनटों

तक तेज़ी से और चुपचाप चलते रहे, जब तक कि हम एडगवेयर रोड की ओर जाने वाली एक शांत गली में नहीं मुड़ गए।

“आपने बहुत अच्छा किया, डॉक्टर,” उन्होंने कहा। “इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। सब ठीक है।”

"क्या आपके पास वह तस्वीर है?"

मुझे पता है यह कहाँ है।

और आपको कैसे पता चला?

"उसने मुझे दिखाया, जैसा कि मैंने तुम्हें बताया था कि वह दिखाएगी।"

मुझे अभी भी कुछ समझ नहीं आ रहा है।

“मैं इसे रहस्य नहीं बनाना चाहता,” उसने हंसते हुए कहा। “मामला बिल्कुल सीधा-सादा था। आपने तो देखा ही होगा कि गली में मौजूद हर कोई इस अपराध में भागीदार था। वे सब उस शाम के लिए किसी न किसी काम में लगे हुए थे।”

मुझे इसका अंदाजा था।

“फिर, जब झगड़ा शुरू हुआ, तो मेरी हथेली में थोड़ा सा गीला लाल रंग था। मैं आगे भागा, गिर पड़ा, अपना हाथ अपने चेहरे पर रख लिया और एक दयनीय दृश्य बन गया। यह एक पुरानी चाल है।”

"मैं यह बात भी समझ सकता हूँ।"

“फिर वे मुझे अंदर ले गए। उन्हें मुझे अंदर लाना ही था। आखिर वो कर ही क्या सकती थीं? और फिर मुझे उनके बैठक कक्ष में ले गए, जो वही कमरा था जिस पर मुझे शक था। वह कमरा उनके बैठक कक्ष और शयनकक्ष के बीच में था, और मैं यह देखने के लिए दृढ़ था कि कौन सा कमरा है। उन्होंने मुझे एक सोफे पर लिटाया, मैंने हवा के लिए इशारा किया, उन्हें खिड़की खोलनी पड़ी, और फिर आपको मौका मिल गया।”

इससे आपको क्या मदद मिली?

“यह बेहद महत्वपूर्ण था। जब एक महिला को लगता है कि उसके घर में आग लग गई है, तो उसकी स्वाभाविक प्रवृत्ति सबसे पहले उस चीज़ की ओर भागने की होती है जिसे वह सबसे अधिक महत्व देती है। यह एक बेहद प्रबल आवेग होता है, और मैंने इसका कई बार फायदा उठाया है। डार्लिंगटन प्रतिस्थापन कांड में यह मेरे लिए उपयोगी साबित हुआ, और अर्न्सवर्थ कैसल मामले में भी। एक विवाहित महिला अपने बच्चे को पकड़ लेती है; एक अविवाहित महिला अपने गहनों के डिब्बे की ओर बढ़ती है। अब मुझे स्पष्ट हो गया था कि आज की हमारी महिला के घर में उस चीज़ से अधिक कीमती कुछ भी नहीं था जिसकी हम तलाश कर रहे हैं। वह उसे सुरक्षित करने के लिए दौड़ पड़ेगी। आग का अलार्म बहुत ही कुशलता से बजाया गया था। धुआं और चीख-पुकार लोहे के भी हौसले पस्त कर देने वाले थे। उसने बहुत ही सुंदर प्रतिक्रिया दी। तस्वीर दाहिनी घंटी के ठीक ऊपर एक स्लाइडिंग पैनल के पीछे एक खांचे में रखी है। वह पल भर में वहां पहुंच गई, और जब उसने उसे आधा बाहर निकाला तो मैंने उसकी एक झलक देखी। जब मैंने चिल्लाकर कहा कि यह झूठा अलार्म है, तो उसने उसे वापस रख दिया, रॉकेट पर एक नज़र डाली, कमरे से बाहर भागी, और उसके बाद से मैं उसके बाद से मैंने उसे नहीं देखा। मैं उठा और बहाना बनाकर घर से निकल गया। मैं सोच रहा था कि क्या तुरंत तस्वीर लेने की कोशिश करूं; लेकिन कोचवान अंदर आ गया था, और वह मुझे ध्यान से देख रहा था, इसलिए इंतजार करना ही बेहतर लगा। थोड़ी सी भी जल्दबाजी सब कुछ बिगाड़ सकती है।

“और अब?” मैंने पूछा।

“हमारी खोज लगभग पूरी हो चुकी है। मैं कल राजा से मिलूंगा, और अगर आप हमारे साथ आना चाहें तो हमें भी आ सकते हैं। हमें बैठक कक्ष में ले जाया जाएगा जहां

हम महिला का इंतज़ार करेंगे; लेकिन संभव है कि जब वह आएँ तो उन्हें न तो हम मिलें और न ही तस्वीर। हो सकता है कि महाराज को इसे अपने हाथों से वापस पाकर संतोष हो।”

और आप कब फ़ोन करेंगे?

“सुबह आठ बजे। वह अभी उठी नहीं होगी, इसलिए हमें कोई परेशानी नहीं होगी। इसके अलावा, हमें समय की पाबंदी रखनी होगी, क्योंकि इस शादी से उसके जीवन और आदतों में पूरी तरह बदलाव आ सकता है। मुझे बिना देरी किए राजा को तार भेजना होगा।”

हम बेकर स्ट्रीट पहुँच गए थे और दरवाज़े पर रुक गए थे। वह अपनी जेबों में चाबी ढूंढ रहा था तभी वहाँ से गुजर रहे किसी व्यक्ति ने कहा:

शुभ रात्रि, श्रीमान शेरलॉक होम्स।

उस समय फुटपाथ पर कई लोग मौजूद थे, लेकिन अभिवादन एक दुबले-पतले युवक की ओर से आया, जिसने एक भारी टोपी पहन रखी थी और जो जल्दी से वहां से गुजर रहा था।

"मैंने यह आवाज़ पहले भी सुनी है," होम्स ने धुंधली रोशनी वाली सड़क पर नज़रें गड़ाते हुए कहा। "अब मुझे हैरानी हो रही है कि वह कौन हो सकता है।"

—

मैं उस रात बेकर स्ट्रीट में सोया था, और सुबह जब हम टोस्ट और कॉफी का आनंद ले रहे थे, तभी बोहेमिया का राजा कमरे में घुस आया।

“तुमने वाकई कमाल कर दिया!” वह चिल्लाया, शर्लक होम्स के दोनों कंधों को पकड़कर और उत्सुकता से उसके चेहरे की ओर देखते हुए।

"अभी तक नहीं।"

लेकिन क्या आपको उम्मीदें हैं?

मुझे उम्मीद है।

“तो फिर आओ। मुझे जाने की बहुत बेचैनी है।”

हमें टैक्सी चाहिए।

नहीं, मेरी गाड़ी इंतज़ार कर रही है।

“तो इससे मामला आसान हो जाएगा।” हम नीचे उतरे और एक बार फिर ब्रायोनी लॉज के लिए चल पड़े।

“इरीन एडलर शादीशुदा हैं,” होम्स ने टिप्पणी की।

“शादी हो गई! कब?”

"कल।"

लेकिन किसे?

"नॉर्टन नाम के एक अंग्रेज वकील को।"

लेकिन वह उससे प्यार नहीं कर सकती थी।

मुझे उम्मीद है कि वह ऐसा करेगी।

और उम्मीदों में क्यों?

क्योंकि इससे महाराज को भविष्य में होने वाली किसी भी प्रकार की असुविधा से मुक्ति मिल जाएगी। यदि वह महिला अपने पति से प्रेम करती है, तो वह महाराज से प्रेम नहीं करती। यदि वह महाराज से प्रेम नहीं करती, तो महाराज की योजना में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है।

“यह सच है। और फिर भी! काश, वह मेरे ही दर्जे की होती! वह कितनी खूबसूरत रानी बनती!” वह फिर से उदास चुप्पी में डूब गया, जो सर्पेन्टाइन एवेन्यू पहुँचने तक

कायम रहा।

ब्रायोनी लॉज का दरवाजा खुला था और सीढ़ियों पर एक बुजुर्ग महिला खड़ी थी। जैसे ही हम अपनी गाड़ी से उतरे, उसने व्यंग्य भरी निगाहों से हमें देखा।

“मुझे लगता है, आप मिस्टर शर्लक होम्स हैं?” उसने कहा।

"मैं मिस्टर होम्स हूं," मेरी साथी ने उसे प्रश्नवाचक और कुछ हद तक चौंकी हुई निगाहों से देखते हुए उत्तर दिया।

“जी हाँ! मेरी मालकिन ने मुझे बताया था कि आप आने वाले हैं। वह आज सुबह अपने पति के साथ चेरिंग क्रॉस से 5:15 बजे वाली ट्रेन से महाद्वीप के लिए रवाना हो गई हैं।”

“क्या!” शर्लक होम्स हैरानी और दुख से मुंह का सफेद पड़ गया और पीछे हट गया। “क्या तुम्हारा मतलब है कि वह इंग्लैंड छोड़कर चली गई है?”

"कभी वापस न लौटने के लिए।"

“और कागजात?” राजा ने कर्कश स्वर में पूछा। “सब कुछ नष्ट हो गया।”

“देखते हैं।” वह नौकर को धक्का देकर ड्राइंग रूम में घुस गया, उसके पीछे राजा और मैं भी गए। फर्नीचर इधर-उधर बिखरा पड़ा था, अलमारियां टूटी हुई थीं और दराजें खुली हुई थीं, मानो महिला ने भागने से पहले जल्दबाजी में सब कुछ तहस-नहस कर दिया हो। होम्स ने घंटी के हैंडल को पकड़ा, एक छोटा सा स्लाइडिंग शटर खोला और हाथ अंदर डालकर एक तस्वीर और एक पत्र निकाला। तस्वीर में आइरीन एडलर शाम की पोशाक में थीं, पत्र पर “शर्लक होम्स, एस्कायर” लिखा था। “बुलाए जाने तक यहीं रखा जाए।” मेरे दोस्त ने उसे खोला और हम तीनों ने एक साथ पढ़ा। उस पर पिछली रात की आधी रात की तारीख थी और उसमें इस प्रकार लिखा था:

मेरे प्रिय श्री शर्लक होम्स:

आपने वाकई बहुत अच्छा किया। आपने मुझे पूरी तरह से अपने जाल में फंसा लिया। आग लगने की सूचना मिलने तक मुझे ज़रा भी शक नहीं हुआ। लेकिन फिर, जब मुझे पता चला कि मैंने खुद को कैसे धोखा दिया है, तो मैं सोचने लगी। मुझे महीनों पहले आपके बारे में चेतावनी दी गई थी। मुझे बताया गया था कि अगर राजा किसी को अपना एजेंट नियुक्त करेगा तो वह निश्चित रूप से आप ही होंगे। और आपका पता भी मुझे दिया गया था। फिर भी, इन सब के बावजूद, आपने मुझसे वह सब उगलवा लिया जो आप जानना चाहते थे। शक होने के बाद भी, मुझे इतने प्यारे, दयालु बूढ़े पादरी के बारे में बुरा सोचना मुश्किल लगा। लेकिन, आप जानते हैं, मैंने खुद एक अभिनेत्री के रूप में प्रशिक्षण लिया है। पुरुषों के कपड़े मेरे लिए कोई नई बात नहीं हैं। मैं अक्सर इससे मिलने वाली आज़ादी का फायदा उठाती हूं। मैंने कोचवान जॉन को आप पर नज़र रखने के लिए भेजा, ऊपर भागी, अपने चलने-फिरने के कपड़े पहने, जैसा कि मैं उन्हें कहती हूं, और आपके जाने के ठीक बाद नीचे आ गई।

खैर, मैं आपके दरवाजे तक आपका पीछा करती रही, और इस तरह मैंने यह सुनिश्चित कर लिया कि मैं वाकई मशहूर श्री शर्लक होम्स की दिलचस्पी का विषय थी। फिर मैंने थोड़ी नासमझी से आपको शुभ रात्रि कहा और अपने पति से मिलने के लिए मंदिर की ओर चल पड़ी।

हम दोनों ने सोचा कि इतने दुर्जेय शत्रु से पीछा किए जाने पर भाग जाना ही सबसे अच्छा उपाय है; इसलिए कल जब आप आएंगे तो आपको घोंसला खाली मिलेगा। जहां तक तस्वीर की बात है, आपके मुवक्किल को शांति मिले। मैं उससे कहीं बेहतर इंसान से प्यार करती हूं और वह मुझसे प्यार करता है। राजा बिना किसी रोक-टोक के वह सब कुछ कर सकता है जिसके साथ उसने क्रूरता की है। मैं इसे केवल अपनी सुरक्षा के लिए और एक ऐसे हथियार के रूप में रखती हूं जो भविष्य में उसके द्वारा उठाए जाने वाले

किसी भी कदम से मुझे हमेशा सुरक्षित रखेगा। मैं एक तस्वीर छोड़ रही हूँ जिसे वह रखना चाहे; और मैं, प्रिय श्री शर्लक होम्स, बनी रहती हूँ।
बहुत सही मायने में तुम्हारा,
इरेन नॉर्टन, जिनका जन्म नाम एडलर था।

"क्या गजब की स्त्री थी! ओह, क्या गजब की स्त्री!" बोहेमिया के राजा ने यह पत्र हम तीनों के पढ़ने के बाद कहा। "क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया था कि वह कितनी तेज और दृढ़ निश्चयी थी? क्या वह एक प्रशंसनीय रानी नहीं बनती? क्या यह अफसोस की बात नहीं है कि वह मेरे स्तर की नहीं थी?"

"मैंने इस महिला को जितना देखा है, उससे तो ऐसा लगता है कि वह महाराज से बिल्कुल अलग स्तर की है," होम्स ने ठंडे स्वर में कहा। "मुझे खेद है कि मैं महाराज के इस काम को और अधिक सफल ढंग से पूरा नहीं कर सका।"

"इसके विपरीत, मेरे प्रिय महोदय," राजा ने गरजते हुए कहा; "इससे अधिक सफल कुछ नहीं हो सकता। मैं जानता हूँ कि उसका वचन अटल है। तस्वीर अब उतनी ही सुरक्षित है मानो वह आग में हो।"

"महामहिम, यह सुनकर मुझे खुशी हुई।"

"मैं आपका बहुत आभारी हूँ। कृपया मुझे बताइए कि मैं आपको किस प्रकार से पुरस्कृत कर सकता हूँ। यह अंगूठी..." उन्होंने अपनी उंगली से पन्ना जड़ित सांप के आकार की अंगूठी निकाली और उसे अपनी हथेली पर फैला दिया।

"महामहिम के पास कुछ ऐसा है जिसे मैं और भी अधिक महत्व दूंगा," होम्स ने कहा।

आपको बस इसका नाम बताना है।

"यह तस्वीर!"

राजा ने हैरानी से उसकी ओर देखा।

"इरीन की तस्वीर!" वह चिल्लाया। "ज़रूर, अगर आप चाहें तो।"

"महाराज, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। अब इस मामले में और कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। मैं आपको सुप्रभात कहना चाहता हूँ।" उन्होंने झुककर प्रणाम किया और राजा द्वारा बढ़ाए गए हाथ की ओर ध्यान दिए बिना ही मुंह फेरकर मेरे साथ अपने कक्ष की ओर चल दिए।

और इस तरह बोहेमिया राज्य पर एक बड़ा घोटाला मंडरा रहा था, और श्री शर्लक होम्स की तमाम योजनाएँ एक महिला की चतुराई के आगे धराशायी हो गईं। वह महिलाओं की बुद्धिमत्ता पर खूब हँसते थे, लेकिन आजकल मैंने उन्हें ऐसा करते नहीं सुना। और जब भी वह आइरीन एडलर की बात करते हैं, या उनकी तस्वीर का ज़िक्र करते हैं, तो हमेशा उन्हें 'महिला' कहकर ही संबोधित करते हैं।

द रेड - हेडेड लीग

पिछले साल शरद ऋतु में एक दिन मैं अपने मित्र श्री शर्लक होम्स से मिलने गया और उन्हें एक हट्टे-कट्टे, लाल चेहरे वाले, उम्रदराज सज्जन के साथ गहरी बातचीत करते हुए पाया। अपनी दखलंदाज़ी के लिए माफ़ी मांगते हुए मैं जाने ही वाला था कि होम्स ने मुझे अचानक कमरे में खींच लिया और मेरे पीछे दरवाजा बंद कर दिया।

"मेरे प्रिय वॉटसन, आप इससे बेहतर समय पर नहीं आ सकते थे," उन्होंने सौहार्दपूर्वक कहा।

मुझे डर था कि आपकी सगाई हो चुकी है।

"हाँ, मैं हूँ। बिलकुल ऐसा ही हूँ।"

"तो मैं अगले कमरे में इंतजार कर सकता हूँ।"

“बिल्कुल नहीं। यह सज्जन, श्री विल्सन, मेरे कई सबसे सफल मामलों में मेरे सहयोगी और सहायक रहे हैं, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे आपके मामले में भी मेरे लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगे।”

मोटे-ताज़े सज्जन अपनी कुर्सी से आधे उठे और अभिवादन के रूप में सिर हिलाया, साथ ही अपनी छोटी, गोल-गोल आंखों से एक त्वरित प्रश्नवाचक दृष्टि डाली।

“सोफे पर बैठ कर देखिए,” होम्स ने अपनी कुर्सी पर वापस बैठते हुए और अपनी उंगलियों को आपस में मिलाते हुए कहा, जैसा कि न्यायिक मनोदशा में उनकी आदत थी। “मुझे पता है, मेरे प्रिय वाटसन, कि आप भी मेरी तरह उन सभी चीजों के शौकीन हैं जो विचित्र और रोजमर्रा की नीरस दिनचर्या से परे हैं। आपने मेरे कई छोटे-मोटे कारनामों का वर्णन करने और, अगर आप मुझे माफ करें तो, उन्हें थोड़ा बढ़ा-चढ़ाकर बताने में जो उत्साह दिखाया है, उससे यह स्पष्ट है कि आपको इसमें रुचि है।”

मैंने कहा, "आपके मामले वास्तव में मेरे लिए अत्यंत रुचिकर रहे हैं।"

"आपको याद होगा कि मैंने कुछ दिन पहले, मिस मैरी सदरलैंड द्वारा प्रस्तुत बहुत ही सरल समस्या पर चर्चा शुरू करने से ठीक पहले, यह टिप्पणी की थी कि विचित्र प्रभावों और असाधारण संयोजनों के लिए हमें स्वयं जीवन की ओर रुख करना होगा, जो कल्पना के किसी भी प्रयास से कहीं अधिक साहसी होता है।"

"एक ऐसा प्रस्ताव जिस पर मैंने संदेह करने की स्वतंत्रता ली।"

“आपने सही कहा, डॉक्टर साहब, लेकिन फिर भी आपको मेरी बात माननी ही होगी, वरना मैं आप पर एक के बाद एक तथ्य थोपता रहूंगा जब तक कि आपकी बुद्धि टूट न जाए और आप मुझे सही न मान लें। अब, श्री जेबैज़ विल्सन आज सुबह मुझसे मिलने आए और एक ऐसी कहानी सुनाना शुरू किया जो कुछ समय से सुनी गई सबसे अनोखी कहानियों में से एक होने का वादा करती है। आपने मुझे यह कहते हुए सुना होगा कि सबसे अजीब और अनोखी बातें अक्सर बड़े अपराधों से नहीं बल्कि छोटे अपराधों से जुड़ी होती हैं, और कभी-कभी तो ऐसी भी होती हैं जहां इस बात पर संदेह होता है कि कोई अपराध हुआ भी है या नहीं। जहां तक मैंने सुना है, मेरे लिए यह कहना असंभव है कि यह मामला अपराध का उदाहरण है या नहीं, लेकिन घटनाओं का क्रम निश्चित रूप से उन सबसे अनोखी घटनाओं में से एक है जो मैंने कभी सुनी हैं। शायद, श्रीमान विल्सन, आप अपनी कहानी फिर से शुरू करने की कृपा करेंगे। मैं आपसे यह इसलिए नहीं पूछ रहा हूं कि मेरे मित्र डॉ. वॉटसन ने शुरुआती हिस्सा नहीं सुना है, बल्कि इसलिए भी कि कहानी की विचित्र प्रकृति के कारण मैं आपके मुंह से हर संभव विवरण जानने के लिए उत्सुक हूं। आमतौर पर, जब मैं हालांकि मुझे घटनाक्रम के बारे में कुछ मामूली संकेत मिले हैं, लेकिन हजारों अन्य समान मामलों की जानकारी मेरे दिमाग में मौजूद है, जिससे मैं अपना मार्गदर्शन कर सकता हूं। वर्तमान मामले में, मुझे यह स्वीकार करना पड़ रहा है कि मेरे ज्ञान के अनुसार, तथ्य अद्वितीय हैं।

मोटे-ताज़े ग्राहक ने कुछ गर्व का भाव दिखाते हुए अपनी छाती फुलाई और अपने ओवरकोट की अंदरूनी जेब से एक गंदा और सिकुड़ा हुआ अखबार निकाला। सिर आगे झुकाकर और अखबार को घुटने पर फैलाकर विज्ञापन वाले कॉलम पर नज़र डालते हुए, मैंने उस आदमी को गौर से देखा और अपने साथी की तरह, उसके पहनावे या हाव-भाव से जो संकेत मिल सकते थे, उन्हें समझने की कोशिश की।

हालाँकि, मेरे निरीक्षण से मुझे कुछ खास जानकारी नहीं मिली। हमारा आगंतुक एक औसत दर्जे के आम ब्रिटिश व्यापारी जैसा लग रहा था - मोटा, घमंडी और सुस्त। उसने ढीली-ढाली ग्रे रंग की चेकदार पैंट, एक गंदा काला फ्रॉककोट (सामने से खुला हुआ), और एक फीकी जैकेट पहनी थी जिस पर पीतल की भारी-भरकम अल्बर्ट चेन लगी थी, और एक चौकोर छेद वाला धातु का टुकड़ा गहने की तरह लटक रहा था।

उसके बगल में एक कुर्सी पर एक घिसी हुई टोपी और झुर्रीदार मखमली कॉलर वाला एक फीका भूरा ओवरकोट पड़ा था। कुल मिलाकर, मेरी हर कोशिश के बावजूद, उस आदमी में उसके धधकते लाल बालों और चेहरे पर दिख रही घोर निराशा और असंतोष के अलावा कुछ भी खास नहीं था।

शर्लक होम्स की पैनी नज़र ने मेरे पेशे को भांप लिया और मेरी सवालिया निगाहों को देखकर उन्होंने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया। "इन स्पष्ट तथ्यों के अलावा कि उन्होंने कभी शारीरिक श्रम किया है, वे तंबाकू का सेवन करते हैं, वे फ्रीमेसन हैं, वे चीन जा चुके हैं और उन्होंने हाल ही में काफी लेखन कार्य किया है, मैं और कुछ अनुमान नहीं लगा सकता।"

श्री जेबेज़ विल्सन अपनी कुर्सी पर अचानक उठ बैठे, उनकी तर्जनी उंगली कागज पर थी, लेकिन उनकी निगाहें मेरे साथी पर टिकी हुई थीं।

“हे भगवान, आपको ये सब कैसे पता चला, श्रीमान होम्स?” उन्होंने पूछा। “उदाहरण के लिए, आपको कैसे पता चला कि मैं शारीरिक श्रम करता था? यह बिलकुल सच है, क्योंकि मैंने जहाज पर बढ़ई के रूप में काम शुरू किया था।”

"आपके हाथ, महोदय। आपका दाहिना हाथ आपके बाएं हाथ से काफी बड़ा है। आपने इस पर काम किया है, और इसकी मांसपेशियां अधिक विकसित हैं।"

तो फिर, तंबाकू और फ्रीमेसनरी?

"मैं आपकी बुद्धिमत्ता का अपमान नहीं करूंगा यह बताकर कि मैं इसे कैसे पढ़ता हूं, खासकर इसलिए कि आप अपने संगठन के सख्त नियमों के विपरीत, चाप और कम्पास वाली छाती की क्लिप का उपयोग करते हैं।"

“अरे हां, बिल्कुल, मैं यह भूल गया था। लेकिन लेखन के बारे में क्या?”

"दाहिने कफ की वह पांच इंच की चमकदार पट्टी और बाएं कफ की कोहनी के पास चिकना धब्बा, जहां आप इसे डेस्क पर रखते हैं, से और क्या संकेत मिल सकता है?"

"अच्छा, लेकिन चीन का क्या?"

“आपकी दाहिनी कलाई के ठीक ऊपर जो मछली का टैटू है, वह केवल चीन में ही बनवाया जा सकता है। मैंने टैटू के चिह्नों का थोड़ा अध्ययन किया है और इस विषय पर साहित्य में योगदान भी दिया है। मछली के शल्कों को हल्के गुलाबी रंग से रंगने की यह तकनीक चीन की ही खासियत है। इसके अलावा, जब मैं आपकी घड़ी की चेन से लटकता हुआ एक चीनी सिक्का देखता हूँ, तो मामला और भी सरल हो जाता है।”

श्री जेबेज़ विल्सन ज़ोर से हँसे। “अरे वाह!” उन्होंने कहा। “मुझे पहले लगा था कि आपने कोई चालाकी की है, लेकिन अब मुझे समझ आ गया कि उसमें कुछ भी नहीं था।”

“वॉटसन, मुझे लगता है कि मैं समझाने में गलती कर रहा हूँ,” होम्स ने कहा। ‘ओम्ने इग्नोटम प्रो मैग्निफिको’ (सर्वशक्तिमानता के लिए सर्वस्व) की बात है, और अगर मैं इतना स्पष्टवादी हो गया तो मेरी थोड़ी-बहुत प्रतिष्ठा भी धराशायी हो जाएगी। क्या आपको विज्ञापन नहीं मिल रहा है, श्रीमान विल्सन?”

“जी हां, अब मुझे मिल गया,” उसने अपनी मोटी लाल उंगली को कॉलम के बीच में रखते हुए उत्तर दिया। “यह रहा। इसी से सब कुछ शुरू हुआ था। आप खुद ही पढ़ लीजिए, महोदय।”

मैंने उससे कागज लिया और उसमें निम्नलिखित बातें लिखी थीं।

लाल बालों वाली लीग के लिए:

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के लेबनान निवासी स्वर्गीय इजेकिआ हॉपकिंस की वसीयत के कारण, लीग में एक और पद रिक्त है, जिसके लिए नाममात्र की सेवाओं के

बदले प्रति सप्ताह 4 पाउंड का वेतन दिया जाएगा। स्वस्थ शरीर और मन वाले इक्कीस वर्ष से अधिक आयु के सभी लाल बालों वाले पुरुष इसके लिए पात्र हैं। सोमवार को सुबह ग्यारह बजे, लीग के कार्यालय, 7 पोप्स कोर्ट, फ्लीट स्ट्रीट में डंकन रॉस से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें।

"आखिर इसका मतलब क्या है?" असाधारण घोषणा को दो बार पढ़ने के बाद मैंने अचानक कहा।

होम्स खिलखिलाकर हँसे और अपनी कुर्सी पर थोड़ा हिलने-डुलने लगे, जैसा कि उनकी आदत थी जब वे बहुत खुश होते थे। "यह थोड़ा हटकर है, है ना?" उन्होंने कहा। "और अब, श्रीमान विल्सन, आप शुरू से शुरू कीजिए और हमें अपने बारे में, अपने परिवार के बारे में और इस विज्ञापन का आपके भाग्य पर क्या प्रभाव पड़ा, इसके बारे में सब कुछ बताइए। डॉक्टर साहब, सबसे पहले आप अखबार और तारीख नोट कर लीजिए।"

"यह 27 अप्रैल, 1890 का द मॉर्निंग क्रॉनिकल है। ठीक दो महीने पहले की बात है।"

"बहुत बढ़िया। अब, श्रीमान विल्सन?"

"जी हाँ, जैसा कि मैं आपको बताता आ रहा हूँ, श्रीमान शेरलॉक होम्स," जेबेज़ विल्सन ने अपना माथा पोंछते हुए कहा; "मेरी कोबर्ग स्क्वायर में, सिटी के पास एक छोटी सी गिरवी की दुकान है। यह कोई बहुत बड़ा कारोबार नहीं है, और पिछले कुछ सालों से इससे बस मेरा गुजारा ही चल रहा है। पहले मैं दो सहायक रख पाता था, लेकिन अब सिर्फ़ एक ही है; और अगर वह कारोबार सीखने के लिए आधी तनख्वाह पर आने को तैयार न होता, तो मैं उसे भी वेतन दे पाता।"

"इस विनम्र युवक का नाम क्या है?" शर्लक होम्स ने पूछा।

"उनका नाम विंसेंट स्पॉल्डिंग है, और वे कोई युवा भी नहीं हैं। उनकी उम्र का अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। मुझे इससे ज़्यादा होशियार सहायक नहीं चाहिए, श्री होम्स; और मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि वे और बेहतर कर सकते हैं और मुझसे दुगुना वेतन पा सकते हैं। लेकिन, अगर वे संतुष्ट हैं, तो मैं उनके दिमाग में नए विचार क्यों डालूँ?"

"क्यों? आप वाकई बहुत भाग्यशाली हैं कि आपको ऐसा कर्मचारी मिला है जिसकी कीमत बाजार मूल्य से कम है। आजकल नियोक्ताओं के लिए यह आम बात नहीं है। मुझे नहीं लगता कि आपका सहायक उतना ही असाधारण है जितना कि आपके विज्ञापन में बताया गया है।"

"ओह, उसमें भी कुछ कमियां हैं," श्री विल्सन ने कहा। "उसे फोटोग्राफी का इतना शौक कभी नहीं रहा। जब उसे अपने ज्ञान को बढ़ाना चाहिए था, तब वह कैमरे से तस्वीरें खींचता रहता है, और फिर खरगोश की तरह तहखाने में जाकर अपनी तस्वीरें डेवलप करता है। यही उसकी मुख्य कमी है, लेकिन कुल मिलाकर वह मेहनती है। उसमें कोई बुराई नहीं है।"

"मुझे लगता है कि वह अभी भी आपके साथ है?"

"जी हां, महोदय। वह और एक चौदह साल की लड़की, जो थोड़ा-बहुत खाना बना लेती है और घर को साफ रखती है - घर में बस यही लोग हैं, क्योंकि मैं विधवा हूं और मेरा कोई परिवार नहीं है। हम तीनों बहुत ही सादगी से रहते हैं, महोदय; और अगर हम कुछ और न भी करें तो भी हम अपने सिर पर छत बनाए रखते हैं और अपने कर्ज चुकाते हैं।"

"सबसे पहले जिस चीज़ ने हमें परेशान किया, वह वह विज्ञापन था। स्पॉल्डिंग ठीक आठ सप्ताह पहले इसी दिन कार्यालय में आए थे, उनके हाथ में यही अखबार था, और उन्होंने कहा:

"'श्रीमान विल्सन, मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि काश मैं लाल बालों वाला आदमी होता।'"

मैंने पूछा, 'ऐसा क्यों?'

"'क्यों,' उसने कहा, 'लाल बालों वाले आदमियों के संघ में एक और रिक्ति है। इसे पाने वाले किसी भी व्यक्ति को इससे काफ़ी धन-दौलत मिलेगी, और मुझे पता चला है कि रिक्तियां आदमियों की संख्या से कहीं अधिक हैं, इसलिए न्यासी इस पैसे का क्या करें, यह समझ नहीं पा रहे हैं। अगर मेरे बाल रंग बदल लें, तो मेरे लिए एक सुंदर सा छोटा सा घर तैयार है, जिसमें मैं कदम रख सकता हूँ।'"

"'तो फिर बात क्या है?' मैंने पूछा। देखिए, श्रीमान होम्स, मैं एक घर में रहने वाला व्यक्ति हूं, और क्योंकि मेरा काम मेरे पास आता था, मुझे वहाँ जाना नहीं पड़ता था, इसलिए मैं अक्सर हफ्तों तक घर से बाहर कदम नहीं रखता था। इस तरह मुझे बाहर की बातों की ज्यादा जानकारी नहीं होती थी, और मुझे थोड़ी सी भी खबर पाकर हमेशा खुशी होती थी।"

"'क्या तुमने कभी लाल बालों वाले आदमियों के संघ के बारे में नहीं सुना?' उसने आँखें खोलकर पूछा।"

"'कभी नहीं।'

"'मुझे इस पर आश्चर्य होता है, क्योंकि आप स्वयं भी रिक्त पदों में से एक के लिए पात्र हैं।'

"'और उनकी क़ीमत क्या है?' मैंने पूछा।"

"'ओह, साल में बस कुछ सौ ही, लेकिन काम मामूली है, और इससे आपके अन्य कामों में ज्यादा दखल नहीं देना पड़ता।'

"खैर, आप आसानी से सोच सकते हैं कि इससे मेरा ध्यान इस ओर गया, क्योंकि कुछ वर्षों से कारोबार बहुत अच्छा नहीं चल रहा है, और कुछ अतिरिक्त सौ डॉलर बहुत काम आते।"

मैंने कहा, 'मुझे इसके बारे में सब कुछ बताओ।'

"'अच्छा,' उन्होंने मुझे विज्ञापन दिखाते हुए कहा। 'आप खुद देख सकते हैं कि लीग में एक पद खाली है, और यह वह पता है जहाँ आपको विवरण के लिए आवेदन करना चाहिए। जहाँ तक मुझे पता है, लीग की स्थापना एक अमेरिकी करोड़पति, इजेकिआ हापकिंस ने की थी, जो अपने तौर-तरीकों में बहुत अनोखे थे। उनके बाल खुद लाल थे, और उन्हें सभी लाल बालों वाले पुरुषों के प्रति बहुत सहानुभूति थी; इसलिए जब उनकी मृत्यु हुई तो पता चला कि उन्होंने अपनी विशाल संपत्ति न्यासियों के हाथों में सौंप दी थी, और उन्हें निर्देश दिया था कि ब्याज का उपयोग लाल बालों वाले पुरुषों को आरामदेह आवास उपलब्ध कराने के लिए किया जाए। मैंने जो कुछ भी सुना है, उसके अनुसार यह शानदार वेतन है और काम बहुत कम है।'

"'लेकिन,' मैंने कहा, 'लाखों लाल बालों वाले पुरुष आवेदन करेंगे।'"

"'जितना आप सोच रहे हैं, उतने लोग नहीं हैं,' उन्होंने उत्तर दिया। 'आप देखिए, यह वास्तव में लंदनवासियों और वयस्क पुरुषों तक ही सीमित है। यह अमेरिकी युवावस्था में लंदन से आया था और वह अपने शहर की भलाई करना चाहता था। फिर, मैंने सुना है कि अगर आपके बाल हल्के लाल, गहरे लाल या चमकीले, धधकते, आग जैसे लाल रंग के अलावा किसी और रंग के हैं, तो आवेदन करने का कोई फायदा नहीं है। खैर, अगर आप आवेदन करना चाहें, श्रीमान विल्सन, तो आप सीधे अंदर जा सकते हैं; लेकिन शायद कुछ सौ पाउंड के लिए इतनी मेहनत करना आपके लिए उचित नहीं होगा।'

“अब, सज्जनों, जैसा कि आप स्वयं देख सकते हैं, यह एक सच्चाई है कि मेरे बाल बहुत घने और सुंदर हैं, इसलिए मुझे लगा कि अगर इस मामले में कोई प्रतिस्पर्धा होती है, तो मेरे पास किसी भी अन्य व्यक्ति के बराबर जीतने का अच्छा मौका है। विंसेंट स्पॉल्डिंग को इसके बारे में इतनी जानकारी थी कि मुझे लगा कि वह उपयोगी साबित हो सकते हैं, इसलिए मैंने उन्हें उस दिन के लिए शटर बंद करने और तुरंत मेरे साथ चलने का आदेश दिया। वह छुट्टी मनाने के लिए बहुत उत्सुक थे, इसलिए हमने कारोबार बंद किया और विज्ञापन में दिए गए पते के लिए निकल पड़े।”

“मिस्टर होम्स, मैं फिर कभी ऐसा नज़ारा नहीं देख पाऊँगा। उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम, हर वो आदमी जिसके बालों में लाल रंग का कोई भी अंश था, उस विज्ञापन का जवाब देने के लिए शहर में उमड़ पड़ा था। फ्लीट स्ट्रीट लाल बालों वाले लोगों से भरी पड़ी थी, और पोप्स कोर्ट किसी ठेले वाले की संतरे की गाड़ी जैसा लग रहा था। मैंने सोचा भी नहीं था कि पूरे देश में इतने लोग होंगे जितने उस एक विज्ञापन के कारण इकट्ठा हुए थे। उनके बालों के रंग हर तरह के थे - भूसा, नींबू, संतरा, ईंट, आयरिश-सेटर, जिगर, मिट्टी; लेकिन, जैसा कि स्पॉल्डिंग ने कहा, असली चटख लाल रंग के बाल बहुत कम लोगों के थे। जब मैंने इतने सारे लोगों को इंतज़ार करते देखा, तो मैं निराश होकर हार मान लेता; लेकिन स्पॉल्डिंग ने मेरी बात नहीं मानी। मुझे समझ नहीं आता कि उन्होंने यह कैसे किया, लेकिन उन्होंने धक्का-मुक्की करते हुए मुझे भीड़ से निकालकर ऑफिस की सीढ़ियों तक पहुंचा दिया। सीढ़ियों पर दो धाराएँ थीं, कुछ उम्मीद के साथ ऊपर जा रहे थे, और कुछ निराश होकर वापस आ रहे थे; लेकिन हम जैसे-तैसे अंदर घुस गए और जल्द ही हमने खुद को कार्यालय में पाया।

“आपका अनुभव बहुत मनोरंजक रहा,” होम्स ने कहा, जब उनके मुवक्किल ने रुककर अपनी याददाश्त ताज़ा करने के लिए एक चुटकी तंबाकू का इस्तेमाल किया। “कृपया अपना रोचक बयान जारी रखें।”

“ऑफिस में लकड़ी की दो कुर्सियाँ और एक लकड़ी की मेज़ के अलावा कुछ नहीं था, जिसके पीछे एक छोटा आदमी बैठा था जिसका सिर मेरे सिर से भी ज़्यादा लाल था। वह हर उम्मीदवार से आते ही कुछ शब्द कहता और फिर हमेशा उनमें कोई न कोई कमी निकाल लेता जिससे वे अयोग्य हो जाते। आखिरकार, नौकरी पाना इतना आसान नहीं लग रहा था। हालांकि, जब हमारी बारी आई तो वह छोटा आदमी बाकी सभी की तुलना में मेरे प्रति कहीं ज़्यादा अनुकूल था, और हमारे अंदर आते ही उसने दरवाज़ा बंद कर दिया ताकि वह हमसे अकेले में बात कर सके।”

“‘ये श्री जैबेज़ विल्सन हैं,’ मेरे सहायक ने कहा, ‘और वे लीग में एक रिक्त पद भरने के लिए इच्छुक हैं।’”

“‘और वह इसके लिए बिल्कुल उपयुक्त है,’ दूसरे ने उत्तर दिया। ‘उसमें हर गुण है। मुझे याद नहीं कि मैंने कभी इतना सुंदर व्यक्ति देखा हो।’ वह एक कदम पीछे हटा, अपना सिर एक तरफ झुकाया और मेरे बालों को तब तक देखता रहा जब तक मुझे शर्म नहीं आ गई। फिर अचानक वह आगे बढ़ा, मेरा हाथ पकड़ा और मेरी सफलता पर मुझे हार्दिक बधाई दी।”

“‘संकोच करना अन्याय होगा,’ उसने कहा। ‘लेकिन मुझे यकीन है कि आप मेरी इस स्पष्ट सावधानी के लिए मुझे माफ़ कर देंगे।’ इतना कहकर उसने मेरे बाल दोनों हाथों से पकड़ लिए और तब तक खींचे जब तक मैं दर्द से चीख नहीं उठा। ‘तुम्हारी आँखों में पानी है,’ उसने मुझे छोड़ते हुए कहा। ‘मुझे लगता है कि सब ठीक है। लेकिन हमें सावधान रहना होगा, क्योंकि हम दो बार विग से और एक बार पेंट से धोखा खा चुके हैं। मैं तुम्हें मोची के मोम की ऐसी कहानियाँ सुना सकता हूँ जो तुम्हें इंसानियत से नफरत करवा देंगी।’ वह खिड़की के पास गया और ज़ोर से चिल्लाकर बोला कि रिक्ति भर गई

है। नीचे से निराशा की एक आह सुनाई दी और सभी लोग अलग-अलग दिशाओं में चले गए, यहाँ तक कि मेरे और मैनेजर के अलावा कोई भी लाल बालों वाला व्यक्ति दिखाई नहीं दे रहा था।

"'मेरा नाम श्री डंकन रॉस है, और मैं स्वयं हमारे आदरणीय परोपकारी द्वारा छोड़े गए कोष से पेंशन पाने वालों में से एक हूँ। क्या आप विवाहित हैं, श्री विल्सन? क्या आपका परिवार है?'"

मैंने जवाब दिया कि मैंने ऐसा नहीं किया था।

उसका चेहरा तुरंत उतर गया।

"'अरे बाप रे!' उसने गंभीरता से कहा, 'यह तो वाकई बहुत गंभीर बात है! यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। यह निधि तो लाल बालों वाले लोगों के प्रजनन और प्रसार के साथ-साथ उनके भरण-पोषण के लिए ही थी। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप अविवाहित हैं।'"

"यह सुनकर मेरा चेहरा उतर गया, मिस्टर होम्स, क्योंकि मुझे लगा कि मुझे यह पद नहीं मिलेगा; लेकिन कुछ मिनट सोचने के बाद उन्होंने कहा कि सब ठीक हो जाएगा।"

"'किसी और के मामले में,' उसने कहा, 'यह आपत्ति घातक हो सकती है, लेकिन आपके जैसे घने बालों वाले व्यक्ति के पक्ष में हमें एक तर्क देना ही होगा। आप अपने नए कर्तव्यों को कब ग्रहण कर पाएंगे?'"

मैंने कहा, "खैर, यह थोड़ा अजीब है, क्योंकि मेरा पहले से ही एक व्यवसाय है।"

"'अरे, उस बारे में चिंता मत कीजिए, मिस्टर विल्सन!' विंसेंट स्पॉल्डिंग ने कहा। 'मैं आपके लिए इसका ख्याल रख सकता हूँ।'"

मैंने पूछा, "काम के घंटे क्या होंगे?"

"'दो बजने में दस मिनट बाकी हैं।'"

"श्री होम्स, गिरवी रखने का कारोबार अधिकतर शाम को ही होता है, विशेषकर गुरुवार और शुक्रवार की शाम को, जो वेतन मिलने के ठीक पहले का समय होता है; इसलिए सुबह के समय थोड़ी कमाई करना मेरे लिए बहुत अच्छा रहेगा। इसके अलावा, मुझे पता था कि मेरा सहायक एक अच्छा आदमी है और वह किसी भी समस्या का समाधान कर देगा।"

मैंने कहा, "'यह मेरे लिए बहुत उपयुक्त रहेगा।' 'और वेतन?'"

"'यह प्रति सप्ताह 4 पाउंड है।'"

"'और काम?'"

"'यह केवल नाममात्र का है।'"

"'आप विशुद्ध रूप से नाममात्र किसे कहते हैं?'"

"'ठीक है, आपको पूरे समय कार्यालय में, या कम से कम इमारत में उपस्थित रहना होगा। यदि आप चले जाते हैं, तो आप अपना पूरा पद हमेशा के लिए खो देंगे। वसीयत में यह बात बिल्कुल स्पष्ट है। यदि आप उस समय के दौरान कार्यालय से हिलते भी हैं, तो आप शर्तों का पालन नहीं करते हैं।'

मैंने कहा, "'यह तो दिन में सिर्फ चार घंटे का काम है, और मुझे छोड़ने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए।'"

श्री डंकन रॉस ने कहा, "'कोई बहाना नहीं चलेगा; न बीमारी, न व्यापार, न कुछ और। आपको वहीं रहना होगा, वरना आप अपना पद खो देंगे।'"

"'और काम?'"

"'आपको एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका की नकल करनी है। उसका पहला खंड उस प्रेस में है। आपको अपनी स्याही, कलम और सोख्ता कागज खुद लाने होंगे, लेकिन यह मेज और कुर्सी हम उपलब्ध कराएंगे। क्या आप कल तैयार रहेंगे?'"

“‘ज़रूर,’ मैंने उत्तर दिया।”

“‘तो फिर, अलविदा, श्रीमान जेबेज़ विल्सन, और आपको उस महत्वपूर्ण पद के लिए एक बार फिर बधाई, जिसे प्राप्त करने का सौभाग्य आपको मिला है।’ उन्होंने मुझे कमरे से विदा किया और मैं अपने सहायक के साथ घर चला गया, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ या क्या करूँ, मैं अपने सौभाग्य से इतना प्रसन्न था।”

“खैर, मैंने दिन भर इस मामले पर विचार किया, और शाम तक मैं फिर से उदास हो गया; क्योंकि मुझे पूरा यकीन हो गया था कि यह सारा मामला कोई बड़ा धोखा या जालसाजी है, हालांकि इसका उद्देश्य क्या हो सकता है, यह मैं समझ नहीं पा रहा था। यह बिल्कुल अविश्वसनीय लग रहा था कि कोई इस तरह की वसीयत बना सकता है, या एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका की नकल करने जैसे सरल काम के लिए इतनी बड़ी रकम चुका सकता है। विंसेंट स्पाल्डिंग ने मुझे खुश करने की पूरी कोशिश की, लेकिन सोने के समय तक मैंने खुद को इस पूरे मामले से बाहर निकाल लिया था। हालांकि, सुबह मैंने ठान लिया कि मैं इसे किसी भी तरह देखूंगा, इसलिए मैंने एक पैसे की स्याही की बोतल खरीदी, और एक पंख वाले पेन और सात बड़े कागजों के साथ पोप के दरबार के लिए निकल पड़ा।”

“खैर, मुझे आश्चर्य और खुशी हुई कि सब कुछ बिल्कुल ठीक था। मेरे लिए मेज सजी हुई थी, और श्री डंकन रॉस यह सुनिश्चित करने के लिए वहां मौजूद थे कि मैं काम पर लग जाऊं। उन्होंने मुझे अक्षर 'ए' से काम शुरू करवाया और फिर मुझे छोड़कर चले गए; लेकिन वे समय-समय पर आकर देखते रहते थे कि सब ठीक है या नहीं। दो बजे उन्होंने मुझे शुभ दिन कहा, मेरे द्वारा लिखे गए काम की सराहना की और मेरे पीछे कार्यालय का दरवाजा बंद कर दिया।”

“यह सिलसिला दिन-ब-दिन चलता रहा, श्रीमान होम्स, और शनिवार को प्रबंधक आया और मेरे पूरे सप्ताह के काम के लिए चार सोने के सिक्के रख दिए। अगले सप्ताह भी यही हुआ, और उसके अगले सप्ताह भी। मैं हर सुबह दस बजे वहाँ होता था और हर दोपहर दो बजे निकलता था। धीरे-धीरे श्रीमान डंकन रॉस सुबह केवल एक बार आने लगे, और फिर कुछ समय बाद वे बिल्कुल नहीं आए। फिर भी, ज़ाहिर है, मैंने एक पल के लिए भी कमरे से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं की, क्योंकि मुझे पता नहीं था कि वे कब आ सकते हैं, और वह पद इतना अच्छा था, और मुझे इतना पसंद था, कि मैं उसे खोने का जोखिम नहीं उठाना चाहता था।

“इस तरह आठ सप्ताह बीत गए, और मैंने मठाधीशों, तीरंदाजी, कवच, वास्तुकला और एटिका के बारे में लिखा, और पूरी लगन से आशा की कि जल्द ही मैं बी-ग्रेड के विषयों पर भी लिख पाऊंगा। इसमें मेरा काफी पैसा खर्च हुआ, और मैंने अपनी रचनाओं से लगभग एक अलमारी भर दी थी। और फिर अचानक सब कुछ समाप्त हो गया।”

"एक समाप्ति के लिए?"

जी हाँ, महोदय। और आज सुबह से पहले ही। मैं हमेशा की तरह दस बजे काम पर गया था, लेकिन दरवाजा बंद और ताला लगा हुआ था, और पैनल के बीच में एक छोटा सा गत्ते का टुकड़ा कील से ठोका हुआ था। ये रहा, आप खुद पढ़ लीजिए।

उसने नोटपैड के आकार का एक सफेद कार्डबोर्ड का टुकड़ा उठाया। उस पर इस प्रकार लिखा था:

द रेड - हेडेड लीग

है

घुल गया।

9 अक्टूबर, 1890।

शर्लक होम्स और मैंने इस संक्षिप्त घोषणा और इसके पीछे के खेदपूर्ण चेहरे को गौर से देखा, जब तक कि इस मामले का हास्यपूर्ण पहलू अन्य सभी बातों पर इतना हावी नहीं हो गया कि हम दोनों जोर से हंस पड़े।

"मुझे इसमें कुछ भी मज़ेदार नहीं दिख रहा," हमारे मुवक्किल ने गुस्से से लाल होते हुए कहा। "अगर आप मुझ पर हंसने के अलावा कुछ और नहीं कर सकते, तो मैं कहीं और चला जाऊंगा।"

"नहीं, नहीं," होम्स चिल्लाया और उसे वापस उसी कुर्सी पर धकेल दिया जिससे वह आधा उठा था। "मैं सचमुच आपका मामला किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ना चाहता। यह बेहद अनोखा और दिलचस्प है। लेकिन, अगर आप मुझे ऐसा कहने की अनुमति दें, तो इसमें कुछ अजीब बात भी है। कृपया बताइए कि जब आपको दरवाजे पर कार्ड मिला तो आपने क्या कदम उठाए?"

"मैं दंग रह गया, महोदय। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। फिर मैंने आस-पास के दफ्तरों में फोन किया, लेकिन किसी को भी इसके बारे में कुछ पता नहीं था। आखिरकार, मैं मकान मालिक के पास गया, जो भूतल पर रहने वाला एक लेखाकार है, और मैंने उससे पूछा कि रेड-हेडेड लीग का क्या हुआ। उसने कहा कि उसने कभी ऐसी किसी संस्था के बारे में नहीं सुना। फिर मैंने उससे पूछा कि श्री डंकन रॉस कौन हैं। उन्होंने जवाब दिया कि यह नाम उनके लिए नया है।"

मैंने कहा, "'अच्छा, चौथे नंबर पर रहने वाले सज्जन।'"

"'क्या, वो लाल बालों वाला आदमी?'"

"'हाँ।'

"'ओह,' उसने कहा, 'उसका नाम विलियम मॉरिस था। वह एक वकील था और जब तक उसका नया परिसर तैयार नहीं हो जाता, तब तक वह मेरे कमरे का अस्थायी रूप से उपयोग कर रहा था। वह कल चला गया।'

"'मैं उसे कहाँ ढूंढ सकता हूँ?'

"ओह, उनके नए दफ्तर में। उन्होंने मुझे पता बताया था। हाँ, 17 किंग एडवर्ड स्ट्रीट, सेंट पॉल के पास।"

"मैंने चलना शुरू किया, श्रीमान होम्स, लेकिन जब मैं उस पते पर पहुँचा तो वह कृत्रिम घुटने की टोपी बनाने का कारखाना था, और वहाँ किसी ने भी श्री विलियम मॉरिस या श्री डंकन रॉस के बारे में कभी नहीं सुना था।"

"और फिर तुमने क्या किया?" होम्स ने पूछा।

"मैं सैक्स-कोबर्ग स्क्वायर स्थित अपने घर गया और मैंने अपने सहायक की सलाह मानी। लेकिन वह मेरी किसी भी तरह से मदद नहीं कर सका। उसने बस इतना कहा कि अगर मैं इंतजार करूँ तो मुझे डाक से सूचना मिल जाएगी। लेकिन श्रीमान होम्स,

यह काफी नहीं था। मैं बिना संघर्ष किए ऐसी जगह खोना नहीं चाहता था, इसलिए, जैसा कि मैंने सुना था कि आप जरूरतमंद लोगों को सलाह देने के लिए काफी दयालु हैं, मैं सीधे आपके पास आ गया।”

“और आपने बहुत ही बुद्धिमानी से काम लिया,” होम्स ने कहा। “आपका मामला बेहद असाधारण है, और मुझे इसकी जांच करने में खुशी होगी। आपने जो बताया है, उससे मुझे लगता है कि इसमें पहली नजर में दिखने से कहीं अधिक गंभीर मुद्दे जुड़े हो सकते हैं।”

“काफी गंभीर बात है!” श्री जेबेज़ विल्सन ने कहा। “अरे, मेरा तो एक हफ्ते में चार पाउंड वजन कम हो गया है।”

होम्स ने कहा, "जहां तक आपकी व्यक्तिगत राय है, मुझे नहीं लगता कि आपको इस असाधारण गठबंधन से कोई शिकायत है। इसके विपरीत, जैसा कि मुझे पता चला है, आप लगभग 30 पाउंड से अधिक समृद्ध हो गए हैं, और आपने 'ए' अक्षर के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक विषय पर जो विस्तृत ज्ञान प्राप्त किया है, उसका तो जिक्र ही नहीं। आपको इससे कुछ भी नुकसान नहीं हुआ है।"

“जी नहीं, महोदय। लेकिन मैं उनके बारे में, वे कौन हैं, और उन्होंने मुझ पर यह मज़ाक क्यों किया - अगर यह मज़ाक था - तो उनका मकसद क्या था, यह जानना चाहता हूं। यह उनके लिए काफी महंगा मज़ाक साबित हुआ, क्योंकि इसमें उन्हें बत्तीस पाउंड खर्च करने पड़े।”

“हम इन बिंदुओं को आपके लिए स्पष्ट करने का प्रयास करेंगे। और, सबसे पहले, श्रीमान विल्सन, एक-दो प्रश्न। आपका वह सहायक जिसने सबसे पहले आपका ध्यान विज्ञापन की ओर दिलाया था — वह आपके साथ कितने समय से कार्यरत था?”

"लगभग एक महीना।"

वह कैसे आया?

“एक विज्ञापन के जवाब में।”

"क्या वह इकलौता आवेदक था?"

नहीं, मेरे पास एक दर्जन थे।

आपने उसे क्यों चुना?

"क्योंकि वह काम में माहिर था और सस्ता भी पड़ता था।"

"दरअसल, आधी तनख्वाह पर।"

"हां।"

"यह विंसेंट स्पॉल्डिंग कैसा आदमी है?"

“छोटा कद, गठीला शरीर, बहुत फुर्तीला, चेहरे पर बाल नहीं हैं, हालांकि उसकी उम्र तीस से कम नहीं है। माथे पर तेजाब का एक सफेद धब्बा है।”

होम्स काफी उत्तेजित होकर अपनी कुर्सी पर बैठ गया। "मुझे भी यही लगा था," उसने कहा। "क्या तुमने कभी गौर किया है कि उसके कानों में बालियां हैं?"

"जी हां, महोदय। उन्होंने मुझे बताया कि जब वह लड़का था तब एक जिप्सी ने उसके लिए यह काम किया था।"

“हम्म!” होम्स गहरी सोच में डूबते हुए बोले। “वह अभी भी तुम्हारे साथ है?”

"जी हां, महोदय; मैं अभी-अभी उनसे अलग हुआ हूं।"

"और क्या आपकी अनुपस्थिति में आपके व्यवसाय का ध्यान रखा गया है?"

“शिकायत करने जैसी कोई बात नहीं है, महोदय। सुबह के समय वैसे भी ज्यादा काम नहीं होता।”

“ठीक है, श्रीमान विल्सन। मैं एक-दो दिन में इस विषय पर आपको अपनी राय दे पाऊंगा। आज शनिवार है, और मुझे उम्मीद है कि सोमवार तक हम किसी निष्कर्ष पर

पहुंच जाएंगे।”

"अच्छा, वॉटसन," हमारे मेहमान के चले जाने के बाद होम्स ने कहा, "आप इस सब के बारे में क्या सोचते हैं?"

मैंने स्पष्ट रूप से उत्तर दिया, "मैं इसे कुछ नहीं मानता। यह एक बेहद रहस्यमय मामला है।"

होम्स ने कहा, "आम तौर पर, कोई चीज़ जितनी विचित्र होती है, उतनी ही कम रहस्यमय साबित होती है। असल में पेचीदा तो सामान्य, साधारण अपराध होते हैं, ठीक वैसे ही जैसे किसी सामान्य चेहरे को पहचानना सबसे मुश्किल होता है। लेकिन मुझे इस मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई करनी होगी।"

“तो फिर तुम क्या करोगे?” मैंने पूछा।

“सिगरेट पीने के लिए,” उसने जवाब दिया। “ये तो तीन पाइपों वाली समस्या है, और मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप पचास मिनट तक मुझसे बात न करें।” वह अपनी कुर्सी पर सिकुड़कर बैठ गया, अपने पतले घुटनों को अपनी बाज जैसी नाक तक खींचकर, और आँखें बंद करके बैठा रहा, उसका काला मिट्टी का पाइप किसी अजीब पक्षी की चोंच की तरह बाहर निकला हुआ था। मुझे लगा कि वह सो गया है, और मैं खुद भी ऊंघ रहा था, तभी वह अचानक एक ऐसे व्यक्ति की तरह कुर्सी से उछल पड़ा जिसने अपना मन बना लिया हो और अपना पाइप शेल्फ़ पर रख दिया।

“आज दोपहर सेंट जेम्स हॉल में सारसते का कार्यक्रम है,” उन्होंने कहा। “वॉटसन, आपका क्या ख्याल है? क्या आपके मरीज़ आपको कुछ घंटों के लिए समय दे सकते हैं?”

“आज मेरे पास करने के लिए कुछ नहीं है। मेरा अभ्यास कभी भी बहुत रुचिकर नहीं होता।”

“तो फिर अपनी टोपी पहन लो और आ जाओ। मैं पहले शहर घूम रहा हूँ, और रास्ते में हम दोपहर का खाना खा सकते हैं। मैंने देखा है कि कार्यक्रम में काफी जर्मन संगीत है, जो मुझे इतालवी या फ्रांसीसी संगीत से कहीं ज्यादा पसंद है। यह आत्मचिंतनशील है, और मैं भी आत्मचिंतन करना चाहता हूँ। चलो, साथ आओ!”

हम एल्डर्सगेट तक अंडरग्राउंड ट्रेन से गए; और थोड़ी दूर पैदल चलकर हम सैक्स-कोबर्ग स्क्वायर पहुँच गए, जहाँ उस अनोखी कहानी का स्थान था जिसे हमने सुबह सुना था। यह एक तंग, छोटा, जर्जर-सभ्य स्थान था, जहाँ चार कतारों में बने दो मंजिला ईंट के मकान एक छोटे से बाड़ वाले घेरे में खुलते थे, जहाँ जंगली घास का मैदान और मुरझाई हुई लॉरेल की झाड़ियों के कुछ झुंड धुएँ से भरे और अरुचिकर वातावरण से जूझ रहे थे। एक कोने वाले मकान पर तीन सुनहरी गेंदें और एक भूरा बोर्ड जिस पर सफेद अक्षरों में "जेबेज़ विल्सन" लिखा था, उस जगह की घोषणा कर रहे थे जहाँ हमारे लाल बालों वाले ग्राहक अपना कारोबार करते थे। शर्लक होम्स उसके सामने एक तरफ सिर झुकाकर रुक गए और अपनी सिकुड़ी हुई पलकों के बीच चमकती आँखों से चारों ओर देखा। फिर वे धीरे-धीरे गली में आगे बढ़े, और फिर वापस कोने पर आ गए, अभी भी मकानों को ध्यान से देख रहे थे। अंततः वह साहूकार के पास लौटा और अपनी छड़ी से फुटपाथ पर दो-तीन बार ज़ोर से पीटने के बाद, वह दरवाजे तक गया और खटखटाया। तुरंत ही एक चुस्त-दुरुस्त, साफ दाढ़ी वाले युवक ने दरवाजा खोला और उसे अंदर आने के लिए कहा।

"धन्यवाद," होम्स ने कहा। "मैं तो बस आपसे यह पूछना चाहता था कि आप यहां से स्ट्रैंड तक कैसे जाएंगे।"

"तीसरा दायाँ, चौथा बायाँ," सहायक ने तुरंत जवाब दिया और दरवाजा बंद कर दिया।

“वह तो बड़ा होशियार आदमी है,” होम्स ने हमारे जाने के बाद कहा। “मेरी राय में, वह लंदन का चौथा सबसे होशियार आदमी है, और साहस के मामले में मुझे पूरा यकीन है कि वह तीसरे स्थान का हकदार है। मैं उसे पहले से जानता हूँ।”

मैंने कहा, "ज़ाहिर है, मिस्टर विल्सन के सहायक का रेड-हेडेड लीग के इस रहस्य में बहुत बड़ा हाथ है। मुझे यकीन है कि आप उनसे मिलने के लिए ही यहाँ आए हैं।"

“वो नहीं।”

"तो क्या?"

“उसकी पतलून के घुटने।”

और आपने क्या देखा?

"मुझे यही देखने की उम्मीद थी।"

“तुमने सड़कों पर क्यों भटकना शुरू किया?”

“मेरे प्रिय डॉक्टर, यह अवलोकन का समय है, बातचीत का नहीं। हम दुश्मन देश में जासूस हैं। हम सैक्स-कोबर्ग स्क्वायर के बारे में कुछ जानते हैं। आइए अब इसके पीछे के हिस्सों का पता लगाएं।”

सैक्स-कोबर्ग स्क्वायर से मुड़ते ही हम जिस सड़क पर आ गए, वह उससे बिल्कुल अलग थी, जैसे किसी तस्वीर का आगे का हिस्सा पीछे के हिस्से से अलग होता है। यह शहर के यातायात को उत्तर और पश्चिम की ओर ले जाने वाली मुख्य सड़कों में से एक थी। सड़क पर व्यापार का भारी प्रवाह था, जो अंदर और बाहर दोनों तरफ बह रहा था, जबकि फुटपाथ पैदल चलने वालों की भीड़ से भरे हुए थे। सुंदर दुकानों और आलीशान व्यावसायिक भवनों की कतार को देखकर यह समझना मुश्किल था कि वास्तव में ये दूसरी तरफ उसी फीके और सुनसान स्क्वायर से सटे हुए थे, जिसे हमने अभी-अभी छोड़ा था।

“देख लेते हैं,” होम्स कोने पर खड़े होकर कतार पर नज़र डालते हुए बोले, “मैं यहाँ के मकानों का क्रम याद रखना चाहता हूँ। लंदन का सटीक ज्ञान रखना मेरा शौक है। यहाँ मॉर्टिमर की दुकान है, तंबाकू की दुकान, छोटी अख़बार की दुकान, सिटी एंड सबअर्बन बैंक की कोबर्ग शाखा, वेजिटेरियन रेस्टोरेंट और मैकफ़ारलेन का घोड़ागाड़ी बनाने का कारखाना। इससे हम सीधे दूसरे ब्लॉक पर पहुँच जाते हैं। और अब, डॉक्टर, हमने अपना काम कर लिया है, तो चलिए थोड़ा आराम करते हैं। एक सैंडविच और एक कप कॉफ़ी, और फिर वायलिन की दुनिया में चलते हैं, जहाँ सब कुछ मधुर, कोमल और सामंजस्यपूर्ण है, और हमें अपनी पहेलियों से परेशान करने के लिए कोई लाल बालों वाले ग्राहक नहीं हैं।”

मेरा मित्र एक उत्साही संगीतकार था, जो स्वयं न केवल एक कुशल कलाकार था, बल्कि असाधारण प्रतिभा का धनी संगीतकार भी था। पूरी दोपहर वह दर्शक दीर्घा में अत्यंत प्रसन्नता में डूबा बैठा रहा, संगीत की धुन पर अपनी लंबी, पतली उंगलियों को धीरे-धीरे हिलाता रहा। उसका सौम्य मुस्कुराता चेहरा और उसकी मग्न, स्वप्निल आँखें, जासूस होम्स, उस निर्दयी, तीक्ष्ण बुद्धि वाले, कुशल अपराधी होम्स से बिलकुल अलग थीं, जितना कल्पना की जा सकती है। उसके विलक्षण स्वभाव में यह दोहरा स्वरूप बारी-बारी से प्रकट होता था, और उसकी अत्यधिक सटीकता और चतुराई, जैसा कि मैंने अक्सर सोचा है, उस काव्यात्मक और चिंतनशील मनोदशा के विरुद्ध प्रतिक्रिया थी जो कभी-कभी उसमें हावी हो जाती थी। उसके स्वभाव का उतार-चढ़ाव उसे अत्यधिक सुस्ती से लेकर ऊर्जा से भरपूर ऊर्जा तक ले जाता था; और जैसा कि मैं भली-भांति जानता था, वह वास्तव में उतना प्रभावशाली कभी नहीं होता था जितना कि तब जब वह कई दिनों तक अपनी कुर्सी पर बैठकर अपने संगीत की रचनाओं और लिखित संस्करणों के बीच आराम करता रहता था। फिर अचानक ही शिकार करने की तीव्र

इच्छा उस पर हावी हो जाती, और उसकी अद्भुत तर्कशक्ति अंतर्ज्ञान के स्तर तक पहुंच जाती, यहां तक कि जो लोग उसके तरीकों से परिचित नहीं थे, वे उसे संदेह की दृष्टि से देखने लगते, मानो उसका ज्ञान अन्य मनुष्यों के ज्ञान से परे हो। उस दोपहर जब मैंने उसे सेंट जेम्स हॉल में संगीत में इतना मग्न देखा, तो मुझे लगा कि जिन लोगों का उसने शिकार करने का ठान लिया था, उन पर बुरा समय आने वाला है।

"आप घर जाना चाहते हैं, इसमें कोई शक नहीं, डॉक्टर," जब हम बाहर निकले तो उन्होंने टिप्पणी की।

"हां, ऐसा ही होगा।"

“और मुझे कुछ काम निपटाना है जिसमें कुछ घंटे लगेंगे। कोबर्ग स्क्वायर का यह काम बहुत गंभीर है।”

"क्यों गंभीर हो?"

“एक गंभीर अपराध की योजना बन रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम इसे रोकने में समय पर सफल हो जाएंगे। लेकिन आज शनिवार होने के कारण मामला थोड़ा पेचीदा हो गया है। मुझे आज रात आपकी मदद की ज़रूरत होगी।”

"किस समय?"

"दस बजे का समय काफी जल्दी होगा।"

मैं दस बजे बेकर स्ट्रीट पर रहूंगा।

“बहुत खूब। और, डॉक्टर साहब, थोड़ा खतरा हो सकता है, इसलिए कृपया अपनी सेना की रिवॉल्वर अपनी जेब में रख लें।” उन्होंने हाथ हिलाया, मुड़े और पलक झपकते ही भीड़ में गायब हो गए।

मुझे विश्वास है कि मैं अपने पड़ोसियों से ज़्यादा नासमझ नहीं हूँ, लेकिन शर्लक होम्स के साथ अपने व्यवहार में मैं हमेशा अपनी मूर्खता से परेशान रहता था। मैंने वही सुना था जो उसने सुना था, मैंने वही देखा था जो उसने देखा था, और फिर भी उसके शब्दों से यह स्पष्ट था कि वह न केवल जो हुआ था उसे बल्कि जो होने वाला था उसे भी स्पष्ट रूप से देख रहा था, जबकि मेरे लिए सारा मामला अभी भी उलझा हुआ और विचित्र था। केंसिंग्टन स्थित अपने घर लौटते समय मैं इन सब बातों पर विचार करता रहा, एनसाइक्लोपीडिया की नकल करने वाले लाल बालों वाले व्यक्ति की असाधारण कहानी से लेकर सैक्स-कोबर्ग स्क्वायर की यात्रा तक, और उन अशुभ शब्दों तक जिनसे उसने मुझसे विदा ली थी। यह रात का अभियान क्या था, और मुझे हथियार लेकर क्यों जाना चाहिए था? हम कहाँ जा रहे थे, और हमें क्या करना था? होम्स से मुझे संकेत मिला था कि यह चिकने चेहरे वाला साहूकार का सहायक एक दुर्जेय व्यक्ति था - एक ऐसा व्यक्ति जो गहरी चालें चल सकता था। मैंने इसे सुलझाने की कोशिश की, लेकिन निराशा में हार मान ली और इस मामले को रात तक के लिए टाल दिया ताकि रात में इसका कोई हल निकल आए।

सवा नौ बजे मैं घर से निकला और पार्क पार करते हुए ऑक्सफ़ोर्ड स्ट्रीट से बेकर स्ट्रीट की ओर बढ़ा। दरवाजे पर दो गाड़ियाँ खड़ी थीं, और जैसे ही मैं गलियारे में दाखिल हुआ, मुझे ऊपर से कुछ आवाज़ें सुनाई दीं। उनके कमरे में प्रवेश करते ही मैंने होम्स को दो आदमियों के साथ गरमागरम बातचीत करते हुए पाया, जिनमें से एक को मैंने आधिकारिक पुलिस एजेंट पीटर जोन्स के रूप में पहचाना, जबकि दूसरा एक लंबा, पतला, उदास चेहरे वाला आदमी था, जिसने एक चमकदार टोपी और एक बेहद शालीन फ्रॉक-कोट पहन रखा था।

“हा! हमारी टोली पूरी हो गई है,” होम्स ने अपनी जैकेट के बटन बंद करते हुए और रैक से अपना भारी शिकार का चाबुक उठाते हुए कहा। “वॉटसन, मुझे लगता है कि

आप स्कॉटलैंड यार्ड के मिस्टर जोन्स को जानते हैं? चलिए मैं आपको मिस्टर मेरीवेदर से मिलवाता हूं, जो आज रात के हमारे साहसिक कार्य में हमारे साथी होंगे।"

"डॉक्टर साहब, हम फिर से जोड़ों में शिकार कर रहे हैं," जोन्स ने अपने गंभीर अंदाज में कहा। "हमारा यह दोस्त पीछा शुरू करने के लिए बहुत ही शानदार आदमी है। उसे बस एक बूढ़ा कुत्ता चाहिए जो उसे पीछा करने में मदद करे।"

"मुझे उम्मीद है कि एक व्यर्थ प्रयास हमारी खोज का अंत साबित नहीं होगा," श्री मेरीवेदर ने निराशापूर्वक कहा।

"आप श्री होम्स पर पूरा भरोसा कर सकते हैं, महोदय," पुलिस एजेंट ने बड़े गर्व से कहा। "उनके अपने कुछ खास तरीके हैं, जो, अगर उन्हें बुरा न लगे तो, थोड़े सैद्धांतिक और काल्पनिक हैं, लेकिन उनमें एक जासूस बनने की सारी खूबियां हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि एक-दो बार, जैसे शोल्टो हत्याकांड और आगरा खजाने के मामले में, वे आधिकारिक पुलिस बल से कहीं ज्यादा सही साबित हुए हैं।"

"ओह, अगर आप ऐसा कहते हैं, श्रीमान जोन्स, तो कोई बात नहीं," अजनबी ने विनम्रता से कहा। "फिर भी, मैं स्वीकार करता हूँ कि मुझे अपने कंडोम की कमी खल रही है। पिछले सत्ताईस वर्षों में यह पहली शनिवार रात है जब मेरे पास मेरा कंडोम नहीं है।"

शर्लक होम्स ने कहा, "मुझे लगता है कि आज रात आप अब तक के सबसे बड़े दांव पर खेलेंगे और यह खेल और भी रोमांचक होगा। श्री मेरीवेदर, आपके लिए दांव लगभग 30,000 पाउंड का होगा; और जोन्स, आपके लिए दांव उस व्यक्ति पर होगा जिसे आप पकड़ना चाहते हैं।"

"जॉन क्ले, हत्यारा, चोर, तोड़फोड़ करने वाला और जालसाज। मिस्टर मेरीवेदर, वो नौजवान है, पर अपने पेशे में माहिर है, और मैं लंदन के किसी भी अपराधी के बजाय उस पर नज़र रखना ज़्यादा पसंद करूंगा। नौजवान जॉन क्ले एक असाधारण व्यक्ति है। उसके दादा शाही ड्यूक थे, और उसने खुद ईटन और ऑक्सफ़ोर्ड से पढ़ाई की है। उसका दिमाग उसकी उंगलियों जितना ही तेज़ है, और हालांकि हमें हर मोड़ पर उसके सुराग मिलते हैं, फिर भी हम उसे कभी नहीं जान पाते। एक हफ़्ते वो स्कॉटलैंड में एक पालना तोड़ेगा, और अगले हफ़्ते कॉर्नवाल में एक अनाथालय बनाने के लिए पैसे जुटा रहा होगा। मैं सालों से उसका पीछा कर रहा हूँ, लेकिन अभी तक उसे देख नहीं पाया हूँ।"

मुझे आशा है कि आज रात आप दोनों का परिचय कराने का सौभाग्य प्राप्त होगा। श्री जॉन क्ले के साथ भी मुझे कुछ समय काम करने का अवसर मिला है, और मैं आपसे सहमत हूँ कि वे अपने क्षेत्र में अग्रणी हैं। हालाँकि, दस बज चुके हैं, और अब हमें शुरू करना चाहिए। यदि आप दोनों पहली गाड़ी में बैठेंगे, तो वाटसन और मैं दूसरी गाड़ी में आपके पीछे आएंगे।

लंबी ड्राइव के दौरान शर्लक होम्स ज्यादा बात नहीं कर रहे थे और टैक्सी में आराम से लेटकर दोपहर में सुने हुए गाने गुनगुना रहे थे। हम गैस की रोशनी से जगमगाती गलियों के एक अंतहीन भूलभुलैया से गुज़रते हुए फ़ैरिंगटन स्ट्रीट पर पहुंचे।

"अब हम वहाँ पहुँचने ही वाले हैं," मेरे दोस्त ने कहा। "यह मेरीवेदर नाम का आदमी एक बैंक निदेशक है और इस मामले में उसकी निजी दिलचस्पी है। मैंने सोचा कि जोन्स को भी अपने साथ रखना अच्छा रहेगा। वह बुरा आदमी नहीं है, हालांकि अपने पेशे में बिल्कुल नासमझ है। उसमें एक अच्छी बात है। अगर उसे किसी पर अपना पंजा मिल जाए तो वह बुलडाग की तरह बहादुर और लॉबस्टर की तरह जिद्दी हो जाता है। हम यहाँ पहुँच गए हैं और वे हमारा इंतज़ार कर रहे हैं।"

हम उसी भीड़भाड़ वाली सड़क पर पहुँच गए थे जहाँ हम सुबह थे। हमारी टैक्सियाँ वापस कर दी गईं, और श्री मेरीवेदर के मार्गदर्शन में, हम एक संकरे रास्ते से होते हुए एक बगल के दरवाजे से अंदर गए, जिसे उन्होंने हमारे लिए खोला था। अंदर एक छोटा गलियारा था, जो एक बहुत बड़े लोहे के गेट पर समाप्त होता था। इसे भी खोला गया, और यह घुमावदार पत्थर की सीढ़ियों से नीचे जाता था, जो एक और विशाल गेट पर जाकर समाप्त होती थीं। श्री मेरीवेदर ने एक लालटेन जलाने के लिए रुके, और फिर हमें एक अंधेरे, मिट्टी की गंध वाले रास्ते से नीचे ले गए, और फिर एक तीसरा दरवाजा खोलकर, एक विशाल तहखाने में ले गए, जो चारों ओर बक्सों और बड़े-बड़े बक्सों से भरा हुआ था।

"ऊपर से आप ज्यादा असुरक्षित नहीं हैं," होम्स ने लालटेन को ऊपर उठाते हुए और अपने चारों ओर देखते हुए टिप्पणी की।

“नीचे से भी नहीं,” श्री मेरीवेदर ने फर्श पर बिछी पट्टियों पर अपनी छड़ी मारते हुए कहा। “अरे बाप रे, यह तो बिल्कुल खोखली आवाज है!” उन्होंने आश्चर्य से ऊपर देखते हुए कहा।

“मुझे आपसे सचमुच अनुरोध करना होगा कि आप थोड़ा शांत रहें!” होम्स ने सख्ती से कहा। “आपने पहले ही हमारे अभियान की पूरी सफलता को खतरे में डाल दिया है। क्या मैं आपसे विनती कर सकता हूं कि आप कृपया उन बक्सों में से किसी एक पर बैठ जाएं और दखल न दें?”

गंभीर मुद्रा में बैठे श्री मेरीवेदर एक बक्से पर बैठ गए, उनके चेहरे पर बेहद दुखी भाव थे, जबकि होम्स घुटनों के बल फर्श पर बैठ गए और लालटेन और आवर्धक लेंस की मदद से पत्थरों के बीच की दरारों का बारीकी से निरीक्षण करने लगे। कुछ ही सेकंड में वे संतुष्ट हो गए, क्योंकि वे तुरंत उठ खड़े हुए और अपना आवर्धक लेंस जेब में रख लिया।

“हमारे पास कम से कम एक घंटा है,” उन्होंने कहा, “क्योंकि जब तक साहूकार आराम से बिस्तर पर नहीं सो जाता, तब तक वे एक कदम भी नहीं उठा सकते। उसके बाद वे एक मिनट भी बर्बाद नहीं करेंगे, क्योंकि जितनी जल्दी वे अपना काम निपटाएंगे, भागने के लिए उनके पास उतना ही अधिक समय होगा। डॉक्टर साहब, जैसा कि आपने अनुमान लगा ही लिया होगा, हम इस समय लंदन के एक प्रमुख बैंक की सिटी शाखा के तहखाने में हैं। श्री मेरीवेदर निदेशक मंडल के अध्यक्ष हैं, और वे आपको समझाएंगे कि लंदन के कुछ कुख्यात अपराधियों की इस तहखाने में इस समय इतनी दिलचस्पी होने के पीछे कुछ कारण है।”

“यह हमारा फ्रांसीसी सोना है,” निर्देशक ने फुसफुसाते हुए कहा। “हमें कई बार चेतावनी मिली है कि इस पर हमला करने की कोशिश की जा सकती है।”

"क्या यह आपका फ्रांसीसी सोना है?"

जी हाँ। कुछ महीने पहले हमें अपने संसाधनों को मजबूत करने की आवश्यकता पड़ी और इसके लिए हमने बैंक ऑफ फ्रांस से 30,000 नेपोलियन उधार लिए थे। पता चला है कि हमने कभी भी उस पैसे को खोला नहीं है और वह अभी भी हमारे तहखाने में पड़ा है। जिस बक्से पर मैं बैठा हूँ, उसमें सीसे की पन्नी की परतों के बीच 2,000 नेपोलियन रखे हुए हैं। हमारे पास इस समय सोने का भंडार किसी एक शाखा में रखे जाने वाले भंडार से कहीं अधिक है और निदेशकों को इस विषय पर चिंता है।

“जो बिल्कुल जायज़ थे,” होम्स ने कहा। “और अब समय आ गया है कि हम अपनी छोटी-मोटी योजनाएँ बना लें। मुझे उम्मीद है कि एक घंटे के भीतर मामला अपने चरम पर पहुँच जाएगा। इस बीच, श्री मेरीवेदर, हमें उस अंधेरी लालटेन पर पर्दा डाल देना चाहिए।”

और अंधेरे में बैठे रहें?

“मुझे डर है कि ऐसा ही है। मैं अपनी जेब में ताश का एक पैकेट लाया था, और मैंने सोचा था कि चूंकि हम एक गुप्त पार्टी हैं, तो शायद आपको अपना रबर मिल जाए। लेकिन मैं देख रहा हूँ कि दुश्मन की तैयारियाँ इतनी आगे बढ़ चुकी हैं कि हम रोशनी की मौजूदगी का जोखिम नहीं उठा सकते। और, सबसे पहले, हमें अपनी स्थिति तय करनी होगी। ये साहसी लोग हैं, और भले ही हम उन्हें नुकसान की स्थिति में पकड़ लें, अगर हम सावधान नहीं रहे तो वे हमें नुकसान पहुँचा सकते हैं। मैं इस बक्से के पीछे खड़ा रहूँगा, और आप लोग उन बक्सों के पीछे छिप जाइए। फिर, जब मैं उन पर रोशनी डालूँ, तो तेज़ी से उनके पास पहुंच जाइए। अगर वे गोली चलाएँ, वॉटसन, तो उन्हें मार गिराने में ज़रा भी संकोच मत करना।”

मैंने अपनी रिवॉल्वर को, लोड करके, उस लकड़ी के बक्से के ऊपर रख दिया जिसके पीछे मैं दुबका हुआ था। होम्स ने अपनी लालटेन के आगे से स्लाइड चलाई और हमें घोर अंधेरे में छोड़ दिया—ऐसा घोर अंधेरा जैसा मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। गर्म धातु की गंध हमें यह आश्वासन देती रही कि रोशनी अभी भी मौजूद है, किसी भी क्षण चमकने के लिए तैयार। मेरे लिए, जो आशा से अत्यधिक तनावग्रस्त था, अचानक छाए इस अंधकार और तहखाने की ठंडी, नम हवा में कुछ निराशाजनक और उदास करने वाला सा था।

“उनके पास पीछे हटने का बस एक ही रास्ता है,” होम्स ने फुसफुसाते हुए कहा। “वह है घर के अंदर से होते हुए सैक्स-कोबर्ग स्क्वायर में वापस जाना। मुझे उम्मीद है कि तुमने वही किया है जो मैंने तुमसे करने को कहा था, जोन्स?”

"मेरे दरवाजे पर एक इंस्पेक्टर और दो अधिकारी इंतजार कर रहे हैं।"

“तो हमने सभी छेद बंद कर दिए हैं। अब हमें चुप रहकर इंतजार करना होगा।”

क्या ही समय बीत गया था! बाद में आपस में तुलना करने पर पता चला कि केवल पंद्रह मिनट ही बीते थे, फिर भी मुझे ऐसा लग रहा था कि रात लगभग बीत चुकी है और भोर होने वाली है। मेरे हाथ-पैर थके हुए और अकड़े हुए थे, क्योंकि मुझे अपनी जगह से हिलने में डर लग रहा था; फिर भी मेरी नसें तनाव के चरम पर थीं, और मेरी सुनने की शक्ति इतनी तेज़ थी कि मैं न केवल अपने साथियों की हल्की साँसें सुन सकता था, बल्कि भारी-भरकम जोन्स की गहरी, भारी साँसों को बैंक निदेशक की पतली, आह भरी आवाज़ से अलग पहचान सकता था। अपनी जगह से मैं फर्श की ओर देख सकता था। अचानक मेरी नज़र एक चमकती रोशनी पर पड़ी।

पहले तो पत्थर के फर्श पर एक भद्दी सी चिंगारी सी दिखाई दी। फिर वह फैलती गई और एक पीली रेखा बन गई, और फिर बिना किसी चेतावनी या आवाज़ के, मानो एक दरार खुल गई और एक हाथ प्रकट हुआ; एक सफेद, लगभग स्त्री जैसा हाथ, जो उस छोटे से प्रकाश के क्षेत्र के बीचोंबीच टटोल रहा था। एक मिनट या उससे अधिक समय तक, वह हाथ अपनी मरोड़ती उंगलियों के साथ फर्श से बाहर निकला रहा। फिर वह उतनी ही अचानक गायब हो गया जितनी अचानक प्रकट हुआ था, और फिर से अंधेरा छा गया, सिवाय उस अकेली भद्दी सी चिंगारी के जो पत्थरों के बीच की दरार को चिह्नित कर रही थी।

लेकिन उसका गायब होना क्षणिक ही था। एक चीर-फाड़ जैसी आवाज़ के साथ, चौड़े, सफ़ेद पत्थरों में से एक अपनी तरफ़ पलट गया और एक चौकोर, खुला छेद बन गया, जिसमें से लालटेन की रोशनी अंदर आ रही थी। किनारे से एक साफ़-सुथरा, लड़के जैसा चेहरा झांक रहा था, जो चारों ओर उत्सुकता से देख रहा था, और फिर, छेद के दोनों ओर एक-एक हाथ रखकर, खुद को कंधे और कमर तक सिकोड़ लिया, जब तक कि उसका एक घुटना किनारे पर न टिक गया। अगले ही पल वह छेद के

किनारे पर खड़ा था और अपने पीछे एक साथी को खींच रहा था, जो उसी की तरह फुर्तीला और छोटा था, जिसका चेहरा पीला था और जिसके बाल बहुत लाल थे।

"सब ठीक है," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "तुम्हारे पास छेनी और थैले हैं? हे भगवान! कूदो, आर्ची, कूदो, और मैं उस पर वार करूँगा!"

शर्लक होम्स झपट्टा मारकर बाहर निकले और घुसपैठिए को कॉलर से पकड़ लिया। दूसरा व्यक्ति छेद में कूद गया, और मुझे कपड़े फटने की आवाज़ सुनाई दी क्योंकि जोन्स ने अपने स्कर्ट को कसकर पकड़ रखा था। रिवॉल्वर की नली पर रोशनी चमकी, लेकिन होम्स का शिकार करने वाला चाबुक उस आदमी की कलाई पर पड़ा, और पिस्तौल पत्थर के फर्श पर खटकने लगी।

"कोई फायदा नहीं, जॉन क्ले," होम्स ने भावहीनता से कहा। "तुम्हारे जीतने की कोई उम्मीद नहीं है।"

"तो मैं समझ गया," दूसरे ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया। "मुझे लगता है कि मेरा दोस्त ठीक है, हालाँकि मैंने देखा कि तुम उसके पीछे-पीछे चल रहे हो।"

होम्स ने कहा, "दरवाज़े पर तीन आदमी उसका इंतजार कर रहे हैं।"

"वाह, बिल्कुल! आपने तो काम बहुत ही अच्छे से कर लिया है। मैं आपकी तारीफ करता हूँ।"

"और मैं भी," होम्स ने जवाब दिया। "तुम्हारा लाल बालों वाला विचार बहुत नया और कारगर था।"

"तुम अपने दोस्त से थोड़ी देर में फिर मिलोगे," जोन्स ने कहा। "वह गड्ढों से उतरने में मुझसे भी तेज़ है। बस थोड़ा इंतज़ार करो, मैं टायर ठीक कर देता हूँ।"

"आप मुझसे विनती करते हैं कि मुझे अपने गंदे हाथों से न छुएँ," हथकड़ियों की खड़खड़ाहट के बीच कैदी ने कहा। "शायद आपको पता न हो कि मेरी रगों में शाही खून बहता है। कृपया मुझसे बात करते समय हमेशा 'सर' और 'कृपया' कहें।"

"ठीक है," जोन्स ने घूरते हुए और हल्के से हंसते हुए कहा। "तो, महोदय, क्या आप कृपया ऊपर चलेंगे, जहाँ से हमें आपके लिए पुलिस स्टेशन ले जाने के लिए टैक्सी मिल जाएगी?"

"अब ठीक है," जॉन क्ले ने शांत भाव से कहा। उन्होंने हम तीनों को झुककर प्रणाम किया और चुपचाप जासूस की हिरासत में चले गए।

तहखाने से बाहर आते हुए जब हम उनके पीछे-पीछे चल रहे थे, तब श्री मेरीवेदर ने कहा, "सचमुच, श्री होम्स, मुझे नहीं पता कि बैंक आपका शुक्रिया अदा कैसे करेगा या आपको कैसे चुकाएगा। इसमें कोई शक नहीं कि आपने बैंक लूट के सबसे सुनियोजित प्रयासों में से एक को पूरी तरह से नाकाम कर दिया है, जो मेरे अनुभव में अब तक के सबसे बड़े प्रयासों में से एक रहा है।"

होम्स ने कहा, "मुझे श्री जॉन क्ले के साथ अपने कुछ छोटे-मोटे हिसाब-किताब निपटाने हैं। इस मामले में मेरा थोड़ा खर्चा हुआ है, जिसकी भरपाई बैंक से मिलने की उम्मीद है, लेकिन इसके अलावा मुझे एक ऐसा अनुभव मिला है जो कई मायनों में अनूठा है, और रेड-हेडेड लीग की बेहद उल्लेखनीय कहानी सुनने का सौभाग्य मिला है।"

—

"देखो, वॉटसन," उसने बेकर स्ट्रीट में व्हिस्की और सोडा का एक गिलास पीते हुए सुबह-सुबह समझाया, "शुरू से ही यह बिल्कुल स्पष्ट था कि लीग के विज्ञापन और एनसाइक्लोपीडिया की नकल करने के इस अजीबोगरीब काम का एकमात्र उद्देश्य इस कम अक्ल वाले साहूकार को हर दिन कुछ घंटों के लिए रास्ते से हटाना ही था। यह एक

अजीब तरीका था, लेकिन सच में, इससे बेहतर तरीका सोचना मुश्किल था। यह तरीका क्ले के होशियार दिमाग में उसके साथी के बालों के रंग से ही आया होगा। हफ्ते के 4 पाउंड का लालच उसे ज़रूर खींच लाता, और उनके लिए क्या मायने रखता था, जो हज़ारों के लिए खेल रहे थे? उन्होंने विज्ञापन दिया, एक बदमाश को अस्थायी पद मिला, दूसरा बदमाश उस आदमी को आवेदन करने के लिए उकसाता है, और साथ मिलकर वे हफ्ते के हर सुबह उसकी अनुपस्थिति सुनिश्चित कर लेते हैं। जब से मैंने सुना कि सहायक आधी तनख्वाह पर आया है, मुझे यह स्पष्ट हो गया था कि इस पद को पाने के पीछे उसका कोई ठोस मकसद था।"

"लेकिन आप मकसद का अंदाजा कैसे लगा सकते थे?"

"अगर घर में औरतें होतीं, तो मुझे महज़ एक मामूली साज़िश का शक होता। लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं था। उस आदमी का कारोबार छोटा था, और उसके घर में ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे इतनी बड़ी तैयारियों और इतने बड़े खर्च का हिसाब लगाया जा सके। तो फिर, ज़रूर कुछ घर के बाहर का मामला होगा। आखिर क्या हो सकता है? मुझे सहायक का फोटोग्राफी का शौक और तहखाने में गायब हो जाने की उसकी तरकीब याद आई। तहखाना! यहीं इस उलझे हुए सुराग का अंत था। फिर मैंने इस रहस्यमय सहायक के बारे में पूछताछ की और पता चला कि मुझे लंदन के सबसे शातिर और दिलेर अपराधियों में से एक से निपटना है। वह तहखाने में कुछ कर रहा था—कुछ ऐसा जो महीनों तक हर दिन कई घंटों तक चलता रहा। आखिर क्या हो सकता है? मुझे बस यही सूझ रहा था कि वह किसी दूसरी इमारत तक सुरंग बना रहा होगा।"

"मैं अभी तक यहीं तक पहुँचा था कि हम घटनास्थल का मुआयना करने चले गए। मैंने अपनी लाठी से फुटपाथ पर पीटकर आपको चौंका दिया। मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रहा था कि तहखाना आगे है या पीछे। वह आगे नहीं था। फिर मैंने घंटी बजाई, और जैसा मैंने सोचा था, सहायक ने दरवाज़ा खोला। हमारी कुछ झड़पें हुई थीं, लेकिन हमने पहले कभी एक-दूसरे को आमने-सामने नहीं देखा था। मैंने मुश्किल से ही उसके चेहरे की ओर देखा। मैं उसके घुटने देखना चाहता था। आपने खुद ही गौर किया होगा कि वे कितने घिसे-पिटे, झुर्रीदार और दागदार थे। वे घंटों की खुदाई की कहानी बयां कर रहे थे। बस यही सवाल बाकी था कि वे खुदाई किसलिए कर रहे थे। मैं कोने से मुड़ा, देखा कि सिटी एंड सबअर्बन बैंक हमारे दोस्त की इमारत से सटा हुआ है, और मुझे लगा कि मेरी समस्या हल हो गई है। जब आप कॉन्सर्ट के बाद घर वापस आए, तो मैंने स्कॉटलैंड यार्ड और बैंक निदेशकों के अध्यक्ष से मुलाकात की, जिसका नतीजा आपने देख लिया है।"

मैंने पूछा, "और आपको कैसे पता चला कि वे आज रात ही प्रयास करेंगे?"

"खैर, जब उन्होंने लीग के दफ्तर बंद किए, तो यह इस बात का संकेत था कि उन्हें श्री जेबेज़ विल्सन की मौजूदगी की अब कोई परवाह नहीं थी—दूसरे शब्दों में, उन्होंने अपनी सुरंग पूरी कर ली थी। लेकिन यह ज़रूरी था कि वे इसका जल्द से जल्द इस्तेमाल करें, क्योंकि इसका पता चल सकता था, या सोने को निकाला जा सकता था। शनिवार उनके लिए बाकी दिनों से बेहतर रहेगा, क्योंकि इससे उन्हें भागने के लिए दो दिन मिल जाएंगे। इन्हीं सब कारणों से मुझे उम्मीद थी कि वे आज रात आ जाएंगे।"

मैंने सच्ची प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, "आपने इसे बहुत खूबसूरती से समझाया है। यह इतनी लंबी श्रृंखला है, और फिर भी इसकी हर कड़ी सटीक बैठती है।"

"इसने मुझे ऊब से बचाया," उसने जम्हाई लेते हुए उत्तर दिया। "अफ़सोस! मुझे पहले से ही ऊब महसूस होने लगी है। मेरा जीवन जीवन की नीरसताओं से बचने के

एक लंबे प्रयास में व्यतीत हो रहा है। ये छोटी-मोटी समस्याएं मुझे ऐसा करने में मदद करती हैं।"

"और तुम इस जाति के हितैषी हो," मैंने कहा।

उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "खैर, शायद, आखिरकार, इसका कुछ न कुछ उपयोग तो है ही।" "जैसा कि गुस्ताव फ्लेबर्ट ने जॉर्ज सैंड को लिखा था, 'मनुष्य कुछ नहीं है - रचना ही सब कुछ है।'"

पहचान का एक मामला

"मेरे प्रिय मित्र," शर्लक होम्स ने बेकर स्ट्रीट स्थित अपने कमरे में आग के दोनों ओर बैठे हुए कहा, "जीवन मनुष्य के मन में बसी किसी भी कल्पना से कहीं अधिक विचित्र है। हम उन चीजों की कल्पना करने का साहस भी नहीं कर सकते जो वास्तव में जीवन के सामान्य घटनाक्रम मात्र हैं। यदि हम उस खिड़की से हाथ में हाथ डालकर बाहर उड़ सकें, इस विशाल शहर के ऊपर मंडरा सकें, धीरे से छतों को हटा सकें, और अंदर घटित हो रही विचित्र घटनाओं, विचित्र संयोगों, योजनाओं, परस्पर विरोधी उद्देश्यों, पीढ़ियों से चली आ रही घटनाओं की अद्भुत श्रृंखलाओं को देख सकें, जो सबसे अप्रत्याशित परिणामों की ओर ले जाती हैं, तो यह सभी कथाओं को, उनकी परंपराओं और पूर्वनिर्धारित निष्कर्षों के साथ, अत्यंत नीरस और निष्फल बना देगा।"

"फिर भी मुझे इस बात पर यकीन नहीं है," मैंने जवाब दिया। "अखबारों में जो मामले सामने आते हैं, वे आम तौर पर बेहद सीधे-सादे और भद्दे होते हैं। हमारी पुलिस रिपोर्टों में यथार्थवाद को चरम सीमा तक ले जाया जाता है, फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि इसका परिणाम न तो आकर्षक होता है और न ही कलात्मक।"

होम्स ने कहा, "यथार्थवादी प्रभाव पैदा करने के लिए एक निश्चित चयन और विवेक का प्रयोग करना आवश्यक है। पुलिस रिपोर्ट में इसकी कमी है, जहाँ शायद मजिस्ट्रेट के सतही कथनों पर विवरणों की तुलना में अधिक जोर दिया गया है, जबकि एक दर्शक के लिए उन विवरणों में ही पूरे मामले का सार समाहित होता है। यकीन मानिए, सामान्य बातों से ज्यादा अस्वाभाविक कुछ नहीं होता।"

मैं मुस्कुराया और सिर हिलाया। "मैं आपकी सोच को पूरी तरह समझ सकता हूँ," मैंने कहा। "बेशक, तीन महाद्वीपों में फैले हर उस व्यक्ति के अनौपचारिक सलाहकार और सहायक होने के नाते, जो पूरी तरह से उलझन में है, आपका सामना हर अजीब और विचित्र चीज़ से होता है। लेकिन यहाँ," — मैंने ज़मीन से सुबह का अखबार उठाया — "चलिए इसे व्यावहारिक रूप से परखते हैं। यह पहली हेडलाइन है जो मेरी नज़र में आई। 'पति द्वारा पत्नी पर क्रूरता।' आधे कॉलम में छपा है, लेकिन बिना पढ़े ही मुझे पता है कि यह सब मेरे लिए पूरी तरह से जाना-पहचाना है। इसमें, बेशक, दूसरी औरत, शराब, धक्का, मार, चोट, हमदर्द बहन या मकान मालकिन शामिल हैं। सबसे घटिया लेखक भी इससे ज़्यादा घटिया चीज़ नहीं गढ़ सकता।"

"सचमुच, आपका उदाहरण आपके तर्क के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है," होम्स ने कागज़ उठाते हुए और उस पर नज़र डालते हुए कहा। "यह डंडास की तलाक का मामला है, और संयोग से, मैं इससे जुड़े कुछ छोटे-मोटे मामलों को सुलझाने में लगा हुआ था। पति शराब नहीं पीता था, कोई दूसरी औरत नहीं थी, और शिकायत यह थी कि उसे हर भोजन के बाद अपने नकली दांत निकालकर पत्नी पर फेंकने की आदत पड़ गई थी, जो कि, आप मानेंगे, एक आम कहानीकार की कल्पना में आने वाली बात नहीं है। डॉक्टर, एक चुटकी तंबाकू लीजिए और मान लीजिए कि मैंने आपके उदाहरण में आपको मात दे दी है।"

उसने सोने की बनी अपनी पुरानी नसवार की डिब्बी आगे बढ़ाई, जिसके ढक्कन के बीचोंबीच एक बड़ा नीलम जड़ा हुआ था। उसकी भव्यता उसके सादे तौर-तरीकों और सरल जीवन से इतनी अलग थी कि मैं उस पर टिप्पणी किए बिना नहीं रह सका।

“अरे,” उसने कहा, “मैं भूल ही गया था कि आपसे कुछ हफ्तों से मुलाकात नहीं हुई थी। यह बोहेमिया के राजा की ओर से आइरीन एडलर के कागजात के मामले में मेरी सहायता के बदले में एक छोटा सा उपहार है।”

“और अंगूठी?” मैंने उसकी उंगली पर चमकती हुई एक अद्भुत अंगूठी पर नजर डालते हुए पूछा।

"यह हॉलैंड के शासक परिवार की ओर से था, हालांकि जिस मामले में मैंने उनकी सेवा की वह इतना संवेदनशील था कि मैं इसे आप लोगों को भी नहीं बता सकता, जिन्होंने मेरी एक-दो छोटी-मोटी समस्याओं का ब्योरा देने की कृपा की है।"

“और क्या अभी आपके पास कोई उपलब्ध है?” मैंने उत्सुकता से पूछा।

“लगभग दस-बारह मामले हैं, लेकिन उनमें से कोई भी दिलचस्प नहीं है। आप समझ रहे हैं, वे महत्वपूर्ण तो हैं, लेकिन रोचक नहीं। दरअसल, मैंने पाया है कि अक्सर महत्वहीन मामलों में ही अवलोकन और कारण-परिणाम के त्वरित विश्लेषण का अवसर मिलता है, जो किसी जांच को आकर्षक बनाता है। बड़े अपराध अक्सर सरल होते हैं, क्योंकि अपराध जितना बड़ा होता है, मकसद उतना ही स्पष्ट होता है। इन मामलों में, मार्सिले से मेरे पास आए एक जटिल मामले को छोड़कर, ऐसा कुछ भी नहीं है जो रोचक हो। हालांकि, यह संभव है कि कुछ ही मिनटों में मुझे कुछ बेहतर मिल जाए, क्योंकि यह मेरे ग्राहकों में से एक है, या फिर मैं बहुत गलत हूं।”

वह अपनी कुर्सी से उठकर खिड़की के पर्दों के बीच खड़े होकर लंदन की धुंधली, तटस्थ रंग वाली सड़क को निहार रहे थे। उनके कंधे के ऊपर से देखते हुए मैंने पाया कि सामने फुटपाथ पर एक भारी-भरकम महिला खड़ी थी, जिसके गले में फर का भारी सा बोआ लिपटा था और चौड़ी किनारी वाली टोपी में एक बड़ा सा घुमावदार लाल पंख लगा था, जो उनके कान पर डेवोनशायर की डचेस की तरह तिरछी थी। इस भव्य आवरण के नीचे से वह घबराई हुई, झिझकती हुई मुद्रा में हमारी खिड़कियों की ओर देख रही थी, जबकि उसका शरीर आगे-पीछे हिल रहा था और उसकी उंगलियां दस्तानों के बटनों से खेल रही थीं। अचानक, जैसे कोई तैराक किनारा छोड़कर छलांग लगाता है, वह तेजी से सड़क पार कर गई और हमें घंटी की तेज आवाज़ सुनाई दी।

“मैंने ये लक्षण पहले भी देखे हैं,” होम्स ने अपनी सिगरेट आग में फेंकते हुए कहा। “फुटपाथ पर कांपना हमेशा किसी प्रेम प्रसंग का संकेत होता है। वह सलाह लेना चाहती है, लेकिन उसे यकीन नहीं है कि मामला इतना नाजुक तो नहीं है कि इस पर खुलकर बात की जाए। फिर भी, यहां भी हम कुछ अंतर कर सकते हैं। जब किसी स्त्री को किसी पुरुष द्वारा गंभीर रूप से चोट पहुंचाई जाती है, तो वह कांपना बंद कर देती है, और आमतौर पर इसका लक्षण घंटी के तार का टूटना होता है। यहां हम मान सकते हैं कि कोई प्रेम प्रसंग है, लेकिन युवती गुस्से से ज़्यादा उलझन में या दुखी है। लेकिन यहां वह स्वयं आकर हमारे संदेह दूर करती है।”

जैसे ही वह बोल रहा था, दरवाजे पर दस्तक हुई और बटनों से सजे कपड़े पहने लड़का अंदर आया और उसने मिस मैरी सदरलैंड के आने की सूचना दी। स्वयं वह महिला उसके छोटे काले शरीर के पीछे ऐसे खड़ी थी मानो एक विशाल पाल वाला जहाज एक छोटी सी नाव के पीछे खड़ा हो। शर्लक होम्स ने अपनी विशिष्ट सहज विनम्रता के साथ उनका स्वागत किया और दरवाज़ा बंद करके उन्हें एक कुर्सी पर बैठाने के बाद, उन्होंने उन्हें अपने विशिष्ट सूक्ष्म और फिर भी भावविभोर अंदाज में देखा।

उन्होंने कहा, "क्या आपको नहीं लगता कि आपकी कमज़ोर नज़र के कारण इतना ज़्यादा टाइप करना थोड़ा मुश्किल होता है?"

"पहले तो मुझे पता था," उसने जवाब दिया, "लेकिन अब मैं बिना देखे ही जानती हूँ कि चिट्ठियाँ कहाँ हैं।" फिर, अचानक उसके शब्दों का पूरा अर्थ समझते हुए, वह चौंक उठी और डर और हैरानी से अपने चौड़े, हंसमुख चेहरे की ओर देखा। "आपने मेरे बारे में सुना है, मिस्टर होम्स," वह चिल्लाई, "वरना आपको यह सब कैसे पता होता?"

"कोई बात नहीं," होम्स ने हंसते हुए कहा; "चीजों को जानना मेरा काम है। शायद मैंने खुद को इस काबिल बना लिया है कि मैं वो देख पाता हूं जो दूसरे नज़रअंदाज़ कर देते हैं। अगर ऐसा नहीं है, तो आप मुझसे सलाह लेने क्यों आए?"

"मैं आपके पास इसलिए आई हूं, महोदय, क्योंकि मैंने श्रीमती एथरेज से आपके बारे में सुना था, जिनके पति को आपने तब बड़ी आसानी से पकड़ लिया था जब पुलिस और सभी ने उन्हें मृत मान लिया था। ओह, श्री होम्स, काश आप मेरे लिए भी इतना ही कर देते। मैं अमीर नहीं हूं, लेकिन फिर भी मेरी अपनी सालाना आमदनी सौ डॉलर है, मशीन से होने वाली थोड़ी-बहुत कमाई के अलावा, और मैं यह सब कुछ देने को तैयार हूं यह जानने के लिए कि श्री होस्मर एंजेल का क्या हुआ।"

"तुम इतनी जल्दी में मुझसे सलाह लेने क्यों आए?" शर्लक होम्स ने अपनी उंगलियों को आपस में जोड़कर और अपनी निगाहें छत की ओर रखते हुए पूछा।

मिस मैरी सदरलैंड के कुछ भावहीन चेहरे पर फिर से हैरानी का भाव आ गया। उन्होंने कहा, "हां, मैं घर से भाग निकली थी, क्योंकि मुझे यह देखकर बहुत गुस्सा आया कि मिस्टर विंडीबैंक - यानी मेरे पिता - ने कितनी आसानी से सब कुछ सह लिया। वह न तो पुलिस के पास गए, न ही आपके पास, और अंत में, जब उन्होंने कुछ नहीं किया और यही कहते रहे कि कोई नुकसान नहीं हुआ है, तो मुझे बहुत गुस्सा आया, और मैं अपना सामान लेकर सीधे आपके पास आ गई।"

होम्स ने कहा, "तुम्हारे पिता, निश्चित रूप से तुम्हारे सौतेले पिता, क्योंकि नाम अलग है।"

"हां, मेरे सौतेले पिता। मैं उन्हें पिता कहता हूं, हालांकि यह थोड़ा अजीब लगता है, क्योंकि वह मुझसे केवल पांच साल और दो महीने बड़े हैं।"

और आपकी मां जीवित हैं?

"ओह, जी हाँ, माँ जीवित और स्वस्थ हैं। श्रीमान होम्स, मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगा था जब उन्होंने पिताजी की मृत्यु के तुरंत बाद दोबारा शादी कर ली, और वो भी ऐसे व्यक्ति से जो उनसे लगभग पंद्रह साल छोटा था। पिताजी टोटेनहम कोर्ट रोड में प्लंबर का काम करते थे और उन्होंने एक अच्छा-खासा कारोबार छोड़ा था, जिसे माँ ने फोरमैन श्री हार्डी के साथ मिलकर चलाया; लेकिन जब श्री विंडीबैंक आए तो उन्होंने माँ को कारोबार बेचने के लिए मजबूर कर दिया, क्योंकि वे शराब के व्यापारी होने के नाते खुद को बहुत श्रेष्ठ समझते थे। उन्हें सद्भावना और ब्याज के लिए 4700 पाउंड मिले, जो पिताजी को जीवित रहते तो मिलने वाली राशि के मुकाबले बहुत कम थे।"

मुझे उम्मीद थी कि इस बेतरतीब और महत्वहीन कहानी से शर्लक होम्स अधीर हो जाएंगे, लेकिन इसके विपरीत उन्होंने अत्यंत एकाग्रता से सुना।

उन्होंने पूछा, "आपकी अपनी थोड़ी-बहुत आमदनी, क्या वह कारोबार से आती है?"

"ओह, नहीं महोदय। यह बिल्कुल अलग है और मेरे चाचा नेड ने ऑकलैंड में मेरे लिए छोड़ा था। यह न्यूजीलैंड के शेयर हैं, जिन पर साढ़े चार प्रतिशत ब्याज मिलता है। राशि ढाई हजार पाउंड थी, लेकिन मैं केवल ब्याज ही ले सकता हूं।"

“आपमें मेरी बेहद दिलचस्पी है,” होम्स ने कहा। “और चूंकि आप सालाना सौ पाउंड जैसी बड़ी रकम कमाती हैं, साथ ही अपनी अतिरिक्त कमाई भी करती हैं, तो आप निश्चित रूप से थोड़ा-बहुत यात्रा करती होंगी और हर तरह से मौज-मस्ती करती होंगी। मेरा मानना है कि एक अविवाहित महिला लगभग 60 पाउंड की आय पर भी आराम से जीवन यापन कर सकती है।”

“मिस्टर होम्स, मुझे इससे बहुत कम में भी काम चल सकता है, लेकिन आप समझते हैं कि जब तक मैं घर पर रहती हूँ, मैं उन पर बोझ नहीं बनना चाहती, इसलिए जब तक मैं उनके साथ रह रही हूँ, तब तक वे इस पैसे का इस्तेमाल कर सकते हैं। बेशक, यह सिर्फ कुछ समय के लिए ही है। मिस्टर विंडीबैंक हर तीन महीने में मेरा ब्याज निकालते हैं और माँ को दे देते हैं, और मुझे लगता है कि टाइपिंग से जो कमाई होती है, उससे मेरा गुज़ारा ठीक-ठाक हो जाता है। मुझे एक पन्ने के दो पेंस मिलते हैं, और मैं अक्सर एक दिन में पंद्रह से बीस पन्ने टाइप कर लेती हूँ।”

“आपने अपनी स्थिति मेरे सामने स्पष्ट कर दी है,” होम्स ने कहा। “ये मेरे मित्र डॉ. वॉटसन हैं, जिनके सामने आप मुझसे जितनी ही निश्चिंत होकर बोल सकते हैं। कृपया अब हमें श्री हॉस्मर एंजेल के साथ अपने संबंध के बारे में विस्तार से बताएं।”

मिस सदरलैंड के चेहरे पर लाली छा गई और वह घबराहट में अपनी जैकेट के किनारे को कुरेदने लगी। उन्होंने कहा, “मैं उनसे पहली बार गैस फिटरों के बॉल में मिली थी। पिताजी के जीवित रहते वे टिकट भेजते थे, और बाद में उन्हें हमारी याद आई और उन्होंने माँ को टिकट भेज दिए। मिस्टर विंडीबैंक नहीं चाहते थे कि हम जाएँ। वह कभी नहीं चाहते थे कि हम कहीं जाएँ। अगर मैं संडे स्कूल की किसी पार्टी में भी जाना चाहती, तो वह बहुत गुस्सा हो जाते थे। लेकिन इस बार मैं जाने के लिए दृढ़ थी, और मैं जाऊंगी; आखिर उन्हें रोकने का क्या अधिकार था? उन्होंने कहा कि वे लोग हमारे लिए ठीक नहीं हैं, जबकि पिताजी के सभी दोस्त वहाँ आने वाले थे। और उन्होंने कहा कि मेरे पास पहनने के लिए कुछ भी ठीक नहीं है, जबकि मेरे पास वह बैंगनी मखमली जैकेट थी जिसे मैंने कभी दराज से बाहर तक नहीं निकाला था। आखिरकार, जब कोई और विकल्प नहीं बचा, तो वह कंपनी के काम से फ्रांस चले गए, लेकिन हम, माँ और मैं, मिस्टर हार्डी के साथ गए, जो हमारे फोरमैन हुआ करते थे, और वहीं मेरी मुलाकात मिस्टर होस्मर एंजेल से हुई।”

होम्स ने कहा, "मुझे लगता है कि जब मिस्टर विंडीबैंक फ्रांस से वापस आए तो वे आपके बॉल में जाने से बहुत नाराज हुए होंगे।"

"खैर, वह इस बारे में बहुत अच्छे थे। मुझे याद है, वह हँसे, कंधे उचकाए और कहा कि किसी महिला को किसी भी बात के लिए मना करने का कोई फायदा नहीं है, क्योंकि वह अपनी बात मनवा ही लेगी।"

“मैं समझ गया। तो फिर गैस फिटरों के बॉल में, जैसा कि मुझे पता चला, आपकी मुलाकात श्री होस्मर एंजेल नामक एक सज्जन से हुई।”

"जी हाँ, महोदय। मैं उनसे उस रात मिला था, और उन्होंने अगले दिन यह पूछने के लिए फोन किया कि क्या हम सब सुरक्षित घर पहुँच गए हैं, और उसके बाद हम उनसे मिले - यानी श्री होम्स से, मैं उनसे दो बार सैर के लिए मिला, लेकिन उसके बाद पिताजी वापस आ गए, और श्री होस्मर एंजेल अब घर नहीं आ सकते थे।"

"नहीं?"

“खैर, आपको पता ही है कि पिताजी को इस तरह की कोई भी बात पसंद नहीं थी। अगर मुमकिन होता तो वो किसी को भी अपने घर आने नहीं देते थे, और वो कहते थे कि एक औरत को अपने परिवार के दायरे में ही खुश रहना चाहिए। लेकिन फिर, जैसा

कि मैं माँ से कहा करती थी, एक औरत को शुरू से ही अपना दायरा चाहिए होता है, और मेरा तो अभी तक बना ही नहीं था।"

लेकिन श्री होस्मर एंजेल के बारे में क्या? क्या उन्होंने आपसे मिलने की कोई कोशिश नहीं की?

"खैर, पिताजी एक हफ्ते में फिर से फ्रांस जा रहे थे, और होस्मर ने लिखकर कहा कि उनके जाने तक एक-दूसरे से न मिलना ही बेहतर होगा। इस बीच हम चिट्ठियाँ लिख सकते थे, और वह हर दिन लिखते थे। मैं सुबह चिट्ठियाँ ले आती थी, इसलिए पिताजी को पता चलने की कोई ज़रूरत नहीं थी।"

"क्या उस समय आपकी उस सज्जन से सगाई हो चुकी थी?"

"ओह, जी हाँ, मिस्टर होम्स। हमारी पहली सैर के बाद ही हमारी सगाई हो गई थी। होस्मर — मिस्टर एंजेल — लीडेनहॉल स्ट्रीट के एक दफ्तर में कैशियर थे — और —"

"कौन सा कार्यालय?"

"यही सबसे बुरी बात है, मिस्टर होम्स, मुझे नहीं पता।"

"तो फिर वह कहाँ रहता था?"

वह परिसर में ही सोया था।

"और आपको उसका पता नहीं पता?"

"नहीं— सिवाय इसके कि वह लीडेनहॉल स्ट्रीट थी।"

तो फिर आप अपने पत्र किसे संबोधित करते थे?

"लीडेनहॉल स्ट्रीट डाकघर में, जब तक कोई लेने न आए तब तक वहीं छोड़ देना। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें दफ्तर भेजा गया तो बाकी सभी क्लर्क उन्हें एक महिला का पत्र भेजने के लिए ताने मारेंगे, इसलिए मैंने उन्हें टाइप करने की पेशकश की, जैसे वे अपने पत्र टाइप करते थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया, क्योंकि उन्होंने कहा कि जब मैं उन्हें लिखती हूँ तो वे मेरे द्वारा लिखे हुए लगते हैं, लेकिन जब वे टाइप किए हुए होते हैं तो उन्हें हमेशा लगता है कि मशीन ने हमारे बीच दखल दिया है। इससे आपको पता चल जाएगा कि वे मुझसे कितना प्यार करते थे, मिस्टर होम्स, और छोटी-छोटी बातों का कितना ख्याल रखते थे।"

"यह बहुत ही विचारोत्तेजक था," होम्स ने कहा। "यह मेरा हमेशा से एक सिद्धांत रहा है कि छोटी-छोटी बातें ही सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती हैं। क्या आपको श्री होस्मर एंजेल के बारे में कोई और छोटी-छोटी बातें याद हैं?"

"श्री होम्स, वे बहुत शर्मीले इंसान थे। वे दिन के उजाले के बजाय शाम को मेरे साथ चलना पसंद करते थे, क्योंकि उनका कहना था कि उन्हें लोगों की नज़र में आना पसंद नहीं था। वे बहुत ही शांत और सज्जन स्वभाव के थे। उनकी आवाज़ भी कोमल थी। उन्होंने मुझे बताया कि बचपन में उन्हें टॉन्सिलाइटिस और सूजी हुई ग्रंथियां हो गई थीं, जिसके कारण उनका गला कमज़ोर हो गया था और वे हिचकिचाते हुए, फुसफुसाते हुए बोलते थे। वे हमेशा अच्छे कपड़े पहनते थे, एकदम साफ-सुथरे और सादे, लेकिन उनकी आंखें मेरी तरह ही कमज़ोर थीं, इसलिए वे तेज़ धूप से बचने के लिए रंगीन चश्मा लगाते थे।"

"अच्छा, और जब आपके सौतेले पिता श्री विंडीबैंक फ्रांस लौटे तो क्या हुआ?"

श्री होस्मर एंजेल फिर से घर आए और उन्होंने प्रस्ताव रखा कि पिताजी के लौटने से पहले हमारी शादी हो जाए। वे बेहद गंभीर थे और उन्होंने वसीयत पर हाथ रखकर मुझसे शपथ दिलवाई कि चाहे कुछ भी हो जाए, मैं हमेशा उनके प्रति वफ़ादार रहूंगी। माँ ने कहा कि मुझसे शपथ दिलवाना बिल्कुल सही था, और यह उनके प्रेम का प्रतीक था। माँ शुरू से ही उनकी पक्षधर थीं और मुझसे भी ज़्यादा उन्हें प्यार करती थीं। फिर, जब उन्होंने एक हफ्ते के भीतर शादी करने की बात की, तो मैंने पिताजी के बारे में

पूछना शुरू किया; लेकिन दोनों ने कहा कि पिताजी की चिंता न करो, बस उन्हें बाद में बता देना, और माँ ने कहा कि वह सब ठीक कर देगी। मुझे यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई, श्री होम्स। मुझे यह अजीब लगा कि मैं उनसे अनुमति मांग रही थी, क्योंकि वे मुझसे कुछ ही साल बड़े थे; लेकिन मैं कुछ भी छुपकर नहीं करना चाहती थी, इसलिए मैंने बोर्डो में पिताजी को पत्र लिखा, जहाँ कंपनी का फ्रांसीसी कार्यालय है, लेकिन वह पत्र शादी की सुबह ही मेरे पास वापस आ गया।

"तो फिर, गेंद उसे नहीं लगी?"

जी हां, महोदय; क्योंकि वह इसके आने से ठीक पहले इंग्लैंड के लिए रवाना हो चुका था।

"हा! यह तो दुर्भाग्यपूर्ण था। आपकी शादी तो शुक्रवार को तय हुई थी। क्या वह चर्च में होनी थी?"

जी हाँ, महोदय, लेकिन बहुत ही चुपके से। कार्यक्रम सेंट सेवियर चर्च में होना था, जो किंग्स क्रॉस के पास है, और उसके बाद हमें सेंट पैनक्रास होटल में नाश्ता करना था। होस्मर हमें लेने के लिए एक हैंसम गाड़ी में आया, लेकिन हम दो लोग थे, इसलिए उसने हम दोनों को उसमें बिठाया और खुद एक चार पहिया वाहन में बैठ गया, जो संयोग से उस गली में मौजूद एकमात्र दूसरी टैक्सी थी। हम चर्च सबसे पहले पहुंच गए, और जब चार पहिया वाहन वहाँ पहुँचा तो हम उसके उतरने का इंतज़ार करने लगे, लेकिन वह उतरा ही नहीं, और जब टैक्सी ड्राइवर ने गाड़ी से उतरकर देखा तो वहाँ कोई नहीं था! टैक्सी ड्राइवर ने कहा कि वह समझ नहीं पा रहा है कि उसका क्या हुआ, क्योंकि उसने उसे अपनी आँखों से गाड़ी में बैठते देखा था। यह पिछले शुक्रवार की बात है, श्री होम्स, और तब से मैंने उसके बारे में कुछ भी न तो देखा है और न ही सुना है जिससे उसके बारे में कुछ पता चल सके।

"मुझे लगता है कि आपके साथ बहुत ही शर्मनाक व्यवहार किया गया है," होम्स ने कहा।

"ओह, नहीं, श्रीमान! वह इतने अच्छे और दयालु थे कि मुझे ऐसे छोड़कर नहीं जा सकते थे। अरे, सुबह से ही वह मुझसे यही कह रहे थे कि चाहे कुछ भी हो जाए, मुझे उनके प्रति वफादार रहना है; और अगर कोई अप्रत्याशित घटना भी घट जाए और हम अलग हो जाएं, तो भी मुझे हमेशा याद रखना है कि मैं उनसे बंधी हुई हूं, और वह अपना वादा कभी न कभी जरूर निभाएंगे। शादी की सुबह के लिए ये बातें थोड़ी अजीब लग रही थीं, लेकिन उसके बाद जो हुआ उससे इसका अर्थ समझ में आता है।"

"बिल्कुल ऐसा ही है। तो क्या आपकी राय यह है कि उसके साथ कोई अप्रत्याशित विपत्ति घटित हुई है?"

जी हाँ, महोदय। मेरा मानना है कि उन्होंने किसी खतरे को भांप लिया था, वरना वे ऐसा न कहते। और फिर मुझे लगता है कि जो उन्होंने भांप लिया था वही हुआ।

"लेकिन आपको इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि यह क्या हो सकता था?"

"कोई नहीं।"

"एक और सवाल। आपकी माँ ने इस मामले पर कैसी प्रतिक्रिया दी?"

वह गुस्से में थी और उसने कहा कि मैं इस मामले के बारे में फिर कभी बात न करूं।

और तुम्हारे पिता? क्या तुमने उन्हें बताया?

"हां; और ऐसा लग रहा था कि वह भी मेरी तरह यही सोच रहा था कि कुछ हुआ है और मुझे होस्मर के बारे में फिर से खबर मिलेगी। जैसा कि उसने कहा, मुझे चर्च के दरवाज़े तक लाकर फिर वहीं छोड़ देने में किसी को क्या दिलचस्पी हो सकती है? अगर उसने मुझसे पैसे उधार लिए होते, या मुझसे शादी करके मेरे सारे पैसे अपने नाम करवा

लिए होते, तो शायद कोई वजह हो सकती थी, लेकिन होस्मर पैसों के मामले में बहुत ही बेपरवाह था और मेरे एक पैसे की तरफ देखता भी नहीं था। फिर भी, आखिर हुआ क्या होगा? और वह मुझे लिख क्यों नहीं पाया? ओह, ये सब सोचकर मैं लगभग पागल हो जाती हूँ और रात को एक पल भी सो नहीं पाती।" उसने अपने मफ से एक छोटा सा रूमाल निकाला और उसमें सिसकियाँ लेने लगी।

"मैं आपके लिए इस मामले पर एक नज़र डालूंगा," होम्स उठते हुए बोले, "और मुझे पूरा विश्वास है कि हम किसी ठोस नतीजे पर पहुँचेंगे। अब इस मामले की ज़िम्मेदारी मुझ पर है, और आप इस पर ज़्यादा ध्यान न दें। सबसे बढ़कर, श्री होस्मर एंजेल को अपनी यादों से मिटाने की कोशिश करें, जैसे वह आपके जीवन से मिट गए हैं।"

तो फिर आपको नहीं लगता कि मैं उसे दोबारा देख पाऊँगी?

मुझे डर नहीं है।

"तो फिर उसके साथ क्या हुआ?"

"आप यह सवाल मेरे ऊपर छोड़ दीजिए। मुझे उनका सटीक विवरण और उनके कोई भी पत्र चाहिए जो आप मुझे दे सकें।"

उन्होंने कहा, "मैंने पिछले शनिवार के क्रॉनिकल अखबार में उनके लिए विज्ञापन दिया था। यह रही पर्ची और ये रहे उनके चार पत्र।"

"धन्यवाद। और आपका पता?"

"नंबर 31 लियोन प्लेस, कैम्बरवेल।"

"मुझे लगता है कि आपके पास मिस्टर एंजेल का पता कभी नहीं था। आपके पिता का व्यवसाय स्थल कहाँ है?"

"वह फेनचर्च स्ट्रीट के महान क्लारेट आयातकों, वेस्थहाउस एंड मारबैंक के लिए यात्रा करते हैं।"

"धन्यवाद। आपने अपना बयान बहुत स्पष्ट रूप से दिया है। आप कागज़ात यहीं छोड़ दें, और मेरी दी हुई सलाह को याद रखें। इस पूरी घटना को गुप्त रखें, और इसे अपने जीवन पर असर न पड़ने दें।"

"आप बहुत दयालु हैं, श्रीमान होम्स, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता। मैं होस्मर के प्रति वफादार रहूंगा। जब वह वापस आएगा तो वह मुझे तैयार पाएगा।"

उस अजीबोगरीब टोपी और भावहीन चेहरे के बावजूद, हमारी आगंतुक के सरल विश्वास में कुछ ऐसा महान भाव था जिसने हमें सम्मान के लिए बाध्य किया। उसने कागजों का अपना छोटा सा बंडल मेज पर रखा और यह वादा करके चली गई कि जब भी उसे बुलाया जाएगा वह फिर आएगी।

शर्लक होम्स कुछ मिनटों तक चुपचाप बैठे रहे, उनकी उंगलियां आपस में दबी हुई थीं, पैर आगे की ओर फैले हुए थे और उनकी निगाहें छत की ओर टिकी हुई थीं। फिर उन्होंने रैक से पुरानी और तेल लगी मिट्टी की पाइप उतारी, जो उनके लिए एक सलाहकार की तरह थी, और उसे जलाकर वे कुर्सी पर पीछे झुक गए, उनके चारों ओर से नीले बादलों जैसी घनी लपटें उठ रही थीं और उनके चेहरे पर असीम उदासी छाई हुई थी।

"उस युवती का अध्ययन काफी रोचक था," उन्होंने कहा। "मुझे उसकी समस्या से कहीं अधिक वह खुद रोचक लगी, जो कि वैसे तो काफी घिसी-पिटी है। अगर आप मेरी सूची देखेंगे तो आपको इससे मिलते-जुलते मामले मिलेंगे, जैसे 1977 में एंडोवर में और पिछले साल हेग में भी कुछ ऐसा ही मामला था। हालांकि यह विचार पुराना है, फिर भी इसमें एक-दो बातें मेरे लिए नई थीं। लेकिन खुद युवती का मामला बहुत शिक्षाप्रद था।"

मैंने टिप्पणी की, "ऐसा प्रतीत होता है कि आपने उसके बारे में बहुत कुछ पढ़ा है जो मुझे बिल्कुल भी दिखाई नहीं दिया।"

"अदृश्य तो नहीं, लेकिन अनदेखा रह गया, वॉटसन। तुम्हें पता ही नहीं था कि कहाँ देखना है, इसलिए तुमने सारी महत्वपूर्ण बातें नज़रअंदाज़ कर दीं। मैं तुम्हें कभी भी आस्तीनों का महत्व, नाखूनों की इश्कबाज़ी या जूते के फीते से जुड़े बड़े मुद्दों का एहसास नहीं करा सकता। अब, उस महिला के रूप-रंग से तुमने क्या समझा? उसका वर्णन करो।"

“खैर, उसके सिर पर स्लेटी रंग की, चौड़ी किनारी वाली भूसे की टोपी थी, जिस पर ईंट जैसे लाल रंग का एक पंख लगा था। उसकी जैकेट काली थी, जिस पर काले मोती सिले हुए थे और छोटे-छोटे काले जेट के आभूषणों की झालर लगी थी। उसकी पोशाक भूरे रंग की थी, जो कॉफी के रंग से थोड़ी गहरी थी, और गले और आस्तीनों पर थोड़ा बैंगनी मखमल लगा हुआ था। उसके दस्ताने भूरे रंग के थे और दाहिनी तर्जनी उंगली पर घिसे हुए थे। मैंने उसके जूते नहीं देखे। उसने छोटे गोल, लटकते हुए सोने के झुमके पहने थे, और कुल मिलाकर वह एक साधारण, आरामदायक और सहज तरीके से काफी संपन्न लग रही थी।”

शर्लक होम्स ने धीरे से ताली बजाई और मुस्कुराया।

“वाह, वॉटसन, तुम कमाल कर रहे हो। तुमने वाकई बहुत अच्छा किया है। यह सच है कि तुमने कुछ महत्वपूर्ण चीज़ें छोड़ दी हैं, लेकिन तुमने तरीका पकड़ लिया है, और रंगों को पहचानने की तुम्हारी नज़र बहुत तेज़ है। मेरे बच्चे, सतही धारणाओं पर कभी भरोसा मत करो, बल्कि बारीकियों पर ध्यान दो। मेरी पहली नज़र हमेशा औरत की आस्तीन पर पड़ती है। आदमी में शायद पहले पतलून के घुटने को देखना बेहतर होता है। जैसा कि तुमने देखा, इस औरत की आस्तीनों पर मखमल लगा था, जो निशान दिखाने के लिए बहुत उपयोगी सामग्री है। कलाई से थोड़ा ऊपर, जहाँ टाइपिस्ट मेज पर दबाव डालता है, वहाँ की दोहरी रेखा बहुत स्पष्ट थी। हाथ से टाइप की जाने वाली सिलाई मशीन भी ऐसा ही निशान छोड़ती है, लेकिन केवल बाएँ हाथ पर, और अंगूठे से सबसे दूर वाले हिस्से पर, न कि पूरे चौड़े हिस्से पर, जैसा कि यहाँ था। फिर मैंने उसके चेहरे पर नज़र डाली, और उसकी नाक के दोनों ओर चश्मे के निशान को देखकर, मैंने कमज़ोर नज़र और टाइपिंग पर एक टिप्पणी की, जिससे वह हैरान हो गई।”

"इससे मैं आश्चर्यचकित हुआ।"

“लेकिन, यह तो स्पष्ट ही था। मैंने नीचे देखकर बहुत आश्चर्य और उत्सुकता महसूस की कि हालाँकि उसने जो जूते पहने थे, वे एक जैसे तो थे, लेकिन वास्तव में अलग-अलग थे; एक के आगे का हिस्सा थोड़ा सजा हुआ था, और दूसरे का सादा। एक के पाँच में से केवल नीचे के दो बटन ही बंद थे, और दूसरे के पहले, तीसरे और पाँचवें बटन ही खुले थे। अब, जब आप देखते हैं कि एक युवती, जो वैसे तो साफ-सुथरे कपड़े पहने हुए है, आधे-अधूरे बटन वाले अजीब जूते पहनकर घर से निकली है, तो यह कहना कोई बड़ी बात नहीं है कि वह जल्दी में निकली होगी।”

“और क्या?” मैंने पूछा, हमेशा की तरह अपने दोस्त के तीक्ष्ण तर्क में गहरी दिलचस्पी लेते हुए।

मैंने यूं ही गौर किया कि घर से निकलने से पहले, पूरे कपड़े पहनने के बाद, उसने एक नोट लिखा था। आपने देखा कि उसका दाहिना दस्ताना तर्जनी उंगली पर फटा हुआ था, लेकिन आपने शायद यह नहीं देखा कि दस्ताना और उंगली दोनों बैंगनी स्याही से सने हुए थे। उसने जल्दबाजी में लिखा था और कलम को स्याही में बहुत गहराई तक डुबो दिया था। यह आज सुबह ही हुआ होगा, वरना उंगली पर निशान साफ नहीं रहता। यह सब मजेदार है, हालांकि थोड़ा साधारण है, लेकिन मुझे काम पर वापस जाना होगा, वॉटसन। क्या आप मुझे श्री होस्मर एंजेल का विज्ञापन में दिया गया विवरण पढ़कर सुना सकते हैं?

मैंने उस छोटी सी छपी हुई पर्ची को प्रकाश में देखा।

“चौदह तारीख की सुबह एक सज्जन, होस्मर एंजेल, लापता हैं। उनकी लंबाई लगभग पाँच फुट सात इंच है; वे हट्टे-कट्टे हैं, उनका रंग पीला है, उनके बाल काले हैं, बीच में थोड़े से बाल कम हैं, घनी काली साइड-विस्कर्स और मूंछें हैं; वे रंगीन चश्मा पहनते हैं, और उन्हें बोलने में थोड़ी दिक्कत है। आखिरी बार जब उन्हें देखा गया था, तब उन्होंने रेशम से सजी काली फ्रॉक-कोट, काली वेस्टकोट, सोने की अल्बर्ट चेन और भूरे रंग की हैरिस ट्वीड पतलून पहनी हुई थीं, साथ ही इलास्टिक वाले बूटों के ऊपर भूरे रंग के गैटर भी पहने थे। वे लीडेनहॉल स्ट्रीट के एक कार्यालय में कार्यरत थे। कोई भी उन्हें लाए तो—”

“बस इतना ही काफी है,” होम्स ने कहा। “जहाँ तक पत्रों की बात है,” उन्होंने उन पर नज़र डालते हुए आगे कहा, “वे बहुत ही सामान्य हैं। उनमें मिस्टर एंजेल के बारे में कोई सुराग नहीं है, सिवाय इसके कि उन्होंने एक बार बाल्ज़ाक को उद्धृत किया है। हालाँकि, एक उल्लेखनीय बात है, जो निश्चित रूप से आपको चौंका देगी।”

मैंने टिप्पणी की, "ये टाइप किए हुए हैं।"

“इतना ही नहीं, हस्ताक्षर टाइप किए हुए हैं। नीचे लिखे छोटे से ‘होस्मर एंजेल’ को देखिए। आप देख सकते हैं कि इसमें तारीख तो है, लेकिन लीडेनहॉल स्ट्रीट के अलावा कोई और नाम नहीं है, जो कि अस्पष्ट है। हस्ताक्षर के बारे में यह बात बहुत ही संकेत देती है – वास्तव में, हम इसे निर्णायक कह सकते हैं।”

"किस?"

"मेरे प्रिय मित्र, क्या यह संभव है कि आप यह नहीं देख पा रहे हैं कि इसका मामले पर कितना गहरा प्रभाव पड़ता है?"

"मैं यह नहीं कह सकता कि मैंने ऐसा किया है, सिवाय इसके कि यदि वादा तोड़ने के लिए कोई मुकदमा दायर किया जाता है तो वह अपने हस्ताक्षर से इनकार करना चाहता हो।"

“नहीं, बात वो नहीं थी। खैर, मैं दो पत्र लिखूंगा, जिनसे मामला सुलझ जाना चाहिए। एक पत्र शहर की एक कंपनी को है, और दूसरा पत्र उस युवती के सौतेले पिता, श्री विंडीबैंक को, जिसमें मैं उनसे पूछूंगा कि क्या वे कल शाम छह बजे हमसे यहाँ मिल सकते हैं। बेहतर होगा कि हम पुरुष रिश्तेदारों से ही काम निपटा लें। और अब, डॉक्टर साहब, जब तक उन पत्रों का जवाब नहीं आता, हम कुछ नहीं कर सकते, इसलिए फिलहाल हम अपनी इस छोटी सी समस्या को कुछ समय के लिए टाल देते हैं।”

मुझे अपने मित्र की तर्कशक्ति और असाधारण ऊर्जा पर इतना विश्वास था कि मुझे लगा कि जिस सहज और आत्मविश्वासपूर्ण व्यवहार से उन्होंने उस विलक्षण रहस्य को सुलझाने का प्रयास किया, उसके पीछे उनके पास कोई ठोस कारण अवश्य होगा। केवल एक बार ही मैंने उन्हें असफल होते देखा था, बोहेमिया के राजा और आइरीन एडलर की तस्वीर के मामले में; लेकिन जब मैंने 'चार का चिन्ह' के विचित्र मामले और 'स्कार्लेट में एक अध्ययन' से जुड़ी असाधारण परिस्थितियों पर गौर किया, तो मुझे लगा कि यह वास्तव में एक जटिल पहेली होगी जिसे वे सुलझा नहीं पाएंगे।

मैंने उसे वहीं छोड़ दिया, वह अभी भी अपनी काली मिट्टी की पाइप से कश ले रहा था, इस विश्वास के साथ कि जब मैं अगली शाम को फिर आऊंगा तो मुझे उसके हाथों में वे सभी सुराग मिलेंगे जो मिस मैरी सदरलैंड के लापता दूल्हे की पहचान तक ले जाएंगे।

उस समय एक बेहद गंभीर पेशेवर मामले में मेरी दिलचस्पी थी, और अगले पूरे दिन मैं पीड़ित के बिस्तर के पास ही व्यस्त रहा। शाम छह बजे के करीब ही मुझे फुर्सत मिली और मैं एक गाड़ी में बैठकर बेकर स्ट्रीट के लिए रवाना हो सका, इस डर से कि कहीं मैं उस छोटे से रहस्य के अंत तक पहुंचने में देर न कर दूं। लेकिन वहाँ मुझे शर्लक

होम्स अकेले, अधमरे, अपनी कुर्सी के कोने में सिमटे हुए मिले। बोतलों और टेस्ट-ट्यूबों का विशाल संग्रह, और हाइड्रोक्लोरिक एसिड की तीखी, साफ गंध से मुझे पता चला कि उन्होंने अपना पूरा दिन उस रासायनिक कार्य में बिताया था जो उन्हें बेहद प्रिय था।

"तो, क्या आपने इसे हल कर लिया?" मैंने अंदर आते ही पूछा।

“हां। यह बैराइटा का बाइसल्फेट था।”

“नहीं, नहीं, रहस्य!” मैं चिल्लाई।

“अरे वाह! मुझे उस नमक की याद आ गई जिस पर मैं काम कर रहा था। इस मामले में कभी कोई रहस्य नहीं था, हालांकि, जैसा कि मैंने कल कहा था, कुछ विवरण दिलचस्प हैं। एकमात्र कमी यह है कि मुझे डर है कि ऐसा कोई कानून नहीं है जो उस बदमाश को सजा दे सके।”

"तो वह कौन था, और मिस सदरलैंड को छोड़ने के पीछे उसका क्या उद्देश्य था?"

मेरे मुंह से सवाल निकला ही था कि होम्स ने जवाब देने के लिए अपने होंठ खोले भी नहीं थे कि हमें गलियारे में भारी कदमों की आहट और दरवाज़े पर दस्तक सुनाई दी।

“ये लड़की के सौतेले पिता, श्री जेम्स विंडीबैंक हैं,” होम्स ने कहा। “उन्होंने मुझे पत्र लिखकर बताया है कि वे छह बजे यहाँ होंगे। अंदर आइए!”

अंदर आने वाला व्यक्ति हट्टा-कट्टा, मध्यम कद का, लगभग तीस वर्ष का, दाढ़ी-मूंछ साफ किए हुए, पीली त्वचा वाला, सौम्य और व्यंग्यात्मक व्यवहार वाला था, और उसकी भूरी आँखें बेहद तीक्ष्ण और भेदक थीं। उसने हममें से प्रत्येक पर प्रश्नवाचक दृष्टि डाली, अपनी चमकदार टोपी साइडबोर्ड पर रखी, और थोड़ा झुककर पास की कुर्सी पर बैठ गया।

“शुभ संध्या, श्रीमान जेम्स विंडीबैंक,” होम्स ने कहा। “मुझे लगता है कि यह टाइप किया हुआ पत्र आपका है, जिसमें आपने मुझसे शाम छह बजे मिलने का समय तय किया है?”

"जी जनाब। मुझे खेद है कि मुझे थोड़ी देर हो गई, लेकिन आप जानते हैं कि मैं पूरी तरह से अपनी मर्जी पर नहीं चलती। मुझे खेद है कि मिस सदरलैंड ने इस छोटी सी बात को लेकर आपको परेशान किया, क्योंकि मुझे लगता है कि इस तरह के कपड़े सार्वजनिक रूप से धोना ठीक नहीं है। उनका आना मेरी इच्छा के विरुद्ध था, लेकिन जैसा कि आपने शायद देखा होगा, वह बहुत ही उत्तेजित और जल्दबाज़ लड़की है, और जब वह किसी बात पर मन बना लेती है तो उन्हें नियंत्रित करना आसान नहीं होता। बेशक, मुझे आपकी इतनी परवाह नहीं थी, क्योंकि आप आधिकारिक पुलिस से जुड़े नहीं हैं, लेकिन इस तरह की पारिवारिक विपत्ति का सार्वजनिक रूप से प्रचार होना अच्छा नहीं लगता। इसके अलावा, यह एक बेकार का खर्च है, क्योंकि आप इस होस्मर एंजेल को ढूंढ कैसे सकते हैं?"

“इसके विपरीत,” होम्स ने शांत स्वर में कहा; “मेरे पास यह मानने के सभी कारण हैं कि मैं श्री होस्मर एंजेल का पता लगाने में सफल हो जाऊंगा।”

श्री विंडीबैंक चौंक गए और उन्होंने अपने दस्ताने उतार दिए। उन्होंने कहा, "यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई।"

होम्स ने टिप्पणी की, “यह एक विचित्र बात है कि एक टाइपराइटर में भी उतनी ही विशिष्टता होती है जितनी किसी व्यक्ति की लिखावट में। जब तक वे बिल्कुल नए न हों, उनमें से कोई भी दो बिल्कुल एक जैसे नहीं लिखते। कुछ अक्षर दूसरों की तुलना में अधिक घिस जाते हैं, और कुछ केवल एक तरफ से घिसते हैं। अब, श्री विंडीबैंक, आपने अपने इस नोट में उल्लेख किया है कि हर टाइपराइटर में 'e' का उच्चारण थोड़ा अस्पष्ट है, और 'r' के अंत में एक छोटी सी खामी है। चौदह अन्य विशेषताएं भी हैं, लेकिन ये सबसे स्पष्ट हैं।”

"हम कार्यालय में इस मशीन से अपना सारा पत्राचार करते हैं, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह थोड़ी घिसी हुई है," हमारे आगंतुक ने अपनी चमकदार छोटी आँखों से होम्स की ओर उत्सुकता से देखते हुए उत्तर दिया।

“और अब मैं आपको एक बेहद दिलचस्प अध्ययन दिखाऊंगा, श्रीमान विंडीबैंक,” होम्स ने आगे कहा। “मैं आने वाले दिनों में टाइपराइटर और अपराध से इसके संबंध पर एक और संक्षिप्त शोधपत्र लिखने की सोच रहा हूँ। यह एक ऐसा विषय है जिस पर मैंने थोड़ा ध्यान दिया है। मेरे पास यहाँ चार पत्र हैं जो लापता व्यक्ति के प्रतीत होते हैं। ये सभी टाइप किए हुए हैं। प्रत्येक पत्र में, न केवल ‘e’ अक्षर अस्पष्ट हैं और ‘r’ अक्षर की पूंछ गायब है, बल्कि यदि आप मेरे आवर्धक लेंस का उपयोग करना चाहें, तो आप देखेंगे कि वे चौदह अन्य विशेषताएं भी मौजूद हैं जिनका मैंने उल्लेख किया है।”

श्री विंडीबैंक अपनी कुर्सी से उछल पड़े और अपनी टोपी उठाई। उन्होंने कहा, "श्री होम्स, मैं इस तरह की बेतुकी बातों में समय बर्बाद नहीं कर सकता। अगर आप उस आदमी को पकड़ सकते हैं, तो उसे पकड़िए और मुझे बता दीजिए।"

“ज़रूर,” होम्स ने आगे बढ़कर दरवाज़े में चाबी घुमाते हुए कहा। “तो मैं आपको बता देता हूँ कि मैंने उसे पकड़ लिया है!”

“क्या! कहाँ?” श्री विंडीबैंक चिल्लाए, उनके होंठ सफेद पड़ गए और वे किसी जाल में फंसे चूहे की तरह इधर-उधर देखने लगे।

“अरे, ये तो बिल्कुल नहीं चलेगा,” होम्स ने बड़े ही विनम्र लहज़े में कहा। “इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है, मिस्टर विंडीबैंक। ये बहुत ही साफ़ है, और आपने जब कहा कि मेरे लिए इतने आसान सवाल को हल करना नामुमकिन है, तो ये बहुत ही बुरी तारीफ़ थी। बिल्कुल सही! बैठिए और चलिए इस पर बात करते हैं।”

हमारा आगंतुक एक कुर्सी पर गिर पड़ा, उसका चेहरा भयावह था और माथे पर नमी की एक हल्की सी झलक थी। "यह - यह कार्रवाई योग्य नहीं है," वह हकलाते हुए बोला।

“मुझे बहुत डर है कि ऐसा नहीं है। लेकिन सच कहूँ तो, विंडीबैंक, यह मेरे सामने अब तक की सबसे क्रूर, स्वार्थी और निर्मम चाल थी। अब, मैं घटनाओं का क्रम संक्षेप में बता देता हूँ, और अगर मैं गलत हूँ तो आप मेरा खंडन करेंगे।”

वह आदमी कुर्सी पर दुबक कर बैठा था, अपना सिर सीने पर टिकाए हुए, मानो पूरी तरह टूट गया हो। होम्स ने अपने पैर शेल्फ के कोने पर रखे और जेब में हाथ डालकर पीछे झुककर बातें करने लगा, मानो वह हमसे नहीं बल्कि खुद से ही बात कर रहा हो।

“उस आदमी ने अपने से बहुत बड़ी उम्र की औरत से उसके पैसों के लिए शादी की,” उसने कहा, “और जब तक बेटी उनके साथ रही, उसने उसके पैसों का भरपूर इस्तेमाल किया। उनकी हैसियत के हिसाब से यह एक अच्छी-खासी रकम थी, और इसके खो जाने से बहुत फर्क पड़ता। इसे बचाए रखना ज़रूरी था। बेटी अच्छे स्वभाव की, मिलनसार, लेकिन स्नेही और दयालु थी, इसलिए यह साफ था कि अपनी अच्छी-खासी आर्थिक स्थिति और कम आमदनी के कारण वह ज़्यादा समय तक अविवाहित नहीं रह पाएगी। अब उसकी शादी का मतलब ज़ाहिर तौर पर हर साल सौ-सौ रुपये का नुकसान होगा, तो उसके सौतेले पिता ने इसे रोकने के लिए क्या किया? उसने उसे घर में ही रखने और अपनी उम्र के लोगों की संगति से दूर रखने का सीधा रास्ता अपनाया। लेकिन जल्द ही उसे पता चल गया कि यह हमेशा के लिए काम नहीं करेगा। वह बेचैन हो गई, अपने अधिकारों पर अड़ी रही, और आखिरकार उसने एक खास पार्टी में जाने का पक्का इरादा ज़ाहिर कर दिया। तब उसके चालाक सौतेले पिता ने क्या किया? उसने एक ऐसा विचार सोचा जो उसके दिमाग को उसके दिल से ज़्यादा भाता था।

अपनी पत्नी के सामने उसने अपना वेश बदला, उन तेज आंखों को रंगीन चश्मे से ढक लिया, चेहरे को मूंछों और घनी दाढ़ी से ढक लिया, अपनी साफ आवाज़ को फुसफुसाहट में बदल दिया, और लड़की की कमज़ोर नज़र का फायदा उठाते हुए, मिस्टर होस्मर एंजेल के रूप में प्रकट हुआ, और खुद प्रेम करके अन्य प्रेमियों को दूर रखा।

"शुरू में तो यह सिर्फ एक मजाक था," हमारे आगंतुक ने आह भरते हुए कहा। "हमने कभी सोचा भी नहीं था कि वह इतनी भावुक हो जाएगी।"

"संभवतः नहीं। लेकिन जो भी हो, युवती पूरी तरह से बहक गई थी, और यह पक्का मान लेने के बाद कि उसके सौतेले पिता फ्रांस में हैं, उसके मन में धोखे का शक एक पल के लिए भी नहीं आया। वह सज्जन के स्नेह से प्रसन्न थी, और उसकी माँ की ज़ोरदार प्रशंसा ने इस प्रसन्नता को और बढ़ा दिया। फिर मिस्टर एंजेल ने फोन करना शुरू कर दिया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि अगर कोई वास्तविक प्रभाव पैदा करना था तो इस मामले को जितना हो सके आगे बढ़ाना होगा। मुलाकातें हुईं, और सगाई हुई, जिससे अंततः लड़की का स्नेह किसी और की ओर नहीं मुड़ेगा। लेकिन यह धोखा हमेशा के लिए नहीं चल सकता था। फ्रांस की ये झूठी यात्राएँ कुछ बोझिल थीं। स्पष्ट रूप से यही उपाय था कि इस मामले को इतने नाटकीय ढंग से समाप्त किया जाए कि युवती के मन पर एक अमिट छाप पड़े और वह कुछ समय के लिए किसी अन्य दूल्हे की ओर न देखे। इसीलिए वसीयत पर वफादारी की शपथ ली गई, और इसीलिए उस सुबह कुछ होने की संभावना का संकेत दिया गया।" शादी। जेम्स विंडीबैंक चाहते थे कि मिस सदरलैंड होस्मर एंजेल से इतनी बंधी हुई हों और उनके भाग्य को लेकर इतनी अनिश्चित हों कि कम से कम अगले दस वर्षों तक वह किसी और पुरुष की बात न सुनें। वह उन्हें चर्च के दरवाजे तक लाए और फिर, चूंकि वह आगे नहीं जा सकते थे, इसलिए उन्होंने एक चार पहिया वाहन के एक दरवाज़े से अंदर और दूसरे से बाहर निकलने की पुरानी तरकीब अपनाकर गायब हो गए। मुझे लगता है कि घटनाओं का क्रम यही था, मिस्टर विंडीबैंक!

होम्स के बोलने के दौरान हमारे आगंतुक ने अपने आत्मविश्वास को कुछ हद तक पुनः प्राप्त कर लिया था, और अब वह अपने पीले चेहरे पर एक ठंडी तिरस्कार भरी मुस्कान के साथ अपनी कुर्सी से उठ खड़ा हुआ।

"ऐसा हो भी सकता है और नहीं भी। श्री होम्स," उन्होंने कहा। "लेकिन अगर आप इतने ही समझदार हैं तो आपको यह समझना चाहिए कि कानून का उल्लंघन आप कर रहे हैं, मैं नहीं। मैंने शुरू से ही कुछ भी ऐसा नहीं किया है जिस पर कानूनी कार्रवाई हो सके, लेकिन जब तक आप उस दरवाजे को बंद रखेंगे, आप अपने ऊपर मारपीट और अवैध रूप से बंधक बनाने का मुकदमा दर्ज करवाते रहेंगे।"

"जैसा कि आप कहते हैं, कानून आपको छू नहीं सकता," होम्स ने दरवाजा खोलते हुए कहा, "लेकिन सजा के सबसे योग्य व्यक्ति आप ही हैं। अगर उस युवती का कोई भाई या दोस्त है, तो उसे आपके कंधों पर कोड़े मारने चाहिए। हे भगवान!" वह उस आदमी के चेहरे पर कड़वी मुस्कान देखकर गुस्से से लाल हो गया, "यह मेरे मुवक्किल के प्रति मेरा कर्तव्य नहीं है, लेकिन ये लीजिए एक कोड़ा, और मुझे लगता है कि मैं खुद को इससे सजा लूँगा—" वह कोड़े की ओर दो तेज़ कदम बढ़ाए, लेकिन इससे पहले कि वह उसे पकड़ पाता, सीढ़ियों पर कदमों की ज़ोरदार आवाज़ हुई, हॉल का भारी दरवाजा ज़ोर से बंद हुआ, और खिड़की से हम श्री जेम्स विंडीबैंक को सड़क पर पूरी रफ्तार से भागते हुए देख सकते थे।

"ये तो एक बेरहम बदमाश है!" होम्स हँसते हुए बोला और एक बार फिर अपनी कुर्सी पर बैठ गया। "ये आदमी एक के बाद एक अपराध करता रहेगा, जब तक कि

कोई बहुत बुरा काम न कर बैठे और अंत में फाँसी पर न चढ़ जाए। कुछ मायनों में ये मामला पूरी तरह से दिलचस्प रहा है।”

मैंने टिप्पणी की, "मैं अभी आपकी तर्क प्रक्रिया के सभी चरणों को पूरी तरह से नहीं समझ पा रहा हूं।"

“खैर, यह तो शुरू से ही स्पष्ट था कि श्री होस्मर एंजेल के इस अजीब व्यवहार के पीछे कोई ठोस मकसद जरूर होगा, और यह भी उतना ही साफ था कि जहां तक हम देख सकते थे, इस घटना से असल में फायदा उठाने वाला एकमात्र व्यक्ति सौतेला पिता ही था। फिर यह तथ्य कि दोनों पुरुष कभी साथ नहीं होते थे, बल्कि एक हमेशा तब दिखाई देता था जब दूसरा अनुपस्थित होता था, संदेह पैदा करता था। रंगीन चश्मा और अजीब आवाज भी, दोनों ही भेस बदलने का संकेत देते थे, साथ ही घनी मूंछें भी। मेरे सारे संदेह इस बात से पुख्ता हो गए कि उसने अपने हस्ताक्षर टाइप करने का एक अनोखा तरीका अपनाया, जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता था कि उसकी लिखावट उससे इतनी परिचित थी कि वह उसका छोटा सा नमूना भी पहचान सकती थी। आप देख रहे हैं कि ये सभी अलग-अलग तथ्य, कई छोटे-छोटे तथ्यों के साथ मिलकर, सभी एक ही दिशा में इशारा करते हैं।”

और आपने उनकी पुष्टि कैसे की?

“एक बार जब मैंने उस व्यक्ति को देख लिया, तो पुष्टि प्राप्त करना आसान हो गया। मैं उस कंपनी को जानता था जिसके लिए वह व्यक्ति काम करता था। मैंने छपा हुआ विवरण लिया और उसमें से हर उस चीज़ को हटा दिया जो भेस बदलने का परिणाम हो सकती थी — मूंछें, चश्मा, आवाज़ — और मैंने उसे कंपनी को भेज दिया, साथ ही उनसे यह भी पूछा कि क्या यह उनके किसी यात्री के विवरण से मेल खाता है। मैंने टाइपराइटर की कुछ खास बातों पर ध्यान दिया था, और मैंने उस व्यक्ति को उसके व्यावसायिक पते पर पत्र लिखकर पूछा कि क्या वह यहाँ आ सकता है। जैसा कि मुझे उम्मीद थी, उसका जवाब टाइप किया हुआ था और उसमें वही मामूली लेकिन विशिष्ट कमियाँ थीं। उसी डाक से मुझे फेनचर्च स्ट्रीट स्थित वेस्टहाउस एंड मारबैंक का एक पत्र मिला, जिसमें कहा गया था कि विवरण उनके कर्मचारी जेम्स विंडीबैंक के विवरण से पूरी तरह मेल खाता है। बस हो गया!”

और मिस सदरलैंड?

“अगर मैं उसे बताऊँ तो वो यकीन नहीं करेगी। तुम्हें पुरानी फ़ारसी कहावत याद होगी, ‘शेर के बच्चे को छीनने वाले के लिए भी खतरा है, और किसी स्त्री से भ्रम छीनने वाले के लिए भी खतरा है।’ हाफ़िज़ में होरेस जितनी ही समझदारी और दुनियादारी का उतना ही ज्ञान है।”

बोस्कोम्ब घाटी का रहस्य

एक सुबह हम नाश्ते पर बैठे थे, मैं और मेरी पत्नी, तभी नौकरानी एक टेलीग्राम लेकर आई। यह शर्लक होम्स की ओर से था और इसमें लिखा था:

क्या आपके पास कुछ दिन का समय है? मुझे अभी-अभी इंग्लैंड के पश्चिम से बोस्कोम्ब घाटी त्रासदी के संबंध में सूचना मिली है। अगर आप मेरे साथ आएँ तो मुझे बहुत खुशी होगी। हवा और नज़ारा बेहद खूबसूरत है। हम पैडिंगटन से 11:15 बजे निकलेंगे।

“क्या कहते हो, प्रिय?” मेरी पत्नी ने मेरी ओर देखते हुए कहा। “क्या तुम जाओगे?”

मुझे सच में नहीं पता कि क्या कहूं। मेरे पास इस समय काफी लंबी सूची है।

"ओह, एनस्ट्रथर आपका काम कर देगा। आप आजकल थोड़े पीले-पीले से दिख रहे हैं। मुझे लगता है कि यह बदलाव आपके लिए अच्छा रहेगा, और आप हमेशा ही श्री

शर्लक होम्स के मामलों में इतनी दिलचस्पी रखते हैं।"

मैंने जवाब दिया, "अगर मैं ऐसा न कहूं तो मैं कृतघ्न कहलाऊँगा, क्योंकि मुझे उनमें से एक के माध्यम से इतना लाभ मिला है। लेकिन अगर मुझे जाना है तो मुझे तुरंत सामान पैक करना होगा, क्योंकि मेरे पास केवल आधा घंटा है।"

अफगानिस्तान में शिविर जीवन के मेरे अनुभव ने कम से कम मुझे एक फुर्तीला और कुशल यात्री तो बना ही दिया था। मेरी ज़रूरतें कम और साधारण थीं, इसलिए तय समय से भी कम समय में मैं अपने सूटकेस के साथ टैक्सी में सवार होकर पैडिंगटन स्टेशन की ओर चल पड़ा। शर्लक होम्स प्लेटफार्म पर चहलकदमी कर रहे थे, उनका लंबा, दुबला-पतला शरीर उनके लंबे भूरे यात्रा लबादे और चुस्त-दुरुस्त कपड़े की टोपी के कारण और भी दुबला और लंबा लग रहा था।

“वॉटसन, आपका आना वाकई बहुत अच्छा है,” उन्होंने कहा। “मेरे लिए यह बहुत मायने रखता है कि मेरे साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो, जिस पर मैं पूरी तरह भरोसा कर सकूं। स्थानीय सहायता या तो हमेशा बेकार होती है या पक्षपातपूर्ण। अगर आप कोने की दोनों सीटें खाली रखेंगे तो मैं टिकट ले लूंगा।”

होम्स अपने साथ कागज़ों का एक विशाल ढेर लेकर आया था, उसके अलावा गाड़ी में हम अकेले ही थे। रीडिंग से आगे निकलने तक वह उनमें से कागज़ों को खंगालता और पढ़ता रहा, बीच-बीच में नोट्स बनाता और चिंतन करता रहा। फिर अचानक उसने उन सभी कागज़ों को एक विशाल गेंद की तरह लपेटकर रैक पर फेंक दिया।

“क्या आपने इस मामले के बारे में कुछ सुना है?” उसने पूछा।

“एक शब्द भी नहीं। मैंने कुछ दिनों से अखबार नहीं देखी है।”

"लंदन के प्रेस में इस मामले की पूरी जानकारी नहीं दी गई है। मैंने हाल के सभी समाचार पत्रों को पढ़कर सारी जानकारी जुटाने की कोशिश की है। मेरी जानकारी के अनुसार, यह उन सरल मामलों में से एक है जो बेहद जटिल साबित होते हैं।"

"यह थोड़ा विरोधाभासी लगता है।"

लेकिन यह बात बिलकुल सच है। विलक्षणता लगभग हमेशा ही एक सुराग होती है। अपराध जितना अधिक सामान्य और साधारण होता है, उसे साबित करना उतना ही मुश्किल होता है। हालांकि, इस मामले में उन्होंने मृतक के बेटे के खिलाफ एक बहुत ही गंभीर मामला स्थापित किया है।

तो क्या यह हत्या है?

“खैर, ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। जब तक मुझे स्वयं इसकी जाँच करने का अवसर नहीं मिल जाता, मैं किसी भी बात को मानकर नहीं चलूंगा। मैं आपको संक्षेप में, जहाँ तक मुझे समझ आया है, स्थिति समझा दूंगा।”

“बॉस्कॉम्ब घाटी, हेरफोर्डशायर में रॉस से कुछ ही दूरी पर स्थित एक ग्रामीण इलाका है। उस क्षेत्र के सबसे बड़े ज़मींदार श्री जॉन टर्नर हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में धन कमाया और कुछ वर्ष पहले अपने देश लौट आए। उनके स्वामित्व वाले खेतों में से एक, हैथरली का खेत, उन्होंने श्री चार्ल्स मैकार्थी को किराए पर दिया था, जो स्वयं भी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई थे। दोनों एक-दूसरे को उपनिवेशों में जानते थे, इसलिए यह स्वाभाविक था कि जब वे बसने आए तो उन्होंने यथासंभव एक-दूसरे के पास ही बसना चाहा। जाहिर तौर पर टर्नर अधिक धनी थे, इसलिए मैकार्थी उनके किरायेदार बन गए, लेकिन फिर भी, ऐसा लगता है, उनके बीच पूर्ण समानता के संबंध बने रहे, क्योंकि वे अक्सर साथ रहते थे। मैकार्थी का एक अठारह वर्षीय पुत्र था, और टर्नर की भी उसी आयु की एक इकलौती पुत्री थी, लेकिन दोनों की कोई जीवित पत्नियां नहीं थीं। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने पड़ोसी अंग्रेज परिवारों के समाज से दूरी बनाए रखी और एकांत जीवन व्यतीत किया, हालांकि दोनों मैकार्थी खेल के शौकीन थे और अक्सर आस-पास की

घुड़दौड़ प्रतियोगिताओं में देखे जाते थे। मैकार्थी ने दो पालतू जानवर पाल रखे थे। नौकर - एक पुरुष और एक महिला। टर्नर के परिवार में काफी लोग थे, कम से कम आधा दर्जन तो होंगे ही। परिवारों के बारे में मुझे बस इतनी ही जानकारी मिल पाई है। अब तथ्यों की बात करते हैं।

“3 जून को, यानी पिछले सोमवार को, मैकार्थी दोपहर लगभग तीन बजे हैथरली स्थित अपने घर से निकले और बोस्कोम्ब पूल की ओर चले गए, जो बोस्कोम्ब घाटी से बहने वाली धारा के फैलने से बनी एक छोटी झील है। वे सुबह रॉस में अपने नौकर के साथ गए थे और उन्होंने नौकर से कहा था कि उन्हें जल्दी करनी चाहिए, क्योंकि उन्हें तीन बजे एक महत्वपूर्ण मुलाकात के लिए जाना था। उस मुलाकात से वे कभी जीवित वापस नहीं लौटे।”

हैथरली फार्महाउस से बॉस्कॉम्ब पूल तक की दूरी एक चौथाई मील है, और दो लोगों ने उन्हें इस रास्ते से गुजरते हुए देखा। एक बूढ़ी औरत थी, जिसका नाम नहीं बताया गया है, और दूसरा विलियम क्राउडर था, जो श्री टर्नर के यहाँ शिकार का रखवाला था। इन दोनों गवाहों ने बयान दिया कि श्री मैकार्थी अकेले चल रहे थे। शिकार के रखवाले ने आगे बताया कि श्री मैकार्थी को गुजरते हुए देखने के कुछ ही मिनटों के भीतर उन्होंने उनके बेटे, श्री जेम्स मैकार्थी को, बगल में बंदूक लिए उसी रास्ते पर जाते हुए देखा। जहाँ तक उन्हें याद है, पिता उस समय उनकी नज़र में थे, और बेटा उनके पीछे-पीछे चल रहा था। उन्होंने इस मामले पर तब तक और ध्यान नहीं दिया जब तक कि शाम को उन्हें उस दुखद घटना के बारे में पता नहीं चला।

“विलियम क्राउडर, जो शिकार का रखवाला था, के नज़र से ओझल होने के बाद दोनों मैकार्थीज़ को देखा गया। बॉस्कोम्ब पूल के चारों ओर घना जंगल है, किनारे पर घास और सरकंडों की एक पतली सी पट्टी है। चौदह साल की एक लड़की, पेशेंस मोरन, जो बॉस्कोम्ब वैली एस्टेट के लॉज-कीपर की बेटी है, जंगल में फूल तोड़ रही थी। वह बताती है कि जब वह वहाँ थी, उसने जंगल की सीमा पर और झील के पास, मिस्टर मैकार्थी और उनके बेटे को देखा, और ऐसा लग रहा था कि वे ज़ोरदार झगड़ा कर रहे थे। उसने बड़े मिस्टर मैकार्थी को अपने बेटे को बहुत अपशब्द कहते हुए सुना, और उसने देखा कि उसका बेटा अपने पिता पर हमला करने के लिए हाथ उठा रहा था। वह उनकी हिंसा से इतनी डर गई कि वह भाग गई और घर पहुंचकर अपनी माँ को बताया कि उसने दोनों मैकार्थीज़ को बॉस्कोम्ब पूल के पास झगड़ते हुए देखा था, और उसे डर था कि वे लड़ने वाले हैं। उसके शब्द कहते ही थे कि युवा मिस्टर मैकार्थी दौड़ते हुए लॉज में आए और कहा कि उन्हें अपना पिता जंगल में मृत पाए गए, और लॉज-कीपर से मदद मांगने के लिए वे वहाँ गए। वे बहुत उत्तेजित थे, उनके पास न तो बंदूक थी और न ही टोपी, और उनके दाहिने हाथ और आस्तीन पर ताजा खून के धब्बे थे। उनका पीछा करने पर उन्होंने शव को तालाब के किनारे घास पर पड़ा पाया। सिर पर किसी भारी और कुंद हथियार से बार-बार वार किए गए थे। चोटें ऐसी थीं मानो उनके बेटे की बंदूक के बट से लगी हों, जो शव से कुछ ही कदम की दूरी पर घास पर पड़ी मिली थी। इन परिस्थितियों में युवक को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया, और मंगलवार को हुई पूछताछ में 'जानबूझकर हत्या' का फैसला सुनाया गया। बुधवार को उसे रॉस के मजिस्ट्रेटों के सामने पेश किया गया, जिन्होंने मामले को अगली अदालत के लिए भेज दिया है। ये मामले के मुख्य तथ्य हैं, जैसा कि कोरोनर और पुलिस अदालत के सामने आया।

मैंने कहा, "मैं इससे अधिक गंभीर मामले की कल्पना भी नहीं कर सकता। अगर परिस्थितिजन्य साक्ष्य किसी अपराधी की ओर इशारा करते हैं, तो वह यही मामला है।"

"परिस्थितिजन्य साक्ष्य बहुत पेचीदा होता है," होम्स ने सोच-समझकर उत्तर दिया। "ऐसा लग सकता है कि यह सीधे एक बात की ओर इशारा कर रहा है, लेकिन अगर आप अपना दृष्टिकोण थोड़ा बदलें, तो आप पाएंगे कि यह उतनी ही दृढ़ता से किसी बिल्कुल अलग बात की ओर इशारा कर रहा है। हालांकि, यह स्वीकार करना होगा कि मामला उस युवक के खिलाफ बेहद गंभीर प्रतीत होता है, और यह बहुत संभव है कि वह वास्तव में अपराधी हो। हालांकि, आस-पड़ोस में कई लोग हैं, जिनमें पड़ोसी ज़मींदार की बेटी मिस टर्नर भी शामिल हैं, जो उसकी बेगुनाही पर विश्वास करते हैं, और उन्होंने लेस्ट्रेड को, जिन्हें आप शायद 'ए स्टडी इन स्कारलेट' के संबंध में याद करते होंगे, इस मामले की जांच करने के लिए नियुक्त किया है। लेस्ट्रेड कुछ उलझन में होने के कारण, मामला मुझे सौंप दिया है, और इसीलिए दो अधेड़ उम्र के सज्जन घर पर शांति से नाश्ता करने के बजाय पचास मील प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम की ओर भाग रहे हैं।"

मैंने कहा, "मुझे डर है कि तथ्य इतने स्पष्ट हैं कि आपको इस मामले से कोई खास फायदा नहीं मिलेगा।"

"स्पष्ट तथ्य से अधिक भ्रामक कुछ नहीं होता," उसने हंसते हुए उत्तर दिया। "इसके अलावा, हो सकता है कि हमें कुछ ऐसे स्पष्ट तथ्य मिल जाएं जो श्री लेस्ट्रेड को बिल्कुल भी स्पष्ट न हों। आप मुझे इतना अच्छी तरह जानते हैं कि यह न सोचें कि मैं शेखी बघार रहा हूँ जब मैं कहता हूँ कि मैं उनके सिद्धांत को उन तरीकों से या तो सिद्ध करूँगा या खंडित करूँगा जिन्हें वे न तो समझ सकते हैं और न ही जान सकते हैं। उदाहरण के लिए, मैं स्पष्ट रूप से देख सकता हूँ कि आपके शयनकक्ष में खिड़की दाहिनी ओर है, फिर भी मुझे संदेह है कि श्री लेस्ट्रेड ने इतनी स्पष्ट बात पर भी ध्यान दिया होगा।"

"कैसे -"

"मेरे प्रिय मित्र, मैं तुम्हें भली-भांति जानता हूँ। मैं तुम्हारी उस सैन्य स्वच्छता से परिचित हूँ जो तुम्हारी पहचान है। तुम हर सुबह दाढ़ी बनाते हो, और इस मौसम में तो धूप में ही दाढ़ी बनाते हो; लेकिन जैसे-जैसे हम बाईं ओर पीछे की ओर बढ़ते हैं, तुम्हारी दाढ़ी कम होती जाती है, और जबड़े के कोने तक पहुंचते-पहुँचते तो बिलकुल ही बेतरतीब हो जाती है, इससे स्पष्ट है कि वह हिस्सा दूसरे हिस्से की तुलना में कम रोशन रहता है। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि तुम्हारी आदतों वाला कोई व्यक्ति खुद को समान रोशनी में देखकर ऐसे परिणाम से संतुष्ट हो। मैं इसे केवल अवलोकन और निष्कर्ष के एक मामूली उदाहरण के रूप में उद्धृत कर रहा हूँ। यही मेरा पेशा है, और संभव है कि यह हमारे सामने चल रही जाँच में कुछ उपयोगी साबित हो। जाँच में एक-दो छोटे-छोटे बिंदु सामने आए हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है।"

"क्या रहे हैं?"

ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी गिरफ्तारी तुरंत नहीं हुई, बल्कि हैथरली फार्म लौटने के बाद हुई। जब पुलिस निरीक्षक ने उन्हें बताया कि वे कैदी हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्हें यह सुनकर आश्चर्य नहीं हुआ और यह उनके कर्मों का फल था। उनके इस कथन से जूरी के मन में बचे किसी भी संदेह का स्वाभाविक रूप से निवारण हो गया।

मैंने अचानक कहा, "यह एक कबूलनामा था।"

"नहीं, क्योंकि इसके बाद निर्दोषिता का दावा किया गया था।"

"इतनी गंभीर घटनाओं की श्रृंखला के बाद यह टिप्पणी आना कम से कम बेहद संदिग्ध था।"

"इसके विपरीत," होम्स ने कहा, "यह बादलों में मुझे इस समय दिखाई देने वाली सबसे उज्ज्वल दरार है। चाहे वह कितना भी निर्दोष क्यों न हो, वह इतना मूर्ख नहीं हो सकता कि उसे यह न दिखे कि परिस्थितियाँ उसके विरुद्ध बहुत प्रतिकूल थीं। यदि वह

अपनी गिरफ्तारी पर आश्चर्यचकित होता, या उस पर बनावटी आक्रोश दिखाता, तो मैं इसे अत्यधिक संदिग्ध मानता, क्योंकि ऐसी परिस्थितियों में आश्चर्य या क्रोध स्वाभाविक नहीं होता, और फिर भी एक धूर्त व्यक्ति के लिए यह सबसे अच्छी रणनीति प्रतीत हो सकती थी। स्थिति को खुले दिल से स्वीकार करना उसे या तो निर्दोष व्यक्ति, या फिर अत्यधिक आत्मसंयम और दृढ़ता वाला व्यक्ति साबित करता है। जहाँ तक उसके कर्मों के बारे में उसकी टिप्पणी का सवाल है, यह भी स्वाभाविक ही था, यदि आप इस बात पर विचार करें कि वह अपने पिता के मृत शरीर के पास खड़ा था, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि उसी दिन उसने अपने पिता के प्रति कर्तव्य को इस हद तक भुला दिया था कि वह उनसे बहस कर रहा था, और यहाँ तक कि, उस छोटी बच्ची के अनुसार, जिसका साक्ष्य इतना महत्वपूर्ण है, उसने उन पर हाथ उठाने का भी प्रयास किया था। उसकी टिप्पणी में जो आत्म-निंदा और पश्चाताप प्रदर्शित होता है, वह स्पष्ट है। मुझे ये लक्षण किसी दोषी व्यक्ति के बजाय एक स्वस्थ मन के प्रतीत होते हैं।

मैंने अपना सिर हिलाया। मैंने कहा, "कई लोगों को इससे कहीं कम सबूतों के आधार पर फांसी दी गई है।"

“उन्होंने ऐसा किया है। और कई लोगों को गलत तरीके से फांसी दी गई है।”

“इस मामले के बारे में उस युवक का अपना क्या मत है?”

मुझे खेद है कि यह उनके समर्थकों के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं है, हालांकि इसमें एक-दो बिंदु ऐसे हैं जो संकेत देते हैं। आप इसे यहां पा सकते हैं और स्वयं पढ़ सकते हैं।

उसने अपने बंडल से स्थानीय हेरफोर्डशायर अखबार की एक प्रति निकाली और पन्ने को मोड़कर उस पैराग्राफ की ओर इशारा किया जिसमें उस दुर्भाग्यशाली युवक ने घटना का अपना विवरण दिया था। मैं गाड़ी के कोने में बैठ गया और उसे बहुत ध्यान से पढ़ा। वह इस प्रकार था:

मृतक के इकलौते बेटे श्री जेम्स मैकार्थी को बुलाया गया और उन्होंने इस प्रकार गवाही दी: “मैं ब्रिस्टल में तीन दिन घर से दूर था और पिछले सोमवार, 3 तारीख की सुबह ही लौटा था। मेरे आने के समय मेरे पिता घर पर नहीं थे और नौकरानी ने मुझे बताया कि वे जॉन कॉब, जो घोड़ों की देखभाल करने वाला था, के साथ रॉस गए थे। मेरे लौटने के कुछ ही समय बाद मैंने आँगन में उनकी गाड़ी के पहियों की आवाज़ सुनी और अपनी खिड़की से बाहर देखते हुए मैंने उन्हें गाड़ी से उतरकर तेज़ी से आँगन से बाहर जाते देखा, हालाँकि मुझे पता नहीं था कि वे किस दिशा में जा रहे थे। फिर मैंने अपनी बंदूक ली और बोस्कॉम्ब पूल की दिशा में टहलने लगा, ताकि दूसरी तरफ स्थित खरगोशों के बिल को देख सकूँ। रास्ते में मैंने विलियम क्राउडर, जो शिकार-रक्षक था, को देखा, जैसा कि उसने अपनी गवाही में बताया था; लेकिन उसे यह गलतफ़हमी है कि मैं अपने पिता के पीछे चल रहा था। मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि वह मेरे आगे था। जब मैं पूल से लगभग सौ गज़ दूर था, तो मैंने 'कूई!' की आवाज़ सुनी, जो एक सामान्य संकेत थी। मेरे पिता और मेरे बीच कुछ कहा-सुनी हुई। फिर मैं जल्दी से आगे बढ़ा और उन्हें तालाब के किनारे खड़ा पाया। मुझे देखकर वे काफी हैरान हुए और मुझसे कुछ रूखेपन से पूछा कि मैं यहाँ क्या कर रहा हूँ। बातचीत शुरू हुई जो तीखी बहस और लगभग मारपीट तक पहुँच गई, क्योंकि मेरे पिता बहुत उग्र स्वभाव के थे। यह देखकर कि उनका गुस्सा बेकाबू हो रहा है, मैं उन्हें छोड़कर हैदरली फार्म की ओर लौट गया। हालाँकि, मैं अभी 150 गज़ से ज़्यादा नहीं गया था कि मुझे अपने पीछे एक भयानक चीख सुनाई दी, जिससे मैं वापस भागा। मैंने अपने पिता को ज़मीन पर मरणासन्न अवस्था में पाया, उनके सिर पर गंभीर चोट लगी थी। मैंने अपनी बंदूक गिरा दी और उन्हें अपनी बाहों में उठा लिया, लेकिन लगभग तुरंत ही उनकी मृत्यु हो गई। मैं

कुछ मिनटों तक उनके पास घुटनों के बल बैठा रहा, और फिर मदद मांगने के लिए मिस्टर टर्नर के लॉज-कीपर के घर गया, क्योंकि उनका घर सबसे नज़दीक था। जब मैं लौटा तो मैंने अपने पिता के पास किसी को नहीं देखा, और मुझे नहीं पता कि उन्हें ये चोटें कैसे लगीं। वे लोकप्रिय व्यक्ति नहीं थे, क्योंकि उनका व्यवहार कुछ हद तक ठंडा और कठोर था, लेकिन जहां तक मुझे पता है, उनके कोई सक्रिय शत्रु नहीं थे। मुझे इस मामले के बारे में और कुछ नहीं पता।

कोरोनर: क्या आपके पिता ने मरने से पहले आपसे कुछ कहा था?

प्रत्यक्षदर्शी: उसने कुछ शब्द बुदबुदाए, लेकिन मैं केवल चूहे के बारे में कुछ संकेत ही समझ पाया।

कोरोनर: आपने इससे क्या समझा?

प्रत्यक्षदर्शी: मुझे इसका कोई अर्थ समझ नहीं आया। मुझे लगा कि वह बेहोश था।

कोरोनर: वह कौन सा मुद्दा था जिस पर आप और आपके पिता के बीच यह अंतिम झगड़ा हुआ था?

गवाह: मैं जवाब देना पसंद नहीं करूंगा।

कोरोनर: मुझे खेद है कि मुझे इस पर जोर देना होगा।

गवाह: मेरे लिए आपको बताना वास्तव में असंभव है। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि इसका बाद में घटी उस दुखद घटना से कोई संबंध नहीं है।

न्यायालयाध्यक्ष: यह न्यायालय को तय करना है। मुझे आपको यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि आपके उत्तर देने से इनकार करने पर भविष्य में होने वाली किसी भी कानूनी कार्यवाही में आपके मामले पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

गवाह: मुझे अब भी इनकार करना होगा।

कोरोनर: मुझे पता चला है कि "कूई" की आवाज आपके और आपके पिता के बीच एक आम संकेत थी?

गवाह: हाँ, ऐसा ही था।

कोरोनर: तो फिर ऐसा कैसे हुआ कि उसने यह बात आपको देखे बिना और यह जाने बिना ही कह दी कि आप ब्रिस्टल से लौट आए हैं?

गवाह (काफी असमंजस के साथ): मुझे नहीं पता।

एक जूरी सदस्य: जब आप चीख सुनकर वापस लौटे और अपने पिता को गंभीर रूप से घायल पाया, तो क्या आपको कुछ ऐसा नहीं दिखा जिससे आपको संदेह हुआ हो?

गवाह: कुछ भी निश्चित नहीं।

कोरोनर: आपका क्या मतलब है?

प्रत्यक्षदर्शी: मैं इतनी बेचैन और उत्तेजित थी कि दौड़ते हुए बाहर निकली, मुझे अपने पिता के सिवा कुछ और सूझा ही नहीं। फिर भी मुझे धुंधला सा आभास है कि दौड़ते समय मेरे बाईं ओर ज़मीन पर कुछ पड़ा था। मुझे वह धूसर रंग की कोई चीज़ लगी, शायद कोई कोट या चेकदार कपड़ा। जब मैं अपने पिता के पास से उठी तो उसे चारों ओर देखा, पर वह गायब हो चुका था।

"क्या आपका मतलब यह है कि मदद मांगने जाने से पहले ही वह गायब हो गया?"

"हां, वह चला गया था।"

“आप यह नहीं बता सकते कि वह क्या था?”

नहीं, मुझे पहले से ही कुछ होने का आभास था।

“शरीर से कितनी दूर?”

लगभग एक दर्जन गज।

और जंगल के किनारे से कितनी दूर?

"लगभग एक जैसा।"

"तो, अगर इसे हटाया गया था, तो क्या यह तब हुआ जब आप इसके बारह गज के दायरे में थे?"

"हां, लेकिन मेरी पीठ उसकी ओर होगी।"

इसके साथ ही गवाह की जांच पूरी हो गई।

मैंने कॉलम पर नज़र डालते हुए कहा, “मैं देख रहा हूँ कि कोरोनर ने अपने अंतिम बयान में युवा मैकार्थी पर काफी सख्ती बरती है। उन्होंने इस बात पर ध्यान दिलाया है, और यह उचित भी है, कि उनके पिता द्वारा उनसे मिलने से पहले उन्हें संकेत देने की बात में विरोधाभास है, साथ ही उनके द्वारा अपने पिता के साथ हुई बातचीत का विवरण देने से इनकार करने और उनके अंतिम शब्दों के उनके अनूठे वर्णन पर भी। जैसा कि उन्होंने कहा है, ये सभी बातें बेटे के खिलाफ हैं।”

होम्स धीरे से हँसे और गद्देदार सीट पर आराम से लेट गए। उन्होंने कहा, “आप और कोरोनर दोनों ने ही इस युवक के पक्ष में सबसे मज़बूत बिंदुओं को चुनने में काफ़ी मेहनत की है। क्या आपको नहीं लगता कि आप बारी-बारी से उसकी कल्पनाशीलता को ज़रूरत से ज़्यादा और ज़रूरत से कम मानते हैं? ज़रूरत से कम, अगर वह झगड़े का ऐसा कारण नहीं गढ़ सका जिससे जूरी की सहानुभूति उसे मिल सके; ज़रूरत से ज़्यादा, अगर उसने अपने अंतर्मन से चूहे का ज़िक्र करने जैसी कोई बेतुकी बात गढ़ी हो, और कपड़े के गायब होने की घटना। नहीं, महोदय, मैं इस मामले को इस नज़रिए से देखूंगा कि इस युवक की कही बात सच है, और हम देखेंगे कि यह परिकल्पना हमें कहाँ ले जाती है। और अब ये लीजिए मेरी जेब में रखा पेटार्क, और जब तक हम घटनास्थल पर नहीं पहुंच जाते, मैं इस मामले के बारे में एक शब्द भी नहीं कहूंगा। हम स्विंडन में दोपहर का भोजन करेंगे, और मुझे लगता है कि हम बीस मिनट में वहाँ पहुंच जाएंगे।”

लगभग चार बज रहे थे जब हम खूबसूरत स्ट्राउड घाटी से गुज़रते हुए और चौड़ी, चमकती सेवर्न नदी को पार करते हुए आखिरकार रॉस के छोटे से प्यारे कस्बे में पहुंचे। चबूतरे पर एक दुबला-पतला, फुर्तीला और चालाक दिखने वाला आदमी हमारा इंतज़ार कर रहा था। अपने देहाती परिवेश के अनुरूप हल्के भूरे रंग का कोट और चमड़े की पैंट पहने होने के बावजूद, मुझे स्कॉटलैंड यार्ड के लेस्ट्रेड को पहचानने में कोई कठिनाई नहीं हुई। हम उसके साथ हेरेफोर्ड आर्म्स होटल गए जहाँ हमारे लिए पहले से ही एक कमरा बुक था।

चाय पीते हुए लेस्ट्रेड ने कहा, "मैंने एक गाड़ी मंगवाई है। मैं आपके ऊर्जावान स्वभाव को जानता था और यह भी जानता था कि अपराध स्थल पर पहुंचे बिना आप संतुष्ट नहीं होंगे।"

“आपकी यह बात बहुत अच्छी और सराहनीय थी,” होम्स ने जवाब दिया। “यह पूरी तरह से बैरोमेट्रिक दबाव का मामला है।”

लेस्ट्रेड चौंक गया। उसने कहा, "मुझे पूरी तरह समझ नहीं आया।"

“मौसम कैसा है? 29 डिग्री, मुझे लगता है। हवा बिल्कुल नहीं चल रही, आसमान में एक भी बादल नहीं है। मेरे पास सिगरेटों का एक पूरा डिब्बा है जिन्हें पीना ज़रूरी है, और सोफा आम देहाती होटलों के घटिया सोफे से कहीं बेहतर है। मुझे नहीं लगता कि आज रात मुझे गाड़ी की ज़रूरत पड़ेगी।”

लेस्ट्रेड ने नरमी से हंसते हुए कहा, "आपने अखबारों से पहले ही अपने निष्कर्ष निकाल लिए होंगे। मामला बिल्कुल सीधा है, और जितना इसमें गहराई से जाएंगे, उतना ही स्पष्ट होता जाएगा। फिर भी, एक महिला को मना कैसे किया जा सकता है, खासकर इतनी दृढ़ निश्चयी महिला को। उन्होंने आपके बारे में सुना है और आपकी राय जानना

चाहती हैं, हालांकि मैंने उन्हें बार-बार कहा है कि आप ऐसा कुछ नहीं कर सकते जो मैंने पहले से न किया हो। अरे वाह! उनकी गाड़ी दरवाजे पर खड़ी है।"

उनके बोलने के तुरंत बाद ही कमरे में एक ऐसी खूबसूरत युवती दाखिल हुई, जिसे मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा था। उसकी बैंगनी आँखें चमक रही थीं, होंठ खुले हुए थे, गालों पर गुलाबी रंगत थी, उसकी स्वाभाविक झिझक उसकी प्रबल उत्तेजना और चिंता में खो गई थी।

"ओह, श्रीमान् शर्लक होम्स!" वह हम सब पर नज़र डालते हुए चिल्लाई, और अंत में, एक स्त्री की तीक्ष्ण बुद्धि से, मेरे साथी पर ध्यान केंद्रित करते हुए बोली, "मुझे बहुत खुशी है कि आप आ गए हैं। मैं आपको यह बताने के लिए ही यहाँ आई हूं। मुझे पता है कि जेम्स ने यह नहीं किया। मुझे यह पता है, और मैं चाहती हूँ कि आप भी इसे जानते हुए अपना काम शुरू करें। इस बात पर कभी संदेह न करें। हम बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं, और मैं उसकी कमियों को किसी और से बेहतर जानती हूँ; लेकिन वह इतना कोमल हृदय है कि एक मक्खी को भी नुकसान नहीं पहुंचा सकता। ऐसा आरोप किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए बेतुका है जो उसे वास्तव में जानता है।"

"मुझे उम्मीद है कि हम उसे निर्दोष साबित कर देंगे, मिस टर्नर," शर्लक होम्स ने कहा। "आप मुझ पर भरोसा रख सकती हैं कि मैं अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करूंगा।"

लेकिन आपने सबूत पढ़े हैं। क्या आप किसी निष्कर्ष पर पहुंचे हैं? क्या आपको कोई खामी, कोई कमी नहीं दिखती? क्या आपको खुद नहीं लगता कि वह निर्दोष है?

मुझे लगता है कि इसकी बहुत अधिक संभावना है।

"बस, अब!" उसने सिर पीछे की ओर झुकाते हुए और लेस्ट्रेड को चुनौती भरे अंदाज़ में देखते हुए चिल्लाकर कहा। "सुना! वह मुझे उम्मीद देता है।"

लेस्ट्रेड ने अपने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे लगता है कि मेरे सहयोगी ने अपने निष्कर्ष निकालने में थोड़ी जल्दबाजी कर दी है।"

"लेकिन वह सही कह रहा है। ओह! मुझे पता है कि वह सही कह रहा है। जेम्स ने ऐसा कभी नहीं किया। और अपने पिता के साथ उसके झगड़े के बारे में, मुझे यकीन है कि उसने कोरोनर से इस बारे में इसलिए बात नहीं की क्योंकि मैं इसमें शामिल थी।"

"किस तरह से?" होम्स ने पूछा।

"यह मेरे लिए कुछ भी छिपाने का समय नहीं है। जेम्स और उसके पिता के बीच मेरे बारे में कई मतभेद थे। श्री मैकार्थी चाहते थे कि हमारी शादी हो जाए। जेम्स और मैं हमेशा से भाई-बहन की तरह एक-दूसरे से प्यार करते आए हैं; लेकिन ज़ाहिर है, वह अभी जवान है और उसने अभी ज़िंदगी का बहुत कुछ नहीं देखा है, और — और — खैर, स्वाभाविक रूप से वह अभी ऐसा कुछ नहीं करना चाहता था। इसलिए झगड़े होते थे, और मुझे यकीन है कि यह भी उनमें से एक था।"

"और आपके पिता?" होम्स ने पूछा। "क्या वे इस तरह के विवाह के पक्ष में थे?"

"नहीं, वह भी इसके खिलाफ थे। श्री मैकार्थी के अलावा कोई भी इसके पक्ष में नहीं था।" होम्स ने जब अपनी तीखी, प्रश्नपरक दृष्टि से उसकी ओर देखा तो उसके युवा चेहरे पर एक पल के लिए शर्मिंदगी झलक गई।

"इस जानकारी के लिए धन्यवाद," उसने कहा। "क्या मैं कल आने पर आपके पिताजी से मिल सकता हूं?"

मुझे डर है कि डॉक्टर इसकी अनुमति नहीं देंगे।

"डॉक्टर?"

"जी हाँ, क्या तुमने नहीं सुना? बेचारे पिताजी कई सालों से कमज़ोर थे, लेकिन इस घटना ने उन्हें पूरी तरह तोड़ दिया है। वे बिस्तर पर पड़े हैं, और डॉक्टर विलोज़ का

कहना है कि उनकी हालत बहुत खराब है और उनका तंत्रिका तंत्र चकनाचूर हो गया है। श्री मैकार्थी ही एकमात्र जीवित व्यक्ति हैं जो विक्टोरिया में पिताजी को पुराने दिनों से जानते थे।"

"हा! विक्टोरिया में! यह महत्वपूर्ण है।"

"हां, खानों में।"

"बिल्कुल सही; सोने की खानों में, जहाँ तक मुझे पता है, श्री टर्नर ने अपना पैसा कमाया था।"

"हां बेशक।"

"धन्यवाद, मिस टर्नर। आपने मेरी बहुत मदद की है।"

"कल अगर कोई खबर मिले तो मुझे बताना। तुम निश्चित रूप से जेम्स से मिलने जेल जाओगे। ओह, अगर तुम जाओ, मिस्टर होम्स, तो उसे जरूर बताना कि मैं जानता हूं कि वह निर्दोष है।"

"जी हां, मिस टर्नर।"

"मुझे अब घर जाना होगा, क्योंकि पिताजी बहुत बीमार हैं और अगर मैं उन्हें छोड़कर चली गई तो उन्हें मेरी बहुत याद आएगी। अलविदा, और ईश्वर आपके काम में आपका साथ दे।" वह जितनी तेजी से कमरे में आई थी, उतनी ही तेज़ी से बाहर निकल गई, और हमें उसकी गाड़ी के पहियों की खड़खड़ाहट सड़क पर सुनाई दी।

कुछ मिनटों की चुप्पी के बाद लेस्ट्रेड ने गरिमापूर्ण लहजे में कहा, "होम्स, मुझे तुम पर शर्म आती है। तुम ऐसी उम्मीदें क्यों जगाते हो जिन्हें तोड़ देना तय है? मैं बहुत भावुक नहीं हूं, लेकिन इसे क्रूरता कहता हूं।"

होम्स ने कहा, "मुझे लगता है कि मुझे जेम्स मैकार्थी को बेगुनाह साबित करने का रास्ता मिल गया है। क्या आपके पास उससे जेल में मिलने का आदेश है?"

"हां, लेकिन सिर्फ तुम्हारे और मेरे लिए।"

"तो मैं बाहर जाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करूँगी। हमारे पास अभी भी ट्रेन से हेरेफोर्ड जाने और आज रात उससे मिलने का समय है?"

"प्रचुर।"

"तो चलिए ऐसा ही करते हैं। वॉटसन, मुझे डर है कि आपको यह बहुत धीमा लगेगा, लेकिन मैं केवल कुछ घंटों के लिए ही बाहर रहूंगा।"

मैं उनके साथ स्टेशन तक गया, फिर उस छोटे से कस्बे की गलियों में घूमता रहा, और अंत में होटल लौट आया, जहाँ मैं सोफे पर लेट गया और एक पीले कवर वाले उपन्यास में अपना ध्यान लगाने की कोशिश करने लगा। हालाँकि, कहानी का छोटा सा कथानक उस गहरे रहस्य के सामने बहुत ही कमजोर था, जिसकी हम छानबीन कर रहे थे, और मेरा ध्यान बार-बार घटनाओं से तथ्यों की ओर भटकता रहा, इसलिए मैंने अंततः उसे कमरे में फेंक दिया और दिन की घटनाओं पर पूरी तरह से विचार करने लगा। मान लीजिए कि उस अभागे युवक की कहानी बिलकुल सच है, तो फिर उसके पिता से बिछड़ने और उनकी चीखों से वापस खींचे जाने पर जंगल में भागने के बीच क्या भयानक घटना, क्या बिल्कुल अप्रत्याशित और असाधारण विपत्ति घटी होगी? यह कुछ भयानक और जानलेवा था। यह क्या हो सकता है? क्या चोटों की प्रकृति मेरे चिकित्सीय अंतर्ज्ञान को कुछ नहीं बता सकती? मैंने घंटी बजाई और साप्ताहिक काउंटी अखबार मंगवाया, जिसमें जांच का शब्दशः विवरण था। सर्जन के बयान में कहा गया था कि बाईं पार्श्विका हड्डी का पिछला तीसरा हिस्सा और पश्चकपाल हड्डी का बायां आधा हिस्सा किसी कुंद हथियार के जोरदार प्रहार से चकनाचूर हो गया था। मैंने अपने सिर पर उस जगह को चिह्नित किया। स्पष्ट रूप से ऐसा प्रहार पीछे से किया गया होगा। यह कुछ हद तक आरोपी के पक्ष में था, क्योंकि जब उसे झगड़ा करते देखा गया

तो वह अपने पिता के आमने-सामने था। फिर भी, यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं था, क्योंकि प्रहार होने से पहले बूढ़ा व्यक्ति अपनी पीठ घुमा सकता था। फिर भी, होम्स का ध्यान इस ओर आकर्षित करना उचित हो सकता है। फिर चूहे का अजीबोगरीब जिक्र था। इसका क्या मतलब हो सकता है? यह प्रलाप तो नहीं हो सकता। अचानक प्रहार से मरने वाला व्यक्ति आमतौर पर प्रलाप नहीं करता। नहीं, यह शायद अपनी मृत्यु के कारण को समझाने का प्रयास था। लेकिन यह क्या संकेत दे सकता है? मैंने कोई संभावित स्पष्टीकरण खोजने के लिए अपने दिमाग पर जोर डाला। और फिर युवा मैकार्थी द्वारा देखे गए भूरे कपड़े की घटना। अगर यह सच होता तो हत्यारे ने भागते समय अपने कपड़ों का कोई हिस्सा, शायद अपना ओवरकोट, गिरा दिया होता, और उसमें इतनी हिम्मत तो रही होगी कि वह वापस आकर उसे ठीक उसी समय उठा ले गया हो जब बेटा उससे कुछ ही कदम दूर पीठ करके घुटनों के बल बैठा था। यह पूरा मामला रहस्यों और असंभवताओं का कितना पेचीदा जाल था! मुझे लेस्ट्रेड की राय पर आश्चर्य नहीं हुआ, फिर भी मुझे शर्लक होम्स की अंतर्दृष्टि पर इतना भरोसा था कि जब तक हर नया तथ्य युवा मैकार्थी की निर्दोषता के उनके विश्वास को मजबूत करता प्रतीत होता रहा, मैं उम्मीद नहीं छोड़ सकता था।

शेरलॉक होम्स काफी देर बाद लौटे। वे अकेले ही लौटे, क्योंकि लेस्ट्रेड शहर में किराए के कमरे में ठहरे हुए थे।

“अभी भी उम्मीदें बहुत ज़्यादा हैं,” बैठते हुए उन्होंने कहा। “यह ज़रूरी है कि ज़मीन पर जाने से पहले बारिश न हो। दूसरी ओर, ऐसे अच्छे काम के लिए आदमी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और उत्साह दिखाना चाहिए, और मैं लंबी यात्रा से थका हुआ यह काम नहीं करना चाहता था। मैंने युवा मैकार्थी को देखा है।”

और आपने उनसे क्या सीखा?

"कुछ नहीं।"

"क्या वह प्रकाश नहीं फेंक सकता था?"

“बिल्कुल नहीं। एक समय मुझे लगा था कि वह जानता है कि यह किसने किया है और उसे छुपा रहा है, लेकिन अब मुझे पूरा यकीन है कि वह भी बाकी सब की तरह असमंजस में है। वह बहुत होशियार युवक नहीं है, हालांकि देखने में सुंदर है और मुझे लगता है कि उसका दिल अच्छा है।”

मैंने टिप्पणी की, "अगर यह सच है कि वह मिस टर्नर जैसी इतनी आकर्षक युवती से शादी करने के लिए अनिच्छुक थे, तो मैं उनके स्वाद की प्रशंसा नहीं कर सकता।"

“अरे, यहीं से एक दर्दनाक कहानी शुरू होती है। यह लड़का उससे पागलों की तरह प्यार करता है, लेकिन लगभग दो साल पहले, जब वह छोटा था और उसे ठीक से जानता भी नहीं था, क्योंकि वह पाँच साल बोर्डिंग स्कूल में रही थी, तो इस बेवकूफ ने ब्रिस्टल की एक बारमेड के चंगुल में फँसकर रजिस्ट्री ऑफिस में उससे शादी क्यों कर ली? इस मामले का किसी को कुछ पता नहीं है, लेकिन आप कल्पना कर सकते हैं कि उसे कितना गुस्सा आ रहा होगा कि उसे वह काम न करने के लिए फटकार लगाई जा रही है जो वह अपनी जान तक दे सकता है, लेकिन जिसे वह जानता है कि बिल्कुल असंभव है। इसी तरह के पागलपन ने उसे तब हाथ ऊपर उठाने पर मजबूर कर दिया जब उसके पिता, उनकी आखिरी मुलाकात में, उसे मिस टर्नर से शादी का प्रस्ताव देने के लिए उकसा रहे थे। दूसरी ओर, उसके पास अपना गुजारा करने का कोई साधन नहीं था, और उसके पिता, जो हर तरह से एक बहुत कठोर व्यक्ति थे, अगर उन्हें सच्चाई पता चलती तो उसे पूरी तरह से छोड़ देते। उसने ब्रिस्टल में अपनी बारमेड पत्नी के साथ आखिरी तीन दिन बिताए थे, और उसके पिता को पता है वो कहाँ था। इस बात को याद रखना। ये महत्वपूर्ण है। बुराई से अच्छाई निकली है, क्योंकि बारमेड को

अखबारों से पता चला कि वो गंभीर मुसीबत में है और उसे फांसी होने वाली है, तो उसने उसे पूरी तरह से छोड़ दिया और उसे पत्र लिखकर बताया कि उसका पति पहले से ही बरमूडा डॉकयार्ड में है, इसलिए अब उन दोनों के बीच कोई रिश्ता नहीं है। मुझे लगता है कि इस खबर ने युवा मैकार्थी को उसके सारे कष्टों के लिए सांत्वना दी है।

लेकिन अगर वह निर्दोष है, तो यह किसने किया है?

"अरे! कौन? मैं आपका ध्यान विशेष रूप से दो बिंदुओं पर दिलाना चाहता हूँ। पहला यह कि मृतक का पूल पर किसी से मिलने का समय तय था, और वह व्यक्ति उसका बेटा नहीं हो सकता था, क्योंकि उसका बेटा बाहर गया हुआ था और उसे नहीं पता था कि वह कब लौटेगा। दूसरा यह कि मृतक को अपने बेटे के लौटने से पहले 'कूई!' चिल्लाते हुए सुना गया था। ये वे महत्वपूर्ण बिंदु हैं जिन पर मामला टिका है। अब, कृपया जॉर्ज मेरेडिथ के बारे में बात करते हैं, और हम बाकी छोटी-मोटी बातों को कल के लिए छोड़ देते हैं।"

होम्स की भविष्यवाणी के विपरीत, बारिश नहीं हुई और सुबह धूप खिली हुई थी और आसमान साफ था। नौ बजे लेस्ट्रेड गाड़ी लेकर हमें लेने आए और हम हैदरली फार्म और बॉस्कॉम्ब पूल के लिए रवाना हो गए।

"आज सुबह एक गंभीर खबर आई है," लेस्ट्रेड ने कहा। "सुना जा रहा है कि हॉल के निवासी श्री टर्नर इतने बीमार हैं कि उनके बचने की कोई उम्मीद नहीं है।"

"मेरा अनुमान है कि वह एक बुजुर्ग व्यक्ति हैं?" होम्स ने कहा।

लगभग साठ वर्ष के; लेकिन विदेश में रहने के कारण उनका स्वास्थ्य काफी खराब हो गया है और वे कुछ समय से अस्वस्थ हैं। इस व्यवसाय का उन पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। वे मैकार्थी के पुराने मित्र थे और मैं यह भी कहना चाहूंगा कि वे उनके बड़े हितैषी थे, क्योंकि मुझे पता चला है कि उन्होंने उन्हें हैथरली फार्म बिना किराए के दे दिया था।

"बिल्कुल! यह दिलचस्प है," होम्स ने कहा।

"ओह, हाँ! उसने सौ अन्य तरीकों से उसकी मदद की है। यहाँ आसपास हर कोई उसके प्रति उसकी दयालुता की बात करता है।"

"सचमुच! क्या आपको यह थोड़ा अजीब नहीं लगता कि यह मैकार्थी, जिसके पास खुद की कोई संपत्ति नहीं थी और जो टर्नर का इतना ऋणी था, फिर भी अपने बेटे की शादी टर्नर की बेटी से करने की बात कर रहा है, जो संभवतः संपत्ति की वारिस है, और वह भी इतने आत्मविश्वास से, मानो यह महज़ एक प्रस्ताव हो और बाकी सब अपने आप हो जाए? यह और भी अजीब है, क्योंकि हम जानते हैं कि टर्नर खुद इस विचार के खिलाफ थे। बेटी ने हमें यही बताया था। क्या आप इससे कुछ निष्कर्ष नहीं निकालते?"

"हम निष्कर्षों और अनुमानों तक पहुँच चुके हैं," लेस्ट्रेड ने मेरी ओर आँख मारते हुए कहा। "होम्स, मुझे तथ्यों से निपटना ही काफी मुश्किल लगता है, सिद्धांतों और कल्पनाओं के पीछे भागने की क्या ज़रूरत है।"

होम्स ने विनम्रता से कहा, "आप सही कह रहे हैं; आपको तथ्यों का सामना करना वाकई बहुत मुश्किल लगता है।"

"खैर, मैंने एक तथ्य को समझ लिया है जिसे समझना आपके लिए मुश्किल प्रतीत होता है," लेस्ट्रेड ने कुछ गर्मजोशी के साथ उत्तर दिया।

"और वह यह है कि -"

"मैकार्थी सीनियर की मौत मैकार्थी जूनियर के हाथों हुई थी और इसके विपरीत सभी सिद्धांत सरासर निराधार हैं।"

"खैर, चांदनी तो कोहरे से कहीं ज्यादा चमकदार होती है," होम्स हंसते हुए बोला। "लेकिन अगर बाईं ओर दिख रहा यह हैदरली फार्म नहीं है, तो मैं बहुत बड़ी गलती कर

ँ

रहा हूँ।"

"हाँ, यही है।" यह एक विशाल, आरामदायक दिखने वाली दो मंज़िला इमारत थी, जिसकी छत स्लेट की थी और धूसर दीवारों पर लाइकेन के बड़े-बड़े पीले धब्बे थे। हालाँकि, बंद पर्दों और धुआँ रहित चिमनियों ने इसे एक उदास रूप दिया था, मानो उस भयावह घटना का बोझ अब भी इस पर भारी हो। हमने दरवाज़ा खटखटाया, जहाँ होम्स के अनुरोध पर नौकरानी ने हमें वे जूते दिखाए जो उसके मालिक ने अपनी मृत्यु के समय पहने थे, और साथ ही बेटे के जूते भी दिखाए, हालाँकि वे जूते उसके पुराने जूते नहीं थे। सात-आठ अलग-अलग बिंदुओं से इन जूतों को बहुत सावधानी से नापने के बाद, होम्स ने आँगन में चलने का अनुरोध किया, जहाँ से हम सभी घुमावदार रास्ते पर चलकर बॉस्कॉम्ब पूल की ओर चल पड़े।

जब शर्लक होम्स को ऐसी कोई सूचना मिलती, तो उनका रूप बदल जाता। बेकर स्ट्रीट के शांत विचारक और तर्कशास्त्री को जानने वाले लोग उन्हें पहचान ही नहीं पाते। उनका चेहरा लाल और गहरा हो जाता। उनकी भौंहें तनकर दो सख्त काली रेखाओं में सिमट जातीं, जबकि उनकी आँखें उनके नीचे से एक तीखी चमक बिखेरतीं। उनका चेहरा नीचे की ओर झुका होता, कंधे झुके होते, होंठ कसे होते, और उनकी लंबी, मज़बूत गर्दन की नसें कोड़े की तरह उभरी होतीं। उनकी नाक शिकार की तीव्र इच्छा से फैलती हुई प्रतीत होती, और उनका दिमाग सामने के मामले पर इतना केंद्रित होता कि कोई भी प्रश्न या टिप्पणी उनके कानों तक अनसुनी रह जाती, या ज़्यादा से ज़्यादा, केवल एक तेज़, अधीर गुर्राहट ही मिलती। तेज़ी से और चुपचाप वह घास के मैदानों से गुज़रने वाले रास्ते पर, और फिर जंगल के रास्ते बॉस्कॉम्ब पूल की ओर चल पड़े। वह इलाका नम और दलदली था, जैसा कि उस पूरे क्षेत्र का था, और पगडंडी पर और उसके दोनों ओर उगी छोटी घास के बीच कई पैरों के निशान थे। कभी होम्स तेज़ी से आगे बढ़ते, कभी एकदम रुक जाते, और एक बार तो वे घास के मैदान में थोड़ा सा घूम कर चले गए। लेस्ट्रेड और मैं उनके पीछे चल रहे थे, जासूस उदासीन और तिरस्कारपूर्ण भाव से, जबकि मैं अपने मित्र को उस रुचि से देख रहा था जो इस विश्वास से उत्पन्न होती थी कि उसका हर कार्य किसी निश्चित उद्देश्य की ओर निर्देशित था।

बॉस्कॉम्ब पूल, जो लगभग पचास गज चौड़ा, सरकंडों से घिरा एक छोटा सा जलाशय है, हैदरली फार्म और धनी श्री टर्नर के निजी पार्क की सीमा पर स्थित है। इसके दूसरी ओर घने जंगलों के ऊपर से हमें लाल रंग की उभरी हुई चोटियाँ दिखाई दे रही थीं, जो उस धनी जमींदार के घर की जगह को दर्शाती थीं। हैदरली की ओर वाले हिस्से में जंगल बहुत घना था, और पेड़ों की सीमा और झील के किनारे लगे सरकंडों के बीच बीस कदम चौड़ी गीली घास की एक संकरी पट्टी थी। लेस्ट्रेड ने हमें वह सटीक स्थान दिखाया जहाँ शव मिला था, और वास्तव में, ज़मीन इतनी गीली थी कि मैं घायल व्यक्ति के गिरने के निशान साफ़ देख सकता था। होम्स के उत्सुक चेहरे और पैनी नज़रों से मैं समझ गया कि कुचली हुई घास पर उसे और भी बहुत कुछ पढ़ना था। वह किसी गंध का पता लगाने वाले कुत्ते की तरह चारों ओर दौड़ा, और फिर मेरे साथी की ओर मुड़ा।

"तुम पूल में किसलिए गए थे?" उसने पूछा।

मैंने रेक से इधर-उधर छानबीन की। मुझे लगा कि शायद कोई हथियार या कोई और सुराग मिल जाए। लेकिन भला कैसे—"

"अरे, धत्! मेरे पास समय नहीं है! तुम्हारा वो बायाँ पैर, जो अंदर की ओर मुड़ा हुआ है, हर जगह दिख रहा है। एक छछूंदर भी उसका निशान ढूंढ सकता है, और वो सरकंडों के बीच गायब हो जाता है। काश, सब कुछ कितना आसान होता अगर मैं यहाँ उनके आने से पहले होता, जब वे भैंसों के झुंड की तरह आए और यहाँ सब कुछ रौंद

डाला। यहीं पर लॉज-कीपर के साथ दल आया था, और उन्होंने शव के चारों ओर छह-आठ फीट तक सारे निशान मिटा दिए हैं। लेकिन यहां एक ही पैर के तीन अलग-अलग निशान हैं।" उसने एक लेंस निकाला और बेहतर देखने के लिए अपने वाटरप्रूफ जैकेट पर लेट गया, और लगातार हमसे ज़्यादा खुद से बातें करता रहा। "ये युवा मैकार्थी के पैर हैं। दो बार वह चल रहा था, और एक बार तेज़ी से दौड़ा, जिससे तलवों पर गहरे निशान पड़ गए हैं और एड़ियाँ मुश्किल से दिखाई दे रही हैं। इससे उसकी कहानी की पुष्टि होती है। जब उसने अपने पिता को ज़मीन पर पड़ा देखा तो वह भागा। फिर ये पिता के पैर हैं जब वह इधर-उधर टहल रहे थे। तो ये क्या है? ये बंदूक का पिछला हिस्सा है जब बेटा खड़ा होकर सुन रहा था। और ये? हा हा! ये क्या है? पैर की उंगलियों के बल! पैर की उंगलियों के बल! चौकोर, बिल्कुल अनोखे जूते! ये आते हैं, ये जाते हैं, ये फिर आते हैं - ज़ाहिर है ये लबादे के लिए थे। अब ये कहां से आए?" वह इधर-उधर दौड़ता रहा, कभी निशान खो देता, कभी ढूंढ लेता, जब तक कि हम जंगल के किनारे के अंदर और आस-पास के सबसे बड़े पेड़, एक विशाल बीच के पेड़ की छाया में नहीं पहुँच गए। होम्स उस पेड़ के दूसरी तरफ गया और संतुष्टि की एक छोटी सी चीख के साथ एक बार फिर अपने चेहरे के बल लेट गया। वह काफी देर तक वहीं रुका रहा, पत्तों और सूखी टहनियों को पलटता रहा, जो मुझे धूल जैसा लग रहा था उसे एक लिफाफे में इकट्ठा करता रहा और अपने लेंस से न केवल जमीन बल्कि दूर-दूर तक फैले पेड़ों की छाल का भी निरीक्षण करता रहा। काई के बीच एक नुकीला पत्थर पड़ा था, जिसे उसने ध्यान से देखा और अपने पास रख लिया। फिर वह जंगल के रास्ते पर चलता रहा जब तक कि वह मुख्य सड़क पर नहीं पहुंच गया, जहाँ से सब कुछ गायब हो गया।

"यह काफी दिलचस्प मामला रहा है," उन्होंने अपने स्वाभाविक अंदाज़ में लौटते हुए कहा। "मुझे लगता है कि दाईं ओर का यह धूसर रंग का घर ही लॉज होगा। मेरा मन करता है कि मैं अंदर जाकर मोरन से बात कर लूं और शायद एक छोटा सा नोट भी लिख लूं। इसके बाद हम दोपहर के भोजन के लिए वापस चलेंगे। आप टैक्सी तक जाइए, मैं अभी आपके पास आ रहा हूं।"

लगभग दस मिनट बाद हमें हमारी टैक्सी वापस मिली और हम रॉस की ओर वापस चले गए, होम्स अभी भी उस पत्थर को अपने साथ लिए हुए था जिसे उसने जंगल से उठाया था।

"लेस्ट्रेड, शायद तुम्हें इसमें दिलचस्पी हो," उसने उसे आगे बढ़ाते हुए कहा। "इसी से हत्या की गई थी।"

मुझे कोई निशान नहीं दिख रहे हैं।

"कोई नहीं है।"

"तो फिर आपको कैसे पता?"

"उसके नीचे घास उग रही थी। वह वहाँ कुछ ही दिनों से पड़ा था। उसे कहाँ से लाया गया था, इसका कोई निशान नहीं था। वह चोटों से मेल खाता है। किसी अन्य हथियार का कोई निशान नहीं है।"

और हत्यारा?

"वह एक लंबा आदमी है, बाएं हाथ से काम करता है, दाहिने पैर से लंगड़ाता है, मोटे तले वाले जूते और एक धूसर चोगा पहनता है, सिगार पीता है, सिगार होल्डर का इस्तेमाल करता है और अपनी जेब में एक कुंद चाकू रखता है। कई अन्य संकेत भी हैं, लेकिन ये हमारी खोज में मदद करने के लिए पर्याप्त हो सकते हैं।"

लेस्ट्रेड हँसे। उन्होंने कहा, "मुझे डर है कि मैं अब भी संशयवादी हूँ। सिद्धांत तो ठीक हैं, लेकिन हमें एक कठोर ब्रिटिश जूरी से निपटना होगा।"

"हम देखेंगे," होम्स ने शांत भाव से उत्तर दिया। "आप अपनी विधि से काम करें, और मैं अपनी। मैं आज दोपहर व्यस्त रहूंगा, और संभवतः शाम की ट्रेन से लंदन लौट जाऊंगा।"

और अपना मामला अधूरा छोड़ दें?

नहीं, काम पूरा हो गया।

लेकिन रहस्य क्या है?

"यह समस्या हल हो गई है।"

तो फिर अपराधी कौन था?

"जिस सज्जन का मैं वर्णन कर रहा हूँ।"

"लेकिन यह है कौन?"

"पता लगाना मुश्किल नहीं होगा। यह कोई बहुत घनी आबादी वाला इलाका नहीं है।"

लेस्ट्रेड ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं एक व्यावहारिक व्यक्ति हूँ, और मैं सचमुच किसी लंगड़े बाएं हाथ वाले सज्जन की तलाश में पूरे देश में नहीं घूम सकता। मैं स्कॉटलैंड यार्ड में हंसी का पात्र बन जाऊंगा।"

"ठीक है," होम्स ने शांत स्वर में कहा। "मैंने तुम्हें मौका दिया। ये रहा तुम्हारा आवास। अलविदा। जाने से पहले मैं तुम्हें एक पत्र लिख दूंगा।"

लेस्ट्रेड को उसके कमरे में छोड़कर हम अपनी गाड़ी से होटल गए, जहाँ मेज पर दोपहर का भोजन लगा हुआ था। होम्स चुप थे और गहरी सोच में डूबे हुए थे, उनके चेहरे पर पीड़ा का भाव था, मानो वे किसी उलझन भरी स्थिति में फँस गए हों।

जब पर्दा हटाया गया तो उसने कहा, "देखो, वॉटसन, बस इस कुर्सी पर बैठ जाओ और मुझे थोड़ी देर तुम्हें उपदेश देने दो, मुझे ठीक से समझ नहीं आ रहा कि क्या करूं, और मैं तुम्हारी सलाह का स्वागत करूंगा। एक सिगार जलाओ और मुझे समझाने दो।"

"कृपया ऐसा करें।"

"खैर, अब इस मामले पर विचार करते हुए, युवा मैकार्थी के वृत्तांत में दो बातें ऐसी हैं जिन्होंने हम दोनों को तुरंत चौंका दिया, हालांकि ये बातें मुझे उसके पक्ष में और आपको उसके विरुद्ध लगीं। पहली बात यह थी कि उसके पिता ने, उसके बयान के अनुसार, उसे देखने से पहले 'कूई!' की आवाज निकाली। दूसरी बात, मरते समय चूहे का उसका अनोखा जिक्र। उसने कुछ शब्द बुदबुदाए, आप समझ रहे हैं ना, लेकिन बेटे के कानों तक बस यही पहुंचा। अब इन दो बिंदुओं से ही हमारी जांच शुरू होनी चाहिए, और हम यह मानकर शुरू करेंगे कि लड़के की कही बात बिलकुल सच है।"

तो फिर इस 'कूई!' का क्या हुआ?

"खैर, ज़ाहिर है कि यह आवाज़ बेटे के लिए नहीं थी। जहाँ तक उसे पता था, बेटा ब्रिस्टल में था। यह महज़ संयोग था कि वह आस-पास ही था। 'कूई!' की आवाज़ का मकसद उस व्यक्ति का ध्यान खींचना था जिससे उसकी मुलाकात तय थी। लेकिन 'कूई' एक खास ऑस्ट्रेलियाई आवाज़ है, और यह ऑस्ट्रेलियावासियों के बीच इस्तेमाल होती है। इस बात की प्रबल संभावना है कि जिस व्यक्ति से मैकार्थी को बोस्कोम्ब पूल में मिलने की उम्मीद थी, वह ऑस्ट्रेलिया में रह चुका था।"

तो फिर चूहे का क्या हुआ?

शर्लक होम्स ने अपनी जेब से एक मुड़ा हुआ कागज़ निकाला और उसे मेज पर फैला दिया। "यह विक्टोरिया कॉलोनी का नक्शा है," उन्होंने कहा। "मैंने इसे कल रात ब्रिस्टल से तार द्वारा मंगवाया था।" उन्होंने नक्शे के एक हिस्से पर हाथ रखा। "आप क्या देखते हैं?"

मैंने पढ़ा, "ARAT"।

“और अब?” उसने अपना हाथ उठाया।
“बलारत।”
“बिल्कुल सही। यही शब्द उस आदमी ने कहे थे, जिसके आखिरी दो अक्षर ही उसके बेटे ने सुने। वह अपने हत्यारे का नाम लेने की कोशिश कर रहा था। फलां-फलां, बैलेरेट का।”
“यह तो अद्भुत है!” मैंने कहा।
“यह स्पष्ट है। और अब, आप देखिए, मैंने संभावना को काफी हद तक सीमित कर दिया था। धूसर वस्त्र का होना एक तीसरा बिंदु था, जो बेटे के बयान को सही मानते हुए निश्चित था। अब हम मात्र अस्पष्टता से निकलकर इस निश्चित धारणा पर पहुँच गए हैं कि बैलेरेट का कोई आस्ट्रेलियाई व्यक्ति धूसर चोगा पहने हुए था।”
"निश्चित रूप से।"
और वह व्यक्ति जो ज़िले में घर जैसा महसूस करता हो, क्योंकि तालाब तक केवल खेत या जागीर के रास्ते ही पहुंचा जा सकता है, जहां अजनबी शायद ही भटक सकते हैं।
"निस्संदेह।"
“फिर आती है हमारी आज की मुहिम। इलाके की छानबीन करके मैंने अपराधी के बारे में कुछ मामूली जानकारियाँ हासिल कीं, जो मैंने उस मूर्ख लेस्ट्रेड को दीं।”
लेकिन आपने इन्हें कैसे हासिल किया?
“आप मेरी पद्धति से परिचित हैं। यह छोटी-छोटी बातों के अवलोकन पर आधारित है।”
"मुझे पता है कि आप उसकी लंबाई का अंदाजा उसके कदमों की लंबाई से लगा सकते हैं। उसके जूतों के निशान से भी उसका कद पता लगाया जा सकता है।"
"हां, वे अजीबोगरीब जूते थे।"
लेकिन उसका लंगड़ापन?
“उसके दाहिने पैर का निशान हमेशा बाएं पैर की तुलना में कम स्पष्ट होता था। वह उस पर कम भार डालता था। क्यों? क्योंकि वह लंगड़ाता था—वह लंगड़ाकर चलता था।”
लेकिन उनका बाएँ हाथ से लिखना।
“आप स्वयं भी जांच के दौरान सर्जन द्वारा दर्ज की गई चोट की प्रकृति से प्रभावित हुए होंगे। वार ठीक पीछे से किया गया था, फिर भी वह बाईं ओर लगा था। भला ऐसा कैसे हो सकता है जब तक कि वह वार किसी बाएं हाथ के व्यक्ति ने न किया हो? पिता-पुत्र के बीच हुई बातचीत के दौरान वह उस पेड़ के पीछे खड़ा था। उसने वहां सिगरेट भी पी थी। मुझे एक सिगार की राख मिली, जिसे तंबाकू की राख के मेरे विशेष ज्ञान के आधार पर मैं भारतीय सिगार बता सकता हूं। जैसा कि आप जानते हैं, मैंने इस पर कुछ ध्यान दिया है और 140 विभिन्न प्रकार के पाइप, सिगार और सिगरेट के तंबाकू की राख पर एक संक्षिप्त लेख लिखा है। राख मिलने के बाद, मैंने चारों ओर देखा और काई के बीच वह ठूंठ पाया जहां उसने उसे फेंका था। यह एक भारतीय सिगार था, उसी किस्म का जो रॉटरडैम में बनाया जाता है।”
और सिगार रखने वाला स्टैंड?
“मैंने देखा कि चाकू का सिरा उसके मुंह में नहीं था। इसलिए उसने किसी होल्डर का इस्तेमाल किया होगा। नोक को काटा गया था, दांतों से नहीं, लेकिन कट साफ नहीं था, इसलिए मैंने अनुमान लगाया कि यह किसी कुंद पेन-चाकू से किया गया होगा।”
“होम्स,” मैंने कहा, “आपने इस आदमी के चारों ओर ऐसा जाल बिछा दिया है जिससे वह बच नहीं सकता, और आपने एक निर्दोष व्यक्ति की जान बचाई है, ठीक

वैसे ही जैसे आपने उसे फांसी पर लटकाने वाली रस्सी काट दी हो। मुझे समझ आ रहा है कि यह सब किस ओर इशारा कर रहा है। अपराधी है—"

"श्रीमान जॉन टर्नर," होटल के वेटर ने हमारे बैठक कक्ष का दरवाजा खोलते हुए और एक आगंतुक को अंदर लाते हुए कहा।

अंदर आने वाला व्यक्ति विचित्र और प्रभावशाली था। उसकी धीमी, लंगड़ाती चाल और झुके हुए कंधे बुढ़ापे का आभास देते थे, फिर भी उसके कठोर, गहरी झुर्रियों वाले, खुरदुरे चेहरे और विशाल अंगों से पता चलता था कि वह शारीरिक और चरित्र दोनों में असाधारण रूप से मजबूत था। उसकी उलझी हुई दाढ़ी, सफ़ेद बाल और उभरी हुई, झुकी हुई भौहें मिलकर उसके रूप को गरिमा और शक्ति प्रदान करती थीं, लेकिन उसका चेहरा राख जैसा सफ़ेद था, जबकि उसके होंठ और नथुनों के कोने नीले रंग से रंगे हुए थे। एक नज़र में ही मुझे समझ आ गया कि वह किसी घातक और दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित है।

"कृपया सोफे पर बैठ जाइए," होम्स ने नरमी से कहा। "क्या आपको मेरा नोट मिला था?"

"हां, लॉज के मालिक ने यह बात उठाई थी। आपने कहा था कि आप मुझे यहां बदनामी से बचने के लिए देखना चाहते हैं।"

मुझे लगा था कि अगर मैं हॉल में जाऊंगी तो लोग बातें करेंगे।

"और आप मुझसे क्यों मिलना चाहते थे?" उसने थकी हुई आँखों में निराशा लिए मेरे साथी की ओर देखा, मानो उसके प्रश्न का उत्तर पहले ही मिल चुका हो।

"हां," होम्स ने शब्दों के बजाय नज़र के इशारे से जवाब दिया। "यही सच है। मैं मैकार्थी के बारे में सब कुछ जानता हूं।"

बूढ़े आदमी ने अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया। "भगवान् मेरी मदद करें!" वह रोते हुए बोला। "लेकिन मैं उस नौजवान को नुकसान नहीं होने देता। मैं आपको वचन देता हूँ कि अगर अदालत में उसके खिलाफ कुछ जाता तो मैं ज़रूर आवाज़ उठाता।"

"यह सुनकर मुझे खुशी हुई," होम्स ने गंभीरता से कहा।

"अगर मेरी प्यारी बेटी न होती तो मैं अभी बोल चुका होता। इससे उसका दिल टूट जाएगा—जब उसे पता चलेगा कि मुझे गिरफ्तार कर लिया गया है तो उसका दिल टूट जाएगा।"

"हो सकता है कि ऐसी नौबत न आए," होम्स ने कहा।

"क्या?"

"मैं कोई आधिकारिक एजेंट नहीं हूँ। मैं समझता हूँ कि आपकी बेटी को मेरी उपस्थिति की आवश्यकता थी, और मैं उसके हित में कार्य कर रहा हूं। लेकिन युवा मैकार्थी को छुड़ाना ही होगा।"

"मैं मरणासन्न हूं," बूढ़े टर्नर ने कहा। "मुझे कई वर्षों से मधुमेह है। मेरे डॉक्टर का कहना है कि यह कहना मुश्किल है कि मैं एक महीना भी जीवित रह पाऊंगा या नहीं। फिर भी मैं जेल में मरने की बजाय अपने घर में मरना पसंद करूंगा।"

होम्स उठे और कलम हाथ में लिए मेज पर बैठ गए, उनके सामने कागजों का एक बंडल था। उन्होंने कहा, "बस हमें सच बताओ। मैं तथ्यों को लिख लेता हूं। तुम इस पर हस्ताक्षर करोगे, और वॉटसन यहां गवाह के तौर पर मौजूद रहेगा। फिर मैं अंतिम समय में युवा मैकार्थी को बचाने के लिए तुम्हारा इकबालिया बयान पेश कर सकता हूं। मैं तुमसे वादा करता हूं कि मैं इसका इस्तेमाल तभी करूंगा जब यह बिलकुल आवश्यक होगा।"

"अच्छा ही हुआ," बूढ़े आदमी ने कहा; "सवाल यह है कि क्या मैं अदालती कार्यवाही तक जीवित रहूंगा, इसलिए मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता, लेकिन मैं ऐलिस को

इस सदमे से बचाना चाहता हूँ। और अब मैं तुम्हें सब कुछ स्पष्ट कर देता हूँ; इसमें काफी समय लगा है, लेकिन बताने में मुझे ज्यादा समय नहीं लगेगा।”

“तुम इस मरे हुए आदमी, मैकार्थी को नहीं जानते थे। वह साक्षात शैतान था। मैं तुम्हें बता रहा हूँ। भगवान तुम्हें ऐसे आदमी के चंगुल से बचाए। बीस साल से उसका चंगुल मुझ पर है और उसने मेरी जिंदगी तबाह कर दी है। मैं तुम्हें पहले बताता हूँ कि मैं उसके चंगुल में कैसे आया।”

“यह 1960 के दशक की शुरुआत की बात है, जब हम खदानों में थे। मैं तब एक नौजवान था, जोशीला और लापरवाह, किसी भी काम में हाथ आजमाने को तैयार। मैं बुरे लोगों की संगत में पड़ गया, शराब पीने लगा, अपनी ज़मीन के दावे में नाकाम रहा, जंगल में भटकने लगा, और संक्षेप में कहूँ तो, मैं यहाँ के लोगों की तरह एक लुटेरा बन गया। हम छह लोग थे, और हमने बेफिक्री भरी जिंदगी जी, कभी-कभी किसी स्टेशन को लूट लेते थे, या खदानों की ओर जाने वाली सड़क पर गाड़ियों को रोक लेते थे। मेरा नाम 'ब्लैक जैक ऑफ बल्लारत' था, और हमारी टोली को आज भी बस्ती में बल्लारत गैंग के नाम से याद किया जाता है।”

“एक दिन बैलेरेट से मेलबर्न तक सोने का एक काफिला आया, और हम घात लगाकर बैठे रहे और उस पर हमला कर दिया। हम छह घुड़सवार थे और हम छह, इसलिए मुकाबला बहुत करीबी था, लेकिन पहली ही गोलीबारी में हमने उनके चार घोड़ों को मार गिराया। हालाँकि, लूट का माल मिलने से पहले ही हमारे तीन जवान मारे गए। मैंने गाड़ी के चालक के सिर पर पिस्तौल तान दी, जो वही मैकार्थी था। काश मैंने उसे उसी समय गोली मार दी होती, लेकिन मैंने उसे छोड़ दिया, हालाँकि मैंने उसकी दुष्ट छोटी आँखें अपने चेहरे पर गड़ी देखीं, मानो वह मेरे हर चेहरे को याद रखना चाहता हो। हम सोना लेकर भाग निकले, अमीर बन गए, और बिना किसी शक के इंग्लैंड चले गए। वहाँ मैं अपने पुराने दोस्तों से बिछड़ गया और एक शांत और सम्मानजनक जीवन जीने का निश्चय किया। मैंने यह संपत्ति खरीदी, जो संयोग से बाजार में थी, और मैंने अपने पैसे से कुछ अच्छा काम करने का फैसला किया, ताकि मैंने जिस तरह से इसे कमाया था, उसकी भरपाई हो सके। मैंने शादी भी की, और हालाँकि मेरी पत्नी कम उम्र में ही मर गई, लेकिन वह मुझे मेरी प्यारी छोटी बेटी एलिस छोड़ गई। जब वह बिल्कुल नन्ही बच्ची थी, तब उसके नन्हे हाथ ने मुझे सही राह पर इस तरह से राह दिखाई, जैसा पहले कभी किसी और चीज़ ने नहीं दिखाया था। संक्षेप में, मैंने अपनी जिंदगी में एक नया अध्याय शुरू किया और अतीत की गलतियों को सुधारने की पूरी कोशिश की। सब कुछ ठीक चल रहा था, तभी मैकार्थी ने मुझ पर अपना शिकंजा कस लिया।

"मैं एक निवेश के सिलसिले में शहर गया था, और मेरी मुलाकात उससे रीजेंट स्ट्रीट में हुई, उसके शरीर पर मुश्किल से एक कोट था और पैरों में एक जूता भी नहीं था।"

“'ये लीजिए, जैक,' उसने मेरी बांह पर हाथ रखते हुए कहा; 'हम आपके लिए परिवार की तरह रहेंगे। हम दो लोग हैं, मैं और मेरा बेटा, और आप हमारी देखभाल कर सकते हैं। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो – इंग्लैंड एक अच्छा, कानून का पालन करने वाला देश है, और यहाँ हर जगह एक पुलिसवाला मौजूद रहता है।'”

“खैर, वे पश्चिम की ओर आ गए, उनसे पीछा छुड़ाना नामुमकिन था, और तब से वे मेरी सबसे अच्छी ज़मीन पर बिना किराया दिए रह रहे हैं। मुझे चैन नहीं मिला, चैन नहीं, भूलने की कोई गुंजाइश नहीं; मैं जिधर भी मुड़ता, उसका धूर्त, मुस्कुराता चेहरा मेरे सामने होता। एलिस के बड़े होने के साथ हालात और भी बदतर हो गए, क्योंकि उसने जल्द ही समझ लिया कि मुझे पुलिस से ज़्यादा डर इस बात का था कि एलिस को मेरे

अतीत के बारे में पता चल जाए। उसे जो चाहिए होता था, वो उसे मिल जाता था, और जो भी मिलता था, मैं उसे बिना सवाल किए दे देता था, ज़मीन, पैसा, घर, जब तक कि आखिर में उसने एक ऐसी चीज़ नहीं माँगी जो मैं नहीं दे सकता था। उसने एलिस को माँग लिया।”

“देखिए, उसका बेटा बड़ा हो गया था, और मेरी बेटी भी, और चूंकि मेरी सेहत ठीक नहीं थी, इसलिए उसे लगा कि अपने बेटे को सारी संपत्ति सौंप देनी एक अच्छा विचार है। लेकिन मैं इस बात पर अडिग थी। मैं नहीं चाहती थी कि उसका मनहूस वंश मेरे वंश से मिल जाए; ऐसा नहीं था कि मुझे उस लड़के से कोई नफ़रत थी, बस उसका खून उसमें था, और यही काफ़ी था। मैं अपनी बात पर अड़ी रही। मैकार्थी ने धमकी दी। मैंने उसे चुनौती दी कि वह जो चाहे करे। हम अपने घरों के बीच में स्थित तालाब पर मिलने वाले थे, ताकि इस बारे में बात कर सकें।”

जब हम वहाँ गए तो मैंने उसे अपने बेटे से बात करते हुए पाया, इसलिए मैंने एक सिगार पिया और एक पेड़ के पीछे तब तक इंतज़ार किया जब तक वह अकेला न हो जाए। लेकिन जैसे ही मैंने उसकी बातें सुनीं, मेरे अंदर की सारी काली और कड़वी भावनाएँ उमड़ आईं। वह अपने बेटे को मेरी बेटी से शादी करने के लिए उकसा रहा था, इस बात की परवाह किए बिना कि वह क्या सोचेगी, मानो वह सड़क की कोई वेश्या हो। यह सोचकर मैं पागल हो गया कि मैं और मेरी सबसे प्यारी चीज़ ऐसे आदमी के हाथों में हों। क्या मैं इस बंधन को तोड़ नहीं सकता था? मैं पहले से ही मरणासन्न और हताश था। हालांकि मेरा दिमाग साफ़ था और मेरे शरीर काफ़ी मज़बूत थे, मैं जानता था कि मेरा भाग्य तय हो चुका है। लेकिन मेरी यादें और मेरी बेटी! दोनों को बचाया जा सकता था अगर मैं उस गंदी ज़बान को चुप करा पाता। मैंने ऐसा किया, मिस्टर होम्स। मैं ऐसा फिर से करूंगा। मैंने कितना भी गहरा पाप किया हो, मैंने उसके प्रायश्चित के लिए शहादत का जीवन जिया है। लेकिन मेरी बेटी का उन्हीं जालों में फँसना जिनमें मैं फँसा था, मेरे लिए असहनीय था। मैंने उसे बिना किसी संकोच के मार गिराया, मानो वह कोई घिनौना और विषैला जानवर था। उसकी चीख सुनकर उसका बेटा लौट आया; लेकिन मैं जंगल में छिप गया था, हालांकि भागते समय मुझसे जो लबादा गिर गया था, उसे लेने के लिए मुझे वापस जाना पड़ा। सज्जनो, यही पूरी घटना की सच्ची कहानी है।

“खैर, आपका न्याय करना मेरा काम नहीं है,” बूढ़े व्यक्ति द्वारा तैयार किए गए बयान पर हस्ताक्षर करने के बाद होम्स ने कहा। “मैं प्रार्थना करता हूँ कि हम कभी भी ऐसे प्रलोभन में न पड़ें।”

“मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं होगा, महोदय। और आप क्या करने का इरादा रखते हैं?”

“आपकी सेहत को देखते हुए, कुछ नहीं। आप खुद जानते हैं कि आपको जल्द ही अपने किए का हिसाब अदालत में देना होगा, जो कि सर्वोच्च न्यायालय से भी बड़ी अदालत है। मैं आपका बयान सुरक्षित रखूंगा, और अगर मैकार्थी दोषी पाया जाता है तो मुझे इसे इस्तेमाल करना पड़ेगा। अगर नहीं, तो इसे कभी किसी ने नहीं देखा होगा; और आपका राज़, चाहे आप ज़िंदा हों या मर चुके हों, हमारे पास सुरक्षित रहेगा।”

“तो अलविदा,” बूढ़े ने गंभीर स्वर में कहा। “जब तुम्हारी मृत्यु का समय आएगा, तो यह सोचकर तुम्हें सुकून मिलेगा कि तुमने मेरी मृत्यु को शांति प्रदान की है।” अपने विशाल शरीर के बावजूद लड़खड़ाते और थरथराते हुए, वह धीरे-धीरे कमरे से बाहर निकल गया।

“भगवान हमारी मदद करें!” होम्स ने लंबी चुप्पी के बाद कहा। “किस्मत बेचारे, बेबस कीड़ों के साथ ऐसे ही खेल क्यों खेलती है? ऐसा कोई मामला मैं कभी नहीं सुनता

जिसमें मुझे बेक्सटर के शब्द याद न आएं और मैं कहूं, 'भगवान की कृपा से ही शर्लक होम्स बच गया।'"

होम्स द्वारा उठाए गए और बचाव पक्ष के वकील को सौंपे गए कई आपत्तियों के आधार पर जेम्स मैकार्थी को अदालत में बरी कर दिया गया। हमारी मुलाकात के बाद ओल्ड टर्नर सात महीने तक जीवित रहे, लेकिन अब उनका निधन हो चुका है; और पूरी संभावना है कि बेटा और बेटी अपने अतीत पर मंडरा रहे काले साये से अनजान रहकर सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

पाँच संतरे के बीज

जब मैं 1982 से 1990 के बीच के शर्लक होम्स के मामलों से संबंधित अपने नोट्स और रिकॉर्ड्स पर नज़र डालता हूँ, तो मुझे इतने सारे मामले मिलते हैं जिनमें विचित्र और रोचक विशेषताएं हैं कि यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि किसे चुना जाए और किसे छोड़ दिया जाए। कुछ मामलों को पहले ही अखबारों के माध्यम से प्रसिद्धि मिल चुकी है, जबकि अन्य में मेरे मित्र के उन विशिष्ट गुणों को दिखाने का अवसर नहीं मिला है, जिन्हें इन लेखों का उद्देश्य दर्शाना है। कुछ मामलों ने उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता को भी चुनौती दी है, और कहानियों के रूप में वे अधूरी शुरुआत की तरह हैं, जबकि अन्य आंशिक रूप से ही सुलझे हैं, और उनकी व्याख्याएं उनके प्रिय तार्किक प्रमाण के बजाय अनुमान और अटकलों पर आधारित हैं। हालांकि, इन अंतिम मामलों में से एक ऐसा है जो अपने विवरणों में इतना उल्लेखनीय और अपने परिणामों में इतना चौंकाने वाला है कि मैं इसके बारे में कुछ लिखना चाहता हूँ, इस तथ्य के बावजूद कि इससे जुड़े कुछ बिंदु ऐसे हैं जो कभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हुए हैं, और शायद कभी नहीं होंगे।

1987 में हमें कमोबेश दिलचस्प घटनाओं की एक लंबी श्रृंखला देखने को मिली, जिनके रिकॉर्ड मैंने संभाल कर रखे हैं। इस एक बारह महीनों के अंतर्गत दर्ज मामलों में मुझे पैराडोल चैंबर का किस्सा, एमेच्योर मेंडिकेंट सोसाइटी का किस्सा (जिसने फर्नीचर गोदाम के निचले तहखाने में एक आलीशान क्लब चलाया था), ब्रिटिश जहाज़ सोफी एंडरसन के लापता होने से जुड़े तथ्य, उफ्फा द्वीप में ग्राइस पैटरसन परिवार के अनोखे कारनामे और अंत में कैम्बरवेल ज़हर कांड का मामला मिलता है। जैसा कि आपको याद होगा, कैम्बरवेल ज़हर कांड में शर्लक होम्स ने मृतक की घड़ी में चाबी भरकर यह साबित कर दिया था कि उसमें दो घंटे पहले चाबी भरी गई थी, और इसलिए मृतक उसी समय के भीतर सो गया था - यह निष्कर्ष मामले को सुलझाने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ। इन सभी का संक्षिप्त विवरण मैं भविष्य में कभी दे सकता हूं, लेकिन इनमें से कोई भी मामला उन विलक्षण घटनाओं की तरह नहीं है जिनका वर्णन करने के लिए मैंने अब कलम उठाई है।

सितंबर के आखिरी दिन थे, और विषुवतीय तूफान असाधारण तीव्रता से चल रहे थे। दिन भर हवा चीखती रही और बारिश खिड़कियों पर ज़ोर से टकराती रही, यहां तक कि लंदन के इस विशाल, कृत्रिम शहर के बीचोंबीच भी हमें पल भर के लिए रोज़मर्रा की ज़िंदगी से ध्यान हटाकर उन शक्तिशाली प्राकृतिक शक्तियों की उपस्थिति को महसूस करना पड़ा, जो पिंजरे में बंद जंगली जानवरों की तरह, सभ्यता की सलाखों के पार से मनुष्य पर चीखती हैं। जैसे-जैसे शाम ढलती गई, तूफान और तेज़ होता गया, और हवा चिमनी में बैठे बच्चे की तरह रोने और सिसकने लगी। शर्लक होम्स चिमनी के एक तरफ उदास बैठे अपने अपराधों के रिकॉर्ड का मिलान कर रहे थे, जबकि मैं दूसरी तरफ क्लार्क रसेल की एक बेहतरीन समुद्री कहानी में डूबा हुआ था, जब तक कि बाहर से आती तूफानी हवा की गर्जना पाठ में घुलमिलती हुई प्रतीत नहीं हुई, और बारिश की

बूंदें समुद्र की लहरों के लंबे शोर में घुलमिल गईं। मेरी पत्नी अपनी मां के घर घूमने गई हुई थी, और कुछ दिनों के लिए मैं एक बार फिर बेकर स्ट्रीट स्थित अपने पुराने क्वार्टर में रहने लगा था।

मैंने अपने साथी की ओर देखते हुए कहा, "अरे, ये तो घंटी ही थी। आज रात कौन आ सकता है? शायद तुम्हारा कोई दोस्त?"

“आपके सिवा मेरा कोई नहीं,” उसने उत्तर दिया। “मैं आगंतुकों को आमंत्रित नहीं करता।”

तो फिर, एक ग्राहक?

“अगर ऐसा है, तो यह एक गंभीर मामला है। इससे कम कोई बात किसी आदमी को ऐसे दिन और ऐसे समय पर बाहर नहीं ला सकती। लेकिन मुझे लगता है कि यह मकान मालकिन का कोई करीबी दोस्त ही होगा।”

शर्लक होम्स का अनुमान गलत निकला, क्योंकि गलियारे में किसी के कदमों की आहट सुनाई दी और दरवाजे पर दस्तक हुई। उन्होंने अपना लंबा हाथ बढ़ाकर लैंप को अपनी ओर से हटाकर उस खाली कुर्सी की ओर कर दिया जिस पर कोई नया व्यक्ति बैठने वाला था।

“अंदर आओ!” उसने कहा।

अंदर आने वाला व्यक्ति युवा था, लगभग 22 वर्ष का, सलीके से तैयार और सुसज्-धज कर कपड़े पहने हुए, उसके व्यवहार में एक खास तरह की शालीनता और कोमलता झलक रही थी। उसके हाथ में लहराता हुआ छाता और उसका लंबा चमकदार वाटरप्रूफ जैकेट बता रहे थे कि वह भयंकर मौसम से गुज़रकर आया है। वह दीपक की तेज़ रोशनी में घबराकर इधर-उधर देख रहा था, और मैं देख सकता था कि उसका चेहरा पीला पड़ गया था और आँखें भारी थीं, मानो वह किसी गहरी चिंता से व्याकुल हो।

“मुझे आपसे माफी मांगनी चाहिए,” उसने अपने सुनहरे चश्मे को आंखों पर उठाते हुए कहा। “मुझे उम्मीद है कि मैं दखल नहीं दे रहा हूं। मुझे डर है कि मैं आपके आरामदायक कमरे में तूफान और बारिश के कुछ अंश लेकर आया हूँ।”

“मुझे अपना कोट और छाता दे दो,” होम्स ने कहा। “इन्हें यहाँ हुक पर टांग दो और ये थोड़ी देर में सूख जाएँगे। मुझे लगता है कि तुम दक्षिण-पश्चिम से आए हो।”

"जी हां, हॉर्शम से।"

"तुम्हारे पैर की उंगलियों पर जो मिट्टी और चूने का मिश्रण मुझे दिख रहा है, वह काफी विशिष्ट है।"

मैं सलाह लेने आया हूँ।

“वह आसानी से मिल जाता है।”

और मदद करें।

"यह हमेशा इतना आसान नहीं होता।"

“मैंने आपके बारे में सुना है, श्री होम्स। मैंने मेजर प्रेन्डरगास्ट से सुना है कि आपने टैंकरविले क्लब घोटाले में उनकी जान कैसे बचाई।”

“अरे हाँ, बिल्कुल। उस पर ताश के खेल में धोखाधड़ी का गलत आरोप लगाया गया था।”

उन्होंने कहा कि तुम किसी भी समस्या का समाधान कर सकते हो।

उन्होंने बहुत ज्यादा बोल दिया।

"कि तुम कभी पराजित नहीं होगे।"

मुझे चार बार पीटा गया है - तीन बार पुरुषों द्वारा और एक बार एक महिला द्वारा।

लेकिन आपकी सफलताओं की संख्या के मुकाबले यह क्या है?

"यह सच है कि मैं आम तौर पर सफल रहा हूं।"

"तो फिर आप भी मेरे साथ ऐसा ही कर सकते हैं।"

मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप अपनी कुर्सी आग के पास खींच लें और मुझे अपने मामले के बारे में कुछ विस्तृत जानकारी दें।

यह कोई साधारण नहीं है।

"मेरे पास आने वाले मामलों में से कोई भी मामला वैध नहीं है। मैं अंतिम अपील न्यायालय हूं।"

"और फिर भी, महोदय, मैं यह सवाल करता हूँ कि क्या आपने अपने पूरे अनुभव में, मेरे परिवार में घटी घटनाओं की श्रृंखला से अधिक रहस्यमय और अस्पष्ट घटनाओं की श्रृंखला कभी सुनी है?"

"आपने मेरी रुचि जगा दी है," होम्स ने कहा। "कृपया शुरुआत से ही मुख्य तथ्य बता दीजिए, और बाद में मैं आपसे उन विवरणों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ जो मुझे सबसे महत्वपूर्ण लगते हैं।"

युवक ने अपनी कुर्सी खींची और अपने गीले पैरों को आग की ओर बढ़ाया।

उन्होंने कहा, "मेरा नाम जॉन ओपनशॉ है, लेकिन जहां तक मुझे समझ आता है, मेरे निजी मामलों का इस भयानक मामले से कोई लेना-देना नहीं है। यह एक वंशानुगत मामला है; इसलिए आपको तथ्यों का अंदाजा देने के लिए, मुझे इस मामले की शुरुआत से ही बताना होगा।"

आपको पता होना चाहिए कि मेरे दादा के दो बेटे थे - मेरे चाचा एलियास और मेरे पिता जोसेफ। मेरे पिता की कोवेंट्री में एक छोटी सी फैक्ट्री थी, जिसे उन्होंने साइकिल के आविष्कार के समय बड़ा किया था। वे ओपनशॉ के अटूट टायर के पेटेंट धारक थे, और उनका व्यवसाय इतना सफल रहा कि वे इसे बेचकर अच्छी खासी संपत्ति के साथ सेवानिवृत्त हो सके।

मेरे चाचा एलियास युवावस्था में अमेरिका चले गए और फ्लोरिडा में एक बागान मालिक बन गए, जहां उन्होंने बहुत तरक्की की। युद्ध के समय उन्होंने जैक्सन की सेना में और बाद में हुड के अधीन लड़ाई लड़ी, जहाँ वे कर्नल के पद तक पहुँचे। जब ली ने अपने हथियार डाल दिए, तो मेरे चाचा अपने बागान में लौट आए, जहाँ वे तीन-चार साल तक रहे। लगभग 1869 या 1870 में वे वापस यूरोप आ गए और हॉर्शम के पास ससेक्स में एक छोटी सी जागीर ले ली। उन्होंने अमेरिका में काफी संपत्ति अर्जित की थी, और उन्हें छोड़ने का उनका कारण अश्वेतों के प्रति उनकी घृणा और उन्हें मताधिकार देने की रिपब्लिकन नीति के प्रति उनकी नापसंदगी थी। वे एक विलक्षण व्यक्ति थे, उग्र और गुस्सैल, क्रोध में बहुत अपशब्द बोलने वाले और अत्यंत एकांतप्रिय स्वभाव के। हॉर्शम में रहने के दौरान, मुझे संदेह है कि उन्होंने कभी शहर में कदम रखा हो। उनके घर के चारों ओर एक बगीचा और दो-तीन खेत थे, और वे वहीं व्यायाम करते थे, हालाँकि अक्सर हफ्तों तक वे बिना व्यायाम के रहते थे। वह कभी अपने कमरे से बाहर नहीं निकलता था। वह बहुत अधिक ब्रांडी पीता था और जमकर धूम्रपान करता था, लेकिन वह किसी से मिलना-जुलना पसंद नहीं करता था और न ही कोई दोस्त चाहता था, यहाँ तक कि अपने भाई से भी नहीं।

उन्हें मुझसे कोई शिकायत नहीं थी; बल्कि, उन्हें मैं पसंद आ गई थी, क्योंकि जब उन्होंने मुझे पहली बार देखा था, तब मैं लगभग बारह साल की बच्ची थी। यह सन् 1878 की बात है, जब वे इंग्लैंड में आठ-नौ साल बिता चुके थे। उन्होंने मेरे पिता से मुझे अपने साथ रहने देने की विनती की और वे अपने तरीके से मेरे प्रति बहुत दयालु थे। जब वे होश में होते थे, तो मेरे साथ बैकगैमोन और शतरंज खेलना उन्हें बहुत पसंद था, और वे मुझे नौकरों और व्यापारियों दोनों के सामने अपना प्रतिनिधि बनाते थे, इसलिए जब मैं

सोलह साल की हुई, तब तक मैं घर की पूरी तरह मालकिन बन चुकी थी। सारी चाबियां मेरे पास थीं और मैं जहाँ चाहती, जा सकती थी और जो चाहती, कर सकती थी, बशर्ते मैं उनकी निजता में दखल न दूं। हालाँकि, एक अपवाद था, क्योंकि उनके पास अटारी में एक कमरा था, एक कबाड़खाना, जो हमेशा बंद रहता था, और जिसमें वे न तो मुझे और न ही किसी और को जाने देते थे। एक बच्चे की जिज्ञासा में मैंने चाबी के छेद से झाँका था, लेकिन मैं कभी भी उस संग्रह से ज़्यादा कुछ नहीं देख पाई। कमरे में पुराने संदूक और बंडल मौजूद थे, जैसा कि ऐसे कमरे में अपेक्षित होता है।

"एक दिन—मार्च 1883 की बात है—कर्नल की थाली के सामने मेज पर एक विदेशी डाक टिकट वाला पत्र पड़ा था। उनके लिए पत्र मिलना आम बात नहीं थी, क्योंकि उनके सारे बिल नकद में चुकाए जाते थे और उनका कोई खास दोस्त भी नहीं था। 'भारत से!' उन्होंने पत्र उठाते हुए कहा, 'पॉन्डिचेरी की डाक टिकट! ये क्या हो सकता है?' जल्दी से पत्र खोलते ही उसमें से संतरे के पाँच छोटे सूखे बीज उछलकर उनकी थाली पर गिर पड़े। मुझे इस पर हंसी आ गई, लेकिन उनका चेहरा देखकर मेरी हंसी रुक गई। उनके होंठ लटके हुए थे, आँखें बाहर निकली हुई थीं, त्वचा पीली पड़ गई थी, और वे कांपते हाथों में पकड़े लिफ़ाफ़े को घूर रहे थे, 'के.के.के.!' वे चीखे, और फिर बोले, 'हे भगवान, हे भगवान, मेरे पापों ने मुझे घेर लिया है!'

"'क्या बात है, चाचाजी?' मैंने चिल्लाकर पूछा।"

"'मौत,' उसने कहा और मेज़ से उठकर अपने कमरे में चला गया, मुझे डर से कांपता हुआ छोड़कर। मैंने लिफाफा उठाया और देखा कि अंदर के फ़्लैप पर, गोंद के ठीक ऊपर, लाल स्याही से तीन बार 'के' लिखा हुआ था। उस पर पाँच सूखे बीज के अलावा और कुछ नहीं था। उसके इस भयानक डर का कारण क्या हो सकता है? मैं नाश्ते की मेज़ से उठा और जैसे ही सीढ़ियों पर चढ़ा, मैंने उसे एक हाथ में एक पुरानी जंग लगी चाबी लिए नीचे आते देखा, जो शायद अटारी की चाबी रही होगी, और दूसरे हाथ में एक छोटा सा पीतल का डिब्बा, जैसे कोई कैश बॉक्स हो।

"'वे जो चाहें कर सकते हैं, लेकिन मैं फिर भी उन्हें मात दे दूंगा,' उसने शपथपूर्वक कहा। 'मैरी को बता देना कि मुझे आज अपने कमरे में आग चाहिए, और होर्शम के वकील फोर्डहम को भेज देना।'"

मैंने उसके आदेश का पालन किया, और जब वकील आया तो मुझे कमरे में जाने के लिए कहा गया। आग तेज़ी से जल रही थी, और अंगीठी में जले हुए कागज़ जैसी काली, मुलायम राख का ढेर था, जबकि पीतल का डिब्बा उसके बगल में खुला और खाली पड़ा था। जैसे ही मैंने डिब्बे पर नज़र डाली, मैं चौंक गया कि ढक्कन पर वही तिहरा 'के' छपा हुआ था जिसे मैंने सुबह लिफाफे पर पढ़ा था।

"'जॉन, मैं चाहता हूं कि तुम मेरी वसीयत के गवाह बनो,' मेरे चाचा ने कहा। मैं अपनी सारी संपत्ति, उसके सभी लाभों और हानियों सहित, अपने भाई, तुम्हारे पिता को देता हूं, जहाँ से यह निस्संदेह तुम्हें मिलेगी। यदि तुम शांति से इसका आनंद ले सको, तो बहुत अच्छा! यदि तुम ऐसा नहीं कर सको, तो मेरी सलाह मानो, मेरे बेटे, और इसे अपने सबसे बड़े दुश्मन को दे दो। मुझे खेद है कि मैं तुम्हें ऐसी दोधारी तलवार दे रहा हूं, लेकिन मैं नहीं कह सकता कि आगे क्या होगा। कृपया उस कागज़ पर हस्ताक्षर कर दो जहाँ श्री फोर्डहम तुम्हें दिखाएं।'"

मैंने निर्देशानुसार कागज़ पर हस्ताक्षर कर दिए, और वकील उसे अपने साथ ले गया। जैसा कि आप सोच सकते हैं, उस अनोखी घटना ने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला, और मैं उस पर बहुत सोचता रहा, हर तरह से उसका विश्लेषण करता रहा, लेकिन कुछ भी समझ नहीं पाया। फिर भी, उस घटना से उपजे डर की अस्पष्ट भावना को मैं भुला नहीं पाया, हालाँकि जैसे-जैसे सप्ताह बीतते गए और हमारे जीवन की सामान्य

दिनचर्या में कोई बदलाव नहीं आया, वह भावना कम होती गई। हालांकि, मैंने अपने चाचा में एक बदलाव देखा। वे पहले से कहीं ज़्यादा शराब पीने लगे थे, और किसी भी तरह के सामाजिक मेलजोल में उनकी रुचि कम हो गई थी। वे अपना अधिकांश समय अपने कमरे में, अंदर से दरवाज़ा बंद करके बिताते थे, लेकिन कभी-कभी वे नशे में उन्माद की स्थिति में बाहर निकलते और घर से बाहर निकलकर हाथ में रिवाल्वर लिए बगीचे में इधर-उधर भागने लगते, चिल्लाते हुए कहते कि उन्हें किसी से डर नहीं है, और उन्हें किसी इंसान या शैतान द्वारा बाड़े में बंद भेड़ की तरह नहीं रखा जा सकता। हालांकि, जब ये उन्माद के दौरे शांत हो जाते, तो वे उग्रता से दरवाज़े से अंदर घुसते और उसे पीछे से बंद कर देते, जैसे कोई आदमी... अब वह अपने भीतर जड़े जमाए उस भय के विरुद्ध निर्भीकता से नहीं लड़ सकता। ऐसे समय में मैंने उसका चेहरा, यहाँ तक कि सर्द दिन में भी, नमी से चमकता देखा है, मानो उसे अभी-अभी किसी पात्र से निकाला गया हो।

खैर, श्रीमान होम्स, बात को यहीं समाप्त करते हुए, और आपके धैर्य की परीक्षा न लेते हुए, एक रात ऐसा हुआ कि वह नशे में धुत होकर इधर-उधर भटकने लगा और फिर कभी वापस नहीं लौटा। जब हम उसे ढूंढने गए, तो हमने उसे बगीचे के नीचे बने एक छोटे से हरे रंग के झागदार तालाब में औंधा पड़ा पाया। वहाँ किसी प्रकार की हिंसा का कोई निशान नहीं था, और पानी केवल दो फुट गहरा था, इसलिए जूरी ने उसकी जानी-मानी सनक को ध्यान में रखते हुए 'आत्महत्या' का फैसला सुनाया। लेकिन मैं, जो जानता था कि वह मृत्यु के विचार मात्र से ही कितना कांप उठता था, खुद को यह समझाने में बहुत मशक्कत करनी पड़ी कि उसने जानबूझकर ऐसा किया था। हालांकि, मामला सुलझ गया, और मेरे पिता को संपत्ति और बैंक में जमा लगभग 14,000 पाउंड का अधिकार प्राप्त हो गया।

"एक पल रुकिए," होम्स ने बीच में टोकते हुए कहा, "मुझे लगता है कि आपका बयान अब तक सुने गए सबसे असाधारण बयानों में से एक है। कृपया मुझे अपने चाचा को पत्र मिलने की तारीख और उनकी कथित आत्महत्या की तारीख बता दीजिए।"

"यह पत्र 10 मार्च, 1883 को पहुंचा। उनकी मृत्यु सात सप्ताह बाद, 2 मई की रात को हुई।"

"धन्यवाद। कृपया आगे बढ़ें।"

जब मेरे पिता ने हॉर्शम की संपत्ति संभाली, तो उन्होंने मेरे अनुरोध पर अटारी की सावधानीपूर्वक जांच की, जो हमेशा बंद रहती थी। हमें वहां पीतल का बक्सा मिला, हालांकि उसके अंदर की चीजें नष्ट हो चुकी थीं। बक्से के अंदर एक कागज का लेबल लगा था, जिस पर K. K. K. के शुरुआती अक्षर बार-बार लिखे थे, और उसके नीचे 'पत्र, ज्ञापन, रसीदें और एक रजिस्टर' लिखा था। हमारा मानना है कि ये उन कागजातों की प्रकृति को दर्शाते थे जिन्हें कर्नल ओपनशॉ ने नष्ट कर दिया था। इसके अलावा, अटारी में कुछ खास महत्वपूर्ण नहीं था, सिवाय मेरे चाचा के अमेरिका में बिताए जीवन से संबंधित कई बिखरे हुए कागजात और नोटबुक के। इनमें से कुछ युद्ध के समय के थे और दर्शाते थे कि उन्होंने अपना कर्तव्य बखूबी निभाया था और एक बहादुर सैनिक के रूप में ख्याति अर्जित की थी। अन्य दक्षिणी राज्यों के पुनर्निर्माण के समय के थे और ज्यादातर राजनीति से संबंधित थे, क्योंकि उन्होंने स्पष्ट रूप से उत्तर से भेजे गए भ्रष्ट राजनेताओं का विरोध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

"खैर, यह 1984 की शुरुआत थी जब मेरे पिता हॉर्शम में रहने आए, और 1985 के जनवरी तक हमारे बीच सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा। नए साल के चौथे दिन, जब हम नाश्ते की मेज पर साथ बैठे थे, मैंने अपने पिता को आश्चर्य से चीखते हुए सुना। वे एक हाथ में नया खुला लिफाफा और दूसरे हाथ की फैली हुई हथेली में संतरे के पांच

सूखे बीज लिए बैठे थे। वे हमेशा कर्नल के बारे में मेरी उस मनगढ़ंत कहानी पर हँसते थे, जिसे वे झूठा कहते थे, लेकिन अब जब उनके साथ भी वही हुआ था, तो वे बहुत डरे हुए और हैरान दिख रहे थे।

"'अरे, इसका मतलब क्या है, जॉन?' वह हकलाते हुए बोला।

मेरा दिल एकदम जम गया था। मैंने कहा, 'यह के.के.के. है।'

"उसने लिफाफे के अंदर देखा। 'तो ये रहा,' वह चिल्लाया। 'ये रहे वही पत्र। लेकिन इनके ऊपर ये क्या लिखा है?'"

मैंने उसके कंधे के ऊपर से झाँकते हुए पढ़ा, "'कागजों को धूपघड़ी पर रख दो।'"

"'कौन से कागज़? कौन सी धूपघड़ी?' उसने पूछा।"

"'बगीचे में धूपघड़ी है। इसके अलावा कोई और नहीं है,' मैंने कहा; 'लेकिन कागज़ात तो नष्ट किए जाने ही चाहिए।'"

"'छी!' उसने हिम्मत जुटाते हुए कहा। 'हम एक सभ्य देश में हैं, और हम इस तरह की मूर्खता बर्दाश्त नहीं कर सकते। यह चीज़ कहाँ से आई?'

मैंने डाक टिकट की मुहर पर नजर डालते हुए जवाब दिया, "'डंडी से।'"

"'यह कैसी बेतुकी शरारत है,' उसने कहा। 'मुझे धूपघड़ियों और कागजों से क्या लेना-देना? मैं ऐसी बकवास पर ध्यान नहीं दूंगा।'"

मैंने कहा, "मुझे निश्चित रूप से पुलिस से बात करनी चाहिए।"

"और मेरी मेहनत पर लोग हँसेंगे। ऐसा कुछ नहीं होगा।"

"'तो क्या मुझे ऐसा करने देना चाहिए?'"

"'नहीं, मैं तुम्हें मना करता हूँ। मैं इस तरह की बेतुकी बातों पर कोई हंगामा नहीं होने दूंगा।'"

"उससे बहस करना व्यर्थ था, क्योंकि वह बहुत ही हठी आदमी था। फिर भी, मैं आशंकाओं से भरे दिल के साथ घूमता रहा।"

पत्र मिलने के तीसरे दिन मेरे पिता अपने एक पुराने मित्र, मेजर फ्रीबॉडी से मिलने घर से निकले, जो पोर्टसडाउन हिल पर स्थित किलों में से एक के कमांडर हैं। मुझे खुशी हुई कि वे चले गए, क्योंकि मुझे लगा कि घर से दूर रहने पर वे खतरे से सुरक्षित रहेंगे। लेकिन इस मामले में मैं गलत था। उनके जाने के दूसरे दिन ही मुझे मेजर का एक टेलीग्राम मिला, जिसमें उन्होंने मुझसे तुरंत आने का अनुरोध किया था। मेरे पिता आसपास के इलाकों में मौजूद गहरे चूने के गड्ढों में से एक में गिर गए थे और बुरी तरह क्षतिग्रस्त खोपड़ी के साथ बेहोश पड़े थे। मैं तुरंत उनके पास पहुंचा, लेकिन होश में आए बिना ही उनका निधन हो गया। ऐसा प्रतीत होता है कि वे शाम के समय फेयरहम से लौट रहे थे, और चूंकि वे उस इलाके से परिचित नहीं थे और चूने का गड्ढा खुला हुआ था, इसलिए जूरी ने बिना किसी हिचकिचाहट के 'दुर्घटना से मृत्यु' का फैसला सुनाया। मैंने उनकी मृत्यु से जुड़े हर तथ्य की सावधानीपूर्वक जांच की, लेकिन मुझे ऐसा कुछ भी नहीं मिला जिससे हत्या का संदेह हो। हिंसा का कोई निशान नहीं था, पैरों के निशान नहीं थे, लूटपाट नहीं हुई थी, सड़कों पर किसी अजनबी को देखे जाने का कोई रिकार्ड नहीं था। फिर भी, यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि मेरा मन बिल्कुल भी शांत नहीं था, और मुझे लगभग पूरा यकीन था कि उसके खिलाफ कोई घिनौनी साजिश रची गई है।

"मुझे इस भयावह तरीके से अपनी विरासत मिली। आप मुझसे पूछेंगे कि मैंने इसे क्यों नहीं बेचा? मेरा जवाब है, क्योंकि मुझे पूरा विश्वास था कि हमारी परेशानियां किसी न किसी तरह मेरे चाचा के जीवन की एक घटना पर निर्भर थीं, और यह खतरा एक घर में उतना ही गंभीर होगा जितना दूसरे घर में।"

"जनवरी 1985 में मेरे पिता का देहांत हो गया, और तब से ढाई साल और आठ महीने बीत चुके हैं। इस दौरान मैं हॉर्शम में सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करता रहा, और मुझे आशा होने लगी थी कि यह अभिशाप परिवार से दूर हो गया है, और पिछली पीढ़ी के साथ ही इसका अंत हो गया है। लेकिन मैंने जल्दबाजी में ही सुकून पा लिया था; कल सुबह ठीक उसी रूप में आघात पहुँचा, जिस रूप में यह मेरे पिता पर आया था।"

उस युवक ने अपनी जैकेट से एक मुड़ा हुआ लिफाफा निकाला और मेज की ओर मुड़कर उस पर संतरे के पांच छोटे सूखे बीज झाड़ दिए।

"यह लिफाफा है," उसने आगे कहा। "इस पर लंदन की डाक मुहर लगी है – पूर्वी डिवीजन की। इसके अंदर वही शब्द लिखे हैं जो मेरे पिता के आखिरी संदेश में थे: 'के.के.के.'; और फिर 'कागज़ों को धूपघड़ी पर रख दो'।"

"तुमने क्या किया है?" होम्स ने पूछा।

"कुछ नहीं।"

"कुछ नहीं?"

सच कहूं तो—उन्होंने अपना चेहरा अपने पतले, सफेद हाथों में छिपा लिया—मैं असहाय महसूस कर रहा हूं। मैं उन बेचारे खरगोशों में से एक की तरह महसूस कर रहा हूं जब साँप उसकी ओर रेंगता हुआ आता है। ऐसा लगता है जैसे मैं किसी अप्रतिरोध्य, निर्दयी बुराई की गिरफ्त में हूँ, जिससे न तो दूरदर्शिता और न ही सावधानी बचाव कर सकती है।

"अरे! अरे!" शर्लक होम्स चिल्लाया। "तुम्हें कुछ करना होगा, वरना तुम हार जाओगे। तुम्हें बचाने का एकमात्र उपाय ऊर्जा ही है। यह निराशा का समय नहीं है।"

मैंने पुलिस को देखा है।

आह!"

लेकिन उन्होंने मेरी कहानी मुस्कुराते हुए सुनी। मुझे पूरा यकीन है कि इंस्पेक्टर ने यह राय बना ली है कि ये सभी पत्र मज़ाक हैं, और मेरे रिश्तेदारों की मौतें वास्तव में दुर्घटनाएँ थीं, जैसा कि जूरी ने कहा था, और उनका चेतावनियों से कोई संबंध नहीं था।

होम्स ने अपनी मुट्ठी भींचकर हवा में लहराई। "अविश्वसनीय मूर्खता!" वह चिल्लाया।

"हालांकि, उन्होंने मुझे एक पुलिसकर्मी रखने की अनुमति दी है, जो मेरे साथ घर में रह सकता है।"

क्या वह आज रात तुम्हारे साथ आया है?

नहीं। उन्हें घर में ही रहने का आदेश दिया गया था।

एक बार फिर होम्स ने हवा में बड़बड़ाना शुरू कर दिया।

"तुम मेरे पास क्यों आए," वह चिल्लाया, "और सबसे बढ़कर, तुम तुरंत क्यों नहीं आए?"

"मुझे पता नहीं था। आज ही मैंने मेजर प्रेन्डरगास्ट से अपनी परेशानियों के बारे में बात की और उन्होंने मुझे आपके पास आने की सलाह दी।"

"आपको पत्र मिले हुए वास्तव में दो दिन हो चुके हैं। हमें इससे पहले ही कार्रवाई कर लेनी चाहिए थी। मुझे लगता है कि आपके पास हमारे सामने रखे गए सबूतों के अलावा और कोई सबूत नहीं है - कोई ऐसा संकेत देने वाला विवरण नहीं है जो हमारी मदद कर सके?"

"एक बात है," जॉन ओपनशॉ ने कहा। उन्होंने अपने कोट की जेब में हाथ डाला और एक फीका, नीले रंग का कागज़ का टुकड़ा निकालकर मेज़ पर फैला दिया। "मुझे कुछ-कुछ याद है," उन्होंने कहा, "कि जिस दिन मेरे चाचा ने कागज़ जलाए थे, उस दिन मैंने देखा था कि राख के बीच पड़े छोटे-छोटे, बिना जले हुए हाशिये इसी रंग के थे। मुझे

यह अकेला पन्ना उनके कमरे के फर्श पर मिला था, और मुझे लगता है कि यह शायद उन कागज़ों में से एक है जो शायद बाकी कागज़ों के बीच से उड़कर अलग हो गया हो और इस तरह नष्ट होने से बच गया हो। पिप्स के ज़िक्र के अलावा, मुझे नहीं लगता कि इससे हमें कोई खास मदद मिलेगी। मुझे लगता है कि यह किसी निजी डायरी का पन्ना है। लिखावट निस्संदेह मेरे चाचा की है।"

होम्स ने लैंप को हिलाया, और हम दोनों कागज के उस पन्ने पर झुक गए, जिसके फटे किनारों से पता चल रहा था कि उसे वाकई किसी किताब से फाड़ा गया था। उस पर "मार्च, 1869" लिखा था, और उसके नीचे निम्नलिखित रहस्यमय सूचनाएँ थीं:

चौथा। हडसन आया। वही पुराना मंच।

7वां। सेंट ऑगस्टीन के मैकॉले, पैरामोर और जॉन स्वेन पर पिप्स लगाएं।

9वां। मैकॉले को क्लीन चिट मिल गई।

10वां। जॉन स्वेन को बरी कर दिया गया।

12 तारीख को पैरामोरे गए। सब ठीक रहा।

"धन्यवाद!" होम्स ने कागज़ मोड़कर हमारे आगंतुक को लौटाते हुए कहा। "और अब आपको एक पल भी बर्बाद नहीं करना है। हमारे पास आपके द्वारा बताई गई बातों पर चर्चा करने का भी समय नहीं है। आपको तुरंत घर जाकर काम शुरू करना होगा।"

"मैं क्या करूंगा?"

"बस एक ही काम करना है। इसे तुरंत करना होगा। आपको यह कागज़ का टुकड़ा, जो आपने हमें दिखाया है, उस पीतल के बक्से में रखना होगा जिसका आपने वर्णन किया है। आपको उसमें एक नोट भी डालना होगा जिसमें लिखा हो कि बाकी सभी कागज़ आपके चाचा ने जला दिए हैं, और यही एक बचा है। आपको यह बात ऐसे शब्दों में कहनी होगी जिससे सुनने वाले को यकीन हो जाए। यह करने के बाद, आपको तुरंत उस बक्से को निर्देशानुसार धूपघड़ी पर रख देना होगा। क्या आप समझ गए?"

"पूरी तरह से।"

"फिलहाल बदला लेने या इस तरह की किसी भी बात के बारे में मत सोचो। मुझे लगता है कि हम कानून के जरिए यह हासिल कर सकते हैं; लेकिन हमें अपना जाल बुनना है, जबकि उनका जाल पहले ही बुना जा चुका है। पहली प्राथमिकता है आप पर मंडरा रहे गंभीर खतरे को दूर करना। दूसरी प्राथमिकता है इस रहस्य को सुलझाना और दोषियों को सजा देना।"

"धन्यवाद," युवक ने उठते हुए और अपना ओवरकोट पहनते हुए कहा। "आपने मुझे नया जीवन और आशा दी है। मैं निश्चित रूप से आपकी सलाह का पालन करूंगा।"

"एक पल भी बर्बाद मत करो। और सबसे बढ़कर, इस बीच अपना ख्याल रखो, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह हो सकता है कि तुम एक बहुत ही वास्तविक और आसन्न खतरे से घिरे हो। तुम वापस कैसे जाओगे?"

वाटरलू से ट्रेन द्वारा।

"अभी नौ बजे भी नहीं बजे हैं। सड़कें भीड़भाड़ वाली होंगी, इसलिए मुझे उम्मीद है कि आप सुरक्षित रहेंगे। फिर भी, अपनी सुरक्षा को लेकर ज्यादा सतर्क रहना जरूरी है।"

मैं हथियारबंद हूँ।

"यह अच्छी बात है। कल मैं आपके मामले पर काम शुरू कर दूंगा।"

तो फिर हम हार्शम में मिलेंगे?

नहीं, तुम्हारा रहस्य लंदन में छिपा है। मैं वहीं इसकी तलाश करूंगा।

“तो मैं एक-दो दिन में आपसे मिलने आऊंगा, और आपको उस बॉक्स और कागज़ात के बारे में खबर दूंगा। मैं हर बात में आपकी सलाह मानूंगा।” उन्होंने हमसे हाथ मिलाया और विदा हो गए। बाहर हवा अभी भी ज़ोर से चल रही थी और बारिश की बूंदें खिड़कियों पर पड़ रही थीं। यह अजीबोगरीब, अनगढ़ कहानी मानो प्रकृति के उग्र तत्वों के बीच से हम तक पहुँची हो – जैसे आंधी में समुद्री शैवाल की चादर हम पर आ गिरती है – और अब मानो उन्हीं तत्वों में समा गई हो।

शर्लक होम्स कुछ देर तक चुपचाप बैठे रहे, सिर झुकाए और आँखें आग की लालिमा पर टिकाए। फिर उन्होंने पाइप जलाया और कुर्सी पर पीछे झुककर नीले धुएँ के छल्लों को छत की ओर बढ़ते हुए देखने लगे।

अंत में उन्होंने कहा, "मुझे लगता है, वॉटसन, कि हमारे पास जितने भी मामले आए हैं, उनमें से इससे ज़्यादा अविश्वसनीय कोई मामला नहीं आया है।"

"शायद, चार के चिन्ह को छोड़कर।"

“हाँ, बिल्कुल। शायद बस इतना ही। फिर भी मुझे लगता है कि यह जॉन ओपनशॉ, शोल्टो परिवार से भी कहीं अधिक खतरों के बीच चल रहा है।”

मैंने पूछा, "लेकिन क्या आपने इन खतरों के बारे में कोई निश्चित धारणा बनाई है?"

उन्होंने उत्तर दिया, "उनके स्वरूप के बारे में कोई संदेह नहीं हो सकता।"

“तो फिर वे कौन हैं? यह के.के.के. कौन है, और वह इस दुखी परिवार का पीछा क्यों कर रहा है?”

शर्लक होम्स ने अपनी आंखें बंद कर लीं और अपनी कोहनियों को कुर्सी के आर्मरेस्ट पर टिका दिया, साथ ही अपनी उंगलियों के सिरों को आपस में जोड़ लिया। उन्होंने टिप्पणी की, “एक आदर्श तर्कशील व्यक्ति, जब उसे एक तथ्य उसके सभी पहलुओं के साथ दिखाया जाता है, तो वह न केवल उस तथ्य तक ले जाने वाली घटनाओं की पूरी श्रृंखला का अनुमान लगा सकता है, बल्कि उससे निकलने वाले सभी परिणामों का भी अनुमान लगा सकता है। जिस प्रकार कुवियर एक हड्डी को देखकर पूरे जानवर का सटीक वर्णन कर सकते थे, उसी प्रकार घटनाओं की एक श्रृंखला में एक कड़ी को पूरी तरह से समझने वाला प्रेक्षक उससे पहले और बाद की सभी कड़ियों का सटीक वर्णन करने में सक्षम होना चाहिए। हमने अभी तक उन परिणामों को नहीं समझा है जो केवल तर्क से प्राप्त किए जा सकते हैं। अध्ययन में ऐसी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है जिन्हें इंद्रियों की सहायता से हल करने की कोशिश करने वाले सभी लोग विफल रहे हैं। हालाँकि, इस कला को उच्चतम स्तर तक ले जाने के लिए, यह आवश्यक है कि तर्कशील व्यक्ति अपने ज्ञान में आए सभी तथ्यों का उपयोग करने में सक्षम हो; और जैसा कि आप आसानी से देखेंगे, इसका अर्थ है सर्वज्ञान का होना, जो आज के मुफ्त शिक्षा और विश्वकोशों के युग में भी एक दुर्लभ उपलब्धि है। हालाँकि, यह इतना असंभव नहीं है कि किसी व्यक्ति के पास वह सारा ज्ञान हो जो किसी भी संभावित समस्या को हल कर सकता है।” उसके काम में उसके लिए उपयोगी होना, और मैंने अपने मामले में यही करने का प्रयास किया है। अगर मुझे ठीक से याद है, तो हमारी दोस्ती के शुरुआती दिनों में एक बार आपने मेरी सीमाओं को बहुत ही स्पष्ट रूप से परिभाषित किया था।

“हाँ,” मैंने हँसते हुए उत्तर दिया। “वह एक अनोखा दस्तावेज़ था। मुझे याद है, उसमें दर्शनशास्त्र, खगोल विज्ञान और राजनीति में शून्य अंक थे। वनस्पति विज्ञान में विविधता थी, भूविज्ञान में शहर से पचास मील के दायरे में किसी भी क्षेत्र से मिलने वाले मिट्टी के धब्बों के बारे में गहन जानकारी थी, रसायन विज्ञान सनकी था, शरीर रचना विज्ञान अव्यवस्थित था, सनसनीखेज साहित्य और अपराध रिकॉर्ड अद्वितीय थे, वायलिन वादक, मुक्केबाज, तलवारबाज, वकील और कोकीन और तंबाकू से खुद को

ज़हर देने वाला व्यक्ति भी उसमें शामिल था। मुझे लगता है, ये मेरे विश्लेषण के मुख्य बिंदु थे।”

होम्स ने आख़िरी वस्तु को देखकर मुस्कुरा दिया। “खैर,” उन्होंने कहा, “मैं अब भी वही कहता हूँ जो मैंने तब कहा था, कि मनुष्य को अपने छोटे से मस्तिष्क में वह सारा सामान भर कर रखना चाहिए जिसका वह उपयोग करने की संभावना रखता है, और बाकी को वह अपनी लाइब्रेरी के भंडारगृह में रख सकता है, जहाँ से वह ज़रूरत पड़ने पर उसे प्राप्त कर सकता है। अब, आज रात हमारे सामने प्रस्तुत किए गए मामले जैसे मामले के लिए, हमें निश्चित रूप से अपने सभी संसाधनों को जुटाना होगा। कृपया मुझे अमेरिकी विश्वकोश का अक्षर K दे दें जो आपके बगल वाली शेल्फ पर रखा है। धन्यवाद। अब आइए स्थिति पर विचार करें और देखें कि इससे क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है। सबसे पहले, हम इस प्रबल अनुमान से शुरू कर सकते हैं कि कर्नल ओपनशॉ के पास अमेरिका छोड़ने का कोई बहुत मजबूत कारण था। उनके जीवनकाल में लोग अपनी सभी आदतें नहीं बदलते और स्वेच्छा से फ्लोरिडा की मनमोहक जलवायु को इंग्लैंड के एकांत शहर के अकेले जीवन से नहीं बदलते। इंग्लैंड में एकांत के प्रति उनका अत्यधिक प्रेम इस विचार को इंगित करता है कि उन्हें किसी न किसी चीज़ का डर था, इसलिए हम एक कार्यशील परिकल्पना के रूप में मान सकते हैं कि किसी न किसी चीज़ का डर ही उन्हें अमेरिका से दूर ले गया। उन्हें किस बात का डर था, इसका अंदाजा हम केवल उनके और उनके उत्तराधिकारियों को प्राप्त हुए उन भयावह पत्रों पर विचार करके ही लगा सकते हैं। क्या आपने उन पत्रों पर लगे डाक टिकट देखे थे?

"पहला पांडिचेरी से था, दूसरा डंडी से और तीसरा लंदन से।"

“पूर्वी लंदन से। इससे आप क्या निष्कर्ष निकालते हैं?”

“ये सभी बंदरगाह हैं। लेखक एक जहाज पर सवार था।”

“बहुत बढ़िया। हमें पहले ही एक सुराग मिल गया है। इसमें कोई शक नहीं कि लेखक के जहाज पर सवार होने की प्रबल संभावना है। अब आइए एक और बात पर गौर करें। पांडिचेरी के मामले में, धमकी और उसके पूरा होने के बीच सात सप्ताह का समय बीता, जबकि डंडी में यह केवल तीन या चार दिन था। क्या इससे कुछ संकेत मिलता है?”

"यात्रा करने के लिए अधिक दूरी।"

लेकिन उस पत्र को अभी और भी लंबी दूरी तय करनी थी।

"तो फिर मुझे इसका कोई मतलब नहीं दिखता।"

“कम से कम यह अनुमान तो लगाया जा सकता है कि जिस पोत में वह व्यक्ति या वे लोग हैं, वह एक पाल वाला पोत है। ऐसा लगता है कि वे अपने मिशन पर निकलने से पहले हमेशा अपना एक विशेष संदेश या संकेत भेजते हैं। आप देख सकते हैं कि डंडी से संदेश आने के बाद कार्य कितनी जल्दी घटित हुआ। यदि वे पांडिचेरी से स्टीमर में आए होते, तो वे अपने पत्र के लगभग तुरंत बाद ही पहुँच गए होते। लेकिन, वास्तव में, सात सप्ताह बीत गए। मुझे लगता है कि ये सात सप्ताह उस डाक पोत के बीच का अंतर दर्शाते हैं जो पत्र लेकर आया था और उस पाल वाले पोत के बीच का अंतर जो लेखक को लेकर आया था।”

"यह संभव है।"

“इससे भी कहीं ज़्यादा। यह संभव है। और अब आप इस नए मामले की जानलेवा गंभीरता को समझ सकते हैं, और इसीलिए मैंने युवा ओपनशॉ को सावधानी बरतने के लिए कहा था। हमला हमेशा उस समय के अंत में होता है जो भेजने वालों को दूरी तय

करने में लगता है। लेकिन यह लंदन से आया है, इसलिए हम देरी की उम्मीद नहीं कर सकते।"

"हे भगवान!" मैं चिल्लाई। "इस निरंतर उत्पीड़न का क्या मतलब हो सकता है?"

"ओपनशॉ के पास जो कागज़ात थे, वे स्पष्ट रूप से जहाज पर सवार व्यक्ति या व्यक्तियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थे। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि उनमें एक से अधिक व्यक्ति शामिल थे। एक अकेला व्यक्ति दो हत्याओं को इस तरह अंजाम नहीं दे सकता था कि कोरोनर की जूरी को धोखा दिया जा सके। इसमें कई लोग शामिल रहे होंगे, और वे साधन संपन्न और दृढ़ निश्चयी व्यक्ति रहे होंगे। वे अपने कागज़ात हासिल करना चाहते हैं, चाहे उनका धारक कोई भी हो। इस तरह आप देखते हैं कि K.K.K. किसी व्यक्ति के नाम के शुरुआती अक्षर नहीं रह जाते, बल्कि एक समाज का प्रतीक बन जाते हैं।"

लेकिन किस समाज की?

"क्या तुमने कभी—" शर्लक होम्स ने आगे झुकते हुए और अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा—"क्या तुमने कभी कू क्लक्स क्लैन के बारे में नहीं सुना?"

मैंने कभी नहीं किया।

होम्स ने अपने घुटने पर रखी किताब के पन्ने पलटे। "यह रहा," उसने थोड़ी देर बाद कहा:

"कू क्लक्स क्लैन। यह नाम राइफल को कॉक करने से निकलने वाली ध्वनि से काल्पनिक समानता के कारण पड़ा। इस भयानक गुप्त संगठन का गठन गृहयुद्ध के बाद दक्षिणी राज्यों में कुछ पूर्व-कॉन्फेडरेट सैनिकों द्वारा किया गया था, और इसने देश के विभिन्न हिस्सों, विशेष रूप से टेनेसी, लुइसियाना, कैरोलिनास, जॉर्जिया और फ्लोरिडा में तेजी से स्थानीय शाखाएँ बना लीं। इसकी शक्ति का उपयोग राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया गया, मुख्य रूप से अश्वेत मतदाताओं को आतंकित करने और अपने विचारों का विरोध करने वालों की हत्या करने और उन्हें देश से भगाने के लिए। इसके अत्याचारों से पहले आमतौर पर लक्षित व्यक्ति को किसी विचित्र लेकिन आम तौर पर पहचाने जाने वाले रूप में चेतावनी भेजी जाती थी - कुछ क्षेत्रों में ओक के पत्तों की टहनी, अन्य में खरबूजे के बीज या संतरे के बीज। इसे प्राप्त करने पर पीड़ित या तो खुले तौर पर अपने पुराने तरीकों को त्याग सकता था, या देश से भाग सकता था। यदि वह इसका सामना करने का साहस करता, तो उसकी मृत्यु निश्चित रूप से हो जाती, और आमतौर पर किसी विचित्र और अप्रत्याशित तरीके से। संगठन इतना परिपूर्ण था, और इसके तरीके इतने व्यवस्थित थे, कि शायद ही कोई ऐसा मामला दर्ज हो जहाँ कोई व्यक्ति इससे बच पाया हो। इस संगठन ने बिना किसी दंड के इसका सामना किया, या इसके किसी भी अत्याचार के लिए अपराधियों का पता लगाया जा सका। कुछ वर्षों तक यह संगठन अमेरिकी सरकार और दक्षिण के उच्च वर्गों के प्रयासों के बावजूद फलता-फूलता रहा। अंततः, 1869 में, यह आंदोलन अचानक ध्वस्त हो गया, हालांकि तब से ऐसी तरह के छिटपुट विद्रोह होते रहे हैं।

"आप देखेंगे," होम्स ने किताब नीचे रखते हुए कहा, "कि संस्था का अचानक विघटन, ओपनशॉ के अपने कागजात के साथ अमेरिका से गायब होने के साथ ही हुआ था। यह संयोगवश हो सकता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि कुछ बेहद शातिर लोग उसका और उसके परिवार का पीछा कर रहे हैं। आप समझ सकते हैं कि यह रजिस्टर और डायरी दक्षिण के कुछ प्रमुख लोगों को फंसा सकती है, और यह भी संभव है कि जब तक यह बरामद नहीं हो जाता, तब तक कई लोगों को चैन की नींद न आए।"

"तो फिर जो पृष्ठ हमने देखा है—"

“यह वैसा ही है जैसा हम उम्मीद कर सकते थे। अगर मुझे सही याद है, तो इसमें लिखा था, ‘ए, बी और सी को चेतावनी भेजी गई’ – यानी, समाज की ओर से उन्हें चेतावनी भेजी गई। फिर लगातार प्रविष्टियां हैं कि ए और बी बच गए, या देश छोड़कर चले गए, और अंत में सी से मुलाकात की गई, जिसका, मुझे डर है, सी के लिए बुरा परिणाम हुआ। खैर, डॉक्टर साहब, मुझे लगता है कि हम इस अंधेरे में कुछ रोशनी ला सकते हैं, और मेरा मानना है कि इस बीच युवा ओपनशॉ के पास एकमात्र मौका यही है कि वह वही करे जो मैंने उसे बताया है। आज रात कहने या करने के लिए और कुछ नहीं है, इसलिए मुझे मेरा वायलिन दे दीजिए और आइए आधे घंटे के लिए इस खराब मौसम और अपने साथी मनुष्यों के और भी दयनीय हालातों को भूलने की कोशिश करें।”

सुबह आसमान साफ हो गया था और शहर पर छाए धुंधले कोहरे के बीच से सूरज की हल्की रोशनी छनकर आ रही थी। जब मैं नीचे आया तो शर्लक होम्स नाश्ता कर रहे थे।

उन्होंने कहा, "आपका इंतजार न करने के लिए मुझे क्षमा करें; मुझे लगता है कि युवा ओपनशॉ के इस मामले की जांच में मेरा आज का दिन बहुत व्यस्त रहने वाला है।"

मैंने पूछा, "आप क्या कदम उठाएंगे?"

"यह काफी हद तक मेरी शुरुआती पूछताछ के नतीजों पर निर्भर करेगा। हो सकता है कि मुझे आखिरकार हॉर्शम जाना ही पड़े।"

“क्या आप पहले वहां नहीं जाएंगे?”

नहीं, मैं शहर से शुरू करूंगा। बस घंटी बजाइए और नौकरानी आपकी कॉफी ले आएगी।

प्रतीक्षा करते हुए मैंने मेज से बंद अखबार उठाया और उस पर एक नजर डाली। मेरी नज़र एक ऐसी हेडलाइन पर पड़ी जिसे पढ़कर मेरा दिल सिहर उठा।

मैंने चिल्लाकर कहा, "होम्स, तुम बहुत देर कर चुके हो।"

“आह!” उसने अपना प्याला नीचे रखते हुए कहा, “मुझे यही आशंका थी। यह कैसे हुआ?” वह शांत स्वर में बोल रहा था, लेकिन मैं समझ सकता था कि वह बहुत भावुक था।

“मेरी नज़र ओपनशॉ के नाम और ‘वाटरलू ब्रिज के पास त्रासदी’ शीर्षक पर पड़ी। विवरण इस प्रकार है:

“कल रात नौ से दस बजे के बीच, वाटरलू ब्रिज के पास ड्यूटी पर तैनात एच डिवीजन के पुलिस कांस्टेबल कुक ने मदद के लिए एक चीख और पानी में छपछपाहट सुनी। हालांकि, रात बेहद अंधेरी और तूफानी थी, इसलिए कई राहगीरों की मदद के बावजूद, बचाव कार्य करना बिल्कुल असंभव था। फिर भी, सूचना दी गई और जल पुलिस की सहायता से अंततः शव बरामद किया गया। यह एक युवक का शव था, जिसका नाम, जैसा कि उसकी जेब में मिले एक लिफाफे से पता चलता है, जॉन ओपनशॉ था और जो हॉर्शम के पास रहता था। अनुमान है कि वह वाटरलू स्टेशन से आखिरी ट्रेन पकड़ने के लिए जल्दी में था और अपनी जल्दबाजी और घोर अंधेरे में वह रास्ता भटक गया और नदी के स्टीमबोटों के लिए बने छोटे घाटों में से एक के किनारे से नीचे गिर गया। शरीर पर हिंसा के कोई निशान नहीं थे और इसमें कोई संदेह नहीं है कि मृतक एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना का शिकार हुआ था, जिससे अधिकारियों का ध्यान नदी की स्थिति की ओर आकर्षित होना चाहिए था। नदी किनारे बने घाट।"

हम कुछ मिनटों तक चुपचाप बैठे रहे, होम्स पहले से कहीं ज्यादा उदास और सहमे हुए लग रहे थे।

"वॉटसन, इससे मेरी शान को ठेस पहुंची है," उसने आखिरकार कहा। "यह बेशक एक छोटी सी बात है, लेकिन इससे मेरी शान को ठेस पहुंची है। अब यह मेरे लिए निजी मामला बन गया है, और अगर भगवान ने मुझे सेहत दी, तो मैं इस गिरोह को सबक सिखाऊंगा। कि वह मदद के लिए मेरे पास आया, और मैंने उसे मौत के घाट उतार दिया —!" वह अपनी कुर्सी से उछल पड़ा और बेकाबू होकर कमरे में इधर-उधर घूमने लगा, उसके पीले गाल लाल हो गए थे और वह अपने लंबे पतले हाथों को बार-बार झटक रहा था।

"वे ज़रूर बड़े शातिर लोग होंगे," उसने आख़िरकार कहा। "वे उसे वहाँ कैसे फँसा सकते थे? तटबंध स्टेशन जाने वाली सीधी लाइन पर नहीं है। पुल, निस्संदेह, इतनी रात में भी, उनके मकसद के लिए बहुत भीड़भाड़ वाला रहा होगा। खैर, वॉटसन, देखते हैं आखिर में कौन जीतता है। मैं अब जा रहा हूँ!"

"पुलिस को?"

"नहीं; मैं खुद ही अपनी पुलिस बनूंगी। जब मैं जाल बुन लूंगी, तब वे मक्खियों को पकड़ सकते हैं, लेकिन उससे पहले नहीं।"

सारा दिन मैं अपने पेशेवर काम में व्यस्त रहा और देर शाम तक बेकर स्ट्रीट नहीं लौटा। शर्लक होम्स अभी तक नहीं लौटे थे। लगभग दस बज चुके थे जब वे अंदर आए, उनका चेहरा पीला और थका हुआ लग रहा था। वे साइडबोर्ड के पास गए और रोटी का एक टुकड़ा तोड़कर उसे बड़ी तेज़ी से खा गए, साथ ही पानी का एक लंबा घूंट भी पी गए।

मैंने कहा, "तुम्हें भूख लगी है।"

"भूख से बेहाल। मुझे याद ही नहीं रहा था। नाश्ते के बाद से मैंने कुछ नहीं खाया है।"

"कुछ नहीं?"

"बिल्कुल नहीं। मेरे पास इसके बारे में सोचने का समय ही नहीं था।"

और आपको सफलता कैसे मिली?

"कुआ।"

"क्या तुम्हें कुछ अंदाजा है?"

"मैंने उन्हें मुट्ठी में ले रखा है। युवा ओपनशॉ को अब बदला लिए बिना नहीं छोड़ा जाएगा। क्यों न, वॉटसन, आइए हम उन पर उनका ही शैतानी निशान लगा दें। यह अच्छा विचार है!"

"आपका क्या मतलब है?"

उसने अलमारी से एक संतरा निकाला और उसे तोड़कर उसके बीज मेज पर निचोड़ दिए। उसने उनमें से पाँच बीज निकालकर एक लिफ़ाफ़े में डाल दिए। लिफाफे के अंदर उसने लिखा, "एस.एच. फॉर ज़े.ओ."। फिर उसने लिफाफा बंद कर दिया और उस पर "कैप्टन ज़ेम्स कैलहौन, बार्क लोन स्टार, सवाना, जॉर्जिया" का पता लिख दिया।

"बंदरगाह में प्रवेश करते ही उसका यही हाल होगा," उसने हंसते हुए कहा। "शायद उसकी रातों की नींद उड़ जाए। उसे भी अपने भाग्य का उतना ही स्पष्ट संकेत मिलेगा जितना उससे पहले ओपनशॉ को मिला था।"

और यह कैप्टन कैलहौन कौन है?

"गिरोह का सरगना। मैं बाकियों को पकड़ लूंगा, लेकिन पहले उसे।"

"तो फिर आपने इसका पता कैसे लगाया?"

उसने अपनी जेब से कागज की एक बड़ी शीट निकाली, जो पूरी तरह से तारीखों और नामों से ढकी हुई थी।

उन्होंने कहा, “मैंने पूरा दिन लॉयड के रजिस्टरों और पुराने कागज़ात की फाइलों को खंगालने में बिताया, ताकि जनवरी और फरवरी 1983 में पांडिचेरी पहुंचने वाले हर जहाज़ के भविष्य के सफ़र का पता लगा सकूं। उन महीनों के दौरान वहाँ मध्यम आकार के छत्तीस जहाज़ों के आने की सूचना मिली थी। इनमें से एक, 'लोन स्टार', ने तुरंत मेरा ध्यान आकर्षित किया, क्योंकि हालांकि यह लंदन से रवाना हुआ बताया गया था, लेकिन यह नाम यूरोपीय संघ के एक राज्य का नाम है।”

"मुझे लगता है, टेक्सास।"

"मुझे पक्का पता नहीं था और अभी भी नहीं पता कि कौन सा जहाज था; लेकिन मुझे यह जरूर पता था कि जहाज अमेरिकी मूल का होना चाहिए।"

"तो क्या?"

मैंने डंडी के रिकॉर्ड खंगाले, और जब मुझे पता चला कि जनवरी 1985 में बार्क लोन स्टार वहाँ मौजूद थी, तो मेरा संदेह निश्चित हो गया। फिर मैंने उन जहाजों के बारे में पूछताछ की जो इस समय लंदन बंदरगाह में खड़े थे।

"हां?"

“लोन स्टार पिछले हफ्ते यहाँ पहुँची थी। मैं अल्बर्ट डॉक गया और पाया कि आज सुबह ज्वार के साथ वह नदी में बहकर सवाना की ओर वापस जा रही थी। मैंने ग्रेवसेंड को तार भेजा और पता चला कि वह कुछ समय पहले ही वहाँ से गुज़र चुकी है, और चूंकि हवा पूर्वी दिशा से चल रही है, मुझे पूरा यकीन है कि वह अब गुडविंस को पार कर चुकी है और आइल ऑफ वाइट से ज़्यादा दूर नहीं है।”

"अब आप क्या करेंगे?"

“ओह, मैंने उसे पकड़ लिया है। मुझे पता चला है कि वह और उसके दो साथी ही जहाज में एकमात्र अमेरिकी नागरिक हैं। बाकी सब फिनलैंड और जर्मनी के हैं। मुझे यह भी पता है कि वे तीनों कल रात जहाज से दूर थे। यह जानकारी मुझे उस मज़दूर से मिली है जो उनका माल लाद रहा था। जब तक उनका जहाज सवाना पहुंचेगा, तब तक डाक नाव यह पत्र लेकर जा चुकी होगी और तार के जरिए सवाना पुलिस को सूचित कर दिया गया होगा कि हत्या के आरोप में इन तीनों सज्जनों की यहां सख्त तलाश है।”

हालांकि, इंसानी योजनाओं में भी कोई न कोई खामी जरूर होती है, और जॉन ओपनशॉ के हत्यारों को कभी भी संतरे के बीज नहीं मिले जो उन्हें यह बता सकें कि उनके जैसा ही चालाक और दृढ़ निश्चयी कोई दूसरा उनका पीछा कर रहा है। उस साल विषुवतीय तूफान बहुत लंबे और भयंकर थे। हमने सवाना के लोन स्टार के बारे में खबर का लंबे समय तक इंतजार किया, लेकिन कोई खबर हम तक नहीं पहुंची। आखिरकार हमें पता चला कि अटलांटिक महासागर में कहीं दूर एक लहर के गर्त में नाव का टूटा हुआ पिछला हिस्सा झूलता हुआ देखा गया, जिस पर "एल.एस." अक्षर खुदे हुए थे, और लोन स्टार के भाग्य के बारे में बस इतना ही हमें पता है।

टेढ़े होंठ वाला आदमी

सेंट जॉर्ज थियोलॉजिकल कॉलेज के प्रिंसिपल, स्वर्गीय एलियास व्हिटनी, डी.डी. के भाई ईसा व्हिटनी, अफीम के आदी थे। मेरी जानकारी के अनुसार, कॉलेज के दिनों में किसी मूर्खतापूर्ण घटना के कारण उन्हें यह लत लग गई थी; डी क्विन्सी द्वारा उनके सपनों और अनुभूतियों के वर्णन को पढ़कर, उन्होंने उसी तरह का प्रभाव पाने की कोशिश में अपने तंबाकू में अफीम मिला ली थी। उन्होंने पाया, जैसा कि कई अन्य लोगों ने भी पाया है, कि इस लत को लगाना तो आसान है, लेकिन इससे छुटकारा पाना मुश्किल है, और कई वर्षों तक वे इस नशे के गुलाम बने रहे, अपने मित्रों और रिश्तेदारों के लिए भय और दया का मिलाजुला पात्र। मैं उन्हें अब भी देख सकता हूँ, पीले, मुरझाए

चेहरे, झुकी हुई पलकों और छोटी-छोटी पुतलियों के साथ, एक कुर्सी पर दुबके हुए, एक महान व्यक्ति का खंडहर और पतन।

एक रात—जून 1989 की बात है—मेरे घर की घंटी बजी, ठीक उसी समय जब कोई व्यक्ति पहली बार जम्हाई लेता है और घड़ी की ओर देखता है। मैं अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ गया, और मेरी पत्नी ने अपना कढ़ाई का सामान अपनी गोद में रख दिया और थोड़ी निराशा का भाव दिखाया।

"एक मरीज़!" उसने कहा। "आपको बाहर जाना होगा।"

मैं आह भरी, क्योंकि मैं अभी-अभी एक थका देने वाले दिन के बाद वापस आई थी।

हमने दरवाजा खुलने की आवाज़ सुनी, कुछ जल्दबाजी में बोले गए शब्द सुने, और फिर लिनोलियम पर तेज कदमों की आहट सुनी। हमारा दरवाजा भी खुल गया, और गहरे रंग के कपड़े पहने, काले घूंघट वाली एक महिला कमरे में दाखिल हुई।

"मुझे इतनी देर से फोन करने के लिए क्षमा करें," उसने कहना शुरू किया, और फिर अचानक अपना आपा खोकर आगे बढ़ी, मेरी पत्नी के गले लग गई और उसके कंधे पर सिर रखकर रोने लगी। "ओह, मैं बहुत बड़ी मुसीबत में हूं!" वह रोते हुए बोली; "मुझे थोड़ी मदद की सख्त ज़रूरत है।"

"अरे वाह," मेरी पत्नी ने अपना घूंघट ऊपर उठाते हुए कहा, "ये तो केट व्हिटनी हैं! केट, तुमने मुझे चौंका दिया! जब तुम अंदर आई तो मुझे पता ही नहीं था कि तुम कौन हो।"

"मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं, इसलिए मैं सीधे आपके पास आ गया।" यही तरीका था। शोक में डूबे लोग मेरी पत्नी के पास ऐसे आते थे जैसे पक्षी प्रकाशस्तंभ की ओर आते हैं।

आपका आना बहुत अच्छा लगा। अब आप थोड़ी शराब और पानी पीजिए, आराम से बैठिए और हमें सब कुछ बताइए। या आप चाहेंगे कि मैं जेम्स को सोने भेज दूं?

"अरे नहीं, नहीं! मुझे भी डॉक्टर की सलाह और मदद चाहिए। ये ईसा के बारे में है। वो दो दिन से घर नहीं आया है। मुझे उसकी बहुत चिंता हो रही है!"

यह पहली बार नहीं था जब उसने अपने पति की परेशानी के बारे में हमसे बात की थी, मुझसे एक डॉक्टर के रूप में और मेरी पत्नी से एक पुरानी दोस्त और स्कूल की सहपाठी के रूप में। हमने उसे यथासंभव शब्दों से दिलासा और सांत्वना दी। क्या उसे पता था कि उसका पति कहाँ है? क्या यह संभव था कि हम उसे उसके पास वापस ला सकें?

ऐसा लगता है कि यही सच था। उसे पक्की जानकारी थी कि हाल ही में जब उसे दौरा पड़ता था, तो वह शहर के सुदूर पूर्वी हिस्से में स्थित एक अफीम के अड्डे पर जाता था। अब तक उसकी ये अय्याशी एक ही दिन तक सीमित रहती थी और वह शाम को तड़पता-पड़ता, बुरी तरह थका हुआ लौट आता था। लेकिन अब उसे अड़तालीस घंटे से नशा चढ़ा हुआ था और वह वहाँ पड़ा था, शायद बंदरगाह के बदमाशों के बीच, ज़हर की सांस ले रहा था या उसके असर से उबरने के लिए सो रहा था। उसे पूरा यकीन था कि वह अपर स्वानडम लेन के बार ऑफ गोल्ड में मिलेगा। लेकिन वह क्या करती? वह, एक जवान और डरपोक औरत, कैसे उस जगह पर जाकर अपने पति को वहाँ मौजूद बदमाशों के बीच से निकाल पाती?

मामला सामने था, और ज़ाहिर है इससे निकलने का एक ही रास्ता था। क्या मैं उसे इस जगह तक नहीं ले जा सकता था? और फिर, दूसरी बार सोचा, उसे आना ही क्यों चाहिए? मैं ईसा व्हिटनी का चिकित्सा सलाहकार था, और इस नाते मेरा उस पर प्रभाव था। अगर मैं अकेला होता तो मैं इसे बेहतर ढंग से संभाल सकता था। मैंने उसे वचन दिया कि अगर वह वाकई उसी पते पर हुआ जो उसने मुझे दिया था, तो मैं उसे दो घंटे

के भीतर टैक्सी से घर भेज दूंगा। और इस तरह दस मिनट में मैंने अपनी आरामकुर्सी और खुशनुमा बैठक को पीछे छोड़ दिया, और एक अजीब से काम के लिए एक हैंसम गाड़ी में पूरब की ओर तेज़ी से चल पड़ा, जैसा कि मुझे उस समय लग रहा था, हालांकि भविष्य ही बता सकता था कि यह कितना अजीब था।

लेकिन मेरे साहसिक कार्य के पहले चरण में कोई बड़ी कठिनाई नहीं थी। अपर स्वानडम लेन एक संकरी गली है जो लंदन ब्रिज के पूर्व में नदी के उत्तरी किनारे पर बने ऊंचे घाटों के पीछे छिपी हुई है। एक घटिया शराब की दुकान और एक जिन की दुकान के बीच, एक गुफा के मुँह जैसी काली खाई में उतरती हुई खड़ी सीढ़ियों से नीचे उतरकर, मुझे वह अड्डा मिल गया जिसकी मुझे तलाश थी। अपनी टैक्सी को रुकने का आदेश देकर, मैं सीढ़ियों से नीचे उतरा, जो शराबियों के लगातार कदमों से बीच में धंस गई थीं; और दरवाज़े के ऊपर टिमटिमाते तेल के दीपक की रोशनी में मैंने कुंडी ढूंढी और एक लंबे, निचले कमरे में प्रवेश किया, जो भूरे अफीम के धुएं से भरा हुआ था और लकड़ी के पलंगों से सजा हुआ था, जैसे किसी प्रवासी जहाज का अग्रभाग हो।

अंधकार में धुंधली सी झलक दिखाई दे रही थी, कुछ शरीर अजीबोगरीब मुद्राओं में पड़े थे, झुके कंधे, मुड़े घुटने, पीछे की ओर झुके सिर और ऊपर की ओर उठी ठुड्डी, और कहीं-कहीं एक काली, बेजान आंख नए आने वाले पर टिकी थी। काली परछाइयों से लाल रंग के छोटे-छोटे प्रकाश के गोले टिमटिमा रहे थे, कभी चमकीले, कभी धुंधले, जैसे धातु की पाइपों में जलता हुआ जहर कभी कम होता था। अधिकांश चुपचाप लेटे थे, लेकिन कुछ आपस में कुछ बुदबुदा रहे थे, और कुछ एक अजीब, धीमी, नीरस आवाज में बातें कर रहे थे, उनकी बातचीत रुक-रुक कर शुरू होती और फिर अचानक खामोशी में बदल जाती, हर कोई अपने विचार बुदबुदा रहा था और अपने पड़ोसी के शब्दों पर ध्यान नहीं दे रहा था। दूर एक छोर पर जलते कोयले का एक छोटा सा अंगीठी था, जिसके बगल में तीन टांगों वाले लकड़ी के स्टूल पर एक लंबा, पतला बूढ़ा आदमी बैठा था, जिसका जबड़ा उसकी दोनों मुट्ठियों पर टिका था और कोहनी उसके घुटनों पर, वह आग को घूर रहा था।

जैसे ही मैं अंदर दाखिल हुआ, एक पीले रंग का मलय सेवक मेरे लिए एक पाइप और नशीली दवा की आपूर्ति लेकर जल्दी से आया और मुझे एक खाली बर्थ की ओर इशारा किया।

“धन्यवाद। मैं यहाँ रुकने नहीं आया हूँ,” मैंने कहा। “यहाँ मेरा एक मित्र है, श्री ईसा व्हिटनी, और मैं उनसे बात करना चाहता हूँ।”

मेरे दाहिनी ओर से एक हलचल और एक विस्मयबोधक ध्वनि सुनाई दी, और अंधेरे में से झाँकते हुए मैंने व्हिटनी को देखा, जो पीली, थकी हुई और अस्त-व्यस्त लग रही थी, और मेरी ओर घूर रही थी।

“हे भगवान! ये तो वॉटसन है!” उसने कहा। उसकी प्रतिक्रिया दयनीय थी, उसकी हर नस फड़क रही थी। “वॉटसन, क्या समय हुआ है?”

लगभग ग्यारह।

किस दिन का?

शुक्रवार, 19 जून का।

“हे भगवान! मुझे लगा आज बुधवार है। आज बुधवार ही है। तुम उस आदमी को क्यों डराना चाहते हो?” उसने अपना चेहरा अपनी बाहों में छिपा लिया और ऊँची आवाज़ में रोने लगा।

“मैं तुमसे कहता हूँ, आज शुक्रवार है, यार। तुम्हारी पत्नी दो दिन से तुम्हारा इंतज़ार कर रही है। तुम्हें शर्म आनी चाहिए!”

“हाँ, मैं हूँ। लेकिन तुम उलझन में हो, वॉटसन, क्योंकि मैं यहाँ कुछ ही घंटों से हूँ, तीन पाइप, चार पाइप—मुझे याद नहीं कितने। लेकिन मैं तुम्हारे साथ घर चलूँगा। मैं केट को डराना नहीं चाहता—बेचारी छोटी केट। मुझे अपना हाथ दो! क्या तुम्हारे पास टैक्सी है?”

"हाँ, मेरे पास एक तैयार है।"

“तो मैं उसमें जाऊंगा। लेकिन मुझे कुछ देना है। पता लगाओ कि मुझे क्या देना है, वॉटसन। मेरी तबीयत बिल्कुल खराब है। मैं अपने लिए कुछ नहीं कर सकता।”

मैं दो पंक्तियों में लगे स्लीपरों के बीच से गुज़रते हुए, नशे की घिनौनी, मदहोश कर देने वाली गंध से बचने के लिए अपनी सांस रोके हुए, मैनेजर को ढूंढ रही थी। जैसे ही मैं अंगीठी के पास बैठे लंबे आदमी के पास से गुज़री, मुझे अचानक अपने स्कर्ट को खींचने का एहसास हुआ, और एक धीमी आवाज़ ने फुसफुसाते हुए कहा, "मेरे पास से गुज़र जाओ, और फिर मुझे देखो।" शब्द मेरे कानों में साफ़ सुनाई दिए। मैंने नीचे देखा। वे शब्द मेरे बगल में बैठे बूढ़े आदमी के ही हो सकते थे, और फिर भी वह अब भी पहले की तरह ही तल्लीन बैठा था, बहुत दुबला-पतला, झुर्रियों से भरा, उम्र के कारण झुका हुआ, उसके घुटनों के बीच से एक अफ़ीम का पाईप लटक रहा था, मानो वह उसकी उंगलियों से सुस्ती में गिर गया हो। मैंने दो कदम आगे बढ़ाए और पीछे मुड़कर देखा। हैरानी से चीखने से खुद को रोकने के लिए मुझे अपनी पूरी आत्म-नियंत्रण शक्ति लगानी पड़ी। उन्होंने अपनी पीठ इस तरह मोड़ ली थी कि मेरे सिवा कोई उन्हें देख न सके। उनका शरीर भरा-पूरा हो गया था, झुर्रियाँ गायब हो गई थीं, उनकी बेजान आँखों में फिर से चमक आ गई थी, और वहाँ, आग के पास बैठे और मेरी हैरानी पर मुस्कुराते हुए, कोई और नहीं बल्कि शर्लक होम्स थे। उन्होंने मुझे अपने पास आने का हल्का सा इशारा किया, और जैसे ही उन्होंने अपना चेहरा एक बार फिर से आधा घुमाकर बाकी लोगों की ओर किया, वे लड़खड़ाते हुए, बेसुध बुढ़ापे की हालत में पहुंच गए।

“होम्स!” मैंने फुसफुसाते हुए कहा, “तुम इस गुफा में आखिर क्या कर रहे हो?”

“जितना हो सके उतना नीचे,” उसने उत्तर दिया; “मेरे कान बहुत अच्छे हैं। यदि आप कृपा करके अपने उस शराबी मित्र को यहाँ से हटा दें, तो मुझे आपसे थोड़ी बातचीत करने में अत्यंत प्रसन्नता होगी।”

बाहर एक टैक्सी खड़ी है।

तो कृपया उसे उसी में घर भेज दें। आप उस पर पूरी तरह भरोसा कर सकते हैं, क्योंकि वह इतना कमजोर दिखता है कि कोई शरारत नहीं कर सकता। मैं आपको यह भी सलाह दूंगा कि आप कैब ड्राइवर के ज़रिए अपनी पत्नी को एक संदेश भेज दें कि आपने मेरा साथ देने का फैसला कर लिया है। अगर आप बाहर इंतज़ार करेंगे, तो मैं पाँच मिनट में आपके पास आ जाऊंगा।

शर्लक होम्स के किसी भी अनुरोध को अस्वीकार करना कठिन था, क्योंकि वे हमेशा बेहद स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरे अंदाज़ में पेश किए जाते थे। हालाँकि, मुझे लगा कि जब व्हिटनी टैक्सी में बंद हो गया, तो मेरा मिशन लगभग पूरा हो गया था; और इसके अलावा, मैं अपने दोस्त के साथ उन अनोखे कारनामों में शामिल होने से बेहतर कुछ नहीं चाह सकता था, जो उसके जीवन का सामान्य हिस्सा थे। कुछ ही मिनटों में मैंने अपना नोट लिखा, व्हिटनी का बिल चुकाया, उसे टैक्सी तक ले गया और उसे अंधेरे में टैक्सी में जाते हुए देखा। कुछ ही समय में अफीम के अड्डे से एक कमज़ोर सा शरीर निकला और मैं शर्लक होम्स के साथ सड़क पर चल रहा था। दो गलियों तक वह झुकी हुई कमर और लड़खड़ाते कदमों से चलता रहा। फिर, जल्दी से पीछे मुड़कर, उसने खुद को सीधा किया और ज़ोर से हंस पड़ा।

"मुझे लगता है, वॉटसन," उसने कहा, "कि आप सोचते हैं कि मैंने कोकीन के इंजेक्शन के साथ-साथ अफीम का सेवन भी शुरू कर दिया है, और उन सभी छोटी-मोटी कमजोरियों को भी, जिन पर आपने मुझे अपने चिकित्सीय विचार दिए हैं।"

"आपको वहां देखकर मुझे वाकई आश्चर्य हुआ।"

"लेकिन मुझसे ज्यादा उत्सुक कोई नहीं, तुम्हें ढूंढने के लिए।"

मैं एक दोस्त ढूंढने आया था।

और मुझे एक दुश्मन ढूंढना है।

“एक दुश्मन?”

“हां; मेरे स्वाभाविक शत्रुओं में से एक, या यूँ कहूँ, मेरा स्वाभाविक शिकार। संक्षेप में, वॉटसन, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण जाँच में लगा हुआ हूँ, और मुझे उम्मीद है कि इन शराबी लोगों की बेतुकी बातों में मुझे कोई सुराग मिल जाएगा, जैसा कि पहले भी हुआ है। अगर उस अड्डे में मेरी पहचान हो जाती तो मेरी जान एक घंटे के लिए भी कीमती नहीं रहती; क्योंकि मैंने पहले भी इसका इस्तेमाल अपने निजी उद्देश्यों के लिए किया है, और इसे चलाने वाले उस बदमाश लुटेरे ने मुझसे बदला लेने की कसम खाई है। उस इमारत के पीछे, पॉल्स वार्फ के कोने के पास एक गुप्त दरवाज़ा है, जो रातों के अंधेरे में वहां से गुज़रने वाली अजीबोगरीब कहानियां सुना सकता है।”

“क्या! आपका मतलब शवों से नहीं है?”

“अरे, लाशें, वॉटसन। अगर उस अड्डे में मारे गए हर बेचारे के लिए हमें 1000 पाउंड मिलते, तो हम अमीर हो जाते। यह पूरे नदी किनारे का सबसे घिनौना हत्यारा अड्डा है, और मुझे डर है कि नेविल सेंट क्लेयर इसमें घुस गया है और फिर कभी बाहर नहीं निकलेगा। लेकिन हमारा जाल यहीं होना चाहिए।” उसने अपनी दोनों तर्जनी उंगलियां दांतों के बीच रखीं और ज़ोर से सीटी बजाई—जिसका जवाब दूर से आती हुई वैसी ही सीटी से मिला, और थोड़ी देर बाद पहियों की खड़खड़ाहट और घोड़ों के खुरों की आवाज़ सुनाई दी।

“अब, वॉटसन,” होम्स ने कहा, तभी एक लंबी गाड़ी अंधेरे में से तेज़ी से आती हुई दिखी, जिसके किनारे लगे लैंपों से पीले रंग की सुनहरी रोशनी की दो सुरंगें निकल रही थीं। “तुम मेरे साथ आओगे ना?”

"अगर मैं किसी काम आ सकूं।"

“ओह, एक भरोसेमंद साथी हमेशा काम आता है; और एक इतिहासकार तो उससे भी कहीं अधिक। द सीडर्स में मेरा कमरा डबल बेड वाला है।”

“द सीडर्स?”

“जी हां; यह श्री सेंट क्लेयर का घर है। मैं जांच के दौरान वहीं रह रहा हूं।”

"तो फिर यह कहां है?"

"केंट में ली के पास। हमें सात मील की दूरी तय करनी है।"

लेकिन मुझे कुछ भी पता नहीं है।

“बिल्कुल, तुम हो। तुम्हें अभी सब पता चल जाएगा। यहाँ आ जाओ। ठीक है, जॉन; हमें तुम्हारी ज़रूरत नहीं पड़ेगी। ये लो आधा क्राउन। कल लगभग ग्यारह बजे मेरा इंतज़ार करना। उसे उसकी मर्ज़ी से छोड़ देना। फिर मिलते हैं!”

उसने चाबुक से घोड़े को झटका दिया, और हम सुनसान और वीरान गलियों की अंतहीन श्रृंखला से तेज़ी से आगे बढ़े, जो धीरे-धीरे चौड़ी होती गईं, जब तक कि हम एक चौड़े रेलिंग वाले पुल पर नहीं पहुंच गए, जिसके नीचे मैली नदी धीमी गति से बह रही थी। आगे ईंटों और गारे का एक और नीरस वीरान इलाका था, जिसकी खामोशी केवल पुलिसकर्मी के भारी, नियमित कदमों की आहट या देर से आए कुछ जश्न मनाने वालों के गीतों और चीखों से टूट रही थी। आसमान में धीरे-धीरे धुंध छाई हुई थी, और बादलों

की दरारों से एक-दो तारे मंद-मंद टिमटिमा रहे थे। होम्स चुपचाप गाड़ी चला रहा था, उसका सिर उसकी छाती पर झुका हुआ था, और वह विचारों में डूबा हुआ लग रहा था, जबकि मैं उसके बगल में बैठा था, यह जानने के लिए उत्सुक था कि यह नया मिशन क्या हो सकता है जो उसकी शक्ति को इतनी बुरी तरह से परख रहा था, फिर भी उसके विचारों के प्रवाह में दखल देने से डर रहा था। हम कई मील गाड़ी चला चुके थे और उपनगरीय विलाओं की पट्टी के बाहरी किनारे पर पहुंचने ही वाले थे, तभी उसने खुद को झटका दिया, अपने कंधे उचकाए और एक ऐसे व्यक्ति के अंदाज में अपनी पाईप जलाई जिसने खुद को संतुष्ट कर लिया हो कि वह सबसे अच्छा काम कर रहा है।

"वॉटसन, तुम्हारे पास मौन रहने की अद्भुत कला है," उसने कहा। "यह तुम्हें एक साथी के रूप में बेहद अनमोल बनाती है। सच कहूं तो, मेरे लिए किसी से बात करना बहुत बड़ी बात है, क्योंकि मेरे अपने विचार कुछ खास सुखद नहीं हैं। मैं सोच रहा था कि आज रात जब यह प्यारी सी महिला दरवाजे पर मुझसे मिलेगी तो मैं उससे क्या कहूं।"

"तुम भूल जाते हो कि मुझे इसके बारे में कुछ भी नहीं पता।"

ली तक पहुंचने से पहले, मेरे पास आपको मामले के तथ्य बताने का बस थोड़ा ही समय होगा। यह बेहद सरल लगता है, फिर भी, किसी तरह मुझे कोई ठोस सुराग नहीं मिल रहा है। इसमें कोई शक नहीं कि बहुत सारे सुराग हैं, लेकिन मैं उन्हें पकड़ नहीं पा रहा हूं। अब, मैं आपको मामला स्पष्ट और संक्षेप में बताता हूं, वॉटसन, और शायद आप उस अंधेरे में कुछ उम्मीद की किरण देख सकें जो मुझे दिखाई नहीं दे रहा है।

"तो फिर आगे बढ़िए।"

कुछ साल पहले—ठीक कहें तो मई 1884 में—ली में नेविल सेंट क्लेयर नाम का एक सज्जन आया, जो देखने में काफी धनी प्रतीत होता था। उसने एक बड़ा विला लिया, उसके मैदानों को बहुत खूबसूरती से सजाया और शान-शौकत से रहने लगा। धीरे-धीरे उसने आस-पड़ोस में दोस्त बना लिए और 1887 में उसने एक स्थानीय शराब बनाने वाले की बेटी से शादी कर ली, जिससे अब उसके दो बच्चे हैं। उसका कोई पेशा नहीं था, लेकिन वह कई कंपनियों में हिस्सेदारी रखता था और आमतौर पर सुबह शहर जाता था और हर रात कैनन स्ट्रीट से 5:14 बजे वाली ट्रेन से लौटता था। श्री सेंट क्लेयर अब 37 वर्ष के हैं, संयमी स्वभाव के व्यक्ति हैं, एक अच्छे पति हैं, एक बहुत ही स्नेही पिता हैं और जो भी उन्हें जानता है, वे उनसे बहुत प्यार करते हैं। मैं यह भी बता दूं कि इस समय तक, जहाँ तक हम पता लगा पाए हैं, उनका कुल ऋण 88 पाउंड 10 शिलिंग है, जबकि कैपिटल एंड काउंटीज़ बैंक में उनके खाते में 220 पाउंड जमा हैं। इसलिए, यह सोचने का कोई कारण नहीं है कि पैसों की दिक्कतें उनके मन पर भारी पड़ रही हैं।

पिछले सोमवार को श्री नेविल सेंट क्लेयर सामान्य से कुछ जल्दी शहर चले गए। रवाना होते समय उन्होंने कहा कि उन्हें दो महत्वपूर्ण काम पूरे करने हैं और अपने छोटे बेटे के लिए ईंटों का एक डिब्बा लाएंगे। संयोगवश, उनकी पत्नी को उसी सोमवार को, उनके जाने के तुरंत बाद, एक टेलीग्राम मिला जिसमें लिखा था कि एक छोटा सा कीमती पार्सल, जिसका वे इंतजार कर रही थीं, एबरडीन शिपिंग कंपनी के दफ्तर में उनका इंतजार कर रहा है। अगर आपको लंदन की अच्छी जानकारी है, तो आप जानते होंगे कि कंपनी का दफ्तर फ्रेस्नो स्ट्रीट में है, जो अपर स्वान्डम लेन से निकलती है, जहां आज रात आप मुझसे मिले। श्रीमती सेंट क्लेयर ने दोपहर का भोजन किया, शहर के लिए रवाना हुईं, कुछ खरीदारी की, कंपनी के दफ्तर गईं, अपना पार्सल लिया और ठीक 4:35 बजे स्वान्डम लेन से होते हुए स्टेशन वापस जा रही थीं। क्या आप मेरी बात समझ पाए?

यह बिल्कुल स्पष्ट है।

"अगर आपको याद हो, तो सोमवार का दिन बेहद गर्म था, और श्रीमती सेंट क्लेयर धीरे-धीरे चल रही थीं, टैक्सी की उम्मीद में इधर-उधर देख रही थीं, क्योंकि उन्हें वह इलाका पसंद नहीं था जहाँ वे थीं। जब वह स्वान्डम लेन से इस तरह चल रही थीं, तो अचानक उन्हें एक चीख या चिल्लाहट सुनाई दी, और यह देखकर वह दंग रह गईं कि उनके पति दूसरी मंजिल की खिड़की से उन्हें देख रहे थे और, जैसा कि उन्हें लगा, उन्हें इशारा कर रहे थे। खिड़की खुली थी, और उन्होंने उनका चेहरा साफ देखा, जिसे उन्होंने बेहद परेशान बताया। उन्होंने अपने हाथों को बेतहाशा हिलाया, और फिर खिड़की से इतनी अचानक गायब हो गए कि उन्हें लगा जैसे किसी अदम्य शक्ति ने उन्हें पीछे से खींच लिया हो। एक बात जो उनकी तेज नजर में आई, वह यह थी कि हालांकि उन्होंने कोई गहरा कोट पहना हुआ था, जैसा कि उन्होंने शहर जाते समय पहना था, लेकिन उन्होंने न तो कॉलर पहना था और न ही टाई।"

उसे लगा कि उसके साथ कुछ गड़बड़ है, इसलिए वह सीढ़ियों से नीचे भागी - क्योंकि वह घर वही अफीम का अड्डा था जहाँ आज रात तुम मुझे मिली थी - और सामने वाले कमरे से भागते हुए उसने पहली मंजिल पर जाने वाली सीढ़ियों पर चढ़ने की कोशिश की। लेकिन सीढ़ियों के नीचे उसकी मुलाकात उसी बदमाश लुटेरे से हुई जिसका मैंने जिक्र किया है, जिसने उसे पीछे धकेल दिया और वहाँ सहायक के रूप में काम करने वाले एक डेनिश व्यक्ति की मदद से उसे सड़क पर धकेल दिया। बेहद परेशान करने वाले संदेह और भय से भरी हुई, वह गली से नीचे भागी और सौभाग्य से, फ्रेस्नो स्टीट में उसकी मुलाकात एक इंस्पेक्टर सहित कई कांस्टेबलों से हुई, जो सभी अपने-अपने क्षेत्र में जा रहे थे। इंस्पेक्टर और दो आदमी उसके साथ वापस आए, और मालिक के लगातार विरोध के बावजूद, वे उस कमरे तक पहुँचे जहाँ श्री सेंट क्लेयर को आखिरी बार देखा गया था। वहाँ उनका कोई निशान नहीं था। वास्तव में, उस पूरी मंजिल पर एक भयानक दिखने वाले अपंग व्यक्ति के अलावा कोई नहीं मिला, जो, ऐसा लगता है, उसने वहीं अपना घर बना लिया था। वह और नाविक दोनों ने दृढ़ता से कसम खाई कि दोपहर के समय सामने वाले कमरे में कोई और नहीं था। उनका इनकार इतना दृढ़ था कि निरीक्षक दंग रह गया, और लगभग यह मान ही लिया था कि श्रीमती सेंट क्लेयर को भ्रम हो रहा है, तभी अचानक वह चिल्लाई और मेज पर रखे एक छोटे से लकड़ी के डिब्बे पर झपटी और उसका ढक्कन फाड़ दिया। उसमें से बच्चों की ईंटों का ढेर गिर पड़ा। यह वही खिलौना था जिसे उसने घर लाने का वादा किया था।

इस खोज और अपंग व्यक्ति की स्पष्ट घबराहट ने निरीक्षक को आश्वस्त कर दिया कि मामला गंभीर है। कमरों की सावधानीपूर्वक जाँच की गई और सभी परिणाम एक जघन्य अपराध की ओर इशारा कर रहे थे। सामने का कमरा स्पष्ट रूप से बैठक कक्ष के रूप में सुसज्जित था और एक छोटे से शयनकक्ष में खुलता था, जो घाट के पिछले हिस्से की ओर खुलता था। घाट और शयनकक्ष की खिड़की के बीच एक संकरी पट्टी है, जो कम ज्वार के समय सूखी रहती है, लेकिन उच्च ज्वार के समय कम से कम साढ़े चार फीट पानी से ढकी रहती है। शयनकक्ष की खिड़की चौड़ी थी और नीचे से खुलती थी। जाँच करने पर खिड़की की चौखट पर खून के निशान दिखाई दिए और शयनकक्ष के लकड़ी के फर्श पर खून की कई बूँदें बिखरी हुई थीं। सामने के कमरे में एक पर्दे के पीछे श्री नेविल सेंट क्लेयर के कोट को छोड़कर उनके सभी कपड़े रखे थे। उनके जूते, मोज़े, टोपी और घड़ी - सब वहीं थे। इनमें से किसी भी वस्त्र पर हिंसा के कोई निशान नहीं थे और श्री नेविल सेंट क्लेयर का कोई अन्य सुराग भी नहीं मिला। ऐसा प्रतीत होता है कि वह खिड़की से बाहर निकल गए होंगे। बाहर निकलने का कोई दूसरा रास्ता नहीं मिल सका, और चौखट पर लगे खून के भयावह धब्बे इस बात की कोई उम्मीद नहीं

जगा रहे थे कि वह तैरकर खुद को बचा पाएगा, क्योंकि त्रासदी के समय ज्वार अपने चरम पर था।

“और अब उन खलनायकों की बात करते हैं जो इस मामले में सीधे तौर पर शामिल प्रतीत होते थे। नाविक अपने सबसे बुरे अतीत के लिए जाना जाता था, लेकिन श्रीमती सेंट क्लेयर की कहानी के अनुसार, उनके पति के खिड़की पर प्रकट होने के कुछ ही सेकंड के भीतर वह सीढ़ियों के नीचे मौजूद था, इसलिए वह अपराध में केवल एक सहायक ही हो सकता था। उसका बचाव पूर्ण अनभिज्ञता का था, और उसने दावा किया कि उसे अपने किराएदार ह्यू बून के कारनामों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, और वह लापता सज्जन के कपड़ों की उपस्थिति के बारे में किसी भी तरह से स्पष्टीकरण नहीं दे सकता था।

“ये तो था लस्कर मैनेजर का हाल। अब बात करते हैं उस खूंखार अपाहिज़ की जो अफीम के अड्डे की दूसरी मंजिल पर रहता है, और यकीनन वही आखिरी इंसान था जिसकी नजर नेविल सेंट क्लेयर पर पड़ी थी। उसका नाम ह्यू बून है, और उसका बदसूरत चेहरा हर उस आदमी को जाना-पहचाना है जो अक्सर शहर जाता है। वो एक पेशेवर भिखारी है, हालांकि पुलिस की पाबंदियों से बचने के लिए वो मोम के वस्त्रों का छोटा-मोटा धंधा करने का दिखावा करता है। थ्रेडनीडल स्ट्रीट से थोड़ी दूर बाईं ओर, जैसा कि आपने शायद गौर किया होगा, दीवार में एक छोटा सा कोना है। यहीं पर ये जीव रोजाना पालथी मारकर बैठता है, गोद में माचिस की छोटी सी डिब्बी लिए हुए, और उसकी दयनीय हालत देखकर उसके बगल में फुटपाथ पर पड़ी उसकी चिकनी चमड़े की टोपी पर भीख की कुछ बूंदें गिरती रहती हैं। मैंने उससे पेशेवर जान-पहचान करने से पहले भी उसे कई बार देखा है, और मैं हैरान हूँ कि उसने इतने कम समय में कितनी दौलत बटोर ली है। उसकी शक्ल-सूरत तो वाकई अनोखी है। उसे देखे बिना कोई भी उसके पास से नहीं गुजर सकता। नारंगी बालों का गुच्छा, एक भयानक निशान से विकृत पीला चेहरा, जिसके सिकुड़ने से उसके ऊपरी होंठ का बाहरी किनारा ऊपर की ओर मुड़ गया है, बुलडॉग जैसी ठुड्डी और गहरी भेदक आंखें, जो उसके बालों के रंग से बिल्कुल अलग दिखती हैं, ये सभी चीजें उसे आम भिखारियों की भीड़ से अलग करती हैं। उसकी हाज़िरजवाबी भी उसे अलग बनाती है, क्योंकि राहगीरों द्वारा उस पर फेंके गए किसी भी व्यंग्य का वह हमेशा जवाब देने के लिए तैयार रहता है। यही वह व्यक्ति है जिसके बारे में अब हमें पता चला है कि वह अफीम के अड्डे में किराए पर रहता था और उस सज्जन को देखने वाला आखिरी व्यक्ति था जिसकी हम तलाश कर रहे हैं।

“लेकिन एक अपाहिज!” मैंने कहा। “वह अकेले ही जवान आदमी का क्या कर सकता था?”

“वह लंगड़ाकर चलता है, इस मायने में वह अपंग है; लेकिन अन्य दृष्टि से वह एक शक्तिशाली और सुगठित व्यक्ति प्रतीत होता है। वाटसन, आपके चिकित्सा अनुभव से तो यही पता चलता होगा कि एक अंग की कमजोरी की भरपाई अक्सर अन्य अंगों की असाधारण शक्ति से हो जाती है।”

"कृपया अपनी कहानी जारी रखें।"

श्रीमती सेंट क्लेयर खिड़की पर खून देखकर बेहोश हो गई थीं, और पुलिस उन्हें टैक्सी से घर ले गई, क्योंकि उनकी उपस्थिति जांच में पुलिस के लिए किसी काम की नहीं थी। इंस्पेक्टर बार्टन, जो इस मामले के प्रभारी थे, ने परिसर की बहुत सावधानीपूर्वक जांच की, लेकिन उन्हें ऐसा कुछ भी नहीं मिला जिससे मामले पर कोई रोशनी पड़ सके। बून को तुरंत गिरफ्तार न करने में एक गलती हुई थी, क्योंकि उसे कुछ मिनटों का समय मिल गया था, जिसके दौरान वह अपने दोस्त, नाविक से बात कर

सकता था, लेकिन इस गलती को जल्द ही सुधार लिया गया, और उसे पकड़कर तलाशी ली गई, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं मिला जिससे उसे दोषी ठहराया जा सके। यह सच है कि उसकी दाहिनी कमीज की आस्तीन पर खून के कुछ धब्बे थे, लेकिन उसने अपनी अनामिका उंगली की ओर इशारा किया, जो नाखून के पास कटी हुई थी, और बताया कि खून वहीं से आ रहा था, साथ ही यह भी कहा कि वह कुछ देर पहले ही खिड़की के पास गया था, और वहां देखे गए धब्बे निस्संदेह उसी स्रोत से आए थे। उसने श्री नेविल सेंट क्लेयर को कभी भी देखने से साफ इनकार किया और कसम खाई कि उनकी उपस्थिति उसके कमरे में मिले कपड़ों का रहस्य उसके लिए उतना ही अनसुलझा था जितना पुलिस के लिए। श्रीमती सेंट क्लेयर के इस दावे पर कि उन्होंने सचमुच अपने पति को खिड़की पर देखा था, उसने कहा कि या तो वह पागल हो गई होंगी या सपना देख रही होंगी। उसे ज़ोर-ज़ोर से विरोध करते हुए पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जबकि इंस्पेक्टर इस उम्मीद में वहीं रुका रहा कि ज्वार उतरने पर शायद कोई नया सुराग मिल जाए।

और ऐसा ही हुआ, हालांकि कीचड़ भरे किनारे पर उन्हें वह नहीं मिला जिसकी उन्हें आशंका थी। ज्वार उतरने पर नेविल सेंट क्लेयर का कोट खुला पड़ा था, न कि स्वयं नेविल सेंट क्लेयर। और आपको क्या लगता है कि उन्हें जेबों में क्या मिला होगा?

"मैं कल्पना नहीं कर सकता।"

“नहीं, मुझे नहीं लगता कि आप अंदाज़ा लगा सकते हैं। हर जेब सिक्कों और आधे सिक्कों से भरी हुई थी—421 सिक्के और 270 आधे सिक्के। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं थी कि यह ज्वार में बह नहीं गया। लेकिन एक इंसान का शरीर अलग बात है। घाट और घर के बीच एक भयंकर भंवर है। ऐसा लगता है कि जब नग्न शरीर नदी में बह गया होगा, तो भारी कोट वहीं रह गया होगा।”

लेकिन मुझे पता चला है कि बाकी सारे कपड़े कमरे में ही मिले थे। क्या शव को सिर्फ कोट पहनाया गया होगा?

“नहीं, महोदय, लेकिन तथ्यों को चालाकी से सुलझाया जा सकता है। मान लीजिए कि इस बूने नाम के व्यक्ति ने नेविल सेंट क्लेयर को खिड़की से बाहर धकेल दिया था, तो कोई भी इंसान इस कृत्य को नहीं देख सकता था। तब वह क्या करता? ज़ाहिर है, उसे तुरंत यह ख्याल आता कि उसे उन कपड़ों से छुटकारा पाना चाहिए जिनसे कुछ पता चल रहा है। वह कोट उठाता और उसे बाहर फेंकने ही वाला होता कि तभी उसे याद आता कि वह तैर रहा है, डूब नहीं रहा। उसके पास समय कम है, क्योंकि उसने नीचे पत्नी के ऊपर आने की कोशिश करते समय हुई हाथापाई सुनी है, और शायद उसने अपने नाविक साथी से यह भी सुना है कि पुलिस गली में तेज़ी से आ रही है। एक पल भी गंवाने का समय नहीं है। वह किसी गुप्त भंडार की ओर दौड़ता है, जहाँ उसने भीख मांगकर जमा किया है, और कोट के डूबने की पुष्टि करने के लिए वह अपने हाथ में आने वाले सभी सिक्के जेबों में भर लेता है। वह उसे बाहर फेंक देता है, और अगर उसने नीचे कदमों की आहट न सुनी होती, तो वह बाकी कपड़ों के साथ भी ऐसा ही करता। खिड़की बंद करने का ही समय मिला था कि पुलिस आ गई।

"यह निश्चित रूप से संभव लगता है।"

“ठीक है, बेहतर विकल्प न होने के कारण हम इसे एक अस्थायी परिकल्पना मान लेते हैं। जैसा कि मैंने आपको बताया, बून को गिरफ्तार कर थाने ले जाया गया था, लेकिन यह साबित नहीं हो सका कि उसके खिलाफ पहले कभी कोई मामला था। वह वर्षों से पेशेवर भिखारी के रूप में जाना जाता था, लेकिन उसका जीवन बहुत शांत और निर्दोष प्रतीत होता था। फिलहाल मामला यहीं अटका हुआ है, और जिन सवालों का हल निकालना बाकी है - नेविल सेंट क्लेयर अफीम के अड्डे में क्या कर रहा था, वहां

उसके साथ क्या हुआ, वह अब कहां है, और ह्यू बून का उसके गायब होने से क्या संबंध है - ये सभी सवाल आज भी अनसुलझे हैं। मैं स्वीकार करता हूं कि मुझे अपने अनुभव में ऐसा कोई मामला याद नहीं आता जो पहली नजर में इतना सरल दिखता हो और फिर भी इतनी पेचीदा हो।"

जब शर्लक होम्स घटनाओं की इस अनूठी श्रृंखला का विवरण दे रहे थे, तब हम उस विशाल शहर के बाहरी इलाकों में चक्कर लगा रहे थे, जब तक कि आखिरी कुछ घर पीछे छूट नहीं गए, और हम दोनों ओर फैली ग्रामीण बाड़ के साथ खड़खड़ाते हुए आगे बढ़ रहे थे। जैसे ही उन्होंने अपना विवरण समाप्त किया, हम दो बिखरे हुए गाँवों से गुज़रे, जहाँ खिड़कियों में कुछ रोशनी अभी भी टिमटिमा रही थी।

"हम ली के बाहरी इलाके में हैं," मेरे साथी ने कहा। "हमने अपनी छोटी सी यात्रा में तीन अंग्रेजी काउंटी पार कर ली हैं, जिसकी शुरुआत मिडलसेक्स से हुई, सरे के एक कोने से गुज़रे और अंत केंट में हुआ। पेड़ों के बीच वह रोशनी दिख रही है? वह द सीडर्स है, और उस दीपक के पास एक महिला बैठी है जिसके चिंतित कानों ने, मुझे पूरा यकीन है, हमारे घोड़े के पैरों की खनक सुन ली होगी।"

मैंने पूछा, "लेकिन आप बेकर स्ट्रीट से इस मामले की पैरवी क्यों नहीं कर रहे हैं?"

"क्योंकि यहां कई पूछताछ करनी है। श्रीमती सेंट क्लेयर ने बड़ी कृपा करके मेरे लिए दो कमरे उपलब्ध कराए हैं, और आप निश्चिंत रहें कि वह मेरी मित्र और सहकर्मी का हार्दिक स्वागत करेंगी। मुझे उनसे मिलने में दुख हो रहा है, वाटसन, क्योंकि मुझे उनके पति के बारे में कोई खबर नहीं है। लीजिए, हम आ गए। अरे, रुकिए, अरे!"

हम एक विशाल विला के सामने रुके, जो अपने ही परिसर में स्थित था। एक अस्तबल का लड़का घोड़े के सिरहाने की ओर भागा, और मैं भी कूदकर नीचे उतरा और होम्स के पीछे-पीछे उस छोटे, घुमावदार बजरी वाले रास्ते पर चल पड़ा जो घर की ओर जाता था। जैसे ही हम पास पहुँचे, दरवाज़ा खुल गया, और एक छोटी गोरी महिला अंदर खड़ी थी, जिसने हल्के रंग के मोसेलीन डी सोई का कपड़ा पहना हुआ था, और उसकी गर्दन और कलाई पर गुलाबी रंग का मुलायम शिफॉन लगा हुआ था। वह तेज़ रोशनी में खड़ी थी, उसका शरीर उभरकर सामने आ रहा था, एक हाथ दरवाज़े पर था, दूसरा हाथ उत्सुकता से आधा उठा हुआ था, शरीर थोड़ा झुका हुआ था, सिर और चेहरा आगे निकला हुआ था, उसकी आँखें उत्सुक थीं और होंठ खुले हुए थे, मानो कोई सवालिया निशान हो।

"तो?" वह चिल्लाई, "तो?" और फिर, यह देखकर कि हम दो लोग हैं, उसने आशा भरी एक चीख मारी, जो एक आह में बदल गई जब उसने देखा कि मेरे साथी ने अपना सिर हिलाया और अपने कंधे उचका दिए।

"कोई अच्छी खबर नहीं?"

"कोई नहीं।"

"काफी अच्छा?"

"नहीं।"

"भगवान का शुक्र है। लेकिन अंदर आ जाओ। तुम थके हुए होगे, क्योंकि तुम्हारा दिन लंबा रहा है।"

"ये मेरे मित्र डॉ. वॉटसन हैं। उन्होंने मेरे कई मामलों में मेरी बहुत मदद की है, और एक सौभाग्यशाली संयोग से मुझे उन्हें यहाँ लाने और इस जांच में शामिल करने का अवसर मिला है।"

"आपको देखकर मुझे बहुत खुशी हुई," उसने मेरा हाथ गर्मजोशी से दबाते हुए कहा। "मुझे पूरा विश्वास है कि आप हमारी व्यवस्थाओं में किसी भी कमी को माफ कर देंगे, जब आप हम पर आए इस अचानक झटके पर विचार करेंगे।"

“मेरी प्रिय महोदया,” मैंने कहा, “मैं एक अनुभवी योद्धा हूं, और अगर मैं न भी होता तो भी मुझे स्पष्ट रूप से पता है कि माफी मांगने की कोई आवश्यकता नहीं है। यदि मैं आपकी या यहाँ मौजूद अपने मित्र की किसी भी प्रकार से सहायता कर सकूँ, तो मुझे वास्तव में प्रसन्नता होगी।”

"अब, श्रीमान शेरलॉक होम्स," महिला ने कहा जब हम एक अच्छी रोशनी वाले भोजन कक्ष में दाखिल हुए, जिसकी मेज पर ठंडा भोजन परोसा गया था, "मैं आपसे एक-दो सीधे सवाल पूछना चाहूंगी, जिनका मैं आपसे सीधा जवाब देने का अनुरोध करती हूं।"

"निस्संदेह महोदया।"

“मेरी भावनाओं की चिंता मत करो। मैं न तो भावुक हूँ और न ही बेहोश हो जाती हूँ। मैं बस आपकी सच्ची राय सुनना चाहती हूँ।”

“किस बिंदु पर?”

"क्या आप अपने दिल की गहराई में सोचते हैं कि नेविल जीवित है?"

शर्लक होम्स इस सवाल से शर्मिंदा प्रतीत हुए। "सच कहो, अब!" उसने कालीन पर खड़े होकर और टोकरीनुमा कुर्सी पर पीछे की ओर झुके हुए शर्लक होम्स को ध्यान से देखते हुए दोहराया।

"सच कहूं तो, महोदया, मैं ऐसा नहीं करता।"

“क्या आपको लगता है कि वह मर गया है?”

"मैं करता हूं।"

“हत्या की गई?”

मैं ऐसा नहीं कहता। शायद कहूँ।

और उनकी मृत्यु किस दिन हुई?

"सोमवार को।"

"तो शायद, श्रीमान होम्स, आप यह समझाने की कृपा करेंगे कि मुझे आज उनसे पत्र कैसे मिला।"

शर्लक होम्स अपनी कुर्सी से ऐसे उछल पड़े मानो उन्हें बिजली का झटका लगा हो।

“क्या!” वह दहाड़ा।

“हां, आज ही।” वह मुस्कुराते हुए खड़ी थी और हवा में एक छोटी सी पर्ची लहरा रही थी।

"क्या मैं इसे देख सकता हूँ?"

"निश्चित रूप से।"

उसने उत्सुकता में उससे लिफाफा छीन लिया और मेज पर फैलाकर उसे सीधा किया, फिर दीपक पास लाकर ध्यान से देखने लगा। मैं अपनी कुर्सी से उठकर उसके कंधे के ऊपर से उसे देख रहा था। लिफाफा बहुत ही खुरदुरा था और उस पर ग्रेवसेंड का डाक टिकट लगा हुआ था, साथ ही उसी दिन की, या यूं कहें कि उससे एक दिन पहले की तारीख भी थी, क्योंकि आधी रात के काफी बाद का समय हो चुका था।

“भद्दी लिखावट,” होम्स ने बुदबुदाते हुए कहा। “महोदया, यह निश्चित रूप से आपके पति की लिखावट नहीं है।”

"नहीं, लेकिन बाड़ा तो है।"

मुझे यह भी लगता है कि जिसने भी लिफाफे पर पता लिखा था, उसे जाकर पते की जानकारी लेनी पड़ी होगी।

“आपको यह कैसे पता चला?”

“देखिए, नाम एकदम काली स्याही से लिखा है, जो सूख चुकी है। बाकी का रंग हल्का भूरा है, जिससे पता चलता है कि सोख्ता कागज का इस्तेमाल किया गया है।

अगर सीधे स्याही से लिखा जाता और फिर सोखा जाता, तो कोई भी हिस्सा गहरे काले रंग का नहीं होता। इस आदमी ने नाम लिखा है, और पता लिखने से पहले थोड़ी देर रुका है, जिसका मतलब यही हो सकता है कि वह पता नहीं जानता था। वैसे तो यह एक छोटी सी बात है, लेकिन छोटी-छोटी बातों से ज़्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं होता। चलिए अब चिट्ठी देखते हैं। हा! इसमें एक कागज़ भी है!”

“हां, एक अंगूठी थी। उनकी मुहर लगी अंगूठी।”

“और आपको यकीन है कि यह आपके पति का ही हाथ है?”

"उसके हाथों में से एक।"

"एक?"

“जब वह जल्दी-जल्दी लिखता था, तब उसकी लिखावट ऐसी दिखती थी। यह उसकी सामान्य लिखावट से बहुत अलग है, फिर भी मैं इसे अच्छी तरह पहचानता हूँ।”

प्रियतम, घबराओ मत। सब ठीक हो जाएगा। एक बहुत बड़ी गलती हो गई है जिसे सुधारने में थोड़ा समय लग सकता है। धैर्य रखो।
नेविल।

एक ऑक्टेवो आकार की किताब के पहले पन्ने पर पेंसिल से लिखा हुआ, बिना किसी जलचिह्न के। हम्म! आज ही ग्रेवसेंड से एक गंदे अंगूठे वाले आदमी ने पोस्ट किया है। हा! और अगर मैं गलत नहीं हूं, तो पन्ने पर गोंद लगा हुआ है, और ऐसा किसी व्यक्ति ने किया है जो तंबाकू चबा रहा था। और आपको इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह आपके पति की लिखावट है, महोदया?

“बिल्कुल नहीं। नेविल ने वे शब्द लिखे थे।”

“और उन्हें आज ग्रेवसेंड में तैनात किया गया है। खैर, श्रीमती सेंट क्लेयर, हालात थोड़े सुधर रहे हैं, हालांकि मैं यह कहने की हिम्मत नहीं करूंगा कि खतरा टल गया है।”

"लेकिन वह जरूर जीवित होगा, मिस्टर होम्स।"

"जब तक कि यह हमें गुमराह करने के लिए कोई चालाकी भरी जालसाजी न हो। आखिर अंगूठी से कुछ साबित नहीं होता। हो सकता है कि वह उससे चुराई गई हो।"

“नहीं, नहीं; यह तो उनकी खुद की रचना है!”

बहुत खूब। हालांकि, यह सोमवार को लिखा गया हो सकता है और आज ही पोस्ट किया गया हो।

“यह संभव है।”

"अगर ऐसा है, तो इस बीच बहुत कुछ घटित हो सकता है।"

“ओह, मुझे निराश मत कीजिए, श्रीमान होम्स। मुझे पता है कि वह बिल्कुल ठीक हैं। हमारे बीच इतना गहरा रिश्ता है कि अगर उन पर कोई मुसीबत आती तो मुझे पता चल जाता। जिस दिन मैंने उन्हें आखिरी बार देखा था, उसी दिन उन्होंने बेडरूम में खुद को चोट पहुंचाई थी, और फिर भी मैं डाइनिंग रूम में थी और मुझे पूरा यकीन था कि कुछ हुआ है, इसलिए मैं तुरंत ऊपर भागी। क्या आपको लगता है कि मैं इतनी छोटी सी बात पर प्रतिक्रिया दूंगी और फिर भी उनकी मृत्यु से अनजान रहूंगी?”

मैंने इतना कुछ देखा है कि मैं यह जानता हूँ कि एक स्त्री की राय किसी विश्लेषणात्मक तर्कशील व्यक्ति के निष्कर्ष से कहीं अधिक मूल्यवान हो सकती है। और इस पत्र में आपके दृष्टिकोण की पुष्टि करने वाला एक बहुत ही ठोस प्रमाण है। लेकिन अगर आपके पति जीवित हैं और पत्र लिख सकते हैं, तो उन्हें आपसे दूर क्यों रहना चाहिए?

मैं इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। यह अकल्पनीय है।

"और सोमवार को जाने से पहले उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की?"

"नहीं।"
"और आपको उसे स्वान्डम लेन में देखकर आश्चर्य हुआ?"
"बहुत ज्यादा तो।"
क्या खिड़की खुली थी?
"हाँ।"
"तो शायद उसने आपको बुलाया होगा?"
"हो सकता है।"
"जहां तक मुझे समझ आया, उसने केवल अस्पष्ट सी चीख मारी?"
"हाँ।"
"क्या आपको लगा कि यह मदद के लिए पुकार है?"
“हां। उसने अपने हाथ हिलाए।”
"लेकिन यह आश्चर्य की चीख भी हो सकती है। आपको अचानक देखकर अचंभित होकर उसने हाथ ऊपर उठा लिए होंगे?"
"यह संभव है।"
"और आपको लगा कि उसे वापस खींच लिया गया था?"
वह अचानक ही गायब हो गया।
“हो सकता है वह पीछे हट गया हो। क्या आपने कमरे में किसी और को नहीं देखा?”
"नहीं, लेकिन उस भयानक आदमी ने वहाँ होने की बात कबूल की, और नाविक सीढ़ियों के नीचे था।"
“बिल्कुल सही। जहाँ तक आप देख सकती थीं, आपके पति ने अपने सामान्य कपड़े पहने हुए थे?”
लेकिन बिना कॉलर या टाई के। मैंने उसका नंगा गला साफ-साफ देखा।
"क्या उसने कभी स्वानडम लेन के बारे में बात की थी?"
"कभी नहीं।"
क्या उसने कभी अफीम के सेवन के कोई लक्षण दिखाए थे?
"कभी नहीं।"
“धन्यवाद, श्रीमती सेंट क्लेयर। ये वे मुख्य बिंदु थे जिनके बारे में मैं पूरी तरह से स्पष्ट होना चाहता था। अब हम थोड़ा भोजन करेंगे और फिर आराम करेंगे, क्योंकि कल हमारा दिन बहुत व्यस्त हो सकता है।”
हमारे लिए एक बड़ा और आरामदायक दो बिस्तरों वाला कमरा उपलब्ध कराया गया था, और मैं रात भर के रोमांच के बाद थका हुआ था, इसलिए जल्दी से बिस्तर पर लेट गया। लेकिन शर्लक होम्स एक ऐसा व्यक्ति था, जो जब कोई अनसुलझी समस्या उसके दिमाग में होती थी, तो दिनों तक, और यहाँ तक कि एक सप्ताह तक, बिना आराम किए उस पर विचार करता रहता था, तथ्यों को पुनर्व्यवस्थित करता रहता था, हर दृष्टिकोण से उसका विश्लेषण करता रहता था, जब तक कि या तो वह उसे पूरी तरह से सुलझा न ले या खुद को इस बात से आश्वस्त न कर ले कि उसके पास पर्याप्त जानकारी नहीं है। मुझे जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि अब वह पूरी रात की बैठक की तैयारी कर रहा था। उसने अपना कोट और जैकेट उतारा, एक बड़ा नीला ड्रेसिंग गाउन पहना, और फिर अपने बिस्तर से तकिए और सोफे और आर्मचेयर से कुशन इकट्ठा करने के लिए कमरे में घूमने लगा। इनसे उसने एक तरह का पूर्वी दीवान बनाया, जिस पर वह पालथी मारकर बैठ गया, और उसके सामने एक औंस तबाकू और माचिस की डिब्बी रखी हुई थी। दीपक की मंद रोशनी में मैंने उसे वहाँ बैठे देखा, होठों के बीच एक पुरानी पाइप थी, उसकी आँखें छत के कोने पर टिकी हुई थीं, नीला धुआँ उससे ऊपर

उठ रहा था, वह शांत, गतिहीन था, और प्रकाश उसके मजबूत, तीखे चेहरे पर पड़ रहा था। वह ऐसे ही बैठा था जब मैं सो गया, और वह ऐसे ही बैठा था जब अचानक वीर्यपात से मेरी नींद खुली, और मैंने पाया कि गर्मियों का सूरज कमरे में चमक रहा था। पाइप अभी भी उसके होठों के बीच थी, धुआँ अभी भी ऊपर उठ रहा था, और कमरा तंबाकू के घने धुएँ से भरा हुआ था, लेकिन उस ढेर का कोई निशान नहीं था जो मैंने पिछली रात देखा था।

“जाग गए हो, वॉटसन?” उसने पूछा।

"हाँ।"

"क्या आप सुबह-सुबह गाड़ी में घूमने चलना चाहेंगे?"

"निश्चित रूप से।"

“तो कपड़े पहन लो। अभी कोई हलचल नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि अस्तबल का लड़का कहाँ सोता है, और हम जल्द ही गाड़ी निकाल लेंगे।” बोलते-बोलते वह मन ही मन मुस्कुराया, उसकी आँखों में चमक थी, और वह पिछली रात के गंभीर विचारक से बिलकुल अलग लग रहा था।

कपड़े पहनते समय मैंने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं थी कि कोई हिल-डुल नहीं रहा था। चार बजकर पच्चीस मिनट हो चुके थे। मेरे कपड़े समेटने के तुरंत बाद होम्स यह खबर लेकर लौटे कि लड़का घोड़े को बांध रहा है।

“मैं अपनी एक छोटी सी थ्योरी को आजमाना चाहता हूँ,” उसने अपने जूते पहनते हुए कहा। “वॉटसन, मुझे लगता है कि तुम अब यूरोप के सबसे बड़े मूर्खों में से एक के सामने खड़े हो। मुझे यहाँ से लात मारकर चारिंग क्रॉस भेज देना चाहिए। लेकिन मुझे लगता है कि अब मेरे पास इस मामले की कुंजी है।”

“और यह कहाँ है?” मैंने मुस्कुराते हुए पूछा।

“बाथरूम में,” उसने जवाब दिया। “ओह, जी हाँ, मैं मज़ाक नहीं कर रहा हूँ,” मेरी हैरानी भरी नज़र देखकर उसने आगे कहा। “मैं अभी वहीं से आया हूँ, और मैंने उसे निकाल लिया है, और उसे इस ग्लैडस्टोन बैग में रख दिया है। चलो, मेरे बेटे, देखते हैं कि यह ताले में फिट होता है या नहीं।”

हम जितना हो सके चुपचाप नीचे उतरे और सुबह की तेज़ धूप में बाहर आ गए। सड़क पर हमारा घोड़ा और गाड़ी खड़ी थी, और अधनंगे कपड़े पहने अस्तबल का नौकर आगे इंतज़ार कर रहा था। हम दोनों घोड़े पर सवार हुए और लंदन रोड पर तेज़ी से चल पड़े। कुछ देहाती गाड़ियाँ सब्ज़ियाँ लेकर महानगर जा रही थीं, लेकिन दोनों ओर बने विलाओं की कतारें किसी सपने के शहर की तरह शांत और निर्जीव थीं।

होम्स ने घोड़े को सरपट दौड़ाते हुए कहा, "कुछ मामलों में यह एक विलक्षण घटना रही है। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं बिल्कुल अंधा था, लेकिन देर से ही सही, ज्ञान कभी न सीखने से बेहतर है।"

शहर में सुबह जल्दी उठने वाले लोग अपनी खिड़कियों से नींद भरी निगाहों से झाँकने लगे थे, जब हम सरे की गलियों से गुज़र रहे थे। वाटरलू ब्रिज रोड से गुज़रते हुए हमने नदी पार की और वेलिंगटन स्ट्रीट पर तेज़ी से मुड़ते हुए दाईं ओर अचानक मुड़कर हम बो स्ट्रीट में पहुंच गए। पुलिस बल में शर्लक होम्स काफी मशहूर थे, और दरवाज़े पर खड़े दोनों कांस्टेबलों ने उन्हें सलाम किया। उनमें से एक ने घोड़े का सिर पकड़ा हुआ था जबकि दूसरा हमें अंदर ले गया।

"ड्यूटी पर कौन है?" होम्स ने पूछा।

"इंस्पेक्टर ब्रैडस्ट्रीट, महोदय।"

"अरे, ब्रैडस्ट्रीट, कैसे हो?" एक लंबा-चौड़ा अधिकारी, नुकीली टोपी और फ्रॉग्ड जैकेट पहने, पत्थर के फर्श वाले गलियारे से नीचे आया। "मैं आपसे कुछ निजी बात करना चाहता हूँ, ब्रैडस्ट्रीट।" "ज़रूर, श्रीमान होम्स। मेरे कमरे में आइए।" यह एक छोटा सा, दफ्तर जैसा कमरा था, जिसमें मेज पर एक बड़ा बहीखाता रखा था और दीवार से एक टेलीफोन निकला हुआ था। इंस्पेक्टर अपनी मेज पर बैठ गया।

"मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ, श्रीमान होम्स?"

"मैंने उस भिखारी, बूने के बारे में फोन किया था - वही जिस पर ली निवासी श्री नेविल सेंट क्लेयर के लापता होने में शामिल होने का आरोप लगाया गया था।"

"हां। उसे पेश किया गया और आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में भेज दिया गया।"

"मैंने भी यही सुना है। क्या वो आपके पास यहाँ है?"

"कोशिकाओं में।"

क्या वह चुप है?

"ओह, वह कोई परेशानी नहीं देता। लेकिन वह एक गंदा बदमाश है।"

"गंदा?"

"हाँ, हम बस इतना ही कर सकते हैं कि उससे हाथ धुलवा सकें, और उसका चेहरा किसी लोहार की तरह काला है। खैर, एक बार उसका मामला सुलझ जाए, तो उसे जेल में नियमित स्नान कराया जाएगा; और मुझे लगता है, अगर आप उसे देखते, तो आप मुझसे सहमत होते कि उसे इसकी ज़रूरत थी।"

मैं उनसे मिलना बहुत पसंद करूंगा।

"क्या आप ऐसा करेंगे? यह तो आसानी से हो जाएगा। इधर आइए। आप अपना बैग यहीं छोड़ सकते हैं।"

नहीं, मुझे लगता है कि मैं इसे ले लूंगा।

"बहुत बढ़िया। कृपया इधर आइए।" वह हमें एक गलियारे से ले गया, एक बंद दरवाजा खोला, घुमावदार सीढ़ियों से नीचे उतरा और हमें दोनों ओर दरवाजों की कतार वाले एक सफेदी किए हुए गलियारे में ले आया।

"दाहिनी ओर से तीसरा वाला उसका है," इंस्पेक्टर ने कहा। "यह रहा!" उसने चुपचाप दरवाजे के ऊपरी हिस्से का एक पैनल पीछे की ओर धकेला और उसमें से झाँका।

"वह सो रहा है," उसने कहा। "आप उसे अच्छी तरह देख सकते हैं।"

हम दोनों ने जाली की ओर देखा। कैदी गहरी नींद में, चेहरा हमारी ओर करके लेटा हुआ था, उसकी साँसें धीमी और भारी थीं। वह मध्यम कद का आदमी था, अपने पेशे के अनुरूप भद्दे कपड़े पहने हुए था, उसकी फटी हुई कोट में से एक रंगीन कमीज झाँक रही थी। इंस्पेक्टर के कहे अनुसार, वह बेहद गंदा था, लेकिन उसके चेहरे पर जमी गंदगी उसकी घिनौनी कुरूपता को छिपा नहीं पा रही थी। एक पुराने घाव का चौड़ा निशान आँख से ठोड़ी तक उसके चेहरे पर फैला हुआ था, और उसके सिकुड़ने से ऊपरी होंठ का एक किनारा ऊपर की ओर मुड़ गया था, जिससे उसके तीन दाँत हमेशा गुस्से में दिखते रहते थे। उसके आँखों और माथे पर चमकीले लाल बालों का एक गुच्छा था।

"वह बहुत सुंदर है, है ना?" इंस्पेक्टर ने कहा।

"उसे नहलाने की बहुत ज़रूरत है," होम्स ने कहा। "मुझे पहले से ही अंदाज़ा था कि शायद उसे ज़रूरत हो, इसलिए मैंने अपने साथ ज़रूरी सामान लाने का फ़ैसला किया।" बोलते-बोलते उसने ग्लैडस्टोन का थैला खोला और मेरी हैरानी के बीच उसमें से एक बहुत बड़ा नहाने का स्पंज निकाला।

“हे! हे! तुम तो बड़े मजाकिया हो,” इंस्पेक्टर ने हंसते हुए कहा।

"अब, यदि आप कृपा करके वह दरवाज़ा बहुत धीरे से खोल देंगे, तो हम जल्द ही उसे कहीं अधिक सम्मानजनक स्थिति में ला देंगे।"

“खैर, मुझे नहीं पता क्यों नहीं,” इंस्पेक्टर ने कहा। “वह बो स्ट्रीट की कोठरियों के लायक तो नहीं दिखता, है ना?” उसने ताले में चाबी डाली और हम सब चुपचाप कोठरी में दाखिल हो गए। सो रहा कैदी थोड़ा करवट बदला और फिर गहरी नींद में सो गया। होम्स पानी के जग के पास झुका, स्पंज को गीला किया और फिर उसे कैदी के चेहरे पर दो बार ज़ोर से रगड़ा।

“चलिए मैं आपको केंट काउंटी के ली निवासी श्री नेविल सेंट क्लेयर से मिलवाता हूँ,” उसने चिल्लाकर कहा।

मैंने अपने जीवन में ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा था। स्पंज के नीचे से उस आदमी का चेहरा ऐसे उतर रहा था जैसे पेड़ की छाल। वह खुरदुरा भूरा रंग गायब हो गया! वह भयानक निशान भी गायब हो गया जिसने चेहरे पर एक धब्बा बना रखा था, और वह टेढ़ा होंठ भी गायब हो गया जिसने चेहरे को घिनौनी मुस्कान दी थी! एक झटके से उसके उलझे हुए लाल बाल हट गए, और वहाँ, अपने बिस्तर पर बैठा हुआ, एक पीला, उदास चेहरे वाला, सभ्य दिखने वाला आदमी था, जिसके काले बाल और चिकनी त्वचा थी, जो अपनी आँखें मल रहा था और नींद में व्याकुल होकर अपने चारों ओर देख रहा था। फिर अचानक अपने खुलेपन का एहसास होते ही, वह चीख उठा और अपना चेहरा तकिए पर पटक दिया।

“हे भगवान!” इंस्पेक्टर चिल्लाया, “यह तो वाकई वही लापता आदमी है। मैं उसे तस्वीर से पहचानता हूँ।”

कैदी ने उस बेपरवाह अंदाज़ में करवट बदली, मानो वह अपने भाग्य के हवाले हो। "ऐसा ही हो," उसने कहा। "और कृपया बताइए कि मुझ पर क्या आरोप है?"

“मिस्टर नेविल सेंट को भगा ले जाने के मामले में... अरे, आप पर तब तक आरोप नहीं लग सकता जब तक कि इसे आत्महत्या के प्रयास का मामला न बना दिया जाए,” इंस्पेक्टर ने मुस्कुराते हुए कहा। “खैर, मैं सत्ताईस साल से पुलिस बल में हूं, लेकिन यह तो हद ही हो गई।”

"यदि मैं श्री नेविल सेंट क्लेयर हूं, तो यह स्पष्ट है कि कोई अपराध नहीं किया गया है, और इसलिए मुझे अवैध रूप से हिरासत में लिया गया है।"

“कोई अपराध नहीं, लेकिन एक बहुत बड़ी गलती हुई है,” होम्स ने कहा। “आपको अपनी पत्नी पर भरोसा करना चाहिए था।”

“बात पत्नी की नहीं थी; बात बच्चों की थी,” कैदी कराहते हुए बोला। “भगवान मेरी मदद करे, मैं उन्हें अपने पिता के सामने शर्मिंदा नहीं होने देना चाहता। हे भगवान! यह कैसी बेइज्जती है! मैं क्या करूं?”

शर्लक होम्स सोफे पर उसके बगल में बैठ गया और स्नेहपूर्वक उसके कंधे पर थपथपाया।

उन्होंने कहा, “अगर आप मामले को अदालत के हवाले कर देते हैं, तो जाहिर है कि प्रचार से बचना मुश्किल होगा। दूसरी ओर, अगर आप पुलिस अधिकारियों को यह यकीन दिला देते हैं कि आपके खिलाफ कोई मामला बनता ही नहीं है, तो मुझे नहीं लगता कि इस बात का अखबारों में कोई ज़िक्र होना चाहिए। मुझे पूरा यकीन है कि इंस्पेक्टर ब्रैडस्ट्रीट आपकी बताई हर बात नोट कर लेंगे और संबंधित अधिकारियों को सौंप देंगे। तब मामला कभी अदालत तक पहुंचेगा ही नहीं।”

“ईश्वर आपका भला करे!” कैदी ने भावुक होकर कहा। “मैं कारावास, हाँ, यहाँ तक कि मृत्युदंड भी सह लेता, बजाय इसके कि अपने इस घिनौने रहस्य को अपने बच्चों के लिए परिवार पर कलंक के रूप में छोड़ जाऊं।”

“आप पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने मेरी कहानी सुनी है। मेरे पिता चेस्टरफील्ड में एक स्कूल मास्टर थे, जहां मैंने उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त की। मैंने अपनी युवावस्था में यात्रा की, रंगमंच पर अभिनय किया और अंततः लंदन के एक शाम के अखबार में रिपोर्टर बन गया। एक दिन मेरे संपादक ने महानगर में भीख मांगने पर लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित करने की इच्छा व्यक्त की, और मैंने स्वेच्छा से उन्हें लिखने की पेशकश की। यहीं से मेरे सभी कारनामों की शुरुआत हुई। भीख मांगने का अनुभव करके ही मुझे वे तथ्य मिल सके जिन पर मैं अपने लेख आधारित कर सकूं। एक अभिनेता के रूप में, मैंने मेकअप के सभी रहस्य सीख लिए थे, और ग्रीन-रूम में अपनी कला के लिए प्रसिद्ध था। अब मैंने अपनी इस क्षमता का लाभ उठाया। मैंने अपना चेहरा रंगा, और खुद को यथासंभव दयनीय दिखाने के लिए मैंने एक अच्छा सा निशान बनाया और मांस के रंग के प्लास्टर की एक छोटी सी पट्टी की मदद से अपने होंठ के एक तरफ को मरोड़ दिया। फिर लाल बालों और उपयुक्त पोशाक के साथ, मैंने शहर के व्यावसायिक क्षेत्र में अपनी जगह ले ली, दिखावे के लिए माचिस विक्रेता के रूप में, लेकिन वास्तव में एक भिखारी के रूप में। मैंने सात घंटे तक भीख मांगी, और जब मैं शाम को घर लौटा तो मुझे आश्चर्य हुआ कि मुझे 26 शिलिंग 4 पेंस से कम नहीं मिले थे।

मैंने अपने लेख लिखे और इस मामले पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन कुछ समय बाद, मैंने एक दोस्त के लिए एक बिल का भुगतान किया और मुझे 25 पाउंड के लिए एक नोटिस मिला। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि पैसा कहां से लाऊं, तभी अचानक मेरे दिमाग में एक विचार आया। मैंने लेनदार से दो सप्ताह की मोहलत मांगी, अपने मालिकों से छुट्टी ली और अपना भेष बदलकर शहर में भीख मांगने में समय बिताया। दस दिनों में मेरे पास पैसा आ गया और मैंने कर्ज चुका दिया।

“आप कल्पना कर सकते हैं कि दो पाउंड प्रति सप्ताह की कठिन मजदूरी पर काम करना कितना मुश्किल था, जबकि मुझे पता था कि मैं अपने चेहरे पर थोड़ा सा रंग लगाकर, अपनी टोपी ज़मीन पर रखकर और चुपचाप बैठकर एक ही दिन में उतना कमा सकता था। मेरे स्वाभिमान और पैसे के बीच लंबी लड़ाई चली, लेकिन अंत में डॉलर जीत गए, और मैंने शिकायत करना छोड़ दिया और दिन-ब-दिन उसी कोने में बैठा रहा जिसे मैंने पहले चुना था, अपने भयानक चेहरे से लोगों की दया बटोरता रहा और अपनी जेबें सिक्कों से भरता रहा। केवल एक आदमी मेरा यह राज़ जानता था। वह स्वानडम लेन में एक छोटे से कमरे का रखवाला था, जहाँ मैं रहता था, जहाँ मैं हर सुबह एक गंदे भिखारी के रूप में निकलता था और शाम को खुद को एक सजे-धजे रईस में बदल लेता था। यह आदमी, एक नाविक, मुझसे अपने कमरे के लिए अच्छी खासी रकम लेता था, इसलिए मुझे पता था कि मेरा राज़ उसके पास सुरक्षित है।

“खैर, बहुत जल्द ही मुझे पता चला कि मैं अच्छी खासी रकम बचा रहा हूँ। मेरा मतलब यह नहीं है कि लंदन की सड़कों पर कोई भी भिखारी साल में 700 पाउंड कमा सकता है - जो मेरी औसत कमाई से भी कम है - लेकिन मेरे पास हिसाब-किताब करने की असाधारण क्षमता थी, और हाजिरजवाबी में भी, जो अभ्यास से निखरती गई और मुझे शहर में एक जाना-माना चेहरा बना दिया। दिन भर मेरे पास चांदी के सिक्कों के साथ-साथ सिक्कों की भी बौछार होती रहती थी, और वह दिन मेरे लिए बहुत बुरा होता था जब मैं 2 पाउंड न कमा पाऊं।”

“जैसे-जैसे मैं अमीर होता गया, मेरी महत्वाकांक्षाएं बढ़ती गईं, मैंने गाँव में एक घर खरीदा और अंततः शादी कर ली, बिना किसी को मेरे असली पेशे के बारे में शक हुए। मेरी प्यारी पत्नी जानती थी कि मेरा शहर में कारोबार है। उसे यह बिल्कुल नहीं पता था कि वह क्या था।”

पिछले सोमवार को जब मेरा दिन का काम खत्म हो गया और मैं अफीम के अड्डे के ऊपर अपने कमरे में कपड़े पहन रहा था, तभी मैंने खिड़की से बाहर देखा और डर और हैरानी के मारे देखा कि मेरी पत्नी सड़क पर खड़ी थी और उसकी निगाहें मुझ पर टिकी हुई थीं। मैं चौंककर चिल्लाया, अपना चेहरा ढकने के लिए हाथ ऊपर किए और अपने भरोसेमंद साथी, नाविक के पास दौड़कर गया और उससे विनती की कि किसी को भी मेरे पास आने से रोके। मुझे नीचे से उसकी आवाज़ सुनाई दी, लेकिन मैं जानता था कि वह ऊपर नहीं आ सकती। मैंने झटपट अपने कपड़े उतार दिए, भिखारी के कपड़े पहन लिए और अपने चेहरे पर रंग और विग लगा ली। इतनी अच्छी तरह से भेस बदलने पर पत्नी की आंखें भी उसे नहीं भेद सकती थीं। लेकिन तभी मुझे ख्याल आया कि कमरे में तलाशी हो सकती है और कपड़े मुझे बेनकाब कर सकते हैं। मैंने खिड़की खोल दी, जिससे सुबह बेडरूम में लगी मेरी छोटी सी चोट फिर से खुल गई। फिर मैंने अपना कोट उठाया, जो उन तांबे के सिक्कों से भरा हुआ था जिन्हें मैंने अभी-अभी अपने चमड़े के थैले से निकालकर उसमें डाला था। मैंने उसे खिड़की से बाहर फेंक दिया और वह टेम्स नदी में गायब हो गया। बाकी कपड़े भी उसके पीछे-पीछे चले जाते, लेकिन उसी क्षण पुलिसवालों की भीड़ सीढ़ियों से ऊपर आ गई, और कुछ मिनट बाद मुझे, बल्कि सच कहूँ तो, राहत मिली कि श्री नेविल सेंट क्लेयर के रूप में पहचाने जाने के बजाय, मुझे उनके हत्यारे के रूप में गिरफ्तार कर लिया गया।

“मुझे नहीं लगता कि मुझे और कुछ समझाने की ज़रूरत है। मैं अपना भेष यथासंभव लंबे समय तक बनाए रखना चाहता था, इसीलिए मैंने अपना चेहरा गंदा रखा था। यह जानते हुए कि मेरी पत्नी बहुत चिंतित होगी, मैंने चुपके से अपनी अंगूठी उतार दी और जब कोई कांस्टेबल मुझे नहीं देख रहा था, तब मैंने उसे एक पुलिसकर्मी को सौंप दी। मैंने जल्दी से उसे लिखा कि उसे डरने की कोई ज़रूरत नहीं है।”

"वह नोट उसे कल ही मिला," होम्स ने कहा।
"हे भगवान्! उसने कितना व्यस्त सप्ताह बिताया होगा!"
इंस्पेक्टर ब्रैडस्ट्रीट ने कहा, "पुलिस इस नाविक पर नज़र रख रही थी, और मैं समझ सकता हूँ कि उसके लिए बिना किसी की नज़र में आए चिट्ठी भेजना मुश्किल हो सकता है। शायद उसने इसे अपने किसी नाविक ग्राहक को सौंप दिया होगा, जो कुछ दिनों के लिए इसके बारे में भूल गया होगा।"
"बस यही बात थी," होम्स ने सहमति में सिर हिलाते हुए कहा; "मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन क्या आप पर कभी भीख मांगने के लिए मुकदमा नहीं चलाया गया?"
"कई बार; लेकिन मेरे लिए जुर्माना क्या मायने रखता था?"
"लेकिन इसे यहीं रोकना होगा," ब्रैडस्ट्रीट ने कहा। "अगर पुलिस को इस मामले को दबाना है, तो ह्यू बून का नामोनिशान मिटना चाहिए।"
मैंने इस बात की शपथ ली है, वह भी उन सभी गंभीर शपथों की जो कोई व्यक्ति ले सकता है।
"ऐसे में मुझे लगता है कि आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। लेकिन अगर आप दोबारा पकड़े गए, तो सब कुछ सामने आ जाएगा। मुझे पूरा यकीन है, श्री होम्स, कि इस मामले को सुलझाने के लिए हम आपके बहुत आभारी हैं। काश मुझे पता होता कि आप इन नतीजों तक कैसे पहुंचते हैं।"
मेरे दोस्त ने कहा, "मैं यहाँ तक पाँच तकियों पर बैठकर और एक औंस शग्गु खाकर पहुँचा। मुझे लगता है, वॉटसन, अगर हम बेकर स्ट्रीट तक गाड़ी चलाकर जाएँ तो हम नाश्ते के लिए ठीक समय पर पहुँच जाएँगे।"

नीले कार्बंकल का रोमांच

क्रिसमस के दूसरे दिन सुबह मैं अपने मित्र शर्लक होम्स से मिलने गया, उन्हें क्रिसमस की शुभकामनाएँ देने के इरादे से। वे बैंगनी रंग के ड्रेसिंग गाउन में सोफे पर आराम कर रहे थे, उनके दाहिनी ओर एक पाइप रैक था और पास ही में अखबारों का ढेर पड़ा था, जो स्पष्ट रूप से अभी-अभी पढ़े गए थे। सोफे के बगल में एक लकड़ी की कुर्सी थी और उसकी पीठ के कोने पर एक बहुत ही पुरानी और भद्दी सी हार्ड फेल्ट की टोपी लटकी हुई थी, जो काफी घिसी-पिटी और जगह-जगह से फटी हुई थी। कुर्सी की सीट पर पड़े एक लेंस और एक चिमटी से संकेत मिलता था कि टोपी को जाँच के उद्देश्य से इस तरह लटकाया गया था।
"आप व्यस्त हैं," मैंने कहा; "शायद मैं आपको बाधित करूँ।"
"बिल्कुल नहीं। मुझे खुशी है कि मेरा एक ऐसा दोस्त है जिससे मैं अपने नतीजों पर चर्चा कर सकता हूँ। मामला बिलकुल मामूली है"— उसने अपने अंगूठे से पुरानी टोपी की ओर इशारा किया— "लेकिन इससे जुड़े कुछ ऐसे पहलू हैं जो पूरी तरह से दिलचस्प और ज्ञानवर्धक भी हैं।"
मैं उसकी कुर्सी पर बैठ गया और उसकी चटकती हुई आग के सामने अपने हाथ सेंकने लगा, क्योंकि कड़ाके की ठंड पड़ रही थी और खिड़कियों पर बर्फ की मोटी परत जम गई थी। मैंने कहा, "मुझे लगता है कि, भले ही यह देखने में साधारण लगे, लेकिन इससे कोई भयानक कहानी जुड़ी हुई है - कि यह वह सुराग है जो आपको किसी रहस्य को सुलझाने और किसी अपराधी को दंडित करने में मदद करेगा।"
"नहीं, नहीं। कोई अपराध नहीं," शर्लक होम्स हंसते हुए बोले। "ये तो बस उन छोटी-मोटी अजीब घटनाओं में से एक है जो तब होती हैं जब कुछ वर्ग मील के दायरे में चार मिलियन इंसान एक-दूसरे से टकराते हुए रहते हैं। इतनी घनी आबादी की हलचल

में, हर तरह की घटनाएं घटित हो सकती हैं, और कई छोटी-मोटी समस्याएं सामने आ सकती हैं जो देखने में चौंकाने वाली और विचित्र लग सकती हैं, लेकिन अपराध नहीं। हमें पहले भी ऐसी घटनाओं का अनुभव हो चुका है।”

मैंने टिप्पणी की, "इतना ही नहीं, मैंने अपने नोट्स में जिन पिछले छह मामलों को जोड़ा है, उनमें से तीन पूरी तरह से किसी भी कानूनी अपराध से मुक्त थे।"

“बिल्कुल सही। आप आइरीन एड्लर के कागजात बरामद करने के मेरे प्रयास, मिस मैरी सदरलैंड के अनोखे मामले और टेढ़े होंठ वाले आदमी के कारनामे का जिक्र कर रहे हैं। खैर, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह छोटा सा मामला भी उसी निर्दोष श्रेणी में आएगा। आप पीटरसन को जानते हैं, वह कमीशनर?”

"हाँ।"

यह टॉफी उन्हीं की है।

"यह उसकी टोपी है।"

“नहीं, नहीं, उसे यह मिला। इसका मालिक अज्ञात है। मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि इसे एक टूटी-फूटी बत्तख की तरह न, बल्कि एक बौद्धिक समस्या के रूप में देखें। और, सबसे पहले, यह यहाँ कैसे आया। यह क्रिसमस की सुबह एक अच्छी-खासी मोटी बत्तख के साथ आया, जो मुझे पूरा यकीन है कि इस समय पीटरसन की आग के सामने भुन रही होगी। तथ्य ये हैं: क्रिसमस की सुबह लगभग चार बजे, पीटरसन, जो कि आप जानते हैं, एक बहुत ही ईमानदार व्यक्ति हैं, किसी छोटी-मोटी मौज-मस्ती से लौट रहे थे और टॉटेनहैम कोर्ट रोड से अपने घर की ओर जा रहे थे। उनके सामने गैस की रोशनी में एक लंबा-चौड़ा आदमी थोड़ा लड़खड़ाते हुए चल रहा था और अपने कंधे पर एक सफेद बत्तख लटकाए हुए था। जैसे ही वह गुडगे स्ट्रीट के कोने पर पहुँचे, उस अजनबी और कुछ बदमाशों के बीच झगड़ा हो गया। उनमें से एक ने उस आदमी की टोपी उतार दी, जिस पर उसने आत्मरक्षा के लिए अपनी लाठी उठाई और उसे अपने सिर के ऊपर घुमाते हुए पीछे की दुकान का शीशा तोड़ दिया। पीटरसन उसकी रक्षा के लिए आगे बढ़े। अजनबी को उसके हमलावरों से बचाने की कोशिश की गई; लेकिन खिड़की तोड़ने के बाद, वर्दी पहने एक अधिकारी जैसे दिखने वाले व्यक्ति को अपनी ओर दौड़ते देख वह आदमी घबरा गया। उसने अपना हंस गिरा दिया, भागा और टॉटेनहम कोर्ट रोड के पीछे स्थित छोटी गलियों के भूलभुलैया में गायब हो गया। पीटरसन के आते ही बदमाश भी भाग गए, जिससे वह युद्ध के मैदान पर और साथ ही इस फटी हुई टोपी और एक बेदाग क्रिसमस हंस के रूप में जीत के इनाम पर कब्जा जमाए बैठा रहा।

"जिन्हें उसने निश्चित रूप से उनके मालिक को लौटा दिया होगा?"

“मेरे प्रिय मित्र, समस्या यहीं है। यह सच है कि पक्षी के बाएं पैर से बंधी एक छोटी सी कार्ड पर ‘श्रीमती हेनरी बेकर के लिए’ लिखा हुआ था, और यह भी सच है कि इस टोपी की अस्तर पर ‘एच. बी.’ अक्षर स्पष्ट रूप से पढ़े जा सकते हैं, लेकिन चूंकि हमारे इस शहर में हजारों बेकर हैं, और सैकड़ों हेनरी बेकर हैं, इसलिए किसी एक को भी खोई हुई संपत्ति लौटाना आसान नहीं है।”

तो फिर पीटरसन ने क्या किया?

“क्रिसमस की सुबह वह टोपी और हंस दोनों मेरे पास लेकर आया, यह जानते हुए कि मुझे छोटी से छोटी समस्या में भी दिलचस्पी होती है। हंस को हमने आज सुबह तक अपने पास रखा, जब संकेत मिले कि हल्की ठंड के बावजूद, इसे बिना किसी देरी के खा लेना बेहतर होगा। इसलिए, इसे ढूंढने वाला व्यक्ति इसे अपने साथ ले गया, ताकि हंस का अंतिम भाग्य पूरा हो सके, जबकि मेरे पास उस अज्ञात सज्जन की टोपी अभी भी है, जिन्होंने अपना क्रिसमस का भोजन खो दिया था।”

क्या उन्होंने विज्ञापन नहीं दिया था?

"नहीं।"

"तो फिर, आपको उसकी पहचान के बारे में क्या सुराग मिल सकता है?"

"केवल उतना ही जितना हम अनुमान लगा सकते हैं।"

"उसकी टोपी से?"

"एकदम सही।"

"लेकिन आप मजाक कर रहे हैं। इस पुराने, फटे-पुराने कपड़े से आप क्या जानकारी निकाल सकते हैं?"

“ये रहा मेरा लेंस। आप मेरी कार्यप्रणाली जानते हैं। इस परिधान को पहनने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व के बारे में आप खुद क्या अनुमान लगा सकते हैं?”

मैंने फटी-पुरानी चीज़ को अपने हाथों में लिया और बड़े दुख से उसे पलटा। यह एक साधारण गोल आकार की काली टोपी थी, जो सख्त और काफी जर्जर हो चुकी थी। इसकी अंदरूनी परत लाल रेशम की थी, लेकिन काफी फीकी पड़ चुकी थी। इस पर निर्माता का नाम नहीं था; लेकिन, जैसा कि होम्स ने बताया था, एक तरफ "एच. बी." के शुरुआती अक्षर खुदे हुए थे। टोपी को बांधने के लिए किनारे पर छेद था, लेकिन इलास्टिक गायब थी। बाकी, यह फटी हुई, बेहद धूल भरी और कई जगहों पर धब्बों से भरी हुई थी, हालांकि ऐसा लगता था कि फीके धब्बों को स्याही से ढककर छिपाने की कोशिश की गई थी।

मैंने अपने दोस्त को वापस देते हुए कहा, "मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।"

इसके विपरीत, वाटसन, आप सब कुछ देख सकते हैं। लेकिन आप जो देखते हैं, उससे तर्क करने में असफल रहते हैं। निष्कर्ष निकालने में आप बहुत संकोची हैं।

तो फिर, कृपया मुझे बताएं कि आप इस टोपी से क्या अनुमान लगा सकते हैं?

उसने उसे उठाया और अपनी विशिष्ट अंतर्मुखी शैली में उसे निहारने लगा। उसने टिप्पणी की, “शायद यह उतना अर्थपूर्ण नहीं है जितना हो सकता था, फिर भी इसमें कुछ निष्कर्ष बहुत स्पष्ट हैं, और कुछ अन्य कम से कम संभावनाओं का मजबूत संतुलन दर्शाते हैं। यह तो स्पष्ट है कि वह व्यक्ति अत्यंत बुद्धिमान था, और यह भी कि पिछले तीन वर्षों में वह काफी समृद्ध था, हालांकि अब उसके बुरे दिन आ गए हैं। उसमें दूरदर्शिता थी, लेकिन अब पहले की तुलना में कम है, जो नैतिक पतन की ओर इशारा करता है, और उसकी घटती किस्मत को देखते हुए, यह किसी बुरे प्रभाव, संभवतः शराब, के कारण प्रतीत होता है। इससे यह भी स्पष्ट हो सकता है कि उसकी पत्नी ने उससे प्रेम करना छोड़ दिया है।”

“मेरे प्यारे होम्स!”

“फिर भी, उसने कुछ हद तक आत्मसम्मान बरकरार रखा है,” मेरी आपत्ति को अनसुना करते हुए उसने आगे कहा। “वह एक सुस्त जीवन जीता है, कम ही बाहर निकलता है, बिल्कुल भी व्यायाम नहीं करता, अधेड़ उम्र का है, उसके बाल सफ़ेद हैं जिन्हें उसने कुछ ही दिनों में कटवाया है और जिन पर वह चूने की क्रीम लगाता है। ये कुछ स्पष्ट तथ्य हैं जो उसकी टोपी से पता चलते हैं। और हाँ, यह भी कि उसके घर में गैस कनेक्शन होने की संभावना बहुत कम है।”

"तुम तो पक्का मजाक कर रहे हो, होम्स।"

“बिल्कुल नहीं। क्या यह संभव है कि अब भी, जब मैं आपको ये परिणाम बता रहा हूँ, आप यह नहीं समझ पा रहे हैं कि इन्हें कैसे प्राप्त किया गया है?”

मुझे इसमें कोई शक नहीं कि मैं बहुत मूर्ख हूँ, लेकिन मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मैं आपकी बात समझ नहीं पा रहा हूं। उदाहरण के लिए, आपने यह निष्कर्ष कैसे निकाला कि यह व्यक्ति बुद्धिमान था?

जवाब में होम्स ने टोपी को अपने सिर पर रख लिया। वह सीधे माथे पर आई और नाक के पुल पर टिक गई। "यह घन क्षमता का सवाल है," उसने कहा; "इतने बड़े दिमाग वाले आदमी में कुछ तो खास बात होगी।"

तो क्या यह उनके भाग्य का पतन था?

“यह टोपी तीन साल पुरानी है। इसके किनारे मुड़े हुए सपाट किनारे तब चलन में आए थे। यह बेहतरीन क्वॉलिटी की टोपी है। इसकी धारीदार रेशम की पट्टी और शानदार अस्तर को देखिए। अगर यह आदमी तीन साल पहले इतनी महंगी टोपी खरीद सकता था, और तब से उसके पास कोई टोपी नहीं है, तो यकीनन उसकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई है।”

“ठीक है, यह तो बिल्कुल स्पष्ट है। लेकिन दूरदर्शिता और नैतिक पतन के बारे में क्या?”

शर्लक होम्स हँसे। उन्होंने टोपी को सुरक्षित रखने वाले छोटे से डिस्क और लूप पर उंगली रखते हुए कहा, “दूरदर्शिता तो यहां दिखती है। टोपी पर ये चीज़ें कभी नहीं बिकतीं। अगर इस आदमी ने इसे ऑर्डर किया है, तो यह कुछ हद तक दूरदर्शिता का संकेत है, क्योंकि उसने हवा से बचाव के लिए यह सावधानी बरती है। लेकिन चूंकि हम देखते हैं कि उसने इलास्टिक तोड़ दिया है और उसे बदलने की ज़हमत भी नहीं उठाई, तो यह स्पष्ट है कि अब उसकी दूरदर्शिता पहले से कम हो गई है, जो उसके कमज़ोर स्वभाव का स्पष्ट प्रमाण है। दूसरी ओर, उसने फेल्ट पर लगे कुछ दागों को स्याही से पोंछकर छिपाने की कोशिश की है, जो इस बात का संकेत है कि उसने अपना आत्मसम्मान पूरी तरह से नहीं खोया है।”

आपका तर्क निश्चित रूप से तर्कसंगत है।

“उसकी अधेड़ उम्र, उसके बाल सफ़ेद होना, हाल ही में कटवाना और चूने की क्रीम लगाना, ये सभी बातें अस्तर के निचले हिस्से की बारीकी से जाँच करने पर पता चलती हैं। लेंस से नाई की कैंची से साफ-सुथरे कटे हुए बालों के कई सिरे दिखाई देते हैं। ये सभी चिपके हुए प्रतीत होते हैं और चूने की क्रीम की एक अलग सी गंध आती है। आप देखेंगे कि यह धूल सड़क की किरकिरी, भूरी धूल नहीं बल्कि घर की मुलायम भूरी धूल है, जिससे पता चलता है कि इसे ज़्यादातर समय घर के अंदर ही लटकाकर रखा गया था। अंदर की तरफ नमी के निशान इस बात का पक्का सबूत हैं कि पहनने वाले को बहुत पसीना आता था, इसलिए वह शायद ही अच्छी सेहत में रहा होगा।”

लेकिन उनकी पत्नी के बारे में आपने कहा था कि उन्होंने उनसे प्यार करना बंद कर दिया था।

“इस टोपी को हफ्तों से साफ नहीं किया गया है। जब मैं तुम्हें देखूँगी, मेरे प्यारे वॉटसन, तुम्हारी टोपी पर एक हफ्ते की जमी धूल के साथ, और जब तुम्हारी पत्नी तुम्हें इस हालत में बाहर जाने देगी, तो मुझे डर लगेगा कि तुम भी अपनी पत्नी का स्नेह खो चुके हो।”

लेकिन हो सकता है कि वह अविवाहित हो।

“नहीं, वह अपनी पत्नी को खुश करने के लिए हंस को उपहार स्वरूप घर ला रहा था। पक्षी के पैर पर लगे कार्ड को याद रखना।”

“आपके पास हर बात का जवाब है। लेकिन आप यह निष्कर्ष कैसे निकाल लेते हैं कि उसके घर में गैस कनेक्शन नहीं है?”

“एक या दो चर्बी के दाग संयोग से लग सकते हैं; लेकिन जब मुझे पाँच से कम दाग नहीं दिखते, तो मुझे लगता है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह व्यक्ति जलती हुई चर्बी के लगातार संपर्क में आता होगा — रात में ऊपर जाते समय शायद एक हाथ में

टोपी और दूसरे हाथ में टिमटिमाती मोमबत्ती लिए रहता होगा। खैर, उसे गैस जेट से चर्बी के दाग कभी नहीं लगे। क्या आप संतुष्ट हैं?"

मैंने हंसते हुए कहा, "खैर, यह बहुत ही चतुराई भरा विचार है; लेकिन जैसा कि आपने अभी कहा, कोई अपराध नहीं हुआ है और एक हंस के खोने के अलावा कोई नुकसान नहीं हुआ है, इसलिए यह सब ऊर्जा की व्यर्थता प्रतीत होती है।"

शर्लक होम्स ने जवाब देने के लिए अपना मुंह खोला ही था कि दरवाजा अचानक खुल गया और कमीशनर पीटरसन लाल गालों और आश्चर्य से स्तब्ध चेहरे के साथ अपार्टमेंट में घुस आया।

"हंस, मिस्टर होम्स! हंस, महोदय!" वह हांफते हुए बोला।

"अरे? तो फिर क्या हुआ? क्या वह फिर से जीवित हो गया और रसोई की खिड़की से उड़ गया?" होम्स सोफे पर घूमकर उस आदमी के उत्तेजित चेहरे को बेहतर ढंग से देखने लगा।

"देखिए, महोदय! देखिए मेरी पत्नी को इसके पेट में क्या मिला!" उन्होंने अपना हाथ आगे बढ़ाया और हथेली के बीचोंबीच एक चमकीला नीला पत्थर दिखाया, जो आकार में एक सेम से थोड़ा छोटा था, लेकिन इतना शुद्ध और चमकदार था कि उनकी हथेली के अंधेरे गड्ढे में वह बिजली के बिंदु की तरह टिमटिमा रहा था।

शर्लक होम्स सीटी बजाते हुए उठ बैठा। "अरे वाह, पीटरसन!" उसने कहा, "यह तो सचमुच खजाना है। मुझे लगता है कि तुम जानते हो कि तुम्हें क्या मिला है?"

"हीरा, महोदय? एक अनमोल पत्थर। यह कांच को ऐसे काटता है जैसे वह मिट्टी हो।"

"यह एक अनमोल पत्थर से कहीं अधिक है। यह स्वयं एक अनमोल पत्थर है।"

"मोरकार की काउंटेस का नीला माणिक नहीं!" मैंने विस्मय से कहा।

"बिल्कुल सही। मुझे इसका आकार और आकृति पता होनी चाहिए, क्योंकि मैंने हाल ही में हर दिन द टाइम्स में इसका विज्ञापन पढ़ा है। यह बिल्कुल अनोखी है, और इसके मूल्य का केवल अनुमान ही लगाया जा सकता है, लेकिन 1000 पाउंड का प्रस्तावित इनाम बाज़ार मूल्य के बीसवें हिस्से के बराबर भी नहीं है।"

"एक हजार पाउंड! हे दयालु भगवान!" कमीशनर कुर्सी पर बैठ गया और हममें से एक-एक करके सभी को घूरने लगा।

"यही इनाम है, और मुझे यह जानने का कारण है कि इसके पीछे भावनात्मक कारण भी हैं जो काउंटेस को अपनी आधी संपत्ति देने के लिए प्रेरित करेंगे यदि वह रत्न को वापस पा सके।"

"अगर मुझे सही याद है तो यह होटल कॉस्मोपॉलिटन में खो गया था," मैंने कहा।

"बिल्कुल, 22 दिसंबर को, ठीक पाँच दिन पहले। जॉन हॉर्नर, एक प्लंबर, पर महिला के गहनों के डिब्बे से इसे चुराने का आरोप लगाया गया था। उसके खिलाफ़ सबूत इतने पुख्ता थे कि मामला अदालत में भेज दिया गया है। मुझे लगता है कि मेरे पास इस मामले का कुछ विवरण यहाँ है।" उसने अपने अखबारों में तारीखों को देखते हुए छानबीन की, और अंत में एक अखबार को सीधा करके मोड़ा और उसमें लिखा निम्नलिखित पैराग्राफ पढ़ा:

"होटल कॉस्मोपॉलिटन में गहनों की चोरी। जॉन हॉर्नर, 26 वर्ष,

प्लंबर को 22 तारीख को मोरकार की काउंटेस के गहनों के बक्से से नीले कार्बंकल नामक कीमती रत्न चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। होटल के वरिष्ठ कर्मचारी जेम्स राइडर ने गवाही दी कि चोरी वाले दिन उन्होंने हॉर्नर को मोरकार की काउंटेस के ड्रेसिंग रूम तक पहुंचाया था ताकि वह जाली की दूसरी ढीली छड़ को ठीक कर सके। वह कुछ समय तक हॉर्नर के साथ रहे, लेकिन फिर उन्हें बुला लिया

गया। लौटने पर उन्होंने पाया कि हॉर्नर गायब था, अलमारी जबरदस्ती खोली गई थी, और वह छोटा मोरक्को का बक्सा जिसमें बाद में पता चला कि काउंटेस अपना गहना रखती थीं, ड्रेसिंग टेबल पर खाली पड़ा था। राइडर ने तुरंत सूचना दी और हॉर्नर को उसी शाम गिरफ्तार कर लिया गया; लेकिन रत्न न तो उसके पास मिला और न ही उसके कमरे में। काउंटेस की नौकरानी कैथरीन कुसैक ने गवाही दी कि उसने राइडर की डकैती का पता चलने पर उसकी घबराहट भरी चीख सुनी थी और वह दौड़कर उस कमरे में गई थी, जहाँ उसे वही चीज़ें मिलीं जिनका वर्णन पिछले गवाह ने किया था। बी डिवीजन के इंस्पेक्टर ब्रैडस्ट्रीट ने हॉर्नर की गिरफ्तारी के बारे में गवाही दी, जिसने बेतहाशा संघर्ष किया और अपनी बेगुनाही का पुरज़ोर दावा किया। कैदी के खिलाफ़ डकैती के पिछले अपराध का सबूत पेश किए जाने पर, मजिस्ट्रेट ने मामले को तुरंत निपटाने से इनकार कर दिया और इसे अदालत के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। हॉर्नर, जिसने कार्यवाही के दौरान तीव्र भावनाओं के संकेत दिखाए थे, कार्यवाही समाप्त होने पर बेहोश हो गया और उसे अदालत से बाहर ले जाया गया।

“हम्म! पुलिस अदालत का तो यही हाल रहा,” होम्स ने अखबार को एक तरफ़ फेंकते हुए सोच-विचार करते हुए कहा। “अब हमें जो सवाल सुलझाना है, वह है घटनाओं का क्रम, जो एक तरफ़ लूटे गए गहनों के डिब्बे से शुरू होकर दूसरी तरफ़ टोटेनहम कोर्ट रोड पर एक हंस के पेट तक जाता है। देखो, वॉटसन, हमारे छोटे-मोटे अनुमानों ने अचानक एक बहुत ही महत्वपूर्ण और कम मासूम रूप ले लिया है। ये रहा वो पत्थर; पत्थर हंस से आया, और हंस श्री हेनरी बेकर से आया, वही सज्जन जिनकी टोपी खराब है और वो सारी बातें जिनके बारे में मैंने तुम्हें पहले ही बताकर बोर कर दिया है। तो अब हमें इस सज्जन को ढूंढने और इस छोटे से रहस्य में उनकी भूमिका का पता लगाने के लिए पूरी गंभीरता से जुट जाना चाहिए। इसके लिए, हमें पहले सबसे सरल तरीका आजमाना होगा, और वो निश्चित रूप से सभी शाम के अखबारों में विज्ञापन देने में निहित है। अगर यह तरीका काम नहीं आया, तो मैं दूसरे तरीकों का सहारा लूंगा।”

"आप क्या कहेंगे?"

मुझे एक पेंसिल और वह कागज़ की पर्ची दो। अब, फिर:

गुडगे स्ट्रीट के कोने पर एक हंस और एक काली फेल्ट टोपी मिली है। श्री हेनरी बेकर आज शाम 6:30 बजे 221बी, बेकर स्ट्रीट पर आवेदन करके इन्हें प्राप्त कर सकते हैं।

यह स्पष्ट और संक्षिप्त है।

“बिल्कुल। लेकिन क्या वह इसे देखेगा?”

“खैर, वह अखबारों पर नज़र जरूर रखेगा, क्योंकि बेचारे के लिए यह बहुत बड़ा नुकसान था। खिड़की तोड़ने की अपनी गलती और पीटरसन के आने से वह इतना डर गया था कि उसके दिमाग में भागने के अलावा कोई और विचार नहीं आया, लेकिन तब से उसे अपने उस आवेग पर बहुत पछतावा हो रहा होगा जिसके कारण उसने अपना पक्षी गिरा दिया। फिर भी, उसका नाम सामने आने से वह इसे देख लेगा, क्योंकि उसे जानने वाला हर कोई उसका ध्यान इस ओर दिलाएगा। लीजिए, पीटरसन, विज्ञापन एजेंसी जाइए और इसे शाम के अखबारों में छपवा दीजिए।”

“किसमें, महोदय?”

"आह, ग्लोब, स्टार, पॉल मॉल, सेंट जेम्स, इवनिंग न्यूज स्टैंडर्ड, इको और आपके दिमाग में आने वाले किसी भी अन्य अखबार में।"

“बहुत खूब, महोदय। और यह पत्थर?”

“हाँ, मैं पत्थर रख लूँगा। धन्यवाद। और, पीटरसन, वापस आते समय एक हंस खरीद लेना और उसे मेरे पास यहीं छोड़ देना, क्योंकि हमें इस सज्जन को देने के लिए एक हंस चाहिए, उस हंस के बदले जिसे तुम्हारा परिवार अभी खा रहा है।”

जब कमिश्नर चला गया, तो होम्स ने पत्थर उठाया और उसे रोशनी में रखकर देखा। "यह तो बहुत सुंदर चीज है," उसने कहा। “ज़रा देखो तो सही, ये कितना जगमगा रहा है। बेशक, ये अपराध का केंद्र और अड्डा है। हर अच्छा पत्थर ऐसा ही होता है। ये शैतान के पसंदीदा जाल होते हैं। बड़े और पुराने रत्नों में हर पहलू किसी न किसी खूनी कृत्य का प्रतीक हो सकता है। ये पत्थर अभी बीस साल पुराना भी नहीं है। ये दक्षिणी चीन में अमोय नदी के किनारे मिला था और इसमें माणिक लाल रंग के बजाय नीले रंग को छोड़कर बाकी सभी गुण मौजूद हैं। अपनी कम उम्र के बावजूद, इसका इतिहास भयावह है। इस चालीस ग्रेन वजनी क्रिस्टलीकृत कोयले के लिए दो हत्याएं, एक तेजाब फेंकना, एक आत्महत्या और कई लूटपाट की घटनाएं घट चुकी हैं। कौन सोच सकता था कि इतना सुंदर खिलौना फांसी और जेल का जरिया बन सकता है? मैं इसे अब अपने तिजोरी में बंद कर देता हूँ और काउंटेस को एक पत्र लिखकर बता देता हूँ कि ये हमारे पास है।”

"क्या आपको लगता है कि यह व्यक्ति हॉर्नर निर्दोष है?"

"मैं नहीं बता सकता हूँ।"

"तो फिर, क्या आपको लगता है कि इस दूसरे व्यक्ति, हेनरी बेकर का इस मामले से कुछ लेना-देना था?"

मुझे लगता है कि हेनरी बेकर पूरी तरह से निर्दोष व्यक्ति हैं, जिन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि उनके पास मौजूद पक्षी सोने से भी कहीं अधिक मूल्यवान है। हालांकि, अगर हमें अपने विज्ञापन का जवाब मिल जाता है, तो मैं एक बहुत ही सरल परीक्षण से इसका पता लगा लूंगा।

"और तब तक आप कुछ नहीं कर सकते?"

"कुछ नहीं। "

“तो फिर मैं अपना पेशेवर काम जारी रखूंगा। लेकिन मैं शाम को आपके बताए समय पर वापस आऊंगा, क्योंकि मैं इस उलझे हुए मामले का हल देखना चाहता हूं।”

आपको देखकर बहुत खुशी हुई। मैं सात बजे भोजन करूंगा। मुझे लगता है यहाँ एक वुडकॉक है। वैसे, हाल की घटनाओं को देखते हुए, शायद मुझे श्रीमती हडसन से इसके पेट की जांच करने के लिए कहना चाहिए।

एक मामले में देरी होने के कारण मैं देर से पहुँचा था, और साढ़े छह बजे के कुछ ही देर बाद मैं एक बार फिर बेकर स्ट्रीट में था। जैसे ही मैं घर के पास पहुँचा, मैंने देखा कि एक लंबा आदमी स्कॉटिश टोपी और ठुड्डी तक बटन लगे कोट पहने हुए, बाहर रोशनदान से आ रही तेज़ रोशनी में इंतज़ार कर रहा था। जैसे ही मैं पहुंचा, दरवाज़ा खुल गया, और हमें साथ-साथ होम्स के कमरे में ले जाया गया।

“श्रीमान हेनरी बेकर, मुझे लगता है,” उन्होंने अपनी कुर्सी से उठते हुए और अपने आगंतुक का सहज और सौहार्दपूर्ण अंदाज़ में अभिवादन करते हुए कहा। “कृपया आग के पास वाली इस कुर्सी पर बैठिए, श्रीमान बेकर। आज रात बहुत ठंड है, और मैंने देखा है कि आपका रक्त संचार सर्दियों की तुलना में गर्मियों के लिए ज़्यादा अनुकूल है। आह, वॉटसन, आप बिल्कुल सही समय पर आए हैं। क्या यह टोपी आपकी है, श्रीमान बेकर?”

"जी हां, महोदय, यह निस्संदेह मेरी टोपी है।"

वह एक विशालकाय व्यक्ति थे, जिनके कंधे गोल थे, सिर भारी था और चेहरा चौड़ा और बुद्धिमान था, जो नीचे की ओर ढलानदार होकर भूरे रंग की नुकीली दाढ़ी में समा जाता था। नाक और गालों पर हल्की लालिमा और फैले हुए हाथ में हल्की सी कंपन से होम्स को उनकी आदतों के बारे में लगाए गए अनुमान की पुष्टि हुई। उनका जंग लगे काले रंग का फ्रॉक-कोट सामने से पूरी तरह बटन बंद था, कॉलर ऊपर की ओर मुड़ा हुआ था, और उनकी पतली कलाइयाँ बिना कफ़ या शर्ट के आस्तीनों से बाहर निकली हुई थीं। वह धीमी, रुक-रुक कर बोलने की शैली में, शब्दों का सावधानीपूर्वक चयन करते हुए बोलते थे, और कुल मिलाकर एक ऐसे विद्वान और विद्वान व्यक्ति का आभास देते थे, जिन्हें भाग्य ने बुरी तरह से सताया था।

होम्स ने कहा, "हमने ये चीजें कुछ दिनों से अपने पास रखी हुई थीं, क्योंकि हमें आपसे आपके पते के साथ एक विज्ञापन मिलने की उम्मीद थी। अब मुझे समझ नहीं आ रहा कि आपने विज्ञापन क्यों नहीं दिया।"

हमारे आगंतुक ने थोड़ी शर्मिंदगी भरी हंसी हंसते हुए कहा, "अब मेरे पास पहले की तरह पैसे नहीं बचे हैं। मुझे पूरा यकीन था कि मुझ पर हमला करने वाले बदमाशों के गिरोह ने मेरी टोपी और चिड़िया दोनों चुरा ली होंगी। मैं उन्हें वापस पाने की व्यर्थ कोशिश में और पैसे खर्च नहीं करना चाहता था।"

“बिल्कुल स्वाभाविक। वैसे, उस पक्षी के बारे में बता दूं, हमें उसे खाने के लिए मजबूर होना पड़ा।”

“इसे खाने के लिए!” हमारा आगंतुक उत्साह में अपनी कुर्सी से आधा उठ खड़ा हुआ।

“हाँ, अगर हमने ऐसा नहीं किया होता तो यह किसी के काम का नहीं होता। लेकिन मुझे लगता है कि साइडबोर्ड पर रखा यह दूसरा हंस, जिसका वजन लगभग उतना ही है और जो बिल्कुल ताज़ा है, आपके उद्देश्य को उतनी ही अच्छी तरह से पूरा करेगा?”

“ओह, बिल्कुल, बिल्कुल,” श्री बेकर ने राहत की सांस लेते हुए उत्तर दिया।

“बेशक, हमारे पास अभी भी आपके अपने पक्षी के पंख, पैर, पेट आदि मौजूद हैं, इसलिए यदि आप चाहें तो—”

वह आदमी ज़ोर से हंस पड़ा। उसने कहा, "ये मेरे साहसिक कारनामे की निशानी के तौर पर मेरे काम आ सकते हैं, लेकिन इसके अलावा मुझे समझ नहीं आता कि मेरे दिवंगत परिचित के इन बिखरे हुए टुकड़ों का मेरे लिए क्या उपयोग होगा। नहीं, महोदय, मुझे लगता है कि आपकी अनुमति से मैं अपना ध्यान उस सुंदर पक्षी पर ही केंद्रित रखूँगा जो मुझे साइडबोर्ड पर दिखाई दे रहा है।"

शर्लक होम्स ने अपने कंधों को हल्के से उचकाते हुए मेरी ओर एक तीखी नजर डाली।

“ये रही आपकी टोपी, और ये रहा आपका पक्षी,” उसने कहा। “वैसे, क्या आपको ये बताने में बोरियत होगी कि आपको दूसरा वाला कहाँ से मिला? मुझे पक्षियों का थोड़ा बहुत शौक है, और मैंने इससे बेहतर विकसित हंस शायद ही कभी देखा हो।”

“ज़रूर, महोदय,” बेकर ने कहा, जो उठकर अपनी नई जीती हुई चीज़ को बगल में दबा लिया था। “हममें से कुछ लोग संग्रहालय के पास स्थित अल्फा इन में अक्सर आते हैं – आप समझ रहे होंगे कि हम दिन के समय संग्रहालय में ही होते हैं। इस साल हमारे मेज़बान, विंडीगेट ने एक हंस क्लब शुरू किया था, जिसके तहत हर हफ्ते कुछ पैसे देने पर हमें क्रिसमस पर एक-एक हंस मिलना था। मैंने अपने पैसे समय पर दे दिए थे, और बाकी बातें तो आप जानते ही होंगे। मैं आपका बहुत आभारी हूँ, महोदय, क्योंकि

स्कॉटिश टोपी न तो मेरी उम्र पर जंचती है और न ही मेरे गंभीर स्वभाव पर।" उन्होंने हास्यास्पद आडंबर के साथ हम दोनों को प्रणाम किया और अपने रास्ते चले गए।

दरवाजा बंद करते हुए होम्स ने कहा, "मिस्टर हेनरी बेकर के बारे में बस इतना ही। यह बिल्कुल निश्चित है कि उन्हें इस मामले के बारे में कुछ भी पता नहीं है। क्या तुम्हें भूख लगी है, वाटसन?"

"विशेष रूप से नहीं।"

"तो मेरा सुझाव है कि हम अपने रात के खाने को रात के खाने में बदल दें और इस सुराग का पीछा करें जब तक यह अभी भी ताजा है।"

"हर तरह से।"

वह एक कड़ाके की ठंड वाली रात थी, इसलिए हमने अपने मोटे शॉल ओढ़ लिए और गले में टाई बांध ली। बाहर, साफ आसमान में तारे ठंडी रोशनी बिखेर रहे थे, और राहगीरों की सांसें पिस्तौल की गोलियों की तरह धुएं में बदल रही थीं। डॉक्टरों के मोहल्ले, विम्पोल स्ट्रीट, हार्ले स्ट्रीट और फिर विगमोर स्ट्रीट से होते हुए ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट की ओर बढ़ते हुए हमारे कदमों की आहट तेज़ और स्पष्ट सुनाई दे रही थी। पंद्रह मिनट में हम ब्लूम्सबरी में अल्फा इन पहुंच गए, जो होल्बोर्न की ओर जाने वाली सड़कों में से एक के कोने पर स्थित एक छोटा सा पब है। होम्स ने निजी बार का दरवाजा खोला और लाल चेहरे वाले, सफेद एप्रन पहने हुए पब मालिक से दो गिलास बीयर मंगवाई।

उन्होंने कहा, "अगर आपकी बीयर आपके हंसों जितनी अच्छी है, तो वह भी बेहतरीन होनी चाहिए।"

"अरे बाप रे!" वह आदमी हैरान लग रहा था।

"जी हां। मैं अभी आधे घंटे पहले ही श्री हेनरी बेकर से बात कर रहा था, जो आपके हंस क्लब के सदस्य थे।"

"अहा! जी हां, मैं समझ गया। लेकिन देखिए महोदय, ये हमारे हंस नहीं हैं।"

"जी हां! तो फिर किसका?"

"मैंने कोवेंट गार्डन के एक विक्रेता से दो दर्जन खरीदे।"

"सचमुच? मैं उनमें से कुछ को जानता हूँ। वह कौन सा था?"

"उनका नाम ब्रेकिनरिज है।"

"अरे! मैं उन्हें नहीं जानता। खैर, आपके अच्छे स्वास्थ्य और आपके घर में समृद्धि की कामना करता हूं। शुभ रात्रि।"

"अब श्री ब्रेकिनरिज की बारी," उन्होंने ठंडी हवा में बाहर आते हुए अपना कोट बंद करते हुए कहा। "वाटसन, याद रखना कि भले ही इस कड़ी के एक छोर पर एक साधारण सा हंस हो, लेकिन दूसरे छोर पर एक ऐसा आदमी है जिसे निश्चित रूप से सात साल की सज़ा मिलेगी जब तक कि हम उसकी बेगुनाही साबित न कर दें। हो सकता है कि हमारी जांच से उसका अपराध ही पुष्ट हो जाए, लेकिन किसी भी हालत में हमारे पास जांच का एक ऐसा रास्ता है जिसे पुलिस ने नज़रअंदाज़ कर दिया है, और जो संयोगवश हमारे हाथ लगा है। आइए इसे अंत तक खरे उतारें। तो अब दक्षिण की ओर मुंह करके, जल्दी से आगे बढ़ो!"

हम होल्बोर्न से होते हुए एंडेल स्ट्रीट से गुजरे और झुग्गी-झोपड़ियों के टेढ़े-मेढ़े रास्तों से होते हुए कोवेंट गार्डन मार्केट पहुँचे। सबसे बड़े स्टालों में से एक पर ब्रेकिनरिज का नाम लिखा हुआ था, और दुकानदार, एक घोड़े जैसी शक्ल वाला आदमी, तेज चेहरे और करीने से सजी हुई मूंछों के साथ, एक लड़के को शटर लगाने में मदद कर रहा था।

"शुभ संध्या। आज रात बहुत ठंड है," होम्स ने कहा।

विक्रेता ने सिर हिलाया और मेरे साथी की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि डाली।

"लगता है हंस खत्म हो गए हैं," होम्स ने संगमरमर की खाली पट्टियों की ओर इशारा करते हुए कहा।

"कल सुबह आपको पांच सौ रुपये मिल जाएंगे।"

“यह ठीक नहीं है।”

"खैर, गैस-फ्लेयर के साथ स्टॉल पर कुछ हैं।"

"अरे, लेकिन मुझे आपके पास भेजा गया था।"

“किसके द्वारा?”

"अल्फा का मकान मालिक।"

"ओह, हाँ; मैंने उसे लगभग दो दर्जन भेजे थे।"

“ये तो बहुत ही खूबसूरत पक्षी थे। अब ये तुमने कहाँ से खरीदे?”

मुझे आश्चर्य हुआ कि इस प्रश्न ने विक्रेता को क्रोधित कर दिया।

“तो फिर, महोदय,” उसने सिर झुकाकर और बाहें कमर पर रखकर कहा, “आप क्या कहना चाह रहे हैं? चलिए, अब स्पष्ट बात करते हैं।”

“यह काफी सीधा है। मैं यह जानना चाहूंगा कि आपको वे हंस किसने बेचे थे जो आपने अल्फा को सप्लाई किए थे।”

“तो फिर, मैं तुम्हें नहीं बताऊंगा। तो अब!”

"अरे, यह कोई महत्वपूर्ण बात नहीं है; लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि आप इतनी छोटी सी बात पर इतना गुस्सा क्यों हो रहे हैं।"

“वाह! अगर आपको भी मेरी तरह परेशान किया जाता, तो शायद आपको भी इतनी ही गर्मी लगती। जब मैं किसी अच्छी चीज़ के लिए अच्छे पैसे देता हूं, तो बात यहीं खत्म हो जानी चाहिए; लेकिन लोग पूछते हैं, ‘हंस कहां हैं?’, ‘आपने हंस किसे बेचे?’, और ‘हंस के बदले आप क्या लेंगे?’ इतना हंगामा सुनकर तो लगता है मानो ये हंस ही दुनिया में इकलौते हों।”

“खैर, पूछताछ करने वाले अन्य लोगों से मेरा कोई संबंध नहीं है,” होम्स ने लापरवाही से कहा। “अगर आप हमें यह नहीं बताएंगे कि शर्त रद्द हो गई है, तो बस बात खत्म। लेकिन मुर्गियों के मामले में मैं हमेशा अपनी राय पर कायम रहता हूं, और मैं शर्त लगाता हूं कि मैंने जो मुर्गी खाई है वह देसी नस्ल की है।”

"तो फिर, आपके पांच पाउंड तो गए, क्योंकि ये तो यहीं के हैं," विक्रेता ने झल्लाकर कहा।

"ऐसा कुछ भी नहीं है।"

मैं कहता हूँ कि ऐसा ही है।

मुझे इस पर विश्वास नहीं है।

“क्या तुम्हें लगता है कि तुम मुझसे ज्यादा मुर्गियों के बारे में जानते हो, जबकि मैं बचपन से ही उन्हें संभालता आ रहा हूं? मैं तुम्हें बताता हूँ, अल्फा के पास जाने वाली सभी मुर्गियाँ शहर में पाली-पोसी गई थीं।”

"तुम मुझे यह मानने के लिए कभी राजी नहीं कर पाओगे।"

तो क्या आप शर्त लगाएंगे?

“मैं तो बस तुम्हारा पैसा ले रहा हूँ, क्योंकि मुझे पता है कि मैं सही हूँ। लेकिन मैं तुम्हारे साथ एक सोने का सिक्का दांव पर लगाऊंगा, ताकि तुम्हें हठी न होने का सबक सिखा सकूं।”

विक्रेता ने उदास होकर हँसते हुए कहा, "बिल, मुझे किताबें लाओ।"

छोटा लड़का एक पतली सी छोटी किताब और एक मोटी, चिकनी सतह वाली किताब लेकर आया और उन्हें लटकते हुए लैंप के नीचे एक साथ रख दिया।

“तो फिर, श्रीमान आत्मविश्वास से भरे हुए,” विक्रेता ने कहा, “मुझे लगा था कि मेरे पास हंस खत्म हो गए हैं, लेकिन इससे पहले कि मैं अपनी बात पूरी करूँ, आपको पता चलेगा कि मेरी दुकान में अभी भी एक हंस बचा है। क्या आप यह छोटी सी किताब देख रहे हैं?”

"कुंआ?"

“ये उन लोगों की सूची है जिनसे मैं सामान खरीदता हूँ। देखा आपने? अच्छा, तो इस पृष्ठ पर ग्रामीण लोगों के नाम हैं, और उनके नामों के बाद जो संख्याएं हैं, वे उनके खाते की जानकारी हैं जो मेरे बहीखाते में दर्ज हैं। अब देखिए! ये दूसरा पृष्ठ लाल स्याही में दिख रहा है? ये मेरे शहर के आपूर्तिकर्ताओं की सूची है। अब, उस तीसरे नाम को देखिए। मुझे पढ़कर सुनाइए।”

“श्रीमती ओकशॉट, 117, ब्रिक्सटन रोड — 249,” होम्स ने पढ़ा।

“बिल्कुल सही। अब इसे बहीखाते में दर्ज कर लीजिए।”

होम्स ने बताए गए पृष्ठ को पलटा। "ये लीजिए, 'श्रीमती ओकशॉट, 117, ब्रिक्सटन रोड, अंडा और मुर्गी आपूर्तिकर्ता।'"

तो फिर, आखिरी प्रविष्टि क्या है?

“‘22 दिसंबर। चौबीस हंस 7 शिलिंग 6 पेंस की दर से।’”

“बिल्कुल सही। आप यहीं हैं। और नीचे?”

“‘अल्फा के श्री विंडीगेट को 12 शिलिंग में बेचा गया।’”

अब आपको क्या कहना है?

शर्लक होम्स बेहद निराश दिख रहे थे। उन्होंने अपनी जेब से एक सोने का सिक्का निकाला और उसे पटक दिया, फिर ऐसे मुंह फेर लिया जैसे उनका गुस्सा शब्दों में बयां न किया जा सके। कुछ गज़ दूर जाकर वे एक लैंपपोस्ट के नीचे रुके और अपनी खास, खुलकर, खामोश हँसी हंसे।

“जब आप किसी ऐसे आदमी को देखते हैं जिसकी दाढ़ी उस तरह की हो और जेब से ‘पिंक ‘अन’ बाहर निकला हो, तो आप उससे शर्त लगाकर उसे हमेशा अपनी ओर खींच सकते हैं,” उसने कहा। “मुझे यकीन है कि अगर मैंने उसके सामने 100 पाउंड दांव पर लगा दिए होते, तो वह आदमी मुझे उतनी पूरी जानकारी नहीं देता जितनी उसने शर्त लगाकर हासिल की। खैर, वॉटसन, मुझे लगता है कि हम अपनी खोज के अंत के करीब हैं, और अब बस यही तय करना बाकी है कि क्या हमें आज रात श्रीमती ओकशॉट के पास जाना चाहिए या इसे कल के लिए टाल देना चाहिए। उस चिड़चिड़े आदमी की बातों से साफ है कि हमारे अलावा और भी लोग हैं जो इस मामले को लेकर चिंतित हैं, और मुझे —”

उनकी बात अचानक उस स्टॉल से फूटे शोरगुल से रुक गई, जिसे हम अभी-अभी छोड़कर आए थे। मुड़कर देखा तो एक छोटा सा चूहे जैसे चेहरे वाला जीव झूलते हुए लैंप से निकल रही पीली रोशनी के घेरे के बीचोंबीच खड़ा था, जबकि विक्रेता ब्रेकिनरिज अपने स्टॉल के दरवाजे पर खड़ा उस डरे हुए जीव पर मुट्ठियाँ गड़ाए गुस्से से हिला रहा था।

“मैं तुमसे और तुम्हारे हंसों से तंग आ चुका हूँ,” वह चिल्लाया। “काश तुम सब एक साथ शैतान के पास चले जाते। अगर तुमने अपनी बेवकूफी भरी बातों से मुझे और परेशान किया तो मैं कुत्ते को तुम पर छोड़ दूंगा। श्रीमती ओकशॉट को यहां लाओ, मैं उन्हें जवाब दूंगा, लेकिन इससे तुम्हारा क्या लेना-देना? क्या मैंने तुमसे हंस खरीदे थे?”

“नहीं; लेकिन उनमें से एक तो मेरा ही था,” उस छोटे आदमी ने गिड़गिड़ाते हुए कहा।

"अच्छा, तो फिर श्रीमती ओकशॉट से इसके लिए पूछिए।"

उसने मुझे आपसे पूछने के लिए कहा था।

"खैर, आप चाहें तो प्रोओसिया के राजा से पूछ लें, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इससे तंग आ चुका हूं। यहां से चले जाओ!" वह गुस्से से आगे बढ़ा और पूछने वाला अंधेरे में गायब हो गया।

"हा! इससे शायद हमें ब्रिक्सटन रोड जाने की ज़रूरत न पड़े," होम्स ने फुसफुसाते हुए कहा। "मेरे साथ आओ, और हम देखेंगे कि इस आदमी का क्या हाल है।" जगमगाते स्टालों के आसपास बैठे लोगों के बिखरे हुए समूहों के बीच से तेज़ी से निकलते हुए, मेरा साथी उस छोटे आदमी के पास पहुँचा और उसके कंधे पर हाथ रखा। वह उछल पड़ा, और गैस की रोशनी में मैंने देखा कि उसके चेहरे का रंग पूरी तरह उड़ गया था।

"तो फिर तुम कौन हो? तुम्हें क्या चाहिए?" उसने कांपती हुई आवाज में पूछा।

होम्स ने बेपरवाही से कहा, "मुझे माफ कीजिएगा, लेकिन मैंने अभी-अभी विक्रेता से आपके द्वारा पूछे गए सवालों को सुन लिया। मुझे लगता है कि मैं आपकी मदद कर सकता हूं।"

"तुम? तुम कौन हो? तुम्हें इस मामले के बारे में कैसे पता हो सकता है?"

मेरा नाम शर्लक होम्स है। मेरा काम उन चीजों को जानना है जो दूसरे लोग नहीं जानते।

"लेकिन आपको इसके बारे में कुछ भी पता नहीं हो सकता?"

"क्षमा कीजिए, मुझे इसके बारे में सब कुछ पता है। आप उन हंसों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं जिन्हें ब्रिक्सटन रोड की श्रीमती ओकशॉट ने ब्रेकिनरिज नामक विक्रेता को बेचा था, जिसने उन्हें अल्फा क्लब के श्री विंडीगेट को बेचा और फिर उन्होंने अपने क्लब को बेचा, जिसके सदस्य श्री हेनरी बेकर हैं।"

"ओह, महोदय, आप वही व्यक्ति हैं जिनसे मिलने की मुझे बहुत इच्छा थी," उस नन्हे बच्चे ने हाथ फैलाकर और कांपती उंगलियों से कहा। "मैं आपको यह बता भी नहीं सकता कि इस मामले में मेरी कितनी दिलचस्पी है।"

शर्लक होम्स ने गुजर रही एक चार पहिया गाड़ी को रोका। उन्होंने कहा, "तो बेहतर होगा कि हम इस हवादार बाजार के बजाय किसी आरामदायक कमरे में इस पर चर्चा करें। लेकिन आगे बढ़ने से पहले, कृपया मुझे बताएं कि मुझे किसकी सहायता करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।"

वह आदमी एक पल के लिए झिझका। "मेरा नाम जॉन रॉबिन्सन है," उसने तिरछी नज़र से देखते हुए जवाब दिया।

"नहीं, नहीं; असली नाम," होम्स ने मधुरता से कहा। "नकली नाम से व्यापार करना हमेशा असहज होता है।"

अजनबी के गोरे गालों पर लाली दौड़ गई। "तो फिर," उसने कहा, "मेरा असली नाम जेम्स राइडर है।"

"बिल्कुल सही। मैं होटल कॉस्मोपॉलिटन का मुख्य कर्मचारी हूँ। कृपया टैक्सी में बैठ जाइए, मैं आपको जल्द ही वह सब कुछ बता दूँगा जो आप जानना चाहते हैं।"

वह छोटा सा आदमी हममें से हर एक को आधी डरी हुई, आधी आशा भरी निगाहों से देखता रहा, मानो उसे समझ न आ रहा हो कि वह किसी अप्रत्याशित लाभ के कगार पर है या किसी विपत्ति के। फिर वह टैक्सी में बैठ गया, और आधे घंटे में हम बेकर स्ट्रीट स्थित बैठक कक्ष में वापस आ गए। यात्रा के दौरान कुछ भी नहीं कहा गया था, लेकिन हमारे नए साथी की तेज़, पतली साँसें और उसके हाथों का बार-बार खुलना और बंद होना, उसके भीतर के तनाव को बयां कर रहा था।

“हम यहाँ हैं!” जैसे ही हम कमरे में दाखिल हुए, होम्स ने खुशी से कहा। “इस मौसम में आग बहुत अच्छी लग रही है। आपको ठंड लग रही है, मिस्टर राइडर। कृपया टोकरी वाली कुर्सी पर बैठ जाइए। मैं बस अपनी चप्पलें पहन लेता हूँ, इससे पहले कि हम आपका यह छोटा सा मामला निपटा लें। अब, तो! आप जानना चाहते हैं कि उन हंसों का क्या हुआ?”

"जी श्रीमान।"

"या यूं कहें, मुझे लगता है कि उस हंस के बारे में। मुझे लगता है कि वह एक ऐसा पक्षी था जिसमें आपकी दिलचस्पी थी - सफेद रंग का, जिसकी पूंछ पर एक काली पट्टी थी।"

राइडर भावुक होकर कांप उठा। "ओह, महोदय," वह चिल्लाया, "क्या आप मुझे बता सकते हैं कि वह कहाँ गया?"

यह यहाँ आया।

"यहाँ?"

जी हाँ, और यह वाकई एक अद्भुत पक्षी साबित हुआ। मुझे आश्चर्य नहीं कि आपको इसमें दिलचस्पी है। मरने के बाद इसने एक अंडा दिया - अब तक का सबसे सुंदर, चमकीला छोटा नीला अंडा। यह मेरे संग्रहालय में रखा है।

हमारा आगंतुक लड़खड़ाते हुए खड़ा हुआ और अपने दाहिने हाथ से शेल्फ को पकड़ लिया। होम्स ने अपनी तिजोरी खोली और नीले रंग का माणिक्य पत्थर ऊपर उठाया, जो एक तारे की तरह चमक रहा था, ठंडी, चमकदार, कई बिंदुओं वाली रोशनी से जगमगा रहा था। राइडर उदास चेहरे के साथ घूरता रहा, यह तय नहीं कर पा रहा था कि इसे स्वीकार करे या अस्वीकार करे।

“खेल खत्म, राइडर,” होम्स ने धीरे से कहा। “रुको, यार, वरना आग में जाओगे! वॉटसन, उसे वापस उसकी कुर्सी पर बिठा दो। उसमें इतनी हिम्मत नहीं है कि वह बिना सजा के जुर्म कर सके। उसे थोड़ी सी ब्रांडी पिला दो। अब! अब वह थोड़ा इंसान जैसा लग रहा है। वाकई, वह कितना बेवकूफ है!”

एक पल के लिए वह लड़खड़ा गया और लगभग गिर ही गया, लेकिन ब्रांडी के असर से उसके गालों पर हल्की सी लाली आ गई, और वह भयभीत आँखों से अपने आरोप लगाने वाले को घूरता रहा।

“मेरे पास लगभग सभी सुराग मौजूद हैं, और वे सभी सबूत भी हैं जिनकी मुझे ज़रूरत हो सकती है, इसलिए आपको मुझे ज़्यादा कुछ बताने की ज़रूरत नहीं है। फिर भी, उस थोड़ी सी जानकारी को स्पष्ट कर देना बेहतर होगा ताकि मामला पूरी तरह से सुलझ जाए। राइडर, क्या आपने मोरकार की काउंटेस के इस नीले पत्थर के बारे में सुना था?”

"कैथरीन कुसैक ने ही मुझे इसके बारे में बताया था," उसने कर्कश आवाज में कहा।

“मैं समझ गया – आप महारानी की दासी हैं। खैर, अचानक और आसानी से हासिल होने वाले धन का लालच आप पर हावी हो गया, जैसा कि आपसे पहले भी कई अच्छे लोगों पर हुआ है; लेकिन आपने जो तरीके अपनाए उनमें आप बहुत ईमानदार नहीं थीं। राइडर, मुझे लगता है कि आपमें एक शातिर बदमाश बनने की क्षमता है। आप जानती थीं कि यह प्लंबर हॉर्नर पहले भी ऐसे ही किसी मामले में शामिल था, और शक उस पर आसानी से लग गया। तो फिर आपने क्या किया? आपने और आपके साथी कुसैक ने महारानी के कमरे में एक छोटी-मोटी चोरी की और ऐसा करवाया कि उसी को बुलवाया जाए। फिर, जब वह चला गया, तो आपने गहनों का बक्सा लूटा, शोर मचाया और इस बदकिस्मत आदमी को गिरफ्तार करवा दिया। फिर आपने –”

राइडर अचानक कालीन पर गिर पड़ा और मेरे साथी के घुटनों को पकड़ लिया। “भगवान के लिए, मुझ पर दया करो!” वह चीखा। “मेरे पिता के बारे में सोचो! मेरी माँ के बारे में सोचो! उनका दिल टूट जाएगा। मैंने पहले कभी कोई गलती नहीं की! मैं फिर कभी नहीं करूँगा। मैं कसम खाता हूँ। मैं बाइबल पर कसम खाता हूँ। अरे, इसे अदालत में मत लाओ! भगवान के लिए, ऐसा मत करो!”

“अपनी कुर्सी पर वापस बैठो!” होम्स ने सख्ती से कहा। “अभी गिड़गिड़ाना और रेंगना तो ठीक है, लेकिन तुमने इस बेचारे हार्नर को कटघरे में खड़े हुए एक ऐसे अपराध के लिए बहुत कम समझा जिसके बारे में उसे कुछ पता ही नहीं था।”

“मैं भाग जाऊंगा, श्रीमान होम्स। मैं देश छोड़ दूंगा, महोदय। तब उसके खिलाफ आरोप खारिज हो जाएंगे।”

“हम्म! हम इस बारे में बात करेंगे। और अब अगले घटनाक्रम का सही विवरण सुनिए। हंस के अंदर पत्थर कैसे आया, और हंस खुले बाजार में कैसे पहुंचा? हमें सच बताइए, क्योंकि आपकी सुरक्षा की एकमात्र उम्मीद इसी में है।”

राइडर ने अपनी सूखी हुई जीभ अपने होठों पर फिराई। "मैं आपको ठीक वैसे ही बताऊंगा जैसे हुआ था, महोदय," उसने कहा। जब हार्नर को गिरफ्तार किया गया, तो मुझे लगा कि मेरे लिए पत्थर लेकर तुरंत भाग जाना ही सबसे अच्छा होगा, क्योंकि मुझे नहीं पता था कि पुलिस कब मेरी और मेरे कमरे की तलाशी ले लेगी। होटल में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं थी। मैं किसी गुप्त काम से निकला और अपनी बहन के घर की ओर चल पड़ा। उसकी शादी ओकशॉट नाम के एक आदमी से हुई थी और वह ब्रिक्सटन रोड में रहती थी, जहाँ वह बाजार के लिए मुर्गियां पालती थी। रास्ते भर मुझे हर आदमी पुलिसवाला या जासूस ही लगा; और इतनी ठंडी रात होने के बावजूद, ब्रिक्सटन रोड पहुंचने से पहले ही मेरे चेहरे से पसीना बहने लगा था। मेरी बहन ने मुझसे पूछा कि क्या बात है और मैं इतना पीला क्यों पड़ गया हूं; लेकिन मैंने उसे बताया कि होटल में हुई गहनों की चोरी से मैं बहुत परेशान हूँ। फिर मैं पिछवाड़े में गया और पाइप पीते हुए सोचने लगा कि क्या करना सबसे अच्छा होगा।

“एक समय मेरा एक दोस्त था जिसका नाम मौड्सले था, जो बिगड़ गया था और अभी पेंटनविले जेल में अपनी सजा काट रहा था। एक दिन वह मुझसे मिला और चोरों के तरीकों और चोरी की चीजों से छुटकारा पाने के तरीकों के बारे में बातें करने लगा। मुझे पता था कि वह मेरा विश्वास जीत लेगा, क्योंकि मैं उसके बारे में कुछ बातें जानता था; इसलिए मैंने फैसला किया कि मैं सीधे किलबर्न जाऊंगा, जहां वह रहता था, और उसे अपने विश्वास में ले लूंगा। वह मुझे बताएगा कि पत्थर को पैसे में कैसे बदला जाए। लेकिन उस तक सुरक्षित कैसे पहुंचा जाए? मैंने होटल से आने में हुई अपनी परेशानियों के बारे में सोचा। किसी भी क्षण मुझे पकड़ा जा सकता था और तलाशी ली जा सकती थी, और पत्थर मेरी जैकेट की जेब में मिल सकता था। मैं उस समय दीवार से टिका हुआ था और अपने पैरों के आसपास घूम रहे हंसों को देख रहा था, और अचानक मेरे दिमाग में एक विचार आया जिससे मुझे पता चला कि मैं अब तक के सबसे बेहतरीन जासूस को कैसे मात दे सकता हूं।”

कुछ हफ़्ते पहले मेरी बहन ने मुझसे कहा था कि क्रिसमस के तोहफ़े के तौर पर मुझे उसकी हंसों में से कोई एक हंस चुनने का मौका मिल सकता है, और मैं जानती थी कि वह हमेशा अपना वादा निभाती है। मैंने सोचा कि मैं अपनी हंस ले जाऊंगी और उसमें अपना पत्थर रखकर किलबर्न ले जाऊंगी। आंगन में एक छोटा सा शेड था, और उसके पीछे मैंने एक हंस को भगाया - एक बड़ा, सुंदर, सफ़ेद रंग का, जिसकी पूंछ पर धारियां थीं। मैंने उसे पकड़ा और उसकी चोंच खोलकर, जितना हो सके, पत्थर उसके गले में ठूंस दिया। हंस ने एक घूंट भरी, और मुझे महसूस हुआ कि पत्थर उसके गले से

होते हुए उसके पेट में चला गया। लेकिन वह जानवर फड़फड़ाने और छटपटाने लगा, और मेरी बहन यह जानने के लिए बाहर आई कि क्या हुआ है। जैसे ही मैं उससे बात करने के लिए मुड़ी, वह जानवर खुद को छुड़ाकर बाकी हंसों के बीच उड़ गया।

"'जेम, तुम उस पक्षी के साथ क्या कर रहे थे?' वह कहती है।

मैंने कहा, "'अच्छा,' आपने कहा था कि आप मुझे क्रिसमस पर एक देंगे, और मैं यह जानने की कोशिश कर रहा था कि सबसे मोटा कौन सा है।'"

"'ओह,' वह कहती है, 'हमने आपके लिए आपका पक्षी अलग रख दिया है – हम इसे जेम का पक्षी कहते हैं। यह वह बड़ा सफेद पक्षी है जो सामने दिख रहा है। ऐसे छब्बीस पक्षी हैं, जिनमें से एक आपके लिए, एक हमारे लिए और दो दर्जन बाजार के लिए हैं।'"

"'धन्यवाद, मैगी,' मैंने कहा; 'लेकिन अगर आपको कोई आपत्ति नहीं है, तो मैं वह लेना पसंद करूंगी जिसे मैं अभी संभाल रही थी।'"

"'दूसरी वाली तीन पाउंड ज्यादा भारी है,' उसने कहा, 'और हमने इसे खास तौर पर तुम्हारे लिए मोटा किया है।'"

मैंने कहा, "कोई बात नहीं। मैं दूसरा ले लूंगा, और मैं इसे अभी ले लूंगा।"

"'ओह, जैसी आपको पसंद हो,' उसने थोड़ी झुंझलाहट के साथ कहा। 'तो फिर आप क्या चाहते हैं?'"

"'वह सफेद वाला जिसकी पूंछ पर धारियां हैं, झुंड के ठीक बीच में।'"

"'अच्छा, ठीक है। इसे मार डालो और अपने साथ ले जाओ।'"

"खैर, मैंने वही किया जो उसने कहा था, मिस्टर होम्स, और मैं उस पक्षी को उठाकर किलबर्न तक ले गया। मैंने अपने दोस्त को सब कुछ बताया, क्योंकि उसे ऐसी बात बताना आसान था। वह इतना हंसा कि उसका दम घुटने लगा, और हमने एक चाकू लिया और हंस को खोला। मेरा दिल बैठ गया, क्योंकि उसमें पत्थर का कोई निशान नहीं था, और मैं समझ गया कि कोई भयानक गलती हो गई है। मैं पक्षी को वहीं छोड़कर अपनी बहन के घर वापस भागा, और जल्दी से पिछवाड़े में गया। वहाँ एक भी पक्षी नहीं था।"

"'वे सब कहाँ हैं, मैगी?' मैं चिल्लाई।"

"'जेम, मैं डीलर के पास गया हूं।'"

"'किस डीलर का?'"

"'ब्रेकिनरिज, कोवेंट गार्डन के।'"

"'लेकिन क्या कोई और भी था जिसकी पूंछ धारीदार हो?' मैंने पूछा, 'बिल्कुल वैसी ही जैसी मैंने चुनी थी?'"

"'हां, जेम; दो धारीदार पूंछ वाले थे, और मैं उन्हें कभी अलग नहीं पहचान पाता था।'"

"खैर, मैंने सब कुछ देखा और मैं दौड़कर ब्रेकिनरिज के पास गया; लेकिन उसने सारा माल तुरंत बेच दिया था और मुझे एक शब्द भी नहीं बताया कि वे कहां गए। आज रात तुमने खुद सुना होगा। खैर, वह हमेशा मुझे ऐसे ही जवाब देता है। मेरी बहन सोचती है कि मैं पागल हो रहा हूँ। कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं खुद पागल हो रहा हूँ। और अब—अब मैं खुद एक कलंकित चोर बन गया हूं, उस दौलत को छुए बिना जिसके लिए मैंने अपनी इज्जत बेची। भगवान मेरी मदद करें! भगवान मेरी मदद करें!" वह फूट-फूटकर रोने लगा, अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया।

काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा, जिसे केवल उसकी भारी साँसों और शर्लक होम्स की उंगलियों की मेज के किनारे पर हल्की-हल्की थपथपाहट ही तोड़ रही थी। फिर मेरा दोस्त उठा और उसने दरवाजा खोल दिया।

“बाहर निकलो!” उसने कहा।

“क्या, महोदय! हे भगवान, आपका भला हो!”

“अब और कुछ नहीं। बाहर निकलो!”

और शब्दों की कोई आवश्यकता नहीं थी। हलचल मच गई, सीढ़ियों पर खड़खड़ाहट हुई, दरवाज़े के खुलने की तेज़ आवाज़ आई, और सड़क से दौड़ते कदमों की खड़खड़ाहट सुनाई दी।

“आखिरकार, वॉटसन,” होम्स ने अपनी मिट्टी की पाइप उठाते हुए कहा, “पुलिस ने मुझे उनकी कमियों को पूरा करने के लिए नियुक्त नहीं किया है। अगर हॉर्नर खतरे में होता तो बात अलग होती; लेकिन यह आदमी उसके खिलाफ पेश नहीं होगा, और मामला खत्म हो जाएगा। मुझे लगता है कि मैं एक जघन्य अपराध को कम कर रहा हूं, लेकिन यह भी संभव है कि मैं किसी की जान बचा रहा हूँ। यह आदमी फिर कभी गलत काम नहीं करेगा; वह बहुत डरा हुआ है। उसे अभी जेल भेज दो, और तुम उसे जीवन भर के लिए जेल का कैदी बना दोगे। इसके अलावा, यह क्षमा का मौसम है। संयोग ने हमारे सामने एक बहुत ही अनोखी और विचित्र समस्या खड़ी कर दी है, और इसका हल अपने आप में एक इनाम है। अगर आप कृपा करके घंटी बजा दें, डॉक्टर, तो हम एक और जांच शुरू करेंगे, जिसमें भी एक पक्षी मुख्य भूमिका निभाएगा।”

चित्तीदार बैंड का रोमांच

पिछले आठ वर्षों में मैंने अपने मित्र शर्लक होम्स की कार्यप्रणाली का अध्ययन करते हुए लगभग सत्तर मामलों पर जो नोट्स बनाए हैं, उन पर सरसरी नज़र डालने पर मुझे कई दुखद, कुछ हास्यपूर्ण, और बड़ी संख्या में विचित्र मामले मिलते हैं, लेकिन कोई भी सामान्य नहीं। क्योंकि वे धन कमाने की बजाय अपनी कला के प्रति प्रेम के लिए काम करते थे, इसलिए वे किसी भी ऐसी जांच से खुद को दूर रखते थे जो असामान्य या काल्पनिक न हो। इन सभी विविध मामलों में से, मुझे कोई भी ऐसा मामला याद नहीं आता जो स्टोक मोरान के प्रसिद्ध सरे परिवार के रॉयलॉट्स से जुड़े मामले से अधिक विलक्षण हो। ये घटनाएँ होम्स के साथ मेरे शुरुआती दिनों में घटी थीं, जब हम बेकर स्ट्रीट में कुंवारे के रूप में एक साथ कमरे साझा करते थे। संभव है कि मैंने इन्हें पहले ही दर्ज कर लिया होता, लेकिन उस समय गोपनीयता का वादा किया गया था, जिससे मैं पिछले महीने ही उस महिला की असामयिक मृत्यु के कारण मुक्त हुआ हूँ, जिसे यह वादा दिया गया था। यह शायद अच्छा ही हुआ कि अब तथ्य सामने आ गए हैं, क्योंकि मुझे यह जानने के कारण हैं कि डॉ. ग्रिम्सबी रॉयलॉट की मृत्यु के बारे में व्यापक अफवाहें फैली हुई हैं जो मामले को सच्चाई से भी कहीं अधिक भयावह बना देती हैं।

अप्रैल 1983 की शुरुआत में, एक सुबह जब मैं उठा तो देखा कि शर्लक होम्स पूरी तरह से सजे-धजे मेरे बिस्तर के बगल में खड़े हैं। वे आमतौर पर देर से उठते थे, और जब मैंने देखा कि मेंटलपीस पर लगी घड़ी में केवल सवा सात बजे थे, तो मैंने कुछ आश्चर्य और शायद थोड़ी सी नाराजगी के साथ उनकी ओर देखा, क्योंकि मैं खुद अपनी आदतों का पाबंद था।

"आपको परेशान करने के लिए बहुत खेद है, वॉटसन," उसने कहा, "लेकिन आज सुबह यही आम बात है। श्रीमती हडसन भी परेशान हो गई हैं, उन्होंने मुझ पर पलटवार किया और मैंने आप पर।"

“तो फिर यह क्या है— आग?”

“नहीं; एक ग्राहक। लगता है एक युवती बहुत उत्तेजित अवस्था में आई है और मुझसे मिलने की ज़िद कर रही है। वह अभी बैठक में इंतज़ार कर रही है। अब, जब युवतियाँ सुबह-सुबह शहर में घूमती हैं और नींद में डूबे लोगों को जगा देती हैं, तो मुझे

लगता है कि उन्हें कोई बहुत ज़रूरी बात बतानी है। अगर यह कोई दिलचस्प मामला निकला, तो मुझे यकीन है कि आप शुरू से ही इस पर नज़र रखना चाहेंगे। मैंने सोचा कि कम से कम आपको बुला लूं और आपको यह मौका दे दूं।"

मेरे प्रिय मित्र, मैं इसे किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ना चाहूंगा।

मुझे होम्स के पेशेवर जांच-पड़ताल में उनका अनुसरण करने और उनकी तीव्र खोजों की प्रशंसा करने से बढ़कर कोई और आनंद नहीं था। उनकी खोजें अंतर्ज्ञान की तरह तेज थीं, फिर भी हमेशा तार्किक आधार पर आधारित होती थीं, जिनसे वे अपने सामने प्रस्तुत समस्याओं को सुलझाते थे। मैंने जल्दी से अपने कपड़े पहने और कुछ ही मिनटों में अपने दोस्त के साथ बैठक कक्ष में जाने के लिए तैयार हो गया। जैसे ही हम अंदर आए, खिड़की पर बैठी एक महिला, जिसने काले कपड़े पहने थे और घूंघट ओढ़ रखा था, उठ खड़ी हुई।

"सुप्रभात महोदया," होम्स ने प्रसन्नतापूर्वक कहा। "मेरा नाम शर्लक होम्स है। ये मेरे घनिष्ठ मित्र और सहयोगी डॉ. वाटसन हैं, जिनके सामने आप मुझसे जितनी निश्चिंत होकर बात कर सकती हैं, उतनी ही निश्चिंत होकर कर सकती हैं। हा! मुझे खुशी है कि श्रीमती हडसन ने समझदारी दिखाते हुए आग जला दी है। कृपया आग के पास बैठ जाइए, और मैं आपके लिए एक कप गर्म कॉफी मंगवाता हूँ, क्योंकि मैंने देखा है कि आपको ठंड लग रही है।"

"मुझे ठंड नहीं लग रही है जिससे मैं कांप रही हूँ," महिला ने धीमी आवाज में कहा और अनुरोध के अनुसार अपनी सीट बदल ली।

"तो क्या?"

"यह डर है, श्री होम्स। यह आतंक है।" बोलते हुए उन्होंने अपना घूंघट उठाया, और हम देख सकते थे कि वह सचमुच दयनीय रूप से घबराई हुई थीं, उनका चेहरा मुरझाया हुआ और पीला पड़ गया था, उनकी आँखें किसी शिकार किए गए जानवर की तरह बेचैन और भयभीत थीं। उनके चेहरे और कद-काठी तीस वर्ष की महिला जैसी थी, लेकिन उनके बाल समय से पहले ही सफेद हो गए थे, और उनका चेहरा थका हुआ और मुरझाया हुआ था। शर्लक होम्स ने अपनी एक त्वरित, व्यापक नज़र से उन्हें परख लिया।

"चिंता मत करो," उसने झुककर उसकी बांह थपथपाते हुए दिलासा देते हुए कहा। "हम जल्द ही सब ठीक कर लेंगे, मुझे पूरा विश्वास है। लगता है तुम आज सुबह ट्रेन से आई हो।"

तो फिर तुम मुझे जानते हो?

"नहीं, लेकिन मुझे आपके बाएं दस्ताने की हथेली में वापसी टिकट का दूसरा हिस्सा दिखाई दे रहा है। आप सुबह जल्दी निकले होंगे, और फिर भी स्टेशन पहुंचने से पहले आपने खराब सड़कों पर एक गाड़ी में काफी लंबी यात्रा की होगी।"

वह महिला एकदम चौंक गई और मेरे साथी को हैरानी से देखने लगी।

"इसमें कोई रहस्य नहीं है, मेरी प्रिय महोदया," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "आपकी जैकेट की बाईं बाजू पर कम से कम सात जगहों पर कीचड़ के छींटे पड़े हैं। ये निशान बिल्कुल ताज़े हैं। ठेले के अलावा कोई और वाहन इस तरह से कीचड़ नहीं उछालता, और वह भी तब जब आप चालक के बाईं ओर बैठे हों।"

"आपके कारण चाहे जो भी हों, आप बिल्कुल सही हैं," उसने कहा। "मैं सुबह छह बजे से पहले घर से निकली, बीस मिनट बाद लेदरहेड पहुंची और वाटरलू के लिए पहली ट्रेन पकड़ी। महोदय, मैं अब और यह तनाव सहन नहीं कर सकती; अगर यह जारी रहा तो मैं पागल हो जाऊँगी। मेरे पास मदद के लिए कोई नहीं है—सिर्फ एक को छोड़कर, जो मेरी परवाह करता है, और बेचारा, वह भी मेरी ज़्यादा मदद नहीं कर

सकता। मैंने आपके बारे में सुना है, श्रीमान होम्स; मैंने आपके बारे में श्रीमती फारिनटोश से सुना है, जिनकी आपने उनकी कठिन परिस्थिति में मदद की थी। उन्हीं से मुझे आपका पता मिला। ओह, महोदय, क्या आपको नहीं लगता कि आप मेरी भी मदद कर सकते हैं, और कम से कम मेरे चारों ओर फैले घने अंधेरे में थोड़ी सी रोशनी तो डाल सकते हैं? फिलहाल आपके कामों के लिए आपको इनाम देना मेरे बस में नहीं है, लेकिन एक या छह हफ्तों में मेरी शादी हो जाएगी, मेरी अपनी आमदनी का ज़िम्मा मेरे पास होगा, और तब कम से कम आप मुझे कृतघ्न नहीं पाएँगे।"

होम्स ने अपनी मेज़ की ओर रुख किया और उसे खोलकर एक छोटी सी केस-बुक निकाली, जिसका उन्होंने अध्ययन किया।

"फारिनटोश," उसने कहा। "हाँ, मुझे वह मामला याद है; वह एक ओपल मुकुट से संबंधित था। मुझे लगता है कि यह आपके समय से पहले का है, वॉटसन। मैं बस इतना ही कह सकता हूँ, महोदया, कि मैं आपके मामले में भी उतनी ही लगन से काम करूँगा जितनी मैंने आपके मित्र के मामले में की थी। जहाँ तक पारिश्रमिक की बात है, मेरा पेशा ही मेरा पुरस्कार है; लेकिन आप अपनी सुविधानुसार किसी भी समय मेरे खर्चों का वहन करने के लिए स्वतंत्र हैं। और अब मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप हमें वह सब कुछ बताएँ जो हमें इस मामले पर अपनी राय बनाने में सहायक हो।"

"अफ़सोस!" हमारे आगंतुक ने उत्तर दिया, "मेरी स्थिति की भयावहता इस तथ्य में निहित है कि मेरे भय इतने अस्पष्ट हैं, और मेरे संदेह पूरी तरह से छोटी-छोटी बातों पर आधारित हैं, जो किसी और को तुच्छ लग सकती हैं, कि यहाँ तक कि वह व्यक्ति भी, जिससे मुझे मदद और सलाह लेने का सबसे अधिक अधिकार है, मेरी सारी बातों को एक घबराई हुई महिला की कल्पना समझता है। वह सीधे तौर पर ऐसा नहीं कहता, लेकिन मैं उसके शांत उत्तरों और तिरछी नज़रों से यह समझ सकती हूँ। लेकिन मैंने सुना है, श्रीमान होम्स, कि आप मानव हृदय की अनेक बुराइयों को गहराई से देख सकते हैं। आप मुझे सलाह दे सकते हैं कि मैं अपने चारों ओर मंडरा रहे खतरों के बीच कैसे चलूं।"

"मैं पूरी तरह से ध्यान देने योग्य हूं, महोदया।"

"मेरा नाम हेलेन स्टोनर है, और मैं अपने सौतेले पिता के साथ रहती हूं, जो इंग्लैंड के सबसे पुराने सैक्सन परिवारों में से एक, सरे की पश्चिमी सीमा पर स्थित स्टोक मोरान के रॉयलोट्स परिवार के अंतिम जीवित सदस्य हैं।"

होम्स ने सिर हिलाया। उन्होंने कहा, "यह नाम मुझे जाना-पहचाना लगता है।"

"एक समय यह परिवार इंग्लैंड के सबसे धनी परिवारों में से एक था, और उनकी जागीरें उत्तर में बर्कशायर और पश्चिम में हैम्पशायर तक फैली हुई थीं। लेकिन पिछली शताब्दी में, उनके चार उत्तराधिकारी अय्याश और फिजूलखर्ची करने वाले स्वभाव के थे, और अंततः रीजेंसी काल में एक जुआरी ने परिवार को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। कुछ एकड़ ज़मीन और दो सौ साल पुराने घर के अलावा कुछ भी नहीं बचा, जो खुद भारी गिरवी के बोझ तले दबा हुआ है। आखिरी जमींदार ने वहाँ किसी तरह अपना जीवन बिताया, एक कुलीन भिखारी की दयनीय जिंदगी जी; लेकिन उनके इकलौते बेटे, मेरे सौतेले पिता ने, यह देखते हुए कि उन्हें नई परिस्थितियों के अनुकूल ढलना होगा, एक रिश्तेदार से आर्थिक सहायता प्राप्त की, जिससे वे चिकित्सा की डिग्री प्राप्त कर सके और कलकत्ता चले गए, जहाँ उन्होंने अपने पेशेवर कौशल और मजबूत व्यक्तित्व के बल पर एक बड़ा व्यवसाय स्थापित किया। हालाँकि, घर में हुई कुछ चोरियों के कारण क्रोधित होकर उन्होंने अपने स्थानीय बटलर को पीट-पीटकर मार डाला और मौत की सजा से बाल-बाल बच गए। फिर भी, उन्हें लंबी सजा भुगतनी पड़ी। कारावास से रिहा होने के बाद वह उदास और निराश होकर इंग्लैंड लौट आया।

जब डॉ. रॉयलोट भारत में थे, तब उन्होंने मेरी माँ, श्रीमती स्टोनर से विवाह किया, जो बंगाल आर्टिलरी के मेजर-जनरल स्टोनर की युवा विधवा थीं। मेरी बहन जूलिया और मैं जुड़वाँ थीं, और मेरी माँ के पुनर्विवाह के समय हम केवल दो वर्ष की थीं। उनके पास अच्छी खासी संपत्ति थी - प्रति वर्ष 1000 पाउंड से कम नहीं - और उन्होंने यह सारी संपत्ति डॉ. रॉयलोट को वसीयत में दे दी, जब तक हम उनके साथ रहे, साथ ही यह प्रावधान भी था कि हमारी शादी होने पर हम दोनों को एक निश्चित वार्षिक राशि दी जाएगी। इंग्लैंड लौटने के कुछ समय बाद ही मेरी माँ का निधन हो गया - आठ साल पहले क्रू के पास एक रेल दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। डॉ. रॉयलोट ने तब लंदन में वकालत शुरू करने के अपने प्रयास छोड़ दिए और हमें अपने साथ स्टोक मोरान स्थित पुराने पैतृक घर में रहने के लिए ले गए। मेरी माँ द्वारा छोड़ी गई संपत्ति हमारी सभी जरूरतों के लिए पर्याप्त थी, और हमारी खुशी में कोई बाधा नहीं दिख रही थी।

लेकिन इसी समय हमारे सौतेले पिता में एक भयानक बदलाव आया। पड़ोसियों से दोस्ती करने और उनके घर आने-जाने के बजाय, जो पहले तो स्टोक मोरान के रॉयलोट को अपने पुराने पैतृक घर में वापस देखकर बहुत खुश थे, वे घर में ही बंद रहने लगे और शायद ही कभी बाहर निकलते, सिवाय इसके कि जो भी उनके रास्ते में आता, उससे भयंकर झगड़े करते। परिवार के पुरुषों में क्रोध का उन्माद वंशानुगत था, और मेरे सौतेले पिता के मामले में, मेरा मानना है कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में लंबे समय तक रहने के कारण यह और भी बढ़ गया था। कई शर्मनाक झगड़े हुए, जिनमें से दो का अंत पुलिस कोर्ट में हुआ, अंततः वे गाँव के लिए आतंक बन गए, और लोग उनके पास आते ही भागने लगते थे, क्योंकि वे बहुत ताकतवर और गुस्से में बिल्कुल बेकाबू थे।

“पिछले हफ्ते उसने स्थानीय लोहार को दीवार से नीचे नदी में फेंक दिया था, और मैंने अपनी सारी जमा पूंजी देकर ही उसे एक और सार्वजनिक बदनामी से बचाया। घुमंतू जिप्सियों के अलावा उसका कोई दोस्त नहीं था, और वह इन आवारा लोगों को परिवार की जागीर माने जाने वाली कुछ एकड़ झाड़ियों से ढकी ज़मीन पर डेरा डालने की इजाज़त देता था, और बदले में उनके तंबुओं में मेहमाननवाज़ी स्वीकार करता था, कभी-कभी हफ्तों तक उनके साथ घूमता रहता था। उसे भारतीय जानवरों से भी बहुत लगाव है, जिन्हें एक संवाददाता उसके पास भेजता है, और इस समय उसके पास एक चीता और एक बबून है, जो उसकी ज़मीन पर आज़ादी से घूमते हैं और गाँव वाले उनसे लगभग उतना ही डरते हैं जितना कि उनके मालिक से।”

“मेरी बातों से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि मेरी बेचारी बहन जूलिया और मैंने अपने जीवन में कोई खास सुख नहीं पाया। कोई नौकर हमारे साथ नहीं रहता था, और लंबे समय तक हमने घर के सारे काम खुद ही किए। उसकी मृत्यु के समय वह केवल तीस वर्ष की थी, और उसके बाल भी मेरी तरह सफेद होने लगे थे।”

तो क्या तुम्हारी बहन मर गई?

“उनकी मृत्यु दो साल पहले हुई थी, और मैं उन्हीं की मृत्यु के बारे में आपसे बात करना चाहता हूँ। आप समझ सकते हैं कि, जैसा जीवन मैंने बताया है, उसे जीते हुए हमारे लिए अपनी उम्र और स्थिति के किसी व्यक्ति से मिलना बहुत मुश्किल था। हालांकि, हमारी एक चाची थीं, मेरी माँ की अविवाहित बहन, मिस होनोरिया वेस्टफेल, जो हैरो के पास रहती हैं, और हमें कभी-कभी उनके घर थोड़े समय के लिए जाने की अनुमति मिल जाती थी। जूलिया दो साल पहले क्रिसमस पर वहाँ गई थी, और वहाँ उसकी मुलाकात मरीन के एक हाफ-पे मेजर से हुई, जिससे उसकी सगाई हो गई। मेरी बहन के लौटने पर मेरे सौतेले पिता को सगाई के बारे में पता चला और उन्होंने शादी पर कोई आपत्ति नहीं जताई; लेकिन शादी के लिए तय की गई तारीख के दो सप्ताह के भीतर ही वह भयानक घटना घटी जिसने मुझे मेरे एकमात्र साथी से वंचित कर दिया।”

शर्लक होम्स अपनी कुर्सी पर आंखें बंद करके और सिर तकिए में धंसाकर पीछे की ओर झुके हुए थे, लेकिन अब उन्होंने अपनी पलकें आधी खोलीं और अपने आगंतुक की ओर देखा।

उन्होंने कहा, "कृपया विवरण में स्पष्टता रखें।"

“मेरे लिए ऐसा होना आसान है, क्योंकि उस भयानक समय की हर घटना मेरी स्मृति में अंकित है। जैसा कि मैंने पहले ही कहा है, हवेली बहुत पुरानी है, और अब केवल एक ही भाग में लोग रहते हैं। इस भाग के शयनकक्ष भूतल पर हैं, जबकि बैठक कक्ष इमारत के केंद्रीय भाग में हैं। इन शयनकक्षों में से पहला डॉ. रॉयलोट का है, दूसरा मेरी बहन का और तीसरा मेरा। इनके बीच कोई संपर्क नहीं है, लेकिन ये सभी एक ही गलियारे में खुलते हैं। क्या मेरी बात स्पष्ट है?”

"बिल्कुल सही।"

तीनों कमरों की खिड़कियाँ लॉन की ओर खुलती हैं। उस मनहूस रात को डॉ. रॉयलोट अपने कमरे में जल्दी चले गए थे, हालांकि हम जानते थे कि वे सोने नहीं गए थे, क्योंकि मेरी बहन को उनकी आदत के अनुसार पी जाने वाली तेज़ सिगार की गंध से परेशानी हो रही थी। इसलिए वह अपने कमरे से निकलकर मेरे कमरे में आ गई, जहाँ वह कुछ देर बैठी रही और अपनी आने वाली शादी के बारे में बातें करती रही। ग्यारह बजे वह मुझे छोड़कर जाने के लिए उठी, लेकिन दरवाजे पर रुक गई और पीछे मुड़कर देखा।

“‘हेलेन, मुझे बताओ,’ उसने कहा, ‘क्या तुमने कभी किसी को आधी रात में सीटी बजाते सुना है?’”

मैंने कहा, ‘कभी नहीं।’

“‘मुझे लगता है कि आप खुद नींद में सीटी नहीं बजा सकते?’”

“‘बिल्कुल नहीं। लेकिन क्यों?’”

“क्योंकि पिछली कुछ रातों से, लगभग सुबह तीन बजे, मुझे एक धीमी, साफ सीटी की आवाज सुनाई देती है। मेरी नींद हल्की है, और इससे मेरी नींद खुल जाती है। मैं बता नहीं सकता कि यह आवाज कहां से आती है, शायद बगल वाले कमरे से, शायद लॉन से। मैंने सोचा कि मैं आपसे पूछ लूं कि क्या आपने भी इसे सुना है।”

“‘नहीं, मैंने नहीं किया। ये जरूर बागान में रहने वाले उन बदकिस्मत खानाबदोशों का काम होगा।’”

“‘बहुत संभव है। और फिर भी अगर यह लॉन पर हुआ होता, तो मुझे आश्चर्य है कि आपने भी इसे नहीं सुना।’

“‘अरे, लेकिन मैं तुमसे ज्यादा गहरी नींद सोता हूँ।’”

“खैर, इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता।” उसने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए देखा, मेरा दरवाजा बंद कर दिया, और कुछ ही पलों बाद मैंने ताले में उसकी चाबी घूमने की आवाज सुनी।

“जी हां,” होम्स ने कहा। “क्या रात को खुद को कमरे में बंद कर लेना आपकी आदत थी?”

"हमेशा।"

और क्यों?

“मुझे लगता है मैंने आपको बताया था कि डॉक्टर ने एक चीता और एक बबून पाल रखा था। जब तक हमारे दरवाजे बंद नहीं होते थे, हमें सुरक्षा का कोई एहसास नहीं होता था।”

“बिल्कुल सही। कृपया अपना बयान जारी रखें।”

उस रात मुझे नींद नहीं आई। एक अस्पष्ट सी आशंका ने मुझे घेर लिया था। आपको याद होगा, मैं और मेरी बहन जुड़वां थीं, और आप जानती हैं कि दो आत्माओं के बीच का बंधन कितना नाजुक होता है जो इतनी गहराई से जुड़ी होती हैं। वह एक तूफानी रात थी। बाहर हवा ज़ोर से चल रही थी और बारिश खिड़कियों पर ज़ोर से पड़ रही थी। अचानक, आंधी के शोरगुल के बीच, एक डरी हुई औरत की चीख सुनाई दी। मैं जानती थी कि यह मेरी बहन की आवाज़ थी। मैं बिस्तर से उछली, अपने चारों ओर एक शॉल लपेटी और गलियारे की ओर भागी। जैसे ही मैंने अपना दरवाज़ा खोला, मुझे एक धीमी सी सीटी सुनाई दी, जैसी मेरी बहन ने बताई थी, और कुछ ही क्षणों बाद एक ज़ोरदार आवाज़ आई, मानो धातु का कोई भारी टुकड़ा गिर गया हो। जैसे ही मैं गलियारे में भागी, मेरी बहन का दरवाज़ा खुला हुआ था और धीरे-धीरे अपने कब्ज़ों पर घूम रहा था। मैं डर से कांपती हुई उसे देखती रही, यह नहीं जानती थी कि उससे क्या निकलने वाला है। गलियारे के लैंप की रोशनी में मैंने अपनी बहन को दरवाज़े पर देखा, उसका चेहरा डर से पीला पड़ गया था। उसके हाथ मदद के लिए छटपटा रहे थे, उसका पूरा शरीर किसी शराबी की तरह इधर-उधर डगमगा रहा था। मैं उसकी ओर दौड़ा और उसे गले लगा लिया, लेकिन उसी क्षण उसके घुटने जवाब दे गए और वह ज़मीन पर गिर पड़ी। वह असहनीय दर्द से तड़प रही थी और उसके अंग बुरी तरह कांप रहे थे। पहले तो मुझे लगा कि उसने मुझे पहचाना नहीं, लेकिन जैसे ही मैं उसके ऊपर झुका, वह अचानक एक ऐसी आवाज़ में चीखी जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा, 'हे भगवान! हेलेन! यह बैंड था! चित्तीदार बैंड!' वह कुछ और भी कहना चाहती थी, और उसने डॉक्टर के कमरे की ओर उंगली उठाई, लेकिन एक और ऐंठन ने उसे जकड़ लिया और उसके शब्द गले में अटक गए। मैं अपने सौतेले पिता को ज़ोर से पुकारते हुए बाहर भागा, और मैंने उन्हें अपने कमरे से ड्रेसिंग गाउन में जल्दी से आते हुए देखा। जब वह मेरी बहन के पास पहुंचे तो वह बेहोश थी, और हालांकि उन्होंने उसके गले में ब्रांडी डाली और गांव से चिकित्सा सहायता मंगवाई, सभी प्रयास व्यर्थ थे, क्योंकि वह धीरे-धीरे वह बेहोश हो गई और होश में आए बिना ही उसकी मृत्यु हो गई। मेरी प्यारी बहन का यही भयावह अंत था।

"एक पल रुकिए," होम्स ने कहा, "क्या आप इस सीटी और धातु जैसी आवाज़ के बारे में निश्चित हैं? क्या आप इसकी कसम खा सकते हैं?"

"काउंटी कोरोनर ने पूछताछ के दौरान मुझसे यही पूछा था। मुझे दृढ़ता से याद है कि मैंने इसे सुना था, फिर भी, तेज हवा के शोर और पुराने घर की चरमराहट के बीच, शायद मैं गलत समझ गया था।"

"क्या तुम्हारी बहन ने कपड़े पहने थे?"

"नहीं, वह अपनी नाइट ड्रेस में थी। उसके दाहिने हाथ में माचिस की जली हुई बत्ती मिली, और बाएं हाथ में माचिस की डिब्बी।"

"यह दिखाना महत्वपूर्ण है कि अलार्म बजने पर उसने एक बत्ती जलाई और अपने आसपास देखा। और कोरोनर किस निष्कर्ष पर पहुंचा?"

"उन्होंने मामले की बड़ी सावधानी से जांच की, क्योंकि डॉ. रॉयलोट का आचरण काउंटी में लंबे समय से कुख्यात था, लेकिन वे मृत्यु का कोई संतोषजनक कारण नहीं ढूंढ पाए। मेरे साक्ष्य से पता चला कि दरवाज़ा अंदर की तरफ से बंद था, और खिड़कियों पर चौड़ी लोहे की सलाखों वाले पुराने जमाने के शटर लगे थे, जिन्हें हर रात बंद किया जाता था। दीवारों की सावधानीपूर्वक जांच की गई और वे चारों तरफ से बिल्कुल ठोस पाई गईं, और फर्श की भी पूरी तरह से जांच की गई, जिसका परिणाम भी यही रहा। चिमनी चौड़ी है, लेकिन चार बड़े स्टेपल से बंद है। इसलिए यह निश्चित है कि

मेरी बहन की मृत्यु के समय वह बिल्कुल अकेली थी। इसके अलावा, उसके शरीर पर किसी प्रकार की हिंसा के निशान नहीं थे।”

"ज़हर के बारे में क्या ख्याल है?"

डॉक्टरों ने उसकी जांच की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

"तो फिर आपको क्या लगता है कि इस दुर्भाग्यशाली महिला की मौत किस कारण से हुई?"

"मेरा मानना है कि उसकी मृत्यु विशुद्ध भय और मानसिक आघात के कारण हुई, हालांकि उसे किस बात से डर लगता था, इसकी मैं कल्पना भी नहीं कर सकता।"

"क्या उस समय बागान में खानाबदोश लोग मौजूद थे?"

"हां, वहां लगभग हमेशा कुछ न कुछ होते हैं।"

"अरे, और आपने इस बैंड के संकेत से क्या समझा - एक चित्तीदार बैंड से?"

“कभी-कभी मुझे लगता है कि यह महज़ भ्रम में कही गई बेतुकी बातें थीं, कभी-कभी लगता है कि शायद यह किसी समूह के बारे में कही गई हो, शायद बागान में रहने वाले इन्हीं खानाबदोशों के बारे में। मुझे नहीं पता कि उनमें से कई लोगों द्वारा अपने सिर पर बांधे जाने वाले चित्तीदार रूमालों ने कहीं उस अजीब विशेषण का संकेत तो नहीं दिया जो उसने इस्तेमाल किया था।”

होम्स ने ऐसे सिर हिलाया जैसे वह बिल्कुल भी संतुष्ट न हो।

उन्होंने कहा, "ये बहुत गंभीर मामला है; कृपया अपनी कहानी जारी रखें।"

“तब से दो साल बीत चुके हैं, और हाल तक मेरा जीवन पहले से कहीं अधिक अकेला रहा है। लेकिन एक महीने पहले, मेरे एक प्रिय मित्र, जिन्हें मैं कई वर्षों से जानती हूं, ने मुझे विवाह का प्रस्ताव देकर सम्मानित किया। उनका नाम आर्मिटेज है - पर्सी आर्मिटेज - रीडिंग के पास क्रेन वाटर के श्री आर्मिटेज के दूसरे पुत्र। मेरे सौतेले पिता ने इस रिश्ते का कोई विरोध नहीं किया है, और हमारी शादी वसंत ऋतु में होने वाली है। दो दिन पहले इमारत के पश्चिमी भाग में कुछ मरम्मत का काम शुरू हुआ, और मेरे शयनकक्ष की दीवार में छेद कर दिया गया है, इसलिए मुझे उस कमरे में जाना पड़ा जहाँ मेरी बहन की मृत्यु हुई थी, और उसी बिस्तर पर सोना पड़ा जिस पर वह सोती थी। ज़रा सोचिए, पिछली रात जब मैं जाग रही थी और उसकी भयानक नियति के बारे में सोच रही थी, तो अचानक रात के सन्नाटे में मुझे वह धीमी सीटी सुनाई दी जो उसकी मृत्यु का संकेत थी, और मैं कितना भयभीत हुई। मैं उछल पड़ी और दीपक जलाया, लेकिन कमरे में कुछ भी दिखाई नहीं दिया। मैं इतनी सहमी हुई थी कि दोबारा बिस्तर पर नहीं जा सकी, इसलिए मैंने कपड़े पहने और जैसे ही उजाला हुआ, मैं चुपके से नीचे गया, सामने स्थित क्राउन इन से एक डॉग-कार्ट ली और लेदरहेड के लिए निकल पड़ा, जहाँ से मैं आज सुबह आपसे मिलने और आपकी सलाह लेने के एकमात्र उद्देश्य से आया हूँ।

“तुमने समझदारी का काम किया है,” मेरे दोस्त ने कहा। “लेकिन क्या तुमने मुझे सब कुछ बता दिया है?”

"हां सभी।"

"मिस रॉयलोट, आपने ऐसा नहीं किया है। आप अपने सौतेले पिता की जांच कर रही हैं।"

“क्यों, आपका मतलब क्या है?”

जवाब जानने के लिए होम्स ने आगंतुक के घुटने पर रखे हाथ पर लगी काली फीते की झालर को पीछे हटाया। सफेद कलाई पर पांच छोटे-छोटे नीले धब्बे छपे हुए थे, जो चार उंगलियों और एक अंगूठे के निशान थे।

"तुम्हारा बेरहमी से इस्तेमाल किया गया है," होम्स ने कहा।

मोहिला का चेहरा लाल हो गया और उसने अपनी घायल कलाई को ढक लिया। उसने कहा, "वह एक कठोर व्यक्ति है, और शायद उसे अपनी ताकत का अंदाजा ही नहीं है।"

काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा, इस दौरान होम्स ने अपनी ठुड्डी को अपने हाथों पर टिकाया और चटकती हुई आग को घूरते रहे।

अंत में उन्होंने कहा, “यह बहुत ही पेचीदा मामला है। आगे की कार्रवाई तय करने से पहले मुझे हज़ारों बातें जाननी होंगी। लेकिन हमारे पास एक पल भी गंवाने का समय नहीं है। अगर हम आज ही स्टोक मोरान आ जाएं, तो क्या आपके सौतेले पिता की जानकारी के बिना इन कमरों को देखना संभव होगा?”

“जैसा कि हुआ, उन्होंने आज किसी बहुत ज़रूरी काम से शहर आने की बात कही थी। संभव है कि वे पूरे दिन बाहर रहेंगे, और आपको परेशान करने की कोई बात नहीं होगी। हमारे पास अभी एक नौकरानी है, लेकिन वह बूढ़ी और मूर्ख है, और मैं उसे आसानी से रास्ते से हटा सकती हूँ।”

“बहुत बढ़िया। वाटसन, क्या आपको इस यात्रा से कोई आपत्ति नहीं है?”

“बिल्कुल नहीं।”

“तो हम दोनों आएंगे। तुम खुद क्या करने वाले हो?”

“शहर में आने के बाद मैं एक-दो काम करना चाहता हूँ। लेकिन मैं बारह बजे वाली ट्रेन से वापस लौट जाऊँगा, ताकि आपके आने से पहले वहाँ पहुंच सकूँ।”

“और आप हमें दोपहर के शुरुआती समय में मिलने की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे कुछ छोटे-मोटे व्यावसायिक काम निपटाने हैं। क्या आप नाश्ते के लिए इंतजार नहीं करेंगे?”

“नहीं, मुझे जाना होगा। आपसे अपनी परेशानी साझा करने के बाद मेरा मन हल्का हो गया है। मुझे आज दोपहर आपसे फिर मिलने की उम्मीद है।” उसने अपना मोटा काला घूंघट अपने चेहरे पर डाला और कमरे से बाहर निकल गई।

"और इस सब के बारे में आपका क्या विचार है, वाटसन?" शर्लक होम्स ने अपनी कुर्सी पर पीछे झुकते हुए पूछा।

मुझे तो यह बेहद घिनौना और खतरनाक धंधा लगता है।

"काफी अंधेरा और काफी भयावह।"

लेकिन अगर महिला का यह कहना सही है कि फर्श और दीवारें मजबूत हैं, और दरवाज़ा, खिड़की और चिमनी से होकर गुजरना असंभव है, तो उसकी बहन निस्संदेह अकेली ही रही होगी जब उसकी रहस्यमय मौत हुई।

"तो फिर इन रात्रिकालीन सीटियों का क्या होता है, और मरणासन्न महिला के उन विचित्र शब्दों का क्या अर्थ निकलता है?"

"मुझसे सोचा नहीं जाता।"

"रात में सीटी बजने की आवाज़, उस बूढ़े डॉक्टर के साथ घनिष्ठ संबंध रखने वाले जिप्सियों के एक समूह की उपस्थिति, इस तथ्य कि हमारे पास यह मानने के सभी कारण हैं कि डॉक्टर अपनी सौतेली बेटी की शादी को रोकने में रुचि रखता है, मरते समय एक समूह का संकेत, और अंत में, इस तथ्य कि मिस हेलेन स्टोनर ने एक धातु की खड़खड़ाहट सुनी, जो शायद शटर को सुरक्षित रखने वाली उन धातु की छड़ों में से एक के वापस अपनी जगह पर गिरने के कारण हुई हो, इन सभी विचारों को मिलाकर देखें तो मुझे लगता है कि यह सोचने का अच्छा आधार है कि रहस्य इन्हीं दिशाओं में सुलझ सकता है।"

लेकिन फिर जिप्सियों ने क्या किया?

"मैं कल्पना नहीं कर सकता।"

मुझे इस तरह के किसी भी सिद्धांत पर कई आपत्तियां नज़र आती हैं।

“और मैं भी यही सोचता हूं। इसीलिए हम आज स्टोक मोरान जा रहे हैं। मैं देखना चाहता हूं कि आपत्तियां कितनी गंभीर हैं या उन्हें समझाया जा सकता है। लेकिन हे भगवान!

मेरे साथी के मुंह से अचानक निकली चीख इस बात से फूट पड़ी कि हमारा दरवाजा अचानक खुल गया और एक विशालकाय आदमी उस खुले हिस्से में खड़ा हो गया। उसका पहनावा पेशेवर और कृषि संबंधी पहनावे का एक अजीब मिश्रण था; उसने एक काली टोपी, एक लंबा फ्रॉक-कोट और ऊंचे गैटर पहने हुए थे, और उसके हाथ में एक शिकार का चाबुक झूल रहा था। वह इतना लंबा था कि उसकी टोपी दरवाजे की चौखट को छू रही थी, और उसकी चौड़ाई मानो उसे एक छोर से दूसरे छोर तक नाप रही थी। हजारों झुर्रियों से भरा, धूप से पीला पड़ा हुआ, और हर तरह की बुरी भावनाओं से चिह्नित उसका बड़ा चेहरा हम दोनों में से किसी एक की ओर मुड़ा हुआ था, जबकि उसकी धंसी हुई, पित्त से लाल आंखें और उसकी ऊंची, पतली, मांसहीन नाक उसे किसी खूंखार बूढ़े शिकारी पक्षी जैसा बना रही थीं।

“तुममें से कौन होम्स है?” उस प्रेत ने पूछा।

“मेरा नाम तो यही है, महोदय; लेकिन आप मुझसे श्रेष्ठ हैं,” मेरे साथी ने शांत स्वर में कहा।

मैं स्टोक मोरान का डॉ. ग्रिम्सबी रॉयलोट हूं।

“जी हां, डॉक्टर,” होम्स ने भावहीनता से कहा। “कृपया बैठ जाइए।”

“मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगा। मेरी सौतेली बेटी यहाँ आई थी। मैंने उसका पता लगा लिया है। वह आपसे क्या कह रही थी?”

होम्स ने कहा, "साल के इस समय के हिसाब से थोड़ी ठंड है।"

“वह तुमसे क्या कह रही थी?” बूढ़े आदमी ने गुस्से से चिल्लाते हुए कहा।

"लेकिन मैंने सुना है कि क्रोकस के फूल अच्छे फलने-फूलने का संकेत देते हैं," मेरे साथी ने शांत भाव से अपनी बात जारी रखी।

“हा! क्या तुम मुझे टाल रहे हो?” हमारे नए मेहमान ने एक कदम आगे बढ़ते हुए और अपने शिकार के चाबुक को हिलाते हुए कहा। “मैं तुम्हें जानता हूँ, बदमाश! मैंने तुम्हारे बारे में पहले भी सुना है। तुम होम्स हो, दखलंदाज़।”

मेरे दोस्त ने मुस्कुरा दिया।

"होम्स, कितना दखलंदाज़ है!"

उसकी मुस्कान और चौड़ी हो गई।

"होम्स, स्कॉटलैंड यार्ड के कार्यवाहक अधिकारी!"

होम्स दिल खोलकर हँसे। उन्होंने कहा, "आपकी बातचीत बहुत मनोरंजक है। बाहर जाते समय दरवाज़ा बंद कर लेना, क्योंकि अंदर बहुत ठंडी हवा चल रही है।"

“मैं अपनी बात कहकर चला जाऊंगा। मेरे मामलों में दखल देने की हिम्मत मत करना। मुझे पता है मिस स्टोनर यहां आई थीं। मैंने उनका पता लगाया है! मुझसे पंगा लेना खतरनाक है! देखो।” वह तेजी से आगे बढ़ा, पोकर को पकड़ा और अपने बड़े-बड़े भूरे हाथों से उसे मोड़कर एक नया आकार दे दिया।

“ध्यान रखना कि तुम मेरी गिरफ्त से दूर रहो,” उसने गुर्राते हुए कहा और मुड़ी हुई लोहे की छड़ को चिमनी में फेंककर कमरे से बाहर निकल गया।

“वह तो बड़े ही मिलनसार व्यक्ति लगते हैं,” होम्स हंसते हुए बोले। “मैं उतना हट्टा-कट्टा तो नहीं हूं, लेकिन अगर वह रुक जाते तो मैं उन्हें दिखा देता कि मेरी पकड़ भी उनकी पकड़ से ज़्यादा कमज़ोर नहीं है।” बोलते-बोलते उन्होंने लोहे का पोकर उठाया और ज़ोर लगाकर उसे सीधा कर दिया।

"सोचो उसकी कितनी धृष्टता है कि वह मुझ आधिकारिक जासूसों के साथ उलझा रहा है! हालांकि, इस घटना से हमारी जांच में और तेज़ी आ गई है, और मुझे उम्मीद है कि हमारी छोटी दोस्त को इस जाहिल को अपने पीछे आने देने की अपनी नादानी का खामियाजा नहीं भुगतना पड़ेगा। और अब, वॉटसन, हम नाश्ता मंगवाते हैं, और उसके बाद मैं डॉक्टर्स कॉमन्स जाऊंगी, जहां मुझे उम्मीद है कि मुझे कुछ ऐसी जानकारी मिलेगी जो इस मामले में हमारी मदद कर सकती है।"

—

जब शर्लक होम्स अपने भ्रमण से लौटे तो लगभग एक बज रहा था। उनके हाथ में नीले रंग का एक कागज था, जिस पर नोट्स और आंकड़े लिखे हुए थे।

उन्होंने कहा, "मैंने मृतक पत्नी की वसीयत देखी है।" "इसका सटीक अर्थ जानने के लिए मुझे उन निवेशों की वर्तमान कीमतों का हिसाब लगाना पड़ा जिनसे यह संबंधित है। पत्नी की मृत्यु के समय कुल आय लगभग 1100 पाउंड थी, जो अब कृषि उत्पादों की कीमतों में गिरावट के कारण 750 पाउंड से अधिक नहीं है। विवाह होने पर प्रत्येक पुत्री 250 पाउंड की आय का दावा कर सकती है। इसलिए यह स्पष्ट है कि यदि दोनों पुत्रियों का विवाह हो जाता, तो इस सुंदरी को नाममात्र की आय ही मिलती, जबकि उनमें से एक भी उसे बुरी तरह से पंगु बना सकती थी। मेरी सुबह की मेहनत व्यर्थ नहीं गई, क्योंकि इससे यह सिद्ध हो गया है कि उसके पास इस तरह की किसी भी चीज़ को रोकने के लिए बहुत मजबूत कारण हैं। और अब, वॉटसन, यह मामला इतना गंभीर है कि इसमें ढिलाई नहीं बरती जा सकती, खासकर जब बूढ़े व्यक्ति को पता है कि हम उसके मामलों में रुचि ले रहे हैं; इसलिए यदि आप तैयार हैं, तो हम एक टैक्सी बुलाकर वाटरलू चलते हैं। यदि आप अपनी रिवॉल्वर अपनी जेब में रख लें तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा। एली की नंबर 2 रिवॉल्वर उन सज्जनों के लिए एक बेहतरीन हथियार है जो लोहे को मोड़ सकते हैं। पोकर को गांठों में बांधना। बस यही और एक टूथब्रश, मुझे लगता है कि हमें बस इतना ही चाहिए।

वाटरलू में हमें सौभाग्य से लेदरहेड जाने वाली ट्रेन मिल गई, जहाँ हमने स्टेशन के सराय से एक घोड़ागाड़ी किराए पर ली और सुंदर सरे की गलियों से होते हुए चार-पाँच मील का सफर तय किया। मौसम एकदम बढ़िया था, सूरज चमक रहा था और आसमान में कुछ हल्के बादल थे। पेड़ और सड़क किनारे की झाड़ियाँ अभी अपनी पहली हरी कोंपलें निकाल रही थीं, और हवा नम मिट्टी की मनमोहक खुशबू से भरी हुई थी। कम से कम मुझे तो वसंत के मीठे वादे और उस भयावह खोज के बीच एक अजीब विरोधाभास महसूस हो रहा था, जिस पर हम लगे हुए थे। मेरा साथी घोड़ागाड़ी के आगे बैठा था, बाहें मोड़े, टोपी आँखों पर खींची हुई, और ठुड्डी सीने पर टिकी हुई, गहरी सोच में डूबा हुआ। लेकिन अचानक, वह चौंक गया, उसने मेरे कंधे पर थपथपाया और घास के मैदानों की ओर इशारा किया।

"वहां देखो!" उसने कहा।

घने पेड़ों से भरा एक पार्क हल्की ढलान पर फैला हुआ था, जो सबसे ऊंचे स्थान पर जाकर एक घने जंगल में तब्दील हो जाता था। शाखाओं के बीच से एक बहुत पुरानी हवेली की धूसर रंग की छत और ऊंचा पेड़ दिखाई दे रहा था।

"स्टोक मोरान?" उसने कहा।

"जी हां, महोदय, यह डॉ. ग्रिम्सबी रॉयलोट का घर है," ड्राइवर ने कहा।

होम्स ने कहा, "वहां कुछ निर्माण कार्य चल रहा है; हम वहीं जा रहे हैं।"

"वो रहा गांव," ड्राइवर ने बाईं ओर कुछ दूरी पर स्थित कुछ घरों की ओर इशारा करते हुए कहा; "लेकिन अगर आपको घर तक जाना है, तो इस बाड़ को पार करके

खेतों के ऊपर से बने पैदल रास्ते से जाना ज़्यादा आसान होगा। वो रहा, जहाँ महिला चल रही है।"

"और मुझे लगता है कि ये महिला मिस स्टोनर हैं," होम्स ने अपनी आँखों पर हाथ रखते हुए कहा। "हाँ, मुझे लगता है कि हमें आपके सुझाव के अनुसार ही करना चाहिए।"

हम उतरे, किराया चुकाया, और गाड़ी खड़खड़ाती हुई लेदरहेड की ओर वापस चल पड़ी।

"मैंने भी यही सोचा था," होम्स ने सीढ़ी चढ़ते हुए कहा, "कि यह आदमी सोचेगा कि हम यहाँ वास्तुकार बनकर या किसी खास काम से आए हैं। इससे उसकी गपशप बंद हो जाएगी। नमस्कार, मिस स्टोनर। आप देख सकती हैं कि हमने अपना वादा निभाया है।"

सुबह की हमारी ग्राहक खुशी से झूमते हुए हमसे मिलने के लिए आगे बढ़ीं। उन्होंने गर्मजोशी से हाथ मिलाते हुए कहा, "मैं आपका बेसब्री से इंतजार कर रही थी। सब कुछ बहुत बढ़िया रहा। डॉक्टर रॉयलोट शहर गए हैं और शाम से पहले उनके लौटने की संभावना कम है।"

"हमें डॉक्टर से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ," होम्स ने कहा और संक्षेप में उन्होंने पूरी घटना का ब्यौरा दे दिया। मिस स्टोनर सुनते-सुनते पीली पड़ गई।

"हे भगवान!" वह चिल्लाई, "तो वह मेरा पीछा कर रहा है।"

"ऐसा प्रतीत होता है।"

"वह इतना धूर्त है कि मुझे कभी पता नहीं चलता कि मैं उससे कब सुरक्षित हूँ। जब वह लौटेगा तो क्या कहेगा?"

"उसे अपनी सुरक्षा करनी होगी, क्योंकि हो सकता है कि कोई उससे भी ज़्यादा चालाक उसका पीछा कर रहा हो। आज रात तुम्हें उससे खुद को बचाकर रखना होगा। अगर वह हिंसक हुआ, तो हम तुम्हें हैरो में तुम्हारी चाची के घर ले जाएँगे। अब, हमें समय का सदुपयोग करना है, इसलिए कृपया हमें उन कमरों में ले चलो जिनकी हमें जाँच करनी है।"

इमारत भूरे रंग के, काई से ढके पत्थरों की बनी थी, जिसका मध्य भाग ऊंचा था और दोनों ओर केकड़े के पंजों की तरह घुमावदार दो पंख फैले हुए थे। इनमें से एक पंख की खिड़कियां टूटी हुई थीं और लकड़ी के तख्तों से बंद की गई थीं, जबकि छत आंशिक रूप से धंसी हुई थी, जो खंडहर का मंजर पेश कर रही थी। मध्य भाग की हालत कुछ बेहतर थी, लेकिन दाहिना भाग अपेक्षाकृत आधुनिक था, और खिड़कियों पर लगे पर्दों और चिमनियों से उठते नीले धुएं से पता चलता था कि यहीं परिवार रहता था। अंतिम दीवार के सहारे कुछ मचान खड़ा किया गया था, और पत्थर के काम में तोड़फोड़ की गई थी, लेकिन हमारे आने के समय वहां किसी भी मजदूर के होने के कोई संकेत नहीं थे। होम्स धीरे-धीरे बेतरतीब ढंग से कटी हुई घास के मैदान में इधर-उधर घूमे और खिड़कियों के बाहरी हिस्सों का गहन ध्यान से निरीक्षण किया।

"मेरा मानना है कि यह उस कमरे का है जिसमें आप सोते थे, बीच वाला कमरा आपकी बहन का है, और मुख्य भवन के बगल वाला कमरा डॉ. रॉयलोट के कक्ष का है?"

"बिल्कुल सही। लेकिन अब मैं बीच वाले कमरे में सो रहा हूँ।"

"जहां तक मुझे पता है, बदलाव होने तक यह मामला लंबित है। वैसे, उस दीवार की मरम्मत की कोई तत्काल आवश्यकता नहीं दिखती है।"

"वहाँ कोई नहीं था। मेरा मानना है कि यह मुझे मेरे कमरे से हटाने का एक बहाना था।"

“अहा! यह तो संकेत देता है। अब, इस संकरे हिस्से के दूसरी ओर वह गलियारा है जहाँ से ये तीनों कमरे खुलते हैं। इसमें खिड़कियाँ तो होंगी ही, है ना?”

“हां, लेकिन बहुत छोटे। इतने संकरे कि कोई भी उनमें से गुजर नहीं सकता।”

“चूंकि आप दोनों रात में अपने दरवाजे बंद कर लेते थे, इसलिए उस तरफ से आपके कमरे में जाना असंभव था। अब, क्या आप कृपा करके अपने कमरे में जाकर खिड़कियों के शटर बंद कर देंगे?”

मिस स्टोनर ने ऐसा ही किया, और होम्स ने खुली खिड़की से सावधानीपूर्वक जाँच करने के बाद शटर को खोलने की हर संभव कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। वहां कोई ऐसी दरार नहीं थी जिससे चाकू डालकर बार को उठाया जा सके। फिर उन्होंने अपने लेंस से कब्ज़ों की जांच की, लेकिन वे ठोस लोहे के बने थे और मज़बूती से ईंटों में जड़े हुए थे। "हम्म!" उन्होंने कुछ उलझन में अपनी ठुड्डी खुजाते हुए कहा, "मेरी थ्योरी में कुछ दिक्कतें तो ज़रूर हैं। अगर ये शटर बंद होते तो कोई इन्हें पार नहीं कर पाता। खैर, देखते हैं कि अंदर से कुछ पता चलता है या नहीं।"

एक छोटा सा दरवाज़ा सफ़ेद रंग से पुते गलियारे में खुलता था, जहाँ से तीन शयनकक्षों में प्रवेश होता था। होम्स ने तीसरे कमरे की जाँच करने से इनकार कर दिया, इसलिए हम सीधे दूसरे कमरे में चले गए, जिसमें मिस स्टोनर सो रही थीं और जहाँ उनकी बहन की मृत्यु हुई थी। यह एक साधारण सा छोटा कमरा था, जिसकी छत नीची थी और उसमें एक खुला हुआ चिमनीनुमा चिमनी था, जो पुराने देहाती घरों की शैली का था। एक कोने में भूरे रंग की दराजों वाली अलमारी रखी थी, दूसरे कोने में सफ़ेद चादरों वाला एक संकरा पलंग था और खिड़की के बाईं ओर एक ड्रेसिंग टेबल थी। इन वस्तुओं के साथ, दो छोटी बेंत की कुर्सियाँ थीं, और कमरे में केवल बीच में विल्टन का एक चौकोर कालीन था। दीवारों के चारों ओर के तख्ते और पैनलिंग भूरे रंग की, दीमक लगी ओक की लकड़ी के थे, जो इतने पुराने और फीके पड़ चुके थे कि ऐसा लगता था मानो वे घर के निर्माण के समय के ही हों। होम्स ने एक कुर्सी को कोने में खींच लिया और चुपचाप बैठ गए, उनकी नज़रें कमरे के हर विवरण को ध्यान से देखती रहीं।

अंत में उसने बिस्तर के बगल में लटकती एक मोटी बेल्ट-रस्सी की ओर इशारा करते हुए पूछा, "वह घंटी किससे संवाद करती है?", जिसका झालर वास्तव में तकिए पर पड़ा हुआ था।

"यह हाउसकीपर के कमरे में जाता है।"

"क्या यह बाकी चीजों से नया दिखता है?"

"हां, इसे कुछ साल पहले ही वहां लगाया गया था।"

"मुझे लगता है कि तुम्हारी बहन ने ही ऐसा चाहा था?"

“नहीं, मैंने कभी नहीं सुना कि वह इसका इस्तेमाल करती थी। हम हमेशा अपनी मनचाही चीजें खुद ही हासिल कर लेते थे।”

“सचमुच, वहाँ इतना बढ़िया घंटी का हैंडल लगाना मुझे अनावश्यक लगा। मुझे कुछ मिनटों के लिए क्षमा करें, मैं इस फर्श को अच्छी तरह देख लूँ।” वह अपने लेंस को हाथ में लिए हुए ज़मीन पर औंधे मुँह लेट गया और तेज़ी से आगे-पीछे रेंगते हुए तख्तों के बीच की दरारों का बारीकी से निरीक्षण करने लगा। फिर उसने कमरे में लगे लकड़ी के काम का भी बारीकी से निरीक्षण किया। अंत में वह पलंग के पास गया और कुछ देर तक उसे घूरता रहा और दीवार को ऊपर-नीचे देखता रहा। आखिर में उसने घंटी की रस्सी हाथ में ली और उसे ज़ोर से खींचा।

“अरे, ये तो नकली है,” उसने कहा।

“क्या यह बजेगा नहीं?”

“नहीं, यह तार से भी नहीं जुड़ा है। यह बहुत दिलचस्प है। अब आप देख सकते हैं कि यह वेंटिलेटर के छोटे से छेद के ठीक ऊपर एक हुक से बंधा हुआ है।”

“कितना अजीब है! मैंने पहले कभी इस पर ध्यान नहीं दिया था।”

“बहुत अजीब!” होम्स ने रस्सी खींचते हुए बुदबुदाया। “इस कमरे में एक-दो बातें तो बहुत ही अनोखी हैं। उदाहरण के लिए, वह बिल्डर कितना मूर्ख होगा जो वेंटिलेटर को दूसरे कमरे में खोल दे, जबकि उतनी ही मेहनत से वह बाहर की हवा से संपर्क कर सकता था!”

"यह भी काफी आधुनिक है," महिला ने कहा।

"घंटी की रस्सी के लगभग उसी समय तैयार हुआ था?" होम्स ने टिप्पणी की।

"हां, उस समय के आसपास कई छोटे-मोटे बदलाव किए गए थे।"

“ये चीज़ें देखने में बेहद दिलचस्प लगती हैं — नकली घंटी की रस्सियाँ और ऐसे वेंटिलेटर जो हवा नहीं पहुंचाते। मिस स्टोनर, आपकी अनुमति से, अब हम अपनी जाँच-पड़ताल अंदरूनी कमरे में करेंगे।”

डा. ग्रिम्सबी रॉयलोट का कमरा उनकी सौतेली बेटी के कमरे से बड़ा था, लेकिन उसमें भी उतनी ही सादगी थी। एक कैंप-बेड, किताबों से भरी एक छोटी लकड़ी की अलमारी (जिनमें से ज़्यादातर तकनीकी थीं), बेड के बगल में एक आरामकुर्सी, दीवार के सहारे एक सादी लकड़ी की कुर्सी, एक गोल मेज़ और एक बड़ी लोहे की तिजोरी - यही मुख्य चीज़ें नज़र आईं। होम्स धीरे-धीरे चारों ओर घूमे और बड़ी उत्सुकता से हर एक चीज़ का निरीक्षण किया।

"इसमें क्या है?" उसने तिजोरी पर हाथ फेरते हुए पूछा।

“मेरे सौतेले पिता के व्यावसायिक कागजात।”

"ओह! तो आपने अंदर देख लिया?"

“सिर्फ एक बार, कुछ साल पहले। मुझे याद है कि वह कागजों से भरा हुआ था।”

उदाहरण के लिए, क्या इसमें कोई बिल्ली नहीं है?

नहीं। यह तो बहुत अजीब विचार है!

“वाह, इसे देखो!” उसने दूध की एक छोटी सी कटोरी उठाई जो उसके ऊपर रखी थी।

“नहीं; हम बिल्ली नहीं पालते। लेकिन हमारे पास एक चीता और एक बबून है।”

“अरे हाँ, बिलकुल! खैर, चीता तो बस एक बड़ी बिल्ली है, और मुझे लगता है कि एक कटोरी दूध से उसकी ज़रूरतें पूरी नहीं हो पातीं। एक बात है जिसका मुझे पता लगाना है।” वह लकड़ी की कुर्सी के सामने बैठ गया और बड़ी सावधानी से उसकी सीट का मुआयना करने लगा।

“धन्यवाद। मामला सुलझ गया,” उसने उठते हुए और अपना लेंस जेब में रखते हुए कहा। “अरे वाह! यहाँ कुछ दिलचस्प है!”

जिस वस्तु ने उसकी नज़र खींची, वह बिस्तर के एक कोने पर टंगी हुई एक छोटी सी कुत्ते को बाँधने वाली रस्सी थी। हालाँकि, वह रस्सी मुड़ी हुई थी और इस तरह बंधी हुई थी कि चाबुक की डोरी का एक लूप बन गया था।

"वॉटसन, इस बारे में आपकी क्या राय है?"

“यह एक आम तरह का बंधन है। लेकिन मुझे नहीं पता कि इसे क्यों बांधना चाहिए।”

“ऐसा तो आम बात नहीं है, है ना? अरे बाप रे! ये दुनिया कितनी बुरी है, और जब कोई चतुर व्यक्ति अपराध करने लगता है तो ये सबसे बुरी बात होती है। मुझे लगता है कि मैंने अब काफी कुछ देख लिया है, मिस स्टोनर, और आपकी अनुमति से हम लॉन पर टहलेंगे।”

मैंने अपने दोस्त का चेहरा इतना गंभीर और उसका माथा इतना लाल कभी नहीं देखा था जितना उस समय था जब हम इस जांच स्थल से वापस लौटे थे। हम लॉन में कई बार ऊपर-नीचे चले थे, न तो मिस स्टोनर और न ही मैं उसके विचारों में दखल देना चाहते थे, इससे पहले कि वह अपनी तल्लीनता से बाहर आ जाए।

उन्होंने कहा, "मिस स्टोनर, यह बहुत जरूरी है कि आप हर तरह से मेरी सलाह का पूरी तरह से पालन करें।"

मैं ऐसा अवश्य ही करूंगा।

“यह मामला इतना गंभीर है कि इसमें किसी भी प्रकार की झिझक की गुंजाइश नहीं है। आपका जीवन आपके सहयोग पर निर्भर हो सकता है।”

मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपके हाथों में हूं।

"सबसे पहले तो, मुझे और मेरे दोस्त दोनों को आज रात आपके कमरे में ही बितानी होगी।"

मिस स्टोनर और मैं दोनों ही आश्चर्य से उसकी ओर देखने लगे।

“हां, ऐसा ही होना चाहिए। मुझे समझाने दीजिए। मेरा मानना है कि वह सामने वाला गाँव का सराय है?”

"हां, यह क्राउन है।"

“बहुत बढ़िया। क्या वहां से आपकी खिड़कियां दिखाई देंगी?”

"निश्चित रूप से।"

“जब तुम्हारे सौतेले पिता वापस आएं, तो सिरदर्द का बहाना बनाकर अपने कमरे में ही रहना। फिर जब तुम उन्हें रात को सोने जाते हुए सुनो, तो खिड़की के शटर खोलकर कुंडी खोल देना, वहाँ अपना लैंप रख देना ताकि हमें संकेत मिल जाए, और फिर चुपचाप अपनी ज़रूरत का सारा सामान लेकर उस कमरे में चले जाना जिसमें तुम पहले रहती थी। मुझे पूरा यकीन है कि मरम्मत के बावजूद तुम वहां एक रात गुज़ार सकती हो।”

"ओह, हाँ, आसानी से।"

बाकी सब आप हमारे भरोसे छोड़ दीजिए।

लेकिन आप क्या करेंगे?

"हम आज रात आपके कमरे में रुकेंगे और इस शोर के कारण की जांच करेंगे जिससे आप परेशान हुए हैं।"

"मुझे लगता है, मिस्टर होम्स, कि आपने पहले ही अपना मन बना लिया है," मिस स्टोनर ने मेरे साथी की आस्तीन पर हाथ रखते हुए कहा।

"शायद मैंने किया है।"

"तो, दया करके मुझे बताइए कि मेरी बहन की मृत्यु का कारण क्या था।"

मैं बोलने से पहले और अधिक स्पष्ट प्रमाण प्राप्त करना पसंद करूंगा।

"आप कम से कम मुझे यह तो बता सकते हैं कि मेरा अनुमान सही है या नहीं, और क्या उसकी मृत्यु अचानक डर लगने से हुई थी।"

“नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि शायद कोई और ठोस कारण रहा होगा। और अब, मिस स्टोनर, हमें आपसे विदा लेनी होगी क्योंकि अगर डॉ. रॉयलोट वापस आकर हमें देख लेते हैं तो हमारी यात्रा व्यर्थ हो जाएगी। अलविदा, और हिम्मत रखिएगा, क्योंकि अगर आप मेरी बताई बातों का पालन करेंगी तो आप निश्चिंत रह सकती हैं कि हम जल्द ही आपके ऊपर मंडरा रहे खतरों को दूर कर देंगे।”

शर्लक होम्स और मुझे क्राउन इन में एक बेडरूम और बैठक कक्ष लेने में कोई कठिनाई नहीं हुई। वे ऊपरी मंजिल पर थे, और हमारी खिड़की से हमें एवेन्यू गेट और स्टोक मोरान मैनर हाउस के रिहायशी हिस्से का नज़ारा दिखाई देता था। शाम ढलते ही

हमने डॉ. ग्रिम्सबी रॉयलोट को गाड़ी चलाते हुए देखा, उनका विशाल शरीर उनके ड्राइवर लड़के की छोटी सी आकृति के बगल में उभरता हुआ सा लग रहा था। लड़के को भारी लोहे के गेट खोलने में थोड़ी सी कठिनाई हुई, और हमने डॉक्टर की कर्कश आवाज़ सुनी और देखा कि कैसे उन्होंने गुस्से में अपनी मुट्ठियाँ उस लड़के पर तान दीं। गाड़ी आगे बढ़ गई, और कुछ मिनट बाद हमने देखा कि एक बैठक कक्ष में दीपक जलने से पेड़ों के बीच अचानक एक रोशनी फैल गई।

"वॉटसन, क्या तुम जानते हो?" होम्स ने कहा, जब हम अंधेरा छाने के बीच साथ बैठे थे, "आज रात तुम्हें अपने साथ ले जाने में मुझे सचमुच कुछ हिचकिचाहट हो रही है। इसमें खतरे का स्पष्ट संकेत है।"

क्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूँ?

आपकी उपस्थिति अमूल्य साबित हो सकती है।

“तो मैं अवश्य आऊंगा।”

"यह आपका दयालुपन है।"

“आप खतरे की बात कर रहे हैं। जाहिर है, आपने इन कमरों में मुझसे कहीं ज्यादा देखा है।”

नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने कुछ और अनुमान लगाया होगा। मुझे लगता है कि आपने वह सब देखा जो मैंने किया।

"मुझे घंटी की रस्सी के अलावा कुछ भी उल्लेखनीय नहीं दिखा, और यह किस उद्देश्य को पूरा कर सकती है, यह मेरी कल्पना से परे है।"

"क्या आपने वेंटिलेटर भी देखा?"

"हां, लेकिन मुझे नहीं लगता कि दो कमरों के बीच एक छोटा सा छेद होना कोई बहुत ही असामान्य बात है। यह इतना छोटा था कि एक चूहा भी मुश्किल से उसमें से गुजर सकता था।"

"मुझे पता था कि स्टोक मोरान पहुंचने से पहले ही हमें एक वेंटिलेटर ढूंढ लेना चाहिए।"

“मेरे प्यारे होम्स!”

“ओह, हाँ, मैंने किया था। आपको याद होगा, उसने अपने बयान में कहा था कि उसकी बहन को डॉ. रॉयलोट के सिगार की गंध आ रही थी। अब, ज़ाहिर है, इससे तुरंत यह संकेत मिलता है कि दोनों कमरों के बीच कोई न कोई संपर्क ज़रूर रहा होगा। यह संपर्क छोटा ही रहा होगा, वरना कोरोनर की जाँच में इसका ज़िक्र ज़रूर होता। मैंने वेंटिलेटर का अनुमान लगाया।”

लेकिन इसमें नुकसान क्या हो सकता है?

“खैर, तारीखों का एक अजीब संयोग तो है ही। एक वेंटिलेटर बनाया जाता है, एक तार लटकाया जाता है, और बिस्तर पर सो रही एक महिला की मौत हो जाती है। क्या यह बात आपको चौंकाती नहीं है?”

मुझे अभी तक कोई संबंध नजर नहीं आ रहा है।

"क्या आपने उस बिस्तर में कुछ बहुत ही अजीबोगरीब देखा?"

"नहीं।"

“इसे फर्श से जकड़ा गया था। क्या आपने पहले कभी किसी बिस्तर को इस तरह जकड़ा हुआ देखा है?”

मैं यह नहीं कह सकता कि मैंने ऐसा किया है।

"वह महिला अपना बिस्तर हिला नहीं सकती थी। वेंटिलेटर और रस्सी के सापेक्ष उसकी स्थिति हमेशा एक जैसी ही रहती थी - या यूं कहें कि रस्सी, क्योंकि यह स्पष्ट रूप से घंटी खींचने के लिए नहीं बनी थी।"

“होम्स,” मैं चिल्लाई, “मुझे धुंधला-सा समझ आ रहा है कि आप किस ओर इशारा कर रहे हैं। हम बस समय रहते किसी गुप्त और भयानक अपराध को रोकने में कामयाब हो गए हैं।”

“काफी सूक्ष्म और काफी भयानक। जब कोई डॉक्टर गलती करता है, तो वह अपराधियों में सबसे पहला होता है। उसमें हिम्मत भी है और ज्ञान भी। पामर और प्रिचर्ड अपने पेशे के अगुआ थे। यह आदमी तो और भी गहरा प्रहार करता है, लेकिन मुझे लगता है, वॉटसन, कि हम इससे भी गहरा प्रहार कर पाएंगे। लेकिन रात खत्म होने से पहले ही हमें काफी भयानक घटनाओं का सामना करना पड़ेगा; भगवान के लिए, चलो थोड़ी देर शांति से बैठकर कुछ खुशनुमा चीजों के बारे में सोचें।”

*

लगभग नौ बजे पेड़ों के बीच की रोशनी बुझ गई, और हवेली की ओर चारों ओर अंधेरा छा गया। दो घंटे धीरे-धीरे बीत गए, और फिर अचानक, ठीक ग्यारह बजते ही, हमारे ठीक सामने एक तेज़ रोशनी चमक उठी।

"यही हमारा संकेत है," होम्स ने उछलते हुए कहा; "यह बीच वाली खिड़की से आता है।"

जैसे ही हम बेहोश हुए, उसने मकान मालिक से कुछ देर बात की और बताया कि हम एक परिचित से मिलने देर रात जा रहे हैं, और हो सकता है कि हमें रात वहीं बितानी पड़े। कुछ ही देर में हम अंधेरी सड़क पर थे, ठंडी हवा हमारे चेहरे पर लग रही थी, और एक पीली बत्ती अंधेरे में हमारे सामने टिमटिमा रही थी, मानो हमारे उदास सफर में हमारा मार्गदर्शन कर रही हो।

पार्क के मैदान में प्रवेश करने में कोई खास कठिनाई नहीं हुई, क्योंकि पुराने पार्क की दीवार में मरम्मत न किए गए छेद खुले पड़े थे। पेड़ों के बीच से रास्ता बनाते हुए हम लॉन तक पहुँचे, उसे पार किया और खिड़की से अंदर जाने ही वाले थे कि लॉरेल की झाड़ियों के झुंड से एक भयानक और विकृत सा दिखने वाला बच्चा निकला, जो छटपटाते अंगों के साथ घास पर गिर पड़ा और फिर तेजी से लॉन पार करके अंधेरे में गायब हो गया।

“हे भगवान!” मैंने फुसफुसाते हुए कहा; “क्या तुमने इसे देखा?”

उस पल होम्स भी मेरी तरह चौंक गया। घबराहट में उसका हाथ मेरी कलाई पर शिकंजे की तरह कस गया। फिर वह धीरे से हँसा और मेरे कान के पास अपने होंठ रख दिए।

“यह एक अच्छा घर है,” उसने धीरे से कहा। “यह बंदर है।”

मैं डॉक्टर द्वारा इलाज किए गए अजीबोगरीब पालतू जानवरों को भूल गया था। एक चीता भी था; शायद किसी भी क्षण वह हमारे कंधों पर आ जाए। मैं स्वीकार करता हूँ कि होम्स की तरह अपने जूते उतारकर जब मैंने खुद को बेडरूम में पाया तो मुझे थोड़ी राहत मिली। मेरे साथी ने चुपचाप खिड़कियों के शटर बंद कर दिए, लैंप को मेज पर रख दिया और कमरे में चारों ओर नज़र डाली। सब कुछ वैसा ही था जैसा हमने दिन में देखा था। फिर मेरे पास रेंगते हुए और हाथ से तुरही की तरह आवाज़ निकालते हुए, उसने मेरे कान में इतनी धीमी आवाज़ में फुसफुसाया कि मुझे शब्दों को समझना मुश्किल हो रहा था:

"ज़रा सी भी आवाज़ हमारी योजनाओं के लिए घातक साबित होगी।"

मैंने यह दिखाने के लिए सिर हिलाया कि मैंने सुन लिया है।

“हमें बिना रोशनी के बैठना होगा। वह वेंटिलेटर के जरिए ही सब कुछ देख लेगा।”

मैंने फिर से सिर हिलाया।

"सोना मत; तुम्हारी जान खतरे में पड़ सकती है। जरूरत पड़ने पर पिस्तौल तैयार रखना। मैं बिस्तर के किनारे बैठूंगा और तुम उस कुर्सी पर बैठ जाना।"

मैंने अपनी रिवाल्वर निकाली और उसे मेज के कोने पर रख दिया।

होम्स एक लंबी पतली छड़ी लेकर आए और उसे अपने बगल में बिस्तर पर रख दिया। उसके पास ही उन्होंने माचिस की डिब्बी और मोमबत्ती का बचा हुआ टुकड़ा रख दिया। फिर उन्होंने दीपक की बत्ती बुझा दी और हम अंधेरे में डूब गए।

मैं उस भयानक प्रतीक्षा को कभी कैसे भूल पाऊँगा? मुझे एक भी आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी, साँस लेने की भी नहीं, फिर भी मैं जानता था कि मेरा साथी मुझसे कुछ ही दूरी पर आँखें खोलकर बैठा था, ठीक उसी घबराहट और तनाव में जिसमें मैं था। खिड़कियों के शटर ने रोशनी की एक किरण भी रोक दी थी, और हम घोर अंधेरे में इंतज़ार कर रहे थे। बाहर से कभी-कभार किसी रात के पक्षी की आवाज़ आती थी, और एक बार हमारी खिड़की पर ही बिल्ली जैसी लंबी कराह सुनाई दी, जिससे हमें पता चला कि चीता सचमुच आज़ाद है। दूर से हमें चर्च की घड़ी की गहरी आवाज़ सुनाई दे रही थी, जो हर पंद्रह मिनट पर बजती थी। वे पंद्रह मिनट कितने लंबे लगते थे! बारह बजे, एक, दो और तीन, और हम चुपचाप बैठे इंतज़ार कर रहे थे कि आगे क्या होगा।

अचानक वेंटिलेटर की दिशा में एक क्षणिक रोशनी चमकी, जो तुरंत गायब हो गई, लेकिन उसके बाद जलते तेल और गर्म धातु की तेज़ गंध आई। बगल के कमरे में किसी ने एक अंधेरा लालटेन जलाया था। मुझे हल्की सी हलचल की आवाज़ सुनाई दी, और फिर सब कुछ फिर से शांत हो गया, हालांकि गंध और तेज़ हो गई। आधे घंटे तक मैं कान लगाकर सुनता रहा। फिर अचानक एक और आवाज़ सुनाई दी - एक बहुत ही कोमल, सुकून देने वाली आवाज़, जैसे किसी केतली से लगातार भाप की एक छोटी सी धार निकल रही हो। जैसे ही हमने वह आवाज़ सुनी, होम्स बिस्तर से उछल पड़े, माचिस जलाई और अपनी छड़ी से घंटी के हैंडल पर ज़ोर से वार किया।

"क्या तुम्हें दिख रहा है, वॉटसन?" वह चिल्लाया। "क्या तुम्हें दिख रहा है?"

लेकिन मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया। जिस क्षण होम्स ने बत्ती जलाई, मुझे एक धीमी, स्पष्ट सीटी सुनाई दी, लेकिन मेरी थकी हुई आँखों में अचानक पड़ी तेज रोशनी के कारण यह बताना असंभव था कि मेरे मित्र ने किस बात पर इतनी बेरहमी से हमला किया। हालांकि, मैं यह देख सकता था कि उसका चेहरा बेहद पीला पड़ गया था और भय और घृणा से भरा हुआ था।

वह प्रहार करना बंद करके वेंटिलेटर की ओर देख रहा था, तभी अचानक रात के सन्नाटे को चीरते हुए एक ऐसी भयानक चीख सुनाई दी, जैसी मैंने पहले कभी नहीं सुनी थी। वह चीख तेज़ होती चली गई, दर्द, डर और क्रोध से भरी एक कर्कश चीख, सब कुछ एक भयानक तीक्ष्ण ध्वनि में समाया हुआ था। कहते हैं कि गाँव में, और यहाँ तक कि दूर स्थित पादरी के घर में भी, उस चीख ने सोए हुए लोगों को बिस्तरों से जगा दिया। वह चीख हमारे दिलों को झकझोर गई, और मैं होम्स को देखता रहा, और वह मुझे, जब तक कि उसकी आखिरी गूँज उस सन्नाटे में विलीन नहीं हो गई जहाँ से वह उठी थी।

"इसका क्या मतलब हो सकता है?" मैंने हांफते हुए पूछा।

"इसका मतलब है कि सब कुछ खत्म हो गया है," होम्स ने जवाब दिया। "और शायद, आखिरकार, यही बेहतर है। अपनी पिस्तौल लो, और हम डॉक्टर रॉयलोट के कमरे में चलते हैं।"

गंभीर चेहरे के साथ उसने दीपक जलाया और गलियारे में आगे-आगे चलने लगा। उसने दो बार कमरे के दरवाजे पर दस्तक दी, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया। फिर उसने हैंडल घुमाया और अंदर चला गया, मैं उसके पीछे-पीछे, हाथ में भरी हुई पिस्तौल लिए हुए था।

हमारे सामने एक विचित्र दृश्य था। मेज पर एक अंधेरा लालटेन रखा था जिसका शटर आधा खुला था, जिससे लोहे की तिजोरी पर तेज रोशनी पड़ रही थी, जिसका दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था। इस मेज के बगल में, लकड़ी की कुर्सी पर, डॉ. ग्रिम्सबी रॉयलोट एक लंबे भूरे रंग के ड्रेसिंग गाउन में बैठे थे, उनके टखने नीचे से बाहर निकले हुए थे, और उनके पैर लाल रंग की बिना एड़ी वाली तुर्की चप्पलों में थे। उनकी गोद में वह छोटा कोड़ा पड़ा था जिस पर लंबी चाबुक लगी थी, जिसे हमने दिन में देखा था। उनकी ठुड्डी ऊपर उठी हुई थी और उनकी आंखें छत के कोने पर एक भयानक, कठोर निगाह से टिकी हुई थीं। उनके माथे के चारों ओर एक अजीब पीली पट्टी थी, जिस पर भूरे रंग के धब्बे थे, जो उनके सिर के चारों ओर कसकर बंधी हुई प्रतीत हो रही थी। हमारे अंदर आते ही उन्होंने न तो कोई आवाज की और न ही कोई हरकत की।

"वो बैंड! वो चित्तीदार बैंड!" होम्स ने फुसफुसाते हुए कहा।

मैंने एक कदम आगे बढ़ाया। पल भर में उसकी अजीबोगरीब सिर का पहनावा हिलने लगा, और उसके बालों के बीच से एक घिनौने सांप का छोटा, हीरे के आकार का सिर और फूली हुई गर्दन उभर आई।

"यह दलदली साँप है!" होम्स चिल्लाया; "भारत का सबसे घातक साँप। काटने के दस सेकंड के भीतर ही उसकी मौत हो गई। सच में, हिंसा का फल हिंसक को ही मिलता है, और षड्यंत्रकारी अपने ही गड्ढे में गिर जाता है। चलो इस जीव को वापस उसके बिल में धकेल देते हैं, और फिर हम मिस स्टोनर को किसी सुरक्षित स्थान पर ले जा सकते हैं और काउंटी पुलिस को घटना की जानकारी दे सकते हैं।"

जैसे ही उसने बात की, उसने मृत व्यक्ति की गोद से कुत्ते को मारने वाला चाबुक तेजी से खींच लिया, और सरीसृप की गर्दन के चारों ओर फंदा डालकर उसे उसके भयानक स्थान से नीचे खींच लिया और उसे हाथ की दूरी पर ले जाकर लोहे की तिजोरी में फेंक दिया, जिसे उसने बंद कर दिया।

—

स्टोक मोरान के डॉ. ग्रिम्सबी रॉयलोट की मृत्यु के ये हैं सच्चे तथ्य। इस कहानी को और लंबा खींचने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि यह पहले ही बहुत लंबी हो चुकी है। मैं यह बताने की कोशिश नहीं करूँगा कि हमने कैसे भयभीत लड़की को यह दुखद खबर सुनाई, कैसे हम उसे सुबह की ट्रेन से हैरो में उसकी अच्छी चाची के पास ले गए, और कैसे आधिकारिक जाँच की धीमी प्रक्रिया से यह निष्कर्ष निकला कि डॉक्टर की मृत्यु एक खतरनाक पालतू जानवर के साथ लापरवाही से खेलते समय हुई। इस मामले के बारे में जो थोड़ी-बहुत जानकारी मुझे अभी तक नहीं मिली थी, वह मुझे अगले दिन वापस लौटते समय शेर्लक होम्स ने बताई।

"मैंने," उसने कहा, "एक पूरी तरह से गलत निष्कर्ष निकाला था, जो दिखाता है, मेरे प्रिय वॉटसन, कि अपर्याप्त जानकारी के आधार पर तर्क करना कितना खतरनाक होता है। जिप्सियों की उपस्थिति और उस बेचारी लड़की द्वारा इस्तेमाल किया गया शब्द 'बैंड', जो उसने शायद अपनी माचिस की रोशनी में जल्दबाजी में देखी गई किसी चीज़ की झलक समझाने के लिए इस्तेमाल किया था, मुझे पूरी तरह से गलत दिशा में ले जाने के लिए काफी था। मैं केवल इस बात का श्रेय ले सकता हूँ कि जब मुझे यह स्पष्ट हो गया कि कमरे में मौजूद किसी भी व्यक्ति को जो भी खतरा था, वह न तो खिड़की से आ सकता था और न ही दरवाजे से, तो मैंने तुरंत अपने विचार पर पुनर्विचार किया। जैसा कि मैंने आपको पहले ही बताया है, मेरा ध्यान तुरंत इस वेंटिलेटर और बिस्तर तक लटकती घंटी की रस्सी पर गया। यह पता चलने पर कि यह एक नकली चीज थी और

बिस्तर फर्श से जकड़ा हुआ था, तुरंत यह संदेह पैदा हुआ कि रस्सी वहां किसी चीज के लिए पुल का काम कर रही थी जो छेद से होकर बिस्तर तक आ रही थी। मुझे तुरंत एक सांप का ख्याल आया, और जब मैंने इसे इस जानकारी के साथ जोड़ा कि डॉक्टर भारत से लाए गए जीवों की आपूर्ति मिलने पर, मुझे लगा कि मैं शायद सही रास्ते पर हूँ। एक ऐसे ज़हर का इस्तेमाल करने का विचार, जिसे किसी भी रासायनिक परीक्षण से पता नहीं लगाया जा सकता था, ठीक वैसा ही था जैसा किसी चतुर और निर्दयी व्यक्ति के दिमाग में आता, जिसने पूर्वी सभ्यता का प्रशिक्षण प्राप्त किया हो। ऐसे ज़हर का असर जितनी तेज़ी से होता, वह भी उसके लिए फ़ायदेमंद होता। ज़हर के काटने के निशानों को पहचानने वाला दो छोटे काले छेद, वाकई, एक तेज़ नज़र वाला फोरेंसिक विशेषज्ञ ही हो सकता था। तभी मुझे सीटी का ख्याल आया। ज़ाहिर है, उसे सुबह की रोशनी में पीड़ित को सांप दिखने से पहले ही उसे वापस बुलाना होगा। उसने सांप को प्रशिक्षित किया होगा, शायद उसी दूध का इस्तेमाल करके जो हमने देखा था, कि बुलाने पर वह उसके पास लौट आए। वह उसे वेंटिलेटर से उस समय गुज़ारेगा जो उसे सबसे सही लगेगा, इस विश्वास के साथ कि वह रस्सी से नीचे रेंगकर बिस्तर पर आ गिरेगा। हो सकता है वह बिस्तर पर लेटे व्यक्ति को काटे या न काटे, शायद वह एक हफ़्ते तक हर रात बच जाए, लेकिन देर-सवेर उसे शिकार बनना ही होगा।

"उसके कमरे में प्रवेश करने से पहले ही मैं इन निष्कर्षों पर पहुँच चुका था। उसकी कुर्सी की जाँच करने पर मुझे पता चला कि उसे उस पर खड़े होने की आदत थी, जो ज़ाहिर तौर पर वेंटिलेटर तक पहुँचने के लिए ज़रूरी था। तिजोरी, दूध की कटोरी और चाबुक की रस्सी का फंदा देखकर मेरे सारे संदेह दूर हो गए। मिस स्टोनर को जो धातु की खड़खड़ाहट सुनाई दी, वह स्पष्ट रूप से उनके सौतेले पिता द्वारा जल्दबाजी में तिजोरी का दरवाज़ा उसके अंदर मौजूद भयानक चीज़ पर बंद करने के कारण हुई थी। एक बार मन बना लेने के बाद, आप जानते हैं कि मैंने इस मामले को साबित करने के लिए क्या कदम उठाए। मैंने उस प्राणी की फुफकार सुनी, जैसा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आपने भी सुनी होगी, और मैंने तुरंत रोशनी जलाई और उस पर हमला कर दिया।"

"इसका परिणाम यह हुआ कि इसे वेंटिलेटर के माध्यम से चलाया गया।"

और इसका नतीजा यह हुआ कि वह दूसरी तरफ अपने मालिक पर ही टूट पड़ा। मेरी छड़ी के कुछ वार उसके सांप जैसे स्वभाव को भड़काकर उस पर झपट पड़ा, जो भी उसे नज़र आया, वह उस पर टूट पड़ा। इस तरह मैं डॉ. ग्रिम्सबी रॉयलॉट की मौत के लिए परोक्ष रूप से ज़िम्मेदार हूँ, और मैं यह नहीं कह सकता कि यह बात मेरे अंतरात्मा पर बहुत भारी पड़ेगी।

इंजीनियर के अंगूठे का रोमांच

मेरे मित्र श्री शर्लक होम्स के समक्ष हमारी घनिष्ठता के वर्षों में हल करने के लिए प्रस्तुत की गई सभी समस्याओं में से, केवल दो ही ऐसी थीं जिन्हें मैंने उनके ध्यान में लाया था - श्री हैथरली के अंगूठे की समस्या और कर्नल वारबर्टन के पागलपन की समस्या। इनमें से दूसरी समस्या एक तीक्ष्ण और मौलिक पर्यवेक्षक के लिए शायद अधिक उपयुक्त क्षेत्र प्रदान करती, लेकिन दूसरी समस्या अपनी उत्पत्ति में इतनी विचित्र और अपने विवरणों में इतनी नाटकीय थी कि इसे दर्ज करना अधिक उचित है, भले ही इसने मेरे मित्र को उन निगमनात्मक तर्क विधियों के लिए कम अवसर दिए हों जिनके द्वारा उन्होंने इतने उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए। मेरा मानना है कि यह कहानी समाचार पत्रों में एक से अधिक बार प्रकाशित हो चुकी है, लेकिन, ऐसी सभी कहानियों की तरह, इसका प्रभाव तब उतना प्रभावशाली नहीं होता जब इसे एक ही

आधे कॉलम में एक साथ प्रकाशित किया जाता है, जितना कि तब होता है जब तथ्य धीरे-धीरे आपकी आँखों के सामने प्रकट होते हैं, और रहस्य धीरे-धीरे सुलझता जाता है क्योंकि प्रत्येक नई खोज पूर्ण सत्य की ओर ले जाने वाला एक कदम प्रदान करती है। उस समय की परिस्थितियों ने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला था, और दो साल बीत जाने से भी उसका प्रभाव कम नहीं हुआ है।

1989 की गर्मियों में, मेरी शादी के कुछ ही समय बाद, वे घटनाएँ घटीं जिनका मैं अब संक्षेप में वर्णन करने जा रहा हूँ। मैं वकालत के पेशे में लौट आया था और आखिरकार बेकर स्ट्रीट स्थित होम्स के दफ्तरों में उनका काम छोड़ दिया था, हालाँकि मैं उनसे लगातार मिलने जाता था और कभी-कभी उन्हें अपनी अय्याशी भरी आदतों को छोड़कर हमसे मिलने आने के लिए भी मना लेता था। मेरा काम लगातार बढ़ता जा रहा था, और चूंकि मैं पैडिंगटन स्टेशन से बहुत दूर नहीं रहता था, इसलिए मुझे कुछ सरकारी अधिकारियों में से भी मरीज़ मिलने लगे। इनमें से एक मरीज़, जिसे मैंने एक दर्दनाक और लंबे समय तक चलने वाली बीमारी से ठीक किया था, मेरी खूबियों का बखान करने और हर उस मरीज़ के पास मुझे भेजने का प्रयास करता रहता था जिस पर उसका प्रभाव हो सकता था।

एक सुबह, लगभग सात बजे, नौकरानी ने दरवाज़ा खटखटाकर मुझे जगाया और बताया कि पैडिंगटन से दो आदमी आए हैं और परामर्श कक्ष में इंतज़ार कर रहे हैं। मैंने जल्दी से कपड़े पहने, क्योंकि मुझे अनुभव से पता था कि रेलवे से जुड़े मामले शायद ही कभी मामूली होते हैं, और मैं तेज़ी से नीचे भागा। जैसे ही मैं नीचे उतरा, मेरा पुराना साथी, गार्ड, कमरे से बाहर आया और अपने पीछे दरवाज़ा कसकर बंद कर दिया।

“वो मेरे पास है,” उसने कंधे के ऊपर अंगूठा हिलाते हुए फुसफुसाया; “वो ठीक है।”

"तो फिर यह क्या है?" मैंने पूछा, क्योंकि उसके हावभाव से ऐसा लग रहा था कि यह कोई अजीब प्राणी है जिसे उसने मेरे कमरे में पिंजरे में बंद कर रखा है।

“ये नया मरीज़ है,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “मैंने सोचा कि मैं इसे खुद ही होश में ले आऊँगा; ताकि ये भाग न सके। ये रहा, एकदम सुरक्षित और स्वस्थ। मुझे अब जाना होगा, डॉक्टर साहब; मेरे भी कुछ काम हैं, बिल्कुल आपके जैसे।” और ये भरोसेमंद दलाल मुझे धन्यवाद कहने का समय दिए बिना ही चला गया।

मैं अपने परामर्श कक्ष में दाखिल हुआ और मेज के पास एक सज्जन को बैठा पाया। उन्होंने सादे ढंग से हीदर ट्वीड का सूट पहना हुआ था और सिर पर मुलायम कपड़े की टोपी रखी हुई थी, जिसे उन्होंने मेरी किताबों पर रखा हुआ था। उनके एक हाथ में रुमाल लिपटा हुआ था, जिस पर खून के धब्बे लगे हुए थे। वे युवा थे, शायद 25 वर्ष से अधिक उम्र के नहीं, उनका चेहरा मजबूत और मर्दाना था; लेकिन उनका चेहरा बेहद पीला पड़ गया था और मुझे ऐसा लगा जैसे वे किसी तीव्र बेचैनी से ग्रस्त हों, जिसे नियंत्रित करने के लिए उन्हें अपनी पूरी मानसिक शक्ति लगानी पड़ रही थी।

“डॉक्टर साहब, आपको इतनी सुबह जगाने के लिए क्षमा करें,” उसने कहा, “लेकिन रात में मेरा एक बहुत गंभीर ऐक्सीडेंट हो गया। मैं आज सुबह ट्रेन से आया और पैडिंगटन में डॉक्टर के बारे में पूछताछ करने पर एक भले आदमी ने बड़ी मेहरबानी से मुझे यहाँ तक पहुँचाया। मैंने नौकरानी को अपना कार्ड दिया था, लेकिन मैंने देखा कि उसने उसे साइड टेबल पर छोड़ दिया है।”

मैंने उसे उठाया और उस पर एक नज़र डाली। “श्री विक्टर हैथरली, हाइड्रोलिक इंजीनियर, 16ए, विक्टोरिया स्ट्रीट (तीसरी मंज़िल)।” यह मेरे सुबह के आगंतुक का नाम, पदनाम और पता था। “मुझे खेद है कि मैंने आपको इंतज़ार करवाया,” मैंने अपनी

पुस्तकालय की कुर्सी पर बैठते हुए कहा। “मुझे लगता है कि आप रात की यात्रा से लौटे हैं, जो अपने आप में एक नीरस काम है।”

“अरे, मेरी रात नीरस तो बिल्कुल नहीं थी,” उन्होंने कहा और हँस पड़े। वे दिल खोलकर हँसे, उनकी आवाज़ ऊँची और गूंजती हुई थी, वे कुर्सी पर पीछे झुक गए और अपने पेट को हिलाने लगे। मेरी सारी चिकित्सीय प्रवृत्ति उस हँसी के विरुद्ध खड़ी हो गई।

“बस करो!” मैं चिल्लाई; “खुद को संभालो!” और मैंने एक जग से थोड़ा पानी उड़ेल दिया।

लेकिन यह व्यर्थ था। वह उन उन्मादी outbursts में से एक में था जो किसी बड़े संकट के समाप्त होने पर मजबूत स्वभाव वाले लोगों में आ जाते हैं। कुछ देर बाद वह फिर से होश में आया, बहुत थका हुआ और पीला-सा दिख रहा था।

“मैं खुद को मूर्ख साबित कर रहा था,” उसने हांफते हुए कहा।

“बिल्कुल नहीं। इसे पी लो।” मैंने पानी में थोड़ी सी ब्रांडी मिला दी, और उसके बेजान गालों पर फिर से रौनक लौटने लगी।

“अब ठीक है!” उसने कहा। “और अब, डॉक्टर साहब, कृपया मेरे अंगूठे का ध्यान रखिएगा, या यूँ कहें कि उस जगह का जहाँ मेरा अंगूठा हुआ करता था।”

उसने रुमाल खोला और अपना हाथ आगे बढ़ाया। उसे देखकर मेरे कठोरतम मन में भी कंपकंपी दौड़ गई। उसमें चार उभरी हुई उंगलियां थीं और अंगूठे की जगह पर एक भयानक लाल, स्पंजी सतह थी। ऐसा लग रहा था जैसे अंगूठा जड़ से काट दिया गया हो या फाड़ दिया गया हो।

“हे भगवान!” मैं चिल्लाई, “यह तो बहुत भयानक चोट है। इसमें से काफी खून बह गया होगा।”

“हाँ, ऐसा ही हुआ। प्रक्रिया पूरी होने पर मैं बेहोश हो गई, और मुझे लगता है कि मैं काफी देर तक अचेत रही। जब मुझे होश आया तो मैंने देखा कि अभी भी खून बह रहा था, इसलिए मैंने अपने रूमाल का एक सिरा कलाई के चारों ओर कसकर बांध दिया और एक टहनी से सहारा दिया।”

“बहुत बढ़िया! आपको सर्जन बनना चाहिए था।”

"यह हाइड्रोलिक्स का मामला है, और यह मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है।"

मैंने घाव की जांच करते हुए कहा, "यह किसी बहुत भारी और नुकीले औजार से किया गया है।"

“एक तरह का चाकू,” उसने कहा।

"शायद यह एक दुर्घटना थी?"

“बिल्कुल नहीं।”

“क्या! एक जानलेवा हमला?”

"यह तो वाकई बेहद हत्यारा काम है।"

तुम मुझे डरा देते हो।

मैंने घाव को स्पंज से पोंछा, साफ किया, पट्टी बांधी और अंत में उसे रुई और कार्बोलाइज्ड पट्टियों से ढक दिया। वह बिना दर्द के लेट गया, हालांकि वह बीच-बीच में अपने होंठ काटता रहा।

"यह कैसा है?" मैंने खत्म करने के बाद पूछा।

“वाह! आपकी ब्रांडी और पट्टी के बीच, मैं एक नए आदमी जैसा महसूस कर रहा हूँ। मैं बहुत कमजोर था, लेकिन मुझे बहुत कुछ झेलना पड़ा है।”

"शायद बेहतर होगा कि आप इस मामले पर बात न करें। जाहिर है, इससे आपके दिमाग पर दबाव पड़ रहा है।"

"ओह, नहीं, अभी नहीं। मुझे पुलिस को अपनी कहानी बतानी होगी; लेकिन, सच कहूँ तो, अगर मेरे इस घाव का पुख्ता सबूत न होता, तो मुझे आश्चर्य होता अगर वे मेरे बयान पर विश्वास करते, क्योंकि यह बहुत ही असाधारण घटना है, और मेरे पास इसे साबित करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं है; और, अगर वे मुझ पर विश्वास भी कर लेते हैं, तो मैं उन्हें जो सुराग दे सकता हूं वे इतने अस्पष्ट हैं कि यह कहना मुश्किल है कि न्याय होगा या नहीं।"

"हा!" मैं चिल्लाया, "अगर यह किसी तरह की समस्या है जिसका आप समाधान चाहते हैं, तो मैं आपको आधिकारिक पुलिस के पास जाने से पहले मेरे मित्र, श्री शर्लक होम्स से मिलने की पुरजोर सलाह दूंगा।"

"ओह, मैंने उस आदमी के बारे में सुना है," मेरे आगंतुक ने उत्तर दिया, "और मुझे बहुत खुशी होगी अगर वह इस मामले को अपने हाथ में ले ले, हालांकि मुझे आधिकारिक पुलिस की भी मदद लेनी होगी। क्या आप मुझे उससे मिलवा सकते हैं?"

मैं बेहतर करूंगा। मैं तुम्हें खुद उससे मिलवाऊंगा।

मैं आपका बहुत आभारी रहूँगा।

"हम एक टैक्सी बुलाकर साथ चलेंगे। हम ठीक समय पर पहुँच जाएँगे और उनके साथ थोड़ा नाश्ता कर लेंगे। क्या आप इसके लिए तैयार हैं?"

"हां; जब तक मैं अपनी कहानी नहीं सुना दूंगी, तब तक मुझे चैन नहीं मिलेगा।"

"तो मेरा नौकर टैक्सी बुलाएगा, और मैं पल भर में आपके पास आ जाऊंगा।" मैं झटपट ऊपर गया, अपनी पत्नी को संक्षेप में सारी बात समझाई, और पाँच मिनट में एक गाड़ी में बैठकर अपने नए परिचित के साथ बेकर स्ट्रीट की ओर चल पड़ा।

जैसा कि मुझे उम्मीद थी, शर्लक होम्स अपने बैठक कक्ष में ड्रेसिंग गाउन पहने आराम से बैठे थे, द टाइम्स के समाचार पत्र पढ़ रहे थे और नाश्ते से पहले अपनी पाइप पी रहे थे, जो दिन भर की सिगरेट के बचे हुए टुकड़ों और चिकोटी से बनी थी, जिन्हें उन्होंने बड़े करीने से सुखाकर शेल्फ के कोने पर इकट्ठा किया था। उन्होंने अपने शांत और सौम्य अंदाज में हमारा स्वागत किया, ताज़ी सब्ज़ियाँ और अंडे मंगवाए और हमारे साथ भरपेट भोजन किया। भोजन समाप्त होने पर उन्होंने हमारे नए परिचित को सोफे पर बिठाया, उनके सिर के नीचे तकिया रखा और उनके पास ब्रांडी और पानी का गिलास रख दिया।

"श्री हैथरली, यह स्पष्ट है कि आपका अनुभव सामान्य नहीं रहा है," उन्होंने कहा। "कृपया वहीं लेट जाइए और खुद को पूरी तरह सहज महसूस कीजिए। आप जो कुछ भी बता सकते हैं, बताइए, लेकिन जब आप थक जाएं तो रुक जाइए और थोड़ी सी ऊर्जावर्धक दवा लेकर अपनी ऊर्जा बनाए रखिए।"

"धन्यवाद," मेरे मरीज़ ने कहा। "लेकिन डॉक्टर द्वारा पट्टी बांधने के बाद से मुझे एक अलग ही एहसास हो रहा है, और मुझे लगता है कि नाश्ते ने मेरी परेशानी पूरी कर दी है। मैं आपका कीमती समय जितना हो सके कम लूंगा, इसलिए मैं अपने अनोखे अनुभवों के बारे में तुरंत बताना शुरू करता हूँ।"

होम्स अपनी बड़ी सी आरामकुर्सी पर थके हुए, भारी पलकों वाले भाव के साथ बैठे थे, जो उनके तीक्ष्ण और उत्सुक स्वभाव को छुपा रहा था, जबकि मैं उनके सामने बैठा था, और हम चुपचाप उस विचित्र कहानी को सुन रहे थे जो हमारे आगंतुक ने हमें विस्तार से सुनाई।

"आपको पता होना चाहिए," उन्होंने कहा, "कि मैं अनाथ और अविवाहित हूँ, लंदन में किराए के कमरे में अकेला रहता हूं। पेशे से मैं एक हाइड्रोलिक इंजीनियर हूँ, और ग्रीनविच की प्रसिद्ध फर्म वेनर एंड मैथेसन में सात साल तक प्रशिक्षु के रूप में काम करते हुए मुझे अपने काम का काफी अनुभव प्राप्त हुआ है। दो साल पहले, अपनी

प्रशिक्षुता पूरी करने के बाद, और अपने गरीब पिता की मृत्यु के बाद मुझे अच्छी खासी रकम मिलने पर, मैंने अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया और विक्टोरिया स्ट्रीट में एक पेशेवर फर्म खोली।”

“मुझे लगता है कि हर किसी को अपना पहला स्वतंत्र व्यवसाय शुरू करना नीरस लगता है। मेरे लिए तो यह और भी ज्यादा नीरस रहा है। दो साल में मुझे सिर्फ तीन परामर्श और एक छोटा-मोटा काम मिला है, बस इतना ही। मेरी कुल कमाई 27 पाउंड 10 शिलिंग है। हर दिन, सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक, मैं अपने छोटे से कमरे में बैठा रहता था, जब तक कि आखिरकार मेरा दिल बैठ नहीं गया और मुझे लगने लगा कि शायद मुझे कभी कोई व्यवसाय ही न मिले।”

“कल, जैसे ही मैं दफ्तर से निकलने वाला था, मेरा क्लर्क अंदर आया और बताया कि एक सज्जन मुझसे काम के सिलसिले में मिलने आए हैं। वह अपने साथ एक कार्ड भी लाया, जिस पर ‘कर्नल लिसेंडर स्टार्क’ लिखा था। उसके तुरंत बाद कर्नल खुद आए, जो कद में थोड़े मोटे थे, लेकिन बेहद दुबले-पतले थे। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी इतना दुबला आदमी देखा है। उनका पूरा चेहरा नाक और ठोड़ी की तरफ नुकीला होता जा रहा था, और उनके गालों की त्वचा उनकी उभरी हुई हड्डियों पर एकदम खिंची हुई थी। फिर भी, यह दुबलापन उनकी स्वाभाविक आदत लग रही थी, न कि किसी बीमारी के कारण, क्योंकि उनकी आंखें चमक रही थीं, उनकी चाल फुर्तीली थी और उनका हावभाव आत्मविश्वास से भरा था। उन्होंने सादे लेकिन साफ-सुथरे कपड़े पहने थे, और मेरी राय में उनकी उम्र तीस से ज़्यादा चालीस के करीब होगी।”

“‘श्रीमान हैथरली?’ उसने कुछ जर्मन लहजे में कहा। ‘श्रीमान हैथरली, मुझे आपके बारे में बताया गया है कि आप न केवल अपने पेशे में निपुण हैं बल्कि विवेकशील और रहस्य को बनाए रखने में भी सक्षम हैं।’

“मैंने सिर झुकाया, किसी भी नौजवान की तरह ऐसे संबोधन पर सम्मानित महसूस करते हुए। ‘क्या मैं पूछ सकता हूँ कि मुझे इतना अच्छा चरित्र किसने दिया?’”

“खैर, शायद बेहतर होगा कि मैं आपको अभी यह न बताऊं। मुझे एक ही सूत्र से पता चला है कि आप अनाथ और अविवाहित हैं और लंदन में अकेले रह रहे हैं।”

“‘यह बिल्कुल सही है,’ मैंने उत्तर दिया; ‘लेकिन अगर मैं कहूं कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि यह सब मेरी पेशेवर योग्यताओं से कैसे संबंधित है, तो कृपया मुझे क्षमा करें। मुझे पता चला है कि आप मुझसे किसी पेशेवर मामले पर बात करना चाहते थे?’”

“‘निस्संदेह ऐसा ही है। लेकिन आप पाएंगे कि मैं जो कुछ भी कह रहा हूँ वह बिल्कुल सटीक है। मुझे आपके लिए एक पेशेवर कार्य सौंपा गया है, लेकिन पूर्ण गोपनीयता अत्यंत आवश्यक है - पूर्ण गोपनीयता, आप समझ रहे हैं ना, और निश्चित रूप से हम इसकी अपेक्षा एक अकेले व्यक्ति से अधिक कर सकते हैं बजाय इसके कि कोई व्यक्ति अपने परिवार के बीच रहता हो।’

मैंने कहा, “अगर मैं राज़ रखने का वादा करूं, तो आप मुझ पर पूरी तरह भरोसा कर सकते हैं कि मैं ऐसा करूंगा।”

"जब मैं बोल रहा था तो वह मुझे बहुत ध्यान से देख रहा था, और मुझे ऐसा लगा कि मैंने पहले कभी इतनी संदेह भरी और प्रश्नसूचक निगाह नहीं देखी थी।"

“‘तो क्या तुम वादा करते हो?’ उसने अंत में कहा।”

"'हाँ मैं वादा करता हूं।'

“‘पहले, दौरान और बाद में पूर्ण और संपूर्ण चुप्पी? इस मामले का कोई जिक्र नहीं, न शब्दों में और न ही लिखित रूप में?’”

“‘मैंने तुम्हें पहले ही अपना वचन दे दिया है।’”

"'बहुत बढ़िया।' वह अचानक उछल पड़ा और बिजली की तरह कमरे में दौड़ते हुए उसने दरवाजा खोल दिया। बाहर का रास्ता खाली था।"

"'कोई बात नहीं,' वह वापस आकर बोला। 'मुझे पता है कि क्लर्क कभी-कभी अपने मालिक के मामलों के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। अब हम सुरक्षित रूप से बात कर सकते हैं।' उसने अपनी कुर्सी मेरी कुर्सी के बिल्कुल पास खींच ली और उसी प्रश्नवाचक और विचारशील नज़र से मुझे फिर से घूरने लगा।

"इस मांसहीन व्यक्ति की विचित्र हरकतों को देखकर मेरे भीतर घृणा और भय जैसी भावना उत्पन्न होने लगी थी। यहां तक कि ग्राहक खोने का डर भी मुझे अपनी अधीरता दिखाने से नहीं रोक सका।"

"'मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप अपना काम बताएँ, महोदय,' मैंने कहा; 'मेरा समय कीमती है।' उस आखिरी वाक्य के लिए मुझे क्षमा करें, लेकिन ये शब्द मेरे होठों से निकल गए।"

"'एक रात के काम के लिए पचास गिनी आपको कैसा लगेगा?' उसने पूछा।

"'अत्यंत प्रशंसनीय रूप से।'

"'मैं कहता हूं कि इसमें एक रात का काम लगेगा, लेकिन एक घंटे का समय ज़्यादा सही रहेगा। मैं बस एक हाइड्रोलिक स्टैम्पिंग मशीन के बारे में आपकी राय जानना चाहता हूं जो खराब हो गई है। अगर आप हमें बता दें कि इसमें क्या खराबी है, तो हम इसे जल्द ही खुद ठीक कर लेंगे। इस तरह के काम के बारे में आपका क्या विचार है?'"

"'काम आसान लगता है और वेतन उदार है।'"

"बिल्कुल सही। हम चाहेंगे कि आप आज रात आखिरी ट्रेन से आएं।"

"'कहाँ जाना है?'

"'बर्कशायर में स्थित आइफोर्ड के लिए। यह ऑक्सफोर्डशायर की सीमा के पास एक छोटा सा स्थान है, और रीडिंग से सात मील की दूरी पर है। पैडिंगटन से एक ट्रेन है जो आपको लगभग 11:15 बजे वहाँ पहुंचा देगी।'

"'बहुत अच्छा।'

मैं गाड़ी में बैठकर आपसे मिलने आऊंगा।

"'तो क्या कोई अभियान चल रहा है?'"

"हां, हमारा छोटा सा घर बिल्कुल ग्रामीण इलाके में है। यह आइफोर्ड स्टेशन से लगभग सात मील दूर है।"

"'तो फिर हम आधी रात से पहले मुश्किल से ही वहाँ पहुँच पाएँगे। मुझे लगता है कि वापस आने के लिए ट्रेन मिलने की कोई संभावना नहीं होगी। मुझे रात वहीं रुकने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।'

"'हां, हम आसानी से आपकी तलाशी ले सकते हैं।'

"'यह तो बहुत असुविधाजनक है। क्या मैं किसी और सुविधाजनक समय पर नहीं आ सकता?'"

"हमने यही उचित समझा है कि आप देर से आएं। आपको हुई असुविधा के लिए हम आपको मुआवज़ा दे रहे हैं, क्योंकि आप एक युवा और अनजान व्यक्ति हैं, और इस शुल्क से तो आप अपने पेशे के दिग्गजों की राय ले सकते हैं। फिर भी, अगर आप काम से पीछे हटना चाहते हैं, तो आपके पास अभी भी पर्याप्त समय है।"

मैंने पचास गिनी के बारे में सोचा, और यह भी कि वे मेरे लिए कितने उपयोगी होंगे। 'बिल्कुल नहीं,' मैंने कहा, 'मैं आपकी इच्छाओं के अनुरूप कार्य करने में बहुत प्रसन्न हूँगा। हालाँकि, मैं यह थोड़ा और स्पष्ट रूप से समझना चाहूंगा कि आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं।'

"बिल्कुल सही। आपसे गोपनीयता की जो प्रतिज्ञा ली गई है, उससे आपकी जिज्ञासा जागृत होनी स्वाभाविक है। मैं आपको सब कुछ स्पष्ट रूप से बताए बिना किसी भी बात के लिए बाध्य नहीं करना चाहता। मुझे लगता है कि हम छुपकर बातें सुनने वालों से पूरी तरह सुरक्षित हैं।"

"'पूरी तरह से।'"

"'तो मामला कुछ इस तरह है। आप शायद जानते होंगे कि फुलर अर्थ एक मूल्यवान उत्पाद है, और यह इंग्लैंड में केवल एक या दो स्थानों पर ही पाया जाता है?'

मैंने ऐसा सुना है।

कुछ समय पहले मैंने रीडिंग से दस मील की दूरी पर एक छोटी सी ज़मीन खरीदी थी। सौभाग्य से मुझे अपने एक खेत में फुलर अर्थ का भंडार मिला। हालांकि, जाँच करने पर मैंने पाया कि यह भंडार अपेक्षाकृत छोटा था, और यह दाईं और बाईं ओर स्थित दो बहुत बड़े भंडारों से जुड़ा हुआ था - हालाँकि, वे दोनों मेरे पड़ोसियों की ज़मीन में थे। ये भले लोग इस बात से बिल्कुल अनभिज्ञ थे कि उनकी ज़मीन में सोने की खान के बराबर मूल्यवान चीज़ मौजूद है। स्वाभाविक रूप से, उनके असली मूल्य का पता चलने से पहले उनकी ज़मीन खरीद लेना मेरे हित में था, लेकिन दुर्भाग्य से मेरे पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त पूंजी नहीं थी। हालांकि, मैंने अपने कुछ दोस्तों को इस गुप्त बात में शामिल किया, और उन्होंने सुझाव दिया कि हम चुपचाप और गुप्त रूप से अपने छोटे से भंडार पर काम करें और इस तरह हम वह पैसा कमाएँ जिससे हम पड़ोसी खेतों को खरीद सकें। हम अब कुछ समय से ऐसा कर रहे हैं, और अपने काम में मदद के लिए हमने एक हाइड्रोलिक प्रेस लगाया है। जैसा कि मैंने पहले ही बताया है, यह प्रेस खराब हो गया है, और हम इस विषय पर आपकी सलाह चाहते हैं। हम अपने रहस्य को बहुत सावधानी से छिपाकर रखते हैं, और अगर एक बार भी किसी को पता चल गया कि हमारे छोटे से घर में हाइड्रोलिक इंजीनियर आ रहे हैं, तो तुरंत पूछताछ शुरू हो जाएगी, और फिर, अगर सच्चाई सामने आ गई, तो इन खेतों को हासिल करने और अपनी योजनाओं को पूरा करने का हमारा कोई भी मौका हाथ से निकल जाएगा। इसीलिए मैंने आपसे वादा लिया है कि आप किसी को भी नहीं बताएंगे कि आप आज रात आइफोर्ड जा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि मैंने सब कुछ स्पष्ट कर दिया है।

मैंने कहा, "मैं आपकी बात पूरी तरह समझ गया। बस एक ही बात थी जो मुझे समझ नहीं आई, वो ये कि फुलर-अर्थ की खुदाई में हाइड्रोलिक प्रेस का क्या उपयोग किया जा सकता है, जिसे, जैसा कि मैं समझता हूं, गड्ढे से बजरी की तरह खोदा जाता है।"

"'आह!' उसने लापरवाही से कहा, 'हमारी अपनी प्रक्रिया है। हम मिट्टी को ईंटों में दबाते हैं, ताकि उन्हें बिना उनकी असलियत बताए हटाया जा सके। लेकिन यह तो बस एक छोटी सी बात है। श्री हैथरली, मैंने अब आप पर पूरा भरोसा कर लिया है और आपको दिखा दिया है कि मुझे आप पर कितना विश्वास है।' बोलते-बोलते वह उठ खड़ा हुआ। 'तो मैं आपसे 11:15 बजे आइफोर्ड में मिलने की उम्मीद करूंगा।'

मैं वहाँ अवश्य उपस्थित रहूँगा।

"'और किसी से एक शब्द भी नहीं कहूँगा।' उसने मुझे आखिरी बार लंबे समय तक प्रश्नवाचक निगाहों से देखा, और फिर मेरा हाथ ठंडे, नम हाथों से दबाकर वह कमरे से जल्दी से निकल गया।

"खैर, जब मैंने शांत मन से इस सब पर विचार किया, तो मैं बहुत आश्चर्यचकित हुआ, जैसा कि आप दोनों भी सोच रहे होंगे, कि मुझे यह अचानक काम कैसे सौंपा गया। एक ओर, बेशक, मैं खुश था, क्योंकि फीस कम से कम दस गुना अधिक थी जितनी मुझे अपनी सेवाओं का मूल्य निर्धारित करने पर मिलती, और यह संभव था कि

इस आदेश से मुझे और भी काम मिल जाए। दूसरी ओर, मेरे संरक्षक के चेहरे और व्यवहार ने मुझ पर अप्रिय प्रभाव डाला था, और मुझे नहीं लगता था कि फुलर की मिट्टी के बारे में उनका स्पष्टीकरण आधी रात को मेरे आने की आवश्यकता और इस बात की उनकी अत्यधिक चिंता को समझाने के लिए पर्याप्त था कि कहीं मैं किसी को अपने काम के बारे में न बता दूं। हालांकि, मैंने सभी आशंकाओं को दरकिनार कर दिया, भरपेट खाना खाया, पैडिंगटन के लिए गाड़ी चलाई और रवाना हो गया, अपनी जुबान बंद रखने के निर्देश का अक्षरशः पालन करते हुए।"

"रीडिंग स्टेशन पर मुझे न केवल अपना डिब्बा बल्कि स्टेशन भी बदलना पड़ा। हालांकि, मैं आइफोर्ड जाने वाली आखिरी ट्रेन के लिए समय पर पहुंच गया था, और ग्यारह बजे के बाद उस छोटे से, धुंधले स्टेशन पर पहुंचा। मैं वहां उतरने वाला एकमात्र यात्री था, और प्लेटफार्म पर लालटेन लिए एक ऊंघते हुए कुली के अलावा कोई नहीं था। जैसे ही मैं छोटे गेट से बाहर निकला, मैंने देखा कि सुबह का मेरा परिचित दूसरी तरफ छाया में मेरा इंतजार कर रहा था। बिना कुछ कहे उसने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे जल्दी से एक डिब्बे में बिठा दिया, जिसका दरवाजा खुला हुआ था। उसने दोनों तरफ की खिड़कियाँ ऊपर खींच दीं, लकड़ी पर थपथपाया, और हम घोड़े की पूरी रफ्तार से चल पड़े।"

"एक घोड़ा?" होम्स ने बीच में टोकते हुए कहा।

"हां, केवल एक।"

"क्या आपने रंग पर ध्यान दिया?"

"हां, जब मैं गाड़ी में चढ़ रहा था तो साइड लाइटों की रोशनी में मैंने उसे देखा। वह एक शाहबलूत का फल था।"

"थके हुए लग रहे हो या तरोताजा?"

"वाह, कितना ताज़ा और चमकदार!"

"धन्यवाद। मुझे खेद है कि मैंने आपको बाधित किया। कृपया अपना अत्यंत रोचक भाषण जारी रखें।"

फिर हम चल पड़े और कम से कम एक घंटे तक गाड़ी चलाते रहे। कर्नल लाइसेंडर स्टार्क ने कहा था कि यह केवल सात मील है, लेकिन जिस गति से हम जा रहे थे और जितना समय लगा, उससे मुझे लगता है कि यह बारह मील के करीब रहा होगा। वह पूरे समय चुपचाप मेरे बगल में बैठे रहे, और जब भी मैंने उनकी ओर देखा, मुझे एहसास हुआ कि वह मुझे बड़ी एकाग्रता से देख रहे थे। उस इलाके की सड़कें शायद अच्छी नहीं हैं, क्योंकि गाड़ी बुरी तरह से हिचकोले खा रही थी। मैंने खिड़कियों से बाहर देखने की कोशिश की कि हम कहां हैं, लेकिन वे धुंधले शीशे की बनी थीं, और मुझे गुजरती हुई रोशनी की कभी-कभार दिखने वाली हल्की सी चमक के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दिया। बीच-बीच में मैंने यात्रा की नीरसता को तोड़ने के लिए कुछ कहने की हिम्मत की, लेकिन कर्नल ने केवल एक-एक शब्द में जवाब दिया, और बातचीत जल्द ही धीमी पड़ गई। आखिरकार, सड़क के हिचकोले खत्म हुए और बजरी वाली सड़क की चिकनी सतह पर गाड़ी रुक गई। कर्नल लाइसेंडर स्टार्क उछलकर बाहर निकला, और जैसे ही मैं उसके पीछे गया, उसने मुझे तेज़ी से खींचकर सामने खुले बरामदे में ले गया। हम मानो गाड़ी से सीधे हॉल में आ गए, और मुझे घर के सामने का एक पल भी देखने का मौका नहीं मिला। जैसे ही मैंने दहलीज पार की, दरवाज़ा हमारे पीछे ज़ोर से बंद हो गया, और गाड़ी के चलते हुए पहियों की हल्की सी खड़खड़ाहट सुनाई दी।

घर के अंदर घना अंधेरा था, और कर्नल माचिस ढूंढते हुए इधर-उधर हाथ-पैर मार रहे थे और कुछ बुदबुदा रहे थे। अचानक गलियारे के दूसरे छोर पर एक दरवाजा

खुला, और एक लंबी, सुनहरी रोशनी हमारी तरफ आई। वह फैलती गई, और एक महिला हाथ में दीपक लिए हुए दिखाई दी, जिसे उसने अपने सिर के ऊपर उठाया हुआ था, अपना चेहरा आगे करके हमें घूर रही थी। मैं देख सकता था कि वह सुंदर थी, और उसकी गहरे रंग की पोशाक पर रोशनी की चमक से मुझे पता चल गया कि वह कीमती कपड़े की थी। उसने किसी विदेशी भाषा में कुछ शब्द कहे, मानो कोई सवाल पूछ रही हो, और जब मेरे साथी ने कर्कश स्वर में एक शब्द में जवाब दिया, तो वह इतनी चौंक गई कि दीपक लगभग उसके हाथ से गिर ही गया। कर्नल स्टार्क उसके पास गए, उसके कान में कुछ फुसफुसाया, और फिर उसे वापस उसी कमरे में धकेल दिया जहाँ से वह आई थी, और फिर हाथ में दीपक लिए मेरी तरफ चलने लगे।

"'शायद आप कुछ मिनटों के लिए इस कमरे में प्रतीक्षा करने की कृपा करेंगे,' उसने एक और दरवाजा खोलते हुए कहा। यह एक शांत, छोटा, सादे ढंग से सजा हुआ कमरा था, जिसके बीच में एक गोल मेज थी, जिस पर कई जर्मन पुस्तकें बिखरी हुई थीं। कर्नल स्टार्क ने दरवाजे के बगल में रखे हारमोनियम के ऊपर दीपक रख दिया। 'मैं आपको एक पल भी इंतजार नहीं कराऊंगा,' उसने कहा और अंधेरे में गायब हो गया।

मैंने मेज पर रखी किताबों पर एक नज़र डाली, और जर्मन भाषा के ज्ञान की कमी के बावजूद मैं समझ गया कि उनमें से दो विज्ञान पर ग्रंथ थे, और बाकी कविता संग्रह थे। फिर मैं खिड़की के पास गया, इस उम्मीद में कि शायद मुझे ग्रामीण इलाके की एक झलक मिल जाए, लेकिन उस पर एक भारी जालीदार ओक का शटर लगा हुआ था। घर एकदम शांत था। गलियारे में कहीं एक पुरानी घड़ी ज़ोर से टिक-टिक कर रही थी, लेकिन इसके अलावा सब कुछ एकदम स्थिर था। एक अस्पष्ट बेचैनी मुझ पर हावी होने लगी। ये जर्मन लोग कौन थे, और वे इस अजीब, सुनसान जगह पर क्या कर रहे थे? और यह जगह कहाँ थी? मैं आइफोर्ड से लगभग दस मील दूर था, बस इतना ही मुझे पता था, लेकिन उत्तर, दक्षिण, पूर्व या पश्चिम, मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं था। वैसे, रीडिंग, और शायद अन्य बड़े शहर भी, इसी दायरे में थे, इसलिए यह जगह शायद इतनी सुनसान भी न हो। फिर भी, पूर्ण सन्नाटे से यह बिल्कुल स्पष्ट था कि हम ग्रामीण इलाके में थे। मैं कमरे में इधर-उधर टहलते हुए गुनगुना रहा था। अपना मनोबल बनाए रखने और यह महसूस करने के लिए कि मैं अपनी पचास गिनी की फीस पूरी तरह से वसूल कर रहा हूँ, मैं गुनगुनाता रहता था।

अचानक, घोर सन्नाटे के बीच बिना किसी पूर्व सूचना के, मेरे कमरे का दरवाज़ा धीरे से खुल गया। वह महिला दरवाजे पर खड़ी थी, उसके पीछे हॉल का अंधेरा था, और मेरे लैंप की पीली रोशनी उसके उत्सुक और सुंदर चेहरे पर पड़ रही थी। एक नज़र में ही मैं समझ गया कि वह भय से व्याकुल थी, और यह दृश्य देखकर मेरा दिल भी कांप उठा। उसने कांपती हुई एक उंगली उठाकर मुझे चुप रहने की चेतावनी दी, और टूटी-फूटी अंग्रेज़ी में कुछ फुसफुसाते हुए शब्द मुझसे कहे, उसकी आँखें डरे हुए घोड़े की तरह पीछे के अंधेरे में टकटकी लगाए देख रही थीं।

"'मैं चली जाऊंगी,' उसने शांत रहने की पूरी कोशिश करते हुए कहा, जैसा कि मुझे लगा; 'मैं चली जाऊंगी। मुझे यहाँ नहीं रुकना चाहिए। यहाँ तुम्हारा कोई भला नहीं होगा।'"

"'लेकिन, महोदया,' मैंने कहा, 'मैंने अभी तक वह काम नहीं किया है जिसके लिए मैं आया था। जब तक मैं मशीन नहीं देख लेता, मैं जा नहीं सकता।'"

"'इंतजार करने का कोई फायदा नहीं,' वह आगे बोली। 'तुम दरवाजे से अंदर जा सकते हो; कोई तुम्हें रोक नहीं रहा है।' और फिर, जब उसने देखा कि मैं मुस्कुरा रहा हूँ और सिर हिला रहा हूँ, तो उसने अचानक अपनी झिझक को दूर कर दिया और हाथ

आपस में रगड़ते हुए एक कदम आगे बढ़ा। 'भगवान के लिए!' वह फुसफुसाई, 'यहाँ से जल्दी निकल जाओ, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए!'"

"लेकिन मैं स्वभाव से कुछ ज़िद्दी हूँ, और रास्ते में कोई बाधा आने पर किसी भी काम में उलझने के लिए और भी तैयार हो जाती हूँ। मैंने अपनी पचास गिनी की फीस, अपनी थका देने वाली यात्रा और सामने आने वाली अप्रिय रात के बारे में सोचा। क्या यह सब व्यर्थ ही चला जाएगा? मैं अपना काम पूरा किए बिना और अपना हक का भुगतान लिए बिना क्यों चली जाऊँ? हो सकता है यह औरत सनकी हो। इसलिए, हालांकि उसके व्यवहार ने मुझे जितना मैं स्वीकार करना चाहती थी उससे कहीं अधिक झकझोर दिया था, मैंने दृढ़ निश्चय के साथ अपना सिर हिलाया और वहीं रहने का इरादा ज़ाहिर किया। वह अपनी विनती दोहराने ही वाली थी कि ऊपर एक दरवाज़ा ज़ोर से बंद हो गया और सीढ़ियों पर कई कदमों की आहट सुनाई दी। उसने एक पल के लिए सुना, निराशा भरे भाव से हाथ ऊपर उठाए और जितनी अचानक और चुपचाप आई थी, उतनी ही अचानक और चुपचाप गायब हो गई।"

"नए आने वालों में कर्नल लिसेंडर स्टार्क और एक छोटा, मोटा आदमी था जिसकी ठुड्डी की सिलवटों से चिनचिला जैसी दाढ़ी उग रही थी, जिसका मुझसे परिचय मिस्टर फर्ग्यूसन के रूप में कराया गया।"

"'ये मेरी सचिव और प्रबंधक हैं,' कर्नल ने कहा। 'वैसे, मुझे लगा था कि मैंने अभी-अभी ये दरवाज़ा बंद छोड़ दिया था। मुझे डर है कि आपको ठंडी हवा का झोंका महसूस हुआ होगा।'"

"'इसके विपरीत,' मैंने कहा, 'मैंने खुद दरवाजा खोला क्योंकि मुझे कमरा थोड़ा तंग लगा।'"

"उसने मुझे संदेह भरी नजरों से देखा। 'शायद हमें अब काम शुरू कर देना चाहिए,' उसने कहा। 'श्री फर्ग्यूसन और मैं आपको मशीन दिखाने ले चलेंगे।'"

"'मुझे लगता है कि मुझे अपनी टोपी पहन लेनी चाहिए।'"

"'अरे नहीं, यह तो घर में ही है।'"

"'क्या, तुम घर में फुलर अर्थ खोदते हो?'"

"'नहीं, नहीं। हम इसे केवल यहीं संपीड़ित करते हैं। लेकिन कोई बात नहीं। हम आपसे बस इतना चाहते हैं कि आप मशीन की जांच करें और हमें बताएं कि इसमें क्या खराबी है।'

हम साथ-साथ ऊपर गए, कर्नल पहले लैंप लेकर गए, उनके पीछे मोटा मैनेजर और मैं। वह एक भूलभुलैया जैसा पुराना घर था, जिसमें गलियारे, रास्ते, संकरी घुमावदार सीढ़ियाँ और छोटे-छोटे दरवाज़े थे, जिनकी चौखटें पीढ़ियों के आने-जाने से घिस चुकी थीं। ऊपर की मंजिल पर न तो कालीन थे और न ही फर्नीचर का कोई नामोनिशान, जबकि दीवारों से प्लास्टर उखड़ रहा था और नमी हरे, अस्वस्थ धब्बों के रूप में अंदर आ रही थी। मैंने यथासंभव बेपरवाह दिखने की कोशिश की, लेकिन उस महिला की चेतावनियों को मैं भूला नहीं था, भले ही मैंने उन्हें अनसुना कर दिया था, और मैंने अपने दोनों साथियों पर पैनी नज़र रखी। फर्ग्यूसन एक उदास और चुप रहने वाला आदमी लग रहा था, लेकिन उसने जो थोड़ी-बहुत बातें कहीं, उनसे मैं समझ गया कि वह कम से कम एक हमवतन तो था।

"आखिरकार कर्नल लिसेंडर स्टार्क एक छोटे से दरवाजे के सामने रुके, जिसे उन्होंने खोला। अंदर एक छोटा सा चौकोर कमरा था, जिसमें हम तीनों एक साथ मुश्किल से ही जा सकते थे। फर्ग्यूसन बाहर ही रहे, और कर्नल ने मुझे अंदर जाने का इशारा किया।"

"उन्होंने कहा, 'हम वास्तव में हाइड्रोलिक प्रेस के अंदर हैं, और अगर कोई इसे चालू कर दे तो हमारे लिए यह बहुत ही अप्रिय स्थिति होगी। इस छोटे से कक्ष की छत वास्तव में नीचे आने वाले पिस्टन का अंतिम सिरा है, और यह कई टन के बल से इस धातु के फर्श पर गिरता है। बाहर पानी के छोटे-छोटे पार्श्व स्तंभ हैं जो बल को ग्रहण करते हैं, और उसे उसी तरह संचारित और कई गुना बढ़ाते हैं जैसा कि आप जानते हैं। मशीन सुचारू रूप से चल रही है, लेकिन इसके काम करने में थोड़ी जकड़न है, और इसकी थोड़ी शक्ति कम हो गई है। शायद आप कृपा करके इसे देख लें और हमें बता दें कि हम इसे कैसे ठीक कर सकते हैं।'"

मैंने उससे लैंप लिया और मशीन का अच्छी तरह से निरीक्षण किया। यह सचमुच एक विशाल मशीन थी और बहुत अधिक दबाव डालने में सक्षम थी। हालाँकि, जब मैं बाहर गया और इसे नियंत्रित करने वाले लीवरों को दबाया, तो सीटी जैसी आवाज़ से मुझे तुरंत पता चल गया कि इसमें थोड़ा सा रिसाव था, जिससे एक तरफ के सिलेंडर से पानी बाहर निकल रहा था। जाँच करने पर पता चला कि एक ड्राइविंग रॉड के सिरे पर लगी रबर की पट्टियों में से एक सिकुड़ गई थी और जिस सॉकेट में वह काम करती थी, उसे पूरी तरह से नहीं भर पा रही थी। यही स्पष्ट रूप से बिजली की कमी का कारण था, और मैंने इसे अपने साथियों को बताया, जिन्होंने मेरी बातों को बहुत ध्यान से सुना और इसे ठीक करने के लिए कई व्यावहारिक प्रश्न पूछे। जब मैंने उन्हें सब कुछ स्पष्ट कर दिया, तो मैं मशीन के मुख्य कक्ष में लौट आया और अपनी जिज्ञासा शांत करने के लिए उसका अच्छी तरह से निरीक्षण किया। एक नज़र में ही यह स्पष्ट हो गया कि फुलर अर्थ की कहानी सरासर मनगढ़ंत थी, क्योंकि यह मानना बेतुका होगा कि इतने शक्तिशाली इंजन को इतने अपर्याप्त उपकरण के लिए डिज़ाइन किया जा सकता है। उद्देश्य। दीवारें लकड़ी की थीं, लेकिन फर्श लोहे की एक बड़ी नाली का बना था, और जब मैंने उसकी जांच की तो मैंने देखा कि उस पर धातु की एक मोटी परत जमी हुई थी। मैं झुककर उसे खुरच रहा था ताकि पता चल सके कि वह क्या है, तभी मैंने जर्मन में एक धीमी सी चीख सुनी और कर्नल का कंकाल जैसा चेहरा मेरी ओर नीचे देख रहा था।

"'तुम वहां क्या कर रहे हो?' उसने पूछा।"

"मुझे इस बात पर गुस्सा आया कि उसने मुझे इतनी जटिल कहानी सुनाकर धोखा दिया था। मैंने कहा, 'मैं आपकी फुलर अर्थ की प्रशंसा कर रहा था; मुझे लगता है कि अगर मुझे पता होता कि इसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता है, तो मैं आपको आपकी मशीन के बारे में बेहतर सलाह दे पाता।'"

"जैसे ही मैंने वे शब्द कहे, मुझे अपनी जल्दबाजी पर पछतावा हुआ। उसका चेहरा सख्त हो गया और उसकी धूसर आँखों में एक अशुभ चमक दिखाई दी।"

"'बहुत खूब,' उसने कहा, 'तुम्हें मशीन के बारे में सब पता चल जाएगा।' वह एक कदम पीछे हटा, छोटा सा दरवाज़ा जोर से बंद किया और ताले में चाबी घुमाई। मैं उसकी ओर दौड़ा और हैंडल खींचने लगा, लेकिन वह बिल्कुल सुरक्षित था और मेरे लातों और धक्कों से जरा भी नहीं हिला। 'हेलो!' मैंने चिल्लाया। 'हेलो! कर्नल! मुझे बाहर निकालो!'"

"और फिर अचानक सन्नाटे में मुझे एक ऐसी आवाज़ सुनाई दी जिससे मेरा दिल मुँह में आ गया। यह लीवरों की खड़खड़ाहट और सिलेंडर से रिसने की सुरसुराहट थी। उसने इंजन चालू कर दिया था। लैंप अभी भी फर्श पर वहीं पड़ा था जहाँ मैंने नाली की जाँच करते समय उसे रखा था। उसकी रोशनी में मैंने देखा कि काली छत धीरे-धीरे, झटके से, लेकिन, जैसा कि मुझसे बेहतर कोई नहीं जानता था, इतनी ताकत से मुझ पर गिर रही थी कि एक मिनट के भीतर ही मैं बेजान लुगदी बन जाऊँगी। मैं चीखते हुए दरवाजे से जा भिड़ी और अपने नाखूनों से ताले को खींचने लगी। मैंने कर्नल से मुझे

बाहर निकालने की विनती की, लेकिन लीवरों की निर्दयी खड़खड़ाहट ने मेरी चीखों को दबा दिया। छत मेरे सिर से बस एक या दो फुट ऊपर थी, और हाथ ऊपर उठाकर मैं उसकी कठोर, खुरदरी सतह को महसूस कर सकती थी। तभी मेरे मन में यह बात कौंधी कि मेरी मृत्यु का दर्द बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि मैं किस स्थिति में उससे मिलती हूँ। अगर मैं अपने चेहरे के बल लेटती हूँ तो वजन मेरी रीढ़ की हड्डी पर पड़ेगा, और उस भयानक टूटने की आवाज़ सोचकर ही मैं काँप उठी। शायद दूसरी तरफ; और फिर भी, क्या मुझमें इतनी हिम्मत थी कि मैं लेटकर उस जानलेवा काली परछाई को देख सकूँ जो मुझ पर मंडरा रही थी? मैं पहले से ही सीधा खड़ा होने में असमर्थ था, तभी मेरी नज़र किसी ऐसी चीज़ पर पड़ी जिसने मेरे दिल में आशा की एक लहर फिर से जगा दी।

मैंने कहा था कि फर्श और छत लोहे के थे, लेकिन दीवारें लकड़ी की थीं। जब मैंने आखिरी बार जल्दी से चारों ओर देखा, तो मुझे दो तख्तों के बीच पीली रोशनी की एक पतली सी रेखा दिखाई दी, जो एक छोटे से पैनल के पीछे धकेले जाने पर चौड़ी होती चली गई। एक पल के लिए मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि सच में यहाँ एक ऐसा दरवाज़ा है जो मौत से दूर ले जाता है। अगले ही पल मैंने खुद को उसमें से फेंक दिया और दूसरी तरफ अधमरा पड़ा हुआ था। पैनल मेरे पीछे फिर से बंद हो गया था, लेकिन लैंप के गिरने की आवाज और कुछ क्षण बाद धातु के दो तख्तों के टकराने की आवाज ने मुझे बताया कि मैं बाल-बाल कैसे बचा था।

"मेरी कलाई को ज़ोर से खींचने की आवाज़ से मुझे होश आया और मैंने खुद को एक संकरे गलियारे के पत्थर के फर्श पर पड़ा पाया, जबकि एक महिला मेरे ऊपर झुकी हुई थी और अपने बाएं हाथ से मुझे खींच रही थी, और दाहिने हाथ में मोमबत्ती पकड़े हुए थी। यह वही अच्छी दोस्त थी जिसकी चेतावनी को मैंने इतनी मूर्खता से अनसुना कर दिया था।"

"'आओ! आओ!' वह हांफते हुए चिल्लाई। 'वे पल भर में यहाँ आ जाएँगे। वे देखेंगे कि तुम वहाँ नहीं हो। ओह, इतना कीमती समय बर्बाद मत करो, बल्कि आओ!'

"इस बार, कम से कम, मैंने उसकी सलाह को नज़रअंदाज़ नहीं किया। मैं लड़खड़ाते हुए उठी और उसके साथ गलियारे से होते हुए घुमावदार सीढ़ियों से नीचे भागी। सीढ़ियाँ एक और चौड़े गलियारे की ओर जाती थीं, और जैसे ही हम वहाँ पहुँचे, हमें दौड़ते कदमों की आवाज़ और दो आवाज़ों के चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी, एक आवाज़ दूसरी आवाज़ को जवाब दे रही थी, एक उस तल से जहाँ हम थे और दूसरी नीचे वाले तल से। मेरी मार्गदर्शक रुक गई और चारों ओर ऐसे देखने लगी जैसे वह पूरी तरह से हताश हो गई हो। फिर उसने एक दरवाज़ा खोला जो एक शयनकक्ष में खुलता था, जिसकी खिड़की से चाँद की रोशनी तेज़ी से चमक रही थी।

"'यह तुम्हारा एकमात्र मौका है,' उसने कहा। 'यह बहुत ऊंचा है, लेकिन हो सकता है कि तुम इसे कूदकर पार कर सको।'"

जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, गलियारे के दूसरे छोर पर एक रोशनी दिखाई दी, और मैंने कर्नल लाइसेंडर स्टार्क की दुबली-पतली आकृति को एक हाथ में लालटेन और दूसरे हाथ में कसाई के छुरी जैसे हथियार के साथ तेजी से आगे बढ़ते देखा। मैं दौड़कर बेडरूम में गया, खिड़की खोली और बाहर देखा। चांदनी में बगीचा कितना शांत, सुंदर और सेहतमंद लग रहा था, और वह तीस फीट से ज़्यादा दूर नहीं हो सकता था। मैं खिड़की की चौखट पर चढ़ गया, लेकिन कूदने से पहले मैंने तब तक हिचकिचाया जब तक कि मुझे यह पता न चल जाए कि मेरे रक्षक और मेरा पीछा करने वाले बदमाश के बीच क्या बात हुई। अगर उसके साथ बुरा बर्ताव हुआ था, तो मैं हर हाल में उसकी मदद के लिए वापस जाने को दृढ़ था। यह विचार मेरे मन में आया ही था

कि वह दरवाजे पर था, उसे धक्का देते हुए अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था; लेकिन उसने उसे बाहों में भर लिया और उसे रोकने की कोशिश की।

"'फ़्रिट्ज़! फ़्रिट्ज़!' वह अंग्रेज़ी में चिल्लाई, 'पिछली बार के बाद किए गए अपने वादे को याद रखो। तुमने कहा था कि ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। वह चुप रहेगा! ओह, वह चुप रहेगा!'"

"'एलिस, तुम पागल हो!' वह चिल्लाया, उससे खुद को छुड़ाने की कोशिश करते हुए। 'तुम हमारा विनाश करोगी। उसने बहुत कुछ देख लिया है। मुझे जाने दो, मैं कहता हूँ!' उसने उसे एक तरफ धकेल दिया और खिड़की की ओर दौड़ते हुए अपने भारी हथियार से मुझ पर वार किया। मैंने खुद को छोड़ दिया था और खिड़की की चौखट पर हाथों के सहारे लटकी हुई थी, तभी उसका वार पड़ा। मुझे हल्का दर्द महसूस हुआ, मेरी पकड़ ढीली पड़ गई और मैं नीचे बगीचे में गिर गई।"

गिरने से मुझे झटका तो लगा, लेकिन चोट नहीं आई; इसलिए मैं उठा और झाड़ियों के बीच जितनी तेज़ी से दौड़ सकता था, भागा, क्योंकि मैं समझ गया था कि खतरा अभी टला नहीं है। लेकिन दौड़ते-दौड़ते अचानक मुझे चक्कर आने लगे और तबीयत खराब हो गई। मैंने नीचे अपने हाथ पर नज़र डाली, जो दर्द से फड़क रहा था, और तब पहली बार देखा कि मेरा अंगूठा कट गया था और घाव से खून बह रहा था। मैंने अपने रुमाल से उसे बांधने की कोशिश की, लेकिन अचानक मेरे कानों में भनभनाहट हुई, और अगले ही पल मैं गुलाब की झाड़ियों के बीच बेहोश होकर गिर पड़ा।

मैं कितनी देर तक बेहोश रहा, यह मैं बता नहीं सकता। बहुत लंबा समय रहा होगा, क्योंकि चाँद डूब चुका था और जब मुझे होश आया तब तक उजाला हो चुका था। मेरे कपड़े ओस से भीगे हुए थे और मेरे कोट की आस्तीन मेरे घायल अंगूठे से निकले खून से लथपथ थी। उस दर्द ने मुझे पल भर में रात के सारे हादसे याद दिला दिए और मैं इस आशंका से उछल पड़ा कि शायद मैं अभी भी अपने पीछा करने वालों से सुरक्षित नहीं हूं। लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ जब मैंने चारों ओर देखा तो न तो कोई घर था और न ही कोई बगीचा। मैं मुख्य सड़क के पास झाड़ियों के एक कोने में लेटा हुआ था और उससे थोड़ा नीचे एक लंबी इमारत थी, जिसके पास पहुँचने पर पता चला कि वह वही स्टेशन था जहाँ मैं पिछली रात पहुँचा था। अगर मेरे हाथ पर वह भयंकर घाव न होता, तो उन भयानक घंटों में जो कुछ भी हुआ था वह एक बुरा सपना ही होता।

मैं अधमरा सा स्टेशन में गया और सुबह की ट्रेन के बारे में पूछा। एक घंटे से भी कम समय में रीडिंग के लिए एक ट्रेन थी। मैंने देखा कि वही कुली ड्यूटी पर था, जो मेरे आने पर वहाँ था। मैंने उससे पूछा कि क्या उसने कभी कर्नल लाइसेंडर स्टार्क के बारे में सुना है। यह नाम उसके लिए अनजान था। क्या उसने पिछली रात मेरे लिए इंतज़ार कर रही कोई गाड़ी देखी थी? नहीं, उसने नहीं देखी थी। क्या आस-पास कहीं कोई पुलिस स्टेशन है? एक पुलिस स्टेशन लगभग तीन मील दूर था।

"मैं बहुत कमजोर और बीमार थी, इसलिए इतनी दूर जाना मेरे लिए मुमकिन नहीं था। मैंने तय किया कि मैं वापस शहर पहुँचने तक पुलिस को अपनी कहानी नहीं बताऊँगी। जब मैं पहुँची तो छह बज चुके थे, इसलिए पहले मैंने अपने घाव पर पट्टी करवाई, और फिर डॉक्टर ने मुझे यहाँ लाने की कृपा की। मैं यह मामला आपके हवाले करती हूँ और आप जो भी सलाह देंगे, मैं ठीक वही करूँगी।"

इस असाधारण वृत्तांत को सुनने के बाद हम दोनों कुछ देर तक चुपचाप बैठे रहे। फिर शर्लक होम्स ने शेल्फ से उन भारी-भरकम सामान्य ज्ञान की किताबों में से एक को नीचे उतारा, जिनमें वह अपनी कटी हुई खबरें रखता था।

"यह एक विज्ञापन है जो आपको रुचिकर लगेगा," उन्होंने कहा। "यह लगभग एक साल पहले सभी अखबारों में छपा था। इसे सुनिए:

“9 तारीख को श्री जेरेमिया हेयलिंग, छब्बीस वर्ष, एक हाइड्रोलिक इंजीनियर, लापता हो गए। वे रात दस बजे अपने आवास से निकले थे और तब से उनका कोई पता नहीं चला है। उन्होंने —”

इत्यादि, इत्यादि। हा! मुझे लगता है कि यही वह आखिरी बार था जब कर्नल को अपनी मशीन की मरम्मत करवानी पड़ी थी।

“हे भगवान!” मेरे मरीज ने हैरानी से कहा। “तो अब समझ में आया कि उस लड़की ने क्या कहा था।”

“निस्संदेह। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि कर्नल एक शांत और हताश व्यक्ति थे, जो अपने छोटे से खेल के रास्ते में किसी भी चीज को आने देने के लिए पूरी तरह दृढ़ थे, ठीक उन शातिर समुद्री लुटेरों की तरह जो पकड़े गए जहाज से किसी को भी जीवित नहीं छोड़ते। खैर, अब हर पल कीमती है, इसलिए यदि आप तैयार हैं तो हम आइफोर्ड के लिए रवाना होने से पहले स्कॉटलैंड यार्ड के लिए तुरंत चलते हैं।”

लगभग तीन घंटे बाद हम सब एक साथ ट्रेन में थे, जो रीडिंग से बर्कशायर के छोटे से गाँव की ओर जा रही थी। ट्रेन में हाइड्रोलिक इंजीनियर शर्लक होम्स, स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर ब्रैडस्ट्रीट, एक सादे कपड़ों वाला पुलिसकर्मी और मैं थे। ब्रैडस्ट्रीट ने काउंटी का एक आयुध मानचित्र सीट पर फैला रखा था और अपने कंपास से आईफोर्ड को केंद्र मानकर एक वृत्त बना रहे थे।

“ये लीजिए,” उसने कहा। “ये वृत्त गाँव से दस मील की त्रिज्या पर खींचा गया है। जिस स्थान की हमें तलाश है, वह उस रेखा के आस-पास ही कहीं होना चाहिए। आपने दस मील कहा था, मुझे लगता है, महोदय।”

"एक घंटे की ड्राइव अच्छी रही।"

"और आपको लगता है कि जब आप बेहोश थे तब वे आपको इतनी दूर से वापस लाए?"

"उन्होंने ऐसा जरूर किया होगा, इसलिए मुझे भी धुंधली सी याद है कि मुझे उठाकर कहीं ले जाया गया था।"

मैंने कहा, “जो बात मेरी समझ से परे है, वह यह है कि जब उन्होंने तुम्हें बगीचे में बेहोश पड़ा पाया, तो उन्होंने तुम्हें क्यों बख्श दिया। शायद उस औरत की मिन्नतों से उस दुष्ट का दिल पिघल गया हो।”

मुझे तो ऐसा होने की संभावना बहुत कम लगती है। मैंने अपने जीवन में इससे अधिक कठोर चेहरा कभी नहीं देखा।

“ओह, हम जल्द ही इस सब का समाधान कर लेंगे,” ब्रैडस्ट्रीट ने कहा। “ठीक है, मैंने अपना दायरा बना लिया है, और काश मुझे पता होता कि इस दायरे के किस बिंदु पर वे लोग मिलेंगे जिनकी हम तलाश कर रहे हैं।”

"मुझे लगता है कि मैं इसका सही कारण बता सकता हूँ," होम्स ने धीमी आवाज़ में कहा।

“सचमुच!” निरीक्षक चिल्लाया, “आपने अपनी राय बना ली है! चलिए, देखते हैं कि कौन आपसे सहमत है। मैं कहता हूँ कि दक्षिण की ओर जाना बेहतर है, क्योंकि वहाँ का इलाका अधिक निर्जन है।”

“और मैं कहता हूँ पूरब की ओर,” मेरे मरीज ने कहा।

सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति ने कहा, "मैं पश्चिम की ओर हूँ। वहाँ कई शांत छोटे गाँव हैं।"

मैंने कहा, "और मैं उत्तर की ओर हूँ, क्योंकि वहाँ कोई पहाड़ियाँ नहीं हैं, और हमारे दोस्त का कहना है कि उसने गाड़ी को ऊपर जाते हुए नहीं देखा।"

“आइए,” निरीक्षक हंसते हुए बोला; “विचारों में कितनी विविधता है! हमने आपस में फैसला कर लिया है। आप अपना निर्णायक वोट किसे देंगे?”

आप सब गलत हैं।

लेकिन हम सब ऐसे नहीं हो सकते।

“हाँ, बिल्कुल। मेरा यही तो मतलब है।” उसने अपनी उंगली वृत्त के केंद्र में रखी। “यहीं पर हमें वे मिलेंगे।”

"लेकिन बारह मील की ड्राइव?" हैथरली ने हांफते हुए कहा।

“छह मील जाना और छह मील वापस आना। इससे आसान कुछ नहीं। आप खुद कहते हैं कि जब आप घोड़े पर बैठे थे तो वह तरोताज़ा और चमकदार था। अगर वह बारह मील तक ऊबड़-खाबड़ सड़कों पर दौड़ा हो तो ऐसा कैसे हो सकता है?”

“सचमुच, यह एक काफी विश्वसनीय चाल है,” ब्रैडस्ट्रीट ने सोच-समझकर टिप्पणी की। “इस गिरोह की प्रकृति के बारे में तो कोई संदेह ही नहीं हो सकता।”

"बिल्कुल नहीं," होम्स ने कहा। "वे बड़े पैमाने पर सिक्के बनाने वाले हैं, और उन्होंने चांदी की जगह लेने वाले मिश्रण को बनाने के लिए मशीन का इस्तेमाल किया है।"

इंस्पेक्टर ने कहा, “हमें काफी समय से पता था कि एक शातिर गिरोह सक्रिय है। वे हजारों की संख्या में हाफक्राउन बना रहे थे। हमने उनका पीछा करते हुए रीडिंग तक भी गए, लेकिन आगे नहीं बढ़ पाए, क्योंकि उन्होंने अपने निशान इस तरह मिटा दिए थे कि पता चलता था कि वे पुराने खिलाड़ी हैं। लेकिन अब, इस सौभाग्यशाली मौके की बदौलत, मुझे लगता है कि हमने उन्हें लगभग पकड़ ही लिया है।”

लेकिन इंस्पेक्टर गलत था, क्योंकि उन अपराधियों का न्याय के हाथों में पड़ना तय नहीं था। जैसे ही हम आइफोर्ड स्टेशन पहुंचे, हमने पड़ोस में पेड़ों के एक छोटे से झुंड के पीछे से धुएं का एक विशाल स्तंभ उठता हुआ देखा, जो एक विशाल शुतुरमुर्ग के पंख की तरह पूरे इलाके में छाया हुआ था।

“क्या किसी घर में आग लगी है?” ब्रैडस्ट्रीट ने पूछा, जैसे ही ट्रेन अपने रास्ते पर फिर से आगे बढ़ने लगी।

“जी सर!” स्टेशन मास्टर ने कहा।

“यह कब शुरू हुआ?”

"मैंने सुना है कि यह घटना रात के समय हुई थी, महोदय, लेकिन स्थिति और बिगड़ गई है, और पूरा इलाका आग की लपटों में घिरा हुआ है।"

"ये किसका घर है?"

“डॉ. बेचर का।”

इंजीनियर ने बीच में टोकते हुए कहा, "मुझे बताइए, क्या डॉ. बेचर एक जर्मन हैं, बहुत पतले, लंबी, नुकीली नाक वाले?"

स्टेशन मास्टर ज़ोर से हंसा। “जी नहीं, महोदय, डॉ. बेचर एक अंग्रेज हैं, और इस इलाके में शायद ही किसी के पास उनसे बेहतर अस्तर वाली जैकेट हो। लेकिन उनके साथ एक सज्जन ठहरे हुए हैं, एक मरीज़, जैसा कि मुझे पता चला है, जो एक विदेशी हैं, और उन्हें देखकर लगता है कि थोड़ा सा बढ़िया बर्कशायर बीफ़ खाने से उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा।”

स्टेशन मास्टर का भाषण अभी समाप्त भी नहीं हुआ था कि हम सब आग की ओर दौड़ पड़े। सड़क एक छोटी पहाड़ी की चोटी पर जाती थी, और हमारे सामने एक विशाल, फैली हुई सफेदी की इमारत थी, जिसकी हर दरार और खिड़की से आग निकल रही थी, जबकि सामने के बगीचे में तीन दमकल गाड़ियां आग पर काबू पाने की व्यर्थ कोशिश कर रही थीं।

“बस यही है!” हैथरली ने बेहद उत्तेजित होकर कहा। “यही है बजरी वाली सड़क, और ये हैं गुलाब की झाड़ियाँ जहाँ मैं लेटा था। वह दूसरी खिड़की ही है जिससे मैंने छलांग लगाई थी।”

“खैर, कम से कम,” होम्स ने कहा, “तुमने उनसे अपना बदला ले लिया है। इसमें कोई शक नहीं कि तुम्हारी तेल की बत्ती ही थी जो प्रेस में कुचलकर लकड़ी की दीवारों में आग लगी, हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं कि तुम्हारा पीछा करने में वे इतने उत्तेजित थे कि उस समय उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया होगा। अब इस भीड़ में पिछली रात के अपने दोस्तों पर नज़र रखना, हालांकि मुझे पूरा डर है कि वे अब तक तुमसे सौ मील दूर निकल चुके होंगे।”

और होम्स का डर सच साबित हुआ, क्योंकि उस दिन से लेकर आज तक न तो उस खूबसूरत महिला का, न ही उस रहस्यमय जर्मन का, और न ही उस उदास अंग्रेज का कोई अता-पता चला। उस सुबह तड़के एक किसान ने कई लोगों और कुछ भारी बक्सों से भरी एक गाड़ी को रीडिंग की ओर तेज़ी से जाते हुए देखा, लेकिन वहाँ भगोड़ों का कोई सुराग नहीं मिला, और होम्स की सूझबूझ भी उनके ठिकाने का कोई सुराग ढूंढने में नाकाम रही।

दमकलकर्मी अंदर मिली विचित्र व्यवस्थाओं को देखकर बेहद परेशान हो गए थे, और दूसरी मंजिल की खिड़की की चौखट पर कटा हुआ मानव अंगूठा देखकर उनकी घबराहट और भी बढ़ गई। सूर्यास्त के समय तक, अंततः उनके प्रयास सफल हो गए और उन्होंने आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक छत गिर चुकी थी और पूरा भवन इस कदर बर्बाद हो चुका था कि कुछ मुड़े हुए सिलेंडरों और लोहे के पाइपों को छोड़कर, उस मशीनरी का कोई निशान नहीं बचा था जिसकी वजह से हमारे इस दुर्भाग्यपूर्ण परिचित की जान चली गई थी। एक बाहरी कमरे में बड़ी मात्रा में निकल और टिन जमा पाया गया, लेकिन कोई सिक्के नहीं मिले, जिससे उन भारी बक्सों की मौजूदगी का कारण स्पष्ट हो सकता था जिनका पहले उल्लेख किया जा चुका है।

हमारे हाइड्रोलिक इंजीनियर को बगीचे से उस स्थान तक कैसे पहुँचाया गया जहाँ उन्हें होश आया, यह रहस्य शायद हमेशा के लिए बना रहता, अगर मिट्टी के नरम अवशेषों ने हमें एक स्पष्ट कहानी न बताई होती। ज़ाहिर है, उन्हें दो लोगों ने नीचे उतारा था, जिनमें से एक के पैर असाधारण रूप से छोटे थे और दूसरे के असामान्य रूप से बड़े। कुल मिलाकर, यह सबसे अधिक संभावना थी कि शांत अंग्रेज, अपने साथी की तुलना में कम साहसी या कम हिंसक होने के कारण, उस महिला को बेहोश आदमी को खतरे से दूर ले जाने में मदद कर रहा था।

“खैर,” हमारे इंजीनियर ने अफसोस जताते हुए कहा, जब हम एक बार फिर लंदन लौटने के लिए अपनी सीटों पर बैठ गए, “मेरे लिए तो यह काफी बड़ा सौदा रहा! मैंने अपना अंगूठा खो दिया और पचास गिनी की फीस भी गंवा दी, और बदले में मुझे क्या मिला?”

होम्स हंसते हुए बोले, "अनुभव। अप्रत्यक्ष रूप से इसका कुछ मूल्य हो सकता है, आप जानते हैं; आपको बस इसे शब्दों में व्यक्त करना होता है और जीवन भर के लिए आप एक बेहतरीन साथी के रूप में ख्याति प्राप्त कर लेते हैं।"

कुलीन कुंवारे का रोमांच

लॉर्ड सेंट साइमन की शादी और उसके रहस्यमय अंत ने उन संभ्रांत वर्गों में लंबे समय से दिलचस्पी खो दी है, जिनमें दुर्भाग्यपूर्ण दूल्हा विचरण करता था। नए घोटालों ने इसे धूमिल कर दिया है, और उनके अधिक रोचक विवरणों ने गपशप करने वालों का ध्यान इस चार साल पुराने नाटक से हटा दिया है। हालाँकि, मेरा मानना है कि इस

मामले के पूरे तथ्य कभी भी आम जनता के सामने उजागर नहीं हुए हैं, और मेरे मित्र शर्लक होम्स ने इस मामले को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, इसलिए मुझे लगता है कि उनके संस्मरण इस उल्लेखनीय घटना के संक्षिप्त विवरण के बिना अधूरा होगा।

मेरी शादी से कुछ हफ्ते पहले की बात है, जब मैं बेकर स्ट्रीट में होम्स के साथ कमरे शेयर कर रहा था। दोपहर की सैर से लौटने पर उन्होंने मेज पर एक चिट्ठी रखी देखी। मैं दिन भर घर के अंदर ही रहा, क्योंकि अचानक बारिश शुरू हो गई थी, साथ ही तेज़ पतझड़ की हवाएँ भी चल रही थीं, और अफ़गानिस्तान अभियान के दौरान मेरे शरीर में लगी जेज़ाइल की गोली का दर्द लगातार बना हुआ था। एक आरामकुर्सी पर शरीर टिकाकर और पैर दूसरी पर रखकर, मैंने अपने चारों ओर अखबारों का ढेर लगा लिया था। आखिरकार, दिन भर की खबरों से ऊबकर, मैंने उन सबको एक तरफ फेंक दिया और सुस्ती से लेट गया, मेज पर रखे लिफाफे पर बने बड़े से प्रतीक चिन्ह और मोनोग्राम को देखता रहा और आलस से सोचता रहा कि मेरे दोस्त का यह पत्र किस महान व्यक्ति ने लिखा होगा।

“ये तो बहुत ही फैशनेबल चिट्ठी है,” मैंने उसके अंदर आते ही कहा। “अगर मुझे सही याद है, तो आपकी सुबह की चिट्ठियाँ एक मछली बेचने वाले और एक ज्वार-भाटे की प्रतीक्षा करने वाले की तरफ से थीं।”

“जी हां, मेरे पत्रों में विविधता का आकर्षण तो है ही,” उन्होंने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया, “और जो पत्र सरल होते हैं, वे अक्सर अधिक रोचक होते हैं। यह तो उन अप्रिय सामाजिक निमंत्रणों में से एक लगता है जो किसी व्यक्ति को या तो ऊबने या झूठ बोलने के लिए मजबूर करते हैं।”

उसने सील तोड़ी और अंदर रखी सामग्री पर एक नजर डाली।

"अरे, चलो, शायद यह वाकई दिलचस्प साबित हो।"

तो फिर, आप सामाजिक नहीं हैं?

"नहीं, बिलकुल पेशेवर।"

"और एक प्रतिष्ठित ग्राहक से?"

"इंग्लैंड में सबसे ऊंचे स्थानों में से एक।"

“मेरे प्रिय मित्र, मैं आपको बधाई देता हूँ।”

“वाटसन, मैं आपको बिना किसी बनावट के आश्वस्त करता हूँ कि मेरे मुवक्किल की प्रतिष्ठा मेरे लिए उनके मामले के हित से कम महत्वपूर्ण है। हालाँकि, यह संभव है कि इस नई जाँच में भी हित की कमी न हो। आप आजकल अखबारों को ध्यानपूर्वक पढ़ रहे हैं, है ना?”

“लगता तो यही है,” मैंने उदास स्वर में कोने में पड़े एक बड़े से बंडल की ओर इशारा करते हुए कहा। “मेरे पास करने के लिए और कुछ नहीं था।”

“यह सौभाग्य की बात है, क्योंकि शायद आप मुझे यहाँ तैनात कर सकेंगे। मैं आपराधिक समाचारों और शोक संदेशों के अलावा कुछ नहीं पढ़ता। शोक संदेश हमेशा ज्ञानवर्धक होते हैं। लेकिन अगर आपने हाल की घटनाओं पर इतनी बारीकी से नज़र रखी है, तो आपने लॉर्ड सेंट साइमन और उनकी शादी के बारे में तो पढ़ा ही होगा।”

"जी हां, मुझे इसमें बहुत रुचि है।"

“यह ठीक है। जो पत्र मेरे हाथ में है, वह लॉर्ड सेंट साइमन का है। मैं इसे आपको पढ़कर सुनाऊंगा, और बदले में आपको ये कागज़ात मुझे सौंपने होंगे और इस मामले से संबंधित जो भी जानकारी हो, वह मुझे देनी होगी। उन्होंने यह लिखा है:

मेरे प्रिय श्री शर्लक होम्स:

“लॉर्ड बैकवाटर ने मुझे बताया है कि मैं आपके विवेक और निर्णय पर पूर्ण भरोसा कर सकता हूँ। इसलिए, मैंने अपनी शादी से संबंधित इस अत्यंत दुखद घटनी के संबंध में आपसे मिलने और परामर्श करने का निर्णय लिया है। स्कॉटलैंड यार्ड के श्री लेस्ट्रेड पहले से ही इस मामले में काम कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि उन्हें आपके सहयोग में कोई आपत्ति नहीं है, और उनका मानना है कि इससे कुछ सहायता भी मिल सकती है। मैं दोपहर चार बजे आऊँगा, और यदि उस समय आपका कोई अन्य कार्यक्रम हो, तो कृपया उसे स्थगित कर दें, क्योंकि यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है।”

"आपका विश्वासी,

“सेंट साइमन।”

"यह ग्रोसवेनर मेंशन से लिखा गया है, पंख वाले पेन से लिखा गया है, और उस माननीय स्वामी के दाहिने हाथ की छोटी उंगली के बाहरी हिस्से पर स्याही का धब्बा लगने का दुर्भाग्य रहा है," होम्स ने पत्र को मोड़ते हुए टिप्पणी की।

“उसने कहा था कि चार बजे होंगे। अभी तीन बज रहे हैं। वह एक घंटे में यहाँ आ जाएगा।”

“तो मेरे पास आपके सहयोग से इस विषय को समझने के लिए पर्याप्त समय है। आप उन कागज़ों को पलटकर उनके अंशों को समय के क्रम में व्यवस्थित कर दीजिए, इस बीच मैं देख लेता हूँ कि हमारा मुवक्किल कौन है।” उन्होंने शेल्फ के पास रखी संदर्भ पुस्तकों की कतार में से एक लाल कवर वाली किताब उठाई। “ये रहे,” उन्होंने बैठते हुए और उसे अपने घुटने पर फैलाते हुए कहा। “लॉर्ड रॉबर्ट वाल्सिंघम डी वेरे सेंट साइमन, ड्यूक ऑफ बालमोरल के द्वितीय पुत्र। हम्म! प्रतीक चिन्ह: नीला, बीच में तीन कांटेदार धारियाँ और नीचे काली पट्टी। जन्म 1846। उनकी आयु इकतालीस वर्ष है, जो विवाह के लिए परिपक्व आयु है। वे पिछली सरकार में उपनिवेशों के अवर सचिव थे। उनके पिता, ड्यूक, एक समय विदेश मामलों के सचिव थे। वे सीधे वंश से प्लांटाजेनेट वंश के हैं, और स्त्री पक्ष से ट्यूडर वंश के। हा! खैर, इसमें कुछ खास जानकारी नहीं है। मुझे लगता है कि मुझे कुछ ठोस जानकारी के लिए वॉटसन से संपर्क करना चाहिए।”

मैंने कहा, “मुझे जो चाहिए उसे ढूंढने में मुझे बहुत कम कठिनाई होती है, क्योंकि तथ्य बिल्कुल हाल के हैं और यह मामला मुझे उल्लेखनीय लगा। हालांकि, मैं आपको इसके बारे में बताने से डर रहा था, क्योंकि मुझे पता था कि आप एक जांच में लगे हुए हैं और आप अन्य मामलों के हस्तक्षेप को नापसंद करते हैं।”

"ओह, आपका मतलब ग्रोसवेनर स्क्वायर फर्नीचर वैन की छोटी सी समस्या से है। वह अब पूरी तरह से सुलझ गई है - हालांकि, वास्तव में, यह शुरू से ही स्पष्ट थी। कृपया मुझे अपने समाचार पत्रों के चयन के परिणाम बताएं।"

“यह पहली सूचना है जो मुझे मिली है। यह मॉर्निंग पोस्ट के व्यक्तिगत कॉलम में है, और जैसा कि आप देख सकते हैं, यह कुछ सप्ताह पहले की है:

“इसमें लिखा है कि ड्यूक ऑफ बालमोरल के दूसरे बेटे लॉर्ड रॉबर्ट सेंट साइमन और सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, अमेरिका के निवासी एलोयसियस डोरान की इकलौती बेटी मिस हैटी डोरान के बीच शादी तय हो गई है और अगर अफवाहें सही हैं तो यह शादी बहुत जल्द होगी।”

बस इतना ही।"

"संक्षिप्त और सटीक," होम्स ने आग की ओर अपने लंबे, पतले पैर फैलाते हुए टिप्पणी की।

“उसी सप्ताह के एक समाज समाचार पत्र में इस बात को और विस्तार से बताने वाला एक अनुच्छेद था। आह, यह रहा:

"विवाह बाजार में जल्द ही संरक्षण की मांग उठेगी, क्योंकि वर्तमान मुक्त व्यापार सिद्धांत हमारे घरेलू उत्पादों के खिलाफ भारी पड़ रहा है। ग्रेट ब्रिटेन के कुलीन घरानों का प्रबंधन एक-एक करके अटलांटिक पार से आई हमारी खूबसूरत बहनों के हाथों में जा रहा है। पिछले सप्ताह इन आकर्षक आक्रमणकारियों द्वारा जीती गई महिलाओं की सूची में एक महत्वपूर्ण नाम जुड़ गया है। लॉर्ड सेंट साइमन, जिन्होंने बीस वर्षों से अधिक समय तक खुद को इस छोटे देवता के तीरों से अप्रभावित साबित किया है, ने अब कैलिफोर्निया के एक करोड़पति की आकर्षक बेटी मिस हैटी डोरान से अपने आगामी विवाह की घोषणा कर दी है। मिस डोरान, जिनकी सुडौल आकृति और आकर्षक चेहरे ने वेस्टबरी हाउस के समारोहों में बहुत ध्यान आकर्षित किया, इकलौती संतान हैं, और वर्तमान में यह बताया जा रहा है कि उनका दहेज छह अंकों से कहीं अधिक होगा, और भविष्य के लिए भी उम्मीदें हैं। चूंकि यह एक खुला रहस्य है कि ड्यूक ऑफ बालमोरल को पिछले कुछ वर्षों में अपनी पेंटिंग्स बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है, और चूंकि लॉर्ड सेंट साइमन के पास बिर्चमूर की छोटी सी जागीर के अलावा अपनी कोई संपत्ति नहीं है, इसलिए यह स्पष्ट है कि कैलिफोर्नियाई महिला इस गठबंधन से केवल उत्तराधिकारी को ही लाभ नहीं होगा, क्योंकि यह गठबंधन उसे एक रिपब्लिकन महिला से ब्रिटिश कुलीन महिला बनने की सहज और सामान्य प्रक्रिया को आसानी से पूरा करने में सक्षम बनाएगा।

"और कुछ?" होम्स ने जम्हाई लेते हुए पूछा।

“ओह, हां; बहुत कुछ। फिर, मॉर्निंग पोस्ट में एक और खबर छपी कि शादी बिल्कुल सादी होगी, सेंट जॉर्ज चर्च, हनोवर स्क्वायर में होगी, सिर्फ़ आधा दर्जन करीबी दोस्तों को बुलाया जाएगा, और मेहमान लैंकेस्टर गेट स्थित उस सजे-धजे घर में लौटेंगे जिसे श्री एलोयसियस डोरान ने किराए पर लिया है। दो दिन बाद—यानी पिछले बुधवार को—एक संक्षिप्त घोषणा हुई कि शादी हो चुकी है, और हनीमून पीटर्सफील्ड के पास लॉर्ड बैकवाटर के घर पर मनाया जाएगा। दुल्हन के गायब होने से पहले यही सारी सूचनाएं छपी थीं।”

"किससे पहले?" होम्स ने चौंकते हुए पूछा।

"महिला का गायब हो जाना।"

“तो फिर वह कब गायब हुई?”

शादी के नाश्ते पर।

"बिल्कुल। यह जितना सोचा था उससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है; वास्तव में काफी नाटकीय है।"

"हां; मुझे यह थोड़ा असामान्य लगा।"

“वे अक्सर समारोह से पहले गायब हो जाते हैं, और कभी-कभी हनीमून के दौरान भी; लेकिन मुझे इससे पहले इतनी जल्दी गायब होने वाली कोई घटना याद नहीं आ रही है। कृपया मुझे इसका विवरण दें।”

मैं आपको आगाह करता हूं कि वे बहुत अपूर्ण हैं।

"शायद हम उन्हें कम ऐसा बना सकें।"

“ये घटनाएँ कल सुबह के एक अखबार के एक लेख में छपी हैं, जिसे मैं आपको पढ़कर सुनाऊँगा। इसका शीर्षक है, ‘एक फ़ैशनेबल शादी में हुई अनोखी घटना’।”

लॉर्ड रॉबर्ट सेंट साइमन के परिवार में उनकी शादी से जुड़ी अजीब और दुखद घटनाओं के कारण गहरा सदमा फैल गया है। जैसा कि कल के अखबारों में संक्षेप में बताया गया था, समारोह पिछली सुबह हुआ था; लेकिन अब जाकर उन अफवाहों की

पुष्टि हो पाई है जो लगातार फैल रही थीं। दोस्तों द्वारा मामले को दबाने के प्रयासों के बावजूद, अब इस पर इतना ध्यान दिया जा चुका है कि इस आम चर्चा के विषय को नजरअंदाज करने का कोई फायदा नहीं है।

सेंट जॉर्ज, हनोवर स्क्वायर में आयोजित समारोह अत्यंत शांतिपूर्ण रहा, जिसमें दुल्हन के पिता श्री एलोयसियस डोरान, डचेस ऑफ बालमोरल, लॉर्ड बैकवाटर, लॉर्ड यूस्टेस, लेडी क्लारा सेंट साइमन (दूल्हे के छोटे भाई और बहन) और लेडी एलिसिया व्हिटिंगटन के अलावा कोई उपस्थित नहीं था। बाद में सभी लोग लैंकेस्टर गेट स्थित श्री एलोयसियस डोरान के घर गए, जहाँ नाश्ता तैयार था। ऐसा प्रतीत होता है कि एक महिला, जिसका नाम ज्ञात नहीं है, ने थोड़ी परेशानी खड़ी की, जिसने दुल्हन के बाद घर में जबरदस्ती घुसने की कोशिश की और दावा किया कि लॉर्ड सेंट साइमन पर उसका कोई अधिकार है। काफी देर तक चले हंगामे के बाद ही उसे बटलर और नौकर ने बाहर निकाला। सौभाग्य से दुल्हन इस अप्रिय घटना से पहले ही घर में प्रवेश कर चुकी थी और बाकी लोगों के साथ नाश्ता करने बैठी थी, तभी उसे अचानक अस्वस्थता महसूस हुई और वह अपने कमरे में चली गई। उसकी लंबे समय तक अनुपस्थिति पर कुछ चर्चा हुई। उसके पिता उसके पीछे गए, लेकिन नौकरानी से पता चला कि वह बस एक पल के लिए अपने कमरे में आई थी, एक शॉल और टोपी उठाई और जल्दी से गलियारे में चली गई। एक नौकर ने बताया कि उसने एक महिला को इसी तरह के कपड़ों में घर से निकलते देखा था, लेकिन उसने यह मानने से इनकार कर दिया कि वह उसकी मालकिन थी, क्योंकि उसे लगा कि वह उनके साथ है। अपनी बेटी के गायब होने की पुष्टि होने पर, श्री एलोयसियस डोरान ने दूल्हे के साथ मिलकर तुरंत पुलिस से संपर्क किया और गहन जांच की जा रही है, जिससे संभवतः इस अनोखे मामले का जल्द ही समाधान हो जाएगा। हालांकि, कल रात देर तक लापता महिला के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली थी। इस मामले में साजिश की अफवाहें हैं और कहा जाता है कि पुलिस ने उस महिला को गिरफ्तार कर लिया है जिसने शुरू में हंगामा किया था, इस विश्वास में कि ईर्ष्या या किसी अन्य कारण से, वह दुल्हन के रहस्यमय ढंग से गायब होने में शामिल हो सकती है।

“और क्या बस इतना ही?”

"सुबह के एक अन्य समाचार पत्र में केवल एक छोटी सी खबर है, लेकिन यह काफी संकेतपूर्ण है।"

और यह है—

"मिस फ्लोरा मिलर, जिन्होंने हंगामा किया था, को गिरफ्तार कर लिया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि वह पहले एलेग्रो में नृत्यांगना थीं और दूल्हे को कई वर्षों से जानती हैं। इससे अधिक कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है और पूरा मामला अब आपके हाथ में है - जितना कि सार्वजनिक प्रेस में प्रकाशित हुआ है।"

“और यह एक बेहद दिलचस्प मामला प्रतीत होता है। मैं इसे किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ना चाहता था। लेकिन वाटसन, घंटी बज रही है, और घड़ी में चार बजकर कुछ मिनट हो चुके हैं, मुझे पूरा यकीन है कि यह हमारे सम्मानित मुवक्किल का मामला होगा। वाटसन, जाने की कोई तमन्ना मत रखना, क्योंकि मुझे गवाह का होना बहुत ज़रूरी लगता है, कम से कम अपनी याददाश्त की जाँच के लिए ही सही।”

“लॉर्ड रॉबर्ट सेंट साइमन,” हमारे सेवक ने दरवाजा खोलते हुए घोषणा की। एक सज्जन व्यक्ति अंदर आए, जिनका चेहरा सौम्य और सुसंस्कृत था, ऊंची नाक और पीलापन लिए, होंठों पर शायद थोड़ी सी चिड़चिड़ापन झलक रही थी, और उनकी आंखें स्थिर और खुली हुई थीं, मानो वे हमेशा से आदेश देने और आज्ञा मानने के लिए ही बने रहे हों। उनका व्यवहार चुस्त था, फिर भी उनकी सामान्य दिखावट से उम्र का

आभास होता था, क्योंकि चलते समय वे थोड़ा आगे की ओर झुके हुए थे और घुटने थोड़े मुड़े हुए थे। उनके बाल भी, जब उन्होंने अपनी घुंघराली किनारी वाली टोपी उतारी, तो किनारों से भूरे और ऊपर से पतले थे। उनके पहनावे की बात करें तो, वह दिखावटीपन की हद तक सलीके से था, जिसमें ऊँचा कॉलर, काला फ्रॉक-कोट, सफेद जैकेट, पीले दस्ताने, पेटेंट चमड़े के जूते और हल्के रंग के गैटर शामिल थे। वे धीरे-धीरे कमरे में आगे बढ़े, अपना सिर बाएँ से दाएँ घुमाते हुए, और अपने दाहिने हाथ में अपने सुनहरे चश्मे की डोरी को झुलाते हुए।

"शुभ दिन, लॉर्ड सेंट साइमन," होम्स ने उठकर झुकते हुए कहा। "कृपया कुर्सी पर बैठिए। ये मेरे मित्र और सहकर्मी डॉ. वॉटसन हैं। आग के पास थोड़ा बैठ जाइए, हम इस मामले पर चर्चा करेंगे।"

"जैसा कि आप आसानी से समझ सकते हैं, श्री होम्स, यह मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक मामला है। मुझे बहुत गहरा आघात लगा है। मुझे पता है कि आपने पहले भी इस तरह के कई नाजुक मामलों को संभाला है, हालांकि मुझे लगता है कि वे शायद ही मेरे जैसे सामाजिक वर्ग से संबंधित थे।"

नहीं, मैं नीचे उतर रहा हूं।

मुझे क्षमा करें।

"मेरा आखिरी ग्राहक एक राजा था।"

"अरे, सच में! मुझे तो पता ही नहीं था। और कौन सा राजा?"

स्कैंडिनेविया का राजा।

"क्या! क्या उसने अपनी पत्नी को खो दिया था?"

होम्स ने विनम्रतापूर्वक कहा, "आप समझ सकते हैं कि मैं अपने अन्य ग्राहकों के मामलों में भी वही गोपनीयता बरतता हूं जो मैं आपके मामले में आपसे वादा करता हूं।"

"बिल्कुल! एकदम सही! एकदम सही! मुझे खेद है कि मैं क्षमा चाहता हूँ। जहाँ तक मेरे मामले का सवाल है, मैं आपको कोई भी जानकारी देने के लिए तैयार हूँ जो आपको राय बनाने में मदद कर सके।"

"धन्यवाद। मैंने सार्वजनिक रूप से प्रकाशित सभी जानकारी प्राप्त कर ली है, इससे अधिक कुछ नहीं। मेरा मानना है कि मैं इसे सही मान सकता हूं - उदाहरण के लिए, दुल्हन के लापता होने के संबंध में यह लेख।"

लॉर्ड सेंट साइमन ने उस पर सरसरी नज़र डाली। "हाँ, यह सही है, जहाँ तक बात है।"

लेकिन किसी के भी राय देने से पहले इसमें काफी जानकारी जोड़ने की जरूरत है। मुझे लगता है कि आपके सवाल पूछकर ही मैं सीधे तौर पर तथ्यों तक पहुंच सकता हूं।

"कृपया ऐसा करें।"

"आप मिस हैटी डोरान से पहली बार कब मिले थे?"

"एक साल पहले सैन फ्रांसिस्को में।"

"आप अमेरिका में यात्रा कर रहे थे?"

"हाँ।"

"क्या तब आपकी सगाई हो गई थी?"

"नहीं।"

"लेकिन क्या आपके बीच दोस्ताना संबंध थे?"

मुझे उसकी संगति में आनंद आ रहा था, और वह देख सकती थी कि मुझे आनंद आ रहा है।

"क्या उसके पिता बहुत अमीर हैं?"

"कहा जाता है कि वह प्रशांत तट पर सबसे अमीर आदमी है।"

और उसने अपना पैसा कैसे कमाया?

"खनन के क्षेत्र में। कुछ साल पहले तक उनके पास कुछ नहीं था। फिर उन्हें सोने की खान मिली, उन्होंने उसमें निवेश किया और तेजी से तरक्की की।"

"अब, उस युवती के बारे में आपकी अपनी क्या राय है - आपकी पत्नी के चरित्र के बारे में?"

उस रईस ने अपना चश्मा थोड़ा तेज़ी से घुमाया और आग की तरफ देखने लगा। "देखिए, श्रीमान होम्स," उसने कहा, "मेरी पत्नी बीस साल की थी जब उसके पिता अमीर बने। उस दौरान वह एक खनन शिविर में आज़ादी से पली-बढ़ी और जंगलों या पहाड़ों में घूमती रही, इसलिए उसकी शिक्षा प्रकृति से मिली है, न कि शिक्षक से। वह इंग्लैंड में जिसे हम टॉमबॉय कहते हैं, वैसी है, मज़बूत स्वभाव की, बेबाक और आज़ाद, किसी भी तरह की परंपराओं से बंधी नहीं। वह उतावली है—ज्वालामुखी जैसी, मैं कहने ही वाला था। वह जल्दी फैसला ले लेती है और अपने संकल्पों को पूरा करने में निडर है। दूसरी ओर, मैं उसे वह नाम नहीं देता जिसे धारण करने का मुझे सम्मान प्राप्त है"— उसने एक हल्की सी खाँसी ली— "अगर मैं उसे दिल से एक कुलीन महिला न मानता। मेरा मानना है कि वह वीरतापूर्ण आत्म-बलिदान करने में सक्षम है और कोई भी अपमानजनक बात उसे नापसंद होगी।"

"क्या आपके पास उसकी तस्वीर है?"

"मैं इसे अपने साथ लाया था।" उन्होंने एक लॉकेट खोला और हमें एक बेहद खूबसूरत महिला का पूरा चेहरा दिखाया। यह कोई तस्वीर नहीं बल्कि हाथीदांत की बनी एक छोटी सी प्रतिमा थी, और कलाकार ने उसके चमकदार काले बालों, बड़ी-बड़ी काली आँखों और आकर्षक होंठों को बखूबी उकेरा था। होम्स ने उसे देर तक ध्यान से देखा। फिर उन्होंने लॉकेट बंद किया और उसे लॉर्ड सेंट साइमन को वापस सौंप दिया।

"तो फिर वो युवती लंदन आई, और आपने उससे दोबारा जान-पहचान बनाई?"

"हां, उसके पिता उसे पिछले लंदन सीजन के लिए लेकर आए थे। मैं उससे कई बार मिला, उससे सगाई की और अब उससे शादी कर ली है।"

"मुझे पता चला है कि वह काफ़ी बड़ी दहेज राशि लेकर आई थी?"

"उचित दहेज। मेरे परिवार में सामान्य से अधिक नहीं।"

"और यह बात तो निश्चित रूप से आप पर ही निर्भर करती है, क्योंकि शादी तो हो ही चुकी है?"

मैंने इस विषय पर वास्तव में कोई पूछताछ नहीं की है।

"बिल्कुल नहीं। क्या आपने शादी से एक दिन पहले मिस डोरान को देखा था?"

"हां।"

क्या वह खुशमिज़ाज थी?

"पहले से कहीं बेहतर। वह लगातार हमारे भविष्य के जीवन में हमें क्या करना चाहिए, इसके बारे में बात करती रही।"

"बिल्कुल! यह बहुत दिलचस्प है। और शादी की सुबह?"

"वह यथासंभव हंसमुख थी - कम से कम समारोह के बाद तक तो।"

"और क्या आपने तब उसमें कोई बदलाव देखा?"

सच कहूं तो, मैंने तभी पहली बार उसके स्वभाव में कुछ तीखेपन के संकेत देखे थे। हालाँकि, वह घटना इतनी मामूली थी कि उसका ज़िक्र करने की ज़रूरत नहीं है और इस मामले से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

"कृपा करके हमें वह सब कुछ दिला दीजिए।"

“अरे, ये तो बचकाना है। जब हम प्राथना कक्ष की ओर जा रहे थे, तभी उसका गुलदस्ता गिर गया। उस समय वह आगे वाली बेंच के पास से गुज़र रही थी और गुलदस्ता बेंच पर गिर गया। एक पल का इंतज़ार हुआ, लेकिन बेंच पर बैठे सज्जन ने उसे वापस उठा दिया और गिरने से गुलदस्ते को कोई नुकसान नहीं हुआ। फिर भी जब मैंने उससे इस बारे में बात की, तो उसने मुझे रूखेपन से जवाब दिया; और घर लौटते समय गाड़ी में, वह इस मामूली बात पर बेवजह परेशान लग रही थी।”

“जी हाँ! आपने कहा कि वहाँ एक सज्जन व्यक्ति बैठे थे। तो फिर आम जनता में से कुछ लोग उपस्थित थे?”

“ओह, हाँ। जब चर्च खुला होता है तो उन्हें बाहर रखना असंभव है।”

“क्या यह सज्जन आपकी पत्नी के दोस्तों में से एक नहीं थे?”

नहीं, नहीं; मैं शिष्टाचारवश उन्हें सज्जन कह रहा हूँ, लेकिन वे दिखने में बिल्कुल साधारण व्यक्ति थे। मैंने उनके रूप-रंग पर शायद ही ध्यान दिया हो। लेकिन सच कहूँ तो मुझे लगता है कि हम मुद्दे से काफ़ी भटक रहे हैं।

“लेडी सेंट साइमन शादी से लौटते समय उतने खुश नहीं थीं जितना कि शादी में जाते समय थीं। अपने पिता के घर में दोबारा प्रवेश करने पर उन्होंने क्या किया?”

मैंने उसे उसकी नौकरानी से बात करते हुए देखा।

और उसकी नौकरानी कौन है?

“उसका नाम एलिस है। वह एक अमेरिकी है और कैलिफोर्निया से उसके साथ आई है।”

“एक गोपनीय सेवक?”

“कुछ ज़्यादा ही। मुझे ऐसा लगा कि उसकी मालकिन ने उसे हद से ज़्यादा छूट दे रखी थी। फिर भी, ज़ाहिर है, अमेरिका में इन चीज़ों को अलग नज़रिए से देखा जाता है।”

"उसने इस ऐलिस से कितनी देर बात की?"

"ओह, बस कुछ मिनट। मुझे कुछ और सोचना था।"

"क्या आपने उनकी बातें नहीं सुनीं?"

"लेडी सेंट साइमन ने 'दावे पर कब्जा करने' के बारे में कुछ कहा। उन्हें इस तरह की बोलचाल की भाषा का इस्तेमाल करने की आदत थी। मुझे बिल्कुल नहीं पता कि उनका क्या मतलब था।"

“अमेरिकी बोलचाल की भाषा कभी-कभी बहुत ही भावपूर्ण होती है। और आपकी पत्नी ने अपनी नौकरानी से बात खत्म करने के बाद क्या किया?”

वह नाश्ते के कमरे में दाखिल हुई।

"तुम्हारी बांह पर?"

“नहीं, अकेले। ऐसी छोटी-छोटी बातों में वह बहुत आत्मनिर्भर थी। फिर, लगभग दस मिनट बैठने के बाद, वह जल्दी से उठी, माफी माँगते हुए कुछ शब्द बुदबुदाई और कमरे से चली गई। वह फिर कभी वापस नहीं आई।”

लेकिन मेरी जानकारी के अनुसार, यह नौकरानी, एलिस, गवाही देती है कि वह अपने कमरे में गई, अपनी दुल्हन की पोशाक को एक लंबे शॉल से ढक लिया, एक टोपी पहनी और बाहर चली गई।

"बिल्कुल सही। और बाद में उसे फ्लोरा मिलर के साथ हाइड पार्क में जाते हुए देखा गया, जो अब हिरासत में है और जिसने उसी सुबह श्री डोरान के घर पर हंगामा किया था।"

"हाँ, बिल्कुल। मुझे इस युवती के बारे में और आपके उससे संबंधों के बारे में कुछ जानकारी चाहिए।"

लॉर्ड सेंट साइमन ने अपने कंधे उचकाए और अपनी भौहें ऊपर उठाईं। "हमारा रिश्ता कई सालों से दोस्ताना था—मैं कहूँ तो बहुत ही दोस्ताना। वह एलेग्रो में काम करती थी। मैंने उसके साथ कभी बुरा बर्ताव नहीं किया, और उसे मुझसे कोई शिकायत नहीं थी, लेकिन आप जानते हैं कि औरतें कैसी होती हैं, मिस्टर होम्स। फ्लोरा बहुत प्यारी थी, लेकिन बेहद गुस्सैल और मुझसे बेहद लगाव रखती थी। जब उसे पता चला कि मेरी शादी होने वाली है, तो उसने मुझे भयानक चिट्ठियाँ लिखीं, और सच कहूँ तो, मैंने शादी इतनी चुपचाप इसलिए करवाई क्योंकि मुझे डर था कि कहीं चर्च में कोई हंगामा न हो जाए। हमारे लौटने के तुरंत बाद वह मिस्टर डोरान के घर आई और अंदर घुसने की कोशिश की, मेरी पत्नी को बहुत अपशब्द कहे और उसे धमकी भी दी, लेकिन मुझे पहले से ही ऐसी आशंका थी, इसलिए मैंने दो पुलिसवालों को सादे कपड़ों में वहां बुलाया था, जिन्होंने उसे तुरंत बाहर निकाल दिया। जब उसने देखा कि हंगामा करने का कोई फायदा नहीं है, तो वह चुप हो गई।"

क्या आपकी पत्नी ने यह सब सुना?

"नहीं, शुक्र है, उसने ऐसा नहीं किया।"

और बाद में उसे इसी महिला के साथ चलते हुए देखा गया?

"जी हां। स्कॉटलैंड यार्ड के श्री लेस्ट्रेड इसे इतना गंभीर मानते हैं। उनका मानना है कि फ्लोरा ने मेरी पत्नी को बहला-फुसलाकर बुलाया और उसके लिए कोई भयानक जाल बिछाया।"

"खैर, यह एक संभावित अनुमान है।"

"क्या आप भी ऐसा ही सोचते हैं?"

मैंने इसे संभावित नहीं कहा। लेकिन क्या आप स्वयं इसे संभावित नहीं मानते?

मुझे नहीं लगता कि फ्लोरा किसी को नुकसान पहुंचाएगी।

फिर भी, ईर्ष्या चरित्रों को अजीब तरह से बदल देती है। कृपया बताएं कि आपके अनुसार वास्तव में क्या हुआ होगा?

"खैर, असल में, मैं एक सिद्धांत खोजने आया था, न कि कोई सिद्धांत प्रतिपादित करने। मैंने आपको सभी तथ्य बता दिए हैं। लेकिन चूंकि आपने मुझसे पूछा है, तो मैं यह कह सकता हूं कि मुझे यह संभव लगा है कि इस घटना की उत्तेजना, और इस बात का एहसास कि उसने सामाजिक रूप से इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है, मेरी पत्नी में कुछ मानसिक गड़बड़ी का कारण बना हो।"

संक्षेप में, क्या वह अचानक विक्षिप्त हो गई थी?

"सच कहूँ तो, जब मैं यह सोचता हूं कि उसने मुझसे मुँह मोड़ लिया है - मैं यह नहीं कहूँगा कि मुझसे, बल्कि उन बहुत सी चीज़ों से, जिनकी कई लोगों ने बिना सफलता के आकांक्षा की है - तो मैं इसे किसी और तरीके से समझा ही नहीं सकता।"

"हाँ, यह भी एक संभावित परिकल्पना है," होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा। "और अब, लॉर्ड सेंट साइमन, मुझे लगता है कि मेरे पास लगभग सभी आंकड़े हैं। क्या मैं पूछ सकता हूँ कि क्या आप नाश्ते की मेज पर इस तरह बैठे थे कि आप खिड़की से बाहर देख सकें?"

"हम सड़क के उस पार और पार्क को देख सकते थे।"

"बिल्कुल सही। तो मुझे नहीं लगता कि आपको और देर तक रोकने की जरूरत है। मैं आपसे जल्द ही संपर्क करूंगा।"

"अगर आप इस समस्या को हल करने में भाग्यशाली रहे तो," हमारे ग्राहक ने उठते हुए कहा।

मैंने इसे हल कर लिया है।

"अरे? वो क्या था?"

मैं कहता हूं कि मैंने इसे हल कर लिया है।
“तो फिर मेरी पत्नी कहाँ है?”
मैं इस जानकारी को शीघ्र ही उपलब्ध करा दूंगा।
लॉर्ड सेंट साइमन ने अपना सिर हिलाया। उन्होंने कहा, "मुझे डर है कि इसके लिए आप या मेरे से कहीं अधिक बुद्धिमान लोगों की आवश्यकता होगी," और एक गरिमापूर्ण, पुराने जमाने के अंदाज में झुककर वे चले गए।
“लॉर्ड सेंट साइमन ने मुझे अपने बराबर समझकर मेरा सम्मान किया, यह बहुत अच्छी बात है,” शर्लक होम्स हंसते हुए बोले। “मुझे लगता है कि इस सारी पूछताछ के बाद मैं एक व्हिस्की, सोडा और एक सिगार लूंगा। हमारे मुवक्किल के कमरे में आने से पहले ही मैंने इस मामले के बारे में अपने निष्कर्ष बना लिए थे।”
“मेरे प्यारे होम्स!”
“मेरे पास ऐसे कई मिलते-जुलते मामलों के नोट्स हैं, हालांकि जैसा कि मैंने पहले बताया, कोई भी मामला इतना त्वरित नहीं था। मेरी पूरी जांच ने मेरे अनुमान को निश्चितता में बदल दिया। परिस्थितिजन्य साक्ष्य कभी-कभी बहुत ही विश्वसनीय होते हैं, जैसे कि जब आपको दूध में ट्राउट मछली मिल जाए, जैसा कि थोरो ने उदाहरण दिया है।”
लेकिन मैंने वो सब कुछ सुन लिया है जो तुमने सुना है।
“हालांकि, मुझे पहले से मौजूद मामलों की जानकारी नहीं है, जो मेरे लिए बहुत उपयोगी साबित होती है। कुछ साल पहले एबरडीन में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था, और फ्रेंको-प्रशिया युद्ध के ठीक एक साल बाद म्यूनिख में भी कुछ ऐसा ही हुआ था। यह उन्हीं मामलों में से एक है — लेकिन, अरे, ये रहे लेस्ट्रेड! नमस्कार लेस्ट्रेड! आपको साइडबोर्ड पर एक अतिरिक्त गिलास मिलेगा, और डिब्बे में सिगार रखे हैं।”
सरकारी जासूस ने जैकेट और टाई पहन रखी थी, जिससे उसका रूप पूरी तरह से समुद्री नाविक जैसा लग रहा था, और उसके हाथ में एक काला कैनवास का थैला था। संक्षिप्त अभिवादन के बाद वह बैठ गया और उसे दी गई सिगार को जला लिया।
“तो फिर क्या बात है?” होम्स ने आँखों में शरारत भरी चमक के साथ पूछा। “तुम असंतुष्ट लग रहे हो।”
और मैं असंतुष्ट महसूस कर रहा हूँ। यह सेंट साइमन के विवाह मामले जैसा पेचीदा मामला है। मुझे इस मामले की बिल्कुल भी समझ नहीं आ रही है।
“सच में! तुमने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया।”
“ऐसा उलझा हुआ मामला भला किसने सुना होगा? हर सुराग मेरे हाथ से फिसलता जा रहा है। मैं दिन भर इसी पर काम करता रहा हूँ।”
"और लगता है इसने तुम्हें बहुत गीला कर दिया है," होम्स ने जैकेट पहने हुए व्यक्ति की बांह पर हाथ रखते हुए कहा।
"हां, मैं सर्पेन्टाइन को घसीट रहा हूं।"
"अरे, किसलिए?"
"लेडी सेंट साइमन के शव की खोज में।"
शर्लक होम्स अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए और दिल खोलकर हँसे।
“क्या तुमने ट्राफलगर स्क्वायर के फव्वारे का बेसिन घसीटा है?” उसने पूछा।
“क्यों? आपका क्या मतलब है?”
क्योंकि इस महिला को ढूंढने की संभावना दोनों में बराबर है।
लेस्ट्रेड ने मेरे साथी पर गुस्से भरी नजर डाली। "मुझे लगता है कि तुम इसके बारे में सब कुछ जानते हो," उसने गुर्राते हुए कहा।

"खैर, मुझे अभी-अभी सारी बातें पता चली हैं, लेकिन मैंने अपना मन बना लिया है।"

"ओह, बिल्कुल! तो आपको लगता है कि सर्पेंटाइन की इसमें कोई भूमिका नहीं है?"

मुझे लगता है कि इसकी संभावना बहुत कम है।

"तो शायद आप कृपया समझाएंगे कि हमें यह इसमें कैसे मिला?" बोलते हुए उन्होंने अपना थैला खोला और पानी से भीगी हुई रेशम की शादी की पोशाक, सफेद साटन के जूते, दुल्हन का मुकुट और घूंघट ज़मीन पर गिरा दिए। ये सब पानी में भीगे और फीके पड़ चुके थे। "लो," उन्होंने ढेर के ऊपर एक नई शादी की अंगूठी रखते हुए कहा। "मास्टर होम्स, आपके लिए एक पहेली है जिसे सुलझाना है।"

"अरे वाह!" मेरे दोस्त ने हवा में नीले रंग के छल्ले उड़ाते हुए कहा। "तुम इन्हें सर्पेंटाइन से खींचकर लाए हो?"

"नहीं। वे एक पार्क के रखवाले को किनारे के पास तैरते हुए मिले थे। उनकी पहचान उसके कपड़ों के रूप में हुई है, और मुझे ऐसा लगा कि अगर कपड़े वहाँ थे तो शव भी ज़्यादा दूर नहीं होगा।"

"इसी शानदार तर्क के आधार पर, हर आदमी का शरीर उसके कपड़ों के संग्रह के आसपास ही पाया जाता है। और आप इसके माध्यम से क्या निष्कर्ष निकालना चाहते हैं?"

"कुछ ऐसे सबूत मिले हैं जो फ्लोरा मिलर को लापता होने में फंसाते हैं।"

मुझे डर है कि आपको यह मुश्किल लगेगा।

"क्या सचमुच?" लेस्ट्रेड ने कुछ कड़वाहट से कहा। "मुझे डर है, होम्स, कि आप अपने अनुमानों और निष्कर्षों में व्यावहारिक नहीं हैं। आपने दो मिनटों में दो बड़ी गलतियाँ कर दी हैं। यह पोशाक मिस फ्लोरा मिलर को दोषी ठहराती है।"

"और कैसे?"

"इस पोशाक में एक जेब है। जेब में ताश रखने का डिब्बा है। डिब्बे में एक नोट है। और ये रहा वो नोट।" उसने उसे अपने सामने मेज पर पटक दिया। "इसे सुनो:

"जब सब कुछ तैयार हो जाएगा, तब तुम मुझे देखोगे। तुरंत आ जाओ।"

"एफ. एच. एम.

मेरी शुरू से यही थ्योरी रही है कि लेडी सेंट साइमन को फ्लोरा मिलर ने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई थी, और यह कि वह, अपने साथियों के साथ मिलकर, निस्संदेह उनके गायब होने के लिए जिम्मेदार थी। यहाँ, उनके शुरुआती अक्षरों से हस्ताक्षरित, वही नोट है जो निस्संदेह चुपके से दरवाजे पर उनके हाथ में थमा दिया गया था और जिसने उन्हें उनके जाल में फंसा लिया था।

"बहुत बढ़िया, लेस्ट्रेड," होम्स हंसते हुए बोले। "तुम सचमुच बहुत अच्छे हो। मुझे देखने दो।" उन्होंने बेमन से कागज़ उठाया, लेकिन उनकी नज़रें तुरंत उस पर टिक गईं और उन्होंने संतुष्टि की एक हल्की सी आवाज़ निकाली। "यह वाकई महत्वपूर्ण है," उन्होंने कहा।

"हा! आपको ऐसा लगता है?"

"बिल्कुल। मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूँ।"

जीत के उत्साह में लेस्ट्रेड उठ खड़ा हुआ और देखने के लिए अपना सिर झुकाया। "अरे!" वह चीखा, "तुम गलत तरफ देख रहे हो!"

इसके विपरीत, यह सही पक्ष है।

"दाहिनी तरफ? तुम पागल हो! ये रहा वो नोट जो पेंसिल से यहाँ लिखा हुआ है।"

और यहाँ मुझे होटल के बिल का एक टुकड़ा दिखाई दे रहा है, जिसमें मेरी गहरी रुचि है।

“इसमें कुछ भी नहीं है। मैंने इसे पहले भी देखा था,” लेस्ट्रेड ने कहा।

4 अक्टूबर, कमरे 8 शिलिंग, नाश्ता 2 शिलिंग 6 पेंस, कॉकटेल 1 शिलिंग, दोपहर का भोजन 2 शिलिंग 6 पेंस, एक गिलास शेरी 8 पेंस।

मुझे इसमें कुछ भी नज़र नहीं आता।

“संभवतः नहीं। फिर भी यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। जहाँ तक नोट की बात है, वह भी महत्वपूर्ण है, या कम से कम उसके शुरुआती अक्षर तो महत्वपूर्ण हैं ही, इसलिए मैं आपको फिर से बधाई देता हूँ।”

“मैंने बहुत समय बर्बाद कर दिया,” लेस्ट्रेड उठते हुए बोला। “मैं मेहनत में विश्वास करता हूँ, आग के पास बैठकर मनगढ़ंत सिद्धांत गढ़ने में नहीं। नमस्कार, श्रीमान होम्स, और हम देखेंगे कि कौन पहले इस मामले की तह तक पहुँचता है।” उसने कपड़े समेटे, उन्हें थैले में डाला और दरवाज़े की ओर चल पड़ा।

"लेस्ट्रेड, तुम्हें बस एक संकेत देना चाहता हूँ," होम्स ने अपने प्रतिद्वंद्वी के गायब होने से पहले धीमी आवाज़ में कहा; "मैं तुम्हें इस मामले का असली हल बताता हूँ। लेडी सेंट साइमन एक मिथक है। ऐसी कोई शख्सियत न तो है और न ही कभी रही है।"

लेस्ट्रेड ने मेरे साथी की ओर उदास निगाहों से देखा। फिर वह मेरी ओर मुड़ा, अपने माथे पर तीन बार थपथपाया, गंभीरता से सिर हिलाया और जल्दी से चला गया।

जैसे ही उसने दरवाजा बंद किया, होम्स अपना ओवरकोट पहनने के लिए उठ खड़ा हुआ। उसने कहा, "बाहरी काम के बारे में उस आदमी की बातों में कुछ सच्चाई है, इसलिए मुझे लगता है, वाटसन, कि मुझे थोड़ी देर के लिए आपको अपने कागजात देखने के लिए अकेला छोड़ देना चाहिए।"

शर्लक होम्स जब मुझसे विदा हुए तब पाँच बज चुके थे, लेकिन मुझे अकेले रहने का समय ही नहीं मिला, क्योंकि एक घंटे के भीतर ही एक हलवाई एक बहुत बड़ा चपटा डिब्बा लेकर आ गया। उसने अपने साथ आए एक युवक की मदद से डिब्बा खोला और देखते ही देखते, मेरे आश्चर्य के लिए, हमारे साधारण से लॉजिंग हाउस के महोगनी फर्श पर एक शानदार ठंडा भोजन परोसा जाने लगा। उसमें ठंडे वुडकॉक के दो जोड़े, एक तीतर, एक पेटे डे फ़ोई ग्रास पाई और कुछ पुरानी और जाले लगी बोतलें थीं। ये सारी विलासिता की चीजें परोसने के बाद, मेरे दोनों मेहमान अरेबियन नाइट्स के जिन्न की तरह गायब हो गए, बिना कोई स्पष्टीकरण दिए, बस इतना कहा कि इन चीजों का भुगतान हो चुका है और इन्हें इस पते पर भेजने का आदेश दिया गया है।

ठीक नौ बजने से पहले शर्लक होम्स फुर्ती से कमरे में दाखिल हुए। उनके चेहरे पर गंभीरता थी, लेकिन उनकी आँखों में एक चमक थी जिससे मुझे लगा कि वे अपने निष्कर्षों से निराश नहीं हुए थे।

“तो उन्होंने रात का खाना लगा दिया है,” उसने अपने हाथ मलते हुए कहा।

"लगता है आप मेहमानों की उम्मीद कर रहे हैं। वे पांच दिनों से अंडे दे रहे हैं।"

“हाँ, मुझे लगता है कि कुछ मेहमान आने वाले हैं,” उन्होंने कहा। “मुझे आश्चर्य है कि लॉर्ड सेंट साइमन अभी तक नहीं आए। हा! मुझे लगता है कि मुझे अभी सीढ़ियों पर उनके कदमों की आहट सुनाई दे रही है।”

दरअसल, दोपहर में आने वाला हमारा मेहमान ही था जो पहले से कहीं अधिक जोश से अपने चश्मे को हिलाते हुए और अपने कुलीन चेहरे पर बेहद परेशान भाव लिए हुए अंदर आया।

"तो मेरा संदेशवाहक आप तक पहुँच गया?" होम्स ने पूछा।

“जी हां, और मैं स्वीकार करता हूं कि इसमें लिखी बातों ने मुझे बेहद चौंका दिया। क्या आपके पास अपनी बात का कोई पुख्ता प्रमाण है?”

“सर्वोत्तम संभव।”

लॉर्ड सेंट साइमन एक कुर्सी पर बैठ गए और अपना हाथ अपने माथे पर फेर लिया।

“जब ड्यूक को पता चलेगा कि परिवार के किसी सदस्य को इस तरह के अपमान का सामना करना पड़ा है, तो वह क्या कहेंगे?” उसने बुदबुदाते हुए कहा।

“यह महज़ एक दुर्घटना है। मैं किसी भी तरह की बदनामी बर्दाश्त नहीं कर सकता।”

"अरे, आप इन चीज़ों को दूसरे नज़रिए से देखते हैं।"

“मुझे नहीं लगता कि इसमें किसी की गलती है। मुझे समझ नहीं आता कि वह महिला कुछ और कैसे कर सकती थी, हालांकि उसका अचानक ऐसा करना निश्चित रूप से खेदजनक था। माँ न होने के कारण, ऐसे संकट के समय उसे सलाह देने वाला कोई नहीं था।”

"यह एक अपमान था, महोदय, एक सार्वजनिक अपमान," लॉर्ड सेंट साइमन ने मेज पर अपनी उंगलियां थपथपाते हुए कहा।

"आपको इस बेचारी लड़की के लिए थोड़ी नरमी बरतनी होगी, जिसे इतनी अभूतपूर्व स्थिति में डाल दिया गया है।"

मैं कोई रियायत नहीं दूंगा। मैं सचमुच बहुत गुस्से में हूं, और मेरे साथ शर्मनाक तरीके से व्यवहार किया गया है।

“मुझे लगता है कि मैंने घंटी की आवाज़ सुनी,” होम्स ने कहा। “जी हाँ, सीढ़ियों पर कदमों की आहट है। अगर मैं आपको इस मामले में नरम रुख अपनाने के लिए राजी नहीं कर सका, लॉर्ड सेंट साइमन, तो मैं एक वकील को यहाँ लाया हूँ जो शायद ज़्यादा सफल हो।” उन्होंने दरवाज़ा खोला और एक महिला और एक सज्जन को अंदर बुलाया। “लॉर्ड सेंट साइमन,” उन्होंने कहा, “कृपया मुझे आपको श्रीमान और श्रीमती फ्रांसिस हे मोल्टन से मिलवाने की अनुमति दें। मुझे लगता है कि आप महिला से पहले ही मिल चुके हैं।”

इन नए लोगों को देखते ही हमारा ग्राहक अपनी सीट से उछल पड़ा और एकदम सीधा खड़ा हो गया, उसकी नज़रें झुकी हुई थीं और उसने अपना हाथ अपने फ्रॉक-कोट के सीने में दबा रखा था, मानो उसकी गरिमा को ठेस पहुंची हो। महिला ने तेज़ी से एक कदम आगे बढ़ाया और उसकी ओर हाथ बढ़ाया, लेकिन उसने फिर भी नज़रें नहीं उठाईं। शायद यह उसके दृढ़ संकल्प के लिए अच्छा ही था, क्योंकि उस महिला का विनती भरा चेहरा इतना भावुक था कि उसका विरोध करना मुश्किल था।

“तुम गुस्से में हो, रॉबर्ट,” उसने कहा। “खैर, मुझे लगता है कि तुम्हारे पास गुस्से में होने का पूरा कारण है।”

“कृपया मुझसे माफ़ी न मांगें,” लॉर्ड सेंट साइमन ने कड़वाहट से कहा।

“हाँ, मुझे पता है कि मैंने तुम्हारे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया और मुझे जाने से पहले तुमसे बात कर लेनी चाहिए थी; लेकिन मैं थोड़ी घबराई हुई थी, और जब से मैंने फ्रैंक को यहाँ दोबारा देखा, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या कर रही हूँ या क्या कह रही हूं। मुझे बस यही हैरानी है कि मैं वेदी के सामने ही गिरकर बेहोश क्यों नहीं हो गई।”

"शायद, श्रीमती मौल्टन, आप चाहेंगी कि जब आप इस मामले को समझाएं तो मैं और मेरा दोस्त कमरे से बाहर चले जाएं?"

“अगर मैं अपनी राय दूं,” उस अजनबी सज्जन ने कहा, “इस मामले में पहले ही कुछ ज़्यादा ही गोपनीयता बरती जा चुकी है। मेरी ओर से तो मैं चाहता हूं कि पूरे यूरोप और अमेरिका को इसकी सच्चाई पता चले।” वह कद में छोटे, दुबले-पतले, धूप से झुलसे हुए चेहरे वाले, दाढ़ी-मूंछ साफ किए हुए, तेज चेहरे और चौकस हाव-भाव वाले व्यक्ति थे।

"तो मैं अभी हमारी कहानी सुनाती हूं," माहेला ने कहा। "फ्रैंक और मैं 1984 में रॉकी पर्वतमाला के पास मैकक्वायर के शिविर में मिले थे, जहाँ पिताजी एक खदान में काम कर रहे थे। हम दोनों की सगाई हो चुकी थी; लेकिन फिर एक दिन पिताजी को अचानक बहुत धन मिल गया और उन्होंने खूब पैसा कमा लिया, जबकि बेचारे फ्रैंक की खदान धीरे-धीरे ख़त्म हो गई और उसका कोई अस्तित्व नहीं रहा। पिताजी जितने अमीर होते गए, फ्रैंक उतना ही गरीब होता गया; इसलिए अंत में पिताजी ने हमारी सगाई को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया और मुझे अपने साथ सैन फ्रांसिस्को ले गए। लेकिन फ्रैंक ने हार नहीं मानी; इसलिए वह भी मेरे पीछे-पीछे वहां आ गया और उसने पिताजी को बिना बताए मुझसे मुलाकात कर ली। अगर पिताजी को पता चलता तो वह बहुत गुस्सा होते, इसलिए हमने आपस में सब कुछ छिपा लिया। फ्रैंक ने कहा कि वह भी जाकर खूब पैसा कमाएगा और जब तक उसके पास पिताजी जितना धन नहीं हो जाता, तब तक वह मुझे वापस नहीं बुलाएगा। तब मैंने उससे वादा किया कि मैं उसका अनंत काल तक इंतजार करूंगी और जब तक वह जीवित रहेगा, मैं किसी और से शादी नहीं करूंगी। उसने कहा, 'तो फिर हम अभी शादी क्यों न कर लें, तब मुझे तुम पर पूरा भरोसा होगा; और मैं... 'क्या मैं तुम्हारे वापस आने तक तुम्हारा पति होने का दावा कर सकता हूं?' खैर, हमने इस बारे में बात की, और उसने सब कुछ इतनी अच्छी तरह से व्यवस्थित कर दिया था, एक पादरी पहले से ही तैयार बैठा था, कि हमने वहीं पर शादी कर ली; और फिर फ्रैंक अपनी किस्मत आजमाने चला गया, और मैं अपने पिता के पास वापस चली गई।

"फ्रैंक के बारे में अगली खबर मुझे यह मिली कि वह मोंटाना में है, फिर वह एरिज़ोना में सोने की खोज में गया, और फिर मुझे न्यू मेक्सिको से उसके बारे में पता चला। उसके बाद अखबार में एक लंबी खबर छपी कि कैसे खनिकों के शिविर पर अपाचे आदिवासियों ने हमला किया था, और मृतकों में मेरे फ्रैंक का नाम भी था। मैं बेहोश हो गई, और उसके बाद कई महीनों तक बहुत बीमार रही। पिताजी को लगा कि मेरी तबीयत बिगड़ रही है और उन्होंने मुझे फ्रिस्को के आधे से ज़्यादा डॉक्टरों को दिखाया। एक साल से ज़्यादा समय तक कोई खबर नहीं आई, इसलिए मुझे कभी शक नहीं हुआ कि फ्रैंक सचमुच मर गया है। फिर लॉर्ड सेंट साइमन फ्रिस्को आए, और हम लंदन आ गए, और शादी तय हो गई, और पिताजी बहुत खुश हुए, लेकिन मुझे हर समय यही लगता रहा कि इस धरती पर कोई भी इंसान मेरे दिल में वह जगह नहीं ले सकता जो मेरे बेचारे फ्रैंक को मिली थी।

फिर भी, अगर मेरी शादी लॉर्ड सेंट साइमन से हुई होती, तो बेशक मैं उनके प्रति अपना कर्तव्य निभाती। हम अपने प्यार को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अपने कर्मों को कर सकते हैं। मैं उनके साथ वेदी पर इस इरादे से गई थी कि उन्हें उतनी ही अच्छी पत्नी बनाऊं जितनी मैं बन सकती थी। लेकिन आप कल्पना कर सकते हैं कि मुझे कैसा लगा जब, जैसे ही मैं वेदी की रेलिंग के पास पहुंची, मैंने पीछे मुड़कर देखा और फ्रैंक को पहली बेंच पर खड़े होकर मुझे देखते हुए पाया। पहले तो मुझे लगा कि यह उनका भूत है; लेकिन जब मैंने दोबारा देखा तो वह वहीं स्थिर थे, उनकी आँखों में एक तरह का प्रश्न था, मानो मुझसे पूछ रहे हों कि क्या मैं उन्हें देखकर खुश हूँ या दुखी। मुझे आश्चर्य है कि मैं गिर क्यों नहीं पड़ी। मुझे पता था कि सब कुछ बदल रहा था, और पादरी के शब्द मेरे कान में मधुमक्खी की भिनभिनाहट की तरह थे। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। क्या मुझे प्रार्थना रोककर चर्च में हंगामा करना चाहिए? मैंने फिर से उनकी ओर देखा, और ऐसा लगा जैसे उन्हें पता था कि मैं क्या सोच रही हूँ, क्योंकि उन्होंने मुझे चुप रहने का इशारा करते हुए अपनी उंगली होठों पर रखी। फिर मैंने उन्हें कुछ लिखते हुए देखा। कागज का एक टुकड़ा देखकर मैं समझ गई कि वह मेरे लिए

एक नोट लिख रहे हैं। बाहर जाते समय जब मैं उनकी सीट के पास से गुजरी तो मैंने अपना गुलदस्ता उन्हें दे दिया, और फूल लौटाते समय उन्होंने वह नोट मेरे हाथ में थमा दिया। उसमें बस एक पंक्ति थी जिसमें उन्होंने मुझे अपने साथ आने के लिए कहा था, और उन्होंने मुझे ऐसा करने का इशारा भी किया। बेशक, मुझे एक पल के लिए भी संदेह नहीं था कि अब मेरा पहला कर्तव्य उनके प्रति है, और मैंने ठान लिया कि वह जो भी निर्देश देंगे, मैं वही करूंगी।

"जब मैं वापस आई तो मैंने अपनी नौकरानी को बताया, जो उसे कैलिफोर्निया में जानती थी और हमेशा से उसकी दोस्त रही थी। मैंने उसे कुछ न कहने का आदेश दिया, बस कुछ सामान पैक करने और मेरा अल्स्टर तैयार रखने को कहा। मुझे पता है कि मुझे लॉर्ड सेंट साइमन से बात करनी चाहिए थी, लेकिन उनकी माँ और उन सभी बड़े लोगों के सामने यह बहुत मुश्किल था। मैंने बस भाग जाने और बाद में समझाने का मन बना लिया। मेज पर बैठे हुए मुझे दस मिनट भी नहीं हुए थे कि मैंने सड़क के दूसरी तरफ खिड़की से फ्रैंक को देखा। उसने मुझे इशारा किया और फिर पार्क की ओर चलने लगा। मैं चुपके से बाहर निकली, अपने कपड़े पहने और उसके पीछे चल दी। कोई महिला मेरे पास आकर लॉर्ड सेंट साइमन के बारे में कुछ कह रही थी - जितना मैंने सुना उससे मुझे लगा कि शादी से पहले भी उसका कोई छोटा सा रहस्य था - लेकिन मैं उससे पीछा छुड़ाने में कामयाब रही और जल्द ही फ्रैंक से मिल गई। हम एक टैक्सी में बैठे और गॉर्डन स्क्वायर में उसके किराए के कमरे की ओर चल पड़े, और इतने सालों के इंतजार के बाद आखिरकार यही मेरी असली शादी थी। फ्रैंक अपाचे जनजाति के बीच कैदी था, भाग निकला था।" जब वह 'फ्रिस्को' के पास आया, तो उसे पता चला कि मैंने उसे मरा हुआ समझकर इंग्लैंड भेज दिया था, वह मेरे पीछे-पीछे वहाँ आया और आखिरकार मेरी दूसरी शादी की सुबह मुझसे मिल गया।

"मैंने इसे एक अखबार में देखा," अमेरिकी नागरिक ने बताया। "उसमें नाम और चर्च का उल्लेख था, लेकिन यह नहीं बताया गया था कि वह महिला कहाँ रहती थी।"

फिर हमने इस बारे में बात की कि हमें क्या करना चाहिए, और फ्रैंक पूरी तरह से खुलकर बात करने के पक्ष में था, लेकिन मुझे इस सब पर इतनी शर्म आ रही थी कि मेरा मन कर रहा था कि मैं गायब हो जाऊं और फिर कभी उनमें से किसी से न मिलूं — बस पिताजी को एक चिट्ठी भेज दूं, शायद, ताकि उन्हें पता चल जाए कि मैं ज़िंदा हूं। उन सभी लॉर्ड्स और लेडीज़ के बारे में सोचना मेरे लिए बहुत भयानक था जो नाश्ते की मेज पर बैठे मेरा इंतज़ार कर रहे थे। इसलिए फ्रैंक ने मेरे शादी के कपड़े और सामान लिए और उन्हें एक गठरी में बांध दिया, ताकि मेरा पता न चल सके, और उन्हें कहीं ऐसी जगह रख दिया जहां कोई उन्हें ढूंढ न सके। शायद हम कल ही पेरिस के लिए निकल जाते, लेकिन आज शाम को यह भले आदमी, मिस्टर होम्स, हमसे मिलने आए, हालांकि उन्होंने हमें कैसे ढूंढा, यह मेरी समझ से परे है, और उन्होंने हमें बहुत स्पष्ट और विनम्रता से समझाया कि मैं गलत थी और फ्रैंक सही था, और अगर हम इतने गुप्त रहते तो हम खुद को गलत साबित कर रहे होते। फिर उन्होंने हमें लॉर्ड सेंट सॉइमन से अकेले में बात करने का मौका देने की पेशकश की, और इसलिए हम तुरंत उनके कमरे में चले गए। अब, रॉबर्ट, तुमने सब कुछ सुन लिया है, और अगर मैंने तुम्हें दुख पहुंचाया है तो मुझे बहुत खेद है, और मुझे उम्मीद है कि तुम मेरे बारे में बहुत बुरा नहीं सोचोगे।"

लॉर्ड सेंट साइमन ने अपने कठोर रवैये में ज़रा भी ढील नहीं दी थी, बल्कि उन्होंने भौंहें चढ़ाकर और होंठ दबाकर इस लंबी कहानी को सुना था।

उन्होंने कहा, "क्षमा कीजिए, लेकिन इस तरह सार्वजनिक रूप से अपने सबसे अंतरंग निजी मामलों पर चर्चा करना मेरी आदत नहीं है।"

"तो फिर तुम मुझे माफ नहीं करोगे? मेरे जाने से पहले मुझसे हाथ भी नहीं मिलाओगे?"

"हाँ, बिल्कुल, अगर इससे आपको कोई खुशी मिले तो।" उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया और उसने जो हाथ उसकी ओर बढ़ाया उसे ठंडेपन से थाम लिया।

होम्स ने सुझाव दिया, "मुझे उम्मीद थी कि आप हमारे साथ सौहार्दपूर्ण रात्रिभोज में शामिल होंगे।"

"मुझे लगता है कि आप मुझसे कुछ ज़्यादा ही उम्मीद कर रहे हैं," माननीय न्यायाधीश ने उत्तर दिया। "हो सकता है कि मुझे इन हालिया घटनाक्रमों को स्वीकार करना पड़े, लेकिन मुझसे इन पर खुशी मनाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। मुझे लगता है कि आपकी अनुमति से मैं अब आप सभी को शुभ रात्रि कहूँगा।" उन्होंने हम सभी को झुककर नमस्कार किया और कमरे से बाहर चले गए।

"तो मुझे उम्मीद है कि आप कम से कम मुझे अपने साथ आने का सौभाग्य देंगे," शर्लक होम्स ने कहा। "एक अमेरिकी से मिलना हमेशा खुशी की बात होती है, श्रीमान मौल्टन, क्योंकि मैं उन लोगों में से एक हूँ जो मानते हैं कि बीते वर्षों में एक सम्राट की मूर्खता और एक मंत्री की भूल हमारे बच्चों को एक दिन एक ही विश्वव्यापी देश के नागरिक बनने से नहीं रोक पाएगी, जिस देश का झंडा अमेरिकी ध्वज (यूनियन जैक) और अमेरिकी ध्वज का मिलाजुला रूप होगा।"

—

हमारे मेहमानों के चले जाने के बाद होम्स ने टिप्पणी की, "यह मामला बहुत दिलचस्प रहा है, क्योंकि इससे यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि एक ऐसे मामले की व्याख्या कितनी सरल हो सकती है जो पहली नज़र में लगभग समझ से परे लगता है। इस महिला द्वारा बताई गई घटनाओं का क्रम इससे अधिक स्वाभाविक नहीं हो सकता, और इसका परिणाम, उदाहरण के लिए स्कॉटलैंड यार्ड के श्री लेस्ट्रेड द्वारा देखे जाने पर, इससे अधिक विचित्र कुछ नहीं हो सकता।"

तो फिर इसमें आपकी कोई गलती नहीं थी?

"शुरू से ही मुझे दो बातें बिल्कुल स्पष्ट थीं, एक तो यह कि महिला शादी की रस्म निभाने के लिए पूरी तरह तैयार थी, और दूसरी यह कि घर लौटने के कुछ ही मिनटों में उसे अपने किए पर पछतावा हुआ। ज़ाहिर है, सुबह के दौरान कुछ ऐसा हुआ होगा जिससे उसका मन बदल गया। वह क्या हो सकता है? बाहर रहते हुए उसने किसी से बात नहीं की होगी, क्योंकि वह दूल्हे के साथ थी। क्या उसने किसी को देखा था? अगर देखा था, तो वह ज़रूर कोई अमेरिकी होगा क्योंकि उसने इस देश में बहुत कम समय बिताया था, इसलिए वह शायद ही किसी को अपने ऊपर इतना गहरा प्रभाव डालने देती कि उसे देखते ही वह अपनी योजनाएँ पूरी तरह बदल देती। आप देखिए, हम पहले ही इस नतीजे पर पहुँच चुके हैं कि उसने किसी अमेरिकी को देखा होगा। तो फिर यह अमेरिकी कौन हो सकता है, और उस पर उसका इतना प्रभाव क्यों होगा? वह उसका प्रेमी हो सकता है; वह उसका पति हो सकता है। मुझे पता था कि उसकी जवानी कठिन परिस्थितियों और अजीब माहौल में गुज़री थी। लॉर्ड सेंट साइमन की बात सुनने से पहले ही मैं यहाँ तक पहुँच चुका था।" जब उन्होंने हमें चर्च की बेंच पर बैठे एक आदमी के बारे में, दुल्हन के व्यवहार में आए बदलाव के बारे में, किसी से संपर्क करने के लिए फूलों का गुलदस्ता गिराने जैसे स्पष्ट हथकंडे के बारे में, उसकी भरोसेमंद नौकरानी की मदद लेने के बारे में, और दावा हथियाने के उसके महत्वपूर्ण संकेत के बारे में बताया — जिसका खनिकों की भाषा में अर्थ है किसी ऐसी चीज़ पर कब्ज़ा करना जिस पर किसी दूसरे का पहले से दावा हो — तो पूरी स्थिति एकदम स्पष्ट हो गई। वह किसी

आदमी के साथ चली गई थी, और वह आदमी या तो उसका प्रेमी था या उसका पूर्व पति — संभावनाएँ बाद वाले के पक्ष में थीं।

और आखिर तुमने उन्हें कैसे ढूंढा?

"यह मुश्किल हो सकता था, लेकिन मेरे मित्र लेस्ट्रेड के हाथों में ऐसी जानकारी थी जिसका महत्व उन्हें स्वयं भी नहीं पता था। बेशक, शुरुआती अक्षर अत्यंत महत्वपूर्ण थे, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह जानना था कि एक सप्ताह के भीतर उन्होंने लंदन के सबसे प्रतिष्ठित होटलों में से एक में अपना बिल चुका दिया था।"

आपने चयन का अनुमान कैसे लगाया?

"खास कीमतों को देखते हुए। एक बिस्तर के लिए आठ शिलिंग और एक गिलास शेरी के लिए आठ पेंस, यह सबसे महंगे होटलों में से एक की ओर इशारा करता था। लंदन में ऐसे बहुत कम होटल हैं जो इतनी कीमत वसूलते हैं। नार्थम्बरलैंड एवेन्यू में जिस दूसरे होटल में मैं गया, वहाँ मैंने बिल देखकर पता लगाया कि फ्रांसिस एच. मौल्टन, एक अमेरिकी सज्जन, एक दिन पहले ही वहाँ से गए थे, और उनके नाम दर्ज करते समय मुझे वही चीज़ें मिलीं जो मैंने डुप्लिकेट बिल में देखी थीं। उनके पत्र 226 गॉर्डन स्क्वायर भेजे जाने थे; इसलिए मैं वहाँ गया, और सौभाग्य से मुझे वह प्यारा जोड़ा घर पर मिला। मैंने उन्हें कुछ पिता तुल्य सलाह देने का साहस किया और उन्हें बताया कि उनके लिए यह हर तरह से बेहतर होगा कि वे आम जनता और विशेष रूप से लॉर्ड सेंट साइमन के सामने अपनी स्थिति थोड़ी स्पष्ट कर दें। मैंने उन्हें यहाँ उनसे मिलने के लिए आमंत्रित किया, और जैसा कि आप देख रहे हैं, मैंने उन्हें तय समय पर आने के लिए मना लिया।"

"लेकिन इसका कोई खास अच्छा नतीजा नहीं निकला," मैंने कहा। "उनका व्यवहार बिल्कुल भी सौहार्दपूर्ण नहीं था।"

"आह, वॉटसन," होम्स मुस्कुराते हुए बोले, "शायद तुम भी इतने दुखी नहीं होते, अगर इतनी मेहनत और शादी के बाद, पल भर में तुम पत्नी और दौलत दोनों से वंचित हो जाओ। मुझे लगता है कि हमें लॉर्ड सेंट साइमन पर दया दिखानी चाहिए और शुक्र मनाना चाहिए कि हम कभी ऐसी स्थिति में नहीं पड़ेंगे। अपनी कुर्सी खींच लो और मुझे मेरा वायलिन दे दो, क्योंकि अब हमारे सामने बस एक ही समस्या है, और वो है इन उदास पतझड़ की शामों को कैसे गुज़ारें।"

बेरिल कोरोनेट का रोमांच

"होम्स," मैंने एक सुबह अपनी खिड़की से सड़क की ओर देखते हुए कहा, "देखो, एक पागल आदमी आ रहा है। यह बहुत दुखद लगता है कि उसके रिश्तेदार उसे अकेले बाहर आने की अनुमति दे रहे हैं।"

मेरा दोस्त आलस से अपनी कुर्सी से उठा और ड्रेसिंग गाउन की जेबों में हाथ डाले मेरी तरफ देखने लगा। फरवरी की सुबह थी, मौसम सुहाना और ताज़गी भरा था, और कल की बर्फ अभी भी ज़मीन पर जमी हुई थी, जो सर्दियों की धूप में चमक रही थी। बेकर स्ट्रीट के बीचोंबीच गाड़ियों के चलने से बर्फ एक भूरी, भुरभुरी पट्टी में बदल गई थी, लेकिन दोनों किनारों पर और फुटपाथों के किनारों पर जमी बर्फ अभी भी उतनी ही सफेद थी जितनी गिरने के समय थी। धूसर फुटपाथ को साफ और खुरच कर चिकना कर दिया गया था, लेकिन फिर भी वह खतरनाक रूप से फिसलन भरा था, इसलिए आम दिनों की तुलना में कम यात्री थे। दरअसल, मेट्रोपॉलिटन स्टेशन की तरफ से उस अकेले सज्जन के अलावा कोई नहीं आ रहा था, जिनके अजीब व्यवहार ने मेरा ध्यान खींचा था।

लगभग पचास वर्ष का वह व्यक्ति लंबा, गठीला और प्रभावशाली था, जिसका चेहरा सुगठित और दमदार था। उसने गंभीर लेकिन भव्य पोशाक पहनी हुई थी, जिसमें काला फ्रॉक-कोट, चमकदार टोपी, साफ-सुथरे भूरे रंग के गेटर और अच्छी तरह से सिले हुए मोती जैसे भूरे रंग के पतलून शामिल थे। फिर भी उसकी हरकतें उसकी पोशाक और चेहरे की गरिमा के बिल्कुल विपरीत थीं, क्योंकि वह तेज़ी से दौड़ रहा था, बीच-बीच में छोटे-छोटे उछाल मार रहा था, जैसे कोई थका हुआ व्यक्ति जो अपने पैरों पर ज़्यादा ज़ोर डालने का आदी नहीं होता। दौड़ते समय वह अपने हाथों को ऊपर-नीचे झटक रहा था, अपना सिर हिला रहा था और अपने चेहरे को अजीबोगरीब ढंग से मरोड़ रहा था।

मैंने पूछा, "आखिर उसे क्या हो गया है?" उसने जवाब दिया, "वह घरों के नंबरों को देख रहा है।"

"मुझे विश्वास है कि वह यहाँ आ रहा है," होम्स ने अपने हाथों को मलते हुए कहा।

"यहाँ?"

“हाँ; मुझे तो लगता है कि वह मुझसे पेशेवर सलाह लेने आ रहा है। मुझे लगता है कि मैं लक्षणों को पहचानता हूँ। हा! क्या मैंने आपको बताया नहीं था?” जैसे ही वह बोला, वह आदमी हाँफता हुआ हमारे दरवाजे की ओर दौड़ा और घंटी को तब तक बजाता रहा जब तक कि पूरा घर उसकी आवाज़ से गूंज नहीं उठा।

कुछ ही क्षणों में वह हमारे कमरे में आ गया, अभी भी हांफ रहा था, इशारे कर रहा था, लेकिन उसकी आँखों में इतना गहरा दुःख और निराशा छाई हुई थी कि हमारी मुस्कान पल भर में भय और दया में बदल गई। कुछ देर तक वह कुछ बोल नहीं पाया, बल्कि अपने शरीर को हिलाता रहा और अपने बालों को नोचता रहा, मानो वह अपनी बुद्धि की चरम सीमा तक पहुंच गया हो। फिर अचानक उछलकर खड़ा हुआ और इतनी ज़ोर से अपना सिर दीवार पर पटका कि हम दोनों उस पर टूट पड़े और उसे खींचकर कमरे के बीचोंबीच ले आए। शर्लक होम्स ने उसे आरामकुर्सी पर बिठा दिया और उसके बगल में बैठकर उसका हाथ थपथपाया और अपनी उस सहज, शांत आवाज़ में उससे बातें करने लगा, जिसे वह बखूबी इस्तेमाल करना जानता था।

“तुम अपनी कहानी सुनाने मेरे पास आए हो, है ना?” उसने कहा। “जल्दबाजी के कारण तुम थक गए हो। कृपया थोड़ा आराम करो, फिर मुझे तुम्हारी किसी भी छोटी-मोटी समस्या पर विचार करने में खुशी होगी।”

वह व्यक्ति एक मिनट से अधिक समय तक धड़कते सीने के साथ बैठा रहा, अपनी भावनाओं को काबू में रखने की कोशिश करता रहा। फिर उसने अपने माथे पर रुमाल फेरा, होंठ कसकर बंद किए और अपना चेहरा हमारी ओर घुमाया।

“क्या आपको लगता है कि मैं पागल हूँ?” उसने कहा।

"मुझे लगता है कि आपको काफी परेशानी हुई है," होम्स ने जवाब दिया।

“ईश्वर जानता है कि मैं इससे जूझ रहा हूं! – यह एक ऐसी मुसीबत है जो मेरी बुद्धि को झकझोर देने के लिए काफी है, इतनी अचानक और इतनी भयानक। मुझे सार्वजनिक अपमान का सामना करना पड़ सकता था, हालाँकि मैं ऐसा व्यक्ति हूँ जिसका चरित्र आज तक बेदाग रहा है। निजी पीड़ा तो हर इंसान का हिस्सा होती है; लेकिन इन दोनों का एक साथ, और इतने भयावह रूप में आना, मेरी आत्मा को झकझोर देने के लिए काफी है। इसके अलावा, मैं अकेला नहीं हूं। अगर इस भयानक स्थिति से निकलने का कोई रास्ता नहीं निकाला गया, तो देश के सबसे प्रतिष्ठित लोग भी पीड़ित हो सकते हैं।”

"कृपया शांत हो जाइए, महोदय," होम्स ने कहा, "और मुझे स्पष्ट रूप से बताइए कि आप कौन हैं और आपके साथ क्या घटित हुआ है।"

हमारे आगंतुक ने उत्तर दिया, "मेरा नाम शायद आपके लिए जाना-पहचाना होगा। मैं अलेक्जेंडर होल्डर हूं, थ्रेडनीडल स्ट्रीट स्थित होल्डर एंड स्टीवेन्सन नामक बैंकिंग फर्म का।

यह नाम तो हम सब जानते ही थे, क्योंकि यह लंदन शहर के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंकिंग संस्थान के वरिष्ठ साझेदार का नाम था। आखिर ऐसा क्या हुआ होगा कि लंदन के एक प्रतिष्ठित नागरिक को इस दयनीय स्थिति का सामना करना पड़ा? हम सब उत्सुकता से इंतज़ार करते रहे, जब तक कि उन्होंने हिम्मत जुटाकर अपनी कहानी सुनाना शुरू नहीं किया।

“मैं समय को मूल्यवान मानता हूँ,” उन्होंने कहा; “इसीलिए जब पुलिस इंस्पेक्टर ने सुझाव दिया कि मुझे आपका सहयोग लेना चाहिए, तो मैं यहां जल्दी आ गया। मैं अंडरग्राउंड ट्रेन से बेकर स्ट्रीट आया और वहां से पैदल ही चला, क्योंकि इस बर्फ में टैक्सी बहुत धीरे चलती हैं। इसीलिए मेरी सांस फूल रही थी, क्योंकि मैं बहुत कम व्यायाम करता हूं। अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूँ, और मैं तथ्यों को यथासंभव संक्षेप में और स्पष्ट रूप से आपके सामने रखूंगा।”

“यह तो आप सर्वविदित है कि एक सफल बैंकिंग व्यवसाय में, हमारे जमाकर्ताओं की संख्या और उनसे संपर्क बढ़ाने के साथ-साथ, हमारे फंड के लिए लाभकारी निवेश ढूंढना भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। धन निवेश करने के हमारे सबसे लाभदायक साधनों में से एक ऋण देना है, जहां गारंटी निर्विवाद होती है। हमने पिछले कुछ वर्षों में इस दिशा में काफी काम किया है, और कई प्रतिष्ठित परिवार हैं जिन्हें हमने उनकी तस्वीरों, पुस्तकालयों या बर्तनों की गारंटी पर बड़ी रकम ऋण के रूप में दी है।”

“कल सुबह मैं बैंक में अपने दफ्तर में बैठा था, तभी एक क्लर्क मेरे पास एक कार्ड लेकर आया। नाम देखते ही मैं चौंक गया, क्योंकि वह नाम किसी और का नहीं बल्कि —खैर, शायद आपके लिए भी यही बेहतर होगा कि मैं इससे ज्यादा कुछ न कहूं, यह एक ऐसा नाम है जो पूरी दुनिया में जाना-माना है—इंग्लैंड के सबसे ऊंचे, सबसे प्रतिष्ठित और सबसे महान नामों में से एक का। मैं इस सम्मान से अभिभूत हो गया और जब वह अंदर आए तो मैंने कुछ कहने की कोशिश की, लेकिन वे तुरंत काम में जुट गए, मानो किसी अप्रिय काम को जल्दी से निपटाना चाहते हों।”

“‘श्रीमान होल्डर,’ उसने कहा, ‘मुझे सूचना मिली है कि आपको पैसे उधार देने की आदत है।’”

मैंने उत्तर दिया, “‘कंपनी ऐसा तभी करती है जब सुरक्षा अच्छी होती है।’”

उन्होंने कहा, “मेरे लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि मुझे तुरंत 50,000 पाउंड मिल जाएं। बेशक, मैं अपने दोस्तों से इतनी छोटी रकम दस गुना उधार ले सकता था, लेकिन मैं इसे एक व्यवसाय के रूप में लेना और उस व्यवसाय को स्वयं संचालित करना अधिक पसंद करता हूं। मेरी स्थिति में आप आसानी से समझ सकते हैं कि स्वयं को ऋणग्रस्त करना बुद्धिमानी नहीं है।”

मैंने पूछा, “क्या मैं पूछ सकता हूँ कि आपको यह राशि कितने समय के लिए चाहिए?”

“‘अगले सोमवार को मुझे एक बड़ी रकम मिलनी है, और मैं निश्चित रूप से आपके द्वारा दी गई राशि को ब्याज सहित चुका दूंगा, चाहे आप ब्याज लेना उचित समझें। लेकिन मेरे लिए यह बहुत आवश्यक है कि पैसा तुरंत चुका दिया जाए।’

मैंने कहा, “मैं बिना किसी और बातचीत के अपने निजी कोष से इसे आगे बढ़ाने में खुशी महसूस करता, अगर यह बोझ इतना अधिक न होता कि वह सहन न कर सके। दूसरी ओर, यदि मुझे इसे फर्म के नाम पर करना है, तो अपने साझेदार के प्रति

न्यायसंगत रहते हुए मुझे यह कहना होगा कि आपके मामले में भी, हर तरह की व्यावसायिक सावधानी बरती जानी चाहिए।"

"'मुझे तो यही बेहतर लगेगा,' उसने अपनी कुर्सी के बगल में रखे एक चौकोर, काले मोरोक्को के बक्से को उठाते हुए कहा। 'आपने बेरील कोरोनेट के बारे में तो सुना ही होगा?'"

"'साम्राज्य की सबसे अनमोल सार्वजनिक संपत्तियों में से एक,' मैंने कहा।

"'बिल्कुल सही।' उसने बक्सा खोला, और वहाँ, मुलायम, मांस के रंग के मखमल में जड़ा हुआ, वह शानदार आभूषण पड़ा था जिसका उसने नाम लिया था। 'इसमें उनतीस विशाल बेरिल हैं,' उसने कहा, 'और सोने की नक्काशी की कीमत अथाह है। सबसे कम अनुमान के अनुसार भी मुकुट की कीमत मेरे द्वारा माँगी गई राशि से दोगुनी है। मैं इसे आपके पास ज़मानत के तौर पर छोड़ने को तैयार हूँ।'

मैंने उस बहुमूल्य वस्तु को अपने हाथों में लिया और कुछ असमंजस के साथ अपने प्रतिष्ठित ग्राहक की ओर देखा।

"'क्या आपको इसके मूल्य पर संदेह है?' उसने पूछा।"

"'बिल्कुल नहीं। मुझे तो बस संदेह है—'

"'इसे छोड़ने की मेरी उपयुक्तता के बारे में आप निश्चिंत हो सकते हैं। मैं ऐसा करने के बारे में सपने में भी नहीं सोचता, अगर यह पूरी तरह से निश्चित न होता कि मैं चार दिनों में इसे वापस ले आऊंगा। यह केवल औपचारिकता का मामला है। क्या सुरक्षा पर्याप्त है?'

"'प्रचुर।'

"'श्रीमान होल्डर, आप समझते हैं कि मैं आपको अपने उस भरोसे का पुख्ता सबूत दे रहा हूँ जो मुझे आप पर है, और यह भरोसा मैंने आपके बारे में सुनी हर बात पर आधारित है। मैं आप पर न केवल इस मामले में विवेकपूर्ण रहने और किसी भी प्रकार की गपशप से दूर रहने का भरोसा करता हूँ, बल्कि सबसे बढ़कर, इस मुकुट की हर संभव सावधानी से रक्षा करने का भी, क्योंकि यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि यदि इसे कोई नुकसान पहुँचा तो एक बड़ा सार्वजनिक कलंक लग जाएगा। इसे कोई भी क्षति पहुँचना लगभग उतना ही गंभीर होगा जितना कि इसका पूरी तरह खो जाना, क्योंकि दुनिया में इन जैसे बेरिल रत्न कहीं और नहीं हैं, और इन्हें बदलना असंभव है। फिर भी, मैं इसे पूरे भरोसे के साथ आपके पास छोड़ रहा हूँ, और मैं सोमवार सुबह स्वयं इसे लेने आऊँगा।'

"यह देखकर कि मेरा ग्राहक जाने के लिए बेचैन था, मैंने और कुछ नहीं कहा, बल्कि अपने कैशियर को बुलाकर उसे पचास से अधिक 1000 पाउंड के नोट देने का आदेश दिया। हालाँकि, जब मैं फिर से अकेला रह गया और वह कीमती बक्सा मेरे सामने मेज पर पड़ा था, तो मैं अपने ऊपर आने वाली भारी ज़िम्मेदारी के बारे में कुछ आशंकाओं के साथ सोचने लगा। इसमें कोई संदेह नहीं था कि, चूंकि यह एक राष्ट्रीय संपत्ति थी, इसलिए यदि इसे कोई नुकसान होता, तो एक भयानक घोटाला हो जाता। मुझे पहले ही इस बात का पछतावा हो रहा था कि मैंने कभी इसकी ज़िम्मेदारी लेने के लिए सहमति क्यों दी। हालाँकि, अब स्थिति को बदलना बहुत देर हो चुकी थी, इसलिए मैंने इसे अपने निजी तिजोरी में बंद कर दिया और एक बार फिर अपने काम में लग गया।"

शाम होते-होते मुझे लगा कि इतनी कीमती चीज़ को दफ्तर में छोड़ना नासमझी होगी। बैंकरों की तिजोरियाँ पहले भी लूटी जा चुकी थीं, तो मेरी क्यों नहीं लूटी जा सकती? अगर ऐसा हुआ तो मैं कितनी बुरी स्थिति में फँस जाऊँगा! इसलिए मैंने तय किया कि अगले कुछ दिनों तक मैं उस तिजोरी को हमेशा अपने साथ लेकर चलूँगा,

ताकि वह कभी भी मेरी पहुँच से दूर न हो। इसी इरादे से मैंने एक टैक्सी बुलाई और गहना लेकर स्ट्रीथम स्थित अपने घर के लिए निकल पड़ा। जब तक मैंने उसे ऊपर ले जाकर अपने ड्रेसिंग रूम की अलमारी में बंद नहीं कर दिया, तब तक मुझे चैन की साँस नहीं आई।

"अब मेरे घर के बारे में कुछ कहना चाहता हूँ, श्रीमान होम्स, क्योंकि मैं चाहता हूँ कि आप स्थिति को अच्छी तरह समझ लें। मेरा नौकर और सेवक घर से बाहर सोते हैं, और उन्हें पूरी तरह से छुट्टी दी जा सकती है। मेरे पास तीन नौकरानियाँ हैं जो कई वर्षों से मेरे साथ हैं और जिनकी विश्वसनीयता पर कोई संदेह नहीं है। एक और नौकरानी, लूसी पार, जो दूसरी वेटिंग-मेड है, कुछ ही महीनों से मेरी सेवा में है। हालांकि, वह बहुत अच्छे स्वभाव की थी और उसने हमेशा मुझे संतुष्ट किया है। वह बहुत सुंदर लड़की है और उसके चाहने वाले भी हैं जो कभी-कभी घर के आसपास मंडराते रहते हैं। यही एक कमी हमें उसमें मिली है, लेकिन हम मानते हैं कि वह हर तरह से एक बहुत अच्छी लड़की है।"

"नौकरों की बात तो यहीं खत्म होती है। मेरा परिवार इतना छोटा है कि उसका वर्णन करने में मुझे ज्यादा समय नहीं लगेगा। मैं विधवा हूँ और मेरा एक ही बेटा है, आर्थर। मिस्टर होम्स, वह मेरे लिए निराशा का कारण रहा है—बहुत बड़ी निराशा। मुझे पूरा यकीन है कि इसके लिए मैं खुद ही जिम्मेदार हूँ। लोग कहते हैं कि मैंने उसे बिगाड़ दिया है। शायद मैंने बिगाड़ा भी है। जब मेरी प्यारी पत्नी का निधन हुआ, तो मुझे लगा कि वही मेरा एकमात्र सहारा है जिससे मैं प्यार कर सकता हूँ। मैं उसके चेहरे से एक पल के लिए भी मुस्कान गायब होते नहीं देख सकता था। मैंने उसकी कोई इच्छा नहीं ठुकराई। शायद हम दोनों के लिए बेहतर होता अगर मैं थोड़ा सख्त होता, लेकिन मैंने जो भी किया, वह उसके भले के लिए ही किया।"

"स्वाभाविक रूप से मेरा इरादा था कि वह मेरे व्यवसाय में मेरा उत्तराधिकारी बने, लेकिन वह व्यवसायिक स्वभाव का नहीं था। वह मनमौजी और ज़िद्दी था, और सच कहूँ तो, मैं उस पर बड़ी रकम के लेन-देन के मामले में भरोसा नहीं कर सकता था। युवावस्था में ही वह एक कुलीन क्लब का सदस्य बन गया, और वहाँ अपने आकर्षक व्यवहार के कारण वह जल्द ही कई धनी और खर्चीले लोगों का क़रीबी बन गया। उसने ताश में जमकर खेलना और जुए में पैसे उड़ाना सीख लिया, यहाँ तक कि उसे बार-बार मेरे पास आकर मुझसे अपने भत्ते में से कुछ पैसे देने की गुहार लगानी पड़ती थी, ताकि वह अपने सम्मान के कर्ज़ चुका सके। उसने कई बार उस खतरनाक संगत से दूर होने की कोशिश की, लेकिन हर बार उसके मित्र सर जॉर्ज बर्नवेल का प्रभाव उसे वापस खींच लाता था।

और सच कहूँ तो, मुझे आश्चर्य नहीं हुआ कि सर जॉर्ज बर्नवेल जैसा व्यक्ति उस पर प्रभाव डाल सकता है, क्योंकि वह उसे अक्सर मेरे घर लाता रहा है, और मैंने खुद को उसके व्यवहार के आकर्षण से अछूता नहीं पाया। वह आर्थर से उम्र में बड़ा है, दुनियादारी में माहिर है, हर जगह घूमा है, सब कुछ देखा है, एक शानदार वक्ता है, और दिखने में बेहद आकर्षक है। फिर भी, जब मैं उसके बारे में ठंडे दिमाग से सोचती हूँ, उसकी उपस्थिति के आकर्षण से दूर, तो उसकी व्यंग्यात्मक बातों और उसकी आँखों में मैंने जो भाव देखा है, उससे मुझे यकीन हो जाता है कि वह ऐसा व्यक्ति है जिस पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा मैं सोचती हूँ, और मेरी छोटी मेरी भी यही सोचती है, जिसमें एक स्त्री की तरह चरित्र को परखने की तीव्र क्षमता है।

अब बस उसी का वर्णन करना बाकी है। वह मेरी भतीजी है; लेकिन जब पाँच साल पहले मेरे भाई का देहांत हुआ और वह दुनिया में अकेली रह गई, तो मैंने उसे गोद ले लिया और तब से उसे अपनी बेटी की तरह मानती हूँ। वह मेरे घर की रोशनी है—

प्यारी, स्नेही, सुंदर, एक बेहतरीन प्रबंधक और गृहणी, फिर भी उतनी ही कोमल, शांत और सौम्य जितनी कोई स्त्री हो सकती है। वह मेरी दाहिनी भुजा है। मैं नहीं जानती कि उसके बिना मैं क्या कर सकती हूँ। केवल एक ही मामले में उसने मेरी इच्छा के विरुद्ध काम किया है। मेरे बेटे ने दो बार उससे शादी का प्रस्ताव रखा है, क्योंकि वह उससे बहुत प्यार करता है, लेकिन हर बार उसने उसे मना कर दिया है। मुझे लगता है कि अगर कोई उसे सही रास्ते पर ला सकता था तो वह वही थी, और उसकी शादी से उसका पूरा जीवन बदल सकता था; लेकिन अब, अफसोस! बहुत देर हो चुकी है—हमेशा के लिए बहुत देर हो चुकी है!

"अब, श्रीमान होम्स, आप उन लोगों को जानते हैं जो मेरे घर में रहते हैं, और मैं अपनी दुखभरी कहानी जारी रखूंगा।"

“उस रात खाने के बाद जब हम ड्राइंग रूम में कॉफी पी रहे थे, तो मैंने आर्थर और मैरी को अपना अनुभव बताया, और उस अनमोल खजाने के बारे में बताया जो हमारे घर में छिपा हुआ था, बस अपने ग्राहक का नाम छुपाया। मुझे यकीन है कि कॉफी लाने वाली लूसी पार कमरे से चली गई थी; लेकिन मैं यह पक्का नहीं कह सकता कि दरवाजा बंद था। मैरी और आर्थर को बहुत दिलचस्पी थी और वे उस मशहूर मुकुट को देखना चाहते थे, लेकिन मैंने सोचा कि उसे छेड़ना ठीक नहीं होगा।”

“‘तुमने इसे कहाँ रखा है?’ आर्थर ने पूछा।”

“‘मेरे अपने दफ्तर में।’

“‘खैर, मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि रात के समय घर में चोरी न हो जाए,’ उसने कहा।

मैंने जवाब दिया, “यह बंद है।”

“‘अरे, उस दराज में तो कोई भी चाबी लग जाएगी। जब मैं छोटा था, तब मैंने खुद ही उसे छोटे कमरे की अलमारी की चाबी से खोला था।’”

"अक्सर उनके बोलने का तरीका बेबाक होता था, इसलिए मैं उनकी बातों पर ज़्यादा ध्यान नहीं देती थी। लेकिन उस रात वह बहुत गंभीर चेहरे के साथ मेरे कमरे तक मेरे पीछे आए।"

“‘देखो पिताजी,’ उसने अपनी आँखें नीचे झुकाते हुए कहा, ‘क्या आप मुझे 200 पाउंड दे सकते हैं?’”

“‘नहीं, मैं नहीं कर सकता!’ मैंने तीखे स्वर में उत्तर दिया। ‘मैंने पैसों के मामले में आपके साथ बहुत उदारता दिखाई है।’

“‘आपने बहुत दयालुता दिखाई है,’ उसने कहा, ‘लेकिन मुझे यह पैसा चाहिए, नहीं तो मैं फिर कभी क्लब के अंदर अपना चेहरा नहीं दिखा पाऊंगा।’”

“‘और यह बहुत अच्छी बात है!’ मैं चिल्लाई।”

“‘हाँ, लेकिन आप मुझे अपमानित होकर इसे छोड़ने नहीं देंगे,’ उसने कहा। ‘मैं इस अपमान को सहन नहीं कर सकता। मुझे किसी न किसी तरह से पैसा जुटाना ही होगा, और अगर आप मुझे यह नहीं देंगे, तो मुझे दूसरे तरीके आजमाने होंगे।’

“मैं बहुत क्रोधित था, क्योंकि महीने के दौरान यह तीसरी मांग थी। मैंने चिल्लाकर कहा, ‘तुम्हें मुझसे एक पैसा भी नहीं मिलेगा,’ जिस पर उसने सिर झुकाया और बिना कुछ कहे कमरे से चला गया।”

“उसके जाने के बाद मैंने अपनी अलमारी खोली, यह सुनिश्चित किया कि मेरा खजाना सुरक्षित है, और उसे फिर से बंद कर दिया। फिर मैं घर में चारों ओर घूमकर यह देखने लगी कि सब कुछ ठीक है या नहीं—यह कर्तव्य मैं आमतौर पर मैरी पर छोड़ देती हूँ, लेकिन उस रात मैंने इसे स्वयं करना उचित समझा। जैसे ही मैं सीढ़ियों से नीचे

उतरी, मैंने मैरी को हॉल की बगल वाली खिड़की पर देखा, जिसे उसने मेरे पास आते ही बंद कर दिया और ताला लगा दिया।”

“‘मुझे बताइए, पिताजी,’ उसने कहा, और मुझे लगा कि वह थोड़ी परेशान दिख रही थी, ‘क्या आपने नौकरानी लूसी को आज रात बाहर जाने की अनुमति दी है?’”

"'हरगिज नहीं।'

“‘वह अभी-अभी पीछे के दरवाजे से अंदर आई है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह केवल किसी से मिलने के लिए बगल वाले गेट तक गई होगी, लेकिन मुझे लगता है कि यह बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है और इसे रोका जाना चाहिए।’

“‘आपको सुबह उससे बात करनी होगी, या अगर आप चाहें तो मैं कर लूँगा। क्या आपको यकीन है कि सब कुछ ठीक से बंद है?’”

“‘बिल्कुल, पिताजी।’”

“‘तो, शुभ रात्रि।’ मैंने उसे चूमा और वापस अपने बेडरूम में चला गया, जहाँ मुझे जल्द ही नींद आ गई।”

"मैं आपको वह सब कुछ बताने का प्रयास कर रहा हूँ, श्री होम्स, जिसका इस मामले से कोई संबंध हो सकता है, लेकिन मैं आपसे निवेदन करता हूं कि यदि मैं किसी भी बिंदु को स्पष्ट नहीं कर पाता हूँ तो आप मुझसे प्रश्न करें।"

इसके विपरीत, आपका कथन अत्यंत स्पष्ट है।

अब मैं अपनी कहानी के उस हिस्से पर आती हूँ जिसमें मैं विशेष रूप से सतर्क रहना चाहूँगी। मैं वैसे तो गहरी नींद नहीं सोती, और मेरे मन की चिंता ने शायद मुझे और भी कम सोने पर मजबूर कर दिया था। लगभग दो बजे, घर में किसी आवाज़ से मेरी नींद खुल गई। मेरे पूरी तरह जागने से पहले ही वह आवाज़ बंद हो गई थी, लेकिन ऐसा लगा जैसे कहीं कोई खिड़की धीरे से बंद हो गई हो। मैं पूरी तरह से ध्यान से सुनती रही। अचानक, मेरे डर के मारे, बगल वाले कमरे में कदमों की धीमी आहट साफ़ सुनाई दी। मैं डर से कांपते हुए बिस्तर से उठी और अपने ड्रेसिंग रूम के दरवाजे के कोने से झाँका।

“‘आर्थर!’ मैं चिल्लाई, ‘तू दुष्ट! तू चोर! तेरी हिम्मत कैसे हुई उस मुकुट को छूने की?’”

“गैस आधी जल रही थी, जैसा मैंने छोड़ा था, और मेरा बेचारा बेटा, केवल कमीज़ और पतलून पहने, रोशनी के पास खड़ा था, अपने हाथों में मुकुट पकड़े हुए। ऐसा लग रहा था जैसे वह उसे खींच रहा हो या अपनी पूरी ताकत से मोड़ रहा हो। मेरी चीख सुनकर उसने उसे अपने हाथों से गिरा दिया और उसका चेहरा पीला पड़ गया। मैंने झट से उसे उठाया और जांच की। सोने के कोनों में से एक, जिसमें तीन बेरिल जड़े थे, गायब था।”

“‘तुम बदमाश!’ मैं क्रोध से बौखलाकर चिल्लाई। ‘तुमने इसे नष्ट कर दिया! तुमने मुझे हमेशा के लिए अपमानित कर दिया! तुमने जो गहने चुराए हैं, वे कहाँ हैं?’”

“‘चोरी हो गया!’ वह चिल्लाया।”

“‘हाँ, चोर!’ मैंने कंधे से उसे हिलाते हुए दहाड़ लगाई।”

“‘कोई लापता नहीं है। कोई लापता हो ही नहीं सकता,’ उसने कहा।”

“‘तीन गायब हैं। और तुम जानते हो कि वे कहाँ हैं। क्या मुझे तुम्हें चोर के साथ-साथ झूठा भी कहना चाहिए? क्या मैंने तुम्हें एक और टुकड़ा फाड़ने की कोशिश करते हुए नहीं देखा?’”

“‘तुमने मुझे बहुत अपशब्द कहे हैं,’ उसने कहा, ‘मैं इसे अब और बर्दाश्त नहीं करूँगा। चूंकि तुमने मुझे अपमानित करने का फैसला किया है, इसलिए मैं इस मामले

में एक शब्द भी नहीं कहूंगा। मैं सुबह तुम्हारे घर से निकल जाऊंगा और दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाऊंगी।'"

"'तुम इसे पुलिस के हवाले कर दो!' मैं दुख और क्रोध से लगभग पागल होकर चिल्लाई। 'मैं इस मामले की तह तक जांच करवाऊंगी।'"

"'तुम मुझसे कुछ नहीं सीखोगे,' उसने ऐसे जोश से कहा जैसा मैंने उसके स्वभाव में कभी सोचा भी नहीं था। 'अगर तुम पुलिस को बुलाना चाहते हो, तो पुलिस को जो पता चल सके, उसे पता लगाने दो।'"

"तब तक पूरा घर हलचल मचा चुका था, क्योंकि मैंने गुस्से में ऊंची आवाज़ में बात की थी। मेरी सबसे पहले मेरे कमरे में दौड़ी और मुकुट और आर्थर का चेहरा देखते ही उसने सारी कहानी समझ ली और चीखते हुए बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी। मैंने नौकरानी को पुलिस को बुलाने के लिए भेजा और तुरंत जांच उनके हवाले कर दी। जब इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल घर में दाखिल हुए, तो आर्थर, जो हाथ बांधे उदास खड़ा था, ने मुझसे पूछा कि क्या मैं उस पर चोरी का आरोप लगाने का इरादा रखती हूं। मैंने जवाब दिया कि यह अब निजी मामला नहीं रहा, बल्कि सार्वजनिक मामला बन गया है, क्योंकि टूटा हुआ मुकुट राष्ट्रीय संपत्ति है। मैं दृढ़ थी कि हर मामले में कानून का ही पालन होना चाहिए।"

"'कम से कम,' उसने कहा, 'आप मुझे तुरंत गिरफ्तार नहीं करवाएंगे। अगर मुझे पांच मिनट के लिए घर से बाहर जाने की इजाजत मिल जाए तो यह आपके और मेरे दोनों के लिए फायदेमंद होगा।'"

मैंने कहा, 'शायद तुम बच निकलोगे, या हो सकता है कि तुमने जो चुराया है उसे छुपा सको।' फिर, अपनी भयावह स्थिति को समझते हुए, मैंने उससे विनती की कि वह याद रखे कि न केवल मेरी, बल्कि मुझसे कहीं अधिक महान् व्यक्ति की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है; और वह एक ऐसा घोटाला खड़ा करने की धमकी दे रहा है जो पूरे देश को हिला देगा। अगर वह मुझे बता दे कि उसने तीन लापता पत्थरों का क्या किया है, तो वह इस सब को टाल सकता है।'

मैंने कहा, 'तुम्हें इस मामले का सामना करना ही होगा; तुम रंगे हाथों पकड़े गए हो, और कोई भी स्वीकारोक्ति तुम्हारे अपराध को और अधिक ज़घन्य नहीं बना सकती। यदि तुम अपनी सामर्थ्य के अनुसार प्रायश्चित कर लो, यानी हमें बता दो कि बेरील कहां हैं, तो सब कुछ क्षमा कर दिया जाएगा और भुला दिया जाएगा।'

"'माफ़ी मांगने वालों के लिए ही माफ़ी रखो,' उसने मुझसे मुंह फेरते हुए तिरस्कार भरी मुस्कान के साथ जवाब दिया। मैंने देखा कि वह इतना कठोर हो चुका था कि मेरे शब्दों का उस पर कोई असर नहीं हो रहा था। अब बस एक ही रास्ता बचा था। मैंने इंस्पेक्टर को बुलाया और उसे हिरासत में ले लिया। तुरंत उसकी तलाशी ली गई, न केवल उसके कमरे की, बल्कि घर के हर उस हिस्से की भी जहां उसने रत्न छिपाए हो सकते थे; लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला, और न ही उस बेचारे लड़के ने हमारे सारे समझाने-बुझाने और धमकियों के बावजूद अपना मुंह खोला। आज सुबह उसे एक कोठरी में ले जाया गया, और मैंने पुलिस की सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, आपसे विनती करने के लिए जल्दी से आपके पास आया हूं कि आप अपनी कुशलता का इस्तेमाल करके इस मामले को सुलझाएं। पुलिस ने खुलेआम स्वीकार किया है कि वे फिलहाल इस मामले में कुछ भी नहीं कर सकते। आप जो भी खर्च करना चाहें, कर सकते हैं। मैंने पहले ही 1000 पाउंड का इनाम घोषित कर दिया है। हे भगवान, मैं क्या करूं! मैंने एक ही रात में अपनी इज्जत, अपने रत्न और अपने बेटे को खो दिया। ओह, मैं क्या करूं!"

उसने अपने सिर के दोनों ओर हाथ रखे और खुद को आगे-पीछे झुलाते हुए, एक ऐसे बच्चे की तरह गुनगुना रहा था जिसका दुख शब्दों से परे हो गया हो।

शर्लक होम्स कुछ मिनटों तक चुपचाप बैठे रहे, उनकी भौंहें तनी हुई थीं और उनकी निगाहें आग पर टिकी हुई थीं।

"क्या आपके यहाँ अक्सर मेहमान आते हैं?" उसने पूछा।

"मेरे साथी और उनके परिवार के अलावा कोई नहीं, और आर्थर का कभी-कभार कोई दोस्त भी आ जाता है। सर जॉर्ज बर्नवेल हाल ही में कई बार आए हैं। मेरे ख्याल से उनके अलावा कोई और नहीं।"

"क्या आप अक्सर बाहर घूमने जाते हैं?"

"आर्थर करता है। मैरी और मैं घर पर ही रहते हैं। हम दोनों को इसकी परवाह नहीं है।"

"एक युवा लड़की में ऐसा होना असामान्य है।"

"वह शांत स्वभाव की है। इसके अलावा, वह इतनी छोटी भी नहीं है। वह चौबीस साल की है।"

"आपकी बातों से ऐसा लगता है कि इस मामले ने उन्हें भी चौंका दिया है।"

"बहुत बुरा! वह तो मुझसे भी ज्यादा प्रभावित है।"

"क्या आप दोनों को अपने बेटे के अपराध के बारे में कोई संदेह नहीं है?"

"ऐसा कैसे हो सकता है जब मैंने उसे अपनी आँखों से हाथों में मुकुट लिए हुए देखा था?"

"मैं इसे निर्णायक सबूत नहीं मानता। क्या मुकुट के शेष भाग को कोई क्षति पहुंची थी?"

"हां, यह विकृत था।"

"तो क्या आपको नहीं लगता कि वह इसे सीधा करने की कोशिश कर रहा होगा?"

"भगवान आपका भला करे! आप उसके और मेरे लिए जो कर सकते हैं, कर रहे हैं। लेकिन यह बहुत बड़ा काम है। आखिर वह वहाँ कर क्या रहा था? अगर उसका इरादा नेक था, तो उसने ऐसा क्यों नहीं कहा?"

"बिल्कुल सही। और अगर वह दोषी था, तो उसने झूठ क्यों नहीं गढ़ा? उसकी चुप्पी मुझे दोतरफा लगती है। इस मामले में कई विलक्षण बातें हैं। पुलिस ने उस शोर के बारे में क्या सोचा जिसने आपको नींद से जगा दिया?"

उन्होंने सोचा कि शायद इसका कारण आर्थर द्वारा अपने बेडरूम का दरवाजा बंद करना हो सकता है।

"यह तो मनगढ़ंत कहानी है! मानो कोई अपराध करने पर आमादा आदमी घरवालों को जगाने के लिए दरवाजा जोर से पटके। फिर इन अनमोल रत्नों के गायब होने के बारे में लोगों ने क्या कहा?"

"वे अब भी तख्तों को खोदकर देख रहे हैं और फर्नीचर की जांच कर रहे हैं, इस उम्मीद में कि उन्हें ढूंढ लिया जाए।"

क्या उन्होंने घर के बाहर देखने के बारे में सोचा है?

"जी हां, उन्होंने असाधारण ऊर्जा दिखाई है। पूरे बगीचे का पहले ही बारीकी से निरीक्षण किया जा चुका है।"

"अब, मेरे प्रिय महोदय," होम्स ने कहा, "क्या अब आपको यह स्पष्ट नहीं हो गया है कि यह मामला वास्तव में उससे कहीं अधिक जटिल है जितना आप या पुलिस ने पहले सोचा था? आपको यह एक साधारण मामला लगा; मुझे यह अत्यंत पेचीदा लगता है। ज़रा अपने सिद्धांत पर विचार कीजिए। आप मानते हैं कि आपका बेटा बिस्तर से उठा, बड़े जोखिम उठाकर आपके ड्रेसिंग रूम में गया, आपकी अलमारी खोली, आपका

मुकुट निकाला, ज़बरदस्ती उसका एक छोटा सा टुकड़ा तोड़ दिया, किसी दूसरी ज़गह चला गया, उनतीस रत्नों में से तीन को इतनी कुशलता से छिपा दिया कि कोई उन्हें ढूंढ न सके, और फिर बाकी छत्तीस रत्नों के साथ उस कमरे में लौट आया जहां उसने खुद को पकड़े जाने के सबसे बड़े खतरे में डाल दिया। अब मैं आपसे पूछता हूँ, क्या ऐसा सिद्धांत तर्कसंगत है?”

“लेकिन और क्या विकल्प है?” बैंकर ने निराशा भरे भाव से कहा। “अगर उसके इरादे नेक थे, तो वह उन्हें स्पष्ट क्यों नहीं करता?”

“यह पता लगाना हमारा काम है,” होम्स ने उत्तर दिया; “तो अब, यदि आप चाहें, श्रीमान होल्डर, हम साथ में स्ट्रीथम के लिए रवाना होंगे, और एक घंटा विवरणों पर थोड़ा और बारीकी से नज़र डालने में बिताएंगे।”

मेरे मित्र ने मुझे उनके साथ यात्रा पर चलने के लिए ज़ोर दिया, और मैं इसके लिए बहुत उत्सुक था, क्योंकि जो कहानी हमने सुनी थी, उससे मेरी जिज्ञासा और सहानुभूति दोनों ही गहरी जागृत हो गई थीं। मैं स्वीकार करता हूँ कि बैंकर के बेटे का अपराध मुझे उतना ही स्पष्ट लग रहा था जितना उसके दुखी पिता को, लेकिन फिर भी मुझे होम्स के निर्णय पर इतना भरोसा था कि मुझे लगा कि जब तक वह स्वीकृत स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं है, तब तक आशा की कुछ किरण अवश्य है। दक्षिणी उपनगर तक पूरे रास्ते में वह लगभग एक शब्द भी नहीं बोला, बल्कि अपनी ठुड्डी सीने पर टिकाए और टोपी आँखों पर डाले बैठा रहा, गहरी सोच में डूबा हुआ। हमारे मुवक्किल को आशा की जो छोटी सी झलक दिखाई दी थी, उससे मानो उसे नई उम्मीद मिली थी, और उसने अपने व्यापारिक मामलों पर मुझसे बेतरतीब बातचीत भी शुरू कर दी। एक छोटी रेल यात्रा और थोड़ी दूर पैदल चलने के बाद हम फेयरबैंक पहुँचे, जो उस महान फाइनेंसर का साधारण निवास था।

फेयरबैंक एक बड़े आकार का चौकोर सफेद पत्थर का मकान था, जो सड़क से थोड़ा पीछे हटकर बना था। सामने की ओर बर्फ से ढका लॉन था, जिसके बीच से होकर दो बड़े लोहे के फाटक प्रवेश द्वार तक जाते थे। दाहिनी ओर लकड़ी का एक छोटा सा झुरमुट था, जो सड़क से रसोई के दरवाजे तक फैली दो साफ-सुथरी बाड़ों के बीच से गुजरते हुए एक संकरे रास्ते में खुलता था, और यह व्यापारियों का प्रवेश द्वार था। बाईं ओर एक गली थी जो अस्तबल की ओर जाती थी, और यह स्वयं परिसर के भीतर नहीं थी, बल्कि एक सार्वजनिक, हालांकि कम इस्तेमाल होने वाला, रास्ता था। होम्स हमें दरवाजे पर खड़ा छोड़कर धीरे-धीरे घर के चारों ओर घूमे, सामने से होते हुए, व्यापारियों के रास्ते से नीचे और फिर पीछे के बगीचे से होते हुए अस्तबल वाली गली में चले गए। उन्हें इतना समय लग गया कि श्री होल्डर और मैं भोजन कक्ष में चले गए और उनके लौटने तक आग के पास इंतजार करने लगे। हम वहाँ चुपचाप बैठे थे कि दरवाजा खुला और एक युवती अंदर आई। वह औसत कद से थोड़ी लंबी, दुबली-पतली, काले बालों और काली आँखों वाली थी, जो उसकी त्वचा के बिल्कुल पीलेपन के कारण और भी गहरी लग रही थीं। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी किसी स्त्री के चेहरे पर इतनी भयानक पीलापन देखा है। उसके होंठ भी खून से सने नहीं थे, लेकिन उसकी आँखें रोने से लाल थीं। जब वह चुपचाप कमरे में दाखिल हुई, तो उसने मुझे सुबह बैंकर से भी कहीं अधिक गहरे दुःख का एहसास कराया, और यह बात उसमें और भी स्पष्ट थी क्योंकि वह स्पष्ट रूप से एक मजबूत चरित्र वाली, आत्म-संयम की अपार क्षमता वाली महिला थी। मेरी उपस्थिति को अनदेखा करते हुए, वह सीधे अपने चाचा के पास गई और बड़े प्यार से उनके सिर पर हाथ फेरा।

“आपने आर्थर को रिहा करने का आदेश दिया है, है ना पिताजी?” उसने पूछा।

"नहीं, नहीं, मेरी बच्ची, इस मामले की तह तक जाँच होनी चाहिए।"

लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वह निर्दोष है। आप जानती हैं कि महिलाओं की सहज प्रवृत्ति कैसी होती है। मुझे पता है कि उसने कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है और आपको अपने कठोर व्यवहार पर पछतावा होगा।

"अगर वह निर्दोष है, तो फिर वह चुप क्यों है?"

"कौन जाने? शायद इसलिए कि वह इतना गुस्से में था कि आपको उस पर शक हो गया।"

"जब मैंने उसे सचमुच हाथ में मुकुट लिए देखा था, तो मैं उस पर शक करने से कैसे बच सकता था?"

“अरे, उसने तो बस देखने के लिए उठाया था। अरे, मेरी बात मान लो कि वह निर्दोष है। इस मामले को यहीं खत्म करो और कुछ मत कहो। हमारे प्यारे आर्थर को जेल में देखकर कितना डर लगता है!”

“जब तक रत्न नहीं मिल जाते, मैं इस मामले को कभी नहीं छोड़ूंगा—कभी नहीं, मैरी! आर्थर के प्रति तुम्हारा स्नेह तुम्हें मेरे लिए होने वाले भयानक परिणामों से अंधा कर रहा है। इस मामले को दबाने के बजाय, मैंने लंदन से एक सज्जन को बुलाया है ताकि वे इसकी गहन जांच कर सकें।”

"ये सज्जन?" उसने मेरी ओर मुड़ते हुए पूछा।

“नहीं, उसका दोस्त। वह चाहता था कि हम उसे अकेला छोड़ दें। वह अभी अस्तबल वाली गली में है।”

“अस्तबल वाली गली?” उसने अपनी गहरी भौहें उठाईं। “वहाँ उसे क्या मिलने की उम्मीद हो सकती है? आह! मुझे लगता है, यही वह है। मुझे उम्मीद है, महोदय, कि आप यह साबित करने में सफल होंगे, जो मुझे पूरा यकीन है कि सच है, कि मेरे चचेरे भाई आर्थर इस अपराध से निर्दोष हैं।”

“मैं आपकी राय से पूरी तरह सहमत हूँ, और मुझे विश्वास है कि हम इसे साबित कर सकते हैं,” होम्स ने जवाब दिया और अपने जूतों से बर्फ झाड़ने के लिए चटाई पर वापस झुक गए। “मुझे श्रीमती मैरी होल्डर को संबोधित करने का सौभाग्य प्राप्त है। क्या मैं आपसे एक-दो प्रश्न पूछ सकता हूं?”

"कृपया ऐसा करें, महोदय, यदि इससे इस भयावह मामले को सुलझाने में मदद मिल सके।"

"क्या तुमने कल रात खुद कुछ नहीं सुना?"

"कुछ नहीं हुआ, जब तक कि मेरे चाचा ने ज़ोर से बोलना शुरू नहीं किया। मैंने वह सुना और मैं नीचे आ गया।"

“आपने पिछली रात खिड़कियाँ और दरवाजे बंद कर दिए थे। क्या आपने सभी खिड़कियाँ ठीक से बंद की थीं?”

"हाँ।"

"क्या आज सुबह उन सभी को ठीक से बांधा गया था?"

"हाँ।"

“क्या आपकी नौकरानी का कोई प्रेमी है? मुझे लगता है कि आपने कल रात अपने चाचा से कहा था कि वह उनसे मिलने गई थी?”

"हां, और वह वही लड़की थी जो ड्राइंग रूम में इंतज़ार करती थी, और जिसने शायद चाचा की मुकुट के बारे में की गई टिप्पणियां सुनी होंगी।"

“मैं समझ गया। आपका मतलब यह है कि वह अपने प्रेमी को बताने के लिए बाहर गई होगी, और उन दोनों ने मिलकर डकैती की योजना बनाई होगी।”

"लेकिन इन सभी अस्पष्ट सिद्धांतों का क्या फायदा," बैंकर ने अधीरता से चिल्लाते हुए कहा, "जब मैंने आपको बताया है कि मैंने आर्थर को मुकुट हाथ में लिए हुए देखा

था?"

"थोड़ा रुकिए, श्रीमान होल्डर। हमें उस पर बाद में बात करनी होगी। उस लड़की के बारे में, श्रीमती होल्डर। मुझे लगता है कि आपने उसे रसोई के दरवाजे से लौटते हुए देखा था?"

"हां; जब मैं यह देखने गया कि रात के लिए दरवाज़ा बंद है या नहीं, तो मैंने उसे चुपके से अंदर आते हुए देखा। मैंने उस आदमी को भी अंधेरे में देखा।"

"क्या आप उसे जानते हो?"

"ओह, जी हाँ! ये वही सब्जीवाला है जो हमारे यहाँ सब्जियां लाता है। उसका नाम फ्रांसिस प्रॉस्पर है।"

होम्स ने कहा, "वह दरवाज़े के बाईं ओर खड़ा था - यानी, दरवाजे तक पहुंचने के लिए आवश्यक दूरी से कहीं अधिक आगे रास्ते पर?"

"हां वह था।"

और वह लकड़ी के पैर वाला आदमी है?

उस युवती की भावपूर्ण काली आँखों में मानो भय का भाव उभर आया। "अरे वाह, आप तो किसी जादूगर की तरह हैं!" उसने कहा। "आपको यह कैसे पता?" वह मुस्कुराई, लेकिन होम्स के पतले, उत्सुक चेहरे पर कोई मुस्कान नहीं थी।

"अब मुझे ऊपर जाने में बहुत खुशी होगी," उसने कहा। "शायद मैं घर के बाहरी हिस्से का एक बार फिर से निरीक्षण करना चाहूँगा। शायद ऊपर जाने से पहले मुझे नीचे की खिड़कियों पर एक नज़र डाल लेनी चाहिए।"

वह एक के बाद एक तेज़ी से चलता हुआ आया और केवल उस बड़े दरवाजे के पास रुका जो हॉल से अस्तबल वाली गली की ओर खुलता था। उसने वह दरवाज़ा खोला और अपने शक्तिशाली आवर्धक लेंस से उसकी चौखट का बहुत ध्यान से निरीक्षण किया। अंत में उसने कहा, "अब हम ऊपर चलेंगे।"

बैंकर का ड्रेसिंग रूम एक छोटा सा, सादा सा कमरा था, जिसमें एक ग्रे रंग का कालीन, एक बड़ी अलमारी और एक लंबा दर्पण था। होम्स सबसे पहले अलमारी के पास गए और उसके ताले को ध्यान से देखा।

"इसे खोलने के लिए किस चाबी का इस्तेमाल किया गया था?" उसने पूछा।

"जिसकी ओर मेरे बेटे ने स्वयं इशारा किया था - यानी कि कबाड़खाने की अलमारी की ओर।"

"क्या यह आपके पास है?"

"ड्रेसिंग टेबल पर बस यही है।"

शर्लक होम्स ने उसे उठाया और अलमारी खोली।

"यह एक खामोश ताला है," उसने कहा। "इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि इसने तुम्हें जगाया नहीं। मुझे लगता है कि इस डिब्बे में मुकुट है। हमें इसे देखना चाहिए।" उसने डिब्बा खोला और मुकुट निकालकर मेज पर रख दिया। यह जौहरी कला का एक शानदार नमूना था, और इसमें जड़े छत्तीस रत्न मैंने अब तक देखे सबसे बेहतरीन रत्न थे। मुकुट के एक किनारे पर दरार थी, जहाँ तीन रत्नों को पकड़े हुए एक कोना टूट गया था।

"श्रीमान होल्डर," होम्स ने कहा, "यह वह कोना है जो दुर्भाग्यवश खो गए हिस्से से मेल खाता है। क्या मैं आपसे निवेदन कर सकता हूँ कि आप इसे तोड़ दें?"

बैंकर दहशत से पीछे हट गया। उसने कहा, "मैं ऐसा करने की सोच भी नहीं सकता।"

"तो मैं करूँगा।" होम्स ने अचानक अपनी पूरी ताकत लगा दी, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ। "मुझे थोड़ा सा हिलता हुआ महसूस हो रहा है," उसने कहा; "लेकिन,

हालांकि मेरी उंगलियां असाधारण रूप से मजबूत हैं, इसे तोड़ने में मुझे अपना सारा समय लग जाएगा। एक साधारण आदमी ऐसा नहीं कर सकता। अब, अगर मैंने इसे तोड़ दिया, तो क्या होगा, मिस्टर होल्डर? पिस्तौल की गोली जैसी आवाज़ आएगी। क्या आप मुझे बता रहे हैं कि यह सब आपके बिस्तर से कुछ ही गज की दूरी पर हुआ और आपने कुछ भी नहीं सुना?"

मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचूं। मेरे लिए सब कुछ अंधकारमय है।

"लेकिन शायद आगे बढ़ने पर यह हल्का हो जाए। आपका क्या विचार है, मिस होल्डर?"

मैं स्वीकार करता हूं कि मैं अब भी अपने चाचा की तरह असमंजस में हूं।

"जब आपने अपने बेटे को देखा तो उसके पैरों में जूते या चप्पल नहीं थे?"

"उसने अपने शरीर पर पतलून और कमीज़ के अलावा कुछ भी नहीं पहना था।"

"धन्यवाद। इस जांच के दौरान हमें वाकई असाधारण सौभाग्य प्राप्त हुआ है, और अगर हम इस मामले को सुलझाने में सफल नहीं हुए तो यह पूरी तरह हमारी ही गलती होगी। श्रीमान होल्डर, आपकी अनुमति से, मैं अब अपनी जांच बाहर जारी रखूंगा।"

वह अपनी इच्छा से अकेले ही गया, क्योंकि उसने समझाया कि अनावश्यक पदचिह्न उसके काम को और कठिन बना सकते हैं। एक घंटे से अधिक समय तक वह काम करता रहा और अंत में बर्फ से भारी पैरों के साथ लौटा, उसके चेहरे पर हमेशा की तरह कोई भाव नहीं था।

"मुझे लगता है कि मैंने अब सब कुछ देख लिया है, श्रीमान होल्डर," उन्होंने कहा; "मैं अपने कमरे में वापस जाकर आपकी बेहतर सेवा कर सकता हूं।"

लेकिन वो रत्न, मिस्टर होम्स। वो कहाँ हैं?

"मैं नहीं बता सकता हूँ।"

बैंकर ने अपने हाथ मलते हुए कहा, "मैं उन्हें फिर कभी नहीं देख पाऊंगा!" वह रो पड़ा। "और मेरा बेटा? तुम मुझे उम्मीदें देते हो?"

मेरी राय में कोई बदलाव नहीं आया है।

"तो फिर, भगवान के लिए, कल रात मेरे घर में जो काला धंधा हुआ, वह क्या था?"

"यदि आप कल सुबह नौ से दस बजे के बीच बेकर स्ट्रीट स्थित मेरे कार्यालय में मुझसे मिल सकते हैं, तो मुझे इसे और स्पष्ट करने में खुशी होगी। मुझे पता चला है कि आपने मुझे आपके लिए काम करने की पूरी छूट दी है, बशर्ते कि मुझे रत्न वापस मिल जाएं और आप मेरे द्वारा निकाली जाने वाली राशि पर कोई सीमा न लगाएं।"

"मैं उन्हें वापस पाने के लिए अपनी सारी दौलत दे दूंगा।"

"बहुत अच्छा। मैं आज और आज के बीच इस मामले को देख लूंगा। अलविदा; हो सकता है कि मुझे शाम से पहले फिर से यहाँ आना पड़े।"

मुझे स्पष्ट रूप से पता चल गया था कि मेरे साथी ने इस मामले में अपना मन बना लिया था, हालांकि उसके निष्कर्ष क्या थे, यह मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था। घर वापसी की यात्रा के दौरान मैंने कई बार उससे इस बारे में बात करने की कोशिश की, लेकिन वह हमेशा किसी और विषय पर चला जाता था, अंततः मैंने हताशा में हार मान ली। तीन बजने से पहले ही हम फिर से अपने कमरों में पहुंच गए। वह जल्दी से अपने कमरे में गया और कुछ ही मिनटों में एक आम आवारा की तरह कपड़े पहनकर वापस आ गया। कॉलर ऊपर किए हुए, चमकदार, खस्ताहाल कोट, लाल टाई और घिसे हुए जूतों के साथ, वह उस वर्ग का एक सटीक नमूना था।

"मुझे लगता है कि यह ठीक रहेगा," उसने चिमनी के ऊपर लगे शीशे में देखते हुए कहा। "काश तुम मेरे साथ आ पाते, वॉटसन, पर मुझे डर है कि यह संभव नहीं होगा। हो सकता है कि मैं इस मामले में सही राह पर हूं, या हो सकता है कि मैं किसी मायावी

चीज़ का पीछा कर रहा हूँ, लेकिन मुझे जल्द ही पता चल जाएगा कि यह क्या है। मुझे उम्मीद है कि मैं कुछ घंटों में वापस आ जाऊँगा।" उसने साइडबोर्ड पर रखे मांस के टुकड़े में से एक स्लाइस काटा, उसे दो गोल रोटियों के बीच रखा, और इस साधारण भोजन को अपनी जेब में डालकर वह अपने अभियान पर निकल पड़ा।

मैंने अभी चाय खत्म ही की थी कि वह वापस आ गया, जाहिर तौर पर बहुत खुश था, हाथ में एक पुराना इलास्टिक वाला जूता लहरा रहा था। उसने उसे एक कोने में फेंक दिया और खुद एक कप चाय पी ली।

“मैं बस गुजरते समय अंदर झाँका था,” उन्होंने कहा। “मैं सीधे जा रहा हूँ।”

"कहाँ जाना है?"

“ओह, वेस्ट एंड के दूसरी तरफ। मुझे वापस आने में कुछ समय लग सकता है। अगर मुझे देर हो जाए तो मेरा इंतज़ार मत करना।”

"आप कैसे आगे बढ़ रहे हैं?"

“ओह, ठीक है। शिकायत करने लायक कुछ नहीं है। आपसे आखिरी बार मिलने के बाद मैं स्ट्रीथम गई थी, लेकिन आपके घर नहीं गई। यह एक बहुत ही प्यारी सी समस्या है, और मैं इसे किसी भी कीमत पर छोड़ना नहीं चाहती थी। हालांकि, मुझे यहां बैठकर गपशप नहीं करनी चाहिए, बल्कि इन भद्दे कपड़ों को उतारकर अपने शालीन रूप में लौटना चाहिए।”

उसके हावभाव से ही मैं समझ गया था कि उसकी संतुष्टि के कारण उसके शब्दों से कहीं अधिक प्रबल थे। उसकी आँखों में चमक थी और उसके पीले गालों पर हल्की सी लाली भी झलक रही थी। वह जल्दी से ऊपर की ओर चला गया और कुछ ही मिनटों बाद मुझे हॉल का दरवाजा ज़ोर से बंद होने की आवाज़ सुनाई दी, जिससे मुझे पता चला कि वह एक बार फिर अपने मनपसंद शिकार पर निकल पड़ा है।

मैंने आधी रात तक इंतज़ार किया, लेकिन उसके लौटने का कोई आसार नहीं था, इसलिए मैं अपने कमरे में चली गई। किसी खोज में लगे रहने पर उसका कई दिनों और रातों तक घर से दूर रहना कोई असामान्य बात नहीं थी, इसलिए उसकी देरी से मुझे कोई हैरानी नहीं हुई। मुझे नहीं पता कि वह किस समय आया, लेकिन जब मैं सुबह नाश्ते के लिए नीचे आई तो वह एक हाथ में कॉफी का कप और दूसरे हाथ में अखबार लिए, एकदम तरोताज़ा और चुस्त-दुरुस्त बैठा था।

"वॉटसन, आप मुझे बिना आपके बात शुरू करने के लिए क्षमा करेंगे," उसने कहा, "लेकिन आपको याद होगा कि हमारे मुवक्किल की आज सुबह काफी जल्दी एक अपॉइंटमेंट है।"

“अरे, अब तो नौ बज चुके हैं,” मैंने जवाब दिया। “अगर वो वही हो तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। मुझे लगा जैसे घंटी बजने की आवाज़ आई हो।”

जी हाँ, वह हमारे मित्र, वित्तपोषक ही थे। उनमें आए बदलाव को देखकर मैं दंग रह गया, क्योंकि उनका चेहरा, जो स्वभाव से चौड़ा और सुडौल था, अब पिचका हुआ और धंसा हुआ लग रहा था, और उनके बाल भी मुझे पहले से ज़्यादा सफ़ेद दिखाई दे रहे थे। वे थकावट और सुस्ती के साथ अंदर आए, जो पिछली सुबह की उनकी उग्रता से भी कहीं ज़्यादा कष्टदायक थी, और वे उस कुर्सी पर भारी मन से बैठ गए जिसे मैंने उनके लिए आगे खिसकाया था।

“मुझे नहीं पता मैंने ऐसा क्या किया है कि मुझे इतनी कठिन परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है,” उसने कहा। “सिर्फ दो दिन पहले मैं एक सुखी और समृद्ध व्यक्ति था, दुनिया की कोई चिंता नहीं थी। अब मैं एक अकेले और अपमानित युग में जी रहा हूँ। एक दुख के बाद दूसरा दुख आता है। मेरी भतीजी मैरी मुझे छोड़कर चली गई है।”

“तुम्हें छोड़ दिया?”

“हाँ। आज सुबह उसके बिस्तर पर कोई सोया नहीं था, उसका कमरा खाली था, और मेरे लिए एक नोट हॉल की मेज पर पड़ा था। मैंने कल रात उससे दुख में कहा था, गुस्से में नहीं, कि अगर उसने मेरे बेटे से शादी कर ली होती तो शायद उसका सब कुछ ठीक होता। शायद ऐसा कहना मेरी नासमझी थी। इसी बात का जिक्र उसने इस नोट में किया है।”

मेरे प्रिय चाचा जी:

मुझे लगता है कि मैंने आप पर मुसीबत ला दी है, और अगर मैंने कुछ और किया होता तो शायद यह भयानक विपत्ति कभी न आती। इस विचार के साथ मैं आपके घर में फिर कभी खुश नहीं रह सकती, और मुझे लगता है कि मुझे आपको हमेशा के लिए छोड़ना होगा। मेरे भविष्य की चिंता मत कीजिए, क्योंकि उसका इंतजाम हो चुका है; और सबसे बढ़कर, मेरी तलाश मत कीजिए, क्योंकि यह व्यर्थ का प्रयास होगा और मेरे लिए एक तरह की नाइंसाफी होगी। जीवन में हो या मृत्यु में, मैं हमेशा आपकी हूँ।

“आपका प्यार

“मैरी।”

"उस नोट से उसका क्या मतलब हो सकता है, मिस्टर होम्स? क्या आपको लगता है कि यह आत्महत्या की ओर इशारा करता है?"

“नहीं, नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। शायद यही सबसे अच्छा संभव समाधान है। मुझे उम्मीद है, श्रीमान होल्डर, कि आपकी परेशानियां जल्द ही खत्म होने वाली हैं।”

“हा! आपने ऐसा कहा! आपने कुछ सुना है, मिस्टर होम्स; आपने कुछ सीखा है! रत्न कहाँ हैं?”

"क्या आपको नहीं लगता कि इनमें से प्रत्येक के लिए 1000 पाउंड की कीमत बहुत अधिक है?"

मैं दस डॉलर दूंगा।

“यह अनावश्यक होगा। तीन हज़ार में काम हो जाएगा। और मुझे लगता है कि थोड़ा इनाम भी है। क्या आपके पास चेकबुक है? ये लीजिए एक पेन। बेहतर होगा कि आप 4000 पाउंड लिख लें।”

बैंक कर्मचारी ने स्तब्ध चेहरे के साथ आवश्यक चेक तैयार किया। होम्स अपनी मेज़ के पास गया, तीन रत्नों से जड़ा सोने का एक छोटा त्रिकोणीय टुकड़ा निकाला और उसे मेज पर पटक दिया।

खुशी की चीख के साथ हमारे ग्राहक ने उसे कसकर पकड़ लिया।

“तुम्हारे पास है!” वह हांफते हुए बोला। “मैं बच गया! मैं बच गया!”

उसकी खुशी की प्रतिक्रिया उतनी ही तीव्र थी जितना उसका शोक था, और उसने अपने बरामद रत्नों को अपने सीने से लगा लिया।

"मिस्टर होल्डर, आपको एक और काम करना है," शर्लक होम्स ने काफी सख्ती से कहा।

“मुझे देना है!” उसने कलम उठाई। “जो भी रकम बताओ, मैं चुका दूंगा।”

“नहीं, यह कर्ज मेरा नहीं है। आपको उस नेक लड़के, आपके बेटे से विनम्रतापूर्वक माफी मांगनी चाहिए, जिसने इस मामले में ऐसा व्यवहार किया है जैसा कि मैं अपने बेटे को करते देखकर गर्व महसूस करूंगा, अगर कभी मेरा कोई बेटा हुआ तो।”

“तो फिर उन्हें आर्थर ने नहीं लिया था?”

मैंने तुम्हें कल भी बताया था और आज फिर से दोहराता हूँ कि ऐसा नहीं था।

“आपको इस बात का पूरा यकीन है! तो चलिए हम तुरंत उसके पास जाकर उसे बता दें कि सच्चाई सबको पता चल गई है।”

“उसे पहले से ही पता है। जब मैंने सब कुछ स्पष्ट कर दिया, तो मैंने उससे मुलाकात की, और यह देखकर कि वह मुझे पूरी कहानी नहीं बता रहा है, मैंने उसे पूरी कहानी बता दी, जिस पर उसे यह स्वीकार करना पड़ा कि मैं सही था और उसने कुछ ऐसे विवरण भी बताए जो मुझे अभी तक पूरी तरह से स्पष्ट नहीं थे। हालाँकि, आज सुबह की आपकी खबर से शायद वह कुछ बोल दे।”

"भगवान के लिए, मुझे बताओ, आखिर यह असाधारण रहस्य क्या है!"

मैं ऐसा करूंगा, और मैं आपको वे चरण दिखाऊंगा जिनसे मैं यहाँ तक पहुँचा। और सबसे पहले, मैं आपसे वह बात कहना चाहता हूँ जो मेरे लिए कहना और आपके लिए सुनना सबसे कठिन है: सर जॉर्ज बर्नवेल और आपकी भतीजी मैरी के बीच एक समझौता हुआ है। वे अब एक साथ भाग गए हैं।

“मेरी मैरी? असंभव!”

“दुर्भाग्य से, यह संभव से कहीं अधिक है; यह निश्चित है। जब आपने उसे अपने परिवार में शामिल किया, तब न तो आप और न ही आपका बेटा इस आदमी के असली चरित्र को जानते थे। वह इंग्लैंड के सबसे खतरनाक आदमियों में से एक है - एक बर्बाद जुआरी, एक सरासर बदमाश, एक ऐसा आदमी जिसके पास न दिल है और न ज़मीर। आपकी भतीजी ऐसे आदमियों के बारे में कुछ नहीं जानती थी। जब उसने उससे अपने वादे किए, जैसा कि उसने उससे पहले सौ लोगों से किए थे, तो उसने खुद को यह तसल्ली दी कि केवल उसी ने उसके दिल को छुआ है। शैतान ही बेहतर जानता है कि उसने क्या कहा, लेकिन कम से कम वह उसकी मोहरा तो बन गई और लगभग हर शाम उससे मिलने की आदी हो गई।”

“मैं इस पर विश्वास नहीं कर सकता, और न ही करूंगा!” बैंकर ने पीले पड़े चेहरे के साथ चिल्लाकर कहा।

तो मैं आपको बताता हूँ कि कल रात आपके घर में क्या हुआ। आपकी भतीजी, जब आप, जैसा कि उसे लगा, अपने कमरे में चले गए थे, चुपके से नीचे उतरी और अस्तबल वाली गली में जाने वाली खिड़की से अपने प्रेमी से बात करने लगी। उसके पैरों के निशान बर्फ में धंस गए थे, क्योंकि वह वहाँ बहुत देर तक खड़ा रहा था। उसने उसे मुकुट के बारे में बताया। यह सुनकर सोने के प्रति उसकी बुरी लालसा भड़क उठी और उसने उसे अपने वश में कर लिया। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह आपसे प्यार करती थी, लेकिन कुछ स्त्रियाँ ऐसी होती हैं जिनमें प्रेमी का प्यार बाकी सभी प्रेमों को मिटा देता है, और मुझे लगता है कि वह भी उनमें से एक रही होगी। उसने अभी उसकी बात सुनी ही थी कि उसने आपको सीढ़ियों से नीचे आते देखा, और देखते ही देखते उसने खिड़की झट से बंद कर दी और आपको नौकरों में से एक के लकड़ी के पैर वाले प्रेमी के साथ हुए कारनामे के बारे में बताया, जो बिल्कुल सच था।

“आपका बेटा आर्थर आपसे मुलाकात के बाद सोने चला गया, लेकिन क्लब के कर्ज़ को लेकर बेचैनी के कारण उसे नींद नहीं आई। आधी रात को उसने अपने दरवाजे के पास से किसी के कदमों की आहट सुनी, इसलिए वह उठा और बाहर देखा तो अपनी चचेरी बहन को बड़ी दबे पांव गलियारे से होते हुए आपके ड्रेसिंग रूम में जाते हुए देखकर दंग रह गया। हैरानी से सहमकर वह लड़का जल्दी से कपड़े पहनकर अंधेरे में वहीं रुक गया, यह देखने के लिए कि इस अजीब घटना का क्या अंजाम होता है। थोड़ी देर बाद वह कमरे से बाहर निकली और गलियारे की बत्ती की रोशनी में आपके बेटे ने देखा कि उसके हाथों में कीमती मुकुट था। वह सीढ़ियों से नीचे उतर गई और वह डर के मारे कांपते हुए भागा और आपके दरवाजे के पास वाले पर्दे के पीछे छिप गया, जहाँ से वह नीचे हॉल में हो रही हर बात देख सकता था। उसने देखा कि उसने चुपके से खिड़की खोली, अंधेरे में किसी को मुकुट दिया और फिर उसे बंद

करके जल्दी से अपने कमरे में वापस चली गई, ठीक उसके पास से गुज़रते हुए, जहाँ वह पर्दे के पीछे छिपा था।

जब तक वह वहाँ थी, वह अपनी प्रेमिका को सबके सामने बेइज्जत किए बिना कोई कदम नहीं उठा सकता था। लेकिन जैसे ही वह चली गई, उसे एहसास हुआ कि यह तुम्हारे लिए कितना बड़ा दुर्भाग्य होगा, और इसे ठीक करना कितना ज़रूरी है। वह नंगे पैर ही नीचे भागा, खिड़की खोली, बर्फ में कूद गया और गली में दौड़ पड़ा, जहाँ उसे चाँदनी में एक धुंधली आकृति दिखाई दी। सर जॉर्ज बर्नवेल भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन आर्थर ने उन्हें पकड़ लिया, और दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। तुम्हारा बेटा मुकुट के एक तरफ़ खींच रहा था, और उसका विरोधी दूसरी तरफ। हाथापाई में, तुम्हारे बेटे ने सर जॉर्ज को मारा और उनकी आँख पर चोट लग गई। तभी अचानक कुछ हुआ, और तुम्हारा बेटा, मुकुट को अपने हाथों में पाकर, वापस भागा, खिड़की बंद की, तुम्हारे कमरे में गया, और जैसे ही उसने देखा कि हाथापाई में मुकुट मुड़ गया है, उसे सीधा करने की कोशिश कर रहा था, तभी तुम वहाँ आ गईं।

“क्या यह संभव है?” बैंकर ने हांफते हुए पूछा।

“जब आपने उसे अपशब्द कहे, उस समय जब वह आपकी हार्दिक धन्यवाद का पात्र था, तब आपने उसे क्रोधित कर दिया। वह सच्चाई को बिना उस व्यक्ति को धोखा दिए नहीं समझा सकता था जो निश्चित रूप से उसके हाथों से किसी भी तरह के सम्मान का पात्र नहीं था। फिर भी, उसने अधिक शिष्टतापूर्ण दृष्टिकोण अपनाया और उसका रहस्य छुपाए रखा।”

“और इसीलिए मुकुट देखते ही वह चीख पड़ी और बेहोश हो गई,” श्री होल्डर चिल्लाए। “हे भगवान! मैं कितना बड़ा मूर्ख था! और उसने पाँच मिनट के लिए बाहर जाने की अनुमति माँगी! बेचारा देखना चाहता था कि खोया हुआ टुकड़ा लड़ाई वाली जगह पर है या नहीं। मैंने उसे कितना गलत समझा!”

“जब मैं घर पहुँचा,” होम्स ने आगे कहा, “मैं तुरंत बहुत सावधानी से उसके चारों ओर घूमा ताकि बर्फ में कोई निशान देख सकूँ जो मेरी मदद कर सके। मुझे पता था कि पिछली शाम से कोई बर्फ नहीं गिरी थी, और यह भी कि तेज़ ठंड के कारण निशान बने हुए थे। मैं कारीगरों के रास्ते से गुज़रा, लेकिन वह पूरी तरह से कुचला हुआ और अस्पष्ट था। हालांकि, उसके ठीक आगे, रसोई के दरवाज़े के दूसरी तरफ, एक महिला एक आदमी के साथ खड़ी होकर बात कर रही थी, जिसके एक तरफ गोल निशानों से पता चला कि उसका एक पैर लकड़ी का था। मैं यह भी बता सकता था कि उन्हें छेड़ा गया था, क्योंकि महिला तेज़ी से दरवाज़े की ओर भागी थी, जैसा कि पैर के गहरे और एड़ी के हल्के निशानों से पता चलता है, जबकि लकड़ी के पैर वाला आदमी थोड़ी देर रुका और फिर चला गया। उस समय मैंने सोचा कि यह नौकरानी और उसका प्रेमी हो सकता है, जिनके बारे में आपने मुझसे पहले ही बात की थी, और जाँच से पता चला कि ऐसा ही था। मैं बगीचे के चारों ओर घूमा, लेकिन मुझे पुलिस के कुछ निशानों के अलावा कुछ और नहीं दिखा; लेकिन जब मैं अस्तबल वाली गली में पहुँचा तो एक बहुत लंबा और मेरे सामने बर्फ पर एक जटिल कहानी लिखी जा रही थी।

“एक बूट पहने हुए आदमी के पैरों के दो निशान थे, और दूसरा दो निशान जिसे देखकर मुझे बहुत खुशी हुई, वह नंगे पैर वाले आदमी का था। आपने जो बताया था, उससे मुझे तुरंत यकीन हो गया कि दूसरा आदमी आपका बेटा था। पहला आदमी दोनों तरफ चला था, लेकिन दूसरा तेज़ी से भागा था, और उसके पैरों के निशान बूट के धब्बों पर जगह-जगह थे, जिससे साफ था कि वह पहले वाले के पीछे आया था। मैंने उनका पीछा किया और पाया कि वे हॉल की खिड़की तक जा रहे थे, जहाँ बूट्स ने इंतज़ार करते हुए सारी बर्फ हटा दी थी। फिर मैं गली के दूसरे छोर तक गया, जो सौ गज या

उससे भी ज़्यादा दूर था। मैंने देखा कि बूट्स कहाँ मुड़ा था, जहाँ बर्फ ऐसे कटी हुई थी जैसे कोई संघर्ष हुआ हो, और आखिर में, जहाँ खून की कुछ बूँदें गिरी थीं, जिससे मुझे यकीन हो गया कि मैं गलत नहीं था। फिर बूट्स गली में भागा, और खून का एक और छोटा सा धब्बा दिखा कि उसे चोट लगी थी। जब वह दूसरे छोर पर मुख्य सड़क पर पहुँचा, तो मैंने पाया कि फुटपाथ साफ था, इसलिए उस सुराग का भी अंत हो गया।"

"घर में प्रवेश करते ही, जैसा कि आपको याद होगा, मैंने अपने लेंस से हॉल की खिड़की की चौखट और फ्रेम की जाँच की, और मुझे तुरंत पता चल गया कि कोई बाहर निकल गया था। अंदर आते समय गीले पैर के निशान साफ दिखाई दे रहे थे। तब मुझे कुछ-कुछ समझ आने लगा कि क्या हुआ था। एक आदमी खिड़की के बाहर इंतज़ार कर रहा था; कोई रत्न लेकर आया था; यह सब आपके बेटे की देखरेख में हुआ था; उसने चोर का पीछा किया था; उससे हाथापाई की थी; दोनों ने मुकुट को ज़ोर से खींचा था, उनकी संयुक्त शक्ति से ऐसे घाव हुए थे जो अकेले कोई नहीं कर सकता था। वह इनाम लेकर लौट आया था, लेकिन उसका एक टुकड़ा अपने प्रतिद्वंद्वी के हाथ में छोड़ गया था। अब तक मुझे सब कुछ स्पष्ट था। अब सवाल यह था कि वह आदमी कौन था और मुकुट कौन लेकर आया था?"

"मेरा एक पुराना सिद्धांत है कि जब आप असंभव को नकार देते हैं, तो जो कुछ भी बचता है, चाहे वह कितना भी असंभावित क्यों न हो, वही सत्य होता है। अब, मुझे पता था कि इसे गिराने वाला आप नहीं थे, इसलिए केवल आपकी भतीजी और नौकरानियाँ ही बची थीं। लेकिन अगर नौकरानियाँ ही थीं, तो आपका बेटा खुद को उनकी जगह दोषी क्यों ठहराने देता? इसका कोई कारण नहीं हो सकता था। हालाँकि, चूंकि वह अपनी चचेरी बहन से प्यार करता था, इसलिए उसके रहस्य को छुपाए रखने का एक उत्कृष्ट कारण था - खासकर इसलिए कि रहस्य शर्मनाक था। जब मुझे याद आया कि आपने उसे उस खिड़की पर देखा था, और मुकुट को दोबारा देखकर वह कैसे बेहोश हो गई थी, तो मेरा अनुमान निश्चित हो गया।"

और उसका साथी कौन हो सकता था? ज़ाहिर है, कोई प्रेमी, क्योंकि भला आपके प्रति उसके प्रेम और कृतज्ञता से बढ़कर और कौन हो सकता है? मुझे पता था कि आप कम ही बाहर जाते थे और आपके दोस्तों का दायरा बहुत सीमित था। लेकिन उनमें सर जॉर्ज बर्नवेल भी थे। मैंने उनके बारे में पहले भी सुना था कि महिलाओं के बीच उनकी बदनामी है। ज़रूर वही होंगे जिन्होंने वे जूते पहने थे और गायब हुए रत्न अपने पास रखे थे। भले ही उन्हें पता था कि आर्थर ने उन्हें देख लिया है, फिर भी वे शायद यही सोच रहे होंगे कि वे सुरक्षित हैं, क्योंकि वह लड़का अपने परिवार को खतरे में डाले बिना एक शब्द भी नहीं बोल सकता था।

"खैर, आपकी अपनी समझदारी ही बता देगी कि मैंने आगे क्या कदम उठाए। मैं एक आवारा के वेश में सर जॉर्ज के घर गया, उनके नौकर से जान-पहचान बनाने में कामयाब रहा, पता चला कि उनके मालिक ने पिछली रात अपना सिर फोड़ लिया था, और अंत में, छह शिलिंग खर्च करके, मैंने उनके पुराने जूतों की एक जोड़ी खरीदकर सब कुछ पक्का कर लिया। इन्हीं जूतों को पहनकर मैं स्ट्रीथम गया और देखा कि वे पटरियों पर बिल्कुल फिट बैठते हैं।"

श्री होल्डर ने कहा, "कल शाम मैंने गली में एक फटेहाल कपड़े पहने हुए आवारा को देखा।"

"बिल्कुल सही। मैं ही था। मुझे पता चल गया था कि मैंने अपने आदमी को पकड़ लिया है, इसलिए मैं घर आया और कपड़े बदले। उस समय मुझे एक नाज़ुक भूमिका निभानी थी, क्योंकि मैंने देखा कि बदनामी से बचने के लिए मुकदमा चलाना जरूरी था, और मैं जानता था कि इतना शातिर बदमाश समझ जाएगा कि इस मामले में हमारे हाथ

बंधे हुए हैं। मैं उससे मिलने गया। पहले तो उसने सब कुछ नकार दिया। लेकिन जब मैंने उसे घटना का हर विवरण दिया, तो उसने धमकाने की कोशिश की और दीवार से एक लाइफ जेकेट उतार ली। हालांकि, मैं अपने आदमी को जानता था, और इससे पहले कि वह वार कर पाता, मैंने उसके सिर पर पिस्तौल तान दी। तब वह थोड़ा समझदार हुआ। मैंने उसे बताया कि हम उसके पास मौजूद पत्थरों के लिए उसे 1000 पाउंड प्रति पत्थर देंगे। इससे उसके दुख के पहले लक्षण दिखाई दिए। 'अरे, धिक्कार है!' उसने कहा, 'मैंने तो तीन पत्थरों के लिए छह सौ पाउंड में ही दे दिए!' मैंने जल्द ही उस रिसीवर का पता हासिल कर लिया जिसके पास वे पत्थर थे, उसे वादा करके कि कोई मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। मैं उसके पास चल पड़ा, और बहुत देर बाद मैंने मोलभाव करते हुए हमारे पत्थर 1000 पाउंड प्रति पत्थर के हिसाब से खरीदे। फिर मैंने आपके बेटे से बात की, उसे बताया कि सब ठीक है, और आखिरकार लगभग दो बजे अपने बिस्तर पर गया, एक बेहद कठिन दिन के काम के बाद।

"आज का दिन इंग्लैंड को एक बड़े सार्वजनिक अपमान से बचा चुका है," बैंकर उठते हुए बोला। "महोदय, आपके धन्यवाद के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं, लेकिन आपने जो किया है उसके लिए मैं कृतघ्न नहीं हूंगा। आपकी कुशलता वाकई मेरी उम्मीदों से कहीं बढ़कर है। और अब मुझे अपने प्यारे बेटे के पास जाकर उससे माफी मांगनी है, जो मैंने उसके साथ किया है। आपने मुझे बेचारी मैरी के बारे में जो बताया, वह मेरे दिल को छू गया। आपकी कुशलता भी मुझे यह नहीं बता सकती कि वह अब कहाँ है।"

होम्स ने जवाब दिया, "मुझे लगता है कि हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि वह वहीं है जहां सर जॉर्ज बर्नवेल हैं। यह भी उतना ही निश्चित है कि उसके पाप चाहे जो भी हों, उसे जल्द ही पर्याप्त से अधिक दंड मिलेगा।"

तांबे के बीचों का रोमांच

"कला से प्रेम करने वाले व्यक्ति को, कला के सबसे सरल और साधारण रूपों में ही सबसे अधिक आनंद मिलता है," शर्लक होम्स ने डेली टेलीग्राफ का विज्ञापन पत्र एक तरफ फेंकते हुए कहा। "वाटसन, यह देखकर मुझे प्रसन्नता हो रही है कि आपने इस सत्य को इतना समझ लिया है कि हमारे मामलों के इन संक्षिप्त विवरणों में, जिन्हें आपने बड़ी कृपा से तैयार किया है और, मैं कहना चाहूंगा, कभी-कभी उनमें कुछ बातें बढ़ा-चढ़ाकर भी लिखी हैं, आपने उन चर्चित मामलों और सनसनीखेज मुकदमों को उतनी प्रमुखता नहीं दी है जिनमें मेरी भूमिका रही है, बल्कि उन घटनाओं को अधिक महत्व दिया है जो अपने आप में भले ही तुच्छ रही हों, लेकिन जिन्होंने मेरी तर्कशक्ति और तार्किक संश्लेषण की उन क्षमताओं को विकसित करने का अवसर प्रदान किया है जिन्हें मैंने अपना विशेष क्षेत्र बनाया है।"

"और फिर भी," मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "मैं अपने रिकॉर्डों के खिलाफ लगाए गए सनसनीखेज होने के आरोप से खुद को पूरी तरह से मुक्त नहीं कर सकता।"

"शायद आपसे गलती हुई है," उन्होंने चिमटे से एक सुलगता हुआ अंगारा उठाते हुए और उससे चेरी की लकड़ी के लंबे पाइप को जलाते हुए कहा, जिसका इस्तेमाल वे अक्सर मिट्टी के पाइप की जगह करते थे जब वे चिंतनशील मनोदशा में होते थे न कि चिंतनशील मनोदशा में — "शायद आपसे गलती हुई है कि आपने अपने प्रत्येक कथन में रंग और जीवन भरने की कोशिश की है, जबकि आपको कारण से परिणाम तक के उस कठोर तर्क को दर्ज करने पर ध्यान देना चाहिए था, जो वास्तव में इस विषय की एकमात्र उल्लेखनीय विशेषता है।"

मैंने कुछ ठंडेपन से कहा, "मुझे लगता है कि मैंने इस मामले में आपके साथ पूरा न्याय किया है," क्योंकि मैं उस अहंकार से घृणा करता था जिसे मैंने अपने मित्र के विलक्षण चरित्र में एक मजबूत कारक के रूप में कई बार देखा था।

“नहीं, यह स्वार्थ या अहंकार नहीं है,” उन्होंने अपनी आदत के अनुसार मेरे शब्दों के बजाय मेरे विचारों का उत्तर देते हुए कहा। “यदि मैं अपनी कला के लिए पूर्ण न्याय का दावा करता हूं, तो इसलिए कि यह एक अवैयक्तिक वस्तु है—एक ऐसी वस्तु जो मुझसे परे है। अपराध आम है। तर्क दुर्लभ है। इसलिए आपको अपराध के बजाय तर्क पर ध्यान देना चाहिए। आपने व्याख्यानों की श्रृंखला को कहानियों की एक श्रृंखला में बदल दिया है।”

बसंत ऋतु की शुरुआत की ठंडी सुबह थी, और हम बेकर स्ट्रीट के पुराने कमरे में जलती हुई आग के दोनों ओर नाश्ते के बाद बैठे थे। भूरे रंग के घरों की कतारों के बीच घना कोहरा छाया हुआ था, और आमने-सामने की खिड़कियां घने पीले कोहरे के बीच से धुंधली, आकारहीन आकृतियों की तरह दिखाई दे रही थीं। हमारी गैस जल रही थी और सफेद कपड़े और चीनी मिट्टी के बर्तनों और धातु की चमक पर रोशनी पड़ रही थी, क्योंकि मेज अभी तक साफ नहीं हुई थी। शर्लक होम्स पूरी सुबह चुप रहे, लगातार अलग-अलग अखबारों के विज्ञापन कॉलम देखते रहे, और अंत में, अपनी खोज छोड़ देने के बाद, वे बहुत अच्छे मूड में नहीं थे और मुझे मेरी साहित्यिक कमियों पर उपदेश देने के लिए बाहर आए।

कुछ देर रुकने के बाद, जब वे अपनी लंबी पाइप से कश लेते हुए आग को निहार रहे थे, उन्होंने कहा, “इसी बीच, आप पर सनसनीखेज होने का आरोप लगाना मुश्किल है, क्योंकि जिन मामलों में आपने रुचि दिखाई है, उनमें से काफी मामलों में कानूनी अर्थ में अपराध का कोई लेना-देना नहीं है। बोहेमिया के राजा की मदद करने का मेरा प्रयास, मिस मैरी सदरलैंड का अनोखा अनुभव, टेढ़े होंठ वाले व्यक्ति से जुड़ी समस्या और कुलीन कुंवारे की घटना, ये सभी मामले कानून के दायरे से बाहर हैं। लेकिन सनसनीखेज बातों से बचने के चक्कर में, मुझे डर है कि आप कहीं तुच्छता की ओर न बढ़ गए हों।”

मैंने उत्तर दिया, "अंत भले ही ऐसा रहा हो, लेकिन मेरे विचार से जो तरीके अपनाए गए वे नवीन और रोचक थे।"

“अरे यार, आम जनता, वो बड़ी लापरवाह जनता, जो किसी बुनकर को उसके दांत से या किसी कंपोज़िटर को उसके बाएं अंगूठे से भी नहीं पहचान सकती, विश्लेषण और तर्क की बारीकियों की परवाह क्यों करती है! लेकिन, अगर तुम तुच्छ हो, तो मैं तुम्हें दोष नहीं दे सकता, क्योंकि बड़े-बड़े मुकदमों का ज़माना बीत चुका है। इंसान, या कम से कम अपराधी, ने उद्यम और मौलिकता खो दी है। जहाँ तक मेरे छोटे से काम की बात है, ऐसा लगता है कि वो खोई हुई पेंसिलें ढूंढने और बोर्डिंग स्कूलों की युवतियों को सलाह देने वाली एजेंसी बनकर रह गया है। मुझे लगता है कि मैं आखिरकार सबसे निचले स्तर पर पहुँच गया हूँ। मुझे लगता है कि आज सुबह मिला ये पत्र ही मेरी शून्य सीमा है। इसे पढ़ो!” उसने एक मुड़ा हुआ पत्र मेरी तरफ फेंक दिया।

यह संदेश पिछली शाम को मोंटेग्यू प्लेस से भेजा गया था और इस प्रकार था:

प्रिय श्री होम्स:

मुझे आपसे यह सलाह लेने की बहुत उत्सुकता है कि मुझे गवर्नेस के पद का प्रस्ताव स्वीकार करना चाहिए या नहीं। यदि आपको असुविधा न हो, तो मैं कल सुबह साढ़े दस बजे आऊंगी।

आपका विश्वासी,

वायलेट हंटर।

मैंने पूछा, "क्या आप उस युवती को जानते हैं?"

मैं नहीं।

“अभी साढ़े दस बज रहे हैं।”

"हां, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह उसकी अंगूठी है।"

"यह जितना आप सोचते हैं उससे कहीं अधिक रोचक साबित हो सकता है। आपको याद होगा कि नीले फोड़े का मामला, जो पहले महज़ एक सनक लग रहा था, बाद में एक गंभीर जांच में बदल गया। इस मामले में भी ऐसा ही हो सकता है।"

"खैर, उम्मीद तो यही है। लेकिन हमारी शंकाएं बहुत जल्द दूर हो जाएंगी, क्योंकि अगर मैं गलत नहीं हूं तो यही वह व्यक्ति है जिसके बारे में बात हो रही है।"

जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, दरवाज़ा खुला और एक युवती कमरे में दाखिल हुई। उसने सादे लेकिन सलीके से कपड़े पहने थे, उसका चेहरा चमकीला और तेज़ था, चिड़िया के अंडे की तरह उस पर हल्के धब्बे थे, और उसका व्यवहार एक ऐसी महिला की तरह चुस्त-दुरुस्त था जिसने दुनिया में अपनी राह खुद बनाई थी।

"मुझे यकीन है कि आप मुझे परेशान करने के लिए क्षमा करेंगे," उसने कहा, जब मेरा साथी उसका अभिवादन करने के लिए उठा, "लेकिन मुझे एक बहुत ही अजीब अनुभव हुआ है, और चूंकि मेरे कोई माता-पिता या रिश्तेदार नहीं हैं जिनसे मैं सलाह ले सकूं, इसलिए मैंने सोचा कि शायद आप कृपा करके मुझे बता देंगे कि मुझे क्या करना चाहिए।"

"कृपया बैठ जाइए, मिस हंटर। आपकी सेवा में मुझे खुशी होगी।"

मैं देख सकता था कि होम्स अपनी नई मुवक्किल के तौर-तरीकों और बोलने के तरीके से काफी प्रभावित थे। उन्होंने उसे ध्यान से देखा, और फिर पलकें झुकाकर और उंगलियां आपस में जोड़कर, उसकी कहानी सुनने के लिए खुद को तैयार किया।

“मैं कर्नल स्पेंस मुनरो के परिवार में पाँच साल से गवर्नेंस का काम कर रही थी, लेकिन दो महीने पहले कर्नल को नोवा स्कोटिया के हैलिफैक्स में नियुक्ति मिल गई और वे अपने बच्चों को अपने साथ अमेरिका ले गए, जिससे मैं बेरोज़गार हो गई। मैंने नौकरी के लिए विज्ञापन दिए और कई जगह आवेदन भी किए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आखिरकार, मेरी थोड़ी-बहुत बचत भी खत्म होने लगी और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं।”

"वेस्ट एंड में वेस्टअवेज़ नाम की एक मशहूर गवर्नेंस एजेंसी है, और मैं वहाँ लगभग हर हफ़्ते जाया करती थी ताकि पता कर सकूं कि मेरे लिए कोई उपयुक्त नौकरी मिली है या नहीं। वेस्टअवेज़ उस व्यवसाय की संस्थापक का नाम था, लेकिन असल में उसका प्रबंधन मिस स्टॉपर करती हैं। वह अपने छोटे से दफ्तर में बैठती हैं, और नौकरी की तलाश में निकली महिलाएं एक प्रतीक्षालय में इंतज़ार करती हैं, और फिर उन्हें एक-एक करके अंदर ले जाया जाता है, जहाँ वह अपने बही-खातों की जाँच करती हैं और देखती हैं कि उनके लिए कोई उपयुक्त नौकरी है या नहीं।"

“खैर, जब मैंने पिछले हफ्ते फोन किया, तो हमेशा की तरह मुझे छोटे से दफ्तर में ले जाया गया, लेकिन मैंने पाया कि मिस स्टॉपर अकेली नहीं थीं। एक बेहद हट्टा-कट्टा आदमी, जिसका चेहरा हमेशा मुस्कुराता रहता था और जिसकी ठुड्डी गले तक लटकती जा रही थी, उनके बगल में बैठा था, नाक पर चश्मा लगाए, और अंदर आने वाली महिलाओं को बड़ी गंभीरता से देख रहा था। जैसे ही मैं अंदर आया, वह अपनी कुर्सी पर उछल पड़ा और जल्दी से मिस स्टॉपर की ओर मुड़ गया।”

“‘बस इतना ही काफी है,’ उसने कहा; ‘इससे बेहतर और क्या चाहिए? शानदार! शानदार!’ वह काफी उत्साहित लग रहा था और बड़े ही सौम्य ढंग से अपने हाथों को

आपस में रगड़ रहा था। वह इतना सहज दिखने वाला व्यक्ति था कि उसे देखना ही अपने आप में एक सुखद अनुभव था।"

"'क्या आप कोई अवसर तलाश रही हैं, मिस?' उसने पूछा।

"'जी श्रीमान।'

"'एक गवर्नेस के रूप में?'"

"'जी श्रीमान।'

"'और आप किस वेतन की बात कर रहे हैं?'"

"'कर्नल स्पेंस मुनरो के साथ अपनी पिछली नौकरी में मुझे महीने में 4 पाउंड मिलते थे।'"

"'अरे, छी! पसीना आ रहा है—बेहद पसीना!' वह गुस्से से उबल रहे आदमी की तरह अपने मोटे हाथों को हवा में उछालते हुए चिल्लाया। 'कोई इतनी आकर्षक और गुणवान महिला को इतनी कम रकम कैसे दे सकता है?'"

"'महोदय, मेरी उपलब्धियाँ शायद आपकी कल्पना से कम हों,' मैंने कहा। 'थोड़ी फ्रेंच, थोड़ी जर्मन, संगीत और चित्रकारी—'"

"'छी, छी!' वह चिल्लाया। 'यह सब तो बिल्कुल ही बेमानी है। असली बात यह है कि क्या आपमें एक महिला का व्यवहार और आचरण है या नहीं? संक्षेप में यही है। अगर नहीं है, तो उस बच्चे के पालन-पोषण के लिए आप पर जुर्माना नहीं लगाया जा सकता जो शायद एक दिन देश के इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। लेकिन अगर है, तो फिर कोई सज्जन आपसे तीन अंकों से कम वेतन स्वीकार करने की कृपा कैसे कर सकता है? महोदया, मेरे यहां आपका वेतन 100 पाउंड प्रति वर्ष से शुरू होगा।'

"आप कल्पना कर सकते हैं, श्री होम्स, कि मेरे जैसे निर्धन व्यक्ति के लिए ऐसा प्रस्ताव लगभग अविश्वसनीय लग रहा था। हालांकि, शायद मेरे चेहरे पर अविश्वास का भाव देखकर, उस सज्जन ने अपना पर्स खोला और उसमें से एक नोट निकाला।"

"'यह मेरी प्रथा भी है,' उसने अत्यंत सुखद ढंग से मुस्कुराते हुए कहा, जब तक कि उसकी आँखें उसके चेहरे की सफेद झुर्रियों के बीच दो छोटी चमकदार दरारें न रह गईं, 'कि मैं अपनी युवतियों को उनके वेतन का आधा हिस्सा अग्रिम रूप से दे देता हूं, ताकि वे अपनी यात्रा और अपने वस्त्रों के किसी भी छोटे-मोटे खर्च को पूरा कर सकें।'"

मुझे ऐसा लगा कि मैंने कभी इतने आकर्षक और विचारशील व्यक्ति से मुलाकात नहीं की थी। चूंकि मैं पहले से ही अपने व्यापारियों का ऋणी था, इसलिए अग्रिम राशि मेरे लिए बहुत बड़ी सुविधा थी, फिर भी इस पूरे लेन-देन में कुछ अस्वाभाविक सा था जिसने मुझे पूरी तरह से प्रतिबद्ध होने से पहले थोड़ा और जानने की इच्छा जगाई।

मैंने कहा, "'क्या मैं आपसे पूछ सकता हूं कि आप कहां रहते हैं, महोदय?'"

"हैम्पशायर। मनमोहक ग्रामीण इलाका। कॉपर बीचेस, विनचेस्टर से पाँच मील दूर। यह सबसे सुंदर देश है, मेरी प्यारी युवती, और सबसे प्यारा पुराना देहाती घर।'

"और मेरे कर्तव्य, महोदय? मुझे यह जानकर खुशी होगी कि वे क्या होंगे।"

"'एक बच्चा—एक प्यारा सा नन्हा सा नन्हा सा बच्चा, बस छह साल का। ओह, अगर आप उसे चप्पल से तिलचट्टे मारते हुए देख पाते! धड़ाक! धड़ाक! धड़ाक! पलक झपकते ही तीन गायब!' वह अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया और फिर से हंसते-हंसते उसकी आंखें चौंधिया गईं।

"बच्चे के मनोरंजन के तरीके को देखकर मैं थोड़ा चौंक गया था, लेकिन पिता की हंसी ने मुझे यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि शायद वह मजाक कर रहा था।"

"'तो फिर मेरा एकमात्र कर्तव्य,' मैंने पूछा, 'केवल एक बच्चे की देखभाल करना है?'"

“‘नहीं, नहीं, बिलकुल नहीं, बिलकुल नहीं, मेरी प्यारी युवती,’ वह चिल्लाया। ‘तुम्हारा कर्तव्य होगा, जैसा कि मुझे पूरा यकीन है कि तुम्हारी अच्छी समझ तुम्हें सुझाएगी, मेरी पत्नी द्वारा दिए गए किसी भी छोटे से आदेश का पालन करना, बशर्ते कि वे ऐसे आदेश हों जिनका पालन एक महिला उचित रूप से कर सकती है। तुम्हें कोई कठिनाई नहीं दिख रही है, है ना?”’

“‘मुझे खुद को उपयोगी साबित करने में खुशी होगी।’”

“बिल्कुल सही। उदाहरण के लिए, पहनावे की बात कर लीजिए। हम लोग थोड़े सनकी हैं, जानते हैं ना—सनकी तो हैं, लेकिन दयालु भी। अगर हम आपको कोई भी पोशाक पहनने को कहें, तो आप हमारी इस छोटी सी सनक पर आपत्ति नहीं करेंगी। है ना?”

“‘नहीं,’ मैंने उसके शब्दों पर काफी आश्चर्यचकित होते हुए कहा।

“‘या फिर यहाँ या वहाँ बैठना, जिससे आपको कोई आपत्ति न हो?’”

"'अरे नहीं।'

“‘या फिर हमारे पास आने से पहले अपने बाल काफी छोटे कटवा लें?’”

मुझे अपने कानों पर विश्वास ही नहीं हो रहा था। जैसा कि आप देख सकते हैं, श्री होम्स, मेरे बाल काफी घने हैं और उनका रंग कुछ खास भूरा है। इसे कलात्मक माना जाता है। मैं सपने में भी इस तरह लापरवाही से इन्हें खोने के बारे में सोच भी नहीं सकता।

“‘मुझे डर है कि यह बिल्कुल असंभव है,’ मैंने कहा। वह अपनी छोटी-छोटी आँखों से मुझे उत्सुकता से देख रहा था, और जब मैंने बात की तो मैं उसके चेहरे पर एक उदासी का भाव देख सका।

“‘मुझे खेद है कि यह बिल्कुल आवश्यक है,’ उसने कहा। ‘यह मेरी पत्नी की एक छोटी सी सनक है, और महिलाओं की सनक, आप जानती हैं, महोदया, महिलाओं की सनक का ध्यान रखना चाहिए। तो क्या आप अपने बाल नहीं कटवाएंगी?’”

“‘नहीं महोदय, मैं सचमुच ऐसा नहीं कर सकता,’ मैंने दृढ़ता से उत्तर दिया।

“‘अहा, बहुत अच्छा; तो इससे मामला पूरी तरह सुलझ गया। यह अफ़सोस की बात है, क्योंकि अन्य मामलों में आप वाकई बहुत अच्छा काम कर सकती थीं। उस स्थिति में, मिस स्टापर, मुझे आपकी कुछ और युवतियों का निरीक्षण करना बेहतर होगा।’

"मैनेजर अब तक हम दोनों में से किसी से भी एक शब्द कहे बिना अपने कागजातों में व्यस्त बैठी थी, लेकिन अब उसने मेरी तरफ इतनी झुंझलाहट भरे चेहरे से देखा कि मुझे शक होने लगा कि मेरे इनकार के कारण उसे एक अच्छा कमीशन गंवाना पड़ा है।"

“‘क्या आप चाहते हैं कि आपका नाम रिकॉर्ड में दर्ज रहे?’ उसने पूछा।”

“‘यदि आप चाहें, मिस स्टापर।’”

“खैर, सच में, यह तो काफी बेकार लगता है, क्योंकि आप इतने अच्छे प्रस्तावों को इस तरह ठुकरा देते हैं,” उसने तीखे स्वर में कहा। “आप हमसे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हम आपके लिए ऐसा ही कोई दूसरा अवसर ढूंढने की कोशिश करें। आपका दिन शुभ हो, मिस हंटर।” उसने मेज पर घंटी बजाई और मुझे नौकर के साथ बाहर जाने का इशारा किया गया।

“खैर, श्रीमान होम्स, जब मैं अपने कमरे में वापस आई और अलमारी में बहुत कम सामान और मेज पर दो-तीन बिल देखे, तो मैं सोचने लगी कि कहीं मैंने कोई बहुत बड़ी बेवकूफी तो नहीं कर दी। आखिर, अगर इन लोगों के ऐसे अजीबोगरीब शौक थे और वे सबसे असाधारण मामलों में भी आज्ञापालन की उम्मीद करते थे, तो कम से कम वे अपनी सनक के लिए भुगतान करने को तैयार तो थे। इंग्लैंड में बहुत कम गवर्नेस को

साल में 100 पाउंड मिलते हैं। इसके अलावा, मेरे बालों का मेरे लिए क्या उपयोग था? बहुत से लोग छोटे बाल रखने से बेहतर दिखते हैं और शायद मैं भी उनमें से एक हो सकती थी। अगले दिन मुझे लगा कि मैंने गलती कर दी है, और उसके अगले दिन तक मुझे इस बात का पूरा यकीन हो गया। मैंने लगभग अपना अहंकार त्याग कर एजेंसी में वापस जाकर यह पता लगाने की सोची कि क्या वह जगह अभी भी खाली है, तभी मुझे स्वयं उस सज्जन का यह पत्र मिला। यह पत्र मेरे पास है और मैं इसे आपको पढ़कर सुनाती हूं।"

"विंचेस्टर के पास कॉपर बीचेस।"

प्रिय मिस हंटर:

"मिस स्टॉपर ने बड़ी कृपा करके मुझे आपका पता दिया है, और मैं यहाँ से आपको यह पूछने के लिए लिख रहा हूँ कि क्या आपने अपने निर्णय पर पुनर्विचार किया है। मेरी पत्नी चाहती है कि आप आएँ, क्योंकि वह आपके बारे में मेरे द्वारा दिए गए विवरण से बहुत प्रभावित हुई है। हम आपको हर तीन महीने में 30 पाउंड या सालाना 120 पाउंड देने को तैयार हैं, ताकि हमारी कुछ आदतों से आपको होने वाली किसी भी छोटी-मोटी असुविधा की भरपाई हो सके। आख़िरकार, हमारी आदतें बहुत ज़्यादा माँगने वाली नहीं हैं। मेरी पत्नी को एक खास तरह का चमकीला नीला रंग बहुत पसंद है और वह चाहती है कि आप सुबह घर के अंदर ऐसी ही पोशाक पहनें। हालाँकि, आपको इसे खरीदने का खर्च उठाने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि मेरे प्रिय पुत्री ऐलिस (जो अब फिलाडेल्फिया में है) की एक पोशाक हमारे पास है, जो मुझे लगता है कि आप पर बहुत अच्छी लगेगी। फिर, यहाँ-वहाँ बैठने या किसी भी तरह से अपना मनोरंजन करने के बारे में, इससे आपको कोई असुविधा नहीं होगी। आपके बालों के बारे में, यह निश्चित रूप से अफ़सोस की बात है, खासकर इसलिए कि हमारी छोटी सी मुलाकात के दौरान मैं उनकी सुंदरता की तारीफ़ किए बिना नहीं रह सका, लेकिन मुझे डर है कि मुझे इस बात पर अडिग रहना होगा, और मुझे बस यही उम्मीद है कि बढ़ी हुई तनख्वाह से आपको हुए नुकसान की भरपाई हो सकती है। बच्चे के प्रति आपकी जिम्मेदारियां बहुत कम हैं। अब कृपया आने की कोशिश करें, मैं विनचेस्टर में आपको गाड़ी से लेने आऊंगा। मुझे अपनी ट्रेन का समय बता दें।

"आपका विश्वासी,

जेफ्रो रुकास्टल।

"श्री होम्स, मुझे अभी-अभी यही पत्र मिला है, और मैंने इसे स्वीकार करने का निश्चय कर लिया है। हालांकि, अंतिम निर्णय लेने से पहले, मैं इस पूरे मामले को आपके विचार के लिए प्रस्तुत करना चाहूंगा।"

"ठीक है, मिस हंटर, अगर आपने मन बना लिया है, तो यह सवाल यहीं खत्म हो जाता है," होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा।

"लेकिन आप मुझे मना करने की सलाह नहीं देंगे?"

मैं स्वीकार करता हूं कि यह वह स्थिति नहीं है जिसके लिए मैं अपनी किसी बहन को आवेदन करते देखनी चाहूंगा।

"इन सब का क्या मतलब है, मिस्टर होम्स?"

"अरे, मेरे पास कोई डेटा नहीं है। मैं कुछ नहीं कह सकता। शायद आपने खुद ही कोई राय बना ली हो?"

"खैर, मुझे तो केवल एक ही संभावित समाधान लगता है। श्री रुकास्टल बहुत दयालु और नेक स्वभाव के व्यक्ति प्रतीत होते थे। क्या यह संभव नहीं है कि उनकी पत्नी पागल हो, और वह इस मामले को चुपचाप रखना चाहते हों ताकि कहीं उन्हें पागलखाने न

भेज दिया जाए, और इसलिए वह हर तरह से उनकी इच्छाओं को पूरा करते हों ताकि कोई हंगामा न हो?"

"यह एक संभावित समाधान है — वास्तव में, मौजूदा स्थिति को देखते हुए, यही सबसे संभावित समाधान है। लेकिन किसी भी सूरत में, यह एक युवती के लिए अच्छा घर नहीं लगता।"

लेकिन पैसा, मिस्टर होम्स, पैसा!

"हाँ, वेतन तो अच्छा है ही – ज़रूरत से ज़्यादा अच्छा। यही बात मुझे बेचैन कर रही है। जब वे 40 पाउंड में अपनी पसंद का कर्मचारी रख सकते हैं, तो वे आपको साल में 120 पाउंड क्यों दे रहे हैं? इसके पीछे कोई ठोस वजह तो होगी ही।"

मैंने सोचा था कि अगर मैं आपको हालात बता दूंगी तो बाद में आप समझ जाएँगे कि मुझे आपकी मदद चाहिए या नहीं। अगर मुझे यह महसूस होगा कि आप मेरे साथ हैं तो मैं बहुत ज़्यादा मज़बूत महसूस करूंगी।

"ओह, आप इस भावना को अपने साथ ले जा सकते हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि आपकी यह छोटी सी समस्या पिछले कुछ महीनों में मेरे सामने आई सबसे दिलचस्प समस्या साबित होगी। इसके कुछ पहलुओं में कुछ बिल्कुल नयापन है। यदि आप कभी संशय में हों या खतरे में हों तो—"

"खतरा! आपको किस तरह का खतरा दिखाई देता है?"

होम्स ने गंभीरता से सिर हिलाया। उन्होंने कहा, "अगर हम इसे परिभाषित कर पाते तो यह खतरा नहीं रहता। लेकिन दिन हो या रात, किसी भी समय एक टेलीग्राम मुझे आपकी मदद के लिए बुला लाएगा।"

"बस बहुत हो गया।" चिंता का भाव पूरी तरह गायब होते हुए वह फुर्ती से कुर्सी से उठी। "अब मैं बिल्कुल निश्चिंत होकर हैम्पशायर जाऊंगी। मैं श्री रुकॉस्टल को तुरंत पत्र लिखूंगी, आज रात अपने बालों का त्याग कर दूंगी और कल विनचेस्टर के लिए रवाना हो जाऊंगी।" होम्स को कुछ कृतज्ञता भरे शब्द कहकर उसने हम दोनों को शुभ रात्रि कहा और अपने रास्ते चली गई।

"कम से कम," मैंने कहा जब हमने सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए उसके तेज, दृढ़ कदमों की आवाज सुनी, "वह एक ऐसी युवती प्रतीत होती है जो अपना ख्याल रखने में पूरी तरह सक्षम है।"

"और उसे ऐसा करना ही होगा," होम्स ने गंभीरता से कहा। "अगर कुछ दिनों के भीतर हमें उससे कोई खबर नहीं मिलती है तो मैं बहुत बड़ी गलती कर रहा हूँ।"

कुछ ही समय में मेरे दोस्त की भविष्यवाणी सच हो गई। दो सप्ताह बीत गए, इस दौरान मेरा ध्यान अक्सर उसकी ओर जाता और मैं सोचती रहती कि यह अकेली महिला मानवीय अनुभवों की किस अजीब राह पर भटक गई है। असामान्य वेतन, विचित्र परिस्थितियाँ, हल्के-फुल्के काम, सब कुछ किसी असामान्य बात की ओर इशारा कर रहा था, हालांकि यह कोई सनक थी या साज़िश, या वह व्यक्ति परोपकारी था या खलनायक, यह तय करना मेरे बस की बात नहीं थी। होम्स की बात करें तो, मैंने देखा कि वह अक्सर आधे घंटे तक लगातार माथे पर शिकन और खोए हुए से बैठे रहते थे, लेकिन जब मैंने इस बारे में बात की तो उन्होंने हाथ हिलाकर बात टाल दी। "डेटा! डेटा! डेटा!" वे अधीरता से चिल्लाए। "मिट्टी के बिना ईंटें नहीं बन सकतीं।" और फिर भी वे हमेशा यही बुदबुदाते हुए बात खत्म करते कि उनकी किसी भी बहन को ऐसी नौकरी स्वीकार नहीं करनी चाहिए थी।

हमें जो टेलीग्राम मिला, वह देर रात आया, ठीक उसी समय जब मैं सोने की सोच रहा था और होम्स अपनी उन रात भर चलने वाली रासायनिक शोधों में मग्न हो रहे थे, जिनमें वे अक्सर लिप्त रहते थे। मैं उन्हें रात में एक रिटॉर्ट और एक टेस्ट-ट्यूब पर झुके

हुए छोड़कर जाता था और सुबह नाश्ते के लिए नीचे आने पर उन्हें उसी स्थिति में पाता था। उन्होंने पीले लिफाफे को खोला और फिर संदेश पर एक नज़र डालकर उसे मेरी ओर फेंक दिया।

“ब्रेडशॉ में ट्रेनों के बारे में जानकारी ले लो,” उसने कहा और अपनी रसायन शास्त्र की पढ़ाई की ओर लौट गया।

यह समन संक्षिप्त और अत्यंत आवश्यक था।

कृपया कल दोपहर को विनचेस्टर के ब्लैक स्वान होटल में उपस्थित रहें [उसमें लिखा था]। ज़रूर आइए! मैं बहुत परेशान हूँ।

शिकारी।

"क्या तुम मेरे साथ आओगे?" होम्स ने ऊपर देखते हुए पूछा।

मैं ऐसा करना चाहूंगा।

"तो फिर इसे ढूंढ लो।"

मैंने अपने ब्रैडशॉ लैपटॉप पर नज़र डालते हुए कहा, "साढ़े नौ बजे एक ट्रेन है। वह 11:30 बजे विनचेस्टर पहुंचेगी।"

“यह काफी अच्छा रहेगा। फिर शायद मुझे एसीटोन के विश्लेषण को स्थगित कर देना चाहिए, क्योंकि हमें सुबह के समय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ सकता है।”

अगले दिन ग्यारह बजे तक हम पुरानी अंग्रेज़ी राजधानी की ओर चल पड़े थे। होम्स पूरे रास्ते सुबह के अखबारों में डूबे रहे, लेकिन हैम्पशायर की सीमा पार करते ही उन्होंने अखबार नीचे रख दिए और नज़ारों की तारीफ़ करने लगे। यह वसंत का एक आदर्श दिन था, हल्का नीला आसमान, पश्चिम से पूर्व की ओर तैरते हुए छोटे-छोटे सफ़ेद बादलों से भरा हुआ। सूरज बहुत तेज़ चमक रहा था, फिर भी हवा में एक ताजगी भरी ठंडक थी, जो मन को ऊर्जा दे रही थी। पूरे ग्रामीण इलाके में, एल्डरशॉट के आसपास की लहरदार पहाड़ियों तक, खेतों की छोटी-छोटी लाल और धूसर छतें नए हरे पत्तों के बीच से झाँक रही थीं।

“क्या वे ताज़े और सुंदर नहीं हैं?” मैंने बेकर स्ट्रीट के कोहरे से निकले एक व्यक्ति के पूरे उत्साह के साथ कहा।

लेकिन होम्स ने गंभीरता से अपना सिर हिलाया।

“क्या तुम जानते हो, वॉटसन,” उसने कहा, “कि मेरे जैसे दिमाग की एक खामी यह है कि मुझे हर चीज को अपने खास विषय के संदर्भ में ही देखना पड़ता है। तुम इन बिखरे हुए घरों को देखते हो और इनकी सुंदरता से प्रभावित होते हो। मैं इन्हें देखता हूँ और मेरे मन में बस यही ख्याल आता है कि ये घर एकांत में हैं और यहाँ अपराध करने पर कोई डर नहीं होता।”

“हे भगवान!” मैं चिल्लाई। “कौन इन प्यारे पुराने घरों को अपराध से जोड़ेगा?”

“वे हमेशा मुझे एक प्रकार के भय से भर देते हैं। वॉटसन, मेरा यह मानना है, जो मेरे अनुभव पर आधारित है, कि लंदन की सबसे नीच और घिनौनी गलियाँ भी उतने भयावह पाप का उदाहरण प्रस्तुत नहीं करतीं जितना कि मुस्कुराता हुआ और सुंदर ग्रामीण इलाका।”

तुम मुझे डरा देते हो!

लेकिन कारण बिल्कुल स्पष्ट है। जनमत का दबाव कस्बे में वो कर सकता है जो कानून नहीं कर सकता। कोई भी गली इतनी संकरी नहीं है कि किसी प्रताड़ित बच्चे की चीख या किसी शराबी के थप्पड़ की आवाज पड़ोसियों में सहानुभूति और आक्रोश न जगा दे, और फिर न्याय व्यवस्था इतनी सक्रिय है कि शिकायत की एक शब्द भी उसे सक्रिय कर सकता है, और अपराध से लेकर अदालत तक बस एक कदम का फासला

है। लेकिन इन एकांत घरों को देखिए, हर एक अपने-अपने खेतों में बसा है, जो ज्यादातर गरीब, अनपढ़ लोगों से भरे हैं जिन्हें कानून की ज्यादा जानकारी नहीं है। सोचिए ऐसी जगहों पर साल दर साल कितनी क्रूरता और छिपी हुई बुराई चलती रहती है, और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगती। अगर मदद की गुहार लगाने वाली यह महिला विन्चेस्टर में रहने चली जाती, तो मुझे उसकी सुरक्षा का कोई डर नहीं होता। खतरा सिर्फ पांच मील के ग्रामीण इलाके में है। फिर भी, यह स्पष्ट है कि उसे व्यक्तिगत रूप से कोई खतरा नहीं है।

“नहीं। अगर वह हमसे मिलने के लिए विनचेस्टर आ सकती है, तो वह बच भी सकती है।”

“बिल्कुल सही। उसे अपनी स्वतंत्रता प्राप्त है।”

“तो फिर क्या बात है? क्या आप कोई स्पष्टीकरण नहीं दे सकते?”

मैंने सात अलग-अलग स्पष्टीकरण तैयार किए हैं, जिनमें से प्रत्येक में हमारे द्वारा ज्ञात तथ्यों को शामिल किया गया है। लेकिन इनमें से कौन सा सही है, यह केवल नई जानकारी से ही निर्धारित किया जा सकता है, जो निस्संदेह हमें जल्द ही मिलेगी। खैर, गिरजाघर का टावर है, और हम जल्द ही मिस हंटर की सारी बातें जान लेंगे।

ब्लैक स्वान, हाई स्ट्रीट में स्थित एक प्रसिद्ध सराय है, जो स्टेशन से कुछ ही दूरी पर है, और वहीं हमें वह युवती हमारा इंतजार करती मिली। उसने एक बैठक कक्ष बुक कर रखा था, और हमारा दोपहर का भोजन मेज पर तैयार था।

“आप दोनों के आने से मुझे बहुत खुशी हुई,” उसने गंभीरता से कहा। “आप दोनों का आना बहुत बड़ी मेहरबानी है; लेकिन सच में मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या करूं। आपकी सलाह मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी।”

कृपया हमें बताएं कि आपके साथ क्या हुआ है।

मैं ऐसा ही करूंगा, और मुझे जल्दी करनी होगी, क्योंकि मैंने श्री रुकास्टल से तीन बजे से पहले वापस आने का वादा किया है। मुझे आज सुबह शहर आने की उनकी अनुमति मिल गई थी, हालांकि उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि किस उद्देश्य से।

“आइए सब कुछ उचित क्रम में रखें।” होम्स ने अपने लंबे पतले पैर आग की ओर बढ़ाए और सुनने के लिए खुद को तैयार किया।

सबसे पहले तो मैं यह कहना चाहूंगा कि श्रीमान और श्रीमती रुकास्टल की ओर से मुझे कुल मिलाकर किसी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं झेलना पड़ा है। उनके प्रति ऐसा कहना उचित ही है। लेकिन मैं उन्हें समझ नहीं पा रहा हूं, और उनके बारे में मेरा मन सहज नहीं है।

“तुम्हें क्या समझ नहीं आ रहा?”

“उनके आचरण के कारण। लेकिन आपको सब कुछ ठीक वैसे ही बताया जाएगा जैसे हुआ था। जब मैं नीचे आया, तो श्री रुकास्टल ने मुझे यहां मिला और मुझे अपनी गाड़ी में बिठाकर कॉपर बीचेस ले गए। जैसा कि उन्होंने कहा, यह जगह सुंदर है, लेकिन अपने आप में सुंदर नहीं है, क्योंकि यह एक बड़ा चौकोर घर है, सफेदी किया हुआ, लेकिन नमी और खराब मौसम के कारण दाग-धब्बों से भरा हुआ है। इसके चारों ओर ज़मीन है, तीन तरफ जंगल हैं, और चौथी तरफ एक खेत है जो साउथेम्प्टन राजमार्ग की ओर ढलान पर जाता है, जो सामने के दरवाजे से लगभग सौ गज़ की दूरी पर मुड़ता है। सामने की यह ज़मीन घर की है, लेकिन चारों ओर के जंगल लॉर्ड साउथर्टन के संरक्षित क्षेत्र का हिस्सा हैं। हॉल के दरवाजे के ठीक सामने कॉपर बीचेस के पेड़ों के एक झुंड के कारण ही इस जगह का नाम पड़ा है।”

मुझे मेरे मालिक ने गाड़ी से बुलाया, जो हमेशा की तरह मिलनसार थे, और उन्होंने उसी शाम मुझे अपनी पत्नी और बच्चे से मिलवाया। श्री होम्स, बेकर स्ट्रीट स्थित आपके कमरे में हमें जो अटकलें संभावित लग रही थीं, उनमें कोई सच्चाई नहीं थी। श्रीमती रुकास्टल पागल नहीं हैं। मैंने उन्हें एक शांत, पीले चेहरे वाली महिला पाया, जो अपने पति से काफी छोटी थीं, मेरी राय में तीस से अधिक नहीं, जबकि उनके पति की उम्र पैंतालीस से कम नहीं होगी। उनकी बातचीत से मुझे पता चला कि उनकी शादी को लगभग सात साल हो गए हैं, उनके पति विधुर थे, और उनकी पहली पत्नी से उनकी एकमात्र संतान वही बेटी थी जो फिलाडेल्फिया चली गई है। श्री रुकास्टल ने मुझे अकेले में बताया कि बेटी के उन्हें छोड़कर जाने का कारण यह था कि उसे अपनी सौतेली माँ से बेवजह नफरत थी। चूंकि बेटी की उम्र बीस से कम नहीं रही होगी, इसलिए मैं समझ सकता हूँ कि अपने पिता की युवा पत्नी के साथ उसकी स्थिति असहज रही होगी।

श्रीमती रुकास्टल मुझे चेहरे और मन दोनों से रंगहीन प्रतीत होती थीं। उन्होंने मुझ पर न तो कोई सकारात्मक प्रभाव डाला और न ही नकारात्मक। वह एक महत्वहीन व्यक्तित्व थीं। यह स्पष्ट था कि वह अपने पति और अपने छोटे बेटे दोनों के प्रति भावुक थीं। उनकी हल्की भूरी आँखें लगातार एक से दूसरे पर टिकी रहती थीं, हर छोटी-मोटी ज़रूरत को भाँपती थीं और संभव हो तो उसे पहले ही पूरा करने की कोशिश करती थीं। उनके पति भी अपने बेबाक और चंचल स्वभाव में उनके प्रति दयालु थे, और कुल मिलाकर वे एक सुखी दंपत्ति प्रतीत होते थे। फिर भी, इस महिला के भीतर कोई गुप्त दुख था। वह अक्सर गहरी सोच में डूबी रहती थीं, उनके चेहरे पर सबसे उदास भाव होता था। कई बार मैंने उन्हें रोते हुए पाया है। मैंने कभी-कभी सोचा है कि उनके बच्चे का स्वभाव ही उनके मन पर बोझ था, क्योंकि मैंने इतना बिगड़ा हुआ और इतना बदमिजाज बच्चा कभी नहीं देखा। वह अपनी उम्र के हिसाब से छोटा है, और उसका सिर अनुपातहीन रूप से बड़ा है। ऐसा लगता है कि उसका पूरा जीवन क्रोध के उग्र दौरों और उदासी भरे क्षणों के बीच ही बीतता है। रूठ गया। अपने से कमजोर किसी भी प्राणी को पीड़ा देना ही उसका एकमात्र मनोरंजन प्रतीत होता है, और चूहों, छोटे पक्षियों और कीड़ों को पकड़ने की योजना बनाने में वह असाधारण प्रतिभा दिखाता है। लेकिन मैं उस प्राणी के बारे में बात नहीं करना चाहता, श्रीमान होम्स, और वास्तव में, उसका मेरी कहानी से कोई लेना-देना नहीं है।

मेरे दोस्त ने कहा, "मुझे सभी जानकारियों से खुशी है, चाहे वे आपको प्रासंगिक लगें या न लगें।"

मैं कोशिश करूँगा कि कोई भी महत्वपूर्ण बात न छूटे। घर के बारे में एक अप्रिय बात, जिसने मुझे तुरंत चौंका दिया, वह थी नौकरों का पहनावा और व्यवहार। वहाँ केवल दो नौकर हैं, एक पति और उसकी पत्नी। टॉलर, यही उसका नाम है, एक खुरदरा, असभ्य आदमी है, जिसके बाल और मूंछें सफेद हैं और उससे हमेशा शराब की गंध आती रहती है। जब से मैं उनके साथ हूँ, वह दो बार पूरी तरह से नशे में धुत था, फिर भी श्री रुकास्टल ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। उसकी पत्नी एक बहुत लंबी और मजबूत महिला है, जिसका चेहरा चिड़चिड़ा है, श्रीमती रुकास्टल की तरह ही चुप रहती है और उनसे कहीं कम मिलनसार है। वे एक बेहद अप्रिय दंपत्ति हैं, लेकिन सौभाग्य से मैं अपना अधिकांश समय बच्चों के कमरे और अपने कमरे में बिताता हूँ, जो इमारत के एक कोने में एक-दूसरे से सटे हुए हैं।

"कॉपर बीचेस में मेरे आगमन के बाद दो दिनों तक मेरा जीवन बहुत शांत रहा; तीसरे दिन, श्रीमती रुकैसल नाश्ते के तुरंत बाद नीचे आईं और अपने पति से कुछ फुसफुसाकर कहा।"

"'ओह, जी हाँ,' उन्होंने मेरी ओर मुड़ते हुए कहा, 'मिस हंटर, हमारे कहने पर आपने अपने बाल भी कटवा लिए, इसके लिए हम आपके बहुत आभारी हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इससे आपकी सुंदरता में ज़रा भी कमी नहीं आई है। अब हम देखेंगे कि यह चमकीली नीली पोशाक आप पर कैसी लगती है। यह आपके कमरे में बिस्तर पर रखी मिलेगी, और यदि आप इसे पहन लें तो हम दोनों आपके अत्यंत आभारी होंगे।'

"जो पोशाक मेरा इंतज़ार कर रही थी, वह एक खास तरह के नीले रंग की थी। उसका कपड़ा बहुत बढ़िया था, हल्के भूरे रंग का, लेकिन उस पर पहले पहने जाने के स्पष्ट निशान थे। अगर नाप लेकर भी पहनी जाती, तो भी वह इतनी फिट नहीं होती। श्रीमान और श्रीमती रुकास्टल दोनों ही उसे देखकर बहुत खुश हुए, जो उनकी खुशी में कुछ ज़्यादा ही झलक रही थी। वे ड्राइंग रूम में मेरा इंतज़ार कर रहे थे, जो एक बहुत बड़ा कमरा था, घर के पूरे सामने तक फैला हुआ था, जिसमें तीन लंबी खिड़कियाँ फर्श तक जाती थीं। बीच वाली खिड़की के पास एक कुर्सी रखी थी, जिसकी पीठ खिड़की की तरफ थी। मुझे उस पर बैठने के लिए कहा गया, और फिर श्रीमान रुकास्टल कमरे के दूसरी तरफ इधर-उधर घूमते हुए मुझे एक के बाद एक इतनी मज़ेदार कहानियाँ सुनाने लगे, जितनी मैंने पहले कभी नहीं सुनी थीं। आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि वे कितने हास्यप्रद थे, और मैं तब तक हँसती रही जब तक मैं थक नहीं गई। लेकिन श्रीमती रुकास्टल, जिनमें हास्यबोध नाम की कोई चीज नहीं थी, उन्होंने एक बार भी मुस्कुराया नहीं, बल्कि अपने हाथ बांधे बैठी रहीं। वह अपनी गोद में बैठी थी और उसके चेहरे पर उदासी और चिंता के भाव थे। लगभग एक घंटे बाद, श्री रुकास्टल ने अचानक कहा कि अब दिन के काम शुरू करने का समय हो गया है और मैं कपड़े बदलकर नर्सरी में छोटे एडवर्ड के पास जा सकती हूं।

दो दिन बाद, ठीक इसी तरह की परिस्थितियों में यही प्रदर्शन दोहराया गया। मैंने फिर से अपने कपड़े बदले, फिर से खिड़की के पास बैठी, और फिर से अपने मालिक के पास मौजूद हास्य कहानियों के विशाल भंडार पर दिल खोलकर हंसी, जिन्हें वह अनोखे अंदाज में सुनाते थे। फिर उन्होंने मुझे पीले कवर वाला एक उपन्यास दिया, और मेरी कुर्सी को थोड़ा सा एक तरफ खिसका दिया ताकि मेरी परछाईं पन्ने पर न पड़े, और मुझसे उसे ज़ोर से पढ़ने का अनुरोध किया। मैंने लगभग दस मिनट तक पढ़ा, एक अध्याय के बीच से शुरू किया, और फिर अचानक, एक वाक्य के बीच में, उन्होंने मुझे रुकने और अपने कपड़े बदलने का आदेश दिया।

"आप आसानी से कल्पना कर सकते हैं, श्री होम्स, कि मैं इस असाधारण प्रदर्शन के अर्थ को लेकर कितना उत्सुक हो गया था। मैंने देखा कि वे हमेशा मेरा चेहरा खिड़की से दूर रखने में बहुत सावधानी बरतते थे, जिससे मेरे मन में यह जानने की तीव्र इच्छा जाग उठी कि मेरे पीछे क्या हो रहा है। पहले तो यह असंभव लग रहा था, लेकिन जल्द ही मैंने एक उपाय खोज निकाला। मेरा छोटा दर्पण टूट गया था, इसलिए मुझे एक सुखद विचार आया और मैंने उसका एक टुकड़ा अपने रुमाल में छिपा लिया। अगली बार, हँसी के बीच, मैंने अपना रुमाल अपनी आँखों पर लगाया और थोड़ी सी कोशिश से अपने पीछे सब कुछ देख लिया। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं निराश हुआ। वहाँ कुछ नहीं था। कम से कम यही मेरा पहला अनुमान था। हालाँकि, दूसरी नज़र में, मैंने देखा कि साउथेम्प्टन रोड पर एक आदमी खड़ा था, एक छोटा दाढ़ी वाला आदमी, जिसने ग्रे रंग का सूट पहना हुआ था, जो मेरी दिशा में देख रहा था। यह सड़क एक महत्वपूर्ण राजमार्ग है, और वहाँ आमतौर पर लोग होते हैं। लेकिन यह आदमी हमारे खेत की सीमा पर लगी रेलिंग से टिका हुआ था और देख रहा था। मैंने तुरंत उठकर अपना रुमाल नीचे किया और श्रीमती रुकास्टल की ओर देखा तो पाया कि उनकी निगाहें मुझ

पर टिकी हुई थीं और वे मुझे बड़ी उत्सुकता से देख रही थीं। उन्होंने कुछ नहीं कहा, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि उन्हें यह आभास हो गया था कि मेरे हाथ में दर्पण है और मैंने पीछे का दृश्य देख लिया है। वह तुरंत उठ खड़ी हुईं।

"'जेफ्रो,' उसने कहा, 'वहाँ सड़क पर एक बदतमीज़ आदमी है जो मिस हंटर को घूर रहा है।'"

"'मिस हंटर, क्या आपकी कोई दोस्त नहीं है?' उसने पूछा।"

"'नहीं, मैं इस इलाके में किसी को नहीं जानता।'"

"'अरे! यह तो बहुत ही गुस्ताखी है! कृपया मुड़कर उसे चले जाने का इशारा कीजिए।'

"'बेशक, इस पर ध्यान न देना ही बेहतर होगा।'"

"'नहीं, नहीं, हमें उसे हमेशा यहीं मंडराने नहीं देना चाहिए। कृपया मुड़कर उसे इस तरह हाथ हिलाकर विदा कर दें।'"

"मैंने वैसा ही किया जैसा मुझे कहा गया था, और उसी क्षण श्रीमती रुकैसल ने पर्दा गिरा दिया। यह एक सप्ताह पहले की बात है, और तब से मैं न तो खिड़की पर बैठी हूं, न ही मैंने नीली पोशाक पहनी है, और न ही सड़क पर उस आदमी को देखा है।"

होम्स ने कहा, "कृपया जारी रखिए। आपकी कहानी बेहद दिलचस्प होने वाली है।"

मुझे डर है कि आपको यह कुछ हद तक असंबद्ध लगेगा, और जिन घटनाओं का मैं जिक्र कर रहा हूँ, उनके बीच शायद ही कोई संबंध हो। कॉपर बीचेस में मेरे पहले ही दिन, श्री रुकास्टल मुझे रसोई के दरवाजे के पास बने एक छोटे से बाहरी कमरे में ले गए। जैसे ही हम उसके पास पहुंचे, मैंने एक जंजीर के तेज खड़कने की आवाज सुनी, और ऐसा लगा जैसे कोई बड़ा जानवर इधर-उधर घूम रहा हो।

"'यहाँ देखो!' श्री रुकास्टल ने मुझे दो तख्तों के बीच की एक दरार दिखाते हुए कहा। 'क्या वह सुंदर नहीं है?'"

मैंने अंदर झाँका और मुझे दो चमकती हुई आँखें और अँधेरे में दुबकी हुई एक धुंधली आकृति दिखाई दी।

"'डरो मत,' मेरे मालिक ने मेरी शुरुआती प्रतिक्रिया पर हंसते हुए कहा। 'यह तो बस कार्लो है, मेरा मास्टिफ़ कुत्ता। मैं उसे अपना कहता हूँ, लेकिन असल में बूढ़ा टॉलर, मेरा रखवाला, वही है जो उसकी देखभाल कर सकता है। हम उसे दिन में एक बार खाना खिलाते हैं, और वह भी ज़्यादा नहीं, ताकि वह हमेशा चुस्त-दुरुस्त रहे। टॉलर उसे हर रात खुला छोड़ देता है, और जो भी घुसपैठिया उसके दांतों से घायल हो जाए, भगवान ही उसकी रक्षा करे। भगवान के लिए, किसी भी बहाने से रात में दहलीज पार मत करना, क्योंकि यह तुम्हारी जान के बराबर है।'"

"यह चेतावनी व्यर्थ नहीं थी, क्योंकि दो रात बाद, लगभग दो बजे, मैं अपने शयनकक्ष की खिड़की से बाहर देख रहा था। वह एक खूबसूरत चांदनी रात थी, और घर के सामने का लॉन चांदी की तरह चमक रहा था और लगभग दिन के उजाले जैसा था। मैं उस शांत दृश्य में खोया हुआ खड़ा था, तभी मुझे तांबे के रंग के बीच के पेड़ों की छाया में कुछ हिलता हुआ महसूस हुआ। जैसे ही वह चांदनी में निकला, मैंने देखा कि वह क्या था। वह एक विशालकाय कुत्ता था, बछड़े जितना बड़ा, भूरे रंग का, लटकते जबड़े, काले थूथन और उभरी हुई हड्डियों वाला। वह धीरे-धीरे लॉन पार करके दूसरी तरफ छाया में गायब हो गया। उस भयानक प्रहरी ने मेरे दिल में ऐसी सिहरन पैदा कर दी, जो मुझे नहीं लगता कि कोई चोर कर सकता था।"

"और अब मैं आपको एक बहुत ही अजीब अनुभव सुनाना चाहती हूँ। जैसा कि आप जानते हैं, मैंने लंदन में अपने बाल कटवाए थे और उन्हें अपने ट्रंक के नीचे एक बड़े गुच्छे में बांध रखा था। एक शाम, बच्चे के सो जाने के बाद, मैं अपने कमरे के

फर्नीचर को देखने और अपनी छोटी-मोटी चीजों को इधर-उधर करने में अपना समय बिताने लगी। कमरे में एक पुरानी दराजों वाली अलमारी थी, जिसकी ऊपर की दो दराजें खाली और खुली थीं, और नीचे वाली बंद थी। मैंने पहली दो दराजों में अपने कपड़े भर रखे थे, और चूंकि मुझे अभी भी बहुत कुछ पैक करना था, इसलिए तीसरी दराज का इस्तेमाल न कर पाने से मुझे स्वाभाविक रूप से चिढ़ हो रही थी। मुझे लगा कि शायद यह गलती से बंद हो गई हो, इसलिए मैंने चाबियों का गुच्छा निकाला और उसे खोलने की कोशिश की। पहली ही चाबी बिल्कुल सही बैठ गई, और मैंने दराज खोल दी। उसमें सिर्फ एक ही चीज़ थी, लेकिन मुझे यकीन है कि आप कभी अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि वह क्या थी। वह मेरी बालों की गुच्छी थी।”

मैंने उसे उठाया और जांचा। उसका रंग और मोटाई बिल्कुल वैसी ही थी। लेकिन तभी मुझे यह बात समझ में आई कि यह असंभव कैसे हो सकता है। मेरे बाल दराज में कैसे बंद हो सकते थे? कांपते हाथों से मैंने अपना संदूक खोला, उसमें रखी चीजें बाहर निकालीं और नीचे से अपने ही बाल निकाले। मैंने दोनों लटों को एक साथ रखा और यकीन मानिए, वे बिल्कुल एक जैसी थीं। क्या यह अजीब नहीं था? लाख कोशिश करने पर भी मुझे इसका मतलब समझ नहीं आ रहा था। मैंने उन अजीब बालों को वापस दराज में रख दिया और रुकास्टल्स को इस बारे में कुछ नहीं बताया क्योंकि मुझे लगा कि मैंने उनके द्वारा बंद की गई दराज को खोलकर खुद को मुश्किल में डाल दिया है।

“जैसा कि आपने शायद गौर किया होगा, श्री होम्स, मैं स्वभाव से ही बहुत observant हूँ, और मैंने जल्द ही पूरे घर का एक अच्छा-खासा नक्शा अपने दिमाग में बना लिया था। हालाँकि, एक हिस्सा ऐसा था जो बिल्कुल खाली लगता था। टॉलर परिवार के क्वार्टर की ओर जाने वाले दरवाजे के सामने वाला एक दरवाजा इस कमरे में खुलता था, लेकिन वह हमेशा बंद रहता था। लेकिन एक दिन, जब मैं सीढ़ियां चढ़ रहा था, तो मेरी मुलाकात श्री रुकास्टल से हुई जो इस दरवाजे से बाहर आ रहे थे। उनके हाथ में चाबियाँ थीं और उनके चेहरे पर ऐसा भाव था जो उन्हें उस गोल-मटोल, हंसमुख इंसान से बिल्कुल अलग बना रहा था जिसे मैं जानता था। उनके गाल लाल थे, माथे पर गुस्से की लकीरें थीं और कनपटी की नसें आवेश से उभरी हुई थीं। उन्होंने दरवाजा बंद किया और बिना कुछ बोले या देखे जल्दी से मेरे पास से गुजर गए।”

इससे मेरी जिज्ञासा जागी, इसलिए जब मैं अपने बच्चे के साथ बगीचे में टहलने निकला, तो मैं उस तरफ चला गया जहां से मुझे घर के इस हिस्से की खिड़कियाँ दिखाई देती थीं। वहाँ एक कतार में चार खिड़कियाँ थीं, जिनमें से तीन बेहद गंदी थीं, जबकि चौथी बंद थी। स्पष्ट रूप से वे सभी खाली थीं। जैसे ही मैं इधर-उधर टहल रहा था और बीच-बीच में उन पर नज़र डाल रहा था, श्री रुकास्टल मेरे पास आए, हमेशा की तरह हंसमुख और प्रसन्न दिख रहे थे।

“‘आह!’ उसने कहा, ‘मेरी प्यारी युवती, अगर मैं बिना कुछ कहे आपके पास से गुजर गया तो मुझे असभ्य मत समझना। मैं व्यापारिक मामलों में व्यस्त था।’”

मैंने उन्हें आश्वस्त किया कि मुझे बुरा नहीं लगा। मैंने कहा, 'वैसे, ऐसा लगता है कि आपके पास ऊपर काफी सारे अतिरिक्त कमरे हैं, और उनमें से एक में शटर लगे हुए हैं।'

"मेरी टिप्पणी सुनकर वह हैरान और, जैसा कि मुझे लगा, थोड़ा चौंक गया था।"

“‘फोटोग्राफी मेरा एक शौक है,’ उसने कहा। ‘मैंने अपना डार्क रूम ऊपर बना रखा है। लेकिन, हे भगवान! हमें कितनी समझदार युवती मिली है। कौन यकीन करेगा? भला कौन यकीन करेगा?’ उसने मज़ाकिया लहजे में कहा, लेकिन जब उसने मेरी तरफ देखा तो उसकी आँखों में कोई मज़ाक नहीं था। मुझे वहां संदेह और झुंझलाहट दिखाई दी, मज़ाक नहीं।”

"ख़ैर, श्रीमान होम्स, जिस क्षण मुझे पता चला कि उन कमरों के बारे में कुछ ऐसा है जो मुझे नहीं जानना चाहिए, उसी क्षण से मैं उन्हें देखने के लिए बेताब हो गई। यह महज़ जिज्ञासा नहीं थी, हालांकि मुझमें जिज्ञासा भी थी। यह कर्तव्य की भावना थी—एक एहसास कि इस जगह में प्रवेश करने से शायद कुछ अच्छा हो। लोग स्त्री की सहज प्रवृत्ति की बात करते हैं; शायद स्त्री की सहज प्रवृत्ति ने ही मुझे यह एहसास दिलाया। ख़ैर, यह भावना तो थी ही, और मैं उस वर्जित द्वार को पार करने के किसी भी अवसर की बेसब्री से तलाश कर रही थी।"

"यह मौका कल ही मिला। मैं आपको बता दूं कि श्री रुकास्टल के अलावा, टॉलर और उनकी पत्नी भी इन सुनसान कमरों में कुछ न कुछ काम ढूंढ लेते हैं, और मैंने एक बार उन्हें एक बड़ा काला लिनेन का थैला दरवाज़े से अंदर ले जाते हुए देखा था। हाल ही में उन्होंने खूब शराब पी है, और कल शाम तो वे बहुत नशे में थे; और जब मैं ऊपर आया तो चाबी दरवाज़े में ही लगी हुई थी। मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि उन्होंने ही चाबी वहीं छोड़ी थी। श्री और श्रीमती रुकास्टल दोनों नीचे थे, और बच्चा भी उनके साथ था, इसलिए मुझे एक बढ़िया मौका मिल गया। मैंने ताले में धीरे से चाबी घुमाई, दरवाजा खोला और अंदर घुस गया।"

मेरे सामने एक छोटा सा गलियारा था, जिस पर न तो काग़ज़ी बिछे थे और न ही कालीन, जो दूसरे छोर पर समकोण पर मुड़ता था। इस कोने पर एक पंक्ति में तीन दरवाजे थे, जिनमें से पहला और तीसरा खुला था। वे सभी एक खाली कमरे में खुलते थे, जो धूल से भरा और उदास था। एक कमरे में दो खिड़कियाँ थीं और दूसरे में एक, जो इतनी धूल से भरी थीं कि शाम की रोशनी उनमें से धुंधली सी झलक रही थी। बीच वाला दरवाजा बंद था, और उसके बाहर लोहे के पलंग की एक चौड़ी छड़ लगी हुई थी, जिसका एक सिरा दीवार में लगे एक छल्ले से ताला से बंधा था और दूसरा सिरा एक मजबूत रस्सी से बंधा था। दरवाजा भी बंद था, और चाबी वहाँ नहीं थी। यह बंद दरवाजा बाहर की बंद खिड़की से बिल्कुल मेल खाता था, फिर भी मैं उसके नीचे से आती हल्की रोशनी से देख सकता था कि कमरा अंधेरा नहीं था। जाहिर है, ऊपर से रोशनी आने के लिए एक रोशनदान था। जब मैं गलियारे में खड़ा उस रहस्यमय दरवाजे को घूर रहा था और सोच रहा था कि वह कौन सा रहस्य छुपाए हुए है, तभी अचानक मुझे कमरे के अंदर कदमों की आहट सुनाई दी और मैंने देखा... दरवाजे के नीचे से आती धुंधली रोशनी की छोटी सी दरार में परछाइयाँ आगे-पीछे गुजर रही थीं। श्री होम्स, यह दृश्य देखकर मेरे मन में एक अजीब सा डर बैठ गया। मेरी तनावग्रस्त नसें अचानक जवाब दे गईं और मैं मुड़कर भागने लगी—ऐसे भागी जैसे कोई भयानक हाथ मेरे पीछे मेरी पोशाक का किनारा पकड़ रहा हो। मैं गलियारे से दौड़कर दरवाजे से बाहर निकली और सीधे श्री रुकास्टल की बाहों में जा गिरी, जो बाहर मेरा इंतजार कर रहे थे।

"'तो,' उसने मुस्कुराते हुए कहा, 'यह आप ही थे। जब मैंने दरवाजा खुलते देखा तो मुझे लगा कि आप ही होंगे।'"

"'ओह, मैं बहुत डरी हुई हूँ!' मैंने हाँफते हुए कहा।

"'मेरी प्यारी युवती! मेरी प्यारी युवती!' — आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि उनका व्यवहार कितना स्नेहपूर्ण और सुखदायक था — 'और आपको किस बात ने डरा दिया है, मेरी प्यारी युवती?'"

लेकिन उसकी आवाज़ कुछ ज्यादा ही मीठी थी। उसने हद से ज्यादा कोशिश की। मैं उससे बहुत सावधान थी।

"'मैं खाली विंग में जाने की मूर्खता कर बैठा,' मैंने उत्तर दिया। 'लेकिन इस धुंधली रोशनी में इतना सन्नाटा और डरावना माहौल है कि मैं डर गया और वापस भाग आया। ओह, वहाँ तो कितनी भयानक खामोशी है!'"

"'बस इतना ही?' उसने मेरी ओर उत्सुकता से देखते हुए कहा।
मैंने पूछा, 'क्यों, आपने क्या सोचा?'
"'आपको क्या लगता है कि मैं इस दरवाजे को क्यों बंद करता हूँ?'"
"'मुझे यकीन है कि मुझे नहीं पता।'"
"'इसका मकसद उन लोगों को बाहर रखना है जिनका वहां कोई काम नहीं है। समझे?' वह अब भी बेहद सौम्य तरीके से मुस्कुरा रहा था।
मुझे यकीन है अगर मुझे पता होता
"'अच्छा, तो अब तुम्हें पता चल गया है। और अगर तुमने कभी दोबारा उस दहलीज को पार किया' — यहाँ पल भर में उसकी मुस्कान गुस्से की एक भयानक मुस्कान में बदल गई, और उसने एक राक्षस के चेहरे के साथ मेरी तरफ घूरते हुए कहा — 'मैं तुम्हें मास्टिफ़ कुत्ते के सामने फेंक दूंगा।'
मैं इतनी डरी हुई थी कि मुझे याद नहीं कि मैंने क्या किया। मुझे लगता है कि मैं उसके पास से भागकर अपने कमरे में चली गई होगी। मुझे तब तक कुछ याद नहीं जब तक मैंने खुद को अपने बिस्तर पर कांपते हुए नहीं पाया। तब मुझे आपका ख्याल आया, मिस्टर होम्स। बिना किसी सलाह के मैं वहां और नहीं रह सकती थी। मुझे घर से, उस आदमी से, उस औरत से, नौकरों से, यहां तक कि बच्चे से भी डर लग रहा था। वे सब मुझे भयानक लग रहे थे। अगर मैं आपको बुला पाती तो सब ठीक हो जाता। बेशक मैं घर से भाग सकती थी, लेकिन मेरी जिज्ञासा मेरे डर से लगभग उतनी ही प्रबल थी। मैंने जल्द ही मन बना लिया। मैं आपको एक तार भेजूंगी। मैंने अपनी टोपी और लबादा पहना, ऑफिस गई, जो घर से लगभग आधा मील दूर है, और फिर वापस लौटी, काफी राहत महसूस करते हुए। जैसे ही मैं दरवाजे के पास पहुंची, मेरे मन में एक भयानक संदेह आया कि कहीं कुत्ता खुला न छूट गया हो, लेकिन मुझे याद आया कि टॉलर ने उस शाम इतना ज्यादा पी लिया था कि वह बेहोश हो गया था, और मैं जानती थी कि घर में वही एकमात्र व्यक्ति था जिसका उस जंगली आदमी पर कुछ प्रभाव था। या तो कोई प्राणी, या कोई ऐसा व्यक्ति जो उसे मुक्त करने का साहस करे। मैं चुपके से अंदर घुस गई और आपसे मिलने की खुशी में आधी रात तक जागती रही। आज सुबह विनचेस्टर आने की अनुमति लेने में मुझे कोई कठिनाई नहीं हुई, लेकिन मुझे तीन बजे से पहले वापस आना होगा, क्योंकि श्रीमान और श्रीमती रुकेसल मिलने जा रहे हैं और पूरी शाम बाहर रहेंगे, इसलिए मुझे बच्चे की देखभाल करनी होगी। अब मैंने आपको अपने सारे कारनामे बता दिए हैं, श्रीमान होम्स, और मुझे बहुत खुशी होगी यदि आप मुझे बता सकें कि इन सबका क्या अर्थ है, और सबसे महत्वपूर्ण बात, मुझे क्या करना चाहिए।
होम्स और मैं मंत्रमुग्ध होकर यह असाधारण कहानी सुन रहे थे। मेरा मित्र अब उठा और अपने हाथों को जेब में डाले, चेहरे पर अत्यंत गंभीर भाव लिए कमरे में इधर-उधर टहलने लगा।
"क्या टॉलर अभी भी नशे में है?" उसने पूछा।
"हां। मैंने उसकी पत्नी को श्रीमती रुकास्टल से यह कहते सुना कि वह उसके साथ कुछ नहीं कर सकती।"
"यह तो अच्छा है। और रुकास्टल्स आज रात बाहर जा रहे हैं?"
"हाँ।"
क्या यहां कोई तहखाना है जिसमें अच्छा और मजबूत ताला लगा हो?
"हां, वाइन सेलर।"
"मिस हंटर, मुझे लगता है कि आपने इस पूरे मामले में एक बहुत ही बहादुर और समझदार लड़की की तरह व्यवहार किया है। क्या आपको लगता है कि आप एक और

कारनामा कर सकती हैं? अगर मैं आपको असाधारण महिला न समझती तो मैं आपसे यह अपेक्षा नहीं करती।"

मैं कोशिश करूंगा। क्या बात है?

"हम सात बजे तक कॉपर बीचेस पहुँच जाएँगे, मैं और मेरा दोस्त। तब तक रुकास्टल्स जा चुके होंगे, और हमें उम्मीद है कि टॉलर कुछ नहीं कर पाएगी। बस श्रीमती टॉलर ही बची हैं, जो अलार्म बजा सकती हैं। अगर आप उन्हें किसी काम से तहखाने में भेज दें और फिर चाबी घुमा दें, तो काम बहुत आसान हो जाएगा।"

"मैं यह करूंगा।"

"बहुत बढ़िया! तो हम इस मामले की पूरी तरह से जांच करेंगे। बेशक, इसका केवल एक ही संभावित स्पष्टीकरण है। आपको किसी और का रूप धारण करने के लिए यहाँ लाया गया है, और असली व्यक्ति इस कमरे में कैद है। यह स्पष्ट है। जहाँ तक इस कैदी की बात है, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह मिस ऐलिस रुकास्टल की बेटी है, अगर मुझे सही याद है, जिसके बारे में कहा जाता था कि वह अमेरिका चली गई थी। आपको चुना गया होगा, निस्संदेह, क्योंकि आप कद, आकृति और बालों के रंग में उससे मिलती-जुलती हैं। उसके बाल कट गए थे, संभवतः किसी बीमारी के दौरान जिससे वह गुज़री थी, और इसलिए, ज़ाहिर है, आपके बालों का भी बलिदान देना पड़ा। एक अजीब संयोग से आप उसकी लटों पर आ गईं। सड़क पर खड़ा आदमी निस्संदेह उसका कोई दोस्त था - शायद उसका मंगेतर - और निस्संदेह, क्योंकि आपने लड़की के कपड़े पहने थे और आप उससे इतनी मिलती-जुलती थीं, जब भी वह आपको देखता था, आपकी हंसी से और बाद में आपके हाव-भाव से, वह आश्वस्त हो गया कि मिस रुकास्टल पूरी तरह से खुश हैं, और अब वह उसकी परवाह नहीं करती हैं। कुत्ते को रात में खुला छोड़ दिया जाता है ताकि वह कोशिश न करे... उससे बात करो। इतना तो काफी हद तक स्पष्ट है। इस मामले में सबसे अहम मुद्दा बच्चे का भविष्य तय करना है।

"इसका इससे क्या लेना-देना है?" मैंने हैरानी से कहा।

"मेरे प्रिय वॉटसन, आप एक चिकित्सक होने के नाते माता-पिता के अध्ययन से बच्चों के स्वभाव को लगातार समझते हैं। क्या आप यह नहीं देखते कि इसका विपरीत भी उतना ही सत्य है? मैंने अक्सर बच्चों का अध्ययन करके ही माता-पिता के चरित्र की पहली वास्तविक समझ प्राप्त की है। इस बच्चे का स्वभाव असामान्य रूप से क्रूर है, केवल क्रूरता के लिए, और चाहे यह उसे अपने मुस्कुराते हुए पिता से मिला हो, जैसा कि मुझे संदेह है, या अपनी माँ से, यह उस बेचारी बच्ची के लिए बुरा संकेत है जो उनके चंगुल में है।"

"मुझे पूरा यकीन है कि आप सही कह रहे हैं, मिस्टर होम्स," हमारे मुवक्किल ने कहा। "हजारों बातें मुझे याद आ रही हैं जिनसे मुझे पूरा यकीन है कि आपने सही बात कही है। आइए, इस बेचारे जीव की मदद करने में एक पल भी बर्बाद न करें।"

"हमें सतर्क रहना होगा, क्योंकि हम एक बहुत ही चालाक आदमी से निपट रहे हैं। हम सात बजे तक कुछ नहीं कर सकते। उस समय हम आपके साथ होंगे, और रहस्य को सुलझाने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।"

हमने अपना वादा निभाया, क्योंकि सात बजते ही हम कॉपर बीचेस पहुँच गए। हमने रास्ते में पड़ने वाले एक छोटे से ढाबे पर अपना ठेला लगाया था। ढलते सूरज की रोशनी में गहरे रंग के पत्ते चमकते हुए पेड़ों का वह समूह घर को पहचानने के लिए काफी था, भले ही मिस हंटर दरवाजे पर मुस्कुराती हुई खड़ी न होतीं।

"क्या तुमने यह कर दिखाया?" होम्स ने पूछा।

नीचे से कहीं से ज़ोरदार धमाके की आवाज़ आई। "वह तहखाने में श्रीमती टॉलर हैं," उन्होंने कहा। "उनके पति रसोई के कालीन पर खर्राटे ले रहे हैं। ये रही उनकी

चाबियाँ, जो श्री रुकास्टल की चाबियों की नकल हैं।"

"तुमने वाकई बहुत अच्छा काम किया!" होम्स ने उत्साह से कहा। "अब आगे बढ़ो, और हम जल्द ही इस काले धंधे का अंत देखेंगे।"

हम सीढ़ियों से ऊपर चढ़े, दरवाजा खोला, एक गलियारे से होते हुए आगे बढ़े और खुद को उस बैरिकेड के सामने पाया जिसका वर्णन मिस हंटर ने किया था। होम्स ने रस्सी काटी और अनुप्रस्थ छड़ को हटा दिया। फिर उन्होंने ताले में अलग-अलग चाबियां आजमाईं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अंदर से कोई आवाज नहीं आई और इस सन्नाटे को देखकर होम्स का चेहरा उदास हो गया।

"मुझे उम्मीद है कि अभी देर नहीं हुई है," उसने कहा। "मुझे लगता है, मिस हंटर, कि आपके बिना ही अंदर जाना बेहतर होगा। अब, वॉटसन, पूरी ताकत लगाओ, और हम देखेंगे कि क्या हम अंदर जाने का रास्ता बना सकते हैं।"

वह एक पुराना, जर्जर दरवाजा था और हमारी संयुक्त शक्ति के सामने तुरंत खुल गया। हम सब मिलकर कमरे में घुस गए। कमरा खाली था। उसमें एक छोटे से पलंग, एक छोटी मेज और कपड़ों से भरी एक टोकरी के अलावा कोई फर्नीचर नहीं था। ऊपर की रोशनदान खुली थी और कैदी गायब था।

होम्स ने कहा, "यहां कुछ कुटिलता हुई है; इस खूबसूरत महिला ने मिस हंटर के इरादों को भांप लिया और उसके शिकार को अगवा कर लिया।"

"आख़िर कैसे?"

"खिड़की की रोशनदान से। हम जल्द ही देखेंगे कि उसने यह कैसे किया।" वह झूलते हुए छत पर चढ़ गया। "अरे हाँ," वह चिल्लाया, "यहाँ छज्जे के सहारे एक लंबी सीढ़ी का सिरा है। उसने इसी तरह से यह किया।"

"लेकिन यह असंभव है," मिस हंटर ने कहा; "जब रुकास्टल परिवार गया था तब सीढ़ी वहां नहीं थी।"

"वह वापस आया और उसने यह कर दिखाया। मैं आपको बता दूं कि वह एक चालाक और खतरनाक आदमी है। अगर सीढ़ियों पर अभी मुझे जिसकी आहट सुनाई दे रही है, वही हो, तो मुझे ज़रा भी हैरानी नहीं होगी। वॉटसन, मुझे लगता है कि आपके लिए अपनी पिस्तौल तैयार रखना बेहतर होगा।"

उसके मुंह से शब्द निकले ही थे कि कमरे के दरवाजे पर एक आदमी प्रकट हुआ, एक मोटा-ताज़ा और हट्टा-कट्टा आदमी, जिसके हाथ में एक भारी लाठी थी। मिस हंटर उसे देखते ही चीख पड़ी और दीवार से सट गई, लेकिन शर्लक होम्स झट से आगे बढ़ा और उसका सामना किया।

"तुम दुष्ट हो!" उसने कहा, "तुम्हारी बेटी कहाँ है?"

मोटे आदमी ने चारों ओर नजर घुमाई और फिर खुली रोशनदान की ओर देखा।

"यह सवाल तो मुझे ही पूछना है," वह चीखते हुए बोला, "तुम चोरों! जासूसों और लुटेरों! मैंने तुम्हें पकड़ लिया है, है ना? तुम मेरे वश में हो। मैं तुम्हारी सेवा करूंगा!" वह मुड़ा और पूरी ताकत से सीढ़ियों से नीचे उतर गया।

"वह कुत्ते के पीछे पड़ा है!" मिस हंटर चिल्लाई।

मैंने कहा, "मेरे पास मेरी रिवॉल्वर है।"

"सामने का दरवाज़ा बंद कर लो," होम्स चिल्लाया, और हम सब एक साथ सीढ़ियों से नीचे भागे। हम अभी हॉल में पहुंचे ही थे कि हमें एक शिकारी कुत्ते के भौंकने की आवाज़ सुनाई दी, और फिर एक भयानक चीख, जिसे सुनना बहुत डरावना था। लाल चेहरे और कांपते अंगों वाला एक बूढ़ा आदमी लड़खड़ाते हुए बगल के दरवाजे से बाहर आया।

"हे भगवान!" वह चिल्लाया। "किसी ने कुत्ते को खुला छोड़ दिया है। उसे दो दिन से खाना नहीं मिला है। जल्दी करो, जल्दी करो, वरना बहुत देर हो जाएगी!"

होम्स और मैं दौड़कर घर के कोने से अंदर गए, टॉलर हमारे पीछे-पीछे आ रहा था। वहां एक विशालकाय, भूखा-प्यासा जानवर था, जिसका काला थूथन रुकैस्टल के गले में धंसा हुआ था, जबकि रुकैस्टल ज़मीन पर तड़प रहा था और चीख रहा था। दौड़कर मैंने उसके पास जाकर उसके सिर में गोली मार दी, और वह गिर पड़ा, उसके नुकीले सफेद दांत अभी भी उसकी गर्दन की गहरी सिलवटों में फंसे हुए थे। बड़ी मुश्किल से हमने उसके दांतों को अलग किया और उसे, जो जीवित तो था लेकिन बुरी तरह क्षत-विक्षत था, घर के अंदर ले आए। हमने उसे ड्राइंग रूम के सोफे पर लिटाया, और शांत हो चुके टॉलर को उसकी पत्नी को खबर देने के लिए भेजकर, मैंने उसकी पीड़ा कम करने के लिए हर संभव प्रयास किया। हम सब उसके चारों ओर जमा थे जब दरवाजा खुला, और एक लंबी, दुबली-पतली महिला कमरे में दाखिल हुई।

"श्रीमती टॉलर!" मिस हंटर चिल्लाईं।

जी हां, महोदया। श्री रुकास्टल ने आपके पास आने से पहले ही मुझे वापस आने पर बाहर जाने दिया। आह, महोदया, यह बहुत दुख की बात है कि आपने मुझे अपनी योजना के बारे में नहीं बताया, वरना मैं आपको बता देता कि आपकी सारी मेहनत व्यर्थ गई।

"हा!" होम्स ने उसे ध्यान से देखते हुए कहा। "यह स्पष्ट है कि श्रीमती टॉलर इस मामले में किसी और से ज्यादा जानती हैं।"

"जी हां, महोदय, मुझे पता है, और मैं जो कुछ भी जानता हूं उसे बताने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।"

"तो कृपया बैठ जाइए और इसे सुनिए, क्योंकि ऐसे कई बिंदु हैं जिनके बारे में मुझे स्वीकार करना होगा कि मैं अभी भी पूरी तरह से अनजान हूं।"

"मैं जल्द ही आपको सब कुछ स्पष्ट कर दूंगी," उसने कहा; "और अगर मैं तहखाने से बाहर निकल पाती तो अब तक कर चुकी होती। अगर इस मामले में पुलिस कोर्ट में कार्यवाही होती है, तो आपको याद रखना कि मैं ही वह थी जिसने आपकी मित्रता की थी, और मैं मिस ऐलिस की भी मित्र थी।"

"जब से मिस ऐलिस के पिता ने दोबारा शादी की, तब से वह घर पर कभी खुश नहीं रहीं। उनकी उपेक्षा की जाती थी और किसी भी बात में उनकी कोई राय नहीं सुनी जाती थी, लेकिन उनकी हालत तब तक और खराब नहीं हुई जब तक कि उनकी मुलाकात एक दोस्त के घर मिस्टर फाउलर से नहीं हुई। जहाँ तक मुझे पता चला, मिस ऐलिस ने अपनी वसीयत के अनुसार अपने अधिकार रखे थे, लेकिन वह इतनी शांत और धैर्यवान थीं कि उन्होंने कभी इस बारे में कुछ नहीं कहा और सब कुछ मिस्टर रुकास्टल के हाथों में छोड़ दिया। उन्हें पता था कि वह उनके साथ सुरक्षित हैं; लेकिन जब उन्हें लगा कि कोई ऐसा पति सामने आ सकता है जो कानून के अनुसार सब कुछ मांगेगा, तब उनके पिता ने इसे रोकने का फैसला किया। वह चाहते थे कि वह एक कागज़ पर हस्ताक्षर करें, ताकि चाहे उनकी शादी हो या न हो, वह उनके पैसे का इस्तेमाल कर सकें। जब उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो वह उन्हें तब तक परेशान करते रहे जब तक कि उन्हें दिमागी बुखार नहीं हो गया और छह हफ्तों तक वह मौत के कगार पर रहीं। फिर आखिरकार वह ठीक हो गईं, बिल्कुल कमजोर और सूनी हो गई थीं और उनके खूबसूरत बाल काट दिए गए थे; लेकिन इससे उनके प्रेमी में कोई बदलाव नहीं आया और वह उनसे चिपके रहे। उसके प्रति वह उतना ही सच्चा था जितना कोई पुरुष हो सकता है।

“आह,” होम्स ने कहा, “मुझे लगता है कि आपने जो कुछ बताया है उससे मामला काफी हद तक स्पष्ट हो गया है, और मैं बाकी सब कुछ समझ सकता हूँ। तो, मेरा अनुमान है कि श्री रुकास्टल ने कारावास की इस प्रणाली को अपनाया था?”

"जी श्रीमान्।"

और उन्होंने मिस्टर फाउलर की असहनीय ज़िद से छुटकारा पाने के लिए मिस हंटर को लंदन से बुलाया।

“बस यही था, महोदय।”

लेकिन श्री फाउलर एक दृढ़ निश्चयी व्यक्ति थे, जैसा कि एक अच्छे नाविक को होना चाहिए, उन्होंने घर की घेराबंदी कर दी, और आपसे मिलने के बाद कुछ तर्कों, चाहे वे धात्विक हों या अन्य, के माध्यम से आपको यह समझाने में सफल रहे कि आपके हित उनके हितों के समान थे।

श्रीमती टॉलर ने शांत भाव से कहा, "श्री फाउलर बहुत ही विनम्र और उदार स्वभाव के सज्जन थे।"

और इस तरह उसने यह सुनिश्चित किया कि आपके भले आदमी को पानी की कमी न हो, और जब आपका मालिक बाहर जाए तो उसके लिए सीढ़ी तैयार रहे।

"आपके पास वह सब कुछ है, महोदय, जैसा हुआ था वैसा ही।"

“श्रीमती टॉलर, हमें आपसे माफी मांगनी चाहिए,” होम्स ने कहा, “क्योंकि आपने हमारी सारी उलझनें सुलझा दी हैं। और लगता है कि यहाँ देहाती सर्जन और श्रीमती रुकास्टल आ रही हैं। वॉटसन, बेहतर होगा कि हम मिस हंटर को वापस विनचेस्टर ले जाएं, क्योंकि मुझे लगता है कि अब हमारी स्थिति कुछ संदिग्ध है।”

और इस तरह दरवाजे के सामने तांबे के पेड़ों वाले उस रहस्यमय घर का रहस्य सुलझ गया। श्री रुकास्टल बच तो गए, लेकिन हमेशा एक टूटे हुए इंसान रहे, जिन्हें उनकी समर्पित पत्नी की देखभाल ने ही जीवन दिया। वे अब भी अपने पुराने नौकरों के साथ रहते हैं, जो शायद रुकास्टल के बीते जीवन के बारे में इतना कुछ जानते हैं कि उन्हें उनसे अलग होना मुश्किल लगता है। श्री फाउलर और मिस रुकास्टल ने अपनी भागने की योजना के अगले दिन साउथम्प्टन में विशेष लाइसेंस के तहत शादी कर ली, और अब वे मॉरीशस द्वीप में सरकारी पद पर कार्यरत हैं। जहाँ तक मिस वायलेट हंटर की बात है, मेरे मित्र होम्स ने, मेरी निराशा के लिए, उनके एक मामले का केंद्र न रहने के बाद उनमें कोई और दिलचस्पी नहीं दिखाई, और अब वे वॉल्सॉल के एक निजी स्कूल की प्रधानाध्यापिका हैं, जहाँ मुझे विश्वास है कि उन्हें काफी सफलता मिली है।

शर्लक होम्स के संस्मरण

सिल्वर ब्लेज़

"मुझे खेद है, वॉटसन, कि मुझे जाना पड़ेगा," होम्स ने कहा जब हम एक सुबह नाश्ते के लिए साथ बैठे थे।

“जाओ! कहाँ जाना है?”

“डार्टमूर के लिए; किंग्स पाइलैंड के लिए।”

मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। वास्तव में, मुझे तो बस यही आश्चर्य था कि वह इस असाधारण मामले में पहले से ही शामिल क्यों नहीं हो गया था, जो पूरे इंग्लैंड में चर्चा का एकमात्र विषय था। पूरे दिन मेरा साथी कमरे में ठुड्डी सीने पर टिकाए, भौंहें सिकोड़े, अपनी पाइप में तेज़ काला तंबाकू भरता और मेरी किसी भी बात या सवाल पर बिल्कुल

ध्यान नहीं देता रहा। हमारे समाचार एजेंट ने हर अखबार के नए संस्करण भेजे थे, जिन्हें उसने बस सरसरी नज़र डालकर कोने में फेंक दिया था। फिर भी, उसकी चुप्पी के बावजूद, मैं भली-भांति जानता था कि वह किस बात पर विचार कर रहा था। जनता के सामने केवल एक ही समस्या थी जो उसकी विश्लेषण क्षमता को चुनौती दे सकती थी, और वह थी वेसेक्स कप के पसंदीदा घोड़े का रहस्यमय ढंग से गायब होना और उसके प्रशिक्षक की दुखद हत्या। इसलिए, जब उसने अचानक घटना स्थल पर जाने की घोषणा की, तो यह वही था जिसकी मुझे उम्मीद थी और जिसकी मैंने आशा भी की थी।

मैंने कहा, "अगर मैं रास्ते में बाधा न बनूँ तो मुझे आपके साथ डूबने में बहुत खुशी होगी।"

“मेरे प्रिय वॉटसन, आपके आने से मुझ पर बहुत बड़ा उपकार होगा। और मुझे लगता है कि आपका समय व्यर्थ नहीं जाएगा, क्योंकि इस मामले में कुछ ऐसे पहलू हैं जो इसे बिल्कुल अनूठा बना देंगे। मुझे लगता है कि हमारे पास पैडिंगटन से ट्रेन पकड़ने के लिए पर्याप्त समय है, और मैं यात्रा के दौरान इस मामले पर और विस्तार से चर्चा करूंगा। कृपया आप अपना उत्कृष्ट दूरबीन साथ लाकर मुझ पर कृपा करें।”

और फिर हुआ यूं कि करीब एक घंटे बाद मैंने खुद को एक्सेटर जा रही एक प्रथम श्रेणी की गाड़ी के कोने में पाया, जबकि शर्लक होम्स, अपने कान ढकने वाली टोपी में सजे अपने तेज और उत्सुक चेहरे के साथ, पैडिंगटन से लाए गए नए कागजों के बंडल में से तेजी से कागजों को पलट रहे थे। रीडिंग को हम बहुत पीछे छोड़ चुके थे, तभी उन्होंने आखिरी कागज सीट के नीचे रख दिया और मुझे अपना सिगार का डिब्बा दे दिया।

“हम अच्छा कर रहे हैं,” उसने खिड़की से बाहर देखते हुए और अपनी घड़ी पर नज़र डालते हुए कहा। “हमारी वर्तमान गति साढ़े तिरपन मील प्रति घंटा है।”

मैंने कहा, "मैंने क्वार्टर-मील के खंभे नहीं देखे हैं।"

“मैंने भी नहीं। लेकिन इस लाइन पर टेलीग्राफ के खंभे साठ गज की दूरी पर हैं, और गणना बहुत सरल है। मुझे लगता है कि आपने जॉन स्ट्रेकर की हत्या और सिल्वर ब्लेज़ के लापता होने के मामले की जांच की होगी?”

मैंने टेलीग्राफ और क्रॉनिकल में छपी खबरें देखी हैं।

यह उन मामलों में से एक है जहां तर्क-वितर्क की कला का उपयोग नए सबूत जुटाने के बजाय विवरणों की छानबीन के लिए किया जाना चाहिए। यह त्रासदी इतनी असामान्य, इतनी व्यापक और इतने सारे लोगों के लिए इतनी व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण है कि हम अटकलों, अनुमानों और परिकल्पनाओं के अंबार से ग्रस्त हैं। मुश्किल यह है कि तथ्यों के ढांचे - पूर्णतः निर्विवाद तथ्यों - को सिद्धांतकारों और पत्रकारों के अलंकरणों से अलग किया जाए। फिर, इस ठोस आधार को स्थापित करने के बाद, यह हमारा कर्तव्य है कि हम देखें कि क्या निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं और वे कौन से विशेष बिंदु हैं जिन पर पूरा रहस्य टिका है। मंगलवार शाम को मुझे घोड़े के मालिक कर्नल रॉस और मामले की देखरेख कर रहे इंस्पेक्टर ग्रेगरी दोनों के टेलीग्राम मिले, जिसमें उन्होंने मेरा सहयोग मांगा।

“मंगलवार शाम!” मैंने हैरानी से कहा। “और यह गुरुवार की सुबह है। आप कल नीचे क्यों नहीं गए?”

“क्योंकि मुझसे एक बड़ी गलती हो गई, मेरे प्रिय वॉटसन—जो कि, मुझे डर है, उन लोगों की सोच से कहीं अधिक आम बात है जो मुझे केवल आपके संस्मरणों के माध्यम से जानते हैं। असल बात यह है कि मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि इंग्लैंड का सबसे असाधारण घोड़ा इतने लंबे समय तक छिपा रह सकता है, खासकर डार्टमूर के उत्तर

जैसे इतने कम आबादी वाले इलाके में। कल पल-पल मैं यही उम्मीद कर रहा था कि वह मिल गया होगा, और उसका अपहरणकर्ता जॉन स्ट्रेकर का हत्यारा होगा। लेकिन जब एक और सुबह हुई और मुझे पता चला कि युवा फिट्ज़रॉय सिम्पसन की गिरफ्तारी के अलावा कुछ नहीं किया गया है, तो मुझे लगा कि अब मुझे कार्रवाई करनी चाहिए। फिर भी, कुछ मायनों में मुझे लगता है कि कल का दिन व्यर्थ नहीं गया।"

तो क्या आपने कोई सिद्धांत बना लिया है?

"कम से कम मुझे मामले के मूल तथ्यों की अच्छी समझ तो हो गई है। मैं आपको उनका विवरण दूंगा, क्योंकि किसी मामले को दूसरे व्यक्ति को बताने से बेहतर उसे सुलझाना और कुछ नहीं है, और अगर मैं आपको वह स्थिति नहीं दिखाऊंगा जहां से हम शुरुआत कर रहे हैं, तो मैं आपके सहयोग की उम्मीद कैसे कर सकता हूं?"

मैं तकियों के सहारे पीछे लेट गया और सिगार का कश लेने लगा, जबकि होम्स आगे की ओर झुककर, अपनी लंबी, पतली तर्जनी उंगली से अपने बाएं हाथ की हथेली पर बिंदुओं को चिह्नित करते हुए, मुझे उन घटनाओं का संक्षिप्त विवरण दे रहा था जिनके कारण हमने यह यात्रा शुरू की थी।

"सिल्वर ब्लेज़," उन्होंने कहा, "सोमोमी नस्ल का घोड़ा है और अपने प्रसिद्ध पूर्वज की तरह ही शानदार रिकॉर्ड रखता है। वह अब पांच साल का हो चुका है और अपने भाग्यशाली मालिक कर्नल रॉस के लिए रेस के सभी पुरस्कार एक-एक करके जीत चुका है। उस दुर्घटना से पहले तक वह वेसेक्स कप का सबसे पसंदीदा घोड़ा था, उस पर तीन गुना दांव लगे थे। हालाँकि, वह हमेशा से ही घुड़दौड़ प्रेमियों का चहेता रहा है और उसने उन्हें कभी निराश नहीं किया है, इसलिए इतने कम दांव पर भी उस पर भारी रकम लगाई गई है। इसलिए यह स्पष्ट है कि कई लोग सिल्वर ब्लेज़ को अगले मंगलवार को रेस शुरू होने से रोकने में सबसे ज़्यादा दिलचस्पी रखते थे।"

"किंग्स पाइलेंड में इस बात की सराहना की गई, जहाँ कर्नल का प्रशिक्षण अस्तबल स्थित है। पसंदीदा घोड़े की सुरक्षा के लिए हर संभव सावधानी बरती गई। प्रशिक्षक जॉन स्ट्रेकर एक सेवानिवृत्त जॉकी हैं, जिन्होंने कर्नल रॉस के लिए घुड़सवारी की थी, इससे पहले कि उनका वज़न तौलने के लिए बहुत अधिक हो गया। उन्होंने कर्नल की पांच साल जॉकी के रूप में और सात साल प्रशिक्षक के रूप में सेवा की है, और हमेशा एक उत्साही और ईमानदार सेवक साबित हुए हैं। उनके अधीन तीन लड़के थे, क्योंकि अस्तबल छोटा था, जिसमें कुल मिलाकर केवल चार घोड़े थे। इनमें से एक लड़का हर रात अस्तबल में जागता रहता था, जबकि बाकी दो मचान में सोते थे। तीनों का चरित्र उत्कृष्ट था। जॉन स्ट्रेकर, जो विवाहित हैं, अस्तबल से लगभग दो सौ गज की दूरी पर एक छोटे से विला में रहते थे। उनके कोई बच्चे नहीं हैं, एक नौकरानी रखते हैं, और सुखी जीवन यापन करते हैं। आसपास का इलाका बहुत सुनसान है, लेकिन उत्तर में लगभग आधा मील की दूरी पर विलाओं का एक छोटा समूह है, जिसे टैविस्टॉक के एक ठेकेदार ने बीमारों और अन्य लोगों के उपयोग के लिए बनाया है जो वहाँ रहना चाहते हैं। डार्टमूर की शुद्ध हवा का आनंद लें। टैविस्टॉक शहर यहाँ से दो मील पश्चिम में स्थित है, जबकि मैदान के उस पार, लगभग दो मील की दूरी पर, मैपलटन का बड़ा प्रशिक्षण संस्थान है, जो लॉर्ड बैकवाटर की संपत्ति है और जिसका प्रबंधन साइलस ब्राउन करते हैं। बाकी सभी दिशाओं में मैदान पूरी तरह से निर्जन है, जहाँ केवल कुछ घुमंतू खानाबदोश रहते हैं। पिछले सोमवार की रात जब यह भयानक घटना घटी, तब स्थिति कुछ ऐसी ही थी।

उस शाम घोड़ों को हमेशा की तरह व्यायाम कराया गया और पानी पिलाया गया, और अस्तबल नौ बजे बंद कर दिए गए। दो लड़के प्रशिक्षक के घर गए, जहाँ उन्होंने रसोई में रात का खाना खाया, जबकि तीसरा, नेड हंटर, पहरा देता रहा। नौ बजकर

कुछ मिनट बाद नौकरानी, एडिथ बेक्सटर, उसका खाना लेकर अस्तबल में गई, जिसमें मटन करी थी। उसने कोई तरल पदार्थ नहीं लिया, क्योंकि अस्तबल में पानी का नल था, और यह नियम था कि ड्यूटी पर तैनात लड़के को कुछ और नहीं पीना चाहिए। नौकरानी अपने साथ एक लालटेन लेकर गई थी, क्योंकि बहुत अंधेरा था और रास्ता खुले मैदान से होकर गुजरता था।

“एडिथ बेक्सटर अस्तबल से तीस गज की दूरी पर ही थी कि अंधेरे से एक आदमी प्रकट हुआ और उसे रुकने का इशारा किया। जैसे ही वह लालटेन से निकलने वाली पीली रोशनी के घेरे में दाखिल हुई, उसने देखा कि वह एक सभ्य व्यक्ति था, जिसने ग्रे रंग का ट्वीड सूट और कपड़े की टोपी पहन रखी थी। उसने गैटर पहन रखे थे और उसके हाथ में एक भारी छड़ी थी जिस पर एक गांठ लगी थी। हालांकि, वह उसके चेहरे की अत्यधिक पीलापन और उसके हाव-भाव की घबराहट से सबसे ज़्यादा प्रभावित हुई। उसने सोचा कि उसकी उम्र तीस से कम नहीं बल्कि तीस से ज़्यादा होगी।”

“ ‘क्या आप मुझे बता सकते हैं कि मैं कहाँ हूं?’ उसने पूछा। ‘मैंने लगभग दलदल में सोने का मन बना लिया था जब मैंने आपकी लालटेन की रोशनी देखी।’

“ ‘आप किंग्स पाइलैंड ट्रेनिंग स्टेबल के करीब हैं,’ उसने कहा।

“अरे वाह! कितनी अच्छी किस्मत है!” वह चिल्लाया। “मुझे पता चला है कि एक अस्तबल का लड़का हर रात वहाँ अकेला सोता है। शायद यही उसका रात का खाना है जो तुम उसके लिए ले जा रही हो। अब मुझे यकीन है कि तुम एक नई पोशाक खरीदने में संकोच नहीं करोगी, है ना?” उसने अपनी जैकेट की जेब से एक सफेद कागज का टुकड़ा मोड़कर निकाला। “देख लेना कि यह आज रात उस लड़के को मिल जाए, और तुम्हें सबसे सुंदर फ्रॉक मिल जाएगी जो पैसों से खरीदी जा सकती है।”

वह उसके व्यवहार की गंभीरता से भयभीत हो गई और उसके पास से दौड़कर उस खिड़की की ओर गई जहाँ से वह खाना अंदर पहुँचाती थी। खिड़की पहले से ही खुली थी और हंटर अंदर छोटी सी मेज पर बैठा था। उसने उसे घटना के बारे में बताना शुरू ही किया था कि अजनबी फिर से आ गया।

“‘शुभ संध्या,’ उसने खिड़की से झांकते हुए कहा। ‘मैं आपसे कुछ बात करना चाहता था।’ लड़की ने कसम खाकर कहा कि जब वह बोल रहा था, तो उसने देखा कि उसके बंद हाथ से कागज के छोटे पैकेट का एक कोना बाहर निकला हुआ था।”

“ ‘तुम्हारा यहाँ क्या काम है?’ लड़के ने पूछा।

“दूसरे ने कहा, ‘यह ऐसा सौदा है जिससे तुम्हारी जेब में कुछ पैसे आ सकते हैं। तुम्हारे पास वेसेक्स कप के लिए दो घोड़े हैं - सिल्वर ब्लेज़ और बेयार्ड। मुझे सही जानकारी दे दो, तुम घाटे में नहीं रहोगे। क्या यह सच है कि वजन के हिसाब से बेयार्ड दूसरे को पांच फर्लांग में सौ गज की बढ़त दे सकता है, और अस्तबल ने उस पर दांव लगाया है?’”

“ ‘तो, तुम भी उन बदमाश दलालों में से एक हो!’ लड़के ने चिल्लाकर कहा। ‘मैं तुम्हें दिखाता हूँ कि हम किंग्स पाइलैंड में उन्हें कैसे सबक सिखाते हैं।’ वह उछलकर खड़ा हुआ और कुत्ते को छोड़ने के लिए अस्तबल की ओर भागा। लड़की घर की ओर भागी, लेकिन भागते हुए उसने पीछे मुड़कर देखा तो अजनबी खिड़की से अंदर झांक रहा था। हालांकि, एक मिनट बाद जब हंटर कुत्ते को लेकर बाहर भागा तो वह वहाँ से गायब हो चुका था, और उसने इमारतों के चारों ओर खूब छानबीन की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।”

मैंने पूछा, "एक पल रुकिए। क्या अस्तबल का नौकर कुत्ते को लेकर भागते समय दरवाजा खुला छोड़ गया था?"

"बहुत बढ़िया, वॉटसन, बहुत बढ़िया!" मेरे साथी ने धीरे से कहा। "इस बात की अहमियत ने मुझे इतनी गहराई से झकझोर दिया कि मैंने कल डार्टमूर में एक विशेष तार भेजा ताकि मामला सुलझ जाए। लड़के ने जाने से पहले दरवाज़ा बंद कर दिया था। और हाँ, खिड़की इतनी बड़ी नहीं थी कि कोई आदमी उसमें से निकल सके।"

हंटर ने अपने साथी घोड़ों की देखभाल करने वालों के लौटने का इंतज़ार किया, फिर उसने प्रशिक्षक को संदेश भेजा और उसे सारी घटना बताई। स्ट्रेकर यह सुनकर उत्तेजित हो गया, हालाँकि उसे घटना का असली महत्व पूरी तरह समझ नहीं आया। फिर भी, वह थोड़ा बेचैन हो गया, और श्रीमती स्ट्रेकर जब सुबह एक बजे उठीं तो उन्होंने देखा कि वह कपड़े पहन रहे थे। उनके पूछने पर उन्होंने कहा कि घोड़ों की चिंता के कारण उन्हें नींद नहीं आ रही थी, और वह अस्तबल जाकर देखना चाहते थे कि सब ठीक है या नहीं। श्रीमती ने उनसे घर पर ही रहने की विनती की, क्योंकि उन्हें खिड़की पर बारिश की बूँदें सुनाई दे रही थीं, लेकिन उनकी बार-बार की विनती के बावजूद उन्होंने अपना बड़ा रेनकोट पहना और घर से निकल गए।

श्रीमती स्ट्रेकर सुबह सात बजे उठीं तो पाया कि उनके पति अभी तक नहीं लौटे थे। उन्होंने जल्दी से कपड़े पहने, नौकरानी को बुलाया और अस्तबल की ओर चल पड़ीं। दरवाजा खुला था; अंदर, एक कुर्सी पर दुबका हुआ हंटर गहरी बेहोशी की हालत में था, पसंदीदा घोड़े का अस्तबल खाली था, और उसके प्रशिक्षक का कोई निशान नहीं था।

"घोड़ों के साज़-सामान रखने वाले कमरे के ऊपर भूसा काटने वाले मचान में सो रहे दोनों लड़के तुरंत जाग गए। रात भर उन्हें कुछ सुनाई नहीं दिया था, क्योंकि वे दोनों गहरी नींद में सोते हैं। हंटर स्पष्ट रूप से किसी तेज़ नशे के असर में था, और चूंकि उससे कोई होश नहीं आ रहा था, इसलिए उसे सोने के लिए छोड़ दिया गया जबकि दोनों लड़के और दोनों महिलाएं लापता लोगों की तलाश में बाहर निकल गईं। उन्हें अब भी उम्मीद थी कि प्रशिक्षक किसी कारण से घोड़े को सुबह जल्दी व्यायाम के लिए बाहर ले गया होगा, लेकिन घर के पास की पहाड़ी पर चढ़ने पर, जहाँ से आसपास के सभी मैदान दिखाई देते थे, उन्हें न केवल लापता पसंदीदा घोड़े का कोई निशान नहीं मिला, बल्कि उन्हें कुछ ऐसा महसूस हुआ जिसने उन्हें आगाह किया कि वे एक त्रासदी के गवाह बन गए हैं।

अस्तबल से लगभग एक चौथाई मील दूर, जॉन स्ट्रेकर का ओवरकोट एक झाड़ी से फड़फड़ा रहा था। उसके ठीक आगे दलदल में एक कटोरे के आकार का गड्ढा था, और उसके तल में उस दुर्भाग्यपूर्ण प्रशिक्षक का शव मिला। किसी भारी हथियार के क्रूर प्रहार से उसका सिर चकनाचूर हो गया था, और उसकी जांघ पर एक लंबा, साफ कट लगा था, जो स्पष्ट रूप से किसी बहुत तेज धार वाले औजार से किया गया था। हालांकि, यह स्पष्ट था कि स्ट्रेकर ने अपने हमलावरों से जोरदार बचाव किया था, क्योंकि उसके दाहिने हाथ में एक छोटा चाकू था, जो हैंडल तक खून से सना हुआ था, जबकि उसके बाएं हाथ में लाल और काले रेशमी टाई थी, जिसे नौकरानी ने पिछली शाम अस्तबल में आए अजनबी द्वारा पहने जाने के रूप में पहचाना था। हंटर, अपने होश में आने पर, टाई के मालिक के बारे में पूरी तरह आश्वस्त था। वह इस बात को लेकर भी उतना ही निश्चित था कि उसी अजनबी ने खिड़की पर खड़े होकर उसके करी वाले मटन में नशीली दवा मिला दी थी। और इस तरह अस्तबल से चौकीदार को हटा दिया गया। लापता घोड़े के बारे में, उस भयानक गड्ढे की तलहटी में कीचड़ में प्रचुर मात्रा में सबूत मिले थे कि वह संघर्ष के समय वहीं मौजूद था। लेकिन उस सुबह से वह गायब है, और यद्यपि एक बड़ा इनाम घोषित किया गया है, और डार्टमूर के सभी जिप्सी सतर्क हैं, फिर भी उसके बारे में कोई खबर नहीं मिली है। अंततः, एक विश्लेषण से पता चला है कि अस्तबल के लड़के द्वारा छोड़े गए उसके भोजन के अवशेषों में काफी मात्रा

में अफीम का पाउडर था, जबकि घर के लोगों ने उसी रात उसी भोजन का सेवन किया था और उन पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ा था।

“ये मामले के मुख्य तथ्य हैं, जिनमें किसी भी प्रकार की अटकलें नहीं लगाई गई हैं और इन्हें यथासंभव सरल शब्दों में बताया गया है। अब मैं संक्षेप में बताऊंगा कि पुलिस ने इस मामले में क्या कार्रवाई की है।”

इंस्पेक्टर ग्रेगरी, जिन्हें यह मामला सौंपा गया है, एक अत्यंत सक्षम अधिकारी हैं। अगर उनमें कल्पनाशीलता की शक्ति होती तो वे अपने पेशे में बहुत ऊंचाइयों तक पहुंच सकते थे। पहुंचते ही उन्होंने तुरंत उस व्यक्ति को ढूंढ निकाला और गिरफ्तार कर लिया जिस पर स्वाभाविक रूप से संदेह था। उसे ढूंढने में ज्यादा कठिनाई नहीं हुई, क्योंकि वह उन्हीं विलाओं में से एक में रहता था जिनका मैंने पहले जिक्र किया है। उसका नाम फिट्ज़रॉय सिम्पसन था। वह उच्च कुल का और शिक्षित व्यक्ति था, जिसने घुड़दौड़ में अपनी सारी दौलत लुटा दी थी, और अब वह लंदन के खेल क्लबों में चुपचाप और शालीनता से सट्टेबाजी करके अपना जीवन यापन करता था। उसकी सट्टेबाजी की किताब की जांच से पता चलता है कि उसने पसंदीदा घोड़े के खिलाफ पांच हजार पाउंड तक के दांव लगाए थे। गिरफ्तारी के समय उसने स्वेच्छा से बयान दिया कि वह डार्टमूर में किंग्स पाइलेंड के घोड़ों और दूसरे पसंदीदा घोड़े डेसबोरो के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त करने की उम्मीद में आया था, जिसकी देखरेख मैपलटन अस्तबल में साइलस ब्राउन कर रहा था। उसने उस शाम को वर्णित घटना को नकारने का प्रयास नहीं किया। पहले तो उसने इनकार कर दिया था, लेकिन उसने कहा कि उसका कोई बुरा इरादा नहीं था और वह केवल प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना चाहता था। जब उसकी टाई दिखाई गई तो उसका चेहरा पीला पड़ गया और वह मृत व्यक्ति के हाथ में टाई की मौजूदगी का कारण बताने में पूरी तरह असमर्थ था। उसके गीले कपड़ों से पता चलता था कि वह पिछली रात के तूफान में बाहर था, और उसकी छड़ी, जो सीसे से भारी की गई पेनांग लॉयर थी, एक ऐसा हथियार था जिससे बार-बार वार करने पर प्रशिक्षक को इतनी गंभीर चोटें आई होंगी कि उसकी मृत्यु हो गई। दूसरी ओर, उसके शरीर पर कोई घाव नहीं था, जबकि स्ट्रेकर के चाकू की हालत से पता चलता है कि उसके हमलावरों में से कम से कम एक पर उसका निशान जरूर होगा। संक्षेप में यही सब कुछ है, वाटसन, और अगर आप मुझे इस बारे में कुछ बता सकें तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा।

मैंने होम्स द्वारा अपनी विशिष्ट स्पष्टता के साथ दिए गए कथन को अत्यंत रुचि से सुना था। यद्यपि अधिकांश तथ्य मुझे ज्ञात थे, फिर भी मैंने उनके सापेक्ष महत्व और उनके आपसी संबंध को पर्याप्त रूप से नहीं समझा था।

मैंने सुझाव दिया, "क्या यह संभव नहीं है कि स्ट्रेकर के शरीर पर लगा घाव मस्तिष्क की किसी भी चोट के बाद होने वाले हिंसक संघर्ष में उसके अपने चाकू से ही हुआ हो?"

"यह संभव से कहीं अधिक है; यह लगभग निश्चित है," होम्स ने कहा। "ऐसे में आरोपी के पक्ष में मौजूद मुख्य बिंदुओं में से एक गायब हो जाता है।"

मैंने कहा, "और फिर भी, मुझे अब भी समझ नहीं आता कि पुलिस का सिद्धांत क्या हो सकता है।"

मेरे साथी ने जवाब दिया, "मुझे डर है कि हम जो भी सिद्धांत प्रस्तुत करेंगे, उस पर बहुत गंभीर आपत्तियां होंगी।" पुलिस का मानना है कि फिट्ज़रॉय सिम्पसन ने लड़के को नशीली दवा देकर और किसी तरह से नकली चाबी हासिल करके अस्तबल का दरवाजा खोला और घोड़े को बाहर निकाला, जाहिर तौर पर उसे अगवा करने के इरादे से। घोड़े की लगाम गायब है, इसलिए सिम्पसन ने उसे पहनाई होगी। फिर, दरवाजा

खुला छोड़कर, वह घोड़े को मैदान में ले जा रहा था, तभी या तो उसकी मुलाकात या तो ट्रेनर से हुई या उसने उसे पकड़ लिया। स्वाभाविक रूप से झगड़ा शुरू हो गया। सिम्पसन ने ट्रेनर के सिर पर अपनी भारी लाठी से वार किया, जबकि स्ट्रैकर ने आत्मरक्षा में जो छोटा चाकू इस्तेमाल किया, उससे उसे कोई चोट नहीं आई। फिर चोर या तो घोड़े को किसी गुप्त ठिकाने पर ले गया, या फिर हो सकता है कि वह हाथापाई के दौरान भाग गया हो और अब मैदान में भटक रहा हो। पुलिस को यही मामला लगता है, और यह कितना भी असंभव क्यों न हो, बाकी सभी स्पष्टीकरण और भी असंभव हैं। हालांकि, मैं घटनास्थल पर पहुँचते ही इस मामले की तुरंत जाँच करूँगा, और तब तक मुझे नहीं लगता कि हम अपनी वर्तमान स्थिति से आगे बढ़ सकते हैं।

शाम होते-होते हम टैविस्टॉक के छोटे से कस्बे में पहुँचे, जो डार्टमूर के विशाल पर्वत श्रृंखला के बीचोंबीच, ढाल के शिखर की तरह स्थित है। थाने में दो सज्जन हमारा इंतज़ार कर रहे थे - एक लंबा, गोरा आदमी, जिसके बाल और दाढ़ी शेर जैसे घने थे और नीली आँखें बेहद भेदक थीं; दूसरा छोटा, चौकन्ना, बेहद साफ-सुथरा, फ्रॉक-कोट और गैटर पहने, करीने से कटी हुई छोटी मूंछों और चश्मे के साथ। बाद वाला कर्नल रॉस था, जो एक प्रसिद्ध खिलाड़ी था; दूसरा इंस्पेक्टर ग्रेगरी था; एक ऐसा व्यक्ति जो अंग्रेजी जासूसी सेवा में तेजी से अपना नाम बना रहा था।

“मुझे खुशी है कि आप यहाँ आ गए हैं, श्रीमान् होम्स,” कर्नल ने कहा। “यहाँ के इंस्पेक्टर ने हर संभव प्रयास किया है, लेकिन मैं बेचारे स्ट्रैकर का बदला लेने और अपने घोड़े को वापस पाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता।”

"क्या कोई नई घटना सामने आई है?" होम्स ने पूछा।

निरीक्षक ने कहा, "मुझे यह कहते हुए खेद है कि हमने बहुत कम प्रगति की है। बाहर एक खुली गाड़ी खड़ी है, और चूंकि आप निश्चित रूप से अंधेरा होने से पहले जगह देखना चाहेंगे, इसलिए हम गाड़ी चलाते समय इस पर चर्चा कर सकते हैं।"

एक मिनट बाद हम सब एक आरामदायक लैंडौ गाड़ी में बैठे थे और डेवनशायर के पुराने, आकर्षक शहर में खड़खड़ाहट के साथ आगे बढ़ रहे थे। इंस्पेक्टर ग्रेगरी अपने मामले में पूरी तरह डूबे हुए थे और लगातार अपनी बातें कह रहे थे, जबकि होम्स बीच-बीच में सवाल या टिप्पणी करते रहते थे। कर्नल रॉस बाहें मोड़े और टोपी को आँखों पर झुकाए हुए आराम से बैठे थे, जबकि मैं दोनों जासूसों की बातचीत को उत्सुकता से सुन रहा था। ग्रेगरी अपना सिद्धांत बना रहे थे, जो लगभग वही था जो होम्स ने ट्रेन में पहले ही बता दिया था।

उन्होंने कहा, “फिट्ज़रॉय सिम्पसन के चारों ओर घेरा काफ़ी कस गया है, और मुझे पूरा विश्वास है कि वही हमारा मुख्य आरोपी है। साथ ही, मैं यह भी मानता हूं कि सबूत पूरी तरह से परिस्थितिजन्य हैं, और कोई नया घटनाक्रम इसे पलट सकता है।”

"स्ट्रैकर के चाकू के बारे में क्या ख्याल है?"

"हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि गिरने के दौरान उसे चोट लगी।"

"मेरे मित्र डॉ. वॉटसन ने नीचे आते समय मुझे यह सुझाव दिया था। अगर ऐसा है, तो यह सिम्पसन नाम के इस व्यक्ति के खिलाफ जाएगा।"

“निस्संदेह। उसके पास न तो चाकू है और न ही किसी घाव का निशान। उसके खिलाफ सबूत निश्चित रूप से बहुत मजबूत हैं। पसंदीदा घोड़े के गायब होने में उसकी गहरी दिलचस्पी थी। उस पर अस्तबल के लड़के को ज़हर देने का संदेह है; वह निस्संदेह तूफान में बाहर था; उसके पास एक भारी लाठी थी, और उसकी टाई मृत व्यक्ति के हाथ में मिली थी। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे पास जूरी के सामने पेश करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।”

होम्स ने अपना सिर हिलाया। “एक चतुर वकील तो इन सब बातों को तार-तार कर देगा,” उसने कहा। “उसे घोड़े को अस्तबल से बाहर क्यों निकालना चाहिए था? अगर वह उसे नुकसान पहुंचाना चाहता था, तो वहीं क्यों नहीं पहुंचा सकता था? क्या उसके पास कोई नकली चाबी मिली है? किस रसायनशास्त्री ने उसे अफीम का पाउडर बेचा? सबसे बढ़कर, वह, जो इस इलाके का अजनबी है, घोड़े को, और वह भी ऐसे घोड़े को, कहां छिपा सकता है? उस कागज़ के बारे में उसका अपना क्या स्पष्टीकरण है जो उसने नौकरानी से अस्तबल के लड़के को देने को कहा था?”

“उसका कहना है कि वह दस पाउंड का नोट था। एक नोट उसके पर्स में मिला था। लेकिन आपकी बाकी मुश्किलें उतनी बड़ी नहीं हैं जितनी दिखती हैं। वह इस इलाके से अनजान नहीं है। वह गर्मियों में दो बार टैविस्टॉक में रुका था। अफीम शायद लंदन से लाई गई थी। चाबी का काम हो जाने के बाद उसे फेंक दिया गया होगा। घोड़ा शायद दलदली इलाके की किसी खदान या पुरानी खान में पड़ा हो।”

वह टाई के बारे में क्या कहता है?

“वह स्वीकार करता है कि यह उसका है और कहता है कि वह इसे खो चुका है। लेकिन इस मामले में एक नया पहलू जुड़ गया है जो संभवतः अस्तबल से घोड़े को बाहर ले जाने का कारण हो सकता है।”

होम्स ने कान खड़े कर लिए।

“हमें ऐसे सुराग मिले हैं जिनसे पता चलता है कि सोमवार रात को जिप्सियों का एक समूह उस जगह से एक मील के दायरे में डेरा डाले हुए था जहां हत्या हुई थी। मंगलवार को वे वहां से चले गए। अब, यह मानते हुए कि सिम्पसन और इन जिप्सियों के बीच कोई समझौता था, क्या वह घोड़े को उनके पास ले जा रहा था जब उसे पकड़ लिया गया, और क्या अब वह उनके पास नहीं है?”

"यह निश्चित रूप से संभव है।"

“इन खानाबदोशों की तलाश में दलदली भूमि की छानबीन की जा रही है। मैंने टैविस्टॉक में और दस मील के दायरे में हर अस्तबल और बाहरी मकान की भी जांच की है।”

"मुझे लगता है कि पास में ही एक और प्रशिक्षण केंद्र है?"

जी हां, और यह एक ऐसा पहलू है जिसे हमें बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। चूंकि उनका घोड़ा डेसबोरो सट्टेबाजी में दूसरे स्थान पर था, इसलिए पसंदीदा घोड़े के हारने में उनकी दिलचस्पी थी। प्रशिक्षक साइलस ब्राउन ने इस दौड़ पर बड़ी रकम का दांव लगाया था, और वह बेचारे स्ट्रेकर के दोस्त नहीं थे। हालांकि, हमने अस्तबलों की जांच की है, और इस मामले में उनका कोई संबंध नहीं मिला है।

"और क्या इस सिम्पसन नाम के व्यक्ति का मैपलटन अस्तबलों के हितों से कोई संबंध है?"

"कुछ भी नहीं।"

होम्स गाड़ी में पीछे की ओर झुक गए और बातचीत बंद हो गई। कुछ मिनट बाद हमारा ड्राइवर सड़क के किनारे बने एक छोटे से लाल ईंटों के सुंदर विला के पास रुका, जिसकी छज्जीदार छतें थीं। कुछ दूरी पर, एक बाड़े के पार, एक लंबी भूरे रंग की टाइलों वाली इमारत थी। चारों ओर दलदली भूमि के निचले घुमावदार हिस्से, मुरझाते फर्नों के कारण कांस्य रंग के, क्षितिज तक फैले हुए थे, जिन्हें केवल टैविस्टॉक के ऊंचे चर्चों और पश्चिम की ओर कुछ घरों के समूह से तोड़ा जा रहा था, जो मैपलटन के अस्तबलों को दर्शाते थे। हम सभी उछल पड़े, सिवाय होम्स के, जो अपनी ही सोच में डूबे हुए, सामने के आकाश पर टकटकी लगाए पीछे की ओर झुके रहे। जब मैंने उनका हाथ छुआ, तभी वे अचानक चौंककर उठे और गाड़ी से बाहर निकले।

“माफ़ कीजिए,” उसने कर्नल रॉस की ओर मुड़ते हुए कहा, जो उसे कुछ हैरानी से देख रहे थे। “मैं ख्यालों में खोया हुआ था।” उसकी आँखों में एक चमक थी और उसके हाव-भाव में एक दबी हुई उत्तेजना थी, जिससे मुझे, जो उसके तौर-तरीकों से परिचित था, यकीन हो गया कि उसे कोई सुराग मिल गया है, हालाँकि मैं यह कल्पना नहीं कर सकता था कि उसे वह सुराग कहाँ मिला होगा।

“शायद आप सीधे अपराध स्थल पर जाना पसंद करेंगे, श्रीमान होम्स?” ग्रेगरी ने कहा।

“मुझे लगता है कि मुझे यहाँ थोड़ी देर रुकना चाहिए और एक-दो सवालों पर विस्तार से चर्चा करनी चाहिए। मेरा अनुमान है कि स्ट्रैकर को यहाँ वापस लाया गया था?”

"जी हां, वह ऊपर वाले कमरे में है। कल उसकी जांच होगी।"

“वह कुछ वर्षों से आपकी सेवा में है, कर्नल रॉस?”

मैंने उन्हें हमेशा एक उत्कृष्ट सेवक पाया है।

"मेरा अनुमान है कि आपने उसकी मृत्यु के समय उसकी जेब में मौजूद वस्तुओं की सूची बनाई होगी, इंस्पेक्टर?"

"अगर आप देखना चाहें तो वे चीजें बैठक कक्ष में रखी हैं।"

“मुझे बहुत खुशी होगी।” हम सब सामने वाले कमरे में दाखिल हुए और बीच में रखी मेज के चारों ओर बैठ गए। इंस्पेक्टर ने एक चौकोर टिन का डिब्बा खोला और हमारे सामने कुछ सामान रख दिया। उसमें वेस्टास का एक डिब्बा, दो इंच लंबी मोमबत्ती, एक एडीपी कांटेदार झाड़ी की पाइप, आधा औंस कैवेंडिश व्हिस्की से भरी सील की खाल की एक थैली, सोने की चेन वाली एक चांदी की घड़ी, सोने के पांच सिक्के, एक एल्युमिनियम का पेंसिल केस, कुछ कागज़ात और हाथीदांत के हैंडल वाला एक चाकू था, जिसका ब्लेड बेहद नाजुक और सख्त था और उस पर वीस एंड कंपनी, लंदन लिखा हुआ था।

“यह एक बहुत ही अनोखा चाकू है,” होम्स ने उसे उठाते हुए और बारीकी से जांच करते हुए कहा। “मुझे लगता है, क्योंकि इस पर खून के धब्बे दिख रहे हैं, कि यह वही चाकू है जो मृत व्यक्ति के हाथ में मिला था। वॉटसन, यह चाकू निश्चित रूप से आपके काम का है?”

“इसे हम मोतियाबिंद का चाकू कहते हैं,” आई ने कहा।

“मैंने भी यही सोचा था। बेहद नाजुक काम के लिए बनाया गया एक बेहद नाजुक ब्लेड। किसी आदमी के लिए इसे किसी कठिन अभियान पर अपने साथ ले जाना एक अजीब बात है, खासकर इसलिए कि यह उसकी जेब में बंद नहीं होता।”

इंस्पेक्टर ने कहा, “चाकू की नोक पर कॉर्क की एक डिस्क लगी हुई थी, जो हमें उसके शरीर के पास मिली। उसकी पत्नी ने बताया कि चाकू ड्रेसिंग टेबल पर पड़ा था और कमरे से निकलते समय उसने उसे उठा लिया था। यह एक घटिया हथियार था, लेकिन शायद उस समय उसके पास यही सबसे अच्छा हथियार था।”

“संभवतः। इन कागजों के बारे में क्या ख्याल है?”

“इनमें से तीन रसीद वाले घास व्यापारियों के खाते हैं। इनमें से एक कर्नल रॉस का निर्देश पत्र है। दूसरा बॉन्ड स्ट्रीट की मैडम लेसुरियर द्वारा विलियम डर्बीशायर के नाम पर बनाया गया सैंतीस पाउंड पंद्रह सेंट का टोपी विक्रेता का खाता है। श्रीमती स्ट्रैकर हमें बताती हैं कि डर्बीशायर उनके पति के मित्र थे और कभी-कभी उनके पत्र यहाँ भेजे जाते थे।”

“मैडम डर्बीशायर की पसंद कुछ ज्यादा ही महंगी थी,” होम्स ने हिसाब-किताब पर नज़र डालते हुए कहा। “एक पोशाक के लिए बाईस गिनी कुछ ज्यादा ही है। खैर, अब

और कुछ पता नहीं चला है, और हम अपराध स्थल पर जा सकते हैं।"

जैसे ही हम बैठक कक्ष से बाहर निकले, गलियारे में इंतज़ार कर रही एक महिला ने आगे बढ़कर निरीक्षक की आस्तीन पर हाथ रख दिया। उसका चेहरा थका हुआ, पतला और बेचैन था, मानो हाल ही में घटी किसी भयावह घटना की छाप उस पर साफ दिखाई दे रही हो।

"क्या तुम्हें वो मिल गए? क्या तुमने उन्हें ढूंढ लिया?" वह हांफते हुए बोली।

"नहीं, श्रीमती स्ट्रैकर। लेकिन श्री होम्स लंदन से हमारी मदद करने आए हैं, और हम हर संभव प्रयास करेंगे।"

"श्रीमती स्ट्रैकर, क्या मैं आपसे कुछ समय पहले प्लायमाउथ में एक गार्डन पार्टी में मिला था?" होम्स ने कहा।

"नहीं, महोदय; आप गलत हैं।"

"अरे वाह! मुझे तो ऐसा ही लगा था। तुमने कबूतर के रंग के रेशम का परिधान पहना था जिस पर शुतुरमुर्ग के पंखों की सजावट थी।"

"मेरे पास कभी ऐसी पोशाक नहीं थी, महोदय," महिला ने उत्तर दिया।

"अहा, अब तो मामला सुलझ गया," होम्स ने कहा। और माफी मांगते हुए वह इंस्पेक्टर के पीछे-पीछे बाहर चले गए। थोड़ी दूर दलदली ज़मीन पार करके हम उस खोखले स्थान पर पहुंचे जहां शव मिला था। उसके किनारे पर वह झाड़ी थी जिस पर कोट टांगा गया था।

"मुझे लगता है उस रात हवा नहीं चल रही थी," होम्स ने कहा।

"कुछ नहीं, लेकिन बहुत तेज बारिश होगी।"

"उस स्थिति में ओवरकोट झाड़ियों से नहीं टकराया था, बल्कि वहीं रखा गया था।"

"हां, इसे झाड़ियों के ऊपर रखा गया था।"

"आपने मेरी दिलचस्पी बढ़ा दी है। मुझे लगता है कि ज़मीन काफी रौंदी गई है। इसमें कोई शक नहीं कि सोमवार रात से यहां कई लोगों के पैर पड़े होंगे।"

"किनारे पर चटाई का एक टुकड़ा बिछाया गया है, और हम सभी उस पर खड़े हुए हैं।"

"उत्कृष्ट।"

"इस थैले में मेरे पास स्ट्रैकर द्वारा पहने गए बूटों में से एक, फिट्ज़रॉय सिम्पसन के जूतों में से एक और सिल्वर ब्लेज़ का बना हुआ घोड़े की नाल है।"

"मेरे प्यारे इंस्पेक्टर, आपने तो कमाल ही कर दिया!" होम्स ने थैला उठाया और गड्ढे में उतरते हुए चटाई को थोड़ा बीच में खिसकाया। फिर पेट के बल लेटकर और ठुड्डी को हाथों पर टिकाकर, उन्होंने अपने सामने फैली मिट्टी का ध्यान से निरीक्षण किया। "अरे वाह!" उन्होंने अचानक कहा। "यह क्या है?" यह मोम की एक आधी जली हुई वेस्ता थी, जो मिट्टी से इतनी सनी हुई थी कि पहली नज़र में लकड़ी के छोटे टुकड़े जैसी लग रही थी।

"मुझे समझ नहीं आ रहा कि मुझसे यह कैसे छूट गया," निरीक्षक ने झुंझलाहट भरे भाव से कहा।

"यह अदृश्य था, कीचड़ में दबा हुआ था। मैंने इसे तभी देखा जब मैं इसे ढूंढ रहा था।"

"क्या! आपको उम्मीद थी कि यह मिल जाएगा?"

मुझे लगा कि ऐसा होना असंभव नहीं है।

उसने थैले से जूते निकाले और प्रत्येक जूते के निशानों की तुलना ज़मीन पर बने निशानों से की। फिर वह खोखले स्थान के किनारे तक चढ़ गया और फर्न और झाड़ियों के बीच रेंगने लगा।

निरीक्षक ने कहा, "मुझे खेद है कि अब और कोई पदचिह्न नहीं हैं। मैंने प्रत्येक दिशा में सौ गज तक जमीन का बहुत सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया है।"

"बिल्कुल!" होम्स उठते हुए बोले। "आपकी बातों के बाद तो मैं दोबारा ऐसा करने की गुस्ताखी नहीं करूँगा। लेकिन अंधेरा होने से पहले मैं मैदान में थोड़ी सैर करना चाहूँगा ताकि कल के लिए जगह का जायज़ा ले सकूँ, और मुझे लगता है कि मैं इस घोड़े की नाल को अपनी जेब में सौभाग्य के लिए रख लूँगा।"

कर्नल रॉस, जो मेरे साथी के शांत और व्यवस्थित कार्य करने के तरीके से कुछ अधीरता दिखा रहे थे, ने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। उन्होंने कहा, "इंस्पेक्टर, काश आप मेरे साथ वापस चलते। मुझे कई बिंदुओं पर आपकी सलाह चाहिए, और विशेष रूप से इस बारे में कि क्या हमें जनता के प्रति यह कर्तव्य नहीं निभाना चाहिए कि हम कप के लिए प्रविष्टियों से अपने घोड़े का नाम हटा दें।"

"बिल्कुल नहीं," होम्स ने दृढ़ता से कहा। "मुझे नाम को वैसे ही रहने देना चाहिए।"

कर्नल ने झुककर अभिवादन किया। उन्होंने कहा, "आपकी राय पाकर मुझे बहुत खुशी हुई, महोदय। जब आपकी सैर पूरी हो जाएगी, तो हम आपको बेचारे स्ट्रैकर के घर पर मिलेंगे, और हम साथ में टैविस्टॉक जा सकते हैं।"

वह इंस्पेक्टर के साथ वापस मुड़ गया, जबकि होम्स और मैं धीरे-धीरे मैदान पार करते हुए आगे बढ़े। सूरज मैपलटन के अस्तबल के पीछे डूबने लगा था, और हमारे सामने फैला लंबा ढलान वाला मैदान सुनहरे रंग में रंगा हुआ था, जो शाम की रोशनी में मुरझाई हुई फर्न और झाड़ियों के बीच गहरे लाल रंग में बदल रहा था। लेकिन इस खूबसूरत नज़ारे का कोई महत्व नहीं था, क्योंकि मेरा साथी गहरी सोच में डूबा हुआ था।

"बात ये है, वाटसन," उसने आख़िरकार कहा। "हम जॉन स्ट्रैकर के हत्यारे का सवाल अभी छोड़ देते हैं और सिर्फ़ ये पता लगाने पर ध्यान देते हैं कि घोड़े का क्या हुआ। अब, मान लीजिए कि वो उस घटना के दौरान या उसके बाद भाग गया, तो वो कहाँ गया होगा? घोड़ा तो बहुत मिलनसार प्राणी है। अगर उसे अकेला छोड़ दिया जाता, तो उसकी प्रवृत्ति या तो किंग्स पाइलैंड लौटने की होती या मैपलटन जाने की। वो खुले मैदान में क्यों भागता? वो अब तक ज़रूर दिख गया होता। और जिप्सी उसे क्यों अगवा करते? ये लोग मुसीबत की खबर सुनते ही भाग जाते हैं, क्योंकि वे पुलिस के झंझट में नहीं पड़ना चाहते। वे ऐसे घोड़े को बेच भी नहीं सकते। उसे ले जाने में उन्हें बहुत बड़ा जोखिम उठाना पड़ेगा और कुछ भी हासिल नहीं होगा। ये तो साफ़ है।"

"तो फिर वो कहाँ है?"

"मैंने पहले ही कहा है कि वह किंग्स पाइलैंड या मैपलटन गया होगा। वह किंग्स पाइलैंड में नहीं है। इसलिए वह मैपलटन में है। चलिए इसे एक अनुमान मानकर चलते हैं और देखते हैं कि इससे क्या निष्कर्ष निकलता है। जैसा कि निरीक्षक ने कहा, दलदली भूमि का यह हिस्सा बहुत कठोर और सूखा है। लेकिन यह मैपलटन की ओर ढलान वाली है, और आप यहाँ से देख सकते हैं कि सामने एक लंबी खाई है, जो सोमवार रात को बहुत गीली रही होगी। यदि हमारा अनुमान सही है, तो घोड़ा उसे पार करके गया होगा, और यही वह जगह है जहाँ हमें उसके पदचिह्न खोजने चाहिए।"

इस बातचीत के दौरान हम तेज़ी से चल रहे थे, और कुछ ही मिनटों में हम उस घाटी तक पहुँच गए जिसके बारे में बात हो रही थी। होम्स के कहने पर मैं दाहिनी ओर ढलान पर चला और वह बाईं ओर, लेकिन पचास कदम भी नहीं चले थे कि मैंने उसे चिल्लाते हुए सुना और मुझे हाथ हिलाते हुए देखा। उसके सामने नरम मिट्टी में घोड़े के पदचिह्न स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे, और उसने अपनी जेब से जो जूता निकाला वह उस निशान से बिल्कुल मेल खाता था।

“कल्पना का महत्व समझिए,” होम्स ने कहा। “यह एकमात्र गुण है जिसकी ग्रेगरी में कमी है। हमने कल्पना की कि क्या हो सकता था, उस अनुमान के आधार पर कार्रवाई की, और हम खुद को सही पाते हैं। चलिए आगे बढ़ते हैं।”

हम दलदली निचले इलाके को पार करके लगभग एक चौथाई मील तक सूखी, सख्त घास पर चले। ज़मीन फिर ढलान वाली हो गई, और हम फिर से पटरियों पर आ गए। फिर हम आधे मील तक उन्हें खो बैठे, लेकिन मैपलटन के ठीक पास उन्हें फिर से देख लिया। होम्स ने उन्हें सबसे पहले देखा था, और वह अपने चेहरे पर विजय का भाव लिए इशारा करते हुए खड़ा था। घोड़े के पैरों के निशान के बगल में एक आदमी के पैरों के निशान दिखाई दे रहे थे।

“घोड़ा पहले अकेला था,” मैंने चिल्लाकर कहा।

“बिल्कुल सही। यह पहले अकेला था। अरे, यह क्या है?”

दोहरी पगडंडी अचानक मुड़कर किंग्स पाइलेंड की ओर मुड़ गई। होम्स ने सीटी बजाई और हम दोनों उसके पीछे-पीछे चलने लगे। उसकी नज़र पगडंडी पर थी, लेकिन मैंने थोड़ा सा एक तरफ देखा और आश्चर्य से देखा कि वही निशान विपरीत दिशा में वापस आ रहे थे।

जब मैंने इस ओर इशारा किया तो होम्स ने कहा, "वॉटसन, तुम्हारे लिए एक। तुमने हमें लंबी पैदल यात्रा से बचा लिया, जो हमें अपने ही निशानों पर वापस ले आती। चलो वापसी के रास्ते पर चलते हैं।"

हमें ज्यादा दूर नहीं जाना था। यह सड़क डामर से बनी पक्की सड़क पर जाकर खत्म हो गई, जो मैपलटन अस्तबल के गेट तक जाती थी। जैसे ही हम पास पहुंचे, अस्तबल से एक घोड़ों की देखभाल करने वाला बाहर भागा।

उन्होंने कहा, "हम यहां किसी भी तरह के आवारागर्दी करने वाले को नहीं चाहते।"

“मैं बस एक सवाल पूछना चाहता था,” होम्स ने अपनी उंगली और अंगूठे को अपनी वेस्टकोट की जेब में रखते हुए कहा। “अगर मैं कल सुबह पांच बजे आऊं तो क्या आपके मालिक, श्री साइलस ब्राउन से मिलने के लिए बहुत जल्दी होगी?”

“आपका भला हो, महोदय, अगर कोई आस-पास होगा तो वो ज़रूर होगा, क्योंकि वो हमेशा सबसे पहले हलचल मचाता है। लेकिन ये लीजिए, महोदय, आपके सवालों का जवाब खुद देने के लिए। नहीं, महोदय, नहीं, मेरे लिए ये मुमकिन नहीं कि मैं उसे आपके पैसे छूते हुए देखूँ। बाद में, अगर आप चाहें तो।”

जैसे ही शेरलॉक होम्स ने अपनी जेब से निकाला हुआ आधा क्राउन वापस रखा, एक भयंकर दिखने वाला बुजुर्ग व्यक्ति हाथ में शिकार का चाबुक लहराते हुए द्वार से बाहर निकला।

“ये क्या है, डॉसन!” वह चिल्लाया। “गपशप बंद करो! अपने काम से काम रखो! और तुम, यहाँ क्या चाहते हो?”

"आपसे दस मिनट बात करनी है, मेरे सज्जन," होम्स ने अत्यंत मधुर स्वर में कहा।

“मेरे पास हर आवारा से बात करने का समय नहीं है। हम यहाँ किसी अजनबी को नहीं चाहते। यहाँ से चले जाओ, वरना तुम्हें एक कुत्ता तुम्हारे पीछे लगा हुआ मिलेगा।”

होम्स आगे झुके और प्रशिक्षक के कान में कुछ फुसफुसाया। प्रशिक्षक चौंक गया और उसका चेहरा कनपटी तक लाल हो गया।

“यह झूठ है!” वह चिल्लाया। “घोर झूठ!”

“बहुत बढ़िया। क्या हम इस बारे में यहाँ सबके सामने बहस करें या आपके बैठक कक्ष में इस पर चर्चा करें?”

"अगर आप चाहें तो अंदर आ सकते हैं।"

होम्स मुस्कुराए। उन्होंने कहा, "वॉटसन, मैं आपको कुछ ही मिनटों से ज़्यादा नहीं रोकूंगा। अब, श्रीमान ब्राउन, मैं आपकी सेवा में तत्पर हूं।"

बीस मिनट बीत चुके थे और होम्स और प्रशिक्षक के दोबारा आने से पहले ही लाल रंग पूरी तरह से फीका पड़कर धूसर हो गया था। मैंने इतने कम समय में साइलस ब्राउन में इतना बड़ा बदलाव पहले कभी नहीं देखा था। उसका चेहरा राख जैसा पीला पड़ गया था, माथे पर पसीने की बूंदें चमक रही थीं और उसके हाथ इतने कांप रहे थे कि उसका शिकार का चाबुक हवा में टहनी की तरह हिल रहा था। उसका दबंग और रौबदार स्वभाव भी पूरी तरह गायब हो गया था और वह मेरे साथी के साथ ऐसे चिपका हुआ चल रहा था जैसे कोई कुत्ता अपने मालिक के साथ।

“आपके निर्देशों का पालन किया जाएगा। सब कुछ पूरा हो जाएगा,” उसने कहा।

“कोई गलती नहीं होनी चाहिए,” होम्स ने उसकी ओर देखते हुए कहा। दूसरे ने उसकी आँखों में छिपी धमकी को देखकर अपना चेहरा सिकोड़ लिया।

“अरे नहीं, कोई गलती नहीं होनी चाहिए। यह वहीं रहेगा। क्या मुझे इसे पहले बदलना चाहिए या नहीं?”

होम्स ने थोड़ी देर सोचा और फिर ज़ोर से हंस पड़ा। "नहीं, रहने दो," उसने कहा, "मैं तुम्हें इसके बारे में लिखूंगा। अब कोई चालबाज़ी नहीं, वरना..."

“ओह, आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं, आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं!”

“हाँ, मुझे लगता है मैं कर सकता हूँ। ठीक है, कल मेरी तरफ से खबर मिलेगी।” उसने मुड़कर, दूसरे व्यक्ति द्वारा उसकी ओर बढ़ाए गए कांपते हाथ की अनदेखी करते हुए, हम किंग्स पाइलैंड के लिए चल पड़े।

"मास्टर साइलस ब्राउन से बेहतर बदमाश, कायर और धूर्त का इतना सटीक मिश्रण मैंने शायद ही कभी देखा हो," होम्स ने टिप्पणी की जब हम साथ-साथ चल रहे थे।

तो क्या उसके पास घोड़ा है?

“उसने बड़ी-बड़ी बातें करके पल्ला झाड़ने की कोशिश की, लेकिन मैंने उसे उस सुबह की सारी बातें इतनी बारीकी से बताईं कि उसे यकीन हो गया कि मैं उस पर नज़र रख रहा था। बेशक, आपने पैरों के निशानों में उसके खास चौकोर अंगूठे देखे होंगे, और यह भी कि उसके जूते बिल्कुल उनसे मेल खाते थे। वैसे भी, कोई भी अधीनस्थ ऐसा करने की हिम्मत नहीं करता। मैंने उसे बताया कि कैसे, अपनी आदत के मुताबिक जब वह सबसे पहले नीचे उतरा, तो उसने एक अजीब घोड़े को मैदान में घूमते हुए देखा। कैसे वह उसके पास गया, और कैसे सफेद माथे से, जिसके कारण उस घोड़े को उसका पसंदीदा नाम मिला है, उसे पहचानकर वह हैरान रह गया कि संयोग से उसे वह घोड़ा मिल गया है जो उस घोड़े को हरा सकता है जिस पर उसने दांव लगाया था। फिर मैंने बताया कि कैसे उसकी पहली इच्छा उसे वापस किंग्स पाइलैंड ले जाने की थी, और कैसे शैतान ने उसे दिखाया कि कैसे वह दौड़ खत्म होने तक घोड़े को छिपा सकता है, और कैसे वह उसे वापस ले आया और मैपलटन में छिपा दिया। जब मैंने उसे हर एक बात बताई, तो उसने अपना इरादा बदल दिया और सिर्फ अपनी जान बचाने के बारे में सोचा।”

लेकिन क्या उसके अस्तबलों की तलाशी ली गई थी?

"अरे, उसके जैसा बूढ़ा धोखेबाज तो कई तरह के हथकंडे अपना लेता है।"

लेकिन क्या अब आपको घोड़े को उसके भरोसे छोड़ने में डर नहीं लगता, क्योंकि उसे घोड़े को चोट पहुँचाने में ही उसकी पूरी दिलचस्पी है?

“मेरे प्रिय मित्र, वह इसे अपनी आँखों की पुतली की तरह संभाल कर रखेगा। वह जानता है कि दया पाने की उसकी एकमात्र आशा इसे सुरक्षित प्रस्तुत करने में ही है।”

"कर्नल रॉस मुझे ऐसे व्यक्ति के रूप में नहीं लगे जो किसी भी मामले में बहुत दया दिखाने की संभावना रखते हों।"

"यह मामला कर्नल रॉस के हाथ में नहीं है। मैं अपने तरीके अपनाता हूँ और जितना चाहूँ उतना बोलता हूं। अनौपचारिक होने का यही फायदा है। मुझे नहीं पता तुमने गौर किया या नहीं, वॉटसन, लेकिन कर्नल का रवैया मेरे प्रति थोड़ा लापरवाह सा रहा है। अब मेरा मन कर रहा है कि मैं उनके साथ थोड़ा मज़ाक करूं। घोड़े के बारे में उनसे कुछ मत कहना।"

"आपकी अनुमति के बिना तो बिल्कुल नहीं।"

और बेशक, यह सब जॉन स्ट्रैकर की हत्या किसने की, इस सवाल की तुलना में काफी मामूली बात है।

और आप अपना पूरा ध्यान इसी काम में लगाएंगे?

इसके विपरीत, हम दोनों रात की ट्रेन से लंदन वापस जाते हैं।

मेरे दोस्त की बातों से मैं स्तब्ध रह गया। हम डेवनशायर में कुछ ही घंटे रहे थे, और जिस जांच को उसने इतनी शानदार ढंग से शुरू किया था, उसे बीच में ही छोड़ देना मेरी समझ से परे था। प्रशिक्षक के घर वापस आने तक मैं उससे एक शब्द भी नहीं सुन सका। कर्नल और इंस्पेक्टर बैठक में हमारा इंतजार कर रहे थे।

होम्स ने कहा, "मैं और मेरा दोस्त रात की एक्सप्रेस ट्रेन से शहर लौट रहे हैं। हमें आपके खूबसूरत डार्टमूर की हवा का एक सुखद अनुभव मिला।"

इंस्पेक्टर ने अपनी आंखें खोलीं, और कर्नल के होंठों पर तिरस्कार भरी मुस्कान आ गई।

"तो आप बेचारे स्ट्रैकर के हत्यारे को गिरफ्तार करने की उम्मीद छोड़ चुके हैं," उसने कहा।

होम्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, "रास्ते में वाकई गंभीर मुश्किलें हैं। फिर भी, मुझे पूरी उम्मीद है कि आपका घोड़ा मंगलवार को दौड़ना शुरू कर देगा, और मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप अपने जॉकी को तैयार रखें। क्या मैं श्री जॉन स्ट्रैकर की एक तस्वीर मांग सकता हूं?"

निरीक्षक ने एक लिफाफे से एक वस्तु निकाली और उसे सौंप दी।

"मेरे प्यारे ग्रेगरी, तुम मेरी सभी इच्छाओं को पहले से ही भांप लेते हो। अगर मैं तुमसे एक पल के लिए यहाँ रुकने का अनुरोध करूं, तो मुझे नौकरानी से एक सवाल पूछना है।"

मेरे दोस्त के कमरे से निकलते ही कर्नल रॉस ने साफ-साफ कहा, "मुझे कहना पड़ेगा कि मैं हमारे लंदन स्थित सलाहकार से काफी निराश हूं। मुझे नहीं लगता कि हम तब से कोई प्रगति कर पाए हैं जब वह आए थे।"

मैंने कहा, "कम से कम आपको इस बात का आश्वासन तो है कि आपका घोड़ा दौड़ेगा।"

"जी हां, मुझे उनका आश्वासन मिल गया है," कर्नल ने कंधे उचकाते हुए कहा। "मैं घोड़ा लेना पसंद करूंगा।"

मैं अपने दोस्त के बचाव में कुछ जवाब देने ही वाला था कि वह फिर से कमरे में आ गया।

"अब, सज्जनों," उन्होंने कहा, "मैं टैविस्टॉक के लिए पूरी तरह से तैयार हूँ।"

जैसे ही हम गाड़ी में चढ़े, अस्तबल के एक लड़के ने हमारे लिए दरवाजा खोल दिया। होम्स को अचानक एक विचार आया, क्योंकि वह आगे झुका और लड़के की आस्तीन को छुआ।

"आपके बाड़े में कुछ भेड़ें हैं," उसने कहा। "उनकी देखभाल कौन करता है?"

जी हाँ, महोदय।

"क्या आपने हाल ही में उनमें कुछ असामान्य देखा है?"

"जी हाँ, महोदय, यह कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उनमें से तीन लंगड़े हो गए हैं, महोदय।"

मैं देख सकता था कि होम्स बेहद खुश था, क्योंकि वह खिलखिलाकर हंसा और अपने हाथों को आपस में रगड़ा।

"वाटसन, यह बहुत मुश्किल है," उसने मेरी बांह चुटकी काटते हुए कहा। "ग्रेगरी, मैं आपका ध्यान भेड़ों में फैली इस अनोखी महामारी की ओर दिलाना चाहता हूँ। आगे बढ़ो, कोचमैन!"

कर्नल रॉस के चेहरे पर अब भी वही भाव थे जो मेरे साथी की क्षमता के बारे में उनकी खराब राय को दर्शाते थे, लेकिन मैंने इंस्पेक्टर के चेहरे से देखा कि उनका ध्यान इस ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गया था।

"क्या आप इसे महत्वपूर्ण मानते हैं?" उसने पूछा।

"अत्यंत अधिक।"

"क्या कोई ऐसा मुद्दा है जिस पर आप मेरा ध्यान आकर्षित करना चाहेंगे?"

"रात के समय कुत्ते के साथ हुई विचित्र घटना के बारे में।"

रात के समय कुत्ते ने कुछ नहीं किया।

"यह एक विचित्र घटना थी," शर्लक होम्स ने टिप्पणी की।

चार दिन बाद, होम्स और मैं फिर से ट्रेन में सवार होकर विनचेस्टर जा रहे थे, वेसेक्स कप की दौड़ देखने के लिए। कर्नल रॉस ने स्टेशन के बाहर हमसे पहले से तय समय पर मुलाकात की, और हम उनकी गाड़ी में बैठकर शहर के बाहर दौड़ के मैदान तक गए। उनका चेहरा गंभीर था, और उनका व्यवहार अत्यंत ठंडा था।

उन्होंने कहा, "मुझे अपने घोड़े का कोई अता-पता नहीं है।"

"मुझे लगता है कि आप उसे देखते ही पहचान लेंगे?" होम्स ने पूछा।

कर्नल बहुत गुस्से में थे। उन्होंने कहा, "मैं बीस साल से इस क्षेत्र में हूँ और मुझसे पहले कभी ऐसा सवाल नहीं पूछा गया। एक बच्चा भी सिल्वर ब्लेज़ को उसके सफेद माथे और चित्तीदार बाएं अगले पैर से पहचान लेगा।"

"सट्टेबाजी कैसी चल रही है?"

"खैर, यही तो इसकी दिलचस्प बात है। कल तो आपको पंद्रह के बदले एक का भाव मिल रहा था, लेकिन अब कीमत लगातार कम होती जा रही है, यहाँ तक कि अब तो मुश्किल से तीन के बदले एक का भाव मिल पा रहा है।"

"हम्म!" होम्स ने कहा। "कोई न कोई कुछ जानता है, यह तो स्पष्ट है।"

जैसे ही गाड़ी स्टैंड के पास बने बाड़े में आकर रुकी, मैंने प्रविष्टियों को देखने के लिए कार्ड पर एक नजर डाली।

वेसेक्स प्लेट [इसमें] चार और पांच साल के घोड़ों के लिए प्रत्येक घोड़े को 50 सोव (सॉवरेन) का इनाम दिया गया, साथ ही 1000 सोव (सॉवरेन) का अतिरिक्त इनाम भी था। दूसरे स्थान पर आने वाले घोड़े को 300 पाउंड और तीसरे स्थान पर आने वाले घोड़े को 200 पाउंड का इनाम मिला। नया कोर्स (एक मील और पांच फर्लांग)।

1. श्री हीथ न्यूटन की कृति 'द नीग्रो'। लाल टोपी। दालचीनी रंग की जैकेट।
2. कर्नल वार्डला का मुक्केबाज़। गुलाबी टोपी। नीली और काली जैकेट।
3. लॉर्ड बैकवाटर का डेसबोरो। पीली टोपी और आस्तीन।
4. कर्नल रॉस की सिल्वर ब्लेज़। काली टोपी। लाल जैकेट।
5. ड्यूक ऑफ बाल्मोरल का आइरिस। पीली और काली धारियाँ।
6. लॉर्ड सिंगलफोर्ड का रेस्पर। बैंगनी टोपी। काली आस्तीन।

"हमने अपना दूसरा दांव रद्द कर दिया और अब सारी उम्मीदें आपके भरोसे पर टिका दी हैं," कर्नल ने कहा। "अरे, ये क्या है? सिल्वर ब्लेज़ का पसंदीदा?"

"सिल्वर ब्लेज़ के खिलाफ पांच-चार!" रिंग में ज़ोरदार आवाज़ गूंजी। "सिल्वर ब्लेज़ के खिलाफ पांच-चार! डेसबोरो के खिलाफ पांच-पंद्रह! मैदान पर पांच-चार!"

"ये रहे नंबर," मैं चिल्लाई। "ये सब छह हैं।"

"क्या वे सभी छह वहीं हैं? तो मेरा घोड़ा दौड़ रहा है," कर्नल ने बड़ी घबराहट में चिल्लाते हुए कहा। "लेकिन मुझे वह दिखाई नहीं दे रहा। मेरे झंडे अभी तक आगे नहीं बढ़े हैं।"

"केवल पाँच ही उत्तीर्ण हुए हैं। यही वह व्यक्ति होगा।"

जैसे ही मैंने बोलना शुरू किया, एक शक्तिशाली भूरा घोड़ा वजन मापने वाले बाड़े से बाहर निकला और हमारे पास से सरपट दौड़ता हुआ गुजरा, जिसकी पीठ पर कर्नल के जाने-माने काले और लाल रंग के निशान थे।

"यह मेरा घोड़ा नहीं है," मालिक चिल्लाया। "इस जानवर के शरीर पर एक भी सफेद बाल नहीं है। मिस्टर होम्स, आपने यह क्या कर दिया है?"

"अच्छा, अच्छा, देखते हैं वो कैसा प्रदर्शन करता है," मेरे दोस्त ने शांत भाव से कहा। कुछ मिनटों तक उसने मेरी दूरबीन से देखा। "शानदार! बेहतरीन शुरुआत!" वह अचानक चिल्लाया। "देखो, वे मोड़ से आ रहे हैं!"

हमारी गाड़ी से हमें सीधी दौड़ में घोड़ों के आने का शानदार नज़ारा देखने को मिला। छहों घोड़े इतने करीब-करीब थे कि उन्हें कालीन से ढका जा सकता था, लेकिन आधी दौड़ के बाद मैपुलटन अस्तबल का पीला रंग सबसे आगे दिखाई देने लगा। हालांकि, हमारे पास पहुंचने से पहले ही डेसबोरो का घोड़ा दौड़ पड़ा और कर्नल का घोड़ा तेज़ी से आगे बढ़ते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी ड्यूक ऑफ बालमोरल के आइरिस से पूरे छह लेंथ पहले फिनिश लाइन पार कर गया, जिससे आइरिस तीसरे स्थान पर आकर पिछड़ गया।

"आखिरकार, ये मेरी ही जाति है," कर्नल हांफते हुए बोले और अपनी आंखों पर हाथ फेरा। "मैं मानता हूं कि मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा। क्या आपको नहीं लगता कि आपने अपना रहस्य बहुत लंबे समय तक छिपाए रखा है, मिस्टर होम्स?"

"ज़रूर, कर्नल जी, आपको सब पता होगा। चलिए हम सब मिलकर घोड़े को देख लेते हैं। ये रहा वो," उन्होंने आगे कहा, जब हम वज़न करने वाले बाड़े में दाखिल हुए, जहाँ सिर्फ मालिक और उनके दोस्त ही जा सकते हैं। "बस उसके चेहरे और पैर को स्पिरिट ऑफ वाइन से धो दीजिए, और आपको पता चल जाएगा कि वो पहले जैसा ही सिल्वर ब्लेज़ है।"

"तुम्हें देखकर मेरी सांस रुक जाती है!"

"मैंने उसे एक धोखेबाज़ के हाथों में पाया और उसे ठीक उसी हालत में भगाने की स्वतंत्रता ली, जिस हालत में उसे भेजा गया था।"

"मेरे प्रिय महोदय, आपने तो चमत्कार कर दिया। घोड़ा एकदम तंदुरुस्त और स्वस्थ दिख रहा है। अपने जीवन में वह इससे बेहतर कभी नहीं रहा। आपकी क्षमता पर संदेह करने के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ। मेरे घोड़े को वापस लाकर आपने मुझ पर बहुत बड़ा उपकार किया है। यदि आप जॉन स्ट्रैकर के हत्यारे को पकड़वा सकें तो आप मुझ पर इससे भी बड़ा उपकार करेंगे।"

"मैंने ऐसा कर दिया है," होम्स ने धीमी आवाज़ में कहा।

मैं और कर्नल उसे हैरानी से देखते रह गए। "तुमने उसे पकड़ लिया! फिर वो कहाँ है?"

वह यहाँ है।

"यहां कहां?"

"इस समय मेरी संगति में।"

कर्नल गुस्से से लाल हो गए। उन्होंने कहा, "मैं भली-भांति मानता हूँ कि मैं आपका ऋणी हूं, श्रीमान होम्स, लेकिन आपने अभी जो कहा है, उसे मैं या तो एक बहुत बुरा मजाक या फिर एक अपमान ही मानूंगा।"

शर्लक होम्स हंसे। "मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैंने आपको इस अपराध से नहीं जोड़ा है, कर्नल," उन्होंने कहा। "असली हत्यारा ठीक आपके पीछे खड़ा है।" वे आगे बढ़े और उस शानदार घोड़े की चमकदार गर्दन पर अपना हाथ रख दिया।

"घोड़ा!" कर्नल और मैं दोनों चिल्लाए।

"हां, घोड़ा। और अगर मैं कहूं कि यह आत्मरक्षा में किया गया था, और जॉन स्ट्रैकर एक ऐसा व्यक्ति था जो आपके भरोसे के बिल्कुल लायक नहीं था, तो शायद उसका अपराध कम हो जाएगा। लेकिन घंटी बज गई है, और चूंकि मुझे अगली दौड़ में थोड़ा फायदा होने वाला है, इसलिए मैं लंबी व्याख्या को किसी उपयुक्त समय के लिए टाल देता हूं।"

उस शाम जब हम लंदन वापस लौट रहे थे, तो पुलमैन कार का एक कोना हमारे लिए खाली था, और मुझे लगता है कि कर्नल रॉस के साथ-साथ मुझे भी वह यात्रा छोटी लगी होगी क्योंकि हम अपने साथी से उस सोमवार की रात डार्टमूर प्रशिक्षण अस्तबल में घटी घटनाओं का वर्णन सुन रहे थे, और उन तरीकों के बारे में जान रहे थे जिनसे उसने उनका खुलासा किया था।

"मैं स्वीकार करता हूं," उसने कहा, "अखबारों की खबरों से मैंने जो भी सिद्धांत बनाए थे, वे पूरी तरह गलत थे। फिर भी, अगर उन संकेतों को अन्य विवरणों ने ढक न दिया होता, तो उनका असली महत्व स्पष्ट हो जाता। मैं इस दृढ़ विश्वास के साथ डेवोनशायर गया था कि फिट्ज़रॉय सिम्पसन ही असली अपराधी है, हालांकि, ज़ाहिर है, मैंने देखा कि उसके खिलाफ सबूत बिल्कुल भी पूर्ण नहीं थे। जब हम प्रशिक्षक के घर पहुँचे और मैं गाड़ी में बैठा था, तभी मुझे करी वाले मटन का महत्व समझ में आया। आपको याद होगा कि मैं व्याकुल था और आप सबके उतरने के बाद भी बैठा रहा। मैं मन ही मन सोच रहा था कि मैं इतने स्पष्ट सुराग को कैसे नज़रअंदाज़ कर सकता था।"

कर्नल ने कहा, "मैं स्वीकार करता हूं कि मुझे अभी भी यह समझ नहीं आ रहा है कि इससे हमें क्या फायदा होगा।"

"यह मेरी तर्क-वितर्क श्रृंखला की पहली कड़ी थी। पिसी हुई अफीम बिल्कुल भी बेस्वाद नहीं होती। इसका स्वाद अप्रिय नहीं होता, लेकिन महसूस किया जा सकता है। अगर इसे किसी साधारण व्यंजन में मिला दिया जाए, तो खाने वाला निश्चित रूप से इसे पहचान लेगा और शायद आगे खाना छोड़ देगा। करी एक ऐसा माध्यम था जो इस स्वाद को छिपा सकता था। किसी भी हालत में यह संभव नहीं था कि यह अजनबी, फिट्ज़रॉय सिम्पसन, उस रात प्रशिक्षक के परिवार में करी परोसे जाने का कारण बना हो, और यह मानना भी एक बहुत ही भयानक संयोग है कि वह ठीक उसी रात पिसी हुई अफीम लेकर आया हो जब ऐसा व्यंजन परोसा गया हो जो स्वाद को छिपा सके। यह अकल्पनीय है। इसलिए सिम्पसन इस मामले से बाहर हो जाता है, और हमारा ध्यान स्ट्रैकर और उसकी पत्नी पर केंद्रित होता है, जो उस रात रात के खाने के लिए मटन करी चुनने वाले एकमात्र दो लोग हो सकते थे। अफीम को व्यंजन अस्तबल के लड़के के लिए अलग रखने के बाद मिलाया गया था, क्योंकि बाकी लोगों ने वही व्यंजन रात के खाने में खाया था और उन्हें कोई दुष्प्रभाव नहीं हुआ था। तो फिर, उनमें से किसने नौकरानी की नज़र में आए बिना उस व्यंजन तक पहुँच बनाई थी?"

"उस सवाल का फैसला करने से पहले ही मैंने कुत्ते की चुप्पी का महत्व समझ लिया था, क्योंकि एक सही निष्कर्ष हमेशा दूसरे निष्कर्षों की ओर इशारा करता है। सिम्पसन की घटना ने मुझे दिखाया था कि अस्तबल में एक कुत्ता रखा जाता था, और फिर भी, हालांकि कोई अंदर गया था और एक घोड़े को बाहर लाया था, उसने इतना नहीं भौंका कि अटारी में सो रहे दोनों लड़कों को जगा सके। जाहिर है, आधी रात को आने वाला आगंतुक कोई ऐसा व्यक्ति था जिसे कुत्ता अच्छी तरह जानता था।"

मुझे लगभग यकीन हो गया था कि जॉन स्ट्रैकर आधी रात को अस्तबल में गया और सिल्वर ब्लेज़ को बाहर ले आया। किसलिए? ज़ाहिर है, किसी बेईमानी के लिए, वरना वह अपने ही अस्तबल के लड़के को नशीली दवा क्यों देता? फिर भी मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उसने ऐसा क्यों किया। पहले भी ऐसे मामले सामने आए हैं जहां प्रशिक्षकों ने एजेंटों के ज़रिए अपने ही घोड़ों पर दांव लगाकर और फिर धोखाधड़ी से उन्हें जीतने से रोककर बड़ी रकम हड़प ली है। कभी-कभी इसमें जॉकी को धमकाने का हाथ होता है। कभी-कभी कोई और ज़्यादा असरदार और चालाकी भरा तरीका होता है। यहाँ क्या हुआ था? मुझे उम्मीद थी कि उसकी जेब में मिली चीज़ों से मुझे कोई निष्कर्ष निकालने में मदद मिलेगी।

"और उन्होंने ऐसा ही किया। आप उस अनोखे चाकू को नहीं भूले होंगे जो मृत व्यक्ति के हाथ में मिला था, एक ऐसा चाकू जिसे कोई भी समझदार व्यक्ति हथियार के रूप में नहीं चुनेगा। जैसा कि डॉ. वॉटसन ने हमें बताया, यह उस प्रकार का चाकू था जिसका उपयोग शल्य चिकित्सा में सबसे नाज़ुक ऑपरेशनों के लिए किया जाता है। और उस रात इसका उपयोग एक नाज़ुक ऑपरेशन के लिए किया जाना था। कर्नल रॉस, आपको अपने व्यापक अनुभव से पता होगा कि घोड़े के पैर की नसों पर हल्का सा कट लगाना संभव है, और वह भी त्वचा के नीचे, इस तरह कि कोई निशान न बचे। इस तरह से उपचारित घोड़े में हल्का लंगड़ापन आ जाएगा, जिसे व्यायाम के दौरान खिंचाव या गठिया के कारण माना जाएगा, लेकिन कभी भी किसी साजिश का नतीजा नहीं।

"दुष्ट! बदमाश!" कर्नल चिल्लाया।

"हमें यहाँ इस बात का स्पष्टीकरण मिल गया है कि जॉन स्ट्रैकर घोड़े को खुले मैदान में क्यों ले जाना चाहता था। इतना फुर्तीला प्राणी चाकू की चुभन महसूस करते ही गहरी नींद में सो रहे व्यक्ति को भी जगा देता। इसे खुली हवा में करना बिलकुल आवश्यक था।"

"मैं अंधा था!" कर्नल चिल्लाया। "बेशक, इसीलिए उसे मोमबत्ती की ज़रूरत पड़ी और उसने माचिस जलाई।"

"निस्संदेह। लेकिन उसके सामान की जाँच करते समय मुझे न केवल अपराध का तरीका, बल्कि उसके मकसद का भी पता चल गया। कर्नल जी, आप एक अनुभवी व्यक्ति हैं और जानते हैं कि लोग दूसरों के बिल अपनी जेब में लेकर नहीं घूमते। हममें से अधिकांश लोगों को अपने बिल निपटाने में ही काफी काम होता है। मैंने तुरंत यह निष्कर्ष निकाला कि स्ट्रैकर दोहरी ज़िंदगी जी रहा था और एक दूसरा धंधा चला रहा था। बिल की प्रकृति से पता चलता था कि इस मामले में एक महिला भी शामिल थी, और वह भी महंगी चीज़ों की शौकीन। आप अपने नौकरों के प्रति उदार हैं, लेकिन उनसे यह उम्मीद करना मुश्किल है कि वे अपनी महिलाओं के लिए बीस गिनी की पोशाकें खरीद सकें। मैंने श्रीमती स्ट्रैकर से उनकी जानकारी के बिना पोशाक के बारे में पूछताछ की, और यह सुनिश्चित करने के बाद कि वह उन तक कभी नहीं पहुँची, मैंने टोपी बनाने वाले का पता लिख लिया और सोचा कि स्ट्रैकर की तस्वीर लेकर वहाँ जाकर मैं आसानी से उस काल्पनिक डर्बीशायर पोशाक का मामला सुलझा सकता हूं।"

“उस समय से सब कुछ स्पष्ट हो गया। स्ट्रेकर घोड़े को एक ऐसी खोखली जगह पर ले गया था जहाँ उसकी रोशनी दिखाई न दे। भागते समय सिम्पसन से उसकी टाई गिर गई थी, और स्ट्रेकर ने उसे उठा लिया था - शायद इस विचार से कि वह इसका इस्तेमाल घोड़े के पैर को बांधने में कर सकता है। खोखली जगह पर पहुँचकर, वह घोड़े के पीछे गया और एक रोशनी जलाई; लेकिन अचानक तेज़ रोशनी से भयभीत होकर, और जानवरों की उस अजीब प्रवृत्ति के कारण कि उन्हें किसी शरारत का आभास हो रहा है, घोड़े ने हमला कर दिया, और स्टील का जूता सीधे स्ट्रेकर के माथे पर लगा। बारिश के बावजूद, उसने अपना नाजुक काम करने के लिए अपना ओवरकोट उतार दिया था, और इसलिए, गिरते समय, उसके चाकू से उसकी जांघ पर गहरा घाव हो गया। क्या मैंने बात स्पष्ट कर दी है?”

“अद्भुत!” कर्नल चिल्लाया। “अद्भुत! आप भी वहाँ हो सकते थे!”

"मैं स्वीकार करता हूँ कि मेरा आखिरी निशाना बहुत लंबा था। मुझे लगा कि स्ट्रेकर जैसा इतना चतुर व्यक्ति बिना अभ्यास के इस तरह की नाजुक नस को भेदने का काम नहीं करेगा। वह किस पर अभ्यास कर सकता था? मेरी नज़र भेड़ों पर पड़ी और मैंने एक सवाल पूछा, जिससे मुझे आश्चर्य हुआ कि मेरा अनुमान सही निकला।"

“जब मैं लंदन लौटा, तो मैंने उस टोपी विक्रेता से मुलाकात की, जिसने स्ट्रेकर को डर्बीशायर नाम के एक उत्कृष्ट ग्राहक के रूप में पहचाना था, जिसकी एक बेहद आकर्षक पत्नी थी, जिसे महंगे कपड़े पहनने का बहुत शौक था। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस महिला ने उसे कर्ज में बुरी तरह डुबो दिया था, और इसी वजह से वह इस दुखद साज़िश में फंस गया।”

“आपने सब कुछ समझा दिया है सिवाय एक बात के,” कर्नल चिल्लाया। “घोड़ा कहाँ था?”

“अरे, वो भाग गया था, और आपके पड़ोसियों में से किसी एक ने उसे पकड़ लिया। मुझे लगता है कि हमें इस दिशा में कुछ राहत देनी चाहिए। अगर मैं गलत नहीं हूँ तो ये क्लैफम जंक्शन है, और हम दस मिनट से भी कम समय में विक्टोरिया पहुँच जाएँगे। अगर आप हमारे कमरे में सिगार पीना चाहें, कर्नल जी, तो मुझे आपको कोई भी अन्य जानकारी देने में खुशी होगी जो आपको रुचिकर लगे।”

पीला चेहरा

[अपने साथी की विलक्षण प्रतिभाओं के कारण हमें कई विचित्र नाटकों का श्रोता और अंततः पात्र बनने का अवसर मिला, इन संक्षिप्त विवरणों को प्रकाशित करते हुए, यह स्वाभाविक ही है कि मैं उनकी असफलताओं की तुलना में उनकी सफलताओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करूँ। और यह उनकी प्रतिष्ठा के लिए उतना नहीं है - क्योंकि वास्तव में, जब वे हताश थे, तभी उनकी ऊर्जा और बहुमुखी प्रतिभा सबसे अधिक प्रशंसनीय थी - बल्कि इसलिए कि जहाँ वे असफल हुए, अक्सर ऐसा होता था कि कोई और सफल नहीं हो पाता था, और कहानी हमेशा के लिए अधूरी रह जाती थी। हालांकि, कभी-कभी ऐसा भी हुआ कि उनकी गलती होने पर भी सच्चाई का पता चल जाता था। मेरे पास इस तरह के लगभग आधा दर्जन मामलों के नोट्स हैं, जिनमें से मुसग्रेव अनुष्ठान का रोमांच और जो मैं अब बताने जा रहा हूँ, वे दो सबसे दिलचस्प मामले हैं।]

शर्लक होम्स एक ऐसे व्यक्ति थे जो शायद ही कभी व्यायाम के लिए व्यायाम करते थे। बहुत कम लोग उनसे अधिक शारीरिक बल लगा सकते थे, और निस्संदेह वे अपने भार वर्ग के सबसे बेहतरीन मुक्केबाजों में से एक थे जिन्हें मैंने कभी देखा है; लेकिन वे व्यर्थ के शारीरिक परिश्रम को ऊर्जा की बर्बादी मानते थे, और वे शायद ही कभी किसी पेशेवर उद्देश्य की पूर्ति के अलावा खुद को सक्रिय करते थे। तब वे बिल्कुल अथक और

अथक होते थे। ऐसी परिस्थितियों में भी उनका व्यायाम करते रहना उल्लेखनीय है, लेकिन उनका आहार आमतौर पर अत्यंत संयमित होता था, और उनकी आदतें सादगी की हद तक सरल थीं। कोकीन के कभी-कभार सेवन को छोड़कर, उनमें कोई दुर्गुण नहीं था, और वे केवल जीवन की नीरसता के विरोध में ही इस नशे का सहारा लेते थे जब मामले कम होते थे और अखबार नीरस होते थे।

बसंत ऋतु के आरंभ में एक दिन, वह इतना तरोताज़ा था कि मेरे साथ पार्क में टहलने चला गया। पार्क में एल्म के पेड़ों पर हरी पत्तियों की हल्की-हल्की कलियाँ फूट रही थीं और शाहबलूत के पेड़ अपनी पाँच परतों वाली पत्तियों को खोल रहे थे। दो घंटे तक हम साथ-साथ घूमते रहे, ज़्यादातर समय चुपचाप, जैसा कि एक-दूसरे को अच्छी तरह जानने वाले दो लोगों के लिए स्वाभाविक था। लगभग पाँच बज चुके थे जब हम एक बार फिर बेकर स्ट्रीट पहुँचे।

“माफ़ कीजिए, महोदय,” हमारे सेवक ने दरवाज़ा खोलते हुए कहा। “एक सज्जन आपसे मिलने आए थे, महोदय।”

होम्स ने तिरस्कार भरी नज़र से मेरी ओर देखा। "दोपहर की सैर का तो कोई मतलब ही नहीं रहा!" उसने कहा। "क्या ये सज्जन चले गए?"

"जी श्रीमान।"

"क्या आपने उसे अंदर आने के लिए नहीं कहा?"

जी हाँ, वह अंदर आ गया।

“उसने कितनी देर इंतजार किया?”

“आधे घंटे, महोदय। वह बहुत बेचैन सज्जन थे, महोदय, जब तक यहाँ रहे, इधर-उधर घूमते और पैर पटकते रहे। मैं दरवाजे के बाहर इंतजार कर रहा था, महोदय, और मैं उनकी आवाज सुन सकता था। आखिरकार वह गलियारे में निकले और चिल्लाए, ‘क्या वह आदमी कभी नहीं आएगा?’ ये उनके बिल्कुल वही शब्द थे, महोदय। ‘आपको बस थोड़ा और इंतजार करना होगा,’ मैंने कहा। ‘तो मैं खुली हवा में इंतजार करता हूँ, क्योंकि मेरा दम घुट रहा है,’ उन्होंने कहा। ‘मैं जल्दी वापस आ जाऊँगा।’ और इतना कहकर वह उठे और बाहर चले गए, और मैं जो कुछ भी कह सका, वह उन्हें रोक नहीं पाया।”

“वाह वाह, तुमने तो पूरी कोशिश की,” होम्स ने हमारे कमरे में आते ही कहा। “लेकिन ये बहुत परेशान करने वाली बात है, वॉटसन। मुझे एक केस की सख्त ज़रूरत थी, और इस आदमी की बेसब्री देखकर लगता है जैसे ये कोई बहुत ज़रूरी केस हो। अरे! मेज पर जो पाइप है, वो तुम्हारी नहीं है। लगता है वो अपनी पाइप यहीं छोड़ आया है। एक बढ़िया पुरानी पाइप, जिसका तना लंबा है और जिसे तंबाकू बेचने वाले एम्बर कहते हैं। पता नहीं लंदन में असली एम्बर पाइप कितने होंगे? कुछ लोग तो ये भी मानते हैं कि उसमें मक्खी होना शगुन है। खैर, उसका दिमाग ज़रूर खराब रहा होगा तभी तो वो अपनी पाइप यहीं छोड़ आया है, जिसे वो इतना कीमती मानता है।”

मैंने पूछा, "आपको कैसे पता कि वह इसे बहुत महत्व देता है?"

“खैर, इस पाइप की मूल कीमत सात शिलिंग और छह पेंस होगी। अब, जैसा कि आप देख रहे हैं, इसकी दो बार मरम्मत हो चुकी है, एक बार लकड़ी के तने में और एक बार एम्बर में। जैसा कि आप देख रहे हैं, चाँदी की पट्टियों से की गई इन दोनों मरम्मतों में पाइप की मूल कीमत से अधिक खर्च आया होगा। वह व्यक्ति पाइप को बहुत महत्व देता होगा, तभी तो वह उसी पैसे से नया पाइप खरीदने के बजाय इसकी मरम्मत करवाना पसंद करता है।”

“और कुछ?” मैंने पूछा, क्योंकि होम्स अपने हाथ में पाइप को घुमा रहा था और अपनी विशिष्ट चिंतनशील शैली में उसे घूर रहा था।

उसने उसे ऊपर उठाया और अपनी लंबी, पतली तर्जनी उंगली से उस पर थपथपाया, जैसे कोई प्रोफेसर हड्डी पर व्याख्यान देते समय करता है।

“पाइपें कभी-कभी असाधारण रुचि की होती हैं,” उन्होंने कहा। “घड़ियों और जूतों के फीतों को छोड़कर शायद ही किसी और चीज़ में इतनी विशिष्टता हो। हालाँकि, यहां संकेत न तो बहुत स्पष्ट हैं और न ही बहुत महत्वपूर्ण। मालिक स्पष्ट रूप से एक मजबूत शरीर वाला, बाएं हाथ से काम करने वाला, सुंदर दांतों वाला, लापरवाह आदतों वाला और मितव्ययिता बरतने की कोई आवश्यकता न रखने वाला व्यक्ति है।”

मेरे दोस्त ने यह जानकारी बहुत ही लापरवाही से दी, लेकिन मैंने देखा कि उसने मेरी तरफ एक आंख मारी यह देखने के लिए कि क्या मैंने उसकी बात समझ ली है।

मैंने कहा, "क्या आपको लगता है कि सात शिलिंग का पाइप पीने वाला व्यक्ति धनी होगा?"

“यह ग्रोसवेनर मिक्सचर है, आठ पेंस प्रति औंस,” होम्स ने अपनी हथेली पर थोड़ा सा निकालते हुए जवाब दिया। “चूंकि उसे आधी कीमत में ही बढ़िया सिगरेट मिल सकती है, इसलिए उसे बचत करने की कोई जरूरत नहीं है।”

और बाकी बिंदु?

“उसे लैंप और गैस के फव्वारों से पाइप जलाने की आदत रही है। आप देख सकते हैं कि एक तरफ से यह पूरी तरह जल गया है। ज़ाहिर है, माचिस से ऐसा नहीं हो सकता। भला कोई आदमी पाइप के किनारे पर माचिस क्यों लगाएगा? वैसे भी, बिना पाइप के कटोरे को जलाए आप लैंप से पाइप नहीं जला सकते। और यह सारा जला हुआ हिस्सा पाइप के दाहिनी ओर है। इससे मुझे लगता है कि वह बाएं हाथ का आदमी है। आप खुद अपने पाइप को लैंप के पास लाकर देखिए और देखिए कि आप, दाहिने हाथ के होने के नाते, कितनी स्वाभाविक रूप से बाएं हिस्से को लौ के पास रखते हैं। आप शायद एक बार दूसरे तरीके से भी कर सकते हैं, लेकिन हमेशा नहीं। वह हमेशा से ऐसा ही करता आया है। फिर उसने अपने पाइप को दांतों से काट दिया है। ऐसा करने के लिए एक मजबूत, ऊर्जावान और अच्छे दांतों वाले आदमी की ज़रूरत होती है। लेकिन अगर मैं गलत नहीं हूं, तो मैंने उसे सीढ़ियों पर सुना है, इसलिए हमें उसके पाइप से ज़्यादा दिलचस्प कुछ और देखने को मिलेगा।”

कुछ ही देर बाद हमारा दरवाजा खुला और एक लंबा युवक कमरे में दाखिल हुआ। उसने गहरे भूरे रंग का सूट पहना हुआ था और वह शांत स्वभाव का था। उसके हाथ में एक भूरा कागज था। मुझे लगा कि उसकी उम्र लगभग तीस साल होगी, हालांकि असल में वह उससे कुछ साल बड़ा था।

“माफ़ कीजिएगा,” उसने थोड़ी शर्मिंदगी के साथ कहा, “मुझे लगता है मुझे दरवाज़ा खटखटाना चाहिए था। जी हाँ, बिल्कुल खटखटाना चाहिए था। असल बात यह है कि मैं थोड़ा परेशान हूँ, और आप इसे इसी का नतीजा मान लीजिए।” उसने आधे बेहोश से अंदाज़ में अपना हाथ माथे पर फेरा, और फिर कुर्सी पर बैठने के बजाय गिर पड़ा।

होम्स ने अपने सहज और सौम्य अंदाज़ में कहा, "मैं देख सकता हूँ कि आप एक-दो रात से सोए नहीं हैं। इससे काम से भी ज़्यादा, और यहाँ तक कि आनंद से भी ज़्यादा, इंसान के दिमाग पर असर पड़ता है। क्या मैं पूछ सकता हूं कि मैं आपकी किस तरह मदद कर सकता हूं?"

“मुझे आपकी सलाह चाहिए थी, महोदय। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या करूं, और मेरा पूरा जीवन बिखरता हुआ सा लग रहा है।”

"क्या आप मुझे सलाहकार जासूस के रूप में नियुक्त करना चाहते हैं?"

“सिर्फ़ इतना ही नहीं। मैं एक विवेकशील व्यक्ति के रूप में, एक अनुभवी व्यक्ति के रूप में आपकी राय जानना चाहता हूँ। मैं जानना चाहता हूं कि मुझे आगे क्या करना

चाहिए। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप मुझे बता पाएंगे।”

वह छोटे-छोटे, तीखे और रुक-रुक कर बोले गए शब्दों में बात करता था, और मुझे ऐसा लगता था कि बोलना ही उसके लिए बहुत कष्टदायक था, और उसकी इच्छाशक्ति उसकी भावनाओं पर हावी हो रही थी।

“यह बहुत ही नाजुक मामला है,” उन्होंने कहा। “कोई भी अपने घरेलू मामलों के बारे में अजनबियों से बात करना पसंद नहीं करता। अपनी पत्नी के व्यवहार पर उन दो आदमियों से चर्चा करना भयानक लगता है जिन्हें मैंने पहले कभी नहीं देखा। ऐसा करना बहुत बुरा है। लेकिन मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता, और मुझे सलाह चाहिए।”

“मेरे प्रिय श्री ग्रांट मुनरो—” होम्स ने कहना शुरू किया।

हमारा आगंतुक अपनी कुर्सी से उछल पड़ा। "क्या!" वह चिल्लाया, "आप मेरा नाम जानते हैं?"

होम्स मुस्कुराते हुए बोले, “अगर आप अपनी पहचान गुप्त रखना चाहते हैं, तो मेरा सुझाव है कि आप अपनी टोपी की लाइनिंग पर अपना नाम लिखना बंद कर दें, या फिर टोपी का ऊपरी हिस्सा उस व्यक्ति की ओर कर दें जिससे आप बात कर रहे हैं। मैं यही कहने वाला था कि मेरे दोस्त और मैंने इस कमरे में कई अजीबोगरीब राज़ सुने हैं, और हमें कई परेशान आत्माओं को शांति देने का सौभाग्य मिला है। मुझे उम्मीद है कि हम आपके लिए भी ऐसा ही कर पाएंगे। चूंकि समय महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, क्या मैं आपसे निवेदन कर सकता हूं कि आप मुझे अपने मामले के तथ्य बिना किसी देरी के बता दें?”

हमारे आगंतुक ने एक बार फिर अपना हाथ अपने माथे पर फेरा, मानो उसे बहुत तक़लीफ़ हो रही हो। उनके हर हावभाव और चेहरे के भाव से मैं समझ गया कि वे एक शांत, संयमी व्यक्ति थे, जिनके स्वभाव में थोड़ा सा गर्व भी था, और जो अपने घावों को ज़ाहिर करने के बजाय छिपाना ज़्यादा पसंद करते थे। फिर अचानक, अपनी बंद मुट्ठी को ज़ोर से हिलाते हुए, मानो कोई अपने संकोच को हवा में उड़ा रहा हो, उन्होंने बोलना शुरू किया:

“श्री होम्स, सच्चाई ये है,” उन्होंने कहा। “मैं शादीशुदा हूँ और तीन साल से शादीशुदा हूं। इस दौरान मेरी पत्नी और मैंने एक-दूसरे को उतना ही प्यार किया है और उतनी ही खुशी से जीवन बिताया है जितना कोई भी जोड़ा बिता सकता है। हमारे बीच कभी कोई मतभेद नहीं हुआ, न विचारों में, न शब्दों में, न कर्मों में। और अब, पिछले सोमवार से, अचानक हमारे बीच एक दीवार खड़ी हो गई है, और मुझे लगता है कि उसके जीवन और उसके विचारों में कुछ ऐसा है जिसके बारे में मुझे उतना ही कम पता है जितना कि उस महिला के बारे में जो सड़क पर मुझसे टकराती है। हम एक-दूसरे से अलग हो गए हैं, और मैं जानना चाहता हूँ कि ऐसा क्यों हुआ है।”

“अब आगे बढ़ने से पहले, मिस्टर होम्स, मैं आपको एक बात स्पष्ट रूप से समझाना चाहता हूं। एफी मुझसे प्यार करती है। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। वह मुझे पूरे दिल और आत्मा से प्यार करती है, और आज तो पहले से कहीं ज़्यादा। मैं यह जानता हूं। मैं इसे महसूस करता हूँ। मैं इस बारे में बहस नहीं करना चाहता। एक आदमी आसानी से समझ जाता है कि कोई औरत उससे प्यार करती है। लेकिन हमारे बीच एक राज़ है, और जब तक यह राज़ खुल नहीं जाता, हम पहले जैसे नहीं रह सकते।”

"कृपया मुझे तथ्य बताइए, श्री मुनरो," होम्स ने कुछ अधीरता के साथ कहा।

“मैं आपको एफी के इतिहास के बारे में जो कुछ जानता हूं, वह बताता हूँ। जब मैं उससे पहली बार मिला था, तब वह विधवा थी, हालाँकि काफी युवा थी—केवल पच्चीस वर्ष की। तब उसका नाम श्रीमती हेब्रोन था। वह युवावस्था में अमेरिका चली गई और

अटलांटा शहर में रहने लगी, जहाँ उसकी शादी हेब्रोन से हुई, जो एक सफल वकील थे। उनका एक बच्चा था, लेकिन वहाँ पीत ज्वर की महामारी फैल गई और पति-पत्नी दोनों की मृत्यु हो गई। मैंने उनका मृत्यु प्रमाण पत्र देखा है। इससे उसे अमेरिका से घृणा हो गई और वह मिड्लसेक्स के पिनर में अपनी एक अविवाहित चाची के साथ रहने के लिए वापस आ गई। मैं यह भी बताना चाहूँगा कि उसके पति ने उसे अच्छी खासी संपत्ति दी थी और उसके पास लगभग चार हजार पाँच सौ पाउंड की पूंजी थी, जिसे उसने इतनी अच्छी तरह से निवेश किया था कि उस पर औसतन सात प्रतिशत का लाभ मिला। जब मैं उससे मिला, तब वह पिनर में केवल छह महीने ही रही थी; हम दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया और कुछ हफ्तों बाद ही हमारी शादी हो गई।".

मैं स्वयं हॉप का व्यापारी हूँ, और मेरी आमदनी सात-आठ सौ पाउंड है, इसलिए हम आराम से रह रहे थे और नॉरबरी में अस्सी पाउंड सालाना किराए पर एक बढ़िया विला ले लिया। हमारा छोटा सा घर शहर के इतने करीब होने के बावजूद काफी देहाती था। हमारे ऊपर एक सराय और दो घर थे, और हमारे सामने वाले खेत के दूसरी तरफ एक अकेली झोपड़ी थी, और इनके अलावा स्टेशन तक आधे रास्ते तक कोई घर नहीं था। मेरा व्यवसाय मुझे कुछ मौसमों में शहर ले जाता था, लेकिन गर्मियों में काम कम होता था, और तब हम अपने देहाती घर में बहुत खुश रहते थे। मैं आपको बता दूँ कि इस मनहूस मामले के शुरू होने से पहले हमारे बीच कभी कोई दरार नहीं थी।

आगे बढ़ने से पहले मुझे आपको एक बात बतानी चाहिए। जब हमारी शादी हुई, तो मेरी पत्नी ने अपनी सारी संपत्ति मेरे नाम कर दी - मेरी इच्छा के विरुद्ध, क्योंकि मुझे पता था कि अगर मेरे व्यापारिक मामले बिगड़ गए तो कितनी परेशानी होगी। लेकिन उसकी यही इच्छा थी, और ऐसा ही हुआ। खैर, लगभग छह हफ्ते पहले वह मेरे पास आई।

"'जैक,' उसने कहा, 'जब तुमने मेरे पैसे लिए थे, तब तुमने कहा था कि अगर मुझे कभी भी पैसों की जरूरत हो तो मैं तुमसे मांग लूं।'"

मैंने कहा, "बिल्कुल। यह सब तुम्हारा ही है।"

"'अच्छा,' उसने कहा, 'मुझे सौ पाउंड चाहिए।'"

"मैं यह देखकर थोड़ा हैरान रह गया, क्योंकि मैंने सोचा था कि वह शायद कोई नई ड्रेस या इसी तरह की कोई चीज मांग रही होगी।"

मैंने पूछा, "आखिर किसलिए?"

"'ओह,' उसने अपने चंचल अंदाज में कहा, 'आपने कहा था कि आप सिर्फ मेरे बैंकर हैं, और बैंकर कभी सवाल नहीं पूछते, आपको पता है।'"

मैंने कहा, "'अगर तुम सचमुच ऐसा चाहते हो, तो तुम्हें पैसे जरूर मिलेंगे।'"

"'ओह, हाँ, मेरा सचमुच यही मतलब है।'

"'और तुम मुझे यह नहीं बताओगे कि तुम्हें यह किसलिए चाहिए?'"

"'शायद किसी दिन, लेकिन अभी नहीं, जैक।'"

"इसलिए मुझे उसी से संतुष्ट रहना पड़ा, हालाँकि यह पहली बार था जब हमारे बीच कोई राज़ छिपा था। मैंने उसे एक चेक दिया और फिर कभी इस बारे में नहीं सोचा। इसका बाद में जो हुआ उससे कोई लेना-देना नहीं हो सकता, लेकिन मुझे लगा कि इसका ज़िक्र करना उचित होगा।"

"मैंने अभी आपको बताया था कि हमारे घर से थोड़ी दूर पर एक कुटिया है। हमारे बीच बस एक खेत है, लेकिन वहाँ पहुंचने के लिए आपको सड़क पर चलना होगा और फिर एक गली में मुड़ना होगा। उसके ठीक आगे स्कॉच फर के पेड़ों का एक छोटा सा सुंदर झुरमुट है, और मुझे वहाँ टहलना बहुत पसंद हुआ करता था, क्योंकि पेड़ हमेशा एक-दूसरे के प्रति स्नेह का भाव जगाते हैं। वह कुटिया पिछले आठ महीनों से खाली पड़ी थी, और यह बहुत दुख की बात थी, क्योंकि वह एक सुंदर दो मंजिला इमारत थी,

जिसमें एक पुराने ज़माने का बरामदा और चारों ओर एक हनीसकल की बेल थी। मैं कई बार वहाँ खड़ा होकर सोचता था कि वह एक सुंदर छोटा सा घर बन सकता था।”

“खैर, पिछले सोमवार की शाम मैं उस तरफ टहल रहा था, तभी मेरी नज़र गली में आती हुई एक खाली वैन पर पड़ी और बरामदे के बगल में घास के मैदान पर कालीनों और अन्य सामानों का ढेर लगा हुआ देखा। यह स्पष्ट था कि वह कॉटेज आखिरकार किराए पर दे दिया गया था। मैं उसके पास से गुज़रा, और फिर एक आलस्यपूर्ण व्यक्ति की तरह रुककर, मैंने उस पर सरसरी नज़र डाली और सोचा कि वे किस तरह के लोग होंगे जो हमारे इतने करीब रहने आए हैं। और जैसे ही मैंने देखा, अचानक मुझे एहसास हुआ कि ऊपर की खिड़कियों में से एक से कोई चेहरा मुझे देख रहा है।”

“मुझे नहीं पता उस चेहरे में क्या था, मिस्टर होम्स, लेकिन उसे देखकर मेरी रीढ़ की हड्डी में सिहरन दौड़ गई। मैं थोड़ी दूरी पर था, इसलिए चेहरे के हाव-भाव ठीक से नहीं देख पा रहा था, लेकिन उस चेहरे में कुछ अस्वाभाविक और अमानवीय सा था। यही मेरा आभास था, और मैं उस व्यक्ति को करीब से देखने के लिए तेजी से आगे बढ़ा जो मुझे देख रहा था। लेकिन जैसे ही मैंने ऐसा किया, वह चेहरा अचानक गायब हो गया, इतनी अचानक कि मानो कमरे के अंधेरे में गायब हो गया हो। मैं पांच मिनट तक वहीं खड़ा रहा, इस घटना के बारे में सोचता रहा और अपने आभासों का विश्लेषण करने की कोशिश करता रहा। मैं यह नहीं बता सका कि वह चेहरा किसी पुरुष का था या स्त्री का। वह मुझसे बहुत दूर था, इसलिए यह कहना मुश्किल था। लेकिन उसका रंग ही था जिसने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया। वह फीके चूने जैसे सफेद रंग का था, और उसमें कुछ ऐसा कठोर और सख्तपन था जो चौंकाने वाला अस्वाभाविक था। मैं इतना परेशान हो गया था कि मैंने उस झोपड़ी में रहने वाले नए लोगों को थोड़ा और देखने का निश्चय किया। मैं पास गया और दरवाज़ा खटखटाया, जिसे तुरंत एक लंबी, दुबली-पतली महिला ने खोला, जिसकी आवाज़ कठोर और डरावनी थी।” चेहरा।

“‘आप क्या चाहते हैं?’ उसने उत्तरी लहजे में पूछा।”

“मैं आपका सामने वाला पड़ोसी हूं,” मैंने अपने घर की ओर इशारा करते हुए कहा। “मैंने देखा कि आप अभी-अभी यहाँ आए हैं, इसलिए मैंने सोचा कि अगर मैं आपकी किसी भी तरह से मदद कर सकूं तो—”

“‘अरे, जब हमें तुम्हारी ज़रूरत होगी, हम तुम्हें बता देंगे,’ उसने कहा और मेरे मुँह पर दरवाज़ा बंद कर दिया। उसके इस रूखे व्यवहार से नाराज़ होकर मैं मुँह मोड़कर घर चला गया। पूरी शाम, हालाँकि मैंने दूसरी बातों के बारे में सोचने की कोशिश की, फिर भी मेरा मन खिड़की पर दिखी उस आकृति और उस औरत के असभ्य व्यवहार की ओर ही घूमता रहा। मैंने अपनी पत्नी से इस बारे में कुछ न कहने का निश्चय किया, क्योंकि वह बहुत संवेदनशील और चिड़चिड़ी है, और मैं नहीं चाहता था कि उसे भी वही अप्रिय अनुभव हो जो मुझे हुआ था। हालाँकि, सोने से पहले मैंने उससे कहा कि अब उस झोपड़ी में कोई आ गया है, जिस पर उसने कोई जवाब नहीं दिया।”

मैं आमतौर पर बहुत गहरी नींद सोता हूँ। परिवार में यह एक मज़ाक बन गया था कि रात में मुझे कोई भी चीज़ नहीं जगा सकती। फिर भी उस खास रात, चाहे वह मेरे छोटे से रोमांच से पैदा हुई थोड़ी सी उत्तेजना हो या कुछ और, मुझे नहीं पता, मैं हमेशा की तुलना में बहुत हल्की नींद सोया। आधे सपने में मुझे धुंधला सा एहसास हुआ कि कमरे में कुछ हो रहा है, और धीरे-धीरे मुझे पता चला कि मेरी पत्नी ने कपड़े पहन लिए हैं और अपना लबादा और टोपी ओढ़ रही है। इस असमय की तैयारी पर हैरानी या नाराज़गी के कुछ शब्द बुदबुदाने के लिए मेरे होंठ खुले ही थे कि अचानक मेरी आधी खुली आँखें मोमबत्ती की रोशनी से जगमगाते उसके चेहरे पर पड़ीं, और मैं अचंभित रह गया। उसके चेहरे पर ऐसा भाव था जैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा था - ऐसा भाव

जो मुझे लगता था कि वह कभी नहीं ला सकती। वह बेहद पीली पड़ गई थी और तेज़ी से सांस ले रही थी, अपना लबादा बाँधते हुए वह चुपके से बिस्तर की ओर देख रही थी कि कहीं उसने मुझे परेशान तो नहीं किया। फिर यह सोचकर कि मैं अभी भी सो रहा हूं, वह चुपचाप कमरे से बाहर निकल गई, और एक पल बाद मैंने एक आवाज़ सुनी... तेज़ चरमराहट की आवाज़ आई जो केवल सामने के दरवाज़े के कब्ज़ों से ही आ सकती थी। मैं बिस्तर पर उठ बैठा और यह सुनिश्चित करने के लिए कि मैं सचमुच जाग गया हूं, मैंने अपनी उंगलियों से रेलिंग पर खटखटाया। फिर मैंने तकिए के नीचे से अपनी घड़ी निकाली। सुबह के तीन बज रहे थे। भला मेरी पत्नी सुबह के तीन बजे देहाती सड़क पर क्या कर रही होगी?

मैं लगभग बीस मिनट तक बैठकर इस बात पर विचार करता रहा और कोई संभावित स्पष्टीकरण खोजने की कोशिश करता रहा। जितना अधिक मैं सोचता गया, यह उतना ही असाधारण और अस्पष्ट प्रतीत होता गया। मैं अभी भी इस पर सोच ही रहा था कि तभी मैंने दरवाजा धीरे से बंद होने की आवाज सुनी और उसके कदमों की आहट सीढ़ियों से ऊपर आती हुई सुनी।

"'एफ़ी, तुम कहाँ-कहाँ थी?' मैंने उसके अंदर आते ही पूछा।"

जब मैंने बात की तो वह अचानक चौंक गई और हांफते हुए रोने लगी, और उसकी वह चीख और चौंकना मुझे बाकी सब बातों से ज़्यादा परेशान कर गया, क्योंकि उनमें कुछ अवर्णनीय अपराधबोध था। मेरी पत्नी हमेशा से ही स्पष्टवादी और खुले स्वभाव की महिला रही है, और उसे अपने ही कमरे में दुबकते हुए और अपने ही पति के बोलने पर रोते और सिहरते हुए देखना मुझे अंदर तक झकझोर गया।

"'तुम जाग गए, जैक!' वह घबराई हुई हंसी के साथ चिल्लाई। 'अरे, मुझे लगा था कि तुम्हें कोई जगा नहीं सकता।'"

मैंने और भी सख्ती से पूछा, "'तुम कहाँ थे?'"

"'मुझे आश्चर्य नहीं कि आप हैरान हैं,' उसने कहा, और मैं देख सकती थी कि जब वह अपने लबादे के बंधन खोल रही थी तो उसकी उंगलियां कांप रही थीं। 'अरे, मुझे याद नहीं कि मैंने अपने जीवन में पहले कभी ऐसा किया हो। असल में, मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मेरा दम घुट रहा हो और मुझे ताजी हवा की बहुत तीव्र इच्छा हो रही थी। मुझे सच में लगता है कि अगर मैं बाहर नहीं जाती तो मैं बेहोश हो जाती। मैं कुछ मिनटों तक दरवाजे पर खड़ी रही, और अब मैं बिल्कुल ठीक हूं।'

पूरी कहानी सुनाते समय उसने एक बार भी मेरी तरफ नहीं देखा, और उसकी आवाज़ भी उसकी सामान्य आवाज़ से बिल्कुल अलग थी। मुझे स्पष्ट रूप से समझ आ गया था कि वह झूठ बोल रही है। मैंने कुछ नहीं कहा, बस अपना चेहरा दीवार की तरफ कर लिया, मेरा दिल दुखी था, और मेरे मन में हज़ारों ज़हरीले संदेह और शंकाएँ उमड़ रही थीं। मेरी पत्नी मुझसे क्या छिपा रही थी? उस अजीब यात्रा के दौरान वह कहाँ थी? मुझे लगा कि जब तक मुझे पता नहीं चलेगा, मुझे चैन नहीं मिलेगा, फिर भी झूठ बोलने के बाद मैंने उससे दोबारा पूछने की हिम्मत नहीं की। पूरी रात मैं करवटें बदलता रहा, एक के बाद एक कई तरह के सिद्धांत गढ़ता रहा, हर एक पिछले से ज़्यादा अविश्वसनीय।

मुझे उस दिन शहर जाना चाहिए था, लेकिन मेरा मन इतना विचलित था कि मैं व्यापारिक मामलों पर ध्यान नहीं दे पा रहा था। मेरी पत्नी भी मेरी ही तरह परेशान लग रही थी, और उसकी बार-बार की सवालिया निगाहों से मैं समझ गया था कि मुझे उसकी बात पर यकीन नहीं हो रहा है, और वह समझ नहीं पा रही थी कि क्या करे। नाश्ते के दौरान हमारी मुश्किल से ही कोई बात हुई, और उसके तुरंत बाद मैं ताजी सुबह की हवा में टहलने चला गया ताकि इस बारे में सोच सकूँ।

"मैं क्रिस्टल पैलेस तक गया, वहाँ एक घंटा बिताया और एक बजे तक नॉरबरी वापस आ गया। संयोग से मेरा रास्ता उस कुटिया के पास से गुज़रा, और मैं एक पल के लिए खिड़कियों से झाँकने के लिए रुक गया, यह देखने के लिए कि क्या मुझे उस अजनबी चेहरे की एक झलक मिल सकती है जिसने मुझे एक दिन पहले देखा था। जब मैं वहाँ खड़ा था, श्री होम्स, कल्पना कीजिए मेरी हैरानी की, जब अचानक दरवाजा खुला और मेरी पत्नी बाहर निकली।"

उसे देखकर मैं अचंभित रह गया, लेकिन जब हमारी नज़रें मिलीं तो उसके चेहरे पर जो भाव प्रकट हुए, उनके आगे मेरे भाव कुछ भी नहीं थे। एक पल के लिए ऐसा लगा मानो वह वापस घर के अंदर जाना चाहती हो; और फिर, यह समझते हुए कि किसी भी तरह का छिपाव कितना व्यर्थ है, वह एकदम सफेद चेहरे और भयभीत आँखों के साथ आगे आई, जो उसके होंठों पर मुस्कान के विपरीत थी।

"'अरे, जैक,' उसने कहा, 'मैं अभी-अभी यह देखने गई थी कि क्या मैं अपने नए पड़ोसियों की किसी तरह मदद कर सकती हूँ। तुम मुझे ऐसे क्यों देख रहे हो, जैक? क्या तुम मुझसे नाराज़ नहीं हो?'"

"'तो,' मैंने कहा, 'तुम रात में यहाँ गए थे।'"

"'तुम्हारा क्या मतलब है?' वह चिल्लाई।"

"'तुम यहाँ आए हो। मुझे पूरा यकीन है। ये लोग कौन हैं कि तुम इस समय उनसे मिलने आए हो?'"

"'मैं यहाँ पहले कभी नहीं आया हूँ।'"

"'तुम मुझे वो बात कैसे कह सकते हो जो तुम्हें पता है कि झूठी है?' मैं चिल्लाई। 'बोलते समय तुम्हारी आवाज़ भी बदल जाती है। मैंने तुमसे कभी कोई राज़ कब छिपाया है? मैं उस झोपड़ी में जाऊंगी और इस मामले की तह तक छानबीन करूंगी।'

"'नहीं, नहीं, जैक, भगवान के लिए!' वह अनियंत्रित भावनाओं में हांफते हुए बोली। फिर, जैसे ही मैं दरवाजे के पास पहुंचा, उसने मेरी आस्तीन पकड़ ली और मुझे जबरदस्त ताकत से पीछे खींच लिया।"

"'मैं तुमसे विनती करती हूं, जैक, ऐसा मत करो,' वह रोते हुए बोली। 'मैं कसम खाती हूँ कि मैं तुम्हें एक दिन सब कुछ बता दूंगी, लेकिन अगर तुम उस झोपड़ी में गए तो इससे तुम्हें केवल दुख ही मिलेगा।' फिर, जब मैंने उसे खुद से छुड़ाने की कोशिश की, तो वह गिड़गिड़ाते हुए मुझसे लिपट गई।"

"'मुझ पर भरोसा करो, जैक!' वह चिल्लाई। 'बस एक बार मुझ पर भरोसा करो। तुम्हें कभी पछतावा नहीं होगा। तुम जानते हो कि अगर तुम्हारी जान को खतरा न होता तो मैं तुमसे कोई राज़ नहीं रखती। इस मामले में हमारी पूरी जिंदगी दांव पर लगी है। अगर तुम मेरे साथ घर आ जाओगे तो सब ठीक हो जाएगा। अगर तुमने जबरदस्ती उस झोपड़ी में प्रवेश किया तो हमारे बीच सब कुछ खत्म हो जाएगा।'"

"उसके हावभाव में इतनी गंभीरता, इतनी निराशा थी कि उसके शब्दों ने मुझे स्तब्ध कर दिया और मैं दरवाजे के सामने अनिर्णय की स्थिति में खड़ा रह गया।"

"'मैं तुम पर एक ही शर्त पर भरोसा करूंगा, और वह यह है कि यह रहस्य अब समाप्त हो जाए। तुम अपना रहस्य बनाए रखने के लिए स्वतंत्र हो, लेकिन तुम्हें मुझसे वादा करना होगा कि अब कोई रात में मुलाकात नहीं होगी, कोई भी ऐसी बात नहीं होगी जो मुझसे छिपी रहे। मैं बीते हुए को भूलने को तैयार हूँ, बशर्ते तुम वादा करो कि भविष्य में ऐसा कुछ नहीं होगा।'"

"'मुझे पूरा यकीन था कि तुम मुझ पर भरोसा करोगे,' उसने राहत की एक गहरी साँस लेते हुए कहा। 'यह बिलकुल तुम्हारी इच्छा के अनुरूप होगा। चलो, घर चलते हैं।'"

मेरी आस्तीन खींचते हुए वह मुझे झोपड़ी से दूर ले गई। जाते समय मैंने पीछे मुड़कर देखा, और ऊपर वाली खिड़की से वह पीला, भयानक चेहरा हमें घूर रहा था। उस प्राणी और मेरी पत्नी के बीच क्या संबंध हो सकता है? या वह खुरदरी, कठोर स्त्री जिसे मैंने कल देखा था, उससे कैसे जुड़ी हो सकती है? यह एक अजीब पहेली थी, और फिर भी मैं जानता था कि जब तक मैं इसे सुलझा नहीं लेता, मेरे मन को कभी शांति नहीं मिलेगी।

इसके बाद दो दिन तक मैं घर पर ही रहा, और मेरी पत्नी ने हमारे वादे का ईमानदारी से पालन किया, क्योंकि जहाँ तक मुझे पता है, वह घर से बाहर नहीं निकली। लेकिन तीसरे दिन मुझे इस बात का पुख्ता सबूत मिल गया कि उसका गंभीर वादा भी उसे उस गुप्त प्रभाव से नहीं रोक पाया जो उसे उसके पति और उसके कर्तव्य से दूर ले जा रहा था।

“मैं उस दिन शहर गया था, लेकिन मैं अपनी सामान्य ट्रेन 3:36 के बजाय 2:40 बजे लौटा। जैसे ही मैं घर में दाखिल हुआ, नौकरानी घबराए हुए चेहरे के साथ दौड़कर हॉल में आ गई।”

मैंने पूछा, “तुम्हारी प्रेमिका कहाँ है?”

“‘मुझे लगता है कि वह टहलने के लिए बाहर गई है,’ उसने जवाब दिया।

मेरे मन में तुरंत संदेह भर गया। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए ऊपर भागा कि वह घर में तो नहीं है। ऐसा करते समय मेरी नज़रें ऊपर की खिड़कियों में से एक से बाहर पड़ी और मैंने उस नौकरानी को देखा जिससे मैं अभी बात कर रहा था, वह खेत पार करके झोपड़ी की ओर भाग रही थी। तभी मुझे समझ आया कि इसका क्या मतलब था। मेरी पत्नी वहाँ गई थी और उसने नौकरानी से कहा था कि अगर मैं वापस आऊं तो उसे बुला ले। गुस्से से कांपते हुए मैं नीचे भागा और जल्दी से झोपड़ी की ओर बढ़ा, इस मामले को हमेशा के लिए खत्म करने का निश्चय कर लिया था। मैंने अपनी पत्नी और नौकरानी को गली से वापस भागते देखा, लेकिन मैं उनसे बात करने के लिए नहीं रुका। झोपड़ी में वह रहस्य छिपा था जो मेरे जीवन पर साया डाल रहा था। मैंने कसम खाई कि चाहे कुछ भी हो जाए, यह अब रहस्य नहीं रहेगा। जब मैं वहाँ पहुँचा तो मैंने दरवाजा भी नहीं खटखटाया, बल्कि हैंडल घुमाया और गलियारे में घुस गया।

भूतल पर सन्नाटा पसरा हुआ था। रसोई में चूल्हे पर केतली खौल रही थी और एक बड़ी काली बिल्ली टोकरी में कुंडली मारकर बैठी थी; लेकिन जिस औरत को मैंने पहले देखा था, उसका कोई अता-पता नहीं था। मैं दूसरे कमरे में भागा, लेकिन वह भी उतना ही सुनसान था। फिर मैं सीढ़ियों से ऊपर भागा, तो पाया कि ऊपर के दो कमरे भी खाली और सुनसान थे। पूरे घर में कोई नहीं था। फर्नीचर और तस्वीरें बेहद साधारण और भद्दी थीं, सिवाय उस कमरे के जिसकी खिड़की पर मैंने वह अजनबी चेहरा देखा था। वह कमरा आरामदायक और सुरुचिपूर्ण था, और जब मैंने देखा कि शेल्फ पर मेरी पत्नी की पूरी लंबाई वाली तस्वीर की एक प्रति रखी है, जिसे मेरे कहने पर सिर्फ तीन महीने पहले ही खींचा गया था, तो मेरे सारे संदेह भयंकर रूप से भड़क उठे।

“मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए काफी देर तक वहाँ रुका कि घर पूरी तरह से खाली है। फिर मैं वहाँ से चला गया, मेरे दिल पर ऐसा बोझ था जैसा पहले कभी नहीं था। जैसे ही मैं अपने घर में दाखिल हुआ, मेरी पत्नी हॉल में आ गई; लेकिन मैं इतना आहत और क्रोधित था कि उससे बात नहीं कर सका, और उसे धक्का देकर मैं अपने अध्ययन कक्ष में चला गया। हालांकि, इससे पहले कि मैं दरवाजा बंद कर पाता, वह मेरे पीछे आ गई।”

“‘मुझे खेद है कि मैंने अपना वादा तोड़ दिया, जैक,’ उसने कहा, ‘लेकिन अगर आपको सारी परिस्थितियाँ पता होतीं तो मुझे यकीन है कि आप मुझे माफ कर देते।’”

मैंने कहा, 'तो मुझे सब कुछ बताओ।'

"'मैं नहीं कर सकती, जैक, मैं नहीं कर सकती,' वह रोते हुए बोली।

"जब तक तुम मुझे यह नहीं बताओगी कि उस झोपड़ी में कौन रह रहा है और तुमने वह तस्वीर किसे दी है, तब तक हमारे बीच कभी भी विश्वास नहीं हो सकता," मैंने कहा और उससे अलग होकर घर से निकल गई। यह कल की बात है, श्रीमान होम्स, और तब से मैंने उसे नहीं देखा है, न ही मुझे इस अजीब मामले के बारे में कुछ और पता है। यह हमारे बीच पहली बार आई मुसीबत है, और इसने मुझे इतना झकझोर दिया है कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि मुझे क्या करना चाहिए। आज सुबह अचानक मुझे लगा कि आप ही मुझे सही सलाह दे सकते हैं, इसलिए मैं अभी आपके पास आई हूँ, और मैं खुद को पूरी तरह से आपके हवाले करती हूं। अगर कोई बात मैंने स्पष्ट नहीं की है, तो कृपया उसके बारे में मुझसे पूछें। लेकिन सबसे ज़रूरी बात, मुझे जल्दी से बताएँ कि मुझे क्या करना चाहिए, क्योंकि यह दुख मेरे लिए असहनीय है।"

होम्स और मैंने इस असाधारण बयान को अत्यंत रुचि से सुना, जो किसी अति भावुक व्यक्ति के अटपटे और लड़खड़ाते स्वर में दिया गया था। मेरा साथी कुछ देर तक चुपचाप बैठा रहा, ठुड्डी हाथ पर टिकाए, विचारों में डूबा हुआ।

अंत में उसने कहा, "मुझे बताओ, क्या तुम शपथपूर्वक कह सकते हो कि खिड़की पर तुमने जिस व्यक्ति का चेहरा देखा वह एक पुरुष का चेहरा था?"

"जब भी मैंने इसे देखा, मैं इससे कुछ दूरी पर था, इसलिए मेरे लिए इसके बारे में कुछ कहना असंभव है।"

"हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि आप इससे अप्रिय रूप से प्रभावित हुए हैं।"

"उसका रंग असामान्य लग रहा था और उसके चेहरे पर एक अजीब सी कठोरता थी। जब मैं उसके पास पहुंचा तो वह झटके से गायब हो गया।"

"तुम्हारी पत्नी ने तुमसे सौ पाउंड मांगे हुए कितना समय हो गया है?"

लगभग दो महीने।

क्या आपने कभी उनके पहले पति की तस्वीर देखी है?

"नहीं, उनकी मृत्यु के कुछ ही समय बाद अटलांटा में एक भीषण आग लग गई थी, और उनके सभी कागजात नष्ट हो गए थे।"

"और फिर भी उसके पास मृत्यु प्रमाण पत्र था। आप कहते हैं कि आपने उसे देखा था।"

"हां, आग लगने के बाद उसे एक डुप्लीकेट कॉपी मिल गई थी।"

"क्या आप अमेरिका में कभी किसी ऐसे व्यक्ति से मिले हैं जो उसे जानता हो?"

"नहीं।"

क्या उसने कभी उस जगह पर दोबारा जाने की बात की थी?

"नहीं।"

"या उससे पत्र प्राप्त करें?"

"नहीं।"

"धन्यवाद। मैं अब इस मामले पर थोड़ा विचार करना चाहूंगा। अगर अब वह झोपड़ी पूरी तरह से खाली हो गई है, तो हमें कुछ कठिनाई हो सकती है। दूसरी ओर, अगर जैसी कि मुझे लगता है कि अधिक संभावना है, तो वहां रहने वालों को आपके आने की सूचना मिल गई थी और वे कल आपके प्रवेश करने से पहले ही चले गए थे, तो वे अब वापिस आ गए होंगे, और हम आसानी से सब कुछ सुलझा लेंगे। इसलिए, मैं आपको सलाह देता हूं कि आप नॉरबरी लौटें और झोपड़ी की खिड़कियों की दोबारा जांच करें। अगर आपको यह मानने का कोई कारण है कि वहां कोई रहता है, तो जबरदस्ती अंदर न घुसें, बल्कि मेरे दोस्त और मुझे एक तार भेजें। हम आपका तार

मिलते ही एक घंटे के भीतर आपके पास पहुंच जाएंगे, और फिर हम जल्द ही इस मामले की तह तक पहुंच जाएंगे।"

और अगर वह अभी भी खाली हो तो?

"अगर ऐसा है तो मैं कल आकर आपसे इस बारे में बात करूँगा। अलविदा, और सबसे महत्वपूर्ण बात, तब तक परेशान मत होइए जब तक आपको यह पता न चल जाए कि वास्तव में आपके पास परेशान होने का कोई कारण है।"

"मुझे डर है कि यह एक बुरा सौदा है, वाटसन," मेरे साथी ने श्री ग्रांट मुनरो को दरवाज़े तक छोड़ने के बाद लौटते हुए कहा। "आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?"

मैंने जवाब दिया, "उसकी आवाज़ बहुत भद्दी थी।"

"हां। इसमें ब्लैकमेल की बात है, या फिर मैं बहुत बड़ी गलती कर रहा हूं।"

और ब्लैकमेलर कौन है?

"खैर, यह वही प्राणी होना चाहिए जो उस जगह के इकलौते आरामदायक कमरे में रहता है और जिसकी तस्वीर उसके चिमनी के ऊपर लगी है। कसम से, वाटसन, खिड़की पर उस पीले चेहरे में कुछ तो बहुत ही आकर्षक है, और मैं उसे किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ता।"

"क्या आपके पास कोई सिद्धांत है?"

"हां, यह एक अस्थायी अनुमान है। लेकिन अगर यह सही साबित नहीं हुआ तो मुझे आश्चर्य होगा। इस महिला का पहला पति उस झोपड़ी में है।"

"आप ऐसा क्यों सोचते हैं?"

"उसकी इस बेतहाशा चिंता को हम और कैसे समझा सकते हैं कि उसका दूसरा पति उसके जीवन में प्रवेश न करे? तथ्य, जैसा कि मैंने समझा है, कुछ इस प्रकार हैं: इस महिला की शादी अमेरिका में हुई थी। उसके पति में कुछ घृणित गुण विकसित हो गए, या यूं कहें कि उसे कोई घिनौनी बीमारी हो गई और वह कुष्ठ रोगी या मंदबुद्धि हो गया? वह अंततः उससे भाग जाती है, इंग्लैंड लौट आती है, अपना नाम बदल लेती है और, जैसा कि वह सोचती है, अपना जीवन नए सिरे से शुरू करती है। उसकी शादी को तीन साल हो चुके हैं और उसे विश्वास है कि उसकी स्थिति पूरी तरह सुरक्षित है, क्योंकि उसने अपने पति को उस व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र दिखा दिया है जिसका नाम उसने अपना लिया है, तभी अचानक उसके पहले पति को, या, जैसा कि हम मान सकते हैं, किसी बेईमान महिला को, जो उस बीमार व्यक्ति से जुड़ी हुई है, उसके ठिकाने का पता चल जाता है। वे पत्नी को पत्र लिखकर उसे बेनकाब करने की धमकी देते हैं। वह सौ पाउंड मांगती है और उन्हें रिश्वत देकर भगाने की कोशिश करती है। फिर भी वे आ जाते हैं, और जब पति पत्नी से casually बताता है कि झोपड़ी में कुछ नए लोग आए हैं, तो वह किसी न किसी तरह समझ जाती है कि वे उसके पीछा करने वाले हैं। वह अपने पति के सो जाने तक इंतज़ार करती है और फिर वह उन्हें मनाने की कोशिश में नीचे जाती है कि वे उसे शांति से रहने दें। कोई सफलता न मिलने पर, वह अगली सुबह फिर जाती है, और जैसा कि उसके पति ने हमें बताया है, जब वह बाहर आती है तो वह उससे मिलती है। वह उससे वादा करती है कि वह फिर कभी वहाँ नहीं जाएगी, लेकिन दो दिन बाद उन भयानक पड़ोसियों से छुटकारा पाने की उम्मीद उसके लिए बहुत प्रबल हो जाती है, और वह एक और प्रयास करती है, अपने साथ वह तस्वीर भी ले जाती है जो शायद उससे माँगी गई थी। इस मुलाकात के बीच में नौकरानी अंदर आकर कहती है कि मालिक घर आ गया है, जिस पर पत्नी, यह जानते हुए कि वह सीधे झोपड़ी में आएगा, घरवालों को पिछले दरवाजे से बाहर, देवदार के पेड़ों के झुरमुट में ले जाती है, जिसका जिक्र शायद पास में ही किया गया था। इस तरह उसे वह जगह सुनसान मिलती

है। हालाँकि, अगर आज शाम जब वह वहाँ जाएगा तो वह जगह सुनसान होगी तो मुझे बहुत आश्चर्य होगा। मेरी इस थ्योरी के बारे में आपका क्या विचार है?

"यह सब अनुमान मात्र है।"

“लेकिन कम से कम इसमें सभी तथ्य शामिल हैं। जब हमें ऐसे नए तथ्य पता चलेंगे जो इसमें शामिल नहीं हो सकते, तब इस पर पुनर्विचार करने का पर्याप्त समय होगा। नारबरी में हमारे मित्र से कोई संदेश मिलने तक हम और कुछ नहीं कर सकते।”

लेकिन हमें इसके लिए ज्यादा देर इंतजार नहीं करना पड़ा। यह ठीक उसी समय आया जब हमने अपनी चाय खत्म की थी।

उसमें लिखा था, "कुटिया में अभी भी लोग रह रहे हैं। खिड़की पर वह चेहरा फिर से देखा है। मैं सात बजे वाली ट्रेन पकड़ने आऊंगा और आपके आने तक एक कदम भी नहीं चलूंगा।"

जब हम बाहर निकले तो वह प्लेटफ़ार्म पर इंतजार कर रहा था, और स्टेशन की बत्तियों की रोशनी में हम देख सकते थे कि वह बहुत पीला पड़ गया था, और घबराहट से कांप रहा था।

“वे अभी भी वहीं हैं, मिस्टर होम्स,” उन्होंने मेरे दोस्त की आस्तीन पर ज़ोर से हाथ रखते हुए कहा। “जब मैं नीचे आया तो मैंने झोपड़ी में रोशनी देखी। अब हम इस मामले को हमेशा के लिए सुलझा लेंगे।”

"तो फिर तुम्हारी योजना क्या है?" होम्स ने अंधेरी, पेड़ों से घिरी सड़क पर चलते हुए पूछा।

मैं जबरदस्ती अंदर घुसकर खुद देखूंगा कि घर में कौन-कौन है। मैं चाहता हूं कि आप दोनों वहां गवाह के तौर पर मौजूद रहें।

"क्या आप अपनी पत्नी की इस चेतावनी के बावजूद ऐसा करने के लिए पूरी तरह दृढ़ हैं कि बेहतर होगा कि आप इस रहस्य को न सुलझाएँ?"

"हां, मैं दृढ़ निश्चयी हूं।"

“खैर, मुझे लगता है कि आप सही हैं। अनिश्चितता से तो कोई भी सच्चाई बेहतर है। हमें तुरंत ऊपर जाना चाहिए। बेशक, कानूनी तौर पर हम खुद को पूरी तरह से गलत साबित कर रहे हैं; लेकिन मुझे लगता है कि यह जोखिम उठाने लायक है।”

वह बहुत अंधेरी रात थी, और जैसे ही हम मुख्य सड़क से एक संकरी, गहरी खाइयों वाली गली में मुड़े, जिसके दोनों ओर झाड़ियाँ थीं, हल्की बारिश शुरू हो गई। श्री ग्रांट मुनरो अधीरता से आगे बढ़ते रहे, और हम भी लड़खड़ाते हुए जितना हो सका उनके पीछे-पीछे चले।

“ये मेरे घर की बत्तियाँ हैं,” उसने पेड़ों के बीच एक टिमटिमाती रोशनी की ओर इशारा करते हुए धीरे से कहा। “और ये वह झोपड़ी है जिसमें मैं अब प्रवेश करने जा रहा हूं।”

जब वह बोल रहा था, हम गली के एक मोड़ पर मुड़े और वह इमारत हमारे ठीक बगल में थी। काले रंग की पृष्ठभूमि पर एक पीली पट्टी दिखाई दे रही थी जिससे पता चल रहा था कि दरवाज़ा पूरी तरह बंद नहीं था, और ऊपरी मंजिल की एक खिड़की से तेज रोशनी आ रही थी। जैसे ही हमने देखा, हमें पर्दे के पार एक धुंधला सा निशान चलता हुआ दिखाई दिया।

“देखो, वह प्राणी!” ग्रांट मुनरो चिल्लाया। “तुम खुद देख लो कि वहाँ कोई है। अब मेरे पीछे आओ, और हम जल्द ही सब कुछ जान लेंगे।”

हम दरवाज़े के पास पहुँचे, लेकिन अचानक एक महिला परछाई से निकलकर लैंप की सुनहरी रोशनी में खड़ी हो गई। अंधेरे में उसका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन उसकी बाहें विनती की मुद्रा में फैली हुई थीं।

"भगवान के लिए, ऐसा मत करो, जेक!" वह चिल्लाई। "मुझे पहले से ही आभास था कि तुम आज शाम आओगे। अपना इरादा बदल लो, प्यारे! मुझ पर फिर से भरोसा करो, और तुम्हें कभी पछतावा नहीं होगा।"

"मैंने तुम पर बहुत लंबे समय तक भरोसा किया है, एफी," वह कठोर स्वर में चिल्लाया। "मुझे छोड़ दो! मुझे तुम्हारे पास से गुजरना होगा। मैं और मेरे दोस्त इस मामले को हमेशा के लिए सुलझाने जा रहे हैं!" उसने उसे एक तरफ धकेल दिया, और हम उसके पीछे-पीछे चल दिए। जैसे ही उसने दरवाज़ा खोला, एक बूढ़ी औरत उसके सामने दौड़कर आई और उसका रास्ता रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने उसे पीछे धकेल दिया, और पल भर में हम सब सीढ़ियों पर थे। ग्रांट मुनरो ऊपर के रोशन कमरे में घुस गया, और हम भी उसके पीछे-पीछे अंदर चले गए।

यह एक आरामदायक, सुसज्जित कमरा था, जिसमें मेज पर दो मोमबत्तियाँ और शेल्फ पर दो मोमबत्तियाँ जल रही थीं। कोने में, एक मेज पर झुकी हुई, एक छोटी बच्ची बैठी हुई प्रतीत हो रही थी। जब हम अंदर आए तो उसका चेहरा दूसरी ओर मुड़ा हुआ था, लेकिन हम देख सकते थे कि उसने लाल रंग की फ्रॉक पहनी हुई थी और लंबे सफेद दस्ताने पहने हुए थे। जैसे ही वह हमारी ओर मुड़ी, मैं आश्चर्य और भय से चीख उठा। जिस चेहरे को उसने हमारी ओर घुमाया, उसका रंग अजीब सा पीला पड़ गया था और चेहरे पर कोई भाव नहीं था। एक पल बाद रहस्य सुलझ गया। होम्स ने हंसते हुए बच्ची के कान के पीछे हाथ फेरा, उसके चेहरे से मुखौटा हट गया और एक छोटी सी काली रंग की अश्वेत लड़की सामने आई, जिसके सारे सफेद दांत हमारे आश्चर्यचकित चेहरों को देखकर मजे से चमक रहे थे। मैं उसकी हंसी में सहानुभूति से खिलखिला उठा; लेकिन ग्रांट मुनरो अपना हाथ अपने गले पर रखे घूरता रह गया।

"हे भगवान!" वह चिल्लाया। "इसका क्या मतलब हो सकता है?"

"मैं आपको इसका मतलब बताऊंगी," महिला ने गर्व और दृढ़ चेहरे के साथ कमरे में प्रवेश करते हुए कहा। "आपने मुझे मजबूर कर दिया है, मेरी इच्छा के विरुद्ध, आपको बताने के लिए, और अब हम दोनों को इसका सामना करना होगा। मेरे पति की मृत्यु अटलांटा में हुई। मेरा बच्चा बच गया।"

"आपके बच्चे?"

उसने अपने सीने से एक बड़ा चांदी का लॉकेट निकाला। "तुमने इसे कभी खुला हुआ नहीं देखा होगा।"

मुझे समझ में आया कि यह नहीं खुला।

उसने एक स्प्रिंग को छुआ, और सामने का हिस्सा पीछे की ओर खुल गया। अंदर एक बेहद आकर्षक और बुद्धिमान दिखने वाले व्यक्ति का चित्र था, लेकिन उसके चेहरे पर उसके अफ्रीकी मूल के स्पष्ट निशान दिखाई दे रहे थे।

"ये अटलांटा के जॉन हेब्रोन हैं," महिला ने कहा, "और इनसे नेक इंसान धरती पर कभी नहीं हुआ। मैंने उनसे शादी करने के लिए अपने वंश से नाता तोड़ लिया, लेकिन उनके जीवनकाल में मुझे एक पल के लिए भी इसका अफ़सोस नहीं हुआ। यह हमारा दुर्भाग्य था कि हमारी इकलौती संतान मेरे वंश की बजाय उनके वंश की तरह दिखती है। ऐसे विवाहों में अक्सर ऐसा ही होता है, और छोटी लूसी अपने पिता से कहीं ज़्यादा सांवली है। लेकिन सांवली हो या गोरी, वह मेरी प्यारी बच्ची है, और अपनी माँ की लाडली।" ये शब्द सुनकर नन्ही बच्ची दौड़कर आई और महिला के वस्त्र से लिपट गई। "जब मैंने उसे अमेरिका में छोड़ा," उसने आगे कहा, "तो सिर्फ़ इसलिए क्योंकि उसका स्वास्थ्य कमज़ोर था और बदलाव उसके लिए हानिकारक हो सकता था। उसे एक वफ़ादार स्कॉटिश महिला की देखभाल में सौंप दिया गया था, जो कभी हमारी नौकरानी रह चुकी थी। मैंने कभी सपने में भी उसे अपनी संतान मानने से इनकार नहीं किया।

लेकिन जब संयोग से तुम मेरी ज़िंदगी में आए, जेक, और मुझे तुमसे प्यार हो गया, तो मुझे अपनी संतान के बारे में तुम्हें बताने से डर लगा। भगवान मुझे माफ़ करे, मुझे डर था कि मैं तुम्हें खो दूंगी, और मुझमें तुम्हें बताने की हिम्मत नहीं थी। मुझे तुम दोनों में से किसी एक को चुनना था, और अपनी कमज़ोरी में मैंने अपनी छोटी बच्ची से मुंह मोड़ लिया। तीन साल तक मैंने उसके अस्तित्व को तुमसे छिपाए रखा, लेकिन मुझे नर्स से खबर मिलती रही और मुझे पता चला कि वह ठीक है। आख़िरकार, उस बच्ची को एक बार फिर देखने की तीव्र इच्छा जाग उठी। मैंने उससे लड़ने की बहुत कोशिश की, लेकिन व्यर्थ। हालांकि मुझे खतरे का पता था, फिर भी मैंने बच्ची को यहां बुलाने का निश्चय किया, भले ही कुछ हफ़्तों के लिए ही सही। मैंने नर्स को सौ पाउंड भेजे और उसे इस झोपड़ी के बारे में निर्देश दिए, ताकि वह मेरे बिना पड़ोसी बनकर आ सके। उससे किसी भी तरह का संबंध होने का आभास होने पर मैंने सावधानी बरतते हुए उसे आदेश दिया कि वह बच्ची को दिन के समय घर में ही रखे और उसके छोटे से चेहरे और हाथों को ढक कर रखे ताकि खिड़की से उसे देखने वाले भी पड़ोस में एक अश्वेत बच्ची के होने की अफ़वाह न फैलाएं। अगर मैं कम सतर्क होती तो शायद ज्यादा समझदारी दिखाती, लेकिन मुझे इस बात का इतना डर था कि कहीं तुम्हें सच्चाई पता न चल जाए।

सबसे पहले आपने ही मुझे बताया था कि कुटिया में कोई है। मुझे सुबह तक इंतज़ार करना चाहिए था, लेकिन उत्तेजना के मारे मुझे नींद नहीं आ रही थी, इसलिए आखिर में मैं चुपके से निकल गई, यह जानते हुए कि आपको जगाना कितना मुश्किल है। लेकिन आपने मुझे जाते हुए देख लिया, और यहीं से मेरी मुसीबतों की शुरुआत हुई। अगले दिन मेरा राज़ आपके हाथ में था, लेकिन आपने बड़े ही नेक इरादे से इसका फ़ायदा नहीं उठाया। तीन दिन बाद, जब आप सामने वाले दरवाज़े से अंदर घुसे, तो नर्स और बच्चा बड़ी मुश्किल से पीछे वाले दरवाज़े से बच निकले। और अब आज रात आपको आखिरकार सब पता चल गया है, और मैं आपसे पूछती हूँ कि अब हमारा, मेरे बच्चे का, क्या होगा?" उसने अपने हाथ जोड़ लिए और जवाब का इंतज़ार करने लगी।

दस मिनट का लंबा समय बीतने के बाद ग्रांट मुनरो ने चुप्पी तोड़ी, और जब उनका जवाब आया तो वह ऐसा था जिसके बारे में मैं सोचना पसंद करता हूं। उन्होंने नन्ही बच्ची को गोद में उठाया, उसे चूमा, और फिर, उसे गोद में लिए हुए ही, उन्होंने अपना दूसरा हाथ अपनी पत्नी की ओर बढ़ाया और दरवाजे की ओर मुड़ गए।

"हम घर पर आराम से इस बारे में बात कर सकते हैं," उसने कहा। "मैं कोई बहुत अच्छा आदमी नहीं हूं, एफी, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उससे कहीं बेहतर हूं जितना तुमने मुझे समझा है।"

होम्स और मैं उनके पीछे-पीछे गली में गए, और जब हम बाहर निकले तो मेरे दोस्त ने मेरी आस्तीन खींच ली।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि हम नॉरबरी की तुलना में लंदन में अधिक उपयोगी साबित होंगे।"

उस रात देर तक उसने उस मामले के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा, जब वह जलती हुई मोमबत्ती लेकर अपने बेडरूम की ओर मुड़ रहा था।

"वॉटसन," उसने कहा, "अगर कभी आपको लगे कि मैं अपनी क्षमताओं को लेकर थोड़ा ज्यादा आत्मविश्वास में आ रहा हूं, या किसी मामले को उसकी ज़रूरत से कम गंभीरता से ले रहा हूं, तो कृपया मेरे कान में 'नॉरबरी' फुसफुसा देना, और मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा।"

स्टॉक-ब्रोकर का क्लर्क

मेरी शादी के कुछ समय बाद ही मैंने पैडिंगटन जिले में एक क्लिनिक खरीदा था। मैंने जिनसे यह खरीदा था, उन बुजुर्ग श्री फारक्कार का एक समय में बहुत अच्छा क्लिनिक था; लेकिन उनकी बढ़ती उम्र और सेंट विटस सिंड्रोम जैसी बीमारी के कारण उनका काम काफी कम हो गया था। आम तौर पर लोग यह मानते हैं कि जो दूसरों का इलाज करना चाहता है, उसे खुद भी स्वस्थ होना चाहिए, और वे उस व्यक्ति की इलाज करने की क्षमता पर संदेह करते हैं जिसका खुद का मामला उसकी दवाओं से ठीक नहीं हो सकता। इस प्रकार, जैसे-जैसे मेरे पूर्ववर्ती डॉक्टर कमजोर होते गए, उनका क्लिनिक भी घटता गया, और जब मैंने उनसे इसे खरीदा, तब तक यह बारह सौ से घटकर तीन सौ से कुछ अधिक वार्षिक रह गया था। हालांकि, मुझे अपनी युवावस्था और ऊर्जा पर पूरा भरोसा था और मुझे विश्वास था कि कुछ ही वर्षों में यह क्लिनिक पहले की तरह ही फलता-फूलता रहेगा।

प्रैक्टिस संभालने के बाद तीन महीने तक मैं काम में इतना व्यस्त रहा कि अपने दोस्त शर्लक होम्स से बहुत कम मिल पाया, क्योंकि मैं बेकर स्ट्रीट जाने के लिए बहुत व्यस्त था, और वह भी पेशेवर काम के अलावा शायद ही कहीं जाता था। इसलिए, मुझे आश्चर्य हुआ जब जून की एक सुबह, नाश्ते के बाद ब्रिटिश मेडिकल जर्नल पढ़ते हुए, मैंने घंटी की आवाज सुनी, जिसके बाद मेरे पुराने साथी की ऊंची, कुछ कर्कश आवाज सुनाई दी।

“आह, मेरी प्यारी वॉटसन,” वह कमरे में कदम रखते हुए बोला, “आपको देखकर मुझे बहुत खुशी हुई! मुझे उम्मीद है कि श्रीमती वॉटसन हमारे 'चार के चिन्ह' के रोमांच से जुड़ी सभी छोटी-मोटी उत्तेजनाओं से पूरी तरह उबर चुकी हैं।”

मैंने गर्मजोशी से उनका हाथ मिलाते हुए कहा, "धन्यवाद, हम दोनों बिल्कुल ठीक हैं।"

“और मुझे यह भी उम्मीद है,” उन्होंने झूला कुर्सी पर बैठते हुए आगे कहा, “कि चिकित्सा अभ्यास की चिंताओं ने हमारे छोटे-छोटे तार्किक प्रश्नों में आपकी रुचि को पूरी तरह से समाप्त नहीं किया होगा।”

मैंने जवाब दिया, "इसके विपरीत, कल रात ही मैं अपने पुराने नोट्स देख रहा था और अपने पिछले कुछ परिणामों को वर्गीकृत कर रहा था।"

मुझे उम्मीद है कि आप अपने संग्रह को बंद नहीं मानते हैं।

बिल्कुल नहीं। मैं तो ऐसे और भी अनुभव प्राप्त करना चाहूंगा।

"उदाहरण के लिए, आज?"

"जी हां, अगर आप चाहें तो आज ही।"

"और बर्मिंघम जितनी दूर?"

"ज़रूर, अगर आप चाहें तो।"

और अभ्यास?

“जब मेरा पड़ोसी जाता है, तो मैं उसका काम कर देता हूँ। वह हमेशा कर्ज चुकाने के लिए तैयार रहता है।”

“हां! इससे बेहतर और क्या हो सकता है,” होम्स ने अपनी कुर्सी पर पीछे झुकते हुए और आधी बंद पलकों के नीचे से मेरी ओर ध्यान से देखते हुए कहा। “मुझे लगता है कि आप आजकल अस्वस्थ हैं। गर्मियों में होने वाली सर्दी-जुकाम हमेशा थोड़ी परेशानी वाली होती है।”

“पिछले सप्ताह मुझे भीषण ठंड के कारण तीन दिनों तक घर में ही रहना पड़ा। हालांकि, मुझे लगा था कि ठंड का असर पूरी तरह से खत्म हो गया है।”

“हां, आपने ऐसा किया है। आप काफी तंदुरुस्त दिखते हैं।”

"तो फिर आपको इसके बारे में कैसे पता चला?"

मेरे प्रिय साथी, तुम मेरे तरीके जानते हो।

"तो आपने इसका अनुमान लगाया?"

"निश्चित रूप से।"

“और किससे?”

"तुम्हारी चप्पलों से।"

मैंने अपने नए पेटेंट-लेदर कपड़ों पर एक नज़र डाली। "यह सब कैसे हो सकता है—" मैंने कहना शुरू किया, लेकिन होम्स ने मेरे सवाल के पूछे जाने से पहले ही उसका जवाब दे दिया।

“तुम्हारी चप्पलें नई हैं,” उसने कहा। “तुम्हारे पास ये कुछ हफ़्तों से ज़्यादा पुरानी नहीं होंगी। जो तलवे तुम अभी मुझे दिखा रहे हो, वो थोड़े जले हुए हैं। एक पल के लिए मुझे लगा कि शायद सूखने के दौरान गीले होकर जल गए होंगे। लेकिन चप्पल के ऊपरी हिस्से के पास कागज़ का एक छोटा गोल टुकड़ा है जिस पर दुकानदार के चित्र बने हैं। नमी से तो ये हट ही जाते। तो फिर तुम आग के पास पैर फैलाकर बैठे थे, जो कोई भी आदमी इतनी गीली जून की सर्दी में भी नहीं करेगा अगर वो पूरी तरह स्वस्थ हो।”

होम्स के सभी तर्कों की तरह, यह बात भी एक बार स्पष्ट हो जाने पर अत्यंत सरल प्रतीत हुई। उन्होंने मेरे चेहरे के भावों को समझ लिया और उनकी मुस्कान में थोड़ी कड़वाहट झलक रही थी।

“मुझे डर है कि समझाने पर मेरी पोल खुल जाएगी,” उन्होंने कहा। “बिना कारण के परिणाम कहीं अधिक प्रभावशाली होते हैं। तो क्या आप बर्मिंघम आने के लिए तैयार हैं?”

“बिल्कुल। मामला क्या है?”

“आपको यह सब ट्रेन में सुनने को मिलेगा। मेरा ग्राहक बाहर एक चार पहिया वाहन में है। क्या आप तुरंत आ सकते हैं?”

“पलक झपकते ही।” मैंने अपने पड़ोसी को एक नोट लिखकर भेजा, अपनी पत्नी को मामला समझाने के लिए ऊपर की ओर भागा और दरवाजे पर होम्स के साथ शामिल हो गया।

“आपका पड़ोसी डॉक्टर है,” उसने पीतल की प्लेट की ओर इशारा करते हुए कहा।

"हां, उन्होंने भी मेरी तरह एक प्रैक्टिस खरीदी।"

"एक पुराना स्थापित?"

“बिल्कुल मेरे घर की तरह। जब से ये घर बने हैं, तब से दोनों ऐसे ही हैं।”

“अहा! तो फिर आपको दोनों में से सबसे अच्छा मिल गया।”

“मुझे लगता है मैंने किया था। लेकिन आपको कैसे पता?”

“देखो, मेरे लड़के। तुम्हारी सीढ़ियाँ तो उसकी सीढ़ियों से तीन इंच ज़्यादा घिसी हुई हैं। लेकिन टैक्सी में बैठे ये सज्जन मेरे ग्राहक हैं, श्री हॉल पाइक्रॉफ्ट। मुझे तुम्हें उनसे मिलवाने दो। अपने घोड़े को जल्दी से तैयार करो, टैक्सी ड्राइवर, क्योंकि हमें ट्रेन पकड़ने के लिए बस थोड़ा ही समय बचा है।”

मेरे सामने खड़ा व्यक्ति एक सुगठित, युवा और आकर्षक व्यक्तित्व वाला था, जिसका चेहरा स्पष्ट और ईमानदार था और उसकी हल्की, पीली मूंछें थीं। उसने एक चमकदार टोपी और काले रंग का साफ-सुथरा सूट पहना हुआ था, जिससे वह अपने वास्तविक रूप में ही दिख रहा था - एक होशियार शहरी युवक, उस वर्ग का जिसे कॉकनी कहा जाता है, लेकिन जो हमें हमारी उत्कृष्ट स्वयंसेवी टुकड़ियाँ देता है और इन द्वीपों में किसी भी अन्य समूह की तुलना में कहीं अधिक कुशल एथलीट और खिलाड़ी

तैयार करता है। उसका गोल, लालिमा लिए चेहरा स्वाभाविक रूप से प्रसन्न था, लेकिन मुझे ऐसा लगा जैसे उसके होंठों के कोने किसी हास्यास्पद परेशानी में झुके हुए हों। हालांकि, जब हम प्रथम श्रेणी के डिब्बे में सवार होकर बर्मिंघम की यात्रा पर निकल पड़े, तब जाकर मुझे पता चला कि वह किस परेशानी के कारण शर्लक होम्स के पास गया था।

"हमारे पास पूरे सत्तर मिनट का समय है," होम्स ने कहा। "श्री हॉल पाइक्रॉफ्ट, मैं चाहता हूं कि आप मेरे मित्र को अपना अत्यंत रोचक अनुभव ठीक वैसे ही सुनाएं जैसे आपने मुझे सुनाया है, या यदि संभव हो तो और अधिक विस्तार से। घटनाओं का क्रम दोबारा सुनना मेरे लिए उपयोगी होगा। वॉटसन, यह एक ऐसा मामला है जिसमें कुछ सच्चाई हो सकती है, या कुछ भी नहीं, लेकिन कम से कम इसमें वे असामान्य और विचित्र पहलू तो हैं जो आपको उतने ही प्रिय हैं जितने मुझे। अब, श्री पाइक्रॉफ्ट, मैं आपको फिर कभी नहीं टोकूंगा।"

हमारे युवा साथी ने मेरी ओर एक शरारती मुस्कान के साथ देखा।

"कहानी का सबसे बुरा हिस्सा यह है," उसने कहा, "कि मैं खुद को एक मूर्ख साबित कर रहा हूं। बेशक, सब ठीक हो सकता है, और मुझे नहीं लगता कि मैं कुछ और कर सकता था; लेकिन अगर मैंने अपना खंभा खो दिया और बदले में कुछ नहीं मिला, तो मुझे अपनी मूर्खता का एहसास होगा। मैं कहानी सुनाने में बहुत अच्छा नहीं हूं, डॉ. वॉटसन, लेकिन मेरे साथ ऐसा ही है:

"मैं ड्रेपर गार्डन्स स्थित कॉक्सन एंड वुडहाउस में काम करता था, लेकिन जैसा कि आपको याद होगा, उन्हें वेनेजुएला से मिले ऋण के ज़रिए वसंत ऋतु की शुरुआत में ही काम पर रखा गया था, और उनका काम बुरी तरह विफल हो गया। मैं उनके साथ पाँच साल से काम कर रहा था, और जब सब कुछ गड़बड़ हुआ तो पुराने कॉक्सन ने मेरी बहुत तारीफ़ की, लेकिन ज़ाहिर है कि हम सत्ताईस क्लर्क बेबस हो गए। मैंने इधर-उधर नौकरी ढूंढी, लेकिन मेरे साथ कई और लोग भी काम कर रहे थे, और लंबे समय तक काम मिलना मुश्किल रहा। मैं कॉक्सन में तीन पाउंड प्रति सप्ताह कमाता था, और मैंने लगभग सत्तर पाउंड बचाए थे, लेकिन जल्द ही वह भी खत्म हो गया और मुझे नौकरी छोड़नी पड़ी। आखिरकार मैं बिल्कुल हताश हो गया था, और विज्ञापनों का जवाब देने के लिए टिकट या उन्हें चिपकाने के लिए लिफाफे मिलना मुश्किल हो रहा था। ऑफिस की सीढ़ियाँ चढ़ते-चढ़ते मेरे जूते घिस गए थे, और मुझे नौकरी मिलने की उम्मीद पहले जितनी ही कम लग रही थी।"

आखिरकार मुझे लॉम्बार्ड स्ट्रीट की मशहूर स्टॉक-ब्रोकिंग फर्म मॉसन एंड विलियम्स में एक रिक्ति दिखी। मुझे यकीन है कि ई.सी. आपके काम से बहुत मेल नहीं खाती, लेकिन मैं आपको बता सकता हूं कि यह लंदन की सबसे अमीर कंपनियों में से एक है। विज्ञापन का जवाब केवल पत्र द्वारा ही देना था। मैंने अपना प्रशंसा पत्र और आवेदन भेज दिया, लेकिन मुझे नौकरी मिलने की ज़रा भी उम्मीद नहीं थी। तुरंत जवाब आया कि अगर मैं अगले सोमवार को आ जाऊँ तो मैं तुरंत अपना नया कार्यभार संभाल सकता हूँ, बशर्ते मेरा हाज़िरजवाबी संतोषजनक हो। ये सब कैसे होता है, यह कोई नहीं जानता। कुछ लोग कहते हैं कि मैनेजर बस ढेर में हाथ डालता है और जो पहले मिलता है उसे ले लेता है। खैर, उस समय मेरी बारी थी, और मैं इससे ज़्यादा खुश कभी नहीं हो सकता। वेतन में एक पाउंड प्रति सप्ताह की बढ़ोतरी हुई, और काम लगभग कॉक्सन एंड विलियम्स के काम जैसा ही था।

"और अब मैं इस मामले के अजीब हिस्से पर आता हूँ। मैं हैम्पस्टेड के पास 17 पॉटर टेरेस में किराए के मकान में रहता था। खैर, जिस शाम मुझे मिलने का वादा किया गया था, उसी शाम मैं सिगरेट पी रहा था, तभी मेरी मकान मालकिन एक कार्ड लेकर

आई जिस पर 'आर्थर पिनर, वित्तीय एजेंट' छपा था। मैंने यह नाम पहले कभी नहीं सुना था और समझ नहीं पा रहा था कि वह मुझसे क्या चाहता है, लेकिन मैंने उससे उसे अंदर आने के लिए कहा। वह अंदर आया, मध्यम कद का, काले बालों और काली आँखों वाला, काली दाढ़ी वाला आदमी, जिसकी नाक पर हल्की सी चमक थी। उसका चलने का तरीका चुस्त-दुरुस्त था और वह तीखे स्वर में बोलता था, मानो समय की कीमत जानता हो।

"'श्री हाल पाइक्रॉफ्ट, मेरा मानना है?' उसने कहा।

"जी सर," मैंने उनकी ओर एक कुर्सी धकेलते हुए उत्तर दिया।

"'क्या आप हाल ही में कॉक्सन एंड वुडहाउस में कार्यरत थे?'"

"'जी श्रीमान।'

"'और अब मॉसन के स्टाफ में।'

"'निस्संदेह।'

"'खैर,' उसने कहा, 'सच तो यह है कि मैंने आपकी वित्तीय क्षमता के बारे में कुछ असाधारण कहानियां सुनी हैं। आपको पार्कर याद होगा, जो कॉक्सन का मैनेजर हुआ करता था। वह इसके बारे में जितना भी कहे, कम ही लगता है।'"

"बेशक, यह सुनकर मुझे खुशी हुई। मैं ऑफिस में हमेशा से काफी तेज-तर्रार रहा हूं, लेकिन मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि सिटी में मेरे बारे में इस तरह बात की जाएगी।"

"'तुम्हारी याददाश्त अच्छी है?' उसने कहा।"

मैंने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया, "काफी हद तक ठीक है।"

"'जब आप बेरोजगार थे तब क्या आप बाजार से संपर्क में रहे?' उन्होंने पूछा।

"हां। मैं हर सुबह शेयर बाजार की सूची पढ़ता हूं।"

"'अब तो असली लगन दिखती है!' वह चिल्लाया। 'यही तो समृद्धि का रास्ता है! आपको मेरी परीक्षा लेने में कोई आपत्ति तो नहीं होगी? चलिए देखते हैं। आयरशायर घास कैसी है?'"

"'एक सौ छह और एक चौथाई से एक सौ पांच और सात-आठवें तक।'

"'और न्यूजीलैंड का समेकन हो गया?'"

"'एक सौ चार।'

"'और ब्रिटिश ब्रोकन हिल्स?'"

"'सात से सात और छह।'

"'अद्भुत!' उसने हाथ ऊपर उठाते हुए कहा। 'यह तो मैंने जो कुछ भी सुना था, उससे बिल्कुल मेल खाता है। मेरे बेटे, मेरे बेटे, तुम मॉसन में क्लर्क बनने के लिए बहुत अच्छे हो!'"

"जैसा कि आप समझ सकते हैं, इस अचानक गुस्से ने मुझे काफी आश्चर्यचकित कर दिया। मैंने कहा, 'खैर, श्री पिनर, दूसरे लोग मेरे बारे में उतना अच्छा नहीं सोचते जितना आप सोचते हैं। इस पद को पाने के लिए मुझे काफी संघर्ष करना पड़ा है, और मुझे इसे पाकर बहुत खुशी है।'"

"'अरे यार; तुम्हें इससे ऊपर उठना चाहिए। तुम अपनी असली जगह पर नहीं हो। अब मैं तुम्हें बताता हूँ कि मेरे साथ क्या स्थिति है। तुम्हारी क्षमता के हिसाब से देखा जाए तो मेरे पास जो कुछ है वह बहुत कम है, लेकिन मॉसन के मुकाबले तो यह उजाले और अंधेरे का अंतर है। मुझे देखने दो। तुम मॉसन के यहां कब जाते हो?'"

"'सोमवार को।'

"'हा हा! मुझे लगता है कि मैं थोड़ा सा खेल संबंधी दांव लगाने को तैयार हूँ कि तुम वहाँ बिल्कुल भी न जाओ।'"

"'मावसन के यहाँ नहीं जाना है'?"

"'नहीं, महोदय। उस दिन तक आप फ्रेंको-मिडलैंड हार्डवेयर कंपनी लिमिटेड के व्यवसाय प्रबंधक बन चुके होंगे, जिसकी फ्रांस के कस्बों और गांवों में एक सौ चौंतीस शाखाएँ होंगी, जिनमें ब्रुसेल्स और सैन रेमो की शाखाएँ शामिल नहीं हैं।'

"यह देखकर मैं दंग रह गया। मैंने कहा, 'मैंने इसके बारे में कभी नहीं सुना था।'"

"'संभवतः नहीं। इसे बहुत गुप्त रखा गया है, क्योंकि सारी पूंजी निजी तौर पर जुटाई गई थी, और यह इतनी अच्छी चीज है कि इसे जनता के सामने नहीं आने दिया जा सकता। मेरे भाई, हैरी पिनर, प्रमोटर हैं, और आवंटन के बाद प्रबंध निदेशक के रूप में बोर्ड में शामिल होंगे। उन्हें पता था कि मैं यहाँ इस काम में लगा हुआ हूं और उन्होंने मुझसे सस्ते में एक अच्छा आदमी ढूंढने के लिए कहा। एक युवा, मेहनती और जोशीला आदमी। पार्कर ने आपके बारे में बताया था, और उसी वजह से मैं आज रात यहाँ आया हूं। हम आपको शुरुआत में केवल पांच सौ ही दे सकते हैं।'

"'साल में पाँच सौ!' मैंने चिल्लाकर कहा।"

"'शुरुआत में बस इतना ही; लेकिन आपके एजेंटों द्वारा किए गए सभी कारोबार पर आपको एक प्रतिशत का कमीशन मिलेगा, और आप मेरी बात मान लीजिए कि यह आपके वेतन से भी अधिक होगा।'

"'लेकिन मुझे हार्डवेयर के बारे में कुछ नहीं पता।'"

"'अरे, मेरे बेटे, तुम्हें तो अंकों के बारे में पता है।'"

मेरा सिर चकरा रहा था और मैं अपनी कुर्सी पर मुश्किल से ही स्थिर बैठ पा रहा था। लेकिन अचानक ही मेरे मन में संदेह की एक हल्की सी ठंडक छा गई।

मैंने कहा, "मुझे आपसे खुलकर बात करनी होगी। मॉसन मुझे केवल दो सौ रुपये देता है, लेकिन मॉसन सुरक्षित है। अब, सच कहूं तो, मैं आपकी कंपनी के बारे में इतना कम जानता हूं कि—"

"'आह, वाह, वाह!' वह आनंद से झूमते हुए चिल्लाया। 'आप हमारे लिए एकदम सही व्यक्ति हैं। आपको नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता, और आप बिल्कुल सही हैं। अब, ये लीजिए सौ पाउंड का नोट, और अगर आपको लगता है कि हम सौदा कर सकते हैं तो आप इसे अपने वेतन के अग्रिम के रूप में अपनी जेब में रख सकते हैं।'

मैंने कहा, "'यह तो बहुत ही सुंदर है। मुझे अपने नए कर्तव्यों का कार्यभार कब संभालना चाहिए?'"

"'कल दोपहर एक बजे बर्मिंघम में रहना,' उसने कहा। 'मेरी जेब में एक नोट है, जिसे तुम मेरे भाई को दे देना। वह तुम्हें 126बी कॉर्पोरेशन स्ट्रीट पर मिलेगा, जहाँ कंपनी के अस्थायी कार्यालय स्थित हैं। बेशक उसे तुम्हारी नियुक्ति की पुष्टि करनी होगी, लेकिन हम दोनों के बीच सब ठीक रहेगा।'

"'सचमुच, मुझे नहीं पता कि मैं अपनी कृतज्ञता कैसे व्यक्त करूं, श्री पिनर,' मैंने कहा।

"'बिल्कुल नहीं, मेरे बेटे। तुम्हें तुम्हारा कर्मफल मिल चुका है। एक-दो छोटी-मोटी बातें हैं—महज़ औपचारिकताएँ—जिनका मुझे तुमसे प्रबंध करना है। तुम्हारे पास एक कागज़ का टुकड़ा है। कृपया उस पर लिख दो, "मैं फ्रेंको-मिडलैंड हार्डवेयर कंपनी लिमिटेड के व्यवसाय प्रबंधक के रूप में न्यूनतम 500 पाउंड के वेतन पर काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।"

मैंने वैसा ही किया जैसा उसने कहा था, और उसने कागज अपनी जेब में रख लिया।

"'एक और बात है,' उसने कहा। 'आप मॉसन के बारे में क्या करने का इरादा रखते हैं?'"

"खुशी में मैं मॉसन के बारे में सब कुछ भूल गया था। मैंने कहा, 'मैं लिखकर इस्तीफा दे दूंगा।'"

"'बिल्कुल वही जो मैं नहीं चाहता कि तुम करो। तुम्हारे कारण मॉसन के मैनेजर से मेरी बहस हो गई। मैं तुम्हारे बारे में उनसे पूछने गया था, और उन्होंने बहुत अपमानजनक बातें कहीं; मुझ पर आरोप लगाया कि मैं तुम्हें कंपनी की नौकरी से बहला-फुसलाकर ले जा रहा हूँ, और इसी तरह की बातें। आखिरकार मेरा आपा टूट गया। मैंने कहा, "अगर आपको अच्छे आदमी चाहिए तो आपको उनकी अच्छी कीमत चुकानी चाहिए।"

"वह आपकी बड़ी कीमत के बजाय हमारी छोटी कीमत को प्राथमिकता देगा," उसने कहा।

मैंने कहा, "मैं तुमसे पाँच पाउंड की शर्त लगाता हूँ कि जब उसे मेरा प्रस्ताव मिल जाएगा, तो तुम उससे फिर कभी संपर्क नहीं कर पाओगे।"

"हो गया!" उसने कहा। "हमने उसे गटर से बाहर निकाला है, और वह इतनी आसानी से हमें छोड़कर नहीं जाएगा।" ये उसके बिल्कुल सटीक शब्द थे।

"'वह धृष्ट बदमाश!' मैं चिल्लाई। 'मैंने उसे अपने जीवन में कभी देखा तक नहीं है। मैं उसके बारे में किसी भी तरह से क्यों सोचूं? अगर आप नहीं चाहते तो मैं निश्चित रूप से नहीं लिखूंगी।'"

"'बहुत खूब! यह तो पक्का वादा है,' वह अपनी कुर्सी से उठते हुए बोला। 'मुझे बहुत खुशी है कि मुझे अपने भाई के लिए इतना अच्छा आदमी मिल गया। ये लो तुम्हारे सौ पाउंड का अग्रिम भुगतान, और ये लो पत्र। पता लिख लेना। 126B कॉर्पोरेशन स्ट्रीट, और याद रखना कि कल दोपहर एक बजे तुम्हारी मुलाकात है। शुभ रात्रि, और तुम्हें वह सारी खुशियाँ मिलें जिनके तुम हकदार हो!'

"जहाँ तक मुझे याद है, हमारे बीच बस इतनी ही बातचीत हुई थी। आप कल्पना कर सकते हैं, डॉ. वॉटसन, कि मैं इस असाधारण सौभाग्य से कितना प्रसन्न था। मैं आधी रात तक इस बात पर खुद को कोसता रहा, और अगले दिन मैं बर्मिंघम के लिए ट्रेन से रवाना हो गया, जो मुझे मेरी अपॉइंटमेंट के लिए समय पर पहुँचा देगी। मैंने अपना सामान न्यू स्ट्रीट के एक होटल में रखा, और फिर मैं उस पते पर पहुंच गया जो मुझे दिया गया था।"

"मेरे तय समय से पंद्रह मिनट पहले का समय था, लेकिन मैंने सोचा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। 126B दो बड़ी दुकानों के बीच एक गलियारा था, जो एक घुमावदार पत्थर की सीढ़ी की ओर जाता था, जहाँ से कई फ्लैट थे, जिन्हें कंपनियों या पेशेवरों को कार्यालयों के रूप में किराए पर दिया गया था। किराएदारों के नाम दीवार के निचले हिस्से पर लिखे हुए थे, लेकिन फ्रेंको-मिडलैंड हार्डवेयर कंपनी लिमिटेड जैसा कोई नाम नहीं था। मैं कुछ मिनटों तक घबराया हुआ खड़ा रहा, यह सोचकर कि कहीं यह सब कोई सोची-समझी चाल तो नहीं है, तभी एक आदमी आया और मुझसे बात करने लगा। वह बिल्कुल उस आदमी जैसा था जिसे मैंने पिछली रात देखा था, वही कद-काठी और आवाज, लेकिन वह क्लीन-शेव था और उसके बाल हल्के रंग के थे।

"'क्या आप मिस्टर हॉल पाइक्रॉफ्ट हैं?' उसने पूछा।"

"'हाँ,' मैंने कहा।"

"'अरे! मुझे तो आपकी ही उम्मीद थी, लेकिन आप समय से थोड़ा पहले आ गए। आज सुबह मुझे मेरे भाई का एक संदेश मिला जिसमें उसने आपकी बहुत प्रशंसा की थी।'

"'मैं बस दफ्तरों की तलाश कर रहा था जब आप आए।'"

“हमने अभी तक अपना नाम दर्ज नहीं कराया है, क्योंकि हमें ये अस्थायी जगह पिछले हफ्ते ही मिली है। मेरे साथ आइए, हम इस मामले पर बात करेंगे।”

मैं उसके पीछे-पीछे एक बहुत ऊँची सीढ़ी के शीर्ष तक गया, और वहाँ, स्लेटों के ठीक नीचे, दो खाली, धूल भरे छोटे कमरे थे, जिनमें न तो कालीन थे और न ही पर्दे, जिनमें वह मुझे ले गया। मैंने एक बड़े दफ्तर की कल्पना की थी जिसमें चमकदार मेजें और क्लर्कों की कतारें हों, जैसा कि मैं देखने का आदी था, और मैं कह सकता हूँ कि मैंने दो लकड़ी की कुर्सियों और एक छोटी मेज को घूर कर देखा, जो एक बहीखाता और एक कूड़ेदान के साथ मिलकर पूरा फर्नीचर बनाते थे।

“‘निराश मत होइए, श्रीमान् पाइक्रॉफ्ट,’ मेरे नए परिचित ने मेरा चेहरा उतरा हुआ देखकर कहा। ‘रोम एक दिन में नहीं बना था, और हमारे पास बहुत पैसा है, हालाँकि अभी भी हम दफ्तरों में ज्यादा दबदबा नहीं बना पाते हैं। कृपया बैठ जाइए, और मुझे अपना पत्र दीजिए।’”

मैंने उसे वह दिया, और उसने उसे बहुत ध्यान से पढ़ा।

“‘ऐसा लगता है कि आपने मेरे भाई आर्थर पर बहुत गहरा प्रभाव डाला है,’ उसने कहा, ‘और मैं जानता हूँ कि वह काफी समझदार पारखी है। वह लंदन की कसम खाता है, आप जानते हैं; और मैं बर्मिंघम की; लेकिन इस बार मैं उसकी सलाह मानूंगा। कृपया अपने आप को पूरी तरह से प्रतिबद्ध समझें।’”

मैंने पूछा, ‘मेरे कर्तव्य क्या हैं?’

“‘आप अंततः पेरिस में विशाल डिपो का प्रबंधन करेंगे, जो फ्रांस में एक सौ चौंतीस एजेंटों की दुकानों में अंग्रेजी क्रॉकरी की बाढ़ लाएगा। खरीद एक सप्ताह में पूरी हो जाएगी, और इस बीच आप बर्मिंघम में रहेंगे और खुद को उपयोगी साबित करेंगे।’

"'कैसे?'

“जवाब के लिए, उसने दराज से एक बड़ी लाल किताब निकाली।”

“‘यह पेरिस की निर्देशिका है,’ उसने कहा, ‘इसमें लोगों के नाम के बाद उनके व्यवसायों के नाम दिए गए हैं। मैं चाहता हूँ कि आप इसे अपने साथ घर ले जाएँ और सभी हार्डवेयर विक्रेताओं को उनके पते सहित चिह्नित कर लें। मेरे लिए यह बहुत उपयोगी होगा।’”

“‘निश्चित रूप से, गोपनीय सूचियाँ होंगी?’ मैंने सुझाव दिया।”

“‘वे भरोसेमंद नहीं हैं। उनकी प्रणाली हमारी प्रणाली से अलग है। लगे रहो, और मुझे सोमवार को बारह बजे तक सूचियाँ दे दो। नमस्कार, श्रीमान पायक्रॉफ्ट। यदि आप उत्साह और बुद्धिमत्ता दिखाते रहेंगे, तो आपको कंपनी एक अच्छा स्वामी लगेगी।’”

मैं मोटी किताब बगल में दबाकर होटल वापस लौटा, और मेरे मन में बहुत उलझन भरी भावनाएँ थीं। एक तरफ, मेरा काम पक्का हो चुका था और मेरी जेब में सौ पाउंड थे; दूसरी तरफ, दफ्तरों का माहौल, दीवार पर नाम का न होना, और ऐसी ही दूसरी बातें जो किसी भी व्यापारी को चौंका देती हैं, उनसे मेरे मालिकों की स्थिति के बारे में मेरे मन में गलत धारणा बन गई थी। खैर, चाहे कुछ भी हो जाए, मेरे पास पैसे थे, इसलिए मैं अपने काम में जुट गया। पूरे रविवार मैं लगातार काम करता रहा, फिर भी सोमवार तक मैं सिर्फ 'एच' तक ही पहुँच पाया था। मैं अपने मालिक के पास गया, उन्हें उसी टूटे-फूटे कमरे में पाया, और मुझे बुधवार तक काम करते रहने और फिर दोबारा आने के लिए कहा गया। बुधवार को भी काम अधूरा था, इसलिए मैं शुक्रवार तक, यानी कल तक, काम करता रहा। फिर मैं उसे मिस्टर हैरी पिनर के पास ले गया।

“‘बहुत-बहुत धन्यवाद,’ उन्होंने कहा। ‘मुझे डर है कि मैंने इस कार्य की कठिनाई को कम करके आंका था। यह सूची मेरे लिए बहुत सहायक होगी।’”

मैंने कहा, ‘इसमें थोड़ा समय लगा।’

"और अब," उसने कहा, "मैं चाहता हूं कि तुम फर्नीचर की दुकानों की एक सूची बनाओ, क्योंकि वे सभी बर्तन बेचते हैं।"

"'बहुत अच्छा।'

"और तुम कल शाम सात बजे आकर मुझे बता सकते हो कि तुम्हारा काम कैसा चल रहा है। ज्यादा काम का बोझ मत उठाना। शाम को डेज़ म्यूज़िक हॉल में दो घंटे बिताने से तुम्हारे काम के बाद कोई नुकसान नहीं होगा।" बोलते हुए वह हंसा, और मैंने हैरानी से देखा कि उसके बाईं ओर का दूसरा दांत सोने से बुरी तरह भरा हुआ था।

शर्लक होम्स ने खुशी से अपने हाथ मले, और मैं अपने ग्राहक को आश्चर्य से देखता रहा।

"आप शायद हैरान दिख रहे होंगे, डॉ. वॉटसन, लेकिन बात ये है," उन्होंने कहा; "जब मैं लंदन में दूसरे आदमी से बात कर रहा था, उसी समय जब उसने मॉसन के यहाँ न जाने पर मेरा मज़ाक उड़ाया, तो मैंने देखा कि उसका दाँत भी ठीक इसी तरह से भरा हुआ था। आप जानते हैं, दोनों में सोने की चमक ने मेरा ध्यान खींचा। जब मैंने उसकी आवाज़ और कद-काठी को भी देखा, जो एक जैसी थी, और सिर्फ़ वही चीज़ें बदली थीं जो रेज़र या विग से बदली जा सकती थीं, तो मुझे इसमें कोई शक नहीं रहा कि ये वही आदमी था। बेशक, आप दो भाइयों के एक जैसे होने की उम्मीद करते हैं, लेकिन ये नहीं कि उनके दांत एक ही तरह से भरे हों। उसने मुझे अलविदा कहा, और मैं खुद को सड़क पर पाया, मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि मैं कहाँ गिरा हूँ। मैं वापस अपने होटल गया, ठंडे पानी के बेसिन में अपना सिर डुबोया, और सोचने की कोशिश की। उसने मुझे लंदन से बर्मिंघम क्यों भेजा था? वो मुझसे पहले वहाँ कैसे पहुँच गया? और उसने खुद को ही पत्र क्यों लिखा था? ये सब मेरे लिए बहुत ज़्यादा था, और मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या करूं। मुझे इसका कोई आभास नहीं था। और फिर अचानक मुझे यह बात समझ में आई कि जो मेरे लिए अंधकारमय है, वह शायद श्री शर्लक होम्स के लिए प्रकाशमय हो। मुझे आज सुबह उनसे मिलने के लिए रात की ट्रेन से शहर जाने और आप दोनों को अपने साथ बर्मिंघम वापस लाने का बस थोड़ा सा समय मिला।

स्टॉकब्रोकर के क्लर्क द्वारा अपने आश्चर्यजनक अनुभव को समाप्त करने के बाद कुछ देर का विराम आया। फिर शर्लक होम्स ने मेरी ओर तिरछी नज़र डाली, और कुशन पर पीछे की ओर झुकते हुए, संतुष्ट और साथ ही आलोचनात्मक चेहरे के साथ, एक ऐसे पारखी की तरह दिखे जिसने अभी-अभी किसी उत्कृष्ट वाइन का पहला घूंट पिया हो।

"काफी बढ़िया है, वॉटसन, है ना?" उन्होंने कहा। "इसमें कुछ बातें मुझे पसंद आई हैं। मुझे लगता है कि आप मुझसे सहमत होंगे कि फ्रेंको-मिडलैंड हार्डवेयर कंपनी लिमिटेड के अस्थायी कार्यालयों में श्री आर्थर हैरी पिनर के साथ साक्षात्कार हम दोनों के लिए काफी रोचक अनुभव होगा।"

"लेकिन हम इसे कैसे कर सकते हैं?" मैंने पूछा।

"ओह, बिलकुल आसान है," हॉल पाइक्रॉफ्ट ने प्रसन्नतापूर्वक कहा। "आप दोनों मेरे दोस्त हैं जिन्हें रहने की जगह की ज़रूरत है, और इससे ज़्यादा स्वाभाविक क्या हो सकता है कि मैं आप दोनों को प्रबंध निदेशक के पास ले जाऊं?"

"बिल्कुल सही," होम्स ने कहा। "मैं उस सज्जन को देखना चाहूँगा और यह पता लगाना चाहूँगा कि क्या मैं उसके इस छोटे से खेल से कुछ सीख सकता हूँ। मेरे मित्र, आपमें ऐसी कौन सी खूबियाँ हैं जो आपकी सेवाओं को इतना मूल्यवान बनाती हैं? या क्या यह संभव है कि—" वह अपने नाखून चबाने लगा और खिड़की से बाहर खाली निगाहों से घूरने लगा, और न्यू स्ट्रीट पहुँचने तक हमने उससे मुश्किल से ही एक शब्द सुना।

उस शाम सात बजे हम तीनों कॉर्पोरेशन स्ट्रीट से होते हुए कंपनी के कार्यालयों की ओर जा रहे थे।

“समय से पहले आने का कोई फ़ायदा नहीं,” हमारे ग्राहक ने कहा। “वह तो सिर्फ मुझसे मिलने ही वहाँ आता है, क्योंकि जिस समय का वह जिक्र करता है, उस समय तक वह जगह बिल्कुल सुनसान रहती है।”

"यह संकेत देती है," होम्स ने टिप्पणी की।

“अरे वाह, मैंने तो पहले ही कहा था!” क्लर्क चिल्लाया। “वो हमारे आगे चल रहा है।”

उसने सड़क के दूसरी ओर भागते हुए एक छोटे कद के, सांवले, सलीके से कपड़े पहने हुए आदमी की ओर इशारा किया। हम उसे देखते ही देखते उसने सड़क के उस पार एक लड़के की ओर देखा जो शाम के अखबार का ताज़ा अंक जोर-ज़ोर से चिल्ला रहा था, और फिर टैक्सी और बसों के बीच से दौड़कर उसके पास गया और उससे एक अखबार खरीद लिया। फिर, उसे हाथ में थामे हुए वह एक दरवाज़े से अंदर चला गया।

“देखो, वो चला गया!” हॉल पाइक्रॉफ्ट चिल्लाया। “ये कंपनी के दफ्तर हैं जिनमें वो गया है। मेरे साथ आओ, मैं इसे जितना हो सके आसानी से ठीक कर दूंगा।”

उनके पीछे-पीछे हम पाँच मंज़िल ऊपर चढ़े, जब तक कि हम एक आधे खुले दरवाज़े के बाहर नहीं पहुँच गए, जिस पर हमारे ग्राहक ने दस्तक दी। अंदर से एक आवाज़ आई जिसने हमें अंदर आने को कहा, और हम एक खाली, बिना साज-सज्जा वाले कमरे में दाखिल हुए, जैसा कि हॉल पाइक्रॉफ्ट ने वर्णन किया था। इकलौती मेज़ पर वही आदमी बैठा था जिसे हमने सड़क पर देखा था, उसके सामने उसका शाम का अखबार फैला हुआ था, और जब उसने हमारी तरफ देखा तो मुझे लगा कि मैंने पहले कभी किसी ऐसे चेहरे को नहीं देखा था जिस पर इतने गहरे दुःख के निशान हों, और दुःख से भी कहीं बढ़कर कुछ ऐसा भयानक, जो जीवन में कुछ ही लोगों को देखने को मिलता है। उसका माथा पसीने से चमक रहा था, उसके गाल मछली के पेट की तरह फीके, बेजान सफेद थे, और उसकी आँखें बेकाबू और घूरती हुई थीं। उसने अपने क्लर्क को ऐसे देखा जैसे वह उसे पहचान ही न पा रहा हो, और मैं अपने मार्गदर्शक के चेहरे पर दिख रहे आश्चर्य से समझ गया कि यह उसके मालिक का सामान्य रूप बिल्कुल नहीं था।

“आप बीमार लग रहे हैं, मिस्टर पिनर!” उसने हैरानी से कहा।

“हाँ, मेरी तबीयत कुछ ठीक नहीं है,” दूसरे ने जवाब दिया, बोलने से पहले उसने खुद को संभालने की कोशिश की और अपने सूखे होंठों को चाटा। “ये सज्जन कौन हैं जिन्हें आप अपने साथ लाए हैं?”

“एक हैं बर्मंडसे के श्री हैरिस और दूसरे हैं इसी शहर के श्री प्राइस,” हमारे क्लर्क ने बड़ी सहजता से कहा। “वे मेरे मित्र हैं और अनुभवी सज्जन हैं, लेकिन कुछ समय से बेरोजगार हैं और उन्हें उम्मीद है कि शायद आप कंपनी में उनके लिए कोई नौकरी का अवसर ढूंढ सकें।”

“बिल्कुल संभव! बिल्कुल संभव!” श्री पिनर ने एक भयानक मुस्कान के साथ कहा। “जी हाँ, मुझे पूरा यकीन है कि हम आपके लिए कुछ कर सकेंगे। श्री हैरिस, आपका विशेष काम क्या है?”

“मैं एक अकाउंटेंट हूँ,” होम्स ने कहा।

“हाँ, हमें कुछ इसी तरह की चीज़ की आवश्यकता होगी। और आप? श्रीमान प्राइस?”

मैंने कहा, "एक क्लर्क।"

मुझे पूरी उम्मीद है कि कंपनी आपको समायोजित कर लेगी। जैसे ही कोई फैसला होगा, मैं आपको बता दूंगा। और अब मैं आपसे विनती करता हूं कि आप चले जाइए। भगवान के लिए मुझे अकेला छोड़ दीजिए!

ये आखिरी शब्द उसके मुंह से ऐसे निकले मानो उसने खुद पर जो बंधन लगा रखा था, वह अचानक पूरी तरह टूट गया हो। होम्स और मैंने एक-दूसरे की तरफ देखा, और हॉल पाइक्रॉफ्ट मेज की ओर एक कदम बढ़ा।

“आप भूल गए हैं, श्री पिनर, कि मैं आपसे कुछ निर्देश प्राप्त करने के लिए यहां निर्धारित समय पर आया हूं,” उन्होंने कहा।

“जी हां, श्रीमान पायक्रॉफ्ट, जी हां,” दूसरे व्यक्ति ने शांत स्वर में कहा। “आप यहाँ थोड़ी देर प्रतीक्षा कर सकते हैं और आपके मित्र भी आपके साथ प्रतीक्षा कर सकते हैं। यदि मैं आपके धैर्य की परीक्षा ले रहा हूँ, तो मैं तीन मिनट में आपकी सेवा में तत्पर हूंगा।” वह अत्यंत विनम्रता से उठे और हमें प्रणाम करते हुए कमरे के दूसरे छोर पर स्थित एक दरवाजे से बाहर निकल गए, जिसे उन्होंने अपने पीछे बंद कर दिया।

“अब क्या?” होम्स ने फुसफुसाते हुए कहा। “क्या वह हमें चकमा दे रहा है?”

"असंभव," पाइक्रॉफ्ट ने उत्तर दिया।

"ऐसा किस लिए?"

वह दरवाज़ा एक अंदरूनी कमरे में खुलता है।

“क्या यहाँ से निकलने का कोई रास्ता नहीं है?”

"कोई नहीं।"

"क्या यह समाप्त हो गया?"

"कल यह खाली था।"

“तो आखिर वो कर क्या रहा होगा? इस मामले में कुछ तो ऐसा है जो मेरी समझ से परे है। अगर कोई इंसान डर से पागल हो गया है, तो वो पिनर ही है। आखिर किस बात ने उसे इतना डरा दिया है?”

मैंने सुझाव दिया, "उसे शक है कि हम जासूस हैं।"

“बस यही है,” पाइक्रॉफ्ट चिल्लाया।

होम्स ने सिर हिलाया। “उसका चेहरा पीला नहीं पड़ा। जब हम कमरे में दाखिल हुए थे तब भी उसका चेहरा पीला था,” उसने कहा। “हो सकता है कि—”

भीतरी दरवाजे की ओर से आई एक तेज खटखट की आवाज से उनकी बात अधूरी रह गई।

“वह अपने ही दरवाज़े पर क्यों दस्तक दे रहा है?” क्लर्क चिल्लाया।

फिर से खट-खट की आवाज़ आई, और पहले से कहीं ज़्यादा तेज़। हम सब बंद दरवाज़े की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे थे। होम्स की ओर देखते ही मैंने देखा कि उनका चेहरा सख्त हो गया और वे तीव्र उत्तेजना में आगे की ओर झुक गए। तभी अचानक एक धीमी गड़गड़ाहट और गरारे जैसी आवाज़ आई, और लकड़ी पर तेज़ थपथपाहट सुनाई दी। होम्स घबराकर कमरे में दौड़े और दरवाज़े को धक्का दिया। वह अंदर की तरफ से बंद था। उनका अनुकरण करते हुए, हम सबने भी पूरी ताकत से दरवाज़े पर धक्का दिया। एक कब्ज़ा टूटा, फिर दूसरा, और दरवाज़ा धड़ाम से नीचे गिर गया। दरवाज़े के ऊपर से कूदकर हम अंदर के कमरे में पहुंच गए। वह कमरा खाली था।

लेकिन गलती बस एक पल के लिए ही थी। एक कोने पर, उस कमरे के सबसे नज़दीकी कोने पर जिसे हम छोड़कर आए थे, एक दूसरा दरवाज़ा था। होम्स झट से उस पर झपटा और उसे खोल दिया। ज़मीन पर एक कोट और जैकेट पड़े थे, और दरवाज़े के पीछे एक हुक से, अपनी ही ब्रेसेस गर्दन में डाले, फ्रेंको-मिडलैंड हार्डवेयर

कंपनी के प्रबंध निदेशक लटके हुए थे। उनके घुटने मुड़े हुए थे, उनका सिर शरीर से एक भयानक कोण पर झुका हुआ था, और दरवाज़े पर उनकी एड़ियों की खटखटाहट से वह आवाज़ आ रही थी जिसने हमारी बातचीत में खलल डाला था। पलक झपकते ही मैंने उन्हें कमर से पकड़ लिया और उन्हें ऊपर उठाए रखा जबकि होम्स और पाइक्रॉफ्ट ने त्वचा की पीली पड़ी सिलवटों के बीच गायब हो चुकी इलास्टिक पट्टियों को खोला। फिर हम उन्हें दूसरे कमरे में ले गए, जहाँ वे मिट्टी जैसे पीले चेहरे के साथ लेटे हुए थे, हर साँस के साथ अपने बैंगनी होंठों को अंदर-बाहर कर रहे थे - पाँच मिनट पहले वे जो थे, उसका एक भयानक खंडहर।

"वॉटसन, तुम उसके बारे में क्या सोचते हो?" होम्स ने पूछा।

मैं उसके ऊपर झुककर उसकी जांच करने लगा। उसकी नाड़ी कमजोर और रुक-रुक कर चल रही थी, लेकिन उसकी सांसें लंबी होती जा रही थीं, और उसकी पलकें थोड़ी-थोड़ी कांप रही थीं, जिनके नीचे एक पतली सफेद पुतली दिखाई दे रही थी।

“उसकी हालत बहुत नाजुक थी,” मैंने कहा, “लेकिन अब वो बच जाएगा। बस वो खिड़की खोल दो और मुझे पानी का जग दे दो।” मैंने उसका कॉलर खोला, उसके चेहरे पर ठंडा पानी डाला और उसकी बाहों को तब तक ऊपर-नीचे किया जब तक उसने एक लंबी, स्वाभाविक सांस नहीं ली। “अब बस कुछ ही समय की बात है,” मैंने उससे मुंह मोड़ते हुए कहा।

होम्स मेज के पास खड़ा था, उसके हाथ उसकी पतलून की जेबों में थे और उसकी ठुड्डी उसकी छाती पर टिकी हुई थी।

“मुझे लगता है कि अब हमें पुलिस को बुला लेना चाहिए,” उसने कहा। “लेकिन मैं यह स्वीकार करता हूं कि जब वे आएंगे तो मैं उन्हें पूरा मामला बताना चाहूंगा।”

"यह मेरे लिए एक सुखद रहस्य है," पाइक्रॉफ्ट ने अपना सिर खुजाते हुए कहा। "वे मुझे यहाँ तक किसलिए लाए थे, और फिर—"

“छी! यह सब तो स्पष्ट है,” होम्स ने अधीरता से कहा। “समस्या तो इस आखिरी अचानक हरकत में है।”

"तो फिर आपको बाकी समझ आ गया?"

मुझे लगता है यह काफी स्पष्ट है। आपका क्या कहना है, वॉट्सन?

मैंने कंधे उचका दिए। मैंने कहा, "मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मैं इस मामले में असमर्थ हूं।"

"ओह, निश्चित रूप से यदि आप शुरू में घटनाओं पर विचार करें तो वे केवल एक ही निष्कर्ष की ओर इशारा कर सकती हैं।"

आप उनके बारे में क्या सोचते हैं?

“खैर, सारा मामला दो बिंदुओं पर टिका है। पहला यह कि पाइक्रॉफ्ट से एक घोषणापत्र लिखवाया जाए जिसके द्वारा वह इस बेतुकी कंपनी की सेवा में शामिल हो जाए। क्या आप नहीं देखते कि यह कितना भ्रामक है?”

मुझे लगता है कि मैं बात को समझ नहीं पाया।

“अच्छा, वे उससे ऐसा क्यों करवाना चाहते थे? व्यापारिक मामला तो नहीं था, क्योंकि ये समझौते आमतौर पर मौखिक होते हैं, और ऐसा कोई व्यापारिक कारण नहीं था कि यह अपवाद हो। क्या तुम नहीं समझते, मेरे युवा मित्र, कि वे तुम्हारी लिखावट का नमूना प्राप्त करने के लिए बहुत उत्सुक थे, और उनके पास ऐसा करने का कोई दूसरा तरीका नहीं था?”

और क्यों?

“बिल्कुल सही। क्यों? जब हम यह जवाब देते हैं कि हमने अपनी छोटी सी समस्या में कुछ प्रगति की है। क्यों? इसका केवल एक ही उचित कारण हो सकता है। कोई आपकी लिखावट की नकल करना सीखना चाहता था और उसे पहले उसका एक नमूना प्राप्त करना पड़ा। और अब अगर हम दूसरे बिंदु पर आते हैं तो हम पाते हैं कि दोनों बिंदु एक-दूसरे पर प्रकाश डालते हैं। वह बिंदु पिन्नर द्वारा किया गया अनुरोध है कि आप अपने पद से इस्तीफ़ा न दें, बल्कि इस महत्वपूर्ण व्यवसाय के प्रबंधक को इस पूरी उम्मीद के साथ छोड़ दें कि श्री हॉल पाइक्रॉफ्ट, जिन्हें उन्होंने कभी नहीं देखा था, सोमवार की सुबह कार्यालय में प्रवेश करने वाले हैं।”

“हे भगवान!” हमारे ग्राहक चिल्लाए, “मैं कितना अंधा कीड़ा रहा हूँ!”

अब आपको लिखावट का मतलब समझ आ गया होगा। मान लीजिए कि आपकी जगह कोई ऐसा व्यक्ति आ जाता जिसकी लिखावट आपसे बिलकुल अलग होती, तो ज़ाहिर है आपका खेल खत्म हो जाता। लेकिन इस बीच उस बदमाश ने आपकी लिखावट की नकल करना सीख लिया था, और इसलिए उसकी नौकरी सुरक्षित थी, क्योंकि मुझे लगता है कि दफ़्तर में किसी ने भी आपको देखा तक नहीं था।

"एक भी इंसान नहीं," हॉल पाइक्रॉफ्ट ने कराहते हुए कहा।

“बहुत बढ़िया। ज़ाहिर है, आपको इस बारे में गलत सोचने से रोकना और आपको ऐसे किसी भी व्यक्ति के संपर्क में आने से बचाना बेहद ज़रूरी था जो आपको बता सके कि आपका हमशक्ल मॉसन के दफ्तर में काम कर रहा है। इसलिए उन्होंने आपको आपकी तनख्वाह में अच्छी-खासी रकम एडवांस में दी और आपको मिडलैंड्स भेज दिया, जहाँ उन्होंने आपको इतना काम दे दिया कि आप लंदन न जा सकें, जहाँ आप उनका सारा खेल बिगाड़ सकते थे। यह सब बिल्कुल स्पष्ट है।”

लेकिन यह आदमी अपने ही भाई होने का नाटक क्यों करेगा?

“खैर, यह भी काफी स्पष्ट है। जाहिर है, इसमें सिर्फ दो ही लोग शामिल हैं। तीसरा व्यक्ति दफ्तर में आपका रूप धारण कर रहा है। इसने आपके लिए नौकरी दिलाने वाले का काम किया, और फिर पाया कि बिना किसी तीसरे व्यक्ति को शामिल किए वह आपके लिए कोई नियोक्ता नहीं ढूंढ सकता। वह ऐसा करने को बिल्कुल तैयार नहीं था। उसने अपना रूप जितना हो सके बदल लिया, और उसे भरोसा था कि आप जो समानता देख ही रहे थे, उसे पारिवारिक समानता समझ लेंगे। अगर सोने की भराई का संयोग न होता, तो शायद आपको कभी शक ही न होता।”

हॉल पाइक्रॉफ्ट ने मुट्ठी बांधकर अपने हाथ हवा में हिलाए। “हे भगवान!” वह चिल्लाया, “जब मैं इस तरह मूर्ख बन गया, तो यह दूसरा हॉल पाइक्रॉफ्ट मॉसन के यहाँ क्या कर रहा था? हमें क्या करना चाहिए, श्री होम्स? मुझे बताइए कि क्या करना है।”

हमें मॉसन को तार भेजना होगा।

"शनिवार को वे बारह बजे बंद हो जाते हैं।"

“कोई बात नहीं। शायद कोई द्वारपाल या परिचारक हो।”

“हाँ, वे वहाँ रखी प्रतिभूतियों के मूल्य के कारण स्थायी सुरक्षा गार्ड रखते हैं। मुझे याद है कि मैंने इसके बारे में शहर में सुना था।”

“बहुत अच्छा, हम उसे तार भेजकर पता करेंगे कि सब ठीक है या नहीं, और क्या आपके नाम का कोई क्लर्क वहाँ काम कर रहा है। यह तो स्पष्ट है, लेकिन यह बात समझ में नहीं आती कि हमें देखते ही उन बदमाशों में से एक कमरे से बाहर निकलकर खुद को फांसी क्यों लगा लेता है।”

"कागज़!" हमारे पीछे से कर्कश आवाज़ आई। वह आदमी उठ बैठा था, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और वह भयानक लग रहा था, उसकी आँखों में थोड़ी

समझदारी झलक रही थी और उसके हाथ घबराहट में उसके गले के चारों ओर लिपटी चौड़ी लाल पट्टी को रगड़ रहे थे।

"अखबार! बिलकुल!" होम्स ने उत्तेजना में चिल्लाते हुए कहा। "मैं कितना बेवकूफ था! मैंने अपनी मुलाकात के बारे में इतना सोचा कि अखबार का ख्याल ही नहीं आया। यकीन मानिए, राज तो उसी में छिपा होगा।" उसने अखबार को मेज पर फैलाया और जीत की खुशी उसके होंठों से फूट पड़ी। "देखो इसे, वाटसन," वह चिल्लाया। "यह लंदन का अखबार है, इवनिंग स्टैंडर्ड का शुरुआती अंक। यही तो हमें चाहिए। हेडलाइन देखो: 'शहर में अपराध। मॉसन एंड विलियम्स में हत्या। डकैती की बड़ी कोशिश। अपराधी की गिरफ्तारी।' वाटसन, हम सब इसे सुनने के लिए उतने ही उत्सुक हैं, तो कृपया इसे हमें पढ़कर सुनाइए।"

अखबार में इसकी स्थिति से ऐसा प्रतीत होता था कि यह शहर की एकमात्र महत्वपूर्ण घटना थी, और इसका विवरण इस प्रकार था:

आज दोपहर शहर में डकैती की एक जानलेवा घटना घटी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और अपराधी को पकड़ लिया गया। कुछ समय पहले से प्रसिद्ध वित्तीय संस्थान मॉसन एंड विलियम्स दस लाख पाउंड से अधिक की प्रतिभूतियों का संरक्षक रहा है। प्रबंधक इस बात से पूरी तरह अवगत था कि दांव पर लगे बड़े हितों के कारण उस पर कितनी बड़ी जिम्मेदारी आ गई है, इसलिए उसने अत्याधुनिक तिजोरियां लगवाई थीं और इमारत में दिन-रात एक सशस्त्र चौकीदार तैनात किया गया था। ऐसा प्रतीत होता है कि पिछले सप्ताह कंपनी ने हॉल पाइक्रॉफ्ट नाम के एक नए क्लर्क को नियुक्त किया था। यह व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि बेडिंगटन था, जो अपने भाई के साथ पांच साल की जेल की सजा काटकर हाल ही में रिहा हुआ है। कुछ अज्ञात तरीकों से उसने फर्जी नाम से कार्यालय में यह आधिकारिक पद हासिल कर लिया, जिसका उपयोग उसने विभिन्न तालों के सांचे प्राप्त करने और तिजोरियों और स्ट्रांगरूम की स्थिति की पूरी जानकारी हासिल करने के लिए किया।

मॉसन में शनिवार को दोपहर 12 बजे क्लर्कों का चले जाना प्रथा थी। इसलिए, शहर पुलिस के सार्जेंट टूसन को दोपहर 1:20 बजे एक व्यक्ति को कालीन से भरा थैला लिए सीढ़ियों से नीचे आते देखकर थोड़ा आश्चर्य हुआ। संदेह होने पर, सार्जेंट ने उस व्यक्ति का पीछा किया और कांस्टेबल पोलॉक की सहायता से, भीषण प्रतिरोध के बाद, उसे गिरफ्तार करने में सफल रहे। यह तुरंत स्पष्ट हो गया कि एक दुस्साहसी और विशाल डकैती हुई थी। थैले में लगभग एक लाख पाउंड मूल्य के अमेरिकी रेलवे बॉन्ड, साथ ही खानों और अन्य कंपनियों के शेयरों की एक बड़ी मात्रा बरामद हुई। परिसर की जांच करने पर, दुर्भाग्यपूर्ण चौकीदार का शव सबसे बड़े तिजोरी में धंसा हुआ मिला, जहां सार्जेंट टूसन की त्वरित कार्रवाई के बिना सोमवार सुबह तक उसका पता नहीं चलता। पीछे से पोकर के प्रहार से उस व्यक्ति की खोपड़ी चकनाचूर हो गई थी। इसमें कोई संदेह नहीं था कि बेडिंगटन ने यह बहाना बनाकर प्रवेश किया था कि वह कुछ पीछे छोड़ आया है। चौकीदार की हत्या करने के बाद, उन्होंने तेजी से तिजोरी लूटी और फिर लूट का माल लेकर फरार हो गए। उनका भाई, जो आमतौर पर उनके साथ काम करता है, फिलहाल तक इस काम में नहीं आया है, हालांकि पुलिस उसकी तलाश में जी-तोड़ छानबीन कर रही है।

"खैर, इससे पुलिस को थोड़ी परेशानी से बचाया जा सकता है," होम्स ने खिड़की के पास दुबके हुए थके-हारे व्यक्ति की ओर देखते हुए कहा। "मानव स्वभाव एक अजीब मिश्रण है, वाटसन। आप देखते हैं कि एक खलनायक और हत्यारा भी इतना स्नेह जगा सकता है कि जब उसके भाई को पता चलता है कि उसकी जान खतरे में है, तो वह

आत्महत्या कर लेता है। हालांकि, हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। डॉक्टर और मैं सतर्क रहेंगे, श्री पाइक्रॉफ्ट, यदि आप पुलिस के लिए बाहर आने की कृपा करें।"

"ग्लोरिया स्कॉट"

एक सर्दी की रात जब हम आग के दोनों ओर बैठे थे, तब मेरे मित्र शर्लक होम्स ने कहा, "मेरे पास कुछ कागजात हैं, जिन्हें, वॉटसन, आपको एक बार देख लेना चाहिए। ये ग्लोरिया स्कॉट के असाधारण मामले से जुड़े दस्तावेज़ हैं, और यह वह संदेश है जिसे पढ़कर शांति न्यायाधीश ट्रेवर दहशत से मर गए थे।"

उसने दराज से एक छोटा सा पुराना सिलेंडर निकाला और टेप खोलकर मुझे स्लेटी-धूसर रंग के कागज के आधे पन्ने पर लिखा एक छोटा सा नोट थमा दिया।

लंदन के लिए शिकार की आपूर्ति लगातार बढ़ रही है। हमें लगता है कि मुख्य रखवाले हडसन को अब मक्खी-रोधी कागज और मादा तीतर के जीवन की रक्षा के लिए सभी ऑर्डर प्राप्त करने के लिए कहा गया है।

इस रहस्यमय संदेश को पढ़ते हुए जब मैंने ऊपर देखा, तो मैंने पाया कि होम्स मेरे चेहरे के भावों को देखकर हंस रहा था।

"तुम थोड़े हैरान-परेशान लग रहे हो," उसने कहा।

मुझे समझ नहीं आता कि इस तरह का संदेश किसी को भयभीत कैसे कर सकता है। यह मुझे सामान्य से कहीं अधिक घिनौना लगता है।

"बहुत संभावना है। फिर भी, सच्चाई यही है कि पाठक, जो एक तंदुरुस्त और मजबूत बूढ़ा व्यक्ति था, उस पर इस तरह से वार किया गया जैसे कि वह पिस्तौल का पिछला हिस्सा हो।"

मैंने कहा, "आपने मेरी जिज्ञासा जगा दी है। लेकिन आपने अभी-अभी ऐसा क्यों कहा कि इस मामले का अध्ययन करने के कुछ खास कारण हैं?"

"क्योंकि यह पहली बार था जब मैं किसी काम में शामिल हुआ था।"

मैंने अक्सर अपने साथी से यह जानने की कोशिश की थी कि आखिर किस बात ने सबसे पहले उसके मन में आपराधिक शोध की ओर रुचि जगाई, लेकिन इससे पहले मैंने उसे कभी भी इस तरह के संवादशील मूड में नहीं पकड़ा था। अब वह अपनी कुर्सी पर आगे की ओर झुककर बैठ गया और दस्तावेजों को अपने घुटनों पर फैला लिया। फिर उसने अपनी पाइप जलाई और कुछ देर तक बैठकर उन्हें पलटता रहा और धुआँ पीता रहा।

"क्या तुमने मुझे कभी विक्टर ट्रेवर के बारे में बात करते नहीं सुना?" उसने पूछा। "कॉलेज में बिताए दो सालों में वही मेरा इकलौता दोस्त था। मैं कभी बहुत मिलनसार नहीं था, वॉटसन, मुझे हमेशा अपने कमरों में उदास बैठे रहना और अपने विचारों को नए-नए तरीकों से सुलझाना अच्छा लगता था, इसलिए मैं अपने सहपाठियों के साथ ज़्यादा घुलता-मिलता नहीं था। तलवारबाजी और मुक्केबाजी के अलावा मेरी खेल-कूद में कोई खास रुचि नहीं थी, और मेरी पढ़ाई का विषय भी बाकी सहपाठियों से बिल्कुल अलग था, इसलिए हमारा आपस में कोई संपर्क नहीं था। ट्रेवर ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति था जिसे मैं जानता था, और वह भी बस एक संयोग से, एक सुबह जब मैं प्रार्थना के लिए जा रहा था, तो उसका बुल टेरियर कुत्ता मेरी टखने पर जम गया था।"

"दोस्ती शुरू करने का यह एक साधारण तरीका था, लेकिन असरदार था। मैं दस दिनों तक बिस्तर पर पड़ा रहा, और ट्रेवर मुझसे हालचाल पूछने आता रहता था। शुरू में तो बस एक मिनट की बातचीत होती थी, लेकिन जल्द ही उसकी मुलाक़ातें लंबी होने लगीं, और सेमेस्टर खत्म होने से पहले ही हम घनिष्ठ मित्र बन गए। वह एक हंसमुख, जोशीला और ऊर्जा से भरपूर इंसान था, जो ज़्यादातर मामलों में मुझसे बिल्कुल अलग

था, लेकिन हमारे कुछ विषय एक जैसे थे, और जब मुझे पता चला कि वह भी मेरी तरह अकेला है, तो हमारे बीच एक जुड़ाव सा महसूस हुआ। आखिरकार उसने मुझे नॉरफ़ॉक के डोनीथोर्प में अपने पिता के घर आने का न्यौता दिया, और मैंने लंबी छुट्टियों के एक महीने के लिए उसकी मेहमाननवाज़ी स्वीकार कर ली।”

“बूढ़े ट्रेवर जाहिर तौर पर काफी धनी और प्रतिष्ठित व्यक्ति थे, एक न्यायाधीश और जमींदार। डोनीथोर्प, ब्रॉड्स के इलाके में, लैंगमेरे के ठीक उत्तर में स्थित एक छोटा सा गाँव है। उनका घर पुराने जमाने का, चौड़ा, ओक की लकड़ियों से बना ईंटों का भवन था, जिसके सामने चूने से बनी एक सुंदर सड़क जाती थी। दलदली इलाकों में जंगली बत्तखों का शिकार बहुत बढ़िया होता था, मछली पकड़ने का काम भी शानदार था, एक छोटी लेकिन चुनिंदा लाइब्रेरी थी, जिसे, जैसा कि मुझे पता चला, एक पूर्व निवासी से लिया गया था, और एक ठीक-ठाक रसोइया था, इसलिए वह एक बहुत ही नखरेबाज व्यक्ति ही होंगे जो वहाँ एक महीना भी आराम से नहीं बिता सकते थे।

“ट्रेवर सीनियर एक विधुर थे, और मेरा दोस्त उनका इकलौता बेटा था।”

मैंने सुना था कि उनकी एक बेटी थी, लेकिन बर्मिंघम की यात्रा के दौरान डिप्थीरिया से उनकी मृत्यु हो गई थी। उनके पिता में मेरी गहरी रुचि थी। वे कम पढ़े-लिखे थे, लेकिन शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद मजबूत थे। उन्हें किताबों का ज्यादा ज्ञान नहीं था, लेकिन उन्होंने दूर-दूर तक यात्रा की थी, दुनिया का बहुत कुछ देखा था और जो कुछ भी सीखा था, वह सब उन्हें याद था। वे कद-काठी में मजबूत और गठीले थे, उनके बाल घने और सफेद थे, चेहरा भूरा और धूप से झुलसा हुआ था, और उनकी नीली आँखें बेहद तेज और उग्र थीं। फिर भी, ग्रामीण इलाकों में उनकी दयालुता और दानशीलता के लिए ख्याति थी, और न्यायाधीश के रूप में वे अपने फैसलों में नरमी बरतने के लिए जाने जाते थे।

“एक शाम, मेरे आने के कुछ ही समय बाद, हम रात के खाने के बाद पोर्ट वाइन का एक गिलास लेकर बैठे थे, तभी युवा ट्रेवर ने अवलोकन और अनुमान लगाने की उन आदतों के बारे में बात करना शुरू किया जिन्हें मैंने पहले ही एक प्रणाली में ढाल लिया था, हालांकि तब तक मुझे यह एहसास नहीं हुआ था कि वे मेरे जीवन में क्या भूमिका निभाने वाली थीं। बूढ़े व्यक्ति को स्पष्ट रूप से लगा कि उसका बेटा मेरे द्वारा किए गए एक-दो मामूली कारनामों के वर्णन में अतिशयोक्ति कर रहा है।”

“‘आइए, श्रीमान होम्स,’ उसने हंसते हुए कहा। ‘मैं एक बेहतरीन विषय हूं, अगर आप मुझसे कुछ भी अनुमान लगा सकते हैं।’”

“‘मुझे डर है कि ऐसा कुछ खास नहीं है,’ मैंने जवाब दिया। ‘मैं यह सुझाव दे सकता हूँ कि आप पिछले बारह महीनों में किसी व्यक्तिगत हमले के डर से इधर-उधर भटक रहे हैं।’”

उसके होठों से हंसी गायब हो गई और वह बड़े आश्चर्य से मेरी ओर देखने लगा।

“‘हाँ, यह बात बिल्कुल सही है,’ उसने कहा। ‘तुम्हें पता है, विक्टर,’ अपने बेटे की ओर मुड़ते हुए, ‘जब हमने उस अवैध शिकार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया था, तो उन्होंने हमें चाकू मारने की कसम खाई थी, और सर एडवर्ड होली पर वास्तव में हमला हुआ था। तब से मैं हमेशा सतर्क रहता हूँ, हालाँकि मुझे नहीं पता कि तुम्हें यह कैसे पता चला।’

“‘तुम्हारी छड़ी बहुत सुंदर है,’ मैंने उत्तर दिया। ‘शिलालेख से मैंने देखा कि यह तुम्हारे पास एक वर्ष से अधिक पुरानी नहीं है। लेकिन तुमने इसके सिर को छेदने और उसमें पिघला हुआ सीसा भरने में काफी मेहनत की है ताकि यह एक दुर्जेय हथियार बन जाए। मैंने तर्क दिया कि तुम ऐसी सावधानियां तब तक नहीं बरतोगे जब तक तुम्हें किसी खतरे का डर न हो।’”

"'और कुछ?' उसने मुस्कुराते हुए पूछा।"

"'तुमने अपनी जवानी में काफी मुक्केबाजी की है।'"

"'फिर से सही। आपको कैसे पता चला? क्या मेरी नाक थोड़ी टेढ़ी हो गई है?'"

"'नहीं,' मैंने कहा। 'ये तुम्हारे कान हैं। इनमें मुक्केबाज की तरह एक अजीब चपटापन और मोटाई है।'"

"'और कुछ?'

"'तुमने अपनी कठोरता से काफी खुदाई कर ली है।'"

"'मैंने अपना सारा पैसा सोने की खदानों में कमाया।'"

"'आप न्यूजीलैंड में रहे हैं।'

"'फिर से सही।'"

"'आप जापान जा चुके हैं।'"

"'काफी सच।'

"'और आप एक ऐसे व्यक्ति से बेहद घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे, जिनके नाम के शुरुआती अक्षर जे. ए. थे, और जिन्हें आप बाद में पूरी तरह से भूलने के लिए उत्सुक थे।'

"श्री ट्रेवर धीरे-धीरे उठे, अपनी बड़ी नीली आँखों से मुझे एक अजीबोगरीब जंगली निगाहों से घूरते हुए देखा, और फिर बेहोशी की हालत में कपड़े पर बिखरे हुए अखरोट के छिलकों के बीच अपना चेहरा रखकर आगे की ओर गिर पड़े।"

"वॉटसन, आप कल्पना कर सकते हैं कि मैं और उसका बेटा दोनों कितने सदमे में थे। हालाँकि, उसका यह दौरा ज़्यादा देर तक नहीं चला, क्योंकि जब हमने उसका कॉलर खोला और एक गिलास से उसके चेहरे पर पानी छिड़का, तो उसने एक-दो बार हांफते हुए कहा और उठ बैठा।"

"'ओह, बच्चों,' उसने मुस्कुराते हुए कहा, 'आशा है मैंने तुम्हें डराया नहीं होगा। दिखने में मैं जितना मजबूत लगता हूँ, मेरे दिल में उतनी ही कमजोरी है, और मुझे गिराने के लिए ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। मुझे नहीं पता कि आप यह सब कैसे संभालते हैं, श्रीमान होम्स, लेकिन मुझे लगता है कि तथ्य और कल्पना के सभी जासूस आपके हाथों में बच्चे होंगे। यही आपका पेशा है, महोदय, और आप उस व्यक्ति की बात मान सकते हैं जिसने दुनिया को काफी करीब से देखा है।'"

और वह सिफारिश, जिसमें उन्होंने मेरी क्षमता का बढ़ा-चढ़ाकर आकलन किया था, अगर आप यकीन करें तो, वॉटसन, वही पहली चीज़ थी जिसने मुझे यह एहसास दिलाया कि जो अब तक महज़ एक शौक था, उसे भी पेशे में बदला जा सकता है। हालांकि, उस समय मैं अपने मेज़बान की अचानक बीमारी को लेकर इतना चिंतित था कि किसी और चीज़ के बारे में सोच ही नहीं पा रहा था।

मैंने कहा, "'मुझे उम्मीद है कि मैंने ऐसा कुछ नहीं कहा जिससे आपको दुख पहुंचा हो?'"

"'खैर, आपने वाकई एक संवेदनशील मुद्दे को छुआ है। क्या मैं पूछ सकता हूँ कि आपको कैसे पता चला, और कितना पता चला?' उसने अब आधे-मजाक भरे लहजे में बात की, लेकिन उसकी आँखों में अभी भी डर झलक रहा था।

"'यह तो बिलकुल सरल है,' मैंने कहा। 'जब आपने मछली को नाव में खींचने के लिए अपनी बांह खोली, तो मैंने देखा कि कोहनी के मोड़ पर जे. ए. का टैटू बना हुआ था। अक्षर अभी भी पढ़े जा सकते थे, लेकिन उनकी धुंधली उपस्थिति और उनके आसपास की त्वचा पर पड़े दाग से यह बिल्कुल स्पष्ट था कि उन्हें मिटाने का प्रयास किया गया था। तब यह स्पष्ट था कि वे अक्षर कभी आपके लिए बहुत परिचित थे, और बाद में आप उन्हें भूलना चाहते थे।'

"'तुम्हारी नज़र कितनी तेज़ है!' उसने राहत की साँस लेते हुए कहा। 'बिल्कुल वैसा ही है जैसा तुम कह रही हो। लेकिन हम इस बारे में बात नहीं करेंगे। भूतों में से हमारे पुराने प्यार के भूत सबसे बुरे होते हैं। बिलियर्ड रूम में आओ और शांति से सिगार पियो।'

उस दिन से, श्री ट्रेवर की तमाम सौहार्दपूर्ण व्यवहार के बावजूद, उनके व्यवहार में मेरे प्रति संदेह का भाव हमेशा बना रहता था। यहाँ तक कि उनके बेटे ने भी इस बात पर गौर किया। उन्होंने कहा, 'आपने राज्यपाल को इस कदर उलझन में डाल दिया है कि उन्हें अब कभी यकीन नहीं होगा कि आप क्या जानते हैं और क्या नहीं।' मुझे यकीन है कि उनका इरादा इसे दिखाने का नहीं था, लेकिन यह बात उनके मन में इतनी गहराई से बैठी हुई थी कि उनके हर काम में झलक जाती थी। आखिरकार मुझे इतना यकीन हो गया कि मैं उन्हें बेचैन कर रहा हूँ कि मैंने अपनी मुलाक़ात यहीं समाप्त कर दी। हालाँकि, मेरे जाने से ठीक पहले, उसी दिन एक ऐसी घटना घटी जो आगे चलकर महत्वपूर्ण साबित हुई।

"हम तीनों लॉन में बगीचे की कुर्सियों पर बैठे धूप का आनंद ले रहे थे और ब्रॉड्स के पार के दृश्य की प्रशंसा कर रहे थे, तभी एक नौकरानी बाहर आकर बोली कि दरवाजे पर एक आदमी है जो मिस्टर ट्रेवर से मिलना चाहता है।"

"'उसका नाम क्या है?' मेरे मेज़बान ने पूछा।"

"'वह कुछ भी नहीं देगा।'"

"'तो फिर वह क्या चाहता है?'"

"'वह कहता है कि आप उसे जानते हैं, और वह बस कुछ पल की बातचीत करना चाहता है।'

"'इसे यहाँ घुमाओ।' एक पल बाद एक छोटा, दुबला-पतला आदमी दब्बू अंदाज़ और लड़खड़ाती चाल के साथ प्रकट हुआ। उसने एक खुली जैकेट पहनी हुई थी, जिसकी आस्तीन पर तारकोल का धब्बा था, लाल-काली चेक वाली कमीज़, डंगरी पैंट और भारी, घिसे-पिटे जूते। उसका चेहरा पतला, भूरा और धूर्त था, जिस पर हमेशा एक मुस्कान रहती थी, जिसमें पीले दाँतों की एक टेढ़ी-मेढ़ी रेखा दिखाई देती थी, और उसके झुर्रीदार हाथ नाविकों की तरह आधे बंद थे। जैसे ही वह लॉन पार करते हुए आया, मैंने श्री ट्रेवर को गले से हिचकी जैसी आवाज़ निकालते सुना, और अपनी कुर्सी से उछलकर वह घर के अंदर भाग गए। एक पल में वह वापस आ गए, और जब वह मेरे पास से गुज़रे तो मुझे ब्रांडी की तेज़ गंध आई।

"'अच्छा, मेरे दोस्त,' उसने कहा। 'मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ?'"

नाविक सिकुड़ी हुई आँखों से उसे घूर रहा था, और उसके चेहरे पर वही ढीली मुस्कान थी।

"'तुम मुझे नहीं जानते?' उसने पूछा।"

"'अरे वाह, यह तो निश्चित रूप से हडसन ही है,' श्री ट्रेवर ने आश्चर्य भरे स्वर में कहा।

"'हडसन ही है, महोदय,' नाविक ने कहा। 'अरे, आपको आखिरी बार देखे हुए तीस साल से भी ज़्यादा हो गए। आप अपने घर में हैं, और मैं अभी भी अपने नमकीन मांस को हार्नेस पीपे से निकाल रहा हूँ।'"

"'अरे, तुम्हें पता चलेगा कि मैं पुराने दिनों को भूला नहीं हूँ,' श्री ट्रेवर चिल्लाए और नाविक की ओर चलते हुए धीमी आवाज़ में कुछ कहा। 'रसोई में जाओ,' उन्होंने ज़ोर से कहा, 'और तुम्हें खाना-पीना मिल जाएगा। मुझे पूरा यकीन है कि मैं तुम्हारे लिए नौकरी का इंतज़ाम कर दूँगा।'"

"'धन्यवाद, महोदय,' नाविक ने अपने माथे के बालों को छूते हुए कहा। 'मैं अभी-अभी आठ नॉट की गति वाली एक छोटी नाव में दो साल की यात्रा पूरी करके लौटा हूँ, और मेरे साथ बहुत कम लोग थे, इसलिए मुझे आराम चाहिए। मैंने सोचा था कि मुझे यह आराम या तो श्री बेडोज़ के साथ या आपके साथ मिल जाएगा।'

"'आह!' श्री ट्रेवर चिल्लाए। 'क्या आप जानते हैं कि श्री बेडोज़ कहाँ हैं?'"

"'आपका भला हो, महोदय, मुझे पता है मेरे सारे पुराने दोस्त कहाँ हैं,' उस आदमी ने एक भयावह मुस्कान के साथ कहा और नौकरानी के पीछे रसोई की ओर चल पड़ा। श्री ट्रेवर ने हमें कुछ बुदबुदाते हुए बताया कि जब वह खुदाई के लिए वापस जा रहा था तो वह उसके साथ जहाज में काम करता था, और फिर हमें लॉन पर छोड़कर वह अंदर चला गया। एक घंटे बाद, जब हम घर में दाखिल हुए, तो हमने उसे भोजन कक्ष के सोफे पर नशे में धुत पड़ा पाया। इस पूरी घटना ने मेरे मन पर बहुत बुरा प्रभाव छोड़ा, और अगले दिन मुझे डोनीथोर्प को पीछे छोड़ने का कोई अफसोस नहीं हुआ, क्योंकि मुझे लगा कि मेरी उपस्थिति मेरे दोस्त के लिए शर्मिंदगी का कारण बन रही होगी।"

"यह सब लंबी छुट्टियों के पहले महीने में हुआ। मैं अपने लंदन वाले कमरे में गया, जहाँ मैंने सात सप्ताह कार्बनिक रसायन विज्ञान के कुछ प्रयोगों पर काम करते हुए बिताए। लेकिन एक दिन, जब शरद ऋतु काफी आगे बढ़ चुकी थी और छुट्टियाँ समाप्त होने वाली थीं, मुझे अपने मित्र का एक टेलीग्राम मिला जिसमें उसने मुझसे डोनीथोर्प लौटने का आग्रह किया और कहा कि उसे मेरी सलाह और सहायता की बहुत आवश्यकता है। मैंने सब कुछ छोड़ दिया और एक बार फिर उत्तर की ओर चल पड़ा।"

"वह स्टेशन पर मुझे डॉग-कार्ट के साथ मिला, और मैंने एक नज़र में ही समझ लिया कि पिछले दो महीने उसके लिए बहुत कठिन रहे थे। वह दुबला-पतला और चिंतित हो गया था, और उसने वह हंसमुख और हंसमुख स्वभाव खो दिया था जिसके लिए वह जाना जाता था।"

"'राज्यपाल मर रहे हैं,' ये उनके कहे पहले शब्द थे।"

"'असंभव!' मैं चिल्लाई। 'क्या बात है?'"

"'अकारण दौरा। तंत्रिका आघात। वह दिन भर मौत के कगार पर रहा है। मुझे संदेह है कि हम उसे जीवित पा सकेंगे।'

"जैसा कि आप सोच सकते हैं, वॉटसन, मैं इस अप्रत्याशित खबर से स्तब्ध रह गया था।"

मैंने पूछा, "इसका कारण क्या है?"

"'अरे हाँ, यही तो बात है। अंदर आ जाओ, हम गाड़ी चलाते हुए इस बारे में बात कर सकते हैं। तुम्हें वह आदमी याद है जो तुम्हारे जाने से एक शाम पहले आया था?'

"'बिल्कुल सही।'"

"'क्या आपको पता है कि उस दिन हमने घर में किसे प्रवेश करने दिया था?'"

"'मुझे पता नहीं है।'

"'यह शैतान था, होम्स,' वह चिल्लाया।

मैं हैरानी से उसकी ओर देखता रहा।

"हाँ, यह तो साक्षात शैतान था। तब से हमें एक पल भी शांति नहीं मिली—एक भी नहीं। उस शाम से राज्यपाल ने कभी सिर नहीं उठाया, और अब उनका जीवन कुचल दिया गया है और उनका दिल टूट गया है, इस शापित हडसन नदी के कारण।

"'तो फिर उसके पास क्या शक्ति थी?'"

"आह, काश मुझे भी यही पता होता। दयालु, उदार और भले बूढ़े गवर्नर—वे ऐसे बदमाश के चंगुल में कैसे फंस गए! लेकिन मुझे खुशी है कि आप आए हैं, होम्स। मुझे

आपके विवेक और समझदारी पर पूरा भरोसा है, और मुझे पता है कि आप मुझे सबसे अच्छी सलाह देंगे।"

"हम चिकनी सफेद ग्रामीण सड़क पर तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे, हमारे सामने ब्रॉड्स का लंबा विस्तार डूबते सूरज की लाल रोशनी में जगमगा रहा था। बाईं ओर एक छोटे से बाग से मैं पहले ही ऊँची चिमनियाँ और ध्वजदंड देख सकता था जो जमींदार के घर की पहचान थे।"

"मेरे साथी ने कहा, 'मेरे पिता ने उस आदमी को माली बना दिया, और जब वह इससे संतुष्ट नहीं हुआ, तो उसे बटलर बना दिया गया। घर मानो उसकी दया पर चलता था, और वह इधर-उधर घूमता रहता था और जो चाहे करता था। नौकरानियाँ उसकी शराबखोरी और गंदी भाषा की शिकायत करती थीं। पिता ने उन्हें इस झंझट के बदले में उनकी तनख्वाह बढ़ा दी। वह आदमी नाव और मेरे पिता की सबसे अच्छी बंदूक लेकर छोटी-मोटी शिकार यात्राओं पर चला जाता था। और यह सब वह इतने घमंडी, लचर और उद्दंड चेहरे के साथ करता था कि अगर वह मेरी उम्र का होता तो मैं उसे बीस बार पीट देता। होम्स, मैं तुम्हें बताता हूँ, मैंने इतने समय तक खुद पर कड़ा नियंत्रण रखा है और अब मैं खुद से पूछ रहा हूँ कि अगर मैंने खुद को थोड़ा और ढीला छोड़ दिया होता, तो शायद मैं एक समझदार इंसान होता।"

"खैर, हमारे साथ हालात बद से बदतर होते चले गए, और यह जानवर हडसन दिन-ब-दिन और ज्यादा दखलंदाजी करने लगा, यहाँ तक कि एक दिन जब उसने मेरे सामने मेरे पिता को कुछ बदतमीजी भरा जवाब दिया, तो मैंने उसे कंधों से पकड़कर कमरे से बाहर निकाल दिया। वह गुस्से से लाल चेहरे और दो ज़हरीली आँखों के साथ दुबक कर चला गया, जिनमें उसकी ज़ुबान से कहीं ज्यादा धमकियाँ थीं। मुझे नहीं पता कि उसके बाद बेचारे पिता और उसके बीच क्या बात हुई, लेकिन अगले दिन पिता मेरे पास आए और मुझसे पूछा कि क्या मुझे हडसन से माफी माँगने में कोई आपत्ति होगी। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, मैंने इनकार कर दिया और अपने पिता से पूछा कि वह ऐसे नीच को अपने और अपने परिवार के साथ इतनी मनमानी करने की इजाजत कैसे दे सकते हैं।"

"अरे, मेरे बेटे," उन्होंने कहा, "बातें करना तो ठीक है, पर तुम नहीं जानते कि मेरी क्या हालत है। पर तुम जान जाओगे, विक्टर। मैं हर हाल में तुम्हें यह बताऊँगा कि तुम जान जाओगे। अपने बेचारे बूढ़े पिता को कोई नुकसान नहीं पहुँचाना चाहोगे, है ना, बेटा?" वे बहुत भावुक हो गए और सारा दिन अध्ययन कक्ष में ही रहे, जहाँ से मैं खिड़की से देख सकता था कि वे व्यस्तता से कुछ लिख रहे थे।

"उस शाम मुझे ऐसा लगा जैसे मुझे एक बड़ी राहत मिली हो, क्योंकि हडसन ने हमें बताया कि वह हमें छोड़कर जा रहा है। जब हम रात के खाने के बाद बैठे थे, तब वह भोजन कक्ष में आया और उसने आधे नशे में धुत आदमी की भारी आवाज़ में अपने इरादे की घोषणा की।"

"मैं नॉरफ़ॉक से तंग आ गया हूँ," उसने कहा। "मैं हैम्पशायर में मिस्टर बेडोज़ के पास जा रहा हूँ। मुझे पूरा यकीन है कि उन्हें भी मुझे देखकर उतनी ही खुशी होगी जितनी आपको हुई थी।"

"मुझे उम्मीद है, हडसन, तुम बुरे मन से नहीं जा रहे हो," मेरे पिता ने इतनी नरमी से कहा कि मेरा खून खौल उठा।

"मुझे अभी तक मेरी माफी नहीं मिली है," उसने रूठते हुए मेरी ओर देखते हुए कहा।

"विक्टर, तुम यह स्वीकार करोगे कि तुमने इस भले आदमी के साथ कुछ ज्यादा ही सख्ती बरती है," पिता ने मेरी ओर मुड़ते हुए कहा।

"इसके विपरीत, मुझे लगता है कि हम दोनों ने उनके प्रति असाधारण धैर्य दिखाया है," मैंने उत्तर दिया।

"ओह, तुम ऐसा करते हो, है ना?" वह गुर्राया। "बहुत बढ़िया, दोस्त। देखते हैं!"

"वह कमरे से लड़खड़ाते हुए बाहर निकला और आधे घंटे बाद घर से चला गया, मेरे पिता को दयनीय घबराहट की स्थिति में छोड़कर। रात-दर-रात मैंने उसे अपने कमरे में टहलते हुए सुना, और जैसे ही वह अपना आत्मविश्वास वापस पा रहा था, तभी वह आखिरी झटका लगा।'

"'और कैसे?' मैंने उत्सुकता से पूछा।"

"'अत्यंत असाधारण तरीके से। कल शाम मेरे पिता के लिए एक पत्र आया, जिस पर फोर्डिंघम का डाक टिकट लगा था। मेरे पिता ने उसे पढ़ा, अपने दोनों हाथ अपने सिर पर रखे और कमरे में इधर-उधर ऐसे दौड़ने लगे जैसे कोई व्यक्ति होश खो बैठा हो। जब मैंने आखिरकार उन्हें सोफे पर लिटाया, तो उनका मुंह और पलकें एक तरफ से सिकुड़ी हुई थीं, और मैंने देखा कि उन्हें स्ट्रोक आया था। डॉक्टर फोर्डहम तुरंत आए। हमने उन्हें बिस्तर पर लिटाया, लेकिन लकवा फैल गया है, उनमें होश लौटने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है, और मुझे लगता है कि हम उन्हें शायद ही जीवित पा सकेंगे।'

"'ट्रेवर, तुमने मुझे डरा दिया!' मैं चिल्लाई। 'इस पत्र में ऐसा क्या हो सकता था जिससे इतना भयानक परिणाम हुआ?'"

"कुछ नहीं। यही तो इसका रहस्यमय पहलू है। संदेश बेतुका और तुच्छ था। हे भगवान, जैसा मुझे डर था वैसा ही हुआ!"

"जब वह बोल रहा था, हम गली के मोड़ पर पहुँचे और ढलते उजाले में देखा कि घर के सभी पर्दे गिरा दिए गए थे। जैसे ही हम दरवाजे की ओर दौड़े, मेरे दोस्त का चेहरा दुख से कांप रहा था, तभी काले वस्त्र पहने एक सज्जन व्यक्ति दरवाजे से बाहर निकले।"

"'डॉक्टर साहब, यह कब हुआ?' ट्रेवर ने पूछा।"

"'आपके जाने के लगभग तुरंत बाद।'

"'क्या उसे होश आ गया?'"

"'अंत से ठीक पहले एक क्षण के लिए।'"

"'मेरे लिए कोई संदेश है?'"

"'बस इतना ही कि वे कागजात जापानी कैबिनेट के पीछे वाले दराज में थे।'"

"मेरा दोस्त डॉक्टर के साथ मृत्यु कक्ष में चला गया, जबकि मैं अध्ययन कक्ष में बैठा रहा, पूरे मामले पर बार-बार विचार करता रहा और अपने जीवन में पहले कभी इतना उदास नहीं हुआ था। इस ट्रेवर का अतीत क्या था, जो मुक्केबाज, यात्री और धन-लोभी था, और उसने खुद को इस कठोर चेहरे वाले नाविक के चंगुल में कैसे डाल दिया था? वह अपनी बांह पर आधे मिट चुके अक्षरों के उल्लेख मात्र से बेहोश क्यों हो गया और फोर्डिंगम से पत्र मिलने पर डर से क्यों मर गया? फिर मुझे याद आया कि फोर्डिंगम हैम्पशायर में था, और यह श्री बेडोज़, जिनसे नाविक मिलने और संभवतः ब्लैकमेल करने गया था, का भी उल्लेख हैम्पशायर में रहने वाले के रूप में किया गया था। तो, पत्र या तो नाविक हडसन की ओर से आया होगा, जिसमें उसने कहा होगा कि उसने उस गुप्त रहस्य का खुलासा कर दिया है जो मौजूद प्रतीत होता था, या यह बेडोज़ की ओर से आया होगा, जिसमें उसने अपने किसी पुराने साथी को चेतावनी दी होगी कि ऐसा ही एक विश्वासघात होने वाला है। अब तक तो सब कुछ स्पष्ट लग रहा था। लेकिन फिर यह पत्र इतना मामूली कैसे हो सकता है? क्या यह अजीबोगरीब है, जैसा कि बेटे ने बताया? उसने इसे गलत समझा होगा। अगर ऐसा है, तो यह उन चालाक गुप्त कोडों में से एक रहा होगा जिनका अर्थ कुछ और होता है जबकि वे देखने में कुछ और लगते हैं। मुझे

यह पत्र देखना ही होगा। अगर इसमें कोई छिपा हुआ अर्थ था, तो मुझे पूरा विश्वास था कि मैं उसे समझ लूंगा। एक घंटे तक मैं अंधेरे में बैठकर इस पर विचार करता रहा, तभी एक रोती हुई नौकरानी दीपक लेकर आई, और उसके तुरंत बाद मेरा दोस्त ट्रेवर आया, पीला पड़ा हुआ लेकिन शांत, और मेरे घुटनों पर पड़े इन्हीं कागजों को उसने अपने हाथों में पकड़ रखा था। वह मेरे सामने बैठ गया, दीपक को मेज के किनारे पर खींच लिया, और मुझे एक छोटा सा नोट थमा दिया, जो जैसा कि आप देख रहे हैं, एक ही धूसर कागज पर लिखा हुआ था। उसमें लिखा था, 'लंदन के लिए शिकार की आपूर्ति लगातार बढ़ रही है। हमें लगता है कि हेड-कीपर हडसन को अब फ्लाई-पेपर और आपकी मादा तीतर के जीवन की रक्षा के लिए सभी ऑर्डर प्राप्त करने के लिए कहा गया है।'

"जब मैंने पहली बार यह संदेश पढ़ा, तो मेरा चेहरा भी ठीक वैसा ही हैरान था जैसा अभी आपका था। फिर मैंने इसे बहुत ध्यान से दोबारा पढ़ा। यह स्पष्ट रूप से वैसा ही था जैसा मैंने सोचा था, और शब्दों के इस विचित्र संयोजन में कोई गुप्त अर्थ छिपा होना चाहिए। या क्या ऐसा हो सकता है कि 'फ्लाई-पेपर' और 'हेन-फीजेंट' जैसे वाक्यांशों का कोई पूर्व निर्धारित अर्थ हो? ऐसा अर्थ मनमाना होगा और किसी भी तरह से निकाला नहीं जा सकता। फिर भी मुझे यह मानने में हिचकिचाहट हो रही थी, और हडसन शब्द की उपस्थिति से ऐसा लग रहा था कि संदेश का विषय वही है जैसा मैंने अनुमान लगाया था, और यह नाविक की बजाय बेडोज़ की ओर से था। मैंने इसे उल्टा करके देखा, लेकिन 'लाइफ फीजेंट्स हेन' का संयोजन उत्साहजनक नहीं था। फिर मैंने वैकल्पिक शब्दों को आजमाया, लेकिन न तो 'द ऑफ फॉर' और न ही 'सप्लाई गेम लंदन' से कोई रोशनी मिली।"

और फिर पल भर में पहेली की कुंजी मेरे हाथों में आ गई, और मैंने देखा कि पहले शब्द से शुरू होकर हर तीसरा शब्द एक ऐसा संदेश देगा जो बूढ़े ट्रेवर को निराशा में डाल सकता है।

"चेतावनी संक्षिप्त और सटीक थी, जैसा कि मैंने अब अपने साथी को पढ़कर सुनाया:

"'खेल खत्म हो गया है। हडसन ने सब कुछ बता दिया है। अपनी जान बचाकर भागो।'"

विक्टर ट्रेवर ने कांपते हाथों में अपना चेहरा छिपा लिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यही बात होगी। यह मौत से भी बदतर है, क्योंकि इसमें बदनामी भी शामिल है। लेकिन इन 'हेड-कीपर्स' और 'हेन-फीजेंट्स' का क्या मतलब है?'

"संदेश के लिए इसका कोई महत्व नहीं है, लेकिन अगर प्रेषक का पता लगाने का कोई और तरीका न होता तो यह हमारे लिए बहुत मायने रखता। आप देख सकते हैं कि उसने "खेल... है," आदि लिखकर शुरुआत की है। इसके बाद, पूर्वनिर्धारित कोड को पूरा करने के लिए, उसे प्रत्येक रिक्त स्थान में कोई भी दो शब्द भरने थे। वह स्वाभाविक रूप से अपने मन में आने वाले पहले शब्दों का प्रयोग करता, और यदि उनमें से इतने सारे शब्द खेल से संबंधित हैं, तो आप काफी हद तक निश्चित हो सकते हैं कि वह या तो एक उत्साही निशानेबाज है या पशुपालन में रुचि रखता है। क्या आप इस बेडोज़ के बारे में कुछ जानते हैं?"

"'अरे, अब जब तुमने इसका जिक्र किया है,' उसने कहा, 'मुझे याद आया कि मेरे बेचारे पिता को हर शरद ऋतु में उनके संरक्षित क्षेत्रों में शिकार करने के लिए उनसे निमंत्रण मिलता था।'"

"'तो निःसंदेह यह नोट उसी से आया है,' मैंने कहा। 'अब हमें केवल यह पता लगाना बाकी है कि नाविक हडसन ने इन दो धनी और सम्मानित व्यक्तियों के सिर पर कौन सा

रहस्य मंडराते हुए रखा था।'"

"'हाय होम्स, मुझे डर है कि यह पाप और शर्म से भरा मामला है!' मेरे मित्र ने कहा। 'लेकिन मैं तुमसे कोई राज़ नहीं रखूंगा। यह वह बयान है जो मेरे पिता ने तब तैयार किया था जब उन्हें पता चला कि हडसन से खतरा मंडरा रहा है। जैसा कि उन्होंने डॉक्टर को बताया, मुझे यह जापानी कैबिनेट में मिला। इसे ले लो और मुझे पढ़कर सुनाओ, क्योंकि मुझमें इसे स्वयं पढ़ने की न तो ताकत है और न ही हिम्मत।'"

"ये वही कागज़ात हैं, वाटसन, जो उन्होंने मुझे सौंपे थे, और मैं इन्हें आपको पढ़कर सुनाऊंगा, जैसे मैंने उस रात पुराने अध्ययन कक्ष में उन्हें पढ़कर सुनाया था। जैसा कि आप देख रहे हैं, इन पर बाहर लिखा है, '8 अक्टूबर, 1855 को फालमाउथ से रवाना होने से लेकर 6 नवंबर को उत्तरी अक्षांश 15 डिग्री 20° और पश्चिमी देशांतर 25 डिग्री 14° पर नष्ट होने तक, ग्लोरिया स्कॉट नामक जहाज़ की यात्रा का कुछ विवरण।' यह एक पत्र के रूप में है, और इस प्रकार है।"

"मेरे प्यारे बेटे, अब जब आने वाली बदनामी मेरे जीवन के अंतिम वर्षों को अंधकारमय करने लगी है, तो मैं पूरी सच्चाई और ईमानदारी से लिख सकता हूँ कि यह कानून का भय नहीं है, न ही ज़िले में मेरी पदवी का नुकसान है, और न ही उन सभी की नजरों में मेरा पतन है जो मुझे जानते हैं, जो मुझे दिल से चोट पहुंचाता है; बल्कि यह विचार है कि तुम्हें मेरे लिए शर्म आनी चाहिए - तुम जो मुझसे प्यार करते हो और जिसके पास, मुझे उम्मीद है, मेरा सम्मान करने के अलावा शायद ही कभी कोई कारण रहा हो। लेकिन अगर वह आघात मुझ पर आ पड़े जो हमेशा के लिए मुझ पर मंडरा रहा है, तो मैं चाहूंगा कि तुम इसे पढ़ो, ताकि तुम सीधे मुझसे जान सको कि मैं कितना दोषी हूँ। दूसरी ओर, अगर सब कुछ ठीक हो जाए (जो दयालु सर्वशक्तिमान ईश्वर प्रदान करें!), तो, अगर किसी भी तरह यह कागज अभी भी नष्ट न हुआ हो और तुम्हारे हाथों में आ जाए, तो मैं तुमसे विनती करता हूं, उन सभी चीज़ों की कसम जो तुम पवित्र मानते हो, तुम्हारी प्यारी माँ की स्मृति की कसम, और हमारे बीच के प्यार की कसम, कि इसे आग में फेंक दो और इसके बारे में कभी मत सोचो।" दोबारा।

"यदि आपकी नज़र इस पंक्ति पर पड़ती है, तो मैं जानता हूं कि तब तक मेरा भेद खुल चुका होगा और मुझे मेरे घर से घसीट कर ले जाया गया होगा, या, जैसा कि अधिक संभावना है, क्योंकि आप जानते हैं कि मेरा हृदय कमज़ोर है, मैं मृत्यु के साये में हमेशा के लिए पड़ा होऊंगा। दोनों ही मामलों में, दमन का समय बीत चुका है, और जो भी शब्द मैं आपसे कह रहा हूं वह नग्न सत्य है, और मैं दया की आशा करते हुए शपथ लेता हूं।"

"मेरे प्यारे बेटे, मेरा नाम ट्रेवर नहीं है। जवानी में मेरा नाम जेम्स आर्मिटेज था, और अब तुम समझ सकते हो कि कुछ हफ़्ते पहले मुझे कितना बड़ा झटका लगा था जब तुम्हारे कॉलेज के दोस्त ने मुझसे ऐसे शब्दों में बात की जिससे लगा जैसे उसने मेरा राज़ जान लिया हो। आर्मिटेज के रूप में ही मैंने लंदन के एक बैंक में प्रवेश किया था, और आर्मिटेज के रूप में ही मुझे अपने देश के कानूनों को तोड़ने का दोषी ठहराया गया और देश निकाला की सज़ा सुनाई गई। मेरे बारे में ज़्यादा बुरा मत सोचो, मेरे बेटे। यह एक तरह का सम्मान का कर्ज़ था, जिसे मुझे चुकाना था, और मैंने इसके लिए ऐसे पैसे का इस्तेमाल किया जो मेरा अपना नहीं था, इस विश्वास के साथ कि मैं इसे खोने से पहले ही वापस कर दूंगा। लेकिन सबसे भयानक बदकिस्मती मेरा पीछा करती रही। जिस पैसे का मैंने हिसाब लगाया था, वह कभी मेरे हाथ नहीं आया, और खातों की समय से पहले जाँच से मेरा घाटा सामने आ गया। मामले को नरमी से निपटाया जा सकता था, लेकिन तीस साल पहले कानून आज की तुलना में कहीं ज़्यादा सख्ती से लागू किए जाते थे, और अपने तेईसवें जन्मदिन पर मैंने खुद को 37 अन्य लोगों के साथ एक अपराधी

के रूप में जंजीरों में जकड़ा हुआ पाया। ऑस्ट्रेलिया जा रहे जहाज ग्लोरिया स्कॉट के निचले डेक में कैदी।

“यह वर्ष 1955 था, जब क्रीमिया युद्ध अपने चरम पर था, और पुराने कैदी जहाजों का उपयोग बड़े पैमाने पर काला सागर में परिवहन के लिए किया जा रहा था। इसलिए सरकार अपने कैदियों को भेजने के लिए छोटे और कम उपयुक्त जहाजों का उपयोग करने के लिए विवश थी। ग्लोरिया स्कॉट चीनी चाय व्यापार में लगी हुई थी, लेकिन वह एक पुराने जमाने की, भारी धनुषाकार, चौड़ी बीम वाली नाव थी, और नए क्लिपर जहाजों ने उसे बेकार कर दिया था। वह 500 टन की नाव थी; और अपने 38 कैदियों के अलावा, उसमें चालक दल के 26 सदस्य, अठारह सैनिक, एक कप्तान, तीन मेट, एक डॉक्टर, एक पादरी और चार वार्डर सवार थे। जब हम फाल्माउथ से रवाना हुए, तब उसमें कुल मिलाकर लगभग सौ लोग थे।”

“कैदियों की कोठरियों के बीच की दीवारें, आम तौर पर कैदी जहाजों में इस्तेमाल होने वाली मोटी ओक की लकड़ी की बजाय, काफी पतली और कमजोर थीं। मेरे बगल में, जहाज के पिछले हिस्से में बैठा आदमी, वह था जिसे मैंने घाट पर ले जाते समय खास तौर पर देखा था। वह एक नौजवान था, जिसका चेहरा साफ और गंजा था, लंबी और पतली नाक थी, और जबड़े अखरोट तोड़ने वाले की तरह सख्त थे। वह अपना सिर बड़े ही शान से हवा में उठाए रहता था, उसकी चाल में एक अलग ही अंदाज था, और सबसे बढ़कर, वह अपनी असाधारण लंबाई के लिए मशहूर था। मुझे नहीं लगता कि हममें से किसी का भी सिर उसके कंधे तक आता, और मुझे यकीन है कि उसकी लंबाई साढ़े छह फीट से कम नहीं होगी। इतने सारे उदास और थके हुए चेहरों के बीच एक ऐसे चेहरे को देखना अजीब था जो ऊर्जा और दृढ़ संकल्प से भरा हुआ था। उसे देखकर मुझे ऐसा लगा जैसे बर्फीले तूफान में आग लग गई हो। इसलिए मुझे खुशी हुई कि वह मेरा पड़ोसी था, और उससे भी ज्यादा खुशी तब हुई जब आधी रात को मैंने अपने कान के पास एक फुसफुसाहट सुनी और पाया कि उसने दीवार में एक छेद कर दिया था। जिसने हमें अलग कर दिया।

“हैलो, दोस्त!” उसने कहा, “तुम्हारा नाम क्या है, और तुम यहाँ किसलिए आए हो?”

मैंने उसे जवाब दिया और बदले में पूछा कि मैं किससे बात कर रहा था।

“मैं जैक प्रेन्डरगास्ट हूँ,” उसने कहा, “और भगवान की कसम! मेरे साथ काम खत्म होने से पहले तुम मेरे नाम को धन्य कहना सीख जाओगे।”

“मुझे उसका मामला याद है, क्योंकि मेरी गिरफ्तारी से कुछ समय पहले ही इस मामले ने पूरे देश में सनसनी मचा दी थी। वह एक अच्छे परिवार का और बहुत काबिल आदमी था, लेकिन उसकी आदतें इतनी बुरी थीं कि उनका इलाज नहीं हो सकता था। उसने धोखाधड़ी की एक चालाकी भरी प्रणाली से लंदन के प्रमुख व्यापारियों से भारी मात्रा में धन प्राप्त किया था।”

“हा हा! तुम्हें मेरा मामला याद है!” उसने गर्व से कहा।

“बहुत अच्छा, बिल्कुल।”

“तो शायद आपको इसके बारे में कुछ अजीबोगरीब याद आ जाए?”

“तो फिर वो क्या था?”

मेरे पास लगभग ढाई लाख थे, है ना?

“ऐसा कहा गया था।”

लेकिन कुछ भी बरामद नहीं हुआ, है ना?

“नहीं।”

“अच्छा, आपको क्या लगता है संतुलन कहाँ है?” उसने पूछा।

“मुझे कोई अंदाजा नहीं है,” मैंने कहा।

“मेरी उंगली और अंगूठे के ठीक बीच में,” वह चिल्लाया। “भगवान की कसम! मेरे पास तुमसे कहीं ज़्यादा दौलत है, तुम्हारे सिर के बालों से भी कम। और अगर तुम्हारे पास पैसा है, मेरे बेटे, और तुम उसे संभालना और खर्च करना जानते हो, तो तुम कुछ भी कर सकते हो। अब, तुम्हें यह नहीं लगता कि जो आदमी कुछ भी कर सकता है, वह किसी बदबूदार, चूहों से भरी, कीड़ों से लथपथ, पुरानी, सड़ी हुई चीनी ट्रेन में बैठकर अपनी पैंट घिस देगा। नहीं, साहब, ऐसा आदमी अपना ख्याल रखेगा और अपने दोस्तों का भी। इस बात पर यकीन कर लो! तुम उसे थामे रहो, और उस किताब को चूम लो जिससे वह तुम्हें बचाकर ले जाएगा।”

“उसकी बात करने का यही अंदाज़ था, और पहले तो मुझे लगा कि इसका कोई मतलब नहीं है; लेकिन कुछ देर बाद, जब उसने मेरी परीक्षा ली और पूरी गंभीरता से मुझे शपथ दिलाई, तो उसने मुझे समझाया कि जहाज़ पर कब्ज़ा करने की वाकई एक साज़िश रची जा रही थी। बारह कैदियों ने जहाज़ पर आने से पहले ही यह साज़िश रची थी, प्रेन्डरगास्ट इसका नेता था, और उसका पैसा ही इसके पीछे की प्रेरक शक्ति थी।”

“मेरा एक साथी है,” उसने कहा, “एक बेहद नेक इंसान, एकदम भरोसेमंद। उसका इस पर पूरा अधिकार है, और आपको क्या लगता है कि वह इस समय कहाँ है? अरे, वह तो इस जहाज़ का पादरी है—सारा पादरी! वह काले कोट में, सही कागजातों के साथ, और इतना पैसा लेकर आया था कि वह इस जहाज़ को जड़ से लेकर मुख्य पटरी तक खरीद सकता था। चालक दल पूरी तरह से उसका है। वह उन्हें नकद छूट के साथ एकमुश्त कीमत पर खरीद सकता था, और उसने यह उनके हस्ताक्षर करने से पहले ही कर दिया था। उसने दो वार्डरों और दूसरे साथी मेरेर को अपने कब्जे में कर लिया है, और अगर उसे लगता कि कप्तान इसके लायक है तो वह उसे भी अपने कब्जे में कर लेता।”

“तो फिर हमें क्या करना चाहिए?” मैंने पूछा।

“तुम क्या सोचते हो?” उसने कहा। “हम इनमें से कुछ सैनिकों के कोट को इतना लाल बना देंगे जितना दर्जी ने पहले कभी नहीं बनाया होगा।”

“लेकिन वे हथियारबंद हैं,” मैंने कहा।

“और ऐसा ही होगा, मेरे लड़के। हममें से हर एक के पास दो पिस्तौलें हैं; और अगर हम अपने दल के साथ इस जहाज को नहीं संभाल पाए, तो हम सबको किसी युवा लड़कियों के बोर्डिंग स्कूल में भेजने का समय आ गया है। आज रात अपने बाईं ओर के साथी से बात करो और पता करो कि क्या उस पर भरोसा किया जा सकता है।”

“मैंने ऐसा ही किया और पाया कि मेरा दूसरा पड़ोसी भी एक नौजवान था, जिसकी हालत लगभग मेरी ही जैसी थी और जिसने जालसाजी का जुर्म किया था। उसका नाम इवांस था, लेकिन उसने बाद में मेरी तरह अपना नाम बदल लिया और अब वह दक्षिण इंग्लैंड में एक धनी और समृद्ध व्यक्ति है। वह साजिश में शामिल होने के लिए तैयार था, क्योंकि यही हमारी जान बचाने का एकमात्र उपाय था, और खाड़ी पार करने से पहले ही केवल दो कैदी ऐसे बचे थे जो गुप्त साजिश में शामिल नहीं थे। इनमें से एक मानसिक रूप से कमजोर था, और हम उस पर भरोसा करने की हिम्मत नहीं कर रहे थे, और दूसरा पीलिया से पीड़ित था और हमारे किसी काम का नहीं था।”

“शुरू से ही जहाज पर कब्जा करने में हमें रोकने वाली कोई चीज नहीं थी। चालक दल बदमाश लोगों का एक समूह था, जिन्हें खास तौर पर इस काम के लिए चुना गया था। नकली पादरी हमें उपदेश देने के लिए हमारी कोठरियों में आता था, उसके हाथ में एक काला थैला होता था, जिसमें पर्चे भरे होने का दावा किया जाता था, और वह इतनी बार आता था कि तीसरे दिन तक हममें से हर एक ने अपने बिस्तर के नीचे एक फाइल, दो पिस्तौल, एक पाउंड बारूद और बीस गोलियां छिपा ली थीं। दो वार्डर प्रेन्डरगास्ट के

एजेंट थे, और दूसरा मेट उसका दाहिना हाथ था। कप्तान, दो मेट, दो वार्डर, लेफ्टिनेंट मार्टिन, उसके अठारह सैनिक और डॉक्टर ही हमारे खिलाफ थे। फिर भी, सुरक्षा के बावजूद, हमने कोई भी सावधानी न बरतने का निश्चय किया और रात में अचानक हमला करने का फैसला किया। हालाँकि, यह हमारी उम्मीद से कहीं अधिक तेजी से हुआ, और इस तरह हुआ।"

"एक शाम, हमारे अभियान शुरू करने के लगभग तीसरे सप्ताह बाद, डॉक्टर एक बीमार कैदी को देखने आया। उसने उसके पलंग के नीचे हाथ रखा तो उसे पिस्तौलों की आकृति महसूस हुई। अगर वह चुप रहता तो शायद सारा भेद खुल जाता, लेकिन वह थोड़ा डरपोक था, इसलिए उसने हैरानी से चीख मारी और उसका चेहरा इतना पीला पड़ गया कि डॉक्टर तुरंत समझ गया कि क्या हुआ है और उसे पकड़ लिया। इससे पहले कि वह कुछ कह पाता, उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया गया और उसे पलंग पर बांध दिया गया। उसने डेक की ओर जाने वाला दरवाजा खोल दिया था, और हम झट से अंदर घुस गए। दोनों संतरी मारे गए, और एक कॉर्पोरल भी मारा गया जो यह देखने के लिए दौड़ा आया था कि क्या हुआ है। स्टेटरूम के दरवाज़े पर दो और सैनिक थे, और उनकी बंदूकें भरी हुई नहीं लग रही थीं, क्योंकि उन्होंने हम पर गोली नहीं चलाई, और वे अपनी संगीनें ठीक करने की कोशिश करते समय मारे गए। फिर हम कप्तान के केबिन में घुस गए, लेकिन जैसे ही हमने दरवाज़ा खोला, अंदर से एक धमाका हुआ, और वह वहीं पड़ा था, उसका दिमाग नक्शे पर बिखरा हुआ था। अटलांटिक जहाज का वह हिस्सा जो मेज पर टंगा हुआ था, वहीं पादरी अपनी कोहनी के पास एक धधकती पिस्तौल लिए खड़ा था। दोनों साथियों को चालक दल ने पकड़ लिया था, और ऐसा लग रहा था कि सारा मामला सुलझ गया है।

"हमारा केबिन बगल में ही था, और हम सब उसमें घुस गए और सोफे पर लेट गए, सब आपस में बातें कर रहे थे, क्योंकि हम एक बार फिर आज़ाद होने की खुशी से पागल हो रहे थे। चारों तरफ लॉकर थे, और विल्सन, जो नकली पादरी था, ने उनमें से एक लॉकर तोड़कर उसमें से एक दर्जन ब्राउन शेरी निकाली। हमने बोतलों के गले तोड़े, शेरी को गिलासों में डाला, और जैसे ही हम पी रहे थे कि अचानक बिना किसी चेतावनी के हमारे कानों में बंदूकों की गड़गड़ाहट सुनाई दी, और सैलून धुएं से इतना भर गया कि हम मेज के उस पार कुछ देख नहीं पा रहे थे। जब धुआं छंटा तो जगह पूरी तरह अस्त-व्यस्त थी। विल्सन और आठ अन्य लोग फर्श पर एक-दूसरे के ऊपर तड़प रहे थे, और उस मेज पर खून और ब्राउन शेरी देखकर अब भी मुझे घिन आती है। हम उस दृश्य से इतने डर गए थे कि मुझे लगता है कि अगर प्रेंडरगास्ट न होता तो हम काम छोड़ देते। वह बैल की तरह दहाड़ा और अपने साथ दरवाजे की ओर भागा। उसके पीछे-पीछे हम सब ज़िंदा बच गए। हम भागे और वहाँ जहाज़ के पिछले हिस्से पर लेफ्टिनेंट और उसके दस आदमी मौजूद थे। सैलून टेबल के ऊपर की झूलती हुई रोशनदान थोड़ी खुली हुई थी और उन्होंने उस दरार से हम पर गोलियाँ चलाईं। उनके गोलियाँ लोड करने से पहले ही हम उन पर टूट पड़े और वे मर्दों की तरह डटे रहे; लेकिन हम उन पर भारी पड़े और पाँच मिनट में सब कुछ खत्म हो गया। हे भगवान! क्या उस जहाज़ जैसा कोई कत्लगाह कभी था! प्रेन्डरगास्ट एक क्रोधित शैतान की तरह था और वह सैनिकों को ऐसे उठाता था जैसे वे बच्चे हों और उन्हें ज़िंदा या मुर्दा ही समुद्र में फेंक देता था। एक सार्जेंट बुरी तरह घायल हो गया था और फिर भी आश्चर्यजनक रूप से काफी देर तक तैरता रहा जब तक कि किसी ने दया करके उसकी जान नहीं ले ली। जब लड़ाई खत्म हुई तो हमारे दुश्मनों में से वार्डर, मेट और डॉक्टर के अलावा कोई नहीं बचा था।

“‘इन्हीं के कारण बड़ा झगड़ा शुरू हुआ। हममें से कई लोग अपनी आज़ादी वापस पाकर खुश थे, फिर भी हम अपने मन में हत्या का कलंक नहीं चाहते थे। सैनिकों को उनके हाथों में बंदूकें लिए मार गिराना एक बात थी, और लोगों को बेरहमी से मारे जाते देखना दूसरी बात। हममें से आठ, पाँच कैदी और तीन नाविक, ने कहा कि हम ऐसा होते नहीं देखेंगे। लेकिन प्रेन्डरगास्ट और उसके साथियों को हिलाना नामुमकिन था। उसने कहा कि हमारी सुरक्षा का एकमात्र मौका इसे साफ-सुथरा करने में था, और वह किसी भी शक्तिशाली ज़ुबान को गवाह के कटघरे में खड़ा नहीं होने देगा। हम लगभग कैदियों के साथ उसी भाग्य को साझा करने वाले थे, लेकिन अंत में उसने कहा कि अगर हम चाहें तो नाव लेकर जा सकते हैं। हमने इस प्रस्ताव को तुरंत स्वीकार कर लिया, क्योंकि हम पहले से ही इन खून-खराबे वाली हरकतों से तंग आ चुके थे, और हमने देखा कि इससे पहले और भी बुरा होगा। हमें नाविकों के कपड़ों का एक-एक सेट, पानी का एक बैरल, दो पीपे, एक में शराब और एक में बिस्कुट, और एक कंपास। प्रेन्डरगास्ट ने हमें एक नक्शा दिखाया, बताया कि हम जहाज़ दुर्घटना में फंसे नाविक हैं जिनका जहाज़ 15 डिग्री अक्षांश और 25 डिग्री देशांतर पश्चिम में डूब गया था, और फिर उसने पेंटर काट दिया और हमें जाने दिया।

“और अब मैं अपनी कहानी के सबसे चौंकाने वाले हिस्से पर आता हूँ, मेरे प्यारे बेटे। लहरों के उठने के दौरान नाविकों ने जहाज़ का अगला हिस्सा पीछे खींच लिया था, लेकिन अब जब हम उनसे दूर जा रहे थे, तो उन्होंने उसे फिर से सीधा कर दिया, और उत्तर और पूर्व से हल्की हवा चलने के कारण जहाज़ धीरे-धीरे हमसे दूर जाने लगा। हमारी नाव लंबी, चिकनी लहरों पर ऊपर-नीचे हो रही थी, और इवांस और मैं, जो दल में सबसे पढ़े-लिखे थे, चादरों पर बैठकर अपनी स्थिति का जायजा ले रहे थे और योजना बना रहे थे कि हमें किस तट की ओर जाना चाहिए। यह एक पेचीदा सवाल था, क्योंकि केप वर्डे हमसे लगभग पाँच सौ मील उत्तर में था, और अफ्रीकी तट लगभग सात सौ मील पूर्व में। कुल मिलाकर, चूंकि हवा उत्तर की ओर से आ रही थी, हमने सोचा कि सिएरा लियोन सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है और हमने अपना रुख उसी दिशा में मोड़ लिया, उस समय जहाज़ लगभग हमारे दाहिनी ओर झुका हुआ था। अचानक जैसे ही हमने उस पर नज़र डाली, हमने उसमें से काले धुएँ का एक घना बादल उठता हुआ देखा, जो क्षितिज पर एक विशाल वृक्ष की तरह लटका हुआ था। कुछ ही सेकंड बाद, हमारे ऊपर गरज जैसी एक ज़ोरदार आवाज़ गूंजी। कानों तक धुआं छंटने लगा और ग्लोरिया स्कॉट का कोई निशान नहीं बचा था। पलक झपकते ही हमने नाव का मुंह फिर से घुमाया और पूरी ताकत से उस जगह की ओर बढ़े जहां पानी पर छाई धुंध इस त्रासदी का दृश्य बयां कर रही थी।

“वहाँ पहुँचने में हमें एक घंटा लग गया, और पहले तो हमें लगा कि हम किसी को बचाने के लिए बहुत देर से पहुंचे हैं। लहरों पर तैरती हुई एक टूटी हुई नाव, कई बक्से और मस्तूलों के टुकड़े हमें बता रहे थे कि जहाज कहां डूबा था; लेकिन जीवन का कोई संकेत नहीं था, और हम निराशा में वापस मुड़ गए थे, तभी हमने मदद के लिए एक पुकार सुनी और कुछ दूरी पर मलबे का एक टुकड़ा देखा जिस पर एक आदमी लेटा हुआ था। जब हमने उसे नाव पर खींचा तो पता चला कि वह हडसन नाम का एक युवक नाविक था, जो इतना झुलसा हुआ और थका हुआ था कि अगली सुबह तक वह हमें घटना के बारे में कुछ भी नहीं बता सका।”

ऐसा प्रतीत हुआ कि हमारे जाने के बाद, प्रेन्डरगास्ट और उसके गिरोह ने बचे हुए पाँच कैदियों को मौत के घाट उतार दिया था। दोनों वार्डरों को गोली मारकर समुद्र में फेंक दिया गया था, और तीसरे मेट के साथ भी ऐसा ही किया गया था। फिर प्रेन्डरगास्ट निचले डेक पर उतरा और अपने हाथों से उस बदकिस्मत सर्जन का गला काट डाला।

वहां केवल पहला मेट बचा था, जो एक साहसी और फुर्तीला आदमी था। जब उसने खून से सना चाकू हाथ में लिए कैदी को अपनी ओर आते देखा, तो उसने किसी तरह ढीली की हुई अपनी बेड़ियों को लात मारकर तोड़ दिया और डेक से नीचे भागते हुए पिछले हिस्से में कूद गया। उसे ढूंढते हुए पिस्तौल लिए हुए एक दर्जन कैदियों ने उसे हाथ में माचिस की डिब्बी लिए एक खुली बारूद की पेटी के पास बैठे हुए पाया, जो जहाज पर रखी गई सौ पेटियों में से एक थी, और वह कसम खा रहा था कि अगर उसे किसी भी तरह से परेशान किया गया तो वह सभी को उड़ा देगा। एक पल बाद विस्फोट हुआ, हालांकि हडसन का मानना था कि यह मेट की माचिस से नहीं बल्कि किसी कैदी की गलत दिशा में चली गोली से हुआ था। कारण चाहे जो भी हो, यह ग्लोरिया स्कॉट और उस भीड़ का अंत था जिसने उस पर अपना नियंत्रण स्थापित कर रखा था।

"मेरे प्यारे बेटे, संक्षेप में यही उस भयानक घटना का इतिहास है जिसमें मैं शामिल था। अगले दिन हमें ऑस्ट्रेलिया जा रहे ब्रिगेड हॉटस्पर ने बचा लिया, जिसके कप्तान को यह मानने में कोई कठिनाई नहीं हुई कि हम एक यात्री जहाज के बचे हुए लोग हैं जो डूब गया था। एडमिरल्टी ने परिवहन जहाज ग्लोरिया स्कॉट को समुद्र में लापता घोषित कर दिया था, और उसके वास्तविक भाग्य के बारे में आज तक कोई जानकारी लीक नहीं हुई है। एक शानदार यात्रा के बाद हॉटस्पर ने हमें सिडनी में उतारा, जहाँ इवांस और मैंने अपने नाम बदल लिए और खुदाई स्थल की ओर चल दिए, जहाँ विभिन्न देशों से एकत्रित भीड़ के बीच, हमें अपनी पुरानी पहचान छिपाने में कोई कठिनाई नहीं हुई। बाकी मुझे बताने की आवश्यकता नहीं है। हम समृद्ध हुए, हमने यात्रा की, हम धनी उपनिवेशी बनकर इंग्लैंड लौटे, और हमने देश में संपत्तियाँ खरीदीं। बीस से अधिक वर्षों तक हमने शांतिपूर्ण और उपयोगी जीवन व्यतीत किया, और हमें आशा थी कि हमारा अतीत हमेशा के लिए दफन हो गया है। तो कल्पना कीजिए, मेरी भावनाओं की, जब हमारे पास आए नाविक में मैंने तुरंत उस व्यक्ति को पहचान लिया जिसे जहाज के मलबे से निकाला गया था। उसने हमारा पीछा किया था। वह किसी तरह से नीचे गिर गया था और हमारे डर का फायदा उठाकर जीने लगा था। अब आप समझ सकते हैं कि मैंने उससे शांति बनाए रखने के लिए कितनी कोशिश की, और आप कुछ हद तक मेरे डर को समझ पाएंगे, क्योंकि अब वह धमकियों के साथ अपने दूसरे शिकार की ओर बढ़ गया है।

नीचे इतनी कांपती हुई लिखावट में लिखा है कि उसे पढ़ना लगभग असंभव है, 'बेडडोज़ ने सांकेतिक भाषा में लिखा है कि एच. ने सब कुछ बता दिया है। हे प्रभु, हमारी आत्माओं पर दया करो!'

"यही कहानी मैंने उस रात युवा ट्रेवर को सुनाई थी, और मुझे लगता है, वॉटसन, कि उन परिस्थितियों में यह एक नाटकीय कहानी थी। वह बेचारा बहुत दुखी हुआ और तराई के चाय बागानों में चला गया, जहाँ मैंने सुना है कि वह अच्छा कर रहा है। जहाँ तक नाविक और बेडोज़ की बात है, चेतावनी पत्र लिखे जाने के बाद से उन दोनों का फिर कभी कोई पता नहीं चला। वे दोनों पूरी तरह से गायब हो गए। पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी, इसलिए बेडोज़ ने धमकी को ही अपराध समझ लिया था। हडसन को आसपास मंडराते हुए देखा गया था, और पुलिस का मानना था कि उसने बेडोज़ को मार डाला और भाग गया। जहाँ तक मेरी बात है, सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत थी। मुझे लगता है कि यह सबसे अधिक संभावना है कि बेडोज़, हताशा में आकर और खुद को धोखा दिया हुआ मानकर, हडसन से बदला लेने के लिए भाग गया और जितना पैसा वह इकट्ठा कर सकता था, उतना लेकर देश से भाग गया। ये मामले के तथ्य हैं, डॉक्टर, और अगर ये आपके संग्रह के लिए उपयोगी हैं, तो मुझे यकीन है कि ये बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम आपकी सेवा में हार्दिक रूप से तत्पर हैं।

मुस्ग्रेव अनुष्ठान

मेरे मित्र शर्लक होम्स के चरित्र में एक विचित्रता जो मुझे अक्सर चौंका देती थी, वह यह थी कि यद्यपि वे अपने चिंतन के तरीकों में सबसे साफ-सुथरे और व्यवस्थित थे, और यद्यपि वे पहनावे में एक विशेष प्रकार की शालीनता का दिखावा करते थे, फिर भी वे अपनी व्यक्तिगत आदतों में सबसे अव्यवस्थित व्यक्तियों में से एक थे, जिन्होंने मेरे साथ रहने वाले किसी भी व्यक्ति को परेशान कर दिया था। ऐसा नहीं है कि मैं स्वयं इस मामले में जरा भी पारंपरिक हूँ। अफगानिस्तान में उबड़-खाबड़ काम, मेरे स्वाभाविक बोहेमियन स्वभाव के ऊपर, ने मुझे एक चिकित्सक के लिए उपयुक्त से कहीं अधिक लापरवाह बना दिया है। लेकिन मेरी भी एक सीमा है, और जब मुझे कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है जो अपनी सिगार कोयले की बाल्टी में रखता है, अपना तंबाकू फारसी चप्पल के अगले हिस्से में रखता है, और अपने अनुत्तरित पत्रों को एक चाकू से अपने लकड़ी के मेंटलपीस के ठीक बीच में छेद कर रखता है, तब मैं खुद को नेक दिखाने लगता हूँ। मैं हमेशा से यह मानता आया हूँ कि पिस्तौल का अभ्यास स्पष्ट रूप से खुले में किया जाने वाला शौक होना चाहिए; और जब होम्स, अपने एक अजीबोगरीब मूड में, अपनी तेज ट्रिगर वाली बंदूक और सौ बॉक्सर कारतूसों के साथ एक कुर्सी पर बैठ जाता और गोलियों के निशानों से देशभक्तिपूर्ण वी.आर. बनाकर सामने वाली दीवार को सजाने लगता, तो मुझे दृढ़ता से महसूस होता था कि इससे हमारे कमरे का माहौल और उसकी दिखावट दोनों में कोई सुधार नहीं होता था।

हमारे कमरे हमेशा रसायनों और आपराधिक अवशेषों से भरे रहते थे, जो अक्सर अजीबोगरीब जगहों पर पहुँच जाते थे, और मक्खन के डिब्बे में या उससे भी बदतर जगहों पर दिखाई देते थे। लेकिन उनके कागज़ात मेरे लिए सबसे अहम थे। उन्हें दस्तावेज़ों को नष्ट करने से सख्त नफ़रत थी, खासकर उन दस्तावेज़ों से जो उनके पुराने मुकदमों से जुड़े थे, फिर भी हर एक-दो साल में एक बार ही वे ऊर्जा जुटाकर उन्हें दर्ज करते और व्यवस्थित करते थे; क्योंकि, जैसा कि मैंने इन बेतरतीब संस्मरणों में कहीं उल्लेख किया है, उनके नाम से जुड़े असाधारण कारनामों को अंजाम देने के दौरान उनमें जो जोशीला जोश आता था, उसके बाद सुस्ती छा जाती थी, जिसमें वे अपनी वायलिन और किताबों के साथ पड़े रहते थे, सोफे से मेज तक जाने के अलावा शायद ही हिलते-डुलते थे। इस तरह महीने दर महीने उनके कागज़ात जमा होते गए, यहाँ तक कि कमरे का हर कोना पांडुलिपियों के बंडलों से भर गया, जिन्हें किसी भी हालत में जलाया नहीं जा सकता था, और जिन्हें उनके मालिक के अलावा कोई और नहीं रख सकता था। एक सर्दी की रात, जब हम आग के पास साथ बैठे थे, मैंने हिम्मत करके उनसे कहा कि चूंकि उन्होंने अपनी सामान्य पुस्तिका में कुछ अंश चिपकाने का काम पूरा कर लिया है, तो वे अगले दो घंटे हमारे कमरे को थोड़ा और रहने लायक बनाने में लगा सकते हैं। वे मेरी बात को नाकार नहीं सकते थे, इसलिए थोड़ा उदास चेहरा बनाकर वे अपने शयनकक्ष में चले गए, और थोड़ी देर बाद एक बड़ा टिन का डिब्बा खींचते हुए वापस आए। उन्होंने उसे फ़र्श के बीचोंबीच रखा, और उसके सामने एक स्टूल पर बैठकर उसका ढक्कन खोल दिया। मैंने देखा कि वह डिब्बा पहले से ही लाल टेप से बंधे कागज़ों के बंडलों से एक तिहाई भरा हुआ था।

“यहाँ काफी सारे डिब्बे हैं, वाटसन,” उसने शरारती आँखों से मेरी ओर देखते हुए कहा। “मुझे लगता है कि अगर तुम्हें पता होता कि इस डिब्बे में मेरे पास क्या-क्या है, तो तुम मुझसे कुछ डिब्बे बाहर निकालने को कहते, बजाय इसके कि दूसरे उसमें डाल दो।”

"तो ये आपके शुरुआती काम के रिकॉर्ड हैं?" मैंने पूछा। "मेरी अक्सर यही इच्छा रही है कि काश मेरे पास उन मामलों के नोट्स होते।"

"हाँ, मेरे बेटे, ये सब काम मेरे जीवनी लेखक के मुझे महिमामंडित करने से पहले ही समय से पहले कर लिए गए थे।" उन्होंने एक-एक करके बंडलों को बड़े प्यार से उठाया। "ये सब सफलताएँ नहीं हैं, वॉटसन," उन्होंने कहा। "लेकिन इनमें कुछ दिलचस्प छोटी-छोटी बातें भी हैं। यहाँ टार्लेटन हत्याकांड का रिकॉर्ड है, और शराब व्यापारी वैमबेरी का मामला, और उस बूढ़ी रूसी महिला का कारनामा, और एल्युमिनियम की बैसाखी का अनोखा किस्सा, साथ ही क्लब-फुट वाले रिकोलेटी और उसकी घिनौनी पत्नी का पूरा विवरण। और यहाँ – आह, अब, यह तो वाकई कुछ बहुत ही खास है।"

उसने अपना हाथ संदूक के निचले हिस्से तक डाला और बच्चों के खिलौने रखने वाले ढक्कन जैसा एक छोटा लकड़ी का डिब्बा निकाला। उसमें से उसने एक मुड़ा हुआ कागज का टुकड़ा, एक पुरानी शैली की पीतल की चाबी, एक लकड़ी का खूंटा जिसमें धागे का गोला बंधा हुआ था, और धातु की तीन जंग लगी पुरानी डिस्क निकालीं।

"अच्छा, मेरे बेटे, तुम इन लोगों के बारे में क्या सोचते हो?" उसने मेरे चेहरे के भाव को देखकर मुस्कुराते हुए पूछा।

"यह एक अनोखा संग्रह है।"

"यह बेहद दिलचस्प है, और इसके इर्द-गिर्द घूमती कहानी आपको और भी ज्यादा दिलचस्प लगेगी।"

तो क्या इन अवशेषों का भी कोई इतिहास है?

"इतना अधिक कि वे इतिहास बन चुके हैं।"

"तुम्हारा इससे क्या मतलब है?"

शर्लक होम्स ने उन्हें एक-एक करके उठाया और मेज के किनारे पर रख दिया। फिर वह अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गया और संतुष्टि की चमकती आँखों से उन्हें देखने लगा।

उन्होंने कहा, "ये सब चीजें ही मेरे पास बची हैं जो मुझे मुसग्रेव अनुष्ठान के रोमांच की याद दिलाती हैं।"

मैंने उसे इस मामले का ज़िक्र एक से ज़्यादा बार करते सुना था, हालाँकि मैं कभी भी इसके बारे में पूरी जानकारी नहीं जुटा पाया था। मैंने कहा, "अगर आप मुझे इसके बारे में बता दें तो मुझे बहुत खुशी होगी।"

"और कूड़ा-कचरा ऐसे ही छोड़ दूं?" उसने शरारती लहजे में कहा। "आखिरकार, वॉटसन, तुम्हारी साफ-सफाई ज्यादा दबाव नहीं झेल पाएगी। लेकिन मुझे खुशी होगी अगर तुम इस मामले को अपने रिकॉर्ड में दर्ज कर लो, क्योंकि इसमें कुछ ऐसी बातें हैं जो इसे इस देश के या, मेरा मानना है, किसी भी अन्य देश के आपराधिक रिकॉर्ड में बिल्कुल अनोखा बनाती हैं। मेरी छोटी-मोटी उपलब्धियों का संग्रह इस विलक्षण घटना के बिना अधूरा ही रहेगा।"

आपको शायद याद होगा कि ग्लोरिया स्कॉट कांड और उस दुर्भाग्यशाली व्यक्ति से हुई मेरी बातचीत, जिसके भाग्य के बारे में मैंने आपको बताया था, ने ही सबसे पहले मेरा ध्यान उस पेशे की ओर मोड़ा जो आज मेरा जीवन भर का काम बन गया है। आप मुझे आज उस समय देख रहे हैं जब मेरा नाम दूर-दूर तक जाना जाता है और आम जनता और सरकारी तंत्र दोनों ही मुझे संदिग्ध मामलों में अंतिम निर्णय लेने वाले न्यायाधीश के रूप में पहचानते हैं। यहाँ तक कि जब आप मुझे पहली बार जानते थे, उस कांड के समय, जिसका आपने 'ए स्टडी इन स्कारलेट' में ज़िक्र किया है, तब भी मेरे कुछ अच्छे संबंध थे, हालाँकि वे बहुत लाभदायक नहीं थे। इसलिए आप शायद ही

समझ पाएँगे कि शुरुआत में मुझे कितनी कठिनाई हुई और सफलता पाने के लिए मुझे कितना लंबा इंतज़ार करना पड़ा।

“जब मैं पहली बार लंदन आया, तो मैंने मोंटेग्यू स्ट्रीट में कमरे लिए, जो ब्रिटिश संग्रहालय से बस कुछ ही दूरी पर था। वहाँ मैं अपना भरपूर खाली समय विज्ञान की उन सभी शाखाओं का अध्ययन करने में बिताता रहा, जिनसे मेरी कार्यकुशलता बढ़ सके। समय-समय पर मेरे सामने कुछ मामले आते रहे, मुख्यतः पुराने सहपाठियों के परिचय से, क्योंकि विश्वविद्यालय में अपने अंतिम वर्षों के दौरान मेरे और मेरी पद्धतियों के बारे में वहाँ काफी चर्चा होती थी। इन मामलों में से तीसरा मामला मुसग्रेव अनुष्ठान का था, और घटनाओं की उस विलक्षण श्रृंखला और दांव पर लगे बड़े मुद्दों से उत्पन्न रुचि के कारण ही मैंने उस पद की ओर अपना पहला कदम बढ़ाया, जिस पर मैं आज हूँ।”

रेजिनाल्ड मुसग्रेव मेरे ही कॉलेज में थे, और उनसे मेरी थोड़ी-बहुत जान-पहचान थी। वे आम तौर पर स्नातक छात्रों के बीच लोकप्रिय नहीं थे, हालाँकि मुझे हमेशा ऐसा लगता था कि जिसे वे घमंड समझते थे, वह असल में उनकी अत्यधिक स्वाभाविक झिझक को छुपाने का प्रयास था। देखने में वे बेहद कुलीन स्वभाव के व्यक्ति थे; पतले, ऊँची नाक वाले और बड़ी आँखों वाले, सुस्त लेकिन शिष्ट व्यवहार वाले। वे वास्तव में राज्य के सबसे पुराने परिवारों में से एक के वंशज थे, हालाँकि उनकी शाखा एक छोटी शाखा थी जो सोलहवीं शताब्दी में उत्तरी मुसग्रेव परिवार से अलग हो गई थी और पश्चिमी ससेक्स में बस गई थी, जहाँ हर्लस्टोन का मैनोर हाउस शायद काउंटी की सबसे पुरानी आबाद इमारत है। उनके जन्मस्थान का कुछ अंश उन पर हमेशा छाया रहता था, और मैं उनके पीले, तीखे चेहरे या उनके सिर के संतुलन को देखे बिना उन्हें धूसर मेहराबों, जालीदार खिड़कियों और एक सामंती किले के सभी आदरणीय अवशेषों से नहीं जोड़ता था। एक-दो बार हम यूँ ही कुछ देर के लिए इधर-उधर भटकते रहे। बातचीत के दौरान, मुझे याद है कि उन्होंने एक से अधिक बार मेरी अवलोकन और निष्कर्ष निकालने की विधियों में गहरी रुचि व्यक्त की थी।

"चार साल तक मैंने उसे नहीं देखा था, फिर एक सुबह वह मोंटेग्यू स्ट्रीट स्थित मेरे कमरे में आ गया। वह थोड़ा ही बदला था, एक फैशनेबल युवक की तरह कपड़े पहने हुए था - वह हमेशा से थोड़ा फैशनेबल था - और उसका वही शांत, विनम्र स्वभाव बरकरार था जो पहले उसकी पहचान हुआ करता था।"

“‘तुम्हारा सब कैसा चल रहा है, मुसग्रेव?’ मैंने तुमसे सौहार्दपूर्वक हाथ मिलाने के बाद पूछा।”

“‘शायद आपने मेरे बेचारे पिता की मृत्यु के बारे में सुना होगा,’ उन्होंने कहा; ‘उनका निधन लगभग दो साल पहले हो गया था। तब से मुझे हर्लस्टोन एस्टेट का प्रबंधन करना पड़ रहा है, और चूंकि मैं अपने जिले का सदस्य भी हूं, इसलिए मेरा जीवन व्यस्त रहा है। लेकिन मुझे पता चला है, होम्स, कि आप उन शक्तियों का उपयोग व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए कर रहे हैं जिनसे आप हमें चकित करते थे?’”

“‘हां,’ मैंने कहा, ‘मैंने अपनी बुद्धि के बल पर जीना शुरू कर दिया है।’”

“मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई, क्योंकि इस समय आपकी सलाह मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी। हर्लस्टोन में कुछ बहुत ही अजीबोगरीब घटनाएँ घटी हैं, और पुलिस इस मामले पर कोई प्रकाश नहीं डाल पाई है। यह वास्तव में सबसे असाधारण और अस्पष्ट मामला है।”

"आप कल्पना कर सकते हैं कि मैंने कितनी उत्सुकता से उनकी बात सुनी, वॉटसन, क्योंकि जिस अवसर के लिए मैं उन सभी महीनों की निष्क्रियता के दौरान तरस रहा था, वह अब मेरी पहुँच में आ गया था। मेरे अंतर्मन में यह विश्वास था कि मैं

वहाँ सफल हो सकता हूँ जहाँ दूसरे असफल हो जाते हैं, और अब मुझे खुद को परखने का अवसर मिल गया था।"

मैंने रोते हुए कहा, 'कृपया मुझे विवरण दीजिए।'

"रेजिनाल्ड मुस्ग्रेव मेरे सामने बैठ गए और उन्होंने उस सिगरेट को जलाया जिसे मैंने उनकी ओर बढ़ाया था।"

“आपको पता होना चाहिए,” उसने कहा, “कि यद्यपि मैं अविवाहित हूँ, फिर भी हर्लस्टोन में मुझे नौकरों का एक बड़ा दल रखना पड़ता है, क्योंकि यह एक विशाल पुराना घर है और इसकी देखभाल में काफी मेहनत लगती है। मैं बचत भी करता हूँ, और तीतर के शिकार के महीनों में अक्सर मेरे घर पर पार्टी होती है, इसलिए नौकरों की कमी ठीक नहीं रहती। कुल मिलाकर आठ नौकरानियाँ, रसोइया, बटलर, दो नौकर और एक लड़का है। बगीचे और अस्तबल के लिए तो अलग से कर्मचारी हैं।”

“इन नौकरों में से सबसे लंबे समय तक हमारी सेवा में रहने वाला नौकर ब्रंटन था। जब मेरे पिता ने उसे पहली बार काम पर रखा था, तब वह एक युवा स्कूल मास्टर था, जो उस जगह के लिए उपयुक्त नहीं था, लेकिन वह बहुत ऊर्जावान और चरित्रवान व्यक्ति था, और जल्द ही वह घर का अमूल्य सदस्य बन गया। वह सुगठित, आकर्षक कद-काठी का, शानदार माथे वाला व्यक्ति था, और यद्यपि वह बीस वर्षों से हमारे साथ है, अब उसकी उम्र चालीस से अधिक नहीं होगी। उसकी व्यक्तिगत सुविधाओं और असाधारण प्रतिभाओं को देखते हुए - क्योंकि वह कई भाषाएं बोल सकता है और लगभग सभी वाद्य यंत्र बजा सकता है - यह आश्चर्यजनक है कि वह इतने लंबे समय तक इस पद पर संतुष्ट रहा, लेकिन मुझे लगता है कि वह आरामदायक स्थिति में था और उसमें कोई बदलाव करने की ऊर्जा नहीं थी। हर्लस्टोन का नौकर हमेशा उन सभी लोगों को याद रहता है जो हमसे मिलने आते हैं।”

“लेकिन इस आदर्श व्यक्ति में एक कमी है। वह थोड़ा डॉन जुआन जैसा है, और आप कल्पना कर सकते हैं कि उसके जैसे व्यक्ति के लिए एक शांत ग्रामीण इलाके में इस तरह की भूमिका निभाना कोई मुश्किल काम नहीं है। जब वह विवाहित था तब सब ठीक था, लेकिन जब से वह विधुर हुआ है, हमें उससे लगातार परेशानी हो रही है। कुछ महीने पहले हमें उम्मीद थी कि वह फिर से घर बसा लेगा, क्योंकि उसने हमारी दूसरी नौकरानी राहेल हॉवेल्स से सगाई कर ली थी; लेकिन तब से उसने उसे छोड़ दिया है और मुख्य गेम-कीपर की बेटी जेनेट ट्रेगेलिस के साथ संबंध बना लिया है। राहेल - जो एक बहुत अच्छी लड़की है, लेकिन वेल्श स्वभाव से थोड़ी उत्तेजित है - को अचानक मानसिक बुखार हो गया और अब वह घर में - या कल तक - अपनी पुरानी छवि की परछाई की तरह घूमती है। यह हर्लस्टोन में हमारा पहला ड्रामा था; लेकिन एक दूसरा ड्रामा इसे हमारे दिमाग से मिटाने के लिए आ गया, और इसकी शुरुआत बटलर ब्रंटन के अपमान और बर्खास्तगी से हुई।”

“यह सब इस तरह हुआ। मैंने कहा था कि वह व्यक्ति बुद्धिमान था, और इसी बुद्धिमत्ता ने उसके पतन का कारण बना, क्योंकि ऐसा लगता है कि इसी बुद्धिमत्ता ने उसे उन चीजों के बारे में अतृप्त जिज्ञासा पैदा कर दी जिनका उससे जरा भी संबंध नहीं था। मुझे इस बात का जरा भी अंदाज़ा नहीं था कि यह बुद्धिमत्ता उसे किस हद तक ले जाएगी, जब तक कि एक मामूली दुर्घटना ने मेरी आंखें नहीं खोल दीं।”

“मैंने कहा है कि घर बड़ा और फैला हुआ है। पिछले हफ्ते एक दिन—ठीक कहें तो गुरुवार की रात—मुझे नींद नहीं आ रही थी, क्योंकि मैंने रात के खाने के बाद गलती से एक कप कड़क कॉफी पी ली थी। सुबह दो बजे तक उससे जूझने के बाद, मुझे लगा कि अब कोई उम्मीद नहीं है, इसलिए मैं उठा और मोमबत्ती जलाकर उस उपन्यास को

पढ़ने का इरादा किया जिसे मैं पढ़ रहा था। लेकिन किताब बिलियर्ड रूम में छूट गई थी, इसलिए मैंने अपना ड्रेसिंग गाउन पहना और उसे लेने के लिए चल पड़ा।”

“बिलियर्ड रूम तक पहुंचने के लिए मुझे सीढ़ियाँ उतरनी पड़ीं और फिर एक गलियारे के सिरे को पार करना पड़ा जो पुस्तकालय और बंदूक कक्ष की ओर जाता था। आप मेरी हैरानी का अंदाज़ा लगा सकते हैं जब मैंने इस गलियारे में देखा कि पुस्तकालय के खुले दरवाजे से हल्की सी रोशनी आ रही है। मैंने खुद बिस्तर पर आने से पहले लैंप बुझा दिया था और दरवाजा बंद कर दिया था। स्वाभाविक रूप से मेरा पहला विचार चोर का था। हर्लस्टोन के गलियारों की दीवारें पुराने हथियारों की ट्रॉफियों से सजी हुई हैं। इनमें से एक से मैंने एक युद्ध कुल्हाड़ी उठाई, और फिर अपनी मोमबत्ती वहीं छोड़कर, मैं दबे पांव गलियारे से नीचे गया और खुले दरवाजे से अंदर झाँका।”

“ब्रंटन, जो कि बटलर था, पुस्तकालय में था। वह पूरी तरह से कपड़े पहने हुए, आरामकुर्सी पर बैठा था, उसकी गोद में एक कागज़ का टुकड़ा था जो नक्शे जैसा दिख रहा था, और वह गहरी सोच में डूबा हुआ था। मैं अचंभित होकर अवाक खड़ा उसे अंधेरे से देख रहा था। मेज के किनारे पर रखी एक छोटी मोमबत्ती से हल्की रोशनी आ रही थी, जिससे मुझे इतना पता चल गया कि उसने पूरे कपड़े पहने हुए हैं। अचानक, मेरी नज़र पड़ते ही, वह अपनी कुर्सी से उठा और बगल में रखे एक दराज के पास जाकर, उसे खोला और उसमें से एक दराज निकाली। उसमें से उसने एक कागज निकाला और वापस अपनी सीट पर आकर, उसे मेज के किनारे पर रखी मोमबत्ती के पास फैला दिया और बड़ी बारीकी से उसका अध्ययन करने लगा। हमारे पारिवारिक दस्तावेजों की इस शांत जाँच पर मुझे इतना गुस्सा आया कि मैं एक कदम आगे बढ़ा, और ब्रंटन ने ऊपर देखते हुए मुझे दरवाजे पर खड़ा देखा। वह डर से पीला पड़ गया और उछलकर खड़ा हो गया, और उसने नक्शे जैसे कागज को अपनी छाती में दबा लिया। मूल रूप से अध्ययन कर रहा था।

“तो!” मैंने कहा। “इस तरह तुम हमारे भरोसे को चुकाओगे। तुम कल मेरी सेवा छोड़ दोगे।”

“वह पूरी तरह से टूट चुके व्यक्ति की तरह झुक गया और बिना कुछ कहे मेरे पास से चुपचाप निकल गया। मोमबत्ती अभी भी मेज पर थी, और उसकी रोशनी में मैंने देखा कि ब्रंटन ने दराज से जो कागज़ लिया था, वह क्या था। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह बिल्कुल भी महत्वपूर्ण नहीं था, बल्कि मुस्ग्रेव रिचुअल नामक विलक्षण प्राचीन अनुष्ठान में प्रश्नों और उत्तरों की एक प्रति मात्र थी। यह हमारे परिवार की एक विशेष रस्म है, जिसे सदियों से प्रत्येक मुस्ग्रेव अपने वयस्क होने पर निभाता आया है - यह निजी रुचि की बात है, और शायद पुरातत्वविद् के लिए हमारे अपने प्रतीक चिन्हों और आरोपों की तरह कुछ हद तक महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका कोई व्यावहारिक उपयोग नहीं है।”

मैंने कहा, ‘हमें बाद में अखबार पर वापस आना चाहिए।’

“‘अगर आपको वाकई ज़रूरी लगे तो,’ उसने कुछ हिचकिचाहट के साथ जवाब दिया। ‘लेकिन अपनी बात जारी रखते हुए: मैंने ब्रंटन द्वारा छोड़ी गई चाबी का इस्तेमाल करके अलमारी को दोबारा बंद कर दिया, और मैं जाने के लिए मुड़ा ही था कि मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि बटलर वापस आ गया था और मेरे सामने खड़ा था।’

“श्रीमान मुसग्रेव,” उसने भावुकता से भरी कर्कश आवाज में कहा, “मैं अपमान सहन नहीं कर सकता। मैं हमेशा से अपनी हैसियत से ऊपर रहा हूँ, और अपमान मुझे मार डालेगा। अगर आप मुझे निराशा में धकेलेंगे, तो मेरा खून आपके सिर पर होगा—सचमुच होगा। अगर आप मुझे इस सब के बाद भी नहीं रोक सकते, तो ईश्वर के लिए मुझे एक महीने में अपनी मर्जी से जाने की सूचना दे दीजिए। मैं यह तो सह सकता हूँ,

श्रीमान मुसग्रेव, लेकिन उन सभी लोगों के सामने बेदखल होना नहीं जिन्हें मैं इतनी अच्छी तरह जानता हूं।"

"ब्रंटन, तुम ज्यादा सम्मान के पात्र नहीं हो," मैंने उत्तर दिया। "तुम्हारा आचरण बेहद निंदनीय रहा है। हालांकि, चूंकि तुम लंबे समय से परिवार में हो, इसलिए मैं तुम्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित नहीं करना चाहता। लेकिन एक महीना बहुत लंबा समय है। एक हफ्ते में चले जाओ और जाने का जो भी कारण चाहो बता दो।"

"सिर्फ एक हफ्ता, महोदय?" उसने हताश स्वर में कहा। "पखवाड़ा भर—कम से कम पखवाड़ा भर तो कहिए!"

"एक सप्ताह," मैंने दोहराया, "और आप समझ सकते हैं कि आपके साथ बहुत ही नरमी से व्यवहार किया गया है।"

"'वह टूटे हुए आदमी की तरह अपना चेहरा सीने पर टिकाए रेंगता हुआ चला गया, जबकि मैंने बत्ती बुझा दी और अपने कमरे में लौट आई।

"इसके बाद दो दिनों तक ब्रंटन ने अपने कर्तव्यों का अत्यंत लगन से पालन किया। मैंने जो कुछ हुआ था उसका कोई ज़िक्र नहीं किया और उत्सुकता से यह देखने का इंतज़ार किया कि वह अपनी बदनामी को कैसे छुपाएगा। हालांकि, तीसरी सुबह वह नाश्ते के बाद, जैसा कि वह हमेशा करता था, मेरे दिन के निर्देशों को लेने के लिए उपस्थित नहीं हुआ। जब मैं भोजन कक्ष से बाहर निकला तो संयोग से मेरी मुलाकात नौकरानी राहेल हॉवेल्स से हुई। मैंने आपको बताया है कि वह हाल ही में एक बीमारी से ठीक हुई थी और इतनी दयनीय रूप से पीली और मुरझाई हुई दिख रही थी कि मैंने उसे काम पर होने के लिए फटकारा।"

"तुम्हें बिस्तर पर होना चाहिए," मैंने कहा। "जब तुम ठीक हो जाओ तब अपने काम पर वापस आना।"

"उसने मुझे इतने अजीब भाव से देखा कि मुझे शक होने लगा कि उसका दिमाग खराब हो गया है।"

"मैं काफी मजबूत हूं, मिस्टर मुस्ग्रेव," उसने कहा।

"देखते हैं डॉक्टर क्या कहते हैं," मैंने जवाब दिया। "आपको अभी काम बंद करना होगा, और जब आप नीचे जाएं तो बस इतना कह देना कि मैं ब्रंटन से मिलना चाहता/चाहती हूं।"

"बटलर चला गया है," उसने कहा।

"चला गया! कहां चला गया?"

"वह चला गया है। उसे किसी ने नहीं देखा। वह अपने कमरे में नहीं है। ओह, हाँ, वह चला गया है, वह चला गया है!" वह हँसी के मारे चीखते-चिल्लाते दीवार से टिक गई, जबकि मैं इस अचानक हुए उन्माद से भयभीत होकर मदद के लिए घंटी बजाने भागा। लड़की को उसके कमरे में ले जाया गया, वह अभी भी चीख रही थी और रो रही थी, जबकि मैंने ब्रंटन के बारे में पूछताछ की। इसमें कोई संदेह नहीं था कि वह गायब हो गया था। उसके बिस्तर पर कोई सोया नहीं था, पिछली रात अपने कमरे में जाने के बाद से उसे किसी ने नहीं देखा था, और फिर भी यह समझना मुश्किल था कि वह घर से कैसे निकल सकता था, क्योंकि सुबह खिड़कियाँ और दरवाजे दोनों बंद पाए गए थे। उसके कपड़े, उसकी घड़ी और यहाँ तक कि उसके पैसे भी उसके कमरे में थे, लेकिन वह काला सूट जो वह आमतौर पर पहनता था, गायब था। उसकी चप्पलें भी गायब थीं, लेकिन उसके जूते वहीं रह गए थे। तो फिर बटलर ब्रंटन रात में कहाँ गया होगा, और अब उसका क्या हुआ होगा?

"हमने तहखाने से लेकर अटारी तक पूरे घर की तलाशी ली, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। जैसा कि मैंने कहा, यह एक भूलभुलैया जैसा पुराना घर है, खासकर

इसका मूल भाग, जो अब लगभग निर्जन है; लेकिन हमने हर कमरे और तहखाने की छानबीन की, फिर भी लापता व्यक्ति का कोई सुराग नहीं मिला। मेरे लिए यह अविश्वसनीय था कि वह अपनी सारी संपत्ति छोड़कर चला गया हो, और फिर वह कहां हो सकता है? मैंने स्थानीय पुलिस को बुलाया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। पिछली रात बारिश हुई थी, और हमने घर के चारों ओर लॉन और रास्तों की जाँच की, लेकिन व्यर्थ। मामला इसी स्थिति में था, तभी एक नए घटनाक्रम ने हमारा ध्यान मूल रहस्य से पूरी तरह हटा दिया।”

“दो दिनों से राहेल हॉवेल्स इतनी बीमार थीं, कभी बेहोश तो कभी हिस्टीरिया की हालत में, कि रात में उनकी देखभाल के लिए एक नर्स को रखा गया था। ब्रंटन के लापता होने के बाद तीसरी रात, नर्स ने अपनी मरीज़ को आराम से सोते हुए पाया और खुद भी कुर्सी पर झपकी लेने चली गई। जब वह सुबह जल्दी उठी तो उसने बिस्तर खाली, खिड़की खुली और बीमार का कोई निशान नहीं देखा। मैं तुरंत सतर्क हो गया और दो नौकरों के साथ लापता लड़की की तलाश में निकल पड़ा। यह पता लगाना मुश्किल नहीं था कि वह किस दिशा में गई थी, क्योंकि उसकी खिड़की के नीचे से शुरू करके, हम उसके पैरों के निशान का आसानी से लॉन पार करके झील के किनारे तक जा सकते थे, जहाँ वे मैदान से बाहर जाने वाले बजरी के रास्ते के पास गायब हो गए। वहाँ झील आठ फीट गहरी है, और आप हमारी भावनाओं की कल्पना कर सकते हैं जब हमने देखा कि उस बेचारी विक्षिप्त लड़की के निशान झील के किनारे पर आकर खत्म हो गए थे।”

“बेशक, हमने तुरंत गाड़ियां बुलाईं और शव को निकालने के लिए काम पर लग गए, लेकिन हमें शरीर का कोई सुराग नहीं मिला। दूसरी ओर, हमें एक बेहद अप्रत्याशित वस्तु मिली। यह एक सूती थैला था जिसमें जंग लगा हुआ, बदरंग पुराना धातु और कई फीके रंग के कंकड़ या कांच के टुकड़े थे। यह अजीबोगरीब खोज ही हमें झील से मिली, और यद्यपि हमने कल हर संभव खोज और पूछताछ की, फिर भी हमें रैचल हॉवेल्स या रिचर्ड ब्रंटन के बारे में कुछ भी पता नहीं चला है। काउंटी पुलिस पूरी तरह से हताश है, और मैं अंतिम उपाय के रूप में आपके पास आया हूं।”

“वॉटसन, आप कल्पना कर सकते हैं कि मैंने कितनी उत्सुकता से घटनाओं के इस असाधारण क्रम को सुना और उन्हें आपस में जोड़ने और उनमें कोई ऐसा साझा सूत्र खोजने का प्रयास किया, जिस पर वे सभी टिकी हों। बटलर गायब था। नौकरानी गायब थी। नौकरानी बटलर से प्यार करती थी, लेकिन बाद में उससे नफरत करने लगी थी। वह वेल्श मूल की थी, जोशीली और भावुक। उसके गायब होने के तुरंत बाद वह बुरी तरह उत्तेजित हो गई थी। उसने कुछ अजीबोगरीब चीजों से भरा एक थैला झील में फेंक दिया था। ये सभी कारक थे जिन पर विचार करना आवश्यक था, फिर भी इनमें से कोई भी मामले की जड़ तक नहीं पहुंच पाया। घटनाओं की इस कड़ी का आरंभ बिंदु क्या था? इस उलझी हुई कड़ी का अंत यही था।”

“‘मुझे वह कागज़ देखना ही होगा, मुसग्रेव,’ मैंने कहा, ‘जिसे आपके इस बटलर ने अपनी नौकरी खोने के जोखिम पर भी देखना उचित समझा।’”

“‘यह हमारी रस्म काफी बेतुकी है,’ उन्होंने उत्तर दिया। ‘लेकिन कम से कम इसकी प्राचीनता ही इसे उचित ठहराती है। यदि आप चाहें तो मेरे पास प्रश्न और उत्तर की एक प्रति यहां है।’”

"वॉटसन, उन्होंने मुझे वही कागज़ दिया जो मेरे पास यहाँ है, और यह वह विचित्र प्रश्नोत्तर पुस्तिका है जिसका पालन प्रत्येक मुस्ग्रेव को वयस्क होने पर करना पड़ता था। मैं आपको प्रश्न और उत्तर उसी रूप में पढ़कर सुनाता हूँ।"

“‘यह किसका था?’”

“‘जो चला गया है।’”
“‘यह किसे मिलेगा?’
“‘जो आएगा।’”
“‘सूर्य कहाँ था?’”
“‘ओक के ऊपर।’
“‘परछाई कहाँ थी?’”
“‘एल्म के पेड़ के नीचे।’”
“‘इसे कैसे पार किया गया था?’
“‘उत्तर की ओर दस-दस करके, पूर्व की ओर पाँच-पाँच करके, दक्षिण की ओर दो-दो करके, पश्चिम की ओर एक-एक करके, और इसी प्रकार नीचे की ओर।’
“‘इसके बदले हम क्या देंगे?’
“‘जो कुछ भी हमारा है।’”
“‘हमें इसे क्यों देना चाहिए?’
“‘विश्वास की खातिर।’”
“‘मूल पाठ पर कोई तिथि अंकित नहीं है, लेकिन इसकी वर्तनी सत्रहवीं शताब्दी के मध्य की है,’ मुसग्रेव ने टिप्पणी की। ‘हालांकि, मुझे खेद है कि यह इस रहस्य को सुलझाने में आपकी ज्यादा मदद नहीं कर सकता।’
“‘कम से कम,’ मैंने कहा, ‘इससे हमें एक और रहस्य मिलता है, और जो पहले वाले से भी अधिक रोचक है। हो सकता है कि एक का हल दूसरे का हल साबित हो जाए। आप मुझे क्षमा करेंगे, मुसग्रेव, अगर मैं कहूँ कि आपकी बटलर मुझे बहुत ही चतुर व्यक्ति प्रतीत होता है, और उसके पास अपने दस पीढ़ियों के स्वामियों से भी अधिक स्पष्ट अंतर्दृष्टि थी।’”
“‘मैं आपकी बात ठीक से समझ नहीं पा रहा हूँ,’ मुसग्रेव ने कहा। ‘मुझे लगता है कि इस लेख का कोई व्यावहारिक महत्व नहीं है।’”
लेकिन मुझे यह बेहद व्यावहारिक लगता है, और मुझे लगता है कि ब्रंटन ने भी यही विचार रखा होगा। उसने शायद उस रात से पहले इसे देखा होगा जिस रात आपने उसे पकड़ा था।
“‘यह बिल्कुल संभव है। हमने इसे छिपाने की कोई कोशिश नहीं की।’”
“‘मुझे लगता है कि वह पिछली घटना को याद करना चाह रहे थे। जैसा कि मुझे पता चला है, उनके पास किसी प्रकार का नक्शा या चार्ट था जिसकी तुलना वे पांडुलिपि से कर रहे थे, और जिसे उन्होंने आपके प्रकट होने पर अपनी जेब में डाल लिया था।’
“‘यह सच है। लेकिन हमारे इस पुराने पारिवारिक रिवाज से उसका क्या लेना-देना हो सकता है, और इस सारी झंझट का क्या मतलब है?’”
मैंने कहा, “मुझे नहीं लगता कि हमें यह निर्धारित करने में ज्यादा कठिनाई होगी; आपकी अनुमति से हम ससेक्स के लिए पहली ट्रेन लेंगे और मौके पर ही इस मामले की थोड़ी और गहराई से जांच करेंगे।”
उसी दोपहर हम दोनों हर्लस्टोन में थे। संभवतः आपने उस प्रसिद्ध पुरानी इमारत की तस्वीरें देखी होंगी और उसके बारे में पढ़ा होगा, इसलिए मैं इसका वर्णन संक्षेप में ही करूँगा कि यह L आकार में बनी है। इसका लंबा भाग आधुनिक है, और छोटा भाग प्राचीन केंद्र है जिससे दूसरा भाग विकसित हुआ है। इस पुराने हिस्से के केंद्र में स्थित, भारी चौखट वाले निचले दरवाजे के ऊपर 1607 की तारीख खुदी हुई है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि बीम और पत्थर का काम वास्तव में इससे कहीं अधिक पुराना है। पिछली शताब्दी में इस हिस्से की अत्यधिक मोटी दीवारों और छोटी खिड़कियों के कारण परिवार को नया विंग बनाना पड़ा, और पुराने हिस्से का उपयोग

अब भंडारगृह और तहखाने के रूप में किया जाता था, जब भी इसका उपयोग होता था। घर के चारों ओर सुंदर पुराने पेड़ों से भरा एक भव्य पार्क है, और जिस झील का मेरे ग्राहक ने जिक्र किया था, वह इमारत से लगभग दो सौ गज की दूरी पर, रास्ते के पास स्थित है।

"वाटसन, मुझे पहले से ही पक्का यकीन था कि यहाँ तीन अलग-अलग रहस्य नहीं, बल्कि एक ही रहस्य है, और अगर मैं मुस्ग्रेव रिचुअल को सही ढंग से पढ़ पाता, तो मेरे हाथ में वो सुराग होता जो मुझे बटलर ब्रंटन और मेड हॉवेल्स दोनों के बारे में सच्चाई तक ले जाता। इसलिए मैंने अपनी सारी ऊर्जा इसी में लगा दी। आखिर इस नौकर को इस पुराने फ़ॉर्मूले को सीखने की इतनी जल्दी क्यों थी? ज़ाहिर है, क्योंकि उसे इसमें कुछ ऐसा नज़र आया था जो कई पीढ़ियों से ज़मींदारों की समझ से परे था, और जिससे उसे कोई निजी फ़ायदा मिलने की उम्मीद थी। तो फिर वो क्या था, और उसका उसके भाग्य पर क्या असर पड़ा था?"

"अनुष्ठान को पढ़ने पर मुझे यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया था कि माप किसी ऐसे स्थान को संदर्भित करते होंगे जिसका उल्लेख दस्तावेज़ के बाकी हिस्सों में किया गया है, और यदि हम उस स्थान को खोज लेते तो हम उस रहस्य को जानने के काफी करीब पहुंच जाते जिसके कारण बूढ़े मुस्ग्रेव्स ने शव को इतने विचित्र तरीके से संरक्षित करना आवश्यक समझा था। हमें शुरुआत में दो मार्गदर्शक दिए गए थे, एक बलूत का पेड़ और एक एल्म का पेड़। बलूत के पेड़ के बारे में तो कोई संदेह ही नहीं था। घर के ठीक सामने, रास्ते के बाईं ओर, बलूत के पेड़ों के बीच एक विशाल वृक्ष खड़ा था, जो मेरे द्वारा देखे गए सबसे शानदार पेड़ों में से एक था।

"जब हम उसके पास से गुजर रहे थे, तब मैंने कहा, 'यह तब भी वहीं था जब आपकी रस्म तैयार की गई थी।'"

"'संभवतः यह नॉर्मन विजय के समय से ही वहाँ मौजूद था,' उसने उत्तर दिया। 'इसकी परिधि तेईस फीट है।'"

"यहां मेरे एक निश्चित लक्ष्य को सुरक्षित कर लिया गया था।"

मैंने पूछा, "क्या आपके पास कोई पुराने एल्म के पेड़ हैं?"

"'वहाँ पर एक बहुत पुराना पेड़ हुआ करता था, लेकिन दस साल पहले उस पर बिजली गिर गई थी, और हमने उसका ठूंठ काट दिया था।'

"'क्या आप देख सकते हैं कि यह पहले कहाँ हुआ करता था?'"

"'ओह हां।'

"'क्या यहां कोई और एल्म के पेड़ नहीं हैं?'"

"'पुराने पेड़ तो नहीं हैं, लेकिन बीच के पेड़ बहुत सारे हैं।'"

मैं देखना चाहूंगा कि यह कहां उगा था।

"हम एक गाड़ी में बैठकर आए थे, और मेरे मुवक्किल मुझे घर में प्रवेश किए बिना ही तुरंत उस जगह ले गए जहाँ कभी एल्म का पेड़ खड़ा था। यह ओक के पेड़ और घर के लगभग बीच में था। मेरी जाँच आगे बढ़ती हुई प्रतीत हो रही थी।"

मैंने पूछा, "मुझे लगता है कि यह पता लगाना असंभव है कि एल्म का पेड़ कितना ऊंचा था।"

"'मैं आपको यह तुरंत दे सकता हूँ। यह चौंसठ फीट था।'

मैंने आश्चर्य से पूछा, 'आपको यह कैसे पता चला?'

"जब मेरे पुराने शिक्षक मुझे त्रिकोणमिति का अभ्यास देते थे, तो वह हमेशा ऊँचाई मापने के रूप में होता था। जब मैं छोटा था, तो मैंने उस इलाके के हर पेड़ और इमारत की ऊँचाई माप ली थी।"

“यह अप्रत्याशित सौभाग्य था। मेरा डेटा मेरी उम्मीद से कहीं अधिक तेजी से आ रहा था।”

मैंने पूछा, “मुझे बताइए, क्या आपके बटलर ने कभी आपसे ऐसा सवाल पूछा है?”

“रेजिनाल्ड मुस्ग्रेव ने आश्चर्य से मेरी ओर देखा। ‘अब जब आपने मुझे याद दिलाया है,’ उन्होंने उत्तर दिया, ‘ब्रंटन ने कुछ महीने पहले दूल्हे के साथ एक छोटे से विवाद के सिलसिले में मुझसे पेड़ की ऊंचाई के बारे में पूछा था।’”

“यह बहुत अच्छी खबर थी, वॉटसन, क्योंकि इससे मुझे पता चला कि मैं सही रास्ते पर हूँ। मैंने सूरज की ओर देखा। वह आकाश में नीचे था, और मैंने अनुमान लगाया कि एक घंटे से भी कम समय में वह पुराने ओक के पेड़ की सबसे ऊपरी शाखाओं के ठीक ऊपर होगा। तब अनुष्ठान में बताई गई एक शर्त पूरी हो जाएगी। और एल्म के पेड़ की छाया का मतलब छाया का दूर का सिरा होना चाहिए, अन्यथा तने को मार्गदर्शक के रूप में चुना जाता। तो मुझे यह पता लगाना था कि जब सूरज ओक के पेड़ से ठीक ऊपर होगा, तब छाया का दूर का सिरा कहाँ पड़ेगा।”

"होम्स, जब वह एल्म का पेड़ वहां नहीं था, तो यह बहुत मुश्किल रहा होगा।"

“खैर, कम से कम मुझे इतना तो पता था कि अगर ब्रंटन यह कर सकता है, तो मैं भी कर सकता हूं। इसके अलावा, कोई खास मुश्किल भी नहीं थी। मैं मुसग्रेव के साथ उसके स्टडी रूम में गया और अपने लिए यह खूंटी बनाई, जिस पर मैंने एक लंबी डोरी को हर गज पर एक गांठ लगाकर बांध दिया। फिर मैंने मछली पकड़ने वाली छड़ी के दो टुकड़े लिए, जिनकी लंबाई ठीक छह फीट थी, और मैं अपने ग्राहक के साथ उस जगह वापस गया जहां एल्म का पेड़ था। सूरज ओक के पेड़ की चोटी को छू रहा था। मैंने छड़ी को सीधा खड़ा किया, परछाई की दिशा को चिह्नित किया और उसे नापा। उसकी लंबाई नौ फीट थी।”

“अब हिसाब लगाना तो बहुत आसान था। अगर छह फुट की छड़ी नौ फुट की परछाई बनाती है, तो चौंसठ फुट का पेड़ छियानवे फुट की परछाई बनाएगा, और एक की रेखा दूसरे की रेखा के समान होगी। मैंने दूरी नापी, जिससे मैं लगभग घर की दीवार तक पहुंच गया, और मैंने उस जगह पर एक खूंटी गाड़ दी। वॉटसन, तुम मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रख सकते, जब खूंटी से दो इंच की दूरी पर मुझे ज़मीन में एक शंकु के आकार का गड्ढा दिखाई दिया। मैं समझ गया कि यह ब्रंटन द्वारा नापते समय बनाया गया निशान था, और मैं अभी भी उसके पीछे-पीछे चल रहा था।”

“इस शुरुआती बिंदु से मैंने कदम बढ़ाना शुरू किया, पहले मैंने अपनी जेब में रखे कंपास से मुख्य दिशाओं का पता लगाया। प्रत्येक पैर से दस कदम चलकर मैं घर की दीवार के समानांतर चला, और मैंने फिर से एक खूंटी से अपना स्थान चिह्नित किया। फिर मैंने सावधानीपूर्वक पूर्व की ओर पाँच कदम और दक्षिण की ओर दो कदम नापे। इससे मैं पुराने दरवाजे की दहलीज पर पहुंच गया। पश्चिम की ओर दो कदम चलने का मतलब था कि अब मुझे पत्थर से बने रास्ते पर दो कदम आगे जाना था, और यही वह स्थान था जो अनुष्ठान द्वारा इंगित किया गया था।”

"वॉटसन, मुझे इतनी गहरी निराशा पहले कभी नहीं हुई। एक पल के लिए तो मुझे लगा कि मेरी गणनाओं में कोई बड़ी गलती ज़रूर हुई है। ढलता सूरज गलियारे के फर्श पर पूरी तरह चमक रहा था, और मैं देख सकता था कि पुराने, घिसे-पिटे भूरे पत्थर, जिनसे यह बना था, मज़बूती से सीमेंट से जुड़े हुए थे, और निश्चित रूप से कई सालों से हिले नहीं थे। ब्रंटन ने यहाँ काम नहीं किया था। मैंने फर्श पर थपथपाया, लेकिन हर जगह से एक जैसी आवाज़ आई, और कोई दरार या छेद का निशान नहीं था। लेकिन, सौभाग्य से, मुस्ग्रेव, जो मेरी बातों का महत्व समझने लगा था, और जो अब मेरी ही तरह उत्तेजित था, उसने मेरी गणनाओं की जाँच करने के लिए अपनी पांडुलिपि निकाली।"

"'और नीचे,' वह चिल्लाया। 'तुमने "और नीचे" शब्द छोड़ दिया है।'"

"मैंने सोचा था कि इसका मतलब है कि हमें खुदाई करनी है, लेकिन अब, ज़ाहिर है, मुझे तुरंत समझ आ गया कि मैं गलत थी। 'तो इसके नीचे तहखाना है?' मैं चिल्लाई।"

"'हाँ, और घर जितना ही पुराना। यहाँ नीचे, इस दरवाजे से होकर।'

"हम घुमावदार पत्थर की सीढ़ियों से नीचे उतरे, और मेरे साथी ने माचिस जलाकर कोने में रखे एक बैरल पर रखे बड़े लालटेन को जलाया। पल भर में यह स्पष्ट हो गया कि हम आखिरकार सही जगह पर पहुँच गए थे, और हाल ही में उस स्थान पर आने वाले हम अकेले लोग नहीं थे।"

"इसका इस्तेमाल लकड़ी के भंडारण के लिए किया जाता था, लेकिन लकड़ी के गट्ठे, जो स्पष्ट रूप से फर्श पर बिखरे हुए थे, अब किनारों पर ढेर कर दिए गए थे, ताकि बीच में एक खाली जगह बन जाए। इस खाली जगह में एक बड़ा और भारी पत्थर पड़ा था जिसके बीच में एक जंग लगा लोहे का छल्ला था, जिससे एक मोटा चरवाहे की चेक वाला मफलर जुड़ा हुआ था।"

"'हे भगवान!' मेरे मुवक्किल ने चिल्लाकर कहा। 'यह ब्रंटन का साइलेंसर है। मैंने इसे उस पर देखा है और कसम खाकर कह सकता हूँ। वह बदमाश यहाँ क्या कर रहा था?'"

मेरे सुझाव पर काउंटी पुलिस के कुछ पुलिसकर्मियों को बुलाया गया, और फिर मैंने टाई खींचकर पत्थर उठाने की कोशिश की। मैं उसे केवल थोड़ा सा ही हिला सका, और एक कांस्टेबल की मदद से ही मैं आखिरकार उसे एक तरफ ले जाने में सफल हुआ। उसके नीचे एक गहरा काला गड्ढा दिखाई दिया जिसमें हम सब झाँक रहे थे, जबकि मुस्ग्रेव बगल में घुटनों के बल बैठकर लालटेन को नीचे दबा रहा था।

लगभग सात फुट गहरा और चार फुट चौकोर एक छोटा सा कमरा हमारे सामने खुला पड़ा था। इसके एक तरफ पीतल से ढका हुआ एक छोटा सा लकड़ी का बक्सा था, जिसका ढक्कन ऊपर की ओर टिका हुआ था और ताले से एक अजीब सी पुरानी चाबी बाहर निकली हुई थी। इसके बाहरी हिस्से पर धूल की मोटी परत जमी हुई थी और नमी व कीड़ों ने लकड़ी को कुतर दिया था, जिससे इसके अंदर फफूंद उग रही थी। बक्से के निचले हिस्से में धातु की कई डिस्क बिखरी हुई थीं, जो शायद पुराने सिक्के थे, जैसे कि मैंने यहां पकड़ रखे हैं, लेकिन इसके अलावा इसमें कुछ भी नहीं था।

"उस वक्त, हमारा ध्यान उस पुराने संदूक पर नहीं था, क्योंकि हमारी निगाहें उसके बगल में दुबके हुए व्यक्ति पर टिकी हुई थीं। वह एक आदमी था, जिसने काले रंग का सूट पहना हुआ था, जो अपने घुटनों के बल बैठा था, उसका माथा संदूक के किनारे पर टिका हुआ था और उसकी दोनों भुजाएँ संदूक के दोनों ओर फैली हुई थीं। इस मुद्रा के कारण सारा जमा हुआ खून उसके चेहरे पर आ गया था, और कोई भी उस विकृत, जिगर जैसे लाल चेहरे को पहचान नहीं सकता था; लेकिन उसकी लंबाई, उसके कपड़े और उसके बाल, ये सब मेरे मुवक्किल को यह बताने के लिए काफी थे कि जब हमने शव को ऊपर उठाया, तो वह वास्तव में उसका लापता बटलर था। उसकी मृत्यु कुछ दिन पहले हुई थी, लेकिन उसके शरीर पर कोई घाव या चोट नहीं थी जिससे पता चले कि उसकी भयानक मृत्यु कैसे हुई। जब उसके शव को तहखाने से बाहर निकाला गया, तो हमने खुद को एक ऐसी समस्या से घिरा पाया जो लगभग उतनी ही कठिन थी जितनी कि हमने शुरुआत में देखी थी।"

"मैं स्वीकार करता हूँ कि अब तक, वॉटसन, मेरी जाँच में निराशा ही हाथ लगी है। मैंने सोचा था कि अनुष्ठान में वर्णित स्थान मिल जाने पर मामला सुलझ जाएगा; लेकिन अब मैं वहाँ पहुँच चुका था, और ऐसा लग रहा था कि मैं अभी भी इस बात से बहुत दूर था कि परिवार ने इतनी सावधानी से क्या छिपा रखा था। यह सच है कि मैंने ब्रंटन के

भाग्य पर कुछ प्रकाश डाला था, लेकिन अब मुझे यह पता लगाना था कि उसके साथ ऐसा कैसे हुआ, और गायब हुई महिला ने इस मामले में क्या भूमिका निभाई थी। मैं कोने में रखे एक पीपे पर बैठ गया और पूरे मामले पर ध्यान से विचार करने लगा।"

"वॉटसन, ऐसे मामलों में तुम मेरे तरीके जानते हो। मैं खुद को उस आदमी की जगह पर रखकर सोचता हूँ, और पहले उसकी बुद्धिमत्ता का आकलन करके, यह कल्पना करने की कोशिश करता हूँ कि मैं खुद उन्हीं परिस्थितियों में कैसे आगे बढ़ता। इस मामले में ब्रंटन की बुद्धिमत्ता असाधारण थी, इसलिए व्यक्तिगत समीकरण (जैसा कि खगोलविदों ने इसे नाम दिया है) पर विचार करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। वह जानता था कि कोई कीमती चीज छिपी हुई है। उसने वह जगह ढूंढ ली थी। उसने पाया कि उस जगह को ढकने वाला पत्थर इतना भारी था कि कोई आदमी उसे अकेले नहीं हिला सकता था। अब वह आगे क्या करता? बाहर से मदद नहीं मिल सकती थी, भले ही उसके पास कोई भरोसेमंद व्यक्ति होता, क्योंकि दरवाजे खोलने और पकड़े जाने का काफी जोखिम था। बेहतर होता अगर उसकी मदद घर के अंदर ही होती। लेकिन वह किससे पूछता? यह लड़की उससे बहुत प्यार करती थी। एक आदमी के लिए यह स्वीकार करना हमेशा मुश्किल होता है कि उसने आखिरकार एक औरत का प्यार खो दिया है, चाहे उसने उसके साथ कितना भी बुरा बर्ताव किया हो। वह कुछ विनम्रता दिखाकर हॉवेल्स नाम की लड़की से सुलह करने की कोशिश करेगा, और फिर उससे संपर्क करेगा। वह उसकी सह-कलाकार थी। वे दोनों रात में तहखाने में आते और उनकी संयुक्त शक्ति पत्थर को उठाने के लिए पर्याप्त होती। अब तक मैं उनकी गतिविधियों को इस तरह समझ पा रहा था मानो मैंने उन्हें सचमुच देखा हो।

"उनमें से दो लोगों के लिए, जिनमें एक महिला भी थी, उस पत्थर को उठाना बहुत मुश्किल काम रहा होगा। एक तगड़े ससेक्स पुलिसवाले और मुझे भी यह काम आसान नहीं लगा था। वे उनकी मदद के लिए क्या करते? शायद वही जो मैं खुद करता। मैं उठा और फर्श पर बिखरे लकड़ी के अलग-अलग टुकड़ों का ध्यान से निरीक्षण किया। लगभग तुरंत ही मुझे वही मिला जिसकी मुझे उम्मीद थी। लगभग तीन फुट लंबे एक टुकड़े के एक सिरे पर गहरा गड्ढा था, जबकि कई टुकड़े किनारों से चपटे थे, मानो उन पर किसी भारी वजन का दबाव पड़ा हो। जाहिर है, पत्थर को ऊपर खींचते समय उन्होंने लकड़ी के टुकड़ों को दरार में ठूंस दिया होगा, जब तक कि अंत में छेद इतना बड़ा नहीं हो गया कि उसमें से रेंगकर निकला जा सके। फिर उन्होंने उसे एक लकड़ी के टुकड़े से खुला रखा होगा, जो नीचे से धंस सकता था, क्योंकि पत्थर का पूरा वजन उसे दूसरे स्लैब के किनारे पर दबा देता था। अभी तक तो मैं सुरक्षित था।"

"अब मैं इस आधी रात के नाटक को कैसे सुलझाऊं? ज़ाहिर है, उस छेद में केवल एक ही व्यक्ति समा सकता था, और वह था ब्रंटन। लड़की ऊपर इंतज़ार कर रही होगी। फिर ब्रंटन ने बक्सा खोला, संभवतः उसके अंदर की चीज़ें ऊपर दे दीं—क्योंकि वे मिल नहीं रही थीं—और फिर—और फिर क्या हुआ?"

"इस भावुक सेल्टिक महिला की आत्मा में प्रतिशोध की कौन सी सुलगती आग अचानक भड़क उठी थी जब उसने उस आदमी को देखा जिसने उसके साथ अन्याय किया था—शायद जितना हमने सोचा था उससे कहीं अधिक अन्याय किया था—उसके वश में? क्या यह महज़ संयोग था कि लकड़ी खिसक गई थी और पत्थर ने ब्रंटन को उसकी कब्र में बंद कर दिया था? क्या वह केवल उसके भाग्य के प्रति मौन रहने की दोषी थी? या उसके हाथ के किसी अचानक प्रहार ने सहारे को तोड़ दिया और शिलाखंड को उसकी जगह पर गिरा दिया? जो भी हो, मुझे ऐसा लग रहा था कि वह महिला अभी भी अपने खजाने को पकड़े हुए घुमावदार सीढ़ियों पर बेतहाशा दौड़ रही थी, उसके कान शायद उसके पीछे से आती दबी हुई चीखों से गूंज रहे थे और उसके

उन्मत्त हाथों की धमक उस पत्थर के शिलाखंड पर गूंज रही थी जो उसके बेवफा प्रेमी का गला घोंट रहा था।"

"उसके पीले पड़े चेहरे, उसकी घबराहट और अगली सुबह उसकी बेसुध हंसी का राज़ यही था। लेकिन उस डिब्बे में क्या था? उसने उसका क्या किया था? बेशक, उसमें वही पुराना धातु और कंकड़ रहे होंगे जिन्हें मेरी मुवक्किल झील से खींचकर लाई थी। उसने अपने अपराध के आखिरी निशान को मिटाने के लिए मौका मिलते ही उन्हें उसमें फेंक दिया था।"

"मैं बीस मिनट तक बिना हिले-डुले बैठा रहा, इस मामले पर विचार करता रहा। मुसग्रेव अभी भी बहुत पीले चेहरे के साथ खड़ा था, अपनी लालटेन घुमा रहा था और गड्ढे में नीचे झाँक रहा था।"

"'ये चार्ल्स प्रथम के सिक्के हैं,' उसने बक्से में रखे कुछ सिक्के दिखाते हुए कहा; 'देखिए, हमने अनुष्ठान के लिए अपनी तारीख तय करने में सही निर्णय लिया था।'"

"'हमें चार्ल्स प्रथम के बारे में कुछ और भी मिल सकता है,' मैंने चिल्लाकर कहा, क्योंकि अनुष्ठान के पहले दो प्रश्नों का संभावित अर्थ अचानक मेरे दिमाग में आ गया। 'मुझे वह थैला दिखाओ जो तुमने झील से निकाला था।'"

हम उनके अध्ययन कक्ष में गए और उन्होंने मलबा मेरे सामने रख दिया। जब मैंने उसे देखा तो मुझे समझ आया कि वे इसे कम महत्व का क्यों मान रहे थे, क्योंकि धातु लगभग काली थी और पत्थर फीके और बेजान थे। हालाँकि, मैंने उनमें से एक को अपनी आस्तीन पर रगड़ा, और उसके बाद वह मेरी हथेली के अंधेरे गड्ढे में चिंगारी की तरह चमक उठा। धातु का काम दोहरी अंगूठी के आकार का था, लेकिन वह अपने मूल आकार से मुड़ा और विकृत हो गया था।

मैंने कहा, 'आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि राजा की मृत्यु के बाद भी शाही दल ने इंग्लैंड में अपना दबदबा बनाए रखा, और जब वे अंततः भाग गए तो संभवतः उन्होंने अपनी कई सबसे कीमती संपत्तियाँ पीछे दफना दी थीं, ताकि वे अधिक शांतिपूर्ण समय में वापस आकर उन्हें प्राप्त कर सकें।'

"'मेरे पूर्वज, सर राल्फ मुस्ग्रेव, एक प्रमुख घुड़सवार थे और चार्ल्स द्वितीय के भ्रमण में उनके दाहिने हाथ थे,' मेरे मित्र ने कहा।

"'अहा, बिल्कुल!' मैंने उत्तर दिया। 'अच्छा, मुझे लगता है कि इससे हमें वह आखिरी कड़ी मिल जाएगी जिसकी हमें तलाश थी। मैं आपको बधाई देता हूं कि आपने एक ऐसे अवशेष को प्राप्त किया है, भले ही वह कुछ दुखद तरीके से हुआ हो, जिसका आंतरिक मूल्य तो बहुत अधिक है ही, साथ ही ऐतिहासिक जिज्ञासा के रूप में इसका महत्व और भी अधिक है।'

"'तो फिर यह क्या है?' वह अचरज से हांफते हुए बोला।

"'यह इंग्लैंड के राजाओं के प्राचीन मुकुट से कम नहीं है।'"

"'मुकुट!'"

"बिल्कुल सही। ज़रा इस अनुष्ठान पर गौर कीजिए। यह कैसे चलता है? "यह किसका था?" "उसका जो अब इस दुनिया में नहीं है।" यह चार्ल्स के फांसी के बाद की बात है। फिर, "यह किसे मिलेगा?" "उसे जो आने वाला है।" वह चार्ल्स द्वितीय था, जिसके आगमन की भविष्यवाणी पहले ही हो चुकी थी। मुझे लगता है, इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता कि यह जर्जर और बेढंगा मुकुट कभी शाही स्टुअर्ट वंश के माथे की शोभा बढ़ाता था।"

"'और यह तालाब में कैसे आया?'"

"'अरे, इस सवाल का जवाब देने में थोड़ा समय लगेगा।' और इतना कहकर मैंने उसे अपने द्वारा तैयार किए गए अनुमानों और प्रमाणों की पूरी लंबी श्रृंखला संक्षेप में

बता दी। मेरी कहानी खत्म होने से पहले ही शाम ढलने लगी थी और आसमान में चाँद तेज़ी से चमक रहा था।”

“‘तो फिर ऐसा क्यों हुआ कि चार्ल्स को लौटने पर उसका ताज नहीं मिला?’ मुस्ग्रेव ने अवशेष को वापस उसके लिनेन बैग में रखते हुए पूछा।

“अहा, आपने ठीक वही बात पकड़ ली है जिसे हम शायद कभी सुलझा नहीं पाएंगे। संभव है कि जिस मुस्ग्रेव के पास यह रहस्य था, उसकी इस बीच मृत्यु हो गई हो, और किसी भूलवश उसने इस मार्गदर्शिका को अपने वंशज को बिना इसका अर्थ समझाए छोड़ दिया हो। उस दिन से लेकर आज तक यह पीढ़ी दर पीढ़ी पिता से पुत्र को मिलती रही है, और अंत में यह एक ऐसे व्यक्ति के हाथ लगी जिसने इसका रहस्य उजागर किया और इस प्रयास में अपनी जान गंवा दी।”

“और यही है मुसग्रेव अनुष्ठान की कहानी, वॉटसन। हर्लस्टोन में ताज रखा हुआ है—हालांकि इसे अपने पास रखने की अनुमति मिलने से पहले उन्हें कुछ कानूनी पेचीदगियां और एक बड़ी रकम चुकानी पड़ी थी। मुझे यकीन है कि अगर आप मेरा नाम लेंगे तो वे आपको इसे दिखाने में खुशी-खुशी मदद करेंगे। उस महिला के बारे में कभी कुछ पता नहीं चला, और संभावना यही है कि वह इंग्लैंड से भाग गई और अपने अपराध की याद को अपने साथ लेकर समुद्र पार किसी देश में चली गई।”

रीगेट पहेली

मेरे मित्र श्री शर्लक होम्स को 1987 की वसंत ऋतु में किए गए अथक परिश्रम से उत्पन्न तनाव से उबरने में कुछ समय लगा। नीदरलैंड-सुमात्रा कंपनी और बैरन मौपर्टुइस की विशाल योजनाओं का पूरा मामला जनता के मन में अभी भी ताजा है और राजनीति एवं वित्त से इतना गहराई से जुड़ा हुआ है कि यह रेखाचित्रों की इस श्रृंखला के लिए उपयुक्त विषय नहीं है। हालांकि, अप्रत्यक्ष रूप से इसने एक विलक्षण और जटिल समस्या को जन्म दिया, जिसने मेरे मित्र को अपराध के विरुद्ध अपने जीवन भर के संघर्ष में इस्तेमाल किए गए अनेक हथियारों में से एक नए हथियार के महत्व को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

अपने नोट्स देखने पर मुझे पता चला कि चौदह अप्रैल को मुझे ल्योंस से एक टेलीग्राम मिला था जिसमें बताया गया था कि होम्स होटल डुलोंग में बीमार हैं। चौबीस घंटे के भीतर मैं उनके कमरे में था और यह जानकर राहत मिली कि उनके लक्षणों में कुछ भी गंभीर नहीं था। हालांकि, दो महीने से चल रही जांच के तनाव के कारण उनका मजबूत स्वास्थ्य भी टूट गया था, इस दौरान उन्होंने कभी भी दिन में पंद्रह घंटे से कम काम नहीं किया था और जैसा कि उन्होंने मुझे बताया, एक से अधिक बार लगातार पांच दिनों तक काम किया था। इतनी भीषण मेहनत के बाद उनकी मेहनत की जीत भी उन्हें प्रतिक्रिया से नहीं बचा सकी, और ऐसे समय में जब पूरा यूरोप उनके नाम से गूंज रहा था और उनका कमरा बधाई के टेलीग्रामों से भरा हुआ था, मैंने उन्हें घोर अवसाद में डूबा हुआ पाया। यहां तक कि यह जानकर भी कि उन्होंने वह काम कर दिखाया है जहां तीन देशों की पुलिस विफल रही थी, और उन्होंने यूरोप के सबसे शातिर धोखेबाज को हर स्तर पर मात दे दी थी, वे अपनी मानसिक कमजोरी से बाहर नहीं निकल पाए।

तीन दिन बाद हम फिर से बेकर स्ट्रीट में साथ थे; लेकिन यह स्पष्ट था कि मेरे मित्र को बदलाव से बहुत फायदा होगा, और ग्रामीण इलाके में वसंत ऋतु का एक सप्ताह बिताने का विचार मुझे भी बहुत लुभा रहा था। मेरे पुराने मित्र, कर्नल हेयटर, जो अफगानिस्तान में मेरी पेशेवर देखरेख में थे, ने अब सरे के रीगेट के पास एक घर ले लिया था और अक्सर मुझे उनसे मिलने आने के लिए कहते थे। पिछली बार उन्होंने कहा था कि अगर मेरा मित्र मेरे साथ आ जाए तो उन्हें भी अपने यहां मेहमाननवाज़ी

करने में खुशी होगी। थोड़ी कूटनीति की ज़रूरत थी, लेकिन जब होम्स को पता चला कि यह घर कुंवारे लोगों का है, और उन्हें पूरी आज़ादी दी जाएगी, तो वह मेरी योजना में शामिल हो गए और ल्यों से लौटने के एक सप्ताह बाद हम कर्नल के घर में थे। हेयटर एक शानदार पुराने सैनिक थे जिन्होंने दुनिया का बहुत कुछ देखा था, और उन्होंने जल्द ही पाया, जैसा कि मैंने अनुमान लगाया था, कि होम्स और उनमें बहुत कुछ समान था।

हमारे आगमन की शाम को हम रात के खाने के बाद कर्नल के तोपखाने के कमरे में बैठे थे, होम्स सोफे पर आराम कर रहे थे, जबकि हेयटर और मैं उनके पूर्वी हथियारों के छोटे से शस्त्रागार को देख रहे थे।

“वैसे,” उसने अचानक कहा, “मुझे लगता है कि मैं इनमें से एक पिस्तौल अपने साथ ऊपर ले जाऊंगा, कहीं अलार्म बज जाए तो।”

“एक अलार्म!” मैंने कहा।

"जी हां, हाल ही में हमारे इलाके में एक घटना हुई है जिससे लोग थोड़ा घबरा गए थे। ओल्ड एक्टन, जो हमारे काउंटी के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं, उनके घर में पिछले सोमवार को चोरी हो गई। ज्यादा नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन चोर अभी भी फरार हैं।"

"कोई सुराग नहीं?" होम्स ने कर्नल की ओर आंख तानते हुए पूछा।

“अभी तक तो कुछ नहीं। लेकिन मामला मामूली है, हमारे देश में होने वाले छोटे-मोटे अपराधों में से एक है, जो इस बड़े अंतरराष्ट्रीय मामले के बाद शायद आपको ज्यादा ध्यान देने लायक न लगे, श्रीमान होम्स।”

होम्स ने तारीफ को नजरअंदाज कर दिया, हालांकि उनकी मुस्कान से पता चलता था कि उन्हें यह तारीफ अच्छी लगी थी।

"क्या कोई दिलचस्प विशेषता थी?"

मुझे ऐसा नहीं लगता। चोरों ने पुस्तकालय को तहस-नहस कर दिया और उन्हें बहुत कम सामान मिला। पूरी जगह उलट-पुलट कर दी गई, दराजें तोड़ दी गईं और अलमारियों को तहस-नहस कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप पोप के होमर की एक दुर्लभ पुस्तक, दो प्लेटेड मोमबत्ती स्टैंड, एक हाथीदांत का लेटर-वेट, एक छोटा ओक का बैरोमीटर और धागे का एक गोला ही गायब हुआ है।

“कितना अद्भुत संग्रह है!” मैंने विस्मित होकर कहा।

"ओह, ऐसा लगता है कि उन लोगों ने जो कुछ भी मिल सका, सब कुछ हथिया लिया।"

होम्स सोफे से कराह उठा।

उन्होंने कहा, "काउंटी पुलिस को इस पर कुछ कार्रवाई करनी चाहिए; यह तो बिल्कुल स्पष्ट है कि—"

लेकिन मैंने चेतावनी भरी उंगली उठाई।

“मेरे प्रिय मित्र, आप यहां आराम करने आए हैं। भगवान के लिए, जब आपके सारे तंत्रिका तंत्र तनावग्रस्त हों, तब कोई नई समस्या सुलझाने की कोशिश न करें।”

होम्स ने कर्नल की ओर हास्यपूर्ण निराशा भरी नजर से देखते हुए अपने कंधे उचका दिए, और बातचीत कम खतरनाक विषयों की ओर मुड़ गई।

हालांकि, मेरी सारी पेशेवर सावधानी व्यर्थ ही जानी तय थी, क्योंकि अगली सुबह समस्या इस तरह से हमारे सामने आ गई कि उसे अनदेखा करना असंभव था, और हमारी ग्रामीण यात्रा ने ऐसा मोड़ ले लिया जिसकी हममें से किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। हम नाश्ता कर रहे थे जब कर्नल का बटलर अपनी सारी मर्यादा खोकर अंदर आ गया।

“क्या आपने खबर सुनी है, महोदय?” वह हांफते हुए बोला। “कानिंघम के घर पर, महोदय!”

"चोरी!" कर्नल ने हवा में कॉफी का कप लहराते हुए चिल्लाया।

“हत्या!”

कर्नल ने सीटी बजाई। "हे भगवान!" उसने कहा। "तो फिर कौन मारा गया? जे.पी. या उसका बेटा?"

“नहीं, महोदय। वह कोचवान विलियम था। उसके दिल में गोली लगी थी, महोदय, और वह फिर कभी नहीं बोला।”

“तो फिर उसे गोली किसने मारी?”

“वह चोर, महोदय। वह बिजली की तरह भागा और तुरंत बच निकला। उसने जैसे ही पेंट्री की खिड़की से सेंध लगाई, विलियम उसके पास आया और अपने मालिक की संपत्ति को बचाते हुए अपनी जान दे दी।”

"कितने बजे?"

"यह कल रात की बात है, महोदय, लगभग बारह बजे के आसपास।"

“अच्छा, तो हम बाद में चलेंगे,” कर्नल ने शांत भाव से नाश्ता करते हुए कहा। “यह बहुत बुरा मामला है,” बटलर के जाने के बाद उन्होंने आगे कहा; “यहाँ का हमारा मुख्य आदमी, बूढ़ा कनिंघम, बहुत ही नेक इंसान है। वह इस बात से बहुत परेशान होगा, क्योंकि वह आदमी सालों से उसकी सेवा में था और एक अच्छा नौकर था। जाहिर है, ये वही बदमाश हैं जिन्होंने एक्टन में सेंध लगाई थी।”

"और उन्होंने वह अनूठा संग्रह चुरा लिया," होम्स ने सोच-समझकर कहा।

"एकदम सही।"

हम्म! यह दुनिया का सबसे सरल मामला लग सकता है, लेकिन पहली नज़र में यह थोड़ा अजीब लगता है, है ना? ग्रामीण इलाकों में सक्रिय चोरों के गिरोह से यह उम्मीद की जा सकती है कि वे अपने काम करने की जगह बदलते रहेंगे, न कि कुछ ही दिनों में एक ही इलाके में दो घरों में सेंध लगाएंगे। कल रात जब आपने एहतियात बरतने की बात कही थी, तो मुझे याद है कि मेरे मन में यह ख्याल आया था कि शायद यह इंग्लैंड का आखिरी इलाका होगा जहाँ चोर या चोरों का ध्यान जाएगा - जिससे पता चलता है कि मुझे अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है।

“मुझे लगता है कि यह कोई स्थानीय चिकित्सक होगा,” कर्नल ने कहा। “ऐसे में, एक्टन और कनिंघम ही वो जगहें होंगी जहाँ वो जाना पसंद करेगा, क्योंकि ये दोनों यहाँ के सबसे बड़े क्लीनिक हैं।”

और सबसे अमीर?

"खैर, उन्हें होना तो चाहिए था, लेकिन उन पर कई सालों से एक मुकदमा चल रहा है जिसने उन दोनों का खून चूस लिया है, मुझे लगता है। ओल्ड एक्टन का कनिंघम की आधी संपत्ति पर दावा है, और वकील इस मामले में जी-जान से जुटे हुए हैं।"

“अगर वो कोई स्थानीय बदमाश है तो उसे पकड़ने में ज्यादा मुश्किल नहीं होनी चाहिए,” होम्स ने जुम्हाई लेते हुए कहा। “ठीक है, वॉटसन, मैं दखल नहीं देना चाहता।”

"इंस्पेक्टर फॉरेस्टर, महोदय," नौकर ने दरवाजा खोलते हुए कहा।

एक तेज-तर्रार, चुस्त-दुरुस्त चेहरे वाला युवक, अधिकारी कमरे में दाखिल हुआ। उसने कहा, "सुप्रभात, कर्नल जी। मुझे उम्मीद है कि मैं दखल नहीं दे रहा हूँ, लेकिन हमें पता चला है कि बेकर स्ट्रीट के श्री होम्स यहाँ आए हुए हैं।"

कर्नल ने मेरे दोस्त की ओर हाथ हिलाया और इंस्पेक्टर ने झुककर अभिवादन किया।

"हमें लगा कि शायद आप पार आना चाहेंगे, श्री होम्स।"

"तुम्हारे खिलाफ किस्मत है, वॉटसन," उसने हंसते हुए कहा। "इंस्पेक्टर, जब आप अंदर आए, तब हम इसी मामले पर बात कर रहे थे। शायद आप हमें कुछ जानकारी दे सकें।" जैसे ही वह अपनी कुर्सी पर हमेशा की तरह पीछे झुक गया, मैं समझ गया कि मामला निराशाजनक था।

"एक्टन मामले में हमारे पास कोई सुराग नहीं था। लेकिन यहाँ हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि दोनों मामलों में एक ही व्यक्ति शामिल है। उस व्यक्ति को देखा गया था।"

आह!"

जी हाँ, महोदय। लेकिन बेचारे विलियम किरवान को मारने वाली गोली चलने के बाद वह हिरण की तरह भाग निकला। श्री कनिंघम ने उसे बेडरूम की खिड़की से देखा, और श्री एलेक कनिंघम ने उसे पीछे के गलियारे से देखा। पौने बारह बजे अलार्म बजा। श्री कनिंघम अभी बिस्तर पर लेटे ही थे, और श्री एलेक अपने ड्रेसिंग गाउन में पाइप पी रहे थे। दोनों ने कोचवान विलियम को मदद के लिए पुकारते सुना, और श्री एलेक यह देखने के लिए नीचे भागे कि क्या हुआ है। पिछला दरवाजा खुला था, और जैसे ही वह सीढ़ियों के नीचे पहुंचे, उन्होंने बाहर दो आदमियों को आपस में लड़ते देखा। उनमें से एक ने गोली चलाई, दूसरा गिर गया, और हत्यारा बगीचे से होते हुए झाड़ी के ऊपर से भाग गया। श्री कनिंघम, अपने बेडरूम से बाहर देखते हुए, उस आदमी को सड़क पर पहुँचते हुए देखा, लेकिन तुरंत ही वह उनकी नज़रों से ओझल हो गया। श्री एलेक यह देखने के लिए रुके कि क्या वह मरते हुए आदमी की मदद कर सकते हैं, और इस तरह वह बदमाश भाग निकला। इस तथ्य के अलावा कि वह मध्यम कद का आदमी था और उसने कुछ गहरे रंग का कपड़ा पहना हुआ था, हमारे पास कोई व्यक्तिगत सुराग नहीं है; लेकिन हम पूरी लगन से पूछताछ कर रहे हैं, और अगर वह अजनबी है तो हम जल्द ही उसका पता लगा लेंगे।"

"विलियम वहां क्या कर रहा था? क्या मरने से पहले उसने कुछ कहा था?"

"एक शब्द भी नहीं। वह अपनी माँ के साथ लॉज में रहता है, और क्योंकि वह बहुत वफादार आदमी था, इसलिए हम मानते हैं कि वह यह देखने के इरादे से घर तक गया होगा कि वहाँ सब ठीक है या नहीं। ज़ाहिर है, एक्टन की इस घटना ने सबको सतर्क कर दिया है। लुटेरे ने ताला तोड़कर दरवाज़ा खोला होगा और तभी विलियम वहाँ पहुँच गया।"

"क्या विलियम ने बाहर जाने से पहले अपनी मां से कुछ कहा था?"

"वह बहुत बूढ़ी और बहरी हैं, और हम उनसे कोई जानकारी नहीं ले पा रहे हैं। सदमे से उनकी बुद्धि मंदबुद्धि हो गई है, लेकिन मुझे पता है कि वह कभी भी बहुत बुद्धिमान नहीं थीं। हालांकि, एक बहुत महत्वपूर्ण बात है। इसे देखिए!"

उसने नोटबुक से कागज का एक छोटा सी फटा हुआ टुकड़ा लिया और उसे अपने घुटने पर फैला दिया।

"यह मृत व्यक्ति की उंगली और अंगूठे के बीच मिला था। ऐसा प्रतीत होता है कि यह एक बड़े कागज का टुकड़ा है। आप देखेंगे कि इस पर अंकित समय वही है जब उस बेचारे की मृत्यु हुई थी। आप देख सकते हैं कि उसके हत्यारे ने शायद उससे बाकी का कागज फाड़ दिया हो या उसने हत्यारे से यह टुकड़ा ले लिया हो। इसे पढ़कर ऐसा लगता है मानो यह कोई नियत समय हो।"

होम्स ने कागज का वह टुकड़ा उठाया, जिसकी एक प्रतिकृति यहां प्रस्तुत की गई है।

पौने बारह बजे

जानें कि क्या

मई

निरीक्षक ने आगे कहा, "यह मानते हुए कि यह एक मुलाकात थी, यह एक संभावित सिद्धांत है कि विलियम किरवान, हालांकि वह एक ईमानदार व्यक्ति के रूप में जाना जाता था, चोर के साथ मिला हुआ हो सकता है। हो सकता है कि वह उससे वहीं मिला हो, हो सकता है कि उसने दरवाजा तोड़ने में उसकी मदद भी की हो, और फिर उनके बीच झगड़ा हो गया हो।"

“यह लेख बेहद दिलचस्प है,” होम्स ने कहा, जो इसे गहन एकाग्रता से पढ़ रहे थे। “मामला जितना मैंने सोचा था उससे कहीं अधिक जटिल है।” उन्होंने अपना सिर हाथों पर टिका लिया, जबकि इंस्पेक्टर ने लंदन के इस प्रसिद्ध विशेषज्ञ पर अपने मामले के प्रभाव को देखकर मुस्कुरा दिया।

“आपकी पिछली टिप्पणी,” होम्स ने थोड़ी देर बाद कहा, “चोर और नौकर के बीच किसी समझौते की संभावना और इस पत्र का एक-दूसरे को भेजा गया मुलाकात का पत्र होने की बात एक चतुर और पूरी तरह असंभव अनुमान नहीं है। लेकिन यह लेख कई बातें सामने लाता है—” उन्होंने अपना सिर फिर से अपने हाथों में झुका लिया और कुछ मिनटों तक गहरी सोच में डूबे रहे। जब उन्होंने अपना चेहरा उठाया तो मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उनके गालों पर लाली थी और उनकी आँखें बीमारी से पहले की तरह ही चमक रही थीं। वे अपनी पूरी पुरानी ऊर्जा के साथ उछल पड़े।

“मैं आपको बताता हूँ,” उसने कहा, “मैं इस मामले की बारीकियों पर एक नज़र डालना चाहता हूँ। इसमें कुछ ऐसा है जो मुझे बेहद आकर्षित करता है। अगर आप मुझे अनुमति दें, कर्नल, तो मैं अपने मित्र वॉटसन और आपको छोड़कर इंस्पेक्टर के साथ एक-दो छोटी-मोटी कल्पनाओं की सच्चाई जानने के लिए निकलूंगा। मैं आधे घंटे में फिर आपके पास आ जाऊंगा।”

निरीक्षक के अकेले लौटने से पहले डेढ़ घंटा बीत चुका था।

“श्री होम्स बाहर खेत में इधर-उधर टहल रहे हैं,” उसने कहा। “वह चाहते हैं कि हम चारों एक साथ घर चलें।”

“मिस्टर कनिंघम के यहाँ?”

"जी श्रीमान।"

“किसलिए?”

इंस्पेक्टर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे ठीक से नहीं पता महोदय। हम दोनों के बीच, मुझे लगता है कि श्री होम्स अभी तक अपनी बीमारी से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। उनका व्यवहार बहुत अजीब है और वे बहुत उत्तेजित हैं।"

मैंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि आपको घबराने की जरूरत है। मैंने आमतौर पर पाया है कि उसके पागलपन में भी एक तरीका होता है।"

इंस्पेक्टर ने बुदबुदाते हुए कहा, "कुछ लोग कह सकते हैं कि उसके तरीके में पागलपन था। लेकिन कर्नल जी, वह तो पूरी तरह से जोश में है, इसलिए अगर आप तैयार हैं तो हमें निकल जाना चाहिए।"

हमने होम्स को खेत में इधर-उधर टहलते हुए पाया, उसकी ठुड्डी उसकी छाती पर टिकी हुई थी और उसके हाथ उसकी पतलून की जेबों में थे।

उन्होंने कहा, “इस मामले में दिलचस्पी बढ़ती जा रही है। वॉटसन, आपकी देश यात्रा बेहद सफल रही है। मेरी सुबह बहुत सुखद रही।”

“मुझे पता चला है कि आप अपराध स्थल तक गए थे,” कर्नल ने कहा।

"जी हां, मैंने और इंस्पेक्टर ने मिलकर थोड़ी बहुत जासूसी की है।"

“कोई सफलता मिली?”

“खैर, हमने कुछ बहुत ही दिलचस्प चीजें देखी हैं। चलते-चलते मैं आपको बताता हूँ कि हमने क्या-क्या देखा। सबसे पहले, हमने इस दुर्भाग्यपूर्ण व्यक्ति का शव देखा। जैसा कि बताया गया है, उसकी मौत रिवॉल्वर की गोली लगने से हुई है।”

"क्या आपको तब इस पर संदेह था?"

“हाँ, हर चीज़ की जाँच करना ज़रूरी था। हमारी जाँच व्यर्थ नहीं गई। फिर हमने श्री कनिंघम और उनके बेटे से बात की, जिन्होंने ठीक-ठीक वह जगह बता दी जहाँ से हत्यारा भागते समय बगीचे की बाड़ तोड़कर निकला था। यह जानकारी बहुत महत्वपूर्ण थी।”

"सहज रूप में।"

“फिर हमने इस बेचारे की माँ को देखा। हालाँकि, हम उनसे कोई जानकारी प्राप्त नहीं कर सके, क्योंकि वह बहुत बूढ़ी और कमजोर हैं।”

और आपकी जांच का क्या नतीजा निकला?

“यह दृढ़ विश्वास है कि यह अपराध बहुत ही विचित्र है। शायद हमारी यह यात्रा इसे कुछ हद तक स्पष्ट करने में सहायक हो। इंस्पेक्टर महोदय, मुझे लगता है कि हम दोनों इस बात पर सहमत हैं कि मृत व्यक्ति के हाथ में मिला कागज का टुकड़ा, जिस पर उसकी मृत्यु का समय स्पष्ट रूप से लिखा हुआ है, अत्यंत महत्वपूर्ण है।”

"इससे कुछ सुराग मिल जाएगा, मिस्टर होम्स।"

“इससे एक सुराग तो मिलता है। जिसने भी वह नोट लिखा था, वही वह आदमी था जिसने विलियम किरवान को उस समय बिस्तर से उठाया था। लेकिन उस कागज का बाकी हिस्सा कहाँ है?”

निरीक्षक ने कहा, "मैंने इसे ढूंढने की उम्मीद में जमीन का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया।"

“यह कागज़ मरे हुए आदमी के हाथ से छीना गया था। कोई इसे पाने के लिए इतना बेचैन क्यों था? क्योंकि इससे वह दोषी साबित हो सकता था। और वह इसका क्या करता? शायद इसे अपनी जेब में रख लेता, और उसे पता भी नहीं चलता कि इसका एक कोना लाश के हाथ में रह गया है। अगर हमें उस कागज़ का बाकी हिस्सा मिल जाए तो हम इस रहस्य को सुलझाने में बहुत आगे बढ़ जाएंगे।”

"हां, लेकिन अपराधी को पकड़ने से पहले हम उसकी जेब तक कैसे पहुंच सकते हैं?"

“अच्छा, अच्छा, इस पर विचार करना उचित था। फिर एक और स्पष्ट बात है। यह नोट विलियम को भेजा गया था। इसे लिखने वाला व्यक्ति इसे ले नहीं जा सकता था; अन्यथा, ज़ाहिर है, वह मौखिक रूप से अपना संदेश पहुंचा सकता था। तो फिर यह नोट कौन लाया? या यह डाक के माध्यम से आया?”

निरीक्षक ने कहा, "मैंने पूछताछ की है। विलियम को कल दोपहर डाक से एक पत्र मिला था। उसने लिफाफा नष्ट कर दिया था।"

“बहुत बढ़िया!” होम्स ने इंस्पेक्टर की पीठ थपथपाते हुए कहा। “आपने डाकिया को देख लिया। आपके साथ काम करना खुशी की बात है। अच्छा, ये रहा लॉज, और अगर आप ऊपर आएंगे, कर्नल, तो मैं आपको अपराध स्थल दिखा दूंगा।”

हम उस खूबसूरत झोपड़ी के पास से गुज़रे जहाँ मृत व्यक्ति रहता था और बलूत के पेड़ों से सजी एक सड़क पर चलते हुए उस भव्य पुराने क्वीन ऐनी शैली के घर तक पहुँचे, जिसके दरवाज़े के चौखट पर मालप्लाक्वेट की जन्मतिथि अंकित थी। होम्स और इंस्पेक्टर हमें उसके चारों ओर घुमाते हुए उस बगल के गेट तक ले गए, जो सड़क के किनारे लगी बाड़ से बगीचे के एक हिस्से से अलग था। रसोई के दरवाज़े पर एक कांस्टेबल खड़ा था।

"दरवाजा खोल दीजिए, अधिकारी," होम्स ने कहा। "युवा श्री कनिंघम इन्हीं सीढ़ियों पर खड़े थे और उन्होंने ठीक वहीं दो आदमियों को लड़ते देखा जहाँ हम हैं। बूढ़े श्री कनिंघम उस खिड़की पर थे—बाईं ओर से दूसरी खिड़की पर—और उन्होंने उस आदमी को उस झाड़ी के ठीक बाईं ओर भागते देखा। उनके बेटे ने भी देखा। झाड़ी की वजह से दोनों को इस बात का पूरा यकीन है। फिर श्री एलेक दौड़कर बाहर आए और घायल आदमी के पास घुटनों के बल बैठ गए। आप देख रहे हैं, ज़मीन बहुत सख्त है और हमें रास्ता दिखाने के लिए कोई निशान नहीं हैं।" जैसे ही उन्होंने ये कहा, दो आदमी घर के कोने से बगीचे के रास्ते से नीचे आए। एक बूढ़ा आदमी था, जिसका चेहरा मजबूत, झुर्रियों से भरा और भारी आँखों वाला था; दूसरा एक चुस्त-दुरुस्त नौजवान था, जिसका हंसमुख चेहरा और दिखावटी पोशाक उस घटना से बिल्कुल मेल नहीं खा रहे थे जिसके कारण हम यहाँ आए थे।

"अभी भी लगे हुए हो?" उसने होम्स से कहा। "मुझे लगा था कि तुम लंदनवासी कभी गलती नहीं करते। आखिर तुम इतने फुर्तीले तो नहीं लगते।"

"अरे, आपको हमें थोड़ा समय देना होगा," होम्स ने हंसमुख अंदाज़ में कहा।

"तुम्हें इसकी ज़रूरत पड़ेगी," युवा एलेक कनिंघम ने कहा। "क्यों, मुझे नहीं लगता कि हमें इसका कोई सुराग है।"

"सिर्फ़ एक ही है," इंस्पेक्टर ने जवाब दिया। "हमने सोचा था कि अगर हम उसे ढूंढ सकें तो... हे भगवान! श्रीमान होम्स! क्या बात है?"

मेरे बेचारे दोस्त के चेहरे पर अचानक एक भयानक भाव उभर आया। उसकी आँखें ऊपर की ओर घूम गईं, उसका चेहरा दर्द से कराह उठा और दबी हुई कराह के साथ वह ज़मीन पर औंधा गिर पड़ा। अचानक हुए इस हमले की तीव्रता से भयभीत होकर हम उसे रसोई में ले गए, जहाँ वह एक बड़ी कुर्सी पर लेट गया और कुछ मिनटों तक ज़ोर-ज़ोर से साँस लेता रहा। अंत में, अपनी कमज़ोरी के लिए शर्मिंदा होकर माफ़ी माँगते हुए, वह फिर से उठा।

उन्होंने समझाया, "वाटसन आपको बताएगा कि मैं अभी-अभी एक गंभीर बीमारी से उबरकर आया हूं। मुझे अचानक तंत्रिका संबंधी दौरे पड़ने की आशंका रहती है।"

"क्या मैं तुम्हें अपनी गाड़ी में घर भेज दूं?" बूढ़े कनिंघम ने पूछा।

"खैर, चूंकि मैं यहां हूं, तो एक बात है जिस पर मैं पूरी तरह से आश्वस्त होना चाहूंगा। हम इसे बहुत आसानी से सत्यापित कर सकते हैं।"

"यह क्या है?"

"खैर, मुझे लगता है कि यह संभव है कि बेचारे विलियम का आगमन चोर के घर में घुसने से पहले नहीं, बल्कि बाद में हुआ हो। आप शायद यह मानकर चल रहे हैं कि दरवाज़ा ज़बरदस्ती तो खोला गया, लेकिन चोर अंदर नहीं घुस पाया।"

श्री कनिंघम ने गंभीरता से कहा, "मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है। मेरा बेटा एलेक अभी तक सोया नहीं था, और अगर कोई इधर-उधर घूमता तो उसे ज़रूर सुनाई देता।"

वह कहाँ बैठा था?

मैं अपने ड्रेसिंग रूम में सिगरेट पी रहा था।

"वह कौन सी खिड़की है?"

"बाईं ओर का आखिरी वाला, मेरे पिता के बगल में।"

"आप दोनों के दीपक जल रहे थे, है ना?"

"निश्चित रूप से।"

होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा, "यहाँ कुछ बहुत ही अनोखी बातें हैं। क्या यह असाधारण नहीं है कि एक चोर - और वह भी ऐसा चोर जिसे पहले से कुछ अनुभव हो -

जानबूझकर उस समय घर में घुस जाए जब वह रोशनी से देख सकता था कि परिवार के दो सदस्य अभी भी बाहर हैं?"

"वह बहुत ही समझदार व्यक्ति रहा होगा।"

“खैर, अगर मामला असामान्य न होता तो हमें आपसे स्पष्टीकरण मांगने की ज़रूरत ही न पड़ती,” युवा श्री एलेक ने कहा। “लेकिन आपके इस विचार के बारे में कि विलियम के उसे पकड़ने से पहले उस आदमी ने घर लूट लिया था, मुझे यह बिल्कुल बेतुका लगता है। क्या हमें वह जगह अस्त-व्यस्त नहीं मिलती और जो सामान वह ले गया था, वह हमें नहीं मिलता?”

होम्स ने कहा, "यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे चीजें क्या थीं। आपको याद रखना चाहिए कि हम एक ऐसे चोर से निपट रहे हैं जो बहुत ही अजीब है और अपने ही तरीके से काम करता हुआ प्रतीत होता है। उदाहरण के लिए, एक्टन के यहाँ से उसने जो अजीबोगरीब चीजें चुराईं, उन्हें ही देख लीजिए - क्या था वह? - धागे का एक गोला, एक लेटर-वेट और न जाने क्या-क्या छोटी-मोटी चीजें।"

“ठीक है, श्रीमान होम्स, हम पूरी तरह से आपके भरोसे हैं,” बूढ़े कनिंघम ने कहा। “आप या निरीक्षक जो भी सुझाव देंगे, वह निश्चित रूप से किया जाएगा।”

होम्स ने कहा, “सबसे पहले, मैं चाहूंगा कि आप स्वयं इनाम की पेशकश करें, क्योंकि अधिकारियों को राशि तय करने में थोड़ा समय लग सकता है, और इन मामलों में जितनी जल्दी हो सके उतना अच्छा है। मैंने फॉर्म लिख दिया है, अगर आप इस पर हस्ताक्षर कर दें तो अच्छा होगा। मुझे लगा कि पचास पाउंड काफी होंगे।”

“मैं खुशी-खुशी पाँच सौ रुपये दे दूंगा,” जे.पी. ने होम्स द्वारा दिए गए कागज़ के टुकड़े और पेंसिल को लेते हुए कहा। “हालाँकि, यह पूरी तरह सही नहीं है,” उन्होंने दस्तावेज़ पर नज़र डालते हुए आगे कहा।

मैंने इसे काफी जल्दबाजी में लिखा था।

आप देखिए, आप शुरुआत करते हैं, ‘जबकि, मंगलवार की सुबह लगभग पौने एक बजे एक प्रयास किया गया था,’ और इसी तरह आगे बढ़ते हैं। दरअसल, यह पौने बारह बजे हुआ था।’

मुझे उस गलती पर बहुत दुख हुआ, क्योंकि मैं जानता था कि होम्स को इस तरह की कोई भी चूक कितनी बुरी लगती होगी। तथ्यों की सटीकता उनकी खासियत थी, लेकिन हाल की बीमारी ने उन्हें काफी परेशान कर दिया था, और यह छोटी सी घटना ही यह दिखाने के लिए काफी थी कि वे अभी भी पूरी तरह ठीक नहीं हैं। वे एक पल के लिए स्पष्ट रूप से शर्मिंदा हुए, इंस्पेक्टर ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं और एलेक कनिंघम जोर से हंस पड़े। हालांकि, उस बुजुर्ग सज्जन ने गलती सुधारी और अखबार वापस होम्स को सौंप दिया।

उन्होंने कहा, "इसे जल्द से जल्द छपवा लीजिए; मुझे लगता है आपका विचार बहुत अच्छा है।"

होम्स ने कागज की पर्ची को सावधानीपूर्वक अपने पर्स में रख लिया।

“और अब,” उसने कहा, “यह वास्तव में अच्छी बात होगी कि हम सब मिलकर घर की तलाशी लें और यह सुनिश्चित कर लें कि यह सनकी चोर आखिरकार अपने साथ कुछ भी लेकर तो नहीं चला गया।”

अंदर जाने से पहले, होम्स ने उस दरवाजे की जांच की जिसे जबरदस्ती खोला गया था। यह स्पष्ट था कि किसी छेनी या मजबूत चाकू को अंदर घुसाकर ताला तोड़ दिया गया था। लकड़ी पर वे निशान साफ दिखाई दे रहे थे जहां उसे धकेला गया था।

“तो आप सलाखों का इस्तेमाल नहीं करते?” उसने पूछा।

हमें कभी इसकी आवश्यकता महसूस नहीं हुई।

“क्या आप कुत्ता नहीं पालते?”

"हां, लेकिन उसे घर के दूसरी तरफ जंजीरों से बांधकर रखा गया है।"

नौकर कब सोते हैं?

लगभग दस।

"मुझे लगता है कि विलियम भी आमतौर पर उस समय बिस्तर पर होता था?"

"हाँ।"

“यह विचित्र बात है कि वह उस विशेष रात को जागा हुआ था। श्री कनिंघम, यदि आप हमें घर दिखाने की कृपा करें तो मुझे बहुत प्रसन्नता होगी।”

पत्थर की पट्टियों से बना एक गलियारा, जिससे रसोईघर अलग-अलग दिशाओं में खुलते थे, एक लकड़ी की सीढ़ी से सीधे घर की पहली मंजिल तक जाता था। यह गलियारा सामने वाले हॉल से आने वाली दूसरी, अधिक अलंकृत सीढ़ी के ठीक सामने वाले चबूतरे पर खुलता था। इस चबूतरे से ड्राइंग रूम और कई शयनकक्ष खुलते थे, जिनमें मिस्टर कनिंघम और उनके बेटे के कमरे भी शामिल थे। होम्स धीरे-धीरे चलते हुए घर की वास्तुकला का बारीकी से अवलोकन कर रहे थे। मैं उनके चेहरे के भाव से समझ गया था कि उन्हें किसी महत्वपूर्ण सुराग की खोज है, फिर भी मैं यह बिल्कुल भी नहीं समझ पा रहा था कि उनके निष्कर्ष उन्हें किस दिशा में ले जा रहे हैं।

श्री कनिंघम ने कुछ अधीरता से कहा, "महोदय, यह बिल्कुल अनावश्यक है। सीढ़ियों के अंत में मेरा कमरा है, और उसके आगे मेरे बेटे का कमरा है। यह निर्णय मैं आप पर छोड़ता हूँ कि क्या चोर हमें परेशान किए बिना यहाँ तक पहुँच सकता था।"

"मुझे लगता है कि आपको आस-पास घूमकर कोई नई खुशबू ढूंढनी चाहिए," बेटे ने शरारती मुस्कान के साथ कहा।

“फिर भी, मुझे आपसे थोड़ी और कृपा करने की विनती करनी होगी। उदाहरण के लिए, मैं यह देखना चाहता हूँ कि शयनकक्षों की खिड़कियाँ सामने की ओर कितनी दूर तक खुलती हैं। मुझे पता चला है कि यह आपके बेटे का कमरा है”— उसने दरवाज़ा खोलते हुए कहा— “और मुझे लगता है कि वह ड्रेसिंग रूम है जिसमें वह अलार्म बजने के समय सिगरेट पी रहा था। उस कमरे की खिड़की कहाँ खुलती है?” वह शयनकक्ष के उस पार गया, दरवाज़ा खोला और दूसरे कमरे पर नज़र डाली।

श्री कनिंघम ने तीखे लहजे में कहा, "मुझे उम्मीद है कि अब आप संतुष्ट हैं?"

"धन्यवाद, मुझे लगता है कि मैंने वह सब देख लिया है जो मैं देखना चाहता था।"

"अगर वाकई ज़रूरी हुआ तो हम मेरे कमरे में जा सकते हैं।"

"अगर इससे कोई परेशानी न हो तो।"

जे.पी. ने कंधे उचकाए और अपने कमरे की ओर आगे बढ़े, जो सादा और साधारण सा कमरा था। जैसे ही हम खिड़की की ओर बढ़े, होम्स पीछे हटते गए और हम दोनों ही पीछे रह गए। पलंग के पास संतरों की एक थाली और पानी का एक जग रखा था। जब हम वहाँ से गुज़रे, तो होम्स ने, मेरी असीम हैरानी के बीच, मेरे सामने झुककर जानबूझकर सब कुछ गिरा दिया। शीशा हज़ार टुकड़ों में टूट गया और फल कमरे के हर कोने में बिखर गए।

"अब तो तुमने कर ही दिया, वॉटसन," उसने शांत भाव से कहा। "तुमने कालीन का बहुत बुरा हाल कर दिया है।"

मैं कुछ असमंजस में झुक गया और फल उठाने लगा, क्योंकि मुझे समझ आ रहा था कि किसी कारणवश मेरा साथी चाहता था कि मैं सारा दोष अपने ऊपर ले लूँ। बाकी लोगों ने भी ऐसा ही किया और मेज को वापस उसके पैरों पर खड़ा कर दिया।

"अरे वाह!" इंस्पेक्टर चिल्लाया, "वह कहाँ जा रहा है?"

होम्स गायब हो गया था।

"एक पल रुकिए," युवा एलेक कनिंघम ने कहा। "मेरी राय में, वह आदमी पागल हो गया है। मेरे साथ आइए, पिताजी, और देखिए वह कहाँ गया है!"

वे कमरे से तेजी से बाहर निकल गए, और इंस्पेक्टर, कर्नल और मैं एक-दूसरे को घूरते रह गए।

"सच कहूँ तो, मैं मास्टर एलेक से सहमत हूँ," अधिकारी ने कहा। "हो सकता है यह इस बीमारी का असर हो, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि—"

उनकी बात अचानक "मदद! मदद! हत्या!" की चीख से रुक गई। कंपकंपी के साथ मैंने आवाज़ पहचान ली, यह मेरे दोस्त की आवाज थी। मैं पागलों की तरह कमरे से निकलकर सीढ़ियों पर भागा। चीखें, जो अब कर्कश और अस्पष्ट चिल्लाहट में बदल गई थीं, उसी कमरे से आ रही थीं जहाँ हम पहले गए थे। मैं अंदर भागा और फिर ड्रेसिंग रूम में चला गया। दोनों कनिंघम शेरलॉक होम्स के शरीर पर झुके हुए थे, छोटा वाला दोनों हाथों से उसका गला पकड़े हुए था, जबकि बड़ा वाला उसकी एक कलाई मरोड़ रहा था। पल भर में हम तीनों ने उन्हें उससे अलग किया और होम्स लड़खड़ाते हुए खड़ा हुआ, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और वह स्पष्ट रूप से बहुत थका हुआ लग रहा था।

"इन आदमियों को गिरफ्तार कीजिए, इंस्पेक्टर," उसने हांफते हुए कहा।

"किस आरोप पर?"

"उनके कोचमैन विलियम किरवान की हत्या का मामला।"

निरीक्षक ने अचरज से चारों ओर देखा। "अरे, श्रीमान होम्स," उसने अंततः कहा, "मुझे यकीन है कि आपका वास्तव में ऐसा करने का इरादा नहीं है—"

"अरे यार, इनके चेहरे देखो!" होम्स ने कठोर स्वर में कहा।

मैंने शायद ही कभी किसी इंसान के चेहरे पर गुनाह कबूल करने का इतना स्पष्ट उदाहरण देखा हो। बूढ़ा आदमी सुन्न और स्तब्ध सा लग रहा था, उसके चेहरे पर उदासी और उदासी छाई हुई थी। वहीं, बेटे का वो चंचल और जोशीला अंदाज़ गायब हो चुका था जो उसकी पहचान हुआ करता था, और उसकी काली आँखों में एक खतरनाक जंगली जानवर जैसी क्रूरता झलक रही थी, जिसने उसके सुंदर चेहरे को बिगाड़ दिया था। इंस्पेक्टर ने कुछ नहीं कहा, लेकिन दरवाजे की ओर बढ़ते हुए उसने सीटी बजाई। उसकी आवाज़ सुनते ही उसके दो कांस्टेबल आ गए।

"मेरे पास कोई विकल्प नहीं है, श्रीमान कनिंघम," उसने कहा। "मुझे उम्मीद है कि यह सब एक मूर्खतापूर्ण गलती साबित हो सकती है, लेकिन आप देख सकते हैं कि अरे, क्या आप इसे छोड़ देंगे!" उसने हाथ से प्रहार किया, और जिस रिवॉल्वर को वह युवक लोड करने की कोशिश कर रहा था, वह ज़मीन पर गिर पड़ी।

"इसे अपने पास रखो," होम्स ने धीरे से अपना पैर उस पर रखते हुए कहा; "मुकदमे में यह तुम्हारे काम आएगा। लेकिन असल में हमें यही चाहिए था।" उसने कागज का एक छोटा सा मुड़ा हुआ टुकड़ा ऊपर उठाया।

"शीट का बचा हुआ हिस्सा!" इंस्पेक्टर चिल्लाया।

"एकदम सही।"

और यह कहाँ था?

"मुझे पूरा यकीन था कि यह वहीं होगा। मैं अभी आपको पूरी बात स्पष्ट कर दूंगा। कर्नल जी, मुझे लगता है कि आप और वाटसन अब वापस जा सकते हैं, और मैं ज़्यादा से ज़्यादा एक घंटे में आपके पास वापस आ जाऊंगा। इंस्पेक्टर और मुझे कैदियों से बात करनी है, लेकिन आप मुझे दोपहर के भोजन के समय तक ज़रूर वापस देखेंगे।"

शर्लक होम्स ने अपना वादा निभाया, और लगभग एक बजे वह कर्नल के धूम्रपान कक्ष में हमसे दोबारा मिले। उनके साथ एक छोटे कद के बुजुर्ग सज्जन भी थे, जिनका

परिचय मुझे श्री एक्टन के रूप में कराया गया, जिनके घर में मूल चोरी हुई थी।

होम्स ने कहा, "मैं चाहता था कि जब मैं आपको यह छोटी सी बात समझाऊं तो श्री एक्टन उपस्थित रहें, क्योंकि यह स्वाभाविक है कि उन्हें बारीकियों में गहरी दिलचस्पी होगी। मुझे खेद है, मेरे प्रिय कर्नल, कि आपको मुझ जैसे उग्र स्वभाव वाले व्यक्ति पर एक घंटा बर्बाद करने का पछतावा होगा।"

“इसके विपरीत,” कर्नल ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिया, “आपके कार्य करने के तरीकों का अध्ययन करने का अवसर मिलना मेरे लिए सबसे बड़ा सौभाग्य है। मैं स्वीकार करता हूं कि ये मेरी अपेक्षाओं से कहीं अधिक उत्कृष्ट हैं, और मैं आपके परिणाम का कारण बिल्कुल भी नहीं समझ पा रहा हूँ। मुझे अभी तक इसका कोई सुराग नहीं मिला है।”

मुझे डर है कि मेरी व्याख्या आपको निराश कर सकती है, लेकिन यह मेरी हमेशा से आदत रही है कि मैं अपने तरीकों को न तो अपने मित्र वाटसन से छुपाता हूं और न ही किसी ऐसे व्यक्ति से जो उनमें रुचि रखता हो। लेकिन, पहले, क्योंकि ड्रेसिंग रूम में हुई मारपीट से मैं थोड़ा परेशान हूं, कर्नल जी, मुझे लगता है कि मैं आपकी थोड़ी सी ब्रांडी पी लूं। हाल ही में मेरी ताकत कुछ कम हो गई है।

मुझे उम्मीद है कि आपको अब ऐसे घबराहट के दौरे नहीं पड़े होंगे।

शेर्लक होम्स दिल खोलकर हंसे। उन्होंने कहा, “हम उस पर बारी आने पर चर्चा करेंगे। मैं आपके सामने मामले का पूरा विवरण क्रम से रखूँगा, जिसमें वे सभी बिंदु शामिल होंगे जिन्होंने मुझे अपना निर्णय लेने में मार्गदर्शन दिया। यदि कोई बात आपको पूरी तरह से स्पष्ट न हो, तो कृपया मुझे टोकें।”

जासूसी की कला में यह पहचानना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि अनेक तथ्यों में से कौन से तथ्य आकस्मिक हैं और कौन से महत्वपूर्ण। अन्यथा आपकी ऊर्जा और ध्यान केंद्रित होने के बजाय बिखर जाएंगे। अब, इस मामले में मेरे मन में शुरू से ही कोई संदेह नहीं था कि पूरे मामले की कुंजी मृत व्यक्ति के हाथ में मौजूद कागज के टुकड़े में ही छिपी होगी।

“इससे पहले कि मैं इस पर विस्तार से चर्चा करूं, मैं आपका ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाना चाहूंगा कि यदि एलेक कनिंघम का बयान सही था, और यदि हमलावर ने विलियम किरवान को गोली मारने के तुरंत बाद भाग गया था, तो जाहिर है कि मृत व्यक्ति के हाथ से कागज़ छीनने वाला वह नहीं हो सकता था। लेकिन अगर वह नहीं था, तो निश्चित रूप से एलेक कनिंघम ही था, क्योंकि जब तक वह बूढ़ा व्यक्ति नीचे उतरा, तब तक कई नौकर घटनास्थल पर पहुँच चुके थे। बात सीधी-सादी है, लेकिन निरीक्षक ने इसे नज़रअंदाज़ कर दिया क्योंकि उसने यह मानकर शुरुआत की थी कि इन काउंटी के रईसों का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं था। अब, मैं कभी भी पूर्वाग्रह नहीं रखता और तथ्यों का निष्पक्ष रूप से पालन करता हूं, इसलिए जांच के पहले ही चरण में, मैंने श्री एलेक कनिंघम की भूमिका पर थोड़ा संदेह करना शुरू कर दिया।”

“और अब मैंने निरीक्षक द्वारा हमें सौंपे गए कागज के कोने की बहुत सावधानीपूर्वक जांच की। मुझे तुरंत स्पष्ट हो गया कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण दस्तावेज़ का हिस्सा है। यह रहा। क्या अब आपको इसमें कुछ बहुत ही संकेत देने वाली बात नज़र नहीं आती?”

“इसका रूप-रंग बहुत ही अनियमित है,” कर्नल ने कहा।

“मेरे प्रिय महोदय,” होम्स ने कहा, “इसमें ज़रा भी संदेह नहीं है कि इसे दो व्यक्तियों ने बारी-बारी से लिखा है। जब मैं आपका ध्यान ‘at’ और ‘to’ के प्रबल उच्चारणों की ओर आकर्षित करूं और आपसे इनकी तुलना ‘quarter’ और ‘twelve’ के दुर्बल उच्चारणों से करने को कहूं, तो आप तुरंत इस तथ्य को पहचान लेंगे। इन चार शब्दों का

संक्षिप्त विश्लेषण करने पर आप पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि 'learn' और 'maybe' प्रबल लिखावट में लिखे गए हैं, जबकि 'what' दुर्बल लिखावट में।"

"अरे वाह, ये तो बिल्कुल साफ है!" कर्नल चिल्लाया। "आखिर दो आदमी इस तरह से पत्र क्यों लिखेंगे?"

"ज़ाहिर है, यह धंधा घाटे का था, और दोनों में से एक, जो दूसरे पर अविश्वास करता था, इस बात पर अड़ा हुआ था कि चाहे कुछ भी हो जाए, दोनों की इसमें बराबर की हिस्सेदारी होनी चाहिए। अब, इन दोनों व्यक्तियों में से यह स्पष्ट है कि जिसने 'at' और 'to' लिखकर पत्र लिखे थे, वही इस गिरोह का सरगना था।"

"आप उस तक कैसे पहुंचते हैं?"

"हम एक हाथ की लिखावट की तुलना दूसरे हाथ से करके यह अनुमान लगा सकते हैं। लेकिन हमारे पास ऐसा मानने के और भी पुख्ता कारण हैं। यदि आप इस कागज़ के टुकड़े को ध्यान से देखेंगे तो आप इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि मज़बूत हाथ वाले व्यक्ति ने अपने सारे शब्द पहले लिखे, और दूसरे के भरने के लिए जगह छोड़ी। ये खाली जगहें हमेशा पूरी नहीं थीं, और आप देख सकते हैं कि दूसरे व्यक्ति ने 'at' और 'to' के बीच अपना 'quarter' (चौथाई हिस्सा) फिट करने के लिए जगह बनाई, जिससे पता चलता है कि बाद वाले शब्द पहले से ही लिखे हुए थे। जिसने अपने सारे शब्द पहले लिखे, निस्संदेह वही इस पूरे मामले का सूत्रधार था।"

"शानदार!" श्री एक्टन ने खुशी से कहा।

"लेकिन बहुत सतही तौर पर," होम्स ने कहा। "अब हम एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर आते हैं। शायद आपको पता न हो कि किसी व्यक्ति की उम्र का अनुमान उसकी लिखावट से लगाने की विधि को विशेषज्ञों ने काफी हद तक सटीक बना दिया है। सामान्य मामलों में, किसी व्यक्ति की वास्तविक उम्र का अनुमान काफी हद तक विश्वास के साथ लगाया जा सकता है। मैं सामान्य मामलों की बात इसलिए कर रहा हूं, क्योंकि खराब स्वास्थ्य और शारीरिक कमजोरी बुढ़ापे के लक्षण पैदा कर देते हैं, भले ही बीमार व्यक्ति युवा हो। इस मामले में, एक की संगठित और मजबूत लिखावट और दूसरे की थोड़ी टूटी-फूटी लिखावट को देखकर, जो अभी भी पढ़ने योग्य है, हालांकि 't' के अक्षर थोड़े धुंधले हो गए हैं, हम कह सकते हैं कि एक युवक था और दूसरा उम्रदराज था, लेकिन पूरी तरह से बूढ़ा नहीं था।"

"शानदार!" श्री एक्टन ने फिर से कहा।

"हालांकि, एक और बात है जो अधिक सूक्ष्म और अधिक दिलचस्प है। इन लिखावटों में कुछ समानता है। ये लिखावटें रक्त संबंधियों की हैं। यह आपको ग्रीक अक्षरों में 'e' से सबसे स्पष्ट रूप से समझ आ सकती है, लेकिन मेरे लिए कई छोटी-छोटी बातें हैं जो इसी बात की ओर इशारा करती हैं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन दोनों लिखावटों में पारिवारिक शैली की झलक मिलती है। मैं अभी आपको केवल कागज की जांच के मुख्य निष्कर्ष बता रहा हूं। तेईस अन्य निष्कर्ष भी थे जो विशेषज्ञों के लिए आपके मुकाबले अधिक रुचिकर होंगे। वे सभी मेरे मन में इस धारणा को और पुख्ता करते हैं कि कनिंघम पिता और पुत्र ने ही यह पत्र लिखा था।"

"इतनी दूर तक पहुंचने के बाद, मेरा अगला कदम ज़ाहिर तौर पर अपराध के विवरण की जांच करना और यह देखना था कि वे हमारी कितनी मदद कर सकते हैं। मैं इंस्पेक्टर के साथ घर गया और जो कुछ भी देखा जा सकता था, वह सब देखा। मृत व्यक्ति के शरीर पर जो घाव था, जैसा कि मैं पूरी तरह से आश्वस्त होकर बता सका, वह चार गज से अधिक की दूरी से रिवाल्वर से चलाई गई गोली का था। कपड़ों पर बारूद का कोई निशान नहीं था। इसलिए, स्पष्ट रूप से, एलेक कनिंघम ने झूठ बोला था जब उसने कहा था कि गोली चलने के समय दोनों आदमी आपस में लड़ रहे थे। पिता और

पुत्र दोनों उस जगह पर सहमत थे जहाँ से वह आदमी सड़क पर भागा था। हालांकि, संयोग से, उस जगह पर एक चौड़ी खाई है, जिसका तल नम है। इस खाई के आसपास बूट के निशान न होने के कारण, मुझे पूरी तरह से यकीन हो गया कि कनिंघम ने न केवल फिर से झूठ बोला था, बल्कि यह भी कि घटनास्थल पर कोई अज्ञात व्यक्ति कभी था ही नहीं।”

“और अब मुझे इस अनोखे अपराध के मकसद पर विचार करना होगा। इसके लिए, मैंने सबसे पहले श्री एक्टन के घर में हुई पहली चोरी का कारण जानने की कोशिश की। कर्नल से मिली जानकारी के अनुसार, मुझे पता चला कि श्री एक्टन और कनिंघम परिवार के बीच एक मुकदमा चल रहा था। स्वाभाविक रूप से, मेरे मन में तुरंत यह विचार आया कि उन्होंने आपके पुस्तकालय में किसी ऐसे दस्तावेज़ को हासिल करने के इरादे से सेंध लगाई होगी जो इस मामले में महत्वपूर्ण हो सकता है।”

श्री एक्टन ने कहा, "बिल्कुल सही। उनके इरादों को लेकर कोई संदेह नहीं हो सकता। उनकी वर्तमान संपत्ति के आधे हिस्से पर मेरा स्पष्ट दावा है, और अगर उन्हें एक भी कागज़ मिल जाता - जो सौभाग्य से मेरे वकीलों के तिजोरी में था - तो वे निस्संदेह हमारे मामले को कमज़ोर कर देते।"

“लो, यही बात है,” होम्स मुस्कुराते हुए बोले। “यह एक खतरनाक, लापरवाह कोशिश थी जिसमें मुझे युवा एलेक का हाथ नज़र आता है। कुछ न मिलने पर उन्होंने शक को भटकाने के लिए इसे एक साधारण चोरी दिखाने की कोशिश की, और इस मकसद से वे जो कुछ भी हाथ लगा, उसे लेकर चले गए। यह सब तो साफ़ है, लेकिन बहुत कुछ अभी भी अस्पष्ट था। सबसे बढ़कर, मैं उस नोट का गुम हुआ हिस्सा पाना चाहता था। मुझे यकीन था कि एलेक ने उसे मरे हुए आदमी के हाथ से छीन लिया था, और लगभग पक्का यकीन था कि उसने उसे अपने ड्रेसिंग गाउन की जेब में डाल दिया होगा। आखिर वह उसे और कहाँ रख सकता था? सवाल सिर्फ यह था कि क्या वह अभी भी वहाँ है। इसका पता लगाना ज़रूरी था, और इसी मकसद से हम सब उस घर में गए थे।”

“जैसा कि आपको याद होगा, कनिंघम परिवार रसोई के दरवाजे के बाहर हमसे आकर मिला। ज़ाहिर है, यह सबसे ज़रूरी था कि उन्हें इस कागज़ के बारे में ज़रा भी न बताया जाए, वरना वे इसे तुरंत नष्ट कर देते। इंस्पेक्टर उन्हें इस कागज़ की अहमियत बताने ही वाले थे कि हम इसे कितना अहम मानते हैं, तभी किस्मत से मैं अचानक ज़ोर-ज़ोर से हंसते-हंसते गिर पड़ा और इस तरह बातचीत का रुख बदल गया।”

“हे भगवान!” कर्नल हंसते हुए चिल्लाया, “क्या आपका मतलब यह है कि हमारी सारी सहानुभूति व्यर्थ गई और आपका यह प्रयास ढोंग था?”

"पेशेवर दृष्टि से देखा जाए तो, यह सराहनीय ढंग से किया गया था," मैंने उस व्यक्ति को विस्मय से देखते हुए कहा, जो अपनी चतुराई के किसी नए पहलू से मुझे हमेशा चकित कर देता था।

उन्होंने कहा, "यह एक ऐसी कला है जो अक्सर उपयोगी होती है। जब मैं ठीक हुआ, तो मैंने एक तरकीब से, जिसमें शायद थोड़ी सी चतुराई भी थी, बूढ़े कनिंघम से 'बारह' शब्द लिखवा लिया, ताकि मैं कागज पर लिखे 'बारह' से उसकी तुलना कर सकूं।"

“ओह, मैं कितना बड़ा मूर्ख रहा हूँ!” मैंने कहा।

“मैं समझ गया था कि तुम मेरी कमज़ोरी पर तरस खा रहे थे,” होम्स हंसते हुए बोला। “मुझे खेद है कि मैंने तुम्हें वह दर्द दिया जो तुम्हें महसूस हुआ। फिर हम साथ में ऊपर गए, और कमरे में घुसकर दरवाजे के पीछे टंगा हुआ ड्रेसिंग गाउन देखकर, मैंने एक मेज को उलट कर उनका ध्यान कुछ पल के लिए भटकाया और जेबें टटोलने के

लिए चुपके से अंदर चला गया। हालांकि, मुझे कागज मुश्किल से मिला ही था—जो कि मेरी उम्मीद के मुताबिक, एक जेब में था—कि दोनों कनिंघम मुझ पर टूट पड़े, और मुझे पूरा यकीन है कि अगर तुमने तुरंत और दोस्ताना मदद न की होती तो वे मुझे वहीं मार डालते। अभी भी मुझे उस युवक की पकड़ अपने गले पर महसूस हो रही है, और पिता ने कागज छीनने की कोशिश में मेरी कलाई मरोड़ दी है। उन्हें पता चल गया था कि मुझे सब कुछ पता चल गया है, और पूरी सुरक्षा से अचानक पूरी तरह निराशा में बदल जाने से वे पूरी तरह से हताश हो गए थे।"

बाद में मैंने बूढ़े कनिंघम से अपराध के मकसद के बारे में थोड़ी बात की। वह काफी नरम दिल थे, हालांकि उनका बेटा एक शातिर शैतान था, जो अपनी रिवॉल्वर मिलते ही खुद को या किसी और को गोली मार डालने को तैयार था। जब कनिंघम ने देखा कि उसके खिलाफ मामला इतना मजबूत है, तो उनका हौसला पस्त हो गया और उन्होंने सब कुछ सच-सच बता दिया। ऐसा लगता है कि विलियम ने चुपके से अपने दोनों आकाओं का पीछा किया था, उस रात जब उन्होंने मिस्टर एक्टन के घर पर छापा मारा था, और उन्हें अपने कब्जे में लेकर, भेद खोलने की धमकी देकर, उन पर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। लेकिन मिस्टर एलेक के साथ इस तरह के खेल खेलना खतरनाक था। पूरे इलाके में मची हुई चोरी की दहशत में अपने डर को छिपाने का मौका ढूंढना उनकी एक बड़ी सूझबूझ थी। विलियम को फंसाकर गोली मार दी गई, और अगर उन्हें पूरा नोट मिल जाता और उन्होंने अपने सामान की बारीकियों पर थोड़ा और ध्यान दिया होता, तो शायद शक कभी पैदा ही न होता।

"और वो नोट?" मैंने पूछा।

शर्लक होम्स ने संलग्न कागज हमारे सामने रख दिया।

अगर तुम मान जाओगे

आप पूर्वी द्वार की ओर जाएँगे।

आपको बहुत आश्चर्य होगा और

हम आपको और दूसरों को भी सर्वोत्तम सेवा करेंगे।

एनी मॉरिसन को। लेकिन किसी को कुछ मत बताना।

इस मामले पर।

"बिल्कुल यही तो मैंने उम्मीद की थी," उन्होंने कहा। "बेशक, हमें अभी तक यह नहीं पता कि एलेक कनिंघम, विलियम किरवान और एनी मॉरिसन के बीच क्या संबंध थे। परिणाम से पता चलता है कि जाल बड़ी चतुराई से बिछाया गया था। मुझे यकीन है कि आप 'p' और 'g' के अंत में दिखाई देने वाले वंशानुगत संकेतों को देखकर प्रसन्न हुए बिना नहीं रह सकेंगे। बूढ़े आदमी की लिखावट में 'i' के बिंदुओं का न होना भी एक विशिष्ट विशेषता है। वॉटसन, मुझे लगता है कि ग्रामीण इलाके में हमारा शांत विश्राम सफल रहा है, और मैं कल बेकर स्ट्रीट में निश्चित रूप से तरोताज़ा होकर लौटूंगा।"

टेढ़ा आदमी

एक गर्मी की रात, शादी के कुछ महीनों बाद, मैं अपने घर के चूल्हे के पास बैठा आखिरी पाइप पी रहा था और एक उपन्यास पढ़ते हुए ऊंघ रहा था, क्योंकि दिन भर का काम बहुत थका देने वाला था। मेरी पत्नी पहले ही ऊपर जा चुकी थी, और कुछ देर पहले हॉल के दरवाजे के बंद होने की आवाज़ से मुझे पता चला कि नौकर भी सोने चले गए हैं। मैं अपनी जगह से उठा और पाइप की राख झाड़ रहा था कि अचानक मुझे घंटी की आवाज़ सुनाई दी।

मैंने घड़ी देखी। पौने बारह बज रहे थे। इतनी देर रात कोई आगंतुक नहीं हो सकता था। ज़ाहिर है कोई मरीज़ होगा, और शायद पूरी रात का मरीज़ होगा। मैं थोड़ा उदास

चेहरा बनाकर हॉल में गया और दरवाज़ा खोला। मुझे आश्चर्य हुआ कि मेरे दरवाज़े पर शर्लक होम्स खड़े थे।

"आह, वॉटसन," उसने कहा, "मुझे उम्मीद थी कि तुम्हें पकड़ने में मुझे ज्यादा देर नहीं होगी।"

"मेरे प्रिय मित्र, कृपया अंदर आइए।"

"तुम हैरान लग रहे हो, और इसमें कोई हैरानी की बात नहीं! लगता है राहत भी मिली है! हम्म! लगता है अब भी अपने कुंवारे दिनों वाला आर्केडिया मिक्सचर पीते हो! तुम्हारे कोट पर जमी उस मुलायम राख को देखकर तो साफ पता चलता है। वॉटसन, वर्दी पहनने की आदत पड़ गई है, यह साफ है। जब तक तुम अपनी आस्तीन में रुमाल रखने की आदत रखोगे, तब तक तुम कभी भी आम नागरिक नहीं कहलाओगे। क्या तुम मुझे आज रात अपने यहाँ ठहरा सकते हो?"

"क्यों नहीं।"

"आपने मुझे बताया था कि आपके पास एक व्यक्ति के लिए कुंवारे लोगों का कमरा है, और मैं देख रहा हूं कि इस समय आपके पास कोई सज्जन आगंतुक नहीं है। आपका टोपी रखने का स्टैंड इस बात की गवाही देता है।"

मुझे बहुत खुशी होगी अगर आप रुकेंगे।

"धन्यवाद। मैं खाली जगह भर दूंगा। यह देखकर दुख हुआ कि आपके घर में ब्रिटिश कामगार आया था। वह बुराई का प्रतीक है। उम्मीद है नालियाँ खराब नहीं हैं?"

नहीं, गैस की बात हो रही है।

"अरे! उसने आपके लिनोलियम पर, ठीक उसी जगह पर जहाँ रोशनी पड़ती है, अपने जूते के दो निशान छोड़ दिए हैं। नहीं, धन्यवाद, मैंने वाटरलू में रात का खाना खा लिया है, लेकिन मुझे आपके साथ पाइप पीने में खुशी होगी।"

मैंने उसे अपना थैला पकड़ा दिया, और वह मेरे सामने बैठ गया और कुछ देर चुपचाप सिगरेट पीता रहा। मुझे भली-भांति पता था कि इस समय वह किसी ज़रूरी काम के लिए ही मेरे पास आया होगा, इसलिए मैंने धैर्यपूर्वक तब तक प्रतीक्षा की जब तक कि वह अपने काम पर ध्यान न दे दे।

"मुझे लगता है कि आप आजकल पेशेवर तौर पर काफी व्यस्त हैं," उन्होंने मेरी ओर बड़ी उत्सुकता से देखते हुए कहा।

"हां, मेरा दिन काफी व्यस्त रहा," मैंने जवाब दिया। "हो सकता है कि आपको यह बहुत मूर्खतापूर्ण लगे," मैंने आगे कहा, "लेकिन सच में मुझे नहीं पता कि आपने यह कैसे अनुमान लगाया।"

होम्स मन ही मन मुस्कुराया।

"प्रिय वॉटसन, मुझे आपकी आदतों की अच्छी जानकारी है," उसने कहा। "जब आपका काम छोटा होता है तो आप पैदल चलते हैं, और जब लंबा होता है तो आप गाड़ी का इस्तेमाल करते हैं। जैसा कि मैंने देखा है कि आपके जूते, हालांकि इस्तेमाल किए हुए हैं, बिल्कुल भी गंदे नहीं हैं, इसलिए मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप इस समय गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए काफी व्यस्त हैं।"

"शानदार!" मैंने खुशी से कहा।

"यह तो बुनियादी बात है," उसने कहा। "यह उन उदाहरणों में से एक है जहाँ तर्क करने वाला ऐसा प्रभाव उत्पन्न कर सकता है जो उसके पड़ोसी को असाधारण लगे, क्योंकि बाद वाला उस एक छोटे से बिंदु को समझने से चूक गया है जो निष्कर्ष का आधार है। यही बात, मेरे प्रिय मित्र, तुम्हारे इन कुछ छोटे-छोटे रेखाचित्रों के प्रभाव के बारे में भी कही जा सकती है, जो पूरी तरह से दिखावटी हैं, क्योंकि वे इस बात पर निर्भर करते हैं कि तुम समस्या के कुछ ऐसे पहलुओं को अपने पास रखे हुए हो जो पाठक को

कभी नहीं बताए जाते। अब, मैं इन पाठकों की ही स्थिति में हूं, क्योंकि मेरे हाथ में एक ऐसे सबसे विचित्र मामले के कई सूत्र हैं जिसने कभी किसी के दिमाग को चकरा दिया है, और फिर भी मेरे सिद्धांत को पूरा करने के लिए आवश्यक एक या दो सूत्र मेरे पास नहीं हैं। लेकिन मुझे वे सूत्र चाहिए, वॉटसन, मुझे वे चाहिए!" उसकी आँखें चमक उठीं और उसके पतले गालों पर हल्की सी लाली आ गई। एक पल के लिए उसके तीक्ष्ण, तीव्र स्वभाव से पर्दा हट गया, लेकिन केवल एक पल के लिए। जब मैंने दोबारा देखा तो उसके चेहरे पर वही शांत भाव लौट आया था जिसके कारण कई लोग उसे इंसान के बजाय मशीन समझते थे।

उन्होंने कहा, "यह समस्या कुछ दिलचस्प पहलू प्रस्तुत करती है। बल्कि, मैं कह सकता हूं कि ये असाधारण रूप से दिलचस्प पहलू हैं। मैंने इस मामले की पहले ही छानबीन कर ली है और मुझे लगता है कि मैं अपने समाधान के करीब पहुंच गया हूँ। यदि आप इस अंतिम चरण में मेरा साथ दें तो आप मेरे लिए बहुत सहायक होंगे।"

मुझे बेहद खुशी होगी।

"क्या आप कल एल्डरशॉट तक जा सकते हैं?"

मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि जैक्सन मेरी प्रैक्टिस को स्वीकार कर लेगा।

"बहुत बढ़िया। मैं वाटरलू से 11:10 बजे वाली ट्रेन से निकलना चाहता हूं।"

इससे मुझे समय मिल जाएगा।

"तो, अगर आपको ज्यादा नींद नहीं आ रही है, तो मैं आपको संक्षेप में बता दूंगा कि क्या हुआ है और क्या करना बाकी है।"

आपके आने से पहले मुझे नींद आ रही थी। अब मैं पूरी तरह से जाग गया हूँ।

मैं मामले से जुड़े किसी भी महत्वपूर्ण पहलू को छोड़े बिना, कहानी को यथासंभव संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करूंगा। संभव है कि आपने इस मामले के बारे में कुछ पढ़ा भी हो। यह मामला एल्डरशॉट में रॉयल मुनस्टर्स के कर्नल बार्कले की कथित हत्या का है, जिसकी मैं जांच कर रहा हूं।

मैंने इसके बारे में कुछ नहीं सुना है।

"स्थानीय स्तर को छोड़कर, अभी तक इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है। तथ्य केवल दो दिन पुराने हैं। संक्षेप में वे इस प्रकार हैं:

जैसा कि आप जानते हैं, रॉयल मुनस्टर्स ब्रिटिश सेना की सबसे प्रसिद्ध आयरिश रेजिमेंटों में से एक है। इसने क्रीमिया युद्ध और आयरिश विद्रोह दोनों में अद्भुत प्रदर्शन किया और तब से हर संभव अवसर पर अपनी विशिष्टता साबित की है। सोमवार रात तक इसकी कमान जेम्स बार्कले के हाथ में थी, जो एक वीर अनुभवी सैनिक थे। उन्होंने एक साधारण सिपाही के रूप में शुरुआत की, विद्रोह के समय अपनी बहादुरी के लिए कमीशन प्राप्त किया और इस प्रकार उस रेजिमेंट की कमान संभाली जिसमें उन्होंने कभी बंदूक उठाई थी।

"कर्नल बार्कले ने उस समय शादी की थी जब वे सार्जेंट थे, और उनकी पत्नी, जिनका मायके का नाम मिस नैन्सी डेवॉय था, उसी कोर के एक पूर्व कलर-सार्जेंट की बेटी थीं। इसलिए, जैसा कि अनुमान लगाया जा सकता है, जब युवा दंपति (क्योंकि वे अभी भी युवा थे) अपने नए परिवेश में आए तो कुछ सामाजिक असुविधा हुई। हालांकि, ऐसा लगता है कि उन्होंने जल्दी ही खुद को ढाल लिया, और श्रीमती बार्कले, जैसा कि मुझे पता चला है, रेजिमेंट की महिलाओं के बीच हमेशा उतनी ही लोकप्रिय रही हैं जितनी उनके पति अपने साथी अधिकारियों के बीच थे। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि वह बेहद खूबसूरत महिला थीं, और अब भी, जब उनकी शादी को तीस साल से अधिक हो चुके हैं, तब भी उनका रूप-रंग बेहद आकर्षक और राजसी है।"

"कर्नल बार्कले का पारिवारिक जीवन हमेशा सुखमय प्रतीत होता था। मेजर मर्फी, जिनसे मुझे अधिकांश तथ्य प्राप्त हुए हैं, ने मुझे आश्वस्त किया है कि उन्होंने दंपति के बीच किसी भी प्रकार की गलतफहमी के बारे में कभी नहीं सुना। कुल मिलाकर, उनका मानना है कि बार्कले का अपनी पत्नी के प्रति समर्पण उनकी पत्नी के बार्कले के प्रति समर्पण से कहीं अधिक था। यदि वह एक दिन के लिए भी उनसे दूर रहते तो वे अत्यंत बेचैन हो जाते थे। दूसरी ओर, उनकी पत्नी, हालांकि समर्पित और वफादार थीं, लेकिन कम ही स्नेह प्रकट करती थीं। लेकिन रेजिमेंट में उन्हें एक आदर्श मध्यम आयु वर्ग के दंपत्ति के रूप में देखा जाता था। उनके आपसी संबंधों में ऐसा कुछ भी नहीं था जो लोगों को आने वाली त्रासदी के लिए तैयार कर सके।"

"कर्नल बार्कले के चरित्र में कुछ विलक्षण विशेषताएं थीं। सामान्य तौर पर वे एक जोशीले, हंसमुख और अनुभवी सैनिक थे, लेकिन ऐसे अवसर भी आए जब वे काफी हिंसक और प्रतिशोधी प्रतीत हुए। हालांकि, उनका यह स्वभाव कभी भी उनकी पत्नी के प्रति प्रकट नहीं हुआ। एक और बात जिसने मेजर मर्फी और मेरे द्वारा बातचीत किए गए पांच अन्य अधिकारियों में से तीन को चौंका दिया, वह थी उन पर छा जाने वाली एक विशेष प्रकार की उदासी। जैसा कि मेजर ने बताया, भोजन के दौरान जब वे हंसी-मजाक में शामिल होते थे, तो उनके चेहरे से मुस्कान मानो किसी अदृश्य शक्ति द्वारा गायब हो जाती थी। जब उनका मन उदास होता था, तो वे कई दिनों तक गहरे अवसाद में डूबे रहते थे। यह और अंधविश्वास का एक अंश ही उनके चरित्र की वे असामान्य विशेषताएं थीं जो उनके साथी अधिकारियों ने देखी थीं। यह विलक्षणता अकेले रहने की नापसंदगी के रूप में सामने आई, खासकर अंधेरा होने के बाद। एक स्पष्ट रूप से मर्दाना स्वभाव में यह बचकाना व्यवहार अक्सर देखने को मिलता था। जिससे टिप्पणियों और अटकलों को जन्म मिला।

रॉयल मुनस्टर्स की पहली बटालियन (जो पुरानी एक सौ सत्रहवीं बटालियन है) कुछ वर्षों से एल्डरशॉट में तैनात है। विवाहित अधिकारी बैरकों में रहते हैं, और कर्नल इस पूरे समय उत्तरी शिविर से लगभग आधा मील दूर 'लाचिन' नामक एक विला में रहते हैं। यह घर अपनी ज़मीन पर बना है, लेकिन इसका पश्चिमी भाग मुख्य सड़क से तीस गज से अधिक दूर नहीं है। एक कोचवान और दो नौकरानियाँ नौकरों के दल का हिस्सा हैं। ये नौकरानियाँ अपने मालिक और मालकिन के साथ लाचिन में एकमात्र निवासी थीं, क्योंकि बार्कले परिवार के कोई बच्चे नहीं थे, और न ही उनके यहाँ मेहमानों का आना-जाना आम बात थी।

अब पिछले सोमवार की शाम नौ से दस बजे के बीच लाचिन में हुई घटनाओं के बारे में बात करते हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि श्रीमती बार्कले रोमन कैथोलिक चर्च की सदस्य थीं और उन्होंने सेंट जॉर्ज गिल्ड की स्थापना में गहरी रुचि दिखाई थी, जिसका गठन वाट स्ट्रीट चैपल के सहयोग से गरीबों को पुराने कपड़े उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। उस शाम आठ बजे गिल्ड की एक बैठक थी, और श्रीमती बार्कले उसमें शामिल होने के लिए अपना भोजन जल्दी खत्म करके निकली थीं। घर से निकलते समय कोचवान ने उन्हें अपने पति से कुछ सामान्य सी बात कहते हुए सुना और उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि वह जल्द ही वापस आ जाएंगी। फिर उन्होंने मिस मॉरिसन को बुलाया, जो बगल वाले विला में रहती थीं, और दोनों अपनी बैठक के लिए साथ चली गईं। बैठक चालीस मिनट तक चली, और सवा नौ बजे श्रीमती बार्कले घर लौट आईं, जाते समय उन्होंने मिस मॉरिसन को दरवाजे पर ही छोड़ दिया था।

लाचिन में एक कमरा है जिसका इस्तेमाल सुबह के समय आराम करने के लिए किया जाता है। यह सड़क की ओर खुलता है और एक बड़े कांच के तह वाले दरवाजे से

लॉन में खुलता है। लॉन तीस गज चौड़ा है और राजमार्ग से केवल एक नीची दीवार से अलग है जिसके ऊपर लोहे की रेलिंग लगी है। श्रीमती बार्कले अपनी वापसी पर इसी कमरे में गईं। पर्दे नीचे नहीं थे, क्योंकि शाम को इस कमरे का इस्तेमाल कम ही होता था, लेकिन श्रीमती बार्कले ने खुद दीपक जलाया और फिर घंटी बजाकर नौकरानी जेन स्टीवर्ट से एक कप चाय लाने को कहा, जो उनकी सामान्य आदतों के बिल्कुल विपरीत था। कर्नल भोजन कक्ष में बैठे थे, लेकिन अपनी पत्नी के लौटने की खबर सुनकर वे भी उनके साथ सुबह के समय आराम करने वाले कमरे में आ गए। कोचवान ने उन्हें हॉल पार करके कमरे में प्रवेश करते देखा। उसके बाद उन्हें फिर कभी जीवित नहीं देखा गया।

दस मिनट बाद चाय लाई गई; लेकिन नौकरानी जैसे ही दरवाजे के पास पहुँची, उसने अपने मालिक और मालकिन को भयंकर बहस करते हुए सुना। उसने खटखटाया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, और उसने हैंडल भी घुमाया, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। स्वाभाविक रूप से वह नीचे जाकर रसोइए को बताने गई, और कोचवान के साथ दोनों औरतें ऊपर हॉल में आईं और चल रहे झगड़े को सुनने लगीं। वे सभी इस बात पर सहमत थीं कि केवल दो ही आवाजें सुनाई दे रही थीं, बार्कले और उसकी पत्नी की। बार्कले की बातें दबी हुई और अचानक थीं, इसलिए सुनने वालों को कुछ भी सुनाई नहीं दिया। दूसरी ओर, मालकिन की बातें बहुत कड़वी थीं, और जब उसने अपनी आवाज ऊंची की तो साफ सुनाई दी। 'तुम कायर!' वह बार-बार दोहरा रही थी। 'अब क्या किया जा सकता है? अब क्या किया जा सकता है? मुझे मेरी जिंदगी वापस दे दो। मैं तुम्हारे साथ फिर कभी एक ही हवा में सांस भी नहीं लूंगी! तुम कायर! तुम कायर!' ये तो बस कुछ शब्द थे। उसकी बातचीत अचानक एक भयानक चीख के साथ समाप्त हुई, आदमी की आवाज में एक जोरदार धमाका हुआ और औरत की चीख भी तेज हो गई। किसी त्रासदी को भांपते हुए कोचवान दरवाजे की ओर दौड़ा और उसे खोलने की कोशिश करने लगा, जबकि अंदर से लगातार चीखें आ रही थीं। हालांकि, वह अंदर नहीं जा सका और नौकरानियां भी डर के मारे इतनी सहमी हुई थीं कि उसकी मदद नहीं कर पाईं। तभी अचानक उसके मन में एक विचार आया और वह हॉल के दरवाजे से होते हुए उस लॉन की ओर भागा, जहां लंबी फ्रेंच खिड़कियां खुलती थीं। खिड़की का एक हिस्सा खुला था, जो गर्मियों में आम बात थी, और वह आसानी से कमरे में घुस गया। उसकी मालकिन चीखना बंद कर चुकी थी और एक सोफे पर बेहोश पड़ी थी, जबकि एक कुर्सी के किनारे पर पैर झुकाए और फेंडर के कोने के पास जमीन पर सिर रखे वह बेचारा सिपाही अपने ही खून के तालाब में पड़ा मृत था।

“स्वाभाविक रूप से, जब कोचवान ने देखा कि वह अपने मालिक के लिए कुछ नहीं कर सकता, तो उसका पहला विचार दरवाजा खोलने का था। लेकिन यहां एक अप्रत्याशित और विचित्र समस्या सामने आई। चाबी दरवाजे के अंदर की तरफ नहीं थी, और न ही उसे कमरे में कहीं मिली। इसलिए वह खिड़की से बाहर गया, और एक पुलिसकर्मी और एक चिकित्सक की मदद लेकर वापस लौटा। जिस महिला पर स्वाभाविक रूप से सबसे अधिक संदेह था, उसे बेहोशी की हालत में उसके कमरे में ले जाया गया। फिर कर्नल के शरीर को सोफे पर रखा गया और त्रासदी स्थल का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया गया।”

“दुर्भाग्यपूर्ण पूर्व सैनिक को लगी चोट सिर के पिछले हिस्से में लगभग दो इंच लंबा एक तीखा घाव थी, जो स्पष्ट रूप से किसी कुंद हथियार से किए गए जोरदार प्रहार से हुआ था। यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं था कि वह हथियार क्या रहा होगा। शव के पास फर्श पर, हड्डी के हैंडल वाली कठोर नक्काशीदार लकड़ी की एक अनोखी लाठी पड़ी थी। कर्नल के पास विभिन्न देशों से लाए गए हथियारों का एक विविध संग्रह था,

जहाँ उन्होंने युद्ध लड़ा था, और पुलिस का अनुमान है कि यह लाठी उनकी जीती हुई वस्तुओं में से एक थी। नौकरों ने इसे पहले देखने से इनकार किया, लेकिन घर में मौजूद कई विचित्र वस्तुओं के बीच यह संभव है कि यह नज़रअंदाज़ हो गई हो। पुलिस को कमरे में और कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं मिला, सिवाय इस रहस्यमय तथ्य के कि न तो श्रीमती बार्कले के पास, न ही पीड़ित के पास, और न ही कमरे के किसी भी हिस्से में गुम हुई चाबी मिली। अंततः एल्डरशॉट के एक ताला बनाने वाले को दरवाजा खोलना पड़ा।”

"वॉटसन, मंगलवार की सुबह जब मैं मेजर मर्फी के अनुरोध पर पुलिस के प्रयासों में सहयोग करने के लिए एल्डरशॉट गया, तो स्थिति कुछ ऐसी ही थी। मुझे लगता है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि यह समस्या पहले से ही दिलचस्प थी, लेकिन मेरे अवलोकन से मुझे जल्द ही एहसास हुआ कि यह वास्तव में पहली नजर में जितनी दिखती है उससे कहीं अधिक असाधारण थी।"

“कमरे की जाँच करने से पहले मैंने नौकरों से पूछताछ की, लेकिन मुझे केवल वही तथ्य पता चले जो मैं पहले ही बता चुका हूँ। एक और दिलचस्प बात नौकरानी जेन स्टीवर्ट को याद थी। आपको याद होगा कि झगड़े की आवाज़ सुनकर वह नीचे गई और बाकी नौकरों के साथ वापस आई। उस पहले मौके पर, जब वह अकेली थी, उसने बताया कि उसके मालिक और मालकिन की आवाज़ इतनी धीमी थी कि वह मुश्किल से कुछ सुन पाई, और उसने उनके शब्दों के बजाय उनकी आवाज़ के लहजे से अंदाज़ा लगाया कि उनके बीच झगड़ा हुआ है। हालाँकि, मेरे ज़ोर देने पर, उसे याद आया कि उसने मालकिन के मुँह से 'डेविड' शब्द दो बार सुना था। यह बात अचानक हुए झगड़े के कारण को समझने में हमारी मदद करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपको याद होगा, कर्नल का नाम जेम्स था।”

इस मामले में एक बात ऐसी थी जिसने नौकरों और पुलिस दोनों पर गहरा असर डाला था। वह थी कर्नल के चेहरे का विकृत रूप। उनके अनुसार, उनके चेहरे पर भय और आतंक का ऐसा भयानक भाव था जो किसी इंसान के चेहरे पर आ सकता है। एक से अधिक लोग तो उन्हें देखते ही बेहोश हो गए, उनका प्रभाव इतना भयावह था। यह बिल्कुल निश्चित था कि उन्होंने अपने अंजाम को भांप लिया था और इससे उन्हें घोर भय लगा था। यह बात पुलिस के सिद्धांत से पूरी तरह मेल खाती थी, अगर कर्नल ने अपनी पत्नी को उन पर जानलेवा हमला करते हुए देखा हो। सिर के पिछले हिस्से पर घाव होना भी इस बात का निर्णायक सबूत नहीं था, क्योंकि हो सकता है कि उन्होंने वार से बचने के लिए अपना चेहरा मोड़ लिया हो। महिला से कोई जानकारी नहीं मिल सकी, जो मस्तिष्क ज्वर के तीव्र दौरे के कारण अस्थायी रूप से मानसिक रूप से विक्षिप्त थी।

पुलिस से मुझे पता चला कि मिस मॉरिसन, जो आपको याद होगा कि उस शाम श्रीमती बार्कले के साथ बाहर गई थीं, ने इस बात से इनकार किया कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी थी कि उनके साथी के खराब मूड का कारण क्या था।

"वॉटसन, इन तथ्यों को इकट्ठा करने के बाद, मैंने कई पाइप पीकर उन पर विचार किया, यह समझने की कोशिश करते हुए कि कौन से तथ्य महत्वपूर्ण थे और कौन से केवल संयोगवश थे। इस मामले में सबसे विशिष्ट और महत्वपूर्ण बिंदु दरवाज़े की चाबी का रहस्यमय ढंग से गायब होना था। कमरे में चाबी की बहुत सावधानीपूर्वक तलाशी ली गई, लेकिन वह नहीं मिली। इसलिए उसे कमरे से ही लिया गया होगा। लेकिन न तो कर्नल और न ही कर्नल की पत्नी उसे ले जा सकते थे। यह बिल्कुल स्पष्ट था। इसलिए कोई तीसरा व्यक्ति कमरे में आया होगा। और वह तीसरा व्यक्ति केवल खिड़की से ही अंदर आ सकता था। मुझे लगा कि कमरे और लॉन की सावधानीपूर्वक जांच करने से

शायद इस रहस्यमय व्यक्ति के कुछ निशान मिल जाएं। वॉटसन, आप मेरे तरीके जानते हैं। मैंने जांच में शायद ही कोई ऐसा तरीका अपनाया हो जो मैंने न अपनाया हो। और अंत में मुझे कुछ निशान मिले, लेकिन वे मेरी उम्मीदों से बिल्कुल अलग थे। कमरे में एक आदमी था, और वह सड़क से लॉन पार करके आया था। मुझे उसके पैरों के निशान के पांच बहुत स्पष्ट निशान मिले: एक सड़क पर ही, उस जगह पर जहां से वह चढ़ा था।" नीची दीवार पर, लॉन पर दो निशान थे, और खिड़की के पास रंगीन तख्तों पर दो बहुत धुंधले निशान थे जहाँ से वह अंदर आया था। ऐसा लगता था कि वह लॉन पर दौड़कर आया था, क्योंकि उसके पैर के निशान उसकी एड़ियों से कहीं ज़्यादा गहरे थे। लेकिन मुझे उस आदमी ने नहीं, बल्कि उसके साथी ने चौंकाया।

"उसका साथी!"

होम्स ने अपनी जेब से टिशू पेपर की एक बड़ी शीट निकाली और उसे सावधानीपूर्वक अपने घुटने पर फैलाया।

"इस बारे में आपकी क्या राय है?" उसने पूछा।

कागज़ पर किसी छोटे जानवर के पैरों के निशान खुदे हुए थे। उनमें पांच स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाले पंजे थे, जो लंबे नाखूनों का संकेत देते थे, और पूरा निशान लगभग एक चम्मच जितना बड़ा हो सकता था।

मैंने कहा, "यह एक कुत्ता है।"

क्या आपने कभी किसी कुत्ते को पर्दे पर चढ़ते हुए सुना है? मुझे इस प्राणी द्वारा ऐसा करने के स्पष्ट प्रमाण मिले हैं।

तो फिर एक बंदर?

लेकिन यह बंदर का पदचिह्न नहीं है।

तो फिर यह क्या हो सकता है?

"न तो कुत्ता, न बिल्ली, न बंदर, न ही कोई ऐसा प्राणी जिसे हम जानते हों। मैंने नापों के आधार पर इसका पुनर्निर्माण करने का प्रयास किया है। यहाँ चार पदचिह्न हैं जहाँ जानवर स्थिर खड़ा रहा है। आप देख सकते हैं कि इसके अगले पैर से पिछले पैर तक की लंबाई कम से कम पंद्रह इंच है। इसमें गर्दन और सिर की लंबाई जोड़ दें, तो आपको लगभग दो फीट लंबा प्राणी मिलेगा - पूंछ होने पर शायद इससे भी अधिक। लेकिन अब इस दूसरे नाप पर ध्यान दें। जानवर चल रहा था, और हमारे पास उसके कदमों की लंबाई है। हर बार यह लगभग तीन इंच है। आप देख सकते हैं कि इसका शरीर लंबा है और पैर बहुत छोटे हैं। इसने अपने शरीर पर बाल छोड़ने की ज़हमत नहीं उठाई है। लेकिन इसका सामान्य आकार वही होना चाहिए जो मैंने बताया है, और यह पर्दे पर भी दौड़ सकता है, और यह मांसाहारी है।"

आप यह निष्कर्ष कैसे निकालते हैं?

"क्योंकि वह पर्दे पर चढ़ गया था। खिड़की में एक कैनरी का पिंजरा लटका हुआ था, और ऐसा लगता है कि उसका मकसद उस पक्षी तक पहुंचना था।"

तो फिर वह जानवर क्या था?

"अगर मैं इसे कोई नाम दे पाता तो शायद इस मामले को सुलझाने में काफी मदद मिलती। कुल मिलाकर, यह शायद नेवला और स्टोट प्रजाति का कोई जीव था – और फिर भी यह उन सभी जीवों से बड़ा है जिन्हें मैंने देखा है।"

लेकिन इसका अपराध से क्या संबंध था?

"वह बात भी अभी तक स्पष्ट नहीं है। लेकिन हमने काफी कुछ पता लगा लिया है, जैसा कि आप देख सकते हैं। हमें पता है कि एक आदमी सड़क पर खड़ा होकर बार्कलेज परिवार के झगड़े को देख रहा था – खिड़कियों पर पर्दे लगे थे और कमरा रोशन था। हमें यह भी पता है कि वह लॉन पार करके कमरे में घुसा, उसके साथ एक

अजीब सा जानवर भी था, और उसने या तो कर्नल पर हमला किया या, जैसा कि संभव है, कर्नल उसे देखकर डर के मारे गिर पड़ा और उसका सिर कार के फेंडर के कोने से टकराकर फट गया। अंत में, हमारे पास यह दिलचस्प तथ्य है कि घुसपैठिया जाते समय चाबी अपने साथ ले गया।”

"ऐसा लगता है कि आपकी खोजों ने इस व्यवसाय को पहले से भी अधिक अस्पष्ट बना दिया है," मैंने कहा।

“बिल्कुल सही। उन्होंने निस्संदेह यह साबित कर दिया कि मामला शुरू में जितना अनुमान लगाया गया था, उससे कहीं अधिक गंभीर था। मैंने इस मामले पर गहराई से विचार किया और इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि मुझे इस मामले को एक अलग दृष्टिकोण से देखना होगा। लेकिन सच कहूँ तो, वॉटसन, मैं आपको जगाए रख रहा हूँ, और बेहतर होगा कि मैं यह सब आपको कल एल्डरशॉट जाते समय बता दूँ।”

"धन्यवाद, आप अब तक बहुत आगे बढ़ चुके हैं, रुकना संभव नहीं है।"

“यह बिल्कुल निश्चित है कि जब श्रीमती बार्कले साढ़े सात बजे घर से निकलीं, तो उनके अपने पति के साथ अच्छे संबंध थे। जैसा कि मैंने शायद पहले भी कहा है, वह कभी दिखावटी स्नेह नहीं दिखाती थीं, लेकिन कोचवान ने उन्हें कर्नल के साथ दोस्ताना अंदाज में बातचीत करते हुए सुना था। अब, यह भी उतना ही निश्चित था कि लौटते ही वह उस कमरे में गईं जहाँ उनके अपने पति से मिलने की संभावना सबसे कम थी, एक उत्तेजित महिला की तरह चाय पीने चली गईं, और अंत में, उनके आने पर, उन पर जमकर आरोप-प्रत्यारोप करने लगीं। इसलिए साढ़े सात से नौ बजे के बीच कुछ ऐसा हुआ था जिसने उनके प्रति उनके भावों को पूरी तरह बदल दिया था। लेकिन मिस मॉरिसन उस पूरे डेढ़ घंटे तक उनके साथ थीं। इसलिए, उनके इनकार के बावजूद, यह बिल्कुल निश्चित था कि उन्हें इस मामले की कुछ जानकारी ज़रूर होगी।”

“मेरा पहला अनुमान यह था कि संभवतः इस युवती और बूढ़े सैनिक के बीच कुछ बातचीत हुई होगी, जिसे युवती ने अब अपनी पत्नी के सामने कबूल कर लिया होगा। इससे उसके गुस्से में लौटने और साथ ही लड़की के किसी भी घटना से इनकार करने का कारण स्पष्ट हो जाता। यह सुनी गई अधिकांश बातों से भी पूरी तरह असंगत नहीं था। लेकिन डेविड का ज़िक्र था, और कर्नल का अपनी पत्नी के प्रति स्नेह भी इस अनुमान के विरुद्ध था, साथ ही उस दूसरे व्यक्ति का दुखद हस्तक्षेप भी था, जिसका पहले हुई घटनाओं से पूरी तरह संबंध न होना भी संभव था। सही-सही फैसला करना आसान नहीं था, लेकिन कुल मिलाकर, मैं कर्नल और मिस मॉरिसन के बीच किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को खारिज करने के लिए इच्छुक था, बल्कि इस बात से पहले से कहीं अधिक आश्वस्त था कि युवती के पास ही वह सुराग है जिसके कारण श्रीमती बार्कले अपने पति से नफरत करने लगी थीं। इसलिए मैंने मिस एम. से मिलने का स्वाभाविक रास्ता अपनाया, उन्हें समझाया कि मुझे पूरा यकीन है कि उनके पास सारी जानकारी है, और उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी सहेली, श्रीमती...” अगर मामला सुलझ नहीं पाया तो बार्कले को मौत की सजा के आरोप में कटघरे में खड़ा होना पड़ सकता है।

"मिस मॉरिसन एक छोटी, नाजुक और नाजुक लड़की हैं, जिनकी आंखें शर्मीली और बाल सुनहरे हैं, लेकिन मैंने उनमें चतुराई और समझदारी की कोई कमी नहीं पाई। मेरे बोलने के बाद वह कुछ देर सोचती रहीं, और फिर दृढ़ निश्चय के साथ मेरी ओर मुड़कर उन्होंने एक उल्लेखनीय बात कही, जिसे मैं आपके लिए संक्षेप में बता रहा हूँ।"

“मैंने अपनी सहेली से वादा किया था कि मैं इस मामले में किसी को कुछ नहीं बताऊंगी, और वादा तो वादा होता है,” उसने कहा; “लेकिन अगर मैं सचमुच उसकी मदद कर सकती हूं जब उस पर इतना गंभीर आरोप लगा है, और जब बेचारी, बीमारी

के कारण उसका मुंह बंद है, तो मुझे लगता है कि मैं अपने वादे से मुक्त हो जाती हूं। मैं तुम्हें ठीक-ठीक बताऊंगी कि सोमवार शाम को क्या हुआ था।"

"हम वाट स्ट्रीट मिशन से लगभग पौने नौ बजे लौट रहे थे। रास्ते में हमें हडसन स्ट्रीट से होकर गुजरना पड़ा, जो एक बहुत ही शांत सड़क है। उसमें बाईं ओर केवल एक ही लैंप लगा है, और जैसे ही हम उस लैंप के पास पहुंचे, मैंने एक आदमी को हमारी ओर आते देखा, जिसकी पीठ बहुत झुकी हुई थी और उसके एक कंधे पर एक बक्सा जैसा कुछ लटका हुआ था। वह कुरूप लग रहा था, क्योंकि उसने अपना सिर नीचे झुका रखा था और घुटने मोड़कर चल रहा था। हम उसके पास से गुजर ही रहे थे कि उसने लैंप की रोशनी में अपना चेहरा उठाकर हमारी ओर देखा, और ऐसा करते ही वह रुक गया और एक भयानक आवाज में चिल्लाया, "हे भगवान, यह नैन्सी है!" श्रीमती बार्कले का चेहरा पीला पड़ गया और अगर उस भयानक दिखने वाले प्राणी ने उन्हें न पकड़ा होता तो वह गिर ही जातीं। मैं पुलिस को बुलाने ही वाला था, लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्होंने उस आदमी से बहुत ही शालीनता से बात की।"

"मुझे लगा था कि तुम तीस साल पहले मर चुके हो, हेनरी," उसने कांपती हुई आवाज में कहा।

"हां, मैंने किया है," उसने कहा, और उसके लहजे को सुनना भयावह था। उसका चेहरा बहुत ही काला और डरावना था, और उसकी आंखों में एक ऐसी चमक थी जो मुझे सपनों में भी याद आती है। उसके बाल और मूंछें सफ़ेद हो चुकी थीं, और उसका चेहरा मुरझाए हुए सेब की तरह झुर्रीदार और सिकुड़ा हुआ था।

"बस थोड़ा आगे चलो, प्रिय," श्रीमती बार्कले ने कहा; "मैं इस आदमी से बात करना चाहती हूं। डरने की कोई बात नहीं है।" उन्होंने हिम्मत से बोलने की कोशिश की, लेकिन उनका चेहरा अभी भी पीला पड़ गया था और कांपते होंठों के कारण उनके मुंह से शब्द मुश्किल से निकल रहे थे।

"मैंने वैसा ही किया जैसा उसने मुझसे कहा था, और वे कुछ मिनटों तक आपस में बातें करते रहे। फिर वह गुस्से से लाल आंखों से गली में नीचे आई, और मैंने उस अपाहिज को लैंपपोस्ट के पास खड़ा देखा, जो गुस्से से पागल होकर अपनी मुट्ठियाँ हवा में हिला रहा था। जब तक हम यहाँ दरवाजे पर नहीं पहुँच गए, तब तक उसने एक शब्द भी नहीं कहा, फिर उसने मेरा हाथ पकड़ा और मुझसे विनती की कि जो कुछ हुआ है, वह किसी को न बताऊं।"

"'मेरी एक पुरानी परिचित है, जिसका बुरा हाल हो गया है,' उसने कहा। जब मैंने उससे वादा किया कि मैं किसी को नहीं बताऊंगी, तो उसने मुझे चूमा, और उसके बाद मैंने उसे कभी नहीं देखा। मैंने अब आपको पूरी सच्चाई बता दी है, और अगर मैंने इसे पुलिस से छिपाया है, तो इसलिए क्योंकि तब मुझे अपनी प्यारी दोस्त पर आने वाले खतरे का एहसास नहीं था। मुझे पता है कि सब कुछ पता चलने से उसे ही फायदा होगा।'

"वॉटसन, उनका बयान था, और जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, मेरे लिए यह अंधेरी रात में रोशनी की तरह था। पहले जो कुछ भी बिखरा हुआ था, वह अचानक अपनी सही जगह पर आ गया, और मुझे घटनाओं के पूरे क्रम का धुंधला सा पूर्वाभास हो गया। मेरा अगला कदम ज़ाहिर तौर पर उस आदमी को ढूंढना था जिसने श्रीमती बार्कले पर इतना गहरा प्रभाव डाला था। अगर वह अभी भी एल्डरशॉट में होता, तो यह कोई मुश्किल काम नहीं होता। वहां आम नागरिकों की संख्या बहुत ज़्यादा नहीं है, और एक कुरूप व्यक्ति का ध्यान ज़रूर आकर्षित होता। मैंने एक दिन उसकी तलाश में बिताया, और शाम तक—आज शाम ही, वॉटसन—मैंने उसे ढूंढ लिया। उस आदमी का नाम हेनरी वुड है, और वह इसी गली में एक किराए के कमरे में रहता है जहाँ उन

महिलाओं ने उससे मुलाकात की थी। वह यहां केवल पांच दिन से रह रहा है। एक पंजीकरण एजेंट के रूप में मैंने उसकी मकान मालकिन से बहुत ही दिलचस्प बातें कीं। वह पेशे से जादूगर और कलाकार है, जो रात ढलने के बाद कैंटीनों में घूमता है और हर जगह थोड़ा मनोरंजन करता है। वह अपने साथ कोई जीव रखता है। एक बक्सा था, जिसके बारे में मकान मालकिन काफी डरी हुई लग रही थी, क्योंकि उसने पहले कभी ऐसा जानवर नहीं देखा था। उसके अनुसार, वह इसका इस्तेमाल अपने कुछ करतबों में करता है। महिला ने मुझे इतना ही बताया, और यह भी कि उस आदमी का जीवित रहना आश्चर्य की बात थी, क्योंकि वह बहुत विकृत था, कभी-कभी वह अजीब भाषा में बोलता था, और पिछली दो रातों से उसने उसे अपने शयनकक्ष में कराहते और रोते सुना था। पैसों के मामले में वह ठीक था, लेकिन उसने जमा में उसे एक नकली फ्लोरिन जैसा दिखने वाला नोट दिया था। उसने मुझे, वॉटसन, वह दिखाया, और वह एक भारतीय रुपया था।

"तो अब, मेरे प्रिय मित्र, तुम स्पष्ट रूप से समझ गए हो कि हम किस स्थिति में हैं और मुझे तुम्हारी आवश्यकता क्यों है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि महिलाओं के उस व्यक्ति से विदा होने के बाद वह उनके पीछे-पीछे गया, उसने खिड़की से पति-पत्नी का झगड़ा देखा, वह अंदर घुस गया और जिस प्राणी को वह अपने बक्से में लेकर आया था, वह मुक्त हो गया। यह सब बिल्कुल निश्चित है। लेकिन इस दुनिया में वही एकमात्र व्यक्ति है जो हमें बता सकता है कि उस कमरे में वास्तव में क्या हुआ था।"

"और आप उनसे पूछने का इरादा रखते हैं?"

"बिल्कुल - लेकिन एक गवाह की उपस्थिति में।"

और मैं गवाह हूं?

"अगर आप इतनी कृपा करें तो। अगर वह मामला सुलझा दे तो बहुत अच्छा। अगर वह इनकार करता है, तो हमारे पास वारंट के लिए आवेदन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।"

"लेकिन आपको कैसे पता चलेगा कि जब हम लौटेंगे तो वह वहां मौजूद होगा?"

"आप यकीन मानिए कि मैंने कुछ एहतियाती कदम उठाए हैं। मैंने बेकर स्ट्रीट के अपने एक आदमी को उस पर पहरा देने के लिए लगाया है, जो उसके पीछे-पीछे हर जगह जाएगा। वॉटसन, हम उसे कल हडसन स्ट्रीट में ढूंढ लेंगे, और इस बीच अगर मैंने आपको और देर तक बिस्तर से उठने नहीं दिया, तो मैं खुद ही अपराधी बन जाऊंगा।"

दोपहर के समय हम त्रासदी स्थल पर पहुँचे और अपने साथी के मार्गदर्शन में हम तुरंत हडसन स्ट्रीट की ओर चल पड़े। अपनी भावनाओं को छुपाने की उनकी क्षमता के बावजूद, मैं आसानी से देख सकता था कि होम्स दबी हुई उत्तेजना की स्थिति में थे, जबकि मैं स्वयं उस आधे मनोरंजक, आधे बौद्धिक आनंद से रोमांचित था जो मुझे हमेशा उनके साथ उनकी जांच में शामिल होने पर अनुभव होता था।

"यही वह गली है," उसने कहा, जब हम साधारण दो मंजिला ईंट के मकानों से सजी एक छोटी सी सड़क पर मुड़े। "अरे, यहाँ सिम्पसन रिपोर्ट करने आए हैं।"

"वह बिल्कुल ठीक है, मिस्टर होम्स," एक छोटा सा गली का अरब लड़का दौड़ता हुआ हमारे पास आया और चिल्लाया।

"शाबाश, सिम्पसन!" होम्स ने उसके सिर पर थपथपाते हुए कहा। "चलो, वॉटसन। यही घर है।" उसने अपना कार्ड अंदर भेजा जिस पर लिखा था कि वह किसी ज़रूरी काम से आया है, और एक पल में हम उस आदमी के सामने थे जिससे मिलने हम आए थे। गर्म मौसम के बावजूद वह आग के पास बैठा था, और छोटा सा कमरा भट्टी जैसा गर्म था। वह आदमी अपनी कुर्सी पर इस तरह सिकुड़कर बैठा था कि उसकी कुरूपता का वर्णन करना मुश्किल था; लेकिन उसका चेहरा, जो उसने हमारी तरफ़ किया, भले

हो थका हुआ और सांवला था, कभी अपनी सुंदरता के लिए ज़रूर मशहूर रहा होगा। अब वह अपनी पीली-सी, पित्त से भरी आँखों से हमें शक की नज़रों से देख रहा था, और बिना कुछ बोले या उठे, उसने दो कुर्सियों की तरफ़ इशारा किया।

"श्री हेनरी वुड, जो शायद भारत से थे," होम्स ने सौहार्दपूर्वक कहा। "मुझे कर्नल बार्कले की मृत्यु की यह छोटी सी खबर मिली है।"

मुझे इसके बारे में क्या पता होना चाहिए?

"मैं यही पता लगाना चाहता हूं। आप जानते ही होंगे, मुझे लगता है, कि जब तक मामला सुलझ नहीं जाता, श्रीमती बार्कले, जो आपकी पुरानी दोस्त हैं, पर संभवतः हत्या का मुकदमा चलाया जाएगा।"

वह आदमी बुरी तरह चौंक गया।

"मैं नहीं जानता कि तुम कौन हो," वह चिल्लाया, "और न ही मुझे पता है कि तुम्हें यह सब कैसे पता चला, लेकिन क्या तुम शपथ लेकर कहोगे कि जो तुम मुझे बता रहे हो वह सच है?"

"क्यों, वे तो बस उसके होश में आने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उसे गिरफ्तार कर सकें।"

हे भगवान! क्या आप खुद पुलिस में हैं?

"नहीं।"

तो फिर इसमें तुम्हारा क्या लेना-देना है?

न्याय सुनिश्चित करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है।

आप मेरी बात पर यकीन कर सकते हैं कि वह निर्दोष है।

"तो फिर आप दोषी हैं।"

"नहीं मैं नहीं हूं।"

तो फिर कर्नल जेम्स बार्कले की हत्या किसने की?

"यह ईश्वर की न्यायसंगत इच्छा थी जिसने उसे मार डाला। लेकिन ध्यान रहे, अगर मैंने उसके सिर फोड़ दिए होते, जैसा कि मेरे मन में था, तो उसे मेरे हाथों से केवल उसका हक ही मिलता। अगर उसके दोषी अंतरात्मा ने उसे न मारा होता, तो शायद उसका खून मेरे प्राणों पर लगा होता। आप चाहते हैं कि मैं यह कहानी सुनाऊं। खैर, मुझे नहीं पता कि मैं ऐसा क्यों न करूं, क्योंकि मुझे इस पर शर्मिंदा होने की कोई वजह नहीं है।"

"बात कुछ इस तरह थी, महोदय। आप मुझे अब ऊँट जैसी पीठ और टेढ़ी पसलियों के साथ देख रहे हैं, लेकिन एक समय था जब कॉर्पोरल हेनरी वुड एक सौ सत्रहवीं पैदल सेना में सबसे होशियार आदमी थे। हम तब भारत में थे, छावनियों में, एक जगह पर जिसे हम भुर्ती कहेंगे। बार्कले, जिनका कुछ दिन पहले निधन हो गया, मेरी ही कंपनी में सार्जेंट थे, और रेजिमेंट की सबसे खूबसूरत लड़की, जी हां, और जीवन की सबसे सुंदर लड़की, नैंसी डेवाय थी, जो कलर-सार्जेंट की बेटी थी। दो आदमी उससे प्यार करते थे, और एक जिससे वह प्यार करती थी, और जब आप इस बेचारी को आग के सामने दुबकी हुई देखेंगे और मेरी बात सुनेंगे तो आपके चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी कि वह मुझसे मेरे अच्छे रूप के कारण प्यार करती थी।"

"खैर, हालांकि मैंने उसका दिल जीत लिया था, लेकिन उसके पिता चाहते थे कि उसकी शादी बार्कले से हो। मैं एक उतावला, लापरवाह लड़का था, और वह पढ़ा-लिखा था और तलवारबाज़ी के लिए पहले से ही तैयार था। लेकिन लड़की ने मेरा साथ नहीं छोड़ा, और ऐसा लग रहा था कि मैं उसे पा ही लूंगा, तभी विद्रोह भड़क उठा और देश में अफरा-तफरी मच गई।"

"हम भुर्ती में घिरे हुए थे, हमारी रेजिमेंट, तोपखाने की आधी बैटरी, सिखों की एक टुकड़ी और बहुत सारे नागरिक और महिलाएं थीं। हमारे चारों ओर दस हज़ार विद्रोही थे, और वे चूहे के पिंजरे के चारों ओर मंडराते कुत्तों की तरह आक्रामक थे। लगभग दूसरे सप्ताह में हमारा पानी खत्म हो गया, और यह सवाल था कि क्या हम जनरल नील के दल से संपर्क कर पाएंगे, जो आगे बढ़ रहा था। यही हमारा एकमात्र मौका था, क्योंकि हम इतनी सारी महिलाओं और बच्चों के साथ लड़कर बाहर नहीं निकल सकते थे, इसलिए मैंने बाहर जाकर जनरल नील को हमारे खतरे के बारे में चेतावनी देने की पेशकश की। मेरी पेशकश स्वीकार कर ली गई, और मैंने सार्जेंट बार्कले से इस बारे में बात की, जो उस इलाके को किसी और से बेहतर जानता था, और जिसने मुझे विद्रोहियों की घेराबंदी से निकलने का रास्ता बताया। उसी रात दस बजे मैं अपनी यात्रा पर निकल पड़ा। हज़ारों जानें बचानी थीं, लेकिन उस रात दीवार फांदते समय मैं सिर्फ एक ही जान के बारे में सोच रहा था।"

"मेरा रास्ता एक सूखे जलमार्ग से होकर जाता था, जिससे हमें उम्मीद थी कि मैं दुश्मन के पहरेदारों से बच जाऊंगा; लेकिन जैसे ही मैं उसके मोड़ पर पहुँचा, मैं सीधे उनमें से छह के बीच पहुंच गया, जो अंधेरे में घात लगाकर मेरा इंतज़ार कर रहे थे। पल भर में मुझे एक ज़ोरदार प्रहार से बेहोश कर दिया गया और मेरे हाथ-पैर बाँध दिए गए। लेकिन असली चोट मेरे दिल पर लगी थी, मेरे दिमाग पर नहीं, क्योंकि जब मुझे होश आया और मैंने उनकी बातों को जितना समझ सका, सुना, तो मुझे इतना पता चल गया कि मेरे साथी, वही आदमी जिसने मेरे लिए रास्ता तय किया था, ने एक स्थानीय नौकर के ज़रिए मुझे दुश्मन के हवाले कर दिया था।"

खैर, मुझे उस हिस्से पर ज़्यादा बात करने की ज़रूरत नहीं है। आप जानते ही हैं कि जेम्स बार्कले क्या कर सकता था। अगले दिन नील ने भुरती की जगह ले ली, लेकिन विद्रोही मुझे अपने साथ पीछे हटते हुए ले गए, और कई साल बीत गए जब तक मैंने फिर कभी किसी गोरे का चेहरा नहीं देखा। मुझे यातनाएँ दी गईं और मैंने भागने की कोशिश की, लेकिन मुझे पकड़ लिया गया और फिर से यातनाएँ दी गईं। आप खुद देख सकते हैं कि मेरी क्या हालत थी। उनमें से कुछ जो नेपाल भाग गए, मुझे अपने साथ ले गए, और उसके बाद मैं दार्जिलिंग से आगे निकल गया। वहाँ के पहाड़ी लोगों ने मुझे पकड़ने वाले विद्रोहियों की हत्या कर दी, और मैं कुछ समय के लिए उनका गुलाम बन गया, जब तक कि मैं भाग नहीं गया; लेकिन दक्षिण जाने के बजाय मुझे उत्तर जाना पड़ा, और मैं अफ़गानों के बीच पहुँच गया। वहाँ मैं कई साल भटकता रहा, और अंत में पंजाब लौट आया, जहाँ मैं ज़्यादातर स्थानीय लोगों के बीच रहा और जादू-टोने के करतबों से गुज़ारा करता रहा जो मैंने सीखे थे। मेरे जैसे एक अपाहिज के लिए इंग्लैंड वापस जाना या अपने पुराने साथियों को अपना परिचय देना किस काम का था? साथियों? बदला लेने की मेरी इच्छा भी मुझे ऐसा करने पर मजबूर नहीं कर सकती। मैं तो यही चाहूँगा कि नैंसी और मेरे पुराने दोस्त हैरी वुड को एक सीधी पीठ के साथ मरा हुआ मानें, न कि उसे चिंपैंज़ी की तरह छड़ी के सहारे रेंगते हुए देखें। उन्हें कभी शक नहीं हुआ कि मैं मर चुका हूं, और मेरा मतलब यही था कि उन्हें कभी शक न हो। मैंने सुना है कि बार्कले ने नैंसी से शादी कर ली है और रेजिमेंट में उसकी तरक्की तेज़ी से हो रही है, लेकिन इससे भी मैं कुछ नहीं बोला।

लेकिन बुढ़ापे में घर की याद सताने लगती है। सालों से मैं इंग्लैंड के हरे-भरे खेतों और झाड़ियों के सपने देखता आ रहा हूँ। आखिरकार मैंने मरने से पहले उन्हें देखने का निश्चय कर लिया। मैंने इतना पैसा बचाया कि मैं वहाँ से आ सकूँ, और फिर मैं यहाँ आ गया जहाँ सैनिक हैं, क्योंकि मैं उनके तौर-तरीके जानता हूँ और उन्हें खुश रखना जानता हूँ, जिससे मैं अपना गुजारा चला सकूँ।

“आपकी कहानी बहुत दिलचस्प है,” शर्लक होम्स ने कहा। “मैंने श्रीमती बार्कले से आपकी मुलाकात और आप दोनों की पहचान के बारे में पहले ही सुन लिया है। फिर, जैसा कि मुझे पता चला है, आप उनके घर तक उनका पीछा करते हुए गए और खिड़की से उनके पति और उनके बीच कहासुनी देखी, जिसमें उन्होंने निस्संदेह आपके प्रति उनके पति के व्यवहार को लेकर उन्हें खरी-खोटी सुनाई। आपकी भावनाएं आप पर हावी हो गईं और आप दौड़कर लॉन पार करके उनके बीच घुस गए।”

“जी हाँ, मैंने किया, और मुझे देखते ही उसका चेहरा ऐसा हो गया जैसा मैंने पहले कभी किसी आदमी का नहीं देखा था, और वह फेंडर पर सिर के बल गिर पड़ा। लेकिन गिरने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। उसके चेहरे पर मैंने मौत के भाव इतने स्पष्ट रूप से पढ़ लिए थे जैसे आग के बीच से कोई शब्द पढ़ सकता हूँ। मुझे देखते ही उसके दिल में गोली लग गई हो।”

"और तब?"

“तभी नैन्सी बेहोश हो गई, और मैंने उसके हाथ से दरवाज़े की चाबी छीन ली, ताकि उसे खोलकर मदद बुला सकूं। लेकिन ऐसा करते हुए मुझे लगा कि बेहतर होगा कि मैं इसे वहीं छोड़ दूं और वहाँ से भाग जाऊँ, क्योंकि यह चीज़ मेरे लिए मुसीबत बन सकती थी, और वैसे भी अगर मुझे पकड़ लिया गया तो मेरा राज़ खुल जाएगा। जल्दबाज़ी में मैंने चाबी अपनी जेब में डाल ली, और टेडी का पीछा करते हुए मेरी छड़ी गिर गई, जो पर्दे पर चढ़ गया था। जब मैंने उसे उसके डिब्बे में डाल दिया, जिससे वह फिसल गया था, तो मैं जितनी तेज़ी से दौड़ सकता था, भाग गया।”

"टेडी कौन है?" होम्स ने पूछा।

वह आदमी झुका और कोने में बने एक पिंजरे जैसे ढांचे का अगला हिस्सा ऊपर खींच लिया। पलक झपकते ही उसमें से एक खूबसूरत लाल-भूरे रंग का प्राणी बाहर निकला, पतला और फुर्तीला, नेवले जैसी टांगों वाला, लंबी और पतली नाक वाला, और जानवरों के सिर में मैंने अब तक देखी सबसे खूबसूरत लाल आँखें वाला प्राणी।

मैंने चिल्लाकर कहा, "यह एक नेवला है।"

“खैर, कुछ लोग इन्हें सांप कहते हैं, और कुछ लोग इन्हें इचनेउमन कहते हैं,” उस आदमी ने कहा। “मैं इन्हें सांप पकड़ने वाला कहता हूँ, और टेडी कोबरा पकड़ने में बहुत तेज़ है। मेरे पास यहाँ एक बिना दांत वाला कोबरा है, और टेडी हर रात उसे पकड़कर कैंटीन में बैठे लोगों को खुश करता है।”

“क्या आपको कोई और बात कहनी है, महोदय?”

"खैर, अगर श्रीमती बार्कले गंभीर मुसीबत में फंस जाती हैं तो हमें आपसे दोबारा संपर्क करना पड़ सकता है।"

"ऐसी स्थिति में, बेशक, मैं सामने आऊंगा।"

“लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो एक मरे हुए आदमी के खिलाफ इस बदनामी को कुरेदने का कोई मतलब नहीं है, चाहे उसने कितने ही घिनौने काम किए हों। कम से कम आपको इस बात की तसल्ली तो है कि तीस साल तक उसका ज़मीर उसके इस बुरे काम के लिए उसे कचोटता रहा। आह, मेजर मर्फी सड़क के दूसरी तरफ जा रहे हैं। अलविदा, वुड। मैं जानना चाहता हूँ कि कल से कुछ हुआ है या नहीं।”

हम मेजर के मोड़ पर पहुंचने से पहले ही उसे ओवरटेक करने में कामयाब रहे।

“अरे, होम्स,” उसने कहा, “मुझे लगता है कि आपने सुना होगा कि यह सारा हंगामा व्यर्थ साबित हुआ?”

"तो क्या?"

“जांच अभी-अभी पूरी हुई है। चिकित्सकीय साक्ष्यों से स्पष्ट रूप से पता चला है कि मृत्यु पक्षाघात के कारण हुई थी। दरअसल, यह काफी सरल मामला था।”

“अरे वाह, कितनी सतही बात है,” होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा। “चलो, वॉटसन, मुझे नहीं लगता कि अब एल्डरशॉट में हमारी ज़रूरत पड़ेगी।”

“एक बात है,” मैंने स्टेशन की ओर चलते हुए कहा। “अगर पति का नाम जेम्स था और दूसरे का नाम हेनरी, तो डेविड के बारे में ये बातें किस बारे में हो रही थीं?”

"मेरे प्रिय वॉटसन, उस एक शब्द से ही मुझे पूरी कहानी पता चल जाती, अगर मैं वह आदर्श तर्कशील व्यक्ति होता जिसे आप चित्रित करने के इतने शौकीन हैं। यह स्पष्ट रूप से निंदा का शब्द था।"

“निंदा के बारे में?”

“हां; दाऊद कभी-कभार थोड़ा भटक जाता था, तुम्हें पता है, और एक बार तो वह सार्जेंट जेम्स बार्कले की ही राह पर चला गया था। तुम्हें उरियाह और बाथशेबा का वो छोटा सा किस्सा याद है? मुझे अफसोस है कि बाइबल का मेरा ज्ञान थोड़ा कमज़ोर हो गया है, लेकिन तुम्हें ये कहानी शमूएल के पहले या दूसरे अध्याय में मिल जाएगी।”

निवासी रोगी

अपने मित्र श्री शर्लक होम्स की मानसिक विशेषताओं को दर्शाने के लिए मैंने जो संस्मरण लिखे हैं, जो कुछ हद तक असंगत हैं, उन पर सरसरी नज़र डालते हुए मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि मुझे ऐसे उदाहरण चुनने में कितनी कठिनाई हुई जो हर तरह से मेरे उद्देश्य को पूरा कर सकें। क्योंकि जिन मामलों में होम्स ने विश्लेषणात्मक तर्कशक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और अपनी विशिष्ट जांच पद्धतियों का महत्व सिद्ध किया है, उनमें तथ्य अक्सर इतने मामूली या सामान्य रहे हैं कि मैं उन्हें जनता के सामने प्रस्तुत करने को उचित नहीं समझता। दूसरी ओर, ऐसा भी अक्सर हुआ है कि वे किसी ऐसे शोध में शामिल रहे हैं जहाँ तथ्य अत्यंत उल्लेखनीय और नाटकीय प्रकृति के रहे हैं, लेकिन उनके कारणों का पता लगाने में उनकी भूमिका उतनी स्पष्ट नहीं रही जितनी कि एक जीवनीकार के रूप में मैं चाहता था। "अ स्टडी इन स्कारलेट" शीर्षक के तहत मैंने जिस छोटी सी घटना का वर्णन किया है, और ग्लोरिया स्कॉट के खो जाने से जुड़ी दूसरी घटना, इतिहासकार के लिए हमेशा बनी रहने वाली इस दुविधा के उदाहरण के रूप में काम कर सकती हैं। हो सकता है कि जिस विषय पर मैं अब लिखने जा रहा हूँ, उसमें मेरे मित्र की भूमिका को पर्याप्त रूप से उजागर न किया गया हो; फिर भी, घटनाओं का पूरा क्रम इतना उल्लेखनीय है कि मैं इसे इस श्रृंखला से पूरी तरह से हटा नहीं सकता।

अक्टूबर का महीना था, उमस भरा और बारिश वाला दिन था। हमारे पर्दे के आधे खुले थे और होम्स सोफे पर सिकुड़कर लेटे हुए सुबह की डाक से आए एक पत्र को बार-बार पढ़ रहे थे। भारत में सेवा के दौरान मुझे ठंड से ज़्यादा गर्मी सहन करना आता था, और 90 डिग्री का तापमान मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं थी। लेकिन अखबार में कुछ भी दिलचस्प नहीं था। संसद का सत्र समाप्त हो चुका था। सब लोग शहर से बाहर गए हुए थे, और मुझे न्यू फॉरेस्ट के हरे-भरे मैदानों या साउथसी के कंकड़-पत्थर वाले इलाकों की याद सता रही थी। बैंक खाते में पैसे कम होने के कारण मुझे अपनी छुट्टियां टालनी पड़ी थीं, और मेरे साथी को न तो गांव और न ही समुद्र में ज़रा भी दिलचस्पी थी। उन्हें 50 लाख लोगों के बीचोंबीच लेटना पसंद था, जहां उनकी निगाहें हर छोटी-मोटी अफवाह या अनसुलझे अपराध के शक पर टिकी रहती थीं। प्रकृति के प्रति प्रेम उनकी प्रतिभाओं में कहीं नहीं था, और उनमें बदलाव तभी आता था जब वे शहर के अपराधी से अपना ध्यान हटाकर गांव में रहने वाले अपने साथी को ढूंढने में जुट जाते थे।

होम्स को बातचीत में इतना मग्न देखकर कि वह बातचीत के लिए तल्लीन थे, मैंने वह खाली कागज़ एक तरफ़ फेंक दिया और कुर्सी पर पीछे झुककर गहरी सोच में डूब गया। अचानक मेरे साथी की आवाज ने मेरे विचारों को भंग कर दिया।

“आप सही कह रहे हैं, वॉटसन,” उसने कहा। “विवाद सुलझाने का यह तरीका वाकई बेहद हास्यास्पद लगता है।”

“यह तो बिलकुल बेतुका है!” मैंने हैरानी से कहा, और फिर, अचानक यह महसूस करते हुए कि उसने मेरी आत्मा के अंतर्मन के विचार को ही प्रतिध्वनित कर दिया है, मैं अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ गया और अचंभित होकर उसे घूरने लगा।

“यह क्या है, होम्स?” मैंने चिल्लाकर कहा। “यह मेरी कल्पना से परे है।”

मेरी उलझन देखकर वह दिल खोलकर हंसा।

“तुम्हें याद होगा,” उसने कहा, “कुछ समय पहले जब मैंने तुम्हें पो की एक रचना का वह अंश पढ़कर सुनाया था, जिसमें एक चतुर तर्कशील व्यक्ति अपने साथी के अनकहे विचारों का अनुसरण करता है, तो तुमने इसे लेखक की एक मात्र कलात्मकता समझा था। जब मैंने कहा कि मैं भी अक्सर ऐसा ही करता हूं, तो तुमने अविश्वास व्यक्त किया था।”

"अरे नहीं!"

"शायद अपनी ज़बान से नहीं, मेरे प्यारे वॉटसन, लेकिन अपनी भौहों से तो ज़रूर। इसलिए जब मैंने आपको अपना कागज़ नीचे फेंककर विचारों में खोते देखा, तो मुझे उसे पढ़ने और अंततः उसमें दखल देने का मौका पाकर बहुत खुशी हुई, ताकि यह साबित हो सके कि मेरा आपसे अच्छा तालमेल था।"

लेकिन मैं अब भी संतुष्ट नहीं था। मैंने कहा, “जो उदाहरण आपने मुझे पढ़कर सुनाया, उसमें तर्क करने वाले ने अपने निष्कर्ष उस व्यक्ति के कार्यों से निकाले, जिसे उसने देखा था। अगर मुझे सही याद है, तो वह पत्थरों के ढेर पर ठोकर खा गया, तारों की ओर देखा, इत्यादि। लेकिन मैं तो चुपचाप अपनी कुर्सी पर बैठा रहा, और मैं आपको क्या सुराग दे सकता हूं?”

“तुम अपने साथ अन्याय कर रहे हो। मनुष्य को चेहरे के हाव-भाव इसलिए दिए गए हैं ताकि वह अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सके, और तुम्हारे चेहरे के हाव-भाव उसके वफादार सेवक हैं।”

"क्या आपका मतलब यह है कि आपने मेरे चेहरे के हाव-भाव से मेरे मन की बात जान ली?"

“आपके चेहरे के हाव-भाव, और ख़ासकर आपकी आंखें। शायद आपको खुद याद नहीं होगा कि आपकी ये तल्लीनता कैसे शुरू हुई?”

नहीं, मैं नहीं कर सकता।

“तो मैं आपको बताता हूं। अपना अखबार नीचे फेंकने के बाद, जिससे मेरा ध्यान आपकी ओर गया, आप आधे मिनट तक खाली-खाली से बैठे रहे। फिर आपकी नज़र जनरल गॉर्डन की नई फ्रेम की हुई तस्वीर पर टिक गई, और आपके चेहरे के भावों में आए बदलाव से मैंने समझ लिया कि आपके मन में कुछ विचार चल रहे हैं। लेकिन वे विचार ज़्यादा दूर तक नहीं गए। आपकी नज़र हेनरी वार्ड बीचर के बिना फ्रेम वाले चित्र पर पड़ी, जो आपकी किताबों के ऊपर रखा है। फिर आपने दीवार की ओर देखा, और ज़ाहिर है आपका इरादा स्पष्ट था। आप सोच रहे थे कि अगर इस चित्र को फ्रेम कर दिया जाए तो यह उस खाली जगह को ढक लेगा और वहां रखी गॉर्डन की तस्वीर से मेल खाएगा।”

“तुमने मेरा बहुत अच्छे से अनुसरण किया है!” मैंने कहा।

"अब तक तो मैं भटक ही नहीं सकता था। लेकिन अब आपके विचार बीचर की ओर लौट गए, और आप ध्यान से देखने लगे मानो आप उनके चेहरे के भावों में छिपे चरित्र का अध्ययन कर रहे हों। फिर आपकी आँखें सिकुड़ना बंद हो गईं, लेकिन आप देखते रहे, और आपका चेहरा विचारशील हो गया। आप बीचर के जीवन की घटनाओं को याद कर रहे थे। मैं भली-भांति जानता था कि आप गृहयुद्ध के समय उत्तर की ओर से उनके द्वारा किए गए मिशन के बारे में सोचे बिना ऐसा नहीं कर सकते थे, क्योंकि मुझे याद है कि आपने हमारे उग्र लोगों द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार पर अपनी तीव्र नाराजगी व्यक्त की थी। आप इस बारे में इतना दृढ़ता से महसूस करते थे कि मैं जानता था कि आप बीचर के बारे में सोचे बिना इसके बारे में नहीं सोच सकते। जब एक क्षण बाद मैंने देखा कि आपकी नज़र तस्वीर से हट गई, तो मुझे संदेह हुआ कि अब आपका मन गृहयुद्ध की ओर मुड़ गया है, और जब मैंने देखा कि आपके होंठ कस गए, आपकी आँखें चमक उठीं, और आपके हाथ मुट्ठी में बंद हो गए, तो मुझे यकीन हो गया कि आप वास्तव में उस भीषण संघर्ष में दोनों पक्षों द्वारा दिखाई गई वीरता के बारे में सोच रहे थे। लेकिन फिर, आपका चेहरा फिर से उदास हो गया; आपने अपने हाथ हिलाए। आप जीवन की उदासी, भयावहता और व्यर्थ बर्बादी पर विचार कर रहे थे। आपका हाथ अपने पुराने घाव की ओर बढ़ा और आपके होंठों पर एक हल्की सी मुस्कान आई, जिससे मुझे पता चला कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने के इस तरीके का हास्यास्पद पहलू आपके मन में घर कर गया था। इस बिंदु पर मैं आपसे सहमत था कि यह बेतुका था, और यह जानकर मुझे खुशी हुई कि मेरे सभी अनुमान सही थे।

"बिल्कुल!" मैंने कहा। "और अब जब आपने इसे समझा दिया है, तो मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं पहले की तरह ही आश्चर्यचकित हूँ।"

"मेरे प्रिय वाटसन, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यह बहुत सतही बात थी। अगर आपने उस दिन कुछ अविश्वास न दिखाया होता, तो मैं इस बात को आपके ध्यान में न लाता। लेकिन शाम अपने साथ एक ताज़ी हवा लेकर आई है। लंदन में घूमने का आपका क्या ख्याल है?"

मैं अपने छोटे से बैठक कक्ष से ऊब चुका था और खुशी-खुशी मान गया। तीन घंटे तक हम साथ-साथ टहलते रहे, फ्लीट स्ट्रीट और स्ट्रैंड में जीवन के बदलते रंगों को देखते रहे। उनकी विशिष्ट बातचीत, जिसमें बारीकियों का गहन अवलोकन और सूक्ष्म निष्कर्ष निकालने की क्षमता थी, ने मुझे आनंदित और मंत्रमुग्ध कर दिया। दस बज चुके थे जब हम फिर से बेकर स्ट्रीट पहुँचे। हमारे दरवाजे पर एक बग्घी इंतज़ार कर रही थी।

"हम्म! लगता है ये डॉक्टर हैं—सामान्य चिकित्सक," होम्स ने कहा। "अभी प्रैक्टिस शुरू ही की है, पर काम का बोझ काफी है। लगता है हमसे सलाह लेने आए हैं! शुक्र है हम वापस आ गए!"

मैं होम्स की कार्यप्रणाली से इतना परिचित था कि मैं उनके तर्क को समझ सका और यह देख सका कि बग्घी के अंदर दीपक की रोशनी में लटकी टोकरी में रखे विभिन्न चिकित्सा उपकरणों की स्थिति और प्रकार ने उन्हें अपने त्वरित निष्कर्ष के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की थी। ऊपर हमारी खिड़की से आती रोशनी से पता चला कि यह मुलाकात वास्तव में हमारे लिए ही थी। यह जानने की उत्सुकता के साथ कि आखिर किस कारण एक चिकित्सक साथी इतनी रात को हमारे पास आया होगा, मैं होम्स के पीछे-पीछे अपने कमरे में चला गया।

जैसे ही हम अंदर दाखिल हुए, आग के पास रखी कुर्सी से एक पीला, पतला चेहरा और सुनहरी मूंछों वाला आदमी उठा। उसकी उम्र शायद 33-43 से ज्यादा नहीं थी, लेकिन उसके थके-हारे चेहरे और अस्वस्थ रंगत से पता चलता था कि जीवन ने उसकी

ताक़त छीन ली थी और उसकी जवानी छुपा ली थी। उसका व्यवहार घबराया हुआ और संकोची था, किसी संवेदनशील सज्जन की तरह, और उठते समय उसने जो पतला सफेद हाथ मेंटलपीस पर रखा, वह किसी सर्जन के बजाय किसी कलाकार का लग रहा था। उसका पहनावा सादा और गंभीर था - एक काला फ्रॉककोट, गहरे रंग की पतलून और टाई में हल्का सा रंग।

"शुभ संध्या, डॉक्टर," होम्स ने प्रसन्नतापूर्वक कहा। "मुझे खुशी है कि आपको केवल कुछ मिनटों का ही इंतज़ार करना पड़ा।"

तो फिर आपने मेरे कोचमैन से बात की?

“नहीं, मुझे तो साइड टेबल पर रखी मोमबत्ती से पता चला। कृपया अपनी जगह पर वापस बैठ जाइए और मुझे बताइए कि मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं।”

हमारे आगंतुक ने कहा, "मेरा नाम डॉ. पर्सी ट्रेवेलियन है और मैं 403 ब्रुक स्ट्रीट में रहता हूं।"

मैंने पूछा, "क्या आप अज्ञात तंत्रिका संबंधी घावों पर एक मोनोग्राफ के लेखक नहीं हैं?"

मुझे यह जानकर कि मैं उसके काम से परिचित हूँ, उसके पीले गाल खुशी से लाल हो गए।

उन्होंने कहा, “मुझे इस काम के बारे में इतनी कम जानकारी मिलती है कि मुझे लगा कि यह बिल्कुल खत्म हो चुका है। मेरे प्रकाशकों ने इसकी बिक्री के बारे में मुझे बहुत निराशाजनक जानकारी दी। मेरा अनुमान है कि आप स्वयं एक चिकित्सक हैं।”

“एक सेवानिवृत्त सेना सर्जन।”

“तंत्रिका संबंधी बीमारियों का अध्ययन करना मेरा शौक रहा है। मैं इसे अपनी विशेषज्ञता बनाना चाहता हूं, लेकिन ज़ाहिर है, शुरुआत में जो मिलता है उसी से संतोष करना पड़ता है। खैर, श्री शर्लक होम्स, यह बात मायने नहीं रखती और मैं आपके समय की कीमत को भलीभांति समझता हूँ। दरअसल, हाल ही में ब्रुक स्ट्रीट स्थित मेरे घर में कुछ बेहद विचित्र घटनाएँ घटी हैं, और आज रात वे इतनी बढ़ गईं कि मुझे लगा कि आपकी सलाह और सहायता माँगने से पहले एक घंटा भी इंतज़ार करना मेरे लिए नामुमकिन है।”

शर्लक होम्स बैठ गए और अपनी पाइप जलाई। उन्होंने कहा, "आप दोनों का स्वागत है। कृपया मुझे उन परिस्थितियों का विस्तृत विवरण दें जिनसे आप परेशान हैं।"

डॉ. ट्रेवेलियन ने कहा, "इनमें से एक-दो बातें इतनी मामूली हैं कि सच में मुझे इनका ज़िक्र करने में शर्म आती है। लेकिन मामला इतना पेचीदा है, और हाल ही में इसने जो मोड़ लिया है, वह इतना पेचीदा है, कि मैं इसे आपके सामने रखूंगा, और आप तय करेंगे कि इसमें क्या महत्वपूर्ण है और क्या नहीं।"

“सबसे पहले, मैं अपने कॉलेज के दिनों के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। आप जानते हैं, मैं लंदन विश्वविद्यालय का छात्र हूं, और मुझे यकीन है कि अगर मैं यह कहूं कि मेरे प्रोफेसरों ने मेरे छात्र जीवन को बहुत ही आशाजनक माना था, तो आप इसे मेरी अतिशयोक्ति नहीं समझेंगे। स्नातक होने के बाद मैंने किंग्स कॉलेज अस्पताल में एक छोटे से पद पर रहते हुए शोध कार्य जारी रखा, और सौभाग्य से कैटालेप्सी के रोगविज्ञान पर अपने शोध से काफी रुचि जगाने में सफल रहा, और अंततः तंत्रिका संबंधी घावों पर मोनोग्राफ के लिए ब्रूस पिंकर्टन पुरस्कार और पदक जीता, जिसका ज़िक्र आपके मित्र ने अभी किया है। अगर मैं यह कहूँ कि उस समय यह आम धारणा थी कि मेरा भविष्य उज्ज्वल है, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी।”

लेकिन सबसे बड़ी बाधा पूंजी की कमी थी। जैसा कि आप आसानी से समझ सकते हैं, एक विशेषज्ञ जो उच्च लक्ष्य रखता है, उसे केवेंडिश स्क्वायर क्षेत्र की दर्जन भर गलियों में से किसी एक में शुरुआत करनी पड़ती है, जिनमें से सभी में भारी किराया और साज-सज्जा का खर्च होता है। इस प्रारंभिक खर्च के अलावा, उसे कुछ वर्षों तक अपना खर्च खुद उठाने और एक अच्छी गाड़ी और घोड़ा किराए पर लेने के लिए भी तैयार रहना पड़ता है। यह सब करना मेरी क्षमता से बिल्कुल बाहर था, और मैं केवल यही आशा कर सकता था कि मितव्ययिता से मैं दस वर्षों में इतना पैसा बचा लूंगा जिससे मैं अपना खर्च चला सकूं। हालांकि, अचानक एक अप्रत्याशित घटना ने मेरे लिए एक बिल्कुल नया अवसर खोल दिया।

"यह ब्लेसिंगटन नाम के एक सज्जन का दौरा था, जो मेरे लिए बिल्कुल अजनबी थे। वे एक सुबह मेरे कमरे में आए और तुरंत काम की बात करने लगे।"

"'क्या आप वही पर्सी ट्रेवेलियन हैं जिनका इतना शानदार करियर रहा है और जिन्होंने हाल ही में एक बड़ा पुरस्कार जीता है?' उन्होंने कहा।

मैंने सिर झुकाया।

"'मुझे स्पष्ट रूप से उत्तर दो,' उसने आगे कहा, 'क्योंकि ऐसा करना तुम्हारे हित में होगा। तुममें वो सारी चतुराई है जो एक सफल व्यक्ति बनाती है। क्या तुममें सूझबूझ है?'"

"सवाल की अचानकता पर मुझे मुस्कुराने से खुद को रोकना मुश्किल हो गया।"

मैंने कहा, "मुझे विश्वास है कि मुझे मेरा हिस्सा मिल गया है।"

"'कोई बुरी आदतें हैं? शराब की ओर तो झुकाव नहीं है, है ना?'"

"'सचमुच, महोदय!' मैंने चिल्लाकर कहा।

"'बिल्कुल सही! कोई बात नहीं! लेकिन मुझे पूछना ही था। इन सभी गुणों के बावजूद, आप अभ्यास क्यों नहीं कर रहे हैं?'"

मैंने अपने कंधे उचका दिए।

"'आओ, आओ!' उसने अपने फुर्तीले अंदाज़ में कहा। 'यह तो पुरानी कहावत है। दिमाग में ज़्यादा है, जेब में कम, है ना? अगर मैं तुम्हें ब्रूक स्ट्रीट में काम पर लगा दूं तो तुम क्या कहोगे?'"

मैं हैरानी से उसकी ओर देखता रहा।

"'अरे, ये तो मेरे लिए है, तुम्हारे लिए नहीं,' वो चिल्लाया। 'मैं तुमसे बिल्कुल साफ़-साफ बात करूंगा, और अगर ये तुम्हें ठीक लगे तो मुझे भी बहुत अच्छा लगेगा। मेरे पास कुछ हज़ार रुपये निवेश करने के लिए हैं, और मुझे लगता है मैं उन्हें तुम पर लगा दूंगा।'

"'लेकिन क्यों?' मैंने हांफते हुए पूछा।

"खैर, यह किसी भी अन्य अटकलबाजी की तरह ही है, और अधिकांश की तुलना में अधिक सुरक्षित है।"

"'तो फिर मुझे क्या करना चाहिए?'

"मैं तुम्हें बताता हूं। मैं घर ले लूंगा, उसे सजाऊँगा, नौकरानियों को वेतन दूँगा और पूरे घर का कामकाज संभालूंगा। तुम्हें बस परामर्श कक्ष में अपनी कुर्सी घिसते-घिसते थक जाना है। मैं तुम्हें जेब खर्च और बाकी सब कुछ दूंगा। फिर तुम अपनी कमाई का तीन चौथाई हिस्सा मुझे दे देना और बाकी एक चौथाई अपने पास रख लेना।"

"यह एक अजीब प्रस्ताव था, श्री होम्स, जो ब्लेसिंगटन नाम के व्यक्ति ने मेरे सामने रखा था। मैं आपको हमारी सौदेबाजी और बातचीत की कहानी सुनाकर बोर नहीं करूंगा। अंत में, मैं लेडी डे के बगल वाले घर में रहने लगा और लगभग उन्हीं शर्तों पर वकालत शुरू कर दी, जो उन्होंने सुझाई थीं। वह खुद मेरे साथ एक मरीज के रूप में

रहने आ गए। ऐसा लगता है कि उनका दिल कमजोर था और उन्हें लगातार चिकित्सा देखरेख की जरूरत थी। उन्होंने पहली मंजिल के दो सबसे अच्छे कमरों को अपने लिए बैठक और शयनकक्ष में बदल दिया। उनकी आदतें अनोखी थीं, वे लोगों से दूर रहते थे और बहुत कम ही बाहर जाते थे। उनका जीवन अनियमित था, लेकिन एक मामले में वे बिल्कुल नियमित थे। हर शाम, ठीक उसी समय, वे परामर्श कक्ष में आते, हिसाब-किताब देखते, मेरी कमाई के हर गिनी के लिए पांच शिलिंग और तीन पेंस जमा करते और बाकी पैसे अपने कमरे में रखे तिजोरी में रख देते।”

मैं विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि उन्हें अपने निवेश पर कभी पछतावा नहीं हुआ। शुरू से ही यह सफल रहा। कुछ अच्छे मामलों और अस्पताल में मैंने जो प्रतिष्ठा अर्जित की थी, उससे मैं तेजी से शीर्ष पर पहुंच गया, और पिछले कुछ वर्षों में मैंने उन्हें एक अमीर आदमी बना दिया है।

"श्रीमान होम्स, मेरे अतीत और श्री ब्लेसिंगटन के साथ मेरे संबंधों के बारे में बस इतना ही। अब मुझे बस आपको यह बताना बाकी है कि आज रात मुझे यहां लाने वाली घटना क्या थी।"

कुछ सप्ताह पहले श्री ब्लेसिंगटन मुझसे मिलने आए, और मुझे ऐसा लगा कि वे काफी परेशान थे। उन्होंने वेस्ट एंड में हुई एक चोरी के बारे में बताया, और मुझे याद है कि वे इस बात को लेकर बेवजह ही उत्तेजित थे, और कह रहे थे कि हमें अपनी खिड़कियों और दरवाजों में मजबूत कुंडी लगवानी चाहिए। एक सप्ताह तक वे अजीब तरह से बेचैन रहे, लगातार खिड़कियों से बाहर झांकते रहे, और अपने भोजन से पहले की जाने वाली छोटी सैर भी छोड़ दी। उनके हाव-भाव से मुझे लगा कि वे किसी बात या किसी व्यक्ति से बहुत डरे हुए हैं, लेकिन जब मैंने उनसे इस बारे में पूछा तो वे इतने आक्रामक हो गए कि मुझे बात वहीं खत्म करनी पड़ी। धीरे-धीरे, समय बीतने के साथ, उनका डर कम होता गया, और वे अपनी पुरानी आदतों पर लौट आए, लेकिन एक नई घटना ने उन्हें उस दयनीय स्थिति में पहुंचा दिया जिसमें वे अब लेटे हुए हैं।

“घटना कुछ इस तरह हुई। दो दिन पहले मुझे वह पत्र मिला जिसे मैं अब आपको पढ़कर सुना रहा हूँ। इस पर न तो पता लिखा है और न ही तारीख।”

“इंग्लैंड में रहने वाले एक रूसी रईस डॉ. पर्सी ट्रेवेलियन की पेशेवर सहायता लेना चाहेंगे। वे कुछ वर्षों से कैटालेप्टिक हमलों से पीड़ित हैं, जिन पर, जैसा कि सर्वविदित है, डॉ. ट्रेवेलियन एक विशेषज्ञ हैं। यदि डॉ. ट्रेवेलियन घर पर उपलब्ध हों, तो वे कल शाम लगभग सवा छह बजे उनसे मिलने आएंगे।”

“इस पत्र ने मुझे बहुत रुचिकर लगा, क्योंकि कैटालेप्सी के अध्ययन में मुख्य कठिनाई इस बीमारी की दुर्लभता है। इसलिए आप विश्वास कर सकते हैं कि मैं अपने परामर्श कक्ष में था जब नियत समय पर रोगी में वह लक्षण दिखाई दिए।”

“वह एक बुजुर्ग व्यक्ति थे, दुबले-पतले, शांत और साधारण से— रूसी रईस की जो छवि मन में बनती है, उससे बिल्कुल अलग। मैं उनके साथी के रूप-रंग से कहीं अधिक प्रभावित हुआ। वह एक लंबा-चौड़ा युवक था, आश्चर्यजनक रूप से सुंदर, गहरे रंग के, उग्र चेहरे वाला, और हरक्यूलिस जैसे मजबूत अंगों और छाती वाला। अंदर आते ही उसने अपना हाथ दूसरे की बांह के नीचे रखा और उसे कुर्सी तक बड़ी कोमलता से पहुंचाया, जिसकी उसके रूप-रंग को देखकर शायद ही उम्मीद की जा सकती थी।

“‘डॉक्टर साहब, मुझे अंदर आने के लिए क्षमा करें,’ उन्होंने मुझसे कहा, थोड़ी तुतलाती हुई अंग्रेजी में बोलते हुए। ‘ये मेरे पिता हैं, और उनका स्वास्थ्य मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।’”

“मैं इस पुत्रवत चिंता से प्रभावित हुआ। मैंने कहा, ‘क्या आप परामर्श के दौरान रुकना चाहेंगे?’”

"'हर हाल में नहीं,' उसने भय से भरी मुद्रा में कहा। 'यह मेरे लिए इतना दर्दनाक है कि मैं इसे शब्दों में बयान नहीं कर सकता। अगर मैं अपने पिता को ऐसे भयानक दौरे पड़ते हुए देख लूँ, तो मुझे पूरा यकीन है कि मैं इसे सहन नहीं कर पाऊँगा। मेरा तंत्रिका तंत्र असाधारण रूप से संवेदनशील है। आपकी अनुमति से, मैं प्रतीक्षाकक्ष में ही रहूँगा, जब तक आप मेरे पिता के मामले की जाँच करते हैं।'

"मैंने इस पर सहमति दे दी और वह युवक चला गया। फिर रोगी और मैं उसके मामले पर चर्चा करने लगे, जिसका मैंने विस्तार से नोट बनाया। वह बुद्धि में उल्लेखनीय नहीं था और उसके उत्तर अक्सर अस्पष्ट होते थे, जिसका कारण मैंने हमारी भाषा के साथ उसकी सीमित जानकारी को माना। लेकिन अचानक, जब मैं लिख रहा था, उसने मेरे प्रश्नों का कोई उत्तर देना बंद कर दिया और जब मैंने उसकी ओर मुड़ा तो यह देखकर मैं चौंक गया कि वह अपनी कुर्सी पर एकदम सीधा बैठा था और एकदम भावहीन और कठोर चेहरे से मुझे घूर रहा था। वह फिर से अपनी रहस्यमय बीमारी की चपेट में आ गया था।"

जैसा कि मैंने अभी कहा, मेरी पहली भावना दया और भय की थी। मुझे डर है कि मेरी दूसरी भावना पेशेवर संतुष्टि की थी। मैंने अपने मरीज़ की नाड़ी और तापमान नोट किया, उसकी मांसपेशियों की अकड़न की जाँच की और उसकी प्रतिक्रियाओं का परीक्षण किया। इनमें से किसी भी स्थिति में कोई ख़ास असामान्यता नहीं थी, जो मेरे पिछले अनुभवों से मेल खाती थी। मैंने ऐसे मामलों में एमाइल नाइट्राइट के साँस लेने से अच्छे परिणाम प्राप्त किए थे, और यह वर्तमान अवसर इसके गुणों को परखने का एक शानदार मौका लग रहा था। बोतल नीचे मेरी प्रयोगशाला में थी, इसलिए मैंने अपने मरीज़ को उसकी कुर्सी पर बैठाकर उसे लेने के लिए नीचे दौड़ा। उसे ढूंढने में थोड़ी देर हुई - मान लीजिए पाँच मिनट - और फिर मैं लौटा। कमरे को खाली और मरीज़ को गायब देखकर मेरी हैरानी का ठिकाना नहीं रहा।

"बेशक, मेरा पहला काम प्रतीक्षाकक्ष में दौड़ना था। बेटा भी जा चुका था। हॉल का दरवाजा बंद था, लेकिन पूरी तरह से बंद नहीं हुआ था। मरीजों को अंदर लाने वाला मेरा सहायक नया लड़का है और बिल्कुल भी फुर्तीला नहीं है। वह नीचे इंतज़ार करता है और जब मैं परामर्श कक्ष की घंटी बजाता हूँ तो मरीजों को बाहर छोड़ने के लिए ऊपर दौड़ता है। उसने कुछ नहीं सुना था, और मामला पूरी तरह से रहस्य बना रहा। श्री ब्लेसिंगटन थोड़ी देर बाद अपनी सैर से वापस आए, लेकिन मैंने उनसे इस विषय पर कुछ नहीं कहा, क्योंकि सच कहूँ तो, मैं आजकल उनसे यथासंभव कम संपर्क रखने की कोशिश कर रहा हूं।"

"खैर, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे उस रूसी और उसके बेटे को फिर कभी देखने का मौका मिलेगा, इसलिए आप मेरी हैरानी का अंदाजा लगा सकते हैं जब आज शाम ठीक उसी समय वे दोनों मेरे परामर्श कक्ष में आ गए, ठीक वैसे ही जैसे वे पहले आए थे।"

"'डॉक्टर साहब, कल अचानक चले जाने के लिए मुझे आपसे बहुत माफी मांगनी चाहिए,' मेरे मरीज़ ने कहा।

मैंने कहा, "मैं स्वीकार करता हूं कि मुझे इस पर बहुत आश्चर्य हुआ।"

"'खैर, सच्चाई तो यह है,' उन्होंने कहा, 'कि जब मैं इन दौरों से उबरता हूँ तो मेरा दिमाग हमेशा पिछली घटनाओं को लेकर बहुत धुंधला रहता है। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी अजीब कमरे में जागा और जब आप अनुपस्थित थे तो मैं कुछ स्तब्ध अवस्था में सड़क पर निकल गया।'

"और मैंने," बेटे ने कहा, "अपने पिता को प्रतीक्षा-कक्ष के दरवाजे से गुजरते हुए देखकर स्वाभाविक रूप से सोचा कि परामर्श समाप्त हो गया है। घर पहुँचने के बाद ही

मुझे वास्तविक स्थिति का एहसास होने लगा।”

“‘खैर,’ मैंने हंसते हुए कहा, ‘कोई नुकसान नहीं हुआ है सिवाय इसके कि आपने मुझे बुरी तरह उलझन में डाल दिया; इसलिए यदि आप, महोदय, कृपया प्रतीक्षा-कक्ष में आ जाएं तो मुझे हमारी उस बातचीत को जारी रखने में खुशी होगी जो अचानक समाप्त हो गई थी।’

"मैंने लगभग आधे घंटे तक उस बुजुर्ग सज्जन के लक्षणों पर उनसे चर्चा की, और फिर, उन्हें दवाइयां लिखकर देने के बाद, मैंने उन्हें अपने बेटे का हाथ थामकर जाते हुए देखा।"

मैंने आपको बताया था कि श्री ब्लेसिंगटन आमतौर पर व्यायाम के लिए दिन का यही समय चुनते थे। वे थोड़ी देर बाद आए और ऊपर चले गए। एक पल बाद मैंने उन्हें नीचे भागते हुए सुना, और वे मेरे परामर्श कक्ष में ऐसे घुस आए जैसे कोई व्यक्ति घबराहट से पागल हो गया हो।

“‘मेरे कमरे में कौन आया था?’ वह चिल्लाया।”

मैंने कहा, ‘कोई नहीं।’

“‘यह झूठ है!’ वह चिल्लाया। ‘ऊपर आओ और देखो!’

“मैंने उसकी भाषा की अभद्रता को नजरअंदाज कर दिया, क्योंकि वह डर से लगभग पागल सा लग रहा था। जब मैं उसके साथ ऊपर गया तो उसने हल्के रंग के कालीन पर कई पदचिह्नों की ओर इशारा किया।”

“‘क्या तुम्हारा मतलब यह है कि ये मेरे हैं?’ वह चिल्लाया।”

“वे निशान निश्चित रूप से उसके द्वारा बनाए गए किसी भी निशान से बहुत बड़े थे, और स्पष्ट रूप से बिल्कुल ताज़े थे। जैसा कि आप जानते हैं, आज दोपहर बहुत तेज़ बारिश हुई थी, और मेरे मरीज़ ही एकमात्र ऐसे लोग थे जो मुझसे मिलने आए थे। इसलिए, ऐसा हुआ होगा कि प्रतीक्षा-कक्ष में बैठा वह व्यक्ति, किसी अज्ञात कारण से, जब मैं दूसरे मरीज़ के साथ व्यस्त था, मेरे मरीज़ के कमरे में चला गया होगा। किसी भी चीज़ को छुआ या लिया नहीं गया था, लेकिन पैरों के निशान इस बात का प्रमाण थे कि घुसपैठ एक निर्विवाद घटना थी।”

श्री ब्लेसिंगटन इस मामले को लेकर मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा उत्तेजित लग रहे थे, हालांकि ज़ाहिर है कि यह किसी की भी मानसिक शांति भंग करने के लिए काफ़ी था। वे सचमुच एक कुर्सी पर बैठकर रो रहे थे, और मैं उन्हें बड़ी मुश्किल से ही ठीक से बात करवा पा रही थी। उन्होंने ही मुझे आपके पास आने का सुझाव दिया था, और ज़ाहिर है कि मुझे यह उचित लगा, क्योंकि यह घटना वाकई बहुत अनोखी है, हालांकि वे इसे ज़रूरत से ज़्यादा महत्व दे रहे हैं। अगर आप मेरे साथ मेरी गाड़ी में वापस आ जाएँ, तो कम से कम आप उन्हें शांत तो कर पाएँगी, हालांकि मुझे उम्मीद नहीं है कि आप इस असाधारण घटना का कारण बता पाएँगी।

शर्लक होम्स ने इस लंबी कहानी को बड़ी एकाग्रता से सुना, जिससे मुझे पता चला कि उनकी रुचि इसमें पूरी तरह से जागृत हो गई थी। उनका चेहरा हमेशा की तरह भावहीन था, लेकिन उनकी पलकें आँखों पर अधिक झुकी हुई थीं, और उनके पाइप से निकलने वाला धुआँ और भी घना हो गया था, मानो डॉक्टर की कहानी के हर विचित्र प्रसंग को और भी प्रभावशाली बना रहा हो। जैसे ही हमारे आगंतुक ने अपनी बात समाप्त की, होम्स बिना कुछ कहे उठ खड़े हुए, मुझे मेरी टोपी दी, मेज से अपनी टोपी उठाई और डॉक्टर ट्रेवेलियन के पीछे-पीछे दरवाजे तक चले गए। पंद्रह मिनट के भीतर ही हमें ब्रूक स्ट्रीट स्थित डॉक्टर के घर के दरवाज़े पर छोड़ दिया गया, जो उन गंभीर, सपाट दीवारों वाले घरों में से एक था जिन्हें वेस्ट एंड के क्लीनिकों से जोड़ा जाता

है। एक छोटे से नौकर ने हमें अंदर आने दिया, और हम तुरंत चौड़ी, अच्छी तरह से कालीन बिछी सीढ़ियों पर चढ़ने लगे।

लेकिन एक अप्रत्याशित घटना ने हमें रोक दिया। ऊपर की रोशनी अचानक गायब हो गई, और अंधेरे से एक कर्कश, कांपती हुई आवाज सुनाई दी।

"मेरे पास पिस्तौल है," वह चिल्लाया। "मैं तुम्हें वचन देता हूं कि अगर तुम मेरे और करीब आए तो मैं गोली चला दूंगा।"

"यह तो वाकई हद से ज्यादा अपमानजनक होता जा रहा है, मिस्टर ब्लेसिंगटन," डॉ. ट्रेवेलियन चिल्लाए।

"ओह, तो आप ही हैं, डॉक्टर," उस आवाज़ ने राहत भरी सांस लेते हुए कहा। "लेकिन वे दूसरे सज्जन, क्या वे वाकई वैसे ही हैं जैसा वे होने का दिखावा करते हैं?"

हमें अंधेरे में लंबे समय तक होने वाली जांच-पड़ताल का एहसास था।

"जी हां, कोई बात नहीं," आखिरकार आवाज आई। "आप ऊपर आ सकते हैं, और अगर मेरी सावधानियों से आपको कोई परेशानी हुई हो तो मुझे खेद है।"

बोलते-बोलते उसने सीढ़ियों पर गैस फिर से जला दी, और हमारे सामने एक अजीबोगरीब दिखने वाला आदमी खड़ा था, जिसकी शक्ल-सूरत और आवाज़ दोनों ही उसके घबराए हुए स्वभाव की गवाही दे रही थीं। वह बहुत मोटा था, लेकिन ज़ाहिर तौर पर कभी और भी मोटा रहा होगा, जिससे उसकी त्वचा उसके चेहरे पर ढीली थैलियों की तरह लटक रही थी, जैसे किसी शिकारी कुत्ते के गाल हों। उसका रंग पीला पड़ गया था, और उसके पतले, सुनहरे बाल उसकी भावनाओं की तीव्रता से खड़े हो रहे थे। उसके हाथ में पिस्तौल थी, लेकिन जैसे ही हम आगे बढ़े, उसने उसे अपनी जेब में डाल लिया।

"शुभ संध्या, श्रीमान होम्स," उन्होंने कहा। "मुझे यकीन है कि आपके आने के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ। आपकी सलाह की मुझसे ज़्यादा ज़रूरत किसी को नहीं है। मुझे लगता है कि डॉ. ट्रेवेलियन ने आपको मेरे कमरे में इस बेहद अनुचित दखलंदाज़ी के बारे में बता दिया होगा।"

"बिल्कुल सही," होम्स ने कहा। "ये दोनों आदमी कौन हैं, मिस्टर ब्लेसिंगटन, और वे आपको परेशान क्यों करना चाहते हैं?"

"अच्छा, अच्छा," मरीज ने घबराए हुए लहजे में कहा, "बेशक, यह कहना मुश्किल है। आप मुझसे इसका जवाब देने की उम्मीद नहीं कर सकते, मिस्टर होम्स।"

क्या आपका मतलब यह है कि आप नहीं जानते?

"कृपया अंदर आइए। कृपया अंदर आने की कृपा कीजिए।"

वह आगे-आगे चलकर अपने बेडरूम में गया, जो बड़ा और आरामदायक फर्नीचर से सुसज्जित था।

"देखिए, ये क्या है?" उसने अपने बिस्तर के सिरे पर रखे एक बड़े काले बक्से की ओर इशारा करते हुए कहा। "मैं कभी बहुत अमीर आदमी नहीं रहा, मिस्टर होम्स—मैंने अपनी ज़िंदगी में सिर्फ़ एक ही निवेश किया है, जैसा कि डॉ. ट्रेवेलियन आपको बताएंगे। लेकिन मुझे बैंकरों पर भरोसा नहीं है। मैं कभी किसी बैंकर पर विश्वास नहीं करूंगा, मिस्टर होम्स। सच कहूँ तो, मेरे पास जो थोड़ा-बहुत है, वो उस बक्से में है, इसलिए आप समझ सकते हैं कि जब अनजान लोग जबरदस्ती मेरे कमरे में घुस आते हैं तो मुझे कितना बुरा लगता है।"

होम्स ने ब्लेसिंगटन की ओर प्रश्नवाचक भाव से देखा और अपना सिर हिलाया।

उन्होंने कहा, "यदि आप मुझे धोखा देने की कोशिश करेंगे तो मैं आपको सलाह नहीं दे सकता।"

लेकिन मैंने तुम्हें सब कुछ बता दिया है।

होम्स ने घृणा का भाव दिखाते हुए अपनी एड़ी घुमाई। "शुभ रात्रि, डॉ. ट्रेवेलियन," उसने कहा।

"और मेरे लिए कोई सलाह नहीं?" ब्लेसिंगटन ने कांपती हुई आवाज में कहा।

"मेरी आपको यही सलाह है, महोदय, कि आप सच बोलें।"

एक मिनट बाद हम सड़क पर थे और घर की ओर चल पड़े। ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट पार करने के बाद हम हार्ले स्ट्रीट के आधे रास्ते तक पहुँच चुके थे, तभी मुझे अपने साथी से कोई खबर मिल पाई।

अंत में उन्होंने कहा, "वॉटसन, आपको इस तरह के व्यर्थ काम में लगाने के लिए क्षमा चाहता हूँ। वैसे, इस मामले की तह तक जाकर देखें तो यह काफी दिलचस्प है।"

मैंने स्वीकार किया, "मैं इसे ज्यादा समझ नहीं पा रहा हूँ।"

“खैर, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि दो आदमी हैं — शायद एक से अधिक, लेकिन कम से कम दो — जो किसी कारणवश ब्लेसिंगटन को निशाना बनाने पर तुले हुए हैं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि पहले और दूसरे दोनों मौकों पर वह युवक ब्लेसिंगटन के कमरे में घुस गया, जबकि उसके साथी ने एक चतुराईपूर्ण युक्ति से डॉक्टर को हस्तक्षेप करने से रोक दिया।”

और कैटालेप्सी?

“वॉटसन, यह एक कपटपूर्ण नकल है, हालाँकि मैं हमारे विशेषज्ञ को ऐसा कहने की हिम्मत नहीं करूँगा। इस तरह की बीमारी की नकल करना बहुत आसान है। मैंने खुद भी ऐसा किया है।”

"और तब?"

“बिल्कुल संयोग से ब्लेसिंगटन हर बार घर पर नहीं थे। परामर्श के लिए इतना असामान्य समय चुनने का उनका कारण स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित करना था कि प्रतीक्षालय में कोई और मरीज़ न हो। संयोगवश, यह समय ब्लेसिंगटन के आराम के समय से मेल खा गया, जिससे लगता है कि वे उनकी दिनचर्या से अच्छी तरह परिचित नहीं थे। बेशक, अगर उनका मकसद सिर्फ लूटपाट करना होता तो वे कम से कम कुछ कोशिश तो ज़रूर करते। इसके अलावा, मैं किसी व्यक्ति की आँखों में देखकर समझ जाता हूँ कि वह अपनी जान के लिए डरा हुआ है। यह अकल्पनीय है कि इस व्यक्ति ने बिना जाने-समझे दो इतने कट्टर दुश्मन बना लिए हों। इसलिए, मेरा मानना है कि वह निश्चित रूप से जानता है कि ये लोग कौन हैं, और अपने निजी कारणों से वह इसे छुपा रहा है। हो सकता है कि कल वह ज़्यादा बातूनी मूड में हो।”

मैंने सुझाव दिया, "क्या कोई दूसरा विकल्प नहीं है? बेशक, यह बेहद असंभावित है, लेकिन फिर भी कुछ हद तक संभव है? क्या कैटालेप्टिक रूसी और उसके बेटे की पूरी कहानी डॉ. ट्रेवेलियन की मनगढ़ंत कहानी हो सकती है, जो अपने निजी उद्देश्यों के लिए ब्लेसिंगटन के कमरों में गए थे?"

मैंने गैस की रोशनी में देखा कि होम्स मेरे इस शानदार प्रस्थान पर मुस्कुरा रहा था।

“मेरे प्रिय मित्र,” उसने कहा, “यह उन पहले उपायों में से एक था जो मेरे दिमाग में आया, लेकिन मैं जल्द ही डॉक्टर की बात की पुष्टि करने में सक्षम हो गया। इस युवक ने सीढ़ियों के कालीन पर अपने पैरों के निशान छोड़े हैं, जिससे मुझे कमरे में उसके द्वारा बनाए गए निशानों को देखने के लिए कहने की कोई आवश्यकता नहीं रही। जब मैं आपको बताऊं कि उसके जूते ब्लेसिंगटन के जूतों की तरह नुकीले नहीं बल्कि चौकोर नोक वाले थे, और डॉक्टर के जूतों से पूरे एक इंच और एक तिहाई लंबे थे, तो आप मान लेंगे कि उसकी पहचान को लेकर कोई संदेह नहीं है। लेकिन अब हम इस पर विचार कर सकते हैं, क्योंकि अगर हमें सुबह ब्रूक स्ट्रीट से कुछ और खबर नहीं मिली तो मुझे आश्चर्य होगा।”

शर्लक होम्स की भविष्यवाणी जल्द ही पूरी हो गई, और वह भी नाटकीय ढंग से। अगली सुबह साढ़े सात बजे, दिन की पहली धुंधली रोशनी में, मैंने उन्हें अपने ड्रेसिंग गाउन में अपने बिस्तर के पास खड़ा पाया।

“वॉटसन, हमारे लिए एक बग्घी इंतज़ार कर रही है,” उसने कहा।

तो फिर बात क्या है?

"ब्रुक स्ट्रीट का कारोबार।"

"कोई ताज़ा खबर है क्या?"

“दुखद, लेकिन अस्पष्ट,” उसने पर्दा उठाते हुए कहा। “इसे देखो – नोटबुक का एक पन्ना, जिस पर पेंसिल से लिखा है, ‘भगवान के लिए तुरंत आओ। पी.टी.’। हमारे मित्र, डॉक्टर, ने जब यह लिखा था, तब वे बहुत मुश्किल में थे। जल्दी आओ, मेरे प्रिय मित्र, क्योंकि यह एक अत्यावश्यक आह्वान है।”

लगभग पंद्रह मिनट में हम वापस डॉक्टर के घर पहुँच गए। वह भयभीत चेहरे के साथ दौड़ते हुए हमसे मिलने बाहर आया।

“ओह, कितना बड़ा धंधा!” उसने अपने हाथों को कनपटी पर रखते हुए कहा।

"तो क्या?"

"ब्लेसिंगटन ने आत्महत्या कर ली है!"

होम्स ने सीटी बजाई।

"हां, उसने रात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।"

हम अंदर दाखिल हो चुके थे, और डॉक्टर हमसे पहले ही अपने प्रतीक्षालय में चले गए थे, जो स्पष्ट रूप से उनका प्रतीक्षालय था।

“मुझे सचमुच नहीं पता कि मैं क्या कर रहा हूँ,” वह रोते हुए बोला। “पुलिस पहले ही ऊपर पहुँच चुकी है। इसने मुझे बुरी तरह से झकझोर दिया है।”

आपको यह कब पता चला?

“हर सुबह उसे चाय पिलाई जाती है। जब नौकरानी करीब सात बजे कमरे में दाखिल हुई, तो उसने देखा कि वह बेचारा कमरे के बीचोंबीच लटका हुआ था। उसने अपनी रस्सी उस हुक से बांध ली थी जिस पर भारी लैंप लटका रहता था, और वह उसी बक्से के ऊपर से कूद गया था जो उसने हमें कल दिखाया था।”

होम्स कुछ क्षण तक गहन चिंतन में खड़े रहे।

अंत में उसने कहा, "आपकी अनुमति से, मैं ऊपर जाकर इस मामले की जांच करना चाहूंगा।"

हम दोनों ऊपर चढ़े, डॉक्टर भी हमारे पीछे-पीछे आए।

जैसे ही हम शयनकक्ष के दरवाजे से अंदर दाखिल हुए, सामने एक भयानक दृश्य था। मैंने ब्लेसिंगटन नाम के इस व्यक्ति के भारी-भरकम शरीर की झलक का ज़िक्र किया है। हुक से लटकते हुए उसका यह भारीपन इतना बढ़ गया कि वह देखने में लगभग इंसान जैसा ही लग रहा था। उसकी गर्दन किसी नोची हुई मुर्गी की तरह खिंची हुई थी, जिससे उसका बाकी शरीर और भी मोटा और अस्वाभाविक लग रहा था। उसने सिर्फ अपनी लंबी नाइटड्रेस पहनी हुई थी, और उसके सूजे हुए टखने और भद्दे पैर उसमें से साफ दिखाई दे रहे थे। उसके बगल में एक चुस्त-दुरुस्त दिखने वाला पुलिस इंस्पेक्टर खड़ा था, जो एक पर्स में नोट्स लिख रहा था।

“आह, श्रीमान होम्स,” मेरे मित्र के प्रवेश करते ही उन्होंने हार्दिक भाव से कहा, “आपको देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।”

“सुप्रभात, लैन्नर,” होम्स ने उत्तर दिया, “मुझे यकीन है कि आप मुझे घुसपैठिया नहीं समझेंगे। क्या आपने उन घटनाओं के बारे में सुना है जिनके कारण यह मामला सामने आया?”

"हां, मैंने उनके बारे में कुछ सुना था।"
क्या आपने कोई राय बनाई है?
“जहां तक मैं देख सकता हूं, वह आदमी डर के मारे बेहोश हो गया है। बिस्तर पर खूब सोया गया है। उसका असर साफ़ दिख रहा है। सुबह करीब पांच बजे का समय है, जब आत्महत्याएं सबसे आम होती हैं। शायद यही समय था जब उसने फांसी लगाई होगी। ऐसा लगता है कि यह सुनियोजित तरीके से किया गया है।”
“मांसपेशियों की अकड़न को देखकर तो यही लगता है कि उसकी मौत को करीब तीन घंटे हो चुके हैं,” मैंने कहा।
"क्या आपको कमरे में कुछ अजीब लगा?" होम्स ने पूछा।
"हाथ धोने के स्टैंड पर एक स्क्रू ड्राइवर और कुछ पेंच मिले। लगता है रात में खूब धूम्रपान किया है। ये चार सिगार के टुकड़े हैं जो मैंने चिमनी से निकाले हैं।"
"हम्म!" होम्स ने कहा, "क्या तुम्हारे पास उसका सिगार रखने वाला स्टैंड है?"
नहीं, मैंने ऐसा कोई नहीं देखा।
तो क्या वो उसका सिगार केस था?
"हां, यह उसकी कोट की जेब में था।"
होम्स ने उसे खोला और उसमें मौजूद इकलौती सिगार को सूंघा।
“ओह, ये तो हवाना सिगार है, और ये बाकी सिगार एक खास तरह के हैं जिन्हें डच लोग अपने पूर्वी भारतीय उपनिवेशों से आयात करते थे। ये आमतौर पर भूसे में लिपटे होते हैं, और लंबाई के हिसाब से बाकी सभी सिगारों से पतले होते हैं।” उसने चारों सिरे उठाए और अपनी जेब में रखे लेंस से उनकी जांच की।
“इनमें से दो सिगरेट को होल्डर में रखकर पिया गया है और दो को बिना होल्डर के,” उसने कहा। “दो को किसी कम धार वाले चाकू से काटा गया है, और दो के सिरे किसी तेज़ दांत से कुतर दिए गए हैं। यह आत्महत्या नहीं है, श्री लैन्नर। यह एक बहुत ही सोची-समझी और निर्मम हत्या है।”
“असंभव!” निरीक्षक चिल्लाया।
और क्यों?
"कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति की हत्या इतने भद्दे तरीके से, जैसे कि फांसी पर लटकाकर, क्यों करेगा?"
हमें यही पता लगाना होगा।
वे अंदर कैसे घुस सकते थे?
"सामने के दरवाजे से।"
"सुबह के समय इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।"
"फिर उनके बाद इसे प्रतिबंधित कर दिया गया।"
"आपको कैसे मालूम?"
“मैंने उनके निशान देखे हैं। मुझे एक पल का समय दीजिए, मैं शायद आपको इसके बारे में कुछ और जानकारी दे सकूँ।”
वह दरवाजे के पास गया और ताला घुमाकर अपनी व्यवस्थित ढंग से उसकी जांच की। फिर उसने अंदर रखी चाबी निकाली और उसकी भी जांच की। बिस्तर, कालीन, कुर्सियाँ, मेंटलपीस, शव और रस्सी, इन सबकी बारी-बारी से जांच की गई, जब तक कि वह संतुष्ट नहीं हो गया। अंत में, मेरी और निरीक्षक की सहायता से उसने उस दयनीय वस्तु को नीचे उतारा और आदरपूर्वक एक चादर के नीचे रख दिया।
“इस रस्सी के बारे में क्या ख्याल है?” उसने पूछा।
“इसे इससे काट दिया गया है,” डॉ. ट्रेवेलियन ने बिस्तर के नीचे से एक बड़ी कुंडली निकालते हुए कहा। “वह आग से बेहद भयभीत था, और हमेशा इसे अपने पास रखता

था, ताकि सीढ़ियों में आग लगने की स्थिति में वह खिड़की से भाग सके।”

“इससे उन्हें परेशानी से ज़रूर राहत मिली होगी,” होम्स ने सोच-समझकर कहा। “हाँ, असलियत तो बिल्कुल साफ़ है, और मुझे हैरानी होगी अगर मैं दोपहर तक आपको इसके कारण भी न बता पाऊं। मैं ब्लेसिंगटन की यह तस्वीर अपने साथ ले जा रहा हूं, जो मुझे शेल्फ पर दिख रही है, क्योंकि यह मेरी जाँच-पड़ताल में मददगार साबित हो सकती है।”

“लेकिन आपने हमें कुछ नहीं बताया!” डॉक्टर चिल्लाया।

“ओह, घटनाओं के क्रम में कोई संदेह नहीं हो सकता,” होम्स ने कहा। “इसमें तीन लोग शामिल थे: एक युवक, एक बूढ़ा और एक तीसरा व्यक्ति, जिसकी पहचान के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। पहले दो, जैसा कि मुझे बताने की शायद ही ज़रूरत है, वही लोग हैं जिन्होंने रूसी काउंट और उसके बेटे का रूप धारण किया था, इसलिए हम उनका विस्तृत विवरण दे सकते हैं। उन्हें एक साथी ने घर के अंदर प्रवेश दिया था। इंस्पेक्टर, अगर मैं आपको एक सलाह देना चाहूं, तो वह यह होगी कि उस सेवक को गिरफ्तार कर लें, जो, जैसा कि मुझे पता चला है, हाल ही में आपकी सेवा में आया है, डॉक्टर।”

“वह शरारती बच्चा नहीं मिल रहा है,” डॉ. ट्रेवेलियन ने कहा; “नौकरानी और रसोइया अभी-अभी उसकी तलाश कर रहे थे।”

होम्स ने अपने कंधे उचका दिए।

उन्होंने कहा, "इस घटनाक्रम में उन्होंने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तीनों व्यक्ति सीढ़ियाँ चढ़ रहे थे, वे दबे पांव चढ़े, पहले बुजुर्ग व्यक्ति, फिर युवा व्यक्ति और सबसे पीछे अज्ञात व्यक्ति था।"

“मेरे प्यारे होम्स!” मैंने विस्मय से कहा।

“ओह, पैरों के निशानों के आपस में मिलने पर कोई संदेह नहीं हो सकता। मुझे कल रात यह पता लगाने का मौका मिला कि कौन सा निशान किसका है। फिर वे मिस्टर ब्लेसिंगटन के कमरे में गए, जिसका दरवाजा बंद मिला। हालांकि, उन्होंने एक तार की मदद से चाबी घुमाकर दरवाजा खोल दिया। लेंस के बिना भी आप इस वार्ड पर मौजूद खरोंचों से समझ जाएंगे कि दबाव कहाँ डाला गया था।”

कमरे में प्रवेश करते ही उनका पहला काम श्री ब्लेसिंगटन का मुंह बंद करना रहा होगा। हो सकता है वे सो रहे हों, या फिर वे भय से इतने व्याकुल हो गए हों कि चिल्ला भी न पाए हों। ये दीवारें मोटी हैं, और यह संभव है कि अगर उन्हें चीखने का समय मिला भी हो, तो उनकी चीख अनसुनी रह गई हो।

उसे पकड़ने के बाद, मुझे स्पष्ट रूप से लगता है कि किसी प्रकार की परामर्श बैठक हुई थी। संभवतः यह किसी न्यायिक कार्यवाही के समान थी। यह कुछ समय तक चली होगी, क्योंकि तभी ये सिगार पिए गए थे। बूढ़ा आदमी उस बेंत की कुर्सी पर बैठा था; सिगार रखने वाला स्टैंड उसी के पास था। जवान आदमी उधर बैठा था; वह दराजों वाली अलमारी पर अपनी राख झाड़ रहा था। तीसरा व्यक्ति इधर-उधर टहल रहा था। मुझे लगता है कि ब्लेसिंगटन बिस्तर पर सीधा बैठा था, लेकिन मैं इस बारे में पूरी तरह निश्चित नहीं हो सकता।

“खैर, अंत में उन्होंने ब्लेसिंगटन को पकड़कर फांसी दे दी। मामला इतना सुनियोजित था कि मुझे लगता है कि वे अपने साथ फांसी के फंदे के रूप में इस्तेमाल होने वाला कोई ब्लॉक या पुली लाए थे। वह स्क्रू-ड्राइवर और पेंच, जैसा कि मुझे लगता है, उसे लगाने के लिए थे। लेकिन हुक देखकर उन्होंने स्वाभाविक रूप से खुद को परेशानी से बचा लिया। अपना काम खत्म करके वे भाग गए, और उनके साथी ने उनके पीछे दरवाजा बंद कर दिया।”

हम सभी ने रात की घटनाओं का वह संक्षिप्त विवरण बड़ी दिलचस्पी से सुना, जिसे होम्स ने इतने सूक्ष्म और बारीक संकेतों से निकाला था कि जब उन्होंने हमें उन संकेतों के बारे में बतायी, तब भी हम उनकी बातों को मुश्किल से समझ पा रहे थे। इंस्पेक्टर तुरंत उस व्यक्ति के बारे में पूछताछ करने के लिए चला गया, जबकि होम्स और मैं नाश्ते के लिए बेकर स्ट्रीट लौट आए।

खाना खत्म होने के बाद उन्होंने कहा, "मैं तीन बजे तक वापस आ जाऊंगा। इंस्पेक्टर और डॉक्टर दोनों मुझसे उसी समय यहां मिलेंगे, और मुझे उम्मीद है कि तब तक इस मामले में बची-खुची सारी अस्पष्टता दूर हो जाएगी।"

हमारे मेहमान तय समय पर आ गए, लेकिन मेरे दोस्त के आने में पौने चार बज गए। हालांकि, उसके चेहरे के भाव देखकर मुझे समझ आ गया कि सब कुछ ठीक रहा।

"कोई खबर है क्या, इंस्पेक्टर?"

“हमें लड़का मिल गया है, महोदय।”

"बहुत बढ़िया, और मुझे आदमी मिल गए हैं।"

“तुमने उन्हें पा लिया!” हम तीनों एक साथ चिल्लाए।

“खैर, कम से कम मुझे उनकी पहचान तो पता चल गई। जैसा कि मुझे उम्मीद थी, यह तथाकथित ब्लेसिंगटन मुख्यालय में काफी जाना-पहचाना है, और उसके हमलावर भी। उनके नाम बिडल, हेवर्ड और मोफ़ैट हैं।”

"वर्थिंगडन बैंक गिरोह!" इंस्पेक्टर चिल्लाया।

"बिल्कुल सही," होम्स ने कहा।

"तो फिर ब्लेसिंगटन ही सटन रहा होगा।"

"बिल्कुल सही," होम्स ने कहा।

"वाह, इससे तो बात बिल्कुल साफ हो गई," निरीक्षक ने कहा।

लेकिन ट्रेवेलियन और मैंने हैरानी से एक-दूसरे की ओर देखा।

“आपको वर्थिंगडन बैंक का वह बड़ा घोटाला ज़रूर याद होगा,” होम्स ने कहा। “उसमें पांच लोग शामिल थे – ये चार और पाँचवां, जिसका नाम कार्टराइट था। बैंक के केयरटेकर टोबिन की हत्या कर दी गई और चोर सात हज़ार पाउंड लेकर भाग गए। यह 1875 की बात है। उन पाँचों को गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन उनके खिलाफ सबूत निर्णायक नहीं थे। ब्लेसिंगटन या सटन, जो गिरोह का सबसे बड़ा सरगना था, मुखबिर बन गया। उसकी गवाही पर कार्टराइट को फांसी दे दी गई और बाकी तीनों को पंद्रह-पंद्रह साल की सज़ा मिली। जब वे कुछ दिन पहले, यानी अपनी पूरी सज़ा से कुछ साल पहले ही जेल से बाहर आए, तो उन्होंने, जैसा कि आप समझ रहे हैं, गद्दार को ढूंढने और अपने साथी की मौत का बदला लेने का ठान लिया। उन्होंने दो बार उसे पकड़ने की कोशिश की और नाकाम रहे; तीसरी बार, जैसा कि आप देख रहे हैं, वे कामयाब हो गए। क्या मैं आपको कुछ और समझा सकता हूं, डॉ. ट्रेवेलियन?”

डॉक्टर ने कहा, "मुझे लगता है आपने सब कुछ बहुत स्पष्ट कर दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जिस दिन वह इतना परेशान हुआ था, वह वही दिन था जब उसने अखबारों में उनकी रिहाई के बारे में पढ़ा था।"

"बिल्कुल सही। चोरी के बारे में उसकी बातें सरासर झूठ थीं।"

"लेकिन वह आपको यह बात क्यों नहीं बता सका?"

"जी महोदय, अपने पुराने साथियों के प्रतिशोधी स्वभाव को जानते हुए, वह यथासंभव लंबे समय तक अपनी पहचान सबसे छिपाने की कोशिश कर रहा था। उसका रहस्य शर्मनाक था और वह इसे उजागर करने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था। हालांकि, चाहे वह कितना भी दुष्ट क्यों न हो, वह अभी भी ब्रिटिश कानून की सुरक्षा में

जा रहा था, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है, इंस्पेक्टर, कि आप देखेंगे कि भले ही वह सुरक्षा कवच रक्षा करने में विफल हो जाए, न्याय की तलवार बदला लेने के लिए हमेशा मौजूद है।"

रेज़िडेंट पेशेंट और ब्रुक स्ट्रीट डॉक्टर से जुड़ी परिस्थितियाँ कुछ इस तरह की अनोखी थीं। उस रात के बाद से पुलिस को तीनों हत्यारों का कोई पता नहीं चला है, और स्कॉटलैंड यार्ड में यह अनुमान लगाया जाता है कि वे दुर्भाग्यपूर्ण स्टीमर नोराह क्रेना के यात्रियों में शामिल थे, जो कुछ साल पहले पुर्तगाल के तट पर, ओपोर्टो से कुछ मील उत्तर में, अपने सभी चालक दल के साथ डूब गया था। सबूतों के अभाव में पेज के खिलाफ कार्यवाही रुक गई, और ब्रुक स्ट्रीट रहस्य, जैसा कि इसे कहा जाता था, आज तक किसी भी सार्वजनिक प्रकाशन में पूरी तरह से नहीं बताया गया है।

ग्रीक दुभाषिया

श्री शर्लक होम्स के साथ अपने लंबे और घनिष्ठ परिचय के दौरान मैंने उन्हें कभी अपने रिश्तेदारों के बारे में बात करते नहीं सुना, और अपने प्रारंभिक जीवन के बारे में तो शायद ही कभी सुना हो। उनकी इस चुप्पी ने मुझ पर उनके कुछ हद तक अमानवीय प्रभाव को और बढ़ा दिया था, यहाँ तक कि कभी-कभी मैं उन्हें एक अलग-थलग प्राणी, बिना दिल का दिमाग, मानवीय सहानुभूति की कमी वाला व्यक्ति समझने लगता था, जबकि वे बुद्धिमत्ता में उत्कृष्ट थे। महिलाओं के प्रति उनकी अरुचि और नए मित्र बनाने की अनिच्छा, दोनों ही उनके भावहीन स्वभाव के विशिष्ट लक्षण थे, लेकिन अपने परिवार के बारे में किसी भी तरह की बात न करना इससे कहीं अधिक स्पष्ट था। मुझे विश्वास हो गया था कि वे अनाथ हैं और उनके कोई रिश्तेदार जीवित नहीं हैं; लेकिन एक दिन, मुझे बहुत आश्चर्य हुआ, जब उन्होंने मुझसे अपने भाई के बारे में बात करना शुरू कर दिया।

गर्मी की एक शाम चाय के बाद का समय था, और बातचीत, जो गोल्फ क्लबों से लेकर क्रांतिवृत्त के झुकाव में परिवर्तन के कारणों तक बेतरतीब ढंग से भटकती रही थी, अंततः पूर्वजों की प्रतिभा और वंशानुगत योग्यताओं के प्रश्न पर आकर रुक गई। चर्चा का विषय यह था कि किसी व्यक्ति में पाई जाने वाली कोई विलक्षण प्रतिभा कितनी हद तक उसके पूर्वजों के कारण होती है और कितनी हद तक उसके प्रारंभिक प्रशिक्षण के कारण।

मैंने कहा, "आपके मामले में, आपने मुझे जो कुछ भी बताया है, उससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि आपकी अवलोकन क्षमता और अनुमान लगाने की आपकी विशिष्ट कुशलता आपके स्वयं के व्यवस्थित प्रशिक्षण के कारण है।"

“कुछ हद तक,” उन्होंने सोच-समझकर जवाब दिया। “मेरे पूर्वज ग्रामीण ज़मींदार थे, जिन्होंने अपने वर्ग के अनुरूप ही जीवन व्यतीत किया होगा। लेकिन फिर भी, कला के प्रति मेरा झुकाव मेरे खून में है, और शायद यह मेरी दादी से आया हो, जो फ्रांसीसी कलाकार वर्नेट की बहन थीं। खून में कला का होना विचित्र रूप ले सकता है।”

लेकिन आपको कैसे पता चला कि यह वंशानुगत है?

"क्योंकि मेरे भाई माइक्रॉफ्ट के पास यह मुझसे कहीं अधिक मात्रा में है।"

यह मेरे लिए बिल्कुल नई बात थी। अगर इंग्लैंड में कोई और भी ऐसा व्यक्ति है जिसके पास इतनी असाधारण शक्तियां हैं, तो पुलिस या आम जनता को उसके बारे में कैसे पता नहीं चला? मैंने यह सवाल इस संकेत के साथ पूछा कि मेरे साथी की विनम्रता ही थी जिसके कारण उसने अपने भाई को अपने से श्रेष्ठ माना। होम्स मेरी बात सुनकर हंस पड़ा।

“मेरे प्रिय वॉटसन,” उन्होंने कहा, “मैं उन लोगों से सहमत नहीं हो सकता जो विनम्रता को सद्गुणों में गिनते हैं। तर्कशास्त्री के लिए सभी चीजों को ठीक उसी रूप में देखना चाहिए जैसी वे हैं, और स्वयं को कम आंकना उतना ही सत्य से विमुख होना है जितना अपनी क्षमताओं को बढ़ा-चढ़ाकर बताना। इसलिए, जब मैं कहता हूँ कि माइक्रॉफ्ट की अवलोकन क्षमता मुझसे कहीं बेहतर है, तो आप इसे बिल्कुल सत्य मान सकते हैं।”

क्या वह आपका कनिष्ठ है?

“मुझसे सात साल बड़े।”

“वह अज्ञात क्यों है?”

"ओह, वह अपने सर्कल में बहुत मशहूर हैं।"

“तो फिर कहाँ?”

"उदाहरण के लिए, डायोजेन्स क्लब में।"

मैंने उस संस्था के बारे में कभी नहीं सुना था, और मेरे चेहरे से यह बात साफ झलक रही होगी, क्योंकि शर्लक होम्स ने अपनी घड़ी निकाल ली।

“डायोजेन्स क्लब लंदन का सबसे विचित्र क्लब है, और माइक्रॉफ्ट सबसे विचित्र पुरुषों में से एक है। वह हमेशा पौने पाँच से पौने आठ बजे तक वहाँ रहता है। अभी छह बज रहे हैं, इसलिए यदि आप इस खूबसूरत शाम को टहलने का मन करें तो मुझे आपको दो विचित्रताओं से परिचित कराने में बहुत खुशी होगी।”

पांच मिनट बाद हम सड़क पर थे और रीजेंट्स सर्कस की ओर चल रहे थे।

मेरे साथी ने कहा, "तुम्हें आश्चर्य होता होगा कि माइक्रॉफ्ट अपनी शक्तियों का उपयोग जासूसी के लिए क्यों नहीं करता। वह इसके काबिल ही नहीं है।"

लेकिन मुझे लगा आपने कहा था—”

मैंने कहा कि अवलोकन और तर्क-वितर्क में वह मुझसे कहीं बेहतर है। अगर जासूसी का काम सिर्फ़ कुर्सी पर बैठकर तर्क करना होता, तो मेरा भाई अब तक का सबसे बड़ा अपराधी होता। लेकिन उसमें न तो कोई महत्वाकांक्षा है और न ही कोई ऊर्जा। वह अपने ही समाधानों को सत्यापित करने के लिए भी कोई प्रयास नहीं करता, और सही साबित करने की कोशिश करने के बजाय गलत कहलाना ज़्यादा पसंद करता है। मैंने बार-बार उसके सामने कोई समस्या रखी है, और मुझे जो स्पष्टीकरण मिला है, वह बाद में सही साबित हुआ है। फिर भी, वह उन व्यावहारिक पहलुओं को समझने में पूरी तरह असमर्थ है, जिन पर किसी मामले को न्यायाधीश या जूरी के सामने पेश करने से पहले विचार करना ज़रूरी होता है।

तो क्या यह उनका पेशा नहीं है?

बिल्कुल नहीं। जो मेरे लिए आजीविका का साधन है, वही उसके लिए एक शौकिया का मात्र शौक है। उसे गणित की असाधारण समझ है और वह कुछ सरकारी विभागों के लेखा-जोखा करता है। माइक्रॉफ्ट पाल मॉल में रहता है और हर सुबह व्हाइटहॉल तक पैदल जाता है और हर शाम वापस आता है। साल के अंत से अंत तक वह कोई और व्यायाम नहीं करता और डायोजेन्स क्लब के अलावा कहीं और नहीं देखा जाता, जो उसके कमरों के ठीक सामने है।

मुझे नाम याद नहीं आ रहा है।

“शायद नहीं। आप जानते हैं, लंदन में कई ऐसे पुरुष हैं, जो शर्म के मारे, तो कुछ द्वेष के कारण, अपने साथियों की संगति पसंद नहीं करते। फिर भी उन्हें आरामदायक कुर्सियाँ और नवीनतम पत्रिकाएँ पढ़ने में कोई आपत्ति नहीं होती। इन्हीं की सुविधा के लिए डायोजेन्स क्लब की शुरुआत की गई थी, और अब इसमें शहर के सबसे असामाजिक और बेमेल लोग शामिल हैं। किसी भी सदस्य को दूसरे सदस्य पर ज़रा भी

ध्यान देने की अनुमति नहीं है। अजनबी के कमरे को छोड़कर, किसी भी परिस्थिति में बात करना मना है, और यदि तीन बार ऐसा करने की बात समिति के संज्ञान में आती है, तो बात करने वाले को निष्कासित किया जा सकता है। मेरे भाई इसके संस्थापकों में से एक थे, और मैंने स्वयं इसे बहुत ही सुखदायक वातावरण पाया है।"

बातचीत करते-करते हम पैल मॉल पहुँच गए थे और सेंट जेम्स छोर से उस पर चल रहे थे। शर्लक होम्स कार्लटन होटल से कुछ दूरी पर एक दरवाज़े पर रुके और मुझे बोलने से मना करते हुए हॉल में आगे-आगे चलने लगे। शीशे के पैनल से मुझे एक बड़े और आलीशान कमरे की झलक मिली, जिसमें काफ़ी संख्या में लोग बैठे हुए अखबार पढ़ रहे थे, हर कोई अपने-अपने कोने में। होम्स मुझे एक छोटे से कमरे में ले गए जहाँ से पैल मॉल दिखाई देता था, और फिर एक मिनट के लिए मुझे छोड़कर वे अपने एक साथी के साथ वापस आए, जिसे देखकर मुझे यकीन हो गया कि वह उनका भाई ही होगा।

मायक्रॉफ्ट होम्स, शर्लक से कहीं अधिक विशाल और हट्टा-कट्टा था। उसका शरीर तो पूर्णतः गठीला था, परन्तु उसका चेहरा, यद्यपि विशाल था, फिर भी उसमें वही तीक्ष्ण भाव-भंगिमा शेष थी जो उसके भाई के चेहरे में असाधारण रूप से पाई जाती थी। उसकी आँखें, जो एक विशेष रूप से हल्के, मंद भूरे रंग की थीं, हमेशा एक दूरस्थ, अंतर्मुखी दृष्टि धारण किए रहती थीं, जो मैंने शर्लक की आँखों में केवल तभी देखी थी जब वह अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर रहा होता था।

"आपसे मिलकर खुशी हुई, महोदय," उसने सील के पंजे की तरह अपना चौड़ा, मोटा हाथ आगे बढ़ाते हुए कहा। "जब से आप शर्लक के इतिहासकार बने हैं, तब से मैं हर जगह शर्लक के बारे में सुन रहा हूँ। वैसे, शर्लक, मुझे उम्मीद थी कि आप पिछले हफ्ते उस मैनर हाउस मामले पर मुझसे सलाह लेने के लिए आएंगे। मुझे लगा कि शायद आप इस मामले में थोड़ा असमंजस में होंगे।"

"नहीं, मैंने इसे हल कर लिया," मेरे दोस्त ने मुस्कुराते हुए कहा।

"यह तो एडम्स ही थे, बेशक।"

"हां, यह एडम्स ही थे।"

"मुझे शुरू से ही इस बात का यकीन था।" दोनों क्लब की खिड़की के पास बैठ गए। "मानव जाति का अध्ययन करने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह सबसे उपयुक्त स्थान है," माइक्रॉफ्ट ने कहा। "इन शानदार व्यक्तियों को देखिए! उदाहरण के लिए, हमारी ओर आ रहे इन दो आदमियों को देखिए।"

"बिलियर्ड मार्कर और दूसरा?"

"बिल्कुल सही। दूसरे के बारे में आपकी क्या राय है?"

दोनों आदमी खिड़की के सामने रुक गए थे। उनमें से एक की जैकेट की जेब पर चाक के कुछ निशान ही बिलियर्ड्स खेलने के एकमात्र संकेत थे जो मुझे दिखाई दिए। दूसरा बहुत छोटा, सांवला आदमी था, जिसने अपनी टोपी पीछे की ओर सरका रखी थी और बगल में कई पैकेट दबाए हुए था।

"मुझे लगता है कि यह एक बूढ़ा सैनिक है," शर्लक ने कहा।

"और हाल ही में अस्पताल से छुट्टी मिली है," भाई ने कहा।

"लगता है आपने भारत में सेवा की है।"

और एक गैर-कमीशन अधिकारी।

"मुझे लगता है, यह रॉयल आर्टिलरी है," शर्लक ने कहा।

और एक विधुर।

लेकिन एक बच्चे के साथ।

"बच्चों, मेरे प्यारे बेटे, बच्चों।"

मैंने हंसते हुए कहा, "अरे, ये तो कुछ ज्यादा ही हो गया।"
“निश्चित रूप से,” होम्स ने उत्तर दिया, “यह कहना मुश्किल नहीं है कि उस तरह के हावभाव, अधिकारपूर्ण अभिव्यक्ति और धूप से तपती त्वचा वाला व्यक्ति एक सैनिक है, एक साधारण सिपाही से कहीं अधिक है, और हाल ही में भारत से लौटा है।”
"उनकी सैन्य सेवा छोड़े हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है, इसका प्रमाण यह है कि वे अभी भी अपने 'बारूद के जूते' पहने हुए हैं," माइक्रॉफ्ट ने टिप्पणी की।
“उसकी चाल घुड़सवारी जैसी नहीं थी, फिर भी वह अपनी टोपी एक तरफ रखता था, जैसा कि उसके माथे के उस तरफ की हल्की त्वचा से पता चलता है। उसका वजन उसे सैपर होने के विपरीत दर्शाता है। वह तोपखाने में है।”
“फिर, ज़ाहिर है, उनका गहरा शोक यह दर्शाता है कि उन्होंने किसी बहुत प्रिय व्यक्ति को खो दिया है। उनका खुद खरीदारी करना ऐसा लगता है मानो उनकी पत्नी का निधन हुआ हो। आप देख सकते हैं कि वे बच्चों के लिए सामान खरीद रहे हैं। उनके पास एक खिलौना है, जिससे पता चलता है कि उनमें से एक बहुत छोटा है। पत्नी की मृत्यु संभवतः प्रसव के दौरान हुई थी। उनकी बगल में एक चित्र-पुस्तक का होना यह दर्शाता है कि उनके एक और बच्चे की भी याद आती है।”
मुझे अब समझ में आने लगा था कि मेरे दोस्त का क्या मतलब था जब उसने कहा था कि उसके भाई की बुद्धि उससे भी कहीं अधिक तेज है। उसने मेरी तरफ देखा और मुस्कुराया। माइक्रॉफ्ट ने कछुए की खोल से बनी डिब्बी से तंबाकू निकाला और एक बड़े लाल रेशमी रूमाल से अपने कोट के सामने बिखरे हुए दानों को साफ किया।
“वैसे, शर्लक,” उसने कहा, “मेरे सामने एक ऐसी समस्या आई है जो बिल्कुल तुम्हारे मनपसंद की है—एक बेहद अनोखी समस्या। मेरे पास इसे पूरी तरह से सुलझाने की ऊर्जा नहीं थी, सिवाय एक बहुत ही अधूरे तरीके से, लेकिन इसने मुझे कुछ दिलचस्प अटकलों का आधार दिया। अगर तुम तथ्य सुनना चाहो तो—”
"मेरे प्यारे माइक्रॉफ्ट, मुझे बहुत खुशी होगी।"
भाई ने अपनी पर्स के एक पन्ने पर एक नोट लिखा और घंटी बजाकर उसे वेटर को सौंप दिया।
“मैंने श्री मेलस से कहा है कि वे मेरे ऊपर वाले तल पर आ जाएँ,” उन्होंने कहा। “वे मेरे ऊपर वाले तल पर रहते हैं, और मेरी उनसे थोड़ी-बहुत जान-पहचान है, जिसके कारण वे अपनी परेशानी लेकर मेरे पास आए हैं। जहाँ तक मुझे पता है, श्री मेलस मूल रूप से यूनानी हैं, और वे एक असाधारण भाषाविद् हैं। वे अपनी आजीविका का कुछ हिस्सा अदालतों में दुभाषिया के रूप में और कुछ हिस्सा नॉर्थम्बरलैंड एवेन्यू के होटलों में आने वाले धनी पूर्वी लोगों के मार्गदर्शक के रूप में काम करके कमाते हैं। मुझे लगता है कि मैं उन्हें अपना यह अनोखा अनुभव अपने ही अंदाज़ में बताने दूंगा।”
कुछ मिनट बाद हमारे पास एक छोटा, मोटा आदमी आया, जिसका सांवला चेहरा और काले बाल उसके दक्षिणी मूल के होने का प्रमाण थे, हालांकि उसकी बोली एक शिक्षित अंग्रेज जैसी थी। उसने उत्सुकता से शर्लक होम्स से हाथ मिलाया और जब उसे पता चला कि विशेषज्ञ उसकी कहानी सुनने के लिए उत्सुक हैं, तो उसकी गहरी आँखें खुशी से चमक उठीं।
“मुझे पुलिस पर यकीन नहीं है—सच कहूँ, मुझे बिल्कुल यकीन नहीं है,” उसने रोते हुए कहा। “सिर्फ इसलिए कि उन्होंने इसके बारे में पहले कभी नहीं सुना, उन्हें लगता है कि ऐसा हो ही नहीं सकता। लेकिन मैं जानता हूँ कि जब तक मुझे यह पता नहीं चल जाता कि उस बेचारे आदमी का क्या हुआ जिसके चेहरे पर पट्टी बंधी थी, तब तक मुझे चैन नहीं मिलेगा।”
"मैं पूरी तरह से ध्यान आकर्षित करने में लगा हूं," शर्लक होम्स ने कहा।

“यह बुधवार शाम है,” श्री मेलस ने कहा। “तो फिर, यह सब सोमवार रात को हुआ था — यानी सिर्फ दो दिन पहले। जैसा कि शायद मेरे पड़ोसी ने आपको बताया होगा, मैं एक दुभाषिया हूँ। मैं लगभग सभी भाषाओं का अनुवाद करता हूँ, लेकिन जन्म से यूनानी होने और यूनानी नाम होने के कारण, मैं मुख्य रूप से इसी भाषा से जुड़ा हुआ हूँ। कई वर्षों से मैं लंदन का प्रमुख यूनानी दुभाषिया रहा हूँ, और होटलों में मेरा नाम काफ़ी जाना-पहचाना है।”

अक्सर ऐसा होता है कि मुसीबत में फंसे विदेशी या देर से पहुंचने वाले यात्री मुझे अजीब समय पर बुला लेते हैं। इसलिए सोमवार रात को जब मिस्टर लैटिमर, जो बहुत ही फैशनेबल कपड़े पहने एक युवक थे, मेरे कमरे में आए और मुझे दरवाजे पर खड़ी टैक्सी में उनके साथ चलने के लिए कहा, तो मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि उनका एक यूनानी मित्र उनसे व्यापारिक सिलसिले में मिलने आया था और चूंकि वह अपनी मातृभाषा के अलावा कुछ नहीं बोल सकते थे, इसलिए उन्हें दुभाषिए की आवश्यकता थी। उन्होंने मुझे बताया कि उनका घर केंसिंग्टन में थोड़ी दूरी पर है और वे बहुत जल्दी में लग रहे थे, सड़क पर उतरते ही उन्होंने मुझे तेजी से टैक्सी में बिठा दिया।

मैंने टैक्सी में बैठते हुए कहा, लेकिन जल्द ही मुझे संदेह होने लगा कि कहीं मैं घोड़ागाड़ी में तो नहीं बैठा हूँ। यह लंदन की आम चार पहिया गाड़ियों से कहीं ज़्यादा आरामदायक थी, और इसके साज-सामान, भले ही घिसे-पिटे थे, लेकिन बढ़िया क्वालिटी के थे। श्री लैटिमर मेरे सामने बैठ गए और हम चैरिंग क्रॉस से होते हुए शाफ़्टसबरी एवेन्यू की ओर चल पड़े। हम ऑक्सफ़ोर्ड स्ट्रीट पर आ गए थे और मैंने केंसिंग्टन जाने के इस घुमावदार रास्ते के बारे में कुछ कहा ही था कि मेरे साथी के असाधारण व्यवहार ने मेरी बात अधूरी छोड़ दी।

“उसने अपनी जेब से सीसे से भरी एक बेहद भारी-भरकम लाठी निकाली और उसका वजन और मजबूती परखने के लिए उसे कई बार आगे-पीछे घुमाया। फिर उसने बिना कुछ कहे उसे अपने बगल वाली सीट पर रख दिया। ऐसा करने के बाद उसने दोनों तरफ की खिड़कियाँ ऊपर उठा दीं, और मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि वे कागज़ से ढकी हुई थीं ताकि मैं उनके आर-पार न देख सकूं।”

“‘श्री मेलस, मुझे खेद है कि मैं आपका नज़ारा बाधित कर रहा हूँ,’ उसने कहा। ‘दरअसल, मेरा इरादा आपको वह जगह दिखाने का नहीं है जहाँ हम जा रहे हैं। अगर आप वहाँ दोबारा पहुँचने का रास्ता खोज लें तो शायद मुझे असुविधा हो सकती है।’

जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, मैं इस तरह के संबोधन से पूरी तरह से स्तब्ध रह गया था। मेरा साथी एक शक्तिशाली, चौड़े कंधों वाला युवक था, और हथियार के अलावा, उसके साथ संघर्ष में मेरे पास जरा भी मौका नहीं होता।

“‘यह बहुत ही असाधारण व्यवहार है, श्रीमान लैटिमर,’ मैंने हकलाते हुए कहा। ‘आपको पता होना चाहिए कि आप जो कर रहे हैं वह पूरी तरह से गैरकानूनी है।’

“‘यह कुछ हद तक मनमानी है, इसमें कोई शक नहीं,’ उसने कहा, ‘लेकिन हम इसकी भरपाई कर देंगे। हालांकि, श्री मेलस, मैं आपको चेतावनी देना चाहता हूं कि अगर आज रात किसी भी समय आपने शोर मचाने की कोशिश की या ऐसा कुछ भी किया जो मेरे हित के खिलाफ हो, तो आपको बहुत गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। मैं आपसे विनती करता हूं कि याद रखें कि कोई नहीं जानता कि आप कहां हैं, और चाहे आप इस गाड़ी में हों या मेरे घर में, आप समान रूप से मेरी शक्ति के अधीन हैं।’”

उसके शब्द धीमे थे, लेकिन उनकी आवाज़ कर्कश थी, जो बेहद डरावनी थी। मैं चुपचाप बैठी सोच रही थी कि आखिर वह मुझे इस असाधारण तरीके से अगवा क्यों

कर रहा है। कारण चाहे जो भी हो, यह बिल्कुल स्पष्ट था कि विरोध करने का कोई फायदा नहीं था, और मैं बस इंतज़ार कर सकती थी कि आगे क्या होता है।

लगभग दो घंटे तक हम गाड़ी चलाते रहे और मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि हम कहाँ जा रहे हैं। कभी पत्थरों की खड़खड़ाहट से पक्की सड़क का आभास होता था, तो कभी हमारी शांत और स्थिर गति से डामर की सड़क का; लेकिन आवाज़ों में इस बदलाव के अलावा, ऐसी कोई भी चीज़ नहीं थी जिससे मुझे ज़रा भी अंदाज़ा लग सके कि हम कहाँ हैं। हर खिड़की पर लगा कागज़ रोशनी को अंदर नहीं आने दे रहा था, और सामने के शीशे पर एक नीला पर्दा लगा हुआ था। जब हम पेल माल से निकले तब सवा सात बज रहे थे, और मेरी घड़ी में नौ बजने में दस मिनट बाकी थे जब हम आखिरकार रुके। मेरे साथी ने खिड़की नीचे की, और मुझे एक नीचा, मेहराबदार दरवाज़ा दिखाई दिया जिसके ऊपर एक दीपक जल रहा था। जैसे ही मुझे गाड़ी से बाहर निकाला गया, दरवाज़ा खुल गया, और मैंने खुद को घर के अंदर पाया। अंदर घुसते ही मुझे अपने दोनों ओर लॉन और पेड़ों का धुंधला सा आभास हुआ। हालाँकि, ये निजी ज़मीनें थीं या सचमुच ग्रामीण इलाका, यह कहना मेरे बस की बात नहीं थी।

अंदर एक रंगीन गैस का लैंप था जिसकी रोशनी इतनी कम थी कि मुझे बस इतना ही दिखाई दे रहा था कि हॉल काफी बड़ा था और उसमें तस्वीरें लगी हुई थीं। धुंधली रोशनी में मैं यह देख पाया कि दरवाजा खोलने वाला एक छोटा, दुबला-पतला, अधेड़ उम्र का आदमी था जिसके कंधे झुके हुए थे। जैसे ही वह हमारी तरफ मुड़ा, रोशनी की चमक से मुझे पता चला कि उसने चश्मा पहना हुआ था।

"'क्या ये मिस्टर मेलस हैं, हेरोल्ड?' उसने कहा।"

"'हाँ।'

"'शाबाश, शाबाश! मुझे उम्मीद है कि श्री मेलस, आपके मन में कोई दुर्भावना नहीं है, लेकिन आपके बिना हमारा काम नहीं चल सकता। अगर आप हमारे साथ निष्पक्ष व्यवहार करेंगे तो आपको पछतावा नहीं होगा, लेकिन अगर आपने कोई चाल चलने की कोशिश की, तो भगवान ही आपका भला करे!' वह घबराए हुए, रुक-रुक कर बोलते रहे और बीच-बीच में हल्की-हल्की हंसी भी हंसते रहे, लेकिन किसी तरह उन्होंने मुझे बाकी लोगों से ज्यादा भयभीत कर दिया।"

मैंने पूछा, "तुम मुझसे क्या चाहते हो?"

"'बस हमारे यहाँ आए एक यूनानी सज्जन से कुछ सवाल पूछने हैं और हमें उनके जवाब देने हैं। लेकिन जितना कहा जाए उससे ज़्यादा मत बोलना, वरना—' फिर वही घबराहट भरी हंसी सुनाई दी— 'तुम्हारा जन्म ही न हुआ होता तो बेहतर होता।'"

जैसे ही वह बोला, उसने एक दरवाज़ा खोला और एक कमरे में जाने का रास्ता दिखाया जो देखने में बहुत ही शानदार ढंग से सजा हुआ लग रहा था, लेकिन वहाँ भी केवल एक ही दीपक से हल्की रोशनी आ रही थी जो आधा झुका हुआ था। कमरा निश्चित रूप से बड़ा था, और जैसे ही मैंने उस पर कदम रखा, मेरे पैर कालीन में धंस गए, जिससे मुझे उसकी भव्यता का अंदाजा हो गया। मुझे मखमली कुर्सियाँ, एक ऊँचा सफेद संगमरमर का मेंटलपीस और उसके एक तरफ जापानी कवच जैसा कुछ दिखाई दिया। दीपक के ठीक नीचे एक कुर्सी थी, और उस बुजुर्ग व्यक्ति ने मुझे उस पर बैठने का इशारा किया। छोटा आदमी हमें छोड़कर चला गया था, लेकिन वह अचानक दूसरे दरवाजे से वापस आया, उसके साथ एक सज्जन थे जिन्होंने किसी तरह का ढीला ड्रेसिंग गाउन पहना हुआ था और वे धीरे-धीरे हमारी ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही वह मंद रोशनी के घेरे में आया जिससे मैं उसे और स्पष्ट रूप से देख सका, मैं उसकी शक्ल देखकर भयभीत हो गया। वह बेहद पीला और बहुत दुबला-पतला था, उसकी उभरी हुई, चमकदार आँखें एक ऐसे व्यक्ति की थीं जिसकी आत्मा उसकी ताकत से कहीं

अधिक था। लेकिन जिस बात ने मुझे शारीरिक कमजोरी के किसी भी लक्षण से ज्यादा चौंका दिया, वह था उसका चेहरा। उस पर जगह-जगह गोंद से प्लास्टर चिपकाया गया था, और प्लास्टर का एक बड़ा टुकड़ा उसके मुंह पर लगा दिया गया था।

"'क्या तुम्हारे पास स्लेट है, हैरोल्ड?' बूढ़े आदमी ने चिल्लाकर कहा, जब वह अजीब प्राणी कुर्सी पर बैठने के बजाय गिर पड़ा। 'क्या उसके हाथ खाली हैं? अब, उसे पेंसिल दे दो। श्री मेलस, आप प्रश्न पूछेंगे और वह उत्तर लिखेगा। सबसे पहले उससे पूछ लो कि क्या वह कागजों पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है?'"

उस आदमी की आंखों में आग सी चमक रही थी।

"'कभी नहीं!' उसने स्लेट पर ग्रीक भाषा में लिखा।"

"'बिना किसी शर्त के?' मैंने अपने तानाशाह के आदेश पर पूछा।"

"'केवल तभी जब मैं उसे अपनी उपस्थिति में किसी ऐसे यूनानी पुजारी द्वारा विवाह करते हुए देखूं जिसे मैं जानता हूं।'"

वह आदमी अपने घृणित अंदाज में हँसा।

"'तो तुम्हें पता है तुम्हारा क्या इंतजार कर रहा है?'"

मुझे अपनी कोई परवाह नहीं है।

"ये हमारे अजीबोगरीब, आधे बोले और आधे लिखे संवाद के कुछ नमूने हैं। मुझे बार-बार उनसे पूछना पड़ा कि क्या वे मान जाएंगे और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर देंगे। हर बार मुझे वही गुस्से भरा जवाब मिला। लेकिन जल्द ही मेरे मन में एक सुखद विचार आया। मैंने हर सवाल में अपने छोटे-छोटे वाक्य जोड़ने शुरू कर दिए, पहले तो सीधे-सादे, यह देखने के लिए कि क्या हमारे साथियों में से किसी को इस मामले की कुछ जानकारी है, और फिर, जब मैंने पाया कि उन्होंने कोई संकेत नहीं दिया, तो मैंने एक और खतरनाक खेल खेला। हमारी बातचीत कुछ इस तरह चली:

"'इस हठधर्मिता से तुम कुछ भी भला नहीं कर सकते। तुम हो कौन?'"

मुझे परवाह नहीं है। मैं लंदन में अजनबी हूँ।

"'तुम्हारा भाग्य तुम्हारे अपने सिर पर होगा। तुम यहाँ कब से हो?'

"'ऐसा ही होने दो। तीन सप्ताह।'"

"'यह संपत्ति कभी तुम्हारी नहीं हो सकती। तुम्हें क्या परेशानी है?'"

"'यह दुष्टों के हाथ नहीं लगेगा। वे मुझे भूखा मार रहे हैं।'"

"'अगर तुम हस्ताक्षर करोगे तो तुम्हें रिहा कर दिया जाएगा। यह कौन सा घर है?'"

"'मैं कभी हस्ताक्षर नहीं करूंगा। मुझे नहीं पता।'"

"'तुम उसकी कोई सेवा नहीं कर रहे हो। तुम्हारा नाम क्या है?'"

"'मुझे उससे यह सुनना है। क्रैटाइड्स।'"

"'अगर आप हस्ताक्षर करेंगे तो आप उसे देख पाएंगे। आप कहाँ से हैं?'"

"'तो मैं उसे फिर कभी नहीं देख पाऊंगा। एथेंस।'"

"बस पाँच मिनट और, मिस्टर होम्स, मैं उनकी नाक के नीचे से ही सारी कहानी उगलवा लेता। मेरा अगला सवाल ही मामला सुलझा देता, लेकिन उसी क्षण दरवाजा खुला और एक महिला कमरे में दाखिल हुई। मैं उसे ठीक से देख नहीं पाया, बस इतना ही जान पाया कि वह लंबी और आकर्षक थी, उसके बाल काले थे और उसने किसी तरह का ढीला सफेद गाउन पहना हुआ था।"

"'हेरोल्ड,' उसने टूटी-फूटी अंग्रेजी में बोलते हुए कहा। 'मैं और दूर नहीं रह सकती थी। वहाँ ऊपर बहुत अकेलापन है, केवल — हे भगवान, यह पॉल है!'"

ये आखिरी शब्द यूनानी भाषा में थे, और उसी क्षण उस आदमी ने हड़बड़ी में अपने होठों से प्लास्टर फाड़ दिया और 'सोफी! सोफी!' चिल्लाते हुए उस औरत की बाहों में दौड़ पड़ा। हालाँकि, उनका आलिंगन बस एक पल के लिए ही था, क्योंकि उस जवान

आदमी ने औरत को पकड़कर कमरे से बाहर धकेल दिया, जबकि उस बूढ़े आदमी ने आसानी से अपने दुबले-पतले शिकार को काबू में कर लिया और उसे दूसरे दरवाजे से घसीट कर बाहर ले गया। एक पल के लिए मैं कमरे में अकेला रह गया, और मैं इस अस्पष्ट विचार के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो गया कि शायद मुझे किसी तरह इस घर के बारे में कुछ सुराग मिल जाए जिसमें मैं खुद को पा रहा था। सौभाग्य से, मैंने कोई कदम नहीं उठाया, क्योंकि ऊपर देखने पर मैंने पाया कि वह बूढ़ा आदमी दरवाजे पर खड़ा था, उसकी निगाहें मुझ पर टिकी हुई थीं।

"'बस इतना ही काफी है, श्री मेलस,' उन्होंने कहा। 'आप जानते हैं कि हमने कुछ बेहद निजी मामलों को लेकर आप पर भरोसा किया है। हम आपको परेशान नहीं करते, लेकिन हमारे एक मित्र, जो ग्रीक भाषा बोलते हैं और जिन्होंने इन वार्ताओं की शुरुआत की थी, उन्हें पूर्व की ओर लौटना पड़ा है। उनके स्थान पर किसी और को नियुक्त करना हमारे लिए बेहद जरूरी था, और हमें आपकी क्षमताओं के बारे में जानकर सौभाग्य प्राप्त हुआ।'

मैंने सिर झुकाया।

"'यहां पांच सोने के सिक्के हैं,' वह मेरे पास आते हुए बोला, 'मुझे उम्मीद है कि यह पर्याप्त शुल्क होगा। लेकिन याद रखना,' उसने मेरी छाती पर हल्के से थपथपाते हुए और हंसते हुए कहा, 'अगर तुमने इस बारे में किसी इंसान से बात की – सिर्फ एक इंसान से, ध्यान रहे – तो भगवान तुम्हारी आत्मा पर दया करे!'"

"मैं आपको बता नहीं सकती कि इस तुच्छ दिखने वाले आदमी के प्रति मेरे मन में कितनी घृणा और भय था। अब जब दीपक की रोशनी उस पर पड़ रही थी, तो मैं उसे और अच्छे से देख पा रही थी। उसके चेहरे के हाव-भाव नुकीले और पीले थे, और उसकी छोटी सी नुकीली दाढ़ी पतली और कमजोर थी। बोलते समय वह अपना चेहरा आगे की ओर झुका लेता था और उसके होंठ और पलकें लगातार ऐसे फड़क रही थीं जैसे किसी को सेंट विटस का दौरा पड़ गया हो। मैं यह सोचे बिना नहीं रह सकी कि उसकी अजीब, आकर्षक छोटी सी हंसी भी किसी तंत्रिका संबंधी बीमारी का लक्षण थी। हालांकि, उसके चेहरे का खौफ उसकी आंखों में छिपा था, जो स्टील की तरह धूसर थीं और उनकी गहराई में एक घातक, निर्दयी क्रूरता झलक रही थी।"

"'अगर आप इसके बारे में बात करेंगे तो हमें पता चल जाएगा,' उसने कहा। 'हमारे पास जानकारी के अपने साधन हैं। अब आपको गाड़ी इंतजार करती मिलेगी, और मेरा दोस्त आपको आपके रास्ते पर छोड़ देगा।'"

मुझे जल्दी से हॉल से होते हुए गाड़ी में बिठाया गया, और एक बार फिर मुझे पेड़ों और बगीचे की वो क्षणिक झलक मिली। श्री लैटिमर मेरे ठीक पीछे-पीछे आए और बिना कुछ कहे मेरे सामने बैठ गए। खिड़कियां खुली रखकर हम फिर से खामोशी से अनिश्चित दूरी तक गाड़ी चलाते रहे, और आखिरकार आधी रात के ठीक बाद गाड़ी आकर रुक गई।

"'आप यहीं उतर जाइए, श्री मेलुस,' मेरे साथी ने कहा। 'मुझे खेद है कि मैं आपको आपके घर से इतनी दूर छोड़ रहा हूं, लेकिन कोई विकल्प नहीं है। यदि आप गाड़ी का पीछा करने का प्रयास करेंगे तो इससे आपको ही चोट पहुँचेगी।'"

बोलते-बोलते उसने दरवाजा खोल दिया, और मुझे बाहर निकलने का ज़रा भी समय नहीं मिला कि कोचवान ने घोड़े को चाबुक मारा और गाड़ी खड़खड़ाती हुई आगे बढ़ गई। मैंने अचरज से चारों ओर देखा। मैं किसी हरे-भरे मैदान में था, जो घनी झाड़ियों से ढका हुआ था। दूर तक घरों की एक कतार फैली हुई थी, जिनकी ऊपरी खिड़कियों में कहीं-कहीं रोशनी थी। दूसरी ओर मुझे रेलवे के लाल सिग्नल लैंप दिखाई दिए।

“जिस गाड़ी में मैं आया था, वह पहले ही नज़र से ओझल हो चुकी थी। मैं चारों ओर देखता हुआ सोच रहा था कि आखिर मैं कहाँ हूं, तभी मैंने अंधेरे में किसी को अपनी ओर आते देखा। जैसे ही वह मेरे पास आया, मैंने पहचान लिया कि वह एक रेलवे पोर्टर था।”

मैंने पूछा, “क्या आप मुझे बता सकते हैं कि यह कौन सी जगह है?”

उन्होंने कहा, “‘वैंड्सवर्थ कॉमन’।”

“‘क्या मुझे ट्रेन से शहर जाने का रास्ता मिल सकता है?’”

“‘अगर आप क्लैफम जंक्शन तक लगभग एक मील पैदल चलेंगे,’ उसने कहा, ‘तो आप विक्टोरिया जाने वाली आखिरी ट्रेन के लिए समय पर पहुंच जाएंगे।’”

“तो यहीं पर मेरे साहसिक कार्य का अंत हुआ, श्रीमान होम्स। मुझे नहीं पता कि मैं कहाँ थी, मैंने किससे बात की, और न ही मुझे इसके अलावा कुछ याद है कि मैंने आपको क्या बताया है। लेकिन मुझे पता है कि कुछ गड़बड़ चल रही है, और मैं उस बेचारे आदमी की मदद करना चाहती हूं, अगर मैं कर सकती हूं। मैंने अगली सुबह श्रीमान माइक्रॉफ्ट होम्स को पूरी कहानी बताई, और बाद में पुलिस को भी।”

इस असाधारण वृत्तांत को सुनने के बाद हम सब कुछ देर तक चुपचाप बैठे रहे। फिर शर्लक ने अपने भाई की ओर देखा।

“कोई क़दम उठाए गए?” उसने पूछा।

माइक्रॉफ्ट ने साइड टेबल पर पड़े डेली न्यूज़ को उठाया।

“पॉल क्रैटिडस नामक एक यूनानी सज्जन के ठिकाने के बारे में कोई भी जानकारी देने वाला कोई भी व्यक्ति,

अंग्रेजी न बोल पाने वाले एथेंस को पुरस्कृत किया जाएगा।

इसी तरह का इनाम किसी भी व्यक्ति की सूचना देने पर दिया जाता है।

ग्रीक महिला जिसका पहला नाम सोफी है। X 2473.

“यह खबर सभी अखबारों में छपी थी। कोई जवाब नहीं मिला।”

"ग्रीक दूतावास के बारे में क्या ख्याल है?"

मैंने पूछताछ की है। उन्हें कुछ नहीं पता।

तो क्या एथेंस पुलिस प्रमुख को तार भेजा गया था?

“शर्लक में पूरे परिवार की ऊर्जा है,” माइक्रॉफ्ट ने मेरी ओर मुड़ते हुए कहा। “ठीक है, आप इस मामले को अवश्य अपने हाथ में लें और अगर इससे कोई फायदा हो तो मुझे जरूर बताएं।”

“ज़रूर,” मेरे दोस्त ने कुर्सी से उठते हुए जवाब दिया। “मैं आपको और श्री मेलस को भी बता दूंगा। इस बीच, श्री मेलस, अगर मैं आपकी जगह होता तो ज़रूर सतर्क रहता, क्योंकि इन विज्ञापनों के ज़रिए उन्हें ज़रूर पता चल गया होगा कि आपने उनके साथ विश्वासघात किया है।”

जब हम साथ-साथ घर जा रहे थे, तो होम्स एक टेलीग्राफ कार्यालय में रुका और कई तार भेजे।

“देखो, वॉटसन,” उन्होंने कहा, “हमारी शाम बिलकुल भी व्यर्थ नहीं गई। मेरे कुछ सबसे दिलचस्प मामले माइक्रॉफ्ट के माध्यम से इसी तरह मेरे पास आए हैं। जिस समस्या को हमने अभी सुना है, हालांकि इसकी केवल एक ही व्याख्या हो सकती है, फिर भी इसमें कुछ विशिष्ट विशेषताएं हैं।”

"क्या आपको इसे सुलझाने की कोई उम्मीद है?"

“खैर, हमारे पास जितनी जानकारी है, उसके बावजूद अगर हम बाकी की जानकारी न जुटा पाएं तो यह वाकई एक विलक्षण बात होगी। आपने स्वयं ही कोई सिद्धांत बनाया होगा जो उन तथ्यों की व्याख्या करेगा जिन्हें हमने सुना है।”

ँ

"कुछ हद तक, हाँ।"

तो फिर आपका क्या विचार था?

मुझे यह बात स्पष्ट प्रतीत हुई कि इस यूनानी लड़की का अपहरण हेरोल्ड लैटिमर नामक एक युवक अंग्रेज ने किया था।

“कहां से अगवा किया गया?”

"शायद एथेंस।"

शर्लक होम्स ने सिर हिलाया। “यह युवक ग्रीक का एक शब्द भी नहीं बोल सकता था। महिला अच्छी अंग्रेजी बोल सकती थी। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि वह कुछ समय के लिए इंग्लैंड में रही होगी, लेकिन वह युवक ग्रीस में नहीं गया था।”

"तो फिर, हम यह मान लेंगे कि वह एक बार इंग्लैंड घूमने आई थी, और इस हेरोल्ड ने उसे अपने साथ भागने के लिए राजी कर लिया था।"

"इसकी संभावना अधिक है।"

फिर भाई—मुझे लगता है कि यही रिश्ता है—ग्रीस से आकर दखलंदाजी करता है। वह नासमझी में खुद को उस नौजवान और उसके बड़े साथी के हवाले कर देता है। वे उसे पकड़ लेते हैं और उससे मारपीट करते हैं ताकि वह कुछ कागजातों पर हस्ताक्षर कर दे, जिसके तहत लड़की की सारी संपत्ति, जिसका वह न्यासी है, उन्हें सौंप दी जाए। वह ऐसा करने से इन्कार कर देता है। उससे बातचीत करने के लिए उन्हें एक दुभाषिए की ज़रूरत पड़ती है, और वे श्री मेलस को चुनते हैं, इससे पहले वे किसी और को इस्तेमाल कर चुके थे। लड़की को उसके भाई के आने की सूचना नहीं दी जाती और उसे यह बात बड़ी ही इत्तेफाक से पता चलती है।

“बहुत बढ़िया, वॉटसन!” होम्स चिल्लाया। “मुझे पूरा यकीन है कि तुम सच से ज़्यादा दूर नहीं हो। देखो, सारी ताकत हमारे हाथ में है, और हमें बस उनकी तरफ से अचानक किसी हिंसक कार्रवाई का डर है। अगर वे हमें समय देते हैं, तो हम उन्हें जीत लेंगे।”

लेकिन हम यह कैसे पता लगा सकते हैं कि यह घर कहाँ स्थित है?

“खैर, अगर हमारा अनुमान सही है और लड़की का नाम सोफी क्रैटिड्स है या था, तो हमें उसे ढूंढने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए। यही हमारी मुख्य उम्मीद है, क्योंकि भाई तो बिल्कुल अजनबी है। यह स्पष्ट है कि हेरोल्ड द्वारा लड़की से संबंध स्थापित किए जाने के बाद से कुछ समय बीत चुका है—कम से कम कुछ सप्ताह—क्योंकि ग्रीस में रहने वाले भाई को इसके बारे में पता चलने और संपर्क करने का समय नहीं मिला है। अगर वे इस दौरान एक ही जगह पर रह रहे हैं, तो संभव है कि हमें माइक्रॉफ्ट के विज्ञापन का कुछ जवाब मिल जाए।”

बातचीत करते-करते हम बेकर स्ट्रीट स्थित अपने घर पहुँच गए थे। होम्स सबसे पहले सीढ़ियाँ चढ़े और जैसे ही उन्होंने हमारे कमरे का दरवाजा खोला, वे चौंक गए। उनके पीछे मुड़कर देखने पर मैं भी उतना ही हैरान था। उनका भाई माइक्रॉफ्ट आरामकुर्सी पर बैठकर सिगरेट पी रहा था।

“अंदर आइए, शर्लक! अंदर आइए, महोदय,” उसने हमारे आश्चर्यचकित चेहरों को देखकर मुस्कुराते हुए बेपरवाही से कहा। “आप मुझसे इतनी ऊर्जा की उम्मीद नहीं करते, है ना, शर्लक? लेकिन किसी तरह यह मामला मुझे आकर्षित कर रहा है।”

"तुम यहां कैसे मिला?"

मैं एक हैंसम टक में तुम्हारे पास से गुजरा था।

“क्या कोई नयी घटनाक्रम हुआ है?”

मुझे अपने विज्ञापन का जवाब मिल गया था।

आह!”

"हां, यह आपके जाने के कुछ ही मिनटों के भीतर हुआ।"
और इसका क्या प्रभाव पड़ा?
माइक्रॉफ्ट होम्स ने एक कागज का टुकड़ा निकाला।
“ये रहा,” उसने कहा, “इसे एक कमजोर स्वास्थ्य वाले अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने रॉयल क्रीम रंग के कागज पर जे पेन से लिखा है।”
“सर [वह कहता है]:
आज के आपके विज्ञापन के जवाब में, मैं आपको सूचित करना चाहता हूँ कि मैं संबंधित युवती को अच्छी तरह जानता हूँ। यदि आप मुझसे मिलना चाहें तो मैं आपको उसके दुखद इतिहास के बारे में कुछ जानकारी दे सकता हूं। वह इस समय बेकेनहैम स्थित द मर्टल्स में रह रही है।
"आपका विश्वासी,
“जे. डेवनपोर्ट.
“वह लोअर ब्रिक्सटन से लिखते हैं,” माइक्रॉफ्ट होम्स ने कहा। “क्या आपको नहीं लगता कि हम अभी उनके पास जाकर ये सारी जानकारी हासिल कर सकते हैं, शर्लक?”
“मेरे प्यारे माइक्रॉफ़्ट, भाई की जान बहन की कहानी से कहीं ज़्यादा कीमती है। मुझे लगता है कि हमें इंस्पेक्टर ग्रेगसन को बुलाने के लिए स्कॉटलैंड यार्ड जाना चाहिए और सीधे बेकेनहैम के लिए रवाना होना चाहिए। हम जानते हैं कि एक आदमी की बेरहमी से हत्या की जा रही है, और हर घंटा महत्वपूर्ण हो सकता है।”
मैंने सुझाव दिया, "रास्ते में श्री मेलस को साथ ले लेना बेहतर रहेगा। हमें दुभाषिए की आवश्यकता पड़ सकती है।"
“बहुत बढ़िया,” शर्लक होम्स ने कहा। “लड़के को एक चार पहिया वाहन लाने के लिए भेजो, और हम तुरंत निकलेंगे।” बोलते हुए उन्होंने मेज़ की दराज खोली, और मैंने देखा कि उन्होंने अपना रिवॉल्वर जेब में रख लिया। “जी हाँ,” मेरी नज़र पड़ते ही उन्होंने जवाब दिया, “जो हमने सुना है, उससे तो यही लगता है कि हम एक बेहद खतरनाक गिरोह से निपट रहे हैं।”
लगभग अंधेरा हो चुका था जब हम श्री मेलस के कमरे में, पॉल मॉल पहुंचे। एक सज्जन ने अभी-अभी उनसे मुलाकात की थी और वे जा चुके थे।
“क्या आप मुझे बता सकते हैं कि कहां?” माइक्रॉफ्ट होम्स ने पूछा।
“मुझे नहीं पता, महोदय,” दरवाजा खोलने वाली महिला ने उत्तर दिया; “मैं केवल इतना जानती हूँ कि वह सज्जन को एक गाड़ी में बिठाकर चले गए।”
क्या उस सज्जन ने अपना नाम बताया?
"जी नहीं, महोदय।"
“क्या वह लंबा, सुंदर, सांवला युवक नहीं था?”
"ओह, नहीं, महोदय। वह चश्मा पहने हुए, दुबले-पतले चेहरे वाले एक छोटे कद के सज्जन थे, लेकिन उनका व्यवहार बहुत ही सुखद था, क्योंकि वे बात करते समय लगातार हंसते रहते थे।"
“चलो चलें!” शर्लक होम्स अचानक चिल्लाया। “मामला गंभीर होता जा रहा है,” स्कॉटलैंड यार्ड जाते हुए उसने कहा। “इन लोगों ने मेलस को फिर से पकड़ लिया है। वह शारीरिक रूप से बिल्कुल भी साहसी नहीं है, जैसा कि वे पिछली रात के अपने अनुभव से अच्छी तरह जानते हैं। इस बदमाश ने उसके सामने आते ही उसे डरा दिया। इसमें कोई शक नहीं कि उन्हें उसकी पेशेवर सेवाओं की ज़रूरत है, लेकिन उसका इस्तेमाल करने के बाद, वे उसे उसके विश्वासघात के लिए सज़ा देने के लिए भी तैयार हो सकते हैं।”

हमारी उम्मीद थी कि ट्रेन से हम बेकेनहेम तक टैक्सी से जितनी जल्दी हो सके या उससे भी पहले पहुँच जाएँगे। लेकिन स्कॉटलैंड यार्ड पहुँचने पर हमें इंस्पेक्टर ग्रेगसन से मिलने और घर में प्रवेश करने के लिए ज़रूरी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने में एक घंटे से ज़्यादा का समय लग गया। लंदन ब्रिज पहुँचने में पौने दस बज चुके थे और बेकेनहेम प्लेटफार्म पर उतरने में हम चारों को साढ़े दस बजने का समय लग गया। आधा मील की दूरी तय करने के बाद हम द मर्टल्स पहुँचे - एक बड़ा, अंधेरा घर जो सड़क से थोड़ा हटकर अपने परिसर में बना हुआ था। यहाँ हमने अपनी टैक्सी को वहीं छोड़ दिया और साथ-साथ ड्राइववे से ऊपर की ओर चल दिए।

निरीक्षक ने टिप्पणी की, "खिड़कियाँ पूरी तरह से अंधेरी हैं। घर वीरान लग रहा है।"

होम्स ने कहा, "हमारे पक्षी उड़ गए हैं और घोंसला खाली है।"

"आप ऐसा क्यों कह रहे हो?"

"पिछले एक घंटे के दौरान सामान से लदी एक गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है।"

निरीक्षक हँस पड़ा। "मैंने द्वार की बत्ती की रोशनी में पहियों के निशान तो देख लिए, लेकिन सामान का इसमें क्या लेना-देना है?"

“आपने शायद दूसरी दिशा में भी पहियों के ऐसे ही निशान देखे होंगे। लेकिन बाहर की ओर जाने वाले निशान बहुत गहरे थे—इतने गहरे कि हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि गाड़ी पर काफी अधिक भार था।”

"आपकी समझ से परे कुछ नहीं है," इंस्पेक्टर ने कंधे उचकाते हुए कहा। "इस दरवाजे को तोड़ना आसान नहीं होगा, लेकिन अगर हम किसी को अपनी आवाज नहीं सुना पाए तो हम कोशिश जरूर करेंगे।"

उसने दरवाजे के हैंडल पर जोर से हाथ मारा और घंटी को खींचा, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। होम्स चुपके से निकल गया था, लेकिन कुछ ही मिनटों में वापस आ गया।

उन्होंने कहा, "मेरी खिड़की खुली है।"

“यह सौभाग्य की बात है कि आप पुलिस बल के पक्ष में हैं, उसके विरुद्ध नहीं, श्रीमान होम्स,” इंस्पेक्टर ने मेरे मित्र द्वारा चालाकी से कुंडी खोलने की कोशिश को देखते हुए टिप्पणी की। “खैर, मुझे लगता है कि इन परिस्थितियों में हम बिना निमंत्रण के प्रवेश कर सकते हैं।”

एक-एक करके हम एक बड़े से कमरे में दाखिल हुए, जो स्पष्ट रूप से वही कमरा था जिसमें श्री मेलस ठहरे थे। इंस्पेक्टर ने अपनी लालटेन जला रखी थी, और उसकी रोशनी में हम दोनों दरवाजे, पर्दा, लैंप और जापानी कवच देख पा रहे थे, जैसा कि उन्होंने बताया था। मेज पर दो गिलास, ब्रांडी की एक खाली बोतल और खाने के बचे हुए टुकड़े पड़े थे।

"यह क्या है?" होम्स ने अचानक पूछा।

हम सब चुपचाप खड़े होकर सुनने लगे। हमारे सिर के ऊपर से कहीं से धीमी कराहने जैसी आवाज़ आ रही थी। होम्स दौड़कर दरवाजे की ओर गए और हॉल में बाहर निकल आए। वह भयानक आवाज़ ऊपर से आ रही थी। वह तेज़ी से ऊपर चढ़े, इंस्पेक्टर और मैं उनके पीछे-पीछे गए, जबकि उनके भाई माइक्रॉफ्ट भी अपनी भारी-भरकम काया के अनुसार तेज़ी से उनके पीछे-पीछे आए।

दूसरी मंजिल पर हमारे सामने तीन दरवाजे थे, और इन्हीं में से बीच वाले दरवाजे से डरावनी आवाजें आ रही थीं, जो कभी धीमी बड़बड़ाहट में बदल जाती थीं और फिर तीखी चीख में बदल जाती थीं। दरवाजा बंद था, लेकिन चाबी बाहर ही पड़ी थी। होम्स ने

दरवाजा खोला और अंदर घुस गया, लेकिन पल भर में ही वह गले पर हाथ रखकर बाहर आ गया।

"यह तो कोयला है," वह चिल्लाया। "थोड़ा समय दो। यह साफ हो जाएगा।"

अंदर झाँकने पर हमने देखा कि कमरे में एकमात्र रोशनी बीच में रखे एक छोटे से पीतल के तिपाई से टिमटिमाती हुई हल्की नीली लौ से आ रही थी। यह फर्श पर एक भयानक, अप्राकृतिक गोला बना रही थी, जबकि उसके पार परछाई में हमें दीवार से सटे दो आकृतियों की धुंधली परछाई दिखाई दी। खुले दरवाजे से एक भयानक जहरीली गंध आ रही थी जिससे हम हांफने और खांसने लगे। होम्स ताजी हवा लेने के लिए सीढ़ियों के ऊपर भागा, और फिर कमरे में घुसकर उसने खिड़की खोल दी और पीतल की तिपाई को बगीचे में फेंक दिया।

"हम एक मिनट में अंदर जा सकते हैं," वह हांफते हुए फिर से बाहर भागा। "मोमबत्ती कहाँ है? मुझे शक है कि हम इस वातावरण में माचिस जला पाएंगे। दरवाजे पर रोशनी रखो और हम उन्हें बाहर निकाल लेंगे, माइक्रॉफ्ट, अभी!"

हम झटपट उन विषग्रस्त व्यक्तियों के पास पहुँचे और उन्हें घसीटकर रोशनी से भरे हॉल में ले आए। दोनों के होंठ नीले पड़ गए थे और वे बेहोश थे, उनके चेहरे सूजे हुए और लाल थे तथा आँखें बाहर निकली हुई थीं। वास्तव में, उनके चेहरे इतने विकृत हो गए थे कि, उनकी काली दाढ़ी और हट्टे-कट्टे शरीर को छोड़कर, हम उनमें से एक को उस यूनानी दुभाषिए के रूप में पहचान भी नहीं पाते जो कुछ ही घंटे पहले डायोजेन्स क्लब में हमसे विदा हुआ था। उसके हाथ-पैर कसकर बंधे हुए थे, और उसकी एक आँख पर किसी जोरदार चोट के निशान थे। दूसरा व्यक्ति, जो इसी तरह बंधा हुआ था, दुबला-पतला हो चुका था, और उसके चेहरे पर कई पट्टियाँ अजीबोगरीब ढंग से चिपकाई गई थीं। जैसे ही हमने उसे लिटाया, उसने कराहना बंद कर दिया था, और एक नज़र में ही मुझे समझ आ गया कि कम से कम उसके लिए हमारी मदद बहुत देर से पहुँची थी। लेकिन श्री मेलस अभी भी जीवित थे, और एक घंटे से भी कम समय में, अमोनिया और ब्रांडी की सहायता से, मुझे उनकी आंखें खुलते हुए देखने का संतोष मिला, और यह जानकर खुशी हुई कि मेरे हाथ ने उन्हें उस अंधेरी घाटी से वापस खींच लिया था जहां सभी रास्ते आकर मिलते हैं।

यह एक सीधी-सादी कहानी थी जो उसे बतानी थी, और जिसने हमारे अनुमानों की ही पुष्टि की। उसके कमरे में प्रवेश करते ही उसके आगंतुक ने अपनी आस्तीन से एक जीवनरक्षक जैकेट निकाली और उसे तत्काल और निश्चित मृत्यु के भय से इतना भयभीत कर दिया कि उसने उसे दूसरी बार अगवा कर लिया। वास्तव में, उस हँसते-खेलते बदमाश का उस बेचारे भाषाविद् पर लगभग सम्मोहन जैसा प्रभाव पड़ा था, क्योंकि वह उसके बारे में कांपते हाथों और पीले पड़े गालों के साथ ही बात कर पाता था। उसे तुरंत बेकेनहैम ले जाया गया और उसने दूसरी मुलाकात में दुभाषिया की भूमिका निभाई, जो पहली मुलाकात से भी कहीं अधिक नाटकीय थी, जिसमें दोनों अंग्रेजों ने अपने कैदी को धमकी दी थी कि अगर उसने उनकी मांगें नहीं मानीं तो उसे तुरंत मौत की सजा दी जाएगी। अंत में, जब उन्होंने उसे हर धमकी से बेअसर पाया, तो उन्होंने उसे वापस उसकी जेल में डाल दिया और अखबार के विज्ञापन से स्पष्ट हुई मेलस की गद्दारी के लिए उसे फटकार लगाने के बाद, उन्होंने उसे एक छड़ी से मारकर बेहोश कर दिया, और उसे तब तक कुछ याद नहीं रहा जब तक उसने हमें अपने ऊपर झुका हुआ नहीं पाया।

और यह यूनानी दुभाषिया का अनोखा मामला था, जिसकी व्याख्या आज भी रहस्य बनी हुई है। विज्ञापन का जवाब देने वाले सज्जन से संपर्क करने पर हमें पता चला कि दुर्भाग्यशाली युवती एक धनी यूनानी परिवार से थी और इंग्लैंड में अपने कुछ मित्रों से

मिलने गई थी। वहाँ उसकी मुलाकात हेरोल्ड लैटिमर नामक एक युवक से हुई, जिसने उस पर अपना प्रभाव जमा लिया और अंततः उसे अपने साथ भागने के लिए मना लिया। इस घटना से स्तब्ध उसके मित्रों ने केवल एथेंस में उसके भाई को सूचित किया और फिर मामले से पल्ला झाड़ लिया। इंग्लैंड पहुँचने पर भाई ने नासमझी से खुद को लैटिमर और उसके साथी विल्सन केम्प के हवाले कर दिया, जो बेहद कुख्यात व्यक्ति था। इन दोनों ने यह देखकर कि भाषा के अज्ञान के कारण वह उनके हाथों में असहाय है, उसे बंदी बना लिया और क्रूरता और भूख से पीड़ित होकर उससे अपनी और अपनी बहन की संपत्ति पर हस्ताक्षर करवाने का प्रयास किया। उन्होंने लड़की की जानकारी के बिना उसे घर में रखा था, और चेहरे पर प्लास्टर इसलिए लगाया गया था ताकि अगर लड़की कभी उसे देख भी ले तो उसे पहचानना मुश्किल हो जाए। लेकिन लड़की की सहज बुद्धि ने दुभाषिए के आने पर उसे पहली बार देखते ही उसका भेष पहचान लिया। बेचारी लड़की खुद एक कैदी बन गई थी, क्योंकि घर में कोचवान और उसकी पत्नी के अलावा कोई नहीं था, और वे दोनों ही साजिशकर्ताओं के मोहरे थे। यह देखकर कि उनका राज़ खुल गया है और उनकी कैदी को धमकाने से कोई नहीं वश में किया जा सकता है, वे दोनों बदमाश लड़की के साथ कुछ ही घंटों के भीतर उस सजे-धजे घर से भाग गए, जिसे उन्होंने किराए पर लिया था। उन्होंने पहले, जैसा कि उन्होंने सोचा था, उस आदमी से बदला ले लिया था जिसने उनका विरोध किया था और जिसने उन्हें धोखा दिया था।

कुछ महीनों बाद बुडा-पेस्ट से एक रोचक समाचार पत्र की कतरन हमारे पास पहुँची। उसमें बताया गया था कि एक महिला के साथ यात्रा कर रहे दो अंग्रेज पुरुषों का दुखद अंत हो गया था। ऐसा लगता है कि उन दोनों को चाकू मारा गया था, और हंगेरियन पुलिस का मानना था कि उनके बीच झगड़ा हुआ था और उन्होंने एक-दूसरे को जानलेवा चोट पहुँचाई थी। हालांकि, मुझे लगता है कि होम्स की सोच अलग थी, और वे आज भी मानते हैं कि अगर उस यूनानी लड़की को खोज निकाला जाए, तो शायद पता चल सके कि उसके और उसके भाई के साथ हुए अन्याय का बदला कैसे लिया गया।

नौसैनिक संधि

मेरी शादी के तुरंत बाद का जुलाई महीना तीन दिलचस्प मामलों से यादगार बन गया, जिनमें मुझे शेर्लक होम्स के साथ जुड़ने और उनकी कार्यपद्धति का अध्ययन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ये मामले मेरी टिप्पणियों में "दूसरे दाग का रोमांच", "नौसेना संधि का रोमांच" और "थके हुए कप्तान का रोमांच" शीर्षकों के अंतर्गत दर्ज हैं। हालांकि, इनमें से पहला मामला इतने महत्वपूर्ण मुद्दों से जुड़ा है और इसमें राज्य के कई प्रतिष्ठित परिवार शामिल हैं कि कई वर्षों तक इसे सार्वजनिक करना असंभव होगा। हालांकि, होम्स द्वारा निपटाए गए किसी भी मामले ने उनकी विश्लेषणात्मक पद्धति के महत्व को इतनी स्पष्ट रूप से नहीं दर्शाया और न ही उनके साथ जुड़े लोगों को इतना गहराई से प्रभावित किया। मेरे पास अभी भी उस साक्षात्कार की लगभग शब्दशः रिपोर्ट है जिसमें उन्होंने पेरिस पुलिस के महाशय डुबुग्यू और डेंटज़िग के जाने-माने विशेषज्ञ फ्रिट्ज़ वॉन वाल्डबाम को मामले के असली तथ्य बताए थे, जिन्होंने अपना समय उन मामलों पर व्यर्थ खर्च किया था जो अंततः महत्वहीन साबित हुए। हालांकि, इस कहानी को सुरक्षित रूप से बताने से पहले ही नई सदी आ जाएगी। इसी बीच मैं अपनी सूची में मौजूद दूसरे स्थान की ओर बढ़ता हूँ, जिसने एक समय राष्ट्रीय महत्व का होने का वादा किया था और कई ऐसी घटनाओं से चिह्नित है जो इसे एक अनूठा चरित्र प्रदान करती हैं।

मेरे स्कूली दिनों में, मैं पर्सी फेल्प्स नाम के एक लड़के से बहुत करीब से जुड़ा हुआ था, जो लगभग मेरी ही उम्र का था, हालांकि वह मुझसे दो कक्षा आगे था। वह बहुत ही प्रतिभाशाली लड़का था और स्कूल के सभी पुरस्कार जीतता था। उसने कैम्ब्रिज में छात्रवृत्ति जीतकर अपने शानदार करियर को आगे बढ़ाया। मुझे याद है, उसके बहुत अच्छे संबंध थे, और जब हम सब छोटे बच्चे थे तब भी हम जानते थे कि उसकी माँ का भाई लॉर्ड होल्डहर्स्ट था, जो एक महान रूढ़िवादी राजनेता थे। इस दिखावटी रिश्ते का उसे स्कूल में कोई खास फायदा नहीं हुआ। इसके विपरीत, हमें खेल के मैदान में उसे चिढ़ाना और विकेट से उसकी टांगों पर मारना काफी मजेदार लगता था। लेकिन जब वह दुनिया में आया तो बात कुछ और ही थी। मैंने अस्पष्ट रूप से सुना था कि उसकी प्रतिभा और उसके प्रभाव ने उसे विदेश मंत्रालय में एक अच्छा पद दिलाया था, और फिर वह मेरे दिमाग से पूरी तरह निकल गया, जब तक कि निम्नलिखित पत्र ने मुझे उसकी याद नहीं दिलाई:

ब्रियारब्रे, वोकिंग।

मेरे प्रिय वाटसन:

मुझे पूरा यकीन है कि आपको "टैडपोल" फेल्प्स याद होंगे, जो उस समय पाँचवीं कक्षा में थे जब आप तीसरी कक्षा में थे। यह भी संभव है कि आपने सुना हो कि मेरे चाचा के प्रभाव से मुझे विदेश मंत्रालय में एक अच्छी नौकरी मिल गई थी, और मैं एक भरोसेमंद और सम्मानजनक पद पर था, जब तक कि अचानक एक भयानक दुर्भाग्य ने मेरे करियर को तहस-नहस नहीं कर दिया।

उस भयानक घटना का विवरण लिखने का कोई फायदा नहीं है। अगर आप मेरी विनती मान लेते हैं, तो शायद मुझे ही आपको सब कुछ बताना पड़ेगा। मैं नौ हफ़्तों के मानसिक बुखार से अभी-अभी उबरी हूँ और अभी भी बहुत कमज़ोर हूँ। क्या आप अपने दोस्त श्री होम्स को मुझसे मिलने के लिए बुला सकते हैं? मैं इस मामले पर उनकी राय जानना चाहूँगी, हालाँकि अधिकारियों ने मुझे आश्वासन दिया है कि अब कुछ नहीं किया जा सकता। कृपया उन्हें जल्द से जल्द बुलाने की कोशिश करें। इस भयानक अनिश्चितता में रहते हुए हर मिनट एक घंटे जैसा लगता है। उन्हें आश्वस्त करें कि अगर मैंने उनसे पहले सलाह नहीं ली, तो इसका कारण यह नहीं था कि मैं उनकी प्रतिभा को नहीं समझती थी, बल्कि इसलिए कि उस घटना के बाद से मैं मानसिक रूप से बहुत परेशान थी। अब मैं ठीक हूँ, हालाँकि मुझे दोबारा बीमार पड़ने के डर से इसके बारे में ज्यादा सोचने की हिम्मत नहीं होती। मैं अभी भी इतनी कमज़ोर हूँ कि जैसा कि आप देख रहे हैं, मुझे बोलकर लिखवाना पड़ता है।

उसे लाने की कोशिश ज़रूर करें।

आपका पुराना सहपाठी,

पर्सी फेल्प्स।

इस पत्र को पढ़ते हुए कुछ ऐसा था जिसने मुझे झकझोर दिया, होम्स को बुलाने की बार-बार की गई अपीलों में एक दयनीय भाव था। मैं इतना भावुक हो गया था कि अगर मामला मुश्किल भी होता तो भी मैं कोशिश करता, लेकिन ज़ाहिर है मैं जानता था कि होम्स को अपने काम से कितना प्यार था, इसलिए वह अपने मुवक्किल की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। मेरी पत्नी भी मुझसे सहमत थी कि इस मामले को उनके सामने रखने में एक पल भी बर्बाद नहीं करना चाहिए, और इसलिए नाश्ते के एक घंटे के भीतर ही मैं एक बार फिर बेकर स्ट्रीट के पुराने कमरों में पहुँच गया।

होम्स अपने ड्रेसिंग गाउन में अपने बगल की मेज पर बैठे एक रासायनिक शोध में गहनता से लगे हुए थे। एक बड़े घुमावदार तवे पर बन्सन बर्नर की नीली लौ में पानी तेज़ी से उबल रहा था और आसुत द्रव की बूंदें दो लीटर के मापक पात्र में संघनित हो

रही थी। मेरे मित्र ने मेरे प्रवेश करते ही मुश्किल से ही ऊपर देखा, और यह देखकर कि उनका शोध महत्वपूर्ण होगा, मैं एक आरामकुर्सी पर बैठ गया और प्रतीक्षा करने लगा। उन्होंने कभी इस बोतल में तो कभी उस बोतल में हाथ डाला, अपनी कांच की पिपेट से प्रत्येक से कुछ बूंदें निकालीं, और अंत में एक घोल से भरी टेस्ट ट्यूब मेज पर ले आए। उनके दाहिने हाथ में लिटमस पेपर का एक टुकड़ा था।

"वाटसन, तुम संकट के समय आए हो," उसने कहा। "अगर यह कागज़ नीला ही रहा, तो सब ठीक है। अगर यह लाल हो गया, तो इसका मतलब है किसी की जान।" उसने उसे टेस्ट ट्यूब में डुबोया और वह तुरंत एक फीके, गंदे लाल रंग में बदल गया। "हम्म! मुझे यही लगा था!" वह चिल्लाया। "वाटसन, मैं अभी तुम्हारी सेवा में हाज़िर हूं। तुम्हें फ़ारसी चप्पल में तंबाकू मिल जाएगा।" वह अपनी मेज़ की ओर मुड़ा और कई टेलीग्राम लिखे, जो उसने अपने सहायक को सौंप दिए। फिर वह सामने वाली कुर्सी पर बैठ गया और अपने घुटनों को तब तक ऊपर खींचे रखा जब तक उसकी उंगलियाँ उसकी लंबी, पतली पिंडलियों से न लिपट गईं।

"एक मामूली-सी हत्या," उसने कहा। "मुझे लगता है कि तुम्हारे पास कुछ बड़ा रहस्य है। तुम अपराध जगत के तूफानी सरदार हो, वाटसन। क्या है वो?"

मैंने उसे पत्र सौंप दिया, जिसे उसने अत्यंत एकाग्रता से पढ़ा।

"इससे हमें ज्यादा कुछ पता नहीं चलता, है ना?" उसने मुझे वापस देते हुए कहा।

"लगभग कुछ भी नहीं।"

फिर भी यह लेखन रुचिकर है।

लेकिन यह लेखन उनका अपना नहीं है।

"बिल्कुल सही। यह एक महिला का है।"

"यकीनन एक आदमी का," मैं चिल्लाई।

"नहीं, एक महिला का मामला है, और वो भी असाधारण स्वभाव की महिला का। देखिए, किसी भी जांच की शुरुआत में यह जानना महत्वपूर्ण होता है कि आपका मुवक्किल किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में है जिसका स्वभाव, चाहे अच्छा हो या बुरा, असाधारण है। इस मामले में मेरी दिलचस्पी पहले ही जाग उठी है। अगर आप तैयार हैं तो हम तुरंत वोकिंग के लिए रवाना होंगे और उस राजनयिक से मिलेंगे जो इतने बुरे मामले में फंसा है और उस महिला से भी मिलेंगे जिसे वो अपने पत्र लिखवाता है।"

वाटरलू स्टेशन से हमें सुबह की ट्रेन मिल गई, और एक घंटे से भी कम समय में हम वोकिंग के देवदार के जंगलों और झाड़ियों के बीच पहुँच गए। ब्रायब्रे स्टेशन से कुछ ही मिनटों की पैदल दूरी पर स्थित एक बड़ा, अलग घर था, जो विशाल मैदानों में बना हुआ था। अपना कार्ड भेजने पर हमें एक शानदार ढंग से सजाए गए ड्राइंग रूम में ले जाया गया, जहाँ कुछ ही मिनटों में एक हट्टे-कट्टे आदमी ने हमारा स्वागत किया। उनकी उम्र तीस से कम और चालीस के करीब रही होगी, लेकिन उनके गाल इतने लाल और आँखें इतनी चंचल थीं कि वे आज भी एक गोल-मटोल और शरारती लड़के जैसे लगते थे।

"मुझे बहुत खुशी है कि आप आए हैं," उन्होंने भावुकता से हमारा हाथ मिलाते हुए कहा। "पर्सी सुबह से आपके बारे में ही पूछ रहा था। बेचारा, वह तो हर छोटी-छोटी बात पर झपट पड़ता है! उसके माता-पिता ने मुझे आपसे मिलने के लिए कहा है, क्योंकि इस विषय का ज़िक्र भी उनके लिए बहुत कष्टदायक है।"

"हमें अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है," होम्स ने कहा। "मुझे लगता है कि आप खुद परिवार के सदस्य नहीं हैं।"

हमारा परिचित व्यक्ति आश्चर्यचकित दिखाई दिया, और फिर नीचे देखते हुए हंसने लगा।

“ज़रूर आपने मेरे लॉकेट पर J H का निशान देखा होगा,” उसने कहा। “एक पल के लिए मुझे लगा कि आपने कोई चालाकी की है। मेरा नाम जोसेफ हैरिसन है, और चूंकि पर्सी मेरी बहन एनी से शादी करने वाला है, इसलिए कम से कम शादी के रिश्ते से तो मैं उससे जुड़ ही जाऊंगा। मेरी बहन आपको उसके कमरे में मिलेगी, क्योंकि उसने पिछले दो महीनों से उसकी खूब देखभाल की है। शायद हमें अभी अंदर चले जाना चाहिए, क्योंकि मैं जानता हूं कि वह कितना बेचैन है।”

जिस कमरे में हमें ले जाया गया, वह ड्राइंग रूम के ही तल पर था। उसे आंशिक रूप से बैठक और आंशिक रूप से शयनकक्ष के रूप में सजाया गया था, और हर कोने में फूलों को करीने से सजाया गया था। एक युवक, जो बहुत पीला और थका हुआ लग रहा था, खुली खिड़की के पास सोफे पर लेटा हुआ था, जिससे बगीचे की मनमोहक सुगंध और सुहावनी गर्मी की हवा अंदर आ रही थी। उसके बगल में एक महिला बैठी थी, जो हमारे प्रवेश करते ही उठ खड़ी हुई।

“क्या मैं जाऊं, पर्सी?” उसने पूछा।

उसने उसे रोकने के लिए उसका हाथ पकड़ लिया। "कैसी हो, वॉटसन?" उसने सौहार्दपूर्वक कहा। "मैं तुम्हारी मूंछों के नीचे तुम्हें पहचान ही नहीं पाता, और मुझे यकीन है कि तुम भी मेरी बात पर यकीन नहीं करोगी। मुझे लगता है कि ये तुम्हारे मशहूर दोस्त, श्री शर्लक होम्स हैं?"

मैंने कुछ शब्दों में उनका परिचय कराया और हम दोनों बैठ गए। हट्टा-कट्टा युवक तो जा चुका था, लेकिन उसकी बहन अभी भी बीमार व्यक्ति का हाथ थामे वहीं खड़ी थी। वह देखने में बेहद आकर्षक महिला थी, कद में थोड़ी छोटी और शरीर से थोड़ी मोटी, लेकिन सांवली रंगत, बड़ी-बड़ी, गहरी इतालवी आंखें और घने काले बाल थे। उसके गहरे रंग के कारण उसके साथी का गोरा चेहरा और भी मुरझाया हुआ और थका हुआ लग रहा था।

“मैं आपका समय बर्बाद नहीं करूंगा,” उसने सोफे पर उठते हुए कहा। “मैं बिना किसी भूमिका के सीधे मुद्दे पर आता हूं। मैं एक खुशहाल और सफल व्यक्ति था, श्री होम्स, और शादी की पूर्व संध्या पर था, तभी एक अचानक और भयानक विपत्ति ने मेरे जीवन की सारी संभावनाओं को चकनाचूर कर दिया।”

"जैसा कि वॉटसन ने आपको बताया होगा, मैं विदेश कार्यालय में था, और अपने चाचा, लॉर्ड होल्डहर्स्ट के प्रभाव से, मैं तेजी से एक ज़िम्मेदार पद पर पहुंचा। जब मेरे चाचा इस प्रशासन में विदेश मंत्री बने, तो उन्होंने मुझे कई महत्वपूर्ण कार्य सौंपे, और चूंकि मैंने हमेशा उन्हें सफलतापूर्वक पूरा किया, इसलिए अंततः उन्हें मेरी क्षमता और सूझबूझ पर पूरा भरोसा हो गया।"

"लगभग दस सप्ताह पहले - अधिक सटीक रूप से कहें तो, 23 मई को - उन्होंने मुझे अपने निजी कमरे में बुलाया, और मेरे द्वारा किए गए अच्छे काम की प्रशंसा करने के बाद, उन्होंने मुझे सूचित किया कि उनके पास मेरे लिए एक नया महत्वपूर्ण कार्य है जिसे मुझे पूरा करना है।"

“'यह,' उन्होंने अपने डेस्क से कागज़ का एक भूरा रोल निकालते हुए कहा, 'इंग्लैंड और इटली के बीच हुई उस गुप्त संधि की मूल प्रति है, जिसके बारे में मुझे खेद है कि कुछ अफवाहें पहले ही सार्वजनिक प्रेस में फैल चुकी हैं। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इससे आगे कुछ भी लीक न हो। फ्रांसीसी या रूसी दूतावास इन कागज़ों की सामग्री जानने के लिए भारी रकम चुकाने को तैयार है। अगर इनकी प्रतिलिपि बनवाना अत्यंत आवश्यक न होता तो ये मेरे डेस्क से बाहर नहीं जाते। क्या आपके कार्यालय में कोई डेस्क है?'”

"'जी श्रीमान।'

“तो संधि ले लो और उसे वहीं बंद कर दो। मैं निर्देश दूंगा कि जब बाकी लोग चले जाएं तो तुम यहीं रुक जाओ, ताकि तुम बिना किसी की नजरों में आए आराम से उसकी नकल कर सको। जब तुम्हारा काम पूरा हो जाए, तो मूल प्रति और मसौदा दोनों को डेस्क में बंद कर देना और कल सुबह मुझे व्यक्तिगत रूप से सौंप देना।”

मैंने कागजात लिए और—”

होम्स ने कहा, "एक पल के लिए क्षमा करें। क्या आप इस बातचीत के दौरान अकेले थे?"

"बिल्कुल।"

“एक बड़े कमरे में?”

“हर तरफ तीस फीट।”

"केंद्र में?"

"हां, इसके बारे में।"

और धीमी आवाज़ में बोलना?

“मेरे चाचा की आवाज हमेशा बेहद धीमी रहती है। मैं तो उनसे मुश्किल से ही बात करता था।”

"धन्यवाद," होम्स ने आंखें बंद करते हुए कहा; "कृपया आगे बढ़ें।"

“मैंने ठीक वही किया जो उन्होंने बताया और बाकी क्लर्कों के जाने तक इंतजार किया। मेरे कमरे में मौजूद क्लर्कों में से एक, चार्ल्स गोरोट, का कुछ काम बाकी था, इसलिए मैंने उसे वहीं छोड़ दिया और खाना खाने बाहर चला गया। जब मैं लौटा तो वह जा चुका था। मैं अपना काम जल्दी खत्म करना चाहता था, क्योंकि मुझे पता था कि जोसेफ—वही मिस्टर हैरिसन जिन्हें आपने अभी देखा—शहर में थे और वे ग्यारह बजे वाली ट्रेन से वोकिंग जा रहे थे, और मैं संभव हो तो उस ट्रेन को पकड़ना चाहता था।”

“जब मैंने संधि का अध्ययन किया, तो मुझे तुरंत समझ आ गया कि यह इतनी महत्वपूर्ण थी कि मेरे चाचा ने जो कहा था, उसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं थी। विस्तार में जाए बिना, मैं कह सकता हूँ कि इसमें त्रिपक्षीय गठबंधन के प्रति ग्रेट ब्रिटेन की स्थिति को परिभाषित किया गया था, और उस नीति का पूर्वाभास दिया गया था जिसे यह देश भूमध्य सागर में इटली के बेड़े पर फ्रांसीसी बेड़े की पूर्ण श्रेष्ठता प्राप्त होने की स्थिति में अपनाएगा। इसमें जिन प्रश्नों पर चर्चा की गई थी, वे पूरी तरह से नौसैनिक थे। अंत में उन उच्च अधिकारियों के हस्ताक्षर थे जिन्होंने इस पर हस्ताक्षर किए थे। मैंने इस पर सरसरी नज़र डाली, और फिर इसकी नकल करने के अपने काम में जुट गया।”

“यह एक लंबा दस्तावेज़ था, जो फ्रेंच भाषा में लिखा था और इसमें छब्बीस अलग-अलग अनुच्छेद थे। मैंने जितनी जल्दी हो सके उसकी नकल की, लेकिन नौ बजे तक मैं केवल नौ अनुच्छेद ही कर पाया था, और मुझे लग रहा था कि ट्रेन पकड़ना नामुमकिन है। मुझे नींद आ रही थी और सुस्ती महसूस हो रही थी, कुछ तो रात के खाने की वजह से और कुछ दिन भर के काम के असर से। एक कप कॉफ़ी से मेरा दिमाग़ साफ़ हो जाता। एक कमिश्नर सीढ़ियों के नीचे बने एक छोटे से कमरे में रात भर रहता है और उसकी आदत है कि वह अपने दीपक से उन अधिकारियों के लिए कॉफ़ी बनाता है जो ज़्यादा काम कर रहे हों। इसलिए मैंने उसे बुलाने के लिए घंटी बजाई।”

मुझे आश्चर्य हुआ कि बुलावा एक महिला ने दिया, एक बड़ी, खुरदुरे चेहरे वाली, बुजुर्ग महिला, जिसने एप्रन पहना हुआ था। उसने बताया कि वह कमीशनर की पत्नी है, जो बिलिंग का काम करती है, और मैंने उसे कॉफी का आर्डर दे दिया।

मैंने दो और लेख लिखे, और फिर, पहले से कहीं ज़्यादा नींद महसूस करते हुए, मैं उठा और अपने पैरों को फैलाने के लिए कमरे में इधर-उधर टहलने लगा। मेरी कॉफ़ी अभी तक नहीं आई थी, और मैं सोच रहा था कि देरी का कारण क्या हो सकता है।

दरवाज़ा खोलकर, मैं पता लगाने के लिए गलियारे में आगे बढ़ा। वहाँ एक सीधा, मंद रोशनी वाला रास्ता था, जो उस कमरे से निकलता था जिसमें मैं काम कर रहा था, और उससे बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता था। यह एक घुमावदार सीढ़ी पर समाप्त होता था, जिसके निचले हिस्से में कमीशनर का कमरा था। इस सीढ़ी के आधे रास्ते में एक छोटा सा चबूतरा है, जिसमें एक और रास्ता समकोण पर आकर मिलता है। यह दूसरा रास्ता एक दूसरी छोटी सीढ़ी के ज़रिए एक बगल के दरवाज़े तक जाता है, जिसका इस्तेमाल नौकर करते थे, और चार्ल्स स्ट्रीट से आने वाले क्लर्क भी इसे शॉर्टकट के रूप में इस्तेमाल करते थे। यहाँ उस जगह का एक मोटा-मोटा नक्शा दिया गया है।

"धन्यवाद, मुझे लगता है कि मैं आपकी बात पूरी तरह समझ गया हूँ," शर्लक होम्स ने कहा।

“यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आप इस बात पर ध्यान दें। मैं सीढ़ियों से नीचे उतरकर हॉल में गया, जहाँ मैंने कमिश्नर को अपने बॉक्स में गहरी नींद में सोते हुए पाया, और केतली में स्पिरिट-लैंप पर पानी तेज़ी से उबल रहा था। मैंने केतली को नीचे उतारा और लैंप को बुझा दिया, क्योंकि पानी फर्श पर छलक रहा था। फिर मैंने अपना हाथ बढ़ाया और उस आदमी को हिलाने ही वाला था, जो अभी भी गहरी नींद में सो रहा था, तभी उसके सिर के ऊपर एक घंटी ज़ोर से बजी, और वह चौंककर जाग गया।”

“‘श्रीमान् फेल्प्स, महोदय!’ उसने हैरानी से मेरी ओर देखते हुए कहा।”

“मैं यह देखने नीचे आया था कि मेरी कॉफी तैयार है या नहीं।”

“‘मैं केतली में पानी उबाल रहा था तभी मुझे नींद आ गई, महोदय।’ उन्होंने मेरी तरफ देखा और फिर ऊपर कांपती हुई घंटी की तरफ देखा, उनके चेहरे पर आश्चर्य का भाव लगातार बढ़ता जा रहा था।”

“‘अगर आप यहां थे, महोदय, तो घंटी किसने बजाई?’ उसने पूछा।

“‘घंटी!’ मैं चिल्लाया। ‘यह कौन सी घंटी है?’”

“‘यह उस कमरे की घंटी है जिसमें आप काम कर रहे थे।’”

“ऐसा लगा जैसे किसी ठंडी मुट्ठी ने मेरे दिल को जकड़ लिया हो। कोई उस कमरे में था जहाँ मेरी अनमोल संधि मेज पर पड़ी थी। मैं घबराकर सीढ़ियों से ऊपर भागा और गलियारे से होते हुए गया। गलियारों में कोई नहीं था, मिस्टर होम्स। कमरे में भी कोई नहीं था। सब कुछ वैसा ही था जैसा मैंने छोड़ा था, सिवाय इसके कि जो कागज़ात मुझे सौंपे गए थे, वे उस मेज से गायब थे जिस पर वे रखे थे। उसकी प्रति वहीं थी, और मूल प्रति गायब थी।”

होम्स अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ गया और अपने हाथों को मलने लगा। मैं समझ गया कि समस्या पूरी तरह से उसके दिल से जुड़ी थी। "तो फिर तुमने क्या किया?" उसने धीरे से कहा।

“मैंने देखते ही समझ लिया कि चोर बगल वाले दरवाजे से सीढ़ियों से ऊपर आया होगा। अगर वह दूसरे रास्ते से आया होता तो बेशक मेरी उससे मुलाकात हो जाती।”

"क्या आप इस बात से संतुष्ट थे कि वह हर समय कमरे में या उस गलियारे में छिपा नहीं रह सकता था जिसे आपने अभी-अभी मंद रोशनी वाला बताया है?"

यह बिलकुल असंभव है। चूहा न तो कमरे में छिप सकता है और न ही गलियारे में। वहां छिपने की कोई जगह ही नहीं है।

“धन्यवाद। कृपया आगे बढ़ें।”

“मेरे पीले चेहरे को देखकर कमिश्नर समझ गया कि कुछ गड़बड़ है, इसलिए वह मेरे पीछे-पीछे ऊपर आ गया। हम दोनों गलियारे से भागते हुए चार्ल्स स्ट्रीट की ओर जाने वाली खड़ी सीढ़ियों से नीचे उतर गए। नीचे का दरवाजा बंद था लेकिन उस पर

ताला नहीं लगा था। हमने उसे ज़ोर से खोला और बाहर भागे। मुझे अच्छी तरह याद है कि जैसे ही हम बाहर निकले, पास की घड़ी से तीन घंटियाँ बजीं। पौने दस बज रहे थे।"

"यह अत्यंत महत्वपूर्ण है," होम्स ने अपनी कमीज की कफ पर एक टिप्पणी बनाते हुए कहा।

रात बहुत गहरी थी और हल्की, गर्म बारिश हो रही थी। चार्ल्स स्ट्रीट में कोई नहीं था, लेकिन व्हाइटहॉल के बिल्कुल आखिरी छोर पर हमेशा की तरह बहुत भीड़भाड़ थी। हम नंगे बदन फुटपाथ पर दौड़ते हुए गए और दूर कोने पर हमें एक पुलिसकर्मी खड़ा मिला।

"'लूटपाट हुई है,' मैंने हांफते हुए कहा। 'विदेश कार्यालय से एक अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज़ चोरी हो गया है। क्या कोई इस रास्ते से गुजरा है?'"

"'मैं यहाँ पंद्रह मिनट से खड़ा हूँ, महोदय,' उसने कहा, 'इस दौरान केवल एक ही व्यक्ति गुजरा है - एक लंबी और बुजुर्ग महिला, जिसने पैस्ले शॉल ओढ़ी हुई थी।'"

"'अरे, यह तो मेरी पत्नी है,' कमिश्नर चिल्लाया; 'क्या कोई और पास नहीं हुआ?'"

"'किसी को भी नहीं।'

"'तो चोर दूसरे रास्ते से गया होगा,' उस आदमी ने मेरी आस्तीन खींचते हुए चिल्लाकर कहा।

लेकिन मैं संतुष्ट नहीं था, और मुझे अपने साथ ले जाने के लिए उसने जो प्रयास किए, उससे मेरा संदेह और बढ़ गया।

मैंने चिल्लाकर पूछा, "वह महिला किस तरफ गई?"

"'मुझे नहीं पता, महोदय। मैंने उसे गुजरते हुए देखा, लेकिन उसे देखने का मेरे पास कोई विशेष कारण नहीं था। वह जल्दी में लग रही थी।'"

"'यह कितने समय पहले हुआ था?'"

"'ओह, बहुत ज़्यादा मिनट नहीं।'

"'पिछले पाँच के भीतर?'"

"'खैर, यह पाँच से अधिक नहीं हो सकता।'"

"'आप अपना समय बर्बाद कर रहे हैं, महोदय, और अब हर मिनट कीमती है,' कमिश्नर चिल्लाया; 'मेरी बात मानिए कि मेरी पत्नी का इससे कोई लेना-देना नहीं है और गली के दूसरे छोर पर आ जाइए। अगर आप नहीं आएंगे, तो मैं आ जाता हूँ।' और इतना कहकर वह दूसरी दिशा में दौड़ पड़ा।"

लेकिन मैं पलक झपकते ही उसके पीछे गया और उसकी आस्तीन पकड़ ली।

मैंने पूछा, 'तुम कहाँ रहते हो?'

"'16 आइवी लेन, ब्रिक्स्टन,' उसने उत्तर दिया। 'लेकिन श्री फेल्प्स, किसी झूठी खबर के झांसे में न आएं। गली के दूसरे छोर पर आएं और हमें देखने दें कि क्या हमें कुछ पता चलता है।'

"उसकी सलाह मानने में कोई नुकसान नहीं था। हम दोनों पुलिसवाले के साथ जल्दी से नीचे उतरे, लेकिन सड़क पर गाड़ियों की भीड़ थी, बहुत से लोग आ-जा रहे थे, लेकिन सभी उस गीली रात में किसी सुरक्षित जगह पर पहुँचने के लिए बेताब थे। वहाँ कोई भी राहगीर नहीं था जो हमें बता सके कि कौन-कौन वहाँ से गुजरा था।"

"फिर हम दफ्तर लौट आए और सीढ़ियों व गलियारे की तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला। कमरे की ओर जाने वाले गलियारे में एक तरह का मलाईदार लिनोलियम लगा हुआ था जिस पर निशान बहुत आसानी से पड़ जाते हैं। हमने उसकी बहुत सावधानी से जांच की, लेकिन हमें किसी भी पदचिह्न की कोई झलक नहीं मिली।"

"क्या पूरी शाम बारिश हो रही थी?"

"लगभग सात बजे से।"

"तो फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि लगभग नौ बजे कमरे में आई महिला ने अपने कीचड़ से सने जूतों से कोई निशान नहीं छोड़ा?"

“मुझे खुशी है कि आपने यह मुद्दा उठाया। उस समय मेरे मन में भी यही बात आई थी। सफाईकर्मी महिलाएं कमीशनर के कार्यालय में अपने जूते उतारकर लिस्ट स्लिपर पहनने की आदी हैं।”

“यह तो बिल्कुल स्पष्ट है। तो फिर कोई निशान क्यों नहीं थे, जबकि रात भर बारिश हुई थी? घटनाओं का क्रम वाकई बेहद दिलचस्प है। इसके बाद आपने क्या किया?”

“हमने कमरे की भी जांच की। गुप्त दरवाजे की कोई संभावना नहीं है, और खिड़कियां जमीन से लगभग तीस फीट ऊपर हैं। दोनों अंदर से बंद थीं। कालीन की वजह से किसी भी तरह के गुप्त दरवाजे की कोई गुंजाइश नहीं है, और छत सामान्य सफेदी वाली है। मैं अपनी जान की कसम खाकर कहता हूं कि जिसने भी मेरे कागजात चुराए हैं, वह सिर्फ इसी दरवाजे से आया होगा।”

"फायरप्लेस के बारे में क्या ख्याल है?"

“वे किसी का इस्तेमाल नहीं करते। एक चूल्हा है। घंटी की रस्सी मेरी मेज के ठीक दाहिनी ओर तार से लटकी हुई है। जिसने भी इसे बजाया होगा, वह बजाने के लिए मेज तक आया होगा। लेकिन कोई अपराधी घंटी क्यों बजाना चाहेगा? यह एक बेहद अनसुलझा रहस्य है।”

“निश्चित रूप से यह घटना असामान्य थी। आपने आगे क्या कदम उठाए? मेरा अनुमान है कि आपने कमरे की जाँच की होगी, यह देखने के लिए कि क्या घुसपैठिए ने कोई निशान छोड़ा है - जैसे सिगार का टुकड़ा, गिरा हुआ दस्ताना, हेयरपिन या कोई अन्य छोटी-मोटी चीज़?”

"ऐसा कुछ भी नहीं था।"

"कोई गंध नहीं?"

"खैर, हमने इसके बारे में कभी सोचा ही नहीं था।"

"अरे, ऐसी जांच में तंबाकू की गंध हमारे लिए बहुत मायने रखती।"

“मैं खुद कभी धूम्रपान नहीं करता, इसलिए मुझे लगता है कि अगर तंबाकू की कोई गंध होती तो मुझे जरूर पता चल जाता। लेकिन वहां किसी भी तरह का कोई सुराग नहीं था। एकमात्र ठोस तथ्य यह था कि कमिश्नर की पत्नी - श्रीमती टैंगी - जल्दी से वहां से निकल गई थीं। वह इसके अलावा कोई और स्पष्टीकरण नहीं दे सके कि यह लगभग वही समय था जब वह महिला आमतौर पर घर जाती थी। पुलिसकर्मी और मैं इस बात पर सहमत हुए कि हमारी सबसे अच्छी योजना यह होगी कि हम उस महिला को कागज़ात ठिकाने लगाने से पहले ही पकड़ लें, यह मानते हुए कि कागजात उसके पास ही होंगे।”

“तब तक स्कॉटलैंड यार्ड को सूचना मिल चुकी थी, और जासूस श्री फोर्ब्स तुरंत मौके पर पहुंचे और पूरी ऊर्जा के साथ मामले की जांच शुरू की। हमने एक गाड़ी किराए पर ली, और आधे घंटे में हम दिए गए पते पर पहुंच गए। एक युवती ने दरवाजा खोला, जो श्रीमती टैंगी की सबसे बड़ी बेटी निकली। उनकी मां अभी तक वापस नहीं आई थीं, और हमें इंतजार करने के लिए सामने वाले कमरे में ले जाया गया।”

लगभग दस मिनट बाद दरवाज़े पर दस्तक हुई, और यहीं हमसे वो एक गंभीर गलती हुई जिसके लिए मैं खुद को दोषी मानती हूं। हमने खुद दरवाज़ा खोलने के बजाय लड़की को खोलने दिया। हमने उसे कहते सुना, 'माँ, घर में दो आदमी आपसे मिलने का इंतज़ार कर रहे हैं,' और उसके तुरंत बाद हमें गलियारे से भागते कदमों की आहट सुनाई दी। फोर्ब्स ने दरवाजा खोल दिया, और हम दोनों पीछे वाले कमरे या रसोई में भागे, लेकिन वह औरत हमसे पहले ही वहाँ पहुँच चुकी थी। उसने हमें चुनौती भरी

निगाहों से देखा, और फिर अचानक मुझे पहचानते ही उसके चेहरे पर घोर आश्चर्य का भाव आ गया।

"'अरे, ये तो ऑफिस के मिस्टर फेल्प्स हैं!' वह चिल्लाई।

"'आओ, आओ, जब तुम हमसे भाग गए थे तो तुमने हमें क्या समझा था?' मेरे साथी ने पूछा।

"'मुझे लगा कि आप दलाल हैं,' उसने कहा, 'हमें एक कारीगर के साथ कुछ परेशानी हुई है।'"

"'यह काफी नहीं है,' फ़ोर्ब्स ने जवाब दिया। 'हमारे पास यह मानने का कारण है कि आपने विदेश कार्यालय से कोई महत्वपूर्ण दस्तावेज़ लिया है, और आप उसे ठिकाने लगाने के लिए यहाँ आए हैं। आपको तलाशी के लिए हमारे साथ स्कॉटलैंड यार्ड चलना होगा।'"

उसका विरोध और प्रतिरोध व्यर्थ था। एक चार पहिया वाहन लाया गया और हम तीनों उसमें बैठकर वापस आ गए। हमने पहले रसोई की, और विशेष रूप से रसोई में लगी आग की जाँच की, यह देखने के लिए कि क्या वह अकेले होने के क्षण में कागज़ात लेकर भाग गई थी। हालाँकि, वहाँ राख या किसी भी टुकड़े का कोई निशान नहीं मिला। स्कॉटलैंड यार्ड पहुँचते ही उसे तुरंत महिला खोजी दल के हवाले कर दिया गया। मैं बेसब्री से उसकी रिपोर्ट का इंतज़ार करता रहा। कागज़ात का कोई सुराग नहीं मिला।

"तभी पहली बार मेरी स्थिति की भयावहता पूरी तरह से मेरे सामने आई। अब तक मैं केवल कार्य कर रहा था, और कार्य ने मेरे विचारों को सुन्न कर दिया था। मुझे संधि को तुरंत पुनः प्राप्त करने का इतना भरोसा था कि मैंने यह सोचने की हिम्मत ही नहीं की थी कि अगर मैं ऐसा करने में असफल रहा तो इसके क्या परिणाम होंगे। लेकिन अब कुछ और किया नहीं जा सकता था, और मुझे अपनी स्थिति को समझने का समय मिल गया था। यह भयावह था। वाटसन आपको बताएंगे कि मैं स्कूल में एक घबराया हुआ, संवेदनशील लड़का था। यह मेरा स्वभाव है। मैंने अपने चाचा और कैबिनेट में उनके सहयोगियों के बारे में सोचा, उस शर्म के बारे में जो मैंने उन पर, खुद पर, और मुझसे जुड़े हर व्यक्ति पर लाई थी। क्या हुआ अगर मैं एक असाधारण दुर्घटना का शिकार था? जहाँ राजनयिक हित दांव पर लगे हों, वहाँ दुर्घटनाओं के लिए कोई रियायत नहीं दी जाती। मैं बर्बाद हो गया था, शर्मनाक तरीके से, निराशाजनक रूप से बर्बाद हो गया था। मुझे नहीं पता मैंने क्या किया। मुझे लगता है कि मैंने ज़रूर कोई हंगामा किया होगा। मुझे धुंधली सी याद है कि कुछ अधिकारी मेरे चारों ओर जमा हो गए थे, मुझे शांत करने की कोशिश कर रहे थे। उनमें से एक मेरे साथ वाटरलू तक गाड़ी चलाकर गया, और मुझे वोकिंग तक पहुँचाया। ट्रेन। मुझे लगता है कि अगर मेरे पड़ोस में रहने वाले डॉ. फेरियर उसी ट्रेन से न जा रहे होते, तो वह ज़रूर इतनी दूर से आते। डॉक्टर ने बड़ी दयालुता से मेरी देखभाल की, और यह अच्छा ही हुआ, क्योंकि स्टेशन पर मुझे दौरा पड़ गया, और घर पहुँचने से पहले मैं लगभग पागलों जैसी हालत में था।

"आप कल्पना कर सकते हैं कि यहाँ क्या हाल रहा होगा जब डॉक्टर की घंटी बजने पर सब लोग अपने बिस्तर से उठे और मुझे इस हालत में पाया। बेचारी एनी और मेरी माँ का दिल टूट गया था। डॉ. फेरियर ने थाने के जासूस से बस इतना ही सुना था कि उन्हें घटना का कुछ अंदाज़ा लग सके, और उनकी कहानी से भी कोई सुधार नहीं हुआ। सबको पता था कि मेरी बीमारी लंबी चलेगी, इसलिए जोसेफ को इस खुशहाल कमरे से बाहर निकाल दिया गया और इसे मेरे लिए एक बीमार कमरा बना दिया गया। मैं यहाँ नौ हफ़्तों से ज़्यादा समय से बेहोश पड़ा हूँ, और दिमागी बुखार से व्याकुल हूँ। अगर मिस हैरिसन और डॉक्टर की देखभाल न होती, तो मैं आज आपसे बात न कर रहा होता। उन्होंने दिन में मेरी देखभाल की और एक नर्स ने रात में, क्योंकि मेरे

पागलपन के दौरों में मैं कुछ भी कर सकता था। धीरे-धीरे मेरी सोचने-समझने की शक्ति वापस आई है, लेकिन पिछले तीन दिनों में ही मेरी याददाश्त पूरी तरह से लौटी है। कभी-कभी मुझे लगता है कि काश ऐसा कभी न हुआ होता। सबसे पहले मैंने मिस्टर होम्स को तार भेजा..." फोर्ब्स, जिनके पास यह मामला था, बाहर आए और मुझे आश्वस्त किया कि सब कुछ जांच-पड़ताल के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। कमिश्नर और उनकी पत्नी से हर तरह से पूछताछ की गई, लेकिन मामले पर कोई प्रकाश नहीं पड़ा। पुलिस का शक तब युवा गॉरोट पर टिका, जो, जैसा कि आपको याद होगा, उस रात दफ्तर में ओवरटाइम रुका था। उसका वहीं रुका रहना और उसका फ्रांसीसी नाम ही शक पैदा करने वाले दो बिंदु थे; लेकिन वास्तव में, मैंने उसके जाने के बाद ही काम शुरू किया था, और उसके लोग ह्यूगनॉट मूल के हैं, लेकिन सहानुभूति और परंपरा के मामले में उतने ही अंग्रेज हैं जितने आप और मैं हैं। उसे किसी भी तरह से फंसाने वाली कोई चीज नहीं मिली, और मामला यहीं खत्म हो गया। श्री होम्स, मैं आप पर ही भरोसा कर रहा हूं, क्योंकि आप ही मेरी आखिरी उम्मीद हैं। अगर आप मुझे निराश करते हैं, तो मेरी इज्जत और मेरा पद हमेशा के लिए छिन जाएगा।

लंबे समय तक चली इस कहानी से थककर वह रोगी अपने तकियों पर वापस लेट गया, जबकि उसकी नर्स ने उसे स्फूर्तिदायक दवा का एक गिलास दिया। होम्स चुपचाप सिर पीछे झुकाए और आँखें बंद किए बैठा रहा, उसकी यह मुद्रा किसी अजनबी को उदासीन लग सकती थी, लेकिन मैं जानता था कि यह गहन आत्म-मग्नता का संकेत थी।

अंत में उन्होंने कहा, "आपका बयान इतना स्पष्ट रहा है कि मेरे पास पूछने के लिए बहुत कम सवाल बचे हैं। हालांकि, एक सवाल बेहद महत्वपूर्ण है। क्या आपने किसी को बताया था कि आपको यह विशेष कार्य सौंपा गया है?"

"किसी को भी नहीं।"

"उदाहरण के लिए, यहाँ मिस हैरिसन नहीं?"

"नहीं। आदेश मिलने और कमीशन को पूरा करने के बीच मैं वोकिंग वापस नहीं गया था।"

"और क्या संयोगवश भी आपके कोई लोग आपसे मिलने नहीं आए थे?"

"कोई नहीं।"

"क्या उनमें से किसी को ऑफिस के तौर-तरीकों की जानकारी थी?"

"हां, उन सभी को इसके ऊपर दिखाया गया था।"

फिर भी, अगर आपने संधि के बारे में किसी से कुछ नहीं कहा, तो ये पूछताछें अप्रासंगिक हैं।

"मैंने कुछ नहीं कहा।"

"क्या आप उस कमीशनर के बारे में कुछ जानते हैं?"

"बस इतना ही कि वह एक बूढ़ा सैनिक है।"

"कौन सी रेजिमेंट?"

"ओह, मैंने सुना है - गोल्डस्ट्रीम गार्ड्स।"

"धन्यवाद। मुझे पूरा यकीन है कि फोर्ब्स से मुझे पूरी जानकारी मिल जाएगी। अधिकारी तथ्य जुटाने में माहिर हैं, हालांकि वे हमेशा उनका लाभ नहीं उठाते। गुलाब कितना प्यारा फूल है!"

वह सोफे के पास से गुज़रकर खुली खिड़की तक गया और एक मुरझाए हुए गुलाब के डंठल को ऊपर उठाकर, लाल और हरे रंग के नाजुक मिश्रण को निहारने लगा। यह उसके चरित्र का एक नया पहलू था, क्योंकि मैंने उसे पहले कभी प्राकृतिक वस्तुओं में इतनी गहरी रुचि दिखाते हुए नहीं देखा था।

“धर्म में तर्क-वितर्क जितना आवश्यक है, उतना और किसी में नहीं,” उन्होंने खिड़की के शटर से पीठ टिकाते हुए कहा। “तर्कशील व्यक्ति इसे एक सटीक विज्ञान के रूप में विकसित कर सकता है। मुझे लगता है कि ईश्वर की कृपा का सबसे बड़ा आश्वासन फूलों में निहित है। बाकी सभी चीजें, हमारी शक्तियाँ, हमारी इच्छाएँ, हमारा भोजन, ये सब हमारे अस्तित्व के लिए मूल रूप से आवश्यक हैं। लेकिन यह गुलाब एक अतिरिक्त वस्तु है। इसकी सुगंध और इसका रंग जीवन को सुशोभित करते हैं, न कि जीवन का अनिवार्य हिस्सा। केवल अच्छाई ही अतिरिक्त वस्तुएँ देती है, इसलिए मैं फिर से कहता हूँ कि हमें फूलों से बहुत आशा है।”

इस प्रदर्शन के दौरान पर्सी फेल्प्स और उसकी नर्स ने होम्स को आश्चर्य और काफी निराशा भरे भावों से देखा। वह अपनी उंगलियों के बीच मॉस-रोज़ लिए हुए गहरी सोच में डूब गया था। कुछ मिनटों बाद ही उस युवती ने बीच में आकर उसकी सोच को भंग कर दिया।

"क्या आपको इस रहस्य को सुलझाने की कोई संभावना दिखती है, मिस्टर होम्स?" उसने अपनी आवाज में थोड़ी कठोरता के साथ पूछा।

“अरे, ये तो रहस्य है!” उसने जीवन की वास्तविकताओं में लौटते हुए चौंककर जवाब दिया। “खैर, यह मानना तो मूर्खता होगी कि मामला बहुत पेचीदा और जटिल नहीं है, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं इस मामले की गहराई से जाँच करूंगा और जो भी बातें मुझे समझ में आएंगी, मैं आपको बताऊंगा।”

क्या आपको कोई सुराग दिख रहा है?

"आपने मुझे सात वस्तुएँ उपलब्ध कराई हैं, लेकिन निश्चित रूप से मैं उनके मूल्य पर कोई राय देने से पहले उनका परीक्षण करूंगा।"

"क्या आपको किसी पर शक है?"

मुझे खुद पर शक है।

"क्या!"

"जल्दी निष्कर्ष पर पहुंच जाने के बारे में।"

"फिर लंदन जाओ और अपने निष्कर्षों का परीक्षण करो।"

“आपकी सलाह बहुत ही बढ़िया है, मिस हैरिसन,” होम्स उठते हुए बोले। “मुझे लगता है, वॉटसन, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। मिस्टर फेल्प्स, झूठी उम्मीदों में मत डूबिए। यह मामला बहुत उलझा हुआ है।”

“जब तक मैं आपसे दोबारा नहीं मिलूंगा, तब तक मुझे बुखार रहेगा,” राजनयिक ने चिल्लाकर कहा।

"ठीक है, मैं कल उसी ट्रेन से आऊंगा, हालांकि इस बात की पूरी संभावना है कि मेरी रिपोर्ट नकारात्मक होगी।"

“आने का वादा करने के लिए ईश्वर आपको आशीर्वाद दें,” हमारे मुवक्किल ने कहा। “यह जानकर मुझे नई ऊर्जा मिली है कि कुछ किया जा रहा है। वैसे, मुझे लॉर्ड होल्डहर्स्ट का पत्र मिला है।”

“हा! उसने क्या कहा?”

“उनका रवैया ठंडा था, लेकिन कठोर नहीं। मुझे लगता है कि मेरी गंभीर बीमारी ने उन्हें कठोर होने से रोक दिया। उन्होंने दोहराया कि यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है, और आगे कहा कि मेरे भविष्य के बारे में कोई कदम नहीं उठाया जाएगा - जिसका अर्थ है, ज़ाहिर है, मेरी बर्खास्तगी - जब तक मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं हो जाता और मुझे अपनी बदकिस्मती को सुधारने का मौका नहीं मिल जाता।”

“खैर, यह तो उचित और विचारशील था,” होम्स ने कहा। “चलो, वॉटसन, क्योंकि शहर में आज हमें काफी काम करना है।”

श्री जोसेफ हैरिसन हमें स्टेशन तक ले गए, और हम जल्द ही पोर्ट्समाउथ की ट्रेन में सवार हो गए। होम्स गहरी सोच में डूबे हुए थे और क्लैफम जंक्शन पार करने तक उन्होंने मुश्किल से ही कुछ बोला।

"लंदन में इन ऊँची-ऊँची रेल लाइनों से आना बहुत ही सुखद अनुभव होता है, जिनसे आप इस तरह से घरों को नीचे से देख सकते हैं।"

मुझे लगा कि वह मजाक कर रहा है, क्योंकि दृश्य काफी घिनौना था, लेकिन उसने जल्द ही अपनी बात स्पष्ट कर दी।

"उन विशाल, अलग-थलग इमारतों के समूहों को देखो जो स्लेट की चट्टानों के ऊपर उठते हुए, सीसे के रंग के समुद्र में ईंटों के द्वीपों की तरह दिखते हैं।"

"बोर्ड-स्कूल।"

“प्रकाशस्तंभ, मेरे बच्चे! भविष्य के प्रकाशस्तंभ! प्रत्येक में सैकड़ों चमकीले छोटे बीज वाले कैप्सूल, जिनसे भविष्य का अधिक बुद्धिमान, बेहतर इंग्लैंड अंकुरित होगा। मुझे लगता है कि वह आदमी फेल्प्स शराब नहीं पीता?”

मुझे ऐसा नहीं लगता।

“मुझे भी ऐसा नहीं करना चाहिए, लेकिन हमें हर संभावना पर विचार करना होगा। बेचारा तो बहुत बड़ी मुसीबत में फंस गया है, और सवाल यह है कि क्या हम उसे कभी किनारे तक ला पाएंगे। मिस हैरिसन के बारे में आपकी क्या राय है?”

“एक मजबूत चरित्र वाली लड़की।”

“हाँ, लेकिन वो अच्छी लड़की है, या शायद मैं गलत हूँ। वो और उसका भाई नॉर्थम्बरलैंड के किसी इलाके में रहने वाले एक लोहार के इकलौते बच्चे हैं। पिछली सर्दियों में यात्रा के दौरान उसकी सगाई उससे हो गई थी, और वो अपने भाई के साथ उसके परिवार से मिलने आई थी। फिर उनका रिश्ता टूट गया, और वो अपने प्रेमी की देखभाल करने के लिए वहीं रुक गई, जबकि उसका भाई जोसेफ, जिसे वहाँ आराम मिल गया था, वो भी वहीं रुक गया। मैंने कुछ लोगों से खुद पता लगाया है। लेकिन आज तो पूछताछ का ही दिन है।”

“मेरा अभ्यास—” मैंने शुरू किया।

"अगर आपको अपने मामले मेरे मामलों से ज्यादा दिलचस्प लगते हैं तो..." होम्स ने कुछ तीखेपन से कहा।

"मैं यह कहने वाला था कि मेरा काम एक-दो दिन तक बहुत अच्छे से चल सकता है, क्योंकि यह साल का सबसे सुस्त समय होता है।"

“बहुत बढ़िया,” उन्होंने अपना हास्यबोध वापस पाते हुए कहा। “तो हम इस मामले की मिलकर जांच करेंगे। मुझे लगता है कि हमें फोर्ब्स से मिलकर शुरुआत करनी चाहिए। वह शायद हमें वे सभी विवरण बता सकते हैं जो हम जानना चाहते हैं, ताकि हमें यह पता चल सके कि मामले की पैरवी किस पक्ष से की जानी चाहिए।”

"आपने कहा था कि आपको कुछ सुराग मिला है?"

“खैर, हमारे पास कई सबूत हैं, लेकिन उनकी अहमियत का पता आगे की जांच से ही चल सकता है। सबसे मुश्किल अपराध वो होता है जिसका कोई मकसद न हो। लेकिन यह अपराध मकसदहीन नहीं है। इससे किसे फ़ायदा हो रहा है? एक तरफ़ फ़्रांसीसी राजदूत हैं, दूसरी तरफ़ रूसी राजदूत हैं, तीसरी तरफ़ वो कोई भी है जो इसे इनमें से किसी को भी बेच सकता है, और तीसरी तरफ़ लॉर्ड होल्डहर्स्ट हैं।”

“लॉर्ड होल्डहर्स्ट!”

"खैर, यह बिल्कुल संभव है कि एक राजनेता खुद को ऐसी स्थिति में पाए जहां उसे गलती से ऐसे दस्तावेज के नष्ट हो जाने का अफसोस न हो।"

"क्या वह लॉर्ड होल्डहर्स्ट जैसे सम्माननीय रिकॉर्ड वाले राजनेता नहीं थे?"

“यह एक संभावना है और हम इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। हम आज माननीय स्वामी से मिलेंगे और पता लगाएंगे कि क्या वे हमें कुछ बता सकते हैं। इस बीच मैंने पहले ही जांच शुरू कर दी है।”

"पहले से?"

"जी हां, मैंने वोकिंग स्टेशन से लंदन के हर शाम के अखबार को तार भेजे हैं। यह विज्ञापन उनमें से प्रत्येक में प्रकाशित होगा।"

उसने नोटबुक से फाड़ा हुआ एक पन्ना दिया। उस पर पेंसिल से कुछ लिखा हुआ था:

10 पाउंड का इनाम। उस टैक्सी का नंबर जिसने 23 मई की शाम पौने दस बजे चार्ल्स स्ट्रीट स्थित विदेश कार्यालय के दरवाजे के पास या उसके आसपास एक यात्री को उतारा था। पता: 221B, बेकर स्ट्रीट।

“क्या आपको पूरा यकीन है कि चोर टैक्सी में आया था?”

“अगर ऐसा नहीं है, तो कोई नुकसान नहीं हुआ। लेकिन अगर श्री फेल्प्स का यह कहना सही है कि कमरे या गलियारों में कहीं भी छिपने की जगह नहीं है, तो वह व्यक्ति बाहर से ही आया होगा। अगर वह इतनी गीली रात में बाहर से आया और फिर भी उसके गुजरने के कुछ ही मिनटों के भीतर जांचे गए लिनोलियम पर नमी का कोई निशान नहीं छोड़ा, तो यह बहुत संभव है कि वह टैक्सी से आया हो। हाँ, मुझे लगता है कि हम टैक्सी से आने का पक्का अनुमान लगा सकते हैं।”

"यह तर्कसंगत लगता है।"

“यह उन सुरागों में से एक है जिनकी मैंने बात की थी। इससे हमें कुछ पता चल सकता है। और फिर, ज़ाहिर है, घंटी है – जो इस मामले की सबसे खास बात है। घंटी क्यों बजी? क्या चोर ने बहादुरी दिखाने के लिए ऐसा किया? या चोर के साथ मौजूद किसी व्यक्ति ने अपराध को रोकने के लिए ऐसा किया? या यह एक दुर्घटना थी? या फिर –?” वह फिर से उसी गहन और शांत चिंतन में डूब गया जिससे वह निकला था; लेकिन मुझे, क्योंकि मैं उसके हर मिज़ाज को समझता था, ऐसा लगा कि अचानक उसके मन में कोई नई संभावना जाग उठी है।

जब हम अपने गंतव्य पर पहुँचे तो तीन बजकर बीस मिनट हो चुके थे। बुफे में जल्दी से दोपहर का भोजन करने के बाद हम तुरंत स्कॉटलैंड यार्ड के लिए रवाना हो गए। होम्स ने फ़ोर्ब्स को पहले ही तार भेज दिया था, और हमने उन्हें हमारा स्वागत करने के लिए इंतज़ार करते हुए पाया - एक छोटा, चालाक आदमी, जिसकी शक्ल तीखी थी लेकिन बिल्कुल भी सौम्य नहीं थी। उनका व्यवहार हमारे प्रति बेहद ठंडा था, खासकर जब उन्हें पता चला कि हम किस काम से आए हैं।

“मिस्टर होम्स, मैंने आपके तौर-तरीकों के बारे में पहले भी सुना है,” उसने तीखे लहजे में कहा। “आप पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई गई हर जानकारी का इस्तेमाल करने के लिए तैयार रहते हैं, और फिर आप खुद ही मामले को सुलझाने की कोशिश करते हैं और पुलिस को बदनाम करते हैं।”

होम्स ने कहा, "इसके विपरीत, मेरे पिछले तिरपन मामलों में से मेरा नाम केवल चार में आया है, और उनतालीस मामलों में पुलिस को ही सारी सफलता मिली है। मैं आपको यह न जानने के लिए दोष नहीं देता, क्योंकि आप युवा और अनुभवहीन हैं, लेकिन यदि आप अपने नए कर्तव्यों में आगे बढ़ना चाहते हैं तो आपको मेरे साथ काम करना होगा, न कि मेरे विरुद्ध।"

“मुझे एक-दो सुराग मिल जाएं तो बहुत खुशी होगी,” जासूस ने अपना लहजा बदलते हुए कहा। “इस मामले में अब तक मुझे कोई फायदा नहीं हुआ है।”

आपने क्या कदम उठाए हैं?

“कामेश्वर टैंगी पर नज़र रखी जा रही है। उसने गाइड्स को अच्छे चरित्र के साथ छोड़ा था, और हमें उसके खिलाफ कुछ भी नहीं मिला है। हालांकि, उसकी पत्नी बहुत बुरी है। मुझे लगता है कि वह इस मामले में जितना दिखता है उससे कहीं ज्यादा जानती है।”

"क्या तुमने उसका पीछा किया है?"

“हमने अपनी एक महिला को उसके पीछे लगा दिया है। श्रीमती टैंगी शराब पीती हैं, और हमारी महिला उनके साथ दो बार तब रही है जब वह नशे में थीं, लेकिन वह उनसे कुछ भी हासिल नहीं कर सकीं।”

"मुझे पता चला है कि उनके यहाँ दलाल आए हुए थे?"

"हाँ, लेकिन उन्हें पैसे देकर मामला सुलझा लिया गया था।"

“पैसा कहाँ से आया?”

“यह ठीक था। उनकी पेंशन देय थी। उनके पास धनराशि होने का कोई संकेत नहीं मिला है।”

"जब मिस्टर फेल्प्स ने कॉफी के लिए घंटी बजाई तो उसने घंटी का जवाब क्यों दिया?"

उसने कहा कि उसका पति बहुत थका हुआ था और वह उसे आराम देना चाहती थी।

“खैर, इससे तो यही लगता है कि थोड़ी देर बाद वह अपनी कुर्सी पर सोता हुआ मिला था। फिर तो उनके खिलाफ कुछ भी नहीं है, सिवाय उस महिला के चरित्र के। क्या आपने उससे पूछा कि वह उस रात इतनी जल्दी क्यों चली गई थी? उसकी जल्दबाजी ने पुलिस कांस्टेबल का ध्यान आकर्षित किया।”

वह सामान्य से अधिक देर से आई थी और घर जाना चाहती थी।

"क्या आपने उसे बताया कि आप और मिस्टर फेल्प्स, जिन्होंने उसके कम से कम बीस मिनट बाद काम शुरू किया था, उससे पहले घर पहुंच गए थे?"

वह इसे बस और हैंसम (एक प्रकार की बस) के बीच के अंतर से समझाती है।

"क्या उसने यह स्पष्ट किया कि घर पहुंचते ही वह पीछे की रसोई में क्यों भागी?"

"क्योंकि उसके पास दलालों को भुगतान करने के लिए पर्याप्त पैसा था।"

“उसके पास हर बात का कम से कम एक जवाब तो होता है। क्या आपने उससे पूछा कि जाते समय उसकी मुलाकात किसी से हुई या उसने चार्ल्स स्ट्रीट पर किसी को ईधर-उधर घूमते देखा?”

"उसने कांस्टेबल के अलावा किसी और को नहीं देखा।"

"अच्छा, ऐसा लगता है कि आपने उससे काफी गहन पूछताछ कर ली है। आपने और क्या किया है?"

“क्लर्क गोरोट पर इन नौ हफ्तों से लगातार नज़र रखी जा रही है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। हम उसके खिलाफ कुछ भी साबित नहीं कर सकते।”

"और कुछ?"

"खैर, हमारे पास इसके अलावा और कोई आधार नहीं है - किसी भी प्रकार का कोई सबूत नहीं है।"

"क्या आपने इस बारे में कोई सिद्धांत बनाया है कि वह घंटी कैसे बजी?"

"खैर, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि यह मेरी समझ से परे है। जिसने भी यह किया, उसने बड़ी चतुराई से जाकर इस तरह अलार्म बजाया।"

“हाँ, यह एक अजीब काम था। आपने जो बताया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अगर मैं उस आदमी को आपके हवाले कर सकूँ तो आपको मेरी तरफ से सूचना मिलेगी। चलिए, वाटसन।”

"अब हम कहाँ जा रहे हैं?" मैंने ऑफ़िस से निकलते हुए पूछा।

"अब हम कैबिनेट मंत्री और इंग्लैंड के भावी प्रधानमंत्री लॉर्ड होल्डहर्स्ट का साक्षात्कार लेने जा रहे हैं।"

सौभाग्य से हमें पता चला कि लॉर्ड होल्डहर्स्ट अभी भी डाउनिंग स्ट्रीट स्थित अपने कक्ष में थे, और होम्स द्वारा उनका कार्ड भेजे जाने पर हमें तुरंत अंदर बुलाया गया। उस राजनेता ने हमें अपनी उस पुरानी शैली की शिष्टता के साथ स्वागत किया जिसके लिए वे प्रसिद्ध हैं और हमें चिमनी के दोनों ओर रखे दो आलीशान सोफे पर बैठाया। हमारे बीच कालीन पर खड़े, अपने दुबले-पतले, लंबे कद, तीक्ष्ण नैन-नक्श, विचारशील चेहरे और समय से पहले सफ़ेद हो रहे घुंघराले बालों के साथ, वे उस दुर्लभ प्रकार के व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते प्रतीत हुए, जो वास्तव में एक कुलीन व्यक्ति है।

“आपका नाम मुझे बहुत जाना-पहचाना लगता है, श्रीमान होम्स,” उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। “और बेशक मैं आपके आने के उद्देश्य से अनभिज्ञ होने का दिखावा नहीं कर सकता। इन कार्यालयों में केवल एक ही घटना हुई है जिस पर आपका ध्यान देना आवश्यक हो सकता है। क्या मैं पूछ सकता हूँ कि आप किसके हित में कार्य कर रहे हैं?”

“श्री पर्सी फेल्प्स के मामले में,” होम्स ने उत्तर दिया।

“अरे, मेरे अभागे भतीजे! आप समझ सकते हैं कि हमारे रिश्तेदारी के कारण मेरे लिए उसकी किसी भी तरह से जांच करना और भी मुश्किल हो जाता है। मुझे डर है कि इस घटना का उसके करियर पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।”

लेकिन अगर वह दस्तावेज़ मिल जाएं तो?

"अरे, वह तो बिलकुल अलग बात होगी।"

"लॉर्ड होल्डहर्स्ट, मैं आपसे एक-दो सवाल पूछना चाहता था।"

मुझे आपको अपनी जानकारी देने में खुशी होगी।

"क्या आपने इसी कमरे में दस्तावेज़ की प्रतिलिपि बनाने के संबंध में निर्देश दिए थे?"

"वह था।"

"तो फिर आपकी बातें किसी के सुनने की संभावना बहुत कम थी?"

यह तो संभव ही नहीं है।

"क्या आपने कभी किसी को बताया था कि आपका इरादा किसी को भी संधि की प्रतिलिपि देने का था?"

"कभी नहीं।"

“क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?”

"बिल्कुल।"

"खैर, चूंकि आपने ऐसा कभी नहीं कहा, और श्री फेल्प्स ने भी ऐसा कभी नहीं कहा, और किसी और को भी इस मामले की कोई जानकारी नहीं थी, तो कमरे में चोर की उपस्थिति पूरी तरह से आकस्मिक थी। उसने मौका देखा और उसका फायदा उठाया।"

राजनेता मुस्कुराया। उसने कहा, "आप मुझे मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर निकालिए।"

होम्स ने एक पल सोचा। “एक और बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर मैं आपसे चर्चा करना चाहता हूँ,” उन्होंने कहा। “जैसा कि मुझे पता चला है, आपको आशंका थी कि इस संधि के विवरण सार्वजनिक होने से बहुत गंभीर परिणाम हो सकते हैं।”

राजनेता के भावपूर्ण चेहरे पर एक उदासी छा गई। "वास्तव में बहुत गंभीर परिणाम।"

“और क्या वे घोटेत हुए हैं?”

"अभी तक नहीं।"

"अगर यह संधि, मान लीजिए, फ्रांसीसी या रूसी विदेश कार्यालय तक पहुंच गई होती, तो क्या आप इसके बारे में सुनने की उम्मीद करते?"

“मुझे ऐसा करना चाहिए,” लॉर्ड होल्डहर्स्ट ने व्यंग्यात्मक चेहरे के साथ कहा।

"चूंकि लगभग दस सप्ताह बीत चुके हैं और कुछ भी पता नहीं चला है, इसलिए यह मानना गलत नहीं होगा कि किसी कारण से संधि उन तक नहीं पहुंची है।"

लॉर्ड होल्डहर्स्ट ने अपने कंधे उचका दिए।

"हम यह बिल्कुल नहीं मान सकते, श्री होम्स, कि चोर ने संधि को फंसाने और उसे लटकाने के इरादे से चुराया होगा।"

"शायद वह बेहतर कीमत का इंतजार कर रहा है।"

“अगर वह थोड़ा और इंतजार करेगा तो उसे कुछ भी नहीं मिलेगा। कुछ ही महीनों में संधि गुप्त नहीं रहेगी।”

“यह सबसे महत्वपूर्ण है,” होम्स ने कहा। “बेशक, यह एक संभावित अनुमान है कि चोर अचानक बीमार पड़ गया हो—”

“उदाहरण के लिए, क्या यह दिमागी बुखार का दौरा हो सकता है?” राजनेता ने उसकी ओर एक त्वरित नज़र डालते हुए पूछा।

“मैंने ऐसा नहीं कहा,” होम्स ने शांत भाव से कहा। “और अब लॉर्ड होल्डहर्स्ट, हमने आपका बहुत सारा कीमती समय ले लिया है, और अब हम आपको शुभ दिन की शुभकामनाएं देते हैं।”

"आपकी जांच में आपको हर तरह की सफलता मिले, अपराधी चाहे जो भी हो," उस रईस ने हमें दरवाजे से विदा करते हुए उत्तर दिया।

व्हाइटहॉल में बाहर आते ही होम्स ने कहा, “वह एक बढ़िया आदमी है। लेकिन उसे अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। वह अमीर नहीं है और उसके पास बहुत काम है। आपने देखा ही होगा कि उसके जूतों के तले बदले गए थे। अब, वॉटसन, मैं आपको आपके काम से और नहीं रोकूंगा। जब तक मुझे अपने टैक्सी विज्ञापन का जवाब नहीं मिल जाता, मैं आज और कुछ नहीं करूंगा। लेकिन अगर आप कल उसी ट्रेन से मेरे साथ वोकिंग चलेंगे, जिससे हम कल गए थे, तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा।”

*

अगली सुबह मेरी उनसे मुलाकात हुई और हम दोनों साथ में वोकिंग गए। उन्होंने बताया कि उनके विज्ञापन का कोई जवाब नहीं मिला और मामले में कोई नई जानकारी सामने नहीं आई। उनका चेहरा, जब वे चाहते थे, एकदम भावहीन हो जाता था, जैसे किसी भारतीय का होता है, और मैं उनके हावभाव से यह नहीं समझ पाया कि वे मामले की स्थिति से संतुष्ट थे या नहीं। मुझे याद है कि उनकी बातचीत बर्टिलान मापन प्रणाली के बारे में थी, और उन्होंने फ्रांसीसी विद्वान के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त की।

हमने पाया कि हमारा मुवक्किल अभी भी अपनी समर्पित नर्स की देखरेख में था, लेकिन पहले से काफी बेहतर दिख रहा था। हमारे अंदर आते ही वह सोफे से उठा और बिना किसी कठिनाई के हमारा अभिवादन किया।

“कोई खबर है?” उसने उत्सुकता से पूछा।

"जैसा कि मुझे उम्मीद थी, मेरी रिपोर्ट नकारात्मक है," होम्स ने कहा। "मैंने फोर्ब्स से मुलाकात की है, और मैंने आपके चाचा से भी मुलाकात की है, और मैंने कुछ सुराग जुटाने के लिए कदम उठाए हैं जिनसे शायद कुछ पता चल सके।"

तो फिर आपने हिम्मत नहीं हारी?

“बिल्कुल नहीं।”

“ऐसा कहने के लिए ईश्वर आपको आशीर्वाद दे!” मिस हैरिसन ने कहा। “अगर हम अपना साहस और धैर्य बनाए रखें तो सच्चाई अवश्य सामने आएगी।”

"हमारे पास आपको बताने के लिए आपसे कहीं अधिक है," फेल्प्स ने सोफे पर वापस बैठते हुए कहा।

मुझे उम्मीद थी कि शायद आपके पास कुछ होगा।

“हां, रात में हमारे साथ एक भयानक घटना घटी, और वो काफ़ी गंभीर साबित हो सकती थी।” बोलते-बोलते उनका चेहरा एकदम गंभीर हो गया, और उनकी आँखों में डर सा झलकने लगा। “क्या आप जानते हैं,” उन्होंने कहा, “कि मुझे लगने लगा है कि मैं किसी भयानक साजिश का शिकार हूँ, और मेरी जान के साथ-साथ मेरी इज्जत भी खतरे में है?”

“आह!” होम्स चिल्लाया।

“यह अविश्वसनीय लगता है, क्योंकि जहाँ तक मुझे पता है, दुनिया में मेरा कोई दुश्मन नहीं है। फिर भी पिछली रात के अनुभव से मैं किसी और निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकता।”

"कृपया मुझे इसे सुनने दीजिए।"

आपको पता ही होगा कि कल रात पहली बार मैं बिना नर्स के सोया था। मेरी सेहत इतनी अच्छी थी कि मुझे लगा कि नर्स की ज़रूरत नहीं है। फिर भी, रात में एक बत्ती जल रही थी। खैर, सुबह करीब दो बजे मैं हल्की नींद में सो गया था कि अचानक एक हल्की सी आवाज़ से मेरी नींद खुल गई। आवाज़ वैसी ही थी जैसे कोई चूहा तख्ता कुतरते समय करता है, और मैं कुछ देर तक उसे सुनता रहा, यह सोचकर कि आवाज़ उसी से आ रही होगी। फिर आवाज़ तेज़ होती गई, और अचानक खिड़की से एक तेज़ धातु की खटखट की आवाज़ आई। मैं हैरानी से उठ बैठा। अब आवाज़ों के बारे में कोई शक नहीं था। पहली आवाज़ किसी के खिड़की के शीशों के बीच की दरार से कोई औज़ार डालने की वजह से थी और दूसरी आवाज़ कुंडी के पीछे दबने की वजह से।

लगभग दस मिनट तक सन्नाटा छाया रहा, मानो वह व्यक्ति यह देखने का इंतज़ार कर रहा हो कि शोर से मेरी नींद खुली है या नहीं। फिर खिड़की के धीरे से खुलने की हल्की सी चरमराहट सुनाई दी। अब और बर्दाश्त नहीं हो रहा था, क्योंकि मेरी हिम्मत पहले जैसी नहीं रही। मैं बिस्तर से उछलकर उठा और खिड़की के शटर खोल दिए। एक आदमी खिड़की पर दुबका हुआ था। मैं उसे ठीक से देख नहीं पाया, क्योंकि वह पलक झपकते ही गायब हो गया। उसने किसी तरह का लबादा ओढ़ा हुआ था जो उसके चेहरे के निचले हिस्से तक आ रहा था। मुझे बस एक बात का यकीन है, और वह यह कि उसके हाथ में कोई हथियार था। मुझे वह एक लंबी छुरी लग रही थी। जैसे ही वह भागने के लिए मुड़ा, मैंने उसकी चमक साफ-साफ देखी।

“यह तो बहुत दिलचस्प है,” होम्स ने कहा। “तो आपने फिर क्या किया?”

अगर मुझमें थोड़ी ताकत होती तो मैं खुली खिड़की से उसके पीछे चला जाता। खैर, मैंने घंटी बजाकर घर को जगाया। थोड़ा समय लगा, क्योंकि घंटी रसोई में बजती है और नौकर ऊपर सोते हैं। लेकिन मेरी आवाज़ से जोसेफ नीचे आया और उसने बाकी लोगों को जगाया। जोसेफ और नौकर को खिड़की के बाहर बिस्तर पर निशान मिले, लेकिन हाल ही में मौसम इतना सूखा रहा है कि घास पर निशान का पीछा करना उनके लिए नामुमकिन था। हालांकि, उन्होंने मुझे बताया कि सड़क के किनारे बनी लकड़ी की बाड़ पर एक जगह निशान है, जैसे कोई उस पर से कूदा हो और कूदते समय रेलिंग का ऊपरी हिस्सा टूट गया हो। मैंने अभी तक स्थानीय पुलिस को कुछ नहीं बताया है, क्योंकि मैंने सोचा कि पहले आपकी राय लेना बेहतर होगा।

हमारे मुवक्किल की इस कहानी का शर्लक होम्स पर असाधारण प्रभाव पड़ा। वह अपनी कुर्सी से उठे और अनियंत्रित उत्तेजना में कमरे में इधर-उधर घूमने लगे।

"बदकिस्मती कभी अकेली नहीं आती," फेल्प्स ने मुस्कुराते हुए कहा, हालांकि यह स्पष्ट था कि उनके इस साहसिक अनुभव ने उन्हें कुछ हद तक झकझोर दिया था।

“तुम्हें तो काफी कुछ झेलना पड़ा है,” होम्स ने कहा। “क्या तुम मेरे साथ घर का चक्कर लगा सकते हो?”

"ओह, हाँ, मुझे थोड़ी धूप चाहिए। जोसेफ भी आएगा।"

“और मैं भी,” मिस हैरिसन ने कहा।

“मुझे खेद है कि ऐसा नहीं हो सकता,” होम्स ने सिर हिलाते हुए कहा। “मुझे लगता है कि मुझे आपसे अनुरोध करना होगा कि आप जहाँ हैं वहीं बैठे रहें।”

युवती नाराज़गी भरे भाव से अपनी सीट पर वापस बैठ गई। हालाँकि, उसका भाई हमारे साथ आ गया था और हम चारों एक साथ चल पड़े। हम लॉन के चारों ओर घूमकर युवा राजनयिक की खिड़की के बाहर पहुँचे। जैसा कि उसने कहा था, बिस्तर पर निशान थे, लेकिन वे बेहद धुंधले और अस्पष्ट थे। होम्स एक पल के लिए उन पर झुका, और फिर कंधे उचकाते हुए उठ गया।

“मुझे नहीं लगता कि कोई इस पर ज्यादा ध्यान देगा,” उसने कहा। “चलिए घर का चक्कर लगाकर देखते हैं कि चोर ने इस खास कमरे को क्यों चुना। मुझे तो लगता है कि ड्राइंग रूम और डाइनिंग रूम की बड़ी खिड़कियाँ उसे ज्यादा आकर्षित करतीं।”

श्री जोसेफ हैरिसन ने सुझाव दिया, "वे सड़क से अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।"

“अरे हाँ, बिल्कुल। यहाँ एक दरवाजा है, शायद उसने कोशिश की होगी। यह किसलिए है?”

“यह व्यापारियों के लिए बगल का प्रवेश द्वार है। जाहिर है, रात में इसे बंद कर दिया जाता है।”

"क्या आपने पहले कभी इस तरह का अलार्म सुना है?"

“कभी नहीं,” हमारे ग्राहक ने कहा।

"क्या आप घर में प्लेट या ऐसी कोई चीज रखते हैं जिससे चोरों को आकर्षित किया जा सके?"

"कीमती कुछ भी नहीं।"

होम्स अपने हाथों को जेब में डाले और एक लापरवाह मुद्रा में घर के चारों ओर टहल रहा था, जो उसके लिए असामान्य था।

“वैसे,” उसने जोसेफ हैरिसन से कहा, “मुझे पता चला है कि आपको कोई ऐसी जगह मिली है जहाँ से उस आदमी ने बाड़ फांदी थी। चलिए, हम उसे देखते हैं!”

उस मोटे-ताज़े युवक ने हमें एक ऐसी जगह पर ले गया जहाँ लकड़ी की एक पटरी का ऊपरी हिस्सा फटा हुआ था। लकड़ी का एक छोटा सा टुकड़ा नीचे लटक रहा था। होम्स ने उसे खींचकर निकाला और बारीकी से उसकी जांच की।

“क्या आपको लगता है कि यह काम कल रात हुआ था? यह काफी पुराना लग रहा है, है ना?”

"हाँ, शायद ऐसा हो।"

“दूसरी तरफ से किसी के कूदने के कोई निशान नहीं हैं। नहीं, मुझे लगता है कि हमें यहाँ कोई मदद नहीं मिलेगी। चलो बेडरूम में वापस चलते हैं और इस मामले पर बात करते हैं।”

पर्सी फेल्प्स अपने होने वाले साले के हाथ का सहारा लेकर बहुत धीरे-धीरे चल रहा था। होम्स तेज़ी से लॉन पार कर गया, और हम बाकी लोगों के आने से बहुत पहले ही

बेडरूम की खुली खिड़की पर पहुँच गए थे।

“मिस हैरिसन,” होम्स ने अत्यंत गंभीरता से कहा, “आपको पूरे दिन यहीं रहना होगा। किसी भी चीज़ को आपको पूरे दिन यहीं रहने से नहीं रोकना चाहिए। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।”

“ज़रूर, अगर आप चाहें तो, मिस्टर होम्स,” लड़की ने आश्चर्य से कहा।

“जब तुम सोने जाओ तो इस कमरे का दरवाज़ा बाहर से बंद कर देना और चाबी अपने पास रख लेना। वादा करो कि तुम ऐसा करोगे।”

लेकिन पर्सी?

वह हमारे साथ लंदन आएगा।

और क्या मुझे यहीं रहना है?

“यह उनके हित में है। आप उनकी सेवा कर सकते हैं। जल्दी! वादा करो!”

उसने सहमति में जल्दी से सिर हिलाया, ठीक उसी समय बाकी दो लोग भी आ गए।

“एनी, तुम वहाँ उदास क्यों बैठी हो?” उसके भाई ने चिल्लाकर कहा। “बाहर धूप में आ जाओ!”

"नहीं, धन्यवाद, जोसेफ। मुझे हल्का सिरदर्द है और यह कमरा बेहद ठंडा और सुकून देने वाला है।"

“अब आपका क्या प्रस्ताव है, मिस्टर होम्स?” हमारे ग्राहक ने पूछा।

“खैर, इस मामूली मामले की जांच करते समय हमें अपनी मुख्य जांच से भटकना नहीं चाहिए। अगर आप हमारे साथ लंदन आ जाएं तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी मदद होगी।”

"तुरंत?"

"ठीक है, जैसे ही आपको समय मिले। एक घंटे में।"

"अगर मैं वाकई किसी तरह से मदद कर सकूं तो मैं खुद को काफी मजबूत महसूस करता हूं।"

“सर्वोत्तम संभव।”

"शायद आप चाहेंगे कि मैं आज रात यहीं रुकूँ?"

मैं बस यही प्रस्ताव रखने वाला था।

“तो फिर, अगर रात में मिलने आने वाला मेरा दोस्त मुझसे दोबारा मिलने आए, तो उसे पता चलेगा कि चिड़िया जा चुकी है। हम सब आपके भरोसे हैं, मिस्टर होम्स, और आपको हमें साफ-साफ बताना होगा कि आप क्या चाहते हैं। शायद आप चाहेंगे कि जोसेफ हमारे साथ आए ताकि वह मेरी देखभाल कर सके?”

“अरे नहीं, मेरा दोस्त वाटसन तो डॉक्टर है, और वो आपका ख्याल रखेगा। अगर आप इजाज़त दें तो हम यहीं दोपहर का खाना खा लेंगे, और फिर हम तीनों साथ में शहर के लिए निकल पड़ेंगे।”

जैसा उन्होंने सुझाव दिया था, वैसा ही इंतज़ाम किया गया, हालाँकि मिस हैरिसन ने होम्स के सुझाव के अनुसार बेडरूम छोड़ने से मना कर दिया। मेरे मित्र की इस चाल का उद्देश्य मेरी समझ से परे था, सिवाय इसके कि वह महिला को फेल्प्स से दूर रखना चाहते थे, जो अपने स्वास्थ्य में सुधार और काम मिलने की उम्मीद से उत्साहित होकर हमारे साथ भोजन कक्ष में दोपहर का भोजन करने आए थे। हालाँकि, होम्स के पास हमारे लिए एक और भी चौंकाने वाला सरप्राइज था, क्योंकि स्टेशन तक हमारा साथ देने और हमें गाड़ी में बिठाने के बाद, उन्होंने शांति से घोषणा की कि उनका वोकिंग छोड़ने का कोई इरादा नहीं है।

“जाने से पहले मैं एक-दो छोटी-छोटी बातें स्पष्ट करना चाहता हूँ,” उन्होंने कहा। “श्री फेल्प्स, आपकी अनुपस्थिति से मुझे कुछ हद तक मदद ही मिलेगी। वाटसन, जब

आप लंदन पहुंचें तो कृपया हमारे मित्र के साथ बेकर स्ट्रीट तक गाड़ी चलाकर आएं और जब तक मैं आपसे दोबारा न मिलूं, तब तक उनके साथ रहें। यह सौभाग्य की बात है कि आप दोनों पुराने स्कूल के साथी हैं, क्योंकि आपको बहुत सी बातें करनी होंगी। श्री फेल्प्स आज रात खाली कमरे में सो सकते हैं, और मैं नाश्ते के समय तक आपके साथ रहूँगा, क्योंकि मुझे आठ बजे वाटरलू ले जाने वाली ट्रेन है।"

"लेकिन लंदन में हमारी जांच का क्या हुआ?" फेल्प्स ने खेदपूर्वक पूछा।

"हम यह कल कर सकते हैं। मुझे लगता है कि फिलहाल मैं यहां ज्यादा उपयोगी साबित हो सकता हूं।"

"आप ब्रायब्रे में उन्हें बता देना कि मुझे उम्मीद है कि मैं कल रात वापस आ जाऊंगा," फेल्प्स चिल्लाया, जैसे ही हम प्लेटफार्म से आगे बढ़ने लगे।

"मुझे तो ब्रायब्रे वापस जाने की बिल्कुल भी उम्मीद नहीं है," होम्स ने जवाब दिया और स्टेशन से निकलते ही उसने खुशी से हमारी ओर हाथ हिलाया।

मैंने और फेल्प्स ने अपनी यात्रा के दौरान इस बारे में बात की, लेकिन हम दोनों में से कोई भी इस नए घटनाक्रम का संतोषजनक कारण नहीं बता सका।

"मुझे लगता है कि वह कल रात हुई चोरी के बारे में कुछ सुराग ढूंढना चाहता है, अगर कोई चोर था तो। जहां तक मेरी बात है, मुझे नहीं लगता कि वह कोई साधारण चोर था।"

तो फिर आपका अपना विचार क्या है?

मेरी बात मानो, चाहे आप इसे मेरी घबराहट समझें या नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि मेरे आस-पास कोई गहरी राजनीतिक साजिश चल रही है, और किसी ऐसे कारण से जो मेरी समझ से परे है, साजिशकर्ता मेरी जान को निशाना बना रहे हैं। यह बात बेतुकी और हास्यास्पद लग सकती है, लेकिन तथ्यों पर गौर करो! कोई चोर ऐसे कमरे की खिड़की से क्यों घुसने की कोशिश करेगा जहां लूटपाट की कोई उम्मीद ही न हो, और वह हाथ में लंबा चाकू लेकर क्यों आएगा?

"क्या आपको यकीन है कि यह किसी चोर का अंग नहीं था?"

"अरे नहीं, यह तो चाकू था। मैंने ब्लेड की चमक साफ़-साफ़ देखी।"

लेकिन आखिर क्यों तुम्हारे प्रति इतनी शत्रुता दिखाई जानी चाहिए?

"अरे, यही तो सवाल है।"

अच्छा, अगर होम्स भी यही सोचता है, तो उसके इस कदम का कारण समझ में आ जाएगा, है ना? मान लीजिए कि आपकी थ्योरी सही है, तो अगर वह उस आदमी को पकड़ लेता है जिसने कल रात आपको धमकी दी थी, तो नौसैनिक संधि का उल्लंघन करने वाले का पता लगाने में वह काफी हद तक सफल हो जाएगा। यह मानना बेतुका है कि आपके दो दुश्मन हैं, जिनमें से एक आपको लूटता है और दूसरा आपकी जान को खतरा है।

लेकिन होम्स ने कहा कि वह ब्रायब्रे नहीं जा रहा है।

मैंने कहा, "मैं उसे कुछ समय से जानता हूँ, लेकिन मैंने उसे कभी भी बिना किसी ठोस कारण के कुछ करते हुए नहीं देखा है," और इसके साथ ही हमारी बातचीत अन्य विषयों की ओर मुड़ गई।

लेकिन मेरे लिए वह दिन बहुत थका देने वाला था। लंबी बीमारी के बाद फेल्प्स अभी भी कमज़ोर थे, और उनकी परेशानियों ने उन्हें चिड़चिड़ा और बेचैन बना दिया था। मैंने उन्हें अफ़ग़ानिस्तान, भारत, सामाजिक मुद्दों, या किसी भी ऐसी चीज़ में दिलचस्पी दिलाने की व्यर्थ कोशिश की जिससे उनका ध्यान इस विषय से हट सके। वे हमेशा अपनी खोई हुई संधि पर लौट आते, यह सोचते, अनुमान लगाते, अटकलें लगाते

कि होम्स क्या कर रहे हैं, लॉर्ड होल्डहर्स्ट क्या कदम उठा रहे हैं, और सुबह हमें क्या खबर मिलेगी। जैसे-जैसे शाम ढलती गई, उनकी बेचैनी असहनीय होती गई।

"क्या आपको होम्स पर पूरा भरोसा है?" उसने पूछा।

मैंने उन्हें कुछ उल्लेखनीय काम करते देखा है।

"लेकिन क्या उसने कभी इतनी अंधेरी जगह में रोशनी लाई?"

"ओह, हाँ, मैं जानता हूं कि वह ऐसे सवालों को हल कर सकता है जिनमें आपके सवाल की तुलना में कम सुराग थे।"

"लेकिन क्या ऐसा तब नहीं होगा जब इतने बड़े हित दांव पर लगे हों?"

"मुझे यह नहीं पता। जहाँ तक मुझे निश्चित रूप से पता है, उन्होंने यूरोप के तीन प्रमुख शासक परिवारों की ओर से अत्यंत महत्वपूर्ण मामलों में कार्य किया है।"

"लेकिन आप उसे अच्छी तरह जानते हैं, वॉटसन। वह इतना रहस्यमय व्यक्ति है कि मैं कभी समझ ही नहीं पाता कि उसके बारे में क्या सोचूं। क्या आपको लगता है कि वह आशावादी है? क्या आपको लगता है कि वह इसमें सफल होने की उम्मीद रखता है?"

उन्होंने कुछ नहीं कहा है।

"यह एक बुरा संकेत है।"

इसके विपरीत, मैंने देखा है कि जब वह सही रास्ते से भटक जाता है तो आमतौर पर ऐसा कह देता है। जब वह किसी सुराग का पीछा कर रहा होता है और पूरी तरह से आश्वस्त नहीं होता कि वह सही सुराग है, तब वह सबसे कम बोलता है। अब, मेरे प्रिय मित्र, हम इस बारे में घबराकर स्थिति को और बिगाड़ सकते हैं, इसलिए मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप सो जाएं और कल जो भी हो, उसके लिए तरोताज़ा रहें।

अंततः मैं अपने साथी को अपनी सलाह मानने के लिए मना पाया, हालांकि उसकी उत्तेजित मुद्रा से मुझे पता था कि उसे नींद आने की कोई उम्मीद नहीं थी। वास्तव में, उसका मूड मुझ पर भी इतना हावी हो गया कि मैं भी आधी रात तक करवटें बदलता रहा, इस अजीब समस्या पर सोचता रहा और सौ तरह के सिद्धांत गढ़ता रहा, जिनमें से हर एक पिछले वाले से ज़्यादा असंभव था। होम्स वोकिंग में क्यों रुके रहे? उन्होंने मिस हैरिसन को पूरे दिन बीमारों के कमरे में रहने के लिए क्यों कहा था? उन्होंने ब्रायर्ब्रे के लोगों को यह न बताने में इतनी सावधानी क्यों बरती थी कि वे उनके पास ही रहने वाले हैं? इन सभी तथ्यों का कोई हल निकालने की कोशिश में मैं तब तक दिमाग खपाता रहा जब तक कि मुझे नींद नहीं आ गई।

जब मैं जागा तो सात बज रहे थे, और मैं तुरंत फेल्प्स के कमरे की ओर चल पड़ा, जहाँ मैंने उसे रात भर नींद न आने के कारण थका हुआ और हारा हुआ पाया। उसका पहला सवाल था कि क्या होम्स आ चुका है।

मैंने कहा, "वह अपने वादे के मुताबिक समय पर ही आएगा, एक पल भी पहले या बाद में नहीं।"

और मेरी बात सच निकली, क्योंकि आठ बजने के कुछ ही देर बाद एक गाड़ी दरवाजे पर आकर रुकी और हमारा दोस्त उससे बाहर निकला। खिड़की से हमने देखा कि उसका बायां हाथ पट्टी से लिपटा हुआ था और उसका चेहरा बेहद उदास और पीला पड़ गया था। वह घर में दाखिल हुआ, लेकिन कुछ देर बाद ही वह ऊपर आया।

"वह एक हारे हुए आदमी की तरह दिख रहा है," फेल्प्स ने रोते हुए कहा।

मुझे यह स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि वह सही था। मैंने कहा, "आखिरकार, इस मामले का सुराग शायद यहीं शहर में छिपा है।"

फेल्प्स ने आह भरी।

"मुझे नहीं पता क्या बात है," उसने कहा, "लेकिन मुझे उसके लौटने से बहुत उम्मीदें थीं। लेकिन कल तो उसके हाथ इस तरह बंधे हुए नहीं थे। आखिर क्या बात हो सकती है?"

"होम्स, तुम्हें चोट तो नहीं लगी?" मैंने अपने दोस्त के कमरे में प्रवेश करते ही पूछा।

"अरे, ये तो मेरी अपनी ही नादानी की वजह से लगी मामूली सी खरोंच है," उन्होंने हमें सुप्रभात कहते हुए सिर हिलाया। "श्री फेल्प्स, आपका यह मामला निश्चित रूप से उन सबसे पेचीदा मामलों में से एक है जिनकी मैंने कभी जांच की है।"

मुझे डर था कि आप इसे अपनी क्षमता से परे पाएंगे।

"यह एक बेहद उल्लेखनीय अनुभव रहा है।"

मैंने कहा, "यह पट्टी कई रोमांचक कहानियाँ सुनाती है। क्या आप हमें बताएँगे कि क्या हुआ है?"

"नाश्ते के बाद, मेरे प्यारे वॉटसन। याद रखना कि मैंने आज सुबह सरे की 30 मील की हवा में सांस ली है। मुझे लगता है कि मेरे कैब वाले के विज्ञापन का कोई जवाब नहीं आया है? खैर, हम हर बार सफलता की उम्मीद नहीं कर सकते।"

मेज पूरी तरह से सजी हुई थी, और जैसे ही मैं घंटी बजाने वाला था, श्रीमती हडसन चाय और कॉफ़ी लेकर अंदर आईं। कुछ मिनट बाद वह तीन लोगों के लिए तकिए लेकर आईं, और हम सब मेज पर बैठ गए, होम्स को बहुत भूख लगी थी, मैं उत्सुक था, और फेल्प्स गहरे अवसाद में डूबा हुआ था।

होम्स ने करी चिकन की एक प्लेट खोलते हुए कहा, "श्रीमती हडसन ने बखूबी काम किया है। उनका खान-पान थोड़ा सीमित है, लेकिन उन्हें नाश्ते की उतनी ही अच्छी समझ है जितनी किसी स्कॉटिश महिला को। वॉटसन, आपके पास क्या है?"

मैंने जवाब दिया, "हैम और अंडे।"

"अच्छा! आप क्या लेंगे, श्री फेल्प्स— करी चिकन या अंडे, या आप खुद ही ले लेंगे?"

"धन्यवाद। मैं कुछ भी नहीं खा सकता," फेल्प्स ने कहा।

"अरे, आइए! अपने सामने रखे व्यंजन को चखकर देखिए।"

"धन्यवाद, मैं वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहूंगी।"

"तो फिर," होम्स ने शरारती मुस्कान के साथ कहा, "मुझे लगता है कि आपको मेरी मदद करने में कोई आपत्ति नहीं है?"

फेल्प्स ने ढक्कन उठाया और ऐसा करते ही वह चीख पड़ा और प्लेट की तरह सफेद चेहरे के साथ वहीं बैठा रहा। प्लेट के बीचोंबीच नीले-भूरे रंग के कागज का एक छोटा सा बेलनाकार टुकड़ा पड़ा था। उसने उसे उठाया, अपनी आँखों से उसे निहारा और फिर कमरे में पागलों की तरह नाचने लगा, उसे अपने सीने से लगाकर खुशी से चीखने लगा। फिर वह एक कुर्सी पर गिर पड़ा, इतना बेजान और अपनी भावनाओं से इतना थका हुआ कि हमें उसे बेहोश होने से बचाने के लिए उसके गले में ब्रांडी डालनी पड़ी।

"अरे! अरे!" होम्स ने कंधे पर थपथपाते हुए दिलासा देते हुए कहा। "तुम्हें इस तरह अचानक बताना थोड़ा बुरा लगा, लेकिन वॉटसन तुम्हें बताएगा कि मैं नाटकीयता के स्पर्श का कभी विरोध नहीं कर सकता।"

फेल्प्स ने उसका हाथ पकड़कर चूमा। "भगवान आपका भला करे!" वह चिल्लाया। "आपने मेरी इज़्ज़त बचा ली।"

"खैर, मेरा अपना ही दांव पर लगा था," होम्स ने कहा। "मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि किसी मामले में असफल होना मेरे लिए उतना ही घृणित है जितना कि किसी कमीशन में गलती करना आपके लिए।"

फेल्प्स ने उस बहुमूल्य दस्तावेज को अपने कोट की सबसे अंदरूनी जेब में डाल दिया।

"मैं आपके नाश्ते में और बाधा डालने की हिम्मत नहीं कर पा रहा हूँ, फिर भी मैं यह जानने के लिए बेताब हूँ कि आपको यह कैसे मिला और यह कहाँ था।"

शर्लक होम्स ने एक कप कॉफी पी और अपना ध्यान हैम और अंडे पर केंद्रित किया। फिर वह उठे, अपनी पाइप जलाई और कुर्सी पर आराम से बैठ गए।

“मैं आपको पहले बताता हूँ कि मैंने क्या किया और बाद में मैंने ऐसा क्यों किया,” उसने कहा। “आपको स्टेशन पर छोड़ने के बाद मैं सरे के खूबसूरत नज़ारों के बीच से होते हुए एक छोटे से प्यारे गाँव रिप्ले तक सैर पर निकल गया, जहाँ मैंने एक सराय में चाय पी और एहतियात के तौर पर अपनी थर्मस भर ली और जेब में सैंडविच का एक पैकेट रख लिया। मैं वहाँ शाम तक रुका रहा, फिर वोकिंग के लिए रवाना हुआ और सूर्यास्त के ठीक बाद खुद को ब्रायब्रे के बाहर मुख्य सड़क पर पाया।”

"खैर, मैंने तब तक इंतजार किया जब तक सड़क खाली नहीं हो गई - मुझे लगता है कि यह कभी भी बहुत व्यस्त सड़क नहीं होती है - और फिर मैं बाड़ फांदकर मैदान में घुस गया।"

"ज़रूर गेट खुला होगा!" फेल्प्स ने हैरानी से कहा।

“हाँ, लेकिन इन मामलों में मेरी पसंद कुछ अलग ही है। मैंने वह जगह चुनी जहाँ तीन देवदार के पेड़ खड़े हैं, और उनकी आड़ में मैं इस तरह घुस गया कि घर में किसी को भी मेरी झलक न दिखे। मैं दूसरी तरफ झाड़ियों के बीच दुबक गया और एक-एक करके रेंगता हुआ आगे बढ़ा — मेरे पतलून के घुटनों की दयनीय हालत तो देखो — जब तक कि मैं तुम्हारे शयनकक्ष की खिड़की के ठीक सामने रोडोडेंड्रोन के झुंड तक नहीं पहुँच गया। वहाँ मैं बैठ गया और आगे क्या होता है, इसका इंतज़ार करने लगा।”

“आपके कमरे में पर्दा नहीं गिरा था, और मैं मिस हैरिसन को मेज के पास बैठकर पढ़ते हुए देख सकता था। सवा दस बजे उन्होंने अपनी किताब बंद की, खिड़कियों के शटर बंद किए और सोने चली गईं।”

मैंने उसे दरवाजा बंद करते हुए सुना और मुझे पूरा यकीन था कि उसने ताले में चाबी घुमा दी थी।

"चाबी!" फेल्प्स ने उत्साह से कहा।

“हाँ, मैंने मिस हैरिसन को निर्देश दिया था कि जब वह सोने जाए तो दरवाज़ा बाहर से बंद कर दे और चाबी अपने साथ ले जाए। उसने मेरे सभी निर्देशों का अक्षरशः पालन किया, और निश्चित रूप से उसके सहयोग के बिना वह कागज़ आपकी जेब में नहीं होता। फिर वह चली गई और बत्तियाँ बुझ गईं और मैं रोडोडेंड्रोन की झाड़ी में बैठा रह गया।”

रात सुहावनी थी, फिर भी इंतज़ार करना बहुत थका देने वाला था। बेशक, इसमें वो रोमांच था जो एक शिकारी को तब महसूस होता है जब वो नदी के किनारे लेटकर अपने शिकार का इंतज़ार करता है। लेकिन ये इंतज़ार बहुत लंबा था—लगभग उतना ही लंबा, वॉटसन, जितना कि उस खतरनाक कमरे में इंतज़ार करते हुए, जब हम चित्तीदार बैंड की छोटी सी समस्या की जाँच कर रहे थे। वोकिंग में एक गिरजाघर की घड़ी थी जो पौने बजती थी, और मुझे कई बार लगा कि वो बंद हो गई है। लेकिन आखिरकार, सुबह करीब दो बजे, अचानक मुझे एक कुंडी खुलने की हल्की सी आवाज़ और चाबी की चरमराहट सुनाई दी। एक पल बाद नौकरों का दरवाज़ा खुला, और श्री जोसेफ हैरिसन चाँदनी में बाहर निकले।

"जोसेफ!" फेल्प्स ने हैरानी से कहा।

वह सिर ढके हुए नहीं था, लेकिन उसने अपने कंधे पर एक काला लबादा डाल रखा था, ताकि किसी भी खतरे की स्थिति में वह पल भर में अपना चेहरा छुपा सके। वह दीवार की छाया में दबे पांव चला और खिड़की तक पहुँचकर उसने एक लंबी धार वाला चाकू खिड़की के फ्रेम में घुसाकर कुंडी को पीछे धकेल दिया। फिर उसने खिड़की को खोल दिया और शटर की दरार में चाकू डालकर, उसने बार को ऊपर धकेला और खिड़की को खोल दिया।

"जहां मैं लेटी थी, वहां से मुझे कमरे के अंदर का पूरा दृश्य और उसकी हर हरकत साफ दिखाई दे रही थी। उसने मेंटलपीस पर रखी दो मोमबत्तियां जलाईं और फिर दरवाजे के पास कालीन का कोना मोड़ा। थोड़ी देर बाद वह झुका और एक चौकोर तख्ता उठाया, जैसा कि आमतौर पर प्लंबर गैस पाइपों के जोड़ों तक पहुंचने के लिए छोड़ देते हैं। दरअसल, यह तख्ता उस टी जॉइंट को ढके हुए था जिससे नीचे रसोई में गैस पहुंचाने वाला पाइप निकलता था। इस छिपे हुए स्थान से उसने कागज का वह छोटा सा बेलनाकार टुकड़ा निकाला, तख्ते को नीचे धकेला, कालीन को ठीक किया, मोमबत्तियां बुझाईं और सीधे मेरी बाहों में आ गया, जो खिड़की के बाहर उसका इंतजार कर रही थी।"

"खैर, मास्टर जोसेफ में मेरी सोच से कहीं ज़्यादा क्रूरता है। उसने चाकू लेकर मुझ पर हमला किया, और मुझे उसे दो बार पकड़ना पड़ा, और उस पर काबू पाने से पहले मेरी उंगलियों पर कट लग गया। जब हमारा काम खत्म हुआ, तो उसकी आँखों में जो एक आँख बची थी, उससे वह गुस्से से लाल हो रहा था, लेकिन उसने मेरी बात सुनी और कागज़ात लौटा दिए। कागज़ात मिलने के बाद मैंने अपने आदमी को जाने दिया, लेकिन मैंने आज सुबह फोर्ब्स को पूरी जानकारी तार से भेज दी। अगर वह अपने शिकार को जल्दी पकड़ लेता है, तो बहुत अच्छा। लेकिन अगर, जैसा कि मुझे पूरा शक है, उसे वहां पहुंचने से पहले ही घोंसला खाली मिलता है, तो सरकार के लिए और भी अच्छा होगा। मुझे लगता है कि लॉर्ड होल्डहर्स्ट और मिस्टर पर्सी फेल्प्स, दोनों ही यही चाहेंगे कि मामला पुलिस कोर्ट तक न पहुंचे।"

"हे भगवान!" हमारे ग्राहक ने हांफते हुए कहा। "क्या आप मुझे बता रहे हैं कि इन दस हफ्तों की पीड़ा के दौरान चोरी हुए कागजात हर समय मेरे साथ उसी कमरे में मौजूद थे?"

"तो ऐसा ही था।"

और यूसुफ! यूसुफ एक दुष्ट और चोर था!

हम्म! मुझे डर है कि जोसेफ का चरित्र उसके बाहरी रूप से कहीं अधिक गहरा और खतरनाक है। आज सुबह उससे जो मैंने सुना, उससे मुझे पता चला कि उसने शेयर बाजार में भारी नुकसान उठाया है और अपनी किस्मत सुधारने के लिए वह कुछ भी करने को तैयार है। वह पूरी तरह से स्वार्थी है, इसलिए जब उसे मौका मिला, तो उसने न तो अपनी बहन की खुशी को और न ही आपकी प्रतिष्ठा को अपने रास्ते में आने दिया।

पर्सी फेल्प्स अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया। "मेरा सिर चकरा रहा है," उसने कहा। "तुम्हारे शब्दों ने मुझे स्तब्ध कर दिया है।"

होम्स ने अपने उपदेशात्मक अंदाज़ में कहा, "आपके मामले में मुख्य कठिनाई यह थी कि सबूत बहुत ज़्यादा थे। ज़रूरी जानकारी गैर-ज़रूरी जानकारी के नीचे दबकर छिप गई थी। हमारे सामने पेश किए गए सभी तथ्यों में से हमें केवल उन्हीं को चुनना था जिन्हें हम ज़रूरी समझते थे, और फिर उन्हें क्रम से जोड़कर घटनाओं की इस असाधारण कड़ी को फिर से बनाना था। मुझे जोसेफ पर शक होने लगा था क्योंकि आपने उस रात उसके साथ घर जाने का इरादा किया था, और इसलिए यह काफी

संभव था कि वह रास्ते में आपसे मिलने आए, क्योंकि वह विदेश कार्यालय को अच्छी तरह जानता था। जब मैंने सुना कि कोई उस बेडरूम में घुसने के लिए इतना बेचैन था, जिसमें जोसेफ के अलावा कोई कुछ भी नहीं छिपा सकता था - आपने अपने बयान में बताया कि डॉक्टर के साथ आने पर आपने जोसेफ को कैसे बाहर निकाल दिया था - तो मेरे सारे संदेह पक्के हो गए, खासकर इसलिए कि यह कोशिश उस पहली रात को की गई थी जब नर्स अनुपस्थित थी, जिससे पता चलता है कि घुसपैठिया घर के तौर-तरीकों से अच्छी तरह वाकिफ था।"

मैं कितना अंधा रहा हूं!

"मामले के तथ्य, जहाँ तक मैंने पता लगाया है, इस प्रकार हैं: जोसेफ हैरिसन चार्ल्स स्ट्रीट के दरवाजे से कार्यालय में दाखिल हुआ, और रास्ता भली-भांति जानते हुए, आपके कमरे से निकलते ही वह सीधे आपके कमरे में चला गया। वहां किसी को न पाकर उसने तुरंत घंटी बजाई, और घंटी बजाते ही उसकी नज़र मेज पर रखे कागज़ पर पड़ी। एक नजर में ही उसे पता चल गया कि संयोग से उसके हाथ एक अत्यंत महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज़ लग गया है, और पलक झपकते ही उसने उसे अपनी जेब में डाला और गायब हो गया। जैसा कि आपको याद होगा, कुछ मिनट बीत गए, जब तक कि नींद में डूबे कमिश्नर ने घंटी की ओर आपका ध्यान नहीं दिलाया, और ये चोर को भागने के लिए पर्याप्त समय था।"

वह पहली ट्रेन से वोकिंग के लिए रवाना हुआ, और अपने लूटे हुए माल की जांच करने और यह सुनिश्चित करने के बाद कि यह वास्तव में बहुत मूल्यवान है, उसने इसे एक सुरक्षित स्थान समझकर छिपा दिया, ताकि वह इसे एक-दो दिन में वापस निकाल ले और फ्रांसीसी दूतावास या जहां भी उसे अच्छी कीमत मिले, वहां ले जाए। तभी आपकी अचानक वापसी हुई। उसे बिना किसी चेतावनी के उसके कमरे से बाहर निकाल दिया गया, और तब से आप दोनों में से कम से कम दो लोग हमेशा वहां मौजूद रहते थे ताकि उसे अपना खजाना वापस न मिल सके। उसके लिए यह स्थिति बहुत ही परेशान करने वाली रही होगी। लेकिन अंत में उसे लगा कि उसे अपना मौका मिल गया है। उसने चुपके से अंदर घुसने की कोशिश की, लेकिन आपकी सतर्कता के कारण वह नाकाम रहा। आपको याद होगा कि आपने उस रात अपनी रोज़ की शराब नहीं पी थी।

"मुझे याद है।"

मुझे लगता है कि उसने उस दवा को असरदार बनाने के लिए कदम उठाए थे, और उसे पूरा भरोसा था कि आप बेहोश होंगी। बेशक, मैं समझती थी कि जब भी सुरक्षित रूप से संभव होगा, वह दोबारा कोशिश करेगा। आपके कमरे से बाहर जाने से उसे मनचाहा मौका मिल गया। मैंने मिस हैरिसन को पूरे दिन कमरे में ही रखा ताकि वह हमें पहले से भांप न ले। फिर, उसे यह आभास देकर कि अब कोई खतरा नहीं है, मैंने जैसा बताया है, पहरा देना शुरू कर दिया। मुझे पहले से ही पता था कि कागजात शायद कमरे में ही होंगे, लेकिन मैं उन्हें ढूंढने के लिए सारे तख्ते और पर्दे उखाड़ने की कोशिश नहीं करना चाहती थी। इसलिए मैंने उसे उन्हें छिपाने की जगह से ले जाने दिया, और इस तरह खुद को अनगिनत परेशानियों से बचा लिया। क्या कोई और बात है जो मैं स्पष्ट कर सकती हूं?

मैंने पूछा, "उसने पहली बार खिड़की से अंदर आने की कोशिश क्यों की, जबकि वह दरवाजे से भी अंदर आ सकता था?"

"दरवाजे तक पहुंचने के लिए उसे सात शयनकक्षों से होकर गुजरना पड़ता। दूसरी ओर, वह आसानी से लॉन में निकल सकता था। और कुछ?"

"क्या आपको नहीं लगता कि उसका इरादा किसी की हत्या करने का था? चाकू तो सिर्फ एक औजार के तौर पर इस्तेमाल किया गया था," फेल्प्स ने पूछा।

"हो सकता है," होम्स ने कंधे उचकाते हुए उत्तर दिया। "मैं केवल इतना ही निश्चित रूप से कह सकता हूँ कि श्री जोसेफ हैरिसन एक ऐसे सज्जन हैं जिनकी दया पर भरोसा करना मुझे बिल्कुल भी उचित नहीं लगेगा।"

अंतिम समस्या

भारी मन से मैं कलम उठाकर ये अंतिम शब्द लिख रहा हूँ जिनमें मैं अपने मित्र श्री शर्लक होम्स की विलक्षण प्रतिभाओं का वर्णन कर रहा हूँ। एक अव्यवस्थित और, जैसा कि मैं गहराई से महसूस करता हूँ, पूरी तरह से अपर्याप्त तरीके से, मैंने उनके साथ बिताए अपने विचित्र अनुभवों का कुछ वर्णन करने का प्रयास किया है, उस संयोग से जो हमें पहली बार "स्टडी इन स्कारलेट" के समय मिला था, से लेकर "नौसेना संधि" के मामले में उनके हस्तक्षेप तक - एक ऐसा हस्तक्षेप जिसका निर्विवाद प्रभाव एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय समस्या को टालने में हुआ। मेरा इरादा यहीं रुकने का था, और उस घटना का कुछ भी उल्लेख न करने का था जिसने मेरे जीवन में एक ऐसा खालीपन पैदा कर दिया है जिसे दो साल बीत जाने के बाद भी भरने में कोई खास सफलता नहीं मिली है। हालांकि, कर्नल जेम्स मोरियार्टी द्वारा अपने भाई की स्मृति का बचाव करने वाले हालिया पत्रों ने मुझे विवश कर दिया है, और मेरे पास जनता के सामने तथ्यों को ठीक उसी रूप में प्रस्तुत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है जैसे वे घटित हुए थे। इस मामले की परम सच्चाई केवल मैं ही जानता हूँ, और मुझे पूरा विश्वास है कि अब इसे दबाने का कोई औचित्य नहीं है। जहाँ तक मुझे जानकारी है, सार्वजनिक प्रेस में केवल तीन ही विवरण प्रकाशित हुए हैं: 6 मई, 1891 को जर्नल डी जिनेवा में प्रकाशित, 7 मई को रॉयटर्स के अंग्रेजी समाचार पत्रों में प्रकाशित, और अंत में वे हालिया पत्र जिनका मैंने उल्लेख किया है। इनमें से पहला और दूसरा विवरण अत्यंत संक्षिप्त था, जबकि तीसरा, जैसा कि मैं अब दिखाऊंगा, तथ्यों की पूर्णतः विकृत रूप है। प्रोफेसर मोरियार्टी और श्री शर्लक होम्स के बीच वास्तव में क्या हुआ था, यह पहली बार बताने का दायित्व मेरा है।

यह याद रखना चाहिए कि मेरी शादी और उसके बाद निजी वकालत शुरू करने के बाद, होम्स और मेरे बीच जो घनिष्ठ संबंध थे, उनमें कुछ बदलाव आ गया। वे अब भी समय-समय पर मुझसे सलाह लेने आते थे जब उन्हें अपने मामलों की जांच में किसी साथी की आवश्यकता होती थी, लेकिन ये अवसर धीरे-धीरे कम होते गए, यहाँ तक कि 1890 में मुझे केवल तीन मामलों का ही रिकॉर्ड मिला। उसी वर्ष की सर्दियों और 1891 के शुरुआती वसंत में, मैंने अखबारों में पढ़ा कि उन्हें फ्रांसीसी सरकार द्वारा एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामले में नियुक्त किया गया था, और मुझे होम्स के दो पत्र मिले, जो नार्बोन और नीम्स से लिखे गए थे, जिनसे मुझे पता चला कि उनका फ्रांस में प्रवास लंबा होने वाला है। इसलिए, 24 अप्रैल की शाम को जब मैंने उन्हें अपने परामर्श कक्ष में आते देखा तो मुझे कुछ आश्चर्य हुआ। मुझे लगा कि वे पहले से भी अधिक पीले और दुबले दिख रहे थे।

"हाँ, मैं आजकल कुछ ज़्यादा ही बेहिसाब खर्च कर रहा हूँ," उसने मेरी बातों के बजाय मेरी नज़र देखकर कहा; "हाल ही में मैं थोड़ा तंग आ गया हूं। क्या आपको मेरे द्वारा आपके शटर बंद करने पर कोई आपत्ति है?"

कमरे में एकमात्र रोशनी उस मेज़ पर रखे लैंप से आ रही थी जिस पर बैठकर मैं पढ़ रहा था। होम्स दीवार के चारों ओर घूमकर अंदर आया और खिड़कियों के शटर को एक साथ बंद करके मजबूती से कुंडी लगा दी।

"क्या तुम किसी बात से डरते हो?" मैंने पूछा।

"बहुत अच्छा मैं हूं।"

"किस?"

"हवाई तोपों का।"

"मेरे प्यारे होम्स, आपका क्या मतलब है?"

"वॉटसन, मुझे लगता है कि आप मुझे अच्छी तरह जानते हैं और समझते हैं कि मैं ज़रा भी डरपोक नहीं हूं। साथ ही, जब खतरा करीब हो तो उसे नज़रअंदाज़ करना मूर्खता है, साहस नहीं। क्या मैं आपसे एक माचिस मांग सकता हूं?" उसने सिगरेट का धुआं ऐसे खींचा मानो वह उसके धुएं से सुकून पा रहा हो।

उन्होंने कहा, "मुझे इतनी देर से फोन करने के लिए क्षमा मांगनी चाहिए, और मैं आपसे यह भी विनती करता हूं कि आप इतनी गैर-परंपरागत हों कि मुझे अभी आपके घर से निकलने की अनुमति दें, जिसके लिए मुझे आपके पीछे के बगीचे की दीवार फांदकर जाना होगा।"

"लेकिन इन सबका मतलब क्या है?" मैंने पूछा।

उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया, और मैंने दीपक की रोशनी में देखा कि उसकी दो उंगलियों के जोड़ फट गए थे और उनसे खून बह रहा था।

"यह कोई मामूली बात नहीं है," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "बल्कि, यह इतना ठोस है कि इस पर कोई अपना हाथ तोड़ सकता है। क्या श्रीमती वॉटसन अंदर हैं?"

वह घूमने गई हुई है।

"सचमुच! आप अकेले हैं?"

"अत्यंत।"

"तब मेरे लिए यह प्रस्ताव रखना और भी आसान हो जाता है कि आप मेरे साथ एक सप्ताह के लिए यूरोप घूमने चलें।"

"कहाँ?"

"अरे, कहीं भी। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

इस सब में कुछ बहुत अजीब था। होम्स का स्वभाव बिना किसी उद्देश्य के छुट्टी मनाने का नहीं था, और उनके पीले, थके हुए चेहरे को देखकर मुझे लगा कि वे बहुत तनाव में हैं। उन्होंने मेरी आंखों में सवाल देखा और अपनी उंगलियों को आपस में जोड़कर और कोहनियों को घुटनों पर टिकाकर स्थिति समझाई।

"शायद आपने प्रोफेसर मोरियार्टी के बारे में कभी नहीं सुना होगा?" उसने कहा।

"कभी नहीं।"

"अरे वाह, यही तो इस मामले की खूबी और अजूबा है!" वह चिल्लाया। "वह आदमी पूरे लंदन में छाया हुआ है, और किसी ने उसके बारे में सुना तक नहीं है। यही बात उसे अपराध के इतिहास में सबसे ऊँचा स्थान देती है। मैं तुमसे, वॉटसन, पूरी गंभीरता से कहता हूँ कि अगर मैं उस आदमी को हरा दूँ, अगर मैं समाज को उससे मुक्त करा दूँ, तो मुझे लगेगा कि मेरा करियर शिखर पर पहुँच गया है, और मैं जीवन में किसी शांत मार्ग की ओर मुड़ने को तैयार हो जाऊँगा। हम दोनों के बीच, हाल के जिन मामलों में मैंने स्कैंडिनेविया के शाही परिवार और फ्रांसीसी गणराज्य की सहायता की है, उन्होंने मुझे ऐसी स्थिति में पहुँचा दिया है कि मैं अपने मनपसंद शांत जीवन को जारी रख सकता हूँ, और अपना ध्यान अपने रासायनिक शोधों पर केंद्रित कर सकता हूँ। लेकिन मैं चैन से नहीं बैठ सकता। वॉटसन, मैं अपनी कुर्सी पर चैन से नहीं बैठ सकता, अगर मैं यह सोचूँ कि प्रोफेसर मोरियार्टी जैसा आदमी लंदन की सड़कों पर बेरोकटोक घूम रहा है।"

तो फिर उसने क्या किया है?

"उनका जीवन असाधारण रहा है। वे उच्च कुल के और उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त व्यक्ति हैं, जिन्हें प्रकृति ने असाधारण गणितीय प्रतिभा से संपन्न किया है। इक्कीस वर्ष की आयु में उन्होंने द्विपद प्रमेय पर एक शोधपत्र लिखा, जो यूरोप में काफी लोकप्रिय हुआ। इसी

के बल पर उन्होंने हमारे एक छोटे विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफ़ेसर का पद प्राप्त किया और उनका भविष्य उज्ज्वल प्रतीत हो रहा था। लेकिन उनमें वंशानुगत रूप से बेहद शातिर प्रवृत्ति थी। उनके रक्त में अपराध की प्रवृत्ति थी, जो उनकी असाधारण मानसिक शक्तियों के कारण कम होने के बजाय और भी बढ़ गई और कहीं अधिक खतरनाक हो गई। विश्वविद्यालय के शहर में उनके बारे में अफवाहें फैलने लगीं और अंततः उन्हें अपना पद त्यागकर लंदन वापस आना पड़ा, जहाँ उन्होंने सेना के कोच के रूप में काम शुरू किया। इतना तो दुनिया को ज्ञात है, लेकिन जो मैं आपको बता रहा हूँ वह मैंने स्वयं खोजा है।”

"जैसा कि आप जानते हैं, वॉटसन, लंदन की उच्च स्तरीय आपराधिक दुनिया को मुझसे बेहतर कोई नहीं जानता। कई वर्षों से मैं अपराधियों के पीछे किसी शक्ति का निरंतर बोध करता रहा हूँ, कोई गहरी संगठनात्मक शक्ति जो हमेशा कानून के रास्ते में खड़ी रहती है और अपराधी को अपनी ढाल बनाकर रखती है। बार-बार, विभिन्न प्रकार के मामलों में - जालसाज़ी के मामले, डकैती, हत्या - मैंने इस शक्ति की उपस्थिति को महसूस किया है, और मैंने उन अनेक अनसुलझे अपराधों में भी इसकी क्रियाविधि का अनुमान लगाया है जिनमें मुझसे व्यक्तिगत रूप से परामर्श नहीं लिया गया था। वर्षों से मैंने उस पर्दे को हटाने का प्रयास किया है जिसने इसे ढक रखा था, और अंततः वह समय आ गया जब मैंने अपना सुराग पकड़ा और उसका पीछा किया, जो मुझे हजारों पेचीदा मोड़ों के बाद, गणित के क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त पूर्व प्रोफेसर मोरियार्टी तक ले गया।"

“वॉटसन, वह अपराध का नेपोलियन है। इस महान शहर में होने वाली आधी बुराई और लगभग हर उस चीज़ का आयोजक वही है जो पकड़ी नहीं जाती। वह एक विलक्षण प्रतिभा वाला, दार्शनिक और अमूर्त विचारक है। उसका दिमाग असाधारण है। वह मकड़ी की तरह अपने जाले के केंद्र में स्थिर बैठा रहता है, लेकिन उस जाले की हज़ार शाखाएँ हैं और वह उनमें से हर एक की हर हलचल को भली-भांति जानता है। वह स्वयं बहुत कम करता है। वह केवल योजनाएँ बनाता है। लेकिन उसके एजेंट असंख्य और शानदार ढंग से संगठित हैं। क्या कोई अपराध करना है, कोई कागज़ चुराना है, किसी घर में चोरी करनी है, किसी व्यक्ति को हटाना है – यह बात प्रोफेसर को बता दी जाती है, मामला संगठित किया जाता है और अंजाम दिया जाता है। एजेंट पकड़ा जा सकता है। उस स्थिति में उसकी ज़मानत या बचाव के लिए पैसे का इंतज़ाम किया जाता है। लेकिन एजेंट का इस्तेमाल करने वाली केंद्रीय शक्ति कभी पकड़ी नहीं जाती – उस पर कभी शक भी नहीं होता। वॉटसन, यही वह संगठन था जिसका मैंने पता लगाया था और जिसे उजागर करने और तोड़ने में मैंने अपनी पूरी ऊर्जा लगा दी थी।”

“लेकिन प्रोफ़ेसर को इतनी चालाकी से सुरक्षा घेरे में रखा गया था कि लाख कोशिश करने के बावजूद भी अदालत में उसे दोषी साबित करने वाले सबूत जुटाना नामुमकिन लग रहा था। मेरे प्यारे वॉटसन, तुम मेरी क्षमताओं को जानते हो, फिर भी तीन महीने बाद मुझे यह स्वीकार करना पड़ा कि आखिरकार मुझे एक ऐसा प्रतिद्वंद्वी मिल गया जो बौद्धिक रूप से मेरे बराबर था। उसके अपराधों के प्रति मेरी घृणा उसकी कुशलता के प्रति मेरी प्रशंसा में दब गई। लेकिन आखिरकार उसने एक यात्रा की—सिर्फ एक छोटी सी यात्रा, लेकिन जब मैं उसके इतने करीब था, तो यह उसके बस से बाहर थी। मुझे मौका मिल गया था, और उसी क्षण से मैंने उसके चारों ओर अपना जाल बुनना शुरू कर दिया, और अब यह बंद होने के लिए पूरी तरह तैयार है। तीन दिनों में—यानी अगले सोमवार को—मामला पूरी तरह से तैयार हो जाएगा, और प्रोफ़ेसर, अपने गिरोह के सभी प्रमुख सदस्यों के साथ, पुलिस के हाथों में होगा। तब सदी का

सबसे बड़ा आपराधिक मुकदमा चलेगा, चालीस से अधिक रहस्यों का खुलासा होगा, और उन सभी को फांसी की सजा मिलेगी; लेकिन अगर हम जरा भी जल्दबाजी करते हैं, तो तुम समझते हो, वे हमारे हाथों से फिसल सकते हैं। अंतिम क्षण में भी।

“अगर मैं यह सब प्रोफ़ेसर मोरियार्टी की जानकारी के बिना कर पाता, तो सब ठीक होता। लेकिन वह बहुत चालाक था। उसने मेरे हर उस कदम को देखा जिससे मैं उसे अपने जाल में फंसाने की कोशिश कर रहा था। बार-बार उसने मुझसे दूर भागने की कोशिश की, लेकिन मैंने उतनी ही बार उसे नाकाम कर दिया। मैं तुम्हें बताता हूं, मेरे दोस्त, कि अगर उस खामोश संघर्ष का विस्तृत वर्णन लिखा जा सके, तो जासूसी के इतिहास में वह सबसे शानदार दांव-पेंच का उदाहरण बन जाएगा। मैं कभी इतनी ऊंचाई तक नहीं पहुंचा, और न ही कभी किसी प्रतिद्वंद्वी ने मुझे इतना परेशान किया। उसने मुझ पर गहरा वार किया, फिर भी मैंने उसे मात दे दी। आज सुबह आखिरी कदम उठाए गए, और काम पूरा करने के लिए सिर्फ तीन दिन बचे थे। मैं अपने कमरे में बैठकर इस बारे में सोच रहा था कि तभी दरवाजा खुला और प्रोफ़ेसर मोरियार्टी मेरे सामने खड़े थे।”

"वॉट्सन, मेरी घबराहट इस बात का सबूत है, लेकिन मुझे यह स्वीकार करना होगा कि जब मैंने उस व्यक्ति को अपने दरवाजे पर खड़ा देखा, जिसके बारे में मैं बहुत सोच रहा था, तो मैं चौंक गया। उसका चेहरा मुझे जाना-पहचाना सा लगा। वह बेहद लंबा और पतला है, उसका माथा सफेद गोलाई में उभरा हुआ है, और उसकी दोनों आंखें धंसी हुई हैं। वह क्लीन-शेव्ड, पीला और तपस्वी जैसा दिखता है, फिर भी उसके चेहरे पर प्रोफेसर की झलक दिखती है। पढ़ाई के कारण उसके कंधे झुके हुए हैं, और उसका चेहरा आगे की ओर निकला हुआ है और एक अजीब से सरीसृप की तरह धीरे-धीरे इधर-उधर हिलता रहता है। उसने अपनी सिकुड़ी हुई आंखों से बड़ी जिज्ञासा से मुझे देखा।"

“‘तुम्हारे माथे का विकास मेरी अपेक्षा से कम हुआ है,’ उसने अंत में कहा। ‘अपनी ड्रेसिंग गाउन की जेब में भरी हुई बंदूकों को उंगली से छूना एक खतरनाक आदत है।’”

असल बात तो यह है कि उसके आते ही मैंने तुरंत खुद पर मंडरा रहे गंभीर खतरे को भांप लिया था। उसके बचने का एकमात्र रास्ता मेरी ज़बान बंद करना ही था। पलक झपकते ही मैंने दराज से रिवॉल्वर निकालकर अपनी जेब में रख ली और कपड़े के ऊपर से ही उस पर निशाना साध लिया। उसकी टिप्पणी पर मैंने हथियार बाहर निकाला और उसे मेज पर रख दिया। वह अब भी मुस्कुरा रहा था और पलकें झपका रहा था, लेकिन उसकी आंखों में कुछ ऐसा था जिससे मुझे बहुत खुशी हुई कि हथियार मेरे पास था।

“‘तुम मुझे जानते नहीं हो,’ उसने कहा।’”

“‘इसके विपरीत,’ मैंने उत्तर दिया, ‘मुझे लगता है कि यह काफ़ी स्पष्ट है कि मैं ऐसा करता हूं। कृपया बैठ जाइए। अगर आपको कुछ कहना हो तो मैं आपको पांच मिनट का समय दे सकता हूं।’”

“‘जो कुछ मुझे कहना है, वह सब आपके दिमाग में पहले ही आ चुका है,’ उसने कहा।

“‘तो शायद मेरा जवाब आपके जवाब से आगे निकल गया है,’ मैंने जवाब दिया।

“‘क्या तुम दृढ़ हो?’”

"'बिल्कुल।'

“उसने अपना हाथ अपनी जेब में डाला, और मैंने मेज से पिस्तौल उठा ली। लेकिन उसने केवल एक मेमोरेंडम-बुक निकाली जिसमें उसने कुछ तारीखें लिखी हुई थीं।”

"'चार जनवरी को तुम मेरे रास्ते में आए,' उसने कहा। 'तेईस तारीख को तुमने मुझे असुविधा पहुंचाई; फरवरी के मध्य तक तुमने मुझे गंभीर रूप से परेशान किया; मार्च के अंत तक मेरी योजनाएं पूरी तरह से बाधित हो गईं; और अब, अप्रैल के अंत में, तुम्हारे निरंतर उत्पीड़न के कारण मैं ऐसी स्थिति में आ गया हूं कि मेरी स्वतंत्रता छिनने का खतरा मंडरा रहा है। स्थिति असहनीय होती जा रही है।'

मैंने पूछा, "क्या आपके पास कोई सुझाव है?"

"'आपको इसे छोड़ देना चाहिए, मिस्टर होम्स,' उसने अपना चेहरा हिलाते हुए कहा। 'आपको सचमुच ऐसा करना चाहिए, आप जानते हैं।'"

मैंने कहा, 'सोमवार के बाद।'

"'अरे नहीं!' उसने कहा। 'मुझे पूरा यकीन है कि आप जैसे बुद्धिमान व्यक्ति को यह समझ आ जाएगा कि इस मामले का केवल एक ही परिणाम हो सकता है। यह आवश्यक है कि आप पीछे हट जाएं। आपने इस तरह से काम किया है कि हमारे पास अब केवल एक ही उपाय बचा है। आपने जिस तरह से इस मामले को संभाला है, उसे देखना मेरे लिए बौद्धिक रूप से एक शानदार अनुभव रहा है, और मैं बिना किसी संकोच के कहता हूं कि कोई भी कठोर कदम उठाना मेरे लिए बहुत दुखदायी होगा। आप मुस्कुराते हैं, महोदय, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि वास्तव में यह मेरे लिए बहुत दुखदायी होगा।'"

मैंने कहा, "खतरा तो मेरे पेशे का हिस्सा है।"

"'यह खतरा नहीं है,' उसने कहा। 'यह तो अपरिहार्य विनाश है। आप न केवल एक व्यक्ति के रास्ते में खड़े हैं, बल्कि एक शक्तिशाली संगठन के रास्ते में भी, जिसकी पूरी क्षमता को आप अपनी सारी चतुराई के बावजूद समझ नहीं पाए हैं। आपको हट जाना चाहिए, श्री होम्स, वरना आपको पैरों तले रौंदा जाएगा।'"

मैंने उठते हुए कहा, 'मुझे डर है कि इस बातचीत के आनंद में मैं कहीं और इंतजार कर रहे महत्वपूर्ण काम की उपेक्षा कर रहा हूँ।'

"वह भी उठा और चुपचाप मेरी ओर देखने लगा, उसने दुख से अपना सिर हिलाया।"

"'अच्छा, अच्छा,' उसने अंत में कहा। 'यह खेदजनक लगता है, लेकिन मैंने वह कर दिखाया जो मैं कर सकता था। मैं तुम्हारे खेल की हर चाल जानता हूं। सोमवार से पहले तुम कुछ नहीं कर सकते। यह तुम्हारे और मेरे बीच एक द्वंद्व था, मिस्टर होम्स। तुम मुझे कटघरे में खड़ा करना चाहते हो। मैं तुमसे कहता हूँ कि मैं कभी कटघरे में खड़ा नहीं होऊंगा। तुम मुझे हराना चाहते हो। मैं तुमसे कहता हूँ कि तुम मुझे कभी नहीं हरा पाओगे। यदि तुम मुझे नष्ट करने के लिए इतने चतुर हो, तो निश्चिंत रहो कि मैं भी तुम्हारा यही हाल करूंगा।'

"'आपने मेरी कई प्रशंसाएँ की हैं, श्री मोरियार्टी,' मैंने कहा। 'मैं भी बदले में आपकी प्रशंसा करते हुए कहूँ कि यदि मुझे पहली संभावना का आश्वासन मिल जाए, तो मैं जनता के हित में दूसरी संभावना को सहर्ष स्वीकार कर लूंगा।'"

"'मैं तुम्हें एक का वादा कर सकता हूं, लेकिन दूसरे का नहीं,' उसने गुर्राते हुए कहा और मेरी तरफ पीठ करके कमरे से बाहर झांकते और पलकें झपकाते हुए चला गया।

"प्रोफेसर मोरियार्टी के साथ मेरा वह एकमात्र साक्षात्कार था। मैं स्वीकार करता हूँ कि इसने मेरे मन पर अप्रिय प्रभाव छोड़ा। उनकी कोमल, सटीक बोलने की शैली से ईमानदारी का ऐसा विश्वास उत्पन्न होता है जो किसी धूर्त व्यक्ति में नहीं हो सकता। बेशक, आप कहेंगे: 'उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं की गई?' इसका कारण यह है कि मुझे पूरा विश्वास है कि उन्हीं के एजेंटों द्वारा हमला किया जाएगा। मेरे पास इसके पुख्ता सबूत हैं।"

“क्या आप पर पहले ही हमला हो चुका है?”

“मेरे प्रिय वॉटसन, प्रोफ़ेसर मोरियार्टी ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो खाली बैठे रहें। मैं दोपहर के करीब ऑक्सफ़ोर्ड स्ट्रीट में कुछ काम से निकला था। जैसे ही मैं बेंटिक स्ट्रीट से वेल्बेक स्ट्रीट क्रॉसिंग की ओर जाने वाले कोने से गुज़रा, एक दो घोड़ों वाली वैन तेज़ी से मेरी ओर आई और पलक झपकते ही मेरी तरफ़ बढ़ गई। मैं फुटपाथ की ओर भागा और बाल-बाल बच गया। वैन मैरीलेबोन लेन से घूमकर पलक झपकते ही गायब हो गई। उसके बाद मैं फुटपाथ पर ही चलता रहा, वॉटसन, लेकिन जैसे ही मैं वेरे स्ट्रीट से नीचे आया, एक घर की छत से एक ईंट गिरी और मेरे पैरों के पास चूर-चूर हो गई। मैंने पुलिस को बुलाया और जगह की जाँच करवाई। छत पर कुछ मरम्मत के लिए स्लेट और ईंटें रखी हुई थीं, और वे मुझे यह विश्वास दिलाना चाहते थे कि हवा से उनमें से एक गिर गई थी। बेशक मुझे बेहतर पता था, लेकिन मैं कुछ भी साबित नहीं कर सका। उसके बाद मैंने एक टैक्सी ली और पेल मॉल में अपने भाई के कमरे में पहुंचा, जहाँ मैंने पूरा दिन बिताया। अब मैं मैं आपके पास आया था, और रास्ते में मुझ पर एक बदमाश ने लाठी से हमला कर दिया। मैंने उसे नीचे गिरा दिया, और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है; लेकिन मैं आपको पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि जिस सज्जन के दाँतों पर मैंने अपनी उंगलियाँ घिसी हैं, और उस गणित के शिक्षक के बीच कोई संबंध नहीं हो सकता, जो शायद दस मील दूर किसी ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल कर रहे होंगे। वॉटसन, आपको आश्चर्य नहीं होगा कि आपके कमरे में प्रवेश करते ही मैंने सबसे पहले आपके शटर बंद किए, और मुझे घर से बाहर निकलने के लिए सामने के दरवाजे के बजाय किसी कम ध्यान खींचने वाले रास्ते से जाने की अनुमति माँगनी पड़ी।

मैंने अक्सर अपने दोस्त के साहस की प्रशंसा की थी, लेकिन अब से पहले कभी इतनी नहीं, जब वह चुपचाप बैठकर उन घटनाओं की एक श्रृंखला का ब्यौरा दे रहा था, जो मिलकर एक भयावह दिन का निर्माण करती होंगी।

मैंने कहा, "क्या तुम आज रात यहीं रुकोगे?"

नहीं, मेरे दोस्त, तुम मुझे एक खतरनाक मेहमान समझ सकते हो। मैंने अपनी योजना बना ली है, और सब ठीक हो जाएगा। मामला अब इतना आगे बढ़ चुका है कि गिरफ्तारी के मामले में मेरी मदद के बिना भी काम चल सकता है, हालांकि दोष सिद्ध करने के लिए मेरी उपस्थिति आवश्यक है। इसलिए यह स्पष्ट है कि पुलिस के कार्रवाई करने से पहले बचे कुछ दिनों के लिए मेरे लिए यहाँ से चले जाना ही बेहतर है। इसलिए, अगर तुम मेरे साथ महाद्वीप पर आ सको तो मुझे बहुत खुशी होगी।

मैंने कहा, "यह क्लिनिक शांत है, और मेरा पड़ोसी भी बहुत सहयोगी है। मुझे आने में खुशी होगी।"

और कल सुबह से शुरू करें?

"यदि आवश्यक है।"

“ओह, जी हाँ, यह अत्यंत आवश्यक है। तो ये आपके निर्देश हैं, और मैं आपसे विनती करता हूँ, मेरे प्रिय वॉटसन, कि आप इनका अक्षरशः पालन करें, क्योंकि आप अब यूरोप के सबसे चालाक बदमाश और सबसे शक्तिशाली आपराधिक गिरोह के खिलाफ मेरे साथ दोहरी चाल चल रहे हैं। अब सुनो! आज रात आप अपना सारा सामान एक भरोसेमंद संदेशवाहक के द्वारा विक्टोरिया को संबोधित किए बिना भेज दें। सुबह आप एक हैंसम (गाड़ी) मंगवाएँ, और अपने आदमी से कहें कि वह जो भी पहली या दूसरी गाड़ी मिले, उसे न ले। आप इस हैंसम में कूद जाएँ, और लोथर आर्केड के स्ट्रैंड छोर तक जाएँ, और टैक्सी चालक को कागज की एक पर्ची पर पता दें, और उससे अनुरोध करें कि वह इसे फेंके नहीं। अपना किराया तैयार रखें, और जैसे ही आपकी टैक्सी रुके, आर्केड से दौड़ते हुए निकलें, और ध्यान रखें कि आप ठीक सवा नौ बजे

दूसरी तरफ पहुँच जाएँ। आपको फुटपाथ के पास एक छोटी बग्घी (गाड़ी) खड़ी मिलेगी, जिसे एक भारी काले लबादे वाला व्यक्ति चला रहा होगा, जिसके कॉलर पर लाल रंग की पट्टी लगी होगी। इसमें आप बैठ जाएँ। बस कदम बढ़ाते जाइए, और आप कान्टिनेंटल एक्सप्रेस पकड़ने के लिए समय पर विक्टोरिया पहुंच जाएंगे।"

मैं आपसे कहाँ मिलूँ?

“स्टेशन पर। आगे से दूसरा प्रथम श्रेणी का डिब्बा हमारे लिए आरक्षित होगा।”

तो क्या हमारा मिलन स्थल गाड़ी ही है?

"हाँ।"

मैंने होम्स से शाम रुकने का जो अनुरोध किया, वह व्यर्थ ही था। मुझे स्पष्ट रूप से समझ आ गया था कि उसे लगा कि वह जिस छत के नीचे है, वहाँ मुसीबत खड़ी कर सकता है, और यही कारण था कि वह चला गया। कल की योजनाओं के बारे में कुछ जल्दबाज़ी में बातें करने के बाद वह उठा और मेरे साथ बगीचे में आया। उसने मॉर्टिमर स्ट्रीट की ओर जाने वाली दीवार फांद ली और तुरंत एक गाड़ी के लिए सीटी बजाई, जिसे मैंने उसकी गाड़ी में बैठकर जाते हुए सुना।

सुबह मैंने होम्स के निर्देशों का अक्षरशः पालन किया। एक हैंसम (गाड़ी) का इंतज़ाम किया गया, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि वह पहले से हमारे लिए तैयार न रखी गई हो। नाश्ते के तुरंत बाद मैं लोथर आर्केड के लिए रवाना हुआ और पूरी रफ्तार से वहां से गुजरा। वहां एक बग्घी (घोड़ागाड़ी) इंतजार कर रही थी, जिसमें एक भारी-भरकम ड्राइवर था, जिसने गहरे रंग का लबादा ओढ़ रखा था। जैसे ही मैं उसमें बैठा, उसने गाड़ी को चाबुक मारा और विक्टोरिया स्टेशन की ओर तेजी से निकल गया। मेरे वहां उतरते ही उसने गाड़ी मोड़ी और मेरी तरफ देखे बिना ही फिर से तेजी से भाग गया।

अब तक सब कुछ ठीक चल रहा था। मेरा सामान मेरा इंतज़ार कर रहा था, और मुझे होम्स द्वारा बताए गए डिब्बे को ढूंढने में कोई कठिनाई नहीं हुई, खासकर इसलिए क्योंकि ट्रेन में वही एक डिब्बा "बुकिंग के लिए आरक्षित" था। अब मेरी चिंता का एकमात्र कारण होम्स का न आना था। स्टेशन की घड़ी में हमारे चलने के निर्धारित समय से केवल सात मिनट बचे थे। मैंने यात्रियों और विदाई लेने वालों के समूहों में अपने दोस्त की तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। मैंने कुछ मिनट एक आदरणीय इतालवी पादरी की मदद करने में बिताए, जो एक कुली को उसकी टूटी-फूटी अंग्रेजी में यह समझाने की कोशिश कर रहे थे कि उनका सामान पेरिस तक बुक किया गया है। फिर, चारों ओर एक नज़र डालने के बाद, मैं अपने डिब्बे में लौट आया, जहाँ मैंने पाया कि कुली ने टिकट होने के बावजूद, मेरे बूढ़े इतालवी दोस्त को ही मेरे साथ यात्रा करने के लिए भेज दिया था। उसे यह समझाना मेरे लिए व्यर्थ था कि उसकी उपस्थिति एक अतिक्रमण है, क्योंकि मेरी इतालवी भाषा उसकी अंग्रेजी से भी कहीं अधिक सीमित थी, इसलिए मैंने निराशापूर्वक अपने कंधे उचका दिए और अपने मित्र की बेसब्री से तलाश करता रहा। मेरे मन में भय की एक सिहरन दौड़ गई थी, क्योंकि मुझे लगा कि उसकी अनुपस्थिति का अर्थ यह हो सकता है कि रात में कोई दुर्घटना हुई हो। सभी दरवाजे बंद हो चुके थे और सीटी बज चुकी थी, तभी—

“मेरे प्यारे वाटसन,” एक आवाज ने कहा, “आपने सुप्रभात कहने की भी जहमत नहीं उठाई।”

मैं अचंभित होकर मुड़ा। बूढ़े पादरी ने अपना चेहरा मेरी ओर कर लिया था। एक पल के लिए झुर्रियाँ गायब हो गईं, नाक ठुड्डी से दूर हो गई, निचला होंठ बाहर निकला हुआ नहीं रहा और मुँह से निकलने वाली बड़बड़ाहट भी शांत हो गई, बेजान आँखों में

फिर से चमक आ गई, और झुका हुआ शरीर फैल गया। अगले ही पल पूरा ढाँचा फिर से ढह गया, और होम्स जितनी जल्दी आया था उतनी ही जल्दी चला गया।

"हे भगवान!" मैं चिल्लाई, "आपने मुझे कितना चौंका दिया!"

"अभी भी हर सावधानी बरतनी ज़रूरी है" उसने फुसफुसाते हुए कहा। "मुझे लगता है कि वे हमारा पीछा कर रहे हैं। अरे, वहाँ तो मोरियार्टी खुद है।"

होम्स के बोलते ही ट्रेन चलने लगी थी। पीछे मुड़कर देखा तो एक लंबा आदमी भीड़ में से रास्ता बनाते हुए तेज़ी से आगे बढ़ रहा था और हाथ हिला रहा था मानो ट्रेन को रुकवाना चाहता हो। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी, क्योंकि ट्रेन तेज़ी से रफ्तार पकड़ रही थी और पल भर में ही स्टेशन से आगे निकल गई।

"हमारी तमाम सावधानियों के बावजूद, आप देख सकते हैं कि हम बाल-बाल बच गए," होम्स ने हंसते हुए कहा। वह उठा और अपने भेष को बनाने वाले काले चोगे और टोपी को उतारकर एक हैंडबैग में रख लिया।

"क्या तुमने सुबह का अखबार देखा है, वॉटसन?"

"नहीं।"

"तो आपने बेकर स्ट्रीट के बारे में नहीं देखा है?"

"बेकर स्ट्रीट?"

"उन्होंने कल रात हमारे कमरों में आग लगा दी थी। कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।"

"हे भगवान, होम्स, यह तो असहनीय है!"

"उनके गुंडे की गिरफ्तारी के बाद वे मेरा पता पूरी तरह से खो बैठे होंगे। वरना वे यह सोच भी नहीं सकते थे कि मैं अपने कमरे में लौट आया हूँ। उन्होंने जाहिर तौर पर आप पर नजर रखी है, और इसी वजह से मोरियार्टी विक्टोरिया आया है। आप आने में कोई गलती तो नहीं कर सकते थे?"

मैंने बिलकुल वही किया जो आपने सलाह दी थी।

"क्या आपको अपनी बग्घी मिल गई?"

"हां, यह इंतजार कर रहा था।"

क्या आपने अपने कोचमैन को पहचाना?

"नहीं।"

"यह मेरा भाई माइक्रॉफ्ट था। ऐसे मामले में किसी भाड़े के सैनिक को अपने भरोसे में लिए बिना काम करना फायदेमंद होता है। लेकिन अब हमें मोरियार्टी के बारे में योजना बनानी होगी।"

"चूंकि यह एक एक्सप्रेस ट्रेन है, और नाव इसके साथ ही चलती है, मुझे लगता है कि हमने उसे बहुत प्रभावी ढंग से चकमा दे दिया है।"

"मेरे प्रिय वॉटसन, जब मैंने कहा था कि इस व्यक्ति को बौद्धिक रूप से मेरे समान माना जा सकता है, तो आप शायद मेरे कहने का अर्थ नहीं समझ पाए। आप यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि यदि मैं उसका पीछा कर रहा होता, तो मैं इतनी मामूली बाधा से हार मान लेता। फिर आप उसके बारे में इतना नीचा क्यों सोचते हैं?"

"आपका क्या करते हैं?"

मुझे क्या करना चाहिए?

"फिर तुम क्या करोगे?"

किसी विशेषज्ञ से संपर्क करें।

लेकिन अब तो काफी देर हो चुकी होगी।

"बिल्कुल नहीं। यह ट्रेन कैंटरबरी में रुकती है; और नाव पर हमेशा कम से कम पंद्रह मिनट की देरी होती है। वह हमें वहीं पकड़ लेगा।"

“ऐसा लगता है जैसे हम ही अपराधी हों। चलो, उसके आते ही उसे गिरफ्तार करवा देते हैं।”

“इससे तीन महीने की मेहनत बर्बाद हो जाएगी। हमें बड़ी मछली तो पकड़ लेनी चाहिए, लेकिन छोटी मछलियाँ जाल से निकलकर इधर-उधर भागती रहेंगी। सोमवार तक तो हमें सारी मछलियाँ पकड़ लेनी चाहिए। नहीं, गिरफ्तारी स्वीकार्य नहीं है।”

"तो क्या?"

हम कैंटरबरी में उतर जाएंगे।

"और तब?"

“तो फिर हमें न्यूहेवन तक लंबी यात्रा करनी होगी, और फिर वहां से डाइपे जाना होगा। मोरियार्टी वही काम करेगा जो मुझे करना चाहिए। वह पेरिस जाएगा, हमारे सामान की सूची बनाएगा और डिपो में दो दिन इंतजार करेगा। इस बीच हम अपने लिए कुछ कालीन के थैले खरीद लेंगे, जिन देशों से होकर हम गुजरेंगे वहां के निर्माताओं को प्रोत्साहित करेंगे, और आराम से लक्ज़मबर्ग और बेसल होते हुए स्विट्जरलैंड की ओर चलेंगे।”

इसलिए, हम कैंटरबरी में उतरे, लेकिन हमें पता चला कि न्यूहेवन जाने वाली ट्रेन पकड़ने के लिए हमें एक घंटे तक इंतजार करना पड़ेगा।

मैं अब भी अपने कपड़ों से भरे उस सामान ढोने वाले डिब्बे को बड़े दुख के साथ देख रहा था जो तेजी से गायब हो रहा था, तभी होम्स ने मेरी आस्तीन खींची और रस्सी की ओर इशारा किया।

“देखिए, पहले से ही,” उसने कहा।

दूर केंट के जंगलों के बीच से धुएं का एक पतला सा गुबार उठा। एक मिनट बाद, स्टेशन की ओर जाने वाले खुले मोड़ पर एक गाड़ी और इंजन तेज़ी से दौड़ते हुए दिखाई दिए। सामान के ढेर के पीछे छिपने का हमें मुश्किल से ही समय मिला था कि वह गाड़ी खड़खड़ाहट और गर्जना के साथ गुज़र गई, और गर्म हवा का एक झोंका हमारे चेहरों पर लगा।

“देखो, वो चला गया,” होम्स ने कहा, जब हम गाड़ी को झूलते और डगमगाते हुए देख रहे थे। “देखो, हमारे दोस्त की बुद्धिमत्ता की भी सीमाएँ हैं। अगर उसने वही अनुमान लगाया होता जो मैंने लगाया था और उसी के अनुसार काम किया होता, तो यह एक निर्णायक जीत होती।”

और अगर वह हमें पकड़ लेता तो क्या करता?

“इसमें जरा भी संदेह नहीं है कि वह मुझ पर जानलेवा हमला कर सकता था। लेकिन यह एक ऐसा खेल है जिसमें दो लोग खेल सकते हैं। अब सवाल यह है कि क्या हमें यहीं जल्दी दोपहर का भोजन कर लेना चाहिए, या न्यूहेवन के बुफे तक पहुँचने से पहले ही भूख से मरने का जोखिम उठाना चाहिए।”

हम उसी रात ब्रसेल्स के लिए रवाना हुए और वहाँ दो दिन बिताए, तीसरे दिन स्ट्रासबर्ग तक आगे बढ़े। सोमवार की सुबह होम्स ने लंदन पुलिस को टेलीग्राम भेजा था, और शाम को हमें अपने होटल में उसका जवाब मिला। होम्स ने उसे फाड़कर खोला और फिर गुस्से में बड़बड़ाते हुए उसे चूल्हे में फेंक दिया।

“मुझे पता होना चाहिए था!” वह कराह उठा। “वह भाग गया!”

“मोरियार्टी?”

“उन्होंने उसके अलावा पूरे गिरोह को पकड़ लिया है। वह उन्हें चकमा देकर भाग गया है। बेशक, जब मैं देश छोड़कर गया था, तब उससे निपटने वाला कोई नहीं था। लेकिन मुझे लगा था कि मैंने खेल उनके हाथों में सौंप दिया है। मुझे लगता है कि वाटसन, तुम्हें इंग्लैंड वापस लौट जाना चाहिए।”

"क्यों?"

“क्योंकि अब आप मुझे एक खतरनाक साथी पाएंगे। इस आदमी का पेशा खत्म हो चुका है। अगर वह लंदन लौटता है तो उसका भविष्य अंधकारमय होगा। अगर मैंने उसके स्वभाव को सही समझा है तो वह अपनी सारी ऊर्जा मुझसे बदला लेने में लगा देगा। उसने हमारी संक्षिप्त मुलाकात में यही कहा था, और मुझे लगता है कि उसका यही इरादा था। मैं आपको सलाह दूंगा कि आप अपने पेशे में वापस लौट जाएं।”

एक अनुभवी और पुराने मित्र को प्रभावित करने की कोशिश में यह अपील शायद ही सफल हो पाती। हम स्ट्रासबर्ग के बैठक कक्ष में आधे घंटे तक इस मुद्दे पर बहस करते रहे, लेकिन उसी रात हमने अपनी यात्रा फिर से शुरू कर दी और जिनेवा की ओर चल पड़े।

एक सुखद सप्ताह के लिए हम रोन घाटी में घूमते रहे, और फिर ल्यूक से मुड़कर, बर्फ से ढके जेम्मी दर्रे को पार करते हुए, इंटरलेकन होते हुए मेइरिंगेन पहुंचे। यह एक मनमोहक यात्रा थी, नीचे वसंत की हरी-भरी हरियाली और ऊपर सर्दियों की निर्मल सफेदी; लेकिन मुझे यह स्पष्ट था कि होम्स एक पल के लिए भी अपने ऊपर मंडरा रहे साये को नहीं भूले। साधारण अल्पाइन गांवों में हो या सुनसान पहाड़ी दर्रों में, मैं अब भी उनकी तेज नजरों और हमारे सामने से गुजरने वाले हर चेहरे की पैनी निगाहों से समझ सकता था कि उन्हें पूरा यकीन था कि हम चाहे जहां भी चले जाएं, हम उस खतरे से बच नहीं सकते जो हमारे कदमों का पीछा कर रहा था।

मुझे याद है, एक बार जब हम जेम्मी नदी पार कर रहे थे और उदास डाउबेनसी झील के किनारे-किनारे चल रहे थे, तभी हमारे दाहिनी ओर की पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर लुढ़ककर पीछे झील में जा गिरा और ज़ोरदार आवाज़ हुई। पलक झपकते ही होम्स पहाड़ी पर चढ़ गए और एक ऊंची चोटी पर खड़े होकर चारों ओर गर्दन घुमाने लगे। हमारे गाइड ने उन्हें समझाया कि वसंत ऋतु में उस जगह पर पत्थरों का गिरना आम बात है, लेकिन उनकी कोशिश बेकार गई। उन्होंने कुछ नहीं कहा, बस मेरी तरफ मुस्कुराते हुए ऐसे भाव से देखा जैसे उनकी उम्मीद पूरी हो गई हो।

और अपनी तमाम सतर्कता के बावजूद वे कभी उदास नहीं हुए। इसके विपरीत, मुझे याद नहीं आता कि मैंने उन्हें कभी इतने प्रसन्न देखा हो। वे बार-बार इस बात पर ज़ोर देते थे कि अगर उन्हें यह आश्वासन मिल जाए कि समाज प्रोफ़ेसर मोरियार्टी से मुक्त हो गया है, तो वे खुशी-खुशी अपने करियर को समाप्त कर देंगे।

“वाटसन, मुझे लगता है कि मैं यह कहने की हद तक जा सकता हूँ कि मेरा जीवन पूरी तरह व्यर्थ नहीं गया,” उन्होंने कहा। “अगर आज रात मेरा रिकॉर्ड बंद हो जाए, तो भी मैं उसे शांति से देख सकता हूं। लंदन की हवा मेरी मौजूदगी से और भी मीठी हो गई है। एक हज़ार से ज़्यादा मामलों में, मुझे याद नहीं कि मैंने कभी भी अपनी शक्तियों का इस्तेमाल गलत पक्ष पर किया हो। हाल ही में, मुझे प्रकृति द्वारा प्रदत्त समस्याओं पर ध्यान देने का मन हुआ है, बजाय उन सतही समस्याओं के जिनके लिए हमारी कृत्रिम सामाजिक व्यवस्था ज़िम्मेदार है। वाटसन, आपके संस्मरण उस दिन समाप्त हो जाएंगे जब मैं यूरोप के सबसे खतरनाक और सक्षम अपराधी को पकड़कर या उसे मौत के घाट उतारकर अपने करियर को शिखर पर पहुँचाऊंगा।”

जो कुछ मुझे बताना बाकी है, उसमें मैं संक्षेप में, लेकिन सटीक रूप से अपनी बात रखूंगा। यह ऐसा विषय नहीं है जिस पर मैं स्वेच्छा से विस्तार से चर्चा करना चाहूं, फिर भी मैं इस बात से अवगत हूं कि मेरा कर्तव्य है कि मैं कोई भी विवरण न छोड़ूं।

तीन मई को हम मेईरिंगेन नामक छोटे से गाँव पहुँचे, जहाँ हमने पीटर स्टीलर सीनियर द्वारा संचालित इंग्लिशर हॉफ में अपना कमरा लिया। हमारे मकान मालिक एक बुद्धिमान व्यक्ति थे और बहुत अच्छी अंग्रेज़ी बोलते थे, क्योंकि उन्होंने लंदन के

ग्रोसवेनर होटल में तीन साल तक वेटर के रूप में काम किया था। उनकी सलाह पर, चार मई की दोपहर को हम सब पहाड़ियों को पार करके रोसेनलाउई नामक छोटे से गाँव में रात बिताने के इरादे से निकल पड़े। हालांकि, हमें सख्त हिदायत दी गई थी कि पहाड़ियों के लगभग आधे रास्ते में स्थित राइचेनबाख जलप्रपात को देखने के लिए थोड़ा सा रास्ता बदले बिना किसी भी हालत में आगे न बढ़ें।

यह सचमुच एक भयानक जगह है। पिघलती बर्फ से उफनता हुआ जलप्रपात एक विशाल खाई में गिरता है, जहाँ से पानी की फुहार जलते हुए घर के धुएँ की तरह ऊपर उठती है। जिस खाई में नदी गिरती है, वह एक विशाल दरार है, जो चमकदार कोयले जैसी काली चट्टानों से घिरी है और एक अथाह गहराई वाले उबलते हुए गड्ढे में सिमटती जाती है, जो उफान मारते हुए अपने ऊबड़-खाबड़ किनारे से पानी को आगे की ओर उछाल देती है। हरे पानी की लंबी धारा लगातार नीचे की ओर गरजती रहती है, और पानी की घनी, झिलमिलाती हुई फुहार लगातार ऊपर की ओर उठती रहती है, उनकी निरंतर गड़गड़ाहट और शोर से मनुष्य का सिर चकरा जाता है। हम किनारे के पास खड़े होकर नीचे काली चट्टानों के बीच टूटते पानी की चमक को देख रहे थे, और खाई से फुहार के साथ गूंजती हुई आधी-मानवीय चीख को सुन रहे थे।

झरने के चारों ओर आधा रास्ता बनाया गया है ताकि पूरा नज़ारा दिख सके, लेकिन यह रास्ता अचानक खत्म हो जाता है और यात्री को उसी रास्ते से लौटना पड़ता है जिससे वह आया था। हम ऐसा करने के लिए मुड़े ही थे कि हमने एक स्विस लड़के को हाथ में एक पत्र लिए दौड़ते हुए देखा। उस पर उसी होटल का निशान था जिसे हम अभी-अभी छोड़कर आए थे और वह पत्र होटल मालिक ने मुझे भेजा था। ऐसा प्रतीत हुआ कि हमारे जाने के कुछ ही मिनटों के भीतर एक अंग्रेज़ महिला वहाँ पहुँची थी जो टीबी की अंतिम अवस्था में थी। उसने दावोस प्लात्ज़ में सर्दियाँ बिताई थीं और अब ल्यूसर्न में अपने दोस्तों से मिलने जा रही थी, तभी अचानक उसे रक्तस्राव हो गया। ऐसा माना जा रहा था कि वह मुश्किल से कुछ घंटे ही जीवित रह पाएगी, लेकिन एक अंग्रेज़ डॉक्टर को देखना उसके लिए बहुत बड़ी राहत होगी, और अगर मैं वापस लौट जाऊँ, इत्यादि। भले स्टीलर ने मुझे पत्र के अंत में आश्वासन दिया कि वह स्वयं मेरे सहयोग को एक बहुत बड़ा उपकार समझेगा, क्योंकि महिला ने स्विस चिकित्सक को दिखाने से बिल्कुल इनकार कर दिया था, और वह स्वयं को एक बड़ी ज़िम्मेदारी का भागी महसूस कर रहा था।

यह अपील ऐसी थी जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता था। एक अनजान धरती पर मर रही अपनी हमवतन की विनती को ठुकराना नामुमकिन था। फिर भी होम्स को छोड़ने में मुझे हिचकिचाहट हो रही थी। आखिरकार यह तय हुआ कि जब मैं मीरिंगेन लौटूंगी, तब तक वह उस युवा स्विस संदेशवाहक को अपने साथ मार्गदर्शक और साथी के रूप में रखेगा। उसने कहा कि मेरा दोस्त झरने पर कुछ देर रुकेगा और फिर धीरे-धीरे पहाड़ी पार करके रोसेनलाउई जाएगा, जहाँ मुझे शाम को उससे मिलना था। जैसे ही मैं मुड़ी, मैंने होम्स को एक चट्टान से पीठ टिकाए, बाहें मोड़े, बहते पानी को निहारते देखा। इस दुनिया में यही आखिरी बार था जब मैंने उसे देखा।

जब मैं ढलान के निचले हिस्से के पास पहुँचा तो मैंने पीछे मुड़कर देखा। उस स्थिति से झरने को देखना असंभव था, लेकिन मुझे पहाड़ियों के ढलान से होकर गुजरने वाला घुमावदार रास्ता दिखाई दे रहा था जो झरने तक जाता था। मुझे याद है, उस रास्ते पर एक आदमी बहुत तेज़ी से चल रहा था।

मुझे उसके पीछे हरी पृष्ठभूमि में उसकी काली आकृति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। मैंने उसे और उसके चलने की ऊर्जा को देखा, लेकिन जैसे ही मैं अपने काम के लिए आगे बढ़ा, वह मेरे दिमाग से फिर से निकल गया।

मुझे मीरिंगन पहुँचने में शायद एक घंटे से थोड़ा अधिक समय लगा होगा। बूढ़ा स्टीलर अपने होटल के बरामदे में खड़ा था।

“अच्छा,” मैंने जल्दी से आते हुए कहा, “मुझे उम्मीद है कि उसकी हालत और खराब नहीं होगी?”

उसके चेहरे पर हैरानी के भाव छा गए, और उसकी भौहों की पहली हल्की सी हलचल देखकर मेरा दिल बैठ गया।

“यह तुमने नहीं लिखा?” मैंने अपनी जेब से चिट्ठी निकालते हुए कहा। “होटल में कोई बीमार अंग्रेज महिला तो नहीं है?”

“बिल्कुल नहीं!” वह चिल्लाया। “लेकिन इस पर होटल का निशान है! हा हा, इसे उस लंबे अंग्रेज़ ने लिखा होगा जो आपके जाने के बाद आया था। उसने कहा था—”

लेकिन मैंने मकान मालिक के किसी स्पष्टीकरण का इंतज़ार नहीं किया। डर के मारे मैं गाँव की गली में दौड़ रहा था और उसी रास्ते की ओर बढ़ रहा था जिससे मैं अभी-अभी नीचे आया था। नीचे आने में मुझे एक घंटा लग गया था। मेरी सारी कोशिशों के बावजूद दो घंटे और बीत गए, तब जाकर मैं एक बार फिर राइचेनबैक की पहाड़ी पर पहुँचा। होम्स का पहाड़ी ढांचा अभी भी उसी चट्टान से टिका हुआ था जहाँ मैंने उसे छोड़ा था। लेकिन उसका कोई निशान नहीं था, और मेरा चिल्लाना व्यर्थ था। मेरी आवाज़ ही मेरे चारों ओर की चट्टानों से गूंजती हुई गूंज के रूप में सुनाई दी।

उस पहाड़ी आदमी को देखकर मेरा मन काँप उठा और मैं बीमार पड़ गया। वह रोसेनलाउई नहीं गया था। वह उस तीन फुट चौड़े रास्ते पर ही रुका रहा, जिसके एक तरफ सीधी दीवार थी और दूसरी तरफ गहरी खाई, जब तक कि उसके दुश्मन ने उसे पकड़ नहीं लिया। वह नौजवान स्विस भी चला गया था। शायद वह मोरियार्टी से पैसे लेता था और उन दोनों को वहीं छोड़कर चला गया था। और फिर क्या हुआ? हमें कौन बताएगा कि उसके बाद क्या हुआ था?

मैं एक-दो मिनट के लिए खड़ा रहा ताकि खुद को संभाल सकूँ, क्योंकि उस भयानक घटना से मैं स्तब्ध था। फिर मैंने होम्स के तरीकों के बारे में सोचना शुरू किया और इस त्रासदी को पढ़ते हुए उन्हें आज़माने की कोशिश की। अफसोस, ऐसा करना बहुत आसान था। हमारी बातचीत के दौरान हम रास्ते के अंत तक नहीं गए थे, और अल्पाइन झाड़ियों ने उस जगह को चिह्नित कर रखा था जहाँ हम खड़े थे। काली मिट्टी लगातार उड़ती फुहारों से हमेशा नरम रहती है, और कोई पक्षी उस पर अपने पैरों के निशान छोड़ जाता है। रास्ते के दूर वाले छोर पर पैरों के निशानों की दो लकीरें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं, दोनों मुझसे दूर जा रही थीं। कोई भी वापस नहीं आ रहा था। अंत से कुछ गज की दूरी पर मिट्टी पूरी तरह से जोतकर कीचड़ का एक पैच बना दिया गया था, और खाई के किनारे उगी झाड़ियाँ और फर्न उखड़ कर बिखर गई थीं। मैं अपने चेहरे के बल लेट गया और चारों ओर उछलती फुहारों के बीच से झाँकने लगा। मेरे जाने के बाद से अंधेरा छा गया था, और अब मुझे काली दीवारों पर कहीं-कहीं नमी की हल्की चमक दिखाई दे रही थी, और दूर नीचे खाई के अंत में टूटे हुए पानी की हल्की रोशनी झलक रही थी। मैंने चिल्लाया; लेकिन गिरने की वही अधूरी मानवीय चीख मेरे कानों तक ही पहुँची।

लेकिन नियति में लिखा था कि मुझे अपने मित्र और साथी से अंतिम शुभकामनाएँ मिलनी ही थीं। मैंने बताया था कि उसका अल्पाइन स्टॉक रास्ते में उभरी एक चट्टान से टिका हुआ था। उस चट्टान के ऊपर से किसी चमकदार चीज़ की रोशनी मेरी नज़र में आई, और हाथ उठाकर देखा तो वह उसके चाँदी के सिगरेट केस से आ रही थी जिसे वह अक्सर अपने साथ रखता था। जैसे ही मैंने उसे उठाया, जिस पर वह रखा था, कागज़ का एक छोटा सा टुकड़ा ज़मीन पर गिर गया। उसे खोलकर देखा तो पाया कि

वह उसकी नोटबुक से फाड़े गए तीन पन्ने थे और मुझे संबोधित थे। यह उस व्यक्ति की विशेषता थी कि पता इतना सटीक था और लिखावट इतनी स्पष्ट और दृढ़ थी मानो उसने उसे अपने अध्ययन कक्ष में लिखा हो।

मेरे प्रिय वाटसन [इसमें लिखा था]:

श्री मोरियार्टी की कृपा से मैं ये कुछ पंक्तियाँ लिख रहा हूँ, जो हमारे बीच लंबित प्रश्नों पर अंतिम चर्चा के लिए मेरी सुविधानुसार प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने मुझे उन तरीकों का संक्षिप्त विवरण दिया है जिनसे उन्होंने अंग्रेजी पुलिस से बचते हुए हमारी गतिविधियों की जानकारी रखी। इससे उनकी क्षमताओं के बारे में मेरी उच्च राय की पुष्टि होती है। मुझे यह सोचकर खुशी हो रही है कि मैं समाज को उनकी उपस्थिति के किसी भी प्रभाव से मुक्त कर सकूँगा, हालांकि मुझे डर है कि इसकी कीमत मेरे मित्रों को, और विशेष रूप से, मेरे प्रिय वाटसन, आपको दुख पहुँचाएगी। हालाँकि, मैं आपको पहले ही समझा चुका हूँ कि मेरा करियर किसी भी तरह से अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका था, और इससे बेहतर अंत मेरे लिए संभव नहीं था। वास्तव में, यदि मैं आपसे पूरी तरह से स्वीकारोक्ति करूँ, तो मुझे पूरा विश्वास था कि मीरिंगेन से आया पत्र एक धोखा था, और मैंने आपको इस विश्वास के साथ उस कार्य पर जाने की अनुमति दी थी कि कुछ ऐसा ही घटनाक्रम होगा। इंस्पेक्टर पैटरसन को बता दीजिए कि गिरोह को दोषी ठहराने के लिए आवश्यक कागजात कबूतरखाने M में हैं, जो नीले लिफाफे में बंद हैं और उस पर "मोरियार्टी" लिखा है। मैंने इंग्लैंड छोड़ने से पहले अपनी सारी संपत्ति का निपटारा कर दिया था और उसे अपने भाई माइक्रॉफ्ट को सौंप दिया था। कृपया श्रीमती वाटसन को मेरा नमस्कार कहिएगा, और मुझे अपना प्रिय साथी समझिएगा।

आपका अत्यंत हार्दिक धन्यवाद,

शर्लक होम्स।

कुछ शब्द ही शेष तथ्यों को संक्षेप में बताने के लिए पर्याप्त होंगे। विशेषज्ञों की जांच से इस बात में कोई संदेह नहीं रह जाता कि दोनों व्यक्तियों के बीच व्यक्तिगत संघर्ष का अंत, जैसा कि ऐसी स्थिति में होना ही था, एक-दूसरे की बाहों में जकड़े हुए उनके लड़खड़ाने के साथ हुआ। शवों को निकालने का कोई भी प्रयास पूरी तरह से निष्फल था, और उस भयानक उबलते पानी और खौलते झाग के गड्ढे में, अपनी पीढ़ी का सबसे खतरनाक अपराधी और कानून का सबसे बड़ा रक्षक हमेशा के लिए दफन रहेगा। स्विस युवक फिर कभी नहीं मिला, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह मोरियार्टी द्वारा नियुक्त कई एजेंटों में से एक था। गिरोह के बारे में, जनता को यह बात अच्छी तरह से याद होगी कि होम्स द्वारा जुटाए गए सबूतों ने उनके संगठन का किस प्रकार पर्दाफाश किया था, और मृत व्यक्ति का उन पर कितना गहरा प्रभाव था। कार्यवाही के दौरान उनके भयानक कारनामों के कुछ मुख्य विवरण सामने आए, और यदि मुझे अब उनके जीवन के बारे में स्पष्ट बयान देने के लिए मजबूर होना पड़ा है, तो यह उन अविवेकी समर्थकों के कारण है जिन्होंने उन पर हमले करके उनकी स्मृति को साफ करने का प्रयास किया है, जिन्हें मैं हमेशा अपने जीवन में सबसे अच्छे और सबसे बुद्धिमान व्यक्ति के रूप में मानूंगा।

बास्केरविलस का जासूस

श्री शर्लक होम्स

श्री शर्लक होम्स, जो आमतौर पर सुबह बहुत देर से उठते थे, सिवाय उन कुछ मौकों के जब वे पूरी रात जागते रहते थे, नाश्ते की मेज पर बैठे थे। मैं चूल्हे के पास बिछी चटाई पर खड़ा हुआ और वह छड़ी उठाई जो हमारे मेहमान पिछली रात वहीं छोड़ गए थे। यह लकड़ी का एक बढ़िया, मोटा टुकड़ा था, गोल सिरे वाला, जिसे "पेनांग लॉयर" कहा जाता है। सिरे के ठीक नीचे लगभग एक इंच चौड़ी चांदी की पट्टी थी। उस पर "जेम्स मॉर्टिमर, एम.आर.सी.एस., उनके सी.सी.एच. के मित्रों की ओर से," और "1884" लिखा हुआ था। यह ठीक वैसी ही छड़ी थी जैसी पुराने ज़माने के पारिवारिक चिकित्सक अपने साथ रखते थे - गरिमापूर्ण, ठोस और आश्वस्त करने वाली।

"अच्छा, वॉटसन, इस बारे में आपकी क्या राय है?"

होम्स मेरी तरफ पीठ करके बैठा था, और मैंने उसे अपने पेशे के बारे में कोई संकेत नहीं दिया था।

“तुम्हें कैसे पता चला कि मैं क्या कर रहा था? मुझे लगता है तुम्हारी पीठ के पीछे भी आंखें हैं।”

“मेरे सामने कम से कम एक चमकीली, चांदी की परत चढ़ी हुई कॉफी की केतली तो है,” उसने कहा। “लेकिन, वॉटसन, हमारे आगंतुक की इस छड़ी के बारे में आपका क्या विचार है? चूंकि हम उनसे मिलने से चूक गए हैं और हमें उनके उद्देश्य का भी कोई अंदाजा नहीं है, इसलिए यह आकस्मिक स्मृति चिन्ह महत्वपूर्ण हो जाता है। मुझे इस छड़ी की जांच करके उस व्यक्ति के बारे में अपनी राय बताएं।”

मैंने अपने साथी के तौर-तरीकों का यथासंभव अनुसरण करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि डॉ. मोर्टिमर एक सफल, बुजुर्ग चिकित्सक हैं, जिनका काफी सम्मान किया जाता है क्योंकि जो लोग उन्हें जानते हैं वे उनके प्रति अपनी प्रशंसा का यही संकेत देते हैं।"

“बहुत बढ़िया!” होम्स ने कहा। “शानदार!”

"मुझे लगता है कि इस बात की संभावना अधिक है कि वह एक ग्रामीण व्यवसायी हैं जो अपना अधिकांश दौरा पैदल ही करते हैं।"

"ऐसा किस लिए?"

“यह छड़ी, हालांकि मूल रूप से बहुत सुंदर थी, इतनी घिस चुकी है कि मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि कोई शहर का चिकित्सक इसे लेकर चलता होगा। लोहे का मोटा हैंडल घिस चुका है, जिससे स्पष्ट है कि वह इसे लेकर बहुत चला होगा।”

“बिल्कुल सही!” होम्स ने कहा।

और फिर, 'सी.सी.एच. के मित्र' भी हैं। मेरा अनुमान है कि यह समथिंग हंट है, स्थानीय शिकार समूह, जिसके सदस्यों को उन्होंने संभवतः कुछ शल्य चिकित्सा सहायता प्रदान की है, और जिसके बदले में उन्हें एक छोटा सा उपहार मिला है।

“सचमुच, वॉटसन, आपने तो कमाल ही कर दिया,” होम्स ने अपनी कुर्सी पीछे धकेलते हुए और सिगरेट जलाते हुए कहा। “मुझे कहना ही पड़ेगा कि आपने मेरी छोटी-छोटी उपलब्धियों के बारे में जितनी भी बातें बताई हैं, उनमें आपने हमेशा अपनी क्षमताओं को कम करके आंका है। हो सकता है कि आप स्वयं उतने प्रतिभाशाली न हों, लेकिन आप प्रकाश के वाहक हैं। कुछ लोग प्रतिभाहीन होते हुए भी उसे जगाने की अद्भुत क्षमता रखते हैं। मैं स्वीकार करता हूं, मेरे प्रिय मित्र, कि मैं आपका बहुत ऋणी हूं।”

उन्होंने पहले कभी इतना कुछ नहीं कहा था, और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि उनके शब्दों से मुझे बहुत खुशी हुई, क्योंकि मैं अक्सर उनकी इस उदासीनता से चिढ़ जाता था कि उन्होंने मेरी प्रशंसा को नज़रअंदाज़ कर दिया था और उनके तरीकों को प्रचारित करने के मेरे प्रयासों को भी अनदेखा कर दिया था। मुझे इस बात पर गर्व भी था

कि मैंने उनकी प्रणाली को इस हद तक समझ लिया था कि मैं उसे इस तरह से लागू कर पा रहा था जिससे उन्हें स्वीकृति मिल गई थी। अब उन्होंने मेरे हाथों से छड़ी ले ली और कुछ मिनटों तक उसे अपनी नंगी आँखों से देखा। फिर रुचि भरे भाव से उन्होंने अपनी सिगरेट नीचे रख दी, और छड़ी को खिड़की के पास ले जाकर, उन्होंने उसे उत्तल लेंस से फिर से देखा।

"दिलचस्प, हालांकि सरल," उसने सोफे के अपने पसंदीदा कोने में लौटते हुए कहा। "छड़ी पर निश्चित रूप से एक-दो संकेत हैं। इससे हमें कई निष्कर्ष निकालने का आधार मिलता है।"

"क्या मुझसे कुछ छूट गया है?" मैंने कुछ आत्मप्रशंसा के साथ पूछा। "मुझे विश्वास है कि मैंने कोई महत्वपूर्ण बात नहीं छोड़ी है?"

मुझे खेद है, मेरे प्रिय वॉटसन, कि आपके अधिकांश निष्कर्ष गलत थे। जब मैंने कहा कि आपने मुझे प्रेरित किया, तो मेरा स्पष्ट अर्थ यह था कि आपकी त्रुटियों को देखते हुए मैं कभी-कभी सत्य की ओर अग्रसर हुआ। ऐसा नहीं है कि आप इस मामले में पूरी तरह गलत हैं। वह व्यक्ति निश्चित रूप से ग्रामीण जीवन शैली का अभ्यास करने वाली है। और वह काफी पैदल चलता है।

"तो मैं सही था।"

"उस हद तक।"

लेकिन बस इतना ही था।

"नहीं, नहीं, मेरे प्रिय वॉटसन, बिल्कुल नहीं—बिल्कुल भी नहीं। उदाहरण के लिए, मैं यह सुझाव देना चाहूँगा कि किसी डॉक्टर को दी जाने वाली जानकारी किसी अस्पताल से आने की अधिक संभावना होती है, न कि किसी शिकार से, और जब उस अस्पताल के नाम के आगे 'सी.सी.' अक्षर लगाए जाते हैं, तो 'चारिंग क्रॉस' शब्द स्वाभाविक रूप से अपने आप ही उभर कर सामने आ जाता है।"

"आप शायद सही हो सकते हैं।"

"संभावना इसी दिशा में है। और अगर हम इसे एक कार्यशील परिकल्पना के रूप में लें, तो हमारे पास इस अज्ञात आगंतुक के निर्माण की शुरुआत करने के लिए एक नया आधार होगा।"

"तो फिर, अगर मान लें कि 'सी.सी.एच.' का मतलब 'चारिंग क्रॉस हॉस्पिटल' ही है, तो हम और क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?"

"क्या इनमें से कोई भी अपने आप नहीं सूझ रहा? आप मेरे तरीके जानते हैं। उन्हें लागू कीजिए!"

"मैं केवल इसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुँच सकता हूँ कि गाँव जाने से पहले उस व्यक्ति ने शहर में अभ्यास किया होगा।"

"मुझे लगता है कि हमें इससे थोड़ा आगे जाना चाहिए। इसे इस नज़रिए से देखें। किस अवसर पर ऐसा प्रस्तुतीकरण होने की सबसे अधिक संभावना है? उनके मित्र कब एकजुट होकर उन्हें अपनी सद्भावना का आश्वासन देंगे? ज़ाहिर है, उस समय जब डॉ. मोर्टिमर ने अस्पताल की सेवा से इस्तीफा देकर अपना खुद का क्लिनिक शुरू किया। हम जानते हैं कि एक प्रस्तुतीकरण हुआ था। हमारा मानना है कि शहर के अस्पताल से ग्रामीण क्षेत्र में क्लिनिक का स्थानांतरण हुआ था। तो क्या यह कहना अतिशयोक्ति होगी कि प्रस्तुतीकरण इसी परिवर्तन के अवसर पर हुआ था?"

"ऐसा होने की संभावना निश्चित रूप से अधिक लगती है।"

अब आप देखेंगे कि वह अस्पताल के स्टाफ में नहीं हो सकता था, क्योंकि ऐसा पद केवल लंदन में अच्छी तरह से स्थापित डॉक्टर ही संभाल सकता था, और ऐसा व्यक्ति देहात में नहीं जाता। तो फिर वह क्या था? यदि वह अस्पताल में था और फिर भी स्टाफ

में नहीं था, तो वह केवल एक हाउस-सर्जन या हाउस-फिज़िशियन ही हो सकता था - एक वरिष्ठ छात्र से थोड़ा ही अधिक। और उसने पाँच साल पहले नौकरी छोड़ दी - तारीख रिकॉर्ड में है। तो, मेरे प्रिय वॉटसन, आपका गंभीर, अधेड़ उम्र का पारिवारिक चिकित्सक हवा में गायब हो जाता है, और उसकी जगह एक तीस साल से कम उम्र का युवा, मिलनसार, महत्वाकांक्षी नहीं, भुलक्कड़ और एक प्यारे कुत्ते का मालिक उभरता है, जिसे मैं मोटे तौर पर टेरियर से बड़ा और मास्टिफ़ से छोटा बताऊँगा।

जब शर्लक होम्स अपने सोफे पर पीछे की ओर झुककर छत की ओर धुएं के छोटे-छोटे लहराते छल्ले उड़ाने लगे तो मैं अविश्वास से हंस पड़ा।

“जहां तक दूसरे भाग का सवाल है, मेरे पास आपकी जाँच करने का कोई साधन नहीं है,” मैंने कहा, “लेकिन कम से कम उस व्यक्ति की उम्र और पेशे के बारे में कुछ जानकारी जुटाना मुश्किल नहीं है।” मैंने अपनी छोटी सी मेडिकल अलमारी से मेडिकल डायरेक्टरी निकाली और नाम ढूँढा। कई मॉर्टिमर थे, लेकिन उनमें से केवल एक ही हमारा आगंतुक हो सकता था। मैंने उसका रिकॉर्ड ज़ोर से पढ़ा।

“मॉर्टिमर, जेम्स, एम.आर.सी.एस., 1882, ग्रिम्पेन, डार्टमूर, डेवोन। 1882 से 1884 तक चैरिंग क्रॉस अस्पताल में हाउस-सर्जन। तुलनात्मक पैथोलॉजी के लिए जैक्सन पुरस्कार के विजेता, 'क्या रोग एक प्रतिगमन है?' शीर्षक वाले निबंध के लिए। स्वीडिश पैथोलाजिकल सोसायटी के मानद सदस्य। 'सम फ्रीक्स ऑफ एटविज़्म' (लेंसेट 1882) और 'डू वी प्रोग्रेस?' (जर्नल ऑफ साइकोलॉजी, मार्च 1883) के लेखक। ग्रिम्पेन, थार्सले और हाई बैरो के परगनों के लिए चिकित्सा अधिकारी।”

“उस स्थानीय शिकार का कोई ज़िक्र नहीं, वॉटसन,” होम्स ने शरारती मुस्कान के साथ कहा, “लेकिन एक देहाती डॉक्टर का ज़िक्र ज़रूर हुआ, जैसा कि आपने बड़ी चतुराई से देखा। मुझे लगता है कि मेरे निष्कर्ष काफ़ी हद तक सही हैं। विशेषणों की बात करें तो, अगर मुझे सही याद है, तो मैंने कहा था, मिलनसार, महत्वाकांक्षी नहीं और भुलक्कड़। मेरा अनुभव यह है कि इस दुनिया में केवल एक मिलनसार व्यक्ति को ही प्रशंसा पत्र मिलते हैं, केवल एक महत्वाकांक्षी नहीं जो लंदन का करियर छोड़कर गाँव में जाता है, और केवल एक भुलक्कड़ जो आपके कमरे में एक घंटा इंतज़ार करने के बाद अपनी छड़ी छोड़ जाता है, अपना विज़िटिंग कार्ड नहीं।”

और कुत्ता?

“यह कुत्ता अपने मालिक के पीछे-पीछे इस छड़ी को ले जाने का आदी रहा है। छड़ी भारी होने के कारण उसने इसे बीच से कसकर पकड़ रखा है, और उसके दांतों के निशान साफ दिखाई दे रहे हैं। इन निशानों के बीच की जगह को देखकर लगता है कि कुत्ते का जबड़ा टेरियर के हिसाब से बहुत चौड़ा है और मास्टिफ़ के हिसाब से पर्याप्त चौड़ा नहीं है। हो सकता है—जी हां, यह घुंघराले बालों वाला स्पैनियल ही हो।”

बोलते-बोलते वह उठ खड़ा हुआ और कमरे में चहलकदमी करने लगा। अब वह खिड़की के कोने में आकर रुक गया। उसकी आवाज़ में ऐसा दृढ़ विश्वास था कि मैं आश्चर्य से ऊपर देखने लगा।

"मेरे प्रिय मित्र, आप इस बात को लेकर इतने आश्वस्त कैसे हो सकते हैं?"

“सीधी सी वजह से, मैंने कुत्ते को खुद हमारे दरवाजे पर देखा है, और उसके मालिक की अंगूठी भी वहीं है। वॉटसन, कृपया हिलना मत। वह तुम्हारा पेशेवर साथी है, और तुम्हारी मौजूदगी मेरे लिए मददगार साबित हो सकती है। वॉटसन, अब किस्मत का वो निर्णायक पल है, जब तुम सीढ़ी पर एक ऐसे कदम की आहट सुन रहे हो जो तुम्हारे जीवन में दस्तक दे रहा है, और तुम नहीं जानते कि वो अच्छे के लिए है या बुरे के लिए। विज्ञान के ज्ञाता डॉ. जेम्स मोर्टिमर, अपराध के विशेषज्ञ शर्लक होम्स से क्या पूछते हैं? अंदर आइए!”

हमारे आगंतुक का रूप देखकर मुझे आश्चर्य हुआ, क्योंकि मैंने एक सामान्य ग्रामीण चिकित्सक की अपेक्षा की थी। वह बहुत लंबा और पतला आदमी था, जिसकी चोंच जैसी लंबी नाक थी, जो दो तेज, भूरी आँखों के बीच उभरी हुई थी, जो एक-दूसरे के करीब थीं और सोने के फ्रेम वाले चश्मे के पीछे से चमक रही थीं। उसने पेशेवर लेकिन कुछ हद तक बेपरवाह तरीके से कपड़े पहने थे, क्योंकि उसका फ्रॉक-कोट मैला था और उसकी पतलून फटी हुई थी। हालांकि वह युवा था, उसकी लंबी कमर पहले से ही झुकी हुई थी, और वह सिर को आगे की ओर झुकाकर और दयालुता का भाव लिए चलता था। जैसे ही वह अंदर आया, उसकी नज़र होम्स के हाथ में रखी छड़ी पर पड़ी, और वह खुशी से चिल्लाते हुए उसकी ओर दौड़ा। "मैं बहुत खुश हूँ," उसने कहा। "मुझे यकीन नहीं था कि मैंने इसे यहाँ छोड़ा था या शिपिंग ऑफिस में। मैं उस छड़ी को किसी भी कीमत पर नहीं खोना चाहता था।"

"मुझे लगता है, यह एक प्रस्तुति है," होम्स ने कहा।

"जी श्रीमान।"

“क्या आप चैरिंग क्रॉस अस्पताल से हैं?”

"मेरी शादी के अवसर पर वहां मौजूद एक-दो दोस्तों से।"

"अरे बाप रे, यह तो बहुत बुरा है!" होम्स ने सिर हिलाते हुए कहा।

डॉ. मोर्टिमर ने हल्के आश्चर्य से अपने चश्मे के ऊपर से पलकें झपकाईं।

“यह बुरा क्यों था?”

“बस आपने हमारे छोटे-मोटे अनुमानों को गड़बड़ा दिया है। आपकी शादी की बात कर रहे हैं?”

"जी हाँ, महोदय। मेरी शादी हो गई, और इसलिए मैंने अस्पताल छोड़ दिया, और इसके साथ ही परामर्श के क्षेत्र में काम करने की मेरी सारी उम्मीदें भी खत्म हो गईं। अपना खुद का घर बनाना जरूरी था।"

“आइए, आइए, हम आखिरकार इतने भी गलत नहीं हैं,” होम्स ने कहा। “और अब, डॉ. जेम्स मोर्टिमर—”

“महोदय, महोदय, महोदय — एक विनम्र एम.आर.सी.एस.”

और जाहिर तौर पर, वह एक तीक्ष्ण बुद्धि वाला व्यक्ति था।

“विज्ञान में रुचि रखने वाले श्रीमान होम्स, विशाल अज्ञात सागर के तटों पर सीपियाँ इकट्ठी करने वाले। मेरा मानना है कि मैं श्री शर्लक होम्स को संबोधित कर रहा हूं, न कि किसी और को—”

"नहीं, ये मेरे दोस्त डॉ. वॉटसन हैं।"

"आपसे मिलकर खुशी हुई, महोदय। मैंने आपके मित्र के साथ आपका नाम सुना है। श्री होम्स, आप मुझे बहुत रोचक लगे। मुझे इतनी मोटी खोपड़ी और इतनी स्पष्ट सुप्रा-ऑर्बिटल संरचना की उम्मीद नहीं थी। क्या आपको मेरी उंगली आपकी पार्श्विका विदर पर फेरने में कोई आपत्ति होगी? महोदय, जब तक मूल खोपड़ी उपलब्ध नहीं हो जाती, आपकी खोपड़ी का एक सांचा किसी भी मानवविज्ञान संग्रहालय की शोभा बढ़ाएगा। मेरा इरादा अतिशयोक्ति करने का नहीं है, लेकिन मैं स्वीकार करता हूं कि मुझे आपकी खोपड़ी पाने की इच्छा है।"

शर्लक होम्स ने हमारे अजनबी आगंतुक को कुर्सी पर बैठने का इशारा किया। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि आप अपने विचार के प्रति उत्साही हैं, जैसे मैं हूं। आपकी तर्जनी उंगली से मुझे पता चलता है कि आप अपनी सिगरेट खुद बनाते हैं। बेझिझक एक सिगरेट जलाएँ।"

उस आदमी ने कागज और तंबाकू निकाला और आश्चर्यजनक कुशलता से दोनों को आपस में लपेट लिया। उसकी लंबी, कांपती हुई उंगलियां किसी कीड़े के एंटीना की

तरह फुर्तीला और चंचल था।

होम्स चुप थे, लेकिन उनकी इधर-उधर घूमती निगाहों से मुझे पता चल गया कि उन्हें हमारे जिज्ञासु साथी में कितनी दिलचस्पी थी।

अंत में उसने कहा, "मुझे लगता है, महोदय, कि आपने कल रात और आज फिर से यहाँ आकर मुझे सम्मानित करने का कार्य केवल मेरी खोपड़ी की जांच करने के उद्देश्य से नहीं किया है?"

"नहीं, महोदय, नहीं; हालाँकि मुझे वह अवसर पाकर खुशी हुई। मैं आपके पास, श्री होम्स, इसलिए आया हूँ क्योंकि मैंने महसूस किया कि मैं स्वयं एक अव्यावहारिक व्यक्ति हूँ और क्योंकि मैं अचानक एक अत्यंत गंभीर और असाधारण समस्या से जूझ रहा हूँ। जैसा कि मैं जानता हूँ, आप यूरोप के दूसरे सबसे बड़े विशेषज्ञ हैं—"

"जी हाँ, महोदय! क्या मैं यह पूछ सकता हूँ कि यह सम्मान किसे प्राप्त है?" होम्स ने कुछ तीखेपन से पूछा।

"एकदम वैज्ञानिक सोच वाले व्यक्ति के लिए, श्री बर्टिलन का काम हमेशा ही अत्यंत आकर्षक रहेगा।"

"तो क्या आपके लिए उनसे परामर्श करना बेहतर नहीं होगा?"

"मैंने कहा, महोदय, मैं तो एक सटीक वैज्ञानिक सोच वाले व्यक्ति की बात कर रहा हूँ। लेकिन व्यवहारिक मामलों के जानकार के रूप में यह सर्वविदित है कि आप अद्वितीय हैं। मुझे आशा है, महोदय, कि मैंने अनजाने में ऐसा नहीं किया है—"

"बस थोड़ा सा," होम्स ने कहा। "मुझे लगता है, डा. मोर्टिमर, यदि आप बिना किसी देरी के मुझे स्पष्ट रूप से उस समस्या की सटीक प्रकृति बता दें जिसमें आपको मेरी सहायता की आवश्यकता है, तो यह आपके लिए बुद्धिमानी होगी।"

बास्करविल्स का अभिशाप

डॉ. जेम्स मोर्टिमर ने कहा, "मेरी जेब में एक पांडुलिपि है।"

"जब आप कमरे में दाखिल हुए तो मैंने इसे देखा," होम्स ने कहा।

"यह एक पुरानी पांडुलिपि है।"

"यह अठारहवीं शताब्दी के आरंभ का है, जब तक कि यह जाली न हो।"

"आप ऐसा कैसे कह सकते हैं, महोदय?"

"आप अपनी बातचीत के दौरान बार-बार इसका एक-दो इंच हिस्सा मेरे सामने पेश करते रहे हैं। एक दशक के भीतर किसी दस्तावेज़ की तिथि न बता पाने वाला विशेषज्ञ भला नहीं हो सकता। संभवतः आपने इस विषय पर मेरा संक्षिप्त शोधपत्र पढ़ा होगा। मैंने उसे 1730 का बताया है।"

"सही तारीख 1742 है।" डॉ. मोर्टिमर ने इसे अपनी जेब से निकाला। "यह पारिवारिक दस्तावेज़ सर चार्ल्स बास्करविल ने मुझे सौंपा था, जिनकी लगभग तीन महीने पहले अचानक और दुखद मृत्यु ने डेवोनशायर में बहुत हलचल मचा दी थी। मैं यह कहना चाहूंगा कि मैं उनका निजी मित्र होने के साथ-साथ उनका चिकित्सक भी था। वे एक दृढ़ निश्चयी व्यक्ति थे, महोदय, चतुर, व्यावहारिक और मेरी ही तरह कल्पनाहीन। फिर भी उन्होंने इस दस्तावेज़ को बहुत गंभीरता से लिया, और उनका मन ठीक उसी अंत के लिए तैयार था जो अंततः उनके साथ हुआ।"

होम्स ने पांडुलिपि के लिए अपना हाथ बढ़ाया और उसे अपने घुटने पर फैला दिया।

"वॉटसन, आप देखेंगे कि यहाँ लंबे और छोटे 's' का वैकल्पिक उपयोग किया गया है। यह उन कई संकेतों में से एक है जिनकी मदद से मैं तारीख तय कर पाया।"

मैंने उसके कंधे के ऊपर से पीले कागज और धुंधली लिखावट पर नजर डाली। सबसे ऊपर लिखा था: "बास्करविले हॉल," और नीचे बड़े-बड़े टेढ़े-मेढ़े अक्षरों में: "1742।"

"यह किसी प्रकार का बयान प्रतीत होता है।"

"जी हां, यह एक ऐसी किंवदंती का कथन है जो बास्करविल परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है।"

"लेकिन मुझे लगता है कि आप किसी आधुनिक और व्यावहारिक विषय पर मुझसे परामर्श करना चाहते हैं?"

“अत्यंत आधुनिक। एक अत्यंत व्यावहारिक और अत्यावश्यक मामला, जिसका निर्णय चौबीस घंटे के भीतर होना चाहिए। लेकिन पांडुलिपि संक्षिप्त है और इस मामले से गहराई से जुड़ी हुई है। आपकी अनुमति से मैं इसे आपको पढ़कर सुनाऊंगा।”

होम्स कुर्सी पर पीछे झुक गए, अपनी उंगलियों को आपस में जोड़ा और निराशा भरे भाव से अपनी आँखें बंद कर लीं। डॉ. मोर्टिमर ने पांडुलिपि को प्रकाश की ओर घुमाया और ऊँची, कर्कश आवाज़ में निम्नलिखित विचित्र, पुराने ज़माने की कहानी पढ़ी: —

“बास्करविल्स के शिकारी कुत्ते की उत्पत्ति के बारे में अनेक कथन हैं, फिर भी चूंकि मैं ह्यूगो बास्करविल का वंशज हूं, और चूंकि मुझे यह कहानी मेरे पिता से मिली है, जिन्होंने इसे अपने पिता से सुना था, इसलिए मैंने इसे पूरे विश्वास के साथ लिखा है कि यह ठीक उसी प्रकार घटी है जैसा यहां बताया गया है। और मैं चाहता हूं कि मेरे पुत्रों, आप विश्वास करें कि जो न्याय पाप को दंडित करता है, वही उसे अत्यंत कृपापूर्वक क्षमा भी करता है, और कोई भी दंड इतना कठोर नहीं है कि प्रार्थना और पश्चाताप से उसे दूर न किया जा सके। इसलिए इस कहानी से सीखें कि अतीत के कर्मों से भयभीत न हों, बल्कि भविष्य में सतर्क रहें, ताकि वे घृणित भावनाएं जिनके कारण हमारे परिवार को इतना कष्ट सहना पड़ा है, फिर से हमारे विनाश का कारण न बनें।”

तो जान लीजिए कि महान विद्रोह के समय (जिसका इतिहास विद्वान लॉर्ड क्लेरेंडन द्वारा लिखा गया है, मैं आपको इसे पढ़ने की पुरजोर सलाह देता हूँ) बास्करविले की यह जागीर ह्यूगो नाम के व्यक्ति के पास थी, और यह निर्विवाद है कि वह एक अत्यंत उग्र, अपवित्र और नास्तिक व्यक्ति था। वास्तव में, उसके पड़ोसी इसे क्षमा कर सकते थे, क्योंकि उन क्षेत्रों में कभी संत नहीं रहे, लेकिन उसमें एक विशेष प्रकार का अनैतिक और क्रूर स्वभाव था जिसने पश्चिम में उसका नाम बदनाम कर दिया। संयोगवश, ह्यूगो को बास्किरविले जागीर के पास जमीन रखने वाले एक किसान की बेटी से प्रेम हो गया (यदि वास्तव में, इतने उज्ज्वल नाम के नीचे इतना गहरा प्रेम हो सकता है)। लेकिन युवती, समझदार और प्रतिष्ठित होने के कारण, हमेशा उससे दूर रहती थी, क्योंकि वह उसके बुरे नाम से डरती थी। इसलिए एक माइकलमास के दिन ह्यूगो अपने पांच-छह निकम्मे और दुष्ट साथियों के साथ चुपके से खेत में घुस गया और युवती को अगवा कर ले गया, उसके पिता और भाई वहाँ से चले गए थे। घर, जैसा कि वह भली-भांति जानता था। जब वे उसे हॉल में लाए, तो युवती को एक ऊपरी कमरे में रखा गया, जबकि ह्यूगो और उसके दोस्त अपनी रोज़ की रात की दावत में बैठ गए। अब, ऊपर बैठी बेचारी लड़की नीचे से आ रहे गाने, चिल्लाने और भयानक गालियों से बुरी तरह डर गई थी, क्योंकि कहते हैं कि ह्यूगो बास्करविल जब शराब के नशे में होता था, तो उसके शब्द इतने उग्र होते थे कि बोलने वाले का ही सत्यानाश हो जाता था। अंत में, डर के मारे उसने वह कर दिखाया जो किसी भी बहादुर या फुर्तीले आदमी को डरा सकता था, क्योंकि दक्षिणी दीवार को ढकने वाली (और अभी भी ढकने वाली) लता की मदद से

वह छज्जे के नीचे से नीचे उतर आई और दलदल पार करते हुए अपने घर की ओर चल पड़ी, क्योंकि हॉल और उसके पिता के खेत के बीच तीन मील की दूरी थी।

कुछ समय बाद संयोगवश ह्यूगो अपने मेहमानों को खाना-पीना—शायद कुछ और बुरी चीजें भी—अपनी बंदी के लिए ले जाने को छोड़कर चला गया, और उसने पिंजरा खाली पाया और चिड़िया भाग गई। तब, मानो उस पर शैतान सवार हो गया हो, क्योंकि वह सीढ़ियों से उतरकर भोजन कक्ष में पहुँचा और बड़ी मेज़ पर कूद पड़ा, उसके सामने प्याले और थालियाँ हवा में लहरा रही थीं, और उसने सबके सामने जोर से चिल्लाकर कहा कि अगर उसे उस लड़की को पकड़ने का मौका मिला तो वह उसी रात अपना शरीर और आत्मा शैतान की शक्तियों को सौंप देगा। और जब सभी लोग उस आदमी के क्रोध को देखकर स्तब्ध खड़े थे, तभी उनमें से एक, जो बाकियों से अधिक दुष्ट या शायद अधिक नशे में था, चिल्लाकर बोला कि उस पर शिकारी कुत्ते छोड़ दिए जाएँ। यह सुनकर ह्यूगो घर से भाग निकला, अपने सेवकों से चिल्लाकर कहा कि वे उसकी घोड़ी पर काठी कस दें और उसके सामान को पिंजरे से बाहर निकाल दें, और नौकरानी का एक रूमाल कुत्तों को देकर, उन्हें रस्सी से बांध दिया, और चाँदनी रात में पूरी रफ्तार से भाग गया। दलदल।

कुछ देर तक जश्न मनाने वाले लोग अवाक खड़े रहे, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि इतनी जल्दबाजी में क्या हो गया है। लेकिन जल्द ही उनकी अचंभित बुद्धि को उस घटना का सार समझ में आ गया जो दलदली भूमि पर होने वाली थी। अब चारों ओर अफरा-तफरी मच गई, कुछ लोग अपनी पिस्तौलें मांग रहे थे, कुछ अपने घोड़े, और कुछ शराब की एक और बोतल। लेकिन अंत में उनके उन्मादी दिमाग में कुछ सुधरने लगा, और वे सभी, तेरहों, घोड़े पर सवार होकर पीछा करने के लिए निकल पड़े। ऊपर चाँद साफ चमक रहा था, और वे तेजी से एक साथ दौड़ रहे थे, उसी रास्ते पर जो उस लड़की को अपने घर पहुँचने के लिए अवश्य अपनाना पड़ता।

"वे एक-दो मील ही चले थे कि उन्हें दलदली ज़मीन पर रात में चरने वाला एक चरवाहा मिला। उन्होंने उससे पूछा कि क्या उसने शिकार देखा है। कहानी के अनुसार, वह आदमी डर से इतना पागल हो गया था कि वह मुश्किल से बोल पा रहा था, लेकिन अंत में उसने कहा कि उसने उस अभागी युवती को देखा था, जिसके पीछे शिकारी कुत्ते पड़े थे। उसने कहा, 'लेकिन मैंने इससे भी ज़्यादा देखा है, क्योंकि ह्यूगो बास्करविल अपनी काली घोड़ी पर मेरे पास से गुज़रा, और उसके पीछे एक ऐसा खूंखार कुत्ता चुपचाप दौड़ रहा था, जैसा कि भगवान न करे कभी मेरे पीछे पड़े।' तो नशे में धुत सरदारों ने चरवाहे को कोसते हुए आगे बढ़ गए। लेकिन जल्द ही उनकी रूह काँप उठी, क्योंकि दलदली ज़मीन पर सरपट दौड़ता हुआ एक घोड़ा आया, और सफ़ेद झाग से सनी काली घोड़ी, घिसटती लगाम और खाली काठी के साथ आगे निकल गई। तब वे सब एक साथ होड़ में लग गए, क्योंकि उन पर बहुत डर सवार था, लेकिन वे फिर भी दलदली ज़मीन पर उसका पीछा करते रहे, हालांकि अगर उनमें से कोई अकेला होता, तो वह बहुत खुश होता। उन्होंने घोड़े का सिर घुमा दिया था। इस तरह धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए वे अंततः शिकारी कुत्तों के पास पहुँचे। ये कुत्ते, जो अपनी वीरता और नस्ल के लिए जाने जाते थे, दलदली भूमि पर एक गहरे गड्ढे या गोयल (जैसा कि हम इसे कहते हैं) के मुहाने पर झुंड में सिसक रहे थे, कुछ चुपके से भाग रहे थे और कुछ, अपने बाल खड़े करके और आँखें गड़ाकर, अपने सामने की संकरी घाटी को घूर रहे थे।

"कंपनी रुक गई थी, जैसा कि आप अनुमान लगा सकते हैं, वे शुरू करने के समय से कहीं अधिक होश में थे। उनमें से अधिकांश किसी भी हालत में आगे नहीं बढ़ रहे थे, लेकिन उनमें से तीन, सबसे साहसी, या शायद सबसे नशे में धुत, गोयल से आगे बढ़ गए। अब, यह एक खुले मैदान में खुलता था जहाँ वे दो बड़े पत्थर खड़े थे, जो अभी भी

वहाँ दिखाई देते हैं, जिन्हें पुराने समय में किसी भूले-बिसरे लोगों ने स्थापित किया था। चाँद उस खुले मैदान पर चमक रहा था, और उसके केंद्र में वह अभागी लड़की पड़ी थी जहाँ वह गिर गई थी, डर और थकान से मर चुकी थी। लेकिन न तो उसके शरीर का दृश्य, न ही उसके पास पड़े ह्यूगो बास्करविल के शरीर का दृश्य, जिसने इन तीन साहसी बदमाशों के रोंगटे खड़े कर दिए, बल्कि यह था कि ह्यूगो के ऊपर खड़ा, और उसका गला नोच रहा, एक घिनौना जीव, एक बड़ा, काला जानवर, कुत्ते जैसा दिखता था, फिर भी किसी भी कुत्ते से बड़ा जिसे किसी इंसान की नज़र ने कभी देखा हो। और जैसे ही उन्होंने देखा, उस जीव ने ह्यूगो का गला फाड़ दिया। बास्करविले पर, जब उसने अपनी धधकती आँखों और टपकते जबड़ों से उन्हें भेद दिया, तो तीनों भय से चीख उठे और जान बचाने के लिए चीखते-चिल्लाते हुए दलदल पार कर गए। कहा जाता है कि उनमें से एक की उसी रात उस दृश्य को देखकर मृत्यु हो गई, और बाकी दोनों जीवन भर सदमे में रहे।

“मेरे पुत्रों, यही उस शिकारी कुत्ते की कहानी है जिसने कथित तौर पर तब से परिवार को बुरी तरह सताया है। मैंने इसे लिखा है तो इसलिए क्योंकि जो बात स्पष्ट रूप से ज्ञात है, वह उस बात से कम भयभीत करती है जिसका केवल संकेत दिया गया हो या अनुमान लगाया गया हो। यह भी निर्विवाद है कि परिवार के कई सदस्यों की मृत्यु दुखद रही है, जो अचानक, रक्तरंजित और रहस्यमय थीं। फिर भी, हम ईश्वर की असीम कृपा में शरण लें, जो पवित्र ग्रंथों में वर्णित तीसरी या चौथी पीढ़ी से आगे निर्दोषों को हमेशा के लिए दंडित नहीं करेगी। मेरे पुत्रों, मैं तुम्हें उस ईश्वर के हवाले करता हूँ और तुम्हें सावधानी के तौर पर सलाह देता हूँ कि उन अंधकारमय क्षणों में दलदल को पार करने से बचें जब बुराई की शक्तियाँ प्रबल होती हैं।”

“[यह ह्यूगो बास्करविले की ओर से उनके बेटों रॉजर और जॉन को लिखा गया पत्र है, जिसमें यह निर्देश दिया गया है कि वे इसके बारे में अपनी बहन एलिजाबेथ को कुछ न बताएं।]”

जब डॉ. मोर्टिमर ने यह अनोखी कहानी पढ़कर समाप्त की, तो उन्होंने अपने चश्मे को माथे पर ऊपर सरकाया और श्री शर्लक होम्स की ओर देखा। श्री शर्लक होम्स ने जम्हाई ली और अपनी सिगरेट का बचा हुआ हिस्सा आग में फेंक दिया।

“तो?” उसने कहा।

क्या आपको यह दिलचस्प नहीं लगता?

"परियों की कहानियों के संग्रहकर्ता के लिए।"

डॉ. मोर्टिमर ने अपनी जेब से एक मुड़ा हुआ अखबार निकाला।

“अब, श्रीमान होम्स, हम आपको कुछ हालिया जानकारी देंगे। यह इस वर्ष 14 मई का डेवन काउंटी क्रॉनिकल है। इसमें सर चार्ल्स बास्करविले की मृत्यु से संबंधित तथ्यों का संक्षिप्त विवरण है, जो उस तारीख से कुछ दिन पहले हुई थी।”

मेरे मित्र थोड़ा आगे झुके और उनके चेहरे पर गंभीरता आ गई। हमारे आगंतुक ने अपने चश्मे को ठीक किया और बोलना शुरू किया:

सर चार्ल्स बास्करविले का हाल ही में अचानक निधन हो जाने से पूरे काउंटी में मातम छा गया है। उनका नाम अगले चुनाव में मिड-डेवन से लिबरल पार्टी के संभावित उम्मीदवार के रूप में सामने आया था। हालांकि सर चार्ल्स बास्करविले हाल में अपेक्षाकृत कम समय के लिए ही रहे थे, लेकिन उनके मिलनसार स्वभाव और अपार उदारता ने उन सभी का स्नेह और सम्मान जीत लिया था जो उनके संपर्क में आए थे। आज के इस दौर में, जब हर तरफ नए अमीर लोग ही हैं, ऐसे में किसी पुराने काउंटी परिवार के वंशज का अपनी किस्मत खुद बनाना और उसे वापस लाकर अपने वंश की खोई हुई शान को फिर से संवारना सुखद अनुभव है। जैसा कि सर्वविदित है, सर चार्ल्स

ने दक्षिण अफ्रीका में सट्टेबाजी करके बड़ी रकम कमाई थी। जो लोग समय के साथ आगे बढ़ते रहते हैं, उनसे कहीं अधिक समझदार, उन्होंने अपनी कमाई को भुनाया और उसे लेकर इंग्लैंड लौट आए। बास्करविले हॉल में रहने के बाद से केवल दो साल ही बीते थे, और यह आम चर्चा का विषय था कि पुनर्निर्माण और सुधार की उनकी कितनी बड़ी योजनाएँ थीं, जो उनके निधन से अधूरी रह गईं। निःसंतान होने के कारण, उनकी यह स्पष्ट इच्छा थी कि पूरे ग्रामीण क्षेत्र का विकास हो। उन्हें अपने जीवनकाल में ही अपनी इस सौभाग्यशाली स्थिति का लाभ उठाना चाहिए था, और कई लोगों के पास उनके असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करने के व्यक्तिगत कारण होंगे। स्थानीय और काउंटी स्तर पर दान-पुण्य संस्थाओं को दिए गए उनके उदार दान का उल्लेख इन लेखों में अक्सर किया गया है।

सर चार्ल्स की मृत्यु से संबंधित परिस्थितियाँ जाँच से पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाई हैं, लेकिन स्थानीय अंधविश्वास से उपजे अफवाहों को दूर करने के लिए पर्याप्त प्रयास किए गए हैं। किसी भी प्रकार की साजिश का संदेह करने या मृत्यु को प्राकृतिक कारणों के अलावा किसी अन्य कारण से मानने का कोई कारण नहीं है। सर चार्ल्स विधुर थे और उनका स्वभाव कुछ हद तक विलक्षण था। अपनी अपार संपत्ति के बावजूद वे सादगीपूर्ण थे और बास्करविले हॉल में उनके घरेलू नौकर बैरीमोर नामक एक विवाहित दंपति थे, जिनमें पति बटलर और पत्नी गृहस्वामी की भूमिका निभाते थे। उनके साक्ष्य, और कई मित्रों के साक्ष्य से पुष्टि होती है, कि सर चार्ल्स का स्वास्थ्य कुछ समय से खराब था और विशेष रूप से हृदय रोग की ओर इशारा करता है, जिसके लक्षण चेहरे के रंग में परिवर्तन, सांस फूलना और तंत्रिका संबंधी अवसाद के तीव्र दौरे थे। मृतक के मित्र और चिकित्सक डॉ. जेम्स मोर्टिमर ने भी इसी बात की पुष्टि की है।

मामले के तथ्य सीधे-सादे हैं। सर चार्ल्स बास्करविल को हर रात सोने से पहले बास्करविल हॉल की मशहूर यू गली में टहलने की आदत थी। बैरीमोर परिवार के साक्ष्य से पता चलता है कि यह उनकी नियमित दिनचर्या थी। 4 मई को सर चार्ल्स ने अगले दिन लंदन जाने की अपनी मंशा ज़ाहिर की थी और बैरीमोर को अपना सामान तैयार करने का आदेश दिया था। उस रात वे हमेशा की तरह अपनी रात्रिकालीन सैर के लिए निकले, जिसके दौरान वे सिगार पीते थे। वे कभी वापस नहीं लौटे। बारह बजे बैरीमोर ने हॉल का दरवाज़ा खुला देखकर घबराकर लालटेन जलाई और अपने मालिक की तलाश में निकल पड़े। दिन भर बारिश हुई थी और गली में सर चार्ल्स के पैरों के निशान आसानी से मिल गए। इस सैर के आधे रास्ते में एक फाटक है जो खुले मैदान की ओर खुलता है। संकेत मिले हैं कि सर चार्ल्स कुछ देर यहाँ रुके थे। फिर वे गली में आगे बढ़े और गली के दूसरे छोर पर उनका शव मिला। एक तथ्य जिसका अभी तक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है... बैरीमोर के बयान के अनुसार, उनके स्वामी के पदचिह्न दलदली भूमि के द्वार से आगे बढ़ने के बाद बदल गए थे, और ऐसा प्रतीत होता था कि वे उसके बाद से अपने पंजों पर चल रहे थे। मर्फी नाम का एक जिप्सी घोड़ा व्यापारी उस समय दलदली भूमि पर कुछ ही दूरी पर मौजूद था, लेकिन अपने ही बयान के अनुसार वह नशे में धुत प्रतीत होता है। वह कहता है कि उसने चीखें सुनीं, लेकिन वह यह नहीं बता सका कि वे किस दिशा से आ रही थीं। सर चार्ल्स के शरीर पर हिंसा के कोई निशान नहीं मिले, और यद्यपि डाक्टर के साक्ष्य से चेहरे की लगभग अविश्वसनीय विकृति का पता चला - इतनी अधिक कि डॉ. मोर्टिमर ने पहले तो यह मानने से इनकार कर दिया कि उनके सामने लेटा हुआ व्यक्ति वास्तव में उनका मित्र और रोगी है - यह स्पष्ट किया गया कि यह एक ऐसा लक्षण है जो सांस लेने में कठिनाई और हृदय गति रुकने से होने वाली मृत्यु के मामलों में असामान्य नहीं है। इस स्पष्टीकरण की पुष्टि पोस्टमार्टम जांच से हुई, जिसमें लंबे समय से चली आ रही जैविक

बीमारी का पता चला, और कोरोनर की जूरी ने चिकित्सा साक्ष्य के अनुसार फ़ैसला सुनाया। यह अच्छा ही हुआ, क्योंकि यह स्पष्ट रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह महत्वपूर्ण है कि सर चार्ल्स के उत्तराधिकारी हॉल में बस जाएं और उस नेक काम को जारी रखें जो दुखद रूप से बाधित हो गया है। यदि कोरोनर के साधारण निष्कर्ष ने इस मामले से जुड़ी अफ़वाहों का अंत न किया होता, तो बास्करविल हॉल के लिए किरायेदार ढूंढ़ना मुश्किल हो सकता था। ऐसा माना जाता है कि निकटतम संबंधी श्री हेनरी बास्करविल हैं, यदि वे अभी भी जीवित हैं, जो सर चार्ल्स बास्करविल के छोटे भाई के पुत्र हैं। जब आखिरी बार उनके बारे में सुना गया था, तब वे अमेरिका में थे, और उन्हें उनकी अच्छी खबर देने के लिए पूछताछ की जा रही है।

डॉ. मोर्टिमर ने अपने कागज को दोबारा मोड़ा और उसे अपनी जेब में रख लिया।

"श्री होम्स, सर चार्ल्स बास्करविले की मृत्यु के संबंध में ये सार्वजनिक तथ्य हैं।"

“मैं आपका आभारी हूं,” शर्लक होम्स ने कहा, “एक ऐसे मामले की ओर मेरा ध्यान दिलाने के लिए जिसमें वाकई कुछ दिलचस्प पहलू हैं। मैंने उस समय कुछ अखबारों में छपी टिप्पणियाँ देखी थीं, लेकिन मैं वेटिकन के उन छोटे-मोटे मामलों में इतना उलझा हुआ था कि पोप को खुश करने की हड़बड़ी में मैं कई दिलचस्प अंग्रेजी मामलों से अनजान रह गया। आप कहते हैं कि इस लेख में सभी सार्वजनिक तथ्य शामिल हैं?”

"ऐसा होता है।"

“तो मुझे निजी वाले दे दो।” वह पीछे झुक गया, अपनी उंगलियों को आपस में मिलाया और अपना सबसे भावहीन और न्यायिक भाव प्रकट किया।

डॉ. मोर्टिमर, जो अब भावुक होने लगे थे, ने कहा, “ऐसा करते हुए मैं वो बात बता रहा हूं जो मैंने किसी को नहीं बताई। मैंने इसे कोरोनर की जाँच से इसलिए छिपाया क्योंकि एक वैज्ञानिक होने के नाते मैं किसी लोकप्रिय अंधविश्वास का समर्थन करने जैसी सार्वजनिक स्थिति में नहीं आना चाहता। मेरा एक और कारण ये था कि जैसा कि अखबार में लिखा है, अगर बास्केरविल हॉल की पहले से ही खराब प्रतिष्ठा को और बढ़ाया गया तो वो खाली ही रहेगा। इन दोनों कारणों से मुझे लगा कि मुझे जितना पता है उससे कम बताना ही उचित है, क्योंकि इससे कोई व्यावहारिक लाभ नहीं होगा, लेकिन आपके साथ खुलकर बात करने में मुझे कोई हिचक नहीं है।”

“यह दलदली इलाका बहुत कम आबादी वाला है, और जो लोग एक-दूसरे के पास रहते हैं, वे बहुत ही घनिष्ठ रूप से एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं। इसी कारण से मेरी सर चार्ल्स बास्करविल से अक्सर मुलाकात होती थी। लाफ्टर हॉल के श्री फ्रैंकलैंड और प्रकृतिवादी श्री स्टेपलटन को छोड़कर, कई मील के दायरे में कोई अन्य शिक्षित व्यक्ति नहीं है। सर चार्ल्स एकांतप्रिय व्यक्ति थे, लेकिन उनकी बीमारी ने हमें एक साथ ला दिया, और विज्ञान में हमारी समान रुचि ने हमें जोड़े रखा। वे दक्षिण अफ्रीका से बहुत सारी वैज्ञानिक जानकारी लेकर आए थे, और हमने बुशमैन और हॉटेंटॉट की तुलनात्मक शरीर रचना पर चर्चा करते हुए कई सुखद शामें एक साथ बिताई हैं।”

पिछले कुछ महीनों में मुझे यह बात स्पष्ट रूप से समझ में आने लगी थी कि सर चार्ल्स का तंत्रिका तंत्र टूटने की कगार पर था। उन्होंने उस किंवदंती को, जिसके बारे में मैंने आपको बताया है, बहुत गंभीरता से ले लिया था - इतना कि, हालांकि वे अपने घर के आंगन में टहलते थे, लेकिन रात में खुले मैदान में जाने की हिम्मत ही नहीं होती थी। श्री होम्स, भले ही यह आपको अविश्वसनीय लगे, लेकिन उन्हें पूरी तरह से यकीन था कि उनके परिवार पर कोई भयानक विपत्ति मंडरा रही है, और निश्चित रूप से उनके पूर्वजों के बारे में जो जानकारी उनके पास थी, वह उत्साहजनक नहीं थी। किसी भयानक शक्ति का डर उन्हें लगातार सताता रहता था, और एक से अधिक बार उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैंने रात में अपने चिकित्सा दौरों के दौरान कभी कोई अजीब प्राणी

देखा है या किसी कुत्ते के भौंकने की आवाज़ सुनी है। यह दूसरा सवाल उन्होंने मुझसे कई बार पूछा, और हर बार उनकी आवाज़ उत्तेजना से कांप रही थी।

मुझे अच्छी तरह याद है कि उस भयानक घटना से लगभग तीन सप्ताह पहले, एक शाम मैं उनकी घर जा रहा था। संयोग से वे अपने हॉल के दरवाज़े पर थे। मैं अपनी गाड़ी से उतरा और उनके सामने खड़ा था, तभी मैंने देखा कि उनकी निगाहें मेरे कंधे के ऊपर टिक गईं और वे मुझे घूरने लगे, उनके चेहरे पर बेहद भयानक भय का भाव था। मैं झट से मुड़ा और मुझे बस इतना ही समय मिला कि मैं किसी चीज़ की झलक देख सकूँ, जो मुझे लगा कि एक बड़ा काला बछड़ा था जो ड्राइववे के आगे से गुजर रहा था। वे इतने उत्तेजित और भयभीत थे कि मुझे मजबूर होकर उस जगह जाना पड़ा जहाँ जानवर था और उसे ढूंढना पड़ा। लेकिन वह वहाँ से जा चुका था, और ऐसा लग रहा था कि इस घटना का उन पर गहरा असर पड़ा है। मैं पूरी शाम उनके साथ रहा, और उसी दौरान, अपनी भावनाओं को समझाने के लिए, उन्होंने मुझे वह कहानी सुनाई जो मैंने आपको पहली बार आने पर सुनाई थी। मैं इस छोटी सी घटना का ज़िक्र इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि बाद में हुई त्रासदी के संदर्भ में इसका कुछ महत्व है, लेकिन उस समय मुझे पूरा यकीन था कि मामला बिल्कुल मामूली था और उनकी उत्तेजना का कोई औचित्य नहीं था।

"मेरी सलाह पर ही सर चार्ल्स लंदन जाने वाले थे। मुझे पता था कि उनका दिल कमज़ोर था और उनकी निरंतर चिंता, चाहे उसका कारण कितना भी काल्पनिक क्यों न हो, उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही थी। मुझे लगा कि शहर की चहल-पहल में कुछ महीने बिताने से वे तरोताजा होकर लौटेंगे। श्री स्टैपलटन, जो हमारे आपसी मित्र थे और उनके स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित थे, उनकी भी यही राय थी। ठीक आखिरी क्षण में यह भयानक विपत्ति आ पड़ी।"

"सर चार्ल्स की मृत्यु की रात, बैरीमोर, जो बटलर था और जिसने शव का पता लगाया था, ने मेरे पास घोड़े पर सवार होकर नौकर पर्किन्स को भेजा, और चूंकि मैं देर रात तक जागा हुआ था, इसलिए घटना के एक घंटे के भीतर बास्करविले हॉल पहुँच गया। मैंने पूछताछ में बताए गए सभी तथ्यों की जाँच और पुष्टि की। मैंने यू एली में पदचिह्नों का पीछा किया, मैंने दलदली गेट पर वह स्थान देखा जहाँ वह प्रतीक्षा कर रहा था, मैंने उस बिंदु के बाद पदचिह्नों के आकार में बदलाव देखा, मैंने पाया कि नरम बजरी पर बैरीमोर के पदचिह्नों के अलावा कोई अन्य पदचिह्न नहीं थे, और अंत में मैंने शव की सावधानीपूर्वक जाँच की, जिसे मेरे आने से पहले छुआ भी नहीं गया था। सर चार्ल्स अपने चेहरे के बल लेटे हुए थे, उनकी बाहें फैली हुई थीं, उनकी उंगलियाँ ज़मीन में गड़ी हुई थीं, और उनके चेहरे पर किसी तीव्र भावना का इतना गहरा प्रभाव था कि मैं उनकी पहचान की पुष्टि मुश्किल से ही कर सकता था। निश्चित रूप से किसी भी प्रकार की कोई शारीरिक चोट नहीं थी। लेकिन बैरीमोर ने पूछताछ में एक झूठा बयान दिया। उसने कहा कि शव के चारों ओर ज़मीन पर कोई निशान नहीं थे। मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया। लेकिन मैंने देखा - थोड़ी दूरी पर, लेकिन पानी साफ और स्वच्छ था।

"पैरों के निशान?"

"पदचिह्न।"

"पुरुष का या स्त्री का?"

डॉ. मोर्टिमर ने एक पल के लिए अजीब तरह से हमारी ओर देखा, और उत्तर देते समय उनकी आवाज़ लगभग फुसफुसाहट में बदल गई:

"मिस्टर होम्स, ये तो एक विशालकाय शिकारी कुत्ते के पदचिह्न थे!"

समस्या

ये शब्द सुनकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। डॉक्टर की आवाज़ में एक रोमांच था जिससे पता चलता था कि वे खुद भी उस बात से बहुत प्रभावित थे जो उन्होंने हमें बताई। होम्स उत्तेजना में आगे झुक गए और उनकी आँखों में वही कठोर, निर्मल चमक थी जो किसी विषय में गहरी रुचि होने पर दिखाई देती है।

"क्या तुमने यह देखा?"

"मैं तुम्हें जितनी स्पष्टता से देख सकता हूँ।"

और आपने कुछ नहीं कहा?

इसका क्या फायदा था?

"ऐसा कैसे हुआ कि इसे किसी और ने नहीं देखा?"

"ये निशान शरीर से लगभग बीस गज की दूरी पर थे और किसी ने उन पर ध्यान नहीं दिया। मुझे नहीं लगता कि अगर मुझे इस किंवदंती के बारे में पता न होता तो मैं भी ऐसा ही करता।"

"क्या खुले मैदान में बहुत सारे भेड़ चराने वाले कुत्ते हैं?"

"इसमें कोई शक नहीं, लेकिन यह कोई भेड़-कुत्ता नहीं था।"

"आप कहते हैं कि यह बड़ा था?"

"विशाल।"

लेकिन यह शव के पास नहीं पहुंचा था?

"नहीं।"

"वह कैसी रात थी?"

"नम और कच्चा।"

"लेकिन वास्तव में बारिश नहीं हो रही है?"

"नहीं।"

"यह गली कैसी है?"

"यहाँ बारह फीट ऊँची और अभेद्य पुरानी यू हेज की दो कतारें हैं। बीच में बना रास्ता लगभग आठ फीट चौड़ा है।"

"क्या झाड़ियों और पैदल मार्ग के बीच कुछ है?"

"हां, दोनों तरफ़ लगभग छह फीट चौड़ी घास की एक पट्टी है।"

"मुझे समझ में आया कि यू हेज को एक बिंदु पर एक गेट द्वारा भेदा गया है?"

"हां, वह छोटा सा द्वार जो खुले मैदान की ओर जाता है।"

"क्या कोई और रिक्ति है?"

"कोई नहीं।"

"तो यू गली तक पहुंचने के लिए या तो घर से नीचे आना होगा या फिर दलदली द्वार से प्रवेश करना होगा?"

"आखिरी छोर पर एक ग्रीष्मकालीन आवास से होकर बाहर निकलने का रास्ता है।"

"क्या सर चार्ल्स यहाँ तक पहुँच गए थे?"

नहीं; वह उससे लगभग पचास गज की दूरी पर लेटा हुआ था।

"अब मुझे बताइए, डॉ. मोर्टिमर — और यह महत्वपूर्ण है — आपने जो निशान देखे थे वे रास्ते पर थे, घास पर नहीं?"

घास पर कोई निशान नहीं दिखना चाहिए था।

"क्या वे दलदली भूमि के द्वार के समान तरफ थे?"

"हां; वे दलदली भूमि के द्वार के ठीक उसी तरफ रास्ते के किनारे पर थे।"

"आप मुझे बेहद दिलचस्प लगते हैं। एक और बात। क्या विकेट-गेट बंद था?"

"बंद और ताला लगा हुआ।"

“यह कितना ऊंचा था?”

"लगभग चार फीट ऊंचा।"

"तो फिर तो कोई भी इससे उबर सकता था?"

"हां।"

"और विकेट-गेट के पास आपने कौन से निशान देखे?"

"कोई विशेष नहीं।"

“हे भगवान! क्या किसी ने जांच नहीं की?”

"हां, मैंने खुद की जांच की।"

“और कुछ नहीं मिला?”

“सब कुछ बहुत ही उलझन भरा था। जाहिर तौर पर सर चार्ल्स वहां पांच या दस मिनट तक खड़े रहे थे।”

"आप यह कैसे जानते हैं?"

"क्योंकि उसकी सिगार से दो बार राख गिर चुकी थी।"

“बहुत बढ़िया! ये तो हमारे ही जैसे सहकर्मी हैं, वॉटसन। लेकिन अंक कैसे आए?”

“उसने उस छोटे से कंकड़ के टुकड़े पर अपने निशान छोड़े थे। मुझे किसी और के निशान दिखाई नहीं दिए।”

शर्लक होम्स ने अधीरता भरे भाव से अपना हाथ अपने घुटने पर पटका।

“काश मैं वहाँ होता!” वह चिल्लाया। “यह स्पष्ट रूप से एक असाधारण रुचि का मामला है, और एक ऐसा मामला है जिसने वैज्ञानिक विशेषज्ञ के लिए अपार अवसर प्रस्तुत किए। वह कंकड़ वाला पन्ना जिस पर मैं इतना कुछ पढ़ सकता था, वह बहुत पहले ही बारिश से धुंधला हो चुका है और जिज्ञासु किसानों के जूतों से खराब हो गया है। ओह, डा. मोर्टिमर, डा. मोर्टिमर, यह सोचकर दुख होता है कि आपने मुझे नहीं बुलाया! आपको वास्तव में बहुत कुछ जवाब देना होगा।”

“मिस्टर होम्स, इन तथ्यों को दुनिया के सामने उजागर किए बिना मैं आपको अंदर नहीं बुला सकता था, और मैंने ऐसा न करने के अपने कारण पहले ही बता दिए हैं। इसके अलावा, इसके अलावा—”

आप संकोच क्यों करते हैं?

"एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें सबसे तेज और सबसे अनुभवी जासूस भी असहाय हो जाते हैं।"

"आपका मतलब है कि वह चीज अलौकिक है?"

मैंने ऐसा स्पष्ट रूप से नहीं कहा।

"नहीं, लेकिन जाहिर तौर पर आप ऐसा सोचते हैं।"

"उस त्रासदी के बाद से, श्री होम्स, मुझे कई ऐसी घटनाओं के बारे में पता चला है जिनका प्रकृति के स्थापित क्रम से सामंजस्य बिठाना मुश्किल है।"

"उदाहरण के लिए?"

“मुझे पता चला है कि उस भयानक घटना के घटित होने से पहले कई लोगों ने दलदली भूमि पर एक प्राणी को देखा था जो बास्करविल के इस दानव से मिलता-जुलता था, और जो विज्ञान द्वारा ज्ञात कोई भी जानवर नहीं हो सकता था। वे सभी इस बात पर सहमत थे कि वह एक विशाल, चमकदार, भयानक और प्रेत जैसा प्राणी था। मैंने इन लोगों से पूछताछ की है, जिनमें से एक समझदार देहाती, एक लोहार और एक दलदली भूमि का किसान था, और सभी ने इस भयानक प्रेत के बारे में एक ही कहानी सुनाई, जो किंवदंती के नरक के कुत्ते से बिल्कुल मेल खाती है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि इस क्षेत्र में आतंक का माहौल है, और रात में दलदली भूमि को पार करने वाला व्यक्ति बहुत साहसी है।”

"और आप, जो विज्ञान में प्रशिक्षित हैं, इसे अलौकिक मानते हैं?"

मुझे नहीं पता कि मुझे किस पर विश्वास करना चाहिए।

होम्स ने अपने कंधे उचका दिए।

“मैंने अब तक अपनी पड़ताल इसी दुनिया तक सीमित रखी है,” उन्होंने कहा। “मैंने मामूली ढंग से बुराई का मुकाबला किया है, लेकिन स्वयं बुराई के जनक से मुकाबला करना शायद बहुत महत्वाकांक्षी कार्य होगा। फिर भी आपको यह मानना होगा कि इसके निशान भौतिक रूप से मौजूद हैं।”

"वह मूल शिकारी कुत्ता इतना ताकतवर था कि किसी आदमी का गला खींच सकता था, और फिर भी वह शैतानी भी था।"

“मैं देख रहा हूं कि आप पूरी तरह से अलौकिक शक्तियों में विश्वास करने लगे हैं। लेकिन अब, डॉ. मोर्टिमर, मुझे यह बताइए। यदि आप ये विचार रखते हैं, तो आप मुझसे परामर्श करने आए ही क्यों हैं? आप एक ही बात में कहते हैं कि सर चार्ल्स की मृत्यु की जाँच करना व्यर्थ है, और आप चाहते हैं कि मैं ही यह जाँच करूं।”

मैंने यह नहीं कहा कि मैं चाहता हूं कि तुम ऐसा करो।

"तो फिर, मैं आपकी किस प्रकार सहायता कर सकता हूँ?"

“मुझे यह सलाह देकर कि मुझे सर हेनरी बास्करविले के साथ क्या करना चाहिए, जो वाटरलू स्टेशन पर ठीक एक घंटे और पंद्रह मिनट में पहुंचेंगे”—डॉ. मोर्टिमर ने अपनी घड़ी देखी—“

“क्या वह उत्तराधिकारी है?”

जी हाँ। सर चार्ल्स की मृत्यु के बाद हमने इस युवक के बारे में पूछताछ की और पता चला कि वह कनाडा में खेती कर रहा था। हमें जो जानकारी मिली है, उससे पता चलता है कि वह हर तरह से एक उत्कृष्ट व्यक्ति है। मैं एक चिकित्सक के रूप में नहीं, बल्कि सर चार्ल्स की वसीयत के न्यासी और निष्पादक के रूप में यह बात कह रहा हूं।

"मेरा अनुमान है कि कोई अन्य दावेदार नहीं है?"

“कोई नहीं। एकमात्र रिश्तेदार जिसका हम पता लगा पाए हैं, वह रॉजर बास्करविल थे, जो तीन भाइयों में सबसे छोटे थे, जिनमें बेचारे सर चार्ल्स सबसे बड़े थे। दूसरे भाई, जिनकी कम उम्र में ही मृत्यु हो गई, इस लड़के हेनरी के पिता हैं। तीसरे भाई, रोजर, परिवार के बिगड़े हुए सदस्य थे। वह पुराने प्रभावशाली बास्करविल वंश से थे, और जैसा कि मुझे बताया गया है, वह पुराने ह्यूगो की पारिवारिक छवि की हूबहू नकल थे। उन्होंने इंग्लैंड को अपने लिए असहनीय बना दिया, इसलिए वह मध्य अमेरिका भाग गए और 1876 में पीत ज्वर से वहीं उनकी मृत्यु हो गई। हेनरी बास्करविल परिवार के अंतिम सदस्य हैं। एक घंटे पाँच मिनट में मेरी उनसे वाटरलू स्टेशन पर मुलाकात होगी। मुझे तार मिला है कि वह आज सुबह साउथेम्प्टन पहुँच गए हैं। अब, श्रीमान होम्स, आप मुझे उनके साथ क्या करने की सलाह देंगे?”

“उसे अपने पूर्वजों के घर क्यों नहीं जाना चाहिए?”

“यह स्वाभाविक लगता है, है ना? फिर भी, सोचिए कि वहाँ जाने वाले हर बास्करविल का अंत बुरा ही होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि अगर सर चार्ल्स अपनी मृत्यु से पहले मुझसे बात कर पाते, तो वे मुझे इस बात की चेतावनी देते कि मैं इस वंश के अंतिम व्यक्ति और अपार धन के वारिस को उस घातक स्थान पर न ले जाऊं। फिर भी, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस पूरे गरीब, उजाड़ इलाके की समृद्धि उनकी उपस्थिति पर निर्भर करती है। सर चार्ल्स द्वारा किए गए सभी अच्छे काम धराशायी हो जाएँगे यदि हॉल में कोई किरायेदार नहीं होगा। मुझे डर है कि कहीं मैं इस मामले में अपने स्वार्थ से बहुत अधिक प्रभावित न हो जाऊँ, और इसीलिए मैं यह मामला आपके समक्ष रखता हूं और आपसे सलाह मांगता हूं।”

होम्स ने कुछ देर तक विचार किया।

“सीधे शब्दों में कहें तो, मामला यह है,” उसने कहा। “आपकी राय में, कोई शैतानी ताकत है जो डार्टमूर को बास्करविल जैसे किसी व्यक्ति के लिए असुरक्षित निवास स्थान बनाती है – क्या यही आपकी राय है?”

"कम से कम मैं इतना तो कह ही सकता हूँ कि इस बात के कुछ सबूत हैं कि ऐसा हो सकता है।"

“बिल्कुल सही। लेकिन अगर आपका अलौकिक सिद्धांत सही है, तो यह लंदन में भी उस युवक के लिए उतना ही बुरा काम कर सकता है जितना कि डेवोनशायर में। एक शैतान जिसके पास केवल स्थानीय शक्तियां हों, जैसे कि किसी चर्च की सभा, तो यह बात बिल्कुल अकल्पनीय होगी।”

“आपने इस मामले को बहुत हल्के-फुल्के ढंग से उठाया है, श्री होम्स, जबकि अगर आप खुद इन मामलों से जुड़े होते, तो शायद आप इतना हल्के-फुल्के ढंग से नहीं उठाते। तो, जैसा कि मैं समझ रहा हूँ, आपकी सलाह यह है कि वह युवक डेवोनशायर में उतना ही सुरक्षित रहेगा जितना लंदन में। वह पचास मिनट में आ रहा है। आप क्या सलाह देंगे?”

"मैं आपको सलाह देता हूँ, महोदय, कि आप एक टैक्सी लें, अपने स्पैनियल कुत्ते को, जो मेरे सामने के दरवाज़े पर खरोंच रहा है, शांत करें और सर हेनरी बास्करविले से मिलने के लिए वाटरलू के लिए प्रस्थान करें।"

"और तब?"

और फिर जब तक मैं इस मामले पर अपना मन नहीं बना लेता, तब तक तुम उससे कुछ भी नहीं कहोगे।

आपको फैसला लेने में कितना समय लगेगा?

"चौबीस घंटे। कल सुबह दस बजे, डॉ. मोर्टिमर, यदि आप मुझसे यहाँ मिलने आएँ तो मैं आपका बहुत आभारी रहूँगा, और यदि आप सर हेनरी बास्करविले को अपने साथ लाएँ तो यह मेरी भविष्य की योजनाओं में मेरे लिए सहायक होगा।"

“मैं ऐसा ही करूंगा, श्रीमान होम्स।” उसने अपनी कमीज़ की कफ़ पर अपॉइंटमेंट लिख दिया और अपने अजीबोगरीब, टकटकी लगाए, खोए-खोए अंदाज़ में जल्दी से चला गया। होम्स ने उसे सीढ़ियों के शीर्ष पर रोक लिया।

“डॉ. मोर्टिमर, बस एक और सवाल। आप कहते हैं कि सर चार्ल्स बास्करविले की मृत्यु से पहले कई लोगों ने इस प्रेत को दलदली भूमि पर देखा था?”

"तीन लोगों ने किया।"

"क्या इसे बाद में किसी ने देखा?"

मैंने इसके बारे में नहीं सुना है।

"धन्यवाद सुप्रभात।"

होम्स अपने चेहरे पर आंतरिक संतुष्टि का वह शांत भाव लिए अपनी सीट पर लौट आए, जिसका अर्थ था कि उनके सामने एक सुखद कार्य था।

"क्या तुम बाहर जा रहे हो, वाटसन?"

"जब तक मैं आपकी मदद न कर सकूँ।"

नहीं, मेरे प्रिय मित्र, मैं आपसे सहायता के लिए कार्य समय में ही संपर्क करता हूँ। लेकिन यह वास्तव में शानदार है, कुछ दृष्टियों से तो बिल्कुल अनोखा है। जब आप ब्रैडली के यहाँ से गुजरें, तो क्या आप उनसे एक पौंड सबसे बढ़िया किस्म का तंबाकू भेजने का अनुरोध करेंगे? धन्यवाद। यदि आप शाम से पहले न लौटें तो बेहतर होगा। तब मुझे इस अत्यंत रोचक समस्या पर आपके विचार साझा करने में बहुत खुशी होगी, जो आज सुबह हमारे सामने प्रस्तुत की गई है।

मुझे पता था कि गहन मानसिक एकाग्रता के उन क्षणों में मेरे मित्र के लिए एकांत और एकांत बहुत आवश्यक था, जब वह प्रत्येक साक्ष्य का विश्लेषण करता था, वैकल्पिक सिद्धांत बनाता था, एक को दूसरे से परखता था और यह तय करता था कि कौन से बिंदु महत्वपूर्ण हैं और कौन से महत्वहीन। इसलिए मैंने पूरा दिन अपने क्लब में बिताया और शाम तक बेकर स्ट्रीट नहीं लौटा। लगभग नौ बज चुके थे जब मैं एक बार फिर बैठक कक्ष में था।

दरवाजा खोलते ही मुझे लगा जैसे आग लग गई हो, क्योंकि कमरा इतना धुएं से भरा था कि मेज पर रखे दीपक की रोशनी भी धुंधली हो गई थी। लेकिन अंदर जाते ही मेरा डर दूर हो गया, क्योंकि तेज, मोटे तंबाकू के तीखे धुएं ने मेरा गला जकड़ लिया और मुझे खांसी आने लगी। धुंध के बीच मुझे होम्स की धुंधली सी छवि दिखाई दी, जो ड्रेसिंग गाउन पहने एक कुर्सी पर बैठे थे और उनके होंठों के बीच उनकी काली मिट्टी की पाइप थी। उनके चारों ओर कागज के कई रोल पड़े थे।

“क्या तुम्हें सर्दी लग गई है, वॉट्सन?” उसने कहा।

नहीं, यह जहरीला वातावरण है।

"अब जब आपने इसका जिक्र किया है, तो मुझे लगता है कि यह काफी मोटा है।"

“बहुत गाढ़ा! यह असहनीय है।”

"खिड़की खोलो! मुझे लगता है कि तुम सारा दिन अपने क्लब में ही थे।"

“मेरे प्यारे होम्स!”

"क्या मैं सही हूं?"

“बिल्कुल, लेकिन कैसे?”

मेरे हैरान चेहरे को देखकर वह हंस पड़ा।

"वॉटसन, आपमें एक मनमोहक ताजगी है, जिसके कारण आपके ऊपर अपनी थोड़ी-बहुत शक्तियों का प्रयोग करना मुझे सुखद लगता है। एक सज्जन व्यक्ति बारिश और कीचड़ भरे दिन में बाहर निकलता है। शाम को वह बिल्कुल साफ-सुथरा लौटता है, उसकी टोपी और जूते अभी भी चमके हुए होते हैं। इसलिए वह दिन भर एक ही जगह पर रहा होता है। वह घनिष्ठ मित्रों वाला व्यक्ति नहीं है। तो फिर वह कहाँ रहा होगा? क्या यह स्पष्ट नहीं है?"

"खैर, यह तो काफी स्पष्ट है।"

दुनिया में ऐसी बहुत सी स्पष्ट चीजें हैं जिन पर कोई ध्यान नहीं देता। आपको क्या लगता है कि मैं कहाँ था?

"वह एक नियमित सदस्य भी है।"

इसके विपरीत, मैं डेवनशायर जा चुका हूं।

“भावना में?”

“बिल्कुल सही। मेरा शरीर इस आरामकुर्सी में ही पड़ा रहा और मुझे यह देखकर खेद हो रहा है कि मेरी अनुपस्थिति में इसने दो बड़े बर्तन कॉफ़ी और बहुत सारा तंबाकू पी लिया है। आपके जाने के बाद मैंने स्टैमफोर्ड के यहाँ से इस दलदली इलाके की ऑर्डनेंस नक्शा मंगवाया था, और मेरा मन दिन भर उसी नक्शे के बारे में सोचता रहा। मुझे लगता है कि मैं रास्ता ढूँढ सकता हूँ।”

"मेरा अनुमान है कि यह एक बड़े पैमाने का नक्शा है?"

“बहुत बड़ा।” उन्होंने एक हिस्सा खोला और उसे अपने घुटने पर रखा। “यह रहा वह खास इलाका जिसके बारे में हमें बात करनी है। बीच में बास्करविल हॉल है।”

"क्या इसके चारों ओर लकड़ी लगी है?"

“बिल्कुल सही। मुझे लगता है कि यू एली, भले ही उस नाम से चिह्नित न हो, इसी रेखा के साथ फैली हुई होगी, और जैसा कि आप देख रहे हैं, इसके दाईं ओर दलदली

भूमि है। इमारतों का यह छोटा सा समूह ग्रिम्पेन गाँव है, जहाँ हमारे मित्र डॉ. मॉर्टिमर की मुख्यालय है। जैसा कि आप देख रहे हैं, पाँच मील के दायरे में केवल कुछ ही बिखरे हुए मकान हैं। यह लाफ्टर हॉल है, जिसका उल्लेख वृत्तांत में किया गया था। यहाँ एक घर दिखाया गया है जो शायद प्रकृतिवादी का निवास स्थान हो सकता है - अगर मुझे सही याद है तो उनका नाम स्टेपलटन था। यहाँ दो दलदली भूमि पर बने फार्महाउस हैं, हाई टॉर और फाउलमायर। फिर चौदह मील दूर प्रिंसटाउन की विशाल कैदी जेल है। इन बिखरे हुए स्थानों के बीच और आसपास उजाड़, निर्जीव दलदली भूमि फैली हुई है। तो, यही वह मंच है जिस पर त्रासदी खेली गई है, और जिस पर हम इसे फिर से खेलने में मदद कर सकते हैं।"

"यह एक जंगली जगह होनी चाहिए।"

"हाँ, यह माहौल उपयुक्त है। अगर शैतान इंसानों के मामलों में दखल देना चाहे तो —"

"तो फिर आप स्वयं ही अलौकिक व्याख्या की ओर झुक रहे हैं।"

"शैतान के दूत हाड़-मांस के बने हो सकते हैं, है ना? शुरुआत में हमारे सामने दो सवाल हैं। पहला यह कि क्या कोई अपराध हुआ है; दूसरा यह कि अपराध क्या है और कैसे हुआ है? बेशक, अगर डॉ. मॉर्टिमर का अनुमान सही है, और हम प्रकृति के सामान्य नियमों से परे की शक्तियों से निपट रहे हैं, तो हमारी जांच यहीं खत्म हो जाती है। लेकिन इस पर वापस आने से पहले हमें अन्य सभी परिकल्पनाओं की जांच करनी होगी। मुझे लगता है कि अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो हम वह खिड़की फिर से बंद कर देंगे। यह एक अजीब बात है, लेकिन मुझे लगता है कि एकाग्र वातावरण विचारों को एकाग्र करने में मदद करता है। मैंने इस पर इतना जोर नहीं दिया है कि सोचने के लिए किसी बंद कमरे में बैठ जाऊं, लेकिन यह मेरी मान्यताओं का तार्किक परिणाम है। क्या आपने इस मामले पर विचार किया है?"

"हां, मैंने दिन भर में इस बारे में काफी सोचा है।"

"इससे क्या बनाया जाता है?"

यह बहुत ही हैरान करने वाला है।

"इसकी अपनी एक अलग ही विशेषता है। इसमें कुछ विशिष्टताएं हैं। उदाहरण के लिए, पदचिह्नों में आया वह बदलाव। आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?"

"मोर्टिमर ने कहा कि वह आदमी गली के उस हिस्से में दबे पांव चला था।"

"उसने तो बस वही दोहराया जो किसी मूर्ख ने पूछताछ के दौरान कहा था। कोई आदमी गली में दबे पांव क्यों चले?"

"तो क्या?"

"वह भाग रहा था, वॉटसन - बेताब होकर भाग रहा था, अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा था, तब तक भागता रहा जब तक उसका दिल फट नहीं गया और वह मुंह के बल गिरकर मर नहीं गया।"

"किससे भाग रहे हो?"

"समस्या यहीं पर है। ऐसे संकेत हैं कि भागने से पहले ही वह व्यक्ति भय से पागल हो चुका था।"

"आप इसे कैसे कहेंगे?"

"मेरा अनुमान है कि उसके डर का कारण उसे दलदली इलाके से आया होगा। अगर ऐसा है, और यह सबसे अधिक संभावना है, तो केवल वही व्यक्ति जो अपना होश खो बैठा हो, घर की ओर भागने के बजाय घर से दूर भागता। अगर जिप्सी के बयान को सच माना जाए, तो वह मदद के लिए चिल्लाते हुए उस दिशा में भागा जहाँ मदद मिलने

की संभावना सबसे कम थी। फिर, उस रात वह किसका इंतज़ार कर रहा था, और वह अपने घर के बजाय यू गली में उसका इंतज़ार क्यों कर रहा था?"

"क्या आपको लगता है कि वह किसी का इंतजार कर रहा था?"

"वह व्यक्ति वृद्ध और दुर्बल था। हम समझ सकते हैं कि वह शाम को टहलने निकला था, लेकिन ज़मीन गीली थी और रात का मौसम खराब था। क्या यह स्वाभाविक है कि वह पांच या दस मिनट तक खड़ा रहे, जैसा कि डॉ. मोर्टिमर ने, मुझसे कहीं अधिक व्यावहारिक समझ के साथ, सिगार की राख से अनुमान लगाया?"

लेकिन वह हर शाम बाहर जाता था।

"मुझे नहीं लगता कि वह हर शाम दलदली इलाके के द्वार पर इंतज़ार करता होगा। इसके विपरीत, सबूत बताते हैं कि वह दलदली इलाके से दूर रहता था। उस रात वह वहीं रुका था। यह लंदन जाने से ठीक एक रात पहले की बात है। बात अब स्पष्ट हो रही है, वॉटसन। यह सुसंगत हो रही है। क्या आप मुझे मेरा वायलिन दे सकते हैं, और हम इस मामले पर आगे की चर्चा तब तक के लिए स्थगित कर देंगे जब तक कि सुबह हमें डॉ. मोर्टिमर और सर हेनरी बास्करविल से मिलने का मौका नहीं मिल जाता।"

सर हेनरी बास्करविले

नाश्ते की मेज जल्दी ही साफ हो गई थी, और होम्स अपने ड्रेसिंग गाउन में तय मुलाकात का इंतजार कर रहे थे। हमारे मुवक्किल समय पर पहुंचे, क्योंकि घड़ी में दस बजते ही डॉ. मोर्टिमर आए, उनके पीछे युवा बैरोनेट भी थे। बैरोनेट कद में छोटे, चौकन्ने, काली आंखों वाले लगभग तीस साल के व्यक्ति थे, जिनका शरीर बहुत मजबूत था, घनी काली भौहें थीं और चेहरा दृढ़ और आक्रामक था। उन्होंने लाल रंग का ट्वीड सूट पहना हुआ था और ऐसा लग रहा था जैसे उन्होंने अपना अधिकांश समय खुले में बिताया हो, फिर भी उनकी स्थिर आंखों और शांत आत्मविश्वास से भरी चाल में एक सज्जन व्यक्ति की झलक थी।

"ये सर हेनरी बास्करविल हैं," डॉ. मोर्टिमर ने कहा।

"जी हां," उसने कहा, "और अजीब बात यह है, श्री शर्लक होम्स, कि अगर मेरे इस मित्र ने आज सुबह आपके पास आने का प्रस्ताव न रखा होता तो मैं स्वयं ही आ जाता। मुझे पता है कि आप छोटी-छोटी पहेलियों को सुलझाते हैं, और आज सुबह मुझे एक ऐसी पहेली मिली है जिसे सुलझाने के लिए मुझसे कहीं अधिक सोचने की जरूरत है।"

"कृपया बैठ जाइए, सर हेनरी। क्या मैं यह समझ रहा हूं कि लंदन आने के बाद से आपको कुछ उल्लेखनीय अनुभव हुए हैं?"

"कुछ खास नहीं, मिस्टर होम्स। बस एक मज़ाक था, शायद। ये वही चिट्ठी है, अगर आप इसे चिट्ठी कह सकते हैं, जो मुझे आज सुबह मिली।"

उसने मेज पर एक लिफाफा रखा, और हम सब उसे देखने के लिए झुक गए। वह साधारण सा लिफाफा था, जिसका रंग हल्का भूरा था। उस पर "सर हेनरी बास्करविले, नॉर्थम्बरलैंड होटल" का पता मोटे अक्षरों में छपा था; डाक टिकट "चारिंग क्रॉस" का था, और डाक भेजने की तारीख पिछली शाम की थी।

"किसे पता था कि आप नॉर्थम्बरलैंड होटल जा रहे हैं?" होम्स ने हमारे मेहमान की ओर उत्सुकता से देखते हुए पूछा।

"किसी को पता नहीं चल सकता था। हमने डॉ. मोर्टिमर से मिलने के बाद ही फैसला किया।"

"लेकिन डॉ. मोर्टिमर निस्संदेह वहीं रुक गए थे?"

"नहीं, मैं एक दोस्त के साथ ठहरा हुआ था," डॉक्टर ने कहा। "ऐसा कोई संकेत नहीं था कि हम इस होटल में जाने का इरादा रखते थे।"

"हम्म! लगता है कोई तुम्हारी गतिविधियों में बहुत दिलचस्पी ले रहा है।" उसने लिफाफे से एक आधा बड़ा कागज़ निकाला, जिसे चार हिस्सों में मोड़ा गया था। उसने उसे खोलकर मेज पर फैला दिया। उसके बीचोबीच छपे हुए शब्दों को चिपकाकर एक वाक्य बनाया गया था। वह वाक्य था: "अगर तुम्हें अपनी जान या अक्ल की परवाह है, तो दलदल से दूर रहो।" केवल "दलदल" शब्द स्याही से छपा था।

"अब," सर हेनरी बास्करविले ने कहा, "शायद आप मुझे बताएँगे, श्री होम्स, कि इसका आखिर मतलब क्या है, और मेरे मामलों में इतनी दिलचस्पी कौन ले रहा है?"

"डॉ. मोर्टिमर, आप इसके बारे में क्या सोचते हैं? कम से कम आपको यह तो मानना ही होगा कि इसमें कुछ भी अलौकिक नहीं है?"

"नहीं, महोदय, लेकिन यह बात किसी ऐसे व्यक्ति से आ सकती है जिसे पूरा विश्वास हो कि यह व्यवसाय अलौकिक है।"

"क्या काम?" सर हेनरी ने तीखे स्वर में पूछा। "मुझे तो लगता है कि आप सभी सज्जन मेरे निजी मामलों के बारे में मुझसे कहीं अधिक जानते हैं।"

"इस कमरे से निकलने से पहले, सर हेनरी, आप हमारे ज्ञान को साझा करेंगे। मैं आपसे वादा करता हूँ," शर्लक होम्स ने कहा। "फिलहाल, आपकी अनुमति से, हम इस बेहद दिलचस्प दस्तावेज़ तक ही सीमित रहेंगे, जिसे कल शाम को तैयार करके पोस्ट किया गया होगा। क्या आपके पास कल का टाइम्स अखबार है, वॉटसन?"

"यह कोने में यहीं है।"

"क्या मैं आपसे वह पृष्ठ मांग सकता हूँ, कृपया अंदर का पृष्ठ, जिसमें मुख्य लेख हैं?" उन्होंने उस पर सरसरी नज़र डाली, कॉलमों को ऊपर-नीचे दौड़ाते हुए। "मुक्त व्यापार पर यह एक शानदार लेख है। मुझे आपको इसका एक अंश सुनाने की अनुमति दें। 'आपको यह लग सकता है कि आपके अपने विशेष व्यापार या आपके अपने उद्योग को सुरक्षात्मक शुल्क से प्रोत्साहन मिलेगा, लेकिन यह तर्कसंगत है कि ऐसा कानून अंततः देश से धन को दूर रखेगा, हमारे आयात का मूल्य घटाएगा और इस द्वीप में जीवन की सामान्य स्थितियों को निम्न स्तर पर ले जाएगा।' इस बारे में आपका क्या विचार है, वॉटसन?" होम्स ने अत्यंत प्रसन्नता से चिल्लाते हुए, संतुष्टि से अपने हाथों को आपस में रगड़ा। "क्या आपको नहीं लगता कि यह एक प्रशंसनीय विचार है?"

डॉ. मोर्टिमर ने पेशेवर रुचि के भाव से होम्स की ओर देखा, और सर हेनरी बास्करविले ने अपनी गहरी, उलझन भरी निगाहों से मेरी ओर देखा।

उन्होंने कहा, "मुझे टैरिफ और इस तरह की चीजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि उस नोट के मामले में हम थोड़ा भटक गए हैं।"

"इसके विपरीत, मुझे लगता है कि हम सही राह पर हैं, सर हेनरी। वॉटसन मेरी कार्यप्रणाली के बारे में आपसे कहीं अधिक जानता है, लेकिन मुझे डर है कि वह भी इस वाक्य का महत्व पूरी तरह से नहीं समझ पाया है।"

"नहीं, मैं स्वीकार करता हूं कि मुझे कोई संबंध नजर नहीं आता।"

और फिर भी, मेरे प्रिय वॉटसन, इनमें इतना गहरा संबंध है कि एक से दूसरा निकलता है। 'तुम', 'तुम्हारा', 'तुम्हारा', 'जीवन', 'कारण', 'मूल्य', 'दूर रहो', 'से।' क्या अब तुम्हें समझ नहीं आ रहा कि ये शब्द कहाँ से लिए गए हैं?

"वाह, आप बिल्कुल सही हैं! वाह, यह तो वाकई बहुत चालाकी है!" सर हेनरी चिल्लाए।

"यदि कोई संदेह शेष रह गया था तो वह इस तथ्य से दूर हो जाता है कि 'दूर रहो' और 'से' को एक ही टुकड़े में काट दिया गया है।"

"खैर, अब तो ऐसा ही है!"

“सचमुच, श्रीमान होम्स, यह तो मेरी कल्पना से भी परे है,” डॉ. मॉर्टिमर ने मेरे मित्र को विस्मय से देखते हुए कहा। “मैं समझ सकता हूँ कि कोई कह सकता है कि ये शब्द किसी अखबार से लिए गए हैं; लेकिन आपने अखबार का नाम बताया और साथ ही यह भी बताया कि ये मुख्य लेख से लिए गए हैं, यह वाकई मेरे लिए सबसे असाधारण बातों में से एक है। आपने यह कैसे किया?”

"डॉक्टर साहब, मेरा मानना है कि आप एक नीग्रो की खोपड़ी और एक एस्किमो की खोपड़ी में अंतर बता सकते हैं?"

"बिल्कुल।"

"आखिर कैसे?"

“क्योंकि यह मेरा खास शौक है। अंतर स्पष्ट हैं। नेत्रगोलक के ऊपर की हड्डी, चेहरे का कोण, जबड़े की वक्रता, आदि।”

“लेकिन यह मेरा खास शौक है, और अंतर उतने ही स्पष्ट हैं। मेरी नज़र में टाइम्स के लेख के भारी-भरकम, बुर्जुआ टाइप और शाम के आधे पैसे वाले अख़बार की बेढंगी छपाई में उतना ही फर्क है जितना किसी नीग्रो और एस्किमो में। टाइप को पहचानना अपराध के विशेषज्ञ के लिए ज्ञान की सबसे बुनियादी शाखाओं में से एक है, हालाँकि मैं मानता हूँ कि एक बार जब मैं बहुत छोटा था, तो मैंने लीड्स मर्करी को वेस्टर्न मॉर्निंग न्यूज़ समझ लिया था। लेकिन टाइम्स का संपादकीय पूरी तरह से अलग होता है, और ये शब्द किसी और से नहीं लिए जा सकते थे। जैसा कि कल हुआ था, इस बात की प्रबल संभावना थी कि हमें ये शब्द कल के अंक में ही मिल जाएंगे।”

“जहां तक मैं आपकी बात समझ पा रहा हूं, श्रीमान होम्स,” सर हेनरी बास्करविल ने कहा, “किसी ने कैंची से इस संदेश को काट डाला है—”

होम्स ने कहा, "नाखून काटने वाली कैंची। आप देख सकते हैं कि यह बहुत छोटे ब्लेड वाली कैंची थी, क्योंकि काटने वाले को 'दूर रहो' के ऊपर दो बार काटना पड़ा।"

“हाँ, ऐसा ही है। फिर किसी ने छोटी धार वाली कैंची से संदेश को काट लिया और उसे गोंद से चिपका दिया —”

"गम," होम्स ने कहा।

"कागज पर गोंद लगा हुआ है। लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि 'मूर' शब्द क्यों लिखा गया होगा?"

क्योंकि उन्हें यह शब्द छपे हुए रूप में नहीं मिला। बाकी सभी शब्द सरल थे और किसी भी अंक में मिल सकते थे, लेकिन 'मूर' शब्द कम प्रचलित होता।

“जी हां, बिल्कुल, इससे बात समझ में आ जाएगी। क्या आपने इस संदेश में कुछ और पढ़ा है, मिस्टर होम्स?”

“एक-दो संकेत तो हैं, लेकिन फिर भी सभी सुराग मिटाने के लिए पूरी सावधानी बरती गई है। आपने देखा होगा कि पता मोटे अक्षरों में छपा है। लेकिन टाइम्स अखबार तो उच्च शिक्षित लोगों के अलावा शायद ही कभी किसी और के हाथों में मिलता है। इसलिए हम यह मान सकते हैं कि यह पत्र किसी शिक्षित व्यक्ति ने लिखा होगा जो खुद को अशिक्षित दिखाना चाहता था, और अपनी लिखावट को छिपाने की उसकी कोशिश से यह संकेत मिलता है कि वह लिखावट आपको पता हो सकती है, या पता चल सकती है। फिर, आपने देखा होगा कि शब्द सीधी रेखा में नहीं चिपकाए गए हैं, बल्कि कुछ शब्द दूसरों की तुलना में काफी ऊंचे हैं। उदाहरण के लिए, 'लाइफ' शब्द अपनी सही जगह पर नहीं है। यह लापरवाही की ओर इशारा कर सकता है या फिर लिखने वाले की घबराहट और जल्दबाजी की ओर। कुल मिलाकर, मेरा झुकाव बाद वाले दृष्टिकोण की ओर है, क्योंकि मामला स्पष्ट रूप से महत्वपूर्ण था, और ऐसे पत्र लिखने वाले का लापरवाह होना असंभव है। अगर वह जल्दी में था, तो यह दिलचस्प सवाल उठता है

कि वह जल्दी में क्यों था, क्योंकि सुबह जल्दी तक भेजा गया कोई भी पत्र सर हेनरी के घर से निकलने से पहले ही उन तक पहुंच जाता। होटल। क्या संगीतकार को किसी व्यवधान का डर था - और किससे?

डॉ. मोर्टिमर ने कहा, "अब हम अनुमान लगाने के क्षेत्र में आ रहे हैं।"

"चलिए, उस क्षेत्र में चलते हैं जहाँ हम संभावनाओं का संतुलन बनाते हैं और सबसे संभावित विकल्प चुनते हैं। यह कल्पना का वैज्ञानिक उपयोग है, लेकिन हमारे पास हमेशा कुछ ठोस आधार होता है जिस पर हम अपनी अटकलें शुरू करते हैं। अब, आप इसे अनुमान कहेंगे, इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन मुझे लगभग यकीन है कि यह भाषण किसी होटल में लिखा गया है।"

आप ऐसा कैसे कह सकते हैं?

“अगर आप इसे ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे कि कलम और स्याही दोनों ने ही लेखक को परेशान किया है। एक ही शब्द में कलम दो बार अटक गई है और एक छोटे से भाषण में तीन बार स्याही खत्म हो गई है, जिससे पता चलता है कि बोतल में स्याही बहुत कम थी। वैसे तो निजी कलम या स्याही की बोतल की ऐसी हालत होना आम बात नहीं है, और इन दोनों का एक साथ होना तो और भी दुर्लभ है। लेकिन आप होटल की स्याही और होटल की कलम को तो जानते ही हैं, जहाँ कुछ और मिलना बहुत मुश्किल होता है। जी हाँ, मुझे यह कहने में ज़रा भी संकोच नहीं है कि अगर हमें चारिंग क्रॉस के आसपास के होटलों के कूड़ेदानों की छानबीन करें और कटे-फटे टाइम्स अखबार के अवशेष ढूंढ लें, तो हम सीधे उस व्यक्ति को पकड़ सकते हैं जिसने यह अनोखा संदेश भेजा है। हैलो! हैलो! ये क्या है?”

वह उस बड़े कागज को ध्यान से देख रहा था, जिस पर शब्द चिपकाए गए थे, और उसे अपनी आंखों से केवल एक या दो इंच की दूरी पर पकड़े हुए था।

"कुआ?"

“कुछ नहीं,” उसने उसे नीचे फेंकते हुए कहा। “यह कागज का एक खाली आधा पन्ना है, जिस पर कोई जलचिह्न भी नहीं है। मुझे लगता है कि हमने इस अनोखे पत्र से जितना हो सकता था उतना निकाल लिया है; और अब, सर हेनरी, क्या लंदन में रहने के बाद से आपके साथ कुछ और दिलचस्प हुआ है?”

“नहीं, श्रीमान होम्स। मुझे ऐसा नहीं लगता।”

"क्या आपने किसी को आपका पीछा करते या आपको देखते हुए नहीं देखा?"

“लगता है मैं किसी सस्ते उपन्यास के बीचोंबीच आ गया हूँ,” हमारे आगंतुक ने कहा। “आखिर कोई मेरा पीछा क्यों करेगा या मुझे क्यों देखेगा?”

“हम उस पर आ रहे हैं। इस मामले में आगे बढ़ने से पहले क्या आपके पास हमें बताने के लिए और कुछ नहीं है?”

"खैर, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस बात को रिपोर्ट करने लायक समझते हैं।"

"मुझे लगता है कि जीवन की सामान्य दिनचर्या से हटकर कुछ भी हो, उसकी रिपोर्ट करना बहुत जरूरी है।"

सर हेनरी मुस्कुराए।

“मुझे अभी तक ब्रिटिश जीवन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, क्योंकि मैंने अपना लगभग सारा समय अमेरिका और कनाडा में बिताया है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि यहाँ जूते खोना आम बात नहीं है।”

"क्या आपका एक जूता खो गया है?"

“महोदय,” डॉ. मोर्टिमर ने कहा, “यह बस कहीं खो गया है। होटल लौटने पर आपको यह मिल जाएगा। इस तरह की छोटी-मोटी बातों के लिए श्री होम्स को परेशान

करने का क्या फायदा?”

"खैर, उसने मुझसे सामान्य दिनचर्या से हटकर कुछ भी करने को कहा।"

“बिल्कुल,” होम्स ने कहा, “भले ही यह घटना कितनी भी मूर्खतापूर्ण लगे। आप कह रहे हैं कि आपका एक जूता खो गया है?”

खैर, वो कहीं खो गयी। मैंने कल रात दोनों को अपने दरवाजे के बाहर रख दिया था, और सुबह वहां सिर्फ एक ही था। उन्हें साफ करने वाले आदमी से भी मुझे कोई बात समझ नहीं आई। सबसे बुरी बात ये है कि मैंने इन्हें कल रात ही स्ट्रैंड से खरीदा था, और मैंने इन्हें कभी पहना ही नहीं है।

"अगर आपने इन्हें कभी पहना ही नहीं, तो इन्हें साफ करवाने के लिए बाहर क्यों रखा?"

“वे भूरे रंग के जूते थे और उन पर कभी वार्निश नहीं किया गया था। इसीलिए मैंने उन्हें बाहर रख दिया था।”

“तो मुझे समझ आया कि कल लंदन पहुंचते ही आप तुरंत बाहर गए और एक जोड़ी जूते खरीद लिए?”

“मैंने खूब खरीदारी की। डॉ. मोर्टिमर मेरे साथ घूमे। देखिए, अगर मुझे वहां जमींदार बनना है तो मुझे उसी तरह कपड़े पहनने होंगे, और शायद पश्चिम में रहते हुए मैं थोड़ा लापरवाह हो गया हूं। बाकी चीजों के अलावा मैंने ये भूरे रंग के जूते खरीदे - इनके लिए छह डॉलर दिए - और पहनने से पहले ही एक जूता चोरी हो गया।”

“इसे चुराना सरासर बेकार की बात लगती है,” शर्लक होम्स ने कहा। “मैं डॉ. मोर्टिमर की इस बात से सहमत हूं कि लापता जूता जल्द ही मिल जाएगा।”

“और अब, सज्जनों,” बैरोनेट ने दृढ़ता से कहा, “मुझे लगता है कि मैंने अपनी जानकारी के अनुसार काफी कुछ कह दिया है। अब समय आ गया है कि आप अपना वादा निभाएं और मुझे वह सब कुछ विस्तार से बताएं जो हम सब मिलकर कहना चाहते हैं।”

“आपका अनुरोध बहुत ही उचित है,” होम्स ने उत्तर दिया। “डॉ. मोर्टिमर, मुझे लगता है कि आप अपनी कहानी को उसी तरह से बताएं जैसे आपने हमें बताई थी, इससे बेहतर और कुछ नहीं हो सकता।”

इससे उत्साहित होकर, हमारे वैज्ञानिक मित्र ने अपनी जेब से कागजात निकाले और सुबह की तरह ही सारा मामला प्रस्तुत किया। सर हेनरी बास्करविल ने अत्यंत ध्यान से सुना और बीच-बीच में आश्चर्य व्यक्त किया।

“खैर, मुझे तो मानो एक बहुत बड़ी विरासत मिल गई है,” लंबी कहानी खत्म होने पर उन्होंने कहा। “बेशक, मैंने उस शिकारी कुत्ते के बारे में बचपन से ही सुना है। यह हमारे परिवार की सबसे चर्चित कहानी है, हालांकि मैंने इसे पहले कभी गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन मेरे चाचा की मौत के बारे में – सब कुछ मेरे दिमाग में उबल रहा है, और मैं अभी तक इसे सुलझा नहीं पा रहा हूं। ऐसा लगता है कि आपने अभी तक तय नहीं किया है कि यह मामला पुलिसवाले के लिए है या पादरी के लिए।”

"एकदम सही।"

और अब होटल में मुझे मिले पत्र का मामला भी सामने आया है। मुझे लगता है कि यह भी अपनी जगह पर ठीक बैठता है।

डॉ. मोर्टिमर ने कहा, "ऐसा लगता है कि कोई हमसे ज्यादा जानता है कि दलदली भूमि पर क्या घटित होता है।"

"और साथ ही," होम्स ने कहा, "इसका मतलब यह नहीं है कि कोई व्यक्ति आपके प्रति दुर्भावना रखता है, क्योंकि वह आपको खतरे से आगाह करता है।"

या फिर ऐसा भी हो सकता है कि वे अपने स्वार्थ के लिए मुझे डराकर भगाना चाहते हों।

“जी हाँ, बिलकुल, यह भी संभव है। डॉ. मोर्टिमर, मुझे एक ऐसी समस्या से परिचित कराने के लिए, मैं आपका बहुत आभारी हूँ, जिसमें कई रोचक विकल्प मौजूद हैं। लेकिन अब हमें जो व्यावहारिक निर्णय लेना है, सर हेनरी, वह यह है कि आपके लिए बास्करविले हॉल जाना उचित है या नहीं।”

मुझे क्यों नहीं जाना चाहिए?

"खतरा प्रतीत होता है।"

"क्या आपका मतलब इस पारिवारिक दुश्मन से खतरे से है या आपका मतलब इंसानों से खतरे से है?"

"खैर, हमें यही पता लगाना होगा।"

“जो भी हो, मेरा जवाब तय है। श्री होम्स, नरक में कोई शैतान नहीं है, और धरती पर कोई भी ऐसा इंसान नहीं है जो मुझे अपने लोगों के घर जाने से रोक सके, और आप इसे मेरा अंतिम जवाब समझ लीजिए।” बोलते समय उनकी गहरी भौहें तन गईं और चेहरा गहरा लाल हो गया। यह स्पष्ट था कि बास्करविल परिवार का उग्र स्वभाव उनके इस अंतिम प्रतिनिधि में भी अभी समाप्त नहीं हुआ था। “इस बीच,” उन्होंने कहा, “मुझे आपके द्वारा बताई गई सभी बातों पर सोचने का समय ही नहीं मिला है। एक ही बार में इतनी सारी बातों को समझना और उन पर फैसला करना किसी के लिए बहुत बड़ी बात है। मैं अपने मन को पक्का करने के लिए कुछ घंटे अकेले बिताना चाहता हूं। अब देखिए, श्री होम्स, अभी साढ़े ग्यारह बज चुके हैं और मैं तुरंत अपने होटल वापस जा रहा हूं। मान लीजिए आप और आपके मित्र, डॉ. वॉटसन, दोपहर दो बजे हमारे साथ दोपहर का भोजन करने आ जाएँ। तब मैं आपको और स्पष्ट रूप से बता पाऊँगा कि यह बात मुझे किस तरह प्रभावित करती है।”

"क्या यह आपके लिए सुविधाजनक है, वॉटसन?"

"बिल्कुल सही।"

“तो आप हमारा इंतज़ार कर सकते हैं। क्या मैं एक टैक्सी बुला लूँ?”

"मैं पैदल चलना पसंद करूंगा, क्योंकि इस मामले ने मुझे काफी परेशान कर दिया है।"

"मुझे आपके साथ टहलने में खुशी होगी," उसके साथी ने कहा।

फिर हम दो बजे दोबारा मिलेंगे। अलविदा, और सुप्रभात!

हमने अपने मेहमानों के सीढ़ियों से नीचे उतरने की आहट और सामने के दरवाज़े के ज़ोर से बंद होने की आवाज़ सुनी। पल भर में होम्स एक सुस्त सपने देखने वाले से एक कर्मठ व्यक्ति में बदल गया।

“वॉटसन, ज़ल्दी से अपनी टोपी और जूते पहनो! एक पल भी बर्बाद नहीं करना!” वह अपने ड्रेसिंग गाउन में अपने कमरे में भागा और कुछ ही सेकंड में फ्रॉक-कोट पहनकर वापिस आ गया। हम दोनों सीढ़ियों से नीचे उतरकर सड़क पर आ गए। डॉ. मोर्टिमर और बास्करविल अभी भी हमसे लगभग दो सौ गज आगे ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट की दिशा में दिखाई दे रहे थे।

"क्या मैं आगे बढ़कर उन्हें रोक दूं?"

“बिल्कुल नहीं, मेरे प्यारे वॉटसन! अगर तुम मेरी संगत बर्दाश्त करोगे तो मैं तुम्हारी संगति से ही पूरी तरह संतुष्ट हूं। हमारे दोस्त समझदार हैं, क्योंकि सैर के लिए आज सुबह वाकई बहुत सुहाना मौसम है।”

उसने अपनी चाल तेज़ कर दी, यहाँ तक कि हमारे बीच की दूरी लगभग आधी हो गई। फिर, उससे सौ गज पीछे रहते हुए, हम ऑक्सफ़ोर्ड स्ट्रीट में उसके पीछे-पीछे

चले और फिर रीजेंट स्ट्रीट की ओर बढ़े। एक बार हमारे दोस्त रुके और एक दुकान की खिड़की में झाँकने लगे, जिस पर होम्स ने भी ऐसा ही किया। एक पल बाद उसने संतुष्टि की एक हल्की सी आवाज़ निकाली, और उसकी उत्सुक आँखों की दिशा का अनुसरण करते हुए, मैंने देखा कि सड़क के दूसरी ओर रुकी हुई एक टैक्सी, जिसमें एक आदमी बैठा था, अब धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थी।

"वो रहा हमारा आदमी, वाटसन! चलो! अगर हम और कुछ नहीं कर सकते, तो हम उसे अच्छी तरह से देख लेंगे।"

उसी क्षण मुझे टैक्सी की साइड वाली खिड़की से घनी काली दाढ़ी और तीखी निगाहों का एक जोड़ा हमारी ओर मुड़ता हुआ दिखाई दिया। पलक झपकते ही ऊपर का दरवाजा खुल गया, ड्राइवर को कुछ चिल्लाकर कहा गया और टैक्सी रीजेंट स्ट्रीट पर बेतहाशा दौड़ पड़ी। होम्स ने दूसरी टैक्सी की तलाश में चारों ओर देखा, लेकिन कोई खाली टैक्सी नज़र नहीं आई। फिर वह गाड़ियों की भीड़ में बेतहाशा टैक्सी का पीछा करने दौड़ा, लेकिन शुरुआत बहुत तेज़ थी और टैक्सी पहले ही नज़रों से ओझल हो चुकी थी।

"देखो!" होम्स वाहनों की भीड़ से हांफते और झुंझलाहट से पीले पड़ते हुए बाहर निकले और कड़वाहट से बोले। "क्या कभी इतनी बुरी किस्मत और इतना खराब प्रबंधन भी हुआ है? वाटसन, वाटसन, अगर तुम ईमानदार आदमी हो तो इसे भी दर्ज करो और मेरी सफलताओं के मुकाबले इसे भी रखो!"

"वह आदमी कौन था?"

मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

"एक जासूस?"

"खैर, जो हमने सुना है उससे तो यही स्पष्ट था कि बास्करविल जब से शहर में आया है, कोई उसका बहुत करीब से पीछा कर रहा है। वरना इतनी जल्दी कैसे पता चल जाता कि उसने नॉर्थम्बरलैंड होटल को चुना है? अगर उन्होंने पहले दिन उसका पीछा किया था, तो मेरा मानना था कि वे दूसरे दिन भी उसका पीछा करेंगे। आपने शायद गौर किया होगा कि जब डॉ. मोर्टिमर अपनी कहानी पढ़ रहे थे, तब मैं दो बार खिड़की के पास गया था।"

"हाँ मैं मुझे याद है।"

"मैं सड़क पर आवारागर्दी करने वालों पर नज़र रख रहा था, लेकिन मुझे कोई नहीं दिखा। हम एक चालाक आदमी, वाटसन से निपट रहे हैं। यह मामला बहुत पेचीदा है, और हालाँकि मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि यह कोई परोपकारी या दुर्भावनापूर्ण शक्ति है जो हमसे संपर्क में है, मैं हमेशा शक्ति और साजिश के प्रति सचेत रहता हूं। जब हमारे दोस्त चले गए, तो मैं उनके अदृश्य साथी को ढूंढने की उम्मीद में तुरत उनके पीछे चल पड़ा। वह इतना धूर्त था कि उसने पैदल चलने पर भरोसा नहीं किया, बल्कि एक टैक्सी का सहारा लिया ताकि वह उनके पीछे-पीछे चल सके या उनसे आगे निकलकर उनकी नज़र से बच सके। उसकी इस तरकीब का एक अतिरिक्त फ़ायदा यह था कि अगर वे टैक्सी लेते, तो वह उनका पीछा करने के लिए पूरी तरह तैयार था। हालाँकि, इसका एक स्पष्ट नुकसान भी है।"

"इससे वह टैक्सी ड्राइवर के नियंत्रण में आ जाता है।"

"बिल्कुल।"

"कितनी अफ़सोस की बात है कि हमें नंबर नहीं मिला!"

"मेरे प्रिय वाटसन, मैं भले ही कितना भी अनाड़ी क्यों न रहा हूँ, क्या आप सच में यह सोच रहे हैं कि मैं नंबर लेना भूल गया? नंबर 2704 हमारा आदमी है। लेकिन फिलहाल इससे हमें कोई लेना-देना नहीं है।"

मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप इससे ज्यादा क्या कर सकते थे।

टैक्सी को देखते ही मुझे तुरंत मुड़कर दूसरी दिशा में चले जाना चाहिए था। फिर मुझे आराम से दूसरी टैक्सी किराए पर लेकर पहली टैक्सी का सम्मानजनक दूरी से पीछा करना चाहिए था, या इससे भी बेहतर, नॉर्थम्बरलैंड होटल जाकर वहाँ इंतज़ार करना चाहिए था। जब हमारा अज्ञात व्यक्ति बास्करविले का पीछा करते हुए उसके घर पहुंच जाता, तो हमें उसी पर उसी की चाल चलने और यह देखने का मौका मिल जाता कि वह कहाँ जाता है। लेकिन हुआ यह कि हमारी नासमझी भरी जल्दबाजी का हमारे विरोधी ने असाधारण तेज़ी और ऊर्जा के साथ फायदा उठाया और हमने खुद को धोखा दिया और अपने आदमी को खो दिया।

इस बातचीत के दौरान हम रीजेंट स्ट्रीट पर धीरे-धीरे टहल रहे थे, और डॉ. मोर्टिमर अपने साथी के साथ काफी देर पहले ही हमारे सामने से ओझल हो चुके थे।

“उनका पीछा करने का कोई फायदा नहीं,” होम्स ने कहा। “वह साया जा चुका है और वापस नहीं आएगा। हमें देखना होगा कि हमारे पास और क्या विकल्प हैं और उन्हें सोच-समझकर इस्तेमाल करना होगा। क्या आप टैक्सी के अंदर बैठे उस आदमी की कसम खा सकते हैं?”

मैं केवल दाढ़ी की कसम खा सकता हूँ।

“और मैं भी ऐसा कर सकता था— जिससे मुझे लगता है कि यह शायद नकली दाढ़ी थी। इतने नाज़ुक काम पर निकले चतुर व्यक्ति को अपने चेहरे को छिपाने के अलावा दाढ़ी की कोई ज़रूरत नहीं होती। अंदर आओ, वॉटसन!”

वह ज़िले के एक संदेशवाहक कार्यालय में दाखिल हुआ, जहां प्रबंधक ने उसका गर्मजोशी से स्वागत किया।

"आह, विल्सन, मुझे लगता है कि आप उस छोटे से मामले को नहीं भूले हैं जिसमें मुझे आपकी मदद करने का सौभाग्य मिला था?"

“जी नहीं, महोदय, मैंने ऐसा बिल्कुल नहीं किया है। आपने मेरी प्रतिष्ठा बचाई, और शायद मेरी जान भी।

"मेरे प्रिय साथी, तुम अतिशयोक्ति कर रहे हो। मुझे याद है, विल्सन, कि तुम्हारे लड़कों में कार्टराइट नाम का एक लड़का था, जिसने जांच के दौरान कुछ प्रतिभा दिखाई थी।"

जी हाँ, महोदय, वह अभी भी हमारे साथ हैं।

“क्या आप उन्हें फोन कर सकते हैं? — धन्यवाद! और मुझे इस पांच पाउंड के नोट का बकाया मिल जाए तो मुझे खुशी होगी।”

चौदह साल का एक लड़का, जिसका चेहरा उज्ज्वल और उत्सुक था, मैनेजर के बुलावे पर आया था। वह अब उस प्रसिद्ध जासूस को बड़े आदर से देख रहा था।

“मुझे होटल डायरेक्टरी दीजिए,” होम्स ने कहा। “धन्यवाद! अब, कार्टराइट, यहाँ तेईस होटलों के नाम हैं, सभी चारिंग क्रॉस के ठीक आसपास के इलाके में हैं। समझे?”

"जी श्रीमान।"

आप बारी-बारी से इन सभी स्थानों का दौरा करेंगे।

"जी श्रीमान।"

“आप प्रत्येक मामले में बाहरी कुली को एक शिलिंग देकर शुरुआत करेंगे। ये लीजिए तेईस शिलिंग।”

"जी श्रीमान।"

“तुम उससे कहोगे कि तुम्हें कल का रद्दी कागज़ देखना है। तुम कहोगे कि एक महत्वपूर्ण टेलीग्राम गुम हो गया है और तुम उसे ढूंढ रहे हो। समझे?”

"जी श्रीमान।"

“लेकिन असल में आपको टाइम्स अखबार का वह मध्य पृष्ठ चाहिए जिसमें कैंची से कुछ छेद किए गए हों। ये लीजिए टाइम्स की एक प्रति। यही वह पृष्ठ है। आप इसे आसानी से पहचान सकते हैं, है ना?”

"जी श्रीमान।"

“हर मामले में बाहरी पोर्टर हॉल पोर्टर को बुलाएगा, जिसे आप एक शिलिंग देंगे। ये लीजिए तेईस शिलिंग। फिर आपको संभवतः तेईस में से बीस मामलों में पता चलेगा कि पिछले दिन का कचरा जला दिया गया है या हटा दिया गया है। बाकी तीन मामलों में आपको कागजों का ढेर दिखाया जाएगा और आपको उसमें टाइम्स का यह पृष्ठ ढूंढना होगा। इसे ढूंढने की संभावना बहुत कम है। आपात स्थिति के लिए दस शिलिंग अतिरिक्त हैं। मुझे शाम से पहले बेकर स्ट्रीट पर तार द्वारा सूचना भेज दीजिए। और अब, वॉटसन, हमें केवल तार द्वारा कैब ड्राइवर नंबर 2704 की पहचान पता करनी है, और फिर हम बॉन्ड स्ट्रीट की किसी पिक्चर गैलरी में जाकर होटल पहुंचने तक समय बिताएंगे।”

तीन टूटे धागे

शर्लक होम्स में असाधारण रूप से अपनी इच्छा से मन को अलग करने की क्षमता थी। दो घंटे तक, जिस अजीबोगरीब मामले में हम उलझे हुए थे, वह मानो भुला दिया गया था और वह पूरी तरह से आधुनिक बेल्जियम के उस्तादों की तस्वीरों में मग्न था। गैलरी से निकलने से लेकर नॉर्थम्बरलैंड होटल पहुंचने तक, वह कला के अलावा किसी और चीज़ की बात नहीं करता रहा, जिसके बारे में उसके पास बहुत ही अधूरी जानकारी थी।

“सर हेनरी बास्करविले ऊपर आपका इंतज़ार कर रहे हैं,” क्लर्क ने कहा। “उन्होंने मुझसे कहा है कि आपके आते ही मैं आपको तुरंत ऊपर ले जाऊं।”

"क्या आपको मेरे द्वारा आपके रजिस्टर को देखने पर कोई आपत्ति है?" होम्स ने कहा।

"कम से कम नहीं।"

पुस्तक से पता चला कि बास्करविले के नाम के बाद दो नाम जोड़े गए थे। एक नाम न्यूकैसल के थियोफिलस जॉनसन और उनके परिवार का था; दूसरा नाम ऑल्टन के हाई लॉज की श्रीमती ओल्डमोर और उनकी नौकरानी का था।

“ज़रूर ये वही जॉनसन होगा जिसे मैं पहले जानता था,” होम्स ने चौकीदार से कहा। “वकील है ना, सफ़ेद बालों वाला और लंगड़ाकर चलता है?”

"नहीं, महोदय; यह श्री जॉनसन हैं, कोयला व्यापारी, एक बहुत ही सक्रिय सज्जन, जिनकी उम्र आपसे अधिक नहीं है।"

"क्या आप उसके पेशे के बारे में गलत समझ रहे हैं?"

“नहीं, महोदय! वह कई वर्षों से इस होटल में ठहरते आ रहे हैं, और हम उन्हें बहुत अच्छी तरह जानते हैं।”

“अहा, अब बात पक्की हो गई। श्रीमती ओल्डमोर भी; मुझे उनका नाम याद आ रहा है। मेरी जिज्ञासा के लिए क्षमा करें, लेकिन अक्सर एक दोस्त से मिलने पर दूसरा दोस्त मिल जाता है।”

“वह एक बीमार महिला हैं, महोदय। उनके पति कभी ग्लूसेस्टर के मेयर थे। जब भी वह शहर में होती हैं, तो हमेशा हमारे पास आती हैं।”

“धन्यवाद; मुझे खेद है कि मैं उनसे परिचित होने का दावा नहीं कर सकता। वाटसन, इन सवालों से हमें एक बहुत ही महत्वपूर्ण तथ्य पता चला है,” ऊपर जाते हुए उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। “अब हमें पता चल गया है कि जो लोग हमारे मित्र में

इतनी दिलचस्पी रखते हैं, वे उनके अपने होटल में नहीं ठहरे हैं। इसका मतलब यह है कि जैसा कि हमने देखा है, वे उन्हें देखने के लिए बहुत उत्सुक हैं, लेकिन साथ ही साथ वे इस बात को लेकर भी उतने ही चिंतित हैं कि वह उन्हें न देख पाएं। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण तथ्य है।"

इससे क्या संकेत मिलता है?

"इससे यह संकेत मिलता है — अरे, मेरे प्यारे दोस्त, आखिर मामला क्या है?"

जैसे ही हम सीढ़ियों के ऊपर पहुँचे, हमारी मुलाकात सर हेनरी बास्करविल से हो गई। उनका चेहरा गुस्से से लाल था और उनके एक हाथ में एक पुराना और धूल भरा जूता था। वे इतने क्रोधित थे कि ठीक से बोल नहीं पा रहे थे, और जब उन्होंने बात की तो उनकी बोली सुबह की बोली से कहीं अधिक व्यापक और पश्चिमी लहजे में थी।

"लगता है ये लोग मुझे होटल में बेवकूफ बना रहे हैं," वो चिल्लाया। "अगर ये सावधान नहीं रहे तो इन्हें पता चल जाएगा कि इन्होंने गलत आदमी से पंगा ले लिया है। कसम से, अगर वो आदमी मेरा खोया हुआ जूता नहीं ढूंढ पाया तो मुसीबत हो जाएगी। मैं बड़े-बड़े मज़ाक सह सकता हूँ, मिस्टर होम्स, लेकिन इस बार तो इन्होंने हद ही पार कर दी है।"

"क्या आप अभी भी अपना जूता ढूंढ रहे हैं?"

"जी हां, महोदय, और मैं इसे ढूंढने का इरादा रखता हूं।"

"लेकिन, आपने तो यही कहा था कि यह एक नया भूरा जूता है?"

"जी हां, श्रीमान। और अब यह एक पुरानी काली गाड़ी है।"

"क्या! आपका मतलब ये कहना तो नहीं है—?"

"मेरा मतलब यही तो था। मेरे पास दुनिया में सिर्फ तीन जोड़ी जूते थे — नए भूरे, पुराने काले और पेटेंट लेदर वाले, जो मैंने पहने हुए हैं। कल रात उन्होंने मेरा एक भूरा जूता चुरा लिया और आज उन्होंने एक काला जूता भी चुरा लिया। अच्छा, क्या तुम्हारे पास है? बोलो यार, चुपचाप देखते मत रहो!"

एक उत्तेजित जर्मन वेटर घटनास्थल पर आ पहुंचा था।

"नहीं, महोदय; मैंने पूरे होटल में पूछताछ की है, लेकिन मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।"

"ठीक है, या तो वह जूता सूर्यास्त से पहले वापस आ जाए या मैं मैनेजर से मिलूंगा और उसे बता दूंगा कि मैं सीधे इस होटल से बाहर जा रहा हूं।"

"यह मिल जाएगा, महोदय—मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ कि यदि आप थोड़ा धैर्य रखेंगे तो यह मिल जाएगा।"

"ध्यान रहे, क्योंकि चोरों के इस अड्डे में मेरी यही आखिरी चीज होगी जो मैं खोऊँगा। अच्छा, अच्छा, श्रीमान होम्स, आप मुझे इतनी छोटी सी बात के लिए परेशान करने के लिए क्षमा करेंगे—"

मुझे लगता है कि इस बारे में चिंता करना उचित है।

"अरे, तुम तो इस बारे में बहुत गंभीर लग रहे हो।"

आप इसे कैसे समझाएंगे?

मैं इसे समझाने की कोशिश ही नहीं करता। यह मेरे साथ घटी सबसे अजीब और विचित्र घटना लगती है।

"शायद सबसे विचित्र - " होम्स ने सोच-विचार करते हुए कहा।

आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?

"खैर, मैं अभी तक इसे पूरी तरह समझ नहीं पाया हूँ। आपका यह मामला बहुत जटिल है, सर हेनरी। आपके चाचा की मृत्यु के संदर्भ में, मुझे यकीन नहीं है कि मैंने अब तक जितने भी पाँच सौ महत्वपूर्ण मामले संभाले हैं, उनमें से कोई एक इतना गहरा घाव

देने वाला रहा होगा। लेकिन हमारे हाथ में कई सूत्र हैं, और संभावना यही है कि उनमें से कोई न कोई हमें सच्चाई तक ले जाएगा। गलत सूत्र का पीछा करने में हम समय बर्बाद कर सकते हैं, लेकिन देर-सवेर हम सही तक पहुंच ही जाएंगे।"

हमने एक सुखद दोपहर का भोजन किया जिसमें उस काम के बारे में ज्यादा बात नहीं हुई जिसके लिए हम सब इकट्ठा हुए थे। बाद में हम जिस निजी बैठक कक्ष में गए, वहीं होम्स ने बास्करविले से पूछा कि उसकी क्या योजना है।

"बास्करविले हॉल जाने के लिए।"

"और जब?"

सप्ताह के अंत में।

“कुल मिलाकर,” होम्स ने कहा, “मुझे लगता है कि आपका निर्णय समझदारी भरा है। मेरे पास इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि लंदन में आपका पीछा किया जा रहा है, और इस विशाल शहर की लाखों आबादी के बीच यह पता लगाना मुश्किल है कि ये लोग कौन हैं या उनका मकसद क्या हो सकता है। अगर उनके इरादे बुरे हैं तो वे आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं, और हम इसे रोकने में असमर्थ होंगे। क्या आपको नहीं पता था, डॉ. मोर्टिमर, कि आज सुबह मेरे घर से आपका पीछा किया गया था?”

डॉ. मोर्टिमर ने हिंसक प्रतिक्रिया दी।

“पीछा किया गया! किसके द्वारा?”

“दुर्भाग्यवश, मैं आपको यह नहीं बता सकता। क्या डार्टमूर में आपके पड़ोसियों या परिचितों में कोई ऐसा व्यक्ति है जिसकी घनी काली दाढ़ी हो?”

“नहीं — या, मुझे देखने दीजिए — क्यों नहीं, हाँ। सर चार्ल्स के बटलर बैरीमोर एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी घनी, काली दाढ़ी है।”

“हा! बैरीमोर कहाँ है?”

वह हॉल के प्रभारी हैं।

"हमें यह पता लगाना चाहिए कि वह वास्तव में वहां है या नहीं, या किसी भी संभावना से वह लंदन में हो सकता है।"

"आप ऐसा कैसे कर सकते हैं?"

“मुझे एक टेलीग्राम फॉर्म दीजिए। ‘क्या सर हेनरी के लिए सब तैयार है?’ इतना काफी है। पता: श्री बैरीमोर, बास्करविले हॉल। निकटतम टेलीग्राम कार्यालय कहाँ है? ग्रिम्पेन। बहुत बढ़िया, हम पोस्टमास्टर ग्रिम्पेन को दूसरा तार भेजेंगे: ‘श्री बैरीमोर को टेलीग्राम, उनके हाथों से दिया जाए। यदि वे अनुपस्थित हों, तो कृपया तार सर हेनरी बास्करविले, नॉर्थम्बरलैंड होटल को लौटा दें।’ इससे हमें शाम से पहले पता चल जाएगा कि बैरीमोर डेवोनशायर में अपने कार्यालय में हैं या नहीं।”

“बिल्कुल सही,” बास्करविले ने कहा। “वैसे, डॉ. मोर्टिमर, ये बैरीमोर आखिर कौन है?”

“वह पुराने कार्यवाहक का बेटा है, जिसकी मृत्यु हो चुकी है। वे चार पीढ़ियों से हॉल की देखभाल करते आ रहे हैं। जहाँ तक मुझे पता है, वह और उसकी पत्नी काउंटी के किसी भी अन्य दंपत्ति की तरह ही सम्मानित दंपत्ति हैं।”

बास्केरविले ने कहा, "साथ ही, यह बात भी काफी स्पष्ट है कि जब तक हॉल में परिवार का कोई भी सदस्य मौजूद नहीं है, तब तक इन लोगों के पास एक बहुत ही बढ़िया घर है और करने के लिए कुछ भी नहीं है।"

“यह सच है।”

"क्या बैरीमोर को सर चार्ल्स की वसीयत से कोई लाभ हुआ?" होम्स ने पूछा।

उसके और उसकी पत्नी के पास पांच-पांच सौ पाउंड थे।

“हा! क्या उन्हें पता था कि उन्हें यह मिलेगा?”

"जी हां; सर चार्ल्स को अपनी वसीयत के प्रावधानों के बारे में बात करना बहुत पसंद था।"

“यह बहुत दिलचस्प है।”

डॉ. मोर्टिमर ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप सर चार्ल्स से विरासत में कुछ पाने वाले हर व्यक्ति को संदेह की नजर से नहीं देखेंगे, क्योंकि मुझे भी एक हजार पाउंड विरासत में मिले थे।"

“बिल्कुल! और कोई और?”

"कई व्यक्तियों को छोटी-छोटी रकमें दी गईं, और बड़ी संख्या में सार्वजनिक दान संस्थाओं को भी दान दिया गया। शेष सारी रकम सर हेनरी को मिली।"

“और अवशेष की मात्रा कितनी थी?”

"सात लाख चालीस हजार पाउंड।"

होम्स ने आश्चर्य से अपनी भौहें उठाईं। उन्होंने कहा, "मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि इसमें इतनी बड़ी रकम शामिल है।"

“सर चार्ल्स की प्रतिष्ठा धनी होने की थी, लेकिन हमें यह नहीं पता था कि वे वास्तव में कितने धनी थे, जब तक कि हमने उनकी संपत्तियों की जांच नहीं की। संपत्ति का कुल मूल्य लगभग दस लाख के करीब था।”

“अरे बाप रे! ये तो ऐसा दांव है जिसके लिए कोई भी आदमी जान जोखिम में डालकर भी खेल सकता है। और एक और सवाल, डॉ. मोर्टिमर। मान लीजिए कि हमारे इस नौजवान दोस्त को कुछ हो गया — आप इस अप्रिय अनुमान के लिए मुझे माफ करेंगे! — तो इस संपत्ति का वारिस कौन होगा?”

"चूंकि सर चार्ल्स के छोटे भाई रॉजर बास्करविले की अविवाहित मृत्यु हो गई थी, इसलिए संपत्ति दूर के चचेरे भाई डेसमंड परिवार को मिलेगी। जेम्स डेसमंड वेस्टमोर्लैंड में एक बुजुर्ग पादरी हैं।"

“धन्यवाद। ये सारी जानकारी मेरे लिए बहुत रुचिकर है। क्या आप श्री जेम्स डेसमंड से मिले हैं?”

“जी हां; वह एक बार सर चार्ल्स से मिलने आए थे। वे एक आदरणीय व्यक्तित्व और संतमय जीवन वाले व्यक्ति हैं। मुझे याद है कि उन्होंने सर चार्ल्स से कोई समझौता स्वीकार करने से इनकार कर दिया था, हालांकि सर चार्ल्स ने उन पर दबाव डाला था।”

और सादगी पसंद यह व्यक्ति सर चार्ल्स की हजारों की संपत्ति का उत्तराधिकारी होगा।

"संपत्ति का वारिस वही होगा क्योंकि यह वसीयत में निहित है। वह धन का भी वारिस होगा, जब तक कि वर्तमान मालिक द्वारा इसे अन्यथा न वसीयत किया जाए, जो निश्चित रूप से इसके साथ जो चाहे कर सकता है।"

"क्या आपने अपनी वसीयत बना ली है, सर हेनरी?"

“नहीं, श्रीमान होम्स, मैंने ऐसा नहीं किया है। मुझे समय ही नहीं मिला, क्योंकि मुझे कल ही स्थिति के बारे में पता चला। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि पैसा संपत्ति और जायदाद के साथ ही जाना चाहिए। यह मेरे बेचारे चाचा का विचार था। अगर मालिक के पास संपत्ति की देखभाल के लिए पर्याप्त पैसा नहीं होगा, तो वह बास्करविल परिवार की शान कैसे बहाल करेगा? घर, ज़मीन और पैसा, तीनों एक साथ होने चाहिए।”

“बिल्कुल सही। खैर, सर हेनरी, मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं कि आपको बिना देरी किए डेवनशायर जाना चाहिए। मुझे बस एक बात का ध्यान रखना है। आप निश्चित रूप से अकेले नहीं जा सकते।”

“डॉ. मोर्टिमर मेरे साथ लौट रहे हैं।”

लेकिन डॉ. मोर्टिमर को अपने क्लीनिक का काम भी संभालना है, और उनका घर आपके घर से मीलों दूर है। चाहे वे कितनी भी सद्भावना दिखाएं, शायद वे आपकी मदद न कर पाएं। नहीं, सर हेनरी, आपको अपने साथ किसी भरोसेमंद व्यक्ति को ले जाना चाहिए, जो हमेशा आपके साथ खड़ा रहे।

"क्या यह संभव है कि आप स्वयं आ सकें, श्रीमान होम्स?"

“अगर कोई गंभीर संकट आ जाए तो मैं स्वयं उपस्थित होने का प्रयास करूंगा; लेकिन आप समझ सकते हैं कि मेरे व्यापक परामर्श कार्य और विभिन्न क्षेत्रों से लगातार आ रही अपीलों के कारण मेरे लिए अनिश्चित काल तक लंदन से अनुपस्थित रहना असंभव है। इस समय इंग्लैंड के सबसे प्रतिष्ठित नामों में से एक को एक ब्लैकमेलर द्वारा बदनाम किया जा रहा है, और केवल मैं ही एक विनाशकारी घोटाले को रोक सकता हूं। आप समझ सकते हैं कि मेरे लिए डार्टमूर जाना कितना असंभव है।”

तो फिर आप किसे सुझाएंगे?

होम्स ने अपना हाथ मेरी बांह पर रखा।

“अगर मेरा दोस्त यह ज़िम्मेदारी उठाने को तैयार है, तो मुश्किल समय में उसका साथ देने से बेहतर कोई नहीं हो सकता। मुझसे ज़्यादा आत्मविश्वास से यह बात कोई नहीं कह सकता।”

यह प्रस्ताव मेरे लिए पूरी तरह से आश्चर्यजनक था, लेकिन इससे पहले कि मुझे जवाब देने का समय मिलता, बास्करविले ने मेरा हाथ पकड़ लिया और उसे बड़े चाव से दबाया।

“वाह, डॉ. वॉटसन, यह तो आपकी बहुत बड़ी मेहरबानी है,” उन्होंने कहा। “आप मेरी हालत समझते हैं और इस मामले में आप भी उतना ही जानते हैं जितना मैं। अगर आप बास्करविले हॉल आकर मेरी मदद करेंगे तो मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा।”

रोमांच की संभावना ने हमेशा मुझे आकर्षित किया है, और होम्स के शब्दों और जिस उत्सुकता से बैरोनेट ने मुझे एक साथी के रूप में स्वागत किया, उससे मुझे बहुत खुशी हुई।

मैंने कहा, "मैं खुशी-खुशी आऊंगा। मुझे नहीं पता कि मैं अपने समय का इससे बेहतर उपयोग कैसे कर सकता हूं।"

“और आप मुझे बहुत सावधानीपूर्वक रिपोर्ट करेंगे,” होम्स ने कहा। “जब कोई संकट आएगा, जैसा कि आना ही है, तो मैं आपको निर्देश दूंगा कि आपको कैसे कार्रवाई करनी है। मुझे लगता है कि शनिवार तक सब कुछ तैयार हो जाएगा?”

"क्या यह डॉ. वॉटसन को ठीक लगेगा?"

"बिल्कुल सही।"

"तो शनिवार को, यदि आपको इसके विपरीत कोई सूचना न मिले, तो हम पैडिंगटन से आने वाली 10:30 बजे की ट्रेन में मिलेंगे।"

हम जाने के लिए उठे ही थे कि बास्करविले ने विजय की एक चीख मारी और कमरे के एक कोने में गोता लगाते हुए उसने एक अलमारी के नीचे से एक भूरा जूता निकाला।

“मेरा खोया हुआ जूता!” वह चिल्लाया।

“काश हमारी सारी मुश्किलें भी इतनी ही आसानी से दूर हो जाएं!” शर्लक होम्स ने कहा।

“लेकिन यह एक बहुत ही अनोखी बात है,” डॉ. मोर्टिमर ने टिप्पणी की। “मैंने दोपहर के भोजन से पहले इस कमरे की अच्छी तरह से तलाशी ली थी।”

“और मैंने भी,” बास्करविले ने कहा। “इसका एक-एक इंच।”

"उस समय तो इसमें कोई दम ही नहीं था।"

"अगर ऐसा है तो लंच के दौरान वेटर ने उसे वहां रख दिया होगा।"

ज़मेन को बुलवाया गया, लेकिन उसने कहा कि उसे इस मामले की कोई जानकारी नहीं है, और न ही किसी पूछताछ से इसका पता चल सका। लगातार और बेमतलब के छोटे-छोटे रहस्यों की उस श्रृंखला में एक और घटना जुड़ गई थी, जो इतनी तेजी से एक के बाद एक घटित हो रही थी। सर चार्ल्स की मृत्यु की पूरी भयावह कहानी को एक तरफ रख दें, तो दो दिनों के भीतर कई ऐसी घटनाएँ घटीं जिनका कोई स्पष्टीकरण नहीं था, जिनमें छपे हुए पत्र की प्राप्ति, गाड़ी में बैठा काली दाढ़ी वाला जासूस, नए भूरे जूते का खोना, पुराने काले जूते का खोना और अब नए भूरे जूते की वापसी शामिल थी। बेकर स्ट्रीट लौटते समय होम्स टैक्सी में चुपचाप बैठे रहे, और मैं उनकी तनी हुई भौंहों और गंभीर चेहरे से समझ गया कि उनका दिमाग, मेरी ही तरह, इन सभी अजीब और असंबद्ध घटनाओं को जोड़ने की कोई योजना बनाने में लगा हुआ था। पूरी दोपहर और देर शाम तक वे तंबाकू पीते और सोचते रहे।

रात के खाने से ठीक पहले दो टेलीग्राम आए। पहला टेलीग्राम इस प्रकार था: —

“अभी-अभी सुना है कि बैरीमोर को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। — बास्करविले।”

दूसरा: -

“निर्देशानुसार, तेईस होटलों का दौरा किया, लेकिन खेद है कि समय सारिणी की कटी हुई शीट नहीं मिल पाई। — कार्टराइट।”

"वॉटसन, मेरे दो सुराग तो गए। ऐसे मामले से ज्यादा रोमांचक कुछ नहीं होता जब सब कुछ आपके खिलाफ हो। हमें कोई और सुराग ढूंढना होगा।"

"हमारे पास अभी भी वह टैक्सी ड्राइवर है जिसने जासूस को गाड़ी में बिठाकर ले गया था।"

“बिल्कुल सही। मैंने आधिकारिक रजिस्ट्री से उसका नाम और पता मंगवाने के लिए तार भेजा है। अगर यही मेरे सवाल का जवाब हो तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।”

घंटी बजने से जवाब मिलने की उम्मीद से भी कहीं अधिक संतोष मिला, क्योंकि दरवाजा खुला और एक खुरदरा दिखने वाला व्यक्ति अंदर आया जो स्पष्ट रूप से वही व्यक्ति था।

“मुझे मुख्यालय से संदेश मिला कि इस पते पर रहने वाले एक सज्जन 2704 नंबर के बारे में पूछताछ कर रहे थे,” उन्होंने कहा। “मैं पिछले सात सालों से टैक्सी चला रहा हूँ और कभी किसी ने शिकायत नहीं की। मैं सीधे यार्ड से यहाँ आया हूँ ताकि आपसे आमने-सामने पूछ सकूँ कि आपको मुझसे क्या दुश्मनी है।”

“मुझे आपसे कोई शिकायत नहीं है, मेरे भले आदमी,” होम्स ने कहा। “इसके विपरीत, अगर आप मेरे सवालों का स्पष्ट जवाब देंगे तो मैं आपको आधा सॉवरेन दूंगा।”

“जी हाँ, मेरा दिन अच्छा बीता,” टैक्सी ड्राइवर ने मुस्कुराते हुए कहा। “आप क्या पूछना चाहते थे, महोदय?”

"सबसे पहले, अपना नाम और पता बता दो, ताकि अगर मुझे दोबारा तुम्हारी ज़रूरत पड़े तो मैं तुमसे संपर्क कर सकूं।"

“जॉन क्लेटन, 3 टर्पी स्ट्रीट, बरो। मेरी टैक्सी शिपली यार्ड से है, जो वाटरलू स्टेशन के पास है।”

शर्लक होम्स ने इसे नोट कर लिया।

"अब, क्लेटन, मुझे उन सभी लोगों के बारे में बताओ जो आज सुबह दस बजे इस घर की रखवाली करने आए थे और बाद में रीजेंट स्ट्रीट पर उन दोनों सज्जनों के पीछे-पीछे गए।"

वह आदमी हैरान और थोड़ा शर्मिंदा लग रहा था। उसने कहा, "अरे, तुम्हें बताने का कोई फायदा नहीं, क्योंकि लगता है तुम्हें पहले से ही उतना पता है जितना मुझे। सच

तो यह है कि उस सज्जन ने मुझे बताया था कि वह एक जासूस है और मुझे उसके बारे में किसी को कुछ नहीं बताना है।"

“मेरे दोस्त, यह बहुत गंभीर मामला है, और अगर तुमने मुझसे कुछ भी छिपाने की कोशिश की तो तुम बहुत बुरी स्थिति में पड़ सकते हो। तुमने कहा कि तुम्हारे साथ यात्रा करने वाले ने तुम्हें बताया था कि वह एक जासूस है?”

"हाँ वह था।"

उन्होंने यह कब कहा था?

जब उसने मुझे छोड़ दिया।

क्या उन्होंने कुछ और कहा?

उन्होंने उसका नाम लिया।

होम्स ने मेरी ओर विजय भरी निगाह से देखा। "ओह, उसने अपना नाम बताया, है ना? यह तो नासमझी थी। उसने कौन सा नाम बताया?"

टैक्सी ड्राइवर ने कहा, "उनका नाम मिस्टर शर्लक होम्स था।"

मैंने अपने दोस्त को टैक्सी ड्राइवर के जवाब से इतना हैरान कभी नहीं देखा था। एक पल के लिए वह चुपचाप अचंभित बैठा रहा। फिर अचानक वह ज़ोर से हंस पड़ा।

“वाटसन, एक स्पर्श—एक अचूक स्पर्श!” उसने कहा। “मुझे ऐसा लग रहा है जैसे कोई मेरे जितना ही फुर्तीला और लचीला प्रतिद्वंद्वी हो। उस समय उसने मुझे बड़ी चतुराई से मात दी थी। तो उसका नाम शर्लक होम्स था, है ना?”

"जी हाँ, महोदय, यही उस सज्जन का नाम था।"

“बहुत बढ़िया! मुझे बताओ कि तुमने उसे कहाँ से उठाया और उस दौरान क्या-क्या हुआ।”

“उन्होंने मुझे सुबह साढ़े नौ बजे ट्रैफ़लगर स्क्वायर में रोका। उन्होंने कहा कि वे एक जासूस हैं, और उन्होंने मुझे दो गिनी देने की पेशकश की, बशर्ते मैं पूरे दिन उनकी इच्छानुसार काम करूं और कोई सवाल न पूछूँ। मैं खुशी-खुशी मान गया। पहले हम नॉर्थम्बरलैंड होटल गए और वहाँ तब तक इंतज़ार किया जब तक दो सज्जन बाहर नहीं आए और टैक्सी स्टैंड से एक टैक्सी नहीं ले ली। हमने उनकी टैक्सी का पीछा किया जब तक कि वह यहीं कहीं पास में आकर नहीं रुकी।”

"यही दरवाजा," होम्स ने कहा।

“खैर, मैं इस बारे में पक्का तो नहीं कह सकता, लेकिन मुझे यकीन है कि मेरे साथ बैठे यात्री को इसके बारे में सब पता था। हम सड़क के बीच में रुक गए और डेढ़ घंटे तक इंतज़ार किया। फिर वे दोनों सज्जन पैदल चलते हुए हमारे पास से गुज़रे, और हम बेकर स्ट्रीट से होते हुए उनके पीछे-पीछे चले गए—”

“मुझे पता है,” होम्स ने कहा।

“जब तक हम रीजेंट स्ट्रीट के तीन-चौथाई हिस्से तक नहीं पहुँच गए, तब तक सब ठीक चल रहा था। फिर मेरे साथी ने गाड़ी रोक दी और मुझसे कहा कि मैं जितनी तेज़ी से हो सके, वाटरलू स्टेशन की ओर गाड़ी चलाऊँ। मैंने पूरी ताकत लगा दी और हम दस मिनट से भी कम समय में वहाँ पहुंच गए। फिर उन्होंने बड़े सख्त अंदाज़ में अपने दो गिनी (एक तरह से किराया) दिए और स्टेशन के अंदर चले गए। स्टेशन से निकलते ही वे मुड़े और बोले: ‘शायद आपको यह जानकर दिलचस्पी हो कि आप मिस्टर शर्लक होम्स को गाड़ी चलाकर ले जा रहे थे।’ इस तरह मुझे उनका नाम पता चला।”

“मैं समझ गया। और आपने उसे फिर कभी नहीं देखा?”

"स्टेशन में जाने के बाद नहीं।"

"और आप श्री शर्लक होम्स का वर्णन कैसे करेंगे?"

टैक्सी ड्राइवर ने अपना सिर खुजाया। “खैर, उनका वर्णन करना इतना आसान नहीं था। मेरी राय में उनकी उम्र चालीस वर्ष होगी, और उनकी लंबाई औसत थी, आपसे दो-तीन इंच कम, महोदय। उन्होंने रईसों जैसे कपड़े पहने थे, उनकी काली दाढ़ी थी, जिसके सिरे चौकोर कटे हुए थे, और उनका चेहरा पीला था। मुझे नहीं लगता कि मैं इससे ज्यादा कुछ कह सकता हूँ।”

“उसकी आँखों का रंग?”

नहीं, मैं ऐसा नहीं कह सकता।

"क्या आपको इससे ज्यादा कुछ याद नहीं है?"

"नहीं, महोदय; कुछ नहीं।"

“तो लीजिए, ये लीजिए आपका आधा सॉवरेन। अगर आप और कोई जानकारी ला सकते हैं, तो एक और आपके लिए तैयार है। शुभ रात्रि!”

शुभ रात्रि महोदय, और धन्यवाद!

जॉन क्लेटन हंसते हुए चले गए, और होम्स ने अपने कंधे उचकाते हुए और एक खेदपूर्ण मुस्कान के साथ मेरी ओर देखा।

“तीसरा धागा भी टूट गया, और हम वहीं पहुँच गए जहाँ से शुरू हुए थे,” उसने कहा। “वह बड़ा धूर्त! उसे हमारी संख्या पता थी, पता था कि सर हेनरी बास्करविले ने मुझसे सलाह ली थी, रीजेंट स्ट्रीट में मुझे पहचान लिया था, अनुमान लगाया था कि मेरे पास टैक्सी का नंबर है और मैं ड्राइवर को पकड़ लूँगा, और इसलिए उसने यह दुस्साहसी संदेश भेजा। मैं तुमसे कहता हूँ, वॉटसन, इस बार हमें एक ऐसा दुश्मन मिला है जो हमारे सामर्थ्य के लायक है। लंदन में मुझे मात मिल गई है। मैं बस यही कामना कर सकता हूँ कि डेवोनशायर में तुम्हारा भाग्य अच्छा हो। लेकिन मैं इस बारे में निश्चित नहीं हूँ।”

"किस बारे में?"

“तुम्हें भेजने के बारे में। यह एक घिनौना काम है, वॉटसन, एक घिनौना और खतरनाक काम, और जितना मैं इसे देखता हूँ, उतना ही मुझे यह नापसंद आता है। हाँ, मेरे प्यारे दोस्त, तुम हँस सकते हो, लेकिन मैं तुम्हें वचन देता हूँ कि बेकर स्ट्रीट में तुम्हें सुरक्षित और सही सलामत वापस पाकर मुझे बहुत खुशी होगी।”

बास्करविले हॉल

सर हेनरी बास्करविल और डॉ. मोर्टिमर तय दिन पर तैयार थे, और हम योजना के अनुसार डेवनशायर के लिए रवाना हुए। श्री शेरलॉक होम्स मुझे स्टेशन तक छोड़ने आए और उन्होंने मुझे अपनी अंतिम विदाई की हिदायतें और सलाह दी।

“मैं सिद्धांतों या शंकाओं का सुझाव देकर आपके दिमाग को प्रभावित नहीं करूंगा, वॉटसन,” उन्होंने कहा; “मैं चाहता हूं कि आप मुझे तथ्यों की यथासंभव पूरी जानकारी दें, और सिद्धांत बनाने का काम आप मुझ पर छोड़ दें।”

मैंने पूछा, "किस तरह के तथ्य?"

“कोई भी ऐसी बात जिसका इस मामले से अप्रत्यक्ष रूप से भी संबंध प्रतीत होता हो, विशेषकर युवा बास्करविल और उसके पड़ोसियों के बीच के संबंध, या सर चार्ल्स की मृत्यु से संबंधित कोई भी नई जानकारी। मैंने पिछले कुछ दिनों में स्वयं कुछ पूछताछ की है, लेकिन मुझे खेद है कि परिणाम नकारात्मक रहे हैं। केवल एक बात निश्चित प्रतीत होती है, और वह यह है कि श्री जेम्स डेसमंड, जो अगले उत्तराधिकारी हैं, एक बहुत ही सौम्य स्वभाव के बुजुर्ग सज्जन हैं, इसलिए यह उत्पीड़न उनकी ओर से नहीं है। मुझे वास्तव में लगता है कि हम उन्हें अपनी गणना से पूरी तरह से बाहर कर सकते हैं। अब वे लोग बचे हैं जो वास्तव में सर हेनरी बास्करविल को दलदल में घेर लेंगे।”

"क्या शुरू से ही इस बैरीमोर दंपत्ति से छुटकारा पाना बेहतर नहीं होगा?"

“बिल्कुल नहीं। इससे बड़ी गलती आप नहीं कर सकते। अगर वे निर्दोष हैं तो यह घोर अन्याय होगा, और अगर वे दोषी हैं तो हम उन्हें सज़ा दिलाने का सारा मौका गंवा देंगे। नहीं, नहीं, हम उन्हें संदिग्धों की सूची में रखेंगे। फिर हॉल में एक दूल्हा है, अगर मुझे सही याद है। दो दलदली भूमि के किसान हैं। हमारे मित्र डा. मोर्टिमर हैं, जिनके बारे में मेरा मानना है कि वे पूरी तरह ईमानदार हैं, और उनकी पत्नी हैं, जिनके बारे में हमें कुछ नहीं पता। यह प्रकृतिवादी स्टेपलटन हैं, और उनकी बहन हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे आकर्षक युवती हैं। लाफ्टर हॉल के श्री फ्रेंकलेंड हैं, जो एक अज्ञात एजेंट हैं, और एक-दो अन्य पड़ोसी भी हैं। ये वे लोग हैं जिन पर आपको विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।”

"मुझे अपनी तरफ से सबसे बढ़िया करना है।"

"मुझे लगता है कि तुम्हारे हाथ हैं?"

"हाँ, मुझे लगा कि इन्हें ले जाना ही बेहतर होगा।"

“बिल्कुल। अपनी रिवाल्वर को दिन-रात अपने पास रखें और कभी भी अपनी सावधानियों में ढिलाई न बरतें।”

हमारे दोस्तों ने पहले ही फर्स्ट क्लास का डिब्बा बुक कर लिया था और वे प्लेटफार्म पर हमारा इंतजार कर रहे थे।

“नहीं, हमारे पास किसी भी तरह की कोई खबर नहीं है,” मेरे दोस्त के सवालों के जवाब में डा. मोर्टिमर ने कहा। “मैं एक बात की कसम खा सकता हूँ, और वह यह है कि पिछले दो दिनों में हमारी किसी ने निगरानी नहीं की है। हम कभी भी कड़ी निगरानी रखे बिना बाहर नहीं निकले हैं, और कोई भी हमारी नज़रों से बच नहीं सकता था।”

"मुझे लगता है कि आप हमेशा संयमित रहे हैं?"

"कल दोपहर को छोड़कर। मैं आमतौर पर शहर आने पर एक दिन पूरी तरह से मनोरंजन के लिए समर्पित कर देता हूँ, इसलिए मैंने वह दिन सर्जन कॉलेज के संग्रहालय में बिताया।"

“और मैं पार्क में लोगों को देखने गया था,” बास्करविले ने कहा। “लेकिन हमें किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई।”

“फिर भी यह नासमझी थी,” होम्स ने सिर हिलाते हुए और गंभीर भाव से कहा। “श्री हेनरी, मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप अकेले न जाएँ। अगर आप ऐसा करेंगे तो आप पर कोई बड़ी विपत्ति आ पड़ेगी। क्या आपको अपना दूसरा जूता मिल गया?”

"नहीं, महोदय, यह हमेशा के लिए चला गया है।"

“जी हां। यह बहुत दिलचस्प है। अच्छा, अलविदा,” ट्रेन के प्लेटफार्म पर आगे बढ़ने के साथ ही उन्होंने कहा। “सर हेनरी, उस विचित्र पुरानी कथा का एक वाक्य याद रखना, जिसे डा. मोर्टिमर ने हमें पढ़कर सुनाया है, और अंधेरे के उन घंटों में दलदली भूमि से दूर रहना, जब बुराई की शक्तियां प्रबल होती हैं।”

जब हम प्लेटफार्म को काफी पीछे छोड़ चुके थे, तब मैंने पीछे मुड़कर प्लेटफार्म की ओर देखा और होम्स की लंबी, गंभीर आकृति को बिना हिले-डुले खड़े होकर हमारी ओर देखते हुए पाया।

यात्रा तेज़ और सुखद रही, और मैंने इसे अपने दोनों साथियों से और अधिक घनिष्ठ परिचय प्राप्त करने और डा. मोर्टिमर के स्पैनियल कुत्ते के साथ खेलने में बिताया। कुछ ही घंटों में भूरी मिट्टी लाल हो गई, ईंटें ग्रेनाइट में बदल गईं, और लाल गायें अच्छी तरह से बाड़ वाले खेतों में चर रही थीं, जहाँ हरी-भरी घास और घनी वनस्पति एक समृद्ध, भले ही नम, जलवायु का संकेत दे रही थी। युवा बास्करविल उत्सुकता से खिड़की से

बाहर देख रहा था, और डेवोन के दृश्यों की परिचित विशेषताओं को पहचानते ही खुशी से चिल्ला उठा।

"डॉ. वॉटसन, जब से मैंने इसे छोड़ा है, मैं दुनिया के काफ़ी बड़े हिस्से में घूम चुका हूँ, लेकिन मुझे इससे तुलना करने लायक कोई जगह नहीं मिली।"

मैंने टिप्पणी की, "मैंने कभी किसी डेवोनशायर निवासी को ऐसा नहीं देखा जो अपने जिले की कसम न खाता हो।"

"यह जितना काउंटी पर निर्भर करता है, उतना ही पुरुषों की नस्ल पर भी," डॉ. मोर्टिमर ने कहा। "हमारे मित्र को देखकर ही पता चलता है कि उनका सिर सेल्टिक लोगों की तरह गोल है, और उसके भीतर सेल्टिक उत्साह और लगाव की शक्ति समाई हुई है। बेचारे सर चार्ल्स का सिर तो एक बहुत ही दुर्लभ प्रकार का था, आधा गेलिक और आधा इवर्नियन। लेकिन जब आपने आखिरी बार बास्करविले हॉल देखा था, तब आप बहुत छोटे थे, है ना?"

"जब मेरे पिता का निधन हुआ, तब मैं किशोरावस्था में था और मैंने हॉल कभी नहीं देखा था, क्योंकि वे दक्षिण तट पर एक छोटी सी कुटिया में रहते थे। वहाँ से मैं सीधे अमेरिका में अपने एक मित्र के पास चला गया। मैं आपको बता दूँ कि यह सब मेरे लिए उतना ही नया है जितना डॉ. वॉटसन के लिए, और मैं दलदली भूमि को देखने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।"

"क्या आप हैं? तो आपकी इच्छा आसानी से पूरी हो जाएगी, क्योंकि यह रहा आपका पहला बंजर भूमि का नजारा," डॉ. मोर्टिमर ने गाड़ी की खिड़की से बाहर इशारा करते हुए कहा।

खेतों के हरे-भरे मैदानों और जंगल की नीची घुमावदार शाखाओं के ऊपर, दूर एक धूसर, उदास पहाड़ी उभर रही थी, जिसकी नुकीली चोटी दूर से धुंधली और अस्पष्ट दिखाई दे रही थी, मानो किसी सपने का कोई काल्पनिक दृश्य हो। बास्करविल काफ़ी देर तक उस पहाड़ी पर टकटकी लगाए बैठे रहे, और उनके उत्सुक चेहरे पर मैंने पढ़ा कि यह उनके लिए कितना मायने रखती है, उस अजनबी जगह का पहला दर्शन जहाँ उनके वंशजों ने इतने लंबे समय तक अपना दबदबा बनाए रखा था और अपनी गहरी छाप छोड़ी थी। वे अपने ट्वीड सूट और अमेरिकी लहजे के साथ एक साधारण रेलगाड़ी के डिब्बे के कोने में बैठे थे, और फिर भी जब मैंने उनके गंभीर और भावपूर्ण चेहरे को देखा, तो मुझे पहले से कहीं अधिक एहसास हुआ कि वे उच्च कुल के, जोशीले और प्रभावशाली पुरुषों की उस लंबी वंश परंपरा के सच्चे वंशज थे। उनकी घनी भौंहों, संवेदनशील नथुनों और बड़ी भूरी आँखों में गर्व, वीरता और शक्ति झलक रही थी। यदि उस दुर्गम मैदान में हमारे सामने कोई कठिन और खतरनाक खोज हो, तो कम से कम यह एक ऐसा साथी था जिसके लिए कोई भी इस विश्वास के साथ जोखिम उठाने का साहस कर सकता था कि वह बहादुरी से उसमें हमारा साथ देगा।

ट्रेन एक छोटे से स्टेशन पर रुकी और हम सब नीचे उतर गए। बाहर, नीची, सफेद बाड़ के पार, दो घोड़ों के साथ एक छोटी सी गाड़ी इंतज़ार कर रही थी। हमारा आना ज़ाहिर तौर पर एक बड़ी घटना थी, क्योंकि स्टेशन मास्टर और कुली हमारा सामान उतारने के लिए हमारे चारों ओर जमा हो गए थे। यह एक शांत, सरल ग्रामीण इलाका था, लेकिन मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि गेट के पास गहरे रंग की वर्दी पहने दो सिपाही खड़े थे, जो अपनी छोटी राइफलों पर झुके हुए थे और हमारे गुजरते समय हमें उत्सुकता से देख रहे थे। कोचवान, एक सख्त चेहरे वाला, झुर्रियों वाला छोटा सा आदमी, ने सर हेनरी बास्करविल को सलाम किया, और कुछ ही मिनटों में हम चौड़ी, सफेद सड़क पर तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे। हमारे दोनों ओर लहराते हुए चारागाह ऊपर की ओर मुड़े हुए थे, और घनी हरी पत्तियों के बीच से पुराने छज्जे वाले घर झांक रहे थे,

लेकिन शांत और धूप से जगमगाते ग्रामीण इलाके के पीछे, शाम के आकाश में हमेशा गहरा, उदास दलदली मैदान का लंबा, घुमावदार हिस्सा था, जो ऊबड़-खाबड़ और भयावह पहाड़ियों से टूटा हुआ था।

छोटी गाड़ी एक संकरी सड़क पर मुड़ी और हम सदियों से पहियों के चलने से घिसी गहरी गलियों से होते हुए ऊपर की ओर बढ़ने लगे। दोनों ओर ऊँचे-ऊँचे किनारे थे, जिन पर टपकती काई और रसीली जंगली घास लदी हुई थी। ढलते सूरज की रोशनी में कांस्य रंग की फर्न और चित्तीदार कंटीली झाड़ियाँ चमक रही थीं। लगातार ऊपर चढ़ते हुए, हम एक संकरे ग्रेनाइट पुल से गुजरे और एक शोर मचाती धारा के किनारे से निकले जो भूरे पत्थरों के बीच झाग और गर्जना करते हुए तेज़ी से नीचे बह रही थी। सड़क और धारा दोनों ही घनी झाड़ीदार ओक और देवदार के पेड़ों से भरी घाटी से होकर ऊपर की ओर जा रही थीं। हर मोड़ पर बास्करविल खुशी से चिल्ला उठता, उत्सुकता से चारों ओर देखता और अनगिनत सवाल पूछता। उसकी नज़रों में सब कुछ सुंदर लग रहा था, लेकिन मुझे उस ग्रामीण इलाके में उदासी की एक झलक दिखाई दे रही थी, जिस पर साल के ढलने का स्पष्ट निशान था। पीली पत्तियाँ गलियों में बिछी हुई थीं और हमारे गुज़रते समय हम पर गिर रही थीं। जैसे ही हम सड़ती हुई वनस्पतियों के ढेरों से गुज़रे, हमारे पहियों की खड़खड़ाहट मंद पड़ गई - मुझे ऐसा लगा जैसे प्रकृति ने बास्करविल वंश के लौटते हुए उत्तराधिकारी के रथ के सामने दुखद उपहार के रूप में ये ढेर फेंके हों।

“अरे वाह!” डॉ. मोर्टिमर चिल्लाए, “यह क्या है?”

हमारे सामने बंजर भूमि का एक तीव्र घुमावदार हिस्सा था, जो दलदली भूमि का एक बाहरी भाग था। शिखर पर, किसी चबूतरे पर खड़ी घुड़सवार मूर्ति की तरह कठोर और स्पष्ट रूप से, एक घुड़सवार सैनिक खड़ा था, जो साँवला और गंभीर था, उसकी राइफल उसकी बाँह पर तनी हुई थी। वह उस सड़क पर नज़र रख रहा था जिस पर हम चल रहे थे।

“यह क्या है, पर्किन्स?” डॉ. मोर्टिमर ने पूछा।

हमारा ड्राइवर अपनी सीट पर आधा मुड़ गया।

“प्रिंसटाउन से एक कैदी भाग गया है, महोदय। वह तीन दिन से फरार है, और पहरेदार हर सड़क और हर चौकी पर नजर रख रहे हैं, लेकिन अभी तक उसका कोई पता नहीं चला है। यहां के किसान इससे बहुत नाराज हैं, महोदय, और यह एक सच्चाई है।”

"ठीक है, मुझे पता चला है कि अगर वे जानकारी दे सकते हैं तो उन्हें पांच पाउंड मिलेंगे।"

"जी जनाब, लेकिन पाँच पाउंड मिलने की संभावना गला काटे जाने की संभावना के मुकाबले कुछ भी नहीं है। देखिए, यह कोई आम कैदी नहीं है। यह ऐसा आदमी है जो किसी भी हद तक जा सकता है।"

तो फिर वह कौन है?

"यह सेल्डन है, नॉटिंग हिल का हत्यारा।"

मुझे वह मामला अच्छी तरह याद था, क्योंकि होम्स ने उसमें दिलचस्पी दिखाई थी। अपराध की क्रूरता और हत्यारे के हर कृत्य में व्याप्त निर्ममता के कारण उन्होंने इस मामले में विशेष रुचि दिखाई थी। उसकी मृत्युदंड की सजा को कम कर दिया गया था क्योंकि उसके मानसिक स्वास्थ्य पर संदेह था, उसका आचरण इतना जघन्य था। हमारी छोटी गाड़ी एक ऊँचाई पर पहुँच गई थी और हमारे सामने विशाल बंजर भूमि फैली हुई थी, जो ऊबड़-खाबड़ और चट्टानी टीलों से भरी हुई थी। वहाँ से ठंडी हवा बह रही थी और हम काँप रहे थे। कहीं न कहीं, उस सुनसान मैदान में, वह शैतानी आदमी

छिपा हुआ था, किसी जंगली जानवर की तरह बिल में छुपकर, उस पूरी जाति के प्रति द्वेष से भरा हुआ जिसने उसे निकाल दिया था। बंजर भूमि, ठंडी हवा और अंधेरे आकाश की भयावहता को पूरा करने के लिए बस इतना ही काफी था। यहां तक कि बास्करविल भी चुप हो गया और उसने अपना ओवरकोट और कसकर ओढ़ लिया।

हम उपजाऊ भूमि को पीछे छोड़ आए थे। अब हम पीछे मुड़कर उसे देख रहे थे, ढलते सूरज की तिरछी किरणें धाराओं को सुनहरे धागों में बदल रही थीं और हल से जोती गई लाल मिट्टी और घने जंगलों पर चमक रही थीं। हमारे सामने का रास्ता विशाल भूरी और जैतून रंग की ढलानों पर उजाड़ और जंगली होता जा रहा था, जो बड़े-बड़े पत्थरों से भरी हुई थीं। बीच-बीच में हमें पत्थरों से बनी दीवारों और छत वाली एक बंजर भूमि की कुटिया दिखाई देती थी, जिस पर कोई लता नहीं थी जो उसकी कठोर आकृति को भेद सके। अचानक हमने नीचे एक प्याले जैसी खाई में देखा, जो बौने ओक और देवदार के पेड़ों से भरी हुई थी, जो वर्षों के तूफानों के प्रकोप से मुड़ और झुक गए थे। पेड़ों के ऊपर दो ऊंचे, संकरे टावर खड़े थे। चालक ने चाबुक से इशारा किया।

उन्होंने कहा, "बास्करविले हॉल।"

उसका मालिक उठ खड़ा हुआ था और लाल गालों और चमकती आँखों से घूर रहा था। कुछ मिनट बाद हम लॉज के द्वार पर पहुंच गए, जो लोहे की नक्काशी की एक अद्भुत जाल था, जिसके दोनों ओर मौसम की मार झेल चुके खंभे थे, जिन पर काई के धब्बे थे, और जिनके ऊपर बास्करविल परिवार के सूअरों के सिर लगे हुए थे। लॉज काले ग्रेनाइट का खंडहर था और उसकी छत की बीमें नंगी थीं, लेकिन उसके सामने एक नई इमारत थी, जो आधी बनी हुई थी, सर चार्ल्स के दक्षिण अफ़्रीकी सोने का पहला फल।

द्वार से होते हुए हम सड़क पर आ पहुँचे, जहाँ पत्तों के बीच पहियों की आवाज़ फिर से धीमी हो गई, और पुराने पेड़ों की शाखाएँ हमारे सिर के ऊपर एक उदास सुरंग की तरह फैली हुई थीं। बास्करविल सिहर उठा जब उसने उस लंबी, अंधेरी सड़क की ओर देखा जहां दूर छोर पर घर एक भूत की तरह टिमटिमा रहा था।

“क्या यह यहीं था?” उसने धीमी आवाज में पूछा।

"नहीं, नहीं, यू एली दूसरी तरफ है।"

युवा उत्तराधिकारी ने उदास चेहरे के साथ चारों ओर नजर डाली।

“इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि मेरे चाचा को इस जगह पर मुसीबत का डर सता रहा था,” उसने कहा। “यह किसी भी आदमी को डराने के लिए काफी है। मैं छह महीने के अंदर यहाँ बिजली के लैंपों की एक कतार लगवा दूँगा, और आपको पता भी नहीं चलेगा, क्योंकि हॉल के दरवाजे के ठीक सामने एक हजार कैंडल पावर वाले स्वान और एडिसन लैंप लगे होंगे।”

सड़क एक विशाल घास के मैदान में खुलती थी, और घर हमारे सामने था। ढलती रोशनी में मैं देख सकता था कि बीच में एक भारी-भरकम इमारत थी, जिसमें से एक बरामदा निकला हुआ था। पूरा सामने का हिस्सा आइवी से ढका हुआ था, बस कहीं-कहीं खिड़की या राजचिह्न के कारण आइवी लताएं छनकर दिखाई दे रही थीं। इस केंद्रीय हिस्से से जुड़वां मीनारें उठती थीं, जो प्राचीन, कंगूरेदार और कई छेदों से युक्त थीं। मीनारों के दाएं और बाएं काले ग्रेनाइट के आधुनिक हिस्से थे। भारी जालीदार खिड़कियों से हल्की रोशनी अंदर आ रही थी, और ढलानदार, ऊंचे कोण वाली छत से उठती चिमनियों से धुएं का एक काला स्तंभ निकल रहा था।

“स्वागत है, सर हेनरी! बास्करविले हॉल में आपका स्वागत है!”

एक लंबा आदमी बरामदे की छाया से निकलकर वैगनेट का दरवाज़ा खोलने आया। हॉल की पीली रोशनी में एक महिला की आकृति परछाई के रूप में दिखाई दी।

वह बाहर आई और हमारे बैग नीचे उतारने में उस आदमी की मदद की।

“सर हेनरी, क्या आपको मेरे सीधे घर जाने में कोई आपत्ति नहीं है?” डॉ. मोर्टिमर ने कहा। “मेरी पत्नी मेरा इंतजार कर रही है।”

"क्या आप रुककर खाना खाएंगे?"

“नहीं, मुझे जाना होगा। शायद मुझे कोई काम मिल जाए। मैं आपको घर दिखाने के लिए रुक सकता था, लेकिन बैरीमोर मुझसे बेहतर मार्गदर्शक होंगे। अलविदा, और अगर मैं किसी भी तरह से आपकी मदद कर सकूं तो दिन-रात मुझे बुलाने में कभी संकोच न करना।”

गाड़ी के पहिए धीरे-धीरे बंद होते चले गए, तभी सर हेनरी और मैं हॉल में मुड़े और हमारे पीछे दरवाजा ज़ोर से बंद हो गया। हम एक शानदार अपार्टमेंट में थे, विशाल, ऊंचा और पुराने ज़माने की काली पड़ी ओक की बड़ी-बड़ी लकड़ियों से बना हुआ। ऊंचे लोहे के स्टैंड के पीछे बनी बड़ी सी पुरानी शैली की चिमनी में लकड़ियों की आग चटक रही थी। सर हेनरी और मैंने आग बुझाने के लिए अपने हाथ बढ़ाए, क्योंकि लंबी ड्राइव के कारण हम सुन्न हो गए थे। फिर हमने चारों ओर देखा - पुरानी रंगीन कांच की ऊंची, पतली खिड़की, ओक की लकड़ी की पैनलिंग, हिरणों के सिर, दीवारों पर बने राजचिह्न, सब कुछ बीच में लगे लैंप की हल्की रोशनी में धुंधला और उदास सा लग रहा था।

“यह बिलकुल वैसा ही है जैसा मैंने कल्पना की थी,” सर हेनरी ने कहा। “क्या यह किसी पुराने पारिवारिक घर का साक्षात चित्र नहीं है? यह सोचकर ही मन को शांति मिलती है कि यही वह भवन है जिसमें मेरे पूर्वज पांच सौ वर्षों से रहते आए हैं। यह सोचकर मुझे अत्यंत गंभीर भाव आता है।”

मैंने देखा कि जब वह अपने चारों ओर देख रहा था, तो उसका सांवला चेहरा लड़कपन भरे उत्साह से चमक उठा। जहाँ वह खड़ा था, वहाँ प्रकाश उस पर पड़ रहा था, लेकिन लंबी परछाइयाँ दीवारों पर फैलकर उसके ऊपर एक काले चंदवा की तरह लटक रही थीं। बैरीमोर हमारा सामान हमारे कमरों तक पहुंचाकर लौट आया था। अब वह एक प्रशिक्षित नौकर की तरह शांत भाव से हमारे सामने खड़ा था। वह असाधारण दिखने वाला व्यक्ति था, लंबा, सुंदर, चौकोर काली दाढ़ी वाला और हल्के पीले, विशिष्ट चेहरे वाला।

"क्या आप चाहेंगे कि भोजन तुरंत परोसा जाए, महोदय?"

“क्या यह तैयार है?”

“कुछ ही मिनटों में, महोदय। आपके कमरों में गर्म पानी उपलब्ध होगा। श्री हेनरी, जब तक आप अपनी नई व्यवस्था नहीं कर लेते, तब तक मेरी पत्नी और मैं आपके साथ रहने में प्रसन्न होंगे, लेकिन आप समझेंगे कि नई परिस्थितियों में इस घर में काफी कर्मचारियों की आवश्यकता होगी।”

“कौन सी नई शर्तें हैं?”

“मेरा मतलब सिर्फ इतना था, महोदय, कि सर चार्ल्स एकांत जीवन व्यतीत करते थे और हम उनकी ज़रूरतों का ख्याल रख पाते थे। स्वाभाविक रूप से, आप अधिक लोगों का साथ चाहेंगे, इसलिए आपको अपने घर में कुछ बदलाव करने होंगे।”

"क्या आपका मतलब यह है कि आप और आपकी पत्नी यहां से जाना चाहते हैं?"

"केवल तभी जब यह आपके लिए बिल्कुल सुविधाजनक हो, महोदय।"

“लेकिन आपका परिवार कई पीढ़ियों से हमारे साथ रहा है, है ना? मुझे अपने जीवन की शुरुआत यहां एक पुराने पारिवारिक संबंध को तोड़कर करने में दुख होगा।”

मुझे बटलर के सफेद चेहरे पर कुछ भावों के संकेत दिखाई दिए।

"मुझे भी ऐसा ही महसूस होता है, महोदय, और मेरी पत्नी को भी। लेकिन सच कहूँ तो, महोदय, हम दोनों सर चार्ल्स से बहुत लगाव रखते थे, और उनकी मृत्यु ने हमें गहरा सदमा पहुँचाया है और इस माहौल को हमारे लिए बेहद कष्टदायक बना दिया है। मुझे डर है कि बास्करविले हॉल में हम फिर कभी चैन से नहीं रह पाएंगे।"

लेकिन आप क्या करने का इरादा रखते हैं?

"मुझे पूरा यकीन है, महोदय, कि हम किसी न किसी व्यवसाय में सफल हो जाएंगे। सर चार्ल्स की उदारता ने हमें ऐसा करने के साधन उपलब्ध कराए हैं। और अब, महोदय, शायद बेहतर होगा कि मैं आपको आपके कमरों तक ले चलूँ।"

पुराने हॉल के ऊपरी हिस्से में एक चौकोर, रेलिंग वाली गैलरी थी, जहाँ दोहरी सीढ़ी से पहुँचा जा सकता था। इस केंद्रीय बिंदु से दो लंबे गलियारे पूरी इमारत में फैले हुए थे, जिनसे सभी शयनकक्ष खुलते थे। मेरा कमरा बास्करविल के कमरे वाले ही विंग में था और लगभग उसके बगल में ही था। ये कमरे घर के केंद्रीय भाग की तुलना में कहीं अधिक आधुनिक प्रतीत होते थे, और चमकीले वॉलपेपर और ढेर सारी मोमबत्तियों ने हमारे आगमन से मेरे मन पर छाए उदासी भरे प्रभाव को कुछ हद तक दूर कर दिया।

लेकिन हॉल से जुड़ा भोजन कक्ष अंधकार और उदासी से भरा हुआ था। यह एक लंबा कमरा था, जिसमें एक सीढ़ी परिवार के बैठने वाले चबूतरे और आश्रितों के लिए आरक्षित निचले हिस्से को अलग करती थी। एक छोर पर संगीतकारों की गैलरी थी, जहाँ से भोजन कक्ष दिखाई देता था। हमारे सिर के ऊपर से काली किरणें निकल रही थीं, और उनके पीछे धुएँ से काली छत थी। जलती हुई मशालों की कतारों से रोशन, और पुराने ज़माने की दावत के रंगीन और बेहूदा उल्लास से माहौल थोड़ा शांत हो सकता था; लेकिन अब, जब दो काले कपड़े पहने सज्जन एक छायादार दीपक की रोशनी के छोटे से घेरे में बैठे थे, तो आवाज़ दबी रह गई और मन उदास हो गया। एलिज़ाबेथ काल के शूरवीर से लेकर रीजेंसी काल के रईस तक, हर तरह के वस्त्रों में सजे पूर्वजों की एक धुंधली कतार हमें घूर रही थी और उनकी खामोश मौजूदगी से हम भयभीत हो रहे थे। हमने बहुत कम बात की, और मैं तो भोजन समाप्त होने पर खुश था, जब हम आधुनिक बिलियर्ड रूम में जाकर सिगरेट पी सके।

"अरे बाप रे, ये तो बिल्कुल भी खुशनुमा जगह नहीं है," सर हेनरी ने कहा। "मुझे लगता है कि कोई इसमें थोड़ा शांत हो सकता है, लेकिन फिलहाल मुझे थोड़ा अलग-थलग सा महसूस हो रहा है। अगर मेरे चाचा ऐसे घर में अकेले रहते हैं, तो उनका थोड़ा घबरा जाना स्वाभाविक है। खैर, अगर आपको ठीक लगे तो हम आज रात जल्दी सो जाएंगे, और शायद सुबह माहौल थोड़ा खुशनुमा हो जाए।"

सोने से पहले मैंने अपने पर्दे हटाए और खिड़की से बाहर देखा। खिड़की से बाहर हॉल के दरवाजे के सामने घास का मैदान दिखाई दे रहा था। उसके पार, पेड़ों के दो झुरमुट तेज़ हवा में झूम रहे थे। भागते बादलों के बीच से आधा चाँद झाँक रहा था। उसकी ठंडी रोशनी में मैंने पेड़ों के पार चट्टानों की एक टूटी हुई कतार और उदास मैदान का लंबा, नीचा घुमावदार हिस्सा देखा। मैंने पर्दा बंद कर दिया, यह महसूस करते हुए कि मेरी आखिरी छाप बाकी दृश्य से मेल खाती है।

लेकिन यह बिल्कुल आखिरी नहीं था। मैं थका हुआ था, फिर भी जाग रहा था, बेचैनी से करवटें बदल रहा था, नींद पाने की कोशिश कर रहा था जो आ नहीं रही थी। दूर कहीं एक घड़ी की घंटी बज रही थी, लेकिन पुराने घर में सन्नाटा पसरा हुआ था। और फिर अचानक, आधी रात के सन्नाटे में, मेरे कानों में एक आवाज़ आई, साफ, गूंजती हुई और स्पष्ट। यह एक औरत की सिसकी थी, एक ऐसी औरत की दबी हुई, घुटती हुई सिसकी जो बेकाबू दुख से तड़प रही थी। मैं बिस्तर पर बैठ गया और ध्यान से सुनने लगा। आवाज़ दूर नहीं हो सकती थी और निश्चित रूप से घर के अंदर ही थी।

आध घंटे तक मैं पूरी तरह सतर्क होकर इंतज़ार करता रहा, लेकिन घड़ी की घंटी और दीवार पर लता की सरसराहट के अलावा कोई और आवाज़ नहीं आई।

मेरिपिट हाउस के स्टेपलटन

अगली सुबह की ताजगी भरी खूबसूरती ने हमारे मन से बास्केरविल हॉल के पहले अनुभव से बनी उस उदास और निराशाजनक छाप को कुछ हद तक मिटा दिया। जब सर हेनरी और मैं नाश्ते पर बैठे थे, तो ऊँची जालीदार खिड़कियों से सूरज की रोशनी अंदर आ रही थी, जिससे उन पर बने राजचिह्नों के रंग पानी की तरह चमक रहे थे। सुनहरी किरणों में गहरे रंग के पैनल कांस्य की तरह चमक रहे थे, और यह मानना मुश्किल था कि यही वह कमरा था जिसने पिछली शाम हमारे मन में इतना गहरा दुख भर दिया था।

“मुझे लगता है कि गलती हमारी ही है, घर की नहीं।” बैरोनेट ने कहा। “हम सफर से थके गए थे और गाड़ी चलाते-चलाते ठंड लग गई थी, इसलिए हमने उस जगह को लेकर थोड़ी निराशावादी सोच रखी थी। अब हम तरोताजा और स्वस्थ हैं, इसलिए सब कुछ फिर से खुशनुमा हो गया है।”

“लेकिन यह पूरी तरह से कल्पना का मामला नहीं था,” मैंने जवाब दिया। “क्या आपने, उदाहरण के तौर पर, रात में किसी को, शायद किसी महिला को, रोते हुए सुना था?”

"यह अजीब बात है, क्योंकि जब मैं आधी नींद में था तो मुझे कुछ ऐसा ही सुनाई दिया था। मैंने काफी देर तक इंतजार किया, लेकिन फिर कुछ सुनाई नहीं दिया, इसलिए मैंने मान लिया कि यह सब एक सपना था।"

मैंने इसे स्पष्ट रूप से सुना, और मुझे यकीन है कि यह वास्तव में एक महिला के रोने की आवाज थी।

“हमें इस बारे में तुरंत पूछना चाहिए।” उसने घंटी बजाई और बैरीमोर से पूछा कि क्या वह हमारे अनुभव का कारण बता सकता है। मुझे ऐसा लगा कि मालिक का सवाल सुनते ही बटलर का पीला चेहरा और भी पीला पड़ गया।

“घर में केवल दो महिलाएं हैं, सर हेनरी,” उन्होंने उत्तर दिया। “एक रसोई की नौकरानी है, जो दूसरे हिस्से में सोती है। दूसरी मेरी पत्नी है, और मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूँ कि वह आवाज़ उससे नहीं आ सकती थी।”

फिर भी, उसने झूठ बोला, क्योंकि नाश्ते के बाद संयोग से मेरी मुलाकात श्रीमती बैरीमोर से लंबे गलियारे में हुई, उनके चेहरे पर सूरज की तेज धूप पड़ रही थी। वह एक लंबी, भावहीन, भारी चेहरे वाली महिला थीं, जिनके चेहरे पर सख्त भाव थे। लेकिन उनकी आंखें लाल थीं और सूजी हुई पलकों के बीच से मेरी ओर देख रही थीं। तो, रात में रोने वाली वही थीं, और अगर वह रोई थीं, तो उनके पति को जरूर पता होगा। फिर भी उन्होंने पकड़े जाने का जोखिम उठाते हुए यह कहा कि ऐसा नहीं था। उन्होंने ऐसा क्यों किया? और वह इतनी फूट-फूटकर क्यों रोईं? इस पीले चेहरे वाले, सुंदर, काली दाढ़ी वाले व्यक्ति के चारों ओर रहस्य और उदासी का माहौल छा रहा था। सर चार्ल्स का शव सबसे पहले उन्होंने ही देखा था, और बूढ़े आदमी की मृत्यु से जुड़ी सभी बातों के लिए हमारे पास केवल उनका ही बयान था। क्या यह संभव था कि रीजेंट स्ट्रीट में टैक्सी में हमने जिसे देखा था, वह आखिरकार बैरीमोर ही थे? दाढ़ी शायद वही रही हो। टैक्सी ड्राइवर ने एक थोड़े छोटे कद के आदमी का वर्णन किया था, लेकिन यह धारणा गलत भी हो सकती थी। मैं इस मामले को हमेशा के लिए कैसे सुलझा सकता था? ज़ाहिर है, सबसे पहले ग्रिम्पेन के पोस्टमास्टर से मिलना ज़रूरी था और यह पता

लगाना था कि क्या परीक्षण टेलीग्राम सचमुच बेरीमोर के हाथों में पहुंचा था। जवाब चाहे जो भी हो, कम से कम मेरे पास शर्लक होम्स को बताने के लिए कुछ तो होगा।

सर हेनरी को नाश्ते के बाद कई कागज़ात देखने थे, इसलिए यह समय मेरे भ्रमण के लिए अनुकूल था। दलदली भूमि के किनारे-किनारे चार मील की सुखद सैर मुझे अंत में एक छोटे से धूसर रंग के गांव तक ले गई, जिसमें दो बड़ी इमारतें, जो बाद में सराय और डॉ. मोर्टिमर का घर साबित हुईं, बाकी इमारतों से काफी ऊपर खड़ी थीं। डाकघर प्रमुख, जो गांव का किराना व्यापारी भी था, को टेलीग्राम अच्छी तरह याद था।

“जी हां, महोदय,” उन्होंने कहा, “मैंने श्री बैरीमोर को निर्देशानुसार ही टेलीग्राम पहुंचा दिया था।”

“इसे किसने पहुंचाया?”

“मेरे प्यारे जेम्स, तुमने पिछले हफ्ते हॉल में मिस्टर बैरीमोर को वो टेलीग्राम पहुँचाया था, है ना?”

“जी पिताजी, मैंने इसे पहुंचा दिया।”

“क्या उसने खुद ही अपने हाथों में ले लिया?” मैंने पूछा।

"खैर, उस समय वह अटारी में थे, इसलिए मैं इसे उनके हाथों में नहीं दे सका, लेकिन मैंने इसे श्रीमती बैरीमोर के हाथों में दे दिया, और उन्होंने इसे तुरंत पहुंचाने का वादा किया।"

क्या आपने मिस्टर बैरीमोर को देखा?

"नहीं, महोदय; मैं आपको बताता हूं कि वह अटारी में था।"

"अगर आपने उसे नहीं देखा, तो आपको कैसे पता चला कि वह अटारी में था?"

“खैर, उनकी पत्नी को तो पता होना ही चाहिए कि वे कहां हैं,” पोस्टमास्टर ने चिढ़कर कहा। “क्या उन्हें टेलीग्राम नहीं मिला? अगर कोई गलती है तो शिकायत करने का अधिकार स्वयं श्री बैरीमोर को है।”

जांच को आगे बढ़ाना नामुमकिन लग रहा था, लेकिन यह स्पष्ट था कि होम्स की चाल के बावजूद हमारे पास इस बात का कोई सबूत नहीं था कि बैरीमोर हर समय लंदन में नहीं था। मान लीजिए कि ऐसा ही था - मान लीजिए कि वही व्यक्ति आखिरी बार सर चार्ल्स को जीवित देखने वाला था, और इंग्लैंड लौटने पर नए वारिस का पीछा करने वाला पहला व्यक्ति था। तो फिर क्या? क्या वह किसी और का एजेंट था या उसकी अपनी कोई बुरी मंशा थी? बास्करविल परिवार को सताने में उसका क्या स्वार्थ हो सकता था? मुझे टाइम्स के मुख्य लेख से काटी गई अजीब चेतावनी याद आई। क्या यह उसका काम था या संभवतः किसी ऐसे व्यक्ति का काम था जो उसकी योजनाओं को नाकाम करने पर तुला हुआ था? एकमात्र संभावित मकसद वही था जो सर हेनरी ने सुझाया था, कि अगर परिवार को डराकर भगा दिया जाए तो बैरीमोर परिवार के लिए एक आरामदायक और स्थायी घर सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन निश्चित रूप से ऐसी व्याख्या उस गहरी और सूक्ष्म साजिश को समझाने के लिए बिल्कुल अपर्याप्त होगी जो युवा बैरोनेट के चारों ओर एक अदृश्य जाल बुनती हुई प्रतीत हो रही थी। होम्स ने स्वयं कहा था कि उनकी सनसनीखेज जांचों की लंबी श्रृंखला में इससे अधिक जटिल मामला उनके सामने कभी नहीं आया था। धूसर, सुनसान सड़क पर लौटते हुए मैंने प्रार्थना की कि मेरा मित्र जल्द ही अपनी चिंताओं से मुक्त हो जाए और नीचे आकर मेरे कंधों से इस भारी जिम्मेदारी का बोझ उठा ले।

अचानक मेरे पीछे दौड़ते कदमों की आवाज़ और मुझे नाम से पुकारने वाली एक आवाज़ से मेरे विचार टूट गए। मैं मुड़ा, मुझे उम्मीद थी कि डॉ. मोर्टिमर होंगे, लेकिन मेरी हैरानी की बात यह थी कि एक अजनबी मेरा पीछा कर रहा था। वह छोटा, दुबला-पतला, दाढ़ी-मूंछ साफ किए हुए, सलीकेदार चेहरे वाला, सुनहरे बालों वाला और पतले

जबड़े वाला आदमी था, जिसकी उम्र तीस से चालीस के बीच थी, उसने ग्रे रंग का सूट पहना हुआ था और सिर पर भूसे की टोपी थी। उसके कंधे पर वनस्पति नमूनों के लिए एक टिन का डिब्बा लटका हुआ था और उसके एक हाथ में हरे रंग का तितली पकड़ने वाला जाल था।

"मुझे पूरा यकीन है कि आप मेरी इस गुस्ताखी को माफ कर देंगे, डॉ. वॉटसन," वह हांफते हुए मेरे पास आते हुए बोले। "यहां मैदान में हम सीधे-सादे लोग हैं और औपचारिक परिचय की प्रतीक्षा नहीं करते। शायद आपने हमारे साझा मित्र मॉर्टिमर से मेरा नाम सुना होगा। मैं स्टेपलटन हूं, मेरिपिट हाउस का निवासी।"

मैंने कहा, "तुम्हारे जाल और डिब्बे से मुझे यह बात पता चल जाती, क्योंकि मुझे पता था कि श्री स्टेपलटन एक प्रकृतिवादी थे। लेकिन तुम मुझे कैसे जानते थे?"

"मैं मोर्टिमर से मिलने गया था, और जब आप वहां से गुज़रे तो उन्होंने अपनी क्लिनिक की खिड़की से मुझे आपकी ओर इशारा किया। चूंकि हमारा रास्ता एक ही था, इसलिए मैंने सोचा कि मैं आपसे मिल लूं और अपना परिचय दे दूं। मुझे उम्मीद है कि सर हेनरी को अपनी यात्रा में कोई परेशानी नहीं हुई होगी।"

"वह बिल्कुल ठीक हैं, धन्यवाद।"

"हम सभी को डर था कि सर चार्ल्स की दुखद मृत्यु के बाद नए बैरोनेट शायद यहाँ रहने से इनकार कर दें। एक धनी व्यक्ति से इस तरह की जगह पर आकर दफ़न होने की उम्मीद करना थोड़ा ज्यादा है, लेकिन आपको यह बताने की जरूरत नहीं है कि इससे ग्रामीण इलाकों को कितना महत्व मिलता है। मुझे लगता है कि सर हेनरी को इस मामले में कोई अंधविश्वास नहीं है।"

मुझे नहीं लगता कि ऐसा होने की संभावना है।

"आप उस दुष्ट कुत्ते की कहानी तो जानते ही होंगे जो परिवार को परेशान करता है?"

मैंने यह सुना है।

"यहाँ के किसान कितने आसानी से किसी बात पर विश्वास कर लेते हैं, यह देखकर आश्चर्य होता है! उनमें से कई तो कसम खाकर कहते हैं कि उन्होंने मैदान में ऐसा प्राणी देखा है।" उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, लेकिन उनकी आँखों में मुझे लगा कि वे इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। "इस कहानी ने सर चार्ल्स के मन पर गहरा प्रभाव डाला और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इसी के कारण उनका दुखद अंत हुआ।"

"आख़िर कैसे?"

"उनकी नसें इतनी तनावग्रस्त थीं कि किसी भी कुत्ते का दिखना उनके कमजोर दिल के लिए घातक साबित हो सकता था। मुझे लगता है कि उन्होंने सचमुच उस आखिरी रात य एली में कुछ ऐसा ही देखा था। मुझे डर था कि कोई दुर्घटना हो सकती है, क्योंकि मैं उस बूढ़े आदमी को बहुत पसंद करता था और जानता था कि उनका दिल कमजोर है।"

"आप उसे कैसे जानते हैं?"

"मेरे दोस्त मोर्टिमर ने मुझे बताया।"

"तो क्या आपको लगता है कि किसी कुत्ते ने सर चार्ल्स का पीछा किया और परिणामस्वरूप डर के मारे उनकी मृत्यु हो गई?"

"क्या आपके पास कोई बेहतर स्पष्टीकरण है?"

मैं किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा हूं।

"क्या श्री शेरलॉक होम्स ने ऐसा किया है?"

उन शब्दों ने एक पल के लिए मेरी सांस रोक दी, लेकिन मेरे साथी के शांत चेहरे और स्थिर आंखों पर एक नज़र डालने से पता चला कि उसका इरादा आश्चर्य व्यक्त

करने का नहीं था।

“डॉ. वॉटसन, यह दिखावा करना व्यर्थ है कि हम आपको नहीं जानते,” उन्होंने कहा। “आपके जासूस के रिकॉर्ड हम तक पहुँच चुके हैं, और आप स्वयं जाने बिना उनकी प्रशंसा नहीं कर सकते। जब मार्टिमर ने मुझे आपका नाम बताया, तो वह आपकी पहचान से इनकार नहीं कर सका। यदि आप यहाँ हैं, तो इसका अर्थ है कि श्री शर्लक होम्स इस मामले में रुचि रखते हैं, और मैं स्वाभाविक रूप से यह जानने के लिए उत्सुक हूं कि वे इस पर क्या राय रखते हैं।”

मुझे खेद है कि मैं उस प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता।

"क्या मैं पूछ सकता हूं कि क्या वे स्वयं आकर हमें सम्मानित करेंगे?"

“वह फ़िलहाल शहर छोड़कर नहीं जा सकता। उसके पास अन्य मामले हैं जिन पर उसे ध्यान देना है।”

“कितनी अफ़सोस की बात है! शायद वो हमारे लिए इतने अंधेरे में छिपे मामले पर कुछ रोशनी डाल पाते। लेकिन जहाँ तक आपकी जाँच-पड़ताल का सवाल है, अगर मैं किसी भी तरह से आपकी मदद कर सकूं तो मुझे उम्मीद है कि आप मुझे आदेश देंगे। अगर मुझे आपके संदेह की प्रकृति या आप इस मामले की जाँच कैसे करने वाले हैं, इसका कोई संकेत मिल जाए, तो शायद मैं अभी भी आपको कुछ सहायता या सलाह दे सकूं।”

मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि मैं यहां केवल अपने मित्र सर हेनरी से मिलने आया हूं और मुझे किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता नहीं है।

“बहुत बढ़िया!” स्टेपलटन ने कहा। “आपका सतर्क और सावधान रहना बिलकुल सही है। मुझे जो फटकार मिली है, वह मेरे लिए अनुचित हस्तक्षेप था, और मैं आपसे वादा करता हूं कि मैं इस मामले का ज़िक्र दोबारा नहीं करूंगा।”

हम एक ऐसे मोड़ पर आ गए थे जहाँ सड़क से एक संकरा घासीला रास्ता निकलकर मैदान में दूर तक फैला हुआ था। दाईं ओर एक खड़ी, पत्थरों से भरी पहाड़ी थी, जिसे कभी ग्रेनाइट की खदान के रूप में काटा गया था। हमारी ओर का हिस्सा एक गहरी चट्टान जैसा दिखता था, जिसकी दरारों में फर्न और कंटीली झाड़ियाँ उग रही थीं। दूर एक ऊंची पहाड़ी से धुएँ का एक भूरा गुबार उठ रहा था।

“इस बंजर रास्ते पर थोड़ी दूर चलने पर हम मेरिपिट हाउस पहुँच जाएँगे,” उन्होंने कहा। “शायद आप एक घंटा निकाल सकें ताकि मुझे आपको अपनी बहन से मिलवाने का सौभाग्य मिल सके।”

मेरा पहला विचार था कि मुझे सर हेनरी के साथ रहना चाहिए। लेकिन फिर मुझे उनके अध्ययन कक्ष में बिखरे कागजों और बिलों के ढेर की याद आ गई। यह निश्चित था कि मैं उनकी मदद नहीं कर सकता था। और होम्स ने स्पष्ट रूप से कहा था कि मुझे दलदली भूमि पर रहने वाले पड़ोसियों का अध्ययन करना चाहिए। मैंने स्टेपलटन का निमंत्रण स्वीकार किया और हम साथ-साथ रास्ते पर चल पड़े।

“यह मैदान कितना अद्भुत है,” उसने लहरदार पहाड़ियों, हरे-भरे टीलों और नुकीले ग्रेनाइट की चोटियों को देखते हुए कहा, जो शानदार लहरों की तरह ऊपर उठती थीं। “इस मैदान से कभी ऊब नहीं होती। इसमें छिपे अद्भुत रहस्यों की आप कल्पना भी नहीं कर सकते। यह इतना विशाल, इतना बंजर और इतना रहस्यमय है।”

तो फिर आप इसे अच्छी तरह जानते हैं?

“मैं यहाँ केवल दो साल से हूँ। यहाँ के निवासी मुझे नवागंतुक कहेंगे। हम सर चार्ल्स के बसने के कुछ समय बाद ही आए थे। लेकिन मेरी रुचियों ने मुझे आसपास के देश के हर हिस्से को घूमने के लिए प्रेरित किया, और मुझे लगता है कि मुझसे बेहतर इसे जानने वाले बहुत कम लोग होंगे।”

क्या इसे जानना मुश्किल है?

“बहुत कठिन। उदाहरण के लिए, उत्तर में स्थित इस विशाल मैदान को देखिए, जिसमें से विचित्र पहाड़ियाँ निकल रही हैं। क्या आपको इसमें कुछ उल्लेखनीय दिखाई देता है?”

"तेज दौड़ने के लिए यह एक दुर्लभ जगह होगी।"

“आप स्वाभाविक रूप से ऐसा ही सोचेंगे और इसी सोच की वजह से पहले भी कई लोगों की जान जा चुकी है। क्या आपने उस पर बिखरे हुए चमकीले हरे धब्बे देखे हैं?”

"हां, वे बाकी की तुलना में अधिक उपजाऊ प्रतीत होते हैं।"

स्टेपलटन हंस पड़ा।

“यह तो भयानक ग्रिम्पेन दलदल है,” उसने कहा। “वहाँ एक गलत कदम भी इंसान या जानवर के लिए मौत का कारण बन सकता है। कल ही मैंने एक दलदली टट्टू को उसमें भटकते हुए देखा। वह फिर कभी बाहर नहीं आया। मैंने काफी देर तक उसका सिर दलदल के गड्ढे से बाहर झांकता हुआ देखा, लेकिन अंत में दलदल ने उसे अंदर खींच लिया। सूखे मौसम में भी इसे पार करना खतरनाक होता है, लेकिन इन पतझड़ की बारिश के बाद तो यह और भी भयानक जगह हो जाती है। फिर भी मैं इसके बिल्कुल बीचोंबीच तक पहुंच जाता हूँ और ज़िंदा लौट आता हूँ। हे भगवान, वहाँ एक और बदकिस्मत टट्टू है!”

हरे सरकंडों के बीच कोई भूरी सी चीज़ लुढ़क रही थी और छटपटा रही थी। तभी एक लंबी, दर्द से तड़पती हुई गर्दन ऊपर उठी और एक भयानक चीख मैदान में गूंज उठी। मैं डर से कांप गया, लेकिन मेरे साथी के हौसले मुझसे कहीं ज़्यादा बुलंद थे।

“वह चला गया!” उसने कहा। “कीचड़ ने उसे जकड़ लिया है। दो दिनों में दो, और शायद और भी बहुत सारे, क्योंकि सूखे मौसम में वे वहाँ जाने के रास्ते में आ जाते हैं, और जब तक कीचड़ उन्हें अपनी गिरफ्त में नहीं ले लेता, तब तक उन्हें फर्क पता ही नहीं चलता। यह बहुत बुरी जगह है, ग्रिम्पेन का विशाल कीचड़।”

"और आप कहते हैं कि आप इसे भेद सकते हैं?"

"हां, एक-दो रास्ते ऐसे हैं जिन्हें एक बहुत सक्रिय व्यक्ति अपना सकता है। मैंने उन्हें खोज निकाला है।"

लेकिन आप इतनी भयानक जगह पर क्यों जाना चाहेंगे?

“अच्छा, क्या आप दूर की पहाड़ियों को देख रहे हैं? वे वास्तव में ऐसे द्वीप हैं जो चारों ओर से दुर्गम दलदल से घिरे हुए हैं, जो वर्षों से उनके चारों ओर फैला हुआ है। दुर्लभ पौधे और तितलियाँ वहीं पाई जाती हैं, बशर्ते आपमें वहाँ तक पहुँचने की बुद्धि हो।”

मैं किसी दिन अपनी किस्मत आजमाऊंगा।

उसने आश्चर्य भरे चेहरे से मेरी ओर देखा।

“भगवान के लिए, ऐसा विचार अपने मन से निकाल दो,” उसने कहा। “तुम्हारे खून का बदला मुझे ही लेना होगा। मैं तुम्हें यकीन दिलाता हूँ कि तुम्हारे ज़िंदा वापस आने की ज़रा भी संभावना नहीं है। कुछ खास जगहों को याद रखने से ही मैं ऐसा कर पाता हूँ।”

“हैलो!” मैं चिल्लाया। “यह क्या है?”

एक लंबी, धीमी, अवर्णनीय उदासी भरी कराह पूरे मैदान में गूंज उठी। यह हवा में भर गई, फिर भी यह कहना असंभव था कि यह कहां से आई। एक धीमी बड़बड़ाहट से यह एक गहरी गर्जना में बदल गई, और फिर एक बार फिर एक उदास, धड़कती हुई बड़बड़ाहट में समा गई। स्टेपलटन ने अपने चेहरे पर एक अजीब भाव के साथ मेरी ओर देखा।

“अजीब जगह है, दलदली इलाका!” उसने कहा।

"लेकिन यह है क्या?"

“किसान कहते हैं कि यह बास्करविल का शिकारी कुत्ता है जो अपने शिकार को पुकार रहा है। मैंने इसे पहले भी एक-दो बार सुना है, लेकिन इतनी तेज़ आवाज़ में कभी नहीं।”

मेरे हृदय में भय की सिहरन दौड़ गई और मैंने चारों ओर देखा, हरे-भरे सरकंडों से भरा विशाल मैदान फैला हुआ था। उस विशाल विस्तार में कुछ भी हलचल नहीं थी, सिवाय कौवों के एक जोड़े के, जो हमारे पीछे एक टीले से ज़ोर से कांव-कांव कर रहे थे।

मैंने कहा, “आप तो पढ़े-लिखे आदमी हैं। आप ऐसी बकवास बातों पर विश्वास नहीं करते? आपके विचार से इस अजीब आवाज का कारण क्या हो सकता है?”

"दलदल कभी-कभी अजीब आवाजें करते हैं। यह कीचड़ के जमने की आवाज होती है, या पानी के बढ़ने की, या किसी और चीज की।"

नहीं, नहीं, वह एक जीवित आवाज थी।

"खैर, शायद ऐसा ही हो। क्या आपने कभी बिटरन पक्षी की तेज़ आवाज़ सुनी है?"

नहीं, मैंने ऐसा कभी नहीं किया।

“इंग्लैंड में यह एक बहुत ही दुर्लभ पक्षी है—लगभग विलुप्त हो चुका है—लेकिन खुले मैदान में सब कुछ संभव है। हां, मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर मुझे पता चले कि हमने जो सुना है वह आखिरी बिटरन पक्षी की आवाज़ है।”

"यह मेरे जीवन में सुनी गई सबसे अजीब और विचित्र बात है।"

“हां, यह वाकई एक विचित्र जगह है। उस पहाड़ी को देखो। तुम उसके बारे में क्या सोचते हो?”

पूरी खड़ी ढलान भूरे रंग के गोलाकार पत्थरों के छल्लों से ढकी हुई थी, जिनकी संख्या कम से कम बीस थी।

“ये क्या हैं? भेड़ों के बाड़े?”

“नहीं, ये हमारे पूजनीय पूर्वजों के घर हैं। प्रागैतिहासिक मानव दलदली भूमि पर घनी आबादी में रहते थे, और चूंकि तब से कोई भी वहां नहीं रहा है, इसलिए हमें उनकी सभी छोटी-छोटी व्यवस्थाएं ठीक उसी स्थिति में मिलती हैं जैसे उन्होंने छोड़ी थीं। ये उनकी झोपड़ियां हैं जिनकी छतें हट गई हैं। अगर आप उत्सुकतावश अंदर जाएं तो आप उनका चूल्हा और उनका पलंग भी देख सकते हैं।”

“लेकिन यह तो काफी बड़ा शहर है। यहां कब से लोग बसे हुए हैं?”

“नवपाषाण काल का मानव — तिथि ज्ञात नहीं।”

“उसने क्या किया?”

“वह इन ढलानों पर अपने मवेशी चराता था, और जब पीतल की तलवार ने पत्थर की कुल्हाड़ी की जगह ले ली, तब उसने टिन खोदना सीखा। सामने वाली पहाड़ी में बनी उस बड़ी खाई को देखिए। वह उसका निशान है। जी हां, डॉ. वाटसन, आपको इस बंजर भूमि में कुछ बहुत ही अनोखे बिंदु मिलेंगे। अरे, एक पल के लिए मुझे माफ़ कीजिए! यह तो निश्चित रूप से साइक्लोपाइड्स है।”

एक छोटी मक्खी या पतंगा हमारे रास्ते से उड़ता हुआ निकला, और पल भर में स्टैपलटन असाधारण ऊर्जा और गति से उसका पीछा करने लगा। मुझे यह देखकर निराशा हुई कि वह जीव सीधे दलदल की ओर उड़ गया, और मेरा परिचित एक पल भी नहीं रुका, उसके पीछे-पीछे एक झाड़ी से दूसरी झाड़ी पर कूदता हुआ भागता रहा, उसका हरा जाल हवा में लहरा रहा था। उसके भूरे कपड़े और लड़खड़ाती, टेढ़ी-मेढ़ी, अनियमित चाल उसे किसी विशाल पतंगे जैसा बना रही थी। मैं उसकी असाधारण फुर्ती की प्रशंसा और इस डर के मिले-जुले भाव से उसका पीछा करते हुए देख रहा था कि

कहीं वह उस खतरनाक कीचड़ में अपना संतुलन न खो दे, तभी मुझे कदमों की आहट सुनाई दी, और मुड़कर देखा तो रास्ते पर मेरे पास एक महिला खड़ी थी। वह उस दिशा से आई थी जहाँ से धुएं का गुबार मेरिपिट हाउस की स्थिति का संकेत दे रहा था, लेकिन दलदल की ढलान ने उसे तब तक छिपाए रखा जब तक वह बिल्कुल पास नहीं आ गई।

मुझे इस बात में कोई संदेह नहीं था कि ये वही मिस स्टेपलटन थीं जिनके बारे में मुझे बताया गया था, क्योंकि उस बंजर भूमि पर हर तरह की महिलाएं बहुत कम ही होती हैं, और मुझे याद था कि मैंने किसी को उन्हें बेहद खूबसूरत बताते हुए सुना था। जो महिला मेरे पास आई, वह सचमुच खूबसूरत थी, और एक असाधारण प्रकार की थी। भाई-बहन में इससे बड़ा अंतर नहीं हो सकता था, क्योंकि स्टेपलटन का रंग सादा था, उनके बाल हल्के और आंखें भूरी थीं, जबकि वह इंग्लैंड में देखी गई किसी भी सांवली महिला से कहीं अधिक सांवली थीं - पतली, आकर्षक और लंबी। उनका चेहरा गर्व से भरा और सुंदर था, इतना सुव्यवस्थित कि अगर उनके संवेदनशील होंठ और खूबसूरत गहरी, उत्सुक आंखें न होतीं तो वह भावहीन प्रतीत होता। अपने परिपूर्ण शरीर और आकर्षक पोशाक के साथ, वह वास्तव में उस सुनसान बंजर भूमि के रास्ते पर एक विचित्र आकृति थीं। जैसे ही मैं मुड़ा, उनकी नज़र अपने भाई पर थी, और फिर वह मेरी ओर तेज़ी से बढ़ीं। मैंने अपनी टोपी उतारी और कुछ स्पष्टीकरण देने ही वाला था कि उनके ही शब्दों ने मेरे सारे विचारों को एक नई दिशा दे दी।

“वापस जाओ!” उसने कहा। “तुरंत सीधे लंदन वापस जाओ।”

मैं केवल मूर्खतापूर्ण आश्चर्य से उसे देखता रह गया। उसकी आँखें मुझ पर गुस्से से भरी थीं, और वह अधीरता से अपने पैर से ज़मीन पर थपथपा रही थी।

मैंने पूछा, "मुझे वापस क्यों जाना चाहिए?"

“मैं समझा नहीं सकती।” उसने धीमी, उत्सुक आवाज़ में, तुतलाते हुए कहा। “पर ईश्वर के लिए, मेरी बात मानो। वापस जाओ और फिर कभी उस बंजर भूमि पर कदम मत रखना।”

लेकिन मैं तो अभी-अभी आया हूँ।

“अरे, अरे!” वह चिल्लाई। “क्या तुम्हें यह नहीं समझ आता कि चेतावनी तुम्हारे भले के लिए है? लंदन वापस जाओ! आज रात ही निकलो! हर हाल में इस जगह से भाग जाओ! चुप रहो, मेरा भाई आ रहा है! मैंने जो कुछ भी कहा है, उसका एक शब्द भी मत सुनना। क्या तुम मेरे लिए वहाँ उगी झाड़ियों के बीच से वह ऑर्किड ला सकते हो? हमारे यहाँ दलदली भूमि में बहुत सारे ऑर्किड हैं, हालांकि, तुम इस जगह की सुंदरता देखने में काफी देर कर चुके हो।”

स्टेपलटन ने पीछा करना छोड़ दिया था और वह हांफते हुए और परिश्रम से चेहरा लाल होते हुए हमारे पास वापस आया।

“हैलो, बेरिल!” उसने कहा, और मुझे लगा कि उसके अभिवादन का लहजा पूरी तरह से सौहार्दपूर्ण नहीं था।

"वाह, जैक, तुम तो बहुत ही आकर्षक हो।"

“हां, मैं एक साइक्लोपाइड्स की तलाश कर रहा था। वह बहुत दुर्लभ है और पतझड़ के अंत में बहुत कम ही दिखाई देता है। कितना अफ़सोस है कि मैं उसे देख नहीं पाया!” उसने बेपरवाही से कहा, लेकिन उसकी छोटी-छोटी चमकदार आँखें लगातार उस लड़की से मेरी ओर घूम रही थीं।

"मैं देख सकता हूँ कि आप लोगों ने अपना परिचय दे दिया है।"

"हां। मैं सर हेनरी से कह रहा था कि उनके लिए दलदली भूमि की वास्तविक सुंदरता देखने का समय काफी देर हो चुका है।"

"अरे, आपको क्या लगता है कि यह कौन है?"

मुझे लगता है कि यह सर हेनरी बास्करविले ही होंगे।

“नहीं, नहीं,” मैंने कहा। “मैं तो बस एक साधारण सा व्यक्ति हूँ, लेकिन उनका मित्र। मेरा नाम डॉ. वॉटसन है।”

उसके भावपूर्ण चेहरे पर झुंझलाहट की एक झलक दिखाई दी। उसने कहा, "हम दोनों की बातें एक-दूसरे के विपरीत जा रही हैं।"

"अरे, तुम्हारे पास बात करने का ज्यादा समय नहीं था," उसके भाई ने उसी प्रश्नवाचक निगाहों से टिप्पणी की।

“मैंने इस तरह बात की जैसे डॉ. वॉटसन यहाँ के निवासी हों, न कि महज एक आगंतुक,” उसने कहा। “उन्हें इस बात से कोई खास फर्क नहीं पड़ता कि ऑर्किड खिलने का समय जल्दी है या देर। लेकिन आप आएंगे ना, और मेरिपिट हाउस देखेंगे?”

थोड़ी दूर चलने पर हम उस घर तक पहुंचे, जो एक उजाड़, बंजर ज़मीन पर बना मकान था। पुराने समृद्ध दिनों में यह कभी किसी पशुपालक का खेत हुआ करता था, लेकिन अब इसकी मरम्मत करके इसे आधुनिक घर में बदल दिया गया था। इसके चारों ओर एक बगीचा था, लेकिन बंजर ज़मीन पर आम तौर पर पाए जाने वाले पेड़ बौने और कटे-फटे थे, और पूरी जगह का माहौल नीरस और उदास था। हमें एक अजीब से, झुर्रियों वाले, जंग लगे कोट पहने बूढ़े नौकर ने अंदर आने दिया, जो उस घर के अनुरूप ही लग रहा था। हालाँकि, अंदर बड़े-बड़े कमरे थे जो इतनी शान से सजे हुए थे कि मुझे लगा जैसे उस महिला की पसंद झलक रही हो। जब मैंने उनकी खिड़कियों से दूर क्षितिज तक फैले हुए ग्रेनाइट के धब्बों से भरे बंजर मैदान को देखा, तो मैं यह सोचे बिना नहीं रह सका कि आखिर किस बात ने इस उच्च शिक्षित व्यक्ति और इस खूबसूरत महिला को ऐसी जगह पर रहने के लिए प्रेरित किया होगा।

“चुनने के लिए यह जगह अजीब है, है ना?” उसने मेरे विचार का जवाब देते हुए कहा। “और फिर भी हम खुद को काफी हद तक खुश रखने में कामयाब हो जाते हैं, है ना, बेरिल?”

"काफी खुश हूं," उसने कहा, लेकिन उसके शब्दों में दृढ़ विश्वास की कोई झलक नहीं थी।

“मेरा एक स्कूल था,” स्टैपलटन ने कहा। “यह उत्तरी क्षेत्र में था। मेरे स्वभाव के व्यक्ति के लिए काम यांत्रिक और नीरस था, लेकिन युवाओं के साथ रहने, उन युवा दिमागों को आकार देने में मदद करने और उन्हें अपने चरित्र और आदर्शों से प्रभावित करने का सौभाग्य मुझे बहुत प्रिय था। हालांकि, भाग्य हमारे खिलाफ था। स्कूल में एक गंभीर महामारी फैल गई और तीन लड़कों की मृत्यु हो गई। स्कूल इस सदमे से कभी उबर नहीं पाया और मेरी बहुत सारी पूंजी हमेशा के लिए नष्ट हो गई। फिर भी, अगर लड़कों की प्यारी संगति का नुकसान न होता, तो मैं अपनी इस बदकिस्मती पर खुश हो सकता था, क्योंकि वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान में मेरी गहरी रुचि के कारण मुझे यहां काम का असीमित क्षेत्र मिलता है, और मेरी बहन भी प्रकृति के प्रति उतनी ही समर्पित है जितनी मैं। डॉ. वॉटसन, यह सब आपके उस हावभाव के कारण हुआ है जो आपने हमारी खिड़की से बाहर दलदली भूमि को देखते हुए व्यक्त किया था।”

"मेरे मन में यह ख्याल जरूर आया था कि यह थोड़ा नीरस हो सकता है - शायद आपके लिए उतना नहीं, जितना आपकी बहन के लिए।"

“नहीं, नहीं, मैं कभी नीरस नहीं होती,” उसने झट से कहा।

“हमारे पास किताबें हैं, हमारी पढ़ाई है, और हमारे पड़ोसी भी बहुत दिलचस्प हैं। डॉ. मोर्टिमर अपने क्षेत्र में अत्यंत विद्वान हैं। बेचारे सर चार्ल्स भी एक बेहतरीन साथी थे। हम उन्हें अच्छी तरह जानते थे, और उनकी कमी हमें शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

क्या आपको लगता है कि अगर मैं आज दोपहर सर हेनरी से मिलने जाऊं तो क्या मैं दखलअंदाजी करूंगी?"

मुझे पूरा यकीन है कि वह बहुत खुश होंगे।

तो शायद आप इस बारे में बताएंगे कि मैं ऐसा करने का प्रस्ताव रखता हूँ। हम अपनी ओर से कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे उसे नए परिवेश में ढलने तक थोड़ी आसानी हो जाए। क्या आप ऊपर आकर, डॉ. वॉटसन, मेरे तितलियों के संग्रह का निरीक्षण करेंगे? मुझे लगता है कि यह दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड में सबसे संपूर्ण संग्रह है। जब तक आप इन्हें देखेंगे, दोपहर का भोजन लगभग तैयार हो जाएगा।

लेकिन मैं अपने काम पर वापस जाने के लिए बेताब था। दलदली भूमि की उदासी, उस बदकिस्मत टट्टू की मौत, बास्करविल्स की भयानक किंवदंती से जुड़ी अजीब सी आवाज़, इन सब बातों ने मेरे मन में उदासी भर दी थी। फिर इन अस्पष्ट यादों के ऊपर मिस स्टेपलटन की स्पष्ट और सटीक चेतावनी आई, जो उन्होंने इतनी गंभीरता से दी थी कि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं रहा कि इसके पीछे कोई गंभीर और गहरा कारण था। मैंने दोपहर के भोजन के लिए रुकने के सभी दबावों का विरोध किया और तुरंत अपनी वापसी की यात्रा पर निकल पड़ा, उसी घास से ढके रास्ते पर जिससे हम आए थे।

ऐसा प्रतीत होता है कि जो लोग इसे जानते थे, उनके लिए कोई न कोई शॉर्टकट ज़रूर रहा होगा, क्योंकि सड़क पर पहुँचने से पहले ही मैं मिस स्टेपलटन को पगडंडी के किनारे एक चट्टान पर बैठे देखकर दंग रह गया। परिश्रम के कारण उनका चेहरा बेहद खूबसूरत लग रहा था और उन्होंने अपना हाथ अपनी कमर पर रखा हुआ था।

"डॉक्टर वॉटसन, मैं आपको रोकने के लिए इतनी दूर तक दौड़ कर आई हूं," उसने कहा। "मुझे अपनी टोपी पहनने का भी समय नहीं मिला। मुझे रुकना नहीं चाहिए, वरना मेरे भाई को मेरी कमी खलेगी। मैं आपसे यह कहना चाहती थी कि मुझे उस मूर्खतापूर्ण गलती के लिए कितना खेद है जो मैंने आपको सर हेनरी समझकर की थी। कृपया मेरी कही हुई बातों को भूल जाइए, जिनका आप पर कोई असर नहीं है।"

"लेकिन मैं उन्हें भूल नहीं सकता, मिस स्टेपलटन," मैंने कहा। "मैं सर हेनरी का मित्र हूं, और उनका कल्याण मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुझे बताइए कि आप सर हेनरी के लंदन लौटने के लिए इतनी उत्सुक क्यों थीं?"

"डॉ. वॉटसन, यह एक महिला की सनक है। जब आप मुझे बेहतर तरीके से जान लेंगे, तो आप समझ जाएंगे कि मैं अपने कहे या किए गए कार्यों के लिए हमेशा कारण नहीं बता सकती।"

नहीं, नहीं। मुझे आपकी आवाज़ में वो रोमांच याद है। मुझे आपकी आँखों का वो भाव याद है। कृपया, कृपया, मुझसे खुलकर बात कीजिए, मिस स्टेपलटन, क्योंकि जब से मैं यहाँ आया हूँ, मुझे हर तरफ अँधेरा सा मंडराता रहता है। ज़िंदगी उस विशाल ग्रिम्पेन दलदल जैसी हो गई है, जहाँ हर जगह छोटे-छोटे हरे धब्बे हैं जिनमें कोई भी धंस सकता है और कोई रास्ता दिखाने वाला भी नहीं है। तो मुझे बताइए कि आपका क्या मतलब था, और मैं वादा करता हूं कि आपकी चेतावनी सर हेनरी तक पहुंचा दूंगा।

एक पल के लिए उसके चेहरे पर अनिर्णय का भाव आया, लेकिन जब उसने मुझे जवाब दिया तो उसकी आँखें फिर से कठोर हो गई थीं।

"आप इसे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं, डॉ. वॉटसन," उसने कहा। "सर चार्ल्स की मृत्यु से मेरे भाई और मैं बहुत आहत हुए थे। हम उन्हें बहुत अच्छी तरह जानते थे, क्योंकि उनका पसंदीदा रास्ता हमारे घर तक दलदली भूमि से होकर जाना था। वे परिवार पर मंडरा रहे अभिशाप से बहुत प्रभावित थे, और जब यह त्रासदी हुई तो मुझे स्वाभाविक रूप से लगा कि उनके द्वारा व्यक्त किए गए भय के पीछे कुछ कारण अवश्य होंगे। इसलिए जब परिवार का एक और सदस्य यहाँ रहने आया तो मैं बहुत

दुखी हुई, और मुझे लगा कि उसे आने वाले खतरे के बारे में आगाह किया जाना चाहिए। बस यही मेरा उद्देश्य था।”

लेकिन खतरा क्या है?

"क्या आपको उस शिकारी कुत्ते की कहानी पता है?"

मैं इस तरह की बकवास में विश्वास नहीं करता।

“लेकिन मैं करता हूं। अगर सर हेनरी पर आपका कोई प्रभाव है, तो उन्हें उस जगह से दूर ले जाइए जो हमेशा उनके परिवार के लिए घातक साबित हुई है। दुनिया बहुत बड़ी है। वह खतरे की जगह पर क्यों रहना चाहेंगे?”

“क्योंकि यह खतरनाक जगह है। सर हेनरी का स्वभाव ही ऐसा है। मुझे डर है कि जब तक आप मुझे इससे अधिक पुख्ता जानकारी नहीं देंगे, तब तक उन्हें वहां से हटने के लिए मनाना असंभव होगा।”

मैं निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि मुझे निश्चित रूप से कुछ भी पता नहीं है।

“मिस स्टेपलटन, मैं आपसे एक और सवाल पूछना चाहूंगी। अगर आपने मुझसे पहली बार बात करते समय सिर्फ इतना ही कहा था, तो आप क्यों नहीं चाहतीं कि आपका भाई आपकी बातें सुन ले? उसे या किसी और को इस पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती।”

“मेरा भाई हॉल में लोगों के बसने को लेकर बहुत उत्सुक है, क्योंकि उसका मानना है कि इससे दलदली इलाके के गरीब लोगों का भला होगा। अगर उसे पता चला कि मैंने कुछ ऐसा कह दिया है जिससे सर हेनरी चले जाएं, तो वह बहुत नाराज़ होगा। लेकिन मैंने अपना फर्ज निभा दिया है और अब मैं कुछ नहीं कहूंगी। मुझे वापस जाना होगा, वरना वह मुझे याद करेगा और सोचेगा कि मैंने तुम्हें देख लिया है। अलविदा!” वह मुड़ी और कुछ ही मिनटों में बिखरे पत्थरों के बीच गायब हो गई, जबकि मैं, मन में अस्पष्ट आशंकाओं के साथ, बास्करविल हॉल की ओर चल पड़ा।

डॉ. वॉटसन की पहली रिपोर्ट

अब से आगे मैं श्री शेरलॉक होम्स को लिखे अपने पत्रों को लिखकर घटनाक्रम का अनुसरण करूंगा, जो मेरे सामने मेज पर पड़े हैं। एक पृष्ठ गायब है, लेकिन बाकी सभी पत्र बिल्कुल वैसे ही हैं जैसे लिखे गए थे और उन दुखद घटनाओं के बारे में मेरी स्पष्ट स्मृति की तुलना में उस समय मेरी भावनाओं और शंकाओं को कहीं अधिक सटीक रूप से दर्शाते हैं।

बास्करविले हॉल, 13 अक्टूबर।

मेरे प्रिय होम्स, — मेरे पिछले पत्रों और टेलीग्रामों से आपको इस दुनिया के सबसे वीरान कोने में घटी हर बात की अच्छी तरह से जानकारी मिलती रही है। यहां जितना अधिक समय बिताते हैं, उतना ही इस बंजर भूमि का साक्षात स्वरूप, इसकी विशालता और इसका भयावह आकर्षण आत्मा में समा जाता है। एक बार जब आप इसकी गोद में कदम रखते हैं, तो आप आधुनिक इंग्लैंड के सभी निशान पीछे छोड़ देते हैं, लेकिन दूसरी ओर, आप हर जगह प्रागैतिहासिक लोगों के घरों और कार्यों से अवगत होते हैं। चलते समय आपके चारों ओर इन भूले-बिसरे लोगों के घर, उनकी कब्रें और विशाल शिलाखंड दिखाई देते हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे उनके मंदिर थे। जब आप पहाड़ियों की ढलानों पर उनकी धूसर पत्थर की झोपड़ियों को देखते हैं, तो आप अपने युग को पीछे छोड़ देते हैं, और यदि आप किसी चमड़े के वस्त्र पहने, बालदार व्यक्ति को एक छोटे से दरवाजे से बाहर निकलते हुए, अपने धनुष पर चकमक पत्थर का तीर चढ़ाते हुए देखें, तो आपको लगेगा कि उसकी उपस्थिति वहां आपकी अपनी उपस्थिति

से कहीं अधिक स्वाभाविक है। अजीब बात यह है कि वे इतनी घनी आबादी में उस ज़मीन पर बसे हुए थे जो हमेशा से ही बेहद बंजर रही होगी। मैं कोई पुरातत्वविद नहीं हूं, लेकिन मैं कल्पना कर सकता हूं कि वे कोई शांत और संघर्षशील जाति रहे होंगे जिन्हें उस ज़मीन को स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा जिसे कोई और अपनाना नहीं चाहता था।

लेकिन ये सब बातें उस मिशन से बिल्कुल अलग हैं जिस पर आपने मुझे भेजा है और शायद आपके बेहद व्यावहारिक दिमाग को इनमें कोई दिलचस्पी नहीं होगी। मुझे आज भी याद है कि सूर्य पृथ्वी के चारों ओर घूमता है या पृथ्वी सूर्य के चारों ओर, इस बात पर आपको कितनी उदासीनता थी। इसलिए, चलिए सर हेनरी बास्करविल से संबंधित तथ्यों पर लौटते हैं।

यदि आपको पिछले कुछ दिनों में कोई रिपोर्ट नहीं मिली है, तो इसका कारण यह है कि आज तक बताने लायक कोई महत्वपूर्ण घटना नहीं थी। फिर एक बहुत ही आश्चर्यजनक घटना घटी, जिसके बारे में मैं आपको उचित समय पर बताऊंगा। लेकिन, उससे पहले, मुझे आपको इस स्थिति के कुछ अन्य पहलुओं से अवगत कराना होगा।

इनमें से एक घटना, जिसके बारे में मैंने संक्षेप में ही बात की है, वह है बंजर भूमि में छिपा हुआ भगोड़ा कैदी। अब यह मानने के पुख्ता सबूत हैं कि वह भाग निकला है, जिससे इस इलाके के अकेले रहने वाले गृहस्वामियों को काफी राहत मिली है। उसके भागने के बाद से दो सप्ताह बीत चुके हैं, इस दौरान न तो उसे देखा गया है और न ही उसके बारे में कोई खबर मिली है। यह सोचना भी असंभव है कि वह इतने समय तक बंजर भूमि में छिपा रह सकता था। बेशक, छिपने में उसे कोई कठिनाई नहीं है। इनमें से कोई भी पत्थर की झोपड़ी उसे छिपने की जगह दे सकती है। लेकिन खाने के लिए कुछ नहीं है, जब तक कि वह बंजर भूमि की किसी भेड़ को पकड़कर न मार डाले। इसलिए, हमें लगता है कि वह चला गया है, और इसके फलस्वरूप दूरदराज के किसान चैन से सो रहे हैं।

हम इस घर में चार तंदुरुस्त पुरुष हैं, इसलिए हम अपना ख्याल रख सकते हैं, लेकिन मैं स्वीकार करता हूं कि स्टेपलटन परिवार के बारे में सोचते ही मेरे मन में बेचैनी के क्षण आ जाते हैं। वे मदद से मीलों दूर रहते हैं। उनके घर में एक नौकरानी, एक बूढ़ा नौकर, बहन और भाई हैं, जिनमें से भाई बहुत ताकतवर नहीं है। अगर नॉटिंग हिल का यह अपराधी किसी तरह उनके घर में घुसने में कामयाब हो गया, तो वे उसके हाथों बेबस हो जाएंगे। सर हेनरी और मैं दोनों ही उनकी स्थिति को लेकर चिंतित थे, और यह सुझाव दिया गया कि नौकर पर्किन्स को उनके घर जाकर सोने के लिए भेज दिया जाए, लेकिन स्टेपलटन ने इस बात को मानने से इनकार कर दिया।

दरअसल, हमारे मित्र, बैरोनेट, हमारी सुंदर पड़ोसी में काफी दिलचस्पी दिखाने लगे हैं। इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है, क्योंकि इस एकांत जगह पर उनके जैसे सक्रिय व्यक्ति के लिए समय बहुत धीरे-धीरे बीतता है, और वह एक बेहद आकर्षक और सुंदर महिला हैं। उनमें कुछ उष्णकटिबंधीय और अनोखा आकर्षण है जो उनके शांत और भावहीन भाई से बिलकुल अलग है। फिर भी, उनमें भी दबी हुई आग का आभास होता है। उनका उन पर निश्चित रूप से गहरा प्रभाव है, क्योंकि मैंने उन्हें बात करते समय लगातार उनकी ओर देखते हुए देखा है, मानो वह अपनी बातों के लिए प्रशंसा मांग रही हों। मुझे विश्वास है कि वह उनके प्रति दयालु हैं। उनकी आंखों में एक सूखी सी चमक है, और उनके पतले होंठों की दृढ़ता उनके सकारात्मक और शायद थोड़े कठोर स्वभाव को दर्शाती है। आप उन्हें एक दिलचस्प अध्ययन पाएंगे।

पहले दिन वह बास्करविले से मिलने आया, और अगली ही सुबह वह हम दोनों को उस जगह ले गया जहाँ दुष्ट ह्यूगो की कहानी की उत्पत्ति मानी जाती है। यह दलदली

भूमि से होते हुए कई मील का सफर था, एक ऐसी सुनसान जगह पर जो शायद कहानी की प्रेरणा रही हो। हमें ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों के बीच एक छोटी सी घाटी मिली जो एक खुले, घास के मैदान में खुलती थी, जहाँ सफेद कपास घास बिखरी हुई थी। उसके बीचोंबीच दो बड़े पत्थर खड़े थे, जो ऊपर से घिसकर नुकीले हो गए थे, मानो किसी भयानक जानवर के बड़े-बड़े जंग लगे दाँत हों। हर तरह से वह जगह उस पुरानी त्रासदी के दृश्य से मेल खाती थी। सर हेनरी को इसमें बहुत दिलचस्पी थी और उन्होंने स्टेपलटन से एक से अधिक बार पूछा कि क्या वह सचमुच मानते हैं कि अलौकिक शक्तियाँ मनुष्यों के मामलों में हस्तक्षेप कर सकती हैं। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में जवाब दिया, लेकिन यह स्पष्ट था कि वह बहुत गंभीर थे। स्टेपलटन ने अपने जवाबों में सावधानी बरती, लेकिन यह स्पष्ट था कि उन्होंने अपनी क्षमता से कम ही कहा और बैरोनेट की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपनी पूरी राय व्यक्त नहीं की। उन्होंने हमें ऐसे ही कुछ मामलों के बारे में बताया, जहाँ परिवार किसी बुरे प्रभाव से पीड़ित थे, और उन्होंने हमें यह आभास दिया कि वे इस मामले पर आम राय से सहमत थे।

वापस लौटते समय हमने मेरिपिट हाउस में दोपहर का भोजन किया, और वहीं सर हेनरी की मुलाकात मिस स्टेपलटन से हुई। उन्हें देखते ही वे उनकी ओर आकर्षित हो गए, और अगर यह भावना पारस्परिक न हो तो मैं गलत हूँ। घर लौटते समय उन्होंने बार-बार उनका ज़िक्र किया, और तब से शायद ही कोई दिन ऐसा बीता हो जब हमने भाई-बहन से मुलाकात न की हो। वे आज रात यहीं भोजन कर रहे हैं, और अगले सप्ताह हमारे उनके यहाँ जाने की भी चर्चा चल रही है। कोई भी कल्पना कर सकता है कि स्टेपलटन के लिए यह रिश्ता बहुत सुखद होगा, फिर भी मैंने कई बार उनके चेहरे पर घोर असहमति का भाव देखा है जब सर हेनरी उनकी बहन पर ध्यान देते हैं। वे उनसे बहुत प्रेम करते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं, और उनके बिना एकांत जीवन व्यतीत कर सकते हैं, लेकिन अगर वे इतने शानदार विवाह के रास्ते में बाधा बनें तो यह घोर स्वार्थ होगा। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वह नहीं चाहता कि उनकी नज़दीकी प्यार में बदल जाए, और मैंने कई बार देखा है कि उसने उन्हें अंतरंग होने से रोकने के लिए हर संभव कोशिश की है। वैसे, सर हेनरी को कभी भी अकेले बाहर न जाने देने के आपके निर्देश और भी कठिन हो जाएंगे अगर हमारी अन्य समस्याओं में एक प्रेम प्रसंग भी जुड़ जाए। अगर मैं आपके आदेशों का अक्षरशः पालन करूँगी तो मेरी लोकप्रियता जल्द ही कम हो जाएगी।

परसों—ठीक कहें तो गुरुवार को—डॉ. मोर्टिमर ने हमारे साथ दोपहर का भोजन किया। वे लॉन्ग डाउन में एक टीले की खुदाई कर रहे थे और उन्हें एक प्रागैतिहासिक खोपड़ी मिली है, जिससे वे बेहद खुश हैं। उनके जैसा समर्पित उत्साही व्यक्ति तो कोई और नहीं! बाद में स्टेपलटन परिवार आया और सर हेनरी के अनुरोध पर, डॉक्टर साहब हम सबको येव गली ले गए ताकि हमें ठीक से दिखा सकें कि उस भयानक रात को क्या हुआ था। येव गली एक लंबा, सुनसान रास्ता है, जो कटी हुई झाड़ियों की दो ऊँची दीवारों के बीच से होकर गुज़रता है, जिसके दोनों ओर घास की एक पतली पट्टी है। दूसरे छोर पर एक पुराना, जर्जर ग्रीष्मकालीन घर है। बीच में ही दलदली भूमि का द्वार है, जहाँ उस बुजुर्ग सज्जन ने अपनी सिगार की राख छोड़ी थी। यह कुंडी वाला एक सफेद लकड़ी का द्वार है। इसके आगे विशाल दलदली भूमि फैली हुई है। मुझे घटना के बारे में आपका सिद्धांत याद आया और मैंने जो कुछ हुआ था उसकी कल्पना करने की कोशिश की। जब बूढ़ा आदमी वहाँ खड़ा था, उसने दलदली ज़मीन से कुछ आते हुए देखा, कुछ ऐसा जिसने उसे इतना भयभीत कर दिया कि वह होश खो बैठा और तब तक भागता रहा जब तक कि वह घोर भय और थकावट से मर नहीं गया। वहाँ एक लंबी, अंधेरी सुरंग थी जिसमें वह भागा था। और किससे? दलदली ज़मीन के किसी भेड़-

कुत्ते से? या किसी प्रेतबाधित कुत्ते से, काले, मूक और भयानक से? क्या इस मामले में किसी इंसान का हाथ था? क्यों पीला पड़ा, सतर्क बैरीमोर जितना कहना चाहता था उससे कहीं ज़्यादा जानता था? सब कुछ धुंधला और अस्पष्ट था, लेकिन इसके पीछे हमेशा अपराध की काली छाया रहती है।

पिछली बार लिखने के बाद से मेरी मुलाकात एक और पड़ोसी से हुई है। ये हैं लाफ्टर हॉल के श्री फ्रैंकलेंड, जो हमसे लगभग चार मील दक्षिण में रहते हैं। वे एक बुजुर्ग, लाल चेहरे वाले, सफेद बालों वाले और चिड़चिड़े स्वभाव के व्यक्ति हैं। उन्हें ब्रिटिश कानून से बेहद लगाव है और उन्होंने मुकदमेबाजी में काफी पैसा खर्च किया है। वे सिर्फ लड़ने के आनंद के लिए लड़ते हैं और किसी भी मुद्दे पर दोनों पक्षों का साथ देने के लिए तैयार रहते हैं, इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उन्होंने इसे एक महंगा शौक बना लिया है। कभी-कभी वे किसी रास्ते को बंद कर देते हैं और उसे खोलने के लिए नगर पालिका को चुनौती देते हैं। कभी-कभी वे अपने हाथों से किसी दूसरे व्यक्ति का फाटक तोड़ देते हैं और घोषणा करते हैं कि वहां अनादि काल से एक रास्ता रहा है, और मालिक को अतिक्रमण के लिए उन पर मुकदमा चलाने की चुनौती देते हैं। वे पुराने जागीरदारी और सामुदायिक अधिकारों के ज्ञाता हैं और अपने ज्ञान का उपयोग कभी फर्नवर्थी गांव के लोगों के पक्ष में तो कभी उनके विरुद्ध करते हैं, इसलिए समय-समय पर या तो उन्हें विजय जुलूस के रूप में गांव की सड़कों पर ले जाया जाता है या फिर उनके नवीनतम कारनामे के अनुसार उनका पुतला जलाया जाता है। कहा जाता है कि इस समय उनके ऊपर लगभग सात मुकदमे चल रहे हैं, जो शायद उनकी बची-खुची संपत्ति को भी खत्म कर देंगे और इस तरह उनका सारा दम घुट जाएगा और भविष्य में उन पर कोई बोझ नहीं रहेगा। कानून से इतर वे एक दयालु और नेक इंसान लगते हैं, और मैं उनका ज़िक्र सिर्फ इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि आपने मुझसे हमारे आस-पास के लोगों का कुछ विवरण भेजने के लिए कहा था। वे आजकल एक अजीब काम में लगे हुए हैं, क्योंकि शौकिया खगोलशास्त्री होने के नाते उनके पास एक बेहतरीन दूरबीन है, जिससे वे अपने घर की छत पर लेटकर दिन भर मैदान को देखते रहते हैं, इस उम्मीद में कि शायद उन्हें भागे हुए कैदी की एक झलक मिल जाए। अगर वे अपनी ऊर्जा सिर्फ इसी काम में लगाएँ तो सब ठीक रहेगा, लेकिन अफवाहें हैं कि वे डॉ. मोर्टिमर पर मृतक के परिजनों की सहमति के बिना कब्र खोदने का मुकदमा करने वाले हैं, क्योंकि उन्होंने लॉन्ग डाउन के टीले में नवपाषाण काल की खोपड़ी खोदी थी। वे हमारे जीवन को नीरस होने से बचाते हैं और जहाँ ज़रूरत होती है वहाँ थोड़ी-बहुत हास्य-व्यंग्य भी करते हैं।

और अब, जब मैंने आपको फरार कैदी, स्टेपलटन परिवार, डॉ. मोर्टिमर और लाफ्टर हॉल के फ्रैंकलेंड के बारे में नवीनतम जानकारी दे दी है, तो आइए मैं सबसे महत्वपूर्ण बात के साथ अपनी बात समाप्त करूं और आपको बैरीमोर परिवार के बारे में, और विशेष रूप से पिछली रात के आश्चर्यजनक घटनाक्रम के बारे में और अधिक बताऊं।

सबसे पहले उस परीक्षण टेलीग्राम के बारे में, जो आपने लंदन से यह सुनिश्चित करने के लिए भेजा था कि बैरीमोर वास्तव में यहाँ है। मैं पहले ही स्पष्ट कर चुका हूँ कि पोस्टमास्टर की गवाही से पता चलता है कि परीक्षण व्यर्थ था और हमारे पास किसी भी तरह का कोई सबूत नहीं है। मैंने सर हेनरी को स्थिति के बारे में बताया, और उन्होंने तुरंत, अपने सीधे-सादे अंदाज़ में, बैरीमोर को बुलाया और उनसे पूछा कि क्या उन्हें स्वयं टेलीग्राम मिला था। बैरीमोर ने कहा कि उन्हें मिला था।

"क्या लड़के ने इसे आपके हाथों में सौंपा था?" सर हेनरी ने पूछा।

बैरीमोर हैरान दिखीं और कुछ देर तक सोचती रहीं।

“नहीं,” उन्होंने कहा, “मैं उस समय बॉक्स रूम में था, और मेरी पत्नी ने मुझे इसके बारे में बताया।”

"क्या आपने इसका जवाब खुद दिया?"

“नहीं; मैंने अपनी पत्नी को बताया कि उसे क्या जवाब देना है और वह उसे लिखने के लिए नीचे चली गई।”

शाम को उन्होंने स्वेच्छा से फिर से उसी विषय पर बात शुरू कर दी।

“श्री हेनरी, आज सुबह आपके प्रश्नों का उद्देश्य मुझे पूरी तरह समझ नहीं आया,” उन्होंने कहा। “मुझे उम्मीद है कि उनका मतलब यह नहीं है कि मैंने ऐसा कुछ किया है जिससे आपका विश्वास टूट गया हो?”

सर हेनरी को उन्हें आश्वस्त करना पड़ा कि ऐसा नहीं है और उन्हें शांत करने के लिए उन्हें अपने पुराने कपड़ों का एक बड़ा हिस्सा देना पड़ा, क्योंकि लंदन के सभी कपड़े अब आ चुके थे।

श्रीमती बैरीमोर में मेरी दिलचस्पी है। वह गंभीर, दृढ़ निश्चयी, संयमित, अत्यंत सम्मानित और रूढ़िवादी स्वभाव की महिला हैं। आप शायद ही इससे अधिक भावहीन व्यक्ति की कल्पना कर सकते हैं। फिर भी, मैंने आपको बताया है कि यहाँ आने की पहली रात मैंने उन्हें फूट-फूटकर रोते हुए सुना था, और तब से मैंने कई बार उनके चेहरे पर आँसुओं के निशान देखे हैं। कोई गहरा दुख उनके दिल को कुरेदता रहता है। कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि क्या उनके मन में कोई अपराधबोध की याद है जो उन्हें सताती है, और कभी-कभी मुझे बैरीमोर पर घरेलू तानाशाह होने का संदेह होता है। मुझे हमेशा से इस व्यक्ति के चरित्र में कुछ विचित्र और संदिग्ध लगता रहा है, लेकिन पिछली रात की घटना ने मेरे सभी संदेहों को पुख्ता कर दिया है।

और फिर भी यह अपने आप में एक छोटी सी बात लग सकती है। आप जानते हैं कि मुझे गहरी नींद नहीं आती, और जब से मैं इस घर में पहरा दे रहा हूँ, मेरी नींद पहले से भी हल्की हो गई है। कल रात, लगभग दो बजे, मेरे कमरे के पास से किसी के दबे कदमों की आहट से मेरी नींद खुल गई। मैं उठा, दरवाजा खोला और बाहर झाँका। गलियारे में एक लंबी काली परछाई चल रही थी। यह परछाई एक आदमी की थी जो हाथ में मोमबत्ती लिए धीरे-धीरे गलियारे से गुजर रहा था। उसने कमीज और पतलून पहनी हुई थी, पैरों में कुछ भी नहीं था। मैं केवल उसकी आकृति ही देख पाया, लेकिन उसकी लंबाई से मुझे पता चल गया कि वह बैरीमोर था। वह बहुत धीरे और सावधानी से चल रहा था, और उसके पूरे हावभाव में कुछ ऐसा था जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता, जो बेहद संदिग्ध और रहस्यमय था।

मैंने आपको बताया था कि गलियारे में एक बालकनी है जो हॉल के चारों ओर फैली हुई है, लेकिन दूसरी तरफ फिर से गलियारा शुरू हो जाता है। मैंने उसके नज़रों से ओझल होने तक इंतज़ार किया और फिर उसके पीछे गया। जब मैं बालकनी के पास पहुँचा तो वह दूसरे गलियारे के अंत तक पहुँच चुका था, और एक खुले दरवाजे से आती हल्की रोशनी से मुझे पता चला कि वह किसी कमरे में चला गया है। अब, ये सभी कमरे खाली और बिना फर्नीचर के हैं, इसलिए उसका यह सफ़र पहले से कहीं ज़्यादा रहस्यमय हो गया। रोशनी लगातार चमक रही थी मानो वह बिना हिले-डुले खड़ा हो। मैं जितना हो सके चुपचाप गलियारे से नीचे उतरा और दरवाज़े के कोने से झाँका।

बैरीमोर खिड़की पर मोमबत्ती को शीशे से सटाकर बैठा था। उसका चेहरा आधा मेरी तरफ मुड़ा हुआ था और दलदल के अंधेरे में टकटकी लगाए उसका चेहरा उम्मीद से सख्त लग रहा था। कुछ मिनटों तक वह ध्यान से देखता रहा। फिर उसने गहरी आह भरी और अधीरता से इशारा करते हुए बत्ती बुझा दी। मैं तुरंत अपने कमरे में वापस चला गया और थोड़ी देर बाद ही मुझे फिर से उनके दबे कदमों की आहट सुनाई दी।

काफ़ी देर बाद जब मुझे हल्की नींद आ गई तो मैंने कहीं ताले में चाबी घूमने की आवाज़ सुनी, लेकिन मैं यह नहीं बता सका कि आवाज कहां से आई। इसका क्या मतलब है, मैं अंदाजा नहीं लगा सकता, लेकिन इस अंधेरे घर में कोई गुप्त काम चल रहा है जिसका पता हमें देर-सवेर जरूर चलेगा। मैं आपको अपने सिद्धांतों से परेशान नहीं करना चाहता, क्योंकि आपने मुझसे केवल तथ्य बताने को कहा था। आज सुबह मेरी सर हेनरी से लंबी बातचीत हुई और हमने पिछली रात के मेरे अवलोकन के आधार पर एक अभियान योजना बनाई है। मैं अभी इसके बारे में बात नहीं करूंगा, लेकिन इससे मेरी अगली रिपोर्ट दिलचस्प बनेगी।

डॉ. वॉटसन की दूसरी रिपोर्ट

दलदल पर प्रकाश

बास्केरविले हॉल, 15 अक्टूबर।

मेरे प्रिय होम्स, — यदि मिशन के शुरुआती दिनों में मैं आपको ज़्यादा खबरें न दे पाऊं, तो आप समझ लीजिए कि मैं बीते समय की भरपाई कर रहा हूं, और अब घटनाएं तेज़ी से घट रही हैं। अपनी पिछली रिपोर्ट में मैंने बैरीमोर के साथ खिड़की पर हुई बातचीत का ज़ोरदार अंत किया था, और अब मेरे पास एक अच्छा-खासा बजट तैयार है, जो अगर मैं गलत नहीं हूं तो आपको काफ़ी हैरान कर देगा। हालात ने ऐसा मोड़ ले लिया है जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। पिछले अड़तालीस घंटों में कुछ बातें ज़्यादा स्पष्ट हो गई हैं और कुछ बातें ज़्यादा जटिल हो गई हैं। लेकिन मैं आपको सब कुछ बताऊंगा और आप खुद फैसला कर लीजिएगा।

अपने उस साहसिक कारनामे के बाद अगली सुबह नाश्ते से पहले मैं गलियारे में गया और उस कमरे का मुआयना किया जिसमें बैरीमोर पिछली रात था। मैंने देखा कि जिस पश्चिमी खिड़की से वह इतनी ध्यान से देख रहा था, उसमें घर की बाकी सभी खिड़कियों से एक खास बात थी - उससे दलदली भूमि का सबसे नज़दीकी नज़ारा दिखता था। दो पेड़ों के बीच एक खुला स्थान था जिससे इस जगह से सीधे नीचे दलदली भूमि को देखा जा सकता था, जबकि बाकी सभी खिड़कियों से केवल दूर से ही उसकी झलक मिलती थी। इसलिए, यह स्पष्ट है कि बैरीमोर, चूंकि केवल यही खिड़की उसके काम आ सकती थी, दलदली भूमि पर किसी चीज़ या किसी व्यक्ति की तलाश कर रहा होगा। रात बहुत अंधेरी थी, इसीलिए मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि वह किसी को देखने की उम्मीद कैसे कर सकता था। मुझे लगा कि शायद कोई प्रेम प्रसंग चल रहा हो। इससे उसकी दबी-दबी हरकतों और उसकी पत्नी की बेचैनी का कारण समझ में आ जाता। वह दिखने में आकर्षक था, किसी देहाती लड़की का दिल जीतने में माहिर था, इसलिए इस सिद्धांत में कुछ सच्चाई लग रही थी। कमरे में लौटने के बाद मैंने जो दरवाजा खुलने की आवाज सुनी, उसका मतलब यह हो सकता है कि वह किसी गुप्त मुलाकात के लिए बाहर गया हो। सुबह मैंने खुद से यही तर्क किया, और मैं आपको अपने संदेह की दिशा बता रहा हूं, भले ही परिणाम ने साबित कर दिया हो कि वे निराधार थे।

लेकिन बैरीमोर की गतिविधियों का असली कारण जो भी हो, मुझे लगा कि जब तक मैं उन्हें समझा न सकूं, तब तक उन्हें अपने तक सीमित रखना मेरे लिए असहनीय होगा। नाश्ते के बाद मैंने बैरोनेट से उनके अध्ययन कक्ष में मुलाकात की और उन्हें वह सब कुछ बताया जो मैंने देखा था। वे मेरी उम्मीद से कम आश्चर्यचकित हुए।

उन्होंने कहा, "मुझे पता था कि बैरीमोर रात में बाहर घूमते हैं, और मैं उनसे इस बारे में बात करना चाहता था। मैंने दो-तीन बार गलियारे में उनके कदमों की आहट सुनी है, लगभग उसी समय जब आप बता रहे हैं।"

"शायद तब वह हर रात उस खास खिड़की पर जाता होगा," मैंने सुझाव दिया।

"शायद वो ऐसा करता हो। अगर ऐसा है, तो हम उसका पीछा कर सकते हैं और देख सकते हैं कि वो क्या चाहता है। मुझे आश्चर्य है कि अगर तुम्हारा दोस्त होम्स यहाँ होता तो क्या करता।"

मैंने कहा, "मुझे लगता है कि वह ठीक वही करेगा जो आप अभी सुझाव दे रहे हैं। वह बैरीमोर का अनुसरण करेगा और देखेगा कि उसने क्या किया।"

"तो हम इसे साथ मिलकर करेंगे।"

लेकिन वह हमारी बात जरूर सुनेगा।

“वह आदमी थोड़ा बहरा है, और वैसे भी हमें इस बात का जोखिम उठाना ही होगा। हम आज रात मेरे कमरे में जागेंगे और उसके गुजरने का इंतजार करेंगे।” सर हेनरी ने खुशी से अपने हाथ मले, और यह स्पष्ट था कि वह इस साहसिक कार्य को अपने कुछ हद तक शांत जीवन में एक राहत के रूप में देख रहे थे।

बैरोनेट सर चार्ल्स के लिए योजनाएँ तैयार करने वाले वास्तुकार और लंदन के एक ठेकेदार के संपर्क में हैं, इसलिए हम यहाँ जल्द ही बड़े बदलावों की उम्मीद कर सकते हैं। प्लायमाउथ से सज्जाकार और फर्नीचर विक्रेता आए हैं, और यह स्पष्ट है कि हमारे मित्र के बड़े-बड़े सपने हैं और वे अपने परिवार की शान को बहाल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। जब घर का नवीनीकरण और साज-सज्जा हो जाएगी, तो उन्हें बस एक पत्नी की ज़रूरत होगी जो इसे पूरा कर देगी। हम दोनों के बीच इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि अगर महिला तैयार हो तो यह कमी नहीं रहेगी, क्योंकि मैंने शायद ही किसी पुरुष को किसी महिला के प्रति इतना आसक्त देखा हो जितना कि वह हमारी खूबसूरत पड़ोसी, मिस स्टेपलटन के प्रति हैं। फिर भी, सच्चे प्यार का रास्ता उतना आसान नहीं होता जितना कि परिस्थितियों को देखते हुए कोई उम्मीद करता है। उदाहरण के लिए, आज इसके रास्ते में एक अप्रत्याशित हलचल आ गई है, जिससे हमारे मित्र को काफी उलझन और परेशानी हुई है।

मैंने बैरीमोर के बारे में जिस बातचीत का जिक्र किया है, उसके बाद सर हेनरी ने अपनी टोपी पहनी और बाहर जाने की तैयारी करने लगे। स्वाभाविक रूप से मैंने भी ऐसा ही किया।

"क्या, तुम आ रहे हो, वॉटसन?" उसने उत्सुकता भरी नजरों से मेरी ओर देखते हुए पूछा।

“यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बंजर भूमि पर जा रहे हैं या नहीं,” मैंने कहा।

"हाँ मैं हूँ।"

"खैर, आपको मेरे निर्देश तो पता ही हैं। मुझे दखल देने के लिए खेद है, लेकिन आपने सुना ही होगा कि होम्स ने कितनी गंभीरता से आग्रह किया था कि मैं आपको छोड़कर न जाऊं, और विशेष रूप से आप अकेले दलदली भूमि पर न जाएं।"

सर हेनरी ने मुस्कुराते हुए अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा।

“मेरे प्रिय मित्र,” उसने कहा, “होम्स, अपनी सारी बुद्धिमत्ता के बावजूद, उन कुछ घटनाओं का अनुमान नहीं लगा सका जो मेरे दलदल में जाने के बाद घटित हुई हैं। क्या तुम मुझे समझ रहे हो? मुझे यकीन है कि तुम दुनिया के आखिरी व्यक्ति हो जो मज़ा किरकिरा करना चाहेगा। मुझे अकेले ही जाना होगा।”

इससे मैं बेहद असहज स्थिति में फँस गया। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ या क्या करूँ, और इससे पहले कि मैं कोई फैसला ले पाता, उसने अपनी छड़ी उठाई और चला गया।

लेकिन जब मैंने इस मामले पर विचार किया, तो मेरे अंतरात्मा ने मुझे बुरी तरह से धिक्कारा कि मैंने किसी भी बहाने से उसे अपनी नज़रों से ओझल होने दिया। मैंने कल्पना की कि अगर मुझे आपके पास लौटकर यह स्वीकार करना पड़े कि आपके निर्देशों की अवहेलना के कारण कोई दुर्भाग्य हुआ है, तो मेरी भावनाएँ कैसी होंगी। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यह सोचकर ही मेरे गाल लाल हो गए। शायद अभी भी उसे पकड़ने में देर न हुई हो, इसलिए मैं तुरंत मेरिपिट हाउस की दिशा में चल पड़ा।

सर हेनरी का कोई अता-पता न होने पर मैं पूरी तेज़ी से सड़क पर दौड़ता रहा, जब तक कि मैं उस जगह पर नहीं पहुँच गया जहाँ से दलदली रास्ता दो भागों में बंटता है। वहाँ, मुझे लगा कि शायद मैं गलत दिशा में आ गया हूँ, इसलिए मैं एक पहाड़ी पर चढ़ गया जहाँ से मुझे सब कुछ साफ़ दिखाई दे रहा था—वही पहाड़ी जो अंधेरी खदान में बनी हुई है। वहीं से मैंने उन्हें तुरंत देख लिया। वे दलदली रास्ते पर, लगभग एक चौथाई मील दूर थे, और उनके साथ एक महिला थी जो मिस स्टेपलटन ही हो सकती थी। यह स्पष्ट था कि उनके बीच पहले से ही कोई समझौता था और वे पहले से तय समय पर मिले थे। वे गहरी बातचीत करते हुए धीरे-धीरे चल रहे थे, और मैंने देखा कि वह महिला अपने हाथों को तेज़ी से हिला रही थी, मानो वह अपनी बात को लेकर बहुत गंभीर हो, जबकि वे ध्यान से सुन रहे थे, और एक-दो बार असहमति में अपना सिर हिला रहे थे। मैं चट्टानों के बीच खड़ा होकर उन्हें देखता रहा, और बहुत उलझन में था कि अब मुझे क्या करना चाहिए। उनका पीछा करना और उनकी अंतरंग बातचीत में दखल देना एक तरह का अपराध लग रहा था, फिर भी मेरा स्पष्ट कर्तव्य था कि एक पल के लिए भी उन्हें मेरी नज़रों से ओझल न होने दूँ। किसी मित्र की जासूसी करना एक घृणित कार्य था। फिर भी, मुझे पहाड़ी से उस पर नज़र रखने और बाद में उसे अपने किए का इक़रार करके अपना अंतरात्मा शांत करने के अलावा कोई और रास्ता नज़र नहीं आया। यह सच है कि अगर उसे कोई अचानक खतरा होता तो मैं इतनी दूर होता कि उसकी मदद नहीं कर पाता, फिर भी मुझे पूरा विश्वास है कि आप मुझसे सहमत होंगे कि स्थिति बहुत कठिन थी और मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कर सकता था।

हमारे मित्र सर हेनरी और वह महिला रास्ते में रुक गए थे और अपनी बातचीत में मग्न खड़े थे, तभी अचानक मुझे एहसास हुआ कि मैं उनकी बातचीत का अकेला गवाह नहीं था। हवा में तैरता हुआ हरा रंग का एक छोटा सा टुकड़ा मेरी नज़र में आया, और दूसरी नज़र में मैंने देखा कि उसे एक आदमी छड़ी पर लिए हुए था जो उबड़-खाबड़ ज़मीन पर चल रहा था। वह स्टेपलटन था, अपने तितली पकड़ने वाले जाल के साथ। वह मुझसे कहीं ज़्यादा उनके करीब था, और ऐसा लग रहा था कि वह उनकी ओर बढ़ रहा है। उसी क्षण सर हेनरी ने मिस स्टेपलटन को अपनी ओर खींच लिया। उनका हाथ उनके कंधे पर था, लेकिन मुझे लगा कि वह अपना चेहरा दूसरी ओर करके उनसे दूर हटने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने अपना सिर उनके सिर के पास झुकाया, और उन्होंने विरोध में एक हाथ उठाया। अगले ही पल मैंने देखा कि वे अचानक अलग हो गए और तेज़ी से मुड़ गए। स्टेपलटन ही इस रुकावट का कारण था। वह बेतहाशा उनकी ओर दौड़ रहा था, उसका बेतुका जाल उसके पीछे लटक रहा था। वह इशारे कर रहा था और प्रेमियों के सामने उत्साह से लगभग नाच रहा था। उस दृश्य का क्या अर्थ था, यह मैं समझ नहीं पा रहा था, लेकिन मुझे ऐसा लगा कि स्टेपलटन सर हेनरी को गालियाँ दे रहा था। सर हेनरी ने स्पष्टीकरण देने की कोशिश की, लेकिन जब दूसरे ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया तो उसका गुस्सा और बढ़ गया। महिला अभिमानी भाव

से चुपचाप खड़ी रही। अंत में स्टेपलटन मुड़ा और अपनी बहन को आदेशात्मक ढंग से इशारा किया। बहन ने सर हेनरी की ओर एक अनिश्चित नज़र डाली और अपने भाई के साथ चली गई। प्रकृतिवादी के गुस्से भरे हाव-भाव से पता चलता था कि महिला भी उसकी नाराज़गी में शामिल थी। बैरोनेट एक मिनट तक उन्हें देखता रहा, फिर धीरे-धीरे उसी रास्ते से वापस चला गया, उसका सिर झुका हुआ था, मानो वह पूरी तरह से निराश हो।

इन सब बातों का क्या मतलब था, यह मैं समझ नहीं पा रहा था, लेकिन अपने दोस्त की जानकारी के बिना इतना अंतरंग दृश्य देखने पर मुझे बहुत शर्मिंदगी हुई। इसलिए मैं पहाड़ी से नीचे भागा और नीचे बैरोनेट से मिला। उनका चेहरा गुस्से से लाल था और उनकी भौंहें सिकुड़ी हुई थीं, मानो कोई समझ न पा रहा हो कि क्या करे।

"अरे, वाटसन! तुम कहाँ से आ गिरे?" उसने कहा। "कहीं ऐसा तो नहीं कि तुम सब कुछ के बावजूद मेरे पीछे पड़े हो?"

मैंने उसे सब कुछ समझाया: मेरे लिए पीछे रहना असंभव क्यों हो गया था, मैं उसके पीछे क्यों गया था, और मैंने जो कुछ भी हुआ था, वह सब कैसे देखा था। एक पल के लिए उसकी आँखें गुस्से से लाल हो गईं, लेकिन मेरी स्पष्टवादिता ने उसके क्रोध को शांत कर दिया, और अंत में वह थोड़ी उदास हंसी हंस पड़ा।

"तुमने सोचा होगा कि उस मैदान का मध्य भाग किसी व्यक्ति के लिए एकांत में रहने के लिए काफी सुरक्षित जगह होगी," उसने कहा, "लेकिन, हे भगवान, ऐसा लगता है कि पूरा इलाका मुझे प्रेम निवेदन करते देखने के लिए उमड़ पड़ा था — और वह भी बहुत ही घटिया प्रेम निवेदन! तुमने बैठने के लिए जगह कहाँ बुक की थी?"

मैं उस पहाड़ी पर था।

"बिल्कुल पीछे वाली पंक्ति में थी, है ना? लेकिन उसका भाई तो बिल्कुल आगे वाली पंक्ति में था। क्या तुमने उसे हमारे सामने आते देखा?"

"हाँ मैंने किया।"

"क्या आपको कभी उसका यह भाई पागल लगा?"

मैं यह नहीं कह सकता कि उसने कभी ऐसा किया था।

"मुझे तो लगता है कि नहीं। आज तक तो मैं उसे समझदार ही समझता था, लेकिन यकीन मानिए, या तो उसे या मुझे पागलखाने में डाल देना चाहिए। आखिर मुझे क्या हो गया है? वाटसन, तुम कुछ हफ़्तों से मेरे पास ही रह रहे हो। अब साफ़-साफ़ बताओ! क्या ऐसी कोई बात है जो मुझे अपनी प्रेमिका का अच्छा पति बनने से रोक सकती है?"

मुझे लगता है कि नहीं।

"वह मेरी दुनियावी हैसियत पर आपत्ति नहीं कर सकता, इसलिए ज़रूर उसे मुझसे ही परेशानी है। उसे मुझसे क्या दिक्कत है? जहाँ तक मुझे याद है, मैंने अपनी ज़िंदगी में कभी किसी पुरुष या स्त्री को चोट नहीं पहुँचाई। फिर भी वह मुझे उसकी उंगलियों के सिरों को छूने तक नहीं देता।"

"क्या उसने ऐसा कहा था?"

"यह सब और भी बहुत कुछ। मैं तुम्हें बताता हूँ, वॉटसन, मैं उसे बस कुछ हफ़्तों से जानता हूँ, लेकिन पहली ही मुलाक़ात में मुझे लगा कि वह मेरे लिए ही बनी है, और वह भी—जब वह मेरे साथ होती थी तो खुश रहती थी, और मैं कसम खा सकता हूँ। एक औरत की आँखों में एक ऐसी चमक होती है जो शब्दों से कहीं ज़्यादा बोलती है। लेकिन उसने हमें कभी मिलने नहीं दिया, और आज ही पहली बार मुझे उससे अकेले में कुछ बात करने का मौका मिला। वह मुझसे मिलकर खुश थी, लेकिन जब उसने बात की तो उसने प्यार की बात नहीं की, और अगर वह रोक सकती तो मुझे भी इस बारे में बात नहीं करने देती। वह बार-बार यही कह रही थी कि यह एक खतरनाक जगह है, और

जब तक मैं इसे छोड़कर नहीं चला जाता, तब तक वह कभी खुश नहीं होगा। मैंने उससे कहा कि जब से मैंने उसे देखा है, मुझे इसे छोड़ने की कोई जल्दी नहीं है, और अगर वह सच में चाहती है कि मैं जाऊं, तो इसका एकमात्र तरीका यह है कि वह मेरे साथ जाने का इंतज़ाम करे। इतना कहकर मैंने उसे शादी का प्रस्ताव दिया, लेकिन इससे पहले कि वह जवाब दे पाती, तभी उसका भाई नीचे आ गया।" उसका भाई, पागलों की तरह हम पर झपट पड़ा। वह गुस्से से बिल्कुल सफेद पड़ गया था, और उसकी नीली आँखें क्रोध से धधक रही थीं। मैं उस महिला के साथ क्या कर रहा था? मेरी हिम्मत कैसे हुई उसे ऐसी बातें कहने की जो उसे नापसंद थीं? क्या मुझे लगा कि बैरोनेट होने के नाते मैं जो चाहूं कर सकता हूं? अगर वह उसका भाई न होता तो मुझे बेहतर जवाब देना आता। लेकिन मैंने उससे कहा कि उसकी बहन के प्रति मेरी भावनाएँ ऐसी हैं जिन पर मुझे शर्म नहीं है, और मुझे उम्मीद है कि वह मेरी पत्नी बनकर मुझे सम्मान देगी। इससे मामला और बिगड़ गया, तो मुझे भी गुस्सा आ गया, और मैंने उसे शायद ज़रूरत से ज़्यादा गुस्से में जवाब दिया, यह देखते हुए कि वह वहीं खड़ी थी। जैसा कि आपने देखा, बात यहीं खत्म हुई कि वह उसे लेकर चला गया, और मैं इस काउंटी में बाकी सब लोगों की तरह बुरी तरह उलझन में हूं। बस मुझे बताओ कि इसका क्या मतलब है, वॉटसन, और मैं तुम्हारा इतना एहसानमंद रहूँगा जितना मैं कभी चुकाने की उम्मीद भी नहीं कर सकता।

मैंने एक-दो स्पष्टीकरण देने की कोशिश की, लेकिन सच कहूँ तो मैं खुद पूरी तरह से उलझन में था। हमारे मित्र का रुतबा, उनकी दौलत, उनकी उम्र, उनका चरित्र और उनका रूप-रंग, सब कुछ उनके पक्ष में था, और मुझे उनके खिलाफ़ इस बात के अलावा कुछ भी पता नहीं था कि यह उनके परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही बुरी किस्मत है। यह बहुत ही आश्चर्यजनक था कि उनके प्रस्ताव को महिला की इच्छाओं का ज़िक्र किए बिना इतनी बेरुखी से ठुकरा दिया गया, और महिला ने बिना किसी विरोध के इस स्थिति को स्वीकार कर लिया। हालाँकि, उसी दोपहर स्टेपलटन के आने से हमारी शंकाएँ दूर हो गईं। वे सुबह की अपनी बदतमीज़ी के लिए माफ़ी माँगने आए थे, और सर हेनरी के साथ उनके अध्ययन कक्ष में लंबी निजी बातचीत के बाद, उनकी बातचीत का निष्कर्ष यह निकला कि मनमुटाव पूरी तरह से सुलझ गया है, और इसके प्रतीक के रूप में हम अगले शुक्रवार को मेरिपिट हाउस में भोजन करेंगे।

"मैं अब यह नहीं कह रहा कि वह पागल आदमी नहीं है," सर हेनरी ने कहा; "आज सुबह जब वह मेरी ओर दौड़ा तो उसकी आँखों में जो भाव थे, उन्हें मैं भूल नहीं सकता, लेकिन मुझे यह मानना पड़ेगा कि उससे बेहतर माफ़ी कोई नहीं माँग सकता था।"

क्या उन्होंने अपने आचरण के बारे में कोई स्पष्टीकरण दिया?

"उसके जीवन में उसकी बहन ही सब कुछ है," वह कहता है। यह स्वाभाविक है, और मुझे खुशी है कि वह उसका महत्व समझता है। वे हमेशा साथ रहे हैं, और उसके अनुसार, उसके साथ एकमात्र साथी होने के कारण वह बहुत अकेला महसूस करता था, इसलिए उसे खोने का विचार उसके लिए सचमुच भयानक था। उसने कहा कि उसे यह समझ नहीं आया था कि मैं उससे जुड़ रहा हूँ, लेकिन जब उसने अपनी आँखों से देखा कि ऐसा ही है, और वह उससे दूर जा सकती है, तो उसे इतना गहरा सदमा लगा कि कुछ समय के लिए वह अपने कहे और किए पर नियंत्रण खो बैठा। उसे बीते हुए सभी पलों का बहुत अफसोस था, और उसने महसूस किया कि यह सोचना कितना मूर्खतापूर्ण और स्वार्थी था कि वह अपनी बहन जैसी खूबसूरत महिला को जीवन भर अपने पास रख सकता है। अगर उसे उसे छोड़ना ही था, तो वह किसी और के बजाय मुझ जैसे पड़ोसी के पास जाना पसंद करता। लेकिन किसी भी हालत में यह उसके लिए एक बड़ा झटका था, और इससे उबरने में उसे कुछ समय लगेगा। अगर मैं तीन महीने

के लिए इस मामले को शांत करने और अपने जीवन को संवारने में संतुष्ट रहने का वादा करूं, तो वह अपनी ओर से सभी विरोध वापस ले लेगा। उस दौरान मैंने उस महिला से दोस्ती तो की, लेकिन उससे प्यार का दावा नहीं किया। मैंने यह वादा किया था, और बात यहीं खत्म होती है।

तो हमारे छोटे रहस्यों में से एक सुलझ गया। इस दलदल में कहीं न कहीं तो हम फँसे हुए हैं, लेकिन फिर भी हमने सच्चाई का पता लगा लिया है। अब हमें पता चल गया है कि स्टेपलटन अपनी बहन के प्रेमी को नापसंद क्यों करता था—भले ही वह प्रेमी सर हेनरी जैसा योग्य था। अब मैं उस दूसरे रहस्य की ओर बढ़ता हूँ जिसे मैंने उलझे हुए जाल से निकाला है—रात में सिसकियों का रहस्य, श्रीमती बैरीमोर के आँसुओं से भीगे चेहरे का रहस्य, और बटलर की पश्चिमी जालीदार खिड़की तक की गुप्त यात्रा का रहस्य। मुझे बधाई दीजिए, मेरे प्रिय होम्स, और मुझे बताइए कि मैंने एक एजेंट के रूप में आपको निराश नहीं किया—कि आपको मुझ पर दिखाए गए भरोसे का पछतावा नहीं है जब आपने मुझे भेजा था। ये सभी बातें एक रात के काम से पूरी तरह सुलझ गई हैं।

मैंने कहा "एक रात की मेहनत से", लेकिन सच तो यह है कि दो रातों की मेहनत लगी, क्योंकि पहली रात तो हमें कुछ भी हाथ नहीं लगा। मैं सर हेनरी के साथ उनके कमरे में सुबह लगभग तीन बजे तक जागता रहा, लेकिन सीढ़ियों पर लगी घड़ी की आवाज़ के अलावा हमें किसी भी तरह की कोई आवाज़ सुनाई नहीं दी। वह एक बेहद उदास रात थी, और हम दोनों अपनी-अपनी कुर्सियों पर सो गए। सौभाग्य से हम निराश नहीं हुए, और हमने फिर से कोशिश करने का निश्चय किया। अगली रात हमने दीपक धीमा कर दिया, और बिना कोई आवाज़ किए सिगरेट पीते रहे। यह अविश्वसनीय था कि घंटे कितनी धीमी गति से बीत रहे थे, फिर भी हमें उसी धैर्य और रुचि से सहारा मिला, जो एक शिकारी को उस जाल को देखते समय महसूस होती है जिसमें वह उम्मीद करता है कि उसका शिकार आ जाएगा। एक बत्ती बजी, फिर दो बजी, और हम लगभग दूसरी बार निराशा में हार मान चुके थे, तभी अचानक हम दोनों अपनी कुर्सियों पर सीधे बैठ गए, और हमारी थकी हुई इंद्रियाँ एक बार फिर पूरी तरह सतर्क हो गईं। हमने गलियारे में एक सीढ़ी की चरमराहट सुनी थी।

बहुत दबे पांव हम उसे गुजरते हुए सुनते रहे, जब तक कि वह दूर जाकर मंद नहीं हो गया। फिर बैरोनेट ने धीरे से अपना दरवाजा खोला और हम उसका पीछा करने निकल पड़े। हमारा आदमी पहले ही गैलरी के चारों ओर घूम चुका था, और गलियारा पूरी तरह अंधेरा था। हम दबे पांव चलते रहे जब तक कि हम दूसरे विंग में नहीं आ गए। हम ठीक समय पर उस लंबे, काली दाढ़ी वाले व्यक्ति की एक झलक देख पाए, जिसके कंधे झुके हुए थे, जैसे ही वह दबे पांव गलियारे से नीचे आया। फिर वह उसी दरवाजे से गुजरा जिससे वह पहले गुजरा था, और मोमबत्ती की रोशनी ने अंधेरे में उसे रोशन कर दिया और गलियारे के अंधकार में एक पीली किरण बिखेर दी। हम सावधानी से उसकी ओर बढ़े, हर तख्ते को परखते हुए, इससे पहले कि हम अपना पूरा वज़न उस पर डालने की हिम्मत करें। हमने एहतियात के तौर पर अपने जूते पीछे छोड़ दिए थे, लेकिन फिर भी, पुराने तख्ते हमारे कदमों के नीचे चटक गए और चरमरा गए। कभी-कभी ऐसा लगता था कि यह असंभव है कि वह हमारी आहट न सुन पाए। हालांकि, सौभाग्य से वह आदमी थोड़ा बहरा था, और वह पूरी तरह से अपने काम में मग्न था। जब आखिरकार हम दरवाजे तक पहुंचे और अंदर झाँका तो हमने उसे खिड़की पर दुबका हुआ पाया, हाथ में मोमबत्ती लिए, उसका सफेद, गंभीर चेहरा शीशे से सटा हुआ था, ठीक वैसे ही जैसे मैंने उसे दो रात पहले देखा था।

हमने कोई अभियान योजना नहीं बनाई थी, लेकिन बैरोनेट एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनके लिए सबसे सीधा रास्ता हमेशा सबसे स्वाभाविक होता है। वे कमरे में दाखिल हुए, और जैसे ही वे अंदर आए, बैरीमोर खिड़की से एक तेज़ सांस छोड़ते हुए उछल पड़े और हमारे सामने गुस्से से लाल और काँपते हुए खड़े हो गए। उनके चेहरे के सफेद मुखौटे से झाँकती उनकी काली आँखें भय और आश्चर्य से भरी हुई थीं, जब उन्होंने सर हेनरी से मेरी ओर देखा।

“बैरीमोर, तुम यहाँ क्या कर रहे हो?”

“कुछ नहीं, महोदय।” उनकी घबराहट इतनी तीव्र थी कि वे मुश्किल से बोल पा रहे थे, और उनकी मोमबत्ती के हिलने से परछाइयाँ इधर-उधर उछल रही थीं। “खिड़की की वजह से ऐसा हो रहा था, महोदय। मैं रात में जाकर देखता हूं कि खिड़कियाँ ठीक से बंद हैं या नहीं।”

“दूसरी मंजिल पर?”

"जी हां, महोदय, सभी खिड़कियां।"

“देखो बैरीमोर,” सर हेनरी ने सख्ती से कहा; “हमने तुमसे सच उगलवाने का फैसला कर लिया है, इसलिए इसे अभी बता देना तुम्हारे लिए बेहतर होगा। चलो, अब! झूठ नहीं! तुम उस खिड़की पर क्या कर रहे थे?”

वह व्यक्ति असहाय भाव से हमारी ओर देखने लगा और उसने अपने हाथों को ऐसे रगड़ा जैसे वह संदेह और दुख की अंतिम सीमा में हो।

“मैं कोई नुकसान नहीं पहुंचा रहा था, महोदय। मैं खिड़की पर मोमबत्ती ताने खड़ा था।”

और तुम खिड़की पर मोमबत्ती क्यों लगाए खड़े थे?

“मुझसे मत पूछिए, श्रीमान् हेनरी—मुझसे मत पूछिए! मैं आपको वचन देता हूँ, श्रीमान्, कि यह मेरा रहस्य नहीं है, और मैं इसे किसी को नहीं बता सकता। अगर यह सिर्फ मुझसे संबंधित होता, तो मैं इसे आपसे छिपाने की कोशिश भी नहीं करता।”

अचानक मेरे मन में एक विचार आया, और मैंने कांपते हुए बटलर के हाथ से मोमबत्ती ले ली।

“वह इसे संकेत के रूप में पकड़े हुए होगा,” मैंने कहा। “देखते हैं कोई जवाब मिलता है या नहीं।” मैंने भी उसे उसी तरह पकड़े रखा और रात के अंधेरे में बाहर देखने लगा। बादलों के पीछे चंद्रमा होने के कारण मुझे पेड़ों की काली कतार और मैदान का हल्का विस्तार धुंधला सा दिखाई दे रहा था। और फिर मैं खुशी से चिल्ला उठा, क्योंकि पीले प्रकाश का एक छोटा सा बिंदु अचानक अंधेरे पर्दे को भेदकर खिड़की से बने काले वर्ग के बीचोंबीच स्थिर रूप से चमकने लगा।

“ये रहा!” मैंने चिल्लाकर कहा।

“नहीं, नहीं महोदय, ऐसा कुछ नहीं है—बिल्कुल कुछ नहीं!” बटलर ने बीच में ही टोकते हुए कहा; “मैं आपको आश्वस्त करता हूं, महोदय—”

“वॉटसन, अपनी बत्ती खिड़की के उस पार घुमाओ!” बैरोनेट चिल्लाया। “देखो, दूसरी भी हिल रही है! अब, बदमाश, क्या तुम इनकार करते हो कि यह एक संकेत है? बोलो! तुम्हारा वह साथी कौन है और यह कौन सी साजिश चल रही है?”

उस व्यक्ति के चेहरे पर स्पष्ट रूप से चुनौती का भाव उभर आया।

“यह मेरा निजी मामला है, तुम्हारा नहीं। मैं किसी को नहीं बताऊंगा।”

"तो फिर आप तुरंत मेरी नौकरी छोड़ दें।"

"बहुत अच्छा, महोदय। अगर ज़रूरी हुआ तो ठीक है।"

“और तुम अपमानित होकर जाओगे। कसम से, तुम्हें अपने आप पर शर्म आनी चाहिए। तुम्हारा परिवार सौ साल से भी अधिक समय से मेरे परिवार के साथ इस छत के

नीचे रहता आया है, और यहाँ मैं तुम्हें मेरे खिलाफ किसी गहरी साजिश में लिप्त पाता हूँ।”

“नहीं, नहीं, महोदय; नहीं, आपके खिलाफ नहीं!” यह एक महिला की आवाज़ थी, और श्रीमती बैरीमोर, अपने पति से भी अधिक पीली और भयभीत होकर, दरवाज़े पर खड़ी थीं। शॉल और स्कर्ट में लिपटी उनकी भारी-भरकम आकृति उनके चेहरे पर भावों की तीव्रता को देखते हुए हास्यास्पद लग सकती थी।

“हमें जाना होगा, एलिज़ा। यह सब यहीं खत्म होता है। तुम हमारा सामान पैक कर सकती हो,” बटलर ने कहा।

“ओह, जॉन, जॉन, क्या मैंने तुम्हें इस स्थिति में पहुँचाया है? यह सब मेरी वजह से हुआ है, सर हेनरी—पूरी तरह से मेरी वजह से। उसने मेरे लिए और मेरे कहने पर ही यह सब किया है।”

“तो फिर खुलकर बोलो! इसका क्या मतलब है?”

“मेरा अभागा भाई मैदान में भूख से मर रहा है। हम उसे अपने द्वार पर मरने नहीं दे सकते। यह प्रकाश उसके लिए एक संकेत है कि भोजन उसके लिए तैयार है, और दूर जाता हुआ प्रकाश उसे वह स्थान दिखाता है जहाँ उसे भोजन लाना है।”

“तो तुम्हारा भाई है—”

“फरार कैदी, महोदय – सेल्डन, अपराधी।”

“यही सच है, महोदय,” बैरीमोर ने कहा। “मैंने कहा था कि यह मेरा रहस्य नहीं है और मैं इसे आपको नहीं बता सकती। लेकिन अब आपने इसे सुन लिया है, और आप देखेंगे कि अगर कोई साजिश थी भी तो वह आपके खिलाफ नहीं थी।”

तो यही रात के गुप्त अभियानों और खिड़की पर दिखने वाली रोशनी का स्पष्टीकरण था। सर हेनरी और मैं दोनों उस महिला को हैरानी से देखते रह गए। क्या यह संभव था कि यह अत्यंत सम्मानित महिला देश के सबसे कुख्यात अपराधियों में से एक के ही वंश की हो?

जी हाँ, महोदय, मेरा नाम सेल्डन था, और यह मेरा छोटा भाई है। जब वह छोटा था, तब हमने उसे बहुत ज़्यादा छूट दी और हर बात में उसकी मनमानी की, यहाँ तक कि उसे लगने लगा कि यह दुनिया उसके सुख के लिए बनी है और वह इसमें जो चाहे कर सकता है। फिर जैसे-जैसे वह बड़ा हुआ, उसकी संगति बुरे लोगों से हो गई और शैतान उस पर हावी हो गया, यहाँ तक कि उसने मेरी माँ का दिल तोड़ दिया और हमारे नाम को मिट्टी में मिला दिया। वह एक अपराध से दूसरे अपराध में गिरता चला गया, यहाँ तक कि ईश्वर की कृपा से ही वह फाँसी के तख्ते से बच पाया; लेकिन मेरे लिए, महोदय, वह हमेशा वही छोटा घुंघराले बालों वाला लड़का था जिसे मैंने एक बड़ी बहन की तरह पाला-पोसा और जिसके साथ खेला था। इसीलिए उसने जेल तोड़ी, महोदय। वह जानता था कि मैं यहाँ हूँ और हम उसकी मदद करने से इनकार नहीं कर सकते। जब वह एक रात थका-हारा, भूखा-प्यासा यहाँ आया, और जेलर उसके पीछे लगे हुए थे, तो हम क्या कर सकते थे? हमने उसे अपने पास रखा, उसे खाना खिलाया और उसकी देखभाल की। फिर आप लौट आए, महोदय, और मेरे भाई ने सोचा कि वह जेल में ज़्यादा सुरक्षित रहेगा। जब तक शोरगुल शांत नहीं हुआ, वह कहीं और से ज़्यादा एकांत में छिपा रहा। लेकिन हर दूसरी रात हम खिड़की में रोशनी डालकर देखते थे कि वह अभी भी वहीं है या नहीं, और अगर कोई जवाब मिलता तो मेरे पति उसके लिए रोटी और मांस निकाल लाते थे। हर दिन हम यही उम्मीद करते थे कि वह चला गया होगा, लेकिन जब तक वह वहाँ था, हम उसे छोड़ नहीं सकते थे। यही पूरी सच्चाई है, क्योंकि मैं एक ईमानदार ईसाई महिला हूँ, और आप देखेंगे कि अगर इस मामले में कोई गलती है तो वह मेरे पति की नहीं, बल्कि मेरी है, जिसके लिए उसने ये सब किया है।

उस महिला के शब्द अत्यंत गंभीरता से कहे गए थे और उनमें दृढ़ विश्वास झलक रहा था।

"क्या यह सच है, बैरीमोर?"

"जी हां, श्री हेनरी। एक-एक शब्द सही है।"

“खैर, अपनी पत्नी का साथ देने के लिए मैं आपको दोष नहीं दे सकता। मैंने जो कहा है उसे भूल जाइए। आप दोनों अपने-अपने कमरे में जाइए, हम इस मामले पर सुबह और बात करेंगे।”

उनके चले जाने के बाद हमने फिर खिड़की से बाहर देखा। सर हेनरी ने खिड़की खोल दी थी, और ठंडी रात की हवा हमारे चेहरों पर लग रही थी। दूर अंधेरे में पीले रंग की वह छोटी सी रोशनी अभी भी जगमगा रही थी।

“मुझे आश्चर्य है कि वह ऐसा करने की हिम्मत कैसे करता है,” सर हेनरी ने कहा।

"हो सकता है कि यह इस प्रकार स्थित हो कि केवल यहीं से दिखाई दे।"

“बहुत संभावना है। आपके हिसाब से यह कितनी दूर होगा?”

"मुझे लगता है, क्लेफ्ट टॉर के पास।"

"एक या दो मील से ज्यादा दूर नहीं।"

"बिल्कुल भी नहीं।"

“खैर, अगर बैरीमोर को खाना लाकर लाना पड़ा है, तो वो ज़्यादा दूर नहीं होगा। और ये बदमाश उस मोमबत्ती के पास इंतज़ार कर रहा है। कसम से, वॉटसन, मैं उस आदमी को सबक सिखाने जा रहा हूँ!”

यही विचार मेरे मन में भी आया था। ऐसा नहीं था कि बैरीमोर परिवार ने हमें अपने भरोसे में लिया था। उनका रहस्य उनसे जबरदस्ती उगला गया था। वह आदमी समुदाय के लिए खतरा था, एक ऐसा घिनौना बदमाश जिसके लिए न तो दया थी और न ही कोई बहाना। हम तो बस अपना फर्ज निभा रहे थे कि उसे वापस ऐसी जगह भेज दें जहाँ से वह कोई नुकसान न पहुँचा सके। उसके क्रूर और हिंसक स्वभाव को देखते हुए, अगर हम चुप रहते तो दूसरों को इसकी कीमत चुकानी पड़ती। उदाहरण के लिए, किसी भी रात हमारे पड़ोसी स्टैपलटन परिवार पर उसका हमला हो सकता था, और शायद इसी सोच ने सर हेनरी को इस साहसिक कार्य के लिए इतना उत्सुक कर दिया था।

मैंने कहा, “मैं आऊंगा।”

“तो फिर अपनी रिवाल्वर निकालो और अपने जूते पहन लो। जितनी जल्दी हम शुरू करें उतना अच्छा है, क्योंकि वह आदमी अपनी बत्ती बुझाकर भाग सकता है।”

पांच मिनट में हम दरवाजे से बाहर थे और अपनी यात्रा पर निकल पड़े। पतझड़ की हवा की धीमी सरसराहट और गिरते पत्तों की खड़खड़ाहट के बीच हम घनी झाड़ियों से होकर तेज़ी से आगे बढ़े। रात की हवा में नमी और सड़न की गंध भरी हुई थी। कभी-कभी चाँद एक पल के लिए दिखाई देता था, लेकिन आसमान में बादल छाए हुए थे, और जैसे ही हम खुले मैदान में पहुँचे, हल्की बारिश शुरू हो गई। रोशनी अभी भी हमारे सामने स्थिर रूप से जल रही थी।

मैंने पूछा, "क्या तुम्हारे पास हथियार हैं?"

मेरे पास शिकार के लिए उपयुक्त बाल हैं।

“हमें उस पर तेजी से शिकंजा कसना होगा, क्योंकि वह एक खतरनाक आदमी बताया जाता है। हम उसे अचानक घेर लेंगे और उसके प्रतिरोध करने से पहले ही उसे अपने वश में कर लेंगे।”

“मैं कहता हूँ, वॉटसन,” बैरोनेट ने कहा, “होम्स इस पर क्या कहेंगे? उस अंधकारमय क्षण के बारे में क्या कहेंगे जिसमें बुराई की शक्ति चरम पर होती है?”

मानो उसके शब्दों का उत्तर देते हुए, दलदल के विशाल अंधकार से अचानक वह विचित्र चीख उठी जिसे मैंने पहले ही विशाल ग्रिम्पेन दलदल की सीमा पर सुना था। यह रात के सन्नाटे में हवा के साथ आई, एक लंबी, गहरी बड़बड़ाहट, फिर एक बढ़ती हुई कराह, और फिर एक उदास विलाप जिसमें यह क्षीण हो गई। बार-बार यह गूंजी, पूरी हवा इससे कांप उठी, कर्कश, जंगली और भयावह। बैरोनेट ने मेरी आस्तीन पकड़ ली और अंधेरे में उसका चेहरा सफेद चमक उठा।

हे भगवान, यह क्या है, वॉटसन?

मुझे नहीं पता। यह एक ऐसी आवाज़ है जो उन्हें खुले मैदान में सुनाई देती है। मैंने इसे पहले एक बार सुना था।

आवाज धीरे-धीरे थम गई और चारों ओर सन्नाटा छा गया। हम कान लगाकर सुनते रहे, लेकिन कुछ सुनाई नहीं दिया।

“वॉटसन,” बैरोनेट ने कहा, “यह एक शिकारी कुत्ते की चीख थी।”

मेरी नसों में खून जम गया, क्योंकि उसकी आवाज में एक कंपन था जो उस अचानक आए भय को बयां कर रहा था जिसने उसे जकड़ लिया था।

“इस आवाज़ को क्या कहते हैं?” उसने पूछा।

"कौन?"

"ग्रामीण इलाकों के लोग।"

"अरे, वे तो अज्ञानी लोग हैं। वे इसे क्या कहते हैं, इससे आपको क्या फर्क पड़ता है?"

"बताओ, वॉटसन। लोग इसके बारे में क्या कहते हैं?"

मैं हिचकिचाया लेकिन सवाल से बच नहीं सका।

"वे कहते हैं कि यह बास्करविल्स के शिकारी कुत्ते की पुकार है।"

वह कराह उठा और कुछ क्षणों के लिए चुप रहा।

अंत में उसने कहा, "यह एक शिकारी कुत्ता था, लेकिन ऐसा लग रहा था कि यह मीलों दूर से आ रहा था, शायद उधर से।"

यह कहना मुश्किल था कि यह कहाँ से आया था।

“यह हवा के साथ ऊपर-नीचे होता था। क्या यही विशाल ग्रिम्पेन दलदल की दिशा नहीं है?”

"हां यह है।"

“खैर, वो ऊपर ही थी। अरे, वॉटसन, क्या तुम्हें खुद नहीं लगा कि वो किसी शिकारी कुत्ते की आवाज थी? मैं बच्चा नहीं हूं। सच बोलने से डरने की कोई जरूरत नहीं है।”

“जब मैंने इसे आखिरी बार सुना था तब स्टेपलटन मेरे साथ था। उसने कहा कि यह किसी अजीब पक्षी की आवाज हो सकती है।”

“नहीं, नहीं, वह तो शिकारी कुत्ता था। हे भगवान! क्या इन सब कहानियों में कुछ सच्चाई हो सकती है? क्या सच में मैं किसी इतने खतरनाक कारण से खतरे में हूं? तुम्हें यकीन नहीं हो रहा, है ना, वॉटसन?”

"नहीं - नहीं।"

“लंदन में इस पर हंसना एक बात थी, और इस दलदली इलाके के अंधेरे में खड़े होकर ऐसी चीख सुनना बिल्कुल अलग बात है। और मेरे चाचा! जब वे लेटे थे, उनके बगल में शिकारी कुत्ते के पैरों के निशान थे। सब कुछ मेल खाता है। मुझे नहीं लगता कि मैं कायर हूं, वॉटसन, लेकिन उस आवाज़ ने मेरे खून को जमा दिया। मेरा हाथ थाम लो!”

यह संगमरमर के टुकड़े की तरह ठंडा था।

कल सब ठीक हो जाएगा।

“मुझे नहीं लगता कि वो चीख मेरे दिमाग से कभी निकलेगी। अब हमें क्या करना चाहिए, आप क्या सलाह देते हैं?”

"क्या हमें वापस लौटना चाहिए?"

“नहीं, बिलकुल नहीं; हम अपने आदमी को पकड़ने आए हैं, और हम उसे पकड़कर रखेंगे। हम उस अपराधी के पीछे हैं, और शायद कोई खूंखार कुत्ता भी हमारे पीछे पड़ा होगा। चलो! अगर नरक के सारे शैतान मैदान में आज़ादी घूम रहे हों, तब भी हम उसे मार गिराएंगे।”

हम अंधेरे में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे, चारों ओर ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों का काला साया छाया हुआ था और सामने पीली रोशनी की एक छोटी सी किरण लगातार जल रही थी। घोर अंधेरी रात में रोशनी की दूरी बहुत भ्रामक होती है, और कभी-कभी वह टिमटिमाहट क्षितिज पर दूर दिखाई देती थी और कभी-कभी ऐसा लगता था मानो वह हमसे कुछ ही गज की दूरी पर हो। लेकिन आखिरकार हम देख पाए कि वह कहाँ से आ रही थी, और तब हमें पता चला कि हम वाकई बहुत करीब थे। एक टिमटिमाती मोमबत्ती चट्टानों की दरारों में फंसी हुई थी, जो उसके दोनों ओर थीं, ताकि हवा उस तक न पहुंचे और बास्करविले हॉल की दिशा को छोड़कर वह दिखाई न दे। ग्रेनाइट के एक बड़े पत्थर ने हमारे आने का रास्ता छिपा रखा था, और उसके पीछे छिपकर हम उस रोशनी को देख रहे थे। उस बंजर भूमि के बीचोंबीच इस अकेली मोमबत्ती को जलते हुए देखना अजीब था, उसके आसपास जीवन का कोई संकेत नहीं था - बस एक सीधी पीली लौ और उसके दोनों ओर चट्टानों की चमक।

“अब हम क्या करें?” सर हेनरी ने फुसफुसाते हुए कहा।

“यहीं रुको। वह अपने प्रकाश के पास ही होगा। चलो देखते हैं कि क्या हम उसकी एक झलक पा सकते हैं।”

मेरे मुंह से शब्द निकले ही थे कि हम दोनों ने उसे देख लिया। चट्टानों के ऊपर, जिसकी दरार में मोमबत्ती जल रही थी, एक भयानक पीला चेहरा उभरा हुआ था, एक डरावना जानवर जैसा चेहरा, जो नीच वासनाओं से भरा हुआ था। कीचड़ से सना हुआ, घनी दाढ़ी वाला और उलझे बालों से लथपथ, वह शायद पहाड़ियों पर बिलों में रहने वाले उन पुराने आदिवासियों में से किसी एक का चेहरा था। उसके नीचे की रोशनी उसकी छोटी, धूर्त आँखों में प्रतिबिंबित हो रही थी, जो अंधेरे में दाएं-बाएं घूर रही थीं, मानो कोई चालाक और जंगली जानवर शिकारियों के कदमों की आहट सुन चुका हो।

ज़ाहिर तौर पर किसी बात ने उसके मन में शंका पैदा कर दी थी। हो सकता है कि बैरीमोर के पास कोई गुप्त संकेत हो जो हमने देना भूल गए हों, या उस आदमी के मन में कुछ और शंका का कारण रहा हो, लेकिन मैं उसके क्रूर चेहरे पर उसका डर साफ़ देख सकता था। किसी भी पल वह बत्ती बुझाकर अंधेरे में गायब हो सकता था। इसलिए मैं आगे बढ़ा, और सर हेनरी ने भी ऐसा ही किया। उसी क्षण कैदी ने हम पर गाली मारी और एक पत्थर फेंका जो उस चट्टान से टकराकर बिखर गया जिसके पीछे हम छिपे थे। जैसे ही वह अपने पैरों पर खड़ा हुआ और भागने के लिए मुड़ा, मैंने उसकी छोटी, गठीली, मज़बूत कद-काठी की एक झलक देखी। उसी क्षण संयोग से बादल छंट गए और चाँद निकल आया। हम पहाड़ी की चोटी से नीचे उतरे, और वहाँ हमारा आदमी दूसरी तरफ़ तेज़ी से भाग रहा था, पहाड़ी बकरी की तरह फुर्ती से रास्ते में आने वाले पत्थरों पर से कूदता हुआ। मेरी रिवाल्वर का एक भाग्यशाली निशाना उसे अपंग कर सकता था, लेकिन मैं इसे केवल हमले की स्थिति में अपनी रक्षा के लिए लाया था, न कि भाग रहे निहत्थे व्यक्ति पर गोली चलाने के लिए।

हम दोनों तेज़ धावक थे और अच्छी ट्रेनिंग भी कर चुके थे, लेकिन जल्द ही हमें एहसास हुआ कि उसे पकड़ना हमारे बस की बात नहीं है। चांदनी रात में हम उसे

काफ़ी देर तक देखते रहे, जब तक कि वह दूर पहाड़ी की ढलान पर पत्थरों के बीच तेज़ी से चलता हुआ एक छोटा सा बिंदु मात्र नहीं रह गया। हम दौड़ते रहे, दौड़ते रहे, जब तक कि हम पूरी तरह थक नहीं गए, लेकिन हमारे बीच की दूरी बढ़ती ही गई। आखिरकार हम रुक गए और दो चट्टानों पर हांफते हुए बैठ गए, और उसे दूर जाते हुए देखते रहे।

और ठीक इसी क्षण एक अत्यंत विचित्र और अप्रत्याशित घटना घटी। हम अपनी चट्टानों से उठकर घर की ओर मुड़ रहे थे, उस निराशाजनक खोज को छोड़कर। चंद्रमा दाहिनी ओर नीचे था, और एक ग्रेनाइट की नुकीली चोटी उसकी चांदी जैसी गोलाकार आकृति के निचले वक्र के सामने खड़ी थी। वहाँ, उस चमकती पृष्ठभूमि पर काले रंग में, जैसे कोई आबनूस की मूर्ति हो, मैंने उस चट्टान पर एक आदमी की आकृति देखी। होम्स, यह मत सोचो कि यह मेरा भ्रम था। मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि मैंने अपने जीवन में इससे अधिक स्पष्ट कुछ भी नहीं देखा। जहाँ तक मैं समझ पाया, वह आकृति एक लंबे, पतले आदमी की थी। वह अपने पैरों को थोड़ा फैलाकर, बाहों को मोड़े, सिर झुकाए खड़ा था, मानो वह अपने सामने फैले उस विशाल दलदल और ग्रेनाइट के जंगल पर विचार कर रहा हो। वह उस भयानक स्थान की आत्मा ही हो सकता था। वह कैदी नहीं था। यह आदमी उस जगह से बहुत दूर था जहाँ वह गायब हुआ था। इसके अलावा, वह उससे कहीं अधिक लंबा था। आश्चर्य से चीखते हुए मैंने उसे बैरोनेट को दिखाया, लेकिन जिस क्षण मैंने उसका हाथ पकड़ने के लिए मुड़ा, वह आदमी गायब हो गया। ग्रेनाइट की नुकीली चोटी अभी भी चंद्रमा के निचले किनारे को काट रही थी, लेकिन उसकी चोटी पर उस शांत और गतिहीन आकृति का कोई निशान नहीं था।

मैं उस दिशा में जाकर पहाड़ी की तलाश करना चाहता था, लेकिन वह काफी दूर थी। बैरोनेट की नसें उस चीख से अभी भी कांप रही थीं, जिसने उनके परिवार की दुखद कहानी को याद दिला दिया था, और वे नए रोमांच के मूड में नहीं थे। उन्होंने उस अकेले आदमी को पहाड़ी पर नहीं देखा था और उस रोमांच को महसूस नहीं कर सकते थे जो उसकी अजीब उपस्थिति और उसके दबंग रवैये ने मुझे दिया था। "ज़रूर कोई वार्डर होगा," उन्होंने कहा। "जब से यह आदमी भागा है, तब से दलदली इलाके में ऐसे लोगों की भरमार हो गई है।" खैर, शायद उनका स्पष्टीकरण सही हो, लेकिन मुझे इसका और सबूत चाहिए। आज हम प्रिंसटाउन के लोगों को यह बताने वाले हैं कि उन्हें अपने लापता आदमी को कहाँ ढूंढना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से हम उसे अपने कैदी के रूप में वापस लाने में सफल नहीं हो पाए हैं। ये हैं पिछली रात के घटनाक्रम, और आपको मानना पड़ेगा, मेरे प्यारे होम्स, कि मैंने रिपोर्ट के मामले में आपका बहुत भला किया है। मेरी बताई हुई अधिकांश बातें निस्संदेह अप्रासंगिक हैं, फिर भी मुझे लगता है कि बेहतर यही होगा कि मैं आपको सभी तथ्य बता दूं और आप स्वयं उनमें से उन तथ्यों को चुन लें जो आपके निष्कर्षों तक पहुंचने में सबसे अधिक सहायक होंगे। हम निश्चित रूप से प्रगति कर रहे हैं। बैरीमोर परिवार के संबंध में, हमने उनके कार्यों का उद्देश्य पता लगा लिया है, और इससे स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। लेकिन रहस्य और विचित्र निवासियों से भरा यह दलदली क्षेत्र आज भी उतना ही रहस्यमय बना हुआ है। शायद अगली बार मैं इस पर भी कुछ प्रकाश डाल सकूं। सबसे अच्छा होगा यदि आप हमारे पास आ सकें। खैर, अगले कुछ दिनों में आपको मुझसे फिर सूचना मिलेगी।

डॉ. वॉटसन की डायरी से उद्धरण

अब तक मैं उन रिपोर्टों से उद्धरण दे पाया हूँ जो मैंने शुरुआती दिनों में शर्लक होम्स को भेजी थीं। लेकिन अब मैं अपनी कहानी के ऐसे मोड़ पर आ गया हूँ जहाँ मुझे

यह तरीका छोड़ना पड़ रहा है और एक बार फिर अपनी यादों पर भरोसा करना पड़ रहा है, जिसमें उस डायरी का भी सहारा है जो मैंने उस समय रखी थी। डायरी के कुछ अंश मुझे उन दृश्यों तक ले जाएंगे जो मेरी स्मृति में पूरी तरह अंकित हैं। तो चलिए, मैं उस सुबह से शुरू करता हूं जो कैदी का पीछा करने की हमारी असफल कोशिश और दलदली भूमि पर हमारे अन्य अजीब अनुभवों के बाद आई थी।

16 अक्टूबर — धुंध भरा और गड्ढों से भरा दिन, हल्की-हल्की बारिश हो रही थी। घर चारों ओर से बादलों से घिरा हुआ था, जो बीच-बीच में उठकर मैदान की उजाड़ आकृतियों को दिखाते थे, पहाड़ियों की ढलानों पर पतली, चांदी जैसी लकीरें थीं, और दूर स्थित चट्टानें थीं जिन पर गीली सतहों पर प्रकाश पड़ने से चमक उठ रही थी। बाहर और अंदर दोनों जगह उदासी छाई हुई थी। बैरोनेट रात के रोमांच के बाद गहरे सदमे में थे। मुझे भी अपने दिल में एक भारीपन और आने वाले खतरे का आभास हो रहा था — एक ऐसा खतरा जो हमेशा मौजूद रहता है, और यह और भी भयानक इसलिए है क्योंकि मैं इसे परिभाषित नहीं कर पा रहा था।

क्या मेरे मन में ऐसा भाव उत्पन्न करने का कोई कारण नहीं है? उन घटनाओं की लंबी श्रृंखला पर विचार कीजिए जो हमारे चारों ओर सक्रिय किसी भयावह शक्ति की ओर इशारा करती हैं। हॉल के अंतिम निवासी की मृत्यु, जिसने पारिवारिक किंवदंती की शर्तों को पूरी तरह से साकार कर दिया, और किसानों द्वारा दलदली भूमि पर एक विचित्र प्राणी के प्रकट होने की बार-बार की रिपोर्टें। मैंने स्वयं दो बार दूर से किसी शिकारी कुत्ते के भौंकने जैसी आवाज़ सुनी है। यह अविश्वसनीय, असंभव है कि यह वास्तव में प्रकृति के सामान्य नियमों से परे हो। एक प्रेतबाधित कुत्ता जो भौतिक पदचिह्न छोड़ता है और अपने भौंकने से हवा को भर देता है, निश्चित रूप से कल्पना करने योग्य नहीं है। स्टैपलटन शायद ऐसे अंधविश्वास में पड़ जाए, और मॉर्टिमर भी; लेकिन अगर मुझमें इस धरती पर कोई गुण है तो वह है सामान्य ज्ञान, और कोई भी चीज़ मुझे ऐसी किसी बात पर विश्वास करने के लिए राजी नहीं कर सकती। ऐसा करना उन गरीब किसानों के स्तर तक गिरना होगा, जो केवल एक शैतानी कुत्ते से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि उसे ऐसे वर्णित करते हैं जैसे उसके मुंह और आंखों से नरक की आग निकल रही हो। होम्स ऐसी मनगढ़ंत बातों पर ध्यान नहीं देते, और मैं उनका एजेंट हूं। लेकिन तथ्य तो तथ्य होते हैं, और मैंने दलदल पर दो बार यह रोने की आवाज़ सुनी है। मान लीजिए कि सचमुच कोई बड़ा शिकारी कुत्ता वहाँ खुला घूम रहा था; इससे सब कुछ स्पष्ट हो जाता। लेकिन ऐसा कुत्ता कहाँ छिपा हो सकता था, उसे खाना कहाँ से मिलता था, वह कहाँ से आया था, दिन में उसे किसी ने कैसे नहीं देखा? यह मानना पड़ेगा कि प्राकृतिक व्याख्या भी लगभग उतनी ही जटिल है जितनी दूसरी। और हमेशा, कुत्ते के अलावा, लंदन में मानवीय हस्तक्षेप का तथ्य भी है, टैक्सी में बैठा वह आदमी, और वह पत्र जिसने सर हेनरी को दलदल से सावधान किया था। यह कम से कम वास्तविक था, लेकिन यह किसी रक्षक मित्र का काम भी हो सकता था, उतना ही जितना किसी शत्रु का। वह मित्र या शत्रु अब कहाँ है? क्या वह लंदन में ही रह गया है, या वह हमारे पीछे यहाँ आ गया है? क्या वह - क्या वह वही अजनबी हो सकता है जिसे मैंने पहाड़ी पर देखा था?

यह सच है कि मैंने उसे बस एक झलक देखा है, फिर भी कुछ बातें ऐसी हैं जिन पर मैं कसम खा सकता हूँ। वह कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे मैंने यहाँ देखा हो, और मैं अब सभी पड़ोसियों से मिल चुका हूँ। वह स्टैपलटन से कहीं ज़्यादा लंबा और फ्रैंकलैंड से कहीं ज़्यादा पतला था। शायद वह बैरीमोर ही रहा हो, लेकिन हम उसे पीछे छोड़ आए थे, और मुझे यकीन है कि वह हमारा पीछा नहीं कर सकता था। तो फिर एक अजनबी अभी भी हमारा पीछा कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे लंदन में एक अजनबी हमारा पीछा कर रहा था। हम उससे पीछा नहीं छुड़ा पाए हैं। अगर मैं उस आदमी को

पकड़ लूँ, तो शायद आखिरकार हमारी सारी मुश्किलें खत्म हो जाएँगी। अब मुझे अपनी सारी ऊर्जा इसी एक लक्ष्य पर लगानी होगी।

मेरी पहली इच्छा तो यही थी कि मैं सर हेनरी को अपनी सारी योजनाएँ बता दूँ। लेकिन मेरी दूसरी और सबसे समझदारी भरी सलाह यही है कि मैं अपना खेल खेलूँ और किसी से भी कम से कम बात करूँ। वह चुप और व्याकुल हैं। मैदान पर सुनाई देने वाली उस आवाज़ से उनके होश उड़ गए हैं। मैं उनकी चिंताओं को और नहीं बढ़ाऊँगी, बल्कि अपने लक्ष्य को पाने के लिए अपने तरीके से आगे बढ़ूँगी।

आज सुबह नाश्ते के बाद एक छोटा सा झगड़ा हुआ। बैरीमोर ने सर हेनरी से बात करने की अनुमति मांगी और वे कुछ देर उनके स्टडी रूम में बंद कमरे में बैठे रहे। बिलियर्ड रूम में बैठे-बैठे मैंने कई बार ऊंची आवाज़ें सुनीं और मुझे अंदाज़ा हो गया कि किस बात पर चर्चा हो रही है। थोड़ी देर बाद बैरोनेट ने अपना दरवाज़ा खोला और मुझे बुलाया।

उन्होंने कहा, "बैरीमोर को शिकायत है। उनका मानना है कि उनके बहनोई को ढूंढना हमारे लिए अनुचित था, जबकि उन्होंने अपनी मर्जी से हमें यह रहस्य बताया था।"

हमारे सामने बटलर का चेहरा पीला पड़ गया था, लेकिन वह बहुत संयमित दिख रहा था।

“शायद मैंने कुछ ज़्यादा ही जोश में बोल दिया, महोदय,” उसने कहा, “और अगर ऐसा है, तो मैं आपसे क्षमा चाहता हूँ। साथ ही, मुझे बहुत आश्चर्य हुआ जब मैंने आप दोनों सज्जनों को आज सुबह वापस आते सुना और पता चला कि आप सेल्डन का पीछा कर रहे थे। बेचारे को पहले से ही बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, मैं उसके पीछे और मुसीबतें नहीं डालना चाहता।”

“अगर आपने अपनी मर्जी से हमें बताया होता तो बात कुछ और होती,” बैरोनेट ने कहा, “आपने हमें तभी बताया, या यूं कहें कि आपकी पत्नी ने हमें तभी बताया, जब आपको ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया और आप खुद को रोक नहीं सके।”

"मुझे नहीं लगा था कि आप इसका फायदा उठाएंगे, सर हेनरी - वास्तव में मुझे ऐसा नहीं लगा था।"

“यह आदमी जनता के लिए खतरा है। बंजर भूमि पर कई सुनसान घर बिखरे पड़े हैं, और यह ऐसा व्यक्ति है जो किसी भी हद तक जा सकता है। बस उसका चेहरा देख लीजिए, आपको पता चल जाएगा। उदाहरण के लिए, मिस्टर स्टेपलटन के घर को ही देख लीजिए, जिसकी रक्षा करने वाला उसके सिवा कोई नहीं है। जब तक उसे ताला लगाकर बंद नहीं कर दिया जाता, तब तक किसी की सुरक्षा नहीं है।”

“वह किसी के घर में सेंध नहीं लगाएगा, महोदय। मैं आपको इस बात का पक्का वचन देता हूं। लेकिन वह इस देश में फिर कभी किसी को परेशान नहीं करेगा। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, महोदय हेनरी, कि कुछ ही दिनों में आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली जाएंगी और वह दक्षिण अमेरिका के लिए रवाना हो जाएगा। ईश्वर की कृपा से, महोदय, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि पुलिस को यह न बताएं कि वह अभी भी दलदली इलाके में है। पुलिस ने वहाँ उसका पीछा करना छोड़ दिया है, और वह जहाज़ तैयार होने तक आराम से रह सकता है। आप उसके बारे में पुलिस को नहीं बताएंगे, वरना मेरी पत्नी और मैं मुसीबत में पड़ जाएँगे। मैं आपसे निवेदन करता हूं, महोदय, कि पुलिस को कुछ भी न बताएं।”

"वाटसन, तुम्हारा क्या कहना है?"

मैंने कंधे उचका दिए। "अगर वह सुरक्षित रूप से देश से बाहर चला गया होता तो करदाताओं पर बोझ कम हो जाता।"

लेकिन क्या इस बात की संभावना है कि जाने से पहले वह किसी को लूट ले?

“वह ऐसा पागलपन भरा काम नहीं करेगा, महोदय। हमने उसे वह सब कुछ मुहैया करा दिया है जो उसे चाहिए। अपराध करना यह उजागर करना होगा कि वह कहां छिपा हुआ था।”

“यह सच है,” सर हेनरी ने कहा। “अच्छा, बैरीमोर—”

“ईश्वर आपका भला करे, महोदय, और मैं दिल से आपका धन्यवाद करता हूँ! अगर उसे दोबारा ले जाया जाता तो मेरी बेचारी पत्नी की जान चली जाती।”

“मुझे लगता है कि हम एक जघन्य अपराध में सहायता और उकसाने का काम कर रहे हैं, वॉटसन? लेकिन, जो हमने सुना है उसके बाद मुझे नहीं लगता कि मैं उस आदमी को छोड़ सकता हूं, इसलिए बात यहीं खत्म होती है। ठीक है, बैरीमोर, तुम जा सकते हो।”

कृतज्ञता के कुछ टूटे-फूटे शब्दों के साथ वह व्यक्ति मुड़ा, लेकिन वह हिचकिचाया और फिर वापस आ गया।

“आपने हम पर बहुत कृपा की है, महोदय, इसलिए मैं भी बदले में आपके लिए यथासंभव कुछ करना चाहता हूं। मुझे कुछ पता है, महोदय हेनरी, और शायद मुझे यह पहले ही बता देना चाहिए था, लेकिन मुझे यह बात जांच के बहुत बाद पता चली। मैंने आज तक किसी को इसके बारे में नहीं बताया है। यह बात बेचारे सर चार्ल्स की मृत्यु के बारे में है।”

मैं और बैरोनेट दोनों खड़े हो गए। "क्या आपको पता है कि उनकी मृत्यु कैसे हुई?"

"जी नहीं, महोदय, मुझे यह जानकारी नहीं है।"

"तो क्या?"

मुझे पता है कि वह उस समय द्वार पर क्यों था। वह एक महिला से मिलने आया था।

“एक महिला से मिलने के लिए! वह?”

"जी श्रीमान।"

और उस महिला का नाम क्या था?

“मैं आपको नाम तो नहीं बता सकती, महोदय, लेकिन मैं आपको उनके नाम के शुरुआती अक्षर बता सकती हूं। उनके नाम के शुरुआती अक्षर एल.एल. थे।”

"बैरीमोर, तुम्हें यह कैसे पता चला?"

“खैर, सर हेनरी, आपके चाचा को उस सुबह एक पत्र मिला था। उन्हें आमतौर पर बहुत सारे पत्र मिलते थे, क्योंकि वे एक सार्वजनिक व्यक्ति थे और अपने दयालु हृदय के लिए जाने जाते थे, इसलिए संकट में फंसे हर व्यक्ति को उनसे मदद मांगने में खुशी होती थी। लेकिन उस सुबह संयोग से केवल एक ही पत्र आया था, इसलिए मैंने उस पर विशेष ध्यान दिया। यह कूम्ब ट्रेसी से था, और इस पर एक महिला के हस्ताक्षर थे।”

"कुंआ?"

“खैर, महोदय, मैंने इस मामले पर और ध्यान नहीं दिया, और अगर मेरी पत्नी न होती तो मैं कभी ऐसा नहीं करता। कुछ ही हफ्ते पहले वह सर चार्ल्स के अध्ययन कक्ष की सफाई कर रही थी—उनकी मृत्यु के बाद से उसमें कोई बदलाव नहीं हुआ था—और उसे अंगीठी के पीछे एक जले हुए पत्र की राख मिली। उसका अधिकांश भाग जलकर चूर-चूर हो गया था, लेकिन एक छोटा सा टुकड़ा, एक पृष्ठ का अंत, जुड़ा हुआ था, और लिखावट अभी भी पढ़ी जा सकती थी, हालांकि वह काली पृष्ठभूमि पर धूसर रंग की थी। हमें लगा कि यह पत्र के अंत में लिखा गया एक परिशिष्ट है, और उसमें लिखा था: ‘कृपया, कृपया, क्योंकि आप एक सज्जन व्यक्ति हैं, इस पत्र को जला दें, और दस बजे तक द्वार पर पहुंच जाएं।’ इसके नीचे L. L. के शुरुआती अक्षर हस्ताक्षर किए गए थे।”

"क्या आपके पास वह पर्चा है?"

"नहीं, महोदय, इसे स्थानांतरित करने के बाद यह पूरी तरह से चूर-चूर हो गया।"

"क्या सर चार्ल्स को इसी तरह की लिखावट में कोई और पत्र प्राप्त हुए थे?"

"जी महोदय, मैंने उनके पत्रों पर विशेष ध्यान नहीं दिया। इस पत्र पर भी मेरी नजर नहीं पड़ती, लेकिन संयोगवश यह अकेला ही आया था।"

“और आपको पता नहीं है कि एल. एल. कौन है?”

“नहीं, महोदय। आपके पास जितनी जानकारी है, उससे अधिक नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि अगर हम उस महिला को ढूंढ सकें तो हमें सर चार्ल्स की मृत्यु के बारे में और अधिक जानकारी मिल सकती है।”

"बैरीमोर, मुझे समझ नहीं आ रहा है कि आपने इस महत्वपूर्ण जानकारी को कैसे छिपाया।"

“जी हाँ, इसके तुरंत बाद ही हम मुसीबत में पड़ गए। और हाँ, हम दोनों सर चार्ल्स को बहुत पसंद करते थे, और यह स्वाभाविक भी था, क्योंकि उन्होंने हमारे लिए बहुत कुछ किया था। इस मामले को फिर से उठाना हमारे बेचारे मालिक के लिए अच्छा नहीं होता, और जब मामला किसी महिला से जुड़ा हो तो सावधानी बरतना ही बेहतर होता है। यहाँ तक कि हम जैसे अच्छे लोग भी—”

"क्या आपको लगा कि इससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है?"

"खैर, महोदय, मुझे लगा था कि इससे कुछ अच्छा नहीं होगा। लेकिन अब आपने हम पर कृपा की है, और मुझे लगता है कि इस मामले के बारे में जो कुछ भी मैं जानता हूं, वह आपको न बताना आपके साथ अन्याय होगा।"

“बहुत बढ़िया, बैरीमोर; आप जा सकते हैं।” जब बटलर चला गया तो सर हेनरी मेरी ओर मुड़े। “अच्छा, वॉटसन, इस नए प्रकाश के बारे में आपका क्या विचार है?”

"ऐसा लगता है कि इससे अंधेरा पहले से कहीं ज्यादा गहरा हो जाता है।"

“तो मुझे ऐसा लगता है। लेकिन अगर हम एल.एल. का पता लगा लें, तो सारा मामला सुलझ जाएगा। हमें इतना तो पता चल ही जाएगा। हम जानते हैं कि अगर हम उसे ढूंढ लें, तो कोई न कोई ऐसा जरूर होगा जिसके पास सारे तथ्य हैं। आपको क्या लगता है हमें क्या करना चाहिए?”

“होम्स को इसके बारे में तुरंत सब कुछ बता दो। इससे उसे वह सुराग मिल जाएगा जिसकी वह तलाश कर रहा है। अगर इससे वह पकड़ा नहीं जाता तो मैं बहुत गलत हूंगा।”

मैं तुरंत अपने कमरे में गया और होम्स के लिए सुबह की बातचीत की रिपोर्ट तैयार की। मुझे स्पष्ट रूप से पता चल गया था कि वह हाल ही में बहुत व्यस्त रहे हैं, क्योंकि बेकर स्ट्रीट से मुझे जो नोटस मिले थे वे बहुत कम और संक्षिप्त थे, उनमें मेरे द्वारा दी गई जानकारी पर कोई टिप्पणी नहीं थी और मेरे मिशन का शायद ही कोई ज़िक्र था। निस्संदेह, ब्लैकमेल का मामला उनकी सारी ऊर्जा को व्यस्त रखे हुए है। फिर भी, यह नया मामला निश्चित रूप से उनका ध्यान आकर्षित करेगा और उनकी रुचि को फिर से जगाएगा। काश, वह यहाँ होते।

17 अक्टूबर। — आज सारा दिन बारिश होती रही, लताओं पर सरसराहट होती रही और छज्जों से पानी टपकता रहा। मैंने उस कैदी के बारे में सोचा जो उस उजाड़, ठंडे, बेघर मैदान में था। बेचारा! उसके अपराध चाहे जो भी रहे हों, उसे उनके प्रायश्चित के लिए कुछ न कुछ भुगतना पड़ा होगा। और फिर मैंने उस दूसरे व्यक्ति के बारे में सोचा — टैक्सी में बैठा चेहरा, चाँदनी में दिखाई देने वाली आकृति। क्या वह भी उस जलमग्न मैदान में था — अदृश्य रक्षक, अंधकार का आदमी? शाम को मैंने अपना वाटरप्रूफ जैकेट पहना और अंधेरी कल्पनाओं से भरा हुआ, उस भीगे हुए मैदान में दूर

तक चला गया, बारिश मेरे चेहरे पर पड़ रही थी और हवा मेरे कानों में सीटी बजा रही थी। भगवान उन लोगों की मदद करे जो अब इस दलदल में भटक रहे हैं, क्योंकि यहां तक कि मजबूत ऊंची ज़मीनें भी दलदल बनती जा रही हैं। मुझे वह काला टीला मिल गया जिस पर मैंने उस अकेले रक्षक को देखा था, और उसकी पथरीली चोटी से मैंने उदास पहाड़ियों को देखा। बारिश की बूंदें उनके भूरे चेहरे पर पड़ रही थीं, और गहरे, स्लेटी रंग के बादल परिदृश्य पर नीचे लटके हुए थे, जो शानदार पहाड़ियों के किनारों पर भूरे रंग की मालाओं की तरह फैले हुए थे। बाईं ओर दूर स्थित घाटी में, कोहरे में आधा छिपा हुआ, बास्करविले हॉल के दो पतले टावर पेड़ों के ऊपर उठ रहे थे। वे मानव जीवन के एकमात्र संकेत थे जो मुझे दिखाई दे रहे थे, उन प्रागैतिहासिक झोपड़ियों को छोड़कर जो पहाड़ियों की ढलानों पर घनी संख्या में बनी हुई थीं। उस अकेले आदमी का कहीं कोई निशान नहीं था जिसे मैंने दो रात पहले उसी जगह पर देखा था।

वापस लौटते समय, डॉ. मोर्टिमर मुझे अपनी गाड़ी में, फाउलमायर के बाहरी फार्महाउस से निकलने वाले एक ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्ते पर आते हुए मिले। वे हमारा बहुत ख्याल रखते हैं, और शायद ही कोई दिन ऐसा बीता हो जब वे हॉल में आकर हमारा हालचाल न पूछते हों। उन्होंने मुझे अपनी गाड़ी में बैठने के लिए कहा और मुझे घर तक लिफ्ट दी। मैंने पाया कि वे अपने छोटे स्पैनियल कुत्ते के लापता होने से बहुत परेशान थे। वह भटककर मैदान में चला गया था और कभी वापस नहीं आया। मैंने उन्हें यथासंभव सांत्वना दी, लेकिन मुझे ग्रिम्पेन मीयर में उस टट्टू की याद आ गई, और मुझे नहीं लगता कि वे अपने छोटे कुत्ते को फिर कभी देख पाएंगे।

“वैसे, मोर्टिमर,” मैंने कहा जब हम उबड़-खाबड़ सड़क पर हिचकोले खाते हुए आगे बढ़ रहे थे, “मुझे लगता है कि इस जगह के आस-पास रहने वाले कुछ ही लोग होंगे जिन्हें आप नहीं जानते होंगे?”

"मेरे ख्याल से तो शायद ही कोई हो।"

"तो क्या आप मुझे किसी ऐसी महिला का नाम बता सकते हैं जिसके नाम के पहले अक्षर L. L. हों?"

उसने कुछ मिनट तक सोचा।

“नहीं,” उन्होंने कहा। “कुछ खानाबदोश और मजदूर हैं जिनके बारे में मैं जवाब नहीं दे सकता, लेकिन किसानों या संभ्रांत वर्ग में ऐसा कोई नहीं है जिसके नाम के पहले अक्षर ये हों। लेकिन थोड़ा रुकिए,” उन्होंने थोड़ी देर रुककर कहा। “लौरा लायंस हैं – उनके नाम के पहले अक्षर एल.एल. हैं – लेकिन वह कूम्ब ट्रेसी में रहती हैं।”

मैंने पूछा, "वह कौन है?"

वह फ्रैंकलैंड की बेटी है।

“क्या! बूढ़ा सनकी फ्रैंकलैंड?”

“बिल्कुल सही। उसकी शादी लियोन्स नाम के एक कलाकार से हुई, जो दलदली इलाके में रेखाचित्र बनाने आया था। वह एक बदमाश निकला और उसे छोड़कर चला गया। जहां तक मैंने सुना है, गलती पूरी तरह से एक तरफा नहीं थी। उसके पिता ने उससे कोई वास्ता नहीं रखा क्योंकि उसने उनकी सहमति के बिना शादी कर ली थी, और शायद एक-दो और कारण भी थे। तो, बूढ़े पापी और नौजवान के बीच उस लड़की का समय बहुत बुरा बीता।”

वह कैसे रहती है?

मुझे लगता है कि बूढ़े फ्रैंकलैंड उसे मामूली रकम देते होंगे, लेकिन इससे ज़्यादा नहीं, क्योंकि उनके अपने मामले काफी उलझे हुए हैं। चाहे वह कितनी भी योग्य क्यों न हो, उसे इस तरह बर्बादी की ओर जाने देना ठीक नहीं था। उसकी कहानी फैल गई,

और यहाँ के कई लोगों ने उसकी मदद की ताकि वह ईमानदारी से अपना जीवन यापन कर सके। स्टेपलटन ने एक की मदद की, और सर चार्ल्स ने दूसरे की। मैंने भी थोड़ी सी रकम दी। वह उसे टाइपिंग का व्यवसाय शुरू करवाने के लिए थी।

वह मेरी पूछताछ का विषय जानना चाहता था, लेकिन मैंने उसे ज़्यादा कुछ बताए बिना ही उसकी जिज्ञासा शांत कर दी, क्योंकि किसी पर भी भरोसा करने का कोई कारण नहीं है। कल सुबह मैं कूम्ब ट्रेसी जाऊँगा, और अगर मैं इस संदिग्ध प्रतिष्ठा वाली श्रीमती लौरा लायंस से मिल पाया, तो रहस्यों की इस कड़ी में एक घटना को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। मैं सचमुच सर्प की बुद्धि विकसित कर रहा हूं, क्योंकि जब मॉर्टिमर ने अपने सवालों को हद से ज़्यादा बढ़ा दिया, तो मैंने उससे casually पूछा कि फ्रैंकलैंड की खोपड़ी किस प्रकार की है, और उसके बाद हमारी पूरी यात्रा में मुझे खोपड़ी विज्ञान के अलावा कुछ नहीं सुनने को मिला। मैंने सालों तक शेर्लक होम्स के साथ यूं ही नहीं बिताया है।

इस तूफानी और उदास दिन में मुझे केवल एक और घटना दर्ज करनी है। यह अभी-अभी बैरीमोर के साथ हुई मेरी बातचीत है, जो मुझे एक और मजबूत हथियार देती है जिसे मैं उचित समय पर इस्तेमाल कर सकता हूं।

मोर्टिमर रात के खाने तक रुके रहे, और उसके बाद उन्होंने और बैरोनेट ने ईकार्ट खेला। बटलर मेरे लिए लाइब्रेरी में मेरी कॉफी लेकर आया, और मैंने इस मौके का फायदा उठाकर उससे कुछ सवाल पूछे।

मैंने कहा, "अच्छा, क्या आपका यह प्रिय रिश्तेदार इस दुनिया से चला गया है, या वह अभी भी कहीं आसपास मंडरा रहा है?"

“मुझे नहीं पता, महोदय। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वह चला गया हो, क्योंकि उसने यहाँ मुसीबत के सिवा कुछ नहीं लाया! मैंने उसके लिए आखिरी बार खाना छोड़ने के बाद से उसका कोई पता नहीं लगाया है, और वह तीन दिन पहले की बात है।”

"क्या तुमने उसे तब देखा था?"

"जी नहीं, महोदय, लेकिन जब मैं अगली बार उस तरफ गया तो खाना गायब हो चुका था।"

“तो क्या वह निश्चित रूप से वहाँ था?”

"तो आप यही सोचेंगे, महोदय, जब तक कि इसे दूसरे आदमी ने न लिया हो।"

मैं अपने होठों तक कॉफी का कप आधा ले जाकर बैठा रहा और बैरीमोर को घूरता रहा।

"क्या आपको पता है कि वहां एक और आदमी है?"

"जी हाँ, महोदय; मैदान में एक और आदमी है।"

"क्या तुमने उसे देखा है?"

"जी नहीं, महोदय।"

"तो फिर आप उसे कैसे जानते हैं?"

“सेल्डन ने मुझे उसके बारे में एक हफ्ते पहले या उससे भी पहले बताया था, महोदय। वह भी छिपा हुआ है, लेकिन जहाँ तक मुझे पता है, वह अपराधी नहीं है। मुझे यह पसंद नहीं है, डॉ. वॉटसन—मैं आपको साफ-साफ बता रहा हूँ, महोदय, कि मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है।” वह अचानक जोश और गंभीरता से बोलने लगा।

“अब मेरी बात सुनो, बैरीमोर! इस मामले में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है, सिवाय तुम्हारे मालिक के हित में। मैं यहाँ सिर्फ उनकी मदद करने आया हूँ। मुझे साफ-साफ बताओ कि तुम्हें क्या पसंद नहीं है।”

बैरीमोर एक पल के लिए हिचकिचाए, मानो उन्हें अपने गुस्से पर पछतावा हो, या उन्हें अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल लग रहा हो।

“ये सब तो चल ही रहा है, महोदय,” उसने अंत में चिल्लाते हुए बारिश से भीगी खिड़की की ओर हाथ हिलाया, जो मैदान की ओर खुलती थी। “कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है, और कोई घिनौनी साजिश रची जा रही है, मैं कसम खाकर कहता हूँ! महोदय, मुझे बहुत खुशी होगी अगर सर हेनरी फिर से लंदन लौट रहे हों!”

लेकिन आपको किस बात से चिंता होती है?

“सर चार्ल्स की मौत को देखो! कोरोनर ने चाहे जो भी कहा हो, वह बहुत बुरी थी। रात में मैदान में होने वाली आवाज़ों को देखो। सूर्यास्त के बाद कोई भी आदमी उसे पार नहीं करेगा, चाहे उसे इसके लिए पैसे ही क्यों न दिए जाएं। उस अजनबी को देखो जो वहाँ छिपकर देख रहा है और इंतज़ार कर रहा है! वह किस चीज़ का इंतज़ार कर रहा है? इसका क्या मतलब है? बास्करविल नाम के किसी भी व्यक्ति के लिए यह अच्छा नहीं है, और मुझे बहुत खुशी होगी कि जिस दिन सर हेनरी के नए नौकर हॉल का कार्यभार संभालने के लिए तैयार होंगे, उस दिन मैं इन सब से छुटकारा पा लूँगा।”

मैंने कहा, "लेकिन इस अजनबी के बारे में क्या? क्या आप मुझे उसके बारे में कुछ बता सकते हैं? सेल्डन ने क्या कहा था? क्या उन्हें पता चला कि वह कहाँ छिपा था या क्या कर रहा था?"

“उसने उसे एक-दो बार देखा था, लेकिन वह बहुत ही रहस्यमय था और कुछ भी ज़ाहिर नहीं करता था। पहले तो उसे लगा कि वह पुलिसवाला है, लेकिन जल्द ही उसे पता चला कि उसका अपना ही कोई काम था। जहाँ तक वह देख पाया, वह एक सज्जन व्यक्ति था, लेकिन वह क्या कर रहा था, यह वह समझ नहीं पाया।”

और उसने कहाँ रहने की बात कही थी?

"पहाड़ी की ढलान पर बने पुराने घरों के बीच - पत्थर की झोपड़ियाँ जहाँ बुजुर्ग लोग हुआ करते थे।"

लेकिन उसके खाने के बारे में क्या?

"सेल्डन को पता चला कि उसके पास एक लड़का है जो उसके लिए काम करता है और उसकी जरूरत की हर चीज लाता है। मुझे यकीन है कि वह अपनी जरूरत की चीजें लेने के लिए कूम्ब ट्रेसी जाता है।"

“बहुत बढ़िया, बैरीमोर। हम इस बारे में किसी और समय बात कर सकते हैं।” जब बटलर चला गया, तो मैं काली खिड़की के पास गया और धुंधले शीशे से उड़ते बादलों और हवा से हिलते पेड़ों की आकृति को देखा। अंदर तो तूफानी रात है, और उस बंजर ज़मीन पर बनी पत्थर की झोपड़ी में तो ज़रूर होगी! नफ़रत का ऐसा कौन सा जुनून हो सकता है जो किसी आदमी को ऐसे समय में ऐसी जगह पर छिपने के लिए मजबूर करता है! और उसका ऐसा कौन सा गहरा और गंभीर उद्देश्य हो सकता है जो उसे इस तरह की परीक्षा लेने पर मजबूर करता है! उस बंजर ज़मीन पर बनी झोपड़ी में, ऐसा लगता है कि उस समस्या का केंद्र छिपा है जिसने मुझे बहुत परेशान कर रखा है। मैं कसम खाता हूँ कि एक दिन भी नहीं बीतेगा जब तक मैं इस रहस्य की तह तक पहुँचने के लिए हर संभव प्रयास नहीं कर लूँगा।

टॉर पर खड़ा आदमी

मेरी निजी डायरी का वह अंश, जो अंतिम अध्याय का हिस्सा है, मेरी कहानी को 18 अक्टूबर तक ले आता है, वह समय जब ये रहस्यमयी घटनाएँ अपने भयानक अंजाम की ओर तेज़ी से बढ़ने लगीं। अगले कुछ दिनों की घटनाएँ मेरी स्मृति में अमिट रूप से अंकित हैं, और मैं उन्हें उस समय लिखे गए नोट्स के बिना भी बता सकता हूँ। मैं उस

दिन से शुरू करता हूँ, जिस दिन मैंने दो अत्यंत महत्वपूर्ण तथ्य स्थापित किए थे: पहला यह कि कूम्ब ट्रेसी की श्रीमती लौरा लायंस ने सर चार्ल्स बास्करविले को पत्र लिखकर उनसे उसी स्थान और समय पर मिलने का समय तय किया था, जिस स्थान और समय पर उनकी मृत्यु हुई थी; दूसरा यह कि दलदल में छिपा हुआ व्यक्ति पहाड़ी पर बनी पत्थर की झोंपड़ियों के बीच पाया गया था। इन दो तथ्यों के आधार पर मुझे लगा कि अगर मैं इन अंधेरी जगहों पर और प्रकाश नहीं डाल सका, तो या तो मेरी बुद्धि या मेरा साहस अपर्याप्त है।

मुझे बैरोनेट को श्रीमती लायंस के बारे में पिछली शाम जो कुछ पता चला था, वह बताने का मौका नहीं मिला, क्योंकि डॉ. मोर्टिमर देर रात तक उनके साथ ताश खेलते रहे। हालांकि, नाश्ते के समय मैंने उन्हें अपनी खोज के बारे में बताया और पूछा कि क्या वे मेरे साथ कूम्ब ट्रेसी चलना चाहेंगे। पहले तो वे आने के लिए बहुत उत्सुक थे, लेकिन बाद में सोचने पर हम दोनों को लगा कि अगर मैं अकेला जाऊं तो शायद बेहतर नतीजे मिलेंगे। मुलाकात जितनी औपचारिक होती, उतनी ही कम जानकारी मिलने की संभावना थी। इसलिए, मैंने कुछ अंतरात्मा की आवाज़ के साथ सर हेनरी को पीछे छोड़ दिया और अपनी नई खोज पर निकल पड़ा।

जब मैं कूम्ब ट्रेसी पहुँचा, तो मैंने पर्किन्स को घोड़े बाँधने को कहा और उस महिला के बारे में पूछताछ की जिससे मैं पूछताछ करने आया था। मुझे उसके कमरे ढूंढने में कोई कठिनाई नहीं हुई, जो शहर के बीचोंबीच स्थित और सुसज्जित थे। एक नौकरानी ने बिना किसी औपचारिकता के मुझे अंदर ले गई और जैसे ही मैं बैठक कक्ष में दाखिल हुआ, एक महिला, जो रेमिंगटन टाइपराइटर के सामने बैठी थी, एक सुखद मुस्कान के साथ मेरा स्वागत करते हुए उठ खड़ी हुई। हालाँकि, जब उसने देखा कि मैं अजनबी हूँ, तो उसका चेहरा उतर गया और वह फिर से बैठ गई और मुझसे मेरे आने का उद्देश्य पूछा।

श्रीमती लायंस को देखकर पहली ही नज़र में उनकी सुंदरता का आभास हुआ। उनकी आँखें और बाल एक ही गहरे भूरे रंग के थे, और उनके गाल, हालांकि उन पर काफ़ी झाइयाँ थीं, फिर भी उनमें एक अलग ही लालिमा थी, जैसे किसी गहरे गुलाबी रंग में छिपी हुई हल्की सी लालिमा। मैं दोहराता हूँ, पहली छाप प्रशंसा की थी। लेकिन दूसरी छाप आलोचना की थी। चेहरे में कुछ सूक्ष्म कमी थी, भावों में कुछ रूखापन, आँखों में शायद कुछ कठोरता, होंठों में कुछ ढीलापन, जिसने उनकी परिपूर्ण सुंदरता को थोड़ा कम कर दिया था। लेकिन ये सब तो बाद की बातें हैं। उस समय मैं बस इतना ही महसूस कर रहा था कि मैं एक बेहद खूबसूरत महिला के सामने हूँ, और वह मुझसे मेरे आने का कारण पूछ रही है। उस पल तक मुझे पूरी तरह समझ नहीं आया था कि मेरा मिशन कितना नाज़ुक था।

मैंने कहा, "मुझे आपके पिता को जानने का सौभाग्य प्राप्त है।" यह एक अटपटा परिचय था, और उस महिला ने मुझे इसका एहसास दिला दिया।

“मेरे पिता और मेरे बीच कोई समानता नहीं है,” उसने कहा। “मैं उनकी ऋणी नहीं हूँ, और उनके मित्र मेरे मित्र नहीं हैं। अगर स्वर्गीय सर चार्ल्स बास्करविले और कुछ अन्य दयालु लोग न होते तो शायद मैं भूखी मर जाती, क्योंकि मेरे पिता को मेरी कोई परवाह नहीं थी।”

"मैं आपसे मिलने यहाँ स्वर्गीय सर चार्ल्स बास्करविले के बारे में ही आया हूँ।"

महिला के चेहरे पर पहले झाइयां दिखाई देने लगीं।

“मैं आपको उसके बारे में क्या बता सकती हूँ?” उसने पूछा, और उसकी उंगलियाँ घबराहट में अपने टाइपराइटर के स्टॉप बटन पर चल रही थीं।

“आप उसे जानते थे, है ना?”

मैं पहले भी कह चुका हूं कि मैं उनकी दयालुता का बहुत ऋणी हूं। अगर मैं अपना गुजारा कर पा रहा हूं तो इसका बहुत बड़ा श्रेय मेरी दयनीय स्थिति में उनकी रुचि को जाता है।

क्या आपने उनसे पत्राचार किया था?

उस महिला ने अपनी भूरी आँखों में गुस्से की चमक लिए हुए तेजी से ऊपर की ओर देखा।

“इन सवालों का उद्देश्य क्या है?” उसने तीखे स्वर में पूछा।

“हमारा उद्देश्य सार्वजनिक बदनामी से बचना है। बेहतर यही है कि मैं उनसे यहीं पूछ लूँ, बजाय इसके कि मामला हमारे नियंत्रण से बाहर चला जाए।”

वह चुप थी और उसका चेहरा अब भी बेहद पीला था। अंत में उसने कुछ बेपरवाह और विद्रोही भाव से ऊपर देखा।

“ठीक है, मैं जवाब देती हूँ,” उसने कहा। “आपके क्या सवाल हैं?”

"क्या आपने सर चार्ल्स के साथ पत्राचार किया था?"

मैंने उनकी विनम्रता और उदारता को स्वीकार करने के लिए उन्हें एक-दो बार जरूर पत्र लिखा था।

"क्या आपके पास उन पत्रों की तारीखें हैं?"

"नहीं।"

क्या आप उनसे कभी मिले हैं?

"हां, एक-दो बार, जब वह कूम्ब ट्रेसी आए थे। वह बहुत ही एकांतप्रिय व्यक्ति थे, और वह छुपकर भलाई करना पसंद करते थे।"

लेकिन अगर आप उनसे इतनी कम बार मिलते थे और इतनी कम बार लिखते थे, तो उन्हें आपके मामलों के बारे में इतनी जानकारी कैसे मिली कि वे आपकी मदद कर सकें, जैसा कि आप कहते हैं कि उन्होंने किया है?

उन्होंने मेरी समस्या का अत्यंत तत्परता से समाधान किया।

“कई ऐसे सज्जन थे जो मेरी दुखद कहानी जानते थे और मेरी मदद के लिए एकजुट हुए। उनमें से एक श्री स्टेपलटन थे, जो सर चार्ल्स के पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र थे। वे बेहद दयालु थे, और उन्हीं के माध्यम से सर चार्ल्स को मेरी स्थिति के बारे में पता चला।”

मुझे पहले से ही पता था कि सर चार्ल्स बास्करविले ने कई मौकों पर स्टेपलटन को अपना दानदाता बनाया था, इसलिए महिला के बयान में सच्चाई की झलक थी।

मैंने आगे पूछा, "क्या आपने कभी सर चार्ल्स को पत्र लिखकर उनसे मिलने का अनुरोध किया था?"

श्रीमती लायंस एक बार फिर गुस्से से लाल हो गईं।

"सचमुच, महोदय, यह एक बहुत ही असाधारण प्रश्न है।"

"मुझे खेद है, महोदया, लेकिन मुझे इसे दोहराना होगा।"

"तो मैं जवाब देता हूं, बिल्कुल नहीं।"

"क्या यह घटना सर चार्ल्स की मृत्यु के ठीक उसी दिन नहीं हुई थी?"

चेहरे की लाली पल भर में गायब हो गई, और मेरे सामने एक बेजान चेहरा था। उसके सूखे होंठ "नहीं" नहीं बोल पाए, जिसे मैंने सुना नहीं बल्कि देखा।

मैंने कहा, "ज़रूर आपकी याददाश्त आपको धोखा दे रही है। मैं तो आपके पत्र का एक अंश भी सुना सकता हूं। उसमें लिखा था, 'कृपया, कृपया, क्योंकि आप एक सज्जन व्यक्ति हैं, इस पत्र को जला दीजिए और दस बजे तक द्वार पर पहुंच जाइए।'"

मुझे लगा कि वह बेहोश हो गई है, लेकिन उसने अदम्य प्रयास से खुद को संभाल लिया।

"क्या सज्जन जैसा कुछ होता ही नहीं?" उसने हांफते हुए कहा।

“आप सर चार्ल्स के साथ अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने पत्र जला दिया था। लेकिन कभी-कभी जला हुआ पत्र भी पढ़ा जा सकता है। क्या अब आप स्वीकार करते हैं कि आपने ही इसे लिखा था?”

“हाँ, मैंने ही लिखा था,” वो रोते हुए बोली, मानो शब्दों की बाढ़ में अपने दिल की बात कह रही हो। “मैंने ही लिखा था। मैं इसे क्यों नकारूं? मुझे इस पर शर्मिंदा होने का कोई कारण नहीं है। मैं चाहती थी कि वो मेरी मदद करे। मुझे विश्वास था कि अगर मैं उससे मिल लूँ तो मुझे उसकी मदद मिल सकती है, इसलिए मैंने उससे मिलने का अनुरोध किया।”

"लेकिन इस समय क्यों?"

“क्योंकि मुझे अभी-अभी पता चला था कि वह अगले दिन लंदन जा रहा है और शायद कई महीनों तक बाहर रहेगा। कुछ कारण थे जिनकी वजह से मैं वहां पहले नहीं पहुंच सका।”

"लेकिन घर जाने के बजाय बगीचे में मुलाकात क्यों?"

"क्या आपको लगता है कि कोई महिला उस समय अकेले किसी कुंवारे के घर जा सकती है?"

"अच्छा, जब आप वहां पहुंचे तो क्या हुआ?"

"मैं कभी नहीं गया था।"

“श्रीमती लियोन्स!”

“नहीं, मैं अपनी हर पवित्र चीज की कसम खाकर कहता हूँ। मैं कभी नहीं गया। किसी चीज ने मुझे जाने से रोक दिया।”

"वह क्या था?"

“यह एक निजी मामला है। मैं इसे नहीं बता सकता।”

"आप स्वीकार करते हैं कि आपने सर चार्ल्स से ठीक उसी समय और स्थान पर मिलने का समय तय किया था, जिस समय और स्थान पर उनकी मृत्यु हुई थी, लेकिन आप इस बात से इनकार करते हैं कि आप उस समय और स्थान पर उपस्थित रहे।"

"वह सच है।"

मैंने बार-बार उससे सवाल-जवाब किए, लेकिन मैं उस बिंदु से आगे कभी नहीं बढ़ पाया।

“श्रीमती लायंस,” मैंने इस लंबी और निरर्थक बातचीत के बाद उठते हुए कहा, “आप एक बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी ले रही हैं और अपने आप को एक बहुत ही गलत स्थिति में डाल रही हैं, क्योंकि आप अपने सारे ज्ञान को पूरी तरह से स्पष्ट रूप से नहीं बता रही हैं। अगर मुझे पुलिस की मदद लेनी पड़ी, तो आपको पता चल जाएगा कि आप कितनी बुरी तरह से फंस जाएंगी। अगर आप निर्दोष हैं, तो आपने शुरू में ही उस तारीख को सर चार्ल्स को पत्र लिखने से इनकार क्यों किया?”

"क्योंकि मुझे डर था कि इससे कोई गलत निष्कर्ष निकाला जा सकता है और मैं किसी घोटाले में फंस सकता हूं।"

और आप सर चार्ल्स से अपना पत्र नष्ट करने के लिए इतना दबाव क्यों डाल रहे थे?

"अगर आपने पत्र पढ़ा है तो आपको पता चल जाएगा।"

मैंने यह नहीं कहा कि मैंने पूरा पत्र पढ़ लिया है।

आपने इसका कुछ अंश उद्धृत किया है।

मैंने परिशिष्ट उद्धृत किया था। जैसा कि मैंने कहा, पत्र जल गया था और पूरी तरह से पठनीय नहीं था। मैं आपसे एक बार फिर पूछता हूँ कि आप सर चार्ल्स पर इतना दबाव क्यों डाल रहे थे कि वे उस पत्र को नष्ट कर दें जो उन्हें उनकी मृत्यु के दिन प्राप्त हुआ था?

यह मामला बेहद निजी है।

"इसीलिए आपको सार्वजनिक जांच से बचना चाहिए।"

“तो मैं आपको बताती हूं। अगर आपने मेरे दुखद इतिहास के बारे में कुछ भी सुना है तो आपको पता होगा कि मैंने जल्दबाजी में शादी की थी और मुझे इसका पछतावा करने का कारण था।”

मैंने बहुत कुछ सुना है।

“मेरा जीवन एक ऐसे पति के निरंतर उत्पीड़न से भरा रहा है जिससे मुझे घृणा है। कानून उसके पक्ष में है, और हर दिन मुझे इस संभावना का सामना करना पड़ता है कि वह मुझे अपने साथ रहने के लिए मजबूर कर सकता है। जिस समय मैंने सर चार्ल्स को यह पत्र लिखा था, उसी समय मुझे पता चला था कि यदि कुछ खर्चों का भुगतान कर दिया जाए तो मेरी स्वतंत्रता वापस मिलने की संभावना है। यह मेरे लिए सब कुछ था - मन की शांति, खुशी, आत्मसम्मान - सब कुछ। मैं सर चार्ल्स की उदारता को जानती थी, और मुझे लगा कि अगर वह मेरी कहानी खुद सुनेंगे तो मेरी मदद करेंगे।”

तो फिर आप क्यों नहीं गए?

"क्योंकि इस दौरान मुझे किसी अन्य स्रोत से मदद मिली।"

"तो फिर आपने सर चार्ल्स को पत्र लिखकर यह बात क्यों नहीं समझाई?"

"अगर मैंने अगली सुबह अखबार में उनकी मृत्यु की खबर न देखी होती तो मुझे ऐसा ही करना चाहिए था।"

महिला की कहानी सुसंगत रूप से जुड़ी हुई थी, और मेरे सभी प्रश्न उसे हिला नहीं सके। मैं इसकी पुष्टि केवल यह पता लगाकर कर सकता था कि क्या उसने वास्तव में त्रासदी के समय या उसके आसपास अपने पति के खिलाफ तलाक की कार्यवाही शुरू की थी।

अगर वह सचमुच बास्करविले हॉल गई होती, तो यह कहना असंभव था कि वह नहीं गई थी, क्योंकि उसे वहां ले जाने के लिए एक जाल बिछाना पड़ता, और वह सुबह तड़के तक कूम्ब ट्रेसी वापस नहीं लौट सकती थी। ऐसी यात्रा को गुप्त रखना संभव नहीं था। इसलिए, संभावना यही थी कि वह सच कह रही थी, या कम से कम आंशिक सच। मैं हताश और निराश होकर लौट आया। एक बार फिर मैं उस निर्मम दीवार के सामने आ गया था जो मेरे मिशन के लक्ष्य तक पहुंचने के हर रास्ते पर खड़ी प्रतीत होती थी। फिर भी, जितना अधिक मैं उस महिला के चेहरे और उसके व्यवहार के बारे में सोचता, उतना ही मुझे लगता कि मुझसे कुछ छिपाया जा रहा है। वह इतनी पीली क्यों पड़ गई थी? वह हर बात को तब तक क्यों छिपाती रही जब तक कि उसे जबरदस्ती न उगलवाया गया? त्रासदी के समय वह इतनी चुप क्यों थी? निश्चित रूप से इन सब का स्पष्टीकरण उतना सरल नहीं हो सकता जितना वह मुझे विश्वास दिलाना चाहती थी। फिलहाल मैं उस दिशा में और आगे नहीं बढ़ सकता था, बल्कि मुझे उस दूसरे सुराग की ओर लौटना होगा जिसे दलदली भूमि पर बनी पत्थर की झोपड़ियों के बीच खोजना था।

और वह एक बेहद अस्पष्ट निर्देश था। मुझे इसका एहसास तब हुआ जब मैं वापस गाड़ी चला रहा था और मैंने देखा कि एक के बाद एक पहाड़ियों पर प्राचीन लोगों के निशान दिखाई दे रहे थे। बैरीमोर का एकमात्र संकेत यह था कि वह अजनबी इन्हीं परित्यक्त झोपड़ियों में से एक में रहता था, और ऐसी सैकड़ों झोपड़ियां दलदली भूमि में फैली हुई हैं। लेकिन मेरे पास अपना अनुभव मार्गदर्शक था, क्योंकि इसने मुझे स्वयं उस व्यक्ति को ब्लैक टॉर की चोटी पर खड़ा देखा था। तो वही मेरी खोज का केंद्र होना चाहिए। वहां से मैं दलदली भूमि की हर झोपड़ी की छानबीन करूंगा जब तक कि मुझे सही झोपड़ी न मिल जाए। अगर वह व्यक्ति उसके अंदर होता, तो मैं उससे खुद पूछता,

ज़रूरत पड़ने पर अपनी रिवाल्वर दिखाकर, कि वह कौन है और इतने लंबे समय से हमारा पीछा क्यों कर रहा है। वह रीजेंट स्ट्रीट की भीड़ में हमसे बचकर निकल सकता था, लेकिन सुनसान दलदली भूमि पर ऐसा करना उसके लिए मुश्किल होता। दूसरी ओर, अगर मुझे झोपड़ी मिल जाती और उसका किरायेदार अंदर नहीं होता, तो मुझे वहां तब तक रुकना होगा, चाहे कितनी भी देर तक इंतज़ार करना पड़े, जब तक वह वापस न आ जाए। होम्स उसे लंदन में नहीं ढूंढ पाए थे। अगर मैं उसे उस जगह तक पहुंचाने में कामयाब हो जाऊं जहां मेरा गुरु असफल रहा था, तो यह मेरे लिए सचमुच एक बड़ी जीत होगी।

इस जांच में किस्मत बार-बार हमारा साथ नहीं दे रही थी, लेकिन आखिरकार अब किस्मत ने मेरा साथ दिया। और सौभाग्य का संदेशवाहक कोई और नहीं बल्कि श्री फ्रैंकलैंड थे, जो अपने बगीचे के द्वार के बाहर खड़े थे, जिनकी दाढ़ी सफेद हो गई थी और चेहरा लाल था। यह द्वार उस मुख्य सड़क पर खुलता था जिस पर मैं यात्रा कर रहा था।

“शुभ दिन, डॉ. वॉटसन,” उन्होंने अप्रत्याशित रूप से खुशमिजाज अंदाज में कहा, “आपको अपने घोड़ों को थोड़ा आराम देना चाहिए और अंदर आकर एक गिलास वाइन पीनी चाहिए और मुझे बधाई देनी चाहिए।”

अपनी बेटी के साथ उसके बर्ताव के बारे में जो मैंने सुना था, उसके बाद उसके प्रति मेरी भावनाएँ दोस्ती से कोसों दूर थीं, लेकिन मैं पर्किन्स और वैगनेट को घर भेजना चाहता था, और यह एक अच्छा मौका था। मैं उतरा और सर हेनरी को संदेश भेजा कि मैं रात के खाने के समय तक पैदल चलकर आ जाऊंगा। फिर मैं फ्रैंकलैंड के पीछे-पीछे उसके भोजन कक्ष में चला गया।

“आज का दिन मेरे लिए बहुत बड़ा है, महोदय – मेरे जीवन के सबसे यादगार दिनों में से एक,” वह खिलखिलाते हुए बोले। “मैंने दोहरी उपलब्धि हासिल कर ली है। मैं इन लोगों को सबक सिखाना चाहता हूं कि कानून, कानून होता है, और यहां एक ऐसा व्यक्ति है जो कानून का इस्तेमाल करने से नहीं डरता। मैंने पुराने मिडलटन के पार्क के बीचोंबीच, ठीक उसके सामने, उनके घर के दरवाजे से सौ गज़ की दूरी पर, एक रास्ता बना दिया है। आपको यह कैसा लगा? हम इन बड़े लोगों को सबक सिखाएंगे कि वे आम लोगों के अधिकारों को रौंद नहीं सकते, धिक्कार है इन पर! और मैंने उस जंगल को भी बंद कर दिया है जहां फर्नवर्थी के लोग पिकनिक मनाते थे। ये दुष्ट लोग सोचते हैं कि संपत्ति का कोई अधिकार नहीं होता, और वे जहां चाहें अपने कागज़ात और बोतलों के साथ जमा हो सकते हैं। दोनों मामलों का फैसला हो गया है, डॉ. वॉटसन, और दोनों मेरे पक्ष में। सर जॉन मोरलैंड को अतिक्रमण के मामले में पकड़ने के बाद से मैंने ऐसा दिन नहीं देखा, क्योंकि उन्होंने अपने ही इलाके में गोली चलाई थी।”

"आखिर तुमने ये कैसे किया?"

“श्रीमान, किताबों में देख लीजिए। इसे पढ़ना फायदेमंद होगा — फ्रैंकलैंड बनाम मोरलैंड, कोर्ट ऑफ क्वीन्स बेंच। इसमें मुझे 200 पाउंड खर्च करने पड़े, लेकिन मुझे मेरा फैसला मिल गया।”

"क्या इससे आपको कोई फायदा हुआ?"

“बिल्कुल नहीं, महोदय, बिलकुल नहीं। मुझे यह कहते हुए गर्व है कि इस मामले में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं थी। मैं पूरी तरह से जनहित में काम करता हूं। उदाहरण के लिए, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि फर्नवर्थी के लोग आज रात मेरा पुतला जलाएंगे। पिछली बार जब पुलिस ने ऐसा किया था, तो मैंने उनसे कहा था कि वे ये शर्मनाक प्रदर्शन बंद कर दें। काउंटी पुलिस बल शर्मनाक हालत में है, महोदय, और इसने मुझे वह सुरक्षा प्रदान नहीं की है जिसका मैं हकदार हूं। फ्रैंकलैंड बनाम रेजिना का मामला

इस मामले को जनता के ध्यान में लाएगा। मैंने उनसे कहा था कि उन्हें मेरे साथ किए गए व्यवहार पर पछतावा होगा, और मेरी बात सच साबित हो चुकी है।”

मैंने पूछा, "ऐसा कैसे?"

बूढ़े व्यक्ति ने बहुत ही समझदारी भरा भाव दिखाया।

"क्योंकि मैं उन्हें वह सब बता सकता हूँ जो वे जानने के लिए बेताब हैं; लेकिन कोई भी बात मुझे उन बदमाशों की किसी भी तरह से मदद करने के लिए प्रेरित नहीं कर सकती।"

मैं उसकी गपशप से बचने के लिए कोई बहाना ढूंढ रहा था, लेकिन अब मुझे उसकी और गपशप सुनने की इच्छा होने लगी थी। उस बूढ़े पापी के अड़ियल स्वभाव को मैंने इतना देख लिया था कि मैं समझ गया था कि उसकी बातों में दिलचस्पी दिखाना ही उसकी बातों को रोकने का सबसे कारगर तरीका होगा।

"ज़रूर, यह शिकार का मामला होगा?" मैंने उदासीनता भरे लहजे में कहा।

“हा हा, मेरे लड़के, उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण मामला है! दलदल में फंसे उस कैदी का क्या हुआ?”

मैंने चौंककर कहा, "तुम्हारा मतलब यह नहीं है कि तुम जानते हो कि वह कहाँ है?"

“मुझे ठीक-ठीक पता नहीं है कि वह कहाँ है, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि मैं पुलिस को उसे पकड़ने में मदद कर सकता हूँ। क्या आपके मन में कभी यह ख्याल नहीं आया कि उस आदमी को पकड़ने का तरीका यह पता लगाना है कि उसे खाना कहाँ से मिलता है, और फिर उस तक पहुँचना है?”

वह सच्चाई के बेहद करीब पहुँचता हुआ प्रतीत हो रहा था। मैंने कहा, "निस्संदेह; लेकिन आपको कैसे पता कि वह मैदान में कहीं है?"

मुझे यह इसलिए पता है क्योंकि मैंने अपनी आँखों से उस दूत को देखा है जो उसके लिए भोजन लेकर जाता है।

बैरीमोर के लिए मेरा दिल बैठ गया। इस द्वेषपूर्ण और दखलंदाज़ बूढ़े के चंगुल में होना वाकई गंभीर बात थी। लेकिन उनकी अगली टिप्पणी से मेरे मन से बोझ हल्का हो गया।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि उसका खाना एक बच्चा उसके लिए लाता है। मैं उसे हर दिन छत पर लगे अपने टेलीस्कोप से देखता हूँ। वह हर दिन उसी समय उसी रास्ते से गुजरता है, और वह कैदी के अलावा और किसके पास जा रहा होगा?

ये तो वाकई किस्मत की बात थी! फिर भी मैंने अपनी दिलचस्पी को पूरी तरह छिपा लिया। एक बच्चा! बैरीमोर ने कहा था कि हमारे अज्ञात व्यक्ति की पहचान एक लड़के से हुई थी। फ्रैंकलैंड उसी के पीछे भटका था, न कि कैदी के पीछे। अगर मुझे उसकी जानकारी मिल जाती तो मेरी लंबी और थका देने वाली खोज बच जाती। लेकिन अविश्वास और उदासीनता ही मेरे सबसे मजबूत हथियार थे।

मुझे कहना चाहिए कि यह कहीं अधिक संभावना थी कि यह दलदली भूमि के चरवाहों में से किसी एक का बेटा था जो अपने पिता के लिए रात का खाना लेकर निकला था।

विरोध की ज़रा सी भी झलक उस बूढ़े तानाशाह के अंदर आग उगल देती थी। उसकी आँखें मुझे दुर्भावना से घूरती थीं, और उसकी भूरी मूंछें किसी क्रोधित बिल्ली की तरह तन जाती थीं।

“जी हाँ, महोदय!” उसने दूर तक फैले मैदान की ओर इशारा करते हुए कहा। “क्या आपको वह काला टीला दिखाई दे रहा है? और क्या आपको उसके आगे कांटेदार झाड़ियों वाली वह छोटी पहाड़ी दिखाई दे रही है? वह पूरे मैदान का सबसे पथरीला

हिस्सा है। क्या वह ऐसी जगह है जहाँ कोई चरवाहा अपना डेरा डालना चाहेगा? आपका सुझाव, महोदय, बिल्कुल बेतुका है।”

मैंने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया कि मैंने सभी तथ्यों को जाने बिना ही बोल दिया था। मेरी इस बात से वे प्रसन्न हुए और उन्होंने आगे चलकर मुझसे और भी कई बातें साझा कीं।

“आप निश्चिंत रहें, महोदय, मेरे पास कोई राय बनाने से पहले ठोस कारण हैं। मैंने उस लड़के को उसके बंडल के साथ बार-बार देखा है। हर दिन, और कभी-कभी दिन में दो बार, मैं उसे देख पाता था—लेकिन एक क्षण रुकिए, डॉ. वॉटसन। क्या मेरी आँखें मुझे धोखा दे रही हैं, या इस समय उस पहाड़ी पर कुछ हलचल हो रही है?”

यह कई मील दूर था, लेकिन मैं धुंधले हरे और भूरे रंग के बीच एक छोटा सा काला बिंदु स्पष्ट रूप से देख सकता था।

“आइए, महोदय, आइए!” फ्रैंकलैंड चिल्लाते हुए ऊपर की ओर भागा। “आप स्वयं अपनी आँखों से देखेंगे और निर्णय स्वयं लेंगे।”

तिपाई पर लगा हुआ विशाल दूरबीन घर की समतल छत पर रखा था। फ्रैंकलैंड ने उस पर अपनी नज़र डाली और संतुष्टि से चिल्ला उठा।

"जल्दी करो, डॉ. वॉटसन, जल्दी करो, इससे पहले कि वह पहाड़ी के ऊपर से गुजर जाए!"

वहाँ वह था, सचमुच, एक छोटा सा बच्चा अपने कंधे पर एक छोटा सा बंडल लिए धीरे-धीरे पहाड़ी पर चढ़ रहा था। जब वह चोटी पर पहुँचा तो मैंने ठंडे नीले आकाश के सामने एक पल के लिए उसकी फटीचर सी, बेढंगी आकृति देखी। उसने चारों ओर एक दबे पांव और चुपके से देखा, मानो उसे पीछा किए जाने का डर हो। फिर वह पहाड़ी के पीछे गायब हो गया।

“अच्छा! क्या मैं सही हूँ?”

"निश्चित रूप से, एक लड़का है जो किसी गुप्त कार्य में लगा हुआ प्रतीत होता है।"

“और वो काम क्या है, इसका अंदाज़ा तो एक काउंटी कांस्टेबल भी लगा सकता है। लेकिन उन्हें मुझसे एक शब्द भी नहीं पता चलेगा, और मैं आपको भी इस बात को गुप्त रखने के लिए बाध्य करता हूं, डॉ. वॉटसन। एक शब्द भी नहीं! समझे!”

"जैसा आप चाहें।"

“उन्होंने मेरे साथ बेहद शर्मनाक बर्ताव किया है। जब फ्रैंकलैंड बनाम रेजिना मामले में तथ्य सामने आएंगे, तो मुझे पूरा यकीन है कि पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ जाएगी। मैं किसी भी हालत में पुलिस की मदद नहीं करूंगा। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं कि इन बदमाशों ने मेरी पुतली की जगह मुझे ही आग में जला दिया होता। यकीनन तुम नहीं जाओगे! इस खास मौके पर मेरे साथ मिलकर इस पवित्र वस्तु को जलाओगे!”

लेकिन मैंने उसकी हर विनती को ठुकरा दिया और उसे मेरे साथ घर चलने के अपने घोषित इरादे से रोकने में सफल रही। जब तक उसकी नज़र मुझ पर थी, मैं सड़क पर चलती रही, और फिर मैं दलदल पार करके उस पथरीली पहाड़ी की ओर चल पड़ी जहाँ वह लड़का गायब हो गया था। सब कुछ मेरे पक्ष में था, और मैंने कसम खाई कि मैं ऊर्जा या दृढ़ता की कमी के कारण भाग्य द्वारा दिए गए इस अवसर को नहीं गंवाऊंगी।

जब मैं पहाड़ी की चोटी पर पहुँचा, तब तक सूरज डूब रहा था, और मेरे नीचे की लंबी ढलानें एक तरफ सुनहरे-हरे रंग की थीं और दूसरी तरफ धूसर छाया में डूबी हुई थीं। दूर क्षितिज पर धुंध छाई हुई थी, जिसमें से बेलिवर और विक्सेन टॉर की अद्भुत आकृतियाँ उभरी हुई थीं। उस विशाल विस्तार में न कोई आवाज़ थी, न कोई हलचल।

एक बड़ा धूसर पक्षी, शायद एक सीगल या कल्यू, नीले आकाश में ऊँचाई पर उड़ रहा था। ऐसा लग रहा था मानो हम दोनों ही आकाश के विशाल चाप और उसके नीचे रेगिस्तान के बीच एकमात्र जीवित प्राणी हों। बंजर दृश्य, अकेलेपन का एहसास, और मेरे काम का रहस्य और तात्कालिकता, सबने मेरे दिल में सिहरन पैदा कर दी। लड़का कहीं नज़र नहीं आ रहा था। लेकिन मेरे नीचे, पहाड़ियों की एक दरार में पुरानी पत्थर की झोपड़ियों का एक घेरा था, और उनके बीच में एक ऐसी झोपड़ी थी जिसकी छत मौसम से बचाव के लिए पर्याप्त थी। उसे देखकर मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। यही वह ठिकाना होना चाहिए जहाँ वह अजनबी छिपा हुआ था। अंततः मेरा पैर उसके छिपने के स्थान की दहलीज पर था - उसका रहस्य मेरी पहुँच में था।

जैसे ही मैं झोपड़ी के पास पहुँचा, मैं उतनी ही सावधानी से चल रहा था जितनी सावधानी से स्टेपलटन किसी बैठी हुई तितली के पास जाल लेकर आता था। मैंने यह सुनिश्चित कर लिया कि यह जगह वाकई कभी किसी के रहने की जगह रही होगी। पत्थरों के बीच एक धुंधला रास्ता एक जर्जर खुले हिस्से तक जाता था जो दरवाजे का काम करता था। अंदर सन्नाटा पसरा हुआ था। शायद कोई अज्ञात जीव वहाँ छिपा हो, या शायद वह खुले मैदान में शिकार की तलाश में हो। रोमांच की भावना से मेरी नसें फड़कने लगीं। सिगरेट फेंककर मैंने अपने रिवॉल्वर के बट को मुट्ठी में बंद किया और तेज़ी से दरवाजे तक जाकर अंदर देखा। जगह खाली थी।

लेकिन इस बात के पर्याप्त संकेत थे कि मुझे कोई झूठी गंध नहीं मिली थी। यह निश्चित रूप से वही जगह थी जहाँ वह आदमी रहता था। कुछ कंबल एक वाटरप्रूफ कपड़े में लिपटे हुए उसी पत्थर की पटिया पर पड़े थे जिस पर कभी नवपाषाण काल का मनुष्य सोया करता था। एक साधारण सी अंगीठी में आग की राख का ढेर लगा था। उसके बगल में कुछ खाना पकाने के बर्तन और आधा भरा पानी का एक बाल्टी पड़ा था। खाली डिब्बों का ढेर यह दर्शाता था कि यह जगह कुछ समय से आबाद थी, और जैसे ही मेरी आँखें रंगीन रोशनी से अभ्यस्त हुईं, मैंने कोने में एक प्याला और आधी भरी शराब की बोतल देखी। झोपड़ी के बीच में एक सपाट पत्थर मेज का काम कर रहा था, और उस पर कपड़े का एक छोटा सा बंडल रखा था - निस्संदेह वही, जिसे मैंने दूरबीन से लड़के के कंधे पर देखा था। उसमें एक रोटी, एक डिब्बाबंद जीभ और संरक्षित आड़ू के दो डिब्बे थे। जब मैंने उसे जाँचने के बाद वापस नीचे रखा, तो यह देखकर मेरा दिल उछल पड़ा कि उसके नीचे कागज़ का एक टुकड़ा पड़ा था जिस पर कुछ लिखा हुआ था। मैंने उसे उठाया, और मुझे पेंसिल से मोटे-मोटे अक्षरों में लिखा हुआ यह संदेश मिला:—

डॉ. वॉटसन कूम्ब ट्रेसी गए हैं।

एक मिनट के लिए मैं कागज़ हाथ में लिए वहीं खड़ा रहा, इस संक्षिप्त संदेश का अर्थ समझने की कोशिश करता रहा। असल में, यह मैं ही था, सर हेनरी नहीं, जिसका पीछा यह रहस्यमयी आदमी कर रहा था। उसने खुद मेरा पीछा नहीं किया था, बल्कि उसने किसी को—शायद उस लड़के को—मेरे पीछे लगाया था, और यह उसकी रिपोर्ट थी। संभवतः जब से मैं उस मैदान पर था, मैंने कोई ऐसा कदम नहीं उठाया था जिसे किसी ने देखा और रिपोर्ट न किया हो। हमेशा एक अदृश्य शक्ति का आभास होता था, एक महीन जाल जो असीम कुशलता और कोमलता से हमारे चारों ओर बुना गया हो, हमें इतनी हल्की पकड़ में रखता हो कि किसी विशेष क्षण में ही एहसास होता है कि हम वास्तव में उसके जालों में फँस गए हैं।

अगर एक खबर थी तो शायद और भी होंगी, इसलिए मैंने उन्हें खोजने के लिए झोपड़ी के चारों ओर देखा। हालाँकि, मुझे ऐसी कोई बात नहीं मिली, न ही मुझे कोई ऐसा संकेत मिला जिससे इस अनोखी जगह पर रहने वाले व्यक्ति के चरित्र या इरादों

का पता चल सके, सिवाय इसके कि वह सादगी पसंद था और जीवन के सुख-सुविधाओं की परवाह नहीं करता था। जब मैंने भारी बारिश के बारे में सोचा और फटी हुई छत को देखा तो मुझे समझ आया कि उस निर्जन घर में उसे रोके रखने का उद्देश्य कितना मजबूत और अटल रहा होगा। क्या वह हमारा कुख्यात शत्रु था, या संयोग से हमारा रक्षक देवदूत था? मैंने कसम खाई कि जब तक मुझे पता नहीं चल जाता, मैं झोपड़ी नहीं छोड़ूंगी।

बाहर सूरज ढल रहा था और पश्चिम दिशा लाल और सुनहरे रंग से जगमगा रही थी। दूर स्थित विशाल ग्रिम्पेन दलदल के बीच बसे तालाबों में उसकी परछाई लाल धब्बों के रूप में वापस आ रही थी। बास्करविले हॉल के दो बुर्ज दिखाई दे रहे थे, और दूर धुएं का एक धुंधला सा गुबार ग्रिम्पेन गांव की पहचान बता रहा था। इन दोनों के बीच, पहाड़ी के पीछे, स्टेपलटन परिवार का घर था। शाम की सुनहरी रोशनी में सब कुछ मधुर, शांत और सुकून भरा था, फिर भी जब मैंने उन्हें देखा तो मेरी आत्मा प्रकृति की शांति का अनुभव किए बिना कांप उठी, बल्कि उस मुलाकात की अनिश्चितता और भय से कांप उठी जो हर पल करीब आती जा रही थी। नसें कांप रही थीं, लेकिन मेरा इरादा पक्का था, मैं झोपड़ी के अंधेरे कोने में बैठ गया और गंभीर धैर्य के साथ उसके निवासी के आने का इंतजार करने लगा।

और फिर आखिरकार मैंने उसकी आवाज़ सुनी। दूर से किसी पत्थर पर बूट की तेज़ आवाज़ आई। फिर एक और, और फिर एक और, आवाज़ें पास आती गईं। मैं सबसे अंधेरे कोने में दुबक गया और अपनी जेब में रखी पिस्तौल को तैयार कर लिया, यह ठान लिया कि जब तक मुझे उस अजनबी को देखने का मौका नहीं मिल जाता, तब तक मैं खुद को प्रकट नहीं होने दूंगा। एक लंबा सन्नाटा छा गया जिससे पता चला कि वह रुक गया है। फिर एक बार फिर कदमों की आहट सुनाई दी और झोपड़ी के खुले हिस्से पर एक परछाई पड़ गई।

"यह एक सुहावनी शाम है, मेरे प्यारे वॉटसन," एक जानी-पहचानी आवाज़ ने कहा। "मुझे सच में लगता है कि आप अंदर रहने की बजाय बाहर ज़्यादा आराम महसूस करेंगे।"

दलदल पर मौत

एक-दो पल के लिए मैं स्तब्ध रह गया, मानो अपने कानों पर विश्वास ही न कर पा रहा हो। फिर मेरी चेतना और मेरी आवाज़ वापस लौट आई, मानो पल भर में मेरे मन से ज़िम्मेदारी का भारी बोझ उतर गया हो। वह ठंडी, तीखी और व्यंग्यात्मक आवाज़ पूरी दुनिया में केवल एक ही व्यक्ति की हो सकती थी।

"होम्स!" मैं चिल्लाया — "होम्स!"

उसने कहा, "बाहर आओ, और कृपया रिवॉल्वर का इस्तेमाल सावधानी से करो।"

मैं खस्ताहाल चौखट के नीचे झुका, और वहाँ वह बाहर एक पत्थर पर बैठा था, उसकी धूसर आँखें मेरी अचंभित शक्ल को देखकर शरारत भरी चमक रही थीं। वह दुबला-पतला और थका हुआ था, लेकिन उसका चेहरा साफ़ और चौकन्ना था, धूप से उसका चेहरा तरोताज़ा और हवा से खुरदुरा हो गया था। अपने ट्वीड सूट और कपड़े की टोपी में वह मैदान पर किसी भी अन्य पर्यटक जैसा दिख रहा था, और अपनी उस बिल्ली जैसी स्वच्छता के प्रति आसक्ति के साथ, जो उसकी एक विशेषता थी, उसने अपनी ठुड्डी को इतना चिकना और अपने कपड़ों को इतना बेदाग़ बना रखा था मानो वह बेकर स्ट्रीट में हो।

मैंने उसका हाथ दबाते हुए कहा, "मैंने अपने जीवन में कभी किसी को देखकर इतनी खुशी महसूस नहीं की।"

"या फिर और भी ज्यादा आश्चर्यचकित, है ना?"

"खैर, मुझे यह स्वीकार करना होगा।"

"मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि आश्चर्य सिर्फ एक तरफा नहीं था। मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि आपने मेरी उस गुप्त जगह को ढूंढ लिया है, और उससे भी कम कि आप उसके अंदर हैं, जब तक कि मैं दरवाजे से बीस कदम की दूरी पर नहीं आ गया था।"

"मेरा पदचिह्न, मेरा अनुमान है?"

“नहीं, वॉटसन; मुझे डर है कि मैं दुनिया भर के पैरों के निशानों के बीच तुम्हारे पैरों के निशान पहचान नहीं पाऊँगा। अगर तुम सच में मुझे धोखा देना चाहते हो तो तुम्हें अपना तंबाकू विक्रेता बदलना होगा; क्योंकि जब मैं ब्रैडली, ऑक्सफ़ोर्ड स्ट्रीट लिखा हुआ सिगरेट का टुकड़ा देखता हूँ, तो मैं समझ जाता हूँ कि मेरा दोस्त वॉटसन आस-पास ही है। तुम्हें वह रास्ते के किनारे ही दिखेगा। तुमने उसे ज़रूर उस निर्णायक क्षण में फेंका होगा जब तुम खाली झोपड़ी में घुसे थे।”

"बिल्कुल।"

“मैंने भी यही सोचा था—और आपकी सराहनीय दृढ़ता को देखते हुए मुझे पूरा यकीन था कि आप घात लगाकर बैठे हैं, हथियार आपके हाथ में है, और किरायेदार के लौटने का इंतजार कर रहे हैं। तो क्या आपको सच में लगा कि मैं ही अपराधी हूँ?”

मुझे नहीं पता था कि आप कौन हैं, लेकिन मैं यह पता लगाने के लिए दृढ़ संकल्पित था।

“बहुत बढ़िया, वॉटसन! और आपने मुझे कैसे पहचाना? शायद आपने मुझे कैदियों की तलाश वाली रात को देखा होगा, जब मैंने इतनी नासमझी की थी कि चाँद को अपने पीछे उगने दिया था?”

“हां, मैंने तुम्हें तब देखा था।”

"और आपने निःसंदेह इस झोपड़ी तक पहुँचने से पहले सभी झोपड़ियों की तलाशी ले ली होगी?"

"नहीं, आपके लड़के पर नज़र रखी गई थी, और उसी से मुझे पता चला कि मुझे कहाँ देखना है।"

“दूरबीन वाले बूढ़े सज्जन, शायद। जब मैंने पहली बार लेंस पर चमकती रोशनी देखी तो मैं समझ नहीं पाया था।” वह उठा और झोपड़ी में झांका। “हां, मैंने देखा कि कार्टराइट कुछ सामान लाया है। यह कागज़ क्या है? तो आप कूम्ब ट्रेसी गए थे, है ना?”

"हां।"

"श्रीमती लौरा लियोन्स से मिलने के लिए?"

"बिल्कुल।"

“बहुत बढ़िया! हमारे शोध स्पष्ट रूप से समानांतर दिशाओं में चल रहे हैं, और जब हम अपने परिणामों को एक साथ मिलाएंगे तो मुझे उम्मीद है कि हमें इस मामले की काफी हद तक पूरी जानकारी मिल जाएगी।”

“खैर, मुझे दिल से खुशी है कि आप यहाँ हैं, क्योंकि वास्तव में ज़िम्मेदारी और रहस्य दोनों ही मेरे लिए असहनीय होते जा रहे थे। लेकिन आप यहाँ आए कैसे, और आप क्या कर रहे थे? मुझे लगा था कि आप बेकर स्ट्रीट में ब्लैकमेल के उस मामले को सुलझा रहे थे।”

"मैं यही चाहता था कि तुम यही सोचो।"

“तो फिर तुम मेरा इस्तेमाल करते हो, और मुझ पर भरोसा नहीं करते!” मैंने कुछ कड़वाहट के साथ कहा। “मुझे लगता है कि तुम्हारे हाथों से मुझे इससे बेहतर व्यवहार मिलना चाहिए था, होम्स।”

मेरे प्रिय साथी, इस मामले में और कई अन्य मामलों में भी आप मेरे लिए अमूल्य रहे हैं, और मैं आपसे क्षमा चाहता हूँ यदि मैंने आपको धोखा दिया हो। सच तो यह है कि मैंने ऐसा आंशिक रूप से आपके हित में ही किया, और आपके सामने मौजूद खतरे को भांपते हुए ही मैं यहाँ आकर मामले की स्वयं जाँच करने आया था। यदि मैं सर हेनरी और आपके साथ होता, तो मुझे पूरा विश्वास है कि मेरा दृष्टिकोण भी वही होता जो आपका है, और मेरी उपस्थिति हमारे अत्यंत शक्तिशाली विरोधियों को भी सतर्क कर देती। फिलहाल, मैं इतना काम कर पा रहा हूं जितना कि हॉल में रहते हुए संभव नहीं हो पाता, और मैं इस मामले में एक अज्ञात व्यक्ति बना हुआ हूं, जो किसी भी महत्वपूर्ण क्षण में अपना पूरा बल लगाने के लिए तैयार है।

लेकिन मुझे अंधेरे में क्यों रखा जा रहा है?

“अगर आपको पता होता तो इससे हमें कोई मदद नहीं मिलती, और शायद इसी वजह से मेरी पोल खुल जाती। आप मुझे कुछ बताना चाहते, या अपनी दयालुता में मुझे किसी तरह का दिलासा देते, और इस तरह बेवजह का जोखिम उठाना पड़ता। मैं कार्टराइट को अपने साथ लाया था – आपको याद है वो एक्सप्रेस दफ्तर वाला छोटा सा लड़का – और उसने मेरी साधारण ज़रूरतों का ख्याल रखा है: एक रोटी और एक साफ कॉलर। इंसान को इससे ज़्यादा क्या चाहिए? उसने मुझे अपने फुर्तीले पैरों पर एक जोड़ी आँखें दी हैं, और दोनों ही मेरे लिए अनमोल साबित हुए हैं।”

“तो मेरी सारी रिपोर्ट व्यर्थ हो गईं!” — उन्हें तैयार करने में मैंने जो मेहनत और गर्व महसूस किया था, उसे याद करते हुए मेरी आवाज कांप उठी।

होम्स ने अपनी जेब से कागजों का एक बंडल निकाला।

“ये लीजिए आपकी रिपोर्टें, मेरे प्रिय साथी, और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि इन्हें अच्छी तरह से पढ़ा गया है। मैंने बेहतरीन व्यवस्था की थी, और ये केवल एक दिन की देरी से रास्ते में हैं। इस असाधारण रूप से कठिन मामले में आपने जो उत्साह और बुद्धिमत्ता दिखाई है, उसके लिए मैं आपकी बहुत प्रशंसा करता हूँ।”

मेरे साथ हुए धोखे से मैं अभी भी आहत था, लेकिन होम्स की प्रशंसा की गर्माहट ने मेरे गुस्से को शांत कर दिया। मुझे अपने दिल में यह भी महसूस हुआ कि उसने जो कहा वह सही था और हमारे उद्देश्य के लिए यही बेहतर था कि मुझे यह पता न चले कि वह दलदली भूमि पर था।

“अब ठीक है,” मेरे चेहरे से उदासी हटते देख उसने कहा। “और अब मुझे श्रीमती लौरा लायंस से मिलने का नतीजा बताओ— मुझे यह समझना मुश्किल नहीं था कि तुम उनसे मिलने ही गए थे, क्योंकि मुझे पहले से ही पता है कि कूम्बे ट्रेसी में वही एक ऐसी शख्सियत हैं जो इस मामले में हमारी मदद कर सकती हैं। दरअसल, अगर तुम आज नहीं जाते तो पूरी संभावना थी कि मैं कल जाता।”

सूरज डूब चुका था और मैदान पर शाम ढलने लगी थी। हवा ठंडी हो गई थी और हम गर्मी पाने के लिए झोपड़ी में चले गए। वहाँ, गोधूलि बेला में साथ बैठे हुए, मैंने होम्स को उस महिला के साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में बताया। वह इतना उत्सुक था कि मुझे कुछ बातें दो बार दोहरानी पड़ीं, तब जाकर वह संतुष्ट हुआ।

जब मैंने अपनी बात समाप्त कर ली, तो उन्होंने कहा, "यह सबसे महत्वपूर्ण है। इससे उस कमी को पूरा किया गया है जिसे मैं इस अत्यंत जटिल मामले में पूरा नहीं कर पाया था। शायद आपको पता होगा कि इस महिला और स्टेपलटन के बीच घनिष्ठ संबंध हैं।"

मुझे घनिष्ठ संबंध के बारे में जानकारी नहीं थी।

“इस मामले में कोई संदेह नहीं हो सकता। वे मिलते हैं, पत्र लिखते हैं, उनके बीच पूरी समझ है। अब, इससे हमारे हाथ में एक बहुत शक्तिशाली हथियार आ जाता है।

काश मैं इसका इस्तेमाल उसकी पत्नी को उससे अलग करने के लिए कर पाता —”
"उसकी पत्नी?"
“आपने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके बदले में मैं अब आपको कुछ जानकारी दे रहा हूँ। यहाँ मिस स्टेपलटन बनकर आई यह महिला वास्तव में उनकी पत्नी है।”
“हे भगवान, होम्स! क्या आपको अपनी बात पर पूरा यकीन है? वह सर हेनरी को उससे प्यार करने की इज़ाज़त कैसे दे सकता था?”
“सर हेनरी के प्रेम में पड़ने से सर हेनरी के अलावा किसी और को कोई हानि नहीं हो सकती थी। उन्होंने विशेष ध्यान रखा कि सर हेनरी उस महिला से प्रेम संबंध न बनाएँ, जैसा कि आपने स्वयं देखा है। मैं दोहराता हूँ कि वह महिला उनकी पत्नी है, बहन नहीं।”
लेकिन इस जटिल धोखे की क्या जरूरत थी?
क्योंकि उसने यह पूर्वाभास कर लिया था कि एक स्वतंत्र महिला के रूप में वह उसके लिए कहीं अधिक उपयोगी साबित होगी।
मेरी सारी अनकही भावनाएँ, मेरे अस्पष्ट संदेह, अचानक आकार लेने लगे और उस प्रकृतिवादी पर केंद्रित हो गए। उस भावहीन, रंगहीन व्यक्ति में, अपने भूसे की टोपी और तितली पकड़ने वाले जाल के साथ, मुझे कुछ भयानक दिखाई दिया - असीम धैर्य और कौशल का एक प्राणी, मुस्कुराता हुआ चेहरा और हत्यारा हृदय वाला।
"तो फिर वही हमारा दुश्मन है - वही है जिसने लंदन में हमारा पीछा किया?"
"तो मैंने पहेली पढ़ी।"
और वो चेतावनी— वो तो उसी की तरफ से आई होगी!
"बिल्कुल।"
किसी भयानक खलनायक की आकृति, आधी देखी हुई, आधी अनुमानित, उस अंधेरे में मंडरा रही थी जिसने मुझे इतने लंबे समय से घेर रखा था।
"लेकिन क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है, होम्स? आपको कैसे पता कि वह महिला उसकी पत्नी है?"
“क्योंकि जब वह आपसे पहली बार मिला था, तो उसने अपनी आत्मकथा का एक अंश आपको सुना दिया था, और मुझे यकीन है कि उसे बाद में कई बार इसका पछतावा हुआ होगा। वह कभी उत्तरी इंग्लैंड में एक स्कूल मास्टर था। अब, एक स्कूल मास्टर से ज़्यादा आसानी से किसी का पता नहीं लगाया जा सकता। ऐसी शैक्षणिक एजेंसियां हैं जिनके माध्यम से इस पेशे में रहे किसी भी व्यक्ति की पहचान की जा सकती है। थोड़ी सी छानबीन से मुझे पता चला कि एक स्कूल भयानक परिस्थितियों में बर्बाद हो गया था, और उस स्कूल का मालिक - नाम अलग था - अपनी पत्नी के साथ गायब हो गया था। विवरण मेल खाते थे। जब मुझे पता चला कि लापता व्यक्ति कीट विज्ञान के प्रति समर्पित था, तो पहचान पूरी हो गई।”
अंधेरा छा रहा था, लेकिन बहुत कुछ अभी भी छाया में छिपा हुआ था।
मैंने पूछा, "अगर यह महिला सचमुच उसकी पत्नी है, तो श्रीमती लौरा लायंस की इसमें क्या भूमिका है?"
“यह उन बिंदुओं में से एक है जिन पर आपके शोधों से प्रकाश पड़ा है। महिला के साथ आपके साक्षात्कार से स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। मुझे उनके और उनके पति के बीच प्रस्तावित तलाक के बारे में जानकारी नहीं थी। ऐसे में, स्टेपलटन को अविवाहित पुरुष मानते हुए, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह उनकी पत्नी बनने की उम्मीद कर रही थीं।”
और जब उसका भ्रम दूर हो जाएगा?

“तो फिर हमें वह महिला मिल सकती है। कल हम दोनों का पहला कर्तव्य है कि हम उससे मिलें। वाटसन, क्या आपको नहीं लगता कि आप अपने काम से कुछ ज़्यादा ही समय से दूर हैं? आपका काम बास्करविले हॉल में होना चाहिए।”

पश्चिम में आखिरी लाल लकीरें भी गायब हो चुकी थीं और रात मैदान पर छा गई थी। बैंगनी रंग के आकाश में कुछ धुंधले तारे टिमटिमा रहे थे।

“होम्स, मेरा एक आखिरी सवाल,” मैंने उठते हुए कहा। “निश्चित रूप से आपके और मेरे बीच किसी तरह की गोपनीयता की कोई आवश्यकता नहीं है। आखिर इस सब का मतलब क्या है? वह क्या चाहता है?”

जवाब देते समय होम्स की आवाज़ धीमी पड़ गई:

“यह हत्या है, वॉटसन—सभ्य, निर्मम, सोची-समझी हत्या। मुझसे विवरण मत पूछो। मेरे जाल उस पर कस रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे उसके जाल सर हेनरी पर कस रहे हैं, और तुम्हारी मदद से वह लगभग मेरी दया पर है। केवल एक ही खतरा है जो हमें धमका सकता है। वह यह है कि वह हमारे तैयार होने से पहले ही हमला कर दे। एक और दिन—अधिकतम दो दिन—और मेरा मामला सुलझ जाएगा, लेकिन तब तक अपने ज़िम्मे की रक्षा उतनी ही सावधानी से करो जितनी एक ममतामयी माँ अपने बीमार बच्चे की करती है। आज तुम्हारा मिशन सफल रहा है, फिर भी मैं लगभग यही चाह रहा हूँ कि तुम उसका साथ न छोड़ते। सुनो!”

एक भयानक चीख—डर और पीड़ा से भरी एक लंबी चीख—मैदान की खामोशी से फूट पड़ी। उस भयावह चीख ने मेरी नसों में खून जमा दिया।

“हे भगवान!” मैं हांफते हुए बोली। “यह क्या है? इसका क्या मतलब है?”

होम्स झट से अपने पैरों पर खड़ा हो गया, और मैंने झोपड़ी के दरवाजे पर उसकी काली, एथलेटिक आकृति देखी, उसके कंधे झुके हुए थे, उसका सिर आगे की ओर निकला हुआ था, उसका चेहरा अंधेरे में झांक रहा था।

“चुप रहो!” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “चुप रहो!”

वह चीख अपनी तीव्रता के कारण बहुत तेज़ थी, लेकिन वह दूर किसी धुंधले मैदान से गूंज रही थी। अब वह हमारे कानों में पहले से कहीं ज़्यादा नज़दीक, तेज़ और ज़ोरदार होकर पड़ी।

“यह कहाँ है?” होम्स ने फुसफुसाते हुए कहा; और मैं उसकी आवाज़ की कंपकंपी से समझ गया कि वह, लोहे का आदमी, अंदर तक हिल गया था। “यह कहाँ है, वॉटसन?”

“मुझे लगता है, वहाँ है।” मैंने अंधेरे की ओर इशारा किया।

नहीं, वहाँ!

एक बार फिर दर्द भरी चीख खामोश रात में गूंज उठी, पहले से कहीं ज़्यादा तेज़ और नज़दीक से आती हुई। और उसमें एक नई आवाज़ घुलमिल गई, एक गहरी, मंद गड़गड़ाहट, संगीतमय और फिर भी भयावह, समुद्र की धीमी, निरंतर गुनगुनाहट की तरह उठती-गिरती हुई।

“कुत्ता!” होम्स चिल्लाया। “आओ, वॉटसन, आओ! हे भगवान, अगर हम बहुत देर हो चुके हैं!”

वह बंजर ज़मीन पर तेज़ी से दौड़ने लगा था, और मैं उसके पीछे-पीछे चल रहा था। लेकिन तभी हमारे ठीक सामने टूटी-फूटी ज़मीन के बीच से एक आखिरी हताश चीख सुनाई दी, और फिर एक धीमी, भारी धमक। हम रुक गए और सुनने लगे। हवा रहित रात के सन्नाटे में कोई और आवाज़ नहीं आई।

मैंने देखा कि होम्स ने अपना हाथ माथे पर रख लिया, मानो वह किसी व्याकुल व्यक्ति की तरह व्यवहार कर रहा हो। उसने अपने पैर ज़मीन पर पटके।

“वॉटसन, उसने हमें हरा दिया है। अब बहुत देर हो चुकी है।”

नहीं, नहीं, बिलकुल नहीं!

“मैंने उसका हाथ थामकर कितनी बड़ी मूर्खता की। और तुम, वॉटसन, देखो अपने कर्तव्य को छोड़ने का क्या परिणाम होता है! लेकिन, भगवान की कसम, अगर सबसे बुरा भी हुआ है, तो हम उसका बदला लेंगे!”

हम अंधकार में अंधाधुंध दौड़ते रहे, पत्थरों से टकराते रहे, कंटीली झाड़ियों से रास्ता बनाते रहे, पहाड़ियों पर हांफते हुए चढ़ते और ढलानों से नीचे उतरते रहे, हमेशा उसी दिशा में बढ़ते रहे जहाँ से वे भयानक आवाजें आई थीं। हर चढ़ाई पर होम्स उत्सुकता से चारों ओर देखता, लेकिन मैदान पर घने साये छाए हुए थे और उसके उजाड़ चेहरे पर कुछ भी हिलता-डुलता नहीं था।

"क्या आपको कुछ दिखाई दे रहा है?"

"कुछ नहीं।"

लेकिन, सुनो, यह क्या है?

हमारे कानों में एक धीमी सी कराह सुनाई दी। फिर वही आवाज़ हमारे बाईं ओर से आई! उस तरफ चट्टानों की एक कतार एक खड़ी चट्टान पर आकर खत्म होती थी, जिसके नीचे पत्थरों से भरी ढलान थी। उसकी ऊबड़-खाबड़ सतह पर कोई काली, अनियमित वस्तु फैली पड़ी थी। जैसे ही हम उसकी ओर दौड़े, धुंधली आकृति एक स्पष्ट आकार में बदल गई। एक आदमी ज़मीन पर औंधा पड़ा था, उसका सिर भयानक कोण पर झुका हुआ था, कंधे झुके हुए थे और शरीर ऐसे सिकुड़ा हुआ था मानो कोई कलाबाज़ी कर रहा हो। उसकी मुद्रा इतनी विकराल थी कि उस पल मुझे समझ ही नहीं आया कि वह कराह उसकी आत्मा के जाने की थी। अब उस काली आकृति से न कोई फुसफुसाहट, न कोई सरसराहट सुनाई दी, जिसके ऊपर हम झुके हुए थे। होम्स ने अपना हाथ उस पर रखा और फिर भय से चीखते हुए उसे ऊपर उठाया। उसके द्वारा जलाई गई माचिस की तीली की चमक उसकी खून से सनी उंगलियों पर और पीड़ित की कुचली हुई खोपड़ी से धीरे-धीरे फैलते हुए भयानक रक्त के कुंड पर पड़ी। और उस रोशनी ने किसी और चीज पर प्रकाश डाला जिसने हमारे दिलों को अंदर से बीमार और कमजोर कर दिया - सर हेनरी बास्करविल का शव!

हम दोनों के लिए उस अजीबोगरीब लाल रंग के ट्वीड सूट को भूलना नामुमकिन था —वही सूट जो उसने बेकर स्ट्रीट में हमारी पहली मुलाकात के दिन पहना था। हमने उसकी एक झलक देखी और फिर जैसे ही हमारी सारी उम्मीदें टूट गईं, वैसे ही माचिस की तीली भी बुझ गई। होम्स कराह उठा और अंधेरे में उसका चेहरा सफ़ेद चमक उठा।

“वह दरिंदा! वह दरिंदा!” मैंने मुट्ठी भींचकर कहा। “ओह होम्स, मैंने उसे उसके हाल पर छोड़ दिया, इसके लिए मैं खुद को कभी माफ नहीं कर पाऊंगा।”

“वॉटसन, गलती तुम्हारी नहीं, मेरी है। अपने मामले को पूरी तरह से पुख्ता और मजबूत बनाने के चक्कर में मैंने अपने मुवक्किल की जान जोखिम में डाल दी। यह मेरे करियर का सबसे बड़ा झटका है। लेकिन मुझे कैसे पता चलता—मुझे कैसे पता चलता —कि मेरी तमाम चेतावनियों के बावजूद वह अकेले ही बंजर भूमि पर अपनी जान जोखिम में डाल देगा?”

“हमने उसकी चीखें सुनीं—हे भगवान, वो चीखें!—और फिर भी उसे बचा नहीं पाए! वो दरिंदा कुत्ता कहाँ है जिसने उसे मौत के घाट उतारा? हो सकता है वो इस समय इन्हीं चट्टानों के बीच छिपा हो। और स्टेपलटन कहाँ है? उसे इस कृत्य का हिसाब देना होगा।”

“वह ज़रूर पकड़ेगा। मैं इसका इंतज़ाम करूँगा। चाचा और भतीजे की हत्या कर दी गई है – एक तो उस जानवर को देखकर डर के मारे मर गया जिसे वह अलौकिक समझता था, और दूसरा उससे बचने के लिए बेतहाशा भागते हुए अपनी जान दे बैठा। लेकिन अब हमें उस आदमी और जानवर के बीच संबंध साबित करना है। जो हमने सुना है उसके अलावा हम जानवर के अस्तित्व की कसम भी नहीं खा सकते, क्योंकि सर हेनरी की मौत गिरने से हुई है। लेकिन, भगवान की कसम, वह जितना चालाक है, एक दिन भी बीतने से पहले वह मेरे शिकंजे में होगा!”

हम क्षत-विक्षत शरीर के दोनों ओर दुखी मन से खड़े थे, इस अचानक और अपूरणीय आपदा से स्तब्ध थे जिसने हमारे सभी लंबे और थका देने वाले परिश्रम का दुखद अंत कर दिया था। फिर, जैसे ही चाँद निकला, हम उन चट्टानों की चोटी पर चढ़ गए जहां से हमारा बेचारा दोस्त गिरा था, और शिखर से हमने उस छायादार मैदान को देखा, जो आधा चाँदी जैसा और आधा अंधकारमय था। दूर, मीलों दूर, ग्रिम्पेन की दिशा में, एक स्थिर पीली रोशनी चमक रही थी। यह केवल स्टेपलटन परिवार के एकांत निवास से ही आ सकती थी। गुस्से में मैंने मुट्ठी तानकर उसे देखा।

"हमें उसे तुरंत क्यों नहीं पकड़ लेना चाहिए?"

“हमारा मामला अभी पूरा नहीं हुआ है। वह व्यक्ति बेहद सतर्क और धूर्त है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि हम क्या जानते हैं, बल्कि यह है कि हम क्या साबित कर सकते हैं। अगर हमने एक भी गलत कदम उठाया तो वह खलनायक हमसे बच निकलेगा।”

"हम क्या कर सकते हैं?"

“कल हमारे पास करने के लिए बहुत कुछ होगा। आज रात हम केवल अपने बेचारे दोस्त की अंतिम रस्में ही निभा सकते हैं।”

हम दोनों साथ-साथ खड़ी ढलान से नीचे उतरे और चांदी जैसे पत्थरों के बीच काले रंग में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे शव के पास पहुंचे। उन विकृत अंगों की पीड़ा ने मुझे तीव्र पीड़ा से भर दिया और मेरी आँखों में आँसू भर आए।

“हमें मदद बुलानी होगी, होम्स! हम उसे हॉल तक नहीं ले जा सकते। हे भगवान, क्या तुम पागल हो गए हो?”

उसने एक चीख निकाली और लाश पर झुक गया। अब वह नाच रहा था, हंस रहा था और मेरा हाथ मरोड़ रहा था। क्या यह मेरा गंभीर, संयमी दोस्त हो सकता है? ये तो सचमुच छिपी हुई आग थी!

“दाढ़ी! दाढ़ी! उस आदमी की दाढ़ी है!”

"दाढ़ी?"

“यह बैरोनेट नहीं है – यह तो – अरे, यह तो मेरा पड़ोसी है, वह अपराधी!”

हमने बड़ी जल्दबाज़ी में शव को पलटा और वह टपकती दाढ़ी ठंडे, साफ चाँद की ओर उठी हुई थी। उभरे हुए माथे और धंसी हुई जानवरों जैसी आँखों के बारे में कोई संदेह नहीं था। यह सचमुच वही चेहरा था जिसने चट्टान के ऊपर से मोमबत्ती की रोशनी में मुझे घूरा था - अपराधी सेल्डन का चेहरा।

फिर पल भर में सब कुछ मेरे लिए स्पष्ट हो गया। मुझे याद आया कि बैरोनेट ने मुझे बताया था कि उन्होंने अपने पुराने कपड़े बैरीमोर को सौंप दिए थे। बैरीमोर ने सेल्डन को भागने में मदद करने के लिए वे कपड़े बैरीमोर को दिए थे। जूते, कमीज़, टोपी - सब सर हेनरी के थे। त्रासदी तो अभी भी बहुत गहरी थी, लेकिन कम से कम इस आदमी को अपने देश के कानूनों के अनुसार मौत की सज़ा तो मिलनी ही चाहिए थी। मैंने होम्स को सारी बात बताई, मेरा दिल कृतज्ञता और खुशी से भर उठा था।

“तो फिर बेचारे की मौत कपड़ों की वजह से हुई,” उसने कहा। “यह तो साफ है कि कुत्ते को सर हेनरी की किसी चीज़ से उकसाया गया होगा—संभवतः होटल से चुराए गए

जूते से—और इसी वजह से वह उस आदमी का पीछा करते हुए उस पर टूट पड़ा। लेकिन एक बात बहुत अजीब है: अंधेरे में सेल्डन को कैसे पता चला कि कुत्ता उसका पीछा कर रहा है?"

उसने उसकी बात सुनी।

"मैदान में किसी शिकारी कुत्ते की आवाज सुनकर इस कैदी जैसे कठोर दिल वाले आदमी को इतना डर नहीं लग सकता था कि वह मदद के लिए बेतहाशा चिल्लाकर दोबारा पकड़े जाने का जोखिम उठाए। उसकी चीखों से तो यही लगता है कि जानवर के पीछा करने का पता चलने के बाद वह काफी दूर तक भागा होगा। उसे कैसे पता चला?"

"मेरे लिए इससे भी बड़ा रहस्य यह है कि यह शिकारी कुत्ता, यह मानते हुए कि हमारे सभी अनुमान सही हैं —"

मैं कुछ भी अनुमान नहीं लगाता।

"अच्छा, तो फिर यह शिकारी कुत्ता आज रात खुला क्यों घूम रहा है? मुझे लगता है कि यह हमेशा खुले मैदान में नहीं घूमता होगा। स्टेपल्टन इसे तब तक नहीं छोड़ता जब तक उसे यह यकीन न हो जाए कि सर हेनरी वहाँ होंगे।"

"मेरी समस्या कहीं अधिक गंभीर है, क्योंकि मुझे लगता है कि हमें आपकी समस्या का समाधान बहुत जल्द मिल जाएगा, जबकि मेरी समस्या शायद हमेशा के लिए रहस्य ही बनी रहेगी। अब सवाल यह है कि इस बेचारे के शरीर का क्या करें? हम इसे यहाँ लोमड़ियों और कौवों के लिए नहीं छोड़ सकते।"

"मेरा सुझाव है कि जब तक हम पुलिस से संपर्क नहीं कर लेते, तब तक हम इसे किसी झोपड़ी में रख दें।"

"बिल्कुल सही। मुझे पूरा यकीन है कि हम दोनों मिलकर इसे काफी हद तक अंजाम दे सकते हैं। अरे वाह, वॉटसन, ये क्या है? ये तो खुद वो आदमी है! अपनी शंकाओं को ज़ाहिर करने वाला एक शब्द भी मत कहना—एक शब्द भी नहीं, वरना मेरी सारी योजनाएँ धराशायी हो जाएँगी।"

एक आकृति मैदान से हमारी ओर आ रही थी, और मैंने एक सिगार की हल्की लाल रोशनी देखी। चाँद की रोशनी उस पर पड़ रही थी, और मैं उस प्रकृतिवादी के सलीकेदार कद-काठी और चंचल चाल को पहचान सका। हमें देखकर वह रुका, और फिर आगे बढ़ गया।

"अरे, डॉ. वॉटसन, ये तो आप हैं ना? रात के इस समय आपको खुले मैदान में देखने की मुझे बिलकुल उम्मीद नहीं थी। लेकिन, ये क्या? कोई घायल है? नहीं—कहीं ये हमारे दोस्त सर हेनरी तो नहीं हैं!" वह जल्दी से मेरे पास से गुजरे और मरे हुए आदमी के ऊपर झुक गए। मैंने उनकी गहरी साँस सुनी और सिगार उनकी उंगलियों से गिर गया।

"ये कौन है?" वह हकलाते हुए बोला।

"यह सेल्डन है, वह आदमी जो प्रिंसटाउन से भाग निकला था।"

स्टैपलटन ने हमारे सामने एक भयानक चेहरा बनाया, लेकिन बड़ी मुश्किल से उसने अपने आश्चर्य और निराशा पर काबू पा लिया था। उसने होम्स से मेरी ओर तीखी नजरों से देखा।

"हे भगवान! यह तो बहुत ही चौंकाने वाली घटना है! उनकी मृत्यु कैसे हुई?"

"ऐसा लगता है कि चट्टानों से गिरने के कारण उसकी गर्दन टूट गई है। मैं और मेरा दोस्त खुले मैदान में टहल रहे थे तभी हमें एक चीख सुनाई दी।"

"मैंने एक चीख भी सुनी। उसी से मैं बाहर आया। मुझे सर हेनरी के बारे में चिंता हो रही थी।"

"खास तौर पर सर हेनरी के बारे में ही क्यों?" मैंने पूछे बिना नहीं रह सका।

“क्योंकि मैंने ही उसे आने का सुझाव दिया था। जब वह नहीं आया तो मुझे आश्चर्य हुआ, और जब मैंने मैदान में चीखें सुनीं तो स्वाभाविक रूप से उसकी सुरक्षा को लेकर मैं चिंतित हो गया। वैसे”— उसकी नज़रें फिर से मेरे चेहरे से होम्स के चेहरे पर गईं— “क्या आपने चीख के अलावा कुछ और सुना?”

“नहीं,” होम्स ने कहा; “क्या तुमने किया?”

"नहीं।"

तो फिर आपका मतलब क्या है?

"ओह, आपको तो पता ही है कि किसान एक प्रेतवाधित कुत्ते वगैरह की कहानियां सुनाते हैं। कहते हैं कि रात में बंजर भूमि पर उसकी आवाज सुनाई देती है। मैं सोच रहा था कि क्या आज रात ऐसी किसी आवाज का कोई सबूत है?"

मैंने कहा, "हमने इस तरह की कोई बात नहीं सुनी।"

"और इस बेचारे की मौत के बारे में आपका क्या सिद्धांत है?"

मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि चिंता और खुले में रहने की वजह से उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। वह पागलों की तरह इधर-उधर भागता रहा और आखिरकार यहीं गिर गया और उसकी गर्दन टूट गई।

“यह सबसे तर्कसंगत सिद्धांत प्रतीत होती है,” स्टेपलटन ने कहा और एक आह भरी, जिसे मैंने उनकी राहत का संकेत समझा। “इस बारे में आपका क्या विचार है, श्री शर्लक होम्स?”

मेरे मित्र ने झुककर अभिवादन किया।

उन्होंने कहा, "आप पहचान करने में बहुत तेज हैं।"

“डॉ. वॉटसन के आने के बाद से हम इन इलाकों में आपका इंतजार कर रहे थे। आप एक त्रासदी देखने के लिए सही समय पर आए हैं।”

जी हाँ, बिलकुल। मुझे पूरा यकीन है कि मेरे दोस्त की व्याख्या में सारे तथ्य शामिल होंगे। कल मैं अपने साथ लंदन एक अप्रिय याद लेकर लौटूंगा।

"ओह, आप कल लौट रहे हैं?"

मेरा यही इरादा है।

"मुझे उम्मीद है कि आपकी यात्रा ने उन घटनाओं पर कुछ प्रकाश डाला होगा जिन्होंने हमें उलझन में डाल रखा था?"

होम्स ने अपने कंधे उचका दिए।

“हर बार वैसी सफलता नहीं मिलती जिसकी हम उम्मीद करते हैं। एक जांचकर्ता को तथ्यों की आवश्यकता होती है, न कि किंवदंतियों या अफवाहों की। यह मामला संतोषजनक नहीं रहा है।”

मेरे दोस्त ने बेहद स्पष्ट और बेफिक्र अंदाज में बात की। स्टैपलटन अब भी उसे घूर रहा था। फिर वह मेरी तरफ मुड़ा।

“मैं इस बेचारे को अपने घर ले जाने का सुझाव दे सकती थी, लेकिन इससे मेरी बहन इतनी डर जाएगी कि मुझे ऐसा करना उचित नहीं लगता। मुझे लगता है कि अगर हम इसके चेहरे पर कुछ डाल दें तो यह सुबह तक सुरक्षित रहेगा।”

और ऐसा ही तय हुआ। स्टेपलटन के आतिथ्य सत्कार का विरोध करते हुए, होम्स और मैं बास्करविले हॉल के लिए रवाना हो गए, प्रकृतिवादी को अकेले लौटने के लिए छोड़कर। पीछे मुड़कर देखा तो वह आकृति धीरे-धीरे विशाल मैदान पर दूर जाती हुई दिखाई दी, और उसके पीछे चांदी जैसी ढलान पर वह काला धब्बा था जो उस व्यक्ति के स्थान को दर्शाता था जिसकी इतनी भयावह मृत्यु हुई थी।

जालों की मरम्मत करना

"आखिरकार हम आमने-सामने आ गए हैं," होम्स ने कहा जब हम साथ-साथ मैदान पार कर रहे थे। "उस आदमी में कितना साहस है! जब उसे पता चला कि गलत आदमी उसकी साजिश का शिकार हो गया है, तो उसे कितना गहरा सदमा लगा होगा, फिर भी उसने खुद को संभाला। मैंने तुम्हें लंदन में कहा था, वॉटसन, और मैं अब फिर से कह रहा हूँ, कि हमें अपने शस्त्र के योग्य उससे बड़ा कोई दुश्मन कभी नहीं मिला।"

मुझे खेद है कि उसने आपको देख लिया है।

“और शुरू में मैं भी ऐसा ही था। लेकिन इससे बाहर निकलना नामुमकिन था।”

"अब जब उसे पता चल गया है कि आप यहां हैं, तो आपको क्या लगता है कि इसका उसकी योजनाओं पर क्या प्रभाव पड़ेगा?"

"इससे वह अधिक सतर्क हो सकता है, या फिर वह तुरंत ही हताशा भरे कदम उठा सकता है। अधिकांश चालाक अपराधियों की तरह, वह अपनी चतुराई पर अत्यधिक आश्वस्त हो सकता है और यह सोच सकता है कि उसने हमें पूरी तरह से धोखा दे दिया है।"

"हमें उसे तुरंत गिरफ्तार क्यों नहीं कर लेना चाहिए?"

“मेरे प्यारे वॉटसन, तुम कर्मठ व्यक्ति बनने के लिए ही पैदा हुए हो। तुम्हारी प्रवृत्ति हमेशा कुछ जोशीला करने की होती है। लेकिन मान लो, बहस के लिए ही सही, कि हमने उसे आज रात गिरफ्तार कर लिया, तो भला इससे हमें क्या फायदा होगा? हम उसके खिलाफ कुछ भी साबित नहीं कर पाएंगे। यही तो इसकी धूर्तता है! अगर वह किसी इंसान के ज़रिए काम कर रहा होता तो हमें कुछ सबूत मिल जाते, लेकिन अगर हम इस बड़े कुत्ते को दिन के उजाले में घसीट भी लें तो भी यह हमें उसके मालिक के गले में फंदा डालने में मदद नहीं करेगा।”

"निश्चित रूप से हमारे पास मामला बनता है।"

“ऐसा कुछ भी नहीं है – सिर्फ अटकलें और अनुमान हैं। अगर हम ऐसी कहानी और ऐसे सबूत लेकर अदालत में आते तो हमारा मजाक उड़ाया जाता।”

“सर चार्ल्स की मृत्यु हो गई है।”

“उनका शव बिना किसी निशान के मिला। आप और मैं जानते हैं कि उनकी मृत्यु घोर भय से हुई, और हम यह भी जानते हैं कि उन्हें किस बात से डर लगा; लेकिन हमें बारह निर्मम जूरी सदस्यों को यह कैसे समझाएंगे? क्या वहां किसी शिकारी कुत्ते के निशान हैं? उसके दांतों के निशान कहाँ हैं? बेशक हम जानते हैं कि शिकारी कुत्ता किसी मृत शरीर को नहीं काटता और सर चार्ल्स की मृत्यु उस जानवर के आने से पहले ही हो चुकी थी। लेकिन हमें यह सब साबित करना है, और हम ऐसा करने की स्थिति में नहीं हैं।”

तो फिर, आज रात?

“आज रात भी हमारी हालत कुछ खास बेहतर नहीं है। फिर से, कुत्ते और उस आदमी की मौत के बीच कोई सीधा संबंध नहीं था। हमने कुत्ते को कभी नहीं देखा। हमने उसकी आवाज़ सुनी थी; लेकिन हम यह साबित नहीं कर सके कि वह उस आदमी के पीछे दौड़ रहा था। मकसद का तो कोई नामोनिशान ही नहीं है। नहीं, मेरे प्यारे दोस्त; हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि फिलहाल हमारे पास कोई सबूत नहीं है, और सबूत जुटाने के लिए कोई भी जोखिम उठाना हमारे लिए उचित है।”

और आप ऐसा कैसे करने का प्रस्ताव रखते हैं?

मुझे पूरी उम्मीद है कि श्रीमती लौरा लायंस हमारे लिए बहुत कुछ करेंगी जब उन्हें स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। और मेरी अपनी भी एक योजना है। कल के लिए तो बस इतना ही काफी है; लेकिन मुझे आशा है कि दिन ढलने से पहले अंततः मुझे ही सफलता मिलेगी।

मैं उससे और कुछ नहीं जान सका, और वह विचारों में खोया हुआ बास्करविले के द्वार तक चलता रहा।

क्या तुम आ रहे हो?

“जी हाँ; मुझे और छिपाने का कोई कारण नहीं दिखता। लेकिन एक आखिरी बात, वॉटसन। सर हेनरी से उस कुत्ते के बारे में कुछ मत कहना। उन्हें यही सोचने दो कि सेल्डन की मौत वैसी ही हुई थी जैसा स्टेपलटन हमें विश्वास दिलाना चाहता है। इससे उन्हें कल की परीक्षा का सामना करने की हिम्मत मिलेगी, जब, अगर मुझे आपकी रिपोर्ट सही याद है, तो उन्हें इन लोगों के साथ भोजन करना होगा।”

"और सो मैं हूँ।"

“तो फिर आपको अनुमति लेनी होगी और उन्हें अकेले जाना होगा। इसका आसानी से इंतजाम हो जाएगा। और अब, अगर हमें रात के खाने के लिए बहुत देर हो गई है, तो मुझे लगता है कि हम दोनों रात के खाने के लिए तैयार हैं।”

सर हेनरी शर्लक होम्स को देखकर आश्चर्यचकित होने के बजाय प्रसन्न हुए, क्योंकि वे कुछ दिनों से उम्मीद कर रहे थे कि हाल की घटनाओं के कारण उन्हें लंदन से आना पड़ेगा। हालांकि, जब उन्होंने देखा कि मेरे मित्र के पास न तो कोई सामान था और न ही उसके न होने का कोई कारण, तो उनकी भौंहें तन गईं। हम दोनों ने मिलकर उनकी ज़रूरतें पूरी कीं और फिर देर से हुए भोजन के दौरान हमने बैरोनेट को अपने अनुभव के बारे में उतना बताया जितना उन्हें बताना उचित लगा। लेकिन इससे पहले मुझे बैरीमोर और उनकी पत्नी को यह दुखद खबर सुनाने का अप्रिय कर्तव्य निभाना पड़ा। उनके लिए यह शायद पूरी तरह से राहत की बात रही होगी, लेकिन वह अपने एप्रन में फूट-फूटकर रोईं। दुनिया के लिए वह हिंसा का प्रतीक, आधा जानवर और आधा शैतान था; लेकिन उनके लिए वह हमेशा उनके बचपन का वह नटखट बच्चा ही रहा, जो उनका हाथ थामे रहता था। वास्तव में वह आदमी बुरा है जिसके लिए शोक मनाने वाली कोई स्त्री न हो।

“वाटसन के सुबह जाने के बाद से मैं सारा दिन घर में उदास बैठा रहा,” बैरोनेट ने कहा। “मुझे लगता है कि मुझे कुछ श्रेय मिलना चाहिए, क्योंकि मैंने अपना वादा निभाया है। अगर मैंने अकेले बाहर न जाने की कसम न खाई होती तो शायद मेरी शाम और भी खुशनुमा होती, क्योंकि मुझे स्टेपलटन का संदेश मिला था जिसमें उसने मुझे वहाँ बुलाया था।”

होम्स ने रूखेपन से कहा, "मुझे इसमें कोई शक नहीं कि आपकी शाम और भी मज़ेदार रही होगी। वैसे, मुझे नहीं लगता कि आप इस बात को समझते हैं कि हम आपके गर्दन टूटने पर शोक मना रहे हैं?"

सर हेनरी ने अपनी आँखें खोलीं। "यह कैसा था?"

“यह बेचारा आपके कपड़े पहने हुए था। मुझे डर है कि जिस नौकर ने उसे ये कपड़े दिए हैं, उसे पुलिस के साथ परेशानी हो सकती है।”

“ऐसा होने की संभावना कम है। जहाँ तक मुझे पता है, उनमें से किसी पर भी कोई निशान नहीं था।”

“यह उसके लिए सौभाग्य की बात है—वास्तव में, यह आप सभी के लिए सौभाग्य की बात है, क्योंकि इस मामले में आप सभी कानून के गलत पक्ष में हैं। मुझे यकीन नहीं है कि एक कर्तव्यनिष्ठ जासूस के रूप में मेरा पहला कर्तव्य पूरे परिवार को गिरफ्तार करना नहीं है। वाटसन की रिपोर्ट बेहद गंभीर दस्तावेज हैं।”

“लेकिन उस मामले का क्या हुआ?” बैरोनेट ने पूछा। “क्या आपने इस उलझन से कुछ निकाला? मुझे नहीं लगता कि वाटसन और मुझे यहाँ से जाने के बाद कुछ खास समझ आया है।”

मुझे लगता है कि मैं जल्द ही आपको स्थिति को और अधिक स्पष्ट रूप से समझा पाऊंगा। यह एक बेहद कठिन और जटिल मामला रहा है। ऐसे कई बिंदु हैं जिन पर हमें अभी भी स्पष्टता की आवश्यकता है - लेकिन वह जल्द ही सामने आएगी।

“हमें एक अनुभव हुआ है, जैसा कि वॉटसन ने आपको बताया ही होगा। हमने मैदान में शिकारी कुत्ते की आवाज़ सुनी थी, इसलिए मैं कसम खाकर कह सकता हूं कि यह सब कोरी अंधविश्वास नहीं है। जब मैं पश्चिम में था, तब मेरा कुत्तों से कुछ वास्ता रहा था, और मैं उन्हें सुनते ही पहचान लेता हूँ। अगर आप उस कुत्ते के मुँह पर जाली लगा दें और उसे जंजीर से बाँध दें, तो मैं कसम खाकर कहूँगा कि आप अब तक के सबसे महान जासूस हैं।”

"मुझे लगता है कि अगर आप मेरी मदद करेंगे तो मैं उसे मुंह पर पट्टी बांधकर जंजीर से बांध दूंगा।"

आप जो भी करने को कहेंगे, मैं वही करूंगा।

"बहुत अच्छा; और मैं आपसे यह भी अनुरोध करूंगा कि आप इसे बिना कारण पूछे, आँख बंद करके करें।"

"जैसा आपको पसंद हो।"

“अगर आप ऐसा करेंगे तो मुझे लगता है कि हमारी छोटी सी समस्या जल्द ही हल हो जाएगी। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है।”

वह अचानक रुक गया और मेरी गर्दन के ऊपर आसमान की ओर टकटकी लगाकर देखने लगा। दीपक की रोशनी उसके चेहरे पर पड़ रही थी, और उसका चेहरा इतना एकाग्र और स्थिर था कि मानो वह किसी सुगठित शास्त्रीय मूर्ति का चेहरा हो, सतर्कता और उम्मीद का साक्षात प्रतीक।

“क्या बात है?” हम दोनों चिल्लाए।

जब उसने नीचे देखा तो मुझे समझ आ गया कि वह अपने अंदर किसी भावना को दबा रहा है। उसके चेहरे पर संयम तो था, लेकिन उसकी आँखों में आनंद और उल्लास की चमक थी।

“एक कला पारखी की प्रशंसा के लिए क्षमा करें,” उन्होंने सामने की दीवार पर लगे चित्रों की पंक्ति की ओर हाथ हिलाते हुए कहा। “वॉटसन यह मानने को तैयार नहीं हैं कि मुझे कला का कुछ ज्ञान है, लेकिन यह केवल ईर्ष्या है, क्योंकि इस विषय पर हमारे विचार भिन्न हैं। खैर, ये चित्र वाकई बहुत ही सुंदर हैं।”

“अच्छा, यह सुनकर मुझे खुशी हुई,” सर हेनरी ने मेरे दोस्त की ओर कुछ हैरानी से देखते हुए कहा। “मैं इन चीजों के बारे में ज्यादा ज्ञान होने का दावा नहीं करता, और मैं किसी तस्वीर की तुलना में घोड़े या बैल को बेहतर ढंग से परख सकता हूं। मुझे नहीं पता था कि आपको इन चीजों के लिए समय मिल जाता है।”

“मैं अच्छी चीज़ को देखते ही पहचान लेता हूं, और अब मैं उसे देख रहा हूँ। कसम से, नीले रेशमी कपड़े पहने वह महिला तो नेलर की बनाई हुई है, और विग पहने वह हट्टा-कट्टा आदमी तो रेनॉल्ड्स का बनाया हुआ होना चाहिए। लगता है ये सब पारिवारिक चित्र हैं।”

"सब लोग।"

क्या आपको नाम पता हैं?

"बैरीमोर मुझे इनमें प्रशिक्षण दे रहे हैं, और मुझे लगता है कि मैं अपने पाठों को काफी अच्छे से दोहरा सकता हूं।"

"दूरबीन लिए हुए ये सज्जन कौन हैं?"

“ये रियर-एडमिरल बास्करविले हैं, जिन्होंने वेस्ट इंडीज में रॉडनी के अधीन सेवा की थी। नीले कोट और कागज़ों का बंडल लिए हुए व्यक्ति सर विलियम बास्करविले हैं,

जो पिट के अधीन हाउस ऑफ कॉमन्स की समितियों के अध्यक्ष थे।”

“और मेरे सामने वाली ये कैवेलियर कार— वो काली मखमल और लेस वाली?”

“अरे, आपको उसके बारे में जानने का पूरा अधिकार है। वही तो सारी मुसीबतों की जड़ है, दुष्ट ह्यूगो, जिसने 'द हाउंड ऑफ द बास्करविल्स' की शुरुआत की। हम उसे भूलने वाले नहीं हैं।”

मैंने रुचि और कुछ आश्चर्य के साथ उस चित्र को देखा।

“हे भगवान!” होम्स ने कहा, “वह देखने में तो शांत और विनम्र स्वभाव का लगता है, लेकिन मुझे लगता है उसकी आँखों में एक शैतान छिपा हुआ था। मैंने तो उसे एक अधिक हट्टे-कट्टे और बदमाश व्यक्ति के रूप में कल्पना की थी।”

"इसकी प्रामाणिकता पर कोई संदेह नहीं है, क्योंकि कैनवास के पीछे नाम और तारीख, 1647, अंकित है।"

होम्स ने ज़्यादा कुछ नहीं कहा, लेकिन उस बूढ़े अय्याश की तस्वीर ने मानो उन्हें मोहित कर लिया था, और रात के खाने के दौरान उनकी नज़रें लगातार उस पर टिकी रहीं। बाद में, जब सर हेनरी अपने कमरे में चले गए, तब जाकर मैं उनके विचारों की दिशा समझ पाया। वे मुझे भोज कक्ष में वापस ले गए, उनके हाथ में उनके कमरे की मोमबत्ती थी, और उन्होंने उसे दीवार पर टंगी समय से धुंधली हो चुकी तस्वीर के सामने रखा।

क्या आपको वहां कुछ दिखाई दे रहा है?

मैंने चौड़ी पंखों वाली टोपी, लहराते बालों, सफेद फीते के कॉलर और उनके बीच छिपे सीधे, गंभीर चेहरे को देखा। यह क्रूर चेहरा नहीं था, लेकिन यह सलीकेदार, कठोर और गंभीर था, जिसमें पतले होंठों वाला दृढ़ मुंह और ठंडी, असहिष्णु आंखें थीं।

क्या यह आपके किसी परिचित जैसा है?

"उसके जबड़े में सर हेनरी की कुछ झलक दिखती है।"

“महज़ एक सुझाव, शायद। लेकिन एक पल रुकिए!” वह एक कुर्सी पर खड़ा हो गया, और अपने बाएं हाथ में मशाल पकड़े हुए, उसने अपना दाहिना हाथ चौड़ी टोपी के ऊपर से घुमाकर अपने लंबे घुंघराले बालों के चारों ओर लपेट लिया।

“हे भगवान!” मैं आश्चर्य से चिल्ला उठा।

स्टेपलटन का चेहरा कैनवास से उभर आया था।

“हाँ, अब समझ में आ गया। मेरी आँखें चेहरों को परखने के लिए प्रशिक्षित हैं, न कि उनके बाहरी आवरण को। एक आपराधिक जांचकर्ता का यह पहला गुण है कि वह भेस को पहचान ले।”

“लेकिन यह तो अद्भुत है। शायद यह उनका ही चित्र हो।”

“हाँ, यह एक दिलचस्प उदाहरण है जो शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों रूप से अतीत की याद दिलाता है। पारिवारिक चित्रों का अध्ययन ही किसी व्यक्ति को पुनर्जन्म के सिद्धांत में परिवर्तित करने के लिए पर्याप्त है। यह व्यक्ति बास्केरविल है - यह स्पष्ट है।”

"उत्तराधिकार पर कब्जा करने की योजना के साथ।"

“बिल्कुल सही। इस तस्वीर के संयोग से हमें हमारी सबसे अहम गुमशुदा कड़ी मिल गई है। वॉटसन, वो हमारे हाथ में है, और मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि कल रात से पहले वो हमारे जाल में अपनी ही तितली की तरह बेबस फड़फड़ा रहा होगा। एक पिन, एक कॉर्क और एक कार्ड, और हम उसे बेकर स्ट्रीट संग्रह में शामिल कर लेंगे!” तस्वीर से नज़र हटाते हुए वो ज़ोर से हँस पड़ा, जो उसकी दुर्लभ हँसी थी। मैंने उसे अक्सर हँसते नहीं सुना था, और उसकी हँसी हमेशा किसी न किसी के लिए अशुभ संकेत होती थी।

मैं सुबह जल्दी उठ गया था, लेकिन होम्स मुझसे भी पहले निकल चुका था, क्योंकि मैंने उसे कपड़े पहनते समय ड्राइववे से ऊपर आते हुए देखा था।

"हां, आज तो पूरा दिन व्यस्त रहने वाला है," उन्होंने कहा और काम शुरू होने की खुशी में अपने हाथ मलने लगे। "सारे जाल लग चुके हैं और मछली पकड़ने का काम शुरू होने ही वाला है। दिन खत्म होने से पहले ही पता चल जाएगा कि हमने अपनी बड़ी, पतले जबड़े वाली पाइक मछली पकड़ी है या वो जाल से निकल गई है।"

"क्या आप पहले ही दलदली भूमि पर जा चुके हैं?"

मैंने ग्रिम्पेन से प्रिंसटाउन को सेल्डेन की मृत्यु की सूचना भेज दी है। मुझे विश्वास है कि आपमें से किसी को भी इस मामले में कोई परेशानी नहीं होगी। और मैंने अपने वफ़ादार कार्टराइट से भी बात कर ली है, जो मेरी सुरक्षा के बारे में आश्वस्त न होने पर मेरी झोपड़ी के दरवाजे पर, अपने मालिक की कब्र पर कुत्ते की तरह तड़पता रहता।

अगला कदम क्या होगा?

"सर हेनरी को देखने के लिए। आह, वह यहाँ हैं!"

"सुप्रभात, होम्स," बैरोनेट ने कहा। "आप किसी ऐसे सेनापति की तरह लग रहे हैं जो अपने चीफ ऑफ स्टाफ के साथ युद्ध की योजना बना रहा हो।"

"बिल्कुल यही स्थिति है। वॉटसन आदेश मांग रहा था।"

"और इसलिए मैं भी।"

"बहुत बढ़िया। जैसा कि मुझे पता चला है, आज रात आप हमारे मित्र स्टेपलटन परिवार के साथ भोजन करने वाले हैं।"

मुझे उम्मीद है कि आप भी आएंगे। वे बहुत ही मेहमाननवाज लोग हैं, और मुझे यकीन है कि वे आपको देखकर बहुत प्रसन्न होंगे।

मुझे डर है कि वॉटसन और मुझे लंदन जाना पड़ेगा।

"लंदन के लिए?"

"हां, मुझे लगता है कि वर्तमान समय में हम वहां अधिक उपयोगी साबित हो सकते हैं।"

बैरोनेट का चेहरा स्पष्ट रूप से लंबा हो गया।

मुझे उम्मीद थी कि तुम इस मामले में मेरा साथ दोगे। हॉल और दलदली इलाका अकेले होने पर बहुत सुखद जगहें नहीं हैं।

"मेरे प्रिय मित्र, आपको मुझ पर पूर्ण विश्वास करना होगा और ठीक वही करना होगा जो मैं आपसे कहूं। आप अपने मित्रों को बता सकते हैं कि हमें आपके साथ आने में खुशी होती, लेकिन एक आवश्यक कार्य के कारण हमें शहर में रहना पड़ा। हमें आशा है कि हम बहुत जल्द डेवनशायर लौटेंगे। क्या आप उन्हें यह संदेश देना याद रखेंगे?"

"अगर आप इस पर जोर देते हैं।"

"इसका कोई विकल्प नहीं है, मैं आपको आश्वस्त करता हूं।"

मैंने बैरोनेट के माथे पर छाई उदासी से समझ लिया कि हमारे द्वारा किए गए परित्याग को लेकर वे बहुत आहत थे।

"आप कब जाना चाहते हैं?" उसने ठंडे स्वर में पूछा।

नाश्ते के तुरंत बाद। हम कूम्ब ट्रेसी के लिए रवाना होंगे, लेकिन वॉटसन अपना सामान इस वादे के तौर पर छोड़ जाएगा कि वह आपके पास वापस आएगा। वॉटसन, आप स्टेपलटन को एक नोट भेजकर बता देना कि आपको खेद है कि आप नहीं आ सकते।

"मेरा मन कर रहा है कि मैं तुम्हारे साथ लंदन जाऊं," बैरोनेट ने कहा। "मैं यहां अकेला क्यों रहूं?"

क्योंकि यह आपका कर्तव्य है। क्योंकि आपने मुझे वचन दिया था कि आप वही करेंगे जो आपको कहा गया है, और मैं आपको यहीं रहने के लिए कहता हूं।

"ठीक है, तो मैं यहीं रुकूंगा।"

“एक और निर्देश! मैं चाहता हूँ कि आप मेरिपिट हाउस तक गाड़ी चलाकर जाएँ। लेकिन अपना जाल वापस भेज दें और उन्हें बता दें कि आप पैदल घर लौटना चाहते हैं।”

"मैदान पार करके चलना?"

"हाँ।"

लेकिन यही तो वह काम है जिसके लिए आपने मुझे बार-बार आगाह किया है कि मैं ऐसा न करूं।

“इस बार आप इसे सुरक्षित रूप से कर सकते हैं। यदि मुझे आपके साहस और दृढ़ता पर पूरा भरोसा न होता तो मैं इसकी सलाह न देता, लेकिन यह आवश्यक है कि आप इसे करें।”

"तो मैं इसे करूँगा।"

और चूंकि आप अपने जीवन को महत्व देते हैं, इसलिए मेरिपिट हाउस से ग्रिम्पेन रोड तक जाने वाले सीधे रास्ते के अलावा किसी भी दिशा में दलदल को पार न करें, और यही आपके घर लौटने का स्वाभाविक रास्ता है।

मैं वही करूंगा जो आप कहेंगे।

“बहुत बढ़िया। मुझे नाश्ते के बाद जितनी जल्दी हो सके रवाना होने में खुशी होगी, ताकि मैं दोपहर तक लंदन पहुँच सकूँ।”

मैं इस कार्यक्रम से बहुत हैरान था, हालाँकि मुझे याद था कि होम्स ने पिछली रात स्टैपलटन से कहा था कि उनकी यात्रा अगले दिन समाप्त हो जाएगी। हालाँकि, मेरे मन में यह ख्याल नहीं आया था कि वह मुझे अपने साथ ले जाना चाहेंगे, और न ही मैं समझ पा रहा था कि हम दोनों उस समय अनुपस्थित कैसे रह सकते हैं जिसे उन्होंने स्वयं महत्वपूर्ण बताया था। अब कोई चारा नहीं था सिवाय आज्ञापालन के; इसलिए हमने अपने दुखी मित्र को अलविदा कहा, और कुछ घंटों बाद हम कूम्ब टेसी स्टेशन पर थे और टैप को उसकी वापसी यात्रा पर भेज चुके थे। प्लेटफार्म पर एक छोटा लड़का इंतज़ार कर रहा था।

“कोई आदेश है क्या, महोदय?”

“कार्टराइट, तुम इस ट्रेन से शहर जाओगे। पहुंचते ही मेरी तरफ से सर हेनरी बास्करविले को एक तार भेजना, जिसमें यह लिखा हो कि अगर उन्हें मेरा गिरा हुआ पर्स मिले तो उसे पंजीकृत डाक से बेकर स्ट्रीट भेज दें।”

"जी श्रीमान्।"

और थाने में पता कर लें कि क्या मेरे लिए कोई संदेश है।

लड़का एक टेलीग्राम लेकर लौटा, जो होम्स ने मुझे सौंप दिया। उसमें लिखा था:

“संदेश प्राप्त हुआ। बिना हस्ताक्षर वाला वारंट लेकर आ रहे हैं। 5:40 बजे पहुंचेंगे। — लेस्ट्रेड।”

“यह मेरे आज सुबह के प्रश्न का उत्तर है। मेरे विचार से वे सर्वश्रेष्ठ पेशेवर हैं और हमें उनकी सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है। अब, वाटसन, मुझे लगता है कि श्रीमती लौरा लायंस से मिलने से बेहतर हमारे समय का सदुपयोग और कोई नहीं हो सकता।”

उसकी रणनीति अब स्पष्ट होने लगी थी। वह बैरोनेट का इस्तेमाल करके स्टेपलटन परिवार को यह यकीन दिलाएगा कि हम सचमुच जा चुके हैं, जबकि असल में हम ठीक उसी समय लौटेंगे जब हमारी सबसे ज़्यादा ज़रूरत होगी। अगर सर हेनरी ने स्टेपलटन

परिवार को लंदन से आए उस टेलीग्राम के बारे में बताया, तो उनके मन से सारी शंकाएं दूर हो जाएंगी। मुझे पहले से ही लग रहा था कि हमारे जाल उस दुबले-पतले पाइक मछली के चारों ओर कसते जा रहे हैं।

श्रीमती लौरा लियोन्स अपने कार्यालय में थीं, और शर्लक होम्स ने अपनी बातचीत की शुरुआत इतनी स्पष्टता और सीधेपन से की कि वह काफी आश्चर्यचकित रह गईं।

उन्होंने कहा, "मैं स्वर्गीय सर चार्ल्स बास्करविले की मृत्यु से संबंधित परिस्थितियों की जांच कर रहा हूं। मेरे मित्र डॉ. वॉटसन ने मुझे आपके द्वारा दी गई जानकारी और इस मामले से संबंधित आपके द्वारा छुपाई गई जानकारी दोनों से अवगत कराया है।"

"मैंने क्या छिपाया है?" उसने चुनौती भरे लहजे में पूछा।

"आपने स्वीकार किया है कि आपने सर चार्ल्स को रात दस बजे द्वार पर उपस्थित रहने के लिए कहा था। हम जानते हैं कि यही उनकी मृत्यु का स्थान और समय था। आपने इन घटनाओं के बीच के संबंध को छिपाया है।"

"इन दोनों के बीच कोई संबंध नहीं है।"

"ऐसे में तो यह संयोग वाकई असाधारण ही होगा। लेकिन मुझे लगता है कि हम आखिरकार संबंध स्थापित करने में सफल हो जाएंगे। मैं आपसे पूरी ईमानदारी से बात करना चाहता हूं, श्रीमती लायंस। हम इस मामले को हत्या का मामला मान रहे हैं, और सबूत न केवल आपके मित्र श्री स्टेपलटन को, बल्कि उनकी पत्नी को भी फंसा सकते हैं।"

वह महिला अपनी कुर्सी से उछल पड़ी।

"उसकी पत्नी!" वह चिल्लाई।

"यह बात अब कोई रहस्य नहीं रही। जो व्यक्ति उसकी बहन होने का दिखावा कर रहा था, वह वास्तव में उसकी पत्नी है।"

श्रीमती लायंस अपनी सीट पर वापस बैठ गई थीं। उनके हाथ कुर्सी के आर्मरेस्ट को कसकर पकड़े हुए थे, और मैंने देखा कि उनकी पकड़ के दबाव से उनके गुलाबी नाखून सफेद पड़ गए थे।

"उसकी पत्नी!" उसने फिर कहा। "उसकी पत्नी! वह शादीशुदा आदमी नहीं है।"

शर्लक होम्स ने अपने कंधे उचका दिए।

"मुझे साबित करके दिखाओ! मुझे साबित करके दिखाओ! और अगर तुम ऐसा कर सकते हो तो—!" उसकी आँखों की तीव्र चमक ने शब्दों से कहीं अधिक कह दिया।

"मैं पूरी तैयारी के साथ आया हूँ," होम्स ने अपनी जेब से कई कागज़ निकालते हुए कहा। "ये चार साल पहले यॉर्क में ली गई इस दंपत्ति की तस्वीर है। इस पर 'श्रीमान और श्रीमती वंडेलूर' लिखा है, लेकिन आपको उन्हें पहचानने में कोई कठिनाई नहीं होगी, और अगर आप उन्हें जानते हैं तो उन्हें भी पहचान लेंगे। ये श्रीमान और श्रीमती वंडेलूर के तीन लिखित विवरण हैं, जो विश्वसनीय गवाहों द्वारा दिए गए हैं। उस समय वे सेंट ओलिवर का निजी स्कूल चलाते थे। इन्हें पढ़िए और देखिए कि क्या आपको इन लोगों की पहचान पर संदेह होता है।"

उसने उन पर एक नजर डाली, और फिर एक हताश महिला के दृढ़, सख्त चेहरे के साथ हमारी ओर देखा।

"श्री होम्स," उसने कहा, "इस आदमी ने मुझसे इस शर्त पर शादी का प्रस्ताव रखा था कि मैं अपने पति से तलाक ले लूं। इस दुष्ट ने मुझसे हर तरह से झूठ बोला है। उसने कभी मुझसे सच का एक शब्द भी नहीं कहा। और क्यों—क्यों? मैंने सोचा था कि सब कुछ मेरे भले के लिए था। लेकिन अब मुझे समझ आ रहा है कि मैं उसके हाथों की एक कठपुतली मात्र थी। मैं उस पर भरोसा क्यों रखूं जिसने मुझ पर कभी भरोसा नहीं

किया? मैं उसे उसके बुरे कर्मों के परिणामों से क्यों बचाऊं? आप मुझसे जो चाहें पूछें, मैं कुछ भी नहीं छिपाऊंगी। एक बात मैं आपसे कसम खाकर कहती हूं, और वह यह है कि जब मैंने पत्र लिखा था, तब मैंने कभी सपने में भी उस बूढ़े सज्जन को कोई नुकसान पहुँचाने का नहीं सोचा था, जो मेरे सबसे प्यारे दोस्त थे।”

“मैं आपकी बात पर पूरी तरह विश्वास करता हूं, महोदया,” शर्लक होम्स ने कहा। “इन घटनाओं का विवरण आपके लिए बहुत कष्टदायक होगा, और शायद अगर मैं आपको बताऊं कि वास्तव में क्या हुआ था, तो यह आपके लिए आसान हो जाएगा, और यदि मैं कोई महत्वपूर्ण गलती करता हूँ तो आप मुझे सुधार सकती हैं। क्या यह पत्र भेजने का सुझाव आपको स्टेपलटन ने दिया था?”

उन्होंने ही इसे लिखवाया था।

"मेरा अनुमान है कि उन्होंने जो कारण बताया वह यह था कि आपको अपने तलाक से संबंधित कानूनी खर्चों के लिए सर चार्ल्स से मदद मिलेगी?"

"बिल्कुल।"

“और फिर जब आपने पत्र भेज दिया, तो उसने आपको मुलाकात न करने के लिए मना कर दिया?”

उन्होंने मुझसे कहा कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ऐसे उद्देश्य के लिए धन जुटाना उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाएगा, और यद्यपि वे स्वयं एक गरीब व्यक्ति थे, फिर भी वे हमारे बीच की बाधाओं को दूर करने के लिए अपना अंतिम पैसा भी खर्च कर देंगे।

“वह काफी स्थिर स्वभाव का व्यक्ति प्रतीत होता है। और फिर आपने अखबार में मृत्यु की ख़बर पढ़ने तक कुछ नहीं सुना?”

"नहीं।"

"और उन्होंने आपसे सर चार्ल्स के साथ आपकी मुलाकात के बारे में कुछ भी न कहने की शपथ दिलवाई?"

“उन्होंने ऐसा किया। उन्होंने कहा कि मौत बहुत रहस्यमय थी, और अगर सच्चाई सामने आई तो मुझ पर ज़रूर शक किया जाएगा। उन्होंने मुझे चुप रहने के लिए डरा दिया।”

“बिल्कुल सही। लेकिन आपको कुछ संदेह तो था ही?”

वह हिचकिचाई और नीचे देखने लगी।

“मैं उसे जानती थी,” उसने कहा। “लेकिन अगर उसने मेरे प्रति वफादारी बनाए रखी होती, तो मैं भी हमेशा उसके प्रति वफादार रहती।”

“मुझे लगता है कि कुल मिलाकर आप बाल-बाल बच गईं,” शर्लक होम्स ने कहा। “आपने उसे अपने वश में कर लिया था और वह यह जानता भी था, फिर भी आप ज़िंदा हैं। आप कुछ महीनों से खाई के किनारे पर चल रही थीं। अब हम आपको सुप्रभात कहते हैं, श्रीमती लायंस, और संभवतः आपको जल्द ही हमसे फिर से संपर्क किया जाएगा।”

“हमारा मामला अब सुलझता जा रहा है, और एक-एक करके सारी मुश्किलें हमारे सामने से हटती जा रही हैं,” होम्स ने कहा, जब हम शहर से आने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का इंतज़ार कर रहे थे। “मैं जल्द ही आधुनिक युग के सबसे अनोखे और सनसनीखेज अपराधों में से एक को एक क्रमबद्ध कहानी के रूप में प्रस्तुत करने में सक्षम हो जाऊंगा। अपराध विज्ञान के छात्र 1966 में लिटिल रूस के गोडनो में हुई इसी तरह की घटनाओं को याद रखेंगे, और निश्चित रूप से उत्तरी कैरोलिना में एंडरसन हत्याकांड भी हैं, लेकिन इस मामले में कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जो इसे पूरी तरह से अलग बनाती हैं। अभी भी हमारे पास इस बेहद शातिर आदमी के खिलाफ कोई पुख्ता सबूत नहीं है।

लेकिन अगर आज रात सोने से पहले यह मामला पूरी तरह से स्पष्ट न हो जाए तो मुझे बहुत आश्चर्य होगा।"

लंदन एक्सप्रेस गरजती हुई स्टेशन पर पहुंची, और एक दुबला-पतला, फुर्तीला आदमी प्रथम श्रेणी के डिब्बे से बाहर निकला। हम तीनों ने हाथ मिलाया, और लेस्ट्रेड जिस आदरपूर्ण ढंग से मेरे साथी को देख रहा था, उससे मैं तुरंत समझ गया कि जब से उन्होंने साथ काम करना शुरू किया था, तब से उसने बहुत कुछ सीख लिया था। मुझे अच्छी तरह याद था कि उस समय तर्कवादियों के सिद्धांत व्यावहारिक लोगों में कितना तिरस्कार पैदा करते थे।

"कुछ अच्छा मिला क्या?" उसने पूछा।

"पिछले कई सालों में सबसे बड़ी बात यही है," होम्स ने कहा। "हमारे पास शुरू करने से पहले दो घंटे हैं। मुझे लगता है कि हम इस समय का इस्तेमाल खाना बनाने में कर सकते हैं और फिर, लेस्ट्रेड, हम आपको डार्टमूर की शुद्ध रात्रि हवा का अनुभव कराकर लंदन की थकान दूर करेंगे। कभी वहाँ नहीं गए? कोई बात नहीं, मुझे नहीं लगता कि आप अपनी पहली यात्रा कभी भूल पाएंगे।"

बास्केरविलस का जासूस

शर्लक होम्स की एक खामी—अगर इसे खामी कहा जा सकता है—यह थी कि वे अपनी योजनाओं को पूरा होने के क्षण तक किसी और को बताने से बेहद कतराते थे। इसका एक कारण निस्संदेह उनका अपना दबंग स्वभाव था, जिसे अपने आसपास के लोगों पर हावी होना और उन्हें आश्चर्यचकित करना पसंद था। दूसरा कारण उनकी पेशेवर सावधानी थी, जो उन्हें कभी भी जोखिम न लेने के लिए प्रेरित करती थी। हालांकि, इसका परिणाम उनके एजेंटों और सहायकों के लिए बहुत कठिन होता था। मैंने भी कई बार इसका सामना किया था, लेकिन उस अंधेरे में लंबी यात्रा के दौरान सबसे ज्यादा। बड़ी परीक्षा हमारे सामने थी; आखिरकार हम अपना अंतिम प्रयास करने वाले थे, और होम्स ने अभी तक कुछ नहीं कहा था, और मैं केवल अनुमान लगा सकता था कि उनकी कार्ययोजना क्या होगी। मेरी नसें उत्सुकता से कांप उठीं जब अंततः ठंडी हवा हमारे चेहरों पर लगी और संकरी सड़क के दोनों ओर का अंधेरा, खालीपन ने मुझे बताया कि हम एक बार फिर दलदली भूमि पर वापस आ गए हैं। घोड़ों का हर कदम और पहियों का हर मोड़ हमें हमारे चरम रोमांच के करीब ले जा रहा था।

किराए पर ली गई छोटी गाड़ी के चालक की मौजूदगी के कारण हमारी बातचीत बाधित हो रही थी, और जब हम भावनाओं और उत्सुकता से तनावग्रस्त थे, तब हमें तुच्छ बातों पर ही चर्चा करनी पड़ी। उस असहज बंधन के बाद, जब हम अंततः फ्रैंकलैंड के घर के पास से गुजरे और यह जानकर मुझे राहत मिली कि हम हॉल और घटना स्थल के करीब पहुँच रहे हैं। हम दरवाजे तक गाड़ी नहीं ले गए, बल्कि रास्ते के गेट के पास ही उतर गए। छोटी गाड़ी को किराया देकर तुरंत कूम्ब ट्रेसी लौटने का आदेश दिया गया, और हम मेरिपिट हाउस की ओर पैदल चल पड़े।

"क्या तुम हथियारबंद हो, लेस्ट्रेड?"

नन्हे जासूस ने मुस्कुरा दिया।

जब तक मेरे पास मेरी पतलून है, तब तक मेरे पास एक कूल्हे की जेब है, और जब तक मेरे पास मेरी कूल्हे की जेब है, तब तक उसमें कुछ न कुछ है।

"बहुत बढ़िया! मैं और मेरा दोस्त भी आपात स्थिति के लिए तैयार हैं।"

"आप इस मामले में काफी हद तक सही के करीब हैं, मिस्टर होम्स। अब आगे क्या करना है?"

"इंतजार का खेल।"

“हे भगवान, यह जगह तो बिल्कुल भी खुशनुमा नहीं लग रही,” जासूस कांपते हुए बोला, और उसने पहाड़ी की सुनसान ढलानों और ग्रिम्पेन दलदल पर छाए घने कोहरे पर नज़र डाली। “मुझे अपने सामने एक घर की रोशनी दिखाई दे रही है।”

“यह मेरिपिट हाउस है और हमारी यात्रा का अंत। मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप दबे पांव चलें और फुसफुसाहट से अधिक ऊँची आवाज़ में बात न करें।”

हम सावधानीपूर्वक उस रास्ते पर आगे बढ़े मानो हम घर की ओर जा रहे हों, लेकिन जब हम घर से लगभग दो सौ गज दूर थे, तब होम्स ने हमें रोक दिया।

“यह ठीक रहेगा,” उसने कहा। “दाईं ओर की ये चट्टानें एक बेहतरीन आवरण का काम करती हैं।”

“हमें यहीं इंतज़ार करना है?”

“हाँ, हम यहीं अपना छोटा सा घात लगाएंगे। लेस्ट्रेड, इस खोखले स्थान में घुस जाओ। वॉटसन, तुम घर के अंदर गए हो ना? क्या तुम कमरों की स्थिति बता सकते हो? इस छोर पर वे जालीदार खिड़कियाँ क्या हैं?”

मुझे लगता है कि ये रसोई की खिड़कियाँ हैं।

और वह परे वाला, जो इतनी तेज़ी से चमकता है?

"यह निश्चित रूप से भोजन कक्ष है।"

“पर्दे लगे हुए हैं। आपको इलाके की सबसे अच्छी जानकारी है। चुपके से आगे बढ़िए और देखिए कि वे क्या कर रहे हैं—लेकिन भगवान के लिए उन्हें यह पता मत चलने देना कि आप पर नज़र रखी जा रही है!”

मैं दबे पांव रास्ते पर आगे बढ़ा और बौने बगीचे के चारों ओर बनी नीची दीवार के पीछे झुक गया। उसकी छाया में रेंगते हुए मैं एक ऐसी जगह पर पहुंचा जहां से मैं बिना पर्दे वाली खिड़की से सीधे अंदर देख सकता था।

कमरे में केवल दो ही व्यक्ति थे, सर हेनरी और स्टेपलटन। वे गोल मेज के दोनों ओर मेरी ओर मुंह करके बैठे थे। दोनों सिगार पी रहे थे और उनके सामने कॉफी और शराब रखी थी। स्टेपलटन जोश से बातें कर रहे थे, लेकिन बैरोनेट का चेहरा पीला और उदास लग रहा था। शायद उस अशुभ बंजर भूमि पर अकेले की गई सैर का ख्याल उनके मन पर भारी पड़ रहा था।

जब मैं उन्हें देख रहा था, स्टैपलटन उठे और कमरे से बाहर चले गए, जबकि सर हेनरी ने अपना गिलास फिर से भरा और अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर सिगार का कश लेने लगे। मुझे एक दरवाजे की चरमराहट और बजरी पर बूटों की खड़खड़ाहट सुनाई दी। कदम उस दीवार के दूसरी ओर बने रास्ते से गुज़रे जिसके नीचे मैं दुबका हुआ था। मैंने देखा कि प्रकृतिवादी बाग के कोने में बने एक छोटे से कमरे के दरवाजे पर रुके। एक चाबी ताले में घूमी और जैसे ही वे अंदर गए, अंदर से एक अजीब सी खड़खड़ाहट की आवाज़ आई। वे अंदर बस एक मिनट ही रहे, फिर मैंने चाबी के एक बार फिर घूमने की आवाज़ सुनी और वे मेरे पास से गुज़रकर घर में वापस चले गए। मैंने उन्हें अपने मेहमान के पास जाते देखा और मैं चुपचाप वापस अपने साथियों के पास चला गया जहां वे मेरा इंतज़ार कर रहे थे ताकि उन्हें बता सकूँ कि मैंने क्या देखा था।

जब मैंने अपनी रिपोर्ट पूरी कर ली, तो होम्स ने पूछा, "वॉटसन, तुम्हारा कहना है कि वह महिला वहां नहीं है?"

"नहीं।"

"फिर वह कहाँ हो सकती है, क्योंकि रसोई के अलावा किसी और कमरे में रोशनी नहीं है?"

मुझे समझ नहीं आ रहा कि वह कहां है।

मैंने कहा था कि विशाल ग्रिम्पेन दलदल के ऊपर घना, सफेद कोहरा छाया हुआ था। यह धीरे-धीरे हमारी ओर बढ़ रहा था और हमारे उस तरफ एक दीवार की तरह जमा हो गया था, नीचा, लेकिन घना और स्पष्ट। चंद्रमा की रोशनी उस पर पड़ रही थी और वह एक विशाल चमकते हुए बर्फ के मैदान जैसा दिख रहा था, जिस पर दूर स्थित पर्वतों की चोटियाँ चट्टानों की तरह टिकी हुई थीं। होम्स का चेहरा उसकी ओर था और वह उसके धीमे बहाव को देखते हुए अधीरता से कुछ बुदबुदा रहा था।

"यह हमारी ओर बढ़ रहा है, वॉटसन।"

"क्या यह वाकई गंभीर बात है?"

“सचमुच बहुत गंभीर मामला है—दुनिया में यही एक चीज़ थी जो मेरी सारी योजनाओं को बिगाड़ सकती थी। अब उसे ज़्यादा देर नहीं लग सकती। दस बज चुके हैं। हमारी सफलता और यहाँ तक कि उसकी जान भी इस बात पर निर्भर कर सकती है कि वह कोहरा छाने से पहले बाहर आ जाए।”

आसमान साफ और सुहावना था। तारे ठंडे और चमकीले चमक रहे थे, जबकि आधा चाँद पूरे दृश्य को एक नरम, अनिश्चित रोशनी में नहला रहा था। हमारे सामने घर का विशाल अँधेरा ढाँचा था, जिसकी दाँतेदार छत और नुकीली चिमनियाँ चाँदी जैसे तारों से जगमगाते आकाश में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहीं थीं। निचली खिड़कियों से सुनहरी रोशनी की चौड़ी किरणें बगीचे और मैदान पर फैल रही थीं। उनमें से एक खिड़की अचानक बंद हो गई। नौकर रसोई छोड़कर चले गए थे। केवल भोजन कक्ष में जलता हुआ दीपक ही बचा था, जहाँ दो आदमी, हत्यारा मेज़बान और बेहोश मेहमान, अभी भी सिगार पीते हुए बातें कर रहे थे।

हर मिनट, दलदली भूमि के आधे हिस्से को ढकने वाला वह सफेद ऊनी मैदान घर के और करीब आता जा रहा था। पहले से ही उसकी पतली-पतली लकीरें रोशन खिड़की के सुनहरे चौकोर हिस्से पर फैल रही थीं। बगीचे की दूर वाली दीवार लगभग गायब हो चुकी थी, और पेड़ सफेद भाप के भंवर में खड़े नज़र आ रहे थे। जैसे-जैसे हम उसे देखते रहे, कोहरे के घेरे घर के दोनों कोनों से रेंगते हुए आए और धीरे-धीरे एक घने ढेर में सिमट गए, जिस पर ऊपरी मंजिल और छत किसी धुंधले समुद्र पर तैरते हुए अजीब जहाज़ की तरह लग रहे थे। होम्स ने गुस्से में हमारे सामने की चट्टान पर हाथ पटका और बेचैनी में अपने पैर पटके।

“अगर वह पंद्रह मिनट में बाहर नहीं निकला तो रास्ता बर्फ से ढक जाएगा। आधे घंटे में हमें अपने हाथ भी दिखाई नहीं देंगे।”

"क्या हमें और पीछे ऊँची ज़मीन पर जाना चाहिए?"

"हां, मुझे लगता है कि यह भी ठीक रहेगा।"

जैसे-जैसे कोहरे का घना बादल आगे बढ़ता गया, हम उसके सामने पीछे हटते गए, जब तक कि हम घर से आधा मील दूर नहीं रह गए, और फिर भी वह घना सफेद सागर, जिसके ऊपरी किनारे पर चंद्रमा की चांदी जैसी रोशनी पड़ रही थी, धीरे-धीरे और निर्दयता से आगे बढ़ता रहा।

“हम बहुत आगे बढ़ रहे हैं,” होम्स ने कहा। “हम ये जोखिम नहीं उठा सकते कि हम तक पहुँचने से पहले ही वो हमें पकड़ ले। हर हाल में हमें यहीं डटे रहना होगा।” वो घुटनों के बल बैठ गया और अपना कान ज़मीन पर रखकर बोला, “भगवान का शुक्र है, मुझे लगता है कि वो आ रहा है।”

तेज़ कदमों की आहट ने मैदान की खामोशी को तोड़ दिया। पत्थरों के बीच दुबककर हम अपने सामने चांदी जैसी चमकती हुई ढलान को टकटकी लगाकर देखने लगे। कदमों की आहट तेज़ होती गई, और कोहरे के बीच से, मानो किसी पर्दे के पीछे से, वह आदमी निकला जिसका हम इंतज़ार कर रहे थे। साफ़, तारों भरी रात में

निकलते ही उसने हैरानी से चारों ओर देखा। फिर वह तेज़ी से रास्ते पर आया, जहाँ हम लेटे थे उसके पास से गुज़रा, और हमारे पीछे लंबी ढलान पर चढ़ गया। चलते-चलते वह लगातार अपने दोनों कंधों के पीछे देखता रहा, मानो कोई बेचैन आदमी हो।

"हिस्ट!" होम्स चिल्लाया, और मुझे पिस्तौल लोड करने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। "सावधान! यह आ रहा है!"

उस रेंगते हुए बादल के बीचोंबीच से हल्की, कुरकुरी, लगातार फुसफुसाहट सुनाई दे रही थी। बादल हमसे पचास गज की दूरी पर था, और हम तीनों उसे घूर रहे थे, यह सोचकर कि उसके भीतर से कौन सा भयानक दृश्य निकलने वाला है। मैं होम्स के पास था, और मैंने एक पल के लिए उसके चेहरे पर नज़र डाली। उसका चेहरा पीला और प्रसन्न था, चाँदनी में उसकी आँखें चमक रही थीं। लेकिन अचानक उसकी आँखें एक कठोर, स्थिर नज़र से सीधी हो गईं, और उसके होंठ आश्चर्य से खुल गए। उसी क्षण लेस्ट्रेड ने डर से चीख मारी और ज़मीन पर औंधा गिर पड़ा। मैं उछलकर खड़ा हो गया, मेरा बेजान हाथ पिस्तौल पकड़े हुए था, मेरा दिमाग उस भयानक आकृति से सुन्न हो गया था जो कोहरे की छाया से अचानक हम पर आ पड़ी थी। वह एक शिकारी कुत्ता था, एक विशाल कोयले जैसा काला शिकारी कुत्ता, लेकिन ऐसा शिकारी कुत्ता जिसे किसी इंसान ने कभी नहीं देखा था। उसके खुले मुँह से आग फूट पड़ी, उसकी आँखें धधकती हुई चमक से दमक रही थीं, उसका थूथन, गर्दन के बाल और गलफड़े टिमटिमाती लपटों से घिरे हुए थे। किसी विक्षिप्त मस्तिष्क के उस भ्रमपूर्ण सपने में भी उस काले रूप और क्रूर चेहरे से अधिक बर्बर, अधिक भयावह, अधिक नरकीय किसी चीज़ की कल्पना नहीं की जा सकती थी, जो कोहरे की दीवार से अचानक हमारे सामने प्रकट हुआ।

वह विशालकाय काला प्राणी लंबी-लंबी छलांगें लगाते हुए रास्ते पर दौड़ रहा था, हमारे मित्र के पदचिन्हों का पीछा कर रहा था। हम उस भयानक दृश्य को देखकर इतने भयभीत हो गए थे कि हिम्मत जुटाने से पहले ही हमने उसे आगे जाने दिया। फिर होम्स और मैंने एक साथ गोली चलाई, और उस प्राणी ने एक भयानक चीख मारी, जिससे पता चला कि कम से कम एक गोली तो उसे लगी है। हालांकि, वह रुका नहीं, बल्कि आगे बढ़ता चला गया। रास्ते में दूर हमने सर हेनरी को पीछे मुड़कर देखते हुए देखा, चांदनी में उनका चेहरा पीला पड़ गया था, भय से उनके हाथ ऊपर उठे हुए थे, और वे उस भयानक प्राणी को असहाय रूप से घूर रहे थे जो उनका पीछा कर रहा था।

लेकिन उस कुत्ते की दर्द भरी चीख ने हमारे सारे डर को चकनाचूर कर दिया। अगर वह कमज़ोर था तो वह मर सकता था, और अगर हम उसे घायल कर देते तो उसे मार भी सकते थे। मैंने उस रात होम्स की तरह दौड़ते हुए किसी आदमी को कभी नहीं देखा था। मैं तेज़ दौड़ने वाला माना जाता हूँ, लेकिन उसने मुझे उतनी ही तेज़ी से पीछे छोड़ दिया जितना मैंने उस छोटे से पेशेवर को। जैसे ही हम पगडंडी पर दौड़े, हमारे सामने सर हेनरी की चीखें और कुत्ते की गहरी दहाड़ सुनाई दी। मैं समय पर पहुँच गया और देखा कि वह जानवर अपने शिकार पर झपटा, उसे ज़मीन पर पटका और उसका गला नोचने लगा। लेकिन अगले ही पल होम्स ने अपने रिवॉल्वर की पाँचों गोलियाँ उस जानवर के पेट में मार दीं। दर्द से कराहते हुए आखिरी चीख और हवा में एक ज़ोरदार झटके के साथ, वह अपनी पीठ के बल लुढ़का, चारों पैर ज़ोर से ज़मीन पर पटके, और फिर एक तरफ बेजान होकर गिर पड़ा। मैं हाँफते हुए झुका और अपनी पिस्तौल उस भयानक, काँपते हुए सिर पर रखी, लेकिन ट्रिगर दबाना बेकार था। वह विशालकाय कुत्ता मर चुका था।

सर हेनरी जहां गिरे थे, वहीं बेहोश पड़े थे। हमने उनका कॉलर हटाया और जब हमने देखा कि उन पर ज़ख्म का कोई निशान नहीं है और बचाव समय पर हो गया है,

तो होम्स ने कृतज्ञता से प्रार्थना की। हमारे मित्र की पलकें पहले से ही कांप रही थीं और उन्होंने हिलने-डुलने की कमज़ोर कोशिश की। लेस्ट्रेड ने अपनी ब्रांडी की बोतल बैरोनेट के दांतों के बीच फंसा दी, और उनकी दो डरी हुई आंखें हमारी ओर देख रही थीं।

"हे भगवान!" उसने फुसफुसाते हुए कहा। "यह क्या था? आखिर यह क्या था?"

होम्स ने कहा, "जो भी था, वो खत्म हो गया है। हमने परिवार के भूत को हमेशा के लिए दफा कर दिया है।"

आकार और ताकत में वह एक भयानक प्राणी था जो हमारे सामने फैला पड़ा था। वह न तो शुद्ध ब्लडहाउंड था और न ही शुद्ध मास्टिफ़; बल्कि वह इन दोनों का मिश्रण प्रतीत होता था—दुबला-पतला, क्रूर और एक छोटी शेरनी जितना विशाल। मृत्यु के सन्नाटे में भी, उसके विशाल जबड़े नीली लौ से रिसते प्रतीत हो रहे थे और उसकी छोटी, धंसी हुई, क्रूर आँखें आग से घिरी हुई थीं। मैंने अपना हाथ उसके चमकते थूथन पर रखा, और जैसे ही मैंने उन्हें ऊपर उठाया, मेरी उंगलियाँ अँधेरे में सुलगती और चमकती हुई दिखाई दीं।

मैंने कहा, "फास्फोरस।"

होम्स ने मरे हुए ज़ानवर को सूंघते हुए कहा, "यह तो बड़ी चालाकी से किया गया था। इसमें ऐसी कोई गंध नहीं थी जिससे इसकी सूंघने की शक्ति पर असर पड़ता। सर हेनरी, आपको इस भयानक स्थिति में डालने के लिए हम आपसे बहुत माफी मांगते हैं। मैं एक शिकारी कुत्ते के लिए तो तैयार था, लेकिन ऐसे जानवर के लिए नहीं। और कोहरे के कारण हमें उसे पकड़ने का ज्यादा समय नहीं मिला।"

आपने मेरी जान बचाई है।

"पहले तो आपने इसे खतरे में डाला। क्या आप खड़े रहने के लिए काफी मजबूत हैं?"

"मुझे उस ब्रांडी का एक और घूंट दे दो, मैं किसी भी चीज़ के लिए तैयार हो जाऊँगा। तो! अब, अगर तुम मुझे उठने में मदद करोगे, तो तुम क्या करने का इरादा रखते हो?"

"आपको यहीं छोड़ना पड़ रहा है। आज रात आप आगे के रोमांच के लिए तैयार नहीं हैं। अगर आप थोड़ा इंतज़ार करेंगे, तो हममें से कोई एक आपके साथ हॉल वापस चला जाएगा।"

उसने लड़खड़ाते हुए उठने की कोशिश की; लेकिन उसका चेहरा अब भी पीला पड़ गया था और उसके सारे अंग कांप रहे थे। हमने उसे एक चट्टान तक सहारा दिया, जहाँ वह कांपते हुए अपना चेहरा हाथों में छिपाकर बैठ गया।

"हमें अब आपसे विदा लेनी होगी," होम्स ने कहा। "हमें अपना बाकी काम पूरा करना है, और हर पल महत्वपूर्ण है। हमें अपना मामला मिल गया है, और अब हमें सिर्फ अपना आदमी चाहिए।"

"उसे घर पर ढूंढने की संभावना हज़ार में एक है," उसने आगे कहा, जब हम तेज़ी से रास्ते से वापस लौटने लगे। "उन गोलियों की आवाज़ से उसे ज़रूर समझ आ गया होगा कि अब उसका खेल खत्म हो गया है।"

"हम उनसे कुछ दूरी पर थे, और इस कोहरे ने शायद उन्हें सुस्त कर दिया हो।"

"वह कुत्ते के पीछे-पीछे उसे रोकने के लिए गया था—इस बात का आप यकीन कर सकते हैं। नहीं, नहीं, वह अब तक जा चुका होगा! लेकिन हम घर की तलाशी लेंगे और सुनिश्चित कर लेंगे।"

सामने का दरवाज़ा खुला था, इसलिए हम अंदर घुस गए और एक कमरे से दूसरे कमरे में भागते हुए आगे बढ़े। गलियारे में मिले एक बूढ़े नौकर को देखकर हम सब

हैरान रह गए। भोजन कक्ष को छोड़कर कहीं भी रोशनी नहीं थी, लेकिन होम्स ने लैंप उठाया और घर का कोई कोना नहीं छोड़ा। जिस आदमी का हम पीछा कर रहे थे, उसका कोई सुराग हमें नहीं मिला। हालांकि, ऊपरी मंजिल पर एक शयनकक्ष का दरवाज़ा बंद था।

“अंदर कोई है,” लेस्ट्रेड चिल्लाया। “मुझे कुछ हलचल सुनाई दे रही है। यह दरवाज़ा खोलो!”

अंदर से हल्की सी कराह और सरसराहट की आवाज आई। होम्स ने ताले के ठीक ऊपर अपने पैर के तलवे से दरवाजे पर प्रहार किया और वह खुल गया। हाथ में पिस्तौल लिए हम तीनों कमरे में घुस गए।

लेकिन उसमें उस हताश और विद्रोही खलनायक का कोई निशान नहीं था जिसकी हमें उम्मीद थी। इसके बजाय, हमारे सामने एक ऐसी विचित्र और अप्रत्याशित वस्तु थी जिसे देखकर हम कुछ पल के लिए विस्मय से उसे देखते रह गए।

कमरे को एक छोटे संग्रहालय में बदल दिया गया था, और दीवारों पर कांच के ढक्कन वाले कई बक्से रखे थे जिनमें तितलियों और पतंगों का वह संग्रह था जिसे इकट्ठा करना इस जटिल और खतरनाक व्यक्ति का सुकून था। कमरे के बीचोंबीच एक सीधा बीम था, जिसे कभी छत पर लटके लकड़ी के पुराने, कीड़े लगे तख्ते को सहारा देने के लिए लगाया गया था। इस खंभे से एक आकृति बंधी हुई थी, जिसे चादरों में इस तरह लपेटा और ढका गया था कि उस क्षण यह बताना मुश्किल था कि वह पुरुष है या स्त्री। एक तौलिया गले के चारों ओर लिपटा हुआ था और खंभे के पीछे बंधा हुआ था। दूसरा तौलिया चेहरे के निचले हिस्से को ढके हुए था, और उसके ऊपर दो गहरी आँखें - दुख, शर्म और एक भयानक प्रश्न से भरी आँखें - हमें घूर रही थीं। एक मिनट में हमने मुंह पर बंधी पट्टी हटा दी, बंधन खोल दिए, और श्रीमती स्टेपलटन हमारे सामने फर्श पर गिर पड़ीं। जैसे ही उसका सुंदर सिर उसकी छाती पर गिरा, मैंने उसकी गर्दन पर कोड़े की मार के स्पष्ट लाल निशान देखे।

“वह जाहिल!” होम्स चिल्लाया। “लो, लेस्ट्रेड, अपनी ब्रांडी की बोतल! उसे कुर्सी पर बिठाओ! वह दुर्व्यवहार और थकावट के कारण बेहोश हो गई है।”

उसने अपनी आंखें दोबारा खोलीं।

“क्या वह सुरक्षित है?” उसने पूछा। “क्या वह भाग गया है?”

“वह हमसे बच नहीं सकता, महोदया।”

नहीं, नहीं, मेरा मतलब मेरे पति से नहीं था। सर हेनरी? क्या वह सुरक्षित हैं?

"हां।"

और वो शिकारी कुत्ता?

“यह मर चुका है।”

उसने संतुष्टि की एक लंबी आह भरी।

“भगवान का शुक्र है! भगवान का शुक्र है! ओह, यह दुष्ट! देखो इसने मेरे साथ कैसा बर्ताव किया है!” उसने अपनी बाहें आस्तीनों से बाहर निकालीं, और हमने भय से देखा कि वे चोट के निशानों से भरी हुई थीं। “लेकिन यह कुछ भी नहीं है—कुछ भी नहीं! इसने मेरे मन और आत्मा को यातना दी है और अपवित्र किया है। मैं यह सब सह सकती थी, दुर्व्यवहार, अकेलापन, धोखे का जीवन, सब कुछ, जब तक मुझे इस उम्मीद पर भरोसा था कि मुझे उसका प्यार मिलेगा, लेकिन अब मैं जानती हूँ कि इसमें भी मैं उसकी शिकार और उसकी औजार बन गई हूं।” बोलते-बोलते वह फूट-फूटकर रोने लगी।

“आपसे उसका कोई भला नहीं है, महोदया,” होम्स ने कहा। “तो हमें बताइए कि हम उसे कहां पा सकते हैं। यदि आपने कभी भी किसी बुरे काम में उसकी मदद की है,

तो अब हमारी मदद कीजिए और इस तरह प्रायश्चित कीजिए।"

"उसके भागने की एक ही जगह हो सकती है," उसने जवाब दिया। "दलदल के बीचोंबीच एक द्वीप पर एक पुरानी टिन की खान है। वहीं उसने अपने शिकारी कुत्ते को रखा था और वहीं उसने शरण लेने की तैयारी भी कर रखी थी। वही जगह होगी जहां वह भाग सकता है।"

खिड़की के सामने कोहरे की चादर सफेद ऊन की तरह फैली हुई थी। होम्स ने लैंप को उसकी ओर किया।

"देखो," उसने कहा। "आज रात ग्रिम्पेन दलदल में कोई भी अपना रास्ता नहीं खोज पाएगा।"

वह खिलखिलाकर हंसी और ताली बजाने लगी। उसकी आंखें और दांत तीव्र आनंद से चमक रहे थे।

"वह अंदर तो आ सकता है, लेकिन बाहर कभी नहीं निकल पाएगा," वह रोते हुए बोली। "आज रात वह इन मार्गदर्शक छड़ियों को कैसे देख पाएगा? हमने, उसने और मैंने, मिलकर इन्हें लगाया था ताकि कीचड़ भरे रास्ते को चिह्नित कर सकें। काश, मैं इन्हें आज उखाड़ पाती। तब तो वह सचमुच आपकी दया पर होता।"

हमें स्पष्ट हो गया था कि कोहरा छंटने तक सारी कोशिशें व्यर्थ थीं। इस बीच हमने लेस्ट्रेड को घर का कब्ज़ा सौंप दिया, जबकि होम्स और मैं बैरोनेट के साथ बास्करविले हॉल लौट गए। स्टेपलटन परिवार की कहानी अब उनसे छिपाई नहीं जा सकती थी, लेकिन जब उन्हें उस महिला के बारे में सच्चाई पता चली जिससे वे प्यार करते थे, तो उन्होंने इस सदमे को बहादुरी से सहा। लेकिन रात भर के घटनाक्रमों के सदमे ने उनके तंत्रिका तंत्र को चकनाचूर कर दिया था, और सुबह होने से पहले ही वे तेज बुखार से बेहोश होकर डॉक्टर मॉर्टिमर की देखरेख में पड़े थे। सर हेनरी के उस अशुभ जागीर के स्वामी बनने से पहले फिर से स्वस्थ और तंदुरुस्त होने से पहले उन दोनों को दुनिया भर की यात्रा करनी थी।

और अब मैं इस अनोखी कहानी के अंत की ओर तेज़ी से बढ़ रहा हूँ, जिसमें मैंने पाठक को उन गहरे डर और अस्पष्ट अटकलों से अवगत कराने का प्रयास किया है जिन्होंने हमारे जीवन को इतने लंबे समय तक घेरे रखा और जिसका अंत इतने दुखद ढंग से हुआ। कुत्ते की मृत्यु के अगले दिन सुबह कोहरा छट गया था और श्रीमती स्टेपलटन हमें उस स्थान तक ले गईं जहां उन्हें दलदल से होकर एक रास्ता मिला था। जब हमने देखा कि वह कितनी उत्सुकता और खुशी से हमें अपने पति के पदचिह्नों पर ले जा रही थीं, तो हमें उस महिला के जीवन की भयावहता का एहसास हुआ। हमने उन्हें ठोस, दलदली मिट्टी के पतले प्रायद्वीप पर खड़ा छोड़ दिया जो दलदल में समाहित था। उसके अंत से, जगह-जगह लगाए गए छोटे-छोटे डंडे यह दिखाते थे कि रास्ता कहाँ से सरकंडों के झुंडों के बीच से होकर टेढ़ा-मेढ़ा जाता है, उन हरे रंग के गड्ढों और गंदे दलदलों के बीच से होकर जो अजनबी का रास्ता रोक रहे थे। घने सरकंडे और लसलसे जलीय पौधों से सड़न की दुर्गंध और भारी धुंध हमारे चेहरों पर छा रही थी, वहीं एक गलत कदम ने हमें कई बार घुटनों तक गहरे, कांपते हुए कीचड़ में धकेल दिया, जो हमारे पैरों के चारों ओर कई गज़ तक हल्की लहरों की तरह हिल रहा था। चलते समय उसकी पकड़ हमारी एड़ियों को जकड़ रही थी, और जब हम उसमें धंस गए तो ऐसा लगा मानो कोई दुष्ट हाथ हमें उन घिनौनी गहराइयों में खींच रहा हो, उसकी पकड़ इतनी क्रूर और सुनियोजित थी। केवल एक बार हमें इस बात का संकेत मिला कि कोई हमसे पहले उस खतरनाक रास्ते से गुज़रा था। कीचड़ से ऊपर उठी हुई कपास घास के एक गुच्छे के बीच से कोई काली चीज उभर रही थी। होम्स उसे पकड़ने के लिए रास्ते से हटते ही कमर तक कीचड़ में धंस गया, और अगर हम उसे बाहर न निकालते

तो वह फिर कभी ठोस जमीन पर पैर नहीं रख पाता। उसने हवा में एक पुराना काला जूता उठाया हुआ था। उसके चमड़े पर अंदर की तरफ "मेयर्स, टोरंटो" छपा हुआ था।

उन्होंने कहा, "कीचड़ में स्नान करना तो बनता है। यह हमारे मित्र सर हेनरी का खोया हुआ जूता है।"

"स्टेपलटन ने भागते समय उसे वहाँ फेंक दिया था।"

“बिल्कुल सही। उसने शिकारी कुत्ते को निशाने पर लाने के लिए इसका इस्तेमाल करने के बाद इसे अपने हाथ में ही रखा। जब उसे पता चला कि शिकार खत्म हो गया है, तब भी वह इसे पकड़े हुए भागा। और भागते समय उसने इसे फेंक दिया। कम से कम हम इतना तो जानते हैं कि वह इतनी दूर तक सुरक्षित पहुंच गया।”

लेकिन इससे ज़्यादा जानने का सौभाग्य हमें कभी नहीं मिला, हालाँकि बहुत कुछ ऐसा था जिसका हम अनुमान लगा सकते थे। कीचड़ में पदचिह्न मिलने की कोई उम्मीद नहीं थी, क्योंकि बढ़ता हुआ कीचड़ उन्हें तेज़ी से ढंक लेता था, लेकिन जब हम अंततः दलदल के पार थोड़ी ठोस ज़मीन पर पहुँचे तो हम सब उत्सुकता से पदचिह्नों की तलाश करने लगे। लेकिन उनका कोई भी निशान हमारी आँखों के सामने नहीं आया। अगर धरती की कहानी सच है, तो स्टेपलटन उस शरणस्थल तक कभी नहीं पहुंच पाया, जिसके लिए वह उस आखिरी रात कोहरे में संघर्ष कर रहा था। कहीं विशाल ग्रिम्पेन दलदल के हृदय में, उस विशाल कीचड़ में, जिसने उसे निगल लिया था, यह निर्दयी और क्रूर हृदय वाला व्यक्ति हमेशा के लिए दफ़न हो गया है।

दलदल से घिरे उस द्वीप में, जहाँ उसने अपने खूंखार साथी को छिपाया था, हमें उसके कई निशान मिले। एक विशाल पहिया और कचरे से आधा भरा एक गड्ढा एक परित्यक्त खदान की स्थिति को दर्शाता था। उसके बगल में खनिकों की झोपड़ियों के खंडहर थे, जिन्हें संभवतः आसपास के दलदल की दुर्गंध के कारण वहाँ से हटना पड़ा था। इनमें से एक झोपड़ी में कुतरी हुई हड्डियों के साथ एक कील और जंजीर मिली, जिससे पता चलता है कि जानवर को कहाँ कैद करके रखा गया था। मलबे के बीच भूरे बालों का गुच्छा चिपका हुआ एक कंकाल पड़ा था।

“एक कुत्ता!” होम्स ने कहा। हे भगवान! एक घुंघराले बालों वाला स्पैनियल! बेचारा मोर्टिमर अब कभी अपने पालतू जानवर को नहीं देख पाएगा। खैर, मुझे नहीं लगता कि इस जगह में कोई ऐसा रहस्य है जिसे हमने अभी तक नहीं सुलझाया है। वह अपने कुत्ते को छिपा तो सकता था, लेकिन उसकी आवाज़ को शांत नहीं कर सकता था, और इसीलिए वो चीखें सुनाई देती थीं जो दिन के उजाले में भी सुनने में अप्रिय लगती थीं। आपात स्थिति में वह कुत्ते को मेरिपिट के बाहरी कमरे में रख सकता था, लेकिन यह हमेशा एक जोखिम था, और केवल उस विशेष दिन, जिसे वह अपने सभी प्रयासों का अंत मानता था, उसने ऐसा करने का साहस किया। टिन में रखा यह पेस्ट निस्संदेह वही चमकदार मिश्रण है जिससे उस जीव को रंगा गया था। यह विचार, ज़ाहिर है, परिवार के शैतानी कुत्ते की कहानी और बूढ़े सर चार्ल्स को डराकर मौत के घाट उतारने की इच्छा से प्रेरित था। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि वह बेचारा कैदी भागा और चीखा, ठीक वैसे ही जैसे हमारे दोस्त ने किया, और जैसे हम खुद भी कर सकते थे, जब उसने ऐसे जीव को दलदल के अंधेरे में अपने पीछे दौड़ते हुए देखा। यह एक चालाकी भरा उपाय था, क्योंकि, इसके अलावा अपने शिकार को मौत के घाट उतारने की संभावना को देखते हुए, कौन सा किसान ऐसे प्राणी के बारे में अधिक जानने की हिम्मत करेगा, जैसा कि कई लोगों ने दलदल में देखा है? मैंने यह बात लंदन में कही थी, वॉटसन, और मैं इसे अब फिर से कह रहा हूं, कि हमने आज तक उस व्यक्ति से अधिक खतरनाक किसी का शिकार करने में मदद नहीं की है जो वहाँ लेटा हुआ है”— उसने अपना लंबा हाथ हरे

धब्बों वाले दलदल के विशाल विस्तार की ओर घुमाया जो दूर तक फैला हुआ था और दलदल की भूरी ढलानों में विलीन हो रहा था।

एक पूर्वव्यापी समीक्षा

नवंबर का अंत था और मैं और होम्स बेकर स्ट्रीट स्थित अपने बैठक कक्ष में, एक सर्द और धुंध भरी रात में, धधकती आग के दोनों ओर बैठे थे। डेवोनशायर की हमारी यात्रा के दुखद परिणाम के बाद से, वह दो अत्यंत महत्वपूर्ण मामलों में व्यस्त थे। पहले मामले में उन्होंने नॉनपेरिल क्लब के प्रसिद्ध कार्ड घोटाले के संबंध में कर्नल अपवुड के घृणित आचरण का पर्दाफाश किया था, जबकि दूसरे मामले में उन्होंने अपनी सौतेली बेटी, मैडम कैरेरे की हत्या के आरोप से श्रीमती मोंटपेंसियर का बचाव किया था। मैडम कैरेरे, जैसा कि आपको याद होगा, छह महीने बाद न्यूयॉर्क में जीवित और विवाहित पाई गई थीं। मेरे मित्र कठिन और महत्वपूर्ण मामलों की एक श्रृंखला में मिली सफलता से बहुत खुश थे, इसलिए मैं उन्हें बास्करविल रहस्य के विवरण पर चर्चा करने के लिए राजी कर सका। मैंने धैर्यपूर्वक इस अवसर की प्रतीक्षा की थी, क्योंकि मुझे पता था कि वे कभी भी मामलों को आपस में उलझने नहीं देंगे, और उनका स्पष्ट और तार्किक मन अतीत की यादों में उलझने के लिए वर्तमान कार्य से विचलित नहीं होगा। हालाँकि, सर हेनरी और डॉ. मोर्टिमर लंदन में थे, उस लंबी यात्रा पर जा रहे थे जो उनकी क्षतिग्रस्त नसों को ठीक करने के लिए सुझाई गई थी। वे उसी दोपहर हमसे मिलने आए थे, इसलिए स्वाभाविक था कि इस विषय पर चर्चा हो।

होम्स ने कहा, "स्टेपलटन नाम के व्यक्ति के नज़रिए से सारी घटनाएँ सीधी-सादी और सरल थीं, हालाँकि हमें, जिनके पास शुरू में उसके कार्यों के मकसद जानने का कोई ज़रिया नहीं था और जो सिर्फ कुछ तथ्य ही जान पाए थे, यह सब बेहद जटिल लगा। मुझे श्रीमती स्टेपलटन से दो बार बात करने का मौका मिला, और अब मामला इतना सुलझ चुका है कि मुझे नहीं लगता कि अब भी कुछ ऐसा बचा है जो हमसे छिपा हो। मेरे मामलों की सूची में आपको इस विषय पर कुछ टिप्पणियाँ 'बी' शीर्षक के अंतर्गत मिलेंगी।"

"क्या आप कृपया मुझे अपनी स्मृति से घटनाक्रम का संक्षिप्त विवरण दे सकते हैं?"

"निश्चित रूप से, हालांकि मैं यह गारंटी नहीं दे सकता कि मुझे सभी तथ्य याद हैं। गहन मानसिक एकाग्रता अतीत की घटनाओं को भुला देती है। वह वकील जो अपने मामले को पूरी तरह से जानता है और अपने विषय के विशेषज्ञ से भी बहस करने में सक्षम है, अदालतों में एक-दो सप्ताह बिताने के बाद सब कुछ उसके दिमाग से निकल जाता है। इसलिए मेरा हर मामला पिछले मामले को भुला देता है, और मैडम कैरेरे ने बास्करविल हॉल की मेरी याददाश्त को धुंधला कर दिया है। कल कोई और छोटी-मोटी समस्या मेरे समक्ष आ सकती है, जो बदले में उस खूबसूरत फ्रांसीसी महिला और कुख्यात अपवुड को भुला देगी। जहाँ तक हाउंड के मामले का सवाल है, मैं आपको घटनाओं का क्रम यथासंभव संक्षेप में बताऊंगा, और आप मुझसे भूली हुई किसी भी बात का सुझाव दे सकते हैं।"

मेरी जाँच-पड़ताल से यह निर्विवाद रूप से सिद्ध होता है कि पारिवारिक चित्र झूठ नहीं था, और यह व्यक्ति वास्तव में बास्करविल था। वह सर चार्ल्स के छोटे भाई रॉजर बास्करविल का पुत्र था, जो कुख्याति के कारण दक्षिण अमेरिका भाग गया था, जहाँ कहा जाता है कि उसकी अविवाहित मृत्यु हो गई थी। वास्तव में, उसने विवाह किया था और उसका एक ही पुत्र था, यह व्यक्ति, जिसका असली नाम उसके पिता के नाम जैसा ही है। उसने कोस्टा रिका की सुंदरियों में से एक, बेरिल गार्सिया से विवाह किया, और सार्वजनिक धन की एक बड़ी राशि चुराकर, उसने अपना नाम बदलकर वंडेलूर रख

लिया और इंग्लैंड भाग गया, जहाँ उसने यॉर्कशायर के पूर्व में एक स्कूल स्थापित किया। इस विशेष व्यवसाय को शुरू करने का उसका कारण यह था कि घर वापसी की यात्रा के दौरान उसकी एक तपेदिक से पीड़ित शिक्षक से जान-पहचान हो गई थी, और उसने इस व्यक्ति की क्षमता का उपयोग अपने उद्यम को सफल बनाने के लिए किया था। हालाँकि, शिक्षक फ्रेजर की मृत्यु हो गई, और अच्छी शुरुआत वाला स्कूल बदनामी से कुख्याति में डूब गया। वंडेलूर परिवार ने अपना नाम बदलना उचित समझा। स्टेपलटन के साथ, वह अपनी बची हुई संपत्ति, भविष्य की योजनाओं और कीट विज्ञान के प्रति अपने शौक को लेकर दक्षिणी इंग्लैंड चले आए। मैंने ब्रिटिश संग्रहालय में जाना कि वह इस विषय के एक मान्यता प्राप्त विशेषज्ञ थे, और वंडेलुर का नाम एक विशेष पतंगे से स्थायी रूप से जुड़ गया है, जिसका वर्णन उन्होंने यॉर्कशायर में रहते हुए सबसे पहले किया था।

अब हम उनके जीवन के उस हिस्से पर आते हैं जो हमारे लिए अत्यंत रुचिकर सिद्ध हुआ है। उस व्यक्ति ने स्पष्टतः छानबीन की और पाया कि उसके और एक बहुमूल्य संपत्ति के बीच केवल दो जिंदगियां ही बची थीं। जब वह डेवनशायर गया, तो मेरा मानना है कि उसकी योजनाएँ अत्यंत अस्पष्ट थीं, लेकिन यह स्पष्ट है कि उसने शुरू से ही कुछ गड़बड़ करने का इरादा किया था, जिस तरह से उसने अपनी पत्नी को अपनी बहन के वेश में अपने साथ ले गया। उसे मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने का विचार स्पष्ट रूप से उसके मन में पहले से ही था, हालांकि उसे शायद यह निश्चित नहीं था कि उसकी साजिश के विवरण कैसे व्यवस्थित किए जाएंगे। उसका अंतिम लक्ष्य संपत्ति प्राप्त करना था, और वह इसके लिए किसी भी तरीके का इस्तेमाल करने या कोई भी जोखिम उठाने को तैयार था। उसका पहला काम अपने पैतृक घर के जितना संभव हो सके पास बसना था, और दूसरा काम सर चार्ल्स बास्करविल और पड़ोसियों के साथ मित्रता विकसित करना था।

"बैरोनेट ने खुद उसे परिवार के शिकारी कुत्ते के बारे में बताया और इस तरह अपनी मौत का रास्ता खुद तैयार कर लिया। स्टेपलटन, जैसा कि मैं उसे आगे भी इसी नाम से पुकारूंगा, जानता था कि बूढ़े आदमी का दिल कमजोर है और एक झटका उसे मार देगा। यह सब उसने डॉ. मोर्टिमर से सीखा था। उसने यह भी सुना था कि सर चार्ल्स अंधविश्वासी थे और उन्होंने इस भयानक किंवदंती को बहुत गंभीरता से लिया था। उसके चतुर दिमाग ने तुरंत एक ऐसा तरीका सुझाया जिससे बैरोनेट को मौत के घाट उतारा जा सके, और फिर भी असली हत्यारे को सजा दिलाना लगभग असंभव हो।"

"विचार मन में आते ही उसने बड़ी कुशलता से उसे अंजाम दिया। एक साधारण योजनाकार तो एक खूंखार कुत्ते से ही संतुष्ट हो जाता। लेकिन उस जानवर को शैतानी रूप देने के लिए कृत्रिम साधनों का प्रयोग करना उसकी प्रतिभा का अद्भुत उदाहरण था। उसने लंदन में फुलहम रोड के व्यापारी रॉस और मैंगल्स से वह कुत्ता खरीदा था। वह उनके पास मौजूद सबसे ताकतवर और खूंखार कुत्ता था। वह उसे नॉर्थ डेवोन सीमा के रास्ते लाया और दलदली भूमि पर काफी दूर तक पैदल चलकर उसे बिना किसी का ध्यान खींचे घर ले गया। कीड़ों के शिकार के दौरान वह ग्रिम्पेन दलदल में घुसना सीख चुका था, इसलिए उसने उस जानवर के लिए एक सुरक्षित छिपने की जगह ढूंढ ली। यहीं उसने उसे पिंजरे में बंद कर दिया और मौके का इंतजार करने लगा।"

लेकिन इसमें काफी समय लगा। बूढ़े सज्जन को रात में उनके घर से बाहर बहलाना नामुमकिन था। कई बार स्टेपलटन अपने शिकारी कुत्ते के साथ आसपास घात लगाकर बैठा रहा, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इन्हीं व्यर्थ प्रयासों के दौरान, किसानों ने उसे, या यों कहें कि उसके साथी को, देख लिया, और शैतानी कुत्ते की किंवदंती को एक नई पुष्टि मिल गई। उसे उम्मीद थी कि उसकी पत्नी सर चार्ल्स को अपने जाल में फंसाकर

बर्बाद कर देगी, लेकिन यहाँ वह अप्रत्याशित रूप से स्वतंत्र साबित हुई। वह बूढ़े सज्जन को किसी भावनात्मक लगाव में नहीं फंसाना चाहती थी, जिससे वह अपने दुश्मन के हवाले हो जाए। धमकियों और यहाँ तक कि, मुझे खेद है, मारपीट से भी उस पर कोई असर नहीं पड़ा। वह इस मामले में कुछ भी नहीं करना चाहती थी, और कुछ समय के लिए स्टैपलटन असमंजस में पड़ गया।

"उसे अपनी मुश्किलों से निकलने का एक रास्ता मिल गया जब सर चार्ल्स, जिनसे उसकी दोस्ती हो गई थी, ने उसे श्रीमती लौरा लायंस के मामले में अपने दान का मंत्री बना दिया। खुद को अविवाहित बताकर उसने उस पर पूरा प्रभाव जमा लिया और उसे यह विश्वास दिलाया कि अगर वह अपने पति से तलाक ले लेती है तो वह उससे शादी कर लेगा। उसकी योजना अचानक तब चरम पर पहुंच गई जब उसे पता चला कि सर चार्ल्स डॉ. मोर्टिमर की सलाह पर हॉल छोड़ने वाले हैं, जिनसे वह खुद सहमत होने का दिखावा कर रहा था। उसे तुरंत कार्रवाई करनी थी, वरना उसकी शिकार उसके हाथ से निकल सकती थी। इसलिए उसने श्रीमती लायंस पर दबाव डाला कि वह यह पत्र लिखे, जिसमें उसने बूढ़े आदमी से लंदन जाने से एक शाम पहले मिलने का अनुरोध किया था। फिर उसने एक झूठे तर्क से उसे जाने से रोक दिया और इस तरह उसे वह मौका मिल गया जिसका वह इंतज़ार कर रहा था।"

शाम को कूम्ब ट्रेसी से लौटते समय वह समय पर अपने शिकारी कुत्ते को लेने, उस पर अपना भयानक रंग लगाने और उसे उस द्वार तक लाने में कामयाब रहा, जहाँ उसे उम्मीद थी कि वह बूढ़ा सज्जन इंतज़ार कर रहा होगा। अपने मालिक के उकसावे पर, कुत्ता छोटे द्वार से कूदकर उस बेचारे बैरोनेट का पीछा करने लगा, जो चीखता हुआ यू गली में भाग गया। उस अंधेरी सुरंग में उस विशाल काले जीव को, अपने धधकते जबड़ों और जलती आँखों के साथ, अपने शिकार के पीछे भागते देखना वाकई एक भयानक दृश्य रहा होगा। वह गली के अंत में हृदय रोग और भय से मर गया। बैरोनेट के रास्ते पर भागने के दौरान कुत्ता घास के किनारे पर ही रहा, इसलिए केवल उस आदमी के ही पदचिह्न दिखाई दे रहे थे। उसे स्थिर पड़ा देखकर शायद वह जीव उसे सूंघने के लिए पास आया होगा, लेकिन उसे मृत पाकर वापस मुड़ गया होगा। तभी उसने वह पदचिह्न छोड़ा जिसे डॉ. मोर्टिमर ने देखा था। कुत्ते को वापस बुलाया गया और उसे जल्दी से उसके ठिकाने पर ले जाया गया। ग्रिम्पेन दलदल में स्थित एक मांद का पता चला, और एक रहस्य अनसुलझा रह गया जिसने अधिकारियों को हैरान कर दिया, ग्रामीण इलाकों में चिंता पैदा कर दी, और अंततः इस मामले को हमारी निगरानी के दायरे में ला दिया।

सर चार्ल्स बास्करविल की मौत के बारे में बस इतना ही। आप इसकी शातिर चालाकी को समझ सकते हैं, क्योंकि असल हत्यारे के खिलाफ सबूत पेश करना लगभग नामुमकिन था। उसका इकलौता साथी ऐसा था जो उसे कभी बेनकाब नहीं कर सकता था, और हत्या की घिनौनी और अकल्पनीय चाल ने इसे और भी असरदार बना दिया। इस मामले से जुड़ी दोनों महिलाओं, श्रीमती स्टेपलटन और श्रीमती लौरा लायंस, को स्टेपलटन पर गहरा शक था। श्रीमती स्टेपलटन जानती थीं कि स्टेपलटन की नज़र उस बूढ़े आदमी पर थी, और उन्हें उस शिकारी कुत्ते के बारे में भी पता था। श्रीमती लायंस को इनमें से किसी भी बात की जानकारी नहीं थी, लेकिन वे इस बात से प्रभावित थीं कि मौत उस समय हुई जब उनकी एक तय मुलाकात थी, जिसके बारे में सिर्फ स्टेपलटन को ही पता था। हालांकि, वे दोनों उसके प्रभाव में थीं, और स्टेपलटन को उनसे डरने की कोई ज़रूरत नहीं थी। उसका आधा काम तो सफलतापूर्वक पूरा हो गया था, लेकिन उससे भी मुश्किल काम अभी बाकी था।

"संभव है कि स्टैपलटन को कनाडा में उत्तराधिकारी के अस्तित्व के बारे में पता न हो। किसी भी हालत में, उन्हें जल्द ही अपने मित्र डॉ. मोर्टिमर से इसकी जानकारी मिल

जाएगी, और डॉ. मॉर्टिमर ने उन्हें हेनरी बास्करविले के आगमन के बारे में सारी जानकारी दी थी। स्टेपलटन का पहला विचार यह था कि कनाडा से आए इस युवा अजनबी को शायद डेवोनशायर आए बिना ही लंदन में मार दिया जाएगा। जब से उनकी पत्नी ने बूढ़े आदमी को फंसाने में उनकी मदद करने से इनकार कर दिया था, तब से उन्हें उन पर भरोसा नहीं रहा था, और वे उस पर अपना प्रभाव खोने के डर से उसे लंबे समय तक अपनी नजरों से दूर नहीं छोड़ सकते थे। इसी कारण से वे उसे अपने साथ लंदन ले गए। मुझे पता चला है कि वे क्रेवन स्ट्रीट स्थित मेक्सबोरो प्राइवेट होटल में ठहरे थे, जो वास्तव में सबूतों की तलाश में मेरे एजेंट द्वारा देखे गए होटलों में से एक था। यहाँ उन्होंने अपनी पत्नी को उसके कमरे में कैद रखा, जबकि वे दाढ़ी लगाकर डॉ. मोर्टिमर का पीछा करते हुए बेकर स्ट्रीट गए और बाद में स्टेशन और नॉर्थम्बरलैंड होटल तक गए। उनकी पत्नी को उनकी योजनाओं का कुछ आभास था; लेकिन वह अपने पति से इतना डरती थी - क्रूर दुर्व्यवहार पर आधारित भय के कारण, वह उस व्यक्ति को चेतावनी देने के लिए पत्र लिखने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी जिसे वह खतरे में जानती थी। अगर पत्र स्टेपलटन के हाथ लग जाता तो उसकी अपनी जान भी खतरे में पड़ जाती। अंततः, जैसा कि हम जानते हैं, उसने संदेश के शब्दों को काटकर और पत्र को छद्म नाम से लिखकर एक नया पता लिख दिया। यह पत्र बैरोनेट तक पहुंचा और उसे अपने खतरे की पहली चेतावनी दी।

स्टैपलटन के लिए सर हेनरी के कपड़ों में से कोई एक वस्तु प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक था, ताकि यदि उसे कुत्ते का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़े, तो उसके पास हमेशा उसे अपने पीछे लगाने का साधन रहे। अपनी विशिष्ट तत्परता और दुस्साहस के साथ उसने तुरंत इस कार्य में लगन दिखाई, और हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि होटल के बूट विक्रेता या नौकरानी को उसके इस इरादे में मदद करने के लिए अच्छी तरह से रिश्वत दी गई थी। हालांकि, संयोगवश, उसके लिए जो पहला बूट प्राप्त किया गया वह नया था और इसलिए उसके उद्देश्य के लिए बेकार था। उसने उसे वापस कर दिया और दूसरा प्राप्त किया - यह एक अत्यंत शिक्षाप्रद घटना है, क्योंकि इसने मेरे मन में यह निर्णायक रूप से सिद्ध कर दिया कि हम एक असली शिकारी कुत्ते से निपट रहे थे, क्योंकि पुराने बूट को प्राप्त करने की इस उत्सुकता और नए बूट के प्रति इस उदासीनता को कोई अन्य अनुमान नहीं समझा सकता था। कोई घटना जितनी विचित्र और विचित्र होती है, उसकी उतनी ही सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए, और जो बिंदु किसी मामले को जटिल बनाता हुआ प्रतीत होता है, उचित रूप से विचार करने और वैज्ञानिक रूप से हल करने पर वही उसे स्पष्ट करने की सबसे अधिक संभावना रखता है।

"फिर अगली सुबह हमारे दोस्त हमसे मिलने आए, और टैक्सी में स्टैपलटन हमेशा उनके पीछे-पीछे रहता था। हमारे कमरों और मेरे हुलिए के बारे में उसकी जानकारी, साथ ही उसके सामान्य व्यवहार से, मुझे लगता है कि स्टैपलटन का आपराधिक इतिहास केवल इस एक बास्करविले मामले तक ही सीमित नहीं था। यह बात ध्यान देने योग्य है कि पिछले तीन वर्षों में वेस्ट कंट्री में चार बड़ी चोरियां हुई हैं, जिनमें से किसी में भी किसी अपराधी को गिरफ्तार नहीं किया गया। इनमें से आखिरी घटना, जो मई में फोकस्टोन कोर्ट में हुई थी, उस समय उल्लेखनीय थी जब नकाबपोश और अकेले चोर को पकड़ने वाले नौकर को बेरहमी से पिस्तौल से गोली मार दी गई थी। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि स्टैपलटन ने अपने घटते संसाधनों को इसी तरह जुटाया होगा, और वह वर्षों से एक धूर्त और खतरनाक आदमी रहा है।"

"उस सुबह हमें उसकी सूझबूझ का एक उदाहरण देखने को मिला जब वह इतनी सफलतापूर्वक हमसे बच निकला, और साथ ही उसकी धृष्टता का भी, जब उसने कैब

ड्राइवर के माध्यम से मेरा ही नाम मुझे वापस भेज दिया। उसी क्षण से वह समझ गया था कि मैंने लंदन में मामला अपने हाथ में ले लिया है, और इसलिए वहाँ उसके लिए कोई मौका नहीं बचा था। वह डार्टमूर लौट आया और बैरोनेट के आने का इंतजार करने लगा।"

"एक पल रुकिए!" मैंने कहा। "आपने घटनाओं का क्रम तो सही-सही बताया है, लेकिन एक बात आपने स्पष्ट नहीं की है। जब उसका मालिक लंदन में था, तब उस शिकारी कुत्ते का क्या हुआ?"

मैंने इस मामले पर गौर किया है और यह निःसंदेह महत्वपूर्ण है। इसमें कोई शक नहीं कि स्टेपलटन का कोई विश्वासपात्र था, हालांकि यह असंभव है कि उसने कभी अपनी सारी योजनाएँ उसके साथ साझा करके खुद को उसके वश में किया हो। मेरिपिट हाउस में एंथोनी नाम का एक बूढ़ा नौकर था। स्टेपलटन परिवार से उसका संबंध कई वर्षों पुराना है, स्कूल टीचर के दिनों से ही, इसलिए उसे यह जरूर पता रहा होगा कि उसका मालिक और मालकिन वास्तव में पति-पत्नी थे। यह आदमी गायब हो गया है और देश छोड़कर भाग गया है। यह बात ध्यान देने योग्य है कि एंथोनी नाम इंग्लैंड में आम नहीं है, जबकि एंटोनियो सभी स्पेनिश या स्पेनिश-अमेरिकी देशों में आम है। श्रीमती स्टेपलटन की तरह ही वह भी अच्छी अंग्रेजी बोलता था, लेकिन उसकी बोली में एक अजीब सी तुतलाहट थी। मैंने खुद इस बूढ़े आदमी को ग्रिम्पेन मायर को उस रास्ते से पार करते देखा है जिसे स्टेपलटन ने चिह्नित किया था। इसलिए, यह बहुत संभव है कि मालिक की अनुपस्थिति में उसी ने कुत्ते की देखभाल की हो, हालांकि उसे शायद कभी यह पता न चला हो कि उस जानवर का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाता था।

"स्टेपलटन परिवार फिर डेवनशायर चला गया, जहाँ सर हेनरी और आप भी जल्द ही उनके पीछे-पीछे पहुँच गए। अब मैं आपको बताता हूँ कि उस समय मेरी क्या स्थिति थी। शायद आपको याद हो कि जब मैंने उस कागज़ की जाँच की जिस पर छपे हुए शब्द थे, तो मैंने उस पर लगे जलचिह्न को ध्यान से देखा। ऐसा करते समय मैंने उसे अपनी आँखों से कुछ इंच की दूरी पर रखा और मुझे सफेद चमेली की हल्की सी खुशबू महसूस हुई। चमेली की पचहत्तर सुगंधें होती हैं, जिन्हें एक आपराधिक विशेषज्ञ के लिए पहचानना अत्यंत आवश्यक है, और मेरे अनुभव में कई बार मामले उनकी शीघ्र पहचान पर निर्भर रहे हैं। उस खुशबू से किसी महिला की उपस्थिति का आभास हुआ और मेरे विचार स्टेपलटन परिवार की ओर मुड़ने लगे। इस प्रकार मैंने शिकारी कुत्ते की उपस्थिति सुनिश्चित कर ली थी और पश्चिम की ओर जाने से पहले ही अपराधी का अनुमान लगा लिया था।"

"स्टेपलटन पर नज़र रखना मेरा काम था। हालाँकि, यह स्पष्ट था कि अगर मैं तुम्हारे साथ होता तो मैं ऐसा नहीं कर पाता, क्योंकि वह बहुत सतर्क रहता। इसलिए मैंने सबको, तुम्हें भी, धोखा दिया और जब मुझे लंदन में होना चाहिए था, तब मैं चुपके से नीचे आ गया। मेरी मुश्किलें उतनी बड़ी नहीं थीं जितनी तुमने सोची थीं, हालाँकि ऐसे छोटे-मोटे विवरण किसी मामले की जाँच में बाधा नहीं डालने चाहिए। मैं ज्यादातर समय कूम्ब ट्रेसी में रहा और दलदली ज़मीन पर बनी झोपड़ी का इस्तेमाल तभी करता था जब घटनास्थल के पास होना ज़रूरी होता था। कार्टराइट मेरे साथ आया था और देहाती लड़के के वेश में उसने मेरी बहुत मदद की। मैं खाने और साफ़ कपड़ों के लिए उस पर निर्भर था। जब मैं स्टेपलटन पर नज़र रख रहा था, तब कार्टराइट अक्सर तुम पर नज़र रखता था, जिससे मैं सारी चीज़ें अपने नियंत्रण में रख पाता था।"

"मैंने आपको पहले ही बताया है कि आपकी रिपोर्टें मुझे शीघ्रता से प्राप्त हुईं, बेकर स्ट्रीट से सीधे कूम्ब ट्रेसी भेजी गईं। वे मेरे लिए बहुत उपयोगी साबित हुईं, और विशेष

रूप से स्टेपलटन की जीवनी का वह अंश जो संयोगवश सत्य प्रतीत हुआ। मैं उस पुरुष और महिला की पहचान स्थापित करने में सक्षम हुआ और अंततः मुझे अपनी स्थिति का सटीक पता चल गया। भागे हुए कैदी की घटना और उसके तथा बैरीमोर परिवार के बीच संबंधों के कारण मामला काफी जटिल हो गया था। आपने इसे भी बहुत प्रभावी ढंग से स्पष्ट कर दिया, हालांकि मैं अपने अवलोकन से पहले ही इसी निष्कर्ष पर पहुंच चुका था।”

जब आपने मुझे दलदल में पाया, तब तक मुझे पूरे मामले की पूरी जानकारी हो चुकी थी, लेकिन मेरे पास ऐसा कोई सबूत नहीं था जिसे जूरी के सामने पेश किया जा सके। उस रात स्टेपलटन द्वारा सर हेनरी पर किया गया हमला, जिसमें उस दुर्भाग्यपूर्ण कैदी की मृत्यु हो गई, भी हमारे आदमी के खिलाफ हत्या साबित करने में हमारी ज्यादा मदद नहीं कर पाया। उसे रंगे हाथों पकड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था, और ऐसा करने के लिए हमें अकेले और जाहिर तौर पर असुरक्षित सर हेनरी को चारा बनाना पड़ा। हमने ऐसा ही किया, और अपने मुवक्किल को गंभीर आघात पहुँचाने की कीमत पर हम अपना मामला पूरा करने और स्टेपलटन को उसके विनाश तक पहुँचाने में सफल रहे। मुझे स्वीकार करना होगा कि सर हेनरी को इस स्थिति का सामना करना पड़ा, यह मेरे मामले के प्रबंधन पर एक धब्बा है, लेकिन हम उस दरिंदे द्वारा प्रस्तुत भयानक और क्षत-विक्षत दृश्य का अनुमान नहीं लगा सकते थे, न ही हम उस कोहरे का अनुमान लगा सकते थे जिसने उसे इतनी कम सूचना पर हम पर हमला करने में सक्षम बनाया। हम अपने उद्देश्य में सफल रहे, जिसकी कीमत विशेषज्ञ और डॉ. मोर्टिमर दोनों ने मुझे आश्वासन दिया है कि यह अस्थायी होगी। एक लंबी यात्रा हमारे मित्र को न केवल अपने टूटे हुए दिल से उबरने में मदद कर सकती है। वह न केवल अपनी भावनाओं को ठेस पहुंचने से बल्कि अपनी भावनाओं को भी ठेस पहुंचने से परेशान था। उस महिला के प्रति उसका प्रेम गहरा और सच्चा था, और उसके लिए इस पूरे काले मामले का सबसे दुखद पहलू यही था कि वह उसके द्वारा धोखा खा गया था।

“अब बस इतना ही बताना बाकी है कि उसने शुरू से अंत तक क्या भूमिका निभाई। इसमें कोई शक नहीं कि स्टेपलटन का उस पर ऐसा प्रभाव था जो शायद प्रेम या भय, या संभवतः दोनों ही हो सकते थे, क्योंकि ये भावनाएँ एक-दूसरे के विपरीत नहीं हैं। कम से कम, यह प्रभाव पूरी तरह से कारगर था। उसके आदेश पर वह उसकी बहन बनकर रहने को तैयार हो गई, हालाँकि जब उसने उसे हत्या में प्रत्यक्ष सहयोगी बनाने की कोशिश की तो स्टेपलटन को उस पर अपनी शक्ति की सीमा का पता चल गया। वह अपने पति को फंसाए बिना सर हेनरी को यथासंभव चेतावनी देने के लिए तैयार थी, और उसने बार-बार ऐसा करने की कोशिश की। स्टेपलटन स्वयं भी ईर्ष्यालु प्रतीत होता था, और जब उसने बैरोनेट को उस महिला के साथ प्रेम-प्रसंग करते देखा, भले ही यह उसकी अपनी योजना का हिस्सा था, फिर भी वह एक भावुक विस्फोट के साथ हस्तक्षेप करने से खुद को रोक नहीं सका, जिससे उसके संयमित व्यवहार के पीछे छिपी उग्र आत्मा का पता चला। घनिष्ठता को बढ़ावा देकर उसने यह सुनिश्चित कर दिया कि सर हेनरी अक्सर मेरिपिट हाउस आएंगे और उन्हें जल्द ही वह अवसर मिल जाएगा जिसकी उन्हें चाह थी। हालांकि, संकट के समय, उसकी पत्नी अचानक उसके खिलाफ हो गई। उसे कैदी की मौत के बारे में कुछ पता चल गया था, और वह जानती थी कि जिस शाम सर हेनरी खाने पर आ रहे थे, उस शाम शिकारी कुत्ते को बाहरी कमरे में रखा गया था। उसने अपने पति पर उसके इरादे से किए गए अपराध का आरोप लगाया, और इसके बाद एक भयंकर झगड़ा हुआ, जिसमें उसने पहली बार उसे दिखाया कि उसके प्यार में उसकी एक प्रतिद्वंद्वी है। उसकी वफादारी पल भर में कड़वी नफरत में बदल गई और उसने देखा कि वह उसे धोखा देगी। इसलिए उसने

उसे बांध दिया ताकि उसे सर हेनरी को चेतावनी देने का कोई मौका न मिले, और उसे निस्संदेह उम्मीद थी कि जब पूरा इलाका बैरोनेट की मौत को उसके परिवार के श्राप का नतीजा मानेगा, जैसा कि वे निश्चित रूप से मानेंगे, तो वह अपनी पत्नी को इस बात को स्वीकार करने और जो वह जानती थी उस पर चुप रहने के लिए मना लेगा। मुझे लगता है कि इसमें उसने किसी भी तरह से गलती की, और अगर हम वहां न होते, तो भी उसका अंत निश्चित ही होता। स्पेनिश मूल की महिला इस तरह के अपमान को इतनी आसानी से बर्दाश्त नहीं करती। और अब, मेरे प्रिय वॉटसन, अपने नोटस का हवाला दिए बिना, मैं नहीं बता सकता मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई भी महत्वपूर्ण बात अनसुलझी रह गई है।

"वह सर हेनरी को उतना डराकर मौत के घाट उतारने की उम्मीद नहीं कर सकता था जितना उसने अपने भूतिया कुत्ते से बूढ़े चाचा को डराकर गिराया था।"

“वह जानवर क्रूर और अधमरा था। अगर उसकी शक्ल देखकर उसका शिकार डर के मारे मर न जीए, तो कम से कम वह उसके प्रतिरोध को तो पंगु बना ही देगा।”

“निस्संदेह। बस एक ही मुश्किल बची है। अगर स्टैपलटन उत्तराधिकार में आ जाता है, तो वह इस बात को कैसे समझाएगा कि वह, उत्तराधिकारी होने के बावजूद, संपत्ति के इतने करीब किसी दूसरे नाम से बिना बताए रह रहा था? वह बिना संदेह और पूछताछ के इस पर दावा कैसे कर सकता है?”

“यह एक बेहद मुश्किल मामला है, और मुझे डर है कि आप मुझसे इसे सुलझाने की उम्मीद करके कुछ ज़्यादा ही मांग रहे हैं। अतीत और वर्तमान मेरी जांच के दायरे में हैं, लेकिन भविष्य में कोई व्यक्ति क्या करेगा, यह एक कठिन प्रश्न है। श्रीमती स्टेपलटन ने अपने पति को कई बार इस समस्या पर चर्चा करते सुना है। तीन संभावित रास्ते थे। वह दक्षिण अमेरिका से संपत्ति का दावा कर सकते थे, वहाँ ब्रिटिश अधिकारियों के सामने अपनी पहचान स्थापित कर सकते थे और इस तरह इंग्लैंड आए बिना ही संपत्ति प्राप्त कर सकते थे; या वह लंदन में थोड़े समय के लिए रहने के दौरान एक विस्तृत वेश बदल सकते थे; या फिर, वह किसी साथी को सबूत और कागजात मुहैया करा सकते थे, उसे उत्तराधिकारी घोषित करवा सकते थे और अपनी आय के एक हिस्से पर अपना दावा बरकरार रख सकते थे। हम उनके बारे में जो जानते हैं, उससे हमें कोई संदेह नहीं है कि वह इस मुश्किल से निकलने का कोई न कोई रास्ता ज़रूर निकाल लेते। और अब, मेरे प्यारे वॉटसन, हमने कुछ हफ़्तों तक कड़ी मेहनत की है, और मुझे लगता है कि आज शाम हम अपने विचारों को कुछ सुखद दिशाओं में मोड़ सकते हैं। मेरे पास 'लेस हयूगनॉटस' के लिए एक बॉक्स है। क्या आपने डी रेज़केस के बारे में सुना है? क्या मैं तो क्यों मैं आपको आधे घंटे में तैयार रहने के लिए कहूँ, और हम रास्ते में मार्सिनी के यहाँ थोड़ा सा खाना खा सकते हैं?

शर्लक होम्स की वापसी

एबी ग्रेंज का रोमांच

1997 की सर्दियों के अंत में, एक बेहद ठंडी रात और बर्फीली सुबह थी, जब मुझे कंधे पर किसी के खींचने से नींद से जगाया गया। वह होम्स थे। उनके हाथ में मोमबत्ती की रोशनी उनके उत्सुक, झुके हुए चेहरे पर पड़ रही थी, और एक नज़र में ही मुझे पता चल गया कि कुछ गड़बड़ है।

“आओ, वॉटसन, आओ!” वह चिल्लाया। “खेल शुरू हो चुका है। एक शब्द भी मत बोलो! अपने कपड़े पहनो और आओ!”

दस मिनट बाद हम दोनों एक टैक्सी में थे और चारिंग क्रॉस स्टेशन की ओर जाते हुए खामोश सड़कों पर सरपट दौड़ रहे थे। सर्दियों की पहली हल्की-हल्की सुबह होने लगी थी और लंदन की धुंधली हवा में धुंधले से गुजरते हुए हमें कभी-कभार कोई मजदूर धुंधला सा दिखाई दे रहा था। होम्स चुपचाप अपने भारी कोट में सिमट गया और मुझे भी ऐसा ही करने में खुशी हुई, क्योंकि हवा बेहद ठंडी थी और हम दोनों ने अभी तक अपना उपवास नहीं तोड़ा था।

स्टेशन पर गर्म चाय पीने और केंट की ट्रेन में अपनी-अपनी जगह बैठने के बाद ही हम थोड़े सहज हुए, वो बोलने के लिए और मैं सुनने के लिए। होम्स ने अपनी जेब से एक नोट निकाला और उसे ज़ोर से पढ़ा:

“एबे ग्रेंज, मार्शम, केंट, 3:30 पूर्वाह्न

प्रिय श्री होम्स:

इस बेहद महत्वपूर्ण मामले में आपकी तत्काल सहायता से मुझे बहुत खुशी होगी। यह मामला आपके कार्यक्षेत्र से पूरी तरह मेल खाता है। महिला को रिहा करने के अलावा, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सब कुछ ठीक उसी स्थिति में रहे जैसा मैंने पाया है, लेकिन आपसे निवेदन है कि एक पल भी बर्बाद न करें, क्योंकि सर यूस्टेस को वहाँ छोड़ना मुश्किल है।

आपका विश्वासपात्र, स्टेनली हॉपकिंस।

होम्स ने कहा, “हॉपकिंस ने मुझे सात बार बुलाया है, और हर बार उनका बुलावा पूरी तरह से जायज़ था। मुझे लगता है कि उनके सारे मामले आपके संग्रह में शामिल हो गए हैं, और मुझे मानना पड़ेगा, वॉटसन, कि आपकी चयन क्षमता वाकई काफ़ी अच्छी है, जो आपकी कहानियों में मुझे नापसंद आने वाली कई कमियों को पूरा करती है। हर चीज़ को वैज्ञानिक अभ्यास के बजाय कहानी के नज़रिए से देखने की आपकी बुरी आदत ने उन प्रदर्शनों की श्रृंखला को बर्बाद कर दिया है जो शिक्षाप्रद और यहां तक कि उत्कृष्ट भी हो सकते थे। आप अत्यंत सूक्ष्म और सूक्ष्म कार्यों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं, ताकि सनसनीखेज विवरणों पर ज़ोर दे सकें जो पाठक को उत्तेजित तो कर सकते हैं, लेकिन उन्हें शिक्षित नहीं कर सकते।”

मैंने थोड़ी कड़वाहट के साथ कहा, "आप इन्हें खुद क्यों नहीं लिखते?"

“जी हां, मेरे प्रिय वॉटसन, जी हां। जैसा कि आप जानते हैं, इस समय मैं काफी व्यस्त हूं, लेकिन मैं अपने जीवन के अंतिम वर्षों को एक ऐसी पाठ्यपुस्तक लिखने में समर्पित करना चाहता हूं, जो जासूसी की पूरी कला को एक ही पुस्तक में समेटे हुए हो। हमारा वर्तमान शोध हत्या का मामला प्रतीत होता है।”

"तो क्या आपको लगता है कि सर यूस्टेस मर चुके हैं?"

“मुझे ऐसा ही कहना चाहिए। हॉपकिंस के लेखन में काफी बेचैनी झलकती है, और वह भावुक व्यक्ति नहीं हैं। हाँ, मुझे लगता है कि हिंसा हुई है, और शव को हमारे निरीक्षण के लिए छोड़ दिया गया है। केवल आत्महत्या होने पर वह मुझे नहीं बुलाते। जहाँ तक महिला की रिहाई की बात है, ऐसा लगता है कि त्रासदी के दौरान उसे उसके कमरे में बंद रखा गया था। हम आलीशान जीवन जी रहे हैं, वॉटसन, खड़खड़ाते कागज़, ‘ई. बी.’ का मोनोग्राम, राजचिह्न, आकर्षक पता। मुझे लगता है कि मित्र हॉपकिंस अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप ही व्यवहार करेंगे, और हमारी सुबह दिलचस्प होगी। अपराध कल रात बारह बजे से पहले हुआ था।”

आप यह कैसे बता सकते हैं?

“ट्रेनों का निरीक्षण करके और समय का हिसाब लगाकर। स्थानीय पुलिस को बुलाना पड़ा, उन्हें स्कॉटलैंड यार्ड से संपर्क करना पड़ा, हॉपकिंस को बाहर जाना पड़ा और फिर उन्हें मुझे बुलाना पड़ा। इन सब कामों में पूरी रात लग गई। खैर, हम चिज़लहर्स्ट स्टेशन पर हैं और जल्द ही हमारे सारे संदेह दूर हो जाएंगे।”

संकरी ग्रामीण सड़कों से होते हुए कुछ मील की दूरी तय करने के बाद हम एक पार्क के द्वार पर पहुंचे, जिसे एक वृद्ध लॉज-कीपर ने हमारे लिए खोला, जिसके थके-हारे चेहरे पर किसी बड़ी विपत्ति की झलक थी। यह रास्ता एक भव्य पार्क से होकर, प्राचीन एल्म के पेड़ों की कतारों के बीच से गुजरता हुआ, एक छोटे, चौड़े घर पर जाकर समाप्त होता था, जिसके सामने पैलाडियो की शैली में खंभे बने हुए थे। केंद्रीय भाग स्पष्ट रूप से बहुत पुराना था और आइवी से ढका हुआ था, लेकिन बड़ी खिड़कियों से पता चलता था कि आधुनिक बदलाव किए गए थे, और घर का एक हिस्सा पूरी तरह से नया प्रतीत होता था। खुले द्वार पर इंस्पेक्टर स्टेनली हॉपकिंस की युवा आकृति और चौकस, उत्सुक चेहरा हमारे सामने था।

“मुझे बहुत खुशी है कि आप आए हैं, श्रीमान होम्स। और आपको भी, डॉ. वॉटसन। लेकिन, सच कहूं तो, अगर मुझे दोबारा मौका मिलता, तो मैं आपको परेशान नहीं करता, क्योंकि जब से महिला को होश आया है, उन्होंने मामले का इतना स्पष्ट विवरण दिया है कि हमारे लिए करने को कुछ खास बचा ही नहीं है। आपको लेविशम के चोरों का वह गिरोह याद है?”

"क्या, तीनों रैंडल?"

“बिल्कुल सही; बाप-बेटे। ये उन्हीं का काम है। मुझे इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने दो हफ्ते पहले सिडेनहैम में एक काम किया था और उन्हें देखा और उनके बारे में बताया गया था। इतनी जल्दी और इतने पास में दूसरा काम करना थोड़ा अजीब है, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि ये वही लोग हैं। इस बार मामला बहुत पेचीदा है।”

तो क्या सर यूस्टेस की मृत्यु हो गई है?

"हां, उसका सिर उसी के पोकर से फोड़ दिया गया था।"

"ड्राइवर ने मुझे बताया कि वह सर यूस्टेस ब्रैकेनस्टॉल हैं।"

“जी हां – केंट के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक – लेडी ब्रैकेनस्टॉल सुबह के कमरे में हैं। बेचारी, उनका बहुत बुरा हाल हुआ है। जब मैंने उन्हें पहली बार देखा तो वे लगभग मरी हुई लग रही थीं। मुझे लगता है कि आपके लिए उनसे मिलना और उनसे सारी बातें सुनना सबसे अच्छा रहेगा। फिर हम साथ मिलकर भोजन कक्ष की जांच करेंगे।”

लेडी ब्रैकेनस्टॉल कोई साधारण महिला नहीं थीं। मैंने शायद ही कभी इतनी सुंदर आकृति, इतना नारीत्वपूर्ण व्यक्तित्व और इतना खूबसूरत चेहरा देखा हो। वह सुनहरे बालों और नीली आंखों वाली थीं, और अगर हाल के अनुभव ने उन्हें थका हुआ और कमजोर न बना दिया होता, तो निस्संदेह उनका रंग-रूप एकदम परिपूर्ण होता। उनकी पीड़ा शारीरिक और मानसिक दोनों थी, क्योंकि उनकी एक आंख के ऊपर एक भयंकर, गहरे बैंगनी रंग की सूजन थी, जिसे उनकी नौकरानी, एक लंबी और गंभीर महिला, सिरका और पानी से बड़ी लगन से धो रही थी। लेडी थकी-हारी सोफे पर लेटी हुई थीं, लेकिन जैसे ही हम कमरे में दाखिल हुए, उनकी तेज और चौकस निगाहों और उनके सुंदर चेहरे के सतर्क भावों से पता चलता था कि उनके भयानक अनुभव ने न तो उनकी बुद्धि को और न ही उनके साहस को डिगाया था। उन्होंने नीले और चांदी के रंग का ढीला गाउन ओढ़ा हुआ था, लेकिन उनके बगल में सोफे पर काले रंग की सीक्वेंस से सजी डिनर ड्रेस पड़ी थी।

“मैंने आपको सब कुछ बता दिया है, श्रीमान हॉपकिंस,” उसने थकी हुई आवाज़ में कहा। “क्या आप इसे दोहरा नहीं सकते? खैर, अगर आपको ज़रूरी लगे तो मैं इन सज्जनों को बता दूंगी कि क्या हुआ था। क्या वे भोजन कक्ष में आ चुके हैं?”

"मुझे लगा कि उन्हें पहले आपकी कहानी सुननी चाहिए।"

“जब आप व्यवस्था कर देंगे तो मुझे बहुत खुशी होगी। यह सोचकर ही मुझे बहुत दुख हो रहा है कि वह अभी भी वहीं पड़ा है।” वह सिहर उठी और अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया। ऐसा करते ही उसका ढीला गाउन उसकी बांहों से पीछे हट गया। होम्स ने हैरानी से एक स्वर कहा।

“आपको और भी चोटें लगी हैं, महोदया! ये क्या है?” सफेद, गोल अंगों में से एक पर दो चमकीले लाल धब्बे उभर आए। उन्होंने जल्दी से उसे ढक लिया।

“यह कुछ भी नहीं है। इसका आज रात की इस घिनौनी घटना से कोई संबंध नहीं है। अगर आप और आपका दोस्त बैठ जाएंगे, तो मैं आपको वह सब कुछ बता दूंगा जो मुझे पता है।”

मैं सर यूस्टेस ब्रैकेनस्टॉल की पत्नी हूँ। मेरी शादी को लगभग एक साल हो गया है। मुझे लगता है कि यह छिपाने की कोशिश करना व्यर्थ है कि हमारा वैवाहिक जीवन सुखमय नहीं रहा है। मुझे डर है कि हमारे सभी पड़ोसी आपको यही बताएंगे, भले ही मैं इसे नकारने की कोशिश करूं। शायद इसमें कुछ हद तक मेरी भी गलती है। मेरा पालन-पोषण दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के अधिक स्वतंत्र और कम रूढ़िवादी वातावरण में हुआ है, और यह अंग्रेजी जीवन, अपने शिष्टाचार और रूढ़ियों के साथ, मुझे रास नहीं आता। लेकिन मुख्य कारण एक तथ्य में निहित है, जो सभी को ज्ञात है, और वह यह है कि सर यूस्टेस एक पक्के शराबी थे। ऐसे व्यक्ति के साथ एक घंटा भी रहना अप्रिय होता है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक संवेदनशील और उत्साही महिला के लिए दिन-रात उसके साथ बंधे रहना कितना कष्टदायी होगा? ऐसे विवाह को बंधनकारी मानना एक घोर अपराध, एक गुनाह, एक दुष्टता है। मैं कहती हूं कि आपके ये भयानक कानून इस धरती पर अभिशाप लाएंगे - ईश्वर ऐसी दुष्टता को सहन नहीं करेगा। एक पल के लिए वह उठ बैठी, उसके गाल लाल हो गए थे और उसकी भौंहों पर बने भयानक निशान के नीचे से उसकी आँखें धधक रही थीं। फिर उस कठोर दासी के मजबूत, कोमल हाथ ने उसका सिर तकिये पर टिका दिया, और उसका उग्र क्रोध भावुक सिसकियों में बदल गया। अंत में उसने आगे कहा:

“मैं आपको पिछली रात की घटना बताता हूं। शायद आपको पता होगा कि इस घर में सभी नौकर आधुनिक हिस्से में सोते हैं। इस केंद्रीय भाग में रहने के कमरे हैं, पीछे रसोईघर और ऊपर हमारा शयनकक्ष है। मेरी नौकरानी, थेरेसा, मेरे कमरे के ऊपर सोती है। वहां और कोई नहीं है, और दूर वाले हिस्से में सोने वालों को कोई आवाज़ परेशान नहीं कर सकती। लुटेरों को यह बात अच्छी तरह से पता होगी, वरना वे ऐसा न करते।”

सर यूस्टेस लगभग साढ़े दस बजे सोने चले गए। नौकर-चाकर अपने-अपने कमरों में जा चुके थे। केवल मेरी नौकरानी ही जाग रही थी, और वह घर के सबसे ऊपरी हिस्से में अपने कमरे में तब तक रुकी रही जब तक मुझे उसकी जरूरत नहीं पड़ी। मैं ग्यारह बजे के बाद तक इसी कमरे में एक किताब में मग्न बैठी रही। फिर ऊपर जाने से पहले मैंने चारों ओर घूमकर देखा कि सब ठीक है या नहीं। यह मेरी आदत थी कि मैं खुद ऐसा करती थी, क्योंकि जैसा कि मैंने बताया है, सर यूस्टेस पर हमेशा भरोसा नहीं किया जा सकता था। मैं रसोई, बटलर की पेंट्री, गन-रूम, बिलियर्ड-रूम, ड्राइंग-रूम और अंत में डाइनिंग-रूम में गई। जैसे ही मैं मोटी पर्दों से ढकी खिड़की के पास पहुँची, अचानक मुझे अपने चेहरे पर हवा का झोंका महसूस हुआ और मुझे एहसास हुआ कि

वह खुली हुई है। मैंने पर्दा हटाया और खुद को एक चौड़े कंधों वाले बुजुर्ग व्यक्ति के सामने पाया, जो अभी-अभी कमरे में दाखिल हुए थे। खिड़की एक लंबी फ्रेंच शैली की है, जो वास्तव में लॉन की ओर जाने वाले दरवाज़े का काम करती है। मैंने अपने कमरे की जलती हुई मोमबत्ती हाथ में पकड़ी हुई थी, और उसकी रोशनी में, पहले आदमी के पीछे मैंने दो और लोगों को अंदर आते देखा। मैं पीछे हट गई, लेकिन वह आदमी पलक झपकते ही मुझ पर टूट पड़ा। उसने पहले मेरी कलाई पकड़ी और फिर मेरा गला। मैंने चीखने के लिए मुंह खोला, लेकिन उसने मेरी आंख पर मुक्के से ज़ोरदार वार किया और मुझे ज़मीन पर गिरा दिया। मैं कुछ मिनटों के लिए बेहोश रही, क्योंकि जब मुझे होश आया तो मैंने देखा कि उन्होंने घंटी की रस्सी तोड़ दी थी और मुझे डाइनिंग टेबल के सिरहाने रखी ओक की कुर्सी से कसकर बांध दिया था। मैं इतनी कसकर बंधी हुई थी कि हिल भी नहीं सकती थी और मेरे मुंह पर रुमाल बंधा होने के कारण मैं कोई आवाज़ नहीं निकाल पा रही थी। ठीक उसी समय मेरे दुर्भाग्यशाली पति कमरे में आए। उन्होंने जाहिर तौर पर कुछ संदिग्ध आवाज़ें सुनी थीं और वे इस तरह के दृश्य के लिए तैयार होकर आए थे। उन्होंने नाइटशर्ट और ट्राउज़र पहन रखे थे और उनके हाथ में उनका पसंदीदा कांटेदार डंडा था। वे चोरों की ओर दौड़े, लेकिन एक और व्यक्ति - एक बुजुर्ग आदमी - झुका, अंगीठी से लोहे की छड़ निकाली और उन्हें ज़ोरदार प्रहार किया। वह कराहते हुए गिर पड़ा और फिर कभी नहीं हिला। मैं एक बार फिर बेहोश हो गई, लेकिन इस बार भी कुछ ही मिनटों के लिए मैं अचेत रही। जब मैंने आँखें खोलीं तो देखा कि उन्होंने साइडबोर्ड से चांदी के बर्तन उठा लिए थे और वहाँ रखी शराब की बोतल निकाल ली थी। हर एक के हाथ में गिलास था। मैंने आपको पहले ही बताया है, है ना, कि उनमें से एक बूढ़ा था, दाढ़ी वाला, और बाकी दोनों जवान, गंजे लड़के थे। वे शायद एक पिता और उसके दो बेटे थे। वे आपस में फुसफुसाते हुए बातें कर रहे थे। फिर वे मेरे पास आए और यह सुनिश्चित किया कि मैं अच्छी तरह से बंधी हुई हूं। अंत में वे चले गए और अपने पीछे खिड़की बंद कर दी। लगभग पंद्रह मिनट बाद मेरा मुँह खुला। जब मेरा मुँह खुला, तो मेरी चीखों से नौकरानी मेरी मदद के लिए दौड़ी। बाकी नौकर भी घबरा गए और हमने स्थानीय पुलिस को बुलाया, जिन्होंने तुरंत लंदन से संपर्क किया। सज्जनों, मैं आपको बस इतना ही बता सकती हूँ, और मुझे उम्मीद है कि मुझे इतनी दर्दनाक कहानी दोबारा दोहराने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी।

"कोई सवाल है, मिस्टर होम्स?" हॉपकिंस ने पूछा।

"मैं लेडी ब्रैकेनस्टॉल के धैर्य और समय पर और बोझ नहीं डालूंगा," होम्स ने कहा। "भोजन कक्ष में जाने से पहले, मैं आपका अनुभव सुनना चाहूंगा।" उन्होंने नौकरानी की ओर देखा।

"मैंने उन आदमियों को घर में आने से पहले ही देख लिया था," उसने कहा। "जब मैं अपने शयनकक्ष की खिड़की के पास बैठी थी, तो मैंने चांदनी में लॉज के द्वार के पास तीन आदमियों को देखा, लेकिन उस समय मैंने इस पर ध्यान नहीं दिया। एक घंटे से भी ज़्यादा समय बाद मैंने अपनी मालकिन की चीख सुनी और मैं नीचे भागी, तो मैंने उसे, बेचारी, ठीक वैसे ही पाया जैसे वह कहती है, और उसे ज़मीन पर पड़ा पाया, उसका खून और दिमाग पूरे कमरे में फैला हुआ था। वहां बंधे हुए, और उसके कपड़े भी उसके खून से सने हुए, किसी भी औरत को पागल करने के लिए काफी था, लेकिन एडिलेड की मिस मैरी फ्रेज़र में हिम्मत की कमी कभी नहीं थी, और एबे ग्रेंज की लेडी ब्रैकेनस्टॉल ने भी नए तरीके नहीं सीखे हैं। आप सज्जनों ने उससे काफी पूछताछ कर ली है, और अब वह अपने कमरे में, अपनी बूढ़ी थेरेसा के साथ, आराम करने आ रही है जिसकी उसे सख्त ज़रूरत है।"

मातृत्व भाव से भरी उस दुबली-पतली महिला ने अपनी मालकिन के कंधे पर हाथ रखा और उसे कमरे से बाहर ले गई।

"वह जीवन भर उसके साथ रही है," हॉपकिंस ने कहा। "बचपन में उसकी देखभाल की, और अठारह महीने पहले जब वे पहली बार ऑस्ट्रेलिया छोड़कर इंग्लैंड आए थे, तब वह उनके साथ आई थी। उसका नाम थेरेसा राइट है, और आजकल इस तरह की नौकरानी मिलना मुश्किल है। श्रीमान होम्स, कृपया इधर आइए!"

होम्स के भावपूर्ण चेहरे से उत्सुकता गायब हो चुकी थी, और मैं समझ गया था कि रहस्य के साथ-साथ इस मामले का सारा आकर्षण भी समाप्त हो गया है। अभी भी एक गिरफ्तारी बाकी थी, लेकिन ये मामूली बदमाश कौन थे कि वह उनके साथ हाथ गंदे करे? एक विद्वान और ज्ञानी विशेषज्ञ, जिसे खसरा के मामले में बुलाया गया हो, वह भी कुछ वैसी ही झुंझलाहट महसूस करेगा जैसी मैंने अपने मित्र की आँखों में देखी। फिर भी, एबे ग्रेंज के भोजन कक्ष का दृश्य इतना विचित्र था कि उसने उसका ध्यान आकर्षित किया और उसकी घटती रुचि को फिर से जगा दिया।

यह एक बहुत बड़ा और ऊँचा कमरा था, जिसकी छत पर नक्काशीदार ओक की लकड़ी लगी थी, दीवारों पर ओक की लकड़ी की पैनलिंग थी और चारों ओर हिरणों के सिर और प्राचीन हथियारों की सुंदर नक्काशी थी। दरवाजे से थोड़ा आगे वह ऊंची फ्रेंच खिड़की थी जिसके बारे में हमने सुना था। दाहिनी ओर तीन छोटी खिड़कियों से कमरे में सर्दियों की ठंडी धूप आती थी। बाईं ओर एक बड़ी, गहरी चिमनी थी, जिसके ऊपर ओक की लकड़ी का एक विशाल, लटका हुआ मेंटलपीस था। चिमनी के बगल में बाजूबंद और नीचे क्रॉसबार वाली एक भारी ओक की कुर्सी थी। खुली लकड़ी की जाली से होकर एक गहरे लाल रंग की डोरी बुनी हुई थी, जो दोनों तरफ नीचे के क्रॉसपीस से बंधी हुई थी। महिला को छोड़ते समय, डोरी उसके शरीर से फिसल गई थी, लेकिन उसे बांधने वाली गांठें अभी भी मौजूद थीं। इन विवरणों पर हमारा ध्यान बाद में गया, क्योंकि हमारा सारा ध्यान उस भयानक वस्तु पर केंद्रित था जो आग के सामने बाघ की खाल से बने कालीन पर पड़ी थी।

यह एक लंबे, सुगठित शरीर वाले लगभग चालीस वर्ष के व्यक्ति का शव था। वह पीठ के बल लेटा हुआ था, चेहरा ऊपर की ओर था, और उसकी छोटी, काली दाढ़ी के बीच से उसके सफेद दांत चमक रहे थे। उसकी दोनों मुट्ठी बंधी हुई हथेलियाँ सिर के ऊपर उठी हुई थीं, और उन पर एक भारी, कांटेदार छड़ी पड़ी थी। उसके गहरे, आकर्षक, तीखे चेहरे पर प्रतिशोधी घृणा का एक भयानक आवेश था, जिसने उसके मृत चेहरे को एक भयावह राक्षसी रूप दे दिया था। जाहिर है, जब अलार्म बजा था तब वह अपने बिस्तर पर था, क्योंकि उसने एक फैशनेबल, कढ़ाईदार नाइटशर्ट पहनी हुई थी, और उसके नंगे पैर पतलून से बाहर निकले हुए थे। उसका सिर बुरी तरह से घायल था, और पूरा कमरा उस क्रूर प्रहार की गवाही दे रहा था जिसने उसे नीचे गिरा दिया था। उसके बगल में भारी पोकर पड़ा था, जो झटके से मुड़ गया था। होम्स ने उसका और उससे हुए भयानक नुकसान का निरीक्षण किया।

उन्होंने टिप्पणी की, "यह बुजुर्ग रेंडल जरूर एक शक्तिशाली व्यक्ति होंगे।"

"हां," हॉपकिंस ने कहा। "मेरे पास उस आदमी का कुछ रिकॉर्ड है, और वह एक बदमाश किस्म का आदमी है।"

आपको उसे पाने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

"बिल्कुल नहीं। हम उसकी तलाश में थे, और कुछ लोगों को शक था कि वह अमेरिका भाग गया है। अब जब हमें पता चल गया है कि गिरोह यहीं है, तो मुझे नहीं लगता कि वे बच पाएंगे। हमने पहले ही हर बंदरगाह पर खबर पहुंचा दी है, और शाम से पहले इनाम की घोषणा कर दी जाएगी। मेरी समझ से परे यह है कि वे इतना घिनौना

काम कैसे कर सकते हैं, यह जानते हुए कि वह महिला उनका हुलिया बता सकती है और हम उस हुलिए को पहचानने में नाकाम नहीं हो सकते।”

“बिल्कुल सही। यही उम्मीद थी कि वे लेडी ब्रैकेनस्टॉल को भी चुप करा देंगे।”

मैंने सुझाव दिया, "हो सकता है उन्हें यह एहसास न हुआ हो कि वह बेहोशी से उबर चुकी थी।"

“यह काफ़ी हद तक ठीक है। अगर वह बेहोश लग रही होती, तो वे उसकी जान नहीं लेते। लेकिन इस बेचारे हॉपकिंस का क्या? मैंने उसके बारे में कुछ अजीबोगरीब कहानियां सुनी हैं।”

जब वह होश में होता था तो नेक दिल इंसान था, लेकिन जब वह नशे में होता था, या यूँ कहें कि जब वह आधा नशे में होता था, तो बिलकुल शैतान बन जाता था, क्योंकि वह शायद ही कभी पूरी तरह से नशे में होता था। ऐसे समय में मानो शैतान उसके अंदर आ जाता था और वह कुछ भी करने में सक्षम होता था। मैंने जो सुना है, उसके अनुसार, अपनी सारी दौलत और पदवी के बावजूद, वह एक-दो बार हमारे रास्ते में आने से बाल-बाल बचा। एक बार तो उसने एक कुत्ते पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी - और तो और, वह कुत्ता महारानी का ही था - और उस मामले को बड़ी मुश्किल से दबाया गया था। फिर उसने नौकरानी थेरेसा राइट पर एक बड़ा बर्तन फेंक दिया था - उस पर भी बवाल हुआ था। कुल मिलाकर, और हम सबके बीच, उसके बिना घर में रौनक ज़्यादा रहेगी। अब आप क्या देख रहे हैं?

होम्स घुटनों के बल नीचे बैठा था और उस लाल रस्सी की गांठों का बड़े ध्यान से निरीक्षण कर रहा था जिससे महिला को बांधा गया था। फिर उसने उस टूटे और घिसे हुए सिरे को ध्यान से देखा जहाँ से चोर द्वारा रस्सी को घसीटते समय वह टूट गई थी।

उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा, "जब इसे गिराया गया, तो रसोई में लगी घंटी जोर से बजी होगी।"

“कोई इसे सुन नहीं सकता था। रसोईघर घर के बिल्कुल पीछे की तरफ है।”

“चोर को कैसे पता चला कि कोई इसे नहीं सुनेगा? उसने इतनी लापरवाही से घंटी की रस्सी खींचने की हिम्मत कैसे की?”

“बिल्कुल सही, श्रीमान होम्स, बिल्कुल सही। आपने वही सवाल उठाया है जो मैंने बार-बार खुद से पूछा है। इसमें कोई शक नहीं कि यह आदमी घर और उसके तौर-तरीकों से वाकिफ रहा होगा। उसे यह अच्छी तरह से समझ में आया होगा कि इतने जल्दी सभी नौकर बिस्तर पर होंगे, और रसोई में घंटी बजने की आवाज़ किसी को सुनाई नहीं देगी। इसलिए, वह किसी नौकर के साथ मिलीभगत में रहा होगा। यह तो साफ है। लेकिन वहां आठ नौकर हैं, और सभी अच्छे चरित्र के हैं।”

“अन्य बातें समान होने पर,” होम्स ने कहा, “जिसके सिर पर मालिक ने बर्तन फेंका था, उस पर शक किया जाएगा। लेकिन इससे उस मालकिन के प्रति विश्वासघात होगा जिसके प्रति यह महिला समर्पित प्रतीत होती है। खैर, यह मामला मामूली है, और जब आपके पास रैंडल है तो आपको उसके साथी को पकड़ने में शायद कोई कठिनाई नहीं होगी। महिला की कहानी निश्चित रूप से हर उस विवरण से पुष्ट होती प्रतीत होती है, जिसे हम अपने सामने देख रहे हैं, यदि उसे पुष्ट करने की आवश्यकता थी।” वह फ्रेंच खिड़की के पास गया और उसे खोल दिया। “यहाँ कोई निशान नहीं है, लेकिन ज़मीन लोहे की तरह सख्त है, और कोई निशान की उम्मीद नहीं करेगा। मैं देखता हूं कि मेंटलपीस पर रखी ये मोमबत्तियां जलाई गई हैं।”

"हां, उन्हीं की रोशनी में और महिला के बेडरूम में जल रही मोमबत्ती की रोशनी में ही चोरों को रास्ता दिखाई दिया।"

और वे क्या ले गए?

"ख़ैर, वे ज़्यादा कुछ नहीं ले गए – साइडबोर्ड से केवल आधा दर्जन प्लेटें ही लीं। लेडी ब्रैकेनस्टॉल का मानना है कि सर यूस्टेस की मृत्यु से वे स्वयं इतने व्याकुल थे कि उन्होंने घर की तलाशी नहीं ली, जैसा कि वे अन्यथा करते।"

"इसमें कोई शक नहीं कि यह सच है, और फिर भी उन्होंने कुछ शराब पी थी, जैसा कि मुझे पता चला है।"

"उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए।"

"बिल्कुल सही। मुझे लगता है कि साइडबोर्ड पर रखे ये तीनों गिलास अभी तक अछूते ही हैं?"

"हां, और बोतल उसी स्थिति में खड़ी है जैसे वे उसे छोड़कर गए थे।"

"चलिए इसे देखते हैं। हैलो, हैलो! यह क्या है?"

तीनों गिलास एक साथ रखे थे, सभी में शराब की हल्की सी झलक थी, और उनमें से एक में थोड़ी सी बेल की राख बची थी। बोतल उनके पास ही रखी थी, दो-तिहाई भरी हुई, और उसके बगल में एक लंबा, गहरे रंग का कार्क पड़ा था। उसकी बनावट और बोतल पर जमी धूल से पता चलता था कि हत्यारों ने जिस शराब का सेवन किया था, वह कोई साधारण शराब नहीं थी।

होम्स के व्यवहार में बदलाव आ गया था। उनके चेहरे से उदासी गायब हो गई थी, और उनकी गहरी, तीक्ष्ण आँखों में फिर से सतर्कता और रुचि की चमक दिखाई दे रही थी। उन्होंने कार्क उठाया और उसका बारीकी से निरीक्षण किया।

"उन्होंने इसे कैसे बनाया?" उसने पूछा।

हॉपकिंस ने आधे खुले दराज की ओर इशारा किया। उसमें कुछ मेज़पोश और एक बड़ा कार्कस्क्रू पड़ा था।

"क्या लेडी ब्रैकेनस्टॉल ने कहा था कि पेंच का इस्तेमाल किया गया था?"

"नहीं, आपको याद होगा कि बोतल खोले जाने के समय वह बेहोश थी।"

"बिल्कुल सही। दरअसल, उस पेंच का इस्तेमाल नहीं किया गया था। इस बोतल को एक जेब में रखे पेंच से खोला गया था, जो शायद किसी चाकू में लगा हुआ था और जिसकी लंबाई डेढ़ इंच से ज़्यादा नहीं थी। अगर आप ढक्कन के ऊपरी हिस्से को ध्यान से देखेंगे, तो पाएंगे कि पेंच को तीन बार अंदर तक ठोका गया था, उसके बाद ही ढक्कन को निकाला गया। उसे कभी भी पूरी तरह से ठोका नहीं गया था। यह लंबा पेंच उसे ठोक देता और एक ही बार में खींचकर ऊपर निकाल लेता। जब आप इस आदमी को पकड़ेंगे, तो आपको पता चलेगा कि उसके पास इस तरह का एक मल्टीप्लेक्स चाकू है।"

"शानदार!" हॉपकिंस ने कहा।

"लेकिन ये गिलास मुझे वाकई उलझन में डाल रहे हैं, मैं स्वीकार करता हूँ। लेडी ब्रैकेनस्टॉल ने सचमुच उन तीनों पुरुषों को शराब पीते हुए देखा था, है ना?"

"हां; उसने इस बारे में स्पष्ट रूप से कहा था।"

"तो बात यहीं खत्म होती है। अब और क्या कहा जा सकता है? फिर भी, आपको मानना पड़ेगा कि वे तीनों चश्मे वाकई असाधारण हैं, हॉपकिंस। क्या? आपको कुछ भी असाधारण नहीं दिख रहा? खैर, जाने दीजिए। शायद, जब किसी व्यक्ति के पास मेरे जैसी विशेष जानकारी और शक्तियां होती हैं, तो वह सरल स्पष्टीकरण के बजाय जटिल स्पष्टीकरण खोजने के लिए प्रेरित होता है। बेशक, चश्मे की बात महज़ एक संयोग ही होगी। अच्छा, सुप्रभात, हॉपकिंस। मुझे नहीं लगता कि मैं आपके किसी काम आ सकता हूं, और ऐसा लगता है कि आपका मामला बिल्कुल स्पष्ट है। रैंडल की गिरफ्तारी होने पर और आगे जो भी घटनाक्रम हो, मुझे बता देना। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही मुझे

आपको इस सफल निष्कर्ष पर बधाई देनी होगी। आइए, वॉटसन, मुझे लगता है कि हम घर पर ज़्यादा बेहतर तरीके से काम कर सकते हैं।"

वापसी की यात्रा के दौरान, होम्स के चेहरे से मुझे समझ आ गया कि वह किसी बात को लेकर बहुत परेशान थे। बीच-बीच में, बड़ी कोशिश से, वह उस भ्रम को दूर करने की कोशिश करते और ऐसे बात करते जैसे मामला बिल्कुल स्पष्ट हो, लेकिन फिर उनके मन में शंकाएं फिर से घर कर जातीं और उनकी तनी हुई भौंहें और खोई हुई आंखें यह दर्शातीं कि उनके विचार एक बार फिर एबे ग्रेंज के उस भव्य भोजन कक्ष में लौट आए हैं, जहां आधी रात को यह दुखद घटना घटी थी। अंत में, अचानक एक आवेग में, जैसे ही हमारी ट्रेन एक उपनगरीय स्टेशन से धीरे-धीरे निकल रही थी, वह प्लेटफार्म पर कूद पड़े और मुझे भी अपने साथ खींच लाए।

"माफ़ कीजिए, मेरे प्रिय मित्र," उन्होंने कहा, जब हम अपनी ट्रेन के पिछले डिब्बों को एक मोड़ पर गायब होते देख रहे थे, "मुझे खेद है कि मैं आपको एक ऐसी बात का शिकार बना रहा हूं जो शायद महज़ एक सनक लगे, लेकिन कसम से, वॉटसन, मैं इस मामले को इस हालत में नहीं छोड़ सकता। मेरी हर अंतरात्मा इसके खिलाफ़ आवाज़ उठा रही है। यह गलत है—यह पूरी तरह गलत है—मैं कसम खाकर कहता हूँ कि यह गलत है। फिर भी, महिला की कहानी पूरी थी, नौकरानी का समर्थन पर्याप्त था, विवरण लगभग सटीक था। मेरे पास इसके खिलाफ़ क्या सबूत है? बस तीन शराब के गिलास, बस इतना ही। लेकिन अगर मैंने बातों को हल्के में न लिया होता, अगर मैंने हर चीज़ की उतनी सावधानी से जाँच की होती जितनी मुझे करनी चाहिए थी अगर हम इस मामले को नए सिरे से देखते और मेरे दिमाग को उलझाने वाली कोई बनी-बनाई कहानी न होती, तो क्या मुझे आगे बढ़ने के लिए कुछ और ठोस सबूत नहीं मिल जाते? बिल्कुल मिल जाते। इस बेंच पर बैठ जाइए, वॉटसन, जब तक चिज़लहर्स्ट के लिए ट्रेन नहीं आ जाती, और मुझे सबूत आपके सामने रखने दीजिए, आपसे विनती करते हुए। इस बात को अपने मन से निकाल दें कि नौकरानी या उसकी मालकिन ने जो कुछ भी कहा हो, वह ज़रूरी नहीं कि सच ही हो। महिला के आकर्षक व्यक्तित्व को हमारे निर्णय को प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

"निश्चित रूप से उसकी कहानी में कुछ ऐसे विवरण हैं, जिन्हें अगर हम निष्पक्ष रूप से देखें, तो हमारा संदेह अवश्य पैदा होगा। इन चोरों ने दो सप्ताह पहले सिडेनहैम में काफी लूटपाट की थी। उनके बारे में और उनके आने-जाने के बारे में अखबारों में कुछ न कुछ खबर छपी थी, और यह स्वाभाविक रूप से किसी भी ऐसे व्यक्ति के दिमाग में आ जाएगी जो काल्पनिक चोरों को शामिल करके एक कहानी गढ़ना चाहेगा। वास्तव में, अच्छा काम कर चुके चोर आमतौर पर किसी और खतरनाक काम में हाथ डाले बिना शांति और सुकून से लूटे गए माल का आनंद लेना पसंद करते हैं। फिर, चोरों का इतनी सुबह-सुबह काम करना असामान्य है, चोरों का किसी महिला को चीखने से रोकने के लिए मारना असामान्य है, क्योंकि कोई भी कल्पना करेगा कि यही उसे चीखने पर मजबूर करने का पक्का तरीका है, उनका हत्या करना असामान्य है जबकि उनकी संख्या एक आदमी को काबू करने के लिए पर्याप्त है, उनका सीमित लूट से संतुष्ट होना असामान्य है जबकि उनकी पहुंच में बहुत कुछ था, और अंत में, मैं कहूंगा कि ऐसे लोगों के लिए आधी खाली बोतल छोड़ना बहुत ही असामान्य है। ये सब बातें कैसे संभव हैं? "क्या आपको भी कुछ असामान्य बातें हैरान करती हैं, वॉटसन?"

"इनका संयुक्त प्रभाव निश्चित रूप से काफी है, फिर भी इनमें से प्रत्येक अपने आप में पूरी तरह से संभव है। मेरे विचार से सबसे असामान्य बात यह है कि महिला को कुर्सी से बाँध दिया गया है।"

“खैर, वॉटसन, मुझे इस बारे में पूरी तरह से स्पष्ट जानकारी नहीं है, क्योंकि यह तो ज़ाहिर है कि उन्हें या तो उसे मार डालना होगा या फिर उसे इस तरह से सुरक्षित रखना होगा कि वह उनके भागने की सूचना तुरंत न दे सके। लेकिन कम से कम मैंने यह तो दिखा ही दिया है, है ना, कि उस महिला की कहानी में कुछ हद तक अविश्वसनीयता का तत्व है? और अब, इसके ऊपर, शराब के गिलासों वाली घटना भी जुड़ जाती है।”

"वाइन ग्लास के बारे में क्या?"

क्या आप उन्हें अपनी कल्पना में देख सकते हैं?

मुझे वे स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

हमें बताया गया है कि तीन लोगों ने उनमें से पानी पिया। क्या आपको यह बात संभव लगती है?

“क्यों नहीं? हर गिलास में शराब थी।”

“बिल्कुल सही, लेकिन बीस्विंग तो सिर्फ एक ही गिलास में था। आपने इस बात पर जरूर ध्यान दिया होगा। इससे आपके मन में क्या विचार आता है?”

"आखिरी गिलास में संभवतः बीस्विंग (मधुमक्खी का पौधा) होगा।"

“बिल्कुल नहीं। बोतल पूरी तरह भरी हुई थी, और यह सोचना भी असंभव है कि पहले दो गिलास बिल्कुल साफ़ थे और तीसरा गिलास उससे बुरी तरह भरा हुआ था। इसके दो ही संभावित कारण हो सकते हैं, और केवल दो ही। एक यह कि दूसरा गिलास भरने के बाद बोतल को ज़ोर से हिलाया गया होगा, और इसी वजह से तीसरे गिलास में वह तरल पदार्थ चला गया होगा। यह बात तो संभव नहीं लगती। नहीं, नहीं, मुझे पूरा यकीन है कि मैं सही हूँ।”

तो फिर, आपका क्या अनुमान है?

“सिर्फ दो गिलास इस्तेमाल किए गए थे, और दोनों गिलासों का बचा हुआ हिस्सा तीसरे गिलास में डाल दिया गया था, ताकि यह झूठा आभास हो कि यहाँ तीन लोग आए थे। इस तरह तो सारा बीस्विंग आखिरी गिलास में ही होगा, है ना? हाँ, मुझे पूरा यकीन है कि ऐसा ही हुआ है। लेकिन अगर मैंने इस छोटी सी घटना की सही व्याख्या ढूंढ ली है, तो पल भर में यह मामला सामान्य से असाधारण हो जाता है, क्योंकि इसका मतलब सिर्फ यही हो सकता है कि लेडी ब्रैकेनस्टॉल और उनकी नौकरानी ने जानबूझकर हमसे झूठ बोला है, उनकी कहानी का एक भी शब्द सच नहीं है, उनके पास असली अपराधी को छिपाने का कोई बहुत मजबूत कारण है, और हमें उनकी मदद के बिना खुद ही अपना मामला बनाना होगा। यही वह चुनौती है जो अब हमारे सामने है, और यही है, वॉटसन, सिडेनहैम की कहानी।”

एबी ग्रेंज के घरवाले हमारे लौटने पर बहुत हैरान थे, लेकिन शर्लक होम्स ने पाया कि स्टेनली हॉपकिंस मुख्यालय में रिपोर्ट करने चले गए हैं। उन्होंने भोजन कक्ष पर कब्ज़ा कर लिया, अंदर से दरवाज़ा बंद कर लिया और दो घंटे तक उन बारीक और श्रमसाध्य जाँचों में जुट गए, जिन पर उनकी शानदार जासूसी कला की नींव टिकी थी। एक कोने में एक जिज्ञासु छात्र की तरह बैठा, जो अपने प्रोफेसर के प्रदर्शन को देखता है, मैं उस असाधारण शोध के हर कदम का अनुसरण कर रहा था। खिड़की, पर्दे, कालीन, कुर्सी, रस्सी - हर एक की बारी-बारी से बारीकी से जाँच की गई और उस पर विचार किया गया। दुर्भाग्यपूर्ण बैरोनेट का शव हटा दिया गया था, और बाकी सब कुछ वैसा ही था जैसा हमने सुबह देखा था। अंत में, मुझे आश्चर्य हुआ, जब होम्स विशाल मेंटलपीस पर चढ़ गए। उनके सिर के ऊपर कुछ इंच लंबी लाल डोरी लटक रही थी जो अभी भी तार से जुड़ी हुई थी। काफी देर तक वह उसे ऊपर की ओर देखते रहे, और फिर उसके करीब जाने की कोशिश में उन्होंने दीवार पर लगे लकड़ी के ब्रैकेट पर अपना घुटना टिका दिया। इससे उसका हाथ रस्सी के टूटे हुए सिरे से कुछ इंच की दूरी

पर आ गया, लेकिन उसका ध्यान रस्सी के टूटे हुए सिरे से ज़्यादा ब्रैकेट पर केंद्रित हो गया। अंत में, वह संतुष्टि की एक ज़ोरदार आवाज़ के साथ नीचे कूद पड़ा।

“कोई बात नहीं, वॉटसन,” उसने कहा। “हमें अपना मामला मिल गया है – हमारे संग्रह में सबसे उल्लेखनीय मामलों में से एक। लेकिन, हे भगवान, मैं कितना मूर्ख था, और मैं अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती करने से बाल-बाल बचा! अब, मुझे लगता है कि कुछ कड़ियां बाकी हैं, और मेरी कड़ी लगभग पूरी हो गई है।”

“क्या तुम्हारे पास तुम्हारे आदमी हैं?”

“वाह, वॉटसन, वाह! एक अकेला, लेकिन बेहद प्रभावशाली व्यक्ति। शेर जैसा बलवान – उस प्रहार को देखो जिसने उस लोहे की छड़ को मोड़ दिया! छह फुट तीन इंच लंबा, गिलहरी जैसा फुर्तीला, उंगलियों का कुशल संचालन, और अंत में, असाधारण रूप से तेज दिमाग वाला, क्योंकि यह पूरी अनोखी कहानी उसी की देन है। जी हां, वॉटसन, हम एक असाधारण व्यक्ति की कारीगरी पर आ पहुँचे हैं। और फिर भी, उस घंटी की रस्सी में, उसने हमें एक ऐसा सुराग दिया है जिससे हमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए था।”

“सुराग कहाँ था?”

"अच्छा, अगर आप घंटी की रस्सी को नीचे खींचते हैं, वॉटसन, तो आप कहाँ से उसके टूटने की उम्मीद करेंगे? निश्चित रूप से उसी जगह से जहाँ वह तार से जुड़ी होती है। यह ऊपर से तीन इंच नीचे क्यों टूटनी चाहिए, जैसा कि यह टूटी है?"

"क्योंकि वह वहां से फटा हुआ है?"

“बिल्कुल सही। यह सिरा, जिसे हम देख सकते हैं, घिसा हुआ है। उसने बड़ी चालाकी से चाकू से ऐसा किया होगा। लेकिन दूसरा सिरा घिसा हुआ नहीं है। आप यहाँ से इसे नहीं देख सकते, लेकिन अगर आप मेंटेलपीस पर होते तो आपको दिखता कि इसे बिना किसी घिसावट के साफ-सुथरा काटा गया है। आप समझ सकते हैं कि क्या हुआ होगा। उस आदमी को रस्सी की ज़रूरत थी। वह घंटी बजने के डर से उसे फाड़ना नहीं चाहता था। उसने क्या किया? वह मेंटलपीस पर उछला, पूरी तरह से उस तक नहीं पहुँच पाया, अपना घुटना ब्रैकेट पर रखा - आपको धूल में उसका निशान दिखेगा - और इस तरह उसने चाकू से रस्सी पर वार किया। मैं उस जगह से कम से कम तीन इंच दूर था - जिससे मैं यह अनुमान लगाता हूँ कि वह मुझसे कम से कम तीन इंच लंबा है। ओक की कुर्सी की सीट पर उस निशान को देखो! यह क्या है?”

"खून।"

“निस्संदेह यह खून है। इससे ही महिला की कहानी खारिज हो जाती है। अगर अपराध के समय वह कुर्सी पर बैठी थी, तो यह निशान कैसे आया? नहीं, नहीं, उसे उसके पति की मृत्यु के बाद कुर्सी पर बिठाया गया था। मैं शर्त लगाता हूँ कि काली पोशाक इसी का संकेत देती है। वाटसन, अभी तक हमारी हार नहीं हुई है, लेकिन यह हमारा मारेन्गो है, क्योंकि इसकी शुरुआत हार से होती है और अंत जीत से। अब मैं नर्स थेरेसा से कुछ बात करना चाहता हूँ। अगर हमें मनचाही जानकारी चाहिए, तो हमें कुछ समय के लिए सतर्क रहना होगा।”

वह एक दिलचस्प शख्सियत थीं, यह सख्त मिज़ाज ऑस्ट्रेलियाई नर्स—कम बोलने वाली, शंकालु, असभ्य। होम्स के सौम्य व्यवहार और उनकी हर बात को खुले दिल से स्वीकार करने से उन्हें धीरे-धीरे नरमी लाने में कुछ समय लगा। उन्होंने अपने दिवंगत मालिक के प्रति अपनी नफरत को छिपाने की कोशिश भी नहीं की।

जी हाँ, महोदय, यह सच है कि उसने मुझ पर डिकैंटर फेंका। मैंने उसे मेरी प्रेमिका को अपशब्द कहते सुना, और मैंने उससे कहा कि अगर उसका भाई वहाँ होता तो वह ऐसा बोलने की हिम्मत नहीं करता। तभी उसने मुझ पर डिकैंटर फेंका। अगर उसने

मेरी प्यारी प्रेमिका को अकेला छोड़ दिया होता तो शायद वह एक दर्जन डिकैंटर फेंक देता। वह हमेशा उसके साथ बुरा बर्ताव करता था, और वह इतनी स्वाभिमानी थी कि शिकायत भी नहीं करती थी। वह मुझे यह भी नहीं बताती कि उसने उसके साथ क्या-क्या किया है। उसने मुझे अपनी बाँह पर उन निशानों के बारे में कभी नहीं बताया जो आपने आज सुबह देखे थे, लेकिन मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि वे किसी हैटपिन से किए गए वार के निशान हैं। वह धूर्त शैतान—भगवान मुझे क्षमा करें कि मैं उसके बारे में ऐसा कह रहा हूँ, अब जब वह मर चुका है! लेकिन वह सचमुच एक शैतान था। जब हम पहली बार उससे मिले थे—केवल अठारह महीने पहले—वह बहुत मीठा बोलता था, और हम दोनों को ऐसा लगता है जैसे अठारह साल बीत गए हों। वह अभी-अभी लंदन आई थी। हाँ, यह उसकी पहली यात्रा थी—वह इससे पहले कभी घर से बाहर नहीं गई थी। उसने उसे अपने रुतबे, अपने पैसे और अपने झूठे लंदन के तौर-तरीकों से जीत लिया। अगर उसने कोई गलती की तो... अगर किसी महिला ने इसके लिए कीमत चुकाई है, तो वह यही महिला थी। हम उनसे किस महीने मिले थे? खैर, मैं आपको बता दूँ कि हम पहुँचने के तुरंत बाद मिले थे। हम जून में पहुंचे थे और यह जुलाई का महीना था। उनकी शादी पिछले साल जनवरी में हुई थी। हाँ, वह फिर से सुबह के कमरे में है, और मुझे पूरा यकीन है कि वह आपसे मिलेगी, लेकिन आप उससे ज़्यादा उम्मीद मत रखना, क्योंकि उसने हर तरह के कष्ट सहे हैं।

लेडी ब्रैकेनस्टॉल उसी सोफे पर लेटी हुई थीं, लेकिन पहले से अधिक तरोताज़ा दिख रही थीं। नौकरानी हमारे साथ अंदर आई थी और उसने एक बार फिर अपनी मालकिन के माथे पर लगे घाव को कुरेदना शुरू कर दिया।

“मुझे उम्मीद है,” महिला ने कहा, “कि आप मुझसे दोबारा पूछताछ करने नहीं आए हैं?”

“नहीं,” होम्स ने अपनी अत्यंत विनम्र आवाज़ में उत्तर दिया, “मैं आपको अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करूँगा, लेडी ब्रैकेनस्टॉल, और मेरी पूरी इच्छा है कि आपके लिए सब कुछ आसान हो जाए, क्योंकि मुझे विश्वास है कि आप बहुत कष्ट झेल चुकी महिला हैं। यदि आप मुझे मित्र मानकर मुझ पर भरोसा करेंगी, तो आप पाएँगी कि मैं आपके भरोसे को सही साबित करूँगा।”

"आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?"

सच बताओ तो।

“श्री होम्स!”

“नहीं, नहीं, लेडी ब्रैकेनस्टॉल—इसका कोई फायदा नहीं है। आपने मेरी थोड़ी-बहुत प्रतिष्ठा के बारे में शायद सुना ही होगा। मैं इस बात पर पूरी तरह से यकीन करता हूँ कि आपकी कहानी सरासर मनगढ़ंत है।”

मालकिन और नौकरानी दोनों ही पीले पड़े चेहरों और भयभीत आँखों से होम्स को घूर रही थीं।

“तुम तो बड़े ही धृष्ट हो!” थेरेसा चिल्लाई। “क्या तुम्हारा मतलब यह है कि मेरी मालकिन ने झूठ बोला है?”

होम्स अपनी कुर्सी से उठ खड़े हुए।

"क्या तुम्हें मुझे कुछ नहीं बताना है?"

मैंने तुम्हें सब कुछ बता दिया है।

"लेडी ब्रैकेनस्टॉल, एक बार फिर सोचिए। क्या खुलकर बोलना बेहतर नहीं होगा?"

एक पल के लिए उसके खूबसूरत चेहरे पर झिझक छा गई। फिर अचानक आए किसी नए और प्रबल विचार ने उस भाव को एक मुखौटे की तरह छिपा दिया।

मैंने तुम्हें वह सब बता दिया है जो मुझे पता है।

होम्स ने अपनी टोपी उतारी और कंधे उचका दिए। "मुझे खेद है," उन्होंने कहा और बिना कुछ और कहे हम कमरे और घर से निकल गए। पार्क में एक तालाब था, और मेरा दोस्त हमें आगे-आगे ले गया। वह जमा हुआ था, लेकिन उसमें एक अकेला हंस आराम से बैठा था। होम्स ने उसे निहारा और फिर लॉज के गेट की ओर चल दिए। वहाँ उन्होंने स्टेनली हॉपकिंस के लिए एक छोटा सा नोट लिखा और उसे लॉज के रखवाले के पास छोड़ दिया।

“यह सफल हो भी सकता है और असफल भी, लेकिन हम अपने मित्र हॉपकिंस के लिए कुछ न कुछ ज़रूर करेंगे, ताकि इस दूसरी यात्रा को जायज़ ठहरा सकें,” उन्होंने कहा। “मैं अभी उन्हें पूरी तरह से अपने भरोसे में नहीं लूंगा। मुझे लगता है कि हमारी अगली योजना एडिलेड-साउथहैम्पटन लाइन के शिपिंग कार्यालय पर होगी, जो पैल मॉल के अंत में स्थित है, अगर मुझे सही याद है। स्टीमरों की एक दूसरी लाइन भी है जो दक्षिण ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड से जोड़ती है, लेकिन हम पहले बड़े क्षेत्र पर ध्यान देंगे।”

होम्स द्वारा प्रबंधक को भेजा गया कार्ड देखते ही तुरंत ध्यान दिया गया और उन्हें आवश्यक सारी जानकारी प्राप्त करने में देर नहीं लगी। जून 1995 में, उनकी श्रृंखला का केवल एक ही जहाज अपने गृह बंदरगाह तक पहुंचा था। यह था 'रॉक ऑफ जिब्राल्टर', उनका सबसे बड़ा और सबसे अच्छा जहाज। यात्री सूची देखने पर पता चला कि एडिलेड की मिस फ्रेजर अपनी नौकरानी के साथ इसी जहाज से यात्रा कर चुकी थीं। जहाज इस समय स्वेज नहर के दक्षिण में कहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर जा रहा था। 1995 के अधिकारी वही थे, केवल एक अपवाद था। प्रथम अधिकारी, श्री जैक क्रोकर को कप्तान बना दिया गया था और उन्हें उनके नए जहाज, 'बास रॉक' का कार्यभार संभालना था, जो दो दिन बाद साउथेम्प्टन से रवाना होने वाला था। वे सिडेनहैम में रहते थे, लेकिन अगर हम उनका इंतजार करना चाहें तो वे उस सुबह निर्देश लेने के लिए आ सकते थे।

नहीं, श्री होम्स की उनसे मिलने की कोई इच्छा नहीं थी, लेकिन वे उनके रिकॉर्ड और चरित्र के बारे में और अधिक जानने में प्रसन्न होंगे।

उनका रिकॉर्ड शानदार था। बेड़े में कोई भी अधिकारी उनकी बराबरी नहीं कर सकता था। उनके चरित्र की बात करें तो, वे कर्तव्य पर तो भरोसेमंद थे, लेकिन जहाज के डेक से बाहर एक उग्र और बेताब इंसान थे—उग्र, उत्तेजित, लेकिन वफ़ादार, ईमानदार और दयालु। यही वह जानकारी थी जिसके साथ होम्स ने एडिलेड-साउथैम्पटन कंपनी के कार्यालय को छोड़ा। वहां से वे स्कॉटलैंड यार्ड गए, लेकिन अंदर जाने के बजाय, वे अपनी टैक्सी में माथे पर शिकन लिए गहरे चिंतन में डूबे बैठे रहे। अंत में वे चारिंग क्रॉस टेलीग्राफ कार्यालय गए, एक संदेश भेजा, और फिर आखिरकार हम एक बार फिर बेकर स्ट्रीट के लिए रवाना हुए।

“नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकता, वॉटसन,” कमरे में वापस आते हुए उसने कहा। “एक बार वारंट जारी हो गया, तो दुनिया का कोई भी प्राणी उसे नहीं बचा सकता। अपने करियर में एक-दो बार मुझे ऐसा लगा है कि अपराधी को पकड़ने से मैंने उससे कहीं ज़्यादा नुकसान किया है जितना उसने अपने अपराध से किया था। अब मैंने सावधानी सीख ली है, और मैं इंग्लैंड के कानून के साथ खिलवाड़ करना ज़्यादा पसंद करूँगा बजाय अपनी अंतरात्मा के साथ। कार्रवाई करने से पहले हमें थोड़ी और जानकारी मिल जानी चाहिए।”

शाम होने से पहले, इंस्पेक्टर स्टेनली हॉपकिंस हमसे मिलने आए। उनके साथ कुछ ठीक नहीं चल रहा था।

“मुझे विश्वास है कि आप एक जादूगर हैं, श्रीमान होम्स। मुझे सचमुच कभी-कभी लगता है कि आपके पास ऐसी शक्तियाँ हैं जो इंसानों के पास नहीं होतीं। अब, आपको

यह कैसे पता चला कि चोरी की गई चांदी उस तालाब की तलहटी में थी?"
मुझे इसके बारे में पता नहीं था।
लेकिन आपने ही तो मुझे इसकी जांच करने को कहा था।
"तो फिर तुम्हें मिल गया?"
"हां, मुझे मिल गया।"
मुझे बहुत खुशी है अगर मैंने आपकी मदद की हो।
"लेकिन तुमने मेरी मदद नहीं की। तुमने तो मामला और भी पेचीदा कर दिया है। ये किस तरह के चोर हैं जो चांदी चुराते हैं और फिर उसे पास के तालाब में फेंक देते हैं?"
"यह निश्चित रूप से कुछ हद तक विचित्र व्यवहार था। मैं तो बस इस विचार पर चल रहा था कि अगर चांदी उन लोगों ने ले ली है जिन्हें इसकी ज़रूरत नहीं थी - जिन्होंने इसे सिर्फ दिखावे के लिए लिया था - तो वे स्वाभाविक रूप से इससे छुटकारा पाने के लिए उत्सुक होंगे।"
"लेकिन ऐसा विचार आपके मन में क्यों आना चाहिए?"
"खैर, मुझे लगा था कि ऐसा हो सकता है। जब वे फ्रेंच खिड़की से बाहर आए, तो उनके ठीक सामने बर्फ में एक छोटा सा आकर्षक छेद वाला तालाब था। क्या इससे बेहतर छिपने की जगह हो सकती थी?"
"अहा, छिपने की जगह—यह तो बढ़िया है!" स्टैनली हॉपकिंस चिल्लाया। "जी हाँ, अब मुझे सब समझ आ गया! सुबह का समय था, सड़कों पर लोग थे, उन्हें चांदी के साथ पकड़े जाने का डर था, इसलिए उन्होंने उसे तालाब में डुबो दिया, और सोचा कि जब खतरा टल जाएगा तो उसे वापस ले लेंगे। बहुत बढ़िया, मिस्टर होम्स—यह तो आपके छिपने के तरीके से कहीं बेहतर है।"
"बिल्कुल सही, आपका सिद्धांत सराहनीय है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मेरे अपने विचार काफी अटपटे थे, लेकिन आपको यह मानना पड़ेगा कि उन्हीं के परिणामस्वरूप चांदी की खोज हुई।"
जी हाँ, महोदय—जी हाँ। यह सब आपकी ही गलती थी। लेकिन मुझे बहुत बड़ा झटका लगा है।
"बाधा?"
"जी हां, मिस्टर होम्स। रैंडल गिरोह को आज सुबह न्यूयॉर्क में गिरफ्तार कर लिया गया है।"
"अरे वाह, हॉपकिंस! यह तो निश्चित रूप से आपके उस सिद्धांत के बिल्कुल विपरीत है कि उन्होंने कल रात केंट में हत्या की थी।"
"यह घातक है, मिस्टर होम्स—बिल्कुल घातक। फिर भी, रैंडल्स के अलावा तीन लोगों के अन्य गिरोह भी हैं, या यह कोई नया गिरोह हो सकता है जिसके बारे में पुलिस ने कभी सुना ही न हो।"
"बिल्कुल, यह पूरी तरह से संभव है। क्या, आप जा रहे हैं?"
"जी हाँ, श्रीमान होम्स, जब तक मैं इस मामले की तह तक नहीं पहुंच जाता, मुझे चैन नहीं मिलेगा। मुझे लगता है कि आपके पास मुझे देने के लिए कोई सुराग नहीं है?"
मैंने तुम्हें एक दे दिया है।
"कौन सा?"
"ठीक है, मैंने एक ब्लाइंड का सुझाव दिया था।"
"लेकिन क्यों, मिस्टर होम्स, क्यों?"
"अरे हाँ, यही तो सवाल है। लेकिन मैं आपको यह सुझाव देना चाहूँगा। शायद आपको इसमें कुछ सच्चाई नज़र आए। आप रात के खाने के लिए नहीं रुकेंगे? अच्छा, अलविदा, और हमें बताइएगा कि आपका अनुभव कैसा रहा।"

खाना खत्म हो चुका था और मेज साफ हो चुकी थी, इससे पहले कि होम्स ने दोबारा उस मामले का ज़िक्र किया। उन्होंने अपनी पाइप जलाई और चप्पल पहने हुए पैर आग की खुशनुमा लौ के पास रखे। अचानक उन्होंने अपनी घड़ी देखी।

"मुझे घटनाक्रम की उम्मीद है, वॉटसन।"

"कब?' '

“अब—कुछ ही मिनटों के भीतर। मुझे लगता है कि आपको लगा होगा कि मैंने अभी-अभी स्टैनली हॉपकिंस के साथ कुछ बुरा बर्ताव किया?”

मुझे आपके फैसले पर भरोसा है।

“वॉटसन, आपका जवाब बहुत ही समझदारी भरा है। आपको इसे इस तरह समझना चाहिए: मुझे जो पता है वह अनौपचारिक है, उसे जो पता है वह आधिकारिक है। मुझे निजी निर्णय लेने का अधिकार है, लेकिन उसे नहीं। उसे सब कुछ बताना होगा, वरना वह अपनी सेवा के प्रति गद्दार कहलाएगा। संदेह की स्थिति में मैं उसे इतनी कठिन परिस्थिति में नहीं डालता, इसलिए मैं इस मामले पर अपना मन पूरी तरह स्पष्ट होने तक अपनी जानकारी गुप्त रखता हूं।”

लेकिन यह कब होगा?

“समय आ गया है। अब आप एक अद्भुत छोटे नाटक के अंतिम दृश्य में उपस्थित होंगे।”

सीढ़ियों पर एक आवाज़ आई और हमारा दरवाज़ा खुला, जिससे एक बेहद आकर्षक पुरुष अंदर आया। वह एक लंबा-चौड़ा युवक था, सुनहरी मूंछों वाला, नीली आँखों वाला, जिसकी त्वचा उष्णकटिबंधीय धूप से झुलसी हुई थी, और उसके कदम इतने फुर्तीले थे कि पता चलता था कि उसका विशाल शरीर जितना मजबूत था उतना ही चुस्त भी था। उसने अपने पीछे दरवाज़ा बंद किया और फिर मुट्ठी भींचे और सीना फुलाए खड़ा रहा, मानो किसी प्रबल भावना को दबा रहा हो।

"बैठ जाइए, कैप्टन क्रोकर। क्या आपको मेरा टेलीग्राम मिला?"

हमारा मेहमान एक आरामकुर्सी में बैठ गया और प्रश्नवाचक निगाहों से हम सभी को देखने लगा।

“मुझे तुम्हारा टेलीग्राम मिल गया, और मैं तुम्हारे बताए समय पर आ गया। मैंने सुना था कि तुम दफ्तर गए थे। तुमसे बच निकलना नामुमकिन था। चलो, सबसे बुरी बात सुनते हैं। तुम मेरे साथ क्या करने वाले हो? मुझे गिरफ्तार करोगे? सच बताओ! तुम यहां बैठकर मेरे साथ चूहे-बिल्ली की तरह नहीं खेल सकते।”

“उसे एक सिगार दो,” होम्स ने कहा। “कैप्टन क्रोकर, इसे पी लो और घबराओ मत। अगर मुझे पता होता कि तुम एक आम अपराधी हो, तो मैं तुम्हारे साथ यहां बैठकर सिगार नहीं पीता, इस बात का यकीन मानो। मुझसे खुलकर बात करो, तो हम कुछ अच्छा कर सकते हैं। मुझसे चालाकी करोगे तो मैं तुम्हें सबक सिखाऊंगा।”

आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?

“मुझे कल रात एबी ग्रेंज में जो कुछ भी हुआ, उसका सही-सही ब्यौरा दीजिए—बिल्कुल सही ब्यौरा, जिसमें कुछ भी जोड़ा या घटाया न गया हो। मुझे पहले से ही इतना कुछ पता है कि अगर आपने ज़रा भी झूठ बोला, तो मैं अपनी खिड़की से पुलिस की सीटी बजा दूंगा और मामला हमेशा के लिए मेरे हाथ से निकल जाएगा।”

नाविक ने थोड़ी देर सोचा। फिर उसने अपने बड़े, धूप से झुलसे हुए हाथ से अपनी टांग पर प्रहार किया।

“मैं जोखिम उठाऊंगा,” वह चिल्लाया। “मुझे विश्वास है कि आप अपने वचन के पक्के हैं, और एक श्वेत व्यक्ति हैं, और मैं आपको पूरी कहानी बताऊंगा। लेकिन पहले एक बात कहना चाहता हूं। जहां तक मेरा सवाल है, मुझे किसी बात का पछतावा नहीं है

और न ही किसी बात का डर है, और मैं यह सब फिर से करूंगा और इस काम पर गर्व करूंगा। उस दरिंदे को धिक्कार है, अगर उसके पास बिल्ली जितनी जिंदगियां होतीं, तो वह उन सभी का ऋणी मुझे ही होता! लेकिन बात उस महिला, मेरी - मेरी फ्रेजर की है - मैं उसे उस शापित नाम से कभी नहीं पुकारूंगा। जब मैं उसके चेहरे पर एक मुस्कान लाने के लिए अपनी जान देने को तैयार, उसे मुसीबत में डालने के बारे में सोचता हूं, तो मेरा दिल पिघल जाता है। और फिर भी - और फिर भी - मैं इससे कम क्या कर सकता था? मैं आपको अपनी कहानी सुनाऊंगा, सज्जनों, और फिर मैं आपसे, एक इंसान के तौर पर, पूछूंगा, मैं इससे कम क्या कर सकता था?”

मुझे थोड़ा पीछे जाना होगा। आप सब कुछ जानते हैं, इसलिए मुझे उम्मीद है कि आपको पता होगा कि मैं उनसे तब मिला था जब वह यात्री थीं और मैं रॉक ऑफ जिब्राल्टर का प्रथम अधिकारी था। जिस दिन से मैं उनसे मिला, वह मेरे लिए एकमात्र महिला थीं। उस यात्रा के हर दिन मेरा प्यार उनके लिए और गहरा होता गया, और तब से कई बार मैंने रात के अंधेरे में घुटने टेककर उस जहाज के डेक को चूमा है क्योंकि मुझे पता था कि उनके प्यारे पैर उस पर चले थे। उनकी मुझसे कभी सगाई नहीं हुई थी। उन्होंने मेरे साथ उतना ही अच्छा व्यवहार किया जितना कोई महिला किसी पुरुष के साथ कर सकती है। मुझे कोई शिकायत नहीं है। मेरी तरफ से सब प्यार था, और उनकी तरफ से पूरी तरह से अच्छी दोस्ती और भाईचारा था। जब हम बिछड़े तो वह एक स्वतंत्र महिला थीं, लेकिन मैं फिर कभी स्वतंत्र पुरुष नहीं बन सका।

अगली बार जब मैं समुद्र से लौटा, तो मुझे उसकी शादी के बारे में पता चला। भला, वह जिससे चाहे उससे शादी क्यों न करे? रुतबा और दौलत—उससे बेहतर कौन संभाल सकता था? वह खूबसूरती और नज़ाकत के लिए ही पैदा हुई थी। मुझे उसकी शादी का ज़रा भी दुख नहीं हुआ। मैं इतना स्वार्थी नहीं था। मुझे तो बस इस बात की खुशी थी कि उसकी किस्मत अच्छी थी और उसने किसी कंगाल नाविक पर अपना जीवन बर्बाद नहीं किया। यही मेरा मैरी फ्रेज़र से प्रेम था।

“खैर, मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं उससे दोबारा मिलूँगी, लेकिन पिछली यात्रा में मेरा प्रमोशन हो गया था, और नई नाव अभी लॉन्च नहीं हुई थी, इसलिए मुझे सिडनहैम में अपने लोगों के साथ कुछ महीने इंतज़ार करना पड़ा। एक दिन गाँव की एक सड़क पर मेरी मुलाकात थेरेसा राइट से हुई, जो उसकी नौकरानी थी। उसने मुझे उसके बारे में, उसके बारे में, हर चीज़ के बारे में सब कुछ बताया। सच कहूँ तो, सज्जनों, मैं लगभग पागल हो गई थी। यह शराबी, उसकी हिम्मत कैसे हुई उस पर हाथ उठाने की, जिसके जूते चाटने के भी वह लायक नहीं था! मैं थेरेसा से फिर मिली। फिर मैं मैरी से मिली - और फिर उससे मिली। फिर वह मुझसे दोबारा नहीं मिली। लेकिन कुछ दिन पहले मुझे सूचना मिली कि मुझे एक हफ्ते के अंदर अपनी यात्रा शुरू करनी है, और मैंने तय किया कि जाने से पहले मैं उससे एक बार मिल लूंगी। थेरेसा हमेशा मेरी दोस्त थी, क्योंकि वह मैरी से प्यार करती थी और इस दुष्ट से लगभग उतनी ही नफरत करती थी जितनी मैं करती थी। उससे मैंने घर के तौर-तरीके सीखे। मैरी नीचे अपने छोटे से कमरे में बैठकर पढ़ती रहती थी। मैं कल रात चुपके से वहाँ गई और खिड़की पर खरोंचा। पहले तो उसने नहीं खोला। मुझे तो नहीं, पर मुझे पता है कि उसके दिल में अब वह मुझसे प्यार करती है, और वह मुझे इस ठंडी रात में अकेला नहीं छोड़ सकती थी। उसने फुसफुसाकर मुझे सामने वाली बड़ी खिड़की के पास आने को कहा, और मैंने देखा कि वह मेरे सामने खुली थी, ताकि मैं भोजन कक्ष में जा सकूं। एक बार फिर मैंने उसके मुँह से ऐसी बातें सुनीं जिनसे मेरा खून खौल उठा, और एक बार फिर मैंने उस दरिंदे को कोसा जिसने मेरी प्रेमिका के साथ ऐसा दुर्व्यवहार किया। खैर, सज्जनों, मैं उसके साथ खिड़की के ठीक अंदर खड़ा था, पूरी तरह निर्दोष, भगवान की कसम, तभी

वह पागलों की तरह कमरे में घुस आया, उसे सबसे गंदी गालियाँ दीं जो कोई आदमी किसी औरत को दे सकता है, और अपने हाथ में मौजूद छड़ी से उसके चेहरे पर वार किया। मैंने पोकर उठा लिया था, और हमारे बीच बराबरी का मुकाबला था। यहाँ देखिए, मेरी बांह पर, जहाँ उसका पहला वार पड़ा था। फिर मेरी बारी आई, और मैंने उसे ऐसे कुचल दिया जैसे वह कोई सड़ा हुआ कद्दू हो। क्या आपको लगता है कि मुझे पछतावा हुआ? बिलकुल नहीं! यह उसकी जान या मेरी जान का सवाल था, लेकिन उससे कहीं ज्यादा, यह उसकी जान या उसकी जान का सवाल था। मैं उसे इस पागल के भरोसे कैसे छोड़ सकता था? इसीलिए मैंने उसे मार डाला। क्या मैं गलत था? अच्छा, तो फिर आप दोनों सज्जन मेरी जगह होते तो क्या करते?

"जब उसने उसे मारा तो वह चीख पड़ी, और इसी वजह से बूढ़ी थेरेसा ऊपर वाले कमरे से नीचे आ गई। साइडबोर्ड पर शराब की एक बोतल रखी थी, मैंने उसे खोला और थोड़ी सी शराब मैरी के होठों के बीच डाल दी, क्योंकि वह सदमे से लगभग बेसुध थी। फिर मैंने खुद भी एक बूंद पी ली। थेरेसा एकदम शांत थी, और यह साजिश जितनी मेरी थी उतनी ही उसकी भी थी। हमें ऐसा दिखाना था कि चोरों ने यह काम किया है। थेरेसा अपनी मालकिन को हमारी कहानी बार-बार सुनाती रही, जबकि मैं ऊपर गया और घंटी की रस्सी काट दी। फिर मैंने उसे उसकी कुर्सी पर बांध दिया, और रस्सी के सिरे को खींचकर बिखेर दिया ताकि यह स्वाभाविक लगे, वरना वे सोचते कि आखिर कोई चोर ऊपर चढ़कर रस्सी कैसे काट सकता है। फिर मैंने चोरी के इरादे को अंजाम देने के लिए चांदी की कुछ थालियां और बर्तन इकट्ठा किए, और उन्हें वहीं छोड़ दिया, और मुझे आदेश दिया कि जब मुझे निकलने में पंद्रह मिनट का समय मिले तो अलार्म बजा देना। मैंने चांदी को तालाब में फेंक दिया, और सिडेनहैम के लिए निकल पड़ा, यह सोचकर कि जीवन में पहली बार मैंने कोई अच्छा काम किया है। रात भर का काम। और यही सच है, और पूरा सच है, मिस्टर होम्स, चाहे इसके लिए मुझे अपनी जान ही क्यों न देनी पड़े।"

होम्स कुछ देर चुपचाप सिगरेट पीते रहे। फिर वे कमरे के उस पार गए और हमारे आगंतुक से हाथ मिलाया।

"मैं यही सोचता हूं," उसने कहा। "मुझे पता है कि तुम्हारा हर शब्द सच है, क्योंकि तुमने शायद ही कोई ऐसा शब्द कहा हो जो मुझे पहले से पता न हो। ब्रैकेट से उस घंटी की रस्सी तक कोई कलाबाज या नाविक ही पहुंच सकता था, और कुर्सी से बंधी रस्सी की गांठ भी कोई नाविक ही बना सकता था। इस महिला का नाविकों से केवल एक बार ही संपर्क हुआ था, और वह भी अपनी समुद्री यात्रा के दौरान, और वह भी उसी के वर्ग का था, क्योंकि वह उसे बचाने की पूरी कोशिश कर रही थी, और इस तरह दिखा रही थी कि वह उससे प्यार करती है। देखा तुमने, सही राह पर चलते ही तुम पर हाथ डालना मेरे लिए कितना आसान हो गया था।"

मुझे लगा था कि पुलिस हमारी इस चाल को कभी नहीं समझ पाएगी।

"और पुलिस ने ऐसा नहीं किया है, और जहाँ तक मुझे पता है, वे ऐसा नहीं करेंगे। अब, देखिए कैप्टन क्रोकर, यह बहुत गंभीर मामला है, हालांकि मैं यह मानने को तैयार हूँ कि आपने उस बेहद उग्र उकसावे में आकर कार्रवाई की, जिसका सामना कोई भी व्यक्ति कर सकता है। मुझे यकीन नहीं है कि अपनी जान बचाने के लिए की गई आपकी कार्रवाई को जायज़ नहीं ठहराया जाएगा। खैर, इसका फैसला ब्रिटिश जूरी को करना है। इस बीच, मुझे आपके प्रति इतनी सहानुभूति है कि अगर आप अगले चौबीस घंटों में गायब होने का फैसला करते हैं, तो मैं आपसे वादा करता हूँ कि कोई भी आपको नहीं रोकेगा।"

और फिर सब कुछ सामने आ जाएगा?

"यह बात निश्चित रूप से सामने आएगी।"

नाविक गुस्से से लाल हो गया।

"यह कैसा प्रस्ताव है जो किसी पुरुष को दोषी ठहराने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है? मुझे कानून की इतनी जानकारी है कि मैं समझ सकता हूँ कि मैरी को सह-अपराधी माना जाएगा। क्या आपको लगता है कि मैं उसे अकेले ही अंजाम भुगतने के लिए छोड़ दूँगा और चुपके से निकल जाऊँगा? नहीं, महोदय, चाहे वे मेरे साथ जो चाहें करें, लेकिन भगवान के लिए, श्री होम्स, मेरी बेचारी मैरी को अदालतों से बचाने का कोई रास्ता निकालिए।"

होम्स ने दूसरी बार नाविक की ओर अपना हाथ बढ़ाया।

"मैं तो बस आपकी परीक्षा ले रहा था, और आप हर बार सही साबित होते हैं। खैर, यह मेरे ऊपर एक बड़ी ज़िम्मेदारी है, लेकिन मैंने हॉपकिंस को एक बेहतरीन संकेत दे दिया है, और अगर वह इसका फायदा नहीं उठा पाता है तो मैं और कुछ नहीं कर सकता। देखिए, कैप्टन क्रोकर, हम इसे कानून के उचित तरीके से करेंगे। आप कैदी हैं। वॉटसन, आप एक ब्रिटिश जूरी हैं, और मैंने कभी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात नहीं की जो जूरी का प्रतिनिधित्व करने के लिए आपसे अधिक उपयुक्त हो। मैं न्यायाधीश हूँ। अब, जूरी के सज्जनों, आपने सबूत सुन लिए हैं। क्या आप कैदी को दोषी पाते हैं या निर्दोष?"

"मैं दोषी नहीं हूँ, महाराज," मैंने कहा।

"जनता की आवाज़, ईश्वर की आवाज़। कैप्टन क्रोकर, आप बरी हो चुके हैं। जब तक कानून को कोई और शिकार नहीं मिल जाता, आप मुझसे सुरक्षित हैं। एक साल बाद इस महिला के पास वापस आइएगा, और उम्मीद है कि उसका और आपका भविष्य आज रात हमारे द्वारा सुनाए गए फैसले को सही साबित करेगा!"

ब्लैक पीटर का रोमांच

मैंने अपने मित्र को 1995 से बेहतर मानसिक और शारीरिक स्थिति में कभी नहीं देखा था। उनकी बढ़ती प्रसिद्धि के साथ-साथ उनका काम भी बहुत बढ़ गया था, और अगर मैं बेकर स्ट्रीट स्थित हमारे साधारण से परिसर में आने वाले कुछ प्रतिष्ठित ग्राहकों की पहचान का ज़रा सा भी संकेत दूं तो यह एक बड़ी नादानी होगी। हालांकि, होम्स, सभी महान कलाकारों की तरह, अपनी कला के लिए जीते थे, और ड्यूक ऑफ होल्डरनेस के मामले को छोड़कर, मैंने उन्हें अपनी अमूल्य सेवाओं के लिए शायद ही कभी कोई बड़ा पुरस्कार मांगते देखा हो। वे इतने दुनियादारी से दूर थे - या इतने मनमौजी - कि वे अक्सर शक्तिशाली और धनी लोगों की मदद करने से इनकार कर देते थे, जहाँ समस्या उनकी सहानुभूति के अनुरूप नहीं होती थी, जबकि वे किसी साधारण ग्राहक के मामले में हफ्तों तक पूरी लगन से काम करते थे, जिसका मामला उनकी कल्पना को आकर्षित करता था और उनकी सूझबूझ को चुनौती देता था।

इस यादगार वर्ष 1995 में, कई विचित्र और असंगत मामलों ने उनका ध्यान आकर्षित किया, जिनमें कार्डिनल टोस्का की अचानक मृत्यु की उनकी प्रसिद्ध जांच शामिल थी - यह जांच उन्होंने पोप की विशेष इच्छा पर की थी - और कुख्यात कैनरी-प्रशिक्षक विल्सन की गिरफ्तारी भी शामिल थी, जिसने लंदन के ईस्ट एंड से एक विपत्ति को दूर किया। इन दो प्रसिद्ध मामलों के तुरंत बाद वुडमैन्स ली की त्रासदी और कैप्टन पीटर कैरी की मृत्यु से जुड़े अत्यंत रहस्यमय मामले सामने आए। श्री शर्लक होम्स के कारनामों का कोई भी विवरण इस अत्यंत असामान्य घटना के बिना अधूरा होगा।

जुलाई के पहले सप्ताह में, मेरा दोस्त हमारे ठहरने की जगह से इतनी बार और इतने लंबे समय तक अनुपस्थित रहा कि मुझे पता चल गया कि वह कुछ गुप्त काम कर

रहा है। उस दौरान कई संदिग्ध दिखने वाले लोगों ने आकर कैप्टन बेसिल के बारे में पूछताछ की, जिससे मुझे समझ आया कि होम्स कहीं न कहीं अपने उन अनेक भेसों और नामों में से किसी एक का इस्तेमाल कर रहा है जिनसे वह अपनी असली पहचान छुपाता था। लंदन के अलग-अलग हिस्सों में उसके कम से कम पांच छोटे ठिकाने थे, जहाँ वह अपना रूप बदल लेता था। उसने अपने काम के बारे में मुझसे कुछ नहीं कहा, और मेरी आदत भी किसी पर ज़बरदस्ती भरोसा करने की नहीं थी। उसकी जाँच किस दिशा में जा रही है, इसका पहला पुख्ता संकेत उसने मुझे दिया, जो बहुत ही असाधारण था। वह नाश्ते से पहले ही बाहर चला गया था, और मैं नाश्ता करने बैठा ही था कि वह कमरे में दाखिल हुआ, उसके सिर पर टोपी थी और एक बड़ा कांटेदार भाला छाते की तरह उसकी बगल में दबा हुआ था।

“हे भगवान, होम्स!” मैं चिल्लाई। “कहीं आप ये तो नहीं कह रहे कि आप उस चीज़ को लेकर लंदन में घूम रहे थे?”

मैं कसाई की दुकान तक गाड़ी चलाकर गया और वापस आया।

"कसाई?"

और मैं भरपूर भूख के साथ लौटा हूँ। मेरे प्रिय वॉटसन, नाश्ते से पहले व्यायाम के महत्व पर कोई संदेह नहीं है। लेकिन मैं शर्त लगाने को तैयार हूं कि आप यह अनुमान नहीं लगा पाएंगे कि मैंने किस रूप में व्यायाम किया है।

मैं ऐसा करने का प्रयास नहीं करूंगा।

कॉफी डालते हुए वह मुस्कुराया।

“अगर आप एलार्डिस की दुकान के पीछे झांक पाते, तो आपको छत में लगे हुक से लटका हुआ एक मरा हुआ सुअर दिखाई देता, और एक सज्जन अपनी कमीज़ की आस्तीनों में लिपटे हुए उस पर इस हथियार से तेज़ी से वार कर रहे होते। मैं वही ऊर्जावान व्यक्ति था, और मैंने खुद को इस बात से संतुष्ट कर लिया है कि मैं अपनी पूरी ताकत लगाकर भी सुअर को एक ही वार में मार नहीं सकता। शायद आप कोशिश करना चाहेंगे?”

“बिल्कुल नहीं। लेकिन आप ऐसा क्यों कर रहे थे?”

क्योंकि मुझे ऐसा लगा कि इसका वुडमैन ली के रहस्य से अप्रत्यक्ष संबंध है। आह, हॉपकिंस, मुझे कल रात तुम्हारा तार मिला था, और मैं तुम्हारा इंतज़ार कर रहा था। आओ और हमारे साथ शामिल हो जाओ।

हमारे आगंतुक एक बेहद चौकस व्यक्ति थे, जिनकी उम्र तीस वर्ष थी। उन्होंने सादे ट्वीड सूट पहना हुआ था, लेकिन उनका शरीर सरकारी वर्दी के अभ्यस्त व्यक्ति की तरह सीधा और सधा हुआ था। मैंने उन्हें तुरंत स्टैनली हॉपकिंस के रूप में पहचान लिया, जो एक युवा पुलिस निरीक्षक थे। होम्स को उनसे बहुत उम्मीदें थीं, जबकि वे स्वयं उस प्रसिद्ध शौकिया वैज्ञानिक की पद्धतियों के प्रति एक शिष्य की प्रशंसा और सम्मान व्यक्त करते थे। हॉपकिंस के माथे पर उदासी छाई हुई थी और वे गहरे दुख के भाव से बैठ गए।

“नहीं, धन्यवाद महोदय। मैं यहाँ आने से पहले नाश्ता कर चुका था। मैंने रात शहर में बिताई, क्योंकि मैं कल रिपोर्ट करने आया था।”

और आपको क्या रिपोर्ट करनी थी?

"असफलता, महोदय, पूर्णतः असफलता।"

“क्या आपने कोई प्रगति नहीं की?”

"कोई नहीं।"

"अरे बाप रे! मुझे इस मामले को देखना ही होगा।"

"काश आप मेरी मदद कर दें, श्रीमान होम्स। यह मेरा पहला बड़ा मौका है, और मैं पूरी तरह से हताश हूँ। ईश्वर की कृपा से, नीचे आइए और मेरी सहायता कीजिए।"

"अच्छा, अच्छा, संयोग से मैंने पहले ही सभी उपलब्ध सबूतों को, जिनमें जांच रिपोर्ट भी शामिल है, काफी ध्यान से पढ़ लिया है। वैसे, अपराध स्थल पर मिली उस तंबाकू की थैली के बारे में आपका क्या विचार है? क्या उसमें कोई सुराग नहीं है?"

हॉपकिंस हैरान दिखे।

"यह उस आदमी की अपनी थैली थी, महोदय। इसके अंदर उसके नाम के पहले अक्षर लिखे हुए थे। और यह सील की खाल की बनी थी — और वह एक पुराना सील शिकारी था।"

लेकिन उसके पास पाइप नहीं था।

"नहीं, महोदय, हमें कोई पाइप नहीं मिला। दरअसल, वह बहुत कम धूम्रपान करते थे, फिर भी हो सकता है कि उन्होंने अपने दोस्तों के लिए कुछ तंबाकू बचाकर रखा हो।"

"निस्संदेह। मैं इसका ज़िक्र इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि अगर मैं इस मामले को संभाल रहा होता, तो मैं इसे अपनी जाँच का शुरुआती बिंदु बनाता। हालांकि, मेरे मित्र, डॉ. वॉटसन, इस मामले से अनजान हैं, और घटनाक्रम को एक बार फिर सुनने से मुझे कोई नुकसान नहीं होगा। बस हमें मुख्य बिंदुओं का संक्षिप्त विवरण दे दीजिए।"

स्टैनली हॉपकिंस ने अपनी जेब से कागज़ की एक पर्ची निकाली।

मेरे पास कुछ तारीखें हैं जिनसे आपको दिवंगत कैप्टन पीटर कैरी के जीवन के बारे में जानकारी मिल जाएगी। उनका जन्म 1845 में हुआ था - उनकी उम्र पचास वर्ष थी। वे एक बेहद साहसी और सफल सील और व्हेल मछुआरे थे। 1883 में उन्होंने डंडी के स्टीम सीलर 'सी यूनिकॉर्न' की कमान संभाली। इसके बाद उन्होंने लगातार कई सफल समुद्री यात्राएँ कीं और अगले वर्ष, 1884 में, वे सेवानिवृत्त हो गए। इसके बाद उन्होंने कुछ वर्षों तक यात्रा की और अंत में ससेक्स के फॉरेस्ट रो के पास वुडमैन्स ली नामक एक छोटी सी जगह खरीदी। वे वहाँ छह वर्षों तक रहे और आज से ठीक एक सप्ताह पहले वहीं उनका निधन हो गया।

उस आदमी में कुछ बेहद अनोखी बातें थीं। आम जीवन में, वह एक कट्टर प्यूरिटन था - एक शांत, उदास स्वभाव का व्यक्ति। उसके घर में उसकी पत्नी, उसकी बीस साल की बेटी और दो नौकरानियाँ थीं। ये नौकरानियाँ लगातार बदलती रहती थीं, क्योंकि घर का माहौल कभी खुशनुमा नहीं था, और कभी-कभी तो असहनीय हो जाता था। वह कभी-कभी शराब पीता था, और जब उसे नशा चढ़ता था तो वह पूरी तरह से शैतान बन जाता था। वह अपनी पत्नी और बेटी को आधी रात को घर से बाहर निकाल देता था और उन्हें पार्क में तब तक पीटता था जब तक कि उनके चीखने से पूरा गाँव जाग न जाए।

"उसे एक बार बूढ़े पादरी पर किए गए क्रूर हमले के लिए तलब किया गया था, जिसने उसके व्यवहार पर उससे बात करने के लिए उसे बुलाया था। संक्षेप में, श्री होम्स, पीटर कैरी से ज़्यादा खतरनाक आदमी आपको बहुत दूर ही मिलेगा, और मैंने सुना है कि जब वह अपने जहाज का कमांडर था तब भी उसका यही स्वभाव था। व्यापार में उसे ब्लैक पीटर के नाम से जाना जाता था, और यह नाम उसे न केवल उसके सांवले रंग और उसकी विशाल दाढ़ी के कारण दिया गया था, बल्कि उसके उन स्वभावों के कारण भी था जिनसे उसके आसपास के सभी लोग भयभीत रहते थे। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि उसके सभी पड़ोसी उससे घृणा करते थे और उससे दूर रहते थे, और मैंने उसकी भयानक मृत्यु पर किसी के भी दुख का एक शब्द भी नहीं सुना है।"

“आपने पूछताछ के विवरण में उस आदमी की झोपड़ी के बारे में पढ़ा होगा, श्रीमान होम्स, लेकिन शायद आपके मित्र ने इसके बारे में नहीं सुना होगा। उसने अपने घर से कुछ सौ गज की दूरी पर लकड़ी का एक छोटा सा कमरा बनाया था—वह हमेशा उसे ‘झोंपड़ी’ कहता था—और यहीं वह हर रात सोता था। यह एक छोटा सा, एक कमरे का कमरा था, सोलह फीट लंबा और दस फीट चौड़ा। वह चाबी अपनी जेब में रखता था, अपना बिस्तर खुद लगाता था, खुद साफ करता था और किसी को भी अंदर कदम रखने की इजाज़त नहीं देता था। दोनों तरफ छोटी-छोटी खिड़कियां थीं, जो पर्दों से ढकी रहती थीं और कभी नहीं खुलती थीं। इनमें से एक खिड़की मुख्य सड़क की ओर थी, और जब रात में उसमें रोशनी जलती थी तो लोग एक-दूसरे को उस खिड़की की ओर इशारा करते हुए सोचते थे कि काला पीटर अंदर क्या कर रहा है। श्रीमान होम्स, यही वह खिड़की है जिससे हमें पूछताछ में मिले कुछ ठोस सबूतों में से एक मिला।”

“आपको याद होगा कि स्लेटर नाम का एक पत्थर मिस्त्री, हत्या से दो दिन पहले, सुबह करीब एक बजे फॉरेस्ट रो से पैदल चलते हुए, उस जगह से गुजरते समय रुका और पेड़ों के बीच चमकती हुई रोशनी के उस चौकोर हिस्से को देखा। वह कसम खाकर कहता है कि खिड़की के पर्दे पर एक आदमी के सिर की तिरछी परछाई साफ दिखाई दे रही थी, और यह परछाई निश्चित रूप से पीटर कैरी की नहीं थी, जिसे वह अच्छी तरह जानता था। यह एक दाढ़ी वाले आदमी की परछाई थी, लेकिन उसकी दाढ़ी छोटी थी और कप्तान की दाढ़ी से बिल्कुल अलग तरह से आगे की ओर बढ़ी हुई थी। ऐसा वह कहता है, लेकिन वह दो घंटे से उस पब में था, और सड़क से खिड़की तक काफी दूरी है। इसके अलावा, यह सोमवार की बात है, जबकि अपराध बुधवार को हुआ था।”

मंगलवार को पीटर कैरी अपने सबसे बुरे दौर में था, शराब के नशे में चूर और किसी खतरनाक जंगली जानवर की तरह हिंसक। वह घर में इधर-उधर घूम रहा था, औरतें उसे आते देख भाग जाती थीं। देर शाम को वह अपनी झोपड़ी में चला गया। अगली सुबह करीब दो बजे, उसकी बेटी, जो खिड़की खुली रखकर सो रही थी, ने उस दिशा से एक भयानक चीख सुनी, लेकिन शराब के नशे में उसका इस तरह चिल्लाना कोई असामान्य बात नहीं थी, इसलिए किसी ने ध्यान नहीं दिया। सुबह सात बजे उठने पर, एक नौकरानी ने देखा कि झोपड़ी का दरवाजा खुला है, लेकिन उस आदमी ने इतना आतंक मचा रखा था कि दोपहर होने तक कोई भी यह देखने के लिए नीचे नहीं गया कि उसका क्या हुआ। खुले दरवाजे से झाँकने पर उन्होंने जो दृश्य देखा, उससे वे डर के मारे काँपते हुए गाँव की ओर भागीं। एक घंटे के भीतर मैं वहाँ पहुँच गया और मैंने मामला अपने हाथ में ले लिया।

“खैर, जैसा कि आप जानते हैं, श्रीमान होम्स, मेरे नर्व्स काफी स्थिर हैं, लेकिन मैं आपको वचन देता हूँ कि जब मैंने उस छोटे से घर में अपना सिर डाला तो मैं बुरी तरह काँप गया। मक्खियों और नीली मक्खियों की वजह से वह हारमोनियम की तरह बज रहा था, और फर्श और दीवारें किसी कसाईखाने जैसी थीं। उसने उसे केबिन कहा था, और वाकई वह एक केबिन ही था, क्योंकि उसे देखकर ऐसा लग रहा था जैसे आप किसी जहाज़ में हों। एक कोने में एक चारपाई थी, एक समुद्री संदूक, नक्शे और चार्ट, सी यूनिकॉर्न की एक तस्वीर, एक शेल्फ पर लॉगबुक की एक कतार, सब कुछ ठीक वैसा ही था जैसा किसी कप्तान के कमरे में होने की उम्मीद की जाती है। और वहीं, उसके बीचोंबीच, वह आदमी खुद था - उसका चेहरा पीड़ा में डूबी एक खोई हुई आत्मा की तरह मुड़ा हुआ था, और उसकी बड़ी चितकबरी दाढ़ी उसकी पीड़ा में ऊपर की ओर उठी हुई थी। उसकी चौड़ी छाती के आर-पार एक स्टील का भाला घुसा हुआ था, और वह उसके पीछे की दीवार की लकड़ी में गहराई तक धंस गया था। वह कार्ड पर

चिपके हुए भृंग की तरह जकड़ा हुआ था। बेशक, वह पूरी तरह से मर चुका था, और जिस क्षण उसने पीड़ा की वह आखिरी चीख निकाली, उसी क्षण से ऐसा हो गया था।

“मैं आपके तरीके जानता हूं, महोदय, और मैंने उन्हें अपनाया भी है। किसी भी चीज़ को हिलाने की अनुमति देने से पहले, मैंने बाहर की ज़मीन और कमरे के फर्श की बहुत सावधानीपूर्वक जाँच की। वहाँ कोई पदचिह्न नहीं थे।”

"क्या इसका मतलब यह है कि आपने किसी को नहीं देखा?"

“मैं आपको आश्वस्त करता हूं, महोदय, कि ऐसा कोई नहीं था।”

“मेरे प्रिय हॉपकिंस, मैंने कई अपराधों की जाँच की है, लेकिन मैंने आज तक उड़ने वाले किसी प्राणी द्वारा किया गया अपराध नहीं देखा। जब तक अपराधी दो पैरों पर खड़ा रहता है, तब तक कोई न कोई निशान, खरोंच या मामूली विस्थापन अवश्य होगा जिसे वैज्ञानिक खोजकर्ता द्वारा पता लगाया जा सकता है। यह अविश्वसनीय है कि इस रक्तरंजित कमरे में ऐसा कोई सुराग नहीं मिला जो हमारी मदद कर सकता था। हालाँकि, मुझे पूछताछ से पता चला है कि कुछ ऐसी वस्तुएँ थीं जिन्हें आप नज़रअंदाज़ करना भूल गए थे।”

मेरे साथी की व्यंग्यात्मक टिप्पणी पर युवा इंस्पेक्टर थोड़ा असहज हो गया।

“मिस्टर होम्स, उस समय आपको न बुलाकर मैंने मूर्खता की थी। खैर, अब उस बारे में सोचने का कोई मतलब नहीं। हाँ, कमरे में कई ऐसी चीज़ें थीं जिन पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत थी। उनमें से एक वह भाला था जिससे यह अपराध किया गया था। उसे दीवार पर लगे रैक से उतार लिया गया था। दो अन्य भाले वहीं पड़े थे, और तीसरे के लिए जगह खाली थी। भाले पर ‘एसएस. सी यूनिकॉर्न, डंडी’ खुदा हुआ था। इससे यह साबित होता प्रतीत होता है कि अपराध क्रोध में आकर किया गया था, और हत्यारे ने जो पहला हथियार उसके हाथ लगा, उसे ही उठा लिया था। अपराध सुबह दो बजे हुआ था, और फिर भी पीटर केरी पूरी तरह से कपड़े पहने हुए था, इससे पता चलता है कि उसकी हत्यारे से मुलाकात तय थी, जिसकी पुष्टि इस बात से होती है कि मेज पर रम की एक बोतल और दो गंदे गिलास रखे थे।”

“हां,” होम्स ने कहा, “मुझे लगता है कि दोनों निष्कर्ष स्वीकार्य हैं। क्या कमरे में रम के अलावा कोई और पेय पदार्थ था?”

"हाँ, समुद्री संदूक पर ब्रांडी और व्हिस्की से भरा एक बड़ा बर्तन था। हालाँकि, यह हमारे लिए महत्वपूर्ण नहीं है, क्योंकि बर्तन भरे हुए थे, और इसलिए इसका उपयोग नहीं किया गया था।"

“फिर भी, इसकी उपस्थिति का कुछ महत्व था,” होम्स ने कहा। “हालांकि, आइए उन वस्तुओं के बारे में कुछ और जानें जो आपको इस मामले से संबंधित प्रतीत होती हैं।”

मेज पर तंबाकू की थैली पड़ी थी।

“टेबल का कौन सा हिस्सा?”

“यह बीच में पड़ा था। यह खुरदरी सील की खाल का बना था—सीधे बालों वाली खाल, जिसे चमड़े की पट्टी से बांधा गया था। अंदर फ्लैप पर ‘पी.सी.’ लिखा था। इसमें आधा औंस तेज़ जहाज़ का तंबाकू था।”

“बहुत बढ़िया! और क्या चाहिए?”

स्टैनली हॉपकिंस ने अपनी जेब से एक फीके कवर वाली नोटबुक निकाली। बाहरी आवरण खुरदरा और घिसा हुआ था, पन्ने फीके पड़ गए थे। पहले पन्ने पर "जे. एच. एन." के शुरुआती अक्षर और "1883" तारीख लिखी थी। होम्स ने उसे मेज़ पर रखा और अपनी बारीकी से जांच की, जबकि हॉपकिंस और मैं एक-दूसरे के कंधे के ऊपर से देख रहे थे। दूसरे पन्ने पर "सी. पी. आर." छपे थे, और फिर संख्याओं के कई पन्ने थे।

एक शीर्षक "अर्जेंटीना", दूसरा "कोस्टा रिका", और तीसरा "सैन पाउलो", प्रत्येक के बाद संकेतों और आंकड़ों के पन्ने थे।

“इनके बारे में आपकी क्या राय है?” होम्स ने पूछा।

“ये स्टॉक एक्सचेंज की प्रतिभूतियों की सूचियाँ प्रतीत होती हैं। मुझे लगा कि ‘जे. एच. एन.’ किसी ब्रोकर के नाम के शुरुआती अक्षर हैं, और ‘सी. पी. आर.’ शायद उसका ग्राहक रहा होगा।”

होम्स ने कहा, "कैनेडियन पैसिफिक रेलवे को आजमाएं।"

स्टैनली हॉपकिंस ने दांतों के बीच गाली दी और अपनी मुट्ठी से अपनी जांघ पर प्रहार किया।

“मैं कितना मूर्ख था!” वह चिल्लाया। “बिल्कुल, जैसा आप कह रहे हैं वैसा ही है। तो फिर ‘जे. एच. एन.’ ही एकमात्र शुरुआती अक्षर हैं जिन्हें हमें सुलझाना है। मैंने पहले ही स्टॉक एक्सचेंज की पुरानी सूचियों की जांच कर ली है, और मुझे 1883 में घर में या बाहर के दलालों में से कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जिसके शुरुआती अक्षर इनसे मेल खाते हों। फिर भी मुझे लगता है कि यही सुराग मेरे पास सबसे महत्वपूर्ण है। आप मानेंगे, श्री होम्स, कि यह संभव है कि ये शुरुआती अक्षर उस दूसरे व्यक्ति के हों जो वहां मौजूद था—दूसरे शब्दों में, हत्यारे को। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि बड़ी मात्रा में मूल्यवान प्रतिभूतियों से संबंधित एक दस्तावेज़ को मामले में शामिल करने से हमें पहली बार अपराध के मकसद का कुछ संकेत मिलता है।”

शर्लक होम्स के चेहरे से साफ पता चल रहा था कि वह इस नई घटना से पूरी तरह से स्तब्ध रह गए थे।

“मैं आपकी दोनों बातों से सहमत हूँ,” उन्होंने कहा। “मैं स्वीकार करता हूँ कि यह नोटबुक, जो पूछताछ में पेश नहीं हुई, मेरे द्वारा बनाए गए किसी भी विचार को बदल देती है। मैंने अपराध के संबंध में एक सिद्धांत बना लिया था जिसमें मुझे इसका कोई स्थान नहीं मिलता। क्या आपने यहाँ उल्लिखित किसी भी ज़मानत का पता लगाने का प्रयास किया है?”

"कार्यालयों में पूछताछ की जा रही है, लेकिन मुझे आशंका है कि इन दक्षिण अमेरिकी कंपनियों के शेयरधारकों का पूरा रजिस्टर दक्षिण अमेरिका में है, और शेयरों का पता लगाने में कुछ सप्ताह लग सकते हैं।"

होम्स अपनी आवर्धक लेंस से नोटबुक के कवर की जांच कर रहा था।

उन्होंने कहा, "यहाँ कुछ रंग फीका पड़ गया है, यह तो निश्चित है।"

"जी हाँ, महोदय, यह खून का धब्बा है। मैंने आपको बताया था कि मैंने किताब को फर्श से उठाया था।"

"खून का धब्बा ऊपर था या नीचे?"

"बोर्ड के बगल वाली तरफ।"

"जिससे यह साबित होता है कि अपराध होने के बाद ही किताब को छोड़ा गया था।"

“बिल्कुल सही, श्री होम्स। मुझे आपकी बात समझ में आ गई, और मैंने अनुमान लगाया कि हत्यारे ने भागते समय इसे गिरा दिया होगा। यह दरवाज़े के पास पड़ा था।”

"मुझे लगता है कि इनमें से कोई भी प्रतिभूति मृत व्यक्ति की संपत्ति में नहीं मिली है?"

"जी नहीं, महोदय।"

क्या आपको चोरी का संदेह करने का कोई कारण है?

"जी नहीं, महोदय। ऐसा प्रतीत नहीं होता कि किसी चीज को छुआ गया हो।"

"अरे वाह, यह तो वाकई एक बहुत ही दिलचस्प मामला है। फिर वहां एक चाकू भी था, है ना?"

"एक म्यान में लिपटा हुआ चाकू। यह मृत व्यक्ति के पैरों के पास पड़ा था। श्रीमती कैरी ने इसकी पहचान अपने पति की संपत्ति के रूप में की है।"

होम्स कुछ देर तक सोच में डूबे रहे।

अंत में उसने कहा, "ठीक है, मुझे लगता है कि मुझे बाहर आकर इसे देखना होगा।"

स्टैनली हॉपकिंस ने खुशी से चिल्लाते हुए कहा, "धन्यवाद महोदय। इससे मेरे मन से सचमुच एक बड़ा बोझ उतर जाएगा।"

होम्स ने इंस्पेक्टर की ओर उंगली हिलाई।

"एक हफ़्ते पहले यह काम आसान होता," उन्होंने कहा। "लेकिन अब भी मेरी यह यात्रा पूरी तरह व्यर्थ नहीं जाएगी। वॉटसन, अगर आपके पास समय हो, तो मुझे आपकी संगति बहुत अच्छी लगेगी। अगर आप एक चार पहिया वाहन बुला लें, हॉपकिंस, तो हम पंद्रह मिनट में फ़ॉरेस्ट रो के लिए रवाना हो जाएंगे।"

रास्ते में बने छोटे से स्टेशन पर उतरकर, हम कुछ मील तक घने जंगलों के अवशेषों से गुज़रे, जो कभी उस विशाल जंगल का हिस्सा थे जिसने इतने लंबे समय तक सैक्सन आक्रमणकारियों को रोके रखा था—वह अभेद्य "वेल्ड", जो साठ वर्षों तक ब्रिटेन का गढ़ रहा। इसके विशाल हिस्से साफ़ कर दिए गए हैं, क्योंकि यह देश के पहले लौह कारखानों का केंद्र था, और अयस्क गलाने के लिए पेड़ों को काट दिया गया था। अब उत्तर के अधिक समृद्ध क्षेत्रों ने व्यापार को अपने कब्जे में ले लिया है, और इन उजाड़ जंगलों और धरती पर बने बड़े-बड़े निशानों के अलावा अतीत के कार्यों का कोई प्रमाण नहीं है। यहां, एक पहाड़ी की हरी ढलान पर एक खुले स्थान में, एक लंबा, नीचा, पत्थर का घर खड़ा था, जहाँ तक खेतों से होकर गुजरने वाली एक घुमावदार सड़क जाती थी। सड़क के पास, और तीन तरफ से झाड़ियों से घिरा हुआ, एक छोटा सा बाहरी कमरा था, जिसकी एक खिड़की और दरवाजा हमारी दिशा में था। यही वह स्थान था जहाँ हत्या हुई थी।

स्टैनली हॉपकिंस सबसे पहले हमें घर ले गए, जहाँ उन्होंने हमें एक थकी-हारी, सफ़ेद बालों वाली महिला से मिलवाया, जो मारे गए व्यक्ति की विधवा थी। उसका दुबला-पतला और झुर्रियों से भरा चेहरा, और लाल आँखों में दबी हुई दहशत भरी नज़र, उसके द्वारा सहे गए वर्षों के कष्ट और दुर्व्यवहार की कहानी बयां कर रही थी। उसके साथ उसकी बेटी थी, एक पीली, सुनहरे बालों वाली लड़की, जिसकी आँखें हमें चुनौती भरी नज़रों से देख रही थीं, जब उसने हमें बताया कि वह अपने पिता की मृत्यु से प्रसन्न है, और उस हाथ को आशीर्वाद देती है जिसने उसे मारा था। यह एक भयानक घर था जिसे ब्लैक पीटर कैरी ने अपने लिए बनाया था, और हमें राहत का एहसास हुआ जब हम फिर से धूप में आ गए और उस रास्ते पर चलने लगे जो मरे हुए व्यक्ति के पैरों से खेतों में घिस गया था।

बाहरी कमरा बेहद साधारण था, लकड़ी की दीवारों और शिंगल की छत वाला, दरवाजे के बगल में एक खिड़की और दूसरी तरफ एक खिड़की थी। स्टैनली हॉपकिंस ने अपनी जेब से चाबी निकाली और ताला खोलने के लिए झुका ही था कि वह रुक गया, उसके चेहरे पर ध्यान और आश्चर्य का भाव था।

उन्होंने कहा, "किसी ने इसके साथ छेड़छाड़ की है।"

इस तथ्य में कोई संदेह नहीं हो सकता था। लकड़ी पर कट के निशान थे और पेंट के नीचे से खरोंचें साफ दिखाई दे रही थीं, मानो उन्हें उसी क्षण बनाया गया हो। होम्स खिड़की की जांच कर रहे थे।

“किसी ने यहाँ भी जबरदस्ती घुसने की कोशिश की है। जिसने भी यह किया, वह अंदर घुसने में नाकाम रहा। वह बहुत ही घटिया चोर रहा होगा।”

निरीक्षक ने कहा, "यह तो बहुत ही असाधारण बात है। मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि ये निशान कल शाम यहाँ नहीं थे।"

मैंने सुझाव दिया, "शायद गांव का कोई जिज्ञासु व्यक्ति हो।"

“बहुत कम संभावना है। उनमें से कुछ ही लोग उस जगह पर कदम रखने की हिम्मत करेंगे, केबिन में जबरदस्ती घुसने की कोशिश तो दूर की बात है। श्री होम्स, आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?”

मुझे लगता है कि भाग्य हम पर बहुत मेहरबान है।

"आपका मतलब है कि वह व्यक्ति दोबारा आएगा?"

“यह बहुत संभव है। वह यह उम्मीद लेकर आया होगा कि दरवाजा खुला मिलेगा। उसने एक छोटे से चाकू की धार से अंदर घुसने की कोशिश की। वह सफल नहीं हो सका। अब वह क्या करता?”

"अगली रात एक अधिक उपयोगी उपकरण के साथ फिर आइएगा।"

“तो मुझे यही कहना चाहिए। अगर हम उनका स्वागत करने के लिए वहां मौजूद नहीं रहे तो यह हमारी गलती होगी। इस बीच, मुझे केबिन के अंदर का नजारा देखने दीजिए।”

त्रासदी के निशान मिटा दिए गए थे, लेकिन छोटे से कमरे में फर्नीचर उसी तरह पड़ा था जैसा अपराध की रात था। दो घंटे तक, अत्यंत एकाग्रता के साथ, होम्स ने एक-एक वस्तु की जाँच की, लेकिन उनके चेहरे से स्पष्ट था कि उनकी खोज सफल नहीं हुई थी। केवल एक बार उन्होंने अपनी धैर्यपूर्ण जाँच में विराम लिया।

"हॉपकिंस, क्या तुमने इस शेल्फ से कुछ लिया है?"

नहीं, मैंने कुछ भी नहीं हिलाया है।

“कुछ तो चोरी हुआ है। शेल्फ के इस कोने में बाकी जगहों की तुलना में कम धूल है। शायद कोई किताब इधर-उधर पड़ी थी। शायद कोई बक्सा। खैर, मैं अब कुछ नहीं कर सकता। चलो, वाटसन, इन खूबसूरत जंगलों में टहलते हैं और पक्षियों और फूलों को कुछ घंटे देते हैं। हम बाद में यहीं मिलेंगे, हॉपकिंस, और देखते हैं कि क्या हम उस सज्जन से और करीब से बात कर सकते हैं जो रात में यहाँ आए थे।”

ग्यारह बज चुके थे जब हमने अपना छोटा सा घात लगाकर हमला करने का इंतजाम किया। हॉपकिंस झोपड़ी का दरवाजा खुला छोड़ने के पक्ष में था, लेकिन होम्स का मानना था कि इससे अजनबी को शक हो सकता है। ताला बिल्कुल साधारण था, और उसे खोलने के लिए केवल एक मजबूत ब्लेड की जरूरत थी। होम्स ने यह भी सुझाव दिया कि हमें झोपड़ी के अंदर नहीं, बल्कि बाहर, दूर वाली खिड़की के चारों ओर उगी झाड़ियों के बीच इंतजार करना चाहिए। इस तरह हम उस व्यक्ति पर नजर रख सकेंगे अगर वह रोशनी जलाता है, और यह पता लगा सकेंगे कि इस गुप्त रात्रिकालीन यात्रा का उसका उद्देश्य क्या है।

यह एक लंबा और उदास इंतज़ार था, फिर भी इसमें वही रोमांच था जो एक शिकारी को तालाब के किनारे लेटकर प्यासे शिकारी के आने का इंतज़ार करते समय महसूस होता है। वह कौन सा खूंखार प्राणी था जो अंधेरे से निकलकर हम पर हमला कर सकता था? क्या वह कोई खूंखार बाघ था, जिसे केवल अपने नुकीले दांतों और पंजों से लड़कर ही पकड़ा जा सकता था, या फिर वह कोई छुपकर हमला करने वाला सियार साबित होगा, जो केवल कमज़ोर और लापरवाह लोगों के लिए ही खतरनाक होता है?

हम घोर सन्नाटे में झाड़ियों के बीच दुबक बैठे रहे, आने वाली किसी भी आवाज़ का इंतज़ार करते हुए। पहले तो कुछ देर से आने वाले ग्रामीणों के क़दमों की आहट या गाँव से आती आवाज़ों ने हमारी सतर्कता को कुछ देर के लिए कम किया, लेकिन धीरे-धीरे ये रुकावटें थम गईं और हम पर एक गहरा सन्नाटा छा गया, सिवाय दूर स्थित गिरते गिरते गिरते गिरते चर्च की घंटियों के, जो हमें रात के बीतने का आभास दे रही थीं, और घनी पत्तियों के बीच गिरती हल्की बारिश की सरसराहट और फुसफुसाहट के, जिन्होंने हमें छत की तरह ढक रखा था।

ढाई बज चुके थे और भोर से पहले का सबसे अंधेरा समय था, तभी गेट की तरफ से एक धीमी लेकिन तीखी क्लिक की आवाज़ आई और हम सब चौंक गए। कोई अंदर आ गया था। फिर से लंबा सन्नाटा छा गया और मुझे लगने लगा कि कहीं यह झूठी खबर तो नहीं है, तभी झोपड़ी के दूसरी तरफ से दबे कदमों की आहट सुनाई दी और थोड़ी देर बाद धातु के रगड़ने और खनकने की आवाज़ आई। वह आदमी ताला तोड़ने की कोशिश कर रहा था। इस बार उसका कौशल या उसका औजार बेहतर था, क्योंकि अचानक एक चटकने की आवाज़ आई और कब्ज़ों के टूटने की चरमराहट सुनाई दी। फिर एक माचिस जलाई गई और अगले ही पल मोमबत्ती की स्थिर रोशनी झोपड़ी के अंदर फैल गई। जालीदार पर्दे के पार हमारी निगाहें अंदर के दृश्य पर टिकी हुई थीं।

रात में आने वाला वह व्यक्ति एक दुबला-पतला युवक था, जिसकी काली मूंछें उसके चेहरे की पीली रंगत को और भी गहरा कर रही थीं। उसकी उम्र बीस वर्ष से थोड़ी ही अधिक रही होगी। मैंने आज तक किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं देखा जो इतना दयनीय रूप से डरा हुआ प्रतीत हो, क्योंकि उसके दांत साफ तौर पर किटकिटा रहे थे और उसका हर अंग कांप रहा था। उसने एक सज्जन व्यक्ति की तरह कपड़े पहने थे, नॉरफ़ॉक जैकेट और निकर, और सिर पर कपड़े की टोपी। हम उसे डरी हुई आँखों से इधर-उधर घूरते हुए देखते रहे। फिर उसने मोमबत्ती का सिरा मेज पर रखा और हमारी नजरों से ओझल होकर एक कोने में चला गया। वह एक बड़ी किताब लेकर लौटा, जो अलमारियों पर कतार में रखी लॉगबुक्स में से एक थी। मेज पर झुककर, उसने तेजी से उस किताब के पन्ने पलटे जब तक कि वह उस प्रविष्टि तक नहीं पहुंच गया जिसकी उसे तलाश थी। फिर, मुट्ठी बांधकर गुस्से से इशारा करते हुए, उसने किताब बंद की, उसे कोने में वापस रखा और बत्ती बुझा दी। जैसे ही वह झोपड़ी से निकलने के लिए मुड़ा, हॉपकिंस का हाथ उसके कॉलर पर था, और मैंने उसकी दहशत भरी चीख सुनी जब उसे समझ आया कि उसे पकड़ लिया गया है। मोमबत्ती फिर से जलाई गई, और हमारा बेचारा कैदी जासूस की पकड़ में कांपता और दुबका हुआ था। वह समुद्री संदूक पर गिर पड़ा, और असहाय होकर हम दोनों को बारी-बारी से देखने लगा।

“तो अब, मेरे प्यारे दोस्त,” स्टैनली हॉपकिंस ने कहा, “तुम कौन हो, और तुम्हें यहाँ क्या चाहिए?”

उस व्यक्ति ने खुद को संभाला और आत्मसंयम का प्रयास करते हुए हमारी ओर देखा।

“मुझे लगता है आप जासूस हैं?” उसने कहा। “आप सोचते हैं कि मेरा संबंध कैप्टन पीटर कैरी की मौत से है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं निर्दोष हूं।”

“देखते हैं,” हॉपकिंस ने कहा। “सबसे पहले, आपका नाम क्या है?”

“यह जॉन हॉपले नेलिगन है।”

मैंने होम्स और हॉपकिंस को एक दूसरे की ओर एक पल के लिए देखते हुए देखा।

"आप यहां पर क्या कर रहे हैं?"

"क्या मैं गोपनीय रूप से बात कर सकता हूँ?"

नहीं, बिलकुल नहीं।

"मैं आपको क्यों बताऊं?"

"अगर आपके पास कोई जवाब नहीं है, तो मुकदमे में आपके लिए स्थिति खराब हो सकती है।"

युवक दर्द से कराह उठा।

“ठीक है, मैं तुम्हें बताता हूँ,” उसने कहा। “मैं क्यों न बताऊँ? फिर भी मुझे यह सोचकर बुरा लगता है कि यह पुराना घोटाला फिर से ज़िंदा हो रहा है। क्या तुमने कभी डॉसन और नेलिगन के बारे में सुना है?”

हॉपकिंस के चेहरे से मुझे पता चल गया था कि उसने कभी ऐसा नहीं किया था, लेकिन होम्स को इसमें गहरी दिलचस्पी थी।

“आपका मतलब वेस्ट कंट्री के बैंकरों से है,” उसने कहा। “वे दस लाख का घाटा करके कॉर्नवाल के आधे से ज़्यादा परिवारों को बर्बाद कर गए, और नेलिगन गायब हो गया।”

“बिल्कुल सही। नेलिगन मेरे पिता थे।”

आखिरकार हमें कुछ सकारात्मक खबर मिल रही थी, फिर भी एक फरार बैंकर और कैप्टन पीटर केरी के बीच का लंबा अंतराल लग रहा था, जो अपनी ही एक भाले से दीवार से चिपके हुए थे। हम सभी उस युवक के शब्दों को ध्यान से सुन रहे थे।

“असल में मेरे पिता बहुत चिंतित थे। डॉसन सेवानिवृत्त हो चुके थे। उस समय मैं केवल दस वर्ष का था, लेकिन उस सब की शर्म और भयावहता को महसूस करने के लिए मैं काफी बड़ा था। हमेशा से यही कहा जाता रहा है कि मेरे पिता ने सारी प्रतिभूतियाँ चुरा लीं और भाग गए। यह सच नहीं है। उनका मानना था कि अगर उन्हें उन्हें भुनाने के लिए समय दिया जाए, तो सब ठीक हो जाएगा और हर लेनदार को पूरा भुगतान मिल जाएगा। गिरफ्तारी वारंट जारी होने से ठीक पहले वे अपनी छोटी सी नौका में नॉर्वे के लिए रवाना हुए। मुझे वह आखिरी रात याद है, जब उन्होंने मेरी माँ को अलविदा कहा था। उन्होंने हमें उन प्रतिभूतियों की एक सूची दी थी जो वे अपने साथ ले जा रहे थे, और उन्होंने कसम खाई थी कि वे अपनी प्रतिष्ठा को बरकरार रखते हुए लौटेंगे, और जिन लोगों ने उन पर भरोसा किया था, उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। खैर, उसके बाद उनसे कभी कोई खबर नहीं मिली। नौका और वे दोनों पूरी तरह गायब हो गए। हम, मेरी माँ और मैं, मानते थे कि वे और नौका, साथ ही वे प्रतिभूतियाँ जो वे अपने साथ ले गए थे, समुद्र की गहराई में डूब गए हैं। हालाँकि, हमारा एक वफादार दोस्त था, जो एक व्यवसायी है, और उसी ने कुछ समय पहले पता लगाया कि कुछ मेरे पिता के पास जो प्रतिभूतियाँ थीं, वे लंदन के बाज़ार में फिर से दिखाई देने लगीं। आप हमारी हैरानी का अंदाज़ा लगा सकते हैं। मैंने उन्हें खोजने में कई महीने लगा दिए, और अंततः, कई शंकाओं और कठिनाइयों के बाद, मुझे पता चला कि मूल विक्रेता कैप्टन पीटर केरी थे, जो इस झोपड़ी के मालिक थे।

“स्वाभाविक रूप से, मैंने उस व्यक्ति के बारे में कुछ पूछताछ की। मुझे पता चला कि वह एक व्हेल शिकारी जहाज का कमांडर था जो ठीक उसी समय आर्कटिक सागर से लौटने वाला था जब मेरे पिता नॉर्वे जा रहे थे। उस वर्ष का पतझड़ तूफानी था, और लगातार दक्षिणी दिशा से तेज हवाएँ चल रही थीं। मेरे पिता की नौका उत्तर की ओर बह गई होगी, और वहाँ उसकी मुलाकात कैप्टन पीटर केरी के जहाज से हुई होगी। यदि ऐसा था, तो मेरे पिता का क्या हुआ? किसी भी स्थिति में, यदि मैं पीटर केरी के साक्ष्य से यह साबित कर सकूँ कि ये प्रतिभूतियाँ बाजार में कैसे आईं, तो यह इस बात का प्रमाण होगा कि मेरे पिता ने इन्हें बेचा नहीं था, और इन्हें लेते समय उनका कोई व्यक्तिगत लाभ का इरादा नहीं था।”

मैं कप्तान से मिलने के इरादे से ससेक्स आया था, लेकिन ठीक उसी समय उनकी भयानक मृत्यु हो गई। मैंने पूछताछ में उनके केबिन का विवरण पढ़ा, जिसमें लिखा था कि उनके जहाज की पुरानी लॉगबुक उसमें सुरक्षित रखी गई थी। मुझे लगा कि अगर मैं देख सकूं कि अगस्त 1883 में सी यूनिकॉर्न जहाज पर क्या हुआ था, तो शायद मैं अपने पिता के भाग्य के रहस्य को सुलझा सकूं। मैंने कल रात इन लॉगबुक तक पहुँचने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा नहीं खोल पाया। आज रात मैंने फिर कोशिश की और सफल रहा, लेकिन मैंने पाया कि उस महीने से संबंधित पन्ने किताब से फाड़ दिए गए हैं। उसी क्षण मैंने खुद को आपके हाथों का कैदी पाया।

"बस इतना ही?" हॉपकिंस ने पूछा।

“हां, बस इतना ही।” यह कहते हुए उनकी नज़रें इधर-उधर घूमीं।

“क्या आपके पास हमें बताने के लिए और कुछ नहीं है?”

वह झिझका।

नहीं, कुछ भी नहीं है।

“क्या आप कल रात से पहले यहां नहीं आए थे?”

"नहीं।"

"तो फिर आप इसका क्या स्पष्टीकरण देंगे?" हॉपकिंस चिल्लाया, और उसने वह आपत्तिजनक नोटबुक ऊपर उठाई, जिसके पहले पन्ने पर हमारे कैदी के शुरुआती अक्षर थे और कवर पर खून का धब्बा था।

वह बेचारा आदमी गिर पड़ा। उसने अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया और उसका पूरा शरीर कांपने लगा।

“यह तुम्हें कहां से मिला?” उसने कराहते हुए पूछा। “मुझे पता नहीं था। मुझे लगा था कि यह होटल में कहीं खो गया है।”

“बस करो,” हॉपकिंस ने सख्ती से कहा। “तुम्हें जो कुछ भी कहना है, अदालत में कहना होगा। अब मेरे साथ पुलिस स्टेशन चलो। श्रीमान होम्स, आपकी और आपके मित्र की मदद के लिए आने के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ। जैसा कि पता चला, आपकी उपस्थिति अनावश्यक थी, और मैं आपके बिना भी इस मामले को इस सफल निष्कर्ष तक पहुंचा सकता था, लेकिन फिर भी, मैं आभारी हूं। आपके लिए ब्राम्बलेटी होटल में कमरे आरक्षित कर दिए गए हैं, इसलिए हम सब सीथ में गाँव तक जा सकते हैं।”

"अच्छा, वॉटसन, तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?" होम्स ने अगली सुबह वापस लौटते समय पूछा।

मुझे दिख रहा है कि आप संतुष्ट नहीं हैं।

“जी हां, मेरे प्रिय वॉटसन, मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं। साथ ही, स्टेनली हॉपकिंस के तरीके मुझे पसंद नहीं आए। मैं स्टेनली हॉपकिंस से निराश हूं। मुझे उनसे बेहतर की उम्मीद थी। हमेशा एक संभावित विकल्प तलाशना चाहिए और उससे बचाव के उपाय तैयार रखने चाहिए। यह आपराधिक जांच का पहला नियम है।”

तो फिर विकल्प क्या है?

“यह वह जांच है जिसका मैं स्वयं अनुसरण कर रहा हूं। इससे हमें कुछ भी न मिले, यह मैं नहीं कह सकता। लेकिन कम से कम मैं इसका अंत तक पालन करूंगा।”

बेकर स्ट्रीट पर होम्स के लिए कई पत्र इंतजार कर रहे थे। उसने उनमें से एक पत्र उठाया, उसे खोला और विजय की हंसी के साथ फूट पड़ा।

“बहुत बढ़िया, वॉटसन! दूसरा विकल्प मिल गया है। क्या आपके पास टेलीग्राम के फॉर्म हैं? बस मेरे लिए दो संदेश लिख दीजिए: ‘सम्नर, शिपिंग एजेंट, रैटक्लिफ हाईवे। तीन आदमियों को भेजिए, जो कल सुबह दस बजे पहुंचें। — बेसिल।’ उस इलाके में

मेरा यही नाम है। दूसरा संदेश है: 'इंस्पेक्टर स्टेनली हॉपकिंस, 46 लॉर्ड स्ट्रीट, ब्रिक्सटन। कल सुबह साढ़े नौ बजे नाश्ते पर आइए। ज़रूरी है। अगर न आ पाएँ तो तार भेज दीजिएगा। — शर्लक होम्स।' लीजिए, वॉटसन, इस भयानक मामले ने मुझे दस दिनों से परेशान कर रखा है। मैं इसे अपने जीवन से पूरी तरह से दूर कर रहा हूँ। मुझे उम्मीद है कि कल हम इसके बारे में हमेशा के लिए सुनेंगे ही नहीं।"

ठीक समय पर इंस्पेक्टर स्टेनली हॉपकिंस आ गए, और हम सब श्रीमती हडसन द्वारा तैयार किए गए शानदार नाश्ते के लिए बैठ गए। युवा जासूस अपनी सफलता से बेहद खुश थे।

"क्या आपको सच में लगता है कि आपका हल सही होना चाहिए?" होम्स ने पूछा।

"मैं इससे अधिक संपूर्ण मामले की कल्पना नहीं कर सकता था।"

मुझे यह निर्णायक नहीं लगा।

"आपने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया, मिस्टर होम्स। इससे अधिक कोई क्या मांग सकता है?"

"क्या आपकी व्याख्या में हर बिंदु शामिल है?"

"निस्संदेह। मुझे पता चला है कि युवा नेलिगन अपराध वाले दिन ही ब्राम्बलेटी होटल पहुंचा था। वह गोल्फ खेलने के बहाने आया था। उसका कमरा भूतल पर था, और वह जब चाहे बाहर निकल सकता था। उसी रात वह वुडमैन्स ली गयी, झोपड़ी में पीटर कैरी से मिला, उससे झगड़ा किया और भाले से उसकी हत्या कर दी। फिर, अपने किए पर भयभीत होकर, वह झोपड़ी से भाग गया, और वह नोटबुक वहीं छोड़ दी जो वह पीटर कैरी से इन विभिन्न प्रतिभूतियों के बारे में पूछताछ करने के लिए लाया था। आपने शायद देखा होगा कि उनमें से कुछ पर सही का निशान लगा था, और बाकी - अधिकांश - पर नहीं। जिन पर सही का निशान लगा था, वे लंदन के बाजार में मिल गए हैं, लेकिन बाकी, संभवतः, अभी भी कैरी के पास थे, और युवा नेलिगन, अपने ही बयान के अनुसार, अपने पिता के लेनदारों के साथ न्याय करने के लिए उन्हें वापस पाने के लिए उत्सुक था। भागने के बाद उसने कुछ समय तक झोपड़ी के पास जाने की हिम्मत नहीं की, लेकिन आखिरकार उसने खुद को मजबूर किया। उसने ऐसा इसलिए किया ताकि उसे आवश्यक जानकारी मिल सके। क्या यह सब सरल और स्पष्ट नहीं है?

होम्स मुस्कुराया और उसने अपना सिर हिलाया।

"हॉपकिंस, मुझे तो इसमें बस एक ही कमी दिखती है, और वो ये कि ये असल में नामुमकिन है। क्या तुमने कभी किसी शरीर में भाला घुसाने की कोशिश की है? नहीं? अरे नहीं, महोदय, आपको इन बारीकियों पर सच में ध्यान देना चाहिए। मेरे दोस्त वॉटसन आपको बता सकते हैं कि मैंने इस अभ्यास में पूरी सुबह बिताई थी। ये आसान काम नहीं है, और इसके लिए एक मजबूत और प्रशिक्षित भुजा चाहिए। लेकिन ये वार इतनी ज़ोर से किया गया कि हथियार का सिरा दीवार में गहराई तक धंस गया। क्या आपको लगता है कि ये कमज़ोर सा दिखने वाला युवक इतना भयानक हमला कर सकता है? क्या ये वही आदमी है जो आधी रात को ब्लैक पीटर के साथ शराब और पानी पी रहा था? क्या दो रात पहले पर्दे पर उसी की तस्वीर दिखी थी? नहीं, नहीं, हॉपकिंस, हमें किसी और ज़्यादा खतरनाक व्यक्ति की तलाश करनी होगी।"

होम्स के भाषण के दौरान जासूस का चेहरा और भी मुरझा गया था। उसकी सारी उम्मीदें और महत्वाकांक्षाएं चकनाचूर हो रही थीं। लेकिन वह बिना संघर्ष किए अपना पद नहीं छोड़ेगा।

"आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि नेलिगन उस रात मौजूद था, मिस्टर होम्स। किताब इसे साबित कर देगी। मुझे पूरा यकीन है कि मेरे पास जूरी को संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं, भले ही आप उनमें कोई खामी निकाल लें। इसके

अलावा, मिस्टर होम्स, मैंने अपने आदमी को पकड़ लिया है। जहाँ तक आपके इस खूंखार आदमी की बात है, वह कहाँ है?”

“मुझे लगता है कि वह सीढ़ियों पर है,” होम्स ने शांत भाव से कहा। “वॉटसन, मुझे लगता है कि रिवॉल्वर को ऐसी जगह रखना बेहतर होगा जहाँ से वह आसानी से मिल सके।” वह उठे और एक लिखित कागज़ को बगल की मेज़ पर रख दिया। “अब हम तैयार हैं,” उन्होंने कहा।

बाहर कर्कश आवाज़ों में कुछ बातचीत हो रही थी, और अब श्रीमती हडसन ने दरवाजा खोलकर कहा कि तीन आदमी कैप्टन बेसिल के बारे में पूछताछ करने आए हैं।

"उन्हें एक-एक करके दिखाओ," होम्स ने कहा।

सबसे पहले जो अंदर आया, वह रिब्सटन पिप्पिन जैसा दुबला-पतला आदमी था, जिसके गाल लाल थे और बगल में घनी सफेद मूंछें थीं। होम्स ने उसकी जेब से एक पत्र निकाला।

“क्या नाम?” उसने पूछा।

“जेम्स लैंकास्टर।”

"मुझे खेद है, लैंकेस्टर, लेकिन बर्थ भरी हुई है। आपकी परेशानी के लिए यह लीजिए आधा सॉवरेन। बस इस कमरे में आ जाइए और कुछ मिनट वहीं इंतजार कीजिए।"

दूसरा व्यक्ति लंबा, दुबला-पतला सा था, जिसके बाल बिखरे हुए थे और गाल पीले पड़ गए थे। उसका नाम ह्यू पैटिन्स था। उसे भी बर्खास्तगी, आधा संप्रभु (एक प्रकार का सिक्का) और प्रतीक्षा करने का आदेश दिया गया। तीसरा आवेदक असाधारण रूप से आकर्षक था। उसका चेहरा, जो किसी खूंखार बुलडॉग जैसा था, घने बालों और दाढ़ी से घिरा हुआ था, और उसकी दो गहरी, तेज आंखें घनी, गुच्छेदार, झुकी हुई भौहों के पीछे चमक रही थीं। उसने सलाम किया और नाविकों की तरह खड़ा हो गया, अपने हाथों में अपनी टोपी घुमाते हुए।

“आपका नाम?” होम्स ने पूछा।

“पैट्रिक केर्न्स।”

“हारपूनर?”

"जी हाँ, महोदय। छब्बीस समुद्री यात्राएँ।"

"शायद डंडी?"

"जी श्रीमान।"

"और क्या आप एक खोजी जहाज से शुरुआत करने के लिए तैयार हैं?"

"जी श्रीमान।"

“वेतन कितना?”

"आठ पाउंड प्रति माह।"

क्या आप तुरंत शुरू कर सकते हैं?

"जैसे ही मुझे मेरा किट मिल जाएगा।"

“क्या आपके पास आपके कागजात हैं?”

“जी जनाब।” उन्होंने अपनी जेब से पुराने और चिकने कागजों का एक बंडल निकाला। होम्स ने उन पर एक नज़र डाली और उन्हें वापस रख दिया।

“तुम ही वो आदमी हो जिसे मैं चाहता हूँ,” उसने कहा। “ये रहा समझौता जो साइड टेबल पर रखा है। अगर तुम इस पर हस्ताक्षर कर दोगे तो सारा मामला सुलझ जाएगा।”

नाविक लड़खड़ाते हुए कमरे के उस पार गया और कलम उठा ली।

"क्या मैं यहां हस्ताक्षर कर दूं?" उसने मेज पर झुकते हुए पूछा।

होम्स ने उसके कंधे पर झुककर अपने दोनों हाथ उसकी गर्दन पर फेर दिए।

"यह ठीक रहेगा," उसने कहा।

मुझे लोहे की खनक सुनाई दी और एक क्रोधित बैल जैसी दहाड़। अगले ही पल होम्स और नाविक ज़मीन पर लोट रहे थे। वह इतना ताकतवर आदमी था कि होम्स ने बड़ी कुशलता से उसकी कलाई पर हथकड़ी लगा दी थी, फिर भी अगर हॉपकिंस और मैं उसकी मदद के लिए न दौड़े होते तो वह मेरे दोस्त को बहुत जल्दी काबू कर लेता। जब मैंने रिवॉल्वर की ठंडी नली उसकी कनपटी पर रखी, तब जाकर उसे समझ आया कि विरोध करना व्यर्थ है। हमने उसके टखनों को रस्सी से बांधा और संघर्ष के बाद हांफते हुए उठे।

"हॉपकिंस, मुझे सचमुच माफ़ी मांगनी चाहिए," शर्लक होम्स ने कहा। "मुझे लगता है कि तले हुए अंडे ठंडे हो गए हैं। लेकिन आपको बाकी का नाश्ता और भी अच्छा लगेगा, है ना, यह सोचकर कि आपने अपने मामले को विजयी रूप से समाप्त कर दिया है।"

स्टैनली हॉपकिंस आश्चर्य से अवाक रह गए।

अंत में, उसका चेहरा लाल हो गया और वह अचानक बोला, "मुझे नहीं पता कि क्या कहूँ, श्रीमान होम्स। मुझे लगता है कि मैं शुरू से ही मूर्खता करता रहा हूं। अब मुझे समझ आ गया है, जो मुझे कभी नहीं भूलना चाहिए था, कि मैं शिष्य हूँ और आप गुरु। अभी भी मुझे समझ आ रहा है कि आपने क्या किया है, लेकिन मुझे नहीं पता कि आपने यह कैसे किया या इसका क्या अर्थ है।"

"अच्छा, अच्छा," होम्स ने हंसते हुए कहा। "हम सब अनुभव से सीखते हैं, और इस बार तुम्हारा सबक यह है कि तुम्हें कभी भी दूसरे विकल्प को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। तुम युवा नेलिगन में इतने मग्न थे कि तुम पीटर केरी के असली हत्यारे पैट्रिक केर्न्स के बारे में सोचना ही भूल गए।"

नाविक की कर्कश आवाज ने हमारी बातचीत में खलल डाला।

"देखिए महोदय," उसने कहा, "मुझे इस तरह से दुर्व्यवहार किए जाने की कोई शिकायत नहीं है, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप बातों को उनके सही नाम से पुकारें। आप कहते हैं कि मैंने पीटर केरी की हत्या की, मैं कहता हूँ कि मैंने पीटर केरी को मारा, और इसमें बहुत बड़ा अंतर है। शायद आपको मेरी बात पर विश्वास नहीं है। शायद आपको लगता है कि मैं आपको झूठ बोल रहा हूं।"

"बिल्कुल नहीं," होम्स ने कहा। "हमें आपकी बात सुनने दीजिए।"

"यह बात जल्दी ही बताई जाएगी, और ईश्वर की कसम, इसका हर शब्द सच है। मैं ब्लैक पीटर को जानता था, और जब उसने अपना चाकू निकाला तो मैंने उस पर तेज़ी से भाला चला दिया, क्योंकि मैं जानता था कि या तो वह मरेगा या मैं। इस तरह उसकी मौत हुई। आप इसे हत्या कह सकते हैं। खैर, मैं अपने गले में रस्सी से मरना ज़्यादा पसंद करूंगा बजाय ब्लैक पीटर के चाकू से दिल में मरने के।"

"तुम वहां कैसे पहुंचे?" होम्स ने पूछा।

मैं आपको शुरू से बताता हूँ। मुझे थोड़ा सीधा बिठा दीजिए, ताकि मैं आराम से बोल सकूं। यह घटना 1983 में हुई थी - उसी साल अगस्त में। पीटर केरी सी यूनिकॉर्न के कप्तान थे और मैं अतिरिक्त हार्पूनर था। हम बर्फ़ से ढके इलाके से निकलकर घर लौट रहे थे, तेज़ हवाओं और एक हफ़्ते से चल रहे दक्षिणी तूफ़ान का सामना करते हुए, तभी हमें उत्तर की ओर बहकर आई एक छोटी नाव दिखाई दी। उस पर एक आदमी था - ज़मीनी आदमी। चालक दल को लगा था कि नाव डूब जाएगी और वे छोटी नाव में बैठकर नार्वे के तट की ओर चले गए थे। मुझे लगता है कि वे सब डूब गए। खैर, हमने उस आदमी को अपने जहाज़ पर ले लिया और उसने और कप्तान ने केबिन में काफ़ी

देर तक बातें कीं। हम उसके साथ सिर्फ एक टिन का डिब्बा लेकर गए। जहाँ तक मुझे याद है, उस आदमी का नाम कभी नहीं लिया गया और दूसरी रात वह ऐसे गायब हो गया जैसे कभी था ही नहीं। यह अफवाह फैली कि उसने या तो खुद को जहाज़ से फेंक दिया था या फिर उस भयानक मौसम में वह गिर गया था। सिर्फ एक आदमी जानता था कि उसके साथ क्या हुआ था। उसे, और वह मैं ही था, क्योंकि मैंने अपनी आँखों से देखा था कि कप्तान ने अँधेरी रात के बीच में, शेटलैंड की रोशनी दिखाई देने से दो दिन पहले, अपने पैर ऊपर उठाए और उसे रेलिंग के ऊपर से पानी में धकेल दिया।

"खैर, मैंने अपनी जानकारी किसी को नहीं बताई और इंतज़ार किया कि इसका क्या नतीजा निकलता है। जब हम स्कॉटलैंड वापस लौटे तो मामला आसानी से दबा दिया गया और किसी ने कोई सवाल नहीं पूछा। एक अजनबी की दुर्घटना में मौत हो गई थी और किसी को भी पूछताछ करने का अधिकार नहीं था। कुछ समय बाद पीटर कैरी ने समुद्र की सेवा छोड़ दी और मुझे पता लगाने में कई साल लग गए कि वह कहाँ है। मैंने अनुमान लगाया कि उसने यह काम उस टिन के डिब्बे में रखी किसी चीज़ के लिए किया होगा और अब वह मुझे चुप रहने के लिए अच्छी रकम दे सकता है।"

मुझे लंदन में उससे मिलने वाले एक नाविक से पता चला कि वह कहाँ है, और मैं उससे मिलने चला गया। पहली रात वह ठीक-ठाक था, और मुझे वह चीज़ देने को तैयार था जिससे मैं जीवन भर के लिए समुद्र से मुक्त हो जाऊं। हमने दो रात बाद सब कुछ तय कर लिया था। जब मैं पहुँचा, तो मैंने उसे तीन गुना नशे में और बहुत गुस्से में पाया। हम बैठ गए, शराब पीते रहे और पुराने दिनों की बातें करते रहे, लेकिन जैसे-जैसे वह पीता गया, मुझे उसके चेहरे का भाव उतना ही बुरा लगता गया। मैंने दीवार पर वह भाला देखा, और मुझे लगा कि मुझे काम खत्म होने से पहले उसकी ज़रूरत पड़ सकती है। फिर आखिरकार वह मुझ पर टूट पड़ा, थूकते और गालियाँ देते हुए, उसकी आँखों में हत्या की भावना थी और हाथ में एक बड़ा सा चाकू था। उसे म्यान से चाकू निकालने का समय भी नहीं मिला था कि मैंने भाला उसके शरीर में घुसा दिया। हे भगवान्! वह कितना ज़ोर से चिल्लाया! और उसका चेहरा मेरी नींद में खलल डाल रहा था। मैं वहाँ खड़ा रहा, उसका खून मेरे चारों ओर फैल रहा था, और मैंने थोड़ी देर इंतज़ार किया, लेकिन सब शांत था, इसलिए मैंने एक बार फिर हिम्मत जुटाई। मैंने देखा मैंने चारों ओर देखा और शेल्फ पर टिन का डिब्बा पड़ा था। वैसे भी, उस पर मेरा उतना ही अधिकार था जितना पीटर कैरी का, इसलिए मैंने उसे अपने साथ लिया और झोपड़ी से निकल गया। मूर्खता से मैंने अपना तंबाकू का थैला मेज पर ही छोड़ दिया।

अब मैं आपको इस पूरी कहानी का सबसे अजीब हिस्सा बताता हूँ। मैं अभी झोपड़ी से बाहर निकला ही था कि मुझे किसी के आने की आहट सुनाई दी और मैं झाड़ियों में छिप गया। एक आदमी दबे पाँव आया, झोपड़ी में घुसा, मानो उसने भूत देख लिया हो, वैसे चीखा और जितनी तेज़ी से दौड़ सकता था, भागा जब तक कि वह नज़रों से ओझल नहीं हो गया। वह कौन था या वह क्या चाहता था, यह मैं नहीं बता सकता। मैं दस मील पैदल चला, टुनब्रिज वेल्स में ट्रेन पकड़ी और इस तरह लंदन पहुंच गया, और किसी को कुछ पता भी नहीं चला।

"खैर, जब मैंने बक्सा देखा तो उसमें पैसे नहीं थे, बस कागज़ थे जिन्हें बेचने की हिम्मत मैं नहीं कर सकता था। ब्लैक पीटर पर मेरा नियंत्रण खत्म हो गया था और मैं लंदन में बिना पैसे के फँस गया था। बस मेरा धंधा ही बचा था। मैंने भाला चलाने वालों के विज्ञापन देखे, जिनमें अच्छी तनख्वाह का ज़िक्र था, इसलिए मैं शिपिंग एजेंटों के पास गया और उन्होंने मुझे यहाँ भेज दिया। मुझे बस इतना ही पता है और मैं फिर से कहता हूँ कि अगर मैंने ब्लैक पीटर को मार डाला, तो कानून को मेरा शुक्रिया अदा करना चाहिए, क्योंकि मैंने उन्हें एक सूती रस्सी की कीमत बची ली।"

“बहुत स्पष्ट बयान,” होम्स ने उठते हुए और अपनी पाइप जलाते हुए कहा। “हॉपकिंस, मुझे लगता है कि आपको अपने कैदी को तुरंत किसी सुरक्षित स्थान पर ले जाना चाहिए। यह कमरा कोठरी के लिए उपयुक्त नहीं है, और श्री पैट्रिक केर्न्स ने हमारे कालीन का बहुत बड़ा हिस्सा घेर रखा है।”

“श्री होम्स,” हॉपकिंस ने कहा, “मैं अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं जानता। मुझे अभी भी समझ नहीं आ रहा है कि आपने यह परिणाम कैसे प्राप्त किया।”

“शुरू से ही सही सुराग मिलने का सौभाग्य मिला। अगर मुझे इस नोटबुक के बारे में पता होता, तो शायद मेरे विचार भी उसी दिशा में मुड़ जाते, जैसे आपके। लेकिन मैंने जो कुछ भी सुना, उससे एक ही बात साफ थी। अद्भुत ताकत, भाले को चलाने की कुशलता, रम और पानी, सील की खाल से बनी तंबाकू की थैली जिसमें मोटा तंबाकू था—ये सब एक नाविक की ओर इशारा कर रहे थे, और वो भी व्हेल शिकारी। मुझे पूरा यकीन था कि थैली पर लिखे 'पी. सी.' अक्षर महज़ एक संयोग थे, पीटर कैरी के नहीं, क्योंकि वो बहुत कम धूम्रपान करते थे, और उनके केबिन में कोई पाइप नहीं मिला था। आपको याद होगा कि मैंने पूछा था कि क्या केबिन में व्हिस्की और ब्रांडी है। आपने कहा था कि हैं। ऐसे कितने लोग होंगे जो रम पिएंगे जब उन्हें ये दूसरी शराब मिल सकती है? हाँ, मुझे पूरा यकीन था कि वो एक नाविक ही था।”

और आपको वह कैसे मिला?

“मेरे प्रिय महोदय, समस्या बहुत सरल हो गई थी। यदि वह नाविक था, तो वह केवल वही नाविक हो सकता था जो उनके साथ सी यूनिकॉर्न पर रहा हो। जहाँ तक मुझे पता चला, उसने किसी अन्य जहाज में यात्रा नहीं की थी। मैंने डंडी को पत्र लिखने में तीन दिन बिताए, और उस दौरान मुझे 1883 में सी यूनिकॉर्न के चालक दल के सदस्यों के नाम पता चल गए। जब मुझे भाला चलाने वालों में पैट्रिक केर्न्स मिला, तो मेरा शोध लगभग पूरा हो चुका था। मैंने सोचा कि वह व्यक्ति शायद लंदन में होगा, और वह कुछ समय के लिए देश छोड़ना चाहेगा। इसलिए मैंने कुछ दिन ईस्ट एंड में बिताए, एक आर्कटिक अभियान की योजना बनाई, कैप्टन बेसिल के अधीन काम करने वाले भाला चलाने वालों के लिए आकर्षक प्रस्ताव रखे - और परिणाम देखिए!”

“अद्भुत!” हॉपकिंस चिल्लाया। “अद्भुत!”

“आपको युवा नेलिगन को जल्द से जल्द रिहा करवाना होगा,” होम्स ने कहा। “मैं मानता हूँ कि आपको उससे कुछ माफी मांगनी चाहिए। टिन का डिब्बा उसे लौटाना होगा, लेकिन पीटर कैरी द्वारा बेची गई प्रतिभूतियाँ तो हमेशा के लिए खो गई हैं। हॉपकिंस, टैक्सी वहीं है, और आप अपने आदमी को ले जा सकते हैं। अगर आपको मुकदमे के लिए मेरी ज़रूरत हो, तो मेरा और वाटसन का पता नार्वे में कहीं होगा – मैं बाद में विवरण भेज दूंगा।”

चार्ल्स ऑगस्टस मिलवर्टन का साहसिक कार्य

जिन घटनाओं की मैं बात कर रहा हूँ, उन्हें घटे हुए कई वर्ष हो गए हैं, फिर भी मैं उनका ज़िक्र करते हुए संकोच कर रहा हूँ। लंबे समय तक, अत्यंत सावधानी और संयम बरतने के बावजूद भी, तथ्यों को सार्वजनिक करना असंभव था, लेकिन अब संबंधित मुख्य व्यक्ति कानून की पहुंच से बाहर है, और उचित सावधानी बरतते हुए कहानी को इस तरह बताया जा सकता है जिससे किसी को ठेस न पहुंचे। यह घटना श्री शर्लक होम्स और मेरे दोनों के जीवन का एक बिल्कुल अनूठा अनुभव है। यदि मैं घटना की तिथि या कोई अन्य तथ्य छिपाता हूं जिससे पाठक वास्तविक घटना का पता लगा सकें, तो कृपया मुझे क्षमा करें।

हम दोनों, होम्स और मैं, शाम को सैर पर निकले थे और एक ठंडी, बर्फीली सर्दियों की शाम को लगभग छह बजे लौटे थे। जैसे ही होम्स ने लैंप की रोशनी तेज़ की, वह मेज़ पर रखे एक कार्ड पर पड़ी। उन्होंने उस पर एक नज़र डाली और फिर घृणा से उसे ज़मीन पर फेंक दिया। मैंने उसे उठाया और पढ़ा:

चार्ल्स ऑगस्टस मिलवर्टन,
एपल्डोर टावर्स,
हैम्पस्टेड.
एजेंट.

मैंने पूछा, "वह कौन है?"

होम्स ने आग के सामने बैठते हुए और पैर फैलाते हुए जवाब दिया, "लंदन का सबसे बुरा आदमी। क्या कार्ड के पीछे कुछ लिखा है?"

मैंने उसे पलट दिया।

मैंने पढ़ा, "सुबह 6:30 बजे फोन करूंगा।"

“हम्म! उसका समय लगभग आ गया है। वॉटसन, क्या चिड़ियाघर में साँपों के सामने खड़े होकर, उन रेंगते, फिसलते, ज़हरीले जीवों को, उनकी जानलेवा आँखों और दुष्ट, चपटे चेहरों के साथ देखकर तुम्हें भी एक अजीब सी सिहरन महसूस होती है? खैर, मिल्वर्टन मुझे भी कुछ ऐसा ही प्रभावित करता है। मैंने अपने करियर में पचास हत्यारों से निपटा है, लेकिन उनमें से सबसे बुरे ने भी मुझे वह घृणा नहीं दी जो मुझे इस आदमी के लिए है। फिर भी मैं उसके साथ काम करने से बच नहीं सकता - दरअसल, वह मेरे निमंत्रण पर ही यहाँ आया है।”

"लेकिन यह है कौन?"

“मैं तुम्हें बताता हूँ, वॉटसन। वह सभी ब्लैकमेलरों का बादशाह है। भगवान उस आदमी की मदद करें, और उससे भी ज़्यादा उस औरत की, जिसका राज़ और इज़्ज़त मिल्वर्टन के हाथ लग जाए! मुस्कुराते चेहरे और पत्थर दिल के साथ, वह तब तक निचोड़ता रहेगा जब तक कि सब कुछ खाली न हो जाए। वह अपने तरीके में माहिर है, और किसी और अच्छे धंधे में अपनी पहचान बना सकता था। उसका तरीका कुछ इस प्रकार है: वह यह जताता रहता है कि वह अमीर और ऊंचे ओहदे वाले लोगों को बदनाम करने वाले पत्रों के लिए मोटी रकम देने को तैयार है। उसे ये पत्र न केवल धोखेबाज़ नौकरों या नौकरानियों से मिलते हैं, बल्कि अक्सर उन सभ्य बदमाशों से भी मिलते हैं, जिन्होंने भोली-भाली महिलाओं का विश्वास और स्नेह जीत लिया होता है। वह कंजूसी नहीं करता। मुझे पता है कि उसने एक नौकर को दो लाइन के एक नोट के लिए सात सौ पाउंड दिए थे, और इसका नतीजा एक रईस परिवार का बर्बाद होना था। बाज़ार में जो कुछ भी मिलता है, वह मिल्वर्टन के पास जाता है, और इस बड़े शहर में सैकड़ों लोग हैं जो उसका नाम सुनते ही डर से कांप जाते हैं। कोई नहीं जानता कि उसकी पकड़ कहाँ तक फैलेगी।” क्योंकि वह इतना धनी और इतना धूर्त है कि वह गरीबी में जीवन यापन नहीं कर सकता। वह वर्षों तक दांव को रोके रखता है ताकि जब दांव जीतने लायक हो, तब उसे खेल सके। मैंने कहा है कि वह लंदन का सबसे बुरा आदमी है, और मैं आपसे पूछना चाहता हूँ कि कोई उस बदमाश की तुलना कैसे कर सकता है, जो आवेश में आकर अपने साथी को पीट-पीट कर मार डालता है, उस आदमी से, जो योजनाबद्ध तरीके से और आराम से लोगों की आत्माओं को यातना देता है और उनकी नसों को निचोड़ता है ताकि अपने पहले से ही भरे हुए धन के थैलों में और इजाफा कर सके?

मैंने अपने दोस्त को इतनी गहन भावना के साथ बोलते हुए शायद ही कभी सुना था।

मैंने कहा, "लेकिन निश्चित रूप से, वह व्यक्ति कानून की गिरफ्त में होना चाहिए?"

“तकनीकी रूप से, इसमें कोई शक नहीं, लेकिन व्यवहारिक रूप से नहीं। उदाहरण के लिए, अगर किसी महिला को उसे कुछ महीनों की जेल भी हो जाए और उसका अपना पतन तुरंत हो जाए, तो उसे इससे क्या फायदा होगा? उसके शिकार पलटवार करने की हिम्मत नहीं करते। अगर उसने कभी किसी निर्दोष व्यक्ति को ब्लैकमेल किया होता, तो हम उसे पकड़ लेते, लेकिन वह शैतान जितना ही धूर्त है। नहीं, नहीं, हमें उससे लड़ने के दूसरे तरीके खोजने होंगे।”

और वह यहां क्यों है?

“क्योंकि एक प्रतिष्ठित ग्राहक ने अपना दयनीय मामला मेरे हाथों में सौंपा है। ये हैं लेडी ईवा ब्लैकवेल, जो पिछले सीज़न की सबसे खूबसूरत नवयुवती थीं। उनकी शादी दो सप्ताह में अर्ल ऑफ़ डोवरकोर्ट से होने वाली है। इस दुष्ट ने कुछ नासमझी भरे पत्र लिखे हैं—नासमझी भरे, वाटसन, इससे बुरा कुछ नहीं—जो उन्होंने गांव के एक गरीब नौजवान ज़मींदार को लिखे थे। ये पत्र शादी तोड़ने के लिए काफी हैं। मिल्वर्टन ये पत्र अर्ल को भेज देगा, जब तक उसे बड़ी रकम न दी जाए। मुझे उससे मिलने और—जितना हो सके, उससे बेहतर समझौता करने का काम सौंपा गया है।”

उसी क्षण नीचे सड़क पर खड़खड़ाहट और शोर हुआ। नीचे देखने पर मुझे एक भव्य रथ और उसके जोड़े दिखाई दिए, जिनकी चमकदार बत्तियाँ ऊंचे शाहबलूत के पेड़ों की चमकती हुई टहनियों पर जगमगा रही थीं। एक नौकर ने दरवाजा खोला और एक छोटा, मोटा आदमी खुरदरे अस्त्रखान ओवरकोट पहने नीचे उतरा। एक मिनट बाद वह कमरे में था।

चार्ल्स ऑगस्टस मिलवर्टन पचास वर्ष के व्यक्ति थे, जिनका सिर बड़ा और बौद्धिक था, चेहरा गोल, मोटा और गंजा था, चेहरे पर हमेशा एक स्थिर मुस्कान रहती थी, और उनकी दो तेज भूरी आँखें चौड़े, सुनहरे फ्रेम वाले चश्मे के पीछे से चमकती थीं। उनके रूप में श्री पिकविक की दयालुता की झलक थी, जो उनकी बनावटी मुस्कान और उनकी बेचैन और भेदक आँखों की कठोर चमक से थोड़ी कम हो जाती थी। उनकी आवाज उनके चेहरे की तरह ही मधुर और कोमल थी, जब वे अपना छोटा सा मोटा हाथ आगे बढ़ाते हुए, अपनी पहली मुलाकात में हमसे न मिल पाने का खेद व्यक्त करते हुए आगे बढ़े। होम्स ने उनके बढ़े हुए हाथ को अनदेखा किया और पत्थर जैसे चेहरे से उन्हें देखा। मिलवर्टन की मुस्कान और चौड़ी हो गई, उन्होंने कंधे उचकाए, अपना ओवरकोट उतारा, उसे बड़े सलीके से कुर्सी के पीछे मोड़कर रख दिया, और फिर बैठ गए।

“यह सज्जन?” उन्होंने मेरी ओर हाथ हिलाते हुए कहा। “क्या यह विवेकपूर्ण है? क्या यह सही है?”

डॉ. वाटसन मेरे मित्र और सहयोगी हैं।

“बहुत अच्छा, श्रीमान होम्स। मैंने आपके मुवक्किल के हित में ही विरोध किया है। मामला बहुत ही नाजुक है—”

"डॉ. वाटसन को इसके बारे में पहले ही पता चल चुका है।"

“तो फिर हम काम शुरू कर सकते हैं। आप कहते हैं कि आप लेडी ईवा की ओर से काम कर रहे हैं। क्या उन्होंने आपको मेरी शर्तें स्वीकार करने का अधिकार दिया है?”

आपकी शर्तें क्या हैं?

"सात हजार पाउंड।"

और विकल्प क्या है?

"मेरे प्रिय महोदय, इस बारे में बात करना मेरे लिए कष्टदायक है, लेकिन यदि 14 तारीख को पैसे नहीं दिए गए, तो 18 तारीख को शादी बिल्कुल नहीं होगी।" उनकी असहनीय मुस्कान पहले से कहीं अधिक आत्मसंतुष्ट थी।

होम्स ने थोड़ी देर सोचा।

अंत में उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि आप बातों को बहुत हल्के में ले रही हैं। मैं इन पत्रों की विषयवस्तु से भलीभांति परिचित हूँ। मेरी मुवक्किल मेरी सलाह का पालन अवश्य करेंगी। मैं उन्हें यही सलाह दूँगा कि वे अपने होने वाले पति को पूरी बात बताएँ और उनकी उदारता पर भरोसा रखें।"

मिल्वर्टन मुस्कुराया।

"ज़ाहिर है आप अर्ल को नहीं जानते," उसने कहा।

होम्स के चेहरे पर दिख रहे असमंजस भरे भाव से मैं स्पष्ट रूप से समझ गया था कि वह ऐसा करता था।

"पत्रों में क्या बुराई है?" उसने पूछा।

"ये पत्र बहुत ही जीवंत हैं—बेहद जीवंत," मिल्वर्टन ने उत्तर दिया। "वह महिला एक आकर्षक पत्र-व्यवहारिका थीं। लेकिन मैं आपको विश्वास दिला सकता हूँ कि अर्ल ऑफ डोवरकोर्ट इन्हें पसंद नहीं करेंगे। खैर, चूंकि आप ऐसा नहीं सोचते, तो हम इस बात को यहीं खत्म करते हैं। यह पूरी तरह से व्यावसायिक मामला है। यदि आपको लगता है कि आपके मुवक्किल के हित में है कि ये पत्र अर्ल के हाथों में सौंप दिए जाएं, तो इन्हें वापस पाने के लिए इतनी बड़ी रकम चुकाना वाकई मूर्खता होगी।" वह उठे और अपना एस्ट्राखान कोट उठाया।

होम्स गुस्से और अपमान से पीला पड़ गया था।

उन्होंने कहा, "थोड़ा रुकिए। आप बहुत जल्दीबाजी कर रहे हैं। इतने संवेदनशील मामले में हमें किसी भी तरह की बदनामी से बचने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।"

मिल्वर्टन अपनी कुर्सी पर वापस गिर पड़े।

"मुझे पूरा यकीन था कि आप इसे इसी नज़रिए से देखेंगे," उसने धीरे से कहा।

"साथ ही," होम्स ने आगे कहा, "लेडी ईवा कोई धनी महिला नहीं हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि दो हज़ार पाउंड उनकी आर्थिक स्थिति पर भारी बोझ होंगे, और आपके द्वारा बताई गई राशि उनकी क्षमता से बिल्कुल परे है। इसलिए, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप अपनी मांगों में नरमी बरतें, और मेरे द्वारा बताई गई कीमत पर पत्र लौटा दें, जो कि, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, वह अधिकतम कीमत है जो आपको मिल सकती है।"

मिल्वर्टन की मुस्कान और चौड़ी हो गई और उनकी आँखों में शरारती चमक आ गई।

"मुझे पता है कि आप महिला की आर्थिक स्थिति के बारे में जो कह रहे हैं वह सच है," उन्होंने कहा। "साथ ही आपको यह भी मानना होगा कि किसी महिला की शादी का अवसर उसके दोस्तों और रिश्तेदारों के लिए उसकी ओर से कुछ छोटा-मोटा प्रयास करने का बहुत उपयुक्त समय होता है। वे शायद शादी के उपहार को लेकर संशय में हों। मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि पत्रों का यह छोटा सा बंडल उन्हें लंदन के सभी मोमबत्ती स्टैंड और मक्खन के बर्तनों से कहीं अधिक खुशी देगा।"

"यह असंभव है," होम्स ने कहा।

"हे भगवान, हे भगवान, कितना दुर्भाग्यपूर्ण!" मिल्वर्टन ने एक भारी पर्स निकालते हुए कहा। "मुझे लगता है कि महिलाओं का प्रयास न करना एक बड़ी गलती है। इसे देखो!" उन्होंने लिफाफे पर राजचिह्न वाला एक छोटा सा नोट ऊपर उठाया। "वह किसकी है? शायद कल सुबह तक नाम बताना ठीक नहीं होगा। लेकिन तब तक वह

मामला महिला के पति के हाथ में होगा। और यह सब इसलिए क्योंकि उसे वह मामूली रकम भी नहीं मिल रही जो वह अपने हीरों को पीसकर कमा सकती थी। कितना अफ़सोस की बात है! अब, आपको माननीय मिस माइल्स और कर्नल डोर्किंग की सगाई का अचानक टूटना याद है? शादी से सिर्फ़ दो दिन पहले, मॉर्निंग पोस्ट में एक पैराग्राफ छपा था जिसमें कहा गया था कि सब कुछ रद्द हो गया है। और क्यों? यह लगभग अविश्वसनीय है, लेकिन बारह सौ पाउंड की बेतुकी रकम से सारा मामला सुलझ जाता। क्या यह दयनीय नहीं है? और यहाँ मैं आपको, एक समझदार आदमी को, शर्तों को लेकर उलझन में पाता हूँ, जबकि आपके मुवक्किल का भविष्य और सम्मान दांव पर लगा है। आप मुझे आश्चर्यचकित करते हैं, श्रीमान होम्स।"

"मेरी बात सच है," होम्स ने जवाब दिया। "पैसा नहीं मिल रहा है। क्या आपके लिए यह बेहतर नहीं होगा कि आप मेरे द्वारा दी जा रही बड़ी रकम स्वीकार कर लें, बजाय इसके कि आप इस महिला का करियर बर्बाद कर दें, जिससे आपको किसी भी तरह का लाभ नहीं होगा?"

"आप यहाँ गलती कर रहे हैं, मिस्टर होम्स। इस खुलासे से मुझे अप्रत्यक्ष रूप से काफ़ी फायदा होगा। मेरे पास इसी तरह के आठ-दस मामले विचाराधीन हैं। अगर उनमें यह बात फैल जाए कि मैंने लेडी ईवा को कड़ी सजा दी है, तो मुझे लगेगा कि वे सभी मेरी बात को समझने के लिए कहीं अधिक तैयार हैं। क्या आप मेरी बात समझ रहे हैं?"

होम्स अपनी कुर्सी से उछल पड़े।

"वॉटसन, उसके पीछे लग जाओ! उसे बाहर मत निकलने दो! अब, महोदय, हमें उस नोटबुक की सामग्री देखने दीजिए।"

मिलवर्टन चूहे की तरह फुर्ती से कमरे के एक कोने में खिसक गया और दीवार से पीठ टिकाकर खड़ा हो गया।

"श्रीमान होम्स, श्रीमान होम्स," उन्होंने अपने कोट का अगला हिस्सा घुमाते हुए कहा और अंदर की जेब से बाहर निकली एक बड़ी रिवॉल्वर का बट दिखाया। "मैं आपसे कुछ नया करने की उम्मीद कर रहा था। यह सब इतनी बार हो चुका है, और इससे कभी कोई फायदा नहीं हुआ। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं पूरी तरह से हथियारों से लैस हूँ, और मुझे पता है कि कानून मेरा साथ देगा, इसलिए मैं अपने हथियारों का इस्तेमाल करने के लिए पूरी तरह तैयार हूँ। इसके अलावा, आपका यह अनुमान कि मैं चिट्ठियाँ यहाँ नोटबुक में लेकर आऊंगा, पूरी तरह से गलत है। मैं इतनी मूर्खतापूर्ण हरकत नहीं करूंगा। और अब, सज्जनों, आज शाम मेरी एक-दो छोटी मुलाक़ातें हैं, और हैम्पस्टेड तक का सफ़र लंबा है।" वह आगे बढ़े, अपना कोट उठाया, रिवॉल्वर पर हाथ रखा और दरवाज़े की ओर मुड़ गए। मैंने एक कुर्सी उठाई, लेकिन होम्स ने अपना सिर हिलाया, और मैंने उसे वापस रख दिया। झुककर, मुस्कुराते हुए और आँखों में चमक लिए, मिल्वर्टन कमरे से बाहर निकल गए, और कुछ ही क्षणों बाद हमने गाड़ी का दरवाज़ा ज़ोर से बंद होने की आवाज़ और पहियों की खड़खड़ाहट सुनी जब वह चले गए।

होम्स आग के पास बिना हिले-डुले बैठे रहे, उनके हाथ पतलून की जेबों में गहरे धंसे हुए थे, ठुड्डी सीने पर टिकी हुई थी और आँखें सुलगते अंगारों पर टिकी थीं। आधे घंटे तक वे चुप और स्थिर रहे। फिर, मानो उन्होंने कोई फैसला कर लिया हो, वे उछलकर खड़े हुए और अपने शयनकक्ष की ओर चल दिए। थोड़ी देर बाद, दाढ़ी वाला और अकड़कर चलने वाला एक नौजवान मजदूर, लैंप से अपनी मिट्टी की पाइप जलाकर गली में उतर गया। "मैं कुछ देर में वापस आऊंगा, वॉटसन," उसने कहा और रात के अंधेरे में गायब हो गया। मैं समझ गया था कि उन्होंने चार्ल्स ऑगस्टस मिलवर्टन

के खिलाफ अपना अभियान शुरू कर दिया है, लेकिन मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि यह अभियान किस भयानक रूप लेने वाला है।

कुछ दिनों तक होम्स इस वेश में हर समय आते-जाते रहे, लेकिन हैम्पस्टेड में बिताए गए उनके समय के बारे में मुझे बस इतना ही पता था कि वह क्या कर रहे थे। आखिरकार, एक तूफानी शाम को, जब हवा खिड़कियों से टकराकर चीख रही थी, वह अपने आखिरी अभियान से लौटे और अपना वेश उतारकर आग के सामने बैठ गए और अपने शांत, अंतर्मुखी अंदाज में दिल खोलकर हँसे।

"वॉटसन, क्या तुम मुझे शादी करने वाला आदमी कहोगे?"

“नहीं, बिलकुल!”

आपको यह जानकर खुशी होगी कि मेरी सगाई हो गई है।

“मेरे प्यारे दोस्त! मैं आपको बधाई देता हूँ—”

"मिल्वर्टन की नौकरानी के लिए।"

हे भगवान, होम्स!

"मुझे जानकारी चाहिए थी, वॉटसन।"

"क्या आप हद से ज्यादा आगे बढ़ गए हैं?"

“यह एक बेहद ज़रूरी कदम था। मैं एक प्लंबर हूँ और मेरा व्यवसाय तेज़ी से बढ़ रहा है, मेरा नाम एस्कॉट है। मैं हर शाम उसके साथ टहलने जाता था और उससे बातें करता था। हे भगवान, वो बातें! खैर, मुझे जो चाहिए था वो मिल गया। मैं मिल्वर्टन के घर को ऐसे जानता हूँ जैसे अपनी हथेली को।”

"लेकिन वो लड़की, होम्स?"

उसने अपने कंधे उचका दिए।

“तुम कुछ नहीं कर सकते, मेरे प्यारे वॉटसन। जब इतना बड़ा दांव लगा हो तो तुम्हें अपनी पूरी क्षमता से खेलना ही होगा। हालांकि, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरा एक कट्टर प्रतिद्वंदी है, जो मेरी पीठ मुड़ते ही मुझे तुरंत रास्ते से हटा देगा। कितनी शानदार रात है!”

"आपको यह मौसम पसंद है?"

“यह मेरे उद्देश्य के लिए उपयुक्त है। वॉटसन, मेरा इरादा आज रात मिल्वर्टन के घर में चोरी करने का है।”

उन शब्दों को सुनकर मेरी सांस अटक गई और रोंगटे खड़े हो गए, जो दृढ़ निश्चय के साथ धीरे-धीरे बोले गए थे। जैसे रात में बिजली की एक चमक किसी वीरान परिदृश्य के हर विवरण को पल भर में उजागर कर देती है, वैसे ही एक नज़र में मुझे इस तरह की कार्रवाई के हर संभावित परिणाम दिखाई दिए - पता चलना, गिरफ़्तारी, सम्मानित करियर का अपूरणीय विफलता और अपमान में अंत, और मेरा मित्र खुद उस घृणित मिल्वर्टन की दया पर पड़ा हुआ।

"भगवान के लिए, होम्स, सोचो तुम क्या कर रहे हो," मैंने चिल्लाकर कहा।

“मेरे प्रिय मित्र, मैंने इस पर पूरी तरह विचार किया है। मैं अपने कार्यों में कभी जल्दबाजी नहीं करता, और यदि कोई दूसरा रास्ता संभव होता तो मैं इतना आक्रामक और वास्तव में इतना खतरनाक रास्ता कभी नहीं अपनाता। आइए इस मामले को स्पष्ट और निष्पक्ष रूप से देखें। मुझे लगता है कि आप मानेंगे कि यह कार्रवाई नैतिक रूप से उचित है, हालांकि तकनीकी रूप से आपराधिक है। उसके घर में सेंध लगाना उसके पर्स को जबरदस्ती छीनने से ज्यादा कुछ नहीं है - एक ऐसी कार्रवाई जिसमें आप मेरी सहायता करने के लिए तैयार थे।”

मैंने इस बारे में मन ही मन विचार किया।

"हां," मैंने कहा, "यह नैतिक रूप से उचित है, बशर्ते हमारा उद्देश्य केवल उन्हीं वस्तुओं को जब्त करना हो जिनका उपयोग अवैध उद्देश्यों के लिए किया जाता है।"

"बिल्कुल सही। चूंकि यह नैतिक रूप से उचित है, इसलिए मुझे केवल व्यक्तिगत जोखिम के प्रश्न पर विचार करना है। जब एक महिला को उसकी मदद की सबसे सख्त जरूरत हो, तो एक सज्जन व्यक्ति को इस पर ज्यादा जोर क्यों देना चाहिए?"

आप ऐसी गलत स्थिति में होंगे।

"खैर, यही तो जोखिम का हिस्सा है। इन पत्रों को वापस पाने का कोई और रास्ता नहीं है। उस बेचारी महिला के पास न तो पैसे हैं और न ही उसके कोई करीबी हैं जिन पर वह भरोसा कर सके। कल आखिरी मौका है, और अगर आज रात तक हमें ये पत्र नहीं मिले, तो यह बदमाश अपना वादा निभाएगा और उसे बर्बाद कर देगा। इसलिए, मुझे या तो अपनी मुवक्किल को उसके हाल पर छोड़ना होगा या फिर यह आखिरी दांव खेलना होगा। वाटसन, हम दोनों के बीच यह एक खेल जैसा मुकाबला है। जैसा कि आपने देखा, शुरुआती दौर में वह बेहतर था, लेकिन मेरी इज्जत और प्रतिष्ठा दांव पर लगी है, इसलिए मैं इसे अंत तक लड़ूंगा।"

"खैर, मुझे यह पसंद नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा ही होना चाहिए," मैंने कहा।

"हम कब शुरू करेंगे?"

"आपका आगमन नहीं होगा।"

"तो फिर तुम नहीं जा रहे," मैंने कहा। "मैं तुम्हें वचन देता हूँ—और मैंने अपने जीवन में कभी वचन नहीं तोड़ा—कि मैं सीधे टैक्सी लेकर पुलिस स्टेशन जाऊँगा और तुम्हारी शिकायत कर दूंगा, जब तक कि तुम मुझे इस रोमांच में तुम्हारे साथ शामिल नहीं होने देते।"

आप मेरी मदद नहीं कर सकते।

"तुम्हें कैसे पता? तुम यह नहीं बता सकते कि आगे क्या होगा। खैर, मैंने अपना फैसला ले लिया है। तुम्हारे अलावा भी दूसरे लोगों में आत्मसम्मान और प्रतिष्ठा होती है।"

होम्स पहले तो नाराज़ दिखे, लेकिन फिर उनकी भौंहें तन गईं और उन्होंने मेरे कंधे पर थपथपाया।

"अच्छा, अच्छा, मेरे प्यारे दोस्त, ठीक है। हम कई सालों से एक ही कमरे में रह रहे हैं, और अगर हम एक ही कोठरी में बंद हों तो यह मज़ेदार होगा। जानते हो, वाटसन, मुझे तुमसे यह स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं है कि मुझे हमेशा से लगता था कि मैं एक बहुत ही कुशल अपराधी बन सकता था। इस दिशा में यह मेरे जीवन का सुनहरा मौका है। देखो यहाँ!" उसने दराज से एक छोटा सा चमड़े का डिब्बा निकाला और उसे खोलकर कई चमकदार औज़ार दिखाए। "यह एक बेहतरीन, आधुनिक सेंधमारी किट है, जिसमें निकल-प्लेटेड जेमी, डायमंड-टिप वाला ग्लास-कटर, एडजस्टेबल चाबियाँ और सभ्यता की प्रगति के लिए ज़रूरी हर आधुनिक उपकरण मौजूद है। यह रही मेरी डार्क लैंटर्न। सब कुछ ठीक है। क्या तुम्हारे पास एक जोड़ी साइलेंट जूते हैं?"

मेरे पास रबर के तले वाले टेनिस जूते हैं।

"बहुत बढ़िया! और मास्क भी?"

मैं काले रेशम से दो बना सकता हूँ।

"मैं देख सकता हूँ कि इस तरह के कामों में आपकी स्वाभाविक रुचि है। बहुत बढ़िया, क्या आप मुखौटे बनाते हैं? निकलने से पहले हम कुछ ठंडा खाना खा लेंगे। अभी साढ़े नौ बज रहे हैं। ग्यारह बजे हम चर्च रो तक गाड़ी चलाएंगे। वहाँ से एपल्डोर टावर्स तक पैदल पंद्रह मिनट का रास्ता है। हम आधी रात से पहले काम पर पहुंच

जाएँगे। मिल्वर्टन गहरी नींद सोता है और ठीक साढ़े दस बजे सो जाता है। अगर किस्मत अच्छी रही तो हम दो बजे तक यहाँ वापस आ जाएँगे, और मेरी जेब में लेडी ईवा के पत्र होंगे।"

होम्स और मैंने अपने फॉर्मल कपड़े पहन लिए ताकि हम थिएटर से घर लौट रहे दो लोगों जैसे दिखें। ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट में हमने एक टैक्सी ली और हैम्पस्टेड के एक पते पर गए। वहाँ हमने टैक्सी का किराया चुकाया और कड़ाके की ठंड से बचने के लिए अपने ओवरकोट के बटन बंद कर लिए, और हवा हमारे शरीर को भेदती हुई सी लग रही थी। हम खुले मैदान के किनारे-किनारे चलने लगे।

होम्स ने कहा, "यह एक ऐसा व्यवसाय है जिसे सावधानीपूर्वक संभालने की आवश्यकता है।" "ये दस्तावेज़ उस आदमी के अध्ययन कक्ष में एक तिजोरी में रखे हैं, और अध्ययन कक्ष उसके शयनकक्ष का अग्रभाग है। दूसरी ओर, इन सभी हट्टे-कट्टे, छोटे कद के आदमियों की तरह, जो अपना काम अच्छे से करते हैं, वह भी गहरी नींद सोता है। अगाथा— मेरी मंगेतर—कहती है कि नौकरों के हॉल में यह मज़ाक चलता है कि मालिक को जगाना नामुमकिन है। उसके पास एक सचिव है जो उसके हितों के प्रति समर्पित है और दिन भर अध्ययन कक्ष से हिलती भी नहीं। इसीलिए हम रात में जा रहे हैं। फिर उसके पास एक खूंखार कुत्ता है जो बगीचे में घूमता रहता है। पिछली दो शामों को मैं अगाथा से देर से मिला, और वह उस खूंखार कुत्ते को बंद कर देती है ताकि मुझे आराम से घूमने दिया जा सके। यह घर है, यह बड़ा सा घर जो अपने ही परिसर में बना है। गेट से अंदर— अब दाईं ओर लॉरेल के पेड़ों के बीच। मुझे लगता है कि हमें यहाँ अपने मुखौटे पहनने चाहिए। देखो, किसी भी खिड़की में ज़रा सी भी रोशनी नहीं है, और सब कुछ शानदार ढंग से चल रहा है।"

अपने काले रेशमी मुखौटे पहने हुए, जिसने हमें लंदन के सबसे उग्र व्यक्तित्वों में से दो बना दिया था, हम चुपके से उस शांत, उदास घर की ओर बढ़े। घर के एक तरफ टाइलों से बना एक बरामदा था, जिसमें कई खिड़कियाँ और दो दरवाजे थे।

"वो उसका शयनकक्ष है," होम्स ने फुसफुसाते हुए कहा। "यह दरवाजा सीधे अध्ययन कक्ष में खुलता है। हमारे लिए यही सबसे अच्छा रहेगा, लेकिन यह ताला लगा होने के साथ-साथ कुंडी से भी बंद है, और अंदर जाने से बहुत शोर होगा। इधर आइए। यहाँ एक ग्रीनहाउस है जो ड्राइंग रूम में खुलता है।"

वह जगह बंद थी, लेकिन होम्स ने शीशे का एक टुकड़ा हटाया और अंदर से चाबी घुमा दी। पल भर में ही उन्होंने हमारे पीछे दरवाजा बंद कर दिया, और हम कानून की नज़रों में अपराधी बन गए। कंजर्वेटरी की घनी, गर्म हवा और विदेशी पौधों की तेज़, दम घोंटने वाली खुशबू ने हमारा गला जकड़ लिया। उन्होंने अंधेरे में मेरा हाथ पकड़ा और मुझे झाड़ियों के बीच से तेज़ी से ले गए जो हमारे चेहरों को छू रही थीं। होम्स के पास अंधेरे में देखने की अद्भुत क्षमता थी, जिसे उन्होंने बड़ी सावधानी से विकसित किया था। मेरा हाथ अभी भी अपने एक हाथ में पकड़े हुए, उन्होंने एक दरवाजा खोला, और मुझे हल्का-सा एहसास हुआ कि हम एक बड़े कमरे में आ गए हैं जहाँ कुछ देर पहले ही सिगार पी गई थी। उन्होंने फर्नीचर के बीच से रास्ता बनाते हुए एक और दरवाजा खोला और उसे हमारे पीछे बंद कर दिया। हाथ बढ़ाकर मैंने दीवार पर लटके कई कोट महसूस किए, और मैं समझ गई कि मैं एक गलियारे में हूँ। हम उसमें से गुज़रे, और होम्स ने बहुत धीरे से दाहिनी ओर का एक दरवाजा खोला। कोई चीज़ हमारी ओर झपटी और मेरा दिल मुंह में आ गया, लेकिन जब मुझे एहसास हुआ कि वह बिल्ली थी तो मैं हंसने ही वाली थी। इस नए कमरे में आग जल रही थी, और फिर से हवा में तंबाकू के धुएं की गंध फैली हुई थी। होम्स दबे पांव अंदर आए, मेरे आने का इंतज़ार किया,

और फिर बहुत धीरे से दरवाज़ा बंद कर दिया। हम मिल्वर्टन के अध्ययन कक्ष में थे, और दूसरी तरफ लगे पर्दे से उनके शयनकक्ष का प्रवेश द्वार दिखाई दे रहा था।

आग अच्छी जल रही थी और कमरा उसकी रोशनी से जगमगा रहा था। दरवाजे के पास मुझे बिजली के स्विच की हल्की चमक दिखाई दी, लेकिन अगर उसे चालू करना सुरक्षित भी होता, तो भी उसे चालू करना ज़रूरी नहीं था। चिमनी के एक तरफ एक भारी पर्दा था जो उस बे विंडो को ढके हुए था जिसे हमने बाहर से देखा था। दूसरी तरफ बरामदे से जुड़ा दरवाजा था। बीच में एक मेज थी, जिस पर चमकदार लाल चमड़े की घूमने वाली कुर्सी रखी थी। उसके सामने एक बड़ी किताबों की अलमारी थी, जिसके ऊपर एथेन की संगमरमर की प्रतिमा थी। कोने में, किताबों की अलमारी और दीवार के बीच, एक लंबा, हरा तिजोरी रखा था, जिसकी पॉलिश की हुई पीतल की कुंडी से आग की रोशनी चमक रही थी। होम्स चुपके से उसके पास गया और उसे देखा। फिर वह दबे पांव बेडरूम के दरवाजे तक गया और सिर झुकाकर ध्यान से सुनने लगा। अंदर से कोई आवाज नहीं आई। इसी बीच मुझे ख्याल आया कि बाहर के दरवाजे से सुरक्षित होकर बाहर निकलना समझदारी होगी, इसलिए मैंने उसे भी देखा। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह न तो बंद था और न ही कुंडी लगा हुआ था। मैंने होम्स के हाथ को छुआ, और उसने अपना नकाबपोश चेहरा उस दिशा में घुमाया। मैंने उसे चौंकते हुए देखा, और जाहिर तौर पर वह मेरी ही तरह आश्चर्यचकित था।

“मुझे यह पसंद नहीं आया,” उसने फुसफुसाते हुए अपने होंठ मेरे कान के बिल्कुल पास ला दिए। “मैं इसे ठीक से समझ नहीं पा रहा हूं। खैर, हमारे पास समय नहीं है।”

क्या मैं कुछ कर सकता हूं?

“हां, दरवाजे के पास खड़े रहो। अगर किसी के आने की आवाज़ आए, तो अंदर से दरवाजा बंद कर देना, और हम उसी रास्ते से निकल जाएंगे जिससे आए थे। अगर वे दूसरी तरफ से आएं, तो अगर हमारा काम हो गया है तो हम दरवाजे से निकल सकते हैं, या अगर काम नहीं हुआ है तो इन खिड़की के पर्दों के पीछे छिप सकते हैं। समझे?”

मैंने सिर हिलाया और दरवाजे के पास खड़ा हो गया। मेरा पहला डर गायब हो चुका था, और अब मैं उस रोमांच से भर उठा था जो मुझे तब भी नहीं हुआ था जब हम कानून के रक्षक थे, न कि उसके विरोधी। हमारे मिशन का उच्च उद्देश्य, यह चेतना कि यह निस्वार्थ और वीरतापूर्ण था, हमारे विरोधी का दुष्ट चरित्र, इन सबने इस साहसिक कार्य में रोमांच भर दिया था। अपराधबोध के बजाय, मैं अपने खतरों में आनंदित और उत्साहित था। प्रशंसा की भावना से चमकते हुए मैंने होम्स को अपने उपकरणों का बक्सा खोलते और एक सर्जन की तरह शांत, वैज्ञानिक सटीकता से अपना औजार चुनते देखा, जैसे कोई सर्जन कोई नाजुक ऑपरेशन कर रहा हो। मैं जानता था कि तिजोरियां खोलना उनका खास शौक था, और मैं उस आनंद को समझता था जो उन्हें इस हरे और सुनहरे राक्षस, उस अजगर का सामना करने में मिलता था, जिसके मुंह में कई सुंदर महिलाओं की प्रतिष्ठा थी। अपने ड्रेस-कोट की कफ़ ऊपर करते हुए - उन्होंने अपना ओवरकोट एक कुर्सी पर रखा था - होम्स ने दो ड्रिल, एक जेमी और कई कंकाल चाबियां निकालीं। मैं बीच वाले दरवाजे पर खड़ा था और बाकी सभी दरवाजों पर नज़र रख रहा था, किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार था, हालांकि, अगर कोई दखल देता तो मुझे क्या करना चाहिए, इस बारे में मेरी योजनाएं कुछ अस्पष्ट थीं। आधे घंटे तक होम्स पूरी ऊर्जा के साथ काम करते रहे, एक औजार नीचे रखते, दूसरा उठाते, हर औजार को एक प्रशिक्षित मैकेनिक की ताकत और नज़ाकत से संभालते हुए। आखिरकार मुझे एक क्लिक की आवाज़ सुनाई दी, चौड़ा हरा दरवाजा खुल गया, और अंदर मुझे कई कागज़ के पैकेट दिखाई दिए, हर एक बंधा हुआ, सीलबंद और उस पर कुछ लिखा हुआ था। होम्स ने एक पैकेट उठाया, लेकिन टिमटिमाती आग में उसे

पढ़ना मुश्किल था, और उन्होंने अपनी छोटी सी काली लालटेन निकाली, क्योंकि मिल्वर्टन बगल वाले कमरे में था, इसलिए बिजली की रोशनी जलाना बहुत खतरनाक था। अचानक मैंने उन्हें रुकते, ध्यान से सुनते हुए देखा, और फिर पलक झपकते ही उन्होंने तिजोरी का दरवाज़ा खोल दिया, अपना कोट उठाया, अपने औज़ार जेबों में भरे, और खिड़की के पर्दे के पीछे भाग गए, मुझे भी ऐसा ही करने का इशारा किया।

जब मैं वहाँ उसके पास पहुँचा, तभी मुझे वह आवाज़ सुनाई दी जिसने उसकी तेज़ इंद्रियों को सचेत कर दिया था। घर के अंदर कहीं शोर हुआ। दूर कहीं एक दरवाज़ा ज़ोर से बंद होने की आवाज़ आई। फिर एक अस्पष्ट, धीमी बड़बड़ाहट तेज़ी से पास आते भारी कदमों की आहट में बदल गई। वे कमरे के बाहर गलियारे में थे। वे दरवाज़े पर रुके। दरवाज़ा खुला। बिजली की बत्ती जलने की तेज़ आवाज़ आई। दरवाज़ा फिर से बंद हो गया, और एक तेज़ सिगार की तीखी गंध हमारी नाक में घुस गई। फिर कदमों की आहट आगे-पीछे, आगे-पीछे होती रही, हमसे कुछ ही गज की दूरी पर। अंत में एक कुर्सी से चरमराहट की आवाज़ आई, और कदमों की आहट बंद हो गई। फिर एक ताले में चाबी खटकने की आवाज़ आई, और मुझे कागज़ों की सरसराहट सुनाई दी।

अब तक मैंने बाहर देखने की हिम्मत नहीं की थी, लेकिन अब मैंने धीरे से अपने सामने लगे पर्दों को हटाया और झाँका। होम्स के कंधे के मेरे कंधे से लगने के स्पर्श से मैं समझ गया कि वह भी मेरी ही तरह देख रहा था। ठीक हमारे सामने, और लगभग हमारी पहुँच में, मिल्वर्टन की चौड़ी, गोल पीठ थी। यह स्पष्ट था कि हमने उसकी गतिविधियों का पूरी तरह से गलत अनुमान लगाया था, कि वह कभी अपने बेडरूम में नहीं गया था, बल्कि घर के दूर वाले हिस्से में किसी धूम्रपान कक्ष या बिलियर्ड रूम में बैठा था, जिसकी खिड़कियाँ हमने नहीं देखी थीं। उसका चौड़ा, सफ़ेद बालों वाला सिर, जिस पर गंजेपन का एक चमकदार धब्बा था, हमारी दृष्टि के ठीक सामने था। वह लाल चमड़े की कुर्सी पर बहुत पीछे की ओर झुका हुआ था, उसके पैर फैले हुए थे, उसके मुँह से एक लंबी, काली सिगार तिरछी निकली हुई थी। उसने गहरे लाल रंग की अर्ध-सैनिक शैली की स्मोकिंग जैकेट पहनी हुई थी, जिस पर काले मखमली कॉलर लगा हुआ था। उसके हाथ में एक लंबा, कानूनी दस्तावेज था जिसे वह सुस्ती से पढ़ रहा था और साथ ही होठों से तंबाकू के धुएं के छल्ले उड़ा रहा था। उसके शांत हावभाव और सहज मुद्रा से शीघ्र प्रस्थान का कोई आभास नहीं हो रहा था।

मुझे महसूस हुआ कि होम्स ने मेरा हाथ थाम लिया और मुझे आश्वस्त करते हुए हिलाया, मानो कह रहे हों कि स्थिति उनके बस में है और वे निश्चिंत हैं। मुझे यकीन नहीं था कि उन्होंने वह बात देखी भी थी जो मेरी स्थिति से साफ़ दिख रही थी, कि तिजोरी का दरवाज़ा ठीक से बंद नहीं था और मिल्वर्टन किसी भी क्षण उसे देख सकते थे। मैंने मन ही मन ठान लिया था कि अगर उनकी निगाहों की कठोरता से मुझे यकीन हो गया कि उन्होंने उसे देख लिया है, तो मैं तुरंत उछलकर अपना बड़ा कोट उनके सिर पर डाल दूंगा, उन्हें जकड़ लूंगा और बाकी काम होम्स पर छोड़ दूंगा। लेकिन मिल्वर्टन ने ऊपर देखा तक नहीं। वे अपने हाथ में पकड़े कागज़ों में मग्न थे और वकील की दलीलें सुनते हुए पन्ने पलटते जा रहे थे। कम से कम, मैंने सोचा, जब वे दस्तावेज़ और सिगार खत्म कर लेंगे तो अपने कमरे में चले जाएँगे, लेकिन इससे पहले कि वे दोनों तक पहुँच पाते, एक ऐसी घटना घटी जिसने हमारे विचारों को बिल्कुल अलग दिशा में मोड़ दिया।

मैंने कई बार देखा था कि मिल्वर्टन अपनी घड़ी देखते थे, और एक बार तो वे उठे और फिर अधीरता भरे भाव से बैठ गए। लेकिन मुझे यह ख्याल कभी नहीं आया कि इतनी सुबह उनकी कोई अपॉइंटमेंट हो सकती है, जब तक कि बाहर बरामदे से एक हल्की सी आवाज़ मेरे कानों तक नहीं पहुँची। मिल्वर्टन ने अपने कागज़ गिरा दिए और

कुर्सी पर एकदम सीधे बैठ गए। वही आवाज़ फिर आई, और फिर दरवाज़े पर हल्की सी दस्तक हुई। मिल्वर्टन उठे और दरवाज़ा खोला।

"खैर," उसने रूखेपन से कहा, "आप लगभग आधे घंटे देर से आए हैं।"

तो यही था खुले दरवाजे और मिल्वर्टन की रात भर की निगरानी का स्पष्टीकरण। एक महिला के वस्त्र की हल्की सरसराहट सुनाई दी। मैंने पर्दों के बीच की दरार बंद कर दी थी क्योंकि मिल्वर्टन का चेहरा हमारी ओर मुड़ गया था, लेकिन अब मैंने बड़ी सावधानी से उसे दोबारा खोलने का साहस किया। वह अपनी सीट पर वापस बैठ गया था, सिगार अभी भी उसके मुंह के कोने से अकड़कर निकला हुआ था। उसके सामने, बिजली की तेज रोशनी में, एक लंबी, पतली, सांवली महिला खड़ी थी, उसके चेहरे पर घूंघट था और ठुड्डी के चारों ओर एक चादर लिपटी हुई थी। उसकी सांसें तेज और तीव्र थीं, और उसका सुडौल शरीर तीव्र भावनाओं से कांप रहा था।

"खैर," मिल्वर्टन ने कहा, "तुमने मेरी रात की अच्छी नींद खराब कर दी, मेरी प्यारी। मुझे उम्मीद है कि तुम इसके लायक साबित होगी। तुम किसी और समय आ ही सकती थी, है ना?"

महिला ने अपना सिर हिलाया।

"खैर, अगर नहीं कर पाए तो नहीं कर पाए। अगर काउंटेस सख्त मिजाज की हैं, तो अब आपके पास उनसे बराबरी का मौका है। बेचारी, तुम क्यों कांप रही हो? ठीक है। खुद को संभालो। अब, चलो काम की बात करते हैं।" उन्होंने अपनी मेज़ की दराज़ से एक नोटबुक निकाली। "आप कहते हैं कि आपके पास पांच पत्र हैं जो काउंटेस डी'अल्बर्ट को बदनाम करते हैं। आप उन्हें बेचना चाहते हैं। मैं उन्हें खरीदना चाहता हूं। अब तक तो सब ठीक है। बस कीमत तय करनी बाकी है। मैं पत्रों की जांच जरूर करना चाहूंगा। अगर वे वाकई अच्छे नमूने हैं तो— हे भगवान, क्या यह आप हैं?"

उस महिला ने बिना कुछ कहे अपनी घूंघट उठाया और अपने ऊपर से चादर हटा ली। मिल्वर्टन के सामने एक गहरा, आकर्षक और सुस्पष्ट चेहरा था - एक घुमावदार नाक, मजबूत, गहरी भौहें जो उसकी तेज, चमकती आँखों को ढक रही थीं, और एक सीधा, पतले होंठों वाला मुंह जो एक खतरनाक मुस्कान में लिपटा हुआ था।

उसने कहा, "मैं ही वह महिला हूँ जिसका जीवन तुमने बर्बाद कर दिया है।"

मिल्वर्टन हंसा, लेकिन उसकी आवाज़ में डर झलक रहा था। उसने कहा, "तुम बहुत ज़िद्दी थे। तुमने मुझे इतनी हद तक क्यों मजबूर किया? मैं तुम्हें यकीन दिलाता हूं कि मैं अपनी मर्ज़ी से एक मक्खी को भी नुकसान नहीं पहुंचाता, लेकिन हर किसी का अपना काम होता है, और मैं क्या करता? मैंने कीमत तुम्हारे बजट के अंदर रखी थी। तुमने चुकाने से इनकार कर दिया।"

"तो तुमने मेरे पति को चिट्ठियाँ भेजीं, और वो—अब तक के सबसे नेक इंसान, एक ऐसा आदमी जिसके जूतों की फीती भी पहनने लायक मैं कभी नहीं थी—उनका दिल टूट गया और वो मर गए। तुम्हें याद है पिछली रात, जब मैं उस दरवाज़े से अंदर आई, मैंने तुमसे दया की भीख माँगी और प्रार्थना की, और तुम मेरे चेहरे पर हँसे जैसे तुम अब हँसने की कोशिश कर रहे हो, बस तुम्हारा कायर दिल तुम्हारे होंठों को फड़फड़ाने से नहीं रोक पा रहा है। हाँ, तुमने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं यहाँ फिर कभी आऊंगी, लेकिन उसी रात ने मुझे सिखाया कि मैं तुमसे आमने-सामने, और अकेले में कैसे मिल सकती हूँ। अच्छा, चार्ल्स मिलवर्टन, तुम्हें क्या कहना है?"

"यह मत सोचो कि तुम मुझे धमका सकते हो," वह उठते हुए बोला। "मुझे बस अपनी आवाज़ उठानी है, और मैं अपने नौकरों को बुलाकर तुम्हें गिरफ्तार करवा सकता हूं। लेकिन मैं तुम्हारे स्वाभाविक गुस्से को समझ रहा हूँ। जिस तरह आए हो, उसी तरह कमरे से तुरंत निकल जाओ, और मैं आगे कुछ नहीं कहूंगा।"

वह महिला अपना हाथ अपनी छाती में दबाए खड़ी थी, और उसके पतले होठों पर वही घातक मुस्कान थी।

“तुम अब और जिंदगियां बर्बाद नहीं करोगे, जैसे तुमने मेरी की की हैं। तुम अब और दिल नहीं निचोड़ पाओगे, जैसे तुमने मेरा दिल निचोड़ा है। मैं दुनिया को इस ज़हरीली चीज से मुक्त कर दूंगा। ये लो, कमीने! — और ये भी! — और ये भी! — और ये भी!”

उसने एक छोटी सी चमकीली रिवाल्वर निकाली और मिल्वर्टन के शरीर पर एक के बाद एक कई गोलियां दाग दीं, रिवाल्वर्टन की कमीज़ के सामने से दो फीट की दूरी पर थी। वह पीछे हट गया और फिर मेज पर गिर पड़ा, ज़ोर-ज़ोर से खांसते हुए कागज़ों को नोचने लगा। फिर वह लड़खड़ाते हुए उठा, उसे एक और गोली लगी और वह ज़मीन पर लुढ़क गया। "तुमने मुझे मार डाला," वह चिल्लाया और वहीं पड़ा रहा। औरत ने उसे गौर से देखा और अपनी एड़ी उसके ऊपर उठे चेहरे पर रगड़ दी। उसने फिर देखा, लेकिन कोई आवाज़ या हरकत नहीं हुई। मुझे एक तेज़ सरसराहट सुनाई दी, रात की ठंडी हवा गर्म कमरे में आई और बदला लेने वाली गायब हो गई।

हमारे किसी भी हस्तक्षेप से उस आदमी को उसके अंजाम से नहीं बचाया जा सकता था, लेकिन जैसे ही उस औरत ने मिल्वर्टन के सिकुड़ते शरीर पर एक के बाद एक गोलियां बरसाई, मैं भागने ही वाला था कि मुझे अपनी कलाई पर होम्स की ठंडी, मजबूत पकड़ महसूस हुई। मैं उस दृढ़, रोकने वाली पकड़ का पूरा मतलब समझ गया था - कि यह हमारा मामला नहीं था, न्याय ने एक खलनायक को पकड़ लिया था, कि हमारे अपने कर्तव्य और अपने उद्देश्य थे, जिन्हें हमें नहीं भूलना चाहिए था। लेकिन औरत के कमरे से भागते ही होम्स तेज, चुपचाप कदमों से दूसरे दरवाजे पर पहुंच गए। उन्होंने ताले में चाबी घुमाई। उसी क्षण हमें घर में आवाजें और भागते कदमों की आहट सुनाई दी। रिवाल्वर की गोलियों ने घरवालों को जगा दिया था। पूरी शांति से होम्स तिजोरी के पास गए, अपने दोनों हाथों में चिट्ठियों के बंडल भरे और उन सबको आग में फेंक दिया। उन्होंने ऐसा बार-बार किया, जब तक कि तिजोरी खाली नहीं हो गई। किसी ने हैंडल घुमाया और दरवाजे के बाहर दस्तक दी। होम्स ने तेजी से पीछे मुड़कर देखा। मिलवर्टन की मौत का संदेशवाहक बना पत्र, उसके खून से सना हुआ, मेज पर पड़ा था। होम्स ने उसे जलते हुए कागजों के बीच फेंक दिया। फिर उसने बाहरी दरवाजे से चाबी निकाली, मेरे पीछे अंदर गया और दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। "इस तरफ, वाटसन," उसने कहा, "हम इस दिशा में बगीचे की दीवार फांद सकते हैं।"

मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि अलार्म इतनी तेज़ी से फैल सकता है। पीछे मुड़कर देखा तो विशाल घर रोशनी से जगमगा रहा था। सामने का दरवाज़ा खुला था और लोग ड्राइववे से नीचे भाग रहे थे। पूरा बगीचा लोगों से भरा हुआ था और जैसे ही हम बरामदे से निकले, एक आदमी ने हमें देखकर अभिवादन किया और हमारे पीछे-पीछे तेज़ी से आने लगा। होम्स को उस जगह की पूरी जानकारी थी और वह छोटे पेड़ों के झुरमुट के बीच से तेज़ी से रास्ता बनाते हुए निकल गया। मैं उसके पीछे-पीछे चल रहा था और हमारा पीछा करने वाला हांफता हुआ हमारे पीछे आ रहा था। हमारे रास्ते में छह फुट ऊंची दीवार थी, लेकिन वह उस पर चढ़कर कूद गया। जैसे ही मैंने भी ऐसा किया, मुझे अपने पीछे वाले आदमी का हाथ अपनी एड़ी पकड़ने का एहसास हुआ, लेकिन मैंने लात मारकर खुद को छुड़ा लिया और घास से ढकी एक पट्टी पर चढ़ गया। मैं कुछ झाड़ियों के बीच मुंह के बल गिर पड़ा, लेकिन होम्स ने मुझे तुरंत उठा लिया और हम दोनों हैम्पस्टेड हीथ के विशाल मैदान में दौड़ पड़े। मुझे लगता है कि हम दो मील दौड़ चुके थे, जब होम्स आखिरकार रुका और ध्यान से सुनने लगा। हमारे पीछे एकदम सन्नाटा पसरा हुआ था। हम पीछा करने वालों से बच निकले थे और सुरक्षित थे।

मैंने जिस उल्लेखनीय घटना का वर्णन किया है, उसके अगले दिन हम नाश्ता कर चुके थे और अपनी सुबह की पाइप पी रहे थे, तभी स्कॉटलैंड यार्ड के श्री लेस्ट्रेड, जो बहुत ही गंभीर और प्रभावशाली थे, को हमारे साधारण बैठक कक्ष में लाया गया।

“सुप्रभात, श्रीमान होम्स,” उन्होंने कहा; “सुप्रभात। क्या मैं पूछ सकता हूँ कि आप इस समय बहुत व्यस्त हैं?”

"मैं इतनी व्यस्त नहीं हूँ कि आपकी बात न सुन सकूँ।"

"मैंने सोचा कि शायद, यदि आपके पास कोई विशेष काम न हो, तो आप एक बेहद उल्लेखनीय मामले में हमारी सहायता करना चाहेंगे, जो कल रात ही हैम्पस्टेड में घटित हुआ।"

"हे भगवान!" होम्स ने कहा। "यह क्या था?"

“एक हत्या—एक बेहद नाटकीय और उल्लेखनीय हत्या। मैं जानता हूँ कि आपको इन मामलों में कितनी दिलचस्पी है, और अगर आप एपल्डोर टावर्स आकर हमें सलाह दें तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी कृपा होगी। यह कोई साधारण अपराध नहीं है। हम श्री मिल्वर्टन पर काफी समय से नज़र रखे हुए थे, और हम आपस में जानते हैं कि वह एक शातिर अपराधी था। यह ज्ञात है कि उसके पास कुछ ऐसे कागज़ात थे जिनका इस्तेमाल वह ब्लैकमेल करने के लिए करता था। हत्यारों ने उन सभी कागजातों को जला दिया है। कोई भी कीमती सामान नहीं लिया गया, क्योंकि संभवतः अपराधी ऊँचे ओहदे के लोग थे, जिनका एकमात्र उद्देश्य सामाजिक बदनामी से बचना था।”

“अपराधी?” होम्स ने कहा। “बहुवचन?”

“हाँ, वे दो थे। उन्हें लगभग रंगे हाथों पकड़ा गया। हमारे पास उनके पैरों के निशान हैं, उनका हुलिया है, उन्हें ढूंढने की पूरी संभावना है। पहला आदमी कुछ ज्यादा ही फुर्तीला था, लेकिन दूसरे को माली ने पकड़ लिया और काफी मशक्कत के बाद ही वह भाग पाया। वह मध्यम कद का, मजबूत शरीर वाला आदमी था - चौड़ा जबड़ा, मोटी गर्दन, मूंछें और आंखों पर नकाब।”

“यह तो कुछ अस्पष्ट सा है,” शर्लक होम्स ने कहा। “अरे, यह तो वॉटसन का ही वर्णन हो सकता है!”

निरीक्षक ने हंसते हुए कहा, "यह सच है। यह वॉटसन का ही विवरण हो सकता है।"

“खैर, मुझे खेद है कि मैं आपकी मदद नहीं कर सकता, लेस्ट्रेड,” होम्स ने कहा। “सच तो यह है कि मैं इस मिल्वर्टन को जानता था, मैं उसे लंदन के सबसे खतरनाक लोगों में से एक मानता था, और मेरा मानना है कि कुछ अपराध ऐसे होते हैं जिन पर कानून का कोई नियंत्रण नहीं होता, और इसलिए, कुछ हद तक, निजी बदला लेना जायज़ है। नहीं, बहस करने का कोई फायदा नहीं है। मैंने अपना फैसला कर लिया है। मेरी सहानुभूति पीड़ितों के बजाय अपराधियों के साथ है, और मैं इस मामले को नहीं संभालूंगा।”

होम्स ने उस त्रासदी के बारे में मुझसे एक शब्द भी नहीं कहा था जिसे हमने देखा था, लेकिन मैंने पूरी सुबह देखा कि वह बहुत ही गंभीर मनोदशा में थे, और उनकी खाली आँखों और खोए हुए हावभाव से मुझे ऐसा लगा जैसे वह कुछ याद करने की कोशिश कर रहे हों। हम दोपहर का भोजन कर रहे थे, तभी वह अचानक खड़े हो गए। “अरे वाह, वॉटसन, मुझे याद आ गया!” वह चिल्लाए। “अपनी टोपी उतारो! मेरे साथ आओ!” वह बेकर स्ट्रीट से होते हुए ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट पर पूरी तेज़ी से भागे, जब तक कि हम लगभग रीजेंट सर्कस नहीं पहुँच गए। यहाँ, बाईं ओर, एक दुकान की खिड़की उस समय की मशहूर हस्तियों और सुंदरियों की तस्वीरों से भरी हुई थी। होम्स की नज़र उनमें से एक तस्वीर पर टिक गई, और उनकी नज़र का पीछा करते हुए मैंने दरबारी

पोशाक में एक शाही और भव्य महिला की तस्वीर देखी, जिसके सिर पर हीरे का ऊंचा मुकुट था। मैंने उसकी नाजुक घुमावदार नाक, उभरी हुई भौंहों, सीधे मुंह और उसके नीचे की मजबूत ठुड्डी को देखा। फिर मैंने गहरी सांस ली जब मैंने उस महान रईस और राजनेता की सदियों पुरानी उपाधि पढ़ी, जिनकी वह पत्नी थीं। मेरी निगाहें होम्स से मिलीं और खिड़की से दूर मुड़ते हुए उन्होंने अपनी उंगली होठों पर रख ली।

नाचते हुए पुरुषों का रोमांच

होम्स कुछ घंटों से चुपचाप बैठे थे, उनकी लंबी, पतली पीठ एक रासायनिक बर्तन पर झुकी हुई थी जिसमें वे एक बेहद दुर्गंधयुक्त पदार्थ बना रहे थे। उनका सिर उनकी छाती पर टिका हुआ था, और मेरी दृष्टि से वे एक अजीब, दुबले-पतले पक्षी की तरह दिख रहे थे, जिनके पंख फीके भूरे रंग के थे और सिर पर एक काला गुच्छा था।

“तो, वॉटसन,” उसने अचानक कहा, “क्या आप दक्षिण अफ्रीकी प्रतिभूतियों में निवेश करने का प्रस्ताव नहीं रखते हैं?”

मैं आश्चर्य से चौंक गया। होम्स की विलक्षण क्षमताओं से परिचित होने के बावजूद, मेरे सबसे अंतरंग विचारों में उनका यह अचानक हस्तक्षेप पूरी तरह से समझ से परे था।

मैंने पूछा, "तुम्हें यह कैसे पता चला?"

वह अपने स्टूल पर घूम गया, उसके हाथ में एक भाप निकलती हुई टेस्ट-ट्यूब थी और उसकी गहरी धंसी हुई आंखों में मनोरंजन की एक चमक थी।

“अब, वॉटसन, स्वीकार करो कि तुम पूरी तरह से अचंभित हो,” उसने कहा।

"मैं हूं।"

मुझे इस संबंध में आपसे एक कागज पर हस्ताक्षर करवाने चाहिए।

"क्यों?"

"क्योंकि पांच मिनट में आप कहेंगे कि यह सब बेहद सरल है।"

मुझे पूरा यकीन है कि मैं इस तरह की कोई बात नहीं कहूंगा।

“देखो, मेरे प्यारे वॉटसन,” – उन्होंने अपनी टेस्ट-ट्यूब को रैक में टिकाया और एक प्रोफेसर की तरह अपनी कक्षा को संबोधित करते हुए भाषण देने लगे – “निष्कर्षों की एक श्रृंखला बनाना वास्तव में कठिन नहीं है, जिनमें से प्रत्येक अपने पूर्ववर्ती पर निर्भर हो और प्रत्येक अपने आप में सरल हो। यदि ऐसा करने के बाद, कोई सभी केंद्रीय निष्कर्षों को हटा दे और अपने श्रोताओं के सामने केवल आरंभिक बिंदु और निष्कर्ष प्रस्तुत करे, तो वह एक चौंकाने वाला, हालांकि संभवतः दिखावटी, प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। अब, आपकी बाईं तर्जनी और अंगूठे के बीच की रेखा का निरीक्षण करके यह सुनिश्चित करना वास्तव में कठिन नहीं था कि आप अपनी छोटी पूंजी को सोने की खानों में निवेश करने का इरादा नहीं रखते हैं।”

मुझे कोई संबंध नजर नहीं आता।

“संभवतः नहीं; लेकिन मैं आपको तुरंत एक करीबी संबंध दिखा सकता हूँ। इस सरल कड़ी की गुम हुई कड़ियाँ ये हैं: 1. कल रात क्लब से लौटते समय आपकी बाईं उंगली और अंगूठे के बीच चाक थी। 2. बिलियर्ड्स खेलते समय आप क्यू को स्थिर रखने के लिए वहाँ चाक रखते हैं। 3. आप थर्स्टन के अलावा कभी बिलियर्ड्स नहीं खेलते। 4. आपने मुझे चार हफ्ते पहले बताया था कि थर्स्टन के पास दक्षिण अफ्रीका की किसी संपत्ति पर एक विकल्प है जो एक महीने में समाप्त हो जाएगा, और वह चाहता है कि आप उसके साथ उसमें हिस्सेदारी करें। 5. आपकी चेक बुक मेरी दराज में बंद है, और आपने चाबी नहीं मांगी है। 6. आप इस तरह से अपना पैसा निवेश करने का इरादा नहीं रखते हैं।”

"कितना आसान है!" मैंने हैरानी से कहा।

"बिल्कुल!" उसने थोड़ा चिढ़ते हुए कहा। "एक बार कोई समस्या समझा दी जाए तो वो बहुत बचकानी लगने लगती है। यहां एक अनसुलझी समस्या है। देखो, दोस्त वॉटसन, तुम इसका क्या हल निकाल पाते हो।" उसने मेज पर एक कागज़ फेंका और फिर से अपने रासायनिक विश्लेषण में जुट गया।

मैंने कागज पर बने बेतुके चित्रलिपि को देखकर विस्मय से देखा।

"अरे होम्स, ये तो एक बच्चे की ड्राइंग है," मैंने चिल्लाकर कहा।

"अरे, ये तो तुम्हारा ही विचार है!"

"और क्या हो सकता है?"

"नारफ़ाक के राइडिंग थोरपे मैनर के श्री हिल्टन क्यूबिट यही जानना चाहते हैं। यह छोटी सी पहेली पहली डाक से आई थी, और उन्हें अगली ट्रेन से आना था। घंटी बज रही है, वॉटसन। अगर यह वही हो तो मुझे ज्यादा हैरानी नहीं होगी।"

सीढ़ियों पर भारी कदमों की आहट सुनाई दी, और पल भर में एक लंबा, लालिमा लिए, साफ़ दाढ़ी वाला सज्जन अंदर आया, जिसकी निर्मल आँखें और गुलाबी गाल बेकर स्ट्रीट के धुंध भरे माहौल से दूर एक शांत जीवन की कहानी बयां कर रहे थे। मानो उसके अंदर से पूर्वी तट की ताजगी भरी महक आ रही हो। हम सभी से हाथ मिलाने के बाद, वह बैठने ही वाला था कि उसकी नज़र उस कागज़ पर पड़ी जिस पर कुछ अजीब निशान बने थे, जिसे मैंने अभी-अभी देखा था और मेज़ पर छोड़ दिया था।

"अच्छा, श्रीमान होम्स, आप इनके बारे में क्या सोचते हैं?" वह चिल्लाया। "मुझे बताया गया था कि आपको विचित्र रहस्य पसंद हैं, और मुझे नहीं लगता कि इससे ज़्यादा विचित्र कोई और हो सकता है। मैंने अखबार पहले ही भेज दिया है, ताकि मेरे आने से पहले आपके पास इसे पढ़ने का समय हो।"

"यह वाकई एक विचित्र रचना है," होम्स ने कहा। "पहली नज़र में तो यह किसी बचकानी शरारत जैसी लगती है। इसमें कागज़ पर कई बेतुकी छोटी-छोटी आकृतियाँ नाच रही हैं। भला इतनी भद्दी चीज़ को आप क्यों महत्व देंगे?"

"मुझे ऐसा कभी नहीं करना चाहिए, मिस्टर होम्स। लेकिन मेरी पत्नी को ऐसा लगता है। वह बहुत डरी हुई है। वह कुछ नहीं कहती, लेकिन मैं उसकी आँखों में दहशत देख सकता हूँ। इसीलिए मैं इस मामले की तह तक जाना चाहता हूँ।"

होम्स ने कागज़ को इस तरह ऊपर उठाया कि उस पर सूरज की रोशनी पूरी तरह से पड़े। यह एक नोटबुक से फाड़ा गया पन्ना था। इस पर पेंसिल से निशान बने हुए थे, और वे इस प्रकार थे:

होम्स ने कुछ देर तक उसका निरीक्षण किया, और फिर उसे सावधानीपूर्वक मोड़कर अपने पर्स में रख लिया।

उन्होंने कहा, "यह एक बेहद दिलचस्प और असामान्य मामला होने वाला है। श्री हिल्टन क्यूबिट, आपने अपने पत्र में मुझे कुछ विवरण दिए हैं, लेकिन अगर आप मेरे मित्र डा. वॉटसन के लाभ के लिए उन सभी बातों को फिर से दोहरा दें तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा।"

"मैं कहानी सुनाने में उतना अच्छा नहीं हूँ," हमारे आगंतुक ने घबराते हुए अपने बड़े, मजबूत हाथों को बार-बार खोलते और बंद करते हुए कहा। "आप मुझसे वो सब कुछ पूछ लेंगे जो मैं स्पष्ट नहीं कर पाऊंगा। मैं पिछले साल अपनी शादी से शुरू

करूंगा, लेकिन सबसे पहले मैं ये कहना चाहता हूं कि हालांकि मैं अमीर नहीं हूं, फिर भी मेरे लोग पांच सदियों से राइडिंग थोरपे में रह रहे हैं, और नारफ़ाक काउंटी में उनसे ज़्यादा प्रसिद्ध कोई परिवार नहीं है। पिछले साल मैं जयंती के लिए लंदन आया था, और रसेल स्क्वायर के एक बोर्डिंग हाउस में रुका था, क्योंकि हमारे पैरिश के पादरी पार्कर वहीं ठहरे हुए थे। वहां एक अमेरिकी युवती थी - उसका नाम पैट्रिक था - एल्सी पैट्रिक। किसी तरह हम दोस्त बन गए, और एक महीना पूरा होने से पहले ही मुझे उससे इतना प्यार हो गया जितना किसी को हो सकता है। हमने चुपचाप रजिस्ट्री कार्यालय में शादी कर ली, और हम शादीशुदा जोड़े के रूप में नारफ़ाक लौट आए। आपको ये बहुत अजीब लगेगा, मिस्टर होम्स, कि एक अच्छे खानदान का आदमी इस तरह से शादी करे, बिना उसके अतीत या उसके परिवार के बारे में कुछ जाने, लेकिन अगर आप उसे देखें और जानें, तो आपको समझ में आ जाएगा।”

“एल्सी इस बारे में बहुत स्पष्टवादी थी। मैं यह नहीं कह सकता कि अगर मैं चाहता तो उसने मुझे इससे बाहर निकलने का हर मौका नहीं दिया। उसने कहा, ‘मेरे जीवन में कुछ बहुत अप्रिय अनुभव रहे हैं, मैं उन सबको भूलना चाहती हूँ। मैं अतीत का जिक्र कभी नहीं करना चाहती, क्योंकि यह मेरे लिए बहुत कष्टदायक है। अगर तुम मुझे स्वीकार करते हो, हिल्टन, तो तुम एक ऐसी महिला को स्वीकार करोगे जिसे व्यक्तिगत रूप से शर्मिंदा होने की कोई जरूरत नहीं है; लेकिन तुम्हें मेरे वचन पर भरोसा करना होगा और मुझे उस समय तक की सभी बातों पर चुप रहने देना होगा जब तक मैं तुम्हारी नहीं बन गई। अगर ये शर्तें बहुत कठिन हैं, तो नारफ़ाक वापस चले जाओ और मुझे उस अकेले जीवन में छोड़ दो जिसमें तुमने मुझे पाया था।’ हमारी शादी से ठीक एक दिन पहले उसने मुझसे ये शब्द कहे थे। मैंने उससे कहा कि मैं उसकी शर्तों पर उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हूँ और मैंने अपना वचन निभाया है।”

“हमारी शादी को अब एक साल हो गया है और हम बहुत खुश रहे हैं। लेकिन करीब एक महीने पहले, जून के अंत में, मुझे पहली बार परेशानी के संकेत दिखाई दिए। एक दिन मेरी पत्नी को अमेरिका से एक पत्र मिला। मैंने उस पर अमेरिकी मुहर देखी। वह एकदम पीली पड़ गई, पत्र पढ़ा और उसे आग में फेंक दिया। उसके बाद उसने इस बारे में कुछ नहीं कहा, और मैंने भी नहीं, क्योंकि वादा तो वादा होता है, लेकिन उस पल से उसकी जिंदगी कभी चैन से नहीं रही। उसके चेहरे पर हमेशा डर का भाव रहता है—ऐसा लगता है जैसे वह किसी चीज़ का इंतज़ार कर रही हो। उसे मुझ पर भरोसा करना चाहिए। उसे पता चलेगा कि मैं उसका सबसे अच्छा दोस्त हूँ। लेकिन जब तक वह कुछ नहीं बोलती, मैं कुछ नहीं कह सकता। ध्यान रहे, वह एक सच्ची महिला है, मिस्टर होम्स, और उसके पिछले जीवन में जो भी परेशानियाँ रही हों, उनमें उसकी कोई गलती नहीं है। मैं तो बस नारफ़ाक का एक साधारण जमींदार हूँ, लेकिन इंग्लैंड में मुझसे ज़्यादा अपने परिवार की इज़्ज़त को अहमियत देने वाला कोई नहीं है। वह यह बात अच्छी तरह जानती है, और मुझसे शादी करने से पहले भी जानती थी। वह कभी भी अपने परिवार पर कोई दाग नहीं लगने देगी। मुझे इस बात का पूरा यकीन है।

खैर, अब मैं अपनी कहानी के अजीब हिस्से पर आता हूं। लगभग एक हफ़्ते पहले—पिछले हफ़्ते के मंगलवार को—मुझे खिड़की की चौखट पर कागज़ पर बनी कुछ अजीबोगरीब नाचती हुई आकृतियाँ मिलीं। उन्हें चाक से बनाया गया था। मुझे लगा कि अस्तबल के लड़के ने उन्हें बनाया होगा, लेकिन लड़के ने कसम खाकर कहा कि उसे इसके बारे में कुछ नहीं पता। खैर, वे रात में वहां आ गई थीं। मैंने उन्हें धुलवा दिया, और बाद में ही मैंने इस बारे में अपनी पत्नी को बताया। मुझे आश्चर्य हुआ कि उसने इसे बहुत गंभीरता से लिया, और मुझसे विनती की कि अगर और ऐसी आकृतियाँ आएँ तो उसे देखने दूं। एक हफ़्ते तक कोई आकृति नहीं आई, और फिर कल सुबह मुझे यह कागज़

बगीचे में धूपघड़ी पर पड़ा मिला। मैंने इसे एल्सी को दिखाया, और वह बेहोश होकर गिर पड़ी। तब से वह किसी सपने में खोई हुई औरत की तरह दिखती है, आधी बेहोश, और उसकी आँखों में हमेशा डर छाया रहता है। तभी मैंने आपको पत्र लिखकर यह कागज़ भेजा, श्रीमान होम्स। यह ऐसी चीज़ नहीं थी जिसे मैं पुलिस के पास ले जा सकता था, क्योंकि वे... आप सब मुझ पर हँसे होंगे, लेकिन आप ही मुझे बताएँगे कि मुझे क्या करना है। मैं अमीर आदमी नहीं हूँ, लेकिन अगर मेरी पत्नी को कोई खतरा हो, तो मैं उसकी रक्षा के लिए अपना आखिरी पैसा भी खर्च कर दूँगा।

वह एक अद्भुत व्यक्तित्व थे, प्राचीन अंग्रेजी धरती के ये व्यक्ति—सरल, सीधे-सादे और सौम्य, अपनी बड़ी, गंभीर नीली आँखों और चौड़े, आकर्षक चेहरे के साथ। अपनी पत्नी के प्रति उनका प्रेम और उन पर उनका विश्वास उनके चेहरे पर स्पष्ट झलक रहा था। होम्स ने उनकी कहानी अत्यंत ध्यान से सुनी थी, और अब वे कुछ देर चुपचाप चिंतन में बैठे रहे।

अंत में उसने कहा, "क्या आपको नहीं लगता, श्रीमान क्यूबिट, कि आपकी सबसे अच्छी योजना यह होगी कि आप सीधे अपनी पत्नी से अपील करें और उनसे अपना रहस्य साझा करने के लिए कहें?"

हिल्टन क्यूबिट ने अपना विशाल सिर हिलाया।

“वादा तो वादा होता है, मिस्टर होम्स। अगर एल्सी चाहती तो बता देती। अगर नहीं, तो उसकी गोपनीयता भंग करना मेरा काम नहीं है। लेकिन मुझे अपना रुख अपनाने का पूरा अधिकार है—और मैं ऐसा ही करूंगा।”

“तो मैं पूरे दिल से आपकी मदद करूंगा। सबसे पहले, क्या आपने अपने पड़ोस में किसी अजनबी को देखे जाने के बारे में सुना है?”

"नहीं।"

“मुझे लगता है कि यह बहुत शांत जगह है। कोई भी नया चेहरा चर्चा का विषय बनेगा क्या?”

"आस-पास के इलाके में, हाँ। लेकिन हमारे पास कुछ छोटे-छोटे पानी के स्रोत हैं जो ज़्यादा दूर नहीं हैं। और किसान किराएदार रखते हैं।"

“इन चित्रलिपि का स्पष्ट रूप से कोई अर्थ है। यदि यह पूरी तरह से मनमाना अर्थ है, तो शायद हमारे लिए इसे समझना असंभव हो। दूसरी ओर, यदि यह व्यवस्थित है, तो मुझे पूरा विश्वास है कि हम इसकी तह तक पहुंच जाएंगे। लेकिन यह नमूना इतना छोटा है कि मैं कुछ नहीं कर सकता, और जो तथ्य आपने मुझे दिए हैं वे इतने अस्पष्ट हैं कि हमारे पास जाँच का कोई आधार नहीं है। मेरा सुझाव है कि आप नॉरफ़ॉक लौट जाएँ, वहाँ कड़ी नज़र रखें, और यदि कोई नया नाचता हुआ व्यक्ति दिखाई दे तो उसकी हूबहू नकल बना लें। यह बहुत दुख की बात है कि खिड़की की चौखट पर चाक से बनाए गए चित्रों की कोई प्रति हमारे पास नहीं है। आस-पास के किसी भी अजनबी के बारे में भी सावधानीपूर्वक पूछताछ करें। जब आप कुछ नए सबूत इकट्ठा कर लें, तो मुझसे दोबारा संपर्क करें। श्री हिल्टन क्यूबिट, यही सबसे अच्छी सलाह है जो मैं आपको दे सकता हूँ। यदि कोई महत्वपूर्ण नई जानकारी मिलती है, तो मैं हमेशा आपके नॉरफ़ॉक स्थित घर पर आपसे मिलने के लिए तैयार रहूँगा।”

उस साक्षात्कार ने शर्लक होम्स को काफी चिंतनशील बना दिया, और अगले कुछ दिनों में मैंने कई बार उन्हें अपनी नोटबुक से कागज का टुकड़ा निकालकर उस पर अंकित विचित्र अंकों को ध्यानपूर्वक देखते हुए देखा। हालाँकि, उन्होंने इस मामले का कोई जिक्र नहीं किया, जब तक कि लगभग दो सप्ताह बाद एक दोपहर उन्होंने मुझे वापस नहीं बुलाया। मैं बाहर जा रहा था जब उन्होंने मुझे वापस बुलाया।

"वाटसन, बेहतर होगा कि तुम यहीं रहो।"

"क्यों?"

"क्योंकि आज सुबह मुझे हिल्टन क्यूबिट का एक तार मिला था। आपको याद है ना, वो नाचने वाले हिल्टन क्यूबिट? उन्हें 120 बजे लिवरपूल स्ट्रीट पहुंचना था। वो किसी भी क्षण यहां आ सकते हैं। उनके तार से मुझे पता चला है कि कुछ महत्वपूर्ण नई घटनाएं घटी हैं।"

हमें ज़्यादा इंतज़ार नहीं करना पड़ा, क्योंकि हमारे नॉरफ़ॉक के ज़मींदार स्टेशन से सीधे उतनी ही तेज़ी से आ गए जितनी तेज़ी से एक गाड़ी उन्हें ला सकती थी। वे चिंतित और उदास लग रहे थे, उनकी आँखें थकी हुई थीं और माथे पर झुर्रियाँ थीं।

"मिस्टर होम्स, ये सब मुझे बहुत परेशान कर रहा है," थके-हारे से कुर्सी पर बैठते हुए उन्होंने कहा। "यह सोचना ही काफी बुरा है कि आप अनदेखे, अनजान लोगों से घिरे हुए हैं, जिनका आप पर कोई बुरा इरादा है, लेकिन जब इसके अलावा आपको यह भी पता चलता है कि ये लोग आपकी पत्नी को धीरे-धीरे मार रहे हैं, तो फिर यह असहनीय हो जाता है। वह इस सब के बोझ तले दबती जा रही है—मेरी आँखों के सामने ही कमज़ोर होती जा रही है।"

"क्या उसने अभी तक कुछ कहा है?"

"नहीं, श्रीमान होम्स, उसने ऐसा नहीं किया है। फिर भी, कई बार ऐसा हुआ है जब बेचारी लड़की बोलना चाहती थी, लेकिन हिम्मत नहीं जुटा पाई। मैंने उसकी मदद करने की कोशिश की, लेकिन शायद ठीक से नहीं कर पाई और उसे डरा दिया। उसने मेरे पुराने परिवार, काउंटी में हमारी प्रतिष्ठा और हमारे बेदाग सम्मान पर हमारे गर्व के बारे में बात की है, और मुझे हमेशा लगा कि बात मुद्दे तक पहुँच रही है, लेकिन किसी तरह वहाँ पहुँचने से पहले ही बात अधूरी रह गई।"

लेकिन क्या आपने खुद कुछ पता लगाया है?

"बिल्कुल, मिस्टर होम्स। मेरे पास आपके देखने के लिए नाचते हुए पुरुषों की कई नई तस्वीरें हैं, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैंने उस व्यक्ति को देखा है।"

"क्या, वो आदमी जो इन्हें बनाता है?"

"हाँ, मैंने उसे काम करते देखा था। लेकिन मैं आपको सब कुछ क्रम से बताता हूँ। आपके यहाँ से लौटने के बाद, अगली सुबह सबसे पहले मैंने नाचते हुए आदमियों की एक नई आकृति देखी। उन्हें औज़ारों के गोदाम के काले लकड़ी के दरवाज़े पर चाक से बनाया गया था, जो सामने की खिड़कियों से साफ़ दिखाई देता है और लॉन के बगल में स्थित है। मैंने उसकी एक हूबहू नकल ले ली, और यह रही।" उसने एक कागज खोला और उसे मेज पर रख दिया। "यह चित्रलिपि की एक प्रति है।"

"बहुत बढ़िया!" होम्स ने कहा। "बहुत बढ़िया! कृपया जारी रखें।"

"जब मैंने प्रतिलिपि ली थी, तो मैंने निशानों को मिटा दिया था, लेकिन दो सुबह बाद, एक नया शिलालेख उभर आया था। मेरे पास इसकी एक प्रति यहाँ है":

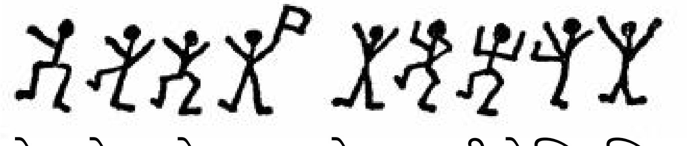

होम्स ने अपने हाथ मलते हुए खुशी से खिलखिलाकर हँस दिया।

उन्होंने कहा, "हमारी सामग्री तेजी से एकत्रित हो रही है।"

तीन दिन बाद एक संदेश कागज पर लिखा हुआ मिला, जिसे धूपघड़ी पर एक छोटे पत्थर के नीचे रख दिया गया था। ये रहा। जैसा कि आप देख रहे हैं, अक्षर बिल्कुल पिछले संदेश जैसे ही हैं। इसके बाद मैंने घात लगाकर बैठने का निश्चय किया, इसलिए मैंने अपना रिवॉल्वर निकाला और अपने अध्ययन कक्ष में बैठ गया, जहां से लॉन और बगीचा दिखाई देता था। लगभग दो बजे मैं खिड़की के पास बैठा था, बाहर चाँदनी के अलावा चारों ओर अंधेरा था, तभी मुझे अपने पीछे कदमों की आहट सुनाई दी और वहां मेरी पत्नी अपने ड्रेसिंग गाउन में खड़ी थी। उसने मुझसे बिस्तर पर आने की विनती की। मैंने उससे साफ-साफ कहा कि मैं देखना चाहता हूं कि हम पर इस तरह की बेतुकी शरारतें किसने की हैं। उसने जवाब दिया कि यह कोई मूर्खतापूर्ण मज़ाक है और मुझे इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

"'अगर इससे आपको वाकई परेशानी होती है, हिल्टन, तो हम दोनों कहीं घूमने जा सकते हैं और इस झंझट से बच सकते हैं।'"

"'क्या, एक शरारती व्यक्ति की वजह से हमें अपने ही घर से निकाल दिया जाए?' मैंने कहा। 'अरे, तब तो पूरा काउंटी हम पर हंसेगा।'"

"'ठीक है, बिस्तर पर आ जाओ,' उसने कहा, 'हम इस बारे में सुबह बात कर सकते हैं।'"

अचानक, जब वह बोल रही थी, मैंने देखा कि चांदनी में उसका गोरा चेहरा और भी सफेद हो गया, और उसका हाथ मेरे कंधे पर कस गया। औजारों के घर की छाया में कुछ हिल रहा था। मैंने एक काली, रेंगती हुई आकृति देखी जो कोने से घूमकर दरवाजे के सामने बैठ गई। मैंने अपनी पिस्तौल उठाई और बाहर भागने लगा, तभी मेरी पत्नी ने मुझे अपनी बाहों में जकड़ लिया और मुझे ज़ोर से पकड़ लिया। मैंने उसे हटाने की कोशिश की, लेकिन वह मुझे बुरी तरह से पकड़े रही। आखिरकार मैं बच निकला, लेकिन जब तक मैंने दरवाजा खोला और घर पहुँचा, वह प्राणी जा चुका था। हालांकि, उसने अपनी मौजूदगी का निशान छोड़ दिया था, क्योंकि दरवाजे पर नाचते हुए आदमियों की वही आकृति बनी हुई थी जो पहले दो बार दिखाई दे चुकी थी, और जिसे मैंने उस कागज पर कॉपी किया है। हालांकि मैंने पूरे इलाके में खोजबीन की, लेकिन उस आदमी का कहीं और कोई निशान नहीं मिला। और फिर भी आश्चर्यजनक बात यह है कि वह हर समय वहीं रहा होगा, क्योंकि जब मैंने सुबह फिर से दरवाजे की जाँच की, तो उसने उस रेखा के नीचे अपनी कुछ और तस्वीरें बना दी थीं जो मैंने पहले ही देखी थीं।

"क्या आपके पास वह नया चित्र है?"

"हां, यह बहुत छोटा है, लेकिन मैंने इसकी एक प्रति बना ली है, और यह रही।"

उन्होंने फिर एक कागज़ प्रस्तुत किया। नया नृत्य इस प्रकार था:

होम्स ने कहा, "मुझे बताओ," और मैं उसकी आँखों से समझ सकता था कि वह बहुत उत्साहित था, "क्या यह पहले वाले में मात्र एक अतिरिक्त भाग था या यह पूरी तरह से अलग प्रतीत होता था?"

"यह दरवाजे के एक अलग पैनल पर था।"

"बहुत बढ़िया! हमारे उद्देश्य के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण है। इससे मुझे उम्मीद की किरण जगी है। अब, श्री हिल्टन क्यूबिट, कृपया अपना अत्यंत रोचक कथन जारी रखें।"

“श्री होम्स, मुझे और कुछ नहीं कहना है, सिवाय इसके कि उस रात मैं अपनी पत्नी से बहुत नाराज़ था क्योंकि उसने मुझे रोक लिया था, जबकि मैं उस बदमाश को पकड़ सकता था। उसने कहा कि उसे डर था कि कहीं मुझे कोई नुकसान न पहुँच जाए। एक पल के लिए मेरे मन में यह ख्याल आया कि शायद उसे सच में डर था कि कहीं उसे नुकसान न पहुँच जाए, क्योंकि मुझे इस बात में कोई शक नहीं था कि वह जानती थी कि यह आदमी कौन है और इन अजीब इशारों से उसका क्या मतलब है। लेकिन श्री होम्स, मेरी पत्नी की आवाज़ में एक लहजा है और उसकी आँखों में एक ऐसी नज़र है जो शक की गुंजाइश नहीं छोड़ती, और मुझे यकीन है कि उसके मन में मेरी सुरक्षा ही थी। मामला यही है, और अब मैं आपसे सलाह चाहता हूँ कि मुझे क्या करना चाहिए। मेरा मन तो यह है कि मैं अपने खेत के आधे दर्जन लड़कों को झाड़ियों में छिपा दूँ, और जब यह आदमी दोबारा आए तो उसकी ऐसी पिटाई करूँ कि वह हमें हमेशा के लिए चैन से रहने दे।”

होम्स ने कहा, "मुझे डर है कि यह मामला इतना जटिल है कि इसके सरल उपाय कारगर नहीं होंगे। आप लंदन में कितने दिन रुक सकते हैं?"

मुझे आज ही वापस जाना होगा। मैं अपनी पत्नी को किसी भी कीमत पर रात भर अकेला नहीं छोड़ सकता। वह बहुत घबराई हुई है और उसने मुझसे वापस आने की विनती की है।

“मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं। लेकिन अगर आप रुक जाते, तो शायद मैं एक-दो दिन में आपके साथ वापस आ पाता। इस बीच आप ये कागज़ात मेरे लिए छोड़ दीजिए, और मुझे लगता है कि मैं जल्द ही आपसे मिलने आ पाऊंगा और आपके मामले पर कुछ रोशनी डाल पाऊंगा।”

शर्लक होम्स ने हमारे मेहमान के जाने तक अपना शांत और पेशेवर रवैया बनाए रखा, हालांकि मैं, जो उन्हें अच्छी तरह जानता था, यह आसानी से समझ सकता था कि वे बेहद उत्साहित थे। जैसे ही हिल्टन क्यूबिट की चौड़ी पीठ दरवाज़े से ओझल हुई, मेरा साथी मेज की ओर दौड़ा, नाचते हुए आदमियों की तस्वीरों वाली सारी पर्चियाँ अपने सामने रख दीं और एक जटिल और विस्तृत गणना में जुट गया। दो घंटे तक मैं उन्हें देखता रहा, जैसे-जैसे वे एक के बाद एक कागज़ पर आंकड़े और अक्षर लिखते गए, वे अपने काम में इतने मग्न थे कि मेरी मौजूदगी को मानो भूल ही गए थे। कभी-कभी वे काम में प्रगति कर रहे होते और सीटी बजाते और गाते; कभी-कभी वे उलझन में पड़ जाते और लंबे समय तक माथे पर शिकन और आँखों में खालीपन लिए बैठे रहते। अंत में वे संतुष्टि की एक चीख के साथ अपनी कुर्सी से उछल पड़े और अपने हाथों को आपस में रगड़ते हुए कमरे में इधर-उधर घूमने लगे। फिर उन्होंने एक केबल फॉर्म पर एक लंबा टेलीग्राम लिखा। उन्होंने कहा, "अगर मेरा जवाब वैसा ही है जैसा मैं उम्मीद कर रहा हूं, तो वाटसन, आपके संग्रह में जोड़ने के लिए एक बहुत ही बढ़िया मामला होगा।" मुझे उम्मीद है कि हम कल नॉरफ़ॉक जा सकेंगे और अपने दोस्त को उसकी नाराज़गी के रहस्य के बारे में कुछ बहुत ही पुख्ता खबर दे सकेंगे।

मैं स्वीकार करता हूं कि मैं जिज्ञासा से भरा हुआ था, लेकिन मुझे पता था कि होम्स अपने खुलासे अपने समय और अपने तरीके से करना पसंद करते हैं, इसलिए मैंने तब तक इंतजार किया जब तक कि मुझे अपने विश्वास में लेने का समय उनके लिए उपयुक्त न हो जाए।

लेकिन उस टेलीग्राम का जवाब देने में देरी हुई, और दो दिन तक बेचैनी छाई रही, इस दौरान होम्स हर घंटी बजने पर चौकन्ने हो जाते थे। दूसरे दिन शाम को हिल्टन क्यूबिट का एक पत्र आया। उनके यहाँ सब ठीक था, सिवाय इसके कि उस सुबह

धूपघड़ी के आधार पर एक लंबा शिलालेख दिखाई दिया था। उन्होंने उसकी एक प्रति संलग्न की, जिसे यहाँ पुनः प्रस्तुत किया गया है:

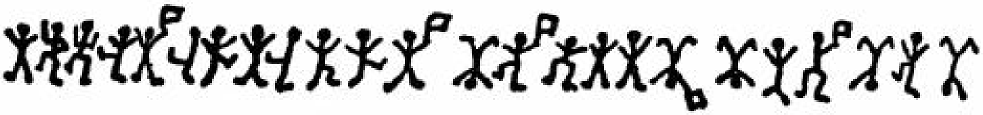

होम्स कुछ मिनटों तक इस विचित्र भित्तिचित्र पर झुके रहे, और फिर अचानक आश्चर्य और निराशा से भरी एक चीख के साथ खड़े हो गए। उनका चेहरा चिंता से मुरझाया हुआ था।

उन्होंने कहा, "हमने इस मामले को बहुत आगे बढ़ने दिया है। क्या आज रात नॉर्थ वाल्शम के लिए कोई ट्रेन है?"

मैंने टाइम-टेबल पलटा। आखिरी ट्रेन अभी-अभी जा चुकी थी।

“तो हम सुबह जल्दी नाश्ता करेंगे और सबसे पहले उठेंगे,” होम्स ने कहा। “हमारी उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। आह! यह रहा हमारा अपेक्षित टेलीग्राम। एक क्षण रुकिए, श्रीमती हडसन, शायद कोई उत्तर हो। नहीं, यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैंने अनुमान लगाया था। इस संदेश से यह और भी ज़रूरी हो जाता है कि हम हिल्टन क्यूबिट को स्थिति की जानकारी देने में एक घंटा भी बर्बाद न करें, क्योंकि हमारा सीधा-सादा नॉरफ़ॉक ज़मींदार एक अनोखे और ख़तरनाक जाल में फंसा हुआ है।”

और सचमुच ऐसा ही हुआ, और जब मैं उस कहानी के दुखद अंत की ओर बढ़ रहा हूँ जो मुझे पहले केवल बचकानी और विचित्र लग रही थी, तो मुझे एक बार फिर वही निराशा और भय का अनुभव हो रहा है जिससे मैं भरा हुआ था। काश, मैं अपने पाठकों को कोई सुखद अंत बता पाता, लेकिन ये तो तथ्यों का वृत्तांत है, और मुझे उन विचित्र घटनाओं की श्रृंखला को उनके दुखद अंत तक ले जाना ही होगा, जिन्होंने कुछ दिनों के लिए राइडिंग थोर्प मनोर को पूरे इंग्लैंड में प्रसिद्ध कर दिया था।

नॉर्थ वाल्शम स्टेशन पर उतरते ही हमने अपनी मंज़िल का नाम बताया ही था कि स्टेशन मास्टर हमारी ओर दौड़ते हुए आए। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है आप लंदन के जासूस हैं?"

होम्स के चेहरे पर झुंझलाहट के भाव झलक रहे थे।

आपको ऐसा क्यों लगता है?

“क्योंकि नॉरविच से इंस्पेक्टर मार्टिन अभी-अभी यहाँ से गुज़रे हैं। लेकिन शायद आप ही सर्जन हैं। वह मरी नहीं है—या कम से कम आखिरी जानकारी के अनुसार तो नहीं मरी थी। हो सकता है कि आपके पास उसे बचाने का समय हो—भले ही इसके लिए आपको फांसी पर चढ़ाना पड़े।”

होम्स के माथे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

उन्होंने कहा, "हम राइडिंग थोरपे मैनर जा रहे हैं, लेकिन हमें वहां हुई घटनाओं के बारे में कुछ भी पता नहीं है।"

“यह बहुत दुखद घटना है,” स्टेशन मास्टर ने कहा। “दोनों को गोली मार दी गई है, श्री हिल्टन क्यूबिट और उनकी पत्नी को। नौकरों का कहना है कि पत्नी ने उन्हें गोली मारी और फिर खुद को भी गोली मार ली। पति की मृत्यु हो चुकी है और पत्नी के बचने की कोई उम्मीद नहीं है। अरे वाह, नॉरफ़ॉक काउंटी के सबसे पुराने और सबसे सम्मानित परिवारों में से एक।”

होम्स बिना कुछ कहे जल्दी से एक गाड़ी की ओर बढ़े, और सात मील की लंबी यात्रा के दौरान उन्होंने एक शब्द भी नहीं बोला। मैंने उन्हें शायद ही कभी इतना उदास देखा हो। शहर से हमारी पूरी यात्रा के दौरान वे बेचैन थे, और मैंने देखा था कि वे सुबह के अखबारों को बड़ी उत्सुकता से पलट रहे थे, लेकिन अब अपने सबसे बुरे डर के

अचानक साकार होने ने उन्हें एक गहरी उदासी में डुबो दिया था। वे अपनी सीट पर पीछे झुक गए, निराशा भरी सोच में डूबे हुए। फिर भी हमारे आस-पास बहुत कुछ दिलचस्प था, क्योंकि हम इंग्लैंड के किसी भी अन्य ग्रामीण इलाके की तरह ही अनोखे ग्रामीण इलाके से गुजर रहे थे, जहाँ कुछ बिखरी हुई झोपड़ियाँ आज की आबादी को दर्शाती थीं, जबकि दूसरी ओर विशाल चौकोर मीनारों वाले गिरजाघर सपाट हरे-भरे परिदृश्य से उभरे हुए थे और पुराने ईस्ट एंग्लिया के गौरव और समृद्धि की कहानी सुना रहे थे। अंत में नॉरफ़ॉक तट के हरे किनारे के ऊपर जर्मन सागर का बैंगनी किनारा दिखाई दिया, और ड्राइवर ने अपने चाबुक से पेड़ों के झुरमुट से निकले दो पुराने ईंट और लकड़ी के छज्जों की ओर इशारा किया। "यह राइडिंग थोरपे मनोर है," उन्होंने कहा।

जैसे ही हम बरामदे वाले मुख्य द्वार के पास पहुँचे, मैंने उसके सामने, टेनिस लॉन के बगल में, काले रंग का औजारों का कमरा और चबूतरे पर लगा धूपघड़ी देखा, जिनसे हमारा एक अजीब सा जुड़ाव था। एक चुस्त-दुरुस्त, चौकस और मोम से सवारी हुई मूंछों वाला, छोटा सा आदमी अभी-अभी एक ऊँची गाड़ी से उतरा था। उसने अपना परिचय नॉरफ़ॉक पुलिस बल के इंस्पेक्टर मार्टिन के रूप में दिया और मेरे साथी का नाम सुनकर वह काफी आश्चर्यचकित हुआ।

"श्रीमान होम्स, यह अपराध तो आज सुबह तीन बजे ही हुआ था। आपको लंदन में इसकी सूचना कैसे मिली और आप इतनी जल्दी घटनास्थल पर कैसे पहुंच गए?"

मुझे इसका अंदाजा था। मैं इसे रोकने की उम्मीद से आया था।

"तो फिर आपके पास महत्वपूर्ण सबूत होंगे, जिनके बारे में हमें जानकारी नहीं है, क्योंकि उन्हें एक अत्यंत एकजुट दंपति कहा जाता था।"

“मेरे पास नाचते हुए आदमियों के अलावा कोई सबूत नहीं है,” होम्स ने कहा। “मैं आपको बाद में इस मामले की पूरी जानकारी दूंगा। फिलहाल, चूंकि इस त्रासदी को रोकना संभव नहीं है, इसलिए मैं न्याय सुनिश्चित करने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करना चाहता हूं। क्या आप मेरी मदद से जांच करेंगे, या आप चाहेंगे कि मैं स्वतंत्र रूप से काम करूं?”

"मुझे इस बात पर गर्व होगा कि हम साथ मिलकर काम कर रहे थे, मिस्टर होम्स," इंस्पेक्टर ने गंभीरता से कहा।

"ऐसी स्थिति में, मुझे बिना किसी अनावश्यक देरी के सबूत सुनने और परिसर की जांच करने में खुशी होगी।"

इंस्पेक्टर मार्टिन ने मेरे मित्र को अपने तरीके से काम करने की अनुमति देकर समझदारी दिखाई और परिणामों को ध्यानपूर्वक नोट करने में ही संतुष्ट रहे। स्थानीय सर्जन, एक बूढ़े, सफेद बालों वाले व्यक्ति, श्रीमती हिल्टन क्यूबिट के कमरे से अभी-अभी नीचे आए थे और उन्होंने बताया कि उनकी चोटें गंभीर थीं, लेकिन जरूरी नहीं कि जानलेवा हों। गोली उनके मस्तिष्क के अगले हिस्से से होकर गुजरी थी और उन्हें होश आने में शायद कुछ समय लगेगा। इस सवाल पर कि क्या उन्हें गोली मारी गई थी या उन्होंने खुद को गोली मारी थी, उन्होंने कोई निश्चित राय देने का साहस नहीं किया। निश्चित रूप से गोली बहुत करीब से चलाई गई थी। कमरे में केवल एक ही पिस्तौल मिली थी, जिसकी दो नालें खाली थीं। श्री हिल्टन क्यूबिट को दिल में गोली लगी थी। यह भी संभव था कि उन्होंने उन्हें गोली मारी हो और फिर खुद को, या फिर यह कि वह अपराधी थीं, क्योंकि रिवॉल्वर उन दोनों के बीच फर्श पर पड़ी थी।

"क्या उसे स्थानांतरित कर दिया गया है?" होम्स ने पूछा।

“हमने महिला के अलावा और कुछ नहीं हटाया। हम उसे घायल अवस्था में फर्श पर पड़ा नहीं छोड़ सकते थे।”

"डॉक्टर साहब, आप यहां कब से हैं?"
"चार बजे से।"
"किसी और को?"
"जी हां, कांस्टेबल यहीं है।"
“और आपने किसी चीज को छुआ तक नहीं?”
"कुछ नहीं।"
“आपने बड़ी समझदारी से काम लिया है। आपको किसने बुलाया था?”
"घर की नौकरानी, सॉन्डर्स।"
"क्या उसी ने अलार्म बजाया था?"
वह और श्रीमती किंग, जो रसोइया थीं।
"अब वे कहाँ हैं?"
"मुझे लगता है, रसोई में।"
"तो मुझे लगता है कि हमें उनकी कहानी तुरंत सुन लेनी चाहिए।"

ओक की लकड़ी से बने पैनल और ऊंची खिड़कियों वाला पुराना हॉल अब जांच-पड़ताल की अदालत में बदल गया था। होम्स एक बड़ी, पुराने ज़माने की कुर्सी पर बैठे थे, उनकी निर्दयी आंखें उनके थके हुए चेहरे से चमक रही थीं। मैं उनकी आँखों में एक दृढ़ संकल्प देख सकता था कि वे अपना जीवन इस खोज़ में समर्पित कर देंगे, जब तक कि उस मुवक्किल का बदला न हो जाए जिसे वे बचाने में असफल रहे थे। चुस्त-दुरुस्त इंस्पेक्टर मार्टिन, बूढ़े, सफ़ेद बालों वाले देहाती डॉक्टर, मैं और एक गंभीर गाँव का पुलिसकर्मी उस अजीब समूह के बाकी सदस्य थे।

दोनों महिलाओं ने अपनी कहानी स्पष्ट रूप से बताई। वे एक धमाके की आवाज़ से नींद से जाग उठीं, जिसके एक मिनट बाद दूसरा धमाका हुआ। वे अगल-बगल के कमरों में सो रही थीं, और श्रीमती किंग दौड़कर सॉन्डर्स के घर में गईं। दोनों साथ-साथ सीढ़ियों से नीचे उतरीं। अध्ययन कक्ष का दरवाजा खुला था, और मेज पर एक मोमबत्ती जल रही थी। उनके मालिक कमरे के बीचोंबीच औंधे मुंह पड़े थे। उनकी मृत्यु हो चुकी थी। खिड़की के पास उनकी पत्नी झुकी हुई थीं, उनका सिर दीवार से टिका हुआ था। वह बुरी तरह घायल थीं, और उनके चेहरे का एक हिस्सा खून से लाल था। वह भारी साँसें ले रही थीं, लेकिन कुछ भी बोलने में असमर्थ थीं। गलियारा और कमरा दोनों धुएँ और बारूद की गंध से भरे हुए थे। खिड़की निश्चित रूप से अंदर से बंद और जकड़ी हुई थी। दोनों महिलाओं को इस बात का पूरा यकीन था। उन्होंने तुरंत डॉक्टर और कांस्टेबल को बुलवाया। फिर, नौकर और अस्तबल के लड़के की मदद से, उन्होंने अपनी घायल मालकिन को उनके कमरे में पहुंचाया। वह और उनके पति दोनों बिस्तर पर थे। वह अपनी पोशाक में थी और वह अपने रात्रि वस्त्रों के ऊपर ड्रेसिंग गाउन पहने हुए था। अध्ययन कक्ष में कुछ भी नहीं हिला था। जहां तक उन्हें पता था, पति-पत्नी के बीच कभी कोई झगड़ा नहीं हुआ था। वे हमेशा उन्हें एक बेहद एकजुट दंपति के रूप में देखते थे।

नौकरों के बयान के मुख्य बिंदु यही थे। इंस्पेक्टर मार्टिन के सवालों के जवाब में, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी दरवाजे अंदर से बंद थे और घर से कोई भी भाग नहीं सकता था। होम्स के सवालों के जवाब में, दोनों को याद था कि ऊपरी मंजिल पर अपने कमरों से बाहर भागते ही उन्हें बारूद की गंध महसूस हुई थी। होम्स ने अपने पेशेवर सहयोगी से कहा, "मैं इस तथ्य को आपके ध्यान में विशेष रूप से लाना चाहता हूं। और अब मुझे लगता है कि हम कमरे की पूरी तरह से जांच कर सकते हैं।"

अध्ययन कक्ष एक छोटा सा कमरा था, जो तीन तरफ से किताबों से घिरा हुआ था, और एक साधारण खिड़की के सामने एक लेखन-मेज थी, जिससे बगीचा दिखाई देता

था। हमारा ध्यान सबसे पहले उस दुर्भाग्यशाली जमींदार के शरीर पर गया, जिसका विशाल शरीर कमरे में फैला हुआ था। उसके अस्त-व्यस्त वस्त्रों से पता चलता था कि उसे जल्दबाजी में नींद से जगाया गया था। गोली सामने से चलाई गई थी और हृदय को भेदने के बाद उसके शरीर में ही रह गई थी। उसकी मृत्यु निश्चित रूप से तात्कालिक और दर्द रहित थी। उसके वस्त्र या हाथों पर बारूद का कोई निशान नहीं था। ग्रामीण सर्जन के अनुसार, महिला के चेहरे पर दाग थे, लेकिन उसके हाथ पर कोई दाग नहीं था।

“बाद वाले की अनुपस्थिति का कोई महत्व नहीं है, हालांकि उसकी उपस्थिति का बहुत महत्व हो सकता है,” होम्स ने कहा। “जब तक कि खराब फिटिंग वाले कारतूस से बारूद पीछे की ओर न उछल जाए, तब तक बिना कोई निशान छोड़े कई गोलियां चलाई जा सकती हैं। मेरा सुझाव है कि अब श्री क्यूबिट के शव को हटा दिया जाए। मुझे लगता है, डॉक्टर, आपने वह गोली बरामद नहीं की है जिससे महिला घायल हुई थी?”

“ऐसा करने से पहले एक गंभीर ऑपरेशन करना आवश्यक होगा। लेकिन रिवाल्वर में अभी भी चार कारतूस हैं। दो दागे जा चुके हैं और दो घाव हुए हैं, इसलिए प्रत्येक गोली का हिसाब रखा जा सकता है।”

“ऐसा ही लगता है,” होम्स ने कहा। “शायद आप उस गोली के बारे में भी बता सकते हैं जो इतनी स्पष्ट रूप से खिड़की के किनारे पर लगी है?”

वह अचानक मुड़ा और उसकी लंबी, पतली उंगली खिड़की के निचले हिस्से में, बिल्कुल नीचे से लगभग एक इंच ऊपर, ड्रिल किए गए एक छेद की ओर इशारा कर रही थी।

"हे भगवान!" निरीक्षक चिल्लाया। "आपने यह कैसे देखा?"

"क्योंकि मैंने इसे ढूंढा था।"

“अद्भुत!” देहाती डॉक्टर ने कहा। “आप बिलकुल सही कह रहे हैं, महोदय। फिर तीसरी गोली चली है, और इसलिए वहाँ एक तीसरा व्यक्ति भी मौजूद रहा होगा। लेकिन वह कौन हो सकता था, और वह कैसे बच निकला?”

“यही वह समस्या है जिसे हम अब हल करने वाले हैं,” शर्लक होम्स ने कहा। “आपको याद है, इंस्पेक्टर मार्टिन, जब नौकरों ने कहा कि अपने कमरे से बाहर निकलते ही उन्हें बारूद की गंध महसूस हुई, तो मैंने कहा था कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है?”

जी हाँ, महोदय; लेकिन मैं स्वीकार करता हूँ कि मुझे आपकी बात पूरी तरह समझ नहीं आई।

इससे पता चलता है कि गोलीबारी के समय कमरे की खिड़की और दरवाजा दोनों खुले थे। अन्यथा, बारूद का धुआं इतनी तेजी से पूरे घर में नहीं फैल सकता था। इसके लिए कमरे में हवा का आना-जाना आवश्यक था। हालांकि, दरवाजा और खिड़की दोनों बहुत ही कम समय के लिए खुले थे।

आप इसे कैसे साबित करेंगे?

क्योंकि मोमबत्ती की लौ बुझी हुई नहीं थी।

“राजधानी!” निरीक्षक चिल्लाया। “राजधानी!”

मुझे पूरा यकीन था कि त्रासदी के समय खिड़की खुली हुई थी, इसलिए मैंने सोचा कि शायद इस घटना में कोई तीसरा व्यक्ति भी शामिल रहा होगा, जो खिड़की के बाहर खड़ा होकर गोली चला रहा था। उस व्यक्ति पर चलाई गई कोई भी गोली खिड़की के शीशे को लग सकती थी। मैंने देखा, और वाकई वहां गोली का निशान था!

लेकिन खिड़की बंद और जकड़ी हुई कैसे हो गई?

“महिला की पहली प्रतिक्रिया खिड़की बंद करने और ताला लगाने की होगी। लेकिन, अरे! यह क्या है?”

अध्ययन की मेज पर एक महिला का पर्स रखा था - मगरमच्छ की चमड़ी और चांदी से बना एक छोटा सा सुंदर पर्स। होम्स ने उसे खोला और अंदर का सामान बाहर निकाला। उसमें बैंक ऑफ़ इंग्लैंड के बीस पचास पाउंड के नोट थे, जो एक रबर बैंड से बंधे हुए थे - और कुछ नहीं।

“इसे संभाल कर रखना होगा, क्योंकि यह मुकदमे में काम आएगा,” होम्स ने इंस्पेक्टर को थैला सौंपते हुए कहा। “अब यह ज़रूरी है कि हम इस तीसरी गोली के बारे में कुछ पता लगाने की कोशिश करें, जो लकड़ी के टूटने से साफ है कि कमरे के अंदर से चलाई गई है। मैं रसोइया श्रीमती किंग से दोबारा मिलना चाहता हूँ। आपने कहा था, श्रीमती किंग, कि आप एक ज़ोरदार धमाके से जाग गईं। जब आपने यह कहा, तो क्या आपका मतलब था कि वह धमाका आपको दूसरे धमाके से ज़्यादा ज़ोरदार लगा?”

"जी महोदय, इसने मेरी नींद तोड़ दी, इसलिए इस बारे में कुछ कहना मुश्किल है। लेकिन आवाज़ बहुत तेज़ ज़रूर थी।"

"क्या आपको नहीं लगता कि ऐसा हो सकता है कि दो गोलियां लगभग एक ही क्षण में चलाई गई हों?"

"मुझे पूरा यकीन है कि मैं इसका जवाब नहीं दे सकता, महोदय।"

“मेरा मानना है कि ऐसा ही था। इंस्पेक्टर मार्टिन, मुझे लगता है कि इस कमरे से हमें जो कुछ भी पता चल सकता था, वह सब हमने पता लगा लिया है। अगर आप कृपया मेरे साथ चलें, तो हम देखेंगे कि बगीचे में क्या नए सबूत मिलते हैं।”

अध्ययन कक्ष की खिड़की तक फूलों की क्यारी फैली हुई थी, और जैसे ही हम उसके पास पहुँचे, हम सब विस्मय से भर उठे। फूल कुचले हुए थे, और नरम मिट्टी पर पैरों के निशान छपे हुए थे। बड़े-बड़े, मर्दाना पैर थे, जिनकी उंगलियाँ विशेष रूप से लंबी और नुकीली थीं। होम्स घास और पत्तियों के बीच ऐसे खोजबीन करने लगे जैसे कोई शिकारी कुत्ता किसी घायल पक्षी को खोजता है। फिर, संतुष्टि भरी चीख के साथ, वे आगे झुके और एक छोटा सा पीतल का सिलेंडर उठा लिया।

“मुझे ऐसा ही लगा था,” उसने कहा; “रिवॉल्वर में इजेक्टर था, और यह तीसरा कारतूस है। इंस्पेक्टर मार्टिन, मुझे सच में लगता है कि हमारा मामला लगभग सुलझ गया है।”

देश निरीक्षक के चेहरे पर होम्स की जांच की तीव्र और कुशल प्रगति को देखकर गहरा आश्चर्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। पहले तो उन्होंने अपनी बात पर अड़े रहने की इच्छा जताई थी, लेकिन अब वे प्रशंसा से अभिभूत थे और होम्स जहां भी ले जाएं, बिना किसी प्रश्न के उनका अनुसरण करने को तैयार थे।

“आपको किस पर शक है?” उसने पूछा।

मैं इस बारे में बाद में बात करूंगा। इस समस्या में कई ऐसे पहलू हैं जिन्हें मैं अभी तक आपको समझा नहीं पाया हूं। अब जब मैं यहां तक पहुंच चुका हूं, तो बेहतर होगा कि मैं अपने तरीके से आगे बढ़ूं और फिर इस पूरे मामले को हमेशा के लिए स्पष्ट कर दूं।

"जैसा आप चाहें, मिस्टर होम्स, बशर्ते हमें हमारा आदमी मिल जाए।"

“मैं कोई रहस्य पैदा नहीं करना चाहता, लेकिन इस समय लंबी और जटिल व्याख्याओं में पड़ना असंभव है। इस मामले की सारी कड़ियाँ मेरे हाथ में हैं। भले ही यह महिला कभी होश में न आए, फिर भी हम पिछली रात की घटनाओं का पुनर्निर्माण कर

सकते हैं और न्याय सुनिश्चित कर सकते हैं। सबसे पहले, मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या इस इलाके में 'एलरिज' नाम का कोई सराय है?"

नौकरों से पूछताछ की गई, लेकिन उनमें से किसी ने भी ऐसी जगह के बारे में नहीं सुना था। अस्तबल के लड़के ने यह याद करके मामले पर कुछ प्रकाश डाला कि उसी नाम का एक किसान कुछ मील दूर, ईस्ट रस्टन की दिशा में रहता था।

क्या यह एक सुनसान खेत है?

"बहुत अकेलापन महसूस हो रहा है, महोदय।"

"शायद उन्हें अभी तक रात के दौरान यहां हुई सभी घटनाओं के बारे में पता नहीं चला है?"

"शायद नहीं, महोदय।"

होम्स ने थोड़ी देर सोचा, और फिर उनके चेहरे पर एक अजीब सी मुस्कान आ गई।

"मेरे बच्चे, घोड़े पर काठी कस लो," उसने कहा। "मैं चाहता हूँ कि तुम एलरिज के फार्म तक एक नोट ले जाओ।"

उसने अपनी जेब से नाचते हुए आदमियों की पर्चियाँ निकालीं। उन्हें अपने सामने रखकर वह कुछ देर तक अध्ययन-मेज पर काम करता रहा। अंत में उसने लड़के को एक नोट दिया और निर्देश दिया कि इसे उस व्यक्ति को सौंप दे जिसे यह संबोधित है, और विशेष रूप से किसी भी प्रकार के प्रश्न का उत्तर न दे। मैंने नोट का बाहरी भाग देखा, जिस पर लिखे अक्षर बिखरे हुए और अनियमित थे, जो होम्स की सामान्य रूप से सटीक लिखावट से बिल्कुल अलग थे। यह नोट श्री एबे स्लेनी, एल्रिज फार्म, ईस्ट रस्टन, नारफ़ाक के पते पर भेजा गया था।

"इंस्पेक्टर, मुझे लगता है कि आपको एक एस्कॉर्ट के लिए टेलीग्राम भेजना चाहिए, क्योंकि अगर मेरी गणना सही साबित होती है, तो आपको काउंटी जेल तक एक बेहद खतरनाक कैदी को ले जाना पड़ सकता है। जो लड़का यह नोट ले जाएगा, वह निस्संदेह आपका टेलीग्राम आगे भेज देगा। अगर दोपहर में शहर के लिए कोई ट्रेन हो, वॉटसन, तो मुझे लगता है कि हमें उसमें बैठना चाहिए, क्योंकि मुझे एक महत्वपूर्ण रासायनिक विश्लेषण पूरा करना है, और यह जांच तेजी से समाप्त होने वाली है।"

जब युवक को नोट देकर भेज दिया गया, तो शर्लक होम्स ने नौकरों को निर्देश दिए। यदि कोई आगंतुक श्रीमती हिल्टन क्युबिट के बारे में पूछने आए, तो उनकी हालत के बारे में कोई जानकारी न दी जाए, बल्कि उसे तुरंत ड्राइंग रूम में ले जाया जाए। उन्होंने इन बातों को अत्यंत गंभीरता से नौकरों को समझाया। अंत में, उन्होंने ड्राइंग रूम में आगे बढ़ते हुए कहा कि अब मामला हमारे हाथ से निकल चुका है, और हमें जितना हो सके समय बिताना चाहिए जब तक कि हमें पता न चल जाए कि आगे क्या होने वाला है। डॉक्टर अपने मरीजों के पास जा चुके थे और केवल इंस्पेक्टर और मैं ही बचे थे।

"मुझे लगता है कि मैं आपका एक घंटा दिलचस्प और उपयोगी तरीके से बिताने में मदद कर सकता हूँ," होम्स ने अपनी कुर्सी मेज के पास खींचते हुए कहा और अपने सामने नाचते हुए आदमियों की हरकतों का ब्यौरा दर्ज किए हुए कागज़ फैला दिए। "और जहां तक आपके लिए, मित्र वॉटसन, मैं आपकी स्वाभाविक जिज्ञासा को इतने लंबे समय तक अनसुलझा रखने के लिए आपका आभारी हूं। इंस्पेक्टर, आपके लिए यह पूरी घटना एक उल्लेखनीय पेशेवर अध्ययन के रूप में रुचिकर हो सकती है। सबसे पहले, मुझे आपको बेकर स्ट्रीट में श्री हिल्टन क्युबिट के साथ हुई पिछली मुलाकातों से जुड़ी दिलचस्प बातें बतानी होंगी।" फिर उन्होंने संक्षेप में उन तथ्यों को दोहराया जो पहले ही दर्ज किए जा चुके थे। मेरे सामने ये अनोखी रचनाएँ हैं, जिन्हें

देखकर शायद कोई मुस्कुरा दे, अगर ये इतनी भयानक त्रासदी की अग्रदूत न साबित होतीं। मैं गुप्त लेखन के सभी रूपों से अच्छी तरह परिचित हूं, और मैंने स्वयं इस विषय पर एक संक्षिप्त शोधपत्र लिखा है, जिसमें मैंने एक सौ साठ अलग-अलग कोडों का विश्लेषण किया है, लेकिन मैं स्वीकार करता हूं कि यह मेरे लिए बिल्कुल नया है। इस प्रणाली का आविष्कार करने वालों का उद्देश्य स्पष्ट रूप से यह छुपाना था कि ये अक्षर एक संदेश देते हैं, और यह आभास देना था कि ये केवल बच्चों द्वारा बनाए गए बेतरतीब रेखाचित्र हैं।

"एक बार यह पहचान लेने के बाद कि ये प्रतीक अक्षरों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और गुप्त लेखन के सभी रूपों में हमारा मार्गदर्शन करने वाले नियमों को लागू करने के बाद, समाधान काफी आसान था। मुझे भेजा गया पहला संदेश इतना छोटा था कि मेरे लिए यह कहने के अलावा और कुछ कहना असंभव था कि प्रतीक 'E' का प्रतिनिधित्व करता है। जैसा कि आप जानते हैं, 'E' अंग्रेजी वर्णमाला का सबसे आम अक्षर है, और यह इतनी अधिक मात्रा में पाया जाता है कि एक छोटे वाक्य में भी इसे अक्सर पाए जाने की उम्मीद की जा सकती है। पहले संदेश में पंद्रह प्रतीकों में से चार समान थे, इसलिए इसे 'E' मानना उचित था। यह सच है कि कुछ मामलों में आकृति पर झंडा बना हुआ था, और कुछ मामलों में नहीं, लेकिन झंडों के वितरण के तरीके से यह संभव था कि उनका उपयोग वाक्य को शब्दों में तोड़ने के लिए किया गया था। मैंने इसे एक परिकल्पना के रूप में स्वीकार किया, और नोट किया कि 'E' को 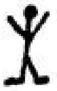 द्वारा दर्शाया गया था।"

लेकिन अब जांच की असली मुश्किल सामने आई। E के बाद अंग्रेजी अक्षरों का क्रम बिल्कुल स्पष्ट नहीं है, और किसी मुद्रित पृष्ठ के औसत में दिखाई देने वाली कोई भी प्रधानता एक छोटे से वाक्य में उलट सकती है। मोटे तौर पर कहें तो, T, A, O, I, N, S, H, R, D, और L अक्षरों का संख्यात्मक क्रम है; लेकिन T, A, O, और I लगभग एक दूसरे के समानांतर हैं, और अर्थ निकालने के लिए प्रत्येक संयोजन को आज़माना एक अंतहीन कार्य होगा। इसलिए मैंने नई सामग्री की प्रतीक्षा की। श्री हिल्टन क्यूबिट के साथ अपने दूसरे साक्षात्कार में वे मुझे दो और छोटे वाक्य और एक संदेश देने में सक्षम थे, जो - चूंकि कोई संकेत नहीं था - एक शब्द प्रतीत होता था। ये रहे प्रतीक। अब, इस एक शब्द में मुझे पहले से ही दो E मिल गए हैं जो पांच अक्षरों के शब्द में दूसरे और चौथे स्थान पर आ रहे हैं। यह 'sever' या 'lever' या 'never' हो सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अपील के जवाब के रूप में बाद वाला सबसे अधिक संभावित है, और परिस्थितियाँ इस बात की ओर इशारा करती हैं कि यह जवाब उस महिला द्वारा लिखा गया था। इसे सही मानते हुए, अब हम कह सकते हैं कि चिह्न क्रमशः N, V और R को दर्शाते हैं।

"अब भी मैं काफी मुश्किल में था, लेकिन एक सुखद विचार ने मुझे कई अन्य पत्र प्राप्त करने में मदद की। मुझे लगा कि अगर ये अपीलें, जैसा कि मुझे उम्मीद थी, किसी ऐसे व्यक्ति से आई हैं जो महिला के शुरुआती जीवन में उसके साथ घनिष्ठ रहा हो, तो दो 'E' और उनके बीच तीन अक्षरों का संयोजन 'एल्सी' नाम के लिए उपयुक्त हो सकता है। जाँच करने पर मैंने पाया कि ऐसा संयोजन उस संदेश का अंत था जिसे तीन बार दोहराया गया था। यह निश्चित रूप से 'एल्सी' के लिए एक अपील थी। इस तरह मुझे

अपना L, S और I मिल गया। लेकिन यह कैसी अपील हो सकती है? 'एल्सी' से पहले वाले शब्द में केवल चार अक्षर थे, और यह 'E' पर समाप्त होता था। निश्चित रूप से यह शब्द 'COME' होना चाहिए। मैंने 'E' पर समाप्त होने वाले अन्य सभी चार अक्षरों को आजमाया, लेकिन कोई भी उपयुक्त नहीं मिला। तो अब मेरे पास C, O और M थे, और मैं पहले संदेश पर एक बार फिर से काम करने की स्थिति में था, इसे शब्दों में विभाजित करके और प्रत्येक अज्ञात प्रतीक के लिए बिंदु लगाकर। इस तरह से करने पर, यह इस प्रकार सामने आया:

. एम . ईआरई . . ई एसएल . एनई.

अब पहला अक्षर केवल 'ए' ही हो सकता है, जो कि एक बहुत ही उपयोगी खोज है, क्योंकि यह इस छोटे से वाक्य में कम से कम तीन बार आता है, और 'एच' भी दूसरे शब्द में स्पष्ट है। अब यह इस प्रकार हो जाता है:

मैं यहाँ हूँ ए. ई. स्लेन.

या, नाम में मौजूद स्पष्ट रिक्तियों को भरना:

मैं यहाँ हूँ, एबे स्लेनी।

अब मेरे पास इतने सारे पत्र आ चुके थे कि मैं काफी आत्मविश्वास के साथ दूसरा संदेश लिख सका, जो इस प्रकार रहा:

टू . एलरी . इज

यहां मैं लुप्त अक्षरों के स्थान पर T और G लगाकर ही इसका अर्थ समझ सका, और यह मान लिया कि यह नाम किसी घर या सराय का था जहां लेखक ठहरा हुआ था।

इंस्पेक्टर मार्टिन और मैंने अत्यंत रुचि के साथ उस पूरे और स्पष्ट विवरण को सुना कि कैसे मेरे मित्र ने ऐसे परिणाम प्राप्त किए थे जिनके कारण हमारी कठिनाइयों पर उसे इतना पूर्ण नियंत्रण प्राप्त हुआ था।

"फिर आपने क्या किया, महोदय?" निरीक्षक ने पूछा।

"मेरे पास यह मानने के हर कारण थे कि यह एबे स्लेनी एक अमेरिकी था, क्योंकि एबे एक अमेरिकी संक्षिप्त नाम है, और क्योंकि अमेरिका से आया एक पत्र ही सारी परेशानी की जड़ था। मेरे पास यह सोचने का भी हर कारण था कि इस मामले में कोई आपराधिक रहस्य छिपा है। महिला द्वारा अपने अतीत के बारे में किए गए संकेत और अपने पति को विश्वास में न लेने से इनकार, दोनों इसी ओर इशारा करते थे। इसलिए मैंने न्यूयॉर्क पुलिस ब्यूरो के अपने मित्र विल्सन हार्ग्रीव को तार भेजा, जिन्होंने लंदन के अपराधों के बारे में मेरे ज्ञान का कई बार उपयोग किया है। मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्हें एबे स्लेनी का नाम ज्ञात है। उनका उत्तर यह था: 'शिकागो का सबसे खतरनाक अपराधी।' जिस शाम मुझे उनका उत्तर मिला, उसी शाम हिल्टन क्यूबिट ने मुझे स्लेनी का आखिरी संदेश भेजा। ज्ञात अक्षरों के आधार पर, संदेश का स्वरूप इस प्रकार था:

एल्सी . रे . आर टू मीट थाई गो.

एक P और एक D के जुड़ने से एक संदेश पूरा हुआ जिससे मुझे समझ आया कि वह बदमाश अब बहलाने-फुसलाने के बजाय धमकियों की ओर बढ़ रहा था, और शिकागो के बदमाशों के बारे में मेरी जानकारी ने मुझे यह समझने में मदद की कि वह बहुत जल्दी अपनी बातों को अमल में ला सकता है। मैं तुरंत अपने मित्र और सहकर्मी डॉ. वॉटसन के साथ नॉरफ़ॉक आ गया, लेकिन दुर्भाग्य से, तब तक सबसे बुरा हो चुका था।

इंस्पेक्टर ने गर्मजोशी से कहा, "आपके साथ इस मामले को सुलझाने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। लेकिन अगर मैं आपसे खुलकर बात करूं तो मुझे माफ कीजिएगा। आप सिर्फ खुद के प्रति जवाबदेह हैं, लेकिन मुझे अपने वरिष्ठों के प्रति जवाबदेह होना पड़ता है। अगर एल्रिज के घर में रहने वाला यह एबे स्लेनी वाकई

हत्यारा है, और अगर वह मेरे यहां बैठे-बैठे ही भाग निकला है, तो मैं निश्चित रूप से गंभीर मुसीबत में पड़ जाऊंगा।"

आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। वह भागने की कोशिश नहीं करेगा।

"आपको कैसे मालूम?"

"उड़ना अपराध स्वीकार करने के समान होगा।"

"तो चलिए उसे गिरफ्तार करने चलते हैं।"

मुझे हर पल उसके यहाँ आने की उम्मीद है।

लेकिन उसे आना क्यों चाहिए?

"क्योंकि मैंने उन्हें लिखकर पूछा है।"

"लेकिन यह तो अविश्वसनीय है, श्री होम्स! आपके कहने पर वह क्यों आएगा? क्या इस तरह के अनुरोध से उसका संदेह नहीं बढ़ेगा और वह भाग नहीं जाएगा?"

"मुझे लगता है कि मैंने पत्र को सही ढंग से लिखने का तरीका ढूंढ लिया है," शर्लक होम्स ने कहा। "दरअसल, अगर मैं गलत नहीं हूं, तो ये रहे वो सज्जन स्वयं सड़क पर आते हुए।"

एक आदमी दरवाजे की ओर जाने वाले रास्ते पर तेज़ी से आ रहा था। वह लंबा, आकर्षक और सांवला था, जिसने धूसर फलालैन का सूट पहना हुआ था, सिर पर पनामा टोपी, घनी काली दाढ़ी और एक बड़ी, आक्रामक, नुकीली नाक थी, और चलते समय वह अपने हाथ में छड़ी लहरा रहा था। वह ऐसे इतराते हुए रास्ते पर चल रहा था मानो वह जगह उसी की हो, और हमने घंटी की उसकी तेज़, आत्मविश्वास भरी आवाज़ सुनी।

होम्स ने धीमी आवाज़ में कहा, "मुझे लगता है, सज्जनों, कि हमें दरवाज़े के पीछे अपनी जगह ले लेनी चाहिए। ऐसे व्यक्ति से निपटते समय हर सावधानी बरतनी आवश्यक है। इंस्पेक्टर, आपको हथकड़ी की ज़रूरत पड़ेगी। आप बात करने का काम मुझ पर छोड़ दीजिए।"

हम एक मिनट तक खामोशी से इंतज़ार करते रहे— वो एक मिनट जिसे कोई कभी नहीं भूल सकता। फिर दरवाज़ा खुला और वो आदमी अंदर आ गया। पलक झपकते ही होम्स ने पिस्तौल उसके सिर पर तान दी और मार्टिन ने उसकी कलाई पर हथकड़ी पहना दी। सब कुछ इतनी तेज़ी और कुशलता से हुआ कि वो आदमी बेबस हो गया, उसे पता भी नहीं चला कि उस पर हमला हो गया है। उसने अपनी धधकती काली आँखों से हम सब पर नज़र डाली। फिर वो ज़ोर से कड़वी हंसी हंस पड़ा।

"खैर, सज्जनों, इस बार तो आप मुझ पर भारी पड़ गए हैं। लगता है मैं किसी कठोर चीज़ से टकरा गया हूं। लेकिन मैं श्रीमती हिल्टन क्यूबिट के पत्र के जवाब में यहाँ आया हूं। कहीं ऐसा तो नहीं कि वह इसमें शामिल हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि उन्होंने मेरे लिए जाल बिछाने में मेरी मदद की?"

"श्रीमती हिल्टन कुबिट गंभीर रूप से घायल हो गई हैं और उनकी हालत गंभीर है।"

उस आदमी ने दुख से कराहते हुए एक कर्कश चीख मारी, जो पूरे घर में गूंज उठी।

"तुम पागल हो!" वह गुस्से से चिल्लाया। "चोट तो उसे लगी थी, उसे नहीं। छोटी एल्सी को कौन चोट पहुंचा सकता था? मैंने उसे धमकी ज़रूर दी होगी — भगवान मुझे माफ़ करे! — लेकिन मैं उसके सुंदर सिर के एक बाल को भी नहीं छूता। अपनी बात वापस लो — तुम! कहो कि उसे चोट नहीं लगी है!"

वह अपने मृत पति के पास बुरी तरह घायल अवस्था में पाई गई।

वह गहरी आह भरते हुए सोफे पर बैठ गया और हथकड़ी लगे हाथों में अपना चेहरा छिपा लिया। पाँच मिनट तक वह चुप रहा। फिर उसने अपना चेहरा एक बार

फिर उठाया और निराशा की ठंडी गंभीरता के साथ बोला।

"मुझे आपसे कुछ भी छिपाना नहीं है, सज्जनों," उसने कहा। "अगर मैंने उस आदमी को गोली मारी, तो उसने भी मुझ पर गोली चलाई थी, और इसमें हत्या का कोई दोष नहीं है। लेकिन अगर आपको लगता है कि मैं उस औरत को नुकसान पहुंचा सकता था, तो आप न तो मुझे जानते हैं और न ही उसे। मैं आपको बता दूं, इस दुनिया में कोई भी आदमी किसी औरत से उतना प्यार नहीं करता जितना मैंने उससे किया। उस पर मेरा हक था। सालों पहले उसकी शादी मुझसे तय हो गई थी। यह अंग्रेज कौन होता है जो हमारे बीच में आए? मैं आपको बता दूं कि उस पर मेरा पहला हक था, और मैं तो बस अपना हक जता रहा था।"

"जब उसे पता चला कि तुम कैसे इंसान हो, तो उसने तुम्हारे प्रभाव से नाता तोड़ लिया," होम्स ने कड़े स्वर में कहा। "तुमसे बचने के लिए वह अमेरिका से भाग गई और इंग्लैंड में एक सम्मानित सज्जन से शादी कर ली। तुमने उसका पीछा किया, उसे परेशान किया और उसकी जिंदगी को नरक बना दिया, ताकि वह अपने प्रिय और सम्मानित पति को छोड़कर तुम्हारे पास आ जाए, जिससे वह डरती और नफरत करती थी। अंत में तुमने एक नेक इंसान की जान ले ली और उसकी पत्नी को आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया। मिस्टर एबे स्लेनी, इस मामले में तुम्हारा यही हाल है और तुम्हें कानून के सामने इसका हिसाब देना होगा।"

"अगर एल्सी मर जाती है, तो मुझे अपने बारे में कोई परवाह नहीं," अमेरिकी ने कहा। उसने अपना एक हाथ खोला और हथेली में पड़े एक मुड़े हुए नोट को देखा। "देखिए साहब," उसकी आँखों में संदेह की चमक थी, "आप मुझे डराने की कोशिश तो नहीं कर रहे हैं? अगर महिला को उतनी ही चोट लगी है जितनी आप कह रहे हैं, तो यह नोट किसने लिखा है?" उसने नोट को मेज़ पर फेंक दिया।

मैंने इसे इसलिए लिखा ताकि मैं तुम्हें यहां ला सकूं।

"तुमने इसे लिखा? जेल के बाहर धरती पर कोई भी ऐसा नहीं था जो नाचने वाले आदमियों का रहस्य जानता हो। तुमने इसे कैसे लिखा?"

"एक व्यक्ति जो आविष्कार कर सकता है, दूसरा उसे खोज सकता है," होम्स ने कहा। "मिस्टर स्लेनी, आपको नॉरविच ले जाने के लिए एक टैक्सी आ रही है। लेकिन, इस बीच, आपके पास अपने किए गए नुकसान की भरपाई करने का थोड़ा समय है। क्या आपको पता है कि श्रीमती हिल्टन क्यूबिट स्वयं अपने पति की हत्या के गंभीर संदेह के घेरे में थीं, और यह केवल मेरी उपस्थिति और मेरे पास मौजूद जानकारी ही थी जिसने उन्हें इस आरोप से बचाया? कम से कम आप पर इतना तो फर्ज़ बनता है कि आप पूरी दुनिया को यह स्पष्ट कर दें कि उनके दुखद अंत के लिए वे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी तरह से ज़िम्मेदार नहीं थीं।"

अमेरिकी नागरिक ने कहा, "मैं इससे बेहतर कुछ नहीं मांग सकता। मुझे लगता है कि अपने पक्ष में सबसे अच्छी दलील मैं यही दे सकता हूं कि मैं बिल्कुल स्पष्ट और स्पष्ट सत्य बताऊं।"

"मेरा यह कर्तव्य है कि मैं आपको चेतावनी दूं कि इसका इस्तेमाल आपके खिलाफ किया जाएगा," इंस्पेक्टर ने ब्रिटिश आपराधिक कानून के शानदार निष्पक्षतापूर्ण रवैये के साथ चिल्लाकर कहा।

स्लेनी ने अपने कंधे उचका दिए।

"मैं यह जोखिम उठाऊंगा," उसने कहा। "सबसे पहले, मैं चाहता हूं कि आप सज्जन यह समझें कि मैं इस महिला को बचपन से जानता हूं। शिकागो में हम सात लोग एक गिरोह में थे, और एल्सी के पिता उस गिरोह के सरगना थे। बूढ़ा पैट्रिक बड़ा चालाक आदमी था। उसी ने वह लिखावट ईजाद की थी, जो किसी बच्चे की लिखावट जैसी

लगता था, जब तक कि आपके पास उसकी कुंजी न हो। एल्सी ने हमारे कुछ तौर-तरीके सीखे, लेकिन उसे यह धंधा पसंद नहीं आया, और उसके पास अपनी कुछ मेहनत की कमाई भी थी, इसलिए वह हम सबको चकमा देकर लंदन भाग गई। उसकी मुझसे सगाई हुई थी, और मुझे लगता है कि अगर मैंने कोई और पेशा अपनाया होता तो वह मुझसे शादी कर लेती, लेकिन वह क्रूस पर चढ़ाने से जुड़ी किसी भी चीज़ से दूर रहना चाहती थी। इस अंग्रेज से उसकी शादी के बाद ही मुझे पता चला कि वह कहां है। मैंने उसे पत्र लिखा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उसके बाद मैं वहां गया, और चूंकि पत्रों का कोई फायदा नहीं था, इसलिए मैंने अपने संदेश ऐसी जगह रख दिए जहां वह उन्हें पढ़ सके।”

“खैर, मुझे यहां आए एक महीना हो गया है। मैं उस फार्म में रहता था, जहां नीचे एक कमरा था, और मैं हर रात अंदर-बाहर आ-जा सकता था, और किसी को कुछ पता भी नहीं चलता था। मैंने एल्सी को मनाने की हर संभव कोशिश की। मुझे पता था कि वह संदेश पढ़ती है, क्योंकि एक बार उसने उनमें से एक के नीचे जवाब लिखा था। फिर मेरा गुस्सा मुझ पर हावी हो गया, और मैंने उसे धमकाना शुरू कर दिया। तब उसने मुझे एक पत्र भेजा, जिसमें उसने मुझसे चले जाने की विनती की, और कहा कि अगर उसके पति पर कोई बदनामी आई तो उसका दिल टूट जाएगा। उसने कहा कि जब उसका पति सुबह तीन बजे सो रहा होगा, तब वह नीचे आएगी, और मुझसे आखिरी खिड़की से बात करेगी, अगर मैं बाद में चला जाऊं और उसे शांति से रहने दूं। वह नीचे आई और अपने साथ पैसे लाई, मुझे रिश्वत देने की कोशिश कर रही थी। इससे मुझे बहुत गुस्सा आया और मैंने उसका हाथ पकड़कर उसे खिड़की से खींचने की कोशिश की। उसी क्षण पति अपने हाथ में रिवाल्वर लिए अंदर आ गया। एल्सी फर्श पर गिर गई थी, और हम आमने-सामने थे। मैं भी हथियारबंद था, और मैंने उसे डराने के लिए अपनी बंदूक ऊपर उठा ली और मुझे भागने दो। उसने गोली चलाई, लेकिन निशाना चूक गया। मैं लगभग उसी क्षण पीछे हट गया, और वह नीचे गिर गया। मैं बगीचे से भाग निकला, और भागते हुए मैंने अपने पीछे खिड़की बंद होने की आवाज़ सुनी। यह बिल्कुल सच है, सज्जनों, एक-एक शब्द सच है: और मुझे इसके बारे में तब तक कुछ पता नहीं चला जब तक कि वह लड़का घोड़े पर सवार होकर एक नोट लेकर नहीं आया, जिसने मुझे यहां आने पर मजबूर कर दिया, जैसे कोई चिड़िया, और मैंने खुद को आपके हवाले कर दिया।

जब अमेरिकी व्यक्ति बात कर रहा था, तभी एक टैक्सी आकर रुकी। उसमें वर्दीधारी दो पुलिसकर्मी बैठे थे। इंस्पेक्टर मार्टिन उठे और उन्होंने अपने कैदी के कंधे पर हाथ रखा।

अब हमारे जाने का समय हो गया है।

"क्या मैं पहले उससे मिल सकता हूं?"

“नहीं, वह होश में नहीं है। श्री शर्लक होम्स। मैं बस यही आशा करता हूँ कि अगर कभी मुझे कोई महत्वपूर्ण मामला मिले, तो मुझे सौभाग्य से आपका साथ मिले।”

हम खिड़की पर खड़े होकर टैक्सी को जाते हुए देखते रहे। जैसे ही मैंने पीछे मुड़कर देखा, मेरी नज़र उस कागज़ के टुकड़े पर पड़ी जिसे कैदी ने मेज पर फेंका था। यह वही नोट था जिससे होम्स ने उसे फंसाया था।

"देखो, वॉटसन, क्या तुम इसे पढ़ सकते हो," उसने मुस्कुराते हुए कहा।

इसमें कोई शब्द नहीं था, सिवाय नाचते हुए पुरुषों की इस छोटी सी पंक्ति के:

"अगर आप उस कोड का इस्तेमाल करें जो मैंने आपको समझाया है," होम्स ने कहा, "तो आपको पता चलेगा कि इसका सीधा सा मतलब है 'तुरंत यहाँ आओ।' मुझे पूरा यकीन था कि यह एक ऐसा निमंत्रण था जिसे वह ठुकरा नहीं सकता था, क्योंकि वह कभी सोच भी नहीं सकता था कि यह निमंत्रण उस महिला के अलावा किसी और से आ सकता है। और इस तरह, मेरे प्यारे वाटसन, हमने नाचने वाले आदमियों को अच्छाई की राह पर मोड़ दिया है, जबकि वे अक्सर बुराई के एजेंट रहे हैं, और मुझे लगता है कि मैंने आपको आपकी नोटबुक के लिए कुछ अनोखा देने का अपना वादा पूरा कर दिया है। हमारी ट्रेन साढ़े तीन बजे है, और मुझे लगता है कि हम रात के खाने के लिए बेकर स्ट्रीट वापस पहुँच जाएंगे।"

उपसंहार का केवल एक शब्द। अमेरिकी नागरिक एबे स्लेनी को नॉरविच में शीतकालीन न्यायालय में मृत्युदंड दिया गया था, लेकिन परिस्थितियों में नरमी बरतने और इस बात की निश्चितता को देखते हुए कि हिल्टन क्यूबिट ने ही पहली गोली चलाई थी, उनकी सजा को कारावास में बदल दिया गया। श्रीमती हिल्टन क्यूबिट के बारे में मुझे केवल इतना ही पता है कि वे पूरी तरह से स्वस्थ हो गई हैं और अभी भी विधवा हैं, अपना पूरा जीवन गरीबों की देखभाल और अपने पति की संपत्ति के प्रबंधन में समर्पित कर रही हैं।

खाली घर का रोमांच

सन 1894 की वसंत ऋतु में, माननीय रोनाल्ड एडायर की अत्यंत असामान्य और अस्पष्ट परिस्थितियों में हुई हत्या ने पूरे लंदन को स्तब्ध कर दिया था, और संभ्रांत जगत को स्तब्ध कर दिया था। पुलिस जांच में अपराध के जो विवरण सामने आए, वे जनता को पहले ही पता चल चुके हैं, लेकिन उस समय बहुत कुछ दबा दिया गया था, क्योंकि अभियोजन पक्ष का मामला इतना मजबूत था कि सभी तथ्यों को सामने लाना आवश्यक नहीं था। अब, लगभग दस वर्षों के बाद, मुझे उस उल्लेखनीय घटनाक्रम के उन लापता कड़ियों को जोड़ने की अनुमति मिली है। अपराध अपने आप में दिलचस्प था, लेकिन मेरे लिए वह दिलचस्पी उस अकल्पनीय परिणाम के सामने कुछ भी नहीं थी, जिसने मेरे साहसिक जीवन में किसी भी घटना से मुझे सबसे बड़ा सदमा और आश्चर्य दिया। इतने लंबे अंतराल के बाद भी, जब मैं इसके बारे में सोचता हूँ तो रोमांचित हो जाता हूँ, और एक बार फिर उस अचानक खुशी, आश्चर्य और अविश्वास की लहर को महसूस करता हूँ जिसने मेरे मन को पूरी तरह से डुबो दिया था। मैं उन सभी लोगों से कहना चाहता हूँ, जिन्होंने एक असाधारण व्यक्ति के विचारों और कार्यों की उन झलकियों में रुचि दिखाई है जो मैंने उन्हें समय-समय पर दी हैं, कि यदि मैंने अपना ज्ञान उनके साथ साझा नहीं किया है तो वे मुझे दोष नहीं दे सकते, क्योंकि ऐसा करना मेरा पहला कर्तव्य होता, यदि उनके स्वयं के मुख से जारी स्पष्ट प्रतिबंध ने मुझे ऐसा करने से रोका न होता, जिसे पिछले महीने की तीन तारीख को ही वापस लिया गया था।

यह कल्पना की जा सकती है कि शर्लक होम्स के साथ मेरी घनिष्ठता ने मुझे अपराध में गहरी रुचि पैदा कर दी थी, और उनके निधन के बाद मैंने जनता के सामने आने वाले विभिन्न मामलों को ध्यानपूर्वक पढ़ना कभी नहीं छोड़ा। और मैंने अपनी निजी संतुष्टि के लिए, एक से अधिक बार, उनके तरीकों को सुलझाने का प्रयास भी किया, हालांकि

सफलता कुछ खास नहीं मिली। फिर भी, रोनाल्ड एडायर की इस त्रासदी जैसी कोई और घटना मुझे इतनी आकर्षित नहीं कर पाई। जब मैंने जांच में पेश किए गए सबूतों को पढ़ा, जिसके आधार पर किसी अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों के खिलाफ जानबूझकर हत्या का फैसला सुनाया गया, तो मुझे पहले से कहीं अधिक स्पष्ट रूप से यह एहसास हुआ कि शर्लक होम्स की मृत्यु से समाज को कितना बड़ा नुकसान हुआ है। मुझे यकीन था कि इस अजीबोगरीब मामले में कुछ ऐसे पहलू थे जो उन्हें विशेष रूप से आकर्षित करते, और पुलिस के प्रयासों को यूरोप के पहले आपराधिक जासूस के प्रशिक्षित अवलोकन और तेज दिमाग से पूरक बनाया जा सकता था, या शायद पहले से ही अनुमान लगाया जा सकता था। पूरे दिन, जब मैं अपने गश्ती दल में था, मैं इस मामले पर विचार करता रहा और मुझे कोई भी ऐसा स्पष्टीकरण नहीं मिला जो मुझे संतोषजनक लगे। एक बार फिर वही कहानी दोहराने का जोखिम उठाते हुए। मैं उन तथ्यों का सारांश प्रस्तुत करूंगा जो जांच के समापन पर जनता को ज्ञात थे।

माननीय रोनाल्ड एडायर, अर्ल ऑफ मेनोथ के दूसरे पुत्र थे, जो उस समय ऑस्ट्रेलिया की एक कॉलोनी के गवर्नर थे। एडायर की माता मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए ऑस्ट्रेलिया से लौटी थीं और वे, उनके पुत्र रोनाल्ड और पुत्री हिल्डा 427 पार्क लेन स्थित अपने घर में साथ रहते थे। एडायर उच्च सामाजिक परिवेश में पले-बढ़े थे और जहाँ तक ज्ञात था, उनके कोई शत्रु नहीं थे और न ही उनमें कोई विशेष दुर्गुण थे। उनकी सगाई कारस्टेयर्स की मिस एडिथ वुडली से हुई थी, लेकिन कुछ महीने पहले आपसी सहमति से सगाई टूट गई थी और ऐसा कोई संकेत नहीं था कि इस सगाई ने उनके मन पर कोई गहरा प्रभाव छोड़ा हो। अपने शांत स्वभाव और भावहीन प्रकृति के कारण, एडायर ने अपना शेष जीवन एक सीमित और पारंपरिक दायरे में बिताया। फिर भी, 30 मार्च, 1894 की रात दस से ग्यारह बजकर बीस मिनट के बीच, इस सहज स्वभाव वाले युवा कुलीन व्यक्ति की मृत्यु अत्यंत विचित्र और अप्रत्याशित रूप से हुई।

रोनाल्ड एडायर को ताश खेलना बहुत पसंद था — वे लगातार खेलते रहते थे, लेकिन कभी भी इतनी बड़ी रकम नहीं लगाते थे जिससे उन्हें नुकसान हो। वे बाल्डविन, कैवेंडिश और बैगेटेल कार्ड क्लबों के सदस्य थे। यह पता चला कि अपनी मृत्यु के दिन दोपहर के भोजन के बाद उन्होंने बैगेटेल क्लब में व्हिस्ट का एक राउंड खेला था। उन्होंने दोपहर में भी वहीं खेला था। उनके साथ खेलने वाले श्री मरे, सर जॉन हार्डी और कर्नल मोरन के साक्ष्यों से पता चला कि खेल व्हिस्ट था और कार्ड लगभग बराबर ही गिरे थे। एडायर को शायद पाँच पाउंड का नुकसान हुआ होगा, इससे ज्यादा नहीं। उनकी संपत्ति काफी अच्छी थी और इस तरह के नुकसान का उन पर कोई असर नहीं पड़ सकता था। वे लगभग हर दिन किसी न किसी क्लब में खेलते थे, लेकिन वे एक सतर्क खिलाड़ी थे और आमतौर पर जीतते ही उठते थे। साक्ष्यों से यह भी पता चला कि कर्नल मोरन के साथ साझेदारी में उन्होंने कुछ सप्ताह पहले गॉडफ्रे मिलनर और लॉर्ड बालमोरल से एक ही बार में चार सौ बीस पाउंड तक जीते थे। जांच में उनके हाल के इतिहास के बारे में बस इतना ही पता चला।

अपराध की शाम, वह ठीक दस बजे क्लब से लौटा। उसकी माँ और बहन एक रिश्तेदार के साथ शाम बिताने गई हुई थीं। नौकरानी ने गवाही दी कि उसने उसे दूसरी मंजिल के सामने वाले कमरे में प्रवेश करते सुना, जिसका इस्तेमाल वह आमतौर पर बैठक के लिए करता था। उसने वहाँ आग जलाई थी, और जब उसमें से धुआँ निकलने लगा तो उसने खिड़की खोल दी। ग्यारह बजकर बीस मिनट तक कमरे से कोई आवाज़ नहीं आई, यही वह समय था जब लेडी मेनोथ और उनकी बेटी लौटीं। शुभ रात्रि कहने की इच्छा से, उन्होंने अपने बेटे के कमरे में प्रवेश करने का प्रयास किया। दरवाजा अंदर से बंद था, और उनके चिल्लाने और खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। मदद

बुलाई गई, और दरवाज़ा तोड़कर खोला गया। दुर्भाग्यपूर्ण युवक मेज के पास पड़ा मिला। उसके सिर पर रिवाल्वर की गोली से भयानक घाव हो गए थे, लेकिन कमरे में किसी भी प्रकार का कोई हथियार नहीं मिला। मेज पर दस-दस पाउंड के दो नोट और सत्रह पाउंड दस चांदी और सोने के सिक्के पड़े थे, पैसे अलग-अलग मात्रा में छोटे-छोटे ढेरों में रखे हुए थे। कागज की एक शीट पर कुछ आंकड़े भी थे, जिनके सामने क्लब के कुछ मित्रों के नाम लिखे थे, जिससे यह अनुमान लगाया गया कि अपनी मृत्यु से पहले वह ताश के खेल में अपनी हार या जीत का हिसाब लगाने का प्रयास कर रहा था।

परिस्थितियों की बारीकी से जांच करने पर मामला और भी जटिल हो गया। पहली बात तो यह थी कि यह समझ में नहीं आ रहा था कि युवक ने दरवाज़ा अंदर से क्यों बंद किया होगा। यह संभव था कि हत्यारे ने ऐसा किया हो और बाद में खिड़की से भाग गया हो। हालांकि, खिड़की से कम से कम बीस फीट की ऊंचाई से दरवाज़ा बंद किया गया था और नीचे खिले हुए क्रोकस के फूल थे। न तो फूलों पर और न ही मिट्टी पर किसी तरह की छेड़छाड़ के कोई निशान थे, और न ही घर को सड़क से अलग करने वाली घास की पतली पट्टी पर कोई निशान थे। इसलिए, जाहिर तौर पर, दरवाज़ा युवक ने ही बंद किया था। लेकिन उसकी मौत कैसे हुई? कोई भी बिना निशान छोड़े खिड़की तक नहीं चढ़ सकता था। मान लीजिए कि किसी व्यक्ति ने खिड़की से गोली चलाई हो, तो रिवॉल्वर से इतना घातक घाव करने वाला व्यक्ति वाकई एक असाधारण निशानेबाज होगा। फिर, पार्क लेन एक व्यस्त सड़क है; घर से सौ गज की दूरी पर एक टैक्सी स्टैंड है। किसी ने भी गोली चलने की आवाज नहीं सुनी थी। फिर भी, वहां मृत व्यक्ति पड़ा था, और रिवॉल्वर की गोली भी, जो नरम नोक वाली गोलियों की तरह फैलकर एक ऐसा घाव बना चुकी थी जिससे तुरंत मौत हो गई होगी। पार्क लेन रहस्य की परिस्थितियां कुछ इस प्रकार थीं, जो मकसद के पूरी तरह से अभाव के कारण और भी जटिल हो गईं, क्योंकि जैसा कि मैंने कहा है, युवा अडायर का कोई दुश्मन नहीं था, और कमरे में रखे पैसे या कीमती सामान को हटाने का कोई प्रयास नहीं किया गया था।

सारा दिन मैं इन तथ्यों पर विचार करता रहा, यह कोशिश करता रहा कि कोई ऐसा सिद्धांत मिल जाए जो इन सबको आपस में जोड़ सके, और वह सरल रास्ता खोज सकूं जिसे मेरे बेचारे दोस्त ने हर जांच का शुरुआती बिंदु बताया था। मैं मानता हूं कि मुझे ज़्यादा सफलता नहीं मिली। शाम को मैं पार्क में टहल रहा था और लगभग छह बजे पार्क लेन के ऑक्सफ़ोर्ड स्ट्रीट वाले छोर पर पहुंच गया। फुटपाथ पर आवारागर्दी कर रहे कुछ लोग एक खास खिड़की की ओर देख रहे थे, उन्होंने मुझे उस घर का रास्ता दिखाया जिसे देखने मैं आया था। रंगीन चश्मे पहने एक लंबा, पतला आदमी, जिस पर मुझे सादे कपड़ों में जासूस होने का पूरा शक था, अपनी कोई थ्योरी बता रहा था, जबकि बाकी लोग उसकी बातें सुनने के लिए उसके चारों ओर जमा हो गए थे। मैं जितना हो सके उसके पास गया, लेकिन उसकी बातें मुझे बेतुकी लगीं, इसलिए मैं कुछ नाराज़गी के साथ वापस लौट आया। ऐसा करते समय मैं अपने पीछे खड़े एक बूढ़े, कुरूप आदमी से टकरा गया और उसके हाथ में रखी कई किताबें गिर गईं। मुझे याद है कि जब मैंने उन्हें उठाया, तो उनमें से एक का शीर्षक मेरी नज़र में आया, 'वृक्ष पूजा की उत्पत्ति', और मुझे लगा कि वह व्यक्ति कोई बेचारा पुस्तक प्रेमी होगा, जो पेशे या शौक के तौर पर दुर्लभ पुस्तकों का संग्रह करता होगा। मैंने गलती के लिए माफी मांगने की कोशिश की, लेकिन यह स्पष्ट था कि जिन पुस्तकों के साथ मैंने दुर्भाग्यवश इतना बुरा बर्ताव किया था, वे उनके मालिक की नज़रों में बहुत कीमती थीं। उसने घृणा से गुर्राते हुए अपनी एड़ी घुमाई और मैंने उसकी झुकी हुई पीठ और सफेद मूंछों को भीड़ में गायब होते देखा।

पार्क लेन के 427 नंबर वाले मकान का मेरा अवलोकन उस समस्या को सुलझाने में कुछ खास कारगर नहीं रहा जिसमें मेरी दिलचस्पी थी। मकान सड़क से एक नीची दीवार और रेलिंग से अलग था, जिसकी कुल ऊँचाई पाँच फीट से अधिक नहीं थी। इसलिए, किसी के लिए भी बगीचे में जाना बिल्कुल आसान था, लेकिन खिड़की तक पहुँचना पूरी तरह असंभव था, क्योंकि वहाँ न तो कोई पानी का पाइप था और न ही कोई ऐसी चीज़ जिससे कोई भी फुर्तीला आदमी उस पर चढ़ सके। पहले से कहीं अधिक उलझन में पड़कर मैं केंसिंग्टन की ओर वापस लौट गया। मैं अपने अध्ययन कक्ष में पाँच मिनट भी नहीं बैठा था कि नौकरानी अंदर आई और बताया कि कोई मुझसे मिलना चाहता है। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह कोई और नहीं बल्कि मेरा अजीब बूढ़ा पुस्तक संग्राहक था, जिसका तीखा, झुर्रियों वाला चेहरा सफेद बालों के बीच से झाँक रहा था, और उसकी कीमती पुस्तकें, कम से कम एक दर्जन, उसकी दाहिनी बांह के नीचे दबी हुई थीं।

"आप मुझे देखकर आश्चर्यचकित हैं, महोदय," उसने एक अजीब, कर्कश आवाज में कहा।

मैंने स्वीकार किया कि मैं था।

"खैर, मेरा भी ज़मीर है, महोदय, और जब मैंने आपको इस घर में जाते हुए देखा, जब मैं आपके पीछे लंगड़ाते हुए आ रहा था, तो मैंने मन ही मन सोचा, मैं अंदर जाकर उस भले आदमी से मिल लूँ, और उनसे कह दूँ कि अगर मेरा व्यवहार थोड़ा रूखा था तो उसमें कोई बुराई करने का इरादा नहीं था, और मैं उनका बहुत आभारी हूँ कि उन्होंने मेरी किताबें उठा लीं।"

मैंने कहा, "तुम इसे बेवजह ही बड़ा मुद्दा बना रहे हो। क्या मैं पूछ सकता हूँ कि तुम्हें कैसे पता चला कि मैं कौन हूँ?"

"जी महोदय, अगर आपको मेरी बात से कोई आपत्ति न हो, तो मैं आपका पड़ोसी हूँ। मेरी छोटी सी किताबों की दुकान चर्च स्ट्रीट के कोने पर है, और मुझे आपको देखकर बहुत खुशी होगी, मुझे पूरा यकीन है। शायद आप भी कुछ किताबें इकट्ठा कर लें, महोदय। ये लीजिए 'ब्रिटिश बर्ड्स', 'कैटुलस' और 'द होली वार' - हर एक किताब सस्ते दामों पर मिल रही है। पाँच किताबों से तो आप दूसरी शेल्फ पर खाली जगह भर सकते हैं। है ना, वह जगह थोड़ी बिखरी हुई लग रही है, महोदय?"

मैंने अपना सिर घुमाकर अपने पीछे की अलमारी की ओर देखा। जब मैंने दोबारा देखा, तो शर्लक होम्स मेरी अध्ययन मेज के उस पार मुस्कुराते हुए खड़े थे। मैं उठ खड़ा हुआ, कुछ पल तक पूरी तरह अचंभित होकर उन्हें देखता रहा, और फिर ऐसा लगा जैसे मैं अपने जीवन में पहली और आखिरी बार बेहोश हो गया हूँ। मेरी आँखों के सामने एक धुंध छा गई, और जब वह छटी तो मैंने पाया कि मेरे कॉलर के किनारे खुले हुए थे और मेरे होठों पर ब्रांडी का हल्का सा स्वाद था। होम्स मेरी कुर्सी पर झुके हुए थे, उनके हाथ में उनकी बोतल थी।

“मेरे प्यारे वॉटसन,” उस जानी-पहचानी आवाज़ ने कहा, “मैं आपसे हज़ार बार माफ़ी माँगता हूँ। मुझे बिल्कुल भी अंदाज़ा नहीं था कि आप इतने भावुक हो जाएँगे।”

मैंने उसकी बाँहें पकड़ लीं।

“होम्स!” मैं चिल्लाई। “क्या सच में तुम हो? क्या वाकई तुम ज़िंदा हो? क्या यह मुमकिन है कि तुम उस भयानक खाई से बाहर निकलने में कामयाब हो गए?”

“एक पल रुकिए,” उसने कहा। “क्या आप वाकई इस विषय पर चर्चा करने के लिए योग्य हैं? मैंने अपने अनावश्यक नाटकीय पुनरागमन से आपको गंभीर झटका दिया है।”

“मैं ठीक हूँ, लेकिन होम्स, मुझे अपनी आँखों पर विश्वास ही नहीं हो रहा। हे भगवान! यह सोचकर कि आप—आप जैसे व्यक्ति—मेरे अध्ययन कक्ष में खड़े हैं।” मैंने फिर से उनकी आस्तीन पकड़ी और उसके नीचे उनकी पतली, मजबूत बांह महसूस की। “खैर, आप कोई आत्मा तो नहीं हैं,” मैंने कहा। “मेरे प्यारे, आपको देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। बैठ जाइए और बताइए कि आप उस भयानक खाई से कैसे ज़िंदा बाहर आए।”

वह मेरे सामने बैठ गया और अपने पुराने, बेपरवाह अंदाज़ में सिगरेट जलाई। उसने किताबों के व्यापारी वाला पुराना सा फ्रॉककोट पहना हुआ था, लेकिन उसके बाकी शरीर का सार मेज पर बिखरे सफेद बालों और पुरानी किताबों के ढेर में समाया हुआ था। होम्स पहले से भी दुबला और चुस्त लग रहा था, लेकिन उसके तीखे चेहरे पर एक पीलापन सा था जिससे मुझे पता चला कि हाल ही में उसका जीवन स्वस्थ नहीं बीता था।

“वॉटसन, मुझे अपनी क्षमता को आज़माने में खुशी हो रही है,” उसने कहा। “जब एक लंबे आदमी को लगातार कई घंटों तक अपनी लंबाई कम करनी पड़ती है, तो यह कोई मज़ाक नहीं होता। अब, मेरे प्रिय मित्र, इन स्पष्टीकरणों के संबंध में, यदि मैं आपसे सहयोग की अपेक्षा करूं, तो हमारे सामने एक कठिन और जोखिम भरी रात का काम है। शायद बेहतर होगा कि मैं आपको इस काम के समाप्त होने के बाद पूरी स्थिति का विवरण दूं।”

मुझे बहुत जिज्ञासा है। मैं अभी सुनना पसंद करूंगा।

“क्या तुम आज रात मेरे साथ आओगे?”

जब आपको पसंद हो और जहां आपको पसंद हो।

“यह सचमुच पुराने दिनों जैसा है। जाने से पहले हमारे पास भोजन करने के लिए थोड़ा समय होगा। खैर, उस खाई के बारे में। मुझे उससे बाहर निकलने में कोई खास दिक्कत नहीं हुई, क्योंकि मैं कभी उसमें था ही नहीं।”

"क्या आप कभी इसमें शामिल नहीं थे?"

“नहीं, वॉटसन, मैं इसमें शामिल नहीं था। मैंने तुम्हें जो नोट लिखा था, वह बिलकुल सच्चा था। मुझे इस बात का ज़रा भी शक नहीं था कि मेरा करियर खत्म होने वाला है, जब मैंने दिवंगत प्रोफ़ेसर मोरियार्टी की कुछ भयावह आकृति को उस संकरे रास्ते पर खड़े देखा जो सुरक्षा की ओर जाता था। मैंने उनकी धूसर आँखों में एक अटल इरादा देखा। इसलिए मैंने उनसे कुछ बातें कीं और विनम्रतापूर्वक वह छोटा सा नोट लिखने की अनुमति ली जो बाद में तुम्हें मिला। मैंने उसे अपनी सिगरेट की डिब्बी और अपनी छड़ी के पास छोड़ दिया और रास्ते पर चलने लगा, मोरियार्टी अभी भी मेरे पीछे-पीछे था। जब मैं रास्ते के अंत तक पहुँचा तो मैं वहीं रुक गया। उसने कोई हथियार नहीं निकाला, लेकिन वह मुझ पर झपटा और अपनी लंबी बाहों से मुझे जकड़ लिया। वह जानता था कि उसका खेल खत्म हो गया है और वह सिर्फ मुझसे बदला लेने के लिए बेचैन था। हम दोनों गिरने की कगार पर थे। हालाँकि, मुझे बारित्सु, या जापानी कुश्ती प्रणाली का कुछ ज्ञान है, जो मेरे लिए कई बार बहुत उपयोगी साबित हुई है। मैं उसकी पकड़ से छूट गया और वह एक भयानक चीख के साथ कुछ सेकंड तक पागलों की तरह लात मारता रहा और हवा में पंजे मारता रहा। अपने दोनों हाथों से उसने गिरने की कोशिश की, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद वह अपना संतुलन नहीं बना पाया और गिर गया। किनारे पर खड़े होकर मैंने उसे दूर तक गिरते देखा। फिर वह एक चट्टान से टकराया, उछला और पानी में जा गिरा।

मैंने होम्स द्वारा सिगरेट के कश के बीच दिए गए इस स्पष्टीकरण को विस्मय से सुना।

“लेकिन वो पटरियाँ!” मैं चिल्लाई। “मैंने अपनी आँखों से देखा कि दो लोग उस रास्ते पर गए और कोई वापस नहीं लौटा।”

“बात कुछ इस तरह हुई। जैसे ही प्रोफ़ेसर गायब हुए, मुझे एहसास हुआ कि किस्मत ने मेरे लिए कितना बड़ा और अद्भुत संयोग पैदा किया है। मैं जानता था कि मोरियार्टी अकेला ऐसा आदमी नहीं था जिसने मेरी जान लेने की कसम खाई थी। कम से कम तीन और लोग थे जिनकी मेरे प्रति प्रतिशोध की भावना उनके नेता की मृत्यु से और भी बढ़ जाती। वे सभी बेहद खतरनाक आदमी थे। उनमें से कोई न कोई मुझे ज़रूर मार देता। दूसरी ओर, अगर पूरी दुनिया को यकीन हो जाता कि मैं मर गया हूँ, तो ये लोग मनमानी करने लगते, वे जल्द ही खुद को सबके सामने पेश कर देते, और देर-सवेर मैं उन्हें खत्म कर देता। तब मेरे लिए यह ऐलान करने का समय होता कि मैं अभी भी ज़िंदा हूँ। दिमाग इतनी तेज़ी से काम करता है कि मुझे लगता है कि मैंने यह सब प्रोफ़ेसर मोरियार्टी के राइचेनबैक झरने की तलहटी तक पहुँचने से पहले ही सोच लिया था।”

मैं खड़ा हुआ और अपने पीछे की चट्टानी दीवार का मुआयना किया। आपके उस विषय के सुंदर वर्णन में, जिसे मैंने कुछ महीनों बाद बड़े चाव से पढ़ा, आपने दावा किया था कि दीवार एकदम सीधी थी। यह बात अक्षरशः सच नहीं थी। कुछ छोटे-छोटे पैर रखने की जगहें दिखाई दे रही थीं, और एक किनारे का भी कुछ संकेत था। चट्टान इतनी ऊँची थी कि उस पर चढ़ना स्पष्ट रूप से असंभव था, और गीले रास्ते पर बिना निशान छोड़े आगे बढ़ना भी उतना ही असंभव था। यह सच है कि मैं अपने जूते उलट सकता था, जैसा कि मैंने पहले भी कई बार किया है, लेकिन एक ही दिशा में तीन निशानों को देखकर धोखा होने का संदेह ज़रूर होता। कुल मिलाकर, यही बेहतर था कि मैं चढ़ाई का जोखिम उठाऊं। यह कोई सुखद अनुभव नहीं था, वॉटसन। मेरे नीचे गहरी खाई की गर्जना सुनाई दे रही थी। मैं कल्पनाशील व्यक्ति नहीं हूँ, लेकिन मैं आपको वचन देता हूँ कि मुझे ऐसा लगा जैसे खाई से मोरियार्टी की चीख सुनाई दे रही हो। एक गलती जानलेवा साबित हो सकती थी। एक से अधिक बार, जब घास के गुच्छे मेरे हाथ में आ गए या मेरा पैर गीले गड्ढों में फिसल गया... चट्टान से गिरते ही मुझे लगा कि मैं मर चुका हूँ। लेकिन मैंने संघर्ष करते हुए ऊपर की ओर चढ़ाई की, और अंततः मैं कई फीट गहरी और मुलायम हरी काई से ढकी एक चट्टान पर पहुँच गया, जहाँ मैं पूरी तरह से आराम से, बिना किसी की नज़र में आए लेट सकता था। वहीं मैं लेटा हुआ थी, जब आप, मेरे प्रिय वॉटसन, और आपके सभी साथी अत्यंत सहानुभूतिपूर्ण और अप्रभावी ढंग से मेरी मृत्यु की परिस्थितियों की जाँच कर रहे थे।

अंत में, जब आप सभी ने अपने अपरिहार्य और पूरी तरह से गलत निष्कर्ष निकाल लिए, तो आप होटल के लिए रवाना हो गए, और मैं अकेला रह गया। मैंने सोचा था कि मेरे रोमांच का अंत हो गया है, लेकिन एक बहुत ही अप्रत्याशित घटना ने मुझे दिखाया कि मेरे लिए अभी भी कई आश्चर्य बाकी हैं। ऊपर से गिरता हुआ एक विशाल पत्थर मेरे पास से गड़गड़ाता हुआ गुजरा, रास्ते से टकराया और खाई में जा गिरा। एक पल के लिए मुझे लगा कि यह एक दुर्घटना थी, लेकिन एक क्षण बाद, ऊपर देखते हुए, मैंने अंधेरे होते आकाश के सामने एक आदमी का सिर देखा, और एक और पत्थर ठीक उसी चट्टान से टकराया जिस पर मैं लेटा हुआ था, मेरे सिर से एक फुट की दूरी पर। बेशक, इसका अर्थ स्पष्ट था। मोरियार्टी अकेला नहीं था। एक साथी - और उस एक नज़र ने ही मुझे बता दिया था कि वह साथी कितना खतरनाक आदमी था - प्रोफेसर के मुझ पर हमला करने के दौरान पहरा दे रहा था। दूर से, मेरी नज़र से ओझल, वह अपने दोस्त की मौत और मेरे भागने का गवाह था। उसने इंतजार किया, और फिर चट्टान की

चोटी पर पहुँचकर, उसने उसने उस काम में सफलता प्राप्त करने का प्रयास किया था जहाँ उसका साथी असफल रहा था।

"वॉटसन, मैंने इस बारे में ज़्यादा देर नहीं सोची। फिर से मैंने उस भयानक चेहरे को चट्टान के ऊपर से झांकते देखा, और मैं समझ गया कि यह किसी और पत्थर के गिरने का संकेत है। मैं तेज़ी से नीचे रास्ते पर उतर गया। मुझे नहीं लगता कि मैं यह ठंडे दिमाग से कर पाता। ऊपर चढ़ने से सौ गुना ज़्यादा मुश्किल था। लेकिन मुझे ख़तरे के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिला, क्योंकि जब मैं चट्टान के किनारे से हाथों के बल लटका हुआ था, तभी एक और पत्थर मेरे पास से सरसराता हुआ गुज़रा। आधे रास्ते में ही मैं फिसल गया, लेकिन ईश्वर की कृपा से मैं घायल और खून से लथपथ रास्ते पर आ गिरा। मैं भागा, अंधेरे में पहाड़ों पर दस मील का सफ़र तय किया, और एक हफ़्ते बाद मैं फ्लोरेंस में था, इस यकीन के साथ कि दुनिया में किसी को नहीं पता कि मेरा क्या हुआ।"

"मेरा एकमात्र विश्वासपात्र मेरा भाई माइक्रॉफ्ट था। प्रिय वॉटसन, मैं आपसे बहुत क्षमा चाहता हूँ, लेकिन यह सर्वोपरि था कि यह माना जाए कि मैं मर चुका हूँ, और यह बिल्कुल निश्चित है कि यदि आपने स्वयं इसे सत्य न माना होता तो आप मेरे दुखद अंत का इतना विश्वसनीय विवरण नहीं लिखते। पिछले तीन वर्षों में कई बार मैंने आपको पत्र लिखने के लिए कलम उठाई, लेकिन हमेशा मुझे डर रहा कि कहीं मेरे प्रति आपका स्नेह आपको किसी ऐसी नासमझी में न फंसा दे जिससे मेरा रहस्य उजागर हो जाए। इसी कारण आज शाम जब आपने मेरी किताबें उलट दीं तो मैं आपसे मुँह फेर लिया, क्योंकि उस समय मैं ख़तरे में था, और आपकी ओर से किसी भी प्रकार की हैरानी या भावना का प्रदर्शन मेरी पहचान उजागर कर सकता था और इसके अत्यंत दुखद और अपूरणीय परिणाम हो सकते थे। माइक्रॉफ्ट की बात करें तो, मुझे आवश्यक धन प्राप्त करने के लिए उस पर भरोसा करना पड़ा। लंदन में घटनाएँ मेरी आशा के अनुरूप नहीं रहीं, क्योंकि मोरियार्टी गिरोह के मुकदमे में उसके दो सबसे ख़तरनाक सदस्य, मेरा सबसे प्रतिशोधी साथी, बच गए। दुश्मन, आज़ाद। इसलिए मैंने तिब्बत में दो साल बिताए और ल्हासा जाकर तथा मुख्य लामा के साथ कुछ दिन बिताकर अपना मनोरंजन किया। आपने सिगर्सन नामक एक नार्वेजियन के उल्लेखनीय अन्वेषणों के बारे में पढ़ा होगा, लेकिन मुझे यकीन है कि आपको कभी यह ख़्याल नहीं आया होगा कि आपको अपने मित्र की खबर मिल रही है। फिर मैं फारस से गुजरा, मक्का का दौरा किया और खार्तूम में खलीफा से एक संक्षिप्त लेकिन रोचक मुलाकात की, जिसके परिणाम मैंने विदेश कार्यालय को बता दिए हैं। फ्रांस लौटकर, मैंने कुछ महीने कोल-टार डेरिवेटिव्स पर शोध में बिताए, जो मैंने दक्षिणी फ्रांस के मोंटपेलियर में एक प्रयोगशाला में किया। जब मैंने इस शोध को संतोषजनक ढंग से पूरा कर लिया और यह जानकर कि लंदन में मेरा केवल एक ही दुश्मन बचा है, मैं वापस लौटने ही वाला था कि इस बेहद उल्लेखनीय पार्क लेन रहस्य की खबर ने मेरी गतिविधियों को तेज़ कर दिया, जिसने न केवल मुझे अपने गुणों के कारण आकर्षित किया, बल्कि ऐसा प्रतीत हुआ कि यह कुछ बेहद खास व्यक्तिगत अवसर भी प्रदान करता है। मैं तुरंत लंदन आया, बेकर स्ट्रीट में खुद जाकर श्रीमती हडसन से मिला। मुझे बहुत घबराहट हुई, और मैंने पाया कि माइक्रॉफ्ट ने मेरे कमरे और मेरे कागज़ात बिल्कुल वैसे ही रखे थे जैसे वे हमेशा से थे। तो, मेरे प्यारे वॉटसन, आज दोपहर दो बजे मैंने खुद को अपने पुराने कमरे में अपनी पुरानी कुर्सी पर पाया, और बस यही कामना कर रही थी कि काश मैं अपने पुराने दोस्त वॉटसन को उस दूसरी कुर्सी पर देख पाती जिस पर वह अक्सर बैठते थे।

अप्रैल की उस शाम मैंने जो अद्भुत वृत्तांत सुना, वह मेरे लिए पूरी तरह अविश्वसनीय होता, अगर मैंने उस लंबे, दुबले-पतले शरीर और उत्सुक, उत्साहित चेहरे

को अपनी आँखों से न देखा होता, जिसे मैंने दोबारा देखने की कभी कल्पना भी नहीं की थी। किसी न किसी तरह उसे मेरे शोक का पता चल गया था, और उसकी सहानुभूति उसके शब्दों से ज़्यादा उसके हाव-भाव में झलक रही थी। "काम दुख का सबसे अच्छा इलाज है, मेरे प्यारे वॉटसन," उसने कहा; "और आज रात हम दोनों के लिए एक काम है, जिसे अगर हम सफलतापूर्वक पूरा कर लें, तो इस धरती पर एक इंसान के जीवन का यही अर्थ होगा।" मैंने उससे और बताने की व्यर्थ विनती की। "सुबह होने से पहले तुम काफ़ी कुछ सुन और देख लोगे," उसने उत्तर दिया। "हमें बीते तीन सालों की बात करनी है। साढ़े नौ बजे तक इतना काफ़ी है, जब हम खाली घर के उस रोमांचक सफ़र पर निकलेंगे।"

सचमुच पुराने दिनों की याद आ गई जब उस समय मैं खुद को उसके बगल में एक गाड़ी में बैठा पाया, मेरी जेब में रिवॉल्वर थी और मेरे दिल में रोमांच भरा उत्साह था। होम्स शांत, गंभीर और मौन था। जैसे ही स्ट्रीट लैंप की रोशनी उसके गंभीर चेहरे पर पड़ी, मैंने देखा कि उसकी भौंहें सोच में डूबी हुई थीं और उसके पतले होंठ कसे हुए थे। मुझे नहीं पता था कि हम लंदन के आपराधिक जंगल में किस खूंखार जानवर का शिकार करने वाले थे, लेकिन इस माहिर शिकारी के हावभाव से मुझे पूरा यकीन था कि यह एक गंभीर चुनौती थी - जबकि उसकी गंभीर उदासी को चीरती हुई व्यंग्यात्मक मुस्कान हमारे लक्ष्य के लिए कुछ अच्छा संकेत नहीं दे रही थी।

मैंने सोचा था कि हम बेकर स्ट्रीट जा रहे हैं, लेकिन होम्स ने कैवेंडिश स्क्वायर के कोने पर टैक्सी रोक दी। मैंने देखा कि टैक्सी से उतरते ही उन्होंने दाएं-बाएं बड़ी सावधानी से देखा, और हर अगले गली के कोने पर उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश की कि कोई उनका पीछा न कर रहा हो। हमारा रास्ता वाकई अनोखा था। लंदन की गलियों का होम्स को असाधारण ज्ञान था, और इस बार वे अस्तबलों और घोड़ों के बाड़ों के जाल से तेज़ी से और आत्मविश्वास से भरे कदमों से गुज़रे, जिनके अस्तित्व के बारे में मुझे कभी पता ही नहीं था। अंत में हम एक छोटी सी सड़क पर पहुँचे, जिसके किनारे पुराने, उदास मकान बने हुए थे, जो हमें मैनचेस्टर स्ट्रीट और फिर ब्लैंडफोर्ड स्ट्रीट तक ले गई। यहाँ वे तेज़ी से एक संकरे रास्ते में मुड़े, एक लकड़ी के गेट से होकर एक सुनसान आँगन में गए, और फिर एक घर का पिछला दरवाज़ा चाबी से खोला। हम दोनों अंदर गए, और उन्होंने हमारे पीछे दरवाज़ा बंद कर दिया।

वह जगह घोर अंधेरी थी, लेकिन मुझे स्पष्ट रूप से पता चल गया था कि वह एक खाली घर था। नंगे तख्तों पर हमारे पैर चरमराते और चटकते हुए चले, और मेरा फैला हुआ हाथ उस दीवार से टकराया जिस पर कागज़ पट्टियों में लटका हुआ था। होम्स की ठंडी, पतली उंगलियों ने मेरी कलाई को जकड़ लिया और मुझे एक लंबे गलियारे में आगे ले गए, जब तक कि मुझे दरवाज़े के ऊपर धुंधली सी रोशनदान दिखाई नहीं दी। यहाँ होम्स अचानक दाईं ओर मुड़े, और हम खुद को एक बड़े, चौकोर, खाली कमरे में पाए, जिसके कोने घने अंधेरे में डूबे हुए थे, लेकिन बीच में सड़क की रोशनी से हल्की रोशनी थी। पास में कोई दीपक नहीं था, और खिड़की धूल से भरी हुई थी, इसलिए हम एक-दूसरे की आकृति को मुश्किल से ही देख पा रहे थे। मेरे साथी ने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा और अपने होंठ मेरे कान के पास ले आए।

“क्या तुम्हें पता है हम कहाँ हैं?” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

"ज़रूर यह बेकर स्ट्रीट ही होगी," मैंने धुंधली खिड़की से बाहर देखते हुए जवाब दिया।

“बिल्कुल सही। हम कैमडेन हाउस में हैं, जो हमारे पुराने क्वार्टर के ठीक सामने स्थित है।”

लेकिन हम यहां क्यों हैं?

“क्योंकि यहाँ से उस खूबसूरत इमारत का बहुत ही शानदार नज़ारा दिखता है। क्या मैं आपसे थोड़ी गुज़ारिश करूं, मेरे प्यारे वॉटसन, कि आप खिड़की के थोड़ा और पास आ जाएँ, इस बात का पूरा ध्यान रखते हुए कि आप दिखाई न दें, और फिर हमारे पुराने कमरों को देखें—जो आपकी कई छोटी-छोटी परियों की कहानियों का शुरुआती बिंदु रहे हैं? हम देखेंगे कि क्या मेरी तीन साल की अनुपस्थिति ने आपको आश्चर्यचकित करने की मेरी क्षमता को पूरी तरह से छीन लिया है।”

मैं दबे पांव आगे बढ़ा और उस जानी-पहचानी खिड़की की ओर देखा। जैसे ही मेरी नज़र उस पर पड़ी, मैं चौंक उठा और हैरानी से चीख उठा। पर्दा नीचे था और कमरे में तेज़ रोशनी जल रही थी। अंदर कुर्सी पर बैठे एक आदमी की परछाई खिड़की के चमकदार पर्दे पर एक गहरी, काली आकृति के रूप में उभर रही थी। सिर का संतुलन, कंधों की चौड़ाई और चेहरे की तीक्ष्णता स्पष्ट थी। चेहरा आधा मुड़ा हुआ था, और ऐसा लग रहा था जैसे हमारे दादा-दादी द्वारा फ्रेम किए जाने वाले उन काले साये में से एक हो। यह होम्स की हूबहू प्रतिकृति थी। मैं इतना हैरान था कि मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए अपना हाथ बढ़ाया कि वह आदमी मेरे बगल में ही खड़ा है। वह खामोश हंसी से कांप रहा था।

“तो?” उसने कहा।

“हे भगवान!” मैं चिल्लाई। “यह तो अद्भुत है।”

“मुझे विश्वास है कि उम्र मेरी अनंत विविधता को न तो मुरझाएगी और न ही रीति-रिवाज उसे बासी कर देंगे,” उन्होंने कहा, और मैंने उनकी आवाज़ में कलाकार की अपनी रचना के प्रति खुशी और गर्व को पहचाना। “यह सचमुच मेरे जैसा ही है, है ना?”

मुझे यह शपथ लेने के लिए तैयार रहना चाहिए कि यह आपने ही किया था।

“इस प्रतिमा को बनाने का श्रेय ग्रेनोबल के महाशय ऑस्कर मेयुनियर को जाता है, जिन्होंने इसे आकार देने में कुछ दिन बिताए। यह मोम की प्रतिमा है। बाकी व्यवस्था मैंने आज दोपहर बेकर स्ट्रीट की अपनी यात्रा के दौरान स्वयं की।”

"लेकिन क्यों?"

"क्योंकि, मेरे प्रिय वॉटसन, मेरे पास कुछ लोगों को यह सोचने का सबसे मजबूत कारण था कि मैं वहां मौजूद थी जबकि वास्तव में मैं कहीं और थी।"

"और आपको लगा कि कमरों पर नज़र रखी जा रही थी?"

मुझे पता था कि उन पर नजर रखी जा रही है।

"किसके द्वारा?"

“मेरे पुराने दुश्मनों की कसम, वॉटसन। उस आकर्षक समाज की कसम जिसका मुखिया राइचेनबैक जलप्रपात में पड़ा है। तुम्हें याद रखना चाहिए कि वे जानते थे, और केवल वे ही जानते थे, कि मैं अभी भी जीवित हूँ। उन्हें विश्वास था कि देर-सवेर मैं अपने कमरों में वापस आ जाऊंगा। वे लगातार उन पर नज़र रख रहे थे, और आज सुबह उन्होंने मुझे आते हुए देखा।”

"आपको कैसे मालूम?"

“क्योंकि खिड़की से बाहर देखते ही मैंने उनके पहरेदार को पहचान लिया। वह एक सीधा-सादा आदमी है, नाम पार्कर, पेशे से गला घोंटने वाला और यहूदियों पर तलवार चलाने में माहिर। मुझे उससे कोई मतलब नहीं था। लेकिन मुझे उस कहीं ज़्यादा खतरनाक आदमी की बहुत परवाह थी जो उसके पीछे था, मोरियार्टी का जिगरी दोस्त, वह आदमी जिसने चट्टान से पत्थर गिराए थे, लंदन का सबसे शातिर और खतरनाक अपराधी। वही आदमी आज रात मेरे पीछे पड़ा है, वॉटसन, और वही आदमी इस बात से बिल्कुल अनजान है कि हम उसके पीछे पड़े हैं।”

मेरे मित्र की योजनाएँ धीरे-धीरे स्पष्ट हो रही थीं। इस सुविधाजनक ठिकाने से, देखने वालों पर नज़र रखी जा रही थी और पीछा करने वालों का पीछा किया जा रहा था। दूर दिख रही वह नुकीली परछाई चारा थी, और हम शिकारी थे। हम अंधेरे में चुपचाप खड़े रहे और अपने सामने से गुज़रते हुए भागते-दौड़ते लोगों को देखते रहे। होम्स चुप और स्थिर था; लेकिन मैं समझ गया था कि वह बहुत सतर्क था, और उसकी आँखें राहगीरों की भीड़ पर टिकी हुई थीं। वह एक उदास और शोरगुल भरी रात थी, और लंबी गली में हवा ज़ोर से सीटी बजा रही थी। बहुत से लोग इधर-उधर आ-जा रहे थे, उनमें से अधिकांश ने अपने कोट और टाई पहन रखी थी। एक-दो बार मुझे लगा कि मैंने उसी आकृति को पहले भी देखा है, और मैंने विशेष रूप से दो आदमियों को देखा जो गली में कुछ दूरी पर एक घर के दरवाज़े पर हवा से बचने के लिए खड़े थे। मैंने अपने साथी का ध्यान उनकी ओर खींचने की कोशिश की; लेकिन उसने थोड़ी सी अधीरता दिखाई, और गली में घूरता रहा। कई बार वह अपने पैरों को हिलाता रहा और अपनी उंगलियों से दीवार पर तेज़ी से थपथपाता रहा। मुझे स्पष्ट रूप से समझ आ गया था कि वह बेचैन हो रहा है और उसकी योजनाएँ उसकी उम्मीदों के मुताबिक पूरी तरह से सफल नहीं हो रही हैं। आखिरकार, जैसे-जैसे आधी रात नज़दीक आ रही थी और सड़क धीरे-धीरे सुनसान हो रही थी, वह कमरे में बेकाबू होकर इधर-उधर चक्कर लगाने लगा। मैं उससे कुछ कहने ही वाला था कि तभी मेरी नज़र रोशन खिड़की पर पड़ी और मुझे फिर से लगभग उतना ही आश्चर्य हुआ जितना पहले हुआ था। मैंने होम्स का हाथ पकड़ा और ऊपर की ओर इशारा किया।

"परछाई हिल गई!" मैंने चिल्लाकर कहा।

दरअसल, अब सामने का हिस्सा नहीं, बल्कि पीठ हमारी ओर मुड़ी हुई थी।

तीन साल बीतने के बावजूद उनके स्वभाव की कठोरता या अपने से कम बुद्धि वाले लोगों के प्रति उनकी अधीरता में कोई कमी नहीं आई थी।

"ज़रूर, यह हिल गया होगा," उसने कहा। "क्या मैं इतना मूर्ख और नासमझ हूँ, वॉट्सन, कि मैं एक साफ़-साफ़ दिखने वाली नकली चीज़ खड़ी कर दूँ और उम्मीद करूँ कि यूरोप के सबसे तेज़ दिमाग वाले लोग भी इससे धोखा खा जाएँगे? हम इस कमरे में दो घंटे से हैं, और श्रीमती हडसन ने उस आकृति में आठ बार, या हर पंद्रह मिनट में एक बार, कुछ न कुछ बदलाव किया है। वह इसे सामने से चलाती हैं, ताकि उनकी परछाई कभी दिखाई न दे। आह!" उसने उत्तेजित होकर एक तीखी साँस ली। धुंधली रोशनी में मैंने देखा कि उसका सिर आगे की ओर झुका हुआ था, उसका पूरा शरीर ध्यान से अकड़ा हुआ था। बाहर सड़क बिल्कुल सुनसान थी। वे दोनों आदमी शायद अभी भी दरवाज़े पर दुबके हुए हों, लेकिन मैं उन्हें अब देख नहीं पा रहा था। सब कुछ शांत और अंधेरा था, सिवाय हमारे सामने उस चमकदार पीले पर्दे के, जिसके बीच में काली आकृति की रूपरेखा बनी हुई थी। फिर से घोर सन्नाटे में मैंने वह पतली, फुसफुसाती आवाज़ सुनी जो तीव्र दबी हुई उत्तेजना को बयां कर रही थी। एक पल बाद उसने मुझे कमरे के सबसे अंधेरे कोने में खींच लिया, और मैंने अपने होठों पर उसका चेतावनी भरा हाथ महसूस किया। मुझे जकड़ने वाली उंगलियां कांप रही थीं। मैंने अपने दोस्त को इतना भावुक पहले कभी नहीं देखा था, फिर भी अंधेरी सड़क हमारे सामने सुनसान और स्थिर फैली हुई थी।

लेकिन अचानक मुझे उस बात का एहसास हुआ जिसे उसकी तेज़ इंद्रियों ने पहले ही पहचान लिया था। मेरे कानों में एक धीमी, दबी हुई आवाज़ आई, बेकर स्ट्रीट की तरफ से नहीं, बल्कि उसी घर के पीछे से जिसमें हम छिपे हुए थे। एक दरवाज़ा खुला और बंद हो गया। एक पल बाद गलियारे में कदमों की आहट सुनाई दी - ये कदम चुपचाप चलने चाहिए थे, लेकिन खाली घर में इनकी गूंज तेज़ थी। होम्स दीवार से

सटककर पीछे हट गया, और मैंने भी ऐसा ही किया, मेरा हाथ रिवॉल्वर के हैंडल पर था। अंधेरे में झांकते हुए, मैंने एक आदमी की धुंधली आकृति देखी, जो खुले दरवाज़े के कालेपन से भी ज़्यादा काली थी। वह एक पल के लिए खड़ा रहा, और फिर रेंगता हुआ, झुकता हुआ, धमकी भरा अंदाज़ में कमरे में घुस गया। वह हमसे तीन गज की दूरी पर थी, यह भयावह आकृति, और मैंने उसके हमले का सामना करने के लिए खुद को तैयार कर लिया था, इससे पहले कि मुझे एहसास हुआ कि उसे हमारी मौजूदगी का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था। वह हमारे पास से गुज़रा, खिड़की के पास गया, और बहुत धीरे से और बिना आवाज़ किए उसे आधा फुट ऊपर उठा दिया। जैसे ही वह इस खुले स्थान के स्तर तक नीचे उतरा, धूल भरे शीशे से धुंधली न होकर सड़क की रोशनी सीधे उसके चेहरे पर पड़ी। वह आदमी मानो उत्तेजना से बेहाल था। उसकी दोनों आँखें तारों की तरह चमक रही थीं और उसके चेहरे के भाव बेकाबू थे। वह एक बूढ़ा आदमी था, जिसकी पतली, उभरी हुई नाक, ऊँचा, गंजा माथा और घनी भूरी मूंछें थीं। उसने अपने सिर के पीछे एक ओपेरा टोपी टांग रखी थी और उसके खुले ओवरकोट से उसकी शाम की पोशाक की कमीज का सामने का हिस्सा चमक रहा था। उसका चेहरा दुबला-पतला और सांवला था, जिस पर गहरी, कठोर रेखाएँ थीं। उसके हाथ में एक छड़ी जैसी कोई चीज़ थी, लेकिन जैसे ही उसने उसे ज़मीन पर रखा, उसमें से धातु की खनक सुनाई दी। फिर उसने अपने ओवरकोट की जेब से एक भारी वस्तु निकाली और किसी काम में लग गया, जो एक तेज़, तीखी क्लिक की आवाज़ के साथ समाप्त हुआ, मानो कोई स्प्रिंग या बोल्ट अपनी जगह पर गिर गया हो। ज़मीन पर घुटनों के बल बैठे हुए, वह आगे झुका और अपना सारा वज़न और ताकत किसी लीवर पर लगा दी, जिसके परिणामस्वरूप एक लंबी, घूमती हुई, घिसने जैसी आवाज़ आई, जो एक ज़ोरदार क्लिक के साथ समाप्त हुई। फिर वह सीधा हुआ, और मैंने देखा कि उसके हाथ में एक अजीब सी टेढ़ी-मेढ़ी बट वाली बंदूक थी। उसने उसे ब्रीच से खोला, उसमें कुछ डाला, और ब्रीच-लॉक बंद कर दिया। फिर, नीचे झुककर, उसने बैरल का सिरा खुली खिड़की के किनारे पर टिका दिया, और मैंने उसकी लंबी मूंछें बट के ऊपर लटकती देखीं और उसकी आंखें चमक उठीं जब उसने निशाना साधा। मैंने संतुष्टि की एक हल्की सी आह सुनी जब उसने बट को अपने कंधे पर टिकाया, और उस अद्भुत लक्ष्य को देखा, पीली ज़मीन पर खड़ा काला आदमी, उसकी दूरदृष्टि के अंत में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। एक पल के लिए वह अकड़ा हुआ और गतिहीन था। फिर उसकी उंगली ट्रिगर पर कस गई। एक अजीब सी, तेज़ सीटी बजी और टूटे हुए कांच की एक लंबी, चांदी जैसी झनझनाहट सुनाई दी। उसी क्षण होम्स एक बाघ की तरह निशानेबाज़ की पीठ पर झपटा और उसे मुंह के बल गिरा दिया। वह पल भर में उठ खड़ा हुआ और पूरी ताकत से होम्स का गला पकड़ लिया, लेकिन मैंने अपने रिवॉल्वर के बट से उसके सिर पर वार किया और वह फिर से ज़मीन पर गिर गया। मैं उस पर टूट पड़ा और जब मैं उसे पकड़े हुए था, तभी मेरे साथी ने सीटी बजाकर ज़ोर से आवाज़ लगाई। फुटपाथ पर भागते कदमों की आहट सुनाई दी और वर्दीधारी दो पुलिसकर्मी, एक सादे कपड़ों वाले जासूस के साथ, मुख्य द्वार से अंदर कमरे में घुस आए।

"क्या तुम लेस्ट्रेड हो?" होम्स ने कहा।

जी हां, श्रीमान होम्स। मैंने खुद यह नौकरी ली है। आपको लंदन में वापस देखकर अच्छा लगा, महोदय।

"मुझे लगता है कि आपको थोड़ी अनौपचारिक मदद की ज़रूरत है। एक साल में तीन अनसुलझे हत्याकांड बर्दाश्त नहीं किए जा सकते, लेस्ट्रेड। लेकिन आपने मोलेसी रहस्य को सामान्य से कम संसाधनों के साथ सुलझाया - यानी, आपने इसे काफी अच्छे से संभाला।"

हम सब उठ खड़े हुए, हमारा कैदी हांफ रहा था, उसके दोनों ओर एक-एक मजबूत कांस्टेबल खड़ा था। गली में पहले से ही कुछ आवारा लोग जमा होने लगे थे। होम्स खिड़की के पास गए, उसे बंद किया और पर्दे गिरा दिए। लेस्ट्रेड ने दो मोमबत्तियां निकालीं और पुलिसकर्मियों ने अपनी लालटेनें खोल दीं। आखिरकार मुझे अपने कैदी को अच्छी तरह देखने का मौका मिला।

वह एक बेहद शक्तिशाली और फिर भी भयावह चेहरा था जो हमारी ओर मुड़ा हुआ था। ऊपर दार्शनिक जैसी भौंहें और नीचे कामुक जबड़े वाले उस व्यक्ति में अच्छाई या बुराई की अपार क्षमता रही होगी। लेकिन उसकी क्रूर नीली आँखों को, झुकी हुई, व्यंग्यात्मक पलकों के साथ, या उसकी उग्र, आक्रामक नाक और धमकी भरे, गहरी रेखाओं वाले माथे को देखकर प्रकृति के सबसे स्पष्ट खतरे के संकेतों को समझना असंभव नहीं था। उसने हममें से किसी पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि उसकी निगाहें होम्स के चेहरे पर टिकी हुई थीं, जिसमें घृणा और आश्चर्य दोनों समान रूप से मिश्रित थे। "तू शैतान!" वह लगातार बुदबुदा रहा था। "तू चालाक, चालाक शैतान!"

“आह, कर्नल!” होम्स ने अपने अस्त-व्यस्त कॉलर को ठीक करते हुए कहा। “जैसा कि पुराने नाटक में कहा गया है, ‘यात्राएँ प्रेमियों के मिलन में समाप्त होती हैं।’ मुझे नहीं लगता कि राइचेनबैक झरने के ऊपर चट्टान पर लेटे हुए आपने मुझे जो स्नेहपूर्ण स्पर्श दिया था, उसके बाद से मुझे आपसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।”

कर्नल अब भी मेरे दोस्त को किसी सम्मोहन में डूबे व्यक्ति की तरह घूर रहा था। "तू धूर्त, धूर्त शैतान है!" बस इतना ही वह कह सका।

“मैंने अभी तक आपका परिचय नहीं कराया है,” होम्स ने कहा। “महोदय, ये हैं कर्नल सेबेस्टियन मोरान, जो कभी महारानी की भारतीय सेना में थे और हमारे पूर्वी साम्राज्य के अब तक के सबसे कुशल शिकारी हैं। कर्नल जी, मुझे लगता है कि मैं सही कह रहा हूँ कि आपके द्वारा मारे गए बाघों का बेजोड़ संग्रह आज भी बेमिसाल है।”

उस क्रूर बूढ़े व्यक्ति ने कुछ नहीं कहा, लेकिन फिर भी मेरे साथी को घूरता रहा। अपनी क्रूर आँखों और घनी मूँछों के साथ वह सचमुच एक बाघ जैसा लग रहा था।

“मुझे आश्चर्य है कि मेरी इतनी सरल रणनीति इतने अनुभवी शिकारी को कैसे चकमा दे सकती है,” होम्स ने कहा। “यह आपके लिए बहुत जानी-पहचानी होगी। क्या आपने कभी किसी छोटे बच्चे को पेड़ के नीचे नहीं बांधा, उसके ऊपर राइफल लेकर लेटे नहीं और चारा देखकर अपने बाघ के आने का इंतजार नहीं किया? यह खाली घर मेरा पेड़ है और आप मेरे बाघ हैं। आपने शायद कुछ और बंदूकें भी तैयार रखी होंगी, ताकि अगर कई बाघ आ जाएं या आपका निशाना चूक जाए तो आप उनका इस्तेमाल कर सकें। ये,” उन्होंने चारों ओर इशारा करते हुए कहा, “मेरी दूसरी बंदूकें हैं। समानता बिल्कुल सटीक है।”

कर्नल मोरन क्रोध से दहाड़ते हुए आगे बढ़े, लेकिन कांस्टेबलों ने उन्हें पीछे खींच लिया। उनके चेहरे पर दिख रहा क्रोध भयावह था।

“मैं स्वीकार करता हूँ कि आपने मेरे लिए एक छोटा सा सरप्राइज रखा था,” होम्स ने कहा। “मुझे उम्मीद नहीं थी कि आप खुद इस खाली घर और इस सुविधाजनक सामने वाली खिड़की का इस्तेमाल करेंगे। मैंने सोचा था कि आप सड़क से काम कर रहे होंगे, जहां मेरा दोस्त लेस्ट्रेड और उसके साथी आपका इंतज़ार कर रहे होंगे। बस इस एक बात को छोड़कर, सब कुछ मेरी उम्मीद के मुताबिक ही हुआ है।”

कर्नल मोरान ने आधिकारिक जासूस की ओर रुख किया।

उन्होंने कहा, “हो सकता है कि आपको मुझे गिरफ्तार करने का उचित कारण हो या न हो, लेकिन कम से कम इस व्यक्ति के ताने सुनने का कोई कारण नहीं हो सकता। अगर मैं कानून के शिकंजे में हूँ, तो कानूनी तरीके से काम होना चाहिए।”

“ठीक है, यह काफी तर्कसंगत है,” लेस्ट्रेड ने कहा। “क्या आपको जाने से पहले कुछ और कहना है, श्रीमान होम्स?”

होम्स ने फर्श से शक्तिशाली एयर-गन उठाई और उसके तंत्र की जांच कर रहा था।

“एक प्रशंसनीय और अद्वितीय हथियार,” उन्होंने कहा, “बिना आवाज़ किए और ज़बरदस्त शक्ति से लैस: मैं वॉन हेर्डर को जानता था, जो एक नेत्रहीन जर्मन मैकेनिक थे, जिन्होंने इसे दिवंगत प्रोफेसर मोरियार्टी के आदेश पर बनाया था। वर्षों से मुझे इसके अस्तित्व की जानकारी थी, हालांकि मुझे इसे चलाने का अवसर कभी नहीं मिला। लेस्ट्रेड, मैं विशेष रूप से आपका ध्यान इस हथियार और इसमें लगने वाली गोलियों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।”

“आप हम पर भरोसा कर सकते हैं, मिस्टर होम्स,” लेस्ट्रेड ने कहा, जैसे ही पूरा दल दरवाज़े की ओर बढ़ा। “कुछ और कहना है?”

"सिर्फ यह पूछने के लिए कि आप कौन सा आरोप लगाना चाहते हैं?"

“क्या आरोप है, महोदय? जी हाँ, श्री शर्लक होम्स की हत्या का प्रयास।”

“ऐसा नहीं है, लेस्ट्रेड। मैं इस मामले में बिल्कुल भी पेश नहीं होना चाहता। इस उल्लेखनीय गिरफ्तारी का श्रेय केवल आपको ही जाता है। जी हां, लेस्ट्रेड, मैं आपको बधाई देता हूं! अपनी चतुराई और दिलेरी के बेजोड़ मेल से आपने उसे पकड़ लिया है।”

“पकड़ लिया! किसे पकड़ा, मिस्टर होम्स?”

“वह आदमी जिसे पूरी सेना व्यर्थ ही खोज रही है — कर्नल सेबेस्टियन मोरान, जिसने पिछले महीने की तीस तारीख को पार्क लेन के 427 नंबर की दूसरी मंजिल की खुली खिड़की से एयर-गन से निकली फैलती हुई गोली से माननीय रोनील्ड एडायर को गोली मार दी थी। यही आरोप है, लेस्ट्रेड। और अब, वॉटसन, अगर तुम टूटी खिड़की से आती ठंडी हवा बर्दाश्त कर सकते हो, तो मुझे लगता है कि मेरे अध्ययन कक्ष में आधे घंटे सिगार के साथ बिताना तुम्हारे लिए कुछ मनोरंजक हो सकता है।”

माइक्रॉफ्ट होम्स की देखरेख और श्रीमती हडसन की तत्काल देखभाल के कारण हमारे पुराने कमरे में कोई बदलाव नहीं हुआ था। जैसे ही मैं अंदर दाखिल हुआ, मैंने देखा कि वहाँ असामान्य रूप से साफ-सफाई थी, लेकिन पुरानी सभी चीज़ें अपनी जगह पर थीं। वहाँ रसायन का कोना और एसिड से सना हुआ, लकड़ी का बना हुआ मेज़ था। वहाँ एक शेल्फ पर किताबों और संदर्भ पुस्तकों की एक कतार थी, जिन्हें हमारे कई साथी नागरिक जलाकर रख देते। रेखाचित्र, वायलिन का डिब्बा, और पाइप रखने का रैक—यहाँ तक कि तंबाकू से भरी फ़ारसी चप्पल भी—सब मेरी नज़र में आ गए जब मैंने चारों ओर देखा। कमरे में दो लोग थे—एक, श्रीमती हडसन, जिन्होंने हमारे अंदर आते ही हम दोनों को देखकर मुस्कुरा दिया—दूसरा, वह अजीब सा पुतला जिसने उस शाम के कारनामों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह मेरे दोस्त का मोम से रंगा हुआ पुतला था, जिसे इतनी खूबसूरती से बनाया गया था कि वह हूबहू उसकी प्रतिकृति था। यह एक छोटे से चबूतरे वाली मेज पर रखा था, जिसके चारों ओर होम्स का एक पुराना ड्रेसिंग गाउन इस तरह से लिपटा हुआ था कि सड़क से देखने पर यह बिल्कुल सटीक भ्रम पैदा करता था।

"मुझे उम्मीद है कि आपने सभी सावधानियों का पालन किया होगा, श्रीमती हडसन?" होम्स ने कहा।

"मैं घुटनों के बल उसके पास गया, महोदय, ठीक वैसे ही जैसे आपने मुझे बताया था।"

“बहुत बढ़िया। तुमने इसे बहुत अच्छे से अंजाम दिया। क्या तुमने देखा कि गोली कहाँ गई?”

जी हाँ, महोदय। मुझे खेद है कि इसने आपकी सुंदर प्रतिमा को बिगाड़ दिया है, क्योंकि यह सिर के आर-पार निकल गई और दीवार पर जा टकराई। मैंने इसे कालीन से उठाया। ये रही!

होम्स ने उसे मेरी ओर बढ़ाते हुए कहा, "वॉटसन, जैसा कि आप देख रहे हैं, यह एक सॉफ्ट रिवॉल्वर की गोली है। इसमें तो गजब का हुनर है, भला कौन सोचेगा कि ऐसी चीज एयर-गन से चलाई जाएगी? ठीक है, श्रीमती हडसन। आपकी मदद के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। और अब, वॉटसन, कृपया आप अपनी पुरानी सीट पर फिर से बैठ जाइए, क्योंकि मुझे आपसे कुछ बातों पर चर्चा करनी है।"

उसने वह भद्दा फ्रॉककोट उतार फेंका था, और अब वह पुराने होम्स की तरह भूरे रंग का ड्रेसिंग गाउन पहने हुए था, जिसे उसने अपनी प्रतिमा से लिया था।

"बूढ़े शिकारी के हौसले में कोई कमी नहीं आई है, न ही उसकी आंखों की तीक्ष्णता में," उसने हंसते हुए कहा, और साथ ही उसने अपनी प्रतिमा के चकनाचूर माथे का निरीक्षण किया।

सिर के पिछले हिस्से के ठीक बीचोंबीच गोली लगी और सीधे दिमाग में जा लगी। वह भारत का सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज था, और मुझे लगता है कि लंदन में उससे बेहतर निशानेबाज कम ही होंगे। क्या आपने उसका नाम सुना है?

"नहीं, मेरे पास नहीं है।"

"वाह वाह, प्रसिद्धि का यही हाल है! लेकिन, अगर मुझे सही याद है, तो आपने प्रोफेसर जेम्स मोरियार्टी का नाम नहीं सुना होगा, जो इस सदी के महानतम बुद्धिजीवियों में से एक थे। कृपया मुझे मेरी जीवनी सूची शेल्फ से लाकर दीजिए।"

वह आलस से पन्ने पलटता रहा, कुर्सी पर पीछे की ओर झुकता रहा और अपनी सिगार से बड़े-बड़े धुएं के बादल उड़ाता रहा।

"मेरे पास 'एम' अक्षरों का बढ़िया संग्रह है," उसने कहा। "स्वयं मोरियार्टी ही किसी भी पत्र को गौरवशाली बनाने के लिए काफी है, और यहाँ मॉर्गन है जिसने जहर दिया था, और घृणित स्मृति वाला मेरिड्यू, और मैथ्यूज, जिसने चेरिंग क्रॉस के प्रतीक्षालय में मेरा बायां दांत तोड़ दिया था, और अंत में, यहाँ हमारा आज रात का दोस्त है।"

उन्होंने मुझे किताब सौंप दी, और मैंने उसे पढ़ा:

मोरन, सेबेस्टियन, कर्नल। बेरोजगार। पूर्व में प्रथम बैंगलोर पायनियर्स के सदस्य। जन्म लंदन, 1840। सर ऑगस्टस मोरन, सी.बी., के पुत्र, जो कभी फारस में ब्रिटिश मंत्री थे। शिक्षा ईटन और ऑक्सफोर्ड से प्राप्त की। जोवाकी अभियान, अफगान अभियान, चरासियाब (संदेश), शेरपुर और काबुल में सेवा की। 'हेवी गेम ऑफ द वेस्टर्न हिमालय' (1881) और 'थ्री मंथ्स इन द जंगल' (1884) के लेखक। पता: कॉन्डिट स्ट्रीट। क्लब: द एंग्लो-इंडियन, द टैंकरविले, द बैगेटेल कार्ड क्लब।

हाशिये पर होम्स की सटीक लिखावट में लिखा था:

लंदन का दूसरा सबसे खतरनाक आदमी।

मैंने किताब लौटाते हुए कहा, "यह तो आश्चर्यजनक है। इस व्यक्ति का पूरा जीवन एक सम्मानित सैनिक का रहा है।"

"यह सच है," होम्स ने उत्तर दिया। "एक हद तक तो उसने अच्छा ही किया। वह हमेशा से ही दृढ़ निश्चयी व्यक्ति था, और भारत में आज भी यह कहानी सुनाई जाती है कि कैसे वह एक घायल आदमखोर बाघ के पीछे नाले में रेंगकर गया था। वॉटसन, कुछ पेड़ एक निश्चित ऊंचाई तक बढ़ते हैं, और फिर अचानक उनमें कोई विचित्रता आ जाती है। मनुष्यों में भी ऐसा अक्सर देखने को मिलता है। मेरा एक सिद्धांत है कि व्यक्ति अपने विकास में अपने पूर्वजों की पूरी श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करता है, और अच्छाई

या बुराई की ओर यह अचानक मोड़ उसके वंश में आए किसी प्रबल प्रभाव का प्रतीक है। वह व्यक्ति, मानो, अपने परिवार के इतिहास का सार बन जाता है।”

"यह तो निश्चित रूप से काफ़ी काल्पनिक है।"

“खैर, मैं इस पर ज़ोर नहीं देता। कारण जो भी हो, कर्नल मोरन का पतन शुरू हो गया था। बिना किसी खुले घोटाले के भी, उन्होंने भारत में हालात इतने बिगाड़ दिए कि उन्हें संभालना मुश्किल हो गया। वे सेवानिवृत्त हुए, लंदन आए और फिर से बदनाम हो गए। इसी समय प्रोफ़ेसर मोरियार्टी ने उनसे संपर्क किया, जिनके वे कुछ समय के लिए स्टाफ प्रमुख थे। मोरियार्टी ने उन्हें उदारतापूर्वक धन दिया और उन्हें केवल एक या दो बहुत ही उच्च कोटि के कामों में लगाया, जो कोई सामान्य अपराधी नहीं कर सकता था। आपको शायद 1887 में लॉडर की श्रीमती स्टीवर्ट की मृत्यु याद हो। नहीं? खैर, मुझे यकीन है कि मोरन इसके पीछे थे, लेकिन कुछ भी साबित नहीं हो सका। कर्नल को इतनी चतुराई से छिपाया गया था कि मोरियार्टी गिरोह के भंग होने पर भी हम उन्हें दोषी नहीं ठहरा सके; आपको याद है उस दिन, जब मैं आपके कमरे में आपसे मिलने आया था, तो मैंने हवाई तोपों के डर से खिड़कियों के शटर कैसे बंद कर दिए थे? निस्संदेह आपने मुझे सनकी समझा होगा। मुझे ठीक-ठीक पता था कि मैं क्या कर रहा था, क्योंकि मुझे पता था कि... इस असाधारण बंदूक के अस्तित्व के बारे में मुझे पता था, और यह भी कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजों में से एक इसे चला रहा होगा। जब हम स्विट्ज़रलैंड में थे, तो वह मोरियार्टी के साथ हमारे पीछे आया, और निस्संदेह वही था जिसने मुझे राइचेनबैक की चट्टान पर वे पांच मिनट दिए थे।

“आप सोच सकते हैं कि फ्रांस में अपने प्रवास के दौरान मैंने अखबारों को बड़े ध्यान से पढ़ा, ताकि उसे पकड़ने का कोई मौका मिल सके। जब तक वह लंदन में आज़ाद था, मेरी ज़िंदगी सचमुच जीने लायक नहीं थी। दिन-रात उसका साया मुझ पर मंडराता रहता, और देर-सवेर उसका मौका तो आना ही था। मैं क्या कर सकता था? मैं उसे देखते ही गोली नहीं मार सकता था, वरना मैं खुद कटघरे में होता। मजिस्ट्रेट से अपील करने का कोई फायदा नहीं था। वे केवल एक निराधार संदेह के आधार पर हस्तक्षेप नहीं कर सकते। इसलिए मैं कुछ नहीं कर सकता था। लेकिन मैं आपराधिक समाचार देखता रहा, यह जानते हुए कि देर-सवेर मैं उसे पकड़ ही लूंगा। फिर रोनाल्ड एडायर की मौत हो गई। आखिरकार मेरा मौका आ ही गया। जो मैं जानता था, क्या यह निश्चित नहीं था कि कर्नल मोरन ने ही यह किया था? उसने उस लड़के के साथ ताश खेला था, क्लब से उसके घर तक उसका पीछा किया था, और खुली खिड़की से उसे गोली मार दी थी। इसमें कोई शक नहीं था। केवल गोलियां ही उसके सिर को फांसी पर लटकाने के लिए काफी थीं। मैं तुरंत वहां पहुंचा। मुझे देख लिया गया... मैं जानता था कि संतरी कर्नल का ध्यान मेरी मौजूदगी की ओर आकर्षित करेगा। वह मेरे अचानक लौटने को अपने अपराध से जोड़कर देखेगा और बुरी तरह घबरा जाएगा। मुझे पूरा यकीन था कि वह मुझे तुरंत रास्ते से हटाने की कोशिश करेगा और इसके लिए अपना जानलेवा हथियार निकाल लेगा। मैंने खिड़की पर उसके लिए एक सटीक निशान छोड़ दिया और पुलिस को आगाह कर दिया कि उनकी ज़रूरत पड़ सकती है - वैसे, वाटसन, तुमने उस दरवाजे पर पुलिस की मौजूदगी को बिल्कुल सटीक रूप से पहचान लिया था - मैंने निगरानी के लिए एक उपयुक्त जगह चुन ली, सपने में भी नहीं सोचा था कि वह हमले के लिए उसी जगह को चुनेगा। अब, मेरे प्यारे वाटसन, क्या मुझे कुछ और समझाना बाकी है?

“जी हां,” मैंने कहा। “आपने यह स्पष्ट नहीं किया है कि माननीय रोनाल्ड एडायर की हत्या में कर्नल मोरन का मकसद क्या था?”

“आह! मेरे प्रिय वॉटसन, अब हम अनुमानों के उस क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, जहाँ सबसे तार्किक दिमाग भी गलती कर सकता है। प्रत्येक व्यक्ति वर्तमान साक्ष्यों के आधार पर अपनी परिकल्पना बना सकता है, और आपकी परिकल्पना के सही होने की संभावना उतनी ही है जितनी मेरी।”

"तो आपने एक बना लिया है?"

मुझे लगता है कि तथ्यों को समझाना मुश्किल नहीं है। सबूतों से यह बात सामने आई कि कर्नल मोरन और युवा एडायर ने मिलकर काफी बड़ी रकम जीती थी। अब, मोरन ने निस्संदेह धोखाधड़ी की थी - इस बात की मुझे लंबे समय से जानकारी है। मेरा मानना है कि हत्या वाले दिन एडायर को पता चल गया था कि मोरन धोखा दे रहा है। संभवतः उसने उससे अकेले में बात की होगी और उसे धमकी दी होगी कि अगर वह स्वेच्छा से क्लब की सदस्यता नहीं छोड़ता और दोबारा ताश नहीं खेलने का वादा नहीं करता, तो वह उसका पर्दाफाश कर देगा। यह असंभव है कि एडायर जैसा नौजवान अपने से इतने बड़े और जाने-माने व्यक्ति का पर्दाफाश करके तुरंत इतना बड़ा घोटाला खड़ा कर दे। शायद उसने वही किया जो मैं कह रहा हूं। क्लबों से निकाले जाने का मतलब मोरन के लिए बर्बादी होता, जो अपनी अवैध रूप से कमाई गई ताश की रकम से ही अपना जीवन यापन करता था। इसलिए उसने एडायर की हत्या कर दी, जो उस समय यह हिसाब लगाने की कोशिश कर रहा था कि उसे खुद कितना पैसा लौटाना चाहिए, क्योंकि वह अपने साथी की धोखाधड़ी से लाभ नहीं उठा सकता था। उसने दरवाजा बंद कर दिया ताकि महिलाएं उसे अचानक देख न लें और यह जानने की जिद न करें कि वह इन नामों और सिक्कों का क्या कर रहा है। क्या यह बात सुलझ जाएगी?

मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपने सत्य का पता लगा लिया है।

“मुकदमे में इसकी पुष्टि या खंडन हो जाएगा। इस बीच, चाहे कुछ भी हो जाए, कर्नल मोरन अब हमें परेशान नहीं करेंगे। वॉन हेर्डर की मशहूर एयर-गन स्कॉटलैंड यार्ड संग्रहालय की शोभा बढ़ाएगी, और एक बार फिर श्री शेरलॉक होम्स लंदन के जटिल जीवन में मौजूद दिलचस्प छोटी-छोटी समस्याओं की जांच करने में अपना जीवन समर्पित करने के लिए स्वतंत्र होंगे।”

गोल्डन पिंस-नेज़ का रोमांच

जब मैं 1894 के हमारे काम से भरी तीन विशाल पांडुलिपियों को देखता हूँ, तो मैं स्वीकार करता हूं कि इतनी विशाल सामग्री में से उन मामलों का चयन करना मेरे लिए बहुत कठिन है जो अपने आप में सबसे रोचक हों और साथ ही साथ मेरे मित्र की उन विलक्षण प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए सबसे उपयुक्त हों जिनके लिए वे प्रसिद्ध थे। पन्ने पलटते हुए, मुझे लाल जोंक की घिनौनी कहानी और बैंकर क्रास्बी की भयानक मृत्यु पर लिखे अपने नोट्स दिखाई देते हैं। यहां मुझे एडलटन त्रासदी और प्राचीन ब्रिटिश टीले की विलक्षण सामग्री का विवरण भी मिलता है। प्रसिद्ध स्मिथ-मोर्टिमर उत्तराधिकार मामला भी इसी अवधि में आता है, और साथ ही बुलेवार्ड के हत्यारे हुरेट का पीछा करना और उसे गिरफ्तार करना भी - एक ऐसा कारनामा जिसके लिए होम्स को फ्रांसीसी राष्ट्रपति से धन्यवाद का एक हस्तलिखित पत्र और लीजन ऑफ ऑनर का ऑर्डर मिला। इनमें से प्रत्येक घटना एक कथा प्रस्तुत कर सकती है, लेकिन कुल मिलाकर मेरा मानना है कि इनमें से कोई भी घटना योक्सली ओल्ड प्लेस की घटना की तरह इतने सारे विलक्षण रुचिकर बिंदुओं को एक साथ नहीं जोड़ती है, जिसमें न केवल युवा विलोबी स्मिथ की दुखद मृत्यु शामिल है, बल्कि वे बाद के घटनाक्रम भी शामिल हैं जिन्होंने अपराध के कारणों पर इतना रोचक प्रकाश डाला है।

नवंबर के अंत की वह रात तूफ़ानी और भयानक थी। होम्स और मैं पूरी शाम चुपचाप साथ बैठे रहे; वह एक शक्तिशाली लेंस से एक पुराने पत्र पर लिखे मूल शिलालेख के अवशेषों को समझने में लगे थे, और मैं शल्य चिकित्सा पर एक हालिया शोधपत्र में डूबा हुआ था। बाहर बेकर स्ट्रीट पर हवा ज़ोर से चल रही थी, और बारिश खिड़कियों पर ज़ोर से बरस रही थी। शहर के बिल्कुल भीतरी इलाके में, चारों ओर दस मील तक फैले मानव निर्मित निर्माणों के बीच, प्रकृति की कठोर पकड़ को महसूस करना और यह जानना कि विशाल प्राकृतिक शक्तियों के सामने सारा लंदन खेतों में बिखरे टीलों से ज़्यादा कुछ नहीं था, यह एक अजीब अनुभव था। मैं खिड़की के पास गया और सुनसान सड़क पर नज़र डाली। कहीं-कहीं जलते हुए लैंप कीचड़ भरी सड़क और चमकते फुटपाथ पर टिमटिमा रहे थे। ऑक्सफ़ोर्ड स्ट्रीट की तरफ से एक टैक्सी पानी उछालती हुई आ रही थी।

"अच्छा, वॉटसन, अच्छा हुआ कि हमें आज रात बाहर नहीं जाना है," होम्स ने अपना लेंस एक तरफ रखते हुए और कागज़ों को समेटते हुए कहा। "मैंने एक बार में इतना काम कर लिया है। आँखों के लिए बहुत थकाने वाला काम है। जहाँ तक मैं समझ पा रहा हूँ, यह पंद्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के एक मठ के खातों से ज़्यादा रोमांचक कुछ नहीं है। हैलो! हैलो! हैलो! यह क्या है?"

हवा की गड़गड़ाहट के बीच घोड़े के खुरों की आवाज़ सुनाई दी, और पहिए के फुटपाथ से रगड़ने की लंबी आवाज़ आई। जिस टैक्सी को मैंने देखा था, वह हमारे दरवाजे पर आकर रुक गई।

"उसे क्या चाहिए होगा?" मैंने अचानक कहा, तभी एक आदमी उससे बाहर निकला।

"चाहते हो? वो हमें चाहता है। और हम, मेरे बेचारे वॉटसन, ओवरकोट, टाई, गैलोश और मौसम से लड़ने के लिए इंसान द्वारा आविष्कार किए गए हर उपकरण को चाहते हैं। लेकिन ज़रा रुको! टैक्सी फिर से चली गई! अभी भी उम्मीद है। अगर वो चाहता कि हम आएं तो इसे रोक कर रखता। नीचे जाओ, मेरे प्यारे दोस्त, और दरवाज़ा खोलो, क्योंकि सभी नेक लोग बहुत देर से बिस्तर पर हैं।"

जब हॉल के लैंप की रोशनी हमारे आधी रात के मेहमान पर पड़ी, तो मुझे उसे पहचानने में कोई कठिनाई नहीं हुई। वह युवा स्टेनली हॉपकिंस थे, एक होनहार जासूस, जिनके करियर में होम्स ने कई बार बहुत ही व्यावहारिक रुचि दिखाई थी।

"क्या वह अंदर है?" उसने उत्सुकता से पूछा।

"ऊपर आइए, मेरे प्रिय महोदय," ऊपर से होम्स की आवाज़ आई। "मुझे उम्मीद है कि ऐसी रात में आपके मन में हम पर हमला करने की कोई बुरी योजना नहीं होगी।"

जासूस सीढ़ियों पर चढ़ गया, और हमारी लैंप की रोशनी उसके चमकदार वाटरप्रूफ जैकेट पर पड़ी। मैंने उसे जैकेट उतारने में मदद की, जबकि होम्स ने अंगीठी में रखी लकड़ियों की आग बुझाई।

"अब, मेरे प्यारे हॉपकिंस, आराम से बैठो और अपने पैर गर्म करो," उसने कहा। "ये लो एक सिगार, और डॉक्टर के पास गर्म पानी और नींबू वाली दवा है, जो इस रात में बहुत अच्छी दवा है। ज़रूर कोई ज़रूरी बात होगी जिसकी वजह से तुम इतनी तेज़ हवा में बाहर निकले हो।"

"जी हां, मिस्टर होम्स। मेरा आज का दिन काफी व्यस्त रहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं। क्या आपने नवीनतम संस्करणों में योक्सली मामले के बारे में कुछ पढ़ा?"

मैंने आज तक पंद्रहवीं शताब्दी के बाद की कोई भी वस्तु नहीं देखी है।

खैर, यह तो बस एक पैराग्राफ था, और वह भी पूरी तरह गलत, इसलिए आपने कुछ भी नहीं खोया है। मैंने समय बर्बाद नहीं किया। यह केंट में है, चैथम से सात मील

और रेलवे लाइन से तीन मील दूर। मुझे 3:15 बजे तार मिला, मैं 5 बजे योक्सली ओल्ड प्लेस पहुंचा, अपनी जांच पूरी की, आखिरी ट्रेन से चारिंग क्रॉस वापस आया, और सीधे टैक्सी से आपके पास पहुंचा।

"तो इसका मतलब यह है कि शायद आप अपने मामले को लेकर पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं?"

“इसका मतलब है कि मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा। जहाँ तक मैं देख पा रहा हूँ, यह उतना ही उलझा हुआ मामला है जितना मैंने पहले कभी संभाला है, और फिर भी शुरू में यह इतना आसान लग रहा था कि इसमें कोई गलती हो ही नहीं सकती थी। कोई मकसद नहीं है, मिस्टर होम्स। यही बात मुझे परेशान कर रही है - मैं मकसद का पता नहीं लगा पा रहा हूं। एक आदमी मर चुका है - इसमें कोई शक नहीं - लेकिन जहां तक मैं देख पा रहा हूँ, दुनिया में कोई कारण नहीं है कि कोई उसे नुकसान पहुंचाना चाहेगा।”

होम्स ने अपनी सिगार जलाई और कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गए।

उन्होंने कहा, "हमें इसके बारे में बताएं।"

"मेरे पास तथ्य बिल्कुल स्पष्ट हैं," स्टैनली हॉपकिंस ने कहा। अब मैं बस यही जानना चाहता हूं कि इन सबका क्या मतलब है। जहाँ तक मैं समझ पाया हूँ, कहानी कुछ इस प्रकार है। कुछ साल पहले, योक्सली ओल्ड प्लेस नाम का यह देहाती घर एक बुजुर्ग व्यक्ति ने किराए पर लिया था, जिन्होंने अपना नाम प्रोफेसर कोरम बताया। वे बीमार रहते थे, आधे समय बिस्तर पर रहते थे और बाकी आधे समय छड़ी के सहारे घर में इधर-उधर घूमते थे या माली उन्हें बाथ चेयर पर बिठाकर मैदान में घुमाता था। उनके आस-पास के कुछ पड़ोसी उनसे मिलने आते थे और वे उन्हें बहुत पसंद करते थे। वहां उनकी छवि एक विद्वान व्यक्ति की थी। उनके घर में एक बुजुर्ग गृहणी, श्रीमती मार्कर, और एक नौकरानी, सुसान टार्लटन रहती थीं। ये दोनों उनके आने के बाद से ही उनके साथ थीं और दोनों ही बहुत अच्छे चरित्र की महिलाएं लगती थीं। प्रोफेसर एक विद्वतापूर्ण पुस्तक लिख रहे हैं और लगभग एक साल पहले उन्हें एक सचिव की आवश्यकता महसूस हुई। पहले दो सचिव सफल नहीं हुए, लेकिन तीसरे, श्री विलोबी स्मिथ, जो विश्वविद्यालय से सीधे आए एक युवा व्यक्ति थे, अपने मालिक की ज़रूरतों के हिसाब से बिल्कुल सही साबित हुए। उनका काम सुबह भर लिखना था। वह प्रोफेसर के निर्देशों का पालन करता था और आमतौर पर शाम का समय अगले दिन के काम से संबंधित संदर्भों और अंशों को खोजने में बिताता था। इस विलोबी स्मिथ को प्रोफेसर से कोई शिकायत नहीं है, न तो अपिंगहैम में एक लड़के के रूप में और न ही कैम्ब्रिज में एक युवा के रूप में। मैंने उसकी प्रशंसा पत्र देखे हैं, और शुरू से ही वह एक सभ्य, शांत, मेहनती लड़का था, जिसमें कोई कमजोरी नहीं थी। और फिर भी, यही वह लड़का है जिसकी आज सुबह प्रोफेसर के अध्ययन कक्ष में ऐसी परिस्थितियों में मृत्यु हो गई है जो केवल हत्या की ओर इशारा करती है।

हवा खिड़कियों पर ज़ोर से गरज रही थी। होम्स और मैं आग के पास चले गए, जबकि युवा इंस्पेक्टर धीरे-धीरे और बिंदु दर बिंदु अपनी अनूठी कहानी सुनाता रहा।

“अगर आप पूरे इंग्लैंड में खोजबीन करें,” उन्होंने कहा, “मुझे नहीं लगता कि आपको इससे ज़्यादा आत्मनिर्भर और बाहरी प्रभावों से मुक्त कोई घर मिलेगा। पूरे-पूरे सप्ताह बीत जाते, और उनमें से कोई भी बगीचे के फाटक से बाहर नहीं निकलता। प्रोफ़ेसर अपने काम में इतने मग्न रहते थे कि उनके लिए और कुछ मायने नहीं रखता था। यंग स्मिथ आस-पड़ोस में किसी को नहीं जानते थे और अपने मालिक की तरह ही रहते थे। दोनों महिलाओं के पास घर से बाहर जाने का कोई कारण नहीं था। मॉर्टिमर, माली, जो बाथ चेयर को पहियों पर चलाता है, सेना से पेंशनभोगी है - एक उत्कृष्ट चरित्र

वाला क्रीमियाई बुजुर्ग। वह घर में नहीं, बल्कि बगीचे के दूसरे छोर पर तीन कमरों की एक झोपड़ी में रहता है। योक्सली ओल्ड प्लेस के परिसर में आपको बस यही लोग मिलेंगे। साथ ही, बगीचे का फाटक लंदन से चैथम जाने वाली मुख्य सड़क से सौ गज की दूरी पर है। यह एक कुंडी से खुलता है, और किसी को भी अंदर आने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं है।"

"अब मैं आपको सुसान टार्लटन की गवाही दूंगा, जो इस मामले में एकमात्र ऐसी व्यक्ति हैं जो निश्चित रूप से कुछ कह सकती हैं। दोपहर के ग्यारह और बारह बजने के बीच का समय था। वह उस समय ऊपर के सामने वाले बेडरूम में पर्दे टांग रही थीं। प्रोफेसर कोरम अभी भी बिस्तर पर थे, क्योंकि खराब मौसम में वे दोपहर से पहले शायद ही कभी उठते हैं। नौकरानी घर के पिछले हिस्से में कुछ काम में व्यस्त थी। विलोबी स्मिथ अपने बेडरूम में थे, जिसे वे बैठक के रूप में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन नौकरानी ने उसी क्षण उन्हें गलियारे से गुजरते हुए और ठीक नीचे वाले अध्ययन कक्ष में उतरते हुए सुना। उसने उन्हें देखा नहीं, लेकिन वह कहती है कि उनके तेज और दृढ़ कदमों को देखकर वह भ्रमित नहीं हो सकती थी। उसने अध्ययन कक्ष का दरवाजा बंद होने की आवाज नहीं सुनी, लेकिन एक मिनट बाद नीचे वाले कमरे में एक भयानक चीख सुनाई दी। यह एक बेकाबू, कर्कश चीख थी, इतनी अजीब और अस्वाभाविक कि यह किसी पुरुष या महिला की हो सकती थी। उसी क्षण एक ज़ोरदार धमाका हुआ, जिससे पुराना घर हिल गया, और फिर सब कुछ शांत हो गया। नौकरानी खड़ी रही एक पल के लिए वह स्तब्ध रह गई, फिर हिम्मत जुटाकर वह दौड़कर नीचे गई। अध्ययन कक्ष का दरवाज़ा बंद था और उसने उसे खोला। अंदर, युवा श्री विलोबी स्मिथ फर्श पर पड़े थे। पहले तो उसे कोई चोट नहीं दिखी, लेकिन जब उसने उन्हें उठाने की कोशिश की तो देखा कि उनकी गर्दन के नीचे से खून बह रहा था। गर्दन में एक छोटा लेकिन गहरा घाव था, जिसने कैरोटिड धमनी को काट दिया था। जिस औज़ार से चोट पहुंचाई गई थी, वह उनके बगल में कालीन पर पड़ा था। यह उन छोटे सीलिंग-वैक्स चाकुओं में से एक था जो पुराने जमाने की लेखन-मेजबानी पर पाए जाते थे, हाथीदांत के हैंडल और सख्त ब्लेड वाला। यह प्रोफेसर की डेस्क के सामान का हिस्सा था।

"शुरुआत में नौकरानी को लगा कि युवा स्मिथ मर चुका है, लेकिन जब उसने कलश से थोड़ा पानी उसके माथे पर डाला तो उसने एक पल के लिए अपनी आँखें खोलीं। 'प्रोफेसर,' उसने धीरे से कहा – 'वह थी।' नौकरानी कसम खाकर कह सकती है कि उसने ठीक यही शब्द कहे थे। उसने कुछ और कहने की बहुत कोशिश की और अपना दाहिना हाथ हवा में उठाया। फिर वह वापस गिर पड़ा और मर गया।"

"इसी बीच हाउसकीपर भी घटनास्थल पर पहुंच गई थी, लेकिन वह युवक के अंतिम शब्द सुनने के लिए बहुत देर हो चुकी थी। सुसान को शव के साथ छोड़कर, वह प्रोफेसर के कमरे की ओर दौड़ी। वह बिस्तर पर बुरी तरह घबराए बैठे थे, क्योंकि उन्होंने इतना कुछ सुन लिया था जिससे उन्हें यकीन हो गया था कि कुछ भयानक हुआ है। श्रीमती मार्कर कसम खाकर कहती हैं कि प्रोफेसर अभी भी अपने रात्रि वस्त्रों में थे, और वास्तव में मॉर्टिमर की मदद के बिना उनके लिए कपड़े पहनना असंभव था, जिसे बारह बजे आने का आदेश था। प्रोफेसर कहते हैं कि उन्होंने दूर से रोने की आवाज सुनी, लेकिन उन्हें इससे ज्यादा कुछ नहीं पता। वह युवक के अंतिम शब्दों, 'प्रोफेसर - वह थी,' का कोई स्पष्टीकरण नहीं दे सकते, लेकिन अनुमान लगाते हैं कि ये शब्द प्रलाप का परिणाम थे। उनका मानना है कि विलोबी स्मिथ की दुनिया में कोई दुश्मन नहीं था, और वह अपराध का कोई कारण नहीं बता सकते। उनका पहला काम माली मॉर्टिमर को स्थानीय पुलिस को बुलाने के लिए भेजना था। थोड़ी देर बाद मुख्य कांस्टेबल ने मुझे बुलवाया। मेरे पहुंचने से पहले कुछ भी नहीं हिलाया गया था, और सख्त आदेश दिए

गए थे कि कोई भी घर की ओर जाने वाले रास्तों पर चलना चाहिए। श्री शर्लक होम्स, यह आपके सिद्धांतों को व्यवहार में लाने का एक शानदार अवसर था। वास्तव में कोई कमी नहीं थी।

“श्री शेरलॉक होम्स को छोड़कर,” मेरे साथी ने थोड़ी कड़वी मुस्कान के साथ कहा। “अच्छा, तो हमें बताओ। तुमने इसे किस तरह निपटाया?”

“श्री होम्स, सबसे पहले मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस मोटे-मोटे नक्शे पर एक नज़र डालें, जिससे आपको प्रोफेसर के अध्ययन कक्ष की स्थिति और मामले के विभिन्न पहलुओं का सामान्य अंदाजा हो जाएगा। इससे आपको मेरी जांच में मदद मिलेगी।”

उन्होंने वह कच्चा चार्ट खोला, जिसे मैं यहाँ प्रस्तुत कर रहा हूँ, और उसे होम्स के घुटने पर रख दिया। मैं उठा और होम्स के पीछे खड़ा होकर, उनके कंधे के ऊपर से उस चार्ट का अध्ययन करने लगा।

“यह बहुत ही संक्षिप्त विवरण है, और इसमें केवल उन्हीं बिंदुओं पर चर्चा की गई है जो मुझे आवश्यक लगते हैं। बाकी सब आप बाद में स्वयं देख लेंगे। अब, सबसे पहले, यह मानते हुए कि हत्यारा घर में दाखिल हुआ, वह कैसे अंदर आया? निस्संदेह बगीचे के रास्ते और पीछे के दरवाजे से, जहां से अध्ययन कक्ष में सीधा प्रवेश होता है। कोई और रास्ता बेहद जटिल होता। भागने का रास्ता भी यही रहा होगा, क्योंकि कमरे से निकलने के दो अन्य रास्तों में से एक को सुसान ने नीचे भागते समय अवरुद्ध कर दिया था और दूसरा सीधे प्रोफेसर के शयनकक्ष की ओर जाता है। इसलिए मैंने तुरंत अपना ध्यान बगीचे के रास्ते पर केंद्रित किया, जो हाल ही में हुई बारिश से भीगा हुआ था और उस पर पैरों के निशान अवश्य दिखाई देते।”

मेरी जांच से पता चला कि मैं एक सतर्क और माहिर अपराधी से निपट रहा था। रास्ते पर पैरों के कोई निशान नहीं मिले। हालांकि, इसमें कोई शक नहीं था कि कोई रास्ते के किनारे बनी घास की पट्टी से गुजरा था, और उसने ऐसा इसलिए किया ताकि कोई निशान न छूटे। मुझे कोई स्पष्ट निशान नहीं मिला, लेकिन घास दबी हुई थी, और कोई न कोई वहां से जरूर गुजरा था। यह सिर्फ हत्यारा ही हो सकता था, क्योंकि न तो माली और न ही कोई और उस सुबह वहां था, और बारिश तो रात में ही शुरू हुई थी।

होम्स ने कहा, "एक पल रुकिए। यह रास्ता कहां जाता है?"

"सड़क की ओर।"

"यह कितना लंबा है?"

लगभग सौ गज।

"जिस बिंदु पर रास्ता गेट से होकर गुजरता है, वहां आप निश्चित रूप से पटरियों का पता लगा सकते हैं?"

"दुर्भाग्यवश, उस स्थान पर रास्ता टाइलों से बना हुआ था।"

"तो, सड़क पर ही?"

नहीं, वह सब कीचड़ में सना हुआ था।

“अरे! अच्छा, तो घास पर ये निशान, क्या वे आ रहे थे या जा रहे थे?”

“यह कहना असंभव था। कोई रूपरेखा कभी थी ही नहीं।”

“बड़ा पैर या छोटा?”

आप अंतर नहीं कर सकते थे।

होम्स ने अधीरता में एक शब्द कह दिया।

“तब से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है और तूफान चल रहा है,” उसने कहा। “अब इसे पढ़ना उस पुराने पन्ने को पढ़ने से भी ज़्यादा मुश्किल होगा। खैर, अब क्या कर

सकते हैं? हॉपकिंस, तुमने ऐसा क्या किया जब तुमने यह सुनिश्चित कर लिया था कि तुमने कुछ भी सुनिश्चित नहीं किया है?”

“मुझे लगता है मैंने काफी हद तक पुष्टि कर ली है, श्री होम्स। मुझे पता था कि कोई बाहर से सावधानीपूर्वक घर में दाखिल हुआ है। इसके बाद मैंने गलियारे का निरीक्षण किया। यह नारियल के रंग की चटाई से ढंका हुआ था और इस पर किसी भी प्रकार का कोई निशान नहीं था। इससे मैं अध्ययन कक्ष में पहुंचा। यह एक कम साज-सज्जा वाला कमरा था। मुख्य वस्तु एक बड़ी लेखन मेज़ थी जिसके साथ एक स्थिर दराज़ थी। इस दराज़ में दराजों की दोहरी कतारें थीं, जिनके बीच में एक छोटी सी अलमारी थी। दराज़ खुले थे, अलमारी बंद थी। ऐसा लगता है कि दराज़ हमेशा खुले रहते थे, और उनमें कोई कीमती सामान नहीं रखा जाता था। अलमारी में कुछ महत्वपूर्ण कागजात थे, लेकिन उनके साथ छेड़छाड़ के कोई संकेत नहीं थे, और प्रोफेसर ने मुझे आश्वासन दिया कि कुछ भी गायब नहीं हुआ है। यह निश्चित है कि कोई चोरी नहीं हुई है।”

“अब मैं उस युवक के शव की ओर आता हूं। यह अलमारी के पास, ठीक उसके बाईं ओर, जैसा कि उस चार्ट में दर्शाया गया है, मिला था। चाकू का वार गर्दन के दाहिनी ओर पीछे से आगे की ओर किया गया था, इसलिए यह लगभग असंभव है कि यह स्वयं को मारा गया हो।”

"जब तक कि वह चाकू पर न गिर जाए," होम्स ने कहा।

“बिल्कुल सही। यह विचार मेरे मन में आया था। लेकिन हमें चाकू शव से कुछ फीट दूर मिला, इसलिए यह असंभव लगता है। फिर, ज़ाहिर है, उस व्यक्ति के अंतिम शब्द भी हैं। और, अंत में, यह बहुत महत्वपूर्ण सबूत था जो मृत व्यक्ति के दाहिने हाथ में मिला था।”

स्टैनली हॉपकिंस ने अपनी जेब से कागज का एक छोटा सा पैकेट निकाला। उसने उसे खोला और उसमें से एक सोने का चश्मा निकला, जिसके सिरे से काले रेशमी धागे के दो टूटे हुए टुकड़े लटक रहे थे।

उन्होंने आगे कहा, “विलोबी स्मिथ की दृष्टि बहुत अच्छी थी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह तस्वीर हत्यारे के चेहरे या शरीर से छीनी गई थी।”

शर्लक होम्स ने चश्मा अपने हाथ में लिया और अत्यंत ध्यान और रुचि से उसका अवलोकन किया। उन्होंने उसे अपनी नाक पर लगाया, उससे पढ़ने का प्रयास किया, खिड़की के पास जाकर सड़क की ओर देखा, दीपक की पूरी रोशनी में उसे बारीकी से देखा और अंत में, हल्के से हंसते हुए, मेज पर बैठ गए और कागज के एक पन्ने पर कुछ पंक्तियां लिखीं, जिसे उन्होंने स्टैनली हापकिंस की ओर उछाल दिया।

“मैं आपके लिए इससे बेहतर कुछ नहीं कर सकता,” उसने कहा। “शायद यह आपके काम आ जाए।”

आश्चर्यचकित जासूस ने नोट को जोर से पढ़ा। उसमें लिखा था:

“एक सभ्य, शालीन महिला की तलाश है, जो शालीनता से कपड़े पहने हो। उसकी नाक काफी मोटी है और आंखें उसके दोनों ओर सटी हुई हैं। उसका माथा सिकुड़ा हुआ है, उसकी आंखों में एक भेदक भाव है और संभवत: उसके कंधे झुके हुए हैं। संकेत मिलते हैं कि उसने पिछले कुछ महीनों में कम से कम दो बार चश्मा लगवाया है। चूंकि उसका चश्मा काफी मजबूत है और चश्मे की दुकानें बहुत कम हैं, इसलिए उसे ढूंढने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए।”

हॉपकिंस की हैरानी देखकर होम्स मुस्कुराया, जो मेरे चेहरे पर भी झलक रही होगी।

उन्होंने कहा, "निश्चित रूप से मेरे निष्कर्ष अत्यंत सरल हैं।" “चश्मे के एक जोड़े से बेहतर अनुमान लगाने का कोई और ज़रिया शायद ही हो, खासकर ऐसे असाधारण

चश्मे से। इनकी कोमलता और मरते हुए व्यक्ति के आखिरी शब्दों से मैं यही अनुमान लगाता हूँ कि ये किसी महिला के हैं। जहाँ तक उनके सभ्य और सलीके से कपड़े पहनने की बात है, जैसा कि आप देख सकते हैं, ये ठोस सोने से खूबसूरती से जड़े हुए हैं, और यह सोचना भी असंभव है कि ऐसे चश्मे पहनने वाली कोई महिला अन्य मामलों में भद्दी हो सकती है। आप देखेंगे कि क्लिप आपकी नाक के लिए बहुत चौड़ी हैं, जिससे पता चलता है कि महिला की नाक नीचे से काफी चौड़ी थी। इस तरह की नाक आमतौर पर छोटी और मोटी होती है, लेकिन इसके पर्याप्त अपवाद हैं, इसलिए मैं इस बात पर अड़ा नहीं रहूंगा या अपने वर्णन में इस बिंदु पर ज़ोर नहीं दूंगा। मेरा चेहरा पतला है, फिर भी मैं अपनी आँखों को इन चश्मों के केंद्र में या उसके पास भी नहीं रख पाता। इसलिए, महिला की आँखें नाक के किनारों के बहुत करीब हैं। वॉटसन, आप देखेंगे कि ये चश्मे अवतल और असामान्य हैं। ताकत। जिस महिला की दृष्टि जीवन भर अत्यधिक संकुचित रही हो, उसमें निश्चित रूप से ऐसी दृष्टि के शारीरिक लक्षण दिखाई देंगे, जो माथे, पलकों और कंधों में नज़र आते हैं।

“जी हां,” मैंने कहा, “मैं आपके सभी तर्कों को समझ सकता हूं। हालांकि, मैं यह स्वीकार करता हूं कि मुझे यह समझ नहीं आ रहा है कि आप दो बार ऑप्टिशियन के पास क्यों गए।”

होम्स ने गिलास अपने हाथ में ले लिया।

उन्होंने कहा, “आप देखेंगे कि नाक पर दबाव कम करने के लिए क्लिप्स के अंदर कॉर्क की पतली-पतली पट्टियाँ लगी हुई हैं। इनमें से एक पट्टी थोड़ी फीकी और घिसी हुई है, लेकिन दूसरी नई है। जाहिर है, एक पट्टी गिर गई थी और उसकी जगह दूसरी लगा दी गई है। मेरा अनुमान है कि पुरानी पट्टी कुछ ही महीनों से लगी होगी। दोनों बिल्कुल एक जैसी हैं, इसलिए मुझे लगता है कि महिला दूसरी पट्टी लेने के लिए उसी दुकान पर गई थी।”

“अरे वाह, यह तो कमाल है!” हॉपकिंस ने प्रशंसा से भरे स्वर में कहा। “सोचो, मेरे पास इतने सारे सबूत थे और मुझे पता ही नहीं चला! हालांकि, मेरा इरादा लंदन के सभी ऑप्टिशियनों के यहाँ जाने का था।”

“बिल्कुल, आप ऐसा ही चाहेंगे। इस बीच, क्या आपके पास इस मामले के बारे में हमें बताने के लिए कुछ और है?”

“कुछ नहीं, श्रीमान होम्स। मुझे लगता है कि आप भी उतना ही जानते हैं जितना मैं जानता हूँ—शायद मुझसे भी ज़्यादा। हमने ग्रामीण सड़कों या रेलवे स्टेशन पर किसी अजनबी को देखे जाने के बारे में पूछताछ की है। हमें किसी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। जो बात मुझे सबसे ज़्यादा हैरान करती है, वह है इस अपराध में किसी उद्देश्य का न होना। कोई भी इस अपराध के पीछे का मकसद नहीं बता पा रहा है।”

“अरे! मैं आपकी मदद करने की स्थिति में नहीं हूँ। लेकिन मुझे लगता है कि आप चाहते हैं कि हम कल बाहर आएं?”

"अगर आपको ज़्यादा परेशानी न हो, श्रीमान होम्स, तो चैरिंग क्रॉस से चैथम के लिए सुबह छह बजे एक ट्रेन है, और हमें आठ से नौ बजे के बीच योक्सली ओल्ड प्लेस पहुंच जाना चाहिए।"

“तो चलिए, हम इसे लेते हैं। आपका मामला वाकई बेहद दिलचस्प है, और मुझे इस पर गौर करने में खुशी होगी। खैर, लगभग एक बज गया है, और हमें कुछ घंटे सो लेना चाहिए। मुझे लगता है कि आप आग के सामने सोफे पर आराम से सो सकते हैं। मैं अपना आध्यात्मिक दीपक जलाता हूँ, और शुरू करने से पहले आपको एक कप कॉफी देता हूँ।”

अगले दिन आंधी थम गई थी, लेकिन जिस सुबह हमने अपनी यात्रा शुरू की, वह बेहद ठंडी थी। हमने सर्दियों के ठंडे सूरज को टेम्स नदी के उजाड़ दलदलों और नदी के लंबे, उदास किनारों पर उगते देखा, जिसे मैं अपने करियर के शुरुआती दिनों में अंडमान द्वीपवासी की खोज से हमेशा जोड़कर देखूंगा। एक लंबी और थका देने वाली यात्रा के बाद, हम चैथम से कुछ मील दूर एक छोटे से स्टेशन पर उतरे। जब स्थानीय सराय में एक घोड़े को गाड़ी में रखा जा रहा था, तब हमने जल्दी से नाश्ता किया और जब हम आखिरकार योक्सले ओल्ड प्लेस पहुंचे, तो हम सब काम के लिए तैयार थे। बगीचे के द्वार पर एक कांस्टेबल ने हमारा स्वागत किया।

"विल्सन, कोई खबर है क्या?"

"नहीं, महोदय—कुछ नहीं।"

"क्या किसी अजनबी को देखे जाने की कोई रिपोर्ट नहीं है?"

“नहीं, महोदय। थाने में उन्हें पूरा यकीन है कि कल कोई अजनबी न तो आया और न ही गया।”

"क्या आपने होटलों और लॉजिंग में पूछताछ की है?"

"जी हां, महोदय: ऐसा कोई नहीं है जिसका हम हिसाब न दे सकें।"

“खैर, चैथम तक पैदल जाना कोई बड़ी बात नहीं है। कोई भी वहां रुक सकता है या बिना किसी की नजर में आए ट्रेन ले सकता है। यही वो रास्ता है जिसके बारे में मैंने बात की थी, श्री होम्स। मैं वचन देता हूं कि कल इस पर कोई निशान नहीं था।”

घास पर निशान किस तरफ थे?

“इस तरफ, महोदय। रास्ते और फूलों की क्यारी के बीच घास का यह संकरा किनारा। अब मुझे निशान दिखाई नहीं दे रहे हैं, लेकिन तब वे मुझे स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे।”

“जी हां, जी हां: कोई यहां से गुजरा है,” होम्स ने घास की क्यारी पर झुकते हुए कहा। “हमारी महिला ने अपने कदम बहुत सावधानी से रखे होंगे, है ना? क्योंकि एक तरफ तो उन्होंने रास्ते पर अपने पैरों के निशान छोड़े होंगे, और दूसरी तरफ नरम घास पर उससे भी साफ निशान?”

"जी जनाब, वह बहुत ही कुशल प्रशिक्षक रही होगी।"

मैंने होम्स के चेहरे पर एक गंभीर भाव देखा।

"आपका कहना है कि वह इसी रास्ते से वापस आई होगी?"

"जी हां, महोदय, इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है।"

"घास की इस पट्टी पर?"

"जी हां, श्रीमान होम्स।"

हम्म! यह तो वाकई एक असाधारण प्रदर्शन था—बहुत ही असाधारण। खैर, मुझे लगता है हमने रास्ता पूरा देख लिया है। चलिए आगे बढ़ते हैं। मुझे लगता है कि यह बगीचे का दरवाजा आमतौर पर खुला रहता है? तो फिर इस आगंतुक के पास अंदर जाने के अलावा कोई चारा नहीं था। उसके मन में हत्या का विचार नहीं था, वरना वह लिखने की मेज से चाकू उठाने के बजाय किसी तरह का हथियार ले आती। वह नारियल की चटाई पर कोई निशान छोड़े बिना इस गलियारे में आगे बढ़ी। फिर वह इस अध्ययन कक्ष में पहुंच गई। वह वहां कितनी देर रही? हमारे पास इसका कोई अंदाजा नहीं है।

“बस कुछ ही मिनट, महोदय। मैं आपको बताना भूल गई थी कि हाउसकीपर श्रीमती मार्कर कुछ देर पहले ही वहां सफाई कर रही थीं—लगभग पंद्रह मिनट, जैसा कि उन्होंने बताया।”

“अच्छा, इससे हमें एक सीमा पता चलती है। हमारी मालकिन इस कमरे में आती हैं और क्या करती हैं? वह लेखन-मेज़ के पास जाती हैं। किसलिए? दराज़ों में कुछ लेने के लिए नहीं। अगर वहाँ कुछ काम की चीज़ होती, तो वह ज़रूर बंद होती। नहीं, वह उस लकड़ी के दराज़ में कुछ लेने के लिए गई थीं। अरे! उस पर यह खरोंच क्या है? वॉटसन, ज़रा रुको। हॉपकिंस, तुमने मुझे इसके बारे में क्यों नहीं बताया?”

जिस निशान को वह जांच कर रहा था, वह चाबी के छेद के दाहिनी ओर पीतल के काम पर शुरू हुआ था और लगभग चार इंच तक फैला हुआ था, जहां इसने सतह से वार्निश को खरोंच दिया था।

"मैंने इसे देखा था, मिस्टर होम्स, लेकिन आपको हमेशा चाबी के छेद के आसपास खरोंचें मिलेंगी।"

“यह अभी हाल का है, एकदम नया। देखो, जहाँ से पीतल कटा है, वहाँ से कैसे चमक रहा है। एक पुरानी खरोंच का रंग भी सतह जैसा ही होता। इसे मेरे लेंस से देखो। वार्निश भी है, जैसे नाली के दोनों ओर मिट्टी हो। क्या श्रीमती मार्कर वहाँ हैं?”

एक उदास चेहरे वाली बुजुर्ग महिला कमरे में दाखिल हुई।

"क्या आपने कल सुबह इस अलमारी की सफाई की थी?"

"जी श्रीमान।"

"क्या आपने यह खरोंच देखी?"

"जी नहीं, महोदय, मैंने ऐसा नहीं किया।"

मुझे यकीन है कि आपने ऐसा नहीं किया होगा, क्योंकि एक झाड़ू से वार्निश के ये टुकड़े साफ हो जाते। इस अलमारी की चाबी किसके पास है?

प्रोफेसर इसे अपनी घड़ी की चेन में रखते हैं।

क्या यह एक साधारण चाबी है?

"नहीं महोदय, यह चब की चाबी है।"

“बहुत बढ़िया। श्रीमती मार्कर, आप जा सकती हैं। अब हम थोड़ी प्रगति कर रहे हैं। हमारी मालकिन कमरे में प्रवेश करती हैं, अलमारी की ओर बढ़ती हैं और उसे खोलने की कोशिश करती हैं। जब वह इसमें लगी हुई थीं, तभी युवा विलोबी स्मिथ कमरे में प्रवेश करता है। चाबी निकालने की जल्दी में, वह दरवाज़े पर यह खरोंच लगा देती है। वह उसे पकड़ लेता है, और वह पास पड़ी किसी वस्तु, जो संयोगवश यह चाकू होती है, को उठाकर उस पर वार करती है ताकि वह उसे छोड़ दे। वार जानलेवा होता है। वह गिर जाता है और वह भाग जाती है, चाहे वह अपने उद्देश्य के साथ आई हो या उसके बिना। क्या नौकरानी सुसान वहाँ है? सुसान, क्या चीख सुनने के बाद कोई उस दरवाजे से भाग सकता था?”

“नहीं, महोदय, यह असंभव है। सीढ़ियों से नीचे उतरने से पहले ही मैंने गलियारे में किसी को भी देख लिया होता। इसके अलावा, दरवाजा कभी खुला ही नहीं, वरना मुझे आवाज़ सुनाई दे जाती।”

“तो इस निकास का मामला सुलझ गया। फिर तो निस्संदेह वह महिला उसी रास्ते से बाहर चली गई जिससे आई थी। मुझे पता चला है कि यह दूसरा रास्ता केवल प्रोफेसर के कमरे तक जाता है। उस तरफ से कोई निकास नहीं है?”

"जी नहीं, महोदय।"

हम नीचे जाकर प्रोफेसर से मुलाकात करेंगे। हैलो, हॉपकिंस! यह बहुत महत्वपूर्ण है, सचमुच बहुत महत्वपूर्ण। प्रोफेसर के गलियारे में भी नारियल की चटाई बिछी हुई है।

"तो महोदय, उस बारे में क्या?"

"क्या आपको इस मामले से इसका कोई संबंध नज़र नहीं आता? ठीक है, ठीक है। मैं इस पर ज़ोर नहीं दे रहा हूं। इसमें कोई शक नहीं कि मैं गलत हूं। फिर भी मुझे यह संकेतपूर्ण लगता है। मेरे साथ आइए और मेरा परिचय करवाइए।"

हम उस गलियारे से नीचे उतरे, जिसकी लंबाई बगीचे की ओर जाने वाले गलियारे के बराबर थी। अंत में कुछ सीढ़ियाँ थीं जो एक दरवाजे पर जाकर समाप्त होती थीं। हमारे मार्गदर्शक ने दरवाजा खटखटाया और फिर हमें प्रोफेसर के शयनकक्ष में ले गए।

यह एक बहुत बड़ा कमरा था, जो अनगिनत किताबों से भरा हुआ था। ये किताबें अलमारियों से बाहर निकलकर कोनों में ढेर के रूप में पड़ी थीं, या फिर कवर के नीचे चारों ओर ढेर लगी हुई थीं। बिस्तर कमरे के बीचोंबीच था, और उस पर तकियों के सहारे घर का मालिक लेटा हुआ था। मैंने शायद ही कभी इतना असाधारण दिखने वाला व्यक्ति देखा हो। उसका दुबला-पतला, बाज जैसी नाक वाला चेहरा हमारी ओर मुड़ा हुआ था, और उसकी गहरी काली आँखें घनी भौंहों के नीचे गड्ढों में झाँक रही थीं। उसके बाल और दाढ़ी सफेद थे, सिवाय इसके कि उसके मुंह के आसपास की दाढ़ी पर पीले रंग के धब्बे थे। सफेद बालों के बीच एक सिगरेट सुलग रही थी, और कमरे में बासी तंबाकू के धुएँ की दुर्गंध फैली हुई थी। जब उसने होम्स की ओर हाथ बढ़ाया, तो मैंने देखा कि वह भी पीले निकोटीन से सना हुआ था।

"आप सिगरेट पीते हैं, श्रीमान होम्स?" उन्होंने सधे हुए अंग्रेजी लहजे में, थोड़ा नज़ाकत से बोलते हुए कहा। "कृपया एक सिगरेट पीजिए। और आप, महोदय? मैं इनकी सिफ़ारिश कर सकता हूँ, क्योंकि ये मेरे लिए विशेष रूप से अलेक्जेंड्रिया के आयोनाइड्स द्वारा तैयार की जाती हैं। वह मुझे एक बार में एक हज़ार सिगरेट भेजते हैं, और मुझे यह कहते हुए दुख होता है कि मुझे हर पखवाड़े नई खेप मंगवानी पड़ती है। बहुत बुरा है, महोदय, बहुत बुरा, लेकिन एक बूढ़े आदमी के पास सुख के साधन कम ही होते हैं। तंबाकू और मेरा काम – बस यही मेरे पास बचा है।"

होम्स ने सिगरेट जला ली थी और वह कमरे में इधर-उधर छोटी-छोटी निगाहें घुमा रहा था।

"तंबाकू और मेरा काम, लेकिन अब सिर्फ तंबाकू ही," बूढ़े आदमी ने हैरानी से कहा। "हाय! कितना बड़ा झटका! भला कौन ऐसी भयानक विपत्ति की कल्पना कर सकता था? कितना होनहार नौजवान था! मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि कुछ महीनों की ट्रेनिंग के बाद, वह एक बेहतरीन सहायक बन गया था। श्रीमान होम्स, इस बारे में आपकी क्या राय है?"

मैंने अभी तक अपना मन नहीं बनाया है।

"अगर आप हमारे इस अंधकार में रोशनी की किरण दिखा सकें तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा। मुझ जैसे गरीब, किताबी कीड़े और बीमार व्यक्ति के लिए यह आघात बहुत गहरा है। ऐसा लगता है जैसे मैंने सोचने-समझने की शक्ति खो दी हो। लेकिन आप तो कर्मठ व्यक्ति हैं – आप तो हर काम में माहिर हैं। यह आपके जीवन का एक अभिन्न अंग है। आप हर परिस्थिति में अपना संतुलन बनाए रखते हैं। हम वाकई भाग्यशाली हैं कि आप हमारे साथ हैं।"

जब बूढ़े प्रोफेसर बोल रहे थे, होम्स कमरे के एक कोने में चहलकदमी कर रहे थे। मैंने देखा कि वे बहुत तेज़ी से सिगरेट पी रहे थे। यह स्पष्ट था कि उन्हें भी हमारे मेज़बान की तरह अलेक्जेंड्रिया की ताज़ी सिगरेटें पसंद थीं।

"जी हां, यह बहुत बड़ा झटका है," बूढ़े आदमी ने कहा। "वह मेरी सबसे महत्वपूर्ण रचना है—सामने वाली मेज़ पर रखे कागज़ों का ढेर। सीरिया और मिस्र के कॉप्टिक मठों में मिले दस्तावेज़ों का मेरा विश्लेषण है, एक ऐसा काम जो ईश्वरीय धर्म की नींव को

हिला देगा। मेरी कमज़ोर सेहत के साथ, मुझे नहीं पता कि मैं इसे कभी पूरा कर पाऊँगा या नहीं, अब जब मेरा सहायक मुझसे बिछड़ गया है। अरे! श्रीमान होम्स, आप तो मुझसे भी ज़्यादा सिगरेट पीते हैं!"

होम्स मुस्कुराया।

"मैं पारखी हूँ," उसने सिगरेट के डिब्बे से एक और सिगरेट निकाली — अपनी चौथी — और उसे खत्म हुई सिगरेट के बचे हुए टुकड़े से जलाते हुए कहा। "प्रोफेसर कोरम, मैं आपसे कोई लंबी पूछताछ नहीं करूँगा, क्योंकि मुझे लगता है कि अपराध के समय आप बिस्तर पर थे और इसके बारे में कुछ नहीं जानते होंगे। मैं बस इतना पूछना चाहता हूँ: आपको क्या लगता है कि उस बेचारे का अपने आखिरी शब्दों से क्या मतलब था: 'प्रोफेसर — वो औरत थी'?"

प्रोफेसर ने अपना सिर हिलाया।

"सुसान एक देहाती लड़की है," उसने कहा, "और तुम उस वर्ग की अविश्वसनीय मूर्खता से परिचित हो। मुझे लगता है कि बेचारे ने कुछ अस्पष्ट, बेसुध शब्द बुदबुदाए होंगे, और उसने उन्हें तोड़-मरोड़कर यह अर्थहीन संदेश बना दिया होगा।"

"मैं समझ गया। आपके पास भी इस त्रासदी का कोई स्पष्टीकरण नहीं है?"

"शायद एक दुर्घटना, शायद—मैं बस आपस में ही यह बात कह रहा हूँ—आत्महत्या। नौजवानों की अपनी कुछ दबी हुई परेशानियाँ होती हैं—शायद दिल का कोई मामला, जिसके बारे में हमें कभी पता नहीं चला। हत्या की तुलना में आत्महत्या की संभावना कहीं अधिक है।"

लेकिन चश्मे का क्या?

आह! मैं तो बस एक विद्यार्थी हूँ—सपनों का आदमी। मैं जीवन की व्यावहारिक बातें नहीं समझा सकता। लेकिन फिर भी, मेरे मित्र, हम जानते हैं कि प्रेम के प्रतीक अजीबोगरीब रूप ले सकते हैं। एक और सिगरेट पी लो। किसी को भी इन्हें इतना पसंद करते देखना सुखद है। पंखा, दस्ताना, चश्मा—कौन जाने कौन सी वस्तु अपने साथ निशानी के तौर पर रखता है या संजोकर रखता है जब कोई व्यक्ति अपने जीवन का अंत करता है? यह सज्जन घास में पैरों के निशान की बात कर रहे हैं, लेकिन, आखिरकार, ऐसी बात पर गलती करना आसान है। जहाँ तक चाकू की बात है, हो सकता है कि गिरते समय वह दुर्भाग्यपूर्ण व्यक्ति से दूर फेंक दिया गया हो। हो सकता है कि मैं एक बच्चे की तरह बोल रहा हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि विलोबी स्मिथ ने अपने ही हाथों अपनी मौत को गले लगाया है।

होम्स इस सिद्धांत से काफी प्रभावित प्रतीत हुए और वे कुछ देर तक इधर-उधर घूमते रहे, विचारों में खोए हुए और एक के बाद एक सिगरेट पीते रहे।

अंत में उसने कहा, "प्रोफेसर कोरम, मुझे बताइए, उस दराज में उस अलमारी में क्या है?"

"चोर की मदद करने वाली कोई चीज़ नहीं। पारिवारिक दस्तावेज़, मेरी बेचारी पत्नी के पत्र, उन विश्वविद्यालयों की डिग्रियाँ जिन्होंने मुझे सम्मान दिलाया है। यही कुंजी है। आप खुद देख लीजिएगा।"

होम्स ने चाबी उठाई, एक पल के लिए उसे देखा, फिर वापस कर दी।

"नहीं, मुझे नहीं लगता कि इससे मुझे कोई मदद मिलेगी," उन्होंने कहा। "मैं चुपचाप आपके बगीचे में जाना पसंद करूँगा और इस पूरे मामले पर मनन करूँगा। आपने आत्महत्या का जो सिद्धांत पेश किया है, उसमें कुछ सच्चाई तो है। प्रोफेसर कोरम, हमें आपको परेशान करने के लिए खेद है, और मैं वादा करता हूँ कि दोपहर के भोजन तक हम आपको परेशान नहीं करेंगे। दो बजे हम फिर आएंगे और इस बीच जो भी कुछ हुआ होगा, उसकी जानकारी आपको देंगे।"

होम्स अजीब तरह से विचलित था, और हम कुछ देर तक चुपचाप बगीचे के रास्ते पर इधर-उधर घूमते रहे।

“क्या तुम्हें कुछ पता है?” मैंने आखिरकार पूछा।

उन्होंने कहा, "यह इस बात पर निर्भर करता है कि मैंने कौन-कौन सी सिगरेट पी हैं। हो सकता है कि मैं पूरी तरह से गलत हूं। सिगरेट ही मुझे सच्चाई बता देंगी।"

मैंने हैरानी से कहा, "मेरे प्यारे होम्स, आखिर ये कैसे हो सकता है—"

“अच्छा, अच्छा, आप खुद ही देख लीजिए। अगर नहीं, तो कोई बात नहीं। वैसे, हमारे पास हमेशा ऑप्टिशियन की सलाह तो होती ही है, लेकिन मैं शॉर्टकट लेना पसंद करता हूं। अरे, ये रही श्रीमती मार्कर! चलिए, इनके साथ पाँच मिनट की ज्ञानवर्धक बातचीत का आनंद लें।”

मैंने शायद पहले भी उल्लेख किया है कि होम्स जब चाहे तब महिलाओं को बड़े चाव से लुभा लेता था और बड़ी आसानी से उनका विश्वास जीत लेता था। उसने जितने समय का ज़िक्र किया था, उसके आधे समय में ही उसने हाउसकीपर का दिल जीत लिया था और उससे ऐसे बातें कर रहा था मानो उसे सालों से जानता हो।

जी हां, श्रीमान होम्स, जैसा आप कह रहे हैं, वैसा ही है। वह बहुत ज़्यादा धूम्रपान करते हैं। दिन भर और कभी-कभी रात भर, महोदय। मैंने उस कमरे को एक सुबह देखा है — खैर, महोदय, ऐसा लगता था जैसे लंदन का घना कोहरा हो। बेचारे युवा श्रीमान स्मिथ, वह भी धूम्रपान करते थे, लेकिन प्रोफेसर जितने बुरे नहीं। उनका स्वास्थ्य — खैर, मुझे नहीं पता कि धूम्रपान से बेहतर हुआ है या बदतर।

“अरे!” होम्स ने कहा, “लेकिन इससे भूख मर जाती है।”

"खैर, मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है, महोदय।"

"मुझे लगता है कि प्रोफेसर शायद ही कुछ खाते होंगे?"

"खैर, उसका व्यवहार परिवर्तनशील है। मैं उसके बारे में यही कहूंगा।"

"मैं शर्त लगा सकता हूं कि उसने आज सुबह नाश्ता नहीं किया होगा, और मैंने उसे जितनी सिगरेट पीते हुए देखा है, उसके बाद वह दोपहर का भोजन भी नहीं करेगा।"

“खैर, आप तो वहीं हैं, महोदय, क्योंकि उन्होंने आज सुबह बहुत बड़ा नाश्ता किया है। मुझे याद नहीं कि मैंने उन्हें इससे बेहतर नाश्ता करते कब देखा है, और उन्होंने दोपहर के भोजन के लिए कटलेट की बढ़िया प्लेट मंगवाई है। मुझे खुद आश्चर्य हो रहा है, क्योंकि कल जब मैं उस कमरे में आया और युवा श्री स्मिथ को फ़र्श पर लेटा हुआ देखा, तब से मेरी खाने की इच्छा ही नहीं हो रही थी। खैर, दुनिया में हर तरह के लोग होते हैं, और प्रोफेसर ने अपनी भूख को इससे प्रभावित नहीं होने दिया है।”

हम सुबह का समय बगीचे में ही बिताते रहे। स्टेनली हॉपकिंस गाँव गए थे, ताकि उस अजीब महिला के बारे में फैली अफ़वाहों की जाँच कर सकें, जिसे कुछ बच्चों ने पिछली सुबह चैथम रोड पर देखा था। मेरे दोस्त की बात करें तो, उनकी सारी ऊर्जा मानो गायब हो गई थी। मैंने उन्हें कभी किसी मामले को इतने बेमन से संभालते नहीं देखा था। यहां तक कि हॉपकिंस द्वारा लाई गई खबर कि उन्होंने बच्चों को ढूंढ लिया है और उन्होंने निस्संदेह एक ऐसी महिला को देखा था जो होम्स के विवरण से बिल्कुल मेल खाती थी और चश्मा या सामान्य चश्मा पहने हुए थी, भी उनमें कोई दिलचस्पी नहीं जगा पाई। दोपहर के भोजन पर हमारी सेवा कर रही सुसान ने जब बताया कि उसे लगता है कि श्री स्मिथ कल सुबह टहलने गए थे और त्रासदी होने से ठीक आधा घंटा पहले ही लौटे थे, तब वह अधिक ध्यान से सुनने लगे। मुझे खुद इस घटना का कोई संदर्भ समझ नहीं आया, लेकिन मुझे साफ़ तौर पर महसूस हुआ कि होम्स इसे अपने दिमाग में बनी योजना में शामिल कर रहे थे। अचानक वह अपनी कुर्सी से उठे और

अपनी घड़ी पर नजर डाली। "दो बज गए हैं, सज्जनों," उन्होंने कहा। हमें ऊपर जाकर अपने मित्र, प्रोफेसर से इस बारे में बात करनी चाहिए।

बूढ़े आदमी ने अभी-अभी अपना दोपहर का भोजन समाप्त किया था, और निश्चित रूप से उसकी खाली थाली इस बात का प्रमाण थी कि उसकी नौकरानी ने उसके बारे में जो कहा था, वह कितना अच्छा था। सचमुच, वह एक विचित्र व्यक्ति लग रहा था, जब उसने अपने सफेद बालों और चमकती आँखों को हमारी ओर घुमाया। उसके मुँह में हमेशा जलती रहने वाली सिगरेट सुलग रही थी। उसने कपड़े पहन रखे थे और आग के पास एक आरामकुर्सी पर बैठा था।

“तो, श्रीमान होम्स, क्या आपने यह रहस्य सुलझा लिया?” उन्होंने अपने बगल की मेज पर रखे सिगरेट के बड़े डिब्बे को मेरे साथी की ओर धकेल दिया। उसी क्षण होम्स ने अपना हाथ बढ़ाया और दोनों ने मिलकर डिब्बे को किनारे से नीचे गिरा दिया। एक-दो मिनट तक हम सब घुटनों के बल बैठकर इधर-उधर पड़ी सिगरेटें उठाते रहे। जब हम उठे, तो मैंने देखा कि होम्स की आँखें चमक रही थीं और उनके गालों पर लाली थी। मैंने ऐसे युद्ध-संकेत केवल संकट की स्थिति में ही देखे हैं।

“हां,” उसने कहा, “मैंने इसे हल कर लिया है।”

स्टेनली हॉपकिंस और मैं विस्मय से देखते रह गए। बूढ़े प्रोफेसर के दुबले-पतले चेहरे पर एक तरह की तिरस्कार भरी मुस्कान झलक रही थी।

“जी हाँ! बगीचे में?”

"यहाँ कोई नहीं है।"

“यहां! कब?”

"तात्कालिक।"

"आप ज़रूर मज़ाक कर रहे हैं, श्री शर्लक होम्स। आप मुझे यह कहने पर मजबूर कर रहे हैं कि यह इतना गंभीर मामला है कि इसे इस तरह से नहीं निपटाया जाना चाहिए।"

“प्रोफेसर कोरम, मैंने अपनी श्रृंखला की हर कड़ी को गढ़कर परखा है और मुझे पूरा विश्वास है कि यह सही है। आपके इरादे क्या हैं, या इस अजीब मामले में आपकी सटीक भूमिका क्या है, यह मैं अभी नहीं कह सकता। कुछ ही मिनटों में शायद मैं यह बात आपसे ही सुन लूँगा। इस बीच, मैं आपके लाभ के लिए बीते हुए घटनाक्रम को संक्षेप में बताऊँगा, ताकि आपको वह जानकारी मिल सके जिसकी मुझे अभी भी आवश्यकता है।”

“कल एक महिला आपके अध्ययन कक्ष में दाखिल हुई। वह आपके ड्रॉअर में रखे कुछ दस्तावेज़ चुराने के इरादे से आई थी। उसके पास अपनी चाबी थी। मुझे आपका ड्रॉअर देखने का मौका मिला, और मुझे उसमें वह मामूली रंग फीकापन नहीं मिला जो वार्निश पर खरोंच से आ सकता था। इसलिए, आप इसमें शामिल नहीं थे, और जहां तक मुझे सबूतों से पता चलता है, वह आपकी जानकारी के बिना आपको लूटने आई थी।”

प्रोफेसर ने अपने होठों से धुएं का एक बादल उड़ाया। उन्होंने कहा, "यह बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक है। क्या आपको और कुछ कहना है? इस महिला के बारे में अब तक जानकारी जुटाकर आप यह भी बता सकते हैं कि उसका क्या हुआ होगा।"

मैं ऐसा करने का प्रयास करूंगा। सबसे पहले, आपके सचिव ने उसे पकड़ लिया और भागने के लिए उसने उसे चाकू मार दिया। मैं इस घटना को एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना मानता हूं, क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि उस महिला का इरादा इतनी गंभीर चोट पहुँचाने का नहीं था। एक हत्यारा निहत्था नहीं आता। अपने किए पर भयभीत होकर वह घटनास्थल से बेतहाशा भाग गई। दुर्भाग्य से, हाथापाई में उसका चश्मा खो

गया था, और क्योंकि उसे बहुत कम दिखाई देता था, इसलिए वह उसके बिना सचमुच असहाय थी। वह एक गलियारे में भागी, जिसे उसने वही गलियारा समझा जिससे वह आई थी - दोनों में नारियल की चटाई बिछी हुई थी - और जब बहुत देर हो चुकी थी, तब उसे समझ आया कि उसने गलत रास्ता ले लिया है, और उसके पीछे लौटने का रास्ता बंद हो गया है। अब वह क्या करती? वह वापस नहीं जा सकती थी। वह जहाँ थी वहाँ नहीं रुक सकती थी। उसे आगे बढ़ना ही था। वह आगे बढ़ी। वह एक सीढ़ी चढ़ी, एक दरवाजा खोला, और खुद को आपके कमरे में पाया।

बूढ़ा आदमी मुंह खोले बैठा था और होम्स को घूर रहा था। उसके भावपूर्ण चेहरे पर हैरानी और डर साफ झलक रहे थे। अब उसने बड़ी मुश्किल से अपने कंधे उचकाए और बनावटी हंसी हंसने लगा।

“सब ठीक है, मिस्टर होम्स,” उन्होंने कहा। “लेकिन आपके शानदार सिद्धांत में एक छोटी सी कमी है। मैं खुद अपने कमरे में था, और मैं दिन के दौरान कभी भी कमरे से बाहर नहीं निकला।”

“मुझे इस बात की जानकारी है, प्रोफेसर कोरम।”

"और आपका मतलब यह है कि मैं उस बिस्तर पर लेटा रहूँ और मुझे पता ही न चले कि कोई महिला मेरे कमरे में दाखिल हुई है?"

“मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। आपको इसकी जानकारी थी। आपने उससे बात की थी। आपने उसे पहचाना था। आपने उसे भागने में मदद की थी।”

प्रोफेसर एक बार फिर जोर-जोर से हंस पड़े। वे खड़े हो गए थे और उनकी आंखें अंगारों की तरह चमक रही थीं।

“तुम पागल हो!” वह चिल्लाया। “तुम बेवकूफी भरी बातें कर रहे हो। मैंने उसे भागने में मदद की? वह अब कहाँ है?”

"वह वहीं है," होम्स ने कहा और उसने कमरे के कोने में रखी एक ऊंची किताबों की अलमारी की ओर इशारा किया।

मैंने देखा कि बूढ़े आदमी ने अपने हाथ ऊपर उठा लिए, उसके गंभीर चेहरे पर एक भयानक कंपकंपी दौड़ गई और वह अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर गिर पड़ा। उसी क्षण, जिस किताबों की अलमारी की ओर होम्स ने इशारा किया था, वह अपने कब्ज़े पर घूम गई और एक महिला कमरे में दौड़कर बाहर आई। "आप सही हैं!" वह एक अजीब विदेशी आवाज़ में चिल्लाई। "आप सही हैं! मैं यहीं हूँ।"

वह धूल से भरी पड़ गई थी और उसके छिपने की जगह की दीवारों से निकले मकड़ी के जालों से ढकी हुई थी। उसका चेहरा भी मैल से सना हुआ था, और कम से कम वह कभी सुंदर नहीं रही होगी, क्योंकि उसमें वे सभी शारीरिक विशेषताएं थीं जिनका होम्स ने अनुमान लगाया था, साथ ही एक लंबी और अकड़ ठुड्डी भी थी। अपनी जन्मजात अंधता और अंधेरे से उजाले में अचानक बदलाव के कारण, वह मानो स्तब्ध खड़ी थी, पलकें झपकाकर यह देखने की कोशिश कर रही थी कि हम कहाँ और कौन हैं। फिर भी, इन सभी कमियों के बावजूद, उस महिला के हावभाव में एक विशेष गरिमा थी - उसकी दृढ़ ठुड्डी और ऊपर उठे सिर में एक वीरता थी, जो सम्मान और प्रशंसा का भाव जगाती थीं।

स्टैनली हॉपकिंस ने उसका हाथ थामकर उसे अपना कैदी घोषित कर दिया, लेकिन उसने उसे धीरे से, फिर भी एक ऐसे प्रभावशाली गरिमापूर्ण भाव से, जो आज्ञा मानने पर विवश कर देता था, दूर कर दिया। बूढ़ा व्यक्ति कांपते चेहरे के साथ कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया और गहरी निगाहों से उसे घूरने लगा।

“जी हाँ, महोदय, मैं आपकी कैदी हूँ,” उसने कहा। “जहाँ मैं खड़ी थी, वहाँ से मुझे सब कुछ सुनाई दे रहा था, और मैं जानती हूँ कि आपको सच्चाई पता चल गई है। मैं सब

कुछ कबूल करती हूँ। मैंने ही उस युवक को मारा है। लेकिन आप सही हैं - आप जो कहते हैं कि यह एक दुर्घटना थी। मुझे तो यह भी नहीं पता था कि मेरे हाथ में चाकू है, क्योंकि हताशा में मैंने मेज से कुछ भी उठाया और उसे मारने की कोशिश की ताकि वह मुझे छोड़ दे। मैं सच कह रही हूँ।"

"मैडम," होम्स ने कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि यह सच है। मुझे डर है कि आपकी तबीयत ठीक नहीं है।"

उसका चेहरा भयानक रूप से पीला पड़ गया था, और उसके चेहरे पर जमी धूल की काली लकीरों के कारण वह और भी भयावह लग रही थी। वह बिस्तर के किनारे बैठ गई; फिर उसने अपनी बात जारी रखी।

"मेरे पास यहाँ बहुत कम समय है," उसने कहा, "लेकिन मैं चाहती हूँ कि आप पूरी सच्चाई जान लें। मैं इस आदमी की पत्नी हूँ। यह अंग्रेज नहीं है। यह रूसी है। मैं इसका नाम नहीं बताऊँगी।"

पहली बार बूढ़ा आदमी हिला। "ईश्वर तुम्हारा भला करे, अन्ना!" वह चिल्लाया। "ईश्वर तुम्हारा भला करे!"

उसने उसकी ओर घोर तिरस्कार भरी नज़र से देखा। "सेर्जियस, तुम अपने उस दयनीय जीवन से इतना क्यों चिपके रहते हो?" उसने कहा। "इसने बहुतों को हानि पहुँचाई है और किसी का भला नहीं किया—यहाँ तक कि तुम्हारा भी नहीं। लेकिन ईश्वर की इच्छा से पहले इस कमज़ोर धागे को तोड़ना मेरा काम नहीं है। इस शापित घर की दहलीज पार करने के बाद से ही मेरे मन पर बहुत बोझ है। लेकिन मुझे बोलना ही होगा, वरना बहुत देर हो जाएगी।"

"मैंने कहा है, सज्जनों, कि मैं इस व्यक्ति की पत्नी हूँ। जब हमारी शादी हुई तब वह पचास वर्ष के थे और मैं बीस वर्ष की एक भोली-भाली लड़की थी। यह रूस के एक शहर में, एक विश्वविद्यालय में हुई थी - मैं उस स्थान का नाम नहीं बताऊँगी।"

"भगवान तुम्हारा भला करे, अन्ना!" बूढ़े आदमी ने फिर से धीरे से कहा।

"हम सुधारवादी थे—क्रांतिकारी थे—निहिलिस्ट थे, आप समझ रहे हैं ना। मैं, वो और कई और लोग। फिर मुसीबत का दौर आया, एक पुलिस अधिकारी की हत्या कर दी गई, कई लोगों को गिरफ्तार किया गया, सबूतों की तलाश थी, और अपनी जान बचाने और बड़ा इनाम पाने के लिए मेरे पति ने अपनी पत्नी और अपने साथियों के साथ विश्वासघात किया। हाँ, उसके कबूलनामे पर हम सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। हममें से कुछ को फांसी दी गई, और कुछ को साइबेरिया भेज दिया गया। मैं भी इन्हीं आखिरी लोगों में से थी, लेकिन मेरी सजा उम्रकैद नहीं थी। मेरे पति अपनी अवैध कमाई के साथ इंग्लैंड आ गए और तब से चुपचाप रह रहे हैं, क्योंकि उन्हें अच्छी तरह पता है कि अगर ब्रदरहुड को पता चल भी गया कि वो कहाँ हैं, तो न्याय होने में एक हफ्ता भी नहीं लगेगा।"

बूढ़े आदमी ने कांपते हुए हाथ से सिगरेट निकाली। "मैं तुम्हारे भरोसे हूँ, अन्ना," उसने कहा। "तुम हमेशा मेरे प्रति दयालु रही हो।"

"मैंने अभी तक आपको उसकी दुष्टता की हद नहीं बताई है," उसने कहा। "हमारे संगठन के साथियों में एक ऐसा व्यक्ति था जो मेरे दिल का दोस्त था। वह नेक, निस्वार्थ और प्रेममय था - वह सब कुछ जो मेरा पति नहीं था। उसे हिंसा से नफ़रत थी। हम सब दोषी थे - अगर इसे दोष कहा जाए तो - लेकिन वह नहीं था। वह हमें ऐसे रास्ते से रोकने के लिए लगातार पत्र लिखता रहता था। ये पत्र उसे बचा सकते थे। मेरी डायरी भी, जिसमें मैंने रोज़ाना उसके प्रति अपनी भावनाएँ और हम सबकी राय लिखी थी। मेरे पति को डायरी और पत्र दोनों मिल गए और उसने उन्हें संभाल कर रखा। उसने उन्हें छिपा दिया और उस नौजवान की जान बख्शने की पूरी कोशिश की। इसमें वह नाकाम

रहा, लेकिन एलेक्सिस को कैदी बनाकर साइबेरिया भेज दिया गया, जहाँ वह इस समय एक नमक की खान में काम करता है। ज़रा सोचो, तुम दुष्ट, तुम दुष्ट! – अभी, अभी, इसी क्षण, एलेक्सिस, एक ऐसा आदमी जिसका नाम लेने के भी तुम लायक नहीं हो, गुलाम की तरह काम करता है और जीता है, और फिर भी तुम्हारी जान मेरे हाथों में है, और मैं तुम्हें जाने देती हूं।”

“तुम हमेशा से एक नेक महिला थीं, अन्ना,” बूढ़े आदमी ने सिगरेट का कश लेते हुए कहा।

वह उठी तो थी, लेकिन दर्द की एक हल्की सी चीख के साथ वापस गिर पड़ी।

“मुझे इसे खत्म करना होगा,” उसने कहा। “जब मेरा कार्यकाल समाप्त हुआ, तो मैंने डायरी और पत्रों को हासिल करने का ठान लिया, जिन्हें रूसी सरकार को भेजने से मेरे दोस्त की रिहाई हो सकती थी। मुझे पता था कि मेरे पति इंग्लैंड आ गए हैं। महीनों की खोज के बाद मुझे उनका पता चला। मुझे पता था कि डायरी अभी भी उनके पास है, क्योंकि साइबेरिया में रहते हुए मुझे उनका एक पत्र मिला था, जिसमें उन्होंने मुझे फटकारा था और डायरी के कुछ अंश उद्धृत किए थे। फिर भी मुझे यकीन था कि अपने प्रतिशोधी स्वभाव के कारण वे इसे अपनी मर्जी से मुझे कभी नहीं देंगे। मुझे इसे खुद ही हासिल करना होगा। इसी उद्देश्य से मैंने एक निजी जासूस फर्म के एजेंट को काम पर रखा, जो मेरे पति के घर में सचिव बनकर दाखिल हुआ - वह आपका दूसरा सचिव सर्जियस था, जिसने आपको इतनी जल्दी में छोड़ दिया था। उसने पाया कि अलमारी में कागजात रखे हुए थे, और उसे चाबी का आभास हुआ। वह इससे आगे नहीं बढ़ा। उसने मुझे घर का नक्शा दिया, और बताया कि सुबह के समय अध्ययन कक्ष हमेशा खाली रहता है, क्योंकि सचिव ऊपर काम पर रहता है। इसलिए आखिरकार मैंने हिम्मत जुटाई, और मैं अंदर आ गई।” मैं खुद कागजात लेने गया। मैं सफल तो हो गया, लेकिन इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी!

“मैंने अभी-अभी कागजात लिए थे और अलमारी बंद कर रही थी, तभी उस युवक ने मुझे पकड़ लिया। मैंने उसे उस सुबह पहले ही देखा था। वह मुझे सड़क पर मिला था, और मैंने उससे पूछा था कि प्रोफेसर कोरम कहाँ रहते हैं, मुझे नहीं पता था कि वह उनके यहाँ काम करता है।”

“बिल्कुल! बिल्कुल!” होम्स ने कहा। “सेक्रेटरी वापस आया और उसने अपने मालिक को उस महिला के बारे में बताया जिससे वह मिला था। फिर, अपनी आखिरी सांस लेते हुए, उसने यह संदेश देने की कोशिश की कि वह वही महिला थी जिसके बारे में उसने अभी-अभी उससे बात की थी।”

“मुझे बोलने दो,” उस औरत ने आदेशात्मक स्वर में कहा, और उसका चेहरा दर्द से सिकुड़ गया। “जब वह गिर गया, तो मैं कमरे से भागी, गलत दरवाजा चुन लिया, और खुद को अपने पति के कमरे में पाया। उसने मुझे पुलिस के हवाले करने की बात कही। मैंने उसे दिखाया कि अगर उसने ऐसा किया, तो उसकी जान मेरे हाथों में होगी। अगर उसने मुझे कानून के हवाले किया, तो मैं उसे ब्रदरहुड के हवाले कर सकती थी। बात सिर्फ अपनी जान बचाने की नहीं थी, बल्कि मैं अपना मकसद पूरा करना चाहती थी। वह जानता था कि मैं वही करूंगी जो मैंने कहा था—कि उसका अपना भाग्य मेरे भाग्य से जुड़ा हुआ था। इसी कारण, और किसी कारण से नहीं, उसने मुझे पनाह दी। उसने मुझे उस अंधेरे छिपने की जगह में धकेल दिया—पुराने दिनों का एक अवशेष, जिसे सिर्फ वही जानता था। वह अपने कमरे में खाना खाता था, और इसलिए मुझे अपने खाने का कुछ हिस्सा दे पाता था। यह तय हुआ था कि जब पुलिस घर से चली जाएगी, तो मैं रात में चुपके से निकल जाऊंगी और फिर कभी वापस नहीं आऊंगी। लेकिन किसी तरह तुमने हमारी योजनाएं जान ली हैं।” उसने अपनी पोशाक के सीने से एक छोटा सा

पैकेट फाड़ा। “ये मेरे अंतिम शब्द हैं,” उसने कहा; “यह वह पैकेट है जो एलेक्सिस को बचाएगा। मैं इसे आपके सम्मान और न्याय के प्रति आपके प्रेम के हवाले करती हूँ। इसे ले जाइए! आप इसे रूसी दूतावास में पहुँचा देंगे। अब, मैंने अपना कर्तव्य पूरा कर दिया है, और—”

“उसे रोको!” होम्स चिल्लाया। वह कमरे के उस पार उछलकर गया और उसके हाथ से एक छोटी सी शीशी छीन ली।

“बहुत देर हो गई!” वह बिस्तर पर वापस लेटते हुए बोली। “बहुत देर हो गई! मैंने छिपने की जगह से निकलने से पहले ही ज़हर खा लिया। मेरा सिर चकरा रहा है! मैं जा रही हूँ! महोदय, मैं आपको आदेश देती हूँ कि आप पैकेट को याद रखें।”

"एक सरल मामला, और फिर भी, कुछ मायनों में, एक शिक्षाप्रद मामला," होम्स ने टिप्पणी की, जब हम वापस शहर की ओर जा रहे थे। “शुरू से ही सारा मामला चश्मे पर टिका हुआ था। अगर मरते हुए आदमी के पास ये चश्मे न होते, तो मुझे यकीन नहीं है कि हम कभी भी इस समस्या का हल निकाल पाते। चश्मे की चमक से मुझे साफ पता चल गया था कि चश्मा उतारने के बाद पहनने वाली बहुत अंधी और बेबस रही होगी। जब आपने मुझसे यह मानने को कहा कि वह घास की एक पतली पट्टी पर बिना एक भी गलत कदम उठाए चल सकती है, तो मैंने, जैसा कि आपको याद होगा, कहा था कि यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि थी। मेरे मन में यह एक असंभव उपलब्धि थी, सिवाय इसके कि उसके पास चश्मे का दूसरा जोड़ा हो। इसलिए, मुझे इस संभावना पर गंभीरता से विचार करना पड़ा कि वह घर के अंदर ही रही होगी। दोनों गलियारों की समानता को देखकर यह स्पष्ट हो गया कि वह आसानी से ऐसी गलती कर सकती थी, और उस स्थिति में, यह स्पष्ट था कि वह प्रोफेसर के कमरे में गई होगी। इसलिए, मैं इस अनुमान को पुष्ट करने वाली किसी भी चीज के लिए पूरी तरह सतर्क था, और मैंने कमरे की बारीकी से जांच की कि कहीं कोई छिपने की जगह तो नहीं है। कालीन निरंतर प्रतीत हो रहा था। और मजबूती से कीलों से जड़ा हुआ था, इसलिए मैंने गुप्त दरवाजे की संभावना को खारिज कर दिया। किताबों के पीछे शायद कोई जगह हो सकती है। जैसा कि आप जानते हैं, पुराने पुस्तकालयों में ऐसे उपकरण आम होते हैं। मैंने देखा कि बाकी सभी जगहों पर किताबें फर्श पर ढेर थीं, लेकिन एक बुककेस खाली था। तो, शायद यही दरवाजा हो सकता है। मुझे कोई निशान नहीं दिख रहे थे जिससे मुझे रास्ता पता चल सके, लेकिन कालीन हल्के भूरे रंग का था, जो जांच के लिए बहुत अच्छा होता है। इसलिए मैंने बहुत सारी बढ़िया सिगरेट पी और उनकी राख संदिग्ध बुककेस के सामने वाली जगह पर गिरा दी। यह एक सरल तरकीब थी, लेकिन बेहद कारगर। फिर मैं नीचे गया और आपकी मौजूदगी में, वॉटसन, मैंने यह पता लगाया कि प्रोफेसर कोरम का खाना बढ़ गया था - जैसा कि किसी दूसरे व्यक्ति को खाना परोसते समय उम्मीद की जाती है। फिर हम वापस कमरे में गए, जहाँ सिगरेट के डिब्बे को उलट कर मुझे फर्श का बहुत अच्छा दृश्य मिला और सिगरेट के निशानों से मैं साफ-साफ देख सका। ऐश, हमारी अनुपस्थिति में कैदी अपने ठिकाने से बाहर आ गई थी। अच्छा, हॉपकिंस, हम यहाँ चारिंग क्रास पर हैं, और मैं आपको आपके मामले को सफलतापूर्वक समाप्त करने के लिए बधाई देता हूँ। आप निश्चित रूप से मुख्यालय जा रहे हैं। मुझे लगता है, वॉटसन, हम दोनों रूसी दूतावास तक साथ चलेंगे।

लापता तीन-चौथाई का रोमांच

बेकर स्ट्रीट में हमें अजीबोगरीब टेलीग्राम मिलने की आदत सी हो गई थी, लेकिन मुझे एक खास टेलीग्राम याद है जो लगभग सात-आठ साल पहले फरवरी की एक

उदास सुबह हमारे पास आया था और जिसने श्री शर्लक होम्स को पंद्रह मिनट तक उलझन में डाल दिया था। यह टेलीग्राम उन्हीं को संबोधित था और इसमें लिखा था:

कृपया मेरा इंतज़ार करें। बहुत दुर्भाग्यवश। राइट विंग का तीन-चौथाई हिस्सा गायब है, जो कल के लिए बेहद ज़रूरी है।

ओवरटन।

"स्ट्रैंड पोस्टमार्क, और दस बजकर छत्तीस मिनट पर भेजा गया," होम्स ने इसे बार-बार पढ़ते हुए कहा। "श्री ओवरटन इसे भेजते समय स्पष्ट रूप से काफ़ी उत्तेजित थे, और इसी वजह से उनकी बातें कुछ अस्पष्ट थीं। खैर, मुझे लगता है कि जब तक मैं टाइम्स पढ़ लूंगा, तब तक वह यहाँ आ जाएंगे, और फिर हमें सब पता चल जाएगा। इन सुस्त दिनों में छोटी से छोटी समस्या भी स्वागत योग्य है।"

हमारे बीच वाकई बहुत सुस्ती छाई हुई थी, और मैं निष्क्रियता के ऐसे दौर से डरने लगा था, क्योंकि मुझे अनुभव से पता था कि मेरे साथी का दिमाग इतना असामान्य रूप से सक्रिय था कि उसे काम करने के लिए कुछ न देना खतरनाक था। वर्षों तक मैंने धीरे-धीरे उसे उस नशे की लत से दूर किया था जिसने एक समय उसके शानदार करियर को रोकने की धमकी दी थी। अब मुझे पता था कि सामान्य परिस्थितियों में उसे इस कृत्रिम उत्तेजना की लालसा नहीं थी, लेकिन मैं भली-भांति जानता था कि वह शैतान मरा नहीं था बल्कि सो रहा था, और मैंने यह भी देखा था कि उसकी नींद हल्की थी और जागना निकट था, जब खाली समय में मैंने होम्स के तपस्वी चेहरे पर उदासी और उसकी गहरी, रहस्यमयी आँखों में गहन चिंतन देखा था। इसलिए मैंने इस श्री ओवरटन को आशीर्वाद दिया, चाहे वह कोई भी हो, क्योंकि वह अपने रहस्यमयी संदेश के साथ उस खतरनाक शांति को भंग करने आया था जिसने मेरे मित्र के लिए उसके तूफानी जीवन के सभी तूफानों से कहीं अधिक खतरा पैदा किया था।

जैसा कि हमने उम्मीद की थी, टेलीग्राम के तुरंत बाद उसका प्रेषक आ गया, और कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज के श्री सिरिल ओवरटन के कार्ड ने एक विशालकाय युवक के आगमन की सूचना दी, जो सोलह स्टोन (लगभग 12 किलो) ठोस हड्डियों और मांसपेशियों का बना था, जिसने अपने चौड़े कंधों से दरवाज़े को पार किया, और चिंता से व्याकुल एक सुंदर चेहरे के साथ हममें से एक से दूसरे की ओर देखा।

"श्री शर्लक होम्स?"

मेरे साथी ने सिर झुकाया।

"मैं स्कॉटलैंड यार्ड गया था, मिस्टर होम्स। मैंने इंस्पेक्टर स्टेनली हॉपकिंस से मुलाकात की। उन्होंने मुझे आपके पास आने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जहाँ तक उन्हें लगता है, यह मामला नियमित पुलिस के दायरे से ज़्यादा आपके अधिकार क्षेत्र में आता है।"

"कृपया बैठ जाइए और मुझे बताइए कि क्या बात है।"

"यह बहुत बुरा है, मिस्टर होम्स—सचमुच बहुत बुरा! मुझे आश्चर्य है कि मेरे बाल अभी तक सफ़ेद क्यों नहीं हुए। गॉडफ्रे स्टॉन्टन—आपने उनके बारे में तो सुना ही होगा, है ना? वह पूरी टीम का आधार हैं। मैं पैक से दो खिलाड़ियों को हटाकर गॉडफ्रे को अपनी थ्री-क्वार्टर लाइन में रखना पसंद करूंगा। चाहे पासिंग हो, टैकलिंग हो या ड्रिबलिंग, उन्हें कोई छू नहीं सकता, और फिर, उनका दिमाग भी कमाल का है, और वह हम सबको एकजुट रख सकते हैं। मैं क्या करूं? यही सवाल मैं आपसे पूछता हूं, मिस्टर होम्स। मूरहाउस हैं, पहले रिजर्व खिलाड़ी, लेकिन उन्हें हाफ के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, और वह हमेशा टचलाइन पर रहने के बजाय स्क्रम में घुस जाते हैं। यह सच है कि वह एक अच्छे प्लेस-किक हैं, लेकिन फिर उनमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं है, और वह दौड़ भी नहीं सकते। क्यों, ऑक्सफोर्ड के तेज धावक मॉर्टन या

जॉनसन उन्हें आसानी से पछाड़ सकते हैं। स्टीवेन्सन काफी तेज है, लेकिन वह पच्चीस लाइन से नीचे नहीं आ सकते, और एक थ्री-क्वार्टर जो न तो पंट कर सकता है और न ही ड्रॉप कर सकता है, वह सिर्फ गति के आधार पर जगह पाने लायक नहीं है। नहीं, मिस्टर होम्स, अगर आप गॉडफ्रे स्टॉन्टन को ढूंढने में मेरी मदद नहीं करते हैं तो हमारा काम खत्म हो जाएगा।

मेरे मित्र ने इस लंबे भाषण को बड़े आश्चर्य और मनोरंजन के साथ सुना, जो असाधारण जोश और गंभीरता से दिया जा रहा था, और हर बात को वक्ता के घुटने पर एक तगड़े हाथ से थपथपाकर स्पष्ट किया जा रहा था। जब हमारा आगंतुक चुप हो गया, तो होम्स ने अपना हाथ बढ़ाया और अपनी सामान्य ज्ञान पुस्तिका का अक्षर "S" लिख लिया। इस बार उन्होंने उस विविध सूचनाओं के भंडार में व्यर्थ ही खोजबीन की।

उन्होंने कहा, "एक तो आर्थर एच. स्टांटन है, जो उभरता हुआ युवा जालसाज़ है, और एक हेनरी स्टांटन था, जिसे फांसी देने में मैंने मदद की थी, लेकिन गॉडफ्रे स्टांटन मेरे लिए एक नया नाम है।"

अब हमारे मेहमान की बारी थी आश्चर्यचकित होने की।

“क्यों, श्रीमान होम्स, मुझे लगा था कि आपको काफी कुछ पता है,” उसने कहा। “तो फिर, अगर आपने गॉडफ्रे स्टॉन्टन के बारे में कभी नहीं सुना, तो आप सिरिल ओवरटन को भी नहीं जानते होंगे?”

होम्स ने हंसते हुए सिर हिलाया।

“अरे बाप रे!” एथलीट चिल्लाया। “अरे, मैं वेल्स के खिलाफ इंग्लैंड के लिए फर्स्ट रिजर्व खिलाड़ी था, और इस पूरे साल मैंने यूनिवर्सिटी टीम की कप्तानी की है। लेकिन ये तो कुछ भी नहीं! मुझे नहीं लगता था कि इंग्लैंड में कोई ऐसा होगा जो गॉडफ्रे स्टॉन्टन को न जानता हो, वो कमाल का थ्रीक्वार्टर, कैम्ब्रिज, ब्लैकहीथ और पांच अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुका खिलाड़ी। हे भगवान! मिस्टर होम्स, आप कहां रहते थे?”

होम्स उस युवा विशालकाय व्यक्ति के भोलेपन भरे आश्चर्य पर हँस पड़ा।

श्रीमान ओवरटन, आप मुझसे बिल्कुल अलग दुनिया में रहते हैं—एक अधिक सुखद और स्वस्थ दुनिया में। मेरा प्रभाव समाज के अनेक वर्गों तक फैला हुआ है, लेकिन मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि शौकिया खेलों में मेरा कोई योगदान नहीं है, जो इंग्लैंड में सबसे उत्तम और स्वस्थ खेल है। हालांकि, आज सुबह आपकी अचानक यात्रा ने मुझे यह दिखाया है कि उस स्वच्छ और निष्पक्ष खेल की दुनिया में भी मेरे लिए कुछ काम हो सकता है। इसलिए, महोदय, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि कृपया बैठ जाइए और मुझे धीरे-धीरे और शांति से बताइए कि वास्तव में क्या हुआ है और आप मुझसे किस प्रकार की सहायता चाहते हैं।

युवा ओवरटन के चेहरे पर उस व्यक्ति की परेशान करने वाली झलक दिखाई दी, जो अपनी बुद्धि की बजाय अपनी शारीरिक शक्ति का उपयोग करने का आदी है, लेकिन धीरे-धीरे, कई पुनरावृत्तियों और अस्पष्टताओं के साथ, जिन्हें मैं उनके वर्णन से छोड़ सकता हूं, उन्होंने अपनी विचित्र कहानी हमारे सामने रखी।

“मैं यहां हूँ, मिस्टर होम्स। जैसा कि मैंने बताया, मैं कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की रग्बी टीम का कप्तान हूं, और गॉडफ्रे स्टॉन्टन मेरा बेस्ट मैन है। कल हमारा मैच ऑक्सफोर्ड के साथ है। कल हम सब यहां आए और बेंटली के निजी होटल में ठहरे। रात दस बजे मैं सबके पास गया और देखा कि सभी लोग सो गए थे, क्योंकि मेरा मानना है कि किसी भी टीम को फिट रखने के लिए कड़ी ट्रेनिंग और भरपूर नींद ज़रूरी है। सोने से पहले मैंने गॉडफ्रे से कुछ देर बात की। वह मुझे पीला और परेशान लग रहा था। मैंने उससे पूछा कि क्या बात है। उसने कहा कि वह ठीक है - बस थोड़ा सा सिरदर्द है। मैंने उसे शुभ रात्रि कहा और चला गया। आधे घंटे बाद, पोर्टर ने मुझे बताया कि दाढ़ी वाला एक

खुरदरा दिखने वाला आदमी गॉडफ्रे के लिए एक नोट लेकर आया था। वह सोया नहीं था, इसलिए नोट उसके कमरे में पहुँचा दिया गया। गॉडफ्रे ने उसे पढ़ा और कुर्सी पर ऐसे गिर पड़ा जैसे उसे किसी ने कुल्हाड़ी से मारा हो। पोर्टर इतना डर गया कि वह... मुझे लेने आ रहा था, लेकिन गॉडफ्रे ने उसे रोक दिया, पानी पिया और खुद को संभाला। फिर वह नीचे गया, हॉल में इंतज़ार कर रहे आदमी से कुछ कहा और दोनों साथ चले गए। पोर्टर ने उन्हें आखिरी बार तब देखा जब वे स्ट्रेंड की दिशा में सड़क पर लगभग दौड़ रहे थे। आज सुबह गॉडफ्रे का कमरा खाली था, उसके बिस्तर पर कोई सोया नहीं था, और उसका सारा सामान वैसा ही था जैसा मैंने पिछली रात देखा था। वह इस अजनबी के साथ अचानक चला गया था, और तब से उसकी कोई खबर नहीं आई है। मुझे नहीं लगता कि वह कभी वापस आएगा। गॉडफ्रे एक सच्चा खिलाड़ी था, दिल से, और अगर कोई ऐसी वजह न होती जो उसके बस से बाहर हो, तो वह अपना प्रशिक्षण नहीं छोड़ता और अपने कप्तान को कभी अंदर नहीं आने देता। नहीं: मुझे ऐसा लग रहा है जैसे वह हमेशा के लिए चला गया है, और हम उसे फिर कभी नहीं देख पाएंगे।

शर्लक होम्स ने इस अनूठी कहानी को अत्यंत ध्यान से सुना।

"तुमने क्या किया?" उसने पूछा।

मैंने कैम्ब्रिज को तार भेजा यह जानने के लिए कि क्या वहाँ उसके बारे में कुछ सुना गया है। मुझे जवाब मिल गया है। उसे किसी ने नहीं देखा है।

"क्या वह कैम्ब्रिज वापस जा सकता था?"

"जी हां, एक ट्रेन लेट है - सवा ग्यारह बजे।"

लेकिन, जहाँ तक आपको पता है, उसने इसे नहीं लिया?

नहीं, उसे नहीं देखा गया है।

"आपने फिर क्या किया?"

मैंने लॉर्ड माउंट-जेम्स को तार भेजा।

"लॉर्ड माउंट-जेम्स को क्यों?"

"गॉडफ्रे एक अनाथ है, और लॉर्ड माउंट-जेम्स उसका सबसे करीबी रिश्तेदार है - मेरा मानना है कि वह उसका चाचा है।"

"बिल्कुल सही। इससे इस मामले पर नई रोशनी पड़ती है। लॉर्ड माउंट-जेम्स इंग्लैंड के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक हैं।"

"मैंने गॉडफ्रे को ऐसा कहते सुना है।"

"और आपका दोस्त करीबी रिश्तेदार था?"

"हाँ, वह उसका वारिस था, और वह बूढ़ा आदमी लगभग अस्सी साल का है— गठिया से बुरी तरह ग्रस्त है। कहते हैं कि वह अपनी उंगलियों के पोरों से बिलियर्ड्स-क्यू पर निशान बना सकता है। उसने अपने जीवन में गॉडफ्रे को कभी एक पैसा भी नहीं दिया, क्योंकि वह घोर कंजूस है, लेकिन उसे सब कुछ समय बाद मिल जाएगा।"

क्या आपको लॉर्ड माउंट-जेम्स से कोई खबर मिली है?

"नहीं।"

"आपके मित्र के लॉर्ड माउंट-जेम्स के पास जाने का क्या मकसद हो सकता है?"

"खैर, पिछली रात उसे किसी बात की चिंता सता रही थी, और अगर यह पैसों से संबंधित मामला था तो संभव है कि वह अपने सबसे करीबी रिश्तेदार के पास चला जाए, जिसके पास बहुत पैसा था, हालांकि मैंने जो कुछ सुना है उससे लगता है कि उसे पैसा मिलने की संभावना बहुत कम है। गॉडफ्रे उस बूढ़े आदमी को पसंद नहीं करता था। अगर संभव होता तो वह बिल्कुल नहीं जाता।"

"खैर, हम जल्द ही इसका पता लगा लेंगे। अगर आपका दोस्त अपने रिश्तेदार, लॉर्ड माउंट-जेम्स के पास जा रहा था, तो आपको इस बदतमीज़ दिखने वाले आदमी के

इतनी देर रात आने और उसके आने से मची अफरा-तफरी का कारण समझाना होगा।"

सिरिल ओवरटन ने अपने हाथों को अपने सिर पर रखा। उन्होंने कहा, "मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है।"

“अच्छा, अच्छा, आज मेरा पूरा दिन खाली है, और मुझे इस मामले की जांच करने में खुशी होगी,” होम्स ने कहा। “मैं आपको सलाह दूंगा कि आप इस युवक का जिक्र किए बिना अपनी मैच की तैयारी करें। जैसा कि आप कह रही हैं, कोई बहुत जरूरी बात रही होगी जिसने उसे इस तरह जाने पर मजबूर किया, और शायद वही जरूरत उसे रोके रखेगी। चलिए हम साथ में होटल चलते हैं और देखते हैं कि क्या पोर्टर इस मामले पर कोई नई जानकारी दे सकता है।”

शर्लक होम्स एक साधारण गवाह को सहज महसूस कराने की कला में माहिर थे, और बहुत जल्द, गॉडफ्रे स्टॉन्टन के सुनसान कमरे की एकांत में, उन्होंने चौकीदार से सब कुछ उगलवा लिया। पिछली रात का आगंतुक न तो कोई सज्जन था और न ही कोई मजदूर। वह बस वैसा ही था जैसा चौकीदार ने उसे "औसत दिखने वाला आदमी" बताया था - पचास साल का, दाढ़ी में सफेदी, पीला चेहरा, सादे कपड़े पहने हुए। वह खुद भी परेशान लग रहा था। चौकीदार ने देखा था कि जब उसने नोट आगे बढ़ाया तो उसका हाथ कांप रहा था। गॉडफ्रे स्टॉन्टन ने नोट को अपनी जेब में ठूंस लिया। स्टॉन्टन ने हॉल में उस आदमी से हाथ नहीं मिलाया था। उन्होंने कुछ वाक्य बोले, जिनमें से चौकीदार को केवल एक शब्द "समय" ही समझ आया। फिर वे उसी तरह जल्दी से चले गए जैसा बताया गया था। हॉल की घड़ी में साढ़े दस बज रहे थे।

“देखने दीजिए,” होम्स ने स्टॉटन के बिस्तर पर बैठते हुए कहा। “आप ही तो दिन के कुली हैं, है ना?”

"जी सर, मैं ग्यारह बजे ड्यूटी से छुट्टी लेता हूँ।"

"मुझे लगता है कि रात के चौकीदार ने कुछ नहीं देखा?"

“नहीं, महोदय, थिएटर से आए लोगों में से केवल एक ही व्यक्ति देर से आया था। और कोई नहीं।”

"क्या आप कल पूरे दिन ड्यूटी पर थे?"

"जी श्रीमान।"

"क्या आपने मिस्टर स्टॉन्टन को कोई संदेश पहुंचाया?"

"जी जी, एक टेलीग्राम।"

“अरे! यह तो दिलचस्प है। यह कितने बजे का समय था?”

"लगभग छह।"

"जब श्री स्टॉटन को यह पुरस्कार मिला, तब वे कहाँ थे?"

"यहाँ उसके कमरे में।"

"जब उसने इसे खोला तो क्या आप वहां मौजूद थे?"

"जी सर, मैंने जवाब आने का इंतजार किया।"

"तो क्या सच में ऐसा था?"

"जी हां, महोदय, उन्होंने उत्तर लिखा है।"

"क्या तुमने इसे लिया?"

नहीं, उसने इसे खुद लिया था।

"लेकिन उसने यह आपकी उपस्थिति में लिखा था?"

जी हां, महोदय। मैं दरवाजे के पास खड़ा था, और वह मेज की ओर पीठ करके खड़ा था। जब उसने लिख डाला तो उसने कहा: ‘ठीक है, कुली। मैं इसे स्वयं ले जाऊंगा।’

“उसने इसे किससे लिखा?”
"एक कलम, महोदय।"
"क्या मेज पर रखे गए टेलीग्राफिक फॉर्म में से एक यही फॉर्म था?"
"जी हां, महोदय, यह सबसे ऊपर वाला था।"
होम्स उठे। उन्होंने उन आकृतियों को उठाया और खिड़की के पास ले जाकर उनमें से सबसे ऊपर वाली आकृति का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया।
“कितनी अफ़सोस की बात है कि उन्होंने पेंसिल से नहीं लिखा,” उन्होंने निराशा से कंधे उचकाते हुए उन्हें वापस नीचे फेंकते हुए कहा। “जैसा कि आपने अक्सर देखा होगा, वॉटसन, छाप आमतौर पर आर-पार हो जाती है—यह एक ऐसा तथ्य है जिसने कई खुशहाल शादियों को तोड़ दिया है। हालाँकि, मुझे यहाँ कोई निशान नहीं मिल रहा है। फिर भी, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि उन्होंने चौड़े नोक वाले पंख वाले पेन से लिखा है, और मुझे पूरा यकीन है कि हमें इस सोख्ता कागज पर कुछ निशान मिल जाएगा। अरे हाँ, ज़रूर यही वह चीज़ है!”
उसने सोख्ता कागज की एक पट्टी फाड़ी और हमारी ओर निम्नलिखित चित्रलिपि बनाई:
सिरिल ओवरटन बहुत उत्साहित थे। उन्होंने चिल्लाकर कहा, "इसे गिलास से सटाकर रखो!"
“यह अनावश्यक है,” होम्स ने कहा। “कागज़ पतला है, और दूसरी तरफ संदेश लिखा होगा। यह रहा।” उन्होंने कागज़ पलटा, और हमने पढ़ा:
“तो यह उस टेलीग्राम का आखिरी हिस्सा है जो गॉडफ्रे स्टॉन्टन ने अपने लापता होने के कुछ घंटों के भीतर भेजा था। संदेश के कम से कम छह शब्द हमें नहीं मिल पाए हैं; लेकिन जो बचा है — ‘भगवान के लिए हमारा साथ दो!’ — यह साबित करता है कि इस युवक ने अपने ऊपर मंडराते एक भयंकर खतरे को देखा, जिससे कोई और उसकी रक्षा कर सकता था। ‘हम’, ध्यान दें! एक और व्यक्ति भी शामिल था। वह कौन हो सकता था, वही पीला चेहरा और दाढ़ी वाला आदमी, जो खुद इतना घबराया हुआ लग रहा था? तो फिर, गॉडफ्रे स्टॉन्टन और दाढ़ी वाले आदमी के बीच क्या संबंध है? और वह तीसरा स्रोत क्या है जिससे उन दोनों ने बढ़ते खतरे से लड़ने के लिए मदद मांगी? हमारी जांच पहले ही इसी पर आकर रुक गई है।”
मैंने सुझाव दिया, "हमें बस यह पता लगाना है कि वह टेलीग्राम किसे संबोधित है।"
“बिल्कुल सही, मेरे प्रिय वॉटसन। आपका विचार, हालांकि गहरा है, मेरे मन में पहले से ही था। लेकिन मुझे लगता है कि आपको यह पता चल गया होगा कि अगर आप डाकघर में जाकर किसी दूसरे व्यक्ति के संदेश की प्रति दिखाने की मांग करें, तो अधिकारियों की ओर से शायद आपको मनाही हो। इन मामलों में बहुत ज्यादा कागज़ी कार्रवाई होती है। हालांकि, मुझे पूरा विश्वास है कि थोड़ी सी समझदारी और चतुराई से काम हो जाएगा। इस बीच, श्री ओवरटन, मैं आपकी उपस्थिति में मेज पर रखे इन कागजों को देखना चाहूंगा।”
वहाँ कई पत्र, बिल और नोटबुक थे, जिन्हें होम्स ने तेज़ी से, घबराई हुई उंगलियों और पैनी, भेदक आँखों से पलटकर देखा। अंत में उन्होंने कहा, "यहां कुछ नहीं है।" "वैसे, मुझे लगता है कि आपका दोस्त एक स्वस्थ युवक था - क्या उसे कोई परेशानी है?"
"बिल्कुल ठीक है।"
क्या आपने उन्हें कभी बीमार देखा है?
“एक दिन भी नहीं। उसे एक बार चोट लगी थी और वह बिस्तर पर पड़ा रहा था, और एक बार उसके घुटने की हड्डी खिसक गई थी, लेकिन वह कुछ भी नहीं था।”

“शायद वह उतना ताकतवर नहीं था जितना आप सोचते हैं। मुझे लगता है कि उसे कोई गुप्त परेशानी रही होगी। आपकी सहमति से, मैं इनमें से एक-दो कागजात अपनी जेब में रख लूंगा, ताकि भविष्य में हमारी जांच में इनका इस्तेमाल किया जा सके।”

“एक पल रुकिए—एक पल रुकिए!” एक चिड़चिड़ी आवाज़ आई, और हमने ऊपर देखा तो दरवाज़े पर एक अजीब सा बूढ़ा आदमी खड़ा था, जो झटके खा रहा था और कांप रहा था। उसने जंग लगे काले कपड़े पहने थे, साथ में चौड़ी किनारी वाली टोपी और ढीली सफ़ेद टाई थी—कुल मिलाकर वह किसी देहाती पादरी या किसी अंतिम संस्कार करने वाले के मूक व्यक्ति जैसा लग रहा था। फिर भी, उसकी फटीचर और यहां तक कि हास्यास्पद शक्ल के बावजूद, उसकी आवाज़ में एक तीखी कर्कशता थी, और उसके हाव-भाव में एक तीव्र तीव्रता थी जो सबका ध्यान खींच रही थी।

“आप कौन हैं, महोदय, और किस अधिकार से आप इस सज्जन के कागजात को छू रहे हैं?” उसने पूछा।

मैं एक निजी जासूस हूं, और मैं उसके लापता होने की गुत्थी सुलझाने की कोशिश कर रहा हूं।

"ओह, आप हैं ना? और आपको किसने निर्देश दिया?"

"श्री स्टांटन के मित्र इस सज्जन को स्कॉटलैंड यार्ड ने मेरे पास भेजा था।"

“आप कौन हैं, महोदय?”

मैं सिरिल ओवरटन हूँ।

“तो फिर आपने ही मुझे टेलीग्राम भेजा था। मेरा नाम लॉर्ड माउंट-जेम्स है। मैं जितनी जल्दी हो सके बेज़वॉटर बस से यहाँ आ गया। तो क्या आपने किसी जासूस को निर्देश दिया है?”

"जी श्रीमान।"

और क्या आप लागत वहन करने के लिए तैयार हैं?

"मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है, महोदय, कि जब हम अपने मित्र गॉडफ्रे को ढूंढ लेंगे, तो वह ऐसा करने के लिए तैयार होगा।"

लेकिन अगर वह कभी नहीं मिला तो? इसका जवाब दो!

“ऐसे में, इसमें कोई शक नहीं कि उसका परिवार—”

“बिल्कुल नहीं, साहब!” उस छोटे आदमी ने चीखते हुए कहा। “मुझसे एक पैसा भी मत मांगिए—एक पैसा भी नहीं! आप समझ रहे हैं ना, श्रीमान जासूस! इस नौजवान का बस एक ही परिवार है, और मैं आपको बता रहा हूँ कि मैं ज़िम्मेदार नहीं हूँ। अगर उसे कोई उम्मीद है तो वो इसलिए है क्योंकि मैंने कभी पैसा बर्बाद नहीं किया, और न ही अब करने का इरादा है। जहाँ तक उन कागज़ों की बात है जिन्हें आप इतनी बेधड़क इस्तेमाल कर रहे हैं, मैं आपको बता दूँ कि अगर उनमें कुछ भी कीमती निकला, तो आप उनके साथ जो भी करेंगे, उसका हिसाब आपको सख्ती से देना होगा।”

“बहुत बढ़िया, महोदय,” शर्लक होम्स ने कहा। “क्या मैं इस बीच यह पूछ सकता हूँ कि क्या आपके पास इस युवक के लापता होने के बारे में कोई सिद्धांत है?”

“नहीं महोदय, मैंने ऐसा नहीं किया है। वह इतना बड़ा और समझदार है कि अपना ख्याल खुद रख सकता है, और अगर वह इतनी मूर्खता करता है कि खुद को खो देता है, तो मैं उसे ढूंढने की ज़िम्मेदारी लेने से पूरी तरह इनकार करता हूं।”

“मैं आपकी स्थिति को अच्छी तरह समझता हूं,” होम्स ने आँखों में शरारती चमक के साथ कहा। “शायद आप मेरी स्थिति को पूरी तरह नहीं समझते। गॉडफ्रे स्टॉन्टन एक गरीब आदमी लगता था। अगर उसका अपहरण हुआ है, तो यह किसी ऐसी चीज़ के लिए नहीं हो सकता जो उसके पास खुद हो। लॉर्ड माउंट-जेम्स, आपकी दौलत की ख्याति दूर-दूर तक फैल चुकी है, और यह पूरी तरह संभव है कि चोरों के एक गिरोह ने

आपके भतीजे को आपके घर, आपकी आदतों और आपके खजाने के बारे में कुछ जानकारी हासिल करने के लिए अगवा कर लिया हो।”

हमारे उस अप्रिय छोटे मेहमान का चेहरा उसके गले में बंधे कपड़े की तरह सफेद पड़ गया।

“अरे वाह, महोदय, क्या विचार है! मैंने कभी ऐसी दुष्टता के बारे में सोचा ही नहीं था! दुनिया में कितने निर्दयी बदमाश हैं! लेकिन गॉडफ्रे एक नेक लड़का है – एक सच्चा और दृढ़ लड़का। कोई भी चीज़ उसे अपने बूढ़े चाचा को धोखा देने के लिए राजी नहीं कर सकती। मैं आज शाम तक थाली बैंक में भली-भांति भली-भांति भेज दूंगा। तब तक, श्रीमान जासूस! मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि उसे सुरक्षित वापस लाने के लिए कोई कसर न छोड़ें। जहाँ तक पैसों की बात है, अगर आपको पाँच या दस पाउंड भी देने हों, तो आप हमेशा मुझसे संपर्क कर सकते हैं।”

अपने संयमित मन के बावजूद, वह महान कंजूस हमें कोई ऐसी जानकारी नहीं दे सका जिससे हमें मदद मिल सके, क्योंकि वह अपने भतीजे के निजी जीवन के बारे में बहुत कम जानता था। हमारा एकमात्र सुराग उस अधूरे टेलीग्राम में था, और उसकी एक प्रति हाथ में लेकर होम्स अपनी कड़ी का दूसरा हिस्सा खोजने निकल पड़ा। हमने लॉर्ड माउंट-जेम्स से पीछा छुड़ा लिया था, और ओवरटन अपने साथियों के साथ उन पर आई विपत्ति के बारे में सलाह मशवरा करने चला गया था।

होटल से थोड़ी दूरी पर एक टेलीग्राफ कार्यालय था। हम उसके बाहर रुके।

“वॉटसन, कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है,” होम्स ने कहा। “बेशक, वारंट के साथ हम प्रतिहथियार देखने की मांग कर सकते हैं, लेकिन हम अभी उस स्थिति तक नहीं पहुंचे हैं। मुझे नहीं लगता कि इतनी भीड़भाड़ वाली जगह में उन्हें चेहरे याद रहेंगे। चलो एक बार कोशिश करते हैं।”

“आपको परेशान करने के लिए क्षमा करें,” उसने बड़ी विनम्रता से जाली के पीछे खड़ी युवती से कहा; “कल मैंने जो टेलीग्राम भेजा था, उसमें एक छोटी सी गलती हो गई है। मुझे कोई जवाब नहीं मिला है, और मुझे पूरा डर है कि कहीं मैंने अंत में अपना नाम लिखना तो नहीं भूल गया। क्या आप बता सकती हैं कि क्या ऐसा ही हुआ है?”

युवती ने पन्नी के पन्नों का एक गट्ठा पलट दिया।

“कितने बजे थे?” उसने पूछा।

"छह बजे के कुछ देर बाद।"

यह किसके लिए था?

होम्स ने अपनी उंगली होठों पर रखी और मेरी तरफ देखा। "उसमें आखिरी शब्द थे 'भगवान के लिए'," उन्होंने दबे स्वर में कहा। "मुझे कोई जवाब न मिलने से बहुत चिंता हो रही है।"

युवती ने एक प्रपत्र को अलग कर दिया।

“बस यही है। इस पर कोई नाम नहीं है,” उसने काउंटर पर इसे फैलाते हुए कहा।

“तो फिर, ज़ाहिर है, इसी वजह से मुझे कोई जवाब नहीं मिला,” होम्स ने कहा। “अरे बाप रे, मैं कितना बेवकूफ था! सुप्रभात महोदया, और मेरा मन हल्का करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।” जब हम दोबारा सड़क पर आ गए तो वह हँस पड़ा और अपने हाथ मलने लगा।

“तो?” मैंने पूछा।

“हम आगे बढ़ रहे हैं, मेरे प्यारे वॉटसन, हम आगे बढ़ रहे हैं। उस टेलीग्राम की एक झलक पाने के लिए मेरे पास सात अलग-अलग योजनाएँ थीं, लेकिन मुझे पहली बार में ही सफल होने की शायद ही कोई उम्मीद थी।”

और आपको इससे क्या लाभ हुआ?

"हमारी जांच का शुरुआती बिंदु।" उन्होंने एक टैक्सी रोकी। "किंग्स क्रॉस स्टेशन," उन्होंने कहा।

तो क्या हमें यात्रा करनी होगी?

"हां, मुझे लगता है कि हमें साथ में कैम्ब्रिज जाना चाहिए। मुझे तो सारे संकेत इसी ओर इशारा करते दिख रहे हैं।"

"बताइए," मैंने ग्रेज़ इन रोड पर गाड़ी चलाते हुए पूछा, "क्या आपको अभी तक उसके लापता होने के कारण के बारे में कोई संदेह है? मुझे नहीं लगता कि हमारे सभी मामलों में से मैंने ऐसा कोई मामला देखा है जिसमें मकसद इतना अस्पष्ट हो। क्या आप सच में यह सोचते हैं कि उसे उसके अमीर चाचा के खिलाफ जानकारी निकलवाने के लिए अगवा किया गया होगा?"

"मैं स्वीकार करता हूँ, मेरे प्रिय वॉटसन, कि यह मुझे बहुत संभावित स्पष्टीकरण नहीं लगता। हालाँकि, मुझे लगा कि यही वह स्पष्टीकरण है जिसमें उस बेहद अप्रिय बूढ़े व्यक्ति को सबसे अधिक रुचि होने की संभावना है।"

"ऐसा तो हुआ ही; लेकिन आपके पास विकल्प क्या हैं?"

"मैं कई बातें बता सकता हूं। आपको मानना पड़ेगा कि यह घटना इस महत्वपूर्ण मैच की पूर्व संध्या पर घटी है और इसमें वही व्यक्ति शामिल है जिसकी उपस्थिति टीम की सफलता के लिए अनिवार्य प्रतीत होती है। यह महज़ एक संयोग हो सकता है, लेकिन दिलचस्प ज़रूर है। शौकिया खेल में सट्टेबाजी नहीं होती, लेकिन आम जनता के बीच काफी सट्टेबाजी होती है, और हो सकता है कि किसी के लिए किसी खिलाड़ी को उसी तरह फंसाना फायदेमंद हो, जैसे घुड़दौड़ के मैदान के गुंडे किसी घोड़े को फंसाते हैं। एक कारण तो हो सकता है। दूसरा, जो बहुत स्पष्ट है, वह यह है कि यह युवक वास्तव में किसी बड़ी संपत्ति का वारिस है, चाहे उसकी वर्तमान आर्थिक स्थिति कितनी भी साधारण क्यों न हो, और यह संभव है कि उसे बंधक बनाकर फिरौती मांगने की साजिश रची गई हो।"

"ये सिद्धांत टेलीग्राम को ध्यान में नहीं रखते हैं।"

"बिल्कुल सही, वॉटसन। टेलीग्राम ही एकमात्र ठोस सबूत है जिससे हमें निपटना है, और हमें अपना ध्यान इससे भटकने नहीं देना चाहिए। इसी टेलीग्राम के उद्देश्य को समझने के लिए हम कैम्ब्रिज जा रहे हैं। हमारी जांच का रास्ता फिलहाल अस्पष्ट है, लेकिन अगर शाम से पहले हम इसे सुलझा नहीं पाए या इसमें कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं कर पाए तो मुझे बहुत आश्चर्य होगा।"

जब हम पुराने विश्वविद्यालय शहर पहुँचे तब तक अंधेरा हो चुका था। होम्स ने स्टेशन पर एक टैक्सी ली और ड्राइवर को डॉ. लेस्ली आर्मस्ट्रांग के घर ले जाने का आदेश दिया। कुछ ही मिनटों में, हम सबसे व्यस्त सड़क पर स्थित एक विशाल हवेली के सामने रुके। हमें अंदर जाने दिया गया, और काफी देर इंतजार के बाद आखिरकार हमें परामर्श कक्ष में प्रवेश मिला, जहाँ हमने डॉक्टर को अपनी मेज के पीछे बैठे हुए पाया।

इससे यह स्पष्ट होता है कि मैं अपने पेशे से कितना दूर हो गया था कि मुझे लेस्ली आर्मस्ट्रांग का नाम भी पता नहीं था। अब मुझे पता है कि वे न केवल विश्वविद्यालय के मेडिकल स्कूल के प्रमुखों में से एक हैं, बल्कि विज्ञान की कई शाखाओं में यूरोपीय ख्याति प्राप्त विचारक भी हैं। फिर भी, उनके शानदार रिकॉर्ड के बारे में जाने बिना भी, उन्हें देखते ही कोई प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता था - उनका चौकोर, विशाल चेहरा, घनी भौंहों के नीचे गहरी आँखें और दृढ़ जबड़े की बनावट। एक गहरे चरित्र का व्यक्ति, एक तेज दिमाग वाला, गंभीर, तपस्वी, आत्मसंयमित, प्रभावशाली - यही मैंने डॉ.

लेस्ली आर्मस्ट्रांग को समझा। उनके हाथ में मेरे मित्र का कार्ड था, और उन्होंने अपने गंभीर चेहरे पर कोई प्रसन्नता का भाव न दिखाते हुए ऊपर देखा।

"मैंने आपका नाम सुना है, श्री शर्लक होम्स, और मैं आपके पेशे से भी परिचित हूं - एक ऐसा पेशा जिसे मैं किसी भी तरह से स्वीकार नहीं करता।"

"इस मामले में, डॉक्टर, आप देश के हर अपराधी से सहमत होंगे," मेरे मित्र ने धीमी आवाज़ में कहा।

"महोदय, अपराध को रोकने के आपके प्रयासों में समाज के हर समझदार सदस्य का समर्थन होना चाहिए, हालांकि मुझे इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सरकारी तंत्र इस उद्देश्य के लिए पर्याप्त है। आपकी कार्यशैली तब आलोचना के दायरे में आती है जब आप निजी व्यक्तियों के रहस्यों में दखल देते हैं, जब आप पारिवारिक मामलों को उजागर करते हैं जिन्हें छिपाकर रखना बेहतर होता है, और जब आप अनजाने में उन लोगों का समय बर्बाद करते हैं जो आपसे कहीं अधिक व्यस्त हैं। उदाहरण के लिए, इस समय मैं आपसे बातचीत करने के बजाय एक शोधपत्र लिख रहा होता।"

"निःसंदेह, डॉक्टर साहब; फिर भी यह बातचीत शायद शोधपत्र से ज़्यादा महत्वपूर्ण साबित हो। वैसे, मैं आपको बता दूं कि हम उस बात का ठीक उल्टा कर रहे हैं जिसकी आप बिल्कुल सही आलोचना कर रहे हैं, और हम निजी मामलों के सार्वजनिक होने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं, जो कि तब स्वाभाविक रूप से होता है जब मामला आधिकारिक पुलिस के हाथों में चला जाता है। आप मुझे बस एक आम खोजी समझ सकते हैं, जो देश की नियमित सेनाओं से आगे चलता है। मैं आपसे श्री गॉडफ्रे स्टॉन्टन के बारे में पूछने आया हूं।"

"उसकी क्या खबर है?"

आप उसे जानते हैं, है ना?

वह मेरा घनिष्ठ मित्र है।

"क्या आपको पता है कि वह लापता हो गया है?"

"अहा, बिल्कुल!" डॉक्टर के कठोर चेहरे पर भावों में कोई बदलाव नहीं आया।

"वह कल रात अपने होटल से चला गया था - उसके बारे में कोई खबर नहीं मिली है।"

"इसमें कोई शक नहीं कि वह वापस लौटेगा।"

"कल यूनिवर्सिटी का फुटबॉल मैच है।"

"मुझे इन बचकाने खेलों से कोई सहानुभूति नहीं है। उस युवक का भविष्य मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि मैं उसे जानता हूं और पसंद करता हूं। फुटबॉल मैच से मेरा कोई वास्ता नहीं है।"

"इसलिए, श्री स्टांटन के भाग्य की जांच में मैं आपकी सहानुभूति चाहता हूं। क्या आप जानते हैं कि वह कहां है?"

"हरगिज नहीं।"

"क्या आपने उसे कल से नहीं देखा?"

"नहीं, मेरे पास नहीं है।"

"क्या मिस्टर स्टांटन एक स्वस्थ व्यक्ति थे?"

"बिल्कुल।"

क्या आपने उन्हें कभी बीमार देखा था?

"कभी नहीं।"

होम्स ने डॉक्टर के सामने एक कागज़ का टुकड़ा रख दिया। "तो शायद आप इस तेरह गिनी के बिल के बारे में समझाएंगे, जो श्री गॉडफ्रे स्टॉन्टन ने पिछले महीने कैम्ब्रिज

के डॉ. लेस्ली आर्मस्ट्रांग को दिया था। मैंने इसे उनकी मेज पर रखे कागज़ों में से निकाला है।"

डॉक्टर गुस्से से लाल हो गया।

"मुझे नहीं लगता कि मुझे आपको कोई स्पष्टीकरण देने की कोई आवश्यकता है, श्री होम्स।"

होम्स ने बिल को अपनी नोटबुक में वापस रख दिया। उन्होंने कहा, "अगर आप सार्वजनिक स्पष्टीकरण चाहते हैं, तो यह देर-सवेर देना ही होगा। मैं आपको पहले ही बता चुका हूँ कि मैं उस बात को छुपा सकता हूँ जिसे दूसरे लोग प्रकाशित करने के लिए बाध्य होंगे, और आपके लिए बेहतर यही होगा कि आप मुझ पर पूरा भरोसा करें।"

"मैं इसके बारे में कुछ नहीं जानता।"

"क्या आपको लंदन में श्री स्टांटन से कोई खबर मिली?"

"हरगिज नहीं।"

"अरे बाप रे! फिर से डाकघर!" होम्स ने थकी हुई आवाज़ में आह भरी। "कल शाम छह बजकर पंद्रह मिनट पर गॉडफ्रे स्टांटन ने लंदन से आपके लिए एक बेहद ज़रूरी टेलीग्राम भेजा था – यह टेलीग्राम निस्संदेह उनके लापता होने से जुड़ा है – और फिर भी आपको यह नहीं मिला। यह बहुत ही शर्मनाक है। मैं ज़रूर यहाँ डाकघर जाकर शिकायत दर्ज कराऊँगा।"

डॉ. लेस्ली आर्मस्ट्रांग अपनी डेस्क के पीछे से उछलकर खड़े हो गए, और उनका काला चेहरा क्रोध से लाल हो गया था।

"महोदय, मैं आपको अपने घर से बाहर जाने के लिए कहूँगा," उसने कहा। "आप अपने मालिक, लॉर्ड माउंट-जेम्स को बता सकते हैं कि मैं न तो उनसे और न ही उनके एजेंटों से कोई वास्ता रखना चाहता हूँ। नहीं, महोदय – एक शब्द भी नहीं!" उसने गुस्से में घंटी बजाई। "जॉन, इन सज्जनों को बाहर निकालो!" एक अकड़ू बटलर हमें सख्ती से दरवाजे तक ले गया, और हम सड़क पर आ गए। होम्स ज़ोर से हँस पड़ा।

"डॉ. लेस्ली आर्मस्ट्रांग वाकई ऊर्जा और चरित्र के धनी हैं," उन्होंने कहा। "मैंने ऐसा कोई व्यक्ति नहीं देखा जो, अगर अपनी प्रतिभा का सही इस्तेमाल करे, तो मोरियार्टी की जगह लेने के लिए इतना उपयुक्त हो। और अब, मेरे बेचारे वॉटसन, हम यहाँ इस निर्जन कस्बे में फँसे हुए और बेसहारा हैं, जिसे हम अपना मामला छोड़े बिना नहीं छोड़ सकते। आर्मस्ट्रांग के घर के ठीक सामने यह छोटा सा सराय हमारी ज़रूरतों के लिए एकदम सही है। अगर आप एक सामने का कमरा बुक कर लें और रात के लिए ज़रूरी सामान खरीद लें, तो मुझे कुछ पूछताछ करने का समय मिल जाएगा।"

ये कुछ पूछताछें होम्स की कल्पना से कहीं अधिक लंबी प्रक्रिया साबित हुईं, क्योंकि वे लगभग नौ बजे तक सराय नहीं लौटे। उनका चेहरा पीला और उदास था, धूल से सना हुआ था और भूख व थकान से बेहाल थे। मेज पर ठंडा खाना तैयार था, और जब उनकी भूख मिट गई और उन्होंने पाइप जला लिया, तो वे उस अर्ध-हास्यपूर्ण और पूर्णतः दार्शनिक दृष्टिकोण को अपनाने के लिए तैयार थे जो उनके लिए तब स्वाभाविक थी जब उनके मामले बिगड़ रहे थे। गाड़ी के पहियों की आवाज सुनकर वे उठे और खिड़की से बाहर देखा। डॉक्टर के दरवाजे के सामने गैस लैंप की तेज रोशनी में एक बग्घी और दो घोड़े खड़े थे।

होम्स ने कहा, "यह तीन घंटे से बाहर है, साढ़े छह बजे शुरू हुआ था, और अब वापस आ गया है। इससे दस या बारह मील का दायरा बनता है, और वह दिन में एक बार, या कभी-कभी दो बार ऐसा करता है।"

"किसी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टर के लिए यह कोई असामान्य बात नहीं है।"

लेकिन आर्मस्ट्रांग असल में एक पेशेवर डॉक्टर नहीं हैं। वे एक व्याख्याता और सलाहकार हैं, लेकिन उन्हें सामान्य चिकित्सा में कोई रुचि नहीं है, क्योंकि यह उनके साहित्यिक कार्यों से उनका ध्यान भटकाती है। तो फिर वे ये लंबी यात्राएँ क्यों करते हैं, जो उनके लिए बेहद कष्टदायक होंगी, और वे किससे मिलने जाते हैं?

“उसका कोचवान—”

“मेरे प्यारे वॉटसन, क्या आपको शक है कि मैंने सबसे पहले उसी से संपर्क किया था? मुझे नहीं पता कि यह उसकी जन्मजात दुष्टता थी या उसके मालिक की उकसाहट, लेकिन वह इतना असभ्य था कि उसने मुझ पर एक कुत्ता छोड़ दिया। हालाँकि, न तो कुत्ते को और न ही उस आदमी को मेरी छड़ी पसंद आई, और बात बिगड़ गई। उसके बाद रिश्ते तनावपूर्ण हो गए, और आगे की पूछताछ असंभव हो गई। मुझे जो कुछ भी पता चला, वह हमारे अपने सराय के आंगन में एक मित्रवत स्थानीय व्यक्ति से मिला। उसी ने मुझे डॉक्टर की आदतों और उसकी रोज़ाना की यात्रा के बारे में बताया। ठीक उसी क्षण, उसकी बातों को पुख्ता करने के लिए, गाड़ी दरवाजे पर आकर रुकी।”

"क्या आप इसे समझ नहीं पाए?"

“बहुत बढ़िया, वॉटसन! आज शाम तुम कमाल कर रहे हो। यह विचार मेरे मन में आया था। जैसा कि तुमने देखा होगा, हमारे सराय के बगल में एक साइकिल की दुकान है। मैं तुरंत वहाँ पहुँचा, एक साइकिल किराए पर ली और गाड़ी के पूरी तरह नज़र से ओझल होने से पहले ही निकल पड़ा। मैंने तेज़ी से उसे पकड़ लिया और फिर, लगभग सौ गज की उचित दूरी बनाए रखते हुए, उसकी बत्तियों का पीछा किया जब तक कि हम कस्बे से बाहर नहीं निकल गए। हम ग्रामीण सड़क पर अच्छी तरह से निकल ही गए थे कि एक थोड़ी शर्मनाक घटना घटी। गाड़ी रुकी, डॉक्टर उतरे, तेज़ी से वापस वहीं आ गए जहाँ मैं भी रुका था, और बड़े ही व्यंग्यात्मक अंदाज़ में मुझसे कहा कि उन्हें डर है कि सड़क संकरी है, और उन्हें उम्मीद है कि उनकी गाड़ी मेरी साइकिल के रास्ते में रुकावट नहीं बनेगी। उनके कहने का तरीका इससे ज़्यादा प्रशंसनीय नहीं हो सकता था। मैं तुरंत गाड़ी के आगे निकल गया, और मुख्य सड़क पर चलते हुए कुछ मील तक गया, और फिर यह देखने के लिए एक सुविधाजनक जगह पर रुक गया कि क्या गाड़ी गुज़रती है। हालाँकि, उसका कोई निशान नहीं था, और तो यह स्पष्ट हो गया कि वह उन कई गलियों में से एक में मुड़ गई थी जिन्हें मैंने देखा था। मैं वापस लौटा, लेकिन फिर से गाड़ी का कोई निशान नहीं दिखा, और अब, जैसा कि आप देख रहे हैं, वह मेरे पीछे लौट आई है। बेशक, शुरू में मेरे पास इन यात्राओं को गॉडफ्रे स्टॉन्टन के गायब होने से जोड़ने का कोई विशेष कारण नहीं था, और मैं केवल इस सामान्य आधार पर इनकी जांच करने के लिए इच्छुक था कि डॉ. आर्मस्ट्रांग से संबंधित हर चीज इस समय हमारे लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन अब जब मुझे पता चला है कि वह इन यात्राओं पर उसका पीछा करने वाले किसी भी व्यक्ति पर इतनी कड़ी नजर रखता है, तो मामला अधिक महत्वपूर्ण प्रतीत होता है, और जब तक मैं इस मामले को स्पष्ट नहीं कर देता, तब तक मुझे चैन नहीं मिलेगा।

हम कल उसका पीछा कर सकते हैं।

“क्या हम ऐसा कर सकते हैं? यह उतना आसान नहीं है, जितना आप सोचते हैं। आप कैम्ब्रिजशायर के नज़ारों से परिचित नहीं हैं, है ना? यहां छिपना आसान नहीं है। आज रात जिस इलाके से मैं गुज़रा, वह हथेली की तरह सपाट और साफ़ है, और जिस आदमी का हम पीछा कर रहे हैं, वह मूर्ख नहीं है, जैसा कि उसने आज रात साफ़-साफ़ दिखा दिया। मैंने ओवरटन को तार भेजा है कि लंदन की कोई भी ताज़ा खबर हमें इस पते पर भेजें, और इस बीच हम अपना पूरा ध्यान डॉ. आर्मस्ट्रांग पर केंद्रित कर सकते हैं, जिनका नाम कार्यालय की उस मददगार युवती ने मुझे स्टॉन्टन के ज़रूरी संदेश के

पीछे लिखे कागज़ पर पढ़ने दिया। वह जानता है कि वह युवक कहाँ है - मैं कसम खाकर कहता हूँ, और अगर वह जानता है, तो यह हमारी ही गलती होगी अगर हम भी नहीं जान पा रहे हैं। फिलहाल यह मानना पड़ेगा कि उसके पास कुछ न कुछ तरकीब ज़रूर है, और जैसा कि आप जानते हैं, वॉटसन, मेरी आदत नहीं है कि मैं खेल को ऐसे ही छोड़ दूँ।"

फिर भी अगले दिन भी हम रहस्य के समाधान के करीब नहीं पहुंच पाए। नाश्ते के बाद एक नोट मिला, जिसे होम्स ने मुस्कुराते हुए मुझे सौंप दिया।

सर [यह चला]:

मैं आपको यकीन दिला सकता हूँ कि मेरी गतिविधियों पर नज़र रखना आपका समय बर्बाद करना है। जैसा कि आपने कल रात पता लगाया, मेरी गाड़ी के पीछे एक खिड़की है, और अगर आप बीस मील की सवारी करके उसी जगह पहुँचना चाहते हैं जहाँ से आपने शुरुआत की थी, तो बस मेरा पीछा कीजिए। इस बीच, मैं आपको बता सकता हूँ कि मेरी जासूसी करने से श्री गॉडफ्रे स्टॉन्टन को किसी भी तरह से मदद नहीं मिलेगी, और मुझे पूरा विश्वास है कि उस सज्जन के लिए आप सबसे अच्छा यही कर सकते हैं कि तुरंत लंदन लौट जाएँ और अपने मालिक को बता दें कि आप उनका पता नहीं लगा पा रहे हैं। कैम्ब्रिज में आपका समय निश्चित रूप से व्यर्थ जाएगा।

आपका विश्वासी,

लेस्ली आर्मस्ट्रांग

"डॉक्टर एक मुखर और ईमानदार विरोधी है," होम्स ने कहा। "वाह, वाह, वह मेरी जिज्ञासा जगाता है, और मुझे उसे छोड़ने से पहले वास्तव में जानना होगा।"

मैंने कहा, "उनकी गाड़ी उनके दरवाजे पर खड़ी है। वे उसमें बैठ रहे हैं। मैंने देखा कि बैठते समय उन्होंने हमारी खिड़की की तरफ देखा। क्या मैं साइकिल से अपनी किस्मत आजमाऊं?"

"नहीं, नहीं, मेरे प्यारे वॉटसन! आपकी स्वाभाविक बुद्धिमत्ता का सम्मान करते हुए भी, मुझे नहीं लगता कि आप इस विद्वान डॉक्टर के बराबर हैं। मुझे लगता है कि मैं अपने स्वतंत्र प्रयासों से शायद अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता हूँ। मुझे खेद है कि मुझे आपको आपके हाल पर छोड़ना होगा, क्योंकि एक शांत ग्रामीण इलाके में दो जिज्ञासु अजनबियों का आना मेरी अपेक्षा से अधिक गपशप को जन्म दे सकता है। मुझे यकीन है कि आपको इस प्रतिष्ठित शहर में कुछ मनोरंजक दृश्य मिलेंगे, और मुझे आशा है कि मैं शाम से पहले आपको बेहतर खबर दूंगा।"

लेकिन एक बार फिर, मेरे दोस्त को निराश होना ही था। वह रात को थका हुआ और असफल होकर लौटा।

"वॉटसन, आज का दिन बिल्कुल खाली गया। डॉक्टर से निर्देश मिलने के बाद, मैंने पूरा दिन कैम्ब्रिज के उस तरफ के सभी गांवों का दौरा करने और पब मालिकों व अन्य स्थानीय समाचार एजेंसियों से जानकारी साझा करने में बिताया। मैंने कुछ जगहों का दौरा किया है। चेस्टरटन, हिस्टन, वॉटरबीच और ओकिंगटन, सभी का दौरा किया, और सभी निराशाजनक साबित हुए। ऐसे शांत इलाकों में एक बग्घी और घोड़े की जोड़ी का रोज़ दिखना कोई बड़ी बात नहीं थी। डॉक्टर ने एक बार फिर सही निशाना लगाया है। क्या मेरे लिए कोई टेलीग्राम है?"

"हां, मैंने इसे खोला। यह रहा:

"ट्रिनिटी कॉलेज के जेरेमी डिक्सन से पोम्पे के बारे में पूछें।"

मुझे यह समझ नहीं आ रहा है।

"ओह, यह तो बिल्कुल स्पष्ट है। यह हमारे मित्र ओवरटन की ओर से है, और मेरे एक प्रश्न का उत्तर है। मैं श्री जेरेमी डिक्सन को एक पत्र भेज देता हूँ, और फिर मुझे पूरा

विश्वास है कि हमारी किस्मत पलट जाएगी। वैसे, मैच के बारे में कोई खबर है क्या?”
“जी हाँ, स्थानीय शाम के अखबार के पिछले अंक में इसका बहुत अच्छा विवरण है। ऑक्सफोर्ड एक गोल और दो टाइ से जीता। विवरण के अंतिम वाक्य कहते हैं:
"लाइट ब्लूज़ की हार का पूरा कारण उनके शानदार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गॉडफ्रे स्टॉन्टन की दुर्भाग्यपूर्ण अनुपस्थिति थी, जिनकी कमी खेल के हर पल महसूस की गई। थ्री-क्वार्टर लाइन में तालमेल की कमी और आक्रमण एवं रक्षा दोनों में उनकी कमजोरी ने एक मजबूत और जुझारू पैक के प्रयासों को पूरी तरह से निष्फल कर दिया।"
“तो हमारे मित्र ओवरटन की आशंकाएँ सही साबित हुईं,” होम्स ने कहा। “व्यक्तिगत रूप से मैं डॉ. आर्मस्ट्रांग से सहमत हूँ, और फुटबॉल मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। आज रात जल्दी सो जाओ, वॉटसन, क्योंकि मुझे लगता है कि कल का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है।”
अगली सुबह होम्स को पहली बार देखकर मैं दंग रह गया, क्योंकि वह आग के पास अपनी छोटी सी हाइपोडर्मिक सिरिंज पकड़े बैठा था। मैंने उस उपकरण को उसकी एकमात्र कमजोरी से जोड़ दिया था, और जब मैंने उसे उसके हाथ में चमकते हुए देखा तो मुझे सबसे बुरे की आशंका हुई। मेरी घबराहट भरी शक्ल देखकर वह हँसा और सिरिंज को मेज पर रख दिया।
“नहीं, नहीं, मेरे प्रिय मित्र, घबराने की कोई बात नहीं है। इस बार यह बुराई का हथियार नहीं है, बल्कि यह हमारे रहस्य को सुलझाने की कुंजी साबित होगा। मेरी सारी उम्मीदें इसी सिरिंज पर टिकी हैं। मैं अभी-अभी एक छोटे से खोज अभियान से लौटा हूँ, और सब कुछ अनुकूल है। वॉटसन, अच्छा नाश्ता कर लो, क्योंकि आज मैं डॉ. आर्मस्ट्रांग का पीछा करने जा रहा हूँ, और एक बार जब मैं उनका पीछा करना शुरू करूंगा, तो उन्हें उनके बिल तक पहुँचाने से पहले मैं आराम या भोजन के लिए नहीं रुकूंगा।”
मैंने कहा, "तो फिर बेहतर होगा कि हम अपना नाश्ता साथ ले जाएं, क्योंकि वह सुबह जल्दी निकल रहा है। उसकी गाड़ी दरवाजे पर खड़ी है।"
“छोड़ो कोई बात नहीं। उसे जाने दो। अगर वह ऐसी जगह गाड़ी चला सकता है जहाँ मैं उसका पीछा न कर सकूँ, तो वह चालाक होगा। जब तुम्हारा काम खत्म हो जाए, तो मेरे साथ नीचे आना, और मैं तुम्हें एक ऐसे जासूस से मिलवाऊँगा जो हमारे सामने मौजूद काम में बहुत ही प्रख्यात विशेषज्ञ है।”
जब हम नीचे उतरे तो मैं होम्स के पीछे-पीछे अस्तबल के आंगन में गया, जहाँ उसने एक खुले बक्से का दरवाजा खोला और एक छोटे कद के, लटके हुए कानों वाले, सफेद और भूरे रंग के कुत्ते को बाहर निकाला, जो बीगल और फॉक्सहाउंड के बीच का कुछ था।
“चलिए, मैं आपको पोम्पी से मिलवाता हूँ,” उसने कहा। “पोम्पी यहाँ के शिकारी कुत्तों का गौरव है – अपने शरीर से ही पता चलता है कि वह बहुत तेज़ नहीं दौड़ता, लेकिन गंध सूंघने में माहिर है। खैर, पोम्पी, तुम तेज़ तो नहीं दौड़ते, लेकिन मुझे लगता है कि तुम लंदन के दो अधेड़ उम्र के सज्जनों के लिए बहुत तेज़ होगे, इसलिए मैं तुम्हारे गले में यह चमड़े का पट्टा बाँध रहा हूँ। अब, आओ और दिखाओ कि तुम क्या कर सकते हो।” वह उसे डॉक्टर के दरवाजे तक ले गया। कुत्ते ने एक पल के लिए इधर-उधर सूंघा, और फिर उत्तेजना में एक तीखी आवाज़ के साथ गली में दौड़ पड़ा, तेज़ दौड़ने की कोशिश में अपने पट्टे को खींच रहा था। आधे घंटे में, हम शहर से बाहर निकलकर एक ग्रामीण सड़क पर तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे।
मैंने पूछा, "होम्स, तुमने क्या किया है?"

"एक घिसा-पिटा और पुराना उपकरण, लेकिन कभी-कभार काम आता है। आज सुबह मैं डॉक्टर के आँगन में गया और सौंफ से भरी अपनी सिरिंज को पिछले पहिये पर छिड़क दिया। एक शिकारी कुत्ता सौंफ की गंध का पीछा करते हुए यहाँ से जॉन ओ' ग्रोट्स तक पहुँच जाएगा, और हमारे दोस्त आर्मस्ट्रांग को पोम्पी से पीछा छुड़ाने के लिए कैमे नदी पार करनी पड़ेगी। ओह, कितना चालाक बदमाश है! इसी तरह उसने मुझे पिछली रात चकमा दिया।"

कुत्ता अचानक मुख्य सड़क से हटकर घास से भरी एक संकरी गली में मुड़ गया। आधा मील आगे जाकर यह गली एक और चौड़ी सड़क में खुल गई, और पगडंडी दाईं ओर मुड़कर उस कस्बे की ओर चली गई जिसे हम अभी-अभी छोड़कर आए थे। सड़क कस्बे के दक्षिण की ओर घूमकर उस दिशा के विपरीत दिशा में आगे बढ़ गई जहाँ से हमने चलना शुरू किया था।

"तो ये सारा चक्कर हमारे ही फायदे के लिए लगाया गया था?" होम्स ने कहा। "इसमें कोई हैरानी नहीं कि उन ग्रामीणों से मेरी पूछताछ बेकार गई। डॉक्टर ने तो पूरा फायदा उठाया है, और इस तरह के धोखे के पीछे का कारण जानना तो बनता ही है। हमारे दाईं ओर ट्रम्पिंगटन गाँव होना चाहिए। और, हे भगवान! कोने से बग्घी आती हुई दिख रही है। जल्दी करो, वॉटसन—जल्दी करो, वरना हमारा काम तमाम!"

वह एक फाटक से होते हुए खेत में कूद गया, अनिच्छुक पोम्पे को अपने पीछे घसीटता हुआ ले गया। हम अभी झाड़ी की ओट में ठीक से पहुँचे भी नहीं थे कि गाड़ी खड़खड़ाती हुई गुज़र गई। मैंने अंदर डॉ. आर्मस्ट्रांग की एक झलक देखी, उनके कंधे झुके हुए थे, सिर हाथों पर टिका हुआ था, मानो वे घोर पीड़ा में हों। मेरे साथी के गंभीर चेहरे से मैं समझ गया कि उसने भी यह सब देखा था।

"मुझे डर है कि हमारी इस खोज का अंत दुखद होगा," उसने कहा। "जल्द ही हमें इसका पता चल जाएगा। आओ, पोम्पे! अरे, खेत में बनी झोपड़ी तो है!"

इसमें कोई शक नहीं था कि हम अपनी यात्रा के अंत तक पहुँच चुके थे। पोम्पी फाटक के बाहर बेचैनी से इधर-उधर दौड़ रहा था और मिमिया रहा था, जहाँ बग्घी के पहियों के निशान अभी भी दिखाई दे रहे थे। एक पगडंडी उस सुनसान झोपड़ी की ओर जा रही थी। होम्स ने कुत्ते को झाड़ी से बाँध दिया और हम तेज़ी से आगे बढ़े। मेरे दोस्त ने छोटे से देहाती दरवाजे पर दस्तक दी, और फिर बिना किसी जवाब के दोबारा दस्तक दी। फिर भी झोपड़ी सुनसान नहीं थी, क्योंकि हमारे कानों में एक धीमी सी आवाज़ आई - एक तरह की उदासी और निराशा की गूंज, जो अवर्णनीय रूप से उदास थी। होम्स कुछ देर के लिए असमंजस में रुका, और फिर उसने उस सड़क पर पीछे मुड़कर देखा जिसे वह अभी-अभी पार करके आया था। एक बग्घी उस पार से नीचे आ रही थी, और उन भूरे घोड़ों को पहचानने में कोई गलती नहीं हो सकती थी।

"हे भगवान, डॉक्टर वापस आ रहे हैं!" होम्स चिल्लाया। "अब तो बात पक्की हो गई। उनके आने से पहले हमें पता चल ही जाएगा कि इसका क्या मतलब है।"

उसने दरवाजा खोला और हम हॉल में दाखिल हुए। गूंजती हुई आवाज हमारे कानों में तेज होती गई, यहाँ तक कि वह एक लंबी, गहरी, पीड़ादायक चीख में बदल गई। यह ऊपर से आ रही थी। होम्स तेजी से ऊपर भागा और मैं उसके पीछे गया। उसने आधा बंद दरवाजा धक्का देकर खोला और हम दोनों सामने का दृश्य देखकर दंग रह गए।

एक जवान और खूबसूरत औरत बिस्तर पर मृत पड़ी थी। उसका शांत, पीला चेहरा, धुंधली, खुली नीली आँखों के साथ, सुनहरे बालों के घने गुच्छे के बीच से ऊपर की ओर देख रहा था। बिस्तर के निचले हिस्से में, आधा बैठा, आधा घुटनों के बल, अपना चेहरा कपड़ों में छिपाए, एक युवक था, जिसका शरीर सिसकियों से कांप रहा

था। वह अपने गहरे शोक में इतना डूबा हुआ था कि जब तक होम्स का हाथ उसके कंधे पर नहीं पड़ा, उसने ऊपर नहीं देखा।

"क्या आप मिस्टर गॉडफ्रे स्टॉन्टन हैं?"

"हां, हां, मैं हूं—लेकिन आप बहुत देर हो चुके हैं। वह मर चुकी है।"

वह व्यक्ति इतना स्तब्ध था कि उसे यह बात समझ में नहीं आ रही थी कि हम उसकी सहायता के लिए भेजे गए डॉक्टर ही हैं। होम्स उसे सांत्वना देने और उसके अचानक गायब हो जाने से उसके दोस्तों में मचे भय को समझाने की कोशिश कर ही रहे थे कि तभी सीढ़ियों पर किसी के कदम रखने की आहट सुनाई दी और दरवाजे पर डॉ. आर्मस्ट्रांग का गंभीर, कठोर और प्रश्नप्रवचन भाव से भरा चेहरा दिखाई दिया।

"तो सज्जनों," उसने कहा, "आपका उद्देश्य पूरा हो गया है और आपने निश्चित रूप से अपने दखल के लिए एक बेहद नाजुक समय चुना है। मैं मृत्यु के सामने झगड़ा नहीं करूंगा, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अगर मैं जवान होता तो आपके इस घिनौने व्यवहार को बिना दंड के नहीं छोड़ा जाता।"

"माफ़ कीजिए, डॉ. आर्मस्ट्रांग, मुझे लगता है कि हम दोनों के विचार थोड़े अलग हैं," मेरे मित्र ने गरिमापूर्ण लहजे में कहा। "अगर आप हमारे साथ नीचे आ सकें, तो शायद हम दोनों इस दुखद मामले पर एक-दूसरे को कुछ रोशनी दे सकें।"

एक मिनट बाद, गंभीर दिखने वाले डॉक्टर और हम नीचे बैठक कक्ष में थे।

"तो, महोदय?" उसने कहा।

"मैं चाहता हूँ कि आप सबसे पहले यह समझ लें कि मैं लॉर्ड माउंट-जेम्स का कर्मचारी नहीं हूँ, और इस मामले में मेरी सहानुभूति पूरी तरह से उस रईस के खिलाफ है। जब कोई व्यक्ति लापता हो जाता है तो उसका पता लगाना मेरा कर्तव्य है, लेकिन ऐसा करने के बाद मामला मेरे लिए यहीं समाप्त हो जाता है, और जब तक इसमें कोई आपराधिक बात नहीं है, मैं निजी घोटालों को सार्वजनिक करने की बजाय उन्हें दबाने के लिए कहीं अधिक उत्सुक हूँ। यदि, जैसा कि मुझे लगता है, इस मामले में कानून का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है, तो आप तथ्यों को अखबारों से दूर रखने में मेरे विवेक और सहयोग पर पूरी तरह से भरोसा कर सकते हैं।"

डॉ. आर्मस्ट्रांग ने तेजी से एक कदम आगे बढ़ाया और होम्स का हाथ मरोड़ दिया।

"तुम एक अच्छे इंसान हो," उसने कहा। मैंने आपको गलत समझा था। ईश्वर का शुक्र है कि बेचारे स्टॉटन को इस दयनीय स्थिति में अकेला छोड़ने के पश्चाताप ने मुझे अपनी गाड़ी वापस मोड़ने और आपसे मिलने के लिए प्रेरित किया। आप जितना जानते हैं, उससे स्थिति को समझना बहुत आसान है। एक साल पहले गॉडफ्रे स्टॉटन कुछ समय के लिए लंदन में रुके थे और अपनी मकान मालकिन की बेटी से उन्हें बेहद लगाव हो गया, जिससे उन्होंने शादी कर ली। वह जितनी खूबसूरत थीं, उतनी ही अच्छी भी थीं और जितनी अच्छी थीं, उतनी ही बुद्धिमान भी। ऐसी पत्नी होने पर किसी को शर्म नहीं आनी चाहिए। लेकिन गॉडफ्रे उस चिड़चिड़े बूढ़े रईस के वारिस थे, और यह बिल्कुल तय था कि उनकी शादी की खबर उनकी सारी विरासत का अंत कर देगी। मैं उस लड़के को अच्छी तरह जानता था, और उसके कई अच्छे गुणों के कारण मैं उससे प्यार करता था। मैंने उसे सही रास्ते पर रखने में हर संभव मदद की। हमने इस बात को सबसे छिपाने की पूरी कोशिश की, क्योंकि एक बार ऐसी अफवाह फैल जाए, तो जल्द ही हर कोई इसे सुन लेता है। इस एकांत कुटिया और अपनी समझदारी के कारण, गॉडफ्रे अब तक सफल रहे हैं। उनका रहस्य मेरे और मेरे अलावा किसी को नहीं पता था। एक बेहतरीन नौकर, जो फिलहाल ट्रम्पिंगटन में सहायता के लिए गया है। लेकिन अंत में उसकी पत्नी को एक भयानक बीमारी हो गई, जो एक बड़ा झटका था। उसे टीबी की बेहद घातक बीमारी थी। बेचारा लड़का दुख से लगभग पागल हो गया था, फिर भी

उसे यह मैच खेलने के लिए लंदन जाना पड़ा, क्योंकि वह बिना स्पष्टीकरण दिए इससे बच नहीं सकता था, क्योंकि स्पष्टीकरण से उसका राज़ खुल जाता। मैंने उसे तार से हिम्मत देने की कोशिश की, और उसने जवाब में मुझे एक तार भेजा, जिसमें उसने मुझसे हर संभव मदद करने की गुहार लगाई। यही वह टेलीग्राम है जिसे आपने किसी अज्ञात तरीके से देखा है। मैंने उसे खतरे की गंभीरता के बारे में नहीं बताया, क्योंकि मैं जानता था कि वह यहाँ कुछ नहीं कर सकता, लेकिन मैंने सच्चाई लड़की के पिता को भेज दी, और उसने बड़ी नासमझी से इसे गॉडफ्रे को बता दिया। नतीजा यह हुआ कि वह तुरंत लगभग पागलों जैसी हालत में आया, और आज सुबह तक, जब तक उसकी मृत्यु ने उसके कष्टों का अंत नहीं कर दिया, तब तक वह उसी हालत में, उसके बिस्तर के किनारे घुटनों के बल बैठा रहा। बस इतना ही, मिस्टर होम्स, और मुझे पूरा विश्वास है कि आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं। यह आपके और आपके मित्र के विवेक पर निर्भर करता है।

होम्स ने डॉक्टर का हाथ पकड़ लिया।

"आओ, वॉटसन," उसने कहा, और हम उस शोक के घर से निकलकर सर्दियों के दिन की हल्की धूप में आ गए।

नॉरवुड बिल्डर का साहसिक कार्य

"एक आपराधिक विशेषज्ञ के दृष्टिकोण से," श्री शर्लक होम्स ने कहा, "दिवंगत प्रोफेसर मोरियार्टी की मृत्यु के बाद से लंदन एक बेहद नीरस शहर बन गया है।"

मैंने जवाब दिया, "मुझे नहीं लगता कि आपको बहुत सारे सभ्य नागरिक मिलेंगे जो आपसे सहमत होंगे।"

“खैर, खैर, मुझे स्वार्थी नहीं होना चाहिए,” उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा और नाश्ते की मेज से अपनी कुर्सी पीछे खींच ली। “समुदाय को ही लाभ हुआ है, किसी को नहीं, सिवाय उस बेचारे बेरोजगार विशेषज्ञ के, जिसका काम छिन गया है। उस विशेषज्ञ के सक्रिय रहने से सुबह के अखबार में अनंत संभावनाएं खुल जाती थीं। अक्सर, वॉटसन, यह बस एक छोटा सा सुराग होता था, एक हल्का सा संकेत, और फिर भी यह मुझे यह बताने के लिए काफी था कि वह शातिर दिमाग मौजूद है, जैसे जाले के किनारों की हल्की सी कंपन भी केंद्र में छिपी उस घिनौनी मकड़ी की याद दिलाती है। छोटी-मोटी चोरियां, जानबूझकर किए गए हमले, बेमतलब की हिंसा—जिसके पास सुराग होता था, वह इन सबको एक जुड़े हुए रूप में देख सकता था। उच्च कोटि के आपराधिक जगत के वैज्ञानिक अध्येता के लिए, यूरोप की कोई भी राजधानी वे लाभ नहीं दे सकती थी जो उस समय लंदन के पास थे। लेकिन अब—” उन्होंने अपने कंधों को हास्यास्पद ढंग से उचकाते हुए उस स्थिति पर निराशा व्यक्त की, जिसे पैदा करने में उन्होंने खुद इतना बड़ा योगदान दिया था।

जिस समय की मैं बात कर रहा हूँ, उस समय होम्स को लौटे हुए कुछ महीने हो चुके थे, और मैंने उनके अनुरोध पर अपनी क्लिनिक बेच दिया था और बेकर स्ट्रीट में अपने पुराने कार्यालय में वापस रहने लगा था। वेमर नाम के एक युवा डॉक्टर ने मेरा छोटा सा केंसिंग्टन क्लिनिक खरीद लिया था, और आश्चर्यजनक रूप से कम आनाकानी किए बिना, मेरे द्वारा मांगी गई उच्चतम कीमत दे दी थी - यह घटना कुछ वर्षों बाद ही स्पष्ट हुई, जब मुझे पता चला कि वेमर होम्स का दूर का रिश्तेदार था, और वास्तव में मेरे दोस्त ने ही पैसे का इंतजाम किया था।

हमारी साझेदारी के महीने उतने शांत नहीं थे जितना उन्होंने बताया था, क्योंकि मेरे नोट्स देखने पर मुझे पता चलता है कि इस अवधि में पूर्व राष्ट्रपति मुरिलो के कागज़ात का मामला और डच स्टीमशिप फ्रीसलैंड की भयावह घटना भी शामिल है, जिसमें हम

दोनों बाल-बाल बचे थे। हालांकि, उनका ठंडा और अभिमानी स्वभाव सार्वजनिक प्रशंसा से हमेशा दूर रहता था, और उन्होंने मुझे अपने बारे में, अपने तरीकों के बारे में या अपनी सफलताओं के बारे में एक शब्द भी न कहने के लिए सख्त शब्दों में बाध्य किया था - एक प्रतिबंध, जैसा कि मैंने बताया है, अब जाकर हटाया गया है।

श्री शर्लक होम्स अपने तीखे विरोध के बाद कुर्सी पर पीछे की ओर झुके हुए थे और आराम से सुबह का अखबार पढ़ रहे थे, तभी घंटी की ज़ोरदार आवाज़ ने हमारा ध्यान खींचा। इसके तुरंत बाद एक खोखली ढोल की आवाज़ आई, मानो कोई बाहरी दरवाजे पर मुट्ठी से पीट रहा हो। जैसे ही दरवाज़ा खुला, हॉल में अफरा-तफरी मच गई, तेज़ कदमों की आहट सीढ़ियों पर सुनाई दी, और एक पल बाद ही एक घबराया हुआ, बेकाबू, पीला पड़ा हुआ, बिखरे बालों वाला और कांपता हुआ युवक कमरे में घुस आया। उसने हम सबकी ओर देखा, और हमारी जिज्ञासु निगाहों को देखकर उसे एहसास हुआ कि इस अचानक प्रवेश के लिए उसे माफी मांगनी चाहिए।

"मुझे माफ कीजिए, श्रीमान होम्स," वह रोते हुए बोला। "आप मुझे दोष नहीं दे सकते। मैं लगभग पागल हो गया हूँ। श्रीमान होम्स, मैं ही वह अभागा जॉन हेक्टर मैकफार्लेन हूं।"

उन्होंने यह घोषणा इस तरह की मानो नाम मात्र से ही उनकी यात्रा और उसके तरीके दोनों की व्याख्या हो जाएगी, लेकिन मैं अपने साथी के भावहीन चेहरे से समझ गया कि इसका उनके लिए भी उतना ही महत्व था जितना मेरे लिए।

"एक सिगरेट पीजिए, श्रीमान मैकफार्लेन," उन्होंने अपना सूटकेस आगे बढ़ाते हुए कहा। "मुझे यकीन है कि आपके लक्षणों को देखते हुए, मेरे मित्र डॉ. वॉटसन आपको नींद की दवा लिखेंगे। पिछले कुछ दिनों से मौसम बहुत गर्म रहा है। अब, अगर आप थोड़ा बेहतर महसूस कर रहे हैं, तो मुझे खुशी होगी अगर आप उस कुर्सी पर बैठ जाएं और हमें धीरे-धीरे और शांत स्वर में बताएँ कि आप कौन हैं और आप क्या चाहते हैं। आपने अपना नाम बताया, मानो मैं इसे पहचानता हूँ, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आप अविवाहित हैं, वकील हैं, फ्रीमेसन हैं और अस्थमा के रोगी हैं, इन स्पष्ट तथ्यों के अलावा मैं आपके बारे में कुछ भी नहीं जानता।"

चूंकि मैं अपने मित्र के तौर-तरीकों से परिचित था, इसलिए उसके अनुमानों को समझना और उसके पहनावे की अव्यवस्था, कानूनी कागजातों का गट्ठा, घड़ी का लॉकेट और उसकी सांस लेने के तरीके को भलीभांति देख पाना मेरे लिए मुश्किल नहीं था। हालांकि, हमारा मुवक्किल अचरज से देखता रहा।

जी हां, मैं बिल्कुल वैसा ही हूं, श्रीमान होम्स; और इसके अलावा, इस समय लंदन में मैं सबसे बदनसीब इंसान हूं। ईश्वर की कृपा से, मुझे अकेला मत छोड़िए, श्रीमान होम्स! अगर वे मेरी कहानी पूरी होने से पहले मुझे गिरफ्तार करने आएं, तो उन्हें मुझे समय दीजिए, ताकि मैं आपको पूरी सच्चाई बता सकूं। अगर मुझे पता होता कि आप मेरे लिए बाहर काम कर रहे हैं, तो मैं खुशी-खुशी जेल चला जाता।

"तुम्हें गिरफ्तार कर लूँगा!" होम्स ने कहा। "यह तो वाकई बहुत ही दिलचस्प है। तुम किस आरोप में गिरफ्तार होने की उम्मीद कर रहे हो?"

"लोअर नॉरवुड के श्री जोनास ओल्डैक्रे की हत्या के आरोप में।"

मेरे साथी के भावपूर्ण चेहरे पर सहानुभूति झलक रही थी, जो कि मुझे खेद है, पूरी तरह से संतुष्टि से रहित नहीं थी।

उन्होंने कहा, "अरे बाप रे! अभी इसी वक्त नाश्ते के समय मैं अपने मित्र डॉ. वॉटसन से कह रहा था कि सनसनीखेज मामले हमारे अखबारों से गायब हो गए हैं।"

हमारे आगंतुक ने कांपते हुए हाथ से आगे बढ़कर डेली टेलीग्राफ को उठाया, जो अभी भी होम्स के घुटने पर पड़ा था।

“अगर आपने इसे देखा होता, महोदय, तो आप एक नज़र में समझ जाते कि मैं आज सुबह आपसे किस काम से मिलने आया हूँ। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मेरा नाम और मेरी बदकिस्मती हर किसी की ज़बान पर है।” उन्होंने पन्ने को पलटकर बीच का पन्ना दिखाया। “ये रहा, और आपकी अनुमति से मैं इसे आपको पढ़कर सुनाता हूँ। सुनिए, श्रीमान होम्स। शीर्षक है: ‘लोअर नॉरवुड में रहस्यमयी घटना। एक जाने-माने बिल्डर का गायब होना। हत्या और आगज़नी का संदेह। अपराधी का सुराग।’ श्रीमान होम्स, यही वो सुराग है जिसका वे पहले से ही पीछा कर रहे हैं, और मुझे पता है कि यह निश्चित रूप से मुझ तक ही पहुँचता है। लंदन ब्रिज स्टेशन से मेरा पीछा किया जा रहा है, और मुझे यकीन है कि वे मुझे गिरफ्तार करने के वारंट का ही इंतज़ार कर रहे हैं। इससे मेरी माँ का दिल टूट जाएगा—उनका दिल टूट जाएगा!” वे डर के मारे अपने हाथ मलने लगे और कुर्सी पर आगे-पीछे हिलने लगे।

मैंने उस व्यक्ति को दिलचस्पी से देखा, जिस पर हिंसात्मक अपराध का आरोप था। उसके बाल सुनहरे थे और वह सुंदर था, उसकी नीली आँखें भयभीत थीं, उसका चेहरा साफ़ मुंडा हुआ था और उसका मुँह कमज़ोर और संवेदनशील था। उसकी उम्र लगभग सत्ताईस वर्ष रही होगी, और उसका पहनावा और व्यवहार एक सज्जन व्यक्ति जैसा था। उसके हल्के ग्रीष्मकालीन ओवरकोट की जेब से प्रमाणित कागज़ों का बंडल बाहर निकला हुआ था, जिसमें उसके पेशे का उल्लेख था।

“हमें अपने पास मौजूद समय का सदुपयोग करना चाहिए,” होम्स ने कहा। “वॉटसन, क्या आप कृपा करके वह कागज़ लेकर संबंधित अनुच्छेद पढ़ देंगे?”

हमारे मुवक्किल द्वारा उद्धृत जोरदार शीर्षकों के नीचे, मैंने निम्नलिखित संकेतपूर्ण विवरण पढ़ा:

"कल देर रात या आज सुबह लोअर नॉरवुड में एक घटना घटी, जिससे आशंका है कि यह एक गंभीर अपराध है। श्री जोनास ओल्डएकर उस उपनगर के एक जाने-माने निवासी हैं, जहाँ वे कई वर्षों से निर्माण व्यवसाय करते आ रहे हैं। श्री ओल्डएकर अविवाहित हैं, बावन वर्ष के हैं और डीप डेन हाउस में रहते हैं, जो उसी नाम की सड़क के सिडेनहैम छोर पर स्थित है। उनकी छवि एक सनकी, रहस्यमय और एकांतप्रिय व्यक्ति की है। कुछ वर्षों से उन्होंने अपने व्यवसाय से लगभग नाता तोड़ लिया है, जिसमें उन्होंने काफ़ी संपत्ति अर्जित की है। हालांकि, घर के पीछे एक छोटा सा लकड़ी का गोदाम अभी भी मौजूद है, और कल रात लगभग बारह बजे, सूचना मिली कि गोदाम के एक ढेर में आग लग गई है। दमकलकर्मी तुरंत मौके पर पहुँच गए, लेकिन सूखी लकड़ी तेज़ी से जल रही थी और जब तक पूरा ढेर जलकर राख नहीं हो गया, तब तक आग पर काबू पाना असंभव था। अब तक यह घटना एक सामान्य दुर्घटना प्रतीत हो रही थी, लेकिन नए संकेत एक गंभीर अपराध की ओर इशारा करते हैं।" आग लगने की घटना स्थल पर प्रतिष्ठान के मालिक की अनुपस्थिति पर आश्चर्य व्यक्त किया गया, जिसके बाद जांच शुरू हुई और पता चला कि वह घर से गायब हो गया था। उसके कमरे की तलाशी से पता चला कि बिस्तर पर कोई सोया नहीं था, उसमें रखी तिजोरी खुली हुई थी, कई महत्वपूर्ण कागज़ात कमरे में बिखरे पड़े थे, और अंत में, हत्या के प्रयास के संकेत मिले, कमरे में खून के हल्के निशान मिले, और एक ओक की छड़ी मिली, जिसके हैंडल पर भी खून के धब्बे थे। यह ज्ञात है कि श्री जोनास ओल्डैक्रे ने उस रात अपने शयनकक्ष में एक आगंतुक को ठहराया था, और मिली छड़ी की पहचान उस व्यक्ति की संपत्ति के रूप में की गई है, जो जॉन हेक्टर मैकफार्लेन नामक एक युवा लंदन के वकील हैं, जो 426 ग्रेशम बिल्डिंग्स, ई.सी. में ग्राहम और मैकफार्लेन के कनिष्ठ भागीदार हैं। पुलिस का मानना है कि उनके पास ऐसे सबूत हैं जो अपराध के लिए एक बहुत ही ठोस

मकसद प्रदान करते हैं, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आएंगे।

बाद में — जब हम यह खबर छाप रहे हैं, तब यह अफवाह फैली है कि श्री जॉन हेक्टर मैकफार्लेन को श्री जोनास ओल्डेक्रे की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। कम से कम यह तो निश्चित है कि वारंट जारी कर दिया गया है। नारवुड में चल रही जांच में कुछ और भयावह घटनाक्रम सामने आए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण बिल्डर के कमरे में हुई हाथापाई के निशानों के अलावा, अब यह भी पता चला है कि उनके शयनकक्ष (जो भूतल पर है) की फ्रेंच खिड़कियां खुली हुई थीं, ऐसा लग रहा था जैसे किसी भारी वस्तु को लकड़ी के ढेर तक घसीटा गया हो, और अंत में, यह दावा किया जा रहा है कि आग की राख में जले हुए अवशेष मिले हैं। पुलिस का मानना है कि एक बेहद सनसनीखेज अपराध हुआ है, पीड़ित को उसके अपने शयनकक्ष में ही पीट-पीटकर मार डाला गया, उसके कागजात लूट लिए गए, और उसके शव को लकड़ी के ढेर तक घसीट कर ले जाया गया, जिसे बाद में आग लगा दी गई ताकि अपराध के सभी सबूत मिट जाएं। आपराधिक जांच का जिम्मा स्कॉटलैंड यार्ड के अनुभवी इंस्पेक्टर लेस्ट्रेड को सौंपा गया है, जो मामले की आगे जांच कर रहे हैं। उन्होंने अपनी आदत के अनुसार ऊर्जा और बुद्धिमत्ता से सुरागों का पता लगाया।

शर्लक होम्स ने आंखें बंद करके और उंगलियों को आपस में जोड़कर इस असाधारण वृत्तांत को सुना।

"इस मामले में कुछ दिलचस्प पहलू जरूर हैं," उन्होंने अपनी सुस्त शैली में कहा। "सबसे पहले, श्री मैकफार्लेन, क्या मैं यह पूछ सकता हूं कि आप अभी तक स्वतंत्र कैसे हैं, जबकि आपकी गिरफ्तारी को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं?"

"मैं अपने माता-पिता के साथ टॉरिंगटन लॉज, ब्लैकहीथ में रहती हूं, श्रीमान होम्स, लेकिन कल रात श्री जोनास ओल्डेक्रे के साथ देर रात तक काम होने के कारण मैं नारवुड के एक होटल में रुकी और वहीं से अपने काम पर आई। मुझे इस मामले की जानकारी तब तक नहीं थी जब तक मैं ट्रेन में नहीं थी, तभी मैंने वह पढ़ा जो आपने अभी सुना है। मुझे तुरंत अपनी स्थिति का भयानक खतरा समझ में आ गया और मैंने तुरंत यह मामला आपके हवाले कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि मुझे या तो मेरे शहर के दफ्तर में या मेरे घर पर गिरफ्तार कर लिया जाता। एक आदमी लंदन ब्रिज स्टेशन से मेरा पीछा कर रहा था, और मुझे पूरा यकीन है कि हे भगवान! यह क्या है?"

घंटी की तेज़ आवाज़ आई, और तुरंत ही सीढ़ियों पर भारी कदमों की आहट सुनाई दी। कुछ ही देर बाद, हमारा पुराना दोस्त लेस्ट्रेड दरवाजे पर दिखाई दिया। उसके कंधे के ऊपर से मैंने बाहर वर्दी पहने एक-दो पुलिसकर्मियों की झलक देखी।

"श्री जॉन हेक्टर मैकफार्लेन?" लेस्ट्रेड ने कहा।

हमारा दुर्भाग्यपूर्ण ग्राहक भयावह चेहरे के साथ उठा।

मैं आपको लोअर नारवुड निवासी श्री जोनास ओल्डेक्रे की जानबूझकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार करता हूं।

मैकफार्लेन ने निराशा के भाव से हमारी ओर देखा और एक बार फिर कुचले हुए व्यक्ति की तरह अपनी कुर्सी पर बैठ गए।

"एक पल रुकिए, लेस्ट्रेड," होम्स ने कहा। "आधे घंटे का अंतर आपके लिए कोई मायने नहीं रखता, और वह सज्जन हमें इस बेहद दिलचस्प मामले का ब्यौरा देने वाले थे, जिससे हमें इसे सुलझाने में मदद मिल सकती थी।"

"मुझे लगता है कि इसे सुलझाने में कोई कठिनाई नहीं होगी," लेस्ट्रेड ने गंभीर स्वर में कहा।

फिर भी, आपकी अनुमति से, मुझे उनका वृत्तांत सुनने में बहुत रुचि होगी।

"ठीक है, श्रीमान होम्स, आपके किसी भी काम को मना करना मेरे लिए मुश्किल है, क्योंकि आपने अतीत में एक-दो बार पुलिस बल के लिए उपयोगी कार्य किया है, और स्कॉटलैंड यार्ड में हमें आपको एक अच्छा मौका देने का दायित्व है," लेस्ट्रेड ने कहा। "साथ ही, मुझे अपने कैदी के साथ रहना होगा और मैं उसे यह चेतावनी देने के लिए बाध्य हूं कि वह जो कुछ भी कहेगा, वह उसके विरुद्ध साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।"

हमारे ग्राहक ने कहा, "मेरी यही कामना है कि आप परम सत्य को सुनें और स्वीकार करें।" "मैं बस इतना ही चाहता हूँ कि आप इस सच्चाई को सुनें और समझें।"

लेस्ट्रेड ने अपनी घड़ी देखी। उसने कहा, "मैं तुम्हें आधा घंटा दूंगा।"

मैकफार्लेन ने कहा, "मुझे पहले यह स्पष्ट करना होगा कि मैं श्री जोनास ओल्डैक्रे को नहीं जानता था। उनका नाम मुझे जाना-पहचाना सा लगा, क्योंकि कई साल पहले मेरे माता-पिता उन्हें जानते थे, लेकिन बाद में उनका रिश्ता टूट गया। इसलिए, जब कल दोपहर करीब तीन बजे वे शहर स्थित मेरे दफ्तर में आए, तो मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। लेकिन जब उन्होंने मुझे अपने आने का मकसद बताया, तो मैं और भी हैरान रह गया। उनके हाथ में एक नोटबुक के कई पन्ने थे, जिन पर कुछ लिखा हुआ था — ये रहे — और उन्होंने उन्हें मेरी मेज पर रख दिया।"

"'यह मेरी वसीयत है,' उसने कहा। 'मैं चाहता हूँ कि आप, श्री मैकफार्लेन, इसे उचित कानूनी रूप दें। जब आप ऐसा करेंगे तो मैं यहीं बैठा रहूंगा।'"

मैंने उसकी नकल करने का मन बनाया, और आप मेरी हैरानी का अंदाज़ा लगा सकते हैं जब मैंने पाया कि कुछ शर्तों के साथ, उन्होंने अपनी सारी संपत्ति मुझे दे दी थी। वह एक अजीब से छोटे, नेवले जैसे दिखने वाले व्यक्ति थे, जिनकी पलकें सफेद थीं, और जब मैंने उनकी ओर देखा तो पाया कि उनकी तेज भूरी आँखें एक मनोरंजक भाव के साथ मुझ पर टिकी हुई थीं। वसीयत की शर्तें पढ़ते हुए मुझे अपनी इंद्रियों पर मुश्किल से विश्वास हो रहा था, लेकिन उन्होंने समझाया कि वह अविवाहित हैं और उनका कोई जीवित रिश्तेदार नहीं है, कि वह अपने बचपन में मेरे माता-पिता को जानते थे, और उन्होंने हमेशा मेरे बारे में एक बहुत ही योग्य युवक के रूप में सुना था, और उन्हें विश्वास था कि उनका पैसा योग्य हाथों में होगा। बेशक, मैं केवल हकलाते हुए धन्यवाद कह सका। वसीयत विधिवत रूप से पूरी हो गई, उस पर हस्ताक्षर किए गए और मेरे क्लर्क ने गवाह के रूप में हस्ताक्षर किए। यह नीले कागज़ पर है, और ये पर्चियाँ, जैसा कि मैंने बताया है, कच्चा मसौदा हैं। श्री जोनास ओल्डैक्रे ने तब मुझे सूचित किया कि कई दस्तावेज थे - भवन पट्टे, स्वामित्व विलेख, गिरवी, शेयर आदि - जिन्हें देखना मेरे लिए आवश्यक था। समझ गया। उन्होंने कहा कि जब तक सारा मामला सुलझ नहीं जाता, उनका मन शांत नहीं होगा, और उन्होंने मुझसे विनती की कि मैं उसी रात नॉरवुड स्थित उनके घर आऊं, वसीयत साथ लेकर आऊं, और सारी व्यवस्था कर लूं। 'याद रखना, मेरे बेटे, जब तक सब कुछ सुलझ नहीं जाता, अपने माता-पिता को इस बारे में एक शब्द भी मत बताना। हम इसे उनके लिए एक छोटा सा सरप्राइज रखेंगे।' वे इस बात पर बहुत ज़ोर दे रहे थे, और उन्होंने मुझसे वादा करवाया कि मैं इस पर कायम रहूंगा।

"आप समझ सकते हैं, श्री होम्स, कि मैं उनकी किसी भी बात को मना करने के मूड में नहीं था। वे मेरे उपकारक थे, और मेरी पूरी इच्छा थी कि मैं उनकी हर इच्छा का सम्मान करूं। इसलिए मैंने घर पर एक टेलीग्राम भेजा कि मुझे एक ज़रूरी काम है, और यह बताना मेरे लिए असंभव है कि मुझे कितना समय लगेगा। श्री ओल्डैक्रे ने मुझे बताया था कि वे चाहते हैं कि मैं उनके साथ नौ बजे रात का खाना खाऊं, क्योंकि वे

शायद उस समय से पहले घर न लौटें। हालाँकि, मुझे उनका घर ढूंढने में कुछ कठिनाई हुई, और वहाँ पहुँचने में लगभग साढ़े नौ बज गए। मैंने उन्हें वहाँ पाया—”

“एक पल रुकिए!” होम्स ने कहा। “दरवाजा किसने खोला?”

"एक अधेड़ उम्र की महिला, जो शायद उसकी गृहणी थी।"

"और मुझे लगता है कि यह वही थी जिसने आपका नाम लिया था?"

“बिल्कुल सही,” मैकफार्लेन ने कहा।

“कृपया आगे बढ़ें।”

मैकफार्लेन ने अपना पसीना पोंछा और फिर अपनी कहानी ज़ारी रखी:

“उस महिला ने मुझे बैठक कक्ष में ले जाया, जहाँ सादा भोजन परोसा गया था। उसके बाद, श्री जोनास ओल्डेकर मुझे अपने शयनकक्ष में ले गए, जहाँ एक भारी तिजोरी रखी थी। उन्होंने उसे खोला और उसमें से ढेर सारे दस्तावेज़ निकाले, जिन्हें हमने साथ मिलकर देखा। जब हमने यह सब समाप्त किया, तब लगभग ग्यारह और बारह बज रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें गृहस्वामी को परेशान नहीं करना चाहिए। उन्होंने मुझे अपनी खुली हुई फ्रेंच खिड़की से बाहर जाने दिया।”

"क्या पर्दा नीचे था?" होम्स ने पूछा।

“मुझे पक्का यकीन नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि वह आधी ही नीचे थी। हाँ, मुझे याद है कि उसने खिड़की खोलने के लिए उसे कैसे ऊपर खींचा था। मुझे मेरी छड़ी नहीं मिल रही थी, और उसने कहा, ‘कोई बात नहीं, मेरे बेटे, मुझे उम्मीद है कि अब मैं तुमसे खूब मिलूंगा, और जब तक तुम वापस आकर उसे नहीं ले जाते, मैं तुम्हारी छड़ी अपने पास रखूंगा।’ मैंने उसे वहीं छोड़ दिया, तिजोरी खुली हुई थी, और कागज़ात मेज़ पर पैकेटों में रखे हुए थे। इतनी देर हो चुकी थी कि मैं ब्लैकहीथ वापस नहीं जा सका, इसलिए मैंने रात एनेर्ली आर्म्स में बिताई, और मुझे सुबह इस भयानक घटना के बारे में पढ़ने तक कुछ भी पता नहीं चला।”

"क्या आप कुछ और पूछना चाहेंगे, मिस्टर होम्स?" लेस्ट्रेड ने कहा, जिनकी भौहें इस उल्लेखनीय व्याख्या के दौरान एक-दो बार ऊपर उठ गई थीं।

"जब तक मैं ब्लैकहीथ नहीं जा लेता, तब तक नहीं।"

"तुम्हारा मतलब नॉरवुड से है," लेस्ट्रेड ने कहा।

“ओह, जी हाँ, निस्संदेह मेरा यही मतलब रहा होगा,” होम्स ने अपनी रहस्यमयी मुस्कान के साथ कहा। लेस्ट्रेड ने अपने अनुभवों से, जिन्हें वह स्वीकार करना नहीं चाहता था, यह जान लिया था कि उसका तेज दिमाग उस चीज़ को भी भेद सकता है जो उसके लिए अभेद्य थी। मैंने देखा कि वह उत्सुकता से मेरे साथी की ओर देख रहा था।

“श्रीमान शर्लक होम्स, मुझे लगता है कि मुझे अभी आपसे कुछ बात करनी चाहिए,” उसने कहा। “श्रीमान मैकफार्लेन, मेरे दो कांस्टेबल दरवाजे पर हैं, और एक चार पहिया वाहन इंतज़ार कर रहा है।” वह बेचारा युवक उठा, और हम पर आखिरी बार विनती भरी नज़र डालकर कमरे से बाहर चला गया। अधिकारियों ने उसे टैक्सी तक पहुँचाया, लेकिन लेस्ट्रेड वहीं रुका रहा।

होम्स ने वसीयत के कच्चे मसौदे वाले पन्ने उठा लिए थे और वह उन्हें अत्यंत रुचि के साथ देख रहा था।

“उस दस्तावेज़ में कुछ बिंदु तो हैं, लेस्ट्रेड, है ना?” उसने उन्हें धक्का देते हुए कहा।

अधिकारी ने उन्हें हैरानी भरे भाव से देखा।

उन्होंने कहा, “मैं पहले कुछ पंक्तियाँ, दूसरे पृष्ठ के मध्य की कुछ पंक्तियाँ और अंत की एक-दो पंक्तियाँ पढ़ सकता हूँ। वे बिल्कुल स्पष्ट हैं, लेकिन बीच की लिखावट बहुत खराब है, और तीन जगहें ऐसी हैं जहाँ मैं इसे बिल्कुल भी नहीं पढ़ सकता।”

“इस बारे में आपकी क्या राय है?” होम्स ने कहा।

"अच्छा, आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?"

“ऐसा लगता है कि इसे ट्रेन में लिखा गया था। अच्छी लिखावट स्टेशनों को दर्शाती है, खराब लिखावट गति को, और बेहद खराब लिखावट बिंदुओं को दर्शाती है। एक वैज्ञानिक तुरंत कह देगा कि इसे उपनगरीय लाइन पर तैयार किया गया था, क्योंकि किसी बड़े शहर के ठीक आसपास के क्षेत्र को छोड़कर कहीं भी इतने तेज़ अंतराल पर बिंदु नहीं हो सकते। यदि मान लें कि उनकी पूरी यात्रा वसीयत तैयार करने में ही व्यतीत हुई, तो ट्रेन एक एक्सप्रेस ट्रेन थी, जो नॉरवुड और लंदन ब्रिज के बीच केवल एक बार रुकी थी।”

लेस्ट्रेड हंसने लगा।

“जब आप अपने सिद्धांतों पर अड़े रहने लगते हैं, तो आप मेरे लिए बहुत ज्यादा हो जाते हैं, श्री होम्स,” उन्होंने कहा। “इसका इस मामले से क्या संबंध है?”

“खैर, इससे युवक की कहानी की पुष्टि इस हद तक होती है कि वसीयत जोनास ओल्डैक्रे ने कल अपनी यात्रा के दौरान तैयार की थी। यह अजीब बात है, है ना?, कि कोई व्यक्ति इतने महत्वपूर्ण दस्तावेज़ को इतने अव्यवस्थित तरीके से तैयार करे। इससे पता चलता है कि उसने यह नहीं सोचा था कि इसका कोई खास व्यावहारिक महत्व होगा। अगर कोई व्यक्ति ऐसी वसीयत तैयार करे जिसका वह कभी प्रभावी होना ही न चाहता हो, तो वह ऐसा कर सकता है।”

"खैर, उसने उसी समय अपनी मौत का फरमान खुद ही तैयार कर लिया," लेस्ट्रेड ने कहा।

"ओह, आपको ऐसा लगता है?"

क्या आप ऐसा नहीं सोचते?

"हाँ, ऐसा होना बिल्कुल संभव है, लेकिन मामला अभी तक मेरे लिए स्पष्ट नहीं है।"

“समझ में नहीं आया? अगर यह भी समझ में नहीं आया, तो फिर क्या समझ में आएगा? एक नौजवान को अचानक पता चलता है कि अगर एक बूढ़े आदमी की मौत हो जाती है, तो उसे बहुत सारी दौलत विरासत में मिलेगी। वह क्या करता है? वह किसी को कुछ नहीं बताता, लेकिन वह किसी बहाने से उस रात अपने मुवक्किल से मिलने जाने का इंतज़ाम करता है। वह तब तक इंतज़ार करता है जब तक घर में मौजूद इकलौता दूसरा व्यक्ति सो नहीं जाता, और फिर एकांत में उस आदमी के कमरे में उसकी हत्या कर देता है, उसके शरीर को लकड़ियों के ढेर में जला देता है, और पास के एक होटल में चला जाता है। कमरे में और लकड़ी पर खून के धब्बे बहुत हल्के हैं। मुमकिन है कि उसने सोचा हो कि उसका अपराध खून-खराबे वाला नहीं होगा, और उसे उम्मीद रही होगी कि अगर शरीर जलकर राख हो जाए तो उसकी मौत के तरीके के सारे निशान मिट जाएंगे — वो निशान जो किसी न किसी वजह से उसकी तरफ इशारा करते। क्या यह सब साफ़ नहीं है?”

“मुझे लगता है, मेरे प्रिय लेस्ट्रेड, यह कुछ ज़्यादा ही स्पष्ट है,” होम्स ने कहा। “आपमें कल्पनाशीलता तो है ही, लेकिन अगर आप एक पल के लिए भी खुद को इस युवक की जगह पर रखकर देखें, तो क्या आप वसीयत बनने के ठीक बाद वाली रात को अपना अपराध करेंगे? क्या आपको दोनों घटनाओं के बीच इतना गहरा संबंध बनाना खतरनाक नहीं लगेगा? फिर, क्या आप ऐसा मौका चुनेंगे जब घर में आपकी मौजूदगी सबको पता हो, जब किसी नौकर ने आपको अंदर आने दिया हो? और अंत में, क्या आप लाश को छिपाने के लिए इतनी मेहनत करेंगे, और फिर भी अपनी छड़ी को इस बात के सबूत के तौर पर छोड़ देंगे कि आप ही अपराधी थे? मान लीजिए, लेस्ट्रेड, कि यह सब बहुत ही असंभव है।”

“जहां तक छड़ी की बात है, श्री होम्स, आप भी मेरी तरह जानते हैं कि अपराधी अक्सर घबराया हुआ होता है और ऐसे काम करता है जिनसे एक शांत व्यक्ति बचना चाहेगा। वह संभवतः कमरे में वापस जाने से डर रहा था। कृपया मुझे कोई और सिद्धांत बताएं जो तथ्यों से मेल खाता हो।”

“मैं आपको आसानी से आधा दर्जन उदाहरण दे सकता हूँ,” होम्स ने कहा। “उदाहरण के लिए, यह एक बहुत ही संभावित और यहाँ तक कि संभवतः उदाहरण है। मैं इसे आपको मुफ्त में देता हूँ। बूढ़ा आदमी कुछ ऐसे दस्तावेज़ दिखा रहा है जो स्पष्ट रूप से मूल्यवान हैं। एक राहगीर उन्हें खिड़की से देख लेता है, जिसका पर्दा आधा ही खुला है। वकील बाहर चला जाता है। आवारा अंदर आता है! वह वहाँ पड़ी एक छड़ी उठाता है, ओल्डएकर को मार डालता है और लाश को जलाकर चला जाता है।”

“आवारा को शव क्यों जलाना चाहिए?”

"वैसे, मैकफ़ार्लेन को ऐसा क्यों करना चाहिए?"

"कुछ सबूतों को छिपाने के लिए।"

"संभवतः वह आवारा व्यक्ति इस बात को छिपाना चाहता था कि कोई हत्या हुई ही नहीं थी।"

और उस आवारा ने कुछ क्यों नहीं लिया?

"क्योंकि वे ऐसे कागजात थे जिन पर वह बातचीत नहीं कर सकता था।"

लेस्ट्रेड ने अपना सिर हिलाया, हालाँकि मुझे ऐसा लगा कि उसका व्यवहार पहले की तुलना में उतना आश्वस्त नहीं था।

“ठीक है, श्रीमान शेरलॉक होम्स, आप अपने भगोड़े की तलाश कर सकते हैं, और जब तक आप उसे ढूंढ रहे हैं, हम अपने आदमी को पकड़े रहेंगे। भविष्य बताएगा कि कौन सही है। श्रीमान होम्स, बस इस बात पर ध्यान दें: जहाँ तक हमें पता है, कोई भी कागज़ात हटाए नहीं गए हैं, और कैदी ही दुनिया का एकमात्र ऐसा व्यक्ति है जिसके पास उन्हें हटाने का कोई कारण नहीं था, क्योंकि वह कानूनी वारिस था, और उसे वे कागज़ात किसी भी हालत में मिल जाते।”

मेरे दोस्त को यह टिप्पणी सुनकर आश्चर्य हुआ।

“मैं इस बात से इनकार नहीं करना चाहता कि सबूत कुछ मायनों में आपके सिद्धांत के पक्ष में बहुत मज़बूती से खड़े हैं,” उन्होंने कहा। “मैं बस यह बताना चाहता हूँ कि अन्य सिद्धांत भी संभव हैं। जैसा कि आपने कहा, भविष्य ही फैसला करेगा। सुप्रभात! मुझे उम्मीद है कि आज मैं नॉरवुड में आपसे मिलने आऊँगा और देखूँगा कि आप कैसे हैं।”

जब जासूस चला गया, तो मेरा दोस्त उठा और उस व्यक्ति की तरह सतर्कता से दिन के काम की तैयारी करने लगा, जैसे उसके सामने कोई सुखद कार्य हो।

"वॉटसन, मेरा पहला कदम," उसने अपना फ्रॉककोट पहनते हुए कहा, "जैसा कि मैंने कहा, ब्लैकहीथ की दिशा में होना चाहिए।"

और नॉरवुड क्यों नहीं?

“क्योंकि इस मामले में एक घटना के तुरंत बाद दूसरी घटना घटित हुई है। पुलिस दूसरी घटना पर ध्यान केंद्रित करके गलती कर रही है, क्योंकि वही वास्तव में आपराधिक है। लेकिन मुझे स्पष्ट है कि इस मामले को सुलझाने का तार्किक तरीका पहली घटना पर प्रकाश डालना है—वह रहस्यमय वसीयत, जो अचानक बनाई गई और एक अप्रत्याशित उत्तराधिकारी को दी गई। इससे आगे की घटनाओं को समझने में कुछ मदद मिल सकती है। नहीं, मेरे प्रिय मित्र, मुझे नहीं लगता कि आप मेरी मदद कर सकते हैं। खतरे की कोई आशंका नहीं है, वरना मैं आपके बिना बाहर निकलने का सपना भी नहीं देखता। मुझे उम्मीद है कि जब मैं शाम को आपसे मिलूंगा, तो मैं आपको

बता पाऊंगा कि मैं इस दुर्भाग्यशाली युवक के लिए कुछ कर पाया हूं, जिसने मेरी शरण ली है।"

जब मेरा मित्र लौटा तो काफी देर हो चुकी थी, और उसके थके-हारे और चिंतित चेहरे को देखकर मैं समझ गया कि जिन आशाओं के साथ वह आया था, वे पूरी नहीं हुई थीं। एक घंटे तक वह अपने वायलिन पर गुनगुनाता रहा, मानो अपने मन को शांत करने की कोशिश कर रहा हो। अंत में उसने वायलिन फेंक दिया और अपनी तमाम परेशानियों का विस्तृत ब्योरा सुनाने लगा।

"वॉटसन, सब कुछ गलत ही रहा है—जितना गलत हो सकता है, उतना गलत। मैंने लेस्ट्रेड के सामने तो हिम्मत दिखाई, लेकिन कसम से, मुझे लगता है कि इस बार वो सही रास्ते पर है और हम गलत। मेरी अंतरात्मा एक तरफ है, और सारे तथ्य दूसरी तरफ, और मुझे डर है कि ब्रिटिश जूरी अभी तक इतनी समझदार नहीं हुई है कि वो लेस्ट्रेड के तथ्यों के बजाय मेरे सिद्धांतों को प्राथमिकता दे।"

क्या आप ब्लैकहीथ गए थे?

"हां, वॉटसन, मैं वहां गया था, और मुझे बहुत जल्दी पता चल गया कि दिवंगत ओल्डएकर एक बहुत बड़ा बदमाश था। पिता अपने बेटे की तलाश में बाहर गए हुए थे। मां घर पर थी—एक छोटी, कोमल, नीली आँखों वाली महिला, डर और आक्रोश से कांप रही थी। बेशक, वह उसके अपराध की संभावना को भी स्वीकार नहीं करती थी। लेकिन वह ओल्डएकर के भाग्य पर न तो आश्चर्य व्यक्त करती थी और न ही खेद। इसके विपरीत, वह उसके बारे में इतनी कड़वाहट से बात करती थी कि वह अनजाने में पुलिस के मामले को काफी मजबूत कर रही थी, क्योंकि अगर उसके बेटे ने उसे उस आदमी के बारे में इस तरह बात करते सुना होता, तो यह उसे नफ़रत और हिंसा की ओर प्रेरित करता। 'वह एक इंसान से ज़्यादा एक दुष्ट और धूर्त बंदर जैसा था,' उसने कहा, 'और वह हमेशा से ऐसा ही था, जब से वह जवान था।'

मैंने कहा, "'क्या आप उसे उस समय जानते थे?'"

"हां, मैं उसे अच्छी तरह जानती थी, दरअसल, वह मेरा पुराना प्रेमी था। शुक्र है कि मुझमें इतनी समझ थी कि मैंने उससे मुंह मोड़ लिया और एक बेहतर, भले ही गरीब, आदमी से शादी कर ली। मेरी उससे सगाई हो चुकी थी। मिस्टर होम्स, जब मैंने एक भयानक कहानी सुनी कि कैसे उसने एक बिल्ली को चिड़ियाघर में खुला छोड़ दिया था, तो मैं उसकी क्रूरता से इतनी भयभीत हो गई कि मैंने उससे कोई वास्ता नहीं रखा।" उसने एक अलमारी में तलाशी ली, और थोड़ी देर बाद उसने एक महिला की तस्वीर निकाली, जिसे चाकू से बुरी तरह से विकृत और क्षत-विक्षत कर दिया गया था। "यह मेरी ही तस्वीर है," उसने कहा। "उसने मेरी शादी की सुबह मुझे यह तस्वीर अपने श्राप के साथ भेजी थी।"

मैंने कहा, "खैर, कम से कम उसने अब तुम्हें माफ कर दिया है, क्योंकि उसने अपनी सारी संपत्ति तुम्हारे बेटे के नाम कर दी है।"

"'न तो मेरे बेटे को और न ही मुझे जोनास ओल्डैक्रे से, चाहे वह जीवित हो या मृत, कुछ चाहिए!' उसने उचित भावना से चिल्लाते हुए कहा। 'स्वर्ग में एक ईश्वर है, श्री होम्स, और वही ईश्वर जिसने उस दुष्ट व्यक्ति को दंडित किया है, अपने उचित समय पर यह साबित करेगा कि मेरे बेटे के हाथ उसके खून से निर्दोष हैं।'

"खैर, मैंने एक-दो सुराग आजमाए, लेकिन मुझे ऐसा कुछ भी नहीं मिला जो हमारी परिकल्पना का समर्थन करता हो, और कई ऐसे बिंदु मिले जो इसके खिलाफ थे। आखिरकार मैंने हार मान ली और नॉरवुड चला गया।"

"यह जगह, डीप डेन हाउस, ईंटों से बना एक बड़ा आधुनिक विला है, जो अपने ही परिसर में पीछे की ओर स्थित है, और इसके सामने लॉरेल के पेड़ों से भरा लॉन है।

सड़क से कुछ दूरी पर दाईं ओर लकड़ी का गोदाम था, जहाँ आग लगी थी। मेरी नोटबुक के एक पन्ने पर इसका एक मोटा-मोटा नक्शा बना है। बाईं ओर की यह खिड़की ओल्डएकर के कमरे में खुलती है। आप इसे सड़क से देख सकते हैं। आज मुझे बस यही एक तसल्ली मिली है। लेस्ट्रेड वहाँ नहीं थे, लेकिन उनके हेड कॉन्स्टेबल ने उनकी जगह ली। उन्हें अभी-अभी एक बड़ा खज़ाना मिला था। उन्होंने सुबह जली हुई लकड़ियों के ढेर की राख में छानबीन की थी, और जले हुए जैविक अवशेषों के अलावा उन्हें कई फीके पड़े धातु के टुकड़े मिले थे। मैंने उन्हें ध्यान से देखा, और इसमें कोई संदेह नहीं था कि वे पतलून के बटन थे। मैंने यह भी देखा कि उनमें से एक पर 'हाइम्स' का नाम अंकित था, जो ओल्डएकर का दर्जी था। फिर मैंने लॉन में बहुत ध्यान से निशान ढूंढे। कुछ निशान तो थे, लेकिन इस सूखे ने सब कुछ लोहे जैसा सख्त बना दिया था। लकड़ी के ढेर के सामने लगी नीची झाड़ियों से किसी शरीर या गठरी को घसीटकर ले जाने के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। यह सब, ज़ाहिर है, आधिकारिक सिद्धांत से मेल खाता है। अगस्त की धूप में मैं लॉन पर रेंगता रहा, लेकिन एक घंटे बाद भी मुझे कुछ समझ नहीं आया।

"खैर, इस गड़बड़ के बाद, मैं बेडरूम में गया और उसकी भी जाँच की। खून के धब्बे बहुत हल्के थे, बस मामूली निशान और रंग में बदलाव, लेकिन निस्संदेह ताज़ा थे। छड़ी हटा दी गई थी, लेकिन वहाँ भी निशान हल्के थे। छड़ी हमारे मुवक्किल की ही थी, इसमें कोई शक नहीं। वह इसे स्वीकार करता है। कालीन पर दोनों आदमियों के पैरों के निशान देखे जा सकते थे, लेकिन किसी तीसरे व्यक्ति के नहीं, जो फिर से दूसरी तरफ के लिए एक चाल है। वे लगातार अपना स्कोर बढ़ा रहे थे और हम एक जगह रुके हुए थे।"

मुझे उम्मीद की एक छोटी सी किरण दिखाई दी—और वह भी व्यर्थ। मैंने तिजोरी की सामग्री की जाँच की, जिसका अधिकांश भाग निकाल कर मेज पर छोड़ दिया गया था। कागज़ात सीलबंद लिफाफों में रखे गए थे, जिनमें से एक-दो पुलिस ने खोल दिए थे। जहाँ तक मैं समझ पाया, वे कोई बहुत मूल्यवान नहीं थे, और न ही बैंक बही से पता चलता था कि श्री ओल्डेकर इतने धनी थे। लेकिन मुझे लगा कि सारे कागज़ात वहाँ नहीं थे। कुछ दस्तावेज़ों का ज़िक्र था—संभवतः वे ज़्यादा मूल्यवान थे—जो मुझे नहीं मिले। अगर हम इसे निश्चित रूप से साबित कर पाते, तो यह लेस्ट्रेड के तर्क को उसी के विरुद्ध कर देता; आख़िर कोई ऐसी चीज़ क्यों चुराएगा जिसे वह जानता हो कि उसे जल्द ही विरासत में मिलने वाली है?

अंत में, हर तरह का पर्दा हटाकर भी जब कोई सुराग नहीं मिला, तो मैंने नौकरानी से अपनी किस्मत आज़माई। उनका नाम श्रीमती लेक्सिंगटन है - एक छोटी, सांवली, शांत महिला, जिनकी आँखें संदेह भरी और तिरछी नज़रों से देखती रहती हैं। अगर वह चाहें तो हमें कुछ बता सकती हैं - मुझे पूरा यकीन है। लेकिन वह मोम की तरह चुप थीं। हाँ, उन्होंने श्री मैकफार्लेन को साढ़े नौ बजे अंदर आने दिया था। काश ऐसा करने से पहले उनका हाथ सूख गया होता। वह साढ़े दस बजे सो गई थीं। उनका कमरा घर के दूसरे छोर पर था, और उन्हें कुछ भी सुनाई नहीं दिया। श्री मैकफार्लेन अपनी टोपी और, जहाँ तक मुझे याद है, अपनी छड़ी हॉल में छोड़ गए थे। उन्हें आग के अलार्म से नींद से जगाया गया था। उनके बेचारे, प्यारे मालिक की निश्चित रूप से हत्या कर दी गई थी। क्या उनके कोई दुश्मन थे? खैर, हर आदमी के दुश्मन होते हैं, लेकिन श्री ओल्डएकर बहुत ही अकेले रहते थे, और केवल काम के सिलसिले में ही लोगों से मिलते थे। उन्होंने बटन देखे थे, और उन्हें यकीन था कि वे उन्हीं कपड़ों के थे जो उन्होंने पिछली रात पहने थे। लकड़ियों का ढेर... बहुत सूखा था, क्योंकि एक महीने से बारिश नहीं हुई थी। वह लकड़ी की तरह जलने लगा, और जब तक वह मौके पर पहुँची, तब

तक वहाँ आग की लपटों के सिवा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। उसे और सभी दमकलकर्मियों को उसके अंदर से जले हुए मांस की गंध आ रही थी। उसे न तो कागजों के बारे में कुछ पता था, न ही श्री ओल्डेक्रे के निजी मामलों के बारे में।

"तो, मेरे प्यारे वॉटसन, ये रही मेरी नाकामी की रिपोर्ट। और फिर भी—और फिर भी—" उसने दृढ़ विश्वास से अपने पतले हाथों को भींचते हुए कहा— "मुझे पता है कि सब कुछ गलत है। मैं इसे अपनी हड्डियों तक महसूस करता हूँ। कुछ ऐसा है जो सामने नहीं आया है, और वह नौकरानी इसे जानती है। उसकी आँखों में एक तरह की रूठी हुई अवज्ञा थी, जो केवल दोषी ज्ञान से ही आती है। खैर, अब इसके बारे में और बात करने का कोई फायदा नहीं है, वॉटसन; लेकिन अगर कोई सौभाग्यशाली मौका नहीं मिला तो मुझे डर है कि नॉरवुड गुमशुदगी का मामला हमारी उन सफलताओं के वृत्तांत में शामिल नहीं होगा, जिसे धैर्यवान जनता को देर-सवेर सहना ही पड़ेगा।"

मैंने कहा, "यकीनन, उस आदमी की शक्ल-सूरत किसी भी जूरी पर काफी असर डालेगी?"

"यह एक खतरनाक तर्क है, मेरे प्रिय वॉटसन। आपको वह भयानक हत्यारा, बर्ट स्टीवंस याद है, जो 1987 में हमें उसे बरी करने के लिए कह रहा था? क्या कभी उससे अधिक सौम्य स्वभाव वाला, संडे स्कूल का नौजवान हुआ है?"

"ये सच है।"

"जब तक हम कोई वैकल्पिक सिद्धांत स्थापित करने में सफल नहीं हो जाते, तब तक यह आदमी फँस चुका है। उसके खिलाफ जो मामला अब पेश किया जा सकता है, उसमें शायद ही कोई खामी हो, और आगे की सभी जाँचों ने इसे और मजबूत ही किया है। वैसे, उन कागजों में एक दिलचस्प बात है जो हमारी जाँच के लिए शुरुआती बिंदु बन सकती है। बैंक बही देखने पर मुझे पता चला कि बैलेंस कम होने का मुख्य कारण पिछले साल श्री कार्नेलियस को दिए गए बड़े चेक थे। मैं यह जानने में दिलचस्पी रखता हूँ कि यह श्री कार्नेलियस कौन हैं जिनके साथ एक सेवानिवृत्त बिल्डर ने इतने बड़े लेन-देन किए हैं। क्या यह संभव है कि इस मामले में उनका हाथ हो? कार्नेलियस एक दलाल हो सकता है, लेकिन हमें इन बड़े भुगतानों से मेल खाने वाला कोई दस्तावेज़ नहीं मिला है। कोई अन्य सुराग न मिलने पर, मेरी जाँच अब बैंक में उस व्यक्ति की तलाश की ओर मुड़नी चाहिए जिसने ये चेक भुनाए हैं। लेकिन मुझे डर है, मेरे प्रिय मित्र, कि हमारा मामला बुरी तरह समाप्त होगा और लेस्ट्रेड हमारे मुवक्किल को फाँसी दे देगा, जो निश्चित रूप से स्कॉटलैंड यार्ड के लिए एक जीत होगी।"

मुझे नहीं पता कि शर्लक होम्स ने उस रात कितनी नींद ली, लेकिन जब मैं नाश्ते के लिए नीचे आया तो मैंने उन्हें पीला और परेशान पाया, उनकी चमकीली आँखें उनके चारों ओर छाई गहरी छाया के कारण और भी चमक रही थीं। उनकी कुर्सी के चारों ओर कालीन सिगरेट के टुकड़ों और सुबह के अखबारों के पहले संस्करणों से भरा पड़ा था। मेज़ पर एक खुला हुआ टेलीग्राम पड़ा था।

"वॉटसन, तुम्हें यह कैसा लगा?" उसने उसे उछालते हुए पूछा।

यह नॉरवुड से था, और इस प्रकार था:

महत्वपूर्ण नए सबूत मिले हैं। मैकफार्लेन का अपराध निश्चित रूप से सिद्ध हो चुका है। मेरा सुझाव है कि आप मामला छोड़ दें।

लेस्ट्रेड।

मैंने कहा, "यह मामला गंभीर लग रहा है।"

"यह लेस्ट्रेड की जीत का छोटा सा जश्न है," होम्स ने कड़वी मुस्कान के साथ जवाब दिया। "लेकिन इस मामले को छोड़ना शायद जल्दबाजी होगी। आखिर, नए महत्वपूर्ण सबूत दोधारी तलवार की तरह होते हैं, और हो सकता है कि वे लेस्ट्रेड की सोच से

बिल्कुल अलग दिशा में इशारा करें। वॉटसन, नाश्ता कर लो, हम साथ चलते हैं और देखते हैं कि हम क्या कर सकते हैं। मुझे लगता है कि आज मुझे तुम्हारे साथ और तुम्हारे नैतिक समर्थन की ज़रूरत होगी।"

मेरे दोस्त ने नाश्ता नहीं किया था, क्योंकि यह उसकी एक खासियत थी कि जब वह बहुत उत्तेजित होता था तो खुद को खाने की इजाजत नहीं देता था, और मैंने उसे अपनी ताकत का इतना इस्तेमाल करते देखा है कि वह भूख से बेहोश हो जाता था। मेरी डॉक्टरी सलाह के जवाब में वह कहता था, "अभी मेरे पास पाचन के लिए ऊर्जा और ताकत नहीं है।" इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं हुआ जब आज सुबह वह अपना बचा हुआ खाना छोड़कर मेरे साथ नॉरवुड के लिए निकल पड़ा। डीप डेन हाउस के चारों ओर अभी भी कुछ उत्सुक पर्यटक जमा थे, जो बिल्कुल वैसा ही उपनगरीय विला था जैसा मैंने कल्पना की थी। गेट के अंदर लेस्ट्रेड ने हमारा स्वागत किया, उसका चेहरा जीत की चमक से दमक रहा था, और उसका व्यवहार पूरी तरह से विजयी था।

"अच्छा, मिस्टर होम्स, क्या आपने हमें गलत साबित कर दिया है? क्या आपको अपना आवारा मिल गया है?" वह चिल्लाया।

"मैंने अभी तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला है," मेरे साथी ने उत्तर दिया।

"लेकिन हमने अपना अनुमान कल ही लगा लिया था, और अब यह सही साबित हो गया है, इसलिए आपको यह स्वीकार करना होगा कि इस बार हम आपसे थोड़ा आगे थे, श्रीमान होम्स।"

"आपके हावभाव से निश्चित रूप से ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ असामान्य घटना घटी है," होम्स ने कहा।

लेस्ट्रेड ज़ोर से हँसा।

"आप भी हमारी तरह मार खाना पसंद नहीं करते," उसने कहा। "कोई भी हमेशा अपनी मनमर्जी नहीं कर सकता, है ना, डॉ. वॉटसन? कृपया इधर आइए, सज्जनों, और मुझे लगता है कि मैं आपको हमेशा के लिए यह यकीन दिला सकता हूँ कि यह अपराध जॉन मैकफ़ार्लेन ने किया था।"

वह हमें गलियारे से होते हुए आगे एक अंधेरे हॉल में ले गया।

"अपराध करने के बाद युवा मैकफ़ार्लेन यहीं से अपनी टोपी लेने आया होगा," उसने कहा। "अब इसे देखो।" नाटकीय ढंग से उसने माचिस जलाई, और उसकी रोशनी में सफेदी की हुई दीवार पर खून का एक धब्बा दिखाई दिया। जैसे ही उसने माचिस को पास लाया, मैंने देखा कि यह सिर्फ एक धब्बा नहीं था। यह अंगूठे का स्पष्ट निशान था।

"मिस्टर होम्स, इसे अपनी आवर्धक लेंस से देखिए।"

"हां, मैं ऐसा कर रहा हूं।"

"क्या आपको पता है कि अंगूठे के दो निशान कभी एक जैसे नहीं होते?"

मैंने कुछ ऐसा ही सुना है।

"तो फिर, क्या आप कृपया उस प्रिंट की तुलना युवा मैकफ़ार्लेन के दाहिने अंगूठे के इस मोम के इंप्रेशन से करेंगे, जिसे मैंने आज सुबह अपने आदेश पर लिया था?"

जब उसने मोम के निशान को खून के धब्बे के पास लाकर देखा, तो यह स्पष्ट हो गया कि दोनों निशान निस्संदेह एक ही अंगूठे के थे। मुझे यह साफ समझ आ गया था कि हमारा दुर्भाग्यपूर्ण ग्राहक अब खतरे में है।

"यह अंतिम निर्णय है," लेस्ट्रेड ने कहा।

"हां, यही अंतिम निर्णय है," मैंने अनजाने में दोहराया।

"यह अंतिम निर्णय है," होम्स ने कहा।

उनकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने मेरा ध्यान खींचा और मैं उनकी ओर देखने के लिए मुड़ा। उनके चेहरे पर एक असाधारण बदलाव आ गया था। वह अंदर ही अंदर

खुशी से झूम रहे थे। उनकी दोनों आँखें तारों की तरह चमक रही थीं। मुझे ऐसा लगा जैसे वह ज़ोरदार हंसी को रोकने की जी-तोड़ कोशिश कर रहे हों।

"हे भगवान! हे भगवान!" उसने अंत में कहा। "वाह, भला किसने सोचा होगा! और दिखावट कितनी भ्रामक हो सकती है! देखने में कितना सुंदर युवक है! इससे हमें यह सबक मिलता है कि हमें अपने विवेक पर भरोसा नहीं करना चाहिए, है ना, लेस्ट्रेड?"

"जी हां, हममें से कुछ लोग कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वासी हैं, मिस्टर होम्स," लेस्ट्रेड ने कहा। उस आदमी का यह दुस्साहस बेहद परेशान करने वाला था, लेकिन हम इस पर आपत्ति नहीं कर सकते थे।

"यह कितनी संयोगवश बात है कि इस युवक ने टोपी टांगते समय अपने दाहिने अंगूठे को दीवार पर दबाया! ज़रा सोचिए, यह तो बहुत ही स्वाभाविक क्रिया है।" होम्स बाहर से शांत दिख रहे थे, लेकिन बोलते समय उनके पूरे शरीर में दबी हुई उत्तेजना की हलचल हुई।

"वैसे, लेस्ट्रेड, यह अद्भुत खोज किसने की?"

"घर की सफाईकर्मी, श्रीमती लेक्सिंगटन ने ही रात्रि कांस्टेबल का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था।"

"रात का कांस्टेबल कहाँ था?"

"वह उस शयनकक्ष में पहरा देता रहा जहां अपराध हुआ था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी चीज़ को छुआ न जाए।"

"लेकिन पुलिस ने कल इस निशान को क्यों नहीं देखा?"

"खैर, हमारे पास हॉल की सावधानीपूर्वक जांच करने का कोई विशेष कारण नहीं था। इसके अलावा, जैसा कि आप देख सकते हैं, यह कोई बहुत प्रमुख स्थान पर नहीं है।"

"नहीं, नहीं—बिल्कुल नहीं। मुझे लगता है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह निशान कल वहां मौजूद था?"

लेस्ट्रेड ने होम्स की ऐसे देखा मानो वह पागल हो गया हो। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं स्वयं भी उसके हास्यास्पद व्यवहार और उसकी कुछ हद तक अटपटी टिप्पणी से आश्चर्यचकित था।

लेस्ट्रेड ने कहा, "मुझे नहीं पता कि आपको लगता है कि मैकफार्लेन आधी रात को जेल से इसलिए बाहर आया ताकि अपने खिलाफ सबूतों को मजबूत कर सके। मैं यह फैसला दुनिया के किसी भी विशेषज्ञ पर छोड़ता हूं कि क्या यह उसके अंगूठे का निशान नहीं है।"

"यह निःसंदेह उसके अंगूठे का निशान है।"

"बस, इतना काफी है," लेस्ट्रेड ने कहा। "मैं एक व्यावहारिक व्यक्ति हूँ, श्रीमान होम्स, और जब मुझे सबूत मिल जाते हैं तो मैं अपने निष्कर्ष पर पहुँच जाता हूँ। अगर आपको कुछ कहना हो तो आप मुझे बैठक कक्ष में अपनी रिपोर्ट लिखते हुए पाएँगे।"

होम्स ने अपनी शांति वापस पा ली थी, हालांकि मुझे अब भी उनके चेहरे पर थोड़ी सी हंसी की झलक दिखाई दे रही थी।

"हे भगवान, यह तो बहुत दुखद घटनाक्रम है, वॉटसन, है ना?" उसने कहा। "लेकिन इसमें कुछ ऐसी अनोखी बातें भी हैं जो हमारे मुवक्किल के लिए कुछ उम्मीद जगाती हैं।"

मैंने हार्दिक उत्साह से कहा, "यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई। मुझे डर था कि उसका सब कुछ खत्म हो गया है।"

"मैं इतनी दूर तक ऐसा कहने की हिम्मत नहीं करूंगा, मेरे प्रिय वॉटसन। असल बात यह है कि इस सबूत में एक बहुत गंभीर खामी है जिसे हमारा मित्र इतना महत्व देता है

है।"

"जी हां, होम्स! क्या बात है?"

“बस इतना ही: मुझे पता है कि जब मैंने कल हॉल का निरीक्षण किया था, तब वह निशान वहां नहीं था। और अब, वॉटसन, चलिए धूप में थोड़ी देर टहलते हैं।”

मेरा मन उलझन में था, लेकिन दिल में उम्मीद की कुछ किरण जाग उठी थी, इसलिए मैं अपने दोस्त के साथ बगीचे में टहलने निकल गया। होम्स ने बारी-बारी से घर के हर हिस्से को देखा और बड़ी दिलचस्पी से उसका निरीक्षण किया। फिर वह आगे-आगे चलने लगा और तहखाने से लेकर अटारी तक पूरी इमारत का जायज़ा लिया। ज़्यादातर कमरे खाली थे, लेकिन फिर भी होम्स ने उन सभी का बारीकी से निरीक्षण किया। अंत में, सबसे ऊपरी गलियारे में, जो तीन खाली कमरों के बाहर से होकर गुज़रता था, वह फिर से खुशी से झूम उठा।

“वॉटसन, इस मामले में वाकई कुछ बहुत ही अनोखी बातें हैं,” उन्होंने कहा। “मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम अपने मित्र लेस्ट्रेड को विश्वास में लें। उसने हमारी कीमत पर थोड़ी सी मुस्कान बिखेरी है, और शायद अगर इस समस्या के बारे में मेरी समझ सही साबित होती है, तो हम भी उसके साथ ऐसा ही कर सकते हैं। हां, हां, मुझे लगता है कि मुझे समझ आ गया है कि हमें इसे कैसे सुलझाना चाहिए।”

स्कॉटलैंड यार्ड का इंस्पेक्टर अभी भी बैठक कक्ष में लिख रहा था जब होम्स ने उसे बीच में ही रोक दिया।

उन्होंने कहा, "मुझे समझ आया कि आप इस मामले की रिपोर्ट लिख रहे थे।"

"तो मैं हूँ।"

“क्या आपको नहीं लगता कि यह थोड़ा जल्दबाजी होगी? मुझे लगता है कि आपके सबूत अधूरे हैं।”

लेस्ट्रेड मेरे दोस्त को इतनी अच्छी तरह जानता था कि वह उसकी बातों को अनसुना नहीं कर सकता था। उसने अपनी कलम नीचे रख दी और उत्सुकता से उसकी ओर देखा।

"आपका क्या मतलब है, मिस्टर होम्स?"

"बस इतना ही कि एक महत्वपूर्ण गवाह है जिसे आपने नहीं देखा है।"

"क्या आप उसे पेश कर सकते हैं?"

"मुझे लगता है मैं कर सकता हूं।"

“तो फिर ऐसा करो।”

मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। आपके पास कितने कांस्टेबल हैं?

"कॉल के दायरे में तीन लोग हैं।"

“बहुत बढ़िया!” होम्स ने कहा। “क्या मैं पूछ सकता हूँ कि क्या वे सभी लंबे-चौड़े, तंदुरुस्त और दमदार आवाज़ वाले पुरुष हैं?”

मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे हैं, हालांकि मुझे यह समझ नहीं आ रहा है कि उनकी आवाज़ों का इससे क्या लेना-देना है।

“शायद मैं आपको यह और एक-दो अन्य बातें समझने में मदद कर सकूँ,” होम्स ने कहा। “कृपया अपने आदमियों को बुलाएँ, मैं कोशिश करूँगा।”

पांच मिनट बाद, तीन पुलिसकर्मी हॉल में इकट्ठा हो गए थे।

“बाहरी कमरे में आपको काफी मात्रा में भूसी मिलेगा,” होम्स ने कहा। “मैं आपसे इसके दो गट्ठे लाने का अनुरोध करता हूं। मुझे लगता है कि इससे मुझे उस गवाह को पेश करने में बहुत मदद मिलेगी जिसकी मुझे आवश्यकता है। बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे लगता है कि आपकी जेब में कुछ माचिसें होंगी, वॉटसन। अब, श्री लेस्ट्रेड, मैं आप सभी से ऊपर की मंज़िल पर मेरे साथ चलने का अनुरोध करता हूं।”

जैसा कि मैंने बताया, वहाँ एक चौड़ा गलियारा था, जो तीन खाली कमरों के बाहर तक जाता था। गलियारे के एक छोर पर हम सभी शर्लक होम्स द्वारा संगठित थे, कांस्टेबल मुस्कुरा रहे थे और लेस्ट्रेड मेरे दोस्त को आश्चर्य, उम्मीद और उपहास से देख रहा था, उसके चेहरे पर ये भाव एक साथ झलक रहे थे। होम्स हमारे सामने एक जादूगर की तरह खड़े थे जो कोई करतब दिखा रहा हो।

"क्या आप कृपया अपने किसी कांस्टेबल को दो बाल्टी पानी लाने के लिए भेजेंगे? पुआल को यहाँ फर्श पर बिछा दें, दोनों तरफ की दीवारों से दूर। अब मुझे लगता है कि हम सब तैयार हैं।"

लेस्ट्रेड का चेहरा गुस्से से लाल होने लगा था।

"मुझे नहीं पता कि आप हमारे साथ कोई खेल खेल रहे हैं, श्रीमान शेरलॉक होम्स," उन्होंने कहा। "अगर आपको कुछ पता है, तो आप इस सब तामझाम के बिना भी कह सकते हैं।"

"मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, मेरे प्रिय लेस्ट्रेड, कि मैं जो कुछ भी करता हूँ, उसके पीछे एक ठोस कारण है। आपको शायद याद होगा कि कुछ घंटे पहले, जब सूरज आपकी तरफ़ था, तो आपने मुझे थोड़ा चिढ़ाया था, इसलिए अब आपको मुझे थोड़ी शान-शौकत और रस्मों में शामिल करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। क्या मैं आपसे, वॉटसन, वह खिड़की खोलने और फिर भूसे के किनारे पर माचिस लगाने का अनुरोध कर सकता हूँ?"

मैंने ऐसा ही किया, और हवा के झोंके से प्रेरित होकर, भूरे धुएं का एक कुंडल गलियारे में घूमता हुआ नीचे चला गया, जबकि सूखी घास चटकने लगी और उसमें आग सी लग गई।

"अब हमें देखना होगा कि क्या हम आपके लिए इस गवाह को ढूंढ सकते हैं, लेस्ट्रेड। क्या मैं आप सभी से 'आग!' चिल्लाने का अनुरोध कर सकता हूँ? तो चलिए; एक, दो, तीन —"

"आग!" हम सब चिल्लाए।

"धन्यवाद। मैं आपको फिर से परेशान करूंगा।"

"आग!"

"बस एक बार फिर, सज्जनों, और सभी एक साथ।"

"आग!" यह चीख नॉरवुड में गूंज उठी होगी।

अभी शोरगुल शांत भी नहीं हुआ था कि एक अद्भुत घटना घटी। गलियारे के अंत में एक ठोस दीवार जैसी दिखने वाली जगह से अचानक एक दरवाजा खुल गया, और उसमें से एक छोटा, दुबला-पतला आदमी खरगोश की तरह अपने बिल से बाहर निकल भागा।

"शानदार!" होम्स ने शांत भाव से कहा। "वॉटसन, भूसे पर एक बाल्टी पानी डाल दो। बस इतना ही काफी है! लेस्ट्रेड, मुझे आपके प्रमुख लापता गवाह, श्री जोनास ओल्डैक्रे को पेश करने की अनुमति दें।"

जासूस ने नए आने वाले व्यक्ति को अवाक निगाहों से देखा। वह गलियारे की तेज रोशनी में पलकें झपका रहा था और हमें तथा सुलगती आग को घूर रहा था। उसका चेहरा घिनौना था—धूर्त, दुष्ट, दुर्भावनापूर्ण, धूर्त, हल्के भूरे रंग की आँखों और सफेद पलकों वाला।

"यह सब क्या है?" लेस्ट्रेड ने आखिरकार कहा। "तुम इतने समय से क्या कर रहे थे?"

ओल्डएकर ने असहज हंसी हंसते हुए, क्रोधित जासूस के लाल चेहरे से पीछे हट गया।

मैंने कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है।

“कोई नुकसान नहीं हुआ? आपने एक निर्दोष व्यक्ति को फांसी दिलवाने की पूरी कोशिश की है। अगर यहाँ ये सज्जन न होते, तो मुझे यकीन है कि आप सफल नहीं हो पाते।”

वह बेचारा प्राणी सिसकने लगा।

"मुझे पूरा यकीन है, महोदय, यह सिर्फ मेरा एक मज़ाक था।"

“अरे! मज़ाक था क्या? मैं वादा करता हूं, आप लोग हँसेंगे नहीं। इसे नीचे ले जाओ और मेरे आने तक इसे बैठक में ही रखो। श्री होम्स,” उनके जाने के बाद उन्होंने आगे कहा, “मैं पुलिसवालों के सामने तो नहीं बोल सकता, लेकिन डॉ. वॉटसन की मौजूदगी में यह कहने में मुझे कोई आपत्ति नहीं है कि यह अब तक का आपका सबसे समझदारी भरा काम है, हालाँकि मुझे समझ नहीं आ रहा कि आपने यह कैसे किया। आपने एक निर्दोष व्यक्ति की जान बचाई है और एक बहुत बड़े घोटाले को होने से रोका है, जिससे पुलिस बल में मेरी प्रतिष्ठा धूमिल हो जाती।”

होम्स मुस्कुराया और लेस्ट्रेड के कंधे पर थपथपाया।

“महोदय, बर्बाद होने के बजाय, आप पाएंगे कि आपकी प्रतिष्ठा में बहुत वृद्धि हुई है। आप जो रिपोर्ट लिख रहे थे, उसमें बस कुछ बदलाव कर दीजिए, और उन्हें समझ आ जाएगा कि इंस्पेक्टर लेस्ट्रेड की आंखों में धूल झोंकना कितना मुश्किल है।”

और आप नहीं चाहते कि आपका नाम दिखाई दे?

बिलकुल नहीं। काम ही अपने आप में एक इनाम है। शायद भविष्य में कभी मुझे भी इसका श्रेय मिले, जब मैं अपने उत्साही इतिहासकार को एक बार फिर से अपना पन्ना पलटने की अनुमति दूंगी — है ना, वॉटसन? अच्छा, अब देखते हैं कि यह चूहा कहाँ घात लगाए बैठा था।

गलियारे के अंत से छह फीट की दूरी पर लकड़ी और प्लास्टर से बनी एक दीवार बनाई गई थी, जिसमें एक दरवाजा चतुराई से छिपाया गया था। छज्जे के नीचे बनी दरारों से अंदर रोशनी आती थी। अंदर कुछ फर्नीचर, खाने-पीने का सामान, कुछ किताबें और कागज़ात रखे हुए थे।

"एक बिल्डर होने का यही फायदा है," होम्स ने हमारे बाहर आते ही कहा। "वह बिना किसी साथी के अपना छोटा सा छिपने का स्थान खुद ही बना सका - सिवाय, ज़ाहिर है, उसकी उस प्यारी नौकरानी के, जिसे मैं बिना देर किए तुम्हारे थैले में डाल दूंगा, लेस्ट्रेड।"

“मैं आपकी सलाह मान लूंगा। लेकिन आपको इस जगह के बारे में कैसे पता चला, मिस्टर होम्स?”

“मैंने मन बना लिया था कि वह आदमी घर में छिपा हुआ है। जब मैंने एक गलियारे में चक्कर लगाया और पाया कि वह नीचे वाले गलियारे से छह फीट छोटा है, तो यह लगभग स्पष्ट हो गया कि वह कहाँ है। मुझे लगा कि आग लगने की चेतावनी से पहले चुप रहने की हिम्मत उसमें नहीं होगी। हम बेशक अंदर जाकर उसे पकड़ सकते थे, लेकिन उसे खुद को प्रकट करने के लिए मजबूर करना मुझे अच्छा लगा। इसके अलावा, लेस्ट्रेड, सुबह तुमने जो मजाक किया था, उसके बदले में मुझे तुम्हें थोड़ा हैरान करना था।”

"जी महोदय, इस मामले में आप मुझसे बराबरी पर हैं। लेकिन आपको यह कैसे पता चला कि वह घर में था?"

“लेस्ट्रेड, अंगूठे का निशान। आपने कहा था कि यह अंतिम है; और हाँ, एक बिल्कुल अलग अर्थ में। मुझे पता था कि यह एक दिन पहले वहाँ नहीं था। जैसा कि आपने देखा होगा, मैं छोटी-छोटी बातों पर बहुत ध्यान देता हूं, और मैंने हॉल की जाँच

की थी, और मुझे यकीन था कि दीवार साफ़ थी। इसलिए, इसे रात के दौरान लगाया गया था।”

"आख़िर कैसे?"

“बिल्कुल सीधी सी बात है। जब उन पैकेटों को सील किया गया, तो जोनास ओल्डैक्रे ने मैकफार्लेन से एक सील को नरम मोम पर अंगूठा रखकर पक्का करने को कहा। यह इतनी जल्दी और इतनी सहजता से हुआ होगा कि मुझे यकीन है कि उस नौजवान को खुद भी इसका कोई पता नहीं होगा। शायद यह बस यूं ही हो गया होगा, और ओल्डैक्रे को खुद भी इस बात का अंदाज़ा नहीं था कि वह इसका क्या इस्तेमाल करेगा। अपने उस कमरे में इस मामले पर सोचते-सोचते अचानक उसके दिमाग में आया कि वह उस अंगूठे के निशान का इस्तेमाल करके मैकफार्लेन के खिलाफ कितना पुख्ता सबूत पेश कर सकता है। उसके लिए सील से मोम का निशान लेना, उसे सुई चुभोकर जितना खून निकल सके उससे गीला करना और रात के समय उस निशान को दीवार पर लगाना दुनिया का सबसे आसान काम था, चाहे अपने हाथ से या अपने नौकर के हाथ से। अगर आप उन दस्तावेज़ों की जांच करेंगे जो वह अपने साथ अपने ठिकाने पर ले गया था, तो मैं शर्त लगाता हूं कि आपको वह सील अंगूठे के निशान के साथ मिल जाएगी।”

“अद्भुत!” लेस्ट्रेड ने कहा। “अद्भुत! जैसा कि आपने कहा, सब कुछ एकदम स्पष्ट है। लेकिन इस गहरे धोखे का उद्देश्य क्या है, श्री होम्स?”

मुझे यह देखकर बहुत मजा आया कि कैसे जासूस का दबंग रवैया अचानक एक बच्चे के अपने शिक्षक से सवाल पूछने के तरीके में बदल गया।

“खैर, मुझे नहीं लगता कि इसे समझाना बहुत मुश्किल है। जो सज्जन नीचे हमारा इंतज़ार कर रहे हैं, वे बहुत ही गहरे, द्वेषपूर्ण और प्रतिशोधी स्वभाव के हैं। आपको पता है कि एक बार मैक्फार्लेन की मां ने उन्हें ठुकरा दिया था? आपको नहीं पता! मैंने आपसे कहा था कि आपको पहले ब्लैकहीथ जाना चाहिए और फिर नॉरवुड। खैर, यह चोट, जैसा कि वह इसे समझते हैं, उनके दुष्ट, षड्यंत्रकारी दिमाग में घर कर गई है, और उन्होंने जीवन भर बदला लेने की इच्छा रखी है, लेकिन उन्हें कभी मौका नहीं मिला। पिछले एक-दो साल से हालात उनके खिलाफ जा रहे हैं - मुझे लगता है कि यह गुप्त साजिश है - और वे बुरी हालत में हैं। उन्होंने अपने लेनदारों को ठगने का फैसला किया है, और इसके लिए उन्होंने मिस्टर कॉर्नेलियस नाम के एक व्यक्ति को बड़ी रकम के चेक दिए हैं, जो, मुझे लगता है, खुद किसी दूसरे नाम से हैं। मैंने अभी तक इन चेकों का पता नहीं लगाया है, लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि उन्हें उसी नाम से किसी प्रांतीय शहर के बैंक में जमा किया गया होगा जहाँ ओल्डएकर समय-समय पर दोहरा जीवन जीता था। उनका इरादा अपना नाम पूरी तरह से बदलने का था, इस पैसा लेकर गायब हो जाओ और कहीं और से नई जिंदगी शुरू करो।"

"ठीक है, शायद इतना काफी होगा।"

उसे लगा होगा कि गायब होकर वह अपने सभी पीछा करने वालों को चकमा दे सकता है और साथ ही अपनी पुरानी प्रेमिका से भरपूर और करारा बदला ले सकता है, अगर वह यह जता सके कि उसकी हत्या उसके इकलौते बेटे ने की है। यह दुष्टता की एक उत्कृष्ट कृति थी, और उसने इसे एक उस्ताद की तरह अंजाम दिया। वसीयत का विचार, जो अपराध का स्पष्ट मकसद देता, अपने माता-पिता को बिना बताए गुप्त मुलाकात, लकड़ी के ढेर में छड़ी, खून और जानवरों के अवशेष और बटनों को छिपाए रखना, सब कुछ प्रशंसनीय था। यह एक ऐसा जाल था जिससे कुछ घंटे पहले तक मुझे लग रहा था कि बचना नामुमकिन है। लेकिन उसमें कलाकार की वह सर्वोच्च प्रतिभा नहीं थी, यानी रुकने का ज्ञान। वह पहले से ही परिपूर्ण चीज़ को और बेहतर बनाना

चाहता था - अपने दुर्भाग्यपूर्ण शिकार की गर्दन के चारों ओर रस्सी को और कसना चाहता था - और इस तरह उसने सब कुछ बर्बाद कर दिया। चलो नीचे उतरते हैं, लेस्ट्रेड। मैं उससे बस एक-दो सवाल पूछना चाहता हूँ।

वह दुष्ट प्राणी अपने ही बैठक कक्ष में बैठा था, और उसके दोनों ओर एक-एक पुलिसकर्मी मौजूद था।

“यह एक मज़ाक था, महोदय – बस एक शरारत, और कुछ नहीं,” वह लगातार गिड़गिड़ाता रहा। “मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, महोदय, कि मैंने खुद को केवल इसलिए छिपाया था ताकि मैं अपने गायब होने का असर देख सकूँ, और मुझे पूरा यकीन है कि आप इतने अन्यायपूर्ण नहीं होंगे कि यह सोचें कि मैं बेचारे युवा श्री मैकफार्लेन को कोई नुकसान होने देता।”

"इसका फैसला जूरी करेगी," लेस्ट्रेड ने कहा। "खैर, अगर हत्या के प्रयास का आरोप नहीं भी है, तो भी हम आप पर साजिश का आरोप जरूर लगाएंगे।"

"और आपको शायद यह पता चलेगा कि आपके लेनदार श्री कॉर्नेलियस के बैंक खाते को ज़ब्त कर लेंगे," होम्स ने कहा।

वह छोटा आदमी चौंक गया और उसने अपनी द्वेषपूर्ण निगाहें मेरे दोस्त पर टिका दीं।

उन्होंने कहा, "अच्छे सौदे के लिए आपका धन्यवाद। शायद मैं किसी दिन अपना कर्ज चुका दूंगा।"

होम्स ने स्नेह भरी मुस्कान दी।

“मुझे लगता है कि कुछ सालों तक तुम्हारा समय खूब व्यस्त रहेगा,” उसने कहा। “वैसे, तुमने अपनी पुरानी पतलून के अलावा लकड़ियों के ढेर में क्या डाला था? मरा हुआ कुत्ता, या खरगोश, या कुछ और? बताओगे नहीं? अरे बाप रे, कितनी बेरहमी है! खैर, मुझे लगता है कि दो-चार खरगोश ही खून और जली हुई राख के लिए ज़िम्मेदार होंगे। अगर कभी हिसाब-किताब लिखना पड़े, वॉटसन, तो खरगोशों का इस्तेमाल कर लेना।”

प्रायरी स्कूल का रोमांच

बेकर स्ट्रीट स्थित हमारे छोटे से मंच पर कई नाटकीय आगमन और निकास हुए हैं, लेकिन मुझे थॉर्नीक्रॉफ्ट हक्सटेबल, एम.ए., पी.एच.डी., आदि के पहले आगमन से अधिक अचानक और चौंकाने वाला कुछ याद नहीं है। उनका कार्ड, जो उनकी अकादमिक उपलब्धियों के भार को वहन करने के लिए बहुत छोटा प्रतीत होता था, उनसे कुछ सेकंड पहले ही आ गया, और फिर वे स्वयं अंदर आए - इतने विशाल, इतने आडंबरपूर्ण और इतने गरिमामय कि वे आत्म-संयम और दृढ़ता के साक्षात अवतार थे। फिर भी, जैसे ही उनके पीछे दरवाजा बंद हुआ, उनकी पहली क्रिया मेज से टकराकर लड़खड़ाना थी, जहाँ से वे फर्श पर गिर पड़े, और वह राजसी आकृति हमारे भालू की खाल से बने गलीचे पर बेसुध पड़ी रही।

हम सब उठ खड़े हुए और कुछ क्षणों के लिए इस भारी-भरकम मलबे को चुपचाप हैरानी से देखते रहे, मानो जीवन के सागर में आए किसी अचानक और घातक तूफान की कहानी कह रहे हों। तभी होम्स अपने सिर के लिए तकिया लेकर आए और मैं उनके होंठों के लिए ब्रांडी लेकर। भारी, सफेद चेहरा दुख की लकीरों से भरा था, बंद आँखों के नीचे लटकती थैलियाँ सीसे जैसी पीली पड़ गई थीं, ढीला मुँह कोनों से उदास होकर लटक रहा था, और गोल ठुड्डी बिना दाढ़ी वाली थी। कॉलर और कमीज़ पर लंबी यात्रा की धूल जमी थी, और सुडौल सिर पर बाल बेतरतीब ढंग से बिखरे हुए थे। हमारे सामने एक बेहद दुखी व्यक्ति लेटा हुआ था।

"क्या बात है, वॉटसन?" होम्स ने पूछा।

मैंने अपनी उंगली उस पतली सी नाड़ी पर रखते हुए कहा, "पूरी तरह से थकावट - शायद सिर्फ भूख और थकान," जहाँ जीवन की धारा पतली और धीमी गति से बह रही थी।

“उत्तरी इंग्लैंड के मैकूलटन से वापसी का टिकट,” होम्स ने घड़ी की जेब से टिकट निकालते हुए कहा। “अभी बारह बजे भी नहीं हैं। वह तो वाकई जल्दी निकल गया है।”

सिकुड़ी हुई पलकें कांपने लगी थीं, और अब खाली-खाली धूसर आँखों की एक जोड़ी हमारी ओर देख रही थी। एक पल बाद ही वह आदमी शर्म से लाल चेहरे के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

"मेरी इस कमजोरी के लिए क्षमा करें, श्री होम्स, मैं थोड़ा तनाव में थी। धन्यवाद। अगर मुझे एक गिलास दूध और एक बिस्कुट मिल जाए, तो मुझे पूरा यकीन है कि मैं बेहतर महसूस करूंगी। श्री होम्स, मैं व्यक्तिगत रूप से इसलिए आई थी ताकि यह सुनिश्चित कर सकूं कि आप मेरे साथ वापस चलें। मुझे डर था कि कोई भी टेलीग्राम आपको इस मामले की गंभीरता के बारे में आश्वस्त नहीं कर पाएगा।"

जब आप पूरी तरह से ठीक हो जाएं —

“मैं अब बिल्कुल ठीक हूं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं इतना कमजोर कैसे हो गया था। श्रीमान होम्स, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप अगली ट्रेन से मेरे साथ मैकलटन चलें।”

मेरे दोस्त ने सिर हिलाया।

“मेरे सहयोगी, डॉ. वॉटसन, आपको बता सकते हैं कि हम इस समय बहुत व्यस्त हैं। मुझे फेरर्स दस्तावेज़ों के इस मामले में नियुक्त किया गया है, और एबरगवेनी हत्याकांड का मुकदमा जल्द ही शुरू होने वाला है। इस समय केवल कोई बहुत ही महत्वपूर्ण मामला ही मुझे लंदन से बुला सकता है।”

“महत्वपूर्ण!” हमारे आगंतुक ने हाथ ऊपर उठाते हुए कहा। “क्या आपने होल्डरनेस के ड्यूक के इकलौते बेटे के अपहरण के बारे में कुछ नहीं सुना?”

“क्या! दिवंगत कैबिनेट मंत्री?”

“बिल्कुल सही। हमने इसे अखबारों से दूर रखने की कोशिश की थी, लेकिन कल रात ग्लोब अखबार में कुछ अफवाह फैली थी। मुझे लगा कि शायद यह आप तक भी पहुंच गई होगी।”

होम्स ने अपना लंबा, पतला हाथ बढ़ाया और अपने संदर्भ विश्वकोश में से खंड "एच" को चुना।

“होल्डरनेस, छठे ड्यूक, के.जी., पी.सी.’ — आधा वर्णमाला! ‘बैरन बेवरली, अर्ल ऑफ कार्स्टन’ — हे भगवान, क्या सूची है! ‘1900 से हैलमशायर के लॉर्ड लेफ्टिनेंट। 1888 में सर चार्ल्स एपल्डोर की पुत्री एडिथ से विवाह किया। उत्तराधिकारी और इकलौते बच्चे, लॉर्ड साल्टायर। लगभग ढाई लाख एकड़ भूमि के स्वामी। लंकाशायर और वेल्स में खनिज। पता: कार्लटन हाउस टेरेस; होल्डरनेस हॉल, हैलमशायर; कार्स्टन कैसल, बैंगोर, वेल्स। 1872 में एडमिरल्टी के लॉर्ड; राज्य के मुख्य सचिव —’ वाह, वाह, यह व्यक्ति निश्चित रूप से राजशाही के सबसे महान विषयों में से एक है!”

“सबसे महान और शायद सबसे धनी। मुझे पता है, श्री होम्स, कि आप पेशेवर मामलों में बहुत उच्च स्तर का आचरण रखते हैं और काम के लिए काम करने को तैयार हैं। हालांकि, मैं आपको बता दूं कि महामहिम ने पहले ही संकेत दे दिया है कि जो व्यक्ति उनके बेटे का पता बताएगा, उसे पांच हजार पाउंड का चेक दिया जाएगा, और जो व्यक्ति उसे अगवा करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों का नाम बताएगा, उसे एक हजार पाउंड का चेक दिया जाएगा।”

"यह तो एक शाही प्रस्ताव है," होम्स ने कहा। "वॉटसन, मुझे लगता है कि हम डॉ. हक्सटेबल के साथ इंग्लैंड के उत्तर की ओर चलेंगे। और अब, डॉ. हक्सटेबल, जब आप वह दूध पी लें, तो कृपया मुझे बताएँ कि क्या हुआ, कब हुआ, कैसे हुआ, और अंत में, मैकलेटन के पास प्रायरी स्कूल के डॉ. थॉर्नीक्रॉफ्ट हक्सटेबल का इस मामले से क्या संबंध है, और वह एक घटना के तीन दिन बाद - आपकी ठुड्डी की स्थिति से ही तारीख का पता चलता है - मेरी विनम्र सेवाएँ माँगने क्यों आए हैं।"

हमारे आगंतुक ने अपना दूध और बिस्कुट खा लिया था। उनकी आँखों में चमक लौट आई थी और गालों की रौनक भी लौट आई थी, और उन्होंने बड़े जोश और स्पष्टता के साथ स्थिति को समझाना शुरू किया।

"मुझे आप सभी सज्जनों को सूचित करना है कि प्रायरी एक प्रारंभिक विद्यालय है, जिसका मैं संस्थापक और प्रधानाचार्य हूँ। हक्सटेबल की 'साइडलाइट्स ऑन होरेस' शायद आपको मेरा नाम याद दिला दे। प्रायरी निस्संदेह इंग्लैंड का सर्वश्रेष्ठ और सबसे चुनिंदा प्रारंभिक विद्यालय है। लॉर्ड लेवरस्टोक, अर्ल ऑफ ब्लैकवाटर, सर कैथकार्ट सोम्स - इन सभी ने अपने पुत्रों को मेरे पास सौंपा है। लेकिन मुझे लगा कि मेरा विद्यालय अपने चरम पर पहुँच गया है, जब तीन सप्ताह पहले ड्यूक ऑफ होल्डरनेस ने अपने सचिव श्री जेम्स वाइल्डर को यह सूचना देकर भेजा कि उनके इकलौते पुत्र और उत्तराधिकारी, दस वर्षीय युवा लॉर्ड सॉल्टायर को मेरे संरक्षण में सौंपा जाने वाला है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी विपत्ति की शुरुआत होगी।"

"1 मई को लड़का आया, जो ग्रीष्मकालीन सत्र की शुरुआत थी। वह एक आकर्षक युवक था और जल्द ही हमारे तौर-तरीकों में ढल गया। मैं आपको बता दूँ—मुझे उम्मीद है कि मैं अनुचित नहीं हूँ, लेकिन ऐसे मामले में आधी-अधूरी बातें कहना बेतुका होता है—कि वह घर पर पूरी तरह खुश नहीं था। यह सर्वविदित है कि ड्यूक का वैवाहिक जीवन शांतिपूर्ण नहीं था और आपसी सहमति से उनका अलगाव हो गया था, जिसके बाद डचेस दक्षिणी फ्रांस में रहने लगीं। यह घटना कुछ ही समय पहले घटी थी और लड़के की सहानुभूति अपनी माँ के साथ थी। होल्डरनेस हॉल से उनकी माँ के जाने के बाद वह उदास हो गया था और इसी कारण ड्यूक ने उसे मेरे यहाँ भेजने का निर्णय लिया। दो सप्ताह के भीतर ही लड़का हमारे साथ पूरी तरह घुलमिल गया और जाहिर तौर पर बेहद खुश था।"

"उसे आखिरी बार 13 मई की रात को देखा गया था—यानी पिछले सोमवार की रात को। उसका कमरा दूसरी मंजिल पर था और वहाँ तक पहुँचने के लिए एक बड़े कमरे से होकर जाना पड़ता था, जिसमें दो लड़के सो रहे थे। उन लड़कों ने कुछ भी देखा या सुना नहीं, इसलिए यह निश्चित है कि युवा साल्टायर उस रास्ते से बाहर नहीं निकला होगा। उसकी खिड़की खुली थी, और वहाँ एक मजबूत लता जमीन तक फैली हुई थी। हमें नीचे कोई पदचिह्न नहीं मिले, लेकिन यह निश्चित है कि यही बाहर निकलने का एकमात्र संभव रास्ता है।"

मंगलवार की सुबह सात बजे उसकी अनुपस्थिति का पता चला। उसके बिस्तर पर कोई सोया नहीं था। जाने से पहले उसने अपने स्कूल के सामान्य काले ईटन जैकेट और गहरे भूरे रंग की पतलून पहन रखी थी। कमरे में किसी के आने का कोई संकेत नहीं था, और यह बिल्कुल निश्चित है कि चीखने या हाथापाई जैसी कोई भी आवाज़ सुनाई देती, क्योंकि अंदर वाले कमरे में सोने वाला बड़ा लड़का काउंटर बहुत हल्की नींद सोता है।

"जब लॉर्ड साल्टायर के लापता होने का पता चला, तो मैंने तुरंत पूरे प्रतिष्ठान—लड़कों, मास्टरों और नौकरों—की हाजिरी बुलाई। तब हमें पता चला कि लॉर्ड साल्टायर अकेले नहीं भागे थे। जर्मन मास्टर हाइडेगर भी गायब थे। उनका कमरा

दूसरी मंजिल पर, इमारत के आखिरी छोर पर था, जो लॉर्ड साल्टायर के कमरे की ही दिशा में था। उनके बिस्तर पर भी सोया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि वे आधे-अधूरे कपड़े पहने ही चले गए थे, क्योंकि उनकी कमीज़ और मोज़े ज़मीन पर पड़े थे। उन्होंने निस्संदेह बेलों का सहारा लेकर ही नीचे उतरे थे, क्योंकि लॉन पर उनके पैरों के निशान साफ दिख रहे थे। उनकी साइकिल इसी लॉन के बगल में एक छोटे से शेड में रखी थी, और वह भी गायब थी।"

"वह दो साल से मेरे साथ था और उसके बारे में बहुत अच्छी सिफारिशें थीं, लेकिन वह एक शांत, उदास व्यक्ति था, न तो शिक्षकों के बीच और न ही छात्रों के बीच लोकप्रिय था। भगोड़ों का कोई सुराग नहीं मिला और अब, गुरुवार की सुबह, हम उतने ही अनभिज्ञ हैं जितने मंगलवार को थे। होल्डरनेस हॉल में तुरंत पूछताछ की गई। यह कुछ ही मील दूर है, और हमने सोचा कि घर की याद में वह अचानक अपने पिता के पास चला गया होगा, लेकिन उसके बारे में कुछ भी पता नहीं चला। ड्यूक बहुत परेशान हैं, और जहां तक मेरी बात है, आप स्वयं देख चुके हैं कि इस अनिश्चितता और जिम्मेदारी ने मुझे किस मानसिक तनाव में डाल दिया है। श्री होम्स, यदि आप कभी अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करें, तो मैं आपसे विनती करता हूं कि अभी करें, क्योंकि आपके जीवन में इससे अधिक योग्य मामला आपको कभी नहीं मिलेगा।"

शर्लक होम्स ने दुखी स्कूल मास्टर के कथन को अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना। उनकी तनी हुई भौंहें और उनके बीच की गहरी लकीरें दर्शाती थीं कि उन्हें इस समस्या पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए किसी प्रोत्साहन की आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि इसमें निहित विशाल हितों के अलावा, यह समस्या जटिल और असामान्य चीजों के प्रति उनके प्रेम को सीधे तौर पर आकर्षित करती थी। अब उन्होंने अपनी नोटबुक निकाली और एक-दो बातें नोट कर लीं।

"आपने मुझसे पहले संपर्क न करके बहुत बड़ी लापरवाही बरती है," उन्होंने कड़े लहजे में कहा। "आपने मेरी जांच को एक बहुत बड़ी बाधा के साथ शुरू किया है। उदाहरण के लिए, यह अकल्पनीय है कि यह लता और यह लॉन किसी विशेषज्ञ पर्यवेक्षक को कुछ भी न दिखा पाते।"

"मेरी कोई गलती नहीं है, श्री होम्स। महामहिम सार्वजनिक बदनामी से पूरी तरह बचना चाहते थे। उन्हें डर था कि उनके परिवार की परेशानी दुनिया के सामने न आ जाए। उन्हें इस तरह की किसी भी बात से घोर घृणा थी।"

"लेकिन क्या कोई आधिकारिक जांच हुई है?"

जी हां, महोदय, और यह बेहद निराशाजनक साबित हुआ। एक सुराग तो तुरंत मिल गया, क्योंकि खबर मिली थी कि एक लड़के और एक युवक को पास के स्टेशन से सुबह की ट्रेन से निकलते देखा गया था। कल रात ही हमें खबर मिली कि उस जोड़े को लिवरपूल में खोज निकाला गया है, और उनका इस मामले से कोई संबंध नहीं है। फिर अपनी हताशा और निराशा में, एक रात बिना सोए, मैं सुबह की ट्रेन से सीधे आपके पास आ गया।

"मुझे लगता है कि इस झूठे सुराग की जांच के दौरान स्थानीय जांच में ढिलाई बरती गई थी?"

इसे पूरी तरह से रद्द कर दिया गया था।

"तो वो तीन दिन बर्बाद हो गए। इस मामले को बेहद ही निंदनीय तरीके से संभाला गया है।"

मैं इसे महसूस करता हूं और स्वीकार करता हूं।

"फिर भी इस समस्या का अंतिम समाधान संभव है। मुझे इस मामले की जांच करने में बहुत खुशी होगी। क्या आप लापता लड़के और इस जर्मन शिक्षक के बीच कोई

संबंध ढूंढ पाए हैं?”

"बिल्कुल भी नहीं।"

"क्या वह मास्टर्स क्लास में था?"

"नहीं, जहाँ तक मुझे पता है, उसने उससे कभी एक शब्द भी नहीं कहा।"

“यह तो वाकई बहुत अनोखी बात है। क्या उस लड़के के पास साइकिल थी?”

"नहीं।"

"क्या कोई और साइकिल भी गायब थी?"

"नहीं।"

क्या यह निश्चित है?

"अत्यंत।"

"अच्छा, तो क्या आपका मतलब सचमुच यह है कि यह जर्मन व्यक्ति आधी रात को साइकिल पर सवार होकर लड़के को अपनी बाहों में लेकर चला गया?"

"हरगिज नहीं।"

तो फिर आपके मन में क्या सिद्धांत है?

"हो सकता है कि साइकिल एक बहाना रही हो। हो सकता है कि उसे कहीं छिपा दिया गया हो, और वे दोनों पैदल ही चले गए हों।"

“बिल्कुल सही, लेकिन यह एक बेतुका पर्दा लगता है, है ना? क्या इस शेड में और भी साइकिलें थीं?”

"अनेक।"

"अगर वह यह जताना चाहता कि वे उन पर हमला करने के लिए निकल गए हैं, तो क्या वह उनमें से कुछ को छिपा नहीं लेता?"

मुझे लगता है कि वह ऐसा ही करेगा।

“बेशक वह ऐसा करता। अंधविश्वास वाली थ्योरी काम नहीं आएगी। लेकिन यह घटना जांच के लिए एक सराहनीय शुरुआती बिंदु है। आखिर, साइकिल को छिपाना या नष्ट करना आसान नहीं है। एक और सवाल। क्या लड़के के गायब होने से एक दिन पहले किसी ने उससे मिलने की कोशिश की थी?”

"नहीं।"

क्या उसे कोई पत्र मिले थे?

“हां, एक अक्षर।”

"जिस से?"

“उनके पिता से।”

"क्या तुम लड़कों के पत्र खोलते हो?"

"नहीं।"

"आपको कैसे पता चला कि यह पिता से आया था?"

“लिफाफे पर राजचिह्न बना हुआ था, और उस पर ड्यूक की विशिष्ट सख्त लिखावट में पता लिखा था। इसके अलावा, ड्यूक को याद है कि उन्होंने ही लिखा था।”

"उससे पहले उसे कब कोई पत्र मिला था?"

"कई दिनों तक नहीं।"

"क्या उसके पास फ्रांस से कभी कोई था?"

"नहीं, कभी नहीं।"

“आप मेरे सवालों का मतलब समझ ही गए होंगे। या तो लड़के को जबरदस्ती ले जाया गया या वह अपनी मर्जी से गया। दूसरे मामले में, इतनी कम उम्र के लड़के को ऐसा करने के लिए किसी बाहरी उकसावे की जरूरत होगी। अगर उससे कोई मिलने

नहीं आया, तो उकसावा पत्रों के जरिए ही आया होगा; इसलिए मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं कि उसके पत्र-व्यवहार कौन थे।”

मुझे खेद है कि मैं आपकी ज्यादा मदद नहीं कर सकता। जहाँ तक मुझे पता है, उनके इकलौते पत्र-व्यवहार करने वाले उनके पिता ही थे।

“जिस दिन वह लापता हुए, उसी दिन उन्हें किसने पत्र लिखा था? क्या पिता और पुत्र के बीच संबंध बहुत सौहार्दपूर्ण थे?”

“महामहिम किसी के साथ बहुत दोस्ताना व्यवहार नहीं करते। वे पूरी तरह से सार्वजनिक मामलों में डूबे रहते हैं और आम भावनाओं से काफी हद तक दूर रहते हैं। लेकिन वे हमेशा अपने तरीके से उस लड़के के प्रति दयालु थे।”

लेकिन बाद वालों की सहानुभूति तो माँ के साथ थी?

"हाँ।"

“क्या उसने ऐसा कहा था?”

"नहीं।"

तो फिर ड्यूक?

“हे भगवान, बिलकुल नहीं!”

"तो फिर आपको कैसे पता चलेगा?"

“मैंने महामहिम के सचिव श्री जेम्स वाइल्डर से कुछ गोपनीय बातचीत की है। उन्होंने ही मुझे लॉर्ड साल्टायर की भावनाओं के बारे में जानकारी दी।”

“मैं समझ गया। वैसे, ड्यूक का वह आखिरी पत्र—क्या वह उसके जाने के बाद लड़के के कमरे में मिला था?”

“नहीं, वह उसे अपने साथ ले गया था। मुझे लगता है, मिस्टर होम्स, अब हमें यूस्टन के लिए रवाना होना चाहिए।”

“मैं एक चार पहिया वाहन मंगवाता हूँ। पंद्रह मिनट में हम आपकी सेवा में हाज़िर होंगे। अगर आप घर पर टेलीग्राम कर रहे हैं, श्री हक्सटेबल, तो बेहतर होगा कि आप अपने आस-पड़ोस के लोगों को यह सोचने दें कि लिवरपूल में या जहाँ कहीं भी उस भ्रामक सुराग ने आपके दल को भटकाया है, वहाँ जाँच अभी भी जारी है। इस बीच मैं आपके घर के दरवाज़े पर थोड़ा चुपचाप काम करूँगा, और शायद अब तक मामला इतना ठंडा न हुआ हो कि वाटसन और मेरे जैसे दो अनुभवी खोजी कुत्ते उसे सूंघ न सकें।”

उस शाम हम पीक क्षेत्र के ठंडे, स्फूर्तिदायक वातावरण में थे, जहाँ डॉ. हक्सटेबल का प्रसिद्ध विद्यालय स्थित है। जब हम वहाँ पहुँचे तो अंधेरा हो चुका था। हॉल की मेज पर एक कार्ड पड़ा था, और बटलर ने अपने मालिक से कुछ फुसफुसाया, जो गंभीर चेहरे के साथ घबराहट से हमारी ओर मुड़ा।

“ड्यूक यहाँ हैं,” उन्होंने कहा। “ड्यूक और श्री वाइल्डर अध्ययन कक्ष में हैं। आइए, सज्जनों, मैं आप सभी का परिचय कराता हूँ।”

मैं उस प्रसिद्ध राजनेता की तस्वीरों से तो परिचित था ही, लेकिन असल में वह व्यक्ति तस्वीरों में दिखाए गए व्यक्ति से बिल्कुल अलग था। वह लंबा और गरिमामय व्यक्तित्व वाला था, सलीके से कपड़े पहने हुए, दुबला-पतला चेहरा और टेढ़ी-मेढ़ी लंबी नाक वाला। उसका रंग पीला पड़ा हुआ था, जो उसकी लंबी, पतली होती हुई लाल दाढ़ी के विपरीत और भी चौंकाने वाला था। दाढ़ी उसकी सफेद जैकेट पर फैली हुई थी और उसकी झालर से उसकी घड़ी की चेन चमक रही थी। डा. हक्सटेबल के चबूतरे के बीचोंबीच बैठे उस गरिमामय व्यक्ति ने हमें पत्थर की तरह घूरते हुए देखा। उसके बगल में एक बहुत ही युवा व्यक्ति खड़ा था, जिसे मैंने निजी सचिव वाइल्डर समझा। वह

छोटा, घबराया हुआ, चौकन्ना, नीली आंखों वाला और भावपूर्ण चेहरे वाला था। उसी ने तीखे और सकारात्मक लहजे में बातचीत शुरू की।

"डॉ. हक्सटेबल, मैंने आज सुबह फोन किया था, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और आप लंदन के लिए रवाना हो चुके थे। मुझे पता चला कि आपका उद्देश्य श्री शर्लक होम्स को इस मामले की पैरवी करने के लिए आमंत्रित करना था। डॉ. हक्सटेबल, महामहिम इस बात से आश्चर्यचकित हैं कि आपने उनसे परामर्श किए बिना ऐसा कदम उठा लिया।"

"जब मुझे पता चला कि पुलिस नाकाम रही है—"

"महामहिम को इस बात का बिल्कुल भी यकीन नहीं है कि पुलिस विफल रही है।"

लेकिन निश्चित रूप से, श्री वाइल्डर—"

"डॉ. हक्सटेबल, आप भली-भांति जानते हैं कि महामहिम सार्वजनिक बदनामी से बचने के लिए विशेष रूप से उत्सुक रहते हैं। वे यथासंभव कम से कम लोगों को अपने विश्वास में लेना पसंद करते हैं।"

"इस मामले का आसानी से समाधान हो सकता है," हताश डॉक्टर ने कहा; "श्री शेरलॉक होम्स सुबह की ट्रेन से लंदन लौट सकते हैं।"

"बिल्कुल नहीं, डॉक्टर साहब, बिलकुल नहीं," होम्स ने अपनी सबसे सौम्य आवाज़ में कहा। "यह उत्तरी हवा स्फूर्तिदायक और सुखद है, इसलिए मैं आपके मैदानों में कुछ दिन बिताना चाहता हूं और जितना हो सके अपने मन को व्यस्त रखना चाहता हूँ। चाहे मैं आपके घर में ठहरूं या गाँव के किसी सराय में, यह तो आपको ही तय करना है।"

मैं देख सकता था कि बेचारा डॉक्टर दुविधा की अंतिम अवस्था में था, जिससे उसे लाल दाढ़ी वाले ड्यूक की गहरी, सुरीली आवाज ने बचाया, जो भोजन के समय बजने वाले घंटे की तरह गूंज उठी।

"डॉ. हक्सटेबल, मैं श्री वाइल्डर से सहमत हूँ कि मुझसे सलाह लेना आपके लिए बुद्धिमानी भरा निर्णय होता। लेकिन चूंकि श्री होम्स को आप पहले ही विश्वास में ले चुके हैं, इसलिए उनकी सेवाओं का लाभ न उठाना वास्तव में मूर्खतापूर्ण होगा। श्री होम्स, सराय जाने की बजाय, मुझे खुशी होगी यदि आप होल्डरनेस हॉल में मेरे साथ ठहरें।"

"मैं आपका आभारी हूं। अपनी जाँच के उद्देश्य से, मुझे लगता है कि मेरे लिए रहस्य के स्थल पर रहना अधिक बुद्धिमानी होगी।"

"जैसा आप चाहें, श्रीमान होम्स। श्री वाइल्डर या मैं आपको जो भी जानकारी दे सकते हैं, वह निश्चित रूप से आपके लिए उपलब्ध है।"

"शायद मुझे हॉल में आपसे मिलना पड़ेगा," होम्स ने कहा। "मैं आपसे अभी बस इतना ही पूछना चाहता हूं, महोदय, कि क्या आपने अपने बेटे के रहस्यमय ढंग से गायब होने के बारे में अपने मन में कोई स्पष्टीकरण निकाला है?"

"जी नहीं, महोदय, मैंने नहीं किया है।"

"अगर मैं किसी ऐसी बात का जिक्र करूँ जो आपको दुख पहुँचाए तो मुझे माफ करें, लेकिन मेरे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। क्या आपको लगता है कि इस मामले में डचेस का कोई हाथ था?"

महान मंत्री ने स्पष्ट रूप से हिचकिचाहट दिखाई।

अंत में उन्होंने कहा, "मुझे ऐसा नहीं लगता।"

"दूसरा सबसे स्पष्ट कारण यह है कि बच्चे का अपहरण फिरौती वसूलने के उद्देश्य से किया गया है। क्या आपको इस तरह की कोई मांग नहीं मिली है?"

"जी नहीं, महोदय।"

"एक और प्रश्न, महोदय। मुझे पता चला है कि आपने इस घटना वाले दिन अपने बेटे को पत्र लिखा था।"

नहीं, मैंने एक दिन पहले लिखा था।

“बिल्कुल सही। लेकिन क्या उन्हें यह उसी दिन मिला था?”

"हाँ।"

"क्या आपके पत्र में ऐसा कुछ था जिससे वह विचलित हो गया हो या जिसने उसे ऐसा कदम उठाने के लिए प्रेरित किया हो?"

"जी नहीं, महोदय, बिलकुल नहीं।"

"क्या आपने वह पत्र खुद पोस्ट किया था?"

रईस के जवाब में उनके सचिव ने दखल दिया, जिसने कुछ तीखी टिप्पणी करते हुए बात काट दी।

उन्होंने कहा, “महामहिम स्वयं पत्र भेजने के आदी नहीं हैं। यह पत्र अन्य पत्रों के साथ अध्ययन कक्ष की मेज पर रखा था, और मैंने स्वयं इसे डाक थैली में डाला।”

"क्या आपको यकीन है कि यह उनमें से एक था?"

"हां, मैंने इसे देखा।"

“उस दिन आपकी कृपा ने कितने पत्र लिखे?”

“बीस या तीस। मेरे पास बहुत सारे पत्र-व्यवहार हैं। लेकिन निश्चित रूप से यह कुछ हद तक अप्रासंगिक है?”

"पूरी तरह से नहीं," होम्स ने कहा।

“जहाँ तक मेरा सवाल है,” ड्यूक ने आगे कहा, “मैंने पुलिस को दक्षिणी फ्रांस की ओर ध्यान देने की सलाह दी है। मैं पहले भी कह चुका हूँ कि मुझे नहीं लगता कि डचेस इस तरह के जघन्य कृत्य को बढ़ावा देंगी, लेकिन उस लड़के के विचार बेहद भ्रामक थे, और संभव है कि वह इस जर्मन की मदद से उनके पास भाग गया हो। मुझे लगता है, डॉ. हक्स्टेबल, कि अब हम हॉल लौटेंगे।”

मैं देख सकता था कि होम्स और भी सवाल पूछना चाहते थे, लेकिन उस रईस के अचानक चले जाने से पता चल गया कि बातचीत खत्म हो चुकी है। यह स्पष्ट था कि उनके बेहद कुलीन स्वभाव के कारण किसी अजनबी के साथ अपने पारिवारिक मामलों पर चर्चा करना उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं था, और उन्हें डर था कि हर नया सवाल उनके शाही इतिहास के गुप्त कोनों को और भी उजागर कर देगा।

जब वह रईस और उसका सचिव चले गए, तो मेरे दोस्त ने अपनी विशिष्ट उत्सुकता के साथ तुरंत जांच में खुद को झोंक दिया।

लड़के के कमरे की सावधानीपूर्वक जाँच की गई, लेकिन इससे केवल यही पक्का सबूत मिला कि वह खिड़की के रास्ते ही भागा होगा। जर्मन मास्टर के कमरे और सामान से भी कोई और सुराग नहीं मिला। उसके कमरे में, उसके वजन से लता का एक लट्ठा टूट गया था, और हमने लालटेन की रोशनी में लॉन पर वह निशान देखा जहाँ उसकी एड़ियाँ पड़ी थीं। छोटी, हरी घास में बना वह एक निशान ही इस रहस्यमय रात्रिकालीन पलायन का एकमात्र ठोस प्रमाण था।

शर्लक होम्स घर से अकेले निकले और ग्यारह बजे के बाद ही लौटे। उन्होंने मोहल्ले का एक बड़ा नक्शा हासिल कर लिया था और उसे मेरे कमरे में लाकर बिस्तर पर बिछा दिया। फिर उन्होंने बीच में लैंप रखकर उसके ऊपर सिगरेट पीने शुरू कर दी और बीच-बीच में अपनी पाइप के धुएं से दिलचस्प चीजों की ओर इशारा करते रहे।

“वॉटसन, यह मामला मुझे काफी दिलचस्प लग रहा है,” उसने कहा। “इससे जुड़े कुछ महत्वपूर्ण बिंदु निश्चित रूप से हैं। इस प्रारंभिक चरण में, मैं चाहता हूं कि आप उन भौगोलिक विशेषताओं को समझें जिनका हमारी जांच से काफी संबंध हो सकता है।”

“इस नक्शे को देखिए। यह गहरा वर्ग प्रायरी स्कूल है। मैं इस पर एक पिन लगा देता हूँ। अब, यह रेखा मुख्य सड़क है। आप देख सकते हैं कि यह स्कूल के पूर्व और पश्चिम

दिशा में जाती है, और आप यह भी देख सकते हैं कि दोनों ओर एक मील तक कोई पार्श्व सड़क नहीं है। यदि ये दोनों लोग सड़क मार्ग से गए हैं, तो यह वही सड़क रही होगी।”

"बिल्कुल।"

“एक अनोखे और सुखद संयोग से, हम कुछ हद तक यह पता लगाने में सक्षम हैं कि उस रात इस सड़क पर कौन-कौन आया था। जिस जगह पर मेरी पाइप रखी है, वहाँ बारह बजे से शाम छह बजे तक एक काउंटी कांस्टेबल ड्यूटी पर था। जैसा कि आप देख रहे हैं, यह पूर्वी तरफ का पहला चौराहा है। इस व्यक्ति का कहना है कि वह एक पल के लिए भी अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित नहीं था, और उसे पूरा यकीन है कि न तो कोई लड़का और न ही कोई आदमी उस रास्ते से बिना देखे जा सकता था। मैंने आज रात इस पुलिसकर्मी से बात की है, और वह मुझे पूरी तरह से भरोसेमंद व्यक्ति लगता है। इससे यह रास्ता बंद हो गया। अब हमें दूसरे रास्ते से निपटना है। यहाँ एक सराय है, रेड बुल, जिसकी मालकिन बीमार थी। उसने मैकलटन से डॉक्टर को बुलवाया था, लेकिन वह किसी दूसरे मामले में व्यस्त होने के कारण सुबह तक नहीं आया। सराय के लोग पूरी रात उसके आने का इंतजार करते रहे, और उनमें से कोई न कोई लगातार सड़क पर नजर रखे हुए था। उनका कहना है कि वहाँ से कोई नहीं गुजरा। अगर उनकी गवाही सही है, तो हम भाग्यशाली हैं कि हम पश्चिम की ओर से रास्ता बंद कर सकते हैं।” और यह भी कह पाना कि भगोड़ों ने सड़क का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया।"

“लेकिन साइकिल?” मैंने आपत्ति जताई।

“बिल्कुल सही। हम अभी साइकिल की बात करेंगे। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए: अगर ये लोग सड़क से नहीं गए, तो उन्होंने घर के उत्तर या दक्षिण की ओर के इलाके को पार किया होगा। यह निश्चित है। चलिए, दोनों विकल्पों की तुलना करते हैं। जैसा कि आप देख रहे हैं, घर के दक्षिण में खेती योग्य भूमि का एक बड़ा इलाका है, जो छोटे-छोटे खेतों में बंटा हुआ है और उनके बीच पत्थर की दीवारें हैं। मैं मानता हूँ कि वहाँ साइकिल चलाना असंभव है। हम इस विचार को छोड़ सकते हैं। अब हम उत्तर की ओर के इलाके की ओर मुड़ते हैं। यहाँ पेड़ों का एक छोटा सा झुरमुट है, जिसे 'रेग्ड शॉ' के नाम से जाना जाता है, और दूसरी तरफ एक विशाल लहरेदार मैदान, लोअर गिल मूर, फैला हुआ है, जो दस मील तक फैला है और धीरे-धीरे ऊपर की ओर ढलान वाला है। इस वीरान इलाके के एक तरफ होल्डरनेस हॉल है, जो सड़क मार्ग से दस मील दूर है, लेकिन मैदान के पार केवल छह मील दूर है। यह एक बेहद सुनसान मैदान है। कुछ किसान छोटे-छोटे खेतों में भेड़ और मवेशी पालते हैं। इनके अलावा, प्लोवर और कर्ल्यू ही एकमात्र पक्षी हैं। आपको चेस्टरफील्ड हाई रोड तक पहुँचने तक कोई निवासी नहीं मिलेंगे। वहाँ एक चर्च है, कुछ झोपड़ियाँ हैं और एक सराय है। उसके आगे पहाड़ियाँ खड़ी ढलान वाली हो जाती हैं। निश्चित रूप से हमारी खोज यहीं उत्तर की ओर ही होनी चाहिए।

“लेकिन साइकिल?” मैंने जोर देकर पूछा।

“वाह वाह!” होम्स ने अधीरता से कहा। “एक अच्छे साइकिल चालक को पक्की सड़क की ज़रूरत नहीं होती। मैदान तो पगडंडियों से घिरा हुआ है, और आज पूर्णिमा थी। अरे! ये क्या है?”

दरवाजे पर हड़बड़ी में दस्तक हुई और पल भर बाद डॉ. हक्सटेबल कमरे में आ गए। उनके हाथ में नीली क्रिकेट टोपी थी जिसके शिखर पर सफेद शेवरॉन बना हुआ था।

“आखिरकार हमें सुराग मिल गया!” वह चिल्लाया। “भगवान का शुक्र है! आखिरकार हम उस प्यारे लड़के के पीछे लग गए! यह उसकी टोपी है।”

“यह कहाँ मिला था?”

“मैदान में डेरा डाले हुए खानाबदोशों की वैन में। वे मंगलवार को चले गए थे। आज पुलिस ने उनका पता लगाया और उनके कारवां की जांच की। यह मिला।”

वे इसका हिसाब कैसे लगाते हैं?

“उन्होंने झूठ बोला और बहाने बनाए – कहा कि उन्हें वह मंगलवार सुबह खुले मैदान में मिला था। उन्हें पता है वह कहाँ है, बदमाशो! शुक्र है, वे सब तालों लगाकर सुरक्षित हैं। या तो कानून का डर या ड्यूक का खजाना उनसे वह सब उगलवा ही लेगा जो वे जानते हैं।”

डॉक्टर के कमरे से चले जाने के बाद होम्स ने कहा, "अभी तक तो सब ठीक है। कम से कम इससे यह सिद्धांत तो पुष्ट होता है कि हमें लोअर गिल मूर के किनारे ही कुछ सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस ने स्थानीय स्तर पर इन जिप्सियों की गिरफ्तारी के अलावा कुछ खास नहीं किया है। देखो, वॉटसन! मूर के पार एक जलधारा है। नक्शे में इसे चिह्नित किया गया है। कुछ जगहों पर यह दलदल में बदल जाती है। होल्डरनेस हॉल और स्कूल के बीच का इलाका तो विशेष रूप से ऐसा ही है। इस सूखे मौसम में कहीं और पटरियों की तलाश करना व्यर्थ है, लेकिन उस जगह पर कुछ निशान मिलने की पूरी संभावना है। मैं कल सुबह जल्दी तुमसे मिलूंगा, और हम दोनों मिलकर इस रहस्य पर कुछ रोशनी डालने की कोशिश करेंगे।"

जब मैं जागा तो सुबह हो ही रही थी कि मैंने होम्स को अपने बिस्तर के पास दुबला-पतला पाया। वह पूरी तरह से कपड़े पहने हुए थे और जाहिर तौर पर बाहर जा चुके थे।

“मैंने लॉन और साइकिल शेड साफ कर दिया है,” उसने कहा। “मैंने रैग्ड शॉ में भी थोड़ी सैर कर ली है। अब, वॉटसन, बगल वाले कमरे में कोको तैयार है। मैं आपसे जल्दी करने की विनती करता हूँ, क्योंकि आज का दिन बहुत व्यस्त रहने वाला है।”

उसकी आँखें चमक रही थीं और उसके गाल उस कुशल कारीगर की खुशी से लाल हो रहे थे, जिसने अपना काम सामने तैयार देखा हो। बेकर स्ट्रीट के अंतर्मुखी और उदास सपने देखने वाले होम्स से यह बिल्कुल अलग, फुर्तीला और चौकन्ना होम्स था। उस ऊर्जावान और चुस्त-दुरुस्त शरीर को देखकर मुझे एहसास हुआ कि आज का दिन वाकई बहुत कठिन होने वाला है।

फिर भी, यह घोर निराशा में परिणत हुआ। बड़ी उम्मीदों के साथ हम दलदली, भूरी ज़मीन को पार करते हुए आगे बढ़े, जहाँ हजारों भेड़ों के रास्ते बने हुए थे, जब तक कि हम उस चौड़ी, हल्के हरे रंग की पट्टी तक नहीं पहुँच गए जो हमारे और होल्डरनेस के बीच दलदल को चिह्नित करती थी। निश्चित रूप से, यदि वह लड़का घर की ओर गया होता, तो वह यहाँ से ज़रूर गुज़रा होता, और वह अपने निशान छोड़े बिना यहाँ से नहीं गुज़र सकता था। लेकिन उसका या उस जर्मन का कोई निशान नहीं दिखाई दिया। उदास चेहरे के साथ मेरा मित्र किनारे पर चलता रहा, काई वाली सतह पर हर कीचड़ के धब्बे को उत्सुकता से देखता रहा। वहाँ भेड़ों के निशान बहुतायत में थे, और एक जगह, कुछ मील आगे, गायों के पदचिह्न थे। बस इतना ही।

होम्स ने दलदली भूमि के विशाल विस्तार पर उदास निगाहों से देखते हुए कहा, "पहली जाँच करो। वहाँ नीचे एक और दलदल है, और उसके बीच एक संकरा रास्ता है। अरे! अरे! अरे! यहाँ क्या है?"

हम एक पतली काली पगडंडी पर आए थे। उसके बीचोंबीच, गीली मिट्टी पर स्पष्ट रूप से एक साइकिल के निशान दिखाई दे रहे थे।

“हुर्रे!” मैं चिल्लाया। “हमें मिल गया।”

लेकिन होम्स अपना सिर हिला रहा था, और उसके चेहरे पर खुशी के बजाय उलझन और उम्मीद के भाव थे।

“बिल्कुल एक साइकिल है, लेकिन वही साइकिल नहीं,” उन्होंने कहा। “मैं टायरों द्वारा छोड़े गए बयालीस अलग-अलग निशानों से परिचित हूँ। जैसा कि आप देख रहे हैं, यह एक डनलप टायर है, जिसके बाहरी आवरण पर एक पैच लगा है। हाइडेगर के टायर पामर के थे, जो अनुदैर्ध्य धारियाँ छोड़ते थे। गणित के उस्ताद एवेलिंग इस बात पर पूरी तरह से आश्वस्त थे। इसलिए, यह हाइडेगर का पदचिह्न नहीं है।”

“तो फिर वो लड़का?”

“संभवतः, अगर हम यह साबित कर पाते कि उसके पास साइकिल थी। लेकिन हम इसमें पूरी तरह असफल रहे हैं। जैसा कि आप देख रहे हैं, यह निशान उस सवार ने बनाया है जो स्कूल की दिशा से आ रहा था।”

"या उसकी ओर?"

“नहीं, नहीं, मेरे प्यारे वॉटसन। सबसे गहरा धंसा हुआ निशान तो ज़ाहिर तौर पर पिछले पहिये का है, जिस पर सारा भार टिका हुआ है। आपको कई जगहें दिखाई दे रही होंगी जहाँ से यह गुज़रते हुए आगे वाले पहिये के हल्के निशान को मिटा चुका है। यह निस्संदेह स्कूल से दूर जा रहा था। इसका हमारी जाँच से संबंध हो भी सकता है और नहीं भी, लेकिन आगे बढ़ने से पहले हम इसका पीछे की ओर पीछा करेंगे।”

हमने ऐसा ही किया, और कुछ सौ गज आगे जाकर दलदली मैदान से बाहर निकलते ही हमें साइकिल के निशान मिटते नज़र आए। रास्ते पर पीछे की ओर चलते हुए, हमें एक और जगह मिली, जहाँ एक झरना बह रहा था। यहाँ, एक बार फिर, साइकिल का निशान था, हालांकि गायों के खुरों से लगभग मिट चुका था। उसके बाद कोई निशान नहीं था, लेकिन रास्ता सीधे रैग्ड शॉ में चला गया, जो स्कूल के पीछे का जंगल था। साइकिल इसी जंगल से निकली होगी। होम्स एक बड़े पत्थर पर बैठ गया और अपनी ठुड्डी हाथों में टिका ली। उसके हिलने से पहले ही मैंने दो सिगरेट पी ली थीं।

“अच्छा, अच्छा,” उसने अंत में कहा। “यह तो बिल्कुल संभव है कि कोई चालाक आदमी अनजान निशान छोड़ने के लिए अपनी साइकिल के टायर बदल दे। ऐसा सोचने वाला अपराधी ऐसा आदमी है जिसके साथ व्यापार करने में मुझे गर्व होगा। हम इस प्रश्न को अनसुलझा ही छोड़ेंगे और अपने दलदल में वापस लौटेंगे, क्योंकि हमने अभी बहुत कुछ अनसुलझा ही छोड़ा है।”

हमने दलदली मैदान के किनारे का व्यवस्थित सर्वेक्षण जारी रखा, और जल्द ही हमारी लगन का शानदार फल मिला। दलदल के निचले हिस्से में एक कीचड़ भरा रास्ता था। होम्स जैसे ही उसके पास पहुँचा, खुशी से चिल्ला उठा। उसके बीचोंबीच टेलीग्राफ के तारों के एक महीन गुच्छे जैसी आकृति बनी हुई थी। ये पामर के टायर थे।

“ये रहे श्री हाइडेगर, बिल्कुल सही!” होम्स ने उल्लासपूर्वक चिल्लाते हुए कहा। “वॉटसन, मेरा तर्क काफी सटीक साबित हुआ है।”

"मेरी ओर से आपको बधाई हो।"

लेकिन अभी हमें बहुत लंबा रास्ता तय करना है। कृपया रास्ते से हट जाइए। चलिए अब हम पगडंडी का अनुसरण करते हैं। मुझे डर है कि यह बहुत दूर तक नहीं ले जाएगी।

हालांकि, जैसे-जैसे हम आगे बढ़े, हमने पाया कि दलदली भूमि का यह हिस्सा नरम धब्बों से घिरा हुआ है, और यद्यपि हम अक्सर रास्ते से भटक जाते थे, फिर भी हम हमेशा उसे दोबारा ढूंढने में सफल रहे।

होम्स ने कहा, “क्या आपको लगता है कि सवार अब निश्चित रूप से गति बढ़ाने की कोशिश कर रहा है? इसमें कोई शक नहीं। इस तस्वीर को देखिए, जिसमें दोनों टायर साफ दिख रहे हैं। एक टायर दूसरे के बराबर गहरा है। इसका मतलब यही हो सकता

है कि सवार अपना पूरा वज़न हैंडल पर डाल रहा है, जैसा कि कोई व्यक्ति दौड़ते समय करता है। हे भगवान! वह गिर गया है।"

ट्रैक के कुछ गज हिस्से पर एक चौड़ा, अनियमित धब्बा फैला हुआ था। फिर कुछ पैरों के निशान दिखाई दिए, और टायर फिर से नज़र आने लगे।

मैंने सुझाव दिया, "साइड-स्लिप।"

होम्स ने फूलदार कांटेदार झाड़ी की एक मुरझाई हुई शाखा को ऊपर उठाया। यह देखकर मैं भयभीत हो गया कि पीले फूल गहरे लाल रंग से सने हुए थे। रास्ते पर और झाड़ियों के बीच भी जमे हुए खून के गहरे धब्बे थे।

"बुरा हुआ!" होम्स ने कहा। "बुरा हुआ! वॉटसन, दूर हट जाओ! एक भी फालतू कदम मत रखो! मैं यहाँ क्या पढ़ रहा हूं? वह घायल होकर गिरा - उठा - घोड़े पर सवार हुआ - आगे बढ़ गया। लेकिन कोई और निशान नहीं है। इस रास्ते पर मवेशी हैं। क्या उसे किसी बैल ने सींग मारकर घायल किया था? असंभव! लेकिन मुझे किसी और के निशान नहीं दिख रहे। हमें आगे बढ़ना होगा, वॉटसन। निश्चित रूप से, निशानों और घावों के सहारे, वह अब हमसे बच नहीं सकता।"

हमारी खोज ज़्यादा लंबी नहीं चली। गीले और चमकदार रास्ते पर टायर के निशान अजीबोगरीब ढंग से मुड़ने लगे। अचानक, जैसे ही मैंने आगे देखा, घनी झाड़ियों के बीच से धातु की चमक मेरी नज़र में आई। हमने उनमें से एक साइकिल निकाली, पामर टायर वाली, जिसका एक पैडल मुड़ा हुआ था, और उसका पूरा अगला हिस्सा खून से बुरी तरह सना हुआ था। झाड़ियों के दूसरी तरफ एक जूता बाहर निकला हुआ था। हम दौड़े और वहाँ वह बदकिस्मत साइकिल सवार पड़ा था। वह लंबा-चौड़ा आदमी था, घनी दाढ़ी वाला, चश्मा पहने हुए, जिसका एक शीशा टूट गया था। उसकी मौत सिर पर लगी एक भयानक चोट के कारण हुई थी, जिससे उसकी खोपड़ी का एक हिस्सा कुचल गया था। इतनी चोट लगने के बाद भी उसका आगे बढ़ते रहना उस आदमी के जीवन शक्ति और साहस को दर्शाता है। उसने जूते पहने थे, लेकिन मोज़े नहीं, और उसके खुले कोट के नीचे एक नाइटशर्ट दिखाई दे रही थी। वह निस्संदेह जर्मन मास्टर था।

होम्स ने शव को आदरपूर्वक पलटा और बड़ी सावधानी से उसकी जांच की। फिर वह कुछ देर तक गहरी सोच में डूबे रहे, और उनकी माथे की सिकुड़न देखकर मैं समझ गया कि उनकी राय में इस भयावह खोज से हमारी जांच में कोई खास प्रगति नहीं हुई है।

"वॉटसन, यह तय करना थोड़ा मुश्किल है कि क्या करें," उसने अंत में कहा। "मेरी इच्छा तो यही है कि इस जांच को आगे बढ़ाया जाए, क्योंकि हम पहले ही इतना समय गंवा चुके हैं कि अब एक घंटा भी बर्बाद करना संभव नहीं है। दूसरी ओर, हमें पुलिस को इस खोज की सूचना देना और यह सुनिश्चित करना भी हमारा कर्तव्य है कि इस बेचारे के शव का ध्यान रखा जाए।"

मैं एक नोट वापस ले जा सकता हूँ।

लेकिन मुझे आपकी संगति और सहायता की आवश्यकता है। ज़रा रुकिए! वहाँ ऊपर एक आदमी पीट काट रहा है। उसे यहाँ ले आइए, वह पुलिस को रास्ता दिखाएगा।

मैं उस किसान को सीमा पार ले आया, और होम्स ने उस डरे हुए आदमी को डॉ. हक्सटेबल के पास एक नोट के साथ भेज दिया।

"अब, वॉटसन," उसने कहा, "आज सुबह हमें दो सुराग मिले हैं। एक तो पामर टायर वाली साइकिल है, और हम देख रहे हैं कि इससे क्या पता चला। दूसरा पैच लगे डनलप टायर वाली साइकिल है। इससे पहले कि हम इसकी जांच शुरू करें, आइए

हम जो जानते हैं उसे समझने की कोशिश करें, ताकि हम उसका पूरा फायदा उठा सकें और जरूरी बातों को आकस्मिक बातों से अलग कर सकें।”

सबसे पहले, मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि लड़का निश्चित रूप से अपनी मर्ज़ी से गया था। वह अपनी खिड़की से नीचे उतरा और चला गया, या तो अकेला या किसी के साथ। यह निश्चित है।

मैंने सहमति दे दी।

“अच्छा, अब चलिए इस दुर्भाग्यशाली जर्मन शिक्षक की बात करते हैं। लड़का भागते समय पूरे कपड़े पहने हुए था। इसलिए उसे पहले से ही पता था कि वह क्या करेगा। लेकिन जर्मन शिक्षक बिना मोजे के भागा। उसने वाकई बहुत कम समय में यह कदम उठाया।”

"निश्चित रूप से।"

“वह क्यों गया? क्योंकि उसने अपने शयनकक्ष की खिड़की से लड़के को भागते हुए देखा और वह उसे पकड़कर वापस लाना चाहता था। उसने अपनी साइकिल उठाई, लड़के का पीछा किया और इसी दौरान उसकी मृत्यु हो गई।”

"ऐसा ही प्रतीत होता है।"

अब मैं अपने तर्क के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से पर आता हूँ। एक छोटे लड़के का पीछा करते समय किसी व्यक्ति की स्वभाविक प्रतिक्रिया उसके पीछे दौड़ना होगी। वह जानता होगा कि वह उसे पकड़ सकता है। लेकिन जर्मन ऐसा नहीं करता। वह अपनी साइकिल की ओर मुड़ जाता है। मुझे बताया गया है कि वह एक कुशल साइकिल चालक था। अगर उसे यह न दिखता कि लड़के के पास भागने का कोई तेज़ साधन है, तो वह ऐसा नहीं करता।

“दूसरी साइकिल।”

चलिए, हम अपनी पड़ताल जारी रखें। उसकी मौत स्कूल से पाँच मील दूर हुई - गोली से नहीं, जो कि एक लड़का भी चला सकता है, बल्कि एक ताकतवर हाथ के बेरहम वार से। भागने में उस लड़के का एक साथी था। और वह भागना बहुत तेज़ था, क्योंकि एक माहिर साइकिल सवार के उन्हें पकड़ने में पाँच मील का समय लग गया। फिर भी, हम त्रासदी स्थल के आसपास की ज़मीन का जायज़ा लेते हैं। हमें क्या मिलता है? कुछ मवेशियों के रास्ते, बस इतना ही। मैंने चारों ओर एक बड़ा चक्कर लगाया, और पचास गज के दायरे में कोई रास्ता नहीं है। किसी दूसरे साइकिल सवार का इस हत्या से कोई लेना-देना नहीं हो सकता, न ही वहाँ किसी इंसान के पैरों के निशान थे।

मैंने चिल्लाकर कहा, "होम्स, यह असंभव है।"

“अद्भुत!” उन्होंने कहा। “एक अत्यंत ज्ञानवर्धक टिप्पणी। जिस तरह से मैं इसे बता रहा हूँ, वह असंभव है, इसलिए मैंने इसे किसी न किसी रूप में गलत बताया होगा। फिर भी आपने स्वयं देखा। क्या आप कोई त्रुटि बता सकते हैं?”

"क्या गिरने से उसकी खोपड़ी में फ्रैक्चर नहीं हो सकता था?"

"क्या तुम दलदल में फंसे हो, वॉटसन?"

"मुझे और कुछ नहीं सूझ रहा।"

“अरे, हमने इससे भी बदतर समस्याएं हल कर ली हैं। कम से कम हमारे पास पर्याप्त सामग्री तो है, बस हमें इसका उपयोग करना आना चाहिए। तो चलिए, पामर का इस्तेमाल करने के बाद देखते हैं कि पैच लगे कवर वाली डनलप हमें क्या दे सकती है।”

हमने पगडंडी पकड़ी और कुछ दूर तक उसका पीछा किया, लेकिन जल्द ही बंजर भूमि एक लंबी, झाड़ियों से ढकी घुमावदार रेखा में बदल गई, और हमने जलधारा को पीछे छोड़ दिया। अब आगे किसी भी पगडंडी से मदद की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। जिस स्थान पर हमने डनलप टायर का आखिरी हिस्सा देखा, वहां से यह रास्ता

होल्डरनेस हॉल की ओर भी जा सकता था, जिसके भव्य बुर्ज हमारे बाईं ओर कुछ मील दूर तक फैले हुए थे, या फिर एक छोटे, भूरे रंग के गांव की ओर भी जा सकता था जो हमारे सामने स्थित था और चेस्टरफील्ड मुख्य सड़क की स्थिति को दर्शाता था।

जैसे ही हम दरवाजे के ऊपर मुर्गे का चिन्ह लगे उस भयानक और गंदी सराय के पास पहुँचे, होम्स अचानक कराह उठा और गिरने से बचने के लिए उसने मेरा कंधा पकड़ लिया। उसके टखने में ऐसी ज़ोरदार मोच आ गई थी जिससे इंसान लाचार हो जाता है। बड़ी मुश्किल से वह लंगड़ाते हुए दरवाजे तक पहुँचा, जहाँ एक छोटा कद का, सांवला, बूढ़ा आदमी काली मिट्टी का पाइप पी रहा था।

"आप कैसे हैं, श्री रूबेन हेज़?" होम्स ने कहा।

"तुम कौन हो, और तुम्हें मेरा नाम इतनी आसानी से कैसे याद हो गया?" उस देहाती ने धूर्त आँखों की एक संदिग्ध चमक के साथ उत्तर दिया।

“खैर, यह तो आपके सिर के ऊपर लगे बोर्ड पर छपा है। अपने घर के मालिक को पहचानना आसान है। मुझे लगता है कि आपके अस्तबल में कोई घोड़ागाड़ी तो नहीं होगी?”

"नहीं, मेरे पास नहीं है।"

मैं मुश्किल से ही अपना पैर जमीन पर रख पा रहा हूँ।

इसे जमीन पर मत रखो।

लेकिन मैं चल नहीं सकता।

"अच्छा, तो फिर कूदो।"

श्री रूबेन हेज़ का व्यवहार बिल्कुल भी सौहार्दपूर्ण नहीं था, लेकिन होम्स ने इसे सराहनीय हास्यबोध के साथ लिया।

“देखो मेरे दोस्त,” उसने कहा। “यह मेरे लिए वाकई एक अजीब स्थिति है। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मेरा क्या होता है।”

"मैं भी नहीं," उदास मकान मालिक ने कहा।

“यह मामला बहुत महत्वपूर्ण है। मैं आपको साइकिल के उपयोग के बदले एक सॉवरेन (एक सोने का सिक्का) देने की पेशकश करूंगा।”

मकान मालिक ने कान खड़े कर लिए।

"आप कहाँ जाना चाहते हैं?"

"होल्डरनेस हॉल के लिए।"

"लगता है तुम लोग ड्यूक के दोस्त हो?" मकान मालिक ने हमारी मिट्टी से सनी पोशाकों को व्यंग्यात्मक निगाहों से देखते हुए कहा।

होम्स ने सौम्य भाव से हँसा।

वह हमें देखकर वैसे भी खुश होगा।

"क्यों?"

"क्योंकि हम उसे उसके लापता बेटे की खबर देते हैं।"

मकान मालिक ने बहुत ही स्पष्ट शुरुआत की।

“क्या, तुम उसके पीछे पड़े हो?”

"लिवरपूल में उसके बारे में सुना जा रहा है। उन्हें हर घंटे उसके आने की उम्मीद रहती है।"

फिर अचानक उस भारी-भरकम, बिना दाढ़ी वाले चेहरे पर एक तीव्र परिवर्तन आया। उसका व्यवहार अचानक सौम्य हो गया।

“मुझे ड्यूक का भला चाहने का उतना कारण नहीं है जितना कि औरों को,” उसने कहा, “क्योंकि मैं कभी उसका मुख्य कोचवान था, और उसने मेरे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया था। उसी ने मुझे एक झूठे अनाज व्यापारी की बात पर बिना किसी प्रमाण के

नौकरी से निकाल दिया था। लेकिन मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि लिवरपूल में उस युवा लॉर्ड की चर्चा हो रही है, और मैं आपको यह खबर हॉल तक पहुँचाने में मदद करूँगा।”

“धन्यवाद,” होम्स ने कहा। “हम पहले कुछ खाना खा लेंगे। फिर आप साइकिल ले आना।”

मेरे पास साइकिल नहीं है।

होम्स ने एक सोने का सिक्का ऊपर उठाया।

“मैं तुमसे कहता हूं, मेरे पास एक भी घोड़ा नहीं है। मैं तुम्हें हॉल तक जाने के लिए दो घोड़े दे दूंगा।”

“अच्छा, अच्छा,” होम्स ने कहा, “हम कुछ खाने के बाद इस बारे में बात करेंगे।”

जब हम पत्थर की फर्श वाली रसोई में अकेले रह गए, तो यह देखकर आश्चर्य हुआ कि मोच आया टखना कितनी जल्दी ठीक हो गया। लगभग रात हो चुकी थी, और हमने सुबह से कुछ नहीं खाया था, इसलिए हमने भोजन करने में कुछ समय बिताया। होम्स सोच में डूबे हुए थे, और एक-दो बार खिड़की के पास जाकर गंभीरता से बाहर देखने लगे। खिड़की एक गंदे से आंगन में खुलती थी। दूर कोने में एक लोहार की दुकान थी, जहाँ एक मैला-कुचैला लड़का काम कर रहा था। दूसरी तरफ अस्तबल थे। होम्स ऐसे ही एक दृश्य के बाद फिर से बैठ गए थे, तभी अचानक एक ज़ोरदार आवाज़ के साथ कुर्सी से उछल पड़े।

“हे भगवान, वॉटसन, मुझे पूरा यकीन है कि मुझे मिल गया है!” वह चिल्लाया। “हाँ, हाँ, ऐसा ही होना चाहिए। वॉटसन, क्या तुम्हें आज गाय के पैरों के निशान दिखे थे?”

“हां, कई।”

"कहां?"

"खैर, हर जगह। वे दलदल में थे, फिर रास्ते पर, और फिर उस जगह के पास जहां बेचारे हाइडेगर की मृत्यु हुई थी।"

“बिल्कुल सही। अच्छा, अब, वॉटसन, तुमने उस बंजर भूमि पर कितनी गायें देखीं?”

मुझे तो ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दिया।

"वॉटसन, यह अजीब बात है कि हमें अपनी पूरी लाइन पर तो जानवरों के पैरों के निशान दिख रहे हैं, लेकिन पूरे मैदान में एक भी गाय नहीं दिख रही। बहुत अजीब है, वॉटसन, है ना?"

"हां, यह अजीब है।"

"अब, वॉटसन, थोड़ा प्रयास करो, अपने दिमाग को पीछे ले जाओ। क्या तुम्हें रास्ते पर वे निशान दिखाई दे रहे हैं?"

"हाँ मैं कर सकता हूं।"

“क्या आपको याद है कि पटरियाँ कभी-कभी ऐसी होती थीं, वॉटसन?” — उसने कुछ ब्रेड के टुकड़ों को इस तरह व्यवस्थित किया — : : : : : — “और कभी-कभी ऐसी” — : . : . : . : . — “और कभी-कभार ऐसी” — . ‘ . ‘ . ‘ . ‘ “क्या आपको याद है?”

नहीं, मैं नहीं कर सकता।

“लेकिन मैं कर सकता हूँ। मैं कसम खा सकता हूँ। खैर, हम फुर्सत में वापस जाकर इसकी पुष्टि करेंगे। मैं कितना अंधा मूर्ख रहा हूं कि मैंने अभी तक निष्कर्ष नहीं निकाला।”

और आपका निष्कर्ष क्या है?

“बस इतना ही कि यह एक अद्भुत गाय है जो चलती है, सरपट दौड़ती है और सरपट भागती है। हे भगवान! वॉटसन, ऐसा अंधा विचार किसी देहाती शराबखाने वाले

के दिमाग में तो नहीं आया होगा। लोहारखाने में उस लड़के के अलावा बाकी सब ठीक लग रहा है। चलो चुपके से बाहर निकलकर देखते हैं कि क्या दिखता है।"

जर्जर अस्तबल में दो खुरदुरे बालों वाले, बेढंगे घोड़े थे। होम्स ने उनमें से एक का पिछला पैर उठाया और जोर से हंस पड़ा।

"पुराने जूते, लेकिन नए लट्टों के साथ – पुराने जूते, लेकिन नए कीलों के साथ। यह मामला एक क्लासिक बनने लायक है। चलिए लोहारखाने चलते हैं।"

वह लड़का हमारी ओर देखे बिना अपना काम करता रहा। मैंने देखा कि होम्स की नज़र फर्श पर बिखरे लोहे और लकड़ी के टुकड़ों के बीच दाएं-बाएं घूम रही थी। तभी अचानक हमें अपने पीछे किसी के कदमों की आहट सुनाई दी, और वहाँ मकान मालिक खड़ा था, उसकी घनी भौहें उसकी क्रूर आँखों पर तनी हुई थीं, उसका सांवला चेहरा गुस्से से भरा हुआ था। उसके हाथ में धातु की नोक वाली एक छोटी सी छड़ी थी, और वह इतने धमकी भरे अंदाज़ में आगे बढ़ा कि मुझे अपनी जेब में रिवॉल्वर होने पर बहुत राहत मिली।

"तुम लानत जासूस हो!" उस आदमी ने चिल्लाकर कहा। "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"

"क्यों, श्री रूबेन हेज़," होम्स ने शांत भाव से कहा, "ऐसा लग सकता है कि आप हमारे द्वारा कुछ पता लगाए जाने से डर रहे हैं।"

उस व्यक्ति ने बड़े बलपूर्वक खुद पर काबू पाया, और उसके गंभीर होंठ एक बनावटी हंसी में बदल गए, जो उसकी भौंहों के गुस्से से कहीं अधिक भयावह थी।

"मेरी लोहार की दुकान में आप जो कुछ भी पता कर सकते हैं, उसके लिए आपका स्वागत है," उसने कहा। "लेकिन सुनिए, महोदय, मुझे बिना मेरी अनुमति के किसी का मेरे यहाँ ताक-झांक करना पसंद नहीं है, इसलिए जितनी जल्दी आप अपना हिसाब चुकाकर यहाँ से चले जाएँगे, उतना ही मुझे प्रसन्नता होगी।"

"ठीक है, श्रीमान हेज़, मेरा कोई बुरा इरादा नहीं था," होम्स ने कहा। "हम आपके घोड़ों को देख रहे थे, लेकिन मुझे लगता है कि मैं पैदल ही चलूँगा। मुझे लगता है कि यह ज़्यादा दूर नहीं है।"

"हॉल के द्वार तक दो मील से ज़्यादा दूर नहीं है। बाईं ओर वाली सड़क है।" जब तक हम उसके परिसर से चले नहीं गए, वह उदास आँखों से हमें देखता रहा।

हम सड़क पर ज़्यादा दूर नहीं जा पाए, क्योंकि जैसे ही मोड़ आया और हम मकान मालिक की नजरों से छिप गए, होम्स तुरंत रुक गया।

"उस सराय में हमें बहुत गर्माहट महसूस हुई, जैसा कि बच्चे कहते हैं," उसने कहा। "मुझे ऐसा लगता है कि जैसे-जैसे मैं उससे दूर जाता हूं, मुझे ठंड बढ़ती जा रही है। नहीं, नहीं, मैं उसे छोड़ नहीं सकता।"

मैंने कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि रूबेन हेज़ को इसके बारे में सब कुछ पता है। इससे ज़्यादा स्पष्ट खलनायक मैंने कभी नहीं देखा।"

"ओह! उसने आपको इस तरह प्रभावित किया, है ना? वहाँ घोड़े हैं, वहाँ लोहार की दुकान है। हाँ, यह फाइटिंग कॉक एक दिलचस्प जगह है। मुझे लगता है कि हमें चुपके से एक बार फिर इसे देखना चाहिए।"

हमारे पीछे चूना पत्थर के बड़े-बड़े पत्थरों से भरी एक लंबी, ढलानदार पहाड़ी फैली हुई थी। हम सड़क से हटकर पहाड़ी पर चढ़ने लगे थे, तभी होल्डरनेस हॉल की दिशा में देखते हुए मुझे एक साइकिल सवार तेजी से आता हुआ दिखाई दिया।

"वाटसन, नीचे बैठ जाओ!" होम्स ने मेरे कंधे पर ज़ोरदार हाथ रखते हुए कहा। हम अभी नज़रों से ओझल ही नहीं हुए थे कि वह आदमी सड़क पर तेज़ी से हमारे पास से गुज़र गया। धूल के गुबार के बीच, मुझे एक पीला, व्याकुल चेहरा दिखाई दिया—एक

ऐसा चेहरा जिसके हर हावभाव में भय झलक रहा था, मुँह खुला हुआ था, आँखें बेतहाशा सामने घूर रही थीं। वह बिल्कुल उस सजे-धजे जेम्स वाइल्डर के विकृत रूप जैसा था जिसे हमने पिछली रात देखा था।

“ड्यूक का सचिव!” होम्स चिल्लाया। “आओ, वॉटसन, देखते हैं वो क्या करता है।”

हम एक चट्टान से दूसरी चट्टान पर चढ़ते हुए आगे बढ़े, और कुछ ही पलों में हम एक ऐसी जगह पर पहुँचे गए जहाँ से हमें सराय का सामने का दरवाज़ा दिखाई दे रहा था। वाइल्डर की साइकिल उसके बगल वाली दीवार से टिकी हुई थी। घर में कोई हलचल नहीं थी, और न ही खिड़कियों पर किसी का चेहरा दिखाई दे रहा था। धीरे-धीरे शाम ढलने लगी और सूरज होल्डरनेस हॉल के ऊंचे टावरों के पीछे डूब गया। फिर, अंधेरे में, हमने सराय के अस्तबल में एक गाड़ी की दो साइड-लैंप जलती देखीं, और थोड़ी देर बाद ही हमें घोड़ों के खुरों की आवाज़ सुनाई दी, जब वह गाड़ी सड़क पर निकली और चेस्टरफील्ड की दिशा में तेज़ी से दौड़ पड़ी।

"वॉटसन, इस बारे में तुम्हारा क्या विचार है?" होम्स ने फुसफुसाते हुए पूछा।

"यह किसी उड़ान जैसा लग रहा है।"

"जहाँ तक मेरी नज़र गई, एक अकेला आदमी एक गाड़ी में बैठा था। खैर, यह निश्चित रूप से मिस्टर जेम्स वाइल्डर नहीं थे, क्योंकि वह तो दरवाजे पर खड़े थे।"

अंधेरे से लाल रंग का एक चौकोर प्रकाश निकला। उसके बीचोंबीच सचिव की काली आकृति थी, उसका सिर आगे निकला हुआ था और वह रात के अंधेरे में झाँक रहा था। स्पष्ट था कि वह किसी का इंतज़ार कर रहा था। फिर अचानक सड़क पर कदमों की आहट सुनाई दी, प्रकाश में एक पल के लिए दूसरी आकृति दिखाई दी, दरवाजा बंद हो गया और फिर से सब कुछ अंधेरा हो गया। पांच मिनट बाद पहली मंजिल के एक कमरे में दीपक जलाया गया।

"ऐसा लगता है कि यह लड़ाकू मुर्गे द्वारा किया जाने वाला एक विचित्र प्रकार का रिवाज है," होम्स ने कहा।

बार दूसरी तरफ है।

“बिल्कुल सही। इन्हें ही हम निजी मेहमान कह सकते हैं। अब, इस रात को श्री जेम्स वाइल्डर उस कमरे में क्या कर रहे हैं, और उनका साथी कौन है जो उनसे मिलने वहाँ आया है? आओ, वॉटसन, हमें वाकई जोखिम उठाना होगा और इस मामले की और गहराई से जाँच करनी होगी।”

हम दोनों चुपके से सड़क पर उतरे और सराय के दरवाजे तक दबे पांव पहुंचे। साइकिल अभी भी दीवार से टिकी हुई थी। होम्स ने माचिस जलाई और उसे पिछले पहिये पर लगाया, और जैसे ही रोशनी एक पैच लगे डनलप टायर पर पड़ी, मैंने उसे हंसते हुए सुना। हमारे ऊपर रोशन खिड़की थी।

"मुझे उसमें से झांकना ही होगा, वॉटसन। अगर तुम अपनी पीठ झुकाकर दीवार का सहारा लो, तो मुझे लगता है मैं कर सकता हूँ।"

एक पल बाद, उसके पैर मेरे कंधों पर थे, लेकिन वह मुश्किल से उठा ही था कि वह फिर से नीचे गिर गया।

“चलो, मेरे दोस्त,” उसने कहा, “आज का हमारा काम काफी लंबा हो चुका है। मुझे लगता है कि हमने जितना हो सकता था उतना इकट्ठा कर लिया है। स्कूल तक पैदल काफी लंबा रास्ता है, और जितनी जल्दी हम शुरू करें उतना ही अच्छा होगा।”

उस थका देने वाले सफर के दौरान, जब वह मैदान पार कर रहा था, उसने मुश्किल से ही कुछ बोला। स्कूल पहुंचने पर भी वह अंदर नहीं गया, बल्कि सीधे मैकलटन स्टेशन चला गया, जहाँ से वह कुछ टेलीग्राम भेज सकता था। देर रात मैंने उसे अपने गुरु की मृत्यु के दुखद हादसे से व्याकुल डॉ. हक्सटेबल को सांत्वना देते हुए सुना। और

उसके बाद वह मेरे कमरे में उतना ही चुस्त-दुरुस्त और ऊर्जावान होकर लौटा, जितना वह सुबह निकला था। उसने कहा, "सब ठीक चल रहा है, मेरे दोस्त। मैं वादा करता हूं कि कल शाम से पहले हम इस रहस्य का हल निकाल लेंगे।"

अगली सुबह ग्यारह बजे, मैं और मेरा दोस्त होल्डरनेस हॉल के प्रसिद्ध यू वृक्षों से सजे रास्ते पर टहल रहे थे। हमें भव्य एलिज़ाबेथन द्वार से होते हुए महामहिम के अध्ययन कक्ष में ले जाया गया। वहाँ हमने श्री जेम्स वाइल्डर को पाया, जो शांत और विनम्र थे, लेकिन उनकी दबी आँखों और चेहरे के भावों में पिछली रात के उस भयानक भय की झलक अभी भी दिखाई दे रही थी।

“आप महामहिम से मिलने आए हैं? मुझे खेद है, लेकिन सच्चाई यह है कि ड्यूक की तबीयत ठीक नहीं है। वे इस दुखद खबर से बहुत परेशान हैं। हमें कल दोपहर डॉ. हक्सटेबल से एक टेलीग्राम मिला, जिसमें आपकी खोज के बारे में बताया गया था।”

मुझे ड्यूक से अवश्य मिलना चाहिए, श्रीमान वाइल्डर।

लेकिन वह अपने कमरे में है।

"तो फिर मुझे उसके कमरे में जाना होगा।"

मुझे लगता है कि वह अपने बिस्तर पर है।

मैं उसे वहीं देखूंगा।

होम्स के ठंडे और अटल व्यवहार ने सचिव को यह दिखा दिया कि उससे बहस करना व्यर्थ था।

"बहुत अच्छा, श्रीमान होम्स, मैं उन्हें बता दूंगा कि आप यहां हैं।"

एक घंटे की देरी के बाद, वह महान रईस प्रकट हुए। उनका चेहरा पहले से कहीं अधिक मुरझाया हुआ था, उनके कंधे झुके हुए थे, और मुझे वे पिछली सुबह की तुलना में कहीं अधिक बूढ़े लग रहे थे। उन्होंने गरिमापूर्ण शिष्टाचार से हमारा अभिवादन किया और अपनी मेज पर बैठ गए, उनकी लाल दाढ़ी मेज पर लटक रही थी।

“तो, श्रीमान होम्स?” उन्होंने कहा।

लेकिन मेरे दोस्त की निगाहें सचिव पर टिकी हुई थीं, जो अपने मालिक की कुर्सी के पास खड़ा था।

"मुझे लगता है, महोदय, कि मैं श्री वाइल्डर की अनुपस्थिति में अधिक खुलकर बोल सकता हूं।"

उस व्यक्ति का चेहरा थोड़ा पीला पड़ गया और उसने होम्स पर एक द्वेषपूर्ण नज़र डाली।

“यदि आपकी इच्छा हो तो—”

“जी हां, आपको जाना चाहिए। अब, श्रीमान होम्स, आपको क्या कहना है?”

मेरे दोस्त ने तब तक इंतजार किया जब तक कि सचिव के जाने के पीछे दरवाजा बंद नहीं हो गया।

“सच तो यह है, महोदय,” उन्होंने कहा, “कि मेरे सहयोगी डॉ. वॉटसन और मुझे डॉ. हक्सटेबल से आश्वासन मिला था कि इस मामले में इनाम की पेशकश की गई है। मैं इसकी पुष्टि आपसे स्वयं सुनना चाहूंगा।”

"जी हां, श्रीमान होम्स।"

"अगर मुझे सही जानकारी मिली है, तो आपके बेटे का पता बताने वाले को पांच हजार पाउंड मिलेंगे?"

"बिल्कुल।"

“और जो व्यक्ति उसे हिरासत में रखने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों का नाम बताएगा, उसे एक हजार और मिलेंगे?”

"बिल्कुल।"

"बाद वाले शीर्षक के अंतर्गत, निःसंदेह, न केवल वे लोग शामिल हैं जिन्होंने उसे अगवा किया होगा, बल्कि वे लोग भी शामिल हैं जो उसे उसकी वर्तमान स्थिति में बनाए रखने के लिए षड्यंत्र रच रहे हैं?"

“जी हां,” ड्यूक ने अधीरता से कहा। “अगर आप अपना काम अच्छे से करते हैं, श्री शर्लक होम्स, तो आपको कंजूसी भरे व्यवहार की शिकायत करने का कोई कारण नहीं होगा।”

मेरे दोस्त ने लालच भरी नज़रों से अपने पतले हाथों को आपस में रगड़ा, जो मेरे लिए आश्चर्य की बात थी, क्योंकि मैं उसकी मितव्ययी आदतों से परिचित था।

“मुझे ऐसा लग रहा है कि मेज पर आपकी चेक-बुक रखी है,” उसने कहा। “अगर आप मुझे छह हजार पाउंड का चेक दे दें तो मुझे खुशी होगी। बेहतर होगा कि आप उस पर मुहर लगा दें। कैपिटल एंड काउंटीज़ बैंक, ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट शाखा मेरे एजेंट हैं।”

महामहिम अपनी कुर्सी पर बहुत सख्त और सीधे बैठे थे और मेरे दोस्त को पत्थर जैसी निगाहों से देख रहे थे।

"क्या यह कोई मजाक है, मिस्टर होम्स? यह हंसी-मजाक का विषय तो बिलकुल नहीं है।"

“बिल्कुल नहीं, महाराज। मैं अपने जीवन में इससे अधिक गंभीर कभी नहीं रहा।”

तो फिर आपका मतलब क्या है?

“मेरा मतलब है कि मैंने यह इनाम अर्जित किया है। मुझे पता है कि आपका बेटा कहाँ है, और मैं उनमें से कम से कम कुछ लोगों को जानता हूँ जिन्होंने उसे बंदी बना रखा है।”

ड्यूक की दाढ़ी उनके भयावह सफेद चेहरे के विपरीत पहले से कहीं अधिक आक्रामक रूप से लाल हो गई थी।

“वह कहाँ है?” उसने हांफते हुए पूछा।

"वह कल रात फाइटिंग कॉक इन में था, या शायद अभी भी वहीं है, जो आपके पार्क के गेट से लगभग दो मील दूर है।"

ड्यूक अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया।

और आप किस पर आरोप लगा रहे हैं?

शर्लक होम्स का जवाब चौंकाने वाला था। वह तेज़ी से आगे बढ़ा और ड्यूक के कंधे पर हाथ रखा।

“मैं आप पर आरोप लगाता हूँ,” उसने कहा। “और अब, महाराज, मैं आपसे वह चेक माँगूँगा।”

मैं ड्यूक के उस दृश्य को कभी नहीं भूल पाऊंगा जब वह उछलकर खड़ा हुआ और अपने हाथों से ऐसे खरोंचने लगा जैसे कोई गहरी खाई में डूब रहा हो। फिर, असाधारण रूप से संयम दिखाते हुए, वह बैठ गया और अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया। कुछ मिनटों बाद उसने कुछ कहा।

अंत में उसने सिर उठाए बिना पूछा, "तुम्हें कितना पता है?"

मैंने तुम दोनों को कल रात साथ देखा था।

"क्या आपके दोस्त के अलावा किसी और को भी पता है?"

मैंने किसी से बात नहीं की है।

ड्यूक ने कांपती उंगलियों में कलम उठाई और अपनी चेक-बुक खोली।

“मैं अपने वचन का पक्का रहूंगा, श्रीमान होम्स। मैं आपका चेक लिखने ही वाला हूं, भले ही आपको जो जानकारी मिली है वह मेरे लिए कितनी भी अप्रिय क्यों न हो। जब

मैंने पहली बार यह प्रस्ताव रखा था, तब मैंने घटनाओं के इस मोड़ के बारे में ज़रा भी नहीं सोचा था। लेकिन आप और आपके मित्र तो विवेकशील व्यक्ति हैं, श्रीमान होम्स?”

मुझे आपकी बात समझ में नहीं आ रही है।

“मुझे साफ-साफ कहना होगा, मिस्टर होम्स। अगर सिर्फ आप दोनों को इस घटना के बारे में पता चल जाए, तो इसे आगे बढ़ने का कोई कारण नहीं है। मुझे लगता है कि मुझे आपको बारह हजार पाउंड देने हैं, है ना?”

लेकिन होम्स मुस्कुराया और उसने अपना सिर हिलाया।

"मुझे खेद है, महोदय, कि मामलों को इतनी आसानी से सुलझाना संभव नहीं है। इस शिक्षक की मृत्यु का हिसाब देना बाकी है।"

लेकिन जेम्स को इस बारे में कुछ पता नहीं था। आप उसे इसके लिए ज़िम्मेदार नहीं ठहरा सकते। यह उस क्रूर बदमाश का काम था जिसे उसने दुर्भाग्यवश काम पर रखा था।

"माननीय महोदय, मुझे यह मानना पड़ेगा कि जब कोई व्यक्ति किसी अपराध को अंजाम देता है, तो वह नैतिक रूप से उस अपराध से उत्पन्न होने वाले किसी भी अन्य अपराध का दोषी होता है।"

“नैतिक रूप से, श्रीमान होम्स। इसमें कोई शक नहीं कि आप सही हैं। लेकिन कानून की नज़र में नहीं। किसी व्यक्ति को उस हत्या के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता जिसमें वह मौजूद नहीं था, और जिससे वह उतना ही घृणा करता है जितना आप करते हैं। जैसे ही उसे इसके बारे में पता चला, उसने मुझसे सब कुछ कबूल कर लिया, वह इतना भयभीत और पछतावे से भरा हुआ था। उसने हत्यारे से पूरी तरह नाता तोड़ने में एक घंटे का भी समय नहीं गंवाया। ओह, श्रीमान होम्स, आपको उसे बचाना ही होगा - आपको उसे बचाना ही होगा! मैं आपसे कहता हूं कि आपको उसे बचाना ही होगा!” ड्यूक ने आत्म-नियंत्रण का आखिरी प्रयास भी छोड़ दिया था, और वह कमरे में बेचैन चेहरे और मुट्ठी बांधे हवा में लहराते हाथों से इधर-उधर घूम रहा था। आखिरकार उसने खुद को संभाला और एक बार फिर अपनी मेज पर बैठ गया। “किसी और से बात करने से पहले यहां आने के लिए मैं आपकी सराहना करता हूं,” उसने कहा। “कम से कम, हम इस घिनौने कलंक को कम करने के लिए परामर्श कर सकते हैं।”

“बिल्कुल,” होम्स ने कहा। “मुझे लगता है, महोदय, कि यह केवल हमारे बीच पूर्ण स्पष्टता से ही संभव है। मैं आपकी हर संभव सहायता करने के लिए तत्पर हूं, लेकिन इसके लिए मुझे मामले की पूरी सच्चाई जाननी होगी। मुझे पता है कि आपकी बातें श्री जेम्स वाइल्डर के बारे में थीं, और वह हत्यारा नहीं है।”

“नहीं, हत्यारा भाग गया है।”

शर्लक होम्स ने विनम्रता से मुस्कुराया।

"महामहिम, आपने मेरी मामूली प्रतिष्ठा के बारे में शायद ही सुना होगा, वरना आप यह कल्पना भी नहीं कर सकते थे कि मुझसे बचना इतना आसान है। श्री रूबेन हेज़ को मेरी सूचना पर कल रात ग्यारह बजे चेस्टरफील्ड में गिरफ्तार किया गया था। आज सुबह स्कूल से निकलने से पहले मुझे स्थानीय पुलिस प्रमुख का टेलीग्राम मिला था।"

ड्यूक अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गए और मेरे दोस्त को आश्चर्य से घूरने लगे।

“तुम्हारे पास तो ऐसी शक्तियां हैं जो शायद ही किसी इंसान के पास हों,” उसने कहा। “तो रूबेन हेज़ को ले जाया गया? यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई, बशर्ते इससे जेम्स के भाग्य पर कोई असर न पड़े।”

“आपकी सचिव?”

नहीं, महोदय, मेरे बेटे।

अब आश्चर्यचकित होने की बारी होम्स की थी।

"मैं स्वीकार करता हूँ कि यह मेरे लिए बिल्कुल नया है, महोदय। मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप इसे और स्पष्ट रूप से समझाएँ।"

"मैं आपसे कुछ भी नहीं छिपाऊँगा। मैं आपसे सहमत हूँ कि पूरी ईमानदारी, चाहे वह मेरे लिए कितनी भी कष्टदायी क्यों न हो, इस विकट परिस्थिति में सबसे अच्छी नीति है जिसमें जेम्स की मूर्खता और ईर्ष्या ने हमें धकेल दिया है। जब मैं बहुत जवान था, श्री होम्स, मैंने एक ऐसे प्रेम का अनुभव किया जो जीवन में केवल एक बार होता है। मैंने उस महिला को विवाह का प्रस्ताव दिया, लेकिन उसने यह कहकर मना कर दिया कि ऐसा विवाह मेरे करियर को बर्बाद कर सकता है। अगर वह जीवित होती, तो मैं निश्चित रूप से किसी और से कभी शादी नहीं करता। उसकी मृत्यु हो गई, और वह इस इकलौते बच्चे को छोड़ गई, जिसे मैंने उसकी खातिर प्यार और देखभाल से पाला-पोसा है। मैं दुनिया के सामने उसके पिता होने की बात स्वीकार नहीं कर सका, लेकिन मैंने उसे सर्वोत्तम शिक्षा दी, और जब से वह जवान हुआ है, मैंने उसे हमेशा अपने पास रखा है। उसने मेरे रहस्य को उजागर कर दिया, और तब से वह मुझ पर अपने अधिकार और मेरे लिए घृणित बदनामी पैदा करने की अपनी क्षमता का दुरुपयोग करता रहा है। उसकी उपस्थिति का मेरे विवाह के दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम से कुछ संबंध था। सबसे बढ़कर, उसने मेरे युवा वैध उत्तराधिकारी से शुरू से ही घोर घृणा की। आप पूछ सकते हैं मुझे यह सुनकर आश्चर्य हुआ कि इन परिस्थितियों में भी मैंने जेम्स को अपने घर में क्यों रखा। मैंने जवाब दिया कि ऐसा इसलिए था क्योंकि मुझे उसमें उसकी माँ का चेहरा दिखाई देता था, और उसकी खातिर मेरा धैर्य असीमित था। उसकी सारी प्यारी आदतें भी थीं - उनमें से एक भी ऐसी नहीं थी जिसे वह याद न दिला सके। मैं उसे दूर नहीं भेज सकती थी। लेकिन मुझे इतना डर था कि कहीं वह आर्थर - यानी लॉर्ड साल्टायर - को कोई नुकसान न पहुँचा दे, इसलिए मैंने उसे सुरक्षा के लिए डॉ. हक्सटेबल के स्कूल भेज दिया।

"जेम्स का इस हेज़ नाम के व्यक्ति से संपर्क हुआ, क्योंकि वह मेरा किरायेदार था और जेम्स उसके एजेंट के रूप में काम करता था। वह शुरू से ही बदमाश था, लेकिन किसी अजीब तरीके से जेम्स उससे घनिष्ठ हो गया। उसे हमेशा से ही नीच लोगों की संगत पसंद थी। जब जेम्स ने लॉर्ड साल्टायर का अपहरण करने का निश्चय किया, तो उसने इसी व्यक्ति की मदद ली। आपको याद होगा कि मैंने उस आखिरी दिन आर्थर को पत्र लिखा था। खैर, जेम्स ने पत्र खोला और उसमें एक नोट डाला जिसमें आर्थर को स्कूल के पास स्थित रैगड शॉ नामक एक छोटे से जंगल में मिलने के लिए कहा गया था। उसने डचेस का नाम लिया और इस तरह लड़के को आने के लिए मना लिया। उस शाम जेम्स साइकिल से वहाँ पहुँचा - मैं आपको वही बता रहा हूँ जो उसने खुद मुझसे कबूल किया है - और उसने जंगल में मिले आर्थर को बताया कि उसकी माँ उससे मिलने के लिए तरस रही है, वह मैदान में उसका इंतजार कर रही है, और अगर वह आधी रात को जंगल में वापस आ जाए तो उसे घोड़े वाला एक आदमी मिलेगा जो उसे उसकी माँ के पास ले जाएगा। बेचारा आर्थर उसके जाल में फँस गया। वह तय समय पर पहुँचा और वहाँ उसे यह आदमी मिला। हेज़ एक घोड़े को बांधकर ले जा रहा था। आर्थर उस पर सवार हुआ और वे दोनों साथ चल पड़े। ऐसा प्रतीत होता है - हालांकि जेम्स को यह बात कल ही पता चली - कि उनका पीछा किया गया, हेज़ ने पीछा करने वाले पर अपनी लाठी से वार किया और वह व्यक्ति चोटों के कारण मर गया। हेज़ आर्थर को अपने पब, फाइटिंग कॉक, में ले गया, जहाँ उसे एक ऊपरी कमरे में श्रीमती हेज़ की देखरेख में रखा गया। श्रीमती हेज़ एक दयालु महिला हैं, लेकिन अपने क्रूर पति के पूर्ण नियंत्रण में हैं।

“ख़ैर, श्रीमान होम्स, दो दिन पहले जब मैंने आपसे पहली बार मुलाकात की थी, तब यही स्थिति थी। मुझे भी सच्चाई का उतना ही पता था जितना आपको। आप मुझसे पूछेंगे कि जेम्स ने ऐसा क्यों किया। मेरा जवाब है कि मेरे वारिस के प्रति उसकी नफरत में बहुत कुछ तर्कहीन और कट्टरतापूर्ण था। उसकी राय में मेरी सारी संपत्ति का वारिस वह खुद होना चाहिए था, और उसे उन सामाजिक नियमों से गहरी नाराजगी थी जो इसे असंभव बनाते थे। साथ ही, उसका एक निश्चित मकसद भी था। वह चाहता था कि मैं उत्तराधिकार तोड़ दूं, और उसका मानना था कि ऐसा करना मेरे बस में है। वह मुझसे एक सौदा करना चाहता था - आर्थर को वापस लौटाने के बदले में उत्तराधिकार तोड़ देना, ताकि वसीयत के ज़रिए संपत्ति उसे मिल सके। वह अच्छी तरह जानता था कि मैं कभी भी स्वेच्छा से उसके खिलाफ़ पुलिस की मदद नहीं लूंगा। मैं कहता हूं कि उसने मुझे ऐसा सौदा प्रस्तावित किया होता; लेकिन उसने वास्तव में ऐसा नहीं किया, क्योंकि घटनाएँ उसके लिए बहुत तेजी से घटीं, और उसे अपनी योजनाओं को अमल में लाने का समय नहीं मिला।”

“उसकी सारी कुटिल योजना के विफल होने का कारण हाइडेगर नामक व्यक्ति के मृत शरीर की आपकी खोज थी। जेम्स यह खबर सुनकर भयभीत हो गया। यह खबर हमें कल मिली, जब हम इस अध्ययन कक्ष में साथ बैठे थे। डॉ. हक्सटेबल ने एक टेलीग्राम भेजा था। जेम्स इतना दुखी और परेशान था कि मेरे संदेह, जो कभी पूरी तरह से निराधार नहीं थे, तुरंत निश्चित हो गए, और मैंने उससे इस कृत्य के बारे में पूछताछ की। उसने स्वेच्छा से अपना अपराध स्वीकार कर लिया। फिर उसने मुझसे तीन दिन और उसका रहस्य छुपाने की विनती की, ताकि उसके दुष्ट साथी को अपना दोषी जीवन बचाने का मौका मिल सके। मैंने उसकी प्रार्थनाओं के आगे हमेशा की तरह हार मान ली, और जेम्स तुरंत फाइटिंग कॉक के लिए रवाना हो गया ताकि हेज़ को चेतावनी दे सके और उसे भागने का साधन बता सके। मैं दिन के उजाले में वहाँ नहीं जा सकता था, क्योंकि ऐसा करने से लोग टिप्पणी करने लगते, लेकिन जैसे ही रात हुई, मैं अपने प्रिय आर्थर से मिलने के लिए निकल पड़ा। मैंने उसे सुरक्षित और स्वस्थ पाया, लेकिन उसने जो भयानक कृत्य देखा था, उससे वह बेहद भयभीत था। अपने वादे का सम्मान करते हुए, और अपनी इच्छा के विरुद्ध जाकर, मैंने उसे श्रीमती हेज़ की देखरेख में तीन दिनों के लिए वहाँ छोड़ने की सहमति दी, क्योंकि यह स्पष्ट था कि पुलिस को यह बताना असंभव था कि वह कहाँ है, बिना उन्हें हत्यारे के बारे में बताए, और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मेरे बेचारे जेम्स को बर्बाद किए बिना उस हत्यारे को कैसे दंडित किया जा सकता है। आपने स्पष्टवादिता की अपेक्षा की थी, श्री होम्स, और मैंने आपकी बात पर विश्वास किया है, क्योंकि मैंने अब आपको बिना किसी लाग-लपेट या छिपाव के सब कुछ बता दिया है। कृपया आप भी मेरे साथ उतने ही स्पष्टवादिता से बात करें।

“हाँ,” होम्स ने कहा। “सबसे पहले, महाराज, मैं आपको यह बताने के लिए बाध्य हूँ कि आपने कानून की नज़र में खुद को एक बहुत ही गंभीर स्थिति में डाल दिया है। आपने एक जघन्य अपराध को बढ़ावा दिया है, और आपने एक हत्यारे को भागने में मदद की है, क्योंकि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि जेम्स वाइल्डर ने अपने साथी को भागने में मदद करने के लिए जो भी पैसा लिया, वह महाराज के पर्स से ही आया होगा।”

ड्यूक ने सहमति में सिर झुकाया।

“यह वाकई एक बेहद गंभीर मामला है। मेरी राय में, महाराज, इससे भी कहीं अधिक निंदनीय है आपके छोटे बेटे के प्रति आपका रवैया। आप उसे तीन दिनों तक इस कोठरी में छोड़ देते हैं।”

“गंभीर प्रतिज्ञाओं के तहत—”

“ऐसे लोगों से किए गए वादे किस काम के? इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि उसे दोबारा अगवा नहीं किया जाएगा। अपने दोषी बड़े बेटे को खुश करने के लिए, आपने अपने निर्दोष छोटे बेटे को तत्काल और अनावश्यक खतरे में डाल दिया है। यह एक बेहद अनुचित कार्य था।”

होल्डरनेस के अभिमानी स्वामी को अपने ही राजमहल में इस तरह का सम्मान मिलना असामान्य था। उनके ऊंचे माथे पर खून सी दौड़ गया, लेकिन उनकी अंतरात्मा ने उन्हें चुप रहने को कहा।

मैं तुम्हारी मदद करूंगा, लेकिन सिर्फ एक शर्त पर। वो ये है कि तुम नौकर को बुला लो और मुझे जो चाहूं वो आदेश देने दो।

बिना कुछ कहे, ड्यूक ने बिजली की घंटी दबा दी। एक नौकर अंदर आया।

होम्स ने कहा, "आपको यह जानकर खुशी होगी कि आपके युवा स्वामी मिल गए हैं। ड्यूक की इच्छा है कि लॉर्ड साल्टायर को घर लाने के लिए गाड़ी तुरंत फाइटिंग कॉक इन जाए।"

“अब,” होम्स ने कहा, जब प्रसन्न नौकर चला गया, “भविष्य सुरक्षित हो जाने के बाद, हम अतीत के प्रति अधिक उदार हो सकते हैं। मैं किसी आधिकारिक पद पर नहीं हूँ, और जब तक न्याय का हित सिद्ध हो रहा है, तब तक मुझे वह सब कुछ बताने का कोई कारण नहीं है जो मैं जानता हूँ। हेज़ के बारे में मैं कुछ नहीं कहूँगा। उसे फांसी की सज़ा मिलेगी, और मैं उसे बचाने के लिए कुछ नहीं करूंगा। वह क्या बताएगा, यह मैं नहीं कह सकता, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि आप उसे समझा सकते हैं कि चुप रहना ही उसके हित में है। पुलिस के नज़रिए से, उसने लड़के का अपहरण फिरौती के लिए किया होगा। अगर वे खुद इसका पता नहीं लगा पाते, तो मुझे उन्हें व्यापक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करने का कोई कारण नहीं दिखता। हालाँकि, मैं आपको चेतावनी देना चाहूँगा कि आपके घर में श्री जेम्स वाइल्डर की निरंतर उपस्थिति केवल दुर्भाग्य ही लाएगी।”

"मैं यह बात समझती हूं, मिस्टर होम्स, और यह पहले से ही तय है कि वह मुझे हमेशा के लिए छोड़कर ऑस्ट्रेलिया में अपनी किस्मत आजमाने जाएगा।"

"ऐसे में, महोदया, चूंकि आपने स्वयं कहा है कि आपके वैवाहिक जीवन में किसी भी प्रकार की असुविधा का कारण उनकी उपस्थिति थी, तो मैं सुझाव दूंगा कि आप डचेस से यथासंभव माफी मांगें और उन संबंधों को फिर से शुरू करने का प्रयास करें जो इतने दुर्भाग्यपूर्ण रूप से बाधित हुए हैं।"

“मैंने इसका भी इंतजाम कर लिया है, मिस्टर होम्स। मैंने आज सुबह डचेस को पत्र लिखा है।”

“तो फिर,” होम्स उठते हुए बोले, “मुझे लगता है कि उत्तर की हमारी छोटी सी यात्रा से मिले कई सुखद परिणामों के लिए मैं और मेरा दोस्त खुद को बधाई दे सकते हैं। एक और छोटी सी बात है जिस पर मुझे कुछ जानकारी चाहिए। इस हेज़ नाम के व्यक्ति ने अपने घोड़ों को ऐसे नाल पहनाए थे जो गायों के पैरों के निशान की नकल करते थे। क्या उसने यह अनोखी तरकीब मिस्टर वाइल्डर से सीखी थी?”

ड्यूक कुछ पल सोच में डूबे रहे, उनके चेहरे पर गहरी हैरानी के भाव थे। फिर उन्होंने एक दरवाजा खोला और हमें एक बड़े कमरे में ले गए, जो संग्रहालय की तरह सजा हुआ था। वे हमें कोने में रखे एक कांच के बक्से के पास ले गए और उस पर लिखे शिलालेख की ओर इशारा किया।

“ये जूते,” उसमें लिखा था, “होल्डरनेस हॉल की खाई में खुदाई में मिले थे। ये घोड़ों के इस्तेमाल के लिए हैं, लेकिन इनके निचले हिस्से में लोहे का खुरदरा पैर बना हुआ है,

ताकि पीछा करने वालों को गुमराह किया जा सके। माना जाता है कि ये मध्य युग में होल्डरनेस के कुछ लुटेरे सरदारों के थे।”

होम्स ने केस खोला और अपनी उंगली को गीला करके जूते पर फेरा। उसकी त्वचा पर हाल ही में लगी मिट्टी की एक पतली परत रह गई थी।

“धन्यवाद,” उसने गिलास वापस रखते हुए कहा। “उत्तर में मैंने जितनी भी दिलचस्प चीजें देखी हैं, उनमें यह दूसरी सबसे दिलचस्प चीज है।”

और पहला?

होम्स ने अपना चेक मोड़कर सावधानीपूर्वक अपनी नोटबुक में रख दिया। "मैं एक गरीब आदमी हूँ," उसने स्नेहपूर्वक उसे थपथपाते हुए कहा और उसे अपनी भीतरी जेब में डाल दिया।

दूसरे दाग का रोमांच

मैंने अपने मित्र श्री शर्लक होम्स के कारनामों की आखिरी कड़ी के रूप में "द एडवेंचर ऑफ द एबी ग्रेंज" लिखने का इरादा किया था, जिसे मैं जनता के सामने प्रस्तुत करता। यह निर्णय सामग्री की कमी के कारण नहीं था, क्योंकि मेरे पास सैकड़ों मामलों के नोट्स हैं जिनका मैंने कभी उल्लेख नहीं किया है, और न ही यह इस विलक्षण व्यक्तित्व और अद्वितीय तरीकों के प्रति पाठकों की घटती रुचि के कारण था। वास्तविक कारण श्री होम्स की अपने अनुभवों के निरंतर प्रकाशन के प्रति अनिच्छा थी। जब तक वे पेशेवर रूप से सक्रिय थे, उनकी सफलताओं का रिकॉर्ड उनके लिए कुछ व्यावहारिक महत्व रखता था, लेकिन जब से वे लंदन से सेवानिवृत्त होकर ससेक्स डाउन्स में अध्ययन और मधुमक्खी पालन में लग गए हैं, प्रसिद्धि उन्हें नापसंद हो गई है, और उन्होंने स्पष्ट रूप से अनुरोध किया है कि इस मामले में उनकी इच्छाओं का कड़ाई से पालन किया जाए। जब मैंने उन्हें याद दिलाया कि मैंने वादा किया था कि "दूसरे दाग का रोमांच" सही समय आने पर प्रकाशित किया जाएगा, और उन्हें यह भी बताया कि घटनाओं की इस लंबी श्रृंखला का अंत उस सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मामले से होना ही उचित है जिसे उन्होंने अब तक संभाला है, तभी मुझे अंततः उनकी सहमति मिली कि इस घटना का सावधानीपूर्वक संरक्षित विवरण अंततः जनता के सामने रखा जाए। यदि कहानी सुनाते समय मैं कुछ विवरणों में थोड़ा अस्पष्ट प्रतीत होता हूँ, तो जनता आसानी से समझ जाएगी कि मेरी इस चुप्पी के पीछे एक ठोस कारण है।

फिर, एक साल बाद, या यूँ कहें कि एक दशक बाद, जिसका नाम हम नहीं लेंगे, शरद ऋतु में एक मंगलवार की सुबह, बेकर स्ट्रीट स्थित हमारे साधारण से कमरे में हमें यूरोप की दो विख्यात हस्तियाँ मिलीं। उनमें से एक, गंभीर, ऊँची नाक वाले, तीक्ष्ण आँखों वाले और प्रभावशाली व्यक्ति, कोई और नहीं बल्कि ब्रिटेन के दो बार के प्रधानमंत्री, विख्यात लॉर्ड बेलिंगर थे। दूसरे, सांवले, सुगठित और सुरुचिपूर्ण, अभी अधेड़ उम्र के भी नहीं थे, और शारीरिक और मानसिक सुंदरता से परिपूर्ण, माननीय ट्रेलावनी होप, यूरोपीय मामलों के सचिव और देश के सबसे उभरते हुए राजनेता थे। वे कागज़ों से भरे हमारे सोफे पर अगल-बगल बैठे थे, और उनके थके हुए और चिंतित चेहरों से यह स्पष्ट था कि वे किसी अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए आए थे। प्रधानमंत्री के पतले, नीली नसों वाले हाथ उनकी छतरी के हाथीदांत के ऊपरी हिस्से पर कसकर जकड़े हुए थे, और उनका दुबला-पतला, तपस्वी चेहरा होम्स से मेरी ओर उदास निगाहों से देख रहा था। यूरोपीय सचिव ने घबराहट में अपनी मूंछें खींचीं और अपनी घड़ी की चेन की सीलों से खेलने लगे।

“जब मुझे अपनी हानि का पता चला, श्री होम्स, जो आज सुबह आठ बजे हुआ, तो मैंने तुरंत प्रधानमंत्री को सूचित किया। उन्हीं के सुझाव पर हम दोनों आपके पास आए हैं।

हैं।”

क्या आपने पुलिस को सूचित कर दिया है?

“जी नहीं, महोदय,” प्रधानमंत्री ने अपने प्रसिद्ध त्वरित और निर्णायक अंदाज़ में कहा। “हमने ऐसा नहीं किया है, और न ही ऐसा करना संभव है। पुलिस को सूचित करने का मतलब अंततः जनता को सूचित करना होगा। हम विशेष रूप से इसी से बचना चाहते हैं।”

“और क्यों, महोदय?”

“चूंकि विचाराधीन दस्तावेज़ इतना अधिक महत्वपूर्ण है कि इसके प्रकाशन से यूरोप में अत्यंत गंभीर जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि शांति या युद्ध का मुद्दा इसी पर टिका हो सकता है। यदि इसे पूरी गोपनीयता के साथ प्राप्त नहीं किया जाता है, तो इसे प्राप्त न करना ही बेहतर होगा, क्योंकि इसे प्राप्त करने वालों का एकमात्र उद्देश्य यही है कि इसकी सामग्री सर्वविदित हो जाए।”

“मैं समझ गया। अब, श्री टेलावनी होप, यदि आप मुझे यह बता दें कि यह दस्तावेज़ किन परिस्थितियों में गायब हुआ, तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा।”

“श्री होम्स, इसका जवाब कुछ ही शब्दों में दिया जा सकता है। वह पत्र—क्योंकि वह एक विदेशी शासक का पत्र था—छह दिन पहले मिला था। वह इतना महत्वपूर्ण था कि मैंने उसे कभी अपनी तिजोरी में नहीं रखा, बल्कि हर शाम उसे अपने व्हाइटहॉल टेरेस स्थित घर ले जाकर अपने शयनकक्ष में एक बंद डिस्पैच बॉक्स में रखा। कल रात वह वहीं था। मुझे इस बात का पूरा यकीन है। मैंने रात के खाने के लिए तैयार होते समय बॉक्स खोला और उसमें वह दस्तावेज़ देखा। आज सुबह वह गायब था। डिस्पैच बॉक्स पूरी रात मेरी ड्रेसिंग टेबल पर शीशे के बगल में रखा रहा। मेरी और मेरी पत्नी की नींद बहुत हल्की है। हम दोनों कसम खाकर कह सकते हैं कि रात में कोई भी कमरे में नहीं घुसा होगा। फिर भी मैं दोहराता हूँ कि वह कागज़ गायब है।”

आपने किस समय भोजन किया?

"7:30।"

"तुम सोने से पहले कितनी देर तक सोए थे?"

“मेरी पत्नी थिएटर गई थी। मैं उसका इंतजार करता रहा। साढ़े ग्यारह बज गए थे जब हम अपने कमरे में गए।”

“तो फिर चार घंटे तक डिस्पैच-बॉक्स बिना पहरे के पड़ा रहा?”

“सुबह के समय नौकरानी के अलावा और दिन के बाकी समय में मेरे नौकर या मेरी पत्नी की नौकरानी के अलावा किसी को भी उस कमरे में जाने की अनुमति नहीं है। वे दोनों भरोसेमंद नौकर हैं जो काफी समय से हमारे साथ काम कर रहे हैं। इसके अलावा, उनमें से किसी को भी यह पता नहीं चल सकता था कि मेरे डिस्पैच बॉक्स में साधारण विभागीय कागजात से अधिक मूल्यवान कुछ और भी है।”

उस पत्र के अस्तित्व के बारे में किसे पता था?

घर में कोई नहीं है।

"क्या आपकी पत्नी को पता नहीं था?"

"नहीं, महोदय। मैंने आज सुबह अखबार न मिलने तक अपनी पत्नी से कुछ नहीं कहा था।"

प्रधानमंत्री ने सहमति में सिर हिलाया।

“महोदय, मैं लंबे समय से जानता हूं कि आप सार्वजनिक कर्तव्य के प्रति कितने उच्च भाव रखते हैं,” उन्होंने कहा। “मुझे पूरा विश्वास है कि इतने महत्वपूर्ण रहस्य के मामले में यह भाव सबसे अंतरंग घरेलू संबंधों से भी ऊपर होगा।”

यूरोपीय सचिव ने सिर झुकाया।

“आप मेरे साथ बिलकुल न्याय कर रहे हैं, महोदय। आज सुबह तक मैंने इस मामले पर अपनी पत्नी से एक शब्द भी नहीं कहा था।”

क्या वह अनुमान लगा सकती थी?

"नहीं, मिस्टर होम्स, वह अनुमान नहीं लगा सकती थी - और न ही कोई अनुमान लगा सकता था।"

क्या आपने पहले कभी कोई दस्तावेज खोया है?

"जी नहीं, महोदय।"

"इंग्लैंड में ऐसा कौन है जिसे इस पत्र के अस्तित्व के बारे में पता था?"

“कैबिनेट के हर सदस्य को कल इसकी सूचना दे दी गई थी, लेकिन हर कैबिनेट बैठक में बरती जाने वाली गोपनीयता की शपथ को प्रधानमंत्री की गंभीर चेतावनी ने और भी पुख्ता कर दिया था। हे भगवान! सोचिए, कुछ ही घंटों में मैं खुद इसे खो देता!” उनका सुंदर चेहरा निराशा से भर उठा और वे अपने बालों को नोचने लगे। एक पल के लिए हमें उनके स्वाभाविक व्यक्तित्व की झलक मिली - आवेगी, उत्साही और बेहद संवेदनशील। अगले ही पल उन्होंने अपना शाही मुखौटा उतार दिया और उनकी कोमल आवाज़ लौट आई। “कैबिनेट के सदस्यों के अलावा दो या शायद तीन विभागीय अधिकारी भी इस पत्र के बारे में जानते हैं। श्री होम्स, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि इंग्लैंड में और कोई नहीं जानता।”

लेकिन विदेश में?

“मेरा मानना है कि इसे लिखने वाले के अलावा विदेश में किसी ने नहीं देखा है। मुझे पूरा यकीन है कि उनके मंत्रियों ने सामान्य आधिकारिक चैनलों का इस्तेमाल नहीं किया है।”

होम्स ने कुछ देर तक विचार किया।

"अब, महोदय, मुझे आपसे और अधिक विस्तार से पूछना होगा कि यह दस्तावेज़ क्या है, और इसके गायब होने के इतने गंभीर परिणाम क्यों होने चाहिए?"

दोनों राजनेताओं ने एक दूसरे की ओर सरसरी नजर डाली और प्रधानमंत्री की घनी भौहें गुस्से में सिकुड़ गईं।

“श्री होम्स, यह लिफाफा लंबा और पतला है, हल्के नीले रंग का। इस पर लाल मोम की मुहर लगी है जिस पर एक बैठे हुए शेर की आकृति बनी है। इस पर बड़े और मोटे अक्षरों में पता लिखा है —”

“मुझे डर है, महोदय,” होम्स ने कहा, “कि ये विवरण दिलचस्प और वास्तव में आवश्यक तो हैं, लेकिन मेरी जांच को मामले की जड़ तक जाना होगा। वह पत्र क्या था?”

“यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण राजकीय रहस्य है, और मुझे खेद है कि मैं आपको यह नहीं बता सकता, न ही मुझे लगता है कि यह आवश्यक है। यदि आप अपने पास मौजूद शक्तियों की सहायता से, जैसा कि मैंने वर्णन किया है, उस लिफाफे को उसके अंदर मौजूद सामग्री सहित ढूंढ सकते हैं, तो आप अपने देश का गौरव बढ़ाएंगे और हमारे अधिकार क्षेत्र में आने वाले किसी भी पुरस्कार के पात्र होंगे।”

शर्लक होम्स मुस्कुराते हुए उठे।

उन्होंने कहा, “आप दोनों देश के सबसे व्यस्त व्यक्तियों में से हैं, और मेरे पास भी अपने छोटे से तरीके से बहुत सारे काम हैं। मुझे बेहद खेद है कि मैं इस मामले में आपकी मदद नहीं कर सकता, और इस बातचीत को जारी रखना समय की बर्बादी होगी।”

प्रधानमंत्री अपनी गहरी आँखों में उस तीव्र, उग्र चमक के साथ तुरंत खड़े हो गए, जिसके सामने मंत्रिमंडल भी कांप उठता था। "महोदय, मुझे इसकी आदत नहीं है,"

उन्होंने कहना शुरू किया, लेकिन अपने गुस्से पर काबू पाकर वापस अपनी सीट पर बैठ गए। एक मिनट से अधिक समय तक हम सब खामोश बैठे रहे। फिर उस अनुभवी राजनेता ने अपने कंधे उचका दिए।

"हमें आपकी शर्तें माननी होंगी, श्रीमान होम्स। इसमें कोई संदेह नहीं कि आप सही हैं, और जब तक हम आपको अपना पूरा भरोसा नहीं दिला देते, तब तक आपसे कार्रवाई की अपेक्षा करना हमारे लिए अनुचित होगा।"

"मैं आपसे सहमत हूं," युवा राजनेता ने कहा।

"तो मैं आपको बताऊंगा, पूरी तरह से आपकी और आपके सहयोगी डॉ. वॉटसन की ईमानदारी पर भरोसा करते हुए। मैं आपकी देशभक्ति की भावना का भी आह्वान कर सकता हूं, क्योंकि देश के लिए इससे बड़ी विपत्ति की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि यह मामला सामने आ जाए।"

आप हम पर पूरी तरह से भरोसा कर सकते हैं।

"यह पत्र किसी विदेशी शासक का है जो हाल ही में इस देश में हुए औपनिवेशिक घटनाक्रमों से व्याकुल है। इसे उसने जल्दबाजी में और पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारी पर लिखा है। पूछताछ से पता चला है कि उसके मंत्रियों को इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। साथ ही, इसकी भाषा इतनी दुर्भाग्यपूर्ण है और इसमें कुछ वाक्यांश इतने भड़काऊ हैं कि इसके प्रकाशन से निस्संदेह इस देश में बेहद खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। महोदय, ऐसी उथल-पुथल मचेगी कि मैं यह कहने में संकोच नहीं करता कि इस पत्र के प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर ही यह देश एक बड़े युद्ध में उलझ जाएगा।"

होम्स ने कागज की एक पर्ची पर एक नाम लिखा और उसे प्रधानमंत्री को सौंप दिया।

"बिल्कुल सही। यह वही था। और यह पत्र—यह पत्र, जिसका अर्थ शायद एक-दो करोड़ का व्यय और एक लाख लोगों की जान हो सकता है—इस रहस्यमय तरीके से गुम हो गया है।"

क्या आपने प्रेषक को सूचित कर दिया है?

"जी हां, महोदय, एक गुप्त संदेश भेजा जा चुका है।"

"शायद वह पत्र के प्रकाशन की इच्छा रखता हो।"

"नहीं, महोदय, हमारे पास यह मानने के पुख्ता कारण हैं कि वह पहले ही समझ चुके हैं कि उन्होंने जल्दबाजी और नासमझी से काम लिया है। अगर यह पत्र सार्वजनिक हो गया तो यह हमारे मुकाबले उनके और उनके देश के लिए कहीं अधिक बड़ा झटका होगा।"

"अगर ऐसा है, तो इस पत्र के सामने आने से किसका हित है? इसे चुराने या प्रकाशित करने की इच्छा किसी को क्यों होगी?"

श्रीमान होम्स, आप मुझे अंतरराष्ट्रीय राजनीति के जटिल क्षेत्र में ले जा रहे हैं। लेकिन यदि आप यूरोपीय स्थिति पर विचार करें, तो आपको मकसद समझने में कोई कठिनाई नहीं होगी। पूरा यूरोप एक सशस्त्र शिविर है। एक दोहरा गठबंधन है जो सैन्य शक्ति का उचित संतुलन बनाए रखता है। ग्रेट ब्रिटेन के हाथ में पलड़ा है। यदि ब्रिटेन को एक संघ के साथ युद्ध में धकेल दिया जाता है, तो यह दूसरे संघ की सर्वोच्चता सुनिश्चित कर देगा, चाहे वे युद्ध में शामिल हों या न हों। क्या आप समझ रहे हैं?

"बिल्कुल स्पष्ट। तो क्या इस शक्तिशाली शासक के शत्रुओं का हित इस पत्र को प्राप्त करके प्रकाशित करने में है, ताकि उसके देश और हमारे देश के बीच दरार पैदा हो सके?"

"जी श्रीमान।"

"और अगर यह दस्तावेज़ किसी दुश्मन के हाथ लग जाए तो इसे किसे भेजा जाएगा?"

"यूरोप के किसी भी बड़े चांसलरी कार्यालय के लिए। यह संभवतः इस समय भाप से चलने वाली अपनी पूरी गति से उस दिशा में आगे बढ़ रहा है।"

श्री ट्रेलावनी होप ने अपना सिर अपनी छाती पर गिरा दिया और जोर से कराह उठे। प्रधानमंत्री ने स्नेहपूर्वक अपना हाथ उनके कंधे पर रखा।

“यह आपका दुर्भाग्य है, मेरे प्रिय मित्र। इसमें आपकी कोई गलती नहीं है। आपने किसी भी सावधानी को नजरअंदाज नहीं किया है। अब, श्री होम्स, आपको सभी तथ्य पता हैं। आप क्या उपाय सुझाते हैं?”

होम्स ने दुख से अपना सिर हिलाया।

"महामहिम, आपको लगता है कि जब तक यह दस्तावेज़ बरामद नहीं हो जाता, तब तक युद्ध होगा?"

मुझे लगता है कि इसकी बहुत संभावना है।

"तो फिर, महोदय, युद्ध की तैयारी कीजिए।"

"यह कहना थोड़ा कठिन है, मिस्टर होम्स।"

“मान लीजिए, तथ्यों पर गौर कीजिए। यह असंभव है कि इसे रात साढ़े ग्यारह बजे के बाद लिया गया हो, क्योंकि मुझे पता चला है कि श्री होप और उनकी पत्नी दोनों उस समय से लेकर चोरी का पता चलने तक कमरे में मौजूद थे। तो इसे कल शाम साढ़े सात बजे से साढ़े ग्यारह बजे के बीच लिया गया होगा, संभवतः पहले वाले समय के आसपास, क्योंकि जिसने भी इसे लिया है, उसे स्पष्ट रूप से पता था कि यह वहाँ है और वह स्वाभाविक रूप से इसे जल्द से जल्द सुरक्षित रखना चाहता था। अब, महोदय, यदि इतने महत्वपूर्ण दस्तावेज़ को उस समय लिया गया होता, तो वह अब कहाँ होता? किसी के पास इसे रखने का कोई कारण नहीं है। इसे तुरंत उन लोगों तक पहुँचा दिया गया है जिन्हें इसकी आवश्यकता है। अब हमारे पास इसे पकड़ने या इसका पता लगाने का क्या मौका है? यह हमारी पहुँच से बाहर है।”

प्रधानमंत्री सोफे से उठे।

“आपकी बात बिलकुल तर्कसंगत है, श्री होम्स। मुझे लगता है कि यह मामला वाकई हमारे हाथ से बाहर है।”

“मान लीजिए, बहस के लिए, कि वह दस्तावेज़ नौकरानी या नौकर द्वारा लिया गया था—”

वे दोनों ही अनुभवी और कुशल सेवक हैं।

“मुझे समझ आया कि आप कह रहे हैं कि आपका कमरा दूसरी मंजिल पर है, बाहर से कोई प्रवेश द्वार नहीं है, और अंदर से कोई भी बिना देखे ऊपर नहीं जा सकता। तो फिर, घर में ही किसी ने इसे चुराया होगा। चोर इसे किसके पास ले गया होगा? कई अंतरराष्ट्रीय जासूसों और गुप्त एजेंटों में से किसी एक के पास, जिनके नाम मुझे अच्छी तरह से पता हैं। इनमें से तीन को अपने पेशे का सरताज कहा जा सकता है। मैं अपनी जांच शुरू करने के लिए सबसे पहले सभी से मिलूंगा और पता लगाऊंगा कि क्या वे सभी अपने-अपने पद पर हैं। अगर उनमें से कोई एक गायब है — खासकर अगर वह कल रात से गायब है — तो हमें इस बात का कुछ सुराग मिल जाएगा कि दस्तावेज़ कहाँ गया है।”

यूरोपीय सचिव ने पूछा, "वह लापता क्यों होगा? वह पत्र को लंदन स्थित दूतावास में ले जाएगा, इसकी पूरी संभावना है।"

मुझे ऐसा नहीं लगता। ये एजेंट स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, और दूतावासों के साथ उनके संबंध अक्सर तनावपूर्ण होते हैं।

प्रधानमंत्री ने सहमाते में सिर हिलाया।

“मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं, श्री होम्स। वह इतने कीमती इनाम को अपने हाथों से मुख्यालय ले जाएगा। मुझे लगता है कि आपकी कारवाई बहुत अच्छी है। इस बीच, होप, हम इस एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण अपने अन्य कर्तव्यों की उपेक्षा नहीं कर सकते। दिन के दौरान यदि कोई नई जानकारी मिलती है तो हम आपको सूचित करेंगे, और आप भी हमें अपनी जांच के परिणाम अवश्य बताएंगे।”

दोनों राजनेताओं ने झुककर गंभीर भाव से कमरे से बाहर चले गए।

हमारे सम्मानित अतिथियों के चले जाने के बाद होम्स ने चुपचाप अपनी पाइप जलाई और कुछ देर तक गहरी सोच में डूबे रहे। मैंने सुबह का अखबार खोला और पिछली रात लंदन में घटी एक सनसनीखेज घटना में डूबा हुआ था, तभी मेरे मित्र ने एक विस्मयबोधक स्वर में कहा, उछलकर खड़े हो गए और अपनी पाइप को शेल्फ पर रख दिया।

“हाँ,” उन्होंने कहा, “इससे निपटने का इससे बेहतर कोई तरीका नहीं है। स्थिति विकट है, लेकिन निराशाजनक नहीं। अभी भी, अगर हमें यह पक्का पता चल जाए कि उनमें से किसने इसे लिया है, तो यह संभव है कि यह अभी तक उसके हाथ से निकला ही न हो। आख़िरकार, इन लोगों के लिए यह पैसे का मामला है, और मेरे पीछे ब्रिटिश खजाना है। अगर यह बाज़ार में उपलब्ध है तो मैं इसे खरीद लूँगा—चाहे इससे मुझे आयकर में एक पैसा और कम ही क्यों न देना पड़े। यह भी संभव है कि वह व्यक्ति इसे रोक कर रखे ताकि दूसरी तरफ से आने वाली बोलियों का इंतज़ार कर सके, इससे पहले कि वह दूसरी तरफ अपनी किस्मत आज़माए। इतना बड़ा जोखिम उठाने में सक्षम केवल तीन ही लोग हैं—ओबरस्टीन, ला रोथिएरे और एडुआर्डो लुकास। मैं उन तीनों से मिलूंगा।”

मैंने सुबह के अखबार पर एक नजर डाली।

"क्या यह गोडोल्फिन स्ट्रीट के एडुआर्डो लुकास हैं?"

"हाँ।"

आप उसे नहीं देख पाएंगे।

"क्यों नहीं?"

"कल रात उनके घर में उनकी हत्या कर दी गई।"

हमारे कारनामों के दौरान मेरे दोस्त ने मुझे इतनी बार आश्चर्यचकित किया था कि जब मुझे एहसास हुआ कि मैंने उसे पूरी तरह से आश्चर्यचकित कर दिया है, तो मुझे बहुत खुशी हुई। वह अचरज से मेरी ओर देखने लगा और फिर मेरे हाथों से कागज़ छीन लिया। यही वह पैराग्राफ था जिसे मैं पढ़ रहा था जब वह अपनी कुर्सी से उठा।

वेस्टमिंस्टर में हत्या

कल रात 16 गोडोल्फिन स्ट्रीट में एक रहस्यमय अपराध हुआ। यह अठारहवीं सदी के पुराने और एकांत मकानों की कतारों में से एक है, जो नदी और एब्बे के बीच स्थित है, और संसद भवन के विशाल टॉवर की छाया में है। इस छोटे लेकिन प्रतिष्ठित मकान में कुछ वर्षों से श्री एडुआर्डो लुकास रहते हैं, जो अपने आकर्षक व्यक्तित्व और देश के सर्वश्रेष्ठ शौकिया टेनर गायकों में से एक होने की ख्याति के कारण समाज में काफी प्रसिद्ध हैं। श्री लुकास अविवाहित हैं और चौंतीस वर्ष के हैं। उनके घर में श्रीमती प्रिंगल, एक बुजुर्ग गृहिणी, और उनके नौकर मिटन रहते हैं। श्रीमती प्रिंगल जल्दी सो जाती हैं और घर के सबसे ऊपरी हिस्से में रहती हैं। नौकर शाम को हैमरस्मिथ में एक मित्र से मिलने गया हुआ था। रात दस बजे से श्री लुकास घर में अकेले थे। उस दौरान क्या हुआ, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन पौने बारह बजे पुलिस कांस्टेबल बैरेट गोडोल्फिन स्ट्रीट से गुजरते हुए देखा कि मकान नंबर 16 का दरवाजा थोड़ा खुला हुआ

है। उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। सामने वाले कमरे में रोशनी देखकर वे गलियारे में आगे बढ़े और फिर से दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। फिर उन्होंने दरवाजा धक्का देकर खोला और अंदर प्रवेश किया। कमरा पूरी तरह अस्त-व्यस्त था, सारा फर्नीचर एक तरफ बिखरा पड़ा था और बीच में एक कुर्सी उल्टी पड़ी थी। इस कुर्सी के बगल में, और अभी भी उसका एक पैर पकड़े हुए, मकान का दुर्भाग्यपूर्ण किरायेदार पड़ा था। उसे दिल में चाकू मारा गया था और उसकी तुरंत मृत्यु हो गई होगी। जिस चाकू से अपराध किया गया था, वह एक घुमावदार भारतीय खंजर था, जिसे दीवारों में से एक पर सजे हुए पूर्वी हथियारों के एक स्मारक से निकाला गया था। लूटपाट अपराध का मकसद नहीं लगता, क्योंकि कमरे के कीमती सामान को ले जाने का कोई प्रयास नहीं किया गया था। श्री एडुआर्डो लुकास इतने प्रसिद्ध और लोकप्रिय थे कि उनकी हिंसक और रहस्यमय मृत्यु उनके मित्रों के व्यापक दायरे में दुखद रुचि और गहन सहानुभूति जगाएगी।

"अच्छा, वॉटसन, इस बारे में आपकी क्या राय है?" होम्स ने लंबे विराम के बाद पूछा।

"यह एक अद्भुत संयोग है।"

“अरे, ये तो संयोग है! ये उन तीन आदमियों में से एक है जिन्हें हमने इस नाटक के संभावित पात्र बताया था, और उसकी हिंसक मौत ठीक उसी समय हुई जब हमें पता है कि ये नाटक चल रहा था। संयोग होने की संभावना बहुत कम है। कोई भी आंकड़ा इसे बयां नहीं कर सकता। नहीं, मेरे प्यारे वॉटसन, ये दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हुई हैं—ज़रूर जुड़ी हुई हैं। ये संबंध खोजना हमारा काम है।”

लेकिन अब आधिकारिक पुलिस को सब कुछ पता होना चाहिए।

बिल्कुल नहीं। उन्हें गोडॉल्फिन स्ट्रीट पर जो कुछ भी दिखता है, वे सब जानते हैं। उन्हें व्हाइटहॉल टेरेस के बारे में कुछ भी नहीं पता—और न ही पता चलेगा। केवल हम ही दोनों घटनाओं के बारे में जानते हैं, और उनके बीच संबंध का पता लगा सकते हैं। एक स्पष्ट बात है जो किसी भी स्थिति में लुकास के खिलाफ मेरे संदेह को और पुख्ता कर देती। वेस्टमिंस्टर की गोडॉल्फिन स्ट्रीट, व्हाइटहॉल टेरेस से कुछ ही मिनटों की पैदल दूरी पर है। जिन अन्य गुप्त एजेंटों का मैंने नाम लिया है, वे एकदम पश्चिमी छोर पर रहते हैं। इसलिए, लुकास के लिए यूरोपीय सचिव के घर से संपर्क स्थापित करना या संदेश प्राप्त करना दूसरों की तुलना में आसान था—यह एक छोटी सी बात है, लेकिन जब घटनाएं कुछ ही घंटों में घटित होती हैं, तो यह महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। अरे! यहाँ क्या हो रहा है?

श्रीमती हडसन अपनी थाली में एक महिला का कार्ड लेकर आई थीं। होम्स ने उस पर एक नज़र डाली, अपनी भौहें उठाईं और वह कार्ड मुझे सौंप दिया।

उन्होंने कहा, "लेडी हिल्डा ट्रेलावनी होप से पूछिए कि क्या वह आगे आकर मदद करने की कृपा करेंगी।"

कुछ ही क्षणों में, हमारा साधारण सा अपार्टमेंट, जो उस सुबह से ही इतना विशिष्ट था, लंदन की सबसे सुंदर महिला के आगमन से और भी सुशोभित हो गया: मैंने ड्यूक ऑफ बेलमिंस्टर की सबसे छोटी बेटी की सुंदरता के बारे में अक्सर सुना था, लेकिन न तो उसके वर्णन ने, न ही उसकी रंगहीन तस्वीरों ने, मुझे उस खूबसूरत चेहरे के सूक्ष्म, कोमल आकर्षण और सुंदर रंग के लिए तैयार किया था। फिर भी, जब हमने उस शरद ऋतु की सुबह उसे देखा, तो उसकी सुंदरता ही वह पहली चीज़ नहीं थी जो देखने वाले को प्रभावित करती। गाल सुंदर थे, लेकिन भावनाओं से पीले पड़ गए थे, आंखें चमकीली थीं, लेकिन वह बुखार की चमक थी, संवेदनशील होंठ आत्म-नियंत्रण के

प्रयास में कसे हुए और खिंचे हुए थे। भय - सुंदरता नहीं - वह था जो सबसे पहले आँखों के सामने आया जब हमारी सुंदर अतिथि एक पल के लिए खुले दरवाजे में खड़ी हुई।

"क्या मेरे पति यहाँ आए थे, मिस्टर होम्स?"

जी हां, महोदया, वह यहां आए थे।

“श्री होम्स, मैं आपसे विनती करती हूँ कि आप उन्हें यह न बताएँ कि मैं यहाँ आई थी।” होम्स ने ठंडे लहजे में झुककर महिला को कुर्सी की ओर इशारा किया।

"महामहिम, आपने मुझे बहुत ही नाजुक स्थिति में डाल दिया है। मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप बैठ करें मुझे अपनी इच्छा बताएं, लेकिन मुझे डर है कि मैं कोई बिना शर्त वादा नहीं कर सकता।"

वह कमरे में तेज़ी से चलकर खिड़की की ओर पीठ करके बैठ गई। उसका व्यक्तित्व शाही था—लंबी, आकर्षक और अत्यंत नारीत्व से भरपूर।

“श्रीमान होम्स,” उसने कहा—बोलते समय उसके सफेद दस्ताने वाले हाथ बार-बार जुड़ते और खुलते रहे— “मैं आपसे खुलकर बात कर रही हूँ, इस उम्मीद में कि शायद आप भी खुलकर बोलेंगे। मेरे पति और मेरे बीच सभी मामलों में पूर्ण विश्वास है, सिवाय एक के। वह है राजनीति। इस पर वह चुप हैं। वह मुझे कुछ नहीं बताते। अब, मुझे पता है कि कल रात हमारे घर में एक बहुत ही दुखद घटना घटी। मुझे पता है कि एक कागज़ गायब हो गया है। लेकिन क्योंकि यह मामला राजनीतिक है, इसलिए मेरे पति मुझे पूरी तरह से विश्वास में लेने से इनकार कर रहे हैं। अब यह अत्यंत आवश्यक है—मैं कहती हूँ, अत्यंत आवश्यक—कि मैं इसे अच्छी तरह से समझूँ। इन राजनेताओं के अलावा, आप ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो सच्चाई जानते हैं। इसलिए, श्रीमान होम्स, मैं आपसे विनती करती हूँ कि मुझे ठीक-ठीक बताएँ कि क्या हुआ है और इसका क्या परिणाम होगा। मुझे सब कुछ बताएँ, श्रीमान होम्स। अपने मुवक्किल के हितों की परवाह न करें, क्योंकि मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ कि यदि वह समझें, तो मुझे पूरी तरह से विश्वास में लेने से ही उनके हित सर्वोत्तम होंगे। वह कागज़ क्या था जो गायब हुआ? चोरी हो गया?"

"महोदया, आप मुझसे जो पूछ रही हैं वह वास्तव में असंभव है।"

वह कराह उठी और अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया।

“आपको यह समझना होगा, महोदया। यदि आपके पति इस मामले में आपको अंधेरे में रखना उचित समझते हैं, तो क्या यह मेरा कर्तव्य है, जिसने पेशेवर गोपनीयता की शपथ के तहत ही सच्चाई जानी है, कि मैं वह बात बताऊं जो उन्होंने छिपा रखी है? यह पूछना उचित नहीं है। यह प्रश्न आपको उन्हीं से पूछना चाहिए।”

मैंने उनसे पूछ लिया है। मैं आपके पास अंतिम उपाय के रूप में आया हूँ। लेकिन श्रीमान होम्स, जब तक आप मुझे कोई निश्चित जवाब नहीं देते, तब तक यदि आप मुझे किसी एक बिंदु पर जानकारी दें दें तो आप मेरी बहुत बड़ी सहायता करेंगे।

“क्या बात है, महोदया?”

क्या इस घटना से मेरे पति के राजनीतिक करियर को नुकसान पहुंचने की संभावना है?

"खैर, महोदया, अगर इसे ठीक नहीं किया गया तो इसके निश्चित रूप से बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम हो सकते हैं।"

“आह!” उसने गहरी सांस ली, मानो उसके सारे संदेह दूर हो गए हों।

"एक और सवाल, श्रीमान होम्स। इस आपदा के पहले झटके में मेरे पति के मुंह से निकले एक शब्द से मुझे यह समझ आया कि इस दस्तावेज़ के खो जाने से भयानक सार्वजनिक परिणाम हो सकते हैं।"

"अगर उन्होंने ऐसा कहा है, तो मैं निश्चित रूप से इसका खंडन नहीं कर सकता।"

वे किस प्रकार के हैं?

"नहीं, महोदया, आप मुझसे फिर से उतना ही पूछ रही हैं जितना मैं उत्तर दे सकता हूँ।"

“तो मैं आपका और समय नहीं लूंगी। श्री होम्स, मैं आपको खुलकर बोलने से इनकार करने के लिए दोष नहीं दे सकती, और मुझे पूरा विश्वास है कि आप भी मेरे बारे में बुरा नहीं सोचेंगे क्योंकि मैं, उनकी इच्छा के विरुद्ध भी, अपने पति की चिंताओं को साझा करना चाहती हूं। मैं आपसे एक बार फिर निवेदन करती हूं कि आप मेरी इस यात्रा के बारे में किसी को न बताएं।”

उसने दरवाजे से हमारी तरफ देखा, और मुझे उस खूबसूरत, डरे हुए चेहरे, चौंकी हुई आँखों और मुरझाए हुए होंठों की आखिरी झलक मिली। फिर वह चली गई।

"अब, वॉटसन, महिलाओं का मामला तुम्हारा है," होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा, जब स्कर्टों की घटती हुई झालर सामने के दरवाजे के ज़ोर से बंद होने के साथ ही समाप्त हो गई। "उस सुंदरी का इरादा क्या था? वह वास्तव में क्या चाहती थी?"

"निश्चित रूप से उनका अपना बयान स्पष्ट है और उनकी चिंता बहुत स्वाभाविक है।"

“हम्म! वॉटसन, उसके रूप-रंग पर गौर करो—उसका व्यवहार, उसकी दबी हुई उत्तेजना, उसकी बेचैनी, सवाल पूछने में उसकी दृढ़ता। याद रखो कि वह उस जाति से आती है जो आसानी से अपनी भावनाएं नहीं दिखाती।”

वह निश्चित रूप से बहुत भावुक हो गई थी।

“यह भी याद रखिए कि उसने कितनी उत्सुकता और गंभीरता से हमें आश्वस्त किया था कि उसके पति के लिए यही सबसे अच्छा है कि उसे सब कुछ पता हो। उसका इससे क्या मतलब था? और आपने देखा ही होगा, वॉटसन, कि उसने किस तरह रोशनी को अपनी पीठ की ओर कर लिया था। वह नहीं चाहती थी कि हम उसके चेहरे के भावों को समझें।”

"हां, उसने कमरे में मौजूद एकमात्र कुर्सी को चुना।"

“और फिर भी महिलाओं के इरादे इतने रहस्यमय होते हैं। आपको मार्गेट की वो महिला याद है, जिस पर मुझे इसी वजह से शक हुआ था। उसकी नाक पर पाउडर नहीं था – यही सही सुराग साबित हुआ। ऐसे दलदल पर भला कैसे कोई इमारत खड़ी की जा सकती है? उनका मामूली सा काम भी बहुत मायने रख सकता है, या उनका असाधारण व्यवहार किसी हेयरपिन या कर्लिंग टोंग पर निर्भर हो सकता है। सुप्रभात, वॉटसन।”

"आप यहां नहीं हैं?"

जी हां, मैं गोडोल्फिन स्ट्रीट पर अपने नियमित दोस्तों के साथ सुबह का समय बिताऊंगा। एडुआर्डो लुकास के पास हमारी समस्या का समाधान है, हालांकि मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मुझे इसका जरा भी अंदाजा नहीं है कि यह किस रूप में सामने आएगा। तथ्यों से पहले ही अनुमान लगाना एक बड़ी गलती है। मेरे अच्छे वॉटसन, आप सतर्क रहें और आने वाले मेहमानों का स्वागत करें। अगर संभव हुआ तो मैं दोपहर के भोजन पर आपके साथ मिलूंगा।

उस दिन, अगले दिन और उसके अगले दिन भी होम्स का मिजाज कुछ ऐसा था जिसे उनके दोस्त मौन और कुछ लोग उदास कहते थे। वह बार-बार अंदर-बाहर आते-जाते, लगातार सिगरेट पीते, वायलिन की धुनें बजाते, ख्यालों में खोए रहते, अनियमित समय पर सैंडविच खाते और मेरे पूछे गए सामान्य सवालों का मुश्किल से ही जवाब देते। मुझे स्पष्ट रूप से समझ आ गया था कि उनके साथ या उनकी जांच में कुछ गड़बड़ है। उन्होंने मामले के बारे में कुछ नहीं कहा और अखबारों से ही मुझे जांच की जानकारी मिली, साथ ही मृतक के नौकर जॉन मिटन की गिरफ्तारी और बाद में रिहाई

को भी। कोरोनर की जूरी ने स्पष्ट रूप से जानबूझकर हत्या का मामला माना, लेकिन इसमें शामिल लोग पहले की तरह ही अज्ञात रहे। हत्या का कोई मकसद सामने नहीं आया। कमरा कीमती सामान से भरा था, लेकिन कोई भी सामान चोरी नहीं हुआ था। मृतक के कागज़ातों से छेड़छाड़ नहीं की गई थी। उनकी सावधानीपूर्वक जांच की गई और पता चला कि वह अंतरराष्ट्रीय राजनीति के एक उत्साही छात्र, एक अथक गपशप करने वाले, एक असाधारण भाषाविद और एक अथक पत्र लेखक थे। कई देशों के प्रमुख राजनेताओं से उनके घनिष्ठ संबंध थे। लेकिन उनके दराजों में भरे दस्तावेजों में कुछ भी सनसनीखेज नहीं मिला। महिलाओं के साथ उनके संबंध सतही तो प्रतीत होते थे, लेकिन अनैतिक थे। उनमें से कई लोगों से उनकी जान-पहचान थी, लेकिन दोस्त बहुत कम थे, और कोई भी ऐसी नहीं थी जिससे उन्हें प्रेम हो। उनकी आदतें नियमित थीं, उनका व्यवहार सौम्य था। उनकी मृत्यु एक रहस्य है और संभवतः रहस्य ही बनी रहेगी।

जॉन मिटन, जो नौकर था, की गिरफ्तारी के बारे में, यह पूर्ण निष्क्रियता के विकल्प के रूप में निराशा की एक सभा थी। लेकिन उसके खिलाफ कोई मामला साबित नहीं हो सका। वह उस रात हैमरस्मिथ में अपने दोस्तों से मिलने गया था। उसका पुख्ता सबूत था कि वह उस समय घर से निकला था जब उसे अपराध का पता चलने से पहले वेस्टमिंस्टर पहुंच जाना चाहिए था, लेकिन उसका यह स्पष्टीकरण कि वह कुछ दूर पैदल चला था, रात के अंधेरे को देखते हुए काफी विश्वसनीय लग रहा था। वह वास्तव में बारह बजे पहुंचा था, और अचानक हुई इस त्रासदी से स्तब्ध प्रतीत हो रहा था। उसके अपने मालिक के साथ हमेशा अच्छे संबंध रहे थे। मृतक की कई वस्तुएं - विशेष रूप से रेजर का एक छोटा डिब्बा - नौकर के बक्सों में मिली थीं, लेकिन उसने बताया कि वे मृतक द्वारा उपहार में दी गई थीं, और गृहस्वामी ने भी इस बात की पुष्टि की। मिटन तीन साल से लुकास के यहाँ काम कर रहा था। यह उल्लेखनीय था कि लुकास मिटन को अपने साथ महाद्वीप पर नहीं ले गया था। कभी-कभी वह लगातार तीन महीने के लिए पेरिस जाते थे, लेकिन मिटन को गोडॉल्फिन स्ट्रीट वाले घर की ज़िम्मेदारी सौंपी जाती थी। नौकरानी ने अपराध वाली रात के बारे में कुछ नहीं सुना था। अगर उसके मालिक से कोई मिलने आया भी था, तो उसने खुद उसे अंदर आने दिया था।

इस तरह तीन सुबह तक रहस्य बना रहा, जितना मैं अखबारों में पढ़ पाया। अगर होम्स को और जानकारी थी, तो उन्होंने इसे गुप्त रखा, लेकिन जैसा कि उन्होंने मुझे बताया कि इंस्पेक्टर लेस्ट्रेड ने इस मामले में उन पर भरोसा किया था, मुझे पता था कि वे हर घटनाक्रम से पूरी तरह अवगत थे। चौथे दिन पेरिस से एक लंबा टेलीग्राम आया, जिससे ऐसा लगा कि सारा मामला सुलझ गया है।

पेरिस पुलिस ने अभी-अभी एक ऐसी खोज की है [डेली टेलीग्राफ के अनुसार] जिससे श्री एडुआर्डो लुकास की दुखद मौत से पर्दा उठ गया है, जिनकी पिछले सोमवार की रात वेस्टमिंस्टर के गोडोल्फिन स्ट्रीट में हिंसक हत्या कर दी गई थी। हमारे पाठकों को याद होगा कि मृतक अपने कमरे में चाकू से घायल अवस्था में पाए गए थे, और उनके नौकर पर कुछ संदेह था, लेकिन एक पुख्ता सबूत के आधार पर मामला आगे नहीं बढ़ पाया। कल, रू ऑस्टरलिट्ज़ में एक छोटे से विला में रहने वाली श्रीमती हेनरी फोरनाये नामक एक महिला के बारे में उनके नौकरों ने अधिकारियों को सूचना दी कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं। जांच में पता चला कि वास्तव में उन्हें एक खतरनाक और स्थायी प्रकार का उन्माद हो गया था। पूछताछ करने पर, पुलिस को पता चला कि श्रीमती हेनरी फोरनाये पिछले मंगलवार को ही लंदन की यात्रा से लौटी थीं, और वेस्टमिंस्टर में हुए अपराध से उन्हें जोड़ने वाले सबूत मौजूद हैं। तस्वीरों की तुलना से यह स्पष्ट रूप से सिद्ध हो गया है कि श्री हेनरी फोरनाये और एडुआर्डो लुकास वास्तव

में एक ही व्यक्ति थे, और मृतक किसी कारणवश लंदन और पेरिस में दोहरा जीवन जी रही थी। श्रीमती फोरनाये, जो क्रियोल मूल की हैं, अत्यंत उत्तेजित स्वभाव की हैं और अतीत में ईर्ष्या के दौरों से पीड़ित रही हैं जो उन्माद की स्थिति तक पहुंच गए थे। ऐसा अनुमान है कि इन्हीं दौरों में से एक में उन्होंने वह भयानक अपराध किया जिसने लंदन में सनसनी मचा दी है। सोमवार की रात को उनकी गतिविधियों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि मंगलवार की सुबह चेरिंग क्रॉस स्टेशन पर उनके हुलिए से मिलती-जुलती एक महिला ने अपने उग्र रूप और हिंसक हाव-भाव से बहुत ध्यान आकर्षित किया। इसलिए, यह संभव है कि अपराध या तो पागलपन की स्थिति में किया गया था, या इसका तात्कालिक प्रभाव उस दुर्भाग्यशाली महिला को मानसिक रूप से विक्षिप्त कर गया। वर्तमान में वह अतीत का कोई सुसंगत विवरण देने में असमर्थ हैं, और डॉक्टरों को उनकी मानसिक स्थिति में सुधार की कोई उम्मीद नहीं है। इस बात के सबूत हैं कि सोमवार की रात को कुछ घंटों के लिए गोडोल्फिन स्ट्रीट स्थित घर की रखवाली करती हुई एक महिला को देखा गया था, जो संभवतः श्रीमती फोरनाये थीं।

"होम्स, इस बारे में आपका क्या विचार है?" मैंने नाश्ता खत्म करते समय उन्हें वह विवरण जोर से पढ़कर सुनाया था।

“मेरे प्रिय वाटसन,” उसने मेज से उठते हुए और कमरे में इधर-उधर टहलते हुए कहा, “तुम बड़े धैर्यवान हो, लेकिन अगर मैंने पिछले तीन दिनों में तुम्हें कुछ नहीं बताया है, तो इसका कारण यह है कि बताने के लिए कुछ है ही नहीं। पेरिस से आई यह रिपोर्ट भी अब तक हमारी ज्यादा मदद नहीं कर रही है।”

"निश्चित रूप से उस व्यक्ति की मृत्यु के संबंध में यह अंतिम निर्णय है।"

“उस आदमी की मौत महज़ एक घटना है—एक मामूली घटना—हमारे असली काम के मुकाबले, जो कि इस दस्तावेज़ का पता लगाना और यूरोप को एक बड़ी आपदा से बचाना है। पिछले तीन दिनों में सिर्फ़ एक ही महत्वपूर्ण बात हुई है, और वो ये कि कुछ भी नहीं हुआ है। मुझे सरकार से लगभग हर घंटे रिपोर्ट मिल रही है, और ये निश्चित है कि यूरोप में कहीं भी किसी तरह की गड़बड़ी का कोई संकेत नहीं है। अब, अगर ये चिट्ठी कहीं खो गई हो—नहीं, ऐसा नहीं हो सकता—लेकिन अगर नहीं खोई है, तो ये कहाँ हो सकती है? ये किसके पास है? इसे क्यों रोक कर रखा गया है? यही सवाल मेरे दिमाग में हथौड़े की तरह बज रहा है। क्या ये महज़ एक संयोग था कि लुकास की मौत उसी रात हुई जब चिट्ठी गायब हुई? क्या वो चिट्ठी कभी उस तक पहुँची? अगर हाँ, तो उसके कागज़ात में क्यों नहीं है? क्या उसकी पागल पत्नी उसे अपने साथ ले गई? अगर हाँ, तो क्या वो पेरिस में उसके घर में है? मैं फ्रांसीसी पुलिस को शक हुए बिना इसे कैसे खोज सकता हूँ? ये एक ऐसा मामला है, मेरे प्यारे वाटसन, जहाँ कानून हमारे लिए उतना ही खतरनाक है जितना कि अपराधी। हर आदमी का हाथ हमारे खिलाफ लड़ाई है, और फिर भी दांव पर लगे हित बहुत बड़े हैं। अगर मैं इसे सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचा पाया, तो यह निश्चित रूप से मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आह, मोर्चे से मेरी ताज़ा खबर है!” उसने जल्दी से उस नोट पर नज़र डाली जो उसे सौंपा गया था। “हैलो! लगता है लेस्ट्रेड ने कुछ दिलचस्प देखा है। वाटसन, अपनी टोपी पहन लो, और हम साथ में वेस्टमिंस्टर चलते हैं।”

अपराध स्थल पर यह मेरी पहली यात्रा थी—एक ऊँचा, गंदा, संकरा सा घर, एकदम साफ़-सुथरा, औपचारिक और मजबूत, ठीक उसी सदी की तरह जिसमें यह बना था। लेस्ट्रेड के मजबूत चेहरे ने सामने की खिड़की से हमें देखा और जब एक लंबे-चौड़े कांस्टेबल ने दरवाजा खोलकर हमें अंदर आने दिया, तो उन्होंने हमारा गर्मजोशी से स्वागत किया। जिस कमरे में हमें ले जाया गया, वही वह कमरा था जहाँ अपराध हुआ

था, लेकिन अब वहाँ कालीन पर एक भद्दा, अनियमित दाग के अलावा उसका कोई निशान नहीं बचा था। यह कालीन कमरे के बीचोंबीच एक छोटा सा चौकोर कालीन था, जिसके चारों ओर सुंदर, पुराने जमाने की लकड़ी की फर्श बिछी हुई थी, जो चौकोर टुकड़ों में थी और बहुत चमकदार थी। चिमनी के ऊपर हथियारों का एक शानदार संग्रह था, जिनमें से एक का इस्तेमाल उस दुखद रात को किया गया था। खिड़की में एक आलीशान लेखन मेज थी, और कमरे की हर छोटी-छोटी चीज, तस्वीरें, कालीन और पर्दे, सब कुछ एक ऐसे विलासितापूर्ण स्वाद की ओर इशारा कर रहे थे जो दिखावटीपन की हद तक पहुँच गया था।

"पेरिस की खबरें देखीं?" लेस्ट्रेड ने पूछा।

होम्स ने सिर हिलाया।

"हमारे फ्रांसीसी दोस्तों ने इस बार सही जगह पर चोट की है। इसमें कोई शक नहीं कि यह वही है जो वे कहते हैं। उसने दरवाज़ा खटखटाया - शायद अचानक मुलाकात, क्योंकि वह अपनी निजी ज़िंदगी को पूरी तरह से गुप्त रखता था - उसने उसे अंदर आने दिया, उसे सड़क पर रोक नहीं सका। उसने उसे बताया कि कैसे उसने उसका पीछा किया, उसे फटकारा। बात आगे बढ़ी और फिर उस खंजर के साथ, जो उसके पास ही था, अंत हो गया। हालांकि, यह सब एक पल में नहीं हुआ, क्योंकि ये कुर्सियाँ सब इधर-उधर बिखरी पड़ी थीं, और उसके हाथ में एक कुर्सी थी, मानो उसने उसे उससे रोकने की कोशिश की हो। हमें सब कुछ इतना स्पष्ट याद है जैसे हमने इसे अपनी आँखों से देखा हो।"

होम्स ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।

"और फिर भी आपने मुझे बुलवाया है?"

"अरे हाँ, वो तो एक अलग बात है – मामूली सी बात है, लेकिन ऐसी चीज़ जिसमें आपको दिलचस्पी हो सकती है – अजीबोगरीब, मतलब, और जिसे आप सनकी कह सकते हैं। इसका मुख्य तथ्य से कोई लेना-देना नहीं है – देखने में तो हो ही नहीं सकता।"

"तो वो क्या है?"

"खैर, आप जानते हैं, इस तरह के अपराध के बाद हम चीजों को उनकी जगह पर रखने में बहुत सावधानी बरतते हैं। कुछ भी नहीं हिलाया गया है। प्रभारी अधिकारी दिन-रात यहीं मौजूद हैं। आज सुबह, जब उस व्यक्ति को दफना दिया गया और इस कमरे की जांच पूरी हो गई, तो हमने सोचा कि थोड़ी सफाई कर लें। यह कालीन। देखिए, यह बंधा हुआ नहीं है, बस ऐसे ही रखा हुआ है। हमें इसे उठाने की जरूरत पड़ी। हमने पाया—"

"जी हाँ? आपने पाया —"

होम्स का चेहरा चिंता से तनावग्रस्त हो गया।

"खैर, मुझे यकीन है कि आप सौ साल में भी अंदाज़ा नहीं लगा सकते कि हमें क्या मिला। कालीन पर वह दाग दिख रहा है? लगता है काफी कुछ रिस गया होगा, है ना?"

"निस्संदेह ऐसा होना ही चाहिए।"

"खैर, आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि सफेद लकड़ी के काम पर उससे मेल खाने वाला कोई दाग नहीं है।"

"कोई दाग नहीं! लेकिन दाग तो होना ही चाहिए—"

"हां, आप ऐसा कहेंगे। लेकिन सच्चाई यह है कि ऐसा नहीं है।"

उसने कालीन का एक कोना अपने हाथ में लिया और उसे पलटकर दिखाया कि यह वास्तव में वैसा ही था जैसा उसने कहा था।

लेकिन निचला हिस्सा भी ऊपरी हिस्से की तरह ही दागदार है। इससे निशान जरूर रह गया होगा।

लेस्ट्रेड ने उस प्रसिद्ध विशेषज्ञ को उलझन में डालने की खुशी से खिलखिलाकर हँस दिया।

“अब मैं आपको इसका स्पष्टीकरण देता हूँ। एक दूसरा दाग भी है, लेकिन वह पहले वाले से मेल नहीं खाता। आप खुद देख लीजिए।” बोलते-बोलते उन्होंने कालीन का एक और हिस्सा पलटा और देखा कि पुराने ज़माने के सफ़ेद चौकोर हिस्से पर गहरे लाल रंग का एक बड़ा धब्बा लगा हुआ था। “श्रीमान होम्स, आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?”

“अरे, ये तो बहुत आसान है। दोनों दाग एक जैसे ही थे, लेकिन कालीन को पलट दिया गया था। चूंकि यह चौकोर था और खुला हुआ था, इसलिए इसे पलटना आसान था।”

“सरकारी पुलिस को आपकी ज़रूरत नहीं है, मिस्टर होम्स, यह बताने के लिए कि कालीन को उल्टा कर दिया गया होगा। यह तो साफ़ है, क्योंकि दाग एक दूसरे के ऊपर हैं—अगर आप इसे इस तरह बिछाते हैं। लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि कालीन को किसने पलटा और क्यों?”

होम्स के सख्त चेहरे से मैं समझ सकता था कि वह अंदर ही अंदर उत्तेजना से कांप रहा था।

“देखो लेस्ट्रेड,” उसने कहा, “क्या गलियारे में खड़ा वह कांस्टेबल हमेशा से इस जगह का प्रभारी रहा है?”

"हां उसे है।"

“अच्छा, मेरी सलाह मानो। उसकी अच्छी तरह से जाँच करो। हमारे सामने मत करो। हम यहीं इंतज़ार करेंगे। उसे पीछे वाले कमरे में ले जाओ। अकेले में उससे गुनाह कबूल करवाने की संभावना ज़्यादा होगी। उससे पूछो कि उसकी हिम्मत कैसे हुई लोगों को अंदर लाने और उन्हें इस कमरे में अकेला छोड़ने की। उससे यह मत पूछो कि क्या उसने ऐसा किया है। मान लो कि उसने किया है। उसे बताओ कि तुम्हें पता है कि कोई यहां आया था। उस पर दबाव डालो। उसे बताओ कि पूरा गुनाह कबूल करना ही उसके लिए माफ़ी का एकमात्र मौका है। मैं जो कहूं, ठीक वही करो!”

“अगर उसे पता चला तो मैं उससे सब कुछ उगलवा लूंगा!” लेस्ट्रेड चिल्लाया। वह दौड़कर हॉल में गया, और कुछ ही क्षणों बाद उसकी धौंस जमाने वाली आवाज़ पीछे वाले कमरे से सुनाई दी।

“अब, वॉटसन, अब!” होम्स उन्मादी उत्सुकता से चिल्लाया। उस उदासीन चेहरे के पीछे छिपी हुई सारी शैतानी ताकत ऊर्जा के विस्फोट के साथ फूट पड़ी। उसने फर्श से डंडा उठाया और पलक झपकते ही अपने हाथों और घुटनों के बल नीचे झुककर उसके नीचे मौजूद लकड़ी के हर टुकड़े को नोचने लगा। जैसे ही उसने अपने नाखून उसके किनारे में गड़ाए, एक टुकड़ा एक तरफ मुड़ गया। वह किसी डिब्बे के ढक्कन की तरह पीछे की ओर खुल गया। उसके नीचे एक छोटा सा काला गड्ढा खुल गया। होम्स ने अपना उत्सुक हाथ उसमें डाला और गुस्से और निराशा से भरी एक कर्कश आवाज के साथ उसे बाहर निकाला। वह खाली था।

“जल्दी करो, वॉटसन, जल्दी! इसे वापस लाओ!” लकड़ी का ढक्कन वापस लगा दिया गया, और दवा की थैली अभी सीधी ही खींची गई थी कि गलियारे में लेस्ट्रेड की आवाज़ सुनाई दी। उसने होम्स को सुस्ती से मेंटलपीस के सहारे झुके हुए पाया, शांत और धैर्यवान, अपनी अनियंत्रित जम्हाई को छिपाने की कोशिश करते हुए।

“आपको इंतज़ार कराने के लिए क्षमा करें, श्रीमान होम्स। मैं समझ सकता हूं कि आप इस पूरे मामले से ऊब चुके हैं। खैर, उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। अंदर आइए, मैकफर्सन। इन सज्जनों को अपने इस बेहद अक्षम्य आचरण के बारे में बताइए।”

बहुत गर्मी और पश्चाताप से भरा हुआ लंबा कांस्टेबल कमरे में धीरे से दाखिल हुआ।

“मेरा इरादा किसी को नुकसान पहुंचाने का नहीं था, महोदय, मुझे पूरा यकीन है। कल शाम वह युवती दरवाजे पर आई थी—शायद उसने घर को गलत समझ लिया था। और फिर हमारी बातचीत शुरू हो गई। जब आप यहां दिन भर ड्यूटी पर रहते हैं तो अकेलापन महसूस होता है।”

"तो फिर क्या हुआ?"

“वह देखना चाहती थी कि अपराध कहाँ हुआ था - उसने अखबारों में इसके बारे में पढ़ा था। वह बहुत ही सभ्य और शिष्ट युवती थी, महोदय, और मुझे उसे एक झलक दिखाने में कोई बुराई नहीं दिखी। जब उसने कालीन पर वह निशान देखा, तो वह ज़मीन पर गिर पड़ी और ऐसे लेट गई जैसे मर गई हो। मैं पीछे भागा और पानी लाया, लेकिन मैं उसे होश में नहीं ला सका। फिर मैं कोने में स्थित आइवी प्लांट से ब्रांडी लेने गया, और जब तक मैं उसे वापस लाया, तब तक वह युवती होश में आ चुकी थी और चली गई – मुझे लगता है कि वह खुद पर शर्मिंदा थी और मेरी तरफ देखने की हिम्मत नहीं कर रही थी।”

"उस नशेड़ी को हटाने के बारे में क्या ख्याल है?"

"जी महोदय, जब मैं वापस आई तो यह थोड़ा अस्त-व्यस्त था। दरअसल, वह इस पर गिर गई थी और यह एक पॉलिश किए हुए फर्श पर पड़ा था, जिसे टिकाने के लिए कुछ भी नहीं था। मैंने बाद में इसे सीधा कर दिया।"

“यह तुम्हारे लिए सबक है कि तुम मुझे धोखा नहीं दे सकते, कांस्टेबल मैकफर्सन,” लेस्ट्रेड ने गरिमा के साथ कहा। “इसमें कोई शक नहीं कि तुमने सोचा होगा कि तुम्हारे कर्तव्य उल्लंघन का कभी पता नहीं चलेगा, लेकिन उस डगैगेट पर एक नज़र ही मुझे यह यकीन दिलाने के लिए काफी थी कि कमरे में कोई आया था। मेरे दोस्त, तुम्हारे लिए सौभाग्य की बात है कि कुछ भी गायब नहीं है, वरना तुम जेल में होते। मुझे खेद है कि मैंने तुम्हें इतनी छोटी सी बात पर बुलाया, मिस्टर होम्स, लेकिन मुझे लगा कि दूसरे दाग का पहले दाग से मेल न खाने का मुद्दा तुम्हें दिलचस्प लगेगा।”

“बिल्कुल, यह बहुत दिलचस्प था। क्या यह महिला यहाँ सिर्फ एक बार ही आई है, कांस्टेबल?”

"जी जी, केवल एक बार।"

वह कौन थी?

"नाम नहीं पता, महोदय। मैं टाइपिंग के विज्ञापन का जवाब दे रहा था और गलती से गलत नंबर लग गया - बहुत ही सुखद और सभ्य युवती थीं, महोदय।"

“लंबा? सुंदर?”

जी हाँ, महोदय, वह एक सुगठित युवती थी। आप कह सकते हैं कि वह सुंदर थी। शायद कुछ लोग कहेंगे कि वह बेहद सुंदर थी। ‘ओह, अधिकारी जी, मुझे एक झलक देखने दीजिए!’ उसने कहा। उसके हाव-भाव बहुत ही प्यारे और लुभावने थे, और मुझे लगा कि उसे दरवाजे से अपना सिर अंदर डालने देने में कोई हर्ज नहीं है।

“उसने क्या पहना था?”

"शांत रहिए, महोदय - उनके पैरों तक लंबा लबादा है।"

"उतने समय क्या बज रहा था?"

“उस समय शाम ढलने लगी थी। जब मैं ब्रांडी लेकर लौटा तो वे लोग दीपक जला रहे थे।”

“बहुत बढ़िया,” होम्स ने कहा। “चलो, वॉटसन, मुझे लगता है कि हमें कहीं और इससे भी ज़्यादा ज़रूरी काम करना है।”

जब हम घर से निकले तो लेस्ट्रेड सामने वाले कमरे में ही रुका रहा जबकि पश्चाताप करते कांस्टेबल ने हमें बाहर निकलने के लिए दरवाजा खोला। होम्स सीढ़ी पर मुड़ा और अपने हाथ में कुछ ऊपर उठाया। कांस्टेबल उसे ध्यान से घूर रहा था।

“हे भगवान!” वह अपने चेहरे पर हैरानी लिए चिल्लाया। होम्स ने अपनी उंगली होठों पर रखी, हाथ वापस अपनी जेब में डाला और जैसे ही हम गली में मुड़े, वह ज़ोर से हंस पड़ा। “बहुत बढ़िया!” उसने कहा। “आओ, मेरे दोस्त वॉटसन, आखिरी नाटक का पर्दा उठ गया है। तुम्हें यह जानकर राहत मिलेगी कि कोई युद्ध नहीं होगा, माननीय ट्रेलावनी होप को अपने शानदार करियर में कोई झटका नहीं लगेगा, नासमझ सम्राट को अपनी नासमझी के लिए कोई सज़ा नहीं मिलेगी, प्रधानमंत्री को यूरोप से जुड़ी कोई समस्या नहीं सुलझानी पड़ेगी, और हमारी थोड़ी सी सूझबूझ और कुशलता से किसी को भी उस भयानक घटना से एक पैसा भी नुकसान नहीं होगी जो हो सकती थी।”

मेरा मन इस असाधारण व्यक्ति के प्रति प्रशंसा से भर गया।

“तुमने इसे हल कर दिया!” मैंने चिल्लाकर कहा।

“ऐसा बिलकुल नहीं है, वॉटसन। कुछ मुद्दे तो पहले की तरह ही पेचीदा हैं। लेकिन हमारे पास इतना कुछ है कि अगर हम बाकी के मुद्दे नहीं सुलझा पाए तो यह हमारी ही गलती होगी। हम सीधे व्हाइटहॉल टेरेस जाएंगे और मामले को अंतिम रूप देंगे।”

जब हम यूरोपीय सचिव के आवास पर पहुंचे, तो शर्लक होम्स ने लेडी हिल्डा ट्रेलावनी होप के बारे में पूछताछ की। हमें सुबह के कमरे में ले जाया गया।

“श्रीमान होम्स!” महिला ने गुस्से से लाल होते हुए कहा। “यह आपका बहुत ही अनुचित और अनुचित व्यवहार है। जैसा कि मैंने पहले भी बताया है, मैं आपसे गुप्त रूप से मिलना चाहती थी, कहीं मेरे पति को यह न लगे कि मैं उनके मामलों में दखल दे रही हूं। फिर भी आप यहां आकर और हमारे बीच व्यापारिक संबंध दिखाकर मुझे मुश्किल में डाल रहे हैं।”

"दुर्भाग्यवश, महोदया, मेरे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था। मुझे यह अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बरामद करने का कार्य सौंपा गया है। इसलिए, महोदया, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि कृपया इसे मेरे हाथों में सौंप दें।"

वह महिला झट से खड़ी हो उठी, मानो पल भर में उसके खूबसूरत चेहरे का रंग उड़ गया हो। उसकी आँखें बेजान सी हो गईं—वह लड़खड़ाने लगी—मुझे लगा जैसे वह बेहोश हो जाएगी। फिर बड़ी मुश्किल से उसने सदमे से उबरते हुए खुद को संभाला, और उसके चेहरे से हैरानी और आक्रोश के सारे भाव गायब हो गए।

"आप—आप मेरा अपमान कर रहे हैं, मिस्टर होम्स।"

"आइए, आइए महोदया, यह व्यर्थ है। पत्र छोड़ दीजिए।"

वह घंटी की ओर दौड़ी।

"बटलर आपको बाहर तक छोड़ देगा।"

“लेडी हिल्डा, फोन मत कीजिए। अगर आपने फोन किया, तो बदनामी से बचने के मेरे सारे प्रयास व्यर्थ हो जाएंगे। पत्र लिखना छोड़ दीजिए, सब ठीक हो जाएगा। अगर आप मेरे साथ सहयोग करेंगी तो मैं सब कुछ संभाल लूंगा। अगर आप मेरे खिलाफ काम करेंगी तो मुझे आपको बेनकाब करना पड़ेगा।”

वह शाही अंदाज में खड़ी थी, मानो किसी रानी की तरह, उसकी निगाहें उस पर टिकी थीं, मानो वह उसकी आत्मा को पढ़ ले। उसका हाथ घंटी पर था, लेकिन उसने

उसे बजाया नहीं था।

“आप मुझे डराने की कोशिश कर रहे हैं। श्री होम्स, यहाँ आकर किसी महिला को धमकाना मर्दाना बात नहीं है। आप कहते हैं कि आपको कुछ पता है। आखिर आपको क्या पता है?”

“कृपया बैठ जाइए, महोदया। गिरने पर आपको चोट लग सकती है। जब तक आप बैठ नहीं जातीं, मैं कुछ नहीं बोलूंगा। धन्यवाद।”

"मैं आपको पांच मिनट का समय देता हूं, मिस्टर होम्स।"

"एक ही काफी है, लेडी हिल्डा। मुझे एडुआर्डो लुकास से आपकी मुलाकात, उन्हें यह दस्तावेज़ देने, कल रात चतुराई से कमरे में लौटने और कालीन के नीचे छिपी जगह से पत्र निकालने के तरीके के बारे में पता है।"

उसका चेहरा पीला पड़ गया था और वह उसे घूरती रही, बोलने से पहले उसने दो बार घूंट भरा।

"आप पागल हैं, मिस्टर होम्स - आप पागल हैं!" वह अंत में चिल्लाई।

उसने अपनी जेब से गत्ते का एक छोटा सा टुकड़ा निकाला। यह एक महिला का चेहरा था जिसे किसी चित्र से काटकर बनाया गया था।

उन्होंने कहा, “मैंने इसे इसलिए साथ रखा था क्योंकि मुझे लगा कि यह काम आ सकता है। पुलिसवाले ने इसे पहचान लिया है।”

उसने हांफते हुए एक गहरी सांस ली और उसका सिर कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया।

"आइए, लेडी हिल्डा। आपके पास पत्र है। मामला अभी भी सुलझ सकता है। मैं आपको कोई परेशानी नहीं देना चाहता। आपके पति को खोया हुआ पत्र लौटाने के बाद, मेरा कर्तव्य समाप्त हो जाता है। मेरी सलाह मानिए और मुझसे खुलकर बात कीजिए। यही आपका एकमात्र मौका है।"

उसका साहस प्रशंसनीय था। आज भी वह हार स्वीकार करने को तैयार नहीं थी।

"मैं आपसे फिर कहता हूं, मिस्टर होम्स, कि आप किसी बेतुके भ्रम में जी रहे हैं।"

होम्स अपनी कुर्सी से उठ खड़े हुए।

“मुझे आपके लिए खेद है, लेडी हिल्डा। मैंने आपके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। मैं देख सकता हूँ कि यह सब व्यर्थ है।”

उसने घंटी बजाई। बटलर अंदर आया।

“क्या श्री ट्रेलावनी होप घर पर हैं?”

“वह पौने एक बजे घर आ जाएगा, महोदय।”

होम्स ने अपनी घड़ी पर एक नजर डाली।

“अभी पंद्रह मिनट बाकी हैं,” उसने कहा। “बहुत अच्छा, मैं इंतजार करूँगा।”

बटलर ने अभी दरवाज़ा बंद ही किया था कि लेडी हिल्डा होम्स के पैरों में घुटनों के बल बैठ गई, उसके हाथ फैले हुए थे, उसका खूबसूरत चेहरा ऊपर की ओर उठा हुआ था और आंसुओं से भीगा हुआ था।

“ओह, मुझे बख्श दीजिए, मिस्टर होम्स! मुझे बख्श दीजिए!” वह गिड़गिड़ाते हुए बोली। “भगवान के लिए, उन्हें मत बताइए! मैं उनसे बहुत प्यार करती हूं! मैं उनके जीवन पर एक भी धब्बा नहीं लगने देना चाहती, और मैं जानती हूं कि इससे उनका नेक दिल टूट जाएगा।”

होम्स ने महिला को उठाया। “महोदया, मुझे खुशी है कि आपने इस आखिरी क्षण में भी होश संभाला! एक पल भी गंवाने का समय नहीं है। पत्र कहाँ है?”

वह झट से एक लेखन मेज की ओर दौड़ी, उसे खोला और उसमें से एक लंबा नीला लिफाफा निकाला।

"ये रहा, मिस्टर होम्स। काश, मैंने इसे कभी देखा ही न होता!"

"हम इसे कैसे लौटा सकते हैं?" होम्स बुदबुदाया। "जल्दी, जल्दी, हमें कोई न कोई तरीका सोचना होगा! डिस्पैच बॉक्स कहाँ है?"

"अभी भी अपने बेडरूम में है।"

"कितनी अच्छी किस्मत है! जल्दी कीज़िए, महोदया, इसे यहाँ लाइए!"

कुछ ही देर बाद वह हाथ में एक लाल रंग का चपटा डिब्बा लिए हुए प्रकट हुई।

"आपने इसे पहले कैसे खोला था? क्या आपके पास इसकी डुप्लीकेट चाबी है? हाँ, बिल्कुल है। इसे खोलिए!"

लेडी हिल्डा ने अपनी छाती से एक छोटी सी चाबी निकाली। बक्सा खुल गया। वह कागजों से भरा हुआ था। होम्स ने नीले लिफाफे को कागजों के बीचोंबीच, कुछ अन्य दस्तावेजों के पन्नों के बीच में डाल दिया। बक्सा बंद करके ताला लगा दिया गया और उसे वापस शयनकक्ष में रख दिया गया।

"अब हम उसके लिए तैयार हैं," होम्स ने कहा। "हमारे पास अभी भी दस मिनट हैं। लेडी हिल्डा, मैं आपको परखने के लिए काफी समय लूंगा। बदले में आप मुझे इस असाधारण मामले का असली मतलब खुलकर बताएंगी।"

"श्रीमान होम्स, मैं आपको सब कुछ बता दूंगी," महिला रोते हुए बोली। "ओह, श्रीमान होम्स, मैं उन्हें एक पल का भी दुख देने से पहले अपना दाहिना हाथ भी काट दूंगी! पूरे लंदन में कोई भी स्त्री अपने पति से उतना प्रेम नहीं करती जितना मैं करती हूं, और फिर भी अगर उन्हें पता चल जाए कि मैंने क्या किया है—मुझे क्या करने के लिए मजबूर होना पड़ा है—तो वे मुझे कभी माफ नहीं करेंगे। क्योंकि उनका अपना सम्मान इतना ऊंचा है कि वे किसी दूसरे की गलती को न तो भूल सकते हैं और न ही माफ कर सकते हैं। मेरी मदद कीजिए, श्रीमान होम्स! मेरी खुशी, उनकी खुशी, हम सबकी जिंदगी दांव पर लगी है!"

"जल्दी कीजिए, महोदया, समय कम बचा है!"

"यह मेरा पत्र था, श्री होम्स, शादी से पहले लिखा गया एक नासमझी भरा पत्र—एक मूर्खतापूर्ण पत्र, एक आवेगपूर्ण, प्रेम करने वाली लड़की का पत्र। मेरा इरादा किसी को नुकसान पहुंचाने का नहीं था, फिर भी वह इसे अपराध समझते। अगर उन्होंने वह पत्र पढ़ा होता तो उनका विश्वास हमेशा के लिए टूट जाता। इसे लिखे हुए कई साल हो गए हैं। मैंने सोचा था कि सारा मामला भुला दिया गया है। फिर आखिरकार मुझे लुकास नाम के इस आदमी से पता चला कि वह पत्र उसके हाथ लग गया है और वह इसे मेरे पति के सामने पेश करेगा। मैंने उससे दया की भीख मांगी। उसने कहा कि अगर मैं उसे वह दस्तावेज़ ला कर दूं जिसका उसने मेरे पति के डाक-पेटी में होने का वर्णन किया था, तो वह मेरा पत्र लौटा देगा। उसके दफ्तर में एक जासूस था जिसने उसे इसके अस्तित्व के बारे में बताया था। उसने मुझे आश्वासन दिया कि मेरे पति को कोई नुकसान नहीं हो सकता। श्री होम्स, खुद को मेरी जगह रखकर देखिए! मैं क्या करती?"

अपने पति को अपने विश्वास में लें।

"मैं ऐसा नहीं कर सकी, श्रीमान होम्स, मैं ऐसा नहीं कर सकी! एक तरफ तो निश्चित बर्बादी दिख रही थी, दूसरी तरफ, मेरे पति का अखबार छिन जाना कितना भयानक लग रहा था, फिर भी राजनीति के मामले में मैं इसके परिणामों को समझ नहीं पा रही थी, जबकि प्रेम और विश्वास के मामले में वे मेरे लिए बिल्कुल स्पष्ट थे। मैंने कर दिखाया, श्रीमान होम्स! मैंने उनकी चाबी की छाप ले ली। इस आदमी, लुकास ने मुझे उसकी एक डुप्लीकेट चाबी दे दी। मैंने उनका डिस्पैच बॉक्स खोला, अखबार निकाला और उसे गोडाल्फिन स्ट्रीट पहुंचा दिया।"

"वहाँ क्या हुआ, महोदया?"

मैंने तयशुदा तरीके से दरवाजे पर दस्तक दी। लुकास ने दरवाजा खोला। मैं उसके पीछे-पीछे उसके कमरे में चली गई, हॉल का दरवाजा थोड़ा खुला छोड़ दिया, क्योंकि मुझे उस आदमी के साथ अकेले रहने से डर लग रहा था। मुझे याद है कि जब मैं अंदर गई तो बाहर एक महिला खड़ी थी। हमारा काम जल्दी ही पूरा हो गया। उसकी मेज पर मेरा पत्र था, मैंने उसे दस्तावेज़ सौंप दिया। उसने मुझे पत्र दे दिया। उसी क्षण दरवाजे पर एक आवाज आई। गलियारे में कदमों की आहट सुनाई दी। लुकास ने जल्दी से दरवाजा पलटा, दस्तावेज़ को किसी छिपी हुई जगह पर रख दिया और उसे ढक दिया।

उसके बाद जो कुछ हुआ, वह किसी भयानक सपने जैसा था। मुझे एक अंधेरा, व्याकुल चेहरा दिखाई दिया, एक औरत की आवाज़ सुनाई दी, जो फ्रेंच में चीख रही थी, 'मेरा इंतज़ार व्यर्थ नहीं गया। आखिरकार, आखिरकार मैंने तुम्हें उसके साथ पा लिया!'. वहाँ एक भयंकर संघर्ष हुआ। मैंने उसे हाथ में कुर्सी लिए देखा, और उसके हाथ में चाकू चमक रहा था। मैं उस भयानक दृश्य से भाग निकला, घर से बाहर निकल गया, और अगली सुबह अखबार में ही मुझे उस भयावह परिणाम के बारे में पता चला। उस रात मैं खुश था, क्योंकि मुझे मेरा पत्र मिल गया था, और मैंने अभी तक यह नहीं देखा था कि भविष्य में क्या होगा।

अगली सुबह मुझे एहसास हुआ कि मैंने एक मुसीबत को दूसरी मुसीबत से बदल दिया है। अपने पति के अखबार के खो जाने का दुख मेरे दिल को छू गया। मैं खुद को रोक नहीं पाई और उसी वक्त उनके पैरों पर घुटने टेककर उन्हें सब कुछ बता दिया। लेकिन इसका मतलब फिर से अतीत का कबूलनामा होता। मैं उस सुबह आपके पास इसलिए आई थी ताकि अपने अपराध की गंभीरता को समझ सकूँ। जैसे ही मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ, मेरा सारा ध्यान सिर्फ अपने पति का अखबार वापस पाने पर केंद्रित हो गया। वह अभी भी वहीं होगा जहाँ लुकास ने उसे रखा था, क्योंकि उस भयानक औरत के कमरे में आने से पहले ही उसे छिपा दिया गया था। अगर वह न आती, तो मुझे पता ही नहीं चलता कि उसने उसे कहाँ छिपाया है। मैं कमरे में कैसे जाती? दो दिन तक मैंने उस जगह पर नज़र रखी, लेकिन दरवाजा कभी खुला नहीं छोड़ा गया। पिछली रात मैंने आखिरी कोशिश की। मैंने क्या किया और कैसे सफल हुई, यह आप पहले ही जान चुकी हैं। मैं अखबार वापस ले आई और उसे नष्ट करने के बारे में सोचा, क्योंकि मुझे अपने पति के सामने अपना गुनाह कबूल किए बिना उसे लौटाने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। हे भगवान! मुझे सीढ़ियों पर उसके कदमों की आहट सुनाई दे रही है!

यूरोपीय सचिव उत्तेजित होकर कमरे में दाखिल हुए।

“कोई खबर है, मिस्टर होम्स, कोई खबर है?” वह चिल्लाया।

मुझे कुछ उम्मीदें हैं।

“आह, शुक्र है!” उनका चेहरा चमक उठा। “प्रधानमंत्री मेरे साथ दोपहर का भोजन कर रहे हैं। क्या वे आपकी आशाओं में भागीदार होंगे? वे बहुत दृढ़ हैं, फिर भी मुझे पता है कि इस भयानक घटना के बाद से उन्होंने मुश्किल से ही नींद ली है। जैकब्स, क्या आप प्रधानमंत्री को ऊपर आने के लिए कहेंगे? प्रिय, मुझे लगता है कि यह राजनीति का मामला है। हम कुछ ही मिनटों में भोजन कक्ष में आपके साथ शामिल होंगे।”

प्रधानमंत्री का व्यवहार संयमित था, लेकिन उनकी आंखों की चमक और उनकी दुबली-पतली हथेलियों की फड़कन से मैं समझ गया कि वे अपने युवा सहयोगी के उत्साह में भागीदार थे।

“मुझे पता चला है कि आपको कुछ रिपोर्ट करना है, मिस्टर होम्स?”

“अभी तक तो बिल्कुल भी खतरा नहीं है,” मेरे दोस्त ने जवाब दिया। “मैंने हर उस जगह पूछताछ कर ली है जहाँ खतरा हो सकता है, और मुझे पूरा यकीन है कि वहाँ कोई खतरा नहीं है।”

"लेकिन इतना काफी नहीं है, मिस्टर होम्स। हम ऐसे ज्वालामुखी पर हमेशा के लिए नहीं रह सकते। हमें कुछ निश्चित उपाय चाहिए।"

मुझे उम्मीद है कि मुझे वह मिल जाएगा। इसीलिए मैं यहाँ हूँ। जितना ज़्यादा मैं इस बारे में सोचता हूँ, उतना ही मुझे यकीन होता जा रहा है कि वह पत्र इस घर से कभी बाहर नहीं गया।

“श्री होम्स!”

"अगर ऐसा होता तो अब तक यह बात सार्वजनिक हो चुकी होती।"

लेकिन कोई इसे अपने घर में रखने के लिए क्यों लेगा?

मुझे यकीन नहीं है कि किसी ने इसे लिया होगा।

"तो फिर यह डिस्पैच-बॉक्स से बाहर कैसे निकल सकता था?"

मुझे यकीन नहीं है कि यह कभी डिस्पैच-बॉक्स से बाहर निकला भी था।

“श्री होम्स, यह मजाक बहुत ही अनुचित समय पर किया गया है। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि यह डिब्बे से बाहर निकल गया है।”

"क्या आपने मंगलवार सुबह से बॉक्स की जांच की है?"

नहीं। इसकी आवश्यकता नहीं थी।

"हो सकता है कि आपने इसे नजरअंदाज कर दिया हो।"

"यह असंभव है, मैं कहता हूं।"

लेकिन मुझे इस बात पर यकीन नहीं है। मैंने ऐसी घटनाएं पहले भी देखी हैं। मेरा अनुमान है कि वहां और भी कागजात होंगे। खैर, हो सकता है कि वे उनके साथ मिल गए हों।

"यह सबसे ऊपर था।"

"हो सकता है किसी ने डिब्बे को हिलाकर उसे उसकी जगह से हटा दिया हो।"

नहीं, नहीं, मैंने सब कुछ बाहर निकाल दिया था।

“होप, यह तो आसानी से तय हो जाएगा,” प्रीमियर ने कहा। “चलिए, हम डिस्पैच बॉक्स मंगवा लेते हैं।”

सचिव ने घंटी बजाई।

“जैकोब्स, मेरा पत्र-पेटी नीचे लाओ। यह समय की सरासर बर्बादी है, लेकिन फिर भी, अगर और कुछ तुम्हें संतुष्ट नहीं करेगा, तो यही करना पड़ेगा। धन्यवाद, जैकोब्स, इसे यहाँ रख दो। चाबी हमेशा मेरी घड़ी की चेन में रहती है। ये रहे कागज़ात। लॉर्ड मेरो का पत्र, सर चार्ल्स हार्डी की रिपोर्ट, बेलग्रेड से ज्ञापन, रूस-जर्मन अनाज करों पर टिप्पणी, मैड्रिड से पत्र, लॉर्ड फ्लावर्स की टिप्पणी — हे भगवान! ये क्या है? लॉर्ड बेलिंगर! लॉर्ड बेलिंगर!”

प्रधानमंत्री ने उसके हाथ से नीला लिफाफा छीन लिया।

“जी हां, यही है — और पत्र बिल्कुल सुरक्षित है। आशा है, मैं आपको बधाई देता हूं।”

“धन्यवाद! धन्यवाद! मेरे दिल से कितना बड़ा बोझ उतर गया। लेकिन यह अकल्पनीय है—असंभव। श्री होम्स, आप तो जादूगर हैं, तांत्रिक हैं! आपको कैसे पता चला कि वह वहाँ था?”

क्योंकि मुझे पता था कि यह कहीं और नहीं मिलेगा।

“मुझे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा!” वह बेचैनी से दरवाजे की ओर भागा। “मेरी पत्नी कहाँ है? मुझे उसे बताना होगा कि सब ठीक है। हिल्डा! हिल्डा!” सीढ़ियों पर

उसकी आवाज़ सुनाई दी।

प्रधानमंत्री ने चमकती आंखों से होम्स की ओर देखा।

“जी महोदय,” उसने कहा। “इसमें जितना दिख रहा है उससे कहीं अधिक रहस्य है। वह पत्र वापस डिब्बे में कैसे आ गया?”

होम्स उन अद्भुत आंखों की तीक्ष्ण दृष्टि से मुस्कुराते हुए मुंह फेर लिया।

“हमारे भी अपने राजनयिक रहस्य हैं,” उन्होंने कहा और अपनी टोपी उठाते हुए दरवाजे की ओर मुड़ गए।

छह नेपोलियनों का साहसिक कार्य

स्कॉटलैंड यार्ड के श्री लेस्ट्रेड का शाम को हमसे मिलने आना कोई असामान्य बात नहीं थी, और शर्लक होम्स को उनकी मुलाकातें बहुत पसंद आती थीं, क्योंकि इससे उन्हें पुलिस मुख्यालय में चल रही सभी गतिविधियों की जानकारी मिलती रहती थी। लेस्ट्रेड द्वारा लाई गई खबरों के बदले में, होम्स हमेशा जासूस द्वारा सुलझाए जा रहे किसी भी मामले की बारीकियों को ध्यान से सुनने के लिए तैयार रहते थे, और कभी-कभी बिना किसी हस्तक्षेप के, अपने विशाल ज्ञान और अनुभव से कुछ संकेत या सुझाव देने में भी सक्षम होते थे।

उस शाम लेस्ट्रेड ने मौसम और अखबारों के बारे में बात की थी। फिर वह चुप हो गया और सोच-विचार करते हुए अपनी सिगार का कश लेने लगा। होम्स ने उसे गौर से देखा।

“क्या यहाँ कुछ उल्लेखनीय है?” उसने पूछा।

"ओह, नहीं, मिस्टर होम्स - कुछ खास नहीं है।"

"तो मुझे इसके बारे में बताओ।"

लेस्ट्रेड हँस पड़ा।

“खैर, श्रीमान होम्स, यह मानने से इनकार करने का कोई फायदा नहीं है कि मेरे मन में कुछ चल रहा है। फिर भी, यह इतना बेतुका मामला है कि मैंने आपसे इस बारे में बात करने में संकोच किया। दूसरी ओर, हालांकि यह मामूली बात है, लेकिन यह निस्संदेह विचित्र है, और मैं जानता हूं कि आपको असामान्य चीजों में रुचि है। लेकिन, मेरी राय में, यह डा. वाटसन के क्षेत्र में हमारे मुकाबले अधिक आता है।”

“बीमारी?” मैंने कहा।

“पागलपन, खैर। और वो भी एक अजीब पागलपन। आप सोच भी नहीं सकते कि आज के समय में कोई ऐसा व्यक्ति जीवित होगा जिसे नेपोलियन प्रथम से इतनी नफरत हो कि वह उसकी हर उस छवि को तोड़ दे जो उसे दिखाई दे।”

होम्स अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर धंस गया।

उन्होंने कहा, "इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है।"

“बिल्कुल सही। मैंने यही कहा था। लेकिन फिर, जब कोई व्यक्ति दूसरों की छवियों को नष्ट करने के लिए चोरी करता है, तो मामला डॉक्टर से हटकर पुलिसकर्मी पर आ जाता है।”

होम्स फिर से उठकर बैठ गया।

“चोरी! यह तो और भी दिलचस्प है। मुझे इसके बारे में विस्तार से बताओ।”

लेस्ट्रेड ने अपनी आधिकारिक नोटबुक निकाली और उसके पन्नों से अपनी याददाश्त ताज़ा की।

“पहला मामला चार दिन पहले दर्ज हुआ था,” उन्होंने कहा। “यह केनिंग्टन रोड पर स्थित मोर्स हडसन की दुकान पर हुआ था, जहाँ चित्र और मूर्तियाँ बेची जाती हैं। दुकान का सहायक एक पल के लिए बाहर गया था, तभी उसे एक ज़ोरदार आवाज़ सुनाई दी।

अंदर जाकर उसने देखा कि काउंटर पर रखी नेपोलियन की प्लास्टर की प्रतिमा, जो कई अन्य कलाकृतियों के साथ थी, चकनाचूर होकर बिखर गई थी। वह तुरंत सड़क पर भागा, लेकिन कई राहगीरों ने बताया कि उन्होंने एक आदमी को दुकान से भागते हुए देखा था, फिर भी वह न तो किसी को देख सका और न ही उस बदमाश की पहचान कर सका। यह गुंडागर्दी की उन बेतुकी घटनाओं में से एक लग रही थी जो कभी-कभार होती रहती है, और इसकी सूचना गश्त पर तैनात कांस्टेबल को इसी रूप में दी गई। प्लास्टर की प्रतिमा की कीमत कुछ शिलिंग से ज़्यादा नहीं थी, और पूरा मामला इतना बचकाना लग रहा था कि किसी विशेष जाँच की ज़रूरत नहीं थी।”

“हालांकि, दूसरा मामला अधिक गंभीर और साथ ही अधिक अनोखा था। यह घटना कल रात ही घटी।”

“केनिंगटन रोड में, मोर्स हडसन की दुकान से कुछ सौ गज की दूरी पर, डॉ. बार्निकॉट नाम के एक जाने-माने चिकित्सक रहते हैं, जिनका टेम्स नदी के दक्षिणी किनारे पर सबसे बड़ा क्लिनिक है। उनका निवास और मुख्य परामर्श कक्ष केनिंगटन रोड पर है, लेकिन दो मील दूर लोअर ब्रिक्सटन रोड पर उनकी एक शाखा क्लिनिक और औषधालय भी है। डॉ. बार्निकॉट नेपोलियन के कट्टर प्रशंसक हैं और उनका घर फ्रांसीसी सम्राट की किताबों, चित्रों और कलाकृतियों से भरा हुआ है। कुछ समय पहले उन्होंने मोर्स हडसन से फ्रांसीसी मूर्तिकार डिवाइन द्वारा बनाए गए नेपोलियन के प्रसिद्ध सिर के दो प्रतिकृति प्लास्टर कास्ट खरीदे थे। इनमें से एक उन्होंने केनिंगटन रोड स्थित अपने घर के हॉल में रखा था और दूसरा लोअर ब्रिक्सटन स्थित क्लिनिक के मेंटलपीस पर। खैर, जब डॉ. बार्निकॉट आज सुबह नीचे आए तो वे यह देखकर हैरान रह गए कि रात में उनके घर में चोरी हो गई थी, लेकिन हॉल से प्लास्टर का सिर छोड़कर कुछ भी नहीं चोरी हुआ था। उसे बाहर ले जाकर तोड़ दिया गया था।” इसे बगीचे की दीवार से बेरहमी से टकराया गया था, जिसके नीचे इसके टूटे हुए टुकड़े पाए गए थे।

होम्स ने अपने हाथ मले।

उन्होंने कहा, "यह निश्चित रूप से बहुत ही अनोखा है।"

“मुझे लगा था कि आपको यह अच्छा लगेगा। लेकिन अभी बात पूरी नहीं हुई है। डॉक्टर बार्निकॉट को बारह बजे अपने क्लिनिक में आना था, और आप उनकी हैरानी का अंदाज़ा लगा सकते हैं जब वहाँ पहुँचकर उन्होंने देखा कि रात में खिड़की खुली हुई थी और उनकी दूसरी मूर्ति के टूटे हुए टुकड़े पूरे कमरे में बिखरे पड़े थे। वह जहाँ रखी थी वहीं चूर-चूर हो गई थी। दोनों ही मामलों में ऐसा कोई निशान नहीं था जिससे हमें उस अपराधी या पागल के बारे में कोई सुराग मिल सके जिसने यह गड़बड़ की थी। अब, श्री होम्स, आपको सारे तथ्य पता चल गए हैं।”

“वे अनोखे हैं, बल्कि विकराल हैं,” होम्स ने कहा। “क्या मैं पूछ सकता हूँ कि डॉ. बार्निकॉट के कमरों में तोड़ी गई दोनों मूर्तियाँ, मोर्स हडसन की दुकान में नष्ट हुई मूर्ति की हूबहू प्रतिकृति थीं?”

“वे एक ही सांचे से बने थे।”

“यह तथ्य इस सिद्धांत के विरुद्ध है कि इन्हें तोड़ने वाला व्यक्ति नेपोलियन के प्रति किसी सामान्य घृणा से प्रभावित है। लंदन में महान सम्राट की सैकड़ों प्रतिमाओं को देखते हुए, यह मानना बहुत अधिक है कि एक सनकी मूर्तिभंजक संयोगवश एक ही प्रकार की तीन प्रतिमाओं को तोड़ना शुरू कर देगा।”

“खैर, मैंने भी यही सोचा था,” लेस्ट्रेड ने कहा। “दूसरी ओर, यह मोर्स हडसन लंदन के उस हिस्से में मूर्तियों का विक्रेता है, और ये तीनों ही मूर्तियाँ वर्षों से उसकी दुकान में थीं। इसलिए, जैसा कि आप कहते हैं, लंदन में सैकड़ों मूर्तियाँ हैं, फिर भी यह बहुत

संभव है कि उस इलाके में ये तीनों ही मूर्तियाँ थीं। इसलिए, किसी स्थानीय कट्टरपंथी ने इनसे ही शुरुआत की होगी। डॉ. वॉटसन, आपका क्या विचार है?”

“सनक की कोई सीमा नहीं होती,” मैंने उत्तर दिया। “एक ऐसी स्थिति होती है जिसे आधुनिक फ्रांसीसी मनोवैज्ञानिकों ने ‘स्थिर विचार’ कहा है, जो देखने में मामूली लग सकती है, लेकिन बाकी सभी मामलों में व्यक्ति पूरी तरह से स्वस्थ हो सकता है। नेपोलियन के बारे में गहराई से पढ़ने वाला व्यक्ति, या जिसे संभवतः प्रथम विश्व युद्ध के दौरान वंशानुगत पारिवारिक आघात लगा हो, संभवतः इस तरह के एक स्थिर विचार का शिकार हो सकता है और इसके प्रभाव में आकर किसी भी प्रकार का अमानवीय कृत्य कर सकता है।”

"यह ठीक नहीं है, मेरे प्यारे वॉटसन," होम्स ने सिर हिलाते हुए कहा, "क्योंकि किसी भी तरह के सनकी विचार से तुम्हारा यह दिलचस्प सनकी व्यक्ति यह पता नहीं लगा पाएगा कि ये मूर्तियाँ कहाँ स्थित हैं।"

"अच्छा, आप इसे कैसे समझाएंगे?"

“मैं ऐसा करने का प्रयास नहीं करता। मैं केवल इतना कहना चाहूँगा कि इस सज्जन की विलक्षण कार्यशैली में एक विशेष तरीका है। उदाहरण के लिए, डा. बार्निकोट के हॉल में, जहाँ ज़रा सी भी आवाज़ से परिवार जाग सकता था, मूर्ति को तोड़ने से पहले बाहर ले जाया गया, जबकि सर्जरी कक्ष में, जहाँ शोर का खतरा कम था, उसे वहीं तोड़ दिया गया। यह मामला देखने में तो हास्यास्पद रूप से मामूली लगता है, फिर भी मैं इसे मामूली नहीं कह सकता, क्योंकि मेरे कुछ सबसे महत्वपूर्ण मामलों की शुरुआत भी बेहद निराशाजनक रही है। आपको याद होगा, वॉटसन, कि कैसे एबरनेटी परिवार के उस भयानक मामले की जानकारी मुझे सबसे पहले तब मिली जब एक गर्म दिन में अजमोद मक्खन में इतना डूब गया था। इसलिए, लेस्ट्रेड, मैं आपकी तीन टूटी हुई मूर्तियों पर मुस्कुरा नहीं सकता, और यदि आप मुझे इस विलक्षण घटनाक्रम के बारे में कोई नई जानकारी देंगे तो मैं आपका बहुत आभारी रहूँगा।”

जिस घटनाक्रम की मेरे मित्र ने कामना की थी, वह उसकी कल्पना से कहीं अधिक तेजी से और बेहद दुखद रूप में घटित हुआ। अगली सुबह मैं अपने शयनकक्ष में कपड़े पहन ही रहा था कि दरवाजे पर दस्तक हुई और होम्स एक टेलीग्राम हाथ में लिए अंदर आए। उन्होंने उसे जोर से पढ़ा:

“तुरंत आइए, 131 पिट स्ट्रीट, केंसिंग्टन।

“लेस्ट्रेड।

“तो फिर यह क्या है?” मैंने पूछा।

“पता नहीं—कुछ भी हो सकता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह मूर्तियों की कहानी का अगला भाग है। अगर ऐसा है तो हमारे छवि-भंग करने वाले मित्र ने लंदन के एक और इलाके में अपना काम शुरू कर दिया है। वाटसन, कॉफी तैयार है और मेरे लिए एक टैक्सी दरवाजे पर खड़ी है।”

आधे घंटे में हम पिट स्ट्रीट पहुँच गए, जो लंदन की हलचल भरी जिंदगी के ठीक बगल में स्थित एक शांत और छोटा सा इलाका था। मकान नंबर 131 एक कतार में बने घरों में से एक था, जिनमें सभी सादे, सभ्य और बेहद गैर-रोमांटिक मकान थे। जैसे ही हम वहाँ पहुंचे, हमने देखा कि घर के सामने रेलिंग के किनारे उत्सुकता से लोगों की भीड़ जमा थी। होम्स ने सीटी बजाई।

“हे भगवान्! ये तो कम से कम हत्या का प्रयास है। इससे कम कुछ भी लंदन के संदेशवाहक को नहीं रोक पाएगा। उस आदमी के झुके हुए कंधों और फैली हुई गर्दन में हिंसा का संकेत साफ दिख रहा है। ये क्या है, वॉटसन? ऊपर की सीढ़ियाँ पानी से

भीगी हुई है और बाकी सूखी। खैर, पैरों के निशान तो काफी हैं! अच्छा, अच्छा, लेस्ट्रेड सामने वाली खिड़की पर है, और हमें जल्द ही सब पता चल जाएगा।"

अधिकारी ने अत्यंत गंभीर चेहरे के साथ हमारा स्वागत किया और हमें बैठक कक्ष में ले गए, जहाँ एक बेहद अस्त-व्यस्त और उत्तेजित बुजुर्ग व्यक्ति, फलालैन के गाउन में, इधर-उधर टहल रहा था। हमें उनसे घर के मालिक के रूप में परिचय कराया गया - श्री होरेस हार्कर, सेंट्रल प्रेस सिंडिकेट के।

"यह फिर से नेपोलियन की प्रतिमा का मामला है," लेस्ट्रेड ने कहा। "कल रात आप इसमें दिलचस्पी दिखा रहे थे, श्रीमान होम्स, इसलिए मैंने सोचा कि अब जब मामला और भी गंभीर हो गया है, तो शायद आप यहाँ उपस्थित होना चाहेंगे।"

"तो फिर यह किसमें बदल गया है?"

"हत्या करने के लिए। श्री हार्कर, क्या आप इन सज्जनों को ठीक-ठीक बताएंगे कि क्या हुआ है?"

ड्रेसिंग गाउन पहने हुए उस व्यक्ति ने अत्यंत उदास चेहरे के साथ हमारी ओर रुख किया।

"यह एक असाधारण बात है," उन्होंने कहा, "कि मैंने पूरी जिंदगी दूसरों की खबरें इकट्ठा की हैं, और अब जब मेरे हाथ में एक सच्ची खबर आई है, तो मैं इतना उलझन में और परेशान हूँ कि दो शब्द भी नहीं बोल पा रहा। अगर मैं यहाँ एक पत्रकार के रूप में आया होता, तो मैं खुद का ही इंटरव्यू ले लेता और हर शाम के अखबार में मेरे दो कॉलम छपते। लेकिन अभी तो मैं अपनी कहानी बार-बार अलग-अलग लोगों को सुनाकर कीमती सामग्री बर्बाद कर रहा हूँ, और खुद उसका कोई उपयोग नहीं कर पा रहा। खैर, मैंने आपका नाम सुना है, श्री शर्लक होम्स, और अगर आप इस अजीब मामले को समझा देंगे, तो मुझे कहानी सुनाने के लिए भुगतान किया जाएगा।"

होम्स बैठ गया और सुनने लगा।

"ऐसा लगता है कि सब कुछ नेपोलियन की उस मूर्ति के इर्द-गिर्द घूम रहा है जिसे मैंने लगभग चार महीने पहले इसी कमरे के लिए खरीदी था। मैंने इसे हाई स्ट्रीट स्टेशन से दो दरवाजे दूर हार्डिंग ब्रदर्स से सस्ते में खरीदा था। मेरा बहुत सारा पत्रकारिता का काम रात में होता है, और मैं अक्सर सुबह तक लिखता रहता हूँ। आज भी ऐसा ही था। मैं अपने स्टडी रूम में बैठा था, जो घर के ऊपरी हिस्से के पीछे है, लगभग तीन बजे, तभी मुझे लगा कि नीचे से कुछ आवाज़ें आ रही हैं। मैंने ध्यान से सुना, लेकिन वे दोबारा नहीं आईं, और मैंने सोचा कि वे बाहर से आ रही हैं। फिर अचानक, लगभग पाँच मिनट बाद, एक बहुत ही भयानक चीख सुनाई दी - मिस्टर होम्स, मैंने आज तक जितनी भी भयानक आवाज़ें सुनी हैं, उनमें से यह सबसे भयानक थी। यह मेरे कानों में जीवन भर गूंजती रहेगी। मैं एक-दो मिनट तक डर से जम गया। फिर मैंने पोकर उठाया और नीचे गया। जब मैं इस कमरे में पहुंचा तो खिड़की खुली हुई थी, और मैंने तुरंत देखा कि मूर्ति मेंटलपीस से गायब थी। कोई चोर ऐसी चीज़ क्यों ले जाएगा, यह मेरी समझ से परे है, क्योंकि यह तो बस यह प्लास्टर का बना हुआ ढांचा है और इसका कोई वास्तविक मूल्य नहीं है।

"आप खुद देख सकते हैं कि उस खुली खिड़की से बाहर जाने वाला कोई भी व्यक्ति एक लंबा कदम उठाकर सामने के दरवाज़े तक पहुंच सकता है। चोर ने भी यही किया था, इसलिए मैं पीछे गया और दरवाज़ा खोला। अंधेरे में कदम रखते ही मैं लगभग एक मरे हुए आदमी पर गिर पड़ा, जो वहाँ पड़ा था। मैं रोशनी लेने के लिए वापस भागा, और वहाँ वह बेचारा पड़ा था, उसके गले में गहरा घाव था और पूरा इलाका खून से लथपथ था। वह पीठ के बल लेटा था, घुटने मुड़े हुए थे और मुँह बुरी तरह खुला हुआ था। मैं उसे अपने सपनों में देखूंगा। मेरे पास पुलिस की सीटी बजाने का ही समय था, और फिर मैं

बेहोश हो गया होगा, क्योंकि मुझे तब तक कुछ याद नहीं रहा जब तक मैंने हॉल में पुलिसवाले को अपने ऊपर खड़ा नहीं पाया।"

"अच्छा, तो वह हत्यारा कौन था?" होम्स ने पूछा।

"उसकी पहचान बताने वाला कुछ भी नहीं है," लेस्ट्रेड ने कहा। "तुम शव को मुर्दाघर में देखोगे, लेकिन अभी तक हमें उससे कोई जानकारी नहीं मिली है। वह लंबा-चौड़ा, धूप से झुलसा हुआ, बहुत ताकतवर आदमी है, जिसकी उम्र तीस से ज़्यादा नहीं होगी। उसने फटे-पुराने कपड़े पहने हैं, फिर भी वह मज़दूर नहीं लगता। उसके पास खून के एक तालाब में सींग के हैंडल वाला एक चाकू पड़ा था। पता नहीं, उसी हथियार से हत्या की गई थी या वह मरे हुए आदमी का था। उसके कपड़ों पर कोई नाम नहीं था, और उसकी जेब में एक सेब, कुछ धागा, लंदन का एक शिलिंग का नक्शा और एक तस्वीर के अलावा कुछ नहीं था। ये रही तस्वीर।"

यह तस्वीर स्पष्ट रूप से एक छोटे कैमरे से ली गई थी। इसमें एक चौकन्ने, तीक्ष्ण चेहरे वाले बंदर जैसे दिखने वाले व्यक्ति को दर्शाया गया है, जिसकी भौंहें घनी हैं और चेहरे का निचला हिस्सा बबून के थूथन की तरह अजीबोगरीब ढंग से उभरा हुआ है।

इस तस्वीर का ध्यानपूर्वक अध्ययन करने के बाद होम्स ने पूछा, "और उस प्रतिमा का क्या हुआ?"

"आपके आने से ठीक पहले हमें इसकी खबर मिली थी। यह कैम्पडेन हाउस रोड स्थित एक खाली घर के सामने वाले बगीचे में मिला है। यह टुकड़ों में बिखर गया था। मैं अभी इसे देखने जा रहा हूं। क्या आप भी आएंगे?"

"ज़रूर। मुझे बस एक नज़र डालनी है।" उन्होंने कालीन और खिड़की का मुआयना किया। "उस आदमी के या तो बहुत लंबे पैर थे या वह बहुत फुर्तीला आदमी था," उन्होंने कहा। "नीचे जगह होने के कारण, उस खिड़की के चौखट तक पहुंचना और खिड़की खोलना कोई आसान काम नहीं था। वापस आना अपेक्षाकृत आसान था। क्या आप हमारे साथ अपनी प्रतिमा के अवशेष देखने चलेंगे, श्री हार्कर?"

हताश पत्रकार एक लेखन-मेज पर बैठ गया था।

"मुझे कुछ तो करना ही होगा," उन्होंने कहा, "हालांकि मुझे पूरा यकीन है कि शाम के अखबारों के पहले संस्करण पूरी जानकारी के साथ पहले ही छप चुके होंगे। मेरी किस्मत ही ऐसी है! आपको याद है जब डॉनकास्टर में स्टैंड गिरा था? मैं स्टैंड पर अकेला पत्रकार था, और मेरी डायरी ही एकमात्र ऐसी थी जिसमें इसका कोई ब्योरा नहीं था, क्योंकि मैं इतना सदमे में था कि लिख नहीं पाया। और अब मेरे घर के दरवाजे पर हुए इस हत्याकांड के बारे में बताने में बहुत देर हो चुकी होगी।"

जैसे ही हम कमरे से बाहर निकले, हमने उनके पेन की तेज आवाज सुनी जो फुलस्केप पेपर पर चल रही थी।

जिस जगह पर प्रतिमा के टुकड़े मिले थे, वह जगह महज़ कुछ सौ गज दूर थी। पहली बार हमारी नज़र महान सम्राट की उस प्रतिमा पर पड़ी, जो मानो किसी अज्ञात के मन में भयंकर और विनाशकारी घृणा उत्पन्न कर रही थी। वह घास पर बिखरे हुए टुकड़ों में पड़ी थी। होम्स ने उनमें से कुछ टुकड़े उठाए और ध्यान से उनकी जांच की। उनके गंभीर चेहरे और दृढ़ निश्चय से मुझे यकीन हो गया कि आखिरकार उन्हें कोई सुराग मिल गया है।

"तो?" लेस्ट्रेड ने पूछा।

होम्स ने अपने कंधे उचका दिए।

"अभी हमें बहुत लंबा रास्ता तय करना है," उसने कहा। "और फिर भी—और फिर भी—खैर, हमारे पास कुछ ऐसे तथ्य हैं जिन पर कार्रवाई की जा सकती है। इस तुच्छ मूर्ति पर कब्ज़ा करना इस अजीब अपराधी की नज़र में एक इंसान की जान से भी

ज़्यादा कीमती था। यह एक बात है। फिर यह विलक्षण तथ्य है कि अगर उसका एकमात्र उद्देश्य इसे तोड़ना ही था, तो उसने इसे घर के अंदर या घर के ठीक बाहर नहीं तोड़ा।”

“उस दूसरे व्यक्ति से मिलकर वह घबरा गया और बेचैन हो गया। उसे ठीक से पता ही नहीं था कि वह क्या कर रहा है।”

"ठीक है, इतना काफी है। लेकिन मैं आपका ध्यान विशेष रूप से इस घर की स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, जिसके बगीचे में प्रतिमा को नष्ट कर दिया गया था।"

लेस्ट्रेड ने अपने चारों ओर देखा।

"वह एक खाली घर था, इसलिए उसे पता था कि बगीचे में उसे कोई परेशान नहीं करेगा।"

“हाँ, लेकिन गली में आगे एक और खाली घर है जिसके पास से वह इस घर में आने से पहले ज़रूर गुजरा होगा। उसने उसे वहाँ क्यों नहीं तोड़ा, जबकि यह स्पष्ट है कि उसे जितना ज़्यादा वह ढोता, उससे किसी के उससे मिलने का खतरा उतना ही बढ़ जाता था?”

"मैं इसे छोड़ देता हूँ," लेस्ट्रेड ने कहा।

होम्स ने हमारे सिर के ऊपर लगे स्ट्रीट लैंप की ओर इशारा किया।

“वह यहाँ जो कर रहा था उसे देख सकता था, लेकिन वहाँ नहीं देख सकता था। यही उसका कारण था।”

“अरे वाह! यह तो सच है,” जासूस ने कहा। “अब जब मैं इस बारे में सोचता हूँ, तो मुझे याद आता है कि डॉ. बार्निकॉट की प्रतिमा उनके लाल दीपक से कुछ ही दूरी पर टूटी हुई थी। तो, श्रीमान होम्स, अब हम इस तथ्य का क्या करें?”

“इसे याद रखना—इसे रिकॉर्ड में दर्ज करना। हो सकता है बाद में हमें कुछ ऐसा पता चले जो इससे संबंधित हो। लेस्ट्रेड, अब आप क्या कदम उठाने का प्रस्ताव रखते हैं?”

“मेरे विचार से, इस मामले को सुलझाने का सबसे व्यावहारिक तरीका मृत व्यक्ति की पहचान करना है। इसमें कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए। जब हमें पता चल जाएगा कि वह कौन है और उसके साथी कौन हैं, तो हमें यह जानने में काफी मदद मिलेगी कि वह कल रात पिट स्ट्रीट में क्या कर रहा था, और वह कौन था जिसने श्री होरेस हार्कर के दरवाज़े पर उससे मिलकर उसकी हत्या कर दी। क्या आप ऐसा नहीं सोचते?”

"इसमें कोई संदेह नहीं है; फिर भी यह वह तरीका नहीं है जिससे मुझे इस मामले को देखना चाहिए।"

"फिर तुम क्या करोगे?"

“ओह, आपको मुझे किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होने देना चाहिए। मेरा सुझाव है कि आप अपने रास्ते पर चलें और मैं अपने। हम बाद में अपने विचार साझा कर सकते हैं, और हम एक दूसरे के पूरक होंगे।”

"बहुत बढ़िया," लेस्ट्रेड ने कहा।

“अगर आप पिट स्ट्रीट वापस जा रहे हैं, तो शायद आपको श्री होरेस हार्कर मिल जाएं। उन्हें मेरी तरफ से बता देना कि मैंने अपना फैसला कर लिया है, और यह निश्चित है कि नेपोलियन जैसे भ्रमों से ग्रस्त एक खतरनाक हत्यारा पागल कल रात उनके घर में था। यह उनके लेख के लिए उपयोगी होगा।”

लेस्ट्रेड घूरता रहा।

"क्या आप सचमुच ऐसा मानते हैं?"

होम्स मुस्कुराया।

"क्या मैं नहीं? खैर, शायद नहीं। लेकिन मुझे यकीन है कि श्री होरेस हार्कर और सेंट्रल प्रेस सिंडिकेट के ग्राहकों को इसमें दिलचस्पी होगी। अब, वॉटसन, मुझे लगता है कि आज हमारे सामने एक लंबा और काफी जटिल काम है। लेस्ट्रेड, अगर आप आज शाम छह बजे बेकर स्ट्रीट पर हमसे मिलने का समय निकाल सकें तो मुझे खुशी होगी। तब तक मैं इस तस्वीर को अपने पास रखना चाहूंगा, जो मुझे मृत व्यक्ति की जेब में मिली थी। अगर मेरी तर्क-वितर्क की कड़ी सही साबित होती है, तो हो सकता है कि मुझे आज रात एक छोटे से अभियान पर आपकी संगति और सहायता की आवश्यकता पड़े। तब तक के लिए अलविदा और शुभकामनाएं!"

शर्लक होम्स और मैं साथ-साथ हाई स्ट्रीट तक गए, जहाँ हम हार्डिंग ब्रदर्स की दुकान पर रुके, जहाँ से वह प्रतिमा खरीदी गई थी। एक युवा सहायक ने हमें बताया कि श्री हार्डिंग दोपहर तक अनुपस्थित रहेंगे, और वे स्वयं भी नए हैं, इसलिए हमें कोई जानकारी नहीं दे सकते। होम्स के चेहरे पर निराशा और झुंझलाहट साफ झलक रही थी।

"खैर, हम अपनी मनमानी तो नहीं कर सकते, वॉटसन," उन्होंने अंत में कहा। "हमें दोपहर में वापस आना होगा, अगर श्री हार्डिंग तब तक यहाँ नहीं होंगे। जैसा कि आपने अनुमान लगा ही लिया होगा, मैं इन मूर्तियों के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रहा हूँ, ताकि यह पता चल सके कि कहीं इनके इस अनोखे भाग्य के पीछे कोई खास वजह तो नहीं है। चलिए, केनिंग्टन रोड के श्री मोर्स हडसन से मिलते हैं और देखते हैं कि क्या वे इस मामले पर कुछ रोशनी डाल सकते हैं।"

एक घंटे की ड्राइव के बाद हम चित्र विक्रेता की दुकान पर पहुँचे। वह कद में छोटा, मोटा-ताज़ा आदमी था, जिसका चेहरा लाल था और व्यवहार थोड़ा तीखा था।

"जी हाँ, महोदय। मेरे काउंटर पर ही, महोदय," उसने कहा। "हम कर और टैक्स किसलिए चुकाते हैं, यह समझ नहीं आता, जब कोई भी बदमाश आकर हमारा सामान तोड़ सकता है। जी हाँ, मैंने ही डॉ. बार्निकॉट को उनकी दो मूर्तियाँ बेची थीं। शर्मनाक! मैं इसे एक नास्तिक साज़िश मानता हूँ। मूर्तियाँ तोड़ने का काम तो कोई अराजकतावादी ही करेगा। मैं उन्हें लाल रिपब्लिकन कहता हूँ। मैंने ये मूर्तियाँ किससे ली थीं? मुझे नहीं लगता कि इसका इससे कोई लेना-देना है। खैर, अगर आप सच में जानना चाहते हैं, तो मैंने इन्हें चर्च स्ट्रीट, स्टेपनी में गेल्डर एंड कंपनी से लिया था। वे इस व्यापार में एक जाना-माना नाम हैं और पिछले बीस सालों से हैं। मेरे पास कितनी थीं? तीन - दो और एक तीन होते हैं - डॉ. बार्निकॉट की दो और एक दिन दहाड़े मेरे काउंटर पर तोड़ दी गई। क्या मैं उस तस्वीर को जानता हूँ? नहीं, मैं नहीं जानता। हाँ, मैं जानता हूँ। अरे, यह बेप्पो है। वह एक तरह का इतालवी दिहाड़ी मजदूर था, जिसने खुद को उपयोगी बनाया था। वह दुकान में काम करता था। उसे नक्काशी, सोने की परत चढ़ाना, फ्रेम लगाना और छोटे-मोटे काम करना आता था। वह पिछले हफ्ते मुझे छोड़कर चला गया, और तब से मैंने उसके बारे में कुछ नहीं सुना। नहीं, मुझे नहीं पता कि वह कहाँ से आया था और कहाँ गया। जब तक वह यहाँ था, मुझे उससे कोई शिकायत नहीं थी। मूर्ति टूटने से दो दिन पहले ही वह चला गया था।

"खैर, मोर्स हडसन से हम बस इतनी ही उम्मीद कर सकते थे," दुकान से निकलते हुए होम्स ने कहा। "यह बेप्पो हमारे लिए एक साझा कारक है, केनिंग्टन और केंसिंग्टन दोनों जगह, इसलिए दस मील की ड्राइव करना तो बनता है। अब, वॉटसन, चलिए स्टेपनी स्थित गेल्डर एंड कंपनी चलते हैं, जहाँ से ये मूर्तियाँ आई हैं। मुझे आश्चर्य होगा अगर हमें वहाँ से कुछ मदद न मिले।"

हम एक के बाद एक तेजी से फैशनेबल लंदन, होटल लंदन, थिएटर लंदन, साहित्यिक लंदन, व्यावसायिक लंदन और अंत में समुद्री लंदन के बाहरी इलाकों से

गुज़रते हुए एक लाख लोगों के नदी किनारे बसे शहर तक पहुँचे, जहाँ यूरोप के बेघर लोगों से भरे मकान उमस और बदबू से भरे हुए थे। यहाँ, एक चौड़ी सड़क पर, जो कभी धनी व्यापारियों का निवास स्थान हुआ करती थी, हमें वे मूर्तिकला के कारखाने मिले जिनकी हम तलाश कर रहे थे। बाहर विशाल प्रांगण था जो स्मारकीय पत्थर की नक्काशी से भरा हुआ था। अंदर एक बड़ा कमरा था जिसमें पचास कारीगर नक्काशी या सांचे में ढलाई कर रहे थे। प्रबंधक, एक लंबा-चौड़ा गोरा जर्मन, ने हमारा विनम्रतापूर्वक स्वागत किया और होम्स के सभी सवालों के स्पष्ट जवाब दिए। उनकी किताबों की देखने पर पता चला कि नेपोलियन के डेविन द्वारा बनाए गए संगमरमर के सिर की प्रतिकृति से सैकड़ों साँचे लिए गए थे, लेकिन लगभग एक साल पहले मोर्स हडसन को भेजे गए तीन साँचे छह साँचों के एक समूह के आधे थे, बाकी तीन केंसिंग्टन के हार्डिंग ब्रदर्स को भेजे गए थे। उन छह साँचों के बाकी साँचों से अलग होने का कोई कारण नहीं था। उन्हें कोई ऐसा कारण समझ नहीं आया कि कोई इन्हें नष्ट क्यों करना चाहेगा—वास्तव में, वे इस विचार पर हँस पड़े। इनका थोक मूल्य छह शिलिंग था, लेकिन खुदरा विक्रेता को बारह या उससे अधिक मिलते थे। चेहरे के दोनों ओर से दो साँचों में साँचा बनाया जाता था, और फिर प्लास्टर ऑफ पेरिस के इन दो आकृतियों को जोड़कर पूरी प्रतिमा तैयार की जाती थी। यह काम आमतौर पर इतालवी कारीगरों द्वारा उसी कमरे में किया जाता था जहाँ हम थे। काम पूरा होने पर, प्रतिमाओं को सूखने के लिए गलियारे में एक मेज पर रखा जाता था, और बाद में उन्हें सुरक्षित स्थान पर रख दिया जाता था। बस इतना ही वे हमें बता सके।

लेकिन उस तस्वीर के सामने आने का मैनेजर पर गहरा असर हुआ। उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया और उसकी नीली, आकर्षक आँखों पर भौंहें तन गईं।

“अरे, बदमाश!” वह चिल्लाया। “जी हाँ, मैं उसे अच्छी तरह जानता हूँ। यह हमेशा से एक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान रहा है, और यहाँ पुलिस को केवल एक बार ही आना पड़ा था, और वह भी इसी आदमी के कारण। एक साल से भी ज़्यादा समय पहले की बात है। उसने सड़क पर एक दूसरे इतालवी को चाकू मार दिया था, और फिर वह पुलिस से बचने के लिए कारखाने में आया और उसे यहाँ लाया गया। उसका नाम बेप्पो था—उसका उपनाम मुझे कभी पता नहीं चला। ऐसे चेहरे वाले आदमी को काम पर रखने का मुझे यही नतीजा भुगतना पड़ा। लेकिन वह एक अच्छा कारीगर था—सर्वश्रेष्ठ कारीगरों में से एक।”

उसे क्या मिला?

“वह आदमी बच गया और उसे एक साल की सज़ा मिली। मुझे पूरा यकीन है कि वह अब बाहर आ चुका होगा, लेकिन उसने यहां आने की हिम्मत नहीं की है। उसका एक चचेरा भाई यहाँ रहता है, और मुझे पूरा विश्वास है कि वह आपको बता सकता है कि वह कहां है।”

“नहीं, नहीं,” होम्स चिल्लाया, “अपने चचेरे भाई से एक शब्द भी मत कहना—बिल्कुल एक शब्द भी नहीं, मैं आपसे विनती करता हूँ। मामला बहुत महत्वपूर्ण है, और जैसे-जैसे मैं इसमें आगे बढ़ता हूँ, यह और भी महत्वपूर्ण होता जाता है। जब आपने अपने बहीखाते में उन सांचों की बिक्री का जिक्र किया था, तो मैंने देखा कि तारीख पिछले साल 3 जून थी। क्या आप मुझे वह तारीख बता सकते हैं जब बेप्पो को गिरफ्तार किया गया था?”

“मैं आपको वेतन सूची देखकर अंदाज़ा बता सकता हूँ,” प्रबंधक ने उत्तर दिया। “जी हाँ,” उसने कुछ पन्ने पलटने के बाद कहा, “उसे आखिरी बार 20 मई को वेतन दिया गया था।”

“धन्यवाद,” होम्स ने कहा। “मुझे नहीं लगता कि अब मुझे आपके समय और धैर्य का और अधिक दुरुपयोग करने की आवश्यकता है।” हमारी खोजों के बारे में किसी को भी न बताने की अंतिम चेतावनी देते हुए, हमने एक बार फिर पश्चिम की ओर अपना रुख मोड़ लिया।

दोपहर ढलने के काफी बाद हमें किसी रेस्तरां में जल्दी से दोपहर का भोजन करने का मौका मिला। प्रवेश द्वार पर लगे समाचार पत्र में लिखा था, "केंसिंग्टन में दंगा। एक पागल द्वारा हत्या।" अखबार की सामग्री से पता चला कि श्री होरेस हार्कर का लेख आखिरकार छप गया था। दो कॉलम पूरी घटना के बेहद सनसनीखेज और अलंकारिक वर्णन से भरे हुए थे। होम्स ने उसे कॉफी स्टैंड के सहारे टिका दिया और खाते हुए उसे पढ़ा। एक-दो बार वह हल्के से हंसे।

“यह ठीक है, वॉटसन,” उसने कहा। “यह सुनो:

यह जानकर संतोष होता है कि इस मामले पर कोई मतभेद नहीं हो सकता, क्योंकि आधिकारिक बल के सबसे अनुभवी सदस्यों में से एक श्री लेस्ट्रेड और सुप्रसिद्ध परामर्शदाता श्री शर्लक होम्स, दोनों इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घटनाओं की वह विचित्र श्रृंखला, जिसका अंत इतने दुखद ढंग से हुआ, जानबूझकर किए गए अपराध के बजाय पागलपन का परिणाम है। मानसिक विकृति के अलावा कोई और स्पष्टीकरण तथ्यों को छिपा नहीं सकता।

वॉटसन, प्रेस एक बेहद महत्वपूर्ण संस्था है, बशर्ते आप इसका सही इस्तेमाल करना जानते हों। और अब, अगर आपने अपनी बात पूरी कर ली है, तो हम केंसिंग्टन की ओर लौटेंगे और देखेंगे कि हार्डिंग ब्रदर्स के मैनेजर का इस मामले पर क्या कहना है।

उस विशाल व्यापारिक प्रतिष्ठान का संस्थापक एक फुर्तीला, चुस्त-दुरुस्त, बेहद सलीकेदार और तेजतर्रार व्यक्ति साबित हुआ, जिसकी बुद्धि स्पष्ट थी और वाक्पटुता भी वाचाल थी।

जी हां, महोदय, मैंने शाम के अखबारों में खबर पढ़ ली है। श्री होरेस हार्कर हमारे ग्राहक हैं। हमने उन्हें कुछ महीने पहले यह प्रतिमा दी थी। हमने स्टेपनी स्थित गेल्डर एंड कंपनी से इस तरह की तीन प्रतिमाएं मंगाई थीं। वे सभी बिक चुकी हैं। किसे? ओह, मुझे यकीन है कि हमारी बिक्री पुस्तिका देखकर हम आपको आसानी से बता सकते हैं। जी हां, हमारे पास प्रविष्टियाँ हैं। एक श्री हार्कर को, एक श्री जोशिया ब्राउन को, जो लैबर्नम लॉज, लैबर्नम वेल, चिसविक में रहते हैं, और एक श्री सैंडफोर्ड को, जो लोअर ग्रोव रोड, रीडिंग में रहते हैं। नहीं, मैंने वह चेहरा कभी नहीं देखा जो आप मुझे तस्वीर में दिखा रहे हैं। आप इसे कैसे भूल सकते हैं, महोदय, क्योंकि मैंने इससे बदसूरत चेहरा शायद ही कभी देखा हो। क्या हमारे कर्मचारियों में कोई इतालवी है? जी हां, महोदय, हमारे कामगारों और सफाईकर्मियों में कई इतालवी हैं। मुझे यकीन है कि अगर वे चाहें तो उस बिक्री पुस्तिका पर एक नजर डाल सकते हैं। उस पुस्तिका पर नज़र रखने का कोई विशेष कारण नहीं है। खैर, खैर, यह बहुत ही अजीब मामला है, और मुझे उम्मीद है कि अगर आपकी पूछताछ से कुछ पता चलता है तो आप मुझे जरूर बताएंगे।

मिस्टर हार्डिंग की गवाही के दौरान होम्स ने कई नोट्स लिए थे, और मैं देख सकता था कि घटनाक्रम से वह पूरी तरह संतुष्ट थे। हालांकि, उन्होंने इसके अलावा कोई टिप्पणी नहीं की कि अगर हम जल्दी नहीं करेंगे तो लेस्ट्रेड से हमारी मुलाकात में देरी हो जाएगी। और सच में, जब हम बेकर स्ट्रीट पहुंचे तो जासूस पहले से ही वहां मौजूद थे, और हमने उन्हें बेचैनी से इधर-उधर टहलते हुए पाया। उनके चेहरे पर दिख रहे महत्व के भाव से पता चलता था कि उनकी दिनभर की मेहनत व्यर्थ नहीं गई थी।

“तो?” उसने पूछा। “क्या किस्मत है, मिस्टर होम्स?”

“आज का दिन बहुत व्यस्त रहा, लेकिन पूरी तरह व्यर्थ नहीं गया,” मेरे दोस्त ने बताया। “हमने खुदरा विक्रेताओं और थोक निर्माताओं दोनों से मुलाकात की। अब मैं हर एक घोटाले की शुरुआत से लेकर अंत तक की जानकारी दे सकता हूं।”

“ये मूर्तियां!” लेस्ट्रेड चिल्लाया। “खैर, खैर, श्रीमान शर्लक होम्स, आपके अपने तरीके हैं और मुझे उन पर कुछ कहने का अधिकार नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने आपसे बेहतर काम किया है। मैंने मृत व्यक्ति की पहचान कर ली है।”

“क्या सच में?”

और अपराध का कारण पता लगा लिया।

"उत्कृष्ट!"

“हमारे पास एक इंस्पेक्टर है जो सैफ्रॉन हिल और इटैलियन क्वार्टर का विशेषज्ञ है। खैर, इस मरे हुए आदमी के गले में कोई कैथोलिक चिन्ह था, और उसके रंग के साथ-साथ उस चिन्ह को देखकर मुझे लगा कि वह दक्षिण का रहने वाला है। इंस्पेक्टर हिल ने उसे देखते ही पहचान लिया। उसका नाम पिएत्रो वेनुची है, जो नेपल्स का रहने वाला है और लंदन के सबसे बड़े हत्यारों में से एक है। उसका संबंध माफिया से है, जो कि, जैसा कि आप जानते हैं, एक गुप्त राजनीतिक संगठन है और हत्याओं के ज़रिए अपने फरमान लागू करता है। अब आप समझ रहे हैं कि मामला कैसे सुलझने लगता है। दूसरा आदमी भी शायद इटैलियन है और माफिया का सदस्य है। उसने किसी न किसी तरह से नियमों का उल्लंघन किया है। पिएत्रो उसके पीछे लग गया है। शायद उसकी जेब में मिली तस्वीर उसी आदमी की है, ताकि वह गलत आदमी को चाकू न मार दे। वह उसका पीछा करता है, उसे एक घर में घुसते हुए देखता है, बाहर उसीका इंतजार करता है, और हाथापाई में उसे खुद जानलेवा चोट लगती है। कैसा लगा, मिस्टर शर्लक होम्स?”

होम्स ने सहमति जताते हुए ताली बजाई।

“बहुत बढ़िया, लेस्ट्रेड, बहुत बढ़िया!” वह चिल्लाया। “लेकिन मुझे मूर्तियों के विनाश के बारे में आपकी व्याख्या पूरी तरह समझ नहीं आई।”

“वो गिरफ्तारियां! वो गिरफ्तारियां कभी दिमाग से निकल ही नहीं पातीं। आखिर, ये तो कुछ भी नहीं है; मामूली चोरी, ज़्यादा से ज़्यादा छह महीने की सज़ा। असल में हम हत्या की जांच कर रहे हैं, और मैं आपको बता दूं कि मैं सारे सुराग इकट्ठा कर रहा हूं।”

और अगला चरण?

“यह बहुत आसान है। मैं हिल के साथ इटैलियन क्वार्टर जाऊंगा, उस आदमी को ढूंढूंगा जिसकी तस्वीर हमें मिली है, और उसे हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लूंगा। क्या तुम हमारे साथ आओगे?”

“मुझे नहीं लगता। मेरा मानना है कि हम अपना लक्ष्य इससे कहीं अधिक सरल तरीके से प्राप्त कर सकते हैं। मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता, क्योंकि यह सब कुछ निर्भर करता है—खैर, यह सब एक ऐसे कारक पर निर्भर करता है जो पूरी तरह से हमारे नियंत्रण से बाहर है। लेकिन मुझे पूरी उम्मीद है—वास्तव में, शर्त ठीक दो-एक की है—कि अगर आप आज रात हमारे साथ आएंगे तो मैं उसे हराने में आपकी मदद कर पाऊंगा।”

“इटैलियन क्वार्टर में?”

नहीं, मुझे लगता है कि चिसविक में उसके मिलने की संभावना ज़्यादा है। लेस्ट्रेड, अगर तुम आज रात मेरे साथ चिसविक चलोगे, तो मैं वादा करता हूं कि कल तुम्हारे साथ इटैलियन क्वार्टर चलूंगा, और देरी से कोई नुकसान नहीं होगा। और अब मुझे लगता है कि कुछ घंटे की नींद हम सबके लिए अच्छी रहेगी, क्योंकि मैं ग्यारह बजे से पहले नहीं निकलूंगा, और सुबह से पहले वापस आने की संभावना भी कम है। लेस्ट्रेड,

तुम हमारे साथ खाना खाओगे, और फिर जब तक हमारे जाने का समय नहीं हो जाता, तब तक तुम सोफे पर आराम कर सकते हो। इस बीच, वॉटसन, अगर तुम किसी संदेशवाहक को बुला लो, तो मुझे खुशी होगी, क्योंकि मुझे एक पत्र भेजना है और यह ज़रूरी है कि वह तुरंत पहुँच जाए।

होम्स ने शाम हमारे एक गोदाम में रखे पुराने अखबारों की फाइलों को खंगालने में बिताई। जब वह आखिरकार नीचे उतरे, तो उनकी आंखों में जीत की चमक थी, लेकिन उन्होंने हम दोनों में से किसी को भी अपनी खोज के नतीजे के बारे में कुछ नहीं बताया। जहाँ तक मेरी बात है, मैंने उनके द्वारा इस जटिल मामले की विभिन्न कड़ियों को सुलझाने के तरीकों का चरण-दर-चरण अनुसरण किया था, और यद्यपि मैं अभी तक उस लक्ष्य को नहीं समझ पा रहा था जिस तक हम पहुँचेंगे, मैं यह स्पष्ट रूप से समझ गया था कि होम्स को उम्मीद थी कि यह घिनौना अपराधी शेष दो मूर्तियों पर हमला करने का प्रयास करेगा, जिनमें से एक, मुझे याद है, चिसविक में थी। निस्संदेह हमारी यात्रा का उद्देश्य उसे रंगे हाथों पकड़ना था, और मैं अपने मित्र की उस चालाकी की प्रशंसा किए बिना नहीं रह सका जिससे उसने शाम के अखबार में एक गलत सुराग डाला था, ताकि उस अपराधी को यह लगे कि वह बिना किसी डर के अपनी योजना को जारी रख सकता है। जब होम्स ने मुझे अपना रिवॉल्वर साथ ले जाने का सुझाव दिया तो मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। उन्होंने खुद भी भरी हुई रिवॉल्वर उठा ली थी, जो उनका पसंदीदा हथियार था।

ग्यारह बजे एक चार पहिया वाहन दरवाजे पर था, और हम उसमें बैठकर हैमरस्मिथ ब्रिज के दूसरी ओर एक जगह पर गए। वहाँ हमने ड्राइवर को इंतज़ार करने को कहा। थोड़ी दूर चलने पर हम एक सुनसान सड़क पर पहुँचे, जिसके किनारे सुंदर घर बने हुए थे, हर घर अपने-अपने परिसर में खड़ा था। एक स्ट्रीट लैंप की रोशनी में हमने उनमें से एक घर के गेट के खंभे पर "लैबर्नम विला" पढ़ा। ऐसा लग रहा था कि घर के लोग आराम करने चले गए थे, क्योंकि हॉल के दरवाजे के ऊपर लगी एक छोटी सी रोशनदान को छोड़कर चारों ओर अंधेरा था, जिसकी हल्की सी रोशनी बगीचे के रास्ते पर पड़ रही थी। लकड़ी की बाड़, जो परिसर को सड़क से अलग करती थी, अंदर की तरफ घनी काली छाया डाल रही थी, और यहीं हम छिप गए।

“मुझे डर है कि आपको लंबा इंतजार करना पड़ेगा,” होम्स ने फुसफुसाते हुए कहा। “हमें शुक्र मनाना चाहिए कि बारिश नहीं हो रही है। मुझे नहीं लगता कि हम समय बिताने के लिए सिगरेट पीने की हिम्मत भी कर सकते हैं। हालांकि, इस बात की 2 में से 1 संभावना है कि हमें हमारी मेहनत के बदले कुछ न कुछ मिल जाएगा।”

लेकिन यह साबित हो गया कि हमारी सतर्कता उतनी लंबी नहीं थी जितना होम्स ने हमें डराया था, और यह अचानक और अनोखे ढंग से समाप्त हो गई। पलक झपकते ही, उसके आने की कोई आहट दिए बिना, बगीचे का द्वार खुल गया, और एक फुर्तीला, काला सा दिखने वाला व्यक्ति, बंदर की तरह तेज़ और चुस्त, बगीचे के रास्ते पर दौड़ पड़ा। हमने उसे दरवाज़े के ऊपर से आती रोशनी से गुज़रते हुए देखा और वह घर की काली छाया में गायब हो गया। एक लंबा सन्नाटा छा गया, जिसके दौरान हमने अपनी सांसें थाम लीं, और फिर हमारे कानों में एक बहुत ही हल्की चरमराहट की आवाज़ आई। खिड़की खुल रही थी। आवाज़ बंद हो गई, और फिर से लंबा सन्नाटा छा गया। वह आदमी घर में घुस रहा था। हमने कमरे के अंदर एक अंधेरी लालटेन की अचानक चमक देखी। वह जो खोज रहा था, वह स्पष्ट रूप से वहाँ नहीं था, क्योंकि हमने फिर से एक और पर्दे के पीछे से चमक देखी, और फिर एक और पर्दे के पीछे से।

“चलो खुली खिड़की तक चलते हैं। जैसे ही वह बाहर निकलेगा, हम उसे पकड़ लेंगे।” लेस्ट्रेड ने फुसफुसाते हुए कहा।

लेकिन इससे पहले कि हम कुछ कर पाते, वह आदमी फिर से प्रकट हो गया। जैसे ही वह टिमटिमाती रोशनी में बाहर आया, हमने देखा कि उसने अपनी बगल में कुछ सफेद चीज़ दबा रखी थी। उसने चारों ओर चुपके से देखा। सुनसान सड़क की खामोशी ने उसे आश्वस्त किया। हमारी ओर पीठ करके उसने अपना बोझ नीचे रख दिया, और अगले ही पल एक तेज़ थपथपाहट की आवाज़ आई, जिसके बाद खड़खड़ाहट और शोर हुआ। वह आदमी अपने काम में इतना मग्न था कि घास के मैदान से चुपके से गुजरते हुए हमारे कदमों की आहट उसे सुनाई ही नहीं दी। एक बाघ की तरह उछलते हुए होम्स उसकी पीठ पर था, और एक पल बाद लेस्ट्रेड और मैंने उसकी दोनों कलाइयाँ पकड़ लीं और हथकड़ी लगा दी। जैसे ही हमने उसे पलटा, मैंने एक भयानक, पीला चेहरा देखा, जिस पर गुस्से से तड़पते हुए भाव थे। वह हमें घूर रहा था, और मैं समझ गया कि यह वही आदमी था जिसकी तस्वीर हमने पकड़ी थी।

लेकिन होम्स का ध्यान हमारे कैदी पर नहीं था। वे दहलीज पर बैठे हुए उस वस्तु की बड़ी सावधानी से जांच कर रहे थे जिसे वह व्यक्ति घर से लाया था। यह नेपोलियन की एक प्रतिमा थी। ठीक वैसी ही जैसी हमने उस सुबह देखी थी, और यह भी उसी तरह के टुकड़ों में टूटी हुई थी। होम्स ने ध्यान से हर टुकड़े को प्रकाश में देखा, लेकिन वह किसी भी तरह से प्लास्टर के किसी अन्य टूटे हुए टुकड़े से अलग नहीं थी। उनकी जांच अभी पूरी ही हुई थी कि हॉल की बत्तियाँ जल उठीं, दरवाज़ा खुला और घर का मालिक, कमीज और पतलून पहने एक हंसमुख, गोल-मटोल व्यक्ति, सामने आया।

"श्री जोशिया ब्राउन, शायद?" होम्स ने कहा।

जी हाँ, महोदय। आप ही तो शर्लक होम्स हैं, है ना? आपने जो संदेशवाहक भेजा था, वह मुझे मिल गया था, और मैंने ठीक वैसा ही किया जैसा आपने कहा था। हमने अंदर के सारे दरवाजे बंद कर दिए और आगे की स्थिति का इंतज़ार करने लगे। मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि आपने उस बदमाश को पकड़ लिया है। आशा है, सज्जनों, आप अंदर आकर कुछ जलपान करेंगे।

हालांकि, लेस्ट्रेड अपने आदमी को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने के लिए बेचैन था, इसलिए कुछ ही मिनटों में हमारी टैक्सी बुला ली गई और हम चारों लंदन के लिए रवाना हो गए। हमारा बंदी एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन वह अपने उलझे हुए बालों की छाया से हमें घूरता रहा, और एक बार जब मेरा हाथ उसकी पहुँच में आया, तो उसने भूखे भेड़िये की तरह उस पर झपट्टा मारा। हम पुलिस स्टेशन में इतनी देर रुके कि हमें पता चला कि उसके कपड़ों की तलाशी में कुछ शिलिंग और एक लंबी म्यान वाली चाकू के अलावा कुछ नहीं मिला, जिसके हैंडल पर हाल ही के खून के कई निशान थे।

"कोई बात नहीं," लेस्ट्रेड ने विदा लेते हुए कहा। "हिल इन सभी रईसों को जानता है, और वह उसका नाम बता देगा। आपको पता चलेगा कि माफिया के बारे में मेरा सिद्धांत बिल्कुल सही साबित होगा। लेकिन मुझे यकीन है कि मैं आपका बहुत आभारी हूं, श्री होम्स, जिस कुशलता से आपने उसे पकड़ा। मुझे अभी भी पूरी बात समझ नहीं आई है।"

“मुझे डर है कि अब स्पष्टीकरण देने का समय नहीं है,” होम्स ने कहा। “इसके अलावा, एक-दो बातें अधूरी रह गई हैं, और यह उन मामलों में से एक है जिन्हें अंत तक सुलझाना ज़रूरी है। अगर आप कल शाम छह बजे एक बार फिर मेरे कमरे में आएंगे, तो मुझे लगता है कि मैं आपको यह समझा पाऊंगा कि अभी भी आप इस मामले का पूरा मतलब नहीं समझ पाए हैं, जिसमें कुछ ऐसी विशेषताएँ हैं जो इसे अपराध के इतिहास में बिल्कुल अनोखा बनाती हैं। अगर मैं आपको कभी भी मेरी छोटी-मोटी समस्याओं का और विवरण लिखने की अनुमति दूँ, वॉटसन, तो मुझे लगता है कि आप

नेपोलियन की मूर्तियों के अनोखे कारनामे का वर्णन करके अपने पन्नों को और भी दिलचस्प बना देंगे।”

अगली शाम जब हमारी दोबारा मुलाकात हुई, तो लेस्ट्रेड को हमारे कैदी के बारे में काफी जानकारी मिली। पता चला कि उसका नाम बेप्पो था, उपनाम अज्ञात था। वह इतालवी उपनिवेश में एक कुख्यात बदमाश था। वह कभी एक कुशल मूर्तिकार था और ईमानदारी से अपना जीवन यापन करता था, लेकिन उसने बुरे रास्ते अपना लिए थे और दो बार जेल जा चुका था - एक बार छोटी-मोटी चोरी के लिए, और एक बार, जैसा कि हमने पहले ही सुना था, एक साथी देशवासी को चाकू मारने के लिए। वह अंग्रेजी बहुत अच्छी तरह बोल सकता था। मूर्तियों को नष्ट करने के उनके कारण अभी तक अज्ञात थे, और उन्होंने इस विषय पर किसी भी प्रश्न का उत्तर देने से इनकार कर दिया, लेकिन पुलिस ने पता लगाया था कि ये मूर्तियाँ संभवतः उन्हीं के हाथों से बनाई गई थीं, क्योंकि वे गेल्डर एंड कंपनी के प्रतिष्ठान में इसी प्रकार का काम करते थे। इस सारी जानकारी को, जिसमें से अधिकांश हम पहले से ही जानते थे, होम्स ने विनम्रतापूर्वक ध्यान से सुना, लेकिन मैं, जो उन्हें अच्छी तरह जानता था, स्पष्ट रूप से देख सकता था कि उनके विचार कहीं और थे, और मैंने उनके उस मुखौटे के नीचे मिली-जुली बेचैनी और उम्मीद को महसूस किया जिसे वे अक्सर धारण करते थे। अंत में वे अपनी कुर्सी पर चौंक गए, और उनकी आँखें चमक उठीं। घंटी बजी थी। एक मिनट बाद हमने सीढ़ियों पर कदमों की आहट सुनी, और भूरे रंग की दाढ़ी वाले एक वृद्ध, लाल चेहरे वाले व्यक्ति को अंदर लाया गया। उनके दाहिने हाथ में एक पुराने जमाने का थैला था, जिसे उन्होंने मेज पर रख दिया।

“क्या श्री शेरलॉक होम्स यहाँ हैं?”

मेरे दोस्त ने झुककर मुस्कुराते हुए कहा, "शायद आप रीडिंग के मिस्टर सैंडफोर्ड हैं?"

"जी हाँ, महोदय, मुझे खेद है कि मुझे थोड़ी देर हो गई है, लेकिन ट्रेनें ठीक नहीं थीं। आपने मुझे एक मूर्ति के बारे में लिखा था जो मेरे पास है।"

"बिल्कुल।"

“मुझे आपका पत्र मिल गया है। आपने कहा था, ‘मैं डिवाइन की नेपोलियन की एक प्रति चाहता हूँ, और आपके पास जो प्रति है उसके लिए मैं आपको दस पाउंड देने को तैयार हूँ।’ क्या यह सही है?”

"निश्चित रूप से।"

"मुझे आपके पत्र से बहुत आश्चर्य हुआ, क्योंकि मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था कि आपको कैसे पता चला कि मेरे पास ऐसी कोई चीज है।"

"बेशक आपको आश्चर्य हुआ होगा, लेकिन इसका स्पष्टीकरण बहुत सरल है। हार्डिंग ब्रदर्स के श्री हार्डिंग ने कहा कि उन्होंने आपको अपनी आखिरी प्रति बेच दी है, और उन्होंने मुझे आपका पता दिया है।"

"ओह, बस यही था? क्या उसने आपको बताया कि मैंने इसके लिए कितना भुगतान किया?"

"नहीं उसने नहीं।"

“खैर, मैं एक ईमानदार आदमी हूँ, हालाँकि बहुत अमीर नहीं हूँ। मैंने मूर्ति के लिए केवल पंद्रह शिलिंग दिए थे, और मुझे लगता है कि आपको यह बात पता होनी चाहिए इससे पहले कि मैं आपसे दस पाउंड लूँ।”

"मुझे यकीन है कि आपकी ईमानदारी से आपको सम्मान मिलता है, श्री सैंडफोर्ड। लेकिन मैंने वह कीमत तय कर ली है, इसलिए मैं उस पर कायम रहने का इरादा रखता हूं।"

"जी हाँ, श्रीमान होम्स, यह तो आपकी बड़ी मेहरबानी है। जैसा आपने कहा था, मैं वह प्रतिमा अपने साथ ले आया हूँ। लीजिए!" उन्होंने अपना थैला खोला, और अंत में हमने अपनी मेज पर उस प्रतिमा का पूरा नमूना देखा, जिसे हम पहले भी कई बार टुकड़ों में देख चुके थे।

होम्स ने अपनी जेब से एक कागज निकाला और मेज पर दस पाउंड का नोट रख दिया।

श्री सैंडफोर्ड, कृपया इन गवाहों की उपस्थिति में इस कागज़ पर हस्ताक्षर कर दें। इसका सीधा सा मतलब है कि आप इस प्रतिमा में अपने सभी अधिकार मुझे हस्तांतरित कर रहे हैं। आप जानते हैं, मैं एक व्यवस्थित व्यक्ति हूँ, और आप नहीं जानते कि इसके बाद घटनाएँ क्या मोड़ ले लेंगी। धन्यवाद, श्री सैंडफोर्ड; ये लीजिए आपका पैसा, और आपको शुभ संध्या।

जब हमारा मेहमान गायब हो गया, तो शर्लक होम्स की हरकतें ऐसी थीं कि हमारा सारा ध्यान उन पर केंद्रित हो गया। उन्होंने सबसे पहले दराज से एक साफ सफेद कपड़ा निकाला और उसे मेज पर बिछा दिया। फिर उन्होंने अपनी नई खरीदी हुई मूर्ति को कपड़े के बीचोंबीच रख दिया। अंत में, उन्होंने अपना शिकार का चाबुक उठाया और नेपोलियन के सिर पर ज़ोरदार प्रहार किया। मूर्ति के टुकड़े-टुकड़े हो गए, और होम्स उत्सुकता से उन बिखरे हुए टुकड़ों को देखने लगे। अगले ही पल, जीत की ज़ोरदार आवाज़ के साथ उन्होंने एक टुकड़ा ऊपर उठाया, जिसमें एक गोल, काली वस्तु हलवे में बेर की तरह धंसी हुई थी।

"सज्जनों," वह चिल्लाया, "आइए मैं आपको बोर्जियास के प्रसिद्ध काले मोती से परिचित कराता हूँ।"

लेस्ट्रेड और मैं एक पल के लिए चुपचाप बैठे रहे, और फिर, अचानक ही हम दोनों तालियाँ बजाने लगे, मानो किसी नाटक के चरम क्षण पर तालियाँ बज रही हों। होम्स के पीले गालों पर लाली आ गई, और उन्होंने एक माहिर नाटककार की तरह हमें प्रणाम किया, जैसे कोई कलाकार अपने श्रोताओं से प्रशंसा पाकर सम्मान प्राप्त करता है। ऐसे ही क्षणों में, एक पल के लिए वे तर्क-वितर्क करने वाली मशीन नहीं रह जाते थे, और प्रशंसा और तालियों के प्रति उनका मानवीय प्रेम प्रकट हो उठता था। वही विलक्षण गर्वित और संयमी स्वभाव, जो लोकप्रियता से घृणा करता था, एक मित्र की सहज प्रशंसा और आश्चर्य से पिघल सकता था।

"जी हाँ, सज्जनों," उन्होंने कहा, "यह दुनिया का सबसे प्रसिद्ध मोती है, और यह मेरा सौभाग्य रहा है कि मैंने तार्किक सोच की एक श्रृंखला के माध्यम से इसे प्रिंस आफ कोलोना के डेकर होटल स्थित शयनकक्ष से, जहाँ यह खो गया था, स्टेपनी की गेल्डर एंड कंपनी द्वारा निर्मित नेपोलियन की छह मूर्तियों में से अंतिम मूर्ति के भीतर तक खोज निकाला है। लेस्ट्रेड, आपको याद होगा कि इस बहुमूल्य रत्न के गायब होने से कितना हंगामा हुआ था और लंदन पुलिस ने इसे बरामद करने के लिए कितने व्यर्थ प्रयास किए थे। मुझसे भी इस मामले में सलाह ली गई थी, लेकिन मैं इस पर कोई प्रकाश नहीं डाल सका। शक राजकुमारी की इतालवी नौकरानी पर गया, और यह साबित हो गया कि उसका एक भाई लंदन में था, लेकिन हम उनके बीच कोई संबंध स्थापित नहीं कर पाए। नौकरानी का नाम ल्यूक्रेशिया वेनुची था, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि दो रात पहले जिसकी हत्या हुई थी, वह पिएत्रो ही उसका भाई था। मैंने अखबार की पुरानी फाइलों में तारीखें देखी हैं, और मुझे पता चला है कि गायब होने की घटना... मोती मिलने की घटना बेप्पो की गिरफ्तारी से ठीक दो दिन पहले हुई थी। बेप्पो को किसी हिंसक अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और यह घटना गेल्डर एंड कंपनी के कारखाने में उसी समय घटी थी जब ये मूर्तियां बनाई जा रही थीं। अब आप घटनाओं

का क्रम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, हालांकि आप उन्हें उस क्रम के विपरीत क्रम में देख रहे हैं जिस क्रम में वे मुझे दिखाई दी थीं। बेप्पो के पास मोती था। हो सकता है उसने इसे पिएत्रो से चुराया हो, हो सकता है वह पिएत्रो का साथी रहा हो, या हो सकता है वह पिएत्रो और उसकी बहन के बीच मध्यस्थ रहा हो। हमारे लिए यह मायने नहीं रखता कि सही उत्तर कौन सा है।

मुख्य बात यह है कि उसके पास मोती था, और उस समय, जब वह उसके पास था, पुलिस उसका पीछा कर रही थी। वह उस कारखाने की ओर भागा जहाँ वह काम करता था, और वह जानता था कि उसके पास इस अत्यंत मूल्यवान वस्तु को छिपाने के लिए केवल कुछ ही मिनट हैं, अन्यथा तलाशी के दौरान यह उसके पास से मिल जाएगी। गलियारे में नेपोलियन के छह प्लास्टर के सांचे सूख रहे थे। उनमें से एक अभी भी नरम था। एक पल में, कुशल कारीगर बेप्पो ने गीले प्लास्टर में एक छोटा सा छेद किया, मोती उसमें डाला, और कुछ ही स्पर्शों से छेद को फिर से ढक दिया। यह एक अद्भुत छिपाने की जगह थी। कोई भी इसे ढूंढ नहीं सकता था। लेकिन बेप्पो को एक साल की कैद की सजा सुनाई गई, और इस बीच उसके छह सांचे लंदन में बिखरे पड़े थे। वह यह नहीं बता सकता था कि किसमें उसका खजाना है। केवल उन्हें तोड़कर ही वह देख सकता था। हिलाने से भी उसे कुछ पता नहीं चलता, क्योंकि प्लास्टर गीला होने के कारण मोती के उससे चिपकने की संभावना थी - जैसा कि वास्तव में हुआ भी। बेप्पो निराश नहीं हुआ, और उसने काफी मेहनत से अपनी खोज जारी रखी। अपनी सूझबूझ और लगन से उन्होंने गेलडर के साथ काम करने वाले एक चचेरे भाई के माध्यम से उन खुदरा कंपनियों का पता लगाया जिन्होंने मूर्तियां खरीदी थीं। उन्हें मोर्स हडसन में नौकरी मिल गई और इस तरह उन्होंने उनमें से तीन का पता लगा लिया। मोती वहां नहीं था। फिर, एक इतालवी कर्मचारी की मदद से, उन्हें पता चला कि बाकी तीन मूर्तियां कहां गई थीं। पहली हार्कर के पास थी। वहां उनका एक साथी उनका पीछा कर रहा था, जो मोती के खोने के लिए बेप्पो को जिम्मेदार ठहरा रहा था, और हाथापाई के दौरान उन्होंने उसे चाकू मार दिया।

मैंने पूछा, "अगर वह उसका सहयोगी था, तो उसे उसकी तस्वीर क्यों रखनी चाहिए?"

"उसे ढूंढने के लिए, अगर वह किसी तीसरे व्यक्ति से उसके बारे में पूछताछ करना चाहता, तो यही एकमात्र कारण था। खैर, हत्या के बाद मैंने अनुमान लगाया कि बेप्पो शायद अपनी गतिविधियों में देरी करने के बजाय जल्दी करेगा। उसे डर था कि पुलिस उसका रहस्य जान लेगी, इसलिए उसने पुलिस के उससे आगे निकलने से पहले ही हड़बड़ी कर दी। बेशक, मैं यह नहीं कह सकता था कि उसे हार्कर की मूर्ति में मोती नहीं मिला था। मैंने यह भी पक्का नहीं कहा था कि वह मोती ही है, लेकिन मुझे यह स्पष्ट था कि वह कुछ खोज रहा था, क्योंकि वह मूर्ति को दूसरे घरों के पास से ले गया ताकि उसे उस बगीचे में तोड़ सके जहाँ एक लैंप लगा हुआ था। चूंकि हार्कर की मूर्ति तीन में से एक थी, इसलिए मोती होने की संभावना ठीक वैसी ही थी जैसी मैंने आपको बताई थी - दो में से एक। दो मूर्तियाँ बची थीं, और यह स्पष्ट था कि वह पहले लंदन वाली मूर्ति को ही चुनेगा। मैंने घर के सभी लोगों को चेतावनी दी, ताकि दूसरी त्रासदी न हो, और हम नीचे गए, और परिणाम बहुत सुखद रहे। उस समय तक, बेशक, मुझे पक्का पता चल चुका था कि वह बोर्जिया का मोती ही था। जिसकी हमें तलाश थी। मारे गए व्यक्ति के नाम ने एक घटना को दूसरी से जोड़ दिया। केवल एक ही प्रतिमा बची थी - रीडिंग वाली - और मोती वहीं होना चाहिए। मैंने इसे आपके सामने मालिक से खरीदा था - और यह वहीं पड़ा है।

हम कुछ देर चुपचाप बैठे रहे।

“खैर,” लेस्ट्रेड ने कहा, “मैंने आपको कई मामलों को संभालते देखा है, श्रीमान होम्स, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी इतना कुशल और निपुण मामला देखा हो। स्कॉटलैंड यार्ड में हम आपसे ईर्ष्या नहीं करते। नहीं, महोदय, हमें आप पर बहुत गर्व है, और यदि आप कल यहाँ आएँ, तो सबसे वरिष्ठ इंस्पेक्टर से लेकर सबसे युवा कांस्टेबल तक, कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं होगा जो आपसे हाथ मिलाने में प्रसन्न न हो।”

“धन्यवाद!” होम्स ने कहा। “धन्यवाद!” और जैसे ही वह मुड़े, मुझे लगा कि वह पहले से कहीं अधिक कोमल मानवीय भावनाओं से प्रभावित हुए थे। एक क्षण बाद ही वह फिर से ठंडे और व्यावहारिक विचारक बन गए। “मोती को तिजोरी में रख दो, वॉटसन,” उन्होंने कहा, “और कॉन्क-सिंगलटन जालसाजी मामले के कागजात निकाल लो। अलविदा, लेस्ट्रेड। अगर कोई छोटी-मोटी समस्या आए, तो मैं खुशी-खुशी, अगर संभव हुआ तो, उसके समाधान के बारे में एक-दो संकेत दे दूंगा।”

एकाकी साइकिल चालक का रोमांच

सन् 1894 से 1901 तक, श्री शर्लक होम्स बेहद व्यस्त रहे। यह कहना गलत नहीं होगा कि इन आठ वर्षों के दौरान ऐसा कोई सार्वजनिक मामला नहीं था जिसमें उनसे सलाह न ली गई हो, और सैकड़ों निजी मामले थे, जिनमें से कुछ बेहद पेचीदा और असाधारण थे, जिनमें उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस लंबे निरंतर कार्यकाल के परिणामस्वरूप कई चौंकाने वाली सफलताएँ और कुछ अपरिहार्य असफलताएँ प्राप्त हुईं। चूंकि मैंने इन सभी मामलों के विस्तृत नोट्स सहेज कर रखे हैं, और स्वयं भी इनमें से कई मामलों में शामिल रहा हूं, इसलिए यह समझना आसान नहीं है कि जनता के सामने प्रस्तुत करने के लिए किन मामलों का चयन किया जाए। फिर भी, मैं अपने पूर्व नियम का पालन करूंगा और उन मामलों को प्राथमिकता दूंगा जिनकी रुचि अपराध की क्रूरता से नहीं, बल्कि समाधान की चतुराई और नाटकीयता से उत्पन्न होती है। इसी कारण से, मैं अब पाठकों के सामने चार्लिंगटन की अकेली साइकिल चालक मिस वायलेट स्मिथ से जुड़े तथ्यों और हमारी जांच के विचित्र घटनाक्रम को प्रस्तुत करूंगा, जिसका अंत एक अप्रत्याशित त्रासदी में हुआ। यह सच है कि परिस्थितियाँ उन क्षमताओं के किसी उल्लेखनीय उदाहरण की अनुमति नहीं देती थीं जिनके लिए मेरा मित्र प्रसिद्ध था, लेकिन इस मामले में कुछ ऐसे बिंदु थे जिन्होंने इसे अपराध के उन लंबे अभिलेखों में अलग पहचान दिलाई जिनसे मैं इन छोटी कहानियों के लिए सामग्री एकत्र करता हूं।

सन् 1895 की अपनी नोटबुक देखने पर मुझे पता चला कि शनिवार, 23 अप्रैल को ही हमें मिस वायलेट स्मिथ के बारे में पहली बार पता चला था। मुझे याद है कि उनका आना होम्स को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया था, क्योंकि उस समय वे जॉन विंसेंट हार्डन, जो एक प्रसिद्ध तंबाकू व्यापारी थे, के साथ हो रहे विशेष उत्पीड़न से संबंधित एक बेहद पेचीदा मामले में उलझे हुए थे। मेरे मित्र, जिन्हें सटीकता और एकाग्रता सबसे अधिक प्रिय थी, किसी भी ऐसी चीज़ से चिढ़ते थे जो उनका ध्यान मुख्य मामले से भटकाती हो। फिर भी, अपने स्वभाव के विपरीत, बिना किसी कठोरता के, उस युवा और सुंदर, लंबी, आकर्षक और शाही महिला की कहानी सुनने से इनकार करना उनके लिए असंभव था, जो देर शाम बेकर स्ट्रीट पर आई और उनसे सहायता और सलाह की गुहार लगाई। यह कहना व्यर्थ था कि उनका समय पहले से ही व्यस्त है, क्योंकि वह युवती अपनी कहानी सुनाने के दृढ़ निश्चय के साथ आई थी, और यह स्पष्ट था कि जब तक वह अपनी कहानी पूरी नहीं सुना लेती, तब तक उसे कमरे से बाहर निकालने के लिए बल प्रयोग के अलावा कोई और तरीका काम नहीं आएगा। एक

हताश भाव और कुछ थकी हुई मुस्कान के साथ, होम्स ने उस खूबसूरत घुसपैठिए से बैठने का अनुरोध किया, और यह बताने के लिए कहा कि उसे क्या परेशान कर रहा है।

"कम से कम यह आपकी सेहत की समस्या तो नहीं हो सकती," उसने कहा, और उसकी पैनी निगाहें उस पर घूम गईं: "इतना उत्साही साइकिल चालक ऊर्जा से भरपूर होगा।"

उसने आश्चर्य से अपने पैरों की ओर देखा, और मैंने देखा कि पैडल के किनारे के घर्षण के कारण जूते के तलवे के किनारे पर हल्की खुरदुराहट आ गई थी।

"जी हां, मैं काफी साइकिल चलाता हूं, श्रीमान होम्स, और आज आपसे मिलने आने का इससे कुछ संबंध है।"

मेरे दोस्त ने उस महिला का बिना दस्ताने वाला हाथ लिया और उसकी जांच उतनी ही बारीकी से और बिना किसी भावना के की, जितनी एक वैज्ञानिक किसी नमूने की जांच करता है।

"मुझे यकीन है आप मुझे माफ कर देंगी। ये मेरा काम है," उसने उसे नीचे रखते हुए कहा। "मैं लगभग ये सोचने की गलती कर बैठा था कि आप टाइप कर रही हैं। बेशक, ये संगीत है। वॉटसन, आपने उंगलियों के नुकीले सिरे देखे हैं, जो दोनों पेशों में आम हैं? लेकिन चेहरे पर एक आध्यात्मिकता है," — उसने धीरे से चेहरा रोशनी की ओर घुमाया — "जो टाइपराइटर से नहीं आती। ये महिला एक संगीतकार है।"

"जी हां, श्रीमान होम्स, मैं संगीत पढ़ाता हूं।"

"मुझे लगता है कि आप ग्रामीण इलाके में रहते हैं, आपके रंग-रूप से तो यही लगता है।"

"जी जी, सरे की सीमा पर, फर्नहैम के पास।"

"एक खूबसूरत इलाका, और कई दिलचस्प यादों से भरा हुआ। आपको याद होगा, वॉटसन, कि यहीं पास में हमने जाली दस्तावेज़ बनाने वाले आर्ची स्टैमफोर्ड को पकड़ा था। अब, मिस वायलेट, सरे की सीमा पर, फर्नहैम के पास आपका क्या हाल है?"

उस युवती ने अत्यंत स्पष्टता और संयम के साथ निम्नलिखित विचित्र कथन कहा:

"मेरे पिता जी का निधन हो गया है, श्रीमान होम्स। उनका नाम जेम्स स्मिथ था, जो पुराने इंपीरियल थिएटर में ऑर्केस्ट्रा का संचालन करते थे। मेरी माँ और मैं दुनिया में अपने एक रिश्तेदार के अलावा नहीं बचे हैं, सिवाय एक चाचा, राल्फ स्मिथ के, जो पच्चीस साल पहले अफ्रीका चले गए थे, और तब से उनसे हमारी कोई बात नहीं हुई। पिताजी के निधन के बाद हम बहुत गरीब हो गए थे, लेकिन एक दिन हमें पता चला कि टाइम्स अखबार में हमारे बारे में जानकारी देने वाला एक विज्ञापन छपा है। आप कल्पना कर सकते हैं कि हम कितने उत्साहित थे, क्योंकि हमें लगा कि किसी ने हमारे लिए बहुत बड़ी दौलत छोड़ी है। हम तुरंत उस वकील के पास गए जिसका नाम अखबार में दिया गया था। वहाँ हमारी मुलाकात दो सज्जनों, श्री कैरुथर्स और श्री वुडली से हुई, जो दक्षिण अफ्रीका से घूमने आए हुए थे। उन्होंने बताया कि मेरे चाचा उनके मित्र थे, जिनका कुछ महीने पहले जोहान्सबर्ग में घोर गरीबी में निधन हो गया था, और उन्होंने अपनी अंतिम सांस लेते हुए उनसे अपने रिश्तेदारों को ढूंढने और उनकी देखभाल करने के लिए कहा था। हमें यह बात अजीब लगी कि चाचा राल्फ, जिन्होंने जीवित रहते हुए हमारी कोई परवाह नहीं की, अब हमारी इतनी देखभाल क्यों कर रहे हैं। वह मर चुका था, लेकिन श्री कैरुथर्स ने समझाया कि इसका कारण यह था कि मेरे चाचा को अभी-अभी अपने भाई की मृत्यु के बारे में पता चला था, और इसलिए वे हमारे भाग्य के लिए खुद को जिम्मेदार महसूस कर रहे थे।"

"माफ़ कीजिए," होम्स ने कहा। "यह इंटरव्यू कब हुआ था?"

"पिछले दिसंबर में—चार महीने पहले।"

"कृपया आगे बढ़ें।"

"श्री वुडली मुझे बेहद घृणित व्यक्ति लगे। वह लगातार मुझे घूरते रहते थे—एक भद्दा, फूले चेहरे वाला, लाल मूंछों वाला नौजवान, जिसके बाल माथे के दोनों ओर चिपके रहते थे। मुझे लगा कि वह बेहद घृणित व्यक्ति है—और मुझे पूरा यकीन था कि सिरिल नहीं चाहेंगे कि मैं ऐसे व्यक्ति से मिलूं।"

"ओह, उसका नाम सिरिल है!" होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा।

युवती का चेहरा लाल हो गया और वह हंस पड़ी।

जी हां, श्रीमान होम्स, मेरा नाम सिरिल मॉर्टन है, जो एक विद्युत इंजीनियर हैं, और हम गर्मियों के अंत तक शादी करने की उम्मीद कर रहे हैं। अरे, मैं उनके बारे में कैसे बात करने लगी? मैं कहना चाहती थी कि श्रीमान वुडली तो बिलकुल घृणित थे, लेकिन श्रीमान कैरुथर्स, जो मुझसे काफी बड़े थे, कहीं अधिक मिलनसार थे। वे सांवले, पीले रंग के, दाढ़ी-मूंछ साफ किए हुए, शांत स्वभाव के व्यक्ति थे, लेकिन उनके तौर-तरीके विनम्र थे और उनकी मुस्कान मनमोहक थी। उन्होंने पूछा कि हम कैसे हैं, और जब उन्हें पता चला कि हम बहुत गरीब हैं, तो उन्होंने सुझाव दिया कि मैं आकर उनकी दस साल की इकलौती बेटी को संगीत सिखाऊं। मैंने कहा कि मैं अपनी मां को छोड़कर नहीं जाना चाहती, जिस पर उन्होंने सुझाव दिया कि मैं हर सप्ताहांत उनके घर जाऊं, और उन्होंने मुझे सालाना सौ डॉलर देने की पेशकश की, जो वाकई बहुत अच्छी तनख्वाह थी। तो अंत में मैंने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, और मैं फर्नहैम से लगभग छह मील दूर चिल्टर्न ग्रेंज चली गई। श्रीमान कैरुथर्स विधुर थे, लेकिन उन्होंने एक महिला गृहस्वामी को काम पर रखा था, जो बहुत ही सम्मानित, बुजुर्ग महिला थीं, जिनका नाम श्रीमती था। डिक्सन को उनके प्रतिष्ठान की देखभाल करने के लिए भेजा गया था। बच्चा बहुत प्यारा था और भविष्य उज्ज्वल लग रहा था। श्री कैरुथर्स बहुत दयालु और संगीत प्रेमी थे, और हम साथ में बहुत सुखद शामें बिताते थे। हर सप्ताहांत मैं शहर में अपनी माँ के घर जाता था।

मेरी खुशी में पहली दरार लाल मूंछों वाले मिस्टर वुडली के आने से पड़ी। वो एक हफ्ते के लिए आए थे, लेकिन मुझे तीन महीने जैसे लगे। वो बहुत ही घिनौने इंसान थे—सबके साथ बदतमीजी करते थे, लेकिन मेरे साथ तो उससे भी कहीं ज़्यादा बुरे थे। उन्होंने मुझसे घिनौना व्यवहार किया, अपनी दौलत का घमंड किया, कहा कि अगर मैं उनसे शादी कर लूं तो मुझे लंदन के सबसे कीमती हीरे मिल जाएंगे, और आखिर में, जब मैंने उनसे कोई वास्ता नहीं रखना चाहा, तो एक दिन खाने के बाद उन्होंने मुझे अपनी बाहों में जकड़ लिया—वो बेहद ताकतवर थे—और कसम खाई कि जब तक मैं उन्हें चूम न लूं, तब तक वो मुझे नहीं छोड़ेंगे। मिस्टर कैरुथर्स आए और उन्हें मुझसे छुड़ाया, जिसके बाद वो अपने ही मेज़बान पर टूट पड़े, उन्हें नीचे गिरा दिया और उनका चेहरा बुरी तरह घायल कर दिया। जैसा कि आप समझ सकते हैं, यहीं उनकी यात्रा समाप्त हो गई। मिस्टर कैरुथर्स ने अगले दिन मुझसे माफी मांगी और मुझे भरोसा दिलाया कि मुझे फिर कभी ऐसी बेइज्जती का सामना नहीं करना पड़ेगा। उसके बाद से मैंने मिस्टर वुडली को नहीं देखा है।

"और अब, श्रीमान होम्स, मैं आखिरकार उस खास बात पर आता हूँ जिसके कारण मुझे आज आपसे सलाह लेनी पड़ी है। आप जानते ही होंगे कि हर शनिवार सुबह मैं अपनी साइकिल से फ़ार्नहम स्टेशन जाता हूँ, ताकि 12:22 बजे शहर जाने वाली ट्रेन पकड़ सकूँ। चिल्टर्न ग्रेंज से जाने वाली सड़क सुनसान है, और एक जगह तो यह और भी सुनसान है, क्योंकि यह एक मील से भी ज़्यादा दूरी तक एक तरफ चार्लिंगटन हीथ और दूसरी तरफ चार्लिंगटन हॉल के आसपास के जंगलों के बीच फैली हुई है। आपको कहीं भी इससे ज़्यादा सुनसान सड़क नहीं मिलेगी, और क्रूक्सबरी हिल के पास मुख्य

सड़क तक पहुँचने से पहले आपको शायद ही कभी कोई बैलगाड़ी या किसान दिखाई दे। दो हफ्ते पहले मैं इसी जगह से गुज़र रहा था, तभी अचानक मैंने पीछे मुड़कर देखा, और लगभग दो सौ गज पीछे मुझे एक आदमी साइकिल पर दिखाई दिया। वह अधेड़ उम्र का लग रहा था, जिसकी छोटी, काली दाढ़ी थी। फ़ार्नहम पहुँचने से पहले मैंने पीछे मुड़कर देखा, लेकिन वह आदमी जा चुका था, इसलिए मैंने इस बारे में और नहीं सोचा। लेकिन आप कल्पना कर सकते हैं कि मैं कितना हैरान था। श्री होम्स, सोमवार को जब मैं वापस लौटी तो मैंने उसी आदमी को उसी सड़क पर देखा। मेरी हैरानी तब और बढ़ गई जब ठीक वैसा ही वाकया अगले शनिवार और सोमवार को भी दोहराया गया। वह हमेशा मुझसे दूरी बनाए रखता था और मुझे किसी भी तरह से परेशान नहीं करता था, फिर भी यह बहुत अजीब था। मैंने इस बारे में श्री कैरुथर्स को बताया, जो मेरी बातों में दिलचस्पी लेते हुए दिखे और उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने एक घोड़ा और गाड़ी मंगवा ली है, ताकि भविष्य में मैं इन सुनसान सड़कों पर बिना किसी साथी के न गुज़रूं।

“घोड़ा और गाड़ी इस हफ्ते आने वाले थे, लेकिन किसी कारणवश वे नहीं आए, और मुझे फिर से साइकिल से स्टेशन जाना पड़ा। यह आज सुबह की बात है। आप सोच सकते हैं कि जब मैं चार्लिंगटन हीथ पहुँचा, तो मैंने बाहर देखा, और वहाँ, निश्चित रूप से, वही आदमी था, ठीक वैसे ही जैसे दो हफ्ते पहले था। वह हमेशा मुझसे इतनी दूर रहता था कि मैं उसका चेहरा साफ-साफ नहीं देख पाता था, लेकिन वह निश्चित रूप से कोई अनजान व्यक्ति था। उसने गहरे रंग का सूट और कपड़े की टोपी पहनी हुई थी। उसके चेहरे पर जो एकमात्र चीज मुझे साफ दिखाई दे रही थी, वह थी उसकी काली दाढ़ी। आज मैं डरा नहीं था, लेकिन जिज्ञासा से भरा हुआ था, और मैंने पता लगाने का निश्चय किया कि वह कौन है और वह क्या चाहता है। मैंने अपनी साइकिल की गति धीमी की, लेकिन उसने भी अपनी साइकिल की गति धीमी कर दी। फिर मैं पूरी तरह रुक गया, लेकिन वह भी रुक गया। फिर मैंने उसके लिए जाल बिछाया। सड़क पर एक तीखा मोड़ है, और मैंने बहुत तेजी से साइकिल चलाई, और फिर रुककर इंतजार किया। मुझे उम्मीद थी कि वह रुकने से पहले ही घूमकर मुझे पार कर जाएगा। लेकिन वह कभी दिखाई नहीं दिया। फिर मैं वापस गया और कोने से देखा। मुझे मीलों तक सड़क दिखाई दे रही थी, लेकिन वह उस पर नहीं था। और इससे भी अधिक आश्चर्यजनक बात यह थी कि इस बिंदु पर कोई भी साइड रोड नहीं थी जिस पर वह जा सकता था।

होम्स मुस्कुराए और अपने हाथ मलने लगे। उन्होंने कहा, "इस मामले में कुछ अनोखी बातें हैं। मोड़ मुड़ने और सड़क के साफ होने का पता चलने के बीच कितना समय बीता?"

"दो या तीन मिनट।"

"तो फिर वह सड़क से पीछे नहीं हट सकता था, और आप कहते हैं कि वहाँ कोई साइड रोड नहीं है?"

"कोई नहीं।"

"फिर उसने निश्चित रूप से एक तरफ या दूसरी तरफ का पैदल रास्ता ले लिया।"

"वह खुले मैदान के किनारे तो नहीं हो सकता था, वरना मैं उसे देख लेता।"

तो, अपवर्जन की प्रक्रिया से हम इस तथ्य पर पहुँचते हैं कि वह चार्लिंगटन हॉल की ओर गया, जो मेरी समझ से सड़क के एक तरफ अपने परिसर में स्थित है। और कुछ?

"कुछ नहीं, श्रीमान होम्स, बस मैं इतना परेशान था कि मुझे लगा कि जब तक मैं आपसे मिल नहीं लेता और आपकी सलाह नहीं ले लेता, तब तक मुझे खुशी नहीं मिलेगी।"

होम्स कुछ देर तक चुपचाप बैठे रहे।

अंत में उसने पूछा, "जिस सज्जन से आपकी सगाई हुई है, वह कहाँ हैं?"

वह कोवेंट्री स्थित मिडलैंड इलेक्ट्रिकल कंपनी में कार्यरत हैं।

“क्या वो आपसे अचानक मिलने नहीं आएंगे?” - “ओह, मिस्टर होम्स! जैसे कि मैं उन्हें जानती ही न हूँ!”

"क्या आपके कोई और प्रशंसक भी रहे हैं?"

"सिरिल को जानने से पहले भी कई लोग थे।"

"और तबसे?"

"वहाँ वुडली नाम का एक भयानक आदमी था, अगर आप उसे प्रशंसक कह सकते हैं तो।"

"कोई और नहीं?"

हमारी सम्मानित ग्राहक थोड़ी उलझन में लग रही थी।

“वह कौन था?” होम्स ने पूछा।

“ओह, शायद यह महज़ मेरा वहम हो; पर कभी-कभी मुझे ऐसा लगता है कि मेरे मालिक, श्री कैरुथर्स, मुझमें बहुत दिलचस्पी रखते हैं। हम अक्सर साथ-साथ रहते हैं। मैं शाम को उनके संगीत में संगत देती हूँ। उन्होंने कभी कुछ नहीं कहा। वे एक सच्चे सज्जन हैं। पर एक लड़की को सब पता चल ही जाता है।”

“हा!” होम्स गंभीर हो गया। “वह क्या काम करता है?”

वह एक अमीर आदमी है।

“गाड़ियाँ या घोड़े नहीं हैं?”

“खैर, कम से कम वह काफी संपन्न तो है। लेकिन वह हफ्ते में दो-तीन बार शहर जाता है। उसे दक्षिण अफ्रीकी सोने के शेयरों में गहरी दिलचस्पी है।”

“मिस स्मिथ, आप मुझे हर नई जानकारी देंगी। मैं इस समय बहुत व्यस्त हूँ, लेकिन मैं आपके मामले की जाँच-पड़ताल करने के लिए समय निकालूँगा। तब तक, मुझे बताए बिना कोई कदम न उठाएँ। अलविदा, और मुझे उम्मीद है कि हमें आपसे अच्छी खबर ही मिलेगी।”

“प्रकृति के नियम के अनुसार ऐसी लड़की के चाहने वाले तो होने ही चाहिए,” होम्स ने अपनी ध्यानमग्न पाइप का कश लेते हुए कहा। “लेकिन सुनसान ग्रामीण सड़कों पर साइकिलों पर घूमने वाले चाहने वाले नहीं। कोई गुप्त प्रेमी, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन इस मामले में कुछ दिलचस्प और संकेत देने वाले विवरण हैं। वॉटसन।”

"क्या वह ठीक उसी समय प्रकट हो?"

“बिल्कुल सही। हमारा पहला प्रयास तो यह पता लगाना होना चाहिए कि चार्लिंगटन हॉल के किरायेदार कौन हैं। फिर, कैरुथर्स और वुडली के बीच क्या संबंध है, क्योंकि वे दोनों बिल्कुल अलग स्वभाव के लगते हैं? आखिर वे दोनों राल्फ स्मिथ के रिश्तेदारों को ढूंढने में इतने उत्सुक क्यों हैं? एक और सवाल। यह कैसा परिवार है जो गवर्नेस के लिए बाजार मूल्य से दुगनी कीमत चुकाता है, लेकिन स्टेशन से छह मील दूर होने के बावजूद घोड़ा नहीं रखता? अजीब है, वॉटसन—बहुत अजीब!”

“क्या तुम नीचे जाओगे?”

“नहीं, मेरे प्रिय मित्र, तुम नीचे जाओगे। यह कोई मामूली साजिश हो सकती है, और मैं इसके लिए अपने अन्य महत्वपूर्ण शोध कार्य को नहीं रोक सकता। सोमवार को तुम फ़ार्नहैम जल्दी पहुंच जाओगे; तुम चार्लिंगटन हीथ के पास छिप जाओगे; तुम स्वयं इन तथ्यों का अवलोकन करोगे और अपने विवेक के अनुसार कार्य करोगे। फिर, हॉल में रहने वालों के बारे में पूछताछ करके, तुम मेरे पास वापस आकर रिपोर्ट करोगे। और अब, वॉटसन, जब तक हमारे पास कुछ ठोस सुराग न हों, जिन पर चलकर हम अपने समाधान तक पहुँच सकें, तब तक इस मामले पर एक शब्द भी मत कहना।”

हमने उस महिला से पता किया था कि वह सोमवार को वाटरलू से सुबह 9:50 बजे निकलने वाली ट्रेन से गई थी, इसलिए मैं जल्दी निकला और 9:13 बजे वाली ट्रेन पकड़ ली। फ़ार्नहैम स्टेशन पर मुझे चार्लिंगटन हीथ जाने का रास्ता आसानी से मिल गया। उस युवती के रोमांच के स्थान को पहचानना नामुमकिन था, क्योंकि सड़क एक तरफ खुले मैदान और दूसरी तरफ पुराने यू के पेड़ों की बाड़ के बीच से होकर गुजरती है, जिसके चारों ओर शानदार पेड़ों से भरा एक पार्क है। वहाँ लाइकेन से ढके पत्थरों का एक मुख्य द्वार था, जिसके दोनों ओर के खंभों पर जीर्ण-शीर्ण राजचिह्न बने हुए थे, लेकिन इस केंद्रीय मार्ग के अलावा मैंने कई ऐसे स्थान देखे जहाँ बाड़ में खाली जगहें थीं और उनमें से होकर रास्ते जाते थे। घर सड़क से दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन आसपास का वातावरण उदासी और जीर्णता का बोध करा रहा था।

मैदान सुनहरे रंग के फूलों से लदे कांटेदार झाड़ियों के गुच्छों से ढका हुआ था, जो बसंत की तेज धूप में शानदार ढंग से चमक रहे थे। इन्हीं झाड़ियों के एक गुच्छे के पीछे मैंने अपनी जगह ले ली, ताकि हॉल के प्रवेश द्वार और दोनों ओर की सड़क के लंबे हिस्से पर मेरी नज़र रहे। जब मैं वहां से निकला था तब वह जगह सुनसान थी, लेकिन अब मैंने एक साइकिल सवार को विपरीत दिशा से आते देखा। उसने गहरे रंग का सूट पहना हुआ था और मैंने देखा कि उसकी काली दाढ़ी थी। चार्लिंगटन मैदान के अंत तक पहुंचते ही वह अपनी साइकिल से उतरा और उसे झाड़ियों के बीच से एक खाली जगह से ले गया और मेरी नज़रों से ओझल हो गया।

पंद्रह मिनट बीत गए, और फिर एक दूसरा साइकिल सवार दिखाई दिया। इस बार स्टेशन से आ रही वही युवती थी। मैंने देखा कि चार्लिंगटन की बाड़ के पास आते ही उसने चारों ओर देखा। एक पल बाद वह आदमी अपने छिपने की जगह से निकला, अपनी साइकिल पर उछला और उसके पीछे चल पड़ा। उस विशाल भूभाग में वे दोनों ही चलते-फिरते दिखाई दे रहे थे - सुंदर युवती अपनी साइकिल पर एकदम सीधी बैठी थी, और उसके पीछे वह आदमी अपने हैंडल पर झुका हुआ था, हर हरकत में एक अजीब सी छुपकर चलने की आहट थी। उसने उसकी ओर मुड़कर देखा और अपनी गति धीमी कर दी। उसने भी अपनी गति धीमी कर दी। वह रुक गई। वह भी तुरंत रुक गया, और उससे दो सौ गज पीछे चलता रहा। उसकी अगली हरकत जितनी अप्रत्याशित थी, उतनी ही जोशीली भी थी। उसने अचानक अपने पहिए घुमाए और सीधे उसकी ओर दौड़ पड़ी। लेकिन वह भी उतनी ही फुर्तीला था और जान बचाने के लिए भाग निकला। थोड़ी देर बाद वह फिर से सड़क पर आ गई, सिर शान से ऊपर उठाए, अपने चुपचाप साथ चल रहे साथी पर ध्यान देने की जहमत भी नहीं उठाई। वह भी मुड़ गया था, और तब तक दूरी बनाए रखी जब तक कि सड़क के मोड़ ने उन्हें मेरी नजरों से ओझल नहीं कर दिया।

मैं अपने छिपने की जगह पर ही रहा, और यह अच्छा ही हुआ कि मैं वहीं छिपा रहा, क्योंकि थोड़ी देर बाद वह आदमी धीरे-धीरे साइकिल चलाते हुए वापस आ गया। उसने हॉल के गेट पर मुड़कर अपनी साइकिल से उतर गया। कुछ मिनटों तक मैं उसे पेड़ों के बीच खड़ा देख सका। उसके हाथ ऊपर उठे हुए थे और ऐसा लग रहा था जैसे वह अपनी टाई ठीक कर रहा हो। फिर वह अपनी साइकिल पर सवार हुआ और हॉल की ओर जाने वाले रास्ते पर मुझसे दूर चला गया। मैं खुले मैदान को पार करके भागा और पेड़ों के बीच से झांका। दूर से मुझे ट्यूडर शैली की चिमनियों वाली पुरानी धूसर इमारत की झलक दिखाई दी, लेकिन रास्ता घनी झाड़ियों से होकर गुजरता था, और मुझे वह आदमी फिर कभी नहीं दिखा।

हालांकि, मुझे लगा कि मैंने सुबह का काम काफ़ी अच्छा किया है, और मैं खुश होकर फ़ार्नहैम वापस चला गया। स्थानीय मकान एजेंट मुझे चार्लिंगटन हॉल के बारे में

कुछ भी नहीं बता सका और उसने मुझे पेल मॉल की एक जानी-मानी फर्म के पास भेज दिया। घर जाते समय मैं वहाँ रुका और प्रतिनिधि ने मेरा विनम्रतापूर्वक स्वागत किया। नहीं, मुझे गर्मियों के लिए चार्लिंगटन हॉल नहीं मिल सकता था। मैं बहुत देर हो चुका था। इसे लगभग एक महीने पहले ही किराए पर दे दिया गया था। किराएदार का नाम श्री विलियमसन था। वे एक सम्मानित, बुजुर्ग सज्जन थे। विनम्र एजेंट ने कहा कि वह इससे अधिक कुछ नहीं बता सकता, क्योंकि उसके ग्राहकों के मामले ऐसे विषय नहीं थे जिन पर वह चर्चा कर सके।

श्री शर्लक होम्स ने उस शाम मेरे द्वारा प्रस्तुत लंबी रिपोर्ट को ध्यानपूर्वक सुना, लेकिन मुझे जिस संक्षिप्त प्रशंसा की आशा थी और जिसकी मुझे सराहना करनी चाहिए थी, वह मुझे नहीं मिली। इसके विपरीत, मेरे द्वारा किए गए कार्यों और न किए गए कार्यों पर टिप्पणी करते हुए उनका गंभीर चेहरा हमेशा की तरह और भी अधिक कठोर था।

"मेरी प्यारी वॉटसन, तुम्हारा छिपने का स्थान बहुत ही गलत था। तुम्हें झाड़ी के पीछे होना चाहिए था, तब तुम इस दिलचस्प व्यक्ति को करीब से देख पातीं। लेकिन तुम उससे सैकड़ों गज दूर थीं और मिस स्मिथ से भी कम बता सकती हो। उन्हें लगता है कि वे उस आदमी को नहीं जानतीं; मुझे पूरा यकीन है कि वह जानती हैं। वरना, वह इतना परेशान क्यों होता कि तुम उसके इतने करीब न जाओ कि उसके चेहरे को देख सको? तुमने उसे हैंडल पर झुका हुआ बताया है। फिर से छिपने की कोशिश, समझी ना? तुमने वाकई बहुत ही खराब काम किया है। वह घर लौटता है, और तुम पता लगाना चाहती हो कि वह कौन है। तुम लंदन के एक घर के एजेंट से संपर्क करो!"

"मुझे क्या करना चाहिए था?" मैंने गुस्से से चिल्लाकर पूछा।

"मैं पास के पब में गया था। वही तो गाँव की गपशप का अड्डा है। वहाँ के लोग आपको मालिक से लेकर रसोई की नौकरानी तक, हर किसी का नाम बता देते। विलियमसन? मुझे तो कुछ समझ नहीं आ रहा। अगर वो बूढ़ा आदमी है भी तो वो इतना फुर्तीला साइकिल सवार नहीं है जो उस युवती के खेल से बचने के लिए दौड़ता फिरे। आपके इस अभियान से हमें क्या मिला? बस इतना पता चला कि लड़की की कहानी सच है। मुझे इस पर कभी शक नहीं था। साइकिल सवार और हॉल के बीच कोई संबंध है। मुझे इस पर भी कभी शक नहीं था। हॉल में विलियमसन रहता है। इससे किसे फायदा हुआ? खैर, खैर, मेरे प्यारे साहब, इतने उदास मत होइए। अगले शनिवार तक हम कुछ खास नहीं कर सकते, और इस बीच मैं खुद भी एक-दो पूछताछ करूंगा।"

अगली सुबह, हमें मिस स्मिथ का एक नोट मिला, जिसमें मैंने जो घटनाएँ देखी थीं, उनका संक्षिप्त और सटीक वर्णन था, लेकिन पत्र का सार पोस्टस्क्रिप्ट में निहित था:
मुझे पूरा विश्वास है कि आप मेरी बात का सम्मान करेंगे, श्री होम्स, जब मैं आपको बताऊं कि मेरे यहाँ मेरी स्थिति थोड़ी मुश्किल हो गई है, क्योंकि मेरे मालिक ने मुझे शादी का प्रस्ताव दिया है। मुझे पूरा यकीन है कि उनकी भावनाएँ बहुत गहरी और नेक हैं। साथ ही, मैंने अपना वादा भी दे दिया है। उन्होंने मेरे इनकार को गंभीरता से लिया, लेकिन बहुत ही विनम्रता से। आप समझ सकते हैं कि स्थिति थोड़ी तनावपूर्ण है।

पत्र समाप्त करते हुए होम्स ने सोच-विचार करते हुए कहा, "लगता है हमारा युवा मित्र गहरे संकट में फंसता जा रहा है। इस मामले में मेरी मूल अपेक्षा से कहीं अधिक दिलचस्प पहलू और विकास की संभावनाएं हैं। ग्रामीण इलाके में एक शांत और सुकून भरा दिन बिताने से मुझे कोई नुकसान नहीं होगा, और मेरा मन कर रहा है कि आज दोपहर मैं वहां जाकर अपने द्वारा बनाए गए एक-दो सिद्धांतों का परीक्षण करूं।"

होम्स का ग्रामीण इलाके में बिताया गया शांत दिन एक विचित्र अंत के साथ समाप्त हुआ, क्योंकि वह देर शाम बेकर स्ट्रीट पहुंचे, उनके होंठ पर चोट का निशान था और माथे पर एक लाल रंग का उभार था, साथ ही उनका व्यवहार इतना बिगड़ा हुआ था कि

स्कॉटलैंड यार्ड की जांच के लिए वे खुद ही उपयुक्त व्यक्ति साबित हो सकते थे। उन्हें अपने कारनामों पर बहुत हंसी आ रही थी और उन्हें सुनाते हुए वे दिल खोलकर हंस रहे थे।

उन्होंने कहा, "मैं बहुत कम व्यायाम करता हूँ, इसलिए व्यायाम करना मेरे लिए हमेशा एक खास अनुभव होता है। आप जानते ही हैं कि मुझे मुक्केबाजी के पुराने ब्रिटिश खेल में थोड़ी महारत हासिल है। कभी-कभी यह काम आती है; उदाहरण के लिए, आज इसके बिना मेरी बहुत बुरी हार हो सकती थी।"

मैंने उनसे विनती की कि वे मुझे बताएं कि क्या हुआ था।

"मैंने वह देहाती पब ढूंढ लिया जिसकी मैंने पहले ही आपको सिफारिश की थी, और वहाँ मैंने सावधानीपूर्वक पूछताछ की। मैं बार में था, और एक बातूनी मालिक मुझे वह सब कुछ बता रहा था जो मैं चाहता था। विलियमसन एक सफेद दाढ़ी वाला आदमी है, और वह हॉल में नौकरों के एक छोटे से दल के साथ अकेला रहता है। ऐसी अफवाह है कि वह पादरी है या रह चुका है, लेकिन हॉल में उसके थोड़े समय के रहने के दौरान हुई एक-दो घटनाएं मुझे अजीब तरह से गैर-पादरी लगीं। मैंने पहले ही एक पादरी एजेंसी में कुछ पूछताछ की है, और उन्होंने मुझे बताया कि उस नाम का एक आदमी पादरी था, जिसका करियर बेहद अंधकारमय रहा है। मालिक ने मुझे आगे बताया कि हॉल में आमतौर पर सप्ताहांत में आगंतुक आते हैं - 'बड़े-बड़े लोग, महोदय' - और विशेष रूप से लाल मूंछों वाले एक सज्जन, श्री वुडली, जो हमेशा वहाँ रहते थे। हम यहाँ तक पहुँच ही रहे थे कि तभी वही सज्जन अंदर आ गए, जो टैपरूम में अपनी बीयर पी रहे थे और उन्होंने सारी बातचीत सुन ली थी। मैं कौन था? मुझे क्या चाहिए था?" सवाल पूछने से मेरा क्या मतलब था? उनकी भाषा में एक ज़बरदस्त प्रवाह था, और उनके विशेषण बहुत प्रभावशाली थे। उन्होंने गालियों की बौछार को एक ज़ोरदार थप्पड़ से खत्म किया, जिससे मैं पूरी तरह बच नहीं पाया। अगले कुछ मिनट बहुत मज़ेदार थे। एक घिसटते हुए बदमाश के खिलाफ सीधा बायां वार। मैं जैसा आप मुझे देख रहे हैं, वैसा ही निकला। मिस्टर वुडली एक बैलगाड़ी में घर गए। इस तरह मेरी ग्रामीण यात्रा समाप्त हुई, और यह स्वीकार करना होगा कि, चाहे कितना भी आनंददायक रहा हो, सरे सीमा पर मेरा दिन आपके दिन से ज़्यादा फ़ायदेमंद नहीं रहा।

गुरुवार को हमें अपने ग्राहक से एक और पत्र मिला।

श्री होम्स, आपको यह जानकर आश्चर्य नहीं होगा कि मैं श्री कैरुथर्स की नौकरी छोड़ रही हूँ। यहाँ तक कि उच्च वेतन भी मुझे इस स्थिति की असुविधाओं से संतुष्ट नहीं कर पा रही है। शनिवार को मैं शहर जा रही हूँ और वापस लौटने का मेरा कोई इरादा नहीं है। श्री कैरुथर्स ने एक नया ठिकाना बना लिया है, और इसलिए सुनसान सड़क के खतरे, यदि कभी कोई खतरे थे भी, तो अब समाप्त हो गए हैं।

मेरे जाने का खास कारण सिर्फ मिस्टर कैरुथर्स के साथ तनावपूर्ण स्थिति ही नहीं है, बल्कि उस घिनौने आदमी, मिस्टर वुडली का फिर से प्रकट होना है। वह हमेशा से ही बदसूरत था, लेकिन अब तो पहले से भी ज़्यादा भयानक लग रहा है, क्योंकि लगता है उसका एक्सीडेंट हो गया है और उसका चेहरा बुरी तरह बिगड़ गया है। मैंने उसे खिड़की से देखा, लेकिन शुक्र है कि मेरी उससे मुलाकात नहीं हुई। उसने मिस्टर कैरुथर्स से काफी देर तक बात की, जिसके बाद मिस्टर कैरुथर्स काफी उत्तेजित लग रहे थे। वुडली आस-पास ही कहीं रुका होगा, क्योंकि वह यहाँ नहीं सोया, फिर भी आज सुबह मैंने उसे झाड़ियों में छिपते हुए फिर से देखा। मुझे तो लगता है कि यहाँ कोई जंगली जानवर खुला घूम रहा हो तो बेहतर है। मैं उससे जितना कह सकती हूँ उससे कहीं ज़्यादा घृणा और डरती हूँ। मिस्टर कैरुथर्स ऐसे प्राणी को एक पल भी कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं? खैर, शनिवार को मेरी सारी परेशानियाँ खत्म हो जाएँगी।

"मुझे पूरा भरोसा है, वॉटसन, मुझे पूरा भरोसा है," होम्स ने गंभीरता से कहा। "उस छोटी महिला के इर्द-गिर्द कोई गहरी साज़िश चल रही है, और यह हमारा कर्तव्य है कि उसकी आखिरी यात्रा में कोई उसे परेशान न करे। मुझे लगता है, वॉटसन, कि हमें शनिवार की सुबह साथ में जाकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस अनोखी और व्यापक जांच का कोई अप्रिय अंत न हो।"

मैं स्वीकार करता हूं कि मैंने अब तक इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया था, जो मुझे खतरनाक से कहीं अधिक विचित्र और अटपटा लग रहा था। किसी पुरुष का किसी खूबसूरत महिला का घात लगाकर पीछा करना कोई अनसुनी बात नहीं है, और अगर उसमें इतनी भी हिम्मत नहीं थी कि वह न केवल उससे बात करने की हिम्मत करे, बल्कि उसके आने पर भाग भी जाए, तो वह कोई बहुत खतरनाक हमलावर नहीं था। बदमाश वुडली एक बिल्कुल अलग व्यक्ति था, लेकिन एक बार को छोड़कर उसने हमारी मुवक्किल को कभी परेशान नहीं किया था, और अब वह कैरुथर्स के घर बिना उसकी उपस्थिति में दखल दिए गया था। साइकिल पर सवार व्यक्ति निस्संदेह हॉल में होने वाली उन सप्ताहांत पार्टियों का सदस्य था जिनके बारे में पब मालिक ने बताया था, लेकिन वह कौन था, या वह क्या चाहता था, यह हमेशा की तरह अस्पष्ट था। होम्स के सख्त व्यवहार और इस तथ्य ने कि उसने हमारे कमरों से निकलने से पहले अपनी जेब में एक रिवॉल्वर रख ली, मुझे यह आभास कराया कि घटनाओं के इस विचित्र क्रम के पीछे कोई त्रासदी छिपी हो सकती है।

बरसात की रात के बाद एक शानदार सुबह हुई थी, और खिले हुए फूलों से लदे मैदान, चमकते हुए कंटीले झाड़ियों के झुंडों के साथ, लंदन के फीके, नीरस और स्लेटी रंग से थकी हुई आँखों को और भी खूबसूरत लग रहे थे। होम्स और मैं चौड़ी, रेतीली सड़क पर चलते हुए ताज़ी सुबह की हवा में सांस ले रहे थे और पक्षियों के मधुर संगीत और बसंत की ताजगी का आनंद ले रहे थे। क्रूक्सबरी हिल के किनारे सड़क के एक ऊंचे हिस्से से, हम प्राचीन ओक के पेड़ों के बीच से उभरती हुई भव्य हॉल इमारत को देख सकते थे, जो अपने आप में पुरानी होने के बावजूद, उस इमारत से अभी भी छोटी लग रही थी जिसके वे चारों ओर थे। होम्स ने सड़क के उस लंबे हिस्से की ओर इशारा किया जो भूरे मैदान और हरे-भरे जंगलों के बीच एक लाल-पीली पट्टी की तरह घुमावदार था। दूर, एक काले बिंदु की तरह, हमें एक वाहन हमारी दिशा में आता हुआ दिखाई दिया। होम्स ने अधीरता से एक आवाज़ निकाली।

"मैंने आधे घंटे का समय दिया है," उसने कहा। "अगर यही उसकी चाल है, तो वह पहली ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रही होगी। मुझे डर है, वॉटसन, कि हम उससे मिल पाने से पहले ही वह चार्लिंगटन से आगे निकल जाएगी।"

जैसे ही हम चढ़ाई पार कर गए, वाहन दिखना बंद हो गया, लेकिन हम इतनी तेज़ी से आगे बढ़े कि मेरी सुस्त जीवनशैली मुझ पर हावी होने लगी और मैं पीछे छूटने को मजबूर हो गया। हालाँकि, होम्स हमेशा अभ्यास में रहता था, क्योंकि उसके पास असीम ऊर्जा का भंडार था। उसकी फुर्तीली चाल कभी धीमी नहीं हुई, और अचानक, जब वह मुझसे सौ गज़ आगे था, तो वह रुक गया, और मैंने उसे दुख और निराशा के भाव से हाथ उठाते देखा। उसी क्षण, एक खाली गाड़ी, जिसमें घोड़ा सरपट दौड़ रहा था और लगाम लटक रही थी, सड़क के मोड़ से दिखाई दी और तेज़ी से हमारी ओर आ गई।

"बहुत देर हो गई, वॉटसन, बहुत देर हो गई!" होम्स चिल्लाया, जब मैं हांफते हुए उसके पास दौड़ा। "मुझसे कितनी बड़ी मूर्खता हुई कि मैंने उस पिछली ट्रेन का ध्यान नहीं रखा! यह अपहरण है, वॉटसन – अपहरण! हत्या! पता नहीं क्या! रास्ता रोक दो! घोड़े को रोक दो! ठीक है। अब, अंदर कूद जाओ, और देखते हैं कि क्या मैं अपनी इस गलती के परिणामों को सुधार सकता हूं।"

हम तुरंत गाड़ी में चढ़ गए, और होम्स ने घोड़े को मोड़कर, चाबुक से ज़ोरदार झटका दिया, और हम सड़क पर तेज़ी से पीछे की ओर भागे। जैसे ही हम मोड़ पर पहुंचे, हॉल और खुले मैदान के बीच की पूरी सड़क खुल गई। मैंने होम्स का हाथ पकड़ लिया।

"यही तो वो आदमी है!" मैंने हांफते हुए कहा।

एक अकेला साइकिल सवार हमारी ओर आ रहा था। उसका सिर झुका हुआ था और कंधे झुके हुए थे, मानो वह अपनी पूरी ताकत पैडल पर लगा रहा हो। वह किसी रेसर की तरह उड़ रहा था। अचानक उसने अपना दाढ़ीदार चेहरा ऊपर उठाया, हमें अपने करीब देखा और अपनी साइकिल से उछल पड़ा। उसकी कोयले जैसी काली दाढ़ी उसके पीले चेहरे के बिल्कुल विपरीत थी, और उसकी आँखें इतनी चमक रही थीं मानो उसे बुखार हो। उसने हमें और हमारी गाड़ी को घूरा। फिर उसके चेहरे पर हैरानी का भाव आ गया।

"अरे! यहीं रुको!" उसने चिल्लाते हुए अपनी साइकिल को हमारी राह में रोक दिया। "ये ठेला कहाँ से लाया? रुक जाओ, यार!" उसने अपनी जेब से पिस्तौल निकालते हुए कहा। "रुक जाओ, वरना कसम से, मैं तुम्हारे घोड़े को गोली मार दूंगा।"

होम्स ने लगाम मेरी गोद में फेंक दी और गाड़ी से नीचे कूद गया।

"हम आपसे ही मिलना चाहते हैं। मिस वायलेट स्मिथ कहाँ हैं?" उन्होंने अपने तेज और स्पष्ट लहजे में कहा।

"मैं आपसे यही पूछ रहा हूँ। आप उसकी गाड़ी में हैं। आपको पता होना चाहिए कि वह कहाँ है।"

"हमें सड़क पर एक ठेला मिला। उसमें कोई नहीं था। हम उस युवती की मदद करने के लिए वापस गए।"

"हे भगवान! हे भगवान! मैं क्या करूँ?" अजनबी ने हताशा में चीखते हुए कहा। "उन्होंने उसे पकड़ लिया है, उस दुष्ट वुडली और उस बदमाश पादरी ने। आओ, अगर तुम सच में उसके दोस्त हो। मेरे साथ खड़े हो जाओ और हम उसे बचा लेंगे, चाहे इसके लिए मुझे चार्लिंगटन वुड में अपनी जान ही क्यों न देनी पड़े।"

वह बेसुध होकर, हाथ में पिस्तौल लिए, झाड़ियों में बने एक छेद की ओर भागा। होम्स उसके पीछे गया, और मैं, घोड़े को सड़क के किनारे चरने के लिए छोड़कर, होम्स के पीछे चल दिया।

"ये लोग यहीं से आए थे," उसने कीचड़ भरे रास्ते पर बने कई पैरों के निशानों की ओर इशारा करते हुए कहा। "अरे! एक मिनट रुको! झाड़ियों में ये कौन है?"

वह लगभग सत्रह साल का एक युवक था, जिसने अस्तबल के कर्मचारी की तरह चमड़े की रस्सियाँ और कमरबंद पहन रखे थे। वह पीठ के बल लेटा हुआ था, घुटने मुड़े हुए थे, और उसके सिर पर एक भयानक घाव था। वह बेहोश था, लेकिन जीवित था। उसके घाव को देखकर मुझे पता चला कि वह हड्डी तक नहीं पहुँचा था।

"यह पीटर है, दूल्हा," अजनबी चिल्लाया। "उसने उसे गाड़ी से उतारा था। दरिंदों ने उसे खींचकर अलग कर दिया और लाठियों से पीटा। उसे वहीं पड़े रहने दो: हम उसकी कोई मदद नहीं कर सकते, लेकिन हम उसे उस सबसे बुरे अंजाम से बचा सकते हैं जो किसी स्त्री के साथ हो सकता है।"

हम पेड़ों के बीच से होकर गुजरने वाले घुमावदार रास्ते पर बेतहाशा दौड़ पड़े। हम घर के चारों ओर फैली झाड़ियों तक पहुँच ही गए थे कि होम्स ने गाड़ी रोक दी।

"वे घर नहीं गए। बाईं ओर उनके निशान ये रहे — यहाँ, लॉरेल की झाड़ियों के बगल में। आह! मैंने कहा था।"

जैसे ही वह बोल रहा था, हमारे सामने घनी हरी झाड़ियों के झुंड से एक महिला की तीखी चीख निकली - एक ऐसी चीख जो आतंक के उन्माद से गूंज रही थी। वह चीख अचानक एक घुटन और घुरघुराहट के साथ अपने चरम पर समाप्त हो गई।

"इधर! इधर! वे बॉलिंग-एली में हैं!" अजनबी झाड़ियों के बीच से भागते हुए चिल्लाया। "अरे, ये डरपोक कुत्ते! मेरे पीछे आओ, सज्जनों! बहुत देर हो गई! बहुत देर हो गई! भगवान की कसम!"

हम अचानक प्राचीन वृक्षों से घिरे हरे-भरे मैदान में पहुँच गए। उसके दूसरी ओर, एक विशाल ओक वृक्ष की छाया में, तीन लोगों का एक अनोखा समूह खड़ा था। उनमें से एक महिला थी, हमारी ग्राहक, जो थकी हुई और कमज़ोर लग रही थी, उसके मुँह पर एक रुमाल बंधा था। उसके सामने एक क्रूर, भारी चेहरे वाला, लाल मूंछों वाला युवक खड़ा था, उसके पैर चौड़े फैले हुए थे, एक हाथ कमर पर था और दूसरे हाथ में वह चाबुक लहरा रहा था, उसका पूरा हावभाव विजयी वीरता का संकेत दे रहा था। उनके बीच एक बूढ़ा, सफ़ेद दाढ़ी वाली आदमी था, जिसने हल्के ट्वीड सूट के ऊपर एक छोटा सा सरप्लस पहना हुआ था, ज़ाहिर तौर पर उसने अभी-अभी शादी की रस्म पूरी की थी, क्योंकि हमारे आते ही उसने अपनी प्रार्थना-पुस्तक जेब में रख ली और उसे भयावह दूल्हे की पीठ पर खुशी से थपथपाकर बधाई दी।

"क्या उनकी शादी हो गई?" मैंने हैरानी से पूछा।

"चलो!" हमारे मार्गदर्शक ने चिल्लाकर कहा; "चलो!" वह मैदान पार करके दौड़ पड़ा, और होम्स और मैं उसके पीछे-पीछे चल रहे थे। जैसे ही हम पास पहुंचे, वह महिला सहारे के लिए पेड़ के तने से टिक गई। पूर्व पादरी विलियमसन ने बनावटी विनम्रता से हमें प्रणाम किया, और बदमाश वुडली क्रूर और उल्लासपूर्ण हंसी के साथ आगे बढ़ा।

"बॉब, तुम अपनी दाढ़ी हटा लो," उसने कहा। "मैं तुम्हें अच्छी तरह जानता हूँ। खैर, तुम और तुम्हारे दोस्त बिल्कुल सही समय पर आए हो, ताकि मैं तुम्हें श्रीमती वुडली से मिलवा सकूँ।"

हमारे मार्गदर्शक का जवाब अनोखा था। उसने अपनी काली दाढ़ी, जिससे उसका चेहरा ढका हुआ था, झट से उतारकर ज़मीन पर फेंक दी, जिसके नीचे उसका लंबा, पीला, साफ़ मुंडा हुआ चेहरा दिखाई दिया। फिर उसने अपना रिवाल्वर उठाया और उस युवक पर निशाना साधा, जो अपने हाथ में खतरनाक चाबुक लहराते हुए उसकी ओर बढ़ रहा था।

"जी हां," हमारे सहयोगी ने कहा, "मैं बॉब कैरुथर्स हूं, और मैं इस महिला को न्याय दिलाकर रहूंगा, चाहे इसके लिए मुझे फांसी भी क्यों न लगानी पड़े। मैंने तुम्हें बताया था कि अगर तुमने उसके साथ छेड़छाड़ की तो मैं क्या करूंगा, और भगवान की कसम! मैं अपना वादा निभाऊंगा।"

"तुम बहुत देर कर चुके हो। वह मेरी पत्नी है।"

नहीं, वह आपकी विधवा है।

उसकी रिवॉल्वर से एक आवाज़ आई और मैंने वुडली की जैकेट के सामने से खून निकलते देखा। वह चीखते हुए घूमा और पीठ के बल गिर पड़ा, उसका भयानक लाल चेहरा अचानक एक डरावने धब्बेदार पीलेपन में बदल गया। बूढ़ा आदमी, जो अभी भी अपने सरप्लस में था, इतनी गंदी गालियां बकने लगा जितनी मैंने पहले कभी नहीं सुनी थीं, और उसने अपनी रिवॉल्वर निकाल ली, लेकिन इससे पहले कि वह उसे उठा पाता, वह होम्स के हथियार की नली के सामने था।

"बस करो," मेरे दोस्त ने ठंडे स्वर में कहा। "वो पिस्तौल नीचे रखो! वॉटसन, उसे उठाओ! उसके सिर पर रखो! शुक्रिया। तुम कैरुथर्स, मुझे वो रिवॉल्वर दो। अब और

हिंसा नहीं होगी। आओ, मुझे सौंप दो!"

"फिर आप क्या हैं?"

मेरा नाम शर्लक होम्स है।

"अच्छे भगवान!"

"लगता है आपने मेरे बारे में सुना है। पुलिस के आने तक मैं उनका प्रतिनिधित्व करूँगा। इधर आओ!" उसने मैदान के किनारे खड़े एक डरे हुए घोड़े के रखवाले को आवाज़ लगाते हुए कहा। "इधर आओ। यह नोट लेकर जितनी तेज़ी से हो सके, फ़ार्नहैम तक जाओ।" उसने अपनी नोटबुक के एक पन्ने पर कुछ शब्द लिखे। "इसे पुलिस स्टेशन के अधीक्षक को दे देना। उनके आने तक, मैं तुम सबको अपनी निजी हिरासत में रखूँगा।"

होम्स का सशक्त और प्रभावशाली व्यक्तित्व उस दुखद दृश्य पर हावी था, और सभी उसके हाथों की कठपुतली थे। विलियमसन और कैरुथर्स घायल वुडली को घर के अंदर ले गए, और मैंने डरी हुई लड़की को सहारा दिया। घायल व्यक्ति को उसके बिस्तर पर लिटाया गया, और होम्स के अनुरोध पर मैंने उसकी जांच की। मैं अपनी रिपोर्ट लेकर वहाँ पहुंचा जहाँ वह पुराने, टेपेस्ट्री से सजे भोजन कक्ष में अपने दो कैदियों के साथ बैठा था।

मैंने कहा, "वह जीवित रहेगा।"

"क्या!" कैरुथर्स कुर्सी से उछलते हुए चिल्लाया। "मैं पहले ऊपर जाकर उसे खत्म करता हूँ। क्या तुम मुझे बता रहे हो कि वह लड़की, वह परी, रोरिंग जैक वुडली के साथ जीवन भर के लिए बंधी रहेगी?"

"आपको इस बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है," होम्स ने कहा। "दो बहुत अच्छे कारण हैं जिनकी वजह से वह किसी भी परिस्थिति में उनकी पत्नी नहीं होनी चाहिए। पहली बात तो यह है कि हम श्री विलियमसन के विवाह संपन्न कराने के अधिकार पर सवाल उठाने में पूरी तरह से सुरक्षित हैं।"

"मुझे पुरोहित पद पर नियुक्त किया गया है," बूढ़े बदमाश ने चिल्लाकर कहा।

और उन्हें पद से भी हटा दिया गया।

एक बार पादरी बन जाने पर, हमेशा पादरी ही रहता है।

मुझे नहीं लगता। लाइसेंस के बारे में क्या ख्याल है?

"हमारे पास शादी का लाइसेंस था। वह मेरी जेब में है।"

"तो फिर तुमने इसे धोखे से हासिल किया है। लेकिन, किसी भी हालत में, जबरन शादी, शादी नहीं होती, बल्कि यह एक बहुत गंभीर अपराध है, जैसा कि तुम्हें अपनी पढ़ाई पूरी होने से पहले ही पता चल जाएगा। अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो अगले दस सालों में तुम्हारे पास इस बात पर सोचने का समय होगा। जहाँ तक तुम्हारी बात है, कैरुथर्स, तुम्हारे लिए बेहतर होता कि तुम अपनी पिस्तौल अपनी जेब में ही रखते।"

"मुझे भी ऐसा ही लगने लगा है, श्रीमान होम्स, लेकिन जब मैंने उस लड़की की सुरक्षा के लिए बरती गई अपनी तमाम सावधानियों के बारे में सोचा—क्योंकि मैं उससे प्यार करता था, श्रीमान होम्स, और यही वो समय था जब मैंने प्यार का मतलब जाना—तो यह सोचकर मेरा दिमाग खराब हो गया कि वह दक्षिण अफ्रीका के सबसे बड़े ज़ालिम और गुंडे के चंगुल में थी—एक ऐसा आदमी जिसका नाम किम्बरली से जोहान्सबर्ग तक खौफ़नाक है। श्रीमान होम्स, आपको शायद यकीन न हो, लेकिन जब से वह लड़की मेरे यहाँ काम कर रही है, मैंने उसे कभी भी उस घर के पास से नहीं जाने दिया जहाँ मुझे पता था कि बदमाश छिपे हुए हैं, बिना उसके पीछे साइकिल से गए, सिर्फ यह देखने के लिए कि उसे कोई नुकसान न पहुंचे। मैं उससे दूरी बनाए रखता था, और दाढ़ी रखता था, ताकि वह मुझे पहचान न सके, क्योंकि वह एक अच्छी और

हंसमुख लड़की है, और अगर उसे पता होता कि मैं देहाती सड़कों पर उसका पीछा कर रहा हूं, तो वह मेरे यहाँ ज़्यादा दिन तक नहीं टिकती।"

आपने उसे खतरे के बारे में क्यों नहीं बताया?

क्योंकि तब वह मुझे फिर से छोड़ देती, और मैं उस बात का सामना नहीं कर सकता था। भले ही वह मुझसे प्यार न करती, लेकिन घर में उसकी प्यारी सी सूरत देखना और उसकी आवाज़ सुनना ही मेरे लिए बहुत मायने रखता था।

मैंने कहा, "अच्छा, आप इसे प्यार कहते हैं, श्रीमान कैरुथर्स, लेकिन मैं इसे स्वार्थ कहूंगा।"

"शायद ये दोनों बातें आपस में जुड़ी हुई हैं। खैर, मैं उसे जाने नहीं दे सकता था। इसके अलावा, इतनी भीड़ होने के कारण, यह अच्छा था कि उसके पास कोई हो जो उसकी देखभाल कर सके। फिर, जब संदेश आया, तो मुझे पता था कि वे कुछ न कुछ करेंगे ही।"

"कौन सा केबल?"

कैरुथर्स ने अपनी जेब से एक टेलीग्राम निकाला।

"बस इतना ही," उसने कहा।

यह संक्षिप्त और सारगर्भित था:

बूढ़ा आदमी मर गया है।

"हम्म!" होम्स ने कहा। "मुझे लगता है कि मुझे समझ आ गया है कि चीजें कैसे हुईं, और मैं समझ सकता हूँ कि यह संदेश, जैसा कि आप कहते हैं, उन्हें चरम पर कैसे ले जाएगा। लेकिन जब तक आप प्रतीक्षा करते हैं, आप मुझे जो कुछ भी बता सकते हैं, बताएं।"

चोगा पहने उस बूढ़े बदमाश ने गालियों की बौछार कर दी।

"भगवान की कसम!" उसने कहा, "अगर तुमने हमारी चुगली की, बॉब कैरुथर्स, तो मैं तुम्हारे साथ वही करूंगा जो तुमने जैक वुडली के साथ किया था। तुम उस लड़की के बारे में जितना चाहो बड़बड़ा सकते हो, क्योंकि वह तुम्हारा निजी मामला है, लेकिन अगर तुमने अपने दोस्तों की चुगली इस सादे कपड़ों वाले पुलिसवाले से की, तो वह तुम्हारे जीवन का सबसे बुरा दिन होगा।"

"आपकी आदरणीयता को उत्तेजित होने की आवश्यकता नहीं है," होम्स ने सिगरेट जलाते हुए कहा। "आपके विरुद्ध मामला पूरी तरह स्पष्ट है, और मैं केवल अपनी निजी जिज्ञासा के लिए कुछ विवरण जानना चाहता हूं। हालांकि, यदि आपको मुझे बताने में कोई कठिनाई हो, तो मैं बोलूंगा, और तब आप देखेंगे कि आप अपने रहस्यों को कितने समय तक छुपा सकते हैं। वैसे भी, आप तीनों इस मैच के लिए दक्षिण अफ्रीका से आए हैं - आप विलियमसन, आप कैरुथर्स और वुडली।"

"पहला झूठ," बूढ़े आदमी ने कहा; "मैंने उन दोनों को दो महीने पहले तक कभी नहीं देखा था, और मैं अपने जीवन में कभी अफ्रीका नहीं गया, इसलिए आप इस बात को अपने दिमाग में बिठा लीजिए, श्रीमान दखलंदाजी करने वाले होम्स!"

"उसकी बात सच है," कैरुथर्स ने कहा।

"वाह, वाह, आप दोनों आए थे। महोदय, आप हमारे अपने ही बनाए हुए हैं। आप राल्फ स्मिथ को दक्षिण अफ्रीका में जानते थे। आपको यह मानने का कारण था कि वह ज्यादा दिन जीवित नहीं रहेंगे। आपको पता चला कि उनकी भतीजी को उनकी संपत्ति विरासत में मिलेगी। कैसा लगा — है ना?"

कैरुथर्स ने सिर हिलाया और विलियमसन ने गाली दी।

"वह निःसंदेह निकटतम संबंधी थी, और आपको पता था कि वह बूढ़ा व्यक्ति कोई वसीयत नहीं बनाएगा।"

"पढ़ना-लिखना नहीं आता था," केरुथर्स ने कहा।

"तो तुम दोनों आए और उस लड़की को ढूंढ निकाला। योजना यह थी कि तुममें से एक उससे शादी करेगा और दूसरा लूट के माल में हिस्सा लेगा। किसी कारणवश वुडली को पति के रूप में चुना गया। ऐसा क्यों हुआ?"

"हमने यात्रा के दौरान उसके लिए ताश खेला। वह जीत गया।"

"मैं समझ गया। तुमने उस युवती को अपने वश में कर लिया, और वुडली उससे प्रेम निवेदन करने लगा। उसने उस शराबी बदमाश को पहचान लिया और उससे कोई वास्ता नहीं रखना चाहा। इस बीच, तुम्हारा यह समझौता इस बात से बिगड़ गया कि तुम खुद उस युवती से प्यार कर बैठे थे। अब तुम इस बदमाश को उस पर अपना अधिकार जताते हुए बर्दाश्त नहीं कर सकते थे?"

"नहीं, बिलकुल नहीं। मैं ऐसा नहीं कर सकता!"

"तुम दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। वह गुस्से में तुम्हें छोड़कर चला गया और तुमसे अलग होकर अपनी खुद की योजनाएं बनाने लगा।"

"विलियमसन, मुझे लगता है कि इस सज्जन को बताने के लिए हमारे पास बहुत कुछ नहीं है," केरुथर्स ने कड़वी हंसी के साथ कहा। "हां, हमारा झगड़ा हुआ और उसने मुझे गिरा दिया। खैर, इस मामले में मैं उससे बराबर हूँ। फिर वह मेरी नज़रों से ओझल हो गया। तभी उसने इस बहिष्कृत पादरी से मिलना शुरू कर दिया। मुझे पता चला कि वे दोनों उस जगह पर साथ रहने लगे थे जहां से होकर उसे स्टेशन जाना पड़ता था। उसके बाद से मैं उस पर नज़र रखने लगा, क्योंकि मुझे पता था कि कुछ गड़बड़ है। मैं उन्हें समय-समय पर देखता रहता था, क्योंकि मैं यह जानने के लिए उत्सुक था कि वे क्या चाहते हैं। दो दिन पहले वुडली मेरे घर यह तार लेकर आया, जिससे पता चला कि राल्फ स्मिथ की मृत्यु हो गई है। उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं सौदे पर कायम रहूंगा। मैंने कहा कि मैं नहीं रहूंगा। उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं खुद उस लड़की से शादी कर लूँगा और उसे हिस्सा दूंगा। मैंने कहा कि मैं खुशी-खुशी ऐसा करूँगा, लेकिन वह मुझे स्वीकार नहीं करेगी। उसने कहा, 'पहले उसकी शादी करवा देते हैं, और एक-दो हफ्ते बाद शायद उसका नज़रिया बदल जाए।' मैंने कहा कि मैं हिंसा में शामिल नहीं होऊंगा। तो वह अपनी बदतमीज़ी और गाली-गलौज करते हुए चला गया।" मुझे डर था कि वो उसे पा लेगा। वो इस सप्ताहांत मुझे छोड़कर जा रही थी, और मैंने उसे स्टेशन तक छोड़ने का इंतजाम कर लिया था, लेकिन मैं इतना बेचैन था कि साइकिल से उसके पीछे-पीछे चला गया। हालांकि, वो भाग गई थी, और इससे पहले कि मैं उसे पकड़ पाता, वो अपना काम कर चुकी थी। मुझे इसके बारे में तब पता चला जब मैंने आप दोनों सज्जनों को उसकी गाड़ी में वापस आते देखा।

होम्स उठे और अपनी सिगरेट का बचा हुआ हिस्सा अंगीठी में फेंक दिया। उन्होंने कहा, "मैं बहुत ही नासमझ रहा हूं, वॉटसन।" "जब आपने अपनी रिपोर्ट में कहा कि आपने साइकिल सवार को झाड़ियों में अपनी टाई ठीक करते हुए देखा था, तो बस इतना ही मेरे लिए सब कुछ स्पष्ट कर देना चाहिए था। हालांकि, हम इस अनोखे और कुछ मायनों में अद्वितीय मामले पर खुद को बधाई दे सकते हैं। मुझे ड्राइववे में काउंटी पुलिस के तीन जवान दिखाई दे रहे हैं, और मुझे खुशी है कि छोटा अस्तबल का कर्मचारी उनके साथ कदम मिलाकर चल पा रहा है, इसलिए संभावना है कि न तो उसे और न ही दिलचस्प दूल्हे को सुबह की घटनाओं से कोई स्थायी नुकसान होगा। मुझे लगता है, वॉटसन, कि आप अपने चिकित्सक होने के नाते मिस स्मिथ से मिलें और उन्हें बताएं कि यदि वे पर्याप्त रूप से ठीक हो जाती हैं, तो हमें उन्हें उनकी मां के घर छोड़ने में खुशी होगी। यदि वे पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हैं, तो आप पाएंगे कि मिडलैंड्स में एक युवा इलेक्ट्रीशियन को टेलीग्राम करने की हमारी योजना का संकेत शायद उन्हें

पूरी तरह से ठीक कर देगा। जहाँ तक आपकी बात है, श्री कैरुथर्स, मुझे लगता है कि आपने एक बुरी साजिश में अपनी भूमिका के लिए प्रायश्चित करने के लिए जो कुछ भी कर सकते थे, वह किया है। यह रहा मेरा कार्ड, महोदय, और यदि मेरी गवाही आपके मुकदमे में सहायक हो सकती है, तो कृपया करें।" यह आपके लिए उपलब्ध रहेगा।

हमारी निरंतर व्यस्तता के चलते, जैसा कि पाठक ने शायद गौर किया होगा, मेरे लिए अपनी कहानियों को पूरा करना और जिज्ञासु पाठकों द्वारा अपेक्षित अंतिम विवरण देना अक्सर मुश्किल रहा है। हर मामला दूसरे मामले की प्रस्तावना रहा है, और संकट टलने के बाद, संबंधित पात्र हमारे व्यस्त जीवन से हमेशा के लिए विदा हो जाते हैं। हालाँकि, मुझे इस मामले से संबंधित अपनी पांडुलिपि के अंत में एक संक्षिप्त टिप्पणी मिली है, जिसमें मैंने यह दर्ज किया है कि मिस वायलेट स्मिथ को वास्तव में एक बड़ी संपत्ति विरासत में मिली थी, और अब वह प्रसिद्ध वेस्टमिंस्टर इलेक्ट्रिशियन कंपनी मॉर्टन एंड कैनेडी के वरिष्ठ साझेदार सिरिल मॉर्टन की पत्नी हैं। विलियमसन और वुडली दोनों पर अपहरण और हमले का मुकदमा चला, विलियम्सन को सात साल और वुडली को दस साल की सजा मिली। कैरुथर्स के भाग्य के बारे में मेरे पास कोई जानकारी नहीं है, लेकिन मुझे यकीन है कि अदालत ने उनके हमले को गंभीरता से नहीं लिया होगा, क्योंकि वुडली एक बेहद खतरनाक बदमाश के रूप में कुख्यात था, और मुझे लगता है कि न्याय की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ महीने ही पर्याप्त थे।

तीन छात्रों का रोमांच

यह वर्ष 1995 की बात है, कुछ घटनाओं के संयोगवश, जिनका वर्णन करना आवश्यक नहीं है, श्री शर्लक होम्स और मुझे अपने एक प्रसिद्ध विश्वविद्यालय शहर में कुछ सप्ताह बिताने पड़े। इसी दौरान वह छोटी लेकिन शिक्षाप्रद घटना घटी, जिसका वर्णन मैं अब करने जा रहा हूँ। यह स्पष्ट है कि कोई भी ऐसा विवरण देना जिससे पाठक को कॉलेज या अपराधी की सटीक पहचान करने में मदद मिले, अनुचित और आपत्तिजनक होगा। इतने दुखद विवाद को शांत होने देना ही बेहतर होगा। फिर भी, उचित सावधानी के साथ, घटना का वर्णन किया जा सकता है, क्योंकि यह मेरे मित्र के उन गुणों को दर्शाता है जिनके लिए वे प्रसिद्ध थे। मैं अपने वर्णन में ऐसे शब्दों का प्रयोग करने से बचने का प्रयास करूंगा जो घटनाओं को किसी विशेष स्थान तक सीमित कर दें या संबंधित लोगों के बारे में कोई सुराग दें।

हम उस समय एक पुस्तकालय के पास बने किराए के कमरे में रह रहे थे, जहाँ शर्लक होम्स प्राचीन अंग्रेज़ी अभिलेखों पर गहन शोध कर रहे थे—उनके शोध के परिणाम इतने चौंकाने वाले थे कि वे मेरी भविष्य की कहानियों में से एक का विषय बन सकते हैं। यहीं एक शाम हमारे एक परिचित, श्री हिल्टन सोम्स, जो सेंट ल्यूक कॉलेज में ट्यूटर और लेक्चरर थे, हमसे मिलने आए। श्री सोम्स लंबे, दुबले-पतले और घबराए हुए स्वभाव के व्यक्ति थे। मैं उन्हें हमेशा से बेचैन स्वभाव का जानता था, लेकिन उस विशेष अवसर पर वे इतनी अधिक बेचैनी में थे कि यह स्पष्ट हो गया कि कुछ बहुत ही असामान्य घटना घटी थी।

"मुझे उम्मीद है, श्री होम्स, कि आप मुझे अपने बहुमूल्य समय में से कुछ घंटे दे सकेंगे। सेंट ल्यूक में एक बहुत ही दुखद घटना घटी है, और सच कहूँ तो, अगर आप संयोगवश शहर में न होते, तो मुझे समझ नहीं आता कि मैं क्या करूं।"

"मैं इस समय बहुत व्यस्त हूँ और मुझे किसी भी तरह की बाधा नहीं चाहिए," मेरे मित्र ने उत्तर दिया। "मैं चाहूंगा कि आप पुलिस की सहायता लें।"

नहीं, नहीं, महोदय; ऐसा करना बिल्कुल असंभव है। एक बार कानून का सहारा लेने के बाद उसे रोका नहीं जा सकता, और यह उन मामलों में से एक है जहाँ कॉलेज की प्रतिष्ठा के लिए बदनामी से बचना अत्यंत आवश्यक है। आपकी सूझबूझ और आपकी योग्यता सर्वविदित है, और आप ही दुनिया में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो मेरी मदद कर सकते हैं। श्री होम्स, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप जो भी संभव हो, करें।

बेकर स्ट्रीट के सुखद वातावरण से वंचित होने के बाद से मेरे मित्र का मिजाज बिल्कुल भी नहीं सुधरा था। अपनी स्क्रैपबुक, अपने रसायनों और अपनी घरेलू अव्यवस्था के बिना, वह असहज महसूस कर रहा था। उसने बेमन से कंधे उचकाते हुए सहमति जताई, जबकि हमारा आगंतुक जल्दबाजी में बोलते हुए और उत्तेजित भावों के साथ अपनी कहानी सुना रहा था।

श्रीमान होम्स, मुझे आपको यह स्पष्ट करना होगा कि कल फोर्टेस्क्यू छात्रवृत्ति की परीक्षा का पहला दिन है। मैं परीक्षकों में से एक हूँ। मेरा विषय ग्रीक है, और पहले प्रश्नपत्र में ग्रीक अनुवाद का एक बड़ा अंश है जिसे उम्मीदवार ने नहीं देखा है। यह अंश परीक्षा पत्र पर मुद्रित है, और यदि उम्मीदवार इसे पहले से तैयार कर ले तो यह उसके लिए अत्यंत लाभकारी होगा। इसी कारण से प्रश्नपत्र को गुप्त रखने का पूरा ध्यान रखा जाता है।

आज दोपहर करीब तीन बजे, इस लेख की प्रूफ प्रतियां छपाई के बाद आईं। इसमें थ्यूसीडाइड्स के आधे अध्याय का पाठ है। मुझे इसे ध्यान से पढ़ना पड़ा, क्योंकि पाठ बिल्कुल सही होना चाहिए। साढ़े चार बजे तक मेरा काम पूरा नहीं हुआ था। हालांकि, मैंने एक मित्र के कमरे में चाय पीने का वादा किया था, इसीलिए मैंने प्रूफ प्रति अपनी मेज पर ही छोड़ दी। मैं लगभग एक घंटे से अधिक समय तक अनुपस्थित रहा।

श्रीमान होम्स, आपको पता ही होगा कि हमारे कॉलेज के दोहरे दरवाजे हैं - अंदर की तरफ हरे रंग का कपड़ा और बाहर की तरफ भारी ओक की लकड़ी। जब मैं अपने बाहरी दरवाजे के पास पहुँचा, तो उसमें चाबी देखकर मैं दंग रह गया। एक पल के लिए मुझे लगा कि शायद मैं अपनी चाबी वहीं भूल गया हूँ, लेकिन जेब में टटोलने पर पता चला कि चाबी मेरी ही है। जहाँ तक मुझे पता था, मेरे पास केवल एक ही डुप्लीकेट चाबी थी, जो मेरे नौकर बैनिस्टर की थी - वह आदमी जो पिछले दस सालों से मेरे कमरे की देखभाल करता आ रहा है और जिसकी ईमानदारी पर कोई शक नहीं किया जा सकता। मुझे पता चला कि चाबी सचमुच उसी की थी, वह मेरे कमरे में यह पूछने आया था कि क्या मुझे चाय चाहिए, और बाहर जाते समय उसने बड़ी लापरवाही से चाबी दरवाजे में ही छोड़ दी थी। मेरे कमरे से निकलने के कुछ ही मिनटों के भीतर ही वह मेरे कमरे में आया होगा। किसी और मौके पर उसकी यह भूल कोई बड़ी बात नहीं होती, लेकिन उस दिन इसके बेहद दुखद परिणाम हुए।

“जैसे ही मैंने अपनी मेज पर नजर डाली, मुझे एहसास हुआ कि किसी ने मेरे कागजातों में छेड़छाड़ की है। सबूत तीन लंबी पर्चियों में थे। मैंने उन्हें एक साथ रखा था। अब, मैंने पाया कि उनमें से एक फर्श पर पड़ी थी, एक खिड़की के पास वाली साइड टेबल पर थी, और तीसरी वहीं थी जहाँ मैंने उसे छोड़ा था।”

होम्स पहली बार हिला।

“पहला पन्ना ज़मीन पर, दूसरा खिड़की में, तीसरा वहीं जहाँ तुमने उसे छोड़ा था,” उसने कहा।

“बिल्कुल सही, मिस्टर होम्स। आप मुझे आश्चर्यचकित कर देते हैं। आपको यह कैसे पता चल सकता है?”

"कृपया अपना बेहद रोचक बयान जारी रखें।"

“एक पल के लिए मुझे लगा कि बैनिस्टर ने मेरी कागज़ात देखने की अक्षम्य हरकत की है। हालांकि, उन्होंने पूरी गंभीरता से इससे इनकार किया, और मुझे पूरा विश्वास है कि वे सच कह रहे थे। दूसरा विकल्प यह था कि किसी राहगीर ने दरवाज़े में चाबी देखी हो, उसे पता चल गया हो कि मैं बाहर हूं, और वह कागज़ात देखने के लिए अंदर आ गया हो। बड़ी रकम दांव पर लगी है, क्योंकि छात्रवृत्ति बहुत मूल्यवान है, और एक बेईमान व्यक्ति अपने साथियों से आगे निकलने के लिए जोखिम उठा सकता है।”

“बैनिस्टर इस घटना से बहुत परेशान थे। जब हमने पाया कि कागज़ों के साथ छेड़छाड़ हुई है, तो वे लगभग बेहोश हो गए थे। मैंने उन्हें थोड़ी ब्रांडी पिलाई और उन्हें कुर्सी पर ही बैठा दिया, जबकि मैंने कमरे की बहुत सावधानीपूर्वक जाँच की। मैंने जल्द ही देखा कि घुसपैठिए ने कागज़ों के अलावा भी अपने होने के कुछ और निशान छोड़े थे। खिड़की के पास वाली मेज़ पर एक नुकीली पेंसिल के कई टुकड़े पड़े थे। सीसे की एक टूटी हुई नोक भी वहीं पड़ी थी। ज़ाहिर है, उस बदमाश ने कागज़ की नकल बहुत जल्दबाजी में की थी, जिससे उसकी पेंसिल टूट गई थी और उसे मजबूरन उसमें नई नोक लगानी पड़ी थी।”

“शानदार!” होम्स ने कहा, जो मामले में पूरी तरह से मग्न होने के साथ-साथ अपना सकारात्मक रवैया वापस पा रहे थे। “किस्मत आपकी मेहरबान रही है।”

बात यहीं खत्म नहीं हुई। मेरे पास लाल चमड़े की बढ़िया सतह वाली एक नई लेखन-मेज़ है। मैं और बैनिस्टर दोनों कसम खाकर कह सकते हैं कि वह चिकनी और बेदाग थी। अब मुझे उसमें लगभग तीन इंच लंबा एक साफ कट मिला है - मामूली खरोंच नहीं, बल्कि पक्का कट। इतना ही नहीं, मेज़ पर मुझे काले आटे या मिट्टी की एक छोटी सी गेंद मिली, जिसमें लकड़ी के बुरादे जैसे कुछ कण थे। मुझे पूरा यकीन है कि ये निशान उस आदमी ने छोड़े हैं जिसने कागज़ात चुराए थे। वहाँ न तो पैरों के निशान थे और न ही उसकी पहचान का कोई और सबूत। मैं पूरी तरह से परेशान था, तभी अचानक मुझे यह सुखद याद आया कि आप शहर में हैं, और मैं सीधे आपके पास यह मामला रखने आया। श्रीमान होम्स, कृपया मेरी मदद करें। आप मेरी दुविधा समझ सकते हैं। या तो मुझे उस आदमी को ढूंढना होगा या फिर परीक्षा को तब तक के लिए स्थगित करना होगा जब तक कि नए कागज़ात तैयार न हो जाएं, और चूंकि यह बिना स्पष्टीकरण के नहीं किया जा सकता, इसलिए एक भयंकर घोटाला होगा, जो न केवल कॉलेज़ बल्कि विश्वविद्यालय पर भी कलंक लगाएगा। सबसे बढ़कर, मैं चाहता हूं मामले को शांतिपूर्वक और गोपनीय तरीके से निपटाने के लिए।"

“मुझे इस मामले की जांच करने और यथासंभव सलाह देने में खुशी होगी,” होम्स ने उठते हुए और अपना ओवरकोट पहनते हुए कहा। “यह मामला पूरी तरह से नीरस नहीं है। क्या कागज़ात मिलने के बाद कोई आपके कमरे में आपसे मिलने आया था?”

"जी हां, युवा दौलत रस, एक भारतीय छात्र, जो उसी सीढ़ी पर रहता है, परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी लेने के लिए मेरे पास आया था।"

“वह किसलिए भर्ती हुआ था?”

"हां।"

“और वो कागज़ात आपकी मेज़ पर थे?”

"जहां तक मुझे याद है, उन्हें लपेटकर रखा गया था।"

लेकिन क्या इन्हें प्रमाण के रूप में मान्यता दी जा सकती है?

"संभवतः।"

"आपके कमरे में और कोई नहीं है?"

"नहीं।"

"क्या किसी को पता था कि ये सबूत मौजूद होंगे?"

"प्रिंटर के अलावा कोई नहीं।"

क्या बैनिस्टर इस आदमी को जानता था?

“नहीं, बिलकुल नहीं। किसी को पता नहीं था।”

“बैनिस्टर अब कहां है?”

“बेचारा बहुत बीमार था। मैंने उसे कुर्सी पर बेसुध पड़ा छोड़ दिया। मुझे इतनी जल्दी थी कि मैं तुम्हारे पास आ गई।”

"क्या आपने अपना दरवाजा खुला छोड़ दिया था?"

मैंने सबसे पहले कागजात बंद कर दिए।

"तो इसका मतलब यह है, श्री सोम्स: कि जब तक भारतीय छात्र ने उन दस्तावेजों को प्रमाण के रूप में नहीं पहचाना, तब तक उनमें छेड़छाड़ करने वाले व्यक्ति को वे अनजाने में ही मिल गए होंगे, बिना यह जाने कि वे वहां मौजूद थे।"

मुझे तो ऐसा ही लगता है।

होम्स ने एक रहस्यमयी मुस्कान दी।

“ठीक है,” उसने कहा। “चलिए एक चक्कर लगाते हैं। ये आपके मामले नहीं हैं। वॉटसन – मानसिक समस्या है, शारीरिक नहीं। ठीक है; अगर आप आना चाहते हैं तो आ जाइए। अब, श्री सोम्स – आपकी सेवा में हाज़िर हैं!”

हमारे मुवक्किल के बैठक कक्ष में एक लंबी, नीची, जालीदार खिड़की थी जो पुराने कॉलेज के प्राचीन, काई से ढके प्रांगण की ओर खुलती थी। एक गोथिक शैली का मेहराबदार दरवाजा एक घिसी-पिटी पत्थर की सीढ़ी की ओर जाता था। भूतल पर शिक्षक का कमरा था। ऊपर तीन छात्र थे, प्रत्येक मंजिल पर एक। जब हम अपनी समस्या के स्थान पर पहुँचे तब तक शाम हो चुकी थी। होम्स रुक गए और खिड़की को ध्यान से देखने लगे। फिर वे उसके पास गए और अपने पंजों पर खड़े होकर गर्दन झुकाकर कमरे के अंदर झाँका।

“वह दरवाजे से ही अंदर आया होगा। वहाँ उस एक शीशे के अलावा कोई और खुला रास्ता नहीं है,” हमारे विद्वान गाइड ने कहा।

“अरे वाह!” होम्स ने कहा और हमारे साथी की ओर देखते हुए एक अनोखी मुस्कान के साथ बोला, “खैर, अगर यहाँ कुछ सीखने को नहीं है, तो बेहतर होगा कि हम अंदर चलें।”

व्याख्याता ने बाहरी दरवाजा खोला और हमें अपने कमरे में ले गए। हम प्रवेश द्वार पर खड़े रहे जबकि होम्स ने कालीन की जांच की।

“मुझे खेद है कि यहां कोई निशान नहीं हैं,” उसने कहा। “इतने सूखे दिन में किसी निशान की उम्मीद करना मुश्किल है। आपका नौकर पूरी तरह से ठीक हो गया लगता है। आपने उसे एक कुर्सी पर छोड़ा था, आप कहते हैं। कौन सी कुर्सी?”

"वहां खिड़की के पास।"

“ठीक है। इस छोटी मेज के पास। अब आप अंदर आ सकते हैं। मैंने कालीन का काम खत्म कर लिया है। चलिए पहले छोटी मेज को देखते हैं। जो हुआ है, वह बिल्कुल स्पष्ट है। वह आदमी अंदर आया और बीच वाली मेज से कागज़ एक-एक करके उठा ले गया। वह उन्हें खिड़की के पास वाली मेज पर ले गया, क्योंकि वहां से वह देख सकता था कि आप आँगन से आ रहे हैं या नहीं, और इस तरह वह भाग सकता था।”

सोम्स ने कहा, "दरअसल, वह ऐसा नहीं कर सका, क्योंकि मैं बगल वाले दरवाजे से अंदर आया था।"

“अरे वाह, अच्छा है! खैर, जो भी हो, ये तो उसके दिमाग में था। मुझे तीनों पट्टियाँ देखने दो। उंगलियों के निशान नहीं हैं—नहीं! उसने पहले ये वाली पट्टी उठाई और उसकी नकल की। हर तरह से कॉन्ट्रैक्शन का इस्तेमाल करते हुए उसे ऐसा करने में

कितना समय लगा होगा? पंद्रह मिनट, कम नहीं। फिर उसने उसे नीचे फेंक दिया और दूसरी उठा ली। वो उसी में लगा हुआ था कि आपके लौटने पर उसे बहुत जल्दी वापस लौटना पड़ा—बहुत जल्दी, क्योंकि उसके पास कागज़ात वापस रखने का समय नहीं था, जिनसे पता चलता कि वो वहाँ था। जब आप बाहरी दरवाज़े से अंदर आए तो क्या आपको सीढ़ियों पर किसी के भागते कदमों की आहट सुनाई नहीं दी?"

नहीं, मैं यह नहीं कह सकता कि मैं था।

"खैर, उसने इतनी तेज़ी से लिखा कि उसकी पेंसिल टूट गई, और जैसा कि आपने देखा, उसे फिर से तेज़ करना पड़ा। यह दिलचस्प है, वाटसन। पेंसिल कोई साधारण पेंसिल नहीं थी। यह सामान्य से बड़ी थी, नरम सीसे वाली, बाहरी रंग गहरा नीला था, निर्माता का नाम चांदी के अक्षरों में छपा था, और पेंसिल का बचा हुआ टुकड़ा लगभग डेढ़ इंच लंबा है। श्री सोम्स, ऐसी पेंसिल ढूंढिए, और आपको अपना आदमी मिल जाएगा। और अगर मैं इसमें यह जोड़ दूं कि उसके पास एक बड़ा और बहुत कुंद चाकू भी है, तो यह आपके लिए एक अतिरिक्त सबूत होगा।"

श्री सोम्स सूचनाओं की इस बाढ़ से कुछ हद तक अभिभूत हो गए। उन्होंने कहा, "मैं अन्य बिंदुओं को समझ सकता हूँ, लेकिन वास्तव में, लंबाई के इस मामले में—"

होम्स ने NN अक्षरों वाला एक छोटा सा टुकड़ा दिखाया, जिसके बाद लकड़ी का एक खाली स्थान था।

"आप देखें?"

नहीं, मुझे अभी भी डर है कि—"

"वाटसन, मैंने हमेशा तुम्हारे साथ अन्याय किया है। और भी हैं। यह NN क्या हो सकता है? यह एक शब्द के अंत में है। तुम जानते हो कि जोहान फैबर सबसे आम निर्माता का नाम है। क्या यह स्पष्ट नहीं है कि पेंसिल का उतना ही हिस्सा बचा है जितना आमतौर पर जोहान के बाद होता है?" उसने छोटी मेज को बिजली की रोशनी के सामने तिरछा कर दिया। "मुझे उम्मीद थी कि अगर जिस कागज़ पर उन्होंने लिखा था वह पतला था, तो शायद इस चिकनी सतह पर उसका कुछ निशान दिखाई दे। नहीं, मुझे कुछ नहीं दिख रहा। मुझे नहीं लगता कि यहाँ और कुछ जानने को है। अब बीच वाली मेज की बात करते हैं। यह छोटी सी गोली, मेरा अनुमान है, वही काला, आटे जैसा पदार्थ है जिसके बारे में आपने बात की थी। आकार में लगभग पिरामिडनुमा और अंदर से खोखला, जैसा कि मुझे दिख रहा है। जैसा कि आपने कहा, इसमें लकड़ी के बुरादे के दाने दिखाई दे रहे हैं। अरे वाह, यह तो बहुत दिलचस्प है। और वह कट – एक स्पष्ट चीरा, जैसा कि मुझे दिख रहा है। यह एक पतली खरोंच से शुरू हुआ और एक टेढ़े-मेढ़े छेद में खत्म हुआ। श्री सोम्स, इस मामले की ओर मेरा ध्यान दिलाने के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ। वह दरवाजा कहाँ जाता है?"

"मेरे बेडरूम में।"

"क्या आप अपने उस साहसिक अभियान के बाद से इसमें शामिल हैं?"

नहीं, मैं सीधे तुम्हारे लिए आया हूँ।

"मैं एक नज़र डालना चाहूँगा। कितना प्यारा, पुराने ज़माने का कमरा है! कृपया एक मिनट रुकिए, जब तक मैं फर्श देख लूँ। नहीं, मुझे कुछ नहीं दिख रहा। इस पर्दे का क्या? इसके पीछे कपड़े टांगे जाते हैं। अगर किसी को इस कमरे में छिपना पड़े तो उसे यहीं छिपना पड़ेगा, क्योंकि बिस्तर बहुत नीचा है और अलमारी बहुत छोटी। लगता है यहाँ कोई नहीं है?"

जैसे ही होम्स ने पर्दा हटाया, मुझे उनके हावभाव में थोड़ी सी दृढ़ता और सतर्कता से यह आभास हो गया कि वे किसी आपात स्थिति के लिए तैयार थे। वास्तव में, हटाए

गए पर्दे के पीछे खूंटियों की एक कतार पर लटके हुए तीन-चार कपड़ों के सूट के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दिया। होम्स मुड़े और अचानक फर्श पर झुक गए।
“अरे वाह! यह क्या है?” उसने कहा।
यह काले रंग के, पुट्टी जैसे पदार्थ का एक छोटा सा पिरामिड था, बिल्कुल वैसा ही जैसा अध्ययन कक्ष की मेज पर रखा था। होम्स ने बिजली की तेज रोशनी में इसे अपनी खुली हथेली पर फैलाकर देखा।
"श्री सोम्स, ऐसा लगता है कि आपके आगंतुक ने आपके शयनकक्ष के साथ-साथ आपके बैठक कक्ष में भी कुछ निशान छोड़े हैं।"
"वहां उसे क्या चाहिए हो सकता था?"
“मुझे लगता है कि यह काफी स्पष्ट है। आप अप्रत्याशित रास्ते से वापस आईं, इसलिए जब तक आप बिल्कुल दरवाजे पर नहीं पहुंच गईं, तब तक उसे कोई आगाह नहीं हुआ। वह क्या कर सकता था? उसने अपनी पहचान उजागर करने वाली हर चीज को समेट लिया और खुद को छिपाने के लिए आपके बेडरूम में घुस गया।”
"हे भगवान, श्रीमान होम्स, क्या आप मुझे यह बताना चाहते हैं कि जब मैं इस कमरे में बैनिस्टर से बात कर रहा था, तब अगर हमें पता होता तो वह आदमी हमारे कब्जे में था?"
"तो मैंने इसे पढ़ा।"
“ज़रूर कोई दूसरा विकल्प होगा, मिस्टर होम्स। मुझे नहीं पता कि आपने मेरे बेडरूम की खिड़की देखी थी या नहीं?”
"जालीदार, सीसे के ढांचे वाली, तीन अलग-अलग खिड़कियां, जिनमें से एक कब्जेदार झूलती है, और इतनी बड़ी कि एक आदमी अंदर आ सके।"
“बिल्कुल सही। और यह आंगन के एक ऐसे कोण पर स्थित है कि आंशिक रूप से अदृश्य हो जाता है। वह व्यक्ति शायद वहीं से अंदर आया होगा, शयनकक्ष से गुजरते समय अपने निशान छोड़े होंगे, और अंत में दरवाजा खुला पाकर उस रास्ते से भाग गया होगा।”
होम्स ने अधीरता से अपना सिर हिलाया।
“चलिए व्यावहारिक बात करते हैं,” उन्होंने कहा। “मैं समझता हूँ कि आप कह रहे हैं कि तीन छात्र इस सीढ़ी का उपयोग करते हैं, और आपके दरवाजे के सामने से गुजरने की आदत रखते हैं?”
"हां, वहां हैं।"
“और वे सभी इस परीक्षा में शामिल होने के लिए तैयार हैं?”
"हां।"
क्या आपके पास उनमें से किसी एक पर दूसरों की तुलना में अधिक संदेह करने का कोई कारण है?
सोम्स हिचकिचाया।
उन्होंने कहा, "यह बहुत ही नाजुक सवाल है। बिना सबूत के शक करना शायद ही किसी को अच्छा लगता है।"
“हमें संदेहों के बारे में सुनने दीजिए। मैं सबूतों का ख्याल रखूंगा।”
तो मैं आपको संक्षेप में इन कमरों में रहने वाले तीनों व्यक्तियों के चरित्र के बारे में बताता हूं। तीनों में सबसे नीचे गिलक्रिस्ट हैं, जो एक प्रतिभाशाली छात्र और खिलाड़ी हैं। वे कॉलेज की रग्बी और क्रिकेट टीम में खेलते हैं और बाधा दौड़ और लंबी कूद में ब्लू मेडल जीत चुके हैं। वे एक शानदार और मजबूत व्यक्तित्व वाले व्यक्ति हैं। उनके पिता कुख्यात सर जैबेज़ गिलक्रिस्ट थे, जिन्होंने खेल के मैदान में अपना सब कुछ बर्बाद

कर दिया था। मेरा छात्र बहुत गरीब परिवार से है, लेकिन वह मेहनती और लगनशील है। वह अच्छा करेगा।

"दूसरी मंजिल पर भारतीय दौलत रस रहता है। वह शांत और रहस्यमय व्यक्ति है; जैसा कि अधिकांश भारतीय होते हैं। वह अपने काम में निपुण है, हालांकि ग्रीक उसकी कमजोर भाषा है। वह स्थिर और व्यवस्थित है।"

सबसे ऊपरी मंजिल माइल्स मैकलारेन की है। जब वह काम करने का मन बना लेता है तो वह एक प्रतिभाशाली छात्र होता है— विश्वविद्यालय के सबसे होनहार छात्रों में से एक; लेकिन वह मनमौजी, अय्याश और सिद्धांतहीन है। पहले ही साल में ताश के एक घोटाले के कारण उसे लगभग निष्कासित कर दिया गया था। वह इस पूरे सत्र में आलसी रहा है, और उसे परीक्षा का बेसब्री से इंतजार होगा।

तो फिर आपको उसी पर शक है?

मैं इतनी दूर तक जाने की हिम्मत नहीं करता। लेकिन, तीनों में से, शायद उसके ऐसा होने की संभावना सबसे कम है।

"बिल्कुल सही। अब, श्री सोम्स, चलिए आपके नौकर बैनिस्टर को देखते हैं।"

वह पचास साल का एक छोटा कद काठी वाला, सफेद चेहरे वाला, दाढ़ी-मूंछ साफ किए हुए, भूरे बालों वाला व्यक्ति था। वह अपने शांत दिनचर्या में अचानक आए इस व्यवधान से अभी भी परेशान था। घबराहट के मारे उसका गोल-मटोल चेहरा फड़क रहा था और उसकी उंगलियां स्थिर नहीं रह पा रही थीं।

"हम इस दुर्भाग्यपूर्ण मामले की जांच कर रहे हैं, बैनिस्टर," उसके मालिक ने कहा।

"जी श्रीमान।"

होम्स ने कहा, "मुझे समझ आ गया कि आप अपनी चाबी दरवाजे में ही छोड़ गए थे?"

"जी श्रीमान।"

"क्या यह बहुत ही असाधारण बात नहीं थी कि आपने यह काम ठीक उसी दिन किया जब ये कागजात अंदर मौजूद थे?"

"यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था, महोदय। लेकिन मैंने पहले भी कई बार ऐसा ही किया है।"

"आप कमरे में कब दाखिल हुए?"

लगभग साढ़े चार बज रहे थे। यही श्री सोम्स के चाय पीने का समय है।

"तुम कितनी देर तक रहे?"

जब मैंने देखा कि वह अनुपस्थित है, तो मैं तुरंत वहां से चला गया।

"क्या आपने मेज पर रखे इन कागजों को देखा?"

"जी नहीं, बिल्कुल नहीं।"

"तुमने चाबी दरवाजे में ही क्यों छोड़ दी?"

"मेरे हाथ में चाय की ट्रे थी। मैंने सोचा कि मैं चाबी लेने वापस आऊँगी। फिर मैं भूल गई।"

क्या बाहरी दरवाजे में स्प्रिंग लॉक है?

"जी नहीं, महोदय।"

"तो क्या वह हर समय खुला रहता था?"

"जी श्रीमान।"

"क्या कमरे में मौजूद कोई भी बाहर निकल सकता है?"

"जी श्रीमान।"

"जब श्री सोम्स वापस आए और आपको बुलाया, तो आप बहुत परेशान थे?"

जी हाँ, महोदय। इतने वर्षों में जब से मैं यहाँ हूं, ऐसा कभी नहीं हुआ। मैं तो लगभग बेहोश ही हो गया था, महोदय।

“तो मैं समझ गया। जब आपको बुरा लगने लगा, तब आप कहाँ थे?”

“मैं कहाँ था, महोदय? यहीं, दरवाजे के पास।”

“यह तो अनोखी बात है, क्योंकि आप कोने के पास वाली उस कुर्सी पर बैठ गए। आपने इन दूसरी कुर्सियों को क्यों अनदेखा किया?”

"मुझे नहीं पता, महोदय, मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि मैं कहाँ बैठा था।"

"मुझे सच में नहीं लगता कि उन्हें इसके बारे में ज्यादा कुछ पता था, मिस्टर होम्स। उनकी हालत बहुत खराब थी - एकदम भयानक।"

“जब तुम्हारा मालिक चला गया तो तुम यहीं रुके रहे?”

“बस एक मिनट के लिए। फिर मैंने दरवाजा बंद किया और अपने कमरे में चला गया।”

आपको किस पर शक है?

"ओह, मैं ऐसा कहने का साहस नहीं करूँगा, महोदय। मुझे नहीं लगता कि इस विश्वविद्यालय में कोई ऐसा सज्जन है जो इस तरह के कृत्य से लाभ उठा सकता है। नहीं, महोदय, मैं इस पर विश्वास नहीं करूँगा।"

“धन्यवाद, इतना काफी है,” होम्स ने कहा। “ओह, एक और बात। क्या आपने उन तीनों सज्जनों में से किसी को भी, जिनकी आप सेवा कर रहे हैं, यह नहीं बताया कि कुछ गड़बड़ है?”

"जी नहीं, महोदय—एक शब्द भी नहीं।"

“आपने उनमें से किसी को नहीं देखा?”

"जी नहीं, महोदय।"

“बहुत बढ़िया। अब, श्रीमान सोम्स, कृपया हम चौक में टहलने चलें।”

घने अंधेरे में हमारे ऊपर प्रकाश के तीन पीले वर्ग चमक रहे थे।

“तुम्हारे तीनों पक्षी अपने घोंसलों में हैं,” होम्स ने ऊपर देखते हुए कहा। “अरे! ये क्या है? उनमें से एक तो काफी बेचैन लग रहा है।”

वह एक भारतीय था, जिसकी धुंधली आकृति अचानक उसके पर्दे पर दिखाई दी। वह अपने कमरे में तेजी से इधर-उधर चहलकदमी कर रहा था।

“मैं उनमें से हर एक को देखना चाहूंगा,” होम्स ने कहा। “क्या यह संभव है?”

“कोई दिक्कत नहीं,” सोम्स ने जवाब दिया। “ये कमरे कॉलेज के सबसे पुराने कमरों में से हैं, और आगंतुकों का यहाँ आना कोई असामान्य बात नहीं है। आइए, मैं आपको खुद ले चलता हूँ।”

“नाम मत बताइए!” होम्स ने कहा, जब हमने गिलक्रिस्ट के दरवाज़े पर दस्तक दी। एक लंबा, सुनहरे बालों वाला, दुबला-पतला युवक ने दरवाजा खोला और हमारा मकसद समझकर हमारा स्वागत किया। अंदर मध्ययुगीन वास्तुकला के कुछ वाकई अनोखे नमूने थे। होम्स उनमें से एक से इतना मोहित हो गया कि उसने उसे अपनी नोटबुक में बनाने की जिद की, अपनी पेंसिल तोड़ दी, मेजबान से एक पेंसिल उधार लेनी पड़ी और अंत में अपनी पेंसिल तेज करने के लिए चाकू उधार लिया। भारतीय के कमरों में भी उसके साथ यही अजीब घटना घटी – एक शांत, छोटा, टेढ़ी नाक वाला आदमी, जो हमें तिरछी नजरों से देख रहा था और जाहिर तौर पर खुश था जब होम्स का वास्तुकला का अध्ययन समाप्त हो गया। मुझे नहीं लगता कि दोनों ही मामलों में होम्स को वह सुराग मिला जिसकी वह तलाश कर रहा था। केवल तीसरे कमरे में ही हमारी कोशिश नाकाम साबित हुई। बाहरी दरवाजा हमारी दस्तक पर नहीं खुला और

उसके पीछे से गालियों की बौछार के अलावा कुछ भी ठोस नहीं आया। “मुझे परवाह नहीं कि तुम कौन हो। तुम भाड़ में जाओ!” गुस्से से दहाड़ते हुए आवाज आई, “कल परीक्षा है, और मैं किसी के बहकावे में नहीं आऊंगा।”

“एक बदतमीज़ आदमी,” सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए हमारे गाइड ने गुस्से से लाल होते हुए कहा। “ज़ाहिर है, उसे पता नहीं था कि मैं ही दरवाज़ा खटखटा रहा था, लेकिन फिर भी उसका व्यवहार बहुत ही असभ्य था, और वास्तव में, उस परिस्थिति में तो काफी संदिग्ध भी था।”

होम्स की प्रतिक्रिया विचित्र थी।

“क्या आप मुझे उसकी सही ऊंचाई बता सकते हैं?” उसने पूछा।

"सच में, श्री होम्स, मैं निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता। वह भारतीय से लंबा है, लेकिन गिलक्रिस्ट जितना लंबा नहीं है। मेरा अनुमान है कि उसकी लंबाई लगभग पाँच फुट छह इंच होगी।"

“यह बहुत महत्वपूर्ण है,” होम्स ने कहा। “और अब, श्री सोम्स, आपको शुभ रात्रि।”

हमारे गाइड ने हैरानी और निराशा में ज़ोर से कहा, “हे भगवान, श्रीमान होम्स, आप मुझे इस तरह अचानक छोड़कर नहीं जा सकते! लगता है आपको स्थिति का अंदाज़ा नहीं है। कल परीक्षा है। मुझे आज रात ही कोई ठोस कदम उठाना होगा। अगर किसी भी प्रश्नपत्र के साथ छेड़छाड़ हुई है तो मैं परीक्षा होने नहीं दे सकता। इस स्थिति का सामना करना ही होगा।”

“इसे ऐसे ही रहने दीजिए। मैं कल सुबह जल्दी आकर इस मामले पर बात करूँगा। हो सकता है तब मैं कोई कारवाई सुझा सकूं। तब तक आप कुछ भी न बदलें—बिल्कुल कुछ भी नहीं।”

"बहुत बढ़िया, श्रीमान होम्स।"

“आप निश्चिंत रह सकते हैं। हम आपकी मुश्किलों का हल जरूर निकाल लेंगे। मैं काली मिट्टी और पेंसिल के टुकड़े अपने साथ ले जा रहा हूँ। अलविदा।”

जब हम आंगन के अंधेरे में बाहर निकले, तो हमने फिर से खिड़कियों की ओर देखा। वह भारतीय अभी भी अपने कमरे में चहलकदमी कर रहा था। बाकी लोग अदृश्य थे।

“अच्छा, वॉटसन, तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?” होम्स ने पूछा, जब हम मुख्य सड़क पर आ गए। “यह तो एक छोटा-सा मनोरंजक खेल है – एक तरह का तीन कार्ड का खेल, है ना? ये रहे तुम्हारे तीन आदमी। इनमें से कोई एक होना चाहिए। तुम अपनी पसंद चुन लो। तुम्हारा कौन सा है?”

“ऊपर बैठा वो बदजुबान आदमी। उसी का रिकॉर्ड सबसे खराब है। और फिर भी वो भारतीय भी बड़ा चालाक था। वो हर समय अपने कमरे में क्यों इधर-उधर घूमता रहता है?”

“इसमें कुछ भी गलत नहीं है। बहुत से पुरुष ऐसा तब करते हैं जब वे किसी चीज को कंठस्थ करने की कोशिश कर रहे होते हैं।”

"उसने हमें अजीब तरीके से देखा।"

“अगर अगले दिन होने वाली परीक्षा की तैयारी करते समय अचानक अजनबियों का झुंड आपके पास आ जाए और हर पल कीमती लगे, तो आप भी ऐसा ही करेंगे। नहीं, मुझे इसमें कुछ भी नहीं दिखता। पेंसिलें और चाकू, सब कुछ ठीक है। लेकिन वह आदमी मुझे उलझन में डालता है।”

"कौन?"

“अरे, बैनिस्टर, नौकर! इस मामले में उसका क्या इरादा है?”

"उन्होंने मुझे एक पूर्णतः ईमानदार व्यक्ति के रूप में प्रभावित किया।"

“तो उसने मेरे साथ ऐसा किया। यही तो puzzling बात है। एक बिलकुल ईमानदार आदमी ऐसा क्यों करेगा? — अच्छा, अच्छा, यहाँ एक बड़ी स्टेशनरी की दुकान है। हम अपनी जाँच यहीं से शुरू करेंगे।”

कस्बे में केवल चार ही जाने-माने स्टेशनरी विक्रेता थे, और हर एक दुकान पर होम्स ने अपनी पेंसिल के टुकड़े निकालकर उसकी डुप्लीकेट कॉपी के लिए ऊंची बोली लगाई। सभी इस बात पर सहमत थे कि एक डुप्लीकेट कॉपी मंगवाई जा सकती है, लेकिन वह पेंसिल के सामान्य आकार की नहीं थी और वह स्टॉक में बहुत कम ही मिलती थी। मेरा दोस्त अपनी असफलता से निराश नहीं हुआ, बल्कि उसने हल्के-फुल्के अंदाज में कंधे उचका दिए।

“कोई फायदा नहीं, मेरे प्यारे वॉटसन। यह सबसे अच्छा और एकमात्र आखिरी सुराग भी बेकार साबित हुआ। लेकिन, मुझे पूरा यकीन है कि हम इसके बिना भी पर्याप्त सबूत जुटा सकते हैं। हे भगवान! मेरे प्यारे दोस्त, लगभग नौ बज चुके हैं, और मकान मालेकिन साढ़े सात बजे से हरी मटर की बातें कर रही थी। वॉटसन, तुम्हारी इस आदत और खाने के समय की अनियमितता को देखते हुए, मुझे लगता है कि तुम्हें तंबाकू छोड़ने का नोटिस मिलेगा, और मैं भी तुम्हारे साथ इस मुसीबत में फँस जाऊँगी — लेकिन तब तक नहीं, जब तक हम घबराए हुए शिक्षक, लापरवाह नौकर और तीन होशियार छात्रों की समस्या हल नहीं कर लेते।”

उस दिन होम्स ने इस मामले पर कोई और टिप्पणी नहीं की, हालांकि देर से हुए हमारे भोजन के बाद वह काफी देर तक सोच में डूबे रहे। सुबह आठ बजे, जैसे ही मैं तैयार होकर निकला, वह मेरे कमरे में आ गए।

“अच्छा, वॉटसन,” उसने कहा, “अब हमें सेंट ल्यूक जाना चाहिए। क्या तुम नाश्ते के बिना रह सकते हो?”

"निश्चित रूप से।"

"जब तक हम सोम्स को कोई सकारात्मक बात नहीं बता देते, तब तक वह बेहद बेचैन रहेगा।"

"क्या आपके पास उसे बताने के लिए कुछ सकारात्मक बात है?"

"मुझे भी ऐसा ही लगता है।"

“क्या आप किसी निष्कर्ष पर पहुंचे हैं?”

"जी हां, मेरे प्यारे वॉटसन, मैंने रहस्य सुलझा लिया है।"

लेकिन आपको और क्या नए सबूत मिल सकते थे?

“अहा! सुबह छह बजे बिस्तर से उठना व्यर्थ नहीं था। मैंने दो घंटे की कड़ी मेहनत की है और कम से कम पाँच मील की दूरी तय की है, और इसका नतीजा भी दिख रहा है। देखो तो ज़रा!”

उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। हथेली पर काली, मुलायम मिट्टी के तीन छोटे पिरामिड बने हुए थे।

"अरे, होम्स, कल तो तुम्हारे पास सिर्फ दो ही थे।"

“और आज सुबह एक और। यह तर्क देना उचित है कि जहां से नंबर 3 आया है, वही नंबर 1 और 2 का भी स्रोत है। है ना, वॉटसन? चलो, मेरे दोस्त सोम्स को उसके दर्द से मुक्ति दिला दो।”

जब हमने उस दुर्भाग्यशाली शिक्षक को उसके कक्ष में पाया, तो वह निश्चित रूप से दयनीय रूप से परेशान था। कुछ ही घंटों में परीक्षा शुरू होने वाली थी, और वह अभी भी तथ्यों को सार्वजनिक करने और अपराधी को बहुमूल्य छात्रवृत्ति के लिए प्रतिस्पर्धा करने देने के बीच दुविधा में था। वह मानसिक रूप से इतना परेशान था कि मुश्किल से

स्थिर खड़ा रह पा रहा था, और उसने उत्सुकता से दोनों हाथ फैलाकर होम्स की ओर दौड़ लगाई।

“भगवान का शुक्र है कि आप आ गए! मुझे डर था कि आपने हताशा में हार मान ली होगी। अब मैं क्या करूं? क्या परीक्षा जारी रहनी चाहिए?”

"जी हां, इसे आगे बढ़ने दीजिए, बिल्कुल।"

लेकिन यह बदमाश?

वह प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा।

"आप उन्हें जानते हैं?"

“मुझे ऐसा ही लगता है। अगर यह मामला सार्वजनिक नहीं होना है, तो हमें कुछ अधिकार अपने हाथ में लेने होंगे और एक छोटा सा निजी कोर्ट-मार्शल करना होगा। सोम्स, आप वहां बैठिए! वॉटसन, आप यहां बैठिए! मैं बीच वाली कुर्सी पर बैठ जाता हूं। मुझे लगता है कि अब हम इतने प्रभावशाली हो गए हैं कि दोषी के मन में दहशत पैदा कर देंगे। कृपया घंटी बजाइए!”

बैनिस्टर अंदर आया और हमारी न्यायिक उपस्थिति को देखकर स्पष्ट आश्चर्य और भय से पीछे हट गया।

“कृपया दरवाजा बंद कर दीजिए,” होम्स ने कहा। “अब बैनिस्टर, क्या आप हमें कल की घटना के बारे में सच बताएंगे?”

उस आदमी का चेहरा जड़ से सफेद पड़ गया।

मैंने आपको सब कुछ बता दिया है, महोदय।

“कुछ और कहना नहीं है?”

"बिल्कुल नहीं, महोदय।"

"अच्छा, तो मुझे आपसे कुछ सुझाव देने होंगे। कल जब आप उस कुर्सी पर बैठे थे, तो क्या आपने ऐसा किसी ऐसी वस्तु को छिपाने के लिए किया था जिससे पता चल जाता कि कमरे में कौन था?"

बैनिस्टर का चेहरा भयावह था।

"जी नहीं, महोदय, बिलकुल नहीं।"

होम्स ने विनम्रता से कहा, "यह महज एक सुझाव है। मैं स्पष्ट रूप से स्वीकार करता हूं कि मैं इसे साबित नहीं कर सकता। लेकिन यह काफी हद तक संभव लगता है क्योंकि जैसे ही श्री सोम्स ने पीठ मोड़ी, आपने उस व्यक्ति को रिहा कर दिया जो उस बेडरूम में छिपा हुआ था।"

बैनिस्टर ने अपने सूखे होंठों को चाटा।

“वहां कोई आदमी नहीं था, महोदय।”

"अरे, ये तो बहुत दुख की बात है, बैनिस्टर। अब तक तो तुम सच बोलते रहे होगे, लेकिन अब मुझे पता चल गया है कि तुमने झूठ बोला है।"

उस व्यक्ति के चेहरे पर कठोर अवज्ञा का भाव आ गया।

“वहाँ कोई आदमी नहीं था, महोदय।”

"आओ, आओ, बैनिस्टर!"

"जी नहीं, महोदय, वहां कोई नहीं था।"

“ऐसे में आप हमें और कोई जानकारी नहीं दे सकते। क्या आप कृपया कमरे में ही रहेंगे? बेडरूम के दरवाजे के पास खड़े हो जाइए। अब, सोम्स, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप युवा गिलक्रिस्ट के कमरे में जाकर उनसे कहें कि वे आपके कमरे में आ जाएँ।”

कुछ ही देर बाद शिक्षक छात्र को लेकर लौट आया। वह एक सुगठित कद-काठी का व्यक्ति था, लंबा, लचीला और फुर्तीला, जिसकी चाल में एक उछाल था और चेहरा

हंसमुख और खुला हुआ था। उसकी परेशान नीली आँखें हम सभी पर एक नज़र डालती रहीं और अंत में दूर कोने में बैठे बैनिस्टर पर खाली निराशा के भाव के साथ टिक गईं।

"दरवाज़ा बंद कर दीजिए," होम्स ने कहा। "मिस्टर गिलक्रिस्ट, हम सब यहाँ बिल्कुल अकेले हैं, और हमारे बीच जो भी बात हुई है, किसी को जानने की ज़रूरत नहीं है। हम एक-दूसरे से पूरी तरह खुलकर बात कर सकते हैं। मिस्टर गिलक्रिस्ट, हम जानना चाहते हैं कि आप जैसे सम्मानित व्यक्ति ने कल जैसा कृत्य क्यों किया?"

दुर्भाग्यवश वह युवक लड़खड़ाकर पीछे हट गया और उसने बैनिस्टर की ओर भय और निंदा से भरी नजर से देखा।

"नहीं, नहीं, श्रीमान गिलक्रिस्ट, मैंने एक शब्द भी नहीं कहा—एक शब्द भी नहीं!" नौकर चिल्लाया।

"नहीं, लेकिन अब आपने देख लिया है," होम्स ने कहा। "अब, महोदय, आपको यह समझना होगा कि बैनिस्टर के शब्दों के बाद आपकी स्थिति निराशाजनक है, और आपका एकमात्र मौका खुलकर कबूल करने में ही है।"

एक क्षण के लिए गिलक्रिस्ट ने हाथ ऊपर उठाकर अपने चेहरे की बेचैनी को नियंत्रित करने की कोशिश की। अगले ही पल वह मेज के पास घुटनों के बल गिर पड़ा और अपना चेहरा हाथों में छिपाकर फूट-फूटकर रोने लगा।

"आओ, आओ," होम्स ने विनम्रता से कहा, "गलती करना इंसान का स्वभाव है, और कम से कम कोई तुम पर निर्दयी अपराधी होने का आरोप तो नहीं लगा सकता। शायद तुम्हारे लिए यह आसान होगा अगर मैं श्री सोम्स को बता दूं कि क्या हुआ था, और तुम मेरी गलती सुधार सको। क्या मैं बताऊं? अच्छा, अच्छा, जवाब देने की ज़रूरत नहीं है। सुनो, और ध्यान रखो कि मैं तुम्हारे साथ कोई अन्याय न करूं।"

"श्री सोम्स, जिस क्षण आपने मुझसे कहा कि बैनिस्टर समेत किसी को भी यह पता नहीं चल सकता था कि कागज़ात आपके कमरे में थे, उसी क्षण से मेरे मन में मामला स्पष्ट होने लगा। प्रिंटर को तो बेशक खारिज किया जा सकता था। वह अपने कार्यालय में कागज़ात की जाँच कर सकता था। उस भारतीय के बारे में भी मैंने कुछ नहीं सोचा। अगर प्रूफ एक रोल में थे, तो उसे यह पता होना ही नहीं चाहिए था कि वे क्या हैं। दूसरी ओर, यह एक अकल्पनीय संयोग लग रहा था कि कोई व्यक्ति कमरे में प्रवेश करने का साहस करे, और संयोग से उसी दिन कागज़ात मेज पर हों। मैंने इस बात को खारिज कर दिया। जो व्यक्ति अंदर आया था, उसे पता था कि कागज़ात वहाँ थे। उसे कैसे पता चला?"

जब मैं आपके कमरे के पास पहुँचा, तो मैंने खिड़की का निरीक्षण किया। आपने यह कहकर मेरा मनोरंजन किया कि मैं इस संभावना पर विचार कर रहा था कि कोई व्यक्ति दिन दहाड़े, सामने के सभी कमरों की निगाहों के सामने, जबरदस्ती खिड़की से अंदर घुस सकता है। ऐसा विचार बेतुका था। मैं यह माप रहा था कि किसी व्यक्ति की लंबाई कितनी होनी चाहिए ताकि वह गुजरते समय देख सके कि केंद्रीय मेज पर कौन से कागज़ रखे हैं। मेरी लंबाई छह फीट है, और मैं बड़ी मुश्किल से ऐसा कर सकता हूँ। मुझसे कम लंबाई वाले किसी व्यक्ति के लिए तो यह संभव ही नहीं है। आप पहले ही देख चुके हैं कि मेरे पास यह सोचने का कारण था कि यदि आपके तीन छात्रों में से कोई एक असाधारण लंबाई का व्यक्ति है, तो वह तीनों में सबसे अधिक ध्यान देने योग्य होगा।

मैं अंदर आया और मैंने साइड टेबल के बारे में आपके सुझावों पर भरोसा किया। सेंटर टेबल के बारे में मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था, जब तक कि आपने गिलक्रिस्ट के वर्णन में यह उल्लेख नहीं किया कि वह लंबी दूरी के जम्पर थे। तब मुझे सब कुछ

एक पल में समझ आ गया, और मुझे केवल कुछ पुख्ता सबूतों की आवश्यकता थी, जो मुझे शीघ्र ही मिल गए।

“घटना कुछ इस प्रकार हुई: इस युवक ने अपनी दोपहर खेल के मैदान में बिताई, जहाँ वह कूदने का अभ्यास कर रहा था। वह अपने कूदने वाले जूते लेकर लौटा, जिनमें, जैसा कि आप जानते हैं, कुई नुकीले कांटे लगे होते हैं। जब वह आपकी खिड़की के पास से गुजरा, तो अपनी ऊँचाई के कारण उसने आपकी मेज पर रखे ये प्रमाण देखे और अनुमान लगाया कि वे क्या हो सकते हैं। कोई नुकसान नहीं होता अगर आपके दरवाजे के पास से गुजरते समय उसे वह चाबी न दिखी होती जो आपके नौकर की लापरवाही से छूट गई थी। उसे अचानक अंदर जाने और यह देखने की तीव्र इच्छा हुई कि क्या वे वास्तव में प्रमाण थे। यह कोई खतरनाक काम नहीं था, क्योंकि वह हमेशा यह बहाना बना सकता था कि वह केवल एक प्रश्न पूछने के लिए अंदर आया था।”

“जब उसने देखा कि वे वाकई सबूत हैं, तब वह प्रलोभन में आ गया। उसने अपने जूते मेज पर रख दिए। तुमने खिड़की के पास वाली कुर्सी पर क्या रखा था?”

“दस्ताने,” युवक ने कहा।

होम्स ने विजयी भाव से बैनिस्टर की ओर देखा। “उसने अपने दस्ताने कुर्सी पर रखे और प्रूफ शीट एक-एक करके उठाकर कॉपी करने लगा। उसे लगा कि ट्यूटर मुख्य द्वार से लौटेगा और उसे मिल जाएगा। जैसा कि हम जानते हैं, वह बगल वाले द्वार से लौटा। अचानक उसने उसे दरवाजे पर ही सुना। बचने का कोई रास्ता नहीं था। वह अपने दस्ताने भूल गया, लेकिन उसने अपने जूते उठाए और दौड़कर बेडरूम में घुस गया। आपने ध्यान दिया होगा कि उस मेज पर खरोंच एक तरफ हल्की है, लेकिन बेडरूम के दरवाजे की तरफ गहरी होती जाती है। यह अपने आप में यह दिखाने के लिए काफी है कि जूता उसी दिशा में खींचा गया था और अपराधी ने वहीं शरण ली थी। कील के चारों ओर की मिट्टी मेज पर ही पड़ी थी और एक दूसरा नमूना ढीला होकर बेडरूम में गिर गया। मैं यह भी बता दूं कि मैं आज सुबह खेल के मैदान में गया था, देखा कि कूदने के गड्ढे में चिपचिपी काली मिट्टी का इस्तेमाल किया जाता है, और मैंने उसका एक नमूना, साथ ही उस पर छिड़की जाने वाली बारीक भूसी या बुरादे का कुछ हिस्सा भी ले लिया, जो खिलाड़ी को फिसलने से बचाने के लिए बिछाई जाती है। क्या मैंने सच कहा है, श्री गिलक्रिस्ट?”

छात्र सीधा खड़ा हो गया था।

“जी हां, यह सच है,” उसने कहा।

“हे भगवान! क्या आपके पास कुछ और कहने को नहीं है?” सोम्स चिल्लाया।

जी हां, महोदय, मैंने लिखा है, लेकिन इस शर्मनाक खुलासे के सदमे ने मुझे स्तब्ध कर दिया है। श्री सोम्स, मेरे पास एक पत्र है, जो मैंने आज सुबह बेचैन रात के बीच में आपको लिखा था। यह तब की बात है जब मुझे पता भी नहीं था कि मेरा गुनाह सबके सामने आ चुका है। लीजिए, महोदय। आप देखेंगे कि मैंने उसमें लिखा है, ‘मैंने परीक्षा में न जाने का निश्चय कर लिया है। मुझे रोडेशियन पुलिस में कमीशन का प्रस्ताव मिला है, और मैं तुरंत दक्षिण अफ्रीका जा रहा हूं।’”

सोम्स ने कहा, "मुझे यह जानकर वास्तव में खुशी हुई कि आपका इरादा अपने अनुचित लाभ से मुनाफा कमाने का नहीं था। लेकिन आपने अपना उद्देश्य क्यों बदल दिया?"

गिलक्रिस्ट ने बैनिस्टर की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा, "यही वह व्यक्ति है जिसने मुझे सही राह दिखाई।"

“अब बताओ, बैनिस्टर,” होम्स ने कहा। “मेरी बातों से तुम्हें स्पष्ट हो गया होगा कि केवल तुम ही उस युवक को बाहर जाने दे सकते थे, क्योंकि तुम कमरे में अकेले थे और

बाहर जाते समय तुमने दरवाजा बंद किया होगा। जहाँ तक उस खिड़की से उसके भागने की बात है, वह अविश्वसनीय है। क्या तुम इस रहस्य के आखिरी बिंदु को स्पष्ट नहीं कर सकते और हमें अपने इस कदम के पीछे का कारण नहीं बता सकते?”

“यह बहुत आसान था, महोदय, अगर आपको पता होता, लेकिन आपकी सारी चतुराई के बावजूद, यह असंभव था कि आप जान पाते। एक समय था, महोदय, जब मैं बूढ़े सर जेबेज़ गिलक्रिस्ट, इस नौजवान के पिता, का बटलर था। जब वे बर्बाद हो गए तो मैं कॉलेज में नौकर बनकर आया, लेकिन मैं अपने पुराने मालिक को कभी नहीं भूला क्योंकि वे दुनिया में बहुत बुरे हाल में थे। मैंने पुराने दिनों की याद में उनके बेटे का जितना हो सके ख्याल रखा। खैर, महोदय, जब कल अलार्म बजने पर मैं इस कमरे में आया, तो सबसे पहली चीज़ जो मैंने देखी वह थी श्री गिलक्रिस्ट के भूरे रंग के दस्ताने उस कुर्सी पर पड़े हुए। मैं उन दस्तानों को अच्छी तरह जानता था, और मैं उनका संदेश समझ गया था। अगर श्री सोम्स ने उन्हें देख लिया, तो खेल खत्म हो जाएगा। मैं उस कुर्सी पर गिर पड़ा, और जब तक श्री सोम्स आप पर झपटे नहीं, तब तक मैं हिला भी नहीं। फिर मेरे बेचारे नौजवान मालिक बाहर आए, जिन्हें मैंने अपनी गोद में झुलाया था, और उन्होंने मुझे सब कुछ बता दिया। क्या यह स्वाभाविक नहीं था, महोदय, कि मैं उन्हें बचाऊं, और क्या यह भी स्वाभाविक नहीं था कि मैं कोशिश करूं... उससे वैसे ही बात करो जैसे उसके मृत पिता करते, और उसे समझाओ कि ऐसे काम से उसे कोई लाभ नहीं होगा? क्या आप मुझे दोष दे सकते हैं, महोदय?

“जी नहीं, बिलकुल,” होम्स ने पूरे उत्साह से कहा और उछलकर खड़े हो गए।

“अच्छा, सोम्स, मुझे लगता है हमने तुम्हारी छोटी सी समस्या सुलझा ली है, और घर पर हमारा नाश्ता तैयार है। आओ, वॉटसन! जहाँ तक तुम्हारी बात है, महोदय, मुझे आशा है कि रोडेशिया में तुम्हारा भविष्य उज्ज्वल होगा। क्योंकि एक बार तुम बहुत नीचे गिर चुके हो। देखते हैं, आगे चलकर तुम कितनी ऊँचाई तक पहुँच सकते हो।”

भय की घाटी

भाग ---- पहला

बिरलस्टोन की त्रासदी

अध्याय 1

चेतावनी

मैंने कहा, “मुझे लगता है कि मैं ऐसा सोचता हूँ।”

“मुझे ऐसा ही करना चाहिए,” शर्लक होम्स ने अधीरता से कहा।

मुझे लगता है कि मैं सबसे अधिक सहनशील मनुष्यों में से एक हूं; लेकिन मैं यह स्वीकार करता हूं कि उस व्यंग्यात्मक व्यवधान से मुझे चिढ़ हुई थी।

मैंने सख्ती से कहा, "सच में, होम्स, तुम कभी-कभी थोड़े परेशान करने वाले होते हो।"

वह अपने विचारों में इतना मग्न था कि मेरी आपत्ति का तुरंत कोई उत्तर नहीं दे सका। वह अपने हाथ पर झुककर बैठा था, उसके सामने उसका बिना चखा नाश्ता

पड़ा था, और वह उस कागज़ के टुकड़े को घूर रहा था जिसे उसने अभी-अभी लिफाफे से निकाला था। फिर उसने लिफाफा उठाया, उसे रोशनी में देखा और बहुत ध्यान से उसके बाहरी हिस्से और ढक्कन दोनों का अध्ययन किया।

"यह पोर्लॉक की लिखावट है," उन्होंने सोच-विचार करते हुए कहा। "मुझे इस बात पर शायद ही कोई संदेह हो कि यह पोर्लॉक की लिखावट है, हालांकि मैंने इसे पहले केवल दो बार ही देखा है। विशिष्ट ऊपरी अलंकरण वाला ग्रीक 'ई' इसकी पहचान है। लेकिन अगर यह पोर्लॉक की लिखावट है, तो यह निश्चित रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण रचना होगी।"

वह मुझसे नहीं बल्कि खुद से बात कर रहा था; लेकिन उन शब्दों से उत्पन्न रुचि के कारण मेरी झुंझलाहट गायब हो गई।

"तो फिर पोरलॉक कौन है?" मैंने पूछा।

"पोरलॉक, वॉटसन, एक छद्म नाम है, महज़ एक पहचान चिह्न; लेकिन इसके पीछे एक धूर्त और टालमटोल करने वाला व्यक्तित्व छिपा है। एक पुराने पत्र में उसने मुझे साफ़-साफ़ बताया था कि यह नाम उसका अपना नहीं है, और मुझे इस महान शहर की लाखों-करोड़ों की भीड़ में उसे ढूंढने की चुनौती दी थी। पोरलॉक अपने लिए नहीं, बल्कि उस महान व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण है जिसके साथ उसका संपर्क है। ज़रा कल्पना कीजिए, पायलट मछली और शार्क, सियार और शेर - कोई भी चीज़ जो किसी भयानक चीज़ के साथ होने पर महत्वहीन लगती है: न केवल भयानक, वॉटसन, बल्कि भयावह - अत्यंत भयावह। यहीं से वह मेरे दायरे में आता है। क्या आपने मुझे प्रोफ़ेसर मोरियार्टी के बारे में बात करते सुना है?"

"वह कुख्यात वैज्ञानिक अपराधी, अपराधियों के बीच उतना ही कुख्यात जितना कि —"

"मेरी शर्मिंदगी, वॉटसन!" होम्स ने तिरस्कारपूर्ण स्वर में बुदबुदाया।

मैं यही कहने वाला था कि वह जनता के लिए अज्ञात है।

"एक स्पर्श! एक स्पष्ट स्पर्श!" होम्स चिल्लाया। वाटसन, आपमें एक अजीब तरह का व्यंग्यात्मक हास्य पनप रहा है, जिससे मुझे सावधान रहना होगा। लेकिन मोरियार्टी को अपराधी कहकर आप कानून की नजरों में मानहानि कर रहे हैं – और यही तो इसकी महिमा और आश्चर्य है! सर्वकालिक महान षड्यंत्रकारी, हर तरह की शैतानी का आयोजक, अंडरवर्ल्ड का नियंत्रक मस्तिष्क, एक ऐसा मस्तिष्क जो राष्ट्रों का भाग्य बना या बिगाड़ सकता था – वही है वो व्यक्ति! लेकिन वह आम संदेह से इतना दूर, आलोचना से इतना मुक्त, अपने प्रबंधन और आत्म-त्याग में इतना प्रशंसनीय है कि आपके कहे शब्दों के लिए ही वह आपको अदालत में घसीट सकता है और अपनी आहत छवि के मुआवज़े के रूप में आपकी एक साल की पेंशन लेकर बाहर आ सकता है। क्या वह 'द डायनेमिक्स ऑफ एन एस्टेरॉयड' के प्रसिद्ध लेखक नहीं हैं, एक ऐसी पुस्तक जो शुद्ध गणित की इतनी ऊंचाइयों तक पहुंचती है कि कहा जाता है कि वैज्ञानिक जगत में कोई भी व्यक्ति इसकी आलोचना करने में सक्षम नहीं था? क्या यह वह व्यक्ति है जिसकी निंदा की जाए? बदजुबान डॉक्टर और बदनाम प्रोफेसर – ऐसा ही होगा... अपनी-अपनी भूमिकाएँ निभाओ! वाह, वाटसन! लेकिन अगर मैं कम काबिल लोगों के हाथों बच गया, तो हमारा दिन भी ज़रूर आएगा।

"काश मैं वहाँ देख सकूं!" मैंने श्रद्धापूर्वक कहा। "लेकिन आप तो पोर्लॉक नाम के इस व्यक्ति की बात कर रहे थे।"

"अहा, हाँ— तथाकथित पोर्लॉक उस कड़ी का एक हिस्सा है जो अपने मुख्य जुड़ाव से थोड़ा दूर है। पोर्लॉक हम सबके बीच की एक मज़बूत कड़ी नहीं है। जहाँ तक मैंने इसका परीक्षण किया है, वह उस कड़ी में एकमात्र दोष है।"

लेकिन कोई भी श्रृंखला अपनी सबसे कमजोर कड़ी से अधिक मजबूत नहीं होती।

“बिल्कुल सही, मेरे प्यारे वॉटसन! इसीलिए पोलॉक का इतना महत्व है। सही राह पर चलने की कुछ बुनियादी आकांक्षाओं से प्रेरित होकर और कभी-कभार छल-कपट से भेजे गए दस पाउंड के नोटों के विवेकपूर्ण प्रोत्साहन से प्रोत्साहित होकर, उसने मुझे एक-दो बार ऐसी अग्रिम जानकारी दी है जो बहुत मूल्यवान साबित हुई है—वह सर्वोच्च मूल्य जो अपराध का बदला लेने के बजाय उसे पहले से ही भांप लेता है और रोकता है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर हमारे पास कोड होता, तो हम पाते कि यह संदेश उसी प्रकार का है जैसा मैंने बताया है।”

होम्स ने फिर से कागज को अपनी खाली प्लेट पर फैला दिया। मैं उठा और उसकी ओर झुककर उस विचित्र लेख को ध्यान से देखने लगा, जो इस प्रकार था:

534 C2 13 127 36 31 4 17 21 41

डगलस 109 293 5 37 बिरलस्टोन

26 बिरलस्टोन 9 47 171

"होम्स, इस बारे में आपकी क्या राय है?"

"यह स्पष्ट रूप से गुप्त जानकारी देने का प्रयास है।"

लेकिन बिना सिफर के सिफर संदेश का क्या उपयोग है?

"इस मामले में, बिल्कुल भी नहीं।"

आप ‘इस मामले में’ क्यों कहते हैं?

“क्योंकि ऐसे कई गुप्त कोड हैं जिन्हें मैं उतनी ही आसानी से पढ़ सकता हूँ जितनी आसानी से मैं किसी किताब के अलिखित ग्रंथों को पढ़ता हूं: ऐसे सरल तरीके बुद्धि को थकाए बिना उसका मनोरंजन करते हैं। लेकिन यह अलग है। यह स्पष्ट रूप से किसी किताब के एक पृष्ठ के शब्दों का संदर्भ है। जब तक मुझे यह नहीं बताया जाता कि कौन सा पृष्ठ और कौन सी किताब है, मैं कुछ नहीं कर सकता।”

"लेकिन 'डगलस' और 'बर्ल्स्टोन' ही क्यों?"

"स्पष्ट रूप से क्योंकि वे ऐसे शब्द हैं जो विचाराधीन पृष्ठ में मौजूद नहीं थे।"

"तो फिर उसने किताब की ओर इशारा क्यों नहीं किया?"

“हे मेरे प्रिय वॉटसन, आपकी सहज चतुराई, वह जन्मजात चालाकी जो आपके मित्रों को प्रसन्न करती है, आपको निश्चित रूप से गुप्त कोड और संदेश को एक ही लिफाफे में बंद करने से रोकेगी। अगर यह विफल हो गया, तो आप बर्बाद हो जाएंगे। वैसे भी, इससे कोई नुकसान होने से पहले दोनों का गलत होना जरूरी है। हमारी दूसरी डाक अब तक विलंबित हो चुकी है, और मुझे आश्चर्य होगा यदि वह हमें स्पष्टीकरण का एक और पत्र न लाए, या, जैसा कि अधिक संभावना है, वही पुस्तक लाए जिसका उल्लेख इन आंकड़ों में किया गया है।”

होम्स की गणना कुछ ही मिनटों में उस समय पूरी हो गई जब बिली, जो एक सहायक कर्मचारी था, उस पत्र के साथ प्रकट हुआ जिसकी हम प्रतीक्षा कर रहे थे।

लिफाफा खोलते हुए होम्स ने कहा, "बिल्कुल वही लिखावट है, और इस पर हस्ताक्षर भी हैं।" पत्र को खोलते हुए उन्होंने उत्साह से भरी आवाज में आगे कहा, "चलो, हम आगे बढ़ रहे हैं, वॉटसन।" हालांकि, पत्र की सामग्री पर नजर डालते ही उनके माथे पर शिकन आ गई।

"हे भगवान, यह तो बहुत निराशाजनक है! मुझे डर है, वॉटसन, कि हमारी सारी उम्मीदें धराशायी हो जाएंगी। मुझे विश्वास है कि पोलॉक को कोई नुकसान नहीं होगा।"

"प्रिय श्री होम्स [वे कहते हैं]:

"मैं इस मामले में और आगे नहीं बढ़ूंगा। यह बहुत खतरनाक है – उसे मुझ पर शक है। मैं देख सकता हूं कि उसे मुझ पर शक है। मैंने आपको सिफर की कुंजी भेजने के इरादे से इस लिफाफे पर पता लिखा था, लेकिन वह अचानक मेरे पास आ गया। मैं इसे छुपाने में कामयाब रहा। अगर उसने इसे देख लिया होता, तो मुझे बहुत बुरा लगता। लेकिन मैंने उसकी आँखों में शक देखा। कृपया सिफर संदेश को जला दें, जो अब आपके किसी काम का नहीं है।"

फ्रेड पोरलॉक।"

होम्स कुछ देर तक अपनी उंगलियों के बीच इस पत्र को घुमाते हुए और भौंहें चढ़ाते हुए आग को घूरते रहे।

अंत में उसने कहा, "शायद इसमें कुछ भी न हो। यह केवल उसका दोषी अंतरात्मा हो सकता है। खुद को गद्दार जानते हुए, उसने दूसरे की आँखों में आरोप पढ़ लिया हो।"

"दूसरा व्यक्ति, मेरा अनुमान है, प्रोफेसर मोरियार्टी हैं।"

"बिल्कुल! जब उस दल का कोई भी सदस्य 'उस व्यक्ति' की बात करता है, तो आप समझ जाते हैं कि उनका मतलब किससे है। उन सभी के लिए एक ही सर्वोपरि 'उस व्यक्ति' है।"

लेकिन वह क्या कर सकता है?

हम्म! ये तो बड़ा सवाल है। जब यूरोप के सबसे बुद्धिमान लोगों में से एक आपके सामने हो और अंधकार की सारी शक्तियाँ उसके पीछे हों, तो अनगिनत संभावनाएं हैं। खैर, दोस्त पोरलॉक तो बुरी तरह डरा हुआ है - कृपया नोट की लिखावट की तुलना उसके लिफाफे पर लिखी लिखावट से करें; जो, जैसा कि उसने हमें बताया, इस अशुभ मुलाकात से पहले लिखी गई थी। एक साफ और स्पष्ट है। दूसरी मुश्किल से पढ़ी जा सकती है।

"उन्होंने लिखा ही क्यों? उन्होंने इसे यूं ही क्यों नहीं छोड़ दिया?"

"क्योंकि उसे डर था कि मैं उस मामले में उसके खिलाफ कुछ पूछताछ करूंगा, और संभवतः उसे मुसीबत में डाल दूंगा।"

"निस्संदेह," मैंने कहा। "बिल्कुल।" मैंने मूल गुप्त संदेश उठा लिया था और उसे ध्यान से पढ़ रहा था। "यह सोचना बहुत परेशान करने वाला है कि कोई महत्वपूर्ण रहस्य कागज के इस टुकड़े पर छिपा हो सकता है, और इसे भेदना मानवीय शक्ति से परे है।"

शर्लक होम्स ने अपना बिना चखा नाश्ता एक तरफ धकेल दिया और अपनी उस बेस्वाद पाइप को जलाया जो उनके गहन चिंतन का साथी थी। "मुझे आश्चर्य है!" उन्होंने छत की ओर झुकते हुए कहा। "शायद कुछ बातें आपकी धूर्त बुद्धि से छूट गई हों। आइए इस समस्या पर विशुद्ध तर्क के प्रकाश में विचार करें। इस व्यक्ति का संदर्भ एक पुस्तक से है। यहीं से हमारी शुरुआत होती है।"

"कुछ हद तक अस्पष्ट सा।"

"तो चलिए देखते हैं कि क्या हम इसे सीमित कर सकते हैं। जैसे-जैसे मैं इस पर ध्यान केंद्रित करता हूं, यह उतना जटिल नहीं लगता। इस पुस्तक के बारे में हमारे पास क्या संकेत हैं?"

"कोई नहीं।"

"अच्छा, अच्छा, यह उतना बुरा भी नहीं है जितना लग रहा है। सिफर संदेश की शुरुआत बड़े अक्षरों में 534 से होती है, है ना? हम इसे एक परिकल्पना मान सकते हैं कि 534 वह विशेष पृष्ठ है जिसका उल्लेख सिफर में किया गया है। तो हमारी किताब पहले ही एक बड़ी किताब बन चुकी है, जो निश्चित रूप से एक अच्छी बात है। इस बड़ी

किताब की प्रकृति के बारे में हमारे पास और क्या संकेत हैं? अगला संकेत C2 है। वॉटसन, आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?”

"निश्चित रूप से दूसरा अध्याय।"

"बिल्कुल नहीं, वॉटसन। मुझे पूरा यकीन है कि आप मुझसे सहमत होंगे कि यदि पृष्ठ संख्या दी गई हो, तो अध्याय संख्या का कोई महत्व नहीं है। और यदि पृष्ठ 534 पर हम केवल दूसरे अध्याय में हैं, तो पहले अध्याय की लंबाई वास्तव में असहनीय रही होगी।"

“स्तंभ!” मैंने चिल्लाकर कहा।

“शानदार, वॉटसन। आज सुबह तो आप कमाल कर रहे हैं। अगर यह कॉलम नहीं है, तो मैं बहुत बड़ी गलतफहमी में हूं। तो अब देखिए, हम एक बड़ी किताब की कल्पना करने लगते हैं जो दोहरे कॉलम में छपी है और हर कॉलम काफी लंबा है, क्योंकि दस्तावेज़ में एक शब्द को 293वें नंबर पर रखा गया है। क्या हम तर्क की सीमाओं तक पहुंच गए हैं?”

मुझे डर है कि हमने ऐसा कर लिया है।

“तुम अपने साथ नाइंसाफी कर रहे हो। एक और शानदार विचार, मेरे प्यारे वॉटसन—एक और अद्भुत विचार! अगर यह किताब कोई खास होती, तो वह इसे मुझे भेज देता। लेकिन अपनी योजना पर पानी फिरने से पहले, उसने इस लिफाफे में सुराग मुझे भेजने का इरादा किया था। उसने अपने नोट में ऐसा लिखा है। इससे लगता है कि यह वह किताब है जिसे वह सोचता था कि मुझे खुद ढूंढने में कोई कठिनाई नहीं होगी। उसके पास वह किताब थी—और उसे लगा कि मेरे पास भी होगी। संक्षेप में, वॉटसन, यह एक बहुत ही आम किताब है।”

"आपकी बात काफी तर्कसंगत लगती है।"

"इसलिए हमने अपने शोध के क्षेत्र को एक बड़ी किताब तक सीमित कर दिया है, जो दोहरे स्तंभों में छपी है और आम उपयोग में है।"

“बाइबल!” मैंने विजयी भाव से चिल्लाया।

“शाबाश, वॉटसन, शाबाश! लेकिन, अगर मैं कहूँ तो, यह काफ़ी नहीं है! अगर मैं खुद भी इस तारीफ़ को स्वीकार कर लूँ, तो भी मैं शायद ही कोई ऐसी किताब बता पाऊँगा जो मोरियार्टी के किसी साथी के पास होने की संभावना से कम हो। इसके अलावा, पवित्र ग्रंथ के इतने सारे संस्करण हैं कि वह शायद ही यह सोच सकता है कि दो प्रतियों में पृष्ठ संख्या एक जैसी होगी। यह स्पष्ट रूप से एक मानकीकृत पुस्तक है। वह निश्चित रूप से जानता है कि उसका पृष्ठ 534 मेरे पृष्ठ 534 से बिल्कुल मेल खाएगा।”

लेकिन बहुत कम किताबें इससे मेल खाती होंगी।

“बिल्कुल सही। इसी में हमारी मुक्ति निहित है। हमारी खोज मानकीकृत पुस्तकों तक सीमित हो जाती है, जो हर किसी के पास होने की उम्मीद की जा सकती है।”

“ब्रैडशॉ!”

“मुश्किलें तो हैं, वॉटसन। ब्रैडशॉ की शब्दावली अटपटी और संक्षिप्त है, लेकिन सीमित भी है। शब्दों का चयन सामान्य संदेश देने के लिए शायद ही उपयुक्त होगा। हम ब्रैडशॉ को हटा देंगे। मुझे डर है कि इसी कारण से शब्दकोश भी स्वीकार्य नहीं है। तो फिर क्या बचा?”

“एक पंचांग!”

“बहुत खूब, वॉटसन! अगर आपने सही जगह नहीं देखी तो मैं बहुत बड़ी गलती कर रहा हूँ। एक पंचांग! चलिए व्हिटेकर के पंचांग पर गौर करते हैं। यह आम चलन में है। इसमें ज़रूरी पन्ने हैं। यह दो स्तंभों में छपा है। हालाँकि शुरुआत में इसकी शब्दावली

सयामित है, लेकिन अगर मुझे सही याद है तो अंत में यह काफी विस्तृत हो जाता है।" उन्होंने अपनी मेज से वह किताब उठाई। "यह रहा पृष्ठ 534, दूसरा स्तंभ, छपे हुए पन्नों का एक बड़ा हिस्सा, जो मुझे लगता है कि ब्रिटिश भारत के व्यापार और संसाधनों से संबंधित है। शब्द लिख लीजिए, वॉटसन! तेरहवाँ शब्द है 'मराठा'। मुझे डर है कि यह कोई शुभ शुरुआत नहीं है। एक सौ सत्ताईसवाँ शब्द है 'सरकार'; जो कम से कम समझ में आता है, हालाँकि हमारे और प्रोफेसर मोरियार्टी के लिए कुछ हद तक अप्रासंगिक है। अब फिर से कोशिश करते हैं। मराठा सरकार क्या करती है? अफसोस! अगला शब्द है 'सूअर के बाल'। हम तो गए काम से, मेरे अच्छे वॉटसन! खेल खत्म!"

उन्होंने मज़ाक में बात की थी, लेकिन उनकी घनी भौहों का फड़कना उनकी निराशा और झुंझलाहट को ज़ाहिर कर रहा था। मैं असहाय और दुखी होकर आग को घूरता रहा। लंबी चुप्पी अचानक होम्स की एक चीख से टूटी, जो एक अलमारी की ओर दौड़े और हाथ में पीले कवर वाली दूसरी किताब लेकर बाहर निकले।

"हम बहुत ज्यादा आधुनिक होने की कीमत चुकाते हैं, वॉटसन!" वह चिल्लाया। "हम समय से आगे हैं, और हमेशा की तरह इसके परिणाम भुगत रहे हैं। 7 जनवरी होने के कारण, हमने नया पंचांग बहुत ही सही तरीके से रख दिया है। यह पूरी तरह संभव है कि पोलॉक ने अपना संदेश पुराने पंचांग से लिया हो। अगर उसने स्पष्टीकरण पत्र लिखा होता, तो वह हमें ज़रूर बताता। अब देखते हैं कि पृष्ठ 534 पर हमारे लिए क्या है। तेरहवाँ शब्द है 'वहाँ', जो कहीं अधिक आशाजनक है। एक सौ सत्ताईसवाँ शब्द है 'है' — 'वहाँ है'" — होम्स की आँखें उत्साह से चमक रही थीं, और उनकी पतली, काँपती उंगलियाँ शब्दों को गिनते हुए फड़फड़ा रही थीं — "'खतरा।' हा! हा! कमाल! इसे लिख लो, वॉटसन। 'खतरा है — हो सकता है — आ — बहुत — जल्द — एक।' फिर हमारे पास 'डगलस' नाम है — 'अमीर — देश — अब — बिरलस्टोन — हाउस — बिरलस्टोन — आत्मविश्वास — दबाव — डाल रहा है।' देखो, वॉटसन! शुद्ध तर्क और उसके फल के बारे में तुम्हारा क्या विचार है? अगर सब्जीवाले के पास लॉरेल की माला जैसी कोई चीज़ होती, तो मैं उसे भेज देता। इसके लिए बिली राउंड करो।

मैं उस अजीब संदेश को घूर रहा था जिसे मैंने अपने घुटने पर रखे एक बड़े कागज पर लिखा था, और वह उसे समझने की कोशिश कर रहा था।

मैंने कहा, "अपनी बात कहने का कितना विचित्र और उलझा हुआ तरीका है!"

"इसके विपरीत, उन्होंने बहुत ही शानदार काम किया है," होम्स ने कहा। "जब आप अपने अर्थ को व्यक्त करने के लिए शब्दों की तलाश में किसी एक कॉलम में खोज करते हैं, तो आप शायद ही यह उम्मीद कर सकते हैं कि आपको वह सब कुछ मिल जाएगा जो आप चाहते हैं। आपको अपने संवाददाता की बुद्धि पर कुछ छोड़ना ही पड़ता है। आशय बिल्कुल स्पष्ट है। डगलस नाम के किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई शरारत रची जा रही है, चाहे वह कोई भी हो, जैसा कि बताया गया है, वह एक धनी ग्रामीण सज्जन हैं। उन्हें पूरा यकीन है—'विश्वास' शब्द 'आत्मविश्वास' के सबसे करीब था—कि यह मामला गंभीर है। यही हमारा निष्कर्ष है—और यह एक बहुत ही कुशल और सटीक विश्लेषण था!"

होम्स को अपने उत्कृष्ट कार्यों में एक सच्चे कलाकार जैसी निष्पक्ष खुशी मिलती थी, हालांकि जब उनका काम उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं होता था तो वे गहरे शोक में डूब जाते थे। वे अपनी सफलता पर अभी मुस्कुरा ही रहे थे कि बिली ने दरवाजा खोला और स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड कमरे में दाखिल हुए।

ये 80 के दशक के अंत के शुरुआती दिन थे, जब एलेक मैकडोनाल्ड को वह राष्ट्रीय प्रसिद्धि नहीं मिली थी जो उन्हें आज प्राप्त है। वे जासूस दल के एक युवा लेकिन

भरोसेमंद सदस्य थे, जिन्होंने उन्हें सौंपे गए कई मामलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। उनका लंबा, दुबला-पतला शरीर असाधारण शारीरिक शक्ति का संकेत देता था, जबकि उनका विशाल सिर और गहरी, चमकदार आंखें उनकी घनी भौंहों के पीछे से झलकती उनकी तीक्ष्ण बुद्धि का स्पष्ट प्रमाण थीं। वे एक शांत, सटीक व्यक्ति थे, जिनका स्वभाव गंभीर था और वे एबरडीन के लहजे में बात करते थे।

अपने करियर में दो बार होम्स ने उन्हें सफलता दिलाने में मदद की थी, और उनका एकमात्र पुरस्कार समस्या को सुलझाने का बौद्धिक आनंद था। इसी कारण स्कॉटिश विद्वान को अपने शौकिया सहकर्मी के प्रति गहरा स्नेह और सम्मान था, और उन्होंने हर मुश्किल में होम्स से खुलकर सलाह लेकर इसे दिखाया। साधारण व्यक्ति अपने से ऊपर कुछ नहीं जानता; लेकिन प्रतिभा प्रतिभा को तुरंत पहचान लेती है, और मैकडोनाल्ड में अपने पेशे के लिए पर्याप्त प्रतिभा थी जिससे वे समझ गए कि यूरोप में अपनी प्रतिभा और अनुभव दोनों में अद्वितीय व्यक्ति की सहायता लेने में कोई अपमान नहीं है। होम्स मित्रता करने के इच्छुक नहीं थे, लेकिन वे उस लंबे-चौड़े स्कॉटिश विद्वान के प्रति सहिष्णु थे और उन्हें देखकर मुस्कुराते थे।

“आप तो सुबह-सुबह जल्दी उठ जाते हैं, मिस्टर मैक,” उसने कहा। “मैं कामना करता हूं कि आपको कीड़े के लिए शुभकामनाएँ। मुझे डर है कि इसका मतलब है कि कुछ गड़बड़ होने वाली है।”

“अगर आप ‘डर’ की जगह ‘आशा’ कहते, तो शायद सच्चाई के ज़्यादा करीब होते, मिस्टर होम्स,” इंस्पेक्टर ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया। “खैर, शायद थोड़ी सी सिगरेट सुबह की कड़ाके की ठंड से राहत दिला दे। नहीं, मैं सिगरेट नहीं पीता, शुक्रिया। मुझे अब जाना होगा; क्योंकि किसी मामले के शुरुआती घंटे बहुत कीमती होते हैं, यह बात आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। लेकिन—लेकिन—”

निरीक्षक अचानक रुक गया और मेज पर रखे एक कागज को पूरी हैरानी से घूरने लगा। यह वही कागज था जिस पर मैंने वह रहस्यमय संदेश लिखा था।

“डगलस!” वह हकलाते हुए बोला। “बिर्लस्टोन! ये क्या है, मिस्टर होम्स? अरे, ये तो जादू-टोना है! भगवान के नाम पर, आपको ये नाम कहाँ से मिले?”

“यह एक ऐसा रहस्य है जिसे डॉ. वाटसन और मुझे सुलझाने का मौका मिला है। लेकिन क्यों—नामों में क्या गड़बड़ है?”

निरीक्षक ने स्तब्ध आश्चर्य से हम सबकी ओर देखा। "बस यही," उसने कहा, "कि बिरलस्टोन मैनर हाउस के श्री डगलस की कल रात बेरहमी से हत्या कर दी गई!"

अध्याय दो

शर्लक होम्स पर प्रवचन

यह उन नाटकीय पलों में से एक था जिनके लिए मेरा दोस्त हमेशा तरसता था। यह कहना अतिशयोक्ति होगी कि वह इस आश्चर्यजनक घोषणा से स्तब्ध या उत्साहित था। अपने विशिष्ट स्वभाव में ज़रा भी क्रूरता न होते हुए भी, वह लंबे समय से अत्यधिक उत्तेजना के कारण निस्संदेह संवेदनहीन हो गया था। फिर भी, यदि उसकी भावनाएं कुंद हो गई थीं, तो उसकी बौद्धिक क्षमताएँ अत्यंत सक्रिय थीं। उस समय उसके चेहरे पर उस भय का कोई निशान नहीं था जो मैंने इस संक्षिप्त घोषणा पर स्वयं महसूस किया था; बल्कि उसके चेहरे पर एक रसायनज्ञ की शांत और रुचिपूर्ण गंभीरता दिखाई दे रही थी जो अपने अतिसंतृप्त विलयन से क्रिस्टलों को अपनी जगह पर आते हुए देख रहा हो।

“अद्भुत!” उसने कहा। “अद्भुत!”
आप आश्चर्यचकित नहीं लग रहे हैं।
“श्री मैक, मुझे दिलचस्पी तो है, लेकिन आश्चर्य नहीं। मुझे आश्चर्य क्यों होना चाहिए? मुझे एक ऐसे स्रोत से गुमनाम संदेश मिलता है जिसे मैं महत्वपूर्ण मानता हूँ, जिसमें मुझे चेतावनी दी जाती है कि एक खास व्यक्ति को खतरा है। एक घंटे के भीतर मुझे पता चलता है कि यह खतरा सचमुच आ गया है और वह व्यक्ति मर चुका है। मुझे दिलचस्पी तो है; लेकिन जैसा कि आपने कहा, मुझे आश्चर्य नहीं है।”
कुछ संक्षिप्त वाक्यों में उन्होंने निरीक्षक को पत्र और गुप्त कोड के बारे में सारी बातें समझा दीं। मैकडोनाल्ड ठुड्डी हाथों पर टिकाए बैठे थे और उनकी बड़ी-बड़ी सुनहरी भौहें पीले रंग के गुच्छे जैसी लग रही थीं।
“मैं आज सुबह बिरलस्टोन जा रहा था,” उसने कहा। “मैं आपसे पूछने आया था कि क्या आप मेरे साथ चलना चाहेंगे—आप और आपका यह दोस्त। लेकिन आपकी बातों से लगता है कि हम लंदन में शायद बेहतर काम कर सकते हैं।”
"मुझे तो ऐसा नहीं लगता," होम्स ने कहा।
“अरे बाप रे, मिस्टर होम्स!” इंस्पेक्टर चिल्लाया। “एक-दो दिन में अखबार बिरलस्टोन रहस्य से भर जाएंगे; लेकिन अगर लंदन में एक ऐसा आदमी है जिसने अपराध होने से पहले ही उसकी भविष्यवाणी कर दी थी, तो रहस्य क्या रह जाता है? हमें बस उस आदमी को पकड़ना है, बाकी सब अपने आप हो जाएगा।”
“निःसंदेह, श्रीमान मैक। लेकिन आप तथाकथित पोरलॉक को कैसे हासिल करने की योजना बना रहे हैं?”
मैकडोनाल्ड ने होम्स द्वारा दिए गए पत्र को पलट दिया। “कैम्बरवेल से भेजा गया है – इससे हमें ज़्यादा मदद नहीं मिलती। आप कहते हैं कि नाम काल्पनिक है। इससे हमें ज़्यादा कुछ पता नहीं चलता। क्या आपने यह नहीं कहा था कि आपने उसे पैसे भेजे हैं?”
"दो बार।"
“और कैसे?”
कैंबरवेल डाकघर को लिखे गए पत्रों में।
"क्या आपने कभी यह जानने की कोशिश की कि उन्हें किसने बुलाया था?"
"नहीं।"
निरीक्षक आश्चर्यचकित और थोड़ा हैरान लग रहा था। "क्यों नहीं?"
"क्योंकि मैं हमेशा विश्वास बनाए रखती हूं। जब उसने पहली बार मुझे लिखा था, तब मैंने उससे वादा किया था कि मैं उसका पता लगाने की कोशिश नहीं करूंगी।"
"क्या आपको लगता है कि उसके पीछे कोई है?"
मुझे पता है कि ऐसा है।
“क्या ये वही प्रोफेसर हैं जिनका जिक्र मैंने आपसे सुना है?”
"बिल्कुल!"
इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड मुस्कुराए और मेरी ओर देखते हुए उनकी पलकें कांप उठीं। “मैं आपसे यह बात छुपाऊंगा नहीं, मिस्टर होम्स, कि सी.आई.डी. में हम सब जानते हैं कि इस प्रोफेसर को लेकर आपके मन में कुछ संदेह है। मैंने खुद भी इस मामले में कुछ पूछताछ की है। वह बहुत ही सम्मानित, विद्वान और प्रतिभाशाली व्यक्ति प्रतीत होते हैं।”
मुझे खुशी है कि आपने प्रतिभा को पहचानने की हद तक पहुँच गए हैं।
“यार, तुम इसे पहचान ही जाओगे! तुम्हारी राय सुनने के बाद मैंने उससे मिलने का पक्का इरादा कर लिया। मैंने उससे ग्रहणों के बारे में बात की। बात उस तरफ कैसे

पहुँचो, यह मैं सोच भी नहीं सकता; लेकिन उसने एक रिफ्लेक्टर लैंप और एक ग्लोब निकाला और एक मिनट में सब कुछ साफ़ कर दिया। उसने मुझे एक किताब दी; लेकिन मैं यह कहने में कोई संकोच नहीं करता कि वह मेरी समझ से थोड़ी ऊपर थी, हालाँकि मेरी परवरिश एबरडीन में अच्छी हुई थी। अपने पतले चेहरे, सफ़ेद बालों और गंभीर बोलने के अंदाज़ के साथ वह एक शानदार मंत्री बन सकता था। जब विदा होते समय उसने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो ऐसा लगा जैसे कोई पिता तुम्हें इस ठंडी, बेरहम दुनिया में जाने से पहले आशीर्वाद दे रहा हो।”

होम्स मुस्कुराए और अपने हाथ मलने लगे। “वाह!” उन्होंने कहा। “वाह! बताओ, मेरे दोस्त मैकडोनाल्ड, यह सुखद और दिल को छू लेने वाला साक्षात्कार, मुझे लगता है, प्रोफेसर के अध्ययन कक्ष में हुआ था?”

"ऐसा है।"

"यह एक शानदार कमरा है, है ना?"

"बहुत बढ़िया—वास्तव में बहुत ही आकर्षक, मिस्टर होम्स।"

"क्या आप उनकी लेखन मेज के सामने बैठे थे?"

"अभी तो।"

"तुम्हारी आँखों में सूरज की रोशनी और उसका चेहरा छाया में?"

"खैर, शाम हो चुकी थी; लेकिन मुझे याद है कि लैंप मेरे चेहरे पर पड़ रहा था।"

“ऐसा ही होगा। क्या आपने प्रोफेसर के सिर के ऊपर कोई तस्वीर देखी?”

“मुझे ज्यादा कुछ याद नहीं आता, मिस्टर होम्स। शायद मैंने यह आपसे ही सीखा है। हाँ, मैंने वह तस्वीर देखी थी - एक युवती अपने हाथों में सिर रखे हुए, तिरछी नज़र से आपकी ओर देख रही थी।”

“वह पेंटिंग जीन बैपटिस्ट ग्रेउज़ द्वारा बनाई गई थी।”

निरीक्षक ने दिलचस्पी दिखाने का प्रयास किया।

होम्स ने अपनी उंगलियों को जोड़ते हुए और कुर्सी पर पीछे की ओर झुकते हुए कहा, "जीन बैपटिस्ट ग्रेउज़ एक फ्रांसीसी कलाकार थे, जिन्होंने 1750 से 1800 के बीच प्रसिद्धि प्राप्त की। मेरा तात्पर्य उनके कार्यकाल से है। आधुनिक आलोचना ने उनके समकालीनों द्वारा उनके बारे में बनाई गई उच्च राय का पूरी तरह से समर्थन किया है।"

निरीक्षक की निगाहें खोई-खोई सी हो गईं। "क्या हमें ऐसा नहीं करना चाहिए था—" उसने कहा।

“हम ऐसा ही कर रहे हैं,” होम्स ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “मैं जो कुछ भी कह रहा हूँ, उसका आपके द्वारा वर्णित बिरलस्टोन रहस्य से सीधा और महत्वपूर्ण संबंध है। वास्तव में, इसे एक तरह से इसका केंद्र बिंदु कहा जा सकता है।”

मैकडोनाल्ड ने हल्की सी मुस्कान बिखेरी और मेरी ओर देखते हुए विनती भरी निगाहों से कहा, "श्री होम्स, आपके विचार कुछ ज़्यादा ही तेज़ हैं। आप एक-दो कड़ियां छोड़ देते हैं, और मैं उस कमी को समझ नहीं पाता। इस मृत चित्रकार और बिरलस्टोन के मामले के बीच आखिर क्या संबंध हो सकता है?"

होम्स ने कहा, "जासूस के लिए हर तरह का ज्ञान उपयोगी होता है। यहां तक कि यह मामूली तथ्य भी कि 1865 में पोर्टालिस नीलामी में ग्रेउज़ की 'ला ज्यून फिल्ले ए ल'एगनेउ' नामक पेंटिंग एक मिलियन दो सौ हजार फ्रैंक - चालीस हजार पाउंड से अधिक - में बिकी थी, आपके दिमाग में चिंतन की एक श्रृंखला शुरू कर सकता है।"

यह स्पष्ट था कि ऐसा ही था। निरीक्षक सचमुच दिलचस्पी दिखा रहा था।

होम्स ने आगे कहा, "मैं आपको याद दिला दूं कि प्रोफ़ेसर का वेतन कई विश्वसनीय संदर्भ पुस्तकों में पाया जा सकता है। यह प्रति वर्ष सात सौ डॉलर है।"

“तो फिर वह कैसे खरीद सकता था—”

“बिल्कुल सही! वह ऐसा कैसे कर सकता है?”

“वाह, यह तो कमाल है,” इंस्पेक्टर ने सोच-समझकर कहा। “बोलते रहिए, मिस्टर होम्स। मुझे तो यह बहुत पसंद आ रहा है। बढ़िया है!”

होम्स मुस्कुराया। सच्ची प्रशंसा से वह हमेशा प्रसन्न हो जाता था—यह एक सच्चे कलाकार की विशेषता होती है। "बिलस्टोन के बारे में क्या?" उसने पूछा।

“अभी समय है,” इंस्पेक्टर ने अपनी घड़ी देखते हुए कहा। “एक टैक्सी दरवाजे पर खड़ी है, और विक्टोरिया पहुँचने में हमें बीस मिनट से भी कम समय लगेगा। लेकिन इस तस्वीर के बारे में: मुझे याद है कि आपने मुझे एक बार बताया था, मिस्टर होम्स, कि आप प्रोफेसर मोरियार्टी से कभी नहीं मिले थे।”

नहीं, मैंने कभी नहीं किया।

"तो फिर आपको उसके कमरों के बारे में कैसे पता चला?"

“अरे, ये तो अलग बात है। मैं तीन बार उसके कमरे में गया हूँ, दो बार अलग-अलग बहाने बनाकर उसका इंतज़ार किया और उसके आने से पहले ही निकल गया। एक बार—खैर, उस एक बार के बारे में मैं किसी सरकारी जासूस को बता नहीं सकता। आखिरी बार तो मैंने उसकी कागज़ात खंगालने की हिम्मत ही कर ली थी—जिसके नतीजे बिलकुल अप्रत्याशित निकले।”

"क्या आपको कुछ आपत्तिजनक मिला?"

“बिल्कुल कुछ नहीं। यही बात मुझे हैरान कर गई। खैर, अब आपको तस्वीर का मतलब समझ आ गया होगा। यह तस्वीर उन्हें एक बेहद अमीर आदमी दिखाती है। उन्होंने दौलत कैसे हासिल की? वे अविवाहित हैं। उनका छोटा भाई इंग्लैंड के पश्चिम में एक स्टेशन मास्टर है। उनकी कुर्सी की सालाना आय सात सौ पाउंड है। और उनके पास एक ग्रूज़ कार है।”

"कुंआ?"

"निश्चित रूप से निष्कर्ष स्पष्ट है।"

"आपका मतलब यह है कि उसकी आमदनी बहुत अधिक है और वह इसे अवैध तरीके से कमाता होगा?"

“बिल्कुल सही। बेशक मेरे ऐसा सोचने के और भी कारण हैं— दुर्जनों पतले-पतले धागे जो अस्पष्ट रूप से उस जाल के केंद्र की ओर ले जाते हैं जहाँ विषैला, गतिहीन प्राणी घात लगाए बैठा है। मैंने ग्रूज़ का ज़िक्र केवल इसलिए किया है क्योंकि इससे यह मामला आपके अवलोकन के दायरे में आ जाता है।”

"अच्छा, श्रीमान होम्स, मैं मानता हूँ कि आपकी बात दिलचस्प है: यह दिलचस्प से भी कहीं बढ़कर है - यह तो अद्भुत है। लेकिन अगर आप इसे थोड़ा और स्पष्ट कर सकें तो अच्छा होगा। क्या यह जालसाजी है, सिक्कों की हेराफेरी है, चोरी है - पैसा कहाँ से आता है?"

क्या आपने कभी जोनाथन वाइल्ड के बारे में पढ़ा है?

“खैर, यह नाम जाना-पहचाना सा लगता है। किसी उपन्यास का पात्र तो नहीं है ना? मैं उपन्यासों में जासूसों को ज्यादा महत्व नहीं देता – ऐसे लोग जो काम तो करते हैं लेकिन कभी दिखाते नहीं कि उन्होंने कैसे किया। वो तो सिर्फ प्रेरणा है, काम नहीं।”

“जोनाथन वाइल्ड न तो कोई जासूस था और न ही किसी उपन्यास का पात्र।” वह एक कुख्यात अपराधी था और पिछली सदी में रहता था—लगभग 1750 के आसपास।”

“तो फिर वो मेरे किसी काम का नहीं है। मैं एक व्यावहारिक व्यक्ति हूँ।”

"श्रीमान मैक, आपके जीवन का सबसे व्यावहारिक काम यही होगा कि आप तीन महीने के लिए खुद को कमरे में बंद कर लें और दिन में बारह घंटे अपराध के इतिहास का अध्ययन करें। हर चीज़ घूम-फिरकर वहीं आ जाती है - यहाँ तक कि प्रोफ़ेसर मोरियार्टी भी। जोनाथन वाइल्ड लंदन के अपराधियों का गुप्त सरगना था, जिसे उसने पंद्रह प्रतिशत कमीशन पर अपनी बुद्धि और संगठन बेच दिया था। वही पुराना चक्र घूमता है और वही नया चक्र सामने आता है। यह सब पहले भी हो चुका है और आगे भी होगा। मैं आपको मोरियार्टी के बारे में एक-दो बातें बताता हूँ जो शायद आपको रुचिकर लगें।"

"आपमें मेरी दिलचस्पी जरूर होगी, निश्चित रूप से।"

मुझे पता है कि उसकी कड़ी में पहला कौन है—एक छोर पर नेपोलियन का बिगड़ा हुआ रूप है, और दूसरे छोर पर सौ टूटे-फूटे सैनिक, जेबकतरे, ब्लैकमेलर और ताश के धोखेबाज हैं, और इनके बीच हर तरह के अपराध करने वाले लोग हैं। उसका चीफ ऑफ स्टाफ कर्नल सेबेस्टियन मोरान है, जो खुद की तरह ही अलग-थलग, सतर्क और कानून से दूर है। आपको क्या लगता है कि वह उसे कितना वेतन देता है?

मैं सुनना चाहूंगा।

"साल में छह हज़ार डॉलर। ये तो दिमाग की कमाई है, समझे ना? अमेरिकी व्यापार का सिद्धांत। ये बात मुझे इत्तेफ़ाक से पता चली। ये प्रधानमंत्री की कमाई से भी ज़्यादा है। इससे आपको मोरियार्टी की कमाई और उसके काम करने के पैमाने का अंदाज़ा लग जाएगा। एक और बात: मैंने हाल ही में मोरियार्टी के कुछ चेक ढूँढ़ने का काम शुरू किया था - बस आम से चेक जिनसे वो अपने घर के बिल भरता है। ये चेक छह अलग-अलग बैंकों से निकले थे। क्या इससे आपके दिमाग पर कोई असर पड़ता है?"

"अजीब तो है ही! लेकिन इससे आपको क्या समझ आता है?"

"वह नहीं चाहता था कि उसकी दौलत के बारे में कोई गपशप हो। किसी को भी यह पता नहीं चलना चाहिए कि उसके पास क्या है। मुझे इसमें कोई शक नहीं कि उसके बीस बैंक खाते हैं; उसकी अधिकांश संपत्ति विदेश में डॉयचे बैंक या क्रेडिट लियोनैस में होने की पूरी संभावना है। जब आपके पास एक-दो साल का समय हो, तो मैं आपको प्रोफेसर मोरियार्टी के अध्ययन की सलाह देता हूं।"

जैसे-जैसे बातचीत आगे बढ़ी, इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड की रुचि बढ़ती गई। वे बातचीत में इतना खो गए थे कि मानो मानो खुद को ही खो बैठे हों। अब उनकी व्यावहारिक स्कॉटिश बुद्धि ने उन्हें तुरंत मुख्य मुद्दे पर वापस ला दिया।

"उसे रखा जा सकता है," उसने कहा। "आपने अपने रोचक किस्सों से हमें भटका दिया है, मिस्टर होम्स। असल बात तो यह है कि आपने कहा कि प्रोफ़ेसर और अपराध के बीच कुछ संबंध है। यह बात आपको पोरलॉक नाम के व्यक्ति से मिली चेतावनी से पता चली। क्या हम अपनी वर्तमान व्यावहारिक ज़रूरतों के लिए इससे आगे बढ़ सकते हैं?"

"हम इस अपराध के मकसद के बारे में कुछ अंदाजा लगा सकते हैं। जैसा कि मैंने आपकी शुरुआती टिप्पणियों से समझा है, यह एक रहस्यमय, या कम से कम एक अनसुलझी हत्या है। अब, यह मानते हुए कि अपराध का स्रोत वही है जैसा हमें संदेह है, इसके दो अलग-अलग मकसद हो सकते हैं। सबसे पहले, मैं आपको बता दूं कि मोरियार्टी अपने लोगों पर लोहे की छड़ी से शासन करता है। उसका अनुशासन बहुत सख्त है। उसके नियमों में केवल एक ही सजा है। वह है मौत। अब हम यह मान सकते हैं कि इस मारे गए व्यक्ति - इस डगलस, जिसकी आने वाली मौत की खबर उस मुख्य अपराधी के एक अधीनस्थ को थी - ने किसी तरह सरदार के साथ विश्वासघात किया

था। उसे सज़ा मिली, और यह सबको पता चल गई होगी - कम से कम उन्हें मौत का डर दिलाने के लिए।”

"ठीक है, यह एक सुझाव है, श्रीमान होम्स।"

“दूसरी बात यह है कि इसे मोरियार्टी ने सामान्य व्यावसायिक प्रक्रिया के तहत अंजाम दिया है। क्या इसमें कोई डकैती हुई थी?”

"मैंने नहीं सुना है।"

“अगर ऐसा है, तो यह पहली परिकल्पना के विरुद्ध और दूसरी के पक्ष में होगा। मोरियार्टी को आंशिक लाभ के वादे पर इसे अंजाम देने के लिए नियुक्त किया गया हो सकता है, या उसे इसे संभालने के लिए अग्रिम भुगतान किया गया हो सकता है। दोनों ही संभव हैं। लेकिन चाहे जो भी हो, या कोई तीसरा संयोजन हो, हमें बिरलस्टोन में ही समाधान खोजना होगा। मैं अपने आदमी को अच्छी तरह जानता हूँ, इसलिए मुझे नहीं लगता कि उसने यहाँ कुछ ऐसा छोड़ा होगा जिससे हम उस तक पहुँच सकें।”

“तो फिर हमें बिरलस्टोन जाना होगा!” मैकडोनाल्ड अपनी कुर्सी से उछलते हुए चिल्लाया। “अरे बाप रे! जितना सोचा था उससे कहीं ज्यादा देर हो गई है। सज्जनों, मैं आपको तैयारी के लिए सिर्फ पांच मिनट दे सकता हूँ, बस इतना ही।”

“और हम दोनों के लिए पर्याप्त है,” होम्स ने उठते हुए कहा और जल्दी से अपना ड्रेसिंग गाउन उतारकर कोट पहन लिया। “चलते-चलते, मिस्टर मैक, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप मुझे इसके बारे में सब कुछ बता दें।”

“सब कुछ” निराशाजनक रूप से संक्षिप्त साबित हुआ, फिर भी इतना ज़रूर था कि हमें विश्वास हो गया कि हमारे सामने का मामला विशेषज्ञ के गहन ध्यान के योग्य हो सकता है। संक्षिप्त लेकिन उल्लेखनीय विवरणों को सुनते हुए उनका चेहरा खिल उठा और उन्होंने अपने पतले हाथों को आपस में रगड़ा। कई सप्ताह निरर्थक बीत चुके थे, और अंततः यहाँ उन असाधारण शक्तियों के लिए एक उपयुक्त उद्देश्य था, जो अन्य विशेष उपहारों की तरह, उपयोग में न होने पर अपने स्वामी के लिए कष्टदायक हो जाती हैं। निष्क्रियता के कारण उनका तेज दिमाग कुंद और जंग खा गया था।

जब काम का बुलावा शर्लक होम्स तक पहुंचा, तो उनकी आँखें चमक उठीं, उनके पीले गालों पर लाली छा गई और उनका पूरा उत्सुक चेहरा एक अंदरूनी चमक से दमक उठा। कैब में आगे झुककर, उन्होंने मैकडॉनल्ड द्वारा ससेक्स में हमारा इंतज़ार कर रही समस्या के संक्षिप्त विवरण को ध्यान से सुना। इंस्पेक्टर खुद, जैसा कि उन्होंने हमें बताया, सुबह-सुबह दूध की ट्रेन द्वारा भेजे गए एक लिखित विवरण पर निर्भर थे। स्थानीय अधिकारी व्हाइट मेसन उनके निजी मित्र थे, इसलिए मैकडॉनल्ड को स्कॉटलैंड यार्ड में प्रांतीय अधिकारियों की सहायता की आवश्यकता होने पर सामान्य से कहीं अधिक शीघ्रता से सूचित किया गया था। यह एक बहुत ही अनिश्चित मामला है जिस पर आमतौर पर मेट्रोपॉलिटन विशेषज्ञ को काम करने के लिए कहा जाता है।

“प्रिय इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड [उन्होंने हमें जो पत्र पढ़कर सुनाया, उसमें ये शब्द थे]:

“आपकी सेवाओं के लिए आधिकारिक अनुरोध अलग लिफाफे में है। यह आपके निजी जासूस के लिए है। मुझे तार भेजकर बता दीजिए कि आप सुबह बिरलस्टोन के लिए कौन सी ट्रेन पकड़ सकते हैं, और मैं उस ट्रेन में आऊंगा—या अगर मैं व्यस्त हूं तो किसी और से मंगवा लूंगा। यह मामला बेहद पेचीदा है। शुरू करने में एक पल भी बर्बाद मत कीजिए। अगर आप मिस्टर होम्स को ला सकते हैं, तो कृपया लाएं; क्योंकि उन्हें कुछ ऐसा मिल जाएगा जो उनके दिल को छू जाएगा। अगर इसमें एक मृत व्यक्ति शामिल न होता, तो हमें लगता कि यह सब नाटकीय प्रभाव के लिए रचा गया है। हे भगवान! यह तो वाकई बेहद पेचीदा है।”

"तुम्हारा दोस्त मूर्ख नहीं लगता," होम्स ने टिप्पणी की।

"नहीं, महोदय, अगर मैं सही राय रखूं तो व्हाइट मेसन एक बहुत ही जीवंत व्यक्ति है।"

"अच्छा, क्या आपके पास और कुछ है?"

"बस इतना ही कि जब हम मिलेंगे तो वह हमें हर छोटी-बड़ी बात बताएगा।"

"तो फिर आपको मिस्टर डगलस के बारे में कैसे पता चला और यह जानकारी कैसे मिली कि उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई थी?"

“यह संलग्न आधिकारिक रिपोर्ट में था। इसमें ‘भयानक’ शब्द का प्रयोग नहीं किया गया था: यह कोई मान्यता प्राप्त आधिकारिक शब्द नहीं है। इसमें जॉन डगलस का नाम दिया गया था। इसमें उल्लेख किया गया था कि उसके सिर में शॉटगन से गोली लगने से चोटें आई थीं। इसमें अलार्म बजने का समय भी बताया गया था, जो कल रात लगभग आधी रात के आसपास था। इसमें यह भी कहा गया था कि मामला निस्संदेह हत्या का है, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, और यह मामला कुछ बेहद पेचीदा और असाधारण पहलुओं से भरा है। श्री होम्स, फिलहाल हमारे पास बस इतनी ही जानकारी है।”

“तो, आपकी अनुमति से, हम इसे यहीं समाप्त करते हैं, श्रीमान मैक। अपर्याप्त आंकड़ों के आधार पर जल्दबाजी में सिद्धांत बनाने का प्रलोभन हमारे पेशे के लिए अभिशाप है। फिलहाल मुझे केवल दो ही बातें निश्चित रूप से दिखाई दे रही हैं - लंदन में एक महान बुद्धिजीवी और ससेक्स में एक मृत व्यक्ति। हम इन दोनों के बीच की कड़ी का पता लगाने जा रहे हैं।”

अध्याय 3

बिरलस्टोन की त्रासदी

अब मैं कुछ क्षणों के लिए अपनी तुच्छ शख्सियत को किनारे रखकर, उस ज्ञान के प्रकाश में, जो हमें बाद में प्राप्त हुआ, उन घटनाओं का वर्णन करना चाहूंगा जो हमारे घटनास्थल पर पहुंचने से पहले घटी थीं। केवल इसी तरह मैं पाठक को संबंधित व्यक्तियों और उस विचित्र परिस्थिति को समझने में मदद कर सकता हूं जिसमें उनका भाग्य रचा गया था।

ससेक्स काउंटी की उत्तरी सीमा पर स्थित बिरलस्टोन गाँव, लकड़ी के बने छोटे-छोटे प्राचीन मकानों का एक छोटा समूह है। सदियों से यह गाँव अपरिवर्तित रहा था; लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी मनमोहक सुंदरता और सुविधाजनक स्थान ने कई संपन्न निवासियों को आकर्षित किया है, जिनके आलीशान घर आसपास के जंगलों से झांकते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि ये जंगल विशाल वील्ड वन का अंतिम छोर हैं, जो उत्तर की ओर स्थित चूना पत्थर की पहाड़ियों तक पहुंचने से पहले धीरे-धीरे विरल हो जाता है। बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए कई छोटी दुकानें खुल गई हैं; इसलिए ऐसा लगता है कि बिरलस्टोन जल्द ही एक प्राचीन गाँव से एक आधुनिक शहर में विकसित हो सकता है। यह एक बड़े भूभाग का केंद्र है, क्योंकि सबसे नज़दीकी महत्वपूर्ण स्थान टुनब्रिज वेल्स, केंट की सीमा के पार पूर्व की ओर दस या बारह मील की दूरी पर स्थित है।

शहर से लगभग आधा मील दूर, अपने विशाल बीच वृक्षों के लिए प्रसिद्ध एक पुराने पार्क में, बिल्स्टोन का प्राचीन मनोर हाउस स्थित है। इस प्रतिष्ठित इमारत का कुछ हिस्सा प्रथम धर्मयुद्ध के समय का है, जब ह्यूगो डी कैपुस ने लाल राजा द्वारा उन्हें दी गई जागीर के केंद्र में एक किला बनवाया था। यह किला 1543 में आग से नष्ट हो गया

था, और इसके कुछ धुएं से काले पड़े कोन के पत्थरों का उपयोग तब किया गया था जब जैकोबियन काल में, सामंती महल के खंडहरों पर एक ईंट का ग्रामीण घर बनाया गया था।

कई छज्जों और हीरे के आकार की छोटी खिड़कियों वाला यह हवेलीनुमा घर, सत्रहवीं शताब्दी की शुरुआत में इसके निर्माता द्वारा छोड़े गए रूप में ही था। इसके पुराने, अधिक युद्धप्रिय भवन की रक्षा करने वाली दोहरी खाई में से बाहरी खाई सूख गई थी और अब एक साधारण रसोई के बगीचे के रूप में इस्तेमाल होती थी। भीतरी खाई अभी भी मौजूद थी और पूरे घर के चारों ओर चालीस फीट चौड़ी थी, हालांकि अब इसकी गहराई कुछ ही फीट रह गई थी। एक छोटी सी धारा इसे सींचती थी और इसके आगे बहती थी, इसलिए पानी का धब्बा भले ही गंदा हो, कभी नाले जैसा या अस्वास्थ्यकर नहीं था। भूतल की खिड़कियाँ पानी की सतह से एक फुट की दूरी पर थीं।

घर तक पहुँचने का एकमात्र रास्ता एक पुल था, जिसकी ज़ंजीरें और चरखी लंबे समय से जंग खाकर टूट चुकी थीं। लेकिन हवेली के नए किरायेदारों ने अपनी विशिष्ट ऊर्जा के साथ इसे ठीक कर दिया, और पुल न केवल उठाया जा सकता था, बल्कि वास्तव में हर शाम उठाया जाता था और हर सुबह नीचे किया जाता था। इस प्रकार, पुराने सामंती दिनों की परंपरा को पुनर्जीवित करके हवेली रात के समय एक द्वीप में परिवर्तित हो जाती थी - एक ऐसा तथ्य जिसका उस रहस्य से सीधा संबंध था जो जल्द ही पूरे इंग्लैंड का ध्यान आकर्षित करने वाला था।

यह मकान कुछ वर्षों से खाली पड़ा था और जब डगलस परिवार ने इस पर कब्ज़ा किया, तब यह जर्जर अवस्था में पहुंचने की कगार पर था। इस परिवार में केवल दो सदस्य थे - जॉन डगलस और उनकी पत्नी। डगलस स्वभाव और व्यक्तित्व दोनों ही दृष्टि से असाधारण व्यक्ति थे। उनकी उम्र लगभग पचास वर्ष रही होगी, उनका जबड़ा मज़बूत और खुरदुरा था, चेहरा सफ़ेद बालों से भरा था, उनकी मूंछें घनी थीं, उनकी आंखें विशेष रूप से तेज और भूरी थीं, और उनका शरीर चुस्त-दुरुस्त और ऊर्जावान था, जिसमें जवानी की ताकत और फुर्ती का कोई अंश नहीं बचा था। वे सबके प्रति हंसमुख और मिलनसार थे, लेकिन उनका व्यवहार कुछ हद तक बेपरवाह था, जिससे ऐसा लगता था कि उन्होंने ससेक्स काउंटी के समाज की तुलना में कहीं निचले स्तर के सामाजिक परिवेश में जीवन बिताया था।

हालांकि उनके अधिक सुसंस्कृत पड़ोसी उन्हें कुछ संदेह और संशय की दृष्टि से देखते थे, फिर भी उन्होंने जल्द ही ग्रामीणों के बीच काफी लोकप्रियता हासिल कर ली। वे सभी स्थानीय कार्यक्रमों में दिल खोलकर दान देते थे और उनके धूम्रपान संगीत कार्यक्रमों और अन्य समारोहों में भाग लेते थे, जहां अपनी सुरीली आवाज़ के कारण वे हमेशा एक उत्कृष्ट गीत प्रस्तुत करने के लिए तत्पर रहते थे। ऐसा प्रतीत होता था कि उनके पास काफी धन था, जो कहा जाता है कि उन्होंने कैलिफोर्निया के सोने के भंडारों से कमाया था, और उनकी और उनकी पत्नी की बातों से यह स्पष्ट था कि उन्होंने अपने जीवन का कुछ हिस्सा अमेरिका में बिताया था।

उनकी उदारता और लोकतांत्रिक व्यवहार से जो अच्छा प्रभाव पड़ा था, वह खतरे के प्रति उनकी पूर्ण उदासीनता की प्रतिष्ठा से और भी मजबूत हो गया। हालांकि वे घुड़सवारी में बहुत अच्छे नहीं थे, फिर भी वे हर प्रतियोगिता में भाग लेते थे और सर्वश्रेष्ठ घुड़सवारों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के दृढ़ संकल्प में सबसे खतरनाक दुर्घटनाएं भी सहते थे। जब पादरी के घर में आग लगी, तो उन्होंने उस निर्भीकता से भी अपनी पहचान बनाई, जिसके साथ वे स्थानीय अग्निशमन दल द्वारा आग बुझाने की उम्मीद छोड़ देने के बाद भी संपत्ति बचाने के लिए इमारत में फिर से प्रवेश कर गए। इस प्रकार,

मनोर हाउस के जॉन डगलस ने पाँच वर्षों के भीतर बिरलस्टोन में काफी ख्याति अर्जित कर ली।

उनकी पत्नी भी अपने परिचितों के बीच लोकप्रिय थीं; हालाँकि, अंग्रेज़ों की परंपरा के अनुसार, बिना परिचय के काउंटी में बसने वाले किसी अजनबी से मिलने आने वाले लोग बहुत कम होते थे। यह बात उन्हें ज़्यादा मायने नहीं रखती थी, क्योंकि वे स्वभाव से एकांतप्रिय थीं और अपने पति और घरेलू कर्तव्यों में पूरी तरह से लीन रहती थीं। यह ज्ञात था कि वे एक अंग्रेज़ महिला थीं, जिनकी मुलाकात मिस्टर डगलस से लंदन में हुई थी, उस समय वे विधुर थे। वे एक सुंदर महिला थीं, लंबी, सांवली और पतली, अपने पति से लगभग बीस साल छोटी, यह अंतर उनके पारिवारिक जीवन की खुशियों को ज़रा भी प्रभावित नहीं करता था।

हालांकि, उन्हें सबसे अच्छी तरह जानने वाले लोग कभी-कभी यह टिप्पणी करते थे कि दोनों के बीच का विश्वास पूर्ण नहीं था, क्योंकि पत्नी या तो अपने पति के अतीत के बारे में बहुत कम बोलती थी, या फिर, जैसा कि अधिक संभावना थी, उसे उसके बारे में पूरी जानकारी नहीं थी। कुछ समझदार लोगों ने यह भी देखा और टिप्पणी की थी कि श्रीमती डगलस में कभी-कभी मानसिक तनाव के लक्षण दिखाई देते थे, और यदि उनके अनुपस्थित पति कभी भी लौटने में विशेष रूप से देर कर देते थे तो वे अत्यधिक बेचैन हो जाती थीं। एक शांत ग्रामीण इलाके में, जहाँ हर तरह की गपशप का स्वागत होता है, हवेली की मालकिन की यह कमजोरी अनदेखी नहीं रही, और लोगों की स्मृति में तब और भी अधिक उभर कर आई जब ऐसी घटनाएँ घटीं जिन्होंने इसे एक विशेष महत्व दिया।

एक और व्यक्ति था जिसका उस छत के नीचे निवास, यह सच है कि केवल अस्थायी था, लेकिन जिन विचित्र घटनाओं का अब वर्णन किया जाएगा, उस समय उसकी उपस्थिति ने उसका नाम जनता के सामने प्रमुखता से ला दिया। यह व्यक्ति हेल्स लॉज, हैम्पस्टेड का निवासी सेसिल जेम्स बार्कर था।

सेसिल बार्कर का लंबा, लचीला शरीर बिरलस्टोन गाँव की मुख्य सड़क पर जाना-पहचाना चेहरा था; क्योंकि वह मैनर हाउस में अक्सर आते-जाते रहते थे और उनका स्वागत किया जाता था। उन्हें इसलिए भी ज़्यादा जाना जाता था क्योंकि वह श्री डगलस के अतीत के अज्ञात मित्रों में से एकमात्र ऐसे मित्र थे जो उनके नए अंग्रेज़ी परिवेश में देखे गए थे। बार्कर स्वयं एक पक्के अंग्रेज थे; लेकिन उनकी बातों से स्पष्ट था कि वे डगलस से पहली बार अमेरिका में मिले थे और वहाँ उनके साथ घनिष्ठ संबंध रहे थे। वे काफी धनी प्रतीत होते थे और कहा जाता था कि वे अविवाहित थे।

उम्र में वह डगलस से कुछ कम उम्र का था—अधिकतम पैंतालीस वर्ष का—एक लंबा, सीधा, चौड़े सीने वाला, साफ दाढ़ी वाला, मुक्केबाज जैसा चेहरा, घनी, मज़बूत, काली भौहें और एक ऐसी काली आंखें जो बिना अपने कुशल हाथों की मदद के भी उसे शत्रुतापूर्ण भीड़ में से रास्ता बनाने में सक्षम थीं। वह न तो घुड़सवारी करता था और न ही निशानेबाजी, बल्कि अपना दिन पुराने गांव में पाइप मुंह में लिए घूमने में, या अपने मेज़बान के साथ, या उसकी अनुपस्थिति में उसकी पत्नी के साथ, सुंदर ग्रामीण इलाकों में गाड़ी चलाने में बिताता था। "एक सहज, खुले दिल का सज्जन," बटलर एम्स ने कहा। "लेकिन, हे भगवान! मैं वह आदमी नहीं बनना चाहता जो उससे उलझे!" वह डगलस के साथ सौहार्दपूर्ण और घनिष्ठ था, और उसकी पत्नी के साथ भी उतना ही दोस्ताना था—एक ऐसी दोस्ती जिससे कई बार पति को कुछ झुंझलाहट होती थी, यहां तक कि नौकर भी उसकी झुंझलाहट को भांप लेते थे। ऐसा था वह तीसरा व्यक्ति जो उस विपत्ति के समय परिवार का हिस्सा था।

पुराने भवन के अन्य निवासियों की बात करें तो, एक बड़े परिवार में से, सभ्य, सम्मानित और सक्षम एम्स और हष्ट-पुष्ट एवं हंसमुख श्रीमती एलन का उल्लेख करना ही पर्याप्त होगा, जिन्होंने मालकिन के कुछ घरेलू कामों में उनकी मदद की। घर के अन्य छह नौकरों का 6 जनवरी की रात की घटनाओं से कोई संबंध नहीं है।

ग्यारह बजकर पैंतालीस मिनट पर ससेक्स पुलिस बल के सार्जेंट विल्सन के अधीन स्थित छोटे से स्थानीय पुलिस स्टेशन में पहली सूचना पहुंची। बेहद उत्तेजित सेसिल बार्कर दौड़कर दरवाज़े तक पहुंचे और घंटी को जोर-जोर से बजाने लगे। मनोर हाउस में एक भयानक त्रासदी घटी थी और जॉन डगलस की हत्या कर दी गई थी। यही उनकी व्याकुलता भरी सूचना थी। वे तुरंत घर लौट आए और कुछ ही मिनटों में पुलिस सार्जेंट भी उनके पीछे-पीछे आ गए। सार्जेंट ने तुरंत काउंटी अधिकारियों को सूचित करने के बाद घटनास्थल पर बारह बजे के कुछ देर बाद पहुंचकर सूचना दी कि कुछ गंभीर घटना घट रही है।

मैनर हाउस पहुँचने पर सार्जेंट ने देखा कि पुल नीचे गिरा हुआ था, खिड़कियाँ रोशन थीं और पूरा घर अफरा-तफरी और दहशत में था। डरे हुए नौकर हॉल में दुबके हुए थे, और डरा हुआ बटलर दरवाज़े पर हाथ मल रहा था। केवल सेसिल बार्कर ही अपने आप पर और अपनी भावनाओं पर काबू पा रहा था; उसने प्रवेश द्वार के सबसे पास वाला दरवाजा खोला और सार्जेंट को अपने पीछे आने का इशारा किया। उसी समय गाँव से आए एक चुस्त और सक्षम डॉक्टर वुड वहाँ पहुंचे। तीनों आदमी एक साथ उस भयावह कमरे में दाखिल हुए, जबकि भयभीत बटलर उनके पीछे-पीछे गया और नौकरानियों से उस भयानक दृश्य को छिपाने के लिए दरवाजा बंद कर दिया।

कमरे के बीचोंबीच, मृत व्यक्ति पीठ के बल लेटा हुआ था, उसके हाथ-पैर फैले हुए थे। उसने केवल एक गुलाबी रंग का ड्रेसिंग गाउन पहना हुआ था, जो उसके रात के कपड़ों को ढके हुए था। उसके नंगे पैरों में कालीन की चप्पलें थीं। डॉक्टर उसके बगल में घुटनों के बल बैठा और मेज पर रखी हुई लालटेन को पकड़े रहा। पीड़ित को एक नज़र देखने से ही चिकित्सक को समझ आ गया कि उसकी उपस्थिति आवश्यक नहीं है। वह व्यक्ति बुरी तरह घायल था। उसकी छाती पर एक अजीब सा हथियार पड़ा था, एक शॉटगन जिसका बैरल ट्रिगर के ठीक आगे से एक फुट कटा हुआ था। यह स्पष्ट था कि इसे बहुत करीब से चलाया गया था और पूरी गोली उसके चेहरे पर लगी थी, जिससे उसका सिर लगभग टुकड़े-टुकड़े हो गया था। ट्रिगर को आपस में तार से जोड़ा गया था, ताकि एक साथ गोली चलने पर और भी ज्यादा विनाशकारी प्रभाव पड़े।

देहाती पुलिसकर्मी अचानक अपने ऊपर आई इस भारी ज़िम्मेदारी से घबराया हुआ और परेशान था। उसने दबी आवाज़ में कहा, "जब तक मेरे वरिष्ठ अधिकारी नहीं आ जाते, हम किसी चीज़ को हाथ नहीं लगाएंगे," और उस भयानक सिर को डर से घूर रहा था।

"अभी तक इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है," सेसिल बार्कर ने कहा। "मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। आप इसे ठीक उसी रूप में देख रहे हैं जैसा मैंने इसे पाया था।"

“यह कब हुआ था?” सार्जेंट ने अपनी नोटबुक निकाली।

“लगभग साढ़े ग्यारह बजे थे। मैंने कपड़े उतारना शुरू भी नहीं किया था और मैं अपने बेडरूम में आग के पास बैठी थी, तभी मुझे धमाके की आवाज सुनाई दी। आवाज बहुत तेज़ नहीं थी—दबी हुई सी लग रही थी। मैं झट से नीचे भागी—मुझे नहीं लगता कि तीस सेकंड से भी कम समय में मैं कमरे में पहुँच गई थी।”

“क्या दरवाजा खुला था?”

“हाँ, वह खुला हुआ था। बेचारा डगलस जैसा आप देख रहे हैं, वैसे ही लेटा हुआ था। उसके कमरे की मोमबत्ती मेज पर जल रही थी। कुछ मिनट बाद मैंने ही दीपक जलाया था।”

क्या आपको कोई नहीं दिखा?

“नहीं। मैंने श्रीमती डगलस को अपने पीछे सीढ़ियों से नीचे आते सुना, और मैं उन्हें यह भयानक दृश्य देखने से रोकने के लिए तुरंत बाहर भागी। गृहस्वामी श्रीमती एलन आईं और उन्हें ले गईं। एम्स आ चुका था, और हम एक बार फिर कमरे में वापस भाग गए।”

लेकिन मैंने तो यही सुना है कि पुल रात भर खुला रहता है।

"हां, जब तक मैंने इसे नीचे नहीं किया था तब तक यह ऊपर था।"

“तो फिर कोई हत्यारा कैसे बच सकता था? यह तो नामुमकिन है! श्री डगलस ने खुद को गोली मार ली होगी।”

“यही हमारा पहला विचार था। लेकिन देखो!” बार्कर ने पर्दा हटाया और दिखाया कि हीरे के आकार की लंबी खिड़की पूरी तरह खुली हुई थी। “और इसे देखो!” उसने लैंप नीचे किया और लकड़ी की चौखट पर जूते के तलवे के निशान जैसे खून के धब्बे को रोशन किया। “बाहर निकलते समय कोई यहाँ खड़ा रहा होगा।”

"आपका मतलब है कि कोई खाई पार करके गया?"

"बिल्कुल!"

"अगर आप अपराध होने के आधे मिनट के भीतर कमरे में मौजूद थे, तो वह उस समय पानी में ज़रूर रहा होगा।"

मुझे इसमें कोई शक नहीं है। काश मैं खिड़की की तरफ दौड़ पड़ी होती! लेकिन जैसा कि आप देख सकते हैं, पर्दे ने खिड़की को ढक रखा था, इसलिए मुझे यह ख्याल ही नहीं आया। फिर मैंने श्रीमती डगलस के कदमों की आहट सुनी और मैं उन्हें कमरे में नहीं आने दे सकती थी। यह बहुत भयानक होता।

“बहुत भयानक!” डॉक्टर ने चकनाचूर सिर और उसके चारों ओर के भयानक निशानों को देखते हुए कहा। “बर्लस्टोन रेलवे दुर्घटना के बाद से मैंने ऐसी चोटें कभी नहीं देखीं।”

“लेकिन मैं कहता हूँ,” पुलिस सार्जेंट ने कहा, जिसकी धीमी, देहाती समझदारी अभी भी खुली खिड़की पर विचार कर रही थी। “आपका यह कहना तो ठीक है कि एक आदमी इस खाई को पार करके भाग निकला, लेकिन मैं आपसे यह पूछता हूँ कि अगर पुल ऊपर था तो वह घर में घुसा कैसे?”

“अरे, यही तो सवाल है,” बार्कर ने कहा।

इसे कितने बजे उठाया गया था?

"लगभग छह बज रहे थे," बटलर एम्स ने कहा।

“मैंने सुना है,” सार्जेंट ने कहा, “कि इसे आमतौर पर सूर्यास्त के समय फहराया जाता है। साल के इस समय में यह शाम छह बजे के बजाय साढ़े चार बजे के करीब होगा।”

“श्रीमती डगलस के घर चाय पर मेहमान आए हुए थे,” एम्स ने कहा। “उनके जाने तक मैं इसे उठा नहीं सका। फिर मैंने इसे खुद ही उठाया।”

“तो बात ये है,” सार्जेंट ने कहा: “अगर कोई बाहर से आया हो — अगर वे आए भी हों — तो उन्हें छह बजे से पहले पुल पार करके अंदर आना चाहिए था और तब से वे छिपे हुए थे, जब तक कि श्री डगलस ग्यारह बजे के बाद कमरे में नहीं आ गए।”

“बिल्कुल सही! श्री डगलस सोने से पहले हर रात घर का चक्कर लगाते थे ताकि यह देख सकें कि बत्तियाँ ठीक हैं या नहीं। इसी वजह से वे यहाँ आए। वह आदमी

उनका इंतज़ार कर रहा था और उसने उन्हें गोली मार दी। फिर वह खिड़की से भाग निकला और अपनी बंदूक वहीं छोड़ गया। मेरी समझ से तो यही सच है; क्योंकि इसके अलावा कोई और बात तथ्यों से मेल नहीं खाती।”

सार्जेंट ने फर्श पर मृत व्यक्ति के बगल में पड़ा एक कार्ड उठाया। उस पर स्याही से भद्दे अक्षरों में V.V. और उसके नीचे 341 लिखा हुआ था।

“यह क्या है?” उसने इसे ऊपर उठाते हुए पूछा।

बार्कर ने उत्सुकता से उसकी ओर देखा। उसने कहा, "मैंने इसे पहले कभी नहीं देखा था। हत्यारे ने इसे यहीं छोड़ दिया होगा।"

“वी.वी. — 341. मुझे इसका कोई मतलब समझ नहीं आ रहा है।”

सार्जेंट अपनी बड़ी-बड़ी उंगलियों में उसे बार-बार घुमा रहा था। “वी.वी. क्या है? शायद किसी के नाम के पहले अक्षर हों। डॉक्टर वुड, आपके पास क्या है?”

चिमनी के सामने कालीन पर एक बड़ा सा हथौड़ा पड़ा था - एक मजबूत, टिकाऊ हथौड़ा। सेसिल बार्कर ने शेल्फ पर रखे पीतल की कीलों के एक डिब्बे की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा, “श्री डगलस कल तस्वीरों में कुछ बदलाव कर रहे थे। मैंने उन्हें खुद देखा था, वे उस कुर्सी पर खड़े होकर उसके ऊपर लगी बड़ी तस्वीर को ठीक कर रहे थे। हथौड़े की वजह यही है।”

“बेहतर होगा कि हम इसे उसी कालीन पर वापस रख दें जहाँ से हमने इसे उठाया था,” सार्जेंट ने उलझन में अपना सिर खुजाते हुए कहा। “इस मामले की तह तक पहुँचने के लिए पुलिस बल के सबसे तेज़ दिमाग की ज़रूरत होगी। यह मामला लंदन तक पहुंच जाएगा।” उसने हाथ का लैंप उठाया और धीरे-धीरे कमरे में घूमने लगा। “अरे वाह!” उसने खिड़की का पर्दा एक तरफ खींचते हुए उत्साह से कहा। “ये पर्दे कितने बजे खींचे गए थे?”

“जब दीपक जल उठेंगे,” बटलर ने कहा। “लगभग चार बज चुके होंगे।”

“यहाँ कोई छिपा हुआ था, पक्का।” उसने रोशनी कम कर दी, और कोने में कीचड़ से सने जूतों के निशान साफ़ दिखाई दे रहे थे। “मुझे कहना पड़ेगा कि इससे आपकी थ्योरी सही साबित होती है, मिस्टर बार्कर। ऐसा लगता है कि वो आदमी घर में चार बजे के बाद घुसा होगा, जब पर्दे लगे हुए थे, और छह बजे से पहले, जब पुल ऊपर उठा हुआ था। वो इस कमरे में घुस गया, क्योंकि यही पहला कमरा था जो उसे दिखा। छिपने के लिए कोई और जगह नहीं थी, इसलिए वो इस पर्दे के पीछे छिप गया। यह सब साफ़ लगता है। मुमकिन है कि उसका इरादा घर में चोरी करने का था; लेकिन मिस्टर डगलस अचानक वहाँ आ गए, इसलिए उसने उनकी हत्या कर दी और भाग गया।”

“मैंने तो यही समझा,” बार्कर ने कहा। “लेकिन, मेरा कहना है, क्या हम कीमती समय बर्बाद नहीं कर रहे हैं? क्या हम उस आदमी के भागने से पहले ही पूरे देश की छानबीन शुरू नहीं कर सकते?”

सार्जेंट ने एक पल के लिए विचार किया।

“सुबह छह बजे से पहले कोई ट्रेन नहीं है; इसलिए वह रेल से नहीं जा सकता। अगर वह गीले पैरों के साथ सड़क मार्ग से जाता है, तो संभावना है कि कोई उसे देख लेगा। वैसे भी, जब तक मुझे छुट्टी नहीं मिल जाती, मैं खुद यहां से नहीं जा सकता। लेकिन मुझे लगता है कि आप में से किसी को भी तब तक नहीं जाना चाहिए जब तक हम यह स्पष्ट रूप से न देख लें कि हम सब किस स्थिति में हैं।”

डॉक्टर ने लैंप उठाया और शव का बारीकी से निरीक्षण करने लगा। उसने पूछा, "यह निशान क्या है? क्या इसका अपराध से कोई संबंध हो सकता है?"

मृत व्यक्ति का दाहिना हाथ उसके ड्रेसिंग गाउन से बाहर निकला हुआ था और कोहनी तक दिखाई दे रहा था। बांह के लगभग आधे हिस्से पर एक विचित्र भूरे रंग की आकृति बनी हुई थी, एक वृत्त के अंदर एक त्रिभुज, जो चर्बी के रंग की त्वचा पर स्पष्ट रूप से उभरी हुई थी।

“यह टैटू नहीं है,” डॉक्टर ने चश्मे से देखते हुए कहा। “मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। इस आदमी को कभी मवेशियों की तरह दागा गया है। इसका क्या मतलब है?”

"मैं इसका अर्थ जानने का दावा नहीं करता," सेसिल बार्कर ने कहा; "लेकिन मैंने पिछले दस वर्षों में डगलस पर यह निशान कई बार देखा है।"

“और मैंने भी,” बटलर ने कहा। “कई बार जब मालिक ने अपनी आस्तीनें ऊपर चढ़ाई होती हैं, तो मैंने वह निशान देखा है। मैं अक्सर सोचता रहता हूं कि यह क्या हो सकता है।”

“तो फिर इसका अपराध से कोई लेना-देना नहीं है,” सार्जेंट ने कहा। “लेकिन फिर भी यह एक अजीब मामला है। इस मामले की हर बात अजीब है। अच्छा, अब क्या मामला है?”

बटलर ने आश्चर्य से एक विस्मयबोध व्यक्त किया और मृत व्यक्ति के फैले हुए हाथ की ओर इशारा किया।

“उन्होंने उसकी शादी की अंगूठी चुरा ली!” वह हांफते हुए बोला।

"क्या!"

जी हाँ, बिलकुल। मालिक हमेशा अपनी सादी सोने की शादी की अंगूठी बाएं हाथ की छोटी उंगली में पहनते थे। उसके ऊपर खुरदरे सोने के टुकड़े वाली अंगूठी होती थी, और तीसरी उंगली में सांप के आकार की मुड़ी हुई अंगूठी होती थी। वह सोने का टुकड़ा और वह सांप वाली अंगूठी तो है, लेकिन शादी की अंगूठी गायब है।

बार्कर ने कहा, "वह सही कह रहा है।"

सार्जेंट ने कहा, "क्या तुम मुझे यह बता रहे हो कि शादी की अंगूठी दूसरी अंगूठी के नीचे थी?"

"हमेशा!"

"फिर हत्यारे ने, या जो भी वह था, पहले इस अंगूठी को उतारा जिसे आप नगेट रिंग कहते हैं, फिर शादी की अंगूठी उतारी, और उसके बाद नगेट रिंग को वापस पहन लिया।"

“यह बिल्कुल सच है!”

उस नेक ग्रामीण पुलिसवाले ने सिर हिलाया। उसने कहा, “मुझे लगता है कि जितनी जल्दी हम लंदन को इस मामले में शामिल कर लें, उतना ही अच्छा होगा। व्हाइट मेसन एक होशियार आदमी है। कोई भी स्थानीय काम व्हाइट मेसन के लिए कभी भी मुश्किल नहीं रहा। अब ज्यादा देर नहीं लगेगी जब वह हमारी मदद के लिए यहाँ आ जाएगा। लेकिन मुझे लगता है कि इस मामले को सुलझाने के लिए हमें लंदन से मदद लेनी ही पड़ेगी। खैर, मुझे यह कहने में कोई शर्म नहीं है कि यह मामला मेरे जैसे आदमी के बस का नहीं है।”

अध्याय 4

अंधेरा

सुबह तीन बजे, ससेक्स के मुख्य जासूस, बर्लस्टोन के सार्जेंट विल्सन के तत्काल आह्वान पर, मुख्यालय से एक हल्की गाड़ी में हांफते हुए घोड़े के पीछे बैठकर पहुंचे।

सुबह पांच बजकर चालीस मिनट की ट्रेन तक उन्होंने स्कॉटलैंड यार्ड को अपना संदेश भेज दिया था, और बारह बजे हमें लेने के लिए वे बर्लस्टोन स्टेशन पर मौजूद थे। व्हाइट मेसन एक शांत, सहज दिखने वाले व्यक्ति थे, जिन्होंने ढीला ट्वीड सूट पहना हुआ था, उनका चेहरा साफ-सुथरा और लालिमा लिए हुए था, उनका शरीर गठीला था, और उनके मजबूत, घुमावदार पैर गैटर से सजे हुए थे। वे किसी छोटे किसान, सेवानिवृत्त शिकारी, या किसी भी ऐसे व्यक्ति की तरह दिखते थे, सिवाय एक प्रांतीय आपराधिक अधिकारी के एक बेहद उपयुक्त नमूने के।

"यह तो सचमुच बहुत ही चौंकाने वाली बात है, श्रीमान मैकडोनाल्ड!" वह बार-बार दोहराते रहे। "जब पत्रकारों को इसके बारे में पता चलेगा, तो वे मक्खियों की तरह गायब हो जाएंगे। मुझे उम्मीद है कि हम उनके दखल देने और सारी जानकारी खराब करने से पहले ही अपना काम पूरा कर लेंगे। मुझे याद नहीं कि ऐसा पहले कभी हुआ हो। श्रीमान होम्स, कुछ बातें आपको समझ में आ जाएंगी, या शायद मैं गलत हूं। और आपको भी, डॉ. वॉटसन; क्योंकि हमारे काम खत्म करने से पहले डॉक्टरों को कुछ कहना होगा। आपका कमरा वेस्टविल आर्म्स में है। कोई और जगह नहीं है; लेकिन मैंने सुना है कि वह साफ-सुथरा और अच्छा है। वह आदमी आपका सामान ले जाएगा। कृपया इधर आइए।"

ससेक्स का यह जासूस बहुत ही फुर्तीला और मिलनसार व्यक्ति था। दस मिनट में हम सभी को अपने-अपने कमरे मिल गए। दस मिनट बाद हम सराय के बैठक कक्ष में बैठे थे और हमें उन घटनाओं का संक्षिप्त विवरण सुनाया जा रहा था जिनका उल्लेख पिछले अध्याय में किया गया था। मैकडोनाल्ड बीच-बीच में टिप्पणी कर रहे थे, जबकि होम्स आश्चर्य और श्रद्धा से भरे भावों के साथ उसी तरह तल्लीन बैठे थे जैसे कोई वनस्पति विज्ञानी किसी दुर्लभ और कीमती फूल को देखता है।

कहानी सामने आने पर उन्होंने कहा, "अद्भुत! बहुत अद्भुत! मुझे शायद ही कोई ऐसा मामला याद आता है जहां विशेषताएं इतनी विचित्र रही हों।"

"मुझे पता था कि आप यही कहेंगे, मिस्टर होम्स," व्हाइट मेसन ने बड़ी खुशी से कहा। "ससेक्स में हम समय के साथ चल रहे हैं। मैंने आपको बता दिया है कि आज सुबह तीन से चार बजे के बीच जब मैंने सार्जेंट विल्सन से कार्यभार संभाला, तब तक क्या हुआ था। अरे वाह! मैंने तो उस बूढ़ी घोड़ी को दौड़ा डाला! लेकिन मुझे इतनी जल्दी करने की ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि बाद में पता चला कि मैं तुरंत कुछ कर नहीं सकता था। सार्जेंट विल्सन के पास सारी जानकारी थी। मैंने उसकी जाँच की, उस पर विचार किया और शायद कुछ अपनी तरफ से भी जोड़ा।"

"वे क्या थे?" होम्स ने उत्सुकता से पूछा।

"सबसे पहले मैंने हथौड़े की जांच करवाई। मेरी मदद के लिए डॉ. वुड भी वहाँ मौजूद थे। हमें उस पर हिंसा के कोई निशान नहीं मिले। मुझे उम्मीद थी कि अगर श्री डगलस ने हथौड़े से अपना बचाव किया होता, तो शायद हथौड़े को चटाई पर गिराने से पहले हत्यारे पर उसका निशान रह गया होता। लेकिन कोई दाग नहीं था।"

इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड ने टिप्पणी की, "इससे तो कुछ भी साबित नहीं होता। हथौड़े से हत्या के कई मामले सामने आए हैं, लेकिन हथौड़े का कोई सुराग नहीं मिला।"

"बिल्कुल सही। इससे यह साबित नहीं होता कि इसका इस्तेमाल नहीं हुआ था। लेकिन दाग हो सकते थे, और उनसे हमें मदद मिल सकती थी। असल में, कोई दाग नहीं थे। फिर मैंने बंदूक की जांच की। ये छर्रे थे, और जैसा कि सार्जेंट विल्सन ने बताया, ट्रिगर आपस में तार से जुड़े हुए थे, ताकि अगर आप पीछे वाले ट्रिगर को खींचते, तो दोनों बैरल से गोलियां चल जातीं। जिसने भी इसे बनाया था, उसने ठान लिया था कि वह अपने आदमी को निशाना बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ेगा। आरी से काटी गई बंदूक

दो फुट से ज़्यादा लंबी नहीं थी - इसे आसानी से कोट के नीचे रखा जा सकता था। निर्माता का पूरा नाम नहीं था; लेकिन बैरल के बीच की खांचों पर P-E-N अक्षर छपे हुए थे, और बाकी नाम आरी से कट गया था।"

"एक बड़ा P जिसके ऊपर एक अलंकरण है, और E और N छोटे हैं?" होम्स ने पूछा।

"बिल्कुल।"

"पेंसिल्वेनिया स्मॉल आर्म्स कंपनी - एक सुप्रसिद्ध अमेरिकी फर्म," होम्स ने कहा।

व्हाइट मेसन ने मेरे दोस्त को उसी तरह देखा जैसे कोई छोटा सा गांव का चिकित्सक हार्ले स्ट्रीट के उस विशेषज्ञ को देखता है जो एक शब्द से ही उसकी उलझनों का समाधान कर सकता है।

"यह बहुत मददगार है, श्रीमान् होम्स। निस्संदेह आप सही हैं। बहुत बढ़िया! बहुत बढ़िया! क्या आपको दुनिया के सभी बंदूक निर्माताओं के नाम याद हैं?"

होम्स ने हाथ हिलाकर इस विषय को समाप्त कर दिया।

"इसमें कोई शक नहीं कि यह एक अमेरिकी शॉटगन है," व्हाइट मेसन ने आगे कहा। "मैंने कहीं पढ़ा था कि कटी हुई शॉटगन अमेरिका के कुछ हिस्सों में इस्तेमाल होने वाला हथियार है। बैरल पर लिखे नाम के अलावा, मुझे यह बात समझ में आई थी। तो कुछ सबूत है कि जिस व्यक्ति ने घर में घुसकर उसके मालिक की हत्या की, वह एक अमेरिकी था।"

मैकडोनाल्ड ने अपना सिर हिलाया। "यार, तुम तो हद से ज़्यादा तेज़ी से बात कर रहे हो," उसने कहा। "मुझे अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि घर में कभी कोई अजनबी आया भी हो।"

"खुली खिड़की, चौखट पर खून, अजीब सा कार्ड, कोने में जूतों के निशान, बंदूक!"

"वहां ऐसा कुछ भी नहीं था जिसे व्यवस्थित न किया जा सके। श्री डगलस एक अमेरिकी थे, या अमेरिका में लंबे समय तक रहे थे। श्री बार्कर भी अमेरिकी थे। अमेरिकी गतिविधियों का हिसाब रखने के लिए आपको बाहर से किसी अमेरिकी को लाने की आवश्यकता नहीं है।"

"एम्स, बटलर —"

"उसके बारे में क्या? क्या वह भरोसेमंद है?"

"सर चार्ल्स चांडोस के साथ दस साल - एकदम चट्टान की तरह मज़बूत। जब से डगलस ने पांच साल पहले मैनर हाउस संभाला है, तब से वह उनके साथ है। उन्होंने घर में इस तरह की बंदूक कभी नहीं देखी।"

"बंदूक को छुपाने के लिए बनाया गया था। इसीलिए उसकी नालें आरी से काटी गई थीं। यह किसी भी डिब्बे में समा सकती थी। वह कैसे कसम खा सकता था कि घर में ऐसी कोई बंदूक नहीं थी?"

खैर, उसने तो कभी ऐसा कुछ देखा ही नहीं था।

मैकडोनाल्ड ने अपना हठी स्कॉटिश सिर हिलाया। "मुझे अभी तक यकीन नहीं है कि घर में कभी कोई था," उसने कहा। "मैं आपसे विचार करने को कह रहा हूं" (अपनी बात में खोते-खोते उसका लहजा एबरडोनियन जैसा हो गया) "मैं आपसे विचार करने को कह रहा हूं कि अगर आप यह मान लें कि यह बंदूक कभी घर में लाई गई थी, और ये सारी अजीब हरकतें किसी बाहरी व्यक्ति ने की थीं, तो इसके क्या मायने हैं। अरे यार, यह तो बिलकुल अकल्पनीय है! यह तो सरासर सामान्य ज्ञान के खिलाफ है! मैं आपसे यह सवाल करता हूं, मिस्टर होम्स, जो हमने सुना है उसके आधार पर।"

"ठीक है, अपना पक्ष रखिए, मिस्टर मैक," होम्स ने अपने सबसे न्यायिक अंदाज में कहा।

“यह आदमी चोर नहीं है, अगर वह कभी था भी तो। अंगूठी का मामला और कार्ड से मिली जानकारी किसी निजी मकसद से सोची-समझी हत्या की ओर इशारा करते हैं। बहुत खूब। यह एक ऐसा आदमी है जो जानबूझकर हत्या करने के इरादे से घर में घुसता है। वह जानता है, अगर कुछ जानता भी है, तो कि घर चारों तरफ से पानी से घिरा होने के कारण उसे भागने में मुश्किल होगी। वह कौन सा हथियार चुनेगा? आप कहेंगे दुनिया का सबसे खामोश हथियार। फिर वह सोच सकता है कि काम हो जाने के बाद खिड़की से जल्दी से निकलकर खाई पार कर लेगा और आराम से भाग जाएगा। यह समझ में आता है। लेकिन क्या यह समझ में आता है कि वह जानबूझकर सबसे शोर मचाने वाला हथियार अपने साथ लाए, यह जानते हुए भी कि इससे घर में मौजूद हर इंसान जितनी जल्दी हो सके वहां आ जाएगा, और इस बात की पूरी संभावना है कि खाई पार करने से पहले ही उसे कोई देख लेगा? क्या यह बात विश्वसनीय है, मिस्टर होम्स?”

“अच्छा, आपने तो बात को मजबूती से रखा है,” मेरे दोस्त ने सोच-समझकर जवाब दिया। “इसके लिए निश्चित रूप से पर्याप्त सबूत चाहिए। श्रीमान व्हाइट मेसन, क्या मैं आपसे पूछ सकता हूं कि क्या आपने तुरंत खाई के दूसरी तरफ जाकर देखा कि क्या उस आदमी के पानी से बाहर निकलने के कोई संकेत थे?”

“कोई संकेत नहीं थे, श्रीमान होम्स। लेकिन यह एक पत्थर की चट्टान है, और कोई इसकी उम्मीद तो कर ही नहीं सकता था।”

"कोई निशान या पटरियां नहीं मिलीं?"

"कोई नहीं।"

“हा! श्री व्हाइट मेसन, क्या आपको हमारे तुरंत घर जाने में कोई आपत्ति होगी? हो सकता है कोई छोटी सी बात हो जो आपको संकेत दे सके।”

“मैं यही प्रस्ताव रखने वाला था, श्री होम्स; लेकिन मुझे लगा कि जाने से पहले आपको सभी तथ्यों से अवगत करा देना बेहतर होगा। मुझे लगता है कि अगर आपको कुछ भी संदेह हो तो—” व्हाइट मेसन ने नौसिखिए की ओर संदेह भरी नजरों से देखा।

इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड ने कहा, "मैंने पहले भी मिस्टर होम्स के साथ काम किया है। वह नियमों का पालन करते हैं।"

होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा, "कम से कम, खेल के बारे में मेरा अपना विचार यही है। मैं किसी भी मामले में न्याय और पुलिस के काम में मदद करने के लिए जाता हूँ। अगर मैंने कभी खुद को आधिकारिक बल से अलग किया है, तो इसका कारण यह है कि उन्होंने पहले खुद को मुझसे अलग कर लिया है। मैं कभी भी उनके नुकसान पर लाभ कमाने की इच्छा नहीं रखता। साथ ही, श्री व्हाइट मेसन, मैं अपने तरीके से काम करने और अपने समय पर अपने परिणाम देने का अधिकार रखता हूं - चरणों में नहीं, बल्कि पूरी तरह से।"

व्हाइट मेसन ने सौहार्दपूर्वक कहा, “हमें पूरा विश्वास है कि आपकी उपस्थिति से हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं और आपको अपना सारा ज्ञान देने में हमें खुशी होगी। आइए, डॉ. वॉटसन, और जब समय आएगा तो हम सभी आपकी पुस्तक में स्थान पाने की आशा करेंगे।”

हम उस सुरम्य गाँव की गली में चल पड़े, जिसके दोनों ओर छंटे हुए एल्म के पेड़ों की कतारें थीं। उसके ठीक आगे दो प्राचीन पत्थर के खंभे थे, जो मौसम की मार और काई से ढके हुए थे, और उनकी चोटियों पर एक बेढंगी आकृति बनी हुई थी, जो कभी बिरलस्टोन के कैपस का दहाड़ता हुआ शेर हुआ करती थी। घुमावदार रास्ते पर थोड़ी दूर चलने के बाद, जिसके चारों ओर घास और ओक के पेड़ थे, जैसे कि ग्रामीण इंग्लैंड में ही देखने को मिलते हैं, फिर अचानक एक मोड़ आया, और हमारे सामने फीकी,

जिगर के रंग की ईंटों से बना लंबा, नीचा जेकोबियन शैली का घर था, जिसके दोनों ओर कटे हुए यू के पेड़ों का एक पुराना बगीचा था। जैसे ही हम उसके पास पहुंचे, वहाँ लकड़ी का पुल और सुंदर चौड़ी खाई थी, जो ठंडी, सर्दियों की धूप में पारे की तरह स्थिर और चमकदार थी।

पुराने मनोर हाउस के सामने तीन सदियाँ गुज़र चुकी थीं, जन्मों और घर वापसी की सदियाँ, ग्रामीण नृत्यों और लोमड़ी के शिकारियों की सभाओं की सदियाँ। यह अजीब बात थी कि अब बुढ़ापे में इस काले कारनामे की छाया इसकी पवित्र दीवारों पर पड़ रही थी! फिर भी, वे विचित्र, नुकीली छतें और अनोखे, लटके हुए छज्जे किसी भयानक और डरावनी साज़िश को छुपाने के लिए उपयुक्त आवरण थे। जब मैंने गहरी खिड़कियों और पानी से लथपथ, फीके रंग के लंबे अग्रभाग को देखा, तो मुझे लगा कि ऐसी त्रासदी के लिए इससे अधिक उपयुक्त दृश्य और कोई नहीं हो सकता।

व्हाइट मेसन ने कहा, "वही खिड़की है, पुल के ठीक दाहिनी ओर वाली। वह ठीक वैसे ही खुली है जैसे कल रात मिली थी।"

"पुरुष के लिए यहाँ से गुजरना काफी मुश्किल लग रहा है।"

“खैर, वो मोटा आदमी तो नहीं था। हमें ये बताने के लिए आपके अनुमानों की ज़रूरत नहीं है, मिस्टर होम्स। लेकिन आप या मैं तो आराम से उसमें से निकल सकते हैं।”

होम्स खाई के किनारे तक गए और दूसरी ओर देखा। फिर उन्होंने पत्थर की पट्टी और उसके आगे घास की सीमा का निरीक्षण किया।

“मैंने अच्छी तरह से देख लिया है, मिस्टर होम्स,” व्हाइट मेसन ने कहा। “वहाँ कुछ भी नहीं है, किसी के उतरने का कोई संकेत नहीं है—लेकिन वह कोई संकेत क्यों छोड़ेगा?”

“बिल्कुल सही। उसे ऐसा क्यों करना चाहिए? क्या पानी हमेशा गंदा ही रहता है?”

“आम तौर पर रंग लगभग ऐसा ही होता है। नदी अपने साथ मिट्टी बहाकर लाती है।”

“यह कितना गहरा है?”

"दोनों तरफ लगभग दो-दो फीट और बीच में तीन फीट।"

"इसलिए हम इस बात को पूरी तरह से खारिज कर सकते हैं कि वह व्यक्ति नदी पार करते समय डूब गया था।"

"नहीं, इसमें कोई बच्चा डूब नहीं सकता।"

हम पुल पार करके अंदर गए और वहाँ हमें एक विचित्र, झुर्रियों वाले, सूखे-सूखे से दिखने वाले व्यक्ति ने प्रवेश दिया, जो बटलर एम्स था। बेचारा बूढ़ा सदमे से पीला पड़ गया था और कांप रहा था। गाँव का सार्जेंट, एक लंबा, गंभीर और उदास आदमी, अभी भी भाग्य के कमरे में पहरा दे रहा था। डॉक्टर जा चुका था।

“क्या कुछ ताजा मिला है, सार्जेंट विल्सन?” व्हाइट मेसन ने पूछा।

"जी नहीं, महोदय।"

“तो फिर आप घर जा सकते हैं। आपका काम हो चुका है। अगर हमें ज़रूरत पड़ी तो हम आपको बुला लेंगे। बटलर को बाहर इंतज़ार करना चाहिए। उसे कह देना कि वह श्री सेसिल बार्कर, श्रीमती डगलस और हाउसकीपर को बता दे कि हमें अभी उनसे बात करनी पड़ सकती है। अब, सज्जनों, शायद आप मुझे पहले अपने विचार बताने की अनुमति देंगे, और फिर आप अपने विचार बना सकेंगे।”

इस ग्रामीण विशेषज्ञ ने मुझे प्रभावित किया। तथ्यों पर उनकी पकड़ मजबूत थी और उनका दिमाग शांत, स्पष्ट और व्यावहारिक था, जो उन्हें अपने पेशे में काफी आगे

ले जाएगा। होम्स ने उनकी बात ध्यान से सुनी, और उनमें वह अधीरता बिल्कुल नहीं दिखी जो अक्सर आधिकारिक वक्ता में देखने को मिलती है।

“क्या यह आत्महत्या है या हत्या — यही हमारा पहला सवाल है, सज्जनों, है ना? अगर यह आत्महत्या है, तो हमें यह मानना होगा कि इस आदमी ने सबसे पहले अपनी शादी की अंगूठी उतारकर छिपा ली; फिर वह अपने ड्रेसिंग गाउन में यहाँ नीचे आया, पर्दे के पीछे एक कोने में कीचड़ फैलाया ताकि ऐसा लगे कि कोई उसका इंतज़ार कर रहा था, खिड़की खोली और उस पर खून लगा दिया —”

मैकडोनाल्ड ने कहा, "हम निश्चित रूप से इसे खारिज कर सकते हैं।"

“तो मुझे लगता है कि आत्महत्या का तो सवाल ही नहीं उठता। फिर तो हत्या हुई है। हमें यह पता लगाना होगा कि यह हत्या घर के बाहर के किसी व्यक्ति ने की है या घर के अंदर के किसी व्यक्ति ने।”

"ठीक है, चलिए तर्क सुनते हैं।"

“दोनों ही तरफ काफी मुश्किलें हैं, फिर भी इनमें से एक बात तो माननी ही पड़ेगी। पहले मान लेते हैं कि घर के अंदर किसी एक या एक से ज़्यादा लोगों ने यह अपराध किया। उन्होंने इस आदमी को उस समय नीचे बुलाया जब सब कुछ शांत था और कोई सो नहीं रहा था। फिर उन्होंने दुनिया के सबसे अजीब और शोर मचाने वाले हथियार से यह काम किया ताकि सबको पता चल जाए कि क्या हुआ था — एक ऐसा हथियार जो घर में पहले कभी नहीं देखा गया था। यह शुरुआत तो बहुत विश्वसनीय नहीं लगती, है ना?”

"नही वो नही।"

“तो फिर, सब इस बात पर सहमत हैं कि अलार्म बजने के बाद ज़्यादा से ज़्यादा एक मिनट ही बीता होगा कि पूरा घर—सिर्फ मिस्टर सेसिल बार्कर ही नहीं, हालाँकि उनका दावा है कि वो सबसे पहले पहुँचे थे, बल्कि एम्स और बाकी सब लोग—मौके पर पहुँच गए। क्या आप मुझसे कहते हैं कि इतने कम समय में उस दोषी ने कोने में पैरों के निशान बना दिए, खिड़की खोल दी, चौखट पर खून के धब्बे लगा दिए, मरे हुए आदमी की उंगली से शादी की अंगूठी उतार ली, और बाकी सब कुछ कर लिया? ये नामुमकिन है!”

“आपने इसे बहुत स्पष्ट रूप से कहा,” होम्स ने कहा। “मैं आपसे सहमत हूँ।”

तो फिर, हम इस सिद्धांत पर वापस आ जाते हैं कि यह किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा किया गया था। हमारे सामने अभी भी कुछ बड़ी कठिनाइयाँ हैं; लेकिन अब वे असंभव नहीं रह गई हैं। वह आदमी साढ़े चार बजे से छह बजे के बीच घर में घुसा; यानी शाम ढलने और पुल के उठने के समय के बीच। कुछ मेहमान आए हुए थे, और दरवाज़ा खुला था; इसलिए उसे रोकने के लिए कुछ भी नहीं था। वह एक आम चोर हो सकता है, या श्री डगलस के खिलाफ उसकी कोई निजी दुश्मनी हो सकती है। चूंकि श्री डगलस ने अपना अधिकांश जीवन अमेरिका में बिताया है, और यह शॉटगन एक अमेरिकी हथियार प्रतीत होता है, इसलिए निजी दुश्मनी का सिद्धांत अधिक संभावित लगता है। वह इस कमरे में घुस गया क्योंकि यह पहला कमरा था जो उसे मिला, और वह पर्दे के पीछे छिप गया। वह रात ग्यारह बजे के बाद तक वहीं रहा। उसी समय श्री डगलस कमरे में आए। यह एक संक्षिप्त मुलाकात थी, अगर कोई मुलाकात हुई भी हो; क्योंकि श्रीमती डगलस का कहना है कि उनके पति ने उन्हें कुछ ही मिनटों के लिए छोड़ा था कि उन्होंने गोली चलने की आवाज सुनी।

"मोमबत्ती यही दर्शाती है," होम्स ने कहा।

“बिल्कुल सही। मोमबत्ती, जो कि नई थी, आधे इंच से ज़्यादा नहीं जली थी। हमले से पहले ही उसने उसे मेज पर रखा होगा; नहीं तो, ज़ाहिर है, उसके गिरने पर वह भी गिर

जाती। इससे पता चलता है कि कमरे में घुसते ही उस पर हमला नहीं हुआ था। जब मिस्टर बार्कर पहुंचे तो मोमबत्ती जल रही थी और लैंप बुझ चुका था।"

"यह सब काफी स्पष्ट है।"

"अच्छा, अब हम इन बातों को जोड़कर देख सकते हैं। श्री डगलस कमरे में दाखिल होते हैं। वे मोमबत्ती नीचे रख देते हैं। पर्दे के पीछे से एक आदमी निकलता है। उसके हाथ में बंदूक है। वह शादी की अंगूठी मांगता है—भगवान ही जाने क्यों, लेकिन ऐसा ही हुआ होगा। श्री डगलस ने उसे दे दी। फिर या तो ठंडे दिमाग से या हाथापाई के दौरान—हो सकता है डगलस ने चटाई पर पड़ा हथौड़ा पकड़ लिया हो—उसने श्री डगलस को इस भयानक तरीके से गोली मार दी। उसने अपनी बंदूक गिरा दी और साथ ही यह अजीब सा कार्ड—V.V.341, जिसका जो भी मतलब हो—और वह खिड़की से निकलकर खाई पार कर गया, ठीक उसी समय जब सेसिल बार्कर को इस अपराध का पता चल रहा था। कैसा लगा, श्री होम्स?"

"बहुत दिलचस्प है, लेकिन थोड़ा अविश्वसनीय लगता है।"

"यार, अगर बाकी सब कुछ इससे भी बदतर न होता तो ये सरासर बकवास होता!" मैकडोनाल्ड चिल्लाया। "किसी ने उस आदमी को मार डाला है, और जिसने भी मारा है, मैं तुम्हें साफ-साफ साबित कर सकता हूं कि उसे ये किसी और तरीके से करना चाहिए था। उसका क्या मतलब है कि उसने अपने भागने का रास्ता इस तरह बंद होने दिया? उसका क्या मतलब है कि जब खामोशी ही उसके बचने का एकमात्र मौका था, तब उसने शॉटगन का इस्तेमाल किया? आइए, मिस्टर होम्स, अब आपको हमें कोई सुराग देना होगा, क्योंकि आप कहते हैं कि मिस्टर व्हाइट मेसन का सिद्धांत भरोसेमंद नहीं है।"

इस लंबी चर्चा के दौरान होम्स बड़ी एकाग्रता से सब कुछ देख रहे थे, कही गई एक भी बात को उन्होंने अनसुना नहीं किया, उनकी पैनी निगाहें दाएं और बाएं घूम रही थीं, और उनके माथे पर अटकलों की लकीरें थीं।

"श्रीमान मैक, इससे पहले कि मैं कोई सिद्धांत बनाऊं, मुझे कुछ और तथ्य चाहिए" उसने शव के पास घुटने टेकते हुए कहा। "हे भगवान! ये चोटें तो वाकई भयानक हैं। क्या हम थोड़ी देर के लिए बटलर को बुला सकते हैं? ... एम्स, मुझे पता चला है कि आपने श्री डगलस की बांह पर यह बहुत ही असामान्य निशान - एक वृत्त के अंदर एक दागदार त्रिकोण - अक्सर देखा है?"

"अक्सर, महोदय।"

"क्या आपने कभी इस बारे में कोई अटकलें नहीं सुनीं कि इसका क्या मतलब है?"

"जी नहीं, महोदय।"

"जब यह चोट लगी होगी तो बहुत दर्द हुआ होगा। यह निस्संदेह जलने का निशान है। अब, एम्स, मैं देख रहा हूं कि श्री डगलस के जबड़े के कोने पर प्लास्टर का एक छोटा सा टुकड़ा है। क्या आपने इसे उनके जीवित रहते देखा था?"

"जी हां, जनाब, कल सुबह शेविंग करते समय उसे चोट लग गई थी।"

क्या आपने उसे पहले कभी शेविंग करते समय खुद को काटते हुए देखा है?

"अभी बहुत लंबा समय नहीं लगेगा, महोदय।"

"संकेत देता है!" होम्स ने कहा। "यह महज़ एक संयोग हो सकता है, या यह किसी घबराहट की ओर इशारा कर सकता है जिससे पता चलता है कि उसे खतरे का आभास था। क्या तुमने कल उसके व्यवहार में कुछ असामान्य देखा था, एम्स?"

"मुझे ऐसा लगा कि वह थोड़ा बेचैन और उत्तेजित था, महोदय।"

"हा! हमला शायद पूरी तरह अप्रत्याशित नहीं था। लगता है हम थोड़ी प्रगति कर रहे हैं, है ना? शायद आप ही सवाल-जवाब करना चाहेंगे, मिस्टर मैक?"

"नहीं, मिस्टर होम्स, यह मेरे हाथों से कहीं बेहतर हाथों में है।"

"अच्छा, तो चलिए इस कार्ड पर चलते हैं — V. V. 341. यह खुरदुरा गत्ता है। क्या आपके घर में इस तरह का कोई गत्ता है?"

"मुझे ऐसा नहीं लगता।"

होम्स मेज़ के पास गए और प्रत्येक बोतल से थोड़ी-थोड़ी स्याही सोख्ता कागज पर लगाई। उन्होंने कहा, "यह इस कमरे में नहीं छपी थी; यह काली स्याही है और दूसरी बैंगनी। इसे मोटे पेन से लिखा गया था, और ये स्याही अच्छी हैं। नहीं, मुझे लगता है कि इसे कहीं और लिखा गया था। क्या तुम इस शिलालेख को समझ सकते हो, एम्स?"

"जी नहीं, महोदय, कुछ नहीं।"

"आप क्या सोचते हैं, मिस्टर मैक?"

"इससे मुझे किसी गुप्त संगठन का आभास होता है; उसकी बांह पर लगा बैज भी यही आभास देता है।"

"मेरा भी यही विचार है," व्हाइट मेसन ने कहा।

"ठीक है, हम इसे एक कार्यशील परिकल्पना के रूप में अपना सकते हैं और फिर देख सकते हैं कि हमारी मुश्किलें कितनी हद तक दूर होती हैं। ऐसे समाज का एक एजेंट घर में घुसता है, मिस्टर डगलस का इंतज़ार करता है, इस हथियार से उनका सिर लगभग उड़ा देता है, और मरे हुए आदमी के पास एक कार्ड छोड़कर खाई पार करके भाग जाता है, जिसका ज़िक्र अख़बारों में होने पर समाज के अन्य सदस्यों को पता चल जाएगा कि बदला ले लिया गया है। यह सब आपस में मेल खाता है। लेकिन इतने सारे हथियारों में से यही बंदूक क्यों?"

"बिल्कुल।"

और अंगूठी क्यों गायब है?

"निस्संदेह।"

"और गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? दो बज चुके हैं। मैं तो यही मानकर चलता हूँ कि सुबह से ही चालीस मील के दायरे में हर कांस्टेबल किसी भीगे हुए अजनबी की तलाश में लगा हुआ है?"

"जी हां, मिस्टर होम्स।"

"खैर, अगर उसके पास आस-पास कोई बिल न हो या बदलने के लिए कपड़े तैयार न हों, तो वे उसे आसानी से नहीं ढूंढ पाएंगे। फिर भी, वे अब तक उसे ढूंढते आ रहे हैं!" होम्स खिड़की के पास गए और अपने लेंस से चौखट पर खून के निशान को ध्यान से देखने लगे। "यह साफ़ तौर पर जूते के तलवे का निशान है। यह काफी चौड़ा है; इसे स्प्ले-फुट कह सकते हैं। अजीब बात है, क्योंकि इस कीचड़ से सने कोने में पैरों के निशान को जितना देखा जा सकता है, उससे लगता है कि यह किसी सुडौल तलवे का निशान था। हालांकि, ये निशान बहुत धुंधले हैं। साइड टेबल के नीचे यह क्या है?"

"मिस्टर डगलस के डम्बल," एम्स ने कहा।

"डम्बल - यह तो एक ही है। दूसरा कहाँ है?"

"मुझे नहीं पता, मिस्टर होम्स। शायद एक ही रहा हो। मैंने उन्हें महीनों से नहीं देखा है।"

"एक डम्बल," होम्स ने गंभीरता से कहा; लेकिन दरवाजे पर हुई तेज दस्तक से उनकी बात अधूरी रह गई।

एक लंबा, धूप से झुलसा हुआ, सक्षम दिखने वाला, दाढ़ी-मूंछ साफ़ किया हुआ आदमी हमारी ओर देखने लगा। मुझे यह पहचानने में कोई कठिनाई नहीं हुई कि यह वही सेसिल बार्कर थे जिनके बारे में मैंने सुना था। उनकी निपुण निगाहें प्रश्नवाचक दृष्टि से एक चेहरे से दूसरे चेहरे पर तेज़ी से घूम रही थीं।

उन्होंने कहा, "आपको बातचीत में बाधा डालने के लिए क्षमा करें, लेकिन आपको नवीनतम समाचार सुनना चाहिए।"

“गिरफ्तारी?”

“वैसे तो किस्मत ने साथ नहीं दिया। लेकिन उन्हें उसकी साइकिल मिल गई है। वो आदमी अपनी साइकिल यहीं छोड़ गया था। आकर देख लो। यह हॉल के दरवाजे से सौ गज की दूरी पर है।”

हमने देखा कि तीन-चार नौकर और कुछ आवारा लोग सड़क के किनारे खड़े होकर एक साइकिल का निरीक्षण कर रहे थे, जिसे सदाबहार पेड़ों के झुंड से निकाला गया था, जिसमें उसे छिपाकर रखा गया था। यह एक अच्छी तरह से इस्तेमाल की गई रडज-व्हिटवर्थ साइकिल थी, जो लंबी यात्रा के कारण पानी से सनी हुई लग रही थी। उस पर एक सैडलबैग था जिसमें स्पैनर और तेल का डिब्बा था, लेकिन मालिक के बारे में कोई सुराग नहीं था।

इंस्पेक्टर ने कहा, “अगर इन चीज़ों पर नंबर लगे होते और ये रजिस्टर्ड होतीं तो पुलिस को बहुत मदद मिलती। लेकिन जो हमारे पास है, उसी से संतुष्ट रहना चाहिए। अगर हम ये पता नहीं लगा पाए कि वो कहाँ गया, तो कम से कम ये तो पता चल ही जाएगा कि वो कहाँ से आया था। लेकिन आखिर किस बात ने उस आदमी को इसे पीछे छोड़ने पर मजबूर किया? और वो इसके बिना कैसे बच निकला? हमें इस मामले में कोई सुराग नहीं दिख रहा, मिस्टर होम्स।”

“क्या हम नहीं?” मेरे दोस्त ने सोच-विचार करते हुए जवाब दिया। “मुझे आश्चर्य है!”

अध्याय 5

नाटक के लोग

"क्या आपने अध्ययन कक्ष को पूरी तरह से देख लिया है?" व्हाइट मेसन ने घर में दोबारा प्रवेश करते ही पूछा।

इंस्पेक्टर ने कहा, "फिलहाल के लिए," और होम्स ने सिर हिलाया।

“तो शायद अब आप घर में मौजूद कुछ लोगों के बयान सुनना चाहेंगे। एम्स, हम भोजन कक्ष का उपयोग कर सकते हैं। कृपया पहले आप स्वयं आएं और हमें बताएं कि आप क्या जानते हैं।”

बटलर का बयान सरल और स्पष्ट था, और उसकी ईमानदारी का पूरा आभास होता था। उसे पांच साल पहले नियुक्त किया गया था, जब डगलस पहली बार बिर्लस्टोन आया था। वह समझता था कि श्री डगलस एक धनी सज्जन थे जिन्होंने अमेरिका में धन कमाया था। वे एक दयालु और विचारशील मालिक थे - शायद एम्स को ऐसे मालिक की आदत नहीं थी; लेकिन सब कुछ तो नहीं मिल सकता। उसने श्री डगलस में कभी किसी प्रकार की घबराहट नहीं देखी: इसके विपरीत, वे अब तक के सबसे निडर व्यक्ति थे जिन्हें वह जानता था। उसने हर रात पुल को ऊपर उठाने का आदेश दिया क्योंकि यह पुराने घर की प्राचीन परंपरा थी, और उसे पुरानी परंपराओं को बनाए रखना पसंद था।

श्री डगलस शायद ही कभी लंदन जाते थे या गाँव से बाहर जाते थे; लेकिन अपराध से एक दिन पहले वे टुनब्रिज वेल्स में खरीदारी कर रहे थे। एम्स ने उस दिन श्री डगलस में कुछ बेचैनी और उत्तेजना देखी थी; क्योंकि वे अधीर और चिड़चिड़े लग रहे थे, जो उनके स्वभाव के विपरीत था। उस रात वे सोए नहीं थे; बल्कि घर के पीछे वाले कमरे में चांदी के बर्तन रख रहे थे, तभी उन्हें घंटी की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। उन्हें गोली चलने

की आवाज़ नहीं सुनाई दी; लेकिन यह संभव भी नहीं था, क्योंकि कमरा और रसोईघर घर के बिल्कुल पीछे थे और उनके बीच कई बंद दरवाजे और एक लंबा गलियारा था। घंटी की तेज़ आवाज़ सुनकर नौकरानी अपने कमरे से बाहर आ गई। वे दोनों साथ में घर के आगे वाले हिस्से में गए।

जैसे ही वे सीढ़ियों के नीचे पहुँचे, उन्होंने श्रीमती डगलस को नीचे आते देखा। नहीं, वह जल्दी में नहीं थीं; उन्हें ऐसा नहीं लगा कि वह विशेष रूप से परेशान थीं। जैसे ही वह सीढ़ियों के नीचे पहुंचीं, श्री बार्कर अध्ययन कक्ष से बाहर भागे। उन्होंने श्रीमती डगलस को रोका और उनसे वापस जाने की विनती की।

“भगवान के लिए, अपने कमरे में वापस जाओ!” वह चिल्लाया। “बेचारा जैक मर गया! तुम कुछ नहीं कर सकते। भगवान के लिए, वापस जाओ!”

सीढ़ियों पर कुछ समझाने-बुझाने के बाद श्रीमती डगलस वापस चली गईं। उन्होंने चीख-पुकार नहीं की। उन्होंने ज़रा भी शोर नहीं मचाया। नौकरानी श्रीमती एलन उन्हें ऊपर ले गईं और उनके साथ शयनकक्ष में रहीं। इसके बाद एम्स और श्री बार्कर अध्ययन कक्ष में लौट आए, जहाँ उन्हें सब कुछ ठीक वैसा ही मिला जैसा पुलिस ने देखा था। उस समय मोमबत्ती नहीं जल रही थी; लेकिन दीपक जल रहा था। उन्होंने खिड़की से बाहर देखा; लेकिन रात बहुत अंधेरी थी और कुछ भी दिखाई या सुनाई नहीं दे रहा था। फिर वे जल्दी से हॉल में गए, जहाँ एम्स ने चरखी घुमाई जिससे पुल नीचे आ गया। इसके बाद श्री बार्कर पुलिस को बुलाने के लिए चले गए।

संक्षेप में, यही बटलर के साक्ष्य का सार था।

हाउसकीपर श्रीमती एलन का बयान, जहाँ तक संभव हो, उनकी साथी नौकरानी के बयान की पुष्टि करता था। हाउसकीपर का कमरा उस पेंट्री की तुलना में घर के सामने वाले हिस्से के ज़्यादा करीब था जहाँ एम्स काम कर रहा था। वह सोने की तैयारी कर रही थी जब घंटी की तेज़ आवाज़ ने उसका ध्यान खींचा। उसे थोड़ा कम सुनाई देता था। शायद इसीलिए उसने गोली की आवाज़ नहीं सुनी; लेकिन किसी भी हालत में स्टडी रूम काफ़ी दूर था। उसे कुछ आवाज़ सुनाई दी, जिसे उसने दरवाज़ा ज़ोर से बंद होने की आवाज़ समझा। यह घंटी बजने से काफ़ी पहले की बात थी—कम से कम आधा घंटा पहले। जब मिस्टर एम्स सामने वाले हिस्से की ओर भागे तो वह भी उनके साथ गईं। उन्होंने मिस्टर बार्कर को देखा, जो बहुत पीले और घबराए हुए लग रहे थे, स्टडी रूम से बाहर आए। उन्होंने सीढ़ियों से नीचे आ रही श्रीमती डगलस को रोका। उन्होंने उनसे वापस जाने की विनती की, और उन्होंने जवाब दिया, लेकिन उन्होंने क्या कहा, यह सुनाई नहीं दिया।

“उसे ऊपर ले जाओ! उसके साथ रहो!” उसने श्रीमती एलन से कहा था।

इसलिए वह उसे बेडरूम में ले गई और उसे शांत करने की कोशिश की। वह बहुत घबराई हुई थी, बुरी तरह कांप रही थी, लेकिन नीचे जाने की कोई कोशिश नहीं की। वह अपने ड्रेसिंग गाउन में ही अपने बेडरूम की आग के पास बैठी रही, सिर हाथों में झुकाए। श्रीमती एलन लगभग पूरी रात उसके साथ रहीं। बाकी नौकरों की बात करें तो वे सब सो चुके थे और पुलिस के आने से ठीक पहले तक उन्हें अलार्म की सूचना नहीं मिली थी। वे घर के बिल्कुल पीछे वाले हिस्से में सो रहे थे और हो सकता है कि उन्होंने कुछ सुना ही न हो।

अब तक पूछताछ के दौरान नौकरानी विलाप और आश्चर्य व्यक्त करने के अलावा कुछ भी नहीं कह सकी।

श्रीमती एलन के बाद सेसिल बार्कर गवाह के रूप में उपस्थित हुए। पिछली रात की घटनाओं के बारे में, उन्होंने पुलिस को जो बताया था, उसमें जोड़ने के लिए उनके पास बहुत कम जानकारी थी। व्यक्तिगत रूप से, उन्हें पूरा विश्वास था कि हत्यारा खिड़की से

भाग निकला था। उनके विचार में, खून का धब्बा इस बात का निर्णायक सबूत था। इसके अलावा, चूंकि पुल ऊपर उठा हुआ था, इसलिए भागने का कोई और रास्ता संभव नहीं था। वे यह नहीं बता सके कि हत्यारे का क्या हुआ या उसने अपनी साइकिल क्यों नहीं ली, अगर वह वास्तव में उसकी थी। वह खाई में डूबकर मर नहीं सकता था, जो कहीं भी तीन फुट से अधिक गहरी नहीं थी।

अपने मन में उन्होंने हत्या के बारे में एक बहुत ही स्पष्ट सिद्धांत बना रखा था। डगलस एक शांत स्वभाव के व्यक्ति थे, और उनके जीवन के कुछ ऐसे अध्याय थे जिनके बारे में उन्होंने कभी बात नहीं की। वे बहुत कम उम्र में ही अमेरिका चले गए थे। उन्होंने खूब तरक्की की, और बार्कर उनसे पहली बार कैलिफ़ोर्निया में मिले थे, जहाँ वे बेनिटो कैनन नामक स्थान पर एक सफल खनन परियोजना में भागीदार बने थे। उन्होंने खूब तरक्की की; लेकिन डगलस ने अचानक अपना हिस्सा बेच दिया और इंग्लैंड चले गए। उस समय वे विधवा थे। बार्कर ने बाद में अपना पैसा वसूल कर लिया और लंदन में रहने आ गए। इस तरह उनकी दोस्ती फिर से ताज़ा हो गई।

डगलस ने उसे यह आभास दिया था कि उस पर कोई खतरा मंडरा रहा है, और वह हमेशा से कैलिफोर्निया से उसके अचानक चले जाने और इंग्लैंड के इतने शांत इलाके में घर किराए पर लेने को इसी खतरे से जुड़ा मानता था। उसे लगता था कि कोई गुप्त संगठन, कोई क्रूर संस्था, डगलस का पीछा कर रही है, जो उसे जान से मारने तक चैन से नहीं बैठेगी। डगलस की कुछ बातों से उसे यह विचार आया था; हालाँकि उसने उसे कभी यह नहीं बताया था कि वह संस्था कौन सी थी और उसने उसे कैसे नाराज़ किया था। वह केवल यही अनुमान लगा सकता था कि तख्ती पर लिखी बात का संबंध इसी गुप्त संस्था से था।

इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड ने पूछा, "आप कैलिफोर्निया में डगलस के साथ कितने समय तक रहे?"

"कुल मिलाकर पांच साल।"

"आपका कहना है कि वह अविवाहित थे?"

एक विधुर।

क्या आपने कभी सुना है कि उनकी पहली पत्नी कहाँ से आई थी?

"नहीं, मुझे याद है कि उन्होंने कहा था कि वह जर्मन मूल की थीं, और मैंने उनका चित्र देखा है। वह बहुत खूबसूरत महिला थीं। मेरी उनसे मुलाकात से एक साल पहले टाइफाइड से उनकी मृत्यु हो गई थी।"

"क्या आप उनके अतीत को अमेरिका के किसी विशेष हिस्से से नहीं जोड़ते?"

मैंने उन्हें शिकागो के बारे में बात करते सुना है। वे उस शहर को अच्छी तरह जानते थे और वहाँ काम भी कर चुके थे। मैंने उन्हें कोयला और लौह उद्योगों के बारे में बात करते सुना है। उन्होंने अपने जीवन में काफी यात्रा की थी।

"क्या वह एक राजनीतिज्ञ था? क्या इस गुप्त समाज का राजनीति से कोई संबंध था?"

"नहीं, उन्हें राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था।"

"क्या आपके पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि यह आपराधिक था?"

"इसके विपरीत, मैंने अपने जीवन में कभी इतना सीधा-सादा आदमी नहीं देखा।"

"क्या कैलिफ़ोर्निया में उनके जीवन के बारे में कुछ अजीबोगरीब बातें थीं?"

"उसे पहाड़ों में हमारी खदान में रहकर काम करना सबसे ज़्यादा पसंद था। अगर मुमकिन होता तो वह कभी भी दूसरे लोगों के पास नहीं जाता। इसीलिए पहले मुझे लगा कि कोई उसका पीछा कर रहा है। फिर जब वह अचानक यूरोप के लिए निकल गया तो मुझे यकीन हो गया कि ऐसा ही है। मुझे लगता है कि उसे किसी तरह की चेतावनी मिली

था। उसके जाने के एक हफ्ते के अंदर ही आधा दजन लोग उसके बारे में पूछताछ करने लगे।”

“किस तरह के पुरुष?”

“खैर, वे लोग बेहद सख्त मिज़ाज के लग रहे थे। वे उस जगह पर आए और जानना चाहते थे कि वह कहाँ है। मैंने उन्हें बताया कि वह यूरोप चला गया है और मुझे नहीं पता कि उसे कहाँ ढूँढना है। वे उसका भला नहीं चाहते थे - यह आसानी से देखा जा सकता था।”

"क्या ये लोग अमेरिकी थे - कैलिफ़ोर्निया निवासी?"

"खैर, मुझे कैलिफोर्नियावासियों के बारे में नहीं पता। वे अमेरिकी तो थे, लेकिन वे खनिक नहीं थे। मुझे नहीं पता कि वे क्या थे, और उन्हें जाते देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।"

"यह छह साल पहले की बात थी?"

"लगभग सात के करीब।"

"और फिर आप लोग कैलिफोर्निया में पांच साल तक साथ रहे, तो इस व्यवसाय की शुरुआत कम से कम ग्यारह साल पहले हुई थी?"

“यह सच है।”

“इतने लंबे समय तक इतनी गंभीरता से जारी रहने के पीछे कोई बहुत गंभीर विवाद होना चाहिए। यह कोई मामूली बात नहीं होगी जिसके कारण ऐसा विवाद उत्पन्न हुआ हो।”

मुझे लगता है कि इसने उनके पूरे जीवन पर अपना साया डाला। यह बात उनके दिमाग से कभी पूरी तरह नहीं निकली।

लेकिन अगर किसी व्यक्ति पर कोई खतरा मंडरा रहा हो, और उसे पता हो कि वह खतरा क्या है, तो क्या आपको नहीं लगता कि वह सुरक्षा के लिए पुलिस की ओर रुख करेगा?

“शायद कोई ऐसा खतरा था जिससे उसकी रक्षा नहीं की जा सकती थी। एक बात आपको पता होनी चाहिए। वह हमेशा हथियारबंद रहता था। उसकी रिवॉल्वर कभी उसकी जेब से बाहर नहीं निकलती थी। लेकिन बदकिस्मती से, वह कल रात अपने ड्रेसिंग गाउन में था और उसे बेडरूम में ही छोड़ आया था। पुल के ऊपर उठने के बाद, शायद उसने सोचा होगा कि वह सुरक्षित है।”

मैकडोनाल्ड ने कहा, "मुझे ये तारीखें थोड़ी और स्पष्ट चाहिए। डगलस के कैलिफोर्निया छोड़ने को पूरे छह साल हो गए हैं। आप अगले साल उनके पीछे गए थे, है ना?"

“यह सच है।”

“और उनकी शादी को पांच साल हो चुके थे। आप उनकी शादी के समय के आसपास ही लौटे होंगे।”

“लगभग एक महीने पहले। मैं उसका बेस्ट मैन था।”

क्या आप श्रीमती डगलस को उनकी शादी से पहले जानते थे?

“नहीं, मैंने ऐसा नहीं किया। मैं दस साल से इंग्लैंड से बाहर था।”

लेकिन उसके बाद से आपने उसे काफ़ी बार देखा है।

बार्कर ने जासूस को घूरकर देखा। “मैंने उसे तब से कई बार देखा है,” उसने जवाब दिया। “अगर मैंने उसे देखा है, तो इसलिए कि आप किसी आदमी से उसकी पत्नी को जाने बिना नहीं मिल सकते। अगर आपको लगता है कि कोई संबंध है तो—”

“मुझे कुछ भी भ्रम नहीं है, श्रीमान बार्कर। मैं इस मामले से संबंधित हर संभव जांच करने के लिए बाध्य हूं। लेकिन मेरा किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं है।”

बार्कर ने गुस्से से जवाब दिया, "कुछ पूछताछ आपत्तिजनक होती हैं।"

“हमें सिर्फ तथ्य चाहिए। यह आपके और सभी के हित में है कि इन तथ्यों को स्पष्ट किया जाए। क्या श्री डगलस आपकी और उनकी पत्नी की दोस्ती को पूरी तरह से स्वीकार करते थे?”

बार्कर का चेहरा पीला पड़ गया और उसके बड़े-बड़े मजबूत हाथ अकड़कर आपस में जुड़ गए। "तुम्हें ऐसे सवाल पूछने का कोई हक नहीं है!" वह चिल्लाया। "जिस मामले की तुम जांच कर रहे हो, उससे इसका क्या लेना-देना है?"

मुझे प्रश्न दोहराना होगा।

"ठीक है, मैं जवाब देने से इनकार करता हूँ।"

आप जवाब देने से इनकार कर सकते हैं; लेकिन आपको यह ध्यान रखना होगा कि आपका इनकार अपने आप में एक जवाब है, क्योंकि यदि आपके पास छिपाने के लिए कुछ न होता तो आप इनकार नहीं करते।

बार्कर कुछ क्षण तक गंभीर चेहरे और गहरी सोच में डूबे हुए अपनी मजबूत काली भौहों को नीचे की ओर झुकाए खड़ा रहा। फिर उसने मुस्कुराते हुए ऊपर देखा। खैर, मुझे लगता है कि आप लोग अपना फर्ज निभा रहे हैं, और मुझे इसमें दखल देने का कोई हक नहीं है। मैं बस इतना ही कहना चाहूंगी कि इस मामले को लेकर श्रीमती डगलस को परेशान न करें; क्योंकि इस समय उन पर पहले से ही बहुत बोझ है। मैं आपको बता दूं कि बेचारे डगलस में बस एक ही कमी थी, और वो थी उनकी ईर्ष्या। वो मुझसे बहुत प्यार करते थे—कोई भी दोस्त मुझसे इतना प्यार नहीं कर सकता। और वो अपनी पत्नी के प्रति समर्पित थे। वो चाहते थे कि मैं यहाँ आऊं, और हमेशा मुझे बुलवाते रहते थे। फिर भी, अगर उनकी पत्नी और मैं आपस में बात करते या हमारे बीच थोड़ी सी भी सहानुभूति दिखती, तो उन पर ईर्ष्या की लहर दौड़ जाती, और वो आपा खो बैठते और पल भर में बेतुकी बातें कहने लगते। इस वजह से मैंने कई बार यहां न आने की कसम खाई, और तब वो मुझे इतने पछतावे भरे, विनती भरे पत्र लिखते कि मुझे आना ही पड़ता। लेकिन आप लोग यकीन मानिए, सज्जनों, अगर ये मेरे आखिरी शब्द हों, तो मैं कह सकती हूं कि किसी भी आदमी को मुझसे ज्यादा प्यार करने वाली, वफादार पत्नी नहीं मिली—और मैं ये भी कह सकती हूं कि मुझसे ज्यादा वफादार दोस्त कोई नहीं हो सकता!

यह बात जोश और भावना के साथ कही गई थी, फिर भी इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड इस विषय को खारिज नहीं कर सके।

“क्या आपको पता है कि मृत व्यक्ति की शादी की अंगूठी उसकी उंगली से उतार ली गई है?” उसने कहा।

“ऐसा ही प्रतीत होता है,” बार्कर ने कहा।

“‘लगता है’ से आपका क्या मतलब है? आप तो इसे तथ्य के रूप में जानते हैं।”

वह व्यक्ति भ्रमित और असमंजस में लग रहा था। "जब मैंने 'लगता है' कहा, तो मेरा मतलब था कि यह संभव है कि उसने खुद अंगूठी उतार दी हो।"

"अंगूठी का न होना, चाहे उसे किसी ने भी हटाया हो, किसी के भी मन में यही विचार आएगा, है ना, कि विवाह और त्रासदी आपस में जुड़े हुए थे?"

बार्कर ने अपने चौड़े कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं इसका मतलब ठीक से नहीं बता सकता।" उन्होंने आगे कहा, "लेकिन अगर आपका मतलब यह है कि इससे इस महिला के सम्मान पर किसी भी तरह का दाग लग सकता है"— उनकी आँखें एक पल के लिए गुस्से से लाल हो गईं, और फिर बड़ी मुश्किल से उन्होंने अपने भावों पर काबू पाया, "तो आप गलत समझ रहे हैं, बस इतना ही।"

मैकडोनाल्ड ने ठंडे स्वर में कहा, "मुझे नहीं लगता कि इस समय मुझे आपसे कुछ और पूछना है।"

“एक छोटी सी बात थी,” शर्लक होम्स ने टिप्पणी की। “जब आप कमरे में दाखिल हुए थे, तब मेज पर केवल एक मोमबत्ती जल रही थी, है ना?”

“हां, ऐसा ही था।”

"क्या आपने उसकी रोशनी में देखा कि कोई भयानक घटना घटी थी?"

"बिल्कुल।"

"क्या आपने तुरंत मदद के लिए फोन किया?"

"हाँ।"

“और यह बहुत जल्दी पहुँच गया?”

लगभग एक मिनट के भीतर।

“लेकिन जब वे वहाँ पहुँचे तो उन्होंने पाया कि मोमबत्ती बुझ चुकी थी और दीपक जल रहा था। यह बात वाकई आश्चर्यजनक लगती है।”

एक बार फिर बार्कर असमंजस में दिखाई दिए। कुछ देर रुककर उन्होंने जवाब दिया, "मुझे नहीं लगता कि यह कोई उल्लेखनीय बात थी, मिस्टर होम्स। मोमबत्ती से बहुत कम रोशनी आ रही थी। मेरा पहला विचार एक बेहतर मोमबत्ती लाने का था। मेज पर लैंप रखा था, इसलिए मैंने उसे जला दिया।"

और मोमबत्ती बुझा दी?

"बिल्कुल।"

होम्स ने आगे कोई सवाल नहीं पूछा, और बार्कर ने हम दोनों में से एक-दूसरे को जानबूझकर देखते हुए, जिसमें मुझे कुछ हद तक अवज्ञा का भाव दिखाई दिया, मुड़कर कमरे से बाहर चला गया।

इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड ने एक नोट भेजा था कि वह श्रीमती डगलस से उनके कमरे में मिलेंगे; लेकिन उन्होंने जवाब दिया था कि वह भोजन कक्ष में हमसे मिलेंगी। अब वह अंदर आईं, तीस साल की एक लंबी और खूबसूरत महिला, असाधारण रूप से संयमित और आत्म-नियंत्रित, उस दुखद और विचलित छवि से बिल्कुल अलग जिसकी मैंने कल्पना की थी। यह सच है कि उनका चेहरा पीला और मुरझाया हुआ था, मानो किसी गहरे सदमे से गुज़रा हो; लेकिन उनका व्यवहार शांत था, और मेज के किनारे पर रखा उनका सुडौल हाथ मेरे हाथ की तरह स्थिर था। उनकी उदास, आकर्षक आँखें एक जिज्ञासु भाव से हम सभी पर घूम रही थीं। वह प्रश्नपरक निगाह अचानक तीखे शब्दों में बदल गई।

“क्या आपको अभी तक कुछ पता चला?” उसने पूछा।

क्या यह मेरा भ्रम था कि प्रश्न में आशा की बजाय भय की भावना अंतर्निहित थी?

“हमने हर संभव कदम उठाया है, श्रीमती डगलस,” निरीक्षक ने कहा। “आप निश्चिंत रहें कि किसी भी चीज की अनदेखी नहीं की जाएगी।”

“पैसे की कोई कमी मत करो,” उसने एकदम शांत और स्थिर स्वर में कहा। “मेरी इच्छा है कि हर संभव प्रयास किया जाए।”

"शायद आप हमें कुछ ऐसा बता सकें जिससे इस मामले पर कुछ प्रकाश पड़ सके।"

मुझे डर नहीं है; मैं जो कुछ भी जानता हूँ, वह आपकी सेवा में है।

"हमें श्री सेसिल बार्कर से पता चला है कि आपने वास्तव में वह घटना नहीं देखी - आप उस कमरे में कभी मौजूद ही नहीं थे जहां यह त्रासदी घटी?"

नहीं, उसने मुझे सीढ़ियों पर ही वापस मोड़ दिया। उसने मुझसे अपने कमरे में लौटने की विनती की।

“बिल्कुल सही। आपने गोली की आवाज सुनी थी और तुरंत नीचे आ गए थे।”

मैंने अपना ड्रेसिंग गाउन पहना और फिर नीचे आ गई।

"गोली चलने की आवाज सुनने के कितनी देर बाद श्री बार्कर ने आपको सीढ़ियों पर रोका था?"

“शायद दो मिनट ही बीते होंगे। ऐसे समय में समय का अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल होता है। उन्होंने मुझसे आगे न बढ़ने की गुहार लगाई। उन्होंने मुझे भरोसा दिलाया कि मैं कुछ नहीं कर सकती। फिर हाउसकीपर श्रीमती एलन मुझे वापस ऊपर ले गईं। यह सब किसी भयानक सपने जैसा था।”

"क्या आप हमें बता सकती हैं कि गोली चलने की आवाज सुनने से पहले आपके पति कितनी देर तक नीचे थे?"

“नहीं, मैं कुछ नहीं कह सकता। वह अपने ड्रेसिंग रूम से निकला और मुझे उसके जाने की आवाज नहीं सुनाई दी। वह हर रात घर का चक्कर लगाता था, क्योंकि उसे आग से डर लगता था। आग ही एकमात्र ऐसी चीज है जिससे मुझे उसका डर लगता हुआ दिखाई दिया है।”

"मैं इसी मुद्दे पर आना चाहता हूँ, श्रीमती डगलस। आप अपने पति को केवल इंग्लैंड में ही जानती थीं, है ना?"

"हां, हमारी शादी को पांच साल हो गए हैं।"

"क्या आपने उसे अमेरिका में घटी किसी ऐसी घटना के बारे में बात करते सुना है जिससे उस पर कुछ खतरा आ सकता है?"

श्रीमती डगलस ने जवाब देने से पहले गंभीरता से सोचा। अंत में उन्होंने कहा, "हाँ, मुझे हमेशा से यह आभास होता रहा है कि उन पर कोई खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने मुझसे इस बारे में बात करने से इनकार कर दिया। यह मुझ पर अविश्वास के कारण नहीं था - हमारे बीच पूर्ण प्रेम और विश्वास था - बल्कि इसलिए था क्योंकि वह मुझसे किसी भी तरह की चिंता को छिपाना चाहते थे। उन्हें लगा कि अगर मुझे सब पता चल जाएगा तो मैं इस बारे में सोचती रहूँगी, इसलिए वह चुप रहे।"

"तो फिर आपको यह कैसे पता चला?"

श्रीमती डगलस के चेहरे पर एक हल्की सी मुस्कान खिल उठी। “क्या कोई पति जीवन भर कोई राज़ छुपाए रख सकता है और उसे प्यार करने वाली औरत को ज़रा भी शक न हो? मुझे यह उसके अमेरिकी जीवन की कुछ घटनाओं के बारे में बात करने से इनकार करने से पता चला। मुझे यह उसकी कुछ सावधानियों से पता चला। मुझे यह उसके मुंह से निकले कुछ शब्दों से पता चला। मुझे यह अजनबियों को देखने के उसके तरीके से पता चला। मुझे पूरा यकीन था कि उसके कुछ ताकतवर दुश्मन थे, उसे लगता था कि वे उसका पीछा कर रहे हैं, और वह हमेशा उनसे सावधान रहता था। मुझे इस बात का इतना यकीन था कि सालों से अगर वह तय समय से देर से घर आता था तो मैं डर जाती थी।”

होम्स ने पूछा, "क्या मैं पूछ सकता हूँ कि वे कौन से शब्द थे जिन्होंने आपका ध्यान आकर्षित किया?"

“डर की घाटी,” महिला ने उत्तर दिया। “जब मैंने उससे सवाल किया तो उसने यही कहा था। ‘मैं डर की घाटी में रहा हूँ। मैं अभी तक इससे बाहर नहीं निकला हूँ।’ — ‘क्या हम कभी डर की घाटी से बाहर नहीं निकल पाएंगे?’ मैंने उससे तब पूछा था जब मैंने उसे सामान्य से अधिक गंभीर देखा था। ‘कभी-कभी मुझे लगता है कि हम कभी नहीं निकल पाएंगे,’ उसने उत्तर दिया था।”

"ज़रूर आपने उनसे पूछा होगा कि 'भय की घाटी' से उनका क्या मतलब था?"

मैंने कोशिश की; लेकिन उनका चेहरा एकदम गंभीर हो जाता और वे अपना सिर हिलाते। उन्होंने कहा, 'यह तो काफी बुरा है कि हममें से कोई एक इसकी छाया में आ गया। भगवान करे यह कभी तुम पर न गिरे!' मुझे यकीन है कि वह सचमुच एक घाटी में रहे थे और वहां उनके साथ कुछ भयानक घटित हुआ था; लेकिन मैं आपको इससे ज्यादा कुछ नहीं बता सकता।

"और उन्होंने कभी किसी का नाम नहीं लिया?"

"हां, तीन साल पहले जब उनका शिकार करते समय हादसा हुआ था, तब वो बुखार से बेहाल थे। मुझे याद है कि एक नाम बार-बार उनके होंठों से निकल रहा था। वो उसे गुस्से और एक तरह के खौफ के साथ बोलते थे। वो नाम था मैकगिन्टी – बॉडीमास्टर मैकगिन्टी। जब वो ठीक हुए, तो मैंने उनसे पूछा कि बॉडीमास्टर मैकगिन्टी कौन है और वो किसके शरीर का मालिक है। 'भगवान का शुक्र है, कभी मेरे शरीर का नहीं!' उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया, और बस इतना ही मैं उनसे जान पाया। लेकिन बॉडीमास्टर मैकगिन्टी और वैली ऑफ फियर के बीच एक संबंध जरूर है।"

इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड ने कहा, "एक और बात है। आप दोनों की मुलाकात मिस्टर डगलस से लंदन के एक बोर्डिंग हाउस में हुई थी, है ना? और वहीं आपकी सगाई हुई थी? क्या शादी के दौरान कोई प्रेम प्रसंग, कोई गुप्त या रहस्यमयी बात हुई थी?"

"रोमांस था। रोमांस तो हमेशा होता है। कुछ भी रहस्यमय नहीं था।"

"उसका कोई प्रतिद्वंदी नहीं था?"

नहीं, मैं बिल्कुल स्वतंत्र था।

"आपने यह तो सुना ही होगा कि उनकी शादी की अंगूठी चोरी हो गई है। क्या इससे आपको कुछ समझ आता है? मान लीजिए कि उनके पुराने जीवन के किसी दुश्मन ने उनका पता लगाकर यह अपराध किया हो, तो उनकी शादी की अंगूठी चुराने का उनके पास क्या कारण हो सकता है?"

एक पल के लिए मुझे ऐसा लगा मानो उस महिला के होठों पर हल्की सी मुस्कान की झलक दिखाई दी हो।

"मैं सचमुच नहीं बता सकती," उसने जवाब दिया। "यह निश्चित रूप से एक बहुत ही असाधारण घटना है।"

"ठीक है, हम आपको और नहीं रोकेंगे, और हमें खेद है कि हमने आपको इस समय इतनी परेशानी में डाला," इंस्पेक्टर ने कहा। "कुछ और मुद्दे भी हैं, इसमें कोई संदेह नहीं; लेकिन जैसे-जैसे वे सामने आएंगे, हम आपको उनके बारे में बता देंगे।"

वह उठीं, और मुझे फिर से उनकी वही तीखी, प्रश्नपरक दृष्टि याद आ गई जिससे उन्होंने अभी-अभी हमें देखा था। "मेरी गवाही ने आप पर क्या प्रभाव डाला है?" यह प्रश्न मानो बोला गया हो। फिर, झुककर अभिवादन करते हुए, वह कमरे से बाहर चली गईं।

"वह एक खूबसूरत औरत है—बेहद खूबसूरत," मैकडोनाल्ड ने दरवाजा बंद होने के बाद सोच-विचार करते हुए कहा। "यह बार्कर यहाँ काफी आता-जाता रहा है। वह ऐसा आदमी है जो किसी औरत को आकर्षित कर सकता है। वह मानता है कि मरा हुआ आदमी ईर्ष्यालु था, और शायद वह खुद ही बेहतर जानता था कि उसकी ईर्ष्या का कारण क्या था। फिर वह शादी की अंगूठी है। इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। जो आदमी मरे हुए आदमी की शादी की अंगूठी उतारता है—इस बारे में आप क्या कहते हैं, मिस्टर होम्स?"

मेरा दोस्त सिर हाथों पर रखकर गहरी सोच में डूबा बैठा था। अब वह उठा और घंटी बजाई। जब बटलर अंदर आया तो उसने कहा, "एम्स, श्री सेसिल बार्कर अब कहाँ हैं?"

"देखता हूँ, महोदय।"

वह थोड़ी देर में वापस आकर बोला कि बार्कर बगीचे में है।

"एम्स, क्या तुम्हें याद है कि कल रात जब तुम अध्ययन कक्ष में मिस्टर बार्कर के साथ शामिल हुए थे, तब उन्होंने अपने पैरों में क्या पहना हुआ था?"

"जी हां, मिस्टर होम्स। उनके पास बेडरूम की चप्पलें थीं। जब वे पुलिस के पास गए थे, तब मैं उनके लिए उनके जूते लेकर आया था।"

“अब चप्पलें कहां हैं?”

"वे अभी भी हॉल में कुर्सी के नीचे हैं।"

“बहुत बढ़िया, एम्स। बेशक, हमारे लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि कौन से निशान मिस्टर बार्कर के हो सकते हैं और कौन से बाहर के हैं।”

जी हां, महोदय। मैं यह कहना चाहूंगा कि मैंने देखा कि चप्पलों पर खून के धब्बे थे - और वास्तव में मेरी चप्पलों पर भी खून के धब्बे थे।

"कमरे की हालत को देखते हुए यह स्वाभाविक ही है। बहुत बढ़िया, एम्स। अगर हमें आपकी ज़रूरत होगी तो हम आपको फ़ोन कर देंगे।"

कुछ मिनट बाद हम अध्ययन कक्ष में थे। होम्स हॉल से कालीन की चप्पलें अपने साथ लाए थे। जैसा कि एम्स ने देखा था, दोनों चप्पलों के तलवे खून से सने हुए थे।

“अजीब!” होम्स ने खिड़की की रोशनी में खड़े होकर उन्हें बारीकी से देखते हुए बुदबुदाया। “सचमुच बहुत अजीब!”

अपनी फुर्तीली बिल्ली जैसी झपट्टा मारते हुए, उसने चप्पल को खिड़की की चौखट पर लगे खून के निशान पर रख दिया। निशान बिल्कुल मेल खा रहा था। उसने चुपचाप अपने साथियों को देखकर मुस्कुरा दिया।

इंस्पेक्टर उत्साह से भर उठा। उसकी स्थानीय बोली रेलिंग पर लकड़ी के डंडे की तरह गूंज रही थी।

“अरे यार,” वह चिल्लाया, “इसमें कोई शक नहीं! बार्कर ने खुद खिड़की पर निशान बनाया है। यह किसी भी जूते के निशान से कहीं ज़्यादा चौड़ा है। मुझे याद है कि आपने कहा था कि यह पैर का निशान है, और ये रहा इसका स्पष्टीकरण। लेकिन खेल क्या है, मिस्टर होम्स—खेल क्या है?”

“अरे, खेल क्या है?” मेरे दोस्त ने सोच-विचार करते हुए दोहराया।

व्हाइट मेसन खिलखिलाकर हँसा और अपने पेशेवर संतोष में अपने मोटे हाथों को आपस में रगड़ा। "मैंने कहा था ना कि यह एक ज़बरदस्त चीज़ है!" वह चिल्लाया। "और वाकई में यह एक ज़बरदस्त चीज़ है!"

अध्याय 6

एक उभरती रोशनी

तीनों जासूसों को कई बारीक मामलों की छानबीन करनी थी; इसलिए मैं गाँव के सराय में अपने साधारण से कमरे में अकेला लौट आया। लेकिन इससे पहले मैंने घर के बगल में बने अनोखे पुराने बगीचे में टहलने का फैसला किया। बहुत पुराने यू वृक्षों की कतारें अजीबोगरीब आकृतियों में बगीचे को घेरे हुए थीं। अंदर एक सुंदर लॉन था जिसके बीच में एक पुरानी धूपघड़ी थी, पूरा दृश्य इतना सुकून देने वाला और आरामदायक था कि मेरे थोड़े तनावग्रस्त मन को इससे बहुत राहत मिली।

उस अत्यंत शांत वातावरण में, कोई उस अंधेरे अध्ययन कक्ष को, जिसमें फर्श पर खून से लथपथ एक आकृति पड़ी थी, भुला सकता था, या केवल किसी भयानक दुःस्वप्न के रूप में ही याद रख सकता था। फिर भी, जब मैं उसके चारों ओर घूम रहा था और

अपनी आत्मा को उस सौम्य शांति में सराबोर करने की कोशिश कर रहा था, तभी एक अजीब घटना घटी, जिसने मुझे उस त्रासदी की याद दिला दी और मेरे मन पर एक भयावह छाप छोड़ दी।

मैंने बताया था कि बगीचे के चारों ओर यू वृक्षों की एक कतार थी। घर से सबसे दूर वाले छोर पर वे घनी होकर एक निरंतर बाड़ बन गई थीं। इस बाड़ के दूसरी ओर, घर की दिशा से आने वाले किसी भी व्यक्ति की नज़रों से छिपी हुई, एक पत्थर की चौकी थी। जैसे ही मैं उस स्थान के पास पहुँचा, मुझे कुछ आवाज़ें सुनाई दीं, एक पुरुष की गहरी आवाज़ में कुछ कहा-सुनी, जिसका जवाब एक स्त्री की हल्की हँसी से मिला।

एक पल बाद ही मैं झाड़ी के किनारे से घूमकर आया और श्रीमती डगलस और बार्कर पर मेरी नज़र पड़ी, इससे पहले कि वे मेरी उपस्थिति को महसूस कर पाते। उनका रूप देखकर मैं चौंक गया। भोजन कक्ष में वे शांत और संयमित थीं। अब उनके चेहरे से दुख का सारा दिखावा गायब हो गया था। उनकी आँखें जीवन की खुशी से चमक रही थीं, और उनके साथी की किसी बात पर उनका चेहरा अब भी हँसी से खिलखिला रहा था। वह आगे की ओर झुके हुए थे, हाथ जोड़े और कोहनी घुटनों पर रखे हुए, उनके साहसी, सुंदर चेहरे पर एक मुस्कान थी। एक पल में - लेकिन यह बस एक पल देर से हुआ - जैसे ही मेरी आकृति दिखाई दी, उन्होंने फिर से अपना गंभीर चेहरा बना लिया। उनके बीच एक-दो बातें हुईं, और फिर बार्कर उठे और मेरी ओर आए।

“क्षमा कीजिए महोदय,” उन्होंने कहा, “लेकिन क्या मैं डॉ. वॉटसन को संबोधित कर रहा हूँ?”

मैंने एक ऐसी निर्भीकता के साथ सिर झुकाया जिससे, मैं कह सकता हूँ, मेरे मन पर पड़े प्रभाव का स्पष्ट संकेत मिल गया।

“हमें लगा कि शायद आप ही हैं, क्योंकि श्री शर्लक होम्स के साथ आपकी दोस्ती जगजाहिर है। क्या आप कृपया आकर श्रीमती डगलस से एक पल के लिए बात कर सकते हैं?”

मैं गंभीर चेहरे के साथ उसके पीछे-पीछे गया। मेरे मन में वह टूटा-फूटा शरीर ज़मीन पर पड़ा हुआ साफ़ दिखाई दे रहा था। त्रासदी के कुछ ही घंटों के भीतर, उसकी पत्नी और उसका सबसे करीबी दोस्त उसी बगीचे में एक झाड़ी के पीछे हँस रहे थे, जो कभी उसका अपना था। मैंने उस महिला का संयमित भाव से अभिवादन किया। भोजन कक्ष में मैंने उसके दुख में उसका साथ दिया था। अब उसकी विनती भरी निगाहों का मैंने भावहीन आँखों से जवाब दिया।

“मुझे डर है कि आप मुझे निर्दयी और कठोर हृदय समझते हैं,” उसने कहा।

मैंने कंधे उचका दिए। “यह मेरा काम नहीं है,” मैंने कहा।

“शायद किसी दिन तुम मेरे साथ न्याय करोगे। काश तुम्हें एहसास होता—”

बार्कर ने तुरंत कहा, "डॉ. वॉटसन को यह जानने की कोई आवश्यकता नहीं है। जैसा कि उन्होंने खुद कहा है, यह उनका काम नहीं है।"

मैंने कहा, "बिल्कुल सही, इसलिए मैं अपनी सैर जारी रखने की अनुमति चाहता हूँ।"

“एक पल रुकिए, डॉ. वॉटसन,” महिला ने विनती भरे स्वर में कहा। “एक सवाल है जिसका जवाब आप दुनिया में किसी और से ज़्यादा अधिकारपूर्वक दे सकते हैं, और इससे मेरे लिए बहुत फ़र्क पड़ सकता है। आप श्री होम्स और पुलिस के साथ उनके संबंधों को किसी और से बेहतर जानते हैं। मान लीजिए कि कोई मामला गोपनीय रूप से उनके संज्ञान में आता है, तो क्या यह बिल्कुल ज़रूरी है कि वे इसे जासूसों को सौंप दें?”

"हाँ, यही बात है," बाकर ने उत्सुकता से कहा। "क्या वह अकेला है या पूरी तरह से उनके साथ है?"

"मुझे सच में नहीं पता कि मुझे इस तरह के मुद्दे पर चर्चा करने का अधिकार है या नहीं।"

"मैं आपसे विनती करता हूँ—मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप ऐसा करें, डॉ. वॉटसन! मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यदि आप इस मामले में हमारा मार्गदर्शन करेंगे तो आप हमारी—मेरी—बहुत मदद करेंगे।"

उस महिला की आवाज में इतनी ईमानदारी थी कि एक पल के लिए मैं उसकी हल्की-फुल्की बातों को भूल गया और केवल उसकी इच्छा पूरी करने के लिए प्रेरित हुआ।

मैंने कहा, "श्री होम्स एक स्वतंत्र जांचकर्ता हैं। वे अपने विवेक के मालिक हैं और अपने विवेक से काम करते हैं। साथ ही, वे स्वाभाविक रूप से उन अधिकारियों के प्रति वफादार होंगे जो उसी मामले पर काम कर रहे हैं, और वे उनसे ऐसी कोई भी बात नहीं छिपाएंगे जिससे अपराधी को न्याय के कटघरे में लाने में उन्हें मदद मिले। इससे अधिक मैं कुछ नहीं कह सकता, और यदि आपको पूरी जानकारी चाहिए तो मैं आपको श्री होम्स से ही संपर्क करने की सलाह दूंगा।"

इतना कहकर मैंने अपनी टोपी उतारी और उन्हें उस झाड़ी के पीछे बैठे छोड़कर आगे बढ़ गया। जब मैं झाड़ी के दूसरे छोर पर पहुंचा तो मैंने पीछे मुड़कर देखा कि वे अब भी बहुत गंभीरता से आपस में बातें कर रहे थे, और चूंकि वे मुझे देख रहे थे, यह स्पष्ट था कि हमारी बातचीत ही उनकी चर्चा का विषय थी।

जब मैंने होम्स को सारी घटना बताई, तो उन्होंने कहा, "मैं उनकी कोई भी बात गुप्त नहीं रखना चाहता।" उन्होंने पूरी दोपहर मैनर हाउस में अपने दो सहयोगियों के साथ परामर्श करते हुए बिताई थी और लगभग पाँच बजे वापस लौटे थे। उन्हें ज़ोरों की भूख थी और उन्होंने मेरे द्वारा उनके लिए मंगाई गई चाय का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे। "कोई बात गुप्त मत रखना, वॉटसन; क्योंकि अगर बात साज़िश और हत्या के आरोप में गिरफ़्तारी तक पहुँच गई तो ये बातें बहुत ही असुविधाजनक साबित होंगी।"

"क्या आपको लगता है कि बात यहाँ तक पहुँच जाएगी?"

वह अपने सबसे हंसमुख और मिलनसार मूड में थे। "मेरे प्यारे वॉटसन, जब मैं उस चौथे अंडे को नष्ट कर दूंगा, तो मैं आपको पूरी स्थिति से अवगत कराने के लिए तैयार हो जाऊंगा। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हमने इसे सुलझा लिया है - बिलकुल नहीं - लेकिन जब हम लापता डंबल का पता लगा लेंगे -"

"डम्बल!"

"अरे वाटसन, क्या ये मुमकिन है कि तुम्हें ये बात समझ नहीं आई कि ये केस गायब डम्बल पर टिका है? ख़ैर, चिंता मत करो; क्योंकि हम दोनों के बीच मुझे नहीं लगता कि इंस्पेक्टर मैक या यहाँ के बेहतरीन डॉक्टर ने इस घटना की अहमियत को समझा है। एक डम्बल, वाटसन! ज़रा सोचो एक एथलीट के पास सिर्फ़ एक डम्बल हो! ज़रा कल्पना करो कि उसके शरीर का एकतरफ़ा विकास कैसा होगा, रीढ़ की हड्डी में टेढ़ापन आने का कितना बड़ा खतरा होगा। कितना भयानक है, वाटसन, कितना भयानक!"

वह मुंह में टोस्ट भरे और आंखों में शरारत भरी चमक लिए मेरी बौद्धिक उलझन को देख रहा था। उसकी भूख देखकर ही सफलता की गारंटी मिल जाती थी, क्योंकि मुझे वे दिन-रात अच्छी तरह याद थे जब मैंने खाने के बारे में सोचा तक नहीं था, जब उसका उलझा हुआ दिमाग किसी समस्या को लेकर परेशान रहता था और उसके पतले, उत्सुक चेहरे पर पूर्ण मानसिक एकाग्रता की तपस्वीता झलकती थी। अंत में

उसने अपनी पाइप जलाई और पुराने गांव के सराय के कोने में बैठकर धीरे-धीरे और बेतरतीब ढंग से अपने मामले के बारे में बात करने लगा, मानो वह कोई विचारपूर्वक बयान देने के बजाय मन ही मन सोच रहा हो।

“वॉटसन, एक झूठ—एक बड़ा, ज़बरदस्त, स्पष्ट और अटल झूठ—यही तो दहलीज़ पर हमारा सामना करता है! यहीं से हमारी शुरुआत होती है। बार्कर की पूरी कहानी झूठ है। लेकिन बार्कर की कहानी की पुष्टि श्रीमती डगलस करती हैं। इसलिए वह भी झूठ बोल रही हैं। वे दोनों झूठ बोल रही हैं और एक साजिश में शामिल हैं। तो अब हमारे सामने स्पष्ट समस्या है। वे झूठ क्यों बोल रही हैं, और वह सच्चाई क्या है जिसे वे इतनी मेहनत से छिपाने की कोशिश कर रही हैं? चलो, वॉटसन, हम दोनों मिलकर कोशिश करें कि क्या हम झूठ के पीछे जाकर सच्चाई का पता लगा सकते हैं।”

“मुझे कैसे पता कि वे झूठ बोल रहे हैं? क्योंकि यह एक बेतुकी मनगढ़ंत कहानी है जो सच हो ही नहीं सकती। सोचिए! हमें जो कहानी बताई गई है, उसके अनुसार हत्यारे के पास हत्या होने के बाद एक मिनट से भी कम समय था कि वह मृत व्यक्ति की उंगली से उस अंगूठी को, जो दूसरी अंगूठी के नीचे थी, निकालकर दूसरी अंगूठी को वापस पहन ले—जो वह निश्चित रूप से कभी नहीं करता—और उसे एक कीर्ड को अपने शिकार के पास रख दे। मेरा कहना है कि यह स्पष्ट रूप से असंभव था।”

“आप शायद यह तर्क दें—लेकिन वॉटसन, मैं आपके विवेक का बहुत सम्मान करता हूँ, इसलिए मुझे नहीं लगता कि आप ऐसा करेंगे—कि अंगूठी उस व्यक्ति की हत्या से पहले ही ले ली गई होगी। मोमबत्ती का थोड़े समय के लिए जलना यह दर्शाता है कि कोई लंबी बातचीत नहीं हुई थी। डगलस, जैसा कि हम उनके निडर चरित्र के बारे में सुनते हैं, क्या वह इतने कम समय में अपनी शादी की अंगूठी देने को तैयार होते, या क्या हम कल्पना भी कर सकते हैं कि वह इसे दे देते? नहीं, नहीं, वॉटसन, हत्यारा कुछ समय तक जलते हुए दीपक के साथ मृत व्यक्ति के साथ अकेला था। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है।”

“लेकिन गोली चलने की आवाज़ ही मौत का कारण थी। इसलिए गोली हमें बताए गए समय से कुछ पहले ही चलाई गई होगी। लेकिन इस मामले में कोई गलती नहीं हो सकती। इसलिए, गोली चलने की आवाज़ सुनने वाले दो लोगों - बार्कर और डगलस - की ओर से एक सोची-समझी साजिश का संदेह है। इसके अलावा, जब मैं यह साबित कर दूं कि खिड़की की चौखट पर खून का निशान बार्कर ने जानबूझकर पुलिस को गलत सुराग देने के लिए लगाया था, तो आप मानेंगे कि उसके खिलाफ मामला और भी पेचीदा हो जाता है।”

“अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हत्या वास्तव में किस समय हुई थी। साढ़े दस बजे तक नौकर घर में इधर-उधर घूम रहे थे; इसलिए यह निश्चित रूप से उससे पहले नहीं हुआ होगा। पौने ग्यारह बजे तक एम्स को छोड़कर, जो पेंट्री में था, बाकी सभी अपने कमरों में चले गए थे। आज दोपहर आपके जाने के बाद से मैं कुछ प्रयोग कर रहा हूँ, और मैंने पाया है कि जब सभी दरवाजे बंद होते हैं तो मैकडॉनल्ड अध्ययन कक्ष में जो भी शोर करता है, वह पेंट्री में मुझ तक नहीं पहुंचता।”

“हालाँकि, हाउसकीपर के कमरे से स्थिति अलग थी। वह गलियारे में ज़्यादा दूर नहीं था, और वहाँ से मुझे बहुत तेज़ आवाज़ में उठी हुई एक आवाज़ धुंधली-सी सुनाई दी। जब बंदूक बहुत नज़दीक से चलाई जाती है, जैसा कि इस मामले में निस्संदेह हुआ था, तो उसकी आवाज़ कुछ हद तक दब जाती है। आवाज़ बहुत तेज़ नहीं थी, फिर भी रात के सन्नाटे में वह श्रीमती एलन के कमरे तक आसानी से पहुंच जानी चाहिए थी। जैसा कि उन्होंने हमें बताया है, वह कुछ हद तक बहरी हैं; लेकिन फिर भी उन्होंने अपने बयान में बताया कि अलार्म बजने से आधा घंटा पहले उन्होंने दरवाज़ा ज़ोर से बंद

होने जैसी कोई आवाज़ सुनी थी। अलार्म बजने से आधा घंटा पौने ग्यारह बजे होगा। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि उन्होंने जो सुना वह बंदूक की आवाज़ थी, और यही हत्या का वास्तविक क्षण था।"

"अगर ऐसा है, तो अब हमें यह पता लगाना होगा कि बार्कर और श्रीमती डगलस, यह मानते हुए कि वे असली हत्यारे नहीं हैं, सुबह पौने ग्यारह बजे से लेकर सवा ग्यारह बजे तक क्या कर रहे थे, जब गोली की आवाज़ ने उन्हें चौंका दिया, और जब उन्होंने घंटी बजाकर नौकरों को बुलाया। वे क्या कर रहे थे, और उन्होंने तुरंत अलार्म क्यों नहीं बजाया? यही वह सवाल है जिसका हमें सामना करना पड़ रहा है, और जब इसका जवाब मिल जाएगा तो हम निश्चित रूप से अपनी समस्या को हल करने की दिशा में काफी आगे बढ़ जाएंगे।"

मैंने कहा, "मुझे तो पूरा यकीन है कि उन दोनों के बीच कोई आपसी समझ है। अपने पति की हत्या के कुछ ही घंटों के भीतर किसी मजाक पर हंसने वाली वह औरत जरूर बेरहम होगी।"

"बिल्कुल सही। जो कुछ हुआ, उसका खुद का बयान भी उसे एक पत्नी के रूप में नहीं दर्शाता। जैसा कि आप जानते हैं, वाटसन, मैं नारी जाति का कोई सच्चा प्रशंसक नहीं हूं, लेकिन जीवन के अनुभव ने मुझे सिखाया है कि ऐसी बहुत कम पत्नियाँ होती हैं जो अपने पति का सम्मान करती हैं और किसी पुरुष के कहे शब्द को अपने और अपने पति के शव के बीच आने देती हैं। अगर मैं कभी शादी करूं, वाटसन, तो मैं अपनी पत्नी में कुछ ऐसी भावना जगाने की कोशिश करूँगा जिससे वह मेरे शव के कुछ ही गज की दूरी पर पड़े होने पर भी नौकरानी के साथ चली न जाए। यह सब बहुत बुरी तरह से रचा गया था; क्योंकि यहाँ तक कि सबसे अनुभवहीन जाँचकर्ता भी सामान्य स्त्री-सुलभ चीख-पुकार की अनुपस्थिति से चौंक जाएगा। अगर और कुछ न भी होता, तो भी यह घटना मेरे मन में एक पूर्व-नियोजित साजिश का संकेत देती।"

"तो क्या आपको लगता है कि बार्कर और श्रीमती डगलस निश्चित रूप से हत्या के दोषी हैं?"

"वाटसन, तुम्हारे सवालों में एक भयानक सीधापन है," होम्स ने अपनी पाइप हिलाते हुए मुझसे कहा। "ये मुझ पर गोलियों की तरह बरसते हैं। अगर तुम यह कह रहे हो कि श्रीमती डगलस और बार्कर हत्या के बारे में सच्चाई जानते हैं और उसे छिपाने की साजिश रच रहे हैं, तो मैं तुम्हें पूरे दिल से जवाब दे सकता हूं। मुझे यकीन है कि वे जानते हैं। लेकिन तुम्हारा अधिक गंभीर प्रस्ताव इतना स्पष्ट नहीं है। आइए एक पल के लिए उन मुश्किलों पर विचार करें जो रास्ते में खड़ी हैं।"

हम मान लेते हैं कि यह दंपत्ति एक दोषी प्रेम के बंधन में बंधे हैं, और उन्होंने अपने बीच खड़े व्यक्ति से छुटकारा पाने का निश्चय कर लिया है। यह एक बड़ी धारणा है; क्योंकि नौकरों और अन्य लोगों से की गई सावधानीपूर्वक पूछताछ से इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। इसके विपरीत, इस बात के पर्याप्त प्रमाण हैं कि डगलस दंपत्ति एक-दूसरे से बहुत जुड़े हुए थे।

मैंने बगीचे में मुस्कुराते हुए उस खूबसूरत चेहरे के बारे में सोचते हुए कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि यह सच नहीं हो सकता।"

"खैर, कम से कम उन्होंने ऐसा ही आभास दिया। हालांकि, हम मान लेते हैं कि वे एक असाधारण रूप से चतुर दंपत्ति हैं, जो इस मामले में सबको धोखा देते हैं और पति की हत्या की साजिश रचते हैं। संयोग से, वह एक ऐसा व्यक्ति है जिस पर कुछ खतरा मंडरा रहा है—"

"हमारे पास इसके लिए केवल उनका ही वचन है।"

होम्स सोच में डूबे हुए लग रहे थे। “मैं समझ गया, वॉटसन। आप एक ऐसा सिद्धांत गढ़ रहे हैं जिसके अनुसार शुरू से ही उनकी कही हर बात झूठी है। आपके विचार के अनुसार, कोई छिपा हुआ खतरा, कोई गुप्त समाज, कोई भय की घाटी, कोई बॉस मैकसमबडी, या कुछ और था ही नहीं। खैर, यह एक अच्छा व्यापक सामान्यीकरण है। चलिए देखते हैं कि इससे क्या निकलता है। उन्होंने अपराध का हिसाब देने के लिए यह सिद्धांत गढ़ा। फिर उन्होंने इस विचार को बल देने के लिए पार्क में यह साइकिल छोड़ दी, जो किसी बाहरी व्यक्ति के अस्तित्व का सबूत था। खिड़की पर लगा दाग भी यही संकेत देता है। शव पर मिला कार्ड भी, जिसे शायद घर में ही तैयार किया गया था। यह सब आपकी परिकल्पना में फिट बैठता है, वॉटसन। लेकिन अब हम उन पेचीदा, जटिल और असंतोषजनक पहलुओं पर आते हैं जो अपनी जगह पर नहीं बैठ रहे। सभी हथियारों में से कटी हुई शॉटगन ही क्यों - और वह भी अमेरिकी? वे इतने आश्वस्त कैसे हो सकते थे कि उसकी आवाज से कोई उन पर हमला नहीं करेगा? यह महज़ संयोग है कि श्रीमती एलन ने दरवाजे के जोर से बंद होने की आवाज के बारे में पूछताछ करने के लिए बाहर नहीं निकलीं। आपके दोषी क्या पति-पत्नी ये सब करते हैं, वॉटसन?

मैं स्वीकार करता हूं कि मैं इसे समझा नहीं सकता।

"फिर, अगर कोई महिला और उसका प्रेमी मिलकर पति की हत्या की साजिश रचते हैं, तो क्या वे उसकी मौत के बाद दिखावटी तौर पर उसकी शादी की अंगूठी उतारकर अपने अपराध का प्रचार करेंगे? क्या यह आपको बहुत संभव लगता है, वॉटसन?"

"नही वो नही।"

और एक बार फिर, अगर आपके मन में बाहर साइकिल छिपाकर छोड़ने का विचार आया होता, तो क्या यह वाकई करने लायक लगता, जबकि सबसे सुस्त जासूस भी स्वाभाविक रूप से कहता कि यह एक स्पष्ट छलावा है, क्योंकि भागने वाले को भागने के लिए सबसे पहले साइकिल की ही जरूरत होती है।

मुझे इसका कोई स्पष्टीकरण समझ नहीं आ रहा है।

फिर भी, ऐसी कोई घटना नहीं होनी चाहिए जिसका स्पष्टीकरण मनुष्य की बुद्धि न दे सके। केवल एक मानसिक अभ्यास के रूप में, बिना यह दावा किए कि यह सत्य है। मैं एक संभावित विचार की ओर इशारा करना चाहता हूँ। मैं मानता हूँ कि यह मात्र कल्पना है; लेकिन कितनी बार कल्पना ही सत्य की जननी होती है?

हम मान लेते हैं कि डगलस नाम के इस व्यक्ति के जीवन में एक घिनौना राज़ छिपा था, एक बेहद शर्मनाक राज़। इसी राज़ के चलते किसी बाहरी व्यक्ति ने, जिसे हम बदला लेने वाला मान लेते हैं, उसकी हत्या कर दी। इस बदला लेने वाले ने, किसी ऐसे कारण से जिसे मैं अब तक पूरी तरह से समझा नहीं पाया हूँ, मृतक की शादी की अंगूठी ले ली। संभवतः यह प्रतिशोध उसके पहले विवाह से जुड़ा हो सकता है, और इसी कारण से अंगूठी ली गई हो।

“इससे पहले कि यह बदला लेने वाला भाग पाता, बार्कर और उसकी पत्नी कमरे में पहुँच गए थे। हत्यारे ने उन्हें यकीन दिलाया कि उसे गिरफ्तार करने की कोई भी कोशिश किसी भयंकर घोटाले को जन्म देगी। वे इस बात से सहमत हो गए और उसे जाने देना ही बेहतर समझा। इसके लिए उन्होंने शायद पुल को नीचे किया होगा, जो बिल्कुल बिना आवाज़ किए किया जा सकता है, और फिर उसे ऊपर उठा दिया होगा। वह भाग निकला, और किसी कारण से उसे लगा कि वह साइकिल की तुलना में पैदल ज़्यादा सुरक्षित रहेगा। इसलिए उसने अपनी साइकिल ऐसी जगह छोड़ दी जहाँ उसके सुरक्षित निकल जाने तक उसका पता न चले। अब तक हम संभावनाओं की सीमा के भीतर हैं, है ना?”

"हाँ, यह संभव है, इसमें कोई संदेह नहीं," मैंने कुछ संकोच के साथ कहा।

"वॉटसन, हमें याद रखना होगा कि जो कुछ भी हुआ वह निश्चित रूप से बहुत ही असाधारण था। चलिए, अब अपने काल्पनिक मामले को आगे बढ़ाते हैं। दंपति—जो ज़रूरी नहीं कि दोषी हों—हत्यारे के चले जाने के बाद यह महसूस करते हैं कि उन्होंने खुद को ऐसी स्थिति में डाल दिया है जिसमें उनके लिए यह साबित करना मुश्किल हो सकता है कि उन्होंने या तो खुद यह काम नहीं किया या इसमें मिलीभगत नहीं की। उन्होंने तेज़ी से और कुछ हद तक अनाड़ीपन से इस स्थिति का सामना किया। बार्कर की खून से सनी चप्पल से खिड़की की चौखट पर निशान लगाया गया जिससे पता चलता है कि भगोड़ा कैसे भागा। ज़ाहिर है, वे दोनों ही थे जिन्होंने बंदूक की आवाज़ सुनी होगी; इसलिए उन्होंने ठीक उसी तरह अलार्म बजाया जैसे वे बजाते, लेकिन घटना के पूरे आधे घंटे बाद।"

और आप यह सब कैसे साबित करने का प्रस्ताव रखते हैं?

"खैर, अगर कोई बाहरी व्यक्ति होता, तो उसका पता लगाकर उसे पकड़ा जा सकता था। यही सबसे कारगर सबूत होता। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो, विज्ञान के संसाधन अभी खत्म नहीं हुए हैं। मुझे लगता है कि उस अध्ययन कक्ष में एक शाम अकेले बिताने से मुझे बहुत मदद मिलेगी।"

"एक शाम अकेले!"

"मैं अभी वहाँ जाने का प्रस्ताव रखता हूँ। मैंने आदरणीय एम्स से इसका इंतज़ाम कर लिया है, जो बार्कर के बारे में पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हैं। मैं उस कमरे में बैठूंगा और देखूंगा कि क्या वहाँ का वातावरण मुझे प्रेरणा देता है। मैं उस स्थान की प्रकृति में विश्वास रखता हूँ। आप मुस्कुराए, मित्र वॉटसन। खैर, देखते हैं। वैसे, आपके पास वह बड़ा सा छाता है, है ना?"

"यह यहीं है।"

"ठीक है, अगर अनुमति हो तो मैं इसे उधार ले लूंगा।"

"बिल्कुल — लेकिन यह कितना घटिया हथियार है! अगर खतरा हो तो —"

"कुछ गंभीर नहीं है, मेरे प्यारे वॉटसन, वरना मैं निश्चित रूप से आपकी सहायता मांगता। लेकिन मैं छाता ले लूंगा। फिलहाल मैं केवल टुनब्रिज वेल्स से अपने सहयोगियों के लौटने का इंतजार कर रहा हूं, जहां वे इस साइकिल के लिए एक संभावित मालिक की तलाश में लगे हुए हैं।"

इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड और व्हाइट मेसन के अपने अभियान से लौटने में रात हो चुकी थी, और वे बेहद उत्साहित होकर लौटे और उन्होंने हमारी जांच में हुई बड़ी प्रगति की सूचना दी।

"यार, मैं मानता हूँ कि मुझे शक था कि कोई बाहरी व्यक्ति भी है या नहीं," मैकडोनाल्ड ने कहा, "लेकिन अब वो सब बातें पुरानी हो गई हैं। हमने साइकिल की पहचान कर ली है, और हमारे पास उस आदमी का हुलिया भी है; तो यह हमारी यात्रा का एक बड़ा कदम है।"

होम्स ने कहा, "मुझे तो ऐसा लग रहा है जैसे यह अंत की शुरुआत है। मैं आप दोनों को तहे दिल से बधाई देता हूं।"

"खैर, मैंने इस बात से शुरुआत की कि श्री डगलस पिछले दिन से परेशान लग रहे थे, जब वे टुनब्रिज वेल्स में थे। टुनब्रिज वेल्स में ही उन्हें किसी खतरे का आभास हुआ था। इसलिए यह स्पष्ट था कि यदि कोई व्यक्ति साइकिल लेकर आया था, तो वह टुनब्रिज वेल्स से ही आया होगा। हम साइकिल अपने साथ ले गए और होटलों में दिखाई। ईगल कमर्शियल के प्रबंधक ने तुरंत पहचान लिया कि यह साइकिल हरग्रेव नाम के एक व्यक्ति की है, जिसने दो दिन पहले वहाँ एक कमरा लिया था। यह साइकिल

और एक छोटा सूटकेस ही उसका सारा सामान था। उसने अपना नाम लंदन से आने वाले के रूप में दर्ज कराया था, लेकिन कोई पता नहीं दिया था। सूटकेस लंदन में बना था और उसमें रखा सामान ब्रिटिश था; लेकिन वह व्यक्ति निस्संदेह एक अमेरिकी था।"

"वाह वाह," होम्स ने प्रसन्नता से कहा, "जब मैं अपने दोस्त के साथ बैठकर सिद्धांत गढ़ रहा था, तब आपने वाकई में बहुत अच्छा काम किया है! यह व्यावहारिक होने का एक सबक है, मिस्टर मैक।"

"जी हां, बस यही बात है, मिस्टर होम्स," इंस्पेक्टर ने संतुष्टि से कहा।

"लेकिन यह सब आपके सिद्धांतों से मेल खा सकता है," मैंने टिप्पणी की।

"ऐसा हो भी सकता है और नहीं भी। लेकिन हमें अंत तक की बात बताइए, श्रीमान मैक। क्या इस आदमी की पहचान करने वाला कुछ भी नहीं था?"

"इतनी कम जानकारी थी कि यह स्पष्ट था कि उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए बड़ी सावधानी बरती थी। उसके पास न तो कोई कागज़ात थे, न ही कोई पत्र, और न ही कपड़ों पर कोई निशान था। उसके बेडरूम की मेज पर काउंटी का एक साइकिल नक्शा पड़ा था। वह कल सुबह नाश्ते के बाद अपनी साइकिल से होटल से निकला था, और हमारी पूछताछ तक उसके बारे में कोई खबर नहीं मिली।"

"यही बात मुझे हैरान करती है, मिस्टर होम्स," व्हाइट मेसन ने कहा। "अगर वह व्यक्ति अपने ऊपर मचे हंगामे से बचना चाहता, तो वह वापस लौटकर होटल में एक सामान्य पर्यटक बनकर रह जाता। लेकिन अब तो उसे पता है कि होटल मैनेजर उसकी शिकायत पुलिस में करेगा और उसके गायब होने को हत्या से जोड़ा जाएगा।"

"तो ऐसा ही सोचा जा सकता है। फिर भी, अब तक तो उनकी बुद्धिमत्ता सही साबित हुई है, क्योंकि उन्हें पकड़ा नहीं गया है। लेकिन उनके वर्णन का क्या?"

मैकडोनाल्ड ने अपनी नोटबुक देखी। "उन्होंने जितना विवरण दिया है, उतना ही यहाँ है। ऐसा लगता है कि उन्होंने उसका कोई विशेष विवरण नहीं लिया है; लेकिन फिर भी कुली, क्लर्क और नौकरानी सभी इस बात पर सहमत हैं कि यह लगभग सभी विवरण समेटे हुए है। वह लगभग पाँच फुट नौ इंच लंबा, लगभग पचास वर्ष का, हल्के भूरे बालों वाला, भूरी मूंछों वाला, घुमावदार नाक वाला और एक ऐसे चेहरे वाला व्यक्ति था जिसे सभी ने क्रूर और डरावना बताया।"

"खैर, उस मुहावरे को छोड़ दें तो, यह लगभग डगलस का ही वर्णन है," होम्स ने कहा। "उनकी उम्र पचास से थोड़ी ज़्यादा है, उनके बाल और मूंछें सफ़ेद हो चुकी हैं, और उनकी लंबाई भी लगभग उतनी ही है। क्या आपको और कुछ पता चला?"

"उसने एक भारी ग्रे सूट पहना हुआ था, जिसके ऊपर एक रीफ़र जैकेट थी, और उसने एक छोटा पीला ओवरकोट और एक नरम टोपी पहन रखी थी।"

"शॉटगन के बारे में क्या?"

"यह दो फ़ीट से भी कम लंबा है। यह आसानी से उसके सूटकेस में समा सकता था। वह इसे बिना किसी कठिनाई के अपने ओवरकोट के अंदर ले जा सकता था।"

और आप यह कैसे मानते हैं कि यह सब सामान्य मामले पर कैसे प्रभाव डालता है?

"ठीक है, मिस्टर होम्स," मैकडोनाल्ड ने कहा, "जब हमें हमारा आदमी मिल जाएगा — और आप यकीन मानिए कि मुझे उसका हुलिया पता चलने के पाँच मिनट के अंदर ही तार पर मिल गया था — तब हम बेहतर फैसला कर पाएंगे। लेकिन अभी तक तो हमने काफी लंबा सफर तय कर लिया है। हमें पता चला है कि हरग्रेव नाम का एक अमेरिकी दो दिन पहले साइकिल और सूटकेस लेकर टुनब्रिज वेल्स आया था। सूटकेस में एक कटी हुई शॉटगन थी; इसलिए वह अपराध करने के इरादे से आया था। कल सुबह वह अपनी साइकिल पर इस जगह के लिए निकला, बंदूक उसने अपने ओवरकोट में छिपा रखी थी। जहाँ तक हमें पता चला है, किसी ने उसे आते नहीं देखा;

लेकिन पार्क के गेट तक पहुंचने के लिए उसे गांव से होकर गुजरने की जरूरत नहीं थी, और सड़क पर कई साइकिल सवार होते हैं। शायद उसने अपनी साइकिल को लॉरेल के पेड़ों के बीच छिपा दिया होगा जहां वह मिली थी, और संभवतः वह खुद भी वहीं छिपा रहा होगा, घर पर नजर रखे हुए, मिस्टर डगलस के बाहर आने का इंतजार कर रहा होगा। शॉटगन का घर के अंदर इस्तेमाल करना अजीब बात है; लेकिन उसका इरादा इसे बाहर इस्तेमाल करने का था, और वहीं इसका इस्तेमाल हुआ है। इसके बहुत स्पष्ट फायदे हैं, क्योंकि इससे निशाना चूकना असंभव होगा, और इंग्लैंड के खेल-कूद वाले इलाकों में गोलियों की आवाज इतनी आम है कि इस पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जाएगा।"

"यह सब बिल्कुल स्पष्ट है," होम्स ने कहा।

“खैर, मिस्टर डगलस नहीं आए। अब वो क्या करते? उन्होंने अपनी साइकिल वहीं छोड़ दी और शाम के धुंधलके में घर की ओर बढ़े। उन्होंने देखा कि पुल टूटा हुआ था और आसपास कोई नहीं था। उन्होंने मौका देखकर सोचा कि अगर कोई मिल जाए तो कोई बहाना बना लेंगे। लेकिन कोई नहीं मिला। वो चुपके से पहले कमरे में घुस गए जो उन्हें दिखा और पर्दे के पीछे छिप गए। वहां से उन्हें पुल ऊपर उठता हुआ दिखाई दिया और उन्हें पता था कि उनके भागने का एकमात्र रास्ता खाई से होकर जाना है। उन्होंने सवा ग्यारह बजे तक इंतजार किया, जब मिस्टर डगलस अपने रोज़ाना के रात के चक्कर पर कमरे में आए। उन्होंने उन्हें गोली मार दी और योजना के अनुसार भाग निकले। उन्हें पता था कि होटल वाले साइकिल का वर्णन कर देंगे और यह उनके खिलाफ सुराग बन जाएगा; इसलिए उन्होंने उसे वहीं छोड़ दिया और किसी और तरीके से लंदन या किसी सुरक्षित ठिकाने पर चले गए जिसका उन्होंने पहले से इंतजाम कर रखा था। कैसा रहा, मिस्टर होम्स?”

“ठीक है, श्रीमान मैक, अब तक तो यह बहुत अच्छा और स्पष्ट है। यह कहानी का आपका हिस्सा है। मेरा मानना है कि अपराध बताए गए समय से आधा घंटा पहले हुआ था; श्रीमती डगलस और बार्कर दोनों किसी बात को छिपाने की साजिश में शामिल हैं; उन्होंने हत्यारे को भागने में मदद की — या कम से कम वे उसके भागने से पहले कमरे में पहुंच गईं — और उन्होंने खिड़की से भागने के झूठे सबूत गढ़े, जबकि पूरी संभावना है कि उन्होंने खुद पुल को नीचे करके उसे जाने दिया। पहले हिस्से का मेरा यही अर्थ है।”

दोनों जासूसों ने सिर हिलाया।

"खैर, मिस्टर होम्स, अगर यह सच है, तो हम एक रहस्य से निकलकर दूसरे रहस्य में फंस जाते हैं," लंदन के इंस्पेक्टर ने कहा।

व्हाइट मेसन ने आगे कहा, "और कुछ मायनों में यह उससे भी बदतर है। यह महिला अपने पूरे जीवन में कभी अमेरिका नहीं गई। एक अमेरिकी हत्यारे से उसका ऐसा क्या संबंध हो सकता है जिसके कारण वह उसे शरण दे?"

होम्स ने कहा, "मैं कठिनाइयों को खुले तौर पर स्वीकार करता हूं। मैं आज रात खुद थोड़ी जांच-पड़ताल करने का प्रस्ताव रखता हूं, और यह संभव है कि इससे साझा उद्देश्य में कुछ योगदान मिल सके।"

"क्या हम आपकी मदद कर सकते हैं, मिस्टर होम्स?"

“नहीं, नहीं! अंधेरा और डॉ. वॉटसन का छाता—मेरी ज़रूरतें तो बस सीधी-सादी हैं। और एम्स, मेरा वफ़ादार एम्स, बेशक वो मेरे लिए कुछ न कुछ ज़रूर करेगा। मेरे सारे विचार मुझे हमेशा एक ही बुनियादी सवाल पर ले आते हैं—एक एथलीट को डम्बल जैसे इतने अप्राकृतिक उपकरण पर अपना शरीर क्यों विकसित करना चाहिए?”

उस रात काफी देर हो चुकी थी जब होम्स अपनी एकांत यात्रा से लौटे। हम एक डबल बेड वाले कमरे में सोए, जो उस छोटे से ग्रामीण सराय में हमारे लिए सबसे अच्छा विकल्प था। मैं पहले से ही सो रहा था जब उनके आने से मेरी नींद थोड़ी खुली।

“अच्छा, होम्स,” मैंने धीरे से कहा, “क्या तुम्हें कुछ पता चला?”

वह चुपचाप मेरे बगल में खड़ा रहा, उसके हाथ में मोमबत्ती थी। फिर वह लंबा, दुबला-पतला व्यक्ति मेरी ओर झुका। "मैं कहता हूँ, वॉटसन," उसने फुसफुसाते हुए कहा, "क्या तुम एक पागल, एक ऐसे व्यक्ति जिसके दिमाग में कुछ गड़बड़ है, एक ऐसे मूर्ख के साथ एक ही कमरे में सोने से डरोगे जिसका दिमाग खराब हो चुका है?"

मैंने आश्चर्य से उत्तर दिया, "बिल्कुल नहीं।"

“अरे वाह, ये तो किस्मत की बात है,” उसने कहा, और उस रात उसने एक शब्द भी नहीं बोला।

अध्याय 7

समाधान

अगली सुबह, नाश्ते के बाद, हमने इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड और व्हाइट मेसन को स्थानीय पुलिस सार्जेंट के छोटे से बैठक कक्ष में गहन विचार-विमर्श करते हुए पाया। उनके सामने मेज पर कई पत्र और टेलीग्राम रखे थे, जिन्हें वे सावधानीपूर्वक छांट रहे थे और रिकॉर्ड में दर्ज कर रहे थे। तीन पत्र एक तरफ रखे हुए थे।

“क्या आप अभी भी उस लापता साइकिल सवार की तलाश में हैं?” होम्स ने उत्साह से पूछा। “उस बदमाश के बारे में ताज़ा खबर क्या है?”

मैकडोनाल्ड ने खेदपूर्वक अपने पत्रों के ढेर की ओर इशारा किया।

“फिलहाल उसके लेस्टर, नॉटिंघम, साउथेम्प्टन, डर्बी, ईस्ट हैम, रिचमंड और चौदह अन्य स्थानों से होने की खबर है। इनमें से तीन स्थानों - ईस्ट हैम, लेस्टर और लिवरपूल - में उसके खिलाफ पुख्ता सबूत हैं और उसे गिरफ्तार भी किया जा चुका है। ऐसा लगता है कि पूरा देश पीले कोट पहने भगोड़ों से भरा पड़ा है।”

“अरे बाप रे!” होम्स ने सहानुभूति से कहा। “श्रीमान मैक और आप, श्रीमान व्हाइट मेसन, मैं आपको एक बहुत ही महत्वपूर्ण सलाह देना चाहता हूं। जब मैंने आपके साथ इस मामले पर काम शुरू किया था, जैसा कि आपको याद होगा, मैंने आपसे यह वादा किया था कि मैं आपको अधूरी सिद्ध थ्योरीज़ नहीं बताऊंगा, बल्कि अपने विचारों को अपने पास रखूंगा और उन पर तब तक काम करूंगा जब तक मुझे यह यकीन न हो जाए कि वे सही हैं। इसी कारण मैं इस समय आपको अपने सारे विचार नहीं बता रहा हूं। दूसरी ओर, मैंने आपसे यह भी कहा था कि मैं आपके साथ निष्पक्ष व्यवहार करूंगा, और मुझे नहीं लगता कि आपको एक पल के लिए भी अपनी ऊर्जा एक बेकार काम में बर्बाद करने देना उचित है। इसलिए मैं आज सुबह आपको सलाह देने आया हूं, और मेरी सलाह तीन शब्दों में है - इस मामले को छोड़ दें।”

मैकडोनाल्ड और व्हाइट मेसन अपने विख्यात सहकर्मी को विस्मय से देखते रहे।

“तुम इसे नामुमकिन समझते हो!” निरीक्षक चिल्लाया।

“मैं आपके मामले को निराशाजनक मानता हूं। लेकिन मैं यह नहीं मानता कि सच्चाई तक पहुंचना असंभव है।”

लेकिन यह साइकिल सवार। यह कोई काल्पनिक पात्र नहीं है। हमारे पास उसका हुलिया है, उसका सूटकेस है, उसकी साइकिल है। वह कहीं न कहीं तो होगा ही। हम उसे क्यों न पकड़ लें?

"जी हां, इसमें कोई शक नहीं कि वह कहीं न कहीं है, और इसमें भी कोई शक नहीं कि हम उसे ढूंढ लेंगे; लेकिन मैं नहीं चाहता कि आप ईस्ट हैम या लिवरपूल में अपनी ऊर्जा बर्बाद करें। मुझे पूरा यकीन है कि हम परिणाम तक पहुंचने का कोई आसान रास्ता ढूंढ सकते हैं।"

"आप कुछ छुपा रहे हैं। यह आपके लिए उचित नहीं है, मिस्टर होम्स।" इंस्पेक्टर नाराज़ हो गया।

"आप मेरी कार्यशैली से परिचित हैं, श्रीमान मैक। लेकिन मैं इसे यथासंभव कम समय के लिए ही गुप्त रखूंगा। मैं केवल अपने विवरणों की एक ही विधि से पुष्टि करना चाहता हूं, जो बहुत आसानी से हो सकती है, और फिर मैं आपसे विदा लेकर लंदन लौट जाऊंगा, अपने परिणाम पूरी तरह से आपकी सेवा में सौंपते हुए। मैं आपका बहुत ऋणी हूं, इसलिए मैं इसके अलावा कुछ और नहीं कर सकता; क्योंकि अपने पूरे अनुभव में मुझे इससे अधिक विलक्षण और रोचक अध्ययन याद नहीं आता।"

"यह मामला मेरी समझ से परे है, श्री होम्स। कल रात जब हम टुनब्रिज वेल्स से लौटे थे, तब हमने आपसे मुलाकात की थी और आप हमारे निष्कर्षों से काफी हद तक सहमत थे। तब से ऐसा क्या हुआ है जिससे इस मामले के बारे में आपका विचार पूरी तरह से बदल गया है?"

"खैर, चूंकि आपने मुझसे पूछा है, तो जैसा कि मैंने आपको बताया था, मैंने कल रात मैनर हाउस में कुछ घंटे बिताए।"

"तो फिर क्या हुआ?"

"अरे, अभी तो मैं इसका बहुत ही सामान्य जवाब ही दे सकता हूँ। वैसे, मैं उस पुरानी इमारत के बारे में एक संक्षिप्त लेकिन स्पष्ट और दिलचस्प लेख पढ़ रहा हूं, जिसे स्थानीय तंबाकू विक्रेता से मात्र एक पैसे में खरीदा जा सकता है।"

यहां होम्स ने अपनी वेस्टकोट की जेब से एक छोटा सा पर्चा निकाला, जिस पर प्राचीन मनोर हाउस की एक भद्दी नक्काशी बनी हुई थी।

"मेरे प्रिय श्री मैक, जब कोई अपने परिवेश के ऐतिहासिक वातावरण के प्रति सचेत रूप से सहानुभूति रखता है, तो इससे जांच-पड़ताल का उत्साह बहुत बढ़ जाता है। इतना अधीर मत होइए; क्योंकि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इस तरह का संक्षिप्त विवरण भी मन में अतीत की एक छवि को उभार देता है। मुझे आपको एक उदाहरण देने की अनुमति दीजिए। 'जेम्स प्रथम के शासनकाल के पाँचवें वर्ष में निर्मित और एक बहुत पुरानी इमारत के स्थान पर स्थित, बिरलस्टोन का मनोर हाउस खाई से घिरे जैकोबियन निवास के सबसे बेहतरीन जीवित उदाहरणों में से एक है —'"

"आप हमें मूर्ख बना रहे हैं, मिस्टर होम्स!"

"अरे, अरे, श्रीमान मैक! – आपमें गुस्से का पहला लक्षण दिखाई दिया है। खैर, मैं इसे शब्दशः नहीं पढ़ूंगा, क्योंकि आप इस विषय पर बहुत गंभीर हैं। लेकिन जब मैं आपको बताऊं कि 1644 में एक संसदीय कर्नल द्वारा इस स्थान पर कब्जा करने, गृहयुद्ध के दौरान चार्ल्स को कई दिनों तक वहां छिपाने और अंत में दूसरे जॉर्ज द्वारा वहां आने का कुछ वृत्तांत है, तो आप मानेंगे कि इस प्राचीन घर से जुड़ी कई रोचक घटनाएं हैं।"

"मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है, मिस्टर होम्स; लेकिन यह हमारा काम नहीं है।"

"है ना? है ना? मेरे प्रिय श्री मैक, व्यापक दृष्टिकोण हमारे पेशे की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। विचारों का अंतर्संबंध और ज्ञान का अप्रत्यक्ष उपयोग अक्सर बेहद दिलचस्प होता है। आप मेरी इन टिप्पणियों को क्षमा करेंगे, क्योंकि मैं अपराध का मात्र पारखी तो हूँ, लेकिन आपसे उम्र में बड़ा और शायद अधिक अनुभवी भी हूं।"

“मैं इस बात को सबसे पहले स्वीकारूं करता हूं,” जासूस ने पूरे उत्साह से कहा। “मैं मानता हूं कि आप अपनी बात पर पहुंच जाते हैं; लेकिन आपका तरीका बहुत ही घुमावदार और अटपटा है।”

“अच्छा, चलिए पुरानी बातों को छोड़ते हैं और वर्तमान तथ्यों पर आते हैं। जैसा कि मैंने पहले ही बताया है, मैं कल रात मनोर हाउस गया था। मुझे न तो बार्कर मिले और न ही श्रीमती डगलस। मुझे उन्हें परेशान करने की कोई आवश्यकता नहीं लगी; लेकिन यह जानकर मुझे खुशी हुई कि श्रीमती डगलस उदास नहीं थीं और उन्होंने बढ़िया भोजन किया था। मैं विशेष रूप से श्री एम्स से मिलने गया था, जिनसे मेरी कुछ सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने मुझे किसी और से पूछे बिना, कुछ देर के लिए अध्ययन कक्ष में अकेले बैठने की अनुमति दे दी।”

“क्या! उससे?” मैंने हैरानी से कहा।

“नहीं, नहीं, अब सब ठीक है। मुझे बताया गया है कि आपने इसकी अनुमति दी थी, श्री मैक। कमरा अपनी सामान्य स्थिति में था, और मैंने उसमें पंद्रह मिनट का एक ज्ञानवर्धक समय बिताया।”

"आप क्या कर रहे थे?"

खैर, इतनी सरल बात को रहस्य न बनाते हुए, मैं गुम हुई डम्बल की तलाश कर रहा था। मेरी नज़र में यह हमेशा से ही एक बड़ा मुद्दा रहा है। आखिरकार मुझे वह मिल ही गई।

"कहाँ?"

“आह, अब हम अनछुए क्षेत्र के किनारे पर आ गए हैं। मुझे थोड़ा और आगे जाने दीजिए, बहुत थोड़ा और आगे, और मैं वादा करता हूँ कि मैं जो कुछ भी जानता हूँ, वह सब आपके साथ साझा करूंगा।”

इंस्पेक्टर ने कहा, "ठीक है, हम आपकी शर्तों पर ही आपकी बात मानेंगे; लेकिन जब बात हमें मामला छोड़ने के लिए कहने की हो, तो भला हम भला मामला क्यों छोड़ें?"

"इसका सीधा सा कारण यह है, मेरे प्रिय श्री मैक, कि आपको इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं है कि आप किस चीज की जांच कर रहे हैं।"

हम बिरलस्टोन मैनर के श्री जॉन डगलस की हत्या की जांच कर रहे हैं।

“जी हां, बिल्कुल। लेकिन साइकिल पर सवार उस रहस्यमय सज्जन का पता लगाने की कोशिश मत कीजिए। मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि इससे आपको कोई फायदा नहीं होगा।”

"तो फिर आप क्या करने का सुझाव देते हैं?"

"मैं तुम्हें ठीक-ठीक बता दूंगा कि क्या करना है, बशर्ते तुम ऐसा करोगे।"

"खैर, मुझे कहना ही पड़ेगा कि मुझे हमेशा से आपके हर विचित्र व्यवहार के पीछे कोई न कोई कारण नजर आया है। मैं आपकी सलाह मानूंगा।"

“और आप, श्री व्हाइट मेसन?”

देहाती जासूस ने बेबसी से एक से दूसरे की ओर देखा। होम्स और उसके तरीके उसके लिए बिल्कुल नए थे। अंत में उसने कहा, "खैर, अगर यह इंस्पेक्टर के लिए ठीक है, तो मेरे लिए भी ठीक है।"

“शानदार!” होम्स ने कहा। “तो फिर, मैं आप दोनों के लिए एक सुखद और खुशनुमा ग्रामीण सैर की सलाह दूंगा। मुझे पता चला है कि बिरलस्टोन रिज से वील्ड के दृश्य बहुत ही अद्भुत हैं। दोपहर का भोजन किसी उपयुक्त भोजनालय में मिल जाएगा; हालांकि ग्रामीण इलाकों के बारे में मेरी अज्ञानता मुझे किसी एक की सिफारिश करने से रोकती है। शाम को, थके हुए लेकिन खुश होकर—”

“यार, ये तो मजाक की हद पार कर रहा है!” मैकडोनाल्ड गुस्से से अपनी कुर्सी से उठते हुए चिल्लाया।

“अच्छा, अच्छा, आज का दिन जैसे चाहो वैसे बिताओ,” होम्स ने खुशी से उसके कंधे पर थपथपाते हुए कहा। “जो चाहो करो और जहाँ चाहो जाओ, लेकिन सूर्यास्त से पहले मुझसे यहाँ अवश्य मिलो—ज़रूर, मिस्टर मैक।”

"यह तो ज्यादा समझदारी वाली बात लगती है।"

“आपकी सारी सलाह बहुत अच्छी थी; लेकिन मैं कोई ज़िद नहीं करता, बस जब मुझे आपकी ज़रूरत हो, आप मेरे साथ रहें। पर अब, विदा होने से पहले, मैं चाहता हूँ कि आप श्री बार्कर को एक पत्र लिख दें।”

"कुंआ?"

“अगर आप चाहें तो मैं इसे बोलकर लिखवा सकता हूँ। तैयार हैं?”

"प्रिय महोदय:

मुझे यह बात समझ में आई है कि खाई का पानी निकालना हमारा कर्तव्य है, इस उम्मीद में कि शायद हमें कुछ मिल जाए—"

निरीक्षक ने कहा, "यह असंभव है। मैंने जांच कर ली है।"

“अरे नहीं! मेरे प्रिय महोदय, कृपया वही करें जो मैं आपसे करने के लिए कह रहा हूँ।”

"ठीक है, आगे बढ़ो।"

“— इस उम्मीद में कि हमें कुछ ऐसा मिल जाए जो हमारी जांच में सहायक हो। मैंने व्यवस्था कर ली है, और मजदूर कल सुबह जल्दी ही नदी का रास्ता बदलने के काम में जुट जाएंगे—”

"असंभव!"

“धारा का रुख मोड़ना; इसलिए मैंने पहले से ही मामलों को स्पष्ट करना बेहतर समझा।”

अब इस पर हस्ताक्षर कर दीजिए और इसे लगभग चार बजे हाथ से भेज दीजिए। उस समय हम इस कमरे में फिर मिलेंगे। तब तक हम दोनों अपनी-अपनी मर्जी से कुछ भी कर सकते हैं; क्योंकि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह जांच अब पूरी तरह से रोक दी गई है।

जब हम दोबारा इकट्ठा हुए तो शाम ढल रही थी। होम्स का व्यवहार बेहद गंभीर था, मैं जिज्ञासु था, और जासूस स्पष्ट रूप से आलोचनात्मक और नाराज़ थे।

“ठीक है सज्जनों,” मेरे मित्र ने गंभीरता से कहा, “मैं अब आप सभी से मेरे साथ हर बात को परखने का अनुरोध कर रहा हूं, और आप स्वयं निर्णय लें कि मेरे अवलोकन मेरे निष्कर्षों को सही ठहराते हैं या नहीं। शाम ठंडी है, और मुझे नहीं पता कि हमारा अभियान कितने समय तक चलेगा; इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप अपने सबसे गर्म कोट पहनें। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हम अंधेरा होने से पहले अपने-अपने स्थानों पर पहुंच जाएं; अतः आपकी अनुमति से हम तुरंत प्रस्थान करेंगे।”

हम मैनर हाउस पार्क की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलते रहे, जब तक कि हम एक ऐसी जगह पर नहीं पहुंच गए जहाँ बाड़ की रेलिंग में एक गैप था। हम उसमें से निकल गए, और फिर बढ़ते अंधेरे में हम होम्स के पीछे-पीछे तब तक चलते रहे जब तक कि हम एक झाड़ी तक नहीं पहुंच गए जो मुख्य द्वार और पुल के ठीक सामने थी। पुल अभी उठा हुआ नहीं था। होम्स लॉरेल की आड़ में छिप गए, और हम तीनों ने भी उनका अनुकरण किया।

"तो अब हम क्या करें?" मैकडोनाल्ड ने कुछ रूखेपन से पूछा।

"धैर्य से हमारी आत्माओं को वश में रखें और जितना हो सके कम शोर करें," होम्स ने उत्तर दिया।

हम यहाँ किस लिए आए हैं? मुझे लगता है कि आपको हमारे साथ और अधिक स्पष्टवादिता से पेश आना चाहिए।

होम्स हँसे। उन्होंने कहा, "वॉटसन का कहना है कि मैं असल जिंदगी में एक नाटककार हूँ। मेरे भीतर कलाकार का अंश उमड़ता है और एक शानदार प्रस्तुति के लिए मुझे बार-बार प्रेरित करता है। श्रीमान मैक, हमारा पेशा नीरस और घिनौना होता अगर हम कभी-कभी अपने परिणामों को महिमामंडित करने के लिए माहौल न बनाते। सीधा आरोप, कंधे पर ज़ोरदार थपकी—ऐसे अंत का क्या मतलब निकाला जा सकता है? लेकिन त्वरित निष्कर्ष, सूक्ष्म जाल, आने वाली घटनाओं का चतुर पूर्वानुमान, साहसी सिद्धांतों का विजयी समर्थन—क्या ये हमारे जीवन भर के काम का गौरव और औचित्य नहीं हैं? इस समय आप स्थिति की भव्यता और शिकार की प्रत्याशा से रोमांचित हैं। अगर मैं समय सारिणी की तरह निश्चित होता तो यह रोमांच कहाँ होता? श्रीमान मैक, मैं बस आपसे थोड़ा धैर्य रखने का अनुरोध करता हूँ, और सब कुछ आपके लिए स्पष्ट हो जाएगा।"

"खैर, मुझे उम्मीद है कि ठंड से हमारी मौत होने से पहले गर्व, औचित्य और बाकी सब कुछ आ जाएगा," लंदन के जासूस ने हास्यपूर्ण निराशा के साथ कहा।

हम सभी के पास इस आकांक्षा में शामिल होने का ठोस कारण था; क्योंकि हमारी प्रतीक्षा लंबी और कष्टदायक थी। धीरे-धीरे पुराने घर के लंबे, उदास चेहरे पर अंधेरा छाने लगा। खाई से आती ठंडी, नम दुर्गंध ने हमें अंदर तक कंपा दिया और हमारे दांत किटकिटाने लगे। प्रवेश द्वार के ऊपर एक अकेला दीपक था और उस भयानक अध्ययन कक्ष में एक स्थिर प्रकाश की किरण थी। बाकी सब कुछ अंधेरा और सन्नाटा था।

"यह कब तक चलेगा?" इंस्पेक्टर ने अंत में पूछा। "और हम किस बात पर नज़र रख रहे हैं?"

"मुझे भी नहीं पता कि यह कब तक चलेगा," होम्स ने कुछ तीखे लहजे में जवाब दिया। "अगर अपराधी हमेशा रेलगाड़ियों की तरह अपनी आवाजाही का समय तय कर लें, तो हम सबके लिए ज़्यादा सुविधाजनक होगा। खैर, हम किस बात पर नज़र रख रहे हैं?"

जब वह बोल रहा था, अध्ययन कक्ष में चमकीली पीली रोशनी किसी के आने-जाने से धुंधली हो गई। जिन पेड़ों के बीच हम लेटे थे, वे खिड़की के ठीक सामने थे और उससे सौ फीट से ज़्यादा दूर नहीं थे। तभी कब्ज़ों की चरमराहट के साथ खिड़की खुल गई, और हम धुंधली सी एक आदमी के सिर और कंधों की आकृति को बाहर अंधेरे में झांकते हुए देख सके। कुछ मिनटों तक वह चुपके से, दबे पांव बाहर देखता रहा, मानो कोई यह सुनिश्चित करना चाहता हो कि उसे कोई देख नहीं रहा है। फिर वह आगे झुका, और उस गहरी खामोशी में हमें उथल-पुथल भरे पानी की हल्की लहरें सुनाई दीं। ऐसा लग रहा था जैसे वह अपने हाथ में पकड़ी किसी चीज़ से खाई को हिला रहा हो। फिर अचानक उसने किसी चीज़ को ऐसे खींचा जैसे कोई मछुआरा मछली पकड़ता है - कोई बड़ी, गोल वस्तु जो खुली खिड़की से अंदर खींचते समय रोशनी को ढक रही थी।

"अभी!" होम्स चिल्लाया। "अभी!"

हम सब अपने पैरों पर खड़े हो गए, अकड़े हुए अंगों के साथ लड़खड़ाते हुए उसके पीछे भागे, जबकि वह तेज़ी से पुल पार करके घंटी को ज़ोर से बजाने लगा। दूसरी तरफ से दरवाज़े की कुंडी टूटने की आवाज़ आई और अचंभित एम्स प्रवेश द्वार पर खड़ा रह

गया। होम्स ने बिना कुछ कहे उसे एक तरफ धकेल दिया और हम सबके पीछे-पीछे उस कमरे में घुस गया जहाँ वह आदमी था जिसे हम देख रहे थे।

मेज पर रखा तेल का दीपक उस चमक का प्रतीक था जिसे हमने बाहर से देखा था। अब वह दीपक सेसिल बार्कर के हाथ में था, जिसने हमारे प्रवेश करते ही उसे हमारी ओर कर दिया। उसकी रोशनी उसके मजबूत, दृढ़, साफ-सुथरे चेहरे और उसकी भयावह आँखों पर पड़ रही थी।

“इस सब का क्या मतलब है?” वह चिल्लाया। “आखिर तुम चाहते क्या हो?”

होम्स ने चारों ओर एक सरसरी नजर डाली, और फिर लेखन की मेज के नीचे पड़े एक गीले बंडल पर झपट्टा मारा, जो रस्सी से बंधा हुआ था।

"मिस्टर बार्कर, हम इसी चीज़ की तलाश में हैं - यह बंडल, जिसमें एक डम्बल लगा हुआ है, जिसे आपने अभी-अभी खाई के तल से ऊपर उठाया है।"

बार्कर ने हैरानी भरे चेहरे से होम्स को घूरते हुए पूछा, "तुम्हें इसके बारे में कैसे पता चला?"

"बस मैंने उसे वहां रख दिया था।"

“तुमने इसे वहाँ रखा! तुमने!”

“शायद मुझे कहना चाहिए था ‘उसे वहीं रख दिया,’” होम्स ने कहा। “आपको याद होगा, इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड, कि मुझे डम्बल के न होने पर थोड़ी हैरानी हुई थी। मैंने आपका ध्यान इस ओर दिलाया था; लेकिन अन्य घटनाओं के दबाव में आपके पास इस पर विचार करने का समय नहीं था जिससे आप इससे निष्कर्ष निकाल पाते। जब पानी पास हो और कोई वज़न गायब हो, तो यह अनुमान लगाना कोई बहुत दूर की बात नहीं है कि कुछ पानी में डुबो दिया गया हो। यह विचार कम से कम जाँचने लायक था; इसलिए एम्स की मदद से, जिसने मुझे कमरे में आने दिया, और डॉ. वॉटसन के छाते की मदद से, मैं कल रात इस बंडल को पानी से बाहर निकाल कर उसकी जाँच करने में सक्षम हुआ।”

“सबसे ज़रूरी बात यह साबित करना था कि इसे वहाँ किसने रखा था। हमने यह काम एक बहुत ही आसान तरकीब से किया: यह घोषणा करना कि कल खाई को सुखा दिया जाएगा, जिसका नतीजा यह हुआ कि जिसने भी बंडल छिपाया था, वह अंधेरा होते ही उसे निकाल लेगा। हमारे पास कम से कम चार गवाह हैं जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि किसने इस मौके का फायदा उठाया, इसलिए, श्रीमान बार्कर, मुझे लगता है कि अब फैसला आपको ही करना है।”

शर्लक होम्स ने भीगे हुए बंडल को लैंप के बगल में मेज पर रखा और उसे बांधने वाली डोरी खोल दी। अंदर से उसने एक डम्बल निकाला, जिसे उसने कोने में रखे दूसरे डम्बल की ओर फेंक दिया। फिर उसने जूतों की एक जोड़ी निकाली। "जैसा कि आप देख सकते हैं, ये अमेरिकी हैं," उसने जूतों की उंगलियों की ओर इशारा करते हुए कहा। फिर उसने मेज पर एक लंबा, घातक, म्यान में लिपटा हुआ चाकू रख दिया। अंत में उसने कपड़ों का एक बंडल खोला, जिसमें अंडरवियर का पूरा सेट, मोजे, एक ग्रे ट्वीड सूट और एक छोटा पीला ओवरकोट शामिल था।

होम्स ने टिप्पणी की, "कपड़े तो सामान्य हैं, सिवाय ओवरकोट के, जिसमें कई संकेत छिपे हैं।" उन्होंने उसे कोमलता से प्रकाश की ओर उठाया। “यहां, जैसा कि आप देख रहे हैं, भीतरी जेब को अस्तर में इस तरह बढ़ाया गया है कि उसमें कटी हुई शिकार बंदूक के लिए पर्याप्त जगह मिल सके। दर्जी का टैब गर्दन पर है — ‘नील, आउटफिटर, वर्मिसा, यू.एस.ए.’ मैंने रेक्टर के पुस्तकालय में एक ज्ञानवर्धक दोपहर बिताई है, और यह तथ्य जोड़कर अपना ज्ञान बढ़ाया है कि वर्मिसा संयुक्त राज्य अमेरिका की सबसे प्रसिद्ध कोयला और लौह घाटियों में से एक के शीर्ष पर स्थित एक

समृद्ध छोटा शहर है। मुझे कुछ याद है, श्री बार्कर, कि आपने कोयला क्षेत्रों को श्री डगलस की पहली पत्नी से जोड़ा था, और यह अनुमान लगाना बहुत दूर की बात नहीं होगी कि शव के पास कार्ड पर बना V.V. वर्मिसा घाटी के लिए हो सकती है, या यह वही घाटी हो सकती है जो हत्या के दूत भेजती है, वही भय की घाटी जिसके बारे में हमने सुना है। इतना तो काफी स्पष्ट है। और अब, श्री बार्कर, ऐसा लगता है कि मैं आपकी व्याख्या में कुछ बाधा डाल रहा हूँ।”

महान जासूस के इस प्रदर्शन के दौरान सेसिल बार्कर के भावपूर्ण चेहरे को देखना एक अद्भुत अनुभव था। क्रोध, आश्चर्य, घबराहट और अनिर्णय के भाव बारी-बारी से उनके चेहरे पर छा गए। अंत में उन्होंने कुछ हद तक तीखे व्यंग्य का सहारा लिया।

“आप तो बहुत कुछ जानते हैं, मिस्टर होम्स, शायद आपको हमें कुछ और बताना चाहिए,” उसने व्यंग्य करते हुए कहा।

"मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैं आपको और भी बहुत कुछ बता सकता हूँ, श्रीमान बार्कर; लेकिन इसके लिए आपको अधिक विनम्रता दिखानी होगी।"

"ओह, आपको ऐसा लगता है? खैर, मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि अगर यहां कोई रहस्य है तो वह मेरा रहस्य नहीं है, और मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो इसे उजागर कर दे।"

"ठीक है, अगर आप यही बात मानते हैं, मिस्टर बार्कर," इंस्पेक्टर ने धीमी आवाज़ में कहा, "तो हमें वारंट मिलने और आपको हिरासत में लेने तक आपको अपनी नज़र में रखना होगा।"

बार्कर ने चुनौती भरे लहजे में कहा, "आप इसके बारे में जो चाहें कर सकते हैं।"

जहां तक उनका सवाल था, कार्यवाही पूरी तरह समाप्त हो चुकी थी; क्योंकि उनके कठोर चेहरे को देखकर ही यह स्पष्ट हो जाता था कि कोई भी दृढ़ता उन्हें उनकी इच्छा के विरुद्ध विनती करने के लिए विवश नहीं कर सकती। हालांकि, एक महिला की आवाज ने गतिरोध को तोड़ दिया। श्रीमती डगलस आधे खुले दरवाजे पर खड़ी होकर सुन रही थीं, और अब वह कमरे में दाखिल हुईं।

“सेसिल, तुमने अभी के लिए काफी कुछ कर लिया है,” उसने कहा। “भविष्य में जो भी हो, तुमने काफी कुछ कर लिया है।”

“बस बहुत हो गया,” शर्लक होम्स ने गंभीरता से कहा। “मुझे आपसे पूरी सहानुभूति है, महोदया, और मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप हमारे न्यायक्षेत्र की सामान्य समझ पर भरोसा रखें और पुलिस को पूरी तरह से अपने विश्वास में लें। हो सकता है कि मेरी ही गलती हो कि मैंने उस संकेत पर ध्यान नहीं दिया जो आपने मेरे मित्र डा. वाटसन के माध्यम से मुझे दिया था; लेकिन उस समय मेरे पास यह मानने का पूरा कारण था कि आप अपराध में सीधे तौर पर शामिल थीं। अब मुझे यकीन है कि ऐसा नहीं है। साथ ही, बहुत कुछ अनसुलझा है, और मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप श्री डगलस से उनकी अपनी कहानी बताने के लिए कहें।”

होम्स की बातों पर श्रीमती डगलस आश्चर्य से चीख पड़ीं। हम जासूसों ने भी शायद ऐसा ही किया होगा, तभी हमें एक आदमी दिखाई दिया जो दीवार से निकलता हुआ प्रतीत हुआ, और अब उस कोने के अंधेरे से बाहर आ रहा था जहाँ वह प्रकट हुआ था। श्रीमती डगलस मुड़ीं और पल भर में उनकी बाहें उस आदमी के चारों ओर थीं। बार्कर ने उसका बढ़ाया हुआ हाथ पकड़ लिया था।

“यही सबसे अच्छा तरीका है, जैक,” उसकी पत्नी ने दोहराया; “मुझे पूरा यकीन है कि यही सबसे अच्छा है।”

"जी हां, श्री डगलस," शर्लक होम्स ने कहा, "मुझे यकीन है कि आपको यह सबसे अच्छा लगेगा।"

वह आदमी अंधेरे से उजाले में आए किसी व्यक्ति की तरह हैरान-परेशान होकर हमारी ओर पलकें झपका रहा था। उसका चेहरा असाधारण था - गहरी भूरी आँखें, घनी, छोटी-छोटी कटी हुई सफ़ेद मूंछें, चौकोर, उभरी हुई ठुड्डी और एक विनोदी मुंह। उसने हम सभी को गौर से देखा, और फिर मुझे आश्चर्यचकित करते हुए वह मेरी ओर बढ़ा और मुझे कागज़ों का एक बंडल थमा दिया।

"मैंने आपके बारे में सुना है," उन्होंने एक ऐसी आवाज़ में कहा जो न तो पूरी तरह अंग्रेज़ी थी और न ही पूरी तरह अमेरिकी, लेकिन कुल मिलाकर मधुर और सुखद थी। "आप इस समूह के इतिहासकार हैं। खैर, डॉ. वॉटसन, आपके हाथों से पहले कभी ऐसी कहानी नहीं गुज़री होगी, और मैं इस पर अपना आखिरी पैसा भी दांव पर लगा सकता हूं। इसे अपने तरीके से बताइए; लेकिन तथ्य तो हैं ही, और जब तक आपके पास वे तथ्य हैं, आप जनता को निराश नहीं कर सकते। मैं दो दिनों से बंद था, और मैंने दिन के उजाले के घंटे—जितना दिन का उजाला मुझे उस चूहेदानी में मिल सका—इस कहानी को शब्दों में पिरोने में बिताए हैं। आप और आपकी जनता, आप इन्हें रख सकते हैं। ये है डर की घाटी की कहानी।"

"वह तो अतीत की बात है, श्री डगलस," शर्लक होम्स ने शांत स्वर में कहा। "अब हम आपसे वर्तमान की कहानी सुनना चाहते हैं।"

"जी सर, आपको मिल जाएगी," डगलस ने कहा। "क्या मैं बात करते हुए सिगरेट पी सकता हूँ? शुक्रिया, श्रीमान होम्स। अगर मुझे ठीक से याद है, तो आप भी सिगरेट पीते हैं, और आप समझ सकते हैं कि दो दिन तक जेब में तंबाकू रखकर बैठे रहना और इस डर से सहमे रहना कैसा होता है कि कहीं उसकी गंध से किसी को पता न चल जाए।" वह शेल्फ से टिक गया और होम्स द्वारा दी गई सिगार का कश लेने लगा। "मैंने आपके बारे में सुना है, श्रीमान होम्स। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि आपसे मुलाकात होगी। लेकिन इससे पहले कि आप अपनी बात पूरी करें," उसने मेरे कागजों की ओर इशारा करते हुए कहा, "आप कहेंगे कि मैं आपके लिए कुछ नया लाया हूं।"

इंस्पेक्टर मैकडोनाल्ड नए आए व्यक्ति को अत्यंत आश्चर्य से घूर रहे थे। अंत में वे चिल्लाए, "अरे बाप रे! ये तो मेरी समझ से परे है! अगर आप बर्लस्टोन मैनर के श्री जॉन डगलस हैं, तो हम पिछले दो दिनों से किसकी मृत्यु की जांच कर रहे हैं, और आप अचानक कहाँ से प्रकट हो गए? मुझे तो ऐसा लगा जैसे आप अचानक फर्श से किसी खिलौने की तरह निकल आए हों।"

"अरे, श्रीमान मैक," होम्स ने उंगली हिलाते हुए फटकार लगाई और कहा, "आपने राजा चार्ल्स के छिपने के बारे में लिखी गई उस बेहतरीन स्थानीय संकलन को नहीं पढ़ा होगा। उन दिनों लोग बिना बेहतरीन छिपने की जगहों के नहीं छिपते थे, और जिस जगह का एक बार इस्तेमाल हो चुका है, उसका दोबारा इस्तेमाल भी हो सकता है। मुझे तो पूरा यकीन था कि हमें श्रीमान डगलस इसी छत के नीचे मिलेंगे।"

"मिस्टर होम्स, आप कब से हमारे साथ यह चाल चल रहे हैं?" इंस्पेक्टर ने गुस्से से कहा। "कब से आपने हमें एक ऐसी खोज में अपना समय बर्बाद करने दिया है जिसके बारे में आप जानते ही थे कि यह बेतुकी है?"

"बिल्कुल नहीं, मेरे प्रिय श्री मैक। मैंने इस मामले पर अपने विचार कल रात ही बनाए। चूंकि आज शाम तक इनकी पुष्टि नहीं हो सकती थी, इसलिए मैंने आपको और आपके सहयोगी को आज छुट्टी लेने के लिए आमंत्रित किया। भला मैं और क्या कर सकता था? जब मुझे खाई में कपड़ों का सूट मिला, तो मुझे तुरंत समझ आ गया कि जो शव हमें मिला है, वह श्री जॉन डगलस का शव बिल्कुल नहीं हो सकता, बल्कि टुनब्रिज वेल्स के साइकिल सवार का ही होना चाहिए। इसके अलावा कोई और निष्कर्ष संभव ही नहीं था। इसलिए मुझे यह पता लगाना था कि श्री जॉन डगलस खुद कहां हो सकते हैं,

और संभावना यही थी कि अपनी पत्नी और दोस्त की मिलीभगत से वह किसी ऐसे घर में छिपे हुए थे जो किसी भगोड़े के लिए काफी सुविधाजनक था, और शांत समय की प्रतीक्षा कर रहे थे ताकि वह अपनी अंतिम भागने की योजना बना सकें।”

“खैर, आपने लगभग सही अनुमान लगाया,” डगलस ने सहमति जताते हुए कहा। “मैंने सोचा था कि मैं आपके ब्रिटिश कानून से बच जाऊंगा; क्योंकि मुझे यकीन नहीं था कि मैं इसके तहत कैसे रहूंगा, और साथ ही मुझे इन पीछा करने वालों को हमेशा के लिए अपने पीछे से हटाने का मौका भी मिल गया। ध्यान रहे, शुरू से अंत तक मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है जिस पर मुझे शर्म आए, और न ही ऐसा कुछ जो मैं दोबारा न करूं; लेकिन जब मैं आपको अपनी कहानी सुनाऊंगा तो आप खुद ही इसका फैसला कर लेंगे। मुझे चेतावनी देने की कोई ज़रूरत नहीं है, इंस्पेक्टर: मैं सच पर अडिग हूं।”

“मैं शुरुआत से शुरू नहीं करने वाला। सब कुछ उसमें लिखा है,” उन्होंने मेरे कागज़ों के बंडल की ओर इशारा करते हुए कहा, “और आपको एक बेहद विचित्र कहानी मिलेगी। बात बस इतनी सी है: कुछ लोग ऐसे हैं जिनके पास मुझसे नफरत करने का ठोस कारण है और वे मुझे पाने के लिए अपना आखिरी पैसा भी दे देंगे। जब तक मैं और वे दोनों जीवित हैं, इस दुनिया में मेरे लिए कोई सुरक्षा नहीं है। उन्होंने शिकागो से कैलिफ़ोर्निया तक मेरा पीछा किया, फिर मुझे अमेरिका से बाहर निकाल दिया; लेकिन जब मैंने शादी की और इस शांत जगह पर बस गई, तो मैंने सोचा कि मेरे आखिरी साल शांति से बीतेंगे।”

“मैंने अपनी पत्नी को कभी नहीं समझाया कि मामला क्या था। मैं उसे इसमें क्यों घसीटता? उसे फिर कभी चैन नहीं मिलता; वह हमेशा किसी न किसी मुसीबत की कल्पना करती रहती। मुझे लगता है कि उसे कुछ तो पता था, क्योंकि मैंने शायद इधर-उधर कुछ कह दिया हो; लेकिन कल तक, जब तक आप सज्जनों ने उसे नहीं देखा, उसे मामले की सच्चाई नहीं पता थी। उसने आप सबको सब कुछ बता दिया, और बार्कर ने भी; क्योंकि जिस रात यह घटना घटी, उस रात स्पष्टीकरण देने का बहुत कम समय था। अब उसे सब कुछ पता है, और अगर मैंने उसे पहले बता दिया होता तो मैं ज्यादा समझदार होता। लेकिन यह एक मुश्किल सवाल था, प्रिय,” उसने एक पल के लिए उसका हाथ अपने हाथ में लिया, “और मैंने सबसे अच्छा काम किया।”

"खैर, सज्जनों, इन घटनाओं से एक दिन पहले मैं टुनब्रिज वेल्स में था, और सड़क पर मुझे एक आदमी की झलक मिली। बस एक झलक ही थी; लेकिन मेरी नज़र ऐसी चीज़ों पर तुरंत पड़ जाती है, और मुझे ज़रा भी शक नहीं हुआ कि वह कौन था। वह मेरा सबसे बड़ा दुश्मन था - एक ऐसा दुश्मन जो इतने सालों से भूखे भेड़िये की तरह मेरा पीछा कर रहा था। मुझे पता था कि मुसीबत आने वाली है, और मैं घर आकर उसके लिए तैयार हो गया। मुझे लगा कि मैं अकेले ही इससे लड़कर निकल जाऊंगा, मेरी किस्मत 1976 के आसपास अमेरिका में एक कहावत बन गई थी। मुझे इस बात पर ज़रा भी शक नहीं था कि वह किस्मत आज भी मेरे साथ है।"

अगले दिन मैं पूरी तरह से सतर्क रहा और पार्क में बिल्कुल नहीं गया। अच्छा ही हुआ, वरना वह अपनी छर्रे वाली बंदूक से मुझ पर तब तक हमला कर देता जब तक मैं उस पर निशाना साध भी नहीं पाता। पुल के ऊपर उठने के बाद—शाम को जब वह पुल ऊपर होता था तो मेरा मन हमेशा शांत रहता था—मैंने उस बात को अपने दिमाग से पूरी तरह निकाल दिया। मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि वह घर में घुसकर मेरा इंतज़ार कर रहा होगा। लेकिन जब मैं अपनी आदत के अनुसार ड्रेसिंग गाउन पहनकर घर का चक्कर लगा रहा था, तो स्टडी रूम में घुसते ही मुझे खतरे का आभास हुआ। मुझे लगता है कि जब किसी इंसान ने अपने जीवन में कई खतरे देखे हों—और मैंने अपने जीवन में बहुत से लोगों से ज़्यादा खतरे देखे हैं—तो एक तरह की छठी इंद्री काम

करती है जो खतरे का संकेत देती है। मुझे संकेत साफ-साफ दिख रहा था, फिर भी मैं आपको यह नहीं बता सकता कि क्यों। अगले ही पल मैंने खिड़की के पर्दे के नीचे एक जूता देखा, और फिर मुझे साफ-साफ समझ आ गया कि ऐसा क्यों हुआ।

“मेरे हाथ में बस एक ही मोमबत्ती थी; लेकिन खुले दरवाजे से हॉल के लैंप की अच्छी रोशनी आ रही थी। मैंने मोमबत्ती नीचे रख दी और मेंटलपीस पर रखे हथौड़े को उठाने के लिए झपटा। ठीक उसी क्षण वह मुझ पर झपटा। मैंने चाकू की चमक देखी और हथौड़े से उस पर वार किया। उसे कहीं चोट लगी; क्योंकि चाकू फर्श पर गिर गया। वह मछली की तरह फुर्ती से मेज के चारों ओर घूम गया और एक पल में उसने अपने कोट के नीचे से बंदूक निकाल ली। मैंने उसे बंदूक लोड करते सुना; लेकिन गोली चलने से पहले ही मैंने बंदूक छीन ली थी। मैंने बंदूक की नली पकड़ ली थी और हम एक मिनट से अधिक समय तक एक-दूसरे से जूझते रहे। जिस आदमी की पकड़ छूट जाती, उसकी मौत निश्चित थी।”

“उसने अपनी पकड़ नहीं छोड़ी; लेकिन उसने बंदूक का बट नीचे की ओर कुछ ज्यादा देर तक झुकाए रखा। शायद मैंने ही ट्रिगर दबाया हो। शायद हम दोनों के बीच गोली चलने से ऐसा हुआ हो। खैर, दोनों बैरल मेरे चेहरे पर लगीं, और मैं टेड बाल्डविन के बचे-खुचे शरीर को घूर रहा था। मैंने उसे बस्ती में पहचाना था, और फिर जब वह मुझ पर झपटा; लेकिन उसकी अपनी माँ भी उसे उस हालत में नहीं पहचान पाती जिस हालत में मैंने उसे तब देखा था। मैं कठिन काम करने का आदी हूँ; लेकिन उसे देखकर मेरी हालत खराब हो गई।”

“मैं मेज के किनारे लटका हुआ था तभी बार्कर जल्दी से नीचे आया। मैंने अपनी पत्नी के आने की आवाज सुनी और दौड़कर दरवाजे पर गया और उसे रोक लिया। यह दृश्य किसी महिला के लिए असहनीय था। मैंने उससे वादा किया कि मैं जल्द ही उसके पास आऊंगा। मैंने बार्कर से एक-दो शब्द कहे—उसने एक नज़र में सब कुछ समझ लिया—और हम बाकी लोगों के आने का इंतजार करने लगे। लेकिन उनका कोई आभास नहीं हुआ। तब हमें समझ आया कि वे कुछ भी नहीं सुन सकते थे, और जो कुछ भी हुआ था वह केवल हमें ही पता था।”

“तभी मुझे यह विचार आया। मैं इसकी चमक से सचमुच चकित रह गया। उस आदमी की आस्तीन ऊपर सरक गई थी और उसकी बांह पर लॉज का ब्रांडेड निशान था। यहाँ देखो!”

जिस व्यक्ति को हम डगलस के नाम से जानते थे, उसने अपना कोट और कफ ऊपर उठाया और एक वृत्त के भीतर एक भूरा त्रिकोण दिखाया, जो बिल्कुल वैसा ही था जैसा हमने मृत व्यक्ति के शरीर पर देखा था।

“उस दृश्य को देखकर ही मैंने यह कदम उठाया। मुझे सब कुछ एक नज़र में ही स्पष्ट दिखाई दिया। उसकी लंबाई, बाल और कद-काठी लगभग मेरे जैसी ही थी। बेचारा, कोई उसके सामने कसम नहीं खा सकता था! मैं कपड़ों का यह सूट लेकर आया, और पंद्रह मिनट में बार्कर और मैंने उसे मेरा ड्रेसिंग गाउन पहना दिया और वह उसी हालत में पड़ा था जैसा आपने उसे पाया। हमने उसका सारा सामान एक गठरी में बांधा, और मैंने उसमें जो एकमात्र भारी चीज़ मिली, उससे वजन डालकर खिड़की से बाहर फेंक दिया। वह कार्ड जो वह मेरे शरीर पर रखने वाला था, उसके शरीर के बगल में पड़ा था।”

“मेरी अंगूठियां उसकी उंगली में पहना दी गईं; लेकिन जब शादी की अंगूठी की बारी आई,” उसने अपना मजबूत हाथ आगे बढ़ाते हुए कहा, “आप खुद देख सकते हैं कि हद हो गई थी। शादी के दिन से मैंने इसे हिलाया नहीं है, और इसे उतारने के लिए तो घिसने की जरूरत पड़ती। वैसे भी, मुझे नहीं पता कि मैं इसे उतारना चाहता भी या नहीं;

लेकिन अगर मैं चाहता भी तो उतार नहीं सकता था। इसलिए हमने उस मामले को ऐसे ही छोड़ दिया। दूसरी तरफ, मैं थोड़ा सा प्लास्टर लेकर आया और उसे वहां लगा दिया जहां मैंने खुद इसी समय एक प्लास्टर पहना हुआ है। मिस्टर होम्स, आप चाहे कितने भी चतुर क्यों न हों, आपसे गलती हो गई; क्योंकि अगर आपने गलती से भी वह प्लास्टर हटाया होता तो आपको उसके नीचे कोई कट नहीं मिलता।"

"खैर, यही स्थिति थी। अगर मैं कुछ समय के लिए छिप सकूँ और फिर ऐसी जगह पहुँच जाऊँ जहां मेरी 'विधवा' मुझसे मिल सके, तो शायद हम बाकी ज़िंदगी शांति से जी सकें। ये शैतान जब तक ज़िंदा रहेंगे, मुझे चैन नहीं लेने देंगे; लेकिन अगर उन्होंने अखबारों में पढ़ लिया कि बाल्डविन ने अपने आदमी को पकड़ लिया है, तो मेरी सारी मुसीबतें खत्म हो जाएँगी। मेरे पास बार्कर और अपनी पत्नी को सब कुछ समझाने का ज़्यादा समय नहीं था; लेकिन वे इतना समझ गए थे कि मेरी मदद कर सकें। मुझे इस छिपने की जगह के बारे में सब पता था, एम्स को भी; लेकिन उसके दिमाग में कभी इस मामले से इसका संबंध जोड़ने का ख्याल नहीं आया। मैं उसमें छिप गया, और बाकी का काम बार्कर को करना था।"

"मुझे लगता है कि आप खुद ही समझ सकते हैं कि उसने क्या किया। उसने खिड़की खोली और चौखट पर निशान बनाया ताकि हत्यारे के भागने का अंदाज़ा लग सके। यह एक मुश्किल काम था; लेकिन पुल ऊपर उठा हुआ था, इसलिए कोई और रास्ता नहीं था। फिर, जब सब कुछ तय हो गया, तो उसने पूरी ताकत से घंटी बजाई। उसके बाद क्या हुआ, आप जानते ही हैं। तो सज्जनों, आप जो चाहें कर सकते हैं; लेकिन मैंने आपको सच और पूरा सच बताया है, ईश्वर मेरी मदद करें! अब मैं आपसे यह पूछता हूँ कि मैं अंग्रेज़ी कानून का पालन कैसे करूं?"

वहां सन्नाटा छा गया जिसे शेर्लक होम्स ने तोड़ा।

"अंग्रेजी कानून मूलतः न्यायपूर्ण कानून है। श्री डगलस, आपको इससे कोई बुरा परिणाम नहीं मिलेगा। लेकिन मैं आपसे पूछना चाहूंगा कि इस व्यक्ति को कैसे पता चला कि आप यहां रहते हैं, या आपके घर में कैसे घुसना है, या आपको पकड़ने के लिए कहां छिपना है?"

मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता।

होम्स का चेहरा एकदम पीला और गंभीर था। उन्होंने कहा, "मुझे डर है कि कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। आपको अंग्रेजी कानून से भी बदतर खतरों का सामना करना पड़ सकता है, या शायद अमेरिका से आए आपके दुश्मनों से भी ज़्यादा खतरनाक। मुझे आपके सामने मुसीबत नज़र आ रही है, मिस्टर डगलस। आप मेरी सलाह मानिए और सतर्क रहिए।"

और अब, मेरे प्रिय पाठकों, मैं आपसे कुछ समय के लिए मेरे साथ चलने का आग्रह करता हूं, ससेक्स के बिरलस्टोन मनोर हाउस से दूर, और उस शुभ वर्ष से भी दूर जिसमें हमने अपनी उस घटनापूर्ण यात्रा की थी जो जॉन डगलस के नाम से जाने जाने वाले व्यक्ति की विचित्र कहानी के साथ समाप्त हुई। मैं चाहता हूँ कि आप समय में लगभग बीस वर्ष पीछे और पश्चिम में हजारों मील दूर यात्रा करें, ताकि मैं आपके सामने एक विलक्षण और भयावह वृत्तांत प्रस्तुत कर सकूं - इतना विलक्षण और इतना भयावह कि आपको यह विश्वास करना मुश्किल हो सकता है कि जैसा मैं इसे बता रहा हूं, यह ठीक वैसा ही घटित हुआ था।

यह मत सोचिए कि मैं एक कहानी खत्म होने से पहले दूसरी कहानी सुना रहा हूँ। जैसे-जैसे आप आगे पढ़ेंगे, आपको पता चलेगा कि ऐसा नहीं है। और जब मैं उन दूर की घटनाओं का विस्तार से वर्णन कर दूंगा और आप अतीत के इस रहस्य को सुलझा

लेंगे, तो हम बेकर स्ट्रीट के उन कमरों में एक बार फिर मिलेंगे, जहाँ यह, कई अन्य अद्भुत घटनाओं की तरह, अपने अंत को प्राप्त करेगा।

भाग 2

द स्कोवरर्स

अध्याय 1

मनुष्य

यह 4 फरवरी, 1875 का दिन था। सर्दी का मौसम भीषण था और गिल्मर्टन पर्वतों की घाटियों में बर्फ की मोटी परत जमी हुई थी। फिर भी, भाप से चलने वाले हल (रेत के हल) ने रेलमार्ग को चालू रखा था और कोयला खनन और लौह उद्योग से जुड़ी बस्तियों की लंबी कतार को जोड़ने वाली शाम की ट्रेन, मैदानी इलाके में स्थित स्टैगविले से वर्मिसा घाटी के शीर्ष पर स्थित केंद्रीय बस्ती वर्मिसा तक जाने वाली खड़ी ढलानों पर धीरे-धीरे कराहती हुई आगे बढ़ रही थी। इस बिंदु से पटरी बार्टन्स क्रॉसिंग, हेल्मडेल और विशुद्ध रूप से कृषि प्रधान मर्टन काउंटी की ओर नीचे की ओर जाती है। यह एक एकल-पटरी वाला रेलमार्ग था; लेकिन हर साइडिंग पर - और ऐसी कई साइडिंग थीं - कोयले और लौह अयस्क से लदे ट्रकों की लंबी कतारें उस छिपी हुई संपत्ति की कहानी बयां करती थीं जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका के इस सबसे सुनसान कोने में एक साधारण आबादी और चहल-पहल को जन्म दिया था।

यह कितना वीरान था! इस इलाके को पार करने वाले पहले यात्री ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी कि सुंदर मैदान और हरे-भरे चारागाह भी इस काली चट्टानों और घने जंगलों से भरी उदास भूमि के सामने फीके पड़ जाएंगे। इसके किनारों पर स्थित घने और अक्सर दुर्गम जंगलों के ऊपर, पहाड़ों की ऊंची, नंगी चोटियाँ, सफेद बर्फ और नुकीली चट्टानें फैली हुई थीं, जिनके बीच में एक लंबी, घुमावदार और टेढ़ी-मेढ़ी घाटी थी। छोटी सी गाड़ी धीरे-धीरे इसी घाटी में रेंगती हुई आगे बढ़ रही थी।

सबसे आगे वाली यात्री गाड़ी में अभी-अभी तेल के दीपक जलाए गए थे। यह एक लंबी, खाली गाड़ी थी जिसमें लगभग बीस-तीस लोग बैठे थे। इनमें से अधिकतर लोग घाटी के निचले हिस्से में दिनभर की मेहनत करके लौट रहे थे। कम से कम एक दर्जन लोगों के चेहरे पर जमी धूल और उनके हाथों में मौजूद सुरक्षा लालटेन से पता चलता था कि वे खनिक हैं। ये लोग समूह में बैठकर सिगरेट पी रहे थे और धीमी आवाज़ में बातें कर रहे थे, बीच-बीच में गाड़ी के दूसरी तरफ बैठे दो आदमियों की ओर देख रहे थे, जिनकी वर्दी और बैज से पता चलता था कि वे पुलिसकर्मी थे।

मजदूर वर्ग की कई महिलाएं और एक-दो यात्री, जो शायद स्थानीय छोटे दुकानदार रहे होंगे, बाकी समूह में शामिल थे, सिवाय एक कोने में अकेले बैठे एक युवक के। हमें इसी युवक से मतलब है। उसे ध्यान से देखिए, क्योंकि वह देखने लायक है।

वह युवा, मध्यम कद का और साफ-सुथरा चेहरा लिए हुए है, जिसकी उम्र तीस के आसपास ही होगी। उसकी बड़ी, समझदार और विनोदी भूरी आँखें हैं जो चश्मे से आसपास के लोगों को देखते समय जिज्ञासा से चमक उठती हैं। यह आसानी से देखा जा सकता है कि वह मिलनसार और शायद सरल स्वभाव का है, जो सभी से मित्रता करना चाहता है। कोई भी उसे देखते ही उसके मिलनसार स्वभाव और बातूनी प्रवृत्ति,

हाजिरजवाबी और हमेशा मुस्कुराते रहने वाले चेहरे के रूप में पहचान सकता है। फिर भी, जो व्यक्ति उसे और करीब से देखता है, वह उसके जबड़े की दृढ़ता और होंठों की कसी हुई भाव-भंगिमा को देख सकता है, जो उसे आगाह करती है कि उसके भीतर कुछ गहरा रहस्य छिपा है, और यह हंसमुख, भूरे बालों वाला आयरिश युवक जिस भी समाज में प्रवेश करेगा, उस पर अच्छा या बुरा प्रभाव छोड़ सकता है।

पास के एक खनिक से एक-दो झिझक भरी बातें करने के बाद, और केवल संक्षिप्त, रूखे जवाब मिलने पर, यात्री ने खुद को अप्रिय चुप्पी में डुबो दिया, और उदास होकर खिड़की से बाहर लुप्त होते परिदृश्य को घूरता रहा।

यह कोई उत्साहजनक दृश्य नहीं था। बढ़ते अंधकार के बीच पहाड़ियों के किनारों पर भट्टियों की लालिमा चमक रही थी। दोनों ओर लावा और राख के बड़े-बड़े ढेर दिखाई दे रहे थे, जिनके ऊपर कोयला खदानों की ऊंची-ऊंची खदानें खड़ी थीं। लकड़ी के छोटे-छोटे, साधारण से घर, जिनकी खिड़कियां रोशनी में हल्की-हल्की दिखाई देने लगी थीं, रेलवे लाइन के किनारे बिखरे हुए थे, और बार-बार पड़ने वाले पड़ावों पर सांवले रंग के निवासी भीड़ लगाए बैठे थे।

वर्मिसा जिले की लौह और कोयला घाटियाँ आरामपसंद या सुसंस्कृत लोगों के लिए कोई विश्राम स्थल नहीं थीं। हर जगह जीवन के सबसे कठिन संघर्ष, किए जाने वाले कठिन परिश्रम और उसे करने वाले मेहनती और मजबूत श्रमिकों के कठोर संकेत दिखाई देते थे।

युवा यात्री ने घृणा और जिज्ञासा से भरे भावों से इस उजाड़ देश को निहारते हुए देखा, जिससे पता चलता था कि यह दृश्य उसके लिए नया था। वह बीच-बीच में अपनी जेब से एक मोटा पत्र निकालता, जिसका वह संदर्भ लेता और जिसके हाशिये पर कुछ नोट्स लिखता। एक बार उसने अपनी कमर के पीछे से कुछ ऐसा निकाला जिसकी इतने शांत स्वभाव वाले व्यक्ति के पास होने की शायद ही उम्मीद की जा सकती थी। यह एक बड़े आकार का नौसेना का रिवॉल्वर था। जब उसने इसे प्रकाश में तिरछा किया, तो ड्रम के अंदर तांबे की गोलियों के किनारों पर चमक से पता चला कि यह पूरी तरह से भरा हुआ था। उसने जल्दी से इसे अपनी गुप्त जेब में वापस रख लिया, लेकिन इससे पहले कि वह ऐसा कर पाता, पास की बेंच पर बैठे एक मजदूर ने उसे देख लिया था।

“हेलो दोस्त!” उसने कहा। “तुम पूरी तरह तैयार और सजग लग रहे हो।”

युवक ने शर्मिंदगी भरे भाव से मुस्कुराया।

“हां,” उसने कहा, “जिस जगह से मैं आता हूं, वहां हमें कभी-कभी उनकी जरूरत पड़ती है।”

और वह जगह कहाँ हो सकती है?

मैं शिकागो से आखिरी व्यक्ति हूं।

"क्या आप इस इलाके में अजनबी हैं?"

"हाँ।"

“हो सकता है आपको यहाँ इसकी ज़रूरत पड़ जाए,” कामगार ने कहा।

“अरे! क्या ऐसा है?” युवक ने दिलचस्पी दिखाई।

"क्या आपने यहाँ आसपास की किसी भी गतिविधि के बारे में कुछ नहीं सुना है?"

"कुछ भी असामान्य नहीं है।"

“अरे, मुझे लगा था कि पूरा देश इससे भरा पड़ा है। तुम्हें जल्दी ही पता चल जाएगा। तुम यहाँ क्यों आए हो?”

मैंने सुना है कि इच्छुक व्यक्ति के लिए हमेशा काम उपलब्ध रहता है।

क्या आप यूनियन के सदस्य हैं?

"ज़रूर।"
"तो मुझे लगता है कि तुम्हें नौकरी मिल जाएगी। क्या तुम्हारे कोई दोस्त हैं?"
"अभी नहीं; लेकिन मेरे पास उन्हें बनाने के साधन हैं।"
तो फिर कैसा रहेगा?
मैं प्रतिष्ठित स्वतंत्र व्यक्तियों के समूह का सदस्य हूँ। ऐसा कोई शहर नहीं है जहाँ लॉज न हो, और जहाँ लॉज होता है, मुझे मेरे दोस्त मिल जाते हैं।
उस टिप्पणी का उसके साथी पर अनोखा प्रभाव पड़ा। उसने संदेह भरी निगाहों से कार में बैठे अन्य लोगों की ओर देखा। खनिक अभी भी आपस में फुसफुसा रहे थे। दोनों पुलिस अधिकारी ऊंघ रहे थे। वह आगे बढ़ा, उस युवा यात्री के पास बैठ गया और अपना हाथ आगे बढ़ाया।
"इसे वहां रख दो," उसने कहा।
दोनों के बीच हाथ का संपर्क हुआ।
"मैं देख रहा हूँ कि तुम सच कह रहे हो," मजदूर ने कहा। "लेकिन पक्का कर लेना बेहतर है।" उसने अपना दाहिना हाथ अपनी दाहिनी भौंह पर रखा। यात्री ने तुरंत अपना बायाँ हाथ अपनी बाईं भौंह पर रख लिया।
"अंधेरी रातें अप्रिय होती हैं," मजदूर ने कहा।
"हां, अजनबियों के लिए यात्रा करने के लिए," दूसरे ने उत्तर दिया।
"बस इतना ही काफी है। मैं ब्रदर स्कैनलन हूं, लॉज 341, वर्मिसा वैली से। आपको यहां देखकर खुशी हुई।"
"धन्यवाद। मैं ब्रदर जॉन मैकमुर्डो, लॉज 29, शिकागो से हूं। बॉडीमास्टर जे. एच. स्कॉट। लेकिन मुझे सौभाग्य है कि इतनी जल्दी एक भाई से मुलाकात हुई।"
"खैर, हम जैसे लोग तो काफी हैं। वर्मिसा वैली से ज्यादा फलता-फूलता संगठन आपको पूरे अमेरिका में कहीं नहीं मिलेगा। लेकिन हमें आप जैसे कुछ जवानों की जरूरत है। मुझे समझ नहीं आता कि शिकागो में एक चुस्त-दुरुस्त संगठन के आदमी को काम क्यों नहीं मिल रहा।"
मैकमर्डो ने कहा, "मुझे करने के लिए बहुत काम मिल गया।"
तो फिर आपने क्यों छोड़ा?
मैकमर्डो ने पुलिसकर्मियों की ओर इशारा करते हुए मुस्कुराया। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि उन लोगों को यह जानकर खुशी होगी।"
स्कैनलन ने सहानुभूति से आह भरी। "मुसीबत में हो?" उसने फुसफुसाते हुए पूछा।
"गहरा।"
"क्या यह जेल की नौकरी है?"
"और बाकि।"
"कोई हत्या नहीं!"
"अभी इन सब बातों पर चर्चा करना जल्दबाजी होगी," मैकमर्डो ने ऐसे लहजे में कहा जैसे किसी आश्चर्य के कारण उन्होंने अपनी इच्छा से अधिक बोल दिया हो। "शिकागो छोड़ने के मेरे अपने ठोस कारण हैं, और यही आपके लिए काफी है। आप कौन होते हैं जो आपसे ये सब पूछने का अधिकार रखते हैं?" उनके चश्मे के पीछे से उनकी भूरी आँखों में अचानक और खतरनाक क्रोध झलक रहा था।
"ठीक है दोस्त, मेरा मतलब बुरा मानना नहीं था। तुमने जो भी किया हो, लड़के तुम्हारे बारे में कुछ बुरा नहीं सोचेंगे। अब तुम कहाँ जा रहे हो?"
"वर्मिस्सा।"
"यह तीसरी स्टॉप है। आप कहाँ ठहर रहे हैं?"

मैकमर्डो ने एक लिफाफा निकाला और उसे धुंधले तेल के दीपक के पास रखा। "यह रहा पता — जैकब शैफ्टर, शेरिडन स्ट्रीट। यह एक गेस्ट हाउस है जिसकी सिफारिश शिकागो में मेरे एक परिचित ने की थी।"

"खैर, मुझे पता नहीं है; लेकिन वर्मिस्सा मेरे इलाके से बाहर है। मैं हॉब्सन पैच में रहता हूँ, और हम यहीं आकर रुकेंगे। लेकिन, विदा होने से पहले मैं तुम्हें एक सलाह देना चाहता हूँ: अगर वर्मिस्सा में तुम किसी मुसीबत में पड़ जाओ, तो सीधे यूनियन हाउस जाओ और बॉस मैकगिन्टी से मिलो। वो वर्मिस्सा लॉज के बॉडीमास्टर हैं, और यहाँ कुछ भी तब तक नहीं हो सकता जब तक ब्लैक जैक मैकगिन्टी न चाहें। अलविदा, दोस्त! शायद हम किसी शाम लॉज में मिलें। लेकिन मेरी बात याद रखना: अगर तुम किसी मुसीबत में पड़ो, तो बॉस मैकगिन्टी के पास जाना।"

स्कैनलन नीचे उतर गया, और मैकमर्डो एक बार फिर अपने विचारों में खो गया। रात हो चुकी थी, और लगातार जलती भट्टियों की लपटें अंधेरे में दहाड़ रही थीं और उछल रही थीं। उनकी भयावह पृष्ठभूमि में, अंधेरी आकृतियाँ झुक रहीं थीं, ज़ोर लगा रही थीं, मुड़ रही थीं और घूम रही थीं, चरखी या झूले की गति के साथ, एक निरंतर खड़खड़ाहट और गर्जना की लय में।

"मुझे लगता है नरक कुछ ऐसा ही दिखता होगा," एक आवाज ने कहा।

मैकमर्डो ने मुड़कर देखा तो पाया कि पुलिसकर्मियों में से एक अपनी सीट पर हिल गया था और जलते हुए वीरान इलाके की ओर घूर रहा था।

"वैसे तो," दूसरे पुलिसवाले ने कहा, "मैं मानता हूँ कि नरक कुछ ऐसा ही होगा। अगर वहाँ कुछ ऐसे शैतान भी हैं जिनका नाम हम ले सकते हैं, तो यह मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा होगा। लगता है तुम इस इलाके में नए हो, नौजवान?"

"अच्छा, अगर मैं हूँ तो क्या हुआ?" मैकमर्डो ने चिड़चिड़े स्वर में उत्तर दिया।

"बस यही, महोदय, मैं आपको सलाह देना चाहूंगा कि अपने दोस्तों को चुनने में सावधानी बरतें। अगर मैं आपकी जगह होता, तो शायद माइक स्कैनलन या उसके गिरोह से दोस्ती शुरू नहीं करता।"

"तुम्हें क्या फर्क पड़ता है कि तुम मेरे दोस्त हो?" मैकमर्डो इतनी ज़ोर से चिल्लाया कि गाड़ी में बैठे सभी लोग उसकी ओर मुड़कर देखने लगे। "क्या मैंने तुमसे सलाह मांगी थी, या तुम्हें लगता है कि मैं इतना बेवकूफ हूँ कि सलाह के बिना हिल भी नहीं सकता? जब तुमसे कुछ कहा जाए तभी बोलो, और भगवान कसम, अगर मैं होता तो तुम्हें बहुत देर तक इंतज़ार करना पड़ता!" उसने अपना चेहरा आगे करके गश्ती दल के पुलिसकर्मियों पर गुर्राते हुए मुस्कुराया।

दोनों पुलिसकर्मी, जो भारी-भरकम और मिलनसार व्यक्ति थे, इस बात से अचंभित रह गए कि उनके मैत्रीपूर्ण प्रस्तावों को असाधारण उग्रता के साथ अस्वीकार कर दिया गया था।

"माफ़ करना, अजनबी," एक ने कहा। "यह तुम्हारी भलाई के लिए एक चेतावनी थी, क्योंकि तुम्हारे अपने हावभाव से लगता है कि तुम इस जगह पर नए हो।"

"मैं इस जगह पर नया हूँ; लेकिन मैं तुम्हारे और तुम्हारे जैसे लोगों से अनजान नहीं हूँ!" मैकमर्डो ने ठंडे गुस्से में चिल्लाते हुए कहा। "मुझे लगता है कि तुम हर जगह एक जैसे ही हो, बिना पूछे ही अपनी सलाह थोप देते हो।"

"शायद हम आपको जल्द ही फिर से देखेंगे," गश्ती दल के एक जवान ने मुस्कुराते हुए कहा। "अगर मैं सही कहूँ तो आप वाकई में चुने हुए व्यक्ति हैं।"

"मैं भी यही सोच रहा था," दूसरे ने कहा। "लगता है हम फिर मिलेंगे।"

"मैं तुमसे डरता नहीं हूँ, और ऐसा सोचना भी मत!" मैकमर्डो चिल्लाया। "मेरा नाम जैक मैकमर्डो है — देखा? अगर तुम मुझे ढूंढ रहे हो, तो मैं तुम्हें वर्मिसा के शेरिडन

स्टॉट पर जेकब शेफ्टर के यहाँ मिलूंगा; तो मैं तुमसे छिप नहीं रहा हूँ, है ना? दिन हो या रात, मैं तुम्हारे जैसे लोगों का सामना करने की हिम्मत रखता हूँ — इस बारे में कोई गलतफहमी मत रखना!”

नए आने वाले व्यक्ति के निडर व्यवहार को देखकर खनिकों के बीच सहानुभूति और प्रशंसा की हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी, जबकि दोनों पुलिसकर्मियों ने अपने कंधे उचकाए और आपस में बातचीत फिर से शुरू कर दी।

कुछ मिनट बाद ट्रेन कम रोशनी वाले स्टेशन पर पहुँची और वहाँ चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ था; क्योंकि वर्मिसा उस मार्ग का सबसे बड़ा कस्बा था। मैकमुर्डो ने अपना चमड़े का थैला उठाया और अंधेरे में जाने ही वाला था कि तभी एक खनिक ने उसे रोक लिया।

“वाह यार! पुलिस से बात करने का तरीका तो तुम्हें पता है,” उसने विस्मय भरी आवाज़ में कहा। “तुम्हारी बात सुनकर बहुत अच्छा लगा। चलो मैं तुम्हारा सामान उठा लेता हूँ और तुम्हें रास्ता दिखा देता हूँ। मैं अपने घर जाते समय शाफ़्टर की दुकान के पास से गुज़र रहा हूँ।”

प्लेटफ़ॉर्म से गुज़रते समय अन्य खनिकों ने एक साथ दोस्ताना अंदाज़ में "शुभ रात्रि" कहा। वर्मिसा में कदम रखने से पहले ही, उग्र स्वभाव वाला मैकमुर्डो वहाँ एक जाना-माना चेहरा बन चुका था।

देश आतंक का गढ़ रहा था; लेकिन यह कस्बा उससे भी कहीं अधिक निराशाजनक था। उस लंबी घाटी में, विशाल आग और उड़ते धुएं के बादलों में कम से कम एक उदास भव्यता तो झलकती थी, जबकि मनुष्य की शक्ति और परिश्रम के उपयुक्त स्मारक उन पहाड़ियों में दिखाई देते थे जिन्हें उसने अपने विशाल उत्खनन के किनारे बिखेर दिया था। लेकिन कस्बे में घोर कुरूपता और गंदगी का बोलबाला था। चौड़ी सड़क यातायात के कारण कीचड़ और बर्फ के भयानक गड्ढों में बदल गई थी। फुटपाथ संकरे और ऊबड़-खाबड़ थे। असंख्य गैस-दीपक केवल लकड़ी के घरों की एक लंबी कतार को और अधिक स्पष्ट रूप से दर्शाते थे, जिनमें से प्रत्येक का बरामदा सड़क की ओर था, जो अव्यवस्थित और गंदा था।

जैसे ही वे कस्बे के केंद्र के पास पहुंचे, रोशनी से जगमगाती दुकानों की एक कतार ने दृश्य को और भी रोशन कर दिया, और उससे भी अधिक शराबखानों और जुआघरों के एक समूह ने, जिनमें खनिक अपनी कड़ी मेहनत से अर्जित लेकिन उदार मजदूरी खर्च करते थे।

गाइड ने एक ऐसे बार की ओर इशारा करते हुए कहा, जो लगभग होटल के स्तर तक ऊंचा था, "यह यूनियन हाउस है। जैक मैकगिन्टी वहां का मालिक है।"

"वह किस तरह का आदमी है?" मैकमर्डो ने पूछा।

“क्या! तुमने बॉस के बारे में कभी नहीं सुना?”

"मुझे उसके बारे में कैसे पता चल सकता था, जबकि आप जानते हैं कि मैं इस इलाके में अजनबी हूँ?"

"खैर, मुझे लगा कि उसका नाम पूरे देश में जाना जाता है। अखबारों में उसका नाम अक्सर आता रहता है।"

“किसलिए?”

“खैर,” खनिक ने अपनी आवाज धीमी करते हुए कहा— “मामलों के बारे में बात करते हैं।”

“कौन से मामले?”

“हे भगवान! महोदय, आप तो बड़े ही विचित्र हैं, अगर मुझे बिना किसी को ठेस पहुंचाए यह कहना पड़े तो। इन इलाकों में आपको केवल एक ही तरह के मामले सुनने

को मिलेंगे, और वो हैं स्कॉवर परिवार के मामले।"

"अरे, मैंने शिकागो में स्कॉवरर्स के बारे में पढ़ा है। क्या वे हत्यारों का गिरोह नहीं हैं?"

"चुप रहो, अपनी जान की कसम!" खनिक घबराकर वहीं खड़ा रहा और अपने साथी को हैरानी से देखता रहा। "यार, अगर तुम खुलेआम सड़क पर ऐसे बोलोगे तो यहां ज्यादा दिन नहीं टिक पाओगे। कई लोगों को इससे भी कम बात पर पीट-पीटकर मार डाला गया है।"

"खैर, मुझे उनके बारे में कुछ नहीं पता। मैंने बस वही पढ़ा है जो मुझे पता है।"

"और मैं यह नहीं कह रहा कि तुमने सच नहीं पढ़ा है।" बोलते हुए वह आदमी घबराकर इधर-उधर देखने लगा, मानो परछाइयों में झाँक रहा हो, मानो उसे किसी छिपे हुए खतरे का डर हो। "अगर हत्या, कत्ल है, तो भगवान जानता है कि यहाँ कई कत्ल हुए हैं। लेकिन अजनबी, जैक मैकगिन्टी का नाम ज़रा भी मत लेना; क्योंकि हर फुसफुसाहट उसी तक पहुँचती है, और वह इसे यूँ ही जाने नहीं देगा। अब, वह घर जिसकी तुम्हें तलाश है, जो गली से थोड़ा पीछे है। वहाँ तुम्हें बूढ़ा जैकब शैफ्टर मिलेगा, जो उस घर को चलाता है, इस कस्बे में रहने वाले सबसे ईमानदार लोगों में से एक।"

"आपका धन्यवाद," मैकमर्डो ने कहा और अपने नए परिचित से हाथ मिलाते हुए, अपने थैले को हाथ में लिए हुए, उस रास्ते पर आगे बढ़ गया जो उस घर की ओर जाता था, जिसके दरवाजे पर उसने ज़ोरदार दस्तक दी।

दरवाजा खुलते ही एक ऐसी शख्सियत ने दरवाजा खोला जो उसकी उम्मीदों से बिल्कुल अलग थी। वह एक युवती थी, युवा और बेहद खूबसूरत। वह जर्मन मूल की थी, सुनहरे बालों वाली, और उसकी खूबसूरत गहरी आँखों में एक अलग ही आकर्षण था। उसने अजनबी को आश्चर्य और एक सुखद शर्मिंदगी भरी निगाहों से देखा, जिससे उसके पीले चेहरे पर लाली की एक लहर दौड़ गई। खुले दरवाजे की तेज रोशनी में, मैकमुर्डो को लगा कि उसने इससे पहले कभी इतना सुंदर दृश्य नहीं देखा था; यह दृश्य आसपास के गंदे और उदास वातावरण के विपरीत होने के कारण और भी आकर्षक लग रहा था। खानों के उन काले कचरे के ढेरों में से किसी एक पर उगता हुआ एक सुंदर बैंगनी फूल भी इतना आश्चर्यजनक नहीं लगता। वह इतना मुग्ध हो गया था कि बिना कुछ बोले उसे घूरता रहा, और तभी उस युवती ने चुप्पी तोड़ी।

"मुझे लगा कि पिताजी हैं," उसने जर्मन लहजे की हल्की सी मधुरता के साथ कहा। "क्या आप उनसे मिलने आए हैं? वे शहर के बीच में हैं। मुझे हर पल उनके लौटने की उम्मीद है।"

मैकमर्डो खुलेआम प्रशंसा भरी निगाहों से उसे देखती रही, जब तक कि इस कुशल आगंतुक के सामने उसकी निगाहें हैरानी से नीचे नहीं झुक गईं।

"नहीं महोदया," उसने अंत में कहा, "मुझे उससे मिलने की कोई जल्दी नहीं है। लेकिन मुझे आपके घर में रहने की सलाह दी गई थी। मैंने सोचा कि यह मेरे लिए उपयुक्त हो सकता है - और अब मुझे यकीन हो गया है कि यह उपयुक्त ही होगा।"

"तुम बहुत जल्दी फैसला कर लेते हो," उसने मुस्कुराते हुए कहा।

"एक अंधे व्यक्ति को छोड़कर कोई भी इतना काम कर सकता है," दूसरे ने उत्तर दिया।

तारीफ सुनकर वह हंस पड़ी। "जी सर, अंदर आइए," उसने कहा। "मैं मिस एट्टी शैफ्टर हूं, मिस्टर शैफ्टर की बेटी। मेरी मां का निधन हो चुका है, और मैं घर संभालती हूं। आप पिताजी के आने तक सामने वाले कमरे में चूल्हे के पास बैठ जाइए — अरे, वह आ गए! तो आप उनसे अभी बात कर लीजिए।"

एक भारी-भरकम, बुजुर्ग व्यक्ति पगडंडी पर धीरे-धीरे चलता हुआ आया। मैकमर्डो ने कुछ ही शब्दों में अपना काम समझाया। मर्फी नाम के एक व्यक्ति ने उसे शिकागो का पता दिया था। मर्फी को यह पता किसी और से मिला था। बूढ़ा शैफ्टर पूरी तरह तैयार था। अजनबी ने शर्तों को लेकर कोई आनाकानी नहीं की, हर शर्त पर तुरंत सहमत हो गया और जाहिर तौर पर उसके पास काफी पैसा था। सात डॉलर प्रति सप्ताह के अग्रिम भुगतान के बदले उसे भोजन और आवास की व्यवस्था की जानी थी।

इस प्रकार, न्याय से भगोड़ा घोषित करने वाले मैकमर्डो ने शैफ्टर्स के घर में अपना ठिकाना बनाया, जो घटनाओं की एक लंबी और अंधकारमय श्रृंखला का पहला कदम था, जिसका अंत एक दूर देश में हुआ।

अध्याय दो

बॉडीमास्टर

मैकमर्डो एक ऐसा व्यक्ति था जिसने बहुत जल्दी अपनी पहचान बना ली। वह जहाँ भी होता, आस-पास के लोग जल्द ही उसे जान जाते। एक सप्ताह के भीतर ही वह शैफ्टर के यहाँ सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गया। वहाँ दस-बारह किराएदार रहते थे; लेकिन वे ईमानदार फोरमैन या स्टोर के साधारण क्लर्क थे, जो उस युवा आयरिशमैन से बिल्कुल अलग स्तर के थे। जब भी शाम को वे सब इकट्ठा होते, तो उसका चुटकुला हमेशा सबसे अच्छा होता था, उसकी बातचीत सबसे मजेदार और उसका गाना सबसे बढ़िया। वह जन्मजात मिलनसार था, उसमें एक ऐसा आकर्षण था जो उसके आस-पास के सभी लोगों को खुश कर देता था।

फिर भी, जैसा कि उसने रेलगाड़ी के डिब्बे में दिखाया था, उसने बार-बार अचानक, भयंकर क्रोध करने की क्षमता प्रदर्शित की, जिसने उससे मिलने वालों के मन में सम्मान और यहाँ तक कि भय भी पैदा कर दिया। कानून और उससे जुड़े सभी लोगों के प्रति भी उसने घोर तिरस्कार दिखाया, जिससे उसके कुछ साथी बोर्डर्स प्रसन्न हुए और कुछ भयभीत हो गए।

शुरू से ही उसने अपनी खुली प्रशंसा से यह स्पष्ट कर दिया था कि घर की बेटी ने उसकी सुंदरता और आकर्षण को देखते ही उसका दिल जीत लिया था। वह कोई संकोची प्रेमी नहीं था। दूसरे ही दिन उसने उससे अपने प्यार का इज़हार कर दिया और तब से वह इस बात को बार-बार दोहराता रहा, चाहे वह उसे हतोत्साहित करने के लिए कुछ भी कहे।

“कोई और?” वह चिल्लाता। “खैर, किसी और की बदकिस्मती! उसे अपना ख्याल खुद रखना चाहिए! क्या मैं किसी और के लिए अपनी जिंदगी का सुनहरा मौका और दिल की सारी ख्वाहिशें खो दूं? तुम चाहे जितनी बार ना कहो, एट्टीः वो दिन जरूर आएगा जब तुम हां कहोगी, और मैं अभी इतना जवान हूँ कि इंतजार कर सकता हूँ।”

वह अपनी मीठी आयरिश ज़ुबान और आकर्षक, मोहक अदाओं से एक खतरनाक आशिक था। उसके व्यक्तित्व में अनुभव और रहस्य का वह आकर्षण भी था जो किसी स्त्री की रुचि और अंततः उसके प्रेम को आकर्षित करता है। वह काउंटी मोनाघन की उन रमणीय घाटियों के बारे में बात कर सकता था जहाँ से वह आया था, उस सुंदर, दूरदराज के द्वीप के बारे में, जिसकी नीची पहाड़ियाँ और हरे-भरे मैदान इस धूल और बर्फ से ढके स्थान से कल्पना में और भी सुंदर प्रतीत होते थे।

फिर उन्हें उत्तरी शहरों, डेट्राइट, मिशिगन के लकड़ी के कारखानों और अंत में शिकागो के जीवन का वाकिफ कराया गया, जहाँ उन्होंने एक लकड़ी की चक्की में

काम किया था। और उसके बाद रोमांस का आभास हुआ, यह एहसास हुआ कि उस महान शहर में उनके साथ कुछ अजीबोगरीब घटनाएं घटी थीं, इतनी अजीब और इतनी अंतरंग कि उनके बारे में बात करना उचित नहीं था। उन्होंने अचानक बिछड़ने, पुराने रिश्तों के टूटने, एक अनजान दुनिया में पलायन करने और अंत में इस सुनसान घाटी में आकर बसने की उदासी भरी बातें कीं, और एट्टी ने ध्यान से सुना, उसकी गहरी आँखों में दया और सहानुभूति की चमक थी - वे दो गुण जो इतनी जल्दी और स्वाभाविक रूप से प्रेम में बदल सकते हैं।

मैकमर्डो ने एक अस्थायी लेखाकार की नौकरी कर ली थी, क्योंकि वह एक सुशिक्षित व्यक्ति थे। इस नौकरी के कारण उनका अधिकांश समय घर से बाहर ही बीतता था, और उन्हें अभी तक एमिनेंट ऑर्डर ऑफ फ्रीमेन के लॉज के प्रमुख से मिलने का अवसर नहीं मिला था। हालांकि, एक शाम माइक स्कैनलन के अचानक आने से उन्हें अपनी इस चूक का एहसास हो गया। स्कैनलन, जो कद में छोटे, तीखे चेहरे वाले, घबराए हुए और काली आंखों वाले व्यक्ति थे, उन्हें दोबारा देखकर प्रसन्न प्रतीत हुए। एक-दो गिलास व्हिस्की पीने के बाद उन्होंने अपने आने का असली कारण बताया।

"मैकमर्डो," उसने कहा, "मुझे तुम्हारा पता याद था, इसलिए मैंने हिम्मत करके तुम्हें फोन किया। मुझे आश्चर्य है कि तुमने अभी तक बॉडीमास्टर को सूचना नहीं दी है। तुमने बॉस मैकगिन्टी से अभी तक मुलाकात क्यों नहीं की?"

"खैर, मुझे नौकरी ढूंढनी ही थी। मैं काफी व्यस्त रहा हूँ।"

"अगर आपके पास किसी और चीज़ के लिए समय नहीं है, तो आपको उसके लिए समय निकालना ही होगा। हे भगवान! यहाँ आने के पहले ही दिन सुबह यूनियन हाउस जाकर अपना नाम दर्ज न करवाना आपकी मूर्खता है! अगर आप उसके खिलाफ चुनाव लड़ते हैं — तो आपको ऐसा नहीं करना चाहिए, बस!"

मैकमर्डो ने थोड़ी हैरानी जताई। "मैं दो साल से अधिक समय से लॉज का सदस्य हूं, स्कैनलन, लेकिन मैंने कभी नहीं सुना था कि कर्तव्य इतने महत्वपूर्ण होते हैं।"

"शायद शिकागो में नहीं।"

"खैर, यहाँ भी वही समाज है।"

"यह है?"

स्कैनलन ने उसे देर तक टकटकी लगाकर देखा। उसकी आँखों में कुछ भयावहता झलक रही थी।

"यही है ना?"

"तुम मुझे एक महीने बाद बताओगे। मैंने सुना है कि मेरे ट्रेन से उतरने के बाद तुमने पुलिसकर्मियों से बात की थी।"

"आप उसे कैसे जानते हैं?"

"ओह, यह बात फैल गई - इस जिले में अच्छी और बुरी दोनों तरह की बातें फैलती रहती हैं।"

"हाँ, मैंने कुत्तों को बता दिया कि मैं उनके बारे में क्या सोचता हूँ।"

"भगवान की कसम, तुम मैकगिन्टी के दिल के करीब रहने वाले आदमी बनोगे!"

"क्या, वह पुलिस से भी नफरत करता है?"

स्कैनलन जोर से हंस पड़ा। जाते हुए उसने कहा, "जाओ और उससे मिलो, मेरे बेटे। अगर तुम नहीं गए तो वो पुलिस से नहीं, बल्कि तुमसे नफरत करेगा! अब, मेरे दोस्त की सलाह मानो और तुरंत जाओ!"

संयोगवश उसी शाम मैकमर्डो का एक और अधिक महत्वपूर्ण साक्षात्कार था जिसने उन्हें उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हो सकता है कि एट्टी के प्रति उनका आकर्षण पहले से अधिक स्पष्ट हो गया हो, या यह कि उनके भले जर्मन मेज़बान

के धीमे दिमाग में धीरे-धीरे घर कर गया हो; लेकिन कारण जो भी हो, गेस्ट हाउस के प्रबंधक ने उस युवक को अपने निजी कमरे में बुलाया और बिना किसी लाग-लपेट के सीधे मुद्दे पर बातें शुरू कर दीं।

"मुझे तो ऐसा लगता है, महोदय," उसने कहा, "कि आप मेरी एट्टी पर मोहित हो रहे हैं। क्यों ऐसा ही है, या मैं गलत हूँ?"

"जी हाँ, ऐसा ही है," युवक ने उत्तर दिया।

खैर, मैं आपको अभी बता देना चाहता हूँ कि इसका कोई फायदा नहीं है। आपसे पहले कोई और अंदर घुस चुका है।

उसने मुझे ऐसा बताया था।

"ठीक है, आप मान सकते हैं कि उसने आपको सच बताया। लेकिन क्या उसने आपको यह बताया कि वह कौन था?"

नहीं, मैंने उससे पूछा था; लेकिन उसने नहीं बताया।

मुझे तो लगता है कि नहीं, वह छोटी सी बच्ची! शायद उसका इरादा आपको डराकर भगाने का नहीं था।

"डर लग रहा है!" मैकमर्डो पल भर में आग बबूला हो गया।

"अरे हाँ, मेरे दोस्त! उससे डरने में तुम्हें शर्म महसूस करने की ज़रूरत नहीं है। वह टेडी बाल्डविन है।"

और वो कौन है?

वह स्कॉवरर्स का सरगना है।

"स्काउरर्स! मैंने इनके बारे में पहले भी सुना है। यहाँ भी स्काउरर्स, वहाँ भी स्काउरर्स, और हमेशा दबी आवाज़ में! तुम सब किससे डर रहे हो? स्काउरर्स कौन हैं?"

उस भयानक समाज के बारे में बात करने वाले हर व्यक्ति की तरह, उस गेस्ट हाउस के मालिक ने भी सहज रूप से अपनी आवाज़ धीमी कर ली। उसने कहा, "स्कावरर्स तो स्वतंत्र लोगों का प्रतिष्ठित समूह है!"

युवक ने हैरानी से देखा। "अरे, मैं तो खुद उस संगठन का सदस्य हूँ।"

"तुम! अगर मुझे पता होता तो मैं तुम्हें कभी अपने घर में नहीं आने देता—चाहे तुम मुझे प्रति सप्ताह सौ डॉलर ही क्यों न देते।"

"इस आदेश में क्या गलत है? यह तो दान और सौहार्द के लिए है। नियम तो यही कहते हैं।"

"शायद कुछ जगहों पर। यहाँ नहीं!"

"यहाँ क्या है?"

"यह एक हत्यारा समाज है, बस यही सच है।"

मैकमर्डो अविश्वास से हँस पड़ा। उसने पूछा, "आप इसे कैसे साबित कर सकते हैं?"

"इसे साबित करो! क्या पचास हत्याएँ इसे साबित नहीं करतीं? मिलमैन और वैन शोरस्ट, निकोलसन परिवार, बूढ़े श्री हयाम, छोटे बिली जेम्स और अन्य लोगों के बारे में क्या? इसे साबित करो! क्या इस घाटी में कोई ऐसा पुरुष या स्त्री है जो इसे नहीं जानता?"

"देखिए!" मैकमर्डो ने गंभीरता से कहा। "मैं चाहता हूँ कि आप अपनी कही बात वापस लें, या फिर उसे सुधारें। मेरे इस कमरे से जाने से पहले आपको इनमें से कोई एक काम करना ही होगा। खुद को मेरी जगह रखकर देखिए। मैं यहाँ एक अजनबी हूँ। मैं एक ऐसे समाज से ताल्लुक रखता हूँ जिसे मैं सिर्फ एक निर्दोष समाज के रूप में जानता हूँ। यह आपको पूरे राज्य में मिलेगा, लेकिन हमेशा एक निर्दोष समाज के रूप में। अब जब मैं यहाँ इसमें शामिल होने की उम्मीद कर रहा हूँ, आप मुझे बता रहे हैं कि

यह वही हत्यारा समाज है जिसे स्कॉवरसे कहा जाता है। मुझे लगता है कि आपको या तो मुझसे माफी मांगनी चाहिए या फिर स्पष्टीकरण देना चाहिए, मिस्टर शेफ्टर।”

“मैं आपको वही बता सकता हूं जो पूरी दुनिया जानती है, महोदय। एक का मालिक दूसरे का भी मालिक होता है। अगर आप एक को नाराज़ करेंगे, तो दूसरा ही आप पर वार करेगा। हमने इसे कई बार साबित किया है।”

"यह तो सिर्फ अफवाह है - मुझे सबूत चाहिए!" मैकमर्डो ने कहा।

“अगर तुम यहां लंबे समय तक रहे तो तुम्हें इसका सबूत मिल जाएगा। लेकिन मैं भूल गया कि तुम खुद भी उन्हीं में से एक हो। तुम भी जल्दी ही बाकियों जैसे बुरे बन जाओगे। लेकिन तुम्हें कहीं और रहना पड़ेगा, साहब। मैं तुम्हें यहां नहीं रख सकता। क्या यह काफी बुरा नहीं है कि इनमें से एक आदमी मेरी एटी से शादी का प्रस्ताव लेकर आया है और मैं उसे मना करने की हिम्मत नहीं कर पा रहा हूं, और अब मुझे एक और को किराएदार के रूप में रखना पड़ रहा है? जी हाँ, आज रात के बाद तुम यहाँ नहीं सो पाओगे!”

मैकमर्डो को अपने आरामदायक आवास और अपनी प्रेमिका दोनों से निर्वासन की सजा मिली। उसी शाम उसने उसे बैठक कक्ष में अकेला पाया और अपने सारे दुख उसके कानों में बयां कर दिए।

“हाँ, तुम्हारे पिता मुझे नोटिस देने के पीछे पड़े हैं,” उसने कहा। “अगर सिर्फ मेरा कमरा होता तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन सच में, एटी, भले ही मैं तुम्हें सिर्फ एक हफ्ते से जानता हूं, तुम मेरे लिए जीवन की साँस हो, और मैं तुम्हारे बिना जी नहीं सकता!”

“अरे, चुप रहिए, श्रीमान मैकमर्डो, इस तरह मत बोलिए!” लड़की ने कहा। “मैंने आपको बताया है ना कि आप बहुत देर कर चुके हैं? एक और है, और अगर मैंने उससे तुरंत शादी करने का वादा नहीं किया है, तो कम से कम मैं किसी और से वादा तो नहीं कर सकती।”

"मान लो, एटी, अगर मैं पहले नंबर पर होती, तो क्या मुझे मौका मिलता?"

लड़की ने अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया। "काश, तुम पहले होते!" वह सिसकते हुए बोली।

मैकमर्डो पल भर में उसके सामने घुटनों के बल बैठ गया। “भगवान के लिए, एटी, बस यहीं रुक जाओ!” वह चिल्लाया। “क्या तुम इस वादे के लिए अपनी और मेरी जिंदगी बर्बाद कर दोगी? अपने दिल की सुनो, अकुशला! यह किसी भी वादे से कहीं ज्यादा सुरक्षित राह है, चाहे तुम्हें पता ही न हो कि तुम क्या कह रही हो।”

उसने एटी के सफेद हाथ को अपने मजबूत भूरे हाथों के बीच पकड़ लिया था।

“कहो कि तुम मेरी हो जाओगी, और हम मिलकर इसका सामना करेंगे!”

“यहां नहीं?”

"हां यहां।"

“नहीं, नहीं, जैक!” अब उसकी बाहें उसके चारों ओर थीं। “यह यहाँ नहीं हो सकता। क्या तुम मुझे यहाँ से ले जा सकती हो?”

मैकमर्डो के चेहरे पर एक पल के लिए असमंजस छा गया; लेकिन फिर वह भावहीन होकर शांत हो गया। "नहीं, यहीं," उसने कहा। "मैं तुम्हें दुनिया के सामने यहीं, यहीं पर, चुनौती दूंगा, एटी!"

"हम साथ क्यों न चलें?"

"नहीं, एटी, मैं यहाँ से नहीं जा सकता।"

"लेकिन क्यों?"

"अगर मुझे यह महसूस हुआ कि मुझे निकाल दिया गया है, तो मैं फिर कभी सिर नहीं उठा पाऊँगी। वैसे भी, डरने की क्या बात है? क्या हम एक स्वतंत्र देश में स्वतंत्र लोग नहीं हैं? अगर तुम मुझसे प्यार करते हो और मैं तुमसे, तो हमारे बीच आने की हिम्मत कौन करेगा?"

"तुम्हें नहीं पता, जैक। तुम यहाँ बहुत कम समय से हो। तुम इस बाल्डविन को नहीं जानते। तुम मैकगिन्टी और उसके स्कॉवरर्स को नहीं जानते।"

"नहीं, मैं उन्हें नहीं जानता, न ही उनसे डरता हूँ, और न ही उन पर विश्वास करता हूँ!" मैकमर्डो ने कहा। "मैं खूंखार लोगों के बीच रहा हूँ, मेरी प्यारी, और उनसे डरने के बजाय हमेशा वे मुझसे ही डरते रहे हैं—हमेशा, एट्टी। ये तो सरासर पागलपन है! अगर ये लोग, जैसा कि तुम्हारे पिता कहते हैं, घाटी में एक के बाद एक अपराध करते रहे हैं, और अगर हर कोई उन्हें नाम से जानता है, तो फिर उनमें से किसी को भी न्याय के कटघरे में क्यों नहीं लाया जाता? इसका जवाब तुम दो, एट्टी!"

"क्योंकि कोई भी गवाह उनके खिलाफ गवाही देने की हिम्मत नहीं करता। अगर उसने गवाही दी तो वो एक महीना भी नहीं जी पाएगा। और इसलिए भी कि उनके अपने आदमी हमेशा यह गवाही देते हैं कि आरोपी अपराध स्थल से बहुत दूर था। लेकिन जैक, तुमने तो यह सब पढ़ा ही होगा। मुझे तो पता चला था कि अमेरिका के हर अखबार में इसके बारे में लिखा जा रहा था।"

"खैर, मैंने कुछ पढ़ा है, यह सच है; लेकिन मुझे लगा था कि यह एक कहानी है। शायद इन लोगों के ऐसा करने के पीछे कोई कारण हो। शायद उनके साथ अन्याय हुआ हो और उनके पास खुद की मदद करने का कोई और रास्ता न हो।"

"ओह, जैक, मुझे इस तरह बोलते हुए मत सुनना! वो तो ऐसे ही बोलता है — दूसरा वाला!"

"बाल्डविन—क्या वो ऐसे ही बोलता है?"

"और इसीलिए मैं उससे इतनी घृणा करती हूँ। ओह, जैक, अब मैं तुम्हें सच बता सकती हूँ। मैं उससे दिल से घृणा करती हूँ; लेकिन उससे डरती भी हूँ। मैं अपने लिए उससे डरती हूँ; लेकिन सबसे ज़्यादा मैं पिताजी के लिए उससे डरती हूँ। मैं जानती हूँ कि अगर मैंने अपने सच्चे दिल की बात कहने की हिम्मत की, तो हम पर कोई बड़ा दुख आ पड़ेगा। इसीलिए मैंने उसे आधे-अधूरे वादे करके टाल दिया। सच में, यही हमारी एकमात्र उम्मीद थी। लेकिन अगर तुम मेरे साथ उड़ जाओगे, जैक, तो हम पिताजी को अपने साथ ले जा सकते हैं और इन दुष्टों के चंगुल से दूर हमेशा के लिए रह सकते हैं।"

मैकमर्डो के चेहरे पर फिर से संघर्ष के भाव उभरे आए, और वह फिर से पत्थर की तरह स्थिर हो गया। "एट्टी, तुम्हें कोई नुकसान नहीं होगा - न ही तुम्हारे पिता को। दुष्टों के बारे में, मुझे उम्मीद है कि तुम पाओगी कि मैं उनमें से सबसे बुरे लोगों जितना ही बुरा हूँ।"

"नहीं, नहीं, जैक! मैं तुम पर कहीं भी भरोसा कर सकता हूँ।"

मैकमर्डो कड़वाहट से हँसा। "हे भगवान! तुम मेरे बारे में कितना कम जानते हो! मेरी प्यारी, तुम्हारी भोली आत्मा यह भी नहीं समझ सकती कि मेरे मन में क्या चल रहा है। लेकिन, अरे, यह आगंतुक कौन है?"

दरवाजा अचानक खुला और एक युवक बड़े ही सजग अंदाज में अंदर आया, मानो वह मालिक हो। वह एक सुंदर, जोशीला युवक था, जिसकी उम्र और कद-काठी लगभग मैकमर्डो के बराबर थी। अपनी चौड़ी किनारी वाली काली फेल्ट टोपी के नीचे, जिसे उसने उतारने की जहमत भी नहीं उठाई थी, एक आकर्षक चेहरा, जिसकी आँखें तेज और दबंग थीं और नाक बाज की चोंच जैसी घुमावदार थी, चूल्हे के पास बैठे दोनों लोगों को घृणा से घूर रहा था।

एट्टी घबराहट और असमंजस से उछल पड़ी। उसने कहा, "आपको देखकर खुशी हुई, श्रीमान बाल्डविन। आप मेरी उम्मीद से जल्दी आ गए हैं। आइए, बैठिए।"

बाल्डविन कमर पर हाथ रखे मैकमर्डो को देख रहा था। उसने रूखेपन से पूछा, "यह कौन है?"

“ये मेरे एक दोस्त हैं, श्री बाल्डविन, जो यहाँ नए किराएदार हैं। श्री मैकमर्डो, क्या मैं आपको श्री बाल्डविन से मिलवा सकता हूं?”

दोनों युवकों ने एक-दूसरे को चिड़चिड़ेपन से सिर हिलाकर अभिवादन किया।

"शायद मिस एट्टी ने आपको हमारे बारे में बता दिया होगा?" बाल्डविन ने कहा।

मुझे यह समझ नहीं आया कि आप दोनों के बीच कोई संबंध है।

“क्या ऐसा नहीं था? खैर, अब आप समझ सकते हैं। आप मेरी बात मान लीजिए कि यह युवती मेरी है, और आपको टहलने के लिए यह एक बहुत ही सुखद शाम लगेगी।”

"धन्यवाद, मुझे अभी टहलने का मन नहीं है।"

“है ना?” उस आदमी की क्रूर आँखें गुस्से से धधक रही थीं। “शायद आप लड़ाई के मूड में हैं, श्रीमान बोर्डर!”

“हाँ, मैं ही हूँ!” मैकमर्डो चिल्लाते हुए अपने पैरों पर खड़ा हो गया। “आपने इससे ज़्यादा खुशी देने वाला शब्द कभी नहीं कहा।”

“भगवान के लिए, जैक! हे भगवान के लिए!” बेचारी घबराई हुई एट्टी चिल्लाई। “ओह, जैक, जैक, वह तुम्हें नुकसान पहुंचाएगा!”

“ओह, तो ये जैक है?” बाल्डविन ने कसम खाते हुए कहा। “तुम इतनी जल्दी यहाँ तक पहुंच गए, है ना?”

“ओह, टेड, समझदारी से काम लो—दयालु बनो! मेरी खातिर, टेड, अगर तुमने कभी मुझसे प्यार किया है, तो उदार हृदय और क्षमाशील बनो!”

मैकमर्डो ने धीमी आवाज़ में कहा, “एट्टी, मुझे लगता है कि अगर तुम हमें अकेला छोड़ दो तो हम इस मामले को सुलझा सकते हैं। या फिर, मिस्टर बाल्डविन, क्या आप मेरे साथ सड़क पर एक चक्कर लगाएंगे? आज शाम मौसम सुहाना है, और अगले ब्लॉक के पार कुछ खुली जगह है।”

“मैं तुमसे बदला बिना हाथ गंदे किए ही ले लूंगा,” उसके दुश्मन ने कहा। “जब मैं तुमसे निपट लूंगा, तब तक तुम चाहोगे कि तुमने कभी इस घर में कदम ही न रखा होता!”

मैकमर्डो चिल्लाया, "अभी से बेहतर कोई समय नहीं है।"

“मैं अपना समय खुद चुनूंगा, महोदय। आप समय का फैसला मुझ पर छोड़ दीजिए। देखिए!” उसने अचानक अपनी आस्तीन ऊपर की और अपनी बांह पर एक अजीब सा निशान दिखाया जो मानो वहाँ दागा गया हो। यह एक वृत्त था जिसके अंदर एक त्रिभुज बना हुआ था। “क्या आप जानते हैं इसका क्या मतलब है?”

मुझे न तो पता है और न ही परवाह है!

“खैर, तुम्हें पता चल जाएगा, मैं वादा करता हूँ। तुम्हारी उम्र भी ज़्यादा नहीं होगी। शायद मिस एट्टी तुम्हें इसके बारे में कुछ बता सके। और तुम, एट्टी, मेरे पास घुटनों के बल वापस आना — सुन रही हो ना, बच्ची? — घुटनों के बल — और तब मैं तुम्हें तुम्हारी सज़ा बताऊँगा। तुमने जो बोया है, उसका फल तुम्हें भुगतना ही होगा!” उसने गुस्से से उन दोनों को देखा। फिर वह मुड़ा और पलक झपकते ही बाहर का दरवाज़ा उसके पीछे ज़ोर से बंद हो गया।

कुछ क्षणों के लिए मैकमर्डो और लड़की खामोशी से खड़े रहे। फिर लड़की ने उसे गले लगा लिया।

"ओह, जेक, तुम कितने बहादुर थे! लेकिन अब कोई फायदा नहीं, तुम्हें भागना ही होगा! आज रात— जेक—आज रात! यही तुम्हारी एकमात्र उम्मीद है। वो तुम्हारी जान ले लेगा। मैंने उसकी भयानक आँखों में देख लिया है। बॉस मैकगिन्टी और लॉज की सारी ताकत के साथ, उन एक दर्जन लोगों के सामने तुम्हारा क्या बचाव है?"

मैकमर्डो ने उसके हाथ छुड़ाए, उसे चूमा और धीरे से उसे कुर्सी पर वापस बिठा दिया। "अरे, चिंता मत करो! मेरे लिए घबराओ मत। मैं खुद एक आज़ाद हूँ। मैं तुम्हारे पिता को इसके बारे में बताने जा रहा हूँ। शायद मैं दूसरों से बेहतर नहीं हूँ; इसलिए मुझे संत मत बनाओ। शायद अब जब मैंने तुम्हें सब कुछ बता दिया है, तो तुम भी मुझसे नफरत करने लगी हो?"

"क्या मैं तुमसे नफरत करूँ, जैक? जब तक ज़िंदा है, मैं ऐसा कभी नहीं कर सकता! मैंने सुना है कि यहाँ के अलावा कहीं भी आज़ाद नागरिक होने में कोई बुराई नहीं है; तो मैं तुम्हारे बारे में बुरा क्यों सोचूँ? लेकिन अगर तुम आज़ाद नागरिक हो, जैक, तो नीचे जाकर बॉस मैकगिन्टी से दोस्ती क्यों नहीं कर लेते? अरे, जल्दी करो, जैक, जल्दी करो! पहले अपनी बात कह दो, वरना कुत्ते तुम्हारा पीछा करेंगे।"

मैकमर्डो ने कहा, "मैं भी यही सोच रहा था। मैं अभी जाकर इसे ठीक कर देता हूँ। तुम अपने पिता को बता देना कि मैं आज रात यहीं सोऊंगा और सुबह कहीं और से पैसे जुटा लूंगा।"

मैकगिन्टी के शराबखाने का बार हमेशा की तरह खचाखच भरा था, क्योंकि यह कस्बे के सभी बदमाश लोगों का पसंदीदा अड्डा था। वह आदमी लोकप्रिय था; क्योंकि उसका व्यवहार भले ही थोड़ा रूखा और हँसमुख था, लेकिन यह एक मुखौटा था, जिसके पीछे बहुत कुछ छिपा हुआ था। लेकिन इस लोकप्रियता के अलावा, पूरे कस्बे में, और वास्तव में घाटी के तीस मील के पार और उसके दोनों ओर के पहाड़ों तक, उसके प्रति लोगों का जो डर था, वह अपने आप में उसके बार को भरने के लिए काफी था; क्योंकि कोई भी उसकी सद्भावना को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता था।

उन गुप्त शक्तियों के अलावा, जिनके बारे में सर्वमान्य था कि वह उनका निर्दयतापूर्वक प्रयोग करता था, वह एक उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी, नगर पार्षद और सड़क आयुक्त भी था, जिसे उन बदमाशों के वोटों से चुना गया था जो बदले में उससे लाभ प्राप्त करने की उम्मीद रखते थे। कर और मूल्यांकन भारी थे; सार्वजनिक निर्माण कार्यों की घोर उपेक्षा की जाती थी, रिश्वतखोर लेखा परीक्षकों द्वारा खातों में हेराफेरी की जाती थी, और सभ्य नागरिक को सार्वजनिक ब्लैकमेल का भुगतान करने और चुप रहने के लिए डराया जाता था, अन्यथा उसके साथ कुछ बुरा हो सकता था।

इस प्रकार, साल दर साल, बॉस मैकगिन्टी के हीरे के पिन और भी अधिक आकर्षक होते गए, उनकी सोने की चेन एक और भी भव्य बनियान पर और भी भारी होती गई, और उनका सैलून और भी अधिक फैलता गया, यहां तक कि उसने मार्केट स्क्वायर के एक पूरे हिस्से को अपने अंदर समा लेने की धमकी दी।

मैकमर्डो ने सैलून का झूलता हुआ दरवाज़ा धक्का देकर खोला और अंदर मौजूद लोगों की भीड़ में प्रवेश किया। चारों ओर तंबाकू के धुएं की महक फैली थी और शराब की गंध से माहौल भारी था। जगह में तेज़ रोशनी थी और हर दीवार पर लगे विशाल, भारी सुनहरे दर्पणों ने चकाचौंध भरी रोशनी को प्रतिबिंबित करके कई गुना बढ़ा दिया था। कई बारटेंडर अपनी कमीज़ की आस्तीनों में थे और पीतल से सजे चौड़े काउंटर के किनारे बैठे लोगों के लिए पेय पदार्थ बनाने में व्यस्त थे।

सबसे दूर, बार पर शरीर टिकाए और मुंह के कोने से सिगार को तिरछा पकड़े, एक लंबा, मजबूत और गठीला आदमी खड़ा था, जो मशहूर मैकगिन्टी के अलावा और कोई नहीं हो सकता था। वह काले बालों वाला एक विशालकाय व्यक्ति था, जिसकी दाढ़ी

गालों तक फैली हुई थी और उसके काले बाल कॉलर तक लटके हुए थे। उसका रंग किसी इतालवी की तरह गहरा था और उसकी आंखें अजीब तरह से काली थीं, जो उसकी हल्की तिरछी नज़र के साथ मिलकर उसे एक विशेष रूप से भयावह रूप देती थीं।

उस व्यक्ति की बाकी सभी खूबियाँ—उसका सुगठित शरीर, सुंदर चेहरे की बनावट और स्पष्टवादी व्यवहार—उसके हंसमुख और मिलनसार स्वभाव से मेल खाती थीं। उसे देखकर कोई कह सकता है कि वह एक सीधा-सादा, ईमानदार व्यक्ति है, जिसका हृदय भले ही उसके कठोर शब्द क्यों न लगें, शुद्ध है। लेकिन जब उसकी गहरी, निर्मम, काली आँखें किसी व्यक्ति पर पड़तीं, तो वह अपने आप में सिमट जाता, यह महसूस करते हुए कि वह एक छिपी हुई बुराई की अनंत संभावना का सामना कर रहा है, जिसके पीछे छिपी ताकत, साहस और धूर्तता उसे हज़ार गुना अधिक घातक बना देती है।

अपने आदमी को अच्छी तरह से परखने के बाद, मैकमुर्डो ने अपनी हमेशा की बेपरवाह धृष्टता के साथ आगे बढ़ते हुए दरबारियों के छोटे से समूह को चीर डाला, जो शक्तिशाली बॉस की चापलूसी कर रहे थे और उसके छोटे से छोटे मजाक पर भी जोर से हंस रहे थे। उस युवा अजनबी की साहसी भूरी आँखें चश्मे के पार निडरता से उसकी घातक काली आँखों को देख रही थीं, जो तीक्ष्णता से उसकी ओर मुड़ गईं।

"अच्छा, नौजवान, मुझे तुम्हारा चेहरा याद नहीं आ रहा है।"

“मैं यहाँ नया हूँ, श्रीमान मैकगिन्टी।”

"आप इतने भी नए नहीं हैं कि आप किसी सज्जन को उसकी उचित उपाधि न दे सकें।"

समूह में से एक आवाज आई, "ये पार्षद मैकगिन्टी हैं, नौजवान।"

"माफ़ कीजिए, पार्षद जी। मुझे यहाँ के तौर-तरीकों की ज़्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन मुझे आपसे मिलने की सलाह दी गई थी।"

“ठीक है, आप मुझे देख लीजिए। बस इतना ही है। आप मेरे बारे में क्या सोचते हैं?”

"खैर, अभी तो शुरुआत है। अगर आपका दिल आपके शरीर जितना बड़ा है, और आपकी आत्मा आपके चेहरे जितनी सुंदर है, तो इससे बेहतर और कुछ नहीं हो सकता," मैकमर्डो ने कहा।

"अरे वाह! तुम्हारे दिमाग में तो आयरिश लहजा है ही," शराबखाने के मालिक ने चिल्लाते हुए कहा, वह इस बात को लेकर असमंजस में था कि इस दुस्साहसी आगंतुक का मनोरंजन करे या अपनी गरिमा बनाए रखे।

"तो क्या आप मेरी शक्ल-सूरत के हिसाब से ठीक हैं?"

“ज़रूर,” मैकमर्डो ने कहा।

“और आपको मुझसे मिलने के लिए कहा गया था?”

"मैं था।"

और आपको यह किसने बताया?

“लॉज 341, वर्मिसा के भाई स्कैनलन। पार्षद महोदय, मैं आपकी सेहत की कामना करता हूँ और हमारे बेहतर संबंध की कामना करता हूँ।” उन्होंने अपने होठों तक परोसे गए गिलास को उठाया और पीते हुए अपनी छोटी उंगली ऊपर उठाई।

मैकगिन्टी, जो उसे ध्यान से देख रहा था, ने अपनी घनी काली भौहें उठाईं। "ओह, तो बात ऐसी है?" उसने कहा। "मुझे इस मामले की और गहराई से जांच करनी होगी, महोदय—"

“मैकमर्डो।”

“ज़रा पास आइए, श्रीमान मैकमर्डो; क्योंकि हम यहाँ लोगों पर आसानी से भरोसा नहीं करते, और न ही हर बात पर विश्वास करते हैं। ज़रा एक पल के लिए अंदर आइए, बार के पीछे।”

वहाँ एक छोटा सा कमरा था, जो बैरलों से घिरा हुआ था। मैकगिन्टी ने सावधानी से दरवाजा बंद किया और फिर उनमें से एक पर बैठ गया, अपनी सिगार को सोचते हुए चबाता रहा और अपने साथी को उन बेचैन आँखों से देखता रहा। कुछ मिनटों तक वह पूरी तरह चुप बैठा रहा। मैकमर्डो ने एक हाथ कोट की जेब में और दूसरे हाथ से अपनी भूरी मूंछों को घुमाते हुए, इस निरीक्षण को प्रसन्नतापूर्वक सहन किया। अचानक मैकगिन्टी झुका और एक खतरनाक दिखने वाला रिवॉल्वर निकाला।

“देखो, मेरे प्यारे,” उसने कहा, “अगर मुझे पता होता कि तुम हमारे साथ कोई चाल चल रहे हो, तो तुम्हारा काम पल भर में हो जाता।”

मैकमर्डो ने कुछ गरिमा के साथ उत्तर दिया, "फ्रीमेन लॉज के बॉडीमास्टर द्वारा किसी अजनबी भाई को इस तरह का स्वागत देना एक अजीब बात है।"

“हाँ, लेकिन बात तो वही है जिसे आपको साबित करना होगा,” मैकगिन्टी ने कहा, “और अगर आप असफल हो गए तो भगवान ही आपकी मदद करें! आप कहाँ बने हैं?”

“लॉज 29, शिकागो।”

"कब?"

24 जून, 1872।

“कौन सा बॉडीमास्टर?”

“जेम्स एच. स्कॉट।”

“आपके जिले का शासक कौन है?”

“बार्थोलोम्यू विल्सन।”

“हम्म! आप अपने परीक्षणों में काफी चतुर लगते हैं। आप यहाँ क्या कर रहे हैं?”

"काम कर रहा हूँ, बिल्कुल तुम्हारी तरह — लेकिन घटिया नौकरी।"

"आपको अपना जवाब काफी जल्दी मिल जाता है।"

"हां, मैं हमेशा से ही बोलने में तेज था।"

"क्या आप तुरंत कार्रवाई करने में सक्षम हैं?"

"जो लोग मुझे सबसे अच्छी तरह जानते थे, उनके बीच मेरा यही नाम था।"

"अच्छा, हम आपसे आपकी उम्मीद से जल्दी संपर्क कर सकते हैं। क्या आपने इस इलाके में स्थित लॉज के बारे में कुछ सुना है?"

मैंने सुना है कि भाई बनने के लिए एक सच्चे पुरुष की आवश्यकता होती है।

“आपके लिए यह बात सही है, श्री मैकमर्डो। आपने शिकागो क्यों छोड़ा?”

मैं तुम्हें यह बात कभी नहीं बताऊंगा!

मैकगिन्टी ने अपनी आँखें खोलीं। उसे इस तरह से जवाब मिलने की आदत नहीं थी, और इससे उसे मज़ा आया। "तुम मुझे क्यों नहीं बता रहे हो?"

क्योंकि कोई भाई दूसरे भाई से झूठ नहीं बोल सकता।

तो फिर सच इतना बुरा है कि उसे बताना भी नहीं चाहिए?

"आप चाहें तो इसे इस तरह कह सकते हैं।"

"देखिए, महोदय, आप मुझसे, बॉडीमास्टर होने के नाते, यह उम्मीद नहीं कर सकते कि मैं उस व्यक्ति को लॉज में प्रवेश करने दूं जिसका अतीत उसके लिए जवाबदेह नहीं है।"

मैकमर्डो असमंजस में दिख रहा था। फिर उसने अपनी भीतरी जेब से अखबार का एक पुराना टुकड़ा निकाला।

“तुम किसी साथी की चुगली नहीं करोगे?” उसने कहा।

"अगर तुमने मुझसे ऐसी बातें कहीं तो मैं तुम्हारे चेहरे पर हाथ फेर दूंगा!" मैकगिन्टी गुस्से से चिल्लाया।

"आप सही कह रहे हैं, पार्षद महोदय," मैकमर्डो ने विनम्रता से कहा। "मुझे माफी मांगनी चाहिए। मैंने बिना सोचे-समझे बोल दिया। खैर, मुझे पता है कि मैं आपके हाथों में सुरक्षित हूँ। उस समाचार पत्र को देखिए।"

मैकगिन्टी ने 1874 के नव वर्ष सप्ताह में शिकागो के मार्केट स्ट्रीट स्थित लेक सैलून में जोनास पिंटो की गोली मारकर हत्या किए जाने के विवरण पर सरसरी नजर डाली।

"तुम्हारा काम?" उसने कागज़ वापस देते हुए पूछा।

मैकमर्डो ने सिर हिलाया।

"तुमने उसे गोली क्यों मारी?"

"मैं अंकल सैम को डॉलर बनाने में मदद कर रहा था। शायद मेरे डॉलर उनके डॉलर जितने अच्छे नहीं थे, लेकिन दिखने में उतने ही अच्छे थे और बनाने में सस्ते भी थे। इस आदमी पिंटो ने मुझे उस समलैंगिक को धकेलने में मदद की—"

"क्या करना है?"

"ठीक है, इसका मतलब है डॉलर को प्रचलन में लाना। फिर उसने कहा कि वह चला जाएगा। शायद वह चला गया हो। मैंने देखने का इंतजार नहीं किया। मैंने बस उसे मार डाला और कोयले के इलाके की ओर निकल गया।"

"कोयला क्षेत्र ही क्यों?"

क्योंकि मैंने अखबारों में पढ़ा था कि उन इलाकों में वे ज्यादा सख्त नहीं होते।

मैकगिन्टी हँस पड़ा। "तुम पहले सिक्के बनाने वाले थे और फिर हत्यारे, और तुम यहाँ इसलिए आए क्योंकि तुम्हें लगा कि तुम्हारा स्वागत किया जाएगा।"

"लगभग यही बात है," मैकमर्डो ने जवाब दिया।

"अच्छा, मुझे लगता है तुम बहुत आगे जाओगे। बताओ, क्या तुम अभी तक वो डॉलर कमा सकते हो?"

मैकमर्डो ने अपनी जेब से आधा दर्जन सिक्के निकाले। उन्होंने कहा, "ये सिक्के फिलाडेल्फिया की टकसाल से कभी पास नहीं हुए।"

"वाह! क्या बात है!" मैकगिन्टी ने उन्हें अपने विशाल, गोरिल्ला जैसे बालों वाले हाथ में पकड़कर रोशनी में दिखाया। "मुझे तो कोई फर्क नहीं दिख रहा। गार! मुझे लगता है तुम बहुत काम के भाई बनोगे! हमारे बीच एक-दो बदमाश होने से हमें फायदा होगा, दोस्त मैकमर्डो: क्योंकि कई बार हमें खुद ही मोर्चा संभालना पड़ता है। अगर हम उन लोगों का विरोध नहीं करेंगे जो हमें धकेल रहे हैं, तो हम जल्द ही मुश्किल में पड़ जाएंगे।"

"खैर, मुझे लगता है कि मुझे भी बाकी लड़कों के साथ धक्का-मुक्की में अपना हिस्सा निभाना पड़ेगा।"

"लगता है तुममें काफी हिम्मत है। जब मैंने यह बंदूक तुम्हारी तरफ तानी तो तुम जरा भी नहीं हिचके।"

"मैं खतरे में नहीं था।"

तो फिर कौन?

"ये आप ही थे, पार्षद जी।" मैकमर्डो ने अपनी जैकेट की साइड पॉकेट से भरी हुई पिस्तौल निकाली। "मैं हर समय आपकी सुरक्षा कर रहा था। मुझे लगता है कि मेरी गोली भी आपकी गोली जितनी ही तेज़ होती।"

"हे भगवान!" मैकगिन्टी गुस्से से लाल हो गया और फिर ज़ोर से हंस पड़ा। "सच कहो, इतने सालों में ऐसा भयानक मंजर तो कभी नहीं आया। मुझे लगता है लॉज को तुम

पर गर्व होगा... खैर, तुम चाहते क्या हो? और क्या मैं किसी सज्जन से पांच मिनट अकेले बात नहीं कर सकता, तुम बीच में दखल दे रहे हो?”

बारटेंडर शर्मिंदा होकर खड़ा रह गया। "माफ़ कीजिए, पार्षद जी, लेकिन मेरा नाम टेड बाल्डविन है। उनका कहना है कि उन्हें आपसे अभी इसी वक्त मिलना है।"

संदेश की कोई आवश्यकता नहीं थी; क्योंकि उस व्यक्ति का कठोर, क्रूर चेहरा नौकर के कंधे के ऊपर से ही दिख रहा था। उसने बारटेंडर को बाहर धकेल दिया और उसके ऊपर दरवाजा बंद कर दिया।

“तो,” उसने मैकमर्डो की ओर गुस्से भरी निगाहों से देखते हुए कहा, “तुम यहाँ पहले आए थे, है ना? पार्षद जी, मुझे इस आदमी के बारे में आपसे कुछ कहना है।”

"तो फिर यहीं, अभी मेरे सामने कहो," मैकमर्डो चिल्लाया।

मैं इसे अपने समय पर, अपने तरीके से कहूंगा।

“छी! छी!” मैकगिन्टी ने अपनी बंदूक से उतरते हुए कहा। “यह ठीक नहीं है। हमारे यहाँ एक नया साथी है, बाल्डविन, और उसका इस तरह स्वागत करना हमें शोभा नहीं देता। अपना हाथ आगे बढ़ाओ, भाई, और अपनी गलती सुधारो!”

“कभी नहीं!” बाल्डविन ने क्रोध में चिल्लाते हुए कहा।

मैकमर्डो ने कहा, “अगर उसे लगता है कि मैंने उसके साथ अन्याय किया है, तो मैंने उससे लड़ने की पेशकश की है। मैं उससे मुक्केबाजी से लड़ूंगा, या अगर इससे भी वह संतुष्ट नहीं हुआ, तो मैं उससे किसी भी दूसरे तरीके से लड़ूंगा जो वह चाहेगा। अब, पार्षद महोदय, हम दोनों के बीच फैसला करना मैं आप पर छोड़ता हूं, क्योंकि एक बॉडीमास्टर को ऐसा ही करना चाहिए।”

"तो वो क्या है?"

“एक युवती। उसे अपने लिए चुनाव करने की पूरी स्वतंत्रता है।”

“क्या वह है?” बाल्डविन चिल्लाया।

“लॉज के दो भाइयों के बीच, मैं कहूंगा कि वह वही थी,” बॉस ने कहा।

"ओह, तो यही आपका फैसला है?"

“जी हां, टेड बाल्डविन,” मैकगिन्टी ने तीखी निगाहों से देखते हुए कहा। “क्या आप ही हैं जो इस बात पर विवाद करेंगे?”

“तुम उस व्यक्ति को दरकिनार कर दोगे जिसने पिछले पाँच वर्षों में तुम्हारा साथ दिया है, और उसकी जगह उस आदमी को चुनोगे जिसे तुमने अपनी ज़िंदगी में कभी नहीं देखा? तुम ज़िंदगी भर के लिए बॉडीमास्टर नहीं हो, जैक मैकगिन्टी, और भगवान की कसम! अगली बार जब वोटिंग होगी तो—”

पार्षद शेर की तरह उस पर झपटा। उसने दूसरे की गर्दन पकड़ ली और उसे एक बैरल के ऊपर पटक दिया। अपने गुस्से में वह उसका दम घोंट देता अगर मैकमुर्डो बीच में दखल न देता।

“आराम से, पार्षद जी! भगवान के लिए, ज़रा धीरे से!” वह चिल्लाया, और उसे घसीटते हुए वापस ले गया।

मैकगिन्टी ने अपनी पकड़ ढीली कर दी, और बाल्डविन, सहमा हुआ और कांपता हुआ, सांस लेने के लिए हांफ रहा था, और उसके शरीर का हर अंग कांप रहा था, मानो वह मौत के कगार से गुजरकर आया हो, उस बैरल पर बैठ गया जिस पर उसे फेंका गया था।

“टेड बाल्डविन, तुम इतने दिनों से यही तो मांग रहे थे – अब तुम्हें मिल गया!” मैकगिन्टी चिल्लाया, उसका विशाल सीना ऊपर-नीचे हो रहा था। “शायद तुम सोचते हो कि अगर मुझे बॉडीमास्टर के पद से हटा दिया गया तो तुम मेरी जगह होते। यह तो

लॉज को तय करना है। लेकिन जब तक मैं मुखिया हूं, कोई भी मेरे या मेरे फैसलों के खिलाफ आवाज नहीं उठाएगा।"

"मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है," बाल्डविन ने अपना गला छूते हुए धीरे से कहा।

"तो फिर," दूसरे ने एक पल में बनावटी हंसमुखता में लौटते हुए कहा, "हम सब फिर से अच्छे दोस्त बन गए हैं और बात यहीं खत्म होती है।"

उसने शेल्फ से शैंपेन की एक बोतल उतारी और उसका कॉर्क घुमाकर निकाल दिया।

"देखिए," उन्होंने तीन ऊंचे गिलास भरते हुए कहा, "आइए, लॉज में झगड़े का जश्न मनाते हुए टोस्ट पीते हैं। इसके बाद, जैसा कि आप जानते हैं, हमारे बीच कोई मनमुटाव नहीं रह सकता। अब, अपना बायां हाथ मेरे गले पर रखिए। मैं आपसे पूछता हूं, टेड बाल्डविन, क्या गलती है, महोदय?"

"बादल घने हैं," बाल्डविन ने उत्तर दिया।

लेकिन वे हमेशा के लिए रोशन रहेंगे।

और मैं इसकी कसम खाता हूं!

दोनों पुरुषों ने अपने-अपने गिलास से पेय पिया, और बाल्डविन और मैकमर्डो के बीच भी यही रस्म निभाई गई।

"लो!" मैकगिन्टी ने हाथ मलते हुए कहा। "काले खून का अंत हो गया। अगर बात आगे बढ़ी तो लॉज के अनुशासन के तहत आओगे, और यहां यह बहुत सख्ती से किया जाता है, जैसा कि ब्रदर बाल्डविन जानते हैं — और जैसा कि तुम भी जल्द ही जान जाओगे, ब्रदर मैकमर्डो, अगर तुमने मुसीबत मोल ली!"

"सच कहूँ तो, मैं ऐसा करने में बहुत देर लगाऊँगा," मैकमर्डो ने कहा। उन्होंने बाल्डविन की ओर हाथ बढ़ाया। "मैं जल्दी झगड़ा करता हूँ और जल्दी माफ़ भी कर देता हूँ। लोग कहते हैं कि यह मेरे आयरिश स्वभाव का असर है। लेकिन अब यह सब खत्म हो चुका है, और मुझे किसी से कोई शिकायत नहीं है।"

बाल्डविन को आगे बढ़ाया गया हाथ थामना पड़ा, क्योंकि उस भयानक बॉस की बुरी निगाहें उस पर टिकी हुई थीं। लेकिन उसके उदास चेहरे से साफ पता चल रहा था कि दूसरे के शब्दों का उस पर कोई असर नहीं हुआ था।

मैकगिन्टी ने उन दोनों के कंधों पर थपथपाया। "अरे! ये लड़कियाँ! ये लड़कियाँ!" वह चिल्लाया। "सोचो, मेरे दो लड़कों के बीच एक ही पेटीकोट आ जाए! ये तो शैतान की किस्मत है! खैर, इनके अंदर की युवतियाँ ही इस सवाल का जवाब देंगी, क्योंकि यह बॉडीमास्टर के अधिकार क्षेत्र से बाहर है – और इसके लिए भगवान का शुक्र है! हमारे पास पहले से ही बहुत काम है, ऊपर से ये औरतें भी। भाई मैकमुर्डो, आपको लॉज 341 से जुड़ना होगा। हमारे अपने तरीके और विधियाँ हैं, शिकागो से अलग। शनिवार रात हमारी बैठक है, और अगर आप तब आएंगे, तो हम आपको वर्मिसा घाटी से हमेशा के लिए मुक्त कर देंगे।"

अध्याय 3

लॉज 341, वर्मिसा

उस शाम के बाद, जिसमें कई रोमांचक घटनाएँ घटी थीं, मैकमर्डो ने अपना ठिकाना पुराने जैकब शैफ्टर के घर से बदलकर कस्बे के बाहरी इलाके में विधवा मैकनामारा के घर में कर लिया। ट्रेन में मिले उनके पुराने परिचित स्कैनलन को भी कुछ समय बाद वर्मिसा में रहने का मौका मिला, और वे दोनों साथ रहने लगे। वहाँ कोई

और किराएदार नहीं था, और मेज़बान एक सहज स्वभाव का बूढ़ा आयरिश महिला थी, जिसने उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया; इस तरह उन्हें बोलने और करने की वह आज़ादी मिली जो उन लोगों को मिलती है जिनके बीच कुछ राज़ साझा होते हैं।

शैफ्टर ने मैकमर्डो को अपनी इच्छा अनुसार भोजन करने के लिए वहाँ आने की अनुमति देकर नरमी बरती; ताकि एट्टी के साथ उनका संबंध किसी भी तरह से न टूटे। इसके विपरीत, सप्ताह बीतने के साथ-साथ उनका संबंध और भी घनिष्ठ और अंतरंग होता चला गया।

अपने नए घर के बेडरूम में मैकमर्डो ने सिक्का बनाने के सांचे निकालने में कोई हिचक नहीं की। गोपनीयता की कई प्रतिज्ञाओं के तहत लॉज के कुछ भाइयों को अंदर आकर उन्हें देखने की अनुमति दी गई। हर कोई अपनी जेब में नकली नोटों के कुछ नमूने लेकर गया, जिन्हें इतनी चालाकी से बनाया गया था कि उन्हें चलाने में ज़रा भी कठिनाई या खतरा नहीं था। इतनी अद्भुत कला में निपुण होने के बावजूद मैकमर्डो आखिर काम क्यों करता था, यह उसके साथियों के लिए हमेशा एक रहस्य बना रहा; हालांकि, पूछने वाले हर किसी को वह स्पष्ट कर देता था कि अगर वह बिना किसी प्रत्यक्ष आय के जीवन यापन करेगा तो पुलिस बहुत जल्दी उसके पीछे पड़ जाएगी।

एक पुलिसवाला तो पहले से ही उसके पीछे पड़ा हुआ था; लेकिन किस्मत से यह घटना उस साहसी व्यक्ति के लिए नुकसान से कहीं ज़्यादा फ़ायदेमंद साबित हुई। पहली मुलाकात के बाद शायद ही कोई शाम ऐसी गुज़री हो जब वह मैकगिन्टी के बार में न जाता हो, जहाँ वह "लड़कों" से और भी ज़्यादा जान-पहचान बना लेता था, जो उस खतरनाक गिरोह का मज़ाकिया नाम था, जिसने उस जगह पर अपना दबदबा बना रखा था। उसके जोशीले अंदाज़ और निडरता ने उसे उन सबका चहेता बना दिया; वहीं बार में हुई लड़ाई में अपने प्रतिद्वंद्वी को तेज़ी से और कुशलता से हराने के उसके तरीके ने उसे उबड़-खाबड़ समुदाय में उसका सम्मान अर्जित कर दिया। हालाँकि, एक और घटना ने उसकी इज़्ज़त को और भी ऊँचा कर दिया।

एक रात, ठीक भीड़भाड़ वाले समय में, दरवाजा खुला और एक व्यक्ति खान पुलिस की नीली वर्दी और नुकीली टोपी पहने अंदर आया। यह रेलवे और कोयला खदान मालिकों द्वारा गठित एक विशेष दल था, जो आम नागरिक पुलिस की सहायता के लिए बनाया गया था, जो ज़िले में आतंक मचाने वाले संगठित गुंडों के सामने पूरी तरह से असहाय थी। उसके प्रवेश करते ही सन्नाटा छा गया और कई लोगों ने उत्सुकता भरी निगाहों से उसे देखा; लेकिन अमेरिका के कुछ हिस्सों में पुलिसकर्मियों और अपराधियों के बीच संबंध अनोखे होते हैं, और मैकगिन्टी खुद अपनी दुकान के पीछे खड़ा था, उसने पुलिसकर्मी को अपने ग्राहकों में शामिल होते देखकर कोई आश्चर्य नहीं दिखाया।

“रात बहुत कड़वी है, इसलिए एक सीधी व्हिस्की ही सही,” पुलिस अधिकारी ने कहा। “मुझे नहीं लगता कि हम पहले कभी मिले हैं, पार्षद जी?”

“क्या तुम नए कप्तान बनोगे?” मैकगिन्टी ने कहा।

“जी हाँ। पार्षद महोदय, हम आपसे और अन्य प्रमुख नागरिकों से इस कस्बे में कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद की उम्मीद कर रहे हैं। मेरा नाम कैप्टन मार्विन है।”

“कैप्टन मार्विन, आपके बिना हमारा काम बेहतर चलेगा,” मैकगिन्टी ने ठंडे स्वर में कहा; “क्योंकि हमारे पास कस्बे की अपनी पुलिस है और हमें किसी आयातित सामान की आवश्यकता नहीं है। आप पूंजीपतियों के भाड़े के मोहरे मात्र हैं, जिन्हें उन्होंने अपने गरीब साथी नागरिकों को लाठी-डंडे से पीटने या गोली मारने के लिए किराए पर लिया है?”

“अच्छा, अच्छा, हम इस बारे में बहस नहीं करेंगे,” पुलिस अधिकारी ने हंसते हुए कहा। “मुझे लगता है कि हम सभी अपना कर्तव्य अपने हिसाब से निभाते हैं; लेकिन हम सभी इसे एक ही नज़रिए से नहीं देखते।” उसने अपना गिलास खाली किया और जाने के लिए मुड़ा ही था कि उसकी नज़र जैक मैकमर्डो पर पड़ी, जो उसकी कोहनी पर गुस्से से घूर रहा था। “अरे! अरे!” उसने उसे ऊपर से नीचे तक देखते हुए कहा। “देखो, मेरा पुराना परिचित!”

मैकमर्डो उससे दूर हट गया। उसने कहा, "मैं न तो तुम्हारा दोस्त था और न ही अपने जीवन में किसी और बदकिस्मत पुलिसवाले का।"

“परिचित हमेशा दोस्त नहीं होता,” पुलिस कप्तान ने मुस्कुराते हुए कहा। “तुम शिकागो के जैक मैकमर्डो हो, बिलकुल सही, और इसे मत नकारना!”

मैकमर्डो ने कंधे उचका दिए। "मैं इससे इनकार नहीं कर रहा," उसने कहा। "क्या तुम्हें लगता है कि मुझे अपने नाम पर शर्म आती है?"

"वैसे भी, आपके पास चिंतित होने का अच्छा कारण है।"

"तुम्हारा इससे क्या मतलब है?" उसने मुट्ठी भींचकर दहाड़ मारी।

“नहीं, नहीं, जैक, मुझसे धमकियाँ नहीं चलेंगी। इस घटिया कोयला खदान में आने से पहले मैं शिकागो में एक अधिकारी था, और मैं शिकागो के बदमाश को देखते ही पहचान लेता हूं।”

मैकमर्डो का चेहरा उतर गया। "कहीं तुम शिकागो सेंट्रल के मार्विन तो नहीं हो!" वह चिल्लाया।

“वही पुराना टेडी मार्विन, आपकी सेवा में हाज़िर है। हम जोनास पिंटो की गोलीबारी की घटना को नहीं भूले हैं।”

मैंने उसे कभी गोली नहीं मारी।

“क्या तुमने नहीं किया? ये तो अच्छा निष्पक्ष सबूत है, है ना? खैर, उसकी मौत तुम्हारे लिए बहुत काम आई, वरना वे तुम्हें समलैंगिक को धक्का देने के आरोप में पकड़ लेते। चलो, इसे भूल जाते हैं; क्योंकि, सच कहूँ तो—और शायद मैं अपनी ज़िम्मेदारी से ज़्यादा बोल रहा हूँ—वे तुम्हारे खिलाफ कोई ठोस मामला नहीं बना सकते थे, और कल शिकागो तुम्हारे लिए खुला है।”

मैं जहाँ हूं वहां बहुत अच्छा हूं।

"ठीक है, मैंने तुम्हें संकेत दे दिया है, और तुम एक रूठे हुए कुत्ते की तरह हो जो इसके लिए मुझे धन्यवाद नहीं दे रहे हो।"

"खैर, मुझे लगता है कि आपका इरादा अच्छा है, और मैं आपका धन्यवाद करता हूं," मैकमर्डो ने बहुत ही असभ्य लहजे में कहा।

“जब तक तुम सीधे रास्ते पर चलते रहोगे, मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा,” कप्तान ने कहा। “लेकिन, भगवान की कसम! अगर इसके बाद तुम छूट गए, तो कहानी कुछ और होगी! तो शुभ रात्रि — और शुभ रात्रि पार्षद जी।”

वह बार से निकल गया; लेकिन निकलने से पहले उसने एक स्थानीय हीरो बना दिया था। शिकागो में मैकमर्डो के कारनामों की चर्चा पहले भी होती रही थी। उसने मुस्कुराते हुए सभी सवालों को टाल दिया था, मानो वह खुद पर थोपी गई प्रसिद्धि नहीं चाहता हो। लेकिन अब यह बात आधिकारिक तौर पर पक्की हो गई थी। बार में बैठे आवारा लोग उसके चारों ओर जमा हो गए और गर्मजोशी से उसका हाथ मिलाया। उस पल से वह उस समुदाय से अलग हो गया। वह जी भरकर पी सकता था और उसका कोई खास असर नहीं दिखता था; लेकिन उस शाम, अगर उसका साथी स्कैनलन उसे घर ले जाने के लिए मौजूद न होता, तो वह मशहूर हीरो शायद अपनी रात बार के नीचे ही बिताता।

एक शनिवार की रात को मैकमर्डो को लॉज में शामिल किया गया। उसने सोचा था कि शिकागो का सदस्य होने के नाते वह बिना किसी औपचारिकता के प्रवेश कर जाएगा; लेकिन वर्मिसा में कुछ विशेष रीति-रिवाज थे जिन पर उन्हें गर्व था, और प्रत्येक सदस्य को इन रीति-रिवाजों का पालन करना पड़ता था। सभा यूनियन हाउस में ऐसे उद्देश्यों के लिए आरक्षित एक बड़े कमरे में आयोजित की गई। वर्मिसा में लगभग साठ सदस्य एकत्रित हुए; लेकिन यह संगठन की पूरी संख्या नहीं थी, क्योंकि घाटी में कई अन्य लॉज थे, और पहाड़ों के उस पार दोनों ओर भी अन्य लॉज थे, जो किसी गंभीर कार्य के समय सदस्यों का आदान-प्रदान करते थे, जिससे अपराध करने वाले लोग उस इलाके से अपरिचित हो सकते थे। कुल मिलाकर कोयला क्षेत्र में कम से कम पाँच सौ सदस्य बिखरे हुए थे।

खाली सभा कक्ष में सभी लोग एक लंबी मेज के चारों ओर एकत्रित थे। बगल में एक दूसरी मेज थी जो बोतलों और गिलासों से लदी हुई थी, जिस पर समूह के कुछ सदस्यों की निगाहें टिकी हुई थीं। मैकगिन्टी सबसे आगे बैठा था, उसके उलझे हुए काले बालों पर एक सपाट काली मखमली टोपी थी और गले में बैंगनी रंग का शॉल था, जिससे वह किसी शैतानी अनुष्ठान की अध्यक्षता कर रहे पुजारी जैसा लग रहा था। उसके दाएं और बाएं लॉज के उच्च अधिकारी बैठे थे, जिनमें क्रूर, आकर्षक चेहरे वाला टेड बाल्डविन भी शामिल था। इनमें से प्रत्येक ने अपने पद के प्रतीक के रूप में कोई स्कार्फ या पदक धारण किया हुआ था।

उनमें से अधिकतर परिपक्व आयु के पुरुष थे; लेकिन बाकी दल में अठारह से पच्चीस वर्ष के युवा थे, जो अपने वरिष्ठों के आदेशों का पालन करने वाले तत्पर और सक्षम एजेंट थे। वृद्ध पुरुषों में से कई ऐसे थे जिनके चेहरे पर भीतर छिपी हुई उग्र, कानूनविहीन आत्मा की झलक थी; लेकिन दल के सदस्यों को देखकर यह विश्वास करना कठिन था कि ये उत्साही और खुले चेहरे वाले युवा वास्तव में हत्यारों का एक खतरनाक गिरोह थे, जिनका नैतिक रूप से इतना विकृत हो चुका था कि वे अपने काम में निपुणता पर घोर गर्व करते थे, और उस व्यक्ति का अत्यंत सम्मान करते थे जिसे वे "साफ-सुथरा काम" करने वाला मानते थे।

उनकी विकृत प्रवृत्ति के कारण, किसी ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध सेवा के लिए स्वेच्छा से आगे आना एक साहसिक और वीरतापूर्ण कार्य बन गया था जिसने उन्हें कभी कोई हानि नहीं पहुँचाई थी, और जिसे उन्होंने कई मामलों में अपने जीवन में कभी देखा भी नहीं था। अपराध होने पर, वे इस बात पर झगड़ते रहे कि वास्तव में घातक प्रहार किसने किया था, और मारे गए व्यक्ति की चीखों और पीड़ादायक हाव-भाव का वर्णन करके एक-दूसरे और साथियों का मनोरंजन करते रहे।

आरंभ में उन्होंने अपनी योजनाओं में कुछ गोपनीयता बरती थी; लेकिन जिस समय का वर्णन इस वृत्तांत में किया गया है, उस समय उनकी कार्यवाही असाधारण रूप से खुली हुई थी, क्योंकि कानून की बार-बार की विफलताओं ने उन्हें यह सिद्ध कर दिया था कि एक ओर तो कोई भी उनके विरुद्ध गवाही देने का साहस नहीं करेगा, और दूसरी ओर उनके पास अनगिनत पुख्ता गवाह थे जिन्हें वे बुला सकते थे, और एक भरा हुआ खजाना था जिससे वे राज्य के सर्वश्रेष्ठ कानूनी विशेषज्ञों को नियुक्त करने के लिए धन निकाल सकते थे। दस वर्षों के लंबे अत्याचारों में एक भी दोषसिद्धि नहीं हुई थी, और स्कॉवरर्स को एकमात्र खतरा स्वयं पीड़ित से ही था - जो चाहे संख्या में कम होने और अचानक हमले का शिकार होने पर भी, अपने हमलावरों पर अपनी छाप छोड़ सकता था और कभी-कभी छोड़ भी देता था।

मैकमर्डो को चेतावनी दी गई थी कि उसके सामने कोई कठिन परीक्षा आने वाली है; लेकिन किसी ने उसे यह नहीं बताया कि वह परीक्षा क्या होगी। अब दो गंभीर भाइयों

द्वारा उसे एक बाहरी कमरे में ले जाया गया। लकड़ी के परदे के पार से वह अंदर की सभा से कई आवाजों की फुसफुसाहट सुन सकता था। एक-दो बार उसने अपना नाम सुना और समझ गया कि वे उसकी उम्मीदवारी पर चर्चा कर रहे हैं। तभी हरे और सुनहरे रंग का कमरबंद पहने एक भीतरी रक्षक अंदर आया।

"बॉडीमास्टर का आदेश है कि उसे बांधकर, आंखों पर पट्टी बांधकर उसके साथ प्रवेश किया जाए," उसने कहा।

उन तीनों ने उसका कोट उतार दिया, उसके दाहिने हाथ की आस्तीन ऊपर कर दी, और अंत में कोहनियों के ऊपर से एक रस्सी बांधकर उसे कस दिया। फिर उन्होंने उसके सिर और चेहरे के ऊपरी हिस्से पर एक मोटी काली टोपी डाल दी, जिससे वह कुछ भी न देख सके। इसके बाद उसे सभा भवन में ले जाया गया।

उसके हुड के नीचे घोर अंधेरा और बहुत घुटन थी। उसने अपने आसपास के लोगों की सरसराहट और फुसफुसाहट सुनी, और फिर उसके कानों पर ढके होने के कारण मैकगिन्टी की आवाज़ धीमी और दूर से सुनाई दी।

"जॉन मैकमुर्डो," आवाज ने कहा, "क्या आप पहले से ही प्राचीन स्वतंत्र पुरुषों के संगठन के सदस्य हैं?"

उसने सहमति में सिर झुकाया।

"क्या आपका लॉज नंबर 29, शिकागो है?"

उन्होंने दोबारा सिर झुकाया।

"अंधेरी रातें अप्रिय होती हैं," आवाज ने कहा।

"हां, अजनबियों के लिए यात्रा करना संभव है," उसने उत्तर दिया।

बादल घने हैं।

"हां, तूफान आ रहा है।"

"क्या भाई संतुष्ट हैं?" बॉडीमास्टर ने पूछा।

आम तौर पर सबने सहमति में फुसफुसाहट की।

"भाई, हम आपके हस्ताक्षर और प्रतिहस्ताक्षर से जानते हैं कि आप वास्तव में हमारे ही हैं," मैकगिन्टी ने कहा। "लेकिन हम आपको यह बताना चाहते हैं कि इस जिले में और इस क्षेत्र के अन्य जिलों में हमारे कुछ रीति-रिवाज और कर्तव्य हैं, जिनके लिए अच्छे लोगों की आवश्यकता होती है। क्या आप परीक्षा देने के लिए तैयार हैं?"

"मैं हूँ।"

क्या तुम साहसी हो?

"मैं हूँ।"

इसे साबित करने के लिए एक कदम आगे बढ़ाएं।

जैसे ही ये शब्द कहे गए, उसे अपनी आँखों के सामने दो कठोर बिंदु महसूस हुए, जो उन पर इतना दबाव डाल रहे थे कि ऐसा लग रहा था मानो आगे बढ़ना उनके आँखों को खोने के खतरे के बिना संभव नहीं था। फिर भी, उसने हिम्मत जुटाकर दृढ़ता से कदम बढ़ाया, और जैसे ही उसने कदम बढ़ाया, दबाव गायब हो गया। तालियों की हल्की गड़गड़ाहट सुनाई दी।

"उसका दिल बहुत मजबूत है," आवाज ने कहा। "क्या तुम दर्द सह सकते हो?"

"साथ ही एक और भी," उसने उत्तर दिया।

"उसकी परीक्षा लो!"

दर्द से कराहने से खुद को रोकना उसके लिए बड़ी मुश्किल थी, क्योंकि उसकी बांह में असहनीय दर्द हो रहा था। अचानक लगे इस झटके से वह लगभग बेहोश हो गया था; लेकिन उसने अपने होंठ काट लिए और दर्द को छिपाने के लिए अपने हाथों को भींच लिया।

उन्होंने कहा, "मैं इससे ज़्यादा सहन कर सकता हूं।"

इस बार ज़ोरदार तालियाँ बजीं। लॉज में इससे बेहतर पहली उपस्थिति कभी नहीं हुई थी। लोगों ने उनकी पीठ थपथपाई और उनके सिर से हुड हटा दिया गया। भाइयों की बधाई के बीच वे पलकें झपकाते और मुस्कुराते खड़े रहे।

“एक आखिरी बात, भाई मैकमर्डो,” मैकगिन्टी ने कहा। “आप पहले ही गोपनीयता और निष्ठा की शपथ ले चुके हैं, और आप जानते हैं कि इसका उल्लंघन करने पर तत्काल और निश्चित मृत्युदंड मिलेगा?”

मैकमर्डो ने कहा, "मैं हूं।"

"और आप सभी परिस्थितियों में फिलहाल बॉडीमास्टर के शासन को स्वीकार करते हैं?"

"मैं करता हूं।"

“तो फिर लॉज 341 की ओर से, वर्मिसा, मैं आपका इसके विशेषाधिकारों और वाद-विवादों में स्वागत करता हूं। भाई स्कैनलन, आप मेज पर शराब रखिएगा, और हम अपने योग्य भाई के सम्मान में जाम उठाएंगे।”

मैकमर्डो के लिए उसका कोट लाया गया था; लेकिन पहनने से पहले उसने अपनी दाहिनी बांह की जांच की, जिसमें अभी भी बहुत दर्द हो रहा था। उसकी बांह की त्वचा पर एक गोला बना हुआ था जिसके अंदर एक त्रिभुज था, गहरा और लाल निशान, ठीक वैसे ही जैसे गर्म लोहे से दागने पर बना था। उसके एक-दो पड़ोसियों ने अपनी आस्तीनें ऊपर कीं और अपने-अपने लॉज के निशान दिखाए।

“हम सभी को यह अनुभव हुआ है,” एक ने कहा; “लेकिन हम सभी आपकी तरह इतने साहसी नहीं हैं।”

“छी! कुछ भी नहीं था,” उसने कहा; लेकिन फिर भी उसमें जलन और दर्द हो रहा था।

दीक्षा समारोह के बाद जब पेय पदार्थ समाप्त हो गए, तो लॉज का कामकाज आगे बढ़ा। शिकागो के साधारण प्रदर्शनों के आदी मैकमर्डो ने खुले कानों से सुना और आगे जो कुछ हुआ उसे दिखाने की हिम्मत न करते हुए भी वह काफी आश्चर्यचकित थे।

“कार्यसूची में पहला विषय मर्टन काउंटी लॉज 249 के डिवीजन मास्टर विंडले का निम्नलिखित पत्र पढ़ना है। वे कहते हैं:

"प्रिय महोदय:

“इस इलाके के पास कोयला व्यापारी रे एंड स्टर्मैश के एंड्रयू रे के खिलाफ एक कार्रवाई करनी है। आपको याद होगा कि आपके लॉज पर हमारा एहसान है, क्योंकि पिछले पतझड़ में गश्ती अधिकारी के मामले में हमारे दो सदस्यों ने हमारी मदद की थी। आप दो अच्छे आदमियों को भेजिएगा, उनकी देखरेख इस लॉज के कोषाध्यक्ष हिगिंस करेंगे, जिनका पता आपको पता है। वे उन्हें बताएंगे कि कब और कहां कार्रवाई करनी है। स्वतंत्रता में आपका,

“जे. डब्ल्यू. विंडले डी. एम. ए. 0. एफ.

“विंडल ने जब भी हमें एक-दो आदमियों की ज़रूरत पड़ी है, कभी मना नहीं किया है, और यह हमारा काम नहीं है कि हम उसे मना कर दें।” मैकगिन्टी रुका और अपनी नीरस, द्वेषपूर्ण आँखों से कमरे में चारों ओर देखा। “इस काम के लिए कौन आगे आएगा?”

कई युवकों ने अपने हाथ ऊपर उठाए। बॉडीमास्टर ने उन्हें देखकर मुस्कुराकर सहमति जताई।

“तुम कर लोगे, टाइगर कॉर्मैक। अगर तुमने पिछली बार की तरह ही इसे अच्छे से संभाला, तो तुम गलत नहीं होगे। और तुम भी, विल्सन।”

"मेरे पास पिस्तौल नहीं है," किशोरवय स्वयंसेवक ने कहा।

"यह आपका पहला अनुभव है, है ना? खैर, कभी न कभी तो अनुभव होना ही है। यह आपके लिए एक शानदार शुरुआत होगी। जहाँ तक पिस्तौल की बात है, वह आपका इंतज़ार कर रही होगी, या शायद मैं गलत हूँ। अगर आप सोमवार को हाजिरी लगा देते हैं, तो काफ़ी समय होगा। लौटने पर आपकी ज़ोरदार स्वागत होगा।"

"इस बार कोई इनाम है?" कार्मैक ने पूछा, जो एक हट्टा-कट्टा, काले चेहरे वाला, क्रूर दिखने वाला युवक था, जिसकी क्रूरता ने उसे "टाइगर" का उपनाम दिलाया था।

"इनाम की चिंता मत करो। इसे सिर्फ सम्मान के लिए करो। शायद जब यह काम पूरा हो जाए तो बक्से के नीचे कुछ डॉलर पड़े हों।"

"उस आदमी ने क्या किया है?" युवा विल्सन ने पूछा।

"हाँ, यह आप जैसे लोगों का काम नहीं है कि आप पूछें कि उस आदमी ने क्या किया है। वहाँ उसका फैसला हो चुका है। यह हमारा काम नहीं है। हमें बस उनके लिए अपना काम करना है, जैसे वे हमारे लिए करते। इसी सिलसिले में, मर्टन लॉज के दो भाई अगले हफ्ते इस क्षेत्र में कुछ काम के लिए हमारे पास आ रहे हैं।"

किसी ने पूछा, "ये कौन हैं?"

"विश्वास, पूछना ही समझदारी नहीं है। अगर तुम कुछ नहीं जानते, तो कुछ गवाही भी नहीं दे सकते, और इससे कोई परेशानी भी नहीं होगी। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जो काम शुरू करने पर उसे पूरी ईमानदारी से अंजाम देते हैं।"

"और समय भी!" टेड बाल्डविन चिल्लाया। "यहाँ लोग हद से ज़्यादा बिगड़ते जा रहे हैं। अभी पिछले ही हफ़्ते फोरमैन ब्लेकर ने हमारे तीन आदमियों को नौकरी से निकाल दिया। ब्लेकर का उससे काफ़ी समय से बकाया है, और उसे इसका पूरा हिसाब चुकाना पड़ेगा।"

"क्या मिला?" मैकमर्डो ने अपने पड़ोसी से फुसफुसाते हुए पूछा।

"बकशॉट कारतूस का अगला सिरा!" उस आदमी ने जोर से हंसते हुए कहा। "भाई, हमारे तौर-तरीकों के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?"

मैकमर्डो की आपराधिक मानसिकता ने मानो उस घिनौने गिरोह की भावना को आत्मसात कर लिया था जिसका वह अब सदस्य बन चुका था। उसने कहा, "मुझे यह जगह बहुत पसंद है। यह एक साहसी युवक के लिए उपयुक्त जगह है।"

आस-पास बैठे कई लोगों ने उनकी बातें सुनीं और तालियां बजाईं।

"यह क्या है?" मेज के दूसरे छोर से काले बालों वाले बॉडीमास्टर ने चिल्लाकर पूछा।

"यह हमारा नया भाई है, महोदय, जिसे हमारे तौर-तरीके पसंद आए हैं।"

मैकमर्डो एक पल के लिए खड़े हो गए। "मैं कहना चाहूंगा, आदरणीय बॉडीमास्टर, कि यदि किसी व्यक्ति की आवश्यकता हो तो लॉज की सहायता के लिए चुना जाना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।"

इस पर खूब तालियाँ बजीं। ऐसा लगा मानो एक नया सूरज क्षितिज के ऊपर अपना किनारा बना रहा हो। कुछ बुजुर्गों को लगा कि यह प्रगति कुछ ज़्यादा ही तेज़ हो रही है।

अध्यक्ष के पास बैठे, गिद्ध जैसे चेहरे वाले बूढ़े और सफ़ेद दाढ़ी वाले सचिव हैरावे ने कहा, "मैं प्रस्ताव करता हूं कि ब्रदर मैकमर्डो को तब तक प्रतीक्षा करनी चाहिए जब तक कि लॉज उन्हें नियुक्त करने के लिए सहमत न हो जाए।"

"हाँ, मेरा यही मतलब था; मैं आपके भरोसे हूँ," मैकमर्डो ने कहा।

"भाई, तुम्हारा समय आएगा," अध्यक्ष ने कहा। "हमने तुम्हें एक मेहनती व्यक्ति के रूप में पहचाना है, और हमें विश्वास है कि तुम यहाँ अच्छा काम करोगे। आज रात एक छोटा सा मामला है जिसमें तुम चाहो तो मदद कर सकते हो।"

मैं किसी सार्थक चीज का इंतज़ार करूंगा।

"आप आज रात आ सकते हैं, इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि इस समुदाय में हम किन मूल्यों के लिए खड़े हैं। मैं बाद में घोषणा करूंगा। इस बीच," उन्होंने अपने एजेंडा पेपर पर नज़र डाली, "मुझे बैठक में एक-दो और मुद्दे उठाने हैं। सबसे पहले, मैं कोषाध्यक्ष से हमारे बैंक बैलेंस के बारे में पूछूंगा। जिम कार्नावे की विधवा को पेंशन देनी है। लॉज का काम करते हुए उनकी मृत्यु हो गई थी, और यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि उन्हें कोई नुकसान न हो।"

मैकमुर्डो के पड़ोसी ने उन्हें बताया, "जिम को पिछले महीने गोली मार दी गई थी जब उन्होंने मार्ले क्रीक के चेस्टर विलकॉक्स को मारने की कोशिश की थी।"

"फिलहाल फंड की कोई कमी नहीं है," कोषाध्यक्ष ने अपने सामने बैंकबुक रखते हुए कहा। "कंपनियों ने हाल ही में उदारता दिखाई है। मैक्स लिंडर एंड कंपनी ने मुझे अकेला छोड़ने के लिए पांच सौ डॉलर दिए। वॉकर ब्रदर्स ने सौ डॉलर भेजे; लेकिन मैंने उसे वापस कर दिया और पांच सौ डॉलर मांगे। अगर बुधवार तक कोई जवाब नहीं आया, तो उनकी वाइंडिंग गियर खराब हो सकती है। पिछले साल हमें उनका ब्रेकर जलाना पड़ा था, तब जाकर उनकी बात मानी गई थी। फिर वेस्ट सेक्शन कोलिंग कंपनी ने अपना वार्षिक योगदान दिया है। हमारे पास सभी दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन है।"

"आर्ची स्विंडन का क्या हुआ?" एक भाई ने पूछा।

"उसने अपना माल बेच दिया और ज़िला छोड़कर चला गया। उस बूढ़े शैतान ने हमारे लिए एक नोट छोड़ा है जिसमें लिखा है कि वह ब्लैकमेलरों के गिरोह के चुंगुल में फंसे बड़े खान मालिक बनने की बजाय न्यूयॉर्क में एक मुफ्त सड़क सफाईकर्मी बनना पसंद करेगा। हे भगवान! अच्छा हुआ कि नोट हम तक पहुंचने से पहले ही वह भाग गया! लगता है अब वह इस घाटी में फिर कभी नज़र नहीं आएगा।"

एक बुजुर्ग, दाढ़ी-मूंछ साफ किए हुए, दयालु चेहरे और सुडौल माथे वाले व्यक्ति ने मेज के उस छोर से उठकर अध्यक्ष से पूछा, "श्रीमान कोषाध्यक्ष, क्या मैं पूछ सकता हूं कि उस व्यक्ति की संपत्ति किसने खरीदी है जिसे हमने ज़िले से बाहर निकाल दिया है?"

"जी हां, भाई मॉरिस। इसे स्टेट एंड मर्टन काउंटी रेलरोड कंपनी ने खरीद लिया है।"

"और टोडमैन और ली की खदानें, जो पिछले साल इसी तरह बाजार में आई थीं, उन्हें किसने खरीदा?"

"वही कंपनी, ब्रदर मॉरिस।"

"और मैनसन, शुमन, वैन डेहर और एटवुड के लौह कारखानों को किसने खरीदा, जिन्हें हाल ही में छोड़ दिया गया है?"

"इन सभी को वेस्ट गिल्मर्टन जनरल माइनिंग कंपनी ने खरीद लिया था।"

अध्यक्ष ने कहा, "भाई मॉरिस, मुझे नहीं लगता कि इससे हमें कोई फर्क पड़ता है कि इन्हें कौन खरीदता है, क्योंकि वे इन्हें ज़िले से बाहर नहीं ले जा सकते।"

"आपसे पूरे आदर के साथ, आदरणीय बॉडीमास्टर, मुझे लगता है कि यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। यह प्रक्रिया पिछले दस वर्षों से चल रही है। हम धीरे-धीरे सभी छोटे व्यापारियों को व्यापार से बाहर कर रहे हैं। इसका परिणाम क्या है? उनकी जगह हमें रेलरोड या जनरल आयरन जैसी बड़ी कंपनियां मिल रही हैं, जिनके निदेशक न्यूयॉर्क या फिलाडेल्फिया में हैं, और वे हमारी धमकियों की परवाह नहीं करते। हम उनके स्थानीय प्रमुखों को हटा तो सकते हैं, लेकिन इसका मतलब केवल यह होगा कि उनकी जगह दूसरे लोग आ जाएंगे। और हम अपने लिए खतरा मोल ले रहे हैं। छोटे व्यापारी हमें नुकसान नहीं पहुंचा सकते थे। उनके पास न तो पैसा था और न ही शक्ति।

जब तक हम उन्हें पूरी तरह से निचोड़ नहीं लेते, वे हमारे अधीन बने रहते। लेकिन अगर इन बड़ी कंपनियों को पता चलता है कि हम उनके और उनके मुनाफ़े के बीच खड़े हैं, तो वे हमें ढूंढ़ने और अदालत में घसीटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।"

इन अशुभ शब्दों को सुनकर सन्नाटा छा गया, और सभी के चेहरे उदास हो गए, सबने एक-दूसरे को निराशा भरी निगाहों से देखा। वे इतने सर्वशक्तिमान और अजेय थे कि प्रतिशोध की आशंका उनके मन से पूरी तरह से दूर हो गई थी। फिर भी, यह विचार उनमें से सबसे निर्भीक व्यक्ति को भी कंपकंपा देता था।

वक्ता ने आगे कहा, "मेरी यही सलाह है कि हम छोटे लोगों के प्रति नरम रुख अपनाएं। जिस दिन उन सभी को बाहर निकाल दिया जाएगा, उस दिन इस समाज की शक्ति समाप्त हो जाएगी।"

अप्रिय सत्य लोकप्रिय नहीं होते। वक्ता के वापस अपनी सीट पर बैठते ही गुस्से भरी आवाजें सुनाई दीं। मैकगिन्टी के माथे पर उदासी छाई हुई थी।

"भाई मॉरिस," उन्होंने कहा, "तुम तो हमेशा से ही झूठे रहे हो। जब तक इस लॉज के सदस्य एकजुट हैं, अमेरिका में कोई भी ताकत उन्हें छू नहीं सकती। क्या हमने अदालतों में कई बार कोशिश नहीं की है? मुझे लगता है कि बड़ी कंपनियों के लिए लड़ना आसान नहीं होगा, ठीक वैसे ही जैसे छोटी कंपनियों के लिए होता है। और अब, भाइयों," मैकगिन्टी ने बोलते हुए अपनी काली मखमली टोपी और शॉल उतार दिया, "इस लॉज का आज शाम का काम समाप्त हो गया है, सिवाय एक छोटी सी बात के जिसका जिक्र विदाई के समय किया जा सकता है। अब भाईचारे के साथ जलपान और सद्भाव का समय है।"

मानव स्वभाव वाकई विचित्र है। ये वे लोग थे, जिनके लिए हत्या कोई नई बात नहीं थी, जिन्होंने बार-बार परिवार के मुखिया को मार डाला था, एक ऐसे व्यक्ति को जिसके प्रति उनके मन में कोई व्यक्तिगत द्वेष नहीं था, उसकी रोती हुई पत्नी या असहाय बच्चों के लिए उन्हें जरा भी दया या सहानुभूति नहीं हुई, और फिर भी संगीत की कोमल या मार्मिक धुनें उन्हें रुला देती थीं। मैकमर्डो की आवाज़ सुरीली थी, और अगर वह पहले लॉज का स्नेह पाने में असफल रहे थे, तो "आई एम सिटिंग ऑन द स्टाइल, मैरी" और "ऑन द बैंक्स ऑफ एलन वाटर" जैसे गीतों से उन्हें मंत्रमुग्ध करने के बाद अब ऐसा होना असंभव था।

अपनी पहली ही रात में, नए रंगरूट ने अपने साथियों में सबसे लोकप्रिय बनकर अपनी जगह बना ली थी और उसे पदोन्नति और उच्च पद के लिए पहले से ही योग्य मान लिया गया था। हालांकि, एक योग्य फ्रीमैन बनने के लिए अच्छे सौहार्द के अलावा अन्य गुणों की भी आवश्यकता होती है, और शाम ढलने से पहले ही उसे इन गुणों का एक उदाहरण देखने को मिला। व्हिस्की की बोतल कई बार घुमाई जा चुकी थी, और सभी जवान जोश से भरे हुए थे और शरारत करने के लिए तैयार थे, तभी उनके बॉडीमास्टर उन्हें संबोधित करने के लिए एक बार फिर उठे।

"लड़कों," उसने कहा, "इस कस्बे में एक आदमी ऐसा है जिसे सबक सिखाने की ज़रूरत है, और यह सुनिश्चित करना तुम्हारा काम है कि उसे सबक मिले। मैं हेराल्ड अखबार के जेम्स स्टैंगर की बात कर रहा हूं। तुमने देखा ही होगा कि वह फिर से हमारे खिलाफ़ ज़ुबान चला रहा है?"

सहमति की हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी, और कई लोगों ने दबी आवाज़ में अपशब्द कहे। मैकगिन्टी ने अपनी वेस्टकोट की जेब से एक पर्ची निकाली।

"कानून एवं व्यवस्था!

वह इसी तरह से नेतृत्व करता है।

"कोयला और लोह जिले में आतंक का राज"

“हमारे बीच एक आपराधिक संगठन के अस्तित्व को साबित करने वाली पहली हत्याओं के बाद से अब बारह वर्ष बीत चुके हैं। उस दिन से ये अत्याचार कभी नहीं रुके, और अब वे उस स्तर तक पहुंच गए हैं जिसने हमें सभ्य दुनिया के लिए कलंकित बना दिया है। क्या ऐसे परिणामों के लिए ही हमारा महान देश यूरोप के निरंकुश शासनों से भागकर आए विदेशियों का स्वागत करता है? क्या वे स्वयं उन्हीं लोगों पर अत्याचारी बन जाएंगे जिन्होंने उन्हें शरण दी है, और क्या आतंकवाद और अराजकता का राज्य स्वतंत्रता के उस पवित्र ध्वज की छत्रछाया में स्थापित हो जाएगा, जिसके बारे में अगर हम पूर्व के सबसे कमज़ोर राजतंत्र के अधीन भी पढ़ते तो हमारे मन में भय उत्पन्न हो जाता? वे लोग ज्ञात हैं। संगठन स्पष्ट और सार्वजनिक है। हम इसे कब तक सहन करेंगे? क्या हम हमेशा के लिए जी सकते हैं?”

“हां, मैंने ये सब बकवास पढ़ ली है!” अध्यक्ष ने कागज़ मेज पर पटकते हुए चिल्लाकर कहा। “वो हमारे बारे में यही कहता है। मैं आपसे ये पूछ रहा हूँ कि हम उसे क्या कहें?”

“उसे मार डालो!” एक दर्जन उग्र आवाज़ों ने चिल्लाकर कहा।

“मैं इसका विरोध करता हूं,” सुंदर माथे और मुंडे हुए चेहरे वाले भाई मॉरिस ने कहा। “भाइयों, मैं आप सबको बताता हूँ कि इस घाटी में हमारा दबदबा बहुत ज़्यादा है, और एक दिन ऐसा आएगा जब आत्मरक्षा में हर कोई एकजुट होकर हमें यहाँ से भगा देगा। जेम्स स्टैंगर एक बूढ़ा आदमी है। कस्बे और ज़िले में उसका सम्मान है। उसका अख़बार इस घाटी की सारी अच्छाइयों का प्रतीक है। अगर उस आदमी को मार गिराया गया, तो पूरे राज्य में हलचल मच जाएगी जिसका अंत हमारे विनाश से ही होगा।”

“और वे हमारा विनाश कैसे करेंगे, श्रीमान पीछे हटें?” मैकगिन्टी चिल्लाया। “क्या पुलिस के ज़रिए? ज़रूर, उनमें से आधे तो हमारे वेतन पर हैं और आधे हमसे डरते हैं। या फिर अदालतों और न्यायाधीश के ज़रिए? क्या हमने पहले भी ऐसा नहीं किया है, और उसका क्या नतीजा निकला?”

"एक जज लिंच हैं जो इस मामले की सुनवाई कर सकते हैं," ब्रदर मॉरिस ने कहा।

इस सुझाव पर सबने गुस्से भरी आवाज़ें निकालीं।

“मुझे बस अपनी उंगली उठानी है,” मैकगिन्टी चिल्लाया, “और मैं इस शहर में दो सौ आदमी भेज सकता हूँ जो इसे एक छोर से दूसरे छोर तक खाली करा देंगे।” फिर अचानक अपनी आवाज़ ऊँची करते हुए और अपनी विशाल काली भौंहों को भयानक गुस्से में सिकोड़ते हुए बोला, “देखो, भाई मॉरिस, मेरी नज़र तुम पर है, और काफी समय से है! तुम्हारे पास खुद दिल नहीं है, और तुम दूसरों का दिल निकालने की कोशिश करते हो। भाई मॉरिस, तुम्हारे लिए बुरा दिन आएगा, जब तुम्हारा नाम हमारे एजेंडा पेपर पर आएगा, और मुझे लगता है कि यही सही समय है जब मुझे तुम्हारा नाम लिखना चाहिए।”

मॉरिस का चेहरा पीला पड़ गया था और जैसे ही वह कुर्सी पर गिरा, उसके घुटने लड़खड़ा गए। उसने कांपते हाथों से गिलास उठाया और जवाब देने से पहले ही पी लिया। “एमिनेंट बॉडीमास्टर, अगर मैंने कुछ ज़्यादा बोल दिया हो तो मैं आपसे और इस लॉज के हर सदस्य से माफ़ी मांगता हूँ। मैं एक निष्ठावान सदस्य हूं - आप सब जानते हैं - और लॉज पर किसी तरह की बदनामी आने के डर से ही मैं घबराकर ऐसे शब्द बोल रहा हूं। लेकिन मुझे अपने विवेक से ज़्यादा आपके विवेक पर भरोसा है, एमिनेंट बॉडीमास्टर, और मैं आपसे वादा करता हूँ कि मैं दोबारा ऐसी गलती नहीं करूँगा।”

बॉडीमास्टर के चेहरे पर मौजूद शिकन विनम्रता भरे शब्दों को सुनकर कुछ कम हो गई। “बहुत खूब, ब्रदर मॉरिस। अगर आपको सबक सिखाने की ज़रूरत पड़ी तो मुझे अफ़सोस होगा। लेकिन जब तक मैं इस कुर्सी पर हूं, हम कथनी और करनी में एक

एकजुट संस्था बने रहेंगे। और अब, लड़कों," उन्होंने चारों ओर देखते हुए कहा, "मैं बस इतना ही कहूंगा कि अगर स्टेंजर को उसकी पूरी सज़ा मिल गई, तो हमें बहुत बड़ी मुसीबत का सामना करना पड़ेगा। ये संपादक आपस में मिले हुए हैं, और राज्य का हर अखबार पुलिस और सेना के लिए गुहार लगाएगा। लेकिन मुझे लगता है कि आप उसे कड़ी चेतावनी दे सकते हैं। क्या आप इसे ठीक कर देंगे, ब्रदर बाल्डविन?"

"ज़रूर!" युवक ने उत्सुकता से कहा।

आप कितने लेंगे?

"आधे दर्जन, और दो दरवाजे की रखवाली के लिए। तुम आओगे, गोवर, और तुम, मैन्सेल, और तुम, स्कैनलन, और दोनों विलाबी।"

अध्यक्ष ने कहा, "मैंने नए सदस्य से वादा किया था कि उसे जाना चाहिए।"

टेड बाल्डविन ने मैकमर्डो को ऐसी निगाहों से देखा जिनसे साफ पता चलता था कि वह न तो भूले थे और न ही माफ किए थे। उन्होंने चिड़चिड़े स्वर में कहा, "ठीक है, अगर वह आना चाहता है तो आ सकता है। बस बहुत हो गया। हम जितनी जल्दी काम शुरू करें उतना अच्छा है।"

कंपनी चीख-पुकार और नशे में गाए जा रहे गीतों के बीच तितर-बितर हो गई। बार अभी भी जश्न मनाने वालों से भरा हुआ था, और कई साथी वहीं रुके रहे। ड्यूटी के लिए बुलाए गए छोटे समूह के लोग सड़क पर निकल आए, और ध्यान आकर्षित न करने के लिए दो-तीन के समूह में फुटपाथ पर चलने लगे। वह कड़ाके की ठंड वाली रात थी, और बर्फीले, तारों से भरे आकाश में आधा चाँद चमक रहा था। सभी लोग एक आँगन में रुके और इकट्ठा हुए जो एक ऊँची इमारत के सामने था। चमकदार खिड़कियों के बीच सुनहरे अक्षरों में "वर्मिसा हेराल्ड" लिखा हुआ था। अंदर से प्रिंटिंग प्रेस की खड़खड़ाहट सुनाई दे रही थी।

बाल्डविन ने मैकमर्डो से कहा, "लो, तुम नीचे दरवाजे पर खड़े हो जाओ और देखो कि हमारे लिए रास्ता खुला रखा गया है। आर्थर विलाबी तुम्हारे साथ रह सकता है। तुम बाकी लोग मेरे साथ आओ। डरने की कोई बात नहीं है, लड़कों; क्योंकि हमारे पास एक दर्जन गवाह हैं जो इस बात की गवाही देते हैं कि हम इस समय यूनियन बार में मौजूद हैं।"

लगभग आधी रात हो चुकी थी और सड़क पर एक-दो लोगों के अलावा कोई नहीं था जो अपने घर लौट रहे थे। वे लोग सड़क पार करके अखबार के दफ्तर का दरवाजा खोलकर अंदर घुस गए और सामने वाली सीढ़ियों पर चढ़ गए। मैकमर्डो और एक अन्य व्यक्ति नीचे ही रह गए। ऊपर वाले कमरे से एक चीख सुनाई दी, मदद के लिए पुकार, और फिर पैरों की धमक और कुर्सियों के गिरने की आवाज आई। एक पल बाद ही एक अधेड़ उम्र का आदमी बाहर सीढ़ियों पर आ गिरा।

आगे बढ़ने से पहले ही उसे पकड़ लिया गया और उसका चश्मा मैकमर्डो के पैरों में जा गिरा। एक ज़ोरदार आवाज़ हुई और एक कराह सुनाई दी। वह औंधा पड़ा था और उस पर आधा दर्जन लाठियाँ गिर पड़ीं, जो आपस में टकराकर खड़खड़ा रही थीं। वह तड़प रहा था और उसके लंबे, पतले अंग वारों से काँप रहे थे। बाकी लोग आखिरकार रुक गए; लेकिन बाल्डविन, जिसका क्रूर चेहरा एक भयानक मुस्कान से भरा था, उस आदमी के सिर पर वार कर रहा था, जिसे वह व्यर्थ ही अपनी बाहों से बचाने की कोशिश कर रहा था। उसके सफेद बालों पर खून के धब्बे लगे हुए थे। बाल्डविन अभी भी अपने शिकार पर झुका हुआ था और जब भी उसे शरीर का कोई खुला हिस्सा दिखाई देता, वह उस पर एक ज़ोरदार वार करता, तभी मैकमर्डो सीढ़ियों से ऊपर भागा और उसे पीछे धकेल दिया।

"तुम उस आदमी को मार डालोगे," उसने कहा। "इसे छोड़ दो!"

बाल्डविन ने हैरानी से उसकी ओर देखा। "तुम्हें धिक्कार है!" वह चिल्लाया। "तुम कौन होते हो दखल देने वाले – तुम तो अभी-अभी लॉज में आए हो? पीछे हटो!" उसने अपनी छड़ी उठाई; लेकिन मैकमुर्डो ने अपनी कमर की जेब से पिस्तौल निकाल ली।

"पीछे हट जाओ!" वह चिल्लाया। "अगर तुमने मुझ पर हाथ उठाया तो मैं तुम्हारा चेहरा फोड़ दूंगा। जहाँ तक लॉज की बात है, क्या बॉडीमास्टर का आदेश नहीं था कि उस आदमी को मारा न जाए – और तुम उसे मार ही तो रहे हो?"

"वह जो कह रहा है वह सच है," उनमें से एक व्यक्ति ने टिप्पणी की।

"अरे वाह! जल्दी करो!" नीचे खड़े आदमी ने चिल्लाकर कहा। "खिड़कियाँ जगमगा रही हैं, और पाँच मिनट के अंदर पूरा शहर यहाँ आ जाएगा।"

गली में सचमुच चीख-पुकार की आवाज आ रही थी, और नीचे हॉल में कंपोजिटरों और प्रेसकर्मियों का एक छोटा समूह इकट्ठा होकर कार्रवाई के लिए तैयार हो रहा था। संपादक के बेजान और गतिहीन शरीर को सीढ़ियों के शीर्ष पर छोड़कर, अपराधी नीचे की ओर दौड़े और तेजी से गली से होते हुए आगे बढ़ गए। यूनियन हाउस पहुंचकर, उनमें से कुछ मैकगिन्टी के सैलून में भीड़ में मिल गए और बार के उस पार बॉस से फुसफुसाते हुए कहा कि काम अच्छे से हो गया है। बाकी, जिनमें मैकमुर्डो भी शामिल था, गलियों में निकल गए और इस तरह टेढ़े-मेढ़े रास्तों से अपने-अपने घरों की ओर चल दिए।

अध्याय 4

भय की घाटी

अगली सुबह जब मैकमर्डो जागा तो उसके पास लॉज में दीक्षा समारोह को याद करने का अच्छा कारण था। शराब के असर से उसका सिर दर्द कर रहा था, और उसकी बांह, जहां उसे दागा गया था, गर्म और सूजी हुई थी। अपनी आय का एक विशेष स्रोत होने के कारण, वह अपने काम पर अनियमित रूप से जाता था; इसलिए उसने देर से नाश्ता किया और सुबह घर पर रहकर एक मित्र को एक लंबा पत्र लिखा। बाद में उसने डेली हेराल्ड पढ़ा। आखिरी समय में जोड़े गए एक विशेष कॉलम में उसने पढ़ा:

हेराल्ड कार्यालय में भीषण हिंसा— संपादक गंभीर रूप से घायल।

यह तथ्यों का एक संक्षिप्त विवरण था, जिनसे वह स्वयं लेखक की तुलना में कहीं अधिक परिचित थे। यह इस कथन के साथ समाप्त हुआ:

मामला अब पुलिस के हाथ में है; लेकिन यह उम्मीद करना मुश्किल है कि उनके प्रयासों से पहले की तुलना में कोई बेहतर परिणाम निकलेंगे। कुछ लोगों की पहचान हो गई है और उम्मीद है कि उन्हें दोषी ठहराया जा सकेगा। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि इस अत्याचार का कारण वह कुख्यात समाज है जिसने इस समुदाय को इतने लंबे समय तक गुलाम बनाकर रखा है और जिसके खिलाफ हेराल्ड ने कड़ा रुख अपनाया है। श्री स्टैंगर के कई मित्र यह जानकर प्रसन्न होंगे कि हालांकि उन्हें बेरहमी से पीटा गया है और उनके सिर पर गंभीर चोटें आई हैं, लेकिन उनकी जान को तत्काल कोई खतरा नहीं है।

इसके नीचे यह बताया गया था कि कार्यालय की सुरक्षा के लिए विनचेस्टर राइफलों से लैस पुलिस गार्ड को तैनात किया गया था।

मैकमर्डो ने कागज नीचे रख दिया था और पिछली शाम की अति के कारण कांपते हाथ से अपनी पाइप जला रहा था, तभी बाहर दस्तक हुई और उसकी मकान मालकिन

उसके लिए एक नोट लेकर आई जो एक लड़के ने उसे दिया था। उस पर हस्ताक्षर नहीं थे और उसमें लिखा था:

मैं आपसे बात करना चाहता हूँ, लेकिन आपके घर में ऐसा करना उचित नहीं होगा। आप मुझे मिलर हिल पर ध्वज स्तंभ के पास पाएंगे। यदि आप अभी वहाँ आएँ, तो मेरे पास कुछ ऐसा है जिसे आपके लिए सुनना और मेरे लिए कहना महत्वपूर्ण है।

मैकमर्डो ने अत्यंत आश्चर्य के साथ उस नोट को दो बार पढ़ा; क्योंकि वह समझ नहीं पा रहा था कि इसका क्या अर्थ है या इसे किसने लिखा है। यदि यह किसी महिला की लिखावट में होता, तो शायद वह सोचता कि यह उसके बीते जीवन के उन रोमांचक अनुभवों में से किसी एक की शुरुआत है। लेकिन यह एक पुरुष की लिखावट थी, और वह भी एक सुशिक्षित पुरुष की। अंततः, कुछ हिचकिचाहट के बाद, उसने इस मामले को सुलझाने का निश्चय किया।

मिलर हिल कस्बे के ठीक बीच में स्थित एक उपेक्षित सार्वजनिक उद्यान है। गर्मियों में यह लोगों का पसंदीदा पर्यटन स्थल होता है, लेकिन सर्दियों में यह सुनसान हो जाता है। इसकी चोटी से न केवल पूरा बिखरा हुआ, मैला-कुचैला कस्बा दिखाई देता है, बल्कि नीचे फैली घुमावदार घाटी भी नज़र आती है, जिसमें बिखरी हुई खदानें और कारखाने बर्फ को काला कर देते हैं, और घाटी के दोनों ओर फैले वनों से ढके बर्फ से ढके पर्वतीय क्षेत्र भी दिखाई देते हैं।

मैकमर्डो सदाबहार पेड़ों से घिरी घुमावदार पगडंडी पर टहलते हुए उस सुनसान रेस्तरां तक पहुँचे जो गर्मियों की रौनक का केंद्र हुआ करता था। उसके बगल में एक खाली झंडा लगा था, और उसके नीचे एक आदमी खड़ा था, जिसकी टोपी नीचे झुकी हुई थी और ओवरकोट का कॉलर ऊपर किया हुआ था। जब उसने अपना चेहरा घुमाया तो मैकमर्डो ने देखा कि वह ब्रदर मॉरिस थे, वही जिन्होंने पिछली रात बॉडीमास्टर को नाराज़ किया था। मिलते ही उन्होंने लॉज का चिन्ह एक-दूसरे को दिया और आदान-प्रदान किया।

“मैं आपसे कुछ बात करना चाहता था, श्रीमान मैकमर्डो,” उस बुजुर्ग व्यक्ति ने हिचकिचाहट के साथ कहा, जिससे पता चलता था कि वह एक संवेदनशील स्थिति में थे। “आपका आना हमारी मेहरबानी है।”

आपने उस नोट पर अपना नाम क्यों नहीं लिखा?

“सावधान रहना चाहिए, महोदय। ऐसे समय में कोई नहीं जानता कि कोई बात कैसे पलटकर आप पर ही भारी पड़ सकती है। यह भी नहीं पता होता कि किस पर भरोसा करना चाहिए और किस पर नहीं।”

"निश्चित रूप से लॉज के भाइयों पर भरोसा किया जा सकता है।"

“नहीं, नहीं, हमेशा नहीं,” मॉरिस ने ज़ोरदार स्वर में कहा। “हम जो कुछ भी कहते हैं, यहाँ तक कि जो कुछ भी सोचते हैं, वह सब कुछ उस मैकगिन्टी से ही जुड़ा हुआ लगता है।”

“देखो यहाँ!” मैकमर्डो ने सख्ती से कहा। “जैसा कि तुम भली-भांति जानते हो, कल रात ही मैंने हमारे बॉडीमास्टर के प्रति निष्ठा की शपथ ली थी। क्या तुम मुझसे अपनी शपथ तोड़ने के लिए कह रहे हो?”

“अगर आपका यही नजरिया है,” मॉरिस ने उदास होकर कहा, “तो मैं बस इतना ही कह सकता हूँ कि मुझे खेद है कि मैंने आपको मुझसे मिलने के लिए आने की परेशानी दी। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि दो स्वतंत्र नागरिक एक-दूसरे से अपने विचार भी व्यक्त नहीं कर सकते।”

मैकमर्डो, जो अपने साथी को बहुत ध्यान से देख रहा था, थोड़ा सहज हो गया। उसने कहा, "मैंने तो सिर्फ अपने लिए ही बोला है। जैसा कि आप जानते हैं, मैं यहाँ नया

हूँ और मुझे यहाँ की हर चीज़ की जानकारी नहीं है। श्री मॉरिस, मेरे लिए कुछ कहना उचित नहीं है, और अगर आप मुझसे कुछ कहना चाहें तो मैं सुनने के लिए तैयार हूँ।"

"और इसे बॉस मैकगिन्टी के पास वापस ले जाना है!" मॉरिस ने कड़वाहट से कहा।

"सचमुच, आप मेरे साथ अन्याय कर रहे हैं," मैकमर्डो चिल्लाया। "मैं स्वयं लॉज के प्रति वफादार हूँ, और मैं आपको यह बात सीधे-सीधे बता रहा हूँ; लेकिन अगर मैं किसी और को वह बात बता दूं जो आपने मुझसे गुप्त रूप से कही है, तो मैं बेचारा ही कहलाऊँगा। यह बात मुझसे आगे नहीं जाएगी; हालाँकि मैं आपको चेतावनी देता हूं कि आपको न तो कोई मदद मिलेगी और न ही कोई सहानुभूति।"

"मैंने दोनों में से किसी एक की तलाश करना छोड़ दिया है," मॉरिस ने कहा। "हो सकता है कि मैं अपनी बातों से अपनी जान आपके हाथों में सौंप रहा हूँ; लेकिन, आप चाहे कितने भी बुरे हों — और कल रात मुझे ऐसा लगा कि आप सबसे बुरे लोगों से भी बदतर बन रहे हैं — फिर भी आप इस काम में नए हैं, और आपका विवेक अभी तक उनके जितना कठोर नहीं हुआ है। इसीलिए मैंने आपसे बात करने का सोचा।"

"अच्छा, आपको क्या कहना है?"

"अगर तुमने मुझे किसी के हवाले किया, तो तुम पर श्राप लगे!"

"हाँ, मैंने कहा था कि मैं ऐसा नहीं करूंगा।"

"तो मैं आपसे यह पूछना चाहूंगा कि जब आप शिकागो में फ्रीमैन सोसाइटी में शामिल हुए और दान और निष्ठा की शपथ ली, तो क्या कभी आपके मन में यह ख्याल आया कि यह आपको अपराध की ओर ले जा सकता है?"

"अगर आप इसे अपराध कहते हैं," मैकमर्डो ने जवाब दिया।

"इसे अपराध कहो!" मॉरिस जोश से कांपती आवाज़ में चिल्लाया। "अगर तुम इसे कुछ और कह सकते हो, तो तुमने इसका बहुत कम हिस्सा देखा है। क्या कल रात का वो दिन अपराध था जब तुम्हारे पिता की उम्र के एक आदमी को इतना पीटा गया कि उसके सफेद बालों से खून टपकने लगा? क्या वो अपराध था—या फिर तुम उसे और क्या कहोगे?"

मैकमर्डो ने कहा, "कुछ लोग कहेंगे कि यह युद्ध था, दो वर्गों के बीच का युद्ध जिसमें सभी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी, ताकि प्रत्येक वर्ग अपनी क्षमता के अनुसार सर्वोत्तम प्रहार कर सके।"

"अच्छा, क्या आपने शिकागो में फ्रीमैन सोसाइटी में शामिल होते समय इस बारे में सोचा था?"

"नहीं, मुझे यही कहना होगा कि मैंने ऐसा नहीं किया।"

"जब मैं फिलाडेल्फिया में इसमें शामिल हुआ था, तब मुझे भी ऐसा ही लगा था। यह तो बस एक चैरिटी क्लब और साथियों के मिलने की जगह थी। फिर मैंने इस जगह के बारे में सुना—काश, वो समय ही मेरे कानों तक पहुंचता!—और मैं यहाँ अपनी ज़िंदगी सुधारने आया! हे भगवान! अपनी ज़िंदगी सुधारने! मेरी पत्नी और तीन बच्चे मेरे साथ आए। मैंने मार्केट स्क्वायर पर एक कपड़े की दुकान खोली और खूब तरक्की की। यह बात फैल गई थी कि मैं एक फ्रीमैन हूँ, और मुझे स्थानीय लॉज में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया, ठीक वैसे ही जैसे आपने कल रात किया था। मेरी बांह पर शर्म का निशान है और मेरे दिल पर उससे भी बुरा दाग लगा है। मुझे पता चला कि मैं एक काले बदमाश के इशारों पर चल रहा था और अपराध के जाल में फंस गया था। मैं क्या कर सकता था? हालात सुधारने के लिए मैंने जो भी कहा, उसे राजद्रोह समझा गया, ठीक वैसे ही जैसे कल रात हुआ था। मैं बच नहीं सकता; क्योंकि दुनिया में मेरा सब कुछ मेरी दुकान में है। अगर मैं इस संस्था को छोड़ देता हूँ, तो मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि इसका मतलब मेरे लिए हत्या है, और भगवान जाने मेरी पत्नी और बच्चों के लिए क्या होगा।

ओह, यार, यह कितना भयानक है—बहुत भयानक!" उसने अपने हाथों से अपना चेहरा ढक लिया और हिचकियों के कारण उसका शरीर कांपने लगा।

मैकमर्डो ने कंधे उचकाते हुए कहा, "तुम इस काम के लिए बहुत नरम दिल हो। तुम इस तरह के काम के लिए बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं हो।"

"मेरे अंदर अंतरात्मा और धर्म दोनों थे; लेकिन उन्होंने मुझे अपने बीच अपराधी बना दिया। मुझे एक काम के लिए चुना गया था। अगर मैं पीछे हट जाता तो मुझे अच्छी तरह पता था कि मेरा क्या अंजाम होगा। शायद मैं कायर हूं। शायद मेरी बेचारी पत्नी और बच्चों का ख्याल ही मुझे कायर बनाता है। खैर, मैं चला गया। मुझे लगता है कि यह बात मुझे हमेशा सताती रहेगी।"

"वह एक सुनसान घर था, यहाँ से बीस मील दूर, उस पहाड़ी श्रृंखला के उस पार। मुझे भी दरवाज़े पर खड़े होने के लिए डांट पड़ी, ठीक वैसे ही जैसे तुम्हें कल रात पड़ी थी। वे मुझ पर भरोसा नहीं कर सकते थे। बाकी लोग अंदर गए। जब वे बाहर आए तो उनके हाथ कलाई तक खून से लथपथ थे। जैसे ही हम मुड़े, हमारे पीछे घर से एक बच्चा चीख रहा था। वह पाँच साल का लड़का था जिसने अपने पिता की हत्या होते देखी थी। मैं उस भयानक दृश्य से लगभग बेहोश हो गई थी, फिर भी मुझे हिम्मत बनाए रखनी पड़ी और मुस्कुराना पड़ा; क्योंकि मैं अच्छी तरह जानती थी कि अगर मैंने ऐसा नहीं किया तो वे अपने खूनी हाथों से मेरे घर में घुसेंगे और मेरा छोटा फ्रेड अपने पिता के लिए चीख रहा होगा।"

"लेकिन तब मैं एक अपराधी था, एक हत्या में भागीदार, इस दुनिया से हमेशा के लिए विमुख, और अगली दुनिया से भी विमुख। मैं एक सच्चा कैथोलिक हूं; लेकिन जब पादरी को पता चला कि मैं एक स्कॉवरर हूं, तो उसने मुझसे कोई बात नहीं की, और मुझे मेरे धर्म से बहिष्कृत कर दिया गया है। मेरे साथ यही स्थिति है। और मैं तुम्हें भी उसी रास्ते पर जाते हुए देख रहा हूं, और मैं तुमसे पूछता हूं कि अंत क्या होगा। क्या तुम भी एक निर्मम हत्यारा बनने के लिए तैयार हो, या हम इसे रोकने के लिए कुछ कर सकते हैं?"

मैकमर्डो ने अचानक पूछा, "आप क्या करेंगे? आप जानकारी नहीं देंगे?"

"भगवान न करे!" मॉरिस चिल्लाया। "यकीन मानिए, इस विचार मात्र से ही मेरी जान चली जाएगी।"

मैकमर्डो ने कहा, "यह अच्छी बात है। मुझे लगता है कि आप एक कमजोर आदमी हैं और आप इस मामले को जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं।"

"बहुत ज़्यादा! ज़रा यहां और समय बिताकर देखो। घाटी में नीचे देखो! सौ चिमनियों के उस बादल को देखो जो इसे घेरे हुए है! मैं तुमसे कहता हूँ कि हत्या का बादल लोगों के सिर पर मंडरा रहे बादल से भी ज़्यादा घना और गहरा है। यह भय की घाटी है, मृत्यु की घाटी है। शाम से सुबह तक लोगों के दिलों में दहशत छाई रहती है। इंतज़ार करो, नौजवान, और तुम खुद जान जाओगे।"

"ठीक है, और देखने के बाद मैं आपको अपनी राय बता दूंगा," मैकमर्डो ने लापरवाही से कहा। "यह बिल्कुल स्पष्ट है कि आप इस पद के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं, और जितनी जल्दी आप अपना काम बेच दें—भले ही आपको इस कारोबार के बदले एक डॉलर के बदले दस सेंट ही मिलें—आपके लिए उतना ही अच्छा होगा। आपने जो कहा है वह मेरे पास सुरक्षित है; लेकिन, हे भगवान! अगर मुझे पता चला कि आप मुखबिर हैं—"

"नहीं, नहीं!" मॉरिस ने दयनीय स्वर में कहा।

"ठीक है, बात यहीं खत्म करते हैं। मैं आपकी कही बात को ध्यान में रखूंगा, और शायद किसी दिन इस पर फिर विचार करूंगा। मुझे उम्मीद है कि आपने मुझसे इस

तरह बात करके अच्छा ही सोचा होगा। अब मैं घर जा रहा हूँ।”

“जाने से पहले एक बात,” मॉरिस ने कहा। “हो सकता है हमें साथ देखा गया हो। वे जानना चाहेंगे कि हमने क्या बात की है।”

“वाह! यह तो बहुत अच्छी बात है।”

मैं आपको अपनी दुकान में क्लर्क की नौकरी की पेशकश करता हूँ।

“और मैं इसे अस्वीकार करता हूँ। यह हमारा निजी मामला है। खैर, अलविदा, भाई मॉरिस, और आशा है कि भविष्य में आपके साथ सब कुछ बेहतर होगा।”

उसी दोपहर, जब मैकमर्डो अपने बैठक कक्ष में चूल्हे के पास बैठकर सिगरेट पीते हुए सोच में डूबे हुए थे, तभी दरवाज़ा खुला और बॉस मैकगिन्टी की विशाल आकृति सामने आ गई। उन्होंने साइनबोर्ड को अनदेखा किया और फिर उस युवक के सामने बैठकर कुछ देर तक उन्हें टकटकी लगाकर देखते रहे, और मैकगिन्टी ने भी उन्हें उसी तरह टकटकी लगाकर देखा।

“मैं अक्सर मिलने नहीं आता, भाई मैकमर्डो,” उसने अंत में कहा। “शायद मैं अपने यहाँ आने वाले लोगों के काम में ही इतना व्यस्त रहता हूँ। लेकिन मैंने सोचा कि थोड़ी छूट लेकर आपके घर आकर आपसे मिल लूँ।”

“पार्षद महोदय, आपको यहाँ देखकर मुझे गर्व हो रहा है,” मैकमर्डो ने अलमारी से अपनी व्हिस्की की बोतल निकालते हुए उत्साह से जवाब दिया। “यह मेरे लिए एक ऐसा सम्मान है जिसकी मुझे उम्मीद नहीं थी।”

“हाथ कैसा है?” बॉस ने पूछा।

मैकमर्डो ने व्यंग्यात्मक चेहरा बनाया। उन्होंने कहा, "खैर, मैं इसे भूल नहीं रहा हूँ; लेकिन यह इसके लायक है।"

“हाँ, यह सार्थक है,” दूसरे ने उत्तर दिया, “उन लोगों के लिए जो वफादार हैं, इसमें अपना योगदान देते हैं और लॉज की मदद करते हैं। आज सुबह मिलर हिल पर आप ब्रदर मॉरिस से किस बारे में बात कर रहे थे?”

सवाल इतनी अचानक आया कि अच्छा हुआ कि उसने जवाब पहले से तैयार कर रखा था। वह ज़ोर से हँस पड़ा। “मॉरिस को नहीं पता था कि मैं घर बैठे ही गुज़ारा कर सकता हूँ। उसे पता भी नहीं चलेगा; क्योंकि मेरे जैसे लोगों के लिए उसके दिल में बहुत ज़्यादा ज़मीर है। लेकिन वह एक नेक दिल बूढ़ा आदमी है। यह उसका ही विचार था कि मैं खाली बैठा हूँ, और वह मुझे एक कपड़े की दुकान में क्लर्क की नौकरी देकर मेरी मदद करेगा।”

"ओह, बस इतना ही था?"

“हाँ, यही बात थी।”

“और आपने इसे अस्वीकार कर दिया?”

“ज़रूर। क्या मैं अपने ही बेडरूम में चार घंटे काम करके दस गुना ज़्यादा नहीं कमा सकता?”

“यह तो सच है। लेकिन मैं मॉरिस के साथ ज्यादा घूमना-फिरना नहीं चाहूंगा।”

"क्यों नहीं?"

"खैर, मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं आपको मना करता हूँ। इस इलाके के ज़्यादातर लोगों के लिए इतना ही काफ़ी है।"

“यह शायद अधिकांश लोगों के लिए पर्याप्त हो; लेकिन मेरे लिए पर्याप्त नहीं है, पार्षद महोदय,” मैकमर्डो ने बेबाकी से कहा। “यदि आप लोगों को परखने की क्षमता रखते हैं, तो आप यह बात जानते होंगे।”

सांवले रंग के उस विशालकाय व्यक्ति ने उसे घूरकर देखा, और उसका रोएँदार पंजा एक पल के लिए गिलास पर ऐसे जकड़ गया मानो वह उसे अपने साथी के सिर पर

फेंक देगा। फिर वह अपने ज़ोरदार, शोरगुल भरे और बनावटी अंदाज़ में हँसा।
“तुम तो बिल्कुल ही अजीब हो,” उसने कहा। “अच्छा, अगर तुम्हें कारण चाहिए तो मैं बता देता हूं। क्या मॉरिस ने लॉज के खिलाफ तुमसे कुछ नहीं कहा?”
"नहीं।"
“और मेरे खिलाफ भी नहीं?”
"नहीं।"
“खैर, ऐसा इसलिए है क्योंकि वह तुम पर भरोसा करने की हिम्मत नहीं करता। लेकिन दिल से वह वफ़ादार भाई नहीं है। हम यह अच्छी तरह जानते हैं। इसलिए हम उस पर नज़र रख रहे हैं और उसे चेतावनी देने के समय का इंतज़ार कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वह समय नज़दीक आ रहा है। हमारे बाड़े में बेईमान भेड़ों के लिए कोई जगह नहीं है। लेकिन अगर तुम एक बेवफा आदमी के साथ रहोगे, तो हम तुम्हें भी बेवफा समझ सकते हैं। समझे?”
“उसके साथ रहने का तो कोई सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि मैं उस आदमी को नापसंद करता हूँ,” मैकमर्डो ने जवाब दिया। “बेवफ़ाई की बात करें तो, अगर वह आदमी तुम्हारे अलावा कोई और होता, तो वह मेरे लिए इस शब्द का इस्तेमाल दोबारा नहीं करता।”
“बस, बहुत हो गया,” मैकगिन्टी ने अपना गिलास खाली करते हुए कहा। “मैं यहाँ तुम्हें समय रहते कुछ कहने आया था, और तुमने कह दिया।”
मैकमर्डो ने कहा, "मैं यह जानना चाहूंगा कि आपको यह कैसे पता चला कि मैंने मॉरिस से बात की थी?"
मैकगिन्टी हंसे। उन्होंने कहा, "इस कस्बे में क्या चल रहा है, यह जानना मेरा काम है। मुझे लगता है कि आप इस बात पर भरोसा कर सकते हैं कि मुझे यहाँ होने वाली हर बात पता है। खैर, समय समाप्त हो गया है, और मैं बस इतना ही कहूंगा—"
लेकिन उनकी विदाई एक बेहद अप्रत्याशित तरीके से अधूरी रह गई। अचानक धमाके के साथ दरवाज़ा खुला और पुलिस की टोपियों के नीचे से तीन गंभीर, सचेत चेहरे उन पर घूर रहे थे। मैकमुर्डो उछलकर खड़े हो गए और उन्होंने अपना रिवॉल्वर आधा ही निकाला; लेकिन उनका हाथ बीच में ही रुक गया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि दो विनचेस्टर राइफलें उनके सिर पर तनी हुई हैं। वर्दी पहने एक आदमी हाथ में सिक्स-शूटर लिए कमरे में दाखिल हुआ। वह कैप्टन मार्विन थे, जो कभी शिकागो में थे और अब माइन कान्स्टेबुलरी में थे। उन्होंने मैकमुर्डो को देखकर हल्की सी मुस्कान के साथ सिर हिलाया।
“मुझे लगा था कि तुम मुसीबत में पड़ जाओगे, शिकागो के धूर्त मैकमर्डो,” उसने कहा। “बच नहीं सकते, है ना? अपनी टोपी उतारो और हमारे साथ चलो।”
“मुझे लगता है कि आपको इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी, कैप्टन मार्विन,” मैकगिन्टी ने कहा। “मैं जानना चाहता हूँ कि आप कौन होते हैं इस तरह से घर में घुसने और ईमानदार, कानून का पालन करने वाले पुरुषों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले?”
“काउंसिलर मैकगिन्टी, आप इस मामले में अलग दिख रहे हैं,” पुलिस कप्तान ने कहा। “हम आपके पीछे नहीं पड़े हैं, बल्कि इस मैकमर्डो नाम के व्यक्ति के पीछे पड़े हैं। यह आपका काम है कि आप हमारी मदद करें, न कि हमारे कर्तव्य में बाधा डालें।”
“वह मेरा दोस्त है, और मैं उसके आचरण के लिए जवाबदेह हूं,” बॉस ने कहा।
“मिस्टर मैकगिन्टी, ऐसा लगता है कि आने वाले दिनों में आपको अपने आचरण का हिसाब देना पड़ेगा,” कप्तान ने जवाब दिया। “यह मैकमुर्डो यहाँ आने से पहले भी बदमाश था और अब भी बदमाश है। गश्ती दल के सदस्य, जब तक मैं इसे निहत्था कर देता हूं, तब तक आप इसकी सुरक्षा करें।”

मैकमर्डो ने शांत भाव से कहा, "ये रही मेरी पिस्तौल। शायद, कैप्टन माविन, अगर हम दोनों अकेले आमने-सामने होते तो आप मुझे इतनी आसानी से नहीं पकड़ते।"

“तुम्हारा वारंट कहां है?” मैकगिन्टी ने पूछा। “अरे! जब तक तुम्हारे जैसे लोग पुलिस चला रहे हैं, तब तक तो कोई आदमी वर्मिस्सा में रहने के बजाय रूस में ही बेहतर रहेगा। यह पूंजीवादी अत्याचार है, और मुझे लगता है कि तुम इसके बारे में और भी सुनोगे।”

"पार्षद महोदय, आप अपना कर्तव्य यथासंभव सर्वोत्तम तरीके से निभाएं। हम अपना कर्तव्य संभाल लेंगे।"

मैकमर्डो ने पूछा, "मुझ पर क्या आरोप हैं?"

"हेराल्ड कार्यालय में पुराने संपादक स्टेंजर की पिटाई में शामिल होने के आरोप में। यह आपकी गलती नहीं है कि आप पर हत्या का आरोप नहीं लगाया गया है।"

“खैर, अगर बस यही एक बात है जिस पर तुम्हें उससे आपत्ति है,” मैकगिन्टी हंसते हुए बोला, “तो इसे अभी छोड़ कर तुम खुद को बहुत सारी मुसीबतों से बचा सकते हो। यह आदमी मेरे साथ मेरे सैलून में आधी रात तक पोकर खेल रहा था, और मैं इसके सबूत के तौर पर एक दर्जन लोगों को ला सकता हूं।”

“ये आपका मामला है, और मुझे लगता है कि आप इसे कल अदालत में सुलझा सकते हैं। इस बीच, मैकमर्डो, चुपचाप आ जाओ, नहीं तो सिर पर बंदूक तान दी जाएगी। श्रीमान मैकगिन्टी, ज़रा दूर हट जाओ; क्योंकि मैं आपको चेतावनी देता हूं कि जब मैं ड्यूटी पर हूं तो मैं किसी भी प्रतिरोध को बर्दाश्त नहीं करूंगा!”

कप्तान का दृढ़ निश्चय इतना प्रबल था कि मैकमर्डो और उसके बॉस दोनों को स्थिति स्वीकार करनी पड़ी। बाद में, बॉस ने कैदी से कुछ फुसफुसाकर बातें कीं और फिर विदा हो गए।

“क्या होगा अगर—” उसने सिक्का बनाने वाले कारखाने की ओर इशारा करते हुए अपना अंगूठा ऊपर की ओर झटका।

"ठीक है," मैकमर्डो ने फुसफुसाते हुए कहा, जिसने फर्श के नीचे एक सुरक्षित छिपने की जगह बना ली थी।

“मैं आपसे विदा लेता हूं,” बॉस ने हाथ मिलाते हुए कहा। “मैं वकील रेली से मिलूंगा और अपना बचाव खुद संभालूंगा। मेरी बात मानिए, वे आपको बंधक नहीं बना पाएंगे।”

“मुझे इस पर शक नहीं है। तुम दोनों कैदी की पहरेदारी करो और अगर वह कोई चाल चलने की कोशिश करे तो उसे गोली मार देना। मैं जाने से पहले घर की तलाशी ले लूंगा।”

उसने ऐसा ही किया; लेकिन जाहिरा तौर पर उसे छिपा हुआ पौधा नहीं मिला। नीचे उतरने के बाद वह और उसके साथी मैकमर्डो को मुख्यालय ले गए। अंधेरा हो चुका था और तेज़ बर्फीला तूफान चल रहा था, जिससे सड़कें लगभग सुनसान थीं; लेकिन कुछ आवारा लोग समूह के पीछे-पीछे चल रहे थे और अदृश्यता का लाभ उठाकर कैदी को गालियां दे रहे थे।

“उस शापित स्कॉवर को फांसी दे दो!” वे चिल्लाए। “उसे फांसी दे दो!” जब उसे पुलिस स्टेशन में धकेला जा रहा था तो वे हंसते और उसका मजाक उड़ाते रहे। प्रभारी इंस्पेक्टर द्वारा संक्षिप्त औपचारिक पूछताछ के बाद उसे आम कोठरी में डाल दिया गया। यहाँ उसने बाल्डविन और पिछली रात के तीन अन्य अपराधियों को पाया, जिन्हें उसी दोपहर गिरफ्तार किया गया था और जो अगली सुबह अपने मुकदमे का इंतजार कर रहे थे।

लेकिन कानून की इस आंतरिक किलेबंदी के भीतर भी आज़ाद लोगों का दबदबा कायम रहा। देर रात एक जेलर उनके बिस्तर के लिए भूसे का गट्ठा लेकर आया, जिसमें

से उसने व्हिस्की की दो बोतलें, कुछ गिलास और ताश के पत्तों का एक पैकेट निकाला। उन्होंने सुबह की परेशानी की चिंता किए बिना एक मज़ेदार रात बिताई।

और उनके पास कोई ठोस कारण भी नहीं था, जैसा कि परिणाम से स्पष्ट हो गया। सबूतों के आधार पर मजिस्ट्रेट उन्हें उच्च न्यायालय में नहीं भेज सकते थे। एक ओर तो कंपोजिटर और प्रेसकर्मियों को यह स्वीकार करना पड़ा कि रोशनी कम थी, वे स्वयं बहुत घबराए हुए थे, और हमलावरों की पहचान की पुष्टि करना उनके लिए कठिन था; हालांकि उनका मानना था कि आरोपी उन्हीं में से थे। मैकगिन्टी द्वारा नियुक्त चतुर वकील द्वारा जिरह किए जाने पर, उनके बयान और भी अस्पष्ट हो गए।

घायल व्यक्ति ने पहले ही बयान दिया था कि हमले की अचानकता से वह इतना स्तब्ध रह गया था कि वह इस तथ्य के अलावा कुछ नहीं कह सका कि उस पर हमला करने वाले पहले व्यक्ति की मूंछें थीं। उसने आगे कहा कि वह उन्हें स्कॉवरर्स के रूप में जानता था, क्योंकि समुदाय में किसी और की उससे कोई दुश्मनी नहीं हो सकती थी, और उसे अपने मुखर संपादकीयों के कारण लंबे समय से धमकियाँ मिल रही थीं। दूसरी ओर, उच्च नगर पालिका अधिकारी, पार्षद मैकगिन्टी सहित छह नागरिकों के एकजुट और अडिग साक्ष्य से यह स्पष्ट रूप से सिद्ध हुआ कि ये लोग यूनियन हाउस में एक कार्ड पार्टी में उस घटना के घटित होने के एक घंटे बाद तक मौजूद थे।

यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि उन्हें हुई असुविधा के लिए न्यायाधीश की ओर से लगभग माफी मांगते हुए और साथ ही कैप्टन मार्विन और पुलिस की उनकी अत्यधिक सक्रियता के लिए परोक्ष रूप से निंदा करते हुए उन्हें रिहा कर दिया गया।

फैसले का अदालत में जोरदार तालियों से स्वागत किया गया, जहां मैकमर्डो ने कई जाने-पहचाने चेहरे देखे। लॉज के सदस्यों ने मुस्कुराते हुए हाथ हिलाए। लेकिन कुछ ऐसे भी थे जो मुंह दबाए और उदास निगाहों से बैठे रहे, जब कैदियों को कटघरे से बाहर निकलते देखा गया। उनमें से एक, एक छोटा, घनी दाढ़ी वाला, दृढ़ निश्चयी व्यक्ति, पूर्व कैदियों के गुजरते ही अपने और अपने साथियों के विचारों को शब्दों में व्यक्त करने लगा।

“तुम सब हत्यारे हो!” उसने कहा। “हम तुम्हें सबक सिखाएंगे!”

अध्याय 5

द डार्केस्ट अवर

जैक मैकमर्डो की लोकप्रियता को अपने साथियों के बीच बढ़ाने के लिए अगर किसी चीज़ की ज़रूरत थी, तो वह उसकी गिरफ़्तारी और फिर बरी होना ही था। लॉज में शामिल होने की रात ही किसी व्यक्ति का ऐसा कुछ कर देना जिसके कारण उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश होना पड़ा, समाज के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड था। उसने पहले ही एक अच्छे दोस्त, एक खुशमिजाज़ मौज-मस्ती करने वाले और साथ ही गुस्सैल स्वभाव के व्यक्ति के रूप में ख्याति अर्जित कर ली थी, जो सर्वशक्तिमान बॉस से भी अपमान बर्दाश्त नहीं करता था। लेकिन इसके अलावा, उसने अपने साथियों को यह विश्वास दिला दिया कि उनमें से कोई भी ऐसा नहीं है जिसका दिमाग इतनी जल्दी कोई खूनी योजना बना ले या जिसका हाथ उसे अंजाम देने में इतना सक्षम हो। "साफ़-सुथरा काम करने के लिए, वही लड़का सही रहेगा," बड़े-बुजुर्गों ने आपस में कहा और उसे काम पर लगाने के लिए सही समय का इंतज़ार करने लगे।

मैकगिन्टी के पास पहले से ही पर्याप्त उपकरण थे; लेकिन उन्होंने महसूस किया कि यह एक असाधारण रूप से सक्षम उपकरण है। उन्हें ऐसा लग रहा था मानो वे

किसी खूंखार शिकारी कुत्ते को रस्सी से बांधकर रखे हों। छोटे-मोटे काम करने के लिए तो कुत्ते थे; लेकिन एक दिन वे इस जानवर को उसके शिकार पर छोड़ देंगे। लॉज के कुछ सदस्य, जिनमें टेड बाल्डविन भी शामिल थे, उस अजनबी की तेज़ी से बढ़ती लोकप्रियता से नाराज़ थे और उससे नफ़रत करते थे; लेकिन वे उससे दूर ही रहते थे, क्योंकि वह लड़ने के लिए उतना ही तैयार रहता था जितना हंसने के लिए।

लेकिन अगर उसे अपने साथियों का साथ मिल गया, तो एक और क्षेत्र था, जो उसके लिए और भी महत्वपूर्ण हो गया था, जहाँ उसने अपना साथ खो दिया। एटी शैफ्टर के पिता उससे कोई वास्ता नहीं रखना चाहते थे, न ही उसे घर में घुसने देते थे। एटी खुद उससे इतना गहरा प्यार करती थी कि उसे पूरी तरह से छोड़ना नहीं चाहती थी, फिर भी उसकी अंतरात्मा उसे आगाह करती थी कि एक अपराधी माने जाने वाले व्यक्ति से शादी करने के क्या परिणाम होंगे।

एक सुबह, नींदहीन रात के बाद, उसने उससे मिलने का निश्चय किया, शायद आखिरी बार, और उसे उन बुरी आदतों से बाहर निकालने का पूरा प्रयास करने का ठान लिया जो उसे अपनी गिरफ्त में ले रही थीं। वह उसके घर गई, जैसा कि उसने अक्सर उससे कहा था, और उस कमरे में दाखिल हुई जिसे वह बैठक के रूप में इस्तेमाल करता था। वह मेज पर पीठ फेरकर बैठा था और उसके सामने एक पत्र रखा था। अचानक उसके मन में शरारत भरी भावना जाग उठी - वह अभी सिर्फ उन्नीस साल की थी। जब उसने दरवाजा खोला तो उसने उसकी आवाज नहीं सुनी थी। अब वह दबे पांव आगे बढ़ी और अपना हाथ हल्के से उसके झुके हुए कंधों पर रख दिया।

अगर उसने उसे चौंकाने की उम्मीद की थी, तो वह ज़रूर कामयाब हुई; लेकिन बदले में वह खुद चौंक गई। बाघ की तरह फुर्ती से वह उस पर झपटा और उसका दाहिना हाथ उसका गला टटोलने लगा। उसी क्षण उसने दूसरे हाथ से अपने सामने पड़ा कागज़ मसल दिया। एक पल के लिए वह घूरता रहा। फिर उसके चेहरे पर छाई क्रूरता की जगह हैरानी और खुशी ने ले ली—ऐसी क्रूरता जिसने उसे डर से पीछे हटने पर मजबूर कर दिया, मानो कोई ऐसी चीज़ उसके शांत जीवन में पहले कभी नहीं आई हो।

"ये तुम हो!" उसने माथे से पसीना पोंछते हुए कहा। "और ये सोचकर दुख होता है कि तुम मेरे पास आई हो, मेरी जान, और मुझे तुम्हें गला घोंटकर मार डालने के अलावा और कुछ करने को नहीं सूझ रहा! तो आओ, मेरी जान," और उसने अपनी बाहें फैला दीं, "मुझे इसकी भरपाई करने दो।"

लेकिन उस आदमी के चेहरे पर अचानक उभरे अपराधबोध और भय के उस भाव से वह अभी तक उबर नहीं पाई थी। उसकी अंतरात्मा ने उसे बताया कि यह महज़ किसी पुरुष के चौंकने का डर नहीं था। अपराधबोध—बस यही था—अपराधबोध और भय!

"तुम्हें क्या हो गया है, निकम्मे?" वह चिल्लाई। "तुम मुझसे इतना क्यों डर रहे थे? ओह, जैक, अगर तुम्हारा ज़मीर शांत होता, तो तुम मुझे उस तरह नहीं देखते!"

"हाँ, मैं दूसरी चीजों के बारे में सोच रहा था, और जब तुम अपने उन परी जैसे पैरों पर इतनी हल्की चाल से लड़खड़ाते हुए आई —"

"नहीं, नहीं, बात इससे कहीं ज़्यादा थी, जैक।" तभी अचानक उसे शक हुआ। "मुझे वो चिट्ठी दिखाओ जो तुम लिख रहे थे।"

"अरे, एटी, मैं ऐसा नहीं कर सकती।"

उसके संदेह पक्के हो गए। "यह किसी और औरत को लिखा गया है," वह चिल्लाई। "मुझे पता है! नहीं तो तुम मुझसे यह बात क्यों छिपाते? क्या तुम अपनी पत्नी को लिख रहे थे? मुझे कैसे पता चलेगा कि तुम शादीशुदा नहीं हो – तुम, एक अजनबी, जिसे कोई नहीं जानता?"

"मैं अविवाहित हूँ, एटी। देखो, मैं कसम खाता हूँ! तुम ही मेरे लिए इस धरती पर एकमात्र स्त्री हो। मैं ईसा मसीह के क्रूस की कसम खाता हूँ!"

वह भावुकता और उत्साह से इतना सफेद पड़ गया था कि वह उस पर विश्वास किए बिना नहीं रह सकी।

"तो फिर," वह चिल्लाई, "आप मुझे पत्र क्यों नहीं दिखा रहे हैं?"

"मैं आपको बताऊंगा, अकुशली," उसने कहा। "मैंने शपथ ली है कि मैं इसे नहीं दिखाऊंगा, और जिस प्रकार मैं आपसे किया हुआ वचन नहीं तोड़ूंगा, उसी प्रकार मैं उन लोगों से भी अपना वचन निभाऊंगा जिन्होंने मुझसे वादा किया है। यह लॉज का मामला है, और यहाँ तक कि आपसे भी यह गुप्त है। और अगर मुझ पर किसी का हाथ पड़ने पर मैं डर गया, तो क्या आप इसे समझ नहीं सकते, जब वह हाथ किसी जासूस का भी हो सकता था?"

उसे लगा कि वह सच कह रहा है। उसने उसे अपनी बाहों में भर लिया और उसके सारे डर और शंकाओं को चूमकर दूर कर दिया।

"तो यहाँ मेरे पास बैठो। ऐसी रानी के लिए यह सिंहासन थोड़ा अजीब है; लेकिन तुम्हारे बेचारे प्रेमी को इससे बेहतर कुछ नहीं मिल सकता। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में वह तुम्हारे लिए इससे बेहतर सिंहासन ढूंढ लेगा। अब तुम्हारा मन फिर से शांत हो गया है, है ना?"

"जैक, मुझे चैन कैसे मिल सकता है, जब मैं जानती हूँ कि तुम अपराधियों में भी सबसे बड़े अपराधी हो, जब मुझे कभी पता ही नहीं चलता कि कब मुझे पता चले कि तुम हत्या के आरोप में अदालत में हो? कल हमारे एक बोर्डर ने तुम्हें 'मैकमर्डो द स्कॉवर' कहकर पुकारा था। ये बात मेरे दिल में चाकू की तरह चुभ गई।"

"हाँ, कठोर शब्दों से हड्डियाँ नहीं टूटतीं।"

लेकिन वे सच थे।

"खैर, प्रिय, यह उतना बुरा नहीं है जितना तुम सोचती हो। हम तो बस गरीब लोग हैं जो अपने अधिकारों को पाने के लिए अपने तरीके से प्रयास कर रहे हैं।"

एटी ने अपने प्रेमी के गले में बाहें डाल दीं। "हार मान लो, जैक! मेरे लिए, भगवान के लिए, हार मान लो! मैं आज तुमसे यही माँगने आई हूँ। ओह, जैक, देखो – मैं तुमसे घुटने टेककर विनती करती हूँ! तुम्हारे सामने घुटने टेककर मैं तुमसे विनती करती हूँ कि हार मान लो!"

उसने उसे गोद में उठाया और उसका सिर अपनी छाती से लगाकर उसे शांत किया।

"हाँ, मेरी जान, तुम्हें पता नहीं कि तुम क्या पूछ रही हो। मैं इसे कैसे छोड़ सकता हूँ जब यह मेरी शपथ तोड़ना और अपने साथियों को धोखा देना होगा? अगर तुम मेरी स्थिति देख पातीं तो तुम मुझसे यह कभी नहीं पूछतीं। इसके अलावा, अगर मैं चाहूँ भी तो कैसे कर सकता हूँ? तुम्हें क्या लगता है कि लॉज अपने सारे रहस्यों के साथ किसी को आज़ाद छोड़ देगा?"

"मैंने इस बारे में सोच लिया है, जैक। मैंने सब कुछ प्लान कर लिया है। पिताजी ने कुछ पैसे बचा लिए हैं। वे इस जगह से तंग आ चुके हैं जहाँ इन लोगों का डर हमारे जीवन को अंधकारमय कर देता है। वे जाने के लिए तैयार हैं। हम साथ में फिलाडेल्फिया या न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भरेंगे, जहाँ हम उनसे सुरक्षित रहेंगे।"

मैकमर्डो हँसे। "इस लॉज की पहुँच बहुत दूर तक है। क्या आपको लगता है कि यह यहाँ से फिलाडेल्फिया या न्यूयॉर्क तक नहीं पहुँच सकती?"

"तो फिर, पश्चिम की ओर, या इंग्लैंड की ओर, या जर्मनी की ओर, जहाँ से पिताजी आए थे - कहीं भी, इस भय की घाटी से दूर हो जाना चाहिए!"

मैकमर्डो को पुराने ब्रदर मॉरिस की याद आई। उन्होंने कहा, "हां, मैंने इस घाटी का यह नाम दूसरी बार सुना है। यह साया सचमुच आपमें से कुछ लोगों पर भारी पड़ रहा है।"

"यह हमारे जीवन के हर पल को अंधकारमय कर देता है। क्या आपको लगता है कि टेड बाल्डविन ने हमें कभी माफ़ किया होगा? अगर वह आपसे डरता न होता, तो हमारे क्या मौके होते? अगर आप उसकी उन काली, भूखी आँखों में वो नज़र देखते जब वो मुझ पर पड़ती है!"

"हे भगवान! अगर मैंने उसे रंगे हाथों पकड़ा तो मैं उसे सबक सिखाऊंगा! लेकिन सुनो, छोटी बच्ची। मैं यहां से नहीं जा सकता। मैं नहीं जा सकता—यह बात मुझसे हमेशा के लिए छीन लो। लेकिन अगर तुम मुझे अपना रास्ता खुद ढूंढने दोगी, तो मैं इससे सम्मानजनक तरीके से निकलने का रास्ता ढूंढने की कोशिश करूंगा।"

"इस मामले में कोई सम्मान नहीं है।"

"खैर, खैर, यह तो देखने के नजरिए पर निर्भर करता है। लेकिन अगर आप मुझे छह महीने का समय देंगे, तो मैं इस तरह से काम करूंगा कि मैं दूसरों का सामना करने में शर्म महसूस किए बिना यहां से जा सकूं।"

लड़की खुशी से हंस पड़ी। "छह महीने!" वह चिल्लाई। "क्या यह वादा है?"

"ठीक है, सात या आठ साल लग सकते हैं। लेकिन एक साल के भीतर हम घाटी को पीछे छोड़ देंगे।"

यही वह सबसे बड़ी चीज़ थी जो एटी को मिल सकती थी, और फिर भी यह कुछ तो था। निकट भविष्य के अंधकार को दूर करती एक हल्की सी रोशनी। जैक मैकमुर्डो के उसके जीवन में आने के बाद से वह जितनी खुशमिजाज थी, उससे कहीं अधिक खुश होकर वह अपने पिता के घर लौटी।

यह सोचा जा सकता था कि एक सदस्य होने के नाते, उसे समाज की सभी गतिविधियों की जानकारी होगी; लेकिन उसे जल्द ही पता चल गया कि यह संगठन साधारण लॉज से कहीं अधिक व्यापक और जटिल था। यहां तक कि बॉस मैकगिन्टी भी कई बातों से अनभिज्ञ थे; क्योंकि हॉब्सन पैच में आगे की ओर काउंटी प्रतिनिधि नामक एक अधिकारी रहता था, जिसके पास कई अलग-अलग लॉजों पर अधिकार था और वह मनमाने ढंग से उसका इस्तेमाल करता था। मैकमुर्डो ने उसे केवल एक बार देखा था; एक धूर्त, छोटे कद का, भूरे बालों वाला आदमी, जो दबे पांव चलता था और जिसकी तिरछी नज़रें द्वेष से भरी थीं। उसका नाम इवांस पॉट था, और वर्मिसा के महान बॉस को भी उसके प्रति वैसी ही घृणा और भय महसूस होता था, जैसा विशालकाय डेंटन को छोटे कद के लेकिन खतरनाक रोबेस्पियर के प्रति रहा होगा।

एक दिन स्कैनलन, जो मैकमर्डो के साथ बोर्डिंग हाउस में रहता था, को मैकगिन्टी से एक पत्र मिला, जिसके साथ इवांस पॉट का भी एक पत्र था। पत्र में बताया गया था कि वह लॉलर और एंड्रयूज नाम के दो नेक आदमियों को भेज रहा है, जिन्हें आस-पास के इलाके में कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं; हालांकि, उनके उद्देश्य के बारे में कोई जानकारी न देना ही उचित होगा। क्या बॉडीमास्टर कार्रवाई का समय आने तक उनके रहने और आराम के लिए उचित व्यवस्था करवा सकते हैं? मैकगिन्टी ने आगे कहा कि यूनियन हाउस में किसी के लिए भी गुप्त रहना असंभव है, इसलिए यदि मैकमर्डो और स्कैनलन कुछ दिनों के लिए इन अजनबियों को अपने बोर्डिंग हाउस में ठहरा दें तो वह उनका आभारी होगा।

उसी शाम दोनों आदमी अपने-अपने थैले लेकर पहुंचे। लॉलर एक बुजुर्ग, चतुर, शांत और आत्मसंयमी व्यक्ति थे, जिन्होंने एक पुराना काला फ्रॉक कोट पहना हुआ था, जो उनकी मुलायम फेल्ट टोपी और बिखरी हुई, सफ़ेद दाढ़ी के साथ मिलकर उन्हें एक

घुमंतू उपदेशक जैसा रूप दे रहा था। उनके साथी एंड्रयूज एक लड़के से कुछ बड़े थे, खुले चेहरे वाले और हंसमुख, छुट्टी पर निकले हुए व्यक्ति की तरह सहज और हर पल का आनंद लेने वाले। दोनों ही पूरी तरह से संयमी थे और समाज के अनुकरणीय सदस्यों की तरह व्यवहार करते थे, बस एक साधारण अपवाद यह था कि वे हत्यारे थे और इस हत्या के गिरोह के लिए अक्सर सबसे कुशल हथियार साबित हुए थे। लॉलर इस तरह के चौदह काम कर चुके थे, और एंड्रयूज तीन।

मैकमर्डो ने पाया कि वे अपने अतीत के कार्यों के बारे में बात करने के लिए काफी उत्सुक थे, जिन्हें वे उन लोगों के अर्ध-शर्मीले गर्व के साथ सुनाते थे जिन्होंने समुदाय के लिए अच्छा और निस्वार्थ सेवा की थी। हालांकि, वे वर्तमान कार्य के बारे में कम बोलते थे।

“उन्होंने हमें इसलिए चुना क्योंकि न तो मैं और न ही यहाँ मौजूद लड़का शराब पीते हैं,” लॉलर ने समझाया। “वे हम पर भरोसा कर सकते हैं कि हम ज़रूरत से ज़्यादा कुछ नहीं बोलेंगे। आप इसे बुरा न मानें, लेकिन हम काउंटी प्रतिनिधि के आदेशों का पालन करते हैं।”

"हां, हम सब इसमें एक साथ हैं," मैकमर्डो के साथी स्कैनलन ने कहा, जब चारों लोग रात के खाने पर एक साथ बैठे थे।

“यह बात बिल्कुल सही है, और हम चार्ली विलियम्स या साइमन बर्ड की हत्या या अतीत में हुई किसी भी अन्य घटना के बारे में घंटों बात कर सकते हैं। लेकिन जब तक काम पूरा नहीं हो जाता, हम कुछ नहीं कहेंगे।”

मैकमर्डो ने कसम खाते हुए कहा, "यहाँ आस-पास आधे दुर्जन लोग हैं जिनसे मुझे कुछ कहना है। मुझे लगता है कि आप आयरनहिल के जैक नॉक्स को नहीं ढूंढ रहे हैं। मैं उसे उसकी करनी का फल मिलते देखने के लिए कुछ भी कर सकता हूं।"

नहीं, अभी वह नहीं है।

या हरमन स्ट्रॉस?

नहीं, न ही वह।

"ठीक है, अगर आप हमें नहीं बताएंगे तो हम आपको मजबूर नहीं कर सकते; लेकिन मुझे जानकर खुशी होगी।"

लॉलर मुस्कुराया और सिर हिलाया। वह इस मामले में उलझना नहीं चाहता था।

अपने मेहमानों की झिझक के बावजूद, स्कैनलन और मैकमर्डो उस आयोजन में शामिल होने के लिए पूरी तरह दृढ़ थे जिसे वे "मस्ती" कहते थे। इसलिए, एक सुबह तड़के जब मैकमर्डो ने उन्हें सीढ़ियों से नीचे दबे पांव आते सुना, तो उसने स्कैनलन को जगाया और दोनों जल्दी से कपड़े पहनने लगे। कपड़े पहनने के बाद उन्होंने देखा कि बाकी लोग चुपके से बाहर चले गए थे और दरवाजा खुला छोड़ गए थे। अभी भोर नहीं हुई थी, और लैंप की रोशनी में वे दोनों आदमियों को गली में कुछ दूरी पर देख सकते थे। वे सावधानी से उनके पीछे-पीछे गए, गहरी बर्फ में चुपचाप कदम रखते हुए।

बोर्डिंग हाउस कस्बे के किनारे के पास था, और जल्द ही वे चौराहे पर पहुँच गए जो कस्बे की सीमा से परे था। वहाँ तीन आदमी इंतज़ार कर रहे थे, जिनसे लॉलर और एंड्रयूज ने संक्षिप्त, उत्सुकतापूर्ण बातचीत की। फिर वे सब एक साथ आगे बढ़ गए। स्पष्ट रूप से यह कोई महत्वपूर्ण काम था जिसके लिए लोगों की ज़रूरत थी। इस बिंदु पर कई रास्ते हैं जो विभिन्न खानों की ओर जाते हैं। अजनबियों ने वह रास्ता चुना जो क्रो हिल की ओर जाता था, एक विशाल व्यवसाय जो मजबूत हाथों में था और जिसने अपने ऊर्जावान और निडर न्यू इंग्लैंड प्रबंधक, जोशिया एच. डन की बदौलत आतंक के लंबे शासनकाल के दौरान कुछ हद तक व्यवस्था और अनुशासन बनाए रखा था।

अब सुबह हो रही थी, और मजदूरों की एक कतार धीरे-धीरे, अकेले और समूहों में, उस काले पड़ चुके रास्ते पर आगे बढ़ रही थी।

मैकमर्डो और स्कैनलन बाकी लोगों के साथ चलते रहे, और अपने पीछे चल रहे लोगों पर नज़र बनाए रखे। उन पर घना कोहरा छाया हुआ था, और उसी कोहरे के बीच से अचानक एक स्टीम सीटी की तेज़ आवाज़ आई। यह पिंजरों के नीचे उतरने और दिन भर के काम शुरू होने से दस मिनट पहले का संकेत था।

जब वे खदान के शाफ्ट के चारों ओर खुले मैदान में पहुँचे, तो वहाँ सौ खनिक इंतज़ार कर रहे थे, अपने पैर पटक रहे थे और उंगलियाँ फूंक रहे थे; क्योंकि वहाँ कड़ाके की ठंड थी। अजनबी लोग इंजन हाउस की छाया में एक छोटे समूह में खड़े थे। स्कैनलन और मैकमर्डो स्लैग के ढेर पर चढ़ गए, जहाँ से सारा दृश्य उनके सामने था। उन्होंने खदान इंजीनियर, मेन्ज़ीज़ नाम के एक बड़े दाढ़ी वाले स्कॉटिश व्यक्ति को इंजन हाउस से बाहर आते और पिंजरों को नीचे उतारने के लिए सीटी बजाते देखा।

उसी क्षण, एक लंबा, दुबला-पतला, साफ़ दाढ़ी वाला और गंभीर चेहरे वाला युवक उत्सुकता से खदान के मुहाने की ओर बढ़ा। आगे बढ़ते ही उसकी नज़र इंजन हाउस के नीचे चुपचाप खड़े लोगों के समूह पर पड़ी। उन लोगों ने अपनी टोपियाँ नीचे खींच ली थीं और कॉलर ऊपर कर लिए थे ताकि उनके चेहरे ढके रहें। एक पल के लिए मृत्यु का भय प्रबंधक के दिल पर छा गया। अगले ही पल उसने उस भय को झटक दिया और उसे केवल उन अजनबियों के प्रति अपना कर्तव्य नज़र आया।

आगे बढ़ते हुए उसने पूछा, "तुम कौन हो? यहाँ क्यों मंडरा रहे हो?"

कोई जवाब नहीं मिला; लेकिन एंड्रयूज नाम का युवक आगे बढ़ा और उसने उसके पेट में गोली मार दी। इंतज़ार कर रहे सौ खनिक ऐसे बेबस और असहाय खड़े रह गए मानो लकवाग्रस्त हो गए हों। प्रबंधक ने अपने दोनों हाथों से घाव को दबाया और झुक गया। फिर वह लड़खड़ाते हुए दूर चला गया; लेकिन हमलावरों में से एक ने गोली चला दी, और वह एक तरफ गिर पड़ा, लात मारता और खरोंचता हुआ खंभों के ढेर में जा गिरा। यह देखकर स्कॉटिश व्यक्ति मेन्ज़ीज़ गुस्से से दहाड़ा और लोहे का स्पैनर लेकर हत्यारों पर झपटा; लेकिन उसके चेहरे पर दो गोलियां लगीं और वह उनके पैरों के पास ही मर गया।

कुछ खनिक आगे बढ़े और दया और क्रोध की अस्पष्ट चीखें सुनाई दीं; लेकिन कुछ अजनबियों ने भीड़ के सिर के ऊपर अपनी पिस्तौलें खाली कर दीं, और वे तितर-बितर हो गए, उनमें से कुछ बेतहाशा भागकर वर्मिसा में अपने घरों की ओर लौट गए।

जब कुछ बहादुर लोग एकजुट हुए और खदान में वापसी हुई, तो हत्यारा गिरोह सुबह के कोहरे में गायब हो गया, और एक भी गवाह उन लोगों की पहचान की पुष्टि नहीं कर सका जिन्होंने सौ दर्शकों के सामने इस दोहरे अपराध को अंजाम दिया था।

स्कैनलन और मैकमर्डो वापस लौटने लगे; स्कैनलन कुछ उदास था, क्योंकि यह पहली हत्या थी जिसे उसने अपनी आँखों से देखा था, और यह उतना हास्यास्पद नहीं था जितना उसे बताया गया था। मृत प्रबंधक की पत्नी की भयानक चीखें उनका पीछा करती रहीं जैसे ही वे क़स्बे की ओर भागे। मैकमर्डो मग्न और चुप था; लेकिन उसने अपने साथी की इस दुर्बलता पर कोई सहानुभूति नहीं दिखाई।

“हाँ, यह एक युद्ध की तरह है,” उन्होंने दोहराया। “यह हमारे और उनके बीच का युद्ध ही तो है, और हम जहाँ तक हो सके, पलटवार करते हैं।”

उस रात यूनियन हाउस के लॉज रूम में खूब जश्न मनाया गया, न केवल क्रो हिल खदान के प्रबंधक और इंजीनियर की हत्या के कारण, जिससे यह संगठन जिले की अन्य ब्लैकमेल की गई और आतंकित कंपनियों के साथ एक ही स्तर पर आ जाएगा, बल्कि एक दूरगामी विजय के कारण भी जो स्वयं लॉज के हाथों हासिल की गई थी।

ऐसा प्रतीत होता है कि जब काउंटी प्रतिनिधि ने वर्मिसा में प्रहार करने के लिए पांच कुशल व्यक्तियों को भेजा, तो उसने बदले में यह मांग की कि वर्मिसा के तीन व्यक्तियों को गुप्त रूप से चुनकर भेजा जाए ताकि वे गिल्मर्टन जिले के सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय खान मालिकों में से एक, स्टेक रॉयल के विलियम हेल्स की हत्या कर दें। विलियम हेल्स को दुनिया में कोई शत्रु नहीं माना जाता था; क्योंकि वह हर तरह से एक आदर्श नियोक्ता था। हालांकि, उसने काम में दक्षता पर जोर दिया था, और इसलिए उसने कुछ शराबी और आलसी कर्मचारियों को, जो उस शक्तिशाली समाज के सदस्य थे, रिश्वत देकर निकाल दिया था। उसके दरवाजे के बाहर लटके ताबूत के नोटिस भी उसके इरादे को कमजोर नहीं कर पाए, और इसलिए एक स्वतंत्र, सभ्य देश में उसे मृत्युदंड दिया गया।

फांसी की सज़ा विधिवत रूप से पूरी हो चुकी थी। टेड बाल्डविन, जो अब शव प्रबंधक के बगल में सम्मान की सीट पर लेटा हुआ था, दल का मुखिया था। उसका लाल चेहरा और धुंधली, खून से लाल आंखें नींद की कमी और शराब की वजह से परेशानी का संकेत दे रही थीं। उसने और उसके दो साथियों ने पिछली रात पहाड़ों में बिताई थी। वे अस्त-व्यस्त और मौसम की मार झेल चुके थे। लेकिन किसी भी नायक को, जो निराशाजनक आशा से लौट रहा हो, अपने साथियों से इससे अधिक गर्मजोशी भरा स्वागत नहीं मिल सकता था।

खुशी की चीखों और हंसी के ठहाकों के बीच कहानी बार-बार सुनाई गई। शाम ढलते ही जब उनका आदमी घर लौट रहा था, तब उन्होंने उसका इंतज़ार किया और एक ऊँची पहाड़ी की चोटी पर अपना ठिकाना बना लिया, जहाँ उसका घोड़ा आराम से चल रहा होगा। ठंड से बचने के लिए उसने इतना ज़्यादा फर पहन रखा था कि वह अपनी पिस्तौल तक पहुँच ही नहीं पाया। उन्होंने उसे बाहर निकाला और बार-बार गोली चलाई। वह दया की भीख मांगता रहा। उसकी चीखें बार-बार सुनाई गईं, जिससे झोपड़ी में बैठे लोगों का मनोरंजन हुआ।

"चलो फिर से सुनते हैं कि वह कैसे चीखा था," वे चिल्लाए।

उनमें से कोई भी उस आदमी को नहीं जानता था; लेकिन हत्या में एक शाश्वत नाटक होता है, और उन्होंने गिल्मर्टन के स्कॉवरर्स को दिखा दिया था कि वर्मिसा के आदमियों पर भरोसा किया जा सकता है।

एक अप्रिय घटना घटी थी; जब वे दोनों चुपचाप पड़े शव पर अपनी रिवाल्वर की गोलियां चला रहे थे, तभी एक आदमी और उसकी पत्नी गाड़ी लेकर वहाँ आ गए। सुझाव दिया गया कि उन्हें गोली मार दी जाए; लेकिन वे निर्दोष लोग थे और खदानों से उनका कोई संबंध नहीं था, इसलिए उन्हें सख्ती से गाड़ी चलाते रहने और चुप रहने का आदेश दिया गया, अन्यथा उनके साथ कुछ बुरा हो सकता था। इस प्रकार रक्त से लथपथ शव को ऐसे सभी निर्दयी मालिकों के लिए एक चेतावनी के रूप में वहीं छोड़ दिया गया, और तीनों वीर बदला लेने वाले पहाड़ों की ओर चल पड़े, जहाँ निर्मल प्रकृति भट्टियों और लावा के ढेरों के बिल्कुल किनारे तक फैली हुई है। वहाँ वे सुरक्षित थे, उनका काम पूरा हो चुका था, और उनके साथियों की प्रशंसा उनके कानों में गूंज रही थी।

स्कॉवरर्स के लिए वह एक शानदार दिन था। घाटी पर अंधेरा और भी गहरा छा गया था। लेकिन जिस प्रकार एक बुद्धिमान सेनापति विजय के क्षण को ही अपने प्रयासों को दोगुना करने के लिए चुनता है, ताकि उसके शत्रुओं को हार के बाद संभलने का समय न मिले, उसी प्रकार बॉस मैकगिन्टी ने अपनी गंभीर और द्वेषपूर्ण निगाहों से अपने अभियानों के दृश्य को देखते हुए, अपने विरोधियों पर एक नया हमला करने की योजना बनाई। उसी रात, जब अधमरे समूह के लोग तितर-बितर होने लगे, तो उसने मैकमुर्डो

के हाथ पर हाथ रखा और उसे उस भीतरी कमरे में ले गया जहाँ उनकी पहली मुलाकात हुई थी।

“देखो मेरे बेटे,” उसने कहा, “आखिरकार मुझे तुम्हारे लायक एक काम मिल गया है। इसे करने का जिम्मा तुम्हारे अपने हाथों में होगा।”

"यह सुनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है," मैकमर्डो ने जवाब दिया।

“आप अपने साथ दो आदमियों को ले जा सकते हैं—मैंडर्स और रेली। उन्हें सेवा के लिए चेतावनी दी जा चुकी है। जब तक चेस्टर विलकॉक्स का मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक इस ज़िले में हमारी स्थिति ठीक नहीं होगी, और अगर आप उसे हरा देते हैं, तो कोयला खदानों में स्थित हर लॉज आपका धन्यवाद करेगा।”

मैं हर हाल में अपनी पूरी कोशिश करूंगा। वह कौन है और मैं उसे कहाँ ढूंढूं?

मैकगिन्टी ने अपने मुँह के कोने से अपनी आधी चबाई हुई, आधी पी हुई सिगार निकाली और अपनी नोटबुक से फाड़े गए एक पन्ने पर एक मोटा-मोटा आरेख बनाना शुरू कर दिया।

“वह आयरन डाइक कंपनी का मुख्य फोरमैन है। वह एक सख्त मिजाज का आदमी है, युद्ध का एक पुराना रंग सार्जेंट, जिसके चेहरे पर ज़ख्मों के निशान और झुर्रियां साफ दिखती हैं। हमने उसे पकड़ने की दो बार कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे, और जिम कार्नवे ने इसी चक्कर में अपनी जान गंवा दी। अब यह ज़िम्मेदारी आपकी है। वह घर - आयरन डाइक चौराहे पर बिल्कुल अकेला, जैसा कि आप नक्शे पर देख रहे हैं - आसपास कोई दूसरा घर नहीं है। दिन में वह घर किसी काम का नहीं। वह हथियारबंद है और बिना सवाल पूछे तुरंत और सटीक निशाना लगाता है। लेकिन रात में - खैर, वह अपनी पत्नी, तीन बच्चों और एक नौकर के साथ वहां होता है। आप चुन-चुन कर काम नहीं चला सकते। या तो सब या कुछ नहीं। अगर आप उसके दरवाजे पर बारूद की एक थैली और एक माचिस की तीली पहुंचा सकें तो...”

उस आदमी ने क्या किया है?

"क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया था कि उसने जिम कार्नावे को गोली मारी थी?"

“उसने उसे गोली क्यों मारी?”

“इससे तुम्हारा क्या लेना-देना? कार्नावे रात में उसके घर के आसपास था, और उसने उसे गोली मार दी। बस इतना ही काफी है, मेरे और तुम्हारे लिए। तुम्हें इस मामले को ठीक से सुलझाना होगा।”

“ये दो महिलाएं और बच्चे हैं। क्या उन्हें भी ऊपर जाना चाहिए?”

"उन्हें ऐसा करना ही होगा—नहीं तो हम उसे कैसे हासिल कर पाएंगे?"

"ऐसा लगता है कि यह उनके लिए कठिन है; क्योंकि उन्होंने कुछ नहीं किया है।"

“ये कैसी बेवकूफी भरी बातें हैं? क्या तुम पीछे हट रहे हो?”

“शांत हो जाइए, पार्षद जी! मैंने ऐसा क्या कहा या किया है कि आपको लगता है कि मैं अपने ही लॉज के बॉडीमास्टर के आदेश को मानने से इनकार कर दूंगा? यह सही है या गलत, इसका फैसला आपको करना है।”

तो फिर तुम इसे करोगे?

"बेशक मैं यह करूंगा।"

"कब?"

“ठीक है, बेहतर होगा कि आप मुझे एक-दो रात का समय दें ताकि मैं घर देख सकूँ और अपनी योजनाएं बना सकूं। फिर—”

“बहुत बढ़िया,” मैकगिन्टी ने हाथ मिलाते हुए कहा। “मैं इसे आप पर छोड़ता हूँ। जब आप हमें खबर देंगे, वह एक शानदार दिन होगा। बस आखिरी झटका ही उन्हें घुटनों पर ला देगा।”

मैकमर्डो ने अचानक सौंपे गए इस कार्य के बारे में गहन चिंतन किया। चेस्टर विलकॉक्स जिस एकांत घर में रहते थे, वह पास की एक घाटी में लगभग पाँच मील दूर था। उसी रात वे अकेले ही इस प्रयास की तैयारी के लिए निकल पड़े। उनकी खोजबीन से लौटने में सुबह हो गई। अगले दिन उन्होंने अपने दो अधीनस्थों, मैंडर्स और रेली से मुलाकात की, जो बेहद उत्साही थे और मानो किसी शिकार पर निकले हों।

दो रात बाद वे कस्बे के बाहर मिले, तीनों हथियारबंद थे, और उनमें से एक के पास खदानों में इस्तेमाल होने वाले बारूद से भरा एक बोरा था। सुनसान घर तक पहुँचने में उन्हें सुबह के दो बज रहे थे। रात तेज़ हवा वाली थी, और बिखरे बादल चौथाई चाँद के ऊपर तेज़ी से तैर रहे थे। उन्हें शिकारी कुत्तों से सावधान रहने की चेतावनी दी गई थी; इसलिए वे सावधानी से आगे बढ़े, पिस्तौलें तैयार थीं। लेकिन हवा के चलने की आवाज़ के अलावा कोई आवाज़ नहीं थी, और ऊपर हिलती शाखाओं के अलावा कोई हलचल नहीं थी।

मैकमर्डो ने सुनसान घर के दरवाज़े पर कान लगाकर सुना; लेकिन अंदर सन्नाटा पसरा हुआ था। फिर उसने बारूद की थैली को दरवाजे से टिकाया, चाकू से उसमें एक छेद किया और उसमें बत्ती लगा दी। जब बत्ती पूरी तरह जल उठी, तो वह और उसके दो साथी तेजी से भागे और कुछ दूरी पर एक खाई में सुरक्षित और आराम से छिप गए। तभी धमाके की गड़गड़ाहट और ढहती इमारत की धीमी, गहरी गड़गड़ाहट ने उन्हें बताया कि उनका काम पूरा हो गया है। समाज के खून से सने इतिहास में इससे पहले कभी इतना साफ-सुथरा काम नहीं हुआ था।

लेकिन अफ़सोस, इतना सुनियोजित और साहसपूर्वक किया गया सारा काम व्यर्थ हो गया! कई पीड़ितों के हश्र से आगाह होकर और यह जानते हुए कि उसे भी मौत के घाट उतार दिया जाएगा, चेस्टर विलकॉक्स ने अपने परिवार के साथ एक दिन पहले ही खुद को और अपने परिवार को किसी सुरक्षित और कम ज्ञात जगह पर स्थानांतरित कर दिया था, जहाँ पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था होनी थी। वह एक खाली मकान था जो बारूद से ध्वस्त हो चुका था, और युद्ध का वह अनुभवी और सख्त रंगरक्षक सार्जेंट अभी भी आयरन डाइक के खनिकों को अनुशासन सिखा रहा था।

मैकमर्डो ने कहा, "उसे मेरे भरोसे छोड़ दो। वह मेरा आदमी है, और अगर मुझे उसके लिए एक साल तक इंतजार भी करना पड़े तो मैं उसे हासिल कर लूंगा।"

धन्यवाद और विश्वास प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया, और इस तरह मामला फिलहाल समाप्त हो गया। कुछ हफ्तों बाद जब अखबारों में यह खबर आई कि विलकॉक्स पर घात लगाकर हमला किया गया था, तो यह एक सर्वविदित रहस्य था कि मैकमर्डो अभी भी अपने अधूरे काम को पूरा करने में लगा हुआ था।

सोसाइटी ऑफ फ्रीमेन के तरीके ऐसे थे, और स्कोवरर्स के कृत्य ऐसे थे जिनसे उन्होंने उस विशाल और समृद्ध क्षेत्र में अपना आतंक फैलाया, जो लंबे समय तक उनकी खौफनाक मौजूदगी से ग्रस्त रहा। इन पन्नों को और अपराधों से क्यों कलंकित किया जाए? क्या मैंने उन लोगों और उनके तरीकों को समझाने के लिए पर्याप्त नहीं कहा है?

ये घटनाएँ इतिहास में दर्ज हैं, और ऐसे अभिलेख मौजूद हैं जिनमें इनका विवरण पढ़ा जा सकता है। वहाँ पुलिसकर्मियों हंट और इवांस की गोली मारकर हत्या किए जाने का वर्णन मिलता है, क्योंकि उन्होंने समाज के दो सदस्यों को गिरफ्तार करने का साहस किया था - वर्मिसा लॉज में रची गई एक दोहरी क्रूरता, जिसे दो असहाय और निहत्थे व्यक्तियों पर निर्मम रूप से अंजाम दिया गया। वहाँ श्रीमती लारबे की गोली मारकर हत्या किए जाने का भी वर्णन मिलता है, जब वह अपने पति की देखभाल कर रही थीं, जिन्हें बॉस मैकगिन्टी के आदेश पर लगभग पीट-पीटकर मार डाला गया था।

उसी भयानक सर्दी में एक के बाद एक कई घटनाएँ घटीं: बड़े जेनार्कस की हत्या, उसके तुरंत बाद उनके भाई की हत्या, जेम्स मर्डोक का अंग-भंग, स्टैफहाउस परिवार का बम विस्फोट और स्टेंडल परिवार की हत्या।

भय की घाटी पर गहरा अंधकार छाया हुआ था। वसंत ऋतु आ चुकी थी, नदियाँ बह रही थीं और पेड़ खिल रहे थे। प्रकृति के लिए आशा की किरण जगी थी, जो इतने लंबे समय से लोहे की जकड़ में थी; परन्तु आतंक के बंधन में जी रहे पुरुषों और महिलाओं के लिए कहीं कोई आशा नहीं थी। 1875 की गर्मियों के आरंभिक वर्षों में उनके ऊपर मंडराता अंधकार और निराशा का बादल इतना गहरा कभी नहीं था।

अध्याय 6

खतरा

यह आतंक के शासन का चरम समय था। मैकमुर्डो, जिन्हें पहले ही इनर डीकन नियुक्त किया जा चुका था और जिनके मैकगिन्टी के बाद बॉडीमास्टर बनने की पूरी संभावना थी, अब अपने साथियों की बैठकों में इतने महत्वपूर्ण हो गए थे कि उनकी सहायता और सलाह के बिना कोई काम नहीं होता था। हालांकि, फ्रीमेन के बीच उनकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही थी, लेकिन वर्मिसा की सड़कों पर चलते समय उनका सामना उतने ही गुस्से भरे चेहरों से होता था। आतंक के बावजूद, नागरिक अपने उत्पीड़कों के खिलाफ एकजुट होने का साहस जुटा रहे थे। लॉज तक हेराल्ड कार्यालय में गुप्त बैठकों और कानून का पालन करने वाले लोगों में हथियारों के वितरण की अफवाहें पहुँच चुकी थीं। लेकिन मैकगिन्टी और उनके साथी ऐसी खबरों से बेफिक्र थे। वे संख्या में अधिक, दृढ़ और हथियारों से लैस थे। उनके विरोधी बिखरे हुए और शक्तिहीन थे। यह सब, जैसा कि पहले भी हुआ था, व्यर्थ की बातों और संभवतः निष्प्रभावी गिरफ्तारियों में समाप्त होगा। मैकगिन्टी, मैकमुर्डो और सभी साहसी लोगों का यही मानना था।

मई महीने की एक शनिवार शाम थी। शनिवार को हमेशा लॉज की सभा होती थी, और मैकमुर्डो उसमें शामिल होने के लिए अपने घर से निकल ही रहा था कि तभी मठ का सबसे कमज़ोर सदस्य मॉरिस उससे मिलने आया। उसकी भौंहें चिंता से सिकुड़ी हुई थीं, और उसका दयालु चेहरा मुरझाया हुआ और थका हुआ लग रहा था।

"क्या मैं आपसे खुलकर बात कर सकता हूं, श्री मैकमर्डो?"

"ज़रूर।"

"मैं यह नहीं भूल सकता कि मैंने एक बार तुमसे अपने दिल की बात कही थी, और तुमने इसे अपने तक ही सीमित रखा, जबकि खुद बॉस ने आकर तुमसे इसके बारे में पूछा था।"

“अगर आप मुझ पर भरोसा करते तो मैं और क्या कर सकता था? बात यह नहीं थी कि मैं आपकी कही बात से सहमत था।”

“मैं ये अच्छी तरह जानता हूँ। लेकिन तुम ही हो जिससे मैं खुलकर बात कर सकता हूँ और सुरक्षित महसूस कर सकता हूं। मेरे पास एक राज़ है,” उसने अपना हाथ अपनी छाती पर रखते हुए कहा, “और ये मुझे अंदर से जला रहा है। काश ये राज़ तुममें से किसी और को पता चलता, मुझे नहीं। अगर मैंने ये बताया तो इसका मतलब पक्का हत्या होगा। अगर मैंने नहीं बताया तो शायद हम सब खत्म हो जाएंगे। भगवान मेरी मदद करे, लेकिन मैं इस बात से बहुत परेशान हूँ!”

मैकमर्डो ने उस आदमी को गौर से देखा। उसका पूरा शरीर कांप रहा था। उसने एक गिलास में थोड़ी व्हिस्की डाली और उसे थमा दी। "तुम्हारे जैसे लोगों के लिए यही दवा है," उसने कहा। "अब मुझे बताओ, यह क्या है?"

मॉरिस ने शराब पी और उसके गोरे चेहरे पर हल्की सी लाली आ गई। उसने कहा, "मैं आप सबको एक ही वाक्य में बता सकता हूँ। एक जासूस हमारा पीछा कर रहा है।"

मैकमर्डो ने हैरानी से उसकी ओर देखा। "अरे यार, तुम पागल हो गए हो," उसने कहा। "क्या यह जगह पुलिस और जासूसों से भरी नहीं है? उन्होंने हमारा भला क्या बिगाड़ा है?"

“नहीं, नहीं, वह जिले का कोई आदमी नहीं है। जैसा कि आप कहते हैं, हम उन्हें जानते हैं, और वे कुछ खास नहीं कर सकते। लेकिन क्या आपने पिंकर्टन के बारे में सुना है?”

मैंने इस नाम के कुछ लोगों के बारे में पढ़ा है।

“आप मेरी बात मान लीजिए, जब वे आपके पीछे पड़े हों तो आप गायब हो जाएँगे। यह कोई मामूली सरकारी मामला नहीं है। यह एक गंभीर व्यापारिक योजना है जिसका मकसद नतीजे हासिल करना है और चाहे जैसे भी हो जाए, तब तक डटे रहना है। अगर इस धंधे में कोई पिंकर्टन का आदमी शामिल है, तो हम सब बर्बाद हो जाएँगे।”

हमें उसे मार डालना चाहिए।

“अरे, यही पहला विचार तुम्हारे मन में आया! तो यह लॉज में ही होगा। क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि इसका अंत हत्या में होगा?”

"ज़रूर, हत्या क्या होती है? क्या ये हमारे यहाँ आम बात नहीं है?"

“हाँ, बिल्कुल; लेकिन जिस आदमी की हत्या होने वाली है, उसकी ओर इशारा करना मेरा काम नहीं है। मैं फिर कभी चैन से नहीं सो पाऊँगा। और फिर भी हमारी अपनी जान भी दांव पर लगी हो सकती है। भगवान के नाम पर, मैं क्या करूँ?” वह असमंजस की पीड़ा में इधर-उधर हिल रहा था।

लेकिन उनके शब्दों ने मैकमर्डो को बहुत प्रभावित किया था। यह स्पष्ट था कि वह खतरे और उससे निपटने की आवश्यकता के बारे में दूसरे की राय से सहमत थे। उन्होंने मॉरिस का कंधा पकड़कर उसे हिलाया और अपनी गंभीरता व्यक्त की।

“देखो यहाँ, भाई,” वह चिल्लाया, और उत्तेजना में लगभग चीखते हुए बोला, “किसी बुढ़िया की तरह शोक मनाने से तुम्हें कुछ हासिल नहीं होगा। चलो, पहले तथ्य जान लेते हैं। वह कौन है? वह कहाँ है? तुम्हें उसके बारे में कैसे पता चला? तुम मेरे पास क्यों आए?”

मैं आपके पास आया हूँ, क्योंकि आप ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो मुझे सलाह दे सकते हैं। मैंने आपको बताया था कि यहाँ आने से पहले पूर्व में मेरी एक दुकान थी। मैं अपने पीछे अच्छे दोस्त छोड़ आया हूँ, और उनमें से एक टेलीग्राफ सेवा में है। यह पत्र मुझे कल उससे मिला था। यह पृष्ठ के शीर्ष भाग का यह अंश है। आप इसे स्वयं पढ़ सकते हैं।

मैकमर्डो ने यही पढ़ा:

आपके इलाके में स्कॉवरर्स का क्या हाल है? अखबारों में उनके बारे में खूब खबरें आती हैं। सच कहूँ तो, मुझे उम्मीद है कि जल्द ही आपसे खबर मिलेगी। पाँच बड़ी कंपनियों और दो रेलवे कंपनियों ने इस मामले को पूरी गंभीरता से अपने हाथ में ले लिया है। वे सच में ऐसा करना चाहते हैं, और यकीन मानिए, वे अपना काम कर ही लेंगे! वे इसमें पूरी तरह से जुट गए हैं। पिंकर्टन ने उनके आदेश पर कमान संभाल ली है, और उसका सबसे भरोसेमंद आदमी, बर्डी एडवर्ड्स, इस काम में लगा हुआ है। इस मामले को अभी रोकना होगा।

अब परिशिष्ट पढ़ें।
बेशक, मैं आपको वही बता रहा हूँ जो मैंने व्यापार में सीखा है; इसलिए इससे आगे कुछ नहीं। यह एक अजीब पहेली है जिसे आप हर दिन थोड़ा-थोड़ा करके संभालते हैं और जिसका कोई अर्थ नहीं निकलता।
मैकमर्डो कुछ देर तक चुपचाप बैठा रहा, उसके हाथों में वह पत्र बेजान सा था। धुंध एक पल के लिए छटी और उसके सामने अथाह खाई खुल गई।
“क्या किसी और को इसके बारे में पता है?” उसने पूछा।
मैंने यह बात किसी और को नहीं बताई है।
लेकिन क्या इस आदमी—आपके दोस्त—के पास कोई और व्यक्ति भी है जिसे वह पत्र लिखना पसंद करेगा?
"खैर, मुझे लगता है कि वह एक-दो और लोगों को जानता होगा।"
“लॉज को?”
"यह काफी हद तक संभव है।"
मैं इसलिए पूछ रहा था क्योंकि संभव है कि उसने बर्डी एडवर्ड्स नाम के इस व्यक्ति का कुछ विवरण दिया हो - तब हम उसका पता लगा सकते हैं।
“हाँ, ऐसा हो सकता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह उसे जानता होगा। वह तो बस मुझे वो खबर बता रहा है जो उसे व्यापार के सिलसिले में मिली है। वह इस पिंकर्टन वाले आदमी को कैसे जान सकता है?”
मैकमर्डो ने हिंसक शुरुआत की।
“हे भगवान!” वह चिल्लाया, “मैंने उसे पकड़ लिया। मैं कितना मूर्ख था कि मुझे पता ही नहीं चला। हे भगवान! हम कितने भाग्यशाली हैं! हम उसे कोई नुकसान पहुँचाने से पहले ही काबू में कर लेंगे। देखो मॉरिस, क्या तुम इसे मेरे हवाले कर दोगे?”
"ज़रूर, अगर आप इसे मेरे वाले से उतार देंगे तो।"
“मैं यह कर दूंगा। आप पीछे हट जाइए और मुझे इसे संभालने दीजिए। आपके नाम का उल्लेख करने की भी आवश्यकता नहीं है। मैं सारा भार स्वयं उठा लूंगा, मानो यह पत्र मुझे ही लिखा गया हो। क्या इससे आप संतुष्ट होंगे?”
"मैं भी यही पूछता।"
“तो फिर यहीं पर बात खत्म करो और चुप रहो। अब मैं लॉज में चलता हूँ, और हम जल्द ही बूढ़े पिंकर्टन को उसके किए पर पछतावा करवा देंगे।”
“क्या तुम इस आदमी को नहीं मारोगे?”
“जितना कम जानो, मेरे दोस्त मॉरिस, उतना ही तुम्हारा अंतरात्मा शांत रहेगा और तुम्हें उतनी ही अच्छी नींद आएगी। कोई सवाल मत पूछो, और इन बातों को अपने आप सुलझने दो। अब मैंने इसे संभाल लिया है।”
जाते समय मॉरिस ने दुख से अपना सिर हिलाया। "मुझे लगता है कि उसका खून मेरे हाथों पर लगा है," उसने कराहते हुए कहा।
“आत्मरक्षा किसी भी तरह से हत्या नहीं है,” मैकमर्डो ने गंभीर मुस्कान के साथ कहा। “या तो वो बचेगा या हम। मुझे लगता है कि अगर हमने उसे घाटी में लंबे समय तक छोड़ दिया तो वो हम सबको खत्म कर देगा। क्यों, भाई मॉरिस, हमें आपको बॉडीमास्टर चुनना ही होगा; क्योंकि आपने लॉज को ज़रूर बचाया है।”
फिर भी, उनके कार्यों से यह स्पष्ट था कि वे इस नए दखल को अपने शब्दों से कहीं अधिक गंभीरता से ले रहे थे। शायद यह उनका दोषी अंतरात्मा था, शायद पिंकर्टन संगठन की प्रतिष्ठा थी, शायद यह जानकारी थी कि बड़ी-बड़ी, धनी कंपनियों ने स्कावर परिवार को हटाने का जिम्मा उठाया था; लेकिन, कारण जो भी हो, उनके कार्य एक ऐसे व्यक्ति के थे जो सबसे बुरे हालात के लिए तैयार हो रहा था। घर से निकलने से पहले

उन्होंने हर उस कागज़ को नष्ट कर दिया जिससे वे दोषी साबित हो सकते थे। इसके बाद उन्होंने चैन की एक लंबी सांस ली; क्योंकि उन्हें लगा कि वे सुरक्षित हैं। फिर भी, खतरा उन पर थोड़ा सा मंडरा रहा था; क्योंकि लॉज जाते समय वे बूढ़े शैफ्टर के घर रुके। घर में उनका प्रवेश वर्जित था; लेकिन जब उन्होंने खिड़की पर दस्तक दी तो एट्टी उनके पास आई। उनके प्रेमी की आँखों से वह चंचल आयरिश नफ़रत गायब हो गई थी। उन्होंने उनके गंभीर चेहरे पर खतरे को भांप लिया।

"कुछ हो गया है!" वह चिल्लाई। "ओह, जैक, तुम खतरे में हो!"

"हाँ, मेरी जान, स्थिति इतनी बुरी नहीं है। फिर भी, स्थिति और बिगड़ने से पहले ही कुछ कदम उठाना बुद्धिमानी होगी।"

"चाल चलें?"

मैंने तुमसे एक बार वादा किया था कि मैं एक दिन जरूर जाऊंगा। मुझे लगता है कि वो समय आ रहा है। आज रात मुझे एक बुरी खबर मिली है, और मुझे आने वाली मुसीबतें नजर आ रही हैं।

"पुलिस?"

"खैर, एक पिंकर्टन। लेकिन, सच कहूँ तो, आपको नहीं पता होगा कि यह क्या होता है, और न ही इसका मेरे जैसे लोगों के लिए क्या मतलब है। मैं इस मामले में बहुत बुरी तरह फंस चुका हूँ, और मुझे इससे जल्दी बाहर निकलना पड़ सकता है। आपने कहा था कि अगर मैं जाऊँ तो आप मेरे साथ आएँगी।"

"ओह, जैक, इससे तुम्हारी जान बच जाएगी!"

"मैं कुछ मामलों में ईमानदार हूँ, एटी। दुनिया के सारे सुख-दुख के बदले भी मैं तुम्हारे प्यारे सिर का एक बाल भी नहीं काटूँगा, और न ही तुम्हें बादलों के ऊपर उस सुनहरे सिंहासन से एक इंच भी नीचे उतारूँगा जहाँ मैं तुम्हें हमेशा देखता हूँ। क्या तुम मुझ पर भरोसा करोगी?"

उसने बिना कुछ कहे अपना हाथ उसके हाथ में रख दिया। "तो फिर, मेरी बात सुनो और जैसा मैं तुम्हें आदेश दूं वैसा करो, क्योंकि यही हमारे लिए एकमात्र रास्ता है। इस घाटी में कुछ बड़ा होने वाला है। मुझे इसका गहरा एहसास है। हममें से कई लोगों को खुद ही अपना ख्याल रखना होगा। मैं भी उनमें से एक हूं। अगर मैं दिन हो या रात, मर जाऊं, तो तुम्हें मेरे साथ चलना होगा!"

मैं तुम्हारे पीछे आऊंगा, जैक।

"नहीं, नहीं, तुम मेरे साथ आओगी। अगर यह घाटी मेरे लिए बंद हो गई और मैं कभी वापस नहीं आ सका, तो मैं तुम्हें कैसे पीछे छोड़ सकता हूँ, और शायद मुझे पुलिस से छिपना पड़े जहाँ संदेश भेजने का कोई मौका ही न हो? तुम्हें मेरे साथ ही आना होगा। मैं जहां से आया हूँ वहाँ एक अच्छी औरत को जानता हूं, और मैं तुम्हें वहीं छोड़ दूंगा जब तक हमारी शादी नहीं हो जाती। क्या तुम आओगी?"

"हां, जैक, मैं आऊंगा।"

"मुझ पर भरोसा करने के लिए ईश्वर आपको आशीर्वाद दे! अगर मैंने इसका दुरुपयोग किया तो मैं नरक का शैतान बन जाऊंगा। अब, ध्यान रखना, एट्टी, यह तुम्हारे लिए सिर्फ एक शब्द होगा, और जब यह तुम तक पहुंचेगा, तो तुम सब कुछ छोड़कर सीधे डिपो के प्रतीक्षालय में आ जाओगी और तब तक वहीं रहोगी जब तक मैं तुम्हें लेने नहीं आ जाता।"

"दिन हो या रात, मैं तुम्हारे कहने पर आऊंगा, जैक।"

अपने भागने की तैयारी शुरू कर देने के बाद मैकमुर्डो को कुछ राहत मिली और वह लॉज की ओर चल पड़ा। वहाँ पहले से ही लोग इकट्ठा हो चुके थे, और जटिल इशारों और संकेतों की मदद से ही वह बाहरी और भीतरी पहरेदारों के बीच से गुज़र

सका, जिन्होंने कमरे को टाइलों से घेर रखा था। अंदर आते ही उसका स्वागत खुशी और उत्साह से भर गया। लंबा कमरा खचाखच भरा था, और तंबाकू के धुएं के बीच उसने बॉडीमास्टर के उलझे हुए काले बालों, बाल्डविन के क्रूर और अमित्र चेहरे, सचिव हेरावे के गिद्ध जैसे चेहरे और लॉज के नेताओं में शामिल एक दर्जन से अधिक लोगों को देखा। उसे इस बात की खुशी हुई कि वे सभी उसकी खबर पर सलाह-मशविरा करने के लिए वहाँ मौजूद थे।

“सचमुच, आपको देखकर हमें बहुत खुशी हुई, भाई!” अध्यक्ष ने उत्साह से कहा। “यहाँ एक ऐसा व्यवसाय है जिसे सही राह दिखाने के लिए एक न्यायप्रिय व्यक्ति की आवश्यकता है।”

“ये लैंडर और ईगन हैं,” उनके पड़ोसी ने बैठते हुए समझाया। “ये दोनों स्टाइल्सटाउन में बूढ़े क्रैबे की गोली मारकर हत्या करने के लिए लॉज द्वारा दी गई इनामी राशि पर अपना दावा कर रहे हैं, और कौन कह सकता है कि गोली किसने चलाई थी?”

मैकमर्डो अपनी जगह से उठे और अपना हाथ उठाया। उनके चेहरे के भाव ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। चारों ओर सन्नाटा छा गया, मानो वे उन्हें देखने के लिए उत्सुक हों।

“प्रख्यात बॉडीमास्टर,” उन्होंने गंभीर स्वर में कहा, “मुझे तत्काल आवश्यकता है!”

“ब्रदर मैकमर्डो को तत्काल कार्रवाई करनी है,” मैकगिन्टी ने कहा। “इस लॉज के नियमों के अनुसार उनकी बात को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अब ब्रदर, हम आपकी बात सुन रहे हैं।”

मैकमर्डो ने अपनी जेब से पत्र निकाला।

“माननीय बॉडीमास्टर और भाइयों,” उन्होंने कहा, “आज मैं आपको एक बुरी खबर देने आया हूं; लेकिन यह बेहतर है कि यह खबर सबको पता चले और इस पर चर्चा हो, बजाय इसके कि हम पर अचानक कोई ऐसा प्रहार आ पड़े जो हम सबको नष्ट कर दे। मुझे सूचना मिली है कि इस राज्य के सबसे शक्तिशाली और धनी संगठनों ने हमें नष्ट करने के लिए हाथ मिला लिया है, और इस समय पिंकर्टन का एक जासूस, बर्डी एडवर्ड्स, घाटी में सबूत इकट्ठा कर रहा है जो हममें से कई लोगों के गले में फंदा डाल सकता है और इस कमरे में मौजूद हर व्यक्ति को जेल भेज सकता है। यही वह स्थिति है जिस पर चर्चा के लिए मैंने तत्काल अनुरोध किया है।”

कमरे में सन्नाटा पसरा हुआ था। अध्यक्ष के बोलने से सन्नाटा टूटा।

“भाई मैकमर्डो, आपके पास इसका क्या सबूत है?” उसने पूछा।

“यह वही पत्र है जो मेरे हाथ लगा है,” मैकमर्डो ने कहा। हमने वह अंश जोर से पढ़ा। “यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं पत्र के बारे में और अधिक जानकारी नहीं दे सकता, न ही इसे आपके हाथों में सौंप सकता हूं; लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इसमें ऐसा कुछ भी नहीं है जो लॉज के हितों को प्रभावित कर सके। मैंने मामले आपके समक्ष उसी रूप में रखा है जैसा मुझे प्राप्त हुआ है।”

वरिष्ठ सदस्यों में से एक ने कहा, "माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि मैंने बर्डी एडवर्ड्स के बारे में सुना है, और पिंकर्टन सेवा में सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति के रूप में उनका नाम है।"

"क्या कोई उसे देखकर पहचानता है?" मैकगिन्टी ने पूछा।

“हां,” मैकमर्डो ने कहा, “मैं करता हूं।”

हाल में आश्चर्य की हल्की फुसफुसाहट गूंज उठी।

“मुझे विश्वास है कि वह हमारे हाथों में है,” उसने चेहरे पर एक आनंदित मुस्कान के साथ आगे कहा। “अगर हम जल्दी और समझदारी से काम लें, तो हम इस मामले को

जल्द ही सुलझा सकते हैं। अगर मुझे आपका विश्वास और आपका सहयोग प्राप्त है, तो हमें डरने की कोई खास बात नहीं है।”

हमें किस बात का डर है? उसे हमारे मामलों के बारे में क्या पता चलेगा?

“अगर सभी लोग आपकी तरह दृढ़ होते, पार्षद जी, तो आप ऐसा कह सकते थे। लेकिन इस आदमी को पूंजीपतियों के करोड़ों का समर्थन प्राप्त है। क्या आपको लगता है कि हमारे सभी संगठनों में कोई कमजोर भाई नहीं है जिसे खरीदा न जा सके? वह हमारे रहस्यों को जान लेगा—शायद उसने जान भी लिया है। इसका केवल एक ही अचूक उपाय है।”

बाल्डविन ने कहा, "वह कभी घाटी नहीं छोड़ता।"

मैकमर्डो ने सिर हिलाया। "शाबाश, भाई बाल्डविन," उन्होंने कहा। "आप और मेरे बीच मतभेद रहे हैं, लेकिन आज रात आपने बिल्कुल सही बात कही है।"

“तो फिर वह कहाँ है? हम उसे कहाँ से पहचानेंगे?”

“माननीय बॉडीमास्टर,” मैकमर्डो ने गंभीरता से कहा, “मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि यह इतना महत्वपूर्ण विषय है कि हम इस पर खुलेआम चर्चा न करें। ईश्वर न करे कि मैं यहाँ किसी पर संदेह जताऊं; लेकिन अगर इस आदमी के कानों तक गपशप की एक भी बात पहुंच गई, तो उसे पकड़ने की हमारी सारी उम्मीदें खत्म हो जाएंगी। मैं लॉज से एक विश्वसनीय समिति चुनने का अनुरोध करता हूँ, श्रीमान अध्यक्ष - आप, यदि मैं सुझाव दे सकता हूँ, और यहाँ ब्रदर बाल्डविन, और पाँच अन्य। तब मैं खुलकर अपने ज्ञान और अपने सुझावों के बारे में बात कर सकता हूँ।”

प्रस्ताव को तुरंत स्वीकार कर लिया गया और समिति का चयन कर लिया गया। अध्यक्ष और बाल्डविन के अलावा, समिति में गिद्ध जैसे चेहरे वाले सचिव हैरावे, क्रूर युवा हत्यारे टाइगर कॉर्मैक, कोषाध्यक्ष कार्टर और विलाबी बंधुओं जैसे निडर और साहसी व्यक्ति शामिल थे, जो किसी भी हद तक जाने को तैयार थे।

लॉज का सामान्य उल्लास क्षणिक और शांत था: क्योंकि पुरुषों के मन में उदासी छाई हुई थी, और उनमें से कई लोगों ने पहली बार प्रतिशोध के खतरे को उस शांत आकाश में मंडराते हुए देखा, जिसके नीचे वे इतने लंबे समय से रह रहे थे। उन्होंने दूसरों पर जो अत्याचार किए थे, वे उनके स्थिर जीवन का इतना अभिन्न अंग बन चुके थे कि प्रतिशोध का विचार अब दूर की बात लगने लगा था, और इसलिए अब जब यह उनके इतने करीब आ गया था, तो यह और भी चौंकाने वाला लग रहा था। वे जल्दी ही अलग हो गए और अपने नेताओं को उनकी चर्चा के लिए छोड़ दिया।

जब वे अकेले थे, तब मैकगिन्टी ने कहा, "अब, मैकमर्डो!" सातों आदमी अपनी सीटों पर जम से बैठ गए।

मैकमर्डो ने समझाया, “मैंने अभी कहा था कि मैं बर्डी एडवर्ड्स को जानता हूँ। आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि वह यहाँ उस नाम से नहीं है। वह एक बहादुर आदमी है, लेकिन पागल नहीं। वह स्टीव विल्सन के नाम से रहता है और हॉब्सन पैच में ठहरा हुआ है।”

"आप यह कैसे जानते हैं?"

“क्योंकि मेरी उससे बातचीत हो गई। उस समय मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, और इस पत्र के बिना तो मैं इस पर दोबारा सोचता भी नहीं; लेकिन अब मुझे यकीन है कि यह वही आदमी है। बुधवार को जब मैं रेलवे लाइन पर जा रहा था, तब मेरी मुलाकात उससे ट्रेन के डिब्बों में हुई - वह सचमुच एक अड़ियल आदमी था। उसने कहा कि वह एक रिपोर्टर है। मैंने उस पल के लिए उसकी बात मान ली। वह स्कावर परिवार और जिसे वह 'अत्याचार' कहता था, उसके बारे में न्यूयॉर्क के एक अखबार के लिए हर संभव जानकारी चाहता था। उसने मुझसे हर तरह के सवाल पूछे

ताकि उसे कुछ पता चल सके। यकीन मानिए, मैंने उसे कुछ भी नहीं बताया। उसने कहा, 'मैं इसके लिए पैसे दूंगा और अच्छे पैसे दूंगा, अगर मुझे कुछ ऐसी जानकारी मिल जाए जो मेरे संपादक को पसंद आए।' मैंने वही कहा जो मुझे लगा कि उसे सबसे ज्यादा पसंद आएगा, और उसने मेरी जानकारी के बदले मुझे बीस डॉलर का नोट थमा दिया। उसने कहा, 'अगर तुम मुझे वह सब कुछ ढूंढ कर दे जो मैं चाहता हूं, तो तुम्हें इसका दस गुना मिलेगा।'"

तो फिर तुमने उसे क्या बताया?

"मैं जो भी मनगढ़ंत कहानी बना सकता था, बना देता।"

"आपको कैसे पता कि वह अखबार वाला नहीं था?"

मैं आपको बताता हूँ। वह हॉब्सन पैच पर उतरा, और मैं भी। मैं संयोगवश टेलीग्राफ ब्यूरो में घुस गया, और वह वहाँ से निकल रहा था।

"'देखो यहाँ,' ऑपरेटर ने बाहर जाने के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि हमें इसके लिए दुगनी दर वसूलनी चाहिए।' – 'हाँ, शायद आपको वसूलनी ही चाहिए,' मैंने कहा। उसने फॉर्म में जो कुछ भरा था, वह हमारी समझ से परे था, मानो चीनी भाषा में लिखा हो। 'वह इसे हर दिन छापता है,' क्लर्क ने कहा। 'हाँ,' मैंने कहा; 'यह उसके अखबार के लिए खास खबर है, और उसे डर है कि दूसरे इसे चुरा लेंगे।' ऑपरेटर और मैं उस समय यही सोचते थे; लेकिन अब मैं अलग तरह से सोचता हूँ।"

"वाह! मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं," मैकगिन्टी ने कहा। "लेकिन आप हमें इसके बारे में क्या करने की अनुमति देते हैं?"

किसी ने सुझाव दिया, "क्यों न अभी नीचे जाकर उसे ठीक कर दिया जाए?"

"जी हां, जितनी जल्दी हो उतना अच्छा।"

मैकमर्डो ने कहा, "अगर मुझे पता होता कि हम उसे कहाँ ढूंढ सकते हैं, तो मैं अगले ही पल काम शुरू कर देता। वह हॉब्सन पैच में है; लेकिन मुझे घर का पता नहीं है। हालांकि, मेरे पास एक योजना है, अगर आप मेरी सलाह मान लें।"

"अच्छा, यह क्या है?"

मैं कल सुबह पैच जाऊंगा। मैं ऑपरेटर के ज़रिए उससे संपर्क करूंगा। मुझे लगता है, वो उसे ढूंढ लेगा। फिर मैं उसे बताऊंगा कि मैं खुद एक फ्रीमैन हूं। मैं उसे लॉज के सारे राज़ एक कीमत पर बताने का प्रस्ताव दूंगा। यकीन मानिए, वो मान जाएगा। मैं उसे बताऊंगा कि कागज़ात मेरे घर पर हैं, और अगर मैं उसे लोगों की मौजूदगी में आने दूं, तो मेरी जान की कीमत भी उतनी ही होगी। उसे समझ आ जाएगा कि ये कितनी समझदारी की बात है। उसे रात दस बजे आने दीजिए, और वो सब कुछ देख लेगा। इससे वो ज़रूर मान जाएगा।

"कुआ?"

"बाकी का इंतज़ाम आप लोग खुद कर लीजिए। विधवा मैकनामारा का घर बिल्कुल सुनसान है। वो लोहे की तरह अटल और किसी की बात न सुनने वाली हैं। घर में सिर्फ स्कैनलन और मैं ही हैं। अगर मुझे उसका वादा मिल गया — और अगर मिल गया तो मैं आपको बता दूंगा — तो आप सातों को नौ बजे तक मेरे पास बुला लेना। हम उसे अंदर ले जाएंगे। अगर वो ज़िंदा बच निकला — तो फिर वो बडी एडवर्ड्स की किस्मत की तारीफ़ ज़िंदगी भर करता रहेगा!"

"पिंकरटन में एक पद खाली होने वाला है, या शायद मैं गलत हूं। बस इतना ही कहो, मैकमर्डो। कल सुबह नौ बजे हम तुम्हारे साथ होंगे। एक बार तुम उसके पीछे दरवाजा बंद कर दो, बाकी का काम तुम हम पर छोड़ देना।"

अध्याय 7

बर्डी एडवर्ड्स को फंसाना

जैसा कि मैकमर्डो ने कहा था, जिस घर में वह रहता था वह एकांत में था और उनकी योजना के अनुसार अपराध करने के लिए बिल्कुल उपयुक्त था। यह कस्बे के बिल्कुल बाहरी इलाके में था और सड़क से काफी दूर था। किसी और स्थिति में, षड्यंत्रकारी पहले की तरह ही अपने आदमी को बुलाकर उस पर गोलियां चला देते; लेकिन इस मामले में यह पता लगाना बेहद ज़रूरी था कि उसे कितनी जानकारी है, कैसे है और उसके मालिकों को क्या जानकारी दी गई है।

हो सकता है कि वे पहले ही बहुत देर कर चुके हों और काम हो चुका हो। अगर ऐसा था, तो कम से कम वे उस आदमी से बदला ले सकते थे जिसने यह किया था। लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि जासूस को अभी तक कोई बड़ी बात पता नहीं चली होगी, क्योंकि अगर ऐसा होता, तो वे मैकमर्डो द्वारा दी गई इतनी मामूली जानकारी को लिखकर आगे भेजने की जहमत नहीं उठाते। हालांकि, यह सब उन्हें खुद उससे पता चलेगा। एक बार जब वे उसे पकड़ लेंगे, तो वे उससे बात निकलवाने का कोई न कोई तरीका ढूंढ लेंगे। यह पहली बार नहीं था कि वे किसी अनिच्छुक गवाह से निपट रहे थे।

मैकमर्डो तय समय पर हॉब्सन पैच गए। उस सुबह पुलिस ने उनमें विशेष रुचि दिखाई, और कैप्टन मार्विन - वही जिन्होंने शिकागो में उनसे जान-पहचान होने का दावा किया था - ने थाने में इंतजार करते समय उनसे बात भी की। मैकमर्डो ने मुंह फेर लिया और उनसे बात करने से इनकार कर दिया। दोपहर में वे अपने मिशन से वापस लौटे और यूनियन हाउस में मैकगिन्टी से मिले।

उन्होंने कहा, "वह आ रहा है।"

“वाह!” मैकगिन्टी ने कहा। वह विशालकाय व्यक्ति अपनी कमीज़ की आस्तीनों में था, उसकी चौड़ी जैकेट पर जंजीरें और मुहरें चमक रही थीं और उसकी घनी दाढ़ी के बीच एक हीरा जगमगा रहा था। शराब और राजनीति ने बॉस को बहुत अमीर और शक्तिशाली बना दिया था। इसलिए, पिछली रात उसके सामने आई जेल या फांसी की झलक और भी भयानक लग रही थी।

“क्या आपको लगता है कि उसे बहुत कुछ पता है?” उसने चिंता से पूछा।

मैकमर्डो ने निराशा से सिर हिलाया। “वह यहां कुछ समय से है—कम से कम छह सप्ताह से। मुझे लगता है कि वह यहां भविष्य की संभावनाओं को देखने नहीं आया था। अगर वह इतने समय से रेलवे के पैसे के सहारे हमारे बीच काम कर रहा है, तो मुझे उम्मीद है कि उसे परिणाम मिले होंगे और उसने उन्हें आगे बढ़ाया होगा।”

“इस लॉज में कोई कमज़ोर आदमी नहीं है,” मैकगिन्टी चिल्लाया। “हर कोई लोहे की तरह मज़बूत है। लेकिन हे भगवान! वो बदमाश मॉरिस है। उसका क्या? अगर कोई हमें पकड़वा सकता है, तो वो वही होगा। मेरा मन कर रहा है कि शाम से पहले कुछ लड़कों को भेजकर उसकी पिटाई करवाऊं और देखूं कि उससे क्या निकलवा पाते हैं।”

“खैर, इसमें कोई बुराई नहीं है,” मैकमर्डो ने जवाब दिया। “मैं यह नहीं नकारूंगा कि मुझे मॉरिस पसंद है और उसे नुकसान पहुंचते देखकर मुझे दुख होगा। उसने लॉज के मामलों पर मुझसे एक-दो बार बात की है, और भले ही वह उन मामलों को आपसे या मुझसे अलग तरीके से देखता हो, लेकिन वह कभी भी चुगली करने वाला नहीं लगा। फिर भी, यह मेरा काम नहीं है कि मैं उसके और आपके बीच दखल दूं।”

“मैं उस बूढ़े शैतान को सबक सिखाऊंगा!” मैकगिन्टी ने कसमें खाते हुए कहा। “पिछले एक साल से मेरी उस पर नजर है।”

"खैर, इस बारे में तो आप ही बेहतर जानते हैं," मैकमर्डो ने जवाब दिया। "लेकिन जो भी करना हो, कल ही करना होगा; क्योंकि पिंकर्टन मामले के सुलझने तक हमें छुपकर रहना होगा। आज के दिन पुलिस को बेवजह परेशान करना ठीक नहीं है।"

"तुम्हारे लिए यह बात सही है," मैकगिन्टी ने कहा। "और अगर हमें पहले उसका दिल निकालना पड़े, तो हम बर्डी एडवर्ड्स से ही पता लगा लेंगे कि उसे यह खबर कहाँ से मिली। क्या उसे किसी जाल का आभास हुआ था?"

मैकमर्डो हँसा। उसने कहा, "मुझे लगता है मैंने उसकी कमज़ोरी का फ़ायदा उठाया है। अगर उसे स्कॉवरर्स का कोई सुराग मिल जाए, तो वो उसके पीछे नरक तक जाने को तैयार है। मैंने उसका पैसा ले लिया है," मैकमर्डो ने मुस्कुराते हुए डॉलर के नोटों का एक बंडल निकाला, "और जब वो मेरे सारे कागज़ात देखेगा, तब और भी ज़्यादा।"

"कौन से कागजात?"

"खैर, कोई कागज़ात तो नहीं हैं। लेकिन मैंने उसे संविधानों, नियमों की किताबों और सदस्यता के प्रपत्रों के बारे में पूरी जानकारी दे दी है। वह जाने से पहले हर चीज के बारे में विस्तार से जानना चाहता है।"

"फेथ, वो वहीं पर है," मैकगिन्टी ने गंभीर स्वर में कहा। "क्या उसने तुमसे नहीं पूछा कि तुम उसके लिए कागज़ात क्यों नहीं लाईं?"

"जैसे कि मैं ऐसी चीजें ले जाऊंगा, और मैं एक संदिग्ध व्यक्ति हूं, और कैप्टन मार्विन ने आज ही डिपो में मुझसे बात की है!"

"हाँ, मैंने इसके बारे में सुना है," मैकगिन्टी ने कहा। "लगता है इस धंधे का बुरा नतीजा अब तुम्हें भुगतना पड़ेगा। हम उसका काम तमाम होने के बाद उसे किसी पुरानी खदान में डाल सकते हैं; लेकिन चाहे जो भी हो जाए, हम उस आदमी को नहीं भूल सकते जो हॉब्सन पैच में रह रहा है और तुम आज वहाँ हो।"

मैकमर्डो ने कंधे उचकाते हुए कहा, "अगर हम इसे सही तरीके से संभालें, तो वे हत्या को कभी साबित नहीं कर पाएंगे। अंधेरा होने के बाद उसे घर आते हुए कोई नहीं देख सकता, और मैं झूठ बोलूंगा कि उसे जाते हुए भी कोई नहीं देखेगा। अब देखिए, पार्षद जी, मैं आपको अपनी योजना दिखाता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि आप बाकी लोगों को भी इसमें शामिल करें। आप सभी समय पर आ जाएंगे। ठीक है। वह दस बजे आएगा। उसे तीन बार दरवाजा खटखटाना है, और मुझे उसके लिए दरवाजा खोलना है। फिर मैं उसके पीछे जाकर दरवाजा बंद कर दूंगा। तब वह हमारा आदमी होगा।"

"यह सब बहुत आसान और सरल है।"

"हाँ; लेकिन अगले कदम पर विचार करना होगा। वह एक मुश्किल प्रतिद्वंद्वी है। उसके पास भारी हथियार हैं। मैंने उसे पूरी तरह से चकमा दे दिया है, फिर भी वह सतर्क रहेगा। मान लीजिए कि मैं उसे सीधे एक ऐसे कमरे में ले जाऊं जहाँ सात आदमी हों और जहाँ उसे केवल मुझे मिलने की उम्मीद हो। गोलीबारी होगी और कोई न कोई घायल होगा।"

"ऐसा है।"

और इस शोर-शराबे की वजह से कस्बे के सारे पुलिसवाले हरकत में आ जाएंगे।

"मुझे लगता है कि तुम ठीक कह रहे हो।"

"मैं इसे इस तरह अंजाम दूंगा। आप सब बड़े कमरे में होंगे—ठीक वैसे ही जैसे आपने मुझसे बातचीत के दौरान देखा था। मैं उसके लिए दरवाजा खोलूंगा, उसे दरवाजे के बगल वाले बैठक कक्ष में ले जाऊंगा और कागज़ात लाने तक उसे वहीं छोड़ दूंगा। इससे मुझे आपको यह बताने का मौका मिलेगा कि मामला किस दिशा में जा रहा है।

।फिर मैं कुछ जाली कागज़ात लेकर उसके पास वापस जाऊंगा। जैसे ही वह उन्हें पढ़ रहा होगा, मैं उस पर झपटूंगा और उसकी पिस्तौल वाली बांह पकड़ लूंगा। आप मेरी आवाज़ सुनेंगे और अंदर दौड़ पड़ेंगे। जितनी जल्दी हो उतना अच्छा; क्योंकि वह मेरे जितना ही ताकतवर है, और हो सकता है कि मैं उसे संभाल न पाऊं। लेकिन मुझे लगता है कि मैं उसे आपके आने तक रोके रख सकता हूं।"

"यह एक अच्छी योजना है," मैकगिन्टी ने कहा। "इसके लिए लॉज आपका आभारी रहेगा। मुझे लगता है कि जब मैं इस पद से हट जाऊंगा, तो मैं उस व्यक्ति का नाम बता पाऊंगा जो मेरे पीछे आने वाला है।"

"जी हां, पार्षद जी, मैं अभी एक रंगरूट से थोड़ा ही अधिक हूं," मैकमर्डो ने कहा; लेकिन उनके चेहरे से पता चल रहा था कि महान व्यक्ति की प्रशंसा के बारे में वे क्या सोच रहे थे।

घर लौटकर उसने आने वाली भयावह शाम के लिए अपनी तैयारियाँ शुरू कर दीं। सबसे पहले उसने अपनी स्मिथ एंड वेसन रिवॉल्वर को साफ़ किया, तेल लगाया और उसमें गोलियाँ भरीं। फिर उसने उस कमरे का जायज़ा लिया जहाँ जासूस को फँसाया जाना था। यह एक बड़ा अपार्टमेंट था, जिसके बीच में एक लंबी लकड़ी की मेज़ थी और एक तरफ़ बड़ा चूल्हा था। बाकी दोनों तरफ़ खिड़कियाँ थीं। इन पर शटर नहीं थे: सिर्फ़ हल्के पर्दे लगे थे जिन्हें खींचकर बंद किया जा सकता था। मैकमर्डो ने इन पर्दों का ध्यान से निरीक्षण किया। उसे ज़रूर लगा होगा कि इतने गुप्त बैठक के लिए यह अपार्टमेंट काफ़ी खुला हुआ था। फिर भी, सड़क से इसकी दूरी के कारण यह बात ज़्यादा मायने नहीं रखती थी। आख़िरकार उसने अपने साथ रहने वाले दूसरे व्यक्ति से इस बारे में बात की। स्कैनलन, हालांकि एक स्कॉवरर था, एक सीधा-सादा छोटा आदमी था जो अपने साथियों की राय के आगे खड़े होने के लिए बहुत कमज़ोर था, लेकिन उन खूनी कृत्यों से वह मन ही मन भयभीत था जिनमें उसे कभी-कभी मदद करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। मैकमर्डो ने उसे संक्षेप में बताया कि क्या योजना बनाई जा रही है।

"और अगर मैं तुम्हारी जगह होता, माइक स्कैनलन, तो मैं एक रात की छुट्टी ले लेता और इससे दूर रहता। सुबह होने से पहले यहाँ बहुत काम होगा।"

"ठीक है, मैक," स्कैनलन ने जवाब दिया। "मुझमें इच्छाशक्ति की नहीं, बल्कि हिम्मत की कमी है। जब मैंने मैनेजर डन को उस कोयला खदान में डूबते देखा, तो मैं बर्दाश्त नहीं कर पाया। मैं इसके लिए बना ही नहीं हूं, बिल्कुल तुम्हारी और मैकगिन्टी की तरह। अगर लॉज के लोग मेरे बारे में बुरा नहीं सोचेंगे, तो मैं तुम्हारी सलाह मानकर आज शाम तुम्हें अकेला छोड़ देता हूं।"

तय समय पर वे लोग आ पहुंचे। देखने में वे सभ्य और सभ्य नागरिक लग रहे थे, साफ-सुथरे और सलीके से कपड़े पहने हुए; लेकिन उनके चेहरे देखकर बर्डी एडवर्ड्स के लिए कोई उम्मीद नहीं दिखती थी, क्योंकि उनके कठोर चेहरे और निर्मम आँखें किसी काम की नहीं थीं। कमरे में शायद ही कोई ऐसा आदमी था जिसके हाथ पहले दर्जनों बार खून से सने न हों। वे इंसानों की हत्या करने में उतने ही निर्मम हो चुके थे जितना कोई कसाई भेड़ों की हत्या करने में।

सबसे आगे, ज़ाहिर है, शक्ल और गुनाह दोनों में, दुर्जेय बॉस था। सचिव हैरावे दुबला-पतला, कड़वा स्वभाव का आदमी था, जिसकी गर्दन लंबी और पतली थी और हाथ-पैर कांपते और फड़फड़ाते रहते थे। वह संगठन के वित्त मामलों में अटूट निष्ठावान था, और इसके अलावा किसी के प्रति न्याय या ईमानदारी का कोई आडंबर नहीं रखता था। कोषाध्यक्ष कार्टर अधेड़ उम्र का आदमी था, जिसका चेहरा भावहीन और कुछ हद तक उदास था, और उसकी त्वचा पीली थी। वह एक कुशल आयोजक था, और लगभग हर अपराध की वास्तविक जानकारी उसके षड्यंत्रकारी दिमाग से

निकली थी। दोनों विलाबी कर्मठ, लंबे, फुर्तीले नौजवान थे, जिनके चेहरे दृढ़ थे, जबकि उनका साथी टाइगर कॉर्मैक, एक भारी-भरकम, सांवला युवक था, जो अपने क्रूर स्वभाव के कारण अपने साथियों से भी डरता था। ये वही लोग थे जो उस रात मैकमुर्डो की छत के नीचे पिंकर्टन जासूस की हत्या करने के लिए इकट्ठा हुए थे।

उनके मेज़बान ने मेज़ पर व्हिस्की रख दी थी, और वे अपने सामने आने वाले काम के लिए जल्दी से तैयार हो गए थे। बाल्डविन और कॉर्मैक पहले से ही आधे नशे में थे, और शराब ने उनकी सारी उग्रता को बाहर निकाल दिया था। कॉर्मैक ने एक पल के लिए चूल्हे पर हाथ रखा - चूल्हा जल रहा था, क्योंकि रातें अभी भी ठंडी थीं।

“बस इतना ही काफी है,” उसने कसम खाते हुए कहा।

“हाँ,” बाल्डविन ने उसकी बात समझते हुए कहा। “अगर उसे इससे बांध दिया जाए, तो हम उससे सच उगलवा लेंगे।”

“हम उससे सच उगलवा लेंगे, चिंता मत करो,” मैकमर्डो ने कहा। इस आदमी में गज़ब का हौसला था; क्योंकि भले ही सारा भार उसी पर था, फिर भी उसका व्यवहार हमेशा की तरह शांत और बेफिक्र था। बाकी लोगों ने इसे देखा और तालियाँ बजाईं।

“तुम ही उसे संभालोगी,” बॉस ने सहमति जताते हुए कहा। “जब तक तुम उसका गला नहीं पकड़ लेती, उसे एक भी चेतावनी नहीं मिलेगी। अफसोस की बात है कि तुम्हारी खिड़कियों पर शटर नहीं हैं।”

मैकमर्डो एक कमरे से दूसरे कमरे में गया और पर्दों को और कसकर खींच दिया। “अब तो कोई हमारी जासूसी नहीं कर सकता। बस कुछ ही देर बची है।”

“हो सकता है वह न आए। हो सकता है उसे खतरे का आभास हो जाए,” सचिव ने कहा।

“वह आएगा, चिंता मत करो,” मैकमर्डो ने जवाब दिया। “वह आने के लिए उतना ही उत्सुक है जितना तुम उसे देखने के लिए हो सकते हो। ध्यान से सुनो!”

वे सब मोम की मूर्तियों की तरह बैठे थे, कुछ ने अपने गिलास होठों तक ही पहुंचा रखे थे। दरवाजे पर तीन बार ज़ोर से दस्तक हुई।

“चुप रहो!” मैकमर्डो ने सावधानी से अपना हाथ उठाया। एक विजयी निगाह चारों ओर घूमी, और सबने अपने हाथों को छिपे हुए हथियारों पर रख लिया।

"कहीं भी आवाज़ मत करना!" मैकमुर्डो ने कमरे से बाहर निकलते हुए फुसफुसाया और अपने पीछे दरवाजा सावधानी से बंद कर दिया।

हत्यारे कान गड़ाए इंतज़ार कर रहे थे। उन्होंने गलियारे में अपने साथी के कदमों को गिना। फिर उन्होंने उसे बाहरी दरवाज़ा खोलते सुना। अभिवादन के कुछ शब्द सुनाई दिए। तभी उन्हें अंदर एक अजीब सी आहट और एक अपरिचित आवाज़ सुनाई दी। पल भर में दरवाज़ा ज़ोर से बंद हुआ और ताले में चाबी घूमी। उनका शिकार जाल में सुरक्षित था। टाइगर कॉर्मैक ज़ोर से हँसा, और बॉस मैकगिन्टी ने अपना बड़ा हाथ अपने मुँह पर रख लिया।

“चुप रहो, मूर्ख!” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “तुम ही हमारी बर्बादी का कारण बनोगे!”

बगल वाले कमरे से हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी। ऐसा लग रहा था मानो यह कभी खत्म न हो। फिर दरवाजा खुला और मैकमुर्डो होंठ पर उंगली रखे हुए दिखाई दिया।

वह मेज के छोर पर आकर चारों ओर देखने लगा। उसमें एक सूक्ष्म परिवर्तन आ गया था। उसका व्यवहार ऐसा था मानो उसे कोई बड़ा काम करना हो। उसका चेहरा पत्थर की तरह दृढ़ हो गया था। चश्मे के पीछे उसकी आँखों में तीव्र उत्साह झलक रहा था। वह मानो लोगों का एक प्रत्यक्ष नेता बन गया था। सब उसे उत्सुकता से देख रहे थे;

लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। उसी विशिष्ट दृष्टि से वह एक-एक व्यक्ति को देखता रहा।

"वाह!" बॉस मैकगिन्टी ने आखिरकार चिल्लाकर कहा। "क्या वह यहाँ है? क्या बर्डी एडवर्ड्स यहाँ है?"

"जी हां," मैकमर्डो ने धीरे से जवाब दिया। "बर्डी एडवर्ड्स यहां हैं। मैं बर्डी एडवर्ड्स हूं!"

उस संक्षिप्त भाषण के बाद दस सेकंड का ऐसा सन्नाटा छा गया मानो कमरा खाली हो। चूल्हे पर रखी केतली की सरसराहट कानों में तीखी और कर्कश सुनाई दी। सात गोरे चेहरे, जो सब उस व्यक्ति की ओर देख रहे थे जो उन पर हावी था, घोर भय से स्थिर हो गए थे। फिर, अचानक कांच के कांपने की आवाज के साथ, चमकती हुई राइफल की नालें हर खिड़की से टकराईं और पर्दे अपनी जगह से उखड़ गए।

यह नजारा देखते ही बॉस मैकगिन्टी ने घायल भालू की तरह दहाड़ मारी और आधे खुले दरवाजे की ओर झपटे। वहाँ एक रिवाल्वर उन पर तनी हुई थी और खान पुलिस के कैप्टन मार्विन की नीली आँखें चमक रही थीं। बॉस पीछे हटे और अपनी कुर्सी पर गिर पड़े।

"आप वहां ज्यादा सुरक्षित हैं, पार्षद," उस आदमी ने कहा जिसे वे मैकमर्डो के नाम से जानते थे। "और तुम, बाल्डविन, अगर तुमने अपनी पिस्तौल से हाथ नहीं हटाया, तो तुम फांसी से बच जाओगे। इसे बाहर निकालो, वरना भगवान की कसम—बस, यही काफी है। इस घर के चारों ओर चालीस हथियारबंद आदमी हैं, और तुम खुद अंदाजा लगा लो कि तुम्हारे पास कितना मौका है। उनकी पिस्तौलें छीन लो, मार्विन!"

उन राइफलों के साये में प्रतिरोध करना असंभव था। सभी सैनिकों को निहत्था कर दिया गया। उदास, शर्मिंदा और अचंभित होकर वे मेज के चारों ओर बैठे रहे।

"अलग होने से पहले मैं आपसे कुछ कहना चाहता हूं," उन्हें फंसाने वाले उस आदमी ने कहा। "मुझे लगता है कि जब तक आप मुझे अदालत में गवाही देते हुए नहीं देखेंगे, तब तक हमारी मुलाकात दोबारा नहीं होगी। इस बीच मैं आपको सोचने के लिए कुछ समय दूंगा। अब आप मुझे मेरे असली रूप में जान चुके हैं। आखिरकार मैं अपने पत्ते खोल सकता हूं। मैं पिंकर्टन का बर्डी एडवर्ड्स हूं। मुझे आपके गिरोह को तोड़ने के लिए चुना गया था। मुझे एक कठिन और खतरनाक खेल खेलना था। किसी को भी, एक भी व्यक्ति को, मेरे सबसे करीबी लोगों को भी नहीं पता था कि मैं यह खेल खेल रहा हूं। केवल कैप्टन मार्विन और मेरे मालिक ही यह जानते थे। लेकिन भगवान का शुक्र है, आज रात यह सब खत्म हो गया है, और मैं विजेता हूं!"

सातों पीले, कठोर चेहरे उसकी ओर देख रहे थे। उनकी आँखों में अतृप्त घृणा थी। उसने उस निरंतर खतरे को भांप लिया।

"शायद आपको लगता है कि खेल अभी खत्म नहीं हुआ है। खैर, मैं इस बात का जोखिम उठाता हूं। वैसे भी, आपमें से कुछ लोग आगे नहीं बढ़ पाएंगे, और आपके अलावा साठ और लोग हैं जो आज रात जेल जाएंगे। मैं आपको बता दूं, जब मुझे यह काम सौंपा गया था, तब मुझे कभी विश्वास नहीं हुआ था कि आपके जैसी कोई संस्था भी होती है। मुझे लगा कि यह सिर्फ कागजी बातें हैं, और मैं इसे गलत साबित कर दूंगा। उन्होंने मुझे बताया कि इसका संबंध फ्रीमेन से है; इसलिए मैं शिकागो गया और वहाँ का सदस्य बन गया। तब मुझे पहले से कहीं अधिक यकीन हो गया कि यह सिर्फ कागजी बातें थीं; क्योंकि मुझे उस संस्था में कोई बुराई नहीं, बल्कि बहुत सारी अच्छाइयाँ मिलीं।"

फिर भी, मुझे अपना काम करना था, और मैं कोयला घाटियों में आ गया। जब मैं इस जगह पहुँचा तो मुझे पता चला कि मैं गलत था और यह कोई मामूली कहानी नहीं थी। इसलिए मैं यहीं रुक गया। मैंने शिकागो में कभी किसी का खून नहीं किया। मैंने

अपने जीवन में कभी एक डॉलर भी नहीं बनाया। जो डॉलर मैंने तुम्हें दिए, वे बाकी डॉलरों की तरह ही अच्छे थे; लेकिन मैंने कभी इतना अच्छा पैसा खर्च नहीं किया। लेकिन मुझे तुम्हारी दुआओं को पाने का तरीका पता था, इसलिए मैंने तुमसे झूठ बोला कि कानून मेरे पीछे पड़ा है। सब कुछ वैसा ही हुआ जैसा मैंने सोचा था।

तो मैं तुम्हारे उस घिनौने अड्डे में शामिल हो गया, और तुम्हारी सभाओं में अपना हिस्सा लेने लगा। शायद वे कहेंगे कि मैं भी तुम्हारे जितना ही बुरा था। वे जो चाहें कह सकते हैं, जब तक मैं तुम्हें बचाए रखूँ। लेकिन सच क्या है? जिस रात मैं तुम्हारे साथ शामिल हुआ, मैंने बूढ़े स्टेंगर की पिटाई की। मैं उसे चेतावनी नहीं दे सका, क्योंकि समय नहीं था; लेकिन बाल्डविन, जब तुम उसे जान से मार डालने वाले थे, तब मैंने तुम्हारा हाथ थाम लिया था। अगर मैंने कभी तुम्हारे बीच अपनी जगह बनाए रखने के लिए कुछ सुझाव दिए हैं, तो वे ऐसे सुझाव थे जिन्हें मैं रोक सकता था। मैं डन और मेन्ज़ीज़ को नहीं बचा सका, क्योंकि मुझे पर्याप्त जानकारी नहीं थी; लेकिन मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि उनके हत्यारों को फाँसी दी जाए। मैंने चेस्टर विलकॉक्स को चेतावनी दी थी, ताकि जब मैंने उसका घर उड़ा दिया, तब वह और उसके लोग छिपे हुए थे। ऐसे कई अपराध थे जिन्हें मैं रोक नहीं सका; लेकिन अगर तुम पीछे मुड़कर देखो और सोचो कि कितनी बार तुम्हारा आदमी दूसरे रास्ते से घर आया, या जब तुम उसे पकड़ने गए तो वह शहर में था, या जब तुम्हें लगा कि वह बाहर आएगा तो वह घर के अंदर ही रहा, तो तुम्हें मेरा काम समझ आ जाएगा।

"तू कमीना गद्दार!" मैकगिन्टी ने दांत भींचते हुए फुफकारा।

“हाँ, जॉन मैकगिन्टी, अगर इससे तुम्हारा दर्द कम होता है तो तुम मुझे यही कह सकते हो। तुम और तुम्हारे जैसे लोग इस इलाके में ईश्वर और मनुष्य दोनों के शत्रु रहे हो। तुम्हारे और उन बेचारे पुरुषों और महिलाओं के बीच आने के लिए एक ही आदमी की ज़रूरत थी जिन्हें तुमने अपने शिकंजे में ले रखा था। इसे करने का बस एक ही तरीका था, और मैंने वही किया। तुम मुझे गद्दार कहते हो; लेकिन मुझे लगता है कि हज़ारों लोग मुझे उद्धारक कहेंगे जो उन्हें बचाने के लिए नरक में उतर गया। मैंने तीन महीने बिताए हैं। अगर इसके लिए मुझे वाशिंगटन के खजाने में छोड़ दिया जाए तो भी मैं ऐसे तीन महीने दोबारा नहीं बिताऊँगा। मुझे तब तक रुकना पड़ा जब तक कि मेरे पास सब कुछ न हो, हर आदमी और हर राज़ मेरे हाथ में न आ जाए। अगर मुझे यह पता न चलता कि मेरा राज़ खुलने वाला है तो मैं थोड़ा और इंतज़ार कर लेता। शहर में एक चिट्ठी आई थी जिससे तुम्हें सब पता चल जाता। फिर मुझे तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी।”

“मुझे तुमसे और कुछ नहीं कहना है, सिवाय इसके कि जब मेरा समय आएगा, तो इस घाटी में मैंने जो काम किया है, उसे याद करके मुझे मरने में आसानी होगी। अब, मार्विन, मैं तुम्हें और नहीं रोकूंगा। उन्हें अंदर ले जाओ और काम खत्म करो।”

अब इससे ज़्यादा कुछ बताने को नहीं है। स्कैनलन को मिस एट्टी शैफ्टर के पते पर छोड़ने के लिए एक सीलबंद नोट दिया गया था, जिसे उसने आँख मारते हुए और मुस्कुराते हुए स्वीकार कर लिया था। सुबह तड़के एक खूबसूरत महिला और एक दुबला-पतला आदमी रेलवे कंपनी द्वारा भेजी गई एक विशेष ट्रेन में सवार हुए और खतरे की भूमि से तेज़ी से, बिना रुके निकल पड़े। यह आखिरी बार था जब एट्टी या उसके प्रेमी ने 'डर की घाटी' में कदम रखा था। दस दिन बाद शिकागो में उनकी शादी हुई, जिसमें बूढ़े जेकब शैफ्टर गवाह बने।

स्कावरर्स का मुकदमा उस जगह से बहुत दूर चला जहाँ उनके समर्थक कानून के रखवालों को डरा सकते थे। उनका संघर्ष व्यर्थ गया। लॉज का सारा पैसा—जो पूरे इलाके से ब्लैकमेल करके इकट्ठा किया गया था—उन्हें बचाने की कोशिश में पानी की

तरह बह गया। उनके जीवन, उनके संगठन और उनके अपराधों की हर छोटी-बड़ी बात जानने वाले उस व्यक्ति का वह ठंडा, स्पष्ट और भावहीन बयान उनके बचाव करने वालों की तमाम चालों से अविचलित रहा। आखिरकार इतने सालों बाद वे टूट गए और तितर-बितर हो गए। घाटी से संकट का बादल हमेशा के लिए छंट गया।

मैकगिन्टी को फांसी के तख्ते पर मौत की सजा मिली, अंतिम घड़ी आने पर वह गिड़गिड़ाता और सिसकता रहा। उसके आठ प्रमुख अनुयायियों का भी यही हाल हुआ। लगभग पचास लोगों को अलग-अलग स्तर की कैद हुई। बर्डी एडवर्ड्स का काम पूरा हो चुका था।

और फिर भी, जैसा कि उसने अनुमान लगाया था, खेल अभी खत्म नहीं हुआ था। अभी एक और दांव बाकी था, और फिर एक और, और फिर एक और। टेड बॉल्डविन तो फांसी से बच गया था; विलाबी भी बच गए थे; गिरोह के कई अन्य सबसे खूंखार सदस्य भी बच गए थे। दस साल तक वे दुनिया से कटे रहे, और फिर एक दिन ऐसा आया जब वे फिर से आज़ाद हो गए - एक ऐसा दिन जिसके बारे में एडवर्ड्स, जो अपने आदमियों को अच्छी तरह जानता था, पूरी तरह आश्वस्त था कि यह उसके शांतिपूर्ण जीवन का अंत होगा। उन्होंने अपने साथियों का बदला लेने के लिए एडवर्ड्स के खून की कसम खाई थी। और उन्होंने अपनी कसम निभाने की पूरी कोशिश की!

शिकागो से उसका पीछा किया गया, दो बार वह सफलता के इतने करीब पहुँच गया कि तीसरी बार में उसे पकड़ लिया जाएगा। शिकागो से वह अपना नाम बदलकर कैलिफोर्निया चला गया, और वहीं एट्टी एडवर्ड्स की मृत्यु के बाद उसके जीवन से कुछ समय के लिए उजाड़ हो गया। एक बार फिर वह बाल-बाल बचा, और एक बार फिर डगलस नाम से उसने एक सुनसान कारखाने में काम किया, जहाँ उसने बार्कर नामक एक अंग्रेज़ साथी के साथ मिलकर खूब धन कमाया। अंततः उसे चेतावनी मिली कि खोजी कुत्ते एक बार फिर उसका पीछा कर रहे हैं, और वह - ठीक समय पर - इंग्लैंड भाग निकला। और वहीं से जॉन डगलस का जन्म हुआ, जिसने दूसरी बार एक योग्य जीवनसाथी से विवाह किया, और पाँच साल तक ससेक्स काउंटी के एक सज्जन व्यक्ति के रूप में जीवन व्यतीत किया, जिसका अंत उन विचित्र घटनाओं के साथ हुआ जिनके बारे में हमने सुना है।

उपसंहार

पुलिस द्वारा मुकदमा चलाया जा चुका था, जिसमें जॉन डगलस का मामला उच्च न्यायालय को सौंप दिया गया था। इसी तरह क्वार्टर सेशंस की कार्यवाही भी समाप्त हो चुकी थी, जिसमें उन्हें आत्मरक्षा में कार्रवाई करने के आरोप में बरी कर दिया गया था।

होम्स ने पत्नी को लिखा, “उसे किसी भी कीमत पर इंग्लैंड से बाहर निकालो। यहाँ ऐसी ताकतें हैं जो उन ताकतों से कहीं अधिक खतरनाक हो सकती हैं जिनसे वह बचकर निकला है। इंग्लैंड में तुम्हारे पति की कोई सुरक्षा नहीं है।”

दो महीने बीत चुके थे और मामला कुछ हद तक हमारे दिमाग से निकल चुका था। फिर एक सुबह हमारे लेटर बॉक्स में एक रहस्यमय चिट्ठी मिली। "हे भगवान, श्रीमान होम्स। हे भगवान!" इस अनोखी चिट्ठी में लिखा था। न तो कोई नाम लिखा था और न ही हस्ताक्षर। मैं इस विचित्र संदेश पर हँस पड़ा; लेकिन होम्स ने असामान्य गंभीरता दिखाई।

“शैतानपन, वॉटसन!” उसने कहा और माथे पर शिकन लिए काफी देर तक बैठा रहा।

कल देर रात हमारी मकान मालकिन श्रीमती हडसन ने एक संदेश दिया कि एक सज्जन होम्स से मिलना चाहते हैं और यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके

संदेशवाहक के तुरंत बाद, खाई से घिरे मनोर हाउस में रहने वाले हमारे मित्र सेसिल बार्कर आ गए। उनका चेहरा उदास और थका हुआ था।

"मुझे बुरी खबर मिली है—बहुत बुरी खबर, मिस्टर होम्स," उन्होंने कहा।

"मुझे भी यही आशंका थी," होम्स ने कहा।

"आपके पास केबल कनेक्शन नहीं था, है ना?"

मुझे किसी ऐसे व्यक्ति से एक संदेश मिला है जिसके पास यह सुविधा है।

"बेचारा डगलस। लोग मुझे बताते हैं कि उसका नाम एडवर्ड्स है; लेकिन मेरे लिए वह हमेशा बेनिटो कैनन का जैक डगलस ही रहेगा। मैंने आपको बताया था कि तीन हफ्ते पहले पल्मायरा में वे दोनों दक्षिण अफ्रीका के लिए एक साथ रवाना हुए थे।"

"बिल्कुल। "

"जहाज कल रात केप टाउन पहुँच गया। मुझे आज सुबह श्रीमती डगलस से यह तार मिला:

सेंट हेलेना के पास भीषण तूफान में जैक जहाज से समुद्र में गिरकर लापता हो गया। दुर्घटना कैसे हुई, इसका किसी को पता नहीं है।

आईवी डगलस।

"हा! ये ऐसे ही आया था, है ना?" होम्स ने सोच-विचार करते हुए कहा।

"खैर, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह अच्छी तरह से सुनियोजित था।"

"आपका मतलब है कि आपको लगता है कि कोई दुर्घटना नहीं हुई थी?"

दुनिया में कोई नहीं।

"क्या उसकी हत्या हुई थी?"

"ज़रूर!"

"तो मुझे भी यही लगता है। ये शापित बदमाश, अपराधियों का ये अभिशापित प्रतिशोधी अड्डा—"

"नहीं, नहीं, महोदय," होम्स ने कहा। "यह एक माहिर अपराधी का मामला है। यह कटी हुई बंदूकों या अनाड़ी छर्रे वाली पिस्तौलों का मामला नहीं है। एक माहिर अपराधी की पहचान उसके ब्रश की शैली से होती है। मैं मोरियार्टी को देखते ही पहचान लेता हूं। यह अपराध लंदन का है, अमेरिका का नहीं।"

लेकिन किस मकसद से?

क्योंकि यह काम एक ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया है जो असफल होने का जोखिम नहीं उठा सकता, एक ऐसा व्यक्ति जिसकी अद्वितीय स्थिति इस बात पर निर्भर करती है कि उसका हर काम सफल होना चाहिए। एक महान बुद्धि और एक विशाल संगठन को एक व्यक्ति के विनाश की ओर मोड़ दिया गया है। यह एक छोटी सी चीज को हथौड़े से कुचलने जैसा है - ऊर्जा की एक बेतुकी बर्बादी - लेकिन फिर भी चीज को बहुत प्रभावी ढंग से कुचल दिया गया है।

इस आदमी का इससे क्या लेना-देना हो सकता है?

"मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि इस धंधे की पहली खबर हमें उसके एक लेफ्टिनेंट से मिली थी। इन अमेरिकियों ने सही सलाह दी थी। एक अंग्रेज़ का काम होने के कारण, उन्होंने किसी भी विदेशी अपराधी की तरह, अपराध के इस बड़े सलाहकार को अपने साथ मिला लिया। उसी क्षण से उनका आदमी बर्बाद हो गया। पहले तो वह अपने जाल में फंसकर शिकार को ढूंढता। फिर वह बताता कि मामले को कैसे सुलझाया जा सकता है। अंत में, जब उसे रिपोर्टों में इस एजेंट की नाकामी के बारे में पता चलता, तो वह खुद बड़ी कुशलता से इसमें दखल देता। आपने मुझे बिरलस्टोन मैनर हाउस में इस आदमी को चेतावनी देते हुए सुना होगा कि आने वाला खतरा बीते खतरे से कहीं ज़्यादा बड़ा है। क्या मैं सही था?"

बार्कर ने अपनी हताशा भरी क्रोध में आकर मुट्ठी से अपना सिर पीट लिया। "कहीं ऐसा तो नहीं कि हमें इसके नीचे चुपचाप बैठना पड़ेगा? क्या तुम यह कह रहे हो कि कोई भी इस शैतान राजा के बराबर नहीं आ सकता?"

“नहीं, मैं ऐसा नहीं कहता,” होम्स ने कहा, और उनकी आँखें मानो भविष्य की ओर देख रही थीं। “मैं यह नहीं कहता कि उसे हराया नहीं जा सकता। लेकिन आपको मुझे समय देना होगा—आपको मुझे समय देना होगा!”

हम सभी कुछ मिनटों तक चुपचाप बैठे रहे, जबकि वे भाग्यपूर्ण आंखें अभी भी पर्दे को भेदने का प्रयास कर रही थीं।

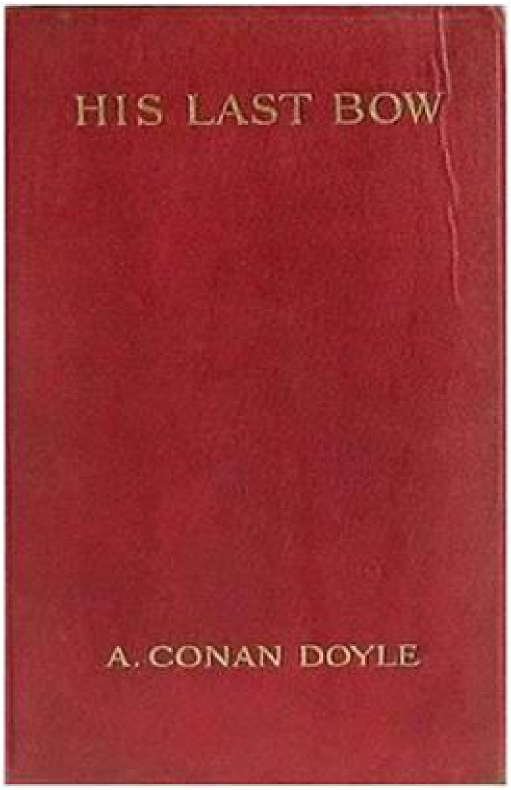

उनका अंतिम प्रणाम

विस्टेरिया लॉज का रोमांच

1. श्री जॉन स्कॉट एक्लेस का विलक्षण अनुभव

मेरी नोटबुक में दर्ज है कि मार्च 1892 के अंत में एक उदास और हवादार दिन था। हम दोपहर का भोजन कर रहे थे तभी होम्स को एक टेलीग्राम मिला और उन्होंने उसका जवाब लिख दिया। उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन यह बात उनके मन में बनी रही, क्योंकि बाद में वे आग के सामने सोच-विचार करते हुए खड़े रहे, पाइप पीते

रहे और बीच-बीच में संदेश पर नज़र डालते रहे। अचानक वे शरारती चमकती आँखों से मेरी ओर मुड़े।

“मुझे लगता है, वॉटसन, हमें आपको एक विद्वान व्यक्ति के रूप में देखना चाहिए,” उन्होंने कहा। “आप ‘विकृत’ शब्द को कैसे परिभाषित करते हैं?”

मैंने कहा, "अजीब - उल्लेखनीय।"

मेरी परिभाषा सुनकर उसने अपना सिर हिला दिया।

“निश्चित रूप से इससे कहीं अधिक कुछ है,” उन्होंने कहा; “दुखद और भयावहता का कोई अंतर्निहित संकेत। यदि आप उन कहानियों को याद करें जिनसे आपने लंबे समय से पीड़ित जनता को परेशान किया है, तो आप समझ जाएंगे कि कैसे अक्सर विकृतियाँ अपराध में तब्दील हो जाती हैं। लाल बालों वाले आदमियों के उस छोटे से मामले के बारे में सोचिए। वह शुरुआत में ही काफी विकृत था, फिर भी उसका अंत एक हताश डकैती के प्रयास में हुआ। या फिर, पाँच संतरे के बीजों का वह सबसे विकृत मामला लीजिए, जो सीधे एक हत्या की साजिश की ओर ले गया। यह शब्द मुझे सतर्क कर देता है।”

“क्या वह तुम्हारे पास है?” मैंने पूछा।

उसने टेलीग्राम जोर से पढ़ा।

मुझे अभी-अभी एक बेहद अविश्वसनीय और भयावह अनुभव हुआ है। क्या मैं आपसे परामर्श कर सकता हूँ?

“स्कॉट एक्लेस,

“डाकघर, चारिंग क्रॉस।”

मैंने पूछा, "पुरुष है या महिला?"

“अरे यार, बिलकुल। कोई भी महिला कभी भी जवाब देने वाला टेलीग्राम नहीं भेजेगी। वह तो आ ही जाती।”

क्या आप उससे मिलेंगे?

“मेरे प्यारे वॉटसन, तुम जानते हो कि कर्नल कैरुथर्स को जेल में डालने के बाद से मैं कितना ऊब गया हूँ। मेरा दिमाग एक तेज़ दौड़ते इंजन की तरह है, जो खुद को टुकड़ों में तोड़ रहा है क्योंकि यह उस काम से जुड़ा नहीं है जिसके लिए इसे बनाया गया था। जीवन नीरस है; अखबार नीरस हैं; अपराध जगत से दुस्साहस और रोमांच मानो हमेशा के लिए गायब हो गए हैं। तो क्या तुम मुझसे पूछ सकते हो कि क्या मैं किसी भी नई समस्या पर विचार करने के लिए तैयार हूँ, चाहे वह कितनी भी छोटी क्यों न हो? लेकिन अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो यहाँ हमारा मुवक्किल है।”

सीढ़ियों पर धीमी आहट सुनाई दी, और कुछ ही देर में एक हट्टा-कट्टा, लंबा, सफ़ेद दाढ़ी वाला और गंभीर रूप से सम्मानित व्यक्ति कमरे में दाखिल हुआ। उसके भारी चेहरे और आडंबरपूर्ण व्यवहार में उसकी जीवन कहानी झलक रही थी। उसके जूतों से लेकर सोने के फ्रेम वाले चश्मे तक, वह एक रूढ़िवादी, एक पादरी, एक अच्छा नागरिक, पूर्णतः रूढ़िवादी और परंपरावादी था। लेकिन एक चौंकाने वाले अनुभव ने उसके स्वाभाविक संयम को भंग कर दिया था और उसके बिखरे बालों, लाल, गुस्से से भरे गालों और उसके उत्तेजित, बेचैन व्यवहार में अपने निशान छोड़ दिए थे। वह तुरंत अपने काम में जुट गया।

“श्री होम्स, मुझे एक बेहद विचित्र और अप्रिय अनुभव हुआ है,” उन्होंने कहा। “जीवन में मुझे कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा। यह अत्यंत अनुचित—अत्यंत अपमानजनक है। मुझे इसका स्पष्टीकरण चाहिए।” वे गुस्से से फूल गए और जोर-जोर से सांसें छोड़ने लगे।

“कृपया बैठ जाइए, श्रीमान स्कॉट एक्लेस,” होम्स ने शांत स्वर में कहा। “सबसे पहले, क्या मैं पूछ सकता हूं कि आप मेरे पास आए ही क्यों?”

“खैर, महोदय, यह मामला पुलिस से संबंधित प्रतीत नहीं होता था, फिर भी, जब आप तथ्य सुनेंगे, तो आपको यह मानना ही पड़ेगा कि मैं इसे यूं ही नहीं छोड़ सकता था। निजी जासूस एक ऐसा वर्ग है जिसके प्रति मेरे मन में बिल्कुल भी सहानुभूति नहीं है, लेकिन फिर भी, आपका नाम सुनकर—”

“बिल्कुल सही। लेकिन, दूसरी बात, आप तुरंत क्यों नहीं आए?”

"आपका क्या मतलब है?"

होम्स ने अपनी घड़ी पर एक नजर डाली।

“दो बजकर पंद्रह मिनट हो गए हैं,” उसने कहा। “आपका टेलीग्राम लगभग एक बजे भेजा गया था। लेकिन आपके पहनावे और वेशभूषा को देखकर कोई भी यह समझ सकता है कि आपकी परेशानी आपके जागने के क्षण से ही शुरू हुई है।”

हमारे ग्राहक ने अपने बिखरे हुए बालों को संवारा और अपनी बिना दाढ़ी वाली ठुड्डी को छुआ।

“आप सही कह रहे हैं, श्रीमान होम्स। मैंने कभी अपने रहन-सहन के बारे में सोचा ही नहीं। मैं तो बस ऐसे घर से निकलकर बहुत खुश थी। लेकिन आपके पास आने से पहले मैं इधर-उधर पूछताछ कर रही थी। आप जानते हैं, मैं मकान मालिकों के पास गई थी, और उन्होंने बताया कि श्री गार्सिया का किराया ठीक से चुका दिया गया है और विस्टेरिया लॉज में सब कुछ ठीक-ठाक है।”

“आइए, आइए, महोदय,” होम्स हंसते हुए बोले। “आप मेरे मित्र डॉ. वॉटसन की तरह हैं, जिन्हें कहानियां सुनाने की बुरी आदत है। कृपया अपने विचारों को व्यवस्थित करें और मुझे उचित क्रम में बताएं कि वे कौन सी घटनाएं हैं जिनके कारण आप बिखरे बालों और अस्त-व्यस्त कपड़ों में, टेढ़े-मेढ़े बटन वाले फॉर्म बूट और जैकेट पहने सलाह और सहायता की तलाश में निकले हैं।”

हमारे ग्राहक ने अपने असामान्य रूप को देखते हुए खेद भरे चेहरे से नीचे की ओर देखा।

“मुझे यकीन है कि यह बहुत बुरा लग रहा होगा, मिस्टर होम्स, और मुझे याद नहीं कि मेरे पूरे जीवन में ऐसा कभी हुआ हो। लेकिन मैं आपको पूरी अजीबोगरीब घटना बताऊंगी, और जब मैं बता दूंगी तो मुझे पूरा यकीन है कि आप मान लेंगे कि मुझे माफ करने के लिए काफी कुछ है।”

लेकिन उनकी कहानी शुरू होने से पहले ही दब गई। बाहर हलचल थी, और श्रीमती हडसन ने दरवाजा खोलकर दो हट्टे-कट्टे और अधिकारी जैसे दिखने वाले व्यक्तियों को अंदर आने दिया, जिनमें से एक को हम सभी स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर ग्रेगसन के रूप में अच्छी तरह जानते थे, जो एक ऊर्जावान, बहादुर और अपनी सीमाओं के भीतर एक सक्षम अधिकारी थे। उन्होंने होम्स से हाथ मिलाया और अपने साथी का परिचय सरे पुलिस बल के इंस्पेक्टर बेन्स के रूप में कराया।

“हम साथ में शिकार कर रहे हैं, श्रीमान होम्स, और हमारा सुराग इसी दिशा में है।” उन्होंने अपनी पैनी निगाहों से हमारे आगंतुक को देखा। “क्या आप ली स्थित पोफम हाउस के श्रीमान जॉन स्कॉट एक्लेस हैं?”

"मैं हूं।"

हम सुबह से ही आपका पीछा कर रहे हैं।

"आपने टेलीग्राम के जरिए उसका पता लगाया होगा, इसमें कोई शक नहीं," होम्स ने कहा।

“बिल्कुल सही, मिस्टर होम्स। हमें चैरिंग क्रॉस डाकघर में सुराग मिला और हम यहाँ आ गए।”

लेकिन तुम मेरा पीछा क्यों करते हो? तुम क्या चाहते हो?

"श्री स्कॉट एक्लेस, हम आपसे उन घटनाओं के बारे में एक बयान चाहते हैं जिनके कारण कल रात एशर के पास विस्टेरिया लॉज के श्री एलोयसियस गार्सिया की मृत्यु हो गई।"

हमारे ग्राहक आंखें गड़ाए बैठे थे और उनके आश्चर्यचकित चेहरे से रंग का हर अंश गायब हो गया था।

“मर गया? क्या आपने कहा कि वह मर गया?”

"जी हां, जनाब, वह मर चुका है।"

"लेकिन कैसे? क्या यह कोई दुर्घटना थी?"

"अगर धरती पर कभी कोई हत्या हुई है, तो वह यही है।"

"हे भगवान्! यह तो बहुत बुरा है! आपका मतलब यह तो नहीं है कि मुझ पर शक किया जा रहा है?"

"मृत व्यक्ति की जेब में आपका एक पत्र मिला था, और उससे हमें पता चला कि आपने पिछली रात उसके घर पर बिताने की योजना बनाई थी।"

"तो मैंने ऐसा ही किया।"

"ओह, आपने किया, है ना?"

आधिकारिक नोटबुक बाहर निकाली गई।

"थोड़ा रुकिए, ग्रेगसन," शर्लक होम्स ने कहा। "आप बस एक स्पष्ट बयान चाहते हैं, है ना?"

और यह मेरा कर्तव्य है कि मैं श्री स्कॉट एक्ल्स को चेतावनी दूं कि इसका इस्तेमाल उनके खिलाफ किया जा सकता है।

"श्री एक्लेस हमें इसके बारे में बताने ही वाले थे कि आप कमरे में आ गए। मुझे लगता है, वॉटसन, उन्हें एक ब्रांडी और सोडा से कोई नुकसान नहीं होगा। अब, महोदय, मेरा सुझाव है कि आप अपने श्रोताओं में इस नए सदस्य पर ध्यान न दें, और अपनी कहानी को ठीक उसी तरह जारी रखें जैसे आप बिना किसी रुकावट के जारी रखते।"

हमारे आगंतुक ने ब्रांडी पी ली थी और उसके चेहरे की रौनक लौट आई थी। निरीक्षक की नोटबुक पर संदेह भरी नज़र डालते हुए, उसने तुरंत अपना असाधारण बयान देना शुरू कर दिया।

"मैं अविवाहित हूँ," उन्होंने कहा, "और मिलनसार स्वभाव का होने के कारण मेरे कई मित्र हैं। इनमें मेल्विल नाम के एक सेवानिवृत्त शराब निर्माता का परिवार भी शामिल है, जो केंसिंग्टन के अल्बेमार्ले मेंशन में रहते हैं। कुछ सप्ताह पहले उन्हीं के यहाँ मेरी मुलाकात गार्सिया नाम के एक युवक से हुई थी। मुझे पता चला कि वह स्पेनिश मूल का था और किसी न किसी तरह दूतावास से जुड़ा हुआ था। वह एकदम सही अंग्रेज़ी बोलता था, उसका व्यवहार बहुत अच्छा था और वह मेरी जिंदगी में देखे गए सबसे आकर्षक पुरुषों में से एक था।"

"किसी तरह हम दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। पहली ही मुलाकात में वह मुझ पर मोहित हो गया और मुलाकात के दो दिन के भीतर ही वह ली में मुझसे मिलने आ गया। फिर बातें बढ़ती गईं और अंत में उसने मुझे एशर और ऑक्सशॉट के बीच स्थित अपने घर, विस्टेरिया लॉज में कुछ दिन बिताने का निमंत्रण दिया। कल शाम मैं इस वादे को पूरा करने के लिए एशर गया था।"

"वहाँ जाने से पहले उन्होंने मुझे अपने घर-परिवार के बारे में बताया था। वे एक वफादार नौकर के साथ रहते थे, जो उन्हीं के देश का रहने वाला था और उनकी सभी ज़रूरतों का ख्याल रखता था। वह नौकर अंग्रेज़ी बोल सकता था और उनके घर के सारे काम करता था। फिर उन्होंने बताया कि उनके पास एक बेहतरीन रसोइया भी था, जो मिश्रित नस्ल का था और जिसे उन्होंने अपनी यात्राओं के दौरान पाया था, जो शानदार खाना परोसता था। मुझे याद है कि उन्होंने कहा था कि सरे के बीचोंबीच ऐसा अजीब घर-परिवार मिलना कितना विचित्र है, और मैं उनसे सहमत था, हालांकि यह मेरी सोच से कहीं ज़्यादा विचित्र साबित हुआ।"

मैं उस जगह तक गाड़ी चलाकर गया—एशर के दक्षिण की ओर लगभग दो मील दूर। घर ठीक-ठाक आकार का था, सड़क से थोड़ा पीछे हटकर बना हुआ था, और घुमावदार रास्ते पर ऊँचे सदाबहार झाड़ियाँ लगी हुई थीं। यह एक पुरानी, जर्जर इमारत थी, जिसकी हालत बहुत खराब थी। जब गाड़ी घास से ढके रास्ते पर, धब्बेदार

और मौसम की मार झेल चुके दरवाज़े के सामने रुकी, तो मुझे उस आदमी से मिलने जाने के अपने फैसले पर संदेह हुआ जिसे मैं बहुत कम जानता था। हालाँकि, उसने खुद दरवाज़ा खोला और बड़े ही सौहार्दपूर्ण ढंग से मेरा स्वागत किया। मुझे नौकर के हवाले कर दिया गया, जो उदास और साँवला था, और वह मेरा बैग हाथ में लिए मुझे मेरे बेडरूम तक ले गया। पूरा माहौल ही निराशाजनक था। हमारा भोजन आमने-सामने की बातचीत थी, और हालाँकि मेरे मेज़बान ने मनोरंजन करने की पूरी कोशिश की, लेकिन उसके विचार लगातार भटकते रहे, और वह इतनी अस्पष्ट और बेतरतीब बातें करता रहा कि मुझे उसे समझना मुश्किल हो रहा था। वह लगातार मेज़ पर उंगलियाँ थपथपाता रहा, अपने नाखून कुतरता रहा, और घबराहट और बेचैनी के अन्य लक्षण भी दिखाई दे रहे थे। खाना न तो ठीक से परोसा गया था और न ही ठीक से पकाया गया था, और कम बोलने वाले नौकर की उदास उपस्थिति ने हमें बिल्कुल भी उत्साहित नहीं किया। मैं आपको यकीन दिला सकता हूँ कि शाम के दौरान कई बार मेरे मन में यह इच्छा जागी कि काश मैं कोई बहाना बना पाता जिससे मैं वापस ली जा सकूँ।

मुझे एक बात याद आ रही है जिसका आप दोनों सज्जनों द्वारा की जा रही जांच से कुछ संबंध हो सकता है। उस समय मैंने इस पर ध्यान नहीं दिया था। खाने के अंत में नौकर ने एक नोट दिया। मैंने देखा कि मेरे मेज़बान ने उसे पढ़ने के बाद पहले से भी ज़्यादा परेशान और अजीब सा व्यवहार किया। उन्होंने बातचीत का दिखावा छोड़ दिया और लगातार सिगरेट पीते हुए अपने विचारों में खोए बैठे रहे, लेकिन उन्होंने नोट के विषय में कुछ नहीं कहा। लगभग ग्यारह बजे मुझे सोने की इच्छा हुई। कुछ देर बाद गार्सिया ने मेरे कमरे में झाँका - उस समय कमरा अँधेरा था - और मुझसे पूछा कि क्या मैंने घंटी बजाई थी। मैंने कहा कि नहीं बजाई थी। उन्होंने मुझे इतनी देर रात परेशान करने के लिए माफ़ी मांगी और कहा कि लगभग एक बज रहा था। इसके बाद मुझे नींद आ गई और मैं पूरी रात चैन से सोया।

"और अब मैं अपनी कहानी के सबसे आश्चर्यजनक हिस्से पर आता हूँ। जब मैं जागा तो दिन का उजाला हो चुका था। मैंने अपनी घड़ी देखी, और समय लगभग नौ बज रहे थे। मैंने खास तौर पर आठ बजे बुलाए जाने के लिए कहा था, इसलिए इस भूल पर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। मैं झट से उठा और नौकर को बुलाया। कोई जवाब नहीं मिला। मैंने बार-बार घंटी बजाई, लेकिन नतीजा वही रहा। तब मुझे लगा कि घंटी ख़राब है। मैंने जल्दी से अपने कपड़े पहने और बहुत गुस्से में नीचे जाकर गर्म पानी मंगवाया। आप मेरी हैरानी का अंदाज़ा लगा सकते हैं जब मैंने देखा कि वहाँ कोई नहीं था। मैंने हॉल में चिल्लाया। कोई जवाब नहीं मिला। फिर मैं एक कमरे से दूसरे कमरे भागा। सभी कमरे खाली थे। मेरे मेज़बान ने मुझे पिछली रात अपना कमरा दिखाया था, इसलिए मैंने दरवाज़ा खटखटाया। कोई जवाब नहीं। मैंने हैंडल घुमाया और अंदर चला गया। कमरा खाली था, और बिस्तर पर कोई सोया नहीं था। वह बाकियों के साथ चला गया था। विदेशी मेज़बान, विदेशी नौकर, विदेशी रसोइया, सब रात में गायब हो गए थे! यही था... विस्टेरिया लॉज की मेरी यात्रा का अंत।

शर्लक होम्स अपने हाथों को मलते हुए और मुस्कुराते हुए इस विचित्र घटना को अपने विचित्र प्रसंगों के संग्रह में शामिल कर रहे थे।

"जहाँ तक मुझे पता है, आपका अनुभव बिल्कुल अनूठा है," उन्होंने कहा। "क्या मैं पूछ सकता हूँ, महोदय, आपने तब क्या किया था?"

मैं बहुत क्रोधित था। मेरा पहला विचार यही था कि मेरे साथ कोई बेतुका मज़ाक किया गया है। मैंने अपना सामान पैक किया, हॉल का दरवाज़ा ज़ोर से बंद किया और अपना बैग हाथ में लिए एशर के लिए निकल पड़ा। मैंने गाँव के प्रमुख भूमि एजेंटों, एलन ब्रदर्स से संपर्क किया और पता चला कि इसी फर्म से विला किराए पर लिया गया था।

मुझे लगा कि यह सब मुझे मूर्ख बनाने के उद्देश्य से तो नहीं हो सकता, और इसका मुख्य उद्देश्य किराया न चुकाना ही होगा। मार्च का अंत हो रहा है, इसलिए तिमाही भुगतान का समय नज़दीक है। लेकिन यह अनुमान सही नहीं था। एजेंट ने मेरी चेतावनी के लिए आभार व्यक्त किया, लेकिन बताया कि किराया अग्रिम रूप से चुका दिया गया था। फिर मैं शहर गया और स्पेनिश दूतावास गया। वहाँ वह व्यक्ति अपरिचित था। इसके बाद मैं मेल्विल से मिलने गया, जिनके घर पर मेरी पहली मुलाकात गार्सिया से हुई थी, लेकिन मुझे पता चला कि वह वास्तव में उनके बारे में मुझसे भी कम जानते थे। अंत में, जब मुझे आपके तार का जवाब मिला, तो मैं आपसे संपर्क करने आया, क्योंकि मुझे पता चला है कि आप कठिन मामलों में सलाह देने वाले व्यक्ति हैं। लेकिन अब, इंस्पेक्टर महोदय, कमरे में प्रवेश करते समय आपने जो कहा, उससे मुझे समझ आया कि आप इस मामले को आगे बढ़ा सकते हैं और कोई दुखद घटना घटी है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैंने जो कुछ भी कहा है, वह बिल्कुल सच है और मैंने आपको जो बताया है, उसके अलावा मुझे इस व्यक्ति के बारे में कुछ भी पता नहीं है। मेरी एकमात्र इच्छा कानून की हर संभव तरीके से मदद करना है।

“मुझे पूरा यकीन है, श्रीमान स्कॉट एक्लेस—मुझे पूरा यकीन है,” इंस्पेक्टर ग्रेगसन ने बड़े ही सौहार्दपूर्ण लहजे में कहा। “मुझे यह कहना ही पड़ेगा कि आपने जो कुछ भी कहा है, वह हमारे संज्ञान में आए तथ्यों से काफी हद तक मेल खाता है। उदाहरण के लिए, खाने के दौरान एक नोट आया था। क्या आपने देखा कि उसका क्या हुआ?”

“हां, मैंने किया। गार्सिया ने उसे लपेटकर आग में फेंक दिया।”

"इस बारे में आपका क्या कहना है, श्रीमान बेनेस?"

देहाती जासूस एक मोटा, फूला हुआ, लाल रंग का आदमी था, जिसका चेहरा केवल उसकी दो असाधारण रूप से चमकदार आँखों से ही थोड़ा भद्दा लग रहा था, जो गालों और माथे की गहरी झुर्रियों के पीछे लगभग छिपी हुई थीं। धीमी मुस्कान के साथ उसने अपनी जेब से कागज का एक मुड़ा हुआ और फीका पड़ा टुकड़ा निकाला।

“यह एक घटिया चूल्हा था, मिस्टर होम्स, और उन्होंने इसे ज्यादा दूर फेंक दिया था। मैंने इसके पीछे से इसे बिना जला हुआ निकाल लिया।”

होम्स ने मुस्कुराकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

"आपको घर की बहुत सावधानीपूर्वक जांच करनी होगी तभी आपको कागज का एक भी टुकड़ा मिला।"

“जी हां, मिस्टर होम्स। यह मेरा तरीका है। क्या मैं इसे पढ़ूं, मिस्टर ग्रेगसन?”

लंदनवासी ने सिर हिलाया।

“यह नोट साधारण क्रीम रंग के बिना वॉटरमार्क वाले कागज पर लिखा गया है। यह एक चौथाई पन्ने का है। कागज़ को छोटी धार वाली कैंची से दो बार काटा गया है। इसे तीन बार मोड़ा गया है और बैंगनी मोम से सील किया गया है, जिसे जल्दबाजी में लगाया गया है और किसी चपटी अंडाकार वस्तु से दबाया गया है। यह श्री गार्सिया, विस्टेरिया लॉज को संबोधित है। इसमें लिखा है:

“हमारे अपने रंग, हरा और सफेद। हरा खुला, सफेद बंद। मुख्य सीढ़ी, पहला गलियारा, सातवां दायां, हरा कपड़ा।”

शुभकामनाएं। डी.

यह एक महिला की लिखावट है, जो नुकीली कलम से लिखी गई है, लेकिन पता या तो किसी दूसरी कलम से लिखा गया है या किसी और ने लिखा है। जैसा कि आप देख सकते हैं, यह मोटा और स्पष्ट है।

“यह एक बहुत ही उल्लेखनीय नोट है,” होम्स ने उस पर सरसरी नज़र डालते हुए कहा। “श्री बेन्स, आपने इसकी बारीकी से जांच की है, इसके लिए मैं आपकी प्रशंसा

करता हूँ। कुछ छोटी-मोटी बातें शायद जोड़ी जा सकती हैं। अंडाकार मुहर निस्संदेह एक साधारण आस्तीन का टुकड़ा है - इस आकार का और क्या हो सकता है? कैंची मुड़ी हुई नाखून काटने वाली कैंची थी। हालाँकि दोनों कैंची छोटी हैं, फिर भी आप उनमें एक जैसा हल्का सा घुमाव स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।"

देहाती जासूस खिलखिलाकर हंस पड़ा।

"मुझे लगा था कि मैंने सारी जानकारी निकाल ली है, लेकिन मुझे लगता है कि थोड़ी सी जानकारी बच गई है," उन्होंने कहा। "मैं यही कहूंगा कि इस नोट से मुझे कोई खास मतलब नहीं है, सिवाय इसके कि कुछ जानकारी हाथ में थी, और हमेशा की तरह, इसके पीछे एक महिला का हाथ था।"

इस बातचीत के दौरान श्री स्कॉट एक्ल्स अपनी सीट पर बेचैनी से हिलते-डुलते रहे।

उन्होंने कहा, "मुझे खुशी है कि आपको वह नोट मिल गया, क्योंकि इससे मेरी कहानी की पुष्टि होती है। लेकिन मैं यह बताना चाहता हूं कि मुझे अभी तक श्री गार्सिया के साथ क्या हुआ है और उनके परिवार का क्या हुआ है, इसकी कोई जानकारी नहीं मिली है।"

"गार्सिया के बारे में," ग्रेगसन ने कहा, "इसका जवाब आसानी से दिया जा सकता है। वह आज सुबह ऑक्सशॉट कॉमन पर मृत पाया गया, जो उसके घर से लगभग एक मील दूर है। उसके सिर को रेत की बोरी या किसी ऐसी ही चीज़ से बुरी तरह कुचल दिया गया था, जिससे चोट लगने के बजाय सिर बुरी तरह कुचल गया था। वह एक सुनसान इलाका है, और घटनास्थल से एक चौथाई मील के दायरे में कोई घर नहीं है। ऐसा लगता है कि उसे पहले पीछे से मारा गया था, लेकिन हमलावर उसकी मौत के बाद भी उसे पीटता रहा। यह एक बेहद क्रूर हमला था। न तो पैरों के निशान मिले हैं और न ही अपराधियों का कोई सुराग।"

"लूट लिया गया?"

"नहीं, लूटपाट का कोई प्रयास नहीं किया गया था।"

"यह बहुत दुखद है—बहुत ही दुखद और भयानक," श्री स्कॉट एक्लेस ने चिड़चिड़े स्वर में कहा, "लेकिन यह मेरे लिए असाधारण रूप से कठिन है। मेरे मेज़बान के रात्रि भ्रमण पर जाने और इतनी दुखद मौत से मेरा कोई लेना-देना नहीं था। मैं इस मामले में कैसे उलझ गया?"

"सर, बहुत सरल शब्दों में," इंस्पेक्टर बेनेस ने उत्तर दिया। "मृतक की जेब में केवल एक ही दस्तावेज़ मिला था, जो आपका पत्र था जिसमें आपने लिखा था कि आप उसकी मृत्यु की रात उसके साथ रहेंगे। इसी पत्र के लिफाफे से हमें मृतक का नाम और पता मिला। आज सुबह नौ बजे के बाद हम उसके घर पहुँचे और वहाँ न तो आप मिले और न ही कोई और। मैंने श्री ग्रेगसन को तार भेजा कि वे आपको लंदन में ढूँढ लें, जबकि मैं विस्टेरिया लॉज की जाँच कर रहा था। फिर मैं शहर आया, श्री ग्रेगसन से मिला और अब हम यहाँ हैं।"

"मुझे लगता है कि अब हमें इस मामले को औपचारिक रूप दे देना चाहिए। श्री स्कॉट एक्लेस, आप हमारे साथ थाने चलें और हमें अपना लिखित बयान दें।"

"ज़रूर, मैं तुरंत आऊंगा। लेकिन मुझे आपकी सेवाएं चाहिए, श्री होम्स। मैं चाहता हूं कि आप सच्चाई का पता लगाने के लिए कोई कसर न छोड़ें।"

मेरे दोस्त ने ग्रामीण निरीक्षक की ओर रुख किया।

"मुझे लगता है कि आपको मेरे साथ सहयोग करने में कोई आपत्ति नहीं है, श्री बेनेस?"

"महामहिम, यह मेरे लिए अत्यंत सम्मान की बात है।"

"आपने जो भी किया है, उसमें आप बहुत तत्पर और पेशेवर प्रतीत होते हैं। क्या आप बता सकते हैं कि उस व्यक्ति की मृत्यु किस समय हुई थी, इसका कोई सुराग है?"

“वह दोपहर एक बजे से वहीं था। उसी समय के आसपास बारिश हो रही थी, और उसकी मृत्यु निश्चित रूप से बारिश से पहले हुई थी।”

“लेकिन यह बिल्कुल असंभव है, श्रीमान बेनेस,” हमारे मुवक्किल चिल्लाए। “उनकी आवाज़ स्पष्ट है। मैं कसम खाकर कह सकता हूं कि ठीक उसी समय मेरे बेडरूम में मुझसे बात करने वाले वही थे।”

"अद्भुत, लेकिन असंभव बिल्कुल नहीं," होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा।

“तुम्हें कुछ पता है?” ग्रेगसन ने पूछा।

“पहली नज़र में तो यह मामला बहुत जटिल नहीं लगता, हालांकि इसमें कुछ नए और दिलचस्प पहलू ज़रूर हैं। अंतिम और निश्चित राय देने से पहले मुझे तथ्यों की और अधिक जानकारी होनी ज़रूरी है। वैसे, श्रीमान बेनेस, घर की जाँच में आपको इस नोट के अलावा और क्या उल्लेखनीय मिला?”

जासूस ने मेरे दोस्त को एक अनोखे अंदाज में देखा।

उन्होंने कहा, “वहाँ एक-दो बहुत ही उल्लेखनीय बातें थीं। शायद जब मेरा पुलिस स्टेशन का काम खत्म हो जाए, तो आप आकर मुझे उनके बारे में अपनी राय देना चाहेंगे।”

“मैं आपकी सेवा में तत्पर हूं,” शर्लक होम्स ने घंटी बजाते हुए कहा। “श्रीमती हडसन, आप इन सज्जनों को बाहर तक छोड़ देंगी और कृपया इस टेलीग्राम के साथ लड़के को भेज देंगी। उसे पांच शिलिंग का भुगतान करना होगा।”

हमारे मेहमानों के जाने के बाद हम कुछ देर चुपचाप बैठे रहे। होम्स अपनी तेज़ निगाहों पर भौंहें चढ़ाए, जोर-जोर से सिगरेट पी रहे थे और उनका सिर उस व्यक्ति की विशिष्ट उत्सुकता से आगे की ओर झुका हुआ था।

"अच्छा, वॉटसन," उसने अचानक मेरी ओर मुड़ते हुए पूछा, "इस बारे में आपकी क्या राय है?"

"स्कॉट एक्लेस के इस रहस्यीकरण से मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा है।"

लेकिन अपराध?

"खैर, उस व्यक्ति के साथियों के गायब होने से चिंतित होकर, मैं कहूंगा कि वे किसी न किसी तरह हत्या में शामिल थे और न्याय से भाग गए थे।"

“यह निश्चित रूप से एक संभावित दृष्टिकोण है। हालाँकि, पहली नज़र में आपको यह मानना पड़ेगा कि यह बहुत अजीब बात है कि उसके दो नौकर उसके खिलाफ साजिश रच रहे थे और उस रात उस पर हमला कर रहे थे जब उसके घर में एक मेहमान था। सप्ताह की बाकी सभी रातें वे अकेले उसके रहमो-करम पर होते थे।”

तो फिर वे उड़कर क्यों गए?

“बिल्कुल सही। वे क्यों उड़े? यह एक बड़ा तथ्य है। दूसरा बड़ा तथ्य हमारे मुवक्किल स्कॉट एक्लेस का असाधारण अनुभव है। अब, मेरे प्रिय वॉटसन, क्या इन दोनों बड़े तथ्यों को समाहित करने वाली व्याख्या देना मानवीय बुद्धिमत्ता की सीमा से परे है? यदि यह व्याख्या उस रहस्यमय पहलू और उसकी विचित्र शब्दावली को भी समाहित कर ले, तो इसे एक अस्थायी परिकल्पना के रूप में स्वीकार करना उचित होगा। यदि हमारे संज्ञान में आने वाले सभी नए तथ्य इस योजना में फिट बैठते हैं, तो हमारी परिकल्पना धीरे-धीरे एक समाधान बन सकती है।”

लेकिन हमारी परिकल्पना क्या है?

होम्स आधी बंद आंखों से अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया।

"मेरे प्रिय वॉटसन, आपको यह मानना ही होगा कि मज़ाक की बात असंभव है। जैसा कि अगली कड़ी में दिखाया गया है, गंभीर घटनाएं घटित हो रही थीं, और स्कॉट एक्लेस को विस्टेरिया लॉज में फुसलाने का उनसे कुछ संबंध था।"

लेकिन इसका क्या संभावित संबंध है?

चलिए इसे कड़ी दर कड़ी समझते हैं। पहली नज़र में तो उस नौजवान स्पैनिश नागरिक और स्कॉट एक्लेस के बीच की यह अजीब और अचानक दोस्ती कुछ अस्वाभाविक सी लगती है। लेकिन पहल तो उसी ने की। पहली मुलाकात के ठीक अगले दिन ही वह लंदन के दूसरे छोर पर एक्लेस से मिलने गया और एशर तक उससे लगातार संपर्क में रहा। अब, एक्लेस से उसकी क्या इच्छा थी? एक्लेस उसे क्या दे सकता था? मुझे उसमें कोई आकर्षण नज़र नहीं आता। वह कोई खास बुद्धिमान नहीं है —ऐसा व्यक्ति नहीं जो किसी तेज़-तर्रार लैटिन भाषी के अनुकूल हो। तो फिर, गार्सिया ने अपने उद्देश्य के लिए जिन लोगों से मुलाकात की, उनमें से उसे ही क्यों चुना? क्या उसमें कोई असाधारण गुण है? मेरा मानना है कि है। वह पारंपरिक ब्रिटिश सम्मान का साक्षात उदाहरण है, और एक ऐसा गवाह है जो दूसरे ब्रिटिश नागरिक को प्रभावित कर सकता है। आपने खुद देखा होगा कि दोनों निरीक्षकों में से किसी ने भी उसके बयान पर सवाल उठाने की हिम्मत नहीं की, चाहे वह कितना भी असाधारण क्यों न हो।

लेकिन उसे क्या देखना था?

"कुछ नहीं हुआ, लेकिन अगर हालात अलग होते तो सब कुछ बदल जाता। मैं इस मामले को इसी तरह समझता हूं।"

"मैं समझ गया, हो सकता है उसने अपनी बेगुनाही साबित कर दी हो।"

“बिल्कुल सही, मेरे प्यारे वॉटसन; वह एक पुख्ता सबूत साबित कर सकता था। मान लीजिए, बहस के लिए, कि विस्टेरिया लॉज के घरवाले किसी साज़िश में शामिल हैं। कोशिश चाहे जो भी हो, एक बजे से पहले निकल जाना है। घड़ियों में हेराफेरी करके हो सकता है कि उन्होंने स्कॉट एक्लेस को उसकी उम्मीद से पहले सुला दिया हो, लेकिन किसी भी हालत में, यह संभव है कि जब गार्सिया ने उसे बताया कि एक बज गया है, तो असल में बारह ही बजे होंगे। अगर गार्सिया अपना सारा काम करके बताए गए समय तक वापस आ सकता था, तो ज़ाहिर है उसके पास किसी भी आरोप का ज़ोरदार जवाब था। यह बेदाग अंग्रेज किसी भी अदालत में कसम खाने को तैयार था कि आरोपी हर समय उसके घर में था। यह सबसे बुरे हालात से बचने का एक तरीका था।”

“जी हां, मैं समझ गया। लेकिन बाकी लोगों के गायब होने का क्या?”

“मेरे पास अभी सभी तथ्य नहीं हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई ऐसी कठिनाई है जिसे दूर न किया जा सके। फिर भी, आंकड़ों के सामने बहस करना एक गलती है। आप अनजाने में ही उन्हें अपने सिद्धांतों के अनुरूप ढालने लगते हैं।”

और संदेश क्या है?

“यह कैसे चला? ‘हमारे अपने रंग, हरा और सफेद।’ लगता है जैसे कोई दौड़ हो रही हो। ‘हरा खुला, सफेद बंद।’ यह साफ तौर पर एक संकेत है। ‘मुख्य सीढ़ी, पहला गलियारा, सातवां दायां, हरा कपड़ा।’ यह एक गुप्त मुलाकात है। हो सकता है इसके पीछे कोई ईर्ष्यालु पति छिपा हो। यह साफ़ तौर पर एक खतरनाक खोज थी। अगर ऐसा न होता तो वह ‘शुभकामनाएं’ नहीं कहती। ‘डी’ – यह एक मार्गदर्शक होना चाहिए।”

“वह व्यक्ति स्पेनिश था। मेरा सुझाव है कि ‘डी’ का अर्थ डोलोरेस है, जो स्पेन में एक आम महिला नाम है।”

“अच्छा, वॉटसन, बहुत अच्छा — लेकिन बिलकुल अस्वीकार्य। एक स्पैनिश व्यक्ति स्पैनिश व्यक्ति को स्पैनिश में ही पत्र लिखेगा। इस पत्र का लेखक निश्चित रूप से अंग्रेज

है। खैर, जब तक यह उत्कृष्ट निरीक्षक हमारे लिए वापस नहीं आता, तब तक हम केवल धैर्य ही रख सकते हैं। इस बीच, हम अपने सौभाग्य का धन्यवाद कर सकते हैं जिसने हमें कुछ घंटों के लिए आलस्य की असहनीय थकान से मुक्ति दिलाई है।”

हमारे सरे अधिकारी के लौटने से पहले ही होम्स के टेलीग्राम का जवाब आ चुका था। होम्स ने उसे पढ़ा और अपनी नोटबुक में लिखने ही वाले थे कि तभी उनकी नज़र मेरे उत्सुक चेहरे पर पड़ी। उन्होंने हंसते हुए टेलीग्राम मेरी ओर फेंक दिया।

उन्होंने कहा, "हम उच्च कोटि के लोगों के बीच रह रहे हैं।"

टेलीग्राम में नामों और पतों की एक सूची थी:

लॉर्ड हैरिंगबी, द डिंगल; सर जॉर्ज फॉलियट, ऑक्सशॉट टावर्स; श्री हाइन्स हाइन्स, जे.पी., पर्डी प्लेस; श्री जेम्स बेकर विलियम्स, फोर्टन ओल्ड हॉल; श्री हेंडरसन, हाई गेबल; रेव. जोशुआ स्टोन, नेदर वाल्सलिंग।

होम्स ने कहा, "यह हमारे कार्यक्षेत्र को सीमित करने का एक बहुत ही स्पष्ट तरीका है। इसमें कोई संदेह नहीं कि बेयंस ने, अपने सुनियोजित दिमाग के साथ, पहले ही कुछ इसी तरह की योजना अपना ली होगी।"

मुझे ठीक से समझ नहीं आया।

“खैर, मेरे प्रिय मित्र, हम पहले ही इस निष्कर्ष पर पहुँच चुके हैं कि गार्सिया को रात के खाने पर मिला संदेश एक मुलाकात या गुप्त बैठक थी। अब, यदि इसका सीधा अर्थ सही है, और इस मुलाकात के लिए किसी को मुख्य सीढ़ी चढ़कर गलियारे में सातवाँ दरवाजा खोजना पड़ता है, तो यह बिल्कुल स्पष्ट है कि घर बहुत बड़ा है। यह भी उतना ही निश्चित है कि यह घर ऑक्सशॉट से एक या दो मील से अधिक दूर नहीं हो सकता क्योंकि गार्सिया उसी दिशा में जा रहा था और तथ्यों के मेरे विश्लेषण के अनुसार, उसे उम्मीद थी कि वह समय पर विस्टेरिया लॉज वापस पहुंच जाएगा ताकि वह अपना बचाव कर सके, जो केवल एक बजे तक ही मान्य होगा। चूंकि ऑक्सशॉट के पास बड़े घरों की संख्या सीमित ही होगी, इसलिए मैंने स्कॉट एक्लेस द्वारा उल्लिखित एजेंटों को संदेश भेजकर उनकी सूची प्राप्त करने का सीधा तरीका अपनाया। ये रहे वे घर इस टेलीग्राम में, और हमारी उलझी हुई गुत्थी का दूसरा सिरा इन्हीं घरों में कहीं छिपा है।”

लगभग छह बज चुके थे जब हम इंस्पेक्टर बेनेस के साथ सरे के खूबसूरत गांव एशर में पहुंचे।

होम्स और मैंने रात के लिए सामान लिया और बुल होटल में आरामदेह कमरा ढूंढ लिया। आखिरकार हम जासूस के साथ विस्टेरिया लॉज की यात्रा पर निकल पड़े। मार्च की वह शाम ठंडी और अंधेरी थी, तेज़ हवा चल रही थी और हल्की बारिश हमारे चेहरों पर पड़ रही थी, जो उस जंगली मैदान के लिए एकदम सही माहौल बना रही थी जिससे होकर हमारी सड़क गुज़र रही थी और उस दुखद मंज़िल की ओर ले जा रही थी।

2. सैन पेड्रो का बाघ

कुछ मील की ठंडी और उदास पैदल यात्रा हमें एक ऊंचे लकड़ी के द्वार तक ले गई, जो शाहबलूत के पेड़ों की एक सुनसान गली में खुलता था। घुमावदार और छायादार रास्ता हमें एक छोटे, अंधेरे घर तक ले गया, जो स्लेटी रंग के आकाश के सामने घोर काला दिखाई दे रहा था। दरवाजे के बाईं ओर की सामने वाली खिड़की से एक हल्की सी रोशनी झांक रही थी।

“एक कांस्टेबल यहाँ मौजूद है,” बेनेस ने कहा। “मैं खिड़की पर दस्तक देता हूँ।” वह घास के मैदान को पार करके खिड़की के शीशे पर हाथ से थपथपाया। धुंधले शीशे से मुझे हल्का-हल्का दिखाई दिया कि आग के पास कुर्सी पर बैठा एक आदमी उछल पड़ा, और कमरे के अंदर से एक तेज़ चीख सुनाई दी। एक पल बाद, पीला पड़ा चेहरा

लिए, हाँफता हुआ एक पुलिसकर्मी दरवाजा खोलकर अंदर आया, उसके काँपते हाथों में मोमबत्ती फड़फड़ा रही थी।

"क्या बात है, वाल्टर्स?" बेयनेस ने तीखे स्वर में पूछा।

उस आदमी ने अपने रुमाल से अपना माथा पोंछा और राहत की एक लंबी सांस ली।

"मुझे खुशी है कि आप आ गए हैं, महोदय। शाम काफी लंबी रही है, और मुझे नहीं लगता कि मेरा आत्मविश्वास पहले जैसा अच्छा है।"

"तुम्हारी हिम्मत, वाल्टर्स? मुझे तो लगा ही नहीं था कि तुम्हारे शरीर में इतनी हिम्मत भी होगी।"

"जी महोदय, यह एक सुनसान, शांत घर है और रसोई में एक अजीब सी चीज है। फिर जब आपने खिड़की पर दस्तक दी तो मुझे लगा कि वह फिर से आ गई है।"

"वह क्या था जो दोबारा आ गया था?"

"महोदय, मुझे तो लगता है कि वो शैतान था। वो खिड़की पर था।"

"खिड़की पर क्या था, और कब?"

"लगभग दो घंटे पहले की बात है। उजाला धीरे-धीरे कम हो रहा था। मैं कुर्सी पर बैठकर पढ़ रहा था। पता नहीं किस वजह से मैंने ऊपर देखा, लेकिन नीचे वाले शीशे से एक चेहरा मुझे घूर रहा था। हे भगवान, क्या चेहरा था! मैं उसे अपने सपनों में भी देखूंगा।"

"अरे नहीं, वाल्टर्स। यह पुलिस कांस्टेबल की भाषा नहीं है।"

"जी हाँ, जी हाँ; लेकिन इसने मुझे हिलाकर रख दिया, जी हाँ, और इसे नकारने का कोई फायदा नहीं। यह काला नहीं था, जी हाँ, न ही सफेद, न ही कोई ऐसा रंग जिसे मैं जानता हूँ, बल्कि एक अजीब सा रंग था, जैसे मिट्टी में थोड़ा सा दूध मिला हो। फिर उसका आकार—जी जी, यह आपसे दुगुना था। और उसका रूप—बड़ी-बड़ी घूरती हुई आँखें, और भूखे जानवर जैसे सफेद दाँतों की कतार। जी जी, मैं आपको बता रहा हूँ, जी, मैं एक उंगली भी नहीं हिला सका, न ही साँस ले सका, जब तक कि वह झट से गायब नहीं हो गया। मैं बाहर भागा और झाड़ियों के बीच से निकल गया, लेकिन भगवान का शुक्र है कि वहाँ कोई नहीं था।"

"अगर मुझे पता न होता कि तुम अच्छे आदमी हो, वाल्टर्स, तो मैं इस बात के लिए तुम्हारे खिलाफ काला धब्बा लगा देता। अगर शैतान खुद भी होता, तो ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल कभी भगवान का शुक्रिया अदा नहीं करता कि वह उसे पकड़ नहीं सका। मुझे लगता है कि यह सब सिर्फ भ्रम या घबराहट का नतीजा नहीं है?"

"कम से कम यह तो आसानी से तय हो गया," होम्स ने अपनी छोटी सी लालटेन जलाते हुए कहा। "हाँ," घास के ढेर का थोड़ा निरीक्षण करने के बाद उन्होंने बताया, "मुझे लगता है कि यह बारह नंबर का जूता है। अगर उसका पूरा शरीर उसके पैर के बराबर था, तो वह निश्चित रूप से एक विशालकाय व्यक्ति रहा होगा।"

उसका क्या हुआ?

ऐसा लगता है कि वह झाड़ियों को चीरते हुए सड़क की ओर बढ़ गया है।

"खैर," इंस्पेक्टर ने गंभीर और विचारशील चेहरे के साथ कहा, "वह जो भी रहा हो, और उसकी जो भी इच्छा रही हो, फिलहाल वह चला गया है, और हमारे पास इससे भी अधिक जरूरी काम हैं। अब, श्रीमान होम्स, आपकी अनुमति से, मैं आपको घर दिखाऊंगा।"

विभिन्न शयनकक्षों और बैठक कक्षों की सावधानीपूर्वक तलाशी में कुछ भी नहीं मिला। ऐसा प्रतीत होता है कि किरायेदार अपने साथ बहुत कम या कुछ भी नहीं लाए थे, और घर का सारा सामान, यहाँ तक कि छोटी से छोटी वस्तु भी, घर के साथ ले जाया

गया था। मार्क्स एंड कंपनी, हाई होल्बोर्न की मुहर लगे काफी कपड़े वहीं छूट गए थे। पहले ही पत्र द्वारा पूछताछ की जा चुकी थी जिससे पता चला कि मार्क्स अपने ग्राहक के बारे में केवल इतनी ही जानता था कि वह नियमित रूप से भुगतान करता था। निजी संपत्ति में कुछ छोटी-मोटी चीजें, कुछ पाइप, कुछ उपन्यास (जिनमें से दो स्पेनिश में थे), एक पुराने ज़माने का पिनफायर रिवॉल्वर और एक गिटार शामिल थे।

"इस सब में कुछ खास नहीं है," बेनेस ने मोमबत्ती हाथ में लिए एक कमरे से दूसरे कमरे में घूमते हुए कहा। "लेकिन अब, श्रीमान होम्स, मैं आपका ध्यान रसोई की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।"

घर के पिछले हिस्से में एक उदास, ऊँची छत वाला कमरा था, जिसके एक कोने में पुआल का बिस्तर बिछा था, जो जाहिर तौर पर रसोइए के लिए बिस्तर का काम करता था। मेज पर आधी खाई हुई डिशेज और गंदी प्लेटें ढेर लगी थीं, जो पिछली रात के खाने का बचा हुआ सामान था।

"इसे देखो," बेनेस ने कहा। "तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?"

उसने अलमारी के पीछे रखी एक विचित्र वस्तु के सामने अपनी मोमबत्ती उठाई। वह इतनी झुर्रीदार, सिकुड़ी हुई और मुरझाई हुई थी कि यह कहना मुश्किल था कि वह क्या हो सकती है। बस इतना ही कहा जा सकता था कि वह काली और चमड़े जैसी थी और किसी बौने, मानव आकृति से मिलती-जुलती थी। पहले तो जब मैंने उसे गौर से देखा, तो मुझे लगा कि वह किसी ममीकृत नीग्रो बच्चे की आकृति है, फिर वह किसी बहुत ही विकृत और प्राचीन बंदर की तरह लगने लगी। अंत में मैं इस बात को लेकर असमंजस में पड़ गया कि वह जानवर है या इंसान। उसके बीचोंबीच सफेद सीपियों की दोहरी पट्टी पिरोई हुई थी।

"बहुत दिलचस्प—वास्तव में बहुत दिलचस्प!" होम्स ने इस रहस्यमय अवशेष को देखते हुए कहा। "और कुछ?"

खामोशी से बेयन्स सिंक की ओर बढ़ा और अपनी मोमबत्ती आगे बढ़ाई। किसी बड़े, सफेद पक्षी के अंग और शरीर, पंखों समेत बेरहमी से टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे, जो सिंक पर बिखरे पड़े थे। होम्स ने कटे हुए सिर पर मौजूद कलगी की ओर इशारा किया।

"एक सफेद मुर्गा," उसने कहा। "बहुत दिलचस्प! यह वाकई एक बहुत ही अनोखा मामला है।"

लेकिन मिस्टर बेनेस ने अपना सबसे भयावह प्रदर्शन अंत के लिए बचाकर रखा था। सिंक के नीचे से उन्होंने एक जस्ता की बाल्टी निकाली जिसमें काफी मात्रा में खून था। फिर उन्होंने मेज से जली हुई हड्डियों के छोटे-छोटे टुकड़ों से भरी एक थाली उठाई।

"कुछ मारा गया है और कुछ जला दिया गया है। हमने इन सबको आग से बाहर निकाला है। आज सुबह एक डॉक्टर आए थे। उनका कहना है कि ये इंसान नहीं हैं।"

होम्स मुस्कुराया और अपने हाथों को रगड़ा।

"इंस्पेक्टर महोदय, इतने विशिष्ट और शिक्षाप्रद मामले को संभालने के लिए मैं आपको बधाई देता हूँ। बिना किसी आपत्ति के कहूँ तो, आपकी क्षमताएँ आपके अवसरों से कहीं अधिक प्रतीत होती हैं।"

इंस्पेक्टर बेनेस की छोटी-छोटी आंखें खुशी से चमक उठीं।

"आप सही कह रहे हैं, श्री होम्स। हम प्रांतों में स्थिर हो गए हैं। इस तरह का मामला किसी व्यक्ति को मौका देता है, और मुझे उम्मीद है कि मैं इसे भुनाऊंगा। इन हड्डियों के बारे में आपकी क्या राय है?"

"मुझे कहना चाहिए, एक मेमना, या एक बकरी का बच्चा।"

और सफेद मुर्गे का क्या हुआ?

"अजीब बात है, मिस्टर बेनेस, बहुत अजीब। मैं कहूंगा कि लगभग अनोखा ही है।"

जी हाँ, इस घर में कुछ बेहद विचित्र लोग और उनके तौर-तरीके जरूर रहे होंगे। उनमें से एक मर चुका है। क्या उसके साथियों ने उसका पीछा किया और उसे मार डाला? अगर ऐसा हुआ होता तो हम उन्हें पकड़ लेते, क्योंकि हर बंदरगाह पर नज़र रखी जाती है। लेकिन मेरी राय अलग है। जी हाँ, मेरी राय बिल्कुल अलग है।

तो क्या आपके पास कोई सिद्धांत है?

"और मैं इसे स्वयं हल करूंगा, श्रीमान होम्स। ऐसा करना केवल मेरे अपने हित में है। आपका नाम तो बन चुका है, लेकिन मुझे अभी अपना नाम बनाना बाकी है। मुझे यह कहने में खुशी होगी कि मैंने इसे आपकी मदद के बिना हल किया।"

होम्स ने हंसमुख भाव से हँसा।

"अच्छा, अच्छा, इंस्पेक्टर," उसने कहा। "आप अपने रास्ते पर चलें और मैं अपने रास्ते पर। अगर आप मुझसे संपर्क करना चाहें तो मेरे परिणाम हमेशा आपकी सेवा में तत्पर हैं। मुझे लगता है कि मैंने इस सदन में वह सब देख लिया है जो मैं देखना चाहता था, और अब मेरा समय कहीं और अधिक उपयोगी ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है। अलविदा और शुभकामनाएँ!"

कई सूक्ष्म संकेतों से, जो शायद मेरे सिवा किसी और को नज़र न आते, मुझे पता चल गया था कि होम्स किसी अहम सुराग का पीछा कर रहे हैं। हमेशा की तरह, देखने वाले को वे भावहीन लग रहे थे, लेकिन उनकी चमकती आँखों और तेज़ चाल में एक दबी हुई उत्सुकता और तनाव झलक रहा था, जिससे मुझे यकीन हो गया कि खेल शुरू हो चुका है। अपनी आदत के मुताबिक उन्होंने कुछ नहीं कहा, और मेरी आदत के मुताबिक मैंने भी कोई सवाल नहीं पूछा। मेरे लिए इतना ही काफी था कि मैं इस खेल में शामिल हो जाऊं और उस एकाग्रचित्त दिमाग को अनावश्यक रूप से विचलित किए बिना, पकड़ने में अपनी विनम्र मदद करूं। समय आने पर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।

इसलिए मैंने इंतज़ार किया—पर मेरी निराशा बढ़ती ही गई और मेरा इंतज़ार व्यर्थ ही गया। दिन बीतते गए, और मेरे दोस्त ने कोई प्रगति नहीं दिखाई। एक सुबह वह शहर में था, और मुझे एक अनौपचारिक बातचीत से पता चला कि उसने ब्रिटिश संग्रहालय का दौरा किया था। इस एक सैर को छोड़कर, वह अपने दिन लंबी और अक्सर एकांत सैर में या गाँव की कुछ गपशप करने वाली महिलाओं से बातचीत करने में बिताता था, जिनसे उसने जान-पहचान बना ली थी।

"मुझे पूरा यकीन है, वॉटसन, ग्रामीण इलाके में एक सप्ताह बिताना आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा," उन्होंने कहा। "झाड़ियों पर पहली हरी कोंपलें और हेज़ल के पेड़ों पर फिर से खिलते हुए फूल देखना बहुत सुखद होता है। एक आलू, एक टिन का डिब्बा और वनस्पति विज्ञान की एक बुनियादी किताब के साथ, कई ज्ञानवर्धक दिन बिताए जा सकते हैं।" वे खुद भी इन उपकरणों के साथ इधर-उधर घूमे, लेकिन शाम को वे जो पौधे वापस लाए, वे बहुत कम थे।

कभी-कभार अपनी सैर के दौरान हमारी मुलाकात इंस्पेक्टर बेनेस से हो जाती थी। उनका मोटा, लाल चेहरा मुस्कानों से भरा रहता था और उनकी छोटी-छोटी आँखें चमक उठती थीं जब वे मेरे साथी का अभिवादन करते थे। उन्होंने मामले के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं कहा, लेकिन उस थोड़ी सी बात से हमें यह समझ आ गया कि वे भी घटनाक्रम से असंतुष्ट नहीं थे। हालाँकि, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि अपराध के लगभग पाँच दिन बाद, जब मैंने सुबह का अखबार खोला और उसमें बड़े अक्षरों में यह लिखा पाया तो मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ:

ऑक्सशॉट रहस्य

एक समाधान

संदिग्ध हत्यारे की गिरफ्तारी

जब मैंने सुर्खियां पढ़ीं तो होम्स अपनी कुर्सी पर ऐसे उछल पड़े जैसे उन्हें किसी ने डंक मार दिया हो।

“हे भगवान!” वह चिल्लाया। “कहीं ये तो नहीं कि बेन्स ने उसे पकड़ लिया है?”

मैंने निम्नलिखित रिपोर्ट पढ़ते हुए कहा, "ज़ाहिर तौर पर।"

कल रात जब यह खबर फैली कि ऑक्सशॉट हत्याकांड के सिलसिले में एक गिरफ्तारी हुई है, तो एशर और आसपास के इलाके में काफी हलचल मच गई। याद रहे कि विस्टेरिया लॉज के श्री गार्सिया ऑक्सशॉट कॉमन पर मृत पाए गए थे, उनके शरीर पर अत्यधिक हिंसा के निशान थे, और उसी रात उनके नौकर और रसोइए भाग गए थे, जिससे अपराध में उनकी संलिप्तता का संकेत मिलता है। यह अनुमान लगाया गया था, लेकिन कभी साबित नहीं हुआ, कि मृतक के घर में कीमती सामान हो सकता है, और उनका गायब होना ही अपराध का मकसद था। इंस्पेक्टर बेनेस, जो इस मामले की जांच कर रहे हैं, ने भगोड़ों के छिपने की जगह का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास किया, और उनके पास यह मानने का ठोस कारण था कि वे ज्यादा दूर नहीं गए थे, बल्कि किसी पहले से तैयार किए गए सुरक्षित ठिकाने में छिपे हुए थे। हालांकि, शुरू से ही यह निश्चित था कि वे अंततः पकड़े जाएंगे, क्योंकि रसोइए, एक-दो व्यापारियों के बयानों के अनुसार, जिन्होंने खिड़की से उसे देखा था, एक बेहद विचित्र दिखने वाला व्यक्ति था - एक विशाल और बदसूरत मुलेटो, जिसके चेहरे पर पीलेपन के निशान थे। स्पष्ट रूप से नीग्रो टाइप का। इस व्यक्ति को अपराध के बाद से देखा गया है, क्योंकि उसी शाम जब उसने विस्टेरिया लॉज में दोबारा जाने की हिम्मत की, तो कांस्टेबल वाल्टर्स ने उसे पकड़ लिया और उसका पीछा किया। इंस्पेक्टर बेनेस ने यह सोचते हुए कि इस तरह की यात्रा का कोई उद्देश्य अवश्य रहा होगा और इसलिए इसके दोहराए जाने की संभावना थी, घर छोड़ दिया, लेकिन झाड़ियों में एक घात लगा दी। वह व्यक्ति जाल में फंस गया और कल रात संघर्ष के बाद पकड़ा गया, जिसमें कांस्टेबल डाउनिंग को उस दरिंदे ने बुरी तरह काट लिया। हमें पता चला है कि जब कैदी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा तो पुलिस द्वारा रिमांड के लिए आवेदन किया जाएगा, और उसकी गिरफ्तारी से महत्वपूर्ण प्रगति की उम्मीद है।

“हमें बेय्न्स से तुरंत मिलना चाहिए,” होम्स ने अपनी टोपी उठाते हुए कहा। “हम उसे निकलने से पहले ही पकड़ लेंगे।” हम गाँव की गली में तेज़ी से भागे और जैसा हमने अनुमान लगाया था, इंस्पेक्टर अपने कमरे से निकल ही रहा था।

“क्या आपने अखबार देखा है, मिस्टर होम्स?” उन्होंने एक अखबार हमारी ओर बढ़ाते हुए पूछा।

“जी हां, बेन्स, मैंने इसे देखा है। कृपया इसे मेरी ओर से एक अनुचित सलाह न समझें अगर मैं आपको एक दोस्ताना चेतावनी दे रहा हूं।”

“क्या यह चेतावनी है, श्रीमान होम्स?”

मैंने इस मामले की सावधानीपूर्वक जांच की है, और मुझे यकीन नहीं है कि आप सही रास्ते पर हैं। जब तक आप पूरी तरह आश्वस्त न हो जाएं, मैं नहीं चाहता कि आप कोई भी कदम उठाएं।

"आप बहुत दयालु हैं, श्रीमान होम्स।"

मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपके भले के लिए बोल रहा हूं।

मुझे ऐसा लगा मानो श्री बेनेस की छोटी-छोटी आंखों में से एक पर पल भर के लिए पलक झपकने जैसी कोई चीज कांप उठी हो।

“हमने अपनी-अपनी रणनीति पर काम करने पर सहमति जताई थी, मिस्टर होम्स। मैं वही कर रहा हूं।”

“ओह, बहुत बढ़िया,” होम्स ने कहा। “मुझे दोष मत दीजिए।”

“नहीं, महोदय; मुझे विश्वास है कि आप मेरे प्रति अच्छा ही भाव रखते हैं। लेकिन हम सभी की अपनी-अपनी प्रणालियाँ होती हैं, श्रीमान होम्स। आपकी अपनी है, और शायद मेरी अपनी।”

"इस बारे में अब और कुछ न कहें।"

“मेरी खबरों में आपका हमेशा स्वागत है। यह आदमी बिलकुल जंगली है, घोड़े जितना ताकतवर और शैतान जितना क्रूर। उसे काबू में करने से पहले ही उसने डाउनिंग का अंगूठा लगभग चबा डाला था। वह मुश्किल से अंग्रेजी का एक शब्द भी बोलता है, और हम उससे केवल घुरघुराहट के अलावा कुछ नहीं निकलवा सकते।”

"और आपको लगता है कि आपके पास इस बात का सबूत है कि उसने अपने दिवंगत स्वामी की हत्या की थी?"

“मैंने ऐसा नहीं कहा, मिस्टर होम्स—मैंने ऐसा नहीं कहा। हम सबके अपने-अपने तरीके होते हैं। आप अपना तरीका आजमाइए और मैं अपना। यही समझौता है।”

जब हम साथ-साथ चलने लगे तो होम्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, “मैं इस आदमी को समझ नहीं पा रहा हूँ। लगता है यह नाकाम होने की राह पर है। खैर, जैसा कि वह कहते हैं, हम सबको अपने-अपने तरीके से कोशिश करनी चाहिए और देखना चाहिए कि क्या नतीजा निकलता है। लेकिन इंस्पेक्टर बेनेस में कुछ ऐसा है जिसे मैं पूरी तरह समझ नहीं पा रहा हूँ।”

“वाटसन, उस कुर्सी पर बैठ जाओ,” शर्लक होम्स ने बुल होटल में अपने अपार्टमेंट में लौटकर कहा। “मैं तुम्हें इस स्थिति से अवगत कराना चाहता हूं, क्योंकि आज रात मुझे तुम्हारी मदद की ज़रूरत पड़ सकती है। मैं तुम्हें इस मामले की अब तक की प्रगति दिखाता हूँ, जितना मैं समझ पाया हूँ। हालाँकि इसके मुख्य पहलू सरल रहे हैं, फिर भी गिरफ्तारी के रास्ते में इसने कई अप्रत्याशित कठिनाइयाँ खड़ी कर दी हैं। इस दिशा में कुछ कमियाँ हैं जिन्हें हमें अभी पूरा करना है।”

“हम उस नोट पर वापस आते हैं जो गार्सिया को उसकी मृत्यु की शाम को सौंपा गया था। हम बेन्स के इस विचार को एक तरफ रख सकते हैं कि गार्सिया के नौकर इस मामले में शामिल थे। इसका प्रमाण इस तथ्य में निहित है कि स्कॉट एक्लेस की उपस्थिति का प्रबंध उसी ने किया था, जो केवल एक पुख्ता सबूत के उद्देश्य से ही किया जा सकता था। इस प्रकार, गार्सिया ही उस रात एक योजना में लगा हुआ था, और स्पष्ट रूप से एक आपराधिक योजना में, जिसके दौरान उसकी मृत्यु हुई। मैं 'आपराधिक' इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि केवल एक आपराधिक योजना में लगा व्यक्ति ही पुख्ता सबूत पेश करना चाहता है। तो फिर, उसकी जान किसने ली होगी? निश्चित रूप से वह व्यक्ति जिसके खिलाफ आपराधिक योजना बनाई गई थी। अब तक मुझे लगता है कि हम सही रास्ते पर हैं।”

“अब हमें गार्सिया के परिवार के गायब होने का कारण समझ में आ गया है। वे सभी एक ही अज्ञात अपराध में सहयोगी थे। अगर गार्सिया के लौटने पर अपराध साबित हो जाता, तो अंग्रेज के सबूत से किसी भी तरह का संदेह दूर हो जाता और सब ठीक हो जाता। लेकिन यह प्रयास खतरनाक था, और अगर गार्सिया एक निश्चित समय तक नहीं लौटता, तो संभवतः उसकी जान चली जाती। इसलिए यह तय किया गया था कि ऐसी स्थिति में उसके दो अधीनस्थ किसी पूर्व-निर्धारित स्थान पर चले जाएंगे, जहाँ वे जाँच से बच सकें और बाद में फिर से प्रयास कर सकें। क्या इससे सारी बातें स्पष्ट नहीं हो जातीं?”

मेरे सामने सारा अनसुलझा रहस्य सुलझता हुआ प्रतीत हुआ। मैं हमेशा की तरह हैरान था कि यह बात मुझे पहले स्पष्ट क्यों नहीं हुई।

लेकिन एक नौकर को वापस क्यों लौटना चाहिए?

“हम कल्पना कर सकते हैं कि भाग-दौड़ की अफरा-तफरी में कोई कीमती चीज, कोई ऐसी चीज जिसे वह खोना नहीं चाहता था, पीछे छूट गई होगी। इससे उसकी दृढ़ता का कारण समझ में आता है, है ना?”

"तो अगला कदम क्या है?"

“अगला कदम गार्सिया को रात्रिभोज में मिले उस नोट से जुड़ा है। इससे संकेत मिलता है कि दूसरे छोर पर कोई सहयोगी है। अब, वह दूसरा छोर कहाँ था? मैं आपको पहले ही बता चुका हूँ कि वह किसी बड़े घर में ही हो सकता था, और बड़े घरों की संख्या सीमित है। इसी गाँव में मेरे शुरुआती दिन कई सैर-सपाटे में बीते, जिनमें मैंने अपने वानस्पतिक शोधों के बीच सभी बड़े घरों का जायजा लिया और उनमें रहने वालों के पारिवारिक इतिहास की जाँच की। एक घर ने, और केवल एक घर ने, मेरा ध्यान आकर्षित किया। यह हाई गेबल का प्रसिद्ध पुराना जेकोबियन फार्महाउस है, जो ऑक्सशॉट के दूसरी तरफ एक मील की दूरी पर और त्रासदी स्थल से आधे मील से भी कम दूरी पर स्थित है। अन्य हवेली साधारण और सम्मानित लोगों की थीं जो रोमांच से दूर रहते थे। लेकिन हाई गेबल के श्री हेंडरसन, हर लिहाज से एक जिज्ञासु व्यक्ति थे जिनके साथ कभी न कभी अजीबोगरीब घटनाएँ घटित हो सकती थीं। इसलिए मैंने अपना ध्यान उन पर और उनके परिवार पर केंद्रित किया।”

“वॉटसन, ये लोग वाकई अनोखे हैं—खासकर वो खुद। मैंने एक बहाने से उससे मिलने का इंतज़ाम कर लिया, लेकिन उसकी गहरी, मर्मस्पर्शी, गंभीर आँखों में मुझे ऐसा लगा जैसे वो मेरे असली मकसद से पूरी तरह वाकिफ हो। वो पचास साल का आदमी है, मज़बूत, फुर्तीला, लोहे जैसे भूरे बालों वाला, घनी काली भौहों वाला, हिरण जैसी चाल वाला और सम्राट जैसा आभास देने वाला—एक उग्र, दबंग आदमी, जिसके चमचमाते चेहरे के पीछे एक धधकती हुई भावना है। या तो वो विदेशी है या उसने उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में लंबा जीवन बिताया है, क्योंकि वो पीला और बेजान सा दिखता है, लेकिन कोड़े की तरह सख्त है। उसका दोस्त और सचिव, मिस्टर लुकास, निस्संदेह एक विदेशी है, चॉकलेट जैसे भूरे रंग का, चालाक, धूर्त और बिल्ली जैसा फुर्तीला, जिसकी बातों में जहरीली कोमलता है। देखो, वॉटसन, हम पहले ही दो तरह के विदेशियों से मिल चुके हैं—एक विस्टेरिया लॉज में और एक हाई गेबल में—तो अब हमारे बीच की दूरियाँ कम होने लगी हैं।”

“ये दोनों पुरुष, घनिष्ठ और भरोसेमंद दोस्त, घर के केंद्र हैं; लेकिन एक और व्यक्ति है जो हमारे तात्कालिक उद्देश्य के लिए शायद और भी महत्वपूर्ण है। हेंडरसन की दो बेटियाँ हैं - ग्यारह और तेरह वर्ष की। उनकी गवर्नेस मिस बर्नेट हैं, जो लगभग चालीस वर्ष की एक अंग्रेज महिला हैं। एक भरोसेमंद नौकर भी है। यह छोटा समूह ही असली परिवार है, क्योंकि वे साथ-साथ यात्रा करते हैं, और हेंडरसन एक बड़े यात्री हैं, जो हमेशा यात्रा में रहते हैं। पिछले कुछ हफ्तों में ही वे एक साल की अनुपस्थिति के बाद हाई गेबल लौटे हैं। मैं यह भी बता दूं कि वे बेहद धनी हैं, और उनकी जो भी इच्छा हो, वे उसे आसानी से पूरा कर सकते हैं। बाकी, उनका घर बटलर, फुटमैन, नौकरानियों और एक बड़े अंग्रेजी ग्रामीण घर के आम तौर पर अधिक भोजन पाने वाले, कम काम करने वाले कर्मचारियों से भरा हुआ है।

“मैंने बहुत कुछ सीखा, कुछ गाँव की गपशप से और कुछ अपने खुद के अवलोकन से। शिकायत करने वाले बर्खास्त नौकरों से बेहतर कोई साधन नहीं होता, और मैं सौभाग्य से एक ऐसा नौकर ढूंढने में कामयाब रहा। मैं इसे भाग्य कहता हूँ,

लेकिन अगर मैं इसकी तलाश न कर रहा होता तो यह मुझे नहीं मिलता। जैसा कि बेन्स कहते हैं, हम सभी के अपने-अपने तरीके होते हैं। मेरे इसी तरीके की बदौलत मैं जॉन वार्नर को ढूंढ पाया, जो हाई गेबल के पूर्व माली थे और जिन्हें उनके अभिमानी मालिक ने गुस्से में आकर नौकरी से निकाल दिया था। उनके भी घर के नौकरों में दोस्त थे, जो अपने मालिक से डरते और नफरत करते थे। इस तरह मुझे उस व्यवस्था के रहस्यों की कुंजी मिल गई।"

"अजीबोगरीब लोग हैं, वॉटसन! मैं यह दावा नहीं करता कि मुझे सब कुछ समझ आ गया है, लेकिन फिर भी बहुत अजीब लोग हैं। यह दो हिस्सों वाला घर है और नौकर एक तरफ रहते हैं, परिवार दूसरी तरफ। दोनों के बीच कोई संपर्क नहीं है सिवाय हेंडरसन के अपने नौकर के, जो परिवार को खाना परोसता है। सब कुछ एक खास दरवाजे तक पहुंचाया जाता है, जो एकमात्र संपर्क बिंदु है। गवर्नेस और बच्चे शायद ही कभी बाहर जाते हैं, सिवाय बगीचे में जाने के। हेंडरसन कभी भी अकेले नहीं चलते। उनका सांवला सचिव उनकी परछाई की तरह है। नौकरों में यह अफवाह है कि उनका मालिक किसी बात से बहुत डरा हुआ है। वार्नर कहता है, 'उसने पैसे के बदले अपनी आत्मा शैतान को बेच दी है और अपने लेनदार के आने और अपना हक मांगने का इंतजार कर रहा है।' वे कहां से आए हैं या कौन हैं, किसी को कोई अंदाजा नहीं है। वे बहुत हिंसक हैं। हेंडरसन ने दो बार लोगों पर अपने कुत्ते कोड़े से हमला किया है, और केवल उनके लंबे बटुए और भारी मुआवजे ने ही उन्हें अदालतों से बचाए रखा है।"

"अच्छा, अब, वॉटसन, आइए इस नई जानकारी के आधार पर स्थिति का आकलन करें। हम मान सकते हैं कि पत्र उस रहस्यमय घर से आया था और गार्सिया को किसी पूर्व नियोजित प्रयास को अंजाम देने का निमंत्रण था। पत्र किसने लिखा? यह किले के भीतर किसी ने लिखा था, और वह एक महिला थी। तो फिर कौन हो सकता है, मिस बर्नेट, गवर्नेस? हमारे सभी तर्क इसी ओर इशारा करते हैं। खैर, हम इसे एक परिकल्पना मानकर इसके परिणामों का आकलन कर सकते हैं। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मिस बर्नेट की उम्र और स्वभाव से यह स्पष्ट है कि हमारी कहानी में प्रेम प्रसंग होने का मेरा पहला विचार पूरी तरह गलत है।"

"अगर उसने ही वह नोट लिखा था, तो संभवतः वह गार्सिया की दोस्त और सहयोगी थी। ऐसे में, अगर उसे उसकी मौत की खबर मिलती, तो वह क्या करती? अगर उसकी मौत किसी नापाक साजिश में हुई होती, तो शायद वह चुप रहती। फिर भी, उसके दिल में उसके हत्यारे के प्रति कड़वाहट और नफरत जरूर होती और वह संभवतः उनसे बदला लेने में यथासंभव मदद करती। तो क्या हम उससे मिल सकते थे और उसका इस्तेमाल करने की कोशिश कर सकते थे? यही मेरा पहला विचार था। लेकिन अब हम एक भयावह सच्चाई पर आते हैं। हत्या की रात के बाद से मिस बर्नेट को किसी ने नहीं देखा है। उस शाम से वह पूरी तरह गायब हो गई है। क्या वह जीवित है? क्या उसकी भी उसी रात मौत हो गई, जिस रात उसके दोस्त की हुई थी जिसे उसने बुलाया था? या वह सिर्फ एक कैदी है? यही वह सवाल है जिसका फैसला हमें अभी करना है।"

"वॉटसन, आप स्थिति की गंभीरता को समझ सकते हैं। हमारे पास वारंट जारी करवाने के लिए कोई ठोस आधार नहीं है। अगर मजिस्ट्रेट के सामने हमारी पूरी योजना रखी जाए, तो वह हास्यास्पद लग सकती है। महिला के गायब होने का कोई महत्व नहीं है, क्योंकि उस असाधारण परिवार में कोई भी सदस्य एक सप्ताह के लिए गायब हो सकता है। और फिर भी, हो सकता है कि इस समय उसकी जान को खतरा हो। मैं बस इतना कर सकता हूं कि घर पर नज़र रखूं और अपने एजेंट वार्नर को गेट पर पहरा देने के लिए छोड़ दूं। हम ऐसी स्थिति को जारी नहीं रहने दे सकते। अगर कानून कुछ नहीं कर सकता, तो हमें खुद जोखिम उठाना होगा।"

"आपका क्या सुझाव है?"

मुझे पता है उसका कमरा कौन सा है। वह एक बाहरी कमरे की छत से पहुँचा जा सकता है। मेरा सुझाव है कि हम दोनों आज रात चलें और देखें कि क्या हम इस रहस्य की तह तक पहुंच सकते हैं।

मुझे यह स्वीकार करना होगा कि यह कोई बहुत आकर्षक प्रस्ताव नहीं था। हत्याओं से घिरे उस पुराने घर, वहाँ रहने वाले विलक्षण और खूंखार लोगों, वहाँ पहुँचने के अज्ञात खतरों और इस तथ्य कि हम कानूनी तौर पर खुद को एक गलत स्थिति में डाल रहे थे, इन सबने मिलकर मेरे उत्साह को कम कर दिया। लेकिन होम्स के ठंडे दिमाग से सोचने की क्षमता में कुछ ऐसा था कि उनके द्वारा सुझाए गए किसी भी साहसिक कार्य से पीछे हटना असंभव था। यह ज्ञात था कि केवल इसी तरह से कोई समाधान मिल सकता है। मैंने चुपचाप उनका हाथ थाम लिया और फैसला हो गया।

लेकिन हमारी जांच का अंत इतना रोमांचक होना तय नहीं था। शाम के लगभग पांच बज रहे थे और मार्च की शाम की परछाइयां पड़ने लगी थीं, तभी एक उत्तेजित देहाती हमारे कमरे में घुस आया।

“वे चले गए हैं, मिस्टर होम्स। वे आखिरी ट्रेन से चले गए। वह महिला भाग निकली, और मैंने उसे नीचे एक टैक्सी में बिठा लिया है।”

“शानदार, वार्नर!” होम्स उछलते हुए चिल्लाया। “वॉटसन, दूरियां तेजी से कम हो रही हैं।”

टैक्सी में एक महिला बैठी थी, जो मानसिक थकावट से लगभग बेहोश थी। उसके तीखे और दुबले-पतले चेहरे पर हाल ही में घटी किसी त्रासदी के निशान साफ दिख रहे थे। उसका सिर बेजान सा उसकी छाती पर झुका हुआ था, लेकिन जैसे ही उसने सिर उठाया और अपनी बेजान आँखों से हमारी तरफ देखा, मैंने पाया कि उसकी चौड़ी धूसर पुतली के बीच में काले बिंदु जैसे दिख रहे थे। उसे अफीम का नशा था।

“मैंने द्वार पर पहरा दिया, जैसा आपने सलाह दी थी, श्रीमान होम्स,” हमारे दूत, बर्खास्त माली ने कहा। “जब गाड़ी निकली तो मैं उसके पीछे-पीछे स्टेशन तक गया। वह नींद में चलने वाली जैसी लग रही थी, लेकिन जब उन्होंने उसे ट्रेन में चढ़ाने की कोशिश की तो वह हरकत में आई और छटपटाने लगी। उन्होंने उसे जबरदस्ती गाड़ी में धकेल दिया। फिर वह किसी तरह बाहर निकल आई। मैंने उसका साथ दिया, उसे एक टैक्सी में बिठाया, और हम यहाँ हैं। जब मैं उसे ले जा रहा था तो गाड़ी की खिड़की पर उसका चेहरा मैं कभी नहीं भूलूंगा। अगर उसकी चलती तो मेरी जिंदगी छोटी होती — काली आँखों वाला, गुस्से से भरा, पीला शैतान।”

हम उसे ऊपर ले गए, सोफे पर लिटाया, और दो कप कड़क कॉफी ने उसके दिमाग से दवा का नशा तुरंत उतार दिया। होम्स ने बेनेस को बुलाया था, और उसे स्थिति के बारे में जल्दी से समझा दिया गया।

“जी जनाब, आपने मुझे वही सबूत दिला दिया जो मैं चाहता था,” इंस्पेक्टर ने गर्मजोशी से मेरे दोस्त का हाथ मिलाते हुए कहा। “मैं भी शुरू से ही उसी सुराग की तलाश में था जिसकी तलाश में आप थे।”

“क्या! तुम हेंडरसन के पीछे पड़े थे?”

"क्यों, श्रीमान होम्स, जब आप हाई गेबल की झाड़ियों में रेंग रहे थे, तब मैं बागान के एक पेड़ पर था और मैंने आपको नीचे देखा था। बात बस इतनी थी कि कौन पहले अपना सबूत पेश करेगा।"

"तो फिर आपने उस मुलेटो को गिरफ्तार क्यों किया?"

बेनेस मुस्कुराया।

मुझे पूरा यकीन था कि हेंडरसन, जैसा कि वह खुद को कहता है, को लग रहा था कि उस पर शक किया जा रहा है, और जब तक उसे लगेगा कि वह खतरे में है, वह छुपकर रहेगा और कोई हरकत नहीं करेगा। मैंने गलत आदमी को गिरफ्तार कर लिया ताकि उसे लगे कि हमारी नज़र उस पर नहीं है। मुझे पता था कि वह तब भाग जाएगा और हमें मिस बर्नेट तक पहुंचने का मौका मिल जाएगा।

होम्स ने इंस्पेक्टर के कंधे पर हाथ रखा।

उन्होंने कहा, “आप अपने पेशे में बहुत ऊँचाई तक पहुँचेंगे। आपमें सहज ज्ञान और अंतर्ज्ञान है।”

बेयनेस खुशी से लाल हो गया।

“मैंने पूरे हफ्ते थाने पर सादे कपड़ों में एक पुलिस वाले को तैनात कर रखा था। हाई गेबल के लोग जहाँ भी जाते हैं, वह उन पर नज़र रखता है। लेकिन मिस बर्नेट के भाग जाने पर उसे ज़रूर मुश्किल हुई होगी। खैर, आपके आदमी ने उसे पकड़ लिया और सब ठीक हो गया। उसके बयान के बिना हम उसे गिरफ्तार नहीं कर सकते, यह तो स्पष्ट है, इसलिए जितनी जल्दी हमें बयान मिल जाए उतना अच्छा है।”

“हर मिनट वह और मजबूत होती जा रही है,” होम्स ने गवर्नेस की ओर देखते हुए कहा। “लेकिन मुझे बताओ, बेन्स, यह हेंडरसन कौन है?”

निरीक्षक ने उत्तर दिया, "हेंडरसन डॉन मुरिलो है, जिसे कभी सैन पेड्रो का टाइगर कहा जाता था।"

सैन पेड्रो का शेर! उस आदमी का पूरा इतिहास एक पल में मेरे सामने आ गया। उसने सभ्यता का दावा करने वाले किसी भी देश पर शासन करने वाले सबसे क्रूर और खूनी तानाशाह के रूप में अपना नाम कमाया था। बलवान, निडर और ऊर्जावान, उसमें इतनी नैतिकता थी कि वह दस-बारह वर्षों तक डरी हुई जनता पर अपने घृणित अत्याचार थोपता रहा। उसका नाम पूरे मध्य अमेरिका में आतंक का कारण था। उस समय के अंत में उसके खिलाफ एक सार्वभौमिक विद्रोह हुआ। लेकिन वह जितना क्रूर था उतना ही धूर्त भी था, और आने वाली मुसीबत की पहली आहट सुनते ही उसने चुपके से अपना खजाना वफादार समर्थकों से भरे एक जहाज पर रखवा दिया। अगले दिन विद्रोहियों ने उस खाली महल पर धावा बोल दिया। तानाशाह, उसके दो बच्चे, उसका सचिव और उसकी सारी संपत्ति उनसे बच निकली। उस क्षण से वह दुनिया से गायब हो गया, और उसकी पहचान यूरोपीय प्रेस में अक्सर चर्चा का विषय बनी रही।

“जी हाँ, महोदय, डॉन मुरिलो, सैन पेड्रो का शेर,” बेन्स ने कहा। “अगर आप पता लगाएंगे तो पाएंगे कि सैन पेड्रो के रंग हरे और सफेद हैं, ठीक वैसे ही जैसे नोट में लिखा है, श्री होम्स। वह खुद को हेंडरसन कहता था, लेकिन मैंने उसका पता पेरिस, रोम, मैड्रिड से लेकर बार्सिलोना तक लगाया, जहाँ उसका जहाज 1986 में आया था। वे उससे बदला लेने के लिए उसे लगातार खोज रहे थे, लेकिन अब जाकर उन्हें उसका पता चलना शुरू हुआ है।”

“उन्होंने उसे एक साल पहले खोज निकाला था,” मिस बर्नेट ने कहा, जो उठकर बैठ गई थीं और अब ध्यान से बातचीत सुन रही थीं। “एक बार उसकी जान लेने की कोशिश की जा चुकी है, लेकिन किसी बुरी आत्मा ने उसे बचा लिया। अब फिर से, नेक और वीर गार्सिया मारा गया है, जबकि राक्षस बच निकला है। लेकिन एक और आएगा, और फिर एक और, जब तक कि किसी दिन न्याय नहीं हो जाता; यह उतना ही निश्चित है जितना कल का सूरज उगना।” उनकी पतली मुट्ठियाँ भींच गईं और उनका मुरझाया हुआ चेहरा घृणा की आग में पीला पड़ गया।

“लेकिन मिस बर्नेट, आप इस मामले में कैसे शामिल हुईं?” होम्स ने पूछा। “एक अंग्रेज़ महिला इस तरह के खूनी मामले में कैसे शामिल हो सकती है?”

मैं इसमें इसलिए शामिल हो रहा हूँ क्योंकि दुनिया में न्याय पाने का कोई और रास्ता नहीं है। इंग्लैंड के कानून को सैन पेड्रो में वर्षों पहले बहाई गई खून की नदियों या इस आदमी द्वारा चुराए गए खजाने से भरे जहाज से क्या लेना-देना? आपके लिए ये किसी दूसरे ग्रह पर किए गए अपराध जैसे हैं। लेकिन हम जानते हैं। हमने दुख और पीड़ा में सच्चाई सीखी है। हमारे लिए जुआन मुरिलो जैसा कोई शैतान नरक में नहीं है, और जब तक उसके पीड़ित बदला लेने के लिए रोते रहेंगे, तब तक जीवन में शांति नहीं मिल सकती।

"इसमें कोई शक नहीं," होम्स ने कहा, "वह वैसा ही था जैसा आप कहते हैं। मैंने सुना है कि वह बहुत क्रूर था। लेकिन आप पर इसका क्या असर हुआ?"

“मैं आपको सब कुछ बताऊंगी। इस दुष्ट की नीति थी कि वह किसी न किसी बहाने से हर उस व्यक्ति की हत्या कर देता था जिसमें भविष्य में एक खतरनाक प्रतिद्वंद्वी बनने की क्षमता झलकती थी। मेरे पति—जी हां, मेरा असली नाम सिग्नोरा विक्टर डुरान्डो है—लंदन में सैन पेड्रो के पादरी थे। वहीं उनकी मुलाकात मुझसे हुई और उन्होंने मुझसे शादी की। उनसे बढ़कर महान व्यक्ति इस धरती पर कभी नहीं हुआ। दुर्भाग्य से, मुरिलो को उनकी प्रतिभा के बारे में पता चला, उसने किसी बहाने से उन्हें वापस बुलाया और गोली मरवा दी। अपने अंजाम का पूर्वाभास होने के कारण उन्होंने मुझे अपने साथ

ले जाने से इनकार कर दिया था। उनकी सारी संपत्ति जब्त कर ली गई और मैं थोड़ी सी संपत्ति और टूटे हुए दिल के साथ अकेली रह गई।”

फिर उस अत्याचारी का पतन हुआ। जैसा आपने अभी बताया, वह भाग निकला। लेकिन जिन लोगों का जीवन उसने बर्बाद किया था, जिनके सबसे करीबी और प्रियजनों को उसके हाथों यातना और मृत्यु का सामना करना पड़ा था, वे इस मामले को शांत नहीं होने देना चाहते थे। उन्होंने एक ऐसा संगठन बनाया जिसे तब तक भंग नहीं किया जाना था जब तक कि काम पूरा न हो जाए। जब हमने हेंडरसन के रूप परिवर्तन में उस पतनशील तानाशाह को पहचान लिया, तो मेरा काम उसके परिवार से जुड़ना और दूसरों को उसकी गतिविधियों से अवगत रखना था। मैं उसके परिवार में गवर्नेस का पद प्राप्त करके ऐसा करने में सक्षम हुई। उसे जरा भी पता नहीं था कि हर भोजन पर उसके सामने बैठी महिला वही महिला थी जिसके पति को उसने एक घंटे के भीतर मृत्यु के घाट उतार दिया था। मैं उस पर मुस्कुराती रही, उसके बच्चों के प्रति अपना कर्तव्य निभाती रही और सही समय का इंतजार करती रही। पेरिस में एक प्रयास किया गया और वह विफल रहा। पीछा करने वालों से बचने के लिए हम यूरोप में इधर-उधर तेजी से भटकते रहे और अंत में उसी घर में लौट आए, जिसे उसने इंग्लैंड में अपने पहले आगमन पर लिया था।

“लेकिन यहाँ भी न्याय मंत्री इंतज़ार कर रहे थे। यह जानते हुए कि वह वहाँ लौटेगा, सैन पेड्रो के पूर्व सर्वोच्च पदाधिकारी का पुत्र गार्सिया, अपने दो भरोसेमंद साथियों के साथ, जो साधारण दर्जे के थे, इंतज़ार कर रहा था। तीनों ही बदला लेने के एक ही मकसद से प्रेरित थे। दिन के समय वह कुछ खास नहीं कर सकता था, क्योंकि मुरिलो ने हर तरह की सावधानी बरती थी और अपने साथी लुकास, या लोपेज़ (जैसा कि वह अपने गौरवशाली दिनों में जाना जाता था) के अलावा कभी बाहर नहीं निकलता था। हालाँकि, रात में वह अकेला सोता था, और बदला लेने वाला उसे ढूंढ सकता था। एक पूर्व-निर्धारित शाम को, मैंने अपने मित्र को अंतिम निर्देश भेजे, क्योंकि वह व्यक्ति हमेशा सतर्क रहता था और लगातार अपना कमरा बदलता रहता था। मुझे यह देखना था कि दरवाजे खुले हों और ड्राइववे की ओर वाली खिड़की में हरी या सफेद बत्ती का संकेत यह बताने के लिए हो कि सब कुछ सुरक्षित है या हमले को स्थगित कर देना बेहतर होगा।”

लेकिन हमारे साथ सब कुछ गलत हो गया। किसी तरह मैंने सचिव लोपेज़ का शक जगा दिया था। जैसे ही मैंने नोट लिखना खत्म किया, वह मेरे पीछे से आया और मुझ पर झपटा। वह और उसका मालिक मुझे घसीटकर मेरे कमरे में ले गए और मुझे एक दोषी गद्दार मानकर मेरा न्याय करने लगे। अगर उन्हें इस कृत्य के परिणामों से बचने का कोई रास्ता दिख जाता, तो वे वहीं पर मुझ पर चाकू घोंप देते। आखिरकार, बहुत बहस के बाद, उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि मेरी हत्या करना बहुत खतरनाक था। लेकिन उन्होंने गार्सिया से हमेशा के लिए छुटकारा पाने का निश्चय कर लिया था। उन्होंने मेरा मुंह बंद कर दिया था, और मुरिलो ने मेरा हाथ तब तक मरोड़ा जब तक मैंने उसे पता नहीं बता दिया। मैं कसम खाती हूं कि अगर मुझे पता होता कि गार्सिया के लिए इसका क्या मतलब होगा, तो वह मेरा हाथ तोड़ देता। लोपेज़ ने मेरे लिखे नोट पर पता लिखा, उसे अपनी आस्तीन की पट्टी से सील किया और नौकर जोस के हाथों भेज दिया। उन्होंने उसकी हत्या कैसे की, यह मुझे नहीं पता, सिवाय इसके कि मुरिलो के हाथ ने ही उसे मारा था, क्योंकि लोपेज़ मेरी रक्षा के लिए वहीं रुका हुआ था। मेरा मानना है कि वह उस कांटेदार झाड़ियों के बीच छिपा रहा होगा, जिनसे होकर रास्ता गुजरता है, और उसे मार गिराया होगा। वह बच गया। पहले तो वे उसे घर में घुसने देने और पकड़े गए चोर समझकर मार डालने की सोच रहे थे; लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि अगर वे किसी

जांच में शामिल हो गए तो उनकी पहचान तुरंत सार्वजनिक हो जाएगी और उन पर और हमले हो सकते हैं। गार्सिया की मौत के साथ ही पीछा करना बंद हो सकता था, क्योंकि ऐसी मौत दूसरों को इस काम से डरा सकती थी।

"अगर मुझे उनके किए की जानकारी न होती तो अब तक सब ठीक होता। मुझे इसमें कोई शक नहीं कि कई बार मेरी जान खतरे में थी। मुझे मेरे कमरे में कैद कर दिया गया था, भयानक धमकियों से डराया जाता था, मेरा मनोबल तोड़ने के लिए मेरे साथ बेरहमी से दुर्व्यवहार किया गया था — मेरे कंधे पर ये चाकू का निशान और मेरी बाहों पर पड़े नीले निशान देखिए — और एक बार जब मैंने खिड़की से आवाज लगाने की कोशिश की तो मेरे मुंह में कपड़ा ठूंस दिया गया। पांच दिनों तक यह क्रूर कैद जारी रही, शरीर और आत्मा को बनाए रखने के लिए मुश्किल से ही पर्याप्त भोजन दिया गया। आज दोपहर मुझे अच्छा खाना दिया गया, लेकिन जैसे ही मैंने उसे खाया, मुझे पता चल गया कि मुझे नशा दिया गया था। एक तरह के सपने में मुझे याद है कि मुझे आधा घसीटकर, आधा उठाकर गाड़ी तक ले जाया गया था; उसी हालत में मुझे ट्रेन तक ले जाया गया। तभी, जब पहिए लगभग चलने ही वाले थे, मुझे अचानक एहसास हुआ कि मेरी आजादी मेरे अपने हाथों में है। मैं कूदकर बाहर निकल गई, उन्होंने मुझे वापस खींचने की कोशिश की, और अगर उस भले आदमी की मदद न होती, जो मुझे कैब तक ले गया, तो मैं कभी भी भाग नहीं पाती। अब, भगवान का शुक्र है, मैं हमेशा के लिए उनकी शक्ति से परे हूँ।"

हम सभी ने इस उल्लेखनीय कथन को ध्यानपूर्वक सुना था। होम्स ने ही चुप्पी तोड़ी।

उन्होंने सिर हिलाते हुए कहा, "हमारी मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई हैं। हमारा पुलिस का काम तो खत्म हो गया है, लेकिन हमारा कानूनी काम शुरू हो गया है।"

"बिल्कुल सही," मैंने कहा। "एक समझदार वकील इसे आत्मरक्षा का मामला साबित कर सकता है। भले ही पृष्ठभूमि में सौ अपराध हों, लेकिन केवल इसी एक मामले में उन पर मुकदमा चलाया जा सकता है।"

"आओ, आओ," बेन्स ने प्रसन्नतापूर्वक कहा, "मैं कानून को इससे बेहतर मानता हूँ। आत्मरक्षा एक बात है। किसी व्यक्ति को ठंडे खून से उकसाकर उसकी हत्या करना दूसरी बात है, चाहे उससे आपको कितना भी खतरा क्यों न हो। नहीं, नहीं, जब हम अगली गिल्डफोर्ड अदालत में हाई गेबल के किरायेदारों को देखेंगे, तो हम सभी न्यायसंगत साबित होंगे।"

हालांकि, यह इतिहास का एक हिस्सा है कि सैन पेड्रो के शेर को उसके कर्मों का फल मिलने में अभी कुछ समय बाकी था। धूर्त और साहसी, वह और उसका साथी एडमंटन स्ट्रीट के एक लॉज में घुसकर और कर्ज़न स्क्वायर के पिछले दरवाजे से निकलकर अपने पीछा करने वालों को चकमा देने में कामयाब रहे। उस दिन के बाद उन्हें इंग्लैंड में फिर कभी नहीं देखा गया। लगभग छह महीने बाद, मैड्रिड के होटल एस्कुरियल में मार्किस आफ मोंटाल्वा और उनके सचिव सिग्नोर रुल्ली, दोनों की उनके कमरों में हत्या कर दी गई। इस अपराध का कारण शून्यवाद बताया गया और हत्यारे कभी गिरफ्तार नहीं हुए। इंस्पेक्टर बेनेस बेकर स्ट्रीट में हमसे मिलने आए और अपने सचिव के सांवले चेहरे और उनके मालिक के प्रभावशाली चेहरे, आकर्षक काली आँखों और घनी भौंहों का लिखित विवरण लेकर आए। हमें इसमें कोई संदेह नहीं था कि न्याय, भले ही देर से मिला हो, अंततः मिल ही गया था।

"मेरे प्रिय वॉटसन, यह एक उलझा हुआ मामला है," होम्स ने शाम की पाइप पीते हुए कहा। "आपके लिए इसे उस संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करना संभव नहीं होगा जो आपको प्रिय है। यह दो महाद्वीपों को समेटे हुए है, दो रहस्यमय व्यक्तियों के समूहों से

संबंधित है, और हमारे मित्र स्कॉट एक्लेस की अत्यंत सम्मानित उपस्थिति से और भी जटिल हो गया है, जिनकी उपस्थिति से मुझे पता चलता है कि मृतक गार्सिया एक शातिर दिमाग और आत्मरक्षा की अच्छी तरह विकसित प्रवृत्ति वाला व्यक्ति था। यह केवल इस तथ्य के लिए उल्लेखनीय है कि संभावनाओं के इस घने जंगल के बीच, हमने अपने योग्य सहयोगी, निरीक्षक के साथ, मुख्य बिंदुओं पर अपनी पकड़ बनाए रखी है और इस प्रकार टेढ़े-मेढ़े और घुमावदार रास्ते पर आगे बढ़े हैं। क्या कोई ऐसा बिंदु है जो आपको पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है?”

"उस मुलैटो रसोइए की वापसी का उद्देश्य क्या था?"

“मुझे लगता है कि रसोई में मौजूद उस अजीब प्राणी की वजह से ऐसा हुआ होगा। वह आदमी सैन पेड्रो के बीहड़ों का एक आदिम जंगली था, और यह उसकी सनक थी। जब वह और उसका साथी किसी पूर्व-निर्धारित ठिकाने पर भाग गए थे — जो निस्संदेह किसी साथी द्वारा पहले से ही कब्जा कर लिया गया था — तो उसके साथी ने उसे इस तरह के आपत्तिजनक फर्नीचर को वहीं छोड़ने के लिए मना लिया था। लेकिन उस अश्वेत व्यक्ति का दिल उस फर्नीचर से जुड़ा हुआ था, और अगले दिन वह उसे पाने के लिए वापस उसी के पास चला गया, जब खिड़की से झाँकते हुए उसने पुलिसकर्मी वाल्टर्स को उस पर कब्जा करते हुए पाया। उसने तीन दिन और इंतजार किया, और फिर उसकी धार्मिकता या अंधविश्वास ने उसे एक बार फिर कोशिश करने के लिए प्रेरित किया। इंस्पेक्टर बेनेस, जिसने अपनी हमेशा की चतुराई से मेरे सामने इस घटना को कम करके आंका था, वास्तव में इसकी अहमियत को समझ गया था और उसने एक जाल बिछाया था जिसमें वह प्राणी फंस गया। वॉटसन, क्या आपके पास कोई और बात है?”

"फटा हुआ पक्षी, खून से भरी बाल्टी, जली हुई हड्डियाँ, उस विचित्र रसोई का सारा रहस्य?"

होम्स ने अपनी नोटबुक में एक प्रविष्टि पलटते हुए मुस्कुराया।

मैंने ब्रिटिश संग्रहालय में एक सुबह इस विषय और अन्य बिंदुओं पर पढ़ने में बिताई। यहाँ एकरमैन की पुस्तक "वूडूवाद और नीग्रोइड धर्म" से एक उद्धरण दिया गया है:

वूडू का सच्चा उपासक अपने अपवित्र देवताओं को प्रसन्न करने के उद्देश्य से कुछ बलिदान किए बिना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य नहीं करता। चरम मामलों में ये अनुष्ठान मानव बलि और उसके बाद नरभक्षण का रूप ले लेते हैं। आमतौर पर बलि के रूप में एक सफेद मुर्गे को जीवित ही नोचकर टुकड़े-टुकड़े कर दिया जाता है, या एक काली बकरी को, जिसका गला काटकर शरीर को जला दिया जाता है।

“तो देखा आपने, हमारा वह क्रूर मित्र अपने रीति-रिवाजों में बहुत रूढ़िवादी था। यह विचित्र है, वॉटसन,” होम्स ने धीरे से अपनी नोटबुक बंद करते हुए कहा, “लेकिन जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, विचित्र से भयावह तक बस एक ही कदम का फासला होता है।”

लाल घेरे का रोमांच

“खैर, श्रीमती वॉरेन, मुझे नहीं लगता कि आपको किसी खास वजह से परेशानी है, और न ही मुझे समझ आता है कि मैं, जिसका समय कीमती है, इस मामले में दखल क्यों दूं। सच में, मेरे पास और भी काम हैं।” शर्लक होम्स ने इतना कहा और उस बड़ी स्क्रैपबुक की ओर मुड़ गए जिसमें वे अपनी हाल की कुछ सामग्री को व्यवस्थित और क्रमबद्ध कर रहे थे।

लेकिन मकान मालकिन में दृढ़ता और साथ ही अपनी स्त्रीत्व की धूर्तता भी थी। वह दृढ़ता से अपनी बात पर अड़ी रही।

“पिछले साल आपने मेरे एक किराएदार, श्री फेयरडेल हॉब्स के लिए एक प्रेम प्रसंग का इंतज़ाम किया था,” उसने कहा— “श्री फेयरडेल हॉब्स।”

“अरे हाँ – यह तो एक सरल मामला है।”

“लेकिन वह इसके बारे में बात करना कभी बंद नहीं करते थे – आपकी दयालुता, महोदय, और जिस तरह से आपने अंधकार में प्रकाश फैलाया। जब मैं स्वयं संदेह और अंधकार में डूबा हुआ था, तब मुझे उनके शब्द याद आए। मुझे पता है कि यदि आप चाहें तो आप भी ऐसा कर सकते हैं।”

होम्स चापलूसी के मामले में सहज थे, और उनकी दयालुता के मामले में भी। इन्हीं दो गुणों के कारण उन्होंने एक गहरी आह भरकर अपना च्युइंग-ब्रश नीचे रख दिया और अपनी कुर्सी पीछे धकेल दी।

“अच्छा, अच्छा, श्रीमती वॉरेन, तो चलिए इसके बारे में जानते हैं। मुझे लगता है कि आपको तंबाकू से कोई आपत्ति नहीं है? धन्यवाद, वॉटसन – माचिस! जैसा कि मैं समझता हूँ, आप परेशान हैं क्योंकि आपका नया किराएदार अपने कमरे में ही है और आप उससे मिल नहीं पा रही हैं। अरे, श्रीमती वॉरेन, अगर मैं आपका किराएदार होता तो आप मुझे हफ्तों तक नहीं देख पातीं।”

“हाँ, महोदय; लेकिन यह अलग बात है। मुझे डर लग रहा है, श्रीमान होम्स। डर के मारे मुझे नींद नहीं आ रही। सुबह से लेकर देर रात तक उसके तेज़ कदमों की आहट सुनना, और फिर भी उसकी एक झलक भी न देख पाना—यह मेरे लिए असहनीय है। मेरे पति भी मेरी ही तरह परेशान हैं, लेकिन वे सारा दिन काम पर रहते हैं, जबकि मुझे ज़रा भी आराम नहीं मिलता। वह क्या छिपा रहे हैं? उन्होंने क्या किया है? उस लड़की के अलावा, मैं घर में उनके साथ बिल्कुल अकेली हूँ, और यह सब मेरे लिए असहनीय है।”

होम्स आगे झुके और अपनी लंबी, पतली उंगलियाँ महिला के कंधे पर रख दीं। जब वे चाहते थे, तो उनमें शांत करने की लगभग सम्मोहक शक्ति थी। उसकी आँखों से भय का भाव गायब हो गया, और उसके चेहरे की घबराहट सामान्य हो गई। वह उस कुर्सी पर बैठ गई जिसकी ओर उन्होंने इशारा किया था।

“अगर मैं इसे अपने हाथ में लेता हूँ तो मुझे हर छोटी-बड़ी बात समझनी होगी,” उसने कहा। “सोचने के लिए समय लो। छोटी से छोटी बात भी सबसे महत्वपूर्ण हो सकती है। तुम कहते हो कि वह आदमी दस दिन पहले आया था और उसने तुम्हें दो सप्ताह के भोजन और आवास का भुगतान किया था?”

“उन्होंने मुझसे मेरी शर्तें पूछीं, महोदय। मैंने कहा पचास शिलिंग प्रति सप्ताह। घर के सबसे ऊपरी हिस्से में एक छोटा बैठक कक्ष और शयनकक्ष है, और सब कुछ पूरी तरह से सुसज्जित है।”

"कुआँ?"

“उन्होंने कहा, ‘अगर मेरी शर्तों पर पैसा मिले तो मैं तुम्हें हर हफ्ते पाँच पाउंड दूंगा।’ मैं गरीब औरत हूँ, साहब, और मिस्टर वॉरेन की कमाई भी कम है, और मेरे लिए यह पैसा बहुत मायने रखता था। उन्होंने दस पाउंड का नोट निकाला और मुझे वहीं पर थमा दिया। उन्होंने कहा, ‘अगर तुम शर्तें मानोगी तो तुम्हें आने वाले लंबे समय तक हर पखवाड़े इतना पैसा मिलता रहेगा। अगर नहीं, तो मेरा तुमसे कोई वास्ता नहीं रहेगा।’”

"शर्तें क्या थीं?"

“जी हाँ, महोदय, शर्तें ये थीं कि घर की चाबी उनके पास रहेगी। यह ठीक है। किराएदारों के पास अक्सर चाबियाँ होती हैं। साथ ही, उन्हें पूरी तरह से अपने हाल पर

छोड़ दिया जाएगा और किसी भी बहाने से उन्हें परेशान नहीं किया जाएगा।”
"इसमें कुछ भी अद्भुत नहीं है, है ना?"
“यह तर्कसंगत नहीं है, महोदय। लेकिन यह तो सरासर तर्कहीन है। वह दस दिनों से यहीं है, और न तो श्री वॉरेन, न मैंने, न ही उस लड़की ने उसे एक बार भी देखा है। हम रात, सुबह और दोपहर, उसके इधर-उधर, इधर-उधर घूमने की तेज़ आवाज़ सुन सकते हैं; लेकिन उस पहली रात को छोड़कर वह एक बार भी घर से बाहर नहीं निकला।”
"ओह, वो तो पहली ही रात बाहर चला गया था, है ना?"
"जी हाँ, महोदय, और वह बहुत देर से लौटे—जब हम सब सो चुके थे। कमरे लेने के बाद उन्होंने मुझे बताया कि वह ऐसा करेंगे और मुझसे कहा कि मैं दरवाजा बंद न करूँ। मैंने उन्हें आधी रात के बाद सीढ़ियों से ऊपर आते सुना।"
लेकिन उसका खाना?
“उनका यही निर्देश था कि जब भी वे घंटी बजाएँ, हम उनका खाना उनके दरवाज़े के बाहर कुर्सी पर रख दें। खाना खत्म होने पर वे फिर घंटी बजाते हैं, और हम उसी कुर्सी से खाना उतार लेते हैं।”
“क्या इसे प्रिंट करता है?”
जी हाँ, महोदय; वह इसे पेंसिल से लिखते हैं। सिर्फ़ शब्द, और कुछ नहीं। ये एक मैं आपको दिखाने के लिए लाया हूँ - साबुन। ये दूसरा - माचिस। ये वह है जो उन्होंने पहली सुबह छोड़ा था - डेली गजेट। मैं हर सुबह उनके नाश्ते के साथ यह अखबार छोड़ देता हूँ।
"अरे वाह, वॉटसन," होम्स ने मकान मालकिन द्वारा दिए गए कागज़ के टुकड़ों को बड़ी उत्सुकता से देखते हुए कहा, "यह तो वाकई कुछ असामान्य है। एकांत तो समझ में आता है; लेकिन छापने की क्या ज़रूरत है? छापना तो एक बोझिल प्रक्रिया है। लिखने की क्या ज़रूरत है? वॉटसन, लिखने से क्या संकेत मिलता है?"
वह अपनी लिखावट को छिपाना चाहता था।
लेकिन क्यों? उसे क्या फर्क पड़ता है कि उसकी मकान मालकिन को उसके लिखे हुए के बारे में कुछ पता चले? खैर, जैसा आप कह रहे हैं वैसा ही हो सकता है। फिर भी, ऐसे संक्षिप्त संदेश क्यों?
"मैं कल्पना नहीं कर सकता।"
“यह बुद्धिमत्तापूर्ण चिंतन के लिए एक आकर्षक क्षेत्र खोलता है। शब्द एक चौड़ी नोक वाली, बैंगनी रंग की पेंसिल से लिखे गए हैं, जिसका पैटर्न असामान्य नहीं है। आप देखेंगे कि छपाई के बाद कागज़ किनारे से फटा हुआ है, जिससे ‘SOAP’ का अक्षर s आंशिक रूप से गायब हो गया है। संकेतपूर्ण है ना, वॉटसन?”
"सावधानी के तौर पर?"
“बिल्कुल सही। जाहिर तौर पर कोई निशान था, कोई अंगूठे का निशान, कुछ ऐसा जिससे उस व्यक्ति की पहचान का सुराग मिल सके। अब, श्रीमती वॉरेन, आपने कहा कि वह आदमी मध्यम कद का, सांवला और दाढ़ी वाला था। उसकी उम्र क्या होगी?”
“युवा हैं, महोदय—तीसरे साल से अधिक के नहीं।”
"अच्छा, क्या आप मुझे और कोई संकेत नहीं दे सकते?"
"वह अच्छी अंग्रेजी बोलता था, महोदय, फिर भी मुझे उसके लहजे से लगा कि वह एक विदेशी है।"
और क्या उसने अच्छे कपड़े पहने थे?
"बहुत ही सलीके से कपड़े पहने हैं, महोदय - एकदम सज्जन व्यक्ति।" गहरे रंग के कपड़े - ऐसी कोई बात नहीं जिस पर आप ध्यान दें।

“उसने अपना नाम नहीं बताया?”

"जी नहीं, महोदय।"

“और उसे कोई पत्र या फोन करने वाला नहीं मिला?”

"कोई नहीं।"

"लेकिन क्या आप या वह लड़की सुबह उसके कमरे में जाते हैं?"

"नहीं, महोदय; वह अपना ख्याल पूरी तरह से खुद रखता है।"

“अरे वाह! यह तो वाकई उल्लेखनीय है। उसके सामान का क्या हुआ?”

उसके पास सिर्फ एक बड़ा भूरा थैला था - और कुछ नहीं।

“खैर, हमारे पास मदद के लिए ज़्यादा सामग्री नहीं दिख रही है। क्या आप कह रहे हैं कि उस कमरे से कुछ भी नहीं निकला है—बिल्कुल कुछ भी नहीं?”

मकान मालकिन ने अपने बैग से एक लिफाफा निकाला; उसमें से उसने दो जली हुई माचिस और एक सिगरेट का टुकड़ा मेज पर झाड़ दिया।

“ये आज सुबह उनकी ट्रे में रखे थे। मैं इन्हें इसलिए लाया क्योंकि मैंने सुना था कि छोटी चीजों से भी बड़ी बातें समझी जा सकती हैं।”

होम्स ने अपने कंधे उचका दिए।

“यहाँ कुछ नहीं है,” उसने कहा। “माचिस का इस्तेमाल सिगरेट जलाने के लिए किया गया होगा। यह तो माचिस के टुकड़े के छोटे होने से ही स्पष्ट है। आधी माचिस पाइप या सिगार जलाने में ही खर्च हो जाती है। लेकिन, अरे वाह! यह सिगरेट का टुकड़ा तो वाकई अनोखा है। आप कह रहे हैं कि वह सज्जन दाढ़ी-मूंछ वाले थे?”

"जी श्रीमान।"

“मुझे यह समझ नहीं आ रहा। मुझे कहना चाहिए कि इसे केवल एक क्लीन शेव्ड आदमी ही पी सकता था। अरे, वाटसन, तुम्हारी मामूली मूंछें भी जल गई होतीं।”

“एक होल्डर?” मैंने सुझाव दिया।

“नहीं, नहीं; अंत उलझा हुआ है। मुझे लगता है कि आपके कमरे में दो लोग नहीं हो सकते, श्रीमती वारेन?”

"नहीं, महोदय। वह इतना कम खाता है कि मुझे अक्सर आश्चर्य होता है कि इतने कम में वह जीवित कैसे रह पाता है।"

“खैर, मुझे लगता है कि हमें कुछ और सबूतों का इंतज़ार करना चाहिए। आख़िरकार, आपको शिकायत करने की कोई ज़रूरत नहीं है। आपको किराया मिल चुका है, और वह कोई परेशान करने वाला किरायेदार नहीं है, हालांकि वह थोड़ा अजीब ज़रूर है। वह आपको अच्छा किराया देता है, और अगर वह छुपकर रहना चाहता है तो यह आपका सीधा मामला नहीं है। जब तक हमें यह मानने का कोई ठोस कारण न हो कि इसके पीछे कोई गंभीर वजह है, तब तक उसकी निजता में दखल देने का हमारे पास कोई बहाना नहीं है। मैंने इस मामले को अपने हाथ में ले लिया है, और मैं इस पर नज़र रखूंगा। अगर कोई नई बात पता चले तो मुझे बताएँ, और ज़रूरत पड़ने पर मेरी मदद पर भरोसा रखें।”

"वाटसन, इस मामले में कुछ दिलचस्प बातें तो ज़रूर हैं," मकान मालकिन के जाने के बाद उन्होंने कहा। "हो सकता है यह मामूली बात हो - किसी व्यक्ति की सनक; या फिर यह सतह पर दिखने से कहीं ज़्यादा गंभीर मामला हो। सबसे पहली बात जो ध्यान में आती है, वह यह संभावना है कि कमरों में रहने वाला व्यक्ति, उन्हें किराए पर लेने वाले व्यक्ति से बिल्कुल अलग हो।"

आपको ऐसा क्यों लगता है?

“खैर, इस सिगरेट के टुकड़े को छोड़ दें तो क्या यह संकेत नहीं देता कि किराएदार कमरे लेने के तुरंत बाद ही बाहर गया था? वह वापस आया—या कोई और वापस आया

—जब सभी गवाह वहाँ से चले गए थे। हमारे पास इस बात का कोई सबूत नहीं है कि जो व्यक्ति वापस आया वही व्यक्ति बाहर गया था। फिर, जिस व्यक्ति ने कमरे लिए थे, वह अच्छी अंग्रेज़ी बोलता था। हालांकि, इस दूसरे दस्तावेज़ में ‘match’ लिखा है जबकि ‘matches’ होना चाहिए था। मुझे लगता है कि यह शब्द किसी शब्दकोश से लिया गया होगा, जिसमें संज्ञा तो दी गई है लेकिन बहुवचन नहीं। संक्षिप्त शैली अंग्रेज़ी के ज्ञान की कमी को छिपाने के लिए हो सकती है। हाँ, वाटसन, यह संदेह करने के अच्छे कारण हैं कि किराएदारों की जगह किसी और शब्द का प्रयोग किया गया है।”

लेकिन इसका संभावित उद्देश्य क्या होगा?

“अरे! यहीं तो हमारी समस्या है। जाँच का एक सीधा-सा रास्ता है।” उन्होंने वह बड़ी सी किताब निकाली जिसमें वे लंदन की विभिन्न पत्रिकाओं के रोज़ाना के दुख भरे लेख दर्ज करते थे। “हे भगवान!” पन्ने पलटते हुए उसने कहा, “कैसी आहों, चीखों और मिमियाहटों का शोरगुल! अजीबोगरीब घटनाओं का कैसा बेमेल संग्रह! लेकिन निश्चित रूप से असामान्य चीजों का अध्ययन करने वाले विद्यार्थी के लिए अब तक का सबसे मूल्यवान खोज-क्षेत्र! यह व्यक्ति अकेला है और उससे पत्र द्वारा संपर्क करना उस पूर्ण गोपनीयता को भंग किए बिना संभव नहीं है जिसकी अपेक्षा की जाती है। बाहर से कोई समाचार या संदेश उस तक कैसे पहुंचेगा? जाहिर है, किसी अखबार में विज्ञापन के माध्यम से। कोई और रास्ता नहीं दिखता, और सौभाग्य से हमें केवल एक ही अखबार पर ध्यान देना होगा। ये पिछले पखवाड़े के डेली गज़ट के अंश हैं। 'प्रिंस स्केटिंग क्लब में काले बोआ वाली महिला' - इसे हम छोड़ सकते हैं। 'निश्चित रूप से जिमी अपनी माँ का दिल नहीं तोड़ेगा' - यह अप्रासंगिक लगता है। 'अगर ब्रिक्सटन बस में बेहोश हुई महिला' - उसमें मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। 'हर दिन मेरा दिल तरसता है -' मिमियाओ, वॉटसन - लगातार मिमियाओ! आह, यह थोड़ा और संभव है। इसे सुनो: 'धैर्य रखो। कोई न कोई रास्ता जरूर मिलेगा' संचार के साधन। इसी बीच, यह कॉलम। जी।’ यह श्रीमती वॉरेन के किराएदार के आने के दो दिन बाद की बात है। यह तर्कसंगत लगता है, है ना? वह रहस्यमय व्यक्ति अंग्रेजी समझ सकता था, भले ही वह उसे लिख न सके। चलिए देखते हैं कि क्या हम फिर से सुराग ढूंढ सकते हैं। हाँ, हम यहाँ हैं - तीन दिन बाद। ‘सफल व्यवस्था कर रहा हूँ। धैर्य और विवेक। बादल छंट जाएंगे। जी।’ इसके बाद एक हफ्ते तक कुछ नहीं। फिर कुछ और निश्चित आता है: ‘रास्ता साफ हो रहा है। अगर मुझे कोई संकेत संदेश मिले तो सहमत कोड याद रखना - एक ए, दो बी, इत्यादि। आपको जल्द ही पता चलेगा। जी।’ यह कल के अखबार में था, और आज के अखबार में कुछ नहीं है। यह सब श्रीमती वॉरेन के किराएदार के लिए बहुत उपयुक्त है। अगर हम थोड़ा इंतजार करें, वॉटसन, तो मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मामला और अधिक स्पष्ट हो जाएगा।

और ऐसा ही हुआ; क्योंकि सुबह मैंने अपने दोस्त को चूल्हे के पास बिछे कालीन पर आग की ओर पीठ करके खड़ा पाया और उसके चेहरे पर पूर्ण संतुष्टि की मुस्कान थी।

“वॉटसन, ये कैसा है?” उसने मेज से अखबार उठाते हुए कहा। “‘सफेद पत्थर की दीवारों वाला ऊँचा लाल मकान। तीसरी मंजिल। बाईं ओर दूसरी खिड़की। शाम ढलने के बाद। जी।’ ये तो काफी पक्का है। मुझे लगता है नाश्ते के बाद हमें श्रीमती वॉरेन के पड़ोस का थोड़ा जायजा लेना चाहिए। आह, श्रीमती वॉरेन! आज सुबह आप हमारे लिए क्या खबर लाई हैं?”

हमारे मुवक्किल अचानक विस्फोटक ऊर्जा के साथ कमरे में दाखिल हुए, जिससे किसी नए और महत्वपूर्ण घटनाक्रम का संकेत मिला।

“यह पुलिस का मामला है, मिस्टर होम्स!” वह चिल्लाई। “अब और बर्दाश्त नहीं! वह अपने सामान के साथ यहां से चला जाए। मैं सीधे जाकर उसे बता देती, लेकिन मैंने सोचा कि पहले आपकी राय लेना उचित होगा। लेकिन मेरा सब्र खत्म हो चुका है, और जब मेरे पिताजी को परेशान करने की बात आती है...”

"क्या आप मिस्टर वॉरेन की पिटाई कर रहे हैं?"

"वैसे भी, उसके साथ सख्ती से पेश आ रहे हैं।"

लेकिन किसने उसके साथ दुर्व्यवहार किया?

“अरे! यही तो हम जानना चाहते थे! यह आज सुबह की बात है, महोदय। श्री वॉरेन टोटेनहम कोर्ट रोड स्थित मॉर्टन एंड वेलाइट्स में टाइमकीपर हैं। उन्हें सात बजे से पहले घर से निकलना होता है। खैर, आज सुबह वे सड़क पर दस कदम भी नहीं चले थे कि दो आदमी उनके पीछे आए, उनके सिर पर एक कोट डाला और उन्हें सड़क के किनारे खड़ी एक टैक्सी में जबरदस्ती बिठा दिया। वे उन्हें एक घंटे तक ले गए, फिर दरवाज़ा खोलकर उन्हें बाहर फेंक दिया। वे सड़क पर इतने सहमे हुए पड़े थे कि उन्हें पता ही नहीं चला कि टैक्सी का क्या हुआ। जब वे उठे तो उन्होंने पाया कि वे हैम्पस्टेड हीथ पर हैं; इसलिए उन्होंने बस से घर का सफर तय किया और अब वे सोफे पर लेटे हुए हैं, जबकि मैं सीधे आपको यह बताने आया हूँ कि क्या हुआ था।”

"बहुत दिलचस्प," होम्स ने कहा। "क्या उसने इन आदमियों की शक्ल-सूरत देखी - क्या उसने उन्हें बात करते सुना?"

“नहीं; वह पूरी तरह से स्तब्ध है। उसे बस इतना पता है कि उसे जादू से ऊपर उठाया गया और जादू से ही नीचे गिरा दिया गया। कम से कम दो लोग तो थे ही, और शायद तीन भी।”

"और आप इस हमले को अपने किराएदार से जोड़ते हैं?"

“खैर, हम यहाँ पंद्रह साल से रह रहे हैं और इससे पहले ऐसी कोई घटना कभी नहीं हुई। मैं उससे तंग आ चुका हूं। पैसा ही सब कुछ नहीं है। मैं उसे आज ही अपने घर से निकाल दूंगा।”

"थोड़ी इंतज़ार कीजिए, श्रीमती वॉरेन। कोई जल्दबाज़ी वाला कदम मत उठाइए। मुझे लगने लगा है कि यह मामला जितना दिख रहा है उससे कहीं ज़्यादा गंभीर हो सकता है। अब यह साफ़ है कि आपके किराएदार पर कोई खतरा मंडरा रहा है। यह भी उतना ही साफ़ है कि धुंधली सुबह में आपके दरवाज़े के पास घात लगाकर बैठे उसके दुश्मनों ने आपके पति को गलती से वह समझ लिया। अपनी गलती का एहसास होने पर उन्होंने उसे छोड़ दिया। अगर यह गलती न होती तो वे क्या करते, इसका हम सिर्फ़ अंदाज़ा ही लगा सकते हैं।"

"तो अब मैं क्या करूं, मिस्टर होम्स?"

"श्रीमती वॉरेन, मुझे आपकी इस किराएदार से मिलने की बहुत इच्छा है।"

"मुझे नहीं लगता कि इसे कैसे संभाला जा सकता है, जब तक कि आप दरवाज़ा तोड़कर अंदर न घुस जाएं। ट्रे रखने के बाद जब भी मैं सीढ़ियों से नीचे उतरती हूं, तो मुझे हमेशा उसकी ताला खोलने की आवाज सुनाई देती है।"

"उसे ट्रे अंदर ले जानी होगी। हम छुपकर उसे ऐसा करते हुए देख सकते हैं।"

मकान मालकिन ने एक पल के लिए सोचा।

"जी महोदय, सामने एक छोटा कमरा है। मैं शायद एक शीशा लगवा सकता हूँ, और अगर आप दरवाजे के पीछे हों तो..."

“बहुत बढ़िया!” होम्स ने कहा। “वह दोपहर का भोजन कब करता है?”

"लगभग एक, महोदय।"

"तो डॉ. वॉटसन और मैं समय रहते आ जाएँगे। फिलहाल, श्रीमती वॉरेन, अलविदा।"

साढ़े बारह बजे हम श्रीमती वॉरेन के घर की सीढ़ियों पर थे - ग्रेट ओर्म स्ट्रीट में स्थित एक ऊँची, पतली, पीली ईंटों से बनी इमारत, जो ब्रिटिश संग्रहालय के उत्तर-पूर्वी किनारे पर एक संकरी गली है। गली के कोने के पास स्थित होने के कारण, यहाँ से होवे स्ट्रीट के भव्य मकानों का नज़ारा दिखता है। होम्स ने हँसते हुए उनमें से एक मकान की ओर इशारा किया, जो आवासीय फ्लैटों की एक पंक्ति थी और इतनी उभरी हुई थी कि नज़रें उन पर टिक जाती थीं।

"देखो, वॉटसन!" उसने कहा। "'पत्थर की दीवारों वाला ऊँचा लाल मकान।' सिग्नल स्टेशन तो साफ दिख रहा है। हम जगह को जानते हैं, और कोड भी जानते हैं; तो हमारा काम तो आसान होना चाहिए। उस खिड़की में एक 'किराए पर' का कार्ड लगा है। जाहिर है, यह एक खाली फ्लैट है जिस पर साथी की पहुँच है। तो, श्रीमती वॉरेन, अब क्या करें?"

"मैंने आपके लिए सब कुछ तैयार कर लिया है। अगर आप दोनों ऊपर आकर अपने जूते नीचे सीढ़ियों पर छोड़ देंगे, तो मैं आपको अभी वहीं रख दूंगा।"

उसने छिपने के लिए एक बेहतरीन जगह बनाई थी। शीशा इस तरह लगा था कि अंधेरे में बैठे हुए भी हमें सामने वाला दरवाज़ा साफ़ दिखाई दे रहा था। हम अभी ठीक से बैठे भी नहीं थे कि श्रीमती वॉरेन हमें छोड़कर चली गईं, तभी दूर से एक हल्की सी आवाज़ आई जिससे पता चला कि हमारे रहस्यमयी पड़ोसी ने घंटी बजाई है। थोड़ी देर में मकान मालकिन ट्रे लेकर आई, उसे बंद दरवाज़े के बगल वाली कुर्सी पर रखा और फिर भारी कदमों से चली गईं। दरवाज़े के कोने में दुबककर हम दोनों की नज़रें शीशे पर टिकी रहीं। अचानक, जैसे ही मकान मालकिन के कदमों की आहट धीमी हुई, चाबी के घूमने की चरमराहट सुनाई दी, हैंडल घूमा और दो पतले हाथ तेज़ी से निकले और कुर्सी से ट्रे उठा ली। एक पल बाद ही ट्रे जल्दी से वापस रख दी गई और मुझे एक काले, सुंदर, डरे हुए चेहरे की झलक मिली जो छोटे से कमरे के संकरे दरवाज़े को घूर रहा था। फिर दरवाज़ा ज़ोर से बंद हो गया, चाबी एक बार फिर घूमी और सन्नाटा छा गया। होम्स ने मेरी आस्तीन खींची और हम दोनों चुपके से सीढ़ियों से नीचे उतर गए।

"मैं शाम को फिर फोन करूंगा," उसने उत्सुक मकान मालकिन से कहा। "मुझे लगता है, वॉटसन, हम इस मामले पर अपने कमरे में बेहतर चर्चा कर सकते हैं।"

"जैसा कि आपने देखा, मेरा अनुमान सही साबित हुआ," उसने आरामकुर्सी पर बैठे-बैठे कहा। "किरायेदारों का प्रतिस्थापन हुआ है। लेकिन मैंने यह अनुमान नहीं लगाया था कि हमें यहाँ एक महिला मिलेगी, और वह कोई साधारण महिला नहीं, वॉटसन।"

उसने हमें देख लिया।

"खैर, उसने कुछ ऐसा देखा जिससे वह घबरा गई। यह तो निश्चित है। घटनाओं का सामान्य क्रम काफी स्पष्ट है, है ना? एक दंपत्ति एक भयानक और तात्कालिक खतरे से बचने के लिए लंदन में शरण लेते हैं। उस खतरे की गंभीरता उनकी सुरक्षा व्यवस्था की कठोरता से पता चलती है। पुरुष को कुछ काम करना है, इसलिए वह काम करते समय महिला को पूरी तरह सुरक्षित छोड़ना चाहता है। यह कोई आसान समस्या नहीं थी, लेकिन उसने इसे एक अनोखे तरीके से हल किया, और इतनी कुशलता से कि उसे खाना देने वाली मकान मालकिन को भी उसकी मौजूदगी का पता नहीं चला। छुपे हुए संदेश, जैसा कि अब स्पष्ट है, उसकी लिखावट से उसके लिंग का पता चलने से रोकने के लिए थे। पुरुष महिला के पास नहीं जा सकता, वरना वह उनके दुश्मनों को उसके

पास पहुंचा देगा। चूंकि वह उससे सीधे बात नहीं कर सकता, इसलिए उसने एक अखबार के शोक संदेश वाले कॉलम का सहारा लिया। अब तक सब स्पष्ट है।”

लेकिन इसकी जड़ में क्या है?

“अहा, वॉटसन – हमेशा की तरह बेहद व्यावहारिक! आखिर इस सब की जड़ क्या है? श्रीमती वॉरेन की विचित्र समस्या जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, और भी जटिल होती जाती है और अधिक भयावह रूप ले लेती है। इतना तो हम कह सकते हैं कि यह कोई साधारण प्रेम प्रसंग नहीं है। आपने खतरे का आभास होते ही उस महिला का चेहरा देख लिया था। हमने मकान मालिक पर हुए हमले के बारे में भी सुना है, जो निस्संदेह किराएदार के लिए था। ये खतरे की आशंकाएँ और गोपनीयता की सख्त ज़रूरत इस बात का संकेत देती हैं कि मामला जीवन-मरण का है। श्री वॉरेन पर हुए हमले से यह भी स्पष्ट होता है कि दुश्मन, चाहे वे कोई भी हों, खुद इस बात से अनजान हैं कि पुरुष किराएदार की जगह महिला किराएदार को रखा गया है। यह बहुत ही विचित्र और जटिल है, वॉटसन।”

“आपको इसमें और आगे क्यों बढ़ना चाहिए? इससे आपको क्या लाभ होगा?”

“क्या सच में? यह कला कला के लिए है, वॉटसन। मुझे लगता है कि जब आप डॉक्टरी करते थे, तो आप बिना किसी शुल्क की परवाह किए मामलों का अध्ययन करते थे?”

"मेरी शिक्षा के लिए, होम्स।"

"वॉटसन, शिक्षा कभी खत्म नहीं होती। यह पाठों की एक श्रृंखला है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण पाठ अंत में मिलता है। यह एक शिक्षाप्रद मामला है। इसमें न तो पैसा है और न ही श्रेय, फिर भी इसे सुलझाना जरूरी है। शाम ढलते-होते हम अपनी जांच में एक कदम आगे बढ़ चुके होंगे।"

जब हम श्रीमती वॉरेन के कमरों में लौटे, तो लंदन की सर्दियों की शाम का अंधकार एक गहरे भूरे पर्दे में सिमट गया था, रंगों का एक नीरस सन्नाटा, जो केवल खिड़कियों के चमकीले पीले चौकोर टुकड़ों और गैस-लैंपों के धुंधले प्रकाश से ही टूट रहा था। जब हमने लॉजिंग हाउस के अंधेरे बैठक कक्ष से झाँका, तो एक और मंद प्रकाश धुंधलेपन में ऊपर की ओर टिमटिमा रहा था।

"उस कमरे में कोई हिल रहा है," होम्स ने फुसफुसाते हुए कहा, उसका दुबला-पतला और उत्सुक चेहरा खिड़की के शीशे की ओर झुका हुआ था। “हाँ, मुझे उसकी परछाई दिख रही है। वह फिर से आ गया! उसके हाथ में मोमबत्ती है। अब वह झाँक रहा है। वह यह सुनिश्चित करना चाहता है कि वह सतर्क रहे। अब वह चमकने लगता है। वॉटसन, संदेश भी ले लो, ताकि हम एक-दूसरे की जाँच कर सकें। एक चमक— वह A है, निश्चित रूप से। अब, फिर। तुमने कितनी चमकीं? बीस। मैंने भी। इसका मतलब T होना चाहिए। AT— यह तो समझ में आ रहा है! एक और T। निश्चित रूप से यह दूसरे शब्द की शुरुआत है। अब, फिर— TENTA। एकदम रुक गया। बस इतना ही नहीं हो सकता, वॉटसन? ATTENTA का कोई अर्थ नहीं निकलता। और न ही यह तीन शब्दों AT, TEN, TA के रूप में बेहतर है, जब तक कि T और A किसी व्यक्ति के नाम के पहले अक्षर न हों। यह फिर से आ गया! यह क्या है? ATTE, अरे, यह वही संदेश फिर से है। अजीब है, वॉटसन, बहुत अजीब! अब वह फिर से शुरू हो गया! AT — अरे, वह इसे तीसरी बार दोहरा रहा है। ATTENTA तीन बार! वह इसे कितनी बार दोहराएगा? नहीं, ऐसा लगता है कि बस इतना ही है। समाप्त। वह खिड़की से हट गया है। वाटसन, तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?

"यह एक गुप्त संदेश है, होम्स।"

मेरे साथी ने अचानक समझदारी भरी हंसी हंस दी।

“और ये कोई बहुत ही अस्पष्ट संकेत नहीं है, वॉटसन,” उसने कहा। “क्यों न, ये इतालवी है! 'ए' का मतलब है कि ये एक महिला को संबोधित है। ‘सावधान! सावधान! सावधान!’ कैसा लगा, वॉटसन?”

मुझे लगता है कि आपने सही निशाना लगाया है।

“इसमें कोई शक नहीं। यह बहुत ही ज़रूरी संदेश है, जिसे और भी ज़्यादा ज़रूरी बनाने के लिए तीन बार दोहराया गया है। लेकिन किस बात से सावधान रहें? ज़रा रुकिए; वह एक बार फिर खिड़की पर आ रहा है।”

फिर से हमें झुके हुए आदमी की धुंधली आकृति और खिड़की के पार छोटी सी लौ की हल्की सी चमक दिखाई दी, जैसे ही संकेत फिर से दिए गए। ये संकेत पहले से कहीं अधिक तेजी से आ रहे थे - इतने तेज़ कि उनका पीछा करना मुश्किल था।

“पेरिकोलो पेरिकोलो — अरे, ये क्या है, वॉटसन? ‘खतरा’ है ना? जी हाँ, ये तो खतरे का संकेत है। ये फिर से शुरू हो गया! पेरी। हैलो, ये क्या हो रहा है —”

अचानक बत्ती बुझ गई, खिड़की का जगमगाता चौकोर हिस्सा गायब हो गया, और तीसरी मंज़िल, चमकीली खिड़कियों की कतारों के साथ, उस विशाल इमारत के चारों ओर एक अंधेरी पट्टी की तरह दिखने लगी। वह आखिरी चेतावनी भरी आवाज़ अचानक रुक गई। कैसे, और किसने? यही सवाल हम दोनों के मन में एक ही क्षण आया। होम्स खिड़की के पास दुबके हुए थे, वहीं से उछल पड़े।

“यह गंभीर मामला है, वॉटसन,” वह चिल्लाया। “आगे कुछ गड़बड़ होने वाली है! इस तरह का संदेश इस तरह क्यों रुकना चाहिए? मुझे स्कॉटलैंड यार्ड को इस मामले की जानकारी देनी चाहिए—लेकिन यह इतना जरूरी है कि हम यहां से जा नहीं सकते।”

"क्या मुझे पुलिस को बुलाना चाहिए?"

“हमें स्थिति को थोड़ा और स्पष्ट रूप से परिभाषित करना होगा। शायद इसकी कुछ और सरल व्याख्या भी हो सके। आइए, वॉटसन, हम खुद जाकर देखते हैं कि हम इससे क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं।”

—

जैसे ही हम हॉवे स्ट्रीट पर तेज़ी से आगे बढ़े, मैंने पीछे मुड़कर उस इमारत को देखा जिसे हम पीछे छोड़ आए थे। वहां, ऊपर की खिड़की पर धुंधली सी आकृति में, मुझे एक सिर की परछाई दिखाई दी, एक महिला का सिर, जो तनाव से, दृढ़ता से, रात के अंधेरे में बाहर देख रहा था, उस रुके हुए संदेश के पुनः आने की बेताबी से प्रतीक्षा कर रहा था। हॉवे स्ट्रीट फ्लैट्स के दरवाज़े पर एक आदमी, टाई और ओवरकोट पहने हुए, रेलिंग से टिका हुआ था। जैसे ही हॉल की रोशनी हमारे चेहरों पर पड़ी, वह चौंक गया।

“होम्स!” वह चिल्लाया।

“अरे, ग्रेगसन!” मेरे साथी ने स्कॉटलैंड यार्ड के जासूस से हाथ मिलाते हुए कहा। “यात्राएँ तो प्रेमियों की मुलाकातों के साथ ही समाप्त होती हैं। आप यहाँ किसलिए आए हैं?”

“मुझे लगता है कि आप भी उन्हीं कारणों से यहाँ आए हैं,” ग्रेगसन ने कहा। “आप यहाँ कैसे पहुँचे, यह मेरी समझ से परे है।”

“अलग-अलग पहलू हैं, लेकिन अंततः एक ही उलझन की ओर ले जाते हैं। मैं संकेतों को समझ रहा हूं।”

“संकेत?”

“हां, उसी खिड़की से। वे बीच से टूट गए थे। हम कारण जानने आए थे। लेकिन चूंकि यह आपके हाथों में सुरक्षित है, इसीलिए मुझे कारोबार जारी रखने में कोई आपत्ति

नहीं दिखती।”

“ज़रा रुकिए!” ग्रेगसन ने उत्सुकता से कहा। “मिस्टर होम्स, मैं आपको यह बता दूं कि मैं आज तक किसी भी मामले में शामिल नहीं हुआ, लेकिन आपके साथ होने से मुझे हमेशा ताकत मिली है। इन फ्लैटों से बाहर निकलने का सिर्फ़ एक ही रास्ता है, इसलिए वह सुरक्षित है।”

"कौन है ये?"

“वाह वाह, आज तो हमने आपको हरा दिया, मिस्टर होम्स। इस बार आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।” उन्होंने अपनी छड़ी ज़मीन पर ज़ोर से पटकी, जिस पर सड़क के दूसरी ओर खड़ी एक चार पहिया गाड़ी से एक टैक्सी ड्राइवर हाथ में चाबुक लिए हुए धीरे-धीरे चलकर उनके पास आया। “क्या मैं आपको मिस्टर शर्लक होम्स से मिलवा सकता हूँ?” उन्होंने टैक्सी ड्राइवर से कहा। “ये हैं मिस्टर लेवर्टन, पिंकर्टन की अमेरिकन एजेंसी से।”

“लॉन्ग आइलैंड की गुफा के रहस्य के नायक?” होम्स ने कहा। “महोदय, आपसे मिलकर मुझे खुशी हुई।”

शांत स्वभाव का, पेशेवर युवक, जिसकी दाढ़ी साफ थी और चेहरा तीखा था, प्रशंसा के शब्दों को सुनकर लाल हो उठा। उसने कहा, "मिस्टर होम्स, मैं अब अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण मिशन पर हूँ। अगर मैं गोरगियानो को पकड़ सकूं तो..."

“क्या! रेड सर्कल वाला गोरगियानो?”

“ओह, यूरोप में उसकी शोहरत है, है ना? खैर, हमने उसके बारे में अमेरिका में सब कुछ जान लिया है। हम जानते हैं कि वह पचास हत्याओं का सरगना है, फिर भी हमारे पास उसे फंसाने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं है। मैंने न्यूयॉर्क से उसका पीछा किया और लंदन में एक हफ्ते से उसके आसपास ही रहा, बस उसे पकड़ने का कोई बहाना ढूंढ रहा था। मिस्टर ग्रेगसन और मैंने उसे उस बड़े से किराए के मकान में घेर लिया, और वहाँ सिर्फ एक ही दरवाजा है, इसलिए वह हमसे बच नहीं सकता। उसके अंदर जाने के बाद से तीन लोग बाहर आए हैं, लेकिन मैं कसम खाकर कह सकता हूं कि वह उनमें से एक नहीं था।”

“श्री होम्स संकेतों की बात करते हैं,” ग्रेगसन ने कहा। “मुझे उम्मीद है, हमेशा की तरह, उन्हें बहुत कुछ ऐसा पता है जो हमें नहीं पता।”

होम्स ने कुछ स्पष्ट शब्दों में उस स्थिति को समझाया जैसा कि हमें दिखाई दिया था।

उस अमेरिकी ने झुंझलाहट से अपने हाथ आपस में पटक दिए।

“उसे हमारी साजिश का पता चल गया है!” वह चिल्लाया।

"आप ऐसा क्यों सोचते हैं?"

“खैर, बात कुछ ऐसी ही है, है ना? वो यहाँ अपने एक साथी को संदेश भेज रहा था—लंदन में उसके गिरोह के कई लोग हैं। फिर अचानक, जैसा कि आपने बताया, जब वो उन्हें खतरे के बारे में बता रहा था, उसने संदेश भेजना बंद कर दिया। इसका क्या मतलब हो सकता है सिवाय इसके कि खिड़की से उसने अचानक हमें सड़क पर देख लिया हो, या किसी तरह उसे खतरे की गंभीरता का एहसास हो गया हो, और उसे लगा हो कि अगर उसे इससे बचना है तो उसे तुरंत कार्रवाई करनी होगी? आपका क्या सुझाव है, श्रीमान होम्स?”

"कि हम तुरंत ऊपर जाएं और खुद देखें।"

लेकिन हमारे पास उसकी गिरफ्तारी का कोई वारंट नहीं है।

ग्रेगसन ने कहा, "वह संदिग्ध परिस्थितियों में खाली परिसर में है। फिलहाल इतना काफी है। जब हम उसे पकड़ लेंगे, तब देखेंगे कि क्या न्यूयॉर्क उसे हिरासत में रखने में हमारी मदद कर सकता है। मैं अभी उसे गिरफ्तार करने की जिम्मेदारी लेता हूं।"

हमारे सरकारी जासूस खुफिया जानकारी जुटाने में गलती कर सकते हैं, लेकिन साहस के मामले में कभी नहीं। ग्रेगसन उसी शांत और पेशेवर अंदाज़ में सीढ़ियां चढ़कर इस खूंखार हत्यारे को गिरफ्तार करने के लिए आगे बढ़े, जैसे वे स्कॉटलैंड यार्ड की सरकारी सीढ़ियाँ चढ़ते। पिंकर्टन के उस आदमी ने उन्हें धक्का देकर आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन ग्रेगसन ने उन्हें कोहनी मारकर पीछे धकेल दिया। लंदन के खतरे लंदन पुलिस बल का विशेषाधिकार थे।

तीसरी मंजिल पर बाईं ओर वाले फ्लैट का दरवाज़ा थोड़ा खुला हुआ था। ग्रेगसन ने उसे धक्का देकर खोला। अंदर पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा था। मैंने माचिस जलाई और जासूस की लालटेन जलाई। जैसे ही मैंने ऐसा किया और लौ तेज हुई, हम सब चौंक गए। कालीन रहित फ़र्श पर खून के ताजा निशान बने हुए थे। लाल सीढ़ियाँ हमारी ओर इशारा कर रही थीं और एक अंदरूनी कमरे से दूर जा रही थीं, जिसका दरवाजा बंद था। ग्रेगसन ने दरवाजा खोला और अपनी लालटेन पूरी रोशनी में अपने सामने कर ली, जबकि हम सब उत्सुकता से उसके कंधों के ऊपर से झाँक रहे थे।

खाली कमरे के फ़र्श के बीचोंबीच एक विशालकाय आदमी की आकृति दुबकी हुई थी। उसका साफ़ मुंडा हुआ, सांवला चेहरा विकृत होकर भयानक लग रहा था और उसका सिर खून के एक भयंकर लाल घेरे से घिरा हुआ था, जो सफ़ेद लकड़ी पर एक चौड़े गीले घेरे में पड़ा था। उसके घुटने मुड़े हुए थे, हाथ दर्द से बेहाल थे, और उसके चौड़े, भूरे, ऊपर की ओर मुड़े हुए गले के बीचोंबीच से एक चाकू का सफ़ेद हैंडल निकला हुआ था, जो उसके शरीर में गहराई तक धंसा हुआ था। इतना विशालकाय होने के बावजूद, उस भयानक प्रहार के सामने वह आदमी किसी बैल की तरह गिर पड़ा होगा। उसके दाहिने हाथ के पास फर्श पर सींग के हैंडल वाला एक बेहद शक्तिशाली दोधारी खंजर पड़ा था, और उसके पास ही एक काला चमड़े का दस्ताना था।

“हे भगवान! ये तो खुद ब्लैक गोरगियानो है!” अमेरिकी जासूस चिल्लाया। “इस बार कोई हमसे आगे निकल गया है।”

“मिस्टर होम्स, ये रही वो मोमबत्ती जो खिड़की में रखी है,” ग्रेगसन ने कहा। “अरे, आप ये क्या कर रहे हैं?”

होम्स खिड़की के पार गए, मोमबत्ती जलाई और उसे खिड़की के शीशों पर आगे-पीछे घुमाने लगे। फिर उन्होंने अंधेरे में झाँका, मोमबत्ती बुझाई और उसे ज़मीन पर फेंक दिया।

“मुझे लगता है कि इससे मदद मिलेगी,” उसने कहा। वह पास आया और गहरी सोच में खड़ा रहा जबकि दोनों पेशेवर शव की जांच कर रहे थे। “आप कहते हैं कि जब आप नीचे इंतज़ार कर रहे थे, तब तीन लोग फ्लैट से बाहर आए थे,” उसने अंत में कहा। “क्या आपने उन्हें ध्यान से देखा था?”

"हाँ मैंने किया।"

"क्या वहां लगभग तीस साल का एक आदमी था, जिसकी काली दाढ़ी थी, सांवला रंग था और कद मध्यम था?"

“हां; वह मुझे पार करने वाला आखिरी व्यक्ति था।”

“मुझे लगता है कि यही वह व्यक्ति है। मैं आपको उसका हुलिया बता सकता हूँ, और हमारे पास उसके पदचिह्नों की बहुत अच्छी रूपरेखा है। यह आपके लिए काफी होगा।”

"लंदन के लाखों लोगों में से कोई भी बहुत कम है, मिस्टर होम्स।"

"शायद नहीं। इसीलिए मुझे लगा कि आपकी मदद के लिए इस महिला को बुलाना सबसे अच्छा रहेगा।"

ये शब्द सुनकर हम सब मुड़ गए। दरवाजे पर खड़ी एक लंबी और खूबसूरत महिला थी—ब्लूम्सबरी की रहस्यमयी किराएदार। धीरे-धीरे वह आगे बढ़ी, उसका चेहरा भयानक आशंका से पीला और सिकुड़ा हुआ था, उसकी आँखें टकटकी लगाए एकटक देख रही थीं, उसकी भयभीत निगाहें फर्श पर पड़ी उस काली आकृति पर टिकी हुई थीं।

“तुमने उसे मार डाला!” वह बुदबुदाई। “हे भगवान, तुमने उसे मार डाला!” तभी मैंने उसकी गहरी साँस सुनी और वह खुशी से उछल पड़ी। कमरे में गोल-गोल नाचने लगी, उसके हाथ ताली बजा रहे थे, उसकी गहरी आँखें खुशी और आश्चर्य से चमक रही थीं, और उसके होठों से हज़ारों सुंदर इतालवी शब्द निकल रहे थे। ऐसी महिला को इस दृश्य को देखकर इतनी खुशी से झूमते देखना भयानक और आश्चर्यजनक था। अचानक वह रुकी और हम सभी को प्रश्नवाचक निगाहों से देखने लगी।

“लेकिन तुम! तुम पुलिस हो, है ना? तुमने ग्यूसेप्पे गोर्जियानो को मार डाला है। क्या ऐसा नहीं है?”

“हम पुलिस हैं, मैडम।”

उसने कमरे के अंधेरे में चारों ओर देखा।

“लेकिन फिर गेनारो कहाँ है?” उसने पूछा। “वह मेरे पति गेनारो लुक्का हैं। मैं एमिलिया लुक्का हूँ, और हम दोनों न्यूयॉर्क से हैं। गेनारो कहाँ है? उन्होंने अभी इसी खिड़की से मुझे फोन किया था, और मैं पूरी रफ्तार से भागी।”

"मैंने ही फोन किया था," होम्स ने कहा।

“तुम! तुमने फोन कैसे किया?”

“आपका कोड समझना मुश्किल नहीं था, महोदया। आपकी उपस्थिति वांछनीय थी। मुझे पता था कि मुझे बस ‘विएनी’ दिखाना है और आप अवश्य आ जाएंगी।”

उस खूबसूरत इतालवी महिला ने मेरे साथी को विस्मय भरी निगाहों से देखा।

“मुझे समझ नहीं आ रहा कि आपको ये सब कैसे पता है,” उसने कहा। “ग्यूसेप्पे गोरगियानो— उसने ये कैसे किया—” वह रुकी, और फिर अचानक उसका चेहरा गर्व और खुशी से चमक उठा। “अब समझ में आया! मेरे गेनारो! मेरे शानदार, खूबसूरत गेनारो, जिसने मुझे हर तरह के नुकसान से बचाया है, उसने ही ये किया, अपने बलवान हाथों से उस राक्षस को मार डाला! ओह, गेनारो, तुम कितने अद्भुत हो! भला कौन सी स्त्री ऐसे पुरुष के योग्य हो सकती है?”

“खैर, श्रीमती लुक्का,” ग्रेगसन ने नीरस भाव से कहा और महिला की आस्तीन पर अपना हाथ इस तरह रखा जैसे वह नॉटिंग हिल की कोई गुंडी हो, “मुझे अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि आप कौन हैं या क्या हैं; लेकिन आपने इतना कह दिया है कि यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि हमें यार्ड में आपकी आवश्यकता होगी।”

“एक पल रुकिए, ग्रेगसन,” होम्स ने कहा। “मुझे लगता है कि यह महिला हमें जानकारी देने के लिए उतनी ही उत्सुक होगी जितनी हम उसे पाने के लिए। महोदया, क्या आप समझती हैं कि आपके पति को उस व्यक्ति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया जाएगा और उन पर मुकदमा चलाया जाएगा जो हमारे सामने पड़ा है? आप जो भी कहेंगी, उसे सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन अगर आपको लगता है कि उन्होंने जो किया है वह आपराधिक नहीं है, और जिसे वे जानना चाहते थे, तो उनके लिए सबसे अच्छा यही होगा कि आप हमें पूरी कहानी बता दें।”

“अब जब गोरगियानो मर चुका है, तो हमें किसी बात का डर नहीं है,” महिला ने कहा। “वह एक शैतान और राक्षस था, और दुनिया में ऐसा कोई न्यायाधीश नहीं हो सकता जो मेरे पति को उसकी हत्या के लिए दंडित करे।”

"ऐसे में," होम्स ने कहा, "मेरा सुझाव है कि हम इस दरवाजे को बंद कर दें, चीज़ों को वैसे ही छोड़ दें जैसे हमने उन्हें पाया था, इस महिला के साथ उसके कमरे में जाएं, और उसके द्वारा कही गई बातों को सुनने के बाद अपनी राय बनाएं।"

आधे घंटे बाद हम चारों सिग्नोरा लुक्का के छोटे से बैठक कक्ष में बैठे थे, और उन भयावह घटनाओं का उनका अद्भुत वर्णन सुन रहे थे, जिनके अंत के हम साक्षी बने थे। वह तेज़ और धाराप्रवाह, लेकिन बेहद अपरंपरागत अंग्रेज़ी में बोल रही थीं, जिसे स्पष्टता के लिए मैं व्याकरणिक रूप से सही करूंगा।

“मेरा जन्म नेपल्स के पास पोसिलिप्पो में हुआ था,” उसने कहा, “मैं ऑगस्टो बारेली की बेटी थी, जो उस क्षेत्र के प्रमुख वकील और एक समय डिप्टी भी रह चुके थे। गेनारो मेरे पिता के यहाँ काम करता था, और मुझे उससे प्यार हो गया, जैसा कि किसी भी महिला को होता है। उसके पास न तो धन था और न ही पद – उसके पास सुंदरता, शक्ति और ऊर्जा के अलावा कुछ नहीं था – इसलिए मेरे पिता ने इस रिश्ते को नामंज़ूर कर दिया। हम दोनों भाग गए, बारी में शादी कर ली, और अमेरिका जाने के लिए पैसे जुटाने के लिए मैंने अपने गहने बेच दिए। यह चार साल पहले की बात है, और तब से हम न्यूयॉर्क में ही रह रहे हैं।”

“शुरुआत में किस्मत हम पर मेहरबान थी। गेनारो ने एक इतालवी सज्जन की मदद की - उसने उन्हें बोवेरी नामक स्थान पर कुछ बदमाशों से बचाया और इस तरह एक शक्तिशाली मित्र बना लिया। उनका नाम टिटो कास्टालोट था और वे कास्टालोट और ज़ाम्बा की बड़ी कंपनी के वरिष्ठ साझेदार थे, जो न्यूयॉर्क के प्रमुख फल आयातक हैं। सिग्नोर ज़ाम्बा बीमार हैं, और हमारे नए मित्र कास्टालोट के पास कंपनी में सारी शक्ति है, जिसमें तीन सौ से अधिक लोग काम करते हैं। उन्होंने मेरे पति को अपने यहाँ नौकरी पर रख लिया, उन्हें एक विभाग का प्रमुख बना दिया और हर तरह से उनके प्रति अपना स्नेह दिखाया। सिग्नोर कास्टालोट अविवाहित थे, और मुझे लगता है कि वे गेनारो को अपने बेटे की तरह मानते थे, और मेरे पति और मैं दोनों उन्हें अपने पिता की तरह प्यार करते थे। हमने ब्रुकलिन में एक छोटा सा घर लिया और उसे सजाया-संवारा, और हमारा पूरा भविष्य सुरक्षित लग रहा था, तभी वह काला बादल छा गया जो जल्द ही हमारे आसमान पर छाने वाला था।

एक रात, जब गेनारो काम से लौटा, तो अपने साथ एक साथी को भी लाया। उसका नाम गोरगियानो था, और वह भी पोसिलिप्पो से आया था। वह एक विशालकाय आदमी था, जैसा कि आप गवाही दे सकते हैं, क्योंकि आपने उसका शव देखा है। उसका शरीर तो किसी दानव जैसा था ही, बल्कि उसका हर अंग विकृत, विशाल और भयानक था। उसकी आवाज़ हमारे छोटे से घर में गरजती हुई सी लगती थी। जब वह बोलता था, तो उसकी विशाल भुजाओं के घूमने के लिए शायद ही जगह बचती थी। उसके विचार, उसकी भावनाएँ, उसका जुनून, सब कुछ अतिरंजित और राक्षसी था। वह इतनी ऊर्जा से बोलता था, या यूँ कहें कि दहाड़ता था, कि दूसरे लोग बस बैठे रह सकते थे, शब्दों की उस शक्तिशाली धारा से भयभीत होकर। उसकी आँखें आप पर चमकती थीं और आपको अपनी दया पर रखती थीं। वह एक भयानक और अद्भुत आदमी था। मैं ईश्वर का धन्यवाद करता हूँ कि वह मर गया!

“वह बार-बार आता रहा। फिर भी मुझे इस बात का एहसास था कि गेनारो भी उसकी मौजूदगी में मुझसे ज़्यादा खुश नहीं था। मेरा बेचारा पति पीला और उदास बैठा रहता, हमारे मेहमान की राजनीति और सामाजिक मुद्दों पर होने वाली अंतहीन बकवास सुनता रहता। गेनारो कुछ नहीं बोलता था, लेकिन मैं, जो उसे अच्छी तरह जानती थी, उसके चेहरे पर एक ऐसा भाव पढ़ सकती थी जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था। पहले तो मुझे लगा कि यह नापसंदगी है। और फिर, धीरे-धीरे, मैं समझ गई कि यह

नापसंदगी से कहीं ज़्यादा था। यह डर था—एक गहरा, गुप्त, सिहरन पैदा करने वाला डर। उस रात—जिस रात मैंने उसके डर को महसूस किया—मैंने उसे गले लगाया और उसके मेरे प्रति प्रेम और उसकी हर प्रिय चीज़ की कसम खाकर उससे विनती की कि वह मुझसे कुछ भी न छिपाए, और मुझे बताए कि यह विशालकाय आदमी उस पर इतना हावी क्यों था।"

"उसने मुझे बताया, और सुनते-सुनते मेरा दिल बर्फ की तरह ठंडा पड़ गया। मेरे बेचारे गेनारो ने अपने उग्र और जोशीले दिनों में, जब पूरी दुनिया उसके खिलाफ लग रही थी और जीवन के अन्याय से उसका दिमाग लगभग पागल हो गया था, तब नेपल्स के एक संगठन, रेड सर्कल में शामिल हो गया था, जो पुराने कार्बोनारी से संबद्ध था। इस संगठन की शपथें और रहस्य भयानक थे, लेकिन एक बार इसके दायरे में आ जाने के बाद कोई बच नहीं सकता था। जब हम अमेरिका भाग गए, तो गेनारो ने सोचा कि उसने हमेशा के लिए इससे छुटकारा पा लिया है। एक शाम सड़कों पर उस आदमी से मिलकर उसको कितना सदमा लगा होगा जिसने उसे नेपल्स में दीक्षा दी थी, विशालकाय गोर्गियानो, एक ऐसा आदमी जिसने दक्षिणी इटली में 'मौत' का नाम कमाया था, क्योंकि वह हत्याओं में लथपथ था! वह इतालवी पुलिस से बचने के लिए न्यूयॉर्क आया था, और उसने अपने नए घर में इस भयानक संगठन की एक शाखा पहले ही स्थापित कर ली थी। यह सब गेनारो ने मुझे बताया और मुझे वह सम्मन दिखाया जो उसे उसी दिन मिला था, जिसके शीर्ष पर एक लाल घेरा बना हुआ था और उसे बता रहा था कि एक लॉज आयोजित किया जाएगा।" एक निश्चित तिथि थी, और उस तिथि पर उनकी उपस्थिति आवश्यक और आदेशित थी।

"यह तो काफी बुरा था, लेकिन इससे भी बुरा होना बाकी था। मैंने कुछ समय से गौर किया था कि जब गोर्गियानो शाम को हमारे पास आता था, जैसा कि वह अक्सर करता था, तो वह मुझसे बहुत बातें करता था; और यहां तक कि जब वह मेरे पति से बात कर रहा होता था, तब भी उसकी वो भयानक, घूरती, जंगली-जानवर जैसी आंखें हमेशा मुझ पर ही टिकी रहती थीं। एक रात उसका राज़ खुल गया। मैंने उसके अंदर उस चीज़ को जगा दिया था जिसे वह 'प्रेम' कहता था - एक दरिंदे का प्रेम - एक बर्बर का प्रेम। गेनारो अभी लौटा नहीं था कि वह आ गया। उसने जबरदस्ती अंदर घुसकर मुझे अपनी ताकतवर बाहों में जकड़ लिया, भालू की तरह गले लगाया, मुझे चूमने लगा और मुझसे उसके साथ चलने की विनती करने लगा। मैं छटपटा रही थी और चीख रही थी जब गेनारो अंदर आया और उस पर हमला कर दिया। मैंने गेनारो को बेहोश कर दिया और उस घर से भाग गया जिसमें वह फिर कभी नहीं लौटा। उस रात हमने एक जानलेवा दुश्मन बना लिया था।"

कुछ दिनों बाद बैठक हुई। गेनारो बैठक से ऐसे चेहरे के साथ लौटा जिससे मुझे पता चला कि कुछ भयानक घटित हुआ है। यह हमारी कल्पना से भी कहीं अधिक बुरा था। संस्था के लिए धन धनी इटालियनों को ब्लैकमेल करके और पैसे देने से इनकार करने पर हिंसा की धमकी देकर जुटाया गया था। ऐसा लगता है कि हमारे प्रिय मित्र और परोपकारी कैस्टालोटे से संपर्क किया गया था। उन्होंने धमकियों के आगे झुकने से इनकार कर दिया था और उन्होंने पुलिस को नोटिस सौंप दिए थे। अब यह तय किया गया कि उन्हें ऐसा सबक सिखाया जाए जिससे कोई और पीड़ित विद्रोह करने की हिम्मत न करे। बैठक में यह तय किया गया कि उन्हें और उनके घर को डायनामाइट से उड़ा दिया जाए। यह तय करने के लिए लॉटरी निकाली गई कि यह काम कौन करेगा। गेनारो ने थैले में हाथ डालते ही हमारे दुश्मन के क्रूर चेहरे को मुस्कुराते हुए देखा। निस्संदेह यह किसी न किसी तरह से पूर्वनियोजित था, क्योंकि उनकी हथेली पर लाल घेरे वाली घातक डिस्क, हत्या का आदेश, पड़ी थी। उन्हें अपने सबसे अच्छे दोस्त को

मारना था, या फिर खुद को और मुझे प्रतिशोध के हवाले करना था। उसके साथियों के बारे में। यह उनकी क्रूर प्रणाली का हिस्सा था कि वे जिनसे डरते या नफरत करते थे, उन्हें न केवल स्वयं की बल्कि अपने प्रियजनों को भी चोट पहुंचाकर दंडित करते थे, और इसी ज्ञान ने मेरे बेचारे गेनारो के सिर पर आतंक का साया डाल दिया था और उसे आशंका से लगभग पागल कर दिया था।

"पूरी रात हम एक-दूसरे के साथ बैठे रहे, एक-दूसरे को बाहों में भरकर, आने वाली मुसीबतों के लिए एक-दूसरे को हिम्मत देते रहे। अगली ही शाम को हमले की योजना तय हो गई थी। दोपहर तक मेरे पति और मैं लंदन के लिए रवाना हो चुके थे, लेकिन इससे पहले उन्होंने हमारे मददगार को अपने खतरे के बारे में पूरी चेतावनी दे दी थी और पुलिस के लिए भी ऐसी जानकारी छोड़ दी थी जिससे भविष्य में उनकी जान सुरक्षित रहे।"

बाकी बातें, सज्जनों, आप स्वयं जानते हैं। हमें पूरा यकीन था कि हमारे दुश्मन हमारी परछाई की तरह हमारे पीछे लगे रहेंगे। गोरगियानो के बदले के अपने निजी कारण थे, लेकिन फिर भी हम जानते थे कि वह कितना निर्दयी, धूर्त और अथक हो सकता है। इटली और अमेरिका दोनों ही उसकी भयानक शक्तियों की कहानियों से भरे पड़े हैं। अगर कभी उनका इस्तेमाल हुआ भी है, तो वह अब होगा। मेरे प्रिय ने हमें जो कुछ साफ दिन मिले थे, उनका फायदा उठाकर मेरे लिए इस तरह से एक सुरक्षित ठिकाना बनाया कि मुझ तक कोई खतरा न पहुंच सके। वह खुद भी आज़ाद रहना चाहता था ताकि वह अमेरिकी और इतालवी पुलिस दोनों से संपर्क कर सके। मुझे खुद नहीं पता कि वह कहाँ रहता था, या कैसे। मुझे जो कुछ भी पता चला, वह एक अखबार के पन्नों से पता चला। लेकिन एक बार जब मैंने अपनी खिड़की से देखा, तो मैंने दो इटालियनों को घर की निगरानी करते देखा, और मैं समझ गई कि किसी तरह गोरगियानो को हमारे छिपने की जगह का पता चल गया था। आखिरकार गेनारो ने मुझे अखबार के जरिए बताया कि वह मुझे एक खास खिड़की से संकेत देगा, लेकिन जब संकेत आए तो वे केवल चेतावनी थे, जो... अचानक बात अधूरी रह गई। अब मुझे यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि वह जानता था कि गोरगियानो उसके करीब है, और ईश्वर की कृपा से, जब वह आया तो वह उसके लिए तैयार था। और अब, सज्जनों, मैं आपसे पूछना चाहता हूँ कि क्या हमें कानून से डरने की कोई बात है, या क्या धरती पर कोई न्यायाधीश मेरे गेनारो को उसके किए के लिए दोषी ठहराएगा?

"खैर, श्री ग्रेगसन," अमेरिकी ने अधिकारी की ओर देखते हुए कहा, "मुझे नहीं पता कि आपका ब्रिटिश दृष्टिकोण क्या है, लेकिन मुझे लगता है कि न्यूयॉर्क में इस महिला के पति को काफी व्यापक धन्यवाद मिलेगा।"

"उसे मेरे साथ आना होगा और मुखिया से मिलना होगा," ग्रेगसन ने जवाब दिया। "अगर उसकी बात सही साबित होती है, तो मुझे नहीं लगता कि उसे या उसके पति को ज्यादा डरने की जरूरत है। लेकिन मुझे यह बिल्कुल समझ नहीं आ रहा है, मिस्टर होम्स, कि आखिर आप इस मामले में कैसे उलझ गए।"

"शिक्षा, ग्रेगसन, शिक्षा। पुराने विश्वविद्यालय में अभी भी ज्ञान की खोज में लगे हो। अच्छा, वॉटसन, तुम्हारे संग्रह में दुखद और विचित्रता का एक और नमूना जुड़ गया है। वैसे, अभी आठ नहीं बजे हैं, और कोवेंट गार्डन में वैगनर का शो है! अगर हम जल्दी करें, तो शायद दूसरे एक्ट के लिए समय पर पहुंच जाएं।"

गत्ते के डिब्बे का रोमांच

अपने मित्र शर्लक होम्स की असाधारण मानसिक क्षमताओं को दर्शाने वाले कुछ विशिष्ट मामलों का चयन करते हुए, मैंने यथासंभव उन मामलों को चुनने का प्रयास

किया है जिनमें सनसनीखेज तत्वों की कमी न हो, साथ ही उनकी प्रतिभा को निखारने का उचित अवसर भी मिले। हालांकि, दुर्भाग्यवश, सनसनीखेज तथ्यों को आपराधिक तथ्यों से पूरी तरह अलग करना असंभव है, और एक इतिहासकार के सामने यह दुविधा उत्पन्न हो जाती है कि या तो वह अपने विवरण के लिए आवश्यक विवरणों को त्याग दे और इस प्रकार समस्या का गलत चित्रण प्रस्तुत करे, या फिर वह उन तथ्यों का उपयोग करे जो संयोगवश प्राप्त हुए हैं, न कि चुनाववश। इस संक्षिप्त प्रस्तावना के बाद, मैं उन घटनाओं की श्रृंखला पर अपने नोट्स की ओर मुड़ूंगा जो विचित्र होने के साथ-साथ अत्यंत भयावह भी साबित हुई।

अगस्त का महीना था और चिलचिलाती गर्मी पड़ रही थी। बेकर स्ट्रीट किसी भट्टी जैसी गर्म थी और सड़क के उस पार वाले घर की पीली ईंटों पर सूरज की चकाचौंध आँखों को चुभ रही थी। यकीन करना मुश्किल था कि ये वही दीवारें थीं जो सर्दियों के कोहरे में इतनी उदास सी दिखाई देती थीं। हमारे पर्दे आधे खुले थे और होम्स सोफे पर सिकुड़कर लेटे हुए सुबह की डाक से आए एक पत्र को बार-बार पढ़ रहे थे। भारत में सेवा के दौरान मुझे ठंड से ज़्यादा गर्मी सहन करने की आदत हो गई थी और 90 डिग्री का तापमान मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं थी। लेकिन सुबह का अखबार नीरस था। संसद का सत्र समाप्त हो चुका था। सब लोग शहर से बाहर गए हुए थे और मुझे न्यू फ़ॉरेस्ट के हरे-भरे मैदानों या साउथसी के कंकड़-पत्थर वाले इलाकों की याद आ रही थी। बैंक खाते में पैसे कम होने के कारण मुझे अपनी छुट्टियाँ टालनी पड़ी थीं और मेरे साथी को न तो गाँव और न ही समुद्र में ज़रा भी दिलचस्पी थी। उसे पांच मिलियन लोगों के बीचोंबीच लेटना बहुत पसंद था, जहाँ उसके धागे फैले हुए उनके बीच से गुजरते थे, और वह हर छोटी-मोटी अफवाह या अनसुलझे अपराध के संदेह पर तत्पर रहता था। प्रकृति के प्रति उसकी सराहना उसकी अनेक प्रतिभाओं में कहीं नहीं थी, और उसमें एकमात्र परिवर्तन तब आया जब उसने शहर के अपराधी से अपना ध्यान हटाकर अपने देहाती भाई को ढूंढ़ने का काम शुरू किया।

मैंने देखा कि होम्स बातचीत के लिए बहुत तल्लीन थे, इसलिए मैंने वह खाली कागज एक तरफ फेंक दिया और अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर गहरी सोच में डूब गया। अचानक मेरे साथी की आवाज ने मेरे विचारों को भंग कर दिया:

“आप सही कह रहे हैं, वॉटसन,” उसने कहा। “विवाद सुलझाने का यह तरीका वाकई बेहद हास्यास्पद लगता है।”

“यह तो बिलकुल बेतुका है!” मैंने हैरानी से कहा, और फिर अचानक यह महसूस करते हुए कि उसने मेरी आत्मा के अंतर्मन के विचार को ही प्रतिध्वनित कर दिया है, मैं अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ गया और अचंभित होकर उसे घूरने लगा।

“यह क्या है, होम्स?” मैंने चिल्लाकर कहा। “यह मेरी कल्पना से परे है।”

मेरी उलझन देखकर वह दिल खोलकर हंसा।

“आपको याद होगा,” उन्होंने कहा, “कुछ समय पहले जब मैंने आपको पो की एक रचना का वह अंश पढ़कर सुनाया था जिसमें एक गहन विचारक अपने साथी के अनकहे विचारों का अनुसरण करता है, तो आपने इसे लेखक की एक मात्र कलात्मक कृति माना था। जब मैंने टिप्पणी की कि मैं भी अक्सर ऐसा ही करता हूं, तो आपने अविश्वास व्यक्त किया था।”

"अरे नहीं!"

"शायद अपनी ज़बान से नहीं, मेरे प्यारे वॉट्सन, लेकिन अपनी भौहों से तो ज़रूर। इसलिए जब मैंने आपको अपना कागज़ नीचे फेंककर विचारों में खोते देखा, तो मुझे उसे पढ़ने और अंततः उसमें दखल देने का मौका पाकर बहुत खुशी हुई, ताकि यह साबित हो सके कि मेरा आपसे अच्छा तालमेल था।"

लेकिन मैं अब भी संतुष्ट नहीं था। मैंने कहा, “जो उदाहरण आपने मुझे पढ़कर सुनाया, उसमें तर्क करने वाले ने अपने निष्कर्ष उस व्यक्ति के कार्यों से निकाले, जिसे उसने देखा था। अगर मुझे सही याद है, तो वह पत्थरों के ढेर पर ठोकर खा गया, तारों की ओर देखा, इत्यादि। लेकिन मैं तो चुपचाप अपनी कुर्सी पर बैठा रहा, और मैं आपको क्या सुराग दे सकता हूं?”

“तुम अपने साथ अन्याय कर रहे हो। मनुष्य को चेहरे के हाव-भाव इसलिए दिए गए हैं ताकि वह अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सके, और तुम्हारे चेहरे के हाव-भाव उसके वफादार सेवक हैं।”

"क्या आपका मतलब यह है कि आपने मेरे चेहरे के हाव-भाव से मेरे मन की बात जान ली?"

“आपके चेहरे के हाव-भाव और खासकर आपकी आंखें। शायद आपको खुद याद नहीं होगा कि आपकी ये तल्लीनता कैसे शुरू हुई?”

नहीं, मैं नहीं कर सकता।

“तो मैं आपको बताता हूँ। अपना कागज़ नीचे फेंकने के बाद, जिससे मेरा ध्यान आपकी ओर गया, आप आधे मिनट तक खाली-खाली से बैठे रहे। फिर आपकी नज़र जनरल गॉर्डन की नई फ्रेम की हुई तस्वीर पर टिक गई, और आपके चेहरे के भावों में आए बदलाव से मैंने समझ लिया कि आपके मन में कुछ विचार चल रहे हैं। लेकिन वे विचार ज़्यादा दूर तक नहीं गए। आपकी नज़र किताबों के ऊपर रखी हेनरी वार्ड बीचर की बिना फ्रेम वाली तस्वीर पर पड़ी। फिर आपने दीवार की ओर देखा, और ज़ाहिर है आपका इरादा स्पष्ट था। आप सोच रहे थे कि अगर तस्वीर को फ्रेम कर दिया जाए तो वह उस खाली जगह को ढक लेगी और वहाँ लगी गॉर्डन की तस्वीर से मेल खाएगी।”

“तुमने मेरा बहुत अच्छे से अनुसरण किया है!” मैंने कहा।

“अब तक तो मैं भटक ही नहीं सकता था। लेकिन अब आपके विचार बीचर की ओर लौट गए, और आप ध्यान से देखने लगे मानो उनके चेहरे के भावों में उनके चरित्र का अध्ययन कर रहे हों। फिर आपकी आँखों का सिकुड़ना बंद हो गया, लेकिन आप देखते ही रहे, और आपका चेहरा विचारशील हो गया। आप बीचर के जीवन की घटनाओं को याद कर रहे थे। मैं भली-भांति जानता था कि आप गृहयुद्ध के समय उत्तर की ओर से उनके द्वारा किए गए मिशन के बारे में सोचे बिना ऐसा नहीं कर सकते, क्योंकि मुझे याद है कि आपने हमारे उग्र लोगों द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार पर अपनी तीव्र नाराज़गी व्यक्त की थी। आप इस बारे में इतना दृढ़ता से महसूस करते थे कि मैं जानता था कि आप बीचर के बारे में सोचे बिना इसके बारे में नहीं सोच सकते। जब एक क्षण बाद मैंने देखा कि आपकी नज़र तस्वीर से हट गई, तो मुझे संदेह हुआ कि अब आपका मन गृहयुद्ध की ओर मुड़ गया है, और जब मैंने देखा कि आपके होंठ कस गए, आपकी आँखें चमक उठीं, और आपके हाथ मुट्ठी में बंद हो गए, तो मुझे यकीन हो गया कि आप वास्तव में उस भीषण संघर्ष में दोनों पक्षों द्वारा दिखाई गई वीरता के बारे में सोच रहे थे। लेकिन फिर, आपका चेहरा फिर से उदास हो गया; आपने अपना सिर हिलाया।” आप जीवन की उदासी, भयावहता और व्यर्थ बर्बादी पर विचार कर रहे थे। आपका हाथ अपने पुराने घाव की ओर बढ़ा और आपके होठों पर एक हल्की सी मुस्कान आई, जिससे मुझे यह समझ आया कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने के इस तरीके का हास्यास्पद पहलू आपके मन में घर कर गया था। इस बिंदु पर मैं आपसे सहमत था कि यह बेतुका था और यह जानकर मुझे खुशी हुई कि मेरे सभी अनुमान सही थे।

“बिल्कुल!” मैंने कहा। “और अब जब आपने इसे समझा दिया है, तो मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं पहले की तरह ही आश्चर्यचकित हूँ।”

"मेरे प्रिय वॉटसन, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यह बहुत सतही बात थी। अगर आपने उस दिन कुछ अविश्वास न दिखाया होता, तो मैं इसे आपके ध्यान में न लाता। लेकिन मेरे सामने एक छोटी सी समस्या है जिसका हल मेरे इस छोटे से निबंध से कहीं अधिक कठिन साबित हो सकता है। क्या आपने अखबार में एक छोटा सा पैराग्राफ देखा है जिसमें क्रॉस स्ट्रीट, क्रॉयडन की मिस कुशिंग को डाक से भेजे गए एक पैकेट की उल्लेखनीय सामग्री का जिक्र है?"

नहीं, मैंने कुछ नहीं देखा।

"अरे! तो आपने इसे नज़रअंदाज़ कर दिया होगा। इसे मुझे दे दीजिए। यह रहा, वित्तीय कॉलम के नीचे। शायद आप इसे ज़ोर से पढ़कर सुना दें।"

मैंने वह कागज़ उठाया जो उसने मेरी तरफ फेंका था और उसमें लिखे पैराग्राफ को पढ़ा। उसका शीर्षक था "एक भयानक पैकेट"।

क्रॉस स्ट्रीट, क्रॉयडन में रहने वाली सुश्री सुसान कुशिंग एक बेहद घिनौने मज़ाक का शिकार हुई हैं, जब तक कि इस घटना के पीछे कोई और भयावह मकसद न निकल जाए। कल दोपहर दो बजे डाकिया ने भूरे कागज़ में लिपटा एक छोटा पैकेट दिया। उसके अंदर एक गत्ते का डिब्बा था, जो मोटे नमक से भरा हुआ था। डिब्बा खोलने पर सुश्री कुशिंग को उसमें दो कटे हुए इंसानी कान मिले, जिन्हें देखकर वे दंग रह गईं। डिब्बा कल सुबह बेलफ़ास्ट से पार्सल डाक द्वारा भेजा गया था। भेजने वाले के बारे में कोई जानकारी नहीं है, और मामला इसलिए भी रहस्यमय है क्योंकि पचास वर्षीय अविवाहित सुश्री कुशिंग ने बेहद एकांत जीवन व्यतीत किया है और उनके बहुत कम परिचित और पत्र-व्यवहार करने वाले हैं, इसलिए उन्हें डाक से कुछ मिलना बहुत दुर्लभ घटना है। हालांकि, कुछ साल पहले, जब वे पेंज में रहती थीं, तो उन्होंने अपने घर में तीन युवा मेडिकल छात्रों को अपार्टमेंट किराए पर दिए थे, जिन्हें उनके शोरगुल और अनियमित आदतों के कारण उन्हें निकालना पड़ा था। पुलिस का मानना है कि यह घिनौना कृत्य यह घटना संभवतः मिस कुशिंग पर उन युवकों द्वारा घटी होगी, जो उनसे रंजिश रखते थे और विच्छेदन कक्षों से ये अवशेष भेजकर उन्हें डराना चाहते थे। इस सिद्धांत को कुछ हद तक बल इस तथ्य से मिलता है कि इन छात्रों में से एक उत्तरी आयरलैंड से था, और मिस कुशिंग के अनुमान के अनुसार, बेलफ़ास्ट से था। इस बीच, मामले की सक्रिय रूप से जांच की जा रही है, और हमारे सबसे होशियार जासूस अधिकारियों में से एक, श्री लेस्ट्रेड, इस मामले के प्रभारी हैं।

"डेली क्रॉनिकल के बारे में बस इतना ही," मेरे पढ़ने के बाद होम्स ने कहा। "अब हमारे मित्र लेस्ट्रेड की बात करते हैं। मुझे आज सुबह उनसे एक पत्र मिला, जिसमें उन्होंने लिखा है:

मुझे लगता है कि यह मामला आपके लिए बिल्कुल उपयुक्त है। हमें इस मामले को सुलझाने की पूरी उम्मीद है, लेकिन हमें कोई ठोस सुराग नहीं मिल पा रहा है। हमने बेलफ़ास्ट डाकघर को पत्र लिखा है, लेकिन उस दिन बड़ी संख्या में पार्सल जमा हुए थे, और उनके पास इस पार्सल की पहचान करने या भेजने वाले का नाम याद रखने का कोई साधन नहीं है। डिब्बा आधा पौंड शहद वाले तंबाकू का है और इससे हमें कोई मदद नहीं मिल रही है। मुझे अभी भी लगता है कि मेडिकल छात्र का सिद्धांत सबसे अधिक तर्कसंगत है, लेकिन अगर आपके पास कुछ घंटे खाली हों तो मुझे आपसे यहाँ मिलकर बहुत खुशी होगी। मैं पूरे दिन या तो घर पर रहूंगा या पुलिस स्टेशन में।

क्या कहते हो, वॉटसन? क्या तुम इस भीषण गर्मी को सहते हुए मेरे साथ क्रॉयडन तक चल सकते हो, इस उम्मीद में कि शायद तुम्हें अपने इतिहास में दर्ज करने लायक कोई मामला मिल जाए?

मुझे कुछ करने की बहुत इच्छा थी।

“तो फिर आपको मिल जाएगा। हमारे बूटस को फोन करो और उनसे टैक्सी मंगवाओ। मैं अभी आता हूँ, अपना ड्रेसिंग गाउन बदलकर और सिगार का डिब्बा भरकर।”

जब हम ट्रेन में थे, तभी हल्की बारिश शुरू हो गई, और क्रॉयडन में गर्मी शहर की तुलना में कहीं कम असहनीय थी। होम्स ने तार भेजा था, इसलिए लेस्ट्रेड, हमेशा की तरह चुस्त-दुरुस्त, सलीकेदार और फुर्तीले, स्टेशन पर हमारा इंतज़ार कर रहे थे। पांच मिनट पैदल चलकर हम क्रॉस स्ट्रीट पहुंचे, जहाँ मिस कुशिंग रहती थीं।

यह दो मंज़िला ईंट के मकानों की एक बहुत लंबी गली थी, साफ़-सुथरी और सुव्यवस्थित, सफेद पत्थर की सीढ़ियों वाली और दरवाजों पर एप्रन पहने महिलाओं के छोटे-छोटे समूह गपशप कर रहे थे। गली के आधे रास्ते में, लेस्ट्रेड रुका और एक दरवाजे पर दस्तक दी, जिसे एक छोटी नौकरानी ने खोला। मिस कुशिंग सामने वाले कमरे में बैठी थीं, जिसमें हमें ले जाया गया। वह शांत चेहरे वाली महिला थीं, बड़ी-बड़ी कोमल आँखों वाली, और उनके दोनों ओर कनपटी पर लहराते हुए भूरे बाल थे। उनकी गोद में एक नक्काशीदार एंटीमैकासर (एक प्रकार का कपड़ा) रखा था और उनके बगल में एक स्टूल पर रंगीन रेशमी कपड़ों की एक टोकरी रखी थी।

“वे भयानक चीजें बाहरी कमरे में हैं,” लेस्ट्रेड के प्रवेश करते ही उसने कहा। “काश आप उन्हें पूरी तरह से बाहर ले जाते।”

"जी हाँ, मिस कुशिंग। मैंने इन्हें यहाँ इसलिए रखा था ताकि मेरे मित्र श्री होम्स इन्हें आपकी उपस्थिति में देख सकें।"

"मेरी उपस्थिति में क्यों, महोदय?"

"अगर वह कोई सवाल पूछना चाहे तो।"

"जब मैं आपको बता दूं कि मुझे इसके बारे में कुछ भी नहीं पता, तो मुझसे सवाल पूछने का क्या फायदा?"

“बिल्कुल सही, महोदया,” होम्स ने अपने शांत लहजे में कहा। “मुझे पूरा यकीन है कि इस मामले को लेकर आप पहले ही काफी परेशान हो चुकी हैं।”

जी हाँ, महोदय। मैं एक शांत स्वभाव की महिला हूँ और सेवानिवृत्त जीवन व्यतीत करती हूँ। अखबारों में अपना नाम देखना और अपने घर में पुलिस को पाना मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव है। श्रीमान लेस्ट्रेड, मैं ये सब चीजें यहाँ नहीं रखूंगी। अगर आप इन्हें देखना चाहते हैं तो आपको शौचालय जाना होगा।

घर के पीछे बने संकरे बगीचे में एक छोटा सा शेड था। लेस्ट्रेड अंदर गया और पीले रंग का एक गत्ते का डिब्बा, भूरे रंग का एक कागज़ का टुकड़ा और कुछ डोरी लेकर आया। रास्ते के अंत में एक बेंच थी, और हम सब उस पर बैठ गए जबकि होम्स ने लेस्ट्रेड द्वारा सौंपी गई वस्तुओं की एक-एक करके जांच की।

“यह धागा बेहद दिलचस्प है,” उसने इसे रोशनी में उठाकर सूंघते हुए कहा। “लेस्ट्रेड, इस धागे के बारे में तुम्हारा क्या विचार है?”

इस पर तारकोल लगा दिया गया है।

“बिल्कुल सही। यह तारकोल लगी रस्सी का एक टुकड़ा है। आपने यह भी देखा होगा कि मिस कुशिंग ने रस्सी को कैंची से काटा है, जैसा कि दोनों तरफ के दोहरे रेशों से पता चलता है। यह महत्वपूर्ण है।”

लेस्ट्रेड ने कहा, "मुझे इसमें कोई महत्व नजर नहीं आता।"

"इसका महत्व इस तथ्य में निहित है कि गांठ बरकरार है, और यह गांठ एक विशिष्ट प्रकार की है।"

“यह बहुत ही सफाई से बंधा हुआ है। मैंने इस बारे में पहले ही नोट बना लिया था,” लेस्ट्रेड ने आत्मसंतुष्टि से कहा।

"तो फिर धागे की बात तो हो गई," होम्स मुस्कुराते हुए बोले, "अब डिब्बे के रेपर की बात करते हैं। भूरा कागज, जिस पर काफी की तेज़ गंध आ रही है। क्या आपने ध्यान नहीं दिया? मुझे लगता है इसमें कोई शक नहीं है। पता कुछ बिखरे अक्षरों में छपा है: 'मिस एस. कुशिंग, क्रास स्ट्रीट, क्रायडन।' मोटे नोक वाले पेन से लिखा गया है, शायद J से, और स्याही भी बहुत घटिया है। 'क्रायडन' शब्द में मूल रूप से 'i' लिखा था, जिसे बदलकर 'y' कर दिया गया है। तो पार्सल किसी ऐसे व्यक्ति ने भेजा होगा – छपाई से साफ पता चलता है कि वह पुरुष है – जिसकी शिक्षा सीमित है और जो क्रायडन शहर से परिचित नहीं है। अब तक तो सब ठीक है! डिब्बा पीले रंग का आधा पाउंड का हनीड्यू डिब्बा है, जिसमें नीचे बाईं ओर कोने में दो अंगूठे के निशान के अलावा कुछ भी खास नहीं है। यह चमड़े और अन्य व्यावसायिक उपयोगों के लिए इस्तेमाल होने वाले मोटे नमक से भरा है। और इसके अंदर ये अनोखे लिफाफे लगे हुए हैं।"

बोलते-बोलते उन्होंने दोनों कान बाहर निकाले और एक तख्ता अपने घुटने पर रखकर उनका बारीकी से निरीक्षण किया। वहीं, लेस्ट्रेड और मैं उनके दोनों ओर झुककर बारी-बारी से इन भयानक अवशेषों और अपने साथी के विचारशील, उत्सुक चेहरे को देखते रहे। अंत में उन्होंने उन्हें वापस डिब्बे में रख दिया और कुछ देर तक गहरी ध्यान मुद्रा में बैठे रहे।

अंत में उसने कहा, "आपने निश्चित रूप से देखा होगा कि कान एक जोड़ी नहीं हैं।"

"हां, मैंने यह देखा है। लेकिन अगर यह चीर-फाड़ कक्षों के कुछ छात्रों का मज़ाक होता, तो उनके लिए दो अलग-अलग कान भेजना उतना ही आसान होता जितना कि एक जोड़ी भेजना।"

"बिल्कुल सही। लेकिन यह कोई मज़ाक नहीं है।"

"क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?"

"इस बात की प्रबल संभावना नहीं है। शव परीक्षण कक्षों में शवों में परिरक्षक द्रव इंजेक्ट किया जाता है। इन कानों में इसका कोई निशान नहीं है। ये ताजे भी हैं। इन्हें किसी कुंद औजार से काटा गया है, जो किसी छात्र द्वारा किए जाने पर शायद ही संभव हो। फिर से, चिकित्सा जगत के लिए कार्बोलिक या शुद्ध स्पिरिट ही परिरक्षक के रूप में उपयुक्त होते, न कि नमक। मैं दोहराता हूं कि यहाँ कोई मजाक नहीं है, बल्कि हम एक गंभीर अपराध की जांच कर रहे हैं।"

अपने साथी के शब्दों को सुनकर और उसके चेहरे पर छाई गंभीरता को देखकर मेरे अंदर एक अजीब सी सिहरन दौड़ गई। यह क्रूर प्रारंभिक दृश्य पृष्ठभूमि में किसी विचित्र और अकथनीय भयावहता का आभास करा रहा था। हालांकि, लेस्ट्रेड ने अपना सिर ऐसे हिलाया जैसे वह आधा आश्वस्त हो।

"मज़ाक वाली थ्योरी पर आपत्तियां जरूर हैं," उन्होंने कहा, "लेकिन दूसरी थ्योरी के खिलाफ़ कहीं ज़्यादा मज़बूत तर्क हैं। हम जानते हैं कि इस महिला ने पिछले बीस सालों से पेंज और यहां बेहद शांत और सम्मानजनक जीवन बिताया है। इस दौरान वह शायद ही कभी एक दिन के लिए भी अपने घर से दूर रही हो। तो फिर भला कोई अपराधी उसे अपने गुनाह के सबूत क्यों भेजेगा, खासकर तब जब, अगर वह कोई माहिर अभिनेत्री न हो, तो उसे इस मामले की उतनी ही कम समझ है जितनी हमें?"

"यही वह समस्या है जिसे हमें हल करना है," होम्स ने उत्तर दिया, "और मैं इसे इस आधार पर हल करने की कोशिश करूंगा कि मेरा तर्क सही है, और दोहरे हत्याकांड का मामला है। इनमें से एक कान एक महिला का है, छोटा, सुडौल और बाली के लिए छेदा हुआ। दूसरा एक पुरुष का है, धूप से झुलसा हुआ, बदरंग और बाली के लिए छेदा हुआ। ये दोनों लोग संभवतः मर चुके हैं, वरना हमें अब तक उनकी कहानी पता चल चुकी होती। आज शुक्रवार है। पैकेट गुरुवार सुबह भेजा गया था। तो त्रासदी बुधवार या

मंगलवार या उससे पहले घटी होगी। अगर इन दोनों लोगों की हत्या हुई है, तो उनके हत्यारे के अलावा और कौन मिस कुशिंग को अपने काम का यह संकेत भेज सकता था? हम मान सकते हैं कि पैकेट भेजने वाला वही व्यक्ति है जिसकी हमें तलाश है। लेकिन मिस कुशिंग को यह पैकेट भेजने के पीछे उसका कोई ठोस कारण होना चाहिए। तो फिर क्या कारण? यह उसे यह बताने के लिए रहा होगा कि काम हो चुका है! या शायद उसे पीड़ा पहुंचाने के लिए। लेकिन उस स्थिति में वह जानती है कि यह कौन है। क्या वह जानती है? मुझे संदेह है। अगर वह मुझे पता था, उसे पुलिस को क्यों बुलाना चाहिए? वह कान छुपा सकती थी और किसी को पता भी नहीं चलता। अगर वह अपराधी को बचाना चाहती तो यही करती। लेकिन अगर वह उसे बचाना नहीं चाहती तो उसका नाम बता देगी। यहाँ एक उलझन है जिसे सुलझाने की ज़रूरत है।" वह ऊंची और तेज़ आवाज़ में बात कर रहा था, बगीचे की बाड़ के ऊपर खाली निगाहों से घूर रहा था, लेकिन अब वह तेज़ी से उठा और घर की ओर चल पड़ा।

उन्होंने कहा, "मुझे मिस कुशिंग से कुछ सवाल पूछने हैं।"

"तो फिर मैं आपको यहीं छोड़ देता हूँ," लेस्ट्रेड ने कहा, "क्योंकि मुझे एक और छोटा-मोटा काम निपटाना है। मुझे लगता है कि मिस कुशिंग से मुझे अब और कुछ सीखने की ज़रूरत नहीं है। आप मुझे पुलिस स्टेशन में पाएँगे।"

"हम ट्रेन पकड़ने जाते समय देख लेंगे," होम्स ने उत्तर दिया। एक क्षण बाद, हम दोनों सामने वाले कमरे में वापस आ गए, जहाँ वह भावहीन महिला अभी भी चुपचाप अपने एंटीमैकासर पर काम कर रही थी। जैसे ही हम अंदर आए, उसने उसे अपनी गोद में रख लिया और अपनी स्पष्ट, जिज्ञासु नीली आँखों से हमारी ओर देखा।

"मुझे पूरा यकीन है, महोदय," उसने कहा, "कि यह सब एक गलतफहमी है, और यह पार्सल मेरे लिए था ही नहीं। मैंने स्कॉटलैंड यार्ड के अधिकारी से कई बार यह बात कही है, लेकिन वह मुझ पर हंसते हैं। जहाँ तक मुझे पता है, दुनिया में मेरा कोई दुश्मन नहीं है, तो कोई मेरे साथ ऐसा धोखा क्यों करेगा?"

"मैं भी अब यही सोचता हूँ, मिस कुशिंग," होम्स ने उनके बगल में बैठते हुए कहा। "मुझे लगता है कि इसकी पूरी संभावना है," वे रुके और मैं आश्चर्यचकित रह गई जब मैंने पीछे मुड़कर देखा कि वे उस महिला के चेहरे को बड़ी एकाग्रता से घूर रहे थे। उनके उत्सुक चेहरे पर पल भर के लिए आश्चर्य और संतुष्टि दोनों के भाव स्पष्ट थे, हालाँकि जब उन्होंने उनकी चुप्पी का कारण जानने के लिए पीछे मुड़कर देखा तो वे हमेशा की तरह शांत हो गए थे। मैंने भी उनके सीधे, सफ़ेद बालों, उनकी करीने से सजी टोपी, उनके छोटे सुनहरे झुमकों और उनके शांत चेहरे को गौर से देखा; लेकिन मुझे ऐसा कुछ भी नहीं दिखा जिससे मेरे साथी की इस स्पष्ट उत्तेजना का कारण समझ में आए।

"एक या दो सवाल थे—"

"ओह, मैं सवालों से थक गई हूँ!" मिस कुशिंग ने अधीरता से कहा।

मुझे लगता है आपकी दो बहनें हैं।

आपको यह कैसे पता चला?

"कमरे में प्रवेश करते ही मैंने देखा कि आपके मेंटलपीस पर तीन महिलाओं के चित्रों का एक समूह रखा हुआ है, जिनमें से एक निस्संदेह आप ही हैं, जबकि अन्य दो महिलाएं आपसे इतनी मिलती-जुलती हैं कि उनके बीच संबंध को लेकर कोई संदेह नहीं हो सकता।"

"जी हां, आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। ये मेरी बहनें सारा और मैरी हैं।"

"और मेरे बगल में ही लिवरपूल में ली गई आपकी छोटी बहन की एक और तस्वीर है, जिसमें वह एक ऐसे व्यक्ति के साथ हैं जो अपनी वर्दी से एक प्रबंधक प्रतीत होता है।

मैंने देखा कि उस समय वह अविवाहित थीं।"

आप अवलोकन करने में बहुत तेज हैं।

"यही मेरा पेशा है।"

"हाँ, आप बिल्कुल सही हैं। लेकिन कुछ दिनों बाद ही उनकी शादी मिस्टर ब्राउनर से हो गई। जब यह घटना घटी, तब वह दक्षिण अमेरिकी मोर्चे पर थे, लेकिन उन्हें उनसे इतना प्यार था कि वह उन्हें इतने लंबे समय तक अकेला नहीं छोड़ सकते थे, और इसलिए वह लिवरपूल और लंदन जाने वाली नावों में सवार हो गए।"

"अरे, शायद विजेता?"

"नहीं, मई दिवस, जब मैंने आखिरी बार सुना था। जिम एक बार मुझसे मिलने यहाँ आया था। यह वादा तोड़ने से पहले की बात है; लेकिन उसके बाद वह जब भी किनारे पर आता, शराब पीता था, और थोड़ी सी शराब उसे बिल्कुल पागल कर देती थी। आह! वह बुरा दिन था जब उसने फिर कभी हाथ में गिलास उठाया। पहले उसने मुझे छोड़ दिया, फिर सारा से झगड़ा किया, और अब जब मैरी ने लिखना बंद कर दिया है, तो हमें नहीं पता कि उनके बीच क्या चल रहा है।"

यह स्पष्ट था कि मिस कुशिंग एक ऐसे विषय पर बात कर रही थीं जिस पर उनकी गहरी संवेदना थी। अकेले जीवन जीने वाले अधिकांश लोगों की तरह, वह पहले तो थोड़ी शर्मीली थीं, लेकिन बाद में बेहद बातूनी हो गईं। उन्होंने हमें अपने बहनोई, जो एक प्रबंधक थे, के बारे में कई बातें बताईं, और फिर अपने पूर्व किराएदारों, मेडिकल छात्रों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने उनके अपराधों का विस्तृत ब्यौरा दिया, जिसमें उनके नाम और उनके अस्पतालों के नाम भी शामिल थे। होम्स ने सब कुछ ध्यान से सुना और बीच-बीच में प्रश्न भी पूछे।

"तुम्हारी दूसरी बहन, सारा के बारे में," उसने कहा। "मुझे आश्चर्य होता है, क्योंकि तुम दोनों कुंवारी लड़कियां हो, तो तुम दोनों साथ में घर क्यों नहीं बसाती हो।"

"अरे! आपको सारा के स्वभाव का अंदाज़ा नहीं है, वरना आपको आश्चर्य ही नहीं होता। मैंने क्रॉयडन आने पर इसे आज़माया था, और हमारा रिश्ता लगभग दो महीने पहले तक चला, जब हमें अलग होना पड़ा। मैं अपनी बहन के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहना चाहती, लेकिन सारा हमेशा से ही दखलंदाज़ी करने वाली और आसानी से न मान पाने वाली थी।"

"आप कहते हैं कि उसका आपके लिवरपूल स्थित रिश्तेदारों से झगड़ा हुआ था।"

"हाँ, और एक समय वे पक्के दोस्त थे। दरअसल, वह उनके करीब रहने के लिए ही वहाँ रहने गई थी। और अब जिम ब्राउनर के लिए उसके पास कोई भी शब्द काफी कड़ा नहीं है। पिछले छह महीनों में जब वह यहां थी, उसने सिर्फ उसकी शराबखोरी और उसके तौर-तरीकों के बारे में ही बात की। मुझे लगता है कि उसने उसे दखलंदाजी करते हुए पकड़ लिया था और उसे खरी-खोटी सुनाई थी, और यहीं से सब शुरू हुआ।"

"धन्यवाद, मिस कुशिंग," होम्स ने उठते हुए और झुककर अभिवादन करते हुए कहा। "मुझे लगता है आपने कहा था कि आपकी बहन सारा न्यू स्ट्रीट, वॉलिंगटन में रहती हैं? अलविदा, और मुझे बहुत खेद है कि आपको इस मामले को लेकर परेशानी उठानी पड़ी, जिससे, जैसा कि आपने कहा, आपका कोई लेना-देना नहीं है।"

जब हम बाहर निकले तो एक टैक्सी गुजर रही थी, और होम्स ने उसे रोका।

"वालिंगटन कितनी दूर है?" उसने पूछा।

"सिर्फ़ एक मील के आसपास, महोदय।"

"बहुत बढ़िया। जल्दी करो, वॉटसन। हमें मौके का फायदा उठाना चाहिए। मामला भले ही सीधा-सादा लगे, लेकिन इससे जुड़ी एक-दो बहुत ही महत्वपूर्ण बातें हैं। टैक्सी ड्राइवर, बस गुजरते समय किसी टेलीग्राफ ऑफिस के पास रुक जाना।"

होम्स ने एक छोटा सा तार भेजा और बाकी रास्ते भर कैब में आराम से लेटे रहे, धूप से बचने के लिए उन्होंने अपनी टोपी नाक पर झुका रखी थी। हमारा ड्राइवर एक घर के सामने रुका जो उस घर से मिलता-जुलता था जिसे हमने अभी-अभी छोड़ा था। मेरे साथी ने उसे रुकने का आदेश दिया और दरवाज़े की कुंडी पर हाथ रखा ही था कि दरवाज़ा खुला और काले कपड़ों में, चमकदार टोपी पहने एक गंभीर युवक सीढ़ी पर दिखाई दिया।

"क्या मिस कुशिंग घर पर हैं?" होम्स ने पूछा।

“मिस सारा कुशिंग बेहद बीमार हैं,” उन्होंने कहा। “कल से ही उन्हें मस्तिष्क संबंधी गंभीर लक्षण हैं। उनके चिकित्सा सलाहकार होने के नाते, मैं किसी को भी उनसे मिलने की अनुमति देने की ज़िम्मेदारी नहीं ले सकता। मैं आपको दस दिन बाद फिर से आने की सलाह दूंगा।” उन्होंने अपने दस्ताने पहने, दरवाजा बंद किया और सड़क पर आगे बढ़ गए।

"ठीक है, अगर हम नहीं कर सकते तो नहीं कर सकते," होम्स ने हंसमुख भाव से कहा।

"शायद वह आपको ज्यादा कुछ बता नहीं सकती थी या बताना नहीं चाहती थी।"

“मैं नहीं चाहता था कि वह मुझे कुछ बताए। मैं बस उसे देखना चाहता था। लेकिन मुझे लगता है कि मुझे जो चाहिए था वह मिल गया है। चलो, टैक्सी ड्राइवर, हमें किसी अच्छे होटल में ले चलो, जहां हम दोपहर का भोजन कर सकें, और उसके बाद हम पुलिस स्टेशन में अपने दोस्त लेस्ट्रेड से मिलेंगे।”

हमने साथ में एक सुखद भोजन किया, जिसके दौरान होम्स केवल वायलिन के बारे में ही बातें करते रहे। उन्होंने बड़े उत्साह से बताया कि कैसे उन्होंने अपना स्ट्रैडिवेरियस वायलिन, जिसकी कीमत कम से कम पाँच सौ गिनी थी, टोटेनहैम कोर्ट रोड स्थित एक यहूदी दलाल से मात्र पचपन शिलिंग में खरीदा था। इसी से उनका ध्यान पैगानिनी की ओर गया, और हम एक घंटे तक एक बोतल क्लारेट (वाइन) के साथ बैठे रहे, जबकि उन्होंने मुझे उस असाधारण व्यक्ति के बारे में एक के बाद एक कई किस्से सुनाए। दोपहर काफी ढल चुकी थी और तेज धूप हल्की होकर सुहावनी हो गई थी, तभी हम पुलिस स्टेशन पहुंच गए। लेस्ट्रेड दरवाजे पर हमारा इंतज़ार कर रहे थे।

“आपके लिए एक टेलीग्राम है, मिस्टर होम्स,” उन्होंने कहा।

“हा! यही तो जवाब है!” उसने उसे फाड़कर खोला, उस पर सरसरी नज़र डाली और उसे मोड़कर अपनी जेब में रख लिया। “कोई बात नहीं,” उसने कहा।

"क्या आपको कुछ पता चला?"

मुझे सब कुछ पता चल गया है!

“क्या!” लेस्ट्रेड ने हैरानी से उसकी ओर देखा। “तुम मजाक कर रहे हो।”

“मैं अपने जीवन में इससे ज्यादा गंभीर कभी नहीं हुआ। एक भयावह अपराध हुआ है, और मुझे लगता है कि मैंने अब इसके हर विवरण का खुलासा कर दिया है।”

और अपराधी?

होम्स ने अपने एक विजिटिंग कार्ड के पीछे कुछ शब्द लिखे और उसे लेस्ट्रेड की ओर फेंक दिया।

“यही नाम है,” उसने कहा। “कल रात से पहले गिरफ्तारी नहीं हो सकती। मैं चाहूंगा कि आप इस मामले में मेरा नाम बिल्कुल भी न लें, क्योंकि मैं केवल उन्हीं अपराधों से जुड़ना चाहता हूं जिन्हें सुलझाने में कुछ कठिनाई हो। चलो, वॉटसन।” हम दोनों थाने की ओर चल पड़े, लेस्ट्रेड अभी भी होम्स द्वारा फेंके गए कार्ड को प्रसन्न चेहरे से घूर रहा था।

—

उस रात बेकर स्ट्रीट स्थित अपने कमरों में सिगार पीते हुए बातचीत करते हुए शर्लक होम्स ने कहा, “यह मामला ऐसा है, जैसा कि आपने ‘ए स्टडी इन स्कारलेट’ और ‘द साइन ऑफ फोर’ के नाम से दर्ज की गई जांचों में देखा है, हमें भी परिणामों से कारणों तक पीछे की ओर तर्क करना पड़ा है। मैंने लेस्ट्रेड को पत्र लिखकर उनसे उन विवरणों को उपलब्ध कराने के लिए कहा है जिनकी अभी कमी है, और जो उन्हें अपने आदमी को पकड़ने के बाद ही मिलेंगे। उन पर पूरी तरह भरोसा किया जा सकता है, क्योंकि हालांकि उनमें तर्क की कमी है, लेकिन एक बार जब वे समझ जाते हैं कि उन्हें क्या करना है, तो वे बुलडॉग की तरह दृढ़ निश्चयी हो जाते हैं, और वास्तव में, यही दृढ़ता उन्हें स्कॉटलैंड यार्ड में शीर्ष पर ले आई है।”

“तो आपका मामला अभी पूरा नहीं हुआ है?” मैंने पूछा।

“यह लगभग पूरी तरह से स्पष्ट है। हमें पता है कि इस घिनौने कृत्य का सूत्रधार कौन है, हालांकि पीड़ितों में से एक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। बेशक, आपने अपने निष्कर्ष निकाल लिए होंगे।”

"मेरा अनुमान है कि जिम ब्राउनर, जो लिवरपूल की एक नाव का प्रबंधक है, वही व्यक्ति है जिस पर आपको संदेह है?"

“ओह! यह महज़ एक संदेह से कहीं अधिक है।”

"और फिर भी मुझे बहुत अस्पष्ट संकेतों के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।"

इसके विपरीत, मेरे विचार से इससे अधिक स्पष्ट कुछ नहीं हो सकता। चलिए, मैं मुख्य चरणों पर एक नज़र डालता हूँ। आपको याद होगा, हमने इस मामले को बिल्कुल खाली दिमाग से देखा, जो हमेशा फायदेमंद होता है। हमने कोई सिद्धांत नहीं बनाया था। हम बस वहाँ अवलोकन करने और अपने अवलोकनों से निष्कर्ष निकालने के लिए थे। हमने सबसे पहले क्या देखा? एक बहुत ही शांत और सम्मानित महिला, जो किसी भी रहस्य से पूरी तरह अनजान लग रही थी, और एक चित्र जिससे मुझे पता चला कि उसकी दो छोटी बहनें थीं। मेरे मन में तुरंत यह विचार आया कि शायद यह डिब्बा इनमें से किसी एक के लिए था। मैंने इस विचार को यह सोचकर अलग रख दिया कि इसे हम अपने खाली समय में गलत या सही साबित कर सकते हैं। फिर, जैसा कि आपको याद होगा, हम बगीचे में गए और हमने उस छोटे पीले डिब्बे के अंदर की बहुत ही अनोखी चीज़ें देखीं।

“रस्सी वैसी ही थी जैसी जहाज़ों पर पाल बनाने वाले कारीगर इस्तेमाल करते हैं, और जाँच करते ही समुद्र की हल्की सी गंध महसूस हुई। जब मैंने देखा कि गाँठ नाविकों में आम है, पार्सल किसी बंदरगाह से भेजा गया था, और पुरुष का कान बाली के लिए छेदा हुआ था, जो नाविकों में ज़मीनी लोगों की तुलना में कहीं अधिक आम है, तो मुझे पूरा यकीन हो गया कि इस त्रासदी के सभी पात्र हमारे समुद्री यात्रियों में से ही थे।”

जब मैंने पैकेट पर पता देखा तो पाया कि वह मिस एस. कुशिंग के नाम था। सबसे बड़ी बहन तो ज़ाहिर तौर पर मिस कुशिंग ही होंगी, और हालाँकि उनके नाम का पहला अक्षर 'एस' था, फिर भी वह किसी और का भी हो सकता था। ऐसे में हमें अपनी जाँच बिल्कुल नए सिरे से शुरू करनी पड़ेगी। इसलिए मैं इस बात को स्पष्ट करने के इरादे से घर में गया। मैं मिस कुशिंग को यह बताने ही वाला था कि मुझे पूरा यकीन है कि कोई गलती हुई है, तभी आपको याद होगा कि मैं अचानक रुक गया। दरअसल, मैंने अभी-अभी कुछ ऐसा देखा था जिससे मैं बहुत हैरान हुआ और साथ ही हमारी जाँच का दायरा भी बहुत सीमित हो गया।

“एक चिकित्सक होने के नाते, आप जानते हैं, वॉटसन, कि शरीर का कोई भी अंग मानव कान जितना भिन्न नहीं होता। प्रत्येक कान आमतौर पर बिल्कुल अलग होता है

और अन्य सभी कानों से भिन्न होता है। पिछले वर्ष के मानवविज्ञान जर्नल में आपको इस विषय पर मेरे द्वारा लिखे गए दो संक्षिप्त लेख मिलेंगे। इसलिए, मैंने बॉक्स में रखे कानों का एक विशेषज्ञ की दृष्टि से निरीक्षण किया था और उनकी शारीरिक विशेषताओं को ध्यानपूर्वक नोट किया था। ज़रा सोचिए, मुझे कितना आश्चर्य हुआ जब मैंने मिस कुशिंग को देखा और पाया कि उनका कान बिल्कुल उसी महिला के कान से मेल खाता है जिसका मैंने अभी निरीक्षण किया था। यह महज़ संयोग नहीं था। भीतरी उपास्थि की गोलाई में एकरूपता थी। हर मायने में यह एक ही कान था।"

"बेशक, मैंने तुरंत ही उस अवलोकन के अपार महत्व को समझ लिया। यह स्पष्ट था कि पीड़ित महिला मेरी रक्त संबंधी थी और संभवतः बहुत करीबी रिश्तेदार थी। मैंने उससे उसके परिवार के बारे में बात करना शुरू किया, और आपको याद होगा कि उसने तुरंत ही हमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं।

"सबसे पहले तो, उसकी बहन का नाम सारा था, और उसका पता भी हाल तक वही था, इसलिए यह स्पष्ट था कि गलती कैसे हुई और वह पैकेट किसके लिए था। फिर हमें तीसरी बहन से विवाहित इस प्रबंधक के बारे में पता चला, और यह भी पता चला कि वह एक समय मिस सारा के इतने करीब था कि वह ब्राउनर परिवार के पास रहने के लिए लिवरपूल चली गई थी, लेकिन बाद में उनके बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े के कारण कुछ महीनों तक उनके बीच कोई संपर्क नहीं रहा, इसलिए यदि ब्राउनर को मिस सारा को कोई पैकेट भेजना होता, तो वह निस्संदेह उसके पुराने पते पर ही भेजता।"

"और अब मामला आश्चर्यजनक रूप से सुलझने लगा था। हमें इस स्टीवर्ड के बारे में पता चला था, जो एक आवेगशील, तीव्र भावनाओं वाला व्यक्ति था—आपको याद होगा कि उसने अपनी पत्नी के करीब रहने के लिए एक बहुत ही बेहतर बर्थ छोड़ दी थी—और कभी-कभी अत्यधिक शराब पीने का भी आदी था। हमारे पास यह मानने का कारण था कि उसकी पत्नी की हत्या कर दी गई थी, और उसी समय एक आदमी—संभवतः एक नाविक—की भी हत्या कर दी गई थी। ईर्ष्या, ज़ाहिर है, अपराध के पीछे का मकसद तुरंत ही सामने आ जाता है। और इस कृत्य के ये सबूत मिस सारा कुशिंग को क्यों भेजे गए? शायद इसलिए कि लिवरपूल में रहने के दौरान त्रासदी को जन्म देने वाली घटनाओं को अंजाम देने में उनका कुछ हाथ था। आप देखेंगे कि नावों का यह काफिला बेलफास्ट, डबलिन और वाटरफोर्ड में रुकता है; इसलिए, यह मानते हुए कि ब्राउनर ने यह कृत्य किया था और तुरंत अपने स्टीमर, मे डे पर सवार हो गया था, बेलफास्ट वह पहला स्थान होगा जहाँ वह अपना भयानक संदेश भेज सकता था।

"इस समय एक दूसरा समाधान स्पष्ट रूप से संभव था, और हालाँकि मुझे यह बेहद असंभव लग रहा था, फिर भी आगे बढ़ने से पहले मैं इसे स्पष्ट करने के लिए दृढ़ था। एक असफल प्रेमी ने श्रीमान और श्रीमती ब्राउनर की हत्या की हो सकती थी, और पुरुष का कान पति का हो सकता था। इस सिद्धांत पर कई गंभीर आपत्तियाँ थीं, लेकिन यह संभव था। इसलिए मैंने लिवरपूल पुलिस बल में अपने मित्र अल्गार को एक टेलीग्राम भेजा और उनसे यह पता लगाने के लिए कहा कि क्या श्रीमती ब्राउनर घर पर थीं, और क्या ब्राउनर मई दिवस के दिन रवाना हुए थे। फिर हम मिस सारा से मिलने के लिए वॉलिंगटन चले गए।"

"सबसे पहले तो मुझे यह जानने की उत्सुकता थी कि उसके परिवार की सुनने की क्षमता कितनी हद तक उसमें बरकरार है। फिर, ज़ाहिर है, वह हमें कोई बहुत महत्वपूर्ण जानकारी दे सकती थी, लेकिन मुझे इस बात का पूरा भरोसा नहीं था। उसने कल ही इस मामले के बारे में सुना होगा, क्योंकि पूरे क्रॉयडन में इसकी चर्चा थी, और केवल वही समझ सकती थी कि यह पैकेट किसके लिए है। अगर वह न्याय में सहयोग

करने को तैयार होती, तो शायद वह अब तक पुलिस से संपर्क कर चुकी होती। फिर भी, उससे मिलना हमारा कर्तव्य था, इसलिए हम गए। हमने पाया कि पैकेट के आने की खबर का उस पर इतना गहरा असर हुआ था कि उसे तेज़ बुखार आ गया था। यह पहले से कहीं ज़्यादा स्पष्ट था कि वह इसका पूरा महत्व समझ गई थी, लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट था कि हमें उससे किसी भी तरह की मदद के लिए कुछ समय तक इंतज़ार करना पड़ेगा।

"हालाँकि, हमें उसकी मदद की बिल्कुल भी ज़रूरत नहीं थी। हमारे जवाब पुलिस स्टेशन में हमारा इंतज़ार कर रहे थे, जहाँ मैंने एल्गर को उन्हें भेजने का निर्देश दिया था। इससे ज़्यादा निर्णायक कुछ नहीं हो सकता था। श्रीमती ब्राउनर का घर तीन दिन से ज़्यादा समय से बंद था, और पड़ोसियों का मानना था कि वह अपने रिश्तेदारों से मिलने दक्षिण गई हैं। शिपिंग कार्यालयों में यह पता चला था कि ब्राउनर मे डे जहाज़ पर सवार होकर चली गई है, और मेरा अनुमान है कि वह कल रात टेम्स नदी में पहुँच जाएगी। जब वह पहुँचेंगे तो उनकी मुलाक़ात मंदबुद्धि लेकिन दृढ़ निश्चयी लेस्ट्रेड से होगी, और मुझे पूरा विश्वास है कि हमें सारी जानकारी मिल जाएगी।"

शर्लक होम्स की उम्मीदें पूरी हुईं। दो दिन बाद उन्हें एक मोटा लिफाफा मिला, जिसमें जासूस का एक छोटा सा नोट और एक टाइप किया हुआ दस्तावेज़ था, जो कई पन्नों में फैला हुआ था।

होम्स ने मेरी ओर देखते हुए कहा, "लेस्ट्रेड ने उसे सही पकड़ा है। शायद आपको यह सुनना दिलचस्प लगे कि वह क्या कहता है।"

प्रिय श्री होम्स:

"अपनी थ्योरीज़ को टेस्ट करने के लिए हमने जो योजना बनाई थी, उसके अनुसार" ["वॉटसन, 'हम' शब्द का प्रयोग थोड़ा ज़्यादा ही बारीकी से किया गया है, है ना?"] "मैं कल शाम 6 बजे अल्बर्ट डॉक गया और लिवरपूल, डबलिन और लंदन स्टीम पैकेट कंपनी के एस.एस. मे डे जहाज पर सवार हुआ। पूछताछ करने पर मुझे पता चला कि जहाज पर जेम्स ब्राउनर नाम का एक स्टीवर्ड था और उसने यात्रा के दौरान कुछ इस तरह का असाधारण व्यवहार किया था कि कप्तान को उसे उसके पद से हटाना पड़ा था। उसके बर्थ पर उतरने पर मैंने उसे एक संदूक पर सिर हाथों में लिए बैठा हुआ पाया, वह आगे-पीछे हिल रहा था। वह एक बड़ा, ताकतवर आदमी है, दाढ़ी-मूंछ साफ़ की हुई और काफ़ी सांवला है - कुछ-कुछ एल्ड्रिज जैसा, जिसने फर्जी लॉन्ड्री कांड में हमारी मदद की थी। मेरी बात सुनकर वह उछल पड़ा, और मैंने पास ही खड़े कुछ नदी पुलिसकर्मियों को बुलाने के लिए सीटी दबा रखी थी, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे उसमें कोई दया नहीं थी, और उसने चुपचाप अपने हाथ फैला दिए। हम उसे और उसके बॉक्स को साथ लेकर कोठरियों में गए, क्योंकि हमें लगा कि शायद कुछ आपत्तिजनक सबूत मिल जाए; लेकिन नाविकों के पास मौजूद एक तेज़ धार वाले चाकू के अलावा हमें कुछ नहीं मिला। हालांकि, हमें अब और सबूतों की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि थाने में इंस्पेक्टर के सामने पेश किए जाने पर उसने बयान देने की अनुमति मांगी, जिसे हमारे शॉर्टहैंड वाले व्यक्ति ने ठीक वैसे ही लिख लिया जैसे उसने दिया था। हमने इसकी तीन प्रतियां टाइप करवाईं, जिनमें से एक मैं संलग्न कर रहा हूं। जैसा कि मैंने हमेशा सोचा था, यह मामला बेहद सरल निकला, लेकिन मेरी जांच में सहायता करने के लिए मैं आपका आभारी हूं। सादर,

"आपका अपना,

जी. लेस्ट्रेड

"हम्म! जांच वास्तव में बहुत सरल थी," होम्स ने टिप्पणी की, "लेकिन मुझे नहीं लगता कि जब उन्होंने पहली बार हमें बुलाया था तो उन्हें ऐसा लगा होगा। खैर, चलिए

देखते हैं कि जिम ब्राउनर खुद क्या कहते हैं। यह उनका बयान है जो उन्होंने इंस्पेक्टर मोंटगोमरी के सामने शैडवेल पुलिस स्टेशन में दिया था, और इसका फायदा यह है कि यह शब्दशः है।"

क्या मुझे कुछ कहना है? हाँ, मुझे बहुत कुछ कहना है। मुझे सब कुछ साफ़-साफ़ बताना है। आप मुझे फांसी दे सकते हैं, या मुझे अकेला छोड़ सकते हैं। मुझे ज़रा भी परवाह नहीं कि आप क्या करते हैं। मैं आपको बता दूँ कि जब से मैंने यह किया है, तब से मुझे नींद नहीं आई है, और मुझे नहीं लगता कि मैं फिर कभी सो पाऊँगी जब तक कि मैं पूरी तरह से जागने की अवस्था से बाहर नहीं आ जाती। कभी-कभी उसका चेहरा दिखता है, लेकिन ज़्यादातर उसका। मेरे सामने हमेशा उसका ही चेहरा रहता है। वह गुस्से में और गुस्से से भरा दिखता है, लेकिन उसके चेहरे पर एक तरह का आश्चर्य है। अरे, भोली-भाली लड़की, वह शायद हैरान हो ही जाती जब वह उस चेहरे पर मौत देखती, जिसने पहले शायद ही कभी उसे प्यार के अलावा कुछ और देखा हो।

लेकिन ये सारा की गलती थी, और टूटे हुए इंसान का श्राप उस पर भी पड़े और उसकी रगों में खून सड़ने लगे! ऐसा नहीं है कि मैं खुद को बेगुनाह साबित करना चाहता हूँ। मैं जानता हूँ कि मैं फिर से शराब पीने लगा, उस जानवर की तरह जो मैं पहले था। लेकिन वो मुझे माफ कर देती; वो मुझसे ऐसे चिपकी रहती जैसे रस्सी किसी पत्थर से चिपकी होती है, अगर वो औरत कभी हमारे घर न आती। क्योंकि सारा कुशिंग मुझसे प्यार करती थी - यही सारी बात है - वो मुझसे तब तक प्यार करती रही जब तक उसका सारा प्यार जहरीली नफरत में नहीं बदल गया, जब उसे पता चला कि मैं अपनी पत्नी के पैरों के निशान को उसकी पूरी आत्मा और शरीर से ज़्यादा अहमियत देता हूँ।

कुल मिलाकर तीन बहनें थीं। बड़ी बहन सीधी-सादी थी, दूसरी थोड़ी ज़िद्दी और तीसरी फ़रिश्ता जैसी। जब मेरी शादी हुई तब सारा तैंतीस साल की और मैरी उनतीस साल की थीं। जब हमने साथ रहना शुरू किया तो हम दिन भर की तरह खुश थे, और पूरे लिवरपूल में मेरी मैरी से बेहतर कोई और नहीं थी। फिर हमने सारा को एक हफ्ते के लिए बुलाया, और वो हफ्ता एक महीने में बदल गया, और फिर एक के बाद एक चीजें होती चली गईं, आखिरकार वो भी हमारे परिवार का हिस्सा बन गईं।

उस समय मैं मेधावी छात्र था, और हम थोड़ी-थोड़ी बचत कर रहे थे, और सब कुछ एकदम नया और खुशहाल था। हे भगवान, किसने सोचा होगा कि ऐसा भी हो सकता है? किसने इसकी कल्पना भी की होगी?

मैं अक्सर सप्ताहांत में घर पर रहता था, और कभी-कभी अगर माल ढुलाई के कारण जहाज रुका रहता तो मुझे पूरा एक सप्ताह घर पर मिल जाता था, और इस तरह मुझे अपनी भाभी सारा से काफी मिलने का मौका मिलता था। वह लंबी, खूबसूरत, सांवली, फुर्तीली और तेजतर्रार महिला थीं, सिर ऊंचा करके गर्व से चलती थीं, और उनकी आँखों में एक चिंगारी सी चमकती थी। लेकिन जब छोटी मैरी घर पर होती थी तो मुझे उसकी याद कभी नहीं आती थी, और मैं ईश्वर की कृपा की कामना करते हुए यह कसम खाता हूँ।

कभी-कभी मुझे ऐसा लगता था कि उसे मेरे साथ अकेले रहना अच्छा लगता है, या वह मुझे अपने साथ सैर पर ले जाने के लिए फुसलाती है, लेकिन मैंने इस बारे में कभी कुछ नहीं सोचा था। लेकिन एक शाम मेरी आँखें खुल गईं। मैं जहाज़ से उतरा और देखा कि मेरी पत्नी बाहर है, लेकिन सारा घर पर है। "मैरी कहाँ है?" मैंने पूछा। "ओह, वह कुछ हिसाब-किताब निपटाने गई है।" मैं बेचैन हो गया और कमरे में इधर-उधर घूमने लगा। "क्या तुम मैरी के बिना पाँच मिनट भी खुश नहीं रह सकते, जिम?" उसने कहा। "यह मेरे लिए एक बुरी तारीफ़ है कि तुम इतनी कम देर के लिए भी मेरे साथ रहकर संतुष्ट नहीं रह सकते।" "कोई बात नहीं, मेरी प्यारी," मैंने प्यार से उसकी ओर

हाथ बढ़ाते हुए कहा, लेकिन उसने पल भर में मेरा हाथ अपने दोनों हाथों में ले लिया, और वे ऐसे जल रहे थे जैसे उन्हें बुखार हो। मैंने उसकी आँखों में देखा और सब कुछ समझ गया। उसे बोलने की ज़रूरत नहीं थी, न ही मुझे। मैंने भौंहें चढ़ाईं और अपना हाथ पीछे खींच लिया। फिर वह कुछ देर चुपचाप मेरे बगल में खड़ी रही, और फिर उसने हाथ उठाकर मेरे कंधे पर थपथपाया। "शांत रहो, जिम!" उसने कहा, और एक तरह की व्यंग्यात्मक हंसी के साथ कमरे से बाहर भाग गई।

खैर, उस समय से सारा मुझसे दिल से नफरत करने लगी, और वो नफरत करने में माहिर औरत है। उसे हमारे साथ रहने देना मेरी मूर्खता थी—एक पागल मूर्ख—लेकिन मैंने मैरी से एक शब्द भी नहीं कहा, क्योंकि मुझे पता था कि इससे उसे दुख होगा। सब कुछ पहले जैसा ही चलता रहा, लेकिन कुछ समय बाद मुझे लगा कि मैरी में थोड़ा बदलाव आ गया है। वो हमेशा से इतनी भरोसेमंद और भोली थी, लेकिन अब वो अजीब और शक्की हो गई थी, जानना चाहती थी कि मैं कहाँ था, क्या कर रहा था, मेरे पत्र किसने भेजे थे, मेरी जेब में क्या था, और ऐसी ही हज़ार बेतुकी बातें। दिन-ब-दिन वो और अजीब और चिड़चिड़ी होती जा रही थी, और हमारी छोटी-छोटी बातों पर लगातार लड़ाइयाँ होती रहती थीं। मैं इन सब बातों से पूरी तरह हैरान था। सारा अब मुझसे दूर रहने लगी थी, लेकिन वो और मैरी तो जैसे एक-दूसरे से अलग ही नहीं होती थीं। अब मुझे समझ आता है कि वो कैसे साजिश रच रही थी, योजना बना रही थी और मेरी पत्नी के मन में मेरे खिलाफ ज़हर घोल रही थी, लेकिन उस समय मैं इतना अंधा था कि समझ ही नहीं पाया। फिर मैंने अपना नीला रिबन तोड़ दिया और दोबारा शराब पीने लगा, लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैरी पहले जैसी होती तो मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। अब उसके पास मुझसे नाराज़ होने का कोई कारण था, और हमारे बीच की दूरी बढ़ती ही जा रही थी। और फिर एलेक फेयरबर्न बीच में आ गया, और हालात हज़ार गुना ज़्यादा बिगड़ गए।

वह सबसे पहले सारा से मिलने मेरे घर आया था, लेकिन जल्द ही वह हमसे मिलने आने लगा, क्योंकि उसका व्यवहार बहुत ही आकर्षक था और वह जहाँ भी जाता, दोस्त बना लेता था। वह एक जोशीला, अकड़, स्मार्ट और घुंघराले बालों वाला शख्स था, जिसने आधी दुनिया देखी थी और अपने देखे हुए अनुभवों के बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता था। मैं इस बात से इनकार नहीं करूंगी कि उसकी संगत अच्छी थी, और एक नाविक होने के बावजूद उसका व्यवहार बहुत ही विनम्र था, इसलिए मुझे लगता है कि एक समय ऐसा भी रहा होगा जब उसे जहाज के पिछले हिस्से के बारे में जहाज के अगले हिस्से से ज़्यादा जानकारी रही होगी। एक महीने तक वह मेरे घर आता-जाता रहा, और एक बार भी मेरे मन में यह ख्याल नहीं आया कि उसके नरम और चालाक व्यवहार से कोई नुकसान हो सकता है। और फिर आखिरकार किसी बात ने मुझे शक करने पर मजबूर कर दिया, और उस दिन से मेरी शांति हमेशा के लिए भंग हो गई।

यह तो बस एक छोटी सी बात थी। मैं अचानक बैठक में आ गया था, और जैसे ही मैंने दरवाज़े से अंदर कदम रखा, मैंने अपनी पत्नी के चेहरे पर स्वागत की एक चमक देखी। लेकिन जैसे ही उसने देखा कि कौन है, वह चमक गायब हो गई, और वह निराशा भरे चेहरे के साथ मुँह फेर लिया। मेरे लिए इतना ही काफी था। एलेक फेयरबर्न के अलावा और कोई नहीं था जिसके कदमों को वह मेरा कदम समझ सकती थी। अगर मैं उसे देख पाता तो मैं उसे जान से मार देता, क्योंकि जब मेरा गुस्सा बेकाबू हो जाता है तो मैं हमेशा पागलों जैसा व्यवहार करता हूँ। मैरी ने मेरी आँखों में शैतानी चमक देखी, और वह मेरी आस्तीन पकड़कर आगे दौड़ी। "नहीं, जिम, नहीं!" वह बोली। "सारा कहाँ है?" मैंने पूछा। "रसोई में," वह बोली। "सारा," मैं अंदर जाते हुए बोला, "यह फेयरबर्न नाम की आदमी फिर कभी मेरे घर में कदम नहीं रखेगा।" "क्यों नहीं?" वह

बोली। "क्योंकि मैंने आदेश दिया है।" "ओह!" वह बोली, "अगर मेरे दोस्त इस घर के लायक नहीं हैं, तो मैं भी इसके लायक नहीं हूँ।" मैंने कहा, “तुम जो चाहो कर सकती हो, लेकिन अगर फेयरबर्न फिर कभी यहाँ आयी तो मैं तुम्हें यादगार के तौर पर उसका एक कान भेज दूंगा।” मुझे लगता है कि वह मेरा चेहरा देखकर डर गई थी, क्योंकि उसने एक शब्द भी नहीं कहा और उसी शाम वह मेरे घर से चली गई।

खैर, अब मुझे नहीं पता कि यह उस औरत की सरासर शैतानी थी या उसने सोचा था कि मेरी पत्नी को गलत व्यवहार करने के लिए उकसाकर वह मुझे उसके खिलाफ कर देगी। खैर, उसने दो गलियाँ छोड़कर एक घर लिया और उसे नाविकों को किराए पर दे दिया। फेयरबर्न वहाँ रहता था और मेरी अपनी बहन और उसके साथ चाय पीने जाती थी। वह कितनी बार जाती थी, मुझे नहीं पता, लेकिन एक दिन मैं उसके पीछे गया और जैसे ही मैंने दरवाज़ा तोड़ा, फेयरबर्न डरपोक की तरह पीछे के बगीचे की दीवार फांदकर भाग गया। मैंने अपनी पत्नी से कसम खाई कि अगर मैंने उसे फिर कभी उसके साथ देखा तो मैं उसे जान से मार दूंगा, और मैं उसे अपने साथ वापस ले आया, वह रो रही थी, कांप रही थी और उसका चेहरा पीला पड़ गया था। हमारे बीच प्यार का कोई नामोनिशान नहीं बचा था। मैं देख सकता था कि वह मुझसे नफरत करती थी और डरती थी, और जब इस सोच ने मुझे शराब पीने पर मजबूर कर दिया, तो वह मुझसे भी घृणा करने लगी।

सारा को पता चला कि लिवरपूल में उसका गुजारा नहीं चल सकता, इसलिए वह वापस क्रॉयडन में अपनी बहन के साथ रहने चली गई, और घर पर सब कुछ पहले की तरह ही चलता रहा। और फिर ये पिछला हफ्ता आया और सारी मुसीबतें और बर्बादी शुरू हो गई।

बात कुछ इस तरह हुई। हम मई दिवस पर सात दिन की यात्रा के लिए निकले थे, लेकिन एक बड़ा जहाज़ टूट गया और हमारी एक प्लेट पलट गई, जिसके कारण हमें बारह घंटे के लिए बंदरगाह पर वापस लौटना पड़ा। मैं जहाज़ से उतरकर घर आ गया, यह सोचकर कि मेरी पत्नी के लिए यह कितना बड़ा सरप्राइज होगा, और उम्मीद कर रहा था कि शायद वह मुझे इतनी जल्दी देखकर खुश होगी। यही विचार मेरे मन में था जब मैं अपनी गली में मुड़ा, और उसी क्षण एक टैक्सी मेरे पास से गुज़री, और मैंने देखा कि वह फेयरबर्न के बगल में बैठी थी, दोनों बातें कर रही थीं और हँस रही थीं, और मेरे बारे में बिल्कुल नहीं सोच रही थीं, जबकि मैं फुटपाथ से उन्हें देख रहा था।

मैं आपको बताता हूं, और मैं इस बात की कसम खाता हूं, कि उस पल से मैं अपने होश में नहीं था, और जब मैं उस घटना को याद करता हूं तो वह सब एक धुंधले सपने जैसा लगता है। मैं हाल ही में बहुत ज़्यादा शराब पी रहा था, और इन दोनों चीज़ों ने मिलकर मेरे दिमाग को पूरी तरह से खराब कर दिया था। अब मेरे सिर में कुछ धड़क रहा है, जैसे किसी मजदूर का हथौड़ा, लेकिन उस सुबह ऐसा लग रहा था जैसे मेरे कानों में नियाग्रा का झनझनाहट और भिनभिनाहट गूंज रही हो।

खैर, मैं अपनी जान बचाने के लिए भागा और टैक्सी के पीछे दौड़ पड़ा। मेरे हाथ में एक भारी ओक की छड़ी थी, और सच कहूं तो मुझे शुरू से ही बहुत गुस्सा आ रहा था; लेकिन दौड़ते-दौड़ते मैं चालाक भी हो गया और बिना दिखे उन्हें देखने के लिए थोड़ा पीछे हट गया। वे जल्द ही रेलवे स्टेशन पर आकर रुक गए। बुकिंग काउंटर के आसपास काफी भीड़ थी, इसलिए मैं बिना किसी को दिखे उनके काफी करीब पहुँच गया। उन्होंने न्यू ब्राइटन के लिए टिकट ले लिए। मैंने भी टिकट ले लिए, लेकिन मैं उनके तीन डिब्बे पीछे बैठा। जब हम वहाँ पहुँचे तो वे परेड पर चलने लगे, और मैं उनसे सौ गज से ज़्यादा दूर नहीं था। आखिरकार मैंने उन्हें एक नाव किराए पर लेते और चप्पू

चलाने के लिए जाते देखा, क्योंकि वह बहुत गर्म दिन था, और उन्होंने सोचा होगा, शायद, कि पानी पर ठंडक मिलेगी।

ऐसा लग रहा था मानो उन्हें मेरे हवाले कर दिया गया हो। चारों ओर धुंध छाई हुई थी और कुछ सौ गज से ज़्यादा कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। मैंने अपने लिए एक नाव किराए पर ली और उनके पीछे चल पड़ा। मुझे उनकी नाव धुंधली सी दिखाई दे रही थी, लेकिन वे लगभग मेरी ही गति से चल रहे थे और मेरे उन्हें पकड़ने से पहले वे किनारे से एक मील दूर निकल चुके होंगे। धुंध हमारे चारों ओर एक पर्दे की तरह थी और हम तीनों उसके बीचोंबीच थे। हे भगवान, क्या मैं उनके चेहरे कभी भूल पाऊंगा जब उन्होंने देखा कि उनकी ओर आती नाव में कौन है? वह चीख पड़ी। वह पागलों की तरह गालियाँ देने लगा और चप्पू से मुझ पर वार करने लगा, मानो उसने मेरी आँखों में मौत देख ली हो। मैं उससे बच निकला और अपनी लाठी से एक वार किया जिससे उसका सिर अंडे की तरह कुचल गया। शायद मैं अपने पागलपन में उसे छोड़ देता, लेकिन उसने उसे गले लगा लिया, उसे पुकारते हुए और "एलेक" कहकर रोते हुए कहा। मैंने फिर वार किया और वह उसके बगल में गिर पड़ी। उस समय मैं एक जंगली जानवर की तरह था जिसने खून चख लिया हो। अगर सारा वहाँ होती, तो भगवान की कसम, वो भी उनके साथ चली जाती। मैंने अपना चाकू निकाला और—बस! मैंने काफी कुछ कह दिया। मुझे एक अजीब सी क्रूर खुशी हुई जब मैंने सोचा कि सारा को कैसा लगता जब उसे ये सारे संकेत मिलते कि उसकी दखलअंदाजी का क्या नतीजा हुआ है। फिर मैंने शवों को नाव में बाँधा, एक तख्ता तोड़ा और उनके डूबने तक वहीं खड़ा रहा। मुझे अच्छी तरह पता था कि मालिक सोचेगा कि धुंध में रास्ता भटक गए थे और समुद्र में बह गए थे। मैंने खुद को साफ किया, किनारे पर वापस आया और बिना किसी को शक हुए अपने जहाज पर चढ़ गया। उस रात मैंने सारा कुशिंग के लिए चिट्ठी तैयार की और अगले दिन उसे बेलफ़ास्ट से भेज दिया।

यही तो पूरी सच्चाई है। आप मुझे फांसी दे सकते हैं, या मेरे साथ जो चाहें कर सकते हैं, लेकिन आप मुझे वैसी सजा नहीं दे सकते जैसी मुझे पहले ही मिल चुकी है। मैं अपनी आंखें बंद नहीं कर सकता, मुझे वे दो चेहरे घूरते हुए दिखाई देते हैं - वैसे ही घूर रहे हैं जैसे तब घूर रहे थे जब मेरी नाव कोहरे को चीरते हुए निकली थी। मैंने उन्हें तुरंत मार डाला, लेकिन वे मुझे धीरे-धीरे मार रहे हैं; और अगर मुझे एक और रात ऐसे ही गुजारनी पड़ी तो मैं सुबह होने से पहले या तो पागल हो जाऊंगा या मर जाऊंगा। क्या आप मुझे अकेले कोठरी में डालेंगे, महोदय? दया करके ऐसा मत कीजिए, और आपके साथ भी आपके कष्टों के दिन वैसा ही व्यवहार हो जैसा आप मेरे साथ अभी कर रहे हैं।

"वाटसन, इसका क्या अर्थ है?" होम्स ने कागज नीचे रखते हुए गंभीरता से कहा। "दुख, हिंसा और भय के इस चक्र का क्या उद्देश्य है? इसका कोई न कोई लक्ष्य तो अवश्य ही होगा, अन्यथा हमारा ब्रह्मांड संयोग से शासित है, जो अकल्पनीय है। लेकिन वह लक्ष्य क्या है? यह एक महान, चिरस्थायी प्रश्न है जिसका उत्तर मानव तर्क आज तक नहीं ढूंढ पाया है।"

ब्रूस-पार्टिंगटन योजनाओं का रोमांच

नवंबर 1895 के तीसरे सप्ताह में, लंदन पर घना पीला कोहरा छा गया। सोमवार से गुरुवार तक, मुझे संदेह है कि बेकर स्ट्रीट स्थित हमारी खिड़कियों से सामने वाले घरों की इमारतें भी दिखाई दे रही थीं। पहली दिन होम्स ने अपनी विशाल संदर्भ पुस्तिका में संदर्भों का मिलान करने में बिताया। दूसरा और तीसरा दिन उन्होंने धैर्यपूर्वक उस विषय पर काम किया जिसे उन्होंने हाल ही में अपना शौक बनाया था - मध्य युग का संगीत। लेकिन जब चौथी बार, नाश्ते के बाद अपनी कुर्सियाँ हटाकर हमने देखा कि वह

चिकना, भारी भूरा कोहरा अभी भी हमारे पास से बह रहा है और खिड़कियों पर तेल की बूंदों के रूप में जम रहा है, तो मेरे साथी का अधीर और सक्रिय स्वभाव इस नीरस स्थिति को और सहन नहीं कर सका। वह दबी हुई ऊर्जा के आवेश में बेचैनी से हमारे बैठक कक्ष में इधर-उधर घूमने लगा, अपने नाखून चबाने लगा, फर्नीचर पर थपथपाने लगा और निष्क्रियता से चिढ़ने लगा।

“क्या अखबार में कुछ दिलचस्प नहीं है, वॉटसन?” उसने कहा।

मुझे पता था कि होम्स के लिए "दिलचस्पी की कोई भी बात" का मतलब अपराध से जुड़ी कोई भी बात थी। क्रांति, संभावित युद्ध और सरकार परिवर्तन की खबरें थीं; लेकिन ये सब मेरे साथी की नज़र से ओझल थीं। मुझे अपराध के रूप में दर्ज कोई भी ऐसी बात नज़र नहीं आ रही थी जो सामान्य और निरर्थक न हो। होम्स ने आह भरी और अपनी बेचैन सोच में खो गए।

“लंदन का अपराधी तो सच में बड़ा बेवकूफ है,” उसने उस चिड़चिड़े स्वर में कहा, जैसे कोई खिलाड़ी अपने खेल में हार गया हो। “वॉटसन, इस खिड़की से बाहर देखो। देखो कैसे आकृतियाँ उभरती हैं, धुंधली सी दिखाई देती हैं, और फिर बादलों में गायब हो जाती हैं। चोर या हत्यारा किसी भी दिन लंदन में ऐसे घूम सकता है जैसे बाघ जंगल में, हमला करने से पहले अदृश्य, और फिर केवल अपने शिकार को ही दिखाई देता है।”

मैंने कहा, "कई छोटी-मोटी चोरियां हुई हैं।"

होम्स ने घृणा से भरी घुरघुराहट व्यक्त की।

उन्होंने कहा, "यह भव्य और गंभीर मंच इससे कहीं अधिक योग्य कार्य के लिए तैयार है। इस समुदाय के लिए यह सौभाग्य की बात है कि मैं अपराधी नहीं हूं।"

“हां, बिलकुल!” मैंने पूरे मन से कहा।

“मान लो कि मैं ब्रूक्स या वुडहाउस होता, या उन पचास आदमियों में से कोई भी होता जिनके पास मेरी जान लेने का ठोस कारण है, तो मैं अपने ही पीछा करने वालों के सामने कब तक टिक पाता? एक समन, एक फर्जी मुलाकात, और सब कुछ खत्म हो जाता। शुक्र है कि लैटिन देशों में कोहरे के दिन नहीं होते - हत्याओं के देश। हे भगवान! आखिरकार कुछ तो आया जो हमारी नीरसता को तोड़ेगा।”

यह एक नौकरानी का टेलीग्राम था। होम्स ने उसे फाड़कर खोला और जोर से हंस पड़ा।

“वाह! अब आगे क्या?” उसने कहा। “भाई माइक्रॉफ्ट आ रहे हैं।”

मैंने पूछा, "क्यों नहीं?"

“क्यों नहीं? यह ऐसा है जैसे आप किसी ग्रामीण सड़क पर आती हुई ट्राम से टकरा गए हों। माइक्रॉफ्ट की अपनी राह है और वह उसी पर चलता है। उसका पैल मॉल आवास, डायोजेन्स क्लब, व्हाइटहॉल – यही उसका चक्र है। एक बार, और केवल एक बार, वह यहां आया है। भला कौन सी उथल-पुथल उसे पटरी से उतार सकती है?”

क्या वह इसका स्पष्टीकरण नहीं देता?

होम्स ने मुझे अपने भाई का टेलीग्राम सौंप दिया।

कैडोगन वेस्ट पर आपसे मिलना ही होगा। मैं अभी आ रहा हूँ।

माइक्रॉफ्ट।

“कैडोगन वेस्ट? मैंने यह नाम सुना है।”

“मुझे तो कुछ याद नहीं आ रहा। लेकिन वो माइक्रॉफ्ट इस तरह अचानक प्रकट हो गया! मानो कोई ग्रह ही अपनी कक्षा से बाहर निकल जाए। वैसे, क्या आप जानते हैं कि माइक्रॉफ्ट कौन है?”

मुझे ग्रीक दुभाषिए के साहसिक कार्य के समय की व्याख्या की कुछ धुंधली सी याद थी।

"आपने मुझे बताया था कि ब्रिटिश सरकार के अधीन उनका कोई छोटा-सा कार्यालय था।"

होम्स मुस्कुराया।

“उन दिनों मैं आपको इतना अच्छी तरह से नहीं जानता था। राज्य के उच्च मामलों पर बात करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। आपका यह सोचना सही है कि वह ब्रिटिश सरकार के अधीन है। एक तरह से आप यह भी सही होंगे यदि आप कहें कि कभी-कभी वह स्वयं ब्रिटिश सरकार होता है।”

“मेरे प्यारे होम्स!”

मुझे लगा था कि मैं आपको चौंका दूंगा। माइक्रॉफ्ट सालाना साढ़े चार सौ पाउंड कमाता है, एक अधीनस्थ कर्मचारी बना रहता है, उसकी कोई महत्वाकांक्षा नहीं है, उसे न तो कोई सम्मान मिलेगा और न ही कोई उपाधि, लेकिन वह देश का सबसे अपरिहार्य व्यक्ति बना रहता है।

"आख़िर कैसे?"

“खैर, उनकी स्थिति अद्वितीय है। उन्होंने इसे स्वयं बनाया है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, न ही फिर कभी होगा। उनका मस्तिष्क सबसे सुव्यवस्थित और संगठित है, और तथ्यों को संग्रहित करने की क्षमता उनमें सबसे अधिक है। अपराध का पता लगाने में मैंने जिन महान् शक्तियों का उपयोग किया है, उन्होंने इस विशेष कार्य में उन्हीं का उपयोग किया है। प्रत्येक विभाग के निष्कर्ष उन्हें भेजे जाते हैं, और वे केंद्रीय विनिमय केंद्र, समाशोधन केंद्र हैं, जो संतुलन बनाते हैं। अन्य सभी लोग विशेषज्ञ हैं, लेकिन उनकी विशेषज्ञता सर्वज्ञता है। मान लीजिए कि एक मंत्री को नौसेना, भारत, कनाडा और द्विधात्विक प्रश्न से संबंधित किसी मुद्दे पर जानकारी चाहिए; वह प्रत्येक विषय पर विभिन्न विभागों से अलग-अलग सलाह ले सकते हैं, लेकिन केवल माइक्रॉफ्ट ही उन सभी को एक साथ केंद्रित कर सकते हैं, और तुरंत बता सकते हैं कि प्रत्येक कारक दूसरे को कैसे प्रभावित करेगा। उन्होंने पहले उनका उपयोग एक शॉर्टकट, एक सुविधा के रूप में किया; अब उन्होंने खुद को एक अनिवार्य बना लिया है। उनके उस महान मस्तिष्क में सब कुछ वर्गीकृत है और पल भर में दिया जा सकता है। बार-बार उनके शब्दों ने राष्ट्रीय नीति का निर्णय किया है। वे इसमें जीते हैं। वे सोचते हैं... इसके अलावा और कुछ नहीं, सिवाय तब जब मैं बौद्धिक अभ्यास के तौर पर उससे सलाह मांगता हूं और वह मेरी किसी छोटी-मोटी समस्या पर राय देता है। लेकिन आज बृहस्पति ग्रह अवतरण कर रहा है। आखिर इसका क्या मतलब हो सकता है? कैडोगन वेस्ट कौन है, और माइक्रॉफ्ट से उसका क्या संबंध है?

“मुझे मिल गया!” मैं चिल्लाई और सोफे पर पड़े कागजों के ढेर में घुस गई। “हाँ, हाँ, यही है वो! कैडोगन वेस्ट वही युवक था जो मंगलवार सुबह अंडरग्राउंड में मृत पाया गया था।”

होम्स सावधान मुद्रा में बैठ गया, उसकी पाइप उसके होठों तक आधी ही पहुंची थी।

“वॉटसन, यह ज़रूर कोई गंभीर मामला होगा। जिस मौत ने मेरे भाई की आदतें बदल दी हों, वह कोई मामूली घटना नहीं हो सकती। आख़िर इसमें उसका क्या हाथ हो सकता है? जहाँ तक मुझे याद है, मामला बिल्कुल सीधा-सादा था। युवक ट्रेन से गिर गया था और उसने आत्महत्या कर ली थी। उसे लूटा नहीं गया था, और हिंसा का संदेह करने का कोई विशेष कारण भी नहीं था। क्या ऐसा नहीं है?”

मैंने कहा, “जांच हुई है और कई नए तथ्य सामने आए हैं। अगर गौर से देखा जाए तो मैं निश्चित रूप से कहूंगा कि यह एक विचित्र मामला था।”

“मेरे भाई पर इसके प्रभाव को देखते हुए, मुझे लगता है कि यह बहुत ही असाधारण घटना होगी।” वह अपनी कुर्सी पर आराम से बैठ गया। “अब, वॉटसन, हमें तथ्य बताओ।”

“उस व्यक्ति का नाम आर्थर कैडोगन वेस्ट था। वह सत्ताईस वर्ष का था, अविवाहित था और वूलविच आर्सेनल में क्लर्क के पद पर कार्यरत था।”

“सरकारी कर्मचारी। ब्रदर माइक्रॉफ्ट के साथ संबंध देखिए!”

“वह सोमवार रात को अचानक वूलविच से चले गए। उन्हें आखिरी बार उनकी मंगेतर, मिस वायलेट वेस्टबरी ने देखा था, जिन्हें वह उस शाम लगभग 7:30 बजे घने कोहरे में अचानक छोड़कर चले गए थे। उनके बीच कोई झगड़ा नहीं था और वह उनके इस कदम का कोई कारण नहीं बता सकतीं। उनके बारे में अगली जानकारी तब मिली जब लंदन में अंडरग्राउंड सिस्टम के एल्डगेट स्टेशन के ठीक बाहर मेसन नामक एक प्लेट-लेयर ने उनका शव पाया।”

"कब?"

मंगलवार की सुबह छह बजे शव मिला। यह पटरी के बाईं ओर, पूर्व दिशा की ओर जाते हुए, स्टेशन के पास उस जगह पर पड़ा था जहाँ पटरी सुरंग से निकलती है। सिर बुरी तरह कुचला हुआ था - यह चोट संभवतः ट्रेन से गिरने के कारण लगी होगी। शव पटरी पर केवल इसी तरह आ सकता था। यदि यह किसी पड़ोसी गली से बहकर आया होता, तो यह स्टेशन के बैरियर से होकर गुजरा होता, जहाँ हमेशा एक कलेक्टर खड़ा रहता है। यह बात बिल्कुल निश्चित लगती है।

“बहुत बढ़िया। मामला काफी स्पष्ट है। वह व्यक्ति, चाहे जीवित हो या मृत, या तो ट्रेन से गिर गया या उस पर ट्रेन से कोई चीज़ गिर गई। इतना तो मुझे स्पष्ट है। जारी रखिए।”

“जिस रेल पटरी के किनारे शव मिला था, उस पर पश्चिम से पूर्व की ओर जाने वाली ट्रेनें चलती हैं, जिनमें से कुछ पूरी तरह से मेट्रोपॉलिटन रेलवे की हैं और कुछ विल्सडन और आसपास के जंक्शनों से आती हैं। यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि जब इस युवक की मृत्यु हुई, तो वह रात के किसी समय इसी दिशा में यात्रा कर रहा था, लेकिन वह किस समय ट्रेन में चढ़ा, यह बताना असंभव है।”

"उनका टिकट निश्चित रूप से यह साबित कर देगा।"

उसकी जेब में कोई टिकट नहीं था।

“टिकट नहीं! अरे वाटसन, ये तो वाकई बहुत अजीब बात है। मेरे अनुभव के अनुसार, मेट्रोपॉलिटन ट्रेन के प्लेटफॉर्म तक बिना टिकट दिखाए पहुंचना नामुमकिन है। तो शायद उस युवक के पास टिकट था। क्या स्टेशन का नाम छिपाने के लिए उससे टिकट छीन लिया गया? मुमकिन है। या उसने डिब्बे में टिकट गिरा दिया? ये भी मुमकिन है। लेकिन ये बात वाकई दिलचस्प है। मुझे पता चला है कि लूटपाट का कोई सबूत नहीं मिला?”

“ज़ाहिर तौर पर नहीं। यहाँ उसकी संपत्ति की एक सूची है। उसके पर्स में 2 पाउंड 15 सेंट थे। उसके पास कैपिटल एंड काउंटीज़ बैंक की वूलविच शाखा की एक चेकबुक भी थी। इसी से उसकी पहचान स्थापित हुई। उसके पास वूलविच थिएटर के दो ड्रेस-सर्किल टिकट भी थे, जो उसी शाम के लिए थे। साथ ही तकनीकी कागजात का एक छोटा पैकेट भी था।”

होम्स ने संतुष्टि भरी आवाज निकाली।

“आखिरकार हमें मिल ही गया, वॉटसन! ब्रिटिश सरकार — वूलविच। आर्सेनल — तकनीकी दस्तावेज़ — ब्रदर माइक्रॉफ्ट, कड़ी पूरी हो गई। लेकिन अगर मैं गलत नहीं हूं, तो अब वह खुद बोलने आ रहे हैं।”

कुछ ही क्षणों में माइक्रॉफ्ट होम्स का लंबा और भारी-भरकम शरीर कमरे में दाखिल हुआ। भारी-भरकम और विशालकाय शरीर से युक्त, उनकी आकृति में एक असभ्य शारीरिक जड़ता झलकती थी, लेकिन इस भारी-भरकम शरीर के ऊपर एक ऐसा प्रभावशाली चेहरा था, जिसकी भौंहें इतनी सजग थीं, जिसकी गहरी, स्टील-ग्रे रंग की आंखें इतनी सतर्क थीं, जिसके होंठ इतने दृढ़ थे और जिसके भाव इतने सूक्ष्म थे कि पहली नज़र में ही व्यक्ति उनके भारी-भरकम शरीर को भूलकर केवल उनके शक्तिशाली मस्तिष्क को ही याद रख पाता था।

उनके ठीक पीछे-पीछे स्कॉटलैंड यार्ड के हमारे पुराने मित्र लेस्ट्रेड आए— दुबले-पतले और गंभीर। दोनों के चेहरों की गंभीरता किसी महत्वपूर्ण मिशन का संकेत दे रही थी। जासूस ने बिना कुछ कहे हाथ मिलाया। माइक्रॉफ्ट होम्स ने अपना ओवरकोट उतारकर आरामकुर्सी पर बैठ गए।

“यह तो बहुत ही झंझट भरा मामला है, शर्लक,” उसने कहा। “मुझे अपनी आदतें बदलना बिल्कुल पसंद नहीं है, लेकिन सत्ता में बैठे लोग मेरी बात मानने को तैयार नहीं हैं। सियाम की मौजूदा स्थिति में मेरा कार्यालय से दूर रहना बहुत ही असुविधाजनक है। लेकिन यह एक गंभीर संकट है। मैंने प्रधानमंत्री को इतना परेशान कभी नहीं देखा। जहाँ तक नौसेना की बात है – वहाँ तो जैसे छत्ता उलट गया हो, वैसे ही हलचल मची हुई है। क्या आपने इस मामले के बारे में कुछ पढ़ा है?”

“हमने अभी-अभी ऐसा किया है। तकनीकी दस्तावेज़ क्या थे?”

“अरे हाँ, यही तो असली मुद्दा है! सौभाग्य से, यह बात सामने नहीं आई। अगर ऐसा होता तो प्रेस में हंगामा मच जाता। उस बदकिस्मत युवक की जेब में जो कागज़ थे, वे ब्रूस-पार्टिंगटन पनडुब्बी की योजनाएँ थीं।”

माइक्रॉफ्ट होम्स ने जिस गंभीरता से बात की, उससे विषय की गंभीरता के प्रति उनकी संवेदनशीलता स्पष्ट हो गई। उनके भाई और मैं उत्सुकता से बैठे रहे।

“आपने इसके बारे में ज़रूर सुना होगा? मुझे लगा था कि हर किसी ने इसके बारे में सुना होगा।”

"केवल नाम के तौर पर।"

“इसका महत्व शब्दों में बयान करना असंभव है। यह सरकार के सभी रहस्यों में सबसे अधिक गुप्त रखा गया है। आप मेरी बात मानिए, ब्रूस-पार्टिंगटन ऑपरेशन के दायरे में नौसैनिक युद्ध असंभव हो जाता है। दो साल पहले, अनुमानों के माध्यम से एक बहुत बड़ी रकम की तस्करी की गई और इस आविष्कार का एकाधिकार हासिल करने में खर्च की गई। इस रहस्य को गुप्त रखने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। ये योजनाएँ, जो बेहद जटिल हैं और जिनमें लगभग तीस अलग-अलग पेटेंट शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक पूरी प्रणाली के संचालन के लिए आवश्यक है, शस्त्रागार से सटे एक गोपनीय कार्यालय में चोरों से सुरक्षित दरवाजों और खिड़कियों वाले एक मजबूत तिजोरी में रखी गई हैं। किसी भी परिस्थिति में योजनाओं को कार्यालय से बाहर ले जाना असंभव था। यदि नौसेना के मुख्य निर्माता को भी इन्हें देखना होता, तो उन्हें भी इसके लिए वूलविच कार्यालय जाना पड़ता था। और फिर भी, ये योजनाएँ हमें लंदन के मध्य में एक मृत कनिष्ठ क्लर्क की जेब में मिलीं। आधिकारिक दृष्टिकोण से यह बेहद भयावह है।”

"लेकिन आपने उन्हें बरामद कर लिया है?"

"नहीं, शर्लक, नहीं! असली समस्या तो यही है। हमें वो नहीं मिले। वूलविच से दस कागज़ात चोरी हुए थे। कैडोगन वेस्ट की जेब में सात थे। तीन सबसे ज़रूरी कागज़ात गायब हैं—चोरी हो गए, कहीं खो गए। शर्लक, तुम्हें सब कुछ छोड़ देना होगा। पुलिस-अदालत के अपने रोज़मर्रा के छोटे-मोटे मामलों को भूल जाओ। यह एक अहम अंतरराष्ट्रीय समस्या है जिसे तुम्हें सुलझाना है। कैडोगन वेस्ट ने कागज़ात क्यों लिए, गायब कागज़ात कहाँ हैं, उसकी मौत कैसे हुई, उसका शव उस जगह कैसे पहुँचा जहाँ मिला, इस बुराई का निवारण कैसे किया जा सकता है? इन सभी सवालों के जवाब ढूंढो, और तुम अपने देश की बहुत बड़ी सेवा करोगे।"

"माईक्राफ्ट, तुम इसे खुद क्यों नहीं सुलझा लेते? तुम भी उतनी ही दूर तक देख सकते हो जितनी दूर तक मैं देख सकता हूँ।"

"शायद, शर्लक। लेकिन बात जानकारी जुटाने की है। मुझे अपनी जानकारी दीजिए, और मैं आराम से बैठकर आपको एक बेहतरीन विशेषज्ञ राय दूंगा। लेकिन इधर-उधर भागना, रेलवे गार्डों से पूछताछ करना, और कैमरे के लेंस के सामने मुंह के बल लेटना—यह मेरे बस की बात नहीं है। नहीं, आप ही एकमात्र व्यक्ति हैं जो इस मामले को सुलझा सकते हैं। अगर आप अगली सम्मान सूची में अपना नाम देखना चाहते हैं—"

मेरे दोस्त ने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया।

उन्होंने कहा, "मैं खेल को खेल के आनंद के लिए खेलता हूं। लेकिन यह समस्या निश्चित रूप से कुछ दिलचस्प पहलू प्रस्तुत करती है, और मुझे इसकी जांच करने में बहुत खुशी होगी। कृपया कुछ और तथ्य बताएं।"

मैंने इस कागज़ पर कुछ ज़रूरी बातें लिख ली हैं, साथ ही कुछ पते भी जो आपके काम आएंगे। इन कागज़ात के असल आधिकारिक संरक्षक प्रसिद्ध सरकारी विशेषज्ञ सर जेम्स वाल्टर हैं, जिनके सम्मान और उपाधियों का ज़िक्र तो संदर्भ पुस्तिका की दो पंक्तियों में ही हो जाता है। सेवा में रहते-रहते उनके बाल सफ़ेद हो गए हैं, वे एक सज्जन व्यक्ति हैं, प्रतिष्ठित घरों में विशेष अतिथि होते हैं, और सबसे बढ़कर, उनकी देशभक्ति पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता। तिजोरी की चाबी रखने वाले दो लोगों में से वे एक हैं। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि सोमवार को कार्यालय में काम के घंटों के दौरान कागज़ात निस्संदेह मौजूद थे, और सर जेम्स लगभग तीन बजे अपनी चाबी लेकर लंदन के लिए रवाना हो गए। जिस शाम यह घटना घटी, उस शाम वे बार्कले स्क्वायर स्थित एडमिरल सिंक्लेयर के घर पर थे।

क्या इस तथ्य की पुष्टि हो चुकी है?

"जी हां; उनके भाई, कर्नल वैलेंटाइन वाल्टर ने वूलविच से उनके प्रस्थान की गवाही दी है, और एडमिरल सिंक्लेयर ने लंदन में उनके आगमन की; इसलिए सर जेम्स अब इस समस्या में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हैं।"

"चाबी लिए हुए दूसरा आदमी कौन था?"

वरिष्ठ क्लर्क और ड्राफ्ट्समैन, श्री सिडनी जॉनसन। वे चालीस वर्ष के विवाहित पिता हैं, जिनके पाँच बच्चे हैं। वे शांत और गंभीर स्वभाव के हैं, लेकिन सार्वजनिक सेवा में उनका रिकॉर्ड कुल मिलाकर उत्कृष्ट है। वे अपने सहकर्मियों के बीच अलोकप्रिय हैं, लेकिन मेहनती हैं। उनके स्वयं के कथन के अनुसार, जिसकी पुष्टि केवल उनकी पत्नी के कथन से हुई है, वे सोमवार शाम को कार्यालय समय समाप्त होने के बाद पूरे समय घर पर थे, और उनकी चाबी कभी भी उस घड़ी की चेन से नहीं गिरी जिस पर वह टंगी रहती है।

"हमें कैडोगन वेस्ट के बारे में बताएं।"

“वह दस वर्षों से सेवा में हैं और उन्होंने अच्छा काम किया है। उनकी छवि गुस्सैल और जल्दबाज़ व्यक्ति की है, लेकिन वे एक सीधे-सादे और ईमानदार इंसान हैं। हमें उनसे कोई शिकायत नहीं है। कार्यालय में वे सिडनी जॉनसन के बाद दूसरे नंबर पर थे। अपने कर्तव्यों के कारण उनका योजनाओं से प्रतिदिन व्यक्तिगत संपर्क रहता था। उनके अलावा किसी और को इन योजनाओं को संभालने का काम नहीं सौंपा गया था।”

"उस रात योजनाओं को किसने बंद किया था?"

"श्री सिडनी जॉनसन, वरिष्ठ क्लर्क।"

“खैर, यह तो बिल्कुल स्पष्ट है कि इन्हें किसने चुराया। ये वास्तव में कनिष्ठ क्लर्क कैडोगन वेस्ट के पास से बरामद हुए हैं। यह निर्णायक प्रतीत होता है, है ना?”

“हाँ, शर्लक, ऐसा है, लेकिन फिर भी बहुत कुछ अनसुलझा रह जाता है। सबसे पहले, उसने उन्हें क्यों लिया?”

"मुझे लगता है कि वे मूल्यवान थे?"

"वह इन्हें बेचकर आसानी से कई हजार डॉलर कमा सकता था।"

"क्या आप लंदन में कागजात ले जाने का कोई संभावित मकसद बता सकते हैं, सिवाय उन्हें बेचने के?"

नहीं, मैं नहीं कर सकता।

“तो हमें इसे अपनी कार्यशील परिकल्पना माननी होगी। यंग वेस्ट ने कागजात ले लिए। अब यह केवल नकली कुंजी के माध्यम से ही किया जा सकता था—”

“कई नकली चाबियां थीं। उसे इमारत और कमरा खोलना पड़ा।”

उसके पास कई नकली चाबियां थीं। उसने गुप्त जानकारी बेचने के इरादे से कागज़ात लंदन ले गया, और संभवतः अगली सुबह तक उन योजनाओं को वापस तिजोरी में रख देने का इरादा रखता था, इससे पहले कि किसी को उनकी कमी महसूस हो। इसी राजद्रोहपूर्ण मिशन पर लंदन में रहते हुए उसकी मृत्यु हो गई।

"कैसे?"

"हम यह मानेंगे कि जब वह मारा गया और डिब्बे से बाहर फेंक दिया गया, तब वह वूलविच वापस जा रहा था।"

"एल्डगेट, जहां शव मिला था, लंदन ब्रिज स्टेशन से काफी आगे है, जो वूलविच जाने का उसका मार्ग होता।"

“ऐसी कई परिस्थितियाँ सोची जा सकती हैं जिनके तहत वह लंदन ब्रिज से गुजरे होंगे। उदाहरण के लिए, डिब्बे में कोई व्यक्ति था जिससे उनकी गहन बातचीत चल रही थी। इस बातचीत के कारण एक हिंसक घटना घटी जिसमें उनकी जान चली गई। संभवतः उन्होंने डिब्बे से बाहर निकलने की कोशिश की, पटरी पर गिर गए और इस तरह उनकी मृत्यु हो गई। दूसरे व्यक्ति ने दरवाजा बंद कर दिया। घना कोहरा था और कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।”

“हमारे पास जो जानकारी है, उससे बेहतर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया जा सकता; फिर भी, शर्लक, ज़रा सोचिए कि आपने कितनी बातें अनछुई हैं। मान लीजिए, बहस के लिए, कि युवा कैडोगन वेस्ट ने इन कागज़ात को लंदन ले जाने का निश्चय किया था। स्वाभाविक रूप से, वह विदेशी एजेंट से मिलने का समय तय करता और अपनी शाम खाली रखता। इसके बजाय, उसने थिएटर के दो टिकट लिए, अपनी मंगेतर को आधे रास्ते तक छोड़ा, और फिर अचानक गायब हो गया।”

"एक अंधा," लेस्ट्रेड ने कहा, जो कुछ अधीरता से बातचीत सुन रहा था।

“यह एक बहुत ही विलक्षण मामला है। यह पहली आपत्ति है। दूसरी आपत्ति: मान लीजिए कि वह लंदन पहुंचता है और विदेशी एजेंट से मिलता है। उसे सुबह होने से पहले कागजात वापस लाने होंगे, अन्यथा गुमशुदगी का पता चल जाएगा। वह दस

कागजात ले गया। उसकी जेब में केवल सात ही थे। बाकी तीन का क्या हुआ? वह निश्चित रूप से अपनी मर्जी से उन्हें नहीं छोड़ेगा। फिर, उसके राजद्रोह की कीमत क्या है? किसी को तो उसकी जेब में बड़ी रकम मिलने की उम्मीद थी।"

"मुझे तो सब कुछ एकदम साफ़ लगता है," लेस्ट्रेड ने कहा। "मुझे इस बात में ज़रा भी शक नहीं है कि क्या हुआ था। वह कागज़ात बेचने के लिए ले गया। उसकी मुलाकात एजेंट से हुई। वे कीमत पर सहमत नहीं हो पाए। वह वापस घर जाने लगा, लेकिन एजेंट उसके साथ गया। ट्रेन में एजेंट ने उसकी हत्या कर दी, ज़रूरी कागज़ात ले लिए और उसके शरीर को डिब्बे से बाहर फेंक दिया। क्या इससे सब कुछ स्पष्ट नहीं हो जाता?"

"उसके पास टिकट क्यों नहीं था?"

"टिकट पर यह लिखा होता कि एजेंट के घर के सबसे नजदीक कौन सा स्टेशन है। इसलिए उसने मृत व्यक्ति की जेब से टिकट निकाला।"

"शाबाश, लेस्ट्रेड, बहुत बढ़िया," होम्स ने कहा। "तुम्हारा सिद्धांत सही लगता है। लेकिन अगर यह सच है, तो मामला यहीं खत्म हो जाता है। एक तरफ तो गद्दार मर चुका है। दूसरी तरफ, ब्रूस-पार्टिंगटन पनडुब्बी की योजनाएँ संभवतः महाद्वीप पर पहुंच चुकी हैं। अब हमारे लिए क्या करना बाकी है?"

"शर्लॉक, कार्रवाई करो—कार्रवाई करो!" माइक्रॉफ्ट उछलते हुए चिल्लाया। "मेरी अंतरात्मा इस स्पष्टीकरण के विरुद्ध है। अपनी शक्तियों का प्रयोग करो! अपराध स्थल पर जाओ! संबंधित लोगों से मिलो! कोई कसर मत छोड़ो! अपने पूरे करियर में तुम्हें अपने देश की सेवा करने का इससे बड़ा अवसर कभी नहीं मिला।"

"वाह वाह!" होम्स ने कंधे उचकाते हुए कहा। "आओ, वॉटसन! और तुम, लेस्ट्रेड, क्या तुम एक-दो घंटे के लिए हमारे साथ रहोगे? हम अपनी जांच की शुरुआत एल्डगेट स्टेशन जाकर करेंगे। अलविदा, माइक्रॉफ्ट। मैं तुम्हें शाम से पहले रिपोर्ट दे दूंगा, लेकिन पहले ही बता दूं कि तुम्हें ज्यादा उम्मीद नहीं होगी।"

एक घंटे बाद होम्स, लेस्ट्रेड और मैं एल्डगेट स्टेशन से ठीक पहले सुरंग से बाहर निकलने वाले अंडरग्राउंड रेलरोड पर खड़े थे। एक विनम्र, लाल चेहरे वाले बुजुर्ग सज्जन रेलवे कंपनी का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

"यहाँ उस युवक का शव पड़ा था," उसने धातु की दीवारों से लगभग तीन फीट दूर एक जगह की ओर इशारा करते हुए कहा। "यह ऊपर से नहीं गिर सकता था, क्योंकि जैसा कि आप देख रहे हैं, ये सभी दीवारें बिल्कुल सादी हैं। इसलिए, यह केवल ट्रेन से ही गिर सकता था, और जहाँ तक हमें पता चला है, वह ट्रेन सोमवार की आधी रात के आसपास यहाँ से गुजरी होगी।"

"क्या गाड़ियों की जांच हिंसा के किसी भी संकेत के लिए की गई है?"

"ऐसा कोई संकेत नहीं है, और कोई टिकट भी नहीं मिला है।"

"क्या किसी दरवाजे के खुले पाए जाने का कोई रिकॉर्ड नहीं है?"

"कोई नहीं।"

"आज सुबह हमें कुछ नए सबूत मिले हैं," लेस्ट्रेड ने कहा। "सोमवार रात करीब 11:40 बजे एक साधारण मेट्रोपॉलिटन ट्रेन से एल्डगेट से गुजर रहे एक यात्री ने बताया कि स्टेशन पहुंचने से ठीक पहले उसने एक ज़ोरदार आवाज़ सुनी, जैसे किसी चीज़ के पटरी से टकराने की आवाज़ हो। हालांकि, घना कोहरा था और कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। उसने उस समय इसकी कोई रिपोर्ट नहीं की। आखिर मिस्टर होम्स को क्या हो गया है?"

मेरा मित्र चेहरे पर गहन तनाव का भाव लिए खड़ा था, सुरंग से बाहर निकलते हुए रेलवे ट्रैक को घूर रहा था। एल्डगेट एक जंक्शन है, और वहाँ कई बिंदु थे। उसकी

उत्सुक, जिज्ञासु आँखें इन्हीं बिंदुओं पर टिकी थीं, और मैंने उसके सतर्क चेहरे पर होठों का वही कसाव, नथुनों का काँपना और घनी भौंहों की एकाग्रता देखी, जिसे मैं अच्छी तरह जानता था।

"अंक," उसने बुदबुदाते हुए कहा, "अंक।"

"इसमें क्या है? आपका क्या मतलब है?"

"मुझे लगता है कि इस तरह की प्रणाली में बिंदुओं की संख्या बहुत अधिक नहीं होती है?"

"नहीं; ऐसे लोग बहुत कम हैं।"

और एक वक्र भी। बिंदु और एक वक्र। हे भगवान! काश ऐसा ही होता!

"क्या बात है, मिस्टर होम्स? क्या आपको कोई सुराग है?"

"एक विचार—एक संकेत, इससे अधिक कुछ नहीं। लेकिन इस मामले में दिलचस्पी निश्चित रूप से बढ़ती जा रही है। अनोखा, बिल्कुल अनोखा, और फिर भी क्यों नहीं? मुझे इसमें किसी तरह के नुकसान के संकेत नहीं दिख रहे हैं।"

"उनमें से लगभग कोई भी नहीं था।"

लेकिन मुझे पता चला है कि काफी गहरा घाव था।

"हड्डी चकनाचूर हो गई थी, लेकिन कोई गंभीर बाहरी चोट नहीं थी।"

फिर भी, कुछ खून बहने की उम्मीद तो थी ही। क्या मेरे लिए उस ट्रेन का निरीक्षण करना संभव होगा जिसमें वह यात्री सवार था जिसने कोहरे में गिरने की तेज आवाज सुनी थी?

"मुझे डरने की कोई बात नहीं है, मिस्टर होम्स। ट्रेन को पहले ही तोड़ दिया गया है और डिब्बों को फिर से वितरित कर दिया गया है।"

"मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूँ, श्रीमान होम्स," लेस्ट्रेड ने कहा, "कि प्रत्येक गाड़ी की सावधानीपूर्वक जाँच की गई है। मैंने स्वयं इसकी देखरेख की है।"

मेरे दोस्त की सबसे स्पष्ट कमजोरियों में से एक यह थी कि वह अपने से कम बुद्धि वाले लोगों के प्रति अधीर हो जाता था।

"संभवतः," उसने मुँह फेरते हुए कहा। "दरअसल, मैं गाड़ियों की जाँच नहीं करना चाहता था। वॉटसन, हमने यहाँ अपनी तरफ से पूरी जाँच कर ली है। श्री लेस्ट्रेड, अब आपको और परेशान करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे लगता है कि अब हमारी जाँच हमें वूलविच ले जाएगी।"

लंदन ब्रिज पर, होम्स ने अपने भाई को एक टेलीग्राम लिखा, जिसे भेजने से पहले उन्होंने मुझे सौंप दिया। उसमें लिखा था:

अंधेरे में थोड़ी सी रोशनी दिखाई दे रही है, लेकिन हो सकता है कि वह जल्द ही बुझ जाए। इस बीच, कृपया इंग्लैंड में मौजूद सभी विदेशी जासूसों या अंतरराष्ट्रीय एजेंटों की पूरी सूची, उनके पते सहित, एक संदेशवाहक के माध्यम से बेकर स्ट्रीट पर भेजें।

शेरलॉक।

"यह मददगार साबित होगा, वॉटसन," वूलविच ट्रेन में अपनी सीटों पर बैठते हुए उन्होंने कहा। "भाई माइक्रॉफ्ट के हम निश्चित रूप से आभारी हैं जिन्होंने हमें इस बेहद उल्लेखनीय मामले से परिचित कराया है।"

उनके उत्सुक चेहरे पर अब भी वही तीव्र और उत्तेजित ऊर्जा का भाव था, जिससे मुझे समझ आया कि किसी नई और विचारोत्तेजक घटना ने उनके मन में विचारों की एक नई धारा जगा दी है। देखिए, लटके हुए कानों और झुकी हुई पूंछ वाले उस शिकारी कुत्ते को, जो कुत्तों के बाड़े में आराम कर रहा है, और उसकी तुलना उसी कुत्ते से कीजिए, जो चमकती आंखों और तनी हुई मांसपेशियों के साथ छाती तक ऊंची गंध का पीछा कर रहा है - सुबह से होम्स में यही बदलाव आया था। कुछ ही घंटे पहले धुंध से

घिरे कमरे में बेचैनी से चक्कर लगा रहे उस सुस्त और आलसी व्यक्ति से वह बिलकुल अलग लग रहे थे।

उन्होंने कहा, "यहां सामग्री मौजूद है। यहां संभावनाएं हैं। इसकी संभावनाओं को न समझ पाने के लिए मैं वास्तव में मूर्ख हूं।"

"आज भी वे मुझे अंधेरे में ही नज़र आते हैं।"

"मुझे भी अंत अंधकारमय लग रहा है, लेकिन मेरे पास एक विचार है जो हमें बहुत आगे ले जा सकता है। उस व्यक्ति की मृत्यु कहीं और हुई थी, और उसका शव एक गाड़ी की छत पर था।"

छत पर!

"अद्भुत है, है ना? लेकिन तथ्यों पर गौर कीजिए। क्या यह महज़ संयोग है कि यह ठीक उसी जगह मिला है जहां ट्रेन घूमते समय डगमगाती है? क्या यह वही जगह नहीं है जहां छत पर रखी कोई वस्तु गिर सकती है? डगमगाहट से ट्रेन के अंदर किसी वस्तु पर कोई असर नहीं पड़ेगा। या तो शव छत से गिरा है, या फिर कोई बहुत ही अजीब संयोग हुआ है। अब खून के सवाल पर गौर कीजिए। अगर शव कहीं और से बहा होता, तो ज़ाहिर है कि पटरी पर खून नहीं बहा होता। हर तथ्य अपने आप में संकेत देता है। ये सभी मिलकर एक व्यापक प्रभाव डालते हैं।"

"और टिकट भी!" मैंने चिल्लाकर कहा।

"बिल्कुल सही। हम टिकट न मिलने की वजह नहीं बता पा रहे थे। इससे इसकी वजह समझ में आ जाती है। सब कुछ मेल खाता है।"

लेकिन मान लीजिए कि ऐसा ही है, तब भी हम उनकी मृत्यु के रहस्य को सुलझाने से उतने ही दूर हैं जितना पहले थे। वास्तव में, यह रहस्य सरल होने के बजाये और भी पेचीदा हो जाता है।

"शायद," होम्स ने सोच-विचार करते हुए कहा, "शायद।" वह फिर से एक गहरी सोच में डूब गए, जो तब तक जारी रही जब तक कि धीमी गति से चलने वाली ट्रेन आखिरकार वूलविच स्टेशन पर आकर नहीं रुक गई। वहां उन्होंने एक टैक्सी बुलाई और अपनी जेब से माइक्रॉफ्ट का कागज़ निकाला।

उन्होंने कहा, "हमें दोपहर में कई लोगों से मिलना है। मुझे लगता है कि सर जेम्स वाल्टर को सबसे पहले प्राथमिकता देनी चाहिए।"

उस प्रसिद्ध अधिकारी का घर हरे-भरे लॉन वाला एक शानदार विला था, जो टेम्स नदी तक फैला हुआ था। जैसे ही हम वहां पहुंचे, कोहरा छंटने लगा और हल्की, पानी जैसी धूप छनकर आने लगी। घंटी बजने पर एक बटलर ने दरवाजा खोला।

"सर जेम्स, सर!" उसने गंभीर चेहरे से कहा। "सर जेम्स का आज सुबह निधन हो गया।"

"हे भगवान!" होम्स ने हैरानी से कहा। "उसकी मौत कैसे हुई?"

"शायद आप हस्तक्षेप करना चाहेंगे, महोदय, और उनके भाई, कर्नल वैलेंटाइन से मिलना चाहेंगे?"

"हां, हमें ऐसा ही करना चाहिए।"

हमें एक धुंधली रोशनी वाले ड्राइंग रूम में ले जाया गया, जहाँ कुछ ही देर में हमारे साथ पचास साल का एक लंबा, आकर्षक, हल्की दाढ़ी वाला आदमी आकर बैठ गया, जो मृत वैज्ञानिक का छोटा भाई था। उसकी उग्र आँखें, दागदार गाल और बिखरे बाल, सब कुछ उस अचानक आई विपत्ति की कहानी कह रहे थे जो उस परिवार पर आई थी। जब वह इसके बारे में बोल रहा था तो उसकी आवाज़ स्पष्ट नहीं थी।

उन्होंने कहा, "यह एक भयानक घोटाला था। मेरे भाई, सर जेम्स, बहुत ही संवेदनशील और ईमानदार व्यक्ति थे, और वे इस तरह के मामले को सहन नहीं कर

सके। इससे उनका दिल टूट गया। उन्हें हमेशा अपने विभाग की कार्यकुशलता पर गर्व था, और यह उनके लिए एक करारा झटका था।”

"हमें उम्मीद थी कि वह हमें कुछ संकेत दे सकते थे जिससे हमें मामले को सुलझाने में मदद मिलती।"

मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यह सब उसके लिए भी उतना ही रहस्य था जितना आपके और हम सबके लिए। उसने अपना सारा ज्ञान पुलिस को सौंप दिया था। स्वाभाविक रूप से उसे इस बात में कोई संदेह नहीं था कि कैडोगन वेस्ट दोषी था। लेकिन बाकी सब कुछ अकल्पनीय था।

"क्या आप इस मामले पर कोई नई रोशनी नहीं डाल सकते?"

“मैंने जो पढ़ा या सुना है, उसके अलावा मुझे खुद कुछ नहीं पता। मैं असभ्य नहीं होना चाहता, लेकिन श्रीमान होम्स, आप समझ सकते हैं कि हम इस समय काफी परेशान हैं, और मुझे आपसे अनुरोध करना होगा कि आप इस साक्षात्कार को जल्द से जल्द समाप्त करें।”

“यह तो वाकई एक अप्रत्याशित घटनाक्रम है,” टैक्सी में वापस आने पर मेरे दोस्त ने कहा। “मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या मौत स्वाभाविक थी, या उस बेचारे बूढ़े ने आत्महत्या कर ली! अगर आत्महत्या है, तो क्या इसे कर्तव्य की उपेक्षा के लिए आत्म-निंदा का संकेत माना जा सकता है? इस सवाल को हम भविष्य के लिए छोड़ देते हैं। अब हम कैडोगन वेस्ट्स की ओर रुख करते हैं।”

कस्बे के बाहरी इलाके में स्थित एक छोटे लेकिन सुव्यवस्थित घर में शोक संतप्त माँ ठहरी हुई थी। वृद्ध महिला शोक से इतनी व्याकुल थी कि वह हमारी किसी काम की नहीं थी, लेकिन उसके पास एक श्वेत चेहरे वाली युवती थी, जिसने अपना परिचय मिस वायलेट वेस्टबरी के रूप में दिया, जो मृतक की मंगेतर और उस भयावह रात को उसे आखिरी बार देखने वाली महिला थी।

“मैं इसे समझा नहीं सकती, श्री होम्स,” उसने कहा। “इस त्रासदी के बाद से मेरी आंखें एक पल के लिए भी नहीं खुलीं, मैं दिन-रात यही सोचती रही कि इसका असली मतलब क्या हो सकता है। आर्थर धरती पर सबसे दृढ़ निश्चयी, वीर और देशभक्त व्यक्ति थे। वे अपने पास रखे गए किसी भी राजकीय रहस्य को बेचने से पहले अपना दाहिना हाथ भी काट देते। जो भी उन्हें जानता था, उसके लिए यह बात बेतुकी, असंभव और हास्यास्पद है।”

"लेकिन तथ्य क्या हैं, मिस वेस्टबरी?"

"हां, हां मैं स्वीकार करता हूं कि मैं उन्हें समझा नहीं सकता।"

क्या उसे पैसों की कोई कमी थी?

“नहीं; उसकी ज़रूरतें बहुत साधारण थीं और उसका वेतन पर्याप्त था। उसने कुछ सौ रुपये बचा लिए थे, और हमारी शादी नए साल पर होने वाली थी।”

“क्या आपमें किसी प्रकार की मानसिक उत्तेजना के लक्षण नहीं हैं? आइए, मिस वेस्टबरी, हमसे बिल्कुल खुलकर बात कीजिए।”

मेरे साथी की तेज नजर ने उसके व्यवहार में कुछ बदलाव देखा। उसका चेहरा लाल हो गया और वह हिचकिचाने लगी।

अंत में उसने कहा, "हां, मुझे आभास हो रहा था कि उसके मन में कुछ चल रहा है।"

"लंबे समय तक के लिए?"

“पिछले एक हफ्ते से ही। वह सोच-विचार में डूबे हुए और चिंतित थे। एक बार मैंने उनसे इस बारे में पूछा तो उन्होंने माना कि कुछ तो गड़बड़ है, और वह उनके

अधिकारिक जीवन से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'यह इतना गंभीर मामला है कि मैं इस बारे में आपसे भी बात नहीं कर सकता।' मुझे इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चला।"

होम्स गंभीर दिख रहे थे।

"आगे बढ़िए, मिस वेस्टबरी। भले ही यह उनके खिलाफ जाता हुआ प्रतीत हो, फिर भी आगे बढ़िए। हम नहीं कह सकते कि इसका क्या परिणाम होगा।"

"सचमुच, मेरे पास बताने के लिए और कुछ नहीं है। एक-दो बार मुझे ऐसा लगा कि वह मुझे कुछ बताने ही वाला था। एक शाम उसने इस रहस्य के महत्व के बारे में बात की, और मुझे कुछ-कुछ याद है कि उसने कहा था कि इसमें कोई शक नहीं कि विदेशी जासूस इसे पाने के लिए बहुत बड़ी रकम चुकाने को तैयार होंगे।"

मेरे दोस्त का चेहरा और भी गंभीर हो गया।

"और कुछ?"

उन्होंने कहा कि हम ऐसे मामलों में ढिलाई बरतते हैं—कि किसी गद्दार के लिए योजनाओं को हासिल करना आसान होगा।

"क्या उन्होंने इस तरह की टिप्पणियां हाल ही में की थीं?"

"हां, बिल्कुल हाल ही में।"

अब हमें उस आखिरी शाम के बारे में बताइए।

"हमें थिएटर जाना था। कोहरा इतना घना था कि टैक्सी का कोई फायदा नहीं था। हम पैदल ही चले और हमारा रास्ता दफ्तर के पास तक पहुंच गया। अचानक वह कोहरे में गायब हो गया।"

"बिना कुछ बोले?"

"उसने एक विस्मयबोधक स्वर निकाला; बस इतना ही। मैंने इंतज़ार किया लेकिन वह वापस नहीं आया। फिर मैं घर चला गया। अगली सुबह, दफ्तर खुलने के बाद, वे पूछताछ करने आए। लगभग बारह बजे हमें भयानक खबर मिली। ओह, श्रीमान होम्स, काश आप उनकी इज़्ज़त बचा पाते! यह उनके लिए बहुत मायने रखता था।"

होम्स ने दुख से अपना सिर हिलाया।

"चलो, वॉटसन," उसने कहा, "हमारा रास्ता कहीं और है। हमारा अगला पड़ाव वह कार्यालय होना चाहिए जहां से कागजात लिए गए थे।"

"इस युवक के खिलाफ मामला पहले से ही काफी गंभीर था, लेकिन हमारी जांच से मामला और भी पेचीदा हो गया है," टैक्सी के धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए उन्होंने कहा। "उसकी आने वाली शादी अपराध का मकसद साबित करती है। उसे स्वाभाविक रूप से पैसों की ज़रूरत थी। यह विचार उसके दिमाग में था, क्योंकि उसने इसके बारे में बात की थी। उसने लड़की को अपनी योजनाओं के बारे में बताकर लगभग उसे राजद्रोह में भागीदार बना लिया था। यह सब बहुत बुरा है।"

"लेकिन होम्स, चरित्र का भी कुछ महत्व होता है, है ना? फिर, उसे लड़की को सड़क पर छोड़कर अपराध करने के लिए क्यों भागना चाहिए?"

"बिल्कुल! आपत्तियां तो जरूर हैं। लेकिन उन्हें जिस मामले का सामना करना है वह बहुत गंभीर है।"

वरिष्ठ क्लर्क श्री सिडनी जॉनसन ने कार्यालय में हमारा स्वागत किया और उस सम्मान के साथ हमारा अभिनंदन किया जो मेरे साथी के कार्ड के कारण हमेशा ही मिलता था। वे दुबले-पतले, रूखे स्वभाव के, चश्मा पहने हुए अधेड़ उम्र के व्यक्ति थे, उनके गाल मुरझाए हुए थे और उनके हाथ उस मानसिक तनाव के कारण फड़क रहे थे जिसका वे सामना कर रहे थे।

"यह बहुत बुरी खबर है, मिस्टर होम्स, बहुत बुरी! क्या आपने मुखिया की मौत के बारे में सुना है?"

हम अभी-अभी उसके घर से आए हैं।

"यहाँ सब कुछ अस्त-व्यस्त है। मुखिया मर चुका है, कैडोगन वेस्ट भी मर चुका है, हमारे कागजात चोरी हो गए हैं। फिर भी, जब हमने सोमवार शाम को अपना कार्यालय बंद किया, तो हम सरकारी सेवा में किसी भी कार्यालय की तरह ही कुशल थे। हे भगवान, यह सोचना भी भयानक है! कि वेस्ट जैसा आदमी ऐसा कर सकता है!"

तो क्या आपको उसके दोषी होने का पूरा यकीन है?

मुझे इससे निकलने का कोई और रास्ता नजर नहीं आता। फिर भी मैं उस पर उतना ही भरोसा करता जितना खुद पर करता हूँ।

सोमवार को दफ्तर कितने बजे बंद हुआ था?

"पांच बजे।"

"क्या तुमने इसे बंद कर दिया?"

मैं हमेशा सबसे आखिर में बाहर निकलता हूँ।

"योजनाएं कहां थीं?"

"उस तिजोरी में। मैंने उन्हें खुद वहां रखा था।"

क्या इस इमारत में कोई चौकीदार नहीं है?

"है तो सही, लेकिन उन्हें दूसरे विभागों का भी ध्यान रखना होता है। वे एक अनुभवी सैनिक हैं और बेहद भरोसेमंद व्यक्ति हैं। उस शाम उन्होंने कुछ नहीं देखा। ज़ाहिर है, कोहरा बहुत घना था।"

"मान लीजिए कि कैडोगन वेस्ट कार्यालय समय के बाद इमारत में प्रवेश करना चाहता है; तो उसे कागजात तक पहुंचने से पहले तीन चाबियों की आवश्यकता होगी, है ना?"

"हां, वह करेगा। बाहरी दरवाजे की चाबी, दफ्तर की चाबी और तिजोरी की चाबी।"

"क्या वे चाबियां सिर्फ सर जेम्स वाल्टर और आपके पास थीं?"

मेरे पास दरवाजों की चाबियां नहीं थीं - केवल तिजोरी की चाबी थी।

क्या सर जेम्स अपने पहनावे में व्यवस्थित व्यक्ति थे?

"हां, मुझे लगता है कि वह ऐसा ही करता था। मुझे पता है कि उन तीनों चाबियों को वह एक ही गुच्छे में रखता था। मैंने उन्हें अक्सर वहीं देखा है।"

और वह अंगूठी उनके साथ लंदन चली गई?

उन्होंने ऐसा कहा था।

और आपकी चाबी कभी आपके पास से दूर नहीं हुई?

"कभी नहीं।"

"तो अगर वेस्ट ही दोषी है, तो उसके पास नकली प्रति ज़रूर रही होगी। फिर भी उसके शरीर पर ऐसी कोई प्रति नहीं मिली। एक और बात: अगर इस दफ्तर में काम करने वाला कोई क्लर्क इन योजनाओं को बेचना चाहता, तो क्या असली प्रतियाँ लेने की बजाय खुद के लिए उनकी नकल बनाना ज़्यादा आसान नहीं होता, जैसा कि असल में किया गया था?"

"इन योजनाओं की प्रभावी ढंग से नकल करने के लिए काफी तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता होगी।"

"लेकिन मुझे लगता है कि या तो सर जेम्स, या आप, या वेस्ट के पास वह तकनीकी ज्ञान था?"

"इसमें कोई शक नहीं कि हमने ऐसा किया था, लेकिन मैं आपसे विनती करता हूँ कि मुझे इस मामले में घसीटने की कोशिश न करें, श्री होम्स। जब मूल योजनाएँ वास्तव में पश्चिम में ही मिल गई थीं, तो इस तरह अटकलें लगाने का क्या फायदा?"

"खैर, यह निश्चित रूप से विलक्षण बात है कि उसने मूल प्रतियां लेने का जोखिम उठाया जबकि वह सुरक्षित रूप से उनकी प्रतियां ले सकती था, जो उसके उद्देश्य को समान रूप से पूरा कर देती।"

"निस्संदेह, यह विलक्षण था - और फिर भी उसने ऐसा किया।"

“इस मामले में हर जांच से कुछ न कुछ अनसुलझा ही सामने आता है। अब भी तीन कागजात गायब हैं। मेरी जानकारी के अनुसार, वे सबसे महत्वपूर्ण कागजात हैं।”

“जी हां, ऐसा ही है।”

"क्या आपका मतलब यह है कि इन तीन कागजातों को रखने वाला कोई भी व्यक्ति, बाकी सात कागजातों के बिना, ब्रूस-पार्टिंगटन पनडुब्बी का निर्माण कर सकता है?"

मैंने इस संबंध में नौसेना को सूचना दी थी। लेकिन आज मैंने रेखाचित्रों को फिर से देखा है, और अब मुझे इस पर पूरा भरोसा नहीं है। स्वचालित स्व-समायोजन स्लॉट वाले दोहरे वाल्व उन कागजों में से एक में चित्रित हैं जो वापस भेज दिए गए हैं। जब तक विदेशियों ने स्वयं इसका आविष्कार नहीं कर लिया, तब तक वे नाव नहीं बना सकते थे। बेशक, वे जल्द ही इस समस्या का समाधान कर लेंगे।

"लेकिन क्या गायब हुए तीनों चित्र सबसे महत्वपूर्ण हैं?"

"निश्चित रूप से।"

“मुझे लगता है, आपकी अनुमति से, मैं अब अपने परिसर का एक चक्कर लगाऊंगा। मुझे कोई और सवाल याद नहीं आ रहा जो मैं पूछना चाहता था।”

उन्होंने तिजोरी का ताला, कमरे का दरवाजा और अंत में खिड़की के लोहे के शटर की जांच की। जब हम बाहर लॉन में थे, तब उनकी दिलचस्पी और बढ़ गई। खिड़की के बाहर लॉरेल की झाड़ी थी, और उसकी कई शाखाओं पर मुड़े या टूटे होने के निशान थे। उन्होंने लेंस से उन्हें ध्यान से देखा, और फिर नीचे ज़मीन पर कुछ धुंधले निशान देखे। अंत में उन्होंने मुख्य क्लर्क से लोहे के शटर बंद करने को कहा, और मुझे बताया कि वे मुश्किल से बीच में मिलते हैं, और बाहर से कोई भी कमरे के अंदर क्या हो रहा है, देख सकता है।

“तीन दिन की देरी से सारे संकेत बेकार हो गए हैं। उनका कुछ मतलब हो भी सकता है और कुछ नहीं भी। खैर, वॉटसन, मुझे नहीं लगता कि वूलविच से हमें और कोई मदद मिल सकती है। हमने जो फसल काटी है वह बहुत कम है। देखते हैं कि क्या हम लंदन में बेहतर कर पाते हैं।”

फिर भी, वूलविच स्टेशन से निकलने से पहले हमने अपनी फसल में एक और गठरी जोड़ ली। टिकट काउंटर पर क्लर्क ने विश्वासपूर्वक कहा कि उसने कैडोगन वेस्ट को - जिसे वह अच्छी तरह से जानता था - सोमवार की रात को देखा था, और वह 8:15 बजे लंदन ब्रिज जाने वाली ट्रेन से लंदन गया था। वह अकेला था और उसने एक ही तृतीय श्रेणी का टिकट लिया था। उस समय क्लर्क उसके उत्तेजित और घबराए हुए व्यवहार से चकित रह गया था। वह इतना कांप रहा था कि मुश्किल से अपने खुले पैसे उठा पा रहा था, और क्लर्क ने उसे उठाने में मदद की थी। समय सारिणी देखने पर पता चला कि 8:15 बजे वाली ट्रेन ही पहली ट्रेन थी जिसे वेस्ट लगभग 7:30 बजे महिला को छोड़ने के बाद ले सकता था।

आधे घंटे की चुप्पी के बाद होम्स ने कहा, "वाट्स, आइए हम फिर से शुरुआत करें। मुझे नहीं लगता कि हमारे सभी संयुक्त शोधों में कभी कोई ऐसा मामला आया है जो इतना कठिन रहा हो। हर नई प्रगति से एक नई चुनौती सामने आती है। फिर भी हमने निश्चित रूप से कुछ सराहनीय प्रगति की है।"

वूलविच में हमारी पूछताछ का नतीजा मुख्य रूप से युवा कैडोगन वेस्ट के ख़िलाफ़ रहा है; लेकिन खिड़की पर मिले संकेत एक अधिक अनुकूल परिकल्पना की ओर इशारा करते हैं। मान लीजिए, उदाहरण के लिए, कि उससे किसी विदेशी एजेंट ने संपर्क किया था। हो सकता है कि यह ऐसे वादों के तहत किया गया हो जिससे वह इसके बारे में किसी को न बताए, फिर भी उसके विचार उसकी मंगेतर से की गई बातचीत की दिशा में ही प्रभावित हुए हों। ठीक है। अब मान लेते हैं कि जब वह उस युवती के साथ थिएटर जा रहा था, तो अचानक कोहरे में उसने उसी एजेंट को दफ्तर की ओर जाते हुए देखा। वह एक उतावला आदमी था, जो अपने फैसले जल्दी लेता था। उसने अपने कर्तव्य के आगे सब कुछ त्याग दिया। उसने उस आदमी का पीछा किया, खिड़की तक पहुंचा, दस्तावेजों को गायब होते देखा और चोर का पीछा किया। इस तरह हम इस आपत्ति को दूर कर देते हैं कि जब कोई नकल बना सकता है तो मूल दस्तावेज क्यों लेगा। इस बाहरी व्यक्ति को मूल दस्तावेज लेने ही थे। अब तक यह बात सही बैठती है।

"अगला कदम क्या है?"

“फिर हम मुश्किल में पड़ जाते हैं। कोई सोचेगा कि ऐसी परिस्थितियों में युवा कैडोगन वेस्ट का पहला काम अपराधी को पकड़ना और पुलिस को सूचना देना होता। उसने ऐसा क्यों नहीं किया? क्या किसी वरिष्ठ अधिकारी ने कागजात लिए होंगे? इससे वेस्ट के व्यवहार की व्याख्या हो सकती है। या क्या मुखिया कोहरे में वेस्ट को चकमा देकर निकल गया होगा, और वेस्ट ने यह मानकर कि उसे कमरों का पता है, तुरंत लंदन के लिए निकल पड़ा होगा? पुकार बहुत ज़रूरी रही होगी, क्योंकि उसने अपनी प्रेमिका को कोहरे में खड़ा छोड़ दिया और उससे संपर्क करने की कोई कोशिश नहीं की। यहां हमारी जाँच अटक जाती है, और दोनों ही अनुमानों और वेस्ट के शव के मिलने के बीच बहुत बड़ा अंतर है, जिसकी जेब में सात कागज़ात थे, और जो एक मेट्रोपॉलिटन ट्रेन की छत पर मिला था। अब मेरा मन दूसरे सिरे से सोचने का कर रहा है। अगर माइक्रॉफ्ट ने हमें पतों की सूची दी है, तो हम अपने आदमी को पहचान सकते हैं और एक के बजाय दो सुरागों का पीछा कर सकते हैं।”

बेकर स्ट्रीट पर हमारा इंतज़ार एक नोट कर रहा था। सरकारी संदेशवाहक उसे तुरंत लेकर आया था। होम्स ने उस पर एक नज़र डाली और उसे मेरी तरफ फेंक दिया।

कई छोटे-मोटे लोग तो हैं, लेकिन इतने बड़े मामले को संभालने वाले बहुत कम हैं। विचार करने लायक एकमात्र व्यक्ति हैं: वेस्टमिंस्टर के 13 ग्रेट जॉर्ज स्ट्रीट निवासी एडॉल्फ मेयर; नॉटिंग हिल के कैम्पडेन मेंशन निवासी लुई ला रोथियर; और केंसिंग्टन के 13 कॉफ़ील्ड गार्डन्स निवासी ह्यूगो ओबरस्टीन। ह्यूगो ओबरस्टीन सोमवार को शहर में थे और अब उनके जाने की खबर है। यह जानकर खुशी हुई कि आपको कुछ उम्मीद की किरण दिखी है। मंत्रिमंडल आपकी अंतिम रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। उच्च स्तर से तत्काल अनुरोध प्राप्त हुए हैं। यदि आपको आवश्यकता हो, तो राज्य की पूरी शक्ति आपके साथ है।

माइक्रॉफ्ट।

होम्स मुस्कुराते हुए बोले, “मुझे डर है कि इस मामले में रानी के सारे घोड़े और रानी के सारे आदमी भी काम नहीं आएंगे।” उन्होंने लंदन का अपना बड़ा नक्शा फैलाया और उत्सुकता से उस पर झुक गए। “वाह वाह,” उन्होंने संतुष्टि से कहा, “आखिरकार हालात हमारे पक्ष में थोड़े-बहुत बदल रहे हैं। वॉटसन, मुझे सच में विश्वास है कि हम आखिरकार कामयाब हो जाएंगे।” उन्होंने अचानक हंसते हुए मेरे कंधे पर थपथपाया। “मैं अब जा रहा हूं। यह सिर्फ़ एक रेकी है। मैं अपने भरोसेमंद साथी और जीवनी लेखक

के बिना कोई गंभीर काम नहीं करूंगा। तुम यहीं रुको, और पूरी संभावना है कि तुम मुझे एक-दो घंटे में फिर मिलोगे। अगर समय कम लगे तो एक कागज़ और कलम ले लो, और लिखना शुरू कर दो कि हमने राज्य को कैसे बचाया।”

मुझे अपने मन में भी उनकी खुशी का कुछ अंश महसूस हुआ, क्योंकि मैं भली-भांति जानता था कि जब तक खुशी का कोई ठोस कारण न हो, वे अपने सामान्य संयम से इतना विमुख नहीं होंगे। नवंबर की उस लंबी शाम को मैं उनके लौटने की बेसब्री से प्रतीक्षा करता रहा। अंततः, नौ बजे के कुछ ही समय बाद, एक संदेशवाहक एक संदेश लेकर आया:

मैं ग्लॉस्टर रोड, केंसिंग्टन स्थित गोल्डिनी रेस्टोरेंट में भोजन कर रहा हूँ। कृपया तुरंत आइए और मेरे साथ शामिल होइए। अपने साथ एक चाकू, एक काली लालटेन, एक छेनी और एक रिवॉल्वर लेकर आइएगा।

श।

धुंध से घिरी, धुंधली सड़कों पर किसी सभ्य नागरिक के लिए यह एक अच्छा सामान था। मैंने उन सभी को सावधानीपूर्वक अपने ओवरकोट में रखा और सीधे दिए गए पते पर चला गया। वहां मेरा दोस्त एक भड़कीले इतालवी रेस्तरां के दरवाजे के पास एक छोटी गोल मेज पर बैठा था।

“क्या आपने कुछ खा लिया है? तो चलिए मेरे साथ कॉफी और क्युराकाओ पीते हैं। मालिक की सिगार में से एक चखकर देखिए। ये उम्मीद से कम जहरीली होती हैं। क्या आपके पास औजार हैं?”

वे यहीं हैं, मेरे ओवरकोट में।

“बहुत बढ़िया। चलिए, मैं आपको संक्षेप में बताता हूँ कि मैंने क्या किया है और आगे हम क्या करने वाले हैं। अब आपको यह स्पष्ट हो गया होगा, वॉटसन, कि इस युवक का शव ट्रेन की छत पर रखा गया था। यह बात उसी क्षण स्पष्ट हो गई थी जब मैंने यह पता लगाया कि वह डिब्बी से नहीं बल्कि छत से गिरा था।”

"क्या इसे किसी पुल से नहीं गिराया जा सकता था?"

“मुझे कहना चाहिए कि यह असंभव था। यदि आप छतों की जांच करेंगे तो पाएंगे कि वे थोड़ी गोल हैं, और उनके चारों ओर कोई रेलिंग नहीं है। इसलिए, हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि युवा कैडोगन वेस्ट को उस पर रखा गया था।”

"उसे वहां कैसे रखा जा सकता था?"

“यही वह सवाल था जिसका हमें जवाब देना था। इसका केवल एक ही तरीका है। आप जानते हैं कि वेस्ट एंड में कुछ जगहों पर अंडरग्राउंड ट्रेन सुरंगों से मुक्त चलती है। मुझे धुंधली सी याद है कि जब मैं इसमें यात्रा कर रहा था तो कभी-कभी मैंने अपने सिर के ठीक ऊपर खिड़कियां देखी थीं। अब, मान लीजिए कि कोई ट्रेन ऐसी खिड़की के नीचे रुकती है, तो क्या छत पर शव रखने में कोई कठिनाई होगी?”

"यह अत्यंत असंभव प्रतीत होता है।"

हमें उस पुराने सिद्धांत पर लौटना होगा कि जब अन्य सभी परिस्थितियाँ विफल हो जाती हैं, तो जो कुछ भी शेष रहता है, चाहे वह कितना भी असंभव क्यों न हो, वही सत्य होता है। यहाँ अन्य सभी परिस्थितियाँ विफल हो गई हैं। जब मुझे पता चला कि प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एजेंट, जो अभी-अभी लंदन छोड़कर गया था, उन मकानों की एक कतार में रहता है जो अंडरग्राउंड रेलवे लाइन से सटे हुए हैं, तो मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि आप मेरी अचानक की इस बेपरवाही पर थोड़ा आश्चर्यचकित हुए।

"ओह, बस यही था, है ना?"

“हाँ, यही बात थी। 13 कॉल्फिल्ड गार्डन्स के श्री ह्यूगो ओबरस्टीन मेरा लक्ष्य बन गए थे। मैंने अपना अभियान ग्लॉसेस्टर रोड स्टेशन से शुरू किया, जहाँ एक बहुत ही

मददगार अधिकारी मेरे साथ पटरी पर चले और मुझे न केवल इस बात की पुष्टि करने दी कि कॉल्फिल्ड गार्डन्स की पिछली सीढ़ियों की खिड़कियाँ पटरी पर खुलती हैं, बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण तथ्य यह था कि एक बड़ी रेलवे लाइन के चौराहे के कारण, अंडरग्राउंड ट्रेनें अक्सर उसी स्थान पर कुछ मिनटों के लिए रुकी रहती हैं।”

“शानदार, होम्स! आपने इसे पा लिया!”

“अब तक तो सब ठीक है, वाटसन। हम आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन मंज़िल अभी दूर है। खैर, कॉल्फिल्ड गार्डन्स का पिछला हिस्सा देखने के बाद, मैंने सामने का हिस्सा देखा और यह सुनिश्चित कर लिया कि मामला सुलझ चुका है। यह एक बड़ा घर है, जहाँ तक मैं समझ पाया, ऊपरी कमरे खाली हैं। ओबरस्टीन वहाँ एक नौकर के साथ रहता था, जो शायद उसका पूरी तरह से भरोसेमंद साथी था। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि ओबरस्टीन अपना लूटा हुआ माल बेचने के लिए महाद्वीप गया है, लेकिन भागने के इरादे से नहीं; क्योंकि उसे वारंट का कोई डर नहीं था, और किसी अनाधिकृत घर-घर जाकर तलाशी लेने का विचार तो उसके मन में कभी आया ही नहीं होगा। फिर भी, हम ठीक यही करने वाले हैं।”

"क्या हम वारंट प्राप्त करके इसे वैध नहीं बना सकते?"

"सबूतों के आधार पर तो ऐसा बिल्कुल नहीं है।"

हम क्या करने की उम्मीद कर सकते हैं?

"हम यह नहीं बता सकते कि वहां क्या पत्राचार हो सकता है।"

मुझे यह पसंद नहीं है, होम्स।

“मेरे प्रिय साथी, तुम सड़क पर पहरा दोगे। मैं अपराध का काम करूँगा। यह छोटी-मोटी बातों में उलझने का समय नहीं है। माइक्रॉफ्ट के पत्र के बारे में सोचो, एडमिरल्टी के बारे में, कैबिनेट के बारे में, उस महान व्यक्ति के बारे में जो खबर का इंतजार कर रहा है। हमें जाना ही होगा।”

मेरा जवाब था मेज़ से उठ जाना।

“तुम सही कह रहे हो, होम्स। हमें जाना ही होगा।”

वह उछलकर खड़ा हो गया और उसने मेरा हाथ पकड़कर हिलाया।

“मुझे पता था कि तुम अंत में पीछे नहीं हटोगे,” उसने कहा, और एक पल के लिए मैंने उसकी आँखों में कुछ ऐसा देखा जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था - कोमलता के सबसे करीब। अगले ही पल वह फिर से अपने कुशल और व्यावहारिक रूप में लौट आया।

“यह लगभग आधा मील है, लेकिन कोई जल्दी नहीं है। चलिए चलते हैं,” उसने कहा। “कृपया उपकरण मत गिराइए। संदिग्ध मानकर आपकी गिरफ्तारी एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण जटिलता होगी।”

कॉल्फिल्ड गार्डन्स लंदन के वेस्ट एंड में मध्य विक्टोरियन युग की पहचान बन चुके सपाट दीवारों वाले, खंभों वाले और बरामदों वाले मकानों की कतारों में से एक था। बगल में बच्चों की पार्टी चल रही थी, क्योंकि बच्चों की चहल-पहल और पियानो की झंकार रात भर गूंज रही थी। कोहरा अब भी छाया हुआ था और अपनी सौम्य छाया से हमें ढके हुए था। होम्स ने अपनी लालटेन जलाई और उसकी रोशनी विशाल दरवाजे पर डाली।

“यह एक गंभीर मामला है,” उसने कहा। “यह पूरी तरह से ताला लगा हुआ है। हमें इस क्षेत्र में और बेहतर व्यवस्था करनी चाहिए। अगर कोई अति उत्साही पुलिसकर्मी घुसपैठ करने की कोशिश करे तो उसके लिए वहाँ एक शानदार मेहराबदार रास्ता बना हुआ है। वाटसन, मेरी मदद करो, मैं भी तुम्हारी मदद करूंगा।”

एक मिनट बाद हम दोनों उस इलाके में पहुँच गए। जैसे ही हम घने कोहरे में पहुँचे, ऊपर घने कोहरे में पुलिसवाले के कदमों की आहट सुनाई दी। उसकी धीमी आहट थमते ही होम्स नीचे वाले दरवाजे पर काम करने लगा। मैंने उसे झुकते और ज़ोर लगाते देखा, और फिर ज़ोर से दरवाज़ा खुल गया। हम अंधेरे गलियारे में कूद पड़े और पीछे का दरवाजा बंद कर दिया। होम्स घुमावदार, बिना कालीन वाली सीढ़ियों से आगे-आगे चलने लगा। उसकी पीली रोशनी की हल्की किरण एक छोटी खिड़की पर पड़ रही थी।

"ये लो, वॉटसन—यही तो होना चाहिए।" उसने खिड़की खोली, और जैसे ही उसने ऐसा किया, एक धीमी, कर्कश सी आवाज़ आई, जो धीरे-धीरे तेज़ गर्जना में बदल गई क्योंकि एक ट्रेन अंधेरे में हमारे पास से तेज़ी से गुज़र गई। होम्स ने खिड़की की चौखट पर अपनी रोशनी डाली। चौखट पर गुज़रते इंजनों से निकले धुएं की मोटी परत जमी हुई थी, लेकिन काली सतह कुछ जगहों पर धुंधली और घिसी हुई थी।

"आप देख सकते हैं कि उन्होंने शव को कहाँ रखा था। अरे, वॉटसन! यह क्या है? इसमें कोई शक नहीं कि यह खून का निशान है।" वह खिड़की की लकड़ी पर हल्के धब्बों की ओर इशारा कर रहा था। "यह सीढ़ी के पत्थर पर भी है। सबूत पूरा हो गया। आइए, ट्रेन रुकने तक यहीं रुकें।"

हमें ज़्यादा इंतज़ार नहीं करना पड़ा। अगली ही ट्रेन पहले की तरह सुरंग से गर्जना करते हुए निकली, लेकिन खुले में आते ही धीमी हो गई, और फिर ब्रेक की चरमराहट के साथ हमारे ठीक नीचे आकर रुक गई। खिड़की के किनारे से डिब्बों की छत तक की दूरी चार फीट से भी कम थी। होम्स ने धीरे से खिड़की बंद कर दी।

"अभी तक तो हम सही साबित हुए हैं," उन्होंने कहा। "वॉटसन, इस बारे में आपका क्या विचार है?"

"एक उत्कृष्ट कृति। आपने इससे पहले कभी इतनी ऊँचाई हासिल नहीं की।"

"मैं इस बात से सहमत नहीं हूं। जिस क्षण मेरे मन में छत पर शव होने का विचार आया, जो निश्चित रूप से कोई बहुत जटिल विचार नहीं था, उसके बाद जो कुछ हुआ वह अपरिहार्य था। अगर इसमें गंभीर हित शामिल न होते तो अब तक का मामला महत्वहीन होता। हमारी मुश्किलें अभी भी हमारे सामने हैं। लेकिन शायद हमें यहाँ कुछ ऐसा मिल जाए जो हमारी मदद कर सके।"

हम रसोई की सीढ़ियाँ चढ़कर पहली मंजिल पर बने कमरों के समूह में दाखिल हुए। एक कमरा भोजन कक्ष था, जो सादे ढंग से सजा हुआ था और उसमें कुछ भी दिलचस्प नहीं था। दूसरा कमरा शयनकक्ष था, जो भी खाली था। बचा हुआ कमरा कुछ अधिक आशाजनक लग रहा था, और मेरा साथी व्यवस्थित रूप से उसकी जाँच करने में जुट गया। वह कमरा किताबों और कागजों से भरा हुआ था, और स्पष्ट रूप से अध्ययन कक्ष के रूप में इस्तेमाल होता था। होम्स ने तेज़ी से और व्यवस्थित ढंग से एक के बाद एक दराज और अलमारी को पलटा, लेकिन उनके गंभीर चेहरे पर सफलता की कोई झलक नहीं दिखी। एक घंटे के अंत तक भी उनकी स्थिति वैसी ही बनी रही जैसी शुरुआत में थी।

उन्होंने कहा, "उस धूर्त कुत्ते ने अपने सारे निशान मिटा दिए हैं। उसने अपने खिलाफ कोई सबूत नहीं छोड़ा है। उसके खतरनाक पत्र-व्यवहार को नष्ट कर दिया गया है या हटा दिया गया है। यही हमारा आखिरी मौका है।"

लेखन मेज पर एक छोटा सा टिन का कैश बॉक्स रखा था। होम्स ने उसे अपनी छेनी से खोला। अंदर कागज के कई बंडल थे, जिन पर आंकड़े और गणनाएँ लिखी थीं, लेकिन यह बताने के लिए कोई नोट नहीं था कि वे किससे संबंधित हैं। बार-बार आने वाले शब्द "जल दाब" और "प्रति वर्ग इंच दाब" किसी पनडुब्बी से संभावित संबंध का संकेत दे रहे थे। होम्स ने उन सभी को अधीरता से एक तरफ फेंक दिया। केवल एक

लिफाफा बचा था जिसमें अखबार की कुछ छोटी-छोटी पर्चियाँ थीं। उसने उन्हें मेज पर बिखेर दिया, और मैंने तुरंत उसके उत्सुक चेहरे से देखा कि उसकी उम्मीदें बढ़ गई थीं।

"ये क्या है, वॉट्सन? हैं? ये क्या है? एक अखबार के विज्ञापनों में छपे संदेशों की एक श्रृंखला का रिकॉर्ड। डेली टेलीग्राफ का प्रिंट और पेपर वाला कॉलम। पृष्ठ के ऊपरी दाहिने कोने में। कोई तारीख नहीं है - लेकिन संदेश अपने आप व्यवस्थित हो जाते हैं। ये पहला होना चाहिए।"

"जल्दी जवाब मिलने की उम्मीद थी। शर्तों पर सहमति हो गई है। कृपया कार्ड पर दिए गए पते पर पूरा पत्र लिखें।"

पिएरोट।

इसके बाद आता है:

वर्णन करना बहुत जटिल है। पूरी रिपोर्ट आवश्यक है। सामान की डिलीवरी होने पर आपको अन्य चीजें मिलेंगी।

पिएरोट।

"फिर आता है:

मामला अत्यावश्यक है। अनुबंध पूरा न होने पर प्रस्ताव वापस लेना होगा। पत्र द्वारा नियुक्ति करें। विज्ञापन के माध्यम से पुष्टि की जाएगी।

पिएरोट।

"अंत में:

सोमवार रात नौ बजे के बाद। दो नल। सिर्फ हम दोनों। इतना शक मत करो। सामान की डिलीवरी के समय नकद भुगतान।

पिएरोट।

"वॉटसन, यह तो काफी सटीक रिकॉर्ड है! काश हम दूसरे छोर पर बैठे उस आदमी तक पहुंच पाते!" वह सोच में डूबा बैठा मेज पर उंगलियाँ थपथपा रहा था। अंत में वह अचानक खड़ा हो गया।

"खैर, शायद यह इतना मुश्किल नहीं होगा। वॉटसन, अब यहाँ और कुछ करने को नहीं है। मुझे लगता है कि हमें डेली टेलीग्राफ के दफ्तरों तक गाड़ी चलाकर जा सकते हैं और इस तरह आज के अच्छे काम को समाप्त कर सकते हैं।"

अगले दिन नाश्ते के बाद मायक्रॉफ्ट होम्स और लेस्ट्रेड तय समय पर आए और शर्लक होम्स ने उन्हें पिछले दिन की हमारी सारी घटनाएँ बताईं। हमारे कबूल किए गए चोरी के अपराध पर उस पेशेवर ने अपना सिर हिलाया।

"हम पुलिस बल में ये सब नहीं कर सकते, मिस्टर होम्स," उसने कहा। "इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि आपको ऐसे नतीजे मिलते हैं जो हमारी समझ से परे हैं। लेकिन कभी-कभी आप हद से ज़्यादा आगे बढ़ जाते हैं, और आप खुद को और अपने दोस्त को मुसीबत में पाते हैं।"

"इंग्लैंड के लिए, घर और सुंदरता — है ना, वॉटसन? हमारे देश की वेदी पर शहीद। लेकिन इस बारे में आपका क्या विचार है, माइक्रॉफ्ट?"

"बहुत बढ़िया, शर्लक! प्रशंसनीय! लेकिन आप इसका क्या उपयोग करेंगे?"

होम्स ने मेज़ पर पड़े डेली टेलीग्राफ को उठाया।

"क्या आपने आज पियरोट का विज्ञापन देखा?"

"क्या? एक और?"

"हाँ यह है:

"आज रात। वही समय। वही जगह। दो नल। अत्यंत महत्वपूर्ण। आपकी अपनी सुरक्षा दांव पर है।"

पिएरोट।
“हे भगवान!” लेस्ट्रेड चिल्लाया। “अगर उसने इसका जवाब दिया तो हम उसे पकड़ लेंगे!”
"जब मैंने यह प्रस्ताव रखा था, तब मेरा यही विचार था। मुझे लगता है कि अगर आप दोनों लगभग आठ बजे हमारे साथ कॉल्फिल्ड गार्डन्स आ सकें, तो शायद हम समाधान के थोड़ा और करीब पहुंच सकें।"
शर्लक होम्स की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक यह थी कि जब भी उन्हें यह लगता था कि वे अब सार्थक काम नहीं कर सकते, तो वे अपने दिमाग को निष्क्रिय कर देते थे और अपने सारे विचार हल्के-फुल्के विषयों पर केंद्रित कर लेते थे। मुझे याद है कि उस पूरे यादगार दिन वे लेस्सस के पॉलीफोनिक मोटेट्स पर लिखे अपने मोनोग्राफ में पूरी तरह से डूबे रहे। मुझमें यह एकांतप्रियता नहीं थी, और परिणामस्वरूप, वह दिन अंतहीन सा लग रहा था। इस मुद्दे का राष्ट्रीय महत्व, उच्च अधिकारियों में व्याप्त सस्पेंस, और जिस प्रयोग को हम करने जा रहे थे उसकी प्रत्यक्ष प्रकृति—इन सबने मिलकर मेरे धैर्य पर भारी दबाव डाला। मुझे तब राहत मिली जब अंततः, हल्के भोजन के बाद, हम अपने अभियान पर निकल पड़े। लेस्ट्रेड और माइक्रॉफ्ट हमसे तय समय पर ग्लूसेस्टर रोड स्टेशन के बाहर मिले। ओबरस्टीन के घर का दरवाजा पिछली रात खुला रह गया था, और यह मेरे लिए आवश्यक था, क्योंकि माइक्रॉफ्ट होम्स ने रेलिंग पर चढ़ने से साफ इनकार कर दिया था, कि मैं अंदर जाकर हॉल का दरवाजा खोलूं। नौ बजे तक हम सभी अध्ययन कक्ष में बैठे थे और धैर्यपूर्वक अपने आदमी की प्रतीक्षा कर रहे थे।
एक घंटा बीत गया और फिर एक और। जब ग्यारह बजे, चर्च की विशाल घड़ी की लयबद्ध टिक-टिक हमारी आशाओं के शोकगीत जैसी लग रही थी। लेस्ट्रेड और माइक्रॉफ्ट अपनी सीटों पर बेचैनी से हिल रहे थे और हर मिनट दो बार अपनी घड़ियाँ देख रहे थे। होम्स चुपचाप और शांत बैठे थे, उनकी पलकें आधी बंद थीं, लेकिन उनकी हर इंद्रिय सतर्क थी। उन्होंने अचानक झटके से अपना सिर उठाया।
“वह आ रहा है,” उसने कहा।
दरवाजे के पास से किसी के दबे पांव जाने की आहट सुनाई दी थी। अब वह आहट फिर सुनाई दी। बाहर से सरसराहट की आवाज आई, फिर दरवाजे की कुंडी पर दो तेज थपथपाहट हुई। होम्स उठे और हमें बैठे रहने का इशारा किया। हॉल में गैस की रोशनी बस एक बिंदु जैसी थी। उन्होंने बाहर का दरवाजा खोला, और जैसे ही एक काली आकृति उनके पास से गुजरी, उन्होंने दरवाजा बंद कर दिया। "इधर!" हमने उन्हें कहते सुना, और एक पल बाद हमारा आदमी हमारे सामने खड़ा था। होम्स उसका पीछा करते हुए उसके पीछे-पीछे गए थे, और जैसे ही वह आदमी हैरानी और घबराहट से चीखते हुए मुड़ा, होम्स ने उसे कॉलर से पकड़कर कमरे में वापस धकेल दिया। इससे पहले कि हमारा कैदी संभल पाता, दरवाजा बंद हो गया और होम्स उसकी पीठ से टिके खड़े थे। वह आदमी चारों ओर घूरा, लड़खड़ाया और बेहोश होकर फर्श पर गिर पड़ा। सदमे से उसकी चौड़ी किनारी वाली टोपी उसके सिर से उड़ गई, उसकी टाई उसके होठों से नीचे खिसक गई, और कर्नल वैलेंटाइन वाल्टर की लंबी हल्की दाढ़ी और कोमल, सुंदर नाजुक चेहरे के भाव सामने आ गए।
होम्स ने आश्चर्य से सीटी बजाई।
"इस बार तो तुम मुझे गधा ही समझ लो, वॉटसन," उसने कहा। "यह वो पक्षी नहीं था जिसकी मुझे तलाश थी।"
“वह कौन है?” माइक्रॉफ्ट ने उत्सुकता से पूछा।

"दिवंगत सर जेम्स वाल्टर के छोटे भाई, जो पनडुब्बी विभाग के प्रमुख थे। जी हां, जी हां; मुझे सब कुछ समझ आ रहा है। वह होश में आ रहे हैं। मुझे लगता है कि बेहतर होगा कि आप उनकी जांच का जिम्मा मुझे सौंप दें।"

हम उस बेहोश शरीर को सोफे तक ले गए थे। अब हमारा कैदी उठ बैठा, भयभीत चेहरे से अपने चारों ओर देखा और अपने माथे पर हाथ फेरा, मानो उसे अपने होश पर विश्वास ही न हो रहा हो।

"यह क्या है?" उसने पूछा। "मैं श्री ओबरस्टीन से मिलने आया हूँ।"

"सब कुछ ज्ञात है, कर्नल वाल्टर," होम्स ने कहा। "एक अंग्रेज सज्जन इस तरह का व्यवहार कैसे कर सकते हैं, यह मेरी समझ से परे है। लेकिन ओबरस्टीन के साथ आपका पूरा पत्राचार और संबंध हमारे संज्ञान में है। युवा कैडोगन वेस्ट की मृत्यु से संबंधित परिस्थितियाँ भी हमें ज्ञात हैं। मैं आपको सलाह देता हूं कि कम से कम पश्चाताप और स्वीकारोक्ति का थोड़ा सा श्रेय तो प्राप्त करें, क्योंकि कुछ विवरण ऐसे हैं जो हमें केवल आपके मुख से ही पता चल सकते हैं।"

वह आदमी कराह उठा और अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया। हम इंतजार करते रहे, लेकिन वह चुप रहा।

होम्स ने कहा, "मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूँ कि हर ज़रूरी बात पहले से ही ज्ञात है। हम जानते हैं कि आप पैसों की तंगी में थे; आपने अपने भाई के पास मौजूद चाबियों की एक छाप ली थी; और आपने ओबरस्टीन के साथ पत्राचार किया था, जो डेली टेलीग्राफ के विज्ञापन कॉलम के माध्यम से आपके पत्रों का जवाब देता था। हमें पता है कि आप सोमवार की रात कोहरे में कार्यालय गए थे, लेकिन आपको युवा कैडोगन वेस्ट ने देख लिया और उसका पीछा किया, जिसे शायद पहले से ही आप पर शक था। उसने आपकी चोरी देखी, लेकिन पुलिस को सूचना नहीं दे सका, क्योंकि यह संभव था कि आप लंदन में अपने भाई को कागज़ात दे रहे थे। एक नेक नागरिक होने के नाते, उसने अपने सभी निजी कामों को छोड़कर, कोहरे में आपका पीछा किया और इस घर तक आपके पीछे लगा रहा। वहाँ उसने हस्तक्षेप किया, और फिर, कर्नल वाल्टर, आपने राजद्रोह के साथ-साथ हत्या का और भी जघन्य अपराध कर दिया।"

"मैंने नहीं किया! मैंने नहीं किया! मैं ईश्वर की कसम खाता हूं कि मैंने नहीं किया!" हमारे बेचारे कैदी ने चिल्लाकर कहा।

"तो हमें यह बताएं कि कैडोगन वेस्ट की मृत्यु कैसे हुई, इससे पहले कि आपने उसे रेलवे के डिब्बे की छत पर रखा।"

"मैं करूंगा। मैं कसम खाकर कहता हूँ कि मैं करूँगा। बाकी सब मैंने कर दिया। मैं कबूल करता हूँ। यह बिल्कुल वैसा ही था जैसा आप कहते हैं। स्टॉक एक्सचेंज का कर्ज चुकाना था। मुझे पैसों की सख्त ज़रूरत थी। ओबरस्टीन ने मुझे पांच हज़ार की पेशकश की। यह खुद को बर्बादी से बचाने के लिए था। लेकिन हत्या के मामले में, मैं उतना ही निर्दोष हूँ जितना आप।"

"फिर क्या हुआ?"

"उसे पहले से ही शक था, और जैसा आपने बताया, वह मेरा पीछा कर रहा था। मुझे तब तक पता नहीं चला जब तक मैं बिल्कुल दरवाज़े पर नहीं पहुँच गया। घना कोहरा था, और तीन गज भी दिखाई नहीं दे रहा था। मैंने दो बार दस्तक दी और ओबरस्टीन दरवाजे पर आ गया। वह युवक दौड़कर आया और पूछने लगा कि हम कागजों का क्या करने वाले हैं। ओबरस्टीन के पास एक छोटा सा लाइफ जैकेट था। वह हमेशा उसे अपने साथ रखता था। जैसे ही वेस्ट जबरदस्ती हमारे पीछे घर में घुसने लगा, ओबरस्टीन ने उसके सिर पर वार किया। वार जानलेवा था। पाँच मिनट के भीतर उसकी मौत हो गई। वह हॉल में पड़ा रहा, और हम समझ नहीं पा रहे थे कि क्या करें।

तभी ओबरस्टीन को उन ट्रेनों के बारे में एक विचार आया जो उसकी पिछली खिड़की के नीचे रुकती थीं। लेकिन पहले उसने मेरे लाए हुए कागजों की जाँच की। उसने कहा कि उनमें से तीन बहुत ज़रूरी हैं, और उसे उन्हें रखना ही होगा। 'आप उन्हें नहीं रख सकते,' मैंने कहा। 'अगर उन्हें वापस नहीं किया गया तो वूलविच में बहुत बड़ा हंगामा होगा।' 'मुझे उन्हें रखना ही होगा,' उसने कहा, 'क्योंकि वे इतने तकनीकी हैं कि इतने कम समय में उन्हें वापस करना असंभव है। 'कॉपी बनाने के लिए।' 'तो फिर उन्हें आज रात एक साथ वापस जाना होगा,' मैंने कहा। उसने थोड़ी देर सोचा, और फिर चिल्लाकर कहा कि उसे एक तरीका सूझ गया है। 'तीन मैं रख लूँगा,' उसने कहा। 'बाकी हम इस युवक की जेब में डाल देंगे। जब वह मिल जाएगा तो सारा मामला उसी के खाते में डाल दिया जाएगा।' मुझे इसके अलावा कोई और रास्ता नहीं दिख रहा था, इसलिए हमने वही किया जो उसने सुझाया था। ट्रेन रुकने से पहले हम आधे घंटे तक खिड़की पर इंतजार करते रहे। इतनी भीड़ थी कि कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, और हमें वेस्ट के शव को ट्रेन में उतारने में कोई कठिनाई नहीं हुई। जहाँ तक मेरा सवाल था, मामला यहीं खत्म हो गया।

"और आपका भाई?"

"उसने कुछ नहीं कहा, लेकिन उसने मुझे एक बार अपनी चाबियों के साथ पकड़ लिया था, और मुझे लगता है कि उसे शक था। मैंने उसकी आँखों में शक पढ़ लिया था। जैसा कि आप जानते हैं, उसने फिर कभी सिर नहीं उठाया।"

कमरे में सन्नाटा पसरा हुआ था। माइक्रॉफ्ट होम्स के आने से सन्नाटा टूटा।

"क्या आप प्रायश्चित नहीं कर सकते? इससे आपका अंतरात्मा शांत हो जाएगा, और संभवतः आपकी सज़ा भी कम हो जाएगी।"

मैं क्या क्षतिपूर्ति कर सकता हूँ?

"ओबरस्टीन कागजात लेकर कहां है?"

"मुझे नहीं पता।"

"क्या उसने आपको कोई पता नहीं दिया?"

उन्होंने कहा कि पेरिस के होटल डू लौवर को लिखे गए पत्र अंततः उन तक पहुंच जाएंगे।

"तो फिर भी क्षतिपूर्ति करना आपके बस में है," शर्लक होम्स ने कहा।

मैं हर संभव प्रयास करूंगा। इस व्यक्ति के प्रति मेरी कोई विशेष सद्भावना नहीं है। यही मेरी बर्बादी और पतन का कारण है।

"ये लो कागज और कलम। इस डेस्क पर बैठो और मेरे निर्देशानुसार लिखो। लिफाफे को दिए गए पते पर भेजो। ठीक है। अब पत्र लिखो।"

"प्रिय महोदय:

"हमारे लेन-देन के संबंध में, आपने अब तक अवश्य ही ध्यान दिया होगा कि एक आवश्यक विवरण अधूरा है। मेरे पास एक दस्तावेज़ है जिससे यह विवरण पूरा हो जाएगा। हालाँकि, इससे मुझे अतिरिक्त परेशानी हुई है, और मुझे आपसे पाँच सौ पाउंड की अतिरिक्त राशि की आवश्यकता है। मैं इसे डाक से नहीं भेजूंगा, और सोने या नोटों के अलावा कुछ भी नहीं लूँगा। मैं आपसे विदेश में मिलना चाहता था, लेकिन अगर मैं अभी देश छोड़ दूँ तो यह चर्चा का विषय बन जाएगा। इसलिए, मैं शनिवार को दोपहर में चारिंग क्रॉस होटल के स्मोकिंग रूम में आपसे मिलने की उम्मीद करता हूँ। याद रखें कि केवल अंग्रेज़ी नोट या सोना ही स्वीकार किया जाएगा।"

यह बहुत अच्छा रहेगा। अगर इससे हमारा आदमी नहीं मिला तो मुझे बहुत आश्चर्य होगा।

और ऐसा ही हुआ! यह इतिहास का एक हिस्सा है— किसी राष्ट्र का वह गुप्त इतिहास जो अक्सर उसके सार्वजनिक इतिहास से कहीं अधिक अंतरंग और रोचक होता है—कि ओबरस्टीन, अपने जीवन का सबसे बड़ा तख्तापलट करने की लालसा में, लालच में आ गया और पंद्रह वर्षों तक एक ब्रिटिश जेल में सुरक्षित रहा। उसके ट्रंक में ब्रूस-पार्टिंगटन की अमूल्य योजनाएँ मिलीं, जिन्हें उसने यूरोप के सभी नौसैनिक केंद्रों में नीलाम करने के लिए रखा था।

कर्नल वाल्टर की जेल में उनकी सजा के दूसरे वर्ष के अंत में मृत्यु हो गई। होम्स की बात करें तो, वे तरोताज़ा होकर लौटे और लैसस के बहुध्वनिक मोटेट्स पर अपने मोनोग्राफ़ पर काम करने लगे, जिसे बाद में निजी वितरण के लिए छापा गया और विशेषज्ञों द्वारा इस विषय पर अंतिम कृति माना जाता है। कुछ सप्ताह बाद मुझे संयोगवश पता चला कि मेरे मित्र ने विंडसर में एक दिन बिताया था, जहाँ से वे एक बेहद खूबसूरत पन्ना जड़ित टाई-पिन लेकर लौटे। जब मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने इसे खरीदा था, तो उन्होंने उत्तर दिया कि यह एक विशेष दयालु महिला का उपहार था, जिनके हितों के लिए उन्हें एक बार एक छोटा सा काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उन्होंने इससे अधिक कुछ नहीं कहा, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उस महिला का नाम अनुमान लगा सकता हूँ, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह पन्ना जड़ित पिन मेरे मित्र की स्मृति में ब्रूस-पार्टिंगटन योजनाओं के रोमांच को हमेशा के लिए ताजा कर देगा।

मरते हुए जासूस का रोमांच

शेरलॉक होम्स की मकान मालकिन श्रीमती हडसन एक सहनशील महिला थीं। उनके पहले तल के फ्लैट में हर समय अजीबोगरीब और अक्सर अवांछित लोगों की भीड़ लगी रहती थी, और उनके असाधारण किराएदार का जीवन भी इतना अनियमित और सनकी था कि श्रीमती हडसन का सब्र टूट जाता था। उनकी हद से ज़्यादा गंदगी, अजीब समय पर संगीत सुनने की लत, घर के अंदर कभी-कभार रिवाल्वर चलाने का अभ्यास, उनके विचित्र और अक्सर बदबूदार वैज्ञानिक प्रयोग, और उनके चारों ओर मंडराने वाला हिंसा और खतरे का माहौल, इन सबने उन्हें लंदन का सबसे बुरा किराएदार बना दिया था। दूसरी ओर, उनका किराया बहुत ज़्यादा था। मुझे पूरा यकीन है कि जिस कीमत पर होम्स ने मेरे साथ रहने के दौरान अपने कमरों का किराया दिया, उस कीमत पर तो घर खरीदा जा सकता था।

मकान मालकिन उनके प्रति अत्यंत श्रद्धा रखती थीं और उनके कार्यों में कभी हस्तक्षेप करने का साहस नहीं करती थीं, चाहे वे कितने भी अनुचित क्यों न लगते हों। वह उनसे स्नेह भी करती थीं, क्योंकि महिलाओं के साथ उनके व्यवहार में असाधारण कोमलता और शिष्टाचार था। वह महिलाओं से घृणा और अविश्वास करते थे, लेकिन हमेशा एक वीर प्रतिद्वंद्वी थे। उनके प्रति उनकी सच्ची श्रद्धा को जानते हुए, मैंने उनकी कहानी ध्यानपूर्वक सुनी जब मेरी शादी के दूसरे वर्ष में वह मेरे कमरे में आई और मुझे मेरी बेचारी सहेली की दयनीय स्थिति के बारे में बताया।

“डॉक्टर वॉटसन, उनकी हालत बहुत खराब है,” उसने कहा। “तीन दिन से उनकी हालत बिगड़ती जा रही है और मुझे शक है कि वो आज का दिन भी जी पाएंगे। उन्होंने मुझे डॉक्टर को बुलाने नहीं दिया। आज सुबह जब मैंने उनकी हड्डियां चेहरे से बाहर निकली हुई देखीं और उनकी बड़ी-बड़ी चमकदार आंखें मुझे घूर रही थीं, तो मैं और बर्दाश्त नहीं कर पाई। ‘आपकी अनुमति हो या न हो, मिस्टर होम्स, मैं अभी इसी वक्त डॉक्टर को बुलाने जा रही हूं,’ मैंने कहा। ‘तो फिर वॉटसन को ही बुला लीजिए,’ उन्होंने

कहा। 'सर, मैं उनके पास आने में एक घंटा भी बर्बाद नहीं करूंगा, वरना आप उन्हें जिंदा नहीं देख पाएंगे।'"

मुझे उनकी बीमारी के बारे में कुछ भी पता नहीं था, इसलिए मैं बहुत डर गई। कहने की ज़रूरत नहीं कि मैं तुरंत अपना कोट और टोपी लेने भागी। वापस आते समय मैंने उनसे सारी जानकारी पूछी।

"मैं आपको ज्यादा कुछ नहीं बता सकता, महोदय। वह रोदरहाइथ में नदी के पास एक गली में काम कर रहा था और वह अपने साथ यह बीमारी लेकर वापस आया है। बुधवार दोपहर को वह बिस्तर पर लेट गया और तब से हिला तक नहीं है। इन तीन दिनों से उसने न कुछ खाया है और न कुछ पिया है।"

"हे भगवान! आपने डॉक्टर को क्यों नहीं बुलाया?"

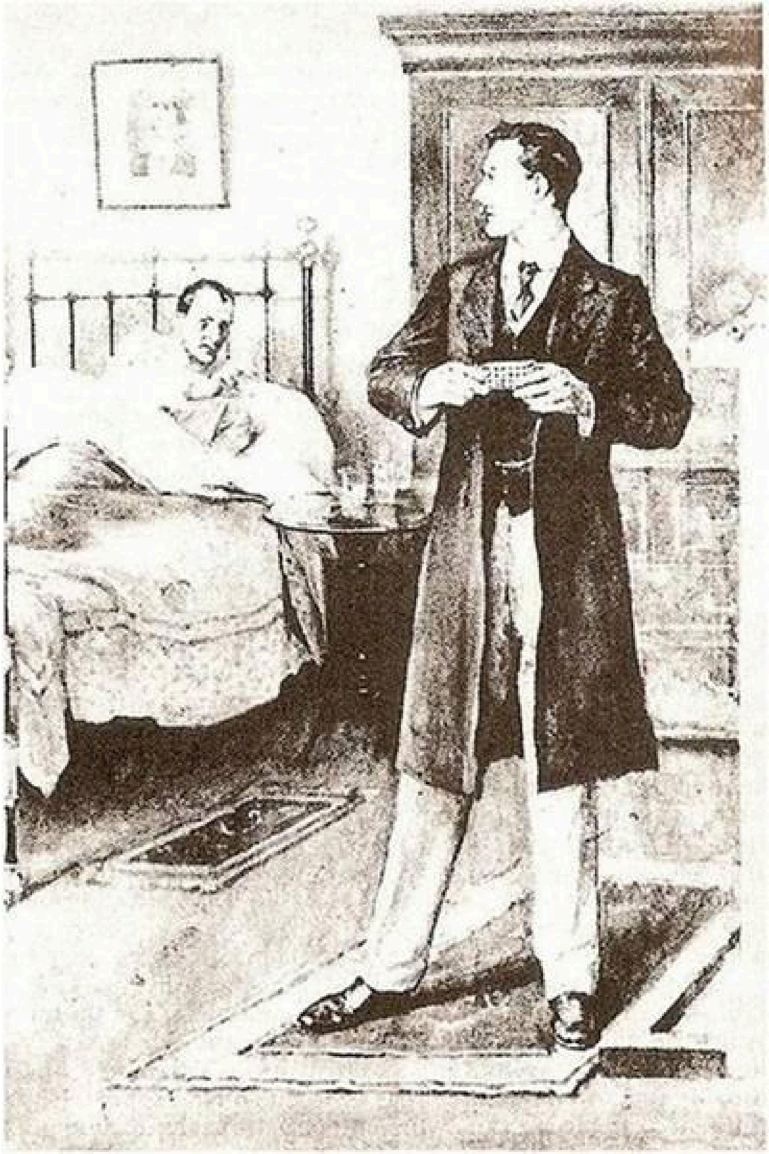

“वह ऐसा नहीं होने देंगे, महोदय। आप जानते हैं कि वह कितने कुशल हैं। मैंने उनकी अवज्ञा करने की हिम्मत नहीं की। लेकिन वह ज्यादा दिन इस दुनिया में नहीं रहेंगे, जैसा कि आप उन्हें देखते ही खुद देख लेंगे।”

वह सचमुच एक दयनीय दृश्य था। नवंबर के धुंध भरे दिन की हल्की रोशनी में बीमारों का कमरा एक उदास जगह लग रहा था, लेकिन बिस्तर से मेरी ओर घूरते उस दुबले-पतले, कमज़ोर चेहरे को देखकर मेरा दिल कांप गया। उसकी आंखों में बुखार की चमक थी, दोनों गाल लाल थे, और होठों पर काले धब्बे जमे हुए थे; चादर पर उसके पतले हाथ लगातार फड़फड़ा रहे थे, उसकी आवाज कर्कश और रुक-रुक कर निकल रही थी। जब मैं कमरे में दाखिल हुआ तो वह बेजान पड़ा था, लेकिन मुझे देखते ही उसकी आंखों में पहचान की एक चमक आ गई।

"खैर, वॉटसन, लगता है हम बुरे दिनों में फंस गए हैं," उसने कमजोर आवाज में कहा, लेकिन उसके पुराने लापरवाह रवैये की झलक भी बरकरार थी।

“मेरे प्यारे साथी!” मैं उसके पास पहुंचते हुए चिल्लाया।

“पीछे हटो! बिलकुल पीछे हटो!” उसने उस तीखे और दबंग लहजे में कहा, जिसे मैंने केवल संकट के क्षणों से ही जोड़ा था। “अगर तुम मेरे पास आए, वॉटसन, तो मैं तुम्हें घर से बाहर निकाल दूंगा।”

"लेकिन क्यों?"

“क्योंकि यही मेरी इच्छा है। क्या यह काफी नहीं है?”

जी हां, श्रीमती हडसन सही थीं। वह पहले से भी कहीं अधिक कुशल थे। हालांकि, उनकी थकावट देखना दयनीय था।

मैंने समझाया, "मैं तो बस मदद करना चाहता था।"

“बिल्कुल सही! आपको जो कहा जाए, उसे करके आप सबसे अच्छी मदद कर पाएंगे।”

"बिल्कुल, होम्स।"

उसने अपने तरीके से संयम में छूट दी।

“क्या तुम नाराज़ नहीं हो?” उसने हांफते हुए पूछा।

बेचारा, जब मैंने उसे अपने सामने ऐसी दयनीय हालत में पड़ा देखा तो मैं उस पर गुस्सा कैसे कर सकता था?

"यह तुम्हारे भले के लिए है, वॉटसन," उसने कर्कश आवाज में कहा।

"मेरे लिये?"

“मुझे पता है कि मुझे क्या हुआ है। यह सुमात्रा की एक आम बीमारी है – जिसके बारे में डच लोग हमसे कहीं ज़्यादा जानते हैं, हालांकि उन्होंने अब तक इस पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया है। एक बात तो पक्की है। यह निश्चित रूप से जानलेवा है और बेहद संक्रामक है।”

अब वह अत्यधिक ऊर्जा के साथ बोल रहा था, उसके लंबे हाथ फड़फड़ा रहे थे और झटके दे रहे थे, जैसे ही उसने मुझे दूर जाने का इशारा किया।

"यह छूने से फैलता है, वॉटसन—जी हां, छूने से। दूरी बनाए रखें और सब ठीक रहेगा।"

“हे भगवान, होम्स! क्या आपको लगता है कि ऐसी बात मेरे मन में एक पल के लिए भी मायने रखती है? किसी अजनबी के मामले में तो यह बात मुझ पर कोई असर नहीं डालती। क्या आपको लगता है कि यह मुझे अपने इतने पुराने दोस्त के प्रति अपना कर्तव्य निभाने से रोक पाएगी?”

मैंने फिर से आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन उसने भयंकर क्रोध भरी नजरों से मुझे पीछे धकेल दिया।

“अगर आप वहीं खड़े रहेंगे तो मैं बात करूंगा। अगर आप नहीं खड़े रहेंगे तो आपको कमरे से बाहर जाना होगा।”

होम्स के असाधारण गुणों के प्रति मेरे मन में इतना गहरा आदर है कि मैंने हमेशा उनकी इच्छाओं का सम्मान किया है, भले ही मैं उन्हें कितना भी कम समझ पाता था। लेकिन अब मेरी सारी पेशेवर भावनाएँ जागृत हो उठी थीं। चाहे वे कहीं और मेरे स्वामी हों, कम से कम बीमार कमरे में तो मैं उनका स्वामी था।

मैंने कहा, “होम्स, तुम ठीक नहीं हो। बीमार व्यक्ति तो बच्चे के समान होता है, इसलिए मैं तुम्हारा इलाज उसी तरह करूंगा। चाहे तुम्हें पसंद हो या न हो, मैं तुम्हारे लक्षणों की जाँच करूंगा और उनका इलाज करूंगा।”

उसने मुझे घृणा भरी निगाहों से देखा।

उन्होंने कहा, "अगर मुझे डॉक्टर की ज़रूरत है, चाहे मैं चाहूँ या न चाहूँ, तो कम से कम मुझे ऐसा डॉक्टर तो मिले जिस पर मुझे भरोसा हो।"

“तो फिर तुम मुझमें कुछ भी नहीं पाते?”

“तुम्हारी दोस्ती में, बेशक। लेकिन तथ्य तो तथ्य हैं, वॉटसन, और आखिरकार, तुम तो बस एक सामान्य चिकित्सक हो, जिसका अनुभव बहुत सीमित है और योग्यताएँ भी औसत दर्जे की हैं। ये बातें कहना दुखद है, लेकिन तुमने मुझे कोई और विकल्प नहीं छोड़ा है।”

मुझे बहुत गहरा दुख हुआ।

“होम्स, ऐसी टिप्पणी आपके लिए शोभा नहीं देती। इससे मुझे आपकी घबराहट का स्पष्ट अंदाजा हो जाता है। लेकिन अगर आपको मुझ पर भरोसा नहीं है तो मैं अपनी सेवाएं देने में दखल नहीं दूंगा। मैं सर जैस्पर मीक या पेनरोस फिशर या लंदन के किसी भी बेहतरीन व्यक्ति को बुला लाऊंगा। लेकिन आपको किसी की मदद करनी ही होगी, और यह अंतिम निर्णय है। अगर आपको लगता है कि मैं यहां खड़ा होकर आपको मरते हुए देखूंगा और न तो खुद आपकी मदद करूंगा और न ही किसी और को आपकी मदद के लिए लाऊंगा, तो आपने गलत व्यक्ति को चुना है।”

“तुम्हारा इरादा अच्छा है, वॉटसन,” बीमार आदमी ने सिसकते और कराहते हुए कहा। “क्या मैं तुम्हारी अज्ञानता का प्रदर्शन करूं? प्लीज़, तुम तपनुली बुखार के बारे में क्या जानते हो? तुम काली फ़ोमोसा बीमारी के बारे में क्या जानते हो?”

मैंने इन दोनों के बारे में कभी नहीं सुना।

“पूर्व में बीमारियों की कई समस्याएँ हैं, कई विचित्र रोग संबंधी संभावनाएँ हैं, वॉटसन।” प्रत्येक वाक्य के बाद वह अपनी कमज़ोर होती शक्ति को समेटने के लिए रुकता था। “मैंने हाल ही में किए गए कुछ शोधों के दौरान बहुत कुछ सीखा है, जिनमें चिकित्सा-आपराधिक पहलू भी शामिल हैं। इन्हीं शोधों के दौरान मुझे यह बीमारी हुई। आप कुछ नहीं कर सकते।”

“शायद नहीं। लेकिन मुझे पता चला है कि उष्णकटिबंधीय रोगों के सबसे बड़े जीवित विशेषज्ञ डॉ. ऐंस्ट्री इस समय लंदन में हैं। होम्स, अब कोई बहाना नहीं चलेगा, मैं अभी इसी वक्त उन्हें लेने जा रहा हूँ।” मैं दृढ़ता से दरवाजे की ओर मुड़ा।

मुझे ऐसा झटका पहले कभी नहीं लगा! पलक झपकते ही, बाघ की तरह उछलते हुए, मरणासन्न व्यक्ति ने मुझे रोक लिया। मैंने चाबी के चटकने की तेज़ आवाज़ सुनी। अगले ही पल, वह अपनी ऊर्जा के एक ज़बरदस्त विस्फोट के बाद थका हुआ और हाँफता हुआ अपने बिस्तर पर वापस चला गया।

"वॉटसन, तुम मुझसे चाबी जबरदस्ती नहीं ले सकते। मैंने तुम्हें पकड़ लिया है, मेरे दोस्त। तुम यहीं हो, और यहीं रहोगे जब तक मैं तुम्हें जाने के लिए न कहूँ। लेकिन मैं तुम्हारी बात मान लेता हूँ।" (ये सब कुछ हाँफते हुए, साँस लेने के लिए ज़ोर-ज़ोर से संघर्ष करते हुए कहा गया।) "तुम सिर्फ़ मेरा भला चाहते हो। यह मैं अच्छी तरह जानता हूँ। तुम्हारी मर्ज़ी पूरी होगी, लेकिन मुझे थोड़ा समय दो ताकि मैं ठीक हो सकूँ। अभी नहीं, वॉटसन, अभी नहीं। चार बज गए हैं। छह बजे तुम जा सकते हो।"

"यह तो पागलपन है, होम्स।"

"सिर्फ दो घंटे, वॉटसन। मैं वादा करता हूँ कि तुम छह बजे जाओगे। क्या तुम इंतज़ार करने को तैयार हो?"

"मेरे पास कोई विकल्प नहीं दिख रहा है।"

"दुनिया में कोई नहीं, वॉटसन। धन्यवाद, मुझे कपड़े व्यवस्थित करने में किसी मदद की ज़रूरत नहीं है। कृपया मुझसे दूरी बनाए रखें। अब, वॉटसन, मेरी एक और शर्त है। आप मदद उस व्यक्ति से नहीं लेंगे जिसका आपने ज़िक्र किया है, बल्कि उससे लेंगे जिसे मैं चुनूँगी।"

"हर तरह से।"

"वॉटसन, इस कमरे में आने के बाद से तुमने जो तीन समझदारी भरे शब्द बोले हैं, वे ये तीन ही हैं। तुम्हें वहाँ कुछ किताबें मिलेंगी। मैं थोड़ा थका हुआ हूँ; मुझे आश्चर्य है कि एक बैटरी को कैसा लगता होगा जब वह किसी अचालक में बिजली डालती है? छह बजे, वॉटसन, हम अपनी बातचीत फिर से शुरू करेंगे।"

लेकिन उस समय से बहुत पहले ही यह सब फिर से शुरू होना तय था, और ऐसी परिस्थितियों में जिसने मुझे उसके अचानक दरवाजे की ओर आने से लगे झटके से भी कहीं ज़्यादा गहरा सदमा पहुँचाया। मैं कुछ मिनटों तक बिस्तर पर लेटे उस शांत व्यक्ति को देखता रहा। उसका चेहरा लगभग कपड़ों से ढका हुआ था और वह सो रहा था। फिर, पढ़ने में मन न लगने के कारण, मैं धीरे-धीरे कमरे में घूमने लगा और हर दीवार पर सजी मशहूर अपराधियों की तस्वीरों को देखने लगा। आखिरकार, अपनी इस बेतरतीब सैर में, मैं मेंटलपीस के पास पहुँचा। उस पर पाइप, तंबाकू की थैलियाँ, सिरिंज, पेननाइफ, रिवॉल्वर के कारतूस और अन्य कबाड़ बिखरा पड़ा था। इनके बीच में एक छोटा सा काले और सफेद रंग का हाथीदांत का डिब्बा था जिसका ढक्कन सरकने वाला था। यह एक छोटी सी सुंदर चीज़ थी, और मैंने इसे और करीब से देखने के लिए अपना हाथ बढ़ाया ही था कि - उसने एक भयानक चीख मारी - एक ऐसी चीख जो गली तक सुनाई दे सकती थी। उस भयानक चीख से मेरी रूह काँप उठी और मेरे रोंगटे खड़े हो गए। जैसे ही मैंने मुड़कर देखा, मुझे एक भयभीत चेहरा और घबराई हुई आँखें दिखाई दीं। मैं हाथ में छोटा सा डिब्बा लिए वहीं जम गया।

"इसे नीचे रखो! अभी के अभी, वॉटसन—अभी के अभी, मैं कह रहा हूँ!" जैसे ही मैंने डिब्बा शेल्फ पर वापस रखा, उसका सिर तकिए पर वापस टिक गया और उसने राहत की गहरी साँस ली। "मुझे अपनी चीज़ों को छूना बिल्कुल पसंद नहीं है, वॉटसन। तुम जानते हो कि मुझे कितना बुरा लगता है। तुम मुझे हद से ज़्यादा परेशान करते हो। तुम, एक डॉक्टर—तुम तो किसी मरीज़ को पागलखाने पहुँचाने के लिए काफ़ी हो। बैठ जाओ, यार, और मुझे आराम करने दो!"

इस घटना ने मेरे मन पर गहरा आघात पहुँचाया। उनकी हिंसक और अकारण उत्तेजना, और फिर उनके शब्दों की वह क्रूरता, जो उनकी सामान्य सौम्यता से बिलकुल अलग थी, ने मुझे उनके मन की गहरी अव्यवस्था का एहसास कराया। सभी विनाशों में, एक महान व्यक्ति के मन का विनाश सबसे दयनीय होता है। मैं निर्धारित

समय बीतने तक चुपचाप उदास बैठा रहा। ऐसा प्रतीत हुआ कि वे भी मेरी ही तरह घड़ी देख रहे थे, क्योंकि छह बजते ही वे पहले जैसी ही उग्रता से बोलने लगे।

“अब, वॉटसन,” उसने कहा। “क्या तुम्हारी जेब में कुछ खुले पैसे हैं?”

"हाँ।"

"क्या कोई चांदी है?"

"अच्छा सौदा।"

"कितने हाफ़-क्राउन?"

मेरे पास पाँच हैं।

“अरे, बहुत कम! बहुत कम! कितना दुर्भाग्यपूर्ण है, वॉटसन! खैर, जो भी हैं, उन्हें आप अपनी घड़ी की जेब में रख सकते हैं। और बाकी सारे पैसे अपनी बाईं पतलून की जेब में रख लीजिए। धन्यवाद। इससे आपका संतुलन काफी बेहतर रहेगा।”

यह सरासर पागलपन था। वह कांप उठा और फिर से खांसी और सिसकी के बीच की आवाज निकाली।

“वॉटसन, अब आप गैस जलाइए, लेकिन ध्यान रखिए कि एक पल के लिए भी यह आधी से ज़्यादा न जले। मैं आपसे विनती करता हूं, वॉटसन, सावधान रहिएगा। धन्यवाद, बहुत बढ़िया। नहीं, आपको पर्दा खींचने की ज़रूरत नहीं है। अब आप कृपा करके कुछ पत्र और कागज़ इस मेज़ पर मेरी पहुँच में रख दीजिए। धन्यवाद। अब मेंटलपीस से कुछ कूड़ा-करकट हटाइए। बहुत बढ़िया, वॉटसन! वहाँ एक चीनी का चिमटा है। कृपया उसकी सहायता से उस छोटे से हाथीदांत के डिब्बे को उठाइए। इसे कागज़ों के बीच यहाँ रख दीजिए। अच्छा! अब आप जाकर 13 लोअर बर्क स्ट्रीट के श्री कल्वरटन स्मिथ को बुला ला सकते हैं।”

सच कहूँ तो, डॉक्टर को बुलाने की मेरी इच्छा कुछ कमज़ोर पड़ गई थी, क्योंकि बेचारा होम्स इतना बेहोश था कि उसे अकेला छोड़ना खतरनाक लग रहा था। हालांकि, अब वह बताए गए डॉक्टर से परामर्श करने के लिए उतना ही उत्सुक था जितना पहले मना करने में अड़ियल था।

मैंने यह नाम कभी नहीं सुना," मैंने कहा।

“शायद नहीं, मेरे प्रिय वॉटसन। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इस बीमारी के बारे में सबसे अधिक जानकारी रखने वाला व्यक्ति कोई चिकित्सक नहीं, बल्कि एक बागान मालिक है। श्री कल्वरटन स्मिथ सुमात्रा के एक प्रसिद्ध निवासी हैं, जो इस समय लंदन में हैं। चिकित्सा सहायता से दूर स्थित उनके बागान में इस बीमारी के प्रकोप ने उन्हें स्वयं इसका अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया, जिसके कुछ दूरगामी परिणाम निकले। वे बहुत ही व्यवस्थित व्यक्ति हैं, और मैंने आपको छह बजे से पहले निकलने के लिए नहीं कहा था, क्योंकि मुझे भली-भांति पता था कि वे अपने अध्ययन कक्ष में नहीं मिलेंगे। यदि आप उन्हें यहाँ आने और इस बीमारी के अपने अनूठे अनुभव से हमें अवगत कराने के लिए मना सकें, जिसका अध्ययन करना उनका सबसे प्रिय शौक रहा है, तो मुझे पूरा विश्वास है कि वे मेरी सहायता कर सकेंगे।”

मैं होम्स के कथनों को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत कर रहा हूँ और यह बताने का प्रयास नहीं करूँगा कि साँस फूलने और हाथों को जकड़ने के कारण उनके कथन कैसे बाधित हुए, जो उनके दर्द को दर्शाते थे। मेरे साथ बिताए कुछ घंटों में उनकी हालत और बिगड़ गई थी। उनके चेहरे पर उभरे धब्बे और अधिक स्पष्ट हो गए थे, उनकी आँखें गहरे गड्ढों से और अधिक चमक रही थीं, और उनके माथे पर ठंडा पसीना झलक रहा था। फिर भी, उनके भाषण में वही जोशीला और वीर भाव बरकरार था। अंतिम साँस तक वे हमेशा स्वामी बने रहेंगे।

"तुम उसे ठीक-ठीक बताओगे कि तुमने मुझे किस हालत में छोड़ा है," उसने कहा। "तुम उसे वही भाव दोगे जो तुम्हारे मन में है—एक मरता हुआ आदमी—एक मरता हुआ और बेहोश आदमी। सच में, मुझे समझ नहीं आता कि सारा समुद्र तल सीपियों का एक ठोस ढेर क्यों नहीं है, ये जीव इतने अधिक संख्या में मौजूद लगते हैं। अरे, मैं भटक रहा हूं! अजीब बात है कि दिमाग ही दिमाग को नियंत्रित करता है! मैं क्या कह रहा था, वॉटसन?"

"श्री कल्वरटन स्मिथ के लिए मेरे निर्देश।"

"अरे हां, मुझे याद है। मेरी जान इसी पर निर्भर करती है। उससे विनती करो, वॉटसन। हमारे बीच कोई अच्छे संबंध नहीं हैं। उसका भतीजा, वॉटसन—मुझे कुछ गड़बड़ होने का शक था और मैंने उसे सब कुछ देखने दिया। लड़के की भयानक मौत हुई। वह मुझसे दुश्मनी रखता है। तुम उसे मना लोगे, वॉटसन। उससे मिन्नतें करो, प्रार्थना करो, उसे किसी भी तरह यहाँ ले आओ। वही मुझे बचा सकता है—सिर्फ वही!"

"अगर मुझे उसे उठाकर ले जाना पड़े तो मैं उसे टैक्सी में ले आऊंगा।"

"तुम ऐसा कुछ नहीं करोगे। तुम उसे आने के लिए मनाओगे। और फिर उसके सामने लौट आओगे। उसके साथ न आने के लिए कोई भी बहाना बना लेना। मत भूलना, वॉटसन। तुम मुझे निराश नहीं करोगे। तुमने मुझे कभी निराश नहीं किया। इसमें कोई शक नहीं कि कुछ प्राकृतिक शत्रु हैं जो इन जीवों की संख्या में वृद्धि को सीमित करते हैं। वॉटसन, हम दोनों ने अपना-अपना काम कर दिया है। तो क्या दुनिया सीपियों से भर जाएगी? नहीं, नहीं; भयानक! तुम अपने मन की सारी बातें बता दोगे।"

मैंने उसे उस महान बुद्धिजीवी की छवि से भर दिया जो एक नासमझ बच्चे की तरह बड़बड़ा रहा था। उसने मुझे चाबी सौंप दी थी, और मैंने मन ही मन सोचकर उसे अपने साथ ले लिया ताकि वह खुद को अंदर बंद न कर ले। श्रीमती हडसन गलियारे में कांपती और रोती हुई इंतज़ार कर रही थीं। फ्लैट से निकलते समय मेरे पीछे से होम्स की ऊँची, पतली आवाज़ किसी उन्मादी मंत्र की तरह सुनाई दी। नीचे, जब मैं टैक्सी के लिए सीटी बजा रहा था, तो कोहरे में से एक आदमी मेरी ओर आया।

"श्रीमान होम्स कैसे हैं?" उन्होंने पूछा।

यह एक पुराना परिचित, स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर मॉर्टन थे, जो अनौपचारिक ट्वीड वर्दी में थे।

मैंने जवाब दिया, "वह बहुत बीमार है।"

उसने मुझे एक बेहद अनोखे अंदाज़ में देखा। अगर वह नज़रें कुछ ज़्यादा ही भयावह न होतीं, तो मैं कल्पना कर सकता था कि तख़्ते की रोशनी की चमक उसके चेहरे पर उल्लास को दर्शा रही थी।

उन्होंने कहा, "मैंने इसके बारे में कुछ अफवाहें सुनी थीं।"

टैक्सी आ गई थी, और मैं उसे वहीं छोड़कर चला गया।

लोअर बर्क स्ट्रीट नॉटिंग हिल और केंसिंग्टन के बीच के अस्पष्ट सीमावर्ती इलाके में स्थित शानदार मकानों की एक कतार थी। जिस मकान के पास मेरे कैब ड्राइवर ने गाड़ी रोकी, उसकी पुरानी शैली की लोहे की रेलिंग, विशाल तह वाला दरवाजा और चमकदार पीतल की कारीगरी में एक आत्मसंतुष्ट और शालीन प्रतिष्ठा झलक रही थी। यह सब एक गंभीर बटलर के व्यवहार से मेल खाता था, जो अपने पीछे लगे गुलाबी रंग के बिजली के प्रकाश में दिखाई दे रहा था।

जी हां, श्री कल्वरटन स्मिथ अंदर हैं। डॉ. वॉटसन! बहुत बढ़िया, महोदय, मैं आपका कार्ड ले लूंगा।

मेरे साधारण नाम और पदवी से श्री कल्वरटन स्मिथ प्रभावित नहीं हुए। आधे खुले दरवाजे से मुझे एक तीखी, चिड़चिड़ी और भेदक आवाज सुनाई दी।

“यह कौन है? यह क्या चाहता है? हे भगवान, स्टेपल्स, मैंने कितनी बार कहा है कि मुझे पढ़ाई के घंटों में परेशान न किया जाए?”

फिर बटलर की ओर से मधुरता और सुखदायक स्पष्टीकरण का प्रवाह शुरू हुआ।

“ठीक है, मैं उससे नहीं मिलूंगी, स्टेपल्स। मैं अपने काम में इस तरह की रुकावट बर्दाश्त नहीं कर सकती। मैं घर पर नहीं हूँ। साफ-साफ कह दो। अगर उसे मुझसे मिलना ही है तो सुबह आने को कह दो।”

फिर वही धीमी फुसफुसाहट।

“ठीक है, ठीक है, उसे यह संदेश दे दो। वह सुबह आ सकता है, या फिर दूर रह सकता है। मेरे काम में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए।”

मैंने होम्स के बारे में सोचा, जो शायद बीमारी के कारण बिस्तर पर करवटें बदल रहे होंगे और मेरी मदद आने तक मिनट गिन रहे होंगे। यह औपचारिकता निभाने का समय नहीं था। उनका जीवन मेरी तत्परता पर निर्भर था। क्षमा मांगने वाले बटलर के संदेश देने से पहले ही मैं उसे धक्का देकर कमरे में पहुँच गया था।

क्रोध की तीखी चीख के साथ एक आदमी आग के पास रखी आरामकुर्सी से उठा। मैंने एक विशाल पीला चेहरा देखा, खुरदुरा और चिकना, भारी, दोहरी ठुड्डी वाला, और दो उदास, डरावनी भूरी आँखें जो घनी और सुनहरी भौहों के नीचे से मुझे घूर रही थीं। ऊँचे गंजे सिर पर एक छोटी मखमली धूम्रपान टोपी उसके गुलाबी वक्र के एक तरफ नज़ाकत से टिकी हुई थी। खोपड़ी विशाल थी, फिर भी जब मैंने नीचे देखा तो मुझे आश्चर्य हुआ कि उस आदमी का शरीर छोटा और कमज़ोर था, कंधे और पीठ ऐसे मुड़े हुए थे जैसे बचपन में रिकेट्स से पीड़ित रहा हो।

“ये क्या है?” वह चीखते हुए ऊँची आवाज़ में बोला। “ये घुसपैठ किस लिए है? क्या मैंने तुम्हें संदेश नहीं भेजा था कि मैं तुमसे कल सुबह मिलूंगा?”

मैंने कहा, “मुझे खेद है, लेकिन इस मामले में देरी नहीं की जा सकती। श्री शर्लक होम्स—”

मेरे दोस्त का नाम सुनते ही उस छोटे कद के व्यक्ति पर असाधारण प्रभाव पड़ा। उसके चेहरे से क्रोध का भाव पल भर में गायब हो गया। उसके चेहरे पर तनाव और सतर्कता छा गई।

“क्या तुम होम्स से आए हो?” उसने पूछा।

मैं अभी-अभी उससे अलग होकर आया हूँ।

“होम्स का क्या हाल है? वो कैसा है?”

“वह बेहद बीमार है। इसीलिए मैं आया हूँ।”

उस आदमी ने मुझे कुर्सी की ओर इशारा किया और खुद अपनी कुर्सी पर बैठने के लिए मुड़ गया। ऐसा करते समय मैंने मेंटलपीस के ऊपर लगे दर्पण में उसके चेहरे की एक झलक देखी। मुझे लगा मानो उसके चेहरे पर एक द्वेषपूर्ण और घृणित मुस्कान थी। फिर भी मैंने खुद को समझाया कि यह शायद किसी घबराहट के कारण हुआ होगा, क्योंकि एक पल बाद ही वह मेरे सामने मुड़ा और उसके चेहरे पर सच्ची चिंता के भाव थे।

“यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ,” उन्होंने कहा। “मैं श्री होम्स को केवल कुछ व्यावसायिक लेन-देन के माध्यम से जानता हूँ, लेकिन मैं उनकी प्रतिभा और चरित्र का बहुत सम्मान करता हूँ। वे अपराध के मामले में उतने ही अनाड़ी हैं, जितने मैं बीमारी के मामले में। उनके लिए अपराधी, मेरे लिए रोगाणु। ये मेरी जेलें हैं,” उन्होंने एक मेज़ पर रखी बोतलों और जारों की पंक्ति की ओर इशारा करते हुए कहा। “इन जिलेटिन कल्टीवेशन में दुनिया के कुछ सबसे जघन्य अपराधी अब सजा काट रहे हैं।”

"आपके विशेष ज्ञान के कारण ही श्री होम्स आपसे मिलना चाहते थे। वे आपके बारे में बहुत अच्छी राय रखते हैं और उन्हें लगा कि लंदन में आप ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो उनकी मदद कर सकते हैं।"

वह छोटा आदमी चौंक गया, और उसकी टोपी फिसलकर फर्श पर गिर गई।

“क्यों?” उसने पूछा। “श्री होम्स को ऐसा क्यों लगेगा कि मैं उनकी मुसीबत में उनकी मदद कर सकता हूँ?”

"पूर्वी रोगों के बारे में आपके ज्ञान के कारण।"

लेकिन उसे ऐसा क्यों सोचना चाहिए कि उसे जो बीमारी हुई है वह पूर्वी देशों की है?

"क्योंकि, कुछ पेशेवर जांच में पता चला है कि वह बंदरगाह में चीनी नाविकों के बीच काम कर रहा था।"

श्री कल्वरटन स्मिथ ने सुखद मुस्कान के साथ अपनी धूम्रपान टोपी उठाई।

“ओह, बस यही बात है?” उसने कहा। “मुझे उम्मीद है कि मामला उतना गंभीर नहीं है जितना आप सोच रहे हैं। वह कब से बीमार है?”

लगभग तीन दिन।

क्या वह बेहोश है?

"कभी-कभी।"

“अरे बाप रे! यह तो गंभीर मामला लग रहा है। उसका फोन न उठाना अमानवीय होगा। डॉ. वॉटसन, मुझे अपने काम में किसी भी तरह की रुकावट बिल्कुल पसंद नहीं है, लेकिन यह मामला वाकई असाधारण है। मैं तुरंत आपके साथ चलूंगी।”

मुझे होम्स का निर्देश याद आ गया।

मैंने कहा, "मेरी एक और अपॉइंटमेंट है।"

“बहुत बढ़िया। मैं अकेला ही जाऊंगा। मेरे पास मिस्टर होम्स का पता है। आप निश्चिंत रह सकते हैं कि मैं ज़्यादा से ज़्यादा आधे घंटे में वहाँ पहुँच जाऊँगा।”

मैं भारी मन से होम्स के शयनकक्ष में लौटा। मुझे डर था कि मेरी अनुपस्थिति में कुछ बुरा हो गया होगा। मुझे अपार राहत मिली कि इस बीच उनकी हालत में काफी सुधार हो गया था। उनका चेहरा पहले की तरह ही भयानक था, लेकिन उनमें भ्रम के कोई लक्षण नहीं थे और वे कमजोर आवाज में बोल रहे थे, हालांकि यह सच है, लेकिन उनकी आवाज पहले से कहीं अधिक स्पष्ट और सजीव थी।

"अच्छा, क्या तुमने उसे देखा, वॉटसन?"

“हाँ; वह आ रहा है।”

"वाह, वॉटसन! वाह! आप सर्वश्रेष्ठ संदेशवाहक हैं।"

वह मेरे साथ वापस लौटना चाहता था।

“यह तो बिलकुल भी ठीक नहीं है, वॉटसन। यह तो स्पष्ट रूप से असंभव है। क्या उसने मुझसे पूछा कि मुझे क्या तकलीफ है?”

मैंने उसे ईस्ट एंड में रहने वाले चीनी लोगों के बारे में बताया।

“बिल्कुल! अच्छा, वॉटसन, तुमने एक अच्छे दोस्त के तौर पर अपना पूरा फर्ज निभाया। अब तुम यहाँ से गायब हो सकते हो।”

"मुझे इंतजार करना होगा और उसकी राय सुननी होगी, होम्स।"

“बिल्कुल, आपको ऐसा करना ही होगा। लेकिन मुझे लगता है कि अगर वह यह कल्पना करे कि हम अकेले हैं, तो उसकी यह राय कहीं अधिक स्पष्ट और उपयोगी होगी। मेरे बिस्तर के सिरहाने के पीछे बस थोड़ी सी जगह है, वॉटसन।”

“मेरे प्यारे होम्स!”

“मुझे डर है कि कोई दूसरा विकल्प नहीं है, वॉटसन। यह कमरा छिपने के लिए उपयुक्त नहीं है, जो कि अच्छा ही है, क्योंकि इससे संदेह पैदा होने की संभावना कम हो

जाती है। लेकिन ठीक वहीं, वॉटसन, मुझे लगता है कि यह किया जा सकता है।" अचानक वह अपने थके हुए चेहरे पर दृढ़ एकाग्रता के साथ बैठ गया। "ये रहे पहिए, वॉटसन। जल्दी करो, अगर तुम मुझसे प्यार करते हो! और हिलना मत, चाहे कुछ भी हो जाए— चाहे कुछ भी हो जाए, सुन रहे हो? बोलना मत! हिलना मत! बस ध्यान से सुनो।" फिर पल भर में उसकी अचानक आई ताकत गायब हो गई, और उसकी प्रभावशाली, उद्देश्यपूर्ण बातें एक अर्ध-बेहोश व्यक्ति की धीमी, अस्पष्ट बड़बड़ाहट में बदल गईं।

जिस छुपने की जगह में मुझे इतनी जल्दी से ले जाया गया था, वहाँ से मुझे सीढ़ियों पर कदमों की आहट और शयनकक्ष के दरवाज़े के खुलने और बंद होने की आवाज सुनाई दी। फिर, मुझे आश्चर्य हुआ, वहाँ एक लंबा सन्नाटा छा गया, जो केवल बीमार आदमी की भारी साँसों और कराहों से टूट रहा था। मैं कल्पना कर सकता था कि हमारा आगंतुक बिस्तर के पास खड़ा होकर पीड़ित को देख रहा था। आखिरकार वह अजीब सन्नाटा टूटा।

"होम्स!" वह चिल्लाया। "होम्स!" जैसे कोई सोए हुए को जगा रहा हो, उसी ज़िद भरे लहजे में। "क्या तुम मुझे सुन नहीं सकते, होम्स?" एक सरसराहट हुई, मानो उसने बीमार आदमी को कंधे से ज़ोर से हिला दिया हो।

"क्या आप हैं, श्रीमान स्मिथ?" होम्स ने फुसफुसाते हुए कहा। "मुझे तो बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि आप आएंगे।"

दूसरे ने हंस दिया।

"मुझे तो ऐसा नहीं लगता," उन्होंने कहा। "लेकिन फिर भी, देखो, मैं यहाँ हूँ। आग के अंगारे, होम्स — आग के अंगारे!"

"यह आपकी बहुत अच्छी बात है—आपकी बहुत ही नेक बात है। मैं आपके विशेष ज्ञान की सराहना करता हूं।"

हमारे आगंतुक ने दबी हंसी हंसी।

"हां, तुम जानते हो। सौभाग्य से, तुम लंदन में इकलौते ऐसे व्यक्ति हो जो जानते हो। क्या तुम्हें पता है कि तुम्हें क्या हो गया है?"

"बिल्कुल वही," होम्स ने कहा।

"अरे! क्या आप लक्षणों को पहचानते हैं?"

"बिल्कुल सही तरीके से।"

"खैर, मुझे आश्चर्य नहीं होना चाहिए, होम्स। अगर यह वही हो तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। अगर ऐसा है तो आपके लिए बुरी खबर है। बेचारा विक्टर चौथे दिन ही मर गया था – एक मजबूत, तंदुरुस्त नौजवान। जैसा कि आपने कहा, यह वाकई बहुत आश्चर्यजनक था कि उसे लंदन के बीचोंबीच एक दुर्लभ एशियाई बीमारी हो गई – एक ऐसी बीमारी, जिसका मैंने विशेष अध्ययन किया था। विलक्षण संयोग है, होम्स। आपने इसे पहचान लिया, यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन इसे कारण और परिणाम कहना थोड़ा अनुचित है।"

मुझे पता था कि तुमने ही किया है।

"ओह, तुमने ऐसा किया, है ना? खैर, तुम इसे साबित तो नहीं कर सकते। लेकिन मेरे बारे में इस तरह अफवाहें फैलाकर और फिर मुसीबत में पड़कर मुझसे मदद मांगने के लिए गिड़गिड़ाते हुए तुम खुद को क्या समझते हो? ये कैसा खेल है?"

मैंने बीमार आदमी की कर्कश, मुश्किल से सांस लेने की आवाज सुनी। "मुझे पानी दो!" वह हांफते हुए बोला।

"तुम्हारा अंत निकट है, मेरे मित्र, लेकिन मैं तुमसे बात किए बिना तुम्हें जाने नहीं देना चाहता। इसीलिए मैं तुम्हें पानी दे रहा हूं। लो, इसे इधर-उधर मत गिराओ! ठीक

है। क्या तुम मेरी बात समझ रहे हो?”

होम्स कराह उठा।

“मेरे लिए जो कुछ भी कर सकते हो करो। जो हो गया सो हो गया,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “मैं उन शब्दों को अपने दिमाग से निकाल दूंगा—मैं कसम खाता हूँ। बस मुझे ठीक कर दो, और मैं इसे भूल जाऊंगा।”

"क्या भूल जाते हैं?"

“खैर, विक्टर सैवेज की मौत के बारे में। तुमने अभी-अभी लगभग मान ही लिया है कि तुमने ही यह किया है। मैं इसे भूल जाऊंगा।”

“आप इसे भूल जाएं या याद रखें, जैसा आपको ठीक लगे। मुझे नहीं लगता कि आप गवाह के कटघरे में खड़े होंगे। यकीन मानिए, मेरे प्यारे होम्स, यह बिल्कुल अलग तरह का कटघरा है। मेरे भतीजे की मौत कैसे हुई, यह जानना मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। हम उसकी बात नहीं कर रहे हैं। हम आपकी बात कर रहे हैं।”

"हां हां।"

"जो आदमी मुझे लेने आया था - मैं उसका नाम भूल गया हूँ - उसने कहा कि तुम्हें यह बीमारी ईस्ट एंड में नाविकों के बीच लगी थी।"

मैं इसकी व्याख्या केवल इसी प्रकार कर सकता था।

होम्स, तुम्हें अपनी बुद्धि पर बहुत गर्व है, है ना? खुद को बहुत बुद्धिमान समझते हो, है ना? इस बार तो तुम्हारा सामना एक ऐसे व्यक्ति से हुआ जो तुमसे ज्यादा बुद्धिमान था। अब ज़रा सोचो, होम्स। क्या तुम्हें कोई और तरीका नहीं सूझता जिससे तुम यह चीज़ हासिल कर सकते थे?

“मैं सोच नहीं पा रहा हूँ। मेरा दिमाग काम करना बंद कर चुका है। भगवान के लिए मेरी मदद करो!”

“हां, मैं तुम्हारी मदद करूंगा। मैं तुम्हें यह समझने में मदद करूंगा कि तुम कहां हो और यहां तक कैसे पहुंचे। मैं चाहता हूं कि मरने से पहले तुम्हें यह पता चल जाए।”

मुझे कुछ ऐसा दो जिससे मेरा दर्द कम हो जाए।

“दर्द होता है, है ना? हां, आखिर में कुली लोग चीखने लगते थे। मुझे लगता है कि तुम इसे ऐंठन समझ रहे हो।”

“हां, हां; यह ऐंठन है।”

“खैर, आप मेरी बात सुन तो सकते हैं। अब सुनिए! क्या आपको अपने जीवन में कोई ऐसी असामान्य घटना याद है जो आपके लक्षणों की शुरुआत के ठीक पहले घटी हो?”

नहीं, नहीं; कुछ नहीं।

"फिर से विचार करना।"

मैं इतना बीमार हूं कि सोच भी नहीं सकता।

“अच्छा, तो मैं आपकी मदद करता हूं। क्या डाक से कुछ आया है?”

"डाक द्वारा?"

"क्या यह डिब्बा संयोग से मिला?"

मैं बेहोश हो रही हूं—मैं जा रही हूँ!

“सुनो, होम्स!” ऐसा लगा जैसे वह मरते हुए आदमी को हिला रहा हो, और मैं अपनी छिपने की जगह में चुपचाप बैठा रहा। “तुम्हें मेरी बात सुननी ही होगी। तुम्हें सुननी ही पड़ेगी। क्या तुम्हें वह डिब्बा याद है—एक हाथीदांत का डिब्बा? वह बुधवार को आया था। तुमने उसे खोला था—क्या तुम्हें याद है?”

“हां, हां, मैंने इसे खोला। इसके अंदर एक नुकीली स्प्रिंग थी। कैसा मजाक है—”

"यह कोई मज़ाक नहीं था, जैसा कि तुम्हें अपने कर्मों का फल भुगतना पड़ेगा। मूर्ख, तुमने जो चाहा वो तुम्हें मिल गया। तुम्हें मेरे रास्ते में आने के लिए किसने कहा था? अगर तुमने मुझे अकेला छोड़ दिया होता तो मैं तुम्हें चोट नहीं पहुंचाता।"

"मुझे याद है," होम्स हांफते हुए बोला। "वह स्प्रिंग! उससे खून निकला था। यह डिब्बा—यह मेज पर रखा हुआ।"

"बिल्कुल वही, जॉर्ज की कसम! और वो मेरी जेब में ही कमरे से बाहर जा सकता है। तुम्हारा आखिरी सबूत भी गया। लेकिन अब तुम्हें सच पता चल गया है, होम्स, और तुम इस बात को जानते हुए मर सकते हो कि मैंने तुम्हें मारा है। तुम विक्टर सैवेज के अंजाम के बारे में बहुत कुछ जानते थे, इसलिए मैंने तुम्हें भी उसी अंजाम का हिस्सा बना दिया है। तुम्हारा अंत निकट है, होम्स। मैं यहीं बैठकर तुम्हें मरते हुए देखूंगा।"

होम्स की आवाज लगभग सुनाई न देने वाली फुसफुसाहट में बदल गई थी।

"यह क्या है?" स्मिथ ने कहा। "गैस बढ़ा दूं? आह, क्या अंधेरा छाने लगा है? हाँ, मैं गैस बढ़ा देता हूं ताकि मैं आपको बेहतर देख सकूं।" वह कमरे के उस पार गया और रोशनी अचानक तेज हो गई। "क्या मैं आपके लिए कोई और छोटी-मोटी सेवा कर सकता हूं, मेरे मित्र?"

एक माचिस और एक सिगरेट।

मैं खुशी और हैरानी से लगभग चिल्ला ही पड़ा। वह अपनी स्वाभाविक आवाज़ में बोल रहा था—शायद थोड़ी धीमी, लेकिन वही आवाज़ जिसे मैं जानता था। कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा, और मुझे लगा जैसे कल्वरटन स्मिथ चुपचाप हैरानी से अपने साथी को देख रहा हो।

अंत में मैंने उसे रूखे और कर्कश स्वर में कहते सुना, "इसका क्या मतलब है?"

"किसी किरदार को सफलतापूर्वक निभाने का सबसे अच्छा तरीका है, वही किरदार बन जाना," होम्स ने कहा। "मैं आपको वचन देता हूं कि तीन दिनों से मैंने न कुछ खाया है न कुछ पिया है, जब तक कि आपने कृपा करके मुझे वह गिलास पानी नहीं दिया। लेकिन मुझे सबसे ज़्यादा तंबाकू से चिढ़ होती है। आह, ये लो कुछ सिगरेट।" मुझे माचिस जलने की आवाज़ सुनाई दी। "अब बहुत अच्छा लग रहा है। हेलो! हेलो! क्या मुझे किसी दोस्त के कदमों की आहट सुनाई दे रही है?"

बाहर कदमों की आहट सुनाई दी, दरवाज़ा खुला और इंस्पेक्टर मॉर्टन प्रकट हुए।

"सब कुछ ठीक है और यही वह आदमी है," होम्स ने कहा।

अधिकारी ने सामान्य चेतावनी दी।

उन्होंने अंत में कहा, "मैं आपको विक्टर सैवेज की हत्या के आरोप में गिरफ्तार करता हूं।"

"और आप इसमें शर्लक होम्स की हत्या के प्रयास का भी जिक्र कर सकते हैं," मेरे दोस्त ने हंसते हुए कहा। "एक बीमार व्यक्ति की परेशानी से बचने के लिए, इंस्पेक्टर, श्री कल्वरटन स्मिथ ने गैस चालू करके हमें संकेत देने की कृपा की। वैसे, कैदी की कोट की दाहिनी जेब में एक छोटा सा डिब्बा है जिसे निकाल लेना बेहतर होगा। धन्यवाद। अगर मैं आपकी जगह होता तो इसे सावधानी से संभालता। इसे यहाँ रख दीजिए। यह मुकदमे में काम आ सकता है।"

अचानक अफरा-तफरी मच गई और हाथापाई शुरू हो गई, जिसके बाद लोहे के टकराने की आवाज और दर्द भरी चीख सुनाई दी।

"तुम खुद को ही चोट पहुंचाओगे," इंस्पेक्टर ने कहा। "शांत खड़े रहो, कृपया?" तभी हथकड़ी लगने की आवाज़ सुनाई दी।

"वाह, बढ़िया जाल है!" ऊँची, कर्कश आवाज़ ने कहा। "यह तुम्हें कटघरे में खड़ा करेगा, होम्स, मुझे नहीं। उसने मुझे यहाँ अपना इलाज करने के लिए बुलाया था। मुझे

उस पर दया आई और मैं आ गया। अब वह ज़रूर बहाना बनाएगा कि मैंने कुछ ऐसा कह दिया है जो वह खुद गढ़कर अपने पागलपन भरे शक को सही साबित कर देगा। तुम जितना चाहो झूठ बोल लो, होम्स। मेरी बात हमेशा तुम्हारी बात के बराबर है।”

“हे भगवान!” होम्स चिल्लाया। “मैं तो उसे बिल्कुल भूल ही गया था। मेरे प्यारे वॉटसन, मैं आपसे बहुत माफी मांगता हूं। सोचिए, मैं आपको कैसे भूल गया! मुझे आपको श्री कल्वरटन स्मिथ से मिलवाने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि मुझे पता चला है कि आप दोनों की मुलाकात शाम को कुछ देर पहले हुई थी। क्या आपके पास नीचे टैक्सी है? मैं तैयार होकर आपके पीछे आऊंगा, क्योंकि स्टेशन पर शायद मैं आपके काम आ सकूं।”

“मुझे इसीकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी,” होम्स ने अपने श्रृंगार के बीच में एक गिलास क्लैरेट और कुछ बिस्कुट खाकर खुद को तरोताज़ा करते हुए कहा। “लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, मेरी आदतें अनियमित हैं, और ऐसा कारनामा मेरे लिए उतना मायने नहीं रखता जितना कि ज़्यादातर लोगों के लिए रखता है। श्रीमती हडसन को अपनी स्थिति की सच्चाई से अवगत कराना मेरे लिए बहुत ज़रूरी था, क्योंकि उन्हें यह बात आपको बतानी थी, और फिर आपको उन्हें। वॉटसन, आपको बुरा तो नहीं लगेगा? आप समझते हैं कि आपकी कई प्रतिभाओं में छल-कपट का कोई स्थान नहीं है, और अगर आपने मेरा रहस्य साझा किया होता तो आप स्मिथ को उनकी उपस्थिति की अत्यावश्यकता से अवगत नहीं करा पाते, जो इस पूरी योजना का मुख्य बिंदु था। उनके प्रतिशोधी स्वभाव को जानते हुए, मुझे पूरा यकीन था कि वह अपने किए का पर्दाफाश ज़रूर कर लेंगे।”

"लेकिन आपका रूप-रंग, होम्स—आपका भयानक चेहरा?"

“वॉटसन, तीन दिन का पूर्ण उपवास किसी की सुंदरता नहीं बढ़ाता। बाकी सब ठीक है। माथे पर वैसलीन, आँखों में बेलाडोना, गालों पर रूज और होठों पर मोम की पपड़ी लगाने से बहुत ही संतोषजनक प्रभाव पैदा होता है। बहानेबाजी एक ऐसा विषय है जिस पर मैंने कभी-कभी एक मोनोग्राफ लिखने के बारे में सोचा है। कभी-कभी हाफ-क्राउन, सीप या किसी अन्य बाहरी विषय पर थोड़ी-बहुत बातचीत करने से एक सुखद उन्माद का प्रभाव पैदा होता है।”

"लेकिन जब वास्तव में कोई संक्रमण नहीं था, तो आपने मुझे अपने पास क्यों नहीं आने दिया?"

“क्या आप पूछ सकते हैं, मेरे प्यारे वॉटसन? क्या आपको लगता है कि मुझे आपकी चिकित्सा प्रतिभा का कोई सम्मान नहीं है? क्या मैं यह सोच सकता हूं कि आपका तीक्ष्ण निर्णय एक मरते हुए व्यक्ति को नज़रअंदाज़ कर देगा, जो चाहे कितना भी कमज़ोर क्यों न हो, जिसकी नब्ज़ या तापमान में कोई वृद्धि न हो? चार गज की दूरी से, मैं आपको धोखा दे सकता हूं। अगर मैं ऐसा करने में विफल रहा, तो मेरे स्मिथ को मेरे हाथ में कौन लाएगा? नहीं, वॉटसन, मैं उस बक्से को नहीं छूऊंगा। आप उसे तिरछी नज़र से देख सकते हैं जहाँ खोलने पर साँप के दांत की तरह नुकीली स्प्रिंग निकलती है। मुझे यकीन है कि इसी तरह के किसी उपकरण से बेचारे सैवेज की मौत हुई होगी, जो इस राक्षस और उत्तराधिकार के बीच खड़ा था। हालाँकि, जैसा कि आप जानते हैं, मेरा पत्राचार विविध है, और मैं अपने पास आने वाले किसी भी पैकेज को लेकर थोड़ा सतर्क रहता हूं। हालांकि, मुझे यह स्पष्ट था कि यह दिखावा करके कि वह वास्तव में अपने इरादे में सफल हो गया है, मैं उससे कबूलनामा करवा सकता हूं। मैंने उस दिखावे को एक सच्चे कलाकार की तरह पूरी कुशलता से निभाया है। धन्यवाद, वॉटसन, आपको मेरा कोट पहनने में मेरी मदद करनी होगी। पुलिस स्टेशन में काम खत्म होने के बाद मुझे लगता है कि कुछ पौष्टिक खाना ठीक रहेगा। सिम्पसन का रेस्टोरेंट भी यहाँ बेमेल नहीं लगेगा।

लेडी फ्रांसिस कारफैक्स का गुमशुद्ध होना

“लेकिन तुर्की क्यों?” श्री शर्लक होम्स ने मेरी बूटों को टकटकी लगाकर देखते हुए पूछा। मैं उस समय बेंत की पीठ वाली कुर्सी पर लेटा हुआ था, और मेरे बाहर निकले हुए पैरों ने उनका हमेशा की तरह सक्रिय ध्यान आकर्षित कर लिया था।

मैंने कुछ हैरानी से जवाब दिया, "अंग्रेज़ी कपड़े। मैंने इन्हें ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट स्थित लैटिमर की दुकान से खरीदा था।"

होम्स ने थकी हुई धैर्य की भावना के साथ मुस्कुराया।

“नहाना!” उसने कहा; “नहाना! ताजगी देने वाले घर के बने स्नान के बजाय आरामदेह और महंगे तुर्की स्नान की क्या ज़रूरत है?”

"क्योंकि पिछले कुछ दिनों से मुझे गठिया और बुढ़ापे जैसी तकलीफ़ महसूस हो रही है। तुर्की स्नान को हम चिकित्सा में एक वैकल्पिक उपचार कहते हैं - एक नई शुरुआत, शरीर को साफ करने वाला।"

“वैसे, होम्स,” मैंने आगे कहा, “मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मेरे जूतों और तुर्की स्नान के बीच का संबंध एक तार्किक दिमाग के लिए पूरी तरह से स्पष्ट है, फिर भी यदि आप इसे स्पष्ट कर दें तो मैं आपका आभारी रहूंगा।”

"वॉटसन, तर्क की यह श्रृंखला बहुत जटिल नहीं है," होम्स ने शरारती मुस्कान के साथ कहा। "यह उसी प्राथमिक स्तर की तर्क प्रक्रिया से संबंधित है जिसे मैं तब समझा सकता हूं जब मैं आपसे पूछूं कि आज सुबह आपकी कैब में आपके साथ कौन-कौन बैठा था।"

मैंने कुछ तीखेपन से कहा, "मैं यह स्वीकार नहीं करता कि एक नया उदाहरण ही स्पष्टीकरण है।"

“शाबाश, वॉटसन! बहुत ही गरिमापूर्ण और तर्कसंगत आपत्ति। चलिए देखते हैं, मुद्दे क्या थे? पहले आखिरी मुद्दे पर आते हैं - टैक्सी वाली बात। आपने देखा होगा कि आपके कोट की बाईं आस्तीन और कंधे पर कुछ छींटे हैं। अगर आप किसी टैक्सी के बीच में बैठे होते तो शायद छींटे नहीं पड़ते, और अगर पड़ते भी तो वे बिल्कुल बराबर होते। इसलिए यह स्पष्ट है कि आप एक तरफ बैठे थे। इसलिए यह भी उतना ही स्पष्ट है कि आपके साथ कोई साथी था।”

यह बात तो बिल्कुल स्पष्ट है।

"यह बेहद सामान्य बात है, है ना?"

लेकिन जूते और स्नानघर का क्या?

“बिल्कुल बचकाना। आपकी बूट्स बांधने की आदत एक खास तरीके की है। इस बार मैंने देखा कि आपने उन्हें एक जटिल दोहरे रिबन से बांधा है, जो आपका सामान्य तरीका नहीं है। इसलिए आपने उन्हें उतार दिया होगा। किसने बांधा है? किसी बूट बनाने वाले ने—या फिर स्नानघर वाले लड़के ने। बूट बनाने वाले के होने की संभावना कम है, क्योंकि आपके बूट्स लगभग नए हैं। अच्छा, अब क्या बचा? स्नानघर। अजीब है ना? लेकिन फिर भी, तुर्की स्नानघर ने अपना काम तो कर ही दिया।”

"वह क्या है?"

“आप कहते हैं कि आपको बदलाव की ज़रूरत है, इसलिए आपने यह सब सहा है। चलिए, मैं आपको एक बदलाव का सुझाव देता हूँ। मेरे प्रिय वॉटसन, लॉज़ेन कैसा रहेगा – प्रथम श्रेणी के टिकट और सभी खर्चे शाही अंदाज़ में?

“शानदार! लेकिन क्यों?”

होम्स अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गए और अपनी जेब से नोटबुक निकाली।

उन्होंने कहा, “दुनिया में सबसे खतरनाक वर्गों में से एक है भटकती और बेसहारा औरत। वह सबसे सीधी-सादी और अक्सर सबसे उपयोगी इंसान होती है, लेकिन दूसरों को अपराध के लिए उकसाने वाली अनिवार्य कारक भी वही होती है। वह बेबस है। वह घुमंतू है। उसके पास एक देश से दूसरे देश और एक होटल से दूसरे होटल जाने के लिए पर्याप्त साधन हैं। वह अक्सर गुमनाम गेस्ट हाउसों और बोर्डिंग हाउसों के जाल में खो जाती है। वह लोमड़ियों की दुनिया में भटकती मुर्गी की तरह है। जब उसे निगल लिया जाता है तो उसकी कमी शायद ही किसी को खलती है। मुझे बहुत डर है कि लेडी फ्रांसिस कारफैक्स पर कोई विपत्ति आ पड़ी है।”

सामान्य से विशिष्ट की ओर इस अचानक बदलाव से मुझे राहत मिली। होम्स ने अपने नोट्स देखे।

“लेडी फ्रांसिस,” उन्होंने आगे कहा, “दिवंगत अर्ल ऑफ रफटन के प्रत्यक्ष परिवार की इकलौती जीवित सदस्य हैं। जैसा कि आपको याद होगा, जागीरें पुरुष वंश में ही गईं। उनके पास सीमित साधन थे, लेकिन चांदी और अनोखे ढंग से तराशे गए हीरों के कुछ बेहद अनमोल पुराने स्पेनिश गहने थे, जिनसे उन्हें गहरा लगाव था – इतना अधिक कि उन्होंने उन्हें अपने बैंकर के पास छोड़ने से इनकार कर दिया और हमेशा अपने साथ रखती थीं। लेडी फ्रांसिस एक दयनीय शख्सियत थीं, एक खूबसूरत महिला, अभी भी अधेड़ उम्र में, और फिर भी, एक अजीब संयोग से, बीस साल पहले तक के समृद्ध खजाने की आखिरी बची हुई सदस्य।”

तो फिर उसके साथ क्या हुआ है?

“अरे, लेडी फ्रांसिस का क्या हुआ? वो ज़िंदा हैं या मर गईं? यही हमारी समस्या है। वो बहुत ही सलीके से रहने वाली महिला हैं, और पिछले चार सालों से उनकी यह पक्की आदत रही है कि वो हर दूसरे हफ्ते अपनी पुरानी गवर्नेस मिस डोबनी को चिट्ठी लिखती थीं, जो अब रिटायर हो चुकी हैं और कैम्बरवेल में रहती हैं। मिस डोबनी ने ही मुझसे सलाह ली है। करीब पाँच हफ्ते बीत गए हैं और कोई खबर नहीं आई। आखिरी चिट्ठी लॉज़ेन के होटल नेशनल से आई थी। लगता है लेडी फ्रांसिस वहाँ से चली गई हैं और उन्होंने अपना पता नहीं दिया है। परिवार चिंतित है, और क्योंकि वे बहुत अमीर हैं, अगर हम इस मामले को सुलझा सकें तो कोई भी रकम देने को तैयार हैं।”

“क्या मिस डोबनी ही सूचना का एकमात्र स्रोत हैं? निश्चित रूप से उनके अन्य पत्र-व्यवहारकर्ता भी रहे होंगे?”

“एक संवाददाता हैं, जो हमेशा लोगों को आकर्षित करती हैं, वॉटसन। उनका बैंक अकाउंट है। अकेली महिलाओं को भी अपना गुजारा करना होता है, और उनकी पासबुक किसी डायरी की तरह होती है। उनका खाता सिल्वेस्टर बैंक में है। मैंने उनके खाते पर एक नज़र डाली है। पिछले से पिछले चेक से उन्होंने लॉज़ेन में अपना बिल चुकाया था, लेकिन वह बिल काफी बड़ा था और शायद उसके पास कुछ नकदी बच गई थी। उसके बाद से सिर्फ एक ही चेक जारी हुआ है।”

“किसे और कहाँ?”

"मिस मैरी डेविन के नाम। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि चेक कहाँ से जारी किया गया था। इसे तीन सप्ताह से भी कम समय पहले मोंटपेलियर के क्रेडिट लियोनैस में भुनाया गया था। राशि पचास पाउंड थी।"

“और मिस मैरी डिवाइन कौन हैं?”

“यह जानकारी भी मुझे मिल चुकी है। मिस मैरी डिवाइन लेडी फ्रांसिस कारफैक्स की नौकरानी थीं। उन्होंने यह चेक क्यों दिया, यह अभी तक हम निर्धारित नहीं कर पाए हैं। हालांकि, मुझे पूरा विश्वास है कि आपकी जांच से यह मामला जल्द ही सुलझ जाएगा।”

"मेरे शोध!"

इसीलिए लुसाने की सेहत सुधारने वाली यात्रा। आप जानते हैं कि जब तक बूढ़े अब्राहम्स को अपनी जान का इतना डर है, मैं लंदन नहीं छोड़ सकता। इसके अलावा, सामान्य तौर पर भी यही बेहतर है कि मैं देश न छोड़ूं। मेरे बिना स्कॉटलैंड यार्ड अकेलापन महसूस कर रहा है, और इससे आपराधिक वर्ग में अस्वस्थ उत्तेजना पैदा हो रही है। तो जाइए, मेरे प्यारे वॉटसन, और अगर मेरी विनम्र सलाह को कभी दो पेंस प्रति शब्द जैसी मामूली कीमत पर भी महत्व दिया जा सकता है, तो महाद्वीपीय तार के अंत में यह दिन-रात आपकी प्रतीक्षा कर रही है।

दो दिन बाद मैं लॉज़ेन के होटल नेशनल में था, जहाँ जाने-माने मैनेजर एम. मोसर ने मेरा बहुत सम्मान किया। उन्होंने बताया कि लेडी फ्रांसिस कई हफ़्तों से वहाँ ठहरी हुई थीं। जो भी उनसे मिलता, उन्हें बहुत पसंद करता था। उनकी उम्र चालीस से ज़्यादा नहीं थी। वे अब भी सुंदर थीं और जवानी में बेहद आकर्षक महिला होने के सारे लक्षण उनमें दिखते थे। एम. मोसर को किसी कीमती गहने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन नौकरों ने बताया था कि लेडी के बेडरूम में रखा भारी संदूक हमेशा पूरी सावधानी से बंद रहता था। नौकरानी मैरी डिवाइन भी अपनी मालकिन की तरह ही लोकप्रिय थी। दरअसल, उसकी सगाई होटल के एक मुख्य वेटर से हुई थी और उसका पता आसानी से मिल गया। पता था 11 रुए डे ट्रेजन, मोंटपेलियर। मैंने ये सब लिख लिया और मुझे लगा कि तथ्यों को इकट्ठा करने में होम्स भी इतने कुशल नहीं हो सकते थे।

अब सिर्फ एक कोना ही अंधेरे में था। मेरे पास मौजूद किसी भी रोशनी से उस महिला के अचानक चले जाने का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा था। वह लॉज़ेन में बहुत खुश थी। यह मानने के सभी कारण थे कि वह झील के सामने बने अपने आलीशान कमरों में पूरे मौसम के लिए रुकने का इरादा रखती थी। फिर भी वह सिर्फ एक दिन पहले सूचना देकर चली गई, जिसके कारण उसे एक सप्ताह का किराया व्यर्थ ही चुकाना पड़ा। केवल नौकरानी के प्रेमी जूल्स विबार्ट के पास ही कुछ सुझाव था। उसने अचानक चले जाने को एक-दो दिन पहले होटल में आए एक लंबे, साँवले, दाढ़ी वाले आदमी से जोड़ा। "एक जंगली - एक बिल्कुल जंगली!" जूल्स विबार्ट चिल्लाया। उस आदमी के शहर में कहीं कमरे थे। उसे झील के किनारे सैरगाह पर मैडम से गंभीरता से बात करते देखा गया था। फिर वह आया। मैडम ने उससे मिलने से इनकार कर दिया था। वह अंग्रेज था, लेकिन उसका नाम दर्ज नहीं था। मैडम उसके तुरंत बाद वहां से चली गई थीं। जूल्स विबार्ट और, उससे भी ज़्यादा महत्वपूर्ण, जूल्स विबार्ट की प्रेमिका, दोनों का मानना था कि यह फ़ोन कॉल और यह प्रस्थान एक दूसरे के कारण थे। केवल एक बात थी जिस पर जूल्स चर्चा नहीं करना चाहता था। वह यह थी कि मैरी ने अपनी मालकिन को क्यों छोड़ा था। इस बारे में वह कुछ भी नहीं कह सकता था या कहना नहीं चाहता था। अगर मुझे जानना ही था, तो मुझे मोंटपेलियर जाकर उससे पूछना होगा।

इस तरह मेरी जांच का पहला अध्याय समाप्त हुआ। दूसरा अध्याय उस स्थान पर केंद्रित था जिसे लेडी फ्रांसिस कारफैक्स ने लॉज़ेन छोड़ने के बाद खोजा था। इस संबंध में कुछ गोपनीयता बरती गई थी, जिससे यह धारणा पुष्ट हुई कि वह किसी को गुमराह करने के इरादे से गई थीं। अन्यथा, उनके सामान पर खुलेआम बैडेन का लेबल क्यों नहीं लगा होता? वह और उनका सामान दोनों किसी घुमावदार रास्ते से राइनिश स्पा पहुंचे। यह जानकारी मुझे कुक के स्थानीय कार्यालय के प्रबंधक से मिली। इसलिए, मैंने होम्स को अपनी सारी कार्यवाही का विवरण भेजकर और जवाब में एक अर्ध-मजाकिया प्रशंसा का टेलीग्राम प्राप्त करके बैडेन की यात्रा की।

बैडेन में पता लगाना मुश्किल नहीं था। लेडी फ्रांसिस ने इंग्लिशर हॉफ में दो सप्ताह बिताए थे। वहाँ उनकी मुलाकात दक्षिण अमेरिका की एक धर्म प्रचारक डॉ. श्लेसिंगर

और उनकी पत्नी से हुई। अधिकांश अकेली महिलाओं की तरह, लेडी फ्रांसिस को धर्म में सुकून और व्यस्तता मिली। डॉ. श्लेसिंगर का असाधारण व्यक्तित्व, उनकी सच्ची भक्ति और यह तथ्य कि वे अपने धर्म प्रचार के दौरान हुई बीमारी से उबर रहे थे, ने उन्हें बहुत प्रभावित किया। उन्होंने श्रीमती श्लेसिंगर की देखभाल में मदद की थी। जैसा कि प्रबंधक ने मुझे बताया, वे अपना दिन बरामदे में एक सोफे पर बैठकर बिताते थे, उनके दोनों ओर एक-एक महिला परिचारिका बैठी रहती थीं। वे पवित्र भूमि का नक्शा तैयार कर रहे थे, जिसमें विशेष रूप से मिद्यानियों के राज्य का जिक्र था, जिस पर वे एक शोधपत्र लिख रहे थे। अंततः, स्वास्थ्य में काफी सुधार होने पर, वे और उनकी पत्नी लंदन लौट आए, और लेडी फ्रांसिस भी उनके साथ वहाँ चली गईं। यह घटना तीन सप्ताह पहले की है, और प्रबंधक को तब से कोई खबर नहीं मिली है। नौकरानी मैरी की बात करें तो, वह कुछ दिन पहले ही फूट-फूटकर रोते हुए चली गई थी, उसने बाकी नौकरानियों को बताया था कि वह हमेशा के लिए नौकरी छोड़ रही है। डॉ. श्लेसिंगर ने जाने से पहले सभी का बिल चुका दिया था।

अंत में मकान मालिक ने कहा, "वैसे, आप लेडी फ्रांसिस कारफैक्स के इकलौते मित्र नहीं हैं जो अभी उनके बारे में पूछताछ करने आए हैं। लगभग एक सप्ताह पहले ही एक व्यक्ति इसी काम से यहाँ आया था।"

मैंने पूछा, "क्या उसने अपना नाम बताया?"

"कोई नहीं; लेकिन वह एक अंग्रेज था, हालांकि एक असामान्य प्रकार का।"

मैंने अपने प्रतिष्ठित मित्र की शैली में तथ्यों को जोड़ते हुए कहा, "एक बर्बर?"

“बिल्कुल सही। ये उसका एकदम सटीक वर्णन है। वो गठीला, दाढ़ी वाला, धूप से झुलसा हुआ आदमी है, जो किसी फैशनेबल होटल की बजाय किसी किसान के सराय में ज़्यादा सहज महसूस करेगा। मुझे लगता है कि वो एक कठोर, उग्र व्यक्ति है, और ऐसा व्यक्ति जिसे नाराज़ करने में मुझे अफ़सोस होगा।”

जैसे-जैसे कोहरा छंटता है, रहस्य स्पष्ट होने लगता है। एक नेक और धर्मपरायण महिला का पीछा एक दुष्ट और निर्दयी व्यक्ति जगह-जगह कर रहा था। वह उससे डरती थी, वरना वह लुसाने से भागती नहीं। वह अभी भी उसका पीछा कर रहा था। देर-सवेर वह उसे पकड़ ही लेता। क्या वह उसे पकड़ चुका था? क्या यही उसकी चुप्पी का राज था? क्या उसके साथी भले लोग उसे उसकी हिंसा या ब्लैकमेल से नहीं बचा सके? इस लंबे पीछा करने के पीछे कौन सा भयानक उद्देश्य, कौन सी गहरी साजिश छिपी थी? यही वह समस्या थी जिसे मुझे हल करना था।

मैंने होम्स को पत्र लिखकर बताया कि मैं कितनी जल्दी और निश्चित रूप से मामले की तह तक पहुँच गया था। जवाब में मुझे एक टेलीग्राम मिला जिसमें डॉ. श्लेसिंगर के बाएँ कान का विवरण माँगा गया था। होम्स के हास्यबोध के तरीके अजीब और कभी-कभी आपत्तिजनक भी होते हैं, इसलिए मैंने उनके इस बेतुके मज़ाक पर ध्यान नहीं दिया - दरअसल, उनका संदेश आने से पहले ही मैं नौकरानी मैरी की तलाश में मोंटपेलियर पहुँच चुका था।

मुझे पूर्व नौकरानी को ढूंढने और उससे सब कुछ जानने में कोई कठिनाई नहीं हुई। वह एक समर्पित महिला थी, जिसने अपनी मालकिन को केवल इसलिए छोड़ा था क्योंकि उसे पूरा विश्वास था कि वह सुरक्षित हाथों में है, और क्योंकि उसकी अपनी आगामी शादी के कारण अलगाव अपरिहार्य था। उसने बड़े दुख के साथ स्वीकार किया कि बाडेन में रहने के दौरान उसकी मालकिन ने उसके प्रति कुछ चिड़चिड़ापन दिखाया था, और एक बार तो उसकी ईमानदारी पर संदेह जताते हुए उससे सवाल भी किए थे, और इसी वजह से बिछड़ना आसान हो गया था। लेडी फ्रांसिस ने उसे शादी के उपहार के रूप में पचास पाउंड दिए थे। मेरी तरह, मैरी भी उस अजनबी पर गहरा

अविश्वास करती थी जिसने उसकी मालकिन को लुसाने से भगा दिया था। उसने अपनी आँखों से झील के किनारे सार्वजनिक सैरगाह पर उसे मालकिन की कलाई को बड़ी क्रूरता से पकड़ते हुए देखा था। वह एक क्रूर और भयानक आदमी था। उसे विश्वास था कि उसी के डर से लेडी फ्रांसिस ने श्लेसिंगर्स के साथ लंदन जाने का जिम्मा स्वीकार किया था। उसने इस बारे में मैरी से कभी बात नहीं की थी, लेकिन कई छोटे-छोटे संकेतों ने नौकरानी को यकीन दिला दिया था कि उसकी मालकिन लगातार घबराहट और चिंता में डूबी रहती है। अपनी कहानी सुनाते-सुनाते वह अचानक अपनी कुर्सी से उछल पड़ी और उसका चेहरा आश्चर्य और भय से भर गया। “देखो!” वह चिल्लाई। “वह बदमाश अभी भी पीछा कर रहा है! वही आदमी है जिसके बारे में मैं बात कर रही हूँ।”

बैठक के खुले कमरे की खिड़की से मैंने एक विशालकाय, सांवले रंग के व्यक्ति को घनी काली दाढ़ी के साथ गली के बीचोंबीच धीरे-धीरे चलते हुए देखा, जो उत्सुकता से घरों के नंबरों को घूर रहा था। यह स्पष्ट था कि मेरी ही तरह वह भी नौकरानी की तलाश में था। उस क्षणिक आवेग में आकर, मैं दौड़कर बाहर गया और उससे बात करने लगा।

मैंने कहा, "तुम एक अंग्रेज हो।"

"अगर मैं हूँ तो क्या होगा?" उसने बेहद दुष्टतापूर्ण भाव से पूछा।

"क्या मैं आपका नाम पूछ सकता हूँ?"

“नहीं, आप ऐसा नहीं कर सकते,” उसने दृढ़ता से कहा।

स्थिति थोड़ी अजीब थी, लेकिन अक्सर सबसे सीधा तरीका ही सबसे अच्छा होता है।

मैंने पूछा, "लेडी फ्रांसिस कारफैक्स कहाँ हैं?"

वह मुझे अचरज से घूर रहा था।

“तुमने उसके साथ क्या किया है? तुमने उसका पीछा क्यों किया? मुझे जवाब चाहिए!” मैंने कहा।

उस आदमी ने गुस्से से दहाड़ मारी और बाघ की तरह मुझ पर झपटा। मैंने कई संघर्षों में अपना बचाव किया है, लेकिन उस आदमी की पकड़ लोहे जैसी थी और उसका गुस्सा किसी शैतान जैसा था। उसका हाथ मेरे गले पर था और मैं लगभग बेहोश होने ही वाला था कि सामने वाले कैबरे से नीले ब्लाउज पहने एक दाढ़ीविहीन फ्रांसीसी मजदूर हाथ में लाठी लिए हुए निकला और मेरे हमलावर की बांह पर ज़ोरदार प्रहार किया, जिससे उसने मेरी पकड़ छोड़ दी। वह एक पल के लिए क्रोध से आग बबूला खड़ा रहा और असमंजस में था कि क्या उसे फिर से हमला करना चाहिए। फिर, गुस्से से गुर्राते हुए, उसने मुझे छोड़ दिया और उस झोपड़ी में चला गया जहाँ से मैं अभी आया था। मैंने सड़क पर मेरे बगल में खड़े अपने रक्षक को धन्यवाद देने के लिए मुड़ा।

“अच्छा, वॉटसन,” उसने कहा, “तुमने तो इसका बहुत ही बुरा हाल कर दिया! मुझे लगता है कि बेहतर होगा कि तुम मेरे साथ रात की एक्सप्रेस ट्रेन से लंदन वापस आ जाओ।”

एक घंटे बाद, शर्लक होम्स अपने सामान्य वेश और शैली में होटल के मेरे निजी कमरे में आकर बैठ गए। उनके अचानक और उपयुक्त समय पर आने का कारण बेहद सरल था; लंदन से निकलने का मौका पाकर उन्होंने तय किया कि वे मेरी यात्रा के अगले पड़ाव पर मुझे रोकेंगे। एक मजदूर के वेश में वे कैबरे में बैठकर मेरे आने का इंतजार कर रहे थे।

“और आपने तो बेहद सुसंगत जाँच की है, मेरे प्रिय वॉटसन,” उन्होंने कहा। “इस समय मुझे आपकी कोई ऐसी चूक याद नहीं आ रही जिसे आपने नज़रअंदाज़ किया हो।

आपकी पूरी कार्यवाही का नतीजा यही रहा है कि हर जगह दहशत फैल गई है, फिर भी कुछ भी पता नहीं चला है।"

मैंने कड़वाहट से जवाब दिया, "शायद तुम भी इससे बेहतर नहीं कर पाते।"

"इसमें 'शायद' की कोई गुंजाइश नहीं है। मैंने इससे बेहतर काम किया है। ये रहे माननीय फिलिप ग्रीन, जो इस होटल में आपके साथ ठहरे हुए हैं, और हो सकता है कि हम उन्हें एक अधिक सफल जांच के लिए शुरुआती बिंदु के रूप में पा सकें।"

एक थाली में एक ताश का पत्ता रखा हुआ था, और उसके पीछे वही दाढ़ी वाला बदमाश आया जिसने सड़क पर मुझ पर हमला किया था। मुझे देखते ही वह चौंक गया।

"यह क्या है, श्रीमान होम्स?" उन्होंने पूछा। "मुझे आपका पत्र मिला था और मैं आ गया हूँ। लेकिन इस आदमी का इस मामले से क्या लेना-देना है?"

"ये मेरे पुराने मित्र और सहयोगी डॉ. वॉटसन हैं, जो इस मामले में हमारी मदद कर रहे हैं।"

अजनबी ने धूप से झुलसा हुआ अपना विशाल हाथ आगे बढ़ाया और माफी के कुछ शब्द कहे।

"मुझे उम्मीद है कि मैंने आपको कोई नुकसान नहीं पहुँचाया होगा। जब आपने मुझ पर उसे चोट पहुँचाने का आरोप लगाया, तो मैं अपना आपा खो बैठा। सच कहूँ तो, इन दिनों मैं ज़िम्मेदार नहीं हूँ। मेरी नसें बिजली के तारों की तरह तनाव में हैं। लेकिन यह स्थिति मेरी समझ से परे है। सबसे पहले, श्रीमान होम्स, मैं यह जानना चाहता हूँ कि आखिर आपको मेरे बारे में पता कैसे चला।"

मैं लेडी फ्रांसिस की गवर्नेस मिस डोबनी के संपर्क में हूं।

"मजबूत टोपी वाली बूढ़ी सुसान डोबनी! मुझे वो अच्छी तरह याद है।"

और उसे तुम याद हो। ये उन दिनों की बात है जब तुमने दक्षिण अफ्रीका जाना बेहतर नहीं समझा था।

"आह, मुझे लगता है कि आप मेरी पूरी कहानी जानते हैं। मुझे आपसे कुछ भी छिपाने की ज़रूरत नहीं है। मैं आपसे कसम खाकर कहता हूँ, श्रीमान होम्स, कि इस दुनिया में ऐसा कोई पुरुष नहीं हुआ जिसने किसी स्त्री से उतना सच्चा प्रेम किया हो जितना मैंने फ्रांसिस से किया था। मैं जानता हूँ कि मैं एक उद्दंड नौजवान था—अपने जैसे दूसरे लोगों से ज़्यादा बुरा नहीं। लेकिन उसका मन बर्फ़ की तरह पवित्र था। वह किसी भी तरह की अशिष्टता बर्दाश्त नहीं कर सकती थी। इसलिए, जब उसे मेरे किए गए कामों के बारे में पता चला, तो उसने मुझसे बात करना बंद कर दिया। और फिर भी वह मुझसे प्यार करती थी—यही तो आश्चर्य की बात है!—मुझसे इतना प्यार करती थी कि सिर्फ़ मेरे लिए ही उसने अपने जीवन भर अविवाहित रहने का फ़ैसला किया। जब कई साल बीत गए और मैंने बार्बरटन में खूब पैसा कमा लिया, तो मैंने सोचा कि शायद मैं उसे ढूंढ़कर उसका दिल बदल सकूँ। मैंने सुना था कि वह अभी भी अविवाहित है। मैंने उसे लॉज़ेन में ढूंढ़ा और अपनी पूरी कोशिश की। मुझे लगता है कि वह कमज़ोर पड़ गई, लेकिन उसका इरादा मज़बूत था, और जब मैंने अगली बार उससे मुलाक़ात की तो वह शहर छोड़कर जा चुकी थी। मैंने उसका पता बेडेन में लगाया, और फिर कुछ समय बाद पता चला कि उसकी नौकरानी यहाँ है।" मैं एक उतावला इंसान हूँ, अभी-अभी एक मुश्किल भरी ज़िंदगी से निकला हूँ, और जब डॉ. वॉटसन ने मुझसे उसे तरह बात की तो मैं एक पल के लिए अपना आपा खो बैठा। लेकिन भगवान के लिए मुझे बताइए कि लेडी फ्रांसिस का क्या हुआ?

"यह तो हमें ही पता लगाना है," शर्लक होम्स ने अजीब गंभीरता से कहा। "आपका लंदन का पता क्या है, मिस्टर ग्रीन?"

"लैंगहम होटल मुझे ढूंढ लेगा।"

तो क्या मैं आपको सलाह दूं कि आप वहीं लौट जाएं और मेरी ज़रूरत पड़ने पर मौजूद रहें? मैं झूठी उम्मीदें नहीं जगाना चाहता, लेकिन आप निश्चिंत रहें कि लेडी फ्रांसिस की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। फिलहाल मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता। मैं आपको यह कार्ड दे रहा हूं ताकि आप हमसे संपर्क में रह सकें। अब, वॉटसन, अगर आप अपना सामान पैक करें लें तो मैं श्रीमती हडसन को तार भेज दूंगा कि वे कल सुबह 7:30 बजे दो भूखे यात्रियों के लिए सर्वोत्तम व्यवस्था करें।

बेकर स्ट्रीट स्थित अपने कमरों में पहुँचते ही हमें एक टेलीग्राम मिला, जिसे होम्स ने उत्सुकता से पढ़ा और मेरी ओर फेंक दिया। संदेश में लिखा था, "टेढ़ा-मेढ़ा या फटा हुआ", और उत्पत्ति स्थान बेडेन था।

मैंने पूछा, "यह क्या है?"

“यह सब कुछ है,” होम्स ने उत्तर दिया। “आपको शायद मेरा वह प्रश्न याद होगा जो देखने में इस पादरी के बाएं कान के बारे में अप्रासंगिक लग रहा था। आपने उसका उत्तर नहीं दिया।”

मैं बाडेन छोड़ चुका था और पूछताछ नहीं कर सका।

“बिल्कुल सही। इसी कारण मैंने इसकी एक प्रति इंग्लिशर हॉफ के प्रबंधक को भेजी थी, जिसका उत्तर यहाँ है।”

इससे क्या पता चलता है?

“मेरे प्रिय वॉटसन, इससे पता चलता है कि हम एक बेहद चालाक और खतरनाक आदमी से निपट रहे हैं। दक्षिण अमेरिका से आए मिशनरी रेवरेंड डॉ. श्लेसिंगर कोई और नहीं बल्कि होली पीटर्स हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के सबसे बेईमान बदमाशों में से एक हैं – और एक युवा देश होने के बावजूद, इसने कुछ बेहद शातिर किस्म के लोग पैदा किए हैं। उनकी खासियत धार्मिक भावनाओं का फायदा उठाकर अकेली महिलाओं को बहकाना है, और उनकी तथाकथित पत्नी, फ्रेजर नाम की एक अंग्रेज महिला, उनकी एक योग्य साथी है। उनकी चालों से ही मुझे उनकी पहचान का अंदाजा हो गया था, और उनकी यह शारीरिक विशेषता – 1989 में एडिलेड के एक शराबखाने में हुई लड़ाई में उन्हें बुरी तरह काट लिया गया था – ने मेरे संदेह की पुष्टि कर दी। यह बेचारी महिला एक बेहद क्रूर जोड़े के हाथों में है, जो किसी भी हद तक जा सकते हैं, वॉटसन। उनका मर जाना एक बहुत ही संभावित अनुमान है। अगर नहीं, तो वह निस्संदेह किसी तरह की कैद में हैं और मिस डोबनी या अपने अन्य दोस्तों को पत्र लिखने में असमर्थ हैं। यह भी संभव है कि वह कभी लंदन पहुंची ही न हों, या वहां से गुजरी हों, लेकिन पहला विकल्प सही नहीं है। यह असंभव है, क्योंकि उनकी पंजीकरण प्रणाली के कारण विदेशियों के लिए महाद्वीपीय पुलिस को धोखा देना आसान नहीं है; और यह भी असंभव है, क्योंकि ये बदमाश ऐसी कोई दूसरी जगह नहीं ढूंढ सकते जहाँ किसी व्यक्ति को इतनी आसानी से काबू में रखा जा सके। मेरी अंतरात्मा कहती है कि वह लंदन में है, लेकिन फिलहाल हमारे पास यह जानने का कोई साधन नहीं है कि वह कहाँ है, इसलिए हम केवल स्वाभाविक कदम उठा सकते हैं, अपना खाना खा सकते हैं और धैर्य रख सकते हैं। शाम को मैं टहलने जाऊंगा और स्कॉटलैंड यार्ड में अपने मित्र लेस्ट्रेड से बात करूंगा।

लेकिन न तो आधिकारिक पुलिस और न ही होम्स का अपना छोटा लेकिन बेहद कारगर संगठन इस रहस्य को सुलझाने में कामयाब रहा। लंदन की भीड़-भाड़ वाली लाखों की आबादी में, जिन तीन लोगों को हम खोज रहे थे, वे मानो पूरी तरह से गायब हो गए थे, मानो वे कभी थे ही नहीं। विज्ञापन दिए गए, लेकिन नाकाम रहे। सुरागों का पीछा किया गया, लेकिन कुछ भी हासिल नहीं हुआ। श्लेसिंगर के हर आपराधिक अड्डे पर

नज़र रखी गई, लेकिन सब व्यर्थ रहा। उसके पुराने साथियों पर नज़र रखी गई, लेकिन वे उससे दूर रहे। और फिर अचानक, एक हफ्ते के असहाय सस्पेंस के बाद, एक उम्मीद की किरण जगी। वेस्टमिंस्टर रोड स्थित बोविंगटन की दुकान पर पुराने स्पेनिश डिज़ाइन का एक चांदी और चमकदार पेंडेंट गिरवी रखा गया था। गिरवी रखने वाला एक लंबा, साफ दाढ़ी वाला, पादरी जैसा दिखने वाला आदमी था। उसका नाम और पता साफ तौर पर फर्जी था। कान पर किसी का ध्यान नहीं गया, लेकिन हुलिया निश्चित रूप से श्लेसिंगर का ही था।

लैंगहम होटल से हमारे दाढ़ी वाले दोस्त ने तीन बार खबर लेने के लिए फोन किया था - तीसरी बार तो इस नई घटना के एक घंटे के भीतर ही। उनके भारी-भरकम शरीर पर कपड़े ढीले पड़ते जा रहे थे। वे चिंता से मानो मुरझा रहे थे। "काश, आप मुझे कुछ काम दे देते!" यही उनकी लगातार गुहार थी। आखिरकार होम्स उनकी इच्छा पूरी कर सके।

“उसने गहने गिरवी रखना शुरू कर दिया है। हमें उसे अभी पकड़ लेना चाहिए।”

लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि लेडी फ्रांसिस को कोई नुकसान पहुंचा है?

होम्स ने बहुत गंभीरता से अपना सिर हिलाया।

“यह मानते हुए कि उन्होंने उसे अब तक बंदी बनाकर रखा है, यह स्पष्ट है कि वे उसे छोड़े बिना अपना विनाश नहीं कर सकते। हमें सबसे बुरे हालात के लिए तैयार रहना होगा।”

"मैं क्या कर सकता हूँ?"

“ये लोग आपको देखकर नहीं पहचानते?”

"नहीं।"

“हो सकता है कि वह भविष्य में किसी और साहूकार के पास जाए। अगर ऐसा हुआ तो हमें फिर से शुरुआत करनी पड़ेगी। दूसरी तरफ, उसे उचित दाम मिल गया है और कोई सवाल नहीं पूछा गया है, इसलिए अगर उसे नकदी की ज़रूरत पड़ी तो वह शायद बोविंगटन के पास वापस आएगा। मैं तुम्हें उन्हें एक नोट दे दूंगा, और वे तुम्हें दुकान में इंतज़ार करने देंगे। अगर वह आदमी आता है तो तुम उसके घर तक उसके पीछे जाना। लेकिन कोई भी अनुचित काम मत करना और सबसे बढ़कर, कोई हिंसा मत करना। मैं तुम्हें वचन देता हूँ कि तुम मेरी जानकारी और सहमति के बिना कोई कदम नहीं उठाओगे।”

दो दिनों तक माननीय फिलिप ग्रीन (मैं आपको बता दूं कि वे क्रीमिया युद्ध में अज़ोफ़ सागर के बेड़े की कमान संभालने वाले प्रसिद्ध एडमिरल के पुत्र थे) ने हमें कोई खबर नहीं दी। तीसरे दिन की शाम को वे पीले पड़े, कांपते हुए, उत्तेजना से थरथराते हुए हमारे बैठक कक्ष में पहुंचे।

“हमने उसे पकड़ लिया! हमने उसे पकड़ लिया!” वह चिल्लाया।

वह घबराहट में बेसुध था और अस्पष्ट बातें कर रहा था। होम्स ने कुछ शब्दों से उसे शांत किया और उसे एक कुर्सी पर बिठा दिया।

“चलिए, अब हमें घटनाओं का क्रम बताइए,” उसने कहा।

“वह अभी एक घंटे पहले ही आई है। इस बार पत्नी आई थी, लेकिन वह जो झुमका लाई थी वह पहले वाली से मिलता-जुलता था। वह लंबी, पीली त्वचा वाली महिला है, जिसकी आँखें नेवले जैसी हैं।”

"ये वही महिला है," होम्स ने कहा।

“वह दफ्तर से निकली और मैं उसके पीछे-पीछे गया। वह केनिंग्टन रोड पर चलने लगी और मैं उसके पीछे-पीछे चलता रहा। थोड़ी देर बाद वह एक दुकान में गई। श्रीमान होम्स, वह एक अंतिम संस्कार की दुकान थी।”

मेरे साथी ने चौंककर पूछा, "तो?" उसकी उस जोशीली आवाज़ में, जो उसके ठंडे, धूसर चेहरे के पीछे छिपी उग्र आत्मा की झलक देती थी, उसने पूछा।

"वह काउंटर के पीछे बैठी महिला से बात कर रही थी। मैं भी अंदर आ गया। मैंने उसे कहते सुना, 'देर हो गई है,' या इसी तरह के कुछ शब्द। महिला ने माफी मांगते हुए कहा, 'यह अब तक आ जाना चाहिए था। असामान्य परिस्थितियों के कारण इसमें अधिक समय लग गया।' वे दोनों रुक गईं और मेरी तरफ देखने लगीं, इसलिए मैंने कुछ सवाल पूछे और फिर दुकान से निकल गया।"

आपने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उसके बाद क्या हुआ?

"वह महिला बाहर आई, लेकिन मैं एक दरवाजे के पीछे छिप गया था। मुझे लगता है कि उसे शक हो गया था, क्योंकि उसने चारों ओर देखा। फिर उसने एक टैक्सी बुलाई और उसमें बैठ गई। मैं खुशकिस्मत था कि मुझे दूसरी टैक्सी मिल गई और मैं उसके पीछे-पीछे चल पड़ा। आखिरकार वह ब्रिक्सटन के पौल्टनी स्क्वायर नंबर 36 पर उतर गई। मैं अपनी टैक्सी लेकर स्क्वायर के कोने पर खड़ा रहा और घर पर नजर रखने लगा।"

क्या आपने किसी को देखा?

"नीचे वाली मंजिल पर एक खिड़की को छोड़कर बाकी सभी खिड़कियों में अंधेरा था। पर्दा गिरा हुआ था, इसलिए मैं अंदर नहीं देख पा रहा था। मैं वहीं खड़ा सोच रहा था कि अब क्या करूं, तभी एक ढकी हुई वैन दो आदमियों के साथ आकर रुकी। वे नीचे उतरे, वैन से कुछ निकाला और उसे सीढ़ियों से ऊपर हॉल के दरवाजे तक ले गए। श्री होम्स, यह एक ताबूत था।"

आह!"

"एक पल के लिए तो मैं अंदर जाने ही वाला था। दरवाज़ा खुला हुआ था ताकि आदमी और उनका सामान अंदर आ सकें। दरवाज़ा उसी औरत ने खोला था। लेकिन जैसे ही मैं वहाँ खड़ा था, उसने मुझे देख लिया और मुझे लगता है कि उसने मुझे पहचान लिया। मैंने उसे चौंकते हुए देखा और उसने जल्दी से दरवाज़ा बंद कर दिया। मुझे तुमसे किया हुआ वादा याद आ गया, और इसीलिए मैं यहाँ हूँ।"

"आपने बहुत अच्छा काम किया है," होम्स ने कागज के आधे पन्ने पर कुछ शब्द लिखते हुए कहा। "हम बिना वारंट के कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं कर सकते, और आप इस नोट को अधिकारियों तक ले जाकर वारंट प्राप्त करके सबसे बेहतर तरीके से हमारी मदद कर सकते हैं। कुछ कठिनाई हो सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि गहनों की बिक्री ही काफी होगी। लेस्ट्रेड सभी मामलों का ध्यान रखेगा।"

लेकिन इस बीच वे उसकी हत्या भी कर सकते हैं। ताबूत का क्या मतलब हो सकता है, और यह किसके लिए हो सकता है, सिवाय उसके लिए?

"हम हर संभव प्रयास करेंगे, श्रीमान ग्रीन। एक पल भी बर्बाद नहीं करेंगे। इसे हमारे हाथों में छोड़ दीजिए। अब, वॉटसन," हमारे मुवक्किल के जल्दी से चले जाने के बाद उन्होंने कहा, "वह नियमित बलों को कार्रवाई में लगा देंगे। हम हमेशा की तरह अनियमित बल हैं, और हमें अपनी कारवाई स्वयं करनी होगी। मुझे लगता है कि स्थिति इतनी विकट है कि सबसे कठोर उपाय ही उचित हैं। पौल्टनी स्क्वायर पहुंचने में एक पल भी बर्बाद नहीं किया जा सकता।"

"चलिए स्थिति को समझने की कोशिश करते हैं," उसने कहा जब हम संसद भवन के पास से तेज़ी से गुज़रते हुए वेस्टमिंस्टर ब्रिज पार कर रहे थे। "इन बदमाशों ने पहले इस अभागी महिला को उसकी वफादार नौकरानी से अलग कर दिया, फिर उसे बहला-फुसलाकर लंदन ले आए। अगर उसने कोई पत्र लिखे भी हैं, तो वे रोक लिए गए हैं। किसी साथी के ज़रिए उन्होंने एक सजे-धजे घर का किराया लिया है। घर में घुसकर

उन्होंने उसे बंदी बना लिया है और उसके कीमती गहनों पर कब्ज़ा कर लिया है, जो शुरू से ही उनका मकसद था। उन्होंने पहले ही उनमें से कुछ बेचना शुरू कर दिया है, जो उन्हें काफी सुरक्षित लगता है, क्योंकि उन्हें नहीं लगता कि किसी को महिला के भाग्य में दिलचस्पी है। रिहा होने पर वह निश्चित रूप से उनकी शिकायत करेगी। इसलिए उसे रिहा नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन वे उसे हमेशा के लिए कैद में नहीं रख सकते। इसलिए हत्या ही उनका एकमात्र उपाय है।”

"यह तो बिल्कुल स्पष्ट लगता है।"

“अब हम तर्क की एक अलग धारा अपनाएंगे। वॉटसन, जब आप दो अलग-अलग विचारों की कड़ियों का अनुसरण करेंगे, तो आपको एक ऐसा प्रतिच्छेदन बिंदु मिलेगा जो सत्य के लगभग निकट होगा। अब हम महिला से नहीं, बल्कि ताबूत से शुरू करेंगे और पीछे की ओर तर्क करेंगे। मुझे डर है कि वह घटना इस बात को निर्विवाद रूप से सिद्ध करती है कि महिला की मृत्यु हो चुकी है। यह एक विधिवत अंतिम संस्कार की ओर भी इशारा करती है, जिसमें चिकित्सा प्रमाण पत्र और आधिकारिक स्वीकृति भी शामिल है। यदि महिला की स्पष्ट रूप से हत्या की गई होती, तो वे उसे पिछवाड़े के बगीचे में एक गड्ढे में दफना देते। लेकिन यहां सब कुछ खुला और व्यवस्थित है। इसका क्या अर्थ है? निश्चित रूप से इसका अर्थ है कि उन्होंने किसी ऐसे तरीके से उसकी हत्या की है जिससे डॉक्टर को धोखा दिया जा सके और एक प्राकृतिक मृत्यु का आभास हो - शायद जहर देकर। और फिर भी यह कितना अजीब है कि उन्होंने किसी डॉक्टर को उसके पास जाने दिया, जब तक कि वह उनका कोई साथी न हो, जो कि शायद ही कोई विश्वसनीय बात है।”

"क्या उन्होंने मेडिकल सर्टिफिकेट में हेराफेरी की होगी?"

"खतरनाक है, वॉटसन, बहुत खतरनाक। नहीं, मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा करेंगे। गाड़ी रोको, टैक्सी ड्राइवर! यह स्पष्ट रूप से अंतिम संस्कार करने वाले का है, क्योंकि हम अभी-अभी गिरवी रखने वाले की दुकान के पास से गुजरे हैं। क्या आप अंदर जाएंगे, वॉटसन? आपकी शक्ल देखकर भरोसा होता है। पता कर लीजिए कि कल पौल्टनी स्क्वायर में अंतिम संस्कार किस समय है।"

दुकान में मौजूद महिला ने बिना किसी झिझक के जवाब दिया कि यह सुबह आठ बजे होगा। "देखो, वॉटसन, कोई रहस्य नहीं; सब कुछ साफ-साफ है! किसी न किसी तरह से कानूनी औपचारिकताओं का पालन किया गया है, और उन्हें लगता है कि उन्हें डरने की कोई खास जरूरत नहीं है। खैर, अब सीधे हमले के अलावा कोई चारा नहीं है। क्या तुम हथियारबंद हो?"

“मेरी छड़ी!”

“अच्छा, अच्छा, हम काफी मजबूत होंगे। ‘जिसका झगड़ा जायज हो, वह तीन गुना अधिक हथियारों से लैस होता है।’ हम पुलिस का इंतजार नहीं कर सकते और न ही कानून की चारदीवारी में बंधे रह सकते हैं। तुम जा सकते हो, टैक्सी ड्राइवर। अब, वॉटसन, हम अपनी किस्मत आजमाएंगे, जैसा कि हमने अतीत में कई बार किया है।”

उसने पौल्टनी स्क्वायर के केंद्र में स्थित एक बड़े, अंधेरे घर के दरवाजे पर जोर से घंटी बजाई। दरवाजा तुरंत खुल गया, और धुंधली रोशनी वाले हॉल में एक लंबी महिला की आकृति उभर कर दिखाई दी।

"तो फिर तुम क्या चाहते हो?" उसने अंधेरे में हमारी ओर देखते हुए तीखे स्वर में पूछा।

होम्स ने कहा, "मैं डॉ. श्लेसिंगर से बात करना चाहता हूं।"

"यहां ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है," उसने जवाब दिया और दरवाजा बंद करने की कोशिश की, लेकिन होम्स ने उसे अपने पैर से जाम कर दिया था।

"ठीक है, मैं उस आदमी को देखना चाहता हूं जो यहां रहता है, चाहे वह खुद को कुछ भी कहे," होम्स ने दृढ़ता से कहा।

वह हिचकिचाई। फिर उसने दरवाज़ा खोल दिया। "अंदर आ जाइए!" उसने कहा। "मेरे पति दुनिया के किसी भी पुरुष का सामना करने से नहीं डरते।" उसने हमारे पीछे दरवाज़ा बंद कर दिया और हमें हॉल के दाहिनी ओर स्थित बैठक कक्ष में ले गई, और जाते समय उसने गैस तेज़ कर दी। "श्री पीटर्स अभी आपके पास आते हैं," उसने कहा।

उसकी बातें अक्षरशः सच थीं, क्योंकि हमें उस धूल भरे और कीड़ों से भरे कमरे में इधर-उधर देखने का भी समय नहीं मिला था कि दरवाज़ा खुला और एक लंबा-चौड़ा, साफ दाढ़ी वाला, गंजा आदमी हल्के कदमों से कमरे में दाखिल हुआ। उसका चेहरा बड़ा और लाल था, गाल लटके हुए थे, और उसके चेहरे पर ऊपरी तौर पर दयालुता का भाव था, जो उसकी क्रूर और दुष्टतापूर्ण बातों से धूमिल हो गया था।

"यद्यपि यहाँ कुछ गड़बड़ ज़रूर हुई है, सज्जनों," उसने चापलूसी भरे, सब कुछ आसान बनाने वाले लहजे में कहा। "मुझे लगता है कि आपको गलत दिशा दिखाई गई है। शायद अगर आप सड़क पर थोड़ा और आगे जाकर देखें तो—"

"बस इतना ही काफी है; हमारे पास समय बर्बाद करने का समय नहीं है," मेरे साथी ने दृढ़ता से कहा। "आप एडिलेड के हेनरी पीटर्स हैं, जो पहले बाडेन और दक्षिण अमेरिका के रेवरेंड डॉ. श्लेसिंगर थे। मुझे इस बात का उतना ही यकीन है जितना कि मेरा अपना नाम शर्लक होम्स है।"

पीटर्स, जिसे मैं अब इसी नाम से पुकारूंगा, चौंक गया और अपने दुर्जेय पीछा करने वाले को घूरने लगा। उसने शांत स्वर में कहा, "मुझे लगता है कि आपका नाम मुझे डराता नहीं है, मिस्टर होम्स। जब किसी का विवेक शांत होता है, तो उसे विचलित नहीं किया जा सकता। मेरे घर में आपका क्या काम है?"

"मैं जानना चाहता हूं कि आपने लेडी फ्रांसिस कारफैक्स के साथ क्या किया, जिसे आप बाडेन से अपने साथ ले आए थे।"

"अगर आप मुझे बता सकें कि वह महिला कहाँ है, तो मुझे बहुत खुशी होगी," पीटर्स ने शांत भाव से जवाब दिया। "उसके नाम पर मेरा लगभग सौ पाउंड का बिल है, और मेरे पास दिखाने के लिए कुछ नहीं है सिवाय उन दो दिखावटी झुमकों के जिन्हें दुकानदार ने देखा तक नहीं। वह बैडेन में श्रीमती पीटर्स और मुझसे चिपक गई थी — यह सच है कि उस समय मैं किसी और नाम का इस्तेमाल कर रहा था — और लंदन आने तक वह हमारे साथ रही। मैंने उसका बिल और टिकट का भुगतान किया। लंदन पहुँचते ही वह हमें चकमा देकर चली गई, और जैसा कि मैंने कहा, अपने बिल चुकाने के लिए ये पुराने ज़माने के गहने छोड़ गई। आप उसे ढूंढिए, मिस्टर होम्स, और मैं आपका देनदार हूँ।"

"मैं उसे ढूंढ निकालूंगा," शर्लक होम्स ने कहा। "मैं इस घर की तब तक तलाशी लूंगा जब तक वह मुझे मिल न जाए।"

"आपका वारंट कहां है?"

होम्स ने अपनी जेब से आधा रिवॉल्वर निकाला। "जब तक इससे बेहतर रिवॉल्वर नहीं मिल जाती, तब तक इसी से काम चलाना पड़ेगा।"

"अरे, तुम तो आम चोर हो।"

"तो आप मेरा वर्णन कर सकते हैं," होम्स ने खुशी से कहा। "मेरा साथी भी एक खतरनाक बदमाश है। और हम साथ मिलकर आपके घर की तलाशी लेने जा रहे हैं।"

हमारे प्रतिद्वंदी ने दरवाजा खोल दिया।

"एनी, पुलिसवाले को बुलाओ!" उसने कहा। गलियारे से महिलाओं के स्कर्ट सरसराते हुए निकले और हॉल का दरवाजा खुला और बंद हुआ।

“हमारे पास समय सीमित है, वॉटसन,” होम्स ने कहा। “अगर तुमने हमें रोकने की कोशिश की, पीटर्स, तो तुम्हें निश्चित रूप से चोट लगेगी। वह ताबूत कहाँ है जो तुम्हारे घर में लाया गया था?”

“तुम्हें ताबूत से क्या चाहिए? यह तो इस्तेमाल में है। इसमें एक शव है।”

मुझे वह शव देखना ही होगा।

"मेरी सहमति के बिना कभी नहीं।"

“तो फिर इसके बिना।” होम्स ने फुर्ती से उस आदमी को एक तरफ धकेला और हॉल में चले गए। हमारे ठीक सामने आधा खुला एक दरवाजा था। हम अंदर गए। यह भोजन कक्ष था। मेज पर, आधे जलते झूमर के नीचे, ताबूत पड़ा था। होम्स ने गैस तेज की और ढक्कन उठाया। ताबूत के भीतर गहराई में एक कमजोर शरीर पड़ा था। ऊपर की बत्तियों की तेज रोशनी एक बूढ़े और मुरझाए चेहरे पर पड़ रही थी। किसी भी तरह से क्रूरता, भुखमरी या बीमारी से यह जर्जर शरीर अभी भी सुंदर लेडी फ्रांसिस नहीं हो सकती था। होम्स के चेहरे पर आश्चर्य और राहत दोनों के भाव थे।

“भगवान का शुक्र है!” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “कोई और है।”

"अरे, आपने तो एक बार बहुत बड़ी गलती कर दी, मिस्टर शेरलॉक होम्स," पीटर्स ने कहा, जो हमारे पीछे कमरे में आया था।

“यह मृत महिला कौन है?”

खैर, अगर आपको सच में जानना ही है, तो वह मेरी पत्नी की एक बूढ़ी नर्स थीं, जिनका नाम रोज़ स्पेंडर था। हमें वह ब्रिक्सटन वर्कहाउस इन्फर्मरी में मिलीं। हम उन्हें यहाँ ले आए, 13 फ़िरबैंक विलाज़ के डॉक्टर हॉर्सम को बुलाया - पता याद रखिएगा, मिस्टर होम्स - और ईसाई धर्म के अनुसार उनकी अच्छी तरह देखभाल करवाई। तीसरे दिन उनका निधन हो गया - प्रमाण पत्र में बुढ़ापे की कमजोरी लिखा है - लेकिन यह तो सिर्फ डॉक्टर की राय है, और आप तो बेहतर जानते ही होंगे। हमने उनके अंतिम संस्कार के लिए केनिंग्टन रोड स्थित स्टिमसन एंड कंपनी को आदेश दिया है, जो उन्हें कल सुबह आठ बजे दफनाएंगे। क्या आपको इसमें कोई कमी दिखती है, मिस्टर होम्स? आपने एक बड़ी गलती की है, और बेहतर होगा कि आप इसे स्वीकार कर लें। काश मुझे आपकी वह हैरान कर देने वाली तस्वीर मिल जाती, जब आपने ढक्कन खोला और लेडी फ्रांसिस कारफैक्स देखने की उम्मीद की, लेकिन आपको सिर्फ नब्बे साल की एक बूढ़ी औरत मिली।

अपने प्रतिद्वंद्वी के उपहास के बावजूद होम्स का चेहरा हमेशा की तरह भावहीन था, लेकिन उसकी मुट्ठी भींचने से उसकी तीव्र झुंझलाहट स्पष्ट हो गई।

“मैं तुम्हारे घर की तलाशी ले रहा हूँ,” उसने कहा।

“क्या सच में!” गलियारे में एक महिला की आवाज़ और भारी कदमों की आहट सुनकर पीटर्स चिल्लाया। “हम जल्द ही देखेंगे। इधर आइए, अधिकारियों। ये लोग जबरदस्ती मेरे घर में घुस आए हैं और मैं इन्हें बाहर नहीं निकाल पा रहा हूँ। कृपया इन्हें बाहर निकालने में मेरी मदद कीजिए।”

दरवाजे पर एक सार्जेंट और एक कांस्टेबल खड़े थे। होम्स ने अपने सूटकेस से अपना कार्ड निकाला।

“यह मेरा नाम और पता है। यह मेरे मित्र डॉ. वॉट्सन हैं।”

“आपका भला हो, महोदय, हम आपको अच्छी तरह जानते हैं,” सार्जेंट ने कहा, “लेकिन आप बिना वारंट के यहां नहीं रह सकते।”

“बिल्कुल नहीं। मैं यह बात अच्छी तरह समझता हूँ।”

“उसे गिरफ्तार करो!” पीटर्स चिल्लाया।

सार्जेंट ने शान से कहा, "अगर इनकी ज़रूरत पड़ी तो हमें पता है कि इन्हें कहाँ ढूँढना है, लेकिन आपको जाना होगा, मिस्टर होम्स।"

"हाँ, वॉटसन, हमें जाना ही होगा।"

एक मिनट बाद हम फिर से सड़क पर थे। होम्स हमेशा की तरह शांत था, लेकिन मैं गुस्से और अपमान से आग बबूला था। सार्जेंट हमारा पीछा करते हुए आ गया था।

"माफ़ कीजिए, मिस्टर होम्स, लेकिन यही कानून है।"

"बिल्कुल सही, सार्जेंट, आप इसके अलावा कुछ और कर ही नहीं सकते थे।"

मुझे उम्मीद है कि आपके वहाँ मौजूद होने का कोई अच्छा कारण रहा होगा। अगर मैं कुछ कर सकता हूँ तो—"

"सार्जेंट साहब, एक महिला लापता है और हमें लगता है कि वह उसी घर में है। मुझे जल्द ही वारंट मिलने की उम्मीद है।"

"तो मैं पार्टियों पर नज़र रखूंगा, मिस्टर होम्स। अगर कुछ भी पता चलता है, तो मैं आपको ज़रूर बता दूंगा।"

अभी ठीक नौ बजे थे और हम तुरंत पूरी रफ्तार से खोज में निकल पड़े। सबसे पहले हम ब्रिक्सटन वर्कहाउस इन्फर्मरी गए, जहाँ हमें पता चला कि यह बात सचमुच सच थी कि कुछ दिन पहले एक परोपकारी दंपति ने आकर एक मंदबुद्धि बूढ़ी महिला को अपनी पूर्व नौकरानी बताकर अपने साथ ले जाने की अनुमति ली थी। उसकी मृत्यु की खबर सुनकर किसी को आश्चर्य नहीं हुआ।

डॉक्टर हमारा अगला लक्ष्य था। उन्हें बुलाया गया था, उन्होंने पाया कि महिला बुढ़ापे के कारण मर रही थी, उन्होंने वास्तव में उसकी मृत्यु देखी थी, और उन्होंने विधिवत प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा, "मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि सब कुछ बिल्कुल सामान्य था और इसमें किसी प्रकार की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं थी।" घर में उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं लगा, सिवाय इसके कि उनके वर्ग के लोगों के लिए यह आश्चर्यजनक था कि उनके पास कोई नौकर नहीं था। डॉक्टर ने बस इतना ही कहा और आगे नहीं बढ़े।

आखिरकार हम स्कॉटलैंड यार्ड पहुँच गए। वारंट से संबंधित प्रक्रिया में कुछ दिक्कतें आ रही थीं। कुछ देरी होना तय था। मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर अगली सुबह तक नहीं मिल पा रहे थे। अगर होम्स करीब नौ बजे आ जाते, तो वे लेस्ट्रेड के साथ जाकर वारंट पर कार्रवाई करवा सकते थे। इस तरह दिन समाप्त हुआ, बस आधी रात के करीब हमारे दोस्त, सार्जेंट ने फोन करके बताया कि उन्होंने उस बड़े अंधेरे घर की खिड़कियों में इधर-उधर टिमटिमाती रोशनी देखी है, लेकिन न तो कोई घर से बाहर निकला है और न ही कोई अंदर आया है। हम बस धैर्य की प्रार्थना कर सकते थे और कल का इंतज़ार कर सकते थे।

शर्लक होम्स बातचीत के लिए बहुत चिड़चिड़ा और नींद के लिए बहुत बेचैन था। मैंने उसे सिगरेट पीते हुए, घनी, काली भौंहें सिकुड़ी हुई और अपनी कुर्सी की भुजाओं पर कांपती लंबी उंगलियों को थपथपाते हुए पाया, क्योंकि वह रहस्य के हर संभव समाधान पर विचार कर रहा था। रात भर मैंने उसे घर में इधर-उधर घूमते सुना। आखिरकार, सुबह मुझे बुलाए जाने के ठीक बाद, वह मेरे कमरे में आ गया। वह अपने ड्रेसिंग गाउन में था, लेकिन उसका पीला, धंसी हुई आँखों वाला चेहरा बता रहा था कि उसकी रात बिना नींद के गुज़री थी।

"अंतिम संस्कार कितने बजे था? आठ बजे, है ना?" उसने उत्सुकता से पूछा। "अरे, अभी तो 7:20 हो गए हैं। हे भगवान, वॉटसन, भगवान ने मुझे जो अक्ल दी थी, वो कहाँ चली गई? जल्दी करो, जल्दी करो! ये ज़िंदगी और मौत का सवाल है – मौत के सौ मौके

हैं ज़िंदगी के एक। अगर बहुत देर हो गई तो मैं खुद को कभी माफ नहीं कर पाऊंगा, कभी नहीं!”

पांच मिनट भी नहीं बीते थे कि हम बेकर स्ट्रीट पर एक गाड़ी में तेज़ी से दौड़ रहे थे। फिर भी, बिग बेन के पास से गुज़रते समय पौने आठ बज रहे थे, और ब्रिक्सटन रोड पर तेज़ी से भागते हुए आठ बज गए। लेकिन बाकी लोग भी हमारी तरह देर से पहुंचे थे। घंटे के दस मिनट बाद भी शव वाहन घर के दरवाजे पर खड़ा था, और जैसे ही हमारा तेज़ दौड़ता घोड़ा रुका, तीन आदमियों द्वारा उठाया गया ताबूत दहलीज पर आ गया। होम्स तेज़ी से आगे बढ़े और उनका रास्ता रोक दिया।

“इसे वापस ले लो!” उसने सबसे आगे खड़े व्यक्ति की छाती पर हाथ रखते हुए चिल्लाकर कहा। “इसे अभी इसी वक्त वापस ले लो!”

"तुम्हारा मतलब क्या है? मैं तुमसे फिर पूछता हूँ, तुम्हारा वारंट कहाँ है?" क्रोधित पीटर्स ने ताबूत के दूसरे छोर से अपना बड़ा लाल चेहरा घूरते हुए चिल्लाया।

“वारंट रास्ते में है। जब तक वारंट नहीं आता, यह ताबूत घर में ही रहेगा।”

होम्स की आवाज़ में मौजूद अधिकार का असर ताबूत उठाने वालों पर हुआ। पीटर्स अचानक घर के अंदर गायब हो गया था, और उन्होंने उसके नए आदेशों का पालन किया। "जल्दी करो, वॉटसन, जल्दी! ये रहा पेंच-चालक!" जैसे ही ताबूत को मेज पर रखा गया, वह चिल्लाया। "ये लो तुम्हारे लिए, मेरे दोस्त! अगर एक मिनट में ढक्कन खुल गया तो एक सोना! कोई सवाल मत पूछो - काम शुरू करो! शाबाश! एक और! और एक और! अब सबको एक साथ खींचो! खुल रहा है! खुल रहा है! आह, आखिरकार हो गया।"

हमने मिलकर ताबूत का ढक्कन फाड़ दिया। ऐसा करते ही अंदर से क्लोरोफॉर्म की एक तेज़ और असहनीय गंध आई। अंदर एक शव पड़ा था, जिसका सिर रुई से लिपटा हुआ था, जो उस मादक पदार्थ में भीगी हुई थी। होम्स ने उसे हटाया और एक सुंदर और आध्यात्मिक अधेड़ उम्र की महिला का भव्य चेहरा देखा। पलक झपकते ही उन्होंने अपना हाथ उसके चारों ओर लपेटकर उसे बिठा दिया।

“क्या वो चली गई, वॉटसन? क्या अभी भी कोई चिंगारी बाकी है? यकीनन अभी बहुत देर नहीं हुई है!”

आधे घंटे तक ऐसा लगा कि हम बच गए हैं। दम घुटने और क्लोरोफॉर्म की जहरीली गैसों के कारण लेडी फ्रांसिस मानो मौत के करीब पहुंच गई थीं। फिर, आखिरकार, कृत्रिम श्वसन, ईथर का इंजेक्शन और विज्ञान द्वारा सुझाए गए हर उपाय से, जीवन की एक हल्की सी झलक, पलकों का फड़कना, दर्पण का धुंधलापन, धीरे-धीरे लौटते जीवन का संकेत दे रहे थे। एक टैक्सी आकर रुकी, और होम्स ने पर्दा हटाकर बाहर देखा। "लेस्ट्रेड अपने वारंट के साथ आ गया है," उसने कहा। "उसे पता चलेगा कि उसके पक्षी उड़ गए हैं। और यहाँ," उसने भारी कदमों से गलियारे में आगे बढ़ते हुए कहा, "कोई ऐसा है जिसे इस महिला की देखभाल करने का हमसे कहीं अधिक अधिकार है। सुप्रभात, श्रीमान ग्रीन; मुझे लगता है कि हम जितनी जल्दी लेडी फ्रांसिस को ले जा सकें, उतना ही अच्छा है। इस बीच, अंतिम संस्कार हो सकता है, और वह बेचारी बूढ़ी औरत जो अभी भी उस ताबूत में लेटी है, अकेले ही अपने अंतिम विश्राम स्थल पर जा सकती है।"

“मेरे प्रिय वॉटसन, अगर आप इस मामले को अपने इतिहास में शामिल करना चाहें, तो इसे केवल उस क्षणिक ग्रहण के उदाहरण के रूप में ही रख सकते हैं, जिससे एक संतुलित दिमाग भी प्रभावित हो सकता है। ऐसी गलतियाँ सभी मनुष्यों में आम हैं, और महानतम वह है जो उन्हें पहचान कर सुधार सकता है। इस श्रेय के लिए शायद मैं कुछ दावा कर सकता हूँ। मेरी रात इस विचार से घिरी रही कि कहीं कोई सुराग, कोई अजीब

वाक्य, कोई रोचक बात मेरी नज़र में आई थी और मैंने उसे बहुत आसानी से नज़रअंदाज़ कर दिया था। फिर, अचानक, सुबह के धुंधलेपन में, वे शब्द मुझे याद आ गए। ये अंतिम संस्कार करने वाले की पत्नी की टिप्पणी थी, जैसा कि फिलिप ग्रीन ने बताया था। उसने कहा था, 'इसे अब तक वहाँ होना चाहिए था। इसमें ज़्यादा समय लगा, क्योंकि यह सामान्य से अलग था।' वह जिस ताबूत की बात कर रही थी, वह वाकई असामान्य था। इसका मतलब केवल यही हो सकता है कि इसे किसी विशेष माप के अनुसार बनाया गया था। लेकिन क्यों? क्यों? फिर एक पल में मुझे उसकी गहरी दीवारें और नीचे की ओर दुबली-पतली आकृति याद आ गई। इतने छोटे शरीर के लिए इतना बड़ा ताबूत क्यों? एक शव? दूसरे शव के लिए जगह छोड़ने के लिए। दोनों को एक ही प्रमाण पत्र के तहत दफ़नाया जाएगा। सब कुछ इतना स्पष्ट था, काश मेरी दृष्टि धुंधली न हुई होती। आठ बजे लेडी फ्रांसिस को दफ़नाया जाएगा। हमारे पास एकमात्र मौका था कि ताबूत को घर से निकलने से पहले ही रोक दें।

"उसे ज़िंदा पाने की उम्मीद बहुत कम थी, लेकिन जैसा कि नतीजे से पता चला, यह एक उम्मीद ही थी। मेरी जानकारी में इन लोगों ने कभी कोई हत्या नहीं की थी। हो सकता है कि आखिरी समय में वे हिंसा से पीछे हट जाएँ। वे उसे इस तरह दफ़ना सकते थे कि उसकी मौत का कोई सुराग न मिले, और अगर उसे कब्र से निकाला भी जाता, तो भी उनके पास मौका था। मुझे उम्मीद थी कि शायद वे इन बातों पर ध्यान दें। आप उस दृश्य को अच्छी तरह से याद कर सकते हैं। आपने ऊपर का वह भयानक कमरा देखा होगा, जहाँ उस बेचारी महिला को इतने लंबे समय तक रखा गया था। वे अंदर घुसे और उसे क्लोरोफ़ार्म से बेहोश कर दिया, उसे नीचे ले आए, उसे जगाने से रोकने के लिए ताबूत में और क्लोरोफ़ार्म डाल दी, और फिर ढक्कन कसकर बंद कर दिया। बड़ी चालाकी है, वॉटसन। अपराध के इतिहास में यह मेरे लिए बिल्कुल नया है। अगर हमारे पूर्व मिशनरी दोस्त लेस्ट्रेड के चंगुल से बच निकलते हैं, तो मुझे उनके भविष्य के कारनामों के बारे में सुनने की उम्मीद है।"

शैतान के पैर का रोमांच

श्री शर्लक होम्स के साथ अपनी लंबी और घनिष्ठ मित्रता से जुड़ी कुछ अनोखी घटनाओं और रोचक यादों को समय-समय पर लिखते समय, मुझे उनकी सार्वजनिकता से अरुचि के कारण लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। उनके गंभीर और संशयवादी स्वभाव के लिए हर तरह की सार्वजनिक प्रशंसा हमेशा घृणित थी, और किसी सफल मामले के अंत में उन्हें इससे अधिक आनंद किसी बात से नहीं मिलता था कि वे वास्तविक खुलासे को किसी रूढ़िवादी अधिकारी को सौंप दें और अनुचित बधाई के सामूहिक स्वर को व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ सुनें। वास्तव में, मेरे मित्र के इसी रवैये के कारण, न कि रोचक सामग्री की कमी के कारण, मैंने हाल के वर्षों में अपने बहुत कम रिकॉर्ड सार्वजनिक किए हैं। उनके कुछ कारनामों में मेरी भागीदारी हमेशा एक विशेषाधिकार थी, जिसके लिए मुझ पर विवेक और संयम की आवश्यकता थी।

इसलिए, पिछले मंगलवार को होम्स से मुझे जो टेलीग्राम मिला, उसे देखकर मुझे काफी आश्चर्य हुआ - वह कभी भी टेलीग्राम के स्थान पर पत्र नहीं लिखते थे - और टेलीग्राम में निम्नलिखित शब्द थे:

क्यों न उन्हें कार्निश की उस भयावह घटना के बारे में बताया जाए - यह मेरे द्वारा संभाले गए सबसे अजीब मामलों में से एक है।

मुझे नहीं पता कि स्मृति के किस दौर ने इस मामले को उनके मन में ताज़ा कर दिया, या किस विचित्र घटना ने उन्हें यह इच्छा करने के लिए प्रेरित किया कि मैं इसका

वर्णन करूं; लेकिन इससे पहले कि कोई और रद्द करने वाला टेलीग्राम आ जाए, मैं जल्दी से उन नोट्स को ढूंढ निकालता हूं जिनमें मुझे मामले का सटीक विवरण मिलता है और अपने पाठकों के सामने पूरी कहानी प्रस्तुत करता हूं।

सन् 1897 की वसंत ऋतु में होम्स का दृढ़ स्वास्थ्य लगातार और बेहद कठिन परिश्रम के कारण कमजोर पड़ने लगा, संभवतः उनकी अपनी कुछ गलतियों ने स्थिति को और भी बिगाड़ दिया था। उसी वर्ष मार्च में हार्ले स्ट्रीट के डॉ. मूर अगर, जिन्होंने होम्स से मेरा परिचय कराया था (जिसका वर्णन मैं शायद कभी करूँ), ने प्रसिद्ध निजी एजेंट को स्पष्ट निर्देश दिया कि यदि वे पूर्णतः मानसिक पतन से बचना चाहते हैं तो वे अपने सभी मामलों को एक तरफ़ रख दें और पूर्ण विश्राम करें। उनकी सेहत में उनकी ज़रा भी दिलचस्पी नहीं थी, क्योंकि वे मानसिक रूप से पूरी तरह से उदासीन थे, लेकिन अंततः काम से स्थायी रूप से अयोग्य घोषित किए जाने के डर से वे अपना वातावरण और माहौल पूरी तरह से बदलने के लिए राज़ी हो गए। इस प्रकार, उसी वर्ष की वसंत ऋतु के आरंभ में हम कॉर्निश प्रायद्वीप के अंतिम छोर पर स्थित पोल्डू खाड़ी के पास एक छोटी सी कुटिया में एक साथ थे।

यह एक अनोखी जगह थी, और मेरे मरीज़ के गंभीर स्वभाव के लिए बिल्कुल उपयुक्त थी। घास से ढकी एक ऊँची पहाड़ी पर बने हमारे छोटे से सफ़ेद घर की खिड़कियों से, हम माउंट्स बे के उस भयावह अर्धवृत्त को देख सकते थे, जो पुराने समय में समुद्री ज़हाजों के लिए मौत का जाल था, जहाँ काली चट्टानों और लहरों से घिरे प्रवाल भित्तियों में अनगिनत नाविकों की जान जा चुकी थी। उत्तर से चलने वाली हवा के साथ यह शांत और सुरक्षित हो जाता है, तूफ़ान में फंसे जहाजों को आराम और सुरक्षा के लिए यहां आने का न्योता देता है।

फिर आती है हवा का अचानक बवंडर, दक्षिण-पश्चिम से आती तेज़ आंधी, घिसटता लंगर, सुरक्षित किनारा, और लहरों के बीच आखिरी संघर्ष। समझदार नाविक उस खतरनाक जगह से दूर ही खड़ा रहता है।

ज़मीन की तरफ हमारा परिवेश समुद्र की तरह ही उदास था। यह लहरदार बंजर भूमि का इलाका था, सुनसान और मटमैले रंग का, जहाँ कहीं-कहीं किसी पुराने गाँव की निशानी के तौर पर गिरजाघर की मीनारें दिखाई देती थीं। इन बंजर भूमियों पर हर दिशा में किसी लुप्त हो चुकी जाति के निशान थे, जो पूरी तरह से विलुप्त हो गई थी और अपने पीछे पत्थर के अजीब स्मारक, मृतकों की राख से भरे अनियमित टीले और प्रागैतिहासिक संघर्ष की झलक देने वाली विचित्र मिट्टी की संरचनाएँ छोड़ गई थी। भूली हुई जातियों के भयावह वातावरण से सजी इस जगह की मोहकता और रहस्य ने मेरे मित्र की कल्पना को आकर्षित किया और वह अपना अधिकांश समय बंजर भूमि पर लंबी सैर और एकांत ध्यान में व्यतीत करता था। प्राचीन कॉर्निश भाषा ने भी उसका ध्यान खींचा था और मुझे याद है कि उसने यह विचार किया था कि यह चाल्डियन भाषा से मिलती-जुलती है और काफी हद तक टिन के फोनीशियन व्यापारियों से विकसित हुई है। उन्हें भाषाविज्ञान पर पुस्तकों की एक खेप मिली थी और वे इस शोध प्रबंध को विकसित करने में जुट गए थे कि अचानक, मेरे दुख और उनकी सच्ची खुशी के बीच, हम खुद को, सपनों की उस दुनिया में भी, अपने दरवाज़े पर ही एक ऐसी समस्या में फंसा हुआ पाया जो लंदन से हमें भगाने वाली किसी भी समस्या से कहीं अधिक तीव्र, अधिक दिलचस्प और कहीं अधिक रहस्यमय थी। हमारा सरल जीवन और शांतिपूर्ण, स्वस्थ दिनचर्या अचानक बाधित हो गई, और हम घटनाओं की एक ऐसी श्रृंखला के बीच फंस गए जिसने न केवल कॉर्नवाल में बल्कि पूरे पश्चिमी इंग्लैंड में अत्यधिक हलचल मचा दी। मेरे कई पाठकों को उस समय "कॉर्निश हॉरर" कहे जाने वाले घटनाक्रम की कुछ याद होगी, हालांकि लंदन के प्रेस में इस मामले का बहुत ही अधूरा विवरण ही

पहुंचा था। अब, तेरह साल बाद, मैं इस अकल्पनीय घटना का सही विवरण जनता के सामने प्रस्तुत करूंगा।

मैंने बताया है कि कॉर्नवाल के इस हिस्से में बिखरे हुए गाँवों की पहचान कुछ मीनारों से होती थी। इनमें से सबसे नज़दीकी गाँव ट्रेडेनिक वोलस था, जहाँ कुछ सौ निवासियों की झोपड़ियाँ एक प्राचीन, काई से ढके गिरजाघर के चारों ओर बसी हुई थीं। पल्ली के पादरी, श्री राउंडहे, एक पुरातत्वविद् थे, और इसी नाते होम्स उनसे परिचित हुए थे। वे अधेड़ उम्र के, मोटे और मिलनसार व्यक्ति थे, जिन्हें स्थानीय ज्ञान का अच्छा-खासा भंडार था। उनके निमंत्रण पर हमने पादरी के घर चाय पी थी और वहां हमारी मुलाकात श्री मोर्टिमर ट्रेजेनिस से भी हुई, जो एक स्वतंत्र सज्जन थे और पादरी के बड़े, फैले हुए घर में कमरे लेकर उनकी सीमित आय में कुछ इज़ाफ़ा किया था। पादरी अविवाहित होने के कारण इस व्यवस्था से खुश थे, हालांकि उनका अपने किराएदार से कोई मेल नहीं था, जो दुबला-पतला, सांवला, चश्मा पहने हुए व्यक्ति था, जिसकी कमर झुकी हुई थी जिससे शारीरिक विकृति का आभास होता था। मुझे याद है कि हमारी संक्षिप्त यात्रा के दौरान हमने पादरी को बातूनी पाया, लेकिन उनके किराएदार को अजीब तरह से चुप पाया, एक उदास चेहरे वाला, अंतर्मुखी व्यक्ति, जो नजरें झुकाए बैठा था, जाहिर तौर पर अपने ही मामलों पर विचार कर रहा था।

ये वे दो व्यक्ति थे जो मंगलवार, 16 मार्च को, हमारे नाश्ते के समय के कुछ ही समय बाद, अचानक हमारे छोटे से बैठक कक्ष में प्रवेश कर गए, जब हम दलदली भूमि पर अपने दैनिक भ्रमण की तैयारी में एक साथ धूम्रपान कर रहे थे।

“श्री होम्स,” पादरी ने घबराए हुए स्वर में कहा, “रात के दौरान एक अत्यंत असाधारण और दुखद घटना घटित हुई है। यह एक अभूतपूर्व घटना है। हम इसे ईश्वर की विशेष कृपा ही मान सकते हैं कि आप उस समय यहाँ मौजूद थे, क्योंकि पूरे इंग्लैंड में आप ही वह एकमात्र व्यक्ति हैं जिनकी हमें आवश्यकता है।”

मैंने दखलंदाजी करने वाले पादरी को गुस्से भरी निगाहों से देखा; लेकिन होम्स ने अपने होठों से पाइप उतारा और एक बूढ़े शिकारी कुत्ते की तरह कुर्सी पर सीधे बैठ गए, जैसे कोई भनक सुनकर कोई आहट सुन रहा हो। उन्होंने सोफे की ओर इशारा किया और हमारा बेचैन आगंतुक अपने उत्तेजित साथी के साथ सोफे पर अगल-बगल बैठ गया। श्री मोर्टिमर ट्रेजेनिस पादरी से अधिक संयमित थे, लेकिन उनके पतले हाथों की फड़कन और उनकी गहरी आँखों की चमक से पता चलता था कि वे दोनों एक ही भावना से ग्रस्त थे।

“क्या मैं बोलूं या आप?” उसने पादरी से पूछा।

"खैर, जैसा कि आपने वह खोज कर ली है, चाहे वह कुछ भी हो, और पादरी को यह जानकारी किसी और से मिली है, शायद बेहतर होगा कि आप ही इस बारे में बात करें," होम्स ने कहा।

मैंने जल्दबाजी में कपड़े पहने हुए पादरी और उसके बगल में औपचारिक रूप से कपड़े पहने हुए किराएदार पर एक नजर डाली और होम्स के सरल अनुमान से उनके चेहरों पर आए आश्चर्य को देखकर मुझे हंसी आ गई।

“शायद पहले मुझे कुछ शब्द कह देने चाहिए,” पादरी ने कहा, “और फिर आप तय कर सकते हैं कि आप श्री ट्रेजेनिस से पूरी बात सुनेंगे या हमें इस रहस्यमय घटना स्थल पर तुरंत जाना चाहिए। तो मैं समझा दूं कि हमारे मित्र ने पिछली शाम अपने दो भाइयों, ओवेन और जॉर्ज, और अपनी बहन ब्रेंडा के साथ ट्रेडैनिक वार्था स्थित उनके घर पर बिताई, जो दलदली भूमि पर पुराने पत्थर के क्रॉस के पास है। वे रात दस बजे के कुछ देर बाद भोजन कक्ष की मेज पर ताश खेलते हुए उनसे विदा हुए, उनकी सेहत और उत्साह लाजवाब था। आज सुबह जल्दी उठने के कारण, वे नाश्ते से पहले उसी दिशा

में पैदल चले और रास्ते में उन्हें डॉ. रिचर्ड्स की गाड़ी मिली, जिन्होंने बताया कि उन्हें ट्रेडैनिक वार्था में एक बहुत ही जरूरी काम से बुलाया गया है। श्री मोर्टिमर ट्रेजेनिस स्वाभाविक रूप से उनके साथ चले गए। जब वे ट्रेडैनिक वार्था पहुंचे तो उन्होंने वहां एक असाधारण स्थिति देखी। उनके दोनों भाई और उनकी बहन मेज के चारों ओर ठीक उसी तरह बैठे थे जैसे वे उन्हें छोड़कर गए थे, ताश अभी भी उनके सामने फैले हुए थे। मोमबत्तियाँ जलकर राख हो गईं। बहन अपनी कुर्सी पर बेजान पड़ी थी, जबकि दोनों भाई उसके दोनों ओर बैठे हँसते, चिल्लाते और गाते रहे, मानो उनकी चेतना पूरी तरह से नष्ट हो गई हो। तीनों, मृत महिला और दोनों विक्षिप्त पुरुषों के चेहरों पर घोर भय का भाव था—डर का ऐसा कंपकंपी जो देखने में भयानक था। घर में किसी की उपस्थिति का कोई संकेत नहीं था, सिवाय श्रीमती पोर्टर के, जो बूढ़ी रसोइया और गृहस्वामी थीं। उन्होंने बताया कि वह गहरी नींद सोई थीं और रात भर कोई आवाज नहीं सुनी। कुछ भी चोरी या अस्त-व्यस्त नहीं हुआ था, और इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि आखिर वह भयानक घटना क्या हो सकती है जिसने एक महिला को मौत के घाट उतार दिया और दो बलवान पुरुषों को बेसुध कर दिया। श्री होम्स, संक्षेप में यही स्थिति है, और यदि आप इसे सुलझाने में हमारी मदद कर सकें तो आपने बहुत बड़ा कार्य किया होगा।

मुझे उम्मीद थी कि मैं किसी तरह अपने साथी को उस शांति में वापस ला सकूँगी जो हमारी यात्रा का उद्देश्य थी; लेकिन उसके गंभीर चेहरे और सिकुड़ी हुई भौंहों को देखकर मुझे पता चल गया कि अब यह उम्मीद व्यर्थ थी। वह कुछ देर चुपचाप बैठा रहा, उस अजीब घटना में डूबा हुआ था जिसने हमारी शांति भंग कर दी थी।

अंत में उन्होंने कहा, "मैं इस मामले की जांच करूंगा। पहली नजर में तो यह एक बेहद असाधारण मामला प्रतीत होता है। क्या आप स्वयं वहां गए थे, श्री राउंडहे?"

“नहीं, श्रीमान होम्स। श्री ट्रेजेनिस लेखा-जोखा विकारेज में वापस लाए थे, और मैं तुरंत उनके साथ आपसे परामर्श करने के लिए वहां गया था।”

“जिस घर में यह अनोखी त्रासदी घटी, वह कितनी दूर है?”

"समुद्र तट से लगभग एक मील अंदर।"

“तो हम साथ-साथ चलेंगे। लेकिन शुरू करने से पहले मुझे आपसे कुछ सवाल पूछने हैं, श्रीमान मोर्टिमर ट्रेजेनिस।”

दूसरा व्यक्ति इस पूरे समय चुप रहा, लेकिन मैंने देखा कि उसकी संयमित उत्तेजना पादरी की स्पष्ट भावनाओं से भी कहीं अधिक थी। वह पीले, मुरझाए चेहरे के साथ बैठा था, उसकी चिंतित निगाहें होम्स पर टिकी थीं और उसके पतले हाथ जकड़े हुए थे। उसके पीले होंठ कांप रहे थे जब वह अपने परिवार पर घटी भयानक घटना को सुन रहा था, और उसकी गहरी आँखों में उस दृश्य की भयावहता झलक रही थी।

“आप जो चाहें पूछ सकते हैं, श्रीमान होम्स,” उन्होंने उत्सुकता से कहा। “इस बारे में बात करना ठीक नहीं है, लेकिन मैं आपको सच ही बताऊंगा।”

"मुझे कल रात के बारे में बताओ।"

“जी हाँ, श्रीमान होम्स, जैसा कि पादरी जी ने कहा था, मैंने वहाँ भोजन किया और उसके बाद मेरे बड़े भाई जॉर्ज ने व्हिस्ट खेलने का प्रस्ताव रखा। हम लगभग नौ बजे बैठे। जब मैं जाने के लिए उठा तो सवा दस बज रहे थे। मैंने उन सभी को मेज के चारों ओर बैठे हुए छोड़ दिया, वे सब बहुत खुश थे।”

“तुम्हें किसने रिहा किया?”

श्रीमती पोर्टर सो चुकी थीं, इसलिए मैं बाहर निकल गई। मैंने हॉल का दरवाजा बंद कर दिया। जिस कमरे में वे बैठी थीं, उसकी खिड़की बंद थी, लेकिन पर्दा नहीं गिरा था। आज सुबह दरवाजे या खिड़की में कोई बदलाव नहीं हुआ था, और न ही ऐसा कोई

कारण था जिससे लगे कि कोई अजनबी घर आया था। फिर भी वे वहाँ बैठी थीं, डर से पागल सी, और ब्रेंडा डर से बेहाल पड़ी थी, उसका सिर कुर्सी के बाजू पर लटका हुआ था। मैं उस कमरे का दृश्य जीवन भर नहीं भूल पाऊंगी।

"आपके बताए गए तथ्य वाकई बेहद उल्लेखनीय हैं," होम्स ने कहा। "मेरा मानना है कि आपके पास ऐसा कोई सिद्धांत नहीं है जो किसी भी तरह से इनकी व्याख्या कर सके?"

"यह तो शैतानी है, मिस्टर होम्स, शैतानी!" मोर्टिमर ट्रेजेनिस चिल्लाया। "यह इस दुनिया का नहीं है। उस कमरे में कुछ ऐसा आ गया है जिसने उनके दिमाग से तर्क की रोशनी बुझा दी है। भला कौन सी मानवीय युक्ति ऐसा कर सकती है?"

"मुझे डर है," होम्स ने कहा, "कि अगर यह मामला मानवता से परे है, तो निश्चित रूप से मेरी समझ से भी परे है। फिर भी, इस तरह के सिद्धांत पर लौटने से पहले हमें सभी प्राकृतिक स्पष्टीकरणों को खंगालना होगा। जहाँ तक आपकी बात है, श्री ट्रेजेनिस, मेरा मानना है कि आप किसी न किसी तरह अपने परिवार से अलग थे, क्योंकि वे साथ रहते थे और आपके कमरे अलग थे?"

"हाँ, श्रीमान होम्स, यह बात अब पुरानी हो चुकी है। हम रेड्रथ में टिन की खानों में काम करने वाले एक परिवार थे, लेकिन हमने अपना कारोबार एक कंपनी को बेच दिया और इस तरह पर्याप्त धन लेकर सेवानिवृत्त हो गए। मैं यह नहीं नकारूंगा कि धन के बंटवारे को लेकर कुछ मनमुटाव हुआ था और कुछ समय के लिए हमारे बीच दूरियां भी आ गई थीं, लेकिन सब कुछ भुला दिया गया और हम सब मिलकर बहुत अच्छे दोस्त बन गए।"

"उस शाम को याद करते हुए, क्या आपको कुछ ऐसा याद आता है जो इस त्रासदी पर कुछ प्रकाश डाल सके? श्री ट्रेजेनिस, कृपया ध्यान से सोचें और कोई ऐसा सुराग ढूंढें जो मेरी मदद कर सके।"

"बिल्कुल कुछ भी नहीं है, महोदय।"

"क्या आपके लोग हमेशा की तरह खुश थे?"

इससे बेहतर कभी नहीं।

"क्या वे घबराए हुए लोग थे? क्या उन्होंने कभी आने वाले खतरे के प्रति कोई आशंका दिखाई?"

"कुछ भी ऐसा नही।"

"तो क्या आपके पास ऐसा कुछ नहीं है जो मेरी मदद कर सके?"

मोर्टिमर ट्रेगेनिस ने एक क्षण के लिए गंभीरता से विचार किया।

अंत में उसने कहा, "मुझे एक बात याद आ रही है। जब हम मेज पर बैठे थे, मेरी पीठ खिड़की की तरफ थी और मेरा भाई जॉर्ज, जो ताश में मेरा साथी था, खिड़की की तरफ मुंह करके बैठा था। मैंने उसे एक बार मेरी पीठ के पीछे से घूरते हुए देखा, इसलिए मैं भी मुड़ गया और देखने लगा। पर्दा ऊपर था और खिड़की बंद थी, लेकिन मुझे लॉन में झाड़ियाँ मुश्किल से दिखाई दे रही थीं, और एक पल के लिए मुझे लगा कि उनके बीच कुछ हिल रहा है। मैं यह भी नहीं कह सकता कि वह आदमी था या जानवर, लेकिन मुझे बस लगा कि वहाँ कुछ है। जब मैंने उससे पूछा कि वह क्या देख रहा था, तो उसने मुझे बताया कि उसे भी ऐसा ही महसूस हुआ। मैं बस इतना ही कह सकता हूँ।"

"क्या आपने जांच नहीं की?"

"नहीं; मामला महत्वहीन मानकर समाप्त हो गया।"

"तो फिर आपने उन्हें बिना किसी बुरी आशंका के छोड़ दिया?"

"बिल्कुल भी नहीं।"

मुझे समझ नहीं आ रहा है कि आपको आज सुबह इतनी जल्दी यह खबर कैसे मिली।

मैं सुबह जल्दी उठती हूँ और नाश्ते से पहले टहलने जाती हूँ। आज सुबह मैंने चलना शुरू ही किया था कि डॉक्टर अपनी गाड़ी में मेरे पास आ पहुँचे। उन्होंने बताया कि बूढ़ी श्रीमती पोर्टर ने एक ज़रूरी संदेश के साथ एक लड़के को भेजा है। मैं झट से उनकी गाड़ी में बैठ गई और हम आगे बढ़ गए। वहाँ पहुँचकर हमने उस भयानक कमरे में देखा। मोमबत्तियाँ और आग घंटों पहले ही बुझ चुकी थीं, और वे सुबह होने तक अँधेरे में वहीं पड़े रहे। डॉक्टर ने कहा कि ब्रेंडा को मरे हुए कम से कम छह घंटे हो चुके होंगे। हिंसा का कोई निशान नहीं था। वह बस कुर्सी के बाजू पर लेटी हुई थी, उसके चेहरे पर वही भाव था। जॉर्ज और ओवेन अधूरे गाने गा रहे थे और दो बड़े बंदरों की तरह बड़बड़ा रहे थे। ओह, यह देखना कितना भयानक था! मैं बर्दाश्त नहीं कर सकी, और डॉक्टर का चेहरा पीला पड़ गया था। दरअसल, वह बेहोश होकर कुर्सी पर गिर पड़े, और हम उन्हें भी लगभग संभाल ही लेते।

"अद्भुत—सचमुच अद्भुत!" होम्स ने उठते हुए और अपनी टोपी उतारते हुए कहा। "मुझे लगता है कि हमें बिना और देरी किए ट्रेडेनिक वार्था जाना चाहिए। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैंने शायद ही कभी ऐसा कोई मामला देखा हो जो पहली नज़र में इतना अनोखा हो।"

उस पहली सुबह की हमारी कार्यवाही से जांच में कोई खास प्रगति नहीं हुई। हालांकि, शुरुआत में ही एक ऐसी घटना घटी जिसने मेरे मन पर गहरा असर छोड़ा। जिस जगह यह त्रासदी हुई थी, वहां तक जाने का रास्ता एक संकरी, घुमावदार ग्रामीण सड़क है। जब हम उस सड़क पर चल रहे थे, तभी हमें अपनी ओर आती हुई एक गाड़ी की आवाज़ सुनाई दी और हम उसे रास्ता देने के लिए एक तरफ हट गए। जैसे ही वह गाड़ी हमारे पास से गुजरी, मैंने बंद खिड़की से एक भयानक रूप से विकृत, मुस्कुराता हुआ चेहरा देखा जो हमें घूर रहा था। वे घूरती आंखें और दांत पीसते हुए एक डरावने दृश्य की तरह हमारे सामने से गुजर गए।

"मेरे भाइयों!" मोर्टिमर ट्रेजेनिस चिल्लाया, उसका चेहरा पीला पड़ गया था। "वे उन्हें हेलस्टन ले जा रहे हैं।"

हम भय से उस काली गाड़ी को देखते रहे जो धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थी। फिर हमने उस अशुभ घर की ओर कदम बढ़ाया जहाँ उनका दुखद अंत हुआ था।

यह एक बड़ा और रोशन घर था, झोपड़ी से ज़्यादा विला जैसा, जिसमें एक बड़ा बगीचा था जो कॉर्निश हवा में बसंत के फूलों से भरा हुआ था। बैठक कक्ष की खिड़की इसी बगीचे की ओर खुलती थी, और मोर्टिमर ट्रेजेनिस के अनुसार, यहीं से वह बुरी चीज़ आई होगी जिसने एक ही पल में उनके दिमाग को भयानक रूप से झकझोर दिया था। बरामदे में प्रवेश करने से पहले होम्स फूलों की क्यारियों और रास्ते पर धीरे-धीरे और सोच-विचार करते हुए चले। मुझे याद है कि वे अपने विचारों में इतने मग्न थे कि पानी के बर्तन से ठोकर खाकर गिर गए, पानी छलक गया और हमारे पैर और बगीचे का रास्ता दोनों भीग गए। घर के अंदर हमें कॉर्निश की बुजुर्ग गृहणी, श्रीमती पोर्टर मिलीं, जो एक युवा लड़की की मदद से परिवार की ज़रूरतों का ख्याल रखती थीं। उन्होंने होम्स के सभी सवालों के जवाब तुरंत दिए। उन्होंने रात में कुछ नहीं सुना था। उनके मालिक हाल ही में बहुत खुश थे, और उन्होंने उन्हें इतना खुश और समृद्ध पहले कभी नहीं देखा था। सुबह कमरे में प्रवेश करते ही मेज के चारों ओर उस भयानक मंडली को देखकर वह भय से बेहोश हो गई थी। होश में आने पर उसने खिड़की खोलकर ताज़ी हवा अंदर आने दी और गली की ओर भागी, जहाँ से उसने एक किसान को डॉक्टर को बुलाने के लिए भेजा। अगर हम उसे देखना चाहें तो वह ऊपर अपने

बिस्तर पर थी। भाइयों को पागलखाने की गाड़ी में बिठाने के लिए चार हट्टे-कट्टे आदमियों की ज़रूरत पड़ी। वह खुद एक दिन भी घर में नहीं रुकना चाहती थी और उसी दोपहर सेंट आइव्स में अपने परिवार से मिलने के लिए रवाना हो रही थी।

हम सीढ़ियाँ चढ़कर शव के पास पहुँचे। मिस ब्रेंडा ट्रेजेनिस एक बेहद खूबसूरत लड़की थीं, हालाँकि अब वे अधेड़ उम्र की हो चुकी थीं। उनका साँवला, साफ़-सुथरा चेहरा मृत्यु के बाद भी सुंदर लग रहा था, लेकिन उस पर उस भयानक पीड़ा की झलक अभी भी बाकी थी, जो उनकी आखिरी मानवीय भावना थी। उनके शयनकक्ष से हम बैठक कक्ष में उतरे, जहाँ वास्तव में यह विचित्र त्रासदी घटी थी। रात भर जली आग की राख अंगीठी में पड़ी थी। मेज़ पर चार बुझी हुई मोमबत्तियाँ थीं, जिन पर ताश के पत्ते बिखरे पड़े थे। कुर्सियाँ दीवारों से सटाकर रखी गई थीं, लेकिन बाकी सब कुछ वैसा ही था जैसा पिछली रात था। होम्स हल्के, तेज़ कदमों से कमरे में चहलकदमी कर रहे थे; वे अलग-अलग कुर्सियों पर बैठे, उन्हें खींचकर उनकी स्थिति को ठीक कर रहे थे। उन्होंने यह जाँच की कि बगीचा कितना दिखाई दे रहा है; उन्होंने फ़र्श, छत और चिमनी का निरीक्षण किया; लेकिन मैंने एक बार भी उनकी आँखों में वह अचानक चमक और होंठों का कसना नहीं देखा, जिससे मुझे पता चलता कि उन्होंने इस घोर अंधकार में प्रकाश की कोई किरण देखी है।

“आग क्यों?” उसने एक बार पूछा। “क्या वसंत की शाम को इस छोटे से कमरे में हमेशा आग जलती रहती थी?”

मोर्टिमर ट्रेजेनिस ने बताया कि रात ठंडी और नम थी। इसीलिए उनके आने के बाद आग जलाई गई। उन्होंने पूछा, "अब आप क्या करने वाले हैं, मिस्टर होम्स?"

मेरे मित्र मुस्कुराए और उन्होंने अपना हाथ मेरे हाथ पर रख दिया। उन्होंने कहा, “वॉटसन, मुझे लगता है कि मैं तंबाकू से ज़हर खाने का वही तरीका फिर से अपनाऊंगा जिसकी आपने इतनी बार और इतनी सही निंदा की है। आपकी अनुमति से, सज्जनों, हम अब अपनी कुटिया में लौटेंगे, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि यहाँ कोई नई बात हमारे ध्यान में आने वाली है। श्री ट्रेजेनिस, मैं सारी बातों पर विचार करूँगा और अगर मुझे कुछ याद आया तो मैं निश्चित रूप से आपसे और पादरी जी से बात करूँगा। तब तक आप दोनों को सुप्रभात।”

पोल्डू कॉटेज में वापस आने के काफ़ी देर बाद जाकर होम्स ने अपनी गहरी चुप्पी तोड़ी। वह अपनी कुर्सी पर सिमटकर बैठे थे, उनका थका हुआ और तपस्वी चेहरा तंबाकू के धुएं के नीले घेरे में मुश्किल से दिखाई दे रहा था, उनकी काली भौंहें झुकी हुई थीं, माथा सिकुड़ा हुआ था, और उनकी आंखें खाली और कहीं दूर कहीं देख रही थीं। आखिरकार उन्होंने अपना पाइप नीचे रखा और उठ खड़े हुए।

“यह ठीक नहीं है, वॉटसन!” उसने हंसते हुए कहा। “चलो साथ में चट्टानों पर चलते हैं और चकमक पत्थर के तीर ढूंढते हैं। हमें इस समस्या के सुरागों से कहीं ज्यादा चकमक पत्थर के तीर मिलने की संभावना है। पर्याप्त सामग्री के बिना दिमाग को काम पर लगाना इंजन को दौड़ाने जैसा है। यह खुद को टुकड़ों में तोड़ देता है। समुद्र की हवा, धूप और धैर्य, वॉटसन – बाकी सब तो मिल जाएगा।”

"अब, आइए हम शांतिपूर्वक अपनी स्थिति स्पष्ट करें, वॉटसन," उसने आगे कहा जब हम साथ-साथ चट्टानों के किनारे चल रहे थे। “आइए, जो कुछ हम जानते हैं, उसे अच्छी तरह समझ लें, ताकि जब नए तथ्य सामने आएं, तो हम उन्हें सही जगह पर रख सकें। सबसे पहले, मैं यह मानता हूँ कि हम दोनों में से कोई भी इंसानों के मामलों में शैतानी दखलअंदाजी को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। आइए, इस विचार को पूरी तरह से अपने दिमाग से निकाल दें। बहुत अच्छा। तीन लोग बचे हैं जो किसी सचेत या अचेत मानवीय हस्तक्षेप से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। यह ठोस आधार है। अब, यह

कब हुआ? ज़ाहिर है, अगर उनकी कहानी सच है, तो यह श्री मॉर्टिमर ट्रेजेनिस के कमरे से निकलने के तुरंत बाद हुआ होगा। यह एक बहुत महत्वपूर्ण बिंदु है। अनुमान है कि यह कुछ ही मिनटों के भीतर हुआ होगा। ताश के पत्ते अभी भी मेज़ पर पड़े थे। उनके सोने का सामान्य समय हो चुका था। फिर भी उन्होंने अपनी जगह नहीं बदली थी और न ही अपनी कुर्सियाँ पीछे खींची थीं। इसलिए मैं दोहराता हूँ कि यह घटना उनके जाने के तुरंत बाद हुई थी, और कल रात ग्यारह बजे से पहले नहीं हुई थी।"

"हमारा अगला स्वाभाविक कदम यह जाँच करना है कि मोर्टिमर ट्रेजेनिस के कमरे से निकलने के बाद उसकी गतिविधियाँ कितनी सटीक थीं। इसमें कोई कठिनाई नहीं है, और वे संदेह से परे प्रतीत होती हैं। जैसा कि आप मेरी कार्यप्रणाली से परिचित हैं, आप निश्चित रूप से उस थोड़े अटपटे पानी के बर्तन के उपयोग से अवगत होंगे, जिससे मुझे उसके पैरों के निशान पहले की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट मिले। गीले, रेतीले रास्ते पर निशान आसानी से पड़ गए। आपको याद होगा कि पिछली रात भी बारिश हुई थी, और एक नमूना पदचिह्न प्राप्त करने के बाद, अन्य पदचिह्नों के बीच उसके पदचिह्न को पहचानना और उसकी गतिविधियों का अनुसरण करना मुश्किल नहीं था। ऐसा प्रतीत होता है कि वह तेजी से पादरी के निवास की दिशा में चला गया।"

"अगर मॉर्टिमर ट्रेजेनिस वहां से गायब हो गया, और फिर भी किसी बाहरी व्यक्ति ने ताश खेलने वालों को प्रभावित किया, तो हम उस व्यक्ति का पता कैसे लगा सकते हैं, और इस तरह का खौफ कैसे फैलाया गया? श्रीमती पोर्टर को तो खारिज़ किया जा सकता है। वह स्पष्ट रूप से हानिरहित हैं। क्या कोई सबूत है कि कोई बगीचे की खिड़की तक चुपके से आया और किसी तरह इतना भयानक प्रभाव डाला कि उसे देखने वाले होश खो बैठे? इस दिशा में एकमात्र संकेत स्वयं मॉर्टिमर ट्रेजेनिस से मिलता है, जो कहते हैं कि उनके भाई ने बगीचे में कुछ हलचल के बारे में बताया था। यह निश्चित रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि रात बरसाती, बादल वाली और अंधेरी थी। इन लोगों को डराने की मंशा रखने वाले किसी भी व्यक्ति को दिखाई देने से पहले अपना चेहरा शीशे से सटाना पड़ता। इस खिड़की के बाहर तीन फुट ऊंची फूलों की क्यारी है, लेकिन किसी पदचिह्न का कोई संकेत नहीं है। ऐसे में यह कल्पना करना मुश्किल है कि कोई बाहरी व्यक्ति समूह पर इतना भयानक प्रभाव कैसे डाल सकता था, और न ही हमें इतने अजीब और सुनियोजित प्रयास का कोई संभावित मकसद मिला है। क्या आप हमारी कठिनाइयों को समझते हैं, वॉटसन?"

मैंने दृढ़ विश्वास के साथ उत्तर दिया, "वे तो बिल्कुल स्पष्ट हैं।"

"और फिर भी, थोड़ी और सामग्री मिलने पर हम यह साबित कर सकते हैं कि ये रहस्य अनसुलझे नहीं हैं," होम्स ने कहा। "वॉटसन, मुझे लगता है कि आपके विशाल अभिलेखागार में आपको कुछ ऐसे रहस्य मिल सकते हैं जो लगभग उतने ही अस्पष्ट रहे हों। फिलहाल, हम इस मामले को तब तक के लिए स्थगित कर देते हैं जब तक कि अधिक सटीक आंकड़े उपलब्ध नहीं हो जाते, और अपनी बाकी सुबह नवपाषाणकालीन मानव के अध्ययन में लगाते हैं।"

मैंने अपने मित्र की मानसिक तटस्थता की क्षमता पर टिप्पणी तो की होगी, लेकिन कॉर्नवाल की उस बसंत की सुबह से ज़्यादा मुझे इस पर आश्चर्य कभी नहीं हुआ, जब वह दो घंटे तक सेल्ट्स, तीर के नोकों और टूटे हुए टुकड़ों पर इतनी सहजता से बात करता रहा मानो कोई भयावह रहस्य उसके समाधान का इंतज़ार नहीं कर रहा हो। दोपहर में जब हम अपनी कुटिया में लौटे, तब हमें पता चला कि एक आगंतुक हमारा इंतज़ार कर रहा है, जिसने जल्द ही हमारा ध्यान विषय की ओर वापस खींच लिया। हम दोनों को यह बताने की ज़रूरत नहीं थी कि वह आगंतुक कौन था। विशाल शरीर, खुरदुरा और गहरी झुर्रियों वाला चेहरा, तीखी आँखें और बाज़ जैसी नाक, भूरे बाल जो

लगभग हमारी कुटिया की छत को छू रहे थे, दाढ़ी - किनारों पर सुनहरी और होंठों के पास सफ़ेद, बस उसकी लगातार सिगार से निकोटीन का दाग़ - ये सभी लंदन में उतने ही प्रसिद्ध थे जितने अफ्रीका में, और इन्हें केवल महान शेर शिकारी और अन्वेषक डॉ. लियोन स्टर्नडेल के ज़बरदस्त व्यक्तित्व से ही जोड़ा जा सकता था।

हमने जिले में उनकी मौजूदगी के बारे में सुना था और एक-दो बार बंजर ज़मीन के रास्तों पर उनकी लंबी कद-काठी देखी थी। हालाँकि, उन्होंने हमसे कोई संबंध बनाने की कोशिश नहीं की, और न ही हमने कभी ऐसा करने का सोचा था, क्योंकि यह सर्वविदित था कि एकांत के प्रति उनके प्रेम के कारण ही वे अपनी यात्राओं के बीच का अधिकांश समय ब्यूचेम्प एरियन्स के सुनसान जंगल में बने एक छोटे से बंगले में बिताते थे। यहां, अपनी किताबों और नक्शों के बीच, वे बिल्कुल एकाकी जीवन व्यतीत करते थे, अपनी साधारण ज़रूरतों का ध्यान रखते थे और पड़ोसियों के मामलों पर ज़रा भी ध्यान नहीं देते थे। इसलिए, मुझे आश्चर्य हुआ जब मैंने उन्हें उत्सुक स्वर में होम्स से यह पूछते सुना कि क्या उन्होंने इस रहस्यमय घटना के पुनर्निर्माण में कोई प्रगति की है। “काउंटी पुलिस पूरी तरह से दोषी है,” उन्होंने कहा, “लेकिन शायद आपके व्यापक अनुभव ने कुछ संभावित स्पष्टीकरण सुझाया हो। मुझे आप पर भरोसा करने का एकमात्र कारण यह है कि यहाँ अपने कई निवासों के दौरान मैं ट्रेजेनिस के इस परिवार को बहुत अच्छी तरह से जान गया हूँ — वास्तव में, मेरी कॉर्निश माँ की तरफ़ से मैं उन्हें चचेरे भाई कह सकता हूँ — और उनका यह विचित्र अंत मेरे लिए स्वाभाविक रूप से एक बड़ा सदमा है। मैं आपको बता दूँ कि मैं अफ्रीका जाते समय प्लायमाउथ तक गया था, लेकिन मुझे यह खबर आज सुबह मिली, और मैं जाँच में मदद करने के लिए तुरंत वापस आ गया।”

होम्स ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।

"क्या आपकी नाव उसमें बह गई?"

मैं अगला वाला ले लूंगा।

“अरे वाह! यही तो सच्ची दोस्ती है।”

मैं आपको बताता हूँ कि वे रिश्तेदार थे।

“बिल्कुल सही — आपकी माँ के चचेरे भाई-बहन। क्या आपका सामान जहाज पर था?”

"कुछ हिस्सा, लेकिन मुख्य भाग होटल में।"

“मैं समझ गया। लेकिन निश्चित रूप से यह घटना प्लायमाउथ के सुबह के अखबारों में नहीं छपी होगी।”

"नहीं, महोदय; मुझे एक टेलीग्राम मिला था।"

"क्या मैं पूछ सकता हूँ कि किससे?"

खोजकर्ता के दुबले-पतले चेहरे पर एक उदासी छा गई।

"आप बहुत जिज्ञासु हैं, श्रीमान होम्स।"

यह मेरा व्यवसाय है।

डॉ. स्टर्नडेल ने बड़ी कोशिश के बाद अपनी बिगड़ी हुई स्थिति को संभाला।

उन्होंने कहा, "मुझे आपको बताने में कोई आपत्ति नहीं है। यह पादरी श्री राउंडहे थे जिन्होंने मुझे वह टेलीग्राम भेजा था जिसके कारण मुझे वापस बुलाया गया।"

“धन्यवाद,” होम्स ने कहा। “आपके मूल प्रश्न के उत्तर में मैं यह कहना चाहूंगा कि इस मामले के विषय पर मेरा विचार पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, लेकिन मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं किसी निष्कर्ष पर पहुंच जाऊंगा। इससे अधिक कहना जल्दबाजी होगी।”

"क्या आपको यह बताने में कोई आपत्ति नहीं होगी कि क्या आपके संदेह किसी विशेष दिशा की ओर इशारा करते हैं?"

"नहीं, मैं इसका जवाब मुश्किल से ही दे सकता हूँ।"

“तो फिर मैंने अपना समय व्यर्थ ही व्यतीत किया है और मुझे यहाँ रुकने की कोई आवश्यकता नहीं है।” प्रसिद्ध डॉक्टर बड़े गुस्से में हमारी कुटिया से बाहर निकल गए, और पांच मिनट के भीतर होम्स भी उनके पीछे-पीछे चले गए। शाम तक मैंने उन्हें नहीं देखा, जब वे धीमी चाल और थके-हारे चेहरे के साथ लौटे, जिससे मुझे यकीन हो गया कि उनकी जाँच में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। उन्होंने अपने लिए आए एक टेलीग्राम पर नज़र डाली और उसे अंगीठी में फेंक दिया।

“प्लाइमाउथ होटल से, वॉटसन,” उन्होंने कहा। “मैंने इसका नाम पादरी से जाना और डॉ. लियोन स्टर्नडेल के बयान की पुष्टि करने के लिए तार भेजा। ऐसा लगता है कि उन्होंने वाकई पिछली रात वहीं बिताई थी और उन्होंने अपना कुछ सामान अफ्रीका जाने दिया, जबकि वे इस जांच में शामिल होने के लिए वापस आ गए। इस बारे में आपका क्या विचार है, वॉटसन?”

उन्हें इसमें गहरी दिलचस्पी है।

“जी हां, मुझे इसमें गहरी दिलचस्पी है। यहाँ एक ऐसा सूत्र है जिसे हम अभी तक पकड़ नहीं पाए हैं और जो हमें इस उलझन से बाहर निकाल सकता है। हिम्मत रखो, वॉटसन, क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि हमारी सारी सामग्री अभी तक हमारे हाथ में नहीं आई है। जब यह आ जाएगी, तो हम जल्द ही अपनी कठिनाइयों को पीछे छोड़ देंगे।”

मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि होम्स की बातें इतनी जल्दी सच हो जाएंगी, या वह नया घटनाक्रम कितना विचित्र और भयावह होगा जिसने जांच की एक बिलकुल नई दिशा खोल दी। मैं सुबह अपनी खिड़की पर शेविंग कर रहा था जब मुझे घोड़ों के खुरों की आवाज सुनाई दी और ऊपर देखने पर मैंने एक गाड़ी को सड़क पर सरपट दौड़ते देखा। वह हमारे दरवाजे पर आकर रुकी, और हमारे मित्र, पादरी जी, उससे कूदकर हमारे बगीचे के रास्ते पर दौड़ पड़े। होम्स पहले से ही तैयार थे, और हम उनसे मिलने के लिए जल्दी से नीचे गए।

हमारा आगंतुक इतना उत्साहित था कि वह मुश्किल से ही कुछ बोल पा रहा था, लेकिन अंत में हांफते-हांफते और रुक-रुक कर उसने अपनी दुखद कहानी सुनाई।

“हम शैतान के वश में हैं, श्री होम्स! मेरा बेचारा इलाका शैतान के वश में है!” वह चिल्लाया। “शैतान खुद यहाँ खुला घूम रहा है! हम उसके हाथों में सौंप दिए गए हैं!” वह घबराहट में इधर-उधर नाचने लगा, अगर उसका पीला चेहरा और चौंकी हुई आँखें न होतीं तो वह हास्यास्पद लगता। अंत में उसने अपनी भयानक खबर सुना दी।

"श्री मोर्टिमर ट्रेजेनिस की मृत्यु रात के दौरान हुई, और उनमें ठीक वही लक्षण थे जो उनके परिवार के बाकी सदस्यों में थे।"

होम्स पलक झपकते ही पूरी ऊर्जा के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

"क्या आप हम दोनों को अपनी गाड़ी में बिठा सकते हैं?"

"हाँ मैं कर सकता हूं।"

“तो, वॉटसन, हम अपना नाश्ता स्थगित कर देते हैं। श्री राउंडहे, हम पूरी तरह से आपकी सेवा में तत्पर हैं। जल्दी कीजिए—जल्दी कीजिए, इससे पहले कि हालात बिगड़ जाएं।”

किराएदार ने पादरी के घर में दो कमरे ले रखे थे, जो एक दूसरे के ऊपर बने हुए थे और एक कोने में स्थित थे। नीचे एक बड़ा बैठक कक्ष था; ऊपर उसका शयनकक्ष। दोनों कमरों से बाहर क्रोकेट का मैदान दिखाई देता था जो खिड़कियों तक फैला हुआ था। हम डॉक्टर या पुलिस के आने से पहले ही पहुंच गए थे, इसलिए सब कुछ बिल्कुल शांत था। उस धुंध भरी मार्च की सुबह हमने जो दृश्य देखा, उसका मैं सटीक वर्णन करता हूँ। इसने मेरे मन पर एक ऐसी छाप छोड़ी है जिसे मैं कभी मिटा नहीं सकता।

कमरे का वातावरण भयानक और निराशाजनक घुटन भरा था। सबसे पहले अंदर आने वाले नौकर ने खिड़की खोल दी थी, वरना स्थिति और भी असहनीय होती। इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि बीच वाली मेज पर एक दीपक जल रहा था और उससे धुआँ निकल रहा था। उसके बगल में मृत व्यक्ति कुर्सी पर पीछे की ओर झुका बैठा था, उसकी पतली दाढ़ी बाहर निकली हुई थी, चश्मा माथे पर चढ़ा हुआ था, और उसका दुबला-पतला काला चेहरा खिड़की की ओर मुड़ा हुआ था और उसी भय से विकृत था जो उसकी मृत बहन के चेहरे पर दिखाई देता था। उसके अंग कांप रहे थे और उंगलियां मुड़ी हुई थीं मानो उसकी मृत्यु भय के तीव्र दौरे से हुई हो। उसने पूरे कपड़े पहने हुए थे, हालाँकि इस बात के संकेत थे कि उसे जल्दी में कपड़े पहनाए गए थे। हमें पहले ही पता चल चुका था कि उसके बिस्तर पर सोया गया था, और सुबह तड़के ही उसकी दुखद मृत्यु हो गई थी।

होम्स के शांत बाहरी रूप के पीछे छिपी तीव्र ऊर्जा का एहसास तब हुआ जब उस घातक अपार्टमेंट में प्रवेश करते ही उनमें आए अचानक बदलाव को देखा गया। पल भर में वे तनावग्रस्त और सतर्क हो गए, उनकी आँखें चमक उठीं, चेहरा दृढ़ हो गया, और उनके अंग उत्सुकता से कांपने लगे। वे लॉन में गए, खिड़की से अंदर आए, कमरे का चक्कर लगाया और बेडरूम में चढ़ गए, मानो कोई फुर्तीला शिकारी किसी छुपे हुए जानवर का पीछा कर रहा हो। बेडरूम में उन्होंने तेजी से चारों ओर नज़र दौड़ाई और अंत में खिड़की खोल दी, जिससे मानो उन्हें और अधिक उत्तेजना मिली हो, क्योंकि वे उत्सुकता और खुशी से भरी आवाजें निकालते हुए खिड़की से बाहर झुक गए। फिर वे सीढ़ियों से नीचे भागे, खुली खिड़की से बाहर निकले, लॉन पर मुंह के बल गिर पड़े, उछले और फिर से कमरे में चले गए, यह सब उस शिकारी की ऊर्जा के साथ हुआ जो अपने शिकार के ठीक पीछे पड़ा हो। उन्होंने साधारण से दिखने वाले लैंप का बारीकी से निरीक्षण किया और उसके कटोरे पर कुछ माप लिए। उसने अपने लेंस से चिमनी के ऊपरी हिस्से को ढकने वाले ढाल का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया और उस पर चिपकी हुई कुछ राख को खुरचकर एक लिफाफे में डाल दिया, जिसे उसने अपने पर्स में रख लिया। अंत में, जैसे ही डॉक्टर और पुलिस अधिकारी वहाँ पहुँचे, उसने पादरी को इशारा किया और हम तीनों बाहर लॉन में चले गए।

“मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि मेरी जांच पूरी तरह से निष्फल नहीं रही,” उन्होंने कहा। “मैं पुलिस से इस मामले पर चर्चा करने के लिए नहीं रुक सकता, लेकिन श्री राउंडहे, अगर आप इंस्पेक्टर को मेरा प्रणाम कह दें और उनका ध्यान बेडरूम की खिड़की और बैठक के लैंप की ओर दिला दें, तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा। दोनों ही संकेत देते हैं, और साथ मिलकर लगभग निर्णायक साबित होते हैं। अगर पुलिस को और जानकारी चाहिए, तो मुझे कॉटेज में उनसे मिलने में खुशी होगी। और अब, वॉटसन, मुझे लगता है कि शायद हमें कहीं और काम करना चाहिए।”

हो सकता है कि पुलिस को एक नौसिखिए के दखल से आपत्ति रही हो, या उन्हें लगा हो कि वे किसी आशाजनक जांच की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं; लेकिन यह निश्चित है कि अगले दो दिनों तक हमें उनसे कोई खबर नहीं मिली। इस दौरान होम्स ने अपना कुछ समय झोपड़ी में सिगरेट पीते और सपने देखते हुए बिताया; लेकिन ज़्यादातर समय उन्होंने अकेले ही ग्रामीण इलाकों में सैर करते हुए बिताया, और कई घंटों बाद बिना यह बताए लौट आते थे कि वे कहाँ गए थे। एक प्रयोग से मुझे उनकी जांच की दिशा का पता चला। उन्होंने एक ऐसा दीपक खरीदा जो उस दीपक की हूबहू नकल था जो त्रासदी की सुबह मोर्टिमर ट्रेजेनिस के कमरे में जला था। उन्होंने उसमें वही तेल भरा जो पादरी के घर में इस्तेमाल होता था, और उन्होंने ध्यान से उस समय का हिसाब

लगाया जब तेल खत्म हो जाएगा। उनका एक और प्रयोग अधिक अप्रिय प्रकृति का था, और एक ऐसा प्रयोग जिसे मैं शायद कभी नहीं भूल पाऊंगा।

“वॉटसन,” उन्होंने एक दोपहर कहा, “आपको याद होगा कि हमारे पास जो अलग-अलग रिपोर्ट आई हैं, उनमें एक समानता है। यह समानता हर मामले में कमरे के वातावरण के उस प्रभाव से संबंधित है जो उसमें सबसे पहले प्रवेश करने वालों पर पड़ा था। आपको याद होगा कि मोर्टिमर ट्रेजेनिस ने अपने भाई के घर की पिछली यात्रा का वर्णन करते हुए कहा था कि डॉक्टर कमरे में प्रवेश करते ही कुर्सी पर गिर पड़े थे? आप भूल गए थे? खैर, मैं इसकी पुष्टि कर सकता हूं कि ऐसा ही हुआ था। अब, आपको यह भी याद होगा कि गृहणी श्रीमती पोर्टर ने हमें बताया था कि कमरे में प्रवेश करते ही वह खुद बेहोश हो गई थीं और बाद में उन्होंने खिड़की खोल दी थी। दूसरे मामले में - स्वयं मोर्टिमर ट्रेजेनिस के मामले में - जब हम पहुंचे तो कमरे की भयानक घुटन को आप नहीं भूले होंगे, हालांकि नौकरानी ने खिड़की खोल दी थी। पूछताछ करने पर मुझे पता चला कि वह नौकरानी इतनी बीमार थी कि बिस्तर पर चली गई थी। आप मानेंगे, वॉटसन, कि ये तथ्य बहुत ही संकेतपूर्ण हैं। हर मामले में जहरीले वातावरण के प्रमाण हैं। हर मामले में, कमरे में दहन भी हो रहा है। कमरा—एक मामले में आग, दूसरे में दीपक। आग ज़रूरी थी, लेकिन दीपक जलाया गया—जैसा कि तेल की खपत की तुलना से पता चलता है—जब दिन का उजाला हो चुका था, उसके बहुत बाद। क्यों? निश्चित रूप से क्योंकि तीन चीजों के बीच कोई न कोई संबंध है—जलना, घुटन भरा वातावरण, और अंत में, उन दुर्भाग्यशाली लोगों का पागलपन या मृत्यु। यह स्पष्ट है, है ना?

ऐसा प्रतीत होता है।

“कम से कम हम इसे एक कार्यशील परिकल्पना के रूप में स्वीकार कर सकते हैं। मान लीजिए कि प्रत्येक मामले में कुछ जलाया गया था जिससे ऐसा वातावरण बना जिसने विचित्र विषैले प्रभाव उत्पन्न किए। ठीक है। पहले मामले में - ट्रेजेनिस परिवार के मामले में - इस पदार्थ को आग में रखा गया था। खिड़की बंद थी, लेकिन आग से निकलने वाला धुआं स्वाभाविक रूप से कुछ हद तक चिमनी से ऊपर चला जाता। इसलिए, यह उम्मीद की जा सकती है कि जहर का प्रभाव दूसरे मामले की तुलना में कम होगा, जहां वाष्प के निकलने का रास्ता कम था। परिणाम से ऐसा ही प्रतीत होता है, क्योंकि पहले मामले में केवल महिला, जिसका शरीर संभवतः अधिक संवेदनशील था, की मृत्यु हुई, जबकि अन्य लोगों में अस्थायी या स्थायी पागलपन के लक्षण दिखाई दिए, जो स्पष्ट रूप से दवा का पहला प्रभाव है। दूसरे मामले में परिणाम पूर्ण था। इसलिए, तथ्य दहन द्वारा काम करने वाले जहर के सिद्धांत की पुष्टि करते प्रतीत होते हैं।”

“इस तर्क के आधार पर मैंने स्वाभाविक रूप से मोर्टिमर ट्रेजेनिस के कमरे में इस पदार्थ के कुछ अवशेष खोजने के लिए इधर-उधर देखा। सबसे स्पष्ट जगह लैंप का टैल्क शील्ड या स्मोक-गार्ड था। वहां, मुझे कुछ पपड़ीदार राख और किनारों पर भूरे रंग के पाउडर की एक परत दिखाई दी, जो अभी तक जली नहीं थी। जैसा कि आपने देखा, मैंने इसका आधा हिस्सा लिया और इसे एक लिफाफे में रख दिया।”

"आधा क्यों, होम्स?"

“मेरे प्रिय वॉटसन, सरकारी पुलिस बल के रास्ते में खड़ा होना मेरा काम नहीं है। मैंने जो भी सबूत जुटाए हैं, वो सब मैं उन्हें सौंप रहा हूं। अगर उन्हें पता होता, तो टैल्क पाउडर पर ज़हर अभी भी मौजूद होता। अब, वॉटसन, हम अपना दीपक जलाते हैं; लेकिन हम सावधानी बरतते हुए खिड़की खोल देंगे ताकि समाज के दो सम्मानित सदस्यों की असमय मृत्यु न हो जाए, और आप उस खुली खिड़की के पास एक कुर्सी पर बैठ जाइए, जब तक कि आप एक समझदार व्यक्ति की तरह इस मामले से अपना नाता

न तोड़ लें। आह, आप इसे देखेंगे, है ना? मुझे लगा था कि मैं अपने वॉटसन को जानता हूं। यह कुर्सी मैं आपकी कुर्सी के सामने रखूंगा, ताकि हम ज़हर से बराबर दूरी पर हों और आमने-सामने हों। हम दरवाज़ा थोड़ा खुला छोड़ देंगे। अब हम दोनों एक-दूसरे पर नज़र रख सकते हैं और अगर लक्षण खतरनाक लगें तो प्रयोग को रोक सकते हैं। क्या सब कुछ स्पष्ट है? ठीक है, तो मैं लिफ़ाफ़े से अपना पाउडर—या जो भी बचा है—निकालता हूं और उसे जलते हुए दीपक के ऊपर रख देता हूं। तो! अब, वॉटसन, चलिए बैठते हैं और आगे क्या होता है, देखते हैं।”

वे ज़ल्द ही आ गए। मैं अभी कुर्सी पर बैठा भी नहीं था कि मुझे एक तेज़, कस्तूरी जैसी गंध महसूस हुई, जो हल्की और घिनौनी थी। उसकी पहली ही आहट में मेरा दिमाग और मेरी कल्पना बेकाबू हो गई। मेरी आँखों के सामने एक घना, काला बादल मंडरा रहा था, और मेरे मन ने मुझे बताया कि इस बादल में, जो अभी तक दिखाई नहीं दिया है, लेकिन मेरी भयभीत इंद्रियों पर अचानक टूट पड़ने वाला है, वह सब कुछ छिपा है जो अस्पष्ट रूप से भयानक है, वह सब कुछ जो राक्षसी और अकल्पनीय रूप से दुष्ट है। धुंधली आकृतियाँ काले बादल के बीच घूम रही थीं और तैर रही थीं, हर एक आने वाली किसी चीज़ का खतरा और चेतावनी थी, दहलीज पर किसी अकल्पनीय प्राणी का आगमन, जिसकी छाया मात्र मेरी आत्मा को नष्ट कर देगी। एक भयानक भय ने मुझे जकड़ लिया। मुझे लगा कि मेरे रोंगटे खड़े हो रहे हैं, मेरी आँखें बाहर निकल रही हैं, मेरा मुँह खुला रह गया है, और मेरी जीभ चमड़े जैसी हो गई है। मेरे दिमाग में इतनी उथल-पुथल थी कि कुछ न कुछ टूट ही जाएगा। मैंने चीखने की कोशिश की और मुझे धुंधली सी कर्कश आवाज सुनाई दी, जो मेरी ही थी, पर दूर से आती हुई और मुझसे अलग सी। उसी क्षण, बचने की किसी कोशिश में, मैं निराशा के उस बादल को चीरते हुए आगे बढ़ी और मुझे होम्स का चेहरा दिखाई दिया, जो सफेद, सख्त और भय से भरा हुआ था - ठीक वैसा ही भाव जो मैंने मृतकों के चेहरे पर देखा था। उस दृश्य ने मुझे क्षण भर के लिए होश और शक्ति दी। मैं अपनी कुर्सी से उठी, होम्स को बाहों में भर लिया और हम दोनों लड़खड़ाते हुए दरवाजे से बाहर निकल गए, और एक पल बाद ही हम घास के मैदान पर गिर पड़े और एक-दूसरे के बगल में लेट गए, केवल उस शानदार धूप के प्रति सचेत थे जो हमारे चारों ओर छाए आतंक के भयानक बादल को चीरती हुई आ रही थी। धीरे-धीरे वह हमारे दिलों से ऐसे छंट गई जैसे किसी परिदृश्य से कोहरा छंट जाता है, जब तक कि शांति और विवेक वापस नहीं आ गए, और हम घास पर बैठे अपने पसीने से तर माथे को पोंछ रहे थे, और उस भयानक अनुभव के अंतिम निशान को संशय से एक-दूसरे को देख रहे थे।

"वॉटसन, कसम से!" होम्स ने आखिरकार कांपती हुई आवाज़ में कहा, "मैं आप दोनों का आभारी हूं और माफी भी मांगता हूं। यह एक ऐसा प्रयोग था जिसे स्वयं के लिए भी अनुचित माना जा सकता था, और एक मित्र के लिए तो और भी ज्यादा। मुझे सचमुच बहुत खेद है।"

मैंने कुछ भावुकता के साथ उत्तर दिया, क्योंकि मैंने इससे पहले कभी होम्स के हृदय की इतनी गहराई नहीं देखी थी, “आप जानते हैं कि आपकी मदद करना मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी और सौभाग्य की बात है।”

वह तुरंत अपने उसी आधे-मज़ाकिया, आधे-व्यंग्यपूर्ण अंदाज़ में लौट आया, जो उसके आसपास के लोगों के प्रति उसका आदत बन चुका था। "हमें पागल करना बेकार है, मेरे प्यारे वॉटसन," उसने कहा। "एक निष्पक्ष पर्यवेक्षक निश्चित रूप से कहेगा कि हम इतने खतरनाक प्रयोग में पड़ने से पहले ही पागल हो चुके थे। मैं स्वीकार करता हूं कि मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि इसका प्रभाव इतना अचानक और इतना गंभीर हो सकता है।" वह झोपड़ी में घुस गया, और जलते हुए दीपक को पूरी बांह की लंबाई

पर पकड़े हुए वापस आकर, उसने उसे कंटीली झाड़ियों के ढेर में फेंक दिया। "हमें कमरे को थोड़ा साफ होने देना चाहिए। मुझे लगता है, वाटसन, कि अब आपको इस बात में कोई संदेह नहीं है कि ये दुखद घटनाएँ कैसे हुईं?"

"बिल्कुल भी नहीं।"

लेकिन कारण पहले की तरह ही अस्पष्ट बना हुआ है। आइए यहाँ मंडप में चलें और हम इस पर साथ मिलकर चर्चा करें। वह घिनौनी बात अभी भी मेरे गले में अटकी हुई है। मुझे लगता है कि हमें यह मानना ही होगा कि सभी सबूत इस आदमी, मोर्टिमर ट्रेजेनिस, की ओर इशारा करते हैं कि वह पहली त्रासदी में अपराधी था, हालांकि दूसरी में वह पीड़ित था। हमें सबसे पहले यह याद रखना चाहिए कि एक पारिवारिक झगड़े की कहानी है, जिसके बाद सुलह हुई। वह झगड़ा कितना कड़वा रहा होगा, या सुलह कितनी खोखली रही होगी, यह हम नहीं बता सकते। जब मैं मोर्टिमर ट्रेजेनिस के बारे में सोचता हूँ, उस चालाक चेहरे और चश्मे के पीछे उसकी छोटी, धूर्त, चमकीली आँखों के साथ, तो मुझे नहीं लगता कि वह विशेष रूप से क्षमाशील स्वभाव का व्यक्ति होगा। खैर, दूसरी बात, आपको याद होगा कि बगीचे में किसी के घूमने का यह विचार, जिसने त्रासदी के असली कारण से हमारा ध्यान क्षण भर के लिए भटका दिया, उसी से आया था। हमें गुमराह करने के पीछे उसका एक मकसद था। अंत में, अगर उसने इस पदार्थ को आग में नहीं फेंका था... कमरे से निकलते ही, ऐसा किसने किया? यह घटना उसके जाने के तुरंत बाद घटी। अगर कोई और अंदर आता, तो परिवार ज़रूर मेज़ से उठ जाता। इसके अलावा, शांत कॉर्नवाल में, रात दस बजे के बाद मेहमान नहीं आते। इसलिए, हम यह मान सकते हैं कि सभी सबूत मॉर्टिमर ट्रेजेनिस को ही दोषी ठहराते हैं।

“तो फिर उसकी मौत आत्महत्या थी!”

“खैर, वाटसन, पहली नज़र में तो यह असंभव नहीं लगता। जिस व्यक्ति के मन में अपने परिवार पर ऐसा विपत्ति लाने का अपराध बोध हो, वह पश्चातापवश स्वयं को भी उसी विपत्ति में डाल सकता है। लेकिन इसके विरुद्ध कुछ ठोस कारण भी हैं। सौभाग्य से, इंग्लैंड में एक ऐसा व्यक्ति है जो इस बारे में सब कुछ जानता है, और मैंने ऐसी व्यवस्था की है कि आज दोपहर हम उससे ही सारी बातें सुनेंगे। आह! वह अपने समय से थोड़ा आगे है। डॉ. लियोन स्टर्नडेल, कृपया आप इधर आएं। हम कमरे के अंदर एक रासायनिक प्रयोग कर रहे थे, जिसके कारण हमारा छोटा सा कमरा इतने प्रतिष्ठित अतिथि के स्वागत के लिए उपयुक्त नहीं है।”

मैंने बगीचे के द्वार के खुलने की आवाज़ सुनी थी, और अब महान अफ्रीकी खोजकर्ता की भव्य आकृति रास्ते पर प्रकट हुई। वह कुछ आश्चर्य के साथ उस देहाती मंडप की ओर मुड़े जिसमें हम बैठे थे।

"आपने मुझे बुलवाया था, मिस्टर होम्स। मुझे आपका संदेश लगभग एक घंटे पहले मिला था, और मैं आ गया हूँ, हालांकि मुझे वास्तव में नहीं पता कि मुझे आपके बुलावे का पालन क्यों करना चाहिए।"

“शायद अलग होने से पहले हम इस मुद्दे को सुलझा लें,” होम्स ने कहा। “इस बीच, आपकी विनम्रतापूर्वक सहमति के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। खुले में हो रही इस अनौपचारिक मुलाकात के लिए क्षमा करें, लेकिन मेरे मित्र वाटसन और मैंने अखबारों में छपे “कॉर्निश हॉरर” नामक घटनाक्रम में लगभग एक और अध्याय जोड़ दिया है, और फिलहाल हम शांत वातावरण पसंद करते हैं। शायद, चूंकि जिन मामलों पर हमें चर्चा करनी है, वे आपको व्यक्तिगत रूप से बहुत गहराई से प्रभावित करेंगे, इसलिए बेहतर यही होगा कि हम ऐसी जगह बात करें जहाँ कोई हमारी बातें न सुन सके।”

उस खोजकर्ता ने अपने होठों से सिगार निकाला और मेरे साथी को घूरकर देखा।

उन्होंने कहा, "मुझे समझ नहीं आ रहा है, महोदय, कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं जो मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत ही अंतरंग तरीके से प्रभावित करता है।"

"मोर्टिमर ट्रेजेनिस की हत्या," होम्स ने कहा।

एक पल के लिए मुझे लगा कि काश मेरे पास हथियार होता। स्टर्नडेल का क्रूर चेहरा गहरे लाल रंग का हो गया, उसकी आँखें गुस्से से चमक उठीं और माथे की सूजी हुई नसें उभर आईं, और वह मुट्ठी भींचे हुए हाथों से मेरे साथी की ओर झपटा। फिर वह रुका, और बड़ी मुश्किल से उसने फिर से एक ठंडी, कठोर शांति धारण कर ली, जो शायद उसके उग्र outburst से भी ज़्यादा खतरे का संकेत दे रही थी।

“मैं इतने लंबे समय तक असभ्यों के बीच और कानून से परे रहा हूँ,” उसने कहा, “कि मैं खुद ही अपना कानून बनाने लगा हूँ। श्री होम्स, आप इसे न भूलें, क्योंकि मेरा आपको कोई नुकसान पहुँचाने का इरादा नहीं है।”

“डॉ. स्टर्नडेल, मेरा आपको कोई नुकसान पहुंचाने का इरादा नहीं है। इसका सबसे स्पष्ट प्रमाण यह है कि जो कुछ मैं जानता हूं, उसे जानते हुए भी मैंने आपको बुलवाया है, पुलिस को नहीं।”

स्टर्नडेल हांफते हुए बैठ गया, शायद अपने साहसिक जीवन में पहली बार वह इतना भयभीत हो गया था। होम्स के हावभाव में एक शांत आत्मविश्वास था जिसका सामना करना असंभव था। हमारा आगंतुक एक पल के लिए हकलाया, घबराहट में उसके बड़े हाथ बार-बार खुल और बंद हो रहे थे।

अंत में उसने पूछा, “आपका क्या मतलब है? अगर यह आपकी चाल है, श्री होम्स, तो आपने अपने प्रयोग के लिए एक गलत व्यक्ति को चुना है। अब इधर-उधर की बातें बंद करते हैं। आपका क्या मतलब है?”

“मैं आपको बताऊंगा,” होम्स ने कहा, “और मैं आपको इसलिए बता रहा हूं क्योंकि मुझे उम्मीद है कि स्पष्टवादिता से स्पष्टवादिता उत्पन्न होती है। मेरा अगला कदम क्या होगा, यह पूरी तरह से आपके बचाव की प्रकृति पर निर्भर करेगा।”

“मेरा बचाव?”

"जी श्रीमान।"

“किस बात से बचाव?”

“मोर्टिमर ट्रेजेनिस की हत्या के आरोप के विरुद्ध।”

स्टर्नडेल ने अपने रुमाल से अपना माथा पोंछा। "सच कहूँ तो, तुम बहुत आगे बढ़ रहे हो," उसने कहा। "क्या तुम्हारी सारी सफलताएँ तुम्हारी इस अद्भुत धूर्तता पर निर्भर करती हैं?"

होम्स ने कड़े स्वर में कहा, “धोखा आपकी तरफ है, डॉ. लियोन स्टर्नडेल, मेरी तरफ नहीं। सबूत के तौर पर मैं आपको कुछ ऐसे तथ्य बताऊंगा जिन पर मेरे निष्कर्ष आधारित हैं। प्लीयमाउथ से आपकी वापसी के बारे में, जिसमें आपने अपनी अधिकांश संपत्ति अफ्रीका जाने दी, मैं बस इतना ही कहूंगा कि इससे मुझे पहली बार यह जानकारी मिली कि इस घटनाक्रम को सुलझाने में आप भी एक महत्वपूर्ण कारक थे।”

"मैं वापस आया -"

मैंने आपके तर्क सुन लिए हैं और मुझे वे निराधार और अपर्याप्त लगते हैं। हम इस विषय को छोड़ देते हैं। आप यहाँ मुझसे यह पूछने आए थे कि मुझे किस पर संदेह है। मैंने आपको जवाब देने से इनकार कर दिया। फिर आप पादरी के घर गए, कुछ देर उसके बाहर इंतजार किया और अंत में अपनी कुटिया में लौट गए।

"आप यह कैसे जानते हैं?"

मैंने तुम्हारा पीछा किया।

मैंने किसी को नहीं देखा।

“जब मैं तुम्हारा पीछा करूंगा, तो तुम्हें यही देखने को मिलेगा। तुमने अपनी कुटिया में बेचैनी भरी रात बिताई और कुछ योजनाएँ बनाईं, जिन्हें तुमने सुबह-सुबह अमल में लाना शुरू कर दिया। जैसे ही दिन निकला, तुम अपने दरवाज़े से बाहर निकले और अपने फाटक के पास पड़े कुछ लाल रंग के कंकड़ अपनी जेब में भर लिए।”

स्टर्नडेल बुरी तरह चौंक गया और आश्चर्य से होम्स की ओर देखने लगा।

फिर आप तेज़ी से एक मील की दूरी तय करके पादरी के घर तक पहुँचे। मैं आपको बता दूं, आपने वही धारीदार टेनिस जूते पहने हुए थे जो इस समय आपके पैरों में हैं। पादरी के घर पहुंचकर आप बगीचे और बाड़ के बीच से होते हुए किराएदार ट्रेजेनिस की खिड़की के नीचे से निकले। अब उजाला हो चुका था, लेकिन घरवाले अभी तक जागे नहीं थे। आपने अपनी जेब से कुछ कंकड़ निकाले और उन्हें ऊपर वाली खिड़की पर फेंक दिया।

स्टर्नडेल झट से अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

“मुझे लगता है कि तुम स्वयं शैतान हो!” वह चिल्लाया।

होम्स तारीफ सुनकर मुस्कुराया। “किरायेदार को खिड़की तक आने में दो-तीन मुट्ठी भर मिट्टी लग गई। आपने उसे नीचे आने का इशारा किया। उसने जल्दी से कपड़े पहने और अपने बैठक कक्ष में चला गया। आप खिड़की से अंदर आए। एक छोटी सी बातचीत हुई, जिसके दौरान आप कमरे में इधर-उधर घूमते रहे। फिर आप बेहोश हो गए और खिड़की बंद कर ली, बाहर लॉन पर खड़े होकर सिगार पीते हुए सब कुछ देखते रहे। अंत में, ट्रेजेनिस की मृत्यु के बाद, आप वैसे ही चले गए जैसे आए थे। अब, डॉ. स्टर्नडेल, आप ऐसे व्यवहार को कैसे सही ठहराते हैं, और आपके कार्यों के पीछे क्या मकसद थे? यदि आप मुझसे टालमटोल करते हैं या इसे हल्के में लेते हैं, तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह मामला हमेशा के लिए मेरे हाथ से निकल जाएगा।”

आरोप लगाने वाले की बातें सुनकर हमारे आगंतुक का चेहरा पीला पड़ गया था। अब वह कुछ देर तक सोच में डूबा रहा, अपना चेहरा हाथों में छिपाए। फिर अचानक आवेग में आकर उसने अपनी जेब से एक तस्वीर निकाली और हमारे सामने रखी साधारण मेज पर फेंक दी।

उन्होंने कहा, "इसीलिए मैंने ऐसा किया है।"

उसमें एक बेहद खूबसूरत महिला का धड़ और चेहरा दिखाई दे रहा था। होम्स उसके ऊपर झुक गया।

“ब्रेंडा ट्रेजेनिस,” उसने कहा।

“जी हां, ब्रेंडा ट्रेजेनिस,” हमारे आगंतुक ने दोहराया। “सालों से मैं उससे प्यार करता रहा हूं। सालों से वह मुझसे प्यार करती रही है। यही उस कॉर्निश एकांत का रहस्य है जिस पर लोग आश्चर्यचकित होते रहे हैं। इसने मुझे धरती पर उस एक चीज़ के करीब ला दिया जो मुझे प्रिय थी। मैं उससे शादी नहीं कर सका, क्योंकि मेरी एक पत्नी है जो मुझे सालों पहले छोड़कर चली गई है और फिर भी, इंग्लैंड के निंदनीय कानूनों के कारण, मैं उसे तलाक नहीं दे सकता। सालों तक ब्रेंडा ने इंतजार किया। सालों तक मैंने इंतजार किया। और यही वह चीज़ है जिसका हमने इंतज़ार किया है।” एक भयानक सिसकी ने उनके विशाल शरीर को हिला दिया, और उन्होंने अपनी चितकबरी दाढ़ी के नीचे अपना गला पकड़ लिया। फिर बड़ी मुश्किल से उन्होंने खुद को संभाला और बोलना जारी रखा:

“पादरी को सब पता था। वो हमारे भरोसेमंद थे। वो आपको बताते कि वो धरती पर एक फरिश्ता थीं। इसीलिए उन्होंने मुझे टेलीग्राम भेजा और मैं लौट आया। जब मुझे पता चला कि मेरी प्रियतमा का ऐसा हाल हो गया है, तो मेरे लिए मेरा सामान या अफ्रीका का क्या महत्व था? श्री होम्स, मेरे इस कदम का अहम सुराग यहीं छिपा है।”

मेरे दोस्त ने कहा, "आगे बढ़ो।"

डॉ. स्टर्नडेल ने अपनी जेब से एक कागज़ का पैकेट निकाला और उसे मेज पर रख दिया। उस पर "रेडिक्स पेडिस डायबोली" लिखा था और उसके नीचे लाल रंग का ज़हर का लेबल लगा था। उन्होंने उसे मेरी ओर बढ़ाते हुए कहा, "मुझे पता है कि आप डॉक्टर हैं, महोदय। क्या आपने कभी इस औषधि के बारे में सुना है?"

“शैतान की जड़! नहीं, मैंने इसके बारे में कभी नहीं सुना।”

“इससे आपके पेशेवर ज्ञान पर कोई सवाल नहीं उठता,” उन्होंने कहा, “क्योंकि मेरा मानना है कि बुडा की एक प्रयोगशाला में रखे एक नमूने को छोड़कर यूरोप में इसका कोई दूसरा नमूना नहीं है। यह अभी तक न तो औषध विज्ञान की किताबों में शामिल हुआ है और न ही विष विज्ञान के साहित्य में। इसकी जड़ का आकार पैर जैसा है, आधा इंसान जैसा, आधा बकरी जैसा; इसीलिए एक वनस्पति विज्ञानी ने इसे यह अनोखा नाम दिया है। पश्चिम अफ्रीका के कुछ इलाकों में वैद्य इसे परीक्षा के विष के रूप में इस्तेमाल करते हैं और इसे आपस में गुप्त रखते हैं। यह खास नमूना मुझे उबांगी क्षेत्र में बहुत ही असाधारण परिस्थितियों में मिला।” बोलते-बोलते उन्होंने कागज़ खोला और उसमें से लाल-भूरे रंग का, नसवार जैसे पाउडर का ढेर निकला।

“तो, महोदय?” होम्स ने सख्ती से पूछा।

“श्री होम्स, मैं आपको वह सब बताने जा रहा हूँ जो वास्तव में हुआ था, क्योंकि आप पहले से ही इतना कुछ जानते हैं कि यह स्पष्ट रूप से मेरे हित में है कि आप सब कुछ जान लें। मैंने ट्रेजेनिस परिवार के साथ अपने संबंधों के बारे में पहले ही बता दिया है। बहन की खातिर मैं भाइयों के साथ मित्रवत था। पैसे को लेकर परिवार में झगड़ा हुआ था जिससे मोर्टिमर नाम का यह आदमी अलग हो गया था, लेकिन ऐसा माना जाता था कि यह सुलह थी, और बाद में मैं उससे भी मिला, जैसे बाकी लोगों से मिला था। वह एक धूर्त, चालाक और षड्यंत्रकारी व्यक्ति था, और कई ऐसी बातें हुईं जिनसे मुझे उस पर संदेह हुआ, लेकिन मेरे पास उससे कोई ठोस झगड़ा करने का कारण नहीं था।”

“कुछ ही हफ्ते पहले, एक दिन वह मेरी कुटिया में आया और मैंने उसे अपनी कुछ अफ्रीकी चीज़ें दिखाईं। मैंने उसे यह पाउडर भी दिखाया और इसके अजीब गुणों के बारे में बताया, कि यह मस्तिष्क के उन केंद्रों को कैसे उत्तेजित करता है जो भय की भावना को नियंत्रित करते हैं, और कैसे उस अभागे आदिवासी का भाग्य या तो पागलपन होता है या मृत्यु, जिसे उसके कबीले के पुजारी द्वारा इस परीक्षा से गुज़ारा जाता है। मैंने उसे यह भी बताया कि यूरोपीय विज्ञान इसे पता लगाने में कितना असमर्थ होगा। उसने इसे कैसे ग्रहण किया, यह मैं नहीं कह सकता, क्योंकि मैं कमरे से बाहर ही नहीं निकला, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि जब मैं अलमारियाँ खोल रहा था और बक्सों में झुक रहा था, तभी उसने शैतान के पैर की जड़ का कुछ अंश चुरा लिया। मुझे अच्छी तरह याद है कि उसने मुझसे इसकी मात्रा और इसके प्रभाव के लिए आवश्यक समय के बारे में कितने सवाल पूछे, लेकिन मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि उसके पूछने का कोई निजी कारण हो सकता है।”

“मैंने इस मामले पर तब तक और ध्यान नहीं दिया जब तक कि प्लायमाउथ में पादरी का टेलीग्राम मुझ तक नहीं पहुँचा। इस दुष्ट ने सोचा था कि खबर पहुँचने से पहले ही मैं समुद्र में होऊँगा और अफ्रीका में कई सालों तक लापता रहूँगा। लेकिन मैं तुरंत लौट आया। ज़ाहिर है, मैं सारी बातें सुने बिना इस बात से आश्वस्त नहीं हो सका कि मेरे ज़हर का इस्तेमाल हो चुका है। मैं आपसे इस उम्मीद में मिलने आया था कि शायद आपको कोई और स्पष्टीकरण सूझा हो। लेकिन ऐसा हो ही नहीं सकता था। मुझे पूरा यकीन था कि मोर्टिमर ट्रेजेनिस ही हत्यारा था; कि पैसे के लालच में, और शायद इस सोच से कि अगर उसके परिवार के बाकी सदस्य भी पागल हो गए तो वह उनकी

संयुक्त संपत्ति का इकलौता संरक्षक बन जाएगा, उसने उन पर शैतान के पैर का पाउडर इस्तेमाल किया, उनमें से दो को बेहोश कर दिया, और अपनी बहन ब्रेंडा को मार डाला, जो इकलौती इंसान थी जिसे मैंने कभी प्यार किया था या जिसने कभी मुझसे प्यार किया था। यही उसका अपराध था; अब उसकी सज़ा क्या होगी?"

"क्या मुझे कानून का सहारा लेना चाहिए? मेरे सबूत कहाँ थे? मुझे पता था कि तथ्य सही थे, लेकिन क्या मैं अपने देशवासियों की जूरी को इतनी मनगढ़ंत कहानी पर विश्वास दिला सकता था? शायद हाँ, शायद ना। लेकिन मैं असफल नहीं हो सकता था। मेरी आत्मा बदला लेने के लिए तड़प रही थी। मैंने आपसे पहले भी कहा है, श्री होम्स, कि मैंने अपने जीवन का अधिकांश भाग कानून से बाहर बिताया है, और अब मैं अंततः स्वयं का कानून बन गया हूं। अब यही स्थिति थी। मैंने ठान लिया था कि जो हश्र उसने दूसरों को दिया है, वही हश्र उसका भी होना चाहिए। या तो मैं ऐसा करूँ या फिर अपने हाथों से उसे न्याय दूं। पूरे इंग्लैंड में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो इस समय अपने जीवन को मुझसे कम महत्व देता हो।"

"अब मैंने आपको सब कुछ बता दिया है। बाकी आपने खुद ही बता दिया है। जैसा कि आपने कहा, एक बेचैन रात के बाद, मैं अपनी कुटिया से जल्दी निकल पड़ी। मुझे उसे जगाने में होने वाली कठिनाई का पूर्वाभास था, इसलिए मैंने उस ढेर से कुछ बजरी उठाई जिसका आपने उल्लेख किया है, और उसे उसकी खिड़की पर फेंक दिया। वह नीचे आया और बैठक कक्ष की खिड़की से मुझे अंदर आने दिया। मैंने उसके सामने उसका अपराध रखा। मैंने उससे कहा कि मैं न्यायाधीश और जल्लाद दोनों बनकर आई हूं। मेरी रिवाल्वर देखकर वह दुष्ट कुर्सी पर बैठ गया, जैसे लकवा मार गया हो। मैंने दीपक जलाया, उसके ऊपर बारूद रखा, और खिड़की के बाहर खड़ी हो गई, कमरे से बाहर निकलने की कोशिश करने पर उसे गोली मारने की अपनी धमकी को पूरा करने के लिए तैयार। पाँच मिनट में उसकी मृत्यु हो गई। हे भगवान! उसकी मृत्यु कैसे हुई! लेकिन मेरा दिल पत्थर का था, क्योंकि उसने ऐसा कुछ भी नहीं सहा था जो मेरे निर्दोष प्रियतम ने उससे पहले न सहा हो। यही मेरी कहानी है, श्रीमान् होम्स। शायद, अगर आप किसी स्त्री से प्रेम करते, तो आप भी ऐसा ही करते। खैर, मैं आपके हाथों में हूं। आप जो चाहें कदम उठा सकते हैं। जैसा कि मैंने किया है जैसा कि मैंने पहले ही कहा है, मुझसे कम मृत्यु से डरने वाला कोई जीवित व्यक्ति नहीं है।

होम्स कुछ देर तक चुपचाप बैठे रहे।

अंत में उसने पूछा, "तुम्हारी क्या योजनाएँ थीं?"

"मेरा इरादा मध्य अफ्रीका में जाकर बसने का था। वहां मेरा काम अभी आधा ही पूरा हुआ है।"

"जाओ और दूसरा आधा काम करो," होम्स ने कहा। "कम से कम मैं तो तुम्हें रोकने के लिए तैयार नहीं हूं।"

डा. स्टर्नडेल ने अपना विशाल शरीर उठाया, गंभीरता से झुके और मंडप से चले गए। होम्स ने अपनी पाइप जलाई और मुझे अपना थैला थमा दिया।

"कुछ ऐसी गैसें जो विषैली न हों, एक स्वागत योग्य बदलाव होंगी," उन्होंने कहा। "मुझे लगता है कि आप सहमत होंगे, वाटसन, कि यह ऐसा मामला नहीं है जिसमें हमें हस्तक्षेप करने की आवश्यकता है। हमारी जांच स्वतंत्र रही है, और हमारी कार्रवाई भी स्वतंत्र ही होगी। क्या आप उस व्यक्ति की निंदा नहीं करेंगे?"

"बिल्कुल नहीं," मैंने उत्तर दिया।

"वाटसन, मैंने कभी प्यार नहीं किया, लेकिन अगर मैं करता और जिस औरत से मैं प्यार करता, उसका ऐसा अंत होता, तो शायद मैं भी वही करता जो हमारे उस कानून तोड़ने वाले शेर-शिकारी ने किया है। कौन जाने? खैर, वाटसन, मैं तुम्हारी बुद्धि की

अपमान नहीं करूंगा जो स्पष्ट है उसे समझाकर। खिड़की की चौखट पर पड़ी बजरी, ज़ाहिर है, मेरी खोज का शुरुआती बिंदु थी। यह पादरी के घर के बगीचे में किसी भी चीज़ से अलग थी। जब मेरा ध्यान डा. स्टेनडेल और उनकी कुटिया की ओर गया, तब मुझे उसका प्रतिरूप मिला। दिन के उजाले में चमकता हुआ दीपक और ढाल पर बारूद के अवशेष एक स्पष्ट कड़ी के क्रमिक भाग थे। और अब, मेरे प्यारे वाटसन, मुझे लगता है कि हम इस मामले को अपने दिमाग से निकाल सकते हैं और साफ मन से उन चाल्डियन जड़ों के अध्ययन में वापस जा सकते हैं जो निश्चित रूप से महान सेल्टिक भाषा की कॉर्निश शाखा में पाई जाती हैं।”

उनका अंतिम प्रणाम: शर्लक होम्स का उपसंहार

अगस्त के दूसरे दिन की रात के नौ बज रहे थे—विश्व के इतिहास का सबसे भयानक अगस्त। ऐसा लग रहा था मानो ईश्वर का श्राप इस पतित संसार पर छाया हुआ हो, क्योंकि उमस भरी और स्थिर हवा में सन्नाटा छाया हुआ था और एक अस्पष्ट सी उम्मीद का एहसास था। सूरज डूब चुका था, लेकिन पश्चिम दिशा में दूर एक खुला घाव जैसा लाल निशान दिखाई दे रहा था। ऊपर तारे जगमगा रहे थे और नीचे खाड़ी में जहाजों की रोशनी टिमटिमा रही थी। दो प्रसिद्ध जर्मन बगीचे के पत्थर के चबूतरे के पास खड़े थे, उनके पीछे लंबा, नीचा और भारी छत वाला घर था, और वे नीचे विशाल चूना पत्थर की चट्टान के तल पर फैले चौड़े समुद्र तट को देख रहे थे, जिस पर वॉन बोर्क, किसी भटकते हुए चील की तरह, चार साल पहले बैठा था। वे एक-दूसरे के करीब सिर रखकर धीमी, गोपनीय आवाज़ में बातें कर रहे थे। उनकी सिगारें के दो सुलगते सिरों के नीचे से, मानो किसी दुष्ट राक्षस की धधकती आँखें अंधेरे में झांक रही हों।

वॉन बोर्क एक असाधारण व्यक्ति थे—कैसर के सभी समर्पित एजेंटों में उनकी बराबरी करना मुश्किल था। उनकी प्रतिभा ही वह कारण थी जिसके चलते उन्हें अंग्रेज़ी मिशन, जो कि सबसे महत्वपूर्ण मिशन था, के लिए चुना गया था, लेकिन जब से उन्होंने यह मिशन संभाला था, उनकी प्रतिभा दुनिया के उन गिने-चुने लोगों के सामने और भी स्पष्ट होती जा रही थी जो वास्तव में सच्चाई से वाकिफ थे। इनमें से एक उनके वर्तमान साथी, बैरन वॉन हर्लिंग थे, जो दूतावास के मुख्य सचिव थे, जिनकी विशाल 100 हॉर्सपावर वाली बेंज़ कार ग्रामीण सड़क पर खड़ी थी और अपने मालिक को लंदन वापस ले जाने का इंतजार कर रही थी।

“जहाँ तक मैं घटनाक्रम का अनुमान लगा सकता हूँ, आप संभवतः एक सप्ताह के भीतर बर्लिन लौट आएंगे,” सचिव कह रहे थे। “जब आप वहाँ पहुंचेंगे, मेरे प्रिय वॉन बोर्क, तो मुझे लगता है कि आपको मिलने वाले स्वागत को देखकर आप आश्चर्यचकित रह जाएंगे। मुझे पता है कि इस देश में आपके कार्यक्षेत्र के उच्च अधिकारियों के बीच क्या राय है।” सचिव एक विशालकाय व्यक्ति थे, गहरे, चौड़े और लंबे, और उनकी बोलने की धीमी, भारी शैली उनके राजनीतिक करियर में उनकी सबसे बड़ी खूबी रही थी।

वॉन बोर्क हँस पड़ा।

उन्होंने कहा, "इन्हें धोखा देना बहुत मुश्किल नहीं है। इनसे अधिक विनम्र और सरल लोग तो सोचे भी नहीं जा सकते।"

“मुझे इसके बारे में पता नहीं,” दूसरे ने सोच-विचार करते हुए कहा। “उनकी कुछ अजीब सीमाएँ हैं और उन्हें समझना सीखना ज़रूरी है। उनकी ऊपरी सादगी ही अजनबी के लिए जाल बन जाती है। पहली नज़र में तो वे बिल्कुल कोमल लगते हैं। फिर अचानक किसी कठोर चीज़ का सामना होता है, और तब पता चलता है कि आप सीमा

तक पहुंच गए हैं और आपको इस स्थिति के अनुसार ढलना होगा। उदाहरण के लिए, उनके कुछ संकीर्ण नियम हैं जिनका पालन करना अनिवार्य है।”

"मतलब, 'अच्छा व्यवहार' और इस तरह की चीजें?" वॉन बोर्क ने एक ऐसे व्यक्ति की तरह आह भरी जिसने बहुत कष्ट सहा हो।

"मतलब, ब्रिटिश पूर्वाग्रह, अपने सभी विचित्र रूपों में। उदाहरण के तौर पर, मैं अपनी सबसे बड़ी गलतियों में से एक का जिक्र कर सकता हूं - मैं अपनी गलतियों के बारे में बात कर सकता हूं, क्योंकि आप मेरे काम को इतना अच्छी तरह जानते हैं कि मेरी सफलताओं से भी वाकिफ होंगे। यह मेरे पहले आगमन पर हुआ था। मुझे एक कैबिनेट मंत्री के कंट्री हाउस में सप्ताहांत की सभा में आमंत्रित किया गया था। बातचीत आश्चर्यजनक रूप से अविवेकी थी।"

वॉन बोर्क ने सिर हिलाया। "मैं वहाँ जा चुका हूँ," उसने रूखेपन से कहा।

“बिल्कुल सही। खैर, मैंने स्वाभाविक रूप से जानकारी का सारांश बर्लिन भेज दिया। दुर्भाग्य से हमारे माननीय चांसलर इन मामलों में थोड़े सख्त हैं, और उन्होंने एक टिप्पणी भेजी जिससे पता चला कि उन्हें इस बात की जानकारी थी कि क्या कहा गया था। इससे बात सीधे मुझ तक पहुंच गई। आपको अंदाज़ा भी नहीं है कि इससे मुझे कितना नुकसान हुआ। मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि उस मौके पर हमारे ब्रिटिश मेज़बानों का व्यवहार बिल्कुल भी नरम नहीं था। मुझे दो साल तक उस बात को भुलाने में लगे रहे। अब आप, अपने इस दिखावटी अंदाज़ के साथ—”

नहीं, नहीं, इसे दिखावा मत कहो। दिखावा तो बनावटी होता है। यह बिल्कुल स्वाभाविक है। मैं जन्म से ही खिलाड़ी हूं। मुझे इसमें मजा आता है।

“खैर, इससे तो और भी असरदार हो जाता है। आप उनके साथ नौका विहार करते हैं, उनके साथ शिकार करते हैं, पोलो खेलते हैं, हर खेल में उनका मुकाबला करते हैं, आपकी चार घोड़ों वाली गाड़ी ओलंपिया में पुरस्कार जीतती है। मैंने तो यह भी सुना है कि आप युवा अधिकारियों के साथ मुक्केबाजी तक करते हैं। नतीजा क्या होता है? कोई आपको गंभीरता से नहीं लेता। आप एक ‘अच्छे खिलाड़ी’, ‘एक जर्मन के लिए काफी सभ्य व्यक्ति’, खूब शराब पीने वाले, नाइट क्लब जाने वाले, शहर में घूमने वाले, बेपरवाह नौजवान हैं। और इस सब के बीच आपका यह शांत देहाती घर इंग्लैंड की आधी से ज़्यादा गड़बड़ियों का केंद्र है, और यह खेल प्रेमी जमींदार यूरोप का सबसे चतुर गुप्तचर है। ज़ीनियस, मेरे प्यारे वॉन बोर्क — ज़ीनियस!”

“आप मेरी प्रशंसा कर रहे हैं, बैरन। लेकिन मैं निश्चित रूप से कह सकता हूँ कि इस देश में मेरे चार साल निष्फल नहीं रहे हैं। मैंने आपको अपनी छोटी सी दुकान कभी नहीं दिखाई। क्या आप एक पल के लिए अंदर आना चाहेंगे?”

अध्ययन कक्ष का दरवाजा सीधे छत पर खुलता था। वॉन बोर्क ने दरवाज़ा खोला और आगे बढ़ते हुए बिजली की बत्ती का स्विच दबाया। फिर उसने अपने पीछे आ रहे भारी-भरकम व्यक्ति के लिए दरवाजा बंद किया और जालीदार खिड़की पर लगे भारी पर्दे को सावधानीपूर्वक ठीक किया। इन सभी सावधानियों को पूरा करने और जांचने के बाद ही उसने धूप से झुलसे हुए अपने तीखे चेहरे को अपने मेहमान की ओर मोड़ा।

उन्होंने कहा, “मेरे कुछ कागजात खो गए हैं। कल जब मेरी पत्नी और परिवार फ्लशिंग के लिए रवाना हुए, तो वे कम महत्वपूर्ण कागजात अपने साथ ले गए। बाकी कागजातों के लिए मुझे दूतावास से सुरक्षा का दावा करना होगा।”

“आपका नाम निजी कक्ष में पहले ही दर्ज कर लिया गया है। आपको या आपके सामान को कोई परेशानी नहीं होगी। बेशक, ऐसा भी हो सकता है कि हमें जाना ही न पड़े। इंग्लैंड फ्रांस को उसके हाल पर छोड़ सकता है। हमें पूरा यकीन है कि उनके बीच कोई बाध्यकारी संधि नहीं है।”

और बेल्जियम?

"हां, और बेल्जियम भी।"

वॉन बोर्क ने सिर हिलाया। "मुझे नहीं लगता कि ऐसा हो सकता है। वहाँ एक स्पष्ट संधि है। वह इस तरह के अपमान से कभी उबर नहीं पाएगी।"

"कम से कम उसे फिलहाल तो शांति मिलेगी।"

लेकिन उनकी इज्जत?

“अरे, मेरे प्रिय महोदय, हम उपयोगितावादी युग में जी रहे हैं। सम्मान तो मध्ययुगीन अवधारणा है। इसके अलावा, इंग्लैंड तैयार नहीं है। यह अविश्वसनीय है, लेकिन हमारा पचास मिलियन का विशेष युद्ध कर भी, जिससे ऐसा लगता था कि हमारा उद्देश्य उतना ही स्पष्ट हो गया है जितना कि टाइम्स के पहले पृष्ठ पर विज्ञापन छपने से होता, इन लोगों को उनकी नींद से नहीं जगा पाया है। कहीं-कहीं कोई सवाल उठता है। जवाब ढूंढना मेरा काम है। कहीं-कहीं कोई नाराज़गी भी होती है। उसे शांत करना मेरा काम है। लेकिन मैं आपको विश्वास दिला सकता हूँ कि जहां तक आवश्यक चीज़ों की बात है - गोला-बारूद का भंडारण, पनडुब्बी हमले की तैयारी, उच्च विस्फोटक बनाने की व्यवस्था - कुछ भी तैयार नहीं है। तो फिर इंग्लैंड कैसे हस्तक्षेप कर सकता है, खासकर तब जब हमने उसे आयरिश गृहयुद्ध, खिड़कियाँ तोड़ने वाली भयंकर हिंसा और न जाने क्या-क्या भड़काकर उसके विचारों को घर तक ही सीमित रखा है।”

उसे अपने भविष्य के बारे में सोचना चाहिए।

“अरे, ये तो अलग बात है। मुझे लगता है कि भविष्य में इंग्लैंड के बारे में हमारी अपनी पक्की योजनाएं हैं, और आपकी जानकारी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी। श्री जॉन बुल से आज या कल ही बात करनी है। अगर वो आज बात करना चाहें तो हम पूरी तरह तैयार हैं। अगर कल बात करें तो हम और भी ज़्यादा तैयार रहेंगे। मुझे लगता है कि उनके लिए सहयोगियों के साथ लड़ना अकेले लड़ने से ज़्यादा बुद्धिमानी भरा होगा, लेकिन ये उनका निजी मामला है। ये हफ़्ता उनके भाग्य का हफ़्ता है। लेकिन आप तो अपने कागज़ात की बात कर रहे थे।” वो आरामकुर्सी पर बैठे रहे, उनके चौड़े गंजे सिर पर रोशनी पड़ रही थी, और वो धीरे-धीरे सिगार का कश ले रहे थे।

ओक की लकड़ी से बने बड़े, किताबों से भरे कमरे के एक कोने में पर्दा लगा हुआ था। जब पर्दा हटाया गया तो अंदर एक बड़ी, पीतल की जिल्द वाली तिजोरी दिखाई दी। वॉन बोर्क ने अपनी घड़ी की चेन से एक छोटी सी चाबी निकाली और ताले को काफी मशक्कत के बाद खोलकर भारी दरवाजा तहस-नहस कर दिया।

“देखो!” उसने हाथ हिलाते हुए, खुद को दूर खड़ा करते हुए कहा।

खुली तिजोरी में तेज़ रोशनी पड़ रही थी और दूतावास के सचिव उसमें सजे हुए खानों की कतारों को बड़ी उत्सुकता से निहार रहे थे। हर खाने पर लेबल लगा था और उनकी नज़रें उन पर पड़े नामों की एक लंबी श्रृंखला पर पड़ीं, जैसे "फोर्ड्स", "बंदरगाह सुरक्षा", "हवाई जहाज", "आयरलैंड", "मिस्र", "पोर्ट्समाउथ किले", "चैनल", "रोसाइथ" और ऐसे ही कई अन्य। हर खाने में कागज़ात और योजनाएँ भरी पड़ी थीं।

“विशालकाय!” सचिव ने कहा। सिगार नीचे रखते हुए उन्होंने अपने मोटे हाथों से धीरे से ताली बजाई।

“और वो भी चार साल में, बैरन। शराब पीने और घुड़सवारी के शौकीन इस जमींदार के लिए ये कोई बुरा प्रदर्शन नहीं है। लेकिन मेरे संग्रह का सबसे अनमोल रत्न आने वाला है और उसके लिए सारा मंच तैयार है।” उन्होंने उस जगह की ओर इशारा किया जहां “नेवल सिग्नल्स” छपा हुआ था।

लेकिन आपके पास पहले से ही एक अच्छा रिकॉर्ड मौजूद है।

"पुराने और बेकार कागज़। एडमिरल्टी को किसी तरह इसकी सूचना मिल गई और सभी कोड बदल दिए गए हैं। यह एक बड़ा झटका था, बैरन – मेरे पूरे अभियान में सबसे बड़ा झटका। लेकिन मेरे चेक-बुक और अच्छे अल्टामोंट की बदौलत आज रात सब ठीक हो जाएगा।"

बैरन ने अपनी घड़ी देखी और निराशा से भरी एक कर्कश आवाज़ निकाली।

"खैर, मैं अब और इंतज़ार नहीं कर सकता। आप समझ सकते हैं कि कार्लटन टेरेस में इस समय कितनी हलचल मची हुई है और हम सभी को अपनी-अपनी जगह पर मौजूद रहना होगा। मुझे उम्मीद थी कि मैं आपकी इस बड़ी सफलता की खबर आप तक पहुंचा पाऊंगा। क्या अल्टामाउंट ने कोई समय निर्धारित नहीं किया था?"

वॉन बोर्क ने एक टेलीग्राम आगे बढ़ाया।

मैं आज रात निश्चित रूप से आऊंगा और नए स्पार्क प्लग लेकर आऊंगा।

अल्टामोंट।

"स्पार्क प्लग, है ना?"

"देखिए, वो खुद को मोटर विशेषज्ञ बताता है और मेरे पास तो पूरा गैरेज भरा पड़ा है। हमारी भाषा में, हर संभावित समस्या का नाम किसी न किसी स्पेयर पार्ट के नाम पर रखा गया है। अगर वो रेडिएटर की बात करता है तो वो युद्धपोत होता है, अगर ऑयल पंप की बात करता है तो क्रूजर होता है, और इसी तरह। स्पार्क प्लग नौसैनिक संकेत होते हैं।"

"पोर्टसमाउथ से दोपहर के समय," सचिव ने शिलालेख की जाँच करते हुए कहा। "वैसे, आप उसे क्या देंगे?"

"इस खास काम के लिए पांच सौ पाउंड। बेशक, उन्हें वेतन भी मिलता है।"

"ये लालची बदमाश। ये गद्दार काम के तो हैं, लेकिन मुझे इनके खून-पसीने की कमाई से नफरत है।"

"मुझे अल्टामोंट से कोई शिकायत नहीं है। वह एक शानदार कामगार है। अगर मैं उसे अच्छी तनख्वाह देता हूं, तो कम से कम वह अपना काम पूरा करके दिखाता है, जैसा कि उसने खुद कहा है। इसके अलावा, वह देशद्रोही नहीं है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारा सबसे कट्टर जर्मन समर्थक जंकर, एक सच्चे कट्टर आयरिश-अमेरिकी की तुलना में इंग्लैंड के प्रति अपने भावों में एक कोमल कबूतर जैसा है।"

"ओह, एक आयरिश-अमेरिकी?"

"अगर आप उसकी बातें सुनते तो आपको कोई शक नहीं होता। सच कहूँ तो, कभी-कभी मुझे भी उसकी बातें समझ में नहीं आतीं। ऐसा लगता है जैसे उसने अंग्रेज़ राजा के साथ-साथ राजा की अंग्रेज़ी पर भी जंग छेड़ दी हो। क्या आपको सच में जाना ही है? वो किसी भी पल यहाँ आ सकता है।"

नहीं। मुझे माफ़ करना, लेकिन मैं पहले ही तय समय से ज़्यादा रुक चुका हूँ। हम कल सुबह जल्दी आपका इंतज़ार करेंगे, और जब आप ड्यूक ऑफ़ यॉर्क की सीढ़ियों पर बने छोटे से दरवाज़े से वह सिग्नल बुक अंदर ले आएंगे, तो आप इंग्लैंड में अपने रिकॉर्ड का शानदार अंत कर सकते हैं। वाह! ठीक है!

उन्होंने धूल से ढकी एक भारी सीलबंद बोतल की ओर इशारा किया, जो एक थाली पर रखे दो ऊंचे गिलासों के साथ रखी थी।

"क्या मैं आपको यात्रा से पहले एक गिलास पेय दे सकता हूँ?"

नहीं, धन्यवाद। लेकिन यह तो उत्सव जैसा लग रहा है।

"अल्टामोंट को वाइन का अच्छा स्वाद पता है, और उसे मेरी टोके वाइन पसंद आ गई। वह थोड़ा संवेदनशील है और छोटी-छोटी बातों पर उसे मनाना पड़ता है। मैं आपको यकीन दिलाता हूं, मुझे उसे समझना होगा।" वे फिर से छत पर टहलते हुए

आगे बढ़े और उसके दूसरे छोर तक गए, जहाँ बैरन के ड्राइवर के छूने पर बड़ी कार काँपी और हल्की सी आवाज़ आई। “मुझे लगता है ये हार्विच की बत्तियाँ हैं,” सचिव ने अपना कोट पहनते हुए कहा। “ये सब कितना शांत और सुकून भरा लगता है। हो सकता है इस हफ्ते और भी बत्तियाँ दिखाई दें, और इंग्लैंड का तट इतना शांत न रहे! अगर ज़ेपेलिन के सारे वादे पूरे हो गए, तो आसमान भी शायद इतना शांत न रहे। वैसे, वह कौन है?”

केवल एक खिड़की से उनके पीछे रोशनी दिखाई दे रही थी; उसमें एक दीपक रखा था, और उसके बगल में, एक मेज पर, देहाती टोपी पहने एक प्यारी सी बूढ़ी, लाल चेहरे वाली महिला बैठी थी। वह बुनाई कर रही थी और बीच-बीच में रुककर अपने बगल में एक स्टूल पर बैठी एक बड़ी काली बिल्ली को सहला रही थी।

"यह मार्था है, मेरी इकलौती नौकरानी जो अब बची है।"

सचिव मुस्कुराया।

“वह तो मानो ब्रिटेन का साक्षात रूप है,” उसने कहा, “अपने पूर्ण आत्ममुग्धता और सहज़ नींद के भाव के साथ। ख़ैर, अलविदा, वॉन बोर्क!” हाथ हिलाकर उसने कार में छलांग लगाई और पल भर में हेडलाइट्स की सुनहरी रोशनी अंधेरे में तेज़ी से आगे बढ़ गई। सचिव आलीशान लिमोसिन के कुशनों पर आराम से लेट गया, उसके विचार यूरोप में आने वाली त्रासदी से इतने भरे हुए थे कि उसने शायद ही ध्यान दिया कि जब उसकी कार गांव की गली में मुड़ी तो वह विपरीत दिशा से आ रही एक छोटी फोर्ड कार को लगभग कुचलने से बच गई।

जब मोटर की बत्तियों की आखिरी रोशनी दूर तक फीकी पड़ गई, तो वॉन बोर्क धीरे-धीरे अपने अध्ययन कक्ष की ओर वापस चले गए। वहाँ से गुजरते हुए उन्होंने देखा कि उनकी बूढ़ी नौकरानी ने अपना दीपक बुझा दिया था और आराम करने चली गई थी। उनके विशाल घर की खामोशी और अंधेरा उनके लिए एक नया अनुभव था, क्योंकि उनका परिवार और घर के सभी सदस्य बड़े थे। फिर भी, यह सोचकर उन्हें राहत मिली कि वे सभी सुरक्षित हैं और रसोई में रुकी उस एक बूढ़ी औरत को छोड़कर, पूरा घर उनका था। उनके अध्ययन कक्ष में काफी साफ-सफाई करनी थी और वे उसे करने में जुट गए, यहाँ तक कि जलते हुए कागजों की गर्मी से उनका तेज, सुंदर चेहरा लाल हो गया। उनकी मेज के बगल में एक चमड़े का सूटकेस रखा था, और उसमें उन्होंने अपनी तिजोरी की कीमती चीजें बड़े करीने और व्यवस्थित ढंग से पैक करना शुरू कर दिया। काम शुरू ही किया था कि उनकी तेज कानों ने दूर से आती एक कार की आवाज सुनी। तुरंत ही उन्होंने संतुष्टि भरी आवाज निकाली, सूटकेस को कसकर बांधा, तिजोरी बंद की, ताला लगाया और जल्दी से छत पर चले गए। वह ठीक समय पर पहुंचा और उसने देखा कि एक छोटी कार गेट पर आकर रुक गई। उसमें से एक यात्री कूदकर बाहर निकला और तेजी से उसकी ओर बढ़ा, जबकि ड्राइवर, जो भारी-भरकम शरीर वाला, भूरे रंग की मूंछों वाला एक बुजुर्ग व्यक्ति था, एक लंबे इंतजार के लिए तैयार होकर बैठ गया।

"तो?" वॉन बोर्क ने उत्सुकता से पूछा और अपने आगंतुक से मिलने के लिए आगे दौड़ पड़ा।

जवाब में उस आदमी ने अपने सिर के ऊपर भूरे कागज का एक छोटा सा पार्सल विजयी भाव से लहराया।

“आज रात आप मुझे खुश कर दीजिए, साहब,” वह चिल्लाया। “आखिरकार मैं घर का खर्च चलाकर ला रहा हूँ।”

“संकेत?”

“जैसा मैंने अपने तार में कहा था, वैसा ही है। उनमें से हर एक, समाफोर, लैंप कोड, मार्कोनी – सब कॉपी हैं, असली नहीं। असली चीज़ इस्तेमाल करना बहुत खतरनाक था। लेकिन ये असली चीज़ें हैं, और आप इस बात पर यकीन कर सकते हैं।” उसने जर्मन के कंधे पर बेरुखी से थपथपाया, जिससे दूसरा थोड़ा सहम गया।

“अंदर आ जाओ,” उसने कहा। “मैं घर में बिल्कुल अकेला हूं। मैं बस इसी का इंतज़ार कर रहा था। ज़ाहिर है, असली से बेहतर तो नकल ही होती है। अगर असली न हो तो सब कुछ बदल जाएगा। तुम्हें लगता है कि नकल पूरी तरह से सुरक्षित है?”

आयरिश-अमेरिकी व्यक्ति अध्ययन कक्ष में दाखिल हुआ और आरामकुर्सी से उठकर अपने लंबे-लंबे हाथ-पैर फैलाए। वह साठ वर्ष का लंबा-चौड़ा, दुबला-पतला आदमी था, जिसकी चेहरे की बनावट स्पष्ट थी और छोटी दाढ़ी उसे अंकल सैम के कार्टूनों से मिलती-जुलती बनाती थी। उसके मुंह के कोने से एक अधजली, भीगी हुई सिगार लटक रही थी, और बैठते ही उसने माचिस जलाकर उसे फिर से सुलगा लिया। "कहीं जाने की तैयारी कर रहे हो?" उसने चारों ओर देखते हुए कहा। "सुनो, महोदय," उसकी नज़र उस तिज़ोरी पर पड़ी जिसका पर्दा अब हटा दिया गया था, "कहीं आप अपने कागज़ात उसमें तो नहीं रखते?"

"क्यों नहीं?"

अरे बाप रे, उस खुले-खुले डिब्बे में! और वे तुम्हें जासूस समझते हैं। अरे, कोई अमेरिकी बदमाश तो उसे खोल ही देता। अगर मुझे पता होता कि मेरा कोई भी पत्र उस तरह के डिब्बे में पड़ा रहेगा, तो मैं तुम्हें पत्र लिखने की हिम्मत ही नहीं करता।

“उस तिजोरी को तोड़ना किसी भी चोर के लिए नामुमकिन होगा,” वॉन बोर्क ने जवाब दिया। “उस धातु को किसी भी औजार से काटा नहीं जा सकता।”

लेकिन ताला?

“नहीं, यह डबल कॉम्बिनेशन लॉक है। क्या आप जानते हैं कि यह क्या होता है?”

अमेरिकी ने कहा, "मेरी तलाशी लो।"

“खैर, ताला खोलने के लिए आपको शब्दों के साथ-साथ अंकों का एक समूह भी चाहिए।” वह उठे और चाबी के छेद के चारों ओर एक दोहरी किरण वाली डिस्क दिखाई। “यह बाहरी डिस्क अक्षरों के लिए है, और भीतरी डिस्क अंकों के लिए।”

"अच्छा, अच्छा, यह ठीक है।"

“तो यह उतना आसान नहीं है जितना आपने सोचा था। इसे मैंने चार साल पहले बनवाया था, और आपको क्या लगता है कि मैंने शब्दों और अंकों के लिए क्या चुना था?”

"यह मेरे से दूर है।"

"ठीक है, मैंने शब्द के लिए अगस्त और आंकड़ों के लिए 1914 को चुना, और बस यहीं से शुरुआत हुई।"

अमेरिकी के चेहरे पर आश्चर्य और प्रशंसा दोनों भाव झलक रहे थे।

वाह, यह तो बहुत ही शानदार था! आपने इसे बखूबी समझ लिया था।

“हां, हममें से कुछ लोग तब भी तारीख का अनुमान लगा सकते थे। ये रही तारीख, और मैं कल सुबह अपना काम बंद कर रहा हूं।”

खैर, मुझे लगता है कि आपको मेरा भी इंतज़ाम करना पड़ेगा। मैं इस सुनसान देश में अकेला नहीं रह सकता। मेरी नज़र में, एक हफ्ते या उससे भी कम समय में जॉन बुल अपने पैरों पर खड़ा हो जाएगा और खूब उत्पात मचाएगा। मैं उसे पानी के ऊपर से देखना ज़्यादा पसंद करूंगा।

लेकिन आप तो अमेरिकी नागरिक हैं?

"खैर, जैक जेम्स भी अमेरिकी नागरिक था, लेकिन फिर भी वह पोर्टलैंड में जेल में सज़ा काट रहा है। किसी ब्रिटिश पुलिसवाले को यह बताना कि आप अमेरिकी नागरिक हैं, कोई मायने नहीं रखता। वह कहता है, 'यहां ब्रिटिश कानून-व्यवस्था चलती है।' वैसे, महोदय, जैक जेम्स की बात करें तो मुझे लगता है कि आप अपने आदमियों की सुरक्षा के लिए कुछ खास नहीं करते।"

"तुम्हारा क्या मतलब है?" वॉन बोर्क ने तीखे स्वर में पूछा।

"अच्छा, आप ही तो उनके मालिक हैं, है ना? यह आपकी ज़िम्मेदारी है कि वे गिर न पड़ें। लेकिन वे गिरते तो हैं, और आपने उन्हें कब उठाया है? ये रहा जेम्स—"

"यह जेम्स की अपनी गलती थी। आप खुद जानते हैं। वह इस काम के लिए बहुत ज्यादा मनमानी करने वाला था।"

"जेम्स एक मूर्ख था—यह मैं मानता हूँ। फिर हॉलिस था।"

वह आदमी पागल था।

"खैर, अंत में वह थोड़ा लड़खड़ाने लगा। जब किसी आदमी को सुबह से शाम तक सौ लोगों के बीच एक ही भूमिका निभानी पड़े, जो पुलिस को उसके बारे में जानकारी देने के लिए तैयार हों, तो ऐसी हालात उसे पागल कर सकते हैं। लेकिन अब स्टाइनर भी है—"

वॉन बोर्क अचानक चौंक गया, और उसका लाल चेहरा थोड़ा पीला पड़ गया।

"स्टाइनर के बारे में क्या?"

"खैर, उन्होंने उसे पकड़ लिया है, बस इतना ही। उन्होंने कल रात उसकी दुकान पर छापा मारा और वह और उसके सारे कागज़ात पोर्टसमाउथ जेल में हैं। तुम चले जाओगे और बेचारे को यह सब झेलना पड़ेगा, और अगर उसकी जान बच गई तो वह बड़ा ही भाग्यशाली होगा। इसीलिए मैं तुम्हारे साथ ही जल्द से जल्द वहां जाना चाहता हूं।"

वॉन बोर्क एक मजबूत और संयमित व्यक्ति थे, लेकिन यह आसानी से देखा जा सकता था कि इस खबर ने उन्हें झकझोर दिया था।

"वे स्टाइनर तक कैसे पहुंच गए?" उसने बुदबुदाते हुए कहा। "यह अब तक का सबसे बड़ा झटका है।"

"खैर, आपके साथ इससे भी बुरा होते-होते बचा, क्योंकि मेरा मानना है कि वे मुझसे ज्यादा दूर नहीं हैं।"

आपका मतलब यह नहीं है!

"ज़रूर। फ्रैटन में मेरी मकान मालकिन को कुछ पूछताछ हुई थी, और जब मुझे इसके बारे में पता चला तो मैंने सोचा कि अब मुझे कुछ करना चाहिए। लेकिन साहब, मैं यह जानना चाहता हूं कि पुलिस को ये सब बातें कैसे पता चलती हैं? स्टाइनर पाँचवाँ आदमी है जिसे आपने मेरे आपके यहाँ काम शुरू करने के बाद खोया है, और अगर मैंने जल्दी नहीं की तो मुझे छठे का नाम भी पता है। आप इसे कैसे समझाएँगे, और क्या आपको अपने आदमियों को इस तरह मरते देखकर शर्म नहीं आती?"

वॉन बोर्क का चेहरा शर्म से लाल हो गया।

"तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई इस तरह बोलने की!"

"अगर मैं साहसी न होती, महोदय, तो मैं आपकी सेवा में न होती। लेकिन मैं आपको सीधे-सीधे अपने मन की बात बता देती हूँ। मैंने सुना है कि आप जर्मन राजनेताओं में जब कोई एजेंट अपना काम कर लेता है, तो उसे जेल में डालने पर आपको कोई अफ़सोस नहीं होता।"

वॉन बोर्क झट से अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

"क्या आप यह कहने की हिम्मत करते हैं कि मैंने अपने एजेंटों को सौंप दिया है!"

"मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा, महोदय, लेकिन कहीं न कहीं कोई मुखबिर या गद्दार जरूर है, और यह पता लगाना आपका काम है कि वह कहां है। खैर, मैं अब और कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। नन्हे हॉलेंड के लिए मैं ही हूँ, और जितनी जल्दी हो उतना अच्छा।"

वॉन बोर्क ने अपने क्रोध पर काबू पा लिया था।

उन्होंने कहा, "हम इतने लंबे समय से सहयोगी रहे हैं कि अब जीत के इस क्षण में झगड़ा करना ठीक नहीं है। आपने शानदार काम किया है और जोखिम उठाए हैं, और मैं इसे भूल नहीं सकता। आप बेझिझक हॉलेंड जाइए, वहां से आपको रॉटरडैम से न्यूयॉर्क के लिए नाव मिल जाएगी। एक हफ्ते बाद कोई और रास्ता सुरक्षित नहीं रहेगा। मैं वह किताब ले जाऊंगा और उसे बाकी किताबों के साथ पैक कर दूंगा।"

अमेरिकी व्यक्ति ने छोटा सा पार्सल अपने हाथ में पकड़ रखा था, लेकिन उसे देने का कोई इशारा नहीं किया।

"आटे का क्या हुआ?" उसने पूछा।

"क्या?"

"वो बड़ी रकम। वो इनाम। वो 500 पाउंड। आखिरी समय में गनर बहुत ही बदतमीज़ हो गया, और मुझे उसे सौ डॉलर और देने पड़े वरना हम दोनों का काम तमाम हो जाता। 'कुछ नहीं होगा!' उसने कहा, और उसका मतलब भी यही था, लेकिन आखिरी सौ डॉलर ने कमाल कर दिया। शुरू से आखिर तक मुझे दो सौ पाउंड का नुकसान हुआ है, इसलिए ये मुमकिन नहीं कि मैं अपना पूरा पैसा लिए बिना इसे छोड़ दूं।"

वॉन बोर्क ने थोड़ी कड़वाहट के साथ मुस्कुराते हुए कहा, "लगता है आपको मेरी इज्जत की ज्यादा परवाह नहीं है। आप किताब देने से पहले पैसा चाहते हैं।"

"जी महोदय, यह एक व्यापारिक प्रस्ताव है।"

"ठीक है। जैसा चाहो वैसा करो।" वह मेज पर बैठ गया और चेक पर हस्ताक्षर किए, जिसे उसने चेक पुस्तिका से फाड़ दिया, लेकिन उसने उसे अपने साथी को नहीं दिया। "आखिरकार, जब हमारे बीच ऐसे संबंध हैं, श्रीमान अल्टामोंट," उसने कहा, "तो मुझे नहीं लगता कि मुझे आप पर आपसे ज़्यादा भरोसा करना चाहिए। क्या आप समझते हैं?" उसने अमेरिकी की ओर पीछे मुड़कर देखते हुए कहा। "चेक मेज पर है। पैसे लेने से पहले मुझे उस पार्सल की जांच करने का अधिकार है।"

अमेरिकी ने बिना कुछ कहे उसे आगे बढ़ा दिया। वॉन बोर्क ने एक डोरी और कागज़ के दो पन्ने खोले। फिर वह अपने सामने पड़ी एक छोटी नीली किताब को कुछ पल के लिए चुपचाप हैरानी से देखता रहा। पन्ने पर सुनहरे अक्षरों में लिखा था, "मधुमक्खी पालन की व्यावहारिक पुस्तिका"। मास्टर जासूस ने बस एक पल के लिए इस अजीबोगरीब बेतुके लेख पर नज़र डाली। अगले ही पल किसी लोहे जैसी मज़बूत पकड़ ने उसकी गर्दन के पिछले हिस्से को जकड़ लिया और उसके छटपटाते चेहरे के सामने क्लोरोफॉर्म से भीगा हुआ स्पंज रख दिया गया।

"एक और गिलास, वॉटसन!" श्री शेरलॉक होम्स ने इम्पीरियल टोके की बोतल आगे बढ़ाते हुए कहा।

मेज के पास बैठा हुआ हट्टा-कट्टा ड्राइवर कुछ उत्सुकता से अपना गिलास आगे बढ़ा रहा था।

"यह अच्छी शराब है, होम्स।"

"वॉटसन, यह एक शानदार वाइन है। सोफे पर बैठे हमारे दोस्त ने मुझे बताया है कि यह शॉनब्रून पैलेस में फ्रांज जोसेफ के विशेष वाइन सेलर से है। क्या आप खिड़की खोल सकते हैं, क्योंकि क्लोरोफॉर्म की भाप स्वाद को खराब कर सकती है?"

तिजोरी थोड़ी खुली हुई थी, और उसके सामने खड़े होम्स एक-एक करके फाइलें निकाल रहे थे, हर एक की तेज़ी से जाँच कर रहे थे, और फिर उन्हें वॉन बोर्क के सूटकेस में करीने से पैक कर रहे थे। जर्मन व्यक्ति सोफे पर खर्राटे लेते हुए सो रहा था, उसकी बाहों और पैरों पर एक-एक पट्टा बंधा हुआ था। “हमें जल्दी करने की ज़रूरत नहीं है, वॉटसन। हमें कोई परेशान नहीं करेगा। क्या आप घंटी बजा देंगे? घर में बूढ़ी मार्था के अलावा कोई नहीं है, जिसने अपना काम बखूबी निभाया है। जब मैंने पहली बार यह मामला उठाया था, तब मैंने ही उसे यहाँ नौकरी दिलवाई थी। आह, मार्था, तुम्हें यह जानकर खुशी होगी कि सब ठीक है।”

वह सौम्य स्वभाव वाली बुज़ुर्ग महिला दरवाजे पर प्रकट हुई। उन्होंने मुस्कुराते हुए श्री होम्स को झुककर प्रणाम किया, लेकिन सोफे पर बैठे व्यक्ति को कुछ आशंका के साथ देखा।

“कोई बात नहीं, मार्था। उसे बिल्कुल भी चोट नहीं आई है।”

“मुझे इस बात की खुशी है, श्रीमान होम्स। उनके नज़रिए से वे एक दयालु स्वामी रहे हैं। वे चाहते थे कि मैं कल उनकी पत्नी के साथ जर्मनी जाऊं, लेकिन यह शायद आपकी योजनाओं के अनुकूल नहीं होता, है ना, महोदय?”

“जी नहीं, बिल्कुल, मार्था। जब तक तुम यहाँ थी, मैं निश्चिंत था। आज रात हमने तुम्हारे संकेत का इंतज़ार किया।”

“यह सचिव थे, महोदय।”

मुझे पता है। उसकी कार हमारी कार के आगे से गुजरी थी।

“मुझे लगा था कि वह कभी नहीं जाएगा। मुझे पता था कि उसे यहाँ पाना आपकी योजनाओं के अनुकूल नहीं होगा, महोदय।”

जी नहीं, बिलकुल नहीं। दरअसल, हमने लगभग आधा घंटा इंतज़ार किया, जब तक कि मैंने आपकी बत्ती बुझते हुए नहीं देखी और मुझे यकीन हो गया कि अब कोई खतरा नहीं है। मार्था, आप कल लंदन के क्लेरिज होटल में मुझसे मिल सकती हैं।

"बहुत बढ़िया, महोदय।"

मुझे लगता है कि आपने जाने के लिए सब कुछ तैयार कर लिया है।

"जी हाँ, महोदय। उन्होंने आज सात पत्र भेजे हैं। हमेशा की तरह मेरे पास पते हैं।"

“बहुत बढ़िया, मार्था। मैं कल इनकी जाँच करूँगा। शुभ रात्रि। ये कागज़ात,” बूढ़ी औरत के गायब होते ही उसने आगे कहा, “बहुत महत्वपूर्ण नहीं हैं, क्योंकि इनमें दी गई जानकारी तो बहुत पहले ही जर्मन सरकार को भेजी जा चुकी है। ये मूल दस्तावेज़ हैं जिन्हें देश से सुरक्षित रूप से बाहर नहीं निकाला जा सका।”

"तो फिर वे किसी काम के नहीं हैं।"

“वॉटसन, मैं इतनी दूर तक नहीं कहूंगा। कम से कम इनसे हमारे लोगों को पता चल जाएगा कि क्या ज्ञात है और क्या नहीं। मैं यह कह सकता हूं कि इनमें से कई दस्तावेज़ मेरे माध्यम से आए हैं, और यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि वे पूरी तरह अविश्वसनीय हैं। मेरे बुढ़ापे में यह देखकर खुशी होगी कि कोई जर्मन क्रूज़र मेरे द्वारा उपलब्ध कराए गए माइन-फील्ड नक्शों के अनुसार सोलेंट में नौकायन कर रहा है। लेकिन तुम, वॉटसन”— उन्होंने अपना काम रोक दिया और अपने पुराने दोस्त के कंधे पकड़ लिए— “मैंने तुम्हें अभी तक शायद ही कभी उजाले में देखा है। समय ने तुम्हें कैसे बदल दिया है? तुम पहले की तरह ही हंसमुख लड़के लगते हो।”

“होम्स, मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं बीस साल छोटा हो गया हूं। मुझे शायद ही कभी इतनी खुशी हुई हो जितनी तब हुई जब मुझे आपका तार मिला जिसमें आपने मुझे कार लेकर हार्विच में मिलने के लिए बुलाया था। लेकिन आप, होम्स – आप तो बिल्कुल नहीं बदले हैं – सिवाय उस भयानक दाढ़ी के।”

“वॉटसन, ये वो बलिदान हैं जो कोई अपने देश के लिए देता है,” होम्स ने अपने छोटे से बालों के गुच्छे को खींचते हुए कहा। “कल ये बस एक भयानक याद बनकर रह जाएगी। बाल कटवाने और कुछ और मामूली बदलावों के साथ, मैं कल क्लेरिज में उसी रूप में प्रकट होऊंगा जैसा मैं इस अमेरिकी कारनामे से पहले था — माफ कीजिएगा, वॉटसन, मेरी अंग्रेज़ी भाषा पर मानो हमेशा के लिए दाग लग गया है — इस अमेरिकी नौकरी के मिलने से पहले।”

"लेकिन आप तो सेवानिवृत्त हो चुके हैं, होम्स। हमने सुना है कि आप साउथ डाउन्स के एक छोटे से फार्म में अपनी मधुमक्खियों और किताबों के बीच एक साधु का जीवन जी रहे हैं।"

“बिल्कुल सही, वॉटसन। ये है मेरे आराम के पलों का फल, मेरे जीवन के अंतिम वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण रचना!” उन्होंने मेज से किताब उठाई और पूरा शीर्षक पढ़ा, “मधुमक्खी पालन की व्यावहारिक पुस्तिका, रानी मधुमक्खी के पृथक्करण पर कुछ टिप्पणियां।” “इसे मैंने अकेले ही लिखा है। उन गहन रातों और मेहनत भरे दिनों का फल देखिए, जब मैंने काम करने वाले छोटे-छोटे समूहों को उसी तरह देखा जैसे कभी लंदन की आपराधिक दुनिया को देखता था।”

लेकिन आपने दोबारा काम कैसे शुरू किया?

“अरे, मैं खुद भी अक्सर इस पर हैरान होता हूँ। विदेश मंत्री को तो मैं आसानी से झेल सकता था, लेकिन जब प्रधानमंत्री ने भी मेरे साधारण से घर में आने की कृपा की! असल बात तो यह है, वॉटसन, कि सोफे पर बैठे ये सज्जन हमारे लोगों के लिए कुछ ज़्यादा ही अच्छे थे। वे अपनी ही श्रेणी के थे। हालात बिगड़ रहे थे, और कोई समझ नहीं पा रहा था कि ऐसा क्यों हो रहा है। एजेंटों पर शक किया गया या उन्हें पकड़ा भी गया, लेकिन किसी शक्तिशाली और गुप्त केंद्रीय बल के सबूत मिले। इसे उजागर करना बेहद ज़रूरी था। मुझ पर इस मामले की जांच करने के लिए ज़बरदस्त दबाव डाला गया। इसमें मुझे दो साल लग गए, वॉटसन, लेकिन ये साल रोमांच से भरे रहे। जब मैं कहता हूँ कि मैंने शिकागो से अपनी यात्रा शुरू की, बफ़ेलो में एक आयरिश गुप्त संस्था से स्नातक किया, स्किबरीन में पुलिस को कड़ी टक्कर दी, और अंततः वॉन बोर्क के एक अधीनस्थ एजेंट की नज़र मुझ पर पड़ी, जिसने मुझे एक योग्य व्यक्ति के रूप में सिफारिश की, तो आप समझ जाएंगे कि मामला कितना जटिल था। तब से मुझे उनके भरोसे का सम्मान मिला है, हालांकि इससे उनकी अधिकांश योजनाएँ थोड़ी-बहुत गलत साबित हुईं और उनके पांच सर्वश्रेष्ठ एजेंट मारे गए। जेल में। मैंने उन्हें देखा, वॉटसन, और मैंने उन्हें पकते ही तोड़ लिया। खैर, महोदय, मुझे उम्मीद है कि आपको कोई नुकसान नहीं हुआ होगा!

अंतिम टिप्पणी वॉन बोर्क को संबोधित थी, जो होम्स के बयान को सुनने के बाद काफ़ी देर तक हांफते और पलकें झपकाते हुए चुपचाप लेटा रहा। अब वह भयंकर गुस्से में जर्मन भाषा में अपशब्दों की बौछार करने लगा, उसका चेहरा आवेश से लाल हो गया था। होम्स ने अपने कैदी के गाली-गलौज और अपशब्दों के बीच दस्तावेजों की अपनी त्वरित जांच जारी रखी।

“भले ही जर्मन भाषा संगीतमय न हो, लेकिन यह सभी भाषाओं में सबसे अधिक अभिव्यंजक है,” वॉन बोर्क के अत्यधिक थकावट के कारण रुकने पर उन्होंने टिप्पणी की। “हैलो! हैलो!” उन्होंने एक रेखाचित्र के कोने को ध्यान से देखते हुए कहा, फिर उसे डिब्बे में रख दिया। “इससे एक और पक्षी पिंजरे में आ जाएगा। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वेतन देने वाला इतना बदमाश है, हालांकि मैं उस पर लंबे समय से नज़र रख रहा था। श्रीमान वॉन बोर्क, आपको बहुत कुछ जवाब देना होगा।”

कैदी बड़ी मुश्किल से सोफे पर उठा और अपने बंदी बनाने वाले को आश्चर्य और घृणा के अजीबोगरीब भावों से घूर रहा था। “मैं तुमसे हिसाब बराबर करूंगा, अल्टामोंट,” उसने धीमी और सोच-समझकर कहा। “चाहे इसमें मेरी पूरी जिंदगी लग जाए, मैं तुमसे हिसाब बराबर करूंगा!”

“यह मधुर पुराना गीत,” होम्स ने कहा। “मैंने इसे बीते दिनों में कितनी बार सुना है। यह दिवंगत प्रोफेसर मोरियार्टी का पसंदीदा गीत था। कर्नल सेबेस्टियन मोरन भी इसे गाते थे। और फिर भी मैं साउथ डाउन्स में रहता हूं और मधुमक्खियां पालता हूं।”

“तुम्हें लानत हो, दोहरे गद्दार!” जर्मन चिल्लाया, अपनी बेड़ियों से जूझते हुए और उसकी क्रोधित आँखों में हत्या की घृणा झलक रही थी।

“नहीं, नहीं, बात इतनी भी बुरी नहीं है,” होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा। “जैसा कि मेरे भाषण से आपको स्पष्ट हो गया होगा, शिकागो के श्री अल्टामोंट का वास्तव में कोई अस्तित्व नहीं था। मैंने उनका इस्तेमाल किया और अब वे जा चुके हैं।”

"तो तुम कौन हो?"

“मैं कौन हूँ, यह वास्तव में महत्वहीन है, लेकिन चूंकि यह मामला आपको रुचिकर लगता है, श्री वॉन बोर्क, तो मैं यह कहना चाहूंगा कि आपके परिवार के सदस्यों से यह मेरी पहली मुलाकात नहीं है। मैंने अतीत में जर्मनी में काफी व्यापार किया है और संभवतः आप मेरा नाम जानते होंगे।”

“मैं यह जानना चाहूंगा,” प्रशियाई व्यक्ति ने गंभीर स्वर में कहा।

“जब आपके चचेरे भाई हेनरिक शाही दूत थे, तब मैंने ही इरेन एडलर और बोहेमिया के दिवंगत राजा के बीच अलगाव करवाया था। मैंने ही आपकी माँ के बड़े भाई, काउंट वॉन अंड ज़ू ग्राफेनस्टीन को नास्तिक क्लोपमैन द्वारा हत्या से बचाया था। यह मैं ही था—”

वॉन बोर्क आश्चर्य से उठ बैठा।

“यहाँ केवल एक ही आदमी है,” वह चिल्लाया।

"बिल्कुल सही," होम्स ने कहा।

वॉन बोर्क कराहते हुए सोफे पर वापस लेट गया। "और उस जानकारी का अधिकांश हिस्सा तुम्हारे माध्यम से ही मिला," वह चिल्लाया। "इसका क्या फायदा? मैंने क्या किया? यह तो मेरा हमेशा के लिए विनाश है!"

होम्स ने कहा, "यह थोड़ा अविश्वसनीय ज़रूर है। इसकी जाँच करनी होगी और आपके पास जाँच करने के लिए ज़्यादा समय नहीं है। आपके एडमिरल को शायद नई तोपें उनकी अपेक्षा से बड़ी लगें और क्रूज़र शायद थोड़े तेज़ हों।"

वॉन बोर्क ने हताशा में अपना गला पकड़ लिया।

“और भी कई बारीकियाँ हैं जो समय आने पर ज़रूर सामने आ जाएँगी। लेकिन आपमें एक ऐसा गुण है जो जर्मनों में बहुत कम देखने को मिलता है, श्री वॉन बोर्क: आप एक कुशल खिलाड़ी हैं और जब आपको एहसास होगा कि आपने, जिन्होंने इतने सारे लोगों को मात दी है, अंत में खुद ही मात खा गए हैं, तो आप मुझसे कोई द्वेष नहीं रखेंगे। आख़िरकार, आपने अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ किया है, और मैंने अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ किया है, और इससे ज़्यादा स्वाभाविक क्या हो सकता है? इसके अलावा,” उन्होंने ज़मीन पर गिरे हुए व्यक्ति के कंधे पर हाथ रखते हुए, बिना किसी द्वेष के कहा, “किसी नीच शत्रु के सामने गिरने से तो यह बेहतर है। ये कागज़ात अब तैयार हैं। वाट्सन। अगर आप हमारे कैदी के साथ मेरी मदद करेंगे, तो मुझे लगता है कि हम तुरंत लंदन के लिए रवाना हो सकते हैं।”

वॉन बोर्क को हिलाना आसान काम नहीं था, क्योंकि वह एक मजबूत और हताश व्यक्ति थे। आखिरकार, दोनों दोस्तों ने उनके दोनों हाथ पकड़कर उन्हें धीरे-धीरे

बगीचे के उस रास्ते पर ले गए, जिस पर कुछ ही घंटे पहले उन्होंने प्रसिद्ध राजनायिक से बधाई प्राप्त करते समय बड़े गर्व और आत्मविश्वास के साथ कदम रखा था। थोड़ी देर के संघर्ष के बाद, उन्हें, हाथ-पैर बंधे होने के बावजूद, छोटी कार की खाली सीट पर बिठा दिया गया। उनका कीमती सूटकेस उनके बगल में ही रखा गया।

अंतिम व्यवस्था हो जाने पर होम्स ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप परिस्थितियों के अनुसार यथासंभव सहज महसूस कर रहे होंगे। अगर मैं एक सिगार जलाकर आपके होंठों के बीच रख दूं तो क्या मैं कोई कुटिलता का दोषी होऊंगा?"

लेकिन सभी सुविधाएं क्रोधित जर्मन पर व्यर्थ गईं।

“मुझे लगता है कि आप समझते हैं, श्री शर्लक होम्स,” उन्होंने कहा, “कि यदि आपकी सरकार इस तरह का व्यवहार करके आपका समर्थन करती है तो यह युद्ध का एक कार्य बन जाएगा।”

"आपकी सरकार और इस सब व्यवहार का क्या हुआ?" होम्स ने सूटकेस पर हाथ मारते हुए कहा।

“आप एक निजी व्यक्ति हैं। आपके पास मेरी गिरफ्तारी का कोई वारंट नहीं है। पूरी कार्यवाही सरासर गैरकानूनी और निंदनीय है।”

“बिल्कुल,” होम्स ने कहा।

"एक जर्मन नागरिक का अपहरण।"

और उनके निजी कागजात चुरा लिए।

“खैर, आप अपनी स्थिति को समझ लीजिए, आप और आपका साथी। अगर मैं गांव से गुजरते समय मदद के लिए चिल्लाऊं तो—”

“मेरे प्रिय महोदय, यदि आपने इतनी मूर्खतापूर्ण हरकत की तो शायद आप हमारे गाँव के सराय के दो सीमित नामों को बढ़ाकर हमें ‘द डैंगलिंग प्रशियन’ जैसा नाम दे देंगे। अंग्रेज तो धैर्यवान प्राणी हैं, पर इस समय उनका मिजाज़ थोड़ा उग्र है, और बेहतर होगा कि उन्हें ज्यादा आज़माया न जाए। नहीं, श्रीमान वॉन बोर्क, आप हमारे साथ शांत और समझदारी से स्कॉटलैंड यार्ड चलें, जहाँ से आप अपने मित्र, बैरन वॉन हर्लिंग को बुला सकते हैं और देख सकते हैं कि क्या आप अभी भी राजदूतों के दल में उनके द्वारा आपके लिए आरक्षित स्थान प्राप्त कर सकते हैं। जहाँ तक आपकी बात है, वॉटसन, जैसा कि मुझे पता चला है, आप अपनी पुरानी सेवा में हमारे साथ जुड़ रहे हैं, इसलिए लंदन आपके रास्ते से दूर नहीं होगा। मेरे साथ यहाँ छत पर खड़े हो जाइए, क्योंकि शायद यह हमारी आखिरी शांत बातचीत हो।”

दोनों मित्र कुछ मिनटों तक अंतरंग बातचीत करते रहे, बीते दिनों को याद करते रहे, जबकि उनका कैदी व्यर्थ ही अपने बंधनों को खोलने की कोशिश करता रहा। कार की ओर मुड़ते हुए होम्स ने चांदनी रात में जगमगाते समुद्र की ओर इशारा किया और सोच-विचार करते हुए सिर हिलाया।

"वाटसन, पूर्वी हवा चल रही है।"

“मुझे नहीं लगता, होम्स। यहाँ बहुत गर्मी है।”

“अच्छे वॉटसन! बदलते युग में तुम ही एकमात्र स्थिर स्तंभ हो। फिर भी, पूरब से एक हवा आ रही है, ऐसी हवा जो इंग्लैंड पर पहले कभी नहीं चली। यह ठंडी और कड़वी होगी, वॉटसन और हममें से कई लोग इसके झोंके से मुरझा सकते हैं। लेकिन फिर भी यह ईश्वर की अपनी हवा है, और जब तूफान थम जाएगा, तो एक स्वच्छ, बेहतर और मजबूत धरती धूप में चमकेगी। वॉटसन, गीड़ी स्टार्ट करो, क्योंकि अब हमारे जाने का समय हो गया है। मेरे पास पाँच सौ पाउंड का एक चेक है जिसे जल्दी भुना लेना चाहिए, क्योंकि चेक जारी करने वाला चाहे तो इसे रोक सकता है।”

शर्लक होम्स की केस बुक

प्रस्तावना

मुझे डर है कि श्री शर्लक होम्स उन लोकप्रिय गायकों की तरह हो जाएंगे, जो अपना समय बीत जाने के बाद भी अपने प्रशंसकों को बार-बार विदाई देने के लिए ललचाते रहते हैं। यह सब बंद होना चाहिए और उन्हें भी भौतिक या काल्पनिक, हर प्राणी की तरह विदा हो जाना चाहिए। यह सोचना अच्छा लगता है कि कल्पना की दुनिया के बच्चों के लिए कोई अद्भुत स्वर्ग है, कोई विचित्र, असंभव जगह जहां फील्डिंग के प्रेमी रिचर्डसन की सुंदरियों से प्रेम करते हों, स्कॉट के नायक इतराते हों, डिकेंस के मनमोहक कॉकनी लोग हंसी बिखेरते हों, और थैकरे के सांसारिक लोग अपने घिनौने जीवन को जीते रहते हों। शायद ऐसे स्वर्ग के किसी कोने में शर्लक और उनके वाटसन को कुछ समय के लिए जगह मिल जाए, जबकि कोई और चतुर जासूस अपने किसी कम चतुर साथी के साथ उस मंच को भर दे जिसे उन्होंने खाली कर दिया है।

उनका करियर लंबा रहा है—हालांकि इसे बढ़ा-चढ़ाकर कहना संभव है; बुजुर्ग सज्जन जो मेरे पास आकर कहते हैं कि उनके बचपन में उनकी कहानियां ही उनकी पसंदीदा थीं, उन्हें मुझसे वैसी प्रतिक्रिया नहीं मिलती जैसी वे उम्मीद करते हैं। कोई भी अपने निजी जीवन के बारे में इतनी बेरुखी से बात करना पसंद नहीं करता। सच तो यह है कि होम्स ने अपनी शुरुआत 'ए स्टडी इन स्कारलेट' और 'द साइन ऑफ फोर' नामक दो छोटी पुस्तिकाओं से की, जो 1887 और 1889 के बीच प्रकाशित हुईं। 1891 में 'द स्ट्रैंड मैगज़ीन' में लघु कहानियों की लंबी श्रृंखला की पहली कहानी 'ए स्कैंडल इन बोहेमिया' प्रकाशित हुई। जनता ने इसे सराहा और और भी कहानियां पढ़ने की इच्छा जताई, इसलिए उस तारीख से, उनतीस साल पहले, उनकी कहानियां एक खंडित श्रृंखला में प्रकाशित होती रहीं, जिसमें अब कम से कम छप्पन कहानियां हैं, जो 'द एडवेंचर्स', 'द मेमोयर्स', 'द रिटर्न' और 'हिज़ लास्ट बो' में पुनः प्रकाशित हुईं, और पिछले कुछ वर्षों में प्रकाशित ये बारह कहानियाँ बची हैं, जिन्हें यहाँ 'द केस बुक ऑफ शर्लक होम्स' शीर्षक के तहत प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने विक्टोरियन युग के उत्तरार्ध में अपने कारनामों की शुरुआत की, एडवर्ड के बेहद कम समय के शासनकाल में भी उन्हें जारी रखा, और आज के इस उथल-पुथल भरे दौर में भी अपनी एक अलग पहचान बनाए रखी है। इसलिए यह कहना बिल्कुल सही होगा कि जिन लोगों ने युवावस्था में पहली बार उनके बारे में पढ़ा था, उन्होंने अपने बच्चों को भी उसी पत्रिका में उन्हीं कारनामों को पढ़ते हुए देखा है। यह ब्रिटिश जनता के धैर्य और निष्ठा का एक अद्भुत उदाहरण है।

संस्मरणों के समापन पर मैंने होम्स को समाप्त करने का पक्का निश्चय कर लिया था, क्योंकि मुझे लगा कि मेरी साहित्यिक ऊर्जा किसी एक ही क्षेत्र में बहुत अधिक नहीं लगनी चाहिए। वह पीला, साफ-सुथरा चेहरा और लचीले अंगों वाला शरीर मेरी कल्पना का एक अनुचित हिस्सा ले रहा था। मैंने ऐसा किया, लेकिन सौभाग्य से किसी भी चिकित्सक ने शव की जांच नहीं की थी, और इसलिए, लंबे समय के बाद, मेरे लिए प्रशंसा की मांग का जवाब देना और अपने जल्दबाजी वाले कार्य को सही ठहराना मुश्किल नहीं था। मुझे इसका कभी पछतावा नहीं हुआ, क्योंकि वास्तव में मैंने पाया है कि इन हल्के-फुल्के लेखन ने मुझे इतिहास, कविता, ऐतिहासिक उपन्यास, मनोवैज्ञानिक शोध और नाटक जैसी साहित्य की विभिन्न शाखाओं में अपनी सीमाओं का पता लगाने और उन्हें खोजने से नहीं रोका है। अगर होम्स का अस्तित्व ही न होता

तो मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कर पाता, हालांकि शायद वह मेरे अधिक गंभीर साहित्यिक कार्यों की पहचान में थोड़ी बाधा बन सकता था।

और इस प्रकार, पाठक, शर्लक होम्स को अलविदा! आपके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद, और आशा करता हूँ कि जीवन की चिंताओं से ध्यान हटाने और विचारों में एक प्रेरक परिवर्तन लाने के रूप में आपको कुछ प्रतिफल मिला होगा, जो केवल प्रेम के जादुई साम्राज्य में ही पाया जा सकता है।

आर्थर कॉनन डोयल।

प्रतिष्ठित ग्राहक का रोमांच

“अब तो कोई नुकसान नहीं होगा,” श्री शर्लक होम्स ने तब कहा जब मैंने पिछले दस वर्षों में दसवीं बार उनसे निम्नलिखित वृत्तांत प्रकट करने की अनुमति मांगी। इस प्रकार अंततः मुझे अपने मित्र के करियर के उस महत्वपूर्ण क्षण को रिकॉर्ड पर दर्ज करने की अनुमति मिल गई, जो एक तरह से उनके करियर का सर्वोच्च क्षण था।

होम्स और मुझे दोनों को ही तुर्की स्नान बहुत पसंद था। सुखाने वाले कमरे की सुखद सुस्ती में सिगरेट पीते हुए ही मैंने उन्हें कहीं और की तुलना में कम संकोची और अधिक मानवीय पाया। नॉर्थम्बरलैंड एवेन्यू स्थित इमारत की ऊपरी मंजिल पर एक एकांत कोना है जहाँ दो सोफे अगल-बगल रखे हैं, और 3 सितंबर, 1902 को, जिस दिन से मेरी कहानी शुरू होती है, हम इन्हीं पर लेटे थे। मैंने उनसे पूछा था कि क्या कुछ हलचल हो रही है, और जवाब में उन्होंने अपने लंबे, पतले, घबराए हुए हाथ को चादर से बाहर निकाला और अपने बगल में लटके कोट की अंदरूनी जेब से एक लिफाफा निकाला।

"हो सकता है यह कोई सनकी, अहंकारी मूर्ख हो; हो सकता है यह जीवन और मृत्यु का मामला हो," उसने मुझे नोट देते हुए कहा। "मुझे इससे ज्यादा कुछ नहीं पता, बस यही संदेश मुझे बता रहा है।"

यह कार्लटन क्लब से आया था और पिछली शाम का था। मैंने जो पढ़ा वह यह था:

सर जेम्स डैमरी, श्री शर्लक होम्स को अपना सादर प्रणाम करते हैं और कल शाम 4:30 बजे उनसे मिलने आएंगे। सर जेम्स निवेदन करते हैं कि जिस विषय पर वे श्री होम्स से परामर्श करना चाहते हैं, वह अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। अतः उन्हें आशा है कि श्री होम्स इस मुलाकात के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और वे कार्लटन क्लब को टेलीफोन पर इसकी पुष्टि कर देंगे।

जब मैंने अखबार लौटाया तो होम्स ने कहा, "मुझे यह कहने की ज़रूरत नहीं है कि मैंने इसकी पुष्टि कर ली है, वॉटसन। क्या आप इस आदमी डैमरी के बारे में कुछ जानते हैं?"

"बस इतना ही कि यह नाम समाज में घर-घर में जाना जाता है।"

“खैर, मैं आपको इससे थोड़ा और बता सकता हूं। उनकी यह प्रतिष्ठा है कि वे संवेदनशील मामलों को अखबारों से दूर रखते हैं। आपको शायद सर जार्ज लुईस के साथ हैमरफोर्ड वसीयत मामले पर हुई उनकी बातचीत याद होगी। वे एक अनुभवी व्यक्ति हैं और कूटनीति में उनकी स्वाभाविक रुचि है। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि यह सिर्फ एक दिखावा नहीं है और उन्हें वास्तव में हमारी सहायता की आवश्यकता है।”

"हमारा?"

"अच्छा, अगर आप इतनी कृपा करेंगे, वॉटसन।"

मुझे सम्मानित महसूस होगा।

"फिर आपके पास एक घंटा है - 4:30 बजे तक। तब तक हम इस मामले को अपने दिमाग से निकाल सकते हैं।"

मैं उस समय क्वीन ऐन स्ट्रीट में अपने कमरे में रह रहा था, लेकिन तय समय से पहले ही मैं बेकर स्ट्रीट पहुंच गया था। ठीक आधे घंटे पर कर्नल सर जेम्स डेमेरी के आने की घोषणा हुई। उनका वर्णन करना शायद ही ज़रूरी है, क्योंकि बहुत से लोग उनके विशाल, स्पष्टवादी और ईमानदार व्यक्तित्व, उनके चौड़े, साफ़-सुथरे चेहरे और सबसे बढ़कर उनकी मधुर, सुरीली आवाज़ को याद रखेंगे। उनकी भूरी आयरिश आँखों में स्पष्टवादिता झलक रही थी और उनके मुस्कुराते होंठों पर हास्य की झलक थी। उनकी चमकदार टोपी, उनका गहरा फ्रॉक-कोट, वास्तव में, हर छोटी से छोटी चीज़, काले साटन की टाई में लगे मोती के पिन से लेकर पॉलिश किए जूतों पर लगे लैवेंडर रंग के स्पैट्स तक, उनके पहनावे के प्रति उनकी उस सावधानी को दर्शाती थी जिसके लिए वे प्रसिद्ध थे। वह विशाल, प्रभावशाली रईस उस छोटे से कमरे पर अपना दबदबा बनाए हुए था।

"बिल्कुल, मैं डॉ. वॉटसन को ढूंढने के लिए तैयार था," उन्होंने विनम्रतापूर्वक झुकते हुए कहा। "उनका सहयोग बहुत आवश्यक हो सकता है, क्योंकि इस अवसर पर, श्री होम्स, हम एक ऐसे व्यक्ति से निपट रहे हैं जो हिंसा से अच्छी तरह परिचित है और जो सचमुच किसी भी हद तक जा सकता है। मेरा मानना है कि यूरोप में उनसे अधिक खतरनाक व्यक्ति कोई नहीं है।"

होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा, "मेरे कई विरोधियों के लिए इस प्रशंसात्मक शब्द का प्रयोग किया गया है। क्या आप धूम्रपान नहीं करते? अगर मैं अपनी पाइप जला लूँ तो मुझे माफ़ कर दीजिएगा। अगर आपका आदमी दिवंगत प्रोफेसर मोरियार्टी या जीवित कर्नल सेबेस्टियन मोरान से भी ज़्यादा खतरनाक है, तो उससे मिलना वाकई worthwhile है। क्या मैं उसका नाम पूछ सकता हूँ?"

क्या आपने कभी बैरन ग्रुनर के बारे में सुना है?

"आपका मतलब ऑस्ट्रियाई हत्यारे से है?"

कर्नल डेमेरी ने अपने कोमल हाथों को हंसते हुए ऊपर उठाया। "आपसे बच पाना नामुमकिन है, मिस्टर होम्स! कमाल है! तो आपने उसे पहले ही हत्यारा मान लिया है?"

महाद्वीपीय अपराधों के विवरण पर नज़र रखना मेरा काम है। प्राग में जो कुछ हुआ, उसे पढ़कर भला कौन उस आदमी के अपराध पर शक कर सकता है! यह तो बस एक तकनीकी कानूनी मामला था और एक गवाह की संदिग्ध मौत ने उसे बचा लिया! मुझे उतना ही यकीन है कि उसने अपनी पत्नी की हत्या तब की थी जब स्प्लगेन दर्रे में तथाकथित 'दुर्घटना' हुई थी, मानो मैंने उसे ऐसा करते हुए देखा हो। मुझे यह भी पता था कि वह इंग्लैंड आया था और मुझे आभास था कि देर-सवेर वह मुझे कोई काम दे देगा। खैर, बैरन ग्रुनर क्या कर रहे हैं? मुझे लगता है कि यह वही पुरानी त्रासदी नहीं है जो फिर से सामने आई है?

"नहीं, यह उससे कहीं अधिक गंभीर है। अपराध का बदला लेना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे रोकना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। श्री होम्स, यह एक भयानक घटना, एक भयावह स्थिति को अपनी आँखों के सामने घटते देखना, यह स्पष्ट रूप से समझना कि यह किस ओर ले जाएगी और फिर भी उसे रोकने में पूरी तरह असमर्थ होना, एक भयावह बात है। क्या किसी इंसान को इससे भी अधिक कठिन परिस्थिति में डाला जा सकता है?"

"शायद नहीं।"

"तब आप उस ग्राहक के प्रति सहानुभूति दिखाएंगे जिसके हितों के लिए मैं काम कर रहा हूं।"

मुझे यह समझ नहीं आया कि आप केवल एक मध्यस्थ थे। मुख्य व्यक्ति कौन है?

श्रीमान होम्स, आपसे निवेदन है कि इस प्रश्न पर ज़ोर न दें। यह महत्वपूर्ण है कि मैं उन्हें आश्वस्त कर सकूं कि उनका नाम इस मामले में किसी भी तरह से नहीं घसीटा गया है। उनके इरादे पूरी तरह से नेक और शिष्ट हैं, लेकिन वे गुमनाम रहना पसंद करते हैं। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि आपकी फीस सुनिश्चित रहेगी और आपको पूरी स्वतंत्रता दी जाएगी। आपके मुवक्किल का वास्तविक नाम भला क्यों मायने रखता है?

"मुझे खेद है," होम्स ने कहा। "मुझे अपने मामलों में रहस्य का एक पहलू तो हमेशा पसंद है, लेकिन दोनों पहलुओं में रहस्य का होना बहुत उलझन भरा है। मुझे खेद है, सर जेम्स, कि मुझे इस मामले को आगे बढ़ाने से मना करना पड़ेगा।"

हमारा आगंतुक बहुत परेशान था। उसका बड़ा, संवेदनशील चेहरा भावनाओं और निराशा से काला पड़ गया था।

"श्री होम्स, आपको अपने इस कार्य के परिणाम का शायद ही अंदाजा हो," उन्होंने कहा। "आपने मुझे एक गंभीर दुविधा में डाल दिया है, क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि अगर मैं आपको सारे तथ्य बता सकूं तो आप इस मामले को अपने हाथ में लेने में गर्व महसूस करेंगे, लेकिन एक वादा मुझे उन सभी को प्रकट करने से रोकता है। क्या मैं कम से कम अपने पास मौजूद सभी तथ्य आपके सामने रख सकता हूँ?"

"बिल्कुल, बशर्ते यह स्पष्ट हो जाए कि मैं किसी भी चीज के लिए प्रतिबद्ध नहीं हूं।"

"यह तो समझ में आ गया। सबसे पहले तो, आपने जनरल डी मर्विल के बारे में तो सुना ही होगा?"

"खैबर युद्ध में मशहूर डी मर्विल? जी हां, मैंने उनके बारे में सुना है।"

"उनकी एक बेटी है, वायलेट डी मर्विल, युवा, धनी, सुंदर, प्रतिभाशाली, हर तरह से एक विलक्षण प्रतिभा की धनी महिला। यही बेटी, यही प्यारी, मासूम लड़की है जिसे हम एक दुष्ट के चंगुल से बचाने का प्रयास कर रहे हैं।"

तो क्या बैरन ग्रुनर का उस पर कुछ प्रभाव है?

"औरतों के मामले में सबसे मज़बूत पकड़ प्यार की होती है। जैसा कि आपने सुना होगा, वह व्यक्ति बेहद आकर्षक है, उसका व्यवहार बेहद मोहक है, उसकी आवाज़ मधुर है और उसमें रोमांस और रहस्य का वो आकर्षण है जो औरतों के लिए बहुत मायने रखता है। कहा जाता है कि सारी औरतें उसके वश में हैं और उसने इस बात का भरपूर फ़ायदा उठाया है।"

"लेकिन ऐसा आदमी मिस वायलेट डी मर्विल जैसी प्रतिष्ठित महिला से कैसे मिला?"

"यह भूमध्य सागर में नौकायन यात्रा के दौरान हुआ था। कंपनी, हालांकि चुनिंदा थी, ने अपने यात्रा खर्च स्वयं वहन किए। इसमें कोई संदेह नहीं कि आयोजकों को बैरन के असली चरित्र का तब तक पता नहीं चला जब तक बहुत देर हो चुकी थी। उस दुष्ट ने महिला से इस कदर लगाव पैदा कर लिया कि उसने उसका दिल पूरी तरह से जीत लिया। यह कहना कि वह उससे प्यार करती है, काफी नहीं है। वह उस पर फिदा है, उसके लिए जुनूनी है। उसके सिवा उसके लिए दुनिया में कुछ भी नहीं है। वह उसके खिलाफ एक शब्द भी नहीं सुनना चाहती। उसके इस पागलपन को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया, लेकिन व्यर्थ। संक्षेप में, वह अगले महीने उससे शादी करने का प्रस्ताव रखती है। चूंकि वह बालिग है और उसका इरादा दृढ़ है, इसलिए उसे रोकना मुश्किल है।"

क्या उसे ऑस्ट्रिया वाली घटना के बारे में पता है?

"उस धूर्त शैतान ने उसे अपने अतीत के हर घिनौने सार्वजनिक घोटाले के बारे में बता दिया है, लेकिन हमेशा इस तरह से कि वह खुद को एक निर्दोष शहीद के रूप में प्रस्तुत कर सके। वह उसकी बात को पूरी तरह से मान लेती है और किसी और की बात नहीं सुनती।"

अरे बाप रे! आपने अनजाने में अपने मुवाक्केल का नाम बता दिया है क्या? यह तो निश्चित रूप से जनरल डी मर्विल ही हैं।

हमारा आगंतुक अपनी कुर्सी पर बेचैनी से हिल रहा था।

“मिस्टर होम्स, मैं आपको ऐसा कहकर धोखा दे सकता था, लेकिन यह सच नहीं होता। डी मर्विल पूरी तरह टूट चुका है। इस घटना ने उस मजबूत सैनिक को पूरी तरह से हतोत्साहित कर दिया है। उसने वह साहस खो दिया है जो युद्ध के मैदान में कभी उसका साथ नहीं छोड़ता था, और वह एक कमजोर, लड़खड़ाता हुआ बूढ़ा आदमी बन गया है, जो इस ऑस्ट्रियाई जैसे प्रतिभाशाली, शक्तिशाली बदमाश का मुकाबला करने में पूरी तरह असमर्थ है। हालांकि, मेरा मुवक्किल एक पुराना दोस्त है, जो जनरल को कई वर्षों से घनिष्ठ रूप से जानता है और जब से यह युवती छोटी फ्रॉक पहनती थी, तब से उसमें पिता तुल्य रुचि रखता है। वह इस त्रासदी को बिना किसी प्रयास के पूरा होते नहीं देख सकता। स्कॉटलैंड यार्ड कुछ भी नहीं कर सकता। आपको बुलाने का सुझाव उसी का था, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, यह इस स्पष्ट शर्त पर था कि वह व्यक्तिगत रूप से इस मामले में शामिल नहीं होगा। मुझे कोई संदेह नहीं है, मिस्टर होम्स, कि आपकी असाधारण क्षमताओं से आप मेरे माध्यम से मेरे मुवक्किल का आसानी से पता लगा सकते हैं, लेकिन मैं आपसे सम्मान के नाते ऐसा न करने और उसके घर में दखल न देने का अनुरोध करता हूं। गुप्त रूप से।"

होम्स ने एक शरारती मुस्कान दी।

“मुझे लगता है मैं इस बात का पूरा भरोसा दिला सकता हूँ,” उन्होंने कहा। “मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आपकी समस्या में मेरी रुचि है और मैं इस पर गौर करने के लिए तैयार हूं। मैं आपसे कैसे संपर्क में रहूं?”

“कार्लटन क्लब मुझसे संपर्क कर लेगा। लेकिन आपात स्थिति में, एक निजी टेलीफोन नंबर है, ‘XX.31’।”

होम्स ने इसे लिख लिया और मुस्कुराते हुए, खुली हुई मेमोरेंडम-बुक को अपने घुटनों पर रखकर बैठ गया।

“क्या आप बैरन का वर्तमान पता बता सकते हैं?”

"वर्नन लॉज, किंग्स्टन के पास। यह एक बड़ा घर है। उसने कुछ संदिग्ध सौदों में किस्मत आजमाई है और वह एक अमीर आदमी है, जो स्वाभाविक रूप से उसे एक अधिक खतरनाक प्रतिद्वंद्वी बनाता है।"

क्या वह इस समय घर पर है?

"हां।"

"आपने मुझे जो बताया है उसके अलावा, क्या आप मुझे उस व्यक्ति के बारे में कोई और जानकारी दे सकते हैं?"

“उनकी पसंद महंगी है। उन्हें घोड़ों का बहुत शौक है। कुछ समय के लिए उन्होंने हर्लिंगहैम में पोलो खेला, लेकिन फिर प्राग कांड का मुद्दा सामने आया और उन्हें वहां से जाना पड़ा। वे किताबें और तस्वीरें इकट्ठा करते हैं। उनके स्वभाव में कलात्मकता का गहरा पुट है। मेरा मानना है कि वे चीनी मिट्टी के बर्तनों के जाने-माने विशेषज्ञ हैं और उन्होंने इस विषय पर एक किताब भी लिखी है।”

“एक जटिल दिमाग,” होम्स ने कहा। “सभी बड़े अपराधियों में यह होता है। मेरा पुराना दोस्त चार्ली पीस वायलिन बजाने में माहिर था। वेनराइट भी एक बेहतरीन कलाकार था। मैं ऐसे और भी कई उदाहरण दे सकता हूं। खैर, सर जेम्स, आप अपने मुवक्किल को बता दीजिएगा कि मैं बैरन ग्रुनर के मामले पर विचार कर रहा हूं। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। मेरे पास खुद के कुछ सूचना स्रोत हैं, और मुझे विश्वास है कि हम इस मामले को सुलझाने का कोई रास्ता निकाल लेंगे।”

जब हमारे मेहमान चले गए, तो होम्स इतनी देर तक गहरी सोच में डूबे रहे कि मुझे लगा मानो वे मेरी मौजूदगी को भूल गए हों। लेकिन अंत में, वे तेज़ी से होश में आ गए।

“अच्छा, वॉटसन, आपके क्या विचार हैं?” उसने पूछा।

"मुझे लगता है कि आपको उस युवती से खुद मिलना चाहिए।"

“मेरे प्यारे वॉटसन, अगर उसका बेचारा बूढ़ा टूटा हुआ पिता उसे मना नहीं सकता, तो मैं, एक अजनबी, कैसे मना पाऊंगा? फिर भी, अगर बाकी सब नाकाम हो जाए तो इस सुझाव में कुछ तो बात है। लेकिन मुझे लगता है कि हमें एक अलग दृष्टिकोण से शुरुआत करनी होगी। मुझे लगता है कि शिनवेल जॉनसन शायद मददगार साबित हो सकते हैं।”

मैंने इन संस्मरणों में शिनवेल जॉनसन का ज़िक्र नहीं किया है क्योंकि मैंने अपने मित्र के करियर के अंतिम दौर से जुड़े मामलों को कम ही लिया है। सदी के शुरुआती वर्षों में वह एक महत्वपूर्ण सहायक बन गए। मुझे यह कहते हुए दुख होता है कि जॉनसन ने पहले एक बेहद खतरनाक अपराधी के रूप में नाम कमाया और पार्कहर्स्ट में दो बार कारावास भुगता। अंततः उन्हें पश्चाताप हुआ और उन्होंने होम्स के साथ हाथ मिला लिया, लंदन के विशाल आपराधिक गिरोह में उनके एजेंट के रूप में काम करते हुए ऐसी जानकारी हासिल की जो अक्सर बेहद महत्वपूर्ण साबित हुई। अगर जॉनसन पुलिस के मुखबिर होते तो उनका जल्द ही पर्दाफाश हो जाता, लेकिन चूंकि उन्होंने ऐसे मामलों को संभाला जो सीधे अदालतों में नहीं आए, इसलिए उनके साथियों को उनकी गतिविधियों का कभी पता नहीं चला। अपनी दो दोषसिद्धि के प्रभाव में, शहर के हर नाइट क्लब, अड्डे और जुआघर में उनकी पहुँच थी, और उनकी तेज़ नज़र और सक्रिय बुद्धि ने उन्हें जानकारी हासिल करने के लिए एक आदर्श एजेंट बना दिया। अब शर्लक होम्स ने उन्हीं की ओर रुख करने का फैसला किया।

मेरे लिए अपने दोस्त द्वारा उठाए गए तत्काल कदमों का अनुसरण करना संभव नहीं था, क्योंकि मुझे खुद कुछ जरूरी पेशेवर काम थे, लेकिन मैंने उस शाम सिम्पसन में उनसे तय समय पर मुलाकात की, जहां सामने की खिड़की के पास एक छोटी सी मेज पर बैठकर और स्ट्रैंड में जीवन की हलचल को देखते हुए, उन्होंने मुझे कुछ बातें बताईं जो घटी थीं।

उन्होंने कहा, "जॉनसन घात लगाए बैठा है। वह अँधेरी दुनिया के अंधेरे कोनों से कुछ न कुछ गड़बड़ियां उठा सकता है, क्योंकि अपराध की काली जड़ों के बीच ही हमें इस आदमी के रहस्यों की खोज करनी होगी।"

लेकिन अगर वह महिला पहले से ज्ञात बातों को स्वीकार नहीं करती है, तो आपकी कोई भी नई खोज उसे उसके उद्देश्य से क्यों विचलित कर सकती है?

“कौन जानता है, वॉटसन? स्त्री का हृदय और मस्तिष्क पुरुषों के लिए अनसुलझी पहेलियाँ हैं। हत्या को माफ या उचित ठहराया जा सकता है, लेकिन कोई छोटा-मोटा अपराध भी चुभ सकता है। बैरन ग्रुनर ने मुझसे कहा था—”

उन्होंने आपसे कहा!

“ओह, सच में, मैंने आपको अपनी योजनाओं के बारे में नहीं बताया था। खैर, वॉटसन, मुझे अपने आदमी से आमने-सामने मिलना अच्छा लगता है। मुझे उससे आँखें मिलाकर बात करना और खुद यह जानना अच्छा लगता है कि वह किस काबिल है। जॉनसन को निर्देश देने के बाद मैं टैक्सी से किंग्स्टन गया और वहाँ बैरन को बहुत ही खुशमिजाज पाया।”

क्या उसने आपको पहचाना?

“इसमें कोई दिक्कत नहीं हुई, मैंने बस अपना कार्ड भेज दिया। वह एक बेहतरीन खलनायक हैं, एकदम शांत, रेशमी आवाज़ वाले और किसी फैशनेबल सलाहकार की

तरह सौम्य, लेकिन ज़हरीले कोबरा की तरह। उनमें एक खास तरह का संस्कार है—अपराध जगत के असली रईस, जिनमें ऊपरी तौर पर दोपहर की चाय की महक तो है, लेकिन उसके पीछे कब्र जैसी क्रूरता छिपी है। जी हां, मुझे खुशी है कि बैरन एडेलबर्ट ग्रुनर की तरफ मेरा ध्यान गया।"

"आप कहते हैं कि वह मिलनसार था?"

"एक बिल्ली जो गुर्राती हुई चूहों को देखकर खुद को खतरे में समझती है। कुछ लोगों का सौम्य स्वभाव कठोर आत्माओं की हिंसा से भी अधिक घातक होता है। उनका अभिवादन विशिष्ट था। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा था कि आपसे कभी न कभी मुलाकात ज़रूर होगी, मिस्टर होम्स। आपको जनरल डी मर्विल ने मेरी शादी उनकी बेटी वायलेट से रोकने के लिए नियुक्त किया है। क्या यह सच है?'"

मैंने सहमति दे दी।

" 'मेरे प्रिय व्यक्ति,' उसने कहा, 'तुम केवल अपनी ही सद्गुण संपन्न प्रतिष्ठा को बर्बाद करोगे। यह ऐसा मामला नहीं है जिसमें तुम सफल हो सको। तुम्हें कुछ भी हासिल नहीं होगा, खतरे की बात तो छोड़ ही दो। मैं तुम्हें दृढ़तापूर्वक सलाह देता हूं कि तुम तुरंत पीछे हट जाओ।'

" 'यह अजीब बात है,' मैंने उत्तर दिया, 'लेकिन यही सलाह मैं आपको देना चाहता था। बैरन, मैं आपकी बुद्धिमत्ता का सम्मान करता हूँ, और आपके व्यक्तित्व का जितना थोड़ा-बहुत मैंने देखा है, उससे यह सम्मान कम नहीं हुआ है। चलिए, मैं आपसे एक आदमी की तरह बात करता हूं। कोई भी आपके अतीत को कुरेदकर आपको बेवजह असहज नहीं करना चाहता। वह सब बीत चुका है, और अब आप सुरक्षित हैं, लेकिन अगर आप इस शादी को जारी रखते हैं, तो आप शक्तिशाली दुश्मनों का एक झुंड खड़ा कर लेंगे जो तब तक आपका पीछा नहीं छोड़ेंगे जब तक कि वे इंग्लैंड को इतना गर्म न बना दें कि आप वहां टिक न सकें। क्या यह खेल खेलने लायक है? निश्चित रूप से, अगर आप उस महिला को अकेला छोड़ दें तो यह आपके लिए अधिक बुद्धिमानी होगी। अगर आपके अतीत के ये तथ्य उसके ध्यान में आ गए तो यह आपके लिए सुखद नहीं होगा।'

बैरन की नाक के नीचे मोम से सने छोटे-छोटे बाल थे, जो किसी कीड़े के छोटे एंटीना जैसे दिखते थे। सुनते समय ये बाल मजे से कांप रहे थे, और अंत में वे धीरे से हंस पड़े।

" 'मुझे माफ करना, मिस्टर होम्स,' उसने कहा, 'लेकिन आपको बिना कार्ड के हाथ खेलने की कोशिश करते देखना वाकई मजेदार है। मुझे नहीं लगता कि कोई इसे बेहतर कर सकता है, लेकिन फिर भी यह काफी दयनीय है। मिस्टर होम्स, यहां एक भी रंगीन कार्ड नहीं है, सिर्फ सबसे छोटे कार्ड हैं।'"

" 'तो तुमको लगता है।'

"तो मुझे पता है। मैं आपको यह बात स्पष्ट कर देता हूँ, क्योंकि मेरा हाथ इतना मजबूत है कि मैं इसे दिखा सकता हूँ। मैं इस महिला का पूरा स्नेह जीतने में भाग्यशाली रहा हूँ। यह मुझे तब मिला जब मैंने उसे अपने पिछले जीवन की सभी दुखद घटनाओं के बारे में स्पष्ट रूप से बताया था। मैंने उसे यह भी बताया था कि कुछ दुष्ट और धूर्त लोग - मुझे उम्मीद है कि आप खुद को पहचानते होंगे - उसके पास आकर उसे ये बातें बताते थे, और मैंने उसे चेतावनी दी थी कि उनसे कैसे निपटना है। आपने सम्मोहन के बाद के सुझाव के बारे में सुना होगा। श्री होम्स ने कहा, 'अच्छा, आप देखेंगे कि यह कैसे काम करता है, क्योंकि एक प्रभावशाली व्यक्ति बिना किसी अश्लीलता या मूर्खता के सम्मोहन का उपयोग कर सकता है। इसलिए वह आपके लिए तैयार है और मुझे कोई

संदेह नहीं है कि वह आपको मिलने का समय देगी, क्योंकि वह अपने पिता की इच्छा के प्रति पूरी तरह से सहमत है - केवल एक छोटी सी बात को छोड़कर।'

"खैर, वॉटसन, कहने के लिए और कुछ नहीं बचा था, इसलिए मैंने यथासंभव ठंडेपन और गरिमा के साथ विदा ली, लेकिन जैसे ही मेरा हाथ दरवाजे के हैंडल पर था, उसने मुझे रोक दिया।"

" 'वैसे, मिस्टर होम्स,' उसने कहा, 'क्या आप फ्रांसीसी एजेंट ले ब्रून को जानते थे?'

" 'हां,' मैंने कहा।

" 'क्या आपको पता है कि उसके साथ क्या हुआ?'

"मैंने सुना है कि मोंटमार्ट जिले में कुछ अपाचे लोगों ने उसे पीटा और वह जीवन भर के लिए अपाहिज हो गया।"

"बिल्कुल सही, मिस्टर होम्स। एक अजीब संयोग से, एक हफ्ते पहले ही वह मेरे मामलों की छानबीन कर रहे थे। ऐसा मत कीजिए, मिस्टर होम्स; यह करना शुभ नहीं है। कई लोगों को यह पता चल चुका है। मेरा आपसे आखिरी शब्द यही है, आप अपने रास्ते जाइए और मुझे भी जाने दीजिए। अलविदा!"

"तो लीजिए, वॉटसन। अब आप पूरी तरह से अपडेट हो चुके हैं।"

"वह व्यक्ति खतरनाक प्रतीत होता है।"

"बेहद खतरनाक। मैं शेखी बघारने वाले की बातों पर ध्यान नहीं देता, लेकिन यह उस तरह का आदमी है जो अपनी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहता है।"

"क्या आपको दखल देना ही चाहिए? क्या इससे वाकई कोई फर्क पड़ता है कि वह उस लड़की से शादी करता है या नहीं?"

"यह देखते हुए कि उसने निस्संदेह अपनी आखिरी पत्नी की हत्या की थी, मुझे कहना चाहिए कि यह बहुत मायने रखता था। इसके अलावा, ग्राहक! खैर, खैर, हमें इस पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। जब आपकी कॉफी खत्म हो जाए तो बेहतर होगा कि आप मेरे साथ घर चलें, क्योंकि हंसमुख शिनवेल अपनी रिपोर्ट लेकर वहाँ मौजूद होगा।"

हमने उसे ढूंढ ही लिया; एक विशालकाय, खुरदरा, लाल चेहरे वाला, स्कर्व्यूट रोग से ग्रसित व्यक्ति, जिसकी काली चमकीली आँखें ही उसके भीतर छिपे धूर्त दिमाग का एकमात्र बाहरी संकेत थीं। ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपने ही विशेष राज्य में उतर आया था, और उसके बगल में सोफे पर एक ऐसी स्त्री बैठी थी जिसे वह अपने साथ लाया था - एक दुबली-पतली, लौ जैसी युवती, जिसका चेहरा पीला और तीव्र था; युवा होते हुए भी, वह पाप और दुःख से इतनी विक्षिप्त थी कि उस पर बीते भयानक वर्षों के कुष्ठ रोग के निशान स्पष्ट दिखाई देते थे।

"ये हैं मिस किट्टी विंटर," शिनवेल जॉनसन ने अपना मोटा हाथ हिलाते हुए परिचय दिया। "जो कुछ उन्हें नहीं पता – खैर, वो खुद बता देंगी। श्री होम्स, आपके संदेश मिलने के एक घंटे के भीतर मेरा हाथ उनसे मिलवा दीजिए।"

"मुझे ढूंढना आसान है," युवती ने कहा। "लंदन में तो मैं हमेशा फंस जाती हूँ। पोर्की शिनवेल की भी यही पता है। पोर्की, हम पुराने दोस्त हैं। लेकिन हे भगवान! अगर दुनिया में न्याय होता तो एक और आदमी है जिसे हमसे भी बदतर नरक में होना चाहिए था! श्री होम्स, आप उसी आदमी को ढूंढ रहे हैं।"

होम्स मुस्कुराया। "मुझे लगता है कि हमें आपकी शुभकामनाएँ प्राप्त हुई हैं, मिस विंटर।"

"अगर मैं उसे उसके सही स्थान पर पहुँचाने में मदद कर सकूँ, तो मैं आपकी सेवा में हाज़िर हूँ," हमारी आगंतुक ने ज़बरदस्त जोश के साथ कहा। उसके सफ़ेद, कठोर

चेहरे और धधकती आँखों में घृणा की ऐसी तीव्रता थी जो स्त्री में शायद ही कभी और पुरुष में कभी नहीं देखी जा सकती।

“आपको मेरे अतीत में जाने की ज़रूरत नहीं है, श्रीमान होम्स। इससे कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन मैं जो कुछ भी हूँ, वह एडेलबर्ट ग्रूनर ने मुझे बनाया है। काश मैं उसे नीचे गिरा पाती!” उसने बेतहाशा अपने हाथ हवा में लहराए। “काश, मैं उसे उस गड्ढे में धकेल पाती जहाँ उसने कितनों को धकेला है!”

"क्या आपको पता है कि मामला अभी किस स्थिति में है?"

“पोर्की शिनवेल मुझे बता रहा है। वो किसी और भोली-भाली लड़की के पीछे पड़ा है और इस बार उससे शादी करना चाहता है। तुम इसे रोकना चाहती हो? तो तुम इस शैतान के बारे में इतना तो जानती ही हो कि कोई भी समझदार लड़की उसके साथ एक ही जगह पर रहना नहीं चाहेगी।”

“वह होश में नहीं है। वह बुरी तरह प्यार में डूबी हुई है। उसे उसके बारे में सब कुछ पता चल चुका है। उसे किसी बात की परवाह नहीं है।”

"क्या आपको हत्या के बारे में बताया गया था?"

"हाँ।"

“हे भगवान, उसमें तो बहुत हिम्मत है!”

वह इन सभी बातों को मानहानि बताकर खारिज कर देती है।

"क्या तुम उसकी भोली आँखों के सामने सबूत नहीं रख सकते थे?"

"अच्छा, क्या आप इसमें हमारी मदद कर सकते हैं?"

“क्या मैं खुद इसका सबूत नहीं हूँ? अगर मैं उसके सामने खड़ी होकर उसे बताऊँ कि उसने मेरा इस्तेमाल कैसे किया—”

क्या आप ऐसा करेंगे?

क्या मैं ऐसा करूँगा? क्या मैं ऐसा नहीं करूँगा!

"खैर, कोशिश करके देखना शायद फ़ायदेमंद हो। लेकिन उसने उसे अपने ज़्यादातर गुनाहों के बारे में बता दिया है और उसे माफ़ी भी मिल चुकी है, और मुझे लगता है कि वह इस सवाल को दोबारा नहीं उठाएगी।"

“मुझे लगता है उसने उसे सब कुछ नहीं बताया,” मिस विंटर ने कहा। “मैंने उस हत्या के अलावा एक-दो हत्याओं की झलक देखी थी जिसने इतना हंगामा मचाया था। वह किसी के बारे में अपने मखमली लहजे में बात करता और फिर मेरी तरफ स्थिर निगाहों से देखता और कहता: ‘वह एक महीने के अंदर मर गया।’ यह सिर्फ़ हवा-हवाई बातें भी नहीं थीं। लेकिन मैंने ज़्यादा ध्यान नहीं दिया—आप जानते हैं, उस समय मैं खुद उससे प्यार करती थी। वह जो कुछ भी करता, मुझे उससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता था, ठीक वैसे ही जैसे इस बेचारे मूर्ख से! बस एक बात थी जिसने मुझे हिलाकर रख दिया। जी हाँ, अगर उसकी ज़हरीली, झूठी ज़बान न होती जो बातों को समझाकर दिलासा देती है, तो मैं उसी रात उसे छोड़ देती। उसके पास एक किताब है— भूरे चमड़े की एक किताब, जिस पर ताला लगा है और उसके बाहर सोने के अक्षरों में उसकी भुजाएँ बनी हैं। मुझे लगता है कि उस रात वह थोड़ा नशे में था, वरना वह मुझे वह किताब न दिखाता।”

“तो फिर वो क्या था?”

“मैं आपको बताता हूँ, श्रीमान् होम्स, यह आदमी औरतों का संग्रह करता है और अपने इस संग्रह पर उतना ही गर्व करता है जितना कुछ लोग पतंगों या तितलियों का। उस किताब में उसका सब कुछ था। स्नैपशॉट तस्वीरें, नाम, विवरण, उनके बारे में सब कुछ। वह एक घिनौनी किताब थी - ऐसी किताब जिसे कोई भी आदमी, चाहे वह गली-मोहल्ले से ही क्यों न आया हो, नहीं बना सकता था। लेकिन फिर भी वह एडेलबर्ट ग्रूनर

की ही किताब थी। 'मैंने जिन आत्माओं को बर्बाद किया है।' अगर वह चाहता तो इसे किताब के बाहर छपवा सकता था। खैर, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वह किताब आपके किसी काम की नहीं है, और अगर होती भी तो आप उसे हासिल नहीं कर सकते।"

"कहाँ है?"

"मैं आपको कैसे बताऊं कि वह अब कहां है? उसे छोड़े हुए एक साल से ज़्यादा हो गया है। मुझे पता है उसने उसे तब कहां रखा था। वह कई मायनों में बेहद सलीकेदार और व्यवस्थित इंसान है, तो शायद वह अभी भी स्टडी रूम के पुराने दराज में ही कहीं रखा हो। क्या आपको उसका घर पता है?"

"मैं इस अध्ययन में शामिल रहा हूं," होम्स ने कहा।

"क्या सच में? अगर तुमने आज सुबह ही काम शुरू किया है, तो तुम काम में सुस्ती नहीं दिखा रहे हो। लगता है इस बार प्यारे एडेलबर्ट को टक्कर का कोई मिल गया है। बाहर वाला स्टडी रूम वो है जिसमें चीनी बर्तन रखे हैं — खिड़कियों के बीच में एक बड़ी सी कांच की अलमारी है। फिर उसकी मेज के पीछे वो दरवाजा है जो अंदर वाले स्टडी रूम में जाता है — एक छोटा सा कमरा जहाँ वो कागज़ात और दूसरी चीज़ें रखता है।"

क्या उसे चोरों से डर नहीं लगता?

"एडेलबर्ट डरपोक नहीं है। उसका सबसे बड़ा दुश्मन भी उसके बारे में ऐसा नहीं कह सकता। वह अपना ख्याल खुद रख सकता है। रात में चोर अलार्म लगा हुआ है। वैसे भी, चोर के लिए यहाँ क्या है - जब तक कि वह ये सारे महंगे बर्तन न चुरा ले जाए?"

"बिल्कुल नहीं," शिनवेल जॉनसन ने विशेषज्ञ के दृढ़ स्वर में कहा। "कोई भी बाड़ ऐसी चीज़ें नहीं चाहेगी जिन्हें न तो पिघलाया जा सके और न ही बेचा जा सके।"

"बिल्कुल," होम्स ने कहा। "अच्छा, मिस विंटर, अगर आप कल शाम पांच बजे यहाँ आ सकें। इस बीच मैं विचार करूँगा कि क्या इस महिला से व्यक्तिगत रूप से मिलने का आपका सुझाव पूरा किया जा सकता है। आपके सहयोग के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि मेरे ग्राहक उदारतापूर्वक विचार करेंगे—"

"ऐसा कुछ नहीं, मिस्टर होम्स," युवती चिल्लाई। "मैं पैसों के लिए नहीं आई हूँ। अगर मैं इस आदमी को कीचड़ में पड़ा देखूँ, तो मेरी सारी मेहनत बेकार हो जाएगी — कीचड़ में, उसके बदनसीब चेहरे पर मेरा पैर। यही मेरी कीमत है। मैं कल या किसी भी दिन आपके साथ हूँ, बस आप उसका पीछा करते रहिए। पोर्की आपको हमेशा बता सकता है कि मैं कहाँ मिलूँगी।"

होम्स से मेरी मुलाकात अगली शाम तक नहीं हुई, जब हमने एक बार फिर स्ट्रैंड स्थित अपने रेस्तरां में भोजन किया। जब मैंने उनसे पूछा कि साक्षात्कार में उनका अनुभव कैसा रहा, तो उन्होंने कंधे उचका दिए। फिर उन्होंने कहानी सुनाई, जिसे मैं इस प्रकार दोहरा रहा हूँ। उनके कठोर और नीरस कथन को वास्तविक जीवन के अनुरूप ढालने के लिए थोड़ा संपादन आवश्यक है।

होम्स ने कहा, "नियुक्ति में कोई कठिनाई नहीं हुई, क्योंकि वह लड़की अपने सगाई के घोर उल्लंघन का प्रायश्चित करने के प्रयास में हर छोटी-मोटी बात में भी पूर्ण आज्ञाकारिता दिखाने में गर्व महसूस करती है। जनरल ने फोन करके बताया कि सब कुछ तैयार है, और जोशीली मिस डब्ल्यू तय समय पर आ गईं, इसलिए साढ़े पांच बजे एक टैक्सी ने हमें 104 बर्कले स्क्वायर के बाहर छोड़ दिया, जहाँ वह बूढ़ा सैनिक रहता है - लंदन के उन भयानक भूरे महलों में से एक, जिनके सामने एक चर्च भी तुच्छ लगे। एक नौकर हमें पीले पर्दों वाले एक बड़े ड्राइंग रूम में ले गया, और वहाँ वह महिला

हमारा इंतज़ार कर रही थी, शांत, पीली, आत्म-नियंत्रित, पहाड़ पर बर्फ की मूर्ति की तरह अटल और दूर।"

"वॉटसन, मुझे ठीक से नहीं पता कि मैं तुम्हें उसके बारे में कैसे समझाऊँ। शायद हमारी बात खत्म होने से पहले तुम उससे मिल लो, और तब तुम अपने शब्दों के हुनर का इस्तेमाल कर पाओगे। वह खूबसूरत है, लेकिन उसमें किसी ऐसे कट्टरपंथी की अलौकिक सुंदरता है जिसके विचार ऊँचे दर्जे के हैं। मैंने मध्य युग के पुराने चित्रकारों की तस्वीरों में ऐसे चेहरे देखे हैं। एक दरिंदे ने कैसे ऐसी अलौकिक हस्ती पर अपने घिनौने पंजे डाले होंगे, यह मेरी समझ से परे है। तुमने शायद गौर किया होगा कि कैसे चरम सीमाएँ एक-दूसरे को आकर्षित करती हैं, आध्यात्मिकता पशुता को, आदिमानव देवदूत को। तुमने इससे बुरा उदाहरण कभी नहीं देखा होगा।"

"वह जानती थी कि हम किसलिए आए हैं, बेशक—उस दुष्ट ने हमारे खिलाफ उसके मन में जहर घोलने में ज़रा भी देर नहीं की थी। मुझे लगता है कि मिस विंटर के आने से वह थोड़ी हैरान हुई, लेकिन उसने हमें अपनी-अपनी कुर्सियों पर ऐसे बिठाया जैसे कोई सम्मानित मठाध्यक्षा दो कुष्ठ रोगी भिक्षुओं का स्वागत कर रही हो। अगर तुम्हारा सिर फूलने लगे, मेरे प्यारे वॉटसन, तो मिस वायलेट डी मर्विल से कुछ सीख लो।"

"'जी जनाब,' उसने हिमखंड से आती हवा जैसी धीमी आवाज़ में कहा, 'आपका नाम मुझे जाना-पहचाना लग रहा है। जैसा कि मैं समझती हूँ, आप मेरे मंगेतर, बैरन ग्रुनर को बदनाम करने आए हैं। मैं आपसे केवल अपने पिता के अनुरोध पर ही मिल रही हूँ, और मैं आपको पहले ही चेतावनी दे देती हूँ कि आप जो कुछ भी कहेंगे, उसका मेरे मन पर ज़रा सा भी असर नहीं पड़ेगा।'

"वॉटसन, मुझे उस पर तरस आया। उस पल मैंने उसके बारे में ऐसे सोचा जैसे मैं अपनी बेटी के बारे में सोचती। मैं अक्सर शब्दों में खुलकर नहीं बोलती। मैं दिमाग से काम लेती हूँ, दिल से नहीं। लेकिन मैंने उससे पूरी शिद्दत से विनती की, जितने भी शब्द मुझमें समा सकते थे। मैंने उसे उस औरत की दयनीय स्थिति का वर्णन किया, जिसे किसी पुरुष के चरित्र का पता तब चलता है जब वह उसकी पत्नी बन जाती है—एक ऐसी औरत जिसे खून से सने हाथों और लंपट होठों से स्पर्श सहना पड़ता है। मैंने उसे कुछ भी नहीं बख्शा—शर्म, डर, पीड़ा, सारी निराशा। मेरे सारे तीखे शब्द भी उसके उन गोरे गालों पर एक भी रंग नहीं ला सके और न ही उसकी भावहीन आँखों में कोई चमक। मैंने उस बदमाश की कही बात के बारे में सोचा, जो सम्मोहन के बाद के प्रभाव के बारे में थी। कोई सचमुच मान सकता था कि वह किसी आनंदमय सपने में धरती से ऊपर जी रही थी। फिर भी उसके जवाबों में कुछ भी अस्पष्ट नहीं था।"

"'मैंने धैर्य से आपकी बात सुनी है, श्रीमान होम्स,' उसने कहा। 'मेरे मन पर इसका ठीक वैसा ही प्रभाव पड़ा है जैसा मैंने अनुमान लगाया था। मैं जानती हूँ कि मेरे मंगेतर एडेलबर्ट का जीवन उथल-पुथल भरा रहा है, जिसमें उन्होंने कड़वी नफरत और बेहद अनुचित आरोपों का सामना किया है। आप उन लोगों की श्रृंखला में अंतिम हैं जिन्होंने मेरे सामने ये निंदाएँ रखी हैं। संभवतः आपका इरादा अच्छा हो, हालाँकि मुझे पता चला है कि आप एक भाड़े के एजेंट हैं जो बैरन के लिए और उनके खिलाफ काम करने के लिए समान रूप से तैयार थे। लेकिन किसी भी हालत में मैं चाहती हूँ कि आप एक बार हमेशा के लिए समझ लें कि मैं उनसे प्यार करती हूँ और वह मुझसे प्यार करते हैं, और दुनिया की राय मेरे लिए खिड़की के बाहर उन पक्षियों की चहचहाहट से ज़्यादा कुछ नहीं है। अगर उनके नेक स्वभाव में कभी एक पल के लिए भी कोई कमी आई है, तो हो सकता है कि मुझे ही विशेष रूप से उन्हें उनके सच्चे और ऊँचे स्तर पर वापस लाने के

लिए भेजा गया हो। मुझे स्पष्ट नहीं है'—यहाँ उसने मेरी साथी की ओर देखा—'कि यह युवती कौन है।'

"मैं जवाब देने ही वाला था कि तभी वो लड़की बवंडर की तरह बीच में आ गई। अगर आपने कभी आग और बर्फ को आमने-सामने देखा हो, तो वो दो महिलाएं थीं।"

"'मैं तुम्हें बताती हूँ कि मैं कौन हूँ,' वह कुर्सी से उछलकर चिल्लाई, उसके होंठ जोश से भरे हुए थे— 'मैं उसकी आखिरी रखैल हूँ। मैं उन सौ में से एक हूं जिन्हें उसने बहकाया, इस्तेमाल किया, बर्बाद किया और कूड़े के ढेर में फेंक दिया, जैसा वह तुम्हारे साथ भी करेगा। तुम्हारा कूड़े का ढेर शायद कब्र ही होगा, और शायद यही सबसे अच्छा है। मैं तुमसे कहती हूँ, हे मूर्ख स्त्री, अगर तुमने इस आदमी से शादी की तो वह तुम्हारी मौत का कारण बनेगा। चाहे दिल टूट जाए या गर्दन, वह तुम्हें किसी न किसी तरह पा ही लेगा। मैं तुमसे प्यार के कारण नहीं बोल रही हूँ। मुझे रत्ती भर भी परवाह नहीं कि तुम जियो या मरो। मैं उससे नफरत करती हूं, उसे नीचा दिखाने के लिए और उसने मेरे साथ जो किया उसका बदला लेने के लिए बोल रही हूं। लेकिन बात एक ही है, और तुम्हें मुझे इस तरह देखने की ज़रूरत नहीं है, मेरी प्यारी महिला, क्योंकि इससे निपटने से पहले तुम मुझसे भी नीच हो सकती हो।'

"मैं ऐसे मामलों पर चर्चा करना पसंद नहीं करूंगी," मिस डी मर्विल ने ठंडे लहजे में कहा। "मैं एक बार फिर स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि मुझे अपने मंगेतर के जीवन के तीन ऐसे प्रसंगों की जानकारी है जिनमें वह कुटिल स्त्रियों के चंगुल में फंस गया था, और मुझे पूरा विश्वास है कि उसने जो भी गलत काम किए हों, उनके लिए वह दिल से पश्चाताप करता है।"

" 'तीन पैराग्राफ!' मेरे साथी ने चीखते हुए कहा। 'तुम मूर्ख हो! तुम घोर मूर्ख हो!'

"'श्रीमान होम्स, मैं आपसे विनती करती हूं कि आप इस साक्षात्कार को समाप्त करें,' ठंडी आवाज़ ने कहा। 'मैंने अपने पिता की इच्छा का पालन करते हुए आपसे मुलाकात की है, लेकिन मैं इस व्यक्ति की बकवास सुनने के लिए विवश नहीं हूँ।'"

मिस विंटर गुस्से में झपटी और अगर मैंने उनकी कलाई न पकड़ी होती तो वो इस गुस्सैल औरत के बाल पकड़ लेतीं। मैंने उन्हें दरवाजे तक घसीटा और किस्मत से उन्हें बिना किसी सार्वजनिक हंगामे के टैक्सी में वापस बिठा पाया, क्योंकि वो गुस्से से आग बबूला थीं। वाटसन, मुझे भी ठंडे दिमाग से बहुत गुस्सा आ रहा था, क्योंकि जिस औरत को हम बचाने की कोशिश कर रहे थे, उसकी शांत बेपरवाही और हद से ज़्यादा आत्मसंतुष्टि में कुछ ऐसा था जो बयान से परे परेशान करने वाला था। तो अब आपको फिर से पता चल गया है कि हमारी स्थिति क्या है, और यह साफ है कि मुझे कोई नई चाल चलनी होगी, क्योंकि यह चाल काम नहीं करेगी। मैं आपसे संपर्क में रहूंगा, वाटसन, क्योंकि पूरी संभावना है कि आपको भी अपनी भूमिका निभानी होगी, हालांकि यह भी मुमकिन है कि अगली चाल उनकी हो, हमारी नहीं।

और ऐसा ही हुआ। उनका वार हुआ—या यूं कहें कि उसका वार, क्योंकि मुझे कभी विश्वास नहीं हुआ कि वह महिला इस सब की भली-भांति जानकार थी। मुझे लगता है कि मैं आपको वह पत्थर दिखा सकती हूं जिस पर मैं खड़ी थी जब मेरी नज़र उस पोस्टर पर पड़ी और मेरे रोंगटे खड़े हो गए। यह ग्रैंड होटल और चारिंग क्रॉस स्टेशन के बीच का इलाका था, जहाँ एक पैर वाला अखबार विक्रेता शाम के अखबार प्रदर्शित कर रहा था। तारीख आखिरी बातचीत के ठीक दो दिन बाद की थी। वहां, पीले रंग पर काले अक्षरों में, वह भयानक समाचार पत्र छपा था:

शर्लक होम्स पर जानलेवा हमला

मुझे लगता है कि मैं कुछ क्षणों के लिए स्तब्ध खड़ा रहा। फिर मुझे धुंधली सी याद है कि मैंने एक कागज़ उठाया, उस आदमी की आपत्ति सुनी जिसे मैंने पैसे नहीं दिए थे,

और अंत में, एक दवा की दुकान के दरवाजे पर खड़े होकर मैंने वह महत्वपूर्ण अनुच्छेद खोला। वह इस प्रकार था:

हमें बड़े दुख के साथ यह जानकारी मिली है कि प्रसिद्ध निजी जासूस श्री शर्लक होम्स आज सुबह एक जानलेवा हमले का शिकार हो गए हैं, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई है। अभी सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह घटना रीजेंट स्ट्रीट में कैफे रॉयल के बाहर लगभग बारह बजे घटी। हमला लाठियों से लैस दो लोगों ने किया और श्री होम्स के सिर और शरीर पर बुरी तरह से वार किए गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। डॉक्टरों ने उनकी चोटों को बेहद गंभीर बताया है। उन्हें चैरिंग क्रॉस अस्पताल ले जाया गया, जहां से लौटने पर उन्होंने बेकर स्ट्रीट स्थित अपने कमरे में ले जाने की जिद की। हमला करने वाले बदमाश सभ्य कपड़े पहने हुए प्रतीत होते हैं, जो कैफे रॉयल से होते हुए उसके पीछे ग्लासहाउस स्ट्रीट में भाग निकले और वहां मौजूद लोगों से बच निकले। निस्संदेह वे उसी आपराधिक गिरोह के सदस्य थे, जिसने अक्सर घायल व्यक्ति की चतुराई और कुशलता पर अफसोस जताया है।

यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि पैराग्राफ पर मेरी नज़र सरसरी नज़र डालने से पहले ही मैं एक गाड़ी में सवार होकर बेकर स्ट्रीट की ओर चल पड़ा। मुझे हॉल में प्रसिद्ध सर्जन सर लेस्ली ओकशॉट मिले और उनकी गाड़ी सड़क के किनारे इंतज़ार कर रही थी।

“तत्काल कोई खतरा नहीं है,” उन्होंने बताया। “सिर पर दो गहरे घाव और कुछ गंभीर चोटें आई हैं। कई टांके लगाने पड़े हैं। मॉर्फिन का इंजेक्शन लगाया गया है और शांति बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन कुछ मिनटों के लिए साक्षात्कार करना पूरी तरह से मना नहीं है।”

इस अनुमति से मैं चुपके से अंधेरे कमरे में दाखिल हुआ। पीड़ित व्यक्ति पूरी तरह जागा हुआ था, और मैंने अपना नाम धीमी, कर्कश फुसफुसाहट में सुना। पर्दा तीन-चौथाई नीचे था, लेकिन सूरज की एक किरण तिरछी होकर घायल व्यक्ति के पट्टी बंधे सिर पर पड़ी। सफेद लिनेन की पट्टी पर खून का एक धब्बा लग गया था। मैं उसके बगल में बैठ गया और अपना सिर झुका लिया।

“ठीक है, वॉटसन। इतना डरो मत,” उसने बहुत कमजोर आवाज में कहा। “यह उतना बुरा नहीं है जितना लगता है।”

"उसके लिए भगवान का शुक्र है!"

"जैसा कि आप जानते हैं, मैं सिंगल-स्टिक का थोड़ा विशेषज्ञ हूं। मैंने उनमें से अधिकतर को अपने बचाव में संभाला। लेकिन दूसरा खिलाड़ी मेरे लिए बहुत भारी पड़ा।"

“मैं क्या कर सकता हूँ, होम्स? ज़ाहिर है, उस कमीने ने ही उन्हें उकसाया था। अगर आप इजाज़त दें तो मैं जाकर उसकी जमकर पिटाई करूंगा।”

“वाह, वॉटसन! नहीं, जब तक पुलिस उन आदमियों को पकड़ नहीं लेती, हम वहाँ कुछ नहीं कर सकते। लेकिन उनके भागने की अच्छी तैयारी थी। हम इस बात का यकीन कर सकते हैं। ज़रा रुकिए। मेरे पास योजना है। सबसे पहले, मैं अपनी चोटों को बढ़ा-चढ़ाकर बताऊंगा। वे खबर के लिए आपके पास आएंगे। बढ़ा-चढ़ाकर बताओ, वॉटसन। अगर मैं पूरे हफ्ते बेहोशी की हालत में ज़िंदा रहूं तो मेरी किस्मत अच्छी होगी — जो चाहो! ज़्यादा मत करना।”

लेकिन सर लेस्ली ओकशॉट?

"ओह, वो ठीक है। उसे मेरा सबसे बुरा रूप देखने को मिलेगा। मैं उसका ख्याल रखूंगा।"

"और कुछ?"

“हाँ। शिनवेल जॉनसन से कहो कि उस लड़की को रास्ते से हटा दे। अब वो खूबसूरत औरतें उसके पीछे पड़ जाएंगी। उन्हें पता है कि वो इस मामले में मेरे साथ थी। अगर उन्होंने मुझे मारने की हिम्मत की है, तो ये मुमकिन नहीं कि वो उसे भी नज़रअंदाज़ कर दें। ये बहुत ज़रूरी है। आज रात ही कर दो।”

मैं अब जा रहा हूँ। और कुछ चाहिए?

“मेरी पाइप और तंबाकू वाली चप्पल मेज पर रख दो। ठीक है! हर सुबह आना और हम अपने अभियान की योजना बनाएंगे।”

मैंने उसी शाम जॉनसन से मिस विंटर को एक शांत उपनगर में ले जाने और यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था की कि खतरा टलने तक वह वहीं छिपी रहें।

छह दिनों तक जनता को यही आशंका थी कि होम्स मृत्यु के कगार पर हैं। समाचार पत्र बेहद गंभीर थे और अखबारों में भी कई अशुभ खबरें छपी थीं। मेरी लगातार मुलाकातों ने मुझे आश्वस्त किया कि स्थिति इतनी बुरी नहीं थी। उनका चुस्त-दुरुस्त शरीर और दृढ़ इच्छाशक्ति चमत्कार कर रही थी। वे तेजी से स्वस्थ हो रहे थे, और कई बार मुझे संदेह होता था कि वे वास्तव में मुझसे भी कहीं अधिक तेजी से ठीक हो रहे थे। उनमें एक रहस्यमयी स्वभाव था, जिसके कारण कई नाटकीय घटनाएँ घटीं, लेकिन उनके सबसे करीबी दोस्त भी उनकी वास्तविक योजनाओं के बारे में अनुमान लगाते रहते थे। उन्होंने इस सिद्धांत को चरम सीमा तक पहुंचा दिया था कि एकमात्र सुरक्षित योजनाकार वही है जो अकेले योजना बनाता है। मैं उनसे सबसे अधिक निकट था, फिर भी मैं हमेशा अपने और उनके बीच की दूरी को महसूस करता था।

सातवें दिन टांके निकाल दिए गए, इसके बावजूद शाम के अखबारों में एरिसीपेलस की खबर छपी। उन्हीं अखबारों में एक खबर थी जिसे मुझे, चाहे मैं बीमार होऊं या स्वस्थ, अपने दोस्त तक पहुंचाना ही था। खबर यह थी कि शुक्रवार को लिवरपूल से रवाना होने वाले कनार्ड जहाज रुरिटानिया के यात्रियों में बैरन एडेलबर्ट ग्रूनर भी थे, जिन्हें मिस वायलेट डी मर्विल (आदि की इकलौती बेटी) से होने वाली शादी से पहले अमेरिका में कुछ महत्वपूर्ण वित्तीय मामलों को निपटाना था। होम्स ने अपने पीले चेहरे पर ठंडे और गंभीर भाव से यह खबर सुनी, जिससे मुझे पता चला कि यह खबर उन पर गहरा असर डाल रही थी।

“शुक्रवार!” वह चिल्लाया। “सिर्फ तीन दिन बचे हैं। मुझे लगता है वह बदमाश खुद को खतरे से बचाना चाहता है। लेकिन वह ऐसा नहीं करेगा, वाटसन! भगवान की कसम, वह ऐसा नहीं करेगा! अब, वाटसन, मैं चाहता हूं कि तुम मेरे लिए कुछ करो।”

"होम्स, मैं यहां इस्तेमाल होने के लिए हूँ।"

"तो फिर, अगले चौबीस घंटे चीनी मिट्टी के बर्तनों के गहन अध्ययन में बिताइए।"

उन्होंने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया और मैंने भी नहीं माँगा। लंबे अनुभव से मैंने आज्ञापालन का महत्व सीख लिया था। लेकिन उनके कमरे से निकलने के बाद मैं बेकर स्ट्रीट पर चलने लगा, और मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि आखिर मैं इस अजीब आदेश का पालन कैसे करूँ। अंततः मैं सेंट जेम्स स्क्वायर स्थित लंदन लाइब्रेरी गया, वहाँ अपने मित्र लोमैक्स, जो कि उप-पुस्तकालयाध्यक्ष थे, से इस मामले पर बात की, और एक मोटी किताब बगल में दबाकर अपने कमरे में लौट आया।

कहते हैं कि जो वकील किसी मामले को इतनी सावधानी से तैयार करता है कि सोमवार को ही विशेषज्ञ गवाह से पूछताछ कर सके, वह शनिवार से पहले ही अपना सारा ज्ञान भूल जाता है। बेशक, मैं अब मिट्टी के बर्तनों का विशेषज्ञ होने का दिखावा नहीं करना चाहता। फिर भी, उस पूरी शाम, उस पूरी रात (थोड़े आराम के अंतराल के साथ), और अगली सुबह तक, मैं ज्ञान ग्रहण करता रहा और नामों को याद करता रहा। वहां मैंने महान कलाकार-सजावटकर्ताओं की पहचान, चक्रीय तिथियों के रहस्य, हंग-

वू की विशेषताओं और युंग-लो की सुंदरता, तांग-यिंग के लेखन और सुंग और युआन के प्रारंभिक काल की महिमा के बारे में जाना। अगली शाम जब मैं होम्स से मिलने गया, तो मेरे पास यह सारी जानकारी थी। वह अब बिस्तर से उठ चुके थे, हालांकि प्रकाशित रिपोर्टों से इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता था, और अपने पसंदीदा आरामकुर्सी में अपने हाथ पर सिर रखकर बैठे थे, जिस पर काफी पट्टियाँ बंधी थीं।

"क्यों, होम्स," मैंने कहा, "अगर अखबारों की मानें तो आप मर रहे हैं।"

"यही वह संदेश है जो मैं देना चाहता था। और अब, वॉटसन, क्या तुमने सबक सीख लिया?" उसने कहा।

"कम से कम मैंने कोशिश तो की है।"

"अच्छा। क्या आप इस विषय पर समझदारी भरी बातचीत जारी रख सकते हैं?"

मुझे विश्वास है कि मैं ऐसा कर सकता हूँ।

"तो मुझे शेल्फ पर रखी वो छोटी सी डिब्बी दे दो।"

उसने ढक्कन खोला और उसमें से एक छोटी सी वस्तु निकाली जो उत्तम पूर्वी रेशम में बड़ी सावधानी से लपेटी हुई थी। उसने उसे खोला और अंदर से एक सुंदर गहरे नीले रंग की छोटी सी तश्तरी दिखाई दी।

"वॉटसन, इसे बहुत सावधानी से संभालना होगा। यह मिंग राजवंश की असली अंडे के छिलके जैसी मिट्टी के बर्तन हैं। क्रिस्टीज़ में इससे बेहतर कोई चीज़ कभी नहीं बिकी। इसका पूरा सेट तो किसी राजा के खजाने के बराबर होगा—वास्तव में, यह कहना मुश्किल है कि बीजिंग के शाही महल के बाहर इसका कोई पूरा सेट मौजूद है या नहीं। इसे देखकर तो असली कला पारखी भी पागल हो जाएगा।"

मैं इसका क्या करूँ?

होम्स ने मुझे एक कार्ड दिया जिस पर छपा था: "डॉ. हिल बार्टन, 369 हाफ मून स्ट्रीट।"

"आज शाम के लिए आपका यही नाम है, वॉटसन। आपको बैरन ग्रनर से मिलना है। मैं उनकी आदतों से थोड़ा वाकिफ हूँ, और साढ़े आठ बजे वे शायद खाली होंगे। एक नोट में उन्हें पहले से बता देना कि आप उनसे मिलने वाले हैं, और उन्हें बताना कि आप उनके लिए मिंग काल के चीनी मिट्टी के बर्तनों का एक बिल्कुल अनूठा नमूना लेकर आए हैं। आप चाहें तो डॉक्टर का रूप धारण कर सकते हैं, क्योंकि यह एक ऐसा किरदार है जिसे आप बिना किसी छल के निभा सकते हैं। आप एक संग्राहक हैं, यह सेट आपको मिला है, आपने बैरन की इस विषय में रुचि के बारे में सुना है, और आप इसे उचित कीमत पर बेचने के लिए तैयार हैं।"

"किस कीमत पर?"

"वॉटसन, तुमने सही सवाल पूछा। अगर तुम्हें अपनी चीज़ों की कीमत का अंदाज़ा न होता तो तुम ज़रूर बुरी तरह गिर पड़ते। यह तश्तरी मुझे सर जेम्स ने दिलवाई थी, और मुझे पता चला है कि यह उनके ग्राहक के संग्रह से आई है। अगर तुम कहो कि दुनिया में इसकी बराबरी शायद ही कोई कर पाए तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।"

"मैं शायद यह सुझाव दे सकता हूं कि इस सेट का मूल्यांकन किसी विशेषज्ञ द्वारा किया जाना चाहिए।"

"शानदार, वॉटसन! आज आप बेहद प्रतिभाशाली लग रहे हैं। क्रिस्टी या सोथबी का सुझाव दीजिए। आपकी शालीनता आपको अपनी कीमत तय करने से रोक रही है।"

लेकिन अगर वह मुझसे नहीं मिलेगा तो?

"हाँ, वो आपसे ज़रूर मिलेंगे। उन्हें चीजें इकट्ठा करने का बेहद शौक है—खासकर इस विषय पर, जिस पर वो एक जाने-माने विशेषज्ञ हैं। बैठ जाइए, वॉटसन, मैं आपको

चिट्ठी लिखवा दूंगा। जवाब देने की ज़रूरत नहीं है। आप बस इतना बता दीजिए कि आप आ रहे हैं और क्यों।"

यह एक प्रशंसनीय दस्तावेज़ था, संक्षिप्त, विनम्र और कला पारखी की जिज्ञासा जगाने वाला। इसे लेकर एक जिला संदेशवाहक को विधिवत भेज दिया गया। उसी शाम, उस बहुमूल्य तश्तरी को हाथ में और डॉ. हिल बार्टन के कार्ड को जेब में लेकर, मैं अपने साहसिक कार्य के लिए निकल पड़ा।

सुंदर घर और उसके आसपास का इलाका यह दर्शाता था कि बैरन ग्रुनर, जैसा कि सर जेम्स ने कहा था, एक अत्यंत धनी व्यक्ति थे। दोनों ओर दुर्लभ झाड़ियों से घिरी एक लंबी घुमावदार सड़क, मूर्तियों से सजे एक विशाल बजरी वाले चौक में खुलती थी। इस स्थान का निर्माण दक्षिण अफ्रीका के एक स्वर्ण व्यापारी ने स्वर्ण युग में करवाया था, और कोनों पर बुर्जों वाला लंबा, नीचा घर, वास्तुकला की दृष्टि से भले ही एक विचित्र कृति था, लेकिन अपने आकार और मजबूती में भव्य था। एक बटलर, जो किसी बिशप की पीठ की शोभा बढ़ा सकता था, मुझे अंदर ले गया और एक आलीशान वस्त्रधारी सेवक को सौंप दिया, जिसने मुझे बैरन के समक्ष प्रस्तुत किया।

वह खिड़कियों के बीच रखे एक बड़े से बक्से के खुले सामने वाले हिस्से में खड़ा था, जिसमें उसके चीनी कला संग्रह का कुछ हिस्सा रखा हुआ था। जैसे ही मैं अंदर आया, उसने हाथ में एक छोटा भूरा फूलदान लिए हुए मेरी ओर देखा।

"कृपया बैठ जाइए, डॉक्टर," उन्होंने कहा। "मैं अपने संग्रहों को देख रहा था और सोच रहा था कि क्या मैं सचमुच उनमें कुछ और जोड़ सकता हूँ। सातवीं शताब्दी का यह छोटा सा तांग काल का नमूना शायद आपको पसंद आएगा। मुझे यकीन है कि आपने इससे बेहतर कारीगरी या इतना उत्तम रंग कभी नहीं देखा होगा। क्या आपके पास वह मिंग काल की तश्तरी है जिसके बारे में आपने बात की थी?"

मैंने इसे सावधानीपूर्वक खोला और उसे सौंप दिया। वह अपनी मेज पर बैठ गया, अंधेरा होने के कारण लैंप को पास खींच लिया और उसे देखने में जुट गया। जैसे ही उसने देखा, पीली रोशनी उसके चेहरे पर पड़ी और मैं उसे आराम से देख सका।

वह निःसंदेह बेहद आकर्षक व्यक्ति थे। सुंदरता के लिए उनकी यूरोपीय ख्याति पूरी तरह से उचित थी। कद-काठी में वे मध्यम से अधिक नहीं थे, फिर भी उनका शरीर सुडौल और जीवंत था। उनका चेहरा सांवला, लगभग पूर्वी शैली का था, जिसमें बड़ी, गहरी, मोहक आँखें थीं जो महिलाओं को आसानी से मोहित कर सकती थीं। उनके बाल और मूंछें काले थे, छोटी, नुकीली और करीने से संवारी हुई। उनके चेहरे की बनावट सुव्यवस्थित और मनमोहक थी, सिवाय उनके सीधे, पतले होंठों वाले मुंह के। अगर मैंने कभी किसी हत्यारे का मुंह देखा हो, तो वह यही था - चेहरे पर एक क्रूर, कठोर घाव, दबा हुआ, निर्दयी और भयानक। उन्होंने अपनी मूंछों को उससे दूर रखने की नासमझी की थी, क्योंकि यह प्रकृति का खतरे का संकेत था, जो उनके पीड़ितों के लिए एक चेतावनी के रूप में स्थापित था। उनकी आवाज़ मोहक थी और उनके शिष्टाचार उत्तम थे। उम्र के हिसाब से मुझे लगता है कि वे तीस से कुछ अधिक होंगे, हालांकि बाद में उनके रिकार्ड से पता चला कि वे बयालीस वर्ष के थे।

"बहुत बढ़िया—सचमुच बहुत बढ़िया!" उन्होंने अंत में कहा। "और आप कहते हैं कि आपके पास इससे मेल खाने वाले छह का सेट है। मुझे आश्चर्य इस बात का है कि मैंने ऐसे शानदार नमूनों के बारे में सुना ही नहीं। मुझे इंग्लैंड में इससे मिलता-जुलता केवल एक ही नमूना पता है, और वह भी बाज़ार में मिलने की संभावना नहीं है। क्या आपसे, डॉ. हिल बार्टन, यह पूछना अनुचित होगा कि आपने इसे कैसे प्राप्त किया?"

मैंने यथासंभव लापरवाही भरे लहजे में पूछा, "क्या इससे वाकई कोई फर्क पड़ता है?"

"आप देख सकते हैं कि यह वस्तु असली है, और जहां तक इसके मूल्य की बात है, मैं किसी विशेषज्ञ के मूल्यांकन से संतुष्ट हूं।"

“बहुत रहस्यमय,” उसने अपनी गहरी आँखों में संदेह की एक झलक के साथ कहा। “इतनी मूल्यवान वस्तु का लेन-देन करते समय, स्वाभाविक रूप से हर कोई लेन-देन के बारे में जानना चाहता है। यह वस्तु असली है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन मान लीजिए—मुझे हर संभावना पर विचार करना होगा—कि बाद में यह साबित हो जाए कि आपको इसे बेचने का कोई अधिकार नहीं था?”

मैं आपको बेटे के किसी भी दावे के खिलाफ गारंटी देता हूं।

"इससे, निश्चित रूप से, यह सवाल उठेगा कि आपकी गारंटी की कीमत क्या थी।"

"मेरे बैंकर इसका जवाब देंगे।"

“बिल्कुल सही। फिर भी, यह पूरा लेन-देन मुझे कुछ असामान्य सा लगता है।”

मैंने उदासीनता से कहा, "आप व्यापार करें या न करें, मैं आपको पहला प्रस्ताव इसलिए दे रहा हूं क्योंकि मुझे लगा था कि आप कला के पारखी हैं, लेकिन मुझे अन्य जिज्ञासु लोगों से भी कोई परेशानी नहीं होगी।"

"आपको किसने बताया कि मैं कला पारखी हूँ?"

मुझे पता था कि आपने इस विषय पर एक किताब लिखी है।

"क्या आपने यह किताब पढ़ी है?"

"नहीं।"

हे भगवान! यह बात मेरी समझ से परे होती जा रही है! आप कला पारखी और संग्राहक हैं, आपके संग्रह में एक बहुत ही मूल्यवान वस्तु है, फिर भी आपने उस एक किताब को पढ़ने की जहमत तक नहीं उठाई जो आपको आपकी वस्तु का वास्तविक अर्थ और मूल्य बता सकती थी। आप इसे कैसे समझाएंगे?

मैं बहुत व्यस्त व्यक्ति हूं। मैं एक प्रैक्टिसिंग डॉक्टर हूं।

“यह कोई जवाब नहीं है। अगर किसी व्यक्ति का कोई शौक होता है, तो वह उसे पूरा करता है, चाहे उसके अन्य काम कुछ भी हों। आपने अपने नोट में कहा था कि आप कला के पारखी हैं।”

"तो मैं हूँ।"

“क्या मैं आपसे कुछ सवाल पूछकर आपकी परीक्षा ले सकता हूँ? डॉक्टर साहब, अगर आप वाकई डॉक्टर हैं, तो मुझे आपको बताना ही पड़ेगा कि यह घटना दिन-ब-दिन और भी संदिग्ध होती जा रही है। मैं आपसे पूछना चाहता हूँ कि आप सम्राट शोमू के बारे में क्या जानते हैं और नारा के पास स्थित शोसो-इन राजवंश से उनका क्या संबंध है? क्या यह बात आपको उलझन में डालती है? मुझे नॉनहर्न वेई राजवंश और मिट्टी के बर्तनों के इतिहास में उसके स्थान के बारे में थोड़ा बताइए।”

मैंने बनावटी गुस्से में अपनी कुर्सी से उछलकर छलांग लगाई।

“यह असहनीय है, महोदय,” मैंने कहा। “मैं यहाँ आपकी मदद करने आया हूँ, न कि किसी स्कूली बच्चे की तरह परीक्षा देने। इन विषयों पर मेरा ज्ञान भले ही आपसे कम हो, लेकिन मैं निश्चित रूप से ऐसे अपमानजनक तरीके से पूछे गए प्रश्नों का उत्तर नहीं दूंगा।”

उसने मुझे टकटकी लगाकर देखा। उसकी आँखों से उदासी गायब हो गई थी। अचानक उसकी आँखों में गुस्सा झलक रहा था। उसके उन क्रूर होंठों के बीच से दांतों की एक चमक दिखाई दी।

“ये खेल क्या है? तुम यहाँ एक जासूस बनकर आए हो। तुम होम्स के दूत हो। ये मेरे साथ खेला गया एक खेल है। मैंने सुना है कि वो आदमी मर रहा है, इसलिए उसने अपने आदमियों को मुझ पर नज़र रखने के लिए भेजा है। तुम बिना इजाज़त के यहाँ घुस आए

हो, और भगवान कसम! तुम्हारे लिए यहाँ से निकलना अंदर आने से भी ज़्यादा मुश्किल हो सकता है।"

वह झट से खड़ा हो गया, और मैं पीछे हट गया, हमले के लिए खुद को तैयार करते हुए, क्योंकि वह गुस्से से बेकाबू था। हो सकता है उसने शुरू से ही मुझ पर शक किया हो; निश्चित रूप से इस पूछताछ ने उसे सच्चाई दिखा दी थी; लेकिन यह स्पष्ट था कि मैं उसे धोखा नहीं दे सकता था। उसने अपना हाथ एक दराज में डाला और गुस्से से कुछ ढूंढने लगा। तभी उसके कान में कुछ पड़ा, और वह ध्यान से सुनने लगा।

"आह!" वह चिल्लाया। "आह!" और पीछे वाले कमरे में भाग गया।

दो कदम चलते ही मैं खुले दरवाजे तक पहुंच गया, और अंदर का दृश्य मेरे मन में हमेशा के लिए स्पष्ट हो गया। बगीचे की ओर खुलने वाली खिड़की पूरी तरह खुली थी। उसके बगल में, किसी भयानक भूत की तरह, सिर पर खून से सनी पट्टियाँ, चेहरा मुरझाया हुआ और पीला पड़ा हुआ, शर्लक होम्स खड़ा था। अगले ही पल वह खिड़की से अंदर चला गया, और मैंने बाहर लॉरेल की झाड़ियों में उसके शरीर के गिरने की आवाज सुनी। घर का मालिक गुस्से से चीखता हुआ उसके पीछे खुली खिड़की की ओर भागा।

और फिर! यह सब पलक झपकते ही हो गया, फिर भी मैंने इसे साफ-साफ देखा। पत्तों के बीच से एक हाथ—एक औरत का हाथ—निकल निकला। उसी क्षण बैरन ने एक भयानक चीख मारी—एक ऐसी चीख जो हमेशा मेरी यादों में गूंजती रहेगी। उसने अपने दोनों हाथों से अपना चेहरा ढक लिया और कमरे में इधर-उधर भागने लगा, दीवारों पर अपना सिर बुरी तरह पटकता रहा। फिर वह कालीन पर गिर पड़ा, लोटता और तड़पता रहा, जबकि घर में चीखों की गूंज सुनाई देती रही।

"पानी! भगवान के लिए, पानी!" वह चिल्ला रहा था।

मैंने बगल की मेज से एक जग उठाया और उसकी मदद के लिए दौड़ा। उसी क्षण बटलर और कई नौकर हॉल से अंदर भागे आए। मुझे याद है कि जैसे ही मैं घायल आदमी के पास घुटनों के बल बैठा और उस भयानक चेहरे को दीपक की रोशनी में घुमाया, उनमें से एक बेहोश हो गया। जहर पूरे चेहरे को जला रहा था और कानों व ठुड्डी से टपक रहा था। एक आँख पहले ही सफेद और बेजान हो चुकी थी। दूसरी लाल और सूजी हुई थी। जिन चेहरों की मैंने कुछ मिनट पहले प्रशंसा की थी, वे अब किसी खूबसूरत पेंटिंग की तरह लग रहे थे जिस पर कलाकार ने एक गीला और गंदा स्पंज फेर दिया हो। वे धुंधले, फीके, अमानवीय और भयानक थे।

मैंने कुछ ही शब्दों में उस भयंकर हमले की पूरी कहानी बयां कर दी। कुछ लोग खिड़की से अंदर घुस आए थे और कुछ दौड़कर लॉन में आ गए थे, लेकिन अंधेरा था और बारिश शुरू हो गई थी। चीखते-चिल्लाते पीड़ित ने बदला लेने वाले पर जमकर गुस्सा निकाला। "यह वही शैतान बिल्ली, किटी विंटर है!" वह चिल्लाया। "ओह, वह शैतान औरत! उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी! उसे कीमत चुकानी पड़ेगी! हे भगवान, यह दर्द असहनीय है!"

मैंने उसके चेहरे पर तेल लगाया, खरोंचों पर रुई लगाई और मॉर्फिया का इंजेक्शन लगाया। इस सदमे से उसके मन से मेरे प्रति सारा संदेह दूर हो गया था, और वह मेरे हाथों से ऐसे लिपट गया मानो मुझमें अभी भी उसकी उन बेजान आँखों को साफ़ करने की शक्ति हो जो मेरी ओर देख रही थीं। अगर मुझे वह घिनौना जीवन याद न होता जिसने उसे इस भयानक बदलाव की ओर धकेला था, तो मैं इस बर्बादी पर रो सकती थी। उसके जलते हाथों का स्पर्श असहनीय था, और मुझे तब राहत मिली जब उसका पारिवारिक सर्जन, जिसके तुरंत बाद एक विशेषज्ञ आया, मुझे इस ज़िम्मेदारी से मुक्त करने के लिए आया। एक पुलिस इंस्पेक्टर भी आ गया था, और मैंने उसे अपना असली

कार्ड सौंप दिया। ऐसा न करना व्यर्थ और मूर्खतापूर्ण होता, क्योंकि पुलिस स्टेशन में मुझे होम्स की तरह ही लोग जानते थे। फिर मैं उस अंधकार और आतंक से भरे घर से निकल गई। एक घंटे के भीतर मैं बेकर स्ट्रीट पहुँच गई।

होम्स अपनी जानी-पहचानी कुर्सी पर बैठे थे, बेहद पीले और थके हुए लग रहे थे। चोटों के अलावा, शाम की घटनाओं ने उनके मजबूत हौसले को भी हिला दिया था, और उन्होंने बैरन के परिवर्तन के मेरे वृत्तांत को भयपूर्वक सुना।

“पाप का फल, वॉटसन—पाप का फल!” उसने कहा। “देर-सवेर तो यह आएगा ही। ईश्वर ही जानता है, पाप काफी हो चुका है,” उसने मेज से एक भूरी किताब उठाते हुए कहा। “यही वह किताब है जिसके बारे में उस औरत ने बात की थी। अगर इससे शादी नहीं टूटी, तो फिर किसी और चीज़ से नहीं टूटेगी। लेकिन टूटेगी, वॉटसन। टूटना ही होगा। कोई भी स्वाभिमानी औरत इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती।”

“क्या यह उसकी प्रेम डायरी है?”

“या फिर उसकी वासना डायरी। आप इसे जो चाहें कह लें। जिस क्षण उस महिला ने हमें इसके बारे में बताया, मुझे एहसास हुआ कि अगर हम इसे हासिल कर लेते तो यह कितना बड़ा हथियार होता। उस समय मैंने अपने विचार ज़ाहिर करने के लिए कुछ नहीं कहा, क्योंकि वह महिला इसे उजागर कर सकती थी। लेकिन मैं इस पर सोचती रही। फिर मुझ पर हुए इस हमले ने मुझे बैरन को यह सोचने का मौका दिया कि मेरे खिलाफ कोई सावधानी बरतने की ज़रूरत नहीं है। यह अच्छा ही हुआ। मैं थोड़ा और इंतज़ार कर सकती थी, लेकिन अमेरिका की उनकी यात्रा ने मुझे मजबूर कर दिया। वह कभी भी इतना संवेदनशील दस्तावेज़ पीछे नहीं छोड़ते। इसलिए हमें तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी। रात में चोरी करना असंभव है। वह सावधानी बरतते हैं। लेकिन शाम को एक मौका था, अगर मैं यह सुनिश्चित कर पाती कि उनका ध्यान कहीं और है। यहीं पर आप और आपकी नीली तश्तरी काम आई। लेकिन मुझे किताब की स्थिति के बारे में पक्का पता होना था, और मुझे पता था कि मेरे पास कार्रवाई करने के लिए केवल कुछ ही मिनट हैं, क्योंकि चीनी मिट्टी के बर्तनों के आपके ज्ञान के कारण मेरा समय सीमित था। इसलिए मैंने आखिरी क्षण में लड़की को अपने साथ ले लिया। मैं कैसे अनुमान लगा सकती थी कि वह छोटा सा पैकेट क्या था जो वह ले जा रही थी। इतनी सावधानी से अपने लबादे के नीचे? मुझे लगा कि वह पूरी तरह से मेरे काम से आई है, लेकिन लगता है कि उसका अपना भी कुछ काम था।

"उसने अनुमान लगाया कि मैं तुमसे आया हूँ।"

मुझे डर था कि वह ऐसा ही करेगा। लेकिन आपने उसे खेल में इतनी देर तक रोके रखा कि मैं किताब ले सकूं, हालांकि इतनी देर तक नहीं कि वह चुपके से भाग सके। आह, सर जेम्स, मुझे बहुत खुशी है कि आप आए!

हमारे शिष्ट मित्र पूर्व में दिए गए समन के जवाब में उपस्थित हुए थे। उन्होंने होम्स द्वारा बताई गई घटना को अत्यंत ध्यान से सुना।

“आपने तो कमाल कर दिया है—अद्भुत!” कहानी सुनकर वह चिल्ला उठा। “लेकिन अगर ये चोटें उतनी ही भयानक हैं जितनी डॉ. वॉटसन ने बताई हैं, तो यकीनन इस भयानक किताब का इस्तेमाल किए बिना ही शादी को रोकने का हमारा मकसद पूरा हो जाएगा।”

होम्स ने अपना सिर हिलाया।

“डी मर्विल जैसी महिलाएं ऐसा व्यवहार नहीं करतीं। वह उन्हें एक विकृत शहीद के रूप में और भी अधिक प्यार करती। नहीं, नहीं। हमें उनके नैतिक पक्ष को नष्ट करना है, न कि उनके शारीरिक पक्ष को। वह किताब उन्हें वास्तविकता में वापस लाएगी—

और मुझे नहीं लगता कि इसके अलावा कोई और चीज़ ऐसा कर सकती है। यह उनके अपने लेखन में है। वह इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती।”

सर जेम्स उसे और कीमती तश्तरी दोनों को ले गए। चूंकि मुझे भी देर हो रही थी, इसलिए मैं उनके साथ गली में नीचे गया। एक बग्घी उनका इंतज़ार कर रही थी। वे झट से उसमें बैठे, ताजपोशी वाले कोचवान को जल्दी से आदेश दिया और तेज़ी से गाड़ी चला दी। उन्होंने अपने ओवरकोट को खिड़की से आधा बाहर फेंक दिया ताकि पैनल पर बने राजचिह्नों को ढक सकें, लेकिन फिर भी मैंने उन्हें हमारी रोशनदान की तेज़ रोशनी में देख लिया था। मैं आश्चर्य से हांफ उठा। फिर मैं वापस मुड़ा और होम्स के कमरे की सीढ़ियों पर चढ़ गया।

“मुझे पता चल गया है कि हमारा ग्राहक कौन है,” मैं अपनी इस बड़ी खबर से खुशी से चिल्ला उठा। “अरे, होम्स, यह तो है ही—”

होम्स ने संयम बरतते हुए हाथ ऊपर उठाते हुए कहा, "वह एक वफादार दोस्त और एक नेक इंसान है। अब और हमेशा के लिए यही हमारे लिए काफी है।"

मुझे नहीं पता कि उस आपत्तिजनक किताब का इस्तेमाल कैसे हुआ। हो सकता है सर जेम्स ने ऐसा किया हो। या फिर यह अधिक संभावना है कि इतना संवेदनशील काम युवती के पिता को सौंपा गया हो। जो भी हो, परिणाम मनचाहा ही रहा।

तीन दिन बाद मॉर्निंग पोस्ट में एक पैराग्राफ छपा जिसमें बताया गया कि बैरन एडेलबर्ट ग्रुनर और मिस वायलेट डी मर्विल की शादी नहीं होगी। उसी अखबार में मिस किट्टी विंटर के खिलाफ तेजाब फेंकने के गंभीर आरोप में पुलिस कोर्ट की पहली सुनवाई की खबर भी छपी। मुकदमे में कुछ ऐसे नरम हालात सामने आए कि सज़ा, जैसा कि याद होगा, इस तरह के अपराध के लिए संभव सबसे कम सजा थी। शर्लक होम्स पर चोरी का मुकदमा चलाने की धमकी दी गई थी, लेकिन जब कोई मकसद अच्छा हो और मुवक्किल काफी प्रतिष्ठित हो, तो कठोर ब्रिटिश कानून भी मानवीय और लचीला हो जाता है। मेरे दोस्त को अभी तक कटघरे में खड़ा नहीं होना पड़ा है।

फीके पड़े सैनिक का साहसिक कार्य

मेरे मित्र वॉटसन के विचार, यद्यपि सीमित हैं, फिर भी अत्यंत दृढ़ हैं। लंबे समय से वह मुझे अपने अनुभव के बारे में लिखने के लिए परेशान कर रहे हैं। शायद मैंने ही इस उत्पीड़न को आमंत्रित किया है, क्योंकि मुझे अक्सर उन्हें यह बताने का अवसर मिला है कि उनके अपने विवरण कितने सतही हैं और उन पर तथ्यों और आंकड़ों तक ही सीमित रहने के बजाय लोकप्रिय रुचि को बढ़ावा देने का आरोप लगाने का। "खुद कोशिश करो, होम्स!" उन्होंने जवाब दिया है, और मैं यह स्वीकार करने के लिए विवश हूं कि कलम हाथ में लेने के बाद, मुझे यह एहसास होने लगा है कि इस विषय को इस तरह से प्रस्तुत किया जाना चाहिए जिससे पाठक को रुचि हो। निम्नलिखित मामला निश्चित रूप से ऐसा करने में विफल नहीं होगा, क्योंकि यह मेरे संग्रह की सबसे विचित्र घटनाओं में से एक है, हालांकि संयोगवश वॉटसन के संग्रह में इसका कोई उल्लेख नहीं है। अपने पुराने मित्र और जीवनीकार के संदर्भ में, मैं इस अवसर पर यह कहना चाहूंगा कि यदि मैं अपनी विभिन्न छोटी-मोटी खोजों में किसी साथी को साथ रखता हूं, तो यह भावना या सनक के कारण नहीं है, बल्कि इसलिए है क्योंकि वॉटसन में कुछ ऐसी विशिष्ट विशेषताएं हैं जिन पर उन्होंने अपनी विनम्रता के कारण मेरे प्रदर्शन के अतिरंजित आकलन के बीच कम ध्यान दिया है। एक ऐसा सहयोगी जो आपके निष्कर्षों और कार्ययोजना का पूर्वानुमान लगा लेता है, हमेशा खतरनाक होता है, लेकिन एक ऐसा सहयोगी जिसके लिए हर घटनाक्रम एक निरंतर आश्चर्य की तरह होता है, और

जिसके लिए भविष्य हमेशा एक रहस्य बना रहता है, वास्तव में एक आदर्श साथी होता है।

मेरी नोटबुक से पता चलता है कि जनवरी 1903 में, बोअर युद्ध की समाप्ति के तुरंत बाद, श्री जेम्स एम. डोड मुझसे मिलने आए थे। वे एक लंबे-चौड़े, तंदुरुस्त, धूप से झुलसे हुए, नेक ब्रिटिश नागरिक थे। उस समय वॉटसन ने मुझे छोड़कर एक पत्नी के साथ जीवन व्यतीत किया था, जो हमारे बीच हुई एकमात्र स्वार्थपूर्ण घटना थी। मैं अकेला था।

मेरी आदत है कि मैं खिड़की की तरफ़ पीठ करके बैठता हूँ और अपने मेहमानों को सामने वाली कुर्सी पर बिठाता हूँ, जहाँ उन पर पूरी रोशनी पड़ती है। श्री जेम्स एम. डोड को साक्षात्कार शुरू करने में थोड़ी परेशानी हो रही थी। मैंने उनकी मदद करने की कोशिश नहीं की, क्योंकि उनकी चुप्पी ने मुझे उन्हें बेहतर ढंग से समझने का और समय दे दिया। मैंने पाया है कि ग्राहकों को अपनी शक्ति का एहसास दिलाना समझदारी भरा होता है, इसलिए मैंने उन्हें अपने कुछ निष्कर्ष बता दिए।

"मुझे लगता है कि आप दक्षिण अफ्रीका से हैं, महोदय।"

“जी सर,” उसने कुछ आश्चर्य के साथ उत्तर दिया।

"मुझे लगता है, यह इंपीरियल योमनरी है।"

"बिल्कुल।"

"निश्चित रूप से, मिडलसेक्स कॉर्प्स।"

“यह सच है। मिस्टर होम्स, आप एक जादूगर हैं।”

मैंने उसके हैरान चेहरे को देखकर मुस्कुरा दिया।

जब कोई तगड़ा दिखने वाला सज्जन मेरे कमरे में ऐसे चेहरे के साथ प्रवेश करता है, जो इंग्लैंड की धूप से भी कभी नहीं आ सकता, और उसका रूमाल जेब की बजाय आस्तीन में होता है, तो उसे पहचानना मुश्किल नहीं होता। आपकी छोटी दाढ़ी बताती है कि आप नियमित सैनिक नहीं थे। आपका शरीर घुड़सवार जैसा दिखता है। मिडलसेक्स की बात करें तो, आपके कार्ड से मुझे पहले ही पता चल गया है कि आप थ्रोगमॉर्टन स्ट्रीट के एक स्टॉकब्रोकर हैं। आप और किस रेजिमेंट में शामिल होना चाहेंगे?

आप सब कुछ देख सकते हैं।

“मैं आपसे ज़्यादा कुछ नहीं देख पाता, लेकिन मैंने जो देखता हूँ उसे ध्यान से देखने का अभ्यास कर लिया है। वैसे, श्री डोड, आपने आज सुबह मुझसे अवलोकन के विज्ञान पर चर्चा करने के लिए मुलाकात नहीं की थी। टक्सबरी ओल्ड पार्क में क्या हो रहा है?”

“श्री होम्स —!”

“मेरे प्रिय महोदय, इसमें कोई रहस्य नहीं है। आपका पत्र उसी शीर्षक के साथ आया था, और चूंकि आपने इस मुलाकात को बेहद जरूरी शब्दों में तय किया था, इसलिए यह स्पष्ट था कि कुछ अचानक और महत्वपूर्ण घटना घटित हुई थी।”

“जी हाँ, बिल्कुल। लेकिन पत्र दोपहर में लिखा गया था, और तब से बहुत कुछ घटित हो चुका है। अगर कर्नल एम्सवर्थ ने मुझे बाहर न निकाला होता तो—”

“मैंने तुम्हें बाहर निकाल दिया!”

“खैर, बात यही थी। कर्नल एम्सवर्थ बड़े सख्त मिजाज के आदमी हैं। अपने समय में सेना के सबसे बड़े अनुशासनप्रिय अधिकारी थे, और उस दिन उन्होंने काफी अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। अगर गॉडफ्रे ने मेरी मदद न की होती तो मैं कर्नल को सबक नहीं सिखा पाता।”

मैंने अपना पाइप जलाया और कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया।

"शायद आप समझाएंगे कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं।"

मेरे ग्राहक ने शरारती मुस्कान के साथ जवाब दिया।

“मुझे यह गलतफहमी हो गई थी कि आपको बिना बताए ही सब कुछ पता है,” उसने कहा। “लेकिन मैं आपको तथ्य बताऊंगा, और मुझे उम्मीद है कि आप मुझे उनका अर्थ समझा पाएंगे। मैं पूरी रात जागकर इस उलझन में फंसा रहा, और जितना ज्यादा मैं सोचता हूं, उतना ही यह अविश्वसनीय होता जाता है।”

“जब मैं जनवरी 1901 में भर्ती हुआ था — ठीक दो साल पहले — युवा गॉडफ्रे एम्सवर्थ भी उसी स्क्वाड्रन में भर्ती हुए थे। वे कर्नल एम्सवर्थ के इकलौते बेटे थे — एम्सवर्थ क्रीमिया के वीर कमांडर — और उनमें लड़ने का जज़्बा कूट-कूटकर भरा था, इसलिए इसमें कोई हैरानी नहीं कि उन्होंने स्वेच्छा से भर्ती होने का फैसला किया। रेजिमेंट में उनसे बेहतर कोई लड़का नहीं था। हमारी दोस्ती हो गई — वैसी दोस्ती जो तभी हो सकती है जब कोई एक ही जीवन जिए और एक ही सुख-दुख बांटे। वह मेरे साथी थे — और सेना में इसका बहुत महत्व होता है। हमने एक साल तक कठिन लड़ाई में साथ-साथ उतार-चढ़ाव झेले। फिर प्रिटोरिया के बाहर डायमंड हिल के पास हुई लड़ाई में उन्हें हाथी तोप की गोली लग गई। मुझे केप टाउन के अस्पताल से एक पत्र मिला और एक साउथैम्प्टन से। उसके बाद से एक भी खबर नहीं — एक भी खबर नहीं, मिस्टर होम्स, छह महीने से भी ज़्यादा समय तक, और वह मेरे सबसे करीबी दोस्त थे।”

“खैर, जब युद्ध समाप्त हुआ और हम सब वापस आ गए, तो मैंने उसके पिता को पत्र लिखकर पूछा कि गॉडफ्रे कहाँ है। कोई जवाब नहीं मिला। मैंने कुछ समय इंतजार किया और फिर दोबारा लिखा। इस बार मुझे एक संक्षिप्त और रूखे जवाब मिला। गॉडफ्रे दुनिया भर की यात्रा पर गया था, और उसके एक साल तक वापस आने की संभावना नहीं थी। बस इतना ही।”

“मैं संतुष्ट नहीं था, श्री होम्स। मुझे यह सब कुछ बहुत ही अस्वाभाविक लगा। वह एक अच्छा लड़का था, और वह अपने दोस्त को इस तरह नहीं छोड़ सकता था। यह उसके स्वभाव के विपरीत था। फिर, मुझे यह भी पता था कि वह बहुत धन का वारिस था, और यह भी कि उसके पिता के साथ उसके संबंध हमेशा अच्छे नहीं थे। बूढ़ा आदमी कभी-कभी दादागिरी करता था, और युवा गॉडफ्रे में इतना साहस था कि वह इसे सहन नहीं कर सकता था। नहीं, मैं संतुष्ट नहीं था, और मैंने मामले की तह तक जाने का निश्चय किया। हालांकि, दो साल की अनुपस्थिति के बाद, मेरे अपने कामों को बहुत व्यवस्थित करने की जरूरत थी, इसलिए मैं इस सप्ताह ही गॉडफ्रे का मामला फिर से उठा पाया हूं। लेकिन चूंकि मैंने इसे अपने हाथ में लिया है, इसलिए मैं इसे पूरा करने के लिए सब कुछ छोड़ दूंगा।”

श्री जेम्स एम. डोडे ऐसे व्यक्ति प्रतीत होते थे जिन्हें शत्रु के बजाय मित्र बनाना बेहतर होता। उनकी नीली आँखें गंभीर थीं और बोलते समय उनका चौकोर जबड़ा दृढ़ता से कस गया था।

मैंने पूछा, "तो तुमने क्या किया है?"

“मेरा पहला कदम बेडफोर्ड के पास स्थित उनके घर, टक्सबरी ओल्ड पार्क जाना और खुद जाकर स्थिति का जायजा लेना था। इसलिए मैंने उनकी माँ को पत्र लिखा - उनके चिड़चिड़े स्वभाव वाले पिता से मैं तंग आ चुका था - और मैंने सीधे-सीधे बात शुरू की: गॉडफ्रे मेरा दोस्त था, मुझे अपनी साझा अनुभवों के बारे में उन्हें बताने में बहुत दिलचस्पी थी, मैं आस-पास ही रहूंगा, क्या उन्हें कोई आपत्ति होगी, इत्यादि? जवाब में मुझे उनकी ओर से काफी सौहार्दपूर्ण उत्तर मिला और उन्होंने मुझे रात भर अपने घर में ठहराने का प्रस्ताव दिया। यही कारण था कि मैं सोमवार को वहाँ गया।”

“टक्सबरी ओल्ड हॉल तक पहुँचना असंभव है—यह हर जगह से पाँच मील दूर है। स्टेशन पर कोई बस नहीं थी, इसलिए मुझे अपना सूटकेस लेकर पैदल चलना पड़ा,

और पहुँचने से पहले लगभग अंधेरा हो चुका था। यह एक विशाल, घुमावदार घर है, जो एक बड़े पार्क में स्थित है। मेरा अनुमान है कि यह कई युगों और शैलियों का मिश्रण होगा, जिसकी शुरुआत एलिज़ाबेथन शैली की आधी लकड़ी की नींव से होती है और अंत विक्टोरियन शैली के बरामदे में होता है। अंदर सब कुछ लकड़ी के पैनल, टेपेस्ट्री और आधी मिट चुकी पुरानी तस्वीरों से सजा था, मानो परछाइयों और रहस्य से भरा घर हो। वहाँ एक बटलर था, बूढ़ा राल्फ, जो घर की उम्र का ही लगता था, और उसकी पत्नी, जो शायद उससे भी बड़ी थी। वह गॉडफ्रे की नर्स थी, और मैंने उसे अपनी माँ के बाद अपनी पत्नी को सबसे प्रिय बताते हुए सुना था, इसलिए उसकी अजीब शक्ल के बावजूद मैं उसकी ओर आकर्षित हो गई। मुझे उसकी माँ भी पसंद आई—एक कोमल, छोटी सी, चूहे जैसी महिला। बस कर्नल से ही मेरा मन नहीं लगा।"

"हमारी तुरंत ही थोड़ी कहा-सुनी हो गई, और अगर मुझे यह न लगता कि ऐसा करना उसकी चाल में फँसना हो सकता है, तो मैं स्टेशन वापस चला जाता। मुझे सीधे उसके स्टडी रूम में ले जाया गया, और वहाँ मैंने उसे पाया - एक विशालकाय, झुकी हुई कमर वाला आदमी, जिसकी त्वचा सांवली थी और दाढ़ी बिखरी हुई थी, अपनी अस्त-व्यस्त मेज के पीछे बैठा हुआ। उसकी लाल नसों वाली नाक गिद्ध की चोंच की तरह बाहर निकली हुई थी, और उसकी घनी भौंहों के नीचे से उसकी दो भयंकर भूरी आँखें मुझे घूर रही थीं। अब मैं समझ सकता था कि गॉडफ्रे अपने पिता के बारे में कम ही क्यों बात करता था।"

" 'खैर, महोदय,' उसने कर्कश आवाज में कहा, 'मुझे इस यात्रा के वास्तविक कारणों को जानने में दिलचस्पी होगी।'

मैंने जवाब दिया कि मैंने उनकी पत्नी को लिखे पत्र में इन बातों का स्पष्टीकरण दे दिया था।

"हां, हां, आपने कहा था कि आप गॉडफ्रे को अफ्रीका में जानते थे। बेशक, हमारे पास इसके लिए केवल आपका ही वचन है।"

"मेरी जेब में उसके लिखे पत्र हैं।"

"कृपया मुझे उन्हें देखने दीजिए।"

"उसने मेरे द्वारा उसे दी गई दोनों चीजों पर एक नजर डाली और फिर उन्हें वापस फेंक दिया।"

" 'तो फिर क्या?' उसने पूछा।

" 'सर, मैं आपके बेटे गॉडफ्रे को बहुत पसंद करता था। कई बंधन और यादें हमें जोड़ती थीं। क्या यह स्वाभाविक नहीं है कि मैं उसकी अचानक चुप्पी पर आश्चर्यचकित होऊं और यह जानना चाहूं कि उसका क्या हुआ?'

"मुझे याद है, महोदय, कि मैंने पहले भी आपसे पत्राचार किया था और आपको उनके बारे में बताया था। वे विश्व यात्रा पर निकल गए हैं। अफ्रीका में अपने अनुभवों के बाद उनका स्वास्थ्य खराब हो गया था, और उनकी माँ और मैं दोनों इस बात से सहमत थे कि उन्हें पूर्ण विश्राम और बदलाव की आवश्यकता है। कृपया यह जानकारी उन अन्य मित्रों तक पहुंचा दें जो इस मामले में रुचि रखते हों।"

" 'ज़रूर,' मैंने उत्तर दिया। 'लेकिन क्या आप कृपा करके मुझे स्टीमर का नाम और उस कंपनी का नाम बता सकते हैं जिसके द्वारा वह रवाना हुआ था, साथ ही तारीख भी। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं उसे पत्र भेज सकूँगा।'

मेरी विनती ने मेरे मेज़बान को हैरान और नाराज़ दोनों कर दिया। उनकी बड़ी-बड़ी भौंहें उनकी आँखों पर आ गईं और वे अधीरता से मेज पर उंगलियाँ थपथपाने लगे। अंत में उन्होंने ऊपर देखा, मानो उन्होंने शतरंज में अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई खतरनाक चाल चलते हुए देख लिया हो और अब उससे निपटने का तरीका तय कर लिया हो।

" 'श्रीमान डॉड, बहुत से लोग आपकी इस हद से ज्यादा हठधर्मिता से नाराज हो जाएंगे और सोचेंगे कि यह जिद घोर धृष्टता की सीमा तक पहुंच गई है,' उन्होंने कहा।

" 'आपको इसका श्रेय, महोदय, आपके बेटे के प्रति मेरे सच्चे प्यार को देना चाहिए।'

"बिल्कुल सही। मैंने इस मामले में पहले ही हर संभव रियायत दे दी है। लेकिन मुझे आपसे अनुरोध है कि आप ये पूछताछ बंद कर दें। हर परिवार के अपने आंतरिक विचार और इरादे होते हैं, जिन्हें बाहरी लोगों को, चाहे उनकी मंशा कितनी भी अच्छी क्यों न हो, स्पष्ट रूप से बताना संभव नहीं होता। मेरी पत्नी गॉडफ्रे के अतीत के बारे में कुछ जानना चाहती है, जो आप उसे बता सकते हैं, लेकिन मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि वर्तमान और भविष्य को छोड़ दें। महोदय, ऐसी पूछताछ से कोई लाभ नहीं होता और इससे हम एक नाजुक और कठिन स्थिति में पड़ जाते हैं।"

"तो मैं एक गतिरोध पर आ गया था, श्रीमान होम्स। इससे आगे बढ़ने का कोई रास्ता नहीं था। मैं केवल स्थिति को स्वीकार करने का दिखावा कर सकता था और मन ही मन यह प्रतिज्ञा कर सकता था कि जब तक मेरे मित्र का भाग्य स्पष्ट नहीं हो जाता, मैं चैन से नहीं बैठूंगा। वह एक नीरस शाम थी। हम तीनों ने एक उदास, फीके पुराने कमरे में चुपचाप भोजन किया। महिला ने अपने बेटे के बारे में मुझसे उत्सुकतापूर्वक प्रश्न पूछे, लेकिन बूढ़ा व्यक्ति उदास और निराश लग रहा था। मैं पूरी कार्यवाही से इतना ऊब गया था कि जैसे ही उचित समय मिला, मैंने बहाना बनाकर अपने शयनकक्ष में चला गया। यह भूतल पर एक बड़ा, खाली कमरा था, जो घर के बाकी हिस्सों की तरह ही उदास था, लेकिन श्रीमान होम्स, एक साल तक खुले मैदान में सोने के बाद, कोई अपने कमरे के बारे में इतना नखरे नहीं करता। मैंने पर्दे खोले और बगीचे में देखा, और पाया कि यह एक सुंदर रात थी जिसमें चमकीला आधा चाँद था। फिर मैं अपने बगल में मेज पर रखे दीपक के साथ जलती हुई आग के पास बैठ गया और एक उपन्यास पढ़कर अपना ध्यान भटकाने की कोशिश की। मुझे बीच में ही रोका गया, हालांकि, राल्फ नामक बूढ़े बटलर ने आकर कोयले की ताजा आपूर्ति कर दी।

"मुझे लगा था कि रात में आपको कमी हो सकती है, महोदय। मौसम बहुत खराब है और ये कमरे ठंडे हैं।"

"कमरे से निकलने से पहले वह हिचकिचाया, और जब मैंने मुड़कर देखा तो वह अपने झुर्रीदार चेहरे पर उदासी का भाव लिए मेरे सामने खड़ा था।"

"माफ़ कीजिए महोदय, लेकिन भोजन के समय आपने युवा मास्टर गॉडफ्रे के बारे में जो कहा, उसे सुने बिना मैं नहीं रह सका। आप जानते हैं, महोदय, कि मेरी पत्नी ने उनकी देखभाल की है, इसलिए मैं कह सकता हूं कि मैं उनका पालक पिता हूं। यह स्वाभाविक है कि हम उनमें रुचि लें। और आपने कहा कि उनका व्यवहार अच्छा था, महोदय?"

"रेजिमेंट में उससे ज्यादा बहादुर कोई नहीं था। उसने एक बार मुझे बोअर्स की राइफलों के नीचे से निकाला था, वरना शायद मैं आज यहाँ नहीं होता।"

बूढ़े बटलर ने अपने पतले हाथों को रगड़ा।

"जी हाँ, जी हाँ, ये तो मास्टर गॉडफ्रे की ही छवि है। वो हमेशा साहसी थे। पार्क में ऐसा कोई पेड़ नहीं है जिस पर वो न चढ़े हों। कोई भी चीज़ उन्हें रोक नहीं सकती थी। वो एक बेहतरीन लड़का था - और हाँ, जी हाँ, वो एक बेहतरीन इंसान भी था।"

मैं झट से खड़ा हो गया।

" 'देखो यहाँ!' मैं चिल्लाई। 'तुम कहते हो कि वह था। तुम ऐसे बात करते हो जैसे वह मर चुका हो। यह सारा रहस्य क्या है? गॉडफ्रे एम्सवर्थ का क्या हुआ?'

मैंने बूढ़े आदमी को कंधे से पकड़ लिया, लेकिन वह पीछे हट गया।

“मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कह रहे हैं, महोदय। मास्टर गॉडफ्रे के बारे में मास्टर से पूछिए। उन्हें पता है। इसमें दखल देना मेरा काम नहीं है।”

“वह कमरे से बाहर जा रहा था, लेकिन मैंने उसका हाथ पकड़ लिया।”

“ ‘सुनो,’ मैंने कहा। ‘अगर मुझे तुम्हें पूरी रात रोके रखना पड़े, तो जाने से पहले तुम्हें एक सवाल का जवाब देना होगा। क्या गॉडफ्रे मर गया है?’”

“वह मेरी आंखों में आंखें नहीं मिला पा रहा था। वह सम्मोहित व्यक्ति की तरह लग रहा था। उसके होठों से जवाब घसीटकर निकला। यह एक भयानक और अप्रत्याशित जवाब था।”

“ ‘काश वो होता!’ वह चिल्लाया, और खुद को छुड़ाकर कमरे से बाहर भाग गया।

“श्रीमान होम्स, आपको लगेगा कि मैं अपनी कुर्सी पर बहुत उदास मन से लौटा था। उस बूढ़े आदमी के शब्दों का मुझे केवल एक ही अर्थ समझ में आया। ज़ाहिर है, मेरा बेचारा दोस्त किसी आपराधिक या कम से कम बदनामी भरे काम में फंस गया था, जिससे परिवार की इज़्ज़त पर दाग लगा था। उस सख्त बूढ़े ने अपने बेटे को दुनिया से दूर भेज दिया था और उसे छुपा दिया था, कहीं कोई बदनामी न हो जाए। गॉडफ्रे एक लापरवाह लड़का था। वह अपने आस-पास के लोगों से आसानी से प्रभावित हो जाता था। इसमें कोई शक नहीं कि वह बुरे लोगों के चंगुल में फँस गया था और उसे गुमराह करके बर्बादी की ओर धकेल दिया गया था। अगर ऐसा था तो यह बहुत दुखद बात थी, लेकिन अब भी मेरा फर्ज था कि मैं उसे ढूंढूँ और देखूँ कि क्या मैं उसकी मदद कर सकता हूँ। मैं इस बारे में सोच ही रहा था कि तभी मैंने ऊपर देखा और गॉडफ्रे एम्सवर्थ मेरे सामने खड़ा था।”

मेरा ग्राहक गहरी भावनाओं में डूबे हुए एक क्षण के लिए रुक गया था।

मैंने कहा, "कृपया जारी रखें। आपकी समस्या में कुछ बहुत ही असामान्य विशेषताएं हैं।"

“वह खिड़की के बाहर था, श्री होम्स, उसका चेहरा शीशे से सटा हुआ था। मैंने आपको बताया है कि मैंने रात के अंधेरे में बाहर देखा था। ऐसा करते समय मैंने पर्दे थोड़े खुले छोड़ दिए थे। उसकी आकृति उस खुले हिस्से में दिखाई दे रही थी। खिड़की ज़मीन तक जाती थी और मैं उसकी पूरी लंबाई देख सकता था, लेकिन मेरी निगाहें उसके चेहरे पर टिकी रहीं। वह बेहद पीला था—मैंने कभी किसी आदमी को इतना सफ़ेद नहीं देखा। मुझे लगता है कि भूत ऐसे दिखते होंगे; लेकिन उसकी आँखें मेरी आँखों से मिलीं, और वे एक जीवित व्यक्ति की आँखें थीं। जब उसने देखा कि मैं उसे देख रहा हूँ, तो वह पीछे हट गया और अंधेरे में गायब हो गया।”

“मिस्टर होम्स नाम के उस आदमी में कुछ चौंकाने वाली बात थी। यह सिर्फ अंधेरे में पनीर की तरह सफेद चमकता हुआ उसका भयानक चेहरा ही नहीं था। यह उससे कहीं अधिक सूक्ष्म था—कुछ दबे पांव, कुछ छिपकर, कुछ दोषी सा—कुछ ऐसा जो उस खुले दिल वाले, मर्दाना लड़के से बिल्कुल अलग था जिसे मैं जानता था। इसने मेरे मन में भय का भाव पैदा कर दिया।”

लेकिन जब कोई व्यक्ति अपने भाई बोअर को साथी बनाकर एक-दो साल तक सैनिक जीवन बिता चुका हो, तो वह अपना धैर्य बनाए रखता है और तुरंत कार्रवाई करता है। गॉडफ्रे के गायब होते ही मैं खिड़की पर पहुंच गया। एक अटपटा सा कैच था, और उसे ऊपर फेंकने से पहले मेरे पास थोड़ा समय था। फिर मैं झट से खिड़की से निकला और बगीचे के रास्ते पर उस दिशा में भागा जहाँ मुझे लगा कि वह गया होगा।

“रास्ता लंबा था और रोशनी भी कम थी, लेकिन मुझे लगा कि मेरे आगे कुछ चल रहा है। मैं दौड़ता रहा और उसका नाम पुकारता रहा, पर कोई फायदा नहीं हुआ। जब मैं रास्ते के अंत तक पहुंचा तो वहां कई और रास्ते अलग-अलग दिशाओं में जाकर कई

छोटे-छोटे मकानों की ओर जा रहे थे। मैं हिचकिचाता हुआ खड़ा रहा, और तभी मुझे दरवाज़ा बंद होने की आवाज़ साफ़ सुनाई दी। वह आवाज़ घर में मेरे पीछे नहीं, बल्कि मेरे आगे, अंधेरे में कहीं थी। श्री होम्स, यही काफ़ी था यह यकीन दिलाने के लिए कि मैंने जो देखा वह कोई भ्रम नहीं था। गॉडफ्रे मुझसे भाग गया था, और उसने अपने पीछे दरवाज़ा बंद कर लिया था। मुझे इस बात का पूरा यकीन था।"

मैं और कुछ नहीं कर सकता था, और मैंने पूरी रात बेचैनी में बिताई, इस मामले पर मन ही मन सोचता रहा और तथ्यों को समझने के लिए कोई सिद्धांत खोजने की कोशिश करता रहा। अगले दिन मैंने कर्नल को कुछ ज़्यादा नरम पाया, और उनकी पत्नी ने बताया कि आस-पास कुछ दर्शनीय स्थल हैं, तो मुझे उनसे यह पूछने का मौका मिल गया कि क्या एक और रात वहाँ रुकने से उन्हें असुविधा होगी। बूढ़े व्यक्ति की थोड़ी अनिच्छा से सहमति ने मुझे अपनी जाँच-पड़ताल करने के लिए पूरा दिन दे दिया। मुझे पूरा यकीन हो गया था कि गॉडफ्रे कहीं आस-पास ही छिपा हुआ है, लेकिन कहाँ और क्यों, यह अभी भी अनसुलझा था।

"घर इतना बड़ा और फैला हुआ था कि उसमें एक पूरी रेजिमेंट छिप सकती थी और किसी को पता भी नहीं चलता। अगर राज़ वहाँ छिपा था, तो मेरे लिए उसे भेदना मुश्किल था। लेकिन जिस दरवाजे के बंद होने की आवाज़ मैंने सुनी थी, वह घर के अंदर तो बिल्कुल नहीं था। मुझे बगीचे में जाकर देखना होगा कि मुझे क्या मिलता है। रास्ते में कोई दिक्कत नहीं थी, क्योंकि बूढ़े लोग अपने-अपने काम में व्यस्त थे और उन्होंने मुझे मेरे हाल पर छोड़ दिया था।"

"वहाँ कई छोटे-छोटे बाहरी कमरे थे, लेकिन बगीचे के अंत में एक अलग इमारत थी जो कुछ हद तक बड़ी थी—किसी माली या रखवाले के निवास के लिए पर्याप्त। क्या यही वह जगह थी जहाँ से उस बंद होते दरवाजे की आवाज़ आई थी? मैं लापरवाही से उसकी ओर बढ़ा, मानो मैं मैदान में यूँ ही टहल रहा हूँ। जैसे ही मैं पहुँचा, काले कोट और बॉलर हैट पहने एक छोटा, फुर्तीला, दाढ़ी वाला आदमी—जो बिल्कुल भी माली जैसा नहीं लग रहा था—दरवाजे से बाहर आया। मुझे आश्चर्य हुआ कि उसने अपने पीछे दरवाज़ा बंद कर दिया और चाबी अपनी जेब में रख ली। फिर उसने कुछ हैरानी भरे चेहरे से मेरी ओर देखा।

" 'क्या आप यहां आगंतुक हैं?' उसने पूछा।

मैंने समझाया कि मैं वही व्यक्ति था और मैं गॉडफ्रे का दोस्त था।

" 'कितनी अफसोस की बात है कि वह अपनी यात्रा पर बाहर है, क्योंकि वह मुझसे मिलना बहुत पसंद करते,' मैंने आगे कहा।

" 'बिल्कुल सही। एकदम सटीक,' उसने कुछ दोषी भाव से कहा। 'निस्संदेह आप किसी और अनुकूल समय पर फिर से आएंगे।' वह आगे बढ़ गया, लेकिन जब मैंने मुड़कर देखा तो पाया कि वह बगीचे के दूसरे छोर पर लॉरेल के पेड़ों के पीछे आधा छिपा हुआ मुझे देख रहा था।

"जब मैं उस छोटे से घर के पास से गुज़रा, तो मैंने उसे ध्यान से देखा, लेकिन खिड़कियों पर भारी पर्दे लगे थे, और जहाँ तक नज़र जाती थी, वह खाली था। अगर मैं ज़्यादा हिम्मत दिखाता, तो मेरा ही प्लान बिगड़ सकता था और मुझे वहाँ से बाहर भी निकाला जा सकता था, क्योंकि मुझे अब भी लग रहा था कि कोई मुझे देख रहा है। इसलिए, मैं वापस घर चला गया और रात होने का इंतज़ार किया, फिर मैंने अपनी जाँच-पड़ताल शुरू की। जब चारों तरफ़ अंधेरा छा गया और सन्नाटा छा गया, तो मैं अपनी खिड़की से चुपके से बाहर निकला और जितना हो सके चुपचाप उस रहस्यमयी झोपड़ी की तरफ़ चल पड़ा।"

मैंने कहा था कि कमरे में भारी पर्दे लगे थे, लेकिन अब मुझे पता चला कि खिड़कियों पर शटर भी लगे थे। हालांकि, उनमें से एक से थोड़ी रोशनी अंदर आ रही थी, इसलिए मैंने अपना ध्यान उस पर केंद्रित किया। मेरी किस्मत अच्छी थी, क्योंकि पर्दा पूरी तरह से बंद नहीं था, और शटर में एक दरार थी, जिससे मैं कमरे के अंदर देख सका। कमरा काफी खुशनुमा था, एक तेज़ रोशनी वाला लैंप और जलती हुई आग। मेरे सामने वही छोटा आदमी बैठा था जिसे मैंने सुबह देखा था। वह पाइप पी रहा था और अखबार पढ़ रहा था।

मैंने पूछा, "कौन सा पेपर?"

मेरे मुवक्किल को अपनी कहानी सुनाने में हुई इस रुकावट से चिढ़ हो गई थी।

“क्या इससे कोई फर्क पड़ता है?” उसने पूछा।

यह अत्यंत आवश्यक है।

मैंने सचमुच इस पर ध्यान नहीं दिया।

"संभवतः आपने गौर किया होगा कि यह चौड़े पन्नों वाला अखबार था या उस छोटे आकार का अखबार था जो आमतौर पर साप्ताहिक पत्रिकाओं में छपता है।"

अब जब आपने इसका ज़िक्र किया है, तो वह कोई बड़ा अखबार नहीं था। शायद वह 'स्पेक्टेटर' अखबार रहा होगा। हालांकि, मेरे पास ऐसी छोटी-मोटी बातों पर ध्यान देने का समय नहीं था, क्योंकि एक दूसरा आदमी खिड़की की तरफ पीठ करके बैठा था, और मैं कसम खाकर कह सकता हूं कि वह दूसरा आदमी गॉडफ्रे ही था। मैं उसका चेहरा तो नहीं देख पा रहा था, लेकिन उसके कंधों का जाना-पहचाना झुकाव मुझे याद था। वह अपनी कोहनी पर झुककर बड़े उदास भाव से बैठा था, उसका शरीर आग की तरफ मुड़ा हुआ था। मैं सोच ही रहा था कि क्या करूं, तभी मेरे कंधे पर ज़ोर से थपथपाहट हुई, और मेरे बगल में कर्नल एम्सवर्थ खड़े थे।

“'इधर आइए, महोदय!' उसने धीमी आवाज़ में कहा। वह चुपचाप घर की ओर चल पड़ा, और मैं उसके पीछे अपने शयनकक्ष में चला गया। उसने दालान में पड़ी समय सारिणी उठा ली थी।”

“लंदन के लिए 8:30 बजे एक ट्रेन है,” उसने कहा। “आठ बजे तक जाल दरवाजे पर दस्तक दे देगा।”

"वह गुस्से से लाल हो गया था, और वास्तव में, मैंने खुद को इतनी मुश्किल स्थिति में पाया कि मैं केवल कुछ अस्पष्ट माफी मांग सका जिसमें मैंने अपने दोस्त के लिए अपनी चिंता का हवाला देकर खुद को माफ करने की कोशिश की।"

“उसने अचानक कहा, 'इस मामले पर चर्चा नहीं की जा सकती। आपने हमारे परिवार की निजता में घोर दखल दिया है। आप यहां मेहमान बनकर आए थे और अब जासूस बन गए हैं। महोदय, मुझे इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना है, सिवाय इसके कि मैं आपको फिर कभी नहीं देखना चाहता।'”

"इस पर मुझे गुस्सा आ गया, श्री होम्स, और मैंने कुछ तीखे शब्दों में बात की।"

“मैंने आपके बेटे को देखा है, और मुझे पूरा यकीन है कि आप किसी निजी कारण से उसे दुनिया से छिपा रहे हैं। मुझे नहीं पता कि इस तरह उससे नाता तोड़ने के पीछे आपका क्या मकसद है, लेकिन मुझे यकीन है कि वह अब आज़ाद नहीं है। कर्नल एम्सवर्थ, मैं आपको चेतावनी देता हूं कि जब तक मुझे अपने दोस्त की सुरक्षा और कुशलता का आश्वासन नहीं मिल जाता, मैं इस रहस्य की तह तक जाने के अपने प्रयासों को कभी नहीं छोड़ूंगा, और मैं निश्चित रूप से आपके किसी भी कथन या कार्य से भयभीत नहीं होऊंगा।”

“वह बूढ़ा आदमी बेहद खूंखार लग रहा था, और मुझे सचमुच लगा कि वह मुझ पर हमला करने ही वाला है। मैंने कहा था कि वह एक दुबला-पतला, खूंखार बूढ़ा दानव था,

और हालांकि मैं कोई कमजोर नहीं हूं, फिर भी उसके सामने टिक पाना मेरे लिए मुश्किल होता। लेकिन, गुस्से भरी निगाहों से घूरने के बाद वह मुड़ा और कमरे से बाहर चला गया। जहाँ तक मेरी बात है, मैं सुबह तय ट्रेन से निकला, और मेरा पूरा इरादा था कि मैं सीधे आपके पास आऊं और उस मुलाकात के लिए आपसे सलाह और सहायता मांगूँ जिसके लिए मैंने पहले ही पत्र लिखा था।"

मेरे आगंतुक ने मेरे सामने यही समस्या रखी। जैसा कि समझदार पाठक पहले ही समझ चुके होंगे, इसके समाधान में कोई खास कठिनाई नहीं थी, क्योंकि सीमित विकल्पों के माध्यम से ही समस्या की जड़ तक पहुंचा जा सकता था। फिर भी, यद्यपि यह समस्या सरल थी, इसमें कुछ रोचक और नवीन पहलू थे, जिनके कारण इसे दर्ज करना उचित था। अब मैंने तार्किक विश्लेषण की अपनी परिचित विधि का उपयोग करते हुए संभावित समाधानों को सीमित करना शुरू किया।

मैंने पूछा, "नौकर कितने थे घर में?"

"मेरी जानकारी के अनुसार, वहाँ केवल बूढ़ा बटलर और उसकी पत्नी ही थे। वे अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते प्रतीत होते थे।"

"तो फिर उस अलग मकान में कोई नौकर नहीं था?"

"कोई नहीं, जब तक कि दाढ़ी वाला छोटा आदमी वैसा व्यवहार न करे। हालाँकि, वह काफी श्रेष्ठ व्यक्ति प्रतीत होता था।"

"यह बहुत ही संदिग्ध लगता है। क्या आपको इस बात का कोई संकेत मिला था कि एक घर से दूसरे घर में भोजन पहुंचाया गया था?"

"अब जब आपने इसका जिक्र किया है, तो मुझे याद आया कि मैंने बूढ़े राल्फ को बगीचे के रास्ते से टोकरी लेकर इस घर की ओर जाते देखा था। उस समय मुझे खाने का ख्याल नहीं आया था।"

"क्या आपने स्थानीय स्तर पर कोई पूछताछ की?"

"जी हाँ, मैंने किया। मैंने स्टेशन मास्टर और गांव के सराय मालिक से बात की। मैंने उनसे बस इतना पूछा कि क्या वे मेरे पुराने साथी गॉडफ्रे एम्सवर्थ के बारे में कुछ जानते हैं। दोनों ने मुझे बताया कि वह दुनिया भर की यात्रा पर गए थे। घर लौटने के तुरंत बाद ही वे फिर से निकल पड़े। यह कहानी जाहिर तौर पर सर्वमान्य थी।"

"आपने अपनी शंकाओं के बारे में कुछ नहीं कहा?"

"कुछ नहीं।"

"यह बहुत ही समझदारी भरा कदम था। इस मामले की निश्चित रूप से जांच होनी चाहिए। मैं आपके साथ टक्सबरी ओल्ड पार्क वापस चलूंगा।"

"आज?"

ऐसा हुआ कि उस समय मैं उस मामले को सुलझाने में लगा हुआ था जिसे मेरे मित्र वॉटसन ने एबे स्कूल का मामला बताया है, जिसमें ड्यूक ऑफ ग्रेमिंस्टर की गहरी संलिप्तता थी। मुझे तुर्की के सुल्तान से भी एक आदेश मिला था जिसमें तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता थी, क्योंकि इसकी अनदेखी से गंभीर राजनीतिक परिणाम हो सकते थे। इसलिए, जैसा कि मेरी डायरी में दर्ज है, मैं अगले सप्ताह की शुरुआत में ही श्री जेम्स एम. डोड के साथ बेडफोर्डशायर के अपने मिशन पर निकल सका। यूस्टन जाते समय हमें एक गंभीर और कम बोलने वाले, सांवले रंग के सज्जन मिले, जिनके साथ मैंने आवश्यक व्यवस्था कर ली थी।

मैंने डोड से कहा, "यह मेरा पुराना दोस्त है। हो सकता है कि उसकी उपस्थिति बिल्कुल अनावश्यक हो, और दूसरी ओर, यह आवश्यक भी हो सकती है। फिलहाल इस मामले में और अधिक चर्चा करना आवश्यक नहीं है।"

वॉटसन के वृत्तांतों ने पाठक को इस तथ्य से परिचित करा दिया है कि मैं किसी मामले पर विचार करते समय अनावश्यक शब्द नहीं बोलता और न ही अपने विचार प्रकट करता हूँ। डॉड आश्चर्यचकित प्रतीत हुआ, लेकिन उसने और कुछ नहीं कहा, और हम तीनों ने अपनी यात्रा जारी रखी। ट्रेन में मैंने डॉड से एक और प्रश्न पूछा जो मैं चाहता था कि हमारा साथी भी सुने।

"आप कहते हैं कि आपने खिड़की पर अपने दोस्त का चेहरा काफी स्पष्ट रूप से देखा, इतना स्पष्ट कि आप उसकी पहचान के बारे में निश्चित हैं?"

मुझे इसमें कोई शक नहीं है। उसकी नाक शीशे से सटी हुई थी। लैंप की रोशनी सीधे उस पर पड़ रही थी।

"क्या वह व्यक्ति उससे मिलता-जुलता नहीं हो सकता था?"

नहीं, नहीं, वह था।

"लेकिन आप कहते हैं कि वह बदल गया था?"

“सिर्फ रंग में फर्क था। उसका चेहरा—मैं उसका वर्णन कैसे करूँ?—मछली के पेट की तरह सफ़ेद था। मानो ब्लीच किया गया हो।”

"क्या यह पूरे शरीर पर एक समान पीलापन लिए हुए था?"

“मुझे नहीं लगता। मैंने उसकी भौंहें इतनी स्पष्ट रूप से देखी थीं क्योंकि वे खिड़की से सटी हुई थीं।”

क्या तुमने उसे फोन किया था?

“मैं उस समय इतना चौंक गया था और भयभीत हो गया था कि कुछ कह नहीं पा रहा था। फिर मैंने उसका पीछा किया, जैसा कि मैंने आपको बताया है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।”

मेरा मामला लगभग पूरा हो चुका था, बस एक छोटी सी घटना बाकी थी। काफी लंबी यात्रा के बाद जब हम उस अजीब से पुराने, फैले हुए घर पर पहुँचे जिसका वर्णन मेरे मुवक्किल ने किया था, तो दरवाज़ा राल्फ नाम के बुजुर्ग बटलर ने खोला। मैंने उस दिन के लिए गाड़ी बुक कर रखी थी और अपने बुजुर्ग दोस्त से कहा था कि जब तक हम उन्हें न बुलाएँ, वे गाड़ी में ही बैठे रहें। राल्फ, एक छोटा सा झुर्रियों वाला बुजुर्ग, काले कोट और सफ़ेद-काले रंग की पतलून में था, बस एक अजीब बात थी। उसने भूरे चमड़े के दस्ताने पहने हुए थे, जिन्हें हमें देखते ही उसने तुरंत उतार दिया और हमारे अंदर आते ही हॉल की मेज़ पर रख दिया। जैसा कि मेरे दोस्त वॉटसन ने शायद कहा होगा, मेरी इंद्रियाँ असाधारण रूप से तेज़ हैं, और एक हल्की लेकिन तीखी गंध महसूस हुई। ऐसा लग रहा था जैसे वह गंध हॉल की मेज़ पर केंद्रित हो। मैं मुड़ा, अपनी टोपी वहाँ रखी, वह गिर गई, मैं उसे उठाने के लिए झुका और किसी तरह अपनी नाक दस्तानों के बिल्कुल पास ले आया। हाँ, निस्संदेह उन्हीं से वह अजीब सी तारकोल जैसी गंध आ रही थी। मैं अपना मामला सुलझाकर अध्ययन कक्ष में चला गया। अफसोस, मुझे अपनी कहानी सुनाते समय इस तरह अपनी चालें दिखानी पड़ रही हैं! श्रृंखला की ऐसी कड़ियों को छिपाकर ही वॉटसन अपने घिनौने अंत रचने में सक्षम हुआ था।

कर्नल एम्सवर्थ अपने कमरे में नहीं थे, लेकिन राल्फ का संदेश मिलते ही वे तुरंत आ गए। गलियारे में उनके तेज़, भारी कदमों की आहट सुनाई दी। दरवाज़ा ज़ोर से खुला और वे अंदर घुस आए। उनकी घनी दाढ़ी और बिगड़े हुए चेहरे को देखकर लग रहा था कि वे अब तक के सबसे भयानक बूढ़े व्यक्ति थे। उन्होंने हमारे कार्ड हाथ में पकड़े और उन्हें फ़ाड़कर टुकड़ों पर पैर रख दिए।

“क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया, हे दुष्ट दखलंदाज, कि तुम्हें यहाँ से निकाल दिया गया है? फिर कभी यहाँ अपना घिनौना चेहरा दिखाने की हिम्मत मत करना। अगर तुमने मेरी अनुमति के बिना दोबारा प्रवेश किया, तो हिंसा करना मेरा अधिकार होगा। मैं तुम्हें

गोली मार दूंगा, महोदय! भगवान की कसम, मैं मार दूंगा! जहाँ तक तुम्हारी बात है, महोदय," मेरी ओर मुड़ते हुए, "मैं तुम्हें भी यही चेतावनी देता हूँ। मैं तुम्हारे नीच पेशे से परिचित हूँ, लेकिन तुम्हें अपनी प्रतिभा किसी और क्षेत्र में दिखानी चाहिए। यहाँ उसके लिए कोई जगह नहीं है।"

मेरे मुवक्किल ने दृढ़ता से कहा, "मैं यहाँ से तब तक नहीं जा सकता जब तक मुझे गॉडफ्रे के मुँह से यह पता न चल जाए कि वह किसी बंधन में नहीं है।"

हमारे अनैच्छिक मेजबान ने घंटी बजाई।

"राल्फ," उसने कहा, "काउंटी पुलिस को फोन करो और इंस्पेक्टर से दो कांस्टेबल भेजने के लिए कहो। उसे बताओ कि घर में चोर घुस आए हैं।"

"एक पल रुकिए," मैंने कहा। "श्रीमान डोड, आपको यह समझना होगा कि कर्नल एम्सवर्थ अपने अधिकारों के दायरे में हैं और उनके घर में हमारा कोई कानूनी अधिकार नहीं है। दूसरी ओर, उन्हें यह समझना चाहिए कि आपका यह कदम पूरी तरह से उनके बेटे के प्रति आपकी चिंता से प्रेरित है। मुझे उम्मीद है कि अगर मुझे कर्नल एम्सवर्थ से पाँच मिनट बात करने का मौका मिले, तो मैं निश्चित रूप से इस मामले पर उनका दृष्टिकोण बदल सकता हूँ।"

"मैं इतनी आसानी से नहीं बदलता," बूढ़े सिपाही ने कहा। "राल्फ, मैंने जो कहा है वही करो। किस बात का इंतज़ार कर रहे हो? पुलिस को फोन करो!"

"ऐसा कुछ नहीं," मैंने दरवाजे की तरफ पीठ करके कहा। "पुलिस का कोई भी दखल उस भयानक आपदा को जन्म देगा जिसका आपको डर है।" मैंने अपनी नोटबुक निकाली और एक पन्ने पर एक शब्द लिखा। "यही," मैंने कर्नल एम्सवर्थ को देते हुए कहा, "हमें यहाँ लाया है।"

उसने उस लेख को ऐसे चेहरे से देखा जिस पर विस्मय के अलावा कोई भाव नहीं था।

"तुम्हें कैसे पता?" वह हांफते हुए अपनी कुर्सी पर भारी मन से बैठ गया।

चीजों को जानना मेरा काम है। यही मेरा पेशा है।

वह गहरी सोच में डूबा बैठा था, उसका दुबला-पतला हाथ उसकी बिखरी हुई दाढ़ी को खींच रहा था। फिर उसने निराशा का भाव दिखाया।

"ठीक है, अगर आप गॉडफ्रे से मिलना चाहते हैं, तो मिल लीजिए। इसमें मेरी कोई गलती नहीं है, लेकिन आपने मुझे मजबूर कर दिया है। राल्फ, मिस्टर गॉडफ्रे और मिस्टर केंट को बता दो कि हम पाँच मिनट में उनके पास होंगे।"

उस समय के अंत में हम बगीचे के रास्ते से नीचे उतरे और अंत में उस रहस्यमयी घर के सामने पहुँच गए। दरवाजे पर एक छोटा दाढ़ी वाला आदमी खड़ा था, जिसके चेहरे पर काफी हैरानी के भाव थे।

"यह बहुत अचानक हुआ है, कर्नल एम्सवर्थ," उन्होंने कहा। "इससे हमारी सारी योजनाएँ गड़बड़ा जाएंगी।"

"मैं कुछ नहीं कर सकता, मिस्टर केंट। हमें मजबूर होना पड़ा है। क्या मिस्टर गॉडफ्रे हमें देख सकते हैं?"

"जी हाँ, वह अंदर इंतज़ार कर रहा है।" वह मुड़ा और हमें एक बड़े, सादे ढंग से सजे हुए सामने के कमरे में ले गया। एक आदमी आग की तरफ पीठ करके खड़ा था, और उसे देखते ही मेरे मुवक्किल ने हाथ फैलाकर उसकी ओर छलांग लगाई।

"अरे, गॉडफ्रे, बूढ़े आदमी, यह तो बढ़िया है!"

लेकिन दूसरे ने उसे वापस आने का इशारा किया।

"मुझे मत छुओ, जिमी। मुझसे दूरी बनाए रखो। हाँ, तुम घूर सकते हो! मैं बी स्क्वाड्रन के स्मार्ट लांस-कॉर्पोरल एम्सवर्थ जैसा तो नहीं दिखता, है ना?"

उसका रूप-रंग वाकई असाधारण था। देखकर कोई भी समझ सकता था कि वह कभी एक सुंदर पुरुष रहा होगा, जिसकी सुस्पष्ट चेहरे की बनावट अफ़्रीकी धूप से झुलसी हुई थी, लेकिन इस गहरे रंग की सतह पर जगह-जगह अजीब से सफ़ेद धब्बे थे जिन्होंने उसकी त्वचा को फीका कर दिया था।

“इसीलिए मैं मेहमानों का स्वागत नहीं करता,” उसने कहा। “जिमी, मुझे तुमसे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन तुम्हारे दोस्त के बिना भी मेरा काम चल सकता था। शायद इसके पीछे कोई अच्छा कारण होगा, लेकिन तुम्हारी वजह से मैं नुकसान में हूं।”

“मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि तुम ठीक हो, गॉडफ्रे। मैंने तुम्हें उस रात देखा था जब तुमने मेरी खिड़की से झाँका था, और जब तक मैंने सब कुछ स्पष्ट नहीं कर दिया, मैं इस मामले को शांत नहीं होने दे सकता था।”

“बूढ़े राल्फ ने मुझे बताया कि तुम वहाँ थे, और मैं तुम्हें देखने से खुद को रोक नहीं पाया। मुझे उम्मीद थी कि तुमने मुझे नहीं देखा होगा, और जब मैंने खिड़की के ऊपर उठने की आवाज़ सुनी तो मुझे अपने बिल की ओर भागना पड़ा।”

लेकिन आखिर मामला क्या है?

“खैर, ये कोई लंबी कहानी नहीं है,” उसने सिगरेट जलाते हुए कहा। “तुम्हें याद है वो सुबह की लड़ाई जो प्रिटोरिया के बाहर बफेलस्प्रिट में ईस्टर्न रेलवे लाइन पर हुई थी? तुमने सुना था कि मुझे चोट लगी थी?”

"हाँ, मैंने यह सुना था लेकिन मुझे इसके बारे में विस्तार से जानकारी नहीं मिली।"

“हममें से तीन लोग बाकियों से अलग हो गए थे। आपको याद होगा, वह इलाका बहुत उबड़-खाबड़ था। एक था सिम्प्सन—जिसे हम बाल्डी सिम्प्सन कहते थे—और एंडरसन, और मैं। हम भाई बोअर को खदेड़ रहे थे, लेकिन वह छुपकर बैठा रहा और हम तीनों को मार डाला। बाकी दो मारे गए। मेरे कंधे में हाथी की गोली लगी। फिर भी मैं अपने घोड़े से चिपका रहा और वह कई मील तक सरपट दौड़ा, जिसके बाद मैं बेहोश होकर काठी से गिर गया।”

जब मुझे होश आया तो रात हो चुकी थी, और मैं बहुत कमजोर और बीमार महसूस करते हुए उठा। मुझे आश्चर्य हुआ कि मेरे ठीक बगल में एक घर था, एक काफी बड़ा घर जिसमें एक चौड़ा बरामदा और कई खिड़कियां थीं। कड़ाके की ठंड थी। आपको याद होगा शाम को लगने वाली वो सुन्न कर देने वाली ठंड, एक जानलेवा, बीमार कर देने वाली ठंड, जो ताज़ी और सेहतमंद ठंड से बिल्कुल अलग होती थी। खैर, मेरी हड्डियां तक काँप रही थीं, और मेरी एकमात्र उम्मीद उस घर तक पहुँचने में ही थी। मैं लड़खड़ाते हुए उठा और खुद को घसीटता हुआ आगे बढ़ा, मुझे शायद ही पता था कि मैं क्या कर रहा हूं। मुझे धुंधली सी याद है कि मैं धीरे-धीरे सीढ़ियाँ चढ़ रहा था, एक चौड़े खुले दरवाजे से अंदर गया, एक बड़े कमरे में पहुंचा जिसमें कई पलंग थे, और संतुष्टि की एक आह भरकर उनमें से एक पर लेट गया। वह बिस्तर बिछा हुआ नहीं था, लेकिन इससे मुझे ज़रा भी परेशानी नहीं हुई। मैंने अपने काँपते शरीर पर कपड़े ओढ़े और पल भर में गहरी नींद में सो गया।

सुबह जब मैं जागा, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी सामान्य दुनिया में आने के बजाय किसी भयानक बुरे सपने में आ गया हूँ। अफ़्रीकी सूरज की किरणें बड़ी-बड़ी, बिना पर्दों वाली खिड़कियों से अंदर आ रही थीं, और विशाल, खाली, सफ़ेद रंग से पुते छात्रावास की हर चीज़ साफ़-साफ़ दिखाई दे रही थी। मेरे सामने एक बौने जैसे कद का आदमी खड़ा था, जिसका सिर बहुत बड़ा और फूला हुआ था। वह डच भाषा में उत्तेजित होकर बड़बड़ा रहा था और अपने दो भयानक हाथों को हिला रहा था, जो मुझे भूरे स्पंज जैसे लग रहे थे। उसके पीछे लोगों का एक समूह खड़ा था, जो इस स्थिति का खूब आनंद ले रहे थे, लेकिन उन्हें देखकर मुझे ठंडक सी महसूस हुई। उनमें से कोई भी

सामान्य इंसान नहीं था। हर कोई किसी न किसी तरह से विकृत, सूजा हुआ या कुरूप था। इन अजीबोगरीब राक्षसों की हंसी सुनना बहुत डरावना था।

ऐसा लग रहा था कि उनमें से कोई भी अंग्रेज़ी नहीं बोल सकता था, लेकिन स्थिति को स्पष्ट करना ज़रूरी था, क्योंकि बड़े सिर वाला वह प्राणी भयंकर रूप से क्रोधित हो रहा था, और जंगली जानवरों जैसी चीखें निकालते हुए, उसने अपने विकृत हाथों से मुझे पकड़ लिया था और मेरे घाव से बहते खून की परवाह किए बिना मुझे बिस्तर से घसीट रहा था। वह छोटा राक्षस बैल जितना बलवान था, और मुझे नहीं पता कि अगर शोर सुनकर एक बुजुर्ग व्यक्ति, जो स्पष्ट रूप से अधिकार में था, कमरे की ओर आकर्षित न हुआ होता तो वह मेरे साथ क्या कर सकता था; उसने डच में कुछ कठोर शब्द कहे, और मेरा उत्पीड़क पीछे हट गया। फिर वह मेरी ओर मुड़ा, और मुझे अत्यंत आश्चर्य से देखने लगा।

" 'तुम यहाँ कैसे आ गए?' उसने हैरानी से पूछा। 'ज़रा रुको! मैं देख रहा हूँ कि तुम थके हुए हो और तुम्हारे कंधे पर लगी चोट का इलाज करवाना ज़रूरी है। मैं डॉक्टर हूँ, और मैं तुम्हें जल्द ही बांध दूंगा। लेकिन, हे भगवान! तुम यहाँ युद्ध के मैदान से भी कहीं ज़्यादा खतरे में हो। तुम कुष्ठ रोग अस्पताल में हो, और एक कुष्ठ रोगी के बिस्तर पर सोए हो।'

"क्या मुझे तुम्हें और कुछ बताने की ज़रूरत है, जिमी? ऐसा लगता है कि आने वाले युद्ध को देखते हुए इन सभी बेचारे लोगों को एक दिन पहले ही निकाल लिया गया था। फिर, जब ब्रिटिश सेना आगे बढ़ी, तो उन्हें उनके चिकित्सा अधीक्षक द्वारा वापस लाया गया, जिन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि यद्यपि वे स्वयं इस बीमारी से प्रतिरक्षित थे, फिर भी वे कभी भी वह करने की हिम्मत नहीं करते जो मैंने किया था। उन्होंने मुझे एक निजी कमरे में रखा, मेरे साथ अच्छा व्यवहार किया, और लगभग एक सप्ताह के भीतर मुझे प्रिटोरिया के जनरल अस्पताल में भर्ती करा दिया गया।"

तो यही है मेरी त्रासदी। मैंने उम्मीद की कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन घर पहुँचने पर ही मेरे चेहरे पर दिख रहे भयानक निशानों ने मुझे बताया कि मैं बच नहीं पाई थी। मैं क्या करती? मैं इस अकेले घर में थी। हमारे पास दो नौकर थे जिन पर हम पूरी तरह भरोसा कर सकते थे। एक घर था जहाँ मैं रह सकती थी। गोपनीयता की शपथ पर, सर्जन श्री केंट मेरे साथ रहने को तैयार थे। इस लिहाज़ से यह काफी आसान लग रहा था। दूसरा विकल्प बहुत भयानक था - अजनबियों के बीच जीवन भर अलग-थलग रहना और कभी रिहाई की कोई उम्मीद न होना। लेकिन पूरी गोपनीयता ज़रूरी थी, वरना इस शांत ग्रामीण इलाके में भी हंगामा मच जाता और मुझे मेरी भयानक मौत की ओर घसीट लिया जाता। यहाँ तक कि तुम्हें भी, जिमी - तुम्हें भी अंधेरे में रखना पड़ा। मेरे पिता ने कैसे हार मान ली, यह मेरी समझ से परे है।

कर्नल एम्सवर्थ ने मेरी ओर इशारा किया।

"यही वो सज्जन हैं जिन्होंने मुझे ऐसा करने पर मजबूर किया।" उन्होंने कागज़ का वह टुकड़ा खोला जिस पर मैंने "कुष्ठ रोग" लिखा था। "मुझे लगा कि अगर उन्हें इतना भी पता है तो बेहतर यही होगा कि उन्हें सब कुछ पता हो।"

"और ऐसा ही हुआ," मैंने कहा। "कौन जानता है, शायद इससे कुछ अच्छा ही हो? मुझे पता चला है कि केवल श्री केंट ने ही मरीज़ को देखा है। महोदय, क्या मैं आपसे पूछ सकता हूँ कि क्या आप इस तरह की बीमारियों के विशेषज्ञ हैं, जो कि मेरी समझ से उष्णकटिबंधीय या अर्ध-उष्णकटिबंधीय प्रकृति की हैं?"

उन्होंने कुछ सख्ती से कहा, "मुझे एक शिक्षित चिकित्सक के बराबर सामान्य ज्ञान है।"

"मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है, महोदय, कि आप पूरी तरह से सक्षम हैं, लेकिन मुझे यकीन है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि ऐसे मामले में दूसरी राय लेना महत्वपूर्ण है। मुझे पता चला है कि आपने ऐसा इसलिए नहीं किया क्योंकि आपको डर था कि मरीज को अलग करने के लिए आप पर दबाव डाला जा सकता है।"

"यह सच है," कर्नल एम्सवर्थ ने कहा।

मैंने समझाया, "मैंने इस स्थिति का पूर्वाभास कर लिया था, और मैं अपने साथ एक ऐसे मित्र को लाया हूँ जिसकी सलाह पर पूर्णतः भरोसा किया जा सकता है। मैंने एक बार उनकी पेशेवर सेवा की थी, और वे एक विशेषज्ञ के बजाय एक मित्र के रूप में सलाह देने के लिए तैयार हैं। उनका नाम सर जेम्स सॉन्डर्स है।"

लॉर्ड रॉबर्ट्स के साथ साक्षात्कार की संभावना ने किसी भी अनुभवहीन अधीनस्थ सैनिक में मिस्टर केंट के चेहरे पर अब परिलक्षित होने वाले आश्चर्य और आनंद से अधिक आश्चर्य और खुशी पैदा नहीं की होगी।

"मुझे वाकई गर्व होगा," उसने धीरे से कहा।

"तो मैं सर जेम्स से इधर आने का अनुरोध करूंगा। वे इस समय दरवाजे के बाहर गाड़ी में हैं। इस बीच, कर्नल एम्सवर्थ, हम शायद आपके अध्ययन कक्ष में मिल सकते हैं, जहाँ मैं आवश्यक स्पष्टीकरण दे सकता हूँ।"

और यहीं मुझे अपने वॉटसन की याद आती है। अपने चतुर प्रश्नों और आश्चर्य भरी अभिव्यक्तियों से वे मेरी साधारण कला को, जो कि केवल व्यवस्थित सामान्य ज्ञान पर आधारित है, एक विलक्षण प्रतिभा में बदल देते थे। जब मैं अपनी कहानी सुनाती हूँ तो मेरे पास ऐसा कोई सहारा नहीं होता। फिर भी मैं अपनी विचार प्रक्रिया को उसी तरह प्रस्तुत करूंगी जैसे मैंने अपने छोटे से श्रोताओं को प्रस्तुत किया था, जिनमें कर्नल एम्सवर्थ के अध्ययन कक्ष में गॉडफ्रे की माँ भी शामिल थीं।

मैंने कहा, "वह प्रक्रिया इस धारणा से शुरू होती है कि जब आप सभी असंभव बातों को हटा देते हैं, तो जो कुछ भी बचता है, चाहे वह कितना भी असंभावित क्यों न हो, वही सत्य होना चाहिए। ऐसा हो सकता है कि कई स्पष्टीकरण शेष रहें, ऐसी स्थिति में एक के बाद एक परीक्षण तब तक किए जाते हैं जब तक कि उनमें से किसी एक को पर्याप्त प्रमाण न मिल जाए। अब हम इस सिद्धांत को विचाराधीन मामले पर लागू करेंगे। जैसा कि मुझे पहली बार बताया गया था, इस सज्जन को उनके पिता के महल के बाहरी कमरे में एकांतवास या कैद में रखने के तीन संभावित स्पष्टीकरण थे। एक स्पष्टीकरण यह था कि वह किसी अपराध के लिए छिपा हुआ था, या वह पागल था और वे उसे पागलखाने में भर्ती कराने से बचना चाहते थे, या उसे कोई ऐसी बीमारी थी जिसके कारण उसे अलग रखा गया था। मुझे कोई अन्य उपयुक्त समाधान नहीं सूझा। इसलिए, इन सभी को छानकर एक-दूसरे के विरुद्ध संतुलित करना आवश्यक था।"

"आपराधिक समाधान जांच में खरा नहीं उतरता। उस जिले से कोई अनसुलझा अपराध दर्ज नहीं हुआ था। मुझे इस बात का पूरा यकीन था। अगर यह कोई ऐसा अपराध होता जिसका अभी तक पता नहीं चला होता, तो जाहिर तौर पर परिवार के हित में यही होता कि अपराधी को घर में छिपाकर रखने के बजाय उसे देश से निकाल दिया जाए और विदेश भेज दिया जाए। मुझे इस तरह के आचरण का कोई औचित्य नजर नहीं आता।"

"पागलपन ज़्यादा तर्कसंगत लग रहा था। बाहरी कमरे में दूसरे व्यक्ति की मौजूदगी से किसी रखवाले का संकेत मिलता था। बाहर आने पर दरवाज़ा बंद करने से यह अनुमान और पुख्ता हो गया और बंधन का आभास हुआ। दूसरी ओर, यह बंधन इतना कठोर नहीं हो सकता था, वरना वह युवक छूटकर अपने दोस्त को देखने नीचे नहीं आ सकता था। आपको याद होगा, श्री डॉड, कि मैंने आपसे कुछ सवाल पूछे थे, जैसे कि श्री

केंट जिस अखबार को पढ़ रहे थे उसके बारे में। अगर वह लैंसेट या ब्रिटिश मेडिकल जर्नल होता तो मुझे मदद मिलती। हालांकि, किसी मानसिक रोगी को निजी परिसर में रखना गैरकानूनी नहीं है, बशर्ते कोई योग्य व्यक्ति उसकी देखरेख में हो और अधिकारियों को विधिवत सूचित कर दिया गया हो। फिर, इस गोपनीयता की इतनी ज़ोरदार चाहत क्यों? एक बार फिर, मैं इस सिद्धांत को तथ्यों से मेल नहीं बिठा पाया।"

"एक तीसरी संभावना बची थी, जो दुर्लभ और असंभावित होते हुए भी, हर तरह से सही बैठती प्रतीत होती थी। दक्षिण अफ्रीका में कुष्ठ रोग आम है। किसी असाधारण संयोग से इस युवक को यह रोग हो गया होगा। उसके परिवार वाले बहुत ही भयावह स्थिति में होंगे, क्योंकि वे उसे अलगाव से बचाना चाहेंगे। अफवाहों को फैलने से रोकने और अधिकारियों के हस्तक्षेप से बचने के लिए घोर गोपनीयता की आवश्यकता होगी। यदि पर्याप्त भुगतान किया जाए, तो पीड़ित की देखभाल के लिए एक समर्पित चिकित्सक आसानी से मिल जाएगा। अंधेरा होने के बाद उसे स्वतंत्रता न देने का कोई कारण नहीं होगा। त्वचा का रंग उड़ जाना इस बीमारी का एक आम परिणाम है। मामला बहुत मजबूत था - इतना मजबूत कि मैंने इसे सिद्ध मानकर कार्रवाई करने का निश्चय किया। यहां पहुंचने पर जब मैंने देखा कि भोजन परोसने वाले राल्फ के पास कीटाणुनाशक से भीगे हुए दस्ताने हैं, तो मेरे अंतिम संदेह भी दूर हो गए। एक शब्द ने ही आपको, महोदय, यह बता दिया कि आपका रहस्य उजागर हो गया है, और यदि मैंने इसे कहने के बजाय लिखा है, तो यह आपको यह साबित करने के लिए है कि मेरी गोपनीयता पर भरोसा किया जा सकता है।"

मैं इस मामले का संक्षिप्त विश्लेषण पूरा ही कर रहा था कि तभी दरवाजा खुला और महान त्वचा विशेषज्ञ अंदर आए। लेकिन इस बार उनके चेहरे पर मौजूद कठोर भाव थोड़े नरम पड़ गए थे और उनकी आँखों में एक गर्मजोशी भरी मानवता झलक रही थी। वे कर्नल एम्सवर्थ के पास गए और उनसे हाथ मिलाया।

उन्होंने कहा, "अक्सर मेरी किस्मत में बुरी खबर लाना ही लिखा होता है, अच्छी खबर लाना बहुत कम। लेकिन यह मौका कुछ ज्यादा ही खुशी देने वाला है। यह कोई कुष्ठ रोग नहीं है।"

"क्या?"

"यह छद्म कुष्ठ रोग या इचथियोसिस का एक स्पष्ट मामला है, त्वचा का एक पपड़ीदार रोग, जो देखने में भद्दा, ज़िद्दी, लेकिन संभवतः इलाज योग्य है और निश्चित रूप से संक्रामक नहीं है। जी हाँ, श्रीमान होम्स, यह संयोग वाकई अद्भुत है। लेकिन क्या यह महज़ संयोग है? क्या इसमें कोई ऐसी सूक्ष्म शक्तियाँ शामिल नहीं हैं जिनके बारे में हमें बहुत कम जानकारी है? क्या हमें यकीन है कि इस युवक को इसके संक्रमण के संपर्क में आने के बाद से जिस आशंका से भयानक पीड़ा हुई है, वह कहीं ऐसा शारीरिक प्रभाव तो नहीं पैदा कर रही है जो इसके डर को दर्शाता हो? खैर, मैं अपनी पेशेवर प्रतिष्ठा की कसम खाता हूं - लेकिन महिला बेहोश हो गई है! मुझे लगता है कि श्री केंट को उसके साथ तब तक रहना चाहिए जब तक वह इस सुखद आश्चर्य से उबर न जाए।"

मजारिन पत्थर का रोमांच

डॉ. वॉटसन को बेकर स्ट्रीट की पहली मंजिल के उस अव्यवस्थित कमरे में फिर से आकर सुखद लगा, जो कई उल्लेखनीय कारनामों का आरंभिक बिंदु रहा था। उन्होंने चारों ओर दीवार पर टंगे वैज्ञानिक चार्ट, एसिड से झुलसी रसायनों की बेंच, कोने में टिका वायलिन का डिब्बा और कोयले की बाल्टी देखी, जिसमें पुराने ज़माने के पाइप और तंबाकू रखे थे। अंत में, उनकी नज़र बिली के ताज़गी भरे और मुस्कुराते चेहरे पर

पड़ा, जो युवा लेकिन बहुत बुद्धिमान और चतुर सहायक था, जिसने महान जासूस के गंभीर व्यक्तित्व के चारों ओर छाए अकेलेपन और अलगाव के खालीपन को कुछ हद तक भरने में मदद की थी।

"बिली, सब कुछ पहले जैसा ही लग रहा है। तुम भी नहीं बदले। उम्मीद है उसके बारे में भी यही कहा जा सकता है?"

बिली ने कुछ चिंता भरी नज़रों से बेडरूम के बंद दरवाज़े की ओर देखा।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि वह बिस्तर पर सो रहा है।"

गर्मी के सुहावने दिन की शाम के सात बज रहे थे, लेकिन डॉ. वॉटसन अपने पुराने दोस्त के अनियमित समय से अच्छी तरह वाकिफ थे, इसलिए उन्हें इस विचार पर कोई आश्चर्य नहीं हुआ।

"तो इसका मतलब है कि मामला चलेगा?"

जी हाँ, श्रीमान, वह आजकल इस काम में बहुत व्यस्त हैं। मुझे उनकी सेहत की चिंता सता रही है। उनका रंग पीला और दुबला होता जा रहा है, और वे कुछ खाते भी नहीं हैं। श्रीमती हडसन ने पूछा, 'श्रीमान होम्स, आप भोजन कब करना चाहेंगे?' उन्होंने कहा, 'परसों सात बजकर साढ़े सात बजे।' आप तो जानती ही हैं कि जब वे किसी मामले में पूरी तरह से मग्न हो जाते हैं तो उनका क्या हाल होता है।

"हां, बिली, मुझे पता है।"

"वह किसी का पीछा कर रहा है। कल वह काम की तलाश में एक मजदूर बनकर निकला था। आज वह एक बूढ़ी औरत के रूप में था। उसने मुझे बड़ी चालाकी से अपने घर में पनाह दी, और अब तक तो मुझे उसके तौर-तरीके समझ आ जाने चाहिए थे।" बिली ने मुस्कुराते हुए सोफे से टिकी एक ढीली-ढाली छतरी की ओर इशारा किया। "यह उस बूढ़ी औरत के पहनावे का हिस्सा है," उसने कहा।

"लेकिन बिली, यह सब किस बारे में है?"

बिली ने अपनी आवाज़ धीमी कर ली, मानो वह राज्य के बड़े रहस्यों पर चर्चा कर रहा हो। "मुझे आपको बताने में कोई आपत्ति नहीं है, महोदय, लेकिन इसे इससे आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। यह क्राउन डायमंड का मामला है।"

"क्या— एक लाख पाउंड की चोरी?"

जी हाँ, महोदय। उन्हें वह वापस मिलना ही चाहिए। वैसे, प्रधानमंत्री और गृह सचिव दोनों उसी सोफे पर बैठे थे। श्री होम्स उनसे बहुत विनम्रता से पेश आए। उन्होंने जल्द ही उन्हें सहज महसूस कराया और वादा किया कि वे हर संभव मदद करेंगे। फिर लॉर्ड कैंटलमेयर भी हैं—"

आह!"

जी हाँ, महोदय, आप जानते हैं इसका क्या मतलब है। अगर मैं कहूँ तो, वह बड़े अकड़ू हैं। प्रधानमंत्री के साथ मेरी अच्छी बनती है, और गृह सचिव के खिलाफ भी मुझे कुछ नहीं कहना, जो एक सभ्य और मददगार किस्म के आदमी लगते हैं, लेकिन मुझे उनके लॉर्डशिप बिल्कुल पसंद नहीं हैं। श्री होम्स भी नहीं। दरअसल, उन्हें श्री होम्स पर भरोसा नहीं है और वे उन्हें नियुक्त करने के खिलाफ थे। वे तो चाहते हैं कि श्री होम्स असफल हो जाएं।

और मिस्टर होम्स को यह बात पता है?

"श्री होम्स को हमेशा सब कुछ पता होता है।"

"खैर, हम उम्मीद करेंगे कि वह असफल न हो और लॉर्ड कैंटलमेयर हैरान रह जाए। लेकिन बिली, खिड़की पर लगा वह पर्दा किसलिए है?"

"मिस्टर होम्स ने इसे तीन दिन पहले वहाँ लगवाया था। इसके पीछे कुछ मजेदार बात है।"

बिली आगे बढ़ा और धनुषाकार खिड़की के आले को ढकने वाले पर्दे को हटा दिया।

डॉ. वॉटसन आश्चर्य से चीखने से खुद को रोक नहीं पाए। उनके पुराने दोस्त की हूबहू प्रतिकृति सामने थी, ड्रेसिंग गाउन समेत, चेहरा खिड़की की ओर तीन-चौथाई झुका हुआ और नीचे की ओर, मानो कोई अदृश्य किताब पढ़ रहा हो, जबकि शरीर एक कुर्सी में गहराई से धंसा हुआ था। बिली ने सिर को अलग किया और उसे हवा में उठा लिया।

“हमने इसे अलग-अलग कोणों पर रखा है, ताकि यह अधिक सजीव लगे। अगर पर्दा नीचे न होता तो मैं इसे छूने की हिम्मत भी नहीं करता। लेकिन जब पर्दा ऊपर होता है तो इसे दूर से भी देखा जा सकता है।”

"हमने पहले भी एक बार कुछ इसी तरह की चीज का इस्तेमाल किया था।"

“मेरे ज़माने से पहले की बात है,” बिली ने कहा। उसने खिड़की के पर्दे हटाए और सड़क की ओर देखा। “कुछ लोग हमें उधर से देख रहे हैं। मुझे अभी खिड़की पर एक आदमी दिख रहा है। तुम भी देख लो।”

वॉटसन ने अभी एक कदम आगे बढ़ाया ही था कि शयनकक्ष का दरवाजा खुला और होम्स की लंबी, पतली आकृति बाहर निकली। उनका चेहरा पीला और मुरझाया हुआ था, लेकिन उनकी चाल और हावभाव हमेशा की तरह चुस्त थे। एक ही छलांग में वे खिड़की तक पहुँच गए और उन्होंने पर्दा फिर से खींच दिया।

“बस इतना ही काफी है, बिली,” उसने कहा। “उस समय तुम्हारी जान को खतरा था, मेरे बेटे, और मैं अभी तुम्हारे बिना नहीं रह सकता। खैर, वॉटसन, तुम्हें अपने पुराने ठिकाने पर फिर से देखकर अच्छा लगा। तुम एक नाजुक समय पर आए हो।”

"तो मुझे यही लगता है।"

“तुम जा सकते हो, बिली। वो लड़का मुसीबत है, वॉटसन। उसे खतरे में डालने में मैं कितना जायज़ हूँ?”

“किस बात का खतरा है, होम्स?”

"अचानक मौत की। मुझे आज शाम कुछ होने की आशंका है।"

“किस बात की उम्मीद कर रहे हो?”

"वॉटसन, तुम्हारी हत्या कर दी जाएगी।"

"नहीं, नहीं, तुम मजाक कर रहे हो, होम्स!"

“मेरी सीमित हास्यबोध भी इससे बेहतर चुटकुला बना सकती थी। लेकिन फ़िलहाल हम आराम से रह सकते हैं, है ना? क्या शराब पीने की इजाज़त है? पेट्रोल पंप और सिगार पुरानी जगह पर हैं। चलो, एक बार फिर तुम्हें हमेशा की तरह आरामकुर्सी पर देखते हैं। उम्मीद है, तुमने मेरी पाइप और मेरे घटिया तंबाकू को नापसंद करना नहीं सीखा होगा? आजकल तो इसे खाने की जगह लेनी पड़ती है।”

लेकिन खाना क्यों नहीं खाना चाहिए?

क्योंकि जब आप इंद्रियों को भूखा रखते हैं तो वे परिष्कृत हो जाती हैं। क्यों न, एक डॉक्टर होने के नाते, मेरे प्रिय वॉटसन, आपको यह मानना ही होगा कि पाचन क्रिया को रक्त की आपूर्ति के रूप में जो लाभ मिलता है, वह मस्तिष्क को नहीं मिल पाता। मैं एक मस्तिष्क हूँ, वॉटसन। मेरा बाकी शरीर तो बस एक उपांग है। इसलिए, मुझे मस्तिष्क पर ही ध्यान देना चाहिए।

"लेकिन यह खतरा, होम्स?"

“हाँ, अगर यह योजना सफल हो जाती है, तो बेहतर होगा कि आप हत्यारे का नाम और पता याद रखें। आप इसे स्कॉटलैंड यार्ड को दे सकते हैं, मेरी शुभकामनाओं और

आखिरी दुआओं के साथ। नाम है सिल्विअस - काउंट नेग्रेटो सिल्विअस। लिख लो, लिख लो! 136 मूरसाइड गार्डन्स, उत्तर पश्चिम। समझ गए?”

वाटसन का सीधा-सादा चेहरा चिंता से कांप रहा था। वह होम्स द्वारा उठाए गए भारी जोखिमों को भली-भांति जानता था और उसे यह भी अच्छी तरह पता था कि उसकी कही बात अतिशयोक्ति से कहीं अधिक कमतर होगी। वाटसन हमेशा से ही कर्मठ व्यक्ति था और उसने इस अवसर पर बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभाई।

"मुझे भी शामिल कर लो, होम्स। मेरे पास एक-दो दिन का कोई काम नहीं है।"

"वॉटसन, तुम्हारे नैतिक मूल्यों में कोई सुधार नहीं हुआ है। तुमने अपनी अन्य बुराइयों के साथ झूठ बोलना भी जोड़ लिया है। तुम एक व्यस्त चिकित्सक के सभी लक्षण दर्शाते हो, जिसे हर घंटे डॉक्टर से मिलना पड़ता है।"

“इतने महत्वपूर्ण मामले नहीं। लेकिन क्या आप इस आदमी को गिरफ्तार नहीं करवा सकते?”

"हां, वॉटसन, मैं कर सकता हूं। यही बात उसे इतना परेशान करती है।"

लेकिन आप ऐसा क्यों नहीं करते?

क्योंकि मुझे नहीं पता कि हीरा कहाँ है।

“अरे! बिली ने मुझे बताया था – गायब हुआ राजसी रत्न!”

“हाँ, वही महान पीला मजारिन पत्थर। मैंने अपना जाल डाला और मछलियाँ पकड़ लीं। लेकिन पत्थर नहीं मिला। उन्हें पकड़ने का क्या फायदा? हम उन्हें पैरों तले रौंदकर दुनिया को बेहतर बना सकते हैं। लेकिन मेरा मकसद यह नहीं है। मुझे तो पत्थर चाहिए।”

"और क्या यह काउंट सिल्विअस तुम्हारी मछलियों में से एक है?"

“हाँ, और वो एक शातिर है। वो काटता है। दूसरा है सैम मर्टन, बॉक्सर। सैम कोई बुरा आदमी नहीं है, लेकिन काउंट ने उसका इस्तेमाल किया है। सैम शातिर नहीं है। वो तो एक बड़ा सा मूर्ख, अड़ियल गधा है। लेकिन फिर भी वो मेरे जाल में फड़फड़ा रहा है।”

“काउंट सिल्विअस कहाँ है?”

“मैं सुबह से ही उसके बिल्कुल पास बैठी रही। तुमने मुझे एक बूढ़ी औरत के रूप में देखा है, वाटसन। मैं पहले से कहीं ज़्यादा विश्वसनीय लग रही थी। उसने एक बार तो मेरे लिए छाता भी उठा दिया था। ‘आपकी अनुमति से, महोदया,’ उसने कहा – आधा इतालवी, तुम्हें पता है, और जब उसका मूड होता है तो उसमें दक्षिणी शिष्टाचार झलकता है, लेकिन दूसरे मूड में वह साक्षात शैतान बन जाता है। जीवन विचित्र घटनाओं से भरा है, वॉटसन।”

"यह एक त्रासदी हो सकती थी।"

“खैर, शायद हो सकता है। मैं उसके पीछे-पीछे मिनोरीज़ में पुराने स्टॉबेन्ज़ी की कार्यशाला तक गया था। स्टॉबेन्ज़ी ने एयर-गन बनाई थी - जैसा कि मैंने सुना है, वह बहुत ही सुंदर चीज़ है, और मुझे लगता है कि इस समय वह सामने वाली खिड़की में होगी। क्या तुमने वह पुतला देखा है? बिल्कुल, बिली ने तुम्हें दिखाया था। खैर, किसी भी क्षण उसके सुंदर सिर में गोली लग सकती है। अरे, बिली, क्या बात है?”

लड़का एक ट्रे में कार्ड लेकर कमरे में वापस आ गया। होम्स ने भौंहें उठाकर और मुस्कुराते हुए उस कार्ड पर एक नज़र डाली।

“स्वयं वह व्यक्ति। मुझे इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। हिम्मत दिखाओ, वॉटसन! बड़ा दिल है! शायद तुमने बड़े शिकार में उसकी ख्याति सुनी होगी। अगर वह मुझे भी अपने शिकार में शामिल कर ले, तो यह उसके शानदार खेल रिकॉर्ड का एक विजयी

अंत होगा। यह इस बात का सबूत है कि वह मेरी एड़ी के ठीक पीछे मेरे अंगूठे को महसूस कर रहा है।"

पुलिस को बुलाओ।

"शायद मैं देख लूंगा। लेकिन अभी नहीं। वॉटसन, क्या तुम खिड़की से बाहर ध्यान से देखोगे और पता लगाओगे कि सड़क पर कोई घूम तो नहीं रहा है?"

वॉटसन ने सावधानी से पर्दे के किनारे से चारों ओर देखा।

"हां, दरवाजे के पास एक बदमाश आदमी खड़ा है।"

"ये तो सैम मर्टन होंगे – वफादार लेकिन थोड़े मूर्ख सैम। ये सज्जन कहाँ हैं, बिली?"

"प्रतीक्षा कक्ष में, महोदय।"

"जब मैं फोन करूं तो उसे नीचा दिखाना।"

"जी श्रीमान।"

"अगर मैं कमरे में मौजूद नहीं हूं, तो भी उसे दिखा दो।"

"जी श्रीमान।"

वॉटसन ने दरवाजा बंद होने तक इंतजार किया, और फिर वह गंभीरता से अपने साथी की ओर मुड़ा।

"देखो होम्स, यह बिल्कुल असंभव है। यह एक हताश आदमी है, जो किसी भी हद तक जा सकता है। हो सकता है वह तुम्हारी हत्या करने आया हो।"

मुझे आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

मैं तुम्हारे साथ ही रहना चाहता हूँ।

"तुम बुरी तरह से बाधा बनोगे।"

"उसके रास्ते में?"

नहीं, मेरे प्रिय मित्र—मैं अपने रास्ते पर हूँ।

"खैर, मैं तुम्हें छोड़कर नहीं जा सकता।"

"हाँ, तुम कर सकते हो, वॉटसन। और तुम करोगे भी, क्योंकि तुमने कभी भी खेल में हार नहीं मानी है। मुझे पूरा यकीन है कि तुम इसे अंत तक खेलोगे। यह आदमी अपने उद्देश्य से आया है, लेकिन हो सकता है कि वह मेरे उद्देश्य से भी यहाँ रुक जाए।"

होम्स ने अपनी नोटबुक निकाली और कुछ पंक्तियाँ लिखीं। "एक टैक्सी लेकर स्कॉटलैंड यार्ड जाओ और इसे सी.आई.डी. के योघल को दे दो। पुलिस के साथ वापस आओ। उस आदमी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।"

मैं यह काम खुशी-खुशी करूंगा।

"आपके लौटने से पहले शायद मुझे पत्थर का पता लगाने के लिए थोड़ा समय मिल जाए।" उसने घंटी को छुआ। "मुझे लगता है हम शयनकक्ष से बाहर निकलेंगे। यह दूसरा रास्ता बहुत काम का है। मैं अपनी शार्क को बिना उसके देखे देखना चाहता हूँ, और जैसा कि आपको याद होगा, मेरे पास ऐसा करने का अपना तरीका है।"

इसलिए, वह एक खाली कमरा था जिसमें बिली ने एक मिनट बाद काउंट सिल्विअस को प्रवेश कराया। प्रसिद्ध निशानेबाज, खिलाड़ी और शहर का जाना-माना व्यक्ति, सिल्विअस एक लंबा, सांवला आदमी था, जिसकी घनी काली मूंछें उसके क्रूर, पतले होंठों को ढके हुए थीं, और उसके ऊपर एक लंबी, घुमावदार नाक थी जो चील की चोंच जैसी थी। उसने अच्छे कपड़े पहने थे, लेकिन उसकी चमकदार टाई, चमकती पिन और झिलमिलाती अंगूठियां दिखावटी थीं। जैसे ही दरवाजा उसके पीछे बंद हुआ, उसने चारों ओर भयंकर, चौंकी हुई आँखों से देखा, मानो उसे हर मोड़ पर किसी जाल का संदेह हो। फिर खिड़की में आर्मचेयर के ऊपर निकले हुए भावहीन सिर और ड्रेसिंग-गाउन के कॉलर को देखकर वह चौंक गया। पहले तो उसके चेहरे पर घोर आश्चर्य का भाव था। फिर उसकी काली, कातिलाना आँखों में एक भयानक आशा की

किरण चमक उठी। उसने एक बार फिर चारों ओर नज़र घुमाकर यह सुनिश्चित किया कि कोई गवाह न हो, और फिर, अपने मोटे डंडे को आधा ऊपर उठाकर, पंजों के बल खड़े होकर वह उस खामोश आकृति की ओर बढ़ा। वह अपनी आखिरी छलांग और वार के लिए झुक ही रहा था कि खुले हुए शयनकक्ष के दरवाजे से एक ठंडी, व्यंग्यात्मक आवाज़ ने उसका स्वागत किया:

"इसे मत तोड़ो, काउंट! इसे मत तोड़ो!"

हत्यारा लड़खड़ाकर पीछे हट गया, उसके चेहरे पर हैरानी के भाव थे। एक पल के लिए उसने अपनी भरी हुई छड़ी को फिर से आधा उठाया, मानो वह अपनी हिंसा को पुतले से हटाकर असली पर केंद्रित करना चाहता हो; लेकिन उसकी स्थिर धूसर आँखों और व्यंग्यपूर्ण मुस्कान में कुछ ऐसा था जिसने उसके हाथ को नीचे गिरा दिया।

"यह तो बड़ी प्यारी सी चीज़ है," होम्स ने तस्वीर की ओर बढ़ते हुए कहा। "इसे फ्रांसीसी मॉडलर टैवर्नियर ने बनाया है। वो मोम की मूर्तियाँ बनाने में उतने ही माहिर हैं जितना तुम्हारा दोस्त स्ट्राबेनज़ी एयर-गन बनाने में।"

"एयर गन, महोदय! आपका क्या मतलब है?"

"अपनी टोपी और डंडा बगल वाली मेज पर रख दीजिए। धन्यवाद! कृपया बैठ जाइए। क्या आप अपना रिवॉल्वर भी निकालना चाहेंगे? ओह, बहुत अच्छा, अगर आप इस पर बैठना पसंद करते हैं। आपका आना सचमुच बहुत ही सही समय पर हुआ है, क्योंकि मैं आपसे कुछ मिनट बात करना चाहता था।"

काउंट ने भारी और धमकी भरी भौंहों के साथ गुस्से से देखा।

"होम्स, मैं भी आपसे कुछ बात करना चाहता था। इसीलिए मैं यहाँ आया हूँ। मैं इस बात से इनकार नहीं करूँगा कि अभी-अभी मेरा इरादा आप पर हमला करने का था।"

होम्स ने अपना पैर मेज के किनारे पर लटका दिया।

उन्होंने कहा, "मुझे लगा था कि आपके मन में कुछ विचार जरूर होगा। लेकिन ये व्यक्तिगत ध्यान क्यों?"

क्योंकि तुमने मुझे परेशान करने के लिए हर संभव प्रयास किया है। क्योंकि तुमने अपने जीवों को मेरे पीछे लगा दिया है।

"मेरे प्यारे जीवों! मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, ऐसा नहीं होगा!"

"बकवास! मैंने उनका पीछा करवाया है। होम्स, इस खेल में दो लोग खेल सकते हैं।"

"यह एक छोटी सी बात है, काउंट सिल्विअस, लेकिन कृपया मुझे संबोधित करते समय मेरे नाम के आगे का शब्द इस्तेमाल करें। आप समझ सकते हैं कि मेरे काम की दिनचर्या के कारण, मैं आधे बदमाशों से परिचित हो चुका हूं, और आप इस बात से सहमत होंगे कि अपवाद अनुचित होते हैं।"

"ठीक है, श्रीमान होम्स।"

"बहुत बढ़िया! लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मेरे कथित एजेंटों के बारे में आपकी धारणा गलत है।"

काउंट सिल्विअस ने तिरस्कारपूर्वक हँसते हुए कहा।

"दूसरे लोग भी आपकी तरह ही देख सकते हैं। कल एक बूढ़ा खिलाड़ी था। आज एक बुजुर्ग महिला थी। वे दिन भर मुझे देखते रहे।"

"सचमुच, महोदय, आप मेरी प्रशंसा कर रहे हैं। पुराने बैरन डाउसन ने फांसी से एक रात पहले कहा था कि मेरे मामले में कानून को जो लाभ हुआ है, वह रंगमंच को खो गया है। और अब आप मेरे छोटे-मोटे अभिनय की इतनी प्रशंसा कर रहे हैं?"

"क्या यह तुम थे—तुम खुद?"

होम्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, "कौन में आपको वह छाता दिख रहा है जो आपने मिनोरीज़ में मुझे बड़ी विनम्रता से सौंपा था, इससे पहले कि आपको शक होने लगा।"

"अगर मुझे पता होता, तो शायद तुम कभी ऐसा नहीं करते—"

"मैंने इस साधारण से घर को फिर से देखा। मैं इसके बारे में अच्छी तरह जानता था। हम सभी के पास अफसोस करने के कई मौके होते हैं जिन्हें हम नजरअंदाज कर देते हैं। संयोग से, आपको इसके बारे में पता नहीं था, इसलिए हम यहां हैं!"

काउंट की तनु भौंहें उनकी भयावह आँखों पर और भी तन गईं। "तुम जो कह रहे हो, उससे मामला और बिगड़ रहा है। ये तुम्हारे एजेंट नहीं, बल्कि तुम्हारा नाटकबाज़ और दखलंदाज़ी करने वाला स्वभाव था! तुम खुद मानते हो कि तुमने मेरा पीछा किया। क्यों?"

"अरे, काउंट। तुम तो अल्जीरिया में शेरों का शिकार किया करते थे।"

"कुंआ?"

"लेकिन क्यों?"

"क्यों? खेल के लिए— रोमांच के लिए—खतरे के लिए!"

और, निःसंदेह, देश को एक महामारी से मुक्त करने के लिए?

"बिल्कुल!"

संक्षेप में मेरे कारण!

काउंट झट से अपने पैरों पर खड़ा हो गया, और उसका हाथ अनायास ही उसकी कमर की जेब की ओर चला गया।

"बैठ जाइए, महोदय, बैठ जाइए! एक और, अधिक व्यावहारिक कारण था। मुझे वह पीला हीरा चाहिए!"

काउंट सिल्विअस एक दुष्ट मुस्कान के साथ अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया।

"मेरी बात मानो!" उसने कहा।

"तुम्हें पता था कि मैं इसी वजह से तुम्हारे पीछे पड़ा हूँ। आज रात तुम्हारे यहाँ आने का असली कारण यह पता लगाना है कि मुझे इस मामले की कितनी जानकारी है और मेरा यहां से जाना कितना ज़रूरी है। खैर, मैं कहूँ कि तुम्हारे नज़रिए से तो यह बिल्कुल ज़रूरी है, क्योंकि मुझे इसके बारे में सब कुछ पता है, सिवाय एक बात के, जो तुम मुझे बताने वाले हो।"

"ओह, बिल्कुल! और कृपया बताएं कि यह गुम तथ्य क्या है?"

"जहां अब क्राउन डायमंड है।"

काउंट ने अपने साथी को तीखी नज़र से देखा। "ओह, तुम यह जानना चाहते हो, है ना? भला मैं तुम्हें कैसे बता सकता हूँ कि वह कहाँ है?"

आप कर सकते हैं, और आप करेंगे।

"वास्तव में!"

"काउंट सिल्विअस, तुम मुझे धोखा नहीं दे सकते।" होम्स की आँखें, जैसे ही उसने उसे घूरा, सिकुड़ गईं और चमक उठीं, मानो वे लोहे की दो नुकीली कीलों जैसी लग रही हों। "तुम बिलकुल कांच की तरह हो। मैं तुम्हारे दिमाग की गहराई तक देख सकता हूं।"

फिर, ज़ाहिर है, आपको पता चल जाएगा कि हीरा कहाँ है!

होम्स ने मजे से ताली बजाई और फिर व्यंग्यपूर्ण ढंग से उंगली उठाई। "तो फिर तुम जानते हो। तुमने खुद मान लिया है!"

मैं कुछ भी स्वीकार नहीं करता।

“अब, काउंट, अगर आप समझदारी से काम लेंगे तो हम व्यापार कर सकते हैं। अगर नहीं, तो आपको नुकसान उठाना पड़ेगा।”

काउंट सिल्विअस ने अपनी आँखें छत की ओर उठाईं। "और तुम लोग दिखावे की बात करते हो!" उसने कहा।

होम्स ने उसे एक माहिर शतरंज खिलाड़ी की तरह ध्यानपूर्वक देखा, जैसे वह अपनी निर्णायक चाल पर विचार कर रहा हो। फिर उसने मेज की दराज खोला और एक छोटी सी नोटबुक निकाली।

"क्या आपको पता है कि मैं इस किताब में क्या रखता हूँ?"

"नहीं, महोदय, मैं नहीं करता!"

"आप!"

"मुझे!"

"जी हाँ, महोदय, आप ही! आप सब यहाँ मौजूद हैं - आपके घृणित और खतरनाक जीवन का हर एक कृत्य।"

“धिक्कार है तुम पर, होम्स!” काउंट ने धधकती आँखों से चिल्लाते हुए कहा। “मेरे धैर्य की भी एक सीमा है!”

"सब कुछ यहीं है, काउंट। श्रीमती हेरोल्ड की मृत्यु के बारे में असली तथ्य, जिन्होंने आपको ब्लिमर एस्टेट विरासत में दिया था, जिसे आपने इतनी जल्दी जुए में गंवा दिया।"

“तुम सपना देख रहे हो!”

और मिस मिन्नी वारेंडर का संपूर्ण जीवन इतिहास।

“छी! तुम इससे कुछ नहीं बना पाओगे!”

"और भी बहुत कुछ है, काउंट। यह 13 फरवरी, 1892 को रिवेरा जाने वाली लक्ज़री ट्रेन में हुई डकैती है। यह उसी वर्ष क्रेडिट लियोनैस पर जारी किया गया जाली चेक है।"

नहीं, आप यहाँ गलत हैं।

“तो फिर बाकी सब मामलों में मैं सही हूँ! अब, काउंट, तुम ताश के खिलाड़ी हो। जब दूसरे खिलाड़ी के पास सारे तुरुप के पत्ते हों, तो अपने पत्ते फेंक देना समय बचाता है।”

"आप जिस रत्न की बात कर रहे थे, उससे इन सब बातों का क्या संबंध है?"

"शांत हो जाओ, काउंट। अपने उस उतावले मन को काबू में रखो! मुझे अपने नीरस अंदाज़ में मुद्दे पर आने दो। मेरे पास तुम्हारे खिलाफ ये सब सबूत हैं; लेकिन सबसे बढ़कर, क्राउन डायमंड के मामले में मेरे पास तुम्हारे और तुम्हारे झगड़ालू गुंडे, दोनों के खिलाफ़ एक स्पष्ट मामला है।"

"वास्तव में!"

“मेरे पास वो टैक्सी ड्राइवर है जो आपको व्हाइटहॉल ले गया था और वो भी जो आपको वापस लाया। मेरे पास वो कमिश्नर है जिसने आपको मामले के पास देखा था। मेरे पास आइकी सैंडर्स है, जिसने आपके लिए इसे काटने से इनकार कर दिया था। आइकी ने मुखबिरी कर दी है, और अब खेल खत्म हो गया है।”

काउंट के माथे की नसें उभरी हुई थीं। उनके काले, बालों वाले हाथ दबी हुई भावनाओं के कारण मुट्ठी में जकड़े हुए थे। उन्होंने बोलने की कोशिश की, लेकिन शब्द उनके मुंह से नहीं निकल रहे थे।

“मैं इसी पत्ते से खेलता हूं,” होम्स ने कहा। “मैंने सारे पत्ते दांव पर लगा दिए हैं। लेकिन एक पत्ता गायब है। वह है हीरे का बादशाह। मुझे नहीं पता कि उसका पत्थर कहां है।”

तुम कभी नहीं जान पाओगे।

"नहीं? अब, समझदारी से काम लो, काउंट। हालात पर गौर करो। तुम्हें बीस साल के लिए जेल जाना है। सैम मर्टन को भी। तुम्हें अपने हीरे से क्या फायदा होगा? कुछ भी नहीं। लेकिन अगर तुम इसे सौंप देते हो—तो मैं एक गंभीर अपराध में छूट दे दूंगा। हमें तुम या सैम नहीं चाहिए। हमें हीरा चाहिए। उसे दे दो, और जहाँ तक मेरा सवाल है, तुम भविष्य में सही व्यवहार करने पर आज़ाद हो सकते हो। अगर तुमने फिर से कोई गलती की, तो वह आखिरी होगी। लेकिन इस बार मेरा काम हीरा हासिल करना है, तुम्हें नहीं।"

लेकिन अगर मैं मना कर दूं तो?

"तो फिर—अफ़सोस!—यह तुम ही होगे, पत्थर नहीं।"

बिली घंटी बजने पर प्रकट हुआ था।

"काउंट, मुझे लगता है कि आपके दोस्त सैम का इस सम्मेलन में होना अच्छा रहेगा। आखिर, उनके हितों का भी प्रतिनिधित्व होना चाहिए। बिली, आपको सामने वाले दरवाजे के बाहर एक लंबा-चौड़ा और बदसूरत आदमी दिखेगा। उनसे ऊपर आने के लिए कह देना।"

"अगर वो नहीं आएंगे, तो महोदय?"

"हिंसा मत करो, बिली। उसके साथ सख्ती मत करो। अगर तुम उसे बताओगे कि काउंट सिल्विअस उसे चाहता है तो वह जरूर आएगा।"

बिली के गायब हो जाने के बाद काउंट ने पूछा, "अब तुम क्या करोगे?"

"अभी-अभी मेरा दोस्त वॉटसन मेरे साथ था। मैंने उसे बताया कि मेरे जाल में एक शार्क और एक गजन मछली फंसी हुई है; अब मैं जाल खींच रहा हूँ और वे दोनों एक साथ ऊपर आ रही हैं।"

काउंट अपनी कुर्सी से उठ चुके थे और उनका हाथ उनकी पीठ के पीछे था। होम्स ने अपने ड्रेसिंग-गाउन की जेब से कुछ आधा बाहर निकला हुआ पकड़ रखा था।

"होम्स, तुम्हारी मौत बिस्तर पर नहीं होगी।"

"मेरे मन में भी अक्सर यही विचार आता है। क्या इससे कोई खास फर्क पड़ता है? आखिर, काउंट, आपकी मृत्यु क्षैतिज की बजाय लंबवत होने की अधिक संभावना है। लेकिन भविष्य की ये आशंकाएँ निराशावादी हैं। क्यों न हम वर्तमान के बेरोकटोक आनंद में डूब जाएं?"

उस कुख्यात अपराधी की अंधेरी, भयावह आँखों में अचानक एक जंगली जानवर जैसी चमक आ गई। होम्स का कद बढ़ता हुआ प्रतीत हुआ, जैसे-जैसे वह तनावग्रस्त और तैयार होता गया।

"अपने रिवॉल्वर को हाथ लगाने का कोई फायदा नहीं, मेरे दोस्त," उसने शांत स्वर में कहा। "तुम अच्छी तरह जानते हो कि तुम इसे चलाने की हिम्मत नहीं करोगे, चाहे मैं तुम्हें इसे निकालने का समय ही क्यों न दे दूं। रिवॉल्वर बड़ी शोर मचाने वाली चीज़ें हैं, काउंट। एयरगन से ही काम चलाना बेहतर है। आह! मुझे लगता है कि मुझे आपके आदरणीय साथी के कदमों की आहट सुनाई दे रही है। नमस्कार, श्री मर्टन। सड़क पर थोड़ा नीरस माहौल है, है ना?"

पुरस्कार विजेता मुक्केबाज, एक हट्टे-कट्टे नौजवान, जिसका चेहरा मूर्ख, हठी और सपाट था, दरवाजे पर अजीब तरह से खड़ा था और उलझन भरी निगाहों से इधर-उधर देख रहा था। होम्स का सौम्य व्यवहार उसके लिए एक नया अनुभव था, और हालांकि उसे हल्का-सा आभास था कि यह शत्रुतापूर्ण है, उसे समझ नहीं आ रहा था कि इसका मुकाबला कैसे किया जाए। उसने मदद के लिए अपने अधिक चतुर साथी की ओर रुख किया।

“अब क्या चल रहा है, काउंट? यह आदमी क्या चाहता है? क्या बात है?” उसकी आवाज गहरी और कर्कश थी।

काउंट ने अपने कंधे उचका दिए, और होम्स ने जवाब दिया।

"अगर मैं इसे संक्षेप में कहूँ, श्री मर्टन, तो मैं कहूँगा कि सब कुछ खत्म हो गया था।"

बॉक्सर ने फिर भी अपनी टिप्पणी अपने सहयोगी को संबोधित करते हुए की।

“क्या ये लोग मज़ाक करने की कोशिश कर रहे हैं, या क्या? मैं तो खुद मज़ाक करने के मूड में नहीं हूँ।”

“नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता,” होम्स ने कहा। “मैं आपको यकीन दिला सकता हूँ कि जैसे-जैसे शाम ढलती जाएगी, आपका मूड और भी खराब होता जाएगा। अब, सुनिए, काउंट सिल्विअस। मैं व्यस्त हूँ और समय बर्बाद नहीं कर सकता। मैं उस बेडरूम में जा रहा हूँ। कृपया मेरी अनुपस्थिति में आराम से रहिए। आप अपने दोस्त को बिना मेरी मौजूदगी के सारी बातें समझा सकते हैं। मैं अपने वायलिन पर हॉफमैन का ‘बारकारोल’ बजाने की कोशिश करूँगा। पाँच मिनट में मैं आपके अंतिम जवाब के लिए वापस आऊँगा। आप विकल्प को अच्छी तरह समझ गए हैं, है ना? क्या हम आपको ले जाएँ, या पत्थर खाएँ?”

होम्स पीछे हट गया और जाते समय कोने से अपनी वायलिन उठा ली। कुछ क्षण बाद, उस सबसे मार्मिक धुन के लंबे, विलाप भरे स्वर शयनकक्ष के बंद दरवाजे से धीमी आवाज़ में सुनाई दिए।

“तो फिर बात क्या है?” मर्टन ने घबराकर पूछा, जब उसका साथी उसकी ओर मुड़ा। “क्या उसे पत्थर के बारे में पता है?”

"उसे इसके बारे में बहुत ज्यादा जानकारी है। मुझे यकीन नहीं है कि उसे इसके बारे में पूरी जानकारी नहीं है।"

हे भगवान! मुक्केबाज़ का पीला पड़ा चेहरा और भी पीला पड़ गया।

“आइकी सैंडर्स ने हमें धोखा दिया है।”

“क्या उसने ऐसा किया है? अगर मुझे मौका मिला तो मैं उसे बुरी तरह पीट दूंगा।”

“इससे हमें ज्यादा मदद नहीं मिलेगी। हमें पहले यह तय करना होगा कि हमें क्या करना है।”

“बस एक पल रुकिए,” बॉक्सर ने बेडरूम के दरवाजे की ओर संदेह भरी नजरों से देखते हुए कहा। “वह एक संदिग्ध बदमाश है जिस पर नजर रखने की जरूरत है। मुझे लगता है कि वह सुन नहीं रहा है?”

"इतना संगीत बज रहा हो तो वह कैसे सुन सकता है?"

“हाँ, सही है। शायद कोई पर्दे के पीछे है। इस कमरे में बहुत सारे पर्दे हैं।” जैसे ही उसने चारों ओर देखा, उसे अचानक खिड़की में रखी मूर्ति दिखाई दी और वह आश्चर्यचकित होकर देखता और इशारा करता रह गया, मानो कुछ कह ही न पा रहा हो।

“छी! यह तो सिर्फ एक पुतला है,” काउंट ने कहा।

“क्या यह नकली है? अरे वाह! मैडम तुसाद इसमें नहीं हैं। यह हूबहू उन्हीं की प्रतिकृति है, गाउन समेत। लेकिन पर्दे तो कमाल के हैं!”

“अरे, धिक्कार है इन पर्दों पर! हम अपना समय बर्बाद कर रहे हैं, और हमारे पास समय कम ही है। वह इस पत्थर पर हमसे आगे निकल सकता है।”

वह यह कर सकता है!

"लेकिन अगर हम उसे बता दें कि माल कहाँ है, तो वह हमें छोड़ देगा।"

“क्या! इसे छोड़ दें? एक लाख पाउंड छोड़ दें?”

"या तो यह होगा या वह।"

मर्टन ने अपने छोटे-छोटे कटे हुए सिर को खुजलाया।

“वह अंदर अकेला है। चलो उसे खत्म कर देते हैं। अगर उसकी जान चली जाए तो हमें डरने की कोई बात नहीं रहेगी।”

काउंट ने अपना सिर हिलाया।

“वह हथियारबंद है और तैयार है। अगर हमने उसे गोली मार दी तो इस जगह से भागना हमारे लिए मुश्किल होगा। इसके अलावा, यह भी काफी संभव है कि पुलिस को उसके पास मौजूद सभी सबूतों की जानकारी हो। अरे! यह क्या था?”

खिड़की से एक अस्पष्ट सी आवाज़ आई। दोनों आदमी चौंककर मुड़े, लेकिन वहाँ सन्नाटा था। कुर्सी पर बैठे एक अजीब से व्यक्ति के अलावा, कमरा पूरी तरह खाली था।

“सड़क पर कुछ गड़बड़ है,” मर्टन ने कहा। “अब सुनो साहब, आपके पास अक्ल है। आप इससे निकलने का कोई न कोई रास्ता जरूर सोच लेंगे। अगर मारपीट से कोई फायदा नहीं हुआ तो फिर यह आप पर निर्भर है।”

“मैंने इससे कहीं बेहतर लोगों को बेवकूफ बनाया है,” काउंट ने जवाब दिया। “पत्थर मेरी गुप्त जेब में है। मैं इसे यूं ही छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता। यह आज रात इंग्लैंड से बाहर भेजा जा सकता है और रविवार से पहले एम्स्टर्डम में इसके चार टुकड़े किए जा सकते हैं। उसे वैन सेडर के बारे में कुछ नहीं पता।”

मुझे लगा था कि वैन सेडर अगले हफ्ते जा रहे हैं।

“वह था। लेकिन अब उसे अगली नाव से उतरना होगा। हममें से किसी एक को चुपके से पत्थर लेकर लाइम स्ट्रीट जाना होगा और उसे बताना होगा।”

लेकिन नकली तल अभी तैयार नहीं है।

“खैर, उसे इसे जैसा है वैसा ही स्वीकार करना होगा और जोखिम उठाना होगा। एक पल भी गंवाने का समय नहीं है।” एक बार फिर, खतरे के उस एहसास के साथ जो एक खिलाड़ी के लिए स्वाभाविक हो जाता है, वह रुका और खिड़की की ओर गौर से देखा। हाँ, वह हल्की सी आवाज़ निश्चित रूप से गली से ही आई थी।

“होम्स की बात करें तो,” उसने आगे कहा, “हम उसे आसानी से बेवकूफ बना सकते हैं। देखो, अगर उसे पत्थर मिल जाए तो वो मूर्ख हमें गिरफ्तार नहीं करेगा। ठीक है, हम उसे पत्थर देने का वादा करेंगे। हम उसे इसके बारे में गलत जानकारी देंगे, और इससे पहले कि उसे पता चले कि ये गलत जानकारी है, हम हॉलैंड पहुंच चुके होंगे और देश से बाहर।”

“यह तो मुझे अच्छा लग रहा है!” सैम मर्टन ने मुस्कुराते हुए कहा।

“तुम जाओ और उस डचमैन से कहो कि जल्दी करे। मैं इस बेवकूफ को देखूंगा और उससे झूठा कबूलनामा करवाऊंगा। मैं उसे बताऊंगा कि पत्थर लिवरपूल में है। धिक्कार है उस रोने-धोने वाले संगीत पर; उससे मेरा दिमाग खराब हो जाता है! जब तक उसे पता चलेगा कि वह लिवरपूल में नहीं है, तब तक वह जेल में होगा और हम नीले पानी पर होंगे। वापस यहाँ आओ, उस चाबी के छेद से एक लाइन में। यह रहा पत्थर।”

मुझे आश्चर्य है कि तुम इसे ले जाने की हिम्मत कैसे करते हो।

“मैं इसे और कहाँ सुरक्षित रख सकता हूँ? अगर हम इसे व्हाइटहॉल से बाहर निकाल सकते हैं, तो कोई और इसे मेरे कमरे से भी निकाल सकता है।”

चलिए इस पर एक नजर डालते हैं।

काउंट सिल्विअस ने अपने सहयोगी पर कुछ हद तक अप्रिय नजर डाली और उसकी ओर बढ़ाए गए गंदे हाथ को नजरअंदाज कर दिया।

“क्या—तुम्हें लगता है कि मैं इसे तुमसे छीन लूंगा? देखो, साहब, मैं तुम्हारे तौर-तरीकों से थोड़ा तंग आ गया हूँ।”

“अच्छा, अच्छा, सैम, बुरा मत मानना। हम झगड़ा नहीं कर सकते। अगर तुम खूबसूरती को ठीक से देखना चाहते हो तो खिड़की के पास आ जाओ। अब इसे रोशनी में देखो! ये लो!”

"धन्यवाद!"

होम्स ने एक ही छलांग में पुतले की कुर्सी से कूदकर कीमती रत्न को पकड़ लिया। अब वह उसे एक हाथ में पकड़े हुए था, जबकि दूसरे हाथ से उसने काउंट के सिर पर रिवाल्वर तान रखी थी। दोनों बदमाश अचंभित होकर पीछे हट गए। उनके संभलने से पहले ही होम्स ने बिजली की घंटी बजा दी।

“हिंसा न करें, सज्जनों – मैं आपसे विनती करता हूँ, हिंसा न करें! फर्नीचर का ध्यान रखें! आपको यह अच्छी तरह से समझ आ रहा होगा कि आपकी स्थिति असंभव है। पुलिस नीचे इंतज़ार कर रही है।”

काउंट की हैरानी ने उसके क्रोध और भय पर काबू पा लिया।

“लेकिन आखिर कैसे—?” वह हांफते हुए बोला।

“आपका आश्चर्य होना स्वाभाविक है। आपको पता नहीं है कि मेरे शयनकक्ष से दूसरा दरवाजा उस पर्दे के पीछे जाता है। मुझे लगा था कि जब मैंने अपनी आकृति हटाई तो आपने मुझे सुन लिया होगा, लेकिन किस्मत मेरे साथ थी। इससे मुझे आपकी उत्तेजक बातचीत सुनने का मौका मिल गया, जिसे अगर आपको मेरी उपस्थिति का पता होता तो सुनना बेहद मुश्किल होता।”

काउंट ने त्याग का भाव व्यक्त किया।

"हम तुम्हें सर्वश्रेष्ठ देंगे, होम्स। मेरा मानना है कि तुम स्वयं शैतान हो।"

"कम से कम उससे ज्यादा दूर तो नहीं," होम्स ने विनम्रतापूर्वक मुस्कुराते हुए उत्तर दिया।

सैम मर्टन की धीमी बुद्धि ने धीरे-धीरे ही स्थिति को समझा था। अब, जब बाहर सीढ़ियों से भारी कदमों की आवाज आई, तो उसने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी।

“बिल्कुल सही!” उसने कहा। “लेकिन, मैं कहता हूँ, उस वायलिन की आवाज़ का क्या? मुझे अभी भी उसकी आवाज़ सुनाई दे रही है।”

“छी!” होम्स ने जवाब दिया। “आप बिलकुल सही हैं। इसे बजने दीजिए! ये आधुनिक ग्रामोफोन एक अद्भुत आविष्कार है।”

पुलिस की ताक-झांक हुई, हथकड़ियों की आवाज आई और अपराधियों को इंतज़ार कर रही टैक्सी में बिठा दिया गया। वॉटसन कुछ देर होम्स के साथ रुका रहा और उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देता रहा। तभी एक बार फिर उनकी बातचीत में अविचलित बिली ने अपने कार्ड-ट्रे के साथ आकर खलल डाला।

“लॉर्ड कैंटलमेरे महोदय।”

“उसे सबक सिखाओ, बिली। ये वो प्रतिष्ठित सरदार हैं जो सर्वोच्च हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं,” होम्स ने कहा। “ये एक उत्कृष्ट और वफादार व्यक्ति हैं, लेकिन पुराने तौर-तरीकों के समर्थक हैं। क्या हम इन्हें झुकने पर मजबूर कर सकते हैं? क्या हम थोड़ी सी छूट लेने का जोखिम उठा सकते हैं? हम अनुमान लगा सकते हैं कि इन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि क्या हुआ है।”

दरवाज़ा खुला और एक दुबला-पतला, गंभीर व्यक्ति अंदर आया, जिसका चेहरा कुल्हाड़ी जैसा तीखा था और उसकी मूंछें झुकी हुई थीं, जो विक्टोरियन काल की शैली की थीं। उनकी चमकदार काली मूंछें उसके गोल कंधों और कमजोर चाल से बिल्कुल मेल नहीं खा रही थीं। होम्स विनम्रता से आगे बढ़े और उन्होंने हाथ मिलाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई।

“आप कैसे हैं, लॉर्ड कैंटलमेयर? इस समय के हिसाब से ठंड तो है, लेकिन अंदर काफी गर्म है। क्या मैं आपका ओवरकोट ले सकता हूं?”

"नहीं, धन्यवाद; मैं इसे नहीं उतारूंगा।"

होम्स ने अपना हाथ ज़ोर देकर आस्तीन पर रख दिया।

"कृपया मुझे अनुमति दें! मेरे मित्र डॉ. वॉटसन आपको आश्वस्त करेंगे कि तापमान में ये परिवर्तन अत्यंत कपटी होते हैं।"

उनके लॉर्डशिप ने कुछ अधीरता के साथ खुद को छुड़ाया।

“मैं बिल्कुल सहज हूं, महोदय। मुझे यहां रुकने की कोई आवश्यकता नहीं है। मैं बस यह देखने आया था कि आपका स्वयं-निर्धारित कार्य कैसा चल रहा है।”

"यह मुश्किल है - बहुत मुश्किल है।"

मुझे डर था कि आपको ऐसा ही लगेगा।

बूढ़े दरबारी के शब्दों और हावभाव में स्पष्ट रूप से तिरस्कार का भाव था।

"हर इंसान की अपनी सीमाएं होती हैं, मिस्टर होम्स, लेकिन कम से कम इससे हमें आत्मसंतुष्टि की कमज़ोरी से मुक्ति मिल जाती है।"

जी हाँ, महोदय, मैं बहुत परेशान था।

"इसमें कोई शक नहीं।"

“खासकर एक मुद्दे पर। शायद आप मेरी मदद कर सकते हैं।”

“आपने मेरी सलाह के लिए काफी देर से आवेदन किया है। मुझे लगा था कि आपके पास अपने स्वयं के पर्याप्त तरीके हैं। फिर भी, मैं आपकी मदद करने के लिए तैयार हूं।”

"देखिए, लॉर्ड कैंटलमेयर, हम निश्चित रूप से असली चोरों के खिलाफ मामला बना सकते हैं।"

जब आप उन्हें पकड़ लेंगे।

“बिल्कुल सही। लेकिन सवाल यह है कि हम रिसीवर के खिलाफ आगे कैसे बढ़ें?”

"क्या यह जल्दबाज़ी नहीं है?"

"अपनी योजनाएँ तैयार रखना अच्छा है। अब, आप रिसीवर के खिलाफ अंतिम सबूत किसे मानेंगे?"

"पत्थर पर वास्तविक अधिकार।"

"क्या आप उसे इस आधार पर गिरफ्तार करेंगे?"

"निस्संदेह।"

होम्स शायद ही कभी हंसते थे, लेकिन वह हंसी के उतने ही करीब पहुंच गए जितना उनके पुराने दोस्त वॉटसन को याद था।

"ऐसी स्थिति में, मेरे प्रिय महोदय, मुझे आपको गिरफ्तार करने की सलाह देने की कष्टदायक बाध्यता का सामना करना पड़ेगा।"

लॉर्ड कैंटलमेयर बहुत क्रोधित थे। प्राचीन अग्नि की कुछ लपटें उनके पीले गालों पर उभर आईं।

“आप बड़ी धृष्टता कर रहे हैं, श्रीमान होम्स। अपने पचास वर्षों के आधिकारिक जीवन में मुझे ऐसा कोई मामला याद नहीं है। महोदय, मैं एक व्यस्त व्यक्ति हूं, महत्वपूर्ण कार्यों में लगा रहता हूं, और मेरे पास मूर्खतापूर्ण चुटकुलों के लिए समय या रुचि नहीं है। मैं आपको स्पष्ट रूप से बता दूं, महोदय, कि मुझे कभी भी आपकी शक्तियों पर विश्वास नहीं रहा है, और मेरा हमेशा से यही मानना रहा है कि यह मामला नियमित पुलिस बल के हाथों में कहीं अधिक सुरक्षित था। आपका आचरण मेरे सभी निष्कर्षों की पुष्टि करता है। महोदय, आपको शुभ संध्या कहने का मुझे सम्मान है।”

होम्स ने तेजी से अपनी स्थिति बदल ली थी और वह सरदार और दरवाजे के बीच में खड़ा था।

"एक पल रुकिए, महोदय," उसने कहा। "मजारिन पत्थर को लेकर चले जाना, उसे अस्थायी रूप से अपने पास रखने से कहीं अधिक गंभीर अपराध होगा।"

"महोदय, यह असहनीय है! मुझे जाने दीजिए।"

"अपना हाथ अपने ओवरकोट की दाहिनी जेब में डालो।"

"आपका क्या मतलब है, महोदय?"

"आओ—आओ, मैं जो कहूँ वो करो।"

एक पल बाद ही, अचंभित सरदार कांपती हथेली पर विशाल पीले पत्थर को लिए, पलकें झपकाते और हकलाते हुए खड़ा था।

"क्या! क्या! यह कैसे हो सकता है, मिस्टर होम्स?"

"बहुत बुरा हुआ, लॉर्ड कैंटलमेयर, बहुत बुरा हुआ!" होम्स चिल्लाया। "मेरा पुराना दोस्त आपको बताएगा कि मुझे शरारती मज़ाक करने की आदत है। और यह भी कि मैं किसी भी नाटकीय स्थिति का विरोध नहीं कर सकता। मैंने अपनी मुलाकात की शुरुआत में ही पत्थर आपकी जेब में डालने की हिम्मत की – मैं मानता हूँ, यह बहुत बड़ी हिम्मत थी।"

बूढ़े सरदार ने पत्थर से नज़रें हटाकर अपने सामने मुस्कुराते हुए चेहरे को देखा।

"महोदय, मैं चकित हूँ। लेकिन—हाँ—यह वास्तव में मज़रीन पत्थर है। हम आपके बहुत आभारी हैं, श्रीमान होम्स। जैसा कि आप स्वीकार करते हैं, आपका हास्यबोध कुछ हद तक विकृत हो सकता है, और इसका प्रदर्शन बेहद अनुचित समय पर हुआ, लेकिन कम से कम मैं आपकी अद्भुत पेशेवर क्षमताओं पर अपनी सभी टिप्पणियों को वापस लेता हूँ। लेकिन कैसे—"

"मामला अभी आधा ही निपटा है; बाकी बातें बाद में भी हो सकती हैं। मुझे यकीन है, लॉर्ड कैंटलमेयर, जिस प्रतिष्ठित मंडली में आप लौट रहे हैं, उसमें इस सफल परिणाम के बारे में बताने से आपको जो खुशी मिलेगी, वह मेरे इस मज़ाक का कुछ हद तक प्रायश्चित होगी। बिली, तुम लॉर्डशिप को बाहर तक छोड़ देना और श्रीमती हडसन से कहना कि अगर वह जल्द से जल्द दो लोगों के लिए खाना भेज दें तो मुझे बहुत खुशी होगी।"

द एडवेंचर ऑफ द थ्री गेबल्स

मुझे नहीं लगता कि श्री शर्लक होम्स के साथ मेरे किसी भी रोमांचक अनुभव की शुरुआत इतनी अचानक या नाटकीय ढंग से हुई होगी, जितनी कि 'द थ्री गेबल्स' से जुड़ी घटना की। मैंने होम्स को कुछ दिनों से नहीं देखा था और मुझे इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि उनकी गतिविधियां किस नए मोड़ पर आ गई हैं। हालांकि, उस सुबह वे बातूनी मूड में थे और उन्होंने मुझे आग के एक तरफ रखी पुरानी, नीची कुर्सी पर बिठाया ही था कि वे खुद सामने वाली कुर्सी पर पाइप मुंह में लिए आराम से बैठ गए, तभी हमारा मेहमान आ गया। अगर मैं कहूँ कि कोई पागल बैल आ गया है, तो जो हुआ उसका बेहतर वर्णन हो सकता है।

दरवाजा ज़ोर से खुला और एक विशालकाय अश्वेत व्यक्ति कमरे में घुस आया। अगर वह इतना भयानक न होता तो एक हास्यास्पद आकृति होता, क्योंकि उसने भड़कीले भूरे रंग का चेक सूट और ढीली गुलाबी रंग की टाई पहन रखी थी। उसका चौड़ा चेहरा और चपटी नाक आगे की ओर निकली हुई थी, और उसकी उदास काली आँखें, जिनमें द्वेष की सुलगती चमक थी, हममें से एक से दूसरे की ओर घूम रही थीं।

"आप में से कौन सा सज्जन मैसर होम्स है?" उसने पूछा।

होम्स ने सुस्त मुस्कान के साथ अपना पाइप उठाया।
“अरे! आप हैं?” हमारे मेहमान ने मेज के कोने से दबे पांव, अप्रिय कदमों से आते हुए कहा। “देखिए, मैसर होम्स, दूसरों के मामलों में दखल मत दीजिए। लोगों को अपने काम खुद संभालने दीजिए। समझे, मैसर होम्स?”
होम्स ने कहा, "बोलते रहो। कोई बात नहीं।"
“ओह! सब ठीक है, है ना?” उस दरिंदे ने गुर्राते हुए कहा। “अगर मुझे तुम्हें थोड़ा काटना-छांटना पड़ा तो ये इतना ठीक नहीं रहेगा। मैंने तुम्हारे जैसे लोगों को पहले भी संभाला है, और जब मैंने उन्हें निपटाया तो उनकी हालत बहुत खराब थी। देखो तो ज़रा, मैसर होम्स!”
उसने अपने दोस्त की नाक के नीचे अपनी मुट्ठी का एक बड़ा सा टुकड़ा घुमाया। होम्स ने बड़ी दिलचस्पी से उसका बारीकी से निरीक्षण किया।
“क्या तुम जन्म से ही ऐसी हो?” उसने पूछा। “या यह धीरे-धीरे आया?”
शायद मेरे दोस्त की बर्फीली शीतलता का असर था, या फिर पोकर उठाते समय मेरे द्वारा की गई हल्की सी खड़खड़ाहट का। किसी भी कारण से, हमारे मेहमान का व्यवहार कम दिखावटी हो गया।
“ठीक है, मैंने तुम्हें पहले ही चेतावनी दे दी है,” उसने कहा। “मेरा एक दोस्त है जो हैरो इलाके में दिलचस्पी रखता है—तुम समझ रहे हो ना—और वो नहीं चाहता कि तुम इसमें दखल दो। समझे? तुम कानून नहीं हो, और मैं भी कानून नहीं हूं, और अगर तुम अंदर आए तो मैं भी मौजूद रहूँगा। इसे मत भूलना।”
“मैं तुमसे काफ़ी समय से मिलना चाहता था,” होम्स ने कहा। “मैं तुम्हें बैठने के लिए नहीं कहूंगा, क्योंकि मुझे तुम्हारी गंध पसंद नहीं है, लेकिन क्या तुम वही स्टीव डिक्सी हो, वही ताकतवर आदमी?”
"मेरा नाम मैसर होम्स है, और अगर तुमने मुझसे ज़रा भी बदतमीज़ी की तो तुम्हें इसका अंजाम भुगतना ही पड़ेगा।"
"यह तो बिल्कुल आखिरी चीज है जिसकी आपको जरूरत है," होम्स ने हमारे आगंतुक के बदसूरत मुंह को घूरते हुए कहा। "लेकिन यह होलबोर्न बार के बाहर युवा पर्किन्स की हत्या थी - क्या! आप नहीं जा रहे हैं?"
वह नीग्रो उछलकर पीछे हट गया और उसका चेहरा भावहीन हो गया। उसने कहा, “मैं ऐसी कोई बात नहीं सुनूंगा। इस पर्किन्स, मैसर होम्स से मेरा क्या लेना-देना है? मैं बर्मिंघम के बुल रिंग में ट्रेनिंग कर रहा था जब यह लड़का मुसीबत में पड़ गया।”
“हाँ, तुम मजिस्ट्रेट को इसके बारे में बताओगे, स्टीव,” होम्स ने कहा। “मैं तुम पर और बार्नी स्टॉकडेल पर नज़र रख रहा हूँ—”
“भगवान मेरी मदद करें! मैसर होम्स —”
बस करो। यहाँ से चले जाओ। जब मुझे जरूरत होगी, मैं तुम्हें लेने आ जाऊँगा।
“सुप्रभात, श्रीमान होम्स। आशा है कि इस मुलाकात को लेकर कोई मनमुटाव नहीं होगा?”
"ऐसा तब तक होगा जब तक तुम मुझे यह नहीं बता देते कि तुम्हें किसने भेजा है।"
“अरे, इसमें कोई राज़ की बात नहीं है, मैसर होम्स। ये वही सज्जन थे जिनका ज़िक्र आपने अभी-अभी किया है।”
और उसे इसके लिए किसने उकसाया?
“हे भगवान! मुझे नहीं पता, मिस्टर होम्स। उन्होंने बस इतना कहा, ‘स्टीव, तुम मिस्टर होम्स से मिलो और उन्हें बताओ कि अगर तुम हैरो की तरफ जाओगे तो तुम्हारी जान सुरक्षित नहीं रहेगी।’ यही पूरी सच्चाई है।” आगे कोई सवाल-जवाब का इंतज़ार

किए बिना, हमारा मेहमान कमरे से उतनी ही तेज़ी से बाहर निकल गया जितनी तेज़ी से वह अंदर आया था। होम्स ने हल्की सी हंसी के साथ अपने पाइप की राख झाड़ दी।

"मुझे खुशी है कि आपको उसका सिर फोड़ने की नौबत नहीं आई, वॉटसन। मैंने पोकर से आपके दांव-पेच देखे। लेकिन वह असल में काफी सीधा-सादा आदमी है, एक ताकतवर, बेवकूफ, शेखी बघारने वाला बच्चा, और जैसा कि आपने देखा है, आसानी से डरने वाला। वह स्पेंसर जॉन गिरोह का सदस्य है और हाल ही में कुछ गंदे कामों में शामिल रहा है, जिन्हें मैं समय मिलने पर सुलझा सकता हूं। उसका सरगना, बार्नी, ज़्यादा चालाक है। वे मारपीट, धमकाने और इसी तरह के कामों में माहिर हैं। मैं बस यह जानना चाहता हूँ कि इस खास मौके पर उनके पीछे कौन है?"

लेकिन वे आपको डराना क्यों चाहते हैं?

"यह हैरो वेल्ड का मामला है। इसी मामले ने मुझे इसकी जांच करने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि अगर किसी के लिए इतनी मेहनत करना सार्थक है, तो इसमें कुछ न कुछ सच्चाई जरूर होगी।"

"लेकिन यह है क्या?"

"मैं आपको ये बताने ही वाला था कि तभी हमारे बीच ये हास्यपूर्ण घटना घटी। ये श्रीमती मेबरली का पत्र है। अगर आप मेरे साथ आना चाहें तो हम उन्हें तार भेजकर तुरंत निकल जाएंगे।"

प्रिय श्री शर्लक होम्स [मैंने पढ़ा]:

इस घर से जुड़ी कई अजीबोगरीब घटनाएं मेरे साथ घटी हैं, और मुझे आपकी सलाह की बहुत ज़रूरत है। आप मुझे कल किसी भी समय घर पर पा सकते हैं। यह घर वील्ड स्टेशन से थोड़ी ही दूरी पर है। मुझे लगता है कि मेरे दिवंगत पति, मोर्टिमर मेबरली, आपके शुरुआती ग्राहकों में से एक थे।

भवदीय, मैरी मेबरली।

पता था "द थ्री गेबल्स, हैरो वेल्ड।"

"तो बस यही बात है!" होम्स ने कहा। "और अब, अगर आपके पास समय हो, वॉटसन, तो हम अपने रास्ते पर निकलेंगे।"

एक छोटी रेल यात्रा और फिर उससे भी कम दूरी की कार यात्रा करके हम उस घर तक पहुंचे, जो ईंट और लकड़ी से बना एक आलीशान विला था, जो एक एकड़ के अविकसित घास के मैदान में स्थित था। ऊपरी खिड़कियों के ऊपर बने तीन छोटे उभार इसके नाम को सार्थक ठहराने का एक कमजोर प्रयास कर रहे थे। पीछे अर्धविकसित चीड़ के पेड़ों का एक झुरमुट था, और पूरा स्थान निर्जन और उदास प्रतीत हो रहा था। फिर भी, हमने पाया कि घर अच्छी तरह से सुसज्जित था, और हमारा स्वागत करने वाली महिला एक अत्यंत आकर्षक बुजुर्ग महिला थीं, जिनमें शिष्टाचार और संस्कृति के सभी लक्षण दिखाई दे रहे थे।

"मुझे आपके पति अच्छी तरह याद हैं, महोदया," होम्स ने कहा, "हालांकि कुछ साल हो गए हैं जब उन्होंने किसी मामूली मामले में मेरी सेवाएं ली थीं।"

"शायद आप मेरे बेटे डगलस के नाम से अधिक परिचित होंगे।"

होम्स ने उसे बड़ी दिलचस्पी से देखा।

अरे वाह! क्या आप डगलस मेबरली की माँ हैं? मैं उन्हें थोड़ा-बहुत जानती थी। वैसे तो पूरा लंदन उन्हें जानता था। वे कितने अद्भुत इंसान थे! अब वे कहाँ हैं?

"मिस्टर होम्स, आपका निधन हो गया! वे रोम में अटैची थे और पिछले महीने निमोनिया से उनका वहीं निधन हो गया।"

मुझे खेद है। ऐसे व्यक्ति के साथ मृत्यु को जोड़ना असंभव था। मैंने कभी किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जाना जो इतना जीवंत हो। उन्होंने पूरी शिद्दत से जीवन जिया - अपने

हर अंग से!

“बहुत ज़्यादा, श्री होम्स। यही उसकी बर्बादी का कारण बना। आपको वह जैसा याद है, वैसा ही था - आकर्षक और शानदार। आपने उस उदास, मायूस और गुमसुम इंसान को नहीं देखा जिसमें वह बदल गया। उसका दिल टूट गया था। एक ही महीने में मैंने अपने बहादुर लड़के को एक थके-हारे, निराशावादी इंसान में बदलते देखा।”

“एक प्रेम प्रसंग — एक महिला के साथ?”

"या फिर कोई शैतान। खैर, मैंने आपको अपने बेचारे बेटे के बारे में बात करने के लिए नहीं बुलाया था, मिस्टर होम्स।"

“डा. वॉटसन और मैं आपकी सेवा में तत्पर हैं।”

“कुछ बहुत ही अजीबोगरीब घटनाएं घटी हैं। मैं इस घर में एक साल से ज़्यादा समय से रह रही हूँ, और क्योंकि मैं सेवानिवृत्त जीवन जीना चाहती थी, इसलिए मैंने अपने पड़ोसियों से ज़्यादा संपर्क नहीं रखा। तीन दिन पहले मुझे एक आदमी का फोन आया जिसने खुद को मकान एजेंट बताया। उसने कहा कि यह घर उसके एक ग्राहक के लिए बिल्कुल उपयुक्त है, और अगर मैं इसे बेचने को तैयार हूँ तो पैसे की कोई परवाह नहीं होगी। मुझे यह बहुत अजीब लगा क्योंकि बाज़ार में कई खाली घर हैं जो लगभग उतने ही उपयुक्त लगते हैं, लेकिन स्वाभाविक रूप से मुझे उसकी बातों में दिलचस्पी थी। इसलिए मैंने जो कीमत बताई वह पाँच सौ पाउंड ज़्यादा थी। उसने तुरंत अपना प्रस्ताव रखा, लेकिन साथ ही कहा कि उसका ग्राहक फर्नीचर भी खरीदना चाहता है और क्या मैं उसकी कीमत बता सकती हूँ। इस फर्नीचर में से कुछ मेरे पुराने घर का है, और जैसा कि आप देख रहे हैं, यह बहुत अच्छी हालत में है, इसलिए मैंने एक अच्छी-खासी रकम बताई। इस पर भी वह तुरंत सहमत हो गया। मैं हमेशा से यात्रा करना चाहती थी, और यह सौदा इतना अच्छा था कि मुझे सचमुच लगा कि मैं अपनी बाकी ज़िंदगी अपनी मर्ज़ी से ही गुज़ारूंगी।”

“कल वह आदमी पूरा समझौता पत्र लेकर आया। सौभाग्य से मैंने इसे अपने वकील श्री सुत्रो को दिखाया, जो हैरो में रहते हैं। उन्होंने मुझसे कहा, ‘यह बहुत अजीब दस्तावेज़ है। क्या आपको पता है कि अगर आप इस पर हस्ताक्षर करते हैं तो आप कानूनी तौर पर घर से कुछ भी बाहर नहीं ले जा सकते - यहां तक कि अपनी निजी चीजें भी नहीं?’ जब वह आदमी शाम को दोबारा आया तो मैंने उसे यह बात बताई और कहा कि मेरा इरादा सिर्फ फर्नीचर बेचने का है।”

“ ‘नहीं, नहीं, सब कुछ,’ उसने कहा।

“ ‘लेकिन मेरे कपड़े? मेरे गहने?’

“ठीक है, ठीक है, आपके निजी सामान के लिए कुछ छूट दी जा सकती है। लेकिन घर से कुछ भी बिना जांचे बाहर नहीं जाएगा। मेरे मुवक्किल बहुत उदार व्यक्ति हैं, लेकिन उनकी अपनी सनक और काम करने का अपना तरीका है। उनके लिए या तो सब कुछ है या कुछ भी नहीं।”

“ ‘तो फिर कुछ नहीं होगा,’ मैंने कहा। और बात वहीं खत्म हो गई, लेकिन मुझे यह सब इतना असामान्य लगा कि मैंने सोचा—”

यहां हमें एक बहुत ही असाधारण व्यवधान का सामना करना पड़ा।

होम्स ने चुप रहने का इशारा किया। फिर वह कमरे में आगे बढ़ा, दरवाजा खोला और कंधे से पकड़ी हुई एक दुबली-पतली महिला को अंदर खींच लाया। वह बेढंगे संघर्ष से अंदर आई, मानो कोई बड़ी, भद्दी मुर्गी अपने पिंजरे से बाहर निकली हो, चीखती-चिल्लाती हुई।

“मुझे अकेला छोड़ दो! तुम क्या कर रहे हो?” वह चीखी।

"सुसान, यह क्या है?"

"जी, महोदया, मैं अंदर यह पूछने आया था कि क्या मेहमान दोपहर के भोजन के लिए रुकेंगे, तभी यह आदमी मुझ पर झपट पड़ा।"

“मैं पिछले पांच मिनट से उसकी बातें सुन रहा हूँ, लेकिन आपकी इस बेहद दिलचस्प कहानी में दखल देना नहीं चाहता था। सुसान, आपकी साँस थोड़ी फूल रही है, है ना? इस तरह के काम के लिए आपकी साँसें कुछ ज़्यादा ही तेज़ चल रही हैं।”

सुसान ने अपने अपहरणकर्ता की ओर नाराज़गी भरे लेकिन आश्चर्यचकित चेहरे से देखा। "तुम हो कौन, और तुम्हें मुझे इस तरह खींचने का क्या अधिकार है?"

“मैं बस आपकी उपस्थिति में एक प्रश्न पूछना चाहता था। श्रीमती मेबरली, क्या आपने किसी को बताया था कि आप मुझे पत्र लिखने और मुझसे परामर्श करने वाली हैं?”

"नहीं, मिस्टर होम्स, मैंने ऐसा नहीं किया।"

“आपका पत्र किसने भेजा?”

“सुसान ने किया।”

“बिल्कुल सही। अब, सुसान, आपने किसे पत्र लिखा या संदेश भेजा था कि आपकी प्रेमिका मुझसे सलाह मांग रही थी?”

“यह झूठ है। मैंने कोई संदेश नहीं भेजा।”

“सुसान, तुम्हें पता है ना, सांस लेने में तकलीफ वाले लोग ज्यादा दिन तक जीवित नहीं रहते। झूठ बोलना बहुत बुरी बात है। तुमने किससे झूठ बोला?”

“सुसान!” उसकी मालकिन चिल्लाई, “मुझे लगता है तुम एक बुरी, धोखेबाज औरत हो। मुझे अब याद आया कि मैंने तुम्हें झाड़ी के उस पार किसी से बात करते हुए देखा था।”

"यह मेरा निजी मामला था," महिला ने उदास स्वर में कहा।

"मान लीजिए कि मैं आपको बताऊं कि आपने बार्नी स्टॉकडेल से बात की थी?" होम्स ने कहा।

"अच्छा, अगर आपको पता है, तो आप क्या पूछना चाहेंगे?"

मुझे यकीन नहीं था, लेकिन अब मुझे पता है। अच्छा, सुसान, अगर तुम मुझे बता दोगी कि बार्नी के पीछे कौन है, तो तुम्हें दस पाउंड मिलेंगे।

"कोई ऐसा व्यक्ति जो दुनिया में आपके पास मौजूद हर दस पाउंड के बदले एक हजार पाउंड खर्च कर सके।"

“तो, एक अमीर आदमी? नहीं; आप मुस्कुराईं – एक अमीर औरत। अब जब हम इतनी दूर आ ही गए हैं, तो नाम बता दीजिए और दस पाउंड कमा लीजिए।”

"पहले तुमसे नरक में मुलाकात होगी।"

“ओह, सुसान! भाषा का ध्यान रखो!”

“मैं यहाँ से जा रही हूँ। तुम सब से मेरा मन भर गया है। मैं कल अपना सामान मंगवा लूँगी।” यह कहकर वह गुस्से में दरवाजे की ओर चल पड़ी।

“अलविदा, सुसान। पैरेगोरिक ही असली चीज़ है... अब,” उसने दरवाज़ा बंद होते ही अचानक अपने चंचल स्वभाव से गंभीर होते हुए कहा, “यह गिरोह तो कमाल का है। देखो ये लोग कितनी बारीकी से खेल खेलते हैं। तुम्हारे पत्र पर रात के 10 बजे की मुहर लगी थी। फिर भी सुसान ने बार्नी को खबर दे दी। बार्नी के पास अपने मालिक के पास जाकर निर्देश लेने का समय था; उसने (मुझे लगता है कि उसने ही कहा होगा) सुसान की मुस्कान से, जब उसे लगा कि मैंने कोई गलती कर दी है, एक योजना बनाई। ब्लैक स्टीव को बुलाया गया, और मुझे अगली सुबह ग्यारह बजे तक वहाँ से निकाल दिया गया। है ना, ये तो बहुत जल्दी हो गया।”

लेकिन वे क्या चाहते हैं?

“हां, यही सवाल है। आपसे पहले इस घर में कौन रहता था?”

"एक सेवानिवृत्त समुद्री कप्तान जिसका नाम फर्ग्यूसन था।"

"क्या उनमें कुछ उल्लेखनीय बात है?"

"मैंने तो कभी इसके बारे में नहीं सुना।"

मैं सोच रहा था कि क्या उसने कुछ दफनाया होगा। आजकल लोग खज़ाना तो डाकघर के बैंक में ही दफनाते हैं। लेकिन वहाँ कुछ सनकी लोग तो हमेशा होते ही हैं। उनके बिना तो दुनिया नीरस हो जाएगी। पहले तो मुझे लगा कि उसने कोई कीमती चीज़ दफनाई होगी। लेकिन अगर ऐसा है, तो उन्हें आपके फर्नीचर की क्या ज़रूरत है? कहीं आपके पास राफेल की कोई पेंटिंग या शेक्सपियर का पहला पन्ना तो नहीं है?

"नहीं, मुझे नहीं लगता कि मेरे पास क्राउन डर्बी टी-सेट से ज्यादा दुर्लभ कोई चीज है।"

“इससे इस सारे रहस्य का कोई औचित्य नहीं बनता। वैसे भी, वे खुलकर अपनी इच्छा क्यों नहीं बताते? अगर उन्हें आपका चाय का सेट चाहिए, तो वे आपको पूरी तरह से खरीदे बिना भी उसकी कीमत बता सकते हैं। नहीं, जैसा कि मैं समझता हूं, कुछ ऐसा है जो आपके पास है, लेकिन आपको पता नहीं है, और अगर आपको पता भी होता तो आप उसे छोड़ना नहीं चाहते।”

मैंने कहा, "मैंने इसे इसी तरह समझा है।"

"डॉ. वॉटसन सहमत हैं, इसलिए बात यहीं खत्म होती है।"

"तो, मिस्टर होम्स, यह क्या हो सकता है?"

“चलिए देखते हैं कि क्या इस विशुद्ध मानसिक विश्लेषण से हम इसे और अधिक स्पष्ट रूप से समझ सकते हैं। आप इस घर में एक साल से रह रहे हैं।”

लगभग दो।

“और भी अच्छा। इस लंबे समय के दौरान किसी को आपसे कुछ नहीं चाहिए। अब अचानक तीन-चार दिनों के भीतर ही आपके सामने अत्यावश्यक मांगें आ गई हैं। आप इससे क्या लाभ उठाएंगे?”

मैंने कहा, "इसका मतलब सिर्फ यही हो सकता है कि वह वस्तु, चाहे वह कुछ भी हो, अभी-अभी घर में आई है।"

“एक बार फिर सब ठीक हो गया,” होम्स ने कहा। “अब, श्रीमती मैबरली, क्या अभी-अभी कोई वस्तु आई है?”

नहीं, मैंने इस साल कुछ भी नया नहीं खरीदा है।

“बिल्कुल! यह तो बहुत ही उल्लेखनीय है। खैर, मुझे लगता है कि जब तक हमारे पास स्पष्ट आंकड़े नहीं आ जाते, तब तक हमें मामले को थोड़ा और आगे बढ़ने देना चाहिए। क्या आपका वह वकील सक्षम व्यक्ति है?”

"श्री सुत्रो अत्यंत सक्षम हैं।"

"क्या आपके पास कोई दूसरी नौकरानी है, या फिर वह खूबसूरत सुसान, जिसने अभी-अभी आपके दरवाजे पर दस्तक दी थी, अकेली ही थी?"

मेरी एक छोटी बेटी है।

"कोशिश करो कि सूट्रो एक-दो रात घर में रुके। तुम्हें शायद सुरक्षा की जरूरत पड़ सकती है।"

"किसके खिलाफ?"

“कौन जाने? मामला वाकई पेचीदा है। अगर मुझे वो नहीं मिला जो वे ढूंढ रहे हैं, तो मुझे दूसरे तरीके से इस मामले को देखना होगा और मुख्य व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश करनी होगी। क्या उस घर के एजेंट ने कोई पता दिया था?”

“बस उनका कार्ड नंबर और पेशा। हेन्स-जॉनसन, नीलामीकर्ता और मूल्यांकनकर्ता।”

मुझे नहीं लगता कि हमें उसका नाम निर्देशिका में मिलेगा। ईमानदार व्यापारी अपना कारोबार नहीं छिपाते। खैर, आप मुझे कोई भी नई जानकारी देते रहिएगा। मैंने आपका मामला अपने हाथ में ले लिया है, और आप भरोसा रखिए कि मैं इसे पूरा करूंगा।

जैसे ही हम हॉल से गुज़रे, होम्स की पैनी नजर एक कोने में रखे कई बक्सों और पेटियों पर पड़ी। उन पर लगे लेबल चमक रहे थे।

“ 'मिलानो', 'ल्यूसर्न', ये इटली के नाम हैं।”

"ये बेचारे डगलस की चीज़ें हैं।"

“आपने इन्हें अभी तक खोला नहीं है? ये आपके पास कब से हैं?”

वे पिछले सप्ताह आए थे।

लेकिन आपने कहा था - क्यों, निश्चित रूप से यही गुमशुदा कड़ी हो सकती है। हमें कैसे पता चलेगा कि वहां कुछ मूल्यवान नहीं है?

“ऐसा हो ही नहीं सकता, मिस्टर होम्स। बेचारे डगलस के पास तो बस उसकी तनख्वाह और एक छोटी सी पेंशन थी। उसके पास कीमती चीज क्या हो सकती है?”

होम्स सोच में डूबा हुआ था।

“अब और देर मत कीजिए, श्रीमती मैबरली,” उन्होंने अंत में कहा। “इन चीज़ों को ऊपर अपने कमरे में ले जाइए। जितनी जल्दी हो सके इनकी जांच कीजिए और देखिए कि इनमें क्या है। मैं कल आऊंगा और आपकी रिपोर्ट सुनूंगा।”

यह स्पष्ट था कि थ्री गेबल्स पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी, क्योंकि जैसे ही हम गली के अंत में ऊंची झाड़ी के पास पहुंचे, वहां एक अश्वेत मुक्केबाज छाया में खड़ा था। हम अचानक उसके सामने आ गए, और उस सुनसान जगह में वह एक भयानक और डरावना रूप लग रहा था। होम्स ने अपना हाथ जेब में रख लिया।

"क्या तुम अपनी बंदूक ढूंढ रहे हो, मैसर होम्स?"

"नहीं, मेरी इत्र की बोतल के लिए, स्टीव।"

"आप बड़े मजाकिया हैं, मैसर होम्स, है ना?"

"स्टीव, अगर मैंने तुम्हारे पीछे हाथ डाला तो यह तुम्हारे लिए मज़ाक नहीं होगा। मैंने आज सुबह ही तुम्हें चेतावनी दे दी थी।"

“खैर, मैसर होम्स, मैंने आपकी कही बातों पर विचार कर लिया है, और मैं मैसर पर्किन्स के उस मामले के बारे में और बात नहीं करना चाहता। अगर मैं आपकी मदद कर सकता हूं, मैसर होम्स, तो मैं ज़रूर करूंगा।”

"अच्छा, तो फिर मुझे यह बताओ कि इस काम में तुम्हारे पीछे कौन है।"

“भगवान मेरी मदद करें! मैसर होम्स, मैंने आपको पहले भी सच बताया था। मुझे नहीं पता। मेरे बॉस बार्नी मुझे आदेश देते हैं, बस इतना ही।”

"स्टीव, बस इतना याद रखना कि उस घर में रहने वाली महिला और उस छत के नीचे रहने वाली हर चीज मेरी सुरक्षा में है। इसे मत भूलना।"

“ठीक है, मैसर होम्स। मैं याद रखूंगा।”

“वॉटसन, मैंने उसे बुरी तरह डरा दिया है,” होम्स ने चलते हुए कहा। “मुझे लगता है कि अगर उसे पता चल जाए कि उसका मालिक कौन है, तो वह उसे धोखा दे देगा। यह मेरी किस्मत थी कि मुझे स्पेंसर जॉन गिरोह के बारे में कुछ जानकारी थी, और स्टीव उनमें से एक था। अब, वॉटसन, यह मामला लैंगडेल पाइक के लिए है, और मैं अभी उससे मिलने जा रहा हूँ। जब मैं वापस आऊंगा तो शायद मुझे इस मामले में और स्पष्टता मिल जाएगी।”

दिन भर मैं मुझे होम्स फिर कहीं नहीं दिखे, लेकिन मैं अच्छी तरह समझ सकता था कि उन्होंने अपना दिन कैसे बिताया होगा, क्योंकि लैंगडेल पाइक सामाजिक बदनामी से जुड़ी हर बात के लिए उनका एकमात्र स्रोत थे। यह अजीबोगरीब, सुस्त प्राणी अपना सारा समय सेंट जेम्स स्ट्रीट के एक क्लब की खिड़की के पास बिताता था और महानगर की सारी गपशपों का स्रोत होने के साथ-साथ उन्हें आगे पहुँचाने वाला भी था। कहा जाता था कि वह हर हफ्ते जिज्ञासु जनता के लिए छपने वाले अखबारों में लेख लिखकर लाखों की आमदनी कमाते थे। अगर कभी लंदन के जीवन की गंदी गहराइयों में कोई अजीब हलचल या भंवर उठता भी था, तो सतह पर मौजूद यह इंसान उसे बड़ी सटीकता से पकड़ लेता था। होम्स चुपके से लैंगडेल को जानकारी हासिल करने में मदद करते थे और कभी-कभी बदले में लैंगडेल से मदद भी लेते थे।

अगली सुबह जब मैं अपने दोस्त से उसके कमरे में मिला, तो उसके हावभाव से मुझे पता चल गया कि सब ठीक है, लेकिन फिर भी एक बेहद अप्रिय आश्चर्य हमारा इंतजार कर रहा था। यह आश्चर्य निम्नलिखित टेलीग्राम के रूप में सामने आया।

कृपया तुरंत बाहर आइए। ग्राहक के घर में रात में चोरी हो गई है। पुलिस ने सामान बरामद कर लिया है।

सूत्र।

होम्स ने सीटी बजाई। “मामला एक गंभीर मोड़ पर आ गया है, और मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा तेज़ी से। वाटसन, इस मामले के पीछे एक बड़ी ताकत है, जो मैंने जो सुना है उसके बाद मुझे आश्चर्य नहीं होता। यह सुट्रो, ज़ाहिर है, उसका वकील है। मुझे डर है कि मैंने आपको रात भर पहरा देने के लिए न कहकर गलती की। यह आदमी साफ़ तौर पर कमज़ोर साबित हुआ है। खैर, अब हैरो वेल्ड की एक और यात्रा के अलावा कोई चारा नहीं है।”

हमने पाया कि श्री गेबल्स पिछले दिन के सुव्यवस्थित घर से बिल्कुल अलग था। बगीचे के द्वार पर कुछ आवारा लोग जमा थे, जबकि कुछ कांस्टेबल खिड़कियों और गेरेनियम की क्यारियों की जाँच कर रहे थे। अंदर हमारी मुलाकात एक अधेड़ उम्र के सज्जन से हुई, जिन्होंने अपना परिचय वकील के रूप में दिया। उनके साथ एक चुस्त-दुरुस्त, लाल चेहरे वाले इंस्पेक्टर भी थे, जिन्होंने होम्स का अभिवादन एक पुराने दोस्त की तरह किया।

"खैर, मिस्टर होम्स, मुझे खेद है कि इस मामले में आपके लिए कोई मौका नहीं है। यह तो बस एक सामान्य, साधारण चोरी का मामला है, और बेचारे पुलिस के बस की बात है। किसी विशेषज्ञ की ज़रूरत नहीं है।"

“मुझे पूरा यकीन है कि मामला बहुत अच्छे हाथों में है,” होम्स ने कहा। “महज एक मामूली चोरी, आप यही कह रहे हैं?”

“बिल्कुल सही। हम अच्छी तरह जानते हैं कि वे कौन हैं और वे कहाँ मिलेंगे। ये बार्नी स्टॉकडेल का गिरोह है, जिसमें वो बड़ा नीग्रो भी शामिल है – उन्हें यहाँ आसपास देखा गया है।”

“बहुत बढ़िया! उन्हें क्या मिला?”

“खैर, ऐसा लगता है कि उन्हें ज्यादा कुछ नहीं मिला। श्रीमती मैबरली को क्लोरोफॉर्म दिया गया था और घर — आह! ये रही स्वयं महिला।”

कल का हमारा दोस्त, जो बेहद पीला और बीमार दिख रहा था, एक छोटी नौकरानी के सहारे कमरे में दाखिल हुआ।

“आपने मुझे अच्छी सलाह दी थी, मिस्टर होम्स,” उसने उदास मुस्कान के साथ कहा। “अफ़सोस, मैंने उसे नहीं माना! मैं मिस्टर सुट्रो को परेशान नहीं करना चाहती थी, इसलिए मैं असुरक्षित रही।”

"मुझे इसके बारे में आज सुबह ही पता चला," वकील ने बताया।

"श्री होम्स ने मुझे घर में किसी मित्र को रखने की सलाह दी थी। मैंने उनकी सलाह को नजरअंदाज कर दिया, और अब मुझे इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।"

"आप बेहद बीमार लग रहे हैं," होम्स ने कहा। "शायद आप मुझे यह बताने की स्थिति में नहीं हैं कि क्या हुआ था।"

निरीक्षक ने एक मोटी नोटबुक पर हाथ मारते हुए कहा, "सब कुछ यहीं है।"

फिर भी, अगर महिला बहुत ज्यादा थकी हुई नहीं है तो—"

"बताने के लिए बहुत कम है। मुझे पूरा यकीन है कि दुष्ट सुसान ने उनके लिए अंदर आने का रास्ता पहले से ही तय कर रखा था। वे घर को एक-एक इंच से जानते होंगे। मुझे एक पल के लिए क्लोरोफॉर्म से भीगा हुआ कपड़ा मेरे मुंह पर ठुंसा हुआ महसूस हुआ, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कितनी देर तक बेहोश रही। जब मैं उठी, तो एक आदमी मेरे बिस्तर के पास था और दूसरा मेरे बेटे के सामान के बीच से एक बंडल हाथ में लिए उठ रहा था, जो आधा खुला हुआ था और फर्श पर बिखरा पड़ा था। इससे पहले कि वह भाग पाता, मैं उछल पड़ी और उसे पकड़ लिया।"

निरीक्षक ने कहा, "आपने बहुत बड़ा जोखिम उठाया।"

"मैं उससे लिपट गई, लेकिन उसने मुझे झटक दिया, और दूसरे ने शायद मुझे मारा भी होगा, क्योंकि मुझे इसके आगे कुछ याद नहीं है। नौकरानी मैरी ने शोर सुना और खिड़की से चिल्लाने लगी। इससे पुलिस आ गई, लेकिन बदमाश भाग चुके थे।"

"वे क्या ले गए?"

"खैर, मुझे नहीं लगता कि कोई कीमती चीज गायब हुई है। मुझे पूरा यकीन है कि मेरे बेटे के ट्रंक में कुछ भी नहीं था।"

"क्या उन आदमियों ने कोई सुराग नहीं छोड़ा?"

"एक कागज का टुकड़ा था जिसे मैंने उस आदमी से शायद फाड़ दिया था जिसे मैंने पकड़ा था। वह फर्श पर बुरी तरह से मुड़ा हुआ पड़ा था। उस पर मेरे बेटे की लिखावट है।"

"इसका मतलब है कि यह ज्यादा काम का नहीं है," इंस्पेक्टर ने कहा। "अब अगर यह चोर के पास होता तो..."

"बिल्कुल सही," होम्स ने कहा। "कितनी ठोस समझदारी है! फिर भी, मैं इसे देखना चाहूंगा।"

निरीक्षक ने अपने पर्स से एक मुड़ा हुआ फुलस्केप पेपर निकाला।

"मैं कभी भी कोई चीज, चाहे कितनी भी मामूली क्यों न हो, छुपाता नहीं," उसने कुछ शान से कहा। "यही मेरी आपको सलाह है, मिस्टर होम्स। पच्चीस वर्षों के अनुभव में मैंने सबक सीख लिया है। उंगलियों के निशान या कुछ और होने की संभावना हमेशा रहती है।"

होम्स ने कागज के पन्ने का निरीक्षण किया।

"आप इसके बारे में क्या सोचते हैं, इंस्पेक्टर?"

"जहां तक मैं देख सकता हूं, ऐसा लगता है कि यह किसी विचित्र उपन्यास का अंत है।"

"यह एक विचित्र कहानी का अंत साबित हो सकता है," होम्स ने कहा। "आपने पृष्ठ के शीर्ष पर लिखी संख्या देखी होगी। यह दो सौ पैंतालीस है। बाकी के दो सौ चौवालीस पृष्ठ कहां हैं?"

"खैर, मुझे लगता है कि चोरों ने उन्हें ले लिया। भला इससे उन्हें क्या फायदा होगा!"

"इस तरह के कागजात चुराने के लिए किसी घर में ज़बरदस्ती घुसना एक अजीब बात लगती है। क्या इससे आपको कुछ अंदाजा लगता है, इंस्पेक्टर?"

"जी हाँ, महोदय, इससे यही पता चलता है कि जल्दबाजी में उन बदमाशों ने जो कुछ भी पहले हाथ लगा, उसे ही हथिया लिया। मैं कामना करता हूं कि उन्हें जो मिला है, उससे उन्हें खुशी मिले।"

श्रीमती मैबरली ने पूछा, "वे मेरे बेटे के सामान के पास क्यों जाएंगे?"

"खैर, उन्हें नीचे कुछ भी कीमती नहीं मिला, इसलिए उन्होंने ऊपर अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश की। मेरी समझ से तो यही है। श्री होम्स, आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?"

"मुझे इस पर विचार करना होगा, इंस्पेक्टर। खिड़की पर आइए, वॉटसन।" फिर, जब हम साथ खड़े थे, उन्होंने कागज के उस टुकड़े को पढ़ा। वह एक वाक्य के बीच से शुरू हुआ और इस प्रकार था:

"...चेहरे पर चोटों और खरोंचों से काफी खून बह रहा था, लेकिन उसके दिल के उस दर्द के आगे कुछ भी नहीं था, जब उसने उस प्यारे चेहरे को देखा, जिसके लिए वह अपनी जान तक कुर्बान करने को तैयार था, जो उसकी पीड़ा और अपमान को देख रहा था। वह मुस्कुराई—जी हाँ, हे भगवान! वह मुस्कुराई, जैसे कोई निर्दयी शैतान हो, जब उसने उसकी ओर देखा। उसी क्षण प्रेम मर गया और नफरत का जन्म हुआ। इंसान को किसी न किसी मकसद के लिए जीना चाहिए। अगर यह आपके आलिंगन के लिए नहीं है, मेरी प्रियतमा, तो निश्चित रूप से यह आपके विनाश और मेरे पूर्ण प्रतिशोध के लिए होगा।"

"अजीब व्याकरण!" होम्स ने मुस्कुराते हुए इंस्पेक्टर को कागज़ वापस देते हुए कहा। "क्या आपने ध्यान दिया कि 'वह' अचानक 'मेरा' में कैसे बदल गया? लेखक अपनी कहानी में इतना खो गया था कि उसने खुद को उस चरम क्षण में नायक मान लिया।"

निरीक्षक ने उसे अपनी किताब में रखते हुए कहा, "यह तो बहुत ही घटिया चीज़ लग रही थी।" "क्या! आप जा रहे हैं, मिस्टर होम्स?"

"मुझे नहीं लगता कि अब मेरे लिए कुछ और करने को बचा है क्योंकि मामला इतने सक्षम हाथों में है। वैसे, श्रीमती मेबरली, क्या आपने कहा था कि आप यात्रा करना चाहती हैं?"

"यह हमेशा से मेरा सपना रहा है, मिस्टर होम्स।"

आप कहाँ जाना चाहेंगे — काहिरा, मदीरा, या रिवेरा?

"अगर मेरे पास पैसे होते तो मैं पूरी दुनिया घूम लेती।"

"बिल्कुल सही। पूरी दुनिया में। अच्छा, सुप्रभात। मैं आपको शाम को एक पत्र लिख सकता हूँ।" खिड़की के पास से गुज़रते हुए मैंने इंस्पेक्टर की मुस्कान और सिर हिलाने का इशारा देखा। "इन चतुर लोगों में हमेशा थोड़ी सी सनक होती है।" इंस्पेक्टर की मुस्कान में मैंने यही समझा।

"अब, वॉटसन, हम अपनी छोटी सी यात्रा के अंतिम चरण में हैं," होम्स ने मध्य लंदन के शोरगुल भरे इलाके में वापस आकर कहा। "मुझे लगता है कि हमें इस मामले को तुरंत सुलझा लेना चाहिए, और यह अच्छा होगा कि आप मेरे साथ चलें, क्योंकि इसाडोरा क्लेन जैसी महिला से निपटते समय गवाह का होना अधिक सुरक्षित होता है।"

हमने एक टैक्सी ली थी और ग्रोसवेनर स्क्वायर के किसी पते की ओर तेज़ी से जा रहे थे। होम्स सोच में डूबे हुए थे, लेकिन अचानक ही वे होश में आ गए।

"वैसे, वॉटसन, मुझे लगता है कि आपको सब कुछ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है?"

"नहीं, मैं ऐसा नहीं कह सकता। मुझे बस इतना पता चला है कि हम उस महिला से मिलने जा रहे हैं जो इस सारी गड़बड़ी के पीछे है।"

“बिल्कुल! लेकिन क्या इसाडोरा क्लेन नाम से आपको कुछ भी याद नहीं आता? वह बेशक एक मशहूर खूबसूरत महिला थीं। उनके जैसी कोई औरत नहीं थी। वह शुद्ध स्पेनिश थीं, शक्तिशाली विजेताओं की असली वंशज थीं, और उनके लोग पीढ़ियों से पर्नाम्बुको के नेता रहे हैं। उन्होंने बूढ़े जर्मन चीनी व्यापारी क्लेन से शादी की और देखते ही देखते दुनिया की सबसे अमीर और सबसे खूबसूरत विधवा बन गईं। फिर एक ऐसा दौर आया जब उन्होंने अपनी मनमानी की। उनके कई प्रेमी थे, और लंदन के सबसे आकर्षक पुरुषों में से एक डगलस मैबरली भी उनमें से एक थे। उनके साथ उनका रिश्ता किसी रोमांच से कहीं बढ़कर था। वह दिखावटी समाज के लोग नहीं थे, बल्कि एक मजबूत, स्वाभिमानी व्यक्ति थे जो सब कुछ देते और सब कुछ उम्मीद करते थे। लेकिन वह कहानियों की 'बेले डेम सैंस मर्सी' (निर्दयी महिला) हैं। जब उनकी इच्छा पूरी हो जाती है तो बात खत्म हो जाती है, और अगर दूसरा पक्ष उनकी बात पर यकीन नहीं कर पाता तो वह उसे सबक सिखाना बखूबी जानती हैं।”

“तो फिर यह उसकी अपनी कहानी थी—”

“आह! अब आप बात समझ रहे हैं। मैंने सुना है कि वह युवा ड्यूक ऑफ लोमोंड से शादी करने वाली है, जो लगभग उसका बेटा ही है। ड्यूक ऑफ लोमोंड की मां शायद उम्र को नजरअंदाज कर दें, लेकिन एक बड़ा घोटाला अलग बात होगी, इसलिए यह बेहद जरूरी है — आह! हम यहीं पर हैं।”

यह वेस्ट एंड के सबसे बेहतरीन कॉर्नर हाउस में से एक था। एक मशीन की तरह फुर्तीला नौकर हमारे कार्ड लेकर लौटा और बताया कि मालकिन घर पर नहीं हैं। होम्स ने खुशी से कहा, "तो हम उनके आने तक इंतजार करेंगे।"

मशीन खराब हो गई।

“घर पर नहीं होने का मतलब है कि आप घर पर नहीं हैं,” नौकर ने कहा।

“अच्छा,” होम्स ने उत्तर दिया। “इसका मतलब है कि हमें इंतजार नहीं करना पड़ेगा। कृपया यह नोट अपनी प्रेमिका को दे दीजिए।”

उसने अपनी नोटबुक के एक पन्ने पर तीन-चार शब्द लिखे, उसे मोड़ा और उस आदमी को दे दिया।

मैंने पूछा, "होम्स, तुमने क्या कहा?"

मैंने बस इतना लिखा: ‘तो क्या पुलिस ही यह काम करेगी?’ मुझे लगता है कि इससे हमें मंजूरी मिल जानी चाहिए।’

ऐसा हुआ—अद्भुत तेजी से। एक मिनट बाद हम किसी अरेबियन नाइट्स के ड्राइंग रूम में थे, विशाल और शानदार, हल्की रोशनी से जगमगाता हुआ, जिसमें कभी-कभार गुलाबी बिजली की बत्ती चमक रही थी। मुझे लगा कि वह महिला जीवन के उस पड़ाव पर पहुंच चुकी है, जब सबसे खूबसूरत महिला को भी हल्की रोशनी ज़्यादा अच्छी लगती है। जैसे ही हम अंदर आए, वह सोफे से उठी: लंबी, राजसी, सुडौल काया, एक प्यारा सा मुखौटा जैसा चेहरा, और दो अद्भुत स्पेनिश आँखें जो हम दोनों को घूर रही थीं।

"यह घुसपैठ और यह अपमानजनक संदेश क्या है?" उसने कागज की पर्ची को ऊपर उठाते हुए पूछा।

"मुझे स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता नहीं है, महोदया। मैं आपकी बुद्धिमत्ता का बहुत सम्मान करता हूँ, इसलिए ऐसा करना उचित नहीं है - हालाँकि मैं स्वीकार करता हूँ कि हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता आश्चर्यजनक रूप से गलत साबित हुई है।"

“ऐसा क्यों, महोदय?”

“यह मानकर कि आपके किराए के गुंडे मुझे मेरे काम से डरा सकते हैं। अगर खतरा लोगों को आकर्षित न करता तो कोई भी व्यक्ति मेरा पेशा नहीं अपनाता।

इसलिए, आपने ही मुझे युवा मेबरली के मामले की जांच करने के लिए मजबूर किया।”
मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कह रहे हैं। भाड़े के गुंडों से मेरा क्या लेना-देना है?
होम्स थके हुए अंदाज़ में मुँह फेर लिया।
“जी हां, मैंने आपकी बुद्धिमत्ता को कम आंका था। अच्छा, नमस्कार!”
“रुको! तुम कहाँ जा रहे हो?”
"स्कॉटलैंड यार्ड को।"
हम अभी दरवाजे तक आधे रास्ते भी नहीं पहुंचे थे कि वह हमसे आगे निकल गई और उसका हाथ पकड़ लिया। पल भर में वह कठोर से कोमल हो गई थी।
"आइए बैठिए, सज्जनों। चलिए इस मामले पर चर्चा करते हैं। मुझे लगता है कि मैं आपसे खुलकर बात कर सकती हूँ, श्री होम्स। आपमें एक सज्जन व्यक्ति की भावनाएँ हैं। एक स्त्री की सहज प्रवृत्ति इसे कितनी जल्दी पहचान लेती है। मैं आपके साथ एक मित्र की तरह व्यवहार करूंगी।"
“मैं बदले में वैसा ही व्यवहार करने का वादा नहीं कर सकता, महोदया। मैं कानून नहीं हूँ, लेकिन अपनी सीमित शक्तियों के अनुसार मैं न्याय का प्रतिनिधित्व करता हूँ। मैं सुनने के लिए तैयार हूँ, और फिर मैं आपको बताऊंगा कि मैं कैसे कार्रवाई करूंगा।”
"इसमें कोई शक नहीं कि आप जैसे बहादुर आदमी को धमकी देना मेरी मूर्खता थी।"
"महोदया, असल में जो मूर्खतापूर्ण काम हुआ है, वह यह है कि आपने खुद को बदमाशों के एक गिरोह के हवाले कर दिया है जो आपको ब्लैकमेल कर सकते हैं या आपकी पोल खोल सकते हैं।"
“नहीं, नहीं! मैं इतनी भोली नहीं हूँ। चूंकि मैंने खुलकर बोलने का वादा किया है, इसलिए मैं कह सकती हूँ कि बार्नी स्टॉकडेल और उनकी पत्नी सूसान के अलावा किसी को भी यह नहीं पता कि उनका मालिक कौन है। जहाँ तक उनकी बात है, तो यह पहली बार नहीं है—” वह मुस्कुराई और एक मनमोहक नज़ाकत भरी आत्मीयता के साथ सिर हिलाया।
“मैं समझ गया। आपने पहले भी इनका परीक्षण किया है।”
"वे अच्छे शिकारी कुत्ते हैं जो चुपचाप दौड़ते हैं।"
“ऐसे लोग देर-सवेर अपने मददगार को ही नुकसान पहुंचाते हैं। इस चोरी के लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस पहले से ही उनके पीछे लगी हुई है।”
“उन्हें जो मिलेगा, वे उसे स्वीकार करेंगे। उन्हें इसी के लिए वेतन मिलता है। मैं इस मामले में दखल नहीं दूंगा।”
"जब तक मैं तुम्हें इसमें शामिल न कर लूँ।"
“नहीं, नहीं, आप ऐसा नहीं करेंगे। आप एक सज्जन व्यक्ति हैं। यह महिलाओं का रहस्य है।”
सबसे पहले तो आपको यह पांडुलिपि वापस करनी होगी।
वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और अंगीठी की ओर चल पड़ी। वहाँ एक जमा हुआ चूरा था जिसे उसने लोहे की छड़ से तोड़ दिया। "क्या मैं इसे वापस दे दूँ?" उसने पूछा। चुनौती भरी मुस्कान के साथ हमारे सामने खड़ी वह इतनी शरारती और आकर्षक लग रही थी कि मुझे लगा कि होम्स के सभी अपराधियों में से यही वह अपराधी है जिसका सामना करना उसके लिए सबसे कठिन होगा। हालांकि, वह भावनाओं से परे था।
“इससे तुम्हारा भाग्य तय हो गया,” उसने ठंडे स्वर में कहा। “आप अपने कार्यों में बहुत तत्पर रहती हैं, महोदया, लेकिन इस बार आपने हद पार कर दी है।”
उसने पोकर को धड़ाम से नीचे फेंक दिया।

“तुम कितने सख्त हो!” वह चिल्लाई। “क्या मैं तुम्हें पूरी कहानी बता सकती हूँ?”

मुझे लगता है कि मैं आपको यह कहानी सुना सकता हूँ।

लेकिन आपको इसे मेरी नज़र से देखना होगा, मिस्टर होम्स। आपको इसे उस महिला के नज़रिए से समझना होगा जिसकी जीवन भर की महत्वाकांक्षा आखिरी क्षण में बर्बाद होने वाली है। अगर ऐसी महिला खुद को बचाती है तो क्या उसे दोषी ठहराया जा सकता है?

“मूल पाप तुम्हारा ही था।”

“जी हाँ, जी! मैं मानती हूँ। डगलस एक प्यारा लड़का था, लेकिन संयोगवश वह मेरी योजनाओं में फिट नहीं बैठ पाया। वह शादी चाहता था— शादी, श्रीमान होम्स—एक गरीब आम औरत से। उसे इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं था। फिर वह अड़ियल हो गया। क्योंकि मैंने उसे कुछ दिया था, उसे लगा कि मुझे अब भी उसे ही कुछ देना होगा। यह असहनीय था। आखिरकार मुझे उसे यह बात समझानी ही पड़ी।”

"अपने घर की खिड़की के नीचे उसे पिटवाने के लिए गुंडों को किराए पर लेकर।"

“सचमुच आपको सब कुछ पता लगता है। खैर, यह सच है। बार्नी और उसके साथियों ने उसे भगा दिया, और मैं मानता हूँ कि ऐसा करने में वे थोड़े कठोर थे। लेकिन फिर उसने क्या किया? क्या मैं यह मान सकता था कि एक सज्जन व्यक्ति ऐसा काम करेगा? उसने एक किताब लिखी जिसमें उसने अपनी कहानी बयां की। मैं, ज़ाहिर है, भेड़िया था; वह मेमना। सब कुछ उसमें था, अलग-अलग नामों से, बेशक; लेकिन पूरे लंदन में कौन इसे पहचानने में असफल रहता? इस बारे में आपका क्या कहना है, मिस्टर होम्स?”

"खैर, उसे ऐसा करने का पूरा अधिकार था।"

ऐसा लग रहा था मानो इटली की हवा उसके खून में समा गई हो और अपने साथ पुरानी क्रूर इतालवी भावना भी ले आई हो। उसने मुझे पत्र लिखा और अपनी किताब की एक प्रति भेजी ताकि मैं प्रतीक्षा की पीड़ा सह सकूँ। उसने कहा कि दो प्रतियाँ हैं - एक मेरे लिए, एक उसके प्रकाशक के लिए।

"आपको कैसे पता चला कि प्रकाशक ने उनसे संपर्क नहीं किया था?"

“मुझे पता था कि उसका प्रकाशक कौन है। आप जानते हैं, यह उसका इकलौता उपन्यास नहीं था। मुझे पता चला कि इटली से उसकी कोई खबर नहीं आई थी। फिर डगलस की अचानक मृत्यु हो गई। जब तक वह दूसरी पांडुलिपि दुनिया में थी, मेरे लिए कोई सुरक्षा नहीं थी। बेशक, वह उसके सामान में ही होगी, और ये सब उसकी माँ को लौटा दिए जाएँगे। मैंने अपने साथियों को काम पर लगा दिया। उनमें से एक नौकर बनकर घर में घुस गया। मैं ईमानदारी से काम करना चाहता था। सचमुच। मैं घर और उसमें मौजूद सब कुछ खरीदने को तैयार था। मैंने वह कीमत देने की पेशकश की जो वह माँगना चाहती थी। मैंने दूसरा रास्ता तभी आजमाया जब बाकी सारे रास्ते नाकाम हो गए। अब, श्रीमान होम्स, मान लीजिए कि मैं डगलस के प्रति बहुत कठोर था — और, भगवान जानता है, मुझे इसका बहुत अफ़सोस है! — जब मेरा पूरा भविष्य दांव पर लगा था, तो मैं और क्या कर सकता था?”

शर्लक होम्स ने अपने कंधे उचका दिए।

“अच्छा, अच्छा,” उसने कहा, “लगता है मुझे हमेशा की तरह एक गंभीर अपराध का प्रायश्चित करना पड़ेगा। प्रथम श्रेणी के अंदाज़ में पूरी दुनिया घूमने में कितना खर्च आता है?”

महिला ने हैरानी से देखा।

"क्या यह पांच हजार पाउंड में हो सकता है?"

“हाँ, मुझे तो ऐसा ही लगता है!”

"बहुत बढ़िया। मुझे लगता है कि आप इसके लिए मुझे एक चेक दे देंगे, और मैं देख लूंगा कि यह श्रीमती मेबरली तक पहुंच जाए। आपको उन्हें थोड़ा ताज़गी भरा माहौल देना चाहिए। इस बीच, महोदया"— उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज़ में अपनी तर्जनी उंगली हिलाई— "सावधान रहें! सावधान रहें! धारदार औजारों से हमेशा खेलते रहने से आपके नाजुक हाथ कट सकते हैं।"

ससेक्स वैम्पायर का रोमांच

होम्स ने पिछली डाक से आए एक नोट को ध्यान से पढ़ा। फिर, अपनी हंसी के सबसे करीब पहुंचकर, उसने वह नोट मेरी ओर फेंक दिया।

"आधुनिक और मध्ययुगीन, व्यावहारिक और बेतहाशा कल्पनाशील तत्वों के मिश्रण के लिए, मुझे लगता है कि यही इसकी सीमा है," उन्होंने कहा। "वॉटसन, आपका क्या विचार है?"

मैंने निम्नलिखित पढ़ा:

46, ओल्ड ज्यूरी, 19 नवंबर।

री वैम्पायर

महोदय:

हमारे ग्राहक, श्री रॉबर्ट फर्ग्यूसन, जो मिंसिंग लेन स्थित चाय दलालों के फर्म फर्ग्यूसन एंड मुइरहेड के मालिक हैं, ने आज ही के पत्र में पिशाचों के बारे में हमसे कुछ पूछताछ की है। चूंकि हमारी फर्म पूरी तरह से मशीनरी के मूल्यांकन में विशेषज्ञता रखती है, इसलिए यह मामला हमारे कार्यक्षेत्र में नहीं आता है, और इसलिए हमने श्री फर्ग्यूसन को आपसे मिलने और इस मामले को आपके समक्ष रखने की सलाह दी है। हम मैटिल्डा ब्रिग्स के मामले में आपकी सफल कार्रवाई को नहीं भूले हैं।

हम हैं, महोदय,

भवदीय,

मॉरिसन, मॉरिसन और डोड।

ई. जे. सी. के लिए

"वॉटसन, मटिल्डा ब्रिग्स किसी युवती का नाम नहीं था," होम्स ने यादों में खोए हुए स्वर में कहा। "यह एक जहाज़ का नाम था जिसका संबंध सुमात्रा के विशालकाय चूहे से है, एक ऐसी कहानी जिसके लिए दुनिया अभी तैयार नहीं है। लेकिन हम पिशाचों के बारे में क्या जानते हैं? क्या यह भी हमारे दायरे में आता है? ठहराव से तो कुछ भी बेहतर है, लेकिन ऐसा लगता है जैसे हम ग्रिम्स की किसी परी कथा में खो गए हैं। वॉटसन, अपनी बात रखिए और देखिए वी क्या कहती है।"

मैं पीछे झुक गया और उस विशाल सूचकांक ग्रंथ को नीचे उतार लिया जिसका उन्होंने जिक्र किया था। होम्स ने उसे अपने घुटने पर टिका रखा था और उनकी आंखें धीरे-धीरे और स्नेहपूर्वक पुराने मामलों के रिकॉर्ड पर घूम रही थीं, जो जीवन भर की संचित जानकारी के साथ मिश्रित थे।

"ग्लोरिया स्कॉट की यात्रा," उसने पढ़ा। "वह एक बुरा मामला था। मुझे कुछ-कुछ याद है कि तुमने उसका रिकॉर्ड बनाया था, वॉटसन, हालांकि मैं तुम्हें परिणाम पर बधाई नहीं दे पाया था। विक्टर लिंच, जालसाज़। ज़हरीली छिपकली या गिला। वह तो वाकई एक अनोखा मामला था! विटोरिया, सर्कस की सुंदरी। वेंडरबिल्ट और येगमैन। सांप। विगोर, हैमरस्मिथ का अजूबा। हैलो! हैलो! बढ़िया इंडेक्स। इसका कोई मुकाबला नहीं। सुनो, वॉटसन। हंगरी में पिशाचवाद। और फिर, ट्रांसिल्वेनिया में पिशाच।" उसने उत्सुकता से पन्ने पलटे, लेकिन कुछ देर ध्यान से पढ़ने के बाद उसने निराशा से गुर्राते हुए उस बड़ी किताब को नीचे फेंक दिया।

"बकवास, वॉटसन, बकवास! इन चलते-फिरते मुर्दों से हमारा क्या लेना-देना है जिन्हें केवल उनके दिलों में खूंटे गाड़कर ही कब्र में रखा जा सकता है? यह सरासर पागलपन है।"

"लेकिन निश्चित रूप से," मैंने कहा, "पिशाच का मृत होना ही आवश्यक नहीं है? एक जीवित व्यक्ति को भी यह आदत हो सकती है। उदाहरण के लिए, मैंने ऐसे लोगों के बारे में पढ़ा है जो अपनी जवानी बनाए रखने के लिए बूढ़े लोगों का खून चूसते हैं।"

"वॉटसन, आप सही कह रहे हैं। इनमें से एक संदर्भ में उस किंवदंती का ज़िक्र है। लेकिन क्या हमें ऐसी बातों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए? यह एजेंसी ज़मीन पर खड़ी है और उसे वहीं रहना होगा। दुनिया हमारे लिए काफ़ी बड़ी है। भूतों की कोई ज़रूरत नहीं है। मुझे डर है कि हम श्री रॉबर्ट फर्ग्यूसन को गंभीरता से नहीं ले सकते। हो सकता है यह नोट उन्हीं का हो और इससे उनकी चिंताओं पर कुछ रोशनी पड़े।"

उसने दूसरा पत्र उठाया जो पहले पत्र में मग्न रहने के दौरान मेज पर अनदेखा पड़ा था। उसने मुस्कुराते हुए उसे पढ़ना शुरू किया, उसके चेहरे पर हल्की सी हंसी थी जो धीरे-धीरे गहन रुचि और एकाग्रता में बदल गई। जब उसने पढ़ना समाप्त कर लिया, तो वह कुछ देर तक सोच में डूबा रहा, पत्र उसकी उंगलियों में लटका हुआ था। अंत में, अचानक वह अपने विचारों से बाहर आया।

"चीज़मैन्स, लैम्बरली। लैम्बरली कहाँ है, वॉटसन?"

"यह ससेक्स में, हॉर्शम के दक्षिण में स्थित है।"

"ज़्यादा दूर नहीं है, है ना? और चीज़मैन का?"

"मैं उस इलाके को जानता हूँ, होम्स। वह पुराने घरों से भरा पड़ा है, जिनका नाम उन लोगों के नाम पर रखा गया है जिन्होंने सदियों पहले उन्हें बनाया था। आपको ओडली, हार्वे और कैरिटन के घर मिलेंगे - वे लोग भले ही भुला दिए गए हों, लेकिन उनके नाम उनके घरों में आज भी बसे हुए हैं।"

"बिल्कुल," होम्स ने ठंडे स्वर में कहा। यह उनके गर्वित और आत्मसंयमित स्वभाव की एक विशेषता थी कि यद्यपि वे किसी भी नई जानकारी को अपने दिमाग में बड़ी शांति और सटीकता से दर्ज कर लेते थे, लेकिन जानकारी देने वाले को शायद ही कभी धन्यवाद देते थे। "मुझे लगता है कि हम चीज़मैन, लैम्बरली के बारे में और भी बहुत कुछ जान लेंगे। जैसा कि मैंने उम्मीद की थी, यह पत्र रॉबर्ट फर्ग्यूसन का है। वैसे, उनका दावा है कि वे आपसे परिचित हैं।"

"मेरे साथ!"

"बेहतर होगा कि आप इसे पढ़ लें।"

उसने पत्र आगे बढ़ाया। उस पर वही पता लिखा हुआ था जो पत्र के शीर्षक में दिया गया था।

प्रिय श्री होम्स [इसमें लिखा था]:

मेरे वकीलों ने मुझे आपके पास भेजा है, लेकिन वास्तव में मामला इतना असंवेदनशील है कि इस पर चर्चा करना अत्यंत कठिन है। यह मेरे एक मित्र से संबंधित है, जिनके लिए मैं पैरवी कर रहा हूँ। इस सज्जन ने लगभग पाँच वर्ष पूर्व एक पेरूवियन महिला से विवाह किया था, जो एक पेरूवियन व्यापारी की पुत्री थीं। उनसे उनकी मुलाकात नाइट्रेट आयात के सिलसिले में हुई थी। वह महिला अत्यंत सुंदर थी, लेकिन उनके विदेशी मूल और विदेशी धर्म के कारण पति-पत्नी के बीच हितों और भावनाओं में हमेशा मतभेद बना रहा, जिसके चलते कुछ समय बाद उनका प्रेम उनके प्रति ठंडा पड़ गया और उन्हें लगा कि उनका विवाह एक गलती थी। उन्हें लगता था कि उनके चरित्र के कुछ ऐसे पहलू थे जिन्हें वे कभी जान या समझ नहीं पाए। यह बात और भी दुखद थी क्योंकि वह एक आदर्श पत्नी थीं - हर तरह से पूर्णतः समर्पित।

अब उस मुद्दे पर आते हैं जिस में आपसे मिलने पर और स्पष्ट करूंगा। दरअसल, यह नोट केवल आपको स्थिति का एक सामान्य अंदाज़ा देने और यह जानने के लिए है कि क्या आप इस मामले में रुचि रखते हैं। महिला में कुछ अजीबोगरीब लक्षण दिखने लगे थे जो उसके आमतौर पर मधुर और सौम्य स्वभाव से बिल्कुल अलग थे। सज्जन का दो बार विवाह हो चुका था और पहली पत्नी से उनका एक बेटा था। यह लड़का अब पंद्रह वर्ष का था, एक बहुत ही आकर्षक और स्नेही युवक, हालांकि दुर्भाग्य से बचपन में एक दुर्घटना में घायल हो गया था। दो बार पत्नी को इस बेचारे लड़के पर बिना किसी कारण के हमला करते हुए पकड़ा गया था। एक बार उसने उसे लाठी से मारा और उसकी बांह पर गहरा निशान छोड़ दिया।

यह मामला तो मामूली था, लेकिन उसके अपने बच्चे, एक साल से भी कम उम्र के प्यारे बच्चे के प्रति उसके व्यवहार के सामने कुछ भी नहीं था। करीब एक महीने पहले, एक बार उस बच्चे को उसकी नर्स कुछ मिनटों के लिए छोड़कर चली गई थी। बच्चे के दर्द से कराहने जैसी तेज़ आवाज़ सुनकर नर्स वापस लौटी। जैसे ही वह कमरे में भागी, उसने देखा कि उसकी मालकिन, वह महिला, बच्चे के ऊपर झुकी हुई थी और ऐसा लग रहा था जैसे उसकी गर्दन को काट रही हो। गर्दन पर एक छोटा सा घाव था जिससे खून बह रहा था। नर्स इतनी भयभीत हो गई कि वह उसके पति को बुलाना चाहती थी, लेकिन उस महिला ने उससे ऐसा न करने की विनती की और चुप रहने के बदले उसे पांच पाउंड दिए। इस मामले में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया और फिलहाल इसे दबा दिया गया।

लेकिन इस घटना ने नर्स के मन पर गहरा असर डाला और तब से वह अपनी मालकिन पर कड़ी नज़र रखने लगी और अपने प्यारे बच्चे की और भी ज़्यादा रक्षा करने लगी। उसे ऐसा लगता था मानो जैसे वह माँ पर नज़र रखती है, वैसे ही माँ भी उस पर नज़र रखती है, और जब भी उसे बच्चे को अकेला छोड़ना पड़ता, माँ उस पर झपटने के लिए घात लगाए बैठी रहती थी। नर्स दिन-रात बच्चे को ढक कर रखती थी, और माँ दिन-रात चुपचाप, चौकस होकर घात लगाए बैठी रहती थी, मानो कोई भेड़िया मेमने का इंतज़ार कर रहा हो। यह आपको अविश्वसनीय लग सकता है, फिर भी मैं आपसे विनती करता हूँ कि इसे गंभीरता से लें, क्योंकि एक बच्चे का जीवन और एक व्यक्ति का मानसिक संतुलन इस पर निर्भर हो सकता है।

अंततः वह भयानक दिन आ ही गया जब सच्चाई पति से छुपाना अब संभव नहीं रहा। नर्स का धैर्य टूट चुका था; वह अब और सहन नहीं कर सकती थी, और उसने पति को सब कुछ साफ़-साफ़ बता दिया। उसे यह कहानी उतनी ही अविश्वसनीय लगी जितनी शायद अब आपको लगे। वह जानता था कि उसकी पत्नी एक स्नेही पत्नी है, और अपने सौतेले बेटे पर किए गए हमलों को छोड़कर, एक स्नेही माँ है। तो फिर, वह अपने प्यारे छोटे बच्चे को क्यों चोट पहुँचाएगी? उसने नर्स से कहा कि वह सपना देख रही है, उसके संदेह एक पागल के हैं, और मालकिन पर इस तरह के झूठे आरोप बर्दाश्त नहीं किए जा सकते। जब वे बात कर रहे थे, अचानक दर्द भरी चीखें सुनाई दीं। नर्स और मालिक दौड़कर बच्चे के कमरे में पहुंचे।

मिस्टर होम्स, ज़रा उनकी भावनाओं की कल्पना कीजिए, जब उन्होंने अपनी पत्नी को पालने के पास घुटनों के बल बैठी हुई स्थिति से उठते देखा और बच्चे की खुली गर्दन और चादर पर खून देखा। भय से चीखते हुए उन्होंने अपनी पत्नी का चेहरा रोशनी की ओर घुमाया और देखा कि उसके होठों के चारों ओर खून लगा हुआ था। यह वही थी—निस्संदेह वही—जिसने उस बेचारे बच्चे का खून पिया था।

मामला यहीं अटका है। वह अब अपने कमरे में ही बंद है। कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। पति लगभग पागल हो चुका है। उसे और मुझे पिशाचवाद के बारे में नाम

के अलावा कुछ खास पता नहीं है। हमने सोचा था कि यह किसी विदेशी लोक की मनगढ़ंत कहानी है। और फिर भी इंग्लैंड के ससेक्स के बिल्कुल बीचोंबीच — खैर, इस सब पर सुबह आपसे चर्चा की जा सकती है। क्या आप मुझसे मिलेंगे? क्या आप अपनी महान शक्तियों का उपयोग करके इस विक्षिप्त व्यक्ति की मदद करेंगे? यदि हां, तो कृपया फर्ग्यूसन, चीज़मैन्स, लैम्बरली को तार भेजें, और मैं दस बजे तक आपके कमरे में आ जाऊंगा।

आपका विश्वासी,

रॉबर्ट फर्ग्यूसन।

पी.एस. मुझे लगता है कि आपका दोस्त वॉटसन ब्लैकहीथ के लिए रग्बी खेलता था जब मैं रिचमंड के लिए थ्री-क्वार्टर पोजीशन पर खेलता था। यही एकमात्र व्यक्तिगत परिचय है जो मैं दे सकता हूं।

"हाँ, मुझे वो याद था," मैंने चिट्ठी रखते हुए कहा। "बिग बॉब फर्ग्यूसन, रिचमंड का अब तक का सबसे बेहतरीन थ्री-क्वार्टर। वो हमेशा से ही नेक दिल इंसान थे। किसी दोस्त के मामले में इतनी चिंता करना उनकी आदत ही है।"

होम्स ने मेरी ओर ध्यान से देखा और अपना सिर हिलाया।

"वॉटसन, मुझे तुम्हारी सीमाएं कभी समझ नहीं आतीं," उसने कहा। "तुम्हारे बारे में अभी भी बहुत संभावनाएं हैं। एक तार नीचे उतारो, भले आदमी की तरह। 'मुझे तुम्हारा मामला देखने में खुशी होगी'।"

"आपका मामला!"

"हमें उसे यह सोचने नहीं देना चाहिए कि यह एजेंसी कमजोर दिमाग वालों का अड्डा है। बेशक, यह उसका मामला है। उसे वह तार भेज दें और इस मामले को सुबह तक के लिए छोड़ दें।"

अगली सुबह ठीक दस बजे फर्ग्यूसन हमारे कमरे में दाखिल हुए। मुझे याद था कि वो लंबे, मजबूत शरीर वाले, लचीले अंगों वाले और तेज दौड़ने वाले व्यक्ति थे, जिन्होंने कई बार विरोधी खिलाड़ियों को पछाड़ दिया था। जीवन में इससे ज्यादा दर्दनाक कुछ नहीं होता कि किसी ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी से मिलना, जिसे आपने उसके सुनहरे दिनों में देखा हो, उसकी दुर्दशा को देखकर। उनका विशाल शरीर कमजोर पड़ गया था, उनके सुनहरे बाल कम हो गए थे और उनके कंधे झुके हुए थे। मुझे डर है कि मैंने उनमें भी वैसी ही भावनाएं जगा दी होंगी।

"हैलो, वॉटसन," उसने कहा, और उसकी आवाज़ अब भी गहरी और जोशीली थी। "तुम अब वैसे नहीं दिखते जैसे तब दिखते थे जब मैंने तुम्हें ओल्ड डियर पार्क में भीड़ के बीच रस्सियों के ऊपर से फेंक दिया था। मुझे लगता है कि मैं भी थोड़ा बदल गया हूं। लेकिन पिछले एक-दो दिनों ने मुझे बूढ़ा कर दिया है। श्री होम्स, आपके टेलीग्राम से मुझे पता चल गया है कि किसी का प्रतिनिधि होने का दिखावा करना बेकार है।"

होम्स ने कहा, "सीधे तौर पर निपटना ज्यादा आसान है।"

"बिल्कुल है। लेकिन आप कल्पना कर सकते हैं कि यह कितना मुश्किल है जब आप उस अकेली महिला के बारे में बात कर रहे हों जिसकी रक्षा और मदद करना आपका कर्तव्य है। मैं क्या करूँ? मैं ऐसी कहानी लेकर पुलिस के पास कैसे जाऊँ? और फिर भी बच्चों की सुरक्षा तो करनी ही है। क्या यह पागलपन है, मिस्टर होम्स? क्या यह खून में कुछ है? क्या आपके अनुभव में ऐसा कोई मामला है? भगवान के लिए, मुझे कुछ सलाह दीजिए, क्योंकि मैं पूरी तरह से परेशान हूँ।"

"बिल्कुल स्वाभाविक, श्री फर्ग्यूसन। अब यहाँ बैठिए, खुद को संभालिए और मुझे कुछ स्पष्ट जवाब दीजिए। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं बिल्कुल भी हताश नहीं

हूँ, और मुझे पूरा भरोसा है कि हम कोई न कोई हल निकाल लेंगे। सबसे पहले, मुझे बताइए कि आपने क्या कदम उठाए हैं। क्या आपकी पत्नी अभी भी बच्चों के पास हैं?"

"हमारे बीच एक भयानक दृश्य हुआ। श्री होम्स, वह एक अत्यंत स्नेहशील महिला हैं। अगर कोई स्त्री किसी पुरुष से सच्चे दिल और आत्मा से प्रेम करती है, तो वह मुझसे करती है। उन्हें इस बात का गहरा दुख हुआ कि मुझे इस भयानक, इस अविश्वसनीय रहस्य का पता चल गया। उन्होंने बोलना तक बंद कर दिया। मेरे ताने-बाने का उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, बस अपनी आँखों में एक अजीब सी हताशा और निराशा भरी नज़र से मुझे देखती रहीं। फिर वह अपने कमरे में गईं और खुद को अंदर बंद कर लिया। तब से उन्होंने मुझसे मिलने से इनकार कर दिया है। उनके पास एक नौकरानी है जो उनकी शादी से पहले उनके साथ काम करती थी, जिसका नाम डोलोरेस है - वह नौकरानी नहीं बल्कि एक दोस्त है। वह उनके लिए खाना लेकर जाती है।"

तो क्या बच्चे को तत्काल कोई खतरा नहीं है?

"नर्स श्रीमती मेसन ने कसम खाई है कि वह इसे दिन-रात नहीं छोड़ेंगी। मैं उन पर पूरी तरह भरोसा कर सकती हूँ। मुझे बेचारे छोटे जैक की ज़्यादा चिंता है, क्योंकि जैसा कि मैंने आपको अपने नोट में बताया था, उस पर श्रीमती मेसन ने दो बार हमला किया है।"

"लेकिन कभी घायल नहीं हुए?"

"नहीं, उसने उसे बेरहमी से मारा। यह और भी भयानक है क्योंकि वह बेचारा सीधा-सादा अपाहिज है।" अपने बेटे के बारे में बात करते हुए फर्ग्यूसन के दुबले-पतले चेहरे पर नरमी आ गई। "आपको लगेगा कि उस प्यारे बच्चे की हालत किसी का भी दिल पिघला देगी। बचपन में गिरना और रीढ़ की हड्डी में मोच, मिस्टर होम्स। लेकिन उसके अंदर एक बेहद प्यारा और स्नेहपूर्ण दिल है।"

होम्स ने कल का पत्र उठाया और उसे पढ़ रहा था। "आपके घर में और कौन-कौन से लोग हैं, श्री फर्ग्यूसन?"

"दो नौकर जो अभी कुछ ही समय से हमारे साथ हैं। एक अस्तबल का कर्मचारी, माइकल, जो घर में ही सोता है। मेरी पत्नी, मैं, मेरा बेटा जैक, मेरी बच्ची डोलोरेस और श्रीमती मेसन। बस इतना ही।"

"मुझे लगता है कि शादी के समय आप अपनी पत्नी को अच्छी तरह से नहीं जानते थे?"

मैं उसे कुछ ही हफ्तों से जानता था।

"यह नौकरानी डोलोरेस उसके साथ कितने समय से थी?"

"कुछ साल।"

"तो क्या आपकी पत्नी के चरित्र के बारे में आपसे ज़्यादा डोलोरेस को पता होगा?"

"जी हां, आप ऐसा कह सकते हैं।"

होम्स ने एक नोट बना लिया।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मैं यहाँ की तुलना में लैम्बरली में ज़्यादा उपयोगी साबित हो सकता हूँ। यह मामला व्यक्तिगत जांच-पड़ताल का है। अगर महिला अपने कमरे में ही रहती हैं, तो हमारी मौजूदगी से उन्हें कोई परेशानी या असुविधा नहीं होगी। बेशक, हम सराय में ही ठहरेंगे।"

फर्ग्यूसन ने राहत का भाव दिखाया।

"यही तो मैं उम्मीद कर रहा था, मिस्टर होम्स। विक्टोरिया से दोपहर दो बजे एक बेहतरीन ट्रेन है, अगर आप आ सकें तो अच्छा होगा।"

"बेशक हम आ सकते हैं। अभी शांति है। मैं आपको अपनी पूरी ऊर्जा दे सकता हूँ। वॉटसन भी हमारे साथ आएगा। लेकिन एक-दो बातें हैं जिनके बारे में मैं निकलने से

पहले पूरी तरह आश्वस्त होना चाहता हूँ। जैसा कि मुझे पता चला है, इस अभागी महिला ने अपने बच्चे और आपके छोटे बेटे, दोनों पर हमला किया है।”

“यह सच है।”

"लेकिन हमले अलग-अलग रूप ले लेते हैं, है ना? उसने तुम्हारे बेटे को पीटा है।"

"एक बार उसने लाठी से मारा और एक बार अपने हाथों से बहुत बेरहमी से।"

"क्या उसने उसे मारने का कोई कारण नहीं बताया?"

“इसके अलावा और कुछ नहीं कि वह उससे नफरत करती थी। वह बार-बार यही कहती थी।”

“खैर, सौतेली माताओं में यह कोई असामान्य बात नहीं है। इसे हम मृत्यु के बाद की ईर्ष्या कह सकते हैं। क्या वह महिला स्वभाव से ही ईर्ष्यालु है?”

"हां, वह बहुत ईर्ष्यालु है - अपने उग्र उष्णकटिबंधीय प्रेम की पूरी ताकत से ईर्ष्यालु है।"

लेकिन लड़का—मेरी जानकारी के अनुसार वह पंद्रह वर्ष का है, और संभवतः मानसिक रूप से काफी विकसित है, क्योंकि कार्रवाई के दौरान उसका शरीर सीमित रहा है। क्या उसने आपको इन हमलों के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया?

"नहीं, उन्होंने कहा कि इसका कोई कारण नहीं था।"

"क्या वे अन्य समय में अच्छे दोस्त थे?"

"नहीं, उनके बीच कभी कोई प्यार नहीं था।"

“लेकिन आप कहते हैं कि वह स्नेही है?”

दुनिया में इतना समर्पित बेटा कभी नहीं हो सकता। मेरा जीवन ही उसका जीवन है। वह मेरी हर बात और हर काम में मग्न रहता है।

होम्स ने एक बार फिर नोट बनाया। कुछ देर तक वह सोच में डूबा बैठा रहा।

“इसमें कोई शक नहीं कि दूसरी शादी से पहले आप और लड़का बहुत अच्छे दोस्त थे। आप दोनों बहुत करीब आ गए थे, है ना?”

"बहुत ज्यादा तो।"

और वह लड़का, अपने स्नेही स्वभाव के कारण, निस्संदेह अपनी माँ की स्मृति के प्रति समर्पित था?

"अत्यंत समर्पित।"

“वह वाकई एक दिलचस्प लड़का लगता है। इन हमलों के बारे में एक और बात है। क्या शिशु पर हुए अजीब हमले और आपके बेटे पर हुए हमले एक ही समय में हुए थे?”

“पहले मामले में ऐसा ही था। ऐसा लग रहा था जैसे उसे कोई उन्माद सवार हो गया हो और उसने अपना क्रोध दोनों पर उंडेल दिया हो। दूसरे मामले में केवल जैक को ही कष्ट सहना पड़ा। श्रीमती मेसन को बच्चे के बारे में कोई शिकायत नहीं थी।”

"इससे मामला और भी जटिल हो जाता है।"

"मुझे आपकी बात पूरी तरह समझ नहीं आई, मिस्टर होम्स।"

“शायद नहीं। हम अस्थायी सिद्धांत बनाते हैं और समय या पूर्ण ज्ञान के आने पर उन्हें गलत साबित होने का इंतजार करते हैं। यह एक बुरी आदत है, श्री फर्ग्यूसन, लेकिन मानव स्वभाव कमजोर है। मुझे डर है कि आपके पुराने मित्र ने मेरी वैज्ञानिक पद्धतियों के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर बताया है। हालांकि, अभी के लिए मैं केवल इतना ही कहूंगा कि आपकी समस्या मुझे अघुलनशील नहीं लगती, और आप हमसे दोपहर दो बजे विक्टोरिया में मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।”

नवंबर की धुंध भरी शाम थी, जब हमने लैम्बरली स्थित चेकर होटल में अपना सामान रखा और ससेक्स की मिट्टी से भरी एक लंबी घुमावदार सड़क से होते हुए आखिरकार उस एकांत और प्राचीन फार्महाउस तक पहुँचे जहाँ फर्ग्यूसन रहते थे। यह

एक विशाल, बिखरी हुई इमारत थी, जिसका मध्य भाग बहुत पुराना था और किनारे बिल्कुल नए थे। इसमें ट्यूडर शैली की ऊंची चिमनियाँ और हॉर्शम स्लैब से बनी काई से ढकी ऊंची छत थी। दरवाज़े की सीढ़ियाँ घिसकर घुमावदार हो गई थीं और बरामदे में लगी प्राचीन टाइलों पर मूल निर्माता के नक्शे के अनुसार पनीर और आदमी का चित्र बना हुआ था। अंदर, छतें भारी ओक की बीमों से बनी थीं और असमान फर्श तीखे घुमावों में धँसे हुए थे। पूरी जर्जर इमारत में उम्र और क्षय की गंध फैली हुई थी।

वहाँ एक बहुत बड़ी केंद्रीय कमरा था जिसमें फर्ग्यूसन हमें ले गए। यहाँ, 1670 की बनी लोहे की जाली वाली एक विशाल पुरानी शैली की चिमनी में, लकड़ियों की एक शानदार आग धधक रही थी और चटक रही थी।

जब मैंने कमरे का चारों ओर अवलोकन किया, तो मुझे लगा कि यह काल और स्थानों का एक अनूठा मिश्रण है। आधी दीवारों पर बने पैनल संभवतः सत्रहवीं शताब्दी के मूल किसान के रहे होंगे। हालाँकि, निचले हिस्से में आधुनिक जलरंग चित्रों की एक पंक्ति से उन्हें सजाया गया था; जबकि ऊपर, जहाँ ओक की जगह पीले रंग का प्लास्टर था, वहाँ दक्षिण अमेरिकी बर्तनों और हथियारों का एक सुंदर संग्रह लटका हुआ था, जिसे निस्संदेह ऊपर रहने वाली पेरू की महिला ने लाया होगा। होम्स अपने उत्सुक मन से उत्पन्न हुई तीव्र जिज्ञासा के साथ उठे और कुछ ध्यान से उनका निरीक्षण किया। वे विचारों से भरी आँखों के साथ वापस लौटे।

"हल्लो!" मैं रोया हूं, "हल्लो!"

कोने में रखी टोकरी में एक स्पैनियल कुत्ता लेटा हुआ था। वह धीरे-धीरे, मुश्किल से चलते हुए, अपने मालिक की ओर बढ़ा। उसके पिछले पैर अनियमित रूप से हिल रहे थे और उसकी पूंछ ज़मीन पर थी। उसने फर्ग्यूसन का हाथ चाटा।

“क्या बात है, मिस्टर होम्स?”

“कुत्ता। उसे क्या हुआ है?”

“इसी बात ने पशुचिकित्सक को हैरान कर दिया। एक तरह का लकवा। उन्होंने सोचा, रीढ़ की हड्डी में मेनिन्जाइटिस हो गया है। लेकिन यह ठीक हो रहा है। वह जल्द ही ठीक हो जाएगा - है ना, कार्लो?”

झुकी हुई पूंछ से सहमति की एक सिहरन दौड़ गई। कुत्ते की उदास आँखें हममें से एक से दूसरे की ओर घूम रही थीं। वह जानता था कि हम उसके मामले पर चर्चा कर रहे हैं।

"क्या यह अचानक चालू हो गया?"

एक ही रात में।

"कितनी देर पहले?"

"यह शायद चार महीने पहले की बात है।"

“बेहद उल्लेखनीय। बेहद विचारोत्तेजक।”

"इसमें आपको क्या दिखता है, मिस्टर होम्स?"

"यह मेरे पहले से सोचे हुए विचार की पुष्टि है।"

“भगवान के लिए, श्रीमान होम्स, आप क्या सोचते हैं? यह आपके लिए महज़ एक बौद्धिक पहेली हो सकती है, लेकिन मेरे लिए यह जीवन और मृत्यु का सवाल है! मेरी पत्नी हत्यारा बनने की कोशिश कर रही है - मेरा बच्चा हर पल खतरे में है! श्रीमान होम्स, मेरे साथ खिलवाड़ मत कीजिए। यह मामला बेहद गंभीर है।”

रग्बी का वह विशालकाय थ्री-क्वार्टर बुरी तरह कांप रहा था। होम्स ने स्नेहपूर्वक अपना हाथ उसकी बांह पर रखा।

“मुझे डर है कि आपको तकलीफ होगी, श्री फर्ग्यूसन, चाहे जो भी समाधान हो,” उन्होंने कहा। “मैं आपको यथासंभव तकलीफ से बचाना चाहता हूँ। अभी मैं और कुछ

नहीं कह सकता, लेकिन इस घर से निकलने से पहले मुझे आशा है कि मुझे कुछ पुख्ता जानकारी मिल जाएगी।"

"भगवान करे ऐसा हो! अगर आप मुझे अनुमति दें, सज्जनों, तो मैं अपनी पत्नी के कमरे में जाकर देखूंगा कि कोई बदलाव हुआ है या नहीं।"

वह कुछ मिनटों के लिए बाहर गया, इस दौरान होम्स ने दीवार पर टंगी अनोखी वस्तुओं की जाँच फिर से शुरू कर दी। जब हमारा मेज़बान लौटा तो उसके उदास चेहरे से स्पष्ट था कि उसने कोई प्रगति नहीं की थी। वह अपने साथ एक लंबी, पतली, सांवले चेहरे वाली लड़की को लेकर आया था।

"चाय तैयार है, डोलोरेस," फर्ग्यूसन ने कहा। "ध्यान रखना कि तुम्हारी मालकिन को वह सब कुछ मिले जिसकी वह कामना कर सकती है।"

"वह बीमार है," लड़की ने अपने स्वामी की ओर गुस्से भरी निगाहों से देखते हुए कहा। "वह खाना नहीं मांग रही है। वह बीमार है। उसे डॉक्टर की ज़रूरत है। डॉक्टर के बिना उसके साथ अकेले रहना मुझे डरा रहा है।"

फर्ग्यूसन ने अपनी आंखों में सवालिया भाव लिए मेरी तरफ देखा।

अगर मैं किसी के काम आ सकूं तो मुझे बहुत खुशी होगी।

"क्या आपकी प्रेमिका डॉ. वॉटसन से मिलेगी?"

मैं उसे ले जाता हूँ। मैं छुट्टी नहीं मांगता। उसे डॉक्टर की ज़रूरत है।

"तो मैं तुरंत आपके साथ आऊंगा।"

मैं उस लड़की के पीछे-पीछे सीढ़ियों से ऊपर गया, जो तीव्र भावनाओं से कांप रही थी, और एक प्राचीन गलियारे से गुजरा। अंत में लोहे के कुंडी से बंद एक विशाल दरवाज़ा था। उसे देखकर मुझे लगा कि अगर फर्ग्यूसन अपनी पत्नी तक जबरदस्ती पहुंचने की कोशिश करता, तो यह उसके लिए आसान नहीं होता। लड़की ने अपनी जेब से चाबी निकाली, और भारी ओक की तख्तियां अपने पुराने कब्जों पर चरमरा उठीं। मैं अंदर चला गया और वह भी तेज़ी से मेरे पीछे आई और दरवाजा बंद कर दिया।

बिस्तर पर एक महिला लेटी हुई थी, जिसे स्पष्ट रूप से तेज़ बुखार था। वह अधमरी अवस्था में थी, लेकिन जैसे ही मैं अंदर आया, उसने भयभीत लेकिन सुंदर आँखों से मेरी ओर देखा और आशंका से घूर उठी। एक अजनबी को देखकर वह राहत महसूस करने लगी और आह भरकर तकिए पर वापस लेट गई। मैंने कुछ दिलासा भरे शब्द कहकर उसके पास जाकर उसे समझाया, और वह शांत लेटी रही जबकि मैंने उसकी नब्ज़ और तापमान की जाँच की। दोनों ही तेज़ थे, फिर भी मुझे लगा कि यह किसी वास्तविक दौरे की बजाय मानसिक और तंत्रिका उत्तेजना का मामला है।

"वह एक-दो दिन ऐसे ही पड़ी रही। मुझे डर है कि कहीं वह मर न जाए," लड़की ने कहा।

उस महिला ने अपना लालिमा से लाल और सुंदर चेहरा मेरी ओर घुमाया।

"मेरे पति कहां हैं?"

वह नीचे हैं और आपसे मिलना चाहेंगे।

"मैं उससे नहीं मिलूंगी। मैं उससे नहीं मिलूंगी।" फिर वह मानो बेहोशी की हालत में चली गई। "एक शैतान! एक शैतान! ओह, मैं इस शैतान का क्या करूंगी?"

क्या मैं आपकी किसी तरह से मदद कर सकता हूँ?

"नहीं। कोई मदद नहीं कर सकता। सब खत्म हो गया है। सब कुछ नष्ट हो गया है। मैं जो चाहूं करूं, सब कुछ नष्ट हो गया है।"

उस महिला को कोई अजीब सा भ्रम जरूर हो गया होगा। मुझे ईमानदार बॉब फर्ग्यूसन किसी दुष्ट या शैतान के रूप में नजर नहीं आता।

मैंने कहा, "महोदया, आपके पति आपसे बहुत प्यार करते हैं। इस घटना से उन्हें गहरा दुख हुआ है।"

उसने फिर से अपनी उन मनमोहक आँखों से मेरी ओर देखा।

“वह मुझसे प्यार करता है। हाँ। लेकिन क्या मैं उससे प्यार नहीं करती? क्या मैं उससे इतना प्यार नहीं करती कि उसका दिल तोड़ने के बजाय खुद को कुर्बान कर दूँ? मैं उससे इसी तरह प्यार करती हूँ। और फिर भी वह मेरे बारे में सोच सकता है—वह मेरे बारे में इस तरह बात कर सकता है।”

वह दुःख से भरा हुआ है, लेकिन वह समझ नहीं पा रहा है।

“नहीं, वह समझ नहीं सकता। लेकिन उसे भरोसा रखना चाहिए।”

“क्या तुम उससे नहीं मिलोगी?” मैंने सुझाव दिया।

“नहीं, नहीं, मैं वो भयानक शब्द और उसके चेहरे के वो भाव नहीं भूल सकती। मैं उससे नहीं मिलूंगी। अभी जाओ। तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकते। उसे बस एक बात कह दो। मुझे मेरा बच्चा चाहिए। मुझे अपने बच्चे पर पूरा हक है। बस यही एक संदेश मैं उसे दे सकती हूं।” उसने अपना चेहरा दीवार की ओर कर लिया और आगे कुछ नहीं बोली।

मैं नीचे वाले कमरे में लौट आया, जहाँ फर्ग्यूसन और होम्स अभी भी आग के पास बैठे थे। फर्ग्यूसन ने साक्षात्कार का मेरा विवरण उदास भाव से सुना।

“मैं उसे बच्चा कैसे भेज सकता हूं?” उसने कहा। “मुझे कैसे पता चलेगा कि उसके मन में क्या अजीब सी भावना जाग उठेगी? मैं यह कैसे भूल सकता हूँ कि वह बच्चे के पास से उठी थी और उसके होठों पर बच्चे का खून लगा था?” वह उस याद से कांप उठा। “बच्चा श्रीमती मेसन के पास सुरक्षित है, और उसे वहीं रहना होगा।”

घर में हमने जो एकमात्र आधुनिक चीज़ देखी थी, वह थी एक सजी-धजी नौकरानी। वह चाय लेकर आई। जब वह चाय परोस रही थी, तभी दरवाज़ा खुला और एक युवक कमरे में दाखिल हुआ। वह एक विलक्षण लड़का था, पीला चेहरा और सुनहरे बाल, उसकी नीली आँखें बेहद चंचल थीं जो अपने पिता को देखते ही भावनाओं और खुशी की लौ से चमक उठीं। वह दौड़कर आगे बढ़ा और एक स्नेही लड़की की तरह अपने पिता के गले लग गया।

“ओह पापा,” वह रोते हुए बोला, “मुझे पता ही नहीं था कि आपका जन्म होने वाला है। मुझे आपसे मिलने के लिए यहीं होना चाहिए था। ओह, आपको देखकर मुझे बहुत खुशी हुई!”

फर्ग्यूसन ने थोड़ी शर्मिंदगी दिखाते हुए धीरे से खुद को आलिंगन से अलग कर लिया।

“प्यारे दोस्त,” उसने सुनहरे बालों वाले सिर पर बड़े प्यार से हाथ फेरते हुए कहा। “मैं जल्दी आ गया क्योंकि मेरे दोस्त, मिस्टर होम्स और डॉ. वॉटसन, हमारे साथ एक शाम बिताने के लिए राजी हो गए हैं।”

"क्या वो मिस्टर होम्स हैं, जासूस?"

"हाँ।"

उस युवक ने हमें बहुत ही तीक्ष्ण और, जैसा कि मुझे लगा, शत्रुतापूर्ण निगाहों से देखा।

“आपके दूसरे बच्चे के बारे में क्या ख्याल है, श्री फर्ग्यूसन?” होम्स ने पूछा। “क्या हम उस बच्चे से मिल सकते हैं?”

“श्रीमती मेसन से कहो कि बच्चे को नीचे ले आएं,” फर्ग्यूसन ने कहा। लड़का लड़खड़ाते हुए अजीबोगरीब चाल से चला गया, जिससे मेरी पैनी नज़र को पता चल गया कि उसकी रीढ़ की हड्डी कमज़ोर है। थोड़ी देर बाद वह लौटा, और उसके पीछे एक

लंबी, दुबली-पतली महिला अपनी बाहों में एक बेहद खूबसूरत बच्चे को लिए हुए आई, जिसकी आंखें काली थीं, बाल सुनहरे थे, जो सैक्सन और लैटिन का अद्भुत मिश्रण था। फर्ग्यूसन उस बच्चे से बेहद लगाव रखते थे, क्योंकि उन्होंने उसे अपनी बाहों में लिया और बड़े प्यार से सहलाया।

"सोचो किसी में उसे चोट पहुंचाने की हिम्मत कैसे हो सकती है," उसने बुदबुदाते हुए उस नन्हे से बच्चे के गले पर पड़ी छोटी, गुस्से से लाल हुई सिलवट को देखा।

इसी क्षण मेरी नज़र संयोगवश होम्स पर पड़ी और मैंने उनके चेहरे पर एक विलक्षण एकाग्रता देखी। उनका चेहरा इतना कठोर था मानो उसे पुराने हाथीदांत से तराशा गया हो, और उनकी आँखें, जो एक पल के लिए पिता और बच्चे पर टिकी थीं, अब उत्सुकता से कमरे के दूसरे कोने में किसी चीज़ पर टकटकी लगाए थीं। उनकी नज़र का पीछा करते हुए मैं केवल यही अनुमान लगा सका कि वे खिड़की से बाहर उदास, पानी से भरे बगीचे को देख रहे थे। यह सच है कि बाहर एक शटर आधा बंद था और दृश्य को बाधित कर रहा था, लेकिन फिर भी यह निश्चित था कि होम्स अपनी एकाग्रता खिड़की पर ही लगाए हुए थे। फिर वे मुस्कुराए, और उनकी नज़रें वापस बच्चे पर आ गईं। उसकी गोल-मटोल गर्दन पर एक छोटा सा सिकुड़ा हुआ निशान था। बिना कुछ बोले, होम्स ने उसे ध्यान से देखा। अंत में उन्होंने अपने सामने लहराती हुई अपनी एक मुट्ठी को हिलाया।

“अलविदा, नन्हे बच्चे। तुमने जीवन की एक अजीब शुरुआत की है। नर्स, मैं तुमसे अकेले में कुछ बात करना चाहूंगी।”

वह उसे एक तरफ ले गया और कुछ मिनटों तक गंभीरता से बोलता रहा। मैंने केवल आखिरी शब्द सुने, जो थे: "मुझे उम्मीद है कि आपकी चिंता जल्द ही दूर हो जाएगी।" वह महिला, जो एक चिड़चिड़ी और शांत स्वभाव की लग रही थी, बच्चे के साथ चली गई।

"मिसेज़ मेसन कैसी हैं?" होम्स ने पूछा।

"बाहरी तौर पर देखने में बहुत आकर्षक नहीं है, जैसा कि आप देख सकते हैं, लेकिन दिल से सोने जैसा है और बच्चे के प्रति समर्पित है।"

“क्या तुम उसे पसंद करते हो, जैक?” होम्स अचानक लड़के की ओर मुड़ा। उसके भावपूर्ण चेहरे पर उदासी छा गई और उसने सिर हिलाया।

“जैकी की पसंद-नापसंद बहुत पक्की है,” फर्ग्यूसन ने लड़के के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा। “खुशकिस्मत से मैं उसकी पसंद में से एक हूं।”

लड़का चहचहाया और अपना सिर अपने पिता की छाती पर टिका लिया। फर्ग्यूसन ने उसे धीरे से अलग किया।

“भाग जाओ, नन्हे जैकी,” उसने कहा और अपने बेटे को तब तक प्यार भरी निगाहों से देखता रहा जब तक वह गायब नहीं हो गया। “अब, श्रीमान होम्स,” लड़के के चले जाने के बाद उसने आगे कहा, “मुझे सच में लगता है कि मैंने आपको एक बेकार काम पर लगाया है, क्योंकि आप मेरी सहानुभूति दिखाने के अलावा और क्या कर सकते हैं? आपके नज़रिए से यह एक बेहद नाजुक और जटिल मामला होगा।”

मेरे मित्र ने मुस्कुराते हुए कहा, “यह वाकई पेचीदा है, लेकिन अभी तक मुझे इसकी जटिलता समझ नहीं आई है। यह बौद्धिक तर्क का मामला रहा है, लेकिन जब यह मूल बौद्धिक तर्क कई स्वतंत्र घटनाओं द्वारा बिंदु दर बिंदु पुष्ट हो जाता है, तो व्यक्तिपरक वस्तुनिष्ठ बन जाता है और हम विश्वासपूर्वक कह सकते हैं कि हम अपने लक्ष्य तक पहुंच गए हैं। वास्तव में, मैं बेकर स्ट्रीट छोड़ने से पहले ही अपने लक्ष्य तक पहुंच गया था, और बाकी सब तो बस अवलोकन और पुष्टि है।”

फर्ग्यूसन ने अपना बड़ा हाथ अपने झुर्रियों वाले माथे पर रखा।

“भगवान के लिए, होम्स,” उसने कर्कश स्वर में कहा; “अगर आपको इस मामले में सच्चाई दिख रही है, तो मुझे असमंजस में मत रखिए। मेरी क्या स्थिति है? मुझे क्या करना चाहिए? मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने अपने तथ्य कैसे जुटाए हैं, बस इतना ध्यान रखें कि वे वास्तव में सही हों।”

“निश्चित रूप से मुझे आपको स्पष्टीकरण देना होगा, और आपको वह मिलेगा। लेकिन क्या आप मुझे इस मामले को अपने तरीके से निपटाने की अनुमति देंगे? क्या महिला हमें देख सकती है, वाटसन?”

वह बीमार है, लेकिन वह काफी समझदार है।

“बहुत अच्छा। उनकी उपस्थिति में ही हम इस मामले को सुलझा सकते हैं। चलिए उनके पास चलते हैं।”

“वह मुझे नहीं देख पाएगी,” फर्ग्यूसन रोते हुए बोली।

“ओह, जी हां, वो ज़रूर आएंगी,” होम्स ने कहा। उन्होंने कागज़ पर कुछ पंक्तियाँ लिखीं। “वॉटसन, कम से कम आपके पास शुरुआत तो है। क्या आप मेहरबानी करके ये चिट्ठी उस महिला को दे देंगे?”

मैं दोबारा ऊपर चढ़ा और डोलोरेस को वह नोट सौंप दिया, जिसने सावधानी से दरवाज़ा खोला। एक मिनट बाद मुझे अंदर से एक चीख सुनाई दी, जिसमें खुशी और आश्चर्य दोनों मिले हुए थे। डोलोरेस ने बाहर देखा।

“वह उन्हें देखेंगी। वह सुनेगी,” उसने कहा।

मेरे बुलावे पर फर्ग्यूसन और होम्स आए। जैसे ही हम कमरे में दाखिल हुए, फर्ग्यूसन अपनी पत्नी की ओर एक-दो कदम बढ़े, जो बिस्तर पर उठ बैठी थीं, लेकिन उन्होंने हाथ बढ़ाकर उन्हें पीछे धकेल दिया। वे एक कुर्सी पर बैठ गए, जबकि होम्स ने उनके बगल में बैठकर पत्नी को प्रणाम किया, जो उन्हें विस्मय भरी निगाहों से देख रही थीं।

“मुझे लगता है कि हम डोलोरेस को हटा सकते हैं,” होम्स ने कहा। “ओह, बहुत अच्छा, महोदया, अगर आप चाहती हैं कि वह यहीं रहे तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। अब, श्री फर्ग्यूसन, मैं बहुत व्यस्त व्यक्ति हूँ और मेरे पास बहुत सारे काम हैं, इसलिए मुझे संक्षिप्त और सीधा तरीका अपनाना होगा। सबसे तेज़ उपाय सबसे कम कष्टदायी होता है। पहले मैं वह बात कहूँ जिससे आपको तसल्ली मिलेगी। आपकी पत्नी बहुत अच्छी, बहुत प्यार करने वाली और बहुत सताई हुई महिला हैं।”

फर्ग्यूसन खुशी से चिल्लाते हुए उठ बैठा।

"इसे साबित कर दीजिए, मिस्टर होम्स, और मैं आपका हमेशा के लिए ऋणी हो जाऊंगा।"

मैं ऐसा करूंगा, लेकिन ऐसा करने में मुझे आपको दूसरी दिशा में बहुत गहरा घाव देना होगा।

"जब तक आप मेरी पत्नी को बेगुनाह साबित कर देते हैं, मुझे किसी बात की परवाह नहीं। इसके सामने धरती की हर चीज तुच्छ है।"

तो चलिए, मैं आपको बेकर स्ट्रीट में मेरे दिमाग में चल रही तर्क-वितर्क की श्रृंखला बताता हूं। पिशाच का विचार मेरे लिए बेतुका था। इंग्लैंड में आपराधिक गतिविधियों में ऐसी चीजें नहीं होतीं। फिर भी आपका अवलोकन सटीक था। आपने उस महिला को बच्चे के पालने के पास से उठते हुए देखा था, जिसके होठों पर खून लगा हुआ था।

“मैंने किया।”

क्या आपके मन में यह विचार नहीं आया कि किसी घाव से खून निकालने के अलावा किसी और उद्देश्य से भी उसे चूसा जा सकता है? क्या अंग्रेजी इतिहास में कोई ऐसी रानी नहीं हुई जिसने जहर निकालने के लिए ऐसे घाव को चूसा हो?

"ज़हर!"

“एक दक्षिण अमेरिकी परिवार। मेरी अंतरात्मा ने दीवार पर उन हथियारों की मौजूदगी को मेरी आँखों से देखने से पहले ही भांप लिया था। शायद वह कोई और ज़हर था, लेकिन मेरे मन में यही ख्याल आया। जब मैंने छोटे से धनुष के बगल में वह खाली तरकश देखा, तो ठीक वही हुआ जिसकी मुझे उम्मीद थी। अगर उस बच्चे को क्यूरेर या किसी और ज़हरीले पदार्थ में डूबे हुए तीरों में से किसी एक से चोट लग जाती, तो ज़हर को चूसकर न निकालने पर उसकी मौत हो जाती।”

और वो कुत्ता! अगर कोई इस तरह के ज़हर का इस्तेमाल करे, तो क्या वो पहले यह देखने के लिए उसका परीक्षण नहीं करेगा कि कहीं उसकी शक्ति कम तो नहीं हो गई है? मैंने कुत्ते की कल्पना नहीं की थी, लेकिन कम से कम मैं उसे समझ गया और वो मेरी कल्पना में फिट बैठता है।

अब समझ में आया? आपकी पत्नी को ऐसे हमले का डर था। उसने हमला होते देखा और बच्चे की जान बचाई, फिर भी उसने आपको सारी सच्चाई बताने से परहेज़ किया, क्योंकि वह जानती थी कि आप उस लड़के से कितना प्यार करते हैं और उसे डर था कि कहीं इससे आपका दिल न टूट जाए।

“जैकी!”

“मैंने अभी-अभी तुम्हें बच्चे को दुलारते हुए देखा। खिड़की के शीशे में उसका चेहरा साफ़ दिख रहा था, जहाँ शटर पृष्ठभूमि का काम कर रहा था। मैंने उसके चेहरे पर ऐसी ईर्ष्या, ऐसी क्रूर नफरत देखी, जैसी मैंने शायद ही कभी किसी इंसान के चेहरे पर देखी हो।”

“मेरा जैकी!”

“आपको इस सच्चाई का सामना करना ही होगा, श्री फर्ग्यूसन। यह और भी दर्दनाक है क्योंकि यह एक विकृत प्रेम है, आपके लिए एक उन्मादी और अतिरंजित प्रेम है, और संभवतः अपनी मृत माँ के लिए भी, जिसने उसे यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है। उसकी आत्मा इस प्रतिभाशाली बच्चे के प्रति घृणा से ग्रस्त है, जिसका स्वास्थ्य और सुंदरता उसकी अपनी कमजोरी के बिल्कुल विपरीत है।”

“हे भगवान! यह तो अविश्वसनीय है!”

"क्या मैंने सच कहा है, महोदया?"

महिला तकियों में चेहरा छिपाकर सिसक रही थी। अब वह अपने पति की ओर मुड़ी।

“मैं तुम्हें कैसे बता सकती थी, बॉब? मुझे पता था कि इससे तुम्हें कितना दुख होगा। बेहतर यही था कि मैं इंतजार करूँ और यह बात मेरे मुंह से नहीं बल्कि किसी और के मुंह से निकले। जब इस सज्जन ने, जिनके पास मानो जादू की शक्तियां हैं, लिखा कि उन्हें सब कुछ पता है, तो मुझे खुशी हुई।”

“मास्टर जैकी के लिए एक साल समुद्र में बिताना ही मेरी सलाह होगी,” होम्स कुर्सी से उठते हुए बोले। “बस एक बात अभी भी स्पष्ट नहीं है, महोदया। हम मास्टर जैकी पर आपके हमलों को पूरी तरह समझ सकते हैं। एक माँ के धैर्य की भी एक सीमा होती है। लेकिन आपने पिछले दो दिनों में बच्चे को अकेला छोड़ने की हिम्मत कैसे की?”

मैंने श्रीमती मेसन को बता दिया था। उन्हें पता था।

“बिल्कुल सही। मैंने भी यही सोचा था।”

फर्ग्यूसन बिस्तर के पास खड़ा था, उसका दम घुट रहा था, उसके हाथ फैले हुए थे और कांप रहे थे।

“वाटसन, मुझे लगता है कि अब हमारे जाने का समय आ गया है,” होम्स ने फुसफुसाते हुए कहा। “अगर तुम इस हद से ज़्यादा वफ़ादार डोलोरेस की एक कोहनी

पकड़ोगे, तो मैं दूसरी पकड़ लूँगा। अब," उन्होंने दरवाज़ा बंद करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि हम उन्हें बाकी का मामला आपस में सुलझाने के लिए छोड़ सकते हैं।"

इस मामले के बारे में मेरे पास केवल एक और बात है। यह वह पत्र है जो होम्स ने उस पत्र के अंतिम उत्तर में लिखा था जिससे कहानी शुरू होती है। वह पत्र इस प्रकार था:

बेकर स्ट्रीट, 21 नवंबर।

री वैम्पायर

महोदय:

आपके दिनांक 19 तारीख के पत्र के संदर्भ में, मैं यह बताना चाहता हूँ कि मैंने आपके मुवक्किल, श्री रॉबर्ट फर्ग्यूसन, जो मिंसिंग लेन स्थित चाय दलाल, फर्ग्यूसन एंड मुइरहेड के मालिक हैं, के मामले की जाँच कर ली है और यह मामला संतोषजनक ढंग से सुलझ गया है। आपकी सिफ़ारिश के लिए धन्यवाद। महोदय,

भवदीय,

शर्लक होम्स।

तीन गैरिडेबों का साहसिक कार्य

यह एक हास्यपूर्ण घटना हो सकती थी, या एक त्रासदी भी हो सकती थी। एक व्यक्ति ने अपनी बुद्धि खो दी, मुझे खून बहाना पड़ा, और एक अन्य व्यक्ति को कानून के दंड भुगतने पड़े। फिर भी, इसमें हास्य का तत्व अवश्य था। खैर, आप स्वयं ही निर्णय लें।

मुझे वह तारीख अच्छी तरह याद है, क्योंकि उसी महीने होम्स ने उन सेवाओं के लिए नाइटहुड की उपाधि ठुकरा दी थी जिनका वर्णन शायद कभी किया जा सके। मैं इस बात का ज़िक्र बस यूँ ही कर रहा हूँ, क्योंकि साझेदार और विश्वासपात्र होने के नाते मुझे किसी भी तरह की अनुचित बात कहने से बचने के लिए विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। फिर भी, मैं दोहराता हूँ कि इससे मुझे तारीख तय करने में मदद मिलती है, जो जून 1902 के अंत में, दक्षिण अफ़्रीकी युद्ध की समाप्ति के कुछ ही समय बाद की थी। होम्स ने कई दिन बिस्तर पर बिताए थे, जैसा कि उनकी आदत थी, लेकिन उस सुबह वे हाथ में एक बड़ा सा कागज़ लिए और अपनी गंभीर भूरी आँखों में शरारत भरी चमक लिए उठे।

"तुम्हारे पास पैसे कमाने का मौका है, दोस्त वॉटसन," उसने कहा। "क्या तुमने कभी गैरिडेब का नाम सुना है?"

मैंने स्वीकार किया कि मैंने ऐसा नहीं किया था।

"खैर, अगर आप किसी गैरिडेब को पकड़ लें, तो उसमें पैसा है।"

"क्यों?"

"अरे, ये तो बहुत लंबी कहानी है—काफी विचित्र भी। मुझे नहीं लगता कि इंसानी पेचीदगियों की हमारी तमाम खोजों में हमें कभी इससे ज़्यादा अनोखी कोई चीज़ मिली हो। वो आदमी अभी पूछताछ के लिए यहाँ आएगा, इसलिए मैं उसके आने तक इस मामले को नहीं खोलूंगा। लेकिन, फिलहाल, हमें यही नाम चाहिए।"

टेलीफोन डायरेक्टरी मेरे बगल में मेज पर पड़ी थी, और मैं एक निराशाजनक खोज में पन्ने पलटने लगा। लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि यह अजीब नाम अपनी सही जगह पर था। मैंने खुशी से चिल्लाया।

"ये लीजिए, होम्स! ये रहा!"

होम्स ने मेरे हाथ से किताब ले ली।

“ ‘गैरिडेब, एन.,’ “ उसने पढ़ा, “ ‘136 लिटिल राइडर स्ट्रीट, डब्ल्यू.’ मुझे खेद है कि मैं आपको निराश कर रहा हूँ, मेरे प्रिय वॉटसन, लेकिन यह वही व्यक्ति है। यही उसके पत्र पर लिखा पता है। हमें उसके जैसा ही एक और व्यक्ति चाहिए।”

श्रीमती हडसन एक ट्रे में कार्ड लेकर अंदर आईं। मैंने उसे उठाया और उस पर एक नज़र डाली।

“अरे वाह! ये रहा!” मैं आश्चर्य से चिल्लाया। “ये तो एक अलग ही नाम का पहला अक्षर है। जॉन गैरिडेब, वकील, मूरविले, कंसास, यू.एस.ए.”

कार्ड को देखते हुए होम्स मुस्कुराया। उसने कहा, "वॉटसन, मुझे खेद है कि आपको एक और प्रयास करना होगा। यह सज्जन भी इस साजिश में शामिल हैं, हालांकि मुझे आज सुबह उनसे मिलने की बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। लेकिन वे हमें कई ऐसी बातें बता सकते हैं जो मैं जानना चाहता हूं।"

कुछ ही देर में वह कमरे में आ गए। श्री जॉन गैरिडेब, वकील, कद में छोटे, लेकिन मजबूत कद के व्यक्ति थे, जिनका चेहरा गोल, साफ़-सुथरा और दाढ़ी-मूंछ रहित था, जैसा कि कई अमेरिकी प्रभावशाली व्यक्तियों में देखा जाता है। उनका चेहरा गोल-मटोल और कुछ हद तक बचकाना सा था, जिससे ऐसा लगता था मानो वे एक युवा व्यक्ति हों जिनके चेहरे पर एक चौड़ी मुस्कान हो। लेकिन उनकी आँखें बेहद आकर्षक थीं। मैंने शायद ही किसी इंसान के सिर में ऐसी आँखें देखी हों जो इतनी गहन अंतर्मुखी भावना को दर्शाती हों; वे इतनी चमकीली, इतनी सजग और हर विचार परिवर्तन के प्रति इतनी संवेदनशील थीं। उनका लहजा अमेरिकी था, लेकिन उनके बोलने में कोई विचित्रता नहीं थी।

“श्रीमान होम्स?” उन्होंने एक से दूसरे की ओर देखते हुए पूछा। “अहा, जी हाँ! आपकी तस्वीरें आपसे काफी मिलती-जुलती हैं, महोदय। मुझे लगता है कि आपको मेरे हमनाम श्री नाथन गैरिडेब का पत्र मिला होगा, है ना?”

“कृपया बैठ जाइए,” शर्लक होम्स ने कहा। “मुझे लगता है कि हमें बहुत कुछ चर्चा करनी है।” उन्होंने अपने कागज़ के पन्ने उठाए। “आप ही तो इस दस्तावेज़ में उल्लिखित श्री जॉन गैरिडेब हैं। लेकिन आप कुछ समय से इंग्लैंड में रहे होंगे, है ना?”

"आप ऐसा क्यों कह रहे हैं, मिस्टर होम्स?" मुझे उनकी भावपूर्ण आँखों में अचानक संदेह दिखाई दिया।

"आपका पूरा पहनावा अंग्रेजी है।"

श्री गैरिडेब ने बनावटी हंसी हंसते हुए कहा, "मैंने आपकी तरकीबों के बारे में पढ़ा है, श्री होम्स, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं उनका निशाना बनूंगा। आपने यह कहां पढ़ा?"

"तुम्हारे कोट का शोल्डर कट, तुम्हारे बूट्स के टो - क्या कोई इस पर शक कर सकता है?"

“वाह वाह! मुझे तो पता ही नहीं था कि मैं इतनी आसानी से ब्रिटिश दिख जाती हूँ। लेकिन कुछ समय पहले काम के सिलसिले में मैं यहाँ आई थी, और जैसा कि आपने कहा, मेरे कपड़े लगभग पूरी तरह से लंदन के हैं। खैर, मुझे लगता है कि आपका समय कीमती है, और हम मेरी मोजों की डिज़ाइन के बारे में बात करने के लिए नहीं मिले हैं। चलिए, उस कागज़ पर बात करते हैं जो आपके हाथ में है?”

होम्स ने किसी न किसी तरह हमारे आगंतुक को नाराज कर दिया था, जिसके गोल-मटोल चेहरे पर अब पहले से कहीं कम सौहार्दपूर्ण भाव आ गए थे।

“धैर्य रखिए! श्री गैरिडेब, धैर्य रखिए!” मेरे मित्र ने शांत स्वर में कहा। “डॉ. वॉटसन आपको बताते कि मेरी ये छोटी-मोटी बातें कभी-कभी अंत में मामले पर असर डालती हैं। लेकिन श्री नाथन गैरिडेब आपके साथ क्यों नहीं आए?”

"उसने तुम्हें इसमें घसीटा ही क्यों?" हमारे आगंतुक ने अचानक गुस्से से भड़कते हुए पूछा। "तुम्हारा इससे क्या लेना-देना था? ये दो सज्जनों के बीच का एक पेशेवर मामला था, और उनमें से एक को जासूस बुलाने की क्या ज़रूरत थी! मैंने उसे आज सुबह देखा था, और उसने मुझे बताया कि उसने मेरे साथ क्या बेवकूफी भरा काम किया है, और इसीलिए मैं यहाँ हूँ। लेकिन मुझे फिर भी बुरा लग रहा है।"

"श्री गैरिडेब, आपके बारे में कोई नकारात्मक धारणा नहीं थी। यह तो बस आपकी मंशा को पूरा करने की उनकी उत्सुकता थी—एक ऐसी मंशा जो, जैसा कि मैं समझता हूं, आप दोनों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। उन्हें पता था कि मेरे पास जानकारी प्राप्त करने के साधन हैं, इसलिए उनका मुझसे संपर्क करना स्वाभाविक था।"

हमारे आगंतुक के गुस्से वाले चेहरे के भाव धीरे-धीरे शांत हो गए।

"खैर, बात कुछ और है," उन्होंने कहा। "जब मैं आज सुबह उनसे मिलने गया और उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने एक जासूस को सूचना दी है, तो मैंने बस आपका पता पूछा और तुरंत आ गया। मैं नहीं चाहता कि पुलिस किसी निजी मामले में दखल दे। लेकिन अगर आप सिर्फ उस आदमी को ढूंढने में हमारी मदद करने के लिए तैयार हैं, तो इसमें कोई बुराई नहीं है।"

"ठीक है, स्थिति यही है," होम्स ने कहा। "और अब, महोदय, चूंकि आप यहां हैं, तो बेहतर होगा कि हम आपसे ही स्पष्ट जानकारी लें। मेरे मित्र को इस मामले की कोई जानकारी नहीं है।"

श्री गैरिडेब ने मुझे बहुत ही unfriendly निगाहों से देखा।

"क्या उसे यह जानना जरूरी है?" उसने पूछा।

हम आमतौर पर साथ काम करते हैं।

खैर, इसे गुप्त रखने का कोई कारण नहीं है। मैं आपको तथ्यों को जितना हो सके संक्षेप में बता देता हूँ। यदि आप कंसास से आए होते तो मुझे आपको यह समझाने की आवश्यकता नहीं होती कि अलेक्जेंडर हैमिल्टन गैरिडेब कौन थे। उन्होंने अचल संपत्ति में और बाद में शिकागो में गेहूं की खानों में धन कमाया, लेकिन उन्होंने इसे इतनी जमीन खरीदने में खर्च कर दिया जो आपके एक काउंटी के बराबर हो, जो फोर्ट डॉज के पश्चिम में, अरकंसास नदी के किनारे स्थित है। यह चरागाह भूमि, लकड़ी की भूमि, कृषि योग्य भूमि और खनिज युक्त भूमि है, और हर तरह की भूमि है जो मालिक को डॉलर कमा कर देती है।

"उसका कोई रिश्तेदार नहीं था—या अगर था भी, तो मुझे कभी पता नहीं चला। लेकिन उसे अपने नाम की विचित्रता पर एक तरह का गर्व था। यही बात हमें एक साथ लाई। मैं टोपेका में कानून का प्रोफेसर था, और एक दिन वह बूढ़ा आदमी मुझसे मिलने आया, और अपने ही नाम के दूसरे आदमी से मिलकर वह बहुत खुश हुआ। यह उसका शौक था, और वह यह पता लगाने के लिए बेताब था कि दुनिया में कोई और गैरिडेब है या नहीं। 'मुझे एक और ढूंढकर दिखाओ!' उसने कहा। मैंने उसे बताया कि मैं व्यस्त आदमी हूँ और गैरिडेब की तलाश में दुनिया भर में घूमते हुए अपना जीवन नहीं बिता सकता। 'फिर भी,' उसने कहा, 'अगर सब कुछ मेरी योजना के अनुसार हुआ, तो तुम यही करोगे।' मुझे लगा कि वह मजाक कर रहा है, लेकिन उसके शब्दों में गहरा अर्थ छिपा था, जैसा कि मुझे जल्द ही पता चला।"

"उनकी मृत्यु इन बातों को कहने के एक वर्ष के भीतर ही हो गई, और वे अपने पीछे एक वसीयत छोड़ गए। यह कंसास राज्य में अब तक दर्ज की गई सबसे विचित्र वसीयत थी। उनकी संपत्ति को तीन भागों में विभाजित किया गया था और मुझे एक भाग इस शर्त पर दिया गया था कि मैं दो गैरिडेब ढूंढूं जो शेष भाग को आपस में बांट लें। प्रत्येक को

पांच मिलियन डॉलर मिलेंगे, लेकिन जब तक हम तीनों एक पंक्ति में खड़े नहीं हो जाते, तब तक हम इस बात का पता नहीं लगा सकते।"

"यह इतना बड़ा मौका था कि मैंने अपनी वकालत को एक तरफ रख दिया और गैरिडेब की तलाश में निकल पड़ा। अमेरिका में तो एक भी गैरिडेब नहीं मिला। मैंने पूरी छानबीन की, महोदय, लेकिन मुझे एक भी गैरिडेब नहीं मिला। फिर मैंने अपने देश में कोशिश की। लंदन की टेलीफोन डायरेक्टरी में उनका नाम मिल गया। दो दिन पहले मैं उनके पास गया और उन्हें सारी बात समझाई। लेकिन वे मेरी ही तरह अकेले हैं, कुछ महिला रिश्तेदार हैं, पर कोई पुरुष नहीं। वसीयत में तीन वयस्क पुरुषों का जिक्र है। तो आप देख सकते हैं कि हमारे पास अभी भी एक पद खाली है, और अगर आप इसे भरने में मदद कर सकते हैं तो हम आपकी फीस देने के लिए तैयार रहेंगे।"

"अच्छा, वॉटसन," होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा, "मैंने कहा था कि यह कुछ हद तक सनकीपन है, है ना? मुझे लगा था, महोदय, कि आपका सबसे आसान तरीका अखबारों के दुख-दर्द वाले कॉलम में विज्ञापन देना होगा।"

"मैंने ऐसा कर दिया है, मिस्टर होम्स। कोई जवाब नहीं आया।"

अरे वाह! ये तो वाकई एक बहुत ही दिलचस्प समस्या है। मैं फुर्सत में इस पर एक नज़र डाल लूँगा। वैसे, ये भी अजीब बात है कि आप टोपेका से आए हैं। मेरे एक पत्र-व्यवहार करने वाले थे - अब उनका निधन हो चुका है - डॉ. लिसेंडर स्टार, जो 1890 में महापौर थे।

"अच्छे पुराने डॉक्टर स्टार!" हमारे आगंतुक ने कहा। "उनका नाम आज भी सम्माननीय है। खैर, श्रीमान होम्स, मुझे लगता है कि हम बस इतना ही कर सकते हैं कि आपको रिपोर्ट दें और आपको प्रगति के बारे में बताएं। मुझे लगता है कि आपको एक-दो दिन में खबर मिल जाएगी।" इस आश्वासन के साथ हमारे अमेरिकी ने झुककर अभिवादन किया और विदा हो गए।

होम्स ने अपनी पाइप जला ली थी और वह कुछ देर तक अपने चेहरे पर एक अजीब सी मुस्कान लिए बैठा रहा।

"तो?" मैंने अंततः पूछा।

मैं सोच रहा हूं, वॉटसन—बस सोच रहा हूँ!

"किस बात पर?"

होम्स ने अपने होठों से पाइप हटाया।

"वॉटसन, मैं सोच रहा था कि आखिर इस आदमी का हमें झूठ का ऐसा पुलिंदा सुनाने का मकसद क्या हो सकता है। मैंने लगभग उससे यही पूछ लिया था—क्योंकि कई बार सीधा हमला करना ही सबसे अच्छा तरीका होता है—लेकिन मैंने उसे यही सोचने देना बेहतर समझा कि उसने हमें बेवकूफ बना दिया है। यह आदमी एक अंग्रेजी कोट पहने है जिसकी कोहनी फटी हुई है और एक साल पहनने से उसकी पैंट घुटनों से ढीली हो गई है, और फिर भी इस दस्तावेज़ और उसके अपने बयान के अनुसार वह एक देहाती अमेरिकी है जो हाल ही में लंदन आया है। अखबारों में उसके बारे में कोई विज्ञापन नहीं छपा है। आप जानते हैं कि मैं वहाँ कुछ भी नहीं छोड़ता। वे मेरे लिए किसी को भी छुपने का सबसे अच्छा ठिकाना हैं, और मैं ऐसे धोखेबाज को कभी नज़रअंदाज़ नहीं करता। मैं टोपेका के डॉ. लिसेंडर स्टार को कभी नहीं जानता था। आप उसे छूकर भी देखें, वह झूठा साबित होगा। मुझे लगता है कि वह वास्तव में एक अमेरिकी है, लेकिन लंदन में रहने के कारण उसका लहजा इतना चिकना हो गया है। तो फिर उसका क्या इरादा है, और गैरिडेब्स की इस बेतुकी खोज के पीछे क्या मकसद है? यह हमारे ध्यान देने योग्य है, क्योंकि..." यह मानते हुए कि वह आदमी बदमाश है,

वह निश्चित रूप से एक जटिल और चतुर बदमाश है। अब हमें यह पता लगाना होगा कि हमारा दूसरा संवाददाता भी धोखेबाज तो नहीं है। बस उसे फोन कर दो, वाटसन।

मैंने ऐसा ही किया, और फोन के दूसरी तरफ से एक पतली, कांपती हुई आवाज सुनाई दी।

जी जी, मैं श्री नाथन गैरिडेब हूँ। क्या श्री होम्स यहाँ हैं? मैं श्री होम्स से बात करना चाहूँगा।

मेरे दोस्त ने वाद्य यंत्र लिया और मैंने हमेशा की तरह लयबद्ध संवाद सुना।

जी हाँ, वो यहाँ आए थे। मुझे पता है कि आप उन्हें नहीं जानते... कितने दिन? ... सिर्फ़ दो दिन! ... जी हाँ, बिल्कुल, ये तो बहुत ही दिलचस्प बात है। क्या आप आज शाम घर पर होंगे? मुझे लगता है कि आपके हमनाम वहाँ नहीं होंगे? ... बहुत अच्छा, तो हम आ जाएंगे, क्योंकि मैं उनसे बात करना ज़्यादा पसंद करूँगी... डा. वाटसन मेरे साथ आएँगे... आपके नोट से मुझे पता चला कि आप ज़्यादा बाहर नहीं जाते... ठीक है, हम लगभग छह बजे तक पहुँच जाएँगे। आपको अमेरिकी वकील को बताने की ज़रूरत नहीं है... बहुत अच्छा। अलविदा!

सुहावनी बसंत की शाम ढल रही थी, और एडगवेयर रोड से निकलने वाली छोटी गलियों में से एक, लिटिल राइडर स्ट्रीट, जो पुराने टाइबर्न ट्री की पत्थर की छाया में स्थित थी, डूबते सूरज की तिरछी किरणों में सुनहरी और मनमोहक लग रही थी। जिस घर की ओर हमें निर्देशित किया गया था, वह एक विशाल, पुराने ज़माने की, प्रारंभिक जॉर्जियाई शैली की इमारत थी, जिसकी सपाट ईंटों की दीवार पर भूतल पर केवल दो गहरी खिड़कियाँ थीं। इसी भूतल पर हमारे मुवक्किल रहते थे, और वास्तव में, ये नीची खिड़कियाँ उस विशाल कमरे का सामने का हिस्सा थीं जिसमें वे अपना सारा समय बिताते थे। होम्स ने गुजरते समय उस छोटी पीतल की प्लेट की ओर इशारा किया जिस पर उनका अनोखा नाम लिखा था।

"कुछ साल पुराना है, वाटसन," उसने उसकी फीकी पड़ी सतह की ओर इशारा करते हुए कहा। "वैसे भी, यही उसका असली नाम है, और यह ध्यान देने योग्य बात है।"

घर में एक साझा सीढ़ी थी, और हॉल में कई नाम लिखे हुए थे, जिनमें से कुछ कार्यालयों और कुछ निजी कमरों को दर्शाते थे। यह आवासीय फ्लैटों का समूह नहीं था, बल्कि बोहेमियन शैली के अविवाहित पुरुषों का निवास स्थान था। हमारे मुवक्किल ने स्वयं हमारे लिए दरवाजा खोला और यह कहकर क्षमा मांगी कि प्रभारी महिला चार बजे चली गई थीं। श्री नाथन गैरिडेब एक बहुत लंबे, लचीले जोड़ों वाले, झुकी हुई पीठ वाले, दुबले-पतले और गंजे व्यक्ति थे, जिनकी उम्र लगभग साठ वर्ष थी। उनका चेहरा मुर्दा जैसा था, और त्वचा ऐसी बेजान थी मानो उन्होंने कभी व्यायाम किया ही न हो। बड़े गोल चश्मे और छोटी उभरी हुई बकरी जैसी दाढ़ी, उनके झुके हुए बैठने के अंदाज़ के साथ मिलकर उन्हें उत्सुकता से झाँकने का भाव देते थे। फिर भी, उनका समग्र प्रभाव मिलनसार था, हालांकि कुछ हद तक सनकी भी।

यह कमरा अपने रहने वाले व्यक्ति की तरह ही अनोखा था। यह एक छोटे संग्रहालय जैसा दिखता था। यह चौड़ा और गहरा दोनों था, चारों ओर अलमारियाँ और कैबिनेट थे, जो भूवैज्ञानिक और शारीरिक नमूनों से भरे हुए थे। प्रवेश द्वार के दोनों ओर तितलियों और पतंगों के डिब्बे रखे थे। बीच में एक बड़ी मेज थी जिस पर तरह-तरह के कचरे बिखरे पड़े थे, और उनके बीच एक शक्तिशाली माइक्रोस्कोप की लंबी पीतल की नली रखी थी। जब मैंने चारों ओर नज़र डाली तो मैं उस व्यक्ति की रुचियों की विविधता देखकर आश्चर्यचकित रह गया। यहाँ प्राचीन सिक्कों का एक डिब्बा था। वहाँ चकमक पत्थर के औजारों का एक कैबिनेट था। उसकी केंद्रीय मेज के पीछे जीवाश्म हड्डियों की एक बड़ी अलमारी थी। ऊपर प्लास्टर की खोपड़ियों की एक पंक्ति थी जिन

पर "नियंडरथल," "हीडलबर्ग," "क्रो-मैग्नन" जैसे नाम छपे थे। यह स्पष्ट था कि वह कई विषयों का अध्ययन करने वाला था। अब जब वह हमारे सामने खड़ा था, तो उसने अपने दाहिने हाथ में चमड़े का एक टुकड़ा पकड़ा हुआ था जिससे वह एक सिक्के को चमका रहा था।

"सिरैक्यूसन - अपने सबसे उत्तम काल के," उन्होंने उसे ऊपर उठाते हुए समझाया। "अंत में इनका पतन बहुत हो गया। अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में मैं इन्हें सर्वोच्च मानता हूँ, हालांकि कुछ लोग अलेक्जेंड्रियन शैली को पसंद करते हैं। श्रीमान होम्स, आपको यहाँ एक कुर्सी मिल जाएगी। कृपया मुझे अपनी हड्डियाँ साफ़ करने दीजिए। और आप, महोदय - आह, जी हाँ, डॉ. वॉटसन - यदि आप कृपा करके जापानी फूलदान को एक तरफ रख दें। आप मेरे आस-पास जीवन में मेरी छोटी-छोटी रुचियाँ देख सकते हैं। मेरे डॉक्टर मुझे बाहर न जाने की सलाह देते हैं, लेकिन जब मेरे पास यहाँ इतना कुछ है जो मुझे बाँधे रखता है, तो मैं बाहर क्यों जाऊँ? मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि उन अलमारियों में से एक की उचित सूची बनाने में मुझे पूरे तीन महीने लग जाएँगे।"

होम्स ने उत्सुकता से चारों ओर देखा।

"लेकिन क्यों तुम मुझसे यह कह रही हो कि तुम कभी बाहर नहीं जाती?" उसने कहा।

"कभी-कभी मैं सोथबीज़ या क्रिस्टीज़ चला जाता हूँ। वरना मैं अपने कमरे से बहुत कम ही बाहर निकलता हूँ। मैं ज़्यादा मज़बूत नहीं हूँ, और मेरी रिसर्च में बहुत समय और ऊर्जा लगती है। लेकिन आप कल्पना कर सकते हैं, श्री होम्स, कि इस अभूतपूर्व सौभाग्य के बारे में सुनकर मुझे कितना बड़ा झटका लगा होगा—खुशी भी और भयानक भी। इस मामले को पूरा करने के लिए बस एक और गैरिडेब की ज़रूरत है, और यकीनन हम उसे ढूंढ लेंगे। मेरा एक भाई था, लेकिन वह मर चुका है, और महिला रिश्तेदार इस मामले में शामिल नहीं हो सकतीं। लेकिन दुनिया में ज़रूर और भी लोग होंगे। मैंने सुना था कि आप अजीबोगरीब मामले सुलझाते हैं, इसीलिए मैंने आपको पत्र भेजा था। बेशक, यह अमेरिकी सज्जन बिल्कुल सही हैं, और मुझे पहले उनकी सलाह माननी चाहिए थी, लेकिन मैंने अपने हित में काम किया।"

"मुझे लगता है कि आपने वाकई बहुत बुद्धिमानी से काम लिया," होम्स ने कहा। "लेकिन क्या आप सचमुच अमेरिका में संपत्ति हासिल करने के लिए उत्सुक हैं?"

"बिल्कुल नहीं, महोदय। कोई भी चीज़ मुझे अपना संग्रह छोड़ने के लिए विवश नहीं कर सकती। लेकिन इस सज्जन ने मुझे आश्वासन दिया है कि जैसे ही हमारा दावा साबित हो जाएगा, वे मेरा हिस्सा खरीद लेंगे। पाँच मिलियन डॉलर की राशि तय की गई थी। इस समय बाज़ार में एक दर्जन नमूने मौजूद हैं जो मेरे संग्रह की कमियों को पूरा करते हैं, और जिन्हें मैं कुछ सौ पाउंड की कमी के कारण खरीद नहीं पा रहा हूँ। ज़रा सोचिए, मैं पाँच मिलियन डॉलर से क्या कर सकता हूँ। अरे वाह, मेरे पास एक राष्ट्रीय संग्रह का आधार होगा। मैं अपने युग का हैंस स्लोएन बन जाऊँगा।"

उनके बड़े चश्मे के पीछे उनकी आँखें चमक रही थीं। यह बिल्कुल स्पष्ट था कि श्री नाथन गैरिडेब अपने नाम के अनुरूप व्यक्ति को खोजने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

"मैं तो बस आपसे परिचय करने आया था, और आपकी पढ़ाई में बाधा डालने का कोई कारण नहीं है," होम्स ने कहा। "मैं उन लोगों से व्यक्तिगत संपर्क रखना पसंद करता हूँ जिनके साथ मैं व्यापार करता हूँ। मुझे ज़्यादा सवाल पूछने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आपकी बात मेरे पास पूरी तरह से स्पष्ट है, और इस अमेरिकी सज्जन के आने पर मैंने बाकी जानकारी दे दी थी। मुझे पता चला है कि इस सप्ताह तक आपको उनके बारे में जानकारी नहीं थी।"

“हाँ, बिल्कुल। उन्होंने पिछले मंगलवार को फोन किया था।”
"क्या उसने आपको आज के हमारे साक्षात्कार के बारे में बताया?"
"हां, वह सीधे मेरे पास वापस आया। वह बहुत गुस्से में था।"
उसे गुस्सा क्यों आना चाहिए?
“ऐसा लग रहा था जैसे उसे लग रहा हो कि इससे उसकी प्रतिष्ठा पर कुछ धब्बा लगा है। लेकिन लौटने पर वह फिर से काफी खुशमिजाज हो गया।”
"क्या उन्होंने कोई कार्ययोजना सुझाई?"
"जी नहीं, महोदय, उन्होंने ऐसा नहीं किया।"
"क्या उसने आपसे कोई पैसा लिया है, या आपसे कोई पैसा मांगा है?"
नहीं, महोदय, कभी नहीं!
"क्या आपको कोई ऐसी वस्तु दिखाई नहीं दे रही है जिसे वह देख रहा हो?"
"उसके द्वारा बताए गए तथ्यों के अलावा और कुछ नहीं।"
"क्या आपने उन्हें हमारी टेलीफोन अपॉइंटमेंट के बारे में बताया था?"
"जी हां, मैंने किया।"
होम्स सोच में डूबा हुआ था। मैं देख सकता था कि वह उलझन में था।
"क्या आपके संग्रह में कोई बहुत मूल्यवान वस्तुएँ हैं?"
"नहीं, महोदय। मैं अमीर आदमी नहीं हूं। यह एक अच्छा संग्रह है, लेकिन बहुत मूल्यवान नहीं है।"
“आपको चोरों का डर नहीं है?”
"बिल्कुल भी नहीं।"
आप इन कमरों में कब से हैं?
लगभग पांच साल।
होम्स की जिरह के दौरान दरवाजे पर ज़ोरदार दस्तक हुई। हमारे मुवक्किल के दरवाज़ा खोलते ही अमेरिकी वकील उत्तेजित होकर कमरे में घुस आया।
“ये लीजिए!” उसने सिर के ऊपर कागज लहराते हुए कहा। “मुझे लगा कि मैं समय पर आपके पास पहुंच जाऊंगा। श्रीमान नाथन गैरिडेब, आपको बहुत-बहुत बधाई! आप अमीर हो गए हैं, महोदय। हमारा काम खुशी-खुशी पूरा हो गया है और सब ठीक है। श्रीमान होम्स, हम बस इतना ही कह सकते हैं कि अगर हमने आपको कोई अनावश्यक परेशानी दी हो तो हमें खेद है।”
उन्होंने वह कागज़ हमारे ग्राहक को सौंप दिया, जो चिह्नित विज्ञापन को घूरता हुआ खड़ा था। होम्स और मैं आगे झुके और उसके कंधे के ऊपर से उसे पढ़ा। विज्ञापन कुछ इस प्रकार था:
हॉवर्ड गैरिडेब
कृषि मशीनरी निर्माता
बाइंडर, रीपर, स्टीम और हैंड प्लो, ड्रिल, हैरो, किसान की गाड़ियाँ, बकबोर्ड और अन्य सभी उपकरण।
आर्टेशियन कुओं के लिए अनुमान
ग्रोसवेनर बिल्डिंग्स, एस्टन में आवेदन करें
“शानदार!” हमारे मेजबान ने हांफते हुए कहा। “यह हमारा तीसरा खिलाड़ी है।”
“मैंने बर्मिंघम में पूछताछ शुरू कर दी थी,” अमेरिकी नागरिक ने कहा, “और मेरे एजेंट ने मुझे एक स्थानीय अखबार का यह विज्ञापन भेजा है। हमें जल्दी से काम निपटाकर इसे आगे बढ़ाना होगा। मैंने इस व्यक्ति को पत्र लिखकर बता दिया है कि आप कल दोपहर चार बजे उनके कार्यालय में उनसे मिलेंगे।”
"क्या आप चाहते हैं कि मैं उससे मिलूं?"

“आप क्या कहते हैं, मिस्टर होम्स? क्या आपको नहीं लगता कि यह ज़्यादा समझदारी भरा कदम होगा? मैं यहां हूं, एक घुमक्कड़ अमेरिकी, जिसके पास एक अद्भुत कहानी है। वह मेरी बातों पर विश्वास क्यों करेगा? लेकिन आप एक ब्रिटिश नागरिक हैं, जिनके पास भरोसेमंद संदर्भ हैं, और वह आपकी बातों पर ज़रूर ध्यान देगा। अगर आप चाहें तो मैं आपके साथ चल सकता हूँ, लेकिन कल मेरा बहुत व्यस्त दिन है, और अगर आपको कोई परेशानी हो तो मैं हमेशा आपके पीछे आ सकता हूं।”

"खैर, मैंने तो सालों से ऐसी यात्रा नहीं की है।"

“कोई बात नहीं, श्री गैरिडेब। मैंने हमारे संपर्कों का पता लगा लिया है। आप बारह बजे निकलें और दो बजे के कुछ देर बाद वहां पहुंच जाएं। फिर आप उसी रात वापस आ सकते हैं। आपको बस इस आदमी से मिलना है, मामला समझाना है और उसके अस्तित्व का हलफनामा लेना है। भगवान की कसम!” उसने गुस्से में कहा, “मैं अमेरिका के मध्य से इतनी दूर आया हूं, तो इस मामले को निपटाने के लिए सौ मील जाना तो कोई बड़ी बात नहीं है।”

“बिल्कुल सही,” होम्स ने कहा। “मुझे लगता है कि इस सज्जन की बात एकदम सच है।”

श्री नाथन गैरिडेब ने निराशा भरे भाव से कंधे उचकाए। उन्होंने कहा, "ठीक है, अगर आप ज़िद करते हैं तो मैं चलूँगा। आपने मेरे जीवन में आशा की जो किरण जगाई है, उसे देखते हुए मेरे लिए आपको मना करना वाकई मुश्किल है।"

"तो फिर इस पर सहमति बन गई है," होम्स ने कहा, "और मुझे कोई संदेह नहीं है कि आप जितनी जल्दी हो सके मुझे एक रिपोर्ट भेज देंगे।"

“मैं इसका ध्यान रखूंगा,” अमेरिकी ने कहा। “ठीक है,” उसने अपनी घड़ी देखते हुए कहा, “मुझे अब जाना होगा। कल फोन करूंगा, श्रीमान नाथन, और आपको बर्मिंघम के लिए विदा करूंगा। क्या आप भी आ रहे हैं, श्रीमान होम्स? अच्छा, तो अलविदा, और हो सकता है कल रात आपके लिए कोई अच्छी खबर हो।”

मैंने देखा कि जब अमेरिकी व्यक्ति कमरे से चला गया तो मेरे दोस्त के चेहरे का भाव बदल गया और विचारशील उलझन का भाव गायब हो गया।

“काश, श्री गैरिडेब, मैं आपके संग्रह को देख पाता,” उन्होंने कहा। “मेरे पेशे में हर तरह का अनोखा ज्ञान काम आता है, और आपका यह कमरा तो उसी का भंडार है।”

हमारे ग्राहक के चेहरे पर खुशी की चमक थी और उनके बड़े चश्मे के पीछे से उनकी आंखें दमक रही थीं।

“मैंने हमेशा सुना है, महोदय, कि आप बहुत बुद्धिमान व्यक्ति हैं,” उसने कहा। “अगर आपके पास समय हो तो मैं अभी आपको घुमा सकता हूँ।”

“दुर्भाग्यवश, मैंने ऐसा नहीं किया है। लेकिन ये नमूने इतने अच्छे से लेबल किए गए हैं और वर्गीकृत किए गए हैं कि इन्हें आपके व्यक्तिगत स्पष्टीकरण की शायद ही आवश्यकता है। अगर मुझे कल देखने का मौका मिले, तो मुझे लगता है कि मेरे द्वारा इन्हें सरसरी तौर पर देखने में कोई आपत्ति नहीं होगी।”

“बिल्कुल नहीं। आपका हार्दिक स्वागत है। वैसे तो जगह बंद रहेगी, लेकिन श्रीमती सॉन्डर्स शाम चार बजे तक तहखाने में रहेंगी और अपनी चाबी से आपको अंदर आने देंगी।”

“खैर, कल दोपहर मैं खाली हूँ। अगर आप श्रीमती सॉन्डर्स से एक बात कह दें तो अच्छा रहेगा। वैसे, आपका घर का एजेंट कौन है?”

हमारे ग्राहक अचानक पूछे गए इस सवाल से आश्चर्यचकित रह गए।

“हॉलोवे और स्टील, एडगवेयर रोड में। लेकिन क्यों?”

"घरों के मामले में मैं खुद भी थोड़ा-बहुत पुरातत्वविद हूं," होम्स ने हंसते हुए कहा। "मैं सोच रहा था कि यह क्वीन ऐनी शैली का है या जॉर्जियन शैली का।"

"निस्संदेह जॉर्जियाई।"

“सचमुच। मुझे थोड़ा पहले सोच लेना चाहिए था। खैर, यह आसानी से पता चल गया। अच्छा, अलविदा, श्री गैरिडेब, और आपकी बर्मिंघम यात्रा मंगलमय हो।”

घर के एजेंट का दफ्तर पास ही था, लेकिन हमने पाया कि वह दिन भर के लिए बंद था, इसलिए हम बेकर स्ट्रीट वापस चले गए। रात के खाने के बाद ही होम्स ने इस विषय पर दोबारा बात की।

उन्होंने कहा, "हमारी छोटी सी समस्या अब समाप्त होने वाली है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपने अपने मन में इसका समाधान ढूंढ लिया होगा।"

मुझे तो कुछ समझ ही नहीं आ रहा।

“सिर तो बिल्कुल साफ है और पूंछ तो हमें कल देखने को मिलेगी। क्या आपको उस विज्ञापन में कुछ भी अजीब नहीं लगा?”

मैंने देखा कि ‘हल’ शब्द की वर्तनी गलत लिखी गई थी।

“ओह, आपने यह देखा ना? आओ, वाटसन, तुम तो दिन-ब-दिन बेहतर होते जा रहे हो। हाँ, अंग्रेज़ी तो खराब थी, लेकिन अमेरिकी भाषा अच्छी थी। प्रिंटर ने इसे जैसा मिला था वैसा ही प्रिंट कर दिया था। फिर बकबोर्ड्स। वो भी अमेरिकी ही हैं। और आर्टेसियन कुएँ तो वहाँ हमसे ज़्यादा आम हैं। ये एक आम अमेरिकी विज्ञापन था, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे किसी अंग्रेज़ी कंपनी का हो। इस बारे में आपकी क्या राय है?”

"मैं तो बस यही अनुमान लगा सकता हूँ कि इस अमेरिकी वकील ने इसे खुद ही डाला होगा। उसका उद्देश्य क्या था, यह मेरी समझ से परे है।"

खैर, इसके और भी कारण हो सकते हैं। फिर भी, वह इस पुराने जीवाश्म को बर्मिंघम ले जाना चाहता था। यह बिल्कुल स्पष्ट है। मैं उसे बता सकता था कि वह सरासर व्यर्थ की खोज में लगा हुआ है, लेकिन बाद में मुझे लगा कि उसे जाने देना ही बेहतर होगा। कल, वाटसन—खैर, कल की बात तो खुद ही पता चल जाएगी।

होम्स सुबह जल्दी उठकर बाहर चले गए। जब वे दोपहर के भोजन के समय लौटे तो मैंने देखा कि उनका चेहरा बहुत गंभीर था।

“वाटसन, यह मामला मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा गंभीर है,” उसने कहा। “यह बात तुम्हें बताना उचित है, हालांकि मुझे पता है कि इससे तुम्हें और भी ज़्यादा खतरा मोल लेने की प्रेरणा मिलेगी। मुझे अब तक अपने वाटसन को अच्छी तरह जान लेना चाहिए था। लेकिन खतरा तो है, और तुम्हें यह समझना चाहिए।”

“खैर, होम्स, यह पहली बार नहीं है जब हम साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि यह आखिरी बार भी नहीं होगा। इस बार खास खतरा क्या है?”

“हम एक बेहद कठिन मामले का सामना कर रहे हैं। मैंने वकील श्री जॉन गैरिडेब की पहचान कर ली है। वह कोई और नहीं बल्कि कुख्यात और खूनी 'किलर' इवांस है।”

मुझे डर है कि मुझे कुछ भी समझ नहीं आया।

“अरे, याददाश्त में न्यूगेट कैलेंडर जैसा कोई चलता-फिरता कैलेंडर रखना आपके पेशे का हिस्सा नहीं है। मैं अपने दोस्त लेस्ट्रेड से मिलने यार्ड गया था। वहां कभी-कभार कल्पनाशीलता की कमी हो सकती है, लेकिन वे पूर्णता और विधि के मामले में दुनिया में सबसे आगे हैं। मुझे लगा कि हम उनके रिकॉर्ड में अपने अमेरिकी दोस्त का पता लगा सकते हैं। और सच में, मुझे बदमाशों की तस्वीरों की गैलरी से उसका गोल-मटोल चेहरा मुस्कुराता हुआ दिखाई दिया। नीचे लिखा था, ‘जेम्स विंटर, उर्फ मोरक्रॉफ्ट, उर्फ किलर इवांस’।” होम्स ने अपनी जेब से एक लिफाफा निकाला। मैंने उसकी फाइल से

कुछ मुख्य बिंदु लिख लिए: उम्र चौवालीस वर्ष। शिकागो का मूल निवासी। अमेरिका में तीन लोगों को गोली मारने का दोषी। राजनीतिक प्रभाव से जेल से भागा। 1893 में लंदन आया। जनवरी 1895 में वाटरलू रोड स्थित एक नाइट क्लब में ताश के झगड़े में एक आदमी को गोली मार दी। आदमी की मौत हो गई, लेकिन झगड़े में वही हमलावर साबित हुआ। मृतक की पहचान रॉजर प्रेस्कॉट के रूप में हुई, जो शिकागो में जाली नोट बनाने और सिक्के गढ़ने के लिए प्रसिद्ध था। हत्यारा इवांस 1901 में रिहा हुआ। तब से पुलिस की निगरानी में है, लेकिन अब तक उसने ईमानदार जीवन व्यतीत किया है। बेहद खतरनाक आदमी, आमतौर पर हथियार रखता है और उनका इस्तेमाल करने के लिए तैयार रहता है। यही है हमारा अपराधी, वॉटसन - एक शातिर अपराधी, जैसा कि आपको मानना ही पड़ेगा।

लेकिन उसका खेल क्या है?

“खैर, अब मामला सुलझने लगा है। मैं मकान मालिक के यहाँ गया था। हमारे मुवक्किल ने हमें बताया कि वह पाँच साल से यहाँ रह रहा है। उससे पहले एक साल तक यह मकान खाली पड़ा था। पिछला किरायेदार वाल्डान नाम का एक भगोड़ा था। दफ्तर में सभी को वाल्डान की शक्ल-सूरत याद थी। वह अचानक गायब हो गया और उसके बाद उसका कोई अता-पता नहीं चला। वह लंबा, दाढ़ी वाला और सांवले रंग का आदमी था। अब, प्रेस्कॉट, जिसे किलर इवांस ने गोली मारी थी, स्कॉटलैंड यार्ड के अनुसार, एक लंबा, सांवला और दाढ़ी वाला आदमी था। एक अनुमान के तौर पर, हम यह मान सकते हैं कि अमेरिकी अपराधी प्रेस्कॉट उसी कमरे में रहता था जिसे अब हमारा निर्दोष दोस्त अपने संग्रहालय में बदल चुका है। तो आखिरकार हमें एक कड़ी मिल ही गई।”

और अगला लिंक?

"अच्छा, अब हमें जाकर उसे ढूंढना चाहिए।"

उसने दराज से एक रिवॉल्वर निकाली और मुझे दे दी।

“मेरा पुराना पसंदीदा मेरे साथ है। अगर हमारा वाइल्ड वेस्ट का दोस्त अपने उपनाम के अनुरूप कुछ करने की कोशिश करता है, तो हमें उसके लिए तैयार रहना होगा। वॉटसन, मैं तुम्हें एक घंटे आराम करने का समय देता हूं, और फिर मुझे लगता है कि राइडर स्ट्रीट के हमारे साहसिक कार्य का समय आ जाएगा।”

जब हम नाथन गैरिडेब के रहस्यमय अपार्टमेंट में पहुंचे, तब ठीक चार बज रहे थे। श्रीमती सॉन्डर्स, जो अपार्टमेंट की देखभाल करती थीं, जाने ही वाली थीं, लेकिन उन्होंने हमें अंदर आने देने में कोई संकोच नहीं किया, क्योंकि दरवाज़ा स्प्रिंग लॉक से बंद हो गया था, और होम्स ने हमारे जाने से पहले सब कुछ सुरक्षित सुनिश्चित करने का वादा किया। थोड़ी देर बाद बाहरी दरवाज़ा बंद हो गया, उनकी टोपी धनुषाकार खिड़की से गुज़री, और हम समझ गए कि हम घर के निचले तल पर अकेले हैं। होम्स ने तेज़ी से पूरे अपार्टमेंट का मुआयना किया। एक अंधेरे कोने में एक अलमारी थी जो दीवार से थोड़ी बाहर निकली हुई थी। हम अंततः उसी के पीछे छिप गए, जबकि होम्स ने फुसफुसाते हुए अपने इरादे बताए।

“वह हमारे मिलनसार मित्र को उसके कमरे से बाहर निकालना चाहता था—यह बिल्कुल स्पष्ट है, और चूंकि कलेक्टर कभी बाहर नहीं जाता था, इसलिए इसके लिए उसे कुछ योजना बनानी पड़ी। गैरिडेब की यह सारी साजिश जाहिर तौर पर किसी और मकसद से नहीं थी। मुझे कहना होगा, वॉटसन, कि इसमें एक खास तरह की शातिर चतुराई है, भले ही किरायेदार के अजीब नाम ने उसे एक ऐसा मौका दे दिया हो जिसकी उसने शायद ही उम्मीद की हो। उसने अपनी साजिश को असाधारण चालाकी से बुना था।”

लेकिन वह क्या चाहता था?

"ख़ैर, हम यही पता लगाने के लिए यहाँ आए हैं। जहाँ तक मैं स्थिति को समझ पा रहा हूँ, इसका हमारे मुवक्किल से कोई लेना-देना नहीं है। यह उस आदमी से जुड़ा है जिसकी उसने हत्या की थी—वह आदमी जो शायद अपराध में उसका साथी रहा हो। कमरे में कोई गुप्त राज़ छिपा है। मुझे तो यही लगता है। पहले तो मुझे लगा कि हमारे दोस्त के संग्रह में शायद कुछ ऐसा हो जो उसकी जानकारी से कहीं अधिक मूल्यवान हो —कुछ ऐसा जो एक बड़े अपराधी का ध्यान आकर्षित कर सके। लेकिन यह तथ्य कि कुख्यात रॉजर प्रेस्कॉट इन कमरों में रहा था, किसी गहरे कारण की ओर इशारा करता है। खैर, वॉटसन, हम बस धैर्य रख सकते हैं और देखते हैं कि आगे क्या होता है।"

वह घड़ी जल्द ही बजने वाली थी। जैसे ही हमने बाहरी दरवाज़ा खुलने और बंद होने की आवाज़ सुनी, हम छाया में और करीब दुबक गए। फिर चाबी की तेज़, धातुई चटकने की आवाज़ आई और अमेरिकी कमरे में आ गया। उसने धीरे से दरवाज़ा बंद किया, चारों ओर एक नज़र डाली यह सुनिश्चित करने के लिए कि सब सुरक्षित है, अपना ओवरकोट उतारा और उस व्यक्ति की तरह तेज़ी से केंद्रीय मेज़ की ओर बढ़ा जिसे पता था कि उसे क्या करना है और कैसे करना है। उसने मेज़ को एक तरफ धकेला, उस पर बिछे कालीन के टुकड़े को फाड़ दिया, उसे पूरी तरह से पीछे की ओर लपेट दिया और फिर अपनी जेब से एक चाकू निकालकर घुटनों के बल बैठ गया और ज़मीन पर ज़ोर-शोर से काम करने लगा। थोड़ी देर में हमें तख्तों के खिसकने की आवाज़ सुनाई दी और एक पल में तख्तों में एक चौकोर छेद हो गया। कातिल इवांस ने माचिस जलाई, मोमबत्ती की एक छोटी सी लौ जलाई और हमारी नज़रों से ओझल हो गया।

स्पष्ट था कि हमारा क्षण आ गया था। होम्स ने संकेत के रूप में मेरी कलाई को छुआ, और हम दोनों चुपके से खुले हुए गुप्त द्वार की ओर बढ़ गए। जैसे ही हम धीरे से आगे बढ़े, पुराने फर्श से हमारे पैरों के नीचे चरमराहट की आवाज़ आई, क्योंकि हमारे अमेरिकी साथी का सिर, जो घबराकर चारों ओर देख रहा था, अचानक खुले स्थान से बाहर निकला। उसका चेहरा गुस्से और घबराहट से भरा हुआ हमारी ओर मुड़ा, जो धीरे-धीरे शर्मिंदगी भरी मुस्कान में बदल गया जब उसे एहसास हुआ कि दो पिस्तौलें उसके सिर पर तनी हुई हैं।

"वाह वाह!" उसने शांत भाव से कहा और सतह पर आ गया। "लगता है आप मुझसे ज़्यादा ही नशे में थे, मिस्टर होम्स। लगता है आपने मेरा खेल समझ लिया और शुरू से ही मुझे बेवकूफ़ बना दिया। खैर, महोदय, मैं आपको यह स्वीकार करता हूँ; आपने मुझे हरा दिया और—"

पलक झपकते ही उसने अपनी छाती से रिवाल्वर निकाली और दो गोलियां चला दीं। मुझे अचानक तेज जलन महसूस हुई, मानो किसी ने मेरी जांघ पर गर्म लोहे से दबाव डाला हो। होम्स की पिस्तौल उस आदमी के सिर पर गिरी और ज़ोरदार धमाका हुआ। मुझे ऐसा लगा जैसे वह आदमी खून से लथपथ ज़मीन पर पड़ा हो और होम्स उसके शरीर से हथियार निकाल रहा हो। तभी मेरे दोस्त की मजबूत बांहें मेरे चारों ओर लिपट गईं और वह मुझे कुर्सी की ओर ले जाने लगा।

"वॉटसन, तुम्हें चोट तो नहीं लगी? भगवान के लिए, कह दो कि तुम्हें चोट नहीं लगी है!"

उस कठोर मुखौटे के पीछे छिपी वफ़ादारी और प्रेम की गहराई को जानने के लिए एक ज़ख्म सहना पड़ा—बल्कि कई ज़ख्म सहने पड़े। उसकी निर्मल, कठोर आँखें एक पल के लिए धुंधली पड़ गईं और उसके दृढ़ होंठ कांपने लगे। केवल एक बार मुझे एक महान हृदय और एक महान बुद्धि की झलक मिली। वर्षों की मेरी विनम्र लेकिन एकनिष्ठ सेवा उस रहस्योद्घाटन के क्षण में परिणत हुई।

"कुछ नहीं है, होम्स। बस एक मामूली खरोंच है।"

उसने अपनी जेब में रखे चाकू से मेरी पतलून फाड़ दी थी।

“तुम सही कह रहे हो,” उसने राहत की एक गहरी साँस लेते हुए कहा। “यह तो बिल्कुल मामूली बात है।” उसका चेहरा पत्थर की तरह सख्त हो गया और उसने हमारे कैदी को घूरकर देखा, जो हैरान-परेशान सा बैठा था। “भगवान की कसम, तुम्हारे लिए अच्छा ही हुआ। अगर तुमने वॉटसन को मार डाला होता, तो तुम इस कमरे से ज़िंदा नहीं निकल पाते। अब, साहब, आपको अपने बचाव में क्या कहना है?”

उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं था। वह बस बैठा रहा और तेवर चढ़ाए रहा। मैंने होम्स का हाथ थाम लिया और हम दोनों ने मिलकर उस छोटे तहखाने में झाँका जो गुप्त दरवाज़े से दिखाई दे रहा था। वह अभी भी उस मोमबत्ती की रोशनी से जगमगा रहा था जिसे इवांस अपने साथ नीचे ले गया था। हमारी नज़र जंग लगी मशीनों के ढेर, कागज़ के बड़े-बड़े रोल, बोतलों के ढेर और एक छोटी मेज़ पर करीने से सजे कुछ छोटे-छोटे बंडलों पर पड़ी।

"एक प्रिंटिंग प्रेस - नकली नोट बनाने वालों का अड्डा," होम्स ने कहा।

“जी जनाब,” हमारे कैदी ने लड़खड़ाते हुए धीरे-धीरे खड़े होते हुए और फिर कुर्सी पर बैठते हुए कहा। “लंदन का सबसे बड़ा जाली नोट बनाने वाला। ये प्रेस्कॉट की मशीन है, और मेज पर रखे ये बंडल प्रेस्कॉट के दो हज़ार नोट हैं, जिनमें से प्रत्येक की कीमत सौ रुपये है और ये कहीं भी चल सकते हैं। आप लोग इन्हें ले लीजिए। इसे सौदा मान लीजिए और मुझे जाने दीजिए।”

होम्स हँस पड़ा।

“हम ऐसा नहीं करते, मिस्टर इवांस। इस देश में आपके लिए छिपने की कोई जगह नहीं है। आपने ही प्रेस्कॉट को गोली मारी थी, है ना?”

जी हाँ, महोदय, और इसके लिए मुझे पाँच साल की सज़ा मिली, हालाँकि मुझे उसी ने फंसाया था। पाँच साल — जबकि मुझे तो सूप की थाली जितना बड़ा मेडल मिलना चाहिए था। कोई भी जीवित व्यक्ति प्रेस्कॉट और बैंक ऑफ इंग्लैंड में फर्क नहीं बता सकता, और अगर मैंने उसे बाहर न निकाला होता तो वह लंदन को उनसे भर देता। मैं दुनिया में अकेला था जो जानता था कि वह उन्हें कहाँ बनाता है। क्या आपको आश्चर्य होता है कि मैं उस जगह पर जाना चाहता था? और क्या आपको आश्चर्य होता है कि जब मैंने उस अजीब नाम वाले पागल कीड़े-मकोड़े पकड़ने वाले को ठीक उसके ऊपर बैठा हुआ पाया, और वह कभी अपने कमरे से बाहर नहीं निकलता था, तो मुझे उसे वहाँ से हटाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करनी पड़ी? शायद अगर मैंने उसे जेल में डाल दिया होता तो मैं ज़्यादा समझदार होता। यह काफी आसान होता, लेकिन मैं एक नरम दिल इंसान हूँ जो तब तक गोली नहीं चला सकता जब तक दूसरे आदमी के पास भी बंदूक न हो। लेकिन कहिए, श्रीमान होम्स, मैंने आखिर क्या गलत किया है? मैंने इस पौधे का इस्तेमाल नहीं किया है। मैंने इस बूढ़े को चोट नहीं पहुँचाई है। आप मुझे कहाँ फंसाते हैं?

“जहां तक मुझे पता है, यह सिर्फ हत्या का प्रयास है,” होम्स ने कहा। “लेकिन यह हमारा काम नहीं है। वे अगले चरण में इस पर कार्रवाई करेंगे। फिलहाल हमें सिर्फ आपकी जरूरत है। कृपया पुलिस स्टेशन को फोन कर दीजिए, वॉटसन। यह पूरी तरह से अप्रत्याशित नहीं होगा।”

तो ये थे किलर इवांस और उसके तीन गैरिडेब नोटों के अद्भुत आविष्कार के बारे में तथ्य। बाद में हमें पता चला कि हमारे बेचारे पुराने दोस्त अपने टूटे सपनों के सदमे से कभी उबर नहीं पाए। जब उनका हवाई महल ढह गया, तो वे उसके मलबे में दब गए। आखिरी बार उनके बारे में ब्रिक्सटन के एक नर्सिंग होम में सुना गया था। यार्ड में उस

दिन बड़ी खुशी हुई जब प्रेस्कॉट का जाल मिला, क्योंकि हालांकि उन्हें पता था कि यह जाल मौजूद है, लेकिन उस आदमी की मौत के बाद वे कभी पता नहीं लगा पाए थे कि यह कहां है। इवांस ने सचमुच बहुत बड़ा काम किया था और कई काबिल सी.आई.डी. अधिकारियों को चैन की नींद सोने दी थी, क्योंकि जालसाज जनता के लिए एक अलग ही खतरा है। वे उस पुरस्कार के लिए खुशी-खुशी तैयार थे जिसके बारे में अपराधी ने बात की थी, लेकिन एक निर्दयी न्यायाधीश ने कम अनुकूल रुख अपनाया, और किलर उसी अंधेरे में लौट गया जहां से वह अभी-अभी निकला था।

थोर पुल की समस्या

चारिंग क्रॉस स्थित कॉक्स एंड कंपनी बैंक के तहखानों में कहीं एक पुराना, जर्जर टिन का डिब्बा पड़ा है, जिसके ढक्कन पर मेरा नाम, जॉन एच. वॉटसन, एम.डी., पूर्व भारतीय सेना अधिकारी, लिखा है। यह कागजों से भरा पड़ा है, जिनमें से लगभग सभी उन मामलों के रिकार्ड हैं जो श्री शर्लक होम्स द्वारा समय-समय पर सुलझाई गई विचित्र समस्याओं को दर्शाते हैं। इनमें से कुछ मामले, जो काफी दिलचस्प हैं, पूरी तरह असफल रहे और इसलिए उनका वर्णन करना शायद ही उचित होगा, क्योंकि उनका कोई अंतिम समाधान नहीं मिल पाया है। बिना हल वाली समस्या किसी छात्र को तो रुचिकर लग सकती है, लेकिन आम पाठक को निश्चित रूप से परेशान करेगी। इन अधूरी कहानियों में से एक कहानी श्री जेम्स फिलिमोर की है, जो अपना छाता लेने के लिए अपने घर में वापस गए और फिर कभी इस दुनिया में नहीं देखे गए। इसी तरह एक उल्लेखनीय कहानी है एलिसिया नामक नाव की, जो एक बसंत की सुबह कोहरे के एक छोटे से क्षेत्र में चली गई, जहां से वह फिर कभी नहीं निकली, और न ही उसके और उसके दल के बारे में कभी कुछ पता चला। एक तीसरा उल्लेखनीय मामला इसाडोरा पर्सानो का है, जो एक प्रसिद्ध पत्रकार और द्वंद्वयुद्ध करने वाली थीं। उन्हें एक माचिस की डिब्बी के सामने पूरी तरह पागल अवस्था में पाया गया, जिसमें एक ऐसा अद्भुत कीड़ा था, जिसके बारे में कहा जाता है कि विज्ञान को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। इन अनसुलझे मामलों के अलावा, कुछ ऐसे मामले भी हैं जिनमें निजी परिवारों के रहस्य इस हद तक शामिल हैं कि अगर यह सोचा भी जाए कि वे छप सकते हैं, तो कई प्रतिष्ठित हलकों में खलबली मच जाएगी। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि इस तरह के विश्वासघात की कल्पना भी नहीं की जा सकती, और अब जब मेरे मित्र के पास इस मामले पर ध्यान देने का समय है, तो इन अभिलेखों को अलग करके नष्ट कर दिया जाएगा। अभी भी काफी ऐसे मामले बचे हैं, जो कम या ज्यादा दिलचस्प हैं, जिन्हें मैं पहले संपादित कर सकता था, अगर मुझे जनता को अत्यधिक जानकारी देने का डर न होता, जिससे उस व्यक्ति की प्रतिष्ठा पर असर पड़ सकता था, जिसका मैं सबसे अधिक सम्मान करता हूं। कुछ मामलों में मैं स्वयं शामिल था और एक प्रत्यक्षदर्शी के रूप में बता सकता हूं, जबकि अन्य में या तो मैं उपस्थित नहीं था या मेरी भूमिका इतनी छोटी थी कि उन्हें केवल किसी तीसरे व्यक्ति के माध्यम से ही बताया जा सकता है। निम्नलिखित विवरण मेरे अपने अनुभव पर आधारित है।

अक्टूबर की एक तूफानी सुबह थी, और कपड़े पहनते समय मैंने देखा कि हमारे घर के पीछे के आंगन में खड़े इकलौते चिनार के पेड़ से आखिरी बचे पत्ते भी उड़ रहे थे। मैं नाश्ते के लिए नीचे उतरा, यह सोचकर कि मेरा साथी उदास होगा, क्योंकि सभी महान कलाकारों की तरह, वह भी अपने आसपास के माहौल से आसानी से प्रभावित हो जाता था। इसके विपरीत, मैंने पाया कि उसने अपना भोजन लगभग समाप्त कर लिया था, और उसका मूड विशेष रूप से उज्ज्वल और आनंदमय था, साथ ही उसमें वह थोड़ी रहस्यमयी खुशी भी थी जो उसके हल्के-फुल्के पलों की विशेषता थी।

“क्या आपके पास कोई मामला है, होम्स?” मैंने टिप्पणी की।

“वॉटसन, तर्क करने की क्षमता वाकई संक्रामक होती है,” उन्होंने उत्तर दिया। “इसी की बदौलत तुम मेरे रहस्य को जान पाए हो। हाँ, मेरे पास सबूत है। एक महीने की तुच्छ बातों और गतिरोध के बाद अब फिर से काम शुरू हो गया है।”

"क्या मैं इसे साझा कर सकता हूं?"

“बताने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं है, लेकिन जब आप हमारे नए रसोइए द्वारा परोसे गए दो उबले अंडे खा लेंगे, तब हम इस पर चर्चा कर सकते हैं। हो सकता है कि उनकी हालत का संबंध कल हॉल की मेज़ पर रखी 'फैमिली हेराल्ड' की प्रति से हो। अंडा पकाने जैसी मामूली बात में भी समय के बीतने का ध्यान रखना पड़ता है, जो उस उत्कृष्ट पत्रिका में छपे प्रेम प्रसंग से मेल नहीं खाता।”

पंद्रह मिनट बाद मेज साफ हो चुकी थी और हम आमने-सामने थे। उसने अपनी जेब से एक पत्र निकाला।

“आपने नील गिब्सन, गोल्ड किंग के बारे में सुना है?” उन्होंने कहा।

"आपका मतलब अमेरिकी सीनेटर से है?"

"खैर, वह कभी किसी पश्चिमी राज्य के सीनेटर थे, लेकिन उन्हें दुनिया के सबसे बड़े स्वर्ण-खनन उद्योगपति के रूप में बेहतर जाना जाता है।"

“हां, मैं उन्हें जानता हूं। वे निश्चित रूप से कुछ समय से इंग्लैंड में रह रहे हैं। उनका नाम मुझे बहुत जाना-पहचाना लगता है।”

“जी हां, उन्होंने लगभग पांच साल पहले हैम्पशायर में एक बड़ी संपत्ति खरीदी थी। शायद आपने उनकी पत्नी के दुखद अंत के बारे में पहले ही सुन लिया होगा?”

“बिल्कुल। मुझे अब याद आ गया। इसीलिए यह नाम जाना-पहचाना लग रहा है। लेकिन मुझे इसके बारे में ज़्यादा कुछ नहीं पता।”

होम्स ने कुर्सी पर रखे कुछ कागजों की ओर इशारा करते हुए कहा, “मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि यह मामला मेरे हाथ में आएगा, वरना मैं अपने दस्तावेज तैयार रखता। असल बात यह है कि यह मामला, हालांकि बेहद सनसनीखेज था, लेकिन इसमें कोई मुश्किल नहीं दिखी। आरोपी का दिलचस्प व्यक्तित्व सबूतों की स्पष्टता को धूमिल नहीं करता। यही राय कोरोनर की जूरी और पुलिस अदालत की कार्यवाही में भी बनी थी। अब यह मामला विनचेस्टर की अदालत में भेजा गया है। मुझे डर है कि यह एक निराशाजनक काम है। मैं तथ्यों का पता लगा सकता हूं, वॉटसन, लेकिन उन्हें बदल नहीं सकता। जब तक कुछ बिल्कुल नए और अप्रत्याशित तथ्य सामने नहीं आते, मुझे नहीं लगता कि मेरे मुवक्किल को कोई उम्मीद हो सकती है।”

“आपका ग्राहक?”

“अरे, मैं भूल ही गया था कि मैंने तुम्हें बताया नहीं था। वॉटसन, मुझे तुम्हारी कहानी को उल्टे क्रम में सुनाने की आदत पड़ रही है। बेहतर होगा कि तुम इसे पहले पढ़ लो।”

उन्होंने मुझे जो पत्र सौंपा, वह स्पष्ट और उत्कृष्ट लिखावट में लिखा गया था, और उसमें निम्नलिखित बातें लिखी थीं:

क्लेरिज होटल, 3 अक्टूबर।

प्रिय श्री शर्लक होम्स:

मैं ईश्वर की बनाई सबसे श्रेष्ठ स्त्री को बिना उसकी जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए मृत्यु के मुंह में जाते हुए नहीं देख सकता। मैं बातें समझा नहीं सकता—मैं उन्हें समझाने की कोशिश भी नहीं कर सकता, लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मिस डनबर निर्दोष हैं। आप तथ्य जानते हैं—कौन नहीं जानता? यह पूरे देश में चर्चा का विषय रहा है। और उनके लिए कभी किसी ने आवाज़ नहीं उठाई! इस घोर अन्याय ने मुझे पागल कर दिया है। उस स्त्री का हृदय इतना कठोर है कि वह एक मक्खी को भी

नहीं मार सकती। खैर, मैं कल ग्यारह बजे आऊंगा और देखूंगा कि क्या आपको अंधेरे में कोई उम्मीद की किरण मिल सकती है। शायद मेरे पास कोई सुराग हो और मुझे पता न हो। खैर, मेरा सारा ज्ञान, मेरा सारा अस्तित्व और मेरा सब कुछ आपके लिए है, बस आप उसे बचा लें। अगर आपने अपने जीवन में कभी अपनी शक्ति दिखाई है, तो उसे अब इस मामले में इस्तेमाल करें।

आपका विश्वासी,

जे. नील गिब्सन।

"लो, हो गया," शर्लक होम्स ने नाश्ते के बाद पी गई अपनी पाइप की राख झाड़ते हुए और धीरे-धीरे उसे फिर से भरते हुए कहा। “मैं इसी सज्जन का इंतज़ार कर रहा था। जहाँ तक कहानी की बात है, आपके पास इन सभी काग़ज़ात को पढ़ने का समय नहीं है, इसलिए अगर आप कार्यवाही में रुचि लेना चाहते हैं, तो मुझे इसे संक्षेप में बताना होगा। यह व्यक्ति दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय शक्ति है, और जैसा कि मुझे पता चला है, वह बेहद हिंसक और क्रूर स्वभाव का है। उसने एक पत्नी से शादी की, जो इस त्रासदी की शिकार है, जिसके बारे में मुझे बस इतना पता है कि वह अपनी जवानी के आखिरी पड़ाव पर थी, जो और भी दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि एक बेहद आकर्षक गवर्नेस दो छोटे बच्चों की शिक्षा की देखरेख करती थी। ये तीन लोग संबंधित हैं, और घटना स्थल एक भव्य पुराना हवेलीनुमा घर है, जो एक ऐतिहासिक अंग्रेजी राज्य का केंद्र है। फिर त्रासदी की बात करते हैं। पत्नी घर से लगभग आधा मील दूर, देर रात को अपने डिनर ड्रेस में, कंधों पर शॉल ओढ़े और दिमाग में रिवॉल्वर की गोली लगी हुई हालत में मिली। उसके पास कोई हथियार नहीं मिला और हत्या के बारे में कोई स्थानीय सुराग नहीं था। उसके पास कोई हथियार नहीं मिला, वॉटसन - ध्यान दें! ऐसा लगता है कि अपराध देर शाम को हुआ था, और शव एक गेमकीपर को मिला था। लगभग ग्यारह बजे, पुलिस और एक डॉक्टर ने इसकी जांच की और फिर इसे घर ले जाया गया। क्या यह बहुत संक्षिप्त विवरण है, या आप इसे स्पष्ट रूप से समझ सकते हैं?

“सब कुछ बिल्कुल स्पष्ट है। लेकिन फिर भी गवर्नेस पर शक क्यों?”

“खैर, सबसे पहले तो कुछ सीधे-सादे सबूत हैं। एक खाली कारतूस वाली रिवॉल्वर, जिसका कैलिबर गोली से मेल खाता था, उसकी अलमारी के फर्श पर मिली।” उसकी आँखें एकटक टिकी रहीं और उसने टूटे-फूटे शब्दों में दोहराया, “उसकी अलमारी के फर्श पर।” फिर वह चुप हो गया, और मैंने देखा कि उसके मन में कुछ विचार चल रहे थे जिन्हें रोकना मूर्खता होगी। अचानक चौंककर वह फिर से जोश में आ गया। “हाँ, वॉटसन, वह मिल गई थी। काफी गंभीर सबूत है, है ना? दोनों जूरी ने भी यही सोचा था। फिर मृत महिला के पास एक नोट मिला जिसमें उसी जगह पर मिलने का समय लिखा था और उस पर गवर्नेस के हस्ताक्षर थे। कैसा लगा? अंत में, मकसद भी है। सीनेटर गिब्सन एक आकर्षक व्यक्ति हैं। अगर उनकी पत्नी की मृत्यु हो जाती है, तो उनकी जगह लेने के लिए उस युवती से बेहतर कौन हो सकता है जिसे पहले से ही उसके मालिक से काफ़ी ध्यान मिल रहा था? प्यार, दौलत, सत्ता, सब कुछ एक अधेड़ उम्र के जीवन पर निर्भर है। बदसूरत, वॉटसन - बहुत बदसूरत!”

"जी हां, बिल्कुल, होम्स।"

“न ही वह अपनी बेगुनाही साबित कर सकी। इसके विपरीत, उसे यह स्वीकार करना पड़ा कि वह उस समय के आसपास थोर ब्रिज के पास थी—जो त्रासदी का स्थल था। वह इससे इनकार नहीं कर सकती थी, क्योंकि वहां से गुजर रहे किसी ग्रामीण ने उसे वहां देखा था।”

"यह वाकई अंतिम प्रतीत होता है।"

“और फिर भी, वॉटसन—और फिर भी! यह पुल—पत्थर का एक चौड़ा तख़्ता, जिसके किनारों पर रेलिंग लगी है—एक लंबी, गहरी, सरकंडों से घिरी जलधारा के सबसे संकरे हिस्से के ऊपर से सड़क को ले जाता है। इसे थोर मेरे कहा जाता है। पुल के मुहाने पर मृत महिला पड़ी थी। ये मुख्य तथ्य हैं। लेकिन यहाँ, अगर मैं गलत नहीं हूं, तो हमारे मुवक्किल अपने समय से काफ़ी आगे हैं।”

बिली ने दरवाजा खोला, लेकिन उसने जो नाम बताया वह अप्रत्याशित था। श्री मार्लो बेट्स हम दोनों के लिए अजनबी थे। वह दुबले-पतले, घबराए हुए, डरी हुई आँखों वाले और कांपते हुए, झिझकते हुए चलने वाले व्यक्ति थे - एक ऐसे व्यक्ति जिन्हें देखकर मेरी पेशेवर दृष्टि से ऐसा लगता था कि वे पूरी तरह से मानसिक रूप से टूट चुके हैं।

“आप परेशान लग रहे हैं, श्रीमान बेट्स,” होम्स ने कहा। “कृपया बैठ जाइए। मुझे खेद है कि मैं आपको केवल थोड़े समय के लिए ही समय दे सकता हूँ, क्योंकि मुझे ग्यारह बजे एक अपाइंटमेंट है।”

“मुझे पता है आप जानते हैं,” हमारे आगंतुक हांफते हुए, हांफते हुए बोले, मानो उनकी सांस फूल रही हो। “श्री गिब्सन आ रहे हैं। श्री गिब्सन मेरे मालिक हैं। मैं उनकी संपत्ति का प्रबंधक हूं। श्री होम्स, वह एक दुष्ट हैं—एक घिनौने दुष्ट।”

"आपने आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया है, श्री बेट्स।"

“मुझे स्पष्ट कहना होगा, श्री होम्स, क्योंकि समय बहुत कम है। मैं किसी भी कीमत पर नहीं चाहता कि वह मुझे यहाँ पाएँ। उनका आने का समय लगभग हो चुका है। लेकिन मेरी परिस्थिति ऐसी थी कि मैं पहले नहीं आ सका। उनके सचिव, श्री फर्ग्यूसन ने मुझे आज सुबह ही आपके साथ उनकी मुलाकात के बारे में बताया।”

“और आप उनके मैनेजर हैं?”

मैंने उसे चेतावनी दे दी है। दो हफ़्तों में मैं उसकी इस घिनौनी गुलामी से छुटकारा दिला दूंगा। श्री होम्स एक कठोर व्यक्ति हैं, अपने आस-पास के सभी लोगों के प्रति कठोर। वे सार्वजनिक दान-पुण्य तो बस उनके निजी कुकर्मों को छुपाने का एक बहाना हैं। लेकिन उनकी पत्नी उनकी सबसे बड़ी शिकार थीं। वह उसके साथ क्रूरता से पेश आते थे—जी हाँ, बिल्कुल क्रूरता से! उसकी मृत्यु कैसे हुई, यह मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे यकीन है कि उन्होंने उसका जीवन नरक बना दिया था। वह उष्णकटिबंधीय क्षेत्र की रहने वाली थीं, जन्म से ब्राज़ीलियाई थीं, जैसा कि आप जानते ही होंगे।

नहीं, यह बात मेरे ध्यान से निकल गई थी।

“जन्म से भी उष्णकटिबंधीय और स्वभाव से भी उष्णकटिबंधीय। सूर्य और जुनून की संतान। उसने उससे वैसे ही प्रेम किया जैसे स्त्रियाँ कर सकती हैं, लेकिन जब उसका अपना शारीरिक आकर्षण फीका पड़ गया—मुझे बताया गया है कि वह कभी बहुत बड़ा था—तो उसे रोकने के लिए कुछ भी नहीं बचा था। हम सब उसे पसंद करते थे, उसके लिए सहानुभूति रखते थे और उसके बुरे बर्ताव के कारण उससे नफरत करते थे। लेकिन वह समझदार और चालाक है। बस इतना ही कहना है। उसे ऊपरी तौर पर मत समझो। उसके पीछे और भी बहुत कुछ है। अब मैं जाती हूँ। नहीं, नहीं, मुझे मत रोको! उसका समय लगभग हो गया है।”

घड़ी की ओर भयभीत निगाहों से देखते हुए हमारा अजनबी आगंतुक सचमुच दरवाजे की ओर भागा और गायब हो गया।

“वाह! वाह!” कुछ देर की चुप्पी के बाद होम्स ने कहा। “लगता है श्री गिब्सन के घरवाले बहुत अच्छे और वफादार हैं। लेकिन यह चेतावनी काम की है, और अब हमें बस उनके खुद आने का इंतजार करना होगा।”

ठीक समय पर हमें सीढ़ियों पर भारी कदमों की आहट सुनाई दी और उस मशहूर करोड़पति को कमरे में लाया गया। उन्हें देखते ही मैं न केवल उनके मैनेजर के डर

और नापसंदगी को समझ पाया, बल्कि उन तमाम व्यापारिक प्रतिद्वंद्वियों की निंदा को भी समझ पाया, जिन्होंने उन पर धब्बा लगाया था। अगर मैं एक मूर्तिकार होता और एक सफल कारोबारी, लोहे के हौसले और कठोर अंतरात्मा वाले व्यक्ति की आदर्श छवि बनाना चाहता, तो मैं श्री नील गिब्सन को अपना आदर्श चुनता। उनका लंबा, दुबला-पतला, खुरदुरा शरीर भूख और लालच का आभास देता था। अगर अब्राहम लिंकन को ऊंचे पदों के बजाय निचले पदों पर काम करते हुए देखा जाए, तो उस व्यक्ति का कुछ अंदाज़ा लग जाएगा। उनका चेहरा मानो ग्रेनाइट में तराशा गया हो, कठोर, खुरदुरा, निर्दयी, गहरी रेखाओं से भरा हुआ, जो कई संकटों के निशान थे। उनकी ठंडी, धूसर आंखें, घनी भौंहों के नीचे से चतुराई से झांकती हुई, बारी-बारी से हम सभी को देख रही थीं। जब होम्स ने मेरा नाम लिया तो उसने औपचारिक ढंग से झुककर अभिवादन किया, और फिर एक प्रभावशाली अधिकार भाव के साथ उसने मेरे साथी के पास एक कुर्सी खींची और खुद को इस तरह बैठाया कि उसके पतले घुटने लगभग उससे छू रहे थे।

“मिस्टर होम्स,” उन्होंने कहना शुरू किया, “मैं यहीं स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि इस मामले में पैसा मेरे लिए कुछ भी मायने नहीं रखता। अगर सच्चाई तक पहुंचने में इससे कोई मदद मिलती है, तो आप इसे जला सकते हैं। यह महिला निर्दोष है और इसे बेगुनाह साबित करना होगा, और यह आप पर निर्भर है। आप जो भी रकम चाहें बताएं!”

होम्स ने ठंडे स्वर में कहा, "मेरी पेशेवर फीस एक निश्चित पैमाने पर है। मैं इसमें कोई बदलाव नहीं करता, सिवाय तब जब मैं इसे पूरी तरह से माफ कर देता हूं।"

"खैर, अगर पैसों से आपको कोई फर्क नहीं पड़ता, तो अपनी प्रतिष्ठा के बारे में सोचिए। अगर आप इसमें सफल हो जाते हैं, तो इंग्लैंड और अमेरिका के हर अखबार में आपकी खूब तारीफ होगी। आप दो महाद्वीपों में चर्चा का विषय बन जाएंगे।"

“धन्यवाद, श्री गिब्सन, मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी प्रचार की आवश्यकता है। आपको यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि मैं गुमनाम रहकर काम करना पसंद करता हूं, और समस्या ही मुझे आकर्षित करती है। लेकिन हम समय बर्बाद कर रहे हैं। चलिए, सीधे मुद्दे पर आते हैं।”

मुझे लगता है कि आपको सभी मुख्य बातें प्रेस रिपोर्टों में मिल जाएंगी। मुझे नहीं पता कि मैं इसमें कुछ ऐसा जोड़ सकता हूँ जिससे आपको मदद मिले। लेकिन अगर ऐसा कुछ है जिस पर आप और अधिक जानकारी चाहते हैं, तो मैं यहाँ वह देने के लिए मौजूद हूं।

"खैर, बस एक ही बात है।"

"यह क्या है?"

"आपके और मिस डनबार के बीच वास्तव में क्या संबंध थे?"

स्वर्ण राजा अचानक चौंक गया और अपनी कुर्सी से आधा उठ खड़ा हुआ। फिर उसकी विशाल शांति वापस लौट आई।

"मुझे लगता है कि ऐसा प्रश्न पूछना आपके अधिकार क्षेत्र में है - और शायद आप अपना कर्तव्य भी निभा रहे हैं - श्री होम्स।"

"हम ऐसा मानकर चलेंगे," होम्स ने कहा।

"तो मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हमारे संबंध पूरी तरह से और हमेशा एक नियोक्ता के उस युवती के प्रति थे जिससे उसने कभी बात नहीं की थी, और न ही कभी देखा था, सिवाय तब जब वह उसके बच्चों के साथ होती थी।"

होम्स अपनी कुर्सी से उठ खड़े हुए।

"मैं काफी व्यस्त व्यक्ति हूँ, श्री गिब्सन," उन्होंने कहा, "और मेरे पास निरर्थक बातचीत के लिए समय या रुचि नहीं है। आपको सुप्रभात।"

हमारा आगंतुक भी उठ खड़ा हुआ था, और उसका विशाल, ढीला-ढाला शरीर होम्स के ऊपर एक विशालकाय आकृति की तरह दिखाई दे रहा था। उसकी घनी भौंहों के नीचे से क्रोध की चमक झलक रही थी और पीले गालों पर हल्की सी लाली थी।

"मिस्टर होम्स, आपका इससे क्या मतलब है? क्या आप मेरा केस खारिज कर रहे हैं?"

"खैर, श्री गिब्सन, कम से कम मैं आपको जाने की अनुमति देता हूँ। मुझे लगा था कि मेरे शब्द स्पष्ट थे।"

"बात तो सीधी है, लेकिन इसके पीछे असली वजह क्या है? क्या वे मुझ पर कीमत बढ़ा रहे हैं, या इससे निपटने से डर रहे हैं, या कुछ और? मुझे एक स्पष्ट जवाब पाने का अधिकार है।"

"खैर, शायद आपने ऐसा किया हो," होम्स ने कहा। "मैं आपको एक मौका देता हूँ। यह मामला वैसे भी काफी जटिल है, इसमें झूठी जानकारी की जटिलता जोड़ने की कोई जरूरत नहीं है।"

"मतलब कि मैं झूठ बोलता हूँ।"

"ठीक है, मैं इसे यथासंभव शालीनता से व्यक्त करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन यदि आप उस शब्द पर जोर देते हैं तो मैं आपका विरोध नहीं करूंगा।"

मैं झट से खड़ा हो गया, क्योंकि करोड़पति के चेहरे पर भयानक क्रोध का भाव था और उसने अपनी बड़ी सी मुट्ठी उठा रखी थी। होम्स ने सुस्त मुस्कान बिखेरी और अपना हाथ पाइप की ओर बढ़ाया।

"शोर मत कीजिए, श्री गिब्सन। मैंने देखा है कि नाश्ते के बाद छोटी-मोटी बहस भी बेचैनी पैदा कर देती है। मेरा सुझाव है कि सुबह की ताज़ी हवा में टहलना और कुछ देर शांति से सोचना आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा।"

बड़े प्रयास से स्वर्ण राजा ने अपने क्रोध पर काबू पा लिया। मैं उनकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सका, क्योंकि उन्होंने अपने सर्वोच्च आत्म-नियंत्रण से पल भर में क्रोध की प्रचंड ज्वाला से ठंडी और तिरस्कारपूर्ण उदासीनता में परिवर्तन कर लिया था।

"खैर, ये आपकी मर्ज़ी है। मुझे लगता है आपको अपना कारोबार चलाना आता है। मैं आपको आपकी मर्ज़ी के खिलाफ इस मामले को हाथ लगाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। आज सुबह आपने अपना ही नुकसान किया है, मिस्टर होम्स, क्योंकि मैंने आपसे ज़्यादा ताकतवर लोगों को भी हराया है। आज तक किसी ने भी मुझसे पंगा नहीं लिया और उसे इसका कोई फ़ायदा नहीं हुआ।"

"कई लोगों ने ऐसा कहा है, फिर भी मैं यहाँ हूँ," होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा। "शुभ प्रभात, श्री गिब्सन। आपको अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है।"

हमारे मेहमान ने शोर मचाते हुए प्रस्थान किया, लेकिन होम्स छत पर टकटकी लगाए, स्वप्निल निगाहों से शांत भाव से सिगरेट पीते रहे।

"वॉटसन, आपकी क्या राय है?" उसने अंत में पूछा।

"खैर, होम्स, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि जब मैं यह सोचता हूँ कि यह एक ऐसा व्यक्ति है जो निश्चित रूप से अपने रास्ते से किसी भी बाधा को हटा देगा, और जब मुझे याद आता है कि उसकी पत्नी एक बाधा और नापसंदगी का कारण रही होगी, जैसा कि उस व्यक्ति बेट्स ने हमें स्पष्ट रूप से बताया था, तो मुझे ऐसा लगता है कि—"

"बिल्कुल सही। और मेरे लिए भी।"

"लेकिन गवर्नेस के साथ उसके क्या संबंध थे, और आपको इसका पता कैसे चला?"

"धोखा, वॉटसन, धोखा! जब मैंने उसके पुत्र के जोशीले, अपरंपरागत और गैर-व्यावसायिक लहजे पर गौर किया और उसकी तुलना उसके संयमित व्यवहार और हावभाव से की, तो यह स्पष्ट हो गया कि उसके मन में कोई गहरी भावना थी जो पीड़ित महिला के बजाय आरोपी महिला के इर्द-गिर्द केंद्रित थी। सच्चाई तक पहुँचने के लिए हमें उन तीनों के बीच के सटीक संबंधों को समझना होगा। आपने देखा कि मैंने उस पर सीधा हमला किया और उसने कितनी शांति से उसका सामना किया। फिर मैंने उसे यह जताकर धोखा दिया कि मुझे पूरा यकीन है, जबकि वास्तव में मुझे केवल अत्यधिक संदेह था।"

"शायद वह वापस आ जाएगा?"

"वह ज़रूर वापस आएगा। उसे वापस आना ही होगा। वह इसे ऐसे ही नहीं छोड़ सकता। हा! क्या यह अंगूठी नहीं है? हाँ, उसके पदचिह्न हैं। खैर, श्री गिब्सन, मैं अभी डॉ. वॉटसन से कह ही रहा था कि आपको आने में कुछ देरी हो गई है।"

स्वर्ण राजा कमरे में पहले की तुलना में अधिक संयमित मन से लौटा था। उसकी आहत अभिमान अभी भी उसकी द्वेषपूर्ण आँखों में झलक रही थी, लेकिन उसकी सूझबूझ ने उसे यह दिखा दिया था कि यदि उसे अपना लक्ष्य प्राप्त करना है तो उसे झुकना ही होगा।

"मैंने इस पर विचार किया है, श्री होम्स, और मुझे लगता है कि मैंने आपकी बातों को गलत समझने में जल्दबाजी की है। तथ्यों तक पहुँचने में आप बिल्कुल सही हैं, चाहे वे कुछ भी हों, और इससे आपके प्रति मेरा सम्मान और बढ़ गया है। हालांकि, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि मिस डनबर और मेरे बीच के संबंध इस मामले से बिल्कुल भी संबंधित नहीं हैं।"

"यह तो मुझे ही तय करना है, है ना?"

"हां, मुझे लगता है कि ऐसा ही है। आप उस सर्जन की तरह हैं जो निदान देने से पहले हर लक्षण जानना चाहता है।"

"बिल्कुल सही। यही बात स्पष्ट करती है। और केवल वही मरीज अपने सर्जन को धोखा देने के पीछे कोई मकसद रखता है, जो अपने मामले के तथ्यों को छुपाएगा।"

"ऐसा हो सकता है, लेकिन आप मानेंगे, श्री होम्स, कि जब पुरुषों से सीधे-सीधे किसी महिला के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा जाता है, तो उनमें से अधिकांश थोड़ा झिझक जाते हैं—अगर मामला वाकई गंभीर है। मुझे लगता है कि अधिकांश पुरुषों के मन के किसी कोने में एक निजी गोपनीयता होती है, जहाँ वे किसी का स्वागत नहीं करते। और आप अचानक उसमें घुस गए। लेकिन उद्देश्य आपको माफ कर देता है, क्योंकि आपका उद्देश्य उसे बचाना था। खैर, अब मामला शांत हो गया है और गोपनीयता खुली है, और आप जहाँ चाहें वहाँ जा सकते हैं। आप क्या चाहते हैं?"

"सच्चाई।"

स्वर्ण राजा एक पल के लिए रुका, मानो अपने विचारों को संजो रहा हो। उसका गंभीर, झुर्रियों से भरा चेहरा और भी उदास और गंभीर हो गया था।

अंत में उन्होंने कहा, "मैं आपको इसे कुछ ही शब्दों में समझा सकता हूँ, श्रीमान होम्स।" "कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन्हें कहना दर्दनाक और कठिन होता है, इसलिए मैं ज़रूरत से ज़्यादा गहराई में नहीं जाऊँगा। मेरी मुलाकात मेरी पत्नी से तब हुई जब मैं ब्राज़ील में सोने की खोज कर रहा था। मारिया पिंटो मानाओस में एक सरकारी अधिकारी की बेटी थीं और बेहद खूबसूरत थीं। उन दिनों मैं जवान और जोशीला था, लेकिन अब भी, जब मैं ठंडे दिमाग से और ज़्यादा आलोचनात्मक नज़र से पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो मुझे उनकी खूबसूरती बेमिसाल और अद्भुत लगती है। उनका स्वभाव भी गहरा और समृद्ध था, भावुक, सच्चे दिल से, उष्णकटिबंधीय, असंतुलित, उन अमेरिकी

महिलाओं से बिल्कुल अलग जिन्हें मैं जानता था। खैर, संक्षेप में कहूँ तो, मुझे उनसे प्यार हो गया और मैंने उनसे शादी कर ली। जब हमारा प्यार खत्म हो गया - और यह कई सालों तक चलता रहा - तब मुझे एहसास हुआ कि हम दोनों में कुछ भी - बिल्कुल कुछ भी - समान नहीं था। मेरा प्यार फीका पड़ गया। अगर उनका प्यार भी फीका पड़ जाता, तो शायद यह आसान होता। लेकिन आप जानते ही हैं महिलाओं का अनोखा तरीका! मैं चाहे जो भी करूँ, कोई भी चीज़ उन्हें मुझसे दूर नहीं कर सकती। अगर मैं उनके प्रति कठोर रहा हूँ, यहाँ तक कि जैसा कि कुछ लोगों ने कहा है, क्रूर भी, तो यह इसलिए था क्योंकि मैं जानता था अगर मैं उसके प्यार को खत्म कर सकूँ, या अगर वह नफ़रत में बदल जाए, तो हम दोनों के लिए बेहतर होगा। लेकिन उसमें कोई बदलाव नहीं आया। इंग्लैंड के उन जंगलों में भी वह मुझे वैसे ही प्यार करती थी जैसे बीस साल पहले अमेज़न नदी के किनारे करती थी। चाहे मैं कुछ भी कर लूँ, वह पहले की तरह ही समर्पित थी।

"फिर आईं मिस ग्रेस डनबर। उन्होंने हमारे विज्ञापन का जवाब दिया और हमारे दो बच्चों की गवर्नेस बन गईं। शायद आपने अखबारों में उनकी तस्वीर देखी होगी। पूरी दुनिया ने कहा है कि वह भी बेहद खूबसूरत महिला हैं। अब, मैं अपने पड़ोसियों से ज़्यादा नैतिक होने का दावा नहीं करता, और मैं यह स्वीकार करता हूँ कि ऐसी महिला के साथ एक ही छत के नीचे रहना और रोज़ाना उनके संपर्क में रहना मेरे लिए बेहद स्नेह का कारण बना। क्या आप मुझे दोष देंगे, मिस्टर होम्स?"

"मैं आपको ऐसा महसूस करने के लिए दोष नहीं देता। अगर आप इसे व्यक्त करते तो मैं आपको दोष देता, क्योंकि यह युवती एक तरह से आपकी सुरक्षा में थी।"

"खैर, शायद ऐसा ही हो," करोड़पति ने कहा, हालाँकि एक पल के लिए फटकार सुनकर उसकी आँखों में वही पुराना गुस्से का भाव लौट आया। "मैं खुद को किसी भी तरह से बेहतर साबित करने का दिखावा नहीं कर रहा हूँ। मुझे लगता है कि पूरी ज़िंदगी मैं वही इंसान रहा हूँ जिसने अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए हाथ बढ़ाया है, और उस औरत के प्यार और अधिकार से बढ़कर मैंने कभी कुछ नहीं चाहा। मैंने उससे ये बात कही भी थी।"

"ओह, आपने किया, है ना?"

जब होम्स को स्थानांतरित किया जाता था तो वह बहुत ही दुर्जेय दिखाई दे सकता था।

मैंने उससे कहा कि अगर मैं उससे शादी कर सकता तो ज़रूर करता, लेकिन यह मेरे बस में नहीं है। मैंने कहा कि पैसे की कोई परवाह नहीं है और उसे खुश और आरामदायक रखने के लिए मैं हर संभव कोशिश करूँगा।

"मुझे यकीन है कि आप बहुत उदार हैं," होम्स ने व्यंग्य भरे लहज़े में कहा।

"देखिए, श्री होम्स। मैं आपके पास साक्ष्य के प्रश्न पर आया हूँ, नैतिकता के प्रश्न पर नहीं। मैं आपकी आलोचना नहीं चाहता।"

होम्स ने कड़े शब्दों में कहा, "मैं इस मामले को सिर्फ़ उस युवती के हित में ही देख रहा हूँ। मुझे नहीं लगता कि उस पर लगाए गए आरोप उससे कहीं ज़्यादा गंभीर हैं जितना आपने खुद स्वीकार किया है, कि आपने अपने घर में रह रही एक बेसहारा लड़की को बर्बाद करने की कोशिश की है। आप जैसे कुछ अमीर लोगों को यह सबक सिखाने की ज़रूरत है कि पूरी दुनिया को रिश्वत देकर आपके अपराधों को माफ़ नहीं कराया जा सकता।"

मुझे आश्चर्य हुआ कि स्वर्ण राजा ने फटकार को शांतिपूर्वक स्वीकार कर लिया।

"अब मुझे भी ऐसा ही लगता है। मैं भगवान का शुक्रगुज़ार हूं कि मेरी योजनाएँ वैसी नहीं बनीं जैसी मैंने सोची थीं। वह बिल्कुल भी सहमत नहीं थीं और तुरंत घर छोड़ना

चाहती थी।"

"उसने ऐसा क्यों नहीं किया?"

"दरअसल, सबसे पहले तो, बाकी लोग उस पर निर्भर थे, और अपनी आजीविका का त्याग करके उन सबको निराश करना उसके लिए कोई मामूली बात नहीं थी। जब मैंने कसम खाई - जैसा कि मैंने खाई थी - कि उसे फिर कभी परेशान नहीं किया जाएगा, तो वह रुकने के लिए राजी हो गई। लेकिन एक और कारण था। वह जानती थी कि मुझ पर उसका कितना प्रभाव है, और यह दुनिया के किसी भी अन्य प्रभाव से कहीं अधिक मजबूत है। वह इसका उपयोग अच्छे काम के लिए करना चाहती थी।"

"कैसे?"

"खैर, उसे मेरे कुछ मामलों की जानकारी थी। वे बहुत बड़े थे, श्री होम्स—एक आम आदमी की कल्पना से परे। मैं बना भी सकता हूँ और बिगाड़ भी सकता हूँ—और आमतौर पर बिगाड़ ही देता हूँ। यह सिर्फ व्यक्तियों तक सीमित नहीं था। यह समुदायों, शहरों, यहाँ तक कि राष्ट्रों तक फैला हुआ था। व्यापार एक कठिन खेल है, और कमज़ोर लोग हार जाते हैं। मैंने इस खेल को पूरी शिद्दत से खेला। मैंने कभी खुद भेद नहीं खोला, और मुझे इस बात की परवाह भी नहीं थी कि दूसरा भेद खोले। लेकिन उसका नज़रिया अलग था। मुझे लगता है कि वह सही थी। उसका मानना था और उसने कहा भी कि एक आदमी के लिए उसकी ज़रूरत से ज़्यादा दौलत दस हज़ार बर्बाद लोगों की कीमत पर नहीं बननी चाहिए, जो जीवन यापन के साधनों से वंचित रह गए हों। उसका यही नज़रिया था, और मुझे लगता है कि वह पैसों से परे कुछ और स्थायी चीज़ देख सकती थी। उसने पाया कि मैं उसकी बातें सुनता था, और उसे विश्वास था कि मेरे कार्यों को प्रभावित करके वह दुनिया की सेवा कर रही है। इसलिए वह रुकी रही—और फिर यह सब हो गया।"

क्या आप इस बारे में कुछ बता सकते हैं?

स्वर्ण राजा एक मिनट या उससे अधिक समय तक रुका रहा, अपना सिर हाथों में झुकाए, गहरी सोच में डूबा हुआ।

"यह उसके खिलाफ बहुत ही बुरा है। मैं इससे इनकार नहीं कर सकता। औरतें अंतर्मुखी जीवन जीती हैं और ऐसे काम कर सकती हैं जो किसी पुरुष के विवेक से परे हों। पहले तो मैं इतना घबरा गया और हैरान रह गया कि मुझे लगा कि उसे किसी असाधारण तरीके से बहला-फुसलाकर ले जाया गया होगा जो उसके सामान्य स्वभाव के बिल्कुल विपरीत था। मेरे दिमाग में एक ही बात आई। मैं इसे आपको बताता हूँ, मिस्टर होम्स, चाहे इसकी कितनी भी अहमियत हो। इसमें कोई शक नहीं कि मेरी पत्नी बहुत ईर्ष्यालु थी। आत्मा की ईर्ष्या उतनी ही तीव्र हो सकती है जितनी शरीर की ईर्ष्या, और हालाँकि मेरी पत्नी के पास बाद वाली ईर्ष्या का कोई कारण नहीं था - और मुझे लगता है कि वह यह समझती थी - फिर भी वह जानती थी कि इस अंग्रेज़ लड़की का मेरे मन और मेरे कामों पर ऐसा प्रभाव था जो उस पर कभी नहीं पड़ा था। यह प्रभाव अच्छा था, लेकिन इससे मामला नहीं सुलझ गया। वह नफरत से पागल थी और अमेज़न की आग हमेशा उसके खून में दौड़ती थी। हो सकता है उसने मिस डनबर की हत्या की योजना बनाई हो - या हम कह सकते हैं कि उसे बंदूक से धमकाकर डराकर हमें छोड़ने पर मजबूर करने की योजना बनाई हो। फिर हाथापाई हुई हो और बंदूक निकल गई हो। वह भड़क गया और उसने उसे पकड़े हुए महिला को गोली मार दी।

होम्स ने कहा, "यह संभावना मेरे मन में पहले ही आ चुकी थी। दरअसल, जानबूझकर हत्या करने के अलावा यही एकमात्र स्पष्ट विकल्प है।"

लेकिन वह इस बात से पूरी तरह इनकार करती है।

“खैर, यह अंतिम फैसला नहीं है, है ना? यह समझा जा सकता है कि इतनी भयानक स्थिति में फंसी कोई महिला घबराहट में रिवॉल्वर हाथ में लिए घर की ओर जल्दी-जल्दी भाग सकती है। हो सकता है वह उसे अपने कपड़ों के बीच फेंक दे, यह जाने बिना कि वह क्या कर रही है, और जब वह मिल जाए तो वह पूरी तरह से इनकार करके झूठ बोलने की कोशिश करे, क्योंकि कोई भी स्पष्टीकरण देना असंभव था। ऐसी संभावना के खिलाफ क्या तर्क है?”

"स्वयं मिस डनबर।"

"हाँ, शायद।"

होम्स ने अपनी घड़ी देखी। “मुझे पूरा यकीन है कि हम आज सुबह ही ज़रूरी परमिट प्राप्त कर लेंगे और शाम की ट्रेन से विन्चेस्टर पहुंच जाएँगे। इस युवती से मिलने के बाद शायद मैं इस मामले में आपकी और मदद कर सकूं, हालांकि मैं यह वादा नहीं कर सकता कि मेरे निष्कर्ष आपकी इच्छा के अनुरूप ही होंगे।”

आधिकारिक पास मिलने में कुछ देरी हो गई, और उस दिन विनचेस्टर पहुँचने के बजाय हम श्री नील गिब्सन की हैम्पशायर स्थित संपत्ति थोर प्लेस चले गए। वे स्वयं हमारे साथ नहीं आए, लेकिन हमारे पास स्थानीय पुलिस के सार्जेंट कोवेंट्री का पता था, जिन्होंने सबसे पहले इस मामले की जाँच की थी। वे लंबे, पतले और दुबले-पतले व्यक्ति थे, जिनका व्यवहार रहस्यमय और गुप्त था, जिससे यह आभास होता था कि वे जितना कहने की हिम्मत करते हैं, उससे कहीं अधिक जानते या संदेह करते हैं। उनकी एक खास तरकीब यह भी थी कि वे अचानक अपनी आवाज़ को फुसफुसाहट में बदल देते थे, मानो उन्हें कोई अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी मिल गई हो, जबकि जानकारी आमतौर पर सामान्य ही होती थी। इन व्यवहारिक चालों के पीछे उन्होंने जल्द ही खुद को एक सभ्य और ईमानदार व्यक्ति साबित कर दिया, जो यह स्वीकार करने में संकोच नहीं करते थे कि वे इस मामले में असमर्थ हैं और किसी भी प्रकार की सहायता का स्वागत करेंगे।

“खैर, मुझे स्कॉटलैंड यार्ड से ज़्यादा आप ही चाहिए, मिस्टर होम्स,” उन्होंने कहा। “अगर यार्ड को किसी मामले में बुलाया गया, तो स्थानीय पुलिस को सफलता का सारा श्रेय खोना पड़ेगा और असफलता का दोष भी उसी पर आ सकता है। वैसे, मैंने सुना है कि आप ईमानदारी से काम करते हैं।”

"मुझे इस मामले में बिल्कुल भी पेश होने की ज़रूरत नहीं है," होम्स ने हमारे उदास परिचित को स्पष्ट रूप से राहत देते हुए कहा। "अगर मैं इसे सुलझा सकता हूँ तो मैं नहीं चाहता कि मेरा नाम लिया जाए।"

“खैर, यह तो आपकी बहुत बड़ी मेहरबानी है, मुझे यकीन है। और आपके दोस्त, डॉ. वॉटसन, भरोसेमंद हैं, यह मैं जानता हूँ। अब, मिस्टर होम्स, जब हम उस जगह की ओर चलेंगे, तो मैं आपसे एक सवाल पूछना चाहता हूँ। मैं यह बात सिर्फ़ आपसे ही कहूँगा।” उन्होंने चारों ओर ऐसे देखा मानो उन्हें ये शब्द बोलने की हिम्मत ही न हो। “क्या आपको नहीं लगता कि मिस्टर नील गिब्सन के खिलाफ़ कोई मामला बन सकता है?”

मैं इस बारे में सोच रहा हूँ।

“आपने मिस डनबर को नहीं देखा है। वह हर तरह से एक अद्भुत और बेहतरीन महिला हैं। हो सकता है कि वह अपनी पत्नी को रास्ते से हटाना चाहता हो। और ये अमेरिकी हमारे लोगों की तुलना में पिस्तौल चलाने में ज़्यादा माहिर हैं। वैसे, पिस्तौल तो उसकी ही थी।”

"क्या यह स्पष्ट रूप से सामने आया था?"

जी हाँ, महोदय। यह उनके पास मौजूद दो वस्तुओं में से एक थी।

"जोड़ी में से एक? दूसरा कहाँ है?"

"खैर, उस सज्जन के पास कई तरह के हथियार हैं। हमें वह खास पिस्तौल तो नहीं मिल पाई - लेकिन डिब्बा दो पिस्तौलों के लिए बना था।"

"अगर यह जोड़ी में से एक है, तो आपको निश्चित रूप से इसका मिलान करने में सक्षम होना चाहिए।"

"खैर, अगर आप देखना चाहें तो हमने उन्हें घर पर ही रखा हुआ है।"

"शायद बाद में। मुझे लगता है कि हम साथ में नीचे जाएंगे और त्रासदी स्थल का जायजा लेंगे।"

यह बातचीत सार्जेंट कोवेंट्री की साधारण सी कुटिया के छोटे से सामने वाले कमरे में हुई थी, जो स्थानीय पुलिस स्टेशन के रूप में काम करती थी। लगभग आधा मील दूर हवा से लहराते हुए मैदान को पार करते हुए, जहाँ मुरझाते हुए फर्न सुनहरे और कांसे रंग के दिख रहे थे, हम थोर प्लेस एस्टेट के मैदान में खुलने वाले एक तरफ के गेट पर पहुंचे। एक पगडंडी हमें तीतर अभयारण्यों से होते हुए ले गई, और फिर एक खुले स्थान से हमने पहाड़ी की चोटी पर स्थित विशाल, आधा लकड़ी का बना हुआ घर देखा, जो आधा ट्यूडर और आधा जॉर्जियन शैली का था। हमारे बगल में एक लंबा, सरकंडों से भरा तालाब था, जो बीच में संकरा था जहाँ मुख्य गाड़ी का रास्ता एक पत्थर के पुल से होकर गुजरता था, लेकिन दोनों ओर छोटी-छोटी झीलों में बदल जाता था। हमारे गाइड इस पुल के मुहाने पर रुके और उन्होंने ज़मीन की ओर इशारा किया।

"श्रीमती गिब्सन का शव वहीं पड़ा था। मैंने उस पत्थर से उस जगह को चिह्नित किया था।"

"मुझे पता चला है कि इसे स्थानांतरित किए जाने से पहले आप वहां मौजूद थे?"

"हाँ, उन्होंने मुझे तुरंत बुलवाया।"

"किसने किया?"

"खुद श्री गिब्सन। जैसे ही अलार्म बजा और वे घर से दूसरों के साथ नीचे भागे, उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस के आने तक किसी भी चीज को हिलाया नहीं जाना चाहिए।"

"यह तो समझदारी वाली बात थी। मैंने अखबार की रिपोर्ट से समझा कि गोली बहुत करीब से चलाई गई थी।"

जी हाँ, बहुत करीब था।

"दाहिने मंदिर के पास?"

"बस इसके पीछे ही है, महोदय।"

"शरीर किस अवस्था में पड़ा था?"

"पीठ पर, महोदय। संघर्ष का कोई निशान नहीं। कोई चोट नहीं। कोई हथियार नहीं। मिस डनबर का छोटा सा नोट उनके बाएं हाथ में था।"

"पकड़कर रखा, आप यही कह रहे हैं?"

"जी हां, महोदय, हम उंगलियां मुश्किल से खोल पा रहे थे।"

"यह बहुत महत्वपूर्ण है। इससे यह संभावना पूरी तरह से खारिज हो जाती है कि किसी ने मृत्यु के बाद झूठा सुराग देने के लिए वहां नोट रखा हो। हे भगवान! मुझे याद है, नोट काफी छोटा था:

मैं नौ बजे थोर ब्रिज पर मौजूद रहूंगा।

जी. डनबार।

क्या ऐसा नहीं था?

"जी श्रीमान।"

"क्या मिस डनबर ने इसे लिखने की बात स्वीकार की?"

"जी श्रीमान।"
"उसने क्या स्पष्टीकरण दिया?"
"उसकी बचाव की दलीलें अदालती अदालत में पेश की जानी थीं। वह कुछ नहीं कहेगी।"
"यह समस्या वाकई बहुत दिलचस्प है। इस पत्र का मूल भाव बहुत अस्पष्ट है, है ना?"
"जी महोदय," गाइड ने कहा, "अगर मैं इतनी हिम्मत करूँ तो कह सकता हूँ कि मुझे ऐसा लगता है कि पूरे मामले में यही एकमात्र स्पष्ट बात थी।"
होम्स ने अपना सिर हिलाया।
"मान लीजिए कि पत्र असली है और सचमुच लिखा गया था, तो यह निश्चित रूप से कुछ समय पहले मिला होगा—लगभग एक या दो घंटे पहले। फिर, यह महिला इसे अपने बाएं हाथ में क्यों पकड़े हुए थी? वह इसे इतनी सावधानी से क्यों ले जा रही थी? उसे साक्षात्कार में इसका जिक्र करने की कोई जरूरत नहीं थी। क्या यह बात अजीब नहीं लगती?"
"जी हाँ, महोदय, जैसा आपने कहा, शायद ऐसा ही हो।"
"मुझे लगता है कि मुझे कुछ मिनट चुपचाप बैठकर इस बारे में सोचना चाहिए।" वह पुल के पत्थर के चबूतरे पर बैठ गया, और मैं उसकी तेज़ भूरी आँखों को हर दिशा में प्रश्नवाचक नज़रें घुमाते हुए देख सकता था। अचानक वह उछलकर फिर से खड़ा हुआ और सामने वाले चबूतरे की ओर भागा, अपनी जेब से लेंस निकाला और पत्थर के काम का निरीक्षण करने लगा।
उन्होंने कहा, "यह तो अजीब बात है।"
"जी हाँ, महोदय, हमने किनारे पर वह टुकड़ा देखा। मुझे लगता है कि यह किसी राहगीर ने किया होगा।"
पत्थर का काम धूसर रंग का था, लेकिन एक जगह पर यह छह पेंस से भी छोटे आकार में सफ़ेद दिखाई दे रहा था। ध्यान से देखने पर पता चला कि सतह पर तेज प्रहार से खरोंचें आई थीं।
"ऐसा करने के लिए काफी ज़ोर लगाना पड़ा," होम्स ने सोच-समझकर कहा। उन्होंने अपनी छड़ी से चबूतरे पर कई बार प्रहार किया, लेकिन कोई निशान नहीं पड़ा। "हाँ, ज़ोरदार प्रहार था। और वो भी अजीब जगह पर। ऊपर से नहीं, बल्कि नीचे से, क्योंकि आप देख सकते हैं कि ये चबूतरे के निचले किनारे पर है।"
लेकिन यह शव से कम से कम पंद्रह फीट दूर है।
"हाँ, यह शव से पंद्रह फीट दूर है। इसका मामले से कोई संबंध न हो, लेकिन यह ध्यान देने योग्य बात है। मुझे नहीं लगता कि हमें यहाँ और कुछ जानने की ज़रूरत है। आप कह रहे हैं कि कोई पदचिह्न नहीं थे?"
"ज़मीन लोहे की तरह सख्त थी, महोदय। वहाँ कोई निशान नहीं थे।"
"तो फिर हम चल सकते हैं। पहले हम घर जाकर उन हथियारों को देखेंगे जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं। फिर हम विनचेस्टर के लिए निकलेंगे, क्योंकि आगे जाने से पहले मैं मिस डनबार से मिलना चाहता हूँ।"
श्री नील गिब्सन शहर से नहीं लौटे थे, लेकिन घर में हमें वही सनकी श्री बेटस मिले जो सुबह हमसे मिलने आए थे। उन्होंने बड़े चाव से हमें विभिन्न आकारों और आकृतियों के हथियारों का विशाल संग्रह दिखाया, जिसे उनके मालिक ने अपने साहसिक जीवन के दौरान इकट्ठा किया था।
"श्री गिब्सन के दुश्मन तो हैं ही, जैसा कि उन्हें और उनके तौर-तरीकों को जानने वाला कोई भी व्यक्ति उम्मीद कर सकता है," उन्होंने कहा। "वह अपने बिस्तर के बगल

वाली दराज में भरी हुई रिवॉल्वर रखकर सोते हैं। वह हिंसा के धनी व्यक्ति हैं, महोदय, और कई बार हम सभी उनसे डरते हैं। मुझे यकीन है कि दिवंगत महिला अक्सर डरी रहती होंगी।"

क्या आपने कभी उसके साथ शारीरिक हिंसा होते देखी है?

"नहीं, मैं ऐसा नहीं कह सकता। लेकिन मैंने ऐसे शब्द सुने हैं जो लगभग उतने ही बुरे थे— ठंडे, चुभने वाले तिरस्कार के शब्द, यहाँ तक कि नौकरों के सामने भी।"

"ऐसा लगता है कि हमारा करोड़पति निजी जीवन में चमक नहीं बिखेरता," होम्स ने स्टेशन की ओर जाते हुए टिप्पणी की। "ठीक है, वॉटसन, हमें कई तथ्य मिले हैं, जिनमें से कुछ नए हैं, फिर भी मैं अपने निष्कर्ष से अभी तक पूरी तरह सहमत नहीं हो पाया हूँ। श्री बेट्स को अपने मालिक से स्पष्ट रूप से नापसंदगी है, इसके बावजूद मुझे उनसे पता चला है कि जब अलार्म बजा, तो वे निस्संदेह अपनी लाइब्रेरी में थे। रात का खाना 8:30 बजे खत्म हो गया था और तब तक सब कुछ सामान्य था। यह सच है कि अलार्म शाम को थोड़ा देर से बजा, लेकिन त्रासदी निश्चित रूप से नोट में बताए गए समय के आसपास ही घटी। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि श्री गिब्सन शाम पांच बजे शहर से लौटने के बाद से घर से बाहर गए थे। दूसरी ओर, जैसा कि मुझे पता चला है, मिस डनबर मानती हैं कि उन्होंने पुल पर श्रीमती गिब्सन से मिलने का समय तय किया था। इसके अलावा उन्होंने कुछ नहीं कहा, क्योंकि उनके वकील ने उन्हें अपना बचाव सुरक्षित रखने की सलाह दी थी। हमें उस युवती से कई महत्वपूर्ण सवाल पूछने हैं, और जब तक हम उनसे मिल नहीं लेते, तब तक मुझे चैन नहीं आएगा। मुझे यह स्वीकार करना होगा कि अगर एक बात न होती, तो मुझे लगता है कि मामला उनके खिलाफ बहुत गंभीर है।"

"और वो क्या है, होम्स?"

"उसके वार्डरोब में पिस्तौल का मिलना।"

"हे भगवान, होम्स!" मैं चिल्लाया, "मुझे तो वह घटना सबसे ज्यादा निंदनीय लगी।"

"ऐसा नहीं है, वॉटसन। पहली बार सरसरी तौर पर पढ़ने पर भी मुझे यह बहुत अजीब लगा था, और अब जब मैं इस मामले से गहराई से जुड़ गया हूँ, तो यही मेरी एकमात्र उम्मीद की किरण है। हमें संगति की तलाश करनी चाहिए। जहाँ संगति का अभाव हो, वहाँ हमें धोखे का संदेह करना चाहिए।"

मुझे आपकी बात ठीक से समझ नहीं आ रही है।

"अच्छा, वॉटसन, मान लीजिए कि आप एक ऐसी महिला हैं जो, ठंडे दिमाग से, सोची-समझी योजना के तहत, अपनी प्रतिद्वंद्वी को खत्म करने वाली हैं। आपने योजना बना ली है। एक नोट लिख दिया गया है। पीड़ित आ चुका है। आपके पास आपका हथियार है। अपराध हो चुका है। यह पूरी तरह से और कुशलता से अंजाम दिया गया है। क्या आप मुझे यह बताएंगी कि इतने शातिर अपराध को अंजाम देने के बाद, आप अपनी अपराधी वाली प्रतिष्ठा को इस तरह खराब करेंगी कि आप अपने हथियार को पास के उन सरकंडों में फेंकना भूल जाएंगी जो उसे हमेशा के लिए ढक देते, लेकिन आपको उसे सावधानी से घर ले जाकर अपनी अलमारी में रखना ही होगा, जो सबसे पहली जगह है जिसकी तलाशी ली जाएगी? आपके सबसे अच्छे दोस्त भी आपको शातिर नहीं कहेंगे, वॉटसन, फिर भी मैं आपको इतना क्रूर काम करते हुए कल्पना नहीं कर सकती।"

"उस पल के उत्साह में?"

"नहीं, नहीं, वॉटसन, मैं यह स्वीकार नहीं करूँगा कि यह संभव है। जहाँ कोई अपराध सोच-समझकर, ठंडे दिमाग से किया जाता है, तो उसे छिपाने के तरीके भी

सोच-समझकर ही अपनाए जाते हैं। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि हम एक गंभीर गलतफहमी का सामना कर रहे हैं।"

लेकिन समझाने के लिए बहुत कुछ है।

"ठीक है, चलिए इसे समझाने की कोशिश करते हैं। एक बार आपका नज़रिया बदल जाए, तो जो चीज़ इतनी गंभीर लग रही थी, वही सच्चाई का सुराग बन जाती है। उदाहरण के लिए, यह रिवाल्वर लीजिए। मिस डनबर इसके बारे में किसी भी जानकारी से इनकार करती हैं। हमारे नए सिद्धांत के अनुसार, जब वह ऐसा कहती हैं तो वह सच बोल रही होती हैं। इसलिए, इसे उनकी अलमारी में रखा गया था। इसे वहाँ किसने रखा? किसी ऐसे व्यक्ति ने जो उन्हें फंसाना चाहता था। क्या वह व्यक्ति ही असली अपराधी नहीं था? आप देख सकते हैं कि कैसे हम तुरंत ही जांच की एक बेहद उपयोगी दिशा पर पहुंच जाते हैं।"

औपचारिकताओं के पूरा न होने के कारण हमें विनचेस्टर में रात बितानी पड़ी, लेकिन अगली सुबह, बचाव पक्ष का जिम्मा संभाल रहे उभरते वकील श्री जॉयस कमिंग्स के साथ, हमें उस युवती से उसकी कोठरी में मिलने की अनुमति मिली। हमने जो कुछ सुना था, उससे मुझे एक खूबसूरत महिला को देखने की उम्मीद थी, लेकिन मिस डनबर का मुझ पर जो प्रभाव पड़ा, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उस शक्तिशाली करोड़पति को भी उसमें अपने से कहीं अधिक शक्तिशाली कुछ मिला—कुछ ऐसा जो उसे नियंत्रित और निर्देशित कर सकता था। उसके मजबूत, स्पष्ट और फिर भी संवेदनशील चेहरे को देखकर यह भी महसूस होता था कि भले ही वह किसी उग्र कृत्य में सक्षम हो, फिर भी उसके चरित्र में एक सहज महानता है जो उसके प्रभाव को हमेशा सकारात्मक बनाएगी। वह सांवली, लंबी, सुगठित कद-काठी और प्रभावशाली व्यक्तित्व वाली थी, लेकिन उसकी गहरी आँखों में उस शिकार किए गए प्राणी की दयनीय, असहाय अभिव्यक्ति थी जो अपने चारों ओर जाल को महसूस करता है, लेकिन उससे निकलने का कोई रास्ता नहीं देख पाता। अब, जैसे ही उसे मेरे प्रसिद्ध मित्र की उपस्थिति और मदद का एहसास हुआ, उसके पीले गालों पर थोड़ी सी रौनक आ गई और उसकी हमारी ओर मुड़ी निगाहों में आशा की एक किरण चमकने लगी।

"शायद श्री नील गिब्सन ने आपको हमारे बीच हुई घटना के बारे में कुछ बताया हो?" उसने धीमी, उत्तेजित आवाज में पूछा।

"जी हां," होम्स ने उत्तर दिया, "आपको कहानी के उस हिस्से में जाने की ज़रूरत नहीं है। आपसे मिलने के बाद, मैं श्री गिब्सन के उस बयान को मानने को तैयार हूं जिसमें उन्होंने आपके उन पर प्रभाव और उनके साथ आपके संबंधों की निर्दोषता दोनों का उल्लेख किया है। लेकिन पूरी स्थिति अदालत में क्यों नहीं लाई गई?"

"मुझे यह अविश्वसनीय लगा कि ऐसा आरोप साबित हो सकता है। मैंने सोचा था कि अगर हम इंतजार करें तो सारा मामला अपने आप सुलझ जाएगा, बिना परिवार के आंतरिक जीवन के दर्दनाक विवरणों में जाने के लिए मजबूर हुए। लेकिन मुझे पता चला है कि मामला सुलझने के बजाय और भी गंभीर हो गया है।"

"मेरी प्यारी युवती," होम्स ने गंभीरता से कहा, "मैं आपसे विनती करता हूँ कि इस मामले में कोई भ्रम न पालें। श्री कमिंग्स आपको आश्वस्त करेंगे कि इस समय परिस्थितियाँ हमारे विरुद्ध हैं, और यदि हमें स्पष्ट जीत हासिल करनी है तो हमें हर संभव प्रयास करना होगा। यह कहना कि आप गंभीर खतरे में नहीं हैं, एक क्रूर धोखा होगा। इसलिए, सच्चाई का पता लगाने में मेरी हर संभव मदद करें।"

मैं कुछ भी नहीं छिपाऊंगा।

"तो हमें श्री गिब्सन की पत्नी के साथ आपके वास्तविक संबंधों के बारे में बताएं।"

“वह मुझसे नफ़रत करती थी, श्री होम्स। वह अपनी उष्णकटिबंधीय प्रकृति की पूरी तीव्रता से मुझसे नफ़रत करती थी। वह ऐसी स्त्री थी जो कोई भी काम अधूरा नहीं छोड़ती थी, और अपने पति के प्रति उसका प्रेम ही मेरे प्रति उसकी नफ़रत का पैमाना था। संभवतः उसने हमारे रिश्ते को गलत समझा। मैं उसे ठेस नहीं पहुँचाना चाहती, लेकिन उसका प्रेम इतना गहरा था कि वह उस मानसिक, और यहाँ तक कि आध्यात्मिक बंधन को शायद ही समझ पाई हो जिसने उसके पति को मुझसे बांधे रखा था, या यह कल्पना भी नहीं कर पाई हो कि केवल उसकी शक्ति को अच्छे उद्देश्यों के लिए प्रभावित करने की मेरी इच्छा ही मुझे उसके घर में रोके हुए थी। अब मुझे समझ आ रहा है कि मैं गलत थी। जहाँ मैं दुख का कारण थी, वहाँ रहने का कोई औचित्य नहीं था, और फिर भी यह निश्चित है कि अगर मैं घर छोड़ भी देती तो भी दुख बना रहता।”

"अब, मिस डनबर," होम्स ने कहा, "मैं आपसे विनती करता हूं कि आप हमें ठीक-ठीक बताएं कि उस शाम क्या हुआ था।"

"मैं आपको सच बता सकता हूं जहाँ तक मुझे पता है, श्रीमान होम्स, लेकिन मैं कुछ भी साबित करने की स्थिति में नहीं हूं, और कुछ ऐसे बिंदु हैं - सबसे महत्वपूर्ण बिंदु - जिनकी न तो मैं व्याख्या कर सकता हूँ और न ही मैं कोई व्याख्या सोच सकता हूँ।"

"यदि आप तथ्यों का पता लगाएंगी, तो शायद दूसरों को भी इसका स्पष्टीकरण मिल जाएगा।"

“उस रात थोर ब्रिज में मेरी उपस्थिति के संबंध में, मुझे सुबह श्रीमती गिब्सन का एक पत्र मिला। वह कक्षा के कमरे की मेज पर पड़ा था, और संभवतः उन्होंने ही उसे वहाँ छोड़ा था। उसमें उन्होंने मुझसे रात के खाने के बाद वहाँ मिलने का अनुरोध किया था, कहा था कि उन्हें मुझसे कुछ महत्वपूर्ण बात कहनी है, और मुझसे बगीचे में लगे धूपघड़ी पर उत्तर छोड़ने के लिए कहा था, क्योंकि वह नहीं चाहती थीं कि कोई भी हमारे विश्वास को साझा करे। मुझे इस तरह की गोपनीयता का कोई कारण नहीं दिखा, लेकिन मैंने उनकी बात मान ली और मिलने का समय स्वीकार कर लिया। उन्होंने मुझसे अपना पत्र नष्ट करने के लिए कहा और मैंने उसे कक्षा के कमरे की अंगीठी में जला दिया। वह अपने पति से बहुत डरती थीं, जो उनके साथ बहुत कठोर व्यवहार करते थे, जिसके लिए मैं अक्सर उन्हें फटकारता था, और मैं केवल यही कल्पना कर सकता था कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह नहीं चाहती थीं कि उन्हें हमारी मुलाकात के बारे में पता चले।”

"लेकिन उसने आपके जवाब को बहुत सावधानी से रखा?"

“हां। मुझे यह सुनकर आश्चर्य हुआ कि मरते समय वह उसके हाथ में थी।”

"तो फिर क्या हुआ?"

मैंने वादा निभाया और नीचे चला गया। पुल पर पहुँचते ही वह मेरा इंतज़ार कर रही थी। उस पुल तक मुझे एहसास ही नहीं हुआ था कि यह बेचारी मुझसे कितनी नफ़रत करती है। वह पागलों जैसी थी—सचमुच, मुझे लगता है कि वह पागल ही थी, एक ऐसी सूक्ष्म पागली जिसमें पागलपन की गहरी शक्ति थी, जो पागलों में हो सकती है। भला वह रोज़ मुझसे बेपरवाही से कैसे मिलती थी और फिर भी उसके दिल में मेरे लिए इतनी भयंकर नफ़रत कैसे थी? मैं नहीं बताऊँगा कि उसने क्या कहा। उसने अपना सारा गुस्सा भयंकर और भयानक शब्दों में उड़ेल दिया। मैंने जवाब तक नहीं दिया—मैं दे ही नहीं सका। उसे देखना भयानक था। मैंने अपने कान हाथों से ढक लिए और भाग गया। जब मैं उसे छोड़कर गया, तो वह पुल के मुहाने पर खड़ी थी, मुझ पर गालियाँ बरसाती हुई।

“बाद में वह कहाँ मिली?”

"उस स्थान से कुछ ही गज की दूरी पर।"

और फिर भी, यह मानते हुए कि आपके उसे छोड़ने के कुछ ही समय बाद उसकी मृत्यु हो गई, आपने कोई गोली चलने की आवाज नहीं सुनी~"

"नहीं, मैंने कुछ नहीं सुना। लेकिन, वास्तव में, श्री होम्स, मैं इस भयानक घटना से इतना विचलित और भयभीत हो गया था कि मैं अपने कमरे की शांति में वापस जाने के लिए दौड़ पड़ा, और जो कुछ भी हुआ उस पर मेरा ध्यान नहीं गया।"

"आप कहते हैं कि आप अपने कमरे में वापस आ गए थे। क्या आप अगली सुबह से पहले फिर से कमरे से बाहर चले गए थे?"

"हां, जब यह खबर आई कि उस बेचारी प्राणी की मौत हो गई है, तो मैं दूसरों के साथ बाहर भागा।"

क्या आपने मिस्टर गिब्सन को देखा?

"हां, जब मैंने उसे देखा तो वह पुल से अभी-अभी लौटा था। उसने डॉक्टर और पुलिस को बुलवाया था।"

"क्या वह आपको बहुत परेशान लग रहा था?"

"श्री गिब्सन एक बहुत ही मजबूत और संयमित व्यक्ति हैं। मुझे नहीं लगता कि वे कभी भी अपनी भावनाओं को खुलकर प्रकट करेंगे। लेकिन मैं, जो उन्हें बहुत अच्छी तरह से जानता था, देख सकता था कि वे अंदर से बहुत चिंतित थे।"

"अब हम सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर आते हैं। यह पिस्तौल जो आपके कमरे में मिली थी। क्या आपने इसे पहले कभी देखा था?"

"कभी नहीं, मैं कसम खाता हूं।"

"यह कब मिला था?"

"अगली सुबह, जब पुलिस ने तलाशी ली।"

"तुम्हारे कपड़ों के बीच?"

"हां, मेरी अलमारी के फर्श पर, मेरे कपड़ों के नीचे।"

"क्या आप अंदाज़ा नहीं लगा सकते कि यह वहां कितने समय से था?"

"यह पिछली सुबह वहां नहीं था।"

"आपको कैसे मालूम?"

"क्योंकि मैंने अलमारी को व्यवस्थित किया था।"

"यह अंतिम निर्णय है। फिर कोई आपके कमरे में आया और आपको फंसाने के लिए वहां पिस्तौल रख दी।"

"ऐसा ही हुआ होगा।"

"और जब?"

"ऐसा या तो भोजन के समय ही हो सकता था, या फिर उन घंटों में जब मैं बच्चों के साथ कक्षा में होती थी।"

"जब आपको यह नोट मिला था तब आप कैसे थे?"

"हां, उस समय से लेकर पूरी सुबह तक।"

"धन्यवाद, मिस डनबर। क्या कोई और बिंदु है जो मुझे जांच में मदद कर सकता है?"

मुझे तो कोई याद नहीं आ रहा।

"पुल की पत्थर की संरचना पर हिंसा के कुछ निशान थे - शव के ठीक सामने एक बिल्कुल ताजा टुकड़ा टूटा हुआ था। क्या आप इसका कोई संभावित स्पष्टीकरण दे सकते हैं?"

"यह महज एक संयोग ही होना चाहिए।"

"अजीब बात है, मिस डनबर, बहुत अजीब। यह त्रासदी के ठीक समय पर और ठीक उसी स्थान पर क्यों प्रकट हुआ?"

लेकिन इसका कारण क्या हो सकता है? केवल भीषण हिंसा ही ऐसा प्रभाव डाल सकती है।

होम्स ने कोई जवाब नहीं दिया। उनका पीला, उत्सुक चेहरा अचानक उस तनावपूर्ण, विदारक भाव से भर गया था जिसे मैं उनकी प्रतिभा के चरम प्रदर्शन से जोड़कर देखता था। उनके मन में इतना गहरा संकट था कि हममें से किसी की भी बोलने की हिम्मत नहीं हुई, और हम, वकील, कैदी और मैं, एकाग्रचित्त होकर चुपचाप उन्हें देखते रहे। अचानक वे अपनी कुर्सी से उछल पड़े, घबराहट और कुछ करने की तीव्र इच्छा से कांपते हुए।

“आओ, वाटसन, आओ!” वह चिल्लाया।

“क्या बात है, मिस्टर होम्स?”

“कोई बात नहीं, मेरी प्रिय महोदया। आपको मुझसे खबर मिलेगी, श्रीमान् कमिंग्स। न्याय के देवता की कृपा से मैं आपको एक ऐसा मामला दूंगा जो पूरे इंग्लैंड को झकझोर देगा। आपको कल तक खबर मिल जाएगी, मिस डनबर, और तब तक मेरी यह बात मानिए कि संकट के बादल छंट रहे हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि सच्चाई की रोशनी फूटने वाली है।”

विनचेस्टर से थोर प्लेस तक का सफर लंबा नहीं था, लेकिन मेरी बेसब्री के कारण मुझे वह लंबा लगा, जबकि होम्स को तो मानो वह कभी खत्म न होने वाला सफर लग रहा था; क्योंकि अपनी बेचैनी में वह एक जगह स्थिर नहीं बैठ पा रहा था, बल्कि गाड़ी में इधर-उधर चहलकदमी कर रहा था या अपनी लंबी, संवेदनशील उंगलियों से बगल के कुशन पर थपथपा रहा था। लेकिन अचानक, जैसे ही हम अपनी मंजिल के करीब पहुंचे, वह मेरे सामने बैठ गया - हमारे पास फर्स्ट क्लास की पूरी गाड़ी थी - और मेरे दोनों घुटनों पर हाथ रखकर उसने अपनी उस शरारती निगाह से मेरी आंखों में देखा, जो उसके शैतानी स्वभाव की खासियत थी।

“वाटसन,” उसने कहा, “मुझे कुछ-कुछ याद है कि तुम हमारे इन अभियानों पर हथियार लेकर जाते हो।”

यह उसके लिए अच्छा ही हुआ कि मैंने ऐसा किया, क्योंकि जब उसका दिमाग किसी समस्या में डूब जाता था तो वह अपनी सुरक्षा की परवाह नहीं करता था, इसलिए कई बार मेरी रिवॉल्वर उसके लिए मुसीबत के समय मददगार साबित हुई थी। मैंने उसे यह बात याद दिला दी।

“जी हां, मैं ऐसे मामलों में थोड़ा भुलक्कड़ हो जाता हूं। लेकिन क्या आपके पास आपका रिवॉल्वर है?”

मैंने उसे अपनी कमर की जेब से निकाला, एक छोटा, सुविधाजनक, लेकिन बहुत ही उपयोगी हथियार। उसने कुंडी खोली, कारतूस बाहर निकाले और ध्यान से उसकी जांच की।

उन्होंने कहा, "यह भारी है - असाधारण रूप से भारी है।"

"हां, यह वाकई एक बेहतरीन काम है।"

उसने एक मिनट तक इस बारे में सोचा।

"क्या तुम जानते हो, वाटसन," उसने कहा, "मुझे लगता है कि तुम्हारी रिवॉल्वर का उस रहस्य से बहुत गहरा संबंध होने वाला है जिसकी हम जांच कर रहे हैं।"

"मेरे प्यारे होम्स, तुम मजाक कर रहे हो।"

“नहीं, वाटसन, मैं बहुत गंभीर हूं। हमारे सामने एक परीक्षा है। अगर परीक्षा सफल रही, तो सब कुछ साफ़ हो जाएगा। और यह परीक्षा इस छोटे हथियार के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। एक कारतूस बाहर। अब हम बाकी पांच कारतूस बदलेंगे और सेफ्टी-कैच लगा देंगे। तो! इससे वेज़न बढ़ जाता है और यह बेहतर प्रतिकृति बन जाती है।”

मुझे उसके मन की बात का जरा भी अंदाजा नहीं था, न ही उसने मुझे कुछ बताया, बल्कि मैं सोच में डूबा बैठा रहा जब तक कि हम हैम्पशायर के छोटे से स्टेशन पर नहीं पहुंच गए। हमने एक खस्ताहाल गाड़ी ली और पंद्रह मिनट में अपने भरोसेमंद दोस्त, सार्जेंट के घर पहुंच गए।

“कोई सुराग, मिस्टर होम्स? क्या है वो?”

“यह सब डॉ. वॉटसन की रिवॉल्वर के व्यवहार पर निर्भर करता है,” मेरे दोस्त ने कहा। “यह रही। अब, अधिकारी जी, क्या आप मुझे दस गज रस्सी दे सकते हैं?”

गांव की दुकान से मजबूत धागे का एक गोला मिला।

होम्स ने कहा, "मुझे लगता है कि हमें बस इतना ही चाहिए होगा। अब, अगर आप चाहें, तो हम अपनी यात्रा के अंतिम चरण के लिए रवाना होंगे।"

सूरज डूब रहा था और हैम्पशायर के हरे-भरे मैदान शरद ऋतु के एक अद्भुत दृश्य में तब्दील हो रहे थे। सार्जेंट, कई आलोचनात्मक और अविश्वास भरी निगाहों से देखते हुए, जो मेरे साथी की मानसिक स्थिति पर उसके गहरे संदेह को दर्शाती थीं, हमारे साथ-साथ लड़खड़ाते हुए चल रहा था। जैसे ही हम अपराध स्थल के पास पहुँचे, मैंने देखा कि मेरा मित्र अपनी सामान्य शांत मुद्रा के बावजूद वास्तव में बहुत परेशान था।

“हाँ,” उसने मेरी टिप्पणी के जवाब में कहा, “वॉटसन, तुमने मुझे पहले भी चूकते देखा है। मुझे ऐसी चीजों का सहज ज्ञान है, फिर भी कई बार इसने मुझे धोखा दिया है। विनचेस्टर की कोठरी में जब पहली बार यह विचार मेरे मन में आया, तो यह बिल्कुल निश्चित लग रहा था, लेकिन एक सक्रिय दिमाग की एक कमी यह है कि कोई भी हमेशा वैकल्पिक स्पष्टीकरण सोच सकता है जो हमारे अनुमान को गलत साबित कर दे। और फिर भी—और फिर भी—खैर, वॉटसन, हम कोशिश तो कर ही सकते हैं।”

चलते-चलते उसने रस्सी का एक सिरा रिवॉल्वर के हैंडल से कसकर बांध दिया था। अब हम त्रासदी स्थल पर पहुँच चुके थे। पुलिसकर्मी के मार्गदर्शन में उसने बड़ी सावधानी से उस जगह को चिह्नित किया जहाँ शव पड़ा था। फिर उसने झाड़ियों और फर्न के बीच खोजबीन की जब तक उसे एक बड़ा पत्थर नहीं मिल गया। उसने रस्सी के दूसरे सिरे को उससे बांध दिया और उसे पुल की मुंडेर पर इस तरह लटका दिया कि वह पानी के ऊपर झूलता रहे। फिर वह पुल के किनारे से कुछ दूरी पर उस घातक स्थान पर खड़ा हो गया, उसके हाथ में मेरी रिवॉल्वर थी और रस्सी हथियार और दूसरी तरफ रखे भारी पत्थर के बीच कसकर बंधी हुई थी।

“अब बारी है!” वह चिल्लाया।

ये शब्द सुनते ही उसने पिस्तौल अपने सिर पर तान ली और फिर अपनी पकड़ ढीली कर दी। पल भर में पत्थर के भार से पिस्तौल दूर जा गिरी, दीवार से टकराकर ज़ोरदार आवाज़ हुई और वह किनारे से पानी में गायब हो गई। पिस्तौल के गायब होते ही होम्स पत्थर के पास घुटनों के बल बैठ गया और खुशी से चिल्लाते हुए उसने बता दिया कि उसे वही मिल गया है जिसकी उसे उम्मीद थी।

“क्या इससे अधिक सटीक प्रदर्शन कभी हुआ है?” वह चिल्लाया। “देखो, वॉटसन, तुम्हारे रिवॉल्वर ने समस्या हल कर दी!” बोलते हुए उसने पत्थर की रेलिंग के निचले किनारे पर दिखाई दिए पहले टुकड़े के ठीक आकार और आकृति के दूसरे टुकड़े की ओर इशारा किया।

“हम आज रात सराय में रुकेंगे,” उसने उठते हुए और हैरान सार्जेंट की ओर देखते हुए कहा। “तुम्हें एक हुक ज़रूर मिल जाएगा और तुम मेरे दोस्त का रिवॉल्वर आसानी से वापस कर दोगे। तुम्हें उसके पास ही वह रिवॉल्वर, डोरी और वज़न भी मिलेगा जिससे इस प्रतिशोधी औरत ने अपने अपराध को छिपाने और एक निर्दोष व्यक्ति पर

हत्या का आरोप लगाने की कोशिश की थी। तुम मिस्टर गिब्सन को बता देना कि मैं सुबह उनसे मिलूंगा, जब मिस डनबर को न्याय दिलाने के लिए कदम उठाए जा सकते हैं।"

उस शाम देर से, जब हम गांव के एक सराय में एक साथ बैठकर पाइप पी रहे थे, होम्स ने मुझे बीते हुए घटनाक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया।

"मुझे डर है, वॉटसन," उसने कहा, "कि थोर ब्रिज रहस्य के मामले को अपने इतिहास में शामिल करके आप मेरी प्रतिष्ठा को कोई लाभ नहीं पहुँचा पाएँगे। मेरा दिमाग सुस्त रहा है और मुझमें कल्पना और वास्तविकता का वह मिश्रण नहीं था जो मेरी कला का आधार है। मैं स्वीकार करता हूँ कि पत्थर में मिला वह छोटा सा टुकड़ा सही समाधान का संकेत देने के लिए पर्याप्त था, और मैं स्वयं को इसके लिए दोषी मानता हूँ कि मुझे यह समाधान पहले नहीं मिला।"

यह मानना पड़ेगा कि इस अभागी स्त्री के मन की चालें गहरी और पेचीदा थीं, इसलिए उसकी साजिश को सुलझाना आसान नहीं था। मुझे नहीं लगता कि हमने अपने अनुभवों में कभी विकृत प्रेम के भयावह परिणामों का इससे अधिक भयावह उदाहरण देखा होगा। मिस डनबर चाहे शारीरिक रूप से उसकी प्रतिद्वंद्वी थीं या केवल मानसिक रूप से, उनकी नज़र में दोनों ही बातें समान रूप से अक्षम्य थीं। निस्संदेह, उन्होंने इस निर्दोष महिला को उन सभी कठोर व्यवहारों और निर्दयी शब्दों के लिए दोषी ठहराया होगा, जिनसे उनके पति ने उनके अत्यधिक स्नेह को दूर करने की कोशिश की थी। उनका पहला संकल्प आत्महत्या करना था। दूसरा संकल्प था कि वे ऐसा इस तरह से करें कि उनकी शिकार को ऐसी भयानक नियति का सामना करना पड़े जो किसी भी अचानक मृत्यु से कहीं अधिक बुरी हो।

"हम विभिन्न चरणों को स्पष्ट रूप से समझ सकते हैं, और वे असाधारण रूप से चतुराईपूर्ण दिमागी क्षमता को दर्शाते हैं। मिस डनबर से बड़ी चालाकी से एक नोट निकाला गया जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि अपराध स्थल का चुनाव उन्होंने ही किया था। नोट के पकड़े जाने के डर से उन्होंने उसे अंत तक अपने हाथ में छिपाए रखा, जो कुछ हद तक अतिरंजित था। केवल इसी बात से मुझे पहले ही संदेह हो जाना चाहिए था।"

"फिर उसने अपने पति की एक रिवॉल्वर ले ली — जैसा कि आपने देखा, घर में हथियारों का जखीरा था — और उसे अपने इस्तेमाल के लिए रख लिया। उसी तरह की एक रिवॉल्वर उसने उस सुबह मिस डनबर की अलमारी में छिपा दी, एक बैरल खाली करने के बाद, जो वह जंगल में बिना किसी का ध्यान खींचे आसानी से कर सकती थी। फिर वह पुल पर गई जहाँ उसने अपने हथियार से छुटकारा पाने का यह बेहद चालाकी भरा तरीका निकाला था। जब मिस डनबर वहाँ पहुँचीं तो उसने अपनी आखिरी साँस तक अपनी घृणा उड़ेल दी, और फिर, जब वह सुनाई देना बंद कर चुकी थीं, तो उसने अपने भयानक इरादे को अंजाम दिया। अब हर कड़ी अपनी जगह पर है और श्रृंखला पूरी हो गई है। अखबार पूछ सकते हैं कि पहले झील को क्यों नहीं खोदा गया, लेकिन घटना के बाद समझदार बनना आसान है, और वैसे भी, सरकंडों से भरी झील के विस्तार को खोदना आसान नहीं है जब तक कि आपको यह स्पष्ट जानकारी न हो कि आप क्या खोज रहे हैं और कहाँ। खैर, वॉटसन, हमने एक असाधारण महिला और एक दुर्जेय पुरुष की मदद की है। अगर वे भविष्य में अपनी ताकतें मिला लें, जैसा कि असंभव नहीं लगता, तो वित्तीय दुनिया शायद आपको पता चले कि श्री नील गिब्सन ने दुख के उस विद्यालय में कुछ सीखा है जहाँ हमें सांसारिक सबक सिखाए जाते हैं।"

रेंगते हुए आदमी का रोमांच

श्री शर्लक होम्स का हमेशा से यही मत था कि मुझे प्रोफ़ेसर प्रेसबरी से जुड़े अनूठे तथ्यों को प्रकाशित करना चाहिए, ताकि उन भद्दी अफवाहों को हमेशा के लिए दूर किया जा सके जो लगभग बीस साल पहले विश्वविद्यालय में फैली थीं और लंदन के विद्वान समाजों में गूंज रही थीं। हालांकि, कुछ बाधाएं थीं, और इस रहस्यमय मामले का सच्चा इतिहास मेरे मित्र के कारनामों के कई रिकॉर्डों वाले टिन के डिब्बे में ही बंद रहा। अब अंततः हमें उन तथ्यों को सार्वजनिक करने की अनुमति मिल गई है जो वकालत से सेवानिवृत्ति से पहले होम्स द्वारा निपटाए गए अंतिम मामलों में से एक थे। अब भी इस मामले को जनता के सामने रखते समय कुछ सावधानी और विवेक बरतना आवश्यक है।

यह सन 1903 के सितंबर महीने की शुरुआत में एक रविवार शाम की बात है, जब मुझे होम्स का एक संक्षिप्त संदेश प्राप्त हुआ:

यदि सुविधाजनक हो तो तुरंत आएं—यदि असुविधाजनक हो तो भी आएं। एस. एच.

उन आखिरी दिनों में हमारे बीच संबंध कुछ अनोखे थे। वह आदतों के पक्के थे, संकीर्ण और एकाग्र आदतों के, और मैं भी उन्हीं में से एक बन गया था। एक संस्था के रूप में मैं उनके लिए वायलिन, तंबाकू, पुरानी काली पाइप, सूचकांक पुस्तकों और शायद कुछ कम क्षमायोग्य आदतों की तरह था। जब सक्रिय कार्य का समय होता और किसी ऐसे साथी की आवश्यकता होती जिस पर वे भरोसा कर सकें, तो मेरी भूमिका स्पष्ट हो जाती थी। लेकिन इसके अलावा भी मेरे कई उपयोग थे। मैं उनके दिमाग को तेज करने वाला पत्थर था। मैं उन्हें प्रेरित करता था। उन्हें मेरी उपस्थिति में खुलकर सोचना अच्छा लगता था। उनकी बातें शायद ही मुझसे कही जाती थीं - उनमें से कई तो उनके पलंग को संबोधित करने के लिए अधिक उपयुक्त होतीं - लेकिन फिर भी, आदत बन जाने के कारण, मेरा उन्हें सुनना और बीच में बोलना किसी न किसी तरह से सहायक हो गया था। यदि मेरी सोच की एक निश्चित व्यवस्थित धीमी गति से उन्हें चिढ़ होती थी, तो वह चिढ़ केवल उनकी अपनी तीव्र अंतर्दृष्टि और धारणाओं को और अधिक स्पष्ट और तीव्र रूप से उभारने का काम करती थी। हमारे इस संबंध में मेरी यही विनम्र भूमिका थी।

जब मैं बेकर स्ट्रीट पहुँचा तो मैंने उसे अपनी कुर्सी पर घुटने मोड़े, मुँह में पाइप लिए और माथे पर गहरी सोच लिए हुए बैठा पाया। यह स्पष्ट था कि वह किसी गंभीर समस्या से जूझ रहा था। उसने हाथ के इशारे से मेरी पुरानी कुर्सी की ओर इशारा किया, लेकिन आधे घंटे तक उसने मेरी मौजूदगी का कोई संकेत नहीं दिया। फिर अचानक वह अपनी सोच से बाहर आया और अपनी हमेशा वाली चंचल मुस्कान के साथ मेरा स्वागत किया, मानो मैं कभी उसका घर हुआ करता था।

“मेरे प्रिय वॉटसन, आप मेरे कुछ चिंतनशील विचारों को क्षमा करेंगे,” उन्होंने कहा। “पिछले चौबीस घंटों में मुझे कुछ रोचक तथ्य प्राप्त हुए हैं, और उनसे कुछ व्यापक विचार उत्पन्न हुए हैं। मैं जासूसी कार्यों में कुत्तों के उपयोग पर एक संक्षिप्त शोधपत्र लिखने के बारे में गंभीरता से सोच रहा हूं।”

“लेकिन होम्स, इस मामले की पहले ही पड़ताल हो चुकी होगी,” मैंने कहा। “खूनी खोजी कुत्ते—जासूसों—”

“नहीं, नहीं, वॉटसन, वह पहलू तो बिल्कुल स्पष्ट है। लेकिन एक दूसरा पहलू भी है जो कहीं अधिक पेचीदा है। आपको याद होगा कि जिस मामले को आपने सनसनीखेज ढंग से कॉपर बीचेस से जोड़ा था, उसमें मैंने बच्चे के मन को देखकर उस बेहद आत्मसंतुष्ट और सम्मानित पिता की आपराधिक आदतों का अनुमान लगाया था।”

"हां, मुझे अच्छी तरह याद है।"

“कुत्तों के बारे में मेरी सोच भी कुछ इसी तरह की है। कुत्ता पारिवारिक जीवन को दर्शाता है। भला किसने किसी उदास परिवार में चंचल कुत्ता देखा है, या किसी खुशहाल परिवार में उदास कुत्ता? गुस्सैल लोगों के कुत्ते भी गुस्सैल होते हैं, खतरनाक लोगों के कुत्ते भी खतरनाक होते हैं। और उनके बदलते मिजाज दूसरों के बदलते मिजाज़ को भी दर्शा सकते हैं।”

मैंने अपना सिर हिलाया। "ज़रूर, होम्स, यह कुछ ज़्यादा ही अटपटा लग रहा है," मैंने कहा।

उन्होंने अपनी पाइप दोबारा भर ली और मेरी टिप्पणी पर ध्यान दिए बिना अपनी सीट पर वापस बैठ गए।

“मैंने जो कहा है उसका व्यावहारिक अनुप्रयोग उस समस्या के बहुत करीब है, जिसकी मैं जांच कर रहा हूं। यह एक उलझी हुई गुत्थी है, आप समझ रहे हैं, और मैं इसका हल ढूंढ रहा हूं। एक संभावित हल इस प्रश्न में निहित है: प्रोफेसर प्रेसबरी का भेड़िया-शिकारी कुत्ता, रॉय, उन्हें काटने का प्रयास क्यों करता है?”

मैं थोड़ी निराशा के साथ कुर्सी पर पीछे झुक गया। क्या इतने मामूली सवाल के लिए मुझे काम से बुलाया गया था? होम्स ने मेरी तरफ देखा।

“वही पुराना वॉटसन!” उसने कहा। “तुम कभी नहीं सीखते कि सबसे गंभीर मुद्दे छोटी-छोटी बातों पर निर्भर हो सकते हैं। लेकिन क्या यह अजीब नहीं है कि एक गंभीर, बुजुर्ग दार्शनिक—तुमने प्रेसबरी का नाम तो सुना ही होगा, जो कैमफोर्ड के प्रसिद्ध शरीर विज्ञानी थे?—जिसका सबसे अच्छा दोस्त उसका वफादार कुत्ता रहा है, उस पर अब उसके ही कुत्ते ने दो बार हमला कर दिया है? तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?”

कुत्ता बीमार है।

“खैर, इस पर विचार करना होगा। लेकिन वह किसी और पर हमला नहीं करता, और ज़ाहिर तौर पर अपने मालिक को भी परेशान नहीं करता, सिवाय बहुत खास मौकों के। अजीब बात है, वॉटसन—बहुत अजीब। लेकिन अगर यह अंगूठी उसकी है, तो युवा मिस्टर बेनेट अपनी उम्र से आगे हैं। मुझे उम्मीद थी कि उसके आने से पहले आपसे थोड़ी देर और बात कर लूंगा।”

सीढ़ियों पर तेज़ कदमों की आहट सुनाई दी, दरवाज़े पर हल्की सी दस्तक हुई और कुछ ही देर में नया ग्राहक सामने आ गया। वह लगभग तीस साल का लंबा, आकर्षक युवक था, सलीके से कपड़े पहने हुए और सुरुचिपूर्ण, लेकिन उसके हाव-भाव में एक छात्र की शर्म झलक रही थी, न कि किसी अनुभवी व्यक्ति का आत्मविश्वास। उसने होम्स से हाथ मिलाया और फिर कुछ हैरानी से मेरी तरफ देखा।

“यह मामला बहुत ही संवेदनशील है, श्री होम्स,” उन्होंने कहा। “प्रोफेसर प्रेसबरी के साथ मेरे निजी और सार्वजनिक संबंधों पर विचार कीजिए। किसी तीसरे व्यक्ति के सामने बोलने पर मैं शायद ही खुद को सही ठहरा पाऊंगा।”

"चिंता न करें, श्रीमान बेनेट। डॉ. वॉटसन विवेक की साक्षात मूर्ति हैं, और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह एक ऐसा मामला है जिसमें मुझे सहायक की आवश्यकता पड़ने की पूरी संभावना है।"

"जैसी आपकी इच्छा, श्रीमान होम्स। मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस मामले में मेरी कुछ संशयता को समझेंगे।"

"वॉटसन, आपको यह जानकर अच्छा लगेगा कि यह सज्जन, श्री ट्रेवर बेनेट, महान वैज्ञानिक के पेशेवर सहायक हैं, उन्हीं के घर में रहते हैं और उनकी इकलौती बेटी से सगाई कर चुके हैं। बेशक, हम इस बात से सहमत होंगे कि प्रोफेसर को उनकी वफादारी और निष्ठा का पूरा अधिकार है। लेकिन इस रहस्य को सुलझाने के लिए आवश्यक कदम उठाकर ही इसे बेहतर ढंग से साबित किया जा सकता है।"

“मुझे उम्मीद है, मिस्टर होम्स। मेरा एकमात्र उद्देश्य यही है। क्या डॉ. वॉटसन को स्थिति की जानकारी है?”

मुझे इसे समझाने का समय नहीं मिला है।

"तो शायद बेहतर होगा कि मैं कुछ नए घटनाक्रमों की व्याख्या करने से पहले एक बार फिर से स्थिति का जायजा ले लूं।"

“मैं स्वयं ऐसा करूंगा,” होम्स ने कहा, “ताकि यह साबित हो सके कि मैंने घटनाओं को सही क्रम में रखा है। प्रोफेसर वॉटसन यूरोपीय ख्याति प्राप्त व्यक्ति हैं। उनका जीवन अकादमिक रहा है। उनके जीवन में कभी कोई घोटाला नहीं हुआ। वे विधवा हैं और उनकी एक बेटी है, एडिथ। मुझे पता चला है कि वे बहुत ही जोशीले और सकारात्मक, बल्कि लगभग जुझारू स्वभाव के व्यक्ति हैं। कुछ ही महीने पहले तक स्थिति यही थी।”

फिर उनके जीवन की धारा टूट गई। उनकी उम्र इकसठ वर्ष थी, लेकिन उन्होंने तुलनात्मक शरीर रचना विज्ञान के प्रोफेसर मोर्फी की बेटी से सगाई कर ली। जैसा कि मैं समझता हूँ, यह किसी बुजुर्ग व्यक्ति का तर्कसंगत प्रेम निवेदन नहीं था, बल्कि युवावस्था का जोशीला उन्माद था, क्योंकि इससे अधिक समर्पित प्रेमी कोई नहीं हो सकता था। एलिस मोर्फी मन और शरीर दोनों से बेहद खूबसूरत थीं, इसलिए प्रोफेसर के मोहित होने का पूरा कारण था। फिर भी, उनके अपने परिवार ने इसे पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया।

हमारे आगंतुक ने कहा, "हमें यह कुछ ज्यादा ही लगा।"

“बिल्कुल सही। अतिवादी, कुछ हद तक हिंसक और अस्वाभाविक। प्रोफ़ेसर प्रेसबरी धनी थे, इसलिए पिता को कोई आपत्ति नहीं थी। लेकिन बेटी के विचार अलग थे, और उसके लिए पहले से ही कई रिश्ते थे, जो सांसारिक दृष्टि से भले ही कम योग्य थे, लेकिन उम्र में कम से कम बड़े थे। लड़की को प्रोफ़ेसर की सनक के बावजूद वे पसंद थे। बस उम्र ही आड़े आ रही थी।”

“इसी समय के आसपास, प्रोफेसर के सामान्य जीवन में अचानक एक छोटा सा रहस्य छा गया। उन्होंने वह किया जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया था। वे घर छोड़कर चले गए, और यह नहीं बताया कि वे कहाँ जा रहे हैं। वे दो सप्ताह तक बाहर रहे और थके-हारे लौटे। उन्होंने इस बारे में कोई संकेत नहीं दिया कि वे कहाँ गए थे, हालाँकि वे आमतौर पर बेहद स्पष्टवादी व्यक्ति थे। संयोगवश, हमारे मुवक्किल, श्री बेनेट को प्राग में एक सहपाठी का पत्र मिला, जिसमें उसने लिखा था कि वह प्रोफेसर प्रेसबरी को वहाँ देखकर प्रसन्न हुआ, हालाँकि वह उनसे बात नहीं कर पाया। केवल इसी तरह उनके परिवार को पता चला कि वे कहाँ गए थे।”

“अब असली मुद्दे पर आते हैं। उस समय से प्रोफेसर में एक अजीब बदलाव आ गया। वे छिपकर और चालाकी से रहने लगे। उनके आसपास के लोगों को हमेशा यह महसूस होता था कि वे अब वैसे नहीं रहे जैसे पहले थे, बल्कि किसी ऐसी छाया में आ गए हैं जिसने उनके उच्च गुणों को धूमिल कर दिया है। उनकी बुद्धि पर कोई असर नहीं पड़ा था। उनके व्याख्यान पहले की तरह ही शानदार थे। लेकिन हमेशा कुछ नया, कुछ भयावह और अप्रत्याशित होता था। उनकी बेटी, जो उनसे बहुत प्यार करती थी, बार-बार पुराने रिश्ते फिर से कायम करने और अपने पिता के उस मुखौटे को भेदने की कोशिश करती रही, जिसे उन्होंने मानो पहन रखा था। महोदय, जैसा कि मुझे पता चला है, आपने भी यही किया - लेकिन सब व्यर्थ रहा। और अब, श्री बेनेट, अपने शब्दों में उन पत्रों की घटना बताइए।”

“डॉ. वॉटसन, आपको यह समझना होगा कि प्रोफ़ेसर ने मुझसे कुछ भी नहीं छिपाया था। अगर मैं उनका बेटा या छोटा भाई होता, तो भी मुझे उनका पूरा भरोसा

हासिल होता। उनके सचिव के तौर पर, मैं उनके पास आने वाले हर कागज़ को संभालता था और उनके पत्रों को खोलकर अलग-अलग करता था। उनके लौटने के कुछ समय बाद ही यह सब बदल गया। उन्होंने मुझे बताया कि लंदन से कुछ पत्र उनके पास आ सकते हैं जिन पर स्टाम्प के नीचे एक क्रॉस का निशान होगा। ये पत्र केवल उनके लिए ही रखे जाने थे। मैं कह सकता हूँ कि इनमें से कई पत्र मेरे हाथों से गुज़रे, उन पर ई.सी. का निशान था और उनकी लिखावट अनपढ़ जैसी थी। अगर उन्होंने उनका जवाब दिया भी, तो वह जवाब न तो मेरे हाथों से गुजरा और न ही उस पत्र-पेटी में पहुंचा जिसमें हमारे पत्र-व्यवहार जमा होते थे।"

"और वो डिब्बा," होम्स ने कहा।

"आह, हां, वो डिब्बा। प्रोफ़ेसर अपनी यात्रा से एक छोटा सा लकड़ी का डिब्बा लाए थे। यह एकमात्र ऐसी चीज़ थी जिससे महाद्वीपीय यात्रा का आभास होता था, क्योंकि यह उन विचित्र नक्काशीदार चीज़ों में से एक थी जिन्हें जर्मनी से जोड़ा जाता है। उन्होंने इसे अपने यंत्रों की अलमारी में रख दिया। एक दिन, कैनुला ढूंढ़ते समय, मैंने वह डिब्बा उठा लिया। मुझे आश्चर्य हुआ कि वे बहुत क्रोधित थे और मेरी जिज्ञासा के लिए उन्होंने मुझे बहुत कठोर शब्दों में फटकारा। ऐसा पहली बार हुआ था और मुझे बहुत दुख हुआ। मैंने समझाने की कोशिश की कि डिब्बे को छूना महज़ एक दुर्घटना थी, लेकिन पूरी शाम मुझे महसूस होता रहा कि वे मुझे घूर रहे थे और वह घटना उनके मन में खटक रही थी।" श्री बेनेट ने अपनी जेब से एक छोटी डायरी निकाली। "यह 2 जुलाई की बात है," उन्होंने कहा।

होम्स ने कहा, "आप वाकई एक प्रशंसनीय गवाह हैं। मुझे आपके द्वारा नोट की गई कुछ तारीखों की आवश्यकता पड़ सकती है।"

"मैंने अपने महान गुरु से अन्य बातों के साथ-साथ विधि भी सीखी। जब मैंने उसके व्यवहार में असामान्यता देखी, तभी मुझे लगा कि उसके मामले का अध्ययन करना मेरा कर्तव्य है। इसलिए, मेरे पास यहाँ यह जानकारी है कि ठीक उसी दिन, 2 जुलाई को, राय ने प्रोफेसर पर तब हमला किया जब वे अपने अध्ययन कक्ष से हॉल में आ रहे थे। फिर, 11 जुलाई को भी इसी तरह की घटना हुई, और फिर मेरे पास 20 जुलाई को हुई एक और घटना का विवरण है। उसके बाद हमें राय को अस्तबल में भेजना पड़ा। वह एक प्यारा, स्नेही जानवर था - लेकिन मुझे डर है कि मैं आपको थका रहा हूं।"

श्री बेनेट ने फटकार भरे लहजे में बात की, क्योंकि यह स्पष्ट था कि होम्स उनकी बात नहीं सुन रहा था। उसका चेहरा सख्त था और उसकी आँखें छत की ओर टकटकी लगाए हुए थीं। बड़ी मुश्किल से उसने खुद को संभाला।

"अद्भुत! अत्यंत अद्भुत!" उन्होंने धीरे से कहा। "ये विवरण मेरे लिए बिल्कुल नए थे, श्रीमान बेनेट। मुझे लगता है कि हम अब पुरानी बातों को काफी हद तक दोहरा चुके हैं, है ना? लेकिन आपने कुछ नए घटनाक्रमों का जिक्र किया था।"

हमारे आगंतुक का हंसमुख, खुला चेहरा किसी दुखद याद की छाया में उदास हो गया। "जिसकी मैं बात कर रहा हूँ, वह परसों रात को हुआ था," उसने कहा। "मैं सुबह लगभग दो बजे जाग रहा था, तभी मुझे गलियारे से एक धीमी, दबी हुई आवाज़ सुनाई दी। मैंने अपना दरवाज़ा खोला और बाहर झाँका। मुझे यह स्पष्ट करना चाहिए कि प्रोफेसर गलियारे के अंत में सोते हैं—"

"तारीख क्या है?" होम्स ने पूछा।

हमारे आगंतुक को इस तरह के अप्रासंगिक व्यवधान से स्पष्ट रूप से नाराजगी हुई।

"मैंने कहा है, महोदय, कि यह परसों की रात की बात है - यानी 4 सितंबर की।"

होम्स ने सिर हिलाया और मुस्कुराया।

उन्होंने कहा, "प्राथना जारी रखें।"

“वह गलियारे के आखिर में सोता है और सीढ़ियों तक पहुँचने के लिए उसे मेरे दरवाजे से होकर गुज़रना पड़ता। यह सचमुच एक भयानक अनुभव था, मिस्टर होम्स। मुझे लगता है कि मैं अपने पड़ोसियों की तरह ही मजबूत दिल का हूं, लेकिन जो मैंने देखा उससे मैं हिल गया। गलियारा अंधेरा था, सिवाय बीच में बनी एक खिड़की के जिससे थोड़ी सी रोशनी आ रही थी। मैं देख सकता था कि कोई चीज़ गलियारे से आ रही है, कोई काली सी, दबी हुई सी चीज़। फिर अचानक वह रोशनी में आ गई, और मैंने देखा कि वह वही था। वह रेंग रहा था, मिस्टर होम्स - रेंग रहा था! वह पूरी तरह से अपने हाथों और घुटनों के बल नहीं था। बल्कि मैं कहूँ कि वह अपने हाथों और पैरों के बल था, उसका चेहरा उसके हाथों के बीच दबा हुआ था। फिर भी वह आसानी से चलता हुआ लग रहा था। मैं उस दृश्य से इतना स्तब्ध हो गया था कि जब तक वह मेरे दरवाजे तक नहीं पहुँच गया, तब तक मैं आगे बढ़कर उससे मदद मांगने की हिम्मत नहीं कर पाया। उसका जवाब चौंकाने वाला था। वह उछलकर खड़ा हुआ, मुझ पर कुछ अपशब्द बुदबुदाया, और जल्दी से मेरे पास से गुजरकर सीढ़ियों से नीचे चला गया। मैंने लगभग एक घंटे तक इंतजार किया, लेकिन वह चला गया।” वापस नहीं आया। जब वह अपने कमरे में लौटा तब तक शायद उजाला हो चुका था।

"अच्छा, वॉटसन, तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?" होम्स ने एक दुर्लभ नमूना पेश करने वाले रोग विशेषज्ञ के अंदाज में पूछा।

"शायद कमर दर्द। मैंने एक गंभीर दौरे के दौरान एक आदमी को ठीक इसी तरह चलते देखा है, और इससे ज्यादा चिड़चिड़ाहट की बात और कुछ नहीं हो सकती।"

“शाबाश, वॉटसन! तुम हमेशा हमें ज़मीन पर बेबस रखते हो। लेकिन हम कमर दर्द को मुश्किल से ही स्वीकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पल भर में सीधा खड़ा हो गया।”

“उनकी सेहत पहले से कहीं बेहतर है,” बेनेट ने कहा। “दरअसल, वे पिछले कई सालों में जितने तंदुरुस्त रहे हैं, उससे भी ज़्यादा तंदुरुस्त हैं। लेकिन सच्चाई तो यही है, मिस्टर होम्स। यह ऐसा मामला नहीं है जिसमें हम पुलिस से सलाह ले सकें, फिर भी हमें समझ नहीं आ रहा कि क्या करें, और हमें अजीब तरह से लग रहा है कि हम तबाही की ओर बढ़ रहे हैं। एडिथ—मिस प्रेसबरी—भी मेरी तरह ही महसूस करती हैं कि अब हम निष्क्रिय होकर और इंतज़ार नहीं कर सकते।”

“यह वाकई एक बेहद दिलचस्प और विचारोत्तेजक मामला है। वॉटसन, आप क्या सोचते हैं?”

मैंने कहा, “एक चिकित्सक के तौर पर, मुझे लगता है कि यह मामला मनोचिकित्सक के पास जाने लायक है। प्रेम प्रसंग के कारण उस बुजुर्ग सज्जन की मानसिक प्रक्रियाएँ प्रभावित हुई थीं। उन्होंने इस जुनून से मुक्ति पाने की उम्मीद में विदेश यात्रा की। उनके पत्र और बक्सा किसी अन्य निजी लेन-देन से संबंधित हो सकते हैं—शायद कोई ऋण, या शेयर प्रमाणपत्र, जो बक्से में हैं।”

और वुल्फहाउंड को यह वित्तीय सौदा निस्संदेह पसंद नहीं आया होगा। नहीं, नहीं, वॉटसन, इसमें इससे कहीं अधिक कुछ है। अब, मैं केवल सुझाव दे सकता हूँ—"

शर्लक होम्स क्या कहने वाले थे, यह कभी पता नहीं चल पाएगा, क्योंकि उसी क्षण दरवाजा खुला और एक युवती कमरे में आई। उसके आते ही श्री बेनेट खुशी से चिल्लाते हुए उठे और आगे बढ़कर उन हाथों से हाथ मिलाने के लिए दौड़े जो युवती ने खुद फैला रखे थे।

“एडिट, प्यारी! उम्मीद है सब ठीक है?”

मुझे लगा कि मुझे तुम्हारा पीछा करना चाहिए। ओह, जैक, मैं बहुत बुरी तरह डर गई थी! वहाँ अकेले रहना बहुत भयानक है।

"श्री होम्स, यह वही युवती है जिसके बारे में मैंने बात की थी। यह मेरी मंगेतर है।"

"हम धीरे-धीरे इसी निष्कर्ष पर पहुंच रहे थे, है ना, वॉटसन?" होम्स ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया। "मुझे लगता है, मिस प्रेसबरी, कि इस मामले में कुछ नया घटनाक्रम सामने आया है, और आपको लगा कि हमें इसकी जानकारी होनी चाहिए?"

हमारी नई मेहमान, एक प्रतिभाशाली, खूबसूरत और पारंपरिक अंग्रेजी लड़की, ने मिस्टर बेनेट के बगल में बैठते हुए होम्स को देखकर मुस्कुरा दिया।

"जब मुझे पता चला कि मिस्टर बेनेट होटल से निकल चुके हैं, तो मैंने सोचा कि शायद वो यहीं मिलेंगे। वैसे, उन्होंने मुझसे कहा था कि वो आपसे सलाह लेंगे। लेकिन, ओह, मिस्टर होम्स, क्या आप मेरे बेचारे पिता के लिए कुछ नहीं कर सकते?"

"मुझे उम्मीद है, मिस प्रेसबरी, लेकिन मामला अभी भी अस्पष्ट है। शायद आपकी बातें इस पर कुछ नई रोशनी डाल सकें।"

"यह कल रात की बात है, श्रीमान होम्स। वह दिन भर बहुत अजीब व्यवहार कर रहे थे। मुझे यकीन है कि कई बार उन्हें याद नहीं रहता कि वे क्या कर रहे हैं। वे किसी अजीब सपने में जी रहे होते हैं। कल का दिन भी ऐसा ही था। मैं जिनके साथ रह रही थी, वे मेरे पिता नहीं थे। उनका बाहरी रूप तो वैसा ही था, लेकिन असल में वे नहीं थे।"

"क्या हुआ जवाब दो।"

"रात में कुत्ते के ज़ोर-ज़ोर से भौंकने से मेरी नींद खुल गई। बेचारा रॉय, अब उसे अस्तबल के पास जंजीर से बांध दिया गया है। मैं यह कहना चाहूंगी कि मैं हमेशा दरवाज़ा बंद करके सोती हूं; क्योंकि, जैसा कि जैक—जैसा कि मिस्टर बेनेट—आपको बताएंगे, हम सभी को आने वाले खतरे का आभास होता है। मेरा कमरा दूसरी मंज़िल पर है। संयोग से मेरी खिड़की का पर्दा ऊपर था और बाहर तेज़ चाँदनी थी। जब मैं अपनी आँखें उस रोशनी पर गड़ाए लेटी हुई थी और कुत्ते के उन्मादी भौंकने को सुन रही थी, तो मुझे अपने पिता का चेहरा अंदर से मेरी ओर देखते हुए देखकर आश्चर्य हुआ। मिस्टर होम्स, मैं आश्चर्य और भय से लगभग मर ही गई थी। उनका चेहरा खिड़की के शीशे से सटा हुआ था और ऐसा लग रहा था जैसे उनका एक हाथ खिड़की को ऊपर धकेलने के लिए उठा हो। अगर वह खिड़की खुल जाती, तो मुझे लगता है कि मैं पागल हो जाती। यह कोई भ्रम नहीं था, मिस्टर होम्स। ऐसा सोचकर खुद को धोखा मत दीजिए। मैं कह सकती हूँ कि लगभग बीस सेकंड तक मैं सुन्न पड़ी रही और उस चेहरे को देखती रही। फिर वह गायब हो गया, लेकिन मैं—मैं बिस्तर से उठ नहीं पाई।" और उसका ख्याल रखना। मैं सुबह तक ठंड से कांपता रहा। नाश्ते के समय उसका व्यवहार तीखा और उग्र था, और उसने रात की घटना का कोई जिक्र नहीं किया। मैंने भी नहीं किया, लेकिन मैंने शहर आने का बहाना बनाया - और अब मैं यहाँ हूं।

मिस प्रेसबरी के बयान को सुनकर होम्स पूरी तरह से आश्चर्यचकित रह गए।

"मेरी प्यारी युवती, आप कहती हैं कि आपका कमरा दूसरी मंजिल पर है। क्या बगीचे में कोई लंबी सीढ़ी है?"

"नहीं, मिस्टर होम्स, यही तो सबसे आश्चर्यजनक बात है। खिड़की तक पहुंचने का कोई रास्ता ही नहीं था - फिर भी वह वहां मौजूद था।"

होम्स ने कहा, "तारीख 5 सितंबर है। इससे मामला और भी पेचीदा हो जाता है।"

अब युवती की बारी थी आश्चर्यचकित होने की। बेनेट ने कहा, "मिस्टर होम्स, आपने दूसरी बार इस तारीख का जिक्र किया है। क्या इसका इस मामले से कोई संबंध हो सकता है?"

"यह संभव है - बहुत संभव है - लेकिन फिलहाल मेरे पास पूरी सामग्री नहीं है।"

"शायद आप पागलपन और चंद्रमा की कलाओं के बीच संबंध के बारे में सोच रहे हैं?"

“नहीं, मैं आपको यकीन दिलाता हूँ। यह बिल्कुल अलग सोच थी। हो सकता है आप अपनी नोटबुक मेरे पास छोड़ दें, मैं तारीखें देख लूँगा। अब मुझे लगता है, वॉटसन, कि हमारी कार्ययोजना एकदम स्पष्ट है। इस युवती ने हमें बताया है—और मुझे उसकी अंतर्दृष्टि पर पूरा भरोसा है—कि उसके पिता को कुछ खास तारीखों की बातें बहुत कम या बिल्कुल याद नहीं रहतीं। इसलिए हम उनसे ऐसे मिलेंगे जैसे उन्होंने हमें उस तारीख को मिलने का समय दिया हो। वे इसे अपनी याददाश्त की कमी का कारण बताएंगे। इस तरह हम उनसे करीब से मिलकर अपना अभियान शुरू करेंगे।”

श्री बेनेट ने कहा, "यह बहुत बढ़िया है। हालांकि, मैं आपको चेतावनी देना चाहता हूं कि प्रोफेसर कभी-कभी चिड़चिड़े और हिंसक हो जाते हैं।"

होम्स मुस्कुराया। “हमारे तुरंत आने के कई कारण हैं—अगर मेरी थ्योरी सही है तो बहुत ठोस कारण हैं। कल, मिस्टर बेनेट, कैमफोर्ड में हमसे ज़रूर मिलेंगे। अगर मुझे सही याद है, तो वहाँ चेकर नाम का एक सराय है जहाँ पोर्ट वाइन बहुत बढ़िया हुआ करती थी और कपड़े बेदाग थे। मुझे लगता है, वॉटसन, कि अगले कुछ दिन हमें शायद कम सुखद जगहों पर बिताने पड़ेंगे।”

सोमवार की सुबह हम उस मशहूर विश्वविद्यालय शहर की ओर रवाना हुए—होम्स के लिए यह आसान था, क्योंकि उन्हें कहीं जाना नहीं था, लेकिन मेरे लिए यह एक मुश्किल भरा सफर था, क्योंकि उस समय तक मेरा काम काफी बढ़ चुका था। होम्स ने उस मामले का ज़िक्र तब तक नहीं किया, जब तक हमने अपने सूटकेस उस पुराने हॉस्टल में नहीं रख दिए, जिसके बारे में उन्होंने बात की थी।

"मुझे लगता है, वॉटसन, कि हम दोपहर के भोजन से ठीक पहले प्रोफेसर से मिल सकते हैं। उनका व्याख्यान ग्यारह बजे होता है और उन्हें घर पर थोड़ा आराम करना चाहिए।"

"हमारे पास फोन करने का क्या बहाना हो सकता है?"

होम्स ने अपनी नोटबुक पर एक नज़र डाली।

26 अगस्त को काफी हलचल मची हुई थी। हम मान लेते हैं कि ऐसे समय में वह क्या करता है, इस बारे में वह थोड़ा असमंजस में है। अगर हम इस बात पर ज़ोर दें कि हम तय समय पर आए हैं, तो मुझे लगता है कि वह शायद ही हमारा विरोध करने की हिम्मत करेगा। क्या आपमें इसे साबित करने का साहस है?

हम केवल प्रयास ही कर सकते हैं।

“बहुत बढ़िया, वॉटसन! बिज़ी बी और एक्सेलसियर का संयोजन। हम कोशिश तो कर ही सकते हैं—यह हमारी कंपनी का आदर्श वाक्य है। कोई मित्रवत स्थानीय व्यक्ति हमारा मार्गदर्शन अवश्य करेगा।”

एक शानदार गाड़ी में सवार एक व्यक्ति हमें प्राचीन कॉलेजों की एक कतार के पास से ले गया और अंत में पेड़ों से घिरी सड़क पर आकर एक आकर्षक घर के दरवाज़े पर रुका, जो चारों ओर से लॉन से घिरा था और बैंगनी विस्टेरिया से ढका हुआ था। प्रोफेसर प्रेसबरी न केवल आराम बल्कि विलासिता के हर संकेत से घिरे हुए थे। जैसे ही हम वहाँ पहुंचे, सामने की खिड़की से एक अधेड़ उम्र का चेहरा दिखाई दिया, और हमने घनी भौंहों के नीचे से तेज निगाहों की एक जोड़ी को बड़े सींग के चश्मे से हमें घूरते हुए देखा। एक पल बाद हम वास्तव में उनके पवित्र स्थान में थे, और वह रहस्यमय वैज्ञानिक, जिसकी सनक हमें लंदन से यहाँ तक लाई थी, हमारे सामने खड़ा था। उनके व्यवहार या रूप में सनक का कोई संकेत नहीं था, क्योंकि वे एक मोटे, बड़े चेहरे वाले, गंभीर, लंबे और फ्रॉक-कोट पहने हुए व्यक्ति थे, जिनमें एक व्याख्याता के

लिए आवश्यक गरिमा थी। उनकी आँखें उनकी सबसे उल्लेखनीय विशेषता थीं, तेज, चौकस और धूर्तता की हद तक चतुर।

उन्होंने हमारे कार्ड देखे। “कृपया बैठ जाइए, सज्जनों। मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं?”

श्री होम्स ने सौहार्दपूर्ण मुस्कान के साथ जवाब दिया।

"यही सवाल मैं आपसे पूछने वाला था, प्रोफेसर।"

"मुझे, महोदय!"

"शायद कोई गलती हो गई है। मैंने किसी दूसरे व्यक्ति से सुना है कि कैमफोर्ड के प्रोफेसर प्रेसबरी को मेरी सेवाओं की आवश्यकता है।"

“ओह, बिल्कुल!” मुझे लगा जैसे उसकी गहरी भूरी आँखों में एक शरारती चमक थी। “तुमने यह सुना, है ना? क्या मैं तुम्हारे मुखबिर का नाम पूछ सकता हूँ?”

“माफ़ कीजिए, प्रोफ़ेसर, लेकिन मामला काफ़ी गोपनीय था। अगर मुझसे कोई गलती हुई है तो कोई नुकसान नहीं हुआ है। मैं केवल खेद व्यक्त कर सकता हूँ।”

“बिल्कुल नहीं। मैं इस मामले की और गहराई से जांच करना चाहूंगा। इसमें मेरी रुचि है। क्या आपके पास अपने दावे को साबित करने के लिए कोई लिखित दस्तावेज, कोई पत्र या टेलीग्राम है?”

"नहीं, मेरे पास नहीं है।"

"मुझे लगता है कि आप इतनी दूर तक नहीं जाएंगे कि यह दावा करें कि मैंने आपको बुलाया था?"

होम्स ने कहा, "मैं किसी भी सवाल का जवाब न देना पसंद करूंगा।"

“नहीं, मुझे तो ऐसा नहीं लगता,” प्रोफेसर ने कड़े स्वर में कहा। “लेकिन उस विशेष प्रश्न का उत्तर आपकी सहायता के बिना भी बहुत आसानी से दिया जा सकता है।”

वह कमरे के उस पार घंटी की ओर चला गया। हमारे लंदन स्थित मित्र श्री बेनेट ने घंटी का जवाब दिया।

"अंदर आइए, श्रीमान बेनेट। ये दोनों सज्जन लंदन से इस धारणा के साथ आए हैं कि उन्हें बुलाया गया है। आप मेरे सभी पत्राचार संभालते हैं। क्या आपके पास होम्स नाम के किसी व्यक्ति को भेजे जाने वाले किसी पत्र का कोई विवरण है?"

“जी नहीं, महोदय,” बेनेट ने शर्म से लाल होते हुए उत्तर दिया।

“यह तो निर्णायक है,” प्रोफेसर ने मेरे साथी को गुस्से से घूरते हुए कहा। “अब, महोदय”—वे मेज पर दोनों हाथ रखकर आगे झुके—“मुझे लगता है कि आपकी स्थिति बहुत ही संदिग्ध है।”

होम्स ने अपने कंधे उचका दिए।

मैं केवल यही दोहरा सकता हूं कि मुझे खेद है कि हमने अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप किया।

“काफी नहीं है, मिस्टर होम्स!” बूढ़े आदमी ने तीखी चीखती हुई आवाज में चिल्लाया, उसके चेहरे पर असाधारण दुर्भावना थी। बोलते-बोलते वह हमारे और दरवाजे के बीच आ गया और उसने गुस्से में अपने दोनों हाथ हमारी तरफ हिलाए। “तुम इतनी आसानी से इससे बच नहीं सकते।” उसका चेहरा फड़क रहा था और वह गुस्से में हम पर हंसता और बड़बड़ाता रहा। मुझे यकीन है कि अगर मिस्टर बेनेट ने बीच-बचाव न किया होता तो हमें कमरे से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करना पड़ता।

“मेरे प्रिय प्रोफेसर,” वह चिल्लाया, “अपनी स्थिति पर विचार कीजिए! विश्वविद्यालय में हुए इस घोटाले पर गौर कीजिए! श्री होम्स एक जाने-माने व्यक्ति हैं। आप उनके साथ इस तरह का असभ्य व्यवहार नहीं कर सकते।”

हमारे मेज़बान (अगर मैं उन्हें मेज़बान कहूँ तो) ने नाराज़गी से दरवाज़े तक का रास्ता साफ़ किया। घर के बाहर और पेड़ों से घिरी शांत सड़क पर पहुँचकर हमें बहुत खुशी हुई। होम्स इस घटना से बहुत खुश लग रहे थे।

“हमारे विद्वान मित्र का मानसिक संतुलन थोड़ा बिगड़ा हुआ है,” उन्होंने कहा। “शायद हमारा दखल थोड़ा असभ्य था, फिर भी हमें वह व्यक्तिगत संपर्क मिल गया जिसकी मुझे चाह थी। लेकिन, हे भगवान, वॉटसन, वह ज़रूर हमारे पीछे पड़ा है। वह बदमाश अभी भी हमारा पीछा कर रहा है।”

पीछे से भागते कदमों की आवाज सुनाई दी, लेकिन मेरी राहत के लिए, वह कोई गंभीर प्रोफेसर नहीं बल्कि उनका सहायक था जो सड़क के मोड़ से निकलता हुआ दिखाई दिया। वह हांफता हुआ हमारी ओर आया।

मुझे बहुत खेद है, श्रीमान होम्स। मैं माफी मांगना चाहता था।

“महोदय, इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। यह सब पेशेवर अनुभव के लिए आवश्यक है।”

“मैंने उसे इससे पहले कभी इतने खतरनाक मूड में नहीं देखा। लेकिन वह और भी ज़्यादा शातिर होता जा रहा है। अब आप समझ सकते हैं कि उसकी बेटी और मैं क्यों चिंतित हैं। फिर भी उसका दिमाग बिल्कुल साफ है।”

“बिल्कुल साफ़!” होम्स ने कहा। “यह मेरी गलती थी। ज़ाहिर है कि उनकी याददाश्त मेरी सोच से कहीं ज़्यादा भरोसेमंद है। वैसे, जाने से पहले क्या हम मिस प्रेसबरी के कमरे की खिड़की देख सकते हैं?”

मिस्टर बेनेट झाड़ियों को हटाते हुए आगे बढ़े, और हमें घर के एक तरफ का दृश्य दिखाई दिया।

“यह वहीं है। बाईं ओर से दूसरा।”

"अरे बाप रे, यहाँ पहुंचना तो मुश्किल ही लगता है। फिर भी आप देखेंगे कि नीचे एक लता है और ऊपर एक पानी का पाइप है, जिससे पैर जमाने की थोड़ी बहुत जगह मिल जाती है।"

श्री बेनेट ने कहा, "मैं खुद इस पर चढ़ नहीं सकता था।"

"बहुत संभावना है। किसी भी सामान्य व्यक्ति के लिए यह निश्चित रूप से एक खतरनाक कारनामा होगा।"

“एक और बात है जो मैं आपको बताना चाहती हूँ, श्रीमान होम्स। मेरे पास लंदन में उस व्यक्ति का पता है जिसे प्रोफेसर पत्र लिखते हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने आज सुबह ही पत्र लिखा था, और मुझे यह उनके सोख्ता कागज से मिला है। एक भरोसेमंद सचिव के लिए यह एक अपमानजनक स्थिति है, लेकिन मैं और क्या कर सकती हूं?”

होम्स ने कागज पर एक नजर डाली और उसे अपनी जेब में रख लिया।

“डोराक – अजीब नाम है। लगता है स्लावोनिक भाषा का होगा। खैर, यह कड़ी का एक अहम हिस्सा है। हम आज दोपहर लंदन लौट रहे हैं, श्री बेनेट। मुझे नहीं लगता कि यहाँ रुकने से कोई फायदा होगा। हम प्रोफेसर को गिरफ्तार नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है, और न ही हम उन्हें हिरासत में रख सकते हैं, क्योंकि यह साबित नहीं हुआ है कि वे पागल हैं। फिलहाल कोई कार्रवाई संभव नहीं है।”

तो फिर हम आखिर करें क्या?

“थोड़ा धैर्य रखिए, श्रीमान बेनेट। हालात जल्द ही सुधरेंगे। अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो अगले मंगलवार को स्थिति गंभीर हो सकती है। उस दिन हम निश्चित रूप से कैमफोर्ड में होंगे। फिलहाल, स्थिति निस्संदेह अप्रिय है, और अगर मिस प्रेसबरी अपनी यात्रा को आगे बढ़ा सकें तो...”

"ओ आसान है।"

“तो उसे तब तक यहीं रहने दो जब तक हम उसे आश्वस्त न कर दें कि सारा खतरा टल गया है। इस बीच, उसे अपना काम करने दो और उसका विरोध मत करो। जब तक वह अच्छे मूड में है, सब ठीक है।”

“देखो, वो रहा!” बेनेट ने चौंकते हुए फुसफुसाया। शाखाओं के बीच से देखते हुए हमने एक लंबे, सीधे खड़े व्यक्ति को हॉल के दरवाजे से निकलते और चारों ओर देखते हुए देखा। वह आगे की ओर झुका हुआ था, उसके हाथ सीधे उसके सामने झूल रहे थे, उसका सिर इधर-उधर घूम रहा था। सचिव ने आखिरी बार हाथ हिलाकर पेड़ों के बीच से निकल गया, और हमने उसे थोड़ी देर बाद अपने मालिक के पास जाते देखा। दोनों घर में दाखिल हुए और ऐसा लग रहा था जैसे वे जोश भरी और उत्साहित बातचीत कर रहे हों।

होटल की ओर चलते हुए होम्स ने कहा, "मुझे लगता है कि उस बुजुर्ग सज्जन को सब कुछ समझ आ गया है। जितना मैंने उन्हें देखा है, उससे मुझे लगता है कि उनका दिमाग बहुत तेज और तर्कसंगत है। बेशक, वह थोड़े गुस्सैल हैं, लेकिन उनके नजरिए से देखें तो अगर जासूस उनके पीछे पड़ गए और उन्हें शक हुआ कि उनके घरवाले ही इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो उनके पास गुस्सा करने का पूरा कारण होगा। मुझे लगता है कि उनके दोस्त बेनेट के लिए आगे का समय मुश्किल भरा होने वाला है।"

होम्स एक डाकघर में रुके और रास्ते में एक टेलीग्राम भेजा। शाम को हमें जवाब मिला और उन्होंने उसे मेरी तरफ फेंक दिया।

मैंने कमर्शियल रोड का दौरा किया और वहां डोरक को देखा। वह एक सभ्य, बिंदास और बुजुर्ग व्यक्ति हैं। उनकी एक बड़ी जनरल स्टोर है।

मर्सर।

होम्स ने कहा, “मर्सर तो आपके समय से ही है। वह मेरा हर काम में मदद करने वाला आदमी है जो रोज़मर्रा के कामों को देखता है। उस आदमी के बारे में कुछ जानना ज़रूरी था जिससे हमारे प्रोफेसर गुप्त रूप से पत्राचार कर रहे थे। उसकी राष्ट्रीयता प्राग यात्रा से जुड़ी हुई है।”

“शुक्र है कि एक चीज़ दूसरी चीज़ से जुड़ी हुई है,” मैंने कहा। “फिलहाल हम कई ऐसी घटनाओं के जाल में फँसे हुए हैं जिनका आपस में कोई संबंध नहीं है। उदाहरण के लिए, एक गुस्सैल भेड़िया कुत्ते और बोहेमिया की यात्रा के बीच क्या संबंध हो सकता है, या फिर रात में किसी गलियारे से रेंगते हुए आदमी के बीच? जहाँ तक आपकी तारीखों की बात है, वह तो सबसे बड़ा रहस्य है।”

होम्स मुस्कुराए और अपने हाथ मलने लगे। हम, जैसा कि मैं कह सकता हूँ, उस प्राचीन होटल के पुराने बैठक कक्ष में बैठे थे, और हमारे बीच मेज पर वही मशहूर शराब की बोतल रखी थी जिसके बारे में होम्स ने बात की थी।

“अच्छा, चलिए पहले तारीखों पर गौर करते हैं,” उन्होंने अपनी उंगलियों को आपस में जोड़ते हुए और ऐसे अंदाज़ में कहा जैसे किसी कक्षा को संबोधित कर रहे हों। “इस प्रतिभाशाली युवक की डायरी से पता चलता है कि 2 जुलाई को अशांति हुई थी, और उसके बाद से ऐसा लगता है कि हर नौ दिन के अंतराल पर अशांति होती रही है, जहाँ तक मुझे याद है, केवल एक अपवाद को छोड़कर। इस प्रकार, शुक्रवार को हुई आखिरी अशांति 3 सितंबर को हुई थी, जो इसी क्रम में आती है, और इससे पहले 26 अगस्त भी इसी क्रम में था। यह महज़ एक संयोग नहीं है।”

मुझे सहमत होने के लिए मजबूर होना पड़ा।

तो चलिए, हम यह अस्थायी सिद्धांत बना लेते हैं कि प्रोफेसर हर नौ दिन में कोई तेज़ नशीली दवा लेते हैं जिसका असर क्षणिक तो होता है लेकिन बेहद ज़हरीला होता है।

इससे उनका स्वाभाविक हिंसक स्वभाव और भी बढ़ जाता है। उन्होंने प्राग में रहते हुए इस दवा का सेवन करना सीखा था और अब लंदन में एक बोहेमियन बिचौलिए के ज़रिए उन्हें यह दवा मिलती है। वॉटसन, ये सारी बातें आपस में मेल खाती हैं!

लेकिन वह कुत्ता, खिड़की पर वह चेहरा, गलियारे में रेंगता हुआ वह आदमी?

“वाह, वाह, हमने शुरुआत कर दी है। मुझे अगले मंगलवार तक किसी नए घटनाक्रम की उम्मीद नहीं है। इस बीच हम केवल अपने मित्र बेनेट के संपर्क में रह सकते हैं और इस मनमोहक शहर की सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं।”

सुबह श्री बेनेट चुपके से हमारे पास ताज़ा खबर लेकर आए। जैसा कि होम्स ने अनुमान लगाया था, उनके लिए समय आसान नहीं था। उन्हें सीधे तौर पर हमारी उपस्थिति के लिए ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन प्रोफ़ेसर अपने भाषण में बहुत कठोर और असभ्य थे, और स्पष्ट रूप से किसी गहरी शिकायत से ग्रस्त थे। हालाँकि, आज सुबह वे बिल्कुल ठीक थे, और उन्होंने भरी हुई कक्षा में अपना हमेशा की तरह शानदार व्याख्यान दिया। बेनेट ने कहा, "उनकी अजीब हरकतों को छोड़कर, उनमें वास्तव में पहले से कहीं अधिक ऊर्जा और स्फूर्ति है, और उनका दिमाग भी पहले से कहीं अधिक तेज़ है। लेकिन यह वे नहीं हैं - यह वह व्यक्ति नहीं है जिसे हम जानते हैं।"

“मुझे नहीं लगता कि आपको कम से कम एक हफ्ते तक डरने की कोई ज़रूरत है,” होम्स ने जवाब दिया। “मैं व्यस्त व्यक्ति हूँ, और डॉ. वॉटसन को अपने मरीज़ों को देखना है। चलिए तय करते हैं कि हम अगले मंगलवार को इसी समय यहाँ मिलें, और मुझे आश्चर्य होगा अगर आपसे विदा लेने से पहले हम आपकी समस्याओं का हल निकाल सकें, भले ही शायद उन्हें पूरी तरह से हल न कर सकें। इस बीच, हमें आगे की जानकारी देते रहिएगा।”

अगले कुछ दिनों तक मुझे अपने दोस्त का कोई अता-पता नहीं चला, लेकिन अगले सोमवार शाम को मुझे एक छोटा सा नोट मिला जिसमें उसने मुझे अगले दिन ट्रेन स्टेशन पर मिलने के लिए कहा था। कैमफोर्ड जाते समय उसने मुझे बताया कि सब ठीक था, प्रोफेसर के घर की शांति भंग नहीं हुई थी और उसका व्यवहार बिल्कुल सामान्य था। यही जानकारी हमें श्री बेनेट ने भी दी जब वे उसी शाम चेकर स्थित हमारे पुराने क्वार्टर में हमसे मिलने आए। “आज उन्हें अपने लंदन के संवाददाता से संदेश मिला। एक पत्र था और एक छोटा सा पैकेट था, दोनों पर मुहर के नीचे क्रॉस का निशान था जो मुझे उन्हें न छूने की चेतावनी दे रहा था। इसके अलावा और कुछ नहीं मिला।”

“शायद इतना काफी होगा,” होम्स ने गंभीर स्वर में कहा। “अब, मिस्टर बेनेट, मुझे लगता है कि हम आज रात किसी नतीजे पर पहुँच जाएँगे। अगर मेरा अनुमान सही है, तो हमें मामले को सुलझाने का मौका मिलेगा। इसके लिए प्रोफ़ेसर पर नज़र रखना ज़रूरी है। इसलिए, मेरा सुझाव है कि आप जागते रहें और सतर्क रहें। अगर आप उन्हें अपने दरवाजे के पास से गुजरते हुए सुनें, तो उन्हें टोकना मत, बल्कि जितना हो सके चुपके से उनका पीछा करना। डॉ. वॉटसन और मैं ज़्यादा दूर नहीं होंगे। वैसे, आपने जिस छोटे से बक्से की बात की थी, उसकी चाबी कहाँ है?”

"उसकी घड़ी की चेन पर।"

“मुझे लगता है कि हमारी जांच इसी दिशा में होनी चाहिए। सबसे खराब स्थिति में भी ताला बहुत मजबूत नहीं होना चाहिए। क्या परिसर में कोई और सक्षम व्यक्ति मौजूद है?”

“वो रहा कोचवान, मैकफेल।”

वह कहाँ सोता है?

"अस्तबल के ऊपर।"

“हो सकता है हमें उसकी ज़रूरत पड़े। खैर, जब तक हम हालात का जायज़ा नहीं लेते, तब तक हम और कुछ नहीं कर सकते। अलविदा – लेकिन मुझे उम्मीद है कि हम सुबह होने से पहले आपसे मिलेंगे।”

लगभग आधी रात हो चुकी थी जब हमने प्रोफेसर के हॉल के दरवाजे के ठीक सामने झाड़ियों के बीच अपनी जगह ली। रात सुहावनी थी, पर सर्द थी, और हमें अपने गर्म ओवरकोट से राहत मिली। हल्की हवा चल रही थी, और बादल आसमान में इधर-उधर भाग रहे थे, जो कभी-कभी आधे चांद को ढक लेते थे। अगर हमारे अंदर उम्मीद और उत्साह न होता, और मेरे साथी के इस आश्वासन का सहारा न होता कि हम शायद उन विचित्र घटनाओं के अंत तक पहुंच चुके हैं जिन्होंने हमारा ध्यान आकर्षित किया था, तो यह एक निराशाजनक जागरण होता।

“अगर नौ दिनों का चक्र सही साबित होता है, तो आज रात प्रोफ़ेसर की हालत सबसे ख़राब होगी,” होम्स ने कहा। “ये अजीब लक्षण प्राग की यात्रा के बाद शुरू हुए, वो लंदन के एक बोहेमियन व्यापारी से गुप्त रूप से पत्राचार कर रहे हैं, जो संभवतः प्राग में किसी का प्रतिनिधित्व करता है, और उन्हें आज ही उससे एक पैकेट मिला है, ये सभी बातें एक ही ओर इशारा करती हैं। वो क्या लेते हैं और क्यों लेते हैं, यह अभी तक हमारी समझ से परे है, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह किसी न किसी तरह प्राग से जुड़ा है। वो इसे कुछ निश्चित निर्देशों के तहत लेते हैं जो इस नौवें दिन की प्रणाली को नियंत्रित करते हैं, यही वो पहला बिंदु था जिसने मेरा ध्यान आकर्षित किया। लेकिन उनके लक्षण बहुत ही उल्लेखनीय हैं। क्या आपने उनकी उंगलियों के जोड़ों को देखा?”

मुझे यह स्वीकार करना पड़ा कि मैंने ऐसा नहीं किया था।

“मोटा और सख्त, एक ऐसे तरीके से जो मेरे अनुभव में बिलकुल नया है। हमेशा पहले हाथों को देखो, वॉटसन। फिर कफ़, पतलून के घुटने और जूते। बहुत ही अजीबोगरीब उंगलियों के जोड़, जिन्हें केवल उसी क्रम से समझाया जा सकता है जो देखा गया है—” होम्स रुका और अचानक अपना हाथ माथे पर रख लिया। “ओह, वॉटसन, वॉटसन, मैं कितना मूर्ख रहा हूं! यह अविश्वसनीय लगता है, और फिर भी यह सच होना चाहिए। सब कुछ एक ही दिशा में इशारा करता है। मैं विचारों के इस जुड़ाव को कैसे नहीं देख पाया? वे उंगलियों के जोड़, मैं उन्हें कैसे नज़रअंदाज़ कर गया? और कुत्ता! और लता! अब समय आ गया है कि मैं अपने सपनों के उस छोटे से खेत में गायब हो जाऊं। सावधान रहो, वॉटसन! वह रहा! हमें खुद देखने का मौका मिलेगा।”

हॉल का दरवाज़ा धीरे से खुला और लैंप की रोशनी में हमें प्रोफेसर प्रेसबरी की लंबी आकृति दिखाई दी। उन्होंने ड्रेसिंग गाउन पहना हुआ था। दरवाजे पर खड़े होकर उनकी आकृति स्पष्ट दिखाई दे रही थी, वे सीधे खड़े थे लेकिन आगे की ओर झुके हुए थे और उनकी बाहें लटकी हुई थीं, ठीक वैसे ही जैसे हमने उन्हें पिछली बार देखा था।

अब वह आगे बढ़कर ड्राइववे में दाखिल हुआ, और उसमें एक असाधारण बदलाव आया। वह घुटनों के बल बैठ गया और हाथों और पैरों के बल आगे बढ़ने लगा, बीच-बीच में उछलता हुआ मानो ऊर्जा और स्फूर्ति से भरा हो। वह घर के सामने से होते हुए कोने की ओर मुड़ गया। उसके गायब होते ही बेनेट चुपके से हॉल के दरवाजे से निकलकर उसके पीछे-पीछे चला गया।

“आओ, वॉटसन, आओ!” होम्स चिल्लाया, और हम झाड़ियों के बीच से जितना हो सके दबे पांव निकल पड़े, जब तक कि हम एक ऐसी जगह पर नहीं पहुंच गए जहां से हमें घर का दूसरा हिस्सा दिखाई दे रहा था, जो अर्धचंद्र की रोशनी में नहाया हुआ था। प्रोफ़ेसर बेलों से ढकी दीवार के नीचे दुबके हुए साफ़ दिखाई दे रहे थे। जैसे ही हमने उन्हें देखा, वे अचानक अविश्वसनीय फुर्ती से उस पर चढ़ने लगे। एक डाल से दूसरी डाल पर उछलते हुए, मज़बूत पैरों और दृढ़ पकड़ के साथ, मानो अपनी क्षमताओं पर

आनंदित होकर चढ़ रहे हों, बिना किसी निश्चित लक्ष्य के। उनके ड्रेसिंग गाउन दोनों ओर फड़फड़ा रहे थे, वे अपने ही घर की दीवार से चिपके हुए किसी विशाल चमगादड़ की तरह लग रहे थे, चाँदनी में नहाए दीवार पर एक बड़ा चौकोर काला धब्बा। थोड़ी देर बाद वे इस मजे से ऊब गए, और एक डाल से दूसरी डाल पर गिरते हुए, वे अपनी पुरानी मुद्रा में बैठ गए और अस्तबल की ओर बढ़ गए, उसी अजीब तरीके से रेंगते हुए जैसे पहले। वुल्फहाउंड अब बाहर आ गया था, ज़ोर-ज़ोर से भौंक रहा था, और अपने मालिक को देखते ही पहले से कहीं ज़्यादा उत्साहित हो गया था। वह अपनी जंजीर को खींच रहा था और बेचैनी व क्रोध से कांप रहा था। प्रोफेसर बड़ी सावधानी से कुत्ते की पहुंच से कुछ दूरी पर नीचे बैठ गए और उसे हर संभव तरीके से उकसाने लगे। उन्होंने ड्राइववे से मुट्ठी भर कंकड़ उठाए और कुत्ते के चेहरे पर फेंके, एक छड़ी उठाकर उसे कुरेदा, खुले मुंह से कुछ ही इंच की दूरी पर अपने हाथ हिलाए और हर तरह से उस जानवर के क्रोध को बढ़ाने की कोशिश की, जो पहले से ही बेकाबू था। अपने सभी अनुभवों में मैंने कभी भी इससे अधिक विचित्र दृश्य नहीं देखा होगा कि कैसे एक शांत और गरिमामय व्यक्ति मेंढक की तरह जमीन पर बैठा हुआ, अपने सामने उग्र रूप से उत्पात मचा रहे पागल कुत्ते को तरह-तरह की चालाकी और सोची-समझी क्रूरता से और भी उग्र रूप से भड़का रहा था।

और फिर पल भर में वो हो गया! जंज़ीर नहीं टूटी, बल्कि पट्टा फिसल गया, क्योंकि वो मोटी गर्दन वाले न्यूफ़ाउंडलैंड कुत्ते के लिए बना था। हमें धातु के गिरने की खड़खड़ाहट सुनाई दी, और अगले ही पल कुत्ता और आदमी ज़मीन पर एक साथ लोट रहे थे, एक गुस्से से दहाड़ रहा था, दूसरा डर से चीख रहा था। प्रोफ़ेसर की जान बाल-बाल बची। उस खूंखार जानवर ने उनका गला पकड़ रखा था, उसके दांत गहरे धंस गए थे, और हमारे पहुँचने और दोनों को अलग करने से पहले ही वो बेहोश हो गए थे। हमारे लिए यह एक खतरनाक काम हो सकता था, लेकिन बेनेट की आवाज़ और मौजूदगी ने उस बड़े भेड़िये जैसे कुत्ते को तुरंत होश में ला दिया। शोर सुनकर अस्तबल के ऊपर बने अपने कमरे से नींद में डूबा और हैरान कोचवान उठ खड़ा हुआ। "मुझे हैरानी नहीं है," उसने सिर हिलाते हुए कहा। "मैंने उसे पहले भी ऐसा करते देखा है। मुझे पता था कि कुत्ता उसे पकड़ ही लेगा।"

कुत्ते को काबू में कर लिया गया और हम दोनों मिलकर प्रोफेसर को उनके कमरे तक ले गए, जहाँ चिकित्सा की डिग्री प्राप्त बेनेट ने उनके फटे हुए गले पर पट्टी बाँधने में मेरी मदद की। नुकीले दांत कैरोटिड धमनी के बेहद करीब पहुँच गए थे और रक्तस्राव गंभीर था। आधे घंटे में खतरा टल गया, मैंने मरीज को मार्फिया का इंजेक्शन दिया और वह गहरी नींद में सो गए। तब, और केवल तभी, हम एक-दूसरे को देख पाए और स्थिति का जायजा ले पाए।

मैंने कहा, "मुझे लगता है कि एक प्रथम श्रेणी के सर्जन को उसकी जांच करनी चाहिए।"

“भगवान के लिए, नहीं!” बेनेट चिल्लाई। “फिलहाल यह बदनामी हमारे घर तक ही सीमित है। हमारे साथ यह सुरक्षित है। अगर यह इन दीवारों से बाहर फैल गई तो कभी नहीं रुकेगी। विश्वविद्यालय में उनकी स्थिति, यूरोप में उनकी प्रतिष्ठा, उनकी बेटी की भावनाओं के बारे में सोचिए।”

“बिल्कुल सही,” होम्स ने कहा। “मुझे लगता है कि इस मामले को अपने तक ही सीमित रखना और अब जब हमारे पास पूरी छूट है, तो इसकी पुनरावृत्ति को रोकना संभव हो सकता है। घड़ी की माला से चाबी निकालिए, श्री बेनेट। मैकफेल मरीज़ की निगरानी करेगा और हमें किसी भी बदलाव की सूचना देगा। चलिए देखते हैं कि प्रोफेसर के रहस्यमय बक्से में हमें क्या मिलता है।”

सामान ज़्यादा तो नहीं था, लेकिन काफ़ी था—एक खाली शीशी, दूसरी लगभग भरी हुई, एक हाइपोडर्मिक सिरिंज, और कुछ चिट्ठियाँ जो किसी विदेशी की टेढ़ी-मेढ़ी लिखावट में थीं। लिफ़ाफ़ों पर लगे निशानों से पता चलता था कि ये वही थे जिन्होंने सचिव के रोज़मर्रा के काम में खलल डाला था, और हर एक पर कमर्शियल रोड की तारीख़ लिखी थी और उस पर "ए. डोराक" के हस्ताक्षर थे। ये महज़ चालान थे जिनमें प्रोफ़ेसर प्रेसबरी को एक नई बोतल भेजे जाने का ज़िक्र था, या पैसे मिलने की रसीद। हालाँकि, एक और लिफ़ाफ़ा था, जो ज़्यादा सलीके से लिखा हुआ था और उस पर ऑस्ट्रिया का स्टाम्प और प्राग का पोस्टमार्क लगा था। "यही तो हमारा सामान है!" होम्स चिल्लाया और उसने लिफ़ाफ़ा फाड़ दिया।

सम्मानित सहकर्मी [यह चला]:

आपकी सम्मानित यात्रा के बाद से मैंने आपके मामले पर काफी विचार किया है, और यद्यपि आपकी परिस्थितियों में उपचार के कुछ विशेष कारण हैं, फिर भी मैं सावधानी बरतने की सलाह दूंगा, क्योंकि मेरे परिणामों से पता चला है कि यह किसी न किसी प्रकार के खतरे से रहित नहीं है।

यह संभव है कि मानव जैसे प्राणी का सीरम बेहतर होता। जैसा कि मैंने आपको समझाया, मैंने काले चेहरे वाले लंगूर का उपयोग किया है क्योंकि उसका एक नमूना उपलब्ध था। लंगूर स्वाभाविक रूप से रेंगने और चढ़ने वाला प्राणी है, जबकि मानव जैसे प्राणी सीधे चलते हैं और हर तरह से अधिक निकट होते हैं।

मैं आपसे निवेदन करता हूं कि प्रक्रिया के बारे में समय से पहले कोई जानकारी सार्वजनिक न हो, इसके लिए हर संभव सावधानी बरतें। इंग्लैंड में मेरा एक और ग्राहक है, और डोराक दोनों के लिए मेरा एजेंट है।

साप्ताहिक रिपोर्ट उपलब्ध रहेगी।

आपका हार्दिक धन्यवाद,

एच. लोवेनस्टीन।

लोवेनस्टीन! यह नाम सुनते ही मुझे अखबार की एक छोटी सी खबर याद आ गई, जिसमें एक गुमनाम वैज्ञानिक का जिक्र था जो किसी अज्ञात तरीके से कायाकल्प और जीवन के अमृत की खोज में लगा हुआ था। प्राग का लोवेनस्टीन! लोवेनस्टीन, जिसने चमत्कारिक शक्तिवर्धक सीरम बनाया था, जिसे वैज्ञानिक समुदाय ने वर्जित कर दिया था क्योंकि उसने इसके स्रोत का खुलासा करने से इनकार कर दिया था। मैंने संक्षेप में वही कहा जो मुझे याद था। बेनेट ने अलमारी से प्राणी विज्ञान की एक पुस्तिका उठाई। " 'लंगूर,' उसने पढ़ा। " 'हिमालय की ढलानों का विशाल काले चेहरे वाला बंदर, चढ़ाई करने वाले बंदरों में सबसे बड़ा और सबसे अधिक मानवाकार। कई विवरण जोड़े गए हैं। खैर, श्री होम्स, आपकी बदौलत यह स्पष्ट हो गया है कि हमने बुराई के स्रोत का पता लगा लिया है।"

"असली वजह तो उस असमय प्रेम प्रसंग में छिपी है, जिसने हमारे उतावले प्रोफेसर को यह विचार दिया कि वह अपनी इच्छा तभी पूरी कर सकता है जब वह खुद को जवान बना ले। जब कोई प्रकृति से ऊपर उठने की कोशिश करता है, तो वह उससे नीचे गिर जाता है। सबसे ऊंचा दर्जे का इंसान भी अगर नियति के सीधे रास्ते से भटक जाए, तो पशुवत हो सकता है।" वह कुछ देर तक शीशी हाथ में लिए, उसमें भरे साफ़ तरल को देखते हुए सोचते रहे। "जब मैं इस आदमी को पत्र लिखकर बता दूंगा कि मैं उसे उसके द्वारा फैलाए जा रहे ज़हर के लिए आपराधिक रूप से ज़िम्मेदार मानता हूं, तो हमें कोई परेशानी नहीं होगी। लेकिन यह फिर से हो सकता है। दूसरे लोग बेहतर रास्ता खोज सकते हैं। वहाँ खतरा है—मानवता के लिए एक बहुत बड़ा खतरा। सोचो, वॉटसन, कि भौतिक, कामुक, सांसारिक सभी अपने व्यर्थ जीवन को लंबा खींचते रहेंगे।

आध्यात्मिक किसी उच्चतर की पुकार को नहीं टालेंगे। यह सबसे अयोग्य का अस्तित्व होगा। हमारी यह बेचारी दुनिया किस तरह का गंदा गड्ढा बन सकती है?" अचानक वह स्वप्नद्रष्टा गायब हो गया, और कर्मठ होम्स अपनी कुर्सी से उछल पड़े। "मुझे लगता है कि अब और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है, श्री बेनेट। अब ये सारी घटनाएँ आसानी से पूरी कहानी में समा जाएंगी। कुत्ते को तो आपसे कहीं ज़्यादा जल्दी बदलाव का एहसास हो गया था। उसकी सूंघने की शक्ति इस बात की पुष्टि करती है। रॉय ने बंदर पर हमला किया था, प्रोफ़ेसर पर नहीं, ठीक वैसे ही जैसे बंदर ने ही रॉय को छेड़ा था। चढ़ना उस जीव को बहुत पसंद था, और मुझे लगता है कि महज़ एक संयोग ही था कि इसी शौक ने उसे उस युवती की खिड़की तक पहुंचा दिया। शहर के लिए सुबह की ट्रेन है, वॉटसन, लेकिन मुझे लगता है कि ट्रेन पकड़ने से पहले हमारे पास चेकर में एक कप चाय पीने का समय होगा।"

शेर की अयाल का रोमांच

यह अत्यंत विचित्र बात है कि एक ऐसी समस्या, जो निश्चित रूप से मेरे लंबे पेशेवर जीवन में अब तक की सबसे जटिल और असामान्य समस्याओं में से एक थी, मेरे सेवानिवृत्ति के बाद मेरे सामने आई और मानो मेरे दरवाजे तक आ पहुँची। यह घटना मेरे ससेक्स स्थित छोटे से घर में लौटने के बाद घटी, जब मैंने स्वयं को प्रकृति के उस सुखदायक जीवन में पूरी तरह से समर्पित कर दिया था, जिसकी मुझे लंदन के अंधकारमय जीवन में बिताए वर्षों के दौरान अक्सर लालसा रहती थी। मेरे जीवन के इस दौर में, भले वॉटसन लगभग मेरी जान से विदा हो चुके थे। कभी-कभार सप्ताहांत में उनका आना ही मेरी उनसे मुलाकात का एकमात्र जरिया था। इसलिए मुझे स्वयं ही अपनी कहानी सुनानी होगी। आह! काश वे मेरे साथ होते, तो वे इस अद्भुत घटना और हर कठिनाई पर मेरी अंतिम विजय के बारे में कितना कुछ जानते! लेकिन फिलहाल, मुझे अपनी कहानी अपने सरल शब्दों में ही सुनानी होगी, अपने शब्दों से उस कठिन राह के हर कदम को दर्शाना होगा जो शेर की अयाल के रहस्य की खोज में मेरे सामने थी।

मेरा विला पहाड़ियों के दक्षिणी ढलान पर स्थित है, जहाँ से इंग्लिश चैनल का शानदार नज़ारा दिखता है। इस तटरेखा पर पूरी तरह से चूने की चट्टानें हैं, जिन तक पहुँचने का एकमात्र रास्ता एक लंबा, घुमावदार और ढलानदार है। रास्ते के अंत में सौ गज तक कंकड़ और बजरी फैली रहती है, यहाँ तक कि जब ज्वार अपने चरम पर होता है तब भी। हालांकि, कहीं-कहीं मोड़ और गड्ढे हैं जो सुंदर स्विमिंग पूल बनाते हैं, जो हर बार ज्वार आने पर नए सिरे से भर जाते हैं। यह मनमोहक समुद्र तट हर दिशा में कई मील तक फैला हुआ है, सिवाय एक बिंदु के जहाँ फुलवर्थ की छोटी खाड़ी और गाँव तटरेखा को तोड़ते हैं।

मेरा घर सुनसान है। मैं, मेरी बूढ़ी नौकरानी और मेरी मधुमक्खियाँ, इस पूरी जागीर में अकेले रहते हैं। हालांकि, आधी मील दूर हेरोल्ड स्टैकहर्स्ट का प्रसिद्ध कोचिंग संस्थान, द गेबल्स है, जो काफी बड़ा है और जहाँ कई प्रशिक्षकों के साथ विभिन्न व्यवसायों की तैयारी कर रहे लगभग बीस युवा छात्र प्रशिक्षण ले रहे हैं। स्टैकहर्स्ट स्वयं अपने समय में एक प्रसिद्ध ब्लू रोइंग खिलाड़ी थे और एक उत्कृष्ट सर्वगुण संपन्न विद्वान थे। जब से मैं तट पर आया, तब से हम दोनों हमेशा मित्रवत रहे और वे एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिनके साथ मेरे इतने अच्छे संबंध थे कि हम बिना बुलाए शाम को एक-दूसरे के घर जा सकते थे।

जुलाई 1907 के अंत में, भयंकर आंधी आई, हवा नदी के बहाव के विपरीत दिशा में बह रही थी, जिससे समुद्र की लहरें चट्टानों की तलहटी तक उमड़ रही थीं और ज्वार

के बदलते ही एक छोटा सा तालाब बन गया था। जिस सुबह की मैं बात कर रहा हूं, उस सुबह हवा शांत हो गई थी और प्रकृति एकदम साफ और तरोताजा थी। इतने सुहावने दिन में काम करना असंभव था, इसलिए मैंने नाश्ते से पहले ही बाहर निकलकर इस मनमोहक हवा का आनंद लिया। मैं चट्टानी रास्ते पर चला जो समुद्र तट की ओर ढलान पर जाता था। चलते-चलते मुझे पीछे से एक आवाज सुनाई दी, और वहाँ हेरोल्ड स्टैकहर्स्ट हाथ हिलाकर मेरा अभिवादन कर रहे थे।

"क्या शानदार सुबह है, मिस्टर होम्स! मैंने सोचा कि मैं आपको बाहर तक छोड़ दूं।"

"लगता है आप तैरने जा रहे हैं।"

"फिर से अपनी पुरानी हरकतें शुरू कर दी हैं," उसने हंसते हुए अपनी फूली हुई जेब पर हाथ फेरा। "हां। मैकफर्सन जल्दी निकल गया है, और मुझे लगता है कि वह मुझे वहीं मिल जाएगा।"

फिट्ज़रॉय मैकफर्सन विज्ञान के शिक्षक थे, एक नेक और ईमानदार युवक, जिनका जीवन गठिया ज्वर के बाद हृदय रोग से प्रभावित हो गया था। हालांकि, वे जन्मजात खिलाड़ी थे और हर उस खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते थे जिसमें उन्हें ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। वे गर्मी-सर्दी में तैराकी के लिए जाते थे, और चूंकि मैं भी तैराक हूं, इसलिए मैं अक्सर उनके साथ जाता था।

ठीक उसी क्षण हमने उस आदमी को देखा। उसका सिर चट्टान के किनारे से थोड़ा ऊपर दिखाई दिया, जहाँ रास्ता खत्म होता था। फिर उसका पूरा शरीर ऊपर दिखाई दिया, जैसे कोई शराबी लड़खड़ा रहा हो। अगले ही पल उसने अपने हाथ ऊपर उठाए और एक भयानक चीख के साथ मुंह के बल गिर पड़ा। स्टैकहर्स्ट और मैं दौड़े—लगभग पचास गज—और उसे पीठ के बल लिटाया। वह स्पष्ट रूप से मर रहा था। उसकी धुंधली धंसी हुई आँखें और भयानक पीले गाल इसके अलावा कुछ और नहीं बता सकते थे। एक पल के लिए उसके चेहरे पर जीवन की एक झलक आई, और उसने चेतावनी भरे लहजे में दो-तीन शब्द कहे। वे अस्पष्ट और लड़खड़ाते हुए थे, लेकिन मेरे कानों को उनमें से आखिरी शब्द, जो उसके होठों से चीख के साथ निकला, "शेर की अयाल" लगा। यह पूरी तरह से बेतुका और समझ से बाहर था, फिर भी मैं उस आवाज़ को किसी और अर्थ में नहीं बदल सका। फिर वह आधा ज़मीन से उठा, अपने हाथ हवा में उछाले और एक तरफ गिर पड़ा। वह मर चुका था।

मेरे साथी को अचानक हुए इस भयानक दृश्य ने स्तब्ध कर दिया गया, लेकिन जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, मैं पूरी तरह सतर्क था। और ऐसा करना ज़रूरी भी था, क्योंकि जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि हम एक असाधारण मामले के सामने थे। उस व्यक्ति ने केवल अपना बरबरी ओवरकोट, पतलून और बिना फीते वाले कैनवास के जूते पहने हुए थे। जैसे ही वह गिरा, उसका बरबरी ओवरकोट, जो उसने यूं ही अपने कंधों पर डाल रखा था, फिसल गया और उसका धड़ दिख गया। हम उसे अचरज से देखते रह गए। उसकी पीठ पर गहरे लाल रंग की धारियाँ थीं, मानो उसे किसी पतले तार के कोड़े से बुरी तरह पीटा गया हो। जिस औजार से यह सजा दी गई थी, वह स्पष्ट रूप से लचीला था, क्योंकि उसके कंधों और पसलियों पर लंबे, गहरे निशान बने हुए थे। उसकी ठुड्डी से खून टपक रहा था, क्योंकि पीड़ा के मारे उसने अपने निचले होंठ को काट लिया था। उसका मुरझाया और विकृत चेहरा बता रहा था कि वह पीड़ा कितनी भयानक थी।

मैं घुटनों के बल बैठा था और स्टैकहर्स्ट शव के पास खड़ा था, तभी अचानक हम पर एक साया पड़ा और हमने देखा कि इयान मर्डोक हमारे बगल में खड़े थे। मर्डोक उस संस्थान में गणित के शिक्षक थे, एक लंबे, सांवले, पतले आदमी, इतने कम बोलने

वाले और एकांतप्रिय कि शायद ही कोई उनका मित्र रहा हो। ऐसा लगता था मानो वे करणी और शंकु परिच्छेद के किसी ऊंचे, अमूर्त क्षेत्र में रहते हों, और आम जीवन से उनका कोई खास संबंध न हो। छात्र उन्हें एक विचित्र व्यक्ति मानते थे और शायद उनका मज़ाक उड़ाते, लेकिन उस आदमी में कुछ अज़ीबोगरीब सनक थी, जो न केवल उसकी कोयले जैसी काली आँखों और सांवले चेहरे में झलकती थी, बल्कि कभी-कभी उसके भयंकर क्रोध में भी दिखाई देती थी। एक बार मैकफर्सन के एक छोटे कुत्ते से तंग आकर, उन्होंने उस जानवर को पकड़कर शीशे की खिड़की से बाहर फेंक दिया था, जिसके लिए स्टेकहर्स्ट उन्हें नौकरी से निकाल देते अगर वे एक बहुत ही कुशल शिक्षक न होते। ऐसा ही विचित्र और जटिल व्यक्ति अब हमारे बगल में प्रकट हुआ था। अपने सामने के दृश्य को देखकर वह सचमुच स्तब्ध प्रतीत हो रहा था, हालांकि कुत्ते वाली घटना से यह पता चलता है कि मृत व्यक्ति और उसके बीच कोई खास सहानुभूति नहीं थी।

"बेचारा! बेचारा! मैं क्या करूँ? मैं उसकी मदद कैसे करूँ?"

"क्या आप उसके साथ थे? क्या आप हमें बता सकते हैं कि क्या हुआ है?"

"नहीं, नहीं, मुझे आज सुबह देर हो गई थी। मैं बीच पर बिल्कुल नहीं था। मैं सीधे द गेबल्स से आया हूँ। मैं क्या कर सकता हूँ?"

"आप फुलवर्थ के पुलिस स्टेशन जल्दी जाइए। मामले की सूचना तुरंत दीजिए।"

बिना कुछ कहे वह पूरी रफ्तार से भाग गया, और मैंने मामले को अपने हाथ में ले लिया, जबकि स्टैकहर्स्ट, इस त्रासदी से स्तब्ध होकर, शव के पास ही रुका रहा। मेरा पहला काम स्वाभाविक रूप से यह देखना था कि समुद्र तट पर कौन था। रास्ते के ऊपर से मैं पूरे इलाके को देख सकता था, और वह बिल्कुल सुनसान था, सिवाय दो-तीन धुंधली आकृतियों के जो दूर फुलवर्थ गांव की ओर जाती हुई दिखाई दे रही थीं। इस बात से संतुष्ट होकर, मैं धीरे-धीरे रास्ते से नीचे उतरा। वहाँ चूने के साथ मिट्टी या नरम मार्ल मिला हुआ था, और जगह-जगह मुझे एक ही पदचिह्न दिखाई दे रहे थे, ऊपर चढ़ते और नीचे उतरते हुए। उस सुबह इस रास्ते से समुद्र तट पर कोई और नहीं गया था। एक जगह मैंने ढलान की ओर उंगलियां किए हुए एक खुले हाथ का निशान देखा। इसका मतलब केवल यही हो सकता था कि बेचारा मैकफर्सन चढ़ते समय गिर गया था। वहां गोल गड्ढे भी थे, जिनसे पता चलता था कि वह एक से अधिक बार घुटनों के बल गिरा था। रास्ते के नीचे ज्वार के उतरने से बना एक बड़ा तालाब था। उसके किनारे पर मैकफर्सन ने अपने कपड़े उतार दिए थे, क्योंकि उसका तौलिया एक चट्टान पर पड़ा था। वह तह किया हुआ और सूखा था, जिससे ऐसा लग रहा था कि वह पानी में उतरा ही नहीं था। जब मैं कठोर कंकड़ों के बीच खोजबीन कर रहा था, तो मुझे एक-दो बार रेत के छोटे-छोटे टुकड़े मिले जहाँ उसके कैनवास के जूते और उसके नंगे पैर के निशान दिखाई दे रहे थे। बाद वाले निशान से यह साबित हो गया कि उसने नहाने की पूरी तैयारी कर ली थी, हालाँकि तौलिये से पता चलता था कि उसने वास्तव में स्नान नहीं किया था।

और यहाँ समस्या स्पष्ट रूप से सामने आ गई—इतनी अजीब कि मैंने पहले कभी ऐसी समस्या का सामना नहीं किया था। वह आदमी ज़्यादा से ज़्यादा पंद्रह मिनट से ज़्यादा समय तक समुद्र तट पर नहीं रहा था। स्टैकहर्स्ट ने उसका पीछा द गेबल्स से किया था, इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता था। वह नहाने गया था और उसने कपड़े उतार दिए थे, जैसा कि नंगे पैरों के निशान से पता चलता है। फिर वह अचानक अपने कपड़ों में सिमट गया—वे सभी अस्त-व्यस्त और ढीले थे—और बिना नहाए, या कम से कम खुद को सुखाए बिना वापस लौट आया। और उसके इरादे में बदलाव का कारण यह था कि उसे किसी क्रूर, अमानवीय तरीके से कोड़े मारे गए थे, इतनी यातना

दी गई थी कि वह दर्द से अपने होंठ काट बैठा था, और उसके पास केवल रेंगकर भागने और मरने की ताकत बची थी। यह बर्बर कृत्य किसने किया था? यह सच है कि चट्टानों के आधार पर छोटी-छोटी गुफाएँ और कंदराएँ थीं, लेकिन ढलता सूरज सीधे उनमें चमक रहा था, और छिपने की कोई जगह नहीं थी। फिर, समुद्र तट पर वे दूर की आकृतियाँ भी थीं। वे अपराध से जुड़े होने की संभावना से बहुत दूर प्रतीत होते थे, और वह विशाल झील जिसमें मैकफर्सन स्नान करने की योजना बना रहा था, उसके और उनके बीच चट्टानों तक फैली हुई थी। समुद्र में दो-तीन मछली पकड़ने वाली नावें थोड़ी दूरी पर थीं। उनके सवारों से हम सुविधानुसार पूछताछ कर सकते थे। जांच के कई रास्ते थे, लेकिन कोई भी रास्ता किसी स्पष्ट लक्ष्य की ओर नहीं ले जाता था।

जब मैं अंततः शव के पास लौटा तो मैंने देखा कि कुछ जिज्ञासु लोगों का एक छोटा समूह उसके चारों ओर इकट्ठा हो गया था। स्टैकहर्स्ट तो वहीं था ही, और इयान मर्डोक अभी-अभी गांव के कांस्टेबल एंडरसन के साथ पहुंचा था। एंडरसन एक लंबा-चौड़ा, लाल मूंछों वाला, ससेक्स के शांत स्वभाव का व्यक्ति था - एक ऐसा स्वभाव जो अपने गंभीर और शांत बाहरी रूप के नीचे बहुत समझदारी छिपाए रखता है। उसने सब कुछ ध्यान से सुना, हमारी कही हर बात पर गौर किया, और अंत में मुझे एक तरफ ले गया।

"मिस्टर होम्स, मुझे आपकी सलाह पाकर खुशी होगी। यह मेरे लिए एक बहुत बड़ा मामला है, और अगर मैं कोई गलती करता हूँ तो मुझे लेवेस से इसकी जानकारी मिल जाएगी।"

मैंने उसे सलाह दी कि वह अपने तत्काल वरिष्ठ अधिकारी और डॉक्टर को बुलाए; साथ ही, उनके आने तक किसी भी चीज़ को हिलने न दे और यथासंभव कम से कम नए पदचिह्न बनने दे। इसी बीच मैंने मृत व्यक्ति की जेबें तलाशीं। उसमें उसका रुमाल, एक बड़ा चाकू और एक छोटा फोल्डिंग कार्ड-केस था। उसमें से कागज़ का एक टुकड़ा निकला हुआ था, जिसे मैंने खोलकर कांस्टेबल को दे दिया। उस पर टेढ़ी-मेढ़ी, स्त्री की लिखावट में लिखा था:

मैं वहां जरूर आऊंगा, आप निश्चिंत रहें।
मौडी।

यह किसी प्रेम प्रसंग या गुप्त मुलाकात जैसा लग रहा था, हालांकि कब और कहाँ का कोई ज़िक्र नहीं था। कांस्टेबल ने उसे कार्ड केस में वापस रख दिया और बाकी चीज़ों के साथ बरबेरी कार की जेबों में रख दिया। फिर, जब कुछ और समझ में नहीं आया, तो मैं नाश्ते के लिए अपने घर वापस चला गया, इससे पहले मैंने चट्टानों के निचले हिस्से की पूरी तरह से तलाशी करवा ली थी।

एक-दो घंटे में स्टैकहर्स्ट मेरे पास आकर मुझे यह बताने आया कि शव को द गेबल्स ले जाया गया है, जहाँ जाँच होगी। वह अपने साथ कुछ गंभीर और निर्णायक खबर लेकर आया था। जैसा कि मुझे उम्मीद थी, चट्टान के नीचे बनी छोटी गुफाओं में कुछ भी नहीं मिला था, लेकिन उसने मैकफर्सन की मेज़ में रखे कागज़ात की जाँच की थी और उनमें से कई ऐसे थे जिनसे फुलवर्थ की मिस मौड बेलामी के साथ हुए अंतरंग पत्राचार का पता चला। तब हमने उस पत्र के लेखक की पहचान स्थापित कर ली थी।

उन्होंने बताया, “पुलिस के पास वे पत्र हैं। मैं उन्हें ला नहीं सका। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि यह एक गंभीर प्रेम प्रसंग था। हालांकि, मुझे उस भयानक घटना से इसे जोड़ने का कोई कारण नहीं दिखता, सिवाय इसके कि उस महिला ने उनसे मिलने का समय तय किया था।”

"लेकिन शायद ही किसी ऐसे स्नानघर में जिसका इस्तेमाल आप सभी लोग किया करते हों," मैंने टिप्पणी की।

उन्होंने कहा, "यह महज संयोग है कि कई छात्र मैकफर्सन के साथ नहीं थे।"

क्या यह महज संयोग था?

स्टैकहर्स्ट ने सोच में डूबे हुए अपनी भौंहें सिकोड़ लीं।

उन्होंने कहा, "इयान मर्डोक ने उन्हें रोक रखा था। वह नाश्ते से पहले किसी न किसी बीजगणितीय प्रमाण पर जोर देते थे। बेचारा, वह इस सब से बहुत दुखी है।"

"लेकिन मुझे लगता है कि वे दोस्त नहीं थे।"

“एक समय ऐसा था जब वे एक-दूसरे के इतने करीब नहीं थे। लेकिन एक साल से भी अधिक समय से मर्डोक मैकफर्सन के उतने ही करीब रहे हैं जितना वह किसी और के हो सकते हैं। स्वभाव से वह बहुत सहानुभूतिशील नहीं हैं।”

"तो मैं समझ गया। मुझे याद आ रहा है कि आपने एक बार मुझे कुत्ते के साथ दुर्व्यवहार को लेकर हुए झगड़े के बारे में बताया था।"

"बात यहीं खत्म हो गई।"

"लेकिन शायद कुछ प्रतिशोध की भावना रह गई।"

"नहीं, नहीं, मुझे पूरा यकीन है कि वे सच्चे दोस्त थे।"

"अच्छा, तो फिर हमें उस लड़की के मामले की पड़ताल करनी होगी। क्या आप उसे जानते हैं?"

“उसे हर कोई जानता है। वह मोहल्ले की सबसे खूबसूरत लड़की है—वास्तव में बेहद खूबसूरत, होम्स, जो हर जगह सबका ध्यान खींच लेती है। मुझे पता था कि मैकफर्सन उसकी तरफ आकर्षित था, लेकिन मुझे यह अंदाजा नहीं था कि बात इतनी आगे बढ़ जाएगी जितना इन पत्रों से लगता है।”

लेकिन वह कौन है?

“वह बूढ़े टॉम बेलामी की बेटी है, जो फुलवर्थ में सभी नावों और नहाने के पलंगों के मालिक हैं। उन्होंने शुरुआत में एक मछुआरा का काम किया था, लेकिन अब वे एक संपन्न व्यक्ति हैं। वे और उनका बेटा विलियम मिलकर व्यवसाय चलाते हैं।”

"क्या हम फुलवर्थ जाकर उनसे मिलें?"

“किस बहाने से?”

“ओह, हम आसानी से कोई बहाना ढूंढ सकते हैं। आखिर, इस बेचारे ने खुद को इस घिनौने तरीके से प्रताड़ित नहीं किया। अगर वाकई यह कोड़ा था जिससे चोटें लगीं, तो किसी इंसान का हाथ ज़रूर था। इस सुनसान जगह में उसके जान-पहचान वालों का दायरा ज़रूर सीमित था। चलिए, हर दिशा में छानबीन करते हैं और हमें मकसद ज़रूर मिल जाएगा, जो हमें अपराधी तक ले जाएगा।”

अगर हमारे मन में उस त्रासदी का गहरा असर न हुआ होता, तो थाइम की खुशबू से महकती पहाड़ियों पर सैर करना सुखद होता। फुलवर्थ गाँव खाड़ी के चारों ओर अर्धवृत्ताकार घुमावदार घाटी में बसा है। पुराने ज़माने के इस छोटे से गाँव के पीछे ऊँची ज़मीन पर कई आधुनिक घर बनाए गए हैं। स्टैकहर्स्ट मुझे इन्हीं में से एक घर की ओर ले गया।

“यही तो है हेवन, जैसा कि बेलामी इसे कहता था। कोने में बने टावर और स्लेट की छत वाला। उस आदमी के लिए बुरा नहीं है जिसने कुछ भी नहीं से शुरुआत की थी — हे भगवान, इसे देखो!”

द हेवन के बगीचे का द्वार खुला और एक आदमी बाहर निकला। उस लंबे, दुबले-पतले, बेढंगे से दिखने वाले व्यक्ति को पहचानने में कोई गलती नहीं हो सकती थी। वह गणितज्ञ इयान मर्डोक थे। कुछ ही क्षण बाद सड़क पर हमारी उनसे मुलाकात हुई।

“हैलो!” स्टैकहर्स्ट ने कहा। उस आदमी ने सिर हिलाया, अपनी जिज्ञासु काली आँखों से हमें तिरछी नज़र से देखा, और आगे बढ़ जाता, लेकिन उसके प्रधानाचार्य ने उसे रोक लिया।

“तुम वहां क्या कर रहे थे?” उसने पूछा।

मर्डोक का चेहरा गुस्से से लाल हो गया। "मैं आपका अधीनस्थ हूँ, महोदय, आपके अधीन काम करता हूं। मुझे इस बात का कोई एहसास नहीं है कि मुझे अपने निजी कार्यों के लिए आपको कोई ज़वाबदेही देनी है।"

स्टैकहर्स्ट की नसें तनावग्रस्त थीं, क्योंकि उन्होंने बहुत कुछ सहा था। अन्यथा, शायद वे प्रतीक्षा करते। लेकिन अब वे पूरी तरह से आपा खो बैठे।

"इन परिस्थितियों में आपका जवाब सरासर गुस्ताखी है, श्री मर्डोक।"

"हो सकता है आपका प्रश्न भी इसी श्रेणी में आता हो।"

“यह पहली बार नहीं है जब मुझे आपकी अवज्ञा को नज़रअंदाज़ करना पड़ा है। निश्चित रूप से यह आखिरी बार होगा। कृपया जितनी जल्दी हो सके अपने भविष्य के लिए नई व्यवस्था कर लें।”

“मेरा ऐसा करने का इरादा था। आज मैंने उस एकमात्र व्यक्ति को खो दिया जिसने द गेबल्स को रहने योग्य बनाया था।”

वह अपने रास्ते पर तेज़ी से आगे बढ़ गया, जबकि स्टैकहर्स्ट गुस्से भरी आँखों से उसे घूरता रहा। "क्या वह एक असहनीय, नामुमकिन आदमी नहीं है?" उसने चिल्लाकर कहा।

मेरे मन में जो एक बात सबसे ज़्यादा उभर कर आई, वह यह थी कि श्री इयान मर्डोक अपराध स्थल से भागने का पहला मौका नहीं छोड़ रहे थे। मेरे मन में संदेह धीरे-धीरे आकार लेने लगा था, भले ही वह अस्पष्ट और धुंधला था। शायद बेलामी परिवार से मिलने से इस मामले पर कुछ और रोशनी पड़ सके। स्टैकहर्स्ट ने खुद को संभाला और हम घर की ओर चल पड़े।

श्री बेलामी अधेड़ उम्र के व्यक्ति निकले जिनकी दाढ़ी धधकती लाल थी। वे बेहद गुस्से में लग रहे थे और उनका चेहरा भी उनके बालों की तरह लाल हो गया था।

“जी नहीं, महोदय, मुझे कोई विवरण नहीं चाहिए। मेरा बेटा यहाँ है”— बैठक कक्ष के कोने में बैठे एक भारी, उदास चेहरे वाले बलवान युवक की ओर इशारा करते हुए —“वह मुझसे सहमत है कि श्री मैकफर्सन का मौड के प्रति व्यवहार अपमानजनक था। जी हाँ, महोदय, ‘विवाह’ शब्द का कभी ज़िक्र नहीं हुआ, फिर भी पत्र लिखे गए, मुलाक़ातें हुईं और भी बहुत कुछ हुआ जिसे हम दोनों में से कोई भी स्वीकार नहीं कर सकता था। उसकी कोई माँ नहीं है, और हम ही उसके एकमात्र अभिभावक हैं। हमने ठान लिया है—”

लेकिन उस महिला के प्रकट होते ही उसके मुंह से शब्द छिन गए। इसमें कोई शक नहीं था कि वह दुनिया की किसी भी सभा की शोभा बढ़ा सकती थी। भला कौन सोच सकता था कि इतनी दुर्लभ प्रतिभा ऐसी जगह और ऐसे वातावरण में पनपेगी? स्त्रियाँ मुझे कभी आकर्षित नहीं करती थीं, क्योंकि मेरा दिमाग हमेशा मेरे दिल पर हावी रहा है, लेकिन उसके निर्मल रंग में झलकते उस सुंदर, निर्मल चेहरे को देखकर मैं यह महसूस किए बिना नहीं रह सका कि कोई भी युवक उसके रास्ते से बच नहीं पाएगा। यही वह लड़की थी जिसने दरवाज़ा खोलकर अंदर कदम रखा था और अब हेरोल्ड स्टैकहर्स्ट के सामने बड़ी-बड़ी आँखों और तीव्र निगाहों से खड़ी थी।

“मुझे पहले से ही पता है कि फिट्ज़रॉय मर चुका है,” उसने कहा। “मुझे पूरी बात बताने में संकोच न करें।”

“आपके इस दूसरे सज्जन ने हमें यह खबर दी,” पिता ने समझाया।

“मेरी बहन को इस मामले में घसीटने का कोई कारण नहीं है,” युवक ने गुस्से से कहा।

बहन ने उसे तीखी और गुस्से भरी नज़रों से देखा। “यह मेरा मामला है, विलियम। कृपया मुझे इसे अपने तरीके से संभालने दीजिए। सभी संकेतों से लगता है कि कोई अपराध हुआ है। अगर मैं यह पता लगाने में मदद कर सकूँ कि यह किसने किया, तो यह मेरे दिवंगत साथी के लिए मेरा सबसे छोटा सा योगदान होगा।”

उन्होंने मेरे साथी द्वारा दिए गए संक्षिप्त विवरण को बड़ी शांति और एकाग्रता से सुना, जिससे मुझे उनकी महान सुंदरता के साथ-साथ उनके मज़बूत चरित्र का भी पता चला। मौड बेलामी एक अत्यंत संपूर्ण और असाधारण महिला के रूप में मेरी स्मृति में सदा रहेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि वे मुझे पहले से ही जानती थीं, क्योंकि अंत में उन्होंने मेरी ओर रुख किया।

“उन्हें न्याय के कटघरे में लाओ, मिस्टर होम्स। मेरी सहानुभूति और मेरी मदद तुम्हारे साथ है, चाहे वे कोई भी हों।” मुझे ऐसा लगा कि बोलते समय उसने अपने पिता और भाई की ओर चुनौती भरे लहजे में देखा।

“धन्यवाद,” मैंने कहा। “मैं ऐसे मामलों में एक महिला की सहज प्रवृत्ति का सम्मान करता हूँ। आपने ‘वे’ शब्द का प्रयोग किया है। क्या आपको लगता है कि एक से अधिक लोग चिंतित थे?”

मैं श्री मैकफर्सन को अच्छी तरह जानता था और मुझे पता था कि वे एक बहादुर और मजबूत इंसान थे। कोई भी अकेला व्यक्ति उन पर इस तरह का अत्याचार नहीं कर सकता था।

"क्या मैं आपसे अकेले में एक बात कर सकता हूँ?"

“मैं तुमसे कहता हूँ, मौड, इस मामले में खुद को मत उलझाओ,” उसके पिता ने क्रोधित होकर कहा।

उसने बेबसी से मेरी तरफ देखा। "मैं क्या कर सकती हूँ?"

“अब सारी दुनिया को सच्चाई पता चल जाएगी, इसलिए अगर मैं यहाँ इस पर चर्चा करूँ तो कोई नुकसान नहीं होगा,” मैंने कहा। “मैं एकांत पसंद करता, लेकिन अगर आपके पिता इसकी अनुमति नहीं देते तो उन्हें भी इस चर्चा में शामिल होना पड़ेगा।” फिर मैंने उस नोट के बारे में बात की जो मृत व्यक्ति की जेब में मिला था। “जांच में इसे ज़रूर पेश किया जाएगा। क्या आप इस बारे में कुछ जानकारी दे सकते हैं?”

“मुझे इसमें कोई रहस्य रखने का कारण नहीं दिखता,” उसने जवाब दिया। “हमारी सगाई हो चुकी थी और हमने इसे गुप्त रखा था, क्योंकि फ़िट्ज़रॉय के चाचा, जो बहुत बूढ़े हैं और जिनके बारे में कहा जाता है कि वे मरने वाले हैं, अगर उन्होंने उनकी इच्छा के विरुद्ध शादी की होती तो वे उन्हें जायदाद से बेदखल कर सकते थे। इसके अलावा कोई और कारण नहीं था।”

“तुम हमें बता सकते थे,” श्री बेलामी गुर्राए।

"तो मैं ऐसा ही करता, पिताजी, अगर आपने कभी सहानुभूति दिखाई होती।"

"मुझे इस बात पर आपत्ति है कि मेरी बेटी अपने वर्ग से बाहर के पुरुषों के साथ संबंध बनाए।"

“उसके प्रति आपके पूर्वाग्रह के कारण ही हम आपको यह बात नहीं बता पाए। इस नियुक्ति के बारे में”— उसने अपने कपड़ों में हाथ डाला और एक मुड़ा हुआ नोट निकाला— “यह इसी के जवाब में थी।”

प्रियतम [संदेश भेजा गया]:

मंगलवार को सूर्यास्त के ठीक बाद समुद्र तट पर स्थित वह पुरानी जगह। यही एकमात्र समय है जब मैं कुछ समय के लिए दुनिया से दूर जा पाता हूँ।

एफ.एम.

"आज मंगलवार था, और मेरी उनसे आज रात मिलने की योजना थी।"

मैंने कागज़ पलट दिया। “यह तो डाक से आया ही नहीं। तुम्हें यह कैसे मिला?”

“मैं इस सवाल का जवाब देना पसंद नहीं करूंगा। इसका आपके द्वारा जांच किए जा रहे मामले से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन इससे संबंधित किसी भी प्रश्न का उत्तर मैं पूरी तत्परता से दूंगा।”

उसने अपना वादा तो निभाया, लेकिन उससे हमारी जांच में कोई मदद नहीं मिली। उसे यह मानने का कोई कारण नहीं था कि उसके मंगेतर का कोई गुप्त शत्रु है, लेकिन उसने यह स्वीकार किया कि उसके कई चाहने वाले थे।

"क्या मैं पूछ सकता हूँ कि क्या श्री इयान मर्डोक उनमें से एक थे?"

वह शरमा गई और असमंजस में दिखी।

“एक समय ऐसा था जब मुझे लगा कि वह ऐसा ही है। लेकिन जब उसे फिट्ज़रॉय और मेरे बीच के संबंधों के बारे में पता चला तो सब कुछ बदल गया।”

एक बार फिर, इस अजनबी आदमी के चारों ओर मंडराता साया मुझे और भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा। उसके रिकॉर्ड की जांच होनी चाहिए। उसके कमरों की गुप्त रूप से तलाशी होनी चाहिए। स्टैकहर्स्ट भी सहयोग करने को तैयार था, क्योंकि उसके मन में भी संदेह पनप रहे थे। हम द हेवन से इस उम्मीद के साथ लौटे कि इस उलझे हुए मामले का एक सिरा अब हमारे हाथ में आ चुका है।

एक सप्ताह बीत गया। जांच से मामले पर कोई प्रकाश नहीं पड़ा और आगे की जांच के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। स्टैकहर्स्ट ने अपने अधीनस्थ के बारे में सावधानीपूर्वक पूछताछ की थी और उसके कमरे की सरसरी तलाशी भी ली गई थी, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। मैंने व्यक्तिगत रूप से, शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से, पूरी स्थिति का फिर से जायजा लिया, लेकिन कोई नया निष्कर्ष नहीं निकला। मेरे सभी वृत्तांतों में पाठक को ऐसा कोई मामला नहीं मिलेगा जिसने मुझे मेरी क्षमताओं की सीमा तक इतना पहुंचा दिया हो। मेरी कल्पना भी इस रहस्य का कोई हल नहीं निकाल पा रही थी। और फिर कुत्ते वाली घटना घटी।

मेरी पुरानी हाउसकीपर को ही सबसे पहले उस अजीब वायरलेस के जरिए इसके बारे में पता चला था, जिसके ज़रिए ऐसे लोग ग्रामीण इलाकों की खबरें इकट्ठा करते हैं।

“श्रीमान, श्री मैकफर्सन के कुत्ते के बारे में यह एक दुखद कहानी है,” उसने एक शाम कहा।

मैं इस तरह की बातचीत को प्रोत्साहित नहीं करता, लेकिन उन शब्दों ने मेरा ध्यान आकर्षित किया।

“मिस्टर मैकफ़र्सन के कुत्ते का क्या हुआ?”

“मर गया, महोदय। अपने स्वामी के शोक में मर गया।”

“आपको यह किसने बताया?”

“जी साहब, हर कोई इसके बारे में बात कर रहा है। इसकी हालत बहुत खराब हो गई थी और इसने एक हफ्ते से कुछ नहीं खाया था। फिर आज गेबल्स के दो युवकों ने इसे मृत पाया - समुद्र तट पर, जी साहब, ठीक उसी जगह पर जहाँ इसके मालिक की मृत्यु हुई थी।”

“ठीक उसी जगह पर।” ये शब्द मेरी स्मृति में स्पष्ट रूप से उभर आए। मेरे मन में एक धुंधली सी अनुभूति हुई कि मामला गंभीर है। कुत्ते की मृत्यु होना कुत्तों के सुंदर, वफादार स्वभाव के विपरीत था। लेकिन “ठीक उसी जगह पर”! यह सुनसान समुद्र तट उसके लिए घातक क्यों साबित हुआ? क्या यह संभव था कि उसे भी किसी प्रतिशोधी झगड़े में बलि चढ़ाया गया हो? क्या यह संभव था—? हाँ, अनुभूति धुंधली थी, लेकिन मेरे मन में कुछ हलचल होने लगी थी। कुछ ही मिनटों में मैं द गेबल्स के लिए रवाना हो गया,

जहाँ मुझे स्टैकहर्स्ट अपने अध्ययन कक्ष में मिले। मेरे अनुरोध पर उन्होंने सडबरी और ब्लाउंट को बुलवाया, वे दो छात्र जिन्होंने कुत्ते को पाया था।

"हाँ, यह तालाब के बिल्कुल किनारे पर पड़ा था," उनमें से एक ने कहा। "यह अपने मृत स्वामी के पदचिह्नों का पीछा करता हुआ अवश्य आया होगा।"

मैंने हॉल में चटाई पर लेटे हुए उस प्यारे से छोटे से जीव, एक एयरडेल टेरियर को देखा। उसका शरीर अकड़ा हुआ था, आँखें उभरी हुई थीं और अंग मुड़े हुए थे। उसकी हर रेखा में पीड़ा झलक रही थी।

द गेबल्स से मैं चलकर स्नान कुंड की ओर गया। सूरज डूब चुका था और विशाल चट्टान की काली छाया पानी पर फैली हुई थी, जो सीसे की चादर की तरह मंद चमक रहा था। वह जगह सुनसान थी और ऊपर चक्कर लगाते और चीखते दो समुद्री पक्षियों के अलावा जीवन का कोई संकेत नहीं था। ढलते प्रकाश में मैं उस छोटे कुत्ते के पदचिह्न को धुंधले ढंग से देख सका, जो उसी चट्टान के चारों ओर रेत पर थे जिस पर उसके मालिक का तौलिया रखा था। काफी देर तक मैं गहरी सोच में डूबा रहा, जबकि मेरे चारों ओर परछाइयाँ और गहरी होती गईं। मेरा मन विचारों से भरा हुआ था। आपने शायद कभी न कभी बुरे सपने का अनुभव किया होगा, जिसमें आपको लगता है कि कोई बहुत महत्वपूर्ण चीज़ है जिसकी आप तलाश कर रहे हैं और जिसके बारे में आप जानते हैं कि वह वहीं है, फिर भी वह हमेशा आपकी पहुँच से बाहर रहती है। उस शाम जब मैं उस मृत्युस्थल पर अकेला खड़ा था, तो मुझे ऐसा ही महसूस हुआ। फिर अंत में मैं मुड़ा और धीरे-धीरे घर की ओर चल पड़ा।

मैं अभी रास्ते के शिखर पर पहुँचा ही था कि अचानक मुझे वह बात याद आ गई। एक पल में, मुझे वह चीज़ याद आ गई जिसके लिए मैं इतनी उत्सुकता और व्यर्थ ही प्रयास कर रहा था। आप जानते ही होंगे, या वॉटसन ने व्यर्थ ही लिखा होगा, कि मेरे पास वैज्ञानिक प्रणाली के बिना भी, अत्यंत अनूठे ज्ञान का भंडार है, जो मेरे काम की ज़रूरतों के लिए पूरी तरह से उपलब्ध है। मेरा दिमाग एक भरे हुए कमरे जैसा है जिसमें तरह-तरह के पैकेट रखे हुए हैं—इतने सारे कि मुझे शायद ही उनका हल्का-फुल्का ही अंदाज़ा हो। मुझे पता था कि कुछ ऐसा है जो इस मामले से जुड़ा हो सकता है। यह अभी भी अस्पष्ट था, लेकिन कम से कम मुझे पता था कि मैं इसे कैसे स्पष्ट कर सकता हूँ। यह भयानक, अविश्वसनीय था, और फिर भी यह हमेशा एक संभावना थी। मैं इसकी पूरी तरह से जाँच करूँगा।

मेरे छोटे से घर में एक बड़ा सा तहखाना है जो किताबों से भरा पड़ा है। मैं उसी में घुस गया और एक घंटे तक किताबों को खोजता रहा। आखिर में मुझे एक छोटी सी, सुनहरी और चमकदार किताब मिली। मैंने उत्सुकता से वह अध्याय खोला जिसकी मुझे धुंधली सी याद थी। हाँ, यह सचमुच एक दूर की कौड़ी और असंभव सी बात थी, फिर भी मुझे तब तक चैन नहीं आया जब तक मैंने यह पक्का न कर लिया कि क्या सच में ऐसा हो सकता है। जब मैं सोने गया तो काफी रात हो चुकी थी, और मेरा मन कल के काम के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा था।

लेकिन उस काम में एक अप्रिय रुकावट आ गई। मैंने अभी अपनी सुबह की चाय का प्याला ही पिया था और समुद्र तट की ओर चल ही रहा था कि मुझे ससेक्स पुलिस के इंस्पेक्टर बार्डले का फोन आया - एक शांत, गंभीर, मजबूत कद-काठी वाला व्यक्ति जिसकी आंखें विचारशील थीं, और जो अब मुझे बहुत परेशान भाव से देख रही थीं।

"मैं आपके अपार अनुभव से अवगत हूँ, महोदय," उसने कहा। "यह बिल्कुल अनौपचारिक मामला है, और इससे आगे बढ़ने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन इस मैकफर्सन मामले में मैं सचमुच मुश्किल में हूँ। सवाल यह है कि क्या मुझे गिरफ्तारी करनी चाहिए या नहीं?"

“क्या आपका मतलब इयान मर्डोक से है?”

जी हाँ, महोदय। अगर आप गौर करें तो सच में कोई और है ही नहीं। यही इस एकांत का फायदा है। हम इसे बहुत सीमित दायरे में समेट लेते हैं। अगर उसने नहीं किया, तो फिर किसने किया?

“तुम्हें उससे क्या शिकायत है?”

उसने भी उन्हीं रास्तों पर चलकर जानकारी जुटाई थी जिन पर मैं पहुंचा था। मर्डोक का चरित्र और उसके आसपास मंडराने वाला रहस्य। कुत्ते वाली घटना में उसके उग्र क्रोध के विस्फोट स्पष्ट थे। यह तथ्य कि उसका अतीत में मैकफर्सन से झगड़ा हुआ था, और यह सोचने का कुछ कारण था कि शायद वह मिस बेलामी के प्रति मैकफर्सन के ध्यान से नाराज़ था। उसकी सारी बातें मेरी बातों से मिलती-जुलती थीं, सिवाय इसके कि मर्डोक प्रस्थान की पूरी तैयारी कर रहा था।

“अगर मैं उसे इन सभी सबूतों के बावजूद भागने दूं तो मेरी क्या स्थिति होगी?” मजबूत कद-काठी वाला, शांत स्वभाव का वह व्यक्ति मन ही मन बहुत परेशान था।

मैंने कहा, “अपने मामले की सभी अहम कमियों पर गौर कीजिए। अपराध की सुबह वह निश्चित रूप से अपनी बेगुनाही साबित कर सकता है। वह आखिरी क्षण तक अपने साथियों के साथ था, और मैकफर्सन के आने के कुछ ही मिनटों के भीतर वह पीछे से हम पर आ गिरा। फिर इस बात को भी ध्यान में रखिए कि यह बिल्कुल असंभव है कि वह अकेले ही अपने जैसे ताकतवर आदमी पर इतना अत्याचार कर सकता था। अंत में, यह सवाल भी है कि ये चोटें किस हथियार से पहुंचाई गईं।”

"यह किसी प्रकार का कोड़ा या लचीला चाबुक ही तो हो सकता है?"

मैंने पूछा, "क्या आपने अंकों की जांच की है?"

मैंने उन्हें देखा है। डॉक्टर ने भी देखा है।

लेकिन मैंने लेंस से उनका बहुत ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया है। उनमें कुछ विशिष्टताएं हैं।

"ये क्या हैं, मिस्टर होम्स?"

मैं अपनी दराज के पास गया और एक बड़ी तस्वीर निकाली। मैंने समझाया, "ऐसे मामलों में मेरा यही तरीका होता है।"

"आप वाकई में हर काम पूरी लगन से करते हैं, मिस्टर होम्स।"

“अगर मैं ऐसा न करता तो शायद मैं वो न होता जो मैं आज हूँ। अब आइए इस निशान पर गौर करें जो मेरे दाहिने कंधे के चारों ओर फैला हुआ है। क्या आपको इसमें कुछ भी असामान्य नहीं दिखता?”

मैं यह नहीं कह सकता कि मैं ऐसा करता हूँ।

“यह स्पष्ट है कि इसकी तीव्रता असमान है। कहीं यहाँ रिसकर निकले खून का एक धब्बा है, तो कहीं वहाँ। नीचे की ओर इस दूसरे उभार में भी इसी तरह के संकेत हैं। इसका क्या अर्थ हो सकता है?”

मुझे तो कोई जानकारी नहीं है। क्या आपको है?

"शायद मैंने किया है। शायद मैंने नहीं किया है। मैं जल्द ही और अधिक जानकारी दे पाऊंगा। जो भी जानकारी यह परिभाषित करेगी कि वह निशान किस कारण से बना, वह हमें अपराधी तक पहुंचने में बहुत मदद करेगी।"

"यह बेशक एक बेतुका विचार है," पुलिसकर्मी ने कहा, "लेकिन अगर पीठ पर तार का एक लाल-गर्म जाल बिछा दिया गया होता, तो ये बेहतर ढंग से चिह्नित बिंदु यह दर्शाते कि जाल एक दूसरे को कहाँ काटते हैं।"

“यह एक बेहद चतुराईपूर्ण तुलना है। या यूं कहें कि यह एक बहुत ही सख्त नौ पूंछों वाली चाबुक है जिस पर छोटी-छोटी सख्त गांठें लगी हैं?”

"हे भगवान, मिस्टर होम्स, मुझे लगता है आपने सही निशाना लगाया है।"

“या फिर कोई और ही वजह हो सकती है, श्री बार्डले। लेकिन आपका मामला गिरफ्तारी के लिए बहुत कमजोर है। इसके अलावा, हमारे पास वे आखिरी शब्द हैं - 'शेर की अयाल'।”

मुझे आश्चर्य होता रहा है कि क्या इयान—”

“हां, मैंने इस पर विचार किया है। अगर दूसरा शब्द मर्डोक से मिलता-जुलता होता —लेकिन ऐसा नहीं था। उसने लगभग चीखते हुए वह शब्द बोला। मुझे यकीन है कि वह ‘मेन’ था।”

"क्या आपके पास कोई विकल्प नहीं है, मिस्टर होम्स?"

"शायद मैंने किया हो। लेकिन जब तक चर्चा करने के लिए कोई ठोस सबूत न हो, तब तक मैं इस पर बात नहीं करना चाहता।"

और यह कब होगा?

"एक घंटे में—शायद उससे भी कम समय में।"

इंस्पेक्टर ने अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा और संदेह भरी निगाहों से मेरी ओर देखा।

"काश मैं देख पाता कि आपके मन में क्या चल रहा है, श्री होम्स। शायद वे मछली पकड़ने वाली नावें ही हों।"

नहीं, नहीं, वे बहुत दूर थे।

तो फिर, क्या ये बेलामी और उसका वो बड़ा बेटा है? वे मिस्टर मैकफर्सन को कुछ खास पसंद नहीं करते थे। क्या उन्होंने उन्हें कोई नुकसान पहुंचाया होगा?

“नहीं, नहीं, जब तक मैं तैयार नहीं हो जाता, आप मेरा चित्र नहीं बनाएंगे,” मैंने मुस्कुराते हुए कहा। “अब, इंस्पेक्टर, हम दोनों को अपना-अपना काम करना है। शायद अगर आप मुझसे दोपहर में यहीं मिलें तो—”

हम अब तक काफी आगे बढ़ चुके थे कि तभी एक जबरदस्त व्यवधान आया जो अंत की शुरुआत थी।

मेरे घर का बाहरी दरवाजा ज़ोर से खुला, गलियारे में लड़खड़ाते कदमों की आहट सुनाई दी, और इयान मर्डोक लड़खड़ाते हुए कमरे में दाखिल हुआ। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, बाल बिखरे हुए थे, कपड़े बेतरतीब ढंग से अस्त-व्यस्त थे, और वह अपने पतले हाथों से फर्नीचर को पकड़कर खुद को सीधा खड़ा रखने की कोशिश कर रहा था। "ब्रांडी! ब्रांडी!" वह हांफते हुए बोला और कराहते हुए सोफे पर गिर पड़ा।

वह अकेला नहीं था। उसके पीछे स्टैकहर्स्ट बिना टोपी के, हांफता हुआ आ रहा था, लगभग अपने साथी की तरह ही विचलित।

“हाँ, हाँ, ब्रांडी!” वह चिल्लाया। “वह आदमी अपनी आखिरी साँसें ले रहा है। उसे यहाँ लाना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। रास्ते में वह दो बार बेहोश हो गया था।”

आधा गिलास कच्ची शराब ने अद्भुत बदलाव ला दिया। उसने एक हाथ के बल खुद को ऊपर उठाया और अपने कंधे से कोट उतार दिया। “भगवान के लिए, तेल, अफीम, मॉर्फिया!” वह चिल्लाया। “कुछ भी, इस असहनीय पीड़ा से राहत दिला दो!”

यह दृश्य देखकर इंस्पेक्टर और मैं चौंक गए। उस आदमी के नंगे कंधे पर, लाल रंग की उभरी हुई रेखाओं का वही अजीबोगरीब जालीदार पैटर्न बना हुआ था, जो फिट्ज़रॉय मैकफर्सन की मृत्यु का निशान था।

दर्द असहनीय था और एक ही जगह तक सीमित नहीं था, क्योंकि पीड़ित की सांसें कुछ देर के लिए रुक जातीं, उसका चेहरा काला पड़ जाता, और फिर वह ज़ोर-ज़ोर से हांफते हुए अपना हाथ अपने दिल पर रख लेता, जबकि उसके माथे से पसीने की बूंदें टपकती रहतीं। किसी भी क्षण उसकी मृत्यु हो सकती थी। उसके गले में लगातार ब्रांडी डाली जा रही थी, हर नई खुराक उसे फिर से जीवन दे रही थी। सलाद के तेल में भीगी

रुई के पैड अजीब घावों के दर्द को कम करते प्रतीत हो रहे थे। अंत में उसका सिर भारी होकर तकिये पर गिर पड़ा। थकी हुई प्रकृति ने अपनी जीवन शक्ति के अंतिम भंडार में शरण ली थी। यह आधी नींद और आधी बेहोशी थी, लेकिन कम से कम दर्द से राहत तो थी।

उससे पूछताछ करना असंभव था, लेकिन जैसे ही हमें उसकी हालत के बारे में आश्वस्त हुआ, स्टैकहर्स्ट मुझ पर भड़क उठा।

"हे भगवान!" वह चिल्लाया, "क्या हुआ, होम्स? क्या हुआ?"

"तुम्हें वह कहाँ मिला?"

समुद्र तट पर। ठीक उसी जगह जहाँ बेचारे मैकफर्सन की मृत्यु हुई थी। अगर इस आदमी का दिल मैकफर्सन की तरह कमज़ोर होता, तो वह आज यहाँ नहीं होता। उसे लाते समय मुझे कई बार लगा कि वह मर गया है। द गेबल्स बहुत दूर था, इसलिए मैं तुम्हारे पास आ गया।

क्या आपने उसे समुद्र तट पर देखा था?

मैं चट्टान पर चल रहा था तभी मुझे उसकी चीख सुनाई दी। वह पानी के किनारे पर था, किसी शराबी की तरह लड़खड़ा रहा था। मैं नीचे भागा, उसे कुछ कपड़े ओढ़ाए और ऊपर ले आया। हे भगवान, होम्स, अपनी सारी शक्तियों का इस्तेमाल करो और इस जगह से श्राप हटाने में कोई कसर मत छोड़ो, क्योंकि यहाँ जीना असहनीय होता जा रहा है। क्या तुम, अपनी विश्वव्यापी प्रतिष्ठा के बावजूद, हमारे लिए कुछ नहीं कर सकते?

"मुझे लगता है मैं कर सकता हूँ, स्टैकहर्स्ट। अभी मेरे साथ आइए! और आप, इंस्पेक्टर, आप भी आइए! हम देखेंगे कि क्या हम इस हत्यारे को आपके हवाले नहीं कर सकते।"

बेहोश आदमी को अपनी नौकरानी की देखरेख में छोड़कर, हम तीनों उस खतरनाक झील की ओर चल पड़े। कंकड़ों पर उस बीमार आदमी द्वारा छोड़े गए तौलियों और कपड़ों का एक छोटा सा ढेर लगा हुआ था। मैं धीरे-धीरे पानी के किनारे-किनारे चलने लगा, मेरे साथी मेरे पीछे कतार बनाकर चल रहे थे। झील का अधिकांश भाग काफी उथला था, लेकिन चट्टान के नीचे जहाँ किनारा खोखला था, वहाँ पानी चार-पाँच फीट गहरा था। तैराक स्वाभाविक रूप से इसी हिस्से की ओर जाता, क्योंकि वहाँ क्रिस्टल की तरह साफ, सुंदर, पारदर्शी हरा पानी का कुंड बना हुआ था। चट्टान के आधार पर उसके ऊपर चट्टानों की एक कतार थी, और मैं उसी के सहारे आगे बढ़ता गया, उत्सुकता से नीचे की गहराई में झाँकता रहा। मैं सबसे गहरे और शांत कुंड तक पहुँच ही गया था कि मेरी नज़र उस चीज़ पर पड़ी जिसकी मुझे तलाश थी, और मैं विजय की खुशी में ज़ोर से चिल्ला उठा।

"सियानिया!" मैं चिल्लाई। "सियानिया! शेर की अयाल देखो!"

जिस विचित्र वस्तु की ओर मैंने इशारा किया, वह सचमुच किसी शेर की गर्दन के बालों से अलग किए गए उलझे हुए टुकड़े जैसी दिख रही थी। वह पानी के नीचे लगभग तीन फीट की गहराई पर एक चट्टानी सतह पर पड़ी थी, एक विचित्र लहराती, कंपन करती, बालों वाली आकृति जिसके पीले बालों में चांदी की धारियाँ थीं। वह धीमी, भारी गति से फैलती और सिकुड़ती हुई स्पंदित हो रही थी।

"इसने बहुत बुराई कर दी है। इसका समय अब समाप्त हो गया है!" मैंने चिल्लाकर कहा। "मेरी मदद करो, स्टैकहर्स्ट! चलो इस हत्यारे का हमेशा के लिए खात्मा कर देते हैं।"

चट्टान के ठीक ऊपर एक बड़ा पत्थर था, और हमने उसे तब तक धकेला जब तक वह ज़ोरदार छपछपाहट के साथ पानी में नहीं गिर गया। जब लहरें शांत हुईं तो हमने

देखा कि वह नीचे चट्टान पर टिक गया था। पीले रंग की झिल्ली का एक फड़फड़ाता किनारा यह दर्शाता था कि हमारा शिकार उसके नीचे था। पत्थर के नीचे से गाढ़ा तेलीय मैल रिस रहा था और आसपास के पानी को रंग रहा था, जो धीरे-धीरे सतह पर ऊपर उठ रहा था।

“अरे बाप रे! ये तो मुझे हैरान कर गया!” इंस्पेक्टर चिल्लाया। “ये क्या था, मिस्टर होम्स? मैं यहीं पला-बढ़ा हूँ, लेकिन मैंने ऐसी चीज़ कभी नहीं देखी। ये ससेक्स की चीज़ नहीं हो सकती।”

“ससेक्स के लिए तो अच्छा ही हुआ,” मैंने कहा। “शायद दक्षिण-पश्चिम की तेज़ हवा ही इसे ऊपर ले आई हो। तुम दोनों मेरे घर वापस आना, मैं तुम्हें उस व्यक्ति का भयानक अनुभव सुनाऊँगा जिसे समुद्र के ऐसे ही खतरे का सामना करने का पूरा कारण याद है।”

जब हम मेरे अध्ययन कक्ष में पहुँचे तो हमने पाया कि मर्डोक की हालत इतनी सुधर चुकी थी कि वह बैठ सकता था। उसका दिमाग सुन्न था और बीच-बीच में उसे तेज दर्द हो रहा था। उसने टूटे-फूटे शब्दों में बताया कि उसे कुछ भी याद नहीं है कि उसके साथ क्या हुआ था, बस इतना याद है कि अचानक उसके शरीर में भयानक पीड़ा हुई थी और किनारे तक पहुँचने के लिए उसे अपनी पूरी हिम्मत जुटानी पड़ी थी।

“ये रही वो किताब,” मैंने छोटी सी किताब उठाते हुए कहा, “जिसने उस अंधेरे में पहली बार रोशनी डाली जो शायद हमेशा के लिए अंधकारमय रहता। ये प्रसिद्ध पर्यवेक्षक जे. जी. वुड की ‘आउट ऑफ डोर्स’ है। वुड खुद इस घिनौने जीव के संपर्क में आने से बाल-बाल बचे थे, इसलिए उन्होंने इसके बारे में पूरी जानकारी के साथ लिखा। इस दुष्ट जीव का पूरा नाम साइनेया कैपिटाटा है, और यह कोबरा के डंक जितना ही जानलेवा और उससे कहीं अधिक दर्दनाक हो सकता है। मैं आपको संक्षेप में इसका एक अंश बताता हूँ।”

"यदि स्नान करने वाले व्यक्ति को भूरे रंग की झिल्लियों और रेशों का एक ढीला गोलाकार समूह दिखाई दे, जो शेर की गर्दन के बालों और चांदी के कागज के बहुत बड़े गुच्छों जैसा हो, तो उसे सावधान रहना चाहिए, क्योंकि यह भयानक डंक मारने वाला कीड़ा, साइनेया कैपिटाटा है।"

क्या हमारे उस रहस्यमय परिचित का इससे अधिक स्पष्ट वर्णन किया जा सकता है?

वह आगे बताते हैं कि केंट के तट पर तैरते समय उनका सामना एक ऐसे जीव से हुआ था। उन्होंने पाया कि वह जीव लगभग अदृश्य तंतुओं को पचास फीट की दूरी तक फैलाता था, और उस घातक केंद्र से उस परिधि के भीतर मौजूद कोई भी व्यक्ति मृत्यु के खतरे में था। दूरी से भी वुड पर उसका प्रभाव लगभग घातक था।

"अनेक धागों के कारण त्वचा पर हल्की लाल रंग की रेखाएं बन गईं, जो करीब से देखने पर छोटे-छोटे बिंदुओं या फुंसियों में तब्दील हो गईं, मानो प्रत्येक बिंदु में एक लाल-गर्म सुई चुभी हो जो नसों के बीच से अपना रास्ता बना रही हो।"

"स्थानीय दर्द, जैसा कि वह बताते हैं, उस असहनीय पीड़ा का सबसे छोटा हिस्सा था।"

"सीने में तेज दर्द होता था, जिससे मैं गोली लगने की तरह गिर पड़ता था। धड़कन रुक जाती थी, और फिर दिल छह या सात बार ऐसे धड़कता था मानो सीने को चीरकर बाहर निकलना चाहता हो।"

“इससे उसकी जान जाते-जाते बची, हालाँकि वह सिर्फ़ अशांत समुद्र में इसके संपर्क में आया था, न कि किसी शांत तालाब के संकरे पानी में। वह कहता है कि बाद में वह खुद को पहचान ही नहीं पा रहा था, उसका चेहरा इतना सफ़ेद, झुर्रीदार और

मुरझाया हुआ था। उसने पूरी एक बोतल ब्रांडी गटक ली, और ऐसा लगता है कि इससे उसकी जान बच गई। ये रही किताब, इंस्पेक्टर। मैं इसे आपके पास छोड़ता हूँ, और आपको इसमें कोई शक नहीं होगा कि इसमें बेचारे मैकफर्सन की त्रासदी का पूरा विवरण है।”

“और संयोगवश इससे मैं निर्दोष साबित हो जाता हूँ,” इयान मर्डोक ने व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ कहा। “मैं आपको, इंस्पेक्टर, या आपको, मिस्टर होम्स, दोष नहीं देता, क्योंकि आपका संदेह स्वाभाविक था। मुझे लगता है कि अपनी गिरफ्तारी की पूर्व संध्या पर मैंने अपने बेचारे दोस्त के साथ वही भाग्य साझा करके खुद को ही निर्दोष साबित किया है।”

“नहीं, श्री मर्डोक। मैं पहले से ही ट्रैक पर था, और अगर मैं अपनी योजना के अनुसार जल्दी निकल जाता तो शायद मैं आपको इस भयानक अनुभव से बचा सकता था।”

"लेकिन आपको कैसे पता चला, मिस्टर होम्स?"

मैं एक सर्वभक्षी पाठक हूँ और छोटी-छोटी बातों को भी मेरी याददाश्त असाधारण रूप से अच्छी है। वह वाक्यांश 'शेर की अयाल' मेरे दिमाग में बार-बार आ रहा था। मुझे पता था कि मैंने इसे कहीं न कहीं किसी अप्रत्याशित संदर्भ में देखा है। आपने देखा ही होगा कि यह उस प्राणी का वर्णन करता है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि जब मैकफर्सन ने उसे देखा था, तब वह पानी पर तैर रहा था, और यह वाक्यांश ही एकमात्र ऐसा शब्द था जिसके द्वारा वह हमें उस प्राणी के बारे में चेतावनी दे सकता था जो उसकी मृत्यु का कारण बना।

“तो कम से कम मैं तो बेगुनाह साबित हो गया,” मर्डोक धीरे-धीरे उठते हुए बोला। “मुझे एक-दो बातें स्पष्ट करनी हैं, क्योंकि मैं जानता हूँ कि आप लोग किस दिशा में पूछताछ कर रहे हैं। यह सच है कि मैं इस महिला से प्रेम करता था, लेकिन जिस दिन से उसने मेरे मित्र मैकफर्सन को चुना, मेरी एक ही इच्छा थी कि मैं उसे सुखी बनाऊँ। मैं उनके बीच मध्यस्थ बनकर संतुष्ट था। मैं अक्सर उनके संदेश पहुँचाता था, और क्योंकि मैं उनका विश्वासपात्र था और वह मुझे बहुत प्रिय थी, इसलिए मैंने अपने मित्र की मृत्यु की खबर उसे जल्दी से बता दी, कहीं कोई और मुझसे पहले अचानक और निर्दयता से उसे न मार दे। उसने आपको हमारे रिश्ते के बारे में नहीं बताया, महोदय, कहीं आप नाराज़ न हो जाएँ और मुझे कष्ट न सहना पड़े। लेकिन आपकी अनुमति से मुझे द गेबल्स वापस जाना होगा, क्योंकि वहाँ मेरा बिस्तर बहुत स्वागत योग्य होगा।”

स्टैकहर्स्ट ने अपना हाथ आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, “हम सब बहुत तनाव में थे। मर्डोक, जो हो गया उसे माफ कर दो। हम भविष्य में एक-दूसरे को बेहतर समझेंगे।” वे दोनों दोस्ताना अंदाज में हाथ में हाथ डाले एक साथ बाहर चले गए। इंस्पेक्टर वहीं खड़ा रहा और अपनी बैल जैसी आँखों से चुपचाप मुझे घूरता रहा।

“वाह, तुमने कर दिखाया!” वह अंत में चिल्लाया। “मैंने तुम्हारे बारे में पढ़ा तो था, लेकिन मुझे कभी विश्वास नहीं हुआ। यह अद्भुत है!”

मुझे अपना सिर हिलाने पर मजबूर होना पड़ा। ऐसी प्रशंसा स्वीकार करना अपने ही मानकों को गिराने के समान था।

“शुरुआत में मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई थी—जानबूझकर गलती। अगर शव पानी में मिला होता तो मैं उसे आसानी से नज़रअंदाज़ नहीं कर पाता। तौलिया ने मुझे गुमराह कर दिया। बेचारे ने खुद को सुखाने के बारे में सोचा ही नहीं था, इसलिए मुझे भी लगा कि वह कभी पानी में गया ही नहीं था। फिर किसी जलीय जीव के हमले का ख्याल मेरे मन में क्यों आया? यहीं पर मुझसे गलती हुई। खैर, इंस्पेक्टर साहब, मैंने अक्सर

आप पुलिस वालों का मज़ाक उड़ाया है, लेकिन साइनेया कोपेलाटा ने स्कॉटलैंड यार्ड का बदला लगभग ले ही लिया था।”

घूंघट वाले किराएदार का रोमांच

जब हम यह सोचते हैं कि श्री शर्लक होम्स तेईस वर्षों तक सक्रिय रूप से काम करते रहे, और इनमें से सत्रह वर्षों तक मुझे उनके साथ सहयोग करने और उनके कार्यों का लेखा-जोखा रखने का अवसर मिला, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि मेरे पास प्रचुर मात्रा में सामग्री उपलब्ध है। समस्या हमेशा खोजने की नहीं, बल्कि चुनने की रही है। एक अलमारी में वार्षिक पुस्तकों की लंबी कतार है और दस्तावेजों से भरे प्रेषण पत्रक हैं, जो न केवल अपराध के अध्येता के लिए, बल्कि उत्तरार्ध विक्टोरियन युग के सामाजिक और आधिकारिक घोटालों के अध्येता के लिए भी एक आदर्श स्रोत हैं। इन घोटालों के संबंध में, मैं यह कह सकता हूँ कि व्यथित पत्रों के लेखकों को, जो अपने परिवार के सम्मान या प्रसिद्ध पूर्वजों की प्रतिष्ठा को ठेस न पहुंचाने की गुहार लगाते हैं, डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। मेरे मित्र की विवेकशीलता और पेशेवर सम्मान की उच्च भावना, जिसने उन्हें हमेशा विशिष्ट बनाया है, इन संस्मरणों के चयन में अभी भी सक्रिय है, और किसी भी गोपनीयता का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा। हालाँकि, मैं हाल ही में इन दस्तावेजों को प्राप्त करने और नष्ट करने के किए गए प्रयासों की कड़ी निंदा करता हूं। इन अत्याचारों का स्रोत ज्ञात है, और यदि ये दोबारा दोहराए गए तो मुझे श्री होम्स के हवाले से यह कहने का पूरा अधिकार है कि राजनेता, प्रकाशस्तंभ और प्रशिक्षित जलकौवे से संबंधित पूरी कहानी जनता के सामने रखी जाएगी। कम से कम एक पाठक तो ऐसा होगा जो इसे समझेगा।

यह मानना उचित नहीं है कि इन सभी मामलों ने होम्स को उन विलक्षण अंतर्ज्ञान और अवलोकन क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर दिया, जिनका मैंने इन संस्मरणों में वर्णन करने का प्रयास किया है। कभी-कभी उन्हें बड़ी मेहनत से सफलता प्राप्त करनी पड़ती थी, कभी-कभी वह आसानी से उनकी झोली में आ जाती थी। लेकिन सबसे भयावह मानवीय त्रासदी अक्सर उन्हीं मामलों में निहित होती थी जिनमें उन्हें व्यक्तिगत रूप से सबसे कम अवसर मिलते थे, और मैं अब उन्हीं में से एक का वर्णन करना चाहता हूँ। इसे बताते समय मैंने नाम और स्थान में थोड़ा बदलाव किया है, लेकिन बाकी तथ्य वही हैं।

एक दोपहर - यह 1896 के उत्तरार्ध की बात है - मुझे होम्स का एक जल्दबाजी में लिखा पत्र मिला जिसमें उन्होंने मुझे बुलाया था। जब मैं वहाँ पहुंचा तो मैंने उन्हें धुएँ से भरे वातावरण में बैठे हुए पाया, और उनके सामने वाली कुर्सी पर एक बुजुर्ग, ममतामयी, सुडौल मकान मालकिन बैठी थीं।

“ये साउथ ब्रिक्सटन की श्रीमती मेरिलो हैं,” मेरे मित्र ने हाथ हिलाते हुए कहा। “वॉटसन, अगर आप अपनी गंदी आदतों में लिप्त होना चाहते हैं, तो श्रीमती मेरिलो को तंबाकू से कोई आपत्ति नहीं है। श्रीमती मेरिलो के पास सुनाने के लिए एक दिलचस्प कहानी है, जिससे आगे और भी घटनाक्रम हो सकते हैं, जिनमें आपकी उपस्थिति उपयोगी साबित हो सकती है।”

"मैं कुछ भी कर सकता हूं -"

"श्रीमती मेरिलो, आप समझ जाएंगी कि अगर मैं श्रीमती रोंडर के पास जाऊं तो मैं एक गवाह रखना पसंद करूंगी। हमारे पहुंचने से पहले आप उन्हें यह बात समझा देंगी।"

“भगवान आपका भला करे, श्रीमान होम्स,” हमारे आगंतुक ने कहा, “वह आपसे मिलने के लिए इतनी उत्सुक है कि आप पूरे इलाके को अपने पीछे ला सकते हैं!”

“तो हम दोपहर में जल्दी आ जाएंगे। शुरू करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि हमारे पास सही तथ्य हैं। अगर हम उनकी समीक्षा कर लें तो डॉ. वॉटसन को स्थिति समझने में मदद मिलेगी। आप कहते हैं कि श्रीमती रोंडर सात साल से आपकी किरायेदार हैं और आपने उनका चेहरा केवल एक बार देखा है।”

"और काश मैंने ऐसा न किया होता!" श्रीमती मेरिलो ने कहा।

"मुझे पता चला है कि इसे बुरी तरह से क्षत-विक्षत कर दिया गया था।"

“खैर, श्रीमान होम्स, आप उसे चेहरा कह ही नहीं सकते। वह देखने में बिल्कुल वैसी ही थी। हमारे दूधवाले ने एक बार उसे ऊपर वाली खिड़की से झांकते हुए देखा और उसका दूध का डिब्बा और सारा दूध सामने वाले बगीचे में गिर गया। चेहरा बिल्कुल वैसा ही था। जब मैंने उसे देखा—मैं उससे अचानक मिल गया—तो उसने तुरंत खुद को ढक लिया और फिर बोली, ‘अब, श्रीमती मेरिलो, आपको आखिरकार पता चल ही गया होगा कि मैं अपना घूंघट क्यों नहीं उठाती।’”

क्या आपको उसके इतिहास के बारे में कुछ पता है?

"कुछ भी नहीं।"

"क्या उसने आने पर संदर्भ दिए थे?"

जी नहीं, महोदय, लेकिन उन्होंने नकद पैसे दिए, और वो भी भरपूर मात्रा में। किराए की एक चौथाई राशि उन्होंने तुरंत मेज पर रख दी और शर्तों को लेकर कोई बहस नहीं हुई। इन दिनों मुझ जैसी गरीब महिला ऐसे मौके को ठुकरा नहीं सकती।

"क्या उसने आपके घर को चुनने का कोई कारण बताया?"

“मेरा घर सड़क से काफी दूर है और बाकी घरों के मुकाबले ज़्यादा एकांत वाला है। वैसे भी, मैं एक ही घर रखता हूँ और मेरा अपना कोई परिवार नहीं है। मुझे लगता है उसने दूसरे घर भी देखे होंगे और उसे मेरा घर सबसे अच्छा लगा होगा। उसे एकांत चाहिए और वह इसके लिए पैसे देने को तैयार है।”

“आप कहते हैं कि उसने शुरू से अंत तक कभी अपना चेहरा नहीं दिखाया, सिवाय एक आकस्मिक अवसर के। खैर, यह एक बहुत ही उल्लेखनीय कहानी है, बेहद उल्लेखनीय, और मुझे आश्चर्य नहीं है कि आप इसकी जांच करवाना चाहते हैं।”

“नहीं, मिस्टर होम्स। जब तक मुझे मेरा किराया मिलता रहता है, मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं। आपको इससे शांत किराएदार या कम परेशानी देने वाला किराएदार नहीं मिल सकता।”

तो फिर किस बात ने इस मामले को चरम पर पहुंचा दिया है?

“उनकी सेहत, श्रीमान होम्स। ऐसा लगता है कि वे बहुत कमज़ोर होती जा रही हैं। और उनके मन में कुछ भयानक चल रहा है। ‘हत्या!’ वे चिल्लाती हैं। ‘हत्या!’ और एक बार मैंने उन्हें यह कहते हुए सुना: ‘तुम निर्दयी जानवर! तुम राक्षस!’ वे रात में चिल्लाईं, और उनकी आवाज़ पूरे घर में गूंज उठी और मुझे कंपकंपी छूट गई। इसलिए मैं सुबह उनके पास गया। ‘श्रीमती रोंडर,’ मैंने कहा, ‘अगर आपके मन में कोई बात खटक रही है, तो पादरी हैं,’ मैंने कहा, ‘और पुलिस भी है। इन दोनों से आपको कुछ मदद मिल सकती है।’ ‘भगवान के लिए, पुलिस नहीं!’ वे बोलीं, ‘और पादरी बीते हुए कल को नहीं बदल सकते। फिर भी,’ वे बोलीं, ‘अगर मरने से पहले कोई सच जान ले तो मुझे शांति मिलेगी।’ ‘ठीक है,’ मैंने कहा, ‘अगर आप नियमित लोगों से मदद नहीं लेना चाहतीं, तो यह जासूस है जिसके बारे में हमने पढ़ा है’—माफ़ कीजिए, श्रीमान होम्स। और वह, वह वह झट से झट से बोली, “यही वह आदमी है। मुझे आश्चर्य है कि मैंने पहले कभी इस बारे में क्यों नहीं सोचा। श्रीमती मेरिलो, उसे यहाँ ले आओ, और अगर वह नहीं आता है, तो उसे बता देना कि मैं रोंडर के जंगली जानवरों के शो की मालकिन की पत्नी हूं। ऐसा

कहना और उसे अब्बास परवा नाम बताना। उसने इसे इस तरह लिखा, अब्बास परवा। "अगर वह वही आदमी है जिसके बारे में मैं सोच रही हूं, तो वह ज़रूर आएगा।"

"हाँ, ऐसा ही होगा," होम्स ने कहा। "बहुत बढ़िया, श्रीमती मेरिलो। मैं डॉ. वॉटसन से थोड़ी बातचीत करना चाहूँगा। इससे दोपहर के भोजन तक का समय बीत जाएगा। लगभग तीन बजे आप हमें ब्रिक्सटन स्थित अपने घर पर देख सकती हैं।"

हमारे मेहमान के कमरे से बाहर निकलते ही—श्रीमती मेरिलो के चलने के तरीके को बयान करने के लिए कोई और शब्द ही नहीं है—शर्लक होम्स ने कोने में रखी आम किताबों के ढेर पर पूरी ताकत से हमला कर दिया। कुछ मिनटों तक पन्नों की सरसराहट सुनाई देती रही, और फिर संतुष्टि भरी आह के साथ उन्हें वह मिल गया जिसकी उन्हें तलाश थी। वे इतने उत्साहित थे कि उठे नहीं, बल्कि किसी अजीब बुद्ध की तरह पैर मोड़कर ज़मीन पर बैठ गए, उनके चारों ओर बड़ी-बड़ी किताबें बिखरी थीं, और एक किताब उनके घुटनों पर खुली पड़ी थी।

"उस समय यह मामला मुझे परेशान कर रहा था, वॉटसन। ये रहे मेरे हाशिये पर लिखे नोटस, जो इसे साबित करते हैं। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं इससे कुछ भी नहीं समझ पाया। फिर भी मुझे पूरा यकीन था कि कोरोनर गलत था। क्या आपको अब्बास परवा त्रासदी याद नहीं है?"

"नहीं, होम्स।"

"और फिर भी आप उस समय मेरे साथ थे। लेकिन निश्चित रूप से मेरा अपना अनुमान बहुत सतही था। क्योंकि मेरे पास कोई ठोस जानकारी नहीं थी, और किसी भी पक्ष ने मेरी सेवाएं नहीं ली थीं। शायद आप अखबार पढ़ना चाहेंगे?"

"क्या आप मुझे अंक नहीं दे सकते?"

"यह बहुत आसानी से हो सकता है। शायद मेरी बात सुनते-सुनते आपको याद आ जाए। रोंडर तो ज़ाहिर तौर पर एक जाना-माना नाम था। वह वोम्बिवेल और सैंगर का प्रतिद्वंदी था, और अपने ज़माने के सबसे बड़े शोमैन में से एक था। हालांकि, इस बात के सबूत हैं कि वह शराब पीने लगा था, और उस भयानक त्रासदी के समय वह और उसका शो दोनों ही पतन की ओर थे। यह काफिला बर्कशायर के एक छोटे से गाँव अब्बास परवा में रात बिताने के लिए रुका था, तभी यह भयावह घटना घटी। वे विंबलडन जा रहे थे, सड़क मार्ग से यात्रा कर रहे थे, और वे वहाँ सिर्फ डेरा डाले हुए थे, प्रदर्शन नहीं कर रहे थे, क्योंकि वह जगह इतनी छोटी थी कि वहाँ शो खोलना उनके लिए फ़ायदेमंद नहीं होता।

उनके प्रदर्शनों में एक बहुत ही शानदार उत्तरी अफ्रीकी शेर था। उसका नाम सहारा किंग था, और रोंडर और उसकी पत्नी दोनों की आदत थी कि वे उसके पिंजरे के अंदर प्रदर्शन करते थे। यहाँ आप उस प्रदर्शन की एक तस्वीर देख सकते हैं जिससे आपको पता चलेगा कि रोंडर एक विशालकाय और ताकतवर व्यक्ति था और उसकी पत्नी एक बेहद खूबसूरत महिला थी। पूछताछ में यह बयान दिया गया कि शेर के खतरनाक होने के कुछ संकेत थे, लेकिन हमेशा की तरह, जान-पहचान से उपेक्षा पैदा होती है, और इस तथ्य पर ध्यान नहीं दिया गया।

"रात में शेर को खाना खिलाना रोंडर या उसकी पत्नी का आम चलन था। कभी एक जाता था, कभी दोनों, लेकिन वे किसी और को ऐसा करने नहीं देते थे, क्योंकि उनका मानना था कि जब तक वे खाना पहुंचाते रहेंगे, शेर उन्हें उपकारी समझेगा और कभी परेशान नहीं करेगा। सात साल पहले, उस खास रात को, वे दोनों गए थे, और उसके बाद एक बहुत ही भयानक घटना घटी, जिसका विवरण आज तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।"

ऐसा लगता है कि आधी रात के करीब जानवर की दहाड़ और महिला की चीखों से पूरा शिविर जाग उठा। अलग-अलग घोड़ों की देखभाल करने वाले और कर्मचारी लालटेन लेकर अपने तंबुओं से बाहर भागे, और उनकी रोशनी में एक भयानक दृश्य सामने आया। रोंडर पिंजरे से लगभग दस गज़ की दूरी पर पड़ा था, जिसका सिर बुरी तरह कुचला हुआ था और खोपड़ी पर गहरे पंजे के निशान थे। पिंजरा खुला हुआ था। पिंजरे के दरवाजे के पास श्रीमती रोंडर पीठ के बल लेटी हुई थीं, और वह जानवर उनके ऊपर बैठा गुर्रा रहा था। उसने उनका चेहरा इस तरह से नोच डाला था कि उनके बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। लियोनार्डो (ताकतवर आदमी) और ग्रिग्स (जोकर) के नेतृत्व में सर्कस के कई लोगों ने डंडों से उस जानवर को भगाया, जिस पर वह वापस पिंजरे में कूद गया और तुरंत बंद हो गया। वह कैसे छूटा, यह एक रहस्य था। अनुमान लगाया गया कि दोनों पिंजरे में घुसना चाहते थे, लेकिन जब दरवाजा खुला तो वह जानवर उन पर झपट पड़ा। सबूतों में इसके अलावा कोई और दिलचस्प बात नहीं थी कि महिला दर्द से व्याकुल होकर वह चीखती रही, 'कायर! कायर!' जब उसे वापस उस वैन में ले जाया जा रहा था जिसमें वे रहते थे। गवाही देने की स्थिति में आने में उसे छह महीने लग गए, लेकिन विधिवत जांच हुई, और स्पष्ट फैसला आया कि उसकी मृत्यु दुर्घटना के कारण हुई थी।

मैंने कहा, "और क्या विकल्प सोचा जा सकता है?"

"आप ऐसा कह सकते हैं। फिर भी, बर्कशायर पुलिस के युवा एडमंड्स को एक-दो बातों की चिंता सता रही थी। वह तो बड़ा होशियार लड़का था! उसे बाद में इलाहाबाद भेज दिया गया। इसी तरह मैं इस मामले में शामिल हुआ, क्योंकि वह मुझसे मिलने आया और इस बारे में एक-दो पाइप पी।

"एक दुबला-पतला, पीले बालों वाला आदमी?"

"बिल्कुल सही। मुझे पूरा यकीन था कि आप जल्द ही सुराग ढूंढ लेंगे।"

लेकिन उन्हें किस बात की चिंता थी?

"खैर, हम दोनों चिंतित थे। उस घटना को दोबारा समझना बेहद मुश्किल था। शेर के नज़रिए से देखिए। वह आज़ाद है। वह क्या करता है? वह आधा दर्जन छलांगें लगाता है, जिससे वह रोंडर के पास पहुंच जाता है। रोंडर भागने की कोशिश करता है—उसके सिर के पिछले हिस्से पर पंजों के निशान थे—लेकिन शेर उसे मार गिराता है। फिर, आगे बढ़कर भागने के बजाय, वह पिंजरे के पास खड़ी औरत के पास लौटता है, उसे गिरा देता है और उसका चेहरा नोच डालता है। फिर, उसकी चीखें तो यही इशारा करती हैं कि उसके पति ने किसी न किसी तरह उसे धोखा दिया था। बेचारा उसकी मदद के लिए क्या कर सकता था? समझ रहे हैं मुश्किल?"

"अत्यंत।"

"और फिर एक और बात थी। अब जब मैं उस पर विचार करता हूँ तो वह मुझे याद आ रही है। कुछ सबूत मिले थे कि जिस समय शेर दहाड़ा और महिला चीखी, उसी समय एक आदमी डर के मारे चिल्लाने लगा।"

"यह आदमी रोंडर है, इसमें कोई शक नहीं।"

"खैर, अगर उसकी खोपड़ी चकनाचूर हो गई होती तो उससे दोबारा संपर्क होने की उम्मीद शायद ही की जा सकती थी। कम से कम दो गवाह ऐसे थे जिन्होंने एक पुरुष की चीख और एक महिला की चीख के मिश्रण की बात कही।"

मुझे लगता है कि तब तक पूरा शिविर गुहार लगा रहा होगा। बाकी मुद्दों के लिए, मुझे लगता है कि मैं एक समाधान सुझा सकता हूं।

मुझे इस पर विचार करने में खुशी होगी।

“दोनों पिंजरे से दस गज की दूरी पर साथ थे, तभी शेर छूट गया। आदमी मुड़ा और शेर की चपेट में आ गया। औरत को पिंजरे में घुसकर दरवाजा बंद करने का ख्याल आया। वही उसका एकमात्र सहारा था। वह पिंजरे की ओर दौड़ी, और जैसे ही वह वहां पहुंची, जानवर उस पर झपटा और उसे भी गिरा दिया। वह अपने पति पर बहुत गुस्सा थी क्योंकि उसने मुड़कर जानवर के गुस्से को भड़काया था। अगर वे उसका सामना करते तो शायद उसे डरा सकते थे। इसीलिए वह चिल्लाई, ‘कायर!’”

“शानदार, वॉटसन! तुम्हारे हीरे में बस एक ही खामी है।”

"क्या खामी है, होम्स?"

"अगर वे दोनों पिंजरे से दस कदम की दूरी पर थे, तो वह जानवर पिंजरे से बाहर कैसे निकल गया?"

"क्या ऐसा संभव है कि उनका कोई दुश्मन रहा हो जिसने इसे छोड़ा हो?"

"और जब वह पिंजरे के अंदर उनके साथ खेलने और करतब दिखाने का आदी था, तो वह उन पर बेरहमी से हमला क्यों करेगा?"

"संभवतः उसी दुश्मन ने कुछ ऐसा किया होगा जिससे यह क्रोधित हो गया हो।"

होम्स सोच में डूबे हुए दिखे और कुछ पल तक चुप रहे।

“खैर, वॉटसन, आपकी थ्योरी में एक बात तो सही है। रोंडर के कई दुश्मन थे। एडमंड्स ने मुझे बताया कि नशे में वह भयानक हो जाता था। एक बड़ा गुंडा, जो अपने रास्ते में आने वाले हर किसी को गाली देता और उस पर हमला करता था। मुझे लगता है कि हमारे मेहमान ने जिस राक्षस की बात की है, वह शायद दिवंगत रोंडर की रात की यादें थीं। लेकिन जब तक हमें सारे तथ्य पता नहीं चल जाते, तब तक हमारी अटकलें बेकार हैं। वॉटसन, साइडबोर्ड पर एक ठंडा तीतर और मॉन्ट्रेशेट की एक बोतल रखी है। आइए, उन्हें फिर से बुलाने से पहले अपनी ऊर्जा फिर से जुटा लें।”

जब हमारी गाड़ी हमें श्रीमती मेरिलो के घर पर छोड़कर गई, तो हमने देखा कि वह गोल-मटोल महिला अपने सादे लेकिन एकांत घर के खुले दरवाजे को रोके खड़ी थी। यह स्पष्ट था कि उनकी सबसे बड़ी चिंता यह थी कि कहीं उनका कोई मूल्यवान किराएदार उनसे बिछड़ न जाए, और हमें अंदर ले जाने से पहले उन्होंने हमसे विनती की कि हम ऐसा कुछ भी न कहें और न करें जिससे ऐसा अप्रिय परिणाम निकले। फिर, उन्हें आश्वस्त करने के बाद, हम उनके पीछे-पीछे सीधी, खराब कालीन वाली सीढ़ियों से ऊपर गए और हमें उस रहस्यमय किराएदार के कमरे में ले जाया गया।

यह एक तंग, दुर्गंधयुक्त और कम हवादार जगह थी, जैसा कि उम्मीद की जा सकती थी, क्योंकि इसमें रहने वाली महिला शायद ही कभी बाहर निकलती थी। पिंजरे में जानवरों को रखने से, भाग्य के किसी प्रतिशोध के कारण, वह महिला स्वयं एक पिंजरे में बंद जानवर बन गई थी। वह अब कमरे के अंधेरे कोने में एक टूटी हुई कुर्सी पर बैठी थी। वर्षों की निष्क्रियता ने उसके शरीर की बनावट को खुरदुरा कर दिया था, लेकिन किसी समय वह सुंदर रही होगी, और अब भी भरी-पूरी और आकर्षक थी। उसके चेहरे पर एक मोटा काला घूंघट था, जो उसके ऊपरी होंठ के पास से कटा हुआ था और एक सुंदर आकार का मुंह और नाजुक गोल ठुड्डी दिखाई दे रही थी। मैं आसानी से कल्पना कर सकता था कि वह वास्तव में एक असाधारण महिला रही होगी। उसकी आवाज भी सुरीली और मधुर थी।

“मेरा नाम आपके लिए अपरिचित नहीं है, श्रीमान होम्स,” उसने कहा। “मुझे लगा था कि इससे आप यहां आ जाएंगे।”

"हां, महोदया, ऐसा ही है, हालांकि मुझे नहीं पता कि आपको कैसे पता चला कि मुझे आपके मामले में दिलचस्पी थी।"

“मुझे यह तब पता चला जब मेरी सेहत में सुधार आया और काउंटी जासूस श्री एडमंड्स ने मेरी जांच की। मुझे डर है कि मैंने उनसे झूठ बोला था। शायद सच बोलना ज्यादा समझदारी भरा होता।”

"सच बोलना आमतौर पर ज्यादा समझदारी का काम होता है। लेकिन तुमने उससे झूठ क्यों बोला?"

क्योंकि किसी और का भाग्य इस पर निर्भर था। मैं जानती हूँ कि वह एक बेहद निकम्मा इंसान था, फिर भी मैं उसकी मौत का बोझ अपने अंतरात्मा पर नहीं लेना चाहती थी। हम बहुत करीब थे—बहुत करीब!

लेकिन क्या यह बाधा दूर हो गई है?

"जी हां, महोदय। मैं जिस व्यक्ति का जिक्र कर रहा हूं, वह मर चुका है।"

"तो फिर अब आपको पुलिस को वह सब कुछ क्यों नहीं बताना चाहिए जो आप जानते हैं?"

क्योंकि एक और व्यक्ति भी है जिसके बारे में सोचना है। वह दूसरा व्यक्ति मैं स्वयं हूँ। पुलिस जांच से होने वाले कलंक और बदनामी को मैं सहन नहीं कर सकता। मेरे पास जीने के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है, लेकिन मैं शांति से मरना चाहता हूँ। फिर भी मैं एक ऐसे समझदार व्यक्ति को ढूंढना चाहता था जिसे मैं अपनी भयानक कहानी सुना सकूं, ताकि मेरे जाने के बाद सब कुछ समझा जा सके।

“आप मेरी प्रशंसा कर रही हैं, महोदया। साथ ही, मैं एक जिम्मेदार व्यक्ति हूं। मैं आपसे वादा नहीं करता कि आपके बोलने के बाद मैं इस मामले को पुलिस को सौंपना अपना कर्तव्य नहीं समझूंगा।”

“मुझे नहीं लगता, श्रीमान होम्स। मैं आपके स्वभाव और तौर-तरीकों को अच्छी तरह जानता हूं, क्योंकि मैं कई वर्षों से आपके काम का अनुसरण कर रहा हूं। पढ़ना ही एकमात्र सुख है जो मुझे नसीब हुआ है, और दुनिया में जो कुछ भी बीतता है, मुझे उसकी कमी महसूस नहीं होती। लेकिन फिर भी, मैं इस बात का लाभ उठाना चाहता हूँ कि आप मेरी त्रासदी का क्या उपयोग करेंगे। इसे सुनाने से मुझे मन की शांति मिलेगी।”

मुझे और मेरे दोस्त को यह सुनकर खुशी होगी।

महिला उठी और दराज से एक आदमी की तस्वीर निकाली। वह स्पष्ट रूप से एक पेशेवर कलाबाज था, शानदार कद-काठी वाला आदमी, जिसकी विशाल भुजाएं उसकी फूली हुई छाती पर मुड़ी हुई थीं और उसकी घनी मूंछों के नीचे से एक मुस्कान झलक रही थी - कई विजयों वाले उस आदमी की आत्मसंतुष्ट मुस्कान।

“यह लियोनार्डो है,” उसने कहा।

“लियोनार्डो, वह बलवान व्यक्ति, जिसने गवाही दी?”

“बिल्कुल वही। और ये — ये मेरे पति हैं।”

वह चेहरा भयानक था—एक इंसान सूअर, या यूँ कहें कि एक जंगली सूअर, क्योंकि उसकी क्रूरता भयावह थी। कल्पना की जा सकती थी कि उसका घिनौना मुंह क्रोध से चबा रहा होगा और झाग उगल रहा होगा, और उसकी छोटी, क्रूर आँखें दुनिया को घूरते हुए घोर द्वेष से भरी होंगी। बदमाश, गुंडा, दरिंदा—उस भारी जबड़े वाले चेहरे पर सब कुछ साफ झलक रहा था।

“ये दो तस्वीरें आपको कहानी समझने में मदद करेंगी, सज्जनों। मैं एक गरीब सर्कस वाली लड़की थी, जो लकड़ी के बुरादे पर पली-बढ़ी और दस साल की उम्र से पहले ही सर्कस के घेरे में उछल-कूद करने लगी थी। जब मैं जवान हुई तो इस आदमी ने मुझसे प्यार किया, अगर उसकी ऐसी हवस को प्यार कहा जा सकता है, और एक बुरे पल में मैं उसकी पत्नी बन गई। उस दिन से मैं नरक में थी, और वह शैतान था जिसने मुझे सताया। शो में ऐसा कोई नहीं था जो उसके बुरे बर्ताव से अनजान हो। वह मुझे

छोड़कर दूसरों के साथ चला गया। जब मैंने शिकायत की तो उसने मुझे बांध दिया और अपने चाबुक से पीटा। सभी को मुझ पर तरस आता था और सभी उससे नफरत करते थे, लेकिन वे क्या कर सकते थे? सभी उससे डरते थे। क्योंकि वह हर समय भयानक था, और नशे में होने पर हत्यारा बन जाता था। बार-बार उस पर मारपीट और जानवरों के प्रति क्रूरता के आरोप लगे, लेकिन उसके पास बहुत पैसा था और जुर्माना उसके लिए कुछ भी नहीं था। सभी अच्छे लोग हमें छोड़कर चले गए, और शो का पतन शुरू हो गया। केवल लियोनार्डो और मैं ही थे जिन्होंने इसे संभाले रखा - छोटे जिमी ग्रिग्स के साथ।" वह विदूषक। बेचारा, उसके पास हंसाने के लिए कुछ खास नहीं था, लेकिन उसने हालात को संभालने के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश की।

फिर लियोनार्डो धीरे-धीरे मेरे जीवन में और अधिक शामिल हो गया। आप देख ही सकते हैं कि वह कैसा था। अब मैं उस शानदार शरीर में छिपी उस निर्दयी आत्मा को जानती हूँ, लेकिन मेरे पति की तुलना में वह देवदूत गैब्रियल जैसा लगता था। उसने मुझ पर दया की और मेरी मदद की, अंततः हमारी आत्मीयता प्रेम में बदल गई - गहरा, गहरा, भावुक प्रेम, ऐसा प्रेम जिसका मैंने सपना तो देखा था लेकिन कभी महसूस करने की उम्मीद नहीं की थी। मेरे पति को इस बात का शक था, लेकिन मुझे लगता है कि वह कायर होने के साथ-साथ दबंग भी था, और लियोनार्डो ही वह अकेला आदमी था जिससे वह डरता था। उसने मुझे पहले से कहीं अधिक यातना देकर अपने तरीके से बदला लिया। एक रात मेरी चीखों ने लियोनार्डो को हमारी वैन के दरवाजे तक ला खड़ा किया। उस रात हम त्रासदी के कगार पर थे, और जल्द ही मेरे प्रेमी और मैं समझ गए कि इसे टाला नहीं जा सकता। मेरे पति जीने लायक नहीं थे। हमने योजना बनाई कि उन्हें मार दिया जाए।

"लियोनार्डो का दिमाग बहुत ही चतुर और शातिर था। यह सब उसी ने रचा था। मैं उसे दोष देने के लिए ऐसा नहीं कह रही, क्योंकि मैं हर कदम पर उसके साथ चलने को तैयार थी। लेकिन मुझमें कभी ऐसी योजना बनाने की अक्ल नहीं आती। हमने एक गदा बनाई - लियोनार्डो ने बनाई - और उसके सीसे के सिरे में उसने पांच लंबी स्टील की कीलें इस तरह ठोकीं, जिनके नुकीले सिरे बाहर की ओर थे, ठीक उसी तरह जैसे शेर का पंजा फैला होता है। यह मेरे पति को अंतिम प्रहार देने के लिए था, और साथ ही यह सबूत छोड़ने के लिए भी कि यह काम उस शेर ने किया था जिसे हम छोड़ने वाले थे।"

"घोर अंधेरी रात थी जब मैं और मेरे पति, हमेशा की तरह, उस जानवर को खाना खिलाने गए। हम अपने साथ जस्ता की बाल्टी में कच्चा मांस ले गए थे। लियोनार्डो उस बड़ी वैन के कोने पर इंतज़ार कर रहा था जिसके पास से हमें पिंजरे तक पहुँचने से पहले गुज़रना था। वह बहुत धीमा था, और हम उसके हमला करने से पहले ही उसके पास से गुज़र गए, लेकिन वह दबे पांव हमारे पीछे आया और मैंने ज़ोरदार आवाज़ सुनी जब लाठी ने मेरे पति की खोपड़ी तोड़ दी। उस आवाज़ से मेरा दिल खुशी से उछल पड़ा। मैं आगे बढ़ी और मैंने उस कुंडी को खोल दिया जिससे विशाल शेर का दरवाज़ा बंद था।"

"और फिर वो भयानक घटना घटी। आपने शायद सुना होगा कि ये जीव इंसानी खून की गंध कितनी जल्दी पहचान लेते हैं और उससे कितने उत्तेजित हो जाते हैं। किसी अजीब सहज प्रवृत्ति ने उस जीव को पल भर में बता दिया कि किसी इंसान की हत्या हुई है। जैसे ही मैं सलाखों से फिसला, वो उछल पड़ा और पलक झपकते ही मुझ पर टूट पड़ा। लियोनार्डो मुझे बचा सकता था। अगर वो आगे बढ़कर अपने डंडे से उस जानवर पर वार करता, तो शायद वो उसे डरा देता। लेकिन वो आदमी हिम्मत हार गया। मैंने उसे डर से चिल्लाते सुना, और फिर मैंने उसे मुड़कर भागते देखा। उसी पल शेर के दांत मेरे चेहरे पर आ लगे। उसकी गर्म, गंदी सांसों ने मुझे पहले ही जहर दे दिया

था और मुझे दर्द का शायद ही एहसास हो रहा था। मैंने अपनी हथेलियों से उसके बड़े, भाप निकलते, खून से सने जबड़ों को खुद से दूर धकेलने की कोशिश की और मदद के लिए चीखा। मुझे एहसास हुआ कि शिविर में हलचल मची हुई है, और फिर मुझे धुंधला सा कुछ आदमियों का समूह याद आया। लियोनार्डो, ग्रिग्स और अन्य लोग मुझे उस जीव के पंजों के नीचे से खींच रहे थे। मिस्टर होम्स, कई थके हुए दिनों के लिए यही मेरी आखिरी याद थी।" एक महीना बीत गया। जब मुझे होश आया और मैंने आईने में खुद को देखा, तो मैंने उस शेर को खूब कोसा—ओह, मैंने उसे कितना कोसा!—इसलिए नहीं कि उसने मेरी सुंदरता छीन ली थी, बल्कि इसलिए कि उसने मेरी जान नहीं ली थी। श्रीमान होम्स, मेरी बस एक ही इच्छा थी, और उसे पूरा करने के लिए मेरे पास पर्याप्त धन था। वह यह थी कि मैं खुद को इस तरह ढक लूँ कि मेरा बेचारा चेहरा किसी को दिखाई न दे, और मैं ऐसी जगह रहूँ जहाँ मुझे जानने वाला कोई भी मुझे न ढूंढ पाए। बस यही एक काम बचा था—और मैंने वही किया। एक बेचारा घायल जानवर जो मरने के लिए अपने बिल में रेंग कर चला गया—यही यूजेनिया रोंडर का अंत है।

उस दुखी महिला की कहानी सुनने के बाद हम कुछ देर तक चुपचाप बैठे रहे। फिर होम्स ने अपना लंबा हाथ आगे बढ़ाया और सहानुभूति जताते हुए उसका हाथ थपथपाया, जैसा मैंने उन्हें शायद ही कभी करते देखा था।

"बेचारी लड़की!" उसने कहा। "बेचारी लड़की! भाग्य के नियम वाकई समझना मुश्किल है। अगर परलोक में कोई प्रतिफल न मिले, तो यह दुनिया एक क्रूर मजाक है। लेकिन इस लियोनार्डो का क्या?"

"मैंने उसे फिर कभी नहीं देखा और न ही उससे कोई खबर मिली। शायद उसके प्रति इतनी कड़वाहट रखना मेरी गलती थी। वह शायद उन अजीबोगरीब लोगों में से किसी एक से भी उतना ही प्यार करता, जितना उस चीज़ से जिसे शेर ने छोड़ दिया था। लेकिन एक औरत का प्यार इतनी आसानी से नहीं छोड़ा जा सकता। उसने मुझे उस जानवर के पंजों के नीचे छोड़ दिया था, उसने मेरी ज़रूरत के समय मुझे अकेला छोड़ दिया था, फिर भी मैं उसे फांसी पर चढ़ाने की हिम्मत नहीं कर पाई। जहाँ तक मेरी बात है, मुझे इस बात की कोई परवाह नहीं थी कि मेरा क्या होगा। मेरी मौजूदा ज़िंदगी से ज़्यादा भयानक और क्या हो सकता है? लेकिन मैं लियोनार्डो और उसके भाग्य के बीच खड़ी थी।"

"और वह मर गया?"

"पिछले महीने मार्गेट के पास नहाते समय वह डूब गया था। मैंने उसकी मौत की खबर अखबार में पढ़ी।"

"और उसने इस पांच पंजों वाले क्लब का क्या किया, जो आपकी पूरी कहानी का सबसे अनोखा और अद्भुत हिस्सा है?"

"मैं नहीं बता सकती, श्रीमान होम्स। शिविर के पास एक चूने का गड्ढा है, जिसके तल में एक गहरा हरा तालाब है। शायद उस तालाब की गहराई में—"

"खैर, खैर, अब इसका कोई खास महत्व नहीं है। मामला बंद हो चुका है।"

"जी हां," महिला ने कहा, "मामला बंद हो गया है।"

हम जाने के लिए उठ ही गए थे, लेकिन उस महिला की आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने होम्स का ध्यान आकर्षित कर लिया। वह तेज़ी से उसकी ओर मुड़ा।

उन्होंने कहा, "आपकी जिंदगी आपकी अपनी नहीं है। इससे दूर रहो।"

इससे किसी को क्या फायदा है?

"आप यह कैसे कह सकते हैं? धैर्यपूर्वक पीड़ा सहने का उदाहरण अपने आप में एक अधीर दुनिया के लिए सबसे अनमोल सबक है।"

उस महिला का जवाब बेहद भयावह था। उसने अपना घूंघट उठाया और रोशनी की ओर आगे बढ़ी।

"मुझे आश्चर्य है कि क्या तुम इसे सहन कर पाओगे," उसने कहा।

यह भयावह था। जब चेहरा ही गायब हो जाए तो उसके आकार-प्रकार का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता। उस भयानक खंडहर से उदास निगाहों से झांकती दो जीवंत और सुंदर भूरी आंखें दृश्य को और भी भयावह बना रही थीं। होम्स ने दया और विरोध के भाव से अपना हाथ उठाया और हम दोनों साथ में कमरे से बाहर निकल गए।

दो दिन बाद, जब मैं अपने दोस्त से मिलने गया, तो उसने कुछ गर्व के साथ अपने शेल्फ पर रखी एक छोटी नीली बोतल की ओर इशारा किया। मैंने उसे उठाया। उस पर लाल रंग का ज़हर का लेबल लगा था। जैसे ही मैंने उसे खोला, उसमें से बादाम जैसी मनमोहक खुशबू आई।

"प्रूसिक एसिड?" 1 ने कहा।

"बिल्कुल सही। यह डाक से आया था। 'मैं आपको अपना प्रलोभन भेज रही हूँ। मैं आपकी सलाह मानूंगी।' यही संदेश था। मुझे लगता है, वॉटसन, हम उस बहादुर महिला का नाम बता सकते हैं जिसने इसे भेजा था।"

शोस्कोम्बे ओल्ड प्लेस का रोमांच

शर्लक होम्स काफी देर से कम क्षमता वाले माइक्रोस्कोप पर झुके हुए थे। अब वे सीधे खड़े हुए और विजयी भाव से मेरी ओर देखा।

"यह गोंद है, वॉटसन," उसने कहा। "निस्संदेह यह गोंद ही है। खेत में बिखरी हुई इन वस्तुओं को देखो!"

मैं लेंस के पास झुका और अपनी दृष्टि के अनुसार फोकस किया।

"ये बाल ट्वीड कोट के धागे हैं। ये अनियमित भूरे रंग के पिंड धूल हैं। बाईं ओर एपिथेलियल परतें हैं। बीच में ये भूरे धब्बे निस्संदेह गोंद हैं।"

"ठीक है," मैंने हंसते हुए कहा, "मैं आपकी बात पर विश्वास करने को तैयार हूं। क्या इस पर कुछ निर्भर करता है?"

"यह एक बहुत ही सटीक उदाहरण है," उन्होंने उत्तर दिया। "सेंट पैनक्रास मामले में आपको याद होगा कि मृत पुलिसकर्मी के पास एक टोपी मिली थी। आरोपी व्यक्ति का कहना है कि वह टोपी उसकी नहीं है। लेकिन वह एक फ्रेम बनाने वाला है जो अक्सर गोंद का काम करता है।"

"क्या यह आपके मामलों में से एक है?"

"नहीं; मेरे दोस्त मेरिवेल, जो यार्ड में काम करता है, ने मुझे इस मामले की जांच करने के लिए कहा था। जब से मैंने उस सिक्का बनाने वाले को उसकी कलाई की सिलाई में फंसे जस्ता और तांबे के बुरादे से पकड़ा है, तब से उन्हें सूक्ष्मदर्शी के महत्व का एहसास होने लगा है।" उसने अधीरता से अपनी घड़ी देखी। "मेरा एक नया ग्राहक फोन कर रहा था, लेकिन उसे आने में देरी हो रही है। वैसे, वॉटसन, क्या तुम्हें रेसिंग के बारे में कुछ पता है?"

"मुझे ऐसा करना चाहिए। मैं अपनी चोट से मिली पेंशन के लगभग आधे हिस्से से इसका भुगतान करता हूं।"

"तो मैं आपको अपनी 'घुड़दौड़ की आसान गाइड' बनाकर दूंगा। सर रॉबर्ट नॉर्बरटन के बारे में क्या ख्याल है? क्या यह नाम आपको कुछ याद दिलाता है?"

"हाँ, मुझे ऐसा ही कहना चाहिए। वह शोस्कोम्ब ओल्ड प्लेस में रहता है, और मैं उसे अच्छी तरह जानता हूँ, क्योंकि एक समय मैं गर्मियों में वहीं रहता था। नॉर्बरटन एक समय लगभग आपके प्रांत में आ गया था।"

"केस था कि?"

"यह तब की बात है जब उसने न्यूमार्केट हीथ पर कर्ज़न स्ट्रीट के जाने-माने साहूकार सैम ब्रेवर को घोड़े के चाबुक से पीटा था। उसने उस आदमी को लगभग मार ही डाला था।"

“वाह, वह तो दिलचस्प लगता है! क्या वह अक्सर इस तरह की हरकतें करता है?”

“खैर, उनका नाम एक खतरनाक आदमी के रूप में जाना जाता है। वे इंग्लैंड के सबसे साहसी घुड़सवारों में से एक हैं - कुछ साल पहले ग्रैंड नेशनल में दूसरे स्थान पर रहे थे। वे उन लोगों में से एक हैं जो अपनी पीढ़ी से आगे निकल चुके हैं। उन्हें रीजेंसी काल में एक रईस होना चाहिए था - एक मुक्केबाज़, एक एथलीट, घुड़दौड़ का धुरंधर, सुंदर महिलाओं का प्रेमी, और हर लिहाज से, समलैंगिकों की दुनिया में इतना डूबा हुआ कि शायद वे कभी वापस लौट न पाएं।”

“शानदार, वाटसन! एक संक्षिप्त विवरण। लगता है मैं उस आदमी को जानता हूँ। अब, क्या आप मुझे शोस्कोम्ब ओल्ड प्लेस के बारे में कुछ जानकारी दे सकते हैं?”

"बस इतना ही कि यह शोस्कोम्ब पार्क के केंद्र में स्थित है, और प्रसिद्ध शोस्कोम्ब स्टड और प्रशिक्षण क्वार्टर वहीं पाए जाते हैं।"

“और मुख्य प्रशिक्षक,” होम्स ने कहा। “वॉटसन, मेरी जानकारी पर आश्चर्य करने की कोई ज़रूरत नहीं है, क्योंकि यह उन्हीं का पत्र है जिसे मैं खोल रहा हूँ। लेकिन शोस्कोम्ब के बारे में कुछ और जानकारी दीजिए। लगता है मुझे एक महत्वपूर्ण स्रोत मिल गया है।”

मैंने कहा, “ये शोस्कोम्ब स्पैनियल हैं। हर डॉग शो में इनके बारे में सुनने को मिलता है। ये इंग्लैंड की सबसे खास नस्ल हैं। शोस्कोम्ब ओल्ड प्लेस की मालकिन को इन पर विशेष गर्व है।”

"मुझे लगता है कि ये सर रॉबर्ट नॉर्बर्टन की पत्नी हैं!"

“सर रॉबर्ट ने कभी शादी नहीं की। मुझे लगता है कि उनके भविष्य को देखते हुए यह अच्छा ही है। वह अपनी विधवा बहन लेडी बीट्रिस फाल्डर के साथ रहते हैं।”

"आपका मतलब है कि वह उसके साथ रहती है?"

“नहीं, नहीं। यह जगह उनके दिवंगत पति सर जेम्स की थी। नॉर्बरटन का इस पर कोई दावा नहीं है। यह केवल जीवन भर का अधिकार है और इसके बाद उनके पति के भाई को मिल जाएगा। फिलहाल, वह हर साल किराया वसूल करती हैं।”

"और भाई रॉबर्ट, मेरा अनुमान है, उक्त किराए को खर्च करता है?"

बात लगभग यही है। वह एक शैतान आदमी है और उसकी वजह से उसका जीवन बहुत ही कष्टदायक होगा। फिर भी मैंने सुना है कि वह उससे बहुत प्यार करती है। लेकिन शोस्कोम्ब में आखिर गड़बड़ क्या है?

“अरे, मैं यही तो जानना चाहता था। और मुझे उम्मीद है कि यही वह व्यक्ति है जो हमें इसका जवाब दे सकता है।”

दरवाजा खुला और अंदर एक लंबा, साफ दाढ़ी वाला आदमी दिखाई दिया, जिसके चेहरे पर वही दृढ़ और गंभीर भाव थे जो केवल घोड़ों या लड़कों को संभालने वालों के चेहरे पर ही दिखाई देते हैं। श्री जॉन मेसन के अधीन कई लोग थे, और वे इस काम के लिए पूरी तरह सक्षम लग रहे थे। उन्होंने संयम और ठंडेपन से झुककर उस कुर्सी पर बैठ गए जिस पर होम्स ने उन्हें बैठने का इशारा किया था।

“क्या आपको मेरा नोट मिला था, मिस्टर होम्स?”

"हां, लेकिन इससे कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ।"

“मेरे लिए इस मामले की बारीकियों को कागज़ पर उतारना बहुत ही नाजुक और जटिल था। इसे केवल आमने-सामने की बातचीत से ही समझा जा सकता था।”

"ठीक है, हम आपकी सेवा में तत्पर हैं।"

"सबसे पहले तो, मिस्टर होम्स, मुझे लगता है कि मेरे मालिक, सर रॉबर्ट, पागल हो गए हैं।"

होम्स ने अपनी भौहें उठाईं। "यह बेकर स्ट्रीट है, हार्ले स्ट्रीट नहीं," उसने कहा। "लेकिन आप ऐसा क्यों कह रहे हैं?"

"खैर, महोदय, जब कोई व्यक्ति एक या दो अजीबोगरीब काम करता है, तो शायद उसका कोई मतलब हो, लेकिन जब उसका हर काम अजीब हो, तो संदेह होने लगता है। मेरा मानना है कि शोस्कोम्ब प्रिंस और डर्बी ने उसका दिमाग खराब कर दिया है।"

"क्या आप किसी बछड़े को दौड़ा रहे हैं?"

“इंग्लैंड में सबसे बेहतरीन, मिस्टर होम्स। अगर कोई जानता है तो मैं ही जानता हूँ। अब, मैं आपसे साफ़-साफ़ बात करता हूँ, क्योंकि मुझे पता है कि आप सम्मानीय सज्जन हैं और यह बात कमरे से बाहर नहीं जाएगी। सर रॉबर्ट को यह डर्बी जीतनी ही होगी। वह पूरी तरह से फंस चुके हैं, और यह उनका आखिरी मौका है। उन्होंने अपनी सारी जमा पूंजी या उधार घोड़े पर लगा दी है - और वो भी बढ़िया ऑड्स पर! अब तो चालीस का भाव भी मिल रहा है, लेकिन जब उन्होंने इस पर दांव लगाना शुरू किया था तब यह सौ के करीब था।”

"लेकिन अगर घोड़ा इतना अच्छा है तो यह कैसे संभव है?"

“जनता को पता नहीं है कि वह कितना अच्छा है। सर रॉबर्ट दलालों से कहीं ज्यादा चालाक निकले हैं। उन्होंने राजकुमार के सौतेले भाई को दौड़ाया है। उनमें फर्क करना मुश्किल है। लेकिन जब दौड़ की बात आती है तो दोनों के बीच एक फर्लांग में दो लेंथ का फासला होता है। वह सिर्फ घोड़े और दौड़ के बारे में सोचते हैं। उनका पूरा जीवन इसी पर टिका है। तब तक वह यहूदियों को रोके हुए हैं। अगर राजकुमार उन्हें धोखा देता है तो उनका खेल खत्म हो जाएगा।”

"यह एक बेहद जोखिम भरा जुआ लगता है, लेकिन इसमें पागलपन कहाँ से आता है?"

“खैर, सबसे पहले तो आपको बस उसे देखना होगा। मुझे नहीं लगता कि वह रात को सोता है। वह हर समय अस्तबल में रहता है। उसकी आँखें बेकाबू हैं। यह सब उसके लिए असहनीय हो गया है। फिर लेडी बीट्रिस के प्रति उसका व्यवहार देखिए!”

“अरे! यह क्या है?”

“वे हमेशा से पक्के दोस्त रहे हैं। दोनों की पसंद एक जैसी थी, और वह भी घोड़ों से उतना ही प्यार करती थी जितना राजकुमार। हर दिन एक ही समय पर वह उन्हें देखने जाती थी—और सबसे बढ़कर, वह राजकुमार से बहुत प्यार करती थी। जब वह बजरी पर पहियों की आवाज सुनता था तो उसके कान खड़े हो जाते थे, और वह हर सुबह गाड़ी तक जाकर अपनी चीनी का टुकड़ा लेता था। लेकिन अब यह सब खत्म हो गया है।”

"क्यों?"

“लगता है घोड़ों में उसकी सारी दिलचस्पी खत्म हो गई है। एक हफ्ते से वो अस्तबल के पास से गाड़ी चलाकर निकल जाती है, लेकिन कभी ‘गुड मॉर्निंग’ तक नहीं कहती!”

"क्या आपको लगता है कि कोई झगड़ा हुआ है?"

और वो भी एक कड़वा, क्रूर और द्वेषपूर्ण झगड़ा। आखिर वो उसका पालतू स्पैनियल कुत्ता क्यों दे देता जिसे वो अपने बच्चे की तरह प्यार करती थी? उसने उसे कुछ दिन पहले बूढ़े बार्न्स को दे दिया, जो तीन मील दूर क्रेनडाल में ग्रीन ड्रैगन की देखभाल करता है।

"यह बात वाकई अजीब लग रही थी।"

“ज़ाहिर है, उसके कमज़ोर दिल और जलोदर रोग के कारण उससे उसके साथ घूमने-फिरने की उम्मीद नहीं की जा सकती थी, लेकिन वह हर शाम दो घंटे उसके कमरे में बिताता था। वह अपनी तरफ से पूरी कोशिश करता होगा, क्योंकि वह उसकी एक सच्ची दोस्त रही है। लेकिन अब वह सब भी खत्म हो गया है। वह कभी उसके पास नहीं जाता। और वह इसे दिल पर ले लेती है। वह उदास, चिड़चिड़ी और शराब पीती रहती है, मिस्टर होम्स - बेतहाशा शराब।”

"क्या इस अलगाव से पहले उसने शराब पी थी?"

“खैर, वह अपना गिलास तो ले लेती थी, लेकिन अब तो अक्सर एक ही शाम में पूरी बोतल खत्म हो जाती है। स्टीफंस, जो कि बटलर है, ने मुझे यही बताया। सब कुछ बदल गया है, मिस्टर होम्स, और इसमें कुछ तो बहुत ही गड़बड़ है। लेकिन फिर, आखिर मालिक रात में पुराने चर्च के तहखाने में क्या कर रहे हैं? और वह आदमी कौन है जो उनसे वहाँ मिलता है?”

होम्स ने अपने हाथ मले।

"चलिए, मिस्टर मेसन। आप दिन-ब-दिन और भी दिलचस्प होते जा रहे हैं।"

“उसे जाते हुए नौकर ने देखा था। रात के बारह बज रहे थे और ज़ोरदार बारिश हो रही थी। अगली रात मैं घर पर था और सच में, मालिक फिर से निकल गया था। स्टीफंस और मैं उसके पीछे गए, लेकिन यह बहुत डरावना काम था, क्योंकि अगर उसने हमें देख लिया होता तो बहुत बुरा होता। अगर उसे गुस्सा आ जाए तो वह मुक्केबाज़ी में माहिर है और किसी का लिहाज़ नहीं करता। इसलिए हम उसके ज़्यादा करीब जाने से हिचकिचा रहे थे, लेकिन हमने उसे पूरी तरह से देख लिया था। वह भुतिया तहखाने की ओर जा रहा था, और वहाँ एक आदमी उसका इंतज़ार कर रहा था।”

“यह प्रेतवाधित तहखाना क्या है?”

"जी साहब, पार्क में एक पुराना खंडहर हो चुका चैपल है। यह इतना पुराना है कि कोई इसकी तारीख तय नहीं कर पाया है। और इसके नीचे एक तहखाना है जिसकी हमारे बीच बदनामी है। दिन में यह एक अंधेरी, नम और सुनसान जगह होती है, लेकिन उस इलाके में रात में इसके पास जाने की हिम्मत शायद ही किसी में हो। लेकिन मालिक को डर नहीं है। उन्हें अपनी जिंदगी में कभी किसी चीज से डर नहीं लगा। लेकिन वो रात में वहां क्या कर रहे हैं?"

“ज़रा रुकिए!” होम्स ने कहा। “आप कहते हैं कि वहाँ एक और आदमी है। वह ज़रूर आपके अस्तबल का कोई कर्मचारी होगा, या घर का ही कोई आदमी! आपको बस उसे पहचानना है और उससे पूछताछ करनी है।”

मैं उसे नहीं जानता।

"आप इसे कैसे कहेंगे?"

“क्योंकि मैंने उसे देखा है, मिस्टर होम्स। यह दूसरी रात की बात है। सर रॉबर्ट मुड़े और हमारे पास से गुज़रे—मैं और स्टीफंस, झाड़ियों में दो खरगोशों की तरह कांप रहे थे, क्योंकि उस रात चाँदनी थी। लेकिन हम एक-दूसरे के पीछे आने की आहट सुन सकते थे। हम उससे डरे नहीं थे। इसलिए सर रॉबर्ट के जाने के बाद हम उठे और ऐसा दिखावा किया जैसे चाँदनी रात में टहल रहे हों, और इस तरह हम उसके सामने एकदम बेफिक्र और मासूमियत से पहुँच गए। ‘हेलो, दोस्त! कौन हो?’ मैंने कहा। मुझे लगता है उसने हमें आते हुए नहीं सुना था, इसलिए उसने अपने कंधे के ऊपर से ऐसे देखा जैसे उसने नरक से शैतान को निकलते हुए देख लिया हो। उसने एक चीख मारी और अंधेरे में जितनी तेज़ी से भाग सकता था भागा। वह दौड़ सकता था!—मैं मानती हूँ।

एक मिनट में वह हमारी नज़रों और कानों से ओझल हो गया, और वह कौन था, या क्या था, यह हम कभी नहीं जान पाए।"

"लेकिन तुमने उसे चांदनी में साफ-साफ देखा था?".

"हाँ, मैं उसके पीले चेहरे की कसम खा सकता हूँ - वह एक नीच कुत्ता है, मुझे कहना चाहिए। सर रॉबर्ट से उसका क्या संबंध हो सकता है?"

होम्स कुछ देर तक सोच में डूबे बैठे रहे।

"लेडी बीट्रिस फाल्डर का साथ कौन देता है?" उसने अंत में पूछा।

"ये उसकी नौकरानी कैरी इवांस है। वह पिछले पांच सालों से उसके साथ काम कर रही है।"

और वह निःसंदेह समर्पित है?

श्री मेसन असहज होकर इधर-उधर हिलने लगे।

अंत में उसने जवाब दिया, "वह काफी समर्पित है। लेकिन मैं यह नहीं बताऊंगा कि किसके प्रति।"

"आह!" होम्स ने कहा।

मैं स्कूल के बाहर चुगली नहीं कर सकता।

"मैं आपकी बात पूरी तरह समझता हूं, श्रीमान मेसन। बेशक, स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है। डॉ. वाटसन द्वारा सर रॉबर्ट के वर्णन से मैं समझ सकता हूं कि कोई भी महिला उनसे सुरक्षित नहीं है। क्या आपको नहीं लगता कि भाई-बहन के बीच झगड़े की जड़ यही हो सकती है?"

"खैर, यह घोटाला काफी समय से स्पष्ट है।"

लेकिन शायद उसने इसे पहले नहीं देखा था। मान लीजिए कि उसे अचानक पता चल गया है। वह उस औरत से छुटकारा पाना चाहती है। उसका भाई इसकी इजाज़त नहीं देता। कमज़ोर दिल और चलने-फिरने में असमर्थ होने के कारण वह बीमार औरत अपनी इच्छा मनवाने में असमर्थ है। वह नफ़रत की जाने वाली नौकरानी अब भी उससे बंधी हुई है। वह औरत चुप हो जाती है, रूठ जाती है और शराब पीने लगती है। सर रॉबर्ट गुस्से में आकर उसका पालतू स्पैनियल कुत्ता उससे छीन लेते हैं। क्या ये सब बातें आपस में जुड़ी हुई नहीं हैं?

"ठीक है, यह काम कर सकता है - जहाँ तक संभव हो।"

"बिल्कुल! जहां तक संभव हो। रात में पुराने तहखाने में जाने का इससे क्या संबंध होगा? हम इसे अपनी कहानी में शामिल नहीं कर सकते।"

"नहीं, महोदय, और एक और बात है जो मैं इसमें शामिल नहीं कर सकता। सर रॉबर्ट एक लाश को क्यों खोदना चाहेंगे?"

होम्स अचानक उठ बैठा।

"हमें इसके बारे में कल ही पता चला – आपके पत्र लिखने के बाद। कल सर रॉबर्ट लंदन गए थे, इसलिए स्टीफंस और मैं तहखाने में गए। सब कुछ ठीक था, महोदय, सिवाय इसके कि एक कोने में मानव शरीर का एक टुकड़ा पड़ा था।"

"मुझे लगता है कि आपने पुलिस को सूचना दे दी?"

हमारे आगंतुक ने उदास मुस्कान दी।

"खैर, महोदय, मुझे लगता है कि इसमें उनकी कोई खास दिलचस्पी नहीं होगी। यह तो बस एक ममी का सिर और कुछ हड्डियाँ थीं। यह शायद हज़ार साल पुरानी रही होगी। लेकिन यह पहले वहाँ नहीं थी। मैं इस बात की कसम खा सकता हूं, और स्टीफंस भी। इसे एक कोने में छिपाकर एक तख्ते से ढक दिया गया था, लेकिन वह कोना पहले हमेशा खाली ही रहता था।"

आपने उसका क्या किया?

"ठीक है, हमने इसे वहीं छोड़ दिया।"

“यह तो समझदारी भरा कदम था। आपने बताया कि सर रॉबर्ट कल बाहर गए थे। क्या वे लौट आए हैं?”

हमें उम्मीद है कि वह आज वापस आ जाएगा।

"सर रॉबर्ट ने अपनी बहन का कुत्ता कब दान में दिया था?"

“ठीक एक हफ्ते पहले आज ही के दिन की बात है। वह जानवर पुराने कुएं के बाहर भौंक रहा था, और सर रॉबर्ट उस सुबह बहुत गुस्से में थे। उन्होंने उसे पकड़ लिया, और मुझे लगा कि वे उसे मार डालेंगे। फिर उन्होंने उसे जॉकी सैंडी बैन को दे दिया और उससे कहा कि वह कुत्ते को ग्रीन ड्रैगन में बूढ़े बार्न्स के पास ले जाए, क्योंकि वे उसे फिर कभी नहीं देखना चाहते थे।”

होम्स कुछ देर तक चुपचाप सोच में डूबे रहे। उन्होंने अपनी सबसे पुरानी और बदबूदार पाइप जला ली थी।

“श्रीमान मेसन, मुझे अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि आप इस मामले में मुझसे क्या करवाना चाहते हैं,” उन्होंने अंत में कहा। “क्या आप इसे और स्पष्ट नहीं कर सकते?”

"शायद इससे मामला और स्पष्ट हो जाएगा, श्री होम्स," हमारे आगंतुक ने कहा।

उसने अपनी जेब से एक कागज निकाला और उसे सावधानीपूर्वक खोलकर देखा तो उसे हड्डी का एक जला हुआ टुकड़ा दिखाई दिया।

होम्स ने इसे रुचिपूर्वक देखा।

"आपको यह कहां से मिला?"

"लेडी बीट्रिस के कमरे के नीचे तहखाने में एक सेंट्रल हीटिंग फर्नेस है। यह कुछ समय से बंद था, लेकिन सर रॉबर्ट ने ठंड लगने की शिकायत की और इसे फिर से चालू करवा दिया।"

इसे हार्वे चलाता है— वो मेरे ही लड़कों में से एक है। आज सुबह ही वो मेरे पास ये लेकर आया, जो उसे राख निकालते समय मिला था। उसे ये देखने में अच्छा नहीं लगा।

“मैं भी नहीं,” होम्स ने कहा। “वॉट्सन, तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?”

यह जलकर राख हो गया था, लेकिन इसके शारीरिक महत्व पर कोई संदेह नहीं हो सकता था।

“यह मानव जांघ की हड्डी का ऊपरी कंडाइल है,” आई ने कहा।

“बिल्कुल!” होम्स बहुत गंभीर हो गए थे। “यह लड़का भट्टी की देखभाल कब करता है?”

वह हर शाम इसे बनाता है और फिर इसे छोड़ देता है।

"तो फिर रात में कोई भी वहां जा सकता था?"

"जी श्रीमान।"

"क्या आप बाहर से इसमें प्रवेश कर सकते हैं?"

"बाहर से एक दरवाजा है। एक और दरवाजा है जो सीढ़ियों से ऊपर उस गलियारे तक जाता है जिसमें लेडी बीट्रिस का कमरा स्थित है।"

“ये मामला काफी पेचीदा है, मिस्टर मेसन; गहरा और काफी गंदा। आप कहते हैं कि सर रॉबर्ट कल रात घर पर नहीं थे?”

"जी नहीं, महोदय।"

"तो फिर, जो भी हड्डियों को जला रहा था, वह वह नहीं था।"

"जी हां, महोदय।"

"आपने जिस सराय की बात की थी, उसका नाम क्या है?"

"हरा ड्रैगन।"

"क्या बर्कशायर के उस हिस्से में मछली पकड़ने का अच्छा साधन है?" ईमानदार प्रशिक्षक के चेहरे पर स्पष्ट रूप से यह भाव झलक रहा था कि वह आश्वस्त था कि एक और पागल उसके पहले से ही परेशान जीवन में आ गया है।

"जी महोदय, मैंने सुना है कि मिल-स्ट्रीम में ट्राउट मछली और हॉल झील में पाइक मछली पाई जाती है।"

"बस इतना ही काफी है। वॉटसन और मैं मशहूर मछुआरे हैं—है ना, वॉटसन? आप भविष्य में ग्रीन ड्रैगन में हमसे मिल सकते हैं। हम आज रात तक वहां पहुंच जाएंगे। मुझे यह कहने की ज़रूरत नहीं है कि हम आपसे मिलना नहीं चाहते, मिस्टर मेसन, लेकिन एक संदेश हम तक पहुंच जाएगा, और अगर मैं चाहूं तो आपको ढूंढ सकता हूं। जब हम इस मामले में थोड़ा और आगे बढ़ जाएंगे तो मैं आपको अपनी राय बता दूंगा।"

इस तरह मई की एक सुहावनी शाम को होम्स और मैं एक प्रथम श्रेणी के डिब्बे में अकेले थे और शोस्कोम्बे के छोटे से "मांग पर रुकने वाले" स्टेशन की ओर जा रहे थे। हमारे ऊपर का रैक, छड़ियों, रीलों और टोकरियों के एक विशाल ढेर से ढका हुआ था। अपने गंतव्य पर पहुंचने के बाद, थोड़ी दूर की ड्राइव हमें एक पुराने ज़माने के सराय में ले गई, जहाँ एक उत्साही मेज़बान, जोशिया बार्न्स, ने आस-पास की मछलियों को खत्म करने की हमारी योजनाओं में बड़ी उत्सुकता से भाग लिया।

"हॉल झील और वहां पाइक मछली मिलने की संभावना के बारे में क्या ख्याल है?" होम्स ने कहा।

सराय मालिक का चेहरा उदास हो गया।

"यह ठीक नहीं होगा, महोदय। हो सकता है कि काम पूरा होने से पहले ही आप खुद को झील में गिरते हुए पाएं।"

तो फिर कैसा रहेगा?

"जी हाँ, ये सर रॉबर्ट हैं। वो दलालों से बेहद ईर्ष्या करते हैं। अगर आप दोनों अजनबी उनके प्रशिक्षण केंद्र के इतने करीब भी होते, तो वो निश्चित रूप से आपके पीछे पड़ जाते। वो कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, सर रॉबर्ट।"

मैंने सुना है कि उसने डर्बी के लिए एक घोड़े का नाम दर्ज कराया है।

"हां, और एक शानदार बछेड़ा भी। रेस के लिए हमारा सारा पैसा उसी पर लगा है, और साथ ही सर रॉबर्ट का भी सारा पैसा। वैसे"— उसने सोच-विचार भरी निगाहों से हमारी तरफ देखा— "मुझे लगता है कि आप लोग खुद तो रेस ट्रैक पर नहीं हैं?"

"नहीं, बिलकुल नहीं। बस दो थके-हारे लंदनवासी जिन्हें बर्कशायर की ताज़ी हवा की सख्त ज़रूरत है।"

"खैर, आप इसके लिए बिल्कुल सही जगह पर हैं। यहाँ इसकी कोई कमी नहीं है। लेकिन सर रॉबर्ट के बारे में मैंने आपको जो बताया है, उसे ध्यान में रखें। वह पहले हमला करते हैं, फिर बोलते हैं। पार्क से दूर रहें।"

"ज़रूर, श्री बार्न्स! हम ज़रूर करेंगे। वैसे, हॉल में जो स्पैनियल कुत्ता रो रहा था, वह बहुत ही सुंदर था।"

"मुझे कहना चाहिए कि यह सच था। यह असली शोस्कोम्ब नस्ल थी। इंग्लैंड में इससे बेहतर कोई नहीं है।"

होम्स ने कहा, "मैं खुद कुत्तों का शौकीन हूं। अब, अगर यह एक वाजिब सवाल है, तो उस तरह के पुरस्कार विजेता कुत्ते की कीमत कितनी होगी?"

"मेरी हैसियत से ज़्यादा कीमत है, महोदय। यह मुझे खुद सर रॉबर्ट ने दिया था। इसीलिए मुझे इसे रस्सी से बांधकर रखना पड़ता है। अगर मैंने इसे खुला छोड़ दिया तो यह पल भर में हॉल में पहुंच जाएगा।"

मकान मालिक के चले जाने के बाद होम्स ने कहा, “वॉटसन, अब हमारे हाथ में कुछ पत्ते आ रहे हैं। ये आसान खेल नहीं है, लेकिन एक-दो दिन में शायद हमें रास्ता मिल जाए। वैसे, मैंने सुना है कि सर रॉबर्ट अभी भी लंदन में हैं। शायद आज रात हम बिना किसी शारीरिक हमले के डर के उनके पवित्र क्षेत्र में प्रवेश कर सकें। कुछ बातें हैं जिन पर मुझे तसल्ली चाहिए।”

"क्या आपके पास कोई सिद्धांत है, होम्स?"

“वॉटसन, बस इतना ही कि लगभग एक सप्ताह पहले कुछ ऐसा हुआ जिसने शोस्कोम्ब परिवार के जीवन पर गहरा असर डाला है। वह घटना क्या है? हम इसके प्रभावों से ही इसका अनुमान लगा सकते हैं। ये प्रभाव अजीब तरह से मिश्रित प्रतीत होते हैं। लेकिन इससे हमें अवश्य ही मदद मिलेगी। केवल नीरस, घटनाहीन मामला ही निराशाजनक है।”

“आइए अपने आंकड़ों पर गौर करें। भाई अब अपनी प्यारी बीमार बहन से मिलने नहीं जाता। वह उसका पसंदीदा कुत्ता किसी और को दे देता है। उसका कुत्ता, वॉटसन! क्या इससे आपको कुछ समझ नहीं आता?”

"भाई की दुर्भावना के सिवा कुछ नहीं।"

“खैर, ऐसा हो सकता है। या—खैर, एक और विकल्प है। अब उस स्थिति की समीक्षा जारी रखते हैं जब से झगड़ा शुरू हुआ, अगर कोई झगड़ा है तो। महिला अपने कमरे में रहती है, अपनी आदतें बदल लेती है, नौकरानी के साथ बाहर जाने के अलावा कहीं दिखाई नहीं देती, अपने पसंदीदा घोड़े को नमस्कार करने के लिए अस्तबल पर रुकने से इनकार करती है और जाहिर तौर पर शराब पीने लगी है। क्या यह मामला स्पष्ट नहीं करता?”

"अंधकारगृह में चल रहे कारोबार को छोड़कर।"

“यह एक अलग विचार है। दो विचार हैं, और मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि इन्हें आपस में न मिलाएँ। पहला विचार, जो लेडी बीट्रिस से संबंधित है, उसमें कुछ हद तक भयावहता झलकती है, है ना?”

मुझे इसमें कुछ भी समझ नहीं आ रहा है।

चलिए, अब हम दूसरी पंक्ति पर आते हैं, जो सर रॉबर्ट से संबंधित है। उन्हें डर्बी जीतने की कोई जल्दी नहीं है। वे यहूदियों के चंगुल में हैं और किसी भी क्षण बिक सकते हैं और उनके घुड़दौड़ के अस्तबल उनके लेनदारों द्वारा जब्त किए जा सकते हैं। वे एक साहसी और बेताब आदमी हैं। उनकी आमदनी उनकी बहन से होती है। उनकी बहन की नौकरानी उनकी हर बात मानती है। अब तक तो हम काफी हद तक सही रास्ते पर हैं, है ना?

लेकिन तहखाना?

“अहा, हाँ, तहखाना! मान लीजिए, वॉटसन—यह महज एक निंदनीय अनुमान है, तर्क के लिए पेश की गई एक परिकल्पना है—कि सर रॉबर्ट ने अपनी बहन को मार डाला है।”

"मेरे प्यारे होम्स, यह बिल्कुल असंभव है।"

“बिल्कुल मुमकिन है, वॉटसन। सर रॉबर्ट एक सम्मानित परिवार से हैं। लेकिन कभी-कभी बाजों के बीच कौवे भी मिल जाते हैं। चलिए एक पल के लिए इस अनुमान पर विचार करते हैं। वह तब तक देश छोड़कर नहीं भाग सकते थे जब तक उन्हें अपना भाग्य न मिल जाए, और वह भाग्य उन्हें शोस्कोम्ब प्रिंस के साथ इस तख्तापलट को अंजाम देने से ही मिल सकता था। इसलिए, उन्हें अभी भी डटे रहना होगा। ऐसा करने के लिए उन्हें अपने शिकार के शव को ठिकाने लगाना होगा, और उन्हें एक ऐसी महिला भी ढूंढनी होगी जो उसका रूप धारण कर ले। नौकरानी के साथ, जो उनकी राजदार

थी, यह असंभव नहीं था। मोहेला के शव को तहखाने में ले जाया जा सकता था, जो एक ऐसी जगह है जहाँ बहुत कम लोग जाते हैं, और उसे रात में चुपके से भट्टी में जलाकर नष्ट किया जा सकता था, जिससे वे सबूत बच जाते जो हम पहले ही देख चुके हैं। इस बारे में आपका क्या कहना है, वॉटसन?"

"खैर, यह सब संभव है यदि आप मूल भयावह धारणा को मान लें।"

"वॉटसन, मुझे लगता है कि कल हम एक छोटा सा प्रयोग करके देख सकते हैं, जिससे इस मामले पर कुछ रोशनी पड़ सके। इस बीच, अगर हम अपनी छवि बरकरार रखना चाहते हैं, तो मेरा सुझाव है कि हम अपने मेज़बान को बुलाकर उनकी ही शराब का एक गिलास पिलाएँ और ईल और डेस मछली पर कुछ मज़ेदार बातें करें, जो शायद उनका दिल जीतने का सीधा रास्ता है। इस दौरान हमें कुछ उपयोगी स्थानीय गपशप भी मिल जाए।"

सुबह होम्स को पता चला कि हम जैक मछली पकड़ने के लिए अपना चम्मच वाला चारा लाए बिना आए थे, जिससे हमें उस दिन मछली पकड़ने से छूट मिल गई। लगभग ग्यारह बजे हम टहलने के लिए निकले, और उन्होंने अपने काले स्पैनियल कुत्ते को साथ ले जाने की अनुमति प्राप्त कर ली।

"यही वह जगह है," उसने कहा जब हम दो ऊँचे पार्क के फाटकों के पास पहुँचे जिन पर ग्रिफिन की शानदार आकृतियाँ बनी हुई थीं। "श्री बार्न्स ने मुझे बताया है कि दोपहर के आसपास, बुजुर्ग महिला गाड़ी में घूमने जाती हैं, और फाटक खुलने पर गाड़ी को धीमा करना पड़ता है। जब गाड़ी फाटक से गुज़र जाए, और इससे पहले कि वह रफ़्तार पकड़े, मैं चाहता हूँ कि तुम, वॉटसन, कोचवान से कुछ सवाल पूछकर उसे रोक लो। मुझे छोड़ो। मैं इस होली की झाड़ी के पीछे खड़ा होकर देखता हूँ कि क्या होता है।"

यह इंतज़ार ज़्यादा देर तक नहीं चला। पंद्रह मिनट के भीतर ही हमने देखा कि एक बड़ी, खुली पीली बग्घी लंबी सड़क पर आ रही थी, जिसके आगे-पीछे दो शानदार, ऊँचे क़दमों वाले भूरे घोड़े बैठे थे। होम्स अपने कुत्ते के साथ झाड़ी के पीछे दुबका हुआ था। मैं सड़क पर बेफिक्र होकर छड़ी घुमाता खड़ा था। एक चौकीदार दौड़कर बाहर आया और गेट खुल गए।

गाड़ी धीमी गति से चलने लगी थी, और मैं उसमें बैठे लोगों को अच्छी तरह देख सका। सुनहरे बालों और चंचल आँखों वाली एक सांवली युवती बाईं ओर बैठी थी। उसके दाईं ओर एक बुजुर्ग महिला थी जिसकी कमर झुकी हुई थी और चेहरे व कंधों पर शॉल लिपटी हुई थी, जो स्पष्ट रूप से उसकी बीमारी का संकेत दे रही थी। जब घोड़े मुख्य सड़क पर पहुँचे तो मैंने अधिकारपूर्ण भाव से हाथ उठाया, और जैसे ही कोचवान रुका, मैंने पूछा कि क्या सर रॉबर्ट शोस्कोम्ब ओल्ड प्लेस में हैं।

उसी क्षण होम्स बाहर निकले और स्पैनियल कुत्ते को छोड़ दिया। खुशी से चिल्लाते हुए वह गाड़ी की ओर दौड़ा और सीढ़ी पर उछल पड़ा। फिर पल भर में उसका उत्साहपूर्ण अभिवादन भयंकर क्रोध में बदल गया और उसने अपने ऊपर मौजूद काली स्कर्ट पर झपट्टा मारा।

"आगे बढ़ो! आगे बढ़ो!" एक कर्कश आवाज चिल्लाई। कोचवान ने घोड़ों को चाबुक मारा और हम सड़क पर ही खड़े रह गए।

"अच्छा, वॉटसन, बस हो गया," होम्स ने उत्तेजित स्पैनियल के गले में पट्टा बांधते हुए कहा। "उसने सोचा कि यह उसकी मालकिन है, लेकिन उसे पता चला कि यह एक अजनबी है। कुत्ते गलती नहीं करते।"

"लेकिन यह तो एक आदमी की आवाज थी!" मैं चिल्लाई।

"बिल्कुल सही! हमने अपने हाथ में एक और कार्ड जोड़ लिया है, वॉटसन, लेकिन इसे सावधानी से खेलना होगा।"

मेरे साथी के पास दिन के लिए कोई और योजना नहीं थी, और हमने सचमुच मिल-स्ट्रीम में अपने मछली पकड़ने के सामान का इस्तेमाल किया, जिसके परिणामस्वरूप हमें रात के खाने में ट्राउट मछली मिली। उस भोजन के बाद ही होम्स ने फिर से सक्रियता के संकेत दिखाए। एक बार फिर हम उसी सड़क पर थे जिस पर हम सुबह थे, जो हमें पार्क के द्वार तक ले गई। वहाँ एक लंबा, सांवला व्यक्ति हमारा इंतजार कर रहा था, जो हमारा लंदन का परिचित, प्रशिक्षक श्री जॉन मेसन निकला।

“शुभ संध्या, सज्जनों,” उन्होंने कहा। “मुझे आपका पत्र मिला, श्री होम्स। सर रॉबर्ट अभी तक नहीं लौटे हैं, लेकिन मुझे पता चला है कि उनके आज रात लौटने की उम्मीद है।”

"यह तहखाना घर से कितनी दूर है?" होम्स ने पूछा।

"लगभग एक चौथाई मील।"

"तो मुझे लगता है कि हम उसे पूरी तरह से नजरअंदाज कर सकते हैं।"

“मैं ऐसा नहीं कर सकता, श्रीमान होम्स। उनके आते ही वे मुझसे मिलना चाहेंगे ताकि शोस्कोम्बे प्रिंस के बारे में आखिरी खबर ले सकें।”

“ठीक है! तो फिर हमें आपके बिना ही काम चलाना होगा, श्रीमान मेसन। आप हमें तहखाना दिखा सकते हैं और फिर हमें छोड़कर जा सकते हैं।”

घोर अंधेरा था और चाँद भी नहीं निकला था, लेकिन मेसन हमें घास के मैदानों से होते हुए आगे ले गया, जब तक कि हमारे सामने एक विशाल इमारत दिखाई नहीं दी, जो प्राचीन चैपल निकली। हम टूटे हुए हिस्से में दाखिल हुए, जो कभी बरामदा हुआ करता था, और हमारा मार्गदर्शक, टूटी-फूटी ईंटों के ढेरों के बीच लड़खड़ाते हुए, इमारत के कोने तक पहुँचा, जहाँ एक खड़ी सीढ़ी तहखाने की ओर जाती थी। माचिस जलाकर उसने उस उदास जगह को रोशन किया - निराशाजनक और दुर्गंधयुक्त, खुरदुरे पत्थरों की प्राचीन, जर्जर दीवारों और ताबूतों के ढेरों से भरी हुई, जिनमें से कुछ सीसे के और कुछ पत्थर के थे, जो एक तरफ मेहराबदार छत तक फैले हुए थे, जो हमारे सिर के ऊपर छाया में गायब हो रही थी। होम्स ने अपनी लालटेन जलाई थी, जिससे उस शोकपूर्ण दृश्य पर चमकीली पीली रोशनी की एक छोटी सी सुरंग सी बन गई। उसकी किरणें ताबूतों की पट्टियों से टकराकर वापस आ रही थीं, जिनमें से कई पर इस पुराने परिवार का ग्रिफिन और मुकुट बना हुआ था, जिसने मृत्यु के द्वार तक अपना सम्मान बरकरार रखा था।

“आपने कुछ हड्डियों की बात की थी, श्रीमान मेसन। क्या आप जाने से पहले उन्हें दिखा सकते हैं?”

“वे इस कोने में हैं।” प्रशिक्षक आगे बढ़ा और फिर चुपचाप आश्चर्य से खड़ा हो गया जब हमारी रोशनी उस जगह पर पड़ी। “वे चले गए हैं,” उसने कहा।

“मुझे यही उम्मीद थी,” होम्स ने हंसते हुए कहा। “मुझे लगता है कि उनकी राख अभी भी उस भट्टी में मिल सकती है जिसने पहले ही उनका कुछ हिस्सा जला दिया था।”

"लेकिन आखिर कोई हजार साल पहले मर चुके व्यक्ति की हड्डियों को क्यों जलाना चाहेगा?" जॉन मेसन ने पूछा।

“हम यही पता लगाने आए हैं,” होम्स ने कहा। “इसमें लंबा समय लग सकता है, इसलिए आपको रोकने की ज़रूरत नहीं है। मुझे लगता है कि हमें सुबह होने से पहले ही इसका हल मिल जाएगा।”

जॉन मेसन के जाने के बाद, होम्स ने कब्रों की बहुत सावधानीपूर्वक जाँच शुरू की। बीच में एक बहुत प्राचीन कब्र थी, जो सैक्सन काल की प्रतीत होती थी, फिर नॉर्मन ह्यूगो और ओडो की कई कब्रें थीं, और अंत में अठारहवीं शताब्दी के सर विलियम

और सर डोनेस फाल्डर की कब्रें थीं। एक घंटे से अधिक समय बीतने के बाद होम्स को तहखाने के प्रवेश द्वार के सामने एक सीसे का ताबूत दिखाई दिया। मैंने उनकी संतुष्टि की हल्की सी आवाज़ सुनी और उनकी जल्दबाज़ी भरी लेकिन उद्देश्यपूर्ण हरकतों से समझ गया कि वे अपने लक्ष्य तक पहुँच गए हैं। अपने लेंस से वे भारी ढक्कन के किनारों की उत्सुकता से जाँच कर रहे थे। फिर उन्होंने अपनी जेब से एक छोटा सा डिब्बा खोलने वाला औज़ार निकाला, जिसे उन्होंने एक दरार में डाला और सामने का पूरा हिस्सा खोल दिया, जो केवल कुछ ही क्लैंप से जुड़ा हुआ प्रतीत होता था। खुलते ही एक चीरने जैसी आवाज़ आई, लेकिन ताबूत के खुलने और अंदर की सामग्री के आंशिक रूप से दिखाई देने से पहले ही एक अप्रत्याशित रुकावट आ गई।

ऊपर के चैपल में कोई चल रहा था। ये किसी ऐसे व्यक्ति के दृढ़ और तेज़ कदम थे जो किसी निश्चित उद्देश्य से आया था और जिस ज़मीन पर चल रहा था उसे अच्छी तरह जानता था। सीढ़ियों से एक रोशनी नीचे आ रही थी, और पल भर में वह व्यक्ति गोथिक मेहराब में दिखाई दिया। वह एक भयानक आकृति था, कद में विशाल और व्यवहार में क्रूर। उसके सामने एक बड़ा सा लालटेन था जिसकी रोशनी उसके मजबूत, घनी मूंछों वाले चेहरे और क्रोधित आँखों पर पड़ रही थी, जो चारों ओर गुंबद के हरे कोने में घूर रही थीं, और अंत में मेरी साथी और मुझ पर एक घातक निगाह से टिक गईं।

“तुम कौन हो भला?” वह गरज उठा। “और मेरी ज़मीन पर क्या कर रहे हो?” फिर, जब होम्स ने कोई जवाब नहीं दिया, तो वह कुछ कदम आगे बढ़ा और अपने हाथ में पकड़ी भारी लाठी उठाई। “क्या तुम मुझे सुन रहे हो?” वह चिल्लाया। “तुम कौन हो? यहाँ क्या कर रहे हो?” उसकी लाठी हवा में काँप रही थी।

लेकिन होम्स पीछे हटने के बजाय उससे मुकाबला करने के लिए आगे बढ़ा।

“सर रॉबर्ट, मुझे आपसे एक सवाल पूछना है,” उन्होंने अपने सबसे सख्त स्वर में कहा। “यह कौन है? और यह यहाँ क्या कर रहा है?”

वह मुड़ा और अपने पीछे ताबूत का ढक्कन फाड़ दिया। लालटेन की तेज रोशनी में मैंने एक शरीर देखा जो सिर से पैर तक चादर में लिपटा हुआ था, जिसकी शक्लें किसी चुड़ैल जैसी भयानक थीं; नाक और ठुड्डी एक तरफ उभरी हुई थीं, धुंधली, बेजान आँखें एक बदरंग और जर्जर चेहरे से घूर रही थीं।

बैरोनेट चीखते हुए पीछे की ओर लड़खड़ा गया और एक पत्थर के ताबूत का सहारा लेकर खड़ा हो गया।

“तुम्हें इसके बारे में कैसे पता चला?” वह चिल्लाया। और फिर, अपने चिड़चिड़े अंदाज़ में बोला: “इससे तुम्हारा क्या लेना-देना है?”

“मेरा नाम शर्लक होम्स है,” मेरे साथी ने कहा। “शायद आप इससे परिचित होंगे। खैर, मेरा काम हर अच्छे नागरिक की तरह कानून का पालन करना है। मुझे लगता है कि आपको बहुत कुछ जवाब देना होगा।”

सर रॉबर्ट ने एक पल के लिए घूर कर देखा, लेकिन होम्स की शांत आवाज और उनके संयमित, आश्वस्त व्यवहार का उन पर असर हुआ।

“भगवान की कृपा से, श्रीमान् होम्स, सब ठीक है,” उसने कहा। “परिस्थितियाँ मेरे खिलाफ हैं, मैं मानता हूँ, लेकिन मेरे पास कोई और विकल्प नहीं था।”

"मुझे ऐसा सोचने में खुशी होगी, लेकिन मुझे डर है कि आपको पुलिस के सामने अपने स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने होंगे।"

सर रॉबर्ट ने अपने चौड़े कंधों को उचका दिया।

“खैर, अगर ऐसा होना ही है तो होगा। घर आकर आप खुद देख लीजिए कि मामला क्या है।”

पंद्रह मिनट बाद हम खुद को उस कमरे में पाए, जिस में शीशे के ढक्कनों के पीछे पॉलिश की हुई बंदूकों की कतारों को देखकर पुराने घर का तोपखाना समझ सकता हूं। वह कमरा आरामदेह ढंग से सजा हुआ था, और यहाँ सर रॉबर्ट हमें कुछ पलों के लिए छोड़कर चले गए। जब वे लौटे तो उनके साथ दो साथी थे; एक, वही सुंदर युवती जिसे हमने गाड़ी में देखा था; दूसरा, एक छोटा, चूहे जैसे चेहरे वाला, अप्रिय रूप से छिपकर चलने वाला आदमी। इन दोनों के चेहरे पर घोर हैरानी के भाव थे, जिससे पता चलता था कि बैरोनेट को अभी तक उन्हें घटनाक्रम के बारे में समझाने का समय नहीं मिला था।

“ये रहे श्रीमान और श्रीमती नॉरलेट। श्रीमती नॉरलेट, अपने मायके के नाम इवांस से, कई वर्षों से मेरी बहन की भरोसेमंद नौकरानी रही हैं। मैंने उन्हें यहाँ इसलिए बुलाया है क्योंकि मुझे लगता है कि आपके सामने सही स्थिति स्पष्ट करना ही सबसे अच्छा तरीका है, और वे ही दो ऐसे व्यक्ति हैं जो मेरी बात की पुष्टि कर सकते हैं।”

“क्या यह ज़रूरी है, सर रॉबर्ट? क्या आपने सोचा है कि आप क्या कर रहे हैं?” महिला चिल्लाई।

"मैं अपनी सारी ज़िम्मेदारी से पूरी तरह से इनकार करता हूं," उसके पति ने कहा।

सर रॉबर्ट ने उन्हें तिरस्कार भरी निगाहों से देखा। उन्होंने कहा, "मैं सारी जिम्मेदारी लेता हूँ। अब, श्री होम्स, तथ्यों का सीधा-सादा बयान सुनिए।"

“ज़ाहिर है, आप मेरे मामलों में काफ़ी गहराई से दखल दे चुके हैं, वरना मैं आपको वहाँ नहीं पाता जहाँ मैंने पाया। इसलिए, आप शायद पहले से ही जानते हैं कि मैं डर्बी में एक अप्रत्याशित दावेदार को उतार रहा हूँ और सब कुछ मेरी जीत पर निर्भर करता है। अगर मैं जीत गया, तो सब आसान हो जाएगा। अगर मैं हार गया – खैर, मैं इसके बारे में सोच भी नहीं सकता!”

"मैं स्थिति को समझता हूं," होम्स ने कहा।

“मैं हर चीज़ के लिए अपनी बहन, लेडी बीट्रिस पर निर्भर हूँ। लेकिन यह सर्वविदित है कि संपत्ति में उसका हित केवल अपने जीवन भर के लिए है। मैं स्वयं यहूदियों के चंगुल में बुरी तरह फंसा हुआ हूँ। मुझे हमेशा से पता था कि अगर मेरी बहन की मृत्यु हो गई तो मेरे लेनदार गिद्धों के झुंड की तरह मेरी संपत्ति पर टूट पड़ेंगे। सब कुछ ज़ब्त कर लिया जाएगा - मेरे अस्तबल, मेरे घोड़े - सब कुछ। खैर, श्रीमान होम्स, मेरी बहन की मृत्यु एक सप्ताह पहले ही हुई है।”

और तुमने किसी को नहीं बताया!

“मैं क्या कर सकता था? मेरे सामने घोर बर्बादी का खतरा मंडरा रहा था। अगर मैं तीन हफ्तों के लिए भी हालात को संभाल लेता, तो सब ठीक हो जाता। उसकी नौकरानी का पति—यह आदमी—एक अभिनेता है। हम सबके दिमाग में—मेरे दिमाग में—यह ख्याल आया कि वह थोड़े समय के लिए मेरी बहन का रूप धारण कर सकता है। बस उसे रोज़ गाड़ी में आना था, क्योंकि नौकरानी के अलावा किसी को भी उसके कमरे में जाने की ज़रूरत नहीं थी। इंतज़ाम करना मुश्किल नहीं था। मेरी बहन की मृत्यु जलोदर रोग से हुई, जिससे वह लंबे समय से पीड़ित थी।”

"इसका फैसला फोरेंसिक विशेषज्ञ ही करेंगे।"

"उनके डॉक्टर इस बात की पुष्टि करेंगे कि महीनों से उनके लक्षणों से इस तरह की मौत का खतरा बना हुआ है।"

"तो फिर तुमने क्या किया?"

“शव को वहाँ नहीं रखा जा सकता था। पहली रात नॉरलेट और मैं उसे पुराने कुएँ वाले घर में ले गए, जिसका अब कोई उपयोग नहीं होता। हालाँकि, उसका पालतू स्पैनियल कुत्ता हमारा पीछा कर रहा था, जो लगातार दरवाजे पर भौंक रहा था, इसलिए

मुझे लगा कि किसी सुरक्षित स्थान की आवश्यकता है। मैंने स्पैनियल को वहां से हटा दिया, और हम शव को चर्च के तहखाने में ले गए। श्री होम्स, इसमें कोई अपमान या अनादर नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैंने मृत आत्मा के साथ कोई अन्याय किया है।"

"सर रॉबर्ट, आपका आचरण मुझे अक्षम्य प्रतीत होता है।"

बैरोनेट ने अधीरता से अपना सिर हिलाया। "उपदेश देना आसान है," उन्होंने कहा। "शायद अगर आप मेरी जगह होते तो आपका नज़रिया अलग होता। कोई भी अपनी सारी उम्मीदों और योजनाओं को आखिरी क्षण में चकनाचूर होते हुए देखकर उन्हें बचाने की कोशिश न करे, ऐसा नहीं हो सकता। मुझे लगा कि अगर हम उन्हें उनके पति के पूर्वजों के ताबूतों में से किसी एक में, जो अभी भी पवित्र भूमि में दफन हैं, रख दें तो यह एक उचित विश्राम स्थल होगा। हमने ऐसा ही एक ताबूत खोला, उसमें रखी चीजें निकालीं और उन्हें उसी तरह रखा जैसा आपने देखा है। जहाँ तक उन पुरानी अवशेषों की बात है जिन्हें हम बाहर लाए थे, हम उन्हें तहखाने के फर्श पर नहीं छोड़ सकते थे। नॉर्लेट और मैंने उन्हें निकाला, और वह रात में नीचे उतरे और उन्हें केंद्रीय भट्टी में जला दिया। यही मेरी कहानी है, मिस्टर होम्स, हालाँकि आपने मुझे इसे बताने के लिए कैसे मजबूर किया, यह मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता।"

होम्स कुछ देर तक सोच में डूबे बैठे रहे।

अंत में उन्होंने कहा, "सर रॉबर्ट, आपकी कहानी में एक खामी है। दौड़ पर आपके दांव, और इसलिए भविष्य के लिए आपकी उम्मीदें, तब भी सही साबित होंगी, भले ही आपके लेनदार आपकी संपत्ति जब्त कर लें।"

"घोड़ा तो संपत्ति का हिस्सा होगा। उन्हें मेरी शर्त से क्या लेना-देना? शायद वे उसे दौड़ाएंगे ही नहीं। मेरा मुख्य लेनदार, दुर्भाग्य से, मेरा सबसे बड़ा दुश्मन है - एक बदमाश, सैम ब्रेवर, जिसे एक बार न्यूमार्केट हीथ पर मुझे कोड़े मारने पड़े थे। क्या आपको लगता है कि वह मेरी मदद करने की कोशिश करेगा?"

"खैर, सर रॉबर्ट," होम्स उठते हुए बोले, "यह मामला तो पुलिस को सौंपना ही होगा। तथ्यों को सामने लाना मेरा कर्तव्य था, और यहीं पर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। आपके आचरण की नैतिकता या शालीनता के बारे में राय देना मेरा काम नहीं है। वॉटसन, लगभग आधी रात हो चुकी है, और मुझे लगता है कि अब हमें अपने साधारण से घर वापस चलना चाहिए।"

अब यह सर्वविदित है कि यह अनोखी घटना सर रॉबर्ट के कार्यों के विपरीत सुखद अंत के साथ समाप्त हुई। शोस्कोम्ब प्रिंस ने डर्बी जीती, खेल प्रेमी मालिक ने दांव में अस्सी हजार पाउंड कमाए, और लेनदारों ने दौड़ समाप्त होने तक धैर्य रखा, जिसके बाद उन्हें पूरा भुगतान कर दिया गया और सर रॉबर्ट के जीवन में फिर से एक अच्छी स्थिति स्थापित करने के लिए पर्याप्त धन बच गया। पुलिस और कोरोनर दोनों ने इस मामले को नरमी से लिया, और महिला की मृत्यु के पंजीकरण में देरी के लिए मामूली फटकार के अलावा, भाग्यशाली मालिक इस अजीब घटना से पूरी तरह से बच निकले। उसका करियर अब इन विवादों से बाहर निकल चुका है और एक सम्मानजनक वृद्धावस्था में समाप्त होने का वादा करता है।

सेवानिवृत्त रंगकर्मी का रोमांच

उस सुबह शर्लक होम्स उदास और दार्शनिक मनोदशा में थे। उनका सतर्क और व्यावहारिक स्वभाव ऐसी प्रतिक्रियाओं का शिकार होता था।

"क्या तुमने उसे देखा?" उसने पूछा।

"आपका मतलब उस बूढ़े आदमी से है जो अभी-अभी बाहर गया है?"

"एकदम सही।"

"हां, मैं उनसे दरवाजे पर मिला था।"
आपको वह कैसा लगा?
"एक दयनीय, निष्फल, टूटा हुआ प्राणी।"
“बिल्कुल सही, वॉटसन। दयनीय और व्यर्थ। लेकिन क्या सारा जीवन ही दयनीय और व्यर्थ नहीं है? क्या उसकी कहानी संपूर्ण जीवन का एक छोटा सा रूप नहीं है? हम पहुँचते हैं। हम पकड़ते हैं। और अंत में हमारे हाथों में क्या बचता है? एक परछाई। या परछाई से भी बदतर - दुख।”
"क्या वह आपके ग्राहकों में से एक है?"
"खैर, मैं उसे ऐसा कह सकता हूँ। उसे यार्ड से भेजा गया है। जैसे डॉक्टर कभी-कभी अपने लाइलाज मरीजों को झोलाछाप डॉक्टर के पास भेज देते हैं। वे तर्क देते हैं कि वे इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकते, और चाहे कुछ भी हो जाए, मरीज की हालत इससे बदतर नहीं हो सकती।"
"क्या बात है आ?"
होम्स ने मेज से एक काफी मैला कार्ड उठाया। “जोशिया एम्बरली। उनका कहना है कि वे ब्रिकफॉल एंड एम्बरली के कनिष्ठ साझेदार थे, जो कलात्मक सामग्री बनाने वाली कंपनी है। आपको पेंट के डिब्बों पर उनके नाम दिखेंगे। उन्होंने थोड़ी-बहुत संपत्ति बनाई, इकसठ साल की उम्र में कारोबार से सेवानिवृत्त हुए, लेविशम में एक घर खरीदा और अथक परिश्रम भरे जीवन के बाद आराम करने के लिए बस गए। कोई भी सोचेगा कि उनका भविष्य काफी सुरक्षित था।”
"हां, वास्तव में।"
होम्स ने एक लिफाफे के पीछे लिखे कुछ नोट्स पर सरसरी नजर डाली।
"1896 में वाट्सन सेवानिवृत्त हुए। 1897 की शुरुआत में उन्होंने अपने से बीस साल छोटी एक महिला से शादी की - तस्वीर भले ही उतनी आकर्षक न हो, लेकिन वह खूबसूरत भी थीं। एक अच्छी आर्थिक स्थिति, एक पत्नी, फुर्सत - ऐसा लग रहा था जैसे उनके सामने एक सीधा-सादा रास्ता हो। लेकिन जैसा कि आपने देखा है, दो साल के भीतर ही वह सूरज की रोशनी में रेंगने वाले किसी प्राणी की तरह टूट चुके और दुखी हो गए।"
लेकिन हुआ क्या है?
“वही पुरानी कहानी, वॉटसन। एक धोखेबाज दोस्त और एक चंचल पत्नी। लगता है एम्बरली का जीवन में एक ही शौक है, और वो है शतरंज। उसके घर से कुछ ही दूरी पर लेविशम में एक युवा डॉक्टर रहता है, जो शतरंज भी खेलता है। मैंने उसका नाम डॉ. रे अर्नेस्ट लिख लिया है। अर्नेस्ट अक्सर घर आता-जाता रहता था, और उसके और श्रीमती एम्बरली के बीच घनिष्ठता होना स्वाभाविक था, क्योंकि आपको मानना ही पड़ेगा कि हमारे दुर्भाग्यशाली मुवक्किल में बाहरी शिष्टाचार की कमी है, चाहे उसके आंतरिक गुण कितने भी प्रबल क्यों न हों। पिछले हफ्ते दोनों पति-पत्नी साथ चले गए - पता नहीं कहाँ गए। इतना ही नहीं, बेवफा पत्नी बूढ़े आदमी की संपत्ति का बक्सा अपने निजी सामान की तरह ले गई, जिसमें उसकी जीवन भर की बचत का एक बड़ा हिस्सा था। क्या हम उस महिला को ढूंढ सकते हैं? क्या हम पैसे बचा सकते हैं? अब तक तो यह एक आम समस्या लग रही है, लेकिन जोशिया एम्बरली के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है।”
आप इसके बारे में क्या करेंगे?
“खैर, मेरे प्रिय वॉटसन, सबसे पहला सवाल तो यही है कि आप क्या करेंगे? — अगर आप मेरी जगह काम करने की कृपा करें तो। आप जानते हैं कि मैं दो कॉप्टिक पैट्रिआर्क के इस मामले में व्यस्त हूँ, जिसका फैसला आज होना है। मेरे पास लेविशम

जाने का समय नहीं है, फिर भी मौके पर लिए गए सबूतों का विशेष महत्व है। वह बुज़ुर्ग व्यक्ति मुझे जाने के लिए बहुत ज़ोर दे रहा था, लेकिन मैंने अपनी परेशानी समझा दी। वह किसी प्रतिनिधि से मिलने के लिए तैयार है।"

"ज़रूर," मैंने जवाब दिया। "मैं मानता हूँ कि मैं ज़्यादा कुछ नहीं कर पाऊँगा, लेकिन मैं अपनी पूरी कोशिश करूँगा।" और इस तरह एक गर्मी की दोपहर मैं लेविशम के लिए निकल पड़ा, मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि एक हफ़्ते के अंदर ही जिस मामले में मैं शामिल हो रहा था, वह पूरे इंग्लैंड में चर्चा का विषय बन जाएगा।

उस शाम काफी देर हो चुकी थी जब मैं बेकर स्ट्रीट लौटा और अपने मिशन का ब्यौरा दिया। होम्स अपनी गहरी कुर्सी पर दुबले-पतले शरीर के साथ लेटे हुए थे, उनकी पाइप से तीखे तंबाकू के धुएं के धीमे-धीमे छल्ले निकल रहे थे, जबकि उनकी पलकें इतनी सुस्ती से झुकी हुई थीं कि मानो वे सो ही गए हों, अगर मेरी कहानी के किसी भी ठहराव या संदिग्ध हिस्से पर वे आधी न उठतीं, तो उनकी दो भूरी आंखें, तलवारों की तरह चमकीली और तेज, अपनी तीखी नज़र से मुझे स्तब्ध कर देतीं।

"द हेवन, श्री जोशिया एम्बरली के घर का नाम है," मैंने समझाया। "मुझे लगता है, होम्स, आपको इसमें दिलचस्पी होगी। यह किसी कंगाल रईस की तरह है जो अपने से कमतर लोगों की संगति में डूब गया है। आप उस खास इलाके को जानते हैं, नीरस ईंटों की सड़कें, उबाऊ उपनगरीय राजमार्ग। ठीक उनके बीचोंबीच, प्राचीन संस्कृति और आराम का एक छोटा सा द्वीप, यह पुराना घर स्थित है, जो धूप में तपती ऊंची दीवार से घिरा हुआ है, जिस पर लाइकेन के धब्बे हैं और ऊपर काई जमी है, उस तरह की दीवार—"

"वॉटसन, ये कविता बंद करो," होम्स ने सख्ती से कहा। "मैंने गौर किया है कि वह एक ऊंची ईंटों की दीवार थी।"

"बिल्कुल सही। अगर मैंने सड़क पर सिगरेट पी रहे एक व्यक्ति से न पूछा होता, तो मुझे पता ही नहीं चलता कि 'द हेवन' कहाँ है। उसके बारे में बताने का एक कारण है। वह लंबा, सांवला, घनी मूंछों वाला, कुछ-कुछ फौजी जैसा दिखने वाला आदमी था। उसने मेरे सवाल के जवाब में सिर हिलाया और मुझे एक अजीब सी सवालिया निगाह से देखा, जो मुझे थोड़ी देर बाद याद आई।"

"जैसे ही मैंने प्रवेश द्वार में प्रवेश किया, मैंने श्री एम्बरली को सड़क से नीचे आते देखा। आज सुबह मैंने उन्हें बस एक झलक देखा था, और निश्चित रूप से वे मुझे एक अजीब प्राणी लगे थे, लेकिन जब मैंने उन्हें पूरी रोशनी में देखा तो उनका रूप और भी असामान्य था।"

"मैंने बेशक इसका अध्ययन किया है, फिर भी मैं आपकी राय जानने में दिलचस्पी रखूंगा," होम्स ने कहा।

"वह मुझे ऐसा लगा मानो चिंताओं से पूरी तरह झुक गया हो। उसकी पीठ इस तरह झुकी हुई थी मानो वह कोई भारी बोझ ढो रहा हो। फिर भी वह उतना कमजोर नहीं था जितना मैंने पहले सोचा था, क्योंकि उसके कंधे और छाती किसी विशालकाय व्यक्ति की तरह मजबूत थे, हालांकि उसका शरीर पतली टांगों में सिमटता चला जाता था।"

"बायां जूता सिकुड़ा हुआ है, दायां जूता चिकना है।"

मैंने ऐसा नहीं देखा।

"नहीं, आप ऐसा नहीं करेंगे। मैंने उसका कृत्रिम अंग देख लिया है। लेकिन आप आगे बढ़िए।"

"मैं उसके पुराने भूसे के हैट के नीचे से निकलते हुए उसके घुंघराले, सफ़ेद बालों की लटों और उसके उग्र, उत्सुक भाव और गहरी झुर्रियों वाले चेहरे को देखकर दंग रह गया।"

“बहुत बढ़िया, वॉटसन। उसने क्या कहा?”

“उसने अपनी सारी शिकायतें बताना शुरू कर दिया। हम साथ-साथ ड्राइववे पर चले, और मैंने चारों ओर अच्छी तरह से नज़र डाली। मैंने इससे बदतर हालत वाली जगह कभी नहीं देखी थी। बगीचा पूरी तरह से बीज से भरा हुआ था, जिससे मुझे ऐसा लगा जैसे उसकी घोर उपेक्षा की गई हो और पौधों को कला के बजाय प्रकृति के अनुसार बढ़ने दिया गया हो। कोई भी सभ्य महिला ऐसी हालत को कैसे बर्दाश्त कर सकती है, यह मेरी समझ से परे है। घर भी हद से ज़्यादा गंदा था, लेकिन बेचारा आदमी खुद इस बात से वाकिफ था और इसे सुधारने की कोशिश कर रहा था, क्योंकि हॉल के बीच में हरे रंग का एक बड़ा डिब्बा रखा था और उसके बाएं हाथ में एक मोटा ब्रश था। वह लकड़ी के काम में लगा हुआ था।”

“वह मुझे अपने अंधेरे से कमरे में ले गए और हमने काफी देर तक बातचीत की। ज़ाहिर है, उन्हें इस बात का दुख था कि आप खुद नहीं आए थे। उन्होंने कहा, ‘मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि मुझ जैसा एक साधारण व्यक्ति, खासकर अपने भारी आर्थिक नुकसान के बाद, श्री शर्लक होम्स जैसे इतने प्रसिद्ध व्यक्ति का पूरा ध्यान आकर्षित कर पाएगा।’”

मैंने उन्हें आश्वस्त किया कि वित्तीय प्रश्न उठता ही नहीं। उन्होंने कहा, “नहीं, बिल्कुल नहीं, उनके लिए तो कला कला के लिए ही है, लेकिन अपराध के कलात्मक पहलू में भी उन्हें अध्ययन करने लायक कुछ मिल सकता था। और मानव स्वभाव, डॉ. वॉटसन—यह सब कितना कृतघ्न है! मैंने कभी उनकी कोई विनती ठुकराई ही नहीं? क्या कोई महिला कभी इतनी लाड़-प्यार से पली-बढ़ी है? और वह युवक—वह तो मेरा अपना बेटा ही हो सकता था। उसे मेरे घर में हर जगह घूमने की छूट थी। और फिर भी देखिए उन्होंने मेरे साथ कैसा बर्ताव किया है! ओह, डॉ. वॉटसन, यह कितनी भयानक, भयानक दुनिया है!”

“एक घंटे से अधिक समय तक उनके गीत का यही सार था। ऐसा लगता है कि उन्हें किसी साजिश का ज़रा भी आभास नहीं था। उनके साथ एक महिला के अलावा कोई नहीं रहता था, जो दिन में आती थी और हर शाम छह बजे चली जाती थी। उस खास शाम को बूढ़े एम्बरली ने अपनी पत्नी को खुश करने के लिए हेमार्केट थिएटर में ऊपरी सर्कल की दो सीटें बुक की थीं। आखिरी क्षण में उनकी पत्नी ने सिरदर्द की शिकायत की और जाने से इनकार कर दिया। वह अकेले ही चले गए। इस बात में कोई संदेह नहीं था, क्योंकि उन्होंने अपनी पत्नी के लिए ली गई अप्रयुक्त टिकट दिखाई।”

“यह तो वाकई असाधारण है—अत्यंत असाधारण,” होम्स ने कहा, जिनकी इस मामले में रुचि बढ़ती जा रही थी। “कृपया जारी रखिए, वॉटसन। मुझे आपका विवरण अत्यंत रोचक लगा। क्या आपने स्वयं इस टिकट की जाँच की? क्या आपने गलती से इसका नंबर नोट कर लिया था?”

“हाँ, मैंने ऐसा किया था,” मैंने कुछ गर्व के साथ उत्तर दिया। “यह संयोगवश मेरा पुराना स्कूल नंबर, इकत्तीस था, और इसलिए यह मेरे दिमाग में बैठ गया है।”

“बहुत बढ़िया, वॉटसन! तो उनकी सीट या तो तीस थी या बत्तीस।”

“बिल्कुल,” मैंने कुछ हैरानी से जवाब दिया। “और बी रो में।”

“यह तो बहुत संतोषजनक है। उसने आपको और क्या बताया?”

“उसने मुझे अपना तिजोरी दिखाया, जैसा कि वह उसे कहता था। यह सचमुच एक तिजोरी थी - बैंक की तरह - लोहे के दरवाजे और शटर के साथ - जैसा कि उसने दावा किया था, चोरों से सुरक्षित। हालांकि, ऐसा लगता है कि उस महिला के पास एक डुप्लीकेट चाबी थी, और दोनों ने मिलकर लगभग सात हजार पाउंड की नकदी और प्रतिभूतियां चुरा लीं।”

“सिक्योरिटीज़! वे उन्हें कैसे बेच सकते हैं?”

“उसने कहा कि उसने पुलिस को एक सूची दी थी और उसे उम्मीद थी कि वे चीज़ें बिक नहीं पाएंगी। वह आधी रात के करीब थिएटर से लौटा और पाया कि जगह लूटी जा चुकी थी, दरवाज़ा और खिड़की खुली थी, और भगोड़े जा चुके थे। कोई पत्र या संदेश नहीं मिला, और तब से उसने कोई खबर भी नहीं सुनी है। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी।”

होम्स कुछ मिनटों तक सोच में डूबे रहे।

“आप कहते हैं कि वह पेंटिंग कर रहा था। वह क्या पेंट कर रहा था?”

"खैर, वह गलियारे में रंग भर रहा था। लेकिन उसने पहले ही उस कमरे का दरवाजा और लकड़ी का काम रंग दिया था जिसके बारे में मैंने बात की थी।"

"क्या आपको इन परिस्थितियों में यह एक अजीब पेशा नहीं लगता?"

“‘दुखते दिल को सुकून देने के लिए कुछ तो करना ही चाहिए।’ यही उनका अपना स्पष्टीकरण था। यह बेशक सनकीपन था, लेकिन वे स्पष्ट रूप से एक सनकी इंसान हैं। उन्होंने मेरी मौजूदगी में अपनी पत्नी की एक तस्वीर फाड़ दी—गुस्से में आग बबूला होकर। ‘मैं उसका चेहरा फिर कभी नहीं देखना चाहता,’ वे चीखे।”

"वॉटसन, और कुछ चाहिए?"

“हाँ, एक बात जिसने मुझे सबसे ज़्यादा चौंकाया। मैं ब्लैकहीथ स्टेशन तक गाड़ी चलाकर गया था और वहाँ से ट्रेन पकड़ी थी, तभी ट्रेन चलने ही वाली थी कि मैंने एक आदमी को अपने बगल वाले डिब्बे में घुसते देखा। होम्स, तुम जानते हो कि मैं चेहरों को जल्दी पहचान लेता हूँ। वह निस्संदेह वही लंबा, सांवला आदमी था जिससे मैंने सड़क पर बात की थी। मैंने उसे लंदन ब्रिज पर एक बार फिर देखा, और फिर भीड़ में वह गायब हो गया। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वह मेरा पीछा कर रहा था।”

“निस्संदेह! निस्संदेह!” होम्स ने कहा। “आप कह रहे हैं कि एक लंबा, सांवला, घनी मूंछों वाला आदमी, जिसने भूरे रंग के धूप के चश्मे पहने हुए हैं?”

"होम्स, तुम एक जादूगर हो। मैंने ऐसा नहीं कहा, लेकिन उसने धूसर रंग के धूप के चश्मे पहने हुए थे।"

और एक मेसोनिक टाई-पिन?

“होम्स!”

“बिल्कुल आसान है, मेरे प्रिय वॉटसन। लेकिन चलिए व्यावहारिक बातों पर आते हैं। मुझे यह स्वीकार करना होगा कि जो मामला मुझे इतना सरल लग रहा था कि ध्यान देने लायक भी नहीं था, वह अब तेज़ी से एक अलग रूप ले रहा है। यह सच है कि अपने मिशन में आपने कई महत्वपूर्ण चीज़ें नज़रअंदाज़ कर दीं, फिर भी जो चीज़ें आपके ध्यान में आई हैं, वे भी गंभीर चिंतन का विषय हैं।”

“मुझसे क्या छूट गया?”

"दुखी मत हो, मेरे प्यारे दोस्त। तुम जानते हो कि मैं बिल्कुल भावहीन हूँ। कोई और इतना अच्छा नहीं कर पाता। शायद कुछ लोग इतना अच्छा नहीं कर पाते। लेकिन तुमने कुछ अहम बातें नज़रअंदाज़ कर दी हैं। पड़ोसियों की इस एम्बरली और उसकी पत्नी के बारे में क्या राय है? यह ज़रूर महत्वपूर्ण है। डॉ. अर्नेस्ट के बारे में क्या? क्या वह वैसा ही अय्याश था जैसा कोई उम्मीद करता है? वॉटसन, तुम्हारी स्वाभाविक खूबियों के साथ, हर औरत तुम्हारी मददगार और साथी है। डाकघर वाली लड़की या सब्ज़ीवाले की पत्नी के बारे में क्या? मैं कल्पना कर सकता हूँ कि तुम ब्लू एंकर की उस युवती से मीठी-मीठी बातें कर रहे हो और बदले में कुछ कड़वी बातें सुन रहे हो। तुमने ये सब छोड़ दिया है।"

"यह अभी भी किया जा सकता है।"

“यह हो गया है। टेलीफोन और यार्ड की मदद से, मैं आमतौर पर इस कमरे से बाहर निकले बिना ही अपनी ज़रूरत की चीज़ें ले सकता हूं। दरअसल, मेरी जानकारी उस आदमी की कहानी की पुष्टि करती है। स्थानीय लोगों के बीच उसकी बदनामी है कि वह कंजूस होने के साथ-साथ एक कठोर और सख्त पति भी है। यह निश्चित है कि उसके उस तिजोरी में बड़ी रकम रखी थी। यह भी सच है कि युवा डॉ. अर्नेस्ट, जो अविवाहित थे, एम्बरली के साथ शतरंज खेलते थे, और शायद उसकी पत्नी के साथ भी मज़ाक करते थे। यह सब कुछ सीधा-सादा लगता है, और कोई सोचेगा कि अब और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है — लेकिन फिर भी! — लेकिन फिर भी!”

समस्या कहाँ है?

“शायद मेरी कल्पना में। खैर, इसे यहीं छोड़ो, वॉटसन। चलो संगीत के गुप्त द्वार से इस नीरस रोजमर्रा की दुनिया से बाहर निकलें। कैरिना आज रात अल्बर्ट हॉल में गा रही है, और हमारे पास अभी भी तैयार होने, भोजन करने और आनंद लेने का समय है।”

मैं सुबह जल्दी उठ गया था, लेकिन टोस्ट के कुछ टुकड़े और दो खाली अंडे के छिलके देखकर मुझे पता चला कि मेरा साथी मुझसे पहले ही उठ गया था। मुझे मेज पर एक हाथ से लिखा हुआ नोट मिला।

प्रिय वाटसन:

मुझे श्री जोशिया एम्बरली से एक-दो बार संपर्क स्थापित करना है। ऐसा करने के बाद हम मामला खारिज कर सकते हैं—या नहीं भी कर सकते हैं। मैं आपसे बस इतना अनुरोध करूंगा कि आप लगभग तीन बजे उपस्थित रहें, क्योंकि मुझे लगता है कि शायद मुझे आपकी आवश्यकता पड़ सकती है।

श।

मैंने दिनभर होम्स को नहीं देखा, लेकिन तय समय पर वह गंभीर, मग्न और उदासीन अवस्था में लौट आया। ऐसे समय में उसे अकेला छोड़ देना ही बेहतर था।

"क्या एम्बरली यहाँ आ चुकी है?"

"नहीं।"

“आह! मैं उसका इंतजार कर रहा था।”

उन्हें निराशा नहीं हुई, क्योंकि कुछ ही देर में वह बूढ़ा व्यक्ति अपने गंभीर चेहरे पर बहुत चिंतित और उलझन भरी अभिव्यक्ति लिए हुए वहाँ पहुंच गया।

“मुझे एक टेलीग्राम मिला है, मिस्टर होम्स। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा।” उन्होंने टेलीग्राम होम्स को सौंप दिया, और होम्स ने उसे ज़ोर से पढ़ा।

“बिना किसी देरी के तुरंत आएं। मैं आपको आपके हालिया नुकसान के बारे में जानकारी दे सकता हूं।”

“एलमैन।”

“विकारेज।”

“लिटिल पर्लिंगटन से 2:10 बजे रवाना हुई,” होम्स ने कहा। “लिटिल पर्लिंगटन एसेक्स में है, मुझे लगता है, फ्रिंटन से ज़्यादा दूर नहीं। खैर, ज़ाहिर है आप तुरंत रवाना होंगे। यह स्पष्ट रूप से किसी ज़िम्मेदार व्यक्ति, यहाँ के पादरी की ओर से है। मेरा क्रॉकफोर्ड कहाँ है? हाँ, यहाँ है: 'जे. सी. एलमन, एम. ए., मूसमूर कम लिटिल पर्लिंगटन के निवासी।' ट्रेनों की जानकारी ले लो, वॉटसन।”

"लिवरपूल स्ट्रीट से एक बस 5:20 बजे है।"

“बहुत बढ़िया। वाटसन, बेहतर होगा कि तुम उसके साथ जाओ। उसे मदद या सलाह की ज़रूरत पड़ सकती है। स्पष्ट है कि हम इस मामले में एक गंभीर संकट में आ गए हैं।”

लेकिन हमारा ग्राहक काम शुरू करने के लिए बिल्कुल भी उत्सुक नहीं लग रहा था।

“यह सरासर बेतुका है, मिस्टर होम्स,” उन्होंने कहा। “इस आदमी को भला क्या पता होगा कि क्या हुआ है? यह समय और पैसे की बर्बादी है।”

“अगर उसे कुछ पता नहीं होता तो वह तुम्हें टेलीग्राम नहीं भेजता। तुरंत तार भेजकर सूचित करो कि तुम आ रहे हो।”

मुझे नहीं लगता कि मैं जाऊंगा।

होम्स ने अपना सबसे गंभीर रूप धारण कर लिया।

“अगर इतना स्पष्ट सुराग मिलने पर आप उस पर कार्रवाई करने से इनकार कर दें, तो इससे पुलिस और मुझ पर, श्री एम्बरली, दोनों पर ही बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा। हमें लगेगा कि आप इस जांच में वाकई गंभीर नहीं हैं।”

हमारे ग्राहक को यह सुझाव सुनकर बहुत हैरानी हुई।

“अगर आप इसे इस तरह से देखें तो मैं ज़रूर जाऊँगा,” उसने कहा। “देखने में तो यह मानना बेतुका लगता है कि इस पादरी को कुछ पता है, लेकिन अगर आप सोचें तो—”

“मुझे ऐसा लगता है,” होम्स ने ज़ोर देकर कहा, और इस तरह हम अपनी यात्रा पर निकल पड़े। कमरे से निकलने से पहले होम्स मुझे एक तरफ ले गए और मुझे एक सलाह दी, जिससे पता चलता था कि वे इस मामले को गंभीरता से ले रहे थे। “जो भी हो, यह सुनिश्चित करना कि वह सचमुच चला जाए,” उन्होंने कहा। “अगर वह भाग जाए या वापस आ जाए, तो नज़दीकी टेलीफोन स्टेशन पर जाकर, सिर्फ एक शब्द ‘बोल्टेड’ भेज देना। मैं यहां व्यवस्था करूंगा कि यह संदेश मुझ तक पहुंच जाए, चाहे मैं कहीं भी रहूं।”

लिटिल पर्लिंगटन तक पहुंचना आसान नहीं है, क्योंकि यह एक शाखा लाइन पर स्थित है। यात्रा की मेरी यादें सुखद नहीं हैं, क्योंकि मौसम गर्म था, ट्रेन धीमी थी, और मेरा साथी उदास और चुप था, मुश्किल से ही कुछ बोल रहा था, सिवाय कभी-कभार हमारी कोशिशों की निरर्थकता पर व्यंग्य करने के। जब हम आखिरकार छोटे से स्टेशन पर पहुंचे, तो विकारेज तक पहुंचने से पहले दो मील की दूरी तय करनी पड़ी, जहां एक बड़े, गंभीर, और कुछ हद तक आडंबरपूर्ण पादरी ने अपने अध्ययन कक्ष में हमारा स्वागत किया। हमारा टेलीग्राम उनके सामने पड़ा था।

“तो सज्जनों,” उसने पूछा, “मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?”

मैंने समझाया, "हम आपके तार के जवाब में आए थे।"

“मेरा तार! मैंने कोई तार नहीं भेजा।”

"मेरा मतलब उस तार से है जो आपने श्री जोशिया एम्बरली को उनकी पत्नी और उनके पैसे के बारे में भेजा था।"

“अगर यह कोई मज़ाक है, महोदय, तो यह बहुत ही संदिग्ध मज़ाक है,” पादरी ने गुस्से से कहा। “मैंने आपके द्वारा बताए गए सज्जन के बारे में कभी नहीं सुना है, और मैंने किसी को भी तार नहीं भेजा है।”

मैं और मेरा ग्राहक आश्चर्य से एक दूसरे को देखने लगे।

मैंने कहा, "शायद कोई गलती हो गई है; क्या यहाँ दो विकारेज हैं? ये रहा तार, जिस पर एल्मन के हस्ताक्षर हैं और विकारेज से दिनांकित है।"

“महोदय, यहां केवल एक ही पादरी का निवास है, और केवल एक ही पादरी है, और यह तार एक शर्मनाक जालसाजी है, जिसकी उत्पत्ति की जांच पुलिस द्वारा अवश्य की जाएगी। इस बीच, मुझे इस साक्षात्कार को लंबा खींचने का कोई औचित्य नहीं दिखता।”

तो श्री एम्बरली और मैं खुद को सड़क किनारे एक ऐसे गाँव में पाए जो मुझे इंग्लैंड का सबसे पिछड़ा हुआ गाँव लगा। हम टेलीग्राफ कार्यालय की ओर बढ़े, लेकिन वह पहले ही बंद हो चुका था। हालांकि, छोटे से रेलवे आर्म्स में एक टेलीफोन था, और उसी के माध्यम से मैंने होम्स से संपर्क किया, जो हमारी यात्रा के परिणाम पर हमारे आश्चर्य में भागीदार थे।

“अद्भुत!” दूर से आती आवाज़ ने कहा। “अद्भुत! मुझे बहुत डर है, मेरे प्यारे वॉटसन, कि आज रात वापसी की कोई ट्रेन नहीं है। मैंने अनजाने में ही आपको एक देहाती सराय के भयानक माहौल में फंसा दिया है। लेकिन, वॉटसन, प्रकृति तो हमेशा है ही — प्रकृति और जोशिया एम्बरली — आप दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध बना सकते हैं।” मैंने उसकी सूखी हंसी सुनी जब वह मुड़ गया।

मुझे जल्द ही यह एहसास हो गया कि मेरे साथी की कंजूस होने की छवि निराधार नहीं थी। उसने यात्रा के खर्च पर शिकायत की थी, तीसरे दर्जे में यात्रा करने पर जोर दिया था, और अब होटल के बिल पर भी जमकर आपत्ति जता रहा था। अगली सुबह, जब हम आखिरकार लंदन पहुंचे, तो यह कहना मुश्किल था कि हम दोनों में से किसका मूड खराब था।

मैंने कहा, "बेहतर होगा कि आप बेकर स्ट्रीट से होकर गुजरें। श्री होम्स के पास कुछ नए निर्देश हो सकते हैं।"

“अगर ये पिछली चीज़ों से ज़्यादा कीमती नहीं हैं, तो इनका कोई खास उपयोग नहीं है,” एम्बरली ने गुस्से भरी नज़रों से कहा। फिर भी, वह मेरे साथ रहा। मैंने होम्स को टेलीग्राम से हमारे आने का समय बता दिया था, लेकिन हमें एक संदेश मिला कि वह लेविशम में हैं और हमारा वहाँ इंतज़ार कर रहे हैं। यह एक आश्चर्य की बात थी, लेकिन उससे भी बड़ा आश्चर्य यह था कि वह हमारे मुवक्किल के बैठक कक्ष में अकेले नहीं थे। उनके बगल में एक गंभीर, भावहीन व्यक्ति बैठा था, एक सांवला आदमी जिसने भूरे रंग के चश्मे पहने थे और उसकी टाई से एक बड़ा मेसोनिक पिन निकला हुआ था।

“ये मेरे मित्र श्री बार्कर हैं,” होम्स ने कहा। “श्री जोशिया एम्बरली, ये भी आपके व्यवसाय में रुचि रखते हैं, हालांकि हम स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं। लेकिन हम दोनों को आपसे एक ही प्रश्न पूछना है!”

श्री एम्बरली भारी मन से बैठ गए। उन्हें आने वाले खतरे का आभास हो गया था। मैंने उनकी तनावग्रस्त आँखों और चेहरे के फड़कते भावों से यह बात समझ ली।

“क्या सवाल है, मिस्टर होम्स?”

“बस इतना ही: तुमने शवों का क्या किया?”

वह आदमी कर्कश चीख के साथ उछल पड़ा। उसने अपनी हड्डियों वाले हाथों से हवा में पंजे मारे। उसका मुंह खुला हुआ था, और एक पल के लिए वह किसी भयानक शिकारी पक्षी जैसा लग रहा था। पलक झपकते ही हमें असली जोशिया एम्बरली की झलक मिली, एक विकृत दानव जिसकी आत्मा उसके शरीर की तरह ही विकृत थी। जैसे ही वह अपनी कुर्सी पर वापस गिरा, उसने अपने होठों पर हाथ रख लिया मानो खांसी को दबा रहा हो। होम्स बाघ की तरह उसके गले पर झपटा और उसका चेहरा ज़मीन की ओर मोड़ दिया। उसके हांफते होठों के बीच से एक सफेद गोली गिरी।

“कोई शॉर्टकट नहीं चलेगा, जोशिया एम्बरली। काम शालीनता और व्यवस्थित तरीके से होना चाहिए। इस बारे में क्या कहते हो, बार्कर?”

"मेरे दरवाजे पर एक टैक्सी खड़ी है," हमारे कम बोलने वाले साथी ने कहा।

“स्टेशन बस कुछ सौ गज दूर है। हम साथ चलेंगे। तुम यहीं रुक सकते हो, वॉटसन। मैं आधे घंटे में वापस आ जाऊंगा।”

उस बूढ़े रंगीन मिजाज वाले व्यक्ति में शेर जैसी ताकत थी, लेकिन दो अनुभवी पुलिसकर्मियों के हाथों वह बेबस था। छटपटाते और मरोड़ते हुए उसे घसीटकर टैक्सी तक ले जाया गया, और मुझे उस अशुभ घर में अकेले ही पहरा देने के लिए छोड़ दिया गया। हालांकि, बताए गए समय से भी कम समय में होम्स एक होशियार युवा पुलिस इंस्पेक्टर के साथ वापस आ गया।

“मैंने औपचारिकताओं का ध्यान रखने का जिम्मा बार्कर पर छोड़ दिया है,” होम्स ने कहा। “वॉटसन, आप बार्कर से नहीं मिले हैं। वह सरे तट पर मेरा कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। जब आपने एक लंबे, सांवले आदमी का जिक्र किया, तो मेरे लिए पूरी तस्वीर समझना मुश्किल नहीं था। इंस्पेक्टर साहब, उसके नाम कई अच्छे मामले दर्ज हैं, है ना?”

"उसने कई बार हस्तक्षेप जरूर किया है," निरीक्षक ने संयम से उत्तर दिया।

“इसमें कोई शक नहीं कि उसके तरीके अनियमित हैं, बिल्कुल मेरे जैसे। आप जानते हैं, अनियमित तरीके कभी-कभी काम आते हैं। उदाहरण के लिए, आप, उसे जो भी बात कहनी होती थी, उसे उसके खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता था, इस अनिवार्य चेतावनी के साथ इस बदमाश को बहला-फुसलाकर लगभग कबूलनामा करवाने में कभी कामयाब नहीं हो सकते थे।”

“शायद नहीं। लेकिन हम वहाँ पहुंच ही जाएँगे, मिस्टर होम्स। यह मत सोचिए कि हमने इस मामले पर अपनी राय नहीं बनाई होती और हम अपने आदमी को पकड़ नहीं पाते। जब आप ऐसे तरीके बताते हैं जिनका हम इस्तेमाल नहीं कर सकते और इस तरह हमारी साख छीन लेते हैं, तो हमें बुरा लगना स्वाभाविक है।”

“ऐसी कोई डकैती नहीं होगी, मैकिनॉन। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि अब से मैं खुद को इससे अलग कर लूँगा, और बार्कर ने वही किया है जो मैंने उसे बताया है।”

निरीक्षक काफी राहत महसूस कर रहा था।

"यह तो आपकी बहुत ही सराहनीय बात है, श्री होम्स। प्रशंसा या निंदा आपके लिए शायद ही मायने रखती हो, लेकिन जब अखबार सवाल पूछना शुरू करते हैं तो हमारे लिए स्थिति बिल्कुल अलग हो जाती है।"

“बिल्कुल सही। लेकिन वे सवाल तो जरूर पूछेंगे, इसलिए जवाब तैयार रखना बेहतर होगा। उदाहरण के तौर पर, जब कोई बुद्धिमान और जिज्ञासु पत्रकार आपसे पूछेगा कि वे कौन से बिंदु थे जिनसे आपको संदेह हुआ और अंततः आपको वास्तविक तथ्यों का पूरा यकीन हो गया, तो आप क्या कहेंगे?”

निरीक्षक असमंजस में दिख रहा था।

“श्री होम्स, ऐसा लगता है कि हमें अभी तक कोई ठोस तथ्य नहीं मिले हैं। आप कहते हैं कि कैदी ने तीन गवाहों की मौजूदगी में आत्महत्या करने की कोशिश करके लगभग कबूल कर लिया कि उसने अपनी पत्नी और उसके प्रेमी की हत्या की थी। आपके पास और क्या तथ्य हैं?”

क्या आपने तलाशी की व्यवस्था की है?

"तीन कांस्टेबल रास्ते में हैं।"

“तब आपको जल्द ही सबसे स्पष्ट तथ्य पता चल जाएगा। शव ज़्यादा दूर नहीं हो सकते। तहखानों और बगीचे की तलाशी लें। संभावित स्थानों की खुदाई में ज़्यादा समय नहीं लगना चाहिए। यह घर पानी की पाइपलाइनों से भी पुराना है। कहीं न कहीं एक बंद पड़ा कुआँ ज़रूर होगा। वहाँ अपनी किस्मत आज़माएँ।”

"लेकिन आपको इसके बारे में कैसे पता चला, और यह कैसे किया गया?"

“मैं पहले आपको दिखाऊंगा कि यह कैसे किया गया, और फिर मैं आपको वह स्पष्टीकरण दूंगा जो आपको और उससे भी अधिक मेरे इस धैर्यवान मित्र को देना चाहिए, जो शुरू से ही अमूल्य रहा है। लेकिन, पहले, मैं आपको इस व्यक्ति की

मानसिकता के बारे में कुछ जानकारी देना चाहता हूं। यह बहुत ही असामान्य है - इतनी असामान्य कि मुझे लगता है कि उसका अंतिम पड़ाव फांसी के तख्ते से कहीं अधिक ब्रॉडमूर होने की संभावना है। उसका दिमाग काफी हद तक मध्ययुगीन इतालवी स्वभाव का है, न कि आधुनिक ब्रिटिश व्यक्ति का। वह एक कंजूस था जिसने अपनी पत्नी को अपने कंजूसपन से इतना दुखी कर दिया था कि वह किसी भी साहसी व्यक्ति के लिए आसान शिकार बन गई थी। ऐसा ही एक व्यक्ति इस शतरंज खेलने वाले डॉक्टर के रूप में सामने आया। एम्बरली शतरंज में माहिर था - वाटसन, यह एक शातिर दिमाग की निशानी है। सभी कंजूसों की तरह, वह ईर्ष्यालु व्यक्ति था, और उसकी ईर्ष्या एक उन्माद में बदल गई। सही हो या गलत, उसे किसी साजिश का संदेह था। उसने बदला लेने का निश्चय किया, और उसने इसकी योजना बनाई... बेहद चालाकी। इधर आओ!

होम्स हमें उस गलियारे से उतनी ही निश्चितता के साथ ले गया मानो वह उसी घर में रहता हो और तिजोरी के खुले दरवाजे पर रुक गया हो।

“छी! पेंट की कितनी भयानक बदबू आ रही है!” इंस्पेक्टर चिल्लाया।

"यही हमारा पहला सुराग था," होम्स ने कहा। “इसके लिए आप डॉ. वॉटसन के अवलोकन को धन्यवाद दे सकते हैं, हालांकि वे निष्कर्ष निकालने में असफल रहे। इसने मुझे मामले की तह तक पहुंचाया। इस समय यह व्यक्ति अपने घर को इतनी तेज़ गंधों से क्यों भर रहा था? ज़ाहिर है, किसी और गंध को छुपाने के लिए जिसे वह छिपाना चाहता था—कोई ऐसी दोषी गंध जिससे संदेह पैदा हो। फिर लोहे के दरवाज़े और शटर वाले कमरे का ख्याल आया—एक पूरी तरह से सीलबंद कमरा। इन दोनों तथ्यों को एक साथ मिलाएँ, तो ये कहाँ ले जाते हैं? मैं इसका पता केवल घर की स्वयं जाँच करके ही लगा सकता था। मुझे पहले से ही यकीन था कि मामला गंभीर है, क्योंकि मैंने हेमार्केट थिएटर के बॉक्स ऑफिस चार्ट की जाँच की थी—डॉ. वाटसन के एक और सटीक लक्ष्य—और पता लगाया था कि उस रात ऊपरी सर्कल के न तो बी तीस और न ही बत्तीस सीटें भरी हुई थीं। इसलिए, एम्बरली थिएटर नहीं गया था, और उसका बहाना धराशायी हो गया। उसने तब बड़ी गलती की जब उसने मेरे चतुर मित्र को अपनी पत्नी के लिए ली गई सीट का नंबर देखने दिया। अब सवाल यह उठा कि मैं घर की जाँच कैसे कर सकता हूँ। मैंने एक मैंने अपने एजेंट को सबसे दुर्गम गाँव में भेजा, और अपने आदमी को ऐसे समय पर बुलाया कि उसका वापस आना नामुमकिन था। किसी भी तरह की गड़बड़ी से बचने के लिए, डॉ. वाटसन भी उसके साथ गए। मैंने पादरी का नाम, ज़ाहिर है, क्रॉकफोर्ड से हटा दिया। क्या आपको सब कुछ स्पष्ट हो गया है?

"यह उत्कृष्ट है," निरीक्षक ने विस्मय भरे स्वर में कहा।

“बिना किसी रुकावट के डर के मैंने घर में सेंध लगाने का काम शुरू कर दिया। अगर मैं चाहूं तो सेंधमारी हमेशा से मेरा एक वैकल्पिक पेशा रहा है, और मुझे पूरा यकीन है कि मैं इसमें कामयाब भी हो जाता। देखिए मुझे क्या मिला। आप यहाँ दीवार के किनारे गैस का पाइप देख रहे हैं। बहुत बढ़िया। यह दीवार के कोने में ऊपर की ओर जाता है, और यहाँ कोने में एक नल लगा है। जैसा कि आप देख सकते हैं, पाइप तिजोरी में जाता है और छत के बीच में बने उस प्लास्टर के उभार में जाकर खत्म होता है, जहाँ वह सजावट के पीछे छिपा हुआ है। वह सिरा पूरी तरह खुला है। बाहर का नल खोलते ही किसी भी क्षण कमरे में गैस भर सकती थी। दरवाजा और शटर बंद करके और नल पूरी तरह चालू करके, मैं उस छोटे से कमरे में बंद किसी को भी दो मिनट तक होश में नहीं रहने देता। उसने उन्हें किस शैतानी तरकीब से वहाँ फँसाया, यह मुझे नहीं पता, लेकिन एक बार दरवाजे के अंदर घुसने के बाद वे उसकी दया पर थे।”

निरीक्षक ने पाइप का उत्सुकतापूर्वक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा, “हमारे एक अधिकारी ने गैस की गंध का ज़िक्र किया था, लेकिन ज़ाहिर है उस समय खिड़की और दरवाज़ा खुले थे, और पेंट — या उसका कुछ हिस्सा — पहले से ही फैला हुआ था। उनके अनुसार, उन्होंने एक दिन पहले ही पेंट करने का काम शुरू किया था। लेकिन अब आगे क्या, श्री होम्स?”

फिर एक ऐसी घटना घटी जो मेरे लिए बिल्कुल अप्रत्याशित थी। भोर होते ही मैं पेंटी की खिड़की से अंदर घुस रहा था, तभी मुझे अपने कॉलर के अंदर किसी का हाथ महसूस हुआ और एक आवाज़ आई: ‘अरे बदमाश, अंदर क्या कर रहे हो?’ जब मैंने अपना सिर घुमाकर देखा तो मेरी नज़र अपने दोस्त और प्रतिद्वंद्वी, मिस्टर बार्कर के रंगीन चश्मे पर पड़ी। यह एक अजीब मुलाकात थी और हम दोनों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। ऐसा लगता है कि उन्हें डॉ. रे अर्नेस्ट के परिवार ने कुछ जाँच-पड़ताल करने के लिए नियुक्त किया था और वे भी किसी गड़बड़ी के बारे में उसी निष्कर्ष पर पहुँचे थे। उन्होंने कुछ दिनों से घर पर नज़र रखी थी और डॉ. वॉटसन को वहाँ आने वाले संदिग्ध लोगों में से एक के रूप में पहचाना था। वे वॉटसन को गिरफ्तार तो नहीं कर सकते थे, लेकिन जब उन्होंने एक आदमी को पेंटी की खिड़की से बाहर निकलते देखा तो उनका संयम भी टूट गया। मैंने उन्हें सारी बात बताई और हमने मिलकर मामले की जाँच जारी रखी।

“उसे ही क्यों? हमें क्यों नहीं?”

"क्योंकि मेरे मन में वह छोटा सा परीक्षण करने का विचार था जिसका परिणाम इतना शानदार रहा। मुझे डर है कि आप इतना आगे नहीं बढ़ते।"

निरीक्षक मुस्कुराया।

"खैर, शायद नहीं। मुझे पता है कि आपने मुझे वचन दिया है, मिस्टर होम्स, कि आप अभी इस मामले से पूरी तरह से हट जाएंगे और अपने सभी परिणाम हमें सौंप देंगे।"

"बिल्कुल, यह हमेशा से मेरी प्रथा रही है।"

"खैर, ईश्वर की कृपा से मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। जैसा कि आपने कहा, यह एक स्पष्ट मामला प्रतीत होता है, और शवों को लेकर ज्यादा कठिनाई नहीं होनी चाहिए।"

“मैं आपको सबूत का एक छोटा सा भयानक टुकड़ा दिखाता हूँ,” होम्स ने कहा, “और मुझे यकीन है कि एम्बरली ने खुद इसे कभी नहीं देखा होगा। इंस्पेक्टर, आपको नतीजे तब मिलेंगे जब आप हमेशा खुद को दूसरे की जगह पर रखकर सोचेंगे कि आप खुद क्या करते। इसमें थोड़ी कल्पनाशीलता लगती है, लेकिन इसका फ़ायदा मिलता है। अब मान लीजिए कि आप इस छोटे से कमरे में बंद हैं, आपके पास जीने के लिए दो मिनट भी नहीं बचे हैं, लेकिन आप उस शैतान से बदला लेना चाहते हैं जो शायद दरवाजे के दूसरी तरफ़ से आपका मजाक उड़ा रहा है। आप क्या करेंगे?”

"एक सन्देश लिखिए।"

“बिल्कुल सही। आप लोगों को बताना चाहेंगे कि आपकी मृत्यु कैसे हुई। कागज़ पर लिखने का कोई फ़ायदा नहीं। वो दिख जाएगा। अगर आपने दीवार पर लिखा तो कोई उस पर लेट सकता है। अब, यहाँ देखिए! स्कर्टिंग के ठीक ऊपर बैंगनी रंग की अमिट पेंसिल से लिखा है: ‘हम हम —’ बस इतना ही।”

"आप इस से क्या बनाते है?"

“खैर, यह तो ज़मीन से बस एक फुट ऊपर है। बेचारा जब इसे लिख रहा था, तब ज़मीन पर पड़ा मर रहा था। पूरा करने से पहले ही वह बेहोश हो गया।”

वह लिख रहा था, ‘हमारी हत्या कर दी गई थी’।

“मैंने इसे इसी तरह समझा है। अगर आपको शरीर पर कोई आमेट पॉर्सेल का निशान मिले तो—”

“हम इस पर नज़र रखेंगे, आप निश्चिंत रहें। लेकिन वे प्रतिभूतियाँ? स्पष्ट रूप से कोई डकैती नहीं हुई थी। फिर भी उसके पास वे बांड थे। हमने इसकी पुष्टि कर ली है।”

“आप निश्चिंत रहें कि उसने उन्हें किसी सुरक्षित स्थान पर छिपा रखा है। जब यह सारा भागकर शादी करने का मामला इतिहास बन जाएगा, तो वह अचानक उन्हें खोज निकालेगा और घोषणा करेगा कि दोषी दंपति ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है और लूटा हुआ माल वापस भेज दिया है या रास्ते में ही गिरा दिया है।”

इंस्पेक्टर ने कहा, "ऐसा लगता है कि आपने हर मुश्किल का सामना कर लिया है। बेशक, उसे हमें बुलाना ही था, लेकिन उसने आपके पास क्यों बुलाया, यह मेरी समझ से परे है।"

“बेहद शान!” होम्स ने जवाब दिया। “वह खुद को इतना चतुर और आत्मविश्वासी समझता था कि उसे लगता था कि कोई उसे छू नहीं सकता। वह किसी भी शंकालु पड़ोसी से कह सकता था, ‘देखो मैंने क्या कदम उठाए हैं। मैंने न केवल पुलिस से बल्कि शर्लक होम्स से भी सलाह ली है।’”

निरीक्षक हंस पड़ा।

“हमें आपको आपके ‘यहाँ तक कि’ के लिए क्षमा करना होगा, श्री होम्स,” उन्होंने कहा, “यह उतना ही पेशेवर काम है जितना मुझे याद है।”

कुछ दिनों बाद मेरे दोस्त ने मुझे पाक्षिक रूप से प्रकाशित होने वाले नॉर्थ सरे ऑब्जर्वर की एक प्रति दी। "द हेवन हॉरर" से शुरू होकर "शानदार पुलिस जांच" तक की सनसनीखेज हेडलाइंस के नीचे, एक पूरा कॉलम छपा था जिसमें इस घटना का पहला सिलसिलेवार ब्यौरा दिया गया था। अंतिम पैराग्राफ पूरी खबर का सार था। वह इस प्रकार था:

इंस्पेक्टर मैकिनॉन की असाधारण सूझबूझ, जिससे उन्होंने पेंट की गंध से यह अनुमान लगाया कि कोई अन्य गंध, जैसे कि गैस की गंध, छिपी हो सकती है; उनका यह साहसिक अनुमान कि तिजोरी ही मृत्यु कक्ष हो सकती है, और उसके बाद की जांच जिसके परिणामस्वरूप एक बंद पड़े कुएं में शवों की खोज हुई, जिसे एक कुत्ते के पिंजरे से चतुराई से छिपाया गया था, अपराध के इतिहास में हमारे पेशेवर जासूसों की बुद्धिमत्ता के एक स्थायी उदाहरण के रूप में दर्ज होना चाहिए।

“वाह, वाह, मैकिनान तो अच्छा आदमी है,” होम्स ने सहनशील मुस्कान के साथ कहा। “वॉटसन, आप इसे हमारे अभिलेखागार में रख सकते हैं। किसी दिन शायद असली कहानी सामने आ जाए।”

आतंक और रहस्य की कहानियाँ

ऊंचाइयों का आतंक

जॉयस-आर्मस्ट्रांग फ्रैगमेंट नामक असाधारण कथा को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा रची गई एक जटिल शरारत मानने का विचार, जो विकृत और भयावह हास्यबोध से ग्रस्त था, अब उन सभी लोगों द्वारा खारिज कर दिया गया है जिन्होंने इस मामले की जांच की है। सबसे भयावह और कल्पनाशील षड्यंत्रकारी भी अपने विकृत विचारों को उन निर्विवाद और दुखद तथ्यों से जोड़ने से हिचकिचाएंगे जो इस कथन की पुष्टि करते हैं। यद्यपि इसमें निहित दावे आश्चर्यजनक और यहां तक कि भयावह भी हैं, फिर भी यह आम समझ को यह मानने पर विवश करता है कि वे सत्य हैं, और हमें अपने विचारों को नई स्थिति के अनुरूप ढालना होगा। हमारी यह दुनिया एक अत्यंत विलक्षण और अप्रत्याशित खतरे से सुरक्षा की एक पतली और नाजुक सीमा से अलग प्रतीत होती है। इस विवरण में, जो मूल दस्तावेज़ को उसके कुछ हद तक खंडित रूप में प्रस्तुत करता है, मैं पाठक के समक्ष अब तक के सभी तथ्यों को प्रस्तुत करने का प्रयास करूंगा, और अपने कथन की शुरुआत में यह कहना चाहूंगा कि यदि किसी को जॉयस-आर्मस्ट्रांग के विवरण पर संदेह है, तो लेफ्टिनेंट मर्टल, आर.एन., और श्री हे कॉनर के बारे में तथ्यों पर कोई संदेह नहीं हो सकता, जिनकी मृत्यु निस्संदेह वर्णित तरीके से हुई थी।

जॉयस-आर्मस्ट्रांग का यह टुकड़ा लोअर हेकॉक नामक खेत में मिला था, जो विथीहम गांव से एक मील पश्चिम में केंट और ससेक्स की सीमा पर स्थित है। पिछले साल की 15 सितंबर को, विथीहम के चांटी फार्म के किसान मैथ्यू डोड के यहां काम करने वाले एक कृषि मजदूर, जेम्स फ्लिन ने लोअर हेकॉक में हेज के किनारे बने फुटपाथ के पास एक पाइप पड़ा हुआ देखा। कुछ कदम आगे बढ़ने पर उसे दूरबीन के टूटे हुए चश्मे मिले। अंत में, खाई में बिच्छू-बूटी के बीच उसकी नज़र एक सपाट, कैनवास से ढकी किताब पर पड़ी, जो बाद में पता चला कि अलग किए जा सकने वाले पन्नों वाली एक नोटबुक थी, जिनमें से कुछ पन्ने ढीले होकर हेज के आधार पर फड़फड़ा रहे थे। उसने इन्हें इकट्ठा कर लिया, लेकिन पहले पन्ने सहित कुछ पन्ने कभी बरामद नहीं हुए, और इस महत्वपूर्ण विवरण में एक दुखद कमी रह गई है। वह नोटबुक मजदूर अपने मालिक के पास ले गया, जिसने उसे हार्टफील्ड के डॉ. जे. एच. एथर्टन को दिखाया। इस सज्जन ने तुरंत ही विशेषज्ञ जांच की आवश्यकता को पहचाना और पांडुलिपि को लंदन के एयरो क्लब में भेज दिया गया, जहां वह अब मौजूद है।

पांडुलिपि के पहले दो पृष्ठ गायब हैं। वृत्तांत के अंत में एक पृष्ठ फटा हुआ है, हालांकि इनमें से कोई भी कहानी की समग्रता को प्रभावित नहीं करता है। अनुमान है कि गायब पृष्ठ श्री जॉयस-आर्मस्ट्रांग की विमानन योग्यताओं के विवरण से संबंधित हैं, जो अन्य स्रोतों से प्राप्त की जा सकती हैं और इंग्लैंड के पायलटों में अद्वितीय मानी जाती हैं। कई वर्षों से उन्हें सबसे साहसी और सबसे बुद्धिमान पायलटों में गिना जाता रहा है, इसी संयोजन ने उन्हें कई नए उपकरणों का आविष्कार और परीक्षण करने में सक्षम बनाया है, जिनमें उनके नाम से जाना जाने वाला सामान्य जाइरोस्कोपिक उपकरण भी शामिल है। पांडुलिपि का मुख्य भाग साफ-सुथरे ढंग से स्याही से लिखा गया है, लेकिन अंतिम कुछ पंक्तियाँ पेंसिल से लिखी गई हैं और इतनी अस्पष्ट हैं कि उन्हें पढ़ना मुश्किल है - वास्तव में, ठीक वैसे ही जैसे किसी चलते हुए हवाई जहाज की सीट से जल्दबाजी में लिखी गई हों। यह भी बताना ज़रूरी है कि अंतिम पृष्ठ और बाहरी आवरण पर कई धब्बे हैं, जिन्हें गृह मंत्रालय के विशेषज्ञों ने रक्त बताया है - संभवतः मानव रक्त और निश्चित रूप से स्तनधारी जीव का रक्त। इस रक्त में मलेरिया के रोगाणु से मिलता-जुलता कोई पदार्थ पाया जाना और जॉयस-आर्मस्ट्रांग को रुक-रुक

कर बुखार होने की जानकारी होना, आधुनिक विज्ञान द्वारा हमारे जासूसों को दिए गए नए हथियारों का एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

अब इस युगप्रवर्तक कथन के लेखक के व्यक्तित्व के बारे में कुछ शब्द। जॉयस-आर्मस्ट्रांग, उनके कुछ ही मित्रों के अनुसार, जो उन्हें अच्छी तरह जानते थे, एक कवि और स्वप्नद्रष्टा होने के साथ-साथ एक कुशल मैकेनिक और आविष्कारक भी थे। वे काफ़ी धनी थे, जिसका अधिकांश हिस्सा उन्होंने अपने विमानन शौक को पूरा करने में खर्च किया था। डेविज़ेस के पास स्थित अपने हैंगर में उनके चार निजी विमान थे, और कहा जाता है कि उन्होंने पिछले वर्ष के दौरान कम से कम एक सौ सत्तर उड़ानें भरी थीं। वे एकांतप्रिय और गंभीर स्वभाव के व्यक्ति थे, जिनमें वे अपने साथियों की संगति से दूर रहते थे। कैप्टन डेंजरफील्ड, जो उन्हें सबसे अच्छी तरह जानते थे, कहते हैं कि कई बार उनकी सनक गंभीर रूप लेने लगती थी। अपने विमान में शॉटगन साथ रखने की उनकी आदत इसका एक उदाहरण थी।

दूसरा, लेफ्टिनेंट मर्टल की मौत का जॉयस-आर्मस्ट्रांग के मन पर गहरा असर पड़ा था। मर्टल, जो ऊंचाई का रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रहे थे, तीस हज़ार फीट से भी ज़्यादा ऊंचाई से गिर गए थे। यह भयानक घटना बयान करना मुश्किल है; उनका सिर पूरी तरह से चकनाचूर हो गया था, हालांकि उनके शरीर और हाथ-पैर सही-सलामत थे। डेंजरफील्ड के अनुसार, वायुसैनिकों की हर सभा में जॉयस-आर्मस्ट्रांग एक रहस्यमयी मुस्कान के साथ पूछते थे: "और मर्टल का सिर आखिर कहां है?"

एक अन्य अवसर पर, सैलिसबरी प्लेन स्थित फ्लाइंग स्कूल के भोजनालय में रात के खाने के बाद, उन्होंने इस बात पर बहस शुरू की कि विमान चालकों को भविष्य में सबसे बड़े और स्थायी खतरे का सामना किस प्रकार करना पड़ेगा। एयर-पॉकेट, दोषपूर्ण निर्माण और ओवर-बैंकिंग के बारे में कई राय सुनने के बाद, उन्होंने अपने कंधे उचका दिए और अपने विचार रखने से इनकार कर दिया, हालांकि उन्होंने यह आभास कराया कि उनके विचार उनके साथियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से भिन्न थे।

यह उल्लेखनीय है कि उनके स्वयं के पूरी तरह से गायब हो जाने के बाद यह पाया गया कि उनके निजी मामलों को इतनी सटीकता से व्यवस्थित किया गया था जिससे यह संकेत मिलता है कि उन्हें किसी आपदा का प्रबल पूर्वाभास हो गया था। इन आवश्यक स्पष्टीकरणों के साथ, मैं अब वृत्तांत को ठीक उसी रूप में प्रस्तुत करूंगा जैसा वह है, रक्त से लथपथ नोटबुक के पृष्ठ तीन से शुरू करते हुए:

फिर भी, जब मैंने रीम्स में कोसेली और गुस्ताव रेमंड के साथ भोजन किया, तो मैंने पाया कि उनमें से कोई भी वायुमंडल की ऊपरी परतों में किसी विशेष खतरे से अवगत नहीं था। मैंने अपने मन की बात सीधे-सीधे नहीं कही, लेकिन मैं उसके इतने करीब पहुंच गया था कि अगर उनके मन में भी ऐसा कोई विचार होता, तो वे उसे व्यक्त किए बिना नहीं रह सकते थे। लेकिन वे दोनों खोखले, घमंडी लोग हैं, जिन्हें अखबार में अपने बेवकूफी भरे नाम देखने के अलावा और कुछ नहीं सूझता। यह दिलचस्प बात है कि उनमें से कोई भी कभी बीस हजार फीट से ऊपर नहीं गया था। बेशक, लोग गुब्बारों में और पहाड़ों पर चढ़ाई करते हुए इससे भी अधिक ऊंचाई पर जा चुके हैं। हवाई जहाज खतरे के क्षेत्र में तभी प्रवेश करता है जब वह इससे काफी ऊपर होता है - यह मानते हुए कि मेरी आशंकाएं सही हैं।

हवाई जहाज से उड़ान भरना अब बीस साल से भी अधिक समय से हमारे साथ है, और कोई भी यह सवाल पूछ सकता है: यह खतरा आज के समय में ही क्यों सामने आ रहा है? इसका जवाब स्पष्ट है। पुराने ज़माने में, जब इंजन कमज़ोर होते थे और सौ हॉर्सपावर का गनोम या ग्रीन विमान हर ज़रूरत के लिए पर्याप्त माना जाता था, तब

उड़ानें बहुत सीमित थीं। अब जब तीन सौ हॉर्सपावर आम बात हो गई है, अपवाद नहीं, तो ऊपरी परतों तक जाना आसान और आम हो गया है। हममें से कुछ को याद होगा कि कैसे, हमारी जवानी में, गैरोस ने उन्नीस हज़ार फीट की ऊंचाई हासिल करके दुनिया भर में ख्याति अर्जित की थी, और आल्प्स पर्वतमाला के ऊपर से उड़ान भरना एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जाती थी। अब हमारा स्तर बहुत ऊंचा हो गया है, और पहले के वर्षों में एक व्यक्ति के लिए बीस ऊंची उड़ानें संभव हैं। इनमें से कई उड़ानें बिना किसी रोक-टोक के भरी गई हैं। तीस हज़ार फीट की ऊंचाई बार-बार हासिल की गई है, और ठंड और अस्थमा के अलावा कोई असुविधा नहीं हुई है। इससे क्या साबित होता है? एक आगंतुक इस ग्रह पर हज़ार बार उतर सकता है और कभी बाघ नहीं देख सकता। फिर भी बाघ मौजूद हैं, और अगर वह गलती से जंगल में उतर जाए तो उसे खा लिया जा सकता है। ये आकाश के घने जंगल हैं, और इनमें बाघों से भी बदतर जीव रहते हैं। मुझे विश्वास है कि समय आने पर इन जंगलों का सटीक नक्शा तैयार हो जाएगा। अभी भी मैं इनमें से दो के नाम बता सकता हूं। एक फ्रांस के पौ-बियारित्ज़ जिले के ऊपर स्थित है। दूसरा मेरे सिर के ठीक ऊपर है, जब मैं विल्टशायर स्थित अपने घर में बैठकर यह लिख रहा हूँ। मुझे लगता है कि तीसरा होम्बुर्ग-विस्बाडेन जिले में है।

"सबसे पहले तो मुझे वायुसैनिकों के लापता होने की घटना ने सोचने पर मजबूर कर दिया। ज़ाहिर है, सबने कहा कि वे समुद्र में गिर गए थे, लेकिन इससे मुझे ज़रा भी तसल्ली नहीं हुई। पहले फ्रांस में वेरियर का मामला था; उनका विमान बेयॉन के पास मिला, लेकिन उनका शव कभी नहीं मिला। बैक्सटर का मामला भी था, जो गायब हो गया था, हालाँकि उसका इंजन और लोहे के कुछ पुर्जे लीसेस्टरशायर के एक जंगल में मिले थे। उस मामले में, एम्सबरी के डॉ. मिडलटन, जो दूरबीन से उड़ान देख रहे थे, बताते हैं कि बादलों के छाने से ठीक पहले उन्होंने विमान को, जो बहुत ऊंचाई पर था, अचानक झटकों के साथ सीधा ऊपर उठते देखा, जो उनके हिसाब से नामुमकिन था। बैक्सटर को आखिरी बार वहीं देखा गया था। अखबारों में इस बारे में चिट्ठी-पत्री छपी, लेकिन उससे कोई नतीजा नहीं निकला। ऐसे ही कई और मामले थे, और फिर हे कोनर की मौत हो गई। हवा में एक अनसुलझे रहस्य को लेकर कितना शोर मचा, अखबारों में कितने लेख छपे, और फिर भी असलियत कितनी कम थी। इस मामले की तह तक पहुंचने के लिए मैंने अब तक जो कुछ भी किया, वो सब बेकार था! वह एक अज्ञात ऊंचाई से भयानक विमान में नीचे गिर गया। वह अपने विमान से उतरा ही नहीं और पायलट की सीट पर ही उसकी मौत हो गई। मौत किस वजह से हुई? डॉक्टरों ने कहा, 'हृदय रोग से।' बकवास! हे कोनर का दिल तो बिल्कुल स्वस्थ था, जैसा मेरा है। वेनेबल्स ने क्या कहा? वेनेबल्स ही एकमात्र व्यक्ति थे जो उसकी मृत्यु के समय उसके पास थे। उन्होंने कहा कि वह कांप रहा था और ऐसा लग रहा था जैसे वह बुरी तरह डरा हुआ हो। वेनेबल्स ने कहा, 'डर से मर गया,' लेकिन वे समझ नहीं पा रहे थे कि वह किस बात से डरा हुआ था। उसने वेनेबल्स से सिर्फ एक शब्द कहा, जो 'भयानक' जैसा लग रहा था। जाँच में इसका कोई मतलब नहीं निकाला जा सका। लेकिन मैंने इसका मतलब निकाल लिया। राक्षस! बेचारे हैरी हे कोनर का यही आखिरी शब्द था। और वह सचमुच डर से ही मरा, जैसा कि वेनेबल्स ने सोचा था।

"और फिर मर्टल का सिर था। क्या आप सचमुच मानते हैं—क्या कोई सचमुच मानता है—कि गिरने की ताकत से किसी आदमी का सिर उसके शरीर में धंस सकता है? खैर, शायद यह संभव हो सकता है, लेकिन मैं तो कभी नहीं मानता कि मर्टल के साथ ऐसा हुआ था। और उसके कपड़ों पर लगी चिकनाई—जांच में किसी ने कहा, 'पूरा चिकनाई से सना हुआ'। अजीब बात है कि उसके बाद किसी ने इस बारे में सोचा ही नहीं! मैंने सोचा—लेकिन, मैं काफी लंबे समय से सोच रहा था। मैंने तीन बार उड़ान

भरी है—डेंजरफील्ड मेरी शॉटगन को लेकर मेरा कितना मज़ाक़ उड़ाता था—लेकिन मैं कभी इतनी ऊंचाई तक नहीं पहुंचा। अब, इस नई, हल्की पॉल वेरोनर मशीन और इसके एक सौ पचहत्तर रोबुर के साथ, मैं कल आसानी से तीस हज़ार की ऊंचाई छू लूंगा। मैं रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करूंगा। शायद मैं कुछ और भी करने की कोशिश करूंगा। बेशक, यह खतरनाक है। अगर कोई व्यक्ति खतरे से बचना चाहता है तो उसे उड़ान से पूरी तरह दूर रहना चाहिए और अंत में फलालैन की चप्पलों और ड्रेसिंग गाउन में आराम करना चाहिए। लेकिन मैं कल हवाई जंगल की यात्रा पर जाऊंगा—और अगर वहां कुछ भी मिला तो मुझे पता चल जाएगा। अगर मैं वापस लौटा तो शायद मैं मशहूर हो जाऊंगा। अगर नहीं लौटा तो यह नोटबुक बता देगी कि मैं क्या करने की कोशिश कर रहा था और इसे करने में मैंने अपनी जान कैसे गंवाई। लेकिन कृपया दुर्घटनाओं या रहस्यों के बारे में कोई बकवास न करें।

"मैंने इस काम के लिए अपना पॉल वेरोनर मोनोप्लेन चुना। जब असली काम करना हो तो मोनोप्लेन जैसा कुछ नहीं होता। ब्यूमोंट ने यह बात बहुत शुरुआती दिनों में ही जान ली थी। एक तो यह नमी से परेशान नहीं होता, और मौसम ऐसा लग रहा है जैसे हम हर समय बादलों में ही रहेंगे। यह एक सुंदर छोटा मॉडल है और मेरे इशारों पर ऐसे चलता है जैसे कोई कोमल मुंह वाला घोड़ा। इसका इंजन दस सिलेंडर वाला रोटरी रोबुर है जो एक सौ पचहत्तर हॉर्सपावर तक चलता है। इसमें सभी आधुनिक सुधार हैं - बंद धड़, ऊंचे घुमावदार लैंडिंग स्किड, ब्रेक, जाइरोस्कोपिक स्टेडियर और तीन स्पीड, जो वेनेशियन-ब्लाइंड सिद्धांत पर प्लेन के कोण में बदलाव से काम करती हैं। मैं अपने साथ एक शॉटगन और बकशॉट से भरी एक दर्जन कारतूस ले गया था। आपको मेरे पुराने मैकेनिक पर्किन्स का चेहरा देखना चाहिए था जब मैंने उसे कारतूस डालने का निर्देश दिया। मैंने आर्कटिक खोजकर्ता की तरह कपड़े पहने थे, ओवरऑल के नीचे दो जर्सी, गद्देदार बूटों के अंदर मोटे मोज़े, और एक तूफानी टोपी। फ्लैप्स और मेरे टैल्क गॉगल्स। हैंगर के बाहर उमस थी, लेकिन मैं हिमालय की चोटी पर जा रहा था, इसलिए मुझे उसी हिसाब से कपड़े पहनने थे। पर्किन्स को पता था कि कुछ गड़बड़ है और उसने मुझसे उसे भी साथ ले जाने की गुज़ारिश की। शायद मुझे ले जाना चाहिए था अगर मैं बाइप्लेन का इस्तेमाल कर रहा होता, लेकिन मोनोप्लेन तो एक अकेले आदमी का काम है - अगर आप उससे आखिरी सांस तक जीना चाहते हैं। बेशक, मैंने ऑक्सीजन बैग ले लिया; जो आदमी इसके बिना ऊंचाई का रिकॉर्ड बनाने जाता है, वह या तो जम जाएगा या दम घुट जाएगा - या दोनों।

विमान में बैठने से पहले मैंने विमानों, पतवार और लिफ्टिंग लीवर का अच्छी तरह निरीक्षण किया। जहां तक मेरी नज़र गई, सब कुछ ठीक था। फिर मैंने इंजन चालू किया और पाया कि विमान सुचारू रूप से चल रहा था। जब उन्होंने उसे उड़ान भरने दिया, तो वह सबसे कम गति पर लगभग तुरंत ऊपर उठ गई। मैंने उसे थोड़ा गर्म करने के लिए अपने होम फील्ड के चारों ओर एक-दो चक्कर लगाए, और फिर पर्किन्स और अन्य लोगों को हाथ हिलाकर, मैंने अपने विमानों की गति कम कर दी और उसे सबसे ऊंची गति पर ले गया। वह आठ-दस मील तक हवा के साथ एक अबाबील की तरह उड़ती रही, जब तक कि मैंने उसका अगला हिस्सा थोड़ा ऊपर नहीं उठाया और वह मेरे ऊपर बादलों के समूह की ओर एक बड़े सर्पिल आकार में चढ़ने लगी। धीरे-धीरे ऊपर उठना और हवा के दबाव के अनुसार खुद को ढालना बहुत ज़रूरी है।

"इंग्लैंड में सितंबर के महीने के हिसाब से वह एक उमस भरा, गर्म दिन था, और चारों ओर बारिश आने की खामोशी और उदासी छाई हुई थी। बीच-बीच में दक्षिण-पश्चिम से हवा के अचानक झोंके आते थे—उनमें से एक इतना तेज़ और अप्रत्याशित था कि उसने मुझे चौंका दिया और एक पल के लिए मुझे आधा घुमा दिया। मुझे वह समय

याद है जब हवा के झोंके, भंवर और हवा के बुलबुले खतरनाक हुआ करते थे—इससे पहले कि हम अपने इंजनों में ज़बरदस्त शक्ति डालना सीखें। जैसे ही मैं बादलों के बीच पहुंचा, अल्टीमीटर पर तीन हज़ार का निशान दिख रहा था, बारिश शुरू हो गई। हे भगवान, क्या मूसलाधार बारिश थी! यह मेरे पंखों पर ज़ोर से टकरा रही थी और मेरे चेहरे पर ज़ोर से पड़ रही थी, जिससे मेरे चश्मे धुंधले हो गए और मुझे मुश्किल से दिखाई दे रहा था। मैंने अपनी गति धीमी कर ली, क्योंकि इसके विपरीत यात्रा करना कष्टदायक था। जैसे-जैसे मैं ऊपर गया, यह ओलों में बदल गई, और मुझे इसके विपरीत मुड़ना पड़ा। मेरा एक सिलेंडर काम नहीं कर रहा था—शायद प्लग गंदा था, लेकिन फिर भी मैं पूरी शक्ति के साथ लगातार ऊपर उठ रहा था। थोड़ी देर बाद, जो भी समस्या थी, वह ठीक हो गई, और मैंने पूरी आवाज़ सुनी, गहरी गड़गड़ाहट—दस इंजन एक साथ गा रहे हैं। यहीं हमारे आधुनिक साइलेंसरों की खूबसूरती झलकती है। अब हम आखिरकार अपने इंजनों को कान से नियंत्रित कर सकते हैं। मुसीबत में होने पर वे कैसे चीखते, किचकिच करते और कराहते हैं! पुराने ज़माने में मदद के लिए वे सारी पुकारें बेकार जाती थीं, जब हर आवाज़ मशीन के भयानक शोर में दब जाती थी। काश, शुरुआती विमान चालक वापस आकर उस तंत्र की सुंदरता और पूर्णता को देख पाते, जिसे उन्होंने अपनी जान की कीमत पर हासिल किया है!

लगभग साढ़े नौ बजे मैं बादलों के करीब पहुंच रहा था। मेरे नीचे, बारिश से धुंधला और छाया हुआ, सैलिसबरी मैदान का विशाल विस्तार फैला हुआ था। हज़ार फुट की ऊंचाई पर आधा दर्जन उड़ने वाली मशीनें अपना काम कर रही थीं, हरे रंग की पृष्ठभूमि में छोटी काली अबाबीलों जैसी दिख रही थीं। मुझे लगता है कि वे सोच रही होंगी कि मैं बादलों की दुनिया में क्या कर रहा हूँ। अचानक मेरे नीचे एक धूसर पर्दा छा गया और भाप की गीली परतें मेरे चेहरे के चारों ओर घूमने लगीं। बहुत ठंड और असहनीय गर्मी थी। लेकिन मैं ओलों के तूफान से ऊपर था, और यह एक राहत की बात थी। बादल लंदन के कोहरे की तरह काला और घना था। साफ़ बादल से निकलने की बेचैनी में, मैंने उसका अगला हिस्सा इतना ऊपर उठा दिया कि स्वचालित अलार्म बज गया, और मैं वास्तव में पीछे की ओर खिसकने लगा। मेरे भीगे और टपकते पंखों ने मुझे मेरे अनुमान से ज़्यादा भारी बना दिया था, लेकिन थोड़ी देर में मैं हल्के बादल में था, और जल्द ही पहली परत को पार कर गया। मेरे सिर के ऊपर बहुत ऊंचाई पर एक दूसरी परत थी - ओपल रंग की और रोएँदार - ऊपर एक सफेद, अखंड छत थी, और एक... नीचे गहरा, अखंड तल है, जिसके बीच एक विशाल सर्पिलाकार आकृति में मोनोप्लेन ऊपर की ओर मेहनत कर रहा है। इन बादलों के बीच सन्नाटा पसरा है। एक बार कुछ छोटे जलपक्षियों का एक बड़ा झुंड मेरे पास से गुजरा, जो पश्चिम की ओर बहुत तेज़ी से उड़ रहे थे। उनके पंखों की तेज़ फड़फड़ाहट और उनकी मधुर आवाज़ मेरे कानों को बहुत अच्छी लगी। मुझे लगता है कि वे टील पक्षी थे, लेकिन मैं तो एक नासमझ प्राणी विज्ञानी हूं। अब जब हम इंसान पक्षी बन गए हैं, तो हमें सचमुच अपने भाई-बंधुओं को देखकर पहचानना सीखना होगा।

मेरे नीचे तेज़ हवा बादलों के विशाल मैदान को घुमाती और हिलाती हुई चल रही थी। एक बार उसमें एक बड़ा भंवर बन गया, भाप का एक बवंडर, और उसके माध्यम से, जैसे किसी फ़नल से नीचे, मुझे दूर की दुनिया दिखाई दी। एक बड़ा सफेद बाइप्लेन मेरे नीचे बहुत गहराई में से गुजर रहा था। मुझे लगता है कि यह ब्रिस्टल और लंदन के बीच चलने वाली सुबह की डाक सेवा थी। फिर हवा का बहाव फिर से अंदर की ओर मुड़ गया और वह गहरा सन्नाटा बरकरार रहा।

दस बजने के ठीक बाद मैंने ऊपरी बादल की निचली परत को छुआ। यह पश्चिम से तेज़ी से बहती हुई महीन, पारदर्शी भाप से बनी थी। हवा लगातार तेज़ होती जा रही थी

और अब तेज़ हवा चल रही थी - मेरे गेज के अनुसार 28 किमी प्रति घंटा। पहले से ही बहुत ठंड थी, हालाँकि मेरे अल्टीमीटर में केवल 9 हज़ार किमी दिखा रहा था। इंजन बढ़िया काम कर रहे थे, और हम लगातार ऊपर की ओर बढ़ते जा रहे थे। बादलों का समूह मेरी उम्मीद से ज़्यादा घना था, लेकिन अंत में वह मेरे सामने सुनहरी धुंध में बदल गया, और फिर पल भर में मैं उससे बाहर निकल आया, और मेरे सिर के ऊपर एक साफ़ आसमान और एक चमकीला सूरज था - ऊपर सब कुछ नीला और सुनहरा, नीचे सब कुछ चमकता हुआ चाँदी, एक विशाल, झिलमिलाता मैदान जहाँ तक मेरी नज़र जा सकती थी। सवा दस बज रहे थे, और बैरोग्राफ की सुई बारह हज़ार आठ सौ पर थी। मैं ऊपर और ऊपर जाता रहा, मेरे कान मेरे इंजन की गहरी गड़गड़ाहट पर टिके हुए थे, मेरी आँखें हमेशा घड़ी, चक्कर संकेतक, पेट्रोल लीवर और तेल पंप पर व्यस्त थीं। कोई आश्चर्य नहीं। विमान चालकों को निडर जाति कहा जाता है। इतनी सारी चीजों के बारे में सोचने के चक्कर में खुद के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिलता। इसी दौरान मैंने गौर किया कि पृथ्वी से एक निश्चित ऊंचाई से ऊपर जाने पर कंपास कितना अविश्वसनीय हो जाता है। पंद्रह हजार फीट की ऊंचाई पर मेरा कंपास पूरब और दक्षिण की ओर इशारा कर रहा था। सूर्य और हवा ने मुझे मेरी सही दिशा बताई।

"मैंने इतनी ऊँचाई पर शाश्वत शांति पाने की आशा की थी, लेकिन हर हज़ार फीट की चढ़ाई के साथ तूफ़ान और तेज़ होता गया। मेरी मशीन हर जोड़ और कील से कराह रही थी और काँप रही थी, और जब मैंने मोड़ पर उसे झुकाया तो वह कागज़ की शीट की तरह उड़ गई, हवा के साथ इतनी तेज़ी से सरकती हुई, शायद किसी भी इंसान की अब तक की सबसे तेज़ गति से। फिर भी मुझे हमेशा हवा के केंद्र में फ़िर से मुड़ना और ऊपर की ओर जाना पड़ता था, क्योंकि मेरा लक्ष्य केवल ऊंचाई का रिकॉर्ड बनाना नहीं था। मेरे सभी अनुमानों के अनुसार, मेरा हवाई जंगल विल्टशायर के ऊपर था, और अगर मैं किसी दूर बिंदु पर बाहरी परतों से टकरा गया तो मेरी सारी मेहनत व्यर्थ हो सकती थी।"

जब मैं उन्नीस हज़ार फीट की ऊंचाई पर पहुंचा, जो लगभग दोपहर का समय था, हवा इतनी तेज़ थी कि मैं कुछ घबराहट के साथ अपने पंखों के सहारे को देख रहा था, मुझे डर था कि कहीं वे टूट न जाएं या ढीले न पड़ जाएं। मैंने पैराशूट को भी पीछे की ओर छोड़ दिया और उसके हुक को अपनी चमड़े की बेल्ट के छल्ले में बांध दिया, ताकि सबसे बुरे हालात के लिए तैयार रहूं। अब वह समय था जब मैकेनिक की थोड़ी सी लापरवाही भी एक पायलट की जान पर भारी पड़ जाती है। लेकिन वह बहादुरी से टिकी रही। हर डोर और स्ट्रट वीणा के तारों की तरह बज रहा था और कांप रहा था, लेकिन यह देखना शानदार था कि तमाम मार और झटकों के बावजूद, वह प्रकृति की विजेता और आकाश की स्वामिनी बनी रही। मनुष्य में निश्चित रूप से कुछ दैवीय है कि वह सृष्टि द्वारा लगाई गई सीमाओं से इतना ऊपर उठ सकता है - और वह भी इस हवाई विजय में दिखाई गई निस्वार्थ, वीरतापूर्ण समर्पण से। मानव पतन की बात! हमारे इतिहास में ऐसी कहानी कब लिखी गई है? दौड़?

"ये विचार मेरे मन में चल रहे थे जब मैं उस विशाल, झुके हुए समतल पर चढ़ रहा था, हवा कभी मेरे चेहरे पर टकराती तो कभी मेरे कानों के पीछे सीटी बजाती, जबकि मेरे नीचे बादलों का इलाका इतनी दूर तक फैला हुआ था कि चांदी की परतें और टीले एक सपाट, चमकदार मैदान में मिल गए थे। लेकिन अचानक मुझे एक भयानक और अभूतपूर्व अनुभव हुआ। मैंने पहले भी देखा है कि हमारे पड़ोसी जिसे 'टर्बिलान' कहते हैं, उसमें होना कैसा होता है, लेकिन इतने बड़े पैमाने पर कभी नहीं। हवा की उस विशाल, बहती नदी के बारे में मैंने जो कहा है, उसमें, जैसा कि प्रतीत होता है, ऐसे भंवर थे जो स्वयं की तरह ही विशाल थे। बिना किसी चेतावनी के, मुझे अचानक एक भंवर के

केंद्र में खींच लिया गया। मैं एक-दो मिनट तक इतनी तेज़ी से घूमा कि लगभग बेहोश हो गया, और फिर अचानक, बायां पंख आगे की ओर, केंद्र में बने वैक्यूम फ़नल में गिर गया। मैं पत्थर की तरह गिरा, और लगभग एक हज़ार फीट नीचे आ गया। केवल मेरी बेल्ट ने ही मुझे सीट पर टिकाए रखा, और सदमे और सांस फूलने के कारण मैं आधा बेहोश होकर किनारे पर लटका रहा। धड़ का। लेकिन मैं हमेशा एक सर्वोच्च प्रयास करने में सक्षम हूं - यही एक विमान चालक के रूप में मेरा एकमात्र बड़ा गुण है। मुझे एहसास था कि उतरना धीमा हो रहा था। भंवर एक फ़नल के बजाय एक शंकु के आकार का था, और मैं उसके शीर्ष पर आ गया था। एक ज़बरदस्त झटके के साथ, अपना सारा वज़न एक तरफ़ डालते हुए, मैंने अपने विमान को सीधा किया और उसके अगले हिस्से को हवा से दूर कर दिया। पल भर में मैं भंवरों से बाहर निकल गया और आसमान में नीचे की ओर सरक रहा था। फिर, थोड़ा घबराया हुआ लेकिन विजयी, मैंने उसका अगला हिस्सा ऊपर उठाया और एक बार फिर ऊपर की ओर सर्पिल गति से उतरना शुरू कर दिया। मैंने भंवर के खतरनाक स्थान से बचने के लिए एक बड़ा चक्कर लगाया, और जल्द ही मैं सुरक्षित रूप से उसके ऊपर था। ठीक एक बजे के बाद मैं समुद्र तल से इक्कीस हज़ार फीट ऊपर था। मुझे बहुत खुशी हुई कि मैंने तूफान को पार कर लिया था, और हर सौ फीट की चढ़ाई के साथ हवा शांत होती जा रही थी। दूसरी ओर, बहुत ठंड थी, और मुझे हवा के विरल होने से होने वाली उस अजीब सी मितली का एहसास हो रहा था। पहली बार मैंने अपने ऑक्सीजन बैग का मुंह खोला और बीच-बीच में उस शानदार गैस की सांस ली। मैं उसे अपनी नसों में किसी पेय की तरह दौड़ते हुए महसूस कर रहा था, और मैं लगभग नशे की हालत तक रोमांचित हो गया था। मैं चिल्लाया और गाने लगा जैसे ही मैं ठंडी, शांत बाहरी दुनिया में ऊपर की ओर उड़ने लगा।

"मुझे यह बिल्कुल स्पष्ट है कि 1862 में जब ग्लेशर और कुछ हद तक कॉक्सवेल तीस हज़ार फीट की ऊंचाई तक गुब्बारे में चढ़े, तो उन्हें जो बेहोशी आई, वह सीधी चढ़ाई की अत्यधिक गति के कारण थी। यदि इसे आसान ढलान पर किया जाए और धीरे-धीरे घटते बैरोमेट्रिक दबाव के अभ्यस्त हो जाएं, तो ऐसे भयानक लक्षण नहीं दिखते। इतनी ऊंचाई पर मैंने पाया कि ऑक्सीजन इनहेलर के बिना भी मैं बिना किसी खास परेशानी के सांस ले पा रहा था। हालांकि, कड़ाके की ठंड थी और मेरा थर्मामीटर शून्य (फ़ारेनहाइट) पर था। डेढ़ बजे मैं पृथ्वी की सतह से लगभग सात मील ऊपर था और लगातार ऊपर चढ़ रहा था। हालांकि, मैंने पाया कि विरल हवा मेरे विमानों को काफी कम सहारा दे रही थी और परिणामस्वरूप मुझे अपनी चढ़ाई का कोण काफी कम करना पड़ा। यह पहले से ही स्पष्ट था कि मेरे हल्के वजन और मजबूत इंजन-शक्ति के बावजूद भी मेरे सामने एक ऐसा बिंदु था जहां मुझे रुक जाना चाहिए था। स्थिति को और भी बदतर बनाने के लिए, मेरे एक स्पार्क प्लग में फिर से खराबी आ गई थी और इंजन में रुक-रुक कर मिसफायरिंग हो रही थी। विफलता के डर से मेरा दिल भारी हो गया था।

"लगभग उसी समय मुझे एक अत्यंत असाधारण अनुभव हुआ। कोई चीज़ धुएँ के गुबार के साथ मेरे पास से तेज़ी से गुज़री और एक ज़ोरदार, फुफकारती आवाज़ के साथ फट गई, जिससे भाप का एक बादल उठ खड़ा हुआ। उस पल मैं समझ ही नहीं पाया कि क्या हुआ था। फिर मुझे याद आया कि पृथ्वी पर लगातार उल्कापिंडों की बौछार होती रहती है, और अगर वे लगभग हर बार वायुमंडल की बाहरी परतों में वाष्प में परिवर्तित न हो जाएँ तो पृथ्वी पर रहना लगभग असंभव होगा। ऊँचाई पर रहने वाले व्यक्ति के लिए यह एक नया खतरा है, क्योंकि जब मैं चालीस हज़ार फीट की ऊँचाई के

करीब पहुंच रहा था, तब दो और उल्कापिंड मेरे पास से गुज़रे। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि पृथ्वी के बाहरी आवरण के किनारे पर यह खतरा बहुत वास्तविक होगा।”

जब मुझे एहसास हुआ कि मैं इससे आगे नहीं जा सकता, तब मेरी बैरोग्राफ की सुई इकतालीस हज़ार तीन सौ पर थी। शारीरिक रूप से, तनाव अभी तक मेरी सहनशक्ति से अधिक नहीं था, लेकिन मेरा विमान अपनी सीमा तक पहुंच चुका था। हवा के कम होने से पंखों को कोई मज़बूत सहारा नहीं मिल रहा था, और ज़रा सा झुकाव भी साइड-स्लिप में बदल जाता था, जबकि नियंत्रण भी सुस्त लग रहे थे। संभवतः, यदि इंजन पूरी तरह से काम कर रहा होता, तो हम एक हज़ार फीट और ऊपर जा सकते थे, लेकिन यह अभी भी ठीक से काम नहीं कर रहा था, और दस सिलेंडरों में से दो काम करना बंद कर चुके थे। यदि मैं उस क्षेत्र तक नहीं पहुँचा होता जिसकी मुझे तलाश थी, तो मैं इस यात्रा में उसे कभी नहीं देख पाता। लेकिन क्या यह संभव नहीं था कि मैं वहाँ पहुंच गया था? चालीस हज़ार फीट की ऊँचाई पर एक विशाल बाज़ की तरह चक्कर लगाते हुए, मैंने मोनोप्लेन को खुद ही दिशा देने दिया, और अपने मैनहाइम दूरबीन से अपने आस-पास के वातावरण का सावधानीपूर्वक अवलोकन किया। आकाश बिल्कुल साफ़ था; उन खतरों का कोई संकेत नहीं था जिनकी मैंने कल्पना की थी।

मैंने कहा था कि मैं गोल-गोल चक्कर लगा रहा था। अचानक मुझे ख्याल आया कि बेहतर होगा कि मैं थोड़ा और आगे बढ़ूं और एक नया हवाई मार्ग खोजूं। अगर कोई शिकारी ज़मीनी जंगल में घुसता है, तो उसे अपने शिकार को ढूंढने के लिए उसमें से होकर गुज़रना ही होगा। मेरी सोच ने मुझे यह मानने पर मजबूर किया था कि जिस हवाई जंगल की मैंने कल्पना की थी, वह विल्टशायर के ऊपर कहीं होगा। यह मेरे दक्षिण और पश्चिम में होना चाहिए। मैंने सूर्य से दिशा का अंदाज़ा लगाया, क्योंकि कंपास बेकार था और ज़मीन का कोई निशान नज़र नहीं आ रहा था—सिर्फ़ दूर तक फैला चाँदी जैसा बादलों का मैदान। फिर भी, मैंने जैसे-तैसे अपनी दिशा का अंदाज़ा लगाया और विमान को सीधे लक्ष्य की ओर ले गया। मैंने सोचा कि मेरा पेट्रोल एक घंटे से ज़्यादा नहीं चलेगा, लेकिन मैं इसे आखिरी बूंद तक इस्तेमाल कर सकता था, क्योंकि एक शानदार हवाई जहाज़ मुझे कभी भी ज़मीन पर उतार सकता था।

अचानक मुझे कुछ नया एहसास हुआ। मेरे सामने की हवा अपनी निर्मलता खो बैठी थी। वह किसी ऐसी चीज़ के लंबे, बिखरे हुए रेशों से भरी हुई थी जिसे मैं केवल बहुत बारीक सिगरेट के धुएं से ही तुलना कर सकता हूं। वह गुच्छों और कुंडलियों में लटकी हुई थी, सूरज की रोशनी में धीरे-धीरे घूम रही थी। जैसे ही मोनोप्लेन उसमें से गुजरा, मुझे अपने होठों पर तेल का हल्का सा स्वाद महसूस हुआ, और मशीन की लकड़ी पर चिकनाई की एक परत जमी हुई थी। ऐसा लग रहा था मानो कोई अत्यंत सूक्ष्म जैविक पदार्थ वातावरण में तैर रहा हो। वहाँ जीवन नहीं था। वह अविकसित और फैला हुआ था, कई वर्ग एकड़ में फैला हुआ था और फिर शून्य में विलीन हो रहा था। नहीं, वह जीवन नहीं था। लेकिन क्या वह जीवन का अवशेष नहीं हो सकता? सबसे बढ़कर, क्या वह किसी विशालकाय जीव का भोजन नहीं हो सकता, ठीक वैसे ही जैसे समुद्र की साधारण चिकनाई विशाल व्हेल का भोजन होती है? यह विचार मेरे मन में था जब मेरी नज़र ऊपर उठी और मैंने वह अद्भुत दृश्य देखा जो मनुष्य ने आज तक कभी नहीं देखा। क्या मैं आशा कर सकता हूँ कि मैं इसे आपको ठीक वैसे ही बता पाऊँगा जैसे मैंने इसे स्वयं देखा था? गुरुवार?

“कल्पना कीजिए एक जेलीफ़िश की, जो गर्मियों में समुद्र में तैरती पाल जैसी दिखती है, घंटी के आकार की और विशाल - मेरे अनुमान से, सेंट पॉल के गुंबद से कहीं अधिक बड़ी। यह हल्के गुलाबी रंग की थी जिस पर हल्की हरी धारियाँ थीं, लेकिन इसका पूरा विशाल ढाँचा इतना पतला था कि गहरे नीले आकाश के सामने यह एक

परी की आकृति मात्र लग रही थी। यह एक कोमल और नियमित लय में स्पंदित हो रही थी। इससे दो लंबी, लटकती हुई, हरी तंतु लटक रही थीं, जो धीरे-धीरे आगे-पीछे हिल रही थीं। यह भव्य दृश्य मेरे सिर के ऊपर से शांत और गरिमापूर्ण ढंग से गुजरा, साबुन के बुलबुले की तरह हल्का और नाजुक, और अपने राजसी मार्ग पर बह गया।"

"मैंने अपने मोनोप्लेन को आधा मोड़ा ताकि मैं इस खूबसूरत जीव को देख सकूँ, तभी पल भर में मैंने खुद को ऐसे ही कई जीवों के बीच पाया, जो अलग-अलग आकार के थे, लेकिन उनमें से कोई भी पहले वाले जितना बड़ा नहीं था। कुछ तो काफी छोटे थे, लेकिन अधिकतर औसत गुब्बारे जितने बड़े थे और उनका ऊपरी भाग भी लगभग वैसा ही घुमावदार था। उनकी बनावट और रंग में एक ऐसी कोमलता थी जो मुझे बेहतरीन वेनिस के कांच की याद दिलाती थी। गुलाबी और हरे रंग के हल्के शेड्स प्रमुख थे, लेकिन सूर्य की किरणें जब उनकी नाजुक आकृतियों से छनकर आती थीं, तो उनमें एक प्यारी सी इंद्रधनुषी चमक दिखाई देती थी। उनमें से सैकड़ों मेरे सामने से गुजरे, आकाश के अजीबोगरीब अज्ञात जहाजों का एक अद्भुत परी-मंडली जैसा समूह - ऐसे जीव जिनकी आकृति और बनावट इन शुद्ध ऊँचाइयों के साथ इतनी सामंजस्य में थी कि पृथ्वी के निकट या आसपास इतनी कोमल चीज़ की कल्पना करना असंभव था।

लेकिन जल्द ही मेरा ध्यान एक नई घटना की ओर आकर्षित हुआ—आसमान में उड़ने वाले सर्प। ये भाप जैसे पदार्थ से बने लंबे, पतले, अजीबोगरीब कुंडल थे, जो बड़ी तेज़ी से घूमते और मुड़ते हुए इतनी गति से गोल-गोल उड़ रहे थे कि आँखें मुश्किल से ही उनका पीछा कर पा रही थीं। इनमें से कुछ भूतिया जीव बीस या तीस फीट लंबे थे, लेकिन उनकी मोटाई का अंदाज़ा लगाना मुश्किल था, क्योंकि उनकी आकृति इतनी धुंधली थी कि मानो वे अपने आसपास की हवा में ही विलीन हो रहे हों। ये हवा में उड़ने वाले सर्प हल्के भूरे या धुएं के रंग के थे, जिनके भीतर कुछ गहरी रेखाएँ थीं, जिससे एक ठोस जीव होने का आभास होता था। उनमें से एक मेरे चेहरे के ठीक सामने से तेज़ी से गुज़रा, और मुझे एक ठंडे, चिपचिपे स्पर्श का एहसास हुआ, लेकिन उनकी बनावट इतनी अस्थिर थी कि मैं उन्हें किसी भी शारीरिक खतरे से नहीं जोड़ सका, ठीक वैसे ही जैसे उनसे पहले दिखाई देने वाले सुंदर, घंटी जैसे जीवों को नहीं। उनकी संरचना में उतनी ही कम ठोसता थी जितनी टूटी हुई लहर से उठने वाले झाग में होती है।

लेकिन इससे भी भयानक अनुभव मेरा इंतज़ार कर रहा था। बहुत ऊँचाई से नीचे की ओर तैरता हुआ एक बैंगनी रंग का वाष्प का धब्बा आया, जो पहली नज़र में छोटा सा था, लेकिन जैसे-जैसे वह मेरे पास आता गया, तेज़ी से बड़ा होता गया, यहाँ तक कि वह सैकड़ों वर्ग फुट का प्रतीत होने लगा। यद्यपि वह किसी पारदर्शी, जेली जैसे पदार्थ से बना था, फिर भी उसकी आकृति और ठोस बनावट पहले देखी गई किसी भी चीज़ से कहीं अधिक स्पष्ट और ठोस थी। उसमें भौतिक संरचना के भी कई निशान थे, विशेष रूप से दोनों ओर दो विशाल, धुंधली, गोलाकार प्लेटें, जो शायद आँखें थीं, और उनके बीच एक पूरी तरह से ठोस सफेद उभार जो गिद्ध की चोंच की तरह घुमावदार और क्रूर था।

"इस दैत्य का पूरा रूप ही भयानक और डरावना था, और यह लगातार अपना रंग बदल रहा था, हल्के बैंगनी से लेकर गहरे, भयंकर बैंगनी रंग तक, जो इतना गाढ़ा था कि मेरे विमान और सूर्य के बीच से गुजरते हुए इसकी छाया पड़ रही थी। इसके विशाल शरीर के ऊपरी वक्र पर तीन बड़े उभार थे जिन्हें मैं केवल विशाल बुलबुले ही कह सकता हूँ, और उन्हें देखकर मुझे यकीन हो गया कि उनमें कोई अत्यंत हल्की गैस भरी हुई थी जो विरल हवा में इस विकृत और अर्ध-ठोस पिंड को ऊपर उठाने का काम कर रही थी। यह प्राणी तेजी से आगे बढ़ रहा था, विमान के साथ-साथ चल रहा था, और बीस मील या उससे अधिक दूरी तक यह मेरा भयानक अंगरक्षक बना रहा, मेरे ऊपर

मंडराता हुआ, जैसे कोई शिकारी पक्षी झपटने के लिए तैयार हो। इसकी गति इतनी तेज थी कि इसका पीछा करना आसान नहीं था - यह अपने आगे एक लंबी, चिपचिपी धारा फेंकता था, जो बदले में इसके तड़पते हुए शरीर के बाकी हिस्से को आगे खींचती हुई प्रतीत होती थी। यह इतना लचीला और जिलेटिन जैसा था कि लगातार दो मिनट तक इसका आकार एक जैसा नहीं रहता था, फिर भी हर बदलाव इसे और अधिक डरावना और घृणित बना देता था। पिछले वाले की तुलना में।

मुझे पता था कि इसका मतलब शरारत है। उसके भयानक शरीर का हर बैंगनी रंग मुझे यही बता रहा था। उसकी धुंधली, घूरती हुई आँखें, जो हमेशा मुझ पर टिकी रहती थीं, अपनी घिनौनी नफरत में ठंडी और निर्दयी थीं। मैंने उससे बचने के लिए अपने मोनोप्लेन का अगला हिस्सा नीचे की ओर झुकाया। जैसे ही मैंने ऐसा किया, पलक झपकते ही चर्बी के उस तैरते हुए ढेर से एक लंबी सूंड निकली और वह कोड़े की तरह हल्की और लहराती हुई मेरी मशीन के सामने आ गिरी। गर्म इंजन पर एक पल के लिए पड़े रहने पर एक ज़ोरदार फुफकार सुनाई दी और वह फिर से हवा में उड़ गई, जबकि उसका विशाल, चपटा शरीर अचानक दर्द से सिकुड़ गया। मैंने एक वॉल-पिक (एक तरह का छोटा सा छेद) किया, लेकिन फिर से एक सूंड मोनोप्लेन पर गिरी और प्रोपेलर ने उसे ऐसे काट दिया जैसे वह धुएं के छल्ले को काट रहा हो। पीछे से एक लंबी, फिसलती हुई, चिपचिपी, सांप जैसी कुंडली आई और मेरी कमर पकड़ ली, मुझे धड़ से बाहर खींच लिया। मैंने उसे नोचा, मेरी उंगलियाँ उसमें धंस गईं। चिकनी, गोंद जैसी सतह, और एक पल के लिए मैंने खुद को उससे अलग किया, लेकिन तभी एक और कुंडल ने मुझे जूते के चारों ओर जकड़ लिया, जिससे मुझे एक झटका लगा और मैं लगभग अपनी पीठ के बल गिर गया।

जैसे ही मैं गिरा, मैंने अपनी बंदूक की दोनों नालें खाली कर दीं, हालाँकि, यह सोचना भी असंभव था कि कोई मानवीय हथियार उस विशालकाय जीव को अपंग कर सकता है, मानो किसी हाथी पर मटर के दाने वाली बंदूक से हमला किया जा रहा हो। फिर भी मेरा निशाना मेरी समझ से कहीं बेहतर था, क्योंकि एक ज़ोरदार धमाके के साथ, उस जीव की पीठ पर मौजूद बड़े-बड़े फफोलों में से एक गोली लगने से फट गया। यह बिल्कुल स्पष्ट था कि मेरा अनुमान सही था, और ये विशाल, पारदर्शी फफोले किसी उत्थापनकारी गैस से भरे हुए थे, क्योंकि पल भर में ही वह विशाल, बादल जैसा शरीर एक तरफ मुड़ गया, अपना संतुलन पाने के लिए बेताब होकर छटपटाने लगा, जबकि उसकी सफेद चोंच भयानक क्रोध में चटक गई और खुल गई। लेकिन तब तक मैं अपनी पूरी हिम्मत से सबसे तेज़ गति से नीचे उतर चुका था, मेरा इंजन अभी भी पूरी गति से चल रहा था, उड़ता हुआ प्रोपेलर और गुरुत्वाकर्षण बल मुझे एक हवाई जहाज की तरह नीचे की ओर धकेल रहे थे। मेरे पीछे दूर मैंने एक धुंधला, बैंगनी धब्बा देखा जो तेज़ी से छोटा होता जा रहा था और उसके पीछे नीले आकाश में विलीन हो रहा था। मैं उस जानलेवा जंगल से सुरक्षित बाहर निकल चुका था। बाहरी हवा।

खतरे से बाहर निकलते ही मैंने इंजन की रफ्तार बढ़ा दी, क्योंकि ऊंचाई से पूरी ताकत से दौड़ने से मशीन जल्दी टूट जाती है। लगभग आठ मील की ऊंचाई से नीचे आते हुए, वह एक शानदार, घुमावदार उड़ान थी - पहले चांदी जैसे बादलों के स्तर तक, फिर उसके नीचे तूफानी बादल के स्तर तक, और अंत में मूसलाधार बारिश में धरती की सतह तक। बादलों से निकलते ही मुझे नीचे ब्रिस्टल चैनल दिखाई दिया, लेकिन मेरे टैंक में अभी भी कुछ पेट्रोल बचा था, इसलिए मैं बीस मील अंदर तक गया, फिर खुद को ऐशकोम्ब गांव से आधा मील दूर एक खेत में फंसा हुआ पाया। वहां मुझे एक गुजरती हुई कार से पेट्रोल के तीन डिब्बे मिले, और उस शाम छह बजकर दस मिनट पर मैं डेविज़ेस में अपने घर के घास के मैदान में धीरे से उतरा, एक ऐसी यात्रा के बाद जो पृथ्वी

पर किसी भी इंसान ने आज तक नहीं की है और न ही कोई जीवित बचा है। मैंने ऊंचाइयों की सुंदरता और भयावहता दोनों देखी हैं - और इससे बड़ी सुंदरता या इससे बड़ी भयावहता मनुष्य की समझ से परे है।

"और अब दुनिया को अपने नतीजे बताने से पहले मैं एक बार फिर जाने की योजना बना रहा हूँ। इसका कारण यह है कि अपने साथियों के सामने ऐसी कहानी सुनाने से पहले मेरे पास सबूत के तौर पर दिखाने के लिए कुछ न कुछ ज़रूर होना चाहिए। यह सच है कि दूसरे लोग भी जल्द ही मेरा अनुसरण करेंगे और मेरी कही बातों की पुष्टि करेंगे, फिर भी मैं शुरू से ही विश्वास कायम रखना चाहता हूँ। हवा में उठने वाले उन खूबसूरत इंद्रधनुषी बुलबुलों को पकड़ना मुश्किल नहीं होना चाहिए। वे धीरे-धीरे अपने रास्ते पर बहते हैं, और तेज़ गति वाला मोनोप्लेन उनके आरामदेह मार्ग को रोक सकता है। यह संभव है कि वे वायुमंडल की भारी परतों में घुल जाएँ, और आकारहीन जेली का एक छोटा सा ढेर ही वह सब कुछ हो जो मैं अपने साथ धरती पर ला सकूं। फिर भी वहां कुछ न कुछ ऐसा ज़रूर होगा जिससे मैं अपनी कहानी को साबित कर सकूं। हाँ, मैं जाऊंगा, भले ही ऐसा करने में मुझे जोखिम उठाना पड़े। ये बैंगनी रंग के भयानक जीव ज़्यादा संख्या में नहीं लगते। संभव है कि मैं उनमें से एक भी न देखूँ। अगर देख भी लूं तो तुरंत गोता लगा लूँगा। सबसे बुरी स्थिति में मेरे पास हमेशा शॉटगन और मेरा ज्ञान तो है ही..."

दुर्भाग्यवश, पांडुलिपि का एक पृष्ठ यहाँ से गायब है। अगले पृष्ठ पर बड़े-बड़े, बिखरे अक्षरों में लिखा है:

"तैंतालीस हज़ार फीट। मैं अब कभी धरती नहीं देख पाऊंगा। वे मेरे नीचे हैं, उनमें से तीन। भगवान मेरी मदद करें; यह एक भयानक मौत है!"

यह है जॉयस-आर्मस्ट्रांग का पूरा बयान। उस व्यक्ति का तब से कोई पता नहीं चला है। उसके टूटे हुए मोनोप्लेन के टुकड़े केंट और ससेक्स की सीमाओं पर स्थित श्री बड-लशिंगटन के संरक्षित क्षेत्र में मिले हैं, जो उस स्थान से कुछ मील की दूरी पर है जहाँ नोटबुक मिली थी। यदि उस दुर्भाग्यपूर्ण पायलट का सिद्धांत सही है कि यह हवाई जंगल, जैसा कि उसने इसे नाम दिया था, केवल दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के ऊपर ही मौजूद था, तो ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपने मोनोप्लेन की पूरी गति से इससे भाग निकला था, लेकिन उस स्थान के ऊपर बाहरी वायुमंडल में किसी जगह पर इन भयानक जीवों ने उसे पकड़ लिया और खा लिया जहाँ ये भयावह अवशेष मिले थे। उस मोनोप्लेन की तस्वीर, जो आकाश में तेजी से नीचे उतर रहा था, और उसके नीचे उतनी ही तेजी से उड़ते हुए अनाम आतंक, उसे लगातार धरती से अलग करते हुए धीरे-धीरे अपने शिकार की ओर बढ़ रहे थे, एक ऐसी तस्वीर है जिस पर अपनी मानसिक स्थिति को महत्व देने वाला व्यक्ति विचार करना पसंद नहीं करेगा। मुझे पता है कि बहुत से लोग अभी भी उन तथ्यों का उपहास उड़ाते हैं जिन्हें मैंने यहाँ लिखा है, लेकिन उन्हें भी यह मानना पड़ेगा कि जॉयस-आर्मस्ट्रांग अब इस दुनिया में नहीं हैं, और मैं उन्हें उनके अपने शब्दों को याद दिलाना चाहूँगी: "यह नोटबुक शायद यह समझा दे कि मैं क्या करने की कोशिश कर रहा था, और इसे करते हुए मैंने अपनी जान कैसे गंवाई। लेकिन कृपया दुर्घटनाओं या रहस्यों के बारे में कोई बकवास न करें।"

चमड़े का फ़नल

मेरे मित्र लियोनेल डैकर पेरिस के एवेन्यू डी वैग्राम में रहते थे। उनका घर छोटा सा था, जिसके सामने लोहे की रेलिंग और घास का मैदान था, जो आर्क डी ट्रायम्फ से नीचे आते समय बाईं ओर पड़ता था। मुझे लगता है कि यह एवेन्यू बनने से बहुत पहले से वहाँ था, क्योंकि इसकी धूसर टाइलों पर काई जमी हुई थी और दीवारें पुरानी और फीकी

पड़ गई थीं। सड़क से देखने पर यह छोटा सा घर लगता था, सामने पांच खिड़कियां थीं, अगर मुझे ठीक से याद है, लेकिन पीछे की ओर यह एक लंबे कमरे में बदल जाता था। यहीं पर डेकर के पास गुप्त विद्या साहित्य का वह अनूठा पुस्तकालय था, और कई अद्भुत वस्तुएँ थीं जो उनका शौक थीं और उनके दोस्तों के लिए मनोरंजन का साधन। परिष्कृत और विलक्षण रुचियों वाले एक धनी व्यक्ति, उन्होंने अपना अधिकांश जीवन और धन तालमुदिक, काबालिस्टिक और जादुई ग्रंथों के एक अद्वितीय निजी संग्रह को इकट्ठा करने में व्यतीत किया था, जिनमें से कई अत्यंत दुर्लभ और मूल्यवान थे। उनकी रुचियां अद्भुत और विचित्र चीजों की ओर झुकी हुई थीं, और मैंने सुना है कि अज्ञात की दिशा में उनके प्रयोगों ने सभ्यता और मर्यादा की सभी सीमाओं को पार कर दिया था। अपने अंग्रेज मित्रों से वे कभी भी ऐसी बातों का जिक्र नहीं करते थे और एक विद्यार्थी एवं विद्वान का लहजा अपनाते थे; लेकिन एक फ्रांसीसी व्यक्ति, जिसकी रुचियां भी वैसी ही थीं, ने मुझे बताया है कि उस विशाल और भव्य हॉल में, जो उनकी पुस्तकों की अलमारियों और उनके संग्रहालय के सामान से भरा हुआ है, काले जादू की सबसे भयानक विकृतियां अंजाम दी गई हैं।

डेकर की शारीरिक बनावट से ही स्पष्ट था कि इन मानसिक विषयों में उनकी गहरी रुचि बौद्धिक थी, आध्यात्मिक नहीं। उनके भारी चेहरे पर तपस्या का कोई निशान नहीं था, लेकिन उनके विशाल, गुंबदनुमा सिर में अपार मानसिक शक्ति थी, जो उनके कम होते बालों के बीच से ऊपर की ओर ऐसे मुड़ा हुआ था मानो देवदार के पेड़ों की कतार के ऊपर कोई बर्फ की चोटी हो। उनका ज्ञान उनकी बुद्धि से कहीं अधिक था, और उनकी क्षमताएं उनके चरित्र से कहीं श्रेष्ठ थीं। उनके मांसल चेहरे में गहराई से धंसी हुई छोटी, चमकीली आंखें बुद्धिमत्ता और जीवन के प्रति अटूट जिज्ञासा से जगमगा रही थीं, लेकिन वे एक कामुक और अहंकारी व्यक्ति की आंखें थीं। उस व्यक्ति के बारे में इतना ही काफी है, क्योंकि अब वह मर चुका है, बेचारा, ठीक उसी समय जब उसने यह सुनिश्चित कर लिया था कि उसने अंततः जीवन का अमृत पा लिया है। मुझे उनके जटिल चरित्र से नहीं, बल्कि उस विचित्र और रहस्यमय घटना से निपटना है जो 1982 के शुरुआती वसंत में उनसे मिलने के दौरान घटी थी।

मैं डेकर को इंग्लैंड में जानता था, क्योंकि ब्रिटिश संग्रहालय के असीरियन कक्ष में मेरा शोध कार्य उस समय चल रहा था जब वह बेबीलोन की पट्टिकाओं में एक रहस्यमय और गूढ़ अर्थ स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे, और रुचियों की इस समानता ने हमें एक दूसरे के करीब ला दिया था। आकस्मिक बातचीत से रोज़ाना बातचीत शुरू हो गई, और वह दोस्ती के करीब पहुंच गई। मैंने उनसे वादा किया था कि पेरिस की अपनी अगली यात्रा पर मैं उनसे मिलूंगा। जिस समय मैं अपना वादा पूरा कर सका, मैं फॉन्टेनब्लू में एक कॉटेज में रह रहा था, और शाम की ट्रेनें असुविधाजनक होने के कारण, उन्होंने मुझे अपने घर में रात बिताने के लिए कहा।

उन्होंने अपने बड़े से बैठक कक्ष में रखे एक चौड़े सोफे की ओर इशारा करते हुए कहा, "मेरे पास केवल एक ही अतिरिक्त सोफा है। मुझे उम्मीद है कि आप वहां आराम से रह पाएंगे।"

वह एक अनोखा शयनकक्ष था, जिसकी ऊंची दीवारें भूरे रंग की किताबों से सजी थीं, लेकिन मुझ जैसे पुस्तक प्रेमी के लिए इससे अधिक मनभावन फर्नीचर और कोई नहीं हो सकता था, और प्राचीन पुस्तकों से आने वाली उस हल्की, सूक्ष्म गंध से अधिक सुखद कोई सुगंध मेरी नाक को नहीं लगती। मैंने उसे विश्वास दिलाया कि मुझे इससे अधिक आकर्षक कमरा और इससे अधिक अनुकूल वातावरण की कोई इच्छा नहीं हो सकती।

"अगर ये साज-सज्जा सुविधाजनक या पारंपरिक नहीं है, तो कम से कम महंगी तो है," उन्होंने अपनी अलमारियों की ओर देखते हुए कहा। "मैंने इन वस्तुओं पर लगभग ढाई लाख रुपये खर्च किए हैं जो आपके चारों ओर मौजूद हैं। किताबें, हथियार, रत्न, नक्काशी, टेपेस्ट्री, मूर्तियाँ – यहाँ शायद ही कोई ऐसी वस्तु हो जिसका अपना इतिहास न हो, और आमतौर पर यह एक ऐसा इतिहास है जिसे बताने लायक है।"

जब वे बोल रहे थे, तब वे खुली हुई अंगीठी के एक तरफ बैठे थे और मैं दूसरी तरफ। उनकी पढ़ने की मेज उनके दाहिनी ओर थी, और उसके ऊपर जल रहे तेज दीपक से सुनहरी रोशनी का एक बहुत ही चमकीला घेरा बन रहा था। बीच में एक आधा लुढ़का हुआ कागज़ का टुकड़ा पड़ा था, और उसके चारों ओर कई विचित्र सजावटी वस्तुएँ थीं। इनमें से एक बड़ी सी कीप थी, जैसी शराब के पीपों को भरने के लिए इस्तेमाल की जाती है। यह काले रंग की लकड़ी की बनी हुई प्रतीत होती थी, और इसके किनारों पर फीके पड़े पीतल की परत चढ़ी हुई थी।

मैंने कहा, "यह तो एक अजीब बात है। इसका इतिहास क्या है?"

"आह!" उसने कहा, "यही वह सवाल है जो मैंने खुद से पूछा है। मैं इसे जानने के लिए बहुत कुछ देने को तैयार हूँ। इसे अपने हाथों में लेकर जांच-परख लीजिए।"

मैंने ऐसा किया और पाया कि जिसे मैं लकड़ी समझ रहा था, वह वास्तव में चमड़ा था, हालांकि समय के साथ सूखकर वह बेहद सख्त हो गया था। यह एक बड़ा फ़नल था, और पूरा भरने पर इसमें एक क्वार्ट (लगभग एक लीटर) तरल पदार्थ आ सकता था। चौड़े सिरे पर पीतल का किनारा लगा था, लेकिन संकरे सिरे पर भी धातु की परत चढ़ी हुई थी।

"इस बारे में आपकी क्या राय है?" डेकर ने पूछा।

मैंने कहा, "मुझे लगता है कि यह मध्य युग के किसी शराब विक्रेता या माल्ट निर्माता का रहा होगा। मैंने इंग्लैंड में सत्रहवीं शताब्दी के चमड़े के पीने के बर्तन देखे हैं - जिन्हें 'ब्लैक जैक्स' कहा जाता था - जो इस भराई के समान रंग और कठोरता के थे।"

"मुझे लगता है कि तारीख लगभग एक जैसी ही होगी," डेकर ने कहा, "और, निस्संदेह, इसका इस्तेमाल किसी बर्तन में तरल पदार्थ भरने के लिए किया गया होगा। लेकिन अगर मेरा अनुमान सही है, तो इसका इस्तेमाल किसी अजीब शराब बनाने वाले ने किया होगा, और जिस पीपे को भरा गया था वह भी बहुत ही अनोखा था। क्या आपको फ़नल के मुंह वाले सिरे पर कुछ भी अजीब नहीं दिख रहा है?"

जब मैंने उसे प्रकाश में देखा तो पाया कि पीतल की नोक से लगभग पाँच इंच ऊपर एक जगह पर चमड़े की कीप का संकरा गला बुरी तरह से घिसा हुआ और खरोंचा हुआ था, मानो किसी ने उसे किसी कुंद चाकू से गोल-गोल काट दिया हो। केवल उसी जगह पर काली सतह थोड़ी खुरदरी थी।

"किसी ने गर्दन काटने की कोशिश की है।"

"क्या आप इसे कट कहेंगे?"

"यह फटा हुआ और कटा हुआ है। इस तरह की सख्त सामग्री पर ये निशान छोड़ने के लिए काफी ताकत लगी होगी, चाहे वह कोई भी उपकरण रहा हो। लेकिन आप इसके बारे में क्या सोचते हैं? मुझे लगता है कि आप जितना कहते हैं उससे कहीं ज्यादा जानते हैं।"

डेकर मुस्कुराया, और उसकी छोटी-छोटी आँखें ज्ञान से चमक उठीं।

उन्होंने पूछा, "क्या आपने अपने अध्ययन में सपनों के मनोविज्ञान को शामिल किया है?"

मुझे तो पता भी नहीं था कि ऐसी कोई मनोविज्ञान भी होती है।

“मेरे प्रिय महोदय, रत्न-संग्रहालय के ऊपर वाली वह अलमारी अल्बर्टस मैग्नस से लेकर आगे तक की पुस्तकों से भरी हुई है, जिनमें किसी अन्य विषय पर चर्चा नहीं की गई है। यह अपने आप में एक विज्ञान है।”

“धोखेबाजों का विज्ञान!”

“धोखेबाज हमेशा अग्रणी होता है। ज्योतिषी से खगोलशास्त्री, कीमियागर से रसायनज्ञ, सम्मोहनकर्ता से प्रायोगिक मनोवैज्ञानिक का जन्म हुआ। कल का नीम-हकीम कल का प्रोफेसर होता है। सपने जैसी सूक्ष्म और मायावी चीजें भी समय के साथ व्यवस्थित और क्रमबद्ध हो जाएंगी। जब वह समय आएगा, तो दूर किताबों की अलमारी में रखे हमारे मित्रों के शोध अब रहस्यवादियों का मनोरंजन नहीं रहेंगे, बल्कि विज्ञान की नींव बन जाएंगे।”

"अगर ऐसा है, तो सपनों के विज्ञान का एक बड़े, काले, पीतल के किनारे वाले फ़नल से क्या लेना-देना है?"

मैं आपको बताता हूँ। आप जानते हैं कि मेरा एक एजेंट है जो मेरे संग्रह के लिए हमेशा दुर्लभ और अनोखी चीज़ों की तलाश में रहता है। कुछ दिन पहले उसे क्वाइ पर एक व्यापारी के बारे में पता चला जिसने क्वार्टियर लैटिन में रू मैथुरिन के पीछे एक पुराने घर की अलमारी में कुछ पुराना कबाड़ पाया था। इस पुराने घर के भोजन कक्ष में चांदी के मैदान पर लाल रंग की पट्टियों, शेवरॉन और शस्त्रों का एक प्रतीक चिन्ह बना हुआ है, जो जाँच करने पर राजा लुई XIV के एक उच्च अधिकारी निकोलस डी ला रेनी का प्रतीक चिन्ह साबित हुआ। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अलमारी में रखी अन्य वस्तुएँ भी उसी राजा के शुरुआती दिनों की हैं। इसलिए यह निष्कर्ष निकलता है कि वे सभी वस्तुएँ निकोलस डी ला रेनी की संपत्ति थीं, जो, जैसा कि मुझे पता चला है, उस युग के कठोर कानूनों के रखरखाव और कार्यान्वयन से विशेष रूप से संबंधित व्यक्ति थे।

"तो क्या?"

“अब मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप फ़नल को एक बार फिर अपने हाथों में लें और उसके ऊपरी पीतल के किनारे की जांच करें। क्या आप उस पर कोई अक्षर देख सकते हैं?”

उस पर कुछ खरोंचें अवश्य थीं, जो समय के साथ लगभग मिट चुकी थीं। कुल मिलाकर कई अक्षर दिखाई दे रहे थे, जिनमें से आखिरी अक्षर कुछ हद तक 'बी' जैसा लग रहा था।

"क्या तुम इसे बी ग्रेड दोगे?"

"हां करता हूं।"

“मैं भी यही मानता हूँ। वास्तव में, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक बी ग्रेड है।”

"लेकिन जिस रईस का आपने जिक्र किया, उसके नाम का पहला अक्षर R होता।"

“बिल्कुल सही! यही तो इसकी खूबसूरती है। वह इस अनोखी वस्तु का मालिक था, और फिर भी उसने इस पर किसी और के नाम के पहले अक्षर अंकित करवा रखे थे। उसने ऐसा क्यों किया?”

मैं इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता; क्या आप कर सकते हैं?

"अच्छा, शायद मैं अनुमान लगा सकता हूं। क्या आपको किनारे पर थोड़ा आगे कुछ बना हुआ दिखाई दे रहा है?"

मुझे कहना चाहिए कि यह एक मुकुट था।

“यह निःसंदेह एक मुकुट है; लेकिन अगर आप इसे ध्यान से देखें, तो आप स्वयं इस बात से सहमत होंगे कि यह कोई साधारण मुकुट नहीं है। यह एक राजसी मुकुट है—पद का प्रतीक, और इसमें चार मोतियों और स्ट्रॉबेरी के पत्तों का क्रम है, जो एक

मार्क्विस का उचित प्रतीक है। इसलिए हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि जिस व्यक्ति के नाम के पहले अक्षर 'B' पर समाप्त होते हैं, वह इस मुकुट को धारण करने का हकदार था।”

"तो क्या यह साधारण चमड़े का भराई वाला पदार्थ किसी मार्क्विस का था?"

डेकर ने एक अजीब सी मुस्कान दी।

“या फिर किसी मार्क्विस के परिवार के किसी सदस्य को,” उन्होंने कहा। “इस उत्कीर्ण किनारे से हमें इतना तो स्पष्ट रूप से पता चल ही गया है।”

"लेकिन इन सबका सपनों से क्या लेना-देना है?" मुझे नहीं पता कि यह डेकर के चेहरे के भाव से था, या उसके हावभाव में किसी सूक्ष्म संकेत से, लेकिन चमड़े के उस पुराने, टेढ़े-मेढ़े ढेर को देखते ही मेरे मन में घृणा और अकारण भय की भावना उत्पन्न हो गई।

“मुझे कई बार सपनों के ज़रिए महत्वपूर्ण जानकारी मिली है,” मेरे साथी ने अपने उसी उपदेशात्मक अंदाज़ में कहा, जो उसे अक्सर पसंद था। “अब मैंने यह नियम बना लिया है कि जब भी मुझे किसी विषय पर संदेह होता है, तो मैं उस वस्तु को सोते समय अपने पास रख लेता हूँ और किसी तरह के ज्ञान की आशा करता हूँ। यह प्रक्रिया मुझे ज़्यादा जटिल नहीं लगती, हालांकि इसे अभी तक वैज्ञानिक मान्यता नहीं मिली है। मेरे सिद्धांत के अनुसार, कोई भी वस्तु जो मानवीय भावनाओं के किसी चरम आवेग से जुड़ी हो, चाहे वह खुशी हो या दुख, एक विशेष वातावरण या जुड़ाव बनाए रखती है जिसे वह संवेदनशील मन तक पहुँचाने में सक्षम होती है। संवेदनशील मन से मेरा तात्पर्य किसी असामान्य मन से नहीं है, बल्कि ऐसे प्रशिक्षित और शिक्षित मन से है जैसा कि आप या मेरे पास है।”

"उदाहरण के लिए, आपका मतलब यह है कि अगर मैं दीवार पर टंगी उस पुरानी तलवार के बगल में सो जाऊं, तो मुझे किसी ऐसी खूनी घटना का सपना आ सकता है जिसमें उस तलवार ने भाग लिया हो?"

“यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है, क्योंकि वास्तव में, उस तलवार का प्रयोग मैंने उसी प्रकार किया था, और मैंने अपने स्वप्न में उसके स्वामी की मृत्यु देखी, जो एक भयंकर झड़प में मारा गया था, जिसकी पहचान मैं नहीं कर पाया हूँ, लेकिन जो फ्रॉन्डिस्टों के युद्धों के समय हुई थी। यदि आप इस पर विचार करें, तो हमारे कुछ लोकप्रिय रीति-रिवाज दर्शाते हैं कि यह तथ्य हमारे पूर्वजों द्वारा पहले ही पहचाना जा चुका था, हालांकि हमने अपनी बुद्धिमत्ता में इसे अंधविश्वासों की श्रेणी में रखा है।”

"उदाहरण के लिए?"

“वैसे, सोने वाले को सुखद सपने आएं इसलिए दुल्हन का केक तकिए के नीचे रखा जाता है। यह उन कई उदाहरणों में से एक है जो आपको उस छोटी सी पुस्तिका में मिलेंगे जिसे मैं स्वयं इस विषय पर लिख रहा हूँ। लेकिन मुद्दे पर वापस आते हैं, एक रात मैं इस फ़नल को अपने पास रखकर सोया, और मुझे एक ऐसा सपना आया जिससे इसके उपयोग और उत्पत्ति पर कुछ रोचक प्रकाश पड़ता है।”

"आप क्या सपना देखते हैं?"

“मैंने सपना देखा—” वह रुका, और उसके विशाल चेहरे पर गहरी रुचि का भाव आ गया। “वाह, यह तो बहुत अच्छा विचार है,” उसने कहा। “यह वाकई एक बेहद दिलचस्प प्रयोग होगा। आप स्वयं एक मानसिक रूप से संवेदनशील व्यक्ति हैं—आपकी नसें किसी भी अनुभूति पर तुरंत प्रतिक्रिया करती हैं।”

मैंने उस दिशा में कभी खुद को परखा नहीं है।

“तो आज रात हम आपकी परीक्षा लेंगे। क्या मैं आपसे एक बहुत बड़ी कृपा के रूप में यह अनुरोध कर सकता हूं कि जब आप आज रात उस पलंग पर लेटें, तो इस पुराने

फ़नल को अपने तकिये के बगल में रखकर सोएँ?"

मुझे यह अनुरोध अटपटा लगा; लेकिन मेरी जटिल प्रकृति के कारण, मुझमें भी एक ऐसी भूख है जो विचित्र और अकल्पनीय है। मुझे डेकर के सिद्धांत पर ज़रा भी विश्वास नहीं था, न ही ऐसे प्रयोग में सफलता की कोई उम्मीद थी; फिर भी मुझे यह देखकर अच्छा लगा कि प्रयोग किया जा रहा है। डेकर ने बड़ी गंभीरता से एक छोटा सा स्टैंड मेरे सोफे के सिरहाने तक खींचा और उस पर फ़नल रख दिया। फिर, थोड़ी बातचीत के बाद, उन्होंने मुझे शुभ रात्रि कहा और चले गए।

मैं कुछ देर तक सुलगती आग के पास बैठकर सिगरेट पीता रहा और अपने मन में घटी उस विचित्र घटना और भविष्य में होने वाले उस रहस्यमय अनुभव के बारे में सोचता रहा। यद्यपि मैं संशय में था, फिर भी डेकर के आत्मविश्वास से भरे व्यवहार में कुछ ख़ास बात थी, और मेरे आस-पास का असाधारण वातावरण, वह विशाल कमरा जिसमें अजीबोगरीब और अक्सर डरावनी वस्तुएँ लटकी हुई थीं, मेरे मन में एक गंभीरता भर रही थी। अंत में मैंने कपड़े उतारे और दीपक बुझाकर लेट गया। काफी देर तक करवटें बदलने के बाद मुझे नींद आ गई। मैं अपने सपने में आए दृश्य का यथासंभव सटीक वर्णन करने का प्रयास करता हूँ। यह दृश्य अब मेरी स्मृति में किसी भी ऐसी चीज़ से अधिक स्पष्ट है जिसे मैंने अपनी आँखों से देखा है। एक कमरा था जो गुंबदनुमा दिखता था। कोनों से चार तख़्ते ऊपर की ओर जाकर एक नुकीली, प्याले के आकार की छत से जुड़ते थे। वास्तुकला खुरदरी थी, लेकिन बहुत मजबूत थी। यह स्पष्ट रूप से किसी विशाल इमारत का हिस्सा था।

काले वस्त्र पहने तीन पुरुष, अजीबोगरीब, भारी-भरकम काले मखमली टोपी लगाए, लाल कालीन वाले चबूतरे पर एक पंक्ति में बैठे थे। उनके चेहरे बेहद गंभीर और उदास थे। बाईं ओर दो लंबे गाउन पहने पुरुष खड़े थे जिनके हाथों में पोर्टफोलियो थे, जो कागजों से भरे हुए प्रतीत हो रहे थे। दाईं ओर, मेरी ओर देखते हुए, सुनहरे बालों और अनोखी, हल्की नीली आँखों वाली एक छोटी महिला बैठी थी - मानो किसी बच्चे की आँखें हों। वह अपनी जवानी पार कर चुकी थी, लेकिन अभी अधेड़ नहीं कहला सकती थी। उसका शरीर थोड़ा मोटा था और उसका हावभाव गर्व और आत्मविश्वास से भरा था। उसका चेहरा पीला था, लेकिन शांत था। यह एक अनोखा चेहरा था, सुंदर और फिर भी बिल्ली जैसा, सीधे, मजबूत छोटे मुंह और गोल-मटोल जबड़े में क्रूरता का सूक्ष्म संकेत लिए हुए। उसने किसी प्रकार का ढीला, सफेद गाउन ओढ़ा हुआ था। उसके बगल में एक दुबला-पतला, उत्साही पादरी खड़ा था, जो उसके कान में कुछ फुसफुसा रहा था और लगातार उसकी आँखों के सामने एक क्रूस उठा रहा था। उसने अपना सिर घुमाया और क्रूस के पार काले वस्त्र पहने तीन आदमियों को टकटकी लगाकर देखा, जो मुझे लगा कि उसके न्यायाधीश थे।

मेरी निगाहें उन तीनों आदमियों पर टिकी थीं, तभी वे खड़े हुए और कुछ बोले, पर मुझे उनके शब्द समझ नहीं आए, हालांकि मुझे इतना पता था कि बीच वाला आदमी बोल रहा था। फिर वे दोनों कागज़ लिए हुए आदमी उनके पीछे-पीछे कमरे से बाहर निकल गए। उसी क्षण मोटे जैकेट पहने कुछ खुरदुरे से दिखने वाले लोग अंदर आए और पहले लाल कालीन हटाया, फिर चबूतरे के तख़्ते हटाकर कमरे को पूरी तरह खाली कर दिया। जब ये पर्दा हटा तो मैंने इसके पीछे कुछ अनोखी चीज़ें देखीं। एक चीज़ बिस्तर जैसी लग रही थी, जिसके दोनों सिरों पर लकड़ी के रोलर लगे थे और लंबाई कम-ज़्यादा करने के लिए एक चरखी का हैंडल था। दूसरी चीज़ लकड़ी का घोड़ा था। वहाँ कई और अजीबोगरीब चीज़ें थीं, और कई झूलती हुई डोरियाँ थीं जो पुली पर चल रही थीं। यह किसी आधुनिक व्यायामशाला जैसा लग रहा था।

कमरा खाली होने पर एक नया व्यक्ति प्रकट हुआ। यह एक लंबा, पतला व्यक्ति था, जिसने काले वस्त्र पहने थे और उसका चेहरा निर्मल और गंभीर था। उस व्यक्ति को देखकर मैं कांप गया। उसके कपड़े चिकनाई से चमक रहे थे और दाग-धब्बों से भरे थे। वह धीमी और प्रभावशाली गरिमा के साथ चल रहा था, मानो उसने प्रवेश करते ही सब कुछ अपने हाथ में ले लिया हो। अपने असभ्य रूप और गंदे कपड़ों के बावजूद, अब यह उसका काम था, उसका कमरा था, उस पर उसका पूरा अधिकार था। उसने अपनी बाईं बांह पर हल्की रस्सियों का एक कुंडल रखा हुआ थी। महिला ने उसे ऊपर से नीचे तक गौर से देखा, लेकिन उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला। वह आत्मविश्वास से भरी थी - यहाँ तक कि चुनौती भरी भी। लेकिन पुजारी का चेहरा बिल्कुल अलग था। उसका चेहरा भयानक रूप से सफेद था, और मैंने उसकी ऊंची, ढलान वाली माथे पर नमी को चमकते और बहते देखा। उसने प्रार्थना में अपने हाथ ऊपर उठाए और वह लगातार झुककर महिला के कान में कुछ बुदबुदा रहा था।

काले वस्त्र पहने वह व्यक्ति आगे बढ़ा और अपने बाएँ हाथ से एक रस्सी निकालकर उसने स्त्री के हाथ बाँध दिए। ऐसा करते समय स्त्री ने विनम्रतापूर्वक अपने हाथ उसकी ओर कर दिए। फिर उसने स्त्री का हाथ ज़ोर से पकड़ा और उसे लकड़ी के घोड़े की ओर ले गया, जो उसकी कमर से थोड़ा ही ऊंचा था। उसे उठाकर घोड़े पर लिटा दिया गया, उसकी पीठ घोड़े पर टिकी थी और उसका चेहरा छत की ओर था। वहीं, डर से कांपता हुआ पुजारी कमरे से बाहर भाग गया। स्त्री के होंठ तेज़ी से हिल रहे थे और हालांकि मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था, मैं समझ गया कि वह प्रार्थना कर रही थी। उसके पैर घोड़े के दोनों ओर लटक रहे थे और मैंने देखा कि वहाँ मौजूद कठोर सेवकों ने उसकी टखनों में रस्सियाँ बाँधकर उनके दूसरे सिरे पत्थर के फर्श में लगे लोहे के छल्लों से बाँध दिए थे।

इन भयावह तैयारियों को देखकर मेरा दिल बैठ गया, फिर भी डर के साये में मैं खोया रहा और उस अजीब दृश्य से अपनी नज़रें नहीं हटा सका। एक आदमी दोनों हाथों में पानी की बाल्टी लिए कमरे में दाखिल हुआ। दूसरा उसके पीछे तीसरी बाल्टी लेकर आया। उन्हें लकड़ी के घोड़े के पास रख दिया गया। दूसरे आदमी के दूसरे हाथ में लकड़ी का एक चम्मच था - एक सीधा हैंडल वाला कटोरी। उसने वह चम्मच काले कपड़े पहने आदमी को दे दिया। उसी क्षण एक नौकर अपने हाथ में एक काली वस्तु लिए पास आया, जिसे सपने में भी देखकर मुझे कुछ जानी-पहचानी सी अनुभूति हुई। वह चमड़े का बना एक फिलर था। उसने उसे भयानक ताकत से अंदर धकेला - लेकिन मैं और बर्दाश्त नहीं कर सका। डर से मेरे रोंगटे खड़े हो गए। मैं छटपटाया, संघर्ष किया, नींद के बंधन तोड़ दिए और चीखते हुए अपनी जिंदगी में वापस आ गया, और खुद को विशाल पुस्तकालय में डर से कांपता हुआ पाया, खिड़की से चांदनी अंदर आ रही थी और सामने वाली दीवार पर चांदी और काले रंग की अजीब आकृतियाँ बना रही थीं। ओह, उन्नीसवीं सदी में वापस आकर कितना सुकून मिला – उस मध्ययुगीन कालकोठरी से निकलकर एक ऐसी दुनिया में आ गई जहाँ इंसानों के दिल में इंसानियत थी। मैं अपने सोफे पर बैठ गई, मेरे शरीर का हर अंग काँप रहा था, मेरा मन कृतज्ञता और भय के बीच बँटा हुआ था। यह सोचकर ही डर लगता था कि कभी ऐसी चीजें भी होती थीं – कि भगवान के दंड के बिना भी ये सब हो सकता था। क्या यह सब एक कल्पना थी, या वास्तव में यह दुनिया के इतिहास के उन काले, क्रूर दिनों में घटी किसी घटना का प्रतीक था? मैंने अपना धड़कता हुआ सिर कांपते हाथों पर टिका दिया। और फिर, अचानक, मेरा दिल मानो थम सा गया, और मैं चीख भी नहीं सकी, मेरा डर इतना भयानक था। कमरे के अंधेरे में कोई मेरी ओर बढ़ रहा था।

यह एक ऐसी भयावहता थी जो इंसान के हौसले को तोड़ देती थी। मैं न तो तर्क कर पा रहा था, न प्रार्थना कर पा रहा था; मैं बस एक जमी हुई मूर्ति की तरह बैठा रहा और उस अंधेरे आकृति को घूरता रहा जो उस बड़े कमरे में नीचे आ रही थी। और फिर वह चांदनी की सफेद राह में निकल गई, और मैंने एक बार फिर चैन की सांस ली। वह डेकर था, और उसके चेहरे से पता चल रहा था कि वह भी मेरी तरह ही डरा हुआ था।

“क्या तुम थे? भगवान के लिए, क्या बात है?” उसने भारी आवाज में पूछा।

“ओह, डेकर, तुम्हें देखकर मुझे बहुत खुशी हुई! मैं तो नरक से होकर आया था। वह बहुत भयानक था।”

तो फिर चीखने वाली तुम ही थी?

मुझे पूरा यकीन है कि ऐसा ही था।

“पूरे घर में गूँज उठी। नौकर-चाकर सब डर गए हैं।” उसने माचिस जलाकर दीपक जलाया। “मुझे लगता है कि आग फिर से जल उठेगी,” उसने अंगारों पर कुछ लकड़ियाँ डालते हुए कहा। “हे भगवान, मेरे प्यारे, तुम कितने पीले पड़ गए हो! ऐसा लग रहा है जैसे तुमने भूत देख लिया हो।”

"तो मेरे पास कई भूत हैं।"

तो, चमड़े की कीप ने अपना काम कर दिया?

"आप मुझे चाहे जितना भी पैसा दे दें, मैं उस भयानक चीज के पास दोबारा कभी नहीं सोऊंगा।"

डेकर मुस्कुराया।

“मुझे उम्मीद थी कि तुम्हारी रात खूब मज़ेदार गुज़रेगी,” उसने कहा। “लेकिन तुमने तो मेरी सारी ऊर्जा ही खत्म कर दी, क्योंकि सुबह दो बजे तुम्हारी वो चीख बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगी। मुझे लगता है कि तुम्हारी बातों से तुमने वो सारा भयानक मंजर देख लिया है।”

“यह कैसा भयानक मामला है?”

“पानी की यातना — जिसे ‘ले रोई सोलेल’ के खुशनुमा दिनों में ‘असाधारण प्रश्न’ कहा जाता था। क्या आपने इसे अंत तक सहन किया?”

"नहीं, भगवान का शुक्र है, मैं इसके शुरू होने से पहले ही जाग गया।"

“अरे! अच्छा ही हुआ। मैं तो तीसरी बाल्टी तक रुका रहा। खैर, ये तो पुरानी कहानी है, और वे सब अब कब्र में हैं, तो इससे क्या फर्क पड़ता है कि वे वहां कैसे पहुंचे? मुझे लगता है कि आपको पता ही नहीं कि आपने क्या देखा है?”

“किसी अपराधी को दी जाने वाली यातना। अगर उसके अपराध उसकी सजा के अनुपात में हैं, तो वह वास्तव में एक भयानक अपराधी रही होगी।”

“खैर, हमें यही थोड़ी तसल्ली है,” डेकर ने अपने ड्रेसिंग गाउन को अपने चारों ओर लपेटते हुए और आग के पास झुकते हुए कहा। “वे सजाएँ उसके दंड के अनुपात में ही थीं। यानी, अगर मैं उस महिला की पहचान के बारे में सही हूँ।”

"आप उसकी पहचान कैसे जान सकते हैं?"

जवाब के लिए डेकर ने शेल्फ से एक पुरानी वेल्लम कवर वाली किताब निकाली।

“बस इसे सुनिए,” उन्होंने कहा; “यह सत्रहवीं शताब्दी की फ्रेंच भाषा में है, लेकिन मैं साथ-साथ इसका मोटा-मोटा अनुवाद करता रहूंगा। आप खुद ही तय कर लीजिए कि मैंने पहेली सुलझाई है या नहीं।”

“कैदी को संसद के ग्रैंड चैंबर्स और टूरनेल्स के समक्ष पेश किया गया, जो न्याय न्यायालय के रूप में कार्य कर रही थी। उस पर अपने पिता मास्टर ड्रेक्स डी'आब्रे और अपने दो भाइयों, एम.एम. डी'आब्रे (एक सिविल लेफ्टिनेंट और दूसरा संसद काउंसलर) की हत्या का आरोप था। उसे देखकर यह विश्वास करना कठिन था कि

उसने वास्तव में ऐसे जघन्य कृत्य किए हैं, क्योंकि वह सौम्य स्वभाव की, छोटे कद की, गोरी त्वचा और नीली आँखों वाली थी। फिर भी, न्यायालय ने उसे दोषी पाते हुए, उसे सामान्य और असाधारण पूछताछ के लिए पेश किया ताकि उसे अपने सहयोगियों के नाम बताने के लिए मजबूर किया जा सके, जिसके बाद उसे एक गाड़ी में प्लेस डी ग्रेव ले जाया जाएगा, जहाँ उसका सिर काट दिया जाएगा, उसके शरीर को जला दिया जाएगा और उसकी राख हवा में बिखेर दी जाएगी।"

इस प्रविष्टि की तिथि 16 जुलाई, 1676 है।

मैंने कहा, "यह दिलचस्प तो है, लेकिन यकीन दिलाने वाला नहीं। आप यह कैसे साबित करेंगे कि दोनों महिलाएं एक ही हैं?"

"मैं उसी पर आ रहा हूँ। कहानी आगे उस महिला के व्यवहार का वर्णन करती है जब उससे पूछताछ की गई। 'जब जल्लाद उसके पास पहुँचा तो उसने उसे उसके हाथों में पकड़ी रस्सियों से पहचान लिया और तुरंत अपने हाथ उसकी ओर बढ़ा दिए, बिना एक शब्द बोले उसे सिर से पैर तक देखती रही।' कैसा लगा?"

"हां, ऐसा ही था।"

"उसने बिना पलक झपकाए उस लकड़ी के घोड़े और छल्लों को देखा, जिन्होंने अनगिनत अंगों को मरोड़कर अनगिनत चीखें निकाली थीं। जब उसकी नज़र पानी की तीन बाल्टियों पर पड़ी, जो उसके लिए तैयार रखी थीं, तो उसने मुस्कुराते हुए कहा, "महाशय, यह सारा पानी मुझे डुबाने के उद्देश्य से ही लाया गया होगा। मुझे उम्मीद है कि आपको अंदाज़ा भी नहीं होगा कि मेरे जैसे छोटे कद के व्यक्ति को यह सारा पानी कैसे पिलाया जा सकता है।" क्या मैं यातना के विवरण पढ़ूँ?"

नहीं, भगवान के लिए, ऐसा मत करो।

"यहाँ एक वाक्य है जो निश्चित रूप से आपको यह दिखाएगा कि यहाँ जो दर्ज है वह वही दृश्य है जिसे आपने आज रात देखा है: 'परमेश्वर पिरोट, अपने पश्चात्तापी की पीड़ाओं को सहन न कर पाने के कारण, कमरे से जल्दी से चले गए।' क्या यह आपको आश्वस्त करता है?"

"बिल्कुल। इसमें कोई शक नहीं कि यह वाकई वही घटना है। लेकिन फिर यह महिला कौन है जिसका रूप इतना आकर्षक था और जिसका अंत इतना भयानक हुआ?"

जवाब में डैकर मेरे पास आया और मेरे बिस्तर के पास रखी मेज पर छोटा सा दीपक रख दिया। अशुभ माने जाने वाले तख़्ते को उठाकर उसने पीतल के किनारे को इस तरह घुमाया कि रोशनी पूरी तरह उस पर पड़े। इस तरह देखने पर नक्काशी पिछली रात की तुलना में ज़्यादा साफ़ दिखाई दी।

उन्होंने कहा, "हम पहले ही इस बात पर सहमत हो चुके हैं कि यह एक मार्किस या मार्किसे का बैज है। हमने यह भी तय कर लिया है कि आखिरी अक्षर 'बी' है।"

"यह निःसंदेह सच है।"

अब मैं आपको सुझाव देता हूं कि बाएं से दाएं अन्य अक्षर M, M, एक छोटा d, A, एक छोटा d, और फिर अंत में B हैं।

"हां, मुझे पूरा यकीन है कि आप सही हैं। मैं दोनों छोटे 'd' को बिल्कुल स्पष्ट रूप से देख सकता हूं।"

डेकर ने कहा, "आज रात मैंने आपको जो पढ़कर सुनाया है, वह मैरी मैडलीन डी'आब्रे, मार्किस डी ब्रिनविलियर्स के मुकदमे का आधिकारिक रिकॉर्ड है, जो सर्वकालिक सबसे प्रसिद्ध विषनाशकों और हत्यारों में से एक थी।"

मैं चुपचाप बैठा रहा, घटना की असाधारण प्रकृति और डैकरे द्वारा इसके वास्तविक अर्थ को उजागर करने वाले प्रमाणों की पूर्णता से अभिभूत था। धुंधले ढंग से

मुझे उस महिला के जीवन के कुछ विवरण याद आए - उसकी बेलगाम अय्याशी, उसके बीमार पिता पर निर्मम और लंबे समय तक किया गया अत्याचार, तुच्छ लाभ के लिए अपने भाइयों की हत्या। मुझे यह भी याद आया कि उसके अंत में दिखाई गई वीरता ने उसके जीवन की भयावहता का कुछ प्रायश्चित किया था, और पूरे पेरिस ने उसके अंतिम क्षणों में सहानुभूति दिखाई थी, और उसे हत्यारी कहकर कोसने के कुछ ही दिनों के भीतर उसे शहीद का दर्जा दिया था। मेरे मन में केवल एक ही आपत्ति उठी।

"उसके नाम के पहले अक्षर और पदचिह्न उस भराई पर कैसे आ गए? क्या सच में उन्होंने कुलीन वर्ग के प्रति अपनी मध्ययुगीन श्रद्धा को इस हद तक निभाया होगा कि यातना के उपकरणों को भी उनके खिताबों से सजाया हो?"

"मैं भी इसी बात को लेकर उलझन में था," डेकर ने कहा, "लेकिन इसका एक सरल स्पष्टीकरण है। उस समय इस मामले ने असाधारण रुचि जगाई थी, और पुलिस प्रमुख ला रेनी का इस दस्तावेज़ को एक भयावह स्मृति चिन्ह के रूप में संभाल कर रखना स्वाभाविक ही था। फ्रांस की किसी मार्किस से इस तरह की असाधारण पूछताछ होना आम बात नहीं थी। दूसरों की जानकारी के लिए उस पर उनके नाम के पहले अक्षर उकेरना उनकी ओर से एक बहुत ही सामान्य प्रक्रिया थी।"

"और यह?" मैंने चमड़े की गर्दन पर बने निशानों की ओर इशारा करते हुए पूछा।

"वह एक क्रूर बाघिन थी," डेकर ने मुँह फेरते हुए कहा। "मुझे लगता है कि यह स्पष्ट है कि अन्य बाघिनों की तरह उसके दांत भी मजबूत और नुकीले थे।"

नई कब्रगाह

"देखो, बर्गर," कैनेडी ने कहा, "मैं चाहता हूँ कि तुम मुझसे अपने मन की बात कहो।"

रोमन अवशेषों के दो प्रसिद्ध विद्वान केनेडी के आरामदायक कमरे में एक साथ बैठे थे, जहाँ से कोर्सो नदी का नज़ारा दिखता था। रात ठंडी थी, और दोनों ने अपनी कुर्सियाँ उस असंतोषजनक इतालवी चूल्हे के पास खींच ली थीं, जिससे गर्मी के बजाय घुटन का माहौल बन रहा था। बाहर, सर्दियों के चमकीले तारों के नीचे, आधुनिक रोम दिखाई दे रहा था - बिजली के लैंपों की लंबी, दोहरी कतार, जगमगाते कैफे, भागती गाड़ियाँ और फुटपाथों पर उमड़ती भीड़। लेकिन अंदर, धनी युवा अंग्रेज पुरातत्वविद के भव्य कक्ष में, केवल पुराना रोम ही नज़र आ रहा था। दीवारों पर टूटी-फूटी और समय से जर्जर नक्काशी लटकी हुई थी, और कोनों से सीनेटरों और सैनिकों की धूसर पुरानी मूर्तियाँ झाँक रही थीं, जिनके सिर लड़ते हुए और चेहरे कठोर और क्रूर थे। केंद्र में रखी मेज पर, शिलालेखों, टुकड़ों और आभूषणों के ढेर के बीच, काराकल्ला के स्नानगृहों का केनेडी द्वारा किया गया प्रसिद्ध पुनर्निर्माण रखा था, जिसने बर्लिन में प्रदर्शित होने पर लोगों की इतनी रुचि और प्रशंसा जगाई थी। छत से उभयचर पात्र लटके हुए थे, और कीमती लाल टर्की कालीन पर तरह-तरह की अनोखी वस्तुएँ बिखरी पड़ी थीं। और उन सभी में से एक भी वस्तु ऐसी नहीं थी जो निर्विवाद रूप से प्रामाणिक और अत्यंत दुर्लभ व मूल्यवान न हो; क्योंकि केनेडी, हालांकि तीस वर्ष से कुछ ही अधिक थे, अनुसंधान की इस विशेष शाखा में यूरोपीय ख्याति प्राप्त कर चुके थे, और इसके अलावा, उनके पास वह भरपूर धन था जो या तो छात्र की ऊर्जा के लिए घातक बाधा साबित होता है, या, यदि उनका मन अभी भी अपने उद्देश्य के प्रति दृढ़ है, तो प्रसिद्धि की दौड़ में उन्हें एक जबरदस्त लाभ प्रदान करता है। केनेडी अक्सर अपनी पढ़ाई से विमुख होकर सनक और सुख-सुविधाओं में पड़ जाते थे, लेकिन उनका दिमाग तीक्ष्ण बुद्धि का था, जो लंबे और एकाग्र प्रयासों में सक्षम था, जिनका अंत कामुक सुस्ती की तीव्र प्रतिक्रियाओं में होता था। उनका सुंदर चेहरा, अपने ऊंचे, सफेद माथे,

आक्रामक नाक और कुछ हद तक ढीले और कामुक होंठों के साथ, उनके स्वभाव में शक्ति और कमजोरी के बीच संतुलन का एक स्पष्ट सूचक था।

उनके साथी जूलियस बर्गर बिल्कुल अलग स्वभाव के थे। उनका वंश विचित्र था - एक जर्मन पिता और एक इतालवी माता। उत्तर के मजबूत गुण दक्षिण की कोमल सुंदरता के साथ विचित्र रूप से मिश्रित थे। उनकी नीली जर्मन आँखें उनके धूप से तपते चेहरे को और भी आकर्षक बनाती थीं, और उनके ऊपर एक चौकोर, विशाल माथा था, जिसके चारों ओर घने पीले घुंघराले बाल बिखरे हुए थे। उनका मजबूत, दृढ़ जबड़ा साफ-सुथरा था, और उनके साथी ने अक्सर टिप्पणी की थी कि यह उनके कमरे के कोनों में छाया से झांकती उन पुरानी रोमन मूर्तियों की याद दिलाता है। उनकी दिखावटी जर्मन मजबूती के नीचे हमेशा इतालवी सूक्ष्मता की झलक छिपी रहती थी, लेकिन उनकी मुस्कान इतनी सच्ची और आँखें इतनी स्पष्ट थीं कि कोई भी समझ सकता था कि यह केवल उनके वंश का संकेत था, उनके चरित्र पर इसका कोई वास्तविक प्रभाव नहीं था। उम्र और प्रतिष्ठा में वे अपने अंग्रेज साथी के बराबर थे, लेकिन उनका जीवन और उनका काम दोनों ही कहीं अधिक कठिन थे। बारह वर्ष पूर्व, वह एक गरीब छात्र के रूप में रोम आया था, और तब से बॉन विश्वविद्यालय द्वारा शोध के लिए दी गई थोड़ी सी धनराशि पर ही अपना जीवन यापन कर रहा था। अत्यंत कठिन परिश्रम, धीमी गति और दृढ़ता से, असाधारण लगन और एकाग्रता के साथ, उसने प्रसिद्धि की सीढ़ी पर एक-एक पायदान चढ़ते हुए, अब वह बर्लिन अकादमी का सदस्य था, और यह मानने के सभी कारण थे कि उसे शीघ्र ही जर्मनी के सबसे महान विश्वविद्यालय के अध्यक्ष पद पर पदोन्नत किया जाएगा। लेकिन जिस दृढ़ संकल्प ने उसे धनी और प्रतिभाशाली अंग्रेज़ के समान उच्च स्तर तक पहुंचाया था, उसी ने उसे उनके काम के अलावा हर चीज में उनसे बहुत पीछे कर दिया था। उसने अपने अध्ययन में कभी भी सामाजिक शिष्टाचार को निखारने का समय नहीं निकाला। केवल अपने विषय पर बात करते समय ही उसका चेहरा जीवंत और उत्साह से भर उठता था। अन्य समय में वह मौन और झिझकता रहता था, क्योंकि वह बड़े विषयों में अपनी सीमाओं के प्रति अत्यधिक सचेत था, और उस छोटी-मोटी बातचीत से चिढ़ता था जो आमतौर पर उन लोगों का सहारा होती है जिनके पास व्यक्त करने के लिए कोई विचार नहीं होते।

फिर भी, कुछ वर्षों से इन दो बिल्कुल अलग प्रतिद्वंद्वियों के बीच एक परिचय पनप रहा था जो धीरे-धीरे मित्रता में परिवर्तित होता प्रतीत हो रहा था। इसकी जड़ और उत्पत्ति इस तथ्य में निहित थी कि अपनी-अपनी पढ़ाई में, दोनों ही युवा पुरुषों में से एकमात्र ऐसे थे जिनके पास दूसरे की योग्यता को सही ढंग से समझने के लिए पर्याप्त ज्ञान और उत्साह था। उनकी समान रुचियों और शौक ने उन्हें एक साथ लाया था, और दोनों एक-दूसरे के ज्ञान से आकर्षित थे। और फिर धीरे-धीरे इसमें कुछ और जुड़ गया। कैनेडी अपने प्रतिद्वंद्वी की स्पष्टवादिता और सरलता से प्रभावित थे, जबकि बर्गर कैनेडी की प्रतिभा और जीवंतता से मोहित थे, जिसने उन्हें रोमन समाज में इतना लोकप्रिय बना दिया था। मैं "थे" इसलिए कह रहा हूं क्योंकि ठीक उसी समय युवा अंग्रेज़ कुछ विवादों में घिरे हुए थे। एक प्रेम प्रसंग, जिसके विवरण कभी पूरी तरह से सामने नहीं आए, ने उनकी ओर से एक ऐसी निर्दयता और संवेदनहीनता का संकेत दिया था जिसने उनके कई मित्रों को चौंका दिया था। लेकिन छात्रों और कलाकारों के उन अविवाहित समूहों में, जिनमें वह रहना पसंद करता था, ऐसे मामलों में सम्मान का कोई कठोर नियम नहीं था, और यद्यपि दो लोगों के जाने और एक के लौटने पर कोई सिर हिला सकता था या कंधे उचका सकता था, सामान्य भावना शायद जिज्ञासा की थी और शायद ईर्ष्या की भी, निंदा की नहीं।

"देखो बर्गर," कैनेडी ने अपने साथी के शांत चेहरे को ध्यान से देखते हुए कहा, "मैं चाहता हूं कि तुम मुझसे अपने मन की बात कहो।"

बोलते-बोलते उन्होंने फर्श पर बिछे एक कालीन की ओर हाथ हिलाया। कालीन पर कैम्पाग्ना में इस्तेमाल होने वाली हल्की बुनाई वाली एक लंबी, उथली फलों की टोकरी रखी थी, और वह तरह-तरह की वस्तुओं से भरी हुई थी - उत्कीर्ण टाइलें, टूटे हुए शिलालेख, दरार वाले मोज़ेक, फटे हुए पेपरी, जंग लगे धातु के आभूषण। जो किसी अनभिज्ञ व्यक्ति को कूड़ेदान से निकले हुए प्रतीत हो सकते थे, लेकिन एक विशेषज्ञ उन्हें तुरंत अपनी तरह की अनूठी वस्तुएं पहचान लेता। बुनाई वाली इस सपाट टोकरी में पड़ीं ये छोटी-छोटी वस्तुएँ सामाजिक विकास की उन गुमशुदा कड़ियों में से एक थीं, जिनमें छात्र की इतनी रुचि थी। इन्हें एक जर्मन व्यक्ति लाया था, और अंग्रेज की निगाहें इन्हें देखकर लालच से भर उठीं।

“मैं आपके इस अनमोल खजाने में दखल नहीं दूंगा, लेकिन मैं इसके बारे में सुनना ज़रूर चाहूंगा,” उन्होंने आगे कहा, जबकि बर्गर ने बड़ी सावधानी से एक सिगार जलाया। “यह स्पष्ट रूप से एक अत्यंत महत्वपूर्ण खोज है। ये शिलालेख पूरे यूरोप में सनसनी मचा देंगे।”

“यहाँ हर एक के लिए वहाँ दस लाख हैं!” जर्मन ने कहा। “वे इतने अधिक हैं कि एक दर्जन विद्वान अपना पूरा जीवन उन पर अध्ययन करने में बिता सकते हैं और संट एंजेलो के महल के समान ठोस प्रतिष्ठा बना सकते हैं।”

कैनेडी अपने सुंदर माथे पर झुर्रियां डाले, सोच में डूबे बैठे थे और उनकी उंगलियां उनकी लंबी, सुनहरी मूंछों से खेल रही थीं।

“बर्गर, तुमने खुद ही अपनी पोल खोल दी!” उसने अंत में कहा। “तुम्हारे शब्द केवल एक ही बात पर लागू होते हैं। तुमने एक नई कब्रगाह खोज निकाली है।”

मुझे इसमें कोई संदेह नहीं था कि इन वस्तुओं की जांच करने के बाद आप पहले ही इस निष्कर्ष पर पहुंच चुके होंगे।

“खैर, उन्होंने तो ऐसा संकेत दिया था, लेकिन आपकी आखिरी टिप्पणियों से यह बात पक्की हो गई है। कब्रगाह के अलावा ऐसी कोई जगह नहीं है जहाँ आपके द्वारा वर्णित अवशेषों का इतना विशाल भंडार समाहित हो सके।”

“बिल्कुल सही। इसमें कोई रहस्य नहीं है। मैंने एक नई कब्रगाह खोज ली है।”

"कहाँ?"

“आह, यह मेरा राज़ है, मेरे प्रिय कैनेडी। बस इतना ही काफी है कि यह ऐसी जगह पर स्थित है कि किसी और के यहाँ पहुँचने की संभावना दस लाख में एक भी नहीं है। इसकी तिथि किसी भी ज्ञात कब्रगाह से अलग है, और इसे सर्वोच्च ईसाईयों के दफ़न के लिए आरक्षित रखा गया है, इसलिए यहाँ के अवशेष और पवित्र वस्तुएँ पहले देखी गई किसी भी चीज़ से बिल्कुल अलग हैं। अगर मुझे आपके ज्ञान और आपकी लगन का पता न होता, मेरे मित्र, तो मैं गोपनीयता की शपथ लेकर आपको इसके बारे में सब कुछ बताने में ज़रा भी संकोच नहीं करता। लेकिन अभी मुझे लगता है कि इतनी बड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने से पहले मुझे इस मामले पर अपनी रिपोर्ट तैयार करनी ही होगी।”

कैनेडी को अपने विषय से इतना गहरा लगाव था कि मानो वह एक जुनून बन चुका था—ऐसा लगाव जिसने उन्हें उस विषय के प्रति वफ़ादार बनाए रखा, भले ही एक धनी और अय्याश नौजवान को तमाम तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उनमें महत्वाकांक्षा तो थी, लेकिन शहर के पुराने जीवन और इतिहास से जुड़ी हर चीज़ में उनकी रुचि और आनंद के आगे उनकी महत्वाकांक्षा गौण थी। वे उस नए अंधकारमय संसार को देखने के लिए बेताब थे जिसे उनके साथी ने खोजा था।

“देखो, बर्गर,” उसने गंभीरता से कहा, “मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि इस मामले में तुम मुझ पर पूरी तरह भरोसा कर सकते हो। तुम्हारी स्पष्ट अनुमति के बिना मैं जो कुछ भी देखूंगा, उसके बारे में कुछ भी नहीं लिखूंगा। मैं तुम्हारी भावना को भलीभांति समझता हूँ और मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्वाभाविक है, लेकिन तुम्हें मुझसे डरने की कोई ज़रूरत नहीं है। दूसरी ओर, अगर तुम मुझे नहीं बताओगे, तो मैं व्यवस्थित रूप से खोजबीन करूंगा और उसे ज़रूर खोज निकालूंगा। उस स्थिति में, बेशक, मैं उसका जो चाहूँ वो उपयोग करूंगा, क्योंकि मैं तुम्हारा कोई ऋणी नहीं रहूंगा।”

बर्गर ने सिगार पीते हुए सोच-विचार भरी मुस्कान दी।

“मैंने गौर किया है, मेरे मित्र कैनेडी,” उन्होंने कहा, “कि जब मुझे किसी भी मुद्दे पर जानकारी चाहिए होती है, तो आप हमेशा उसे उपलब्ध कराने के लिए तैयार नहीं रहते।”

"तुमने मुझसे कभी कोई ऐसी बात पूछी है जो मैंने तुम्हें न बताई हो? तुम्हें याद होगा, उदाहरण के लिए, मैंने तुम्हें वेस्टल्स के मंदिर के बारे में तुम्हारे शोध पत्र के लिए सामग्री दी थी।"

“खैर, यह कोई खास महत्वपूर्ण बात नहीं थी। अगर मैं आपसे किसी निजी मामले के बारे में पूछूं तो क्या आप मुझे जवाब देंगे, मुझे आश्चर्य है! यह नया तहखाना मेरे लिए बहुत निजी मामला है, और मैं निश्चित रूप से बदले में विश्वास का कुछ संकेत चाहूंगा।”

“आप क्या कहना चाह रहे हैं, यह मैं समझ नहीं पा रहा हूं,” अंग्रेज ने कहा, “लेकिन अगर आपका मतलब यह है कि आप मेरे उस प्रश्न का उत्तर देंगे जो मैंने तहखानों के बारे में पूछा था, तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं निश्चित रूप से ऐसा करूंगा।”

"अच्छा, तो फिर," बर्गर ने अपने सोफे पर आराम से पीछे झुकते हुए और सिगार के धुएं का एक नीला पेड़ हवा में छोड़ते हुए कहा, "मुझे मिस मेरी सान्डर्सन के साथ अपने संबंधों के बारे में सब कुछ बताएं।"

कैनेडी अपनी कुर्सी से उछलकर बैठ गए और अपने भावहीन साथी को गुस्से से घूरने लगे।

“तुम्हारा मतलब क्या है?” वह चिल्लाया। “यह कैसा सवाल है? तुम इसे मजाक के तौर पर पूछ रहे हो, लेकिन तुमने इससे बुरा मजाक कभी नहीं किया।”

“नहीं, मेरा मतलब मज़ाक में नहीं है,” बर्गर ने सीधे-सादे शब्दों में कहा। “मैं सचमुच इस मामले की बारीकियों में दिलचस्पी रखता हूं। मुझे दुनिया, औरतों, सामाजिक जीवन और ऐसी चीज़ों के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है, और ऐसी घटना मेरे लिए एक रहस्य की तरह है। मैं आपको जानता हूं, और मैंने उसे भी देखा है—मैंने उससे एक-दो बार बात भी की है। मैं आपके मुंह से ही सुनना चाहूंगा कि आप दोनों के बीच असल में क्या हुआ था।”

मैं तुम्हें एक शब्द भी नहीं बताऊंगा।

कोई बात नहीं। ये तो बस मेरी एक इच्छा थी कि देखूँ कि क्या तुम भी उतनी ही आसानी से अपना राज़ बता दोगे जितनी आसानी से तुम मुझसे नए तहखानों का राज़ बताने की उम्मीद कर रहे थे। तुम नहीं बताओगे, और मुझे तुमसे ऐसी उम्मीद भी नहीं थी। लेकिन तुम मुझसे ऐसी उम्मीद क्यों करोगे? सेंट जॉन की घड़ी में दस बज रहे हैं। अब घर जाने का समय हो गया है।

“नहीं; ज़रा रुकिए, बर्गर,” कैनेडी ने कहा; “महीनों पहले खत्म हो चुके पुराने प्रेम प्रसंग के बारे में जानने की आपकी यह इच्छा सचमुच एक हास्यास्पद सनक है। आप जानते हैं कि हम चुगली करके भेद खोलने वाले व्यक्ति को सबसे बड़ा कायर और दुष्ट मानते हैं।”

“बिल्कुल,” जर्मन ने अपनी जिज्ञासाओं से भरी टोकरी समेटते हुए कहा, “जब वह किसी लड़की के बारे में कुछ ऐसा बताता है जो पहले अज्ञात हो, तो स्वाभाविक ही है। लेकिन इस मामले में, जैसा कि आप जानते ही होंगे, यह एक सार्वजनिक मामला था जो रोम में हर जगह चर्चा का विषय था, इसलिए मेरे साथ मिस मैरी सॉन्डर्सन के मामले पर चर्चा करके आप उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा रहे हैं। फिर भी, मैं आपकी संशय का सम्मान करता हूं; और शुभ रात्रि!”

“थोड़ा रुको, बर्गर,” कैनेडी ने दूसरे के हाथ पर हाथ रखते हुए कहा; “मुझे इस भूमिगत कब्रगाह के मामले में बहुत दिलचस्पी है, और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। क्या तुम बदले में मुझसे कुछ और पूछोगे—इस बार कुछ ऐसा जो इतना अजीब न हो?”

“नहीं, नहीं; आपने मना कर दिया है, और बात यहीं खत्म होती है,” बर्गर ने अपनी टोकरी हाथ में लिए कहा। “निस्संदेह आपका जवाब न देना बिल्कुल सही है, और निस्संदेह मैं भी बिल्कुल सही हूं — और इसलिए, मेरे प्यारे कैनेडी, शुभ रात्रि!”

अंग्रेज ने बर्गर को कमरे के उस पार जाते हुए देखा, और उसके मेजबान के उठने से पहले ही बर्गर का हाथ दरवाजे के हैंडल पर था, मेजबान उस व्यक्ति की तरह उछल पड़ा जो उस स्थिति का सर्वोत्तम उपयोग करने की कोशिश कर रहा हो जिसे टाला नहीं जा सकता।

“रुको, दोस्त,” उसने कहा; “मुझे लगता है कि तुम बहुत ही हास्यास्पद व्यवहार कर रहे हो; लेकिन फिर भी; अगर यही तुम्हारी हालत है, तो मुझे इसे स्वीकार करना ही पड़ेगा। मुझे किसी लड़की के बारे में कुछ भी कहना पसंद नहीं है, लेकिन जैसा कि तुम कहते हो, यह बात पूरे रोम में फैली हुई है, और मुझे नहीं लगता कि मैं तुम्हें कुछ ऐसा बता सकता हूं जो तुम पहले से नहीं जानते। तुम क्या जानना चाहते थे?”

जर्मन व्यक्ति चूल्हे के पास वापस आया और अपनी टोकरी नीचे रखकर एक बार फिर अपनी कुर्सी पर बैठ गया।

“क्या मुझे एक और सिगार मिल सकता है?” उसने कहा। “बहुत-बहुत धन्यवाद! मैं काम करते समय कभी सिगरेट नहीं पीता, लेकिन तंबाकू के नशे में मुझे बातचीत करना ज्यादा अच्छा लगता है। अब, उस युवती के बारे में, जिसके साथ आपका यह छोटा सा किस्सा हुआ था। आखिर उसका क्या हुआ?”

वह अपने लोगों के बीच सहज महसूस करती है।

"अरे, सच में—इंग्लैंड में?"

"हाँ।"

“इंग्लैंड का कौन सा हिस्सा — लंदन?”

नहीं, ट्विकेनहैम।

"मेरे प्यारे कैनेडी, मेरी जिज्ञासा के लिए मुझे क्षमा करें, और इसे दुनिया के बारे में मेरी अज्ञानता समझें। इसमें कोई संदेह नहीं है कि किसी युवती को तीन सप्ताह के लिए अपने साथ ले जाना और फिर उसे उसके परिवार को सौंप देना - उस जगह का नाम क्या था?"

“ट्विकेनहैम।”

“बिल्कुल सही – ट्विकेनहैम में। लेकिन यह मेरे अनुभव से इतना परे है कि मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि आपने यह सब कैसे किया। उदाहरण के लिए, अगर आप उस लड़की से प्यार करते तो आपका प्यार तीन हफ्तों में कैसे खत्म हो सकता था, इसलिए मेरा मानना है कि आप उससे बिल्कुल भी प्यार नहीं करते थे। लेकिन अगर आप उससे प्यार नहीं करते थे तो आपने इतना बड़ा बवाल क्यों खड़ा किया जिससे आपको नुकसान हुआ और उसका भी सब कुछ बर्बाद हो गया?”

कैनेडी ने उदास भाव से चूल्हे की लाल आंख की ओर देखा।

"यह देखने का एक तार्किक तरीका है, बिल्कुल," उन्होंने कहा। "प्यार एक बड़ा शब्द है, और यह भावनाओं के कई अलग-अलग रूपों को दर्शाता है। मैं उसे पसंद करता था, और - खैर, आपने कहा कि आपने उसे देखा है - आप जानते हैं कि वह कितनी आकर्षक दिखती थी। लेकिन फिर भी, पीछे मुड़कर देखने पर, मैं यह स्वीकार करने को तैयार हूं कि मैं उससे कभी सच्चा प्यार नहीं कर सका।"

"तो फिर, मेरे प्यारे कैनेडी, आपने ऐसा क्यों किया?"

"इसमें रोमांच का बहुत बड़ा योगदान था।"

"वाह! आपको तो रोमांच बहुत पसंद है!"

उनके बिना जीवन में विविधता कहाँ होती? एक रोमांच के लिए ही मैंने पहली बार उसकी ओर ध्यान देना शुरू किया। मैंने अपने जीवन में कई महिलाओं का पीछा किया है, लेकिन एक खूबसूरत महिला का पीछा करने जैसा कोई और नहीं। इसमें एक दिलचस्प चुनौती भी थी, क्योंकि वह लेडी एमिली रूड की साथी थी, इसलिए उससे अकेले मिलना लगभग असंभव था। उन सभी बाधाओं के अलावा, जिन्होंने मुझे आकर्षित किया, मुझे शुरुआत में ही उसके मुँह से पता चला कि उसकी सगाई हो चुकी है।

"हे भगवान! किसके लिए?"

उसने किसी का नाम नहीं लिया।

मुझे नहीं लगता कि यह बात किसी को पता है। तो इससे रोमांच और भी आकर्षक हो गया, है ना?

"खैर, इससे स्वाद में वाकई ज़ायका आ गया। क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"

मैं आपको बता दूं कि मुझे इन चीज़ों के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं है।

"मेरे प्यारे दोस्त, तुम्हें याद होगा कि तुमने अपने पड़ोसी के पेड़ से जो सेब चुराया था, वह हमेशा तुम्हारे अपने पेड़ से गिरे सेब से ज्यादा मीठा होता था। और फिर मुझे पता चला कि वह मेरी परवाह करती थी।"

"क्या— एक ही बार में?"

"ओह, नहीं, इसमें करीब तीन महीने लग गए, लगातार कोशिश करने के बाद आखिरकार मैंने उसे मना लिया। वह समझ गई थी कि मेरी पत्नी से न्यायिक अलगाव के कारण मेरे लिए उसके साथ सही व्यवहार करना असंभव था – लेकिन फिर भी वह आई और हमने साथ में बहुत अच्छा समय बिताया, जब तक कि वह समय चला।"

लेकिन दूसरे आदमी के बारे में क्या?

कैनेडी ने अपने कंधे उचका दिए।

"मुझे लगता है कि यह योग्यतम की उत्तरजीविता का सिद्धांत है," उसने कहा। "अगर वह बेहतर इंसान होता तो वह उसे छोड़कर नहीं जाती। चलो इस विषय को यहीं समाप्त करते हैं, क्योंकि मैं इससे तंग आ चुका हूं!"

"बस एक और बात। आपने तीन हफ्तों में उससे छुटकारा कैसे पा लिया?"

"खैर, हम दोनों का गुस्सा थोड़ा शांत हो गया था, आप समझ रहे हैं ना। उसने किसी भी हालत में रोम में अपने जान-पहचान वालों का सामना करने के लिए वापस आने से साफ इनकार कर दिया था। अब, ज़ाहिर है, रोम मेरे लिए ज़रूरी था, और मैं अपने काम पर वापस जाने के लिए बेताब था – तो अलग होने का एक स्पष्ट कारण यही था। फिर, उसके बूढ़े पिता लंदन के होटल में आ गए, और वहां हंगामा मच गया, और सारा मामला इतना अप्रिय हो गया कि सच में – हालांकि मुझे शुरू में उसकी बहुत याद आ रही थी – मैं वहां से निकलकर बहुत खुश हुआ। अब, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप मेरी कही हुई कोई भी बात न दोहराएं।"

"मेरे प्यारे कैनेडी, मैं इसे दोहराने की सोच भी नहीं सकता। लेकिन आपकी कही हर बात मुझे बहुत रुचिकर लगती है, क्योंकि इससे मुझे चीज़ों को देखने का आपका नजरिया समझ आता है, जो मेरे नजरिए से बिल्कुल अलग है, क्योंकि मैंने जीवन को बहुत कम ही देखा है। और अब आप मेरी नई कब्रगाह के बारे में जानना चाहते हैं। उसका वर्णन करने का कोई फायदा नहीं, क्योंकि आप उसे कभी खोज ही नहीं पाएंगे। बस एक ही उपाय है, और वो ये है कि मैं आपको वहाँ ले जाऊं।"

"यह बहुत बढ़िया होगा।"

आप कब आना चाहेंगे?

"जितनी जल्दी हो सके उतना अच्छा। मैं इसे देखने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।"

"खैर, रात बहुत खूबसूरत है – हालांकि थोड़ी ठंड है। मान लीजिए हम एक घंटे में निकल पड़ते हैं। हमें इस बात को गुप्त रखने में बहुत सावधानी बरतनी होगी। अगर किसी ने हमें जोड़े में शिकार करते हुए देख लिया तो उन्हें शक हो जाएगा कि कुछ गड़बड़ चल रही है।"

"हमें जरूरत से ज्यादा सतर्क नहीं रहना चाहिए," कैनेडी ने कहा। "क्या यह दूर है?"

"कुछ मील।"

"क्या पैदल चलने में ज्यादा दूर नहीं है?"

"अरे नहीं, हम वहां आसानी से पैदल जा सकते हैं।"

"तो बेहतर होगा कि हम ऐसा ही करें। अगर कोई टैक्सी ड्राइवर हमें आधी रात को किसी सुनसान जगह पर छोड़ दे तो उसे शक हो जाएगा।"

"बिल्कुल सही। मुझे लगता है कि हमारे लिए आधी रात को एपियन वे के द्वार पर मिलना सबसे अच्छा रहेगा। मुझे माचिस, मोमबत्ती और अन्य ज़रूरी सामान लेने के लिए अपने कमरे में वापस जाना होगा।"

"ठीक है, बर्गर! मुझे यह राज़ बताने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, और मैं आपसे वादा करता हूँ कि जब तक आप अपनी रिपोर्ट प्रकाशित नहीं कर देते, मैं इसके बारे में कुछ नहीं लिखूंगा। अभी के लिए अलविदा! आप मुझे बारह बजे गेट पर मिलेंगे।"

ठंडी, निर्मल हवा में घड़ियों के उस शहर की मधुर घंटियों की गूंज सुनाई दे रही थी, जब बर्गर, इतालवी ओवरकोट में लिपटा हुआ और हाथ में लालटेन लटकाए, निर्धारित स्थान की ओर बढ़ा। कैनेडी उससे मिलने के लिए छाया से बाहर निकले।

"आप काम में भी उतने ही उत्साही हैं जितने कि प्यार में!" जर्मन ने हंसते हुए कहा।

"हां; मैं यहां लगभग आधे घंटे से इंतजार कर रहा हूं।"

मुझे उम्मीद है कि आपने इस बात का कोई सुराग नहीं छोड़ा होगा कि हम कहाँ जा रहे थे।

"इतना भी मूर्ख नहीं! हे भगवान! मुझे तो कड़ाके की ठंड लग रही है! चलो बर्गर, थोड़ी देर चलकर खुद को गर्म कर लेते हैं।"

दुनिया के सबसे प्रसिद्ध राजमार्ग के अब बचे हुए निराशाजनक पथरीले रास्ते पर उनके कदमों की आहट तेज़ और स्पष्ट सुनाई दे रही थी। शराब की दुकान से घर लौट रहे एक-दो किसान और रोम की ओर आ रही कुछ देसी उपज से भरी गाड़ियाँ ही उन्हें दिखाई दीं। वे आगे बढ़ते रहे, उनके दोनों ओर अंधेरे में विशाल मकबरे उभर रहे थे, जब तक कि वे सेंट कैलिस्टस के तहखानों तक नहीं पहुंच गए, और उगते चाँद की रोशनी में उनके सामने सेसिलिया मेटेला का विशाल गोलाकार बुर्ज दिखाई दिया। तभी बर्गर अपना हाथ बगल में रखकर रुक गया।

“तुम्हारे पैर मुझसे लंबे हैं, और तुम्हें चलने की ज़्यादा आदत है,” उसने हंसते हुए कहा। “मुझे लगता है कि हमें यहीं कहीं मुड़ना है। जी हां, यहीं पर, टेंटोरिया के कोने के पास। वैसे, यह रास्ता बहुत संकरा है, इसलिए बेहतर होगा कि मैं आगे चलूं और तुम मेरे पीछे आ जाओ।”

उसने अपनी लालटेन जला ली थी, और उसकी रोशनी में वे कैम्पाग्ना के दलदलों से होकर गुजरने वाले एक संकरे और घुमावदार रास्ते पर चल पाए। पुराने रोम का विशाल जलसेतु चांदनी रात में एक विशालकाय इल्ली की तरह फैला हुआ था, और उनका रास्ता उसके एक विशाल मेहराब के नीचे से और पुराने अखाड़े की टूटी-फूटी ईंटों के घेरे के पास से होकर गुजरा। अंत में बर्गर एक अकेले लकड़ी के गौशाला के पास रुका, और उसने अपनी जेब से एक चाबी निकाली। "ज़रूर तुम्हारा तहखाना किसी घर के अंदर तो नहीं है!" कैनेडी चिल्लाया।

"इसका प्रवेश द्वार ही इसका प्रवेश द्वार है। यही वह सुरक्षा उपाय है जिससे हम किसी और को इसके बारे में पता चलने से रोक सकते हैं।"

क्या मालिक को इसकी जानकारी है?

“नहीं, वो नहीं। उसे एक-दो ऐसी चीज़ें मिली थीं जिनसे मुझे लगभग यकीन हो गया था कि उसका घर ऐसी ही किसी जगह के प्रवेश द्वार पर बना है। इसलिए मैंने उससे वो घर किराए पर लिया और खुद खुदाई का काम किया। अंदर आ जाओ और दरवाज़ा बंद कर लेना।”

यह एक लंबी, खाली इमारत थी, जिसकी एक दीवार के किनारे गायों के लिए चारागाह बने हुए थे। बर्गर ने अपनी लालटेन ज़मीन पर रख दी और अपने ओवरकोट को उसके चारों ओर लपेटकर उसकी रोशनी को एक दिशा को छोड़कर बाकी सभी दिशाओं में फैलने से रोक दिया।

“अगर इस सुनसान जगह में किसी को रोशनी दिख जाए तो शायद लोग हैरानी जताएं,” उसने कहा। “बस इस तख्ते को हटाने में मेरी मदद करो।”

कोने में फ़र्श ढीला था, और दोनों विद्वानों ने एक-एक तख्ता उठाकर उसे दीवार के सहारे टिका दिया। नीचे एक चौकोर छेद था और पुरानी पत्थर की सीढ़ियाँ थीं जो धरती के भीतरी भाग में जाती थीं।

“सावधान!” बर्गर चिल्लाया, जब कैनेडी अधीर होकर सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा। “नीचे तो बिल्कुल खरगोशों का बिल है, और अगर एक बार रास्ता भटक गए तो बाहर निकलने की संभावना सौ में से एक होगी। रुको, मैं रोशनी लाता हूं।”

"अगर यह इतना जटिल है तो आप अपना रास्ता कैसे खोजेंगे?"

“शुरू में तो मैं कई बार बाल-बाल बचा, लेकिन धीरे-धीरे मैंने रास्ता सीख लिया। इसका एक खास तरीका है, लेकिन अगर कोई खोया हुआ आदमी अंधेरे में हो तो उसे यह तरीका कभी समझ नहीं आएगा। आज भी जब मैं तहखानों में काफ़ी अंदर जाता हूं तो हमेशा अपने पीछे धागे का गोला बनाता हूं। आप खुद देख सकते हैं कि यह कितनी मुश्किल है, लेकिन सौ गज चलने से पहले ही इनमें से हर रास्ता दर्जनों बार बंट जाता है।”

वे गौशाला से लगभग बीस फीट नीचे उतर चुके थे, और अब वे नरम टफ से तराशे गए एक चौकोर कक्ष में खड़े थे। लालटेन की टिमटिमाती रोशनी, नीचे तेज़ और ऊपर धुंधली, दरारों से भरी भरी दीवारों पर पड़ रही थी। हर दिशा में काले मार्ग के खुले द्वार थे जो इस सामान्य केंद्र से निकलते हुए दिखाई दे रहे थे।

“मेरे मित्र, तुम मेरे पीछे-पीछे आओ,” बर्गर ने कहा। “रास्ते में कुछ भी देखने के लिए मत रुकना, क्योंकि जिस जगह मैं तुम्हें ले जाऊंगा, वहां वह सब कुछ है जो तुम देख सकते हो, और उससे भी कहीं अधिक। सीधे वहां जाने से हमारा समय बचेगा।”

वह एक गलियारे में आगे-आगे चल रहा था, और अंग्रेज उसके ठीक पीछे-पीछे चल रहा था। बीच-बीच में गलियारा दो भागों में बंट जाता था, लेकिन बर्गर स्पष्ट रूप से अपने ही कुछ गुप्त निशानों का अनुसरण कर रहा था, क्योंकि वह न तो रुका और न ही हिचकिचाया। दीवारों के सहारे, प्रवासी जहाज़ों के बर्थों की तरह, प्राचीन रोम के ईसाई शव रखे हुए थे। पीली रोशनी ममी के मुरझाए हुए चेहरों पर झिलमिला रही थी, और गोल खोपड़ियों और मांसहीन छाती पर एक-दूसरे को काटती हुई लंबी, सफेद भुजाओं पर चमक रही थी। और जहां से भी कैनेडी गुज़रा, उसने शिलालेखों, अंत्येष्टि पात्रों, चित्रों, वस्त्रों, बर्तनों को उदास निगाहों से देखा, जो सदियों पहले धर्मपरायण हाथों द्वारा रखे गए थे। उन जल्दबाज़ी भरी निगाहों में भी उसे यह स्पष्ट हो गया कि यह सबसे प्राचीन और सबसे उत्तम भूमिगत कब्रगाह थी, जिसमें रोमन अवशेषों का ऐसा भंडार था जो पहले कभी किसी छात्र की नज़र में नहीं आया था।

आगे बढ़ते हुए उसने पूछा, "अगर बिजली चली जाए तो क्या होगा?"

“मेरी जेब में एक मोमबत्ती और माचिस की डिब्बी है। वैसे, कैनेडी, क्या आपके पास माचिस है?”

"नहीं; बेहतर होगा कि तुम मुझे कुछ दो।"

“ओह, यह तो ठीक है। हमारे अलग होने की कोई संभावना नहीं है।”

“हम कितनी दूर जा रहे हैं? मुझे लगता है कि हम कम से कम एक चौथाई मील चल चुके हैं।”

“मुझे लगता है, इससे भी कहीं ज़्यादा। कब्रों की कोई सीमा नहीं है—कम से कम, मुझे तो अभी तक कोई नहीं मिली। यह बहुत ही मुश्किल जगह है, इसलिए मुझे लगता है कि मैं अपनी धागे की गेंद का इस्तेमाल करूंगा।”

उसने कुंडली का एक सिरा एक उभरे हुए पत्थर से बाँध दिया और उसे अपने कोट की छाती में दबाकर आगे बढ़ते हुए खोलता गया। कैनेडी ने देखा कि यह कोई अनावश्यक सावधानी नहीं थी, क्योंकि रास्ते पहले से कहीं अधिक जटिल और घुमावदार हो गए थे, जिनमें आपस में जुड़े गलियारों का एक संपूर्ण जाल बिछा हुआ था। लेकिन ये सभी गलियारे एक विशाल गोलाकार हॉल में जाकर समाप्त होते थे, जिसके एक सिरे पर संगमरमर की पटिया से बना एक वर्गाकार चबूतरा था।

“हे भगवान!” बर्गर ने संगमरमर पर अपनी लालटेन घुमाई तो कैनेडी उत्साह से चिल्ला उठे। “यह एक ईसाई वेदी है—संभवतः अस्तित्व में आने वाली पहली वेदी। इसके कोने पर छोटा सा अभिषेक क्रॉस खुदा हुआ है। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस गोलाकार स्थान का उपयोग चर्च के रूप में किया जाता था।”

“बिल्कुल सही,” बर्गर ने कहा। “अगर मेरे पास और समय होता तो मैं आपको उन सभी शवों को दिखाना चाहता जो दीवारों पर बनी इन अलमारियों में दफन हैं, क्योंकि ये चर्च के शुरुआती पोप और बिशप हैं, उनके मुकुट, उनके क्रोज़ियर और पूरे धार्मिक वस्त्रों के साथ। उस एक के पास जाइए और उसे देखिए!”

कैनेडी आगे बढ़े और उस भयावह सिर को घूरने लगे जो फटे-पुराने और सड़ते हुए मुकुट पर बेजान पड़ा था।

“यह तो बहुत दिलचस्प है,” उसने कहा, और उसकी आवाज़ अवतल गुंबद में गूंज उठी। “मेरे अनुभव के अनुसार, यह अनोखा है। बर्गर, लालटेन ले आओ, क्योंकि मैं उन सभी को देखना चाहता हूं।”

लेकिन वह जर्मन व्यक्ति वहां से चला गया था और हॉल के दूसरी तरफ पीले रंग के प्रकाश के घेरे के बीच में खड़ा था।

“क्या आपको पता है कि यहाँ से सीढ़ियों तक कितने गलत मोड़ हैं?” उसने पूछा। “दो हज़ार से भी ज़्यादा। इसमें कोई शक नहीं कि यह ईसाइयों द्वारा अपनाए गए सुरक्षा

उपायों में से एक था। किसी आदमी के बाहर निकलने की संभावना दो हज़ार में एक है, भले ही उसके पास रोशनी हो; लेकिन अगर वह अंधेरे में हो तो ज़ाहिर है कि यह और भी मुश्किल होगा।"

"तो मुझे ऐसा ही लगता है।"

"और यह अंधेरा तो वाकई भयानक है। मैंने एक बार प्रयोग के तौर पर इसे आजमाया था। चलिए, फिर से कोशिश करते हैं!" वह लालटेन के पास झुका, और पल भर में ऐसा लगा जैसे किसी अदृश्य हाथ ने कैनेडी की दोनों आँखों को कसकर दबा दिया हो। उसने कभी ऐसे अंधेरे का अनुभव नहीं किया था। ऐसा लग रहा था मानो वह उस पर दबाव डाल रहा हो और उसे दम घोंट रहा हो। यह एक ठोस बाधा थी जिसके सामने शरीर आगे बढ़ने से हिचक रहा था। उसने अपने हाथ फैलाकर उसे पीछे धकेलने की कोशिश की।

"बस इतना काफी है, बर्गर," उसने कहा, "चलो फिर से रोशनी चालू करते हैं।"

लेकिन उसका साथी हंसने लगा, और उस गोलाकार कमरे में ऐसा लगा जैसे हंसी की आवाज एक साथ हर तरफ से आ रही हो।

"आप कुछ परेशान लग रहे हैं, मित्र कैनेडी," उन्होंने कहा।

"चलो, मोमबत्ती जलाओ!" कैनेडी ने अधीरता से कहा।

"यह बहुत अजीब है, कैनेडी, लेकिन मैं आवाज़ से बिल्कुल भी यह नहीं बता सकता कि आप किस दिशा में खड़े हैं। क्या आप बता सकते हैं कि मैं कहाँ हूँ?"

"नहीं; ऐसा लगता है कि तुम मेरे चारों ओर हो।"

"अगर मेरे हाथ में यह रस्सी न होती तो मुझे पता ही न होता कि मुझे किस दिशा में जाना है।"

मुझे तो ऐसा नहीं लगता। जल्दी से आग जलाओ, यार, और इस बकवास को खत्म करो।

"अच्छा, कैनेडी, मुझे पता चला है कि आपको दो चीज़ें बहुत पसंद हैं। एक है रोमांच, और दूसरी है किसी बाधा को पार करना। रोमांच तो इस तहखाने से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढना होगा। बाधा होगी अंधेरा और दो हज़ार गलत मोड़, जो रास्ता ढूंढने में थोड़ी मुश्किल पैदा करेंगे। लेकिन आपको जल्दी करने की ज़रूरत नहीं है, आपके पास काफ़ी समय है, और जब आप बीच-बीच में आराम के लिए रुकें, तो मैं चाहूंगा कि आप मिस मैरी सॉन्डर्सन के बारे में सोचें, और यह सोचें कि क्या आपने उनके साथ सही व्यवहार किया था।"

"अरे शैतान, तुम्हारा क्या मतलब है?" कैनेडी दहाड़ते हुए बोला। वह गोल-गोल चक्कर लगा रहा था और दोनों हाथों से घने अंधेरे को जकड़े हुए था।

"अलविदा," व्यंग्यात्मक आवाज़ ने कहा, और वह पहले ही कुछ दूरी पर जा चुकी थी। "मुझे सच में नहीं लगता, कैनेडी, तुम्हारे अपने हाव-भाव से भी, कि तुमने उस लड़की के साथ सही किया। बस एक छोटी सी बात थी जो तुम्हें पता नहीं थी, और मैं उसे बता सकता हूँ। मिस सॉन्डर्सन की सगाई एक बेचारे, बदसूरत से दिखने वाले छात्र से हुई थी, और उसका नाम जूलियस बर्गर था।"

कहीं सरसराहट हुई, किसी के पैर के पत्थर से टकराने की अस्पष्ट सी आवाज आई, और फिर उस पुराने ईसाई चर्च में सन्नाटा छा गया - एक ठहरा हुआ, भारी सन्नाटा जिसने कैनेडी को घेर लिया और उसे डूबते हुए आदमी के चारों ओर पानी की तरह बंद कर दिया।

लगभग दो महीने बाद निम्नलिखित अनुच्छेद यूरोपीय प्रेस में खूब प्रसारित हुआ:

हाल के वर्षों की सबसे रोचक खोजों में से एक रोम में स्थित नए तहखानों की खोज है, जो संट कैलिक्सटस के प्रसिद्ध तहखानों से कुछ दूरी पर पूर्व में स्थित है। इस

महत्वपूर्ण कब्रिस्तान की खोज, जो प्रारंभिक ईसाई काल के अत्यंत रोचक अवशेषों से समृद्ध है, युवा जर्मन विशेषज्ञ डॉ. जूलियस बर्गर की ऊर्जा और दूरदर्शिता के कारण संभव हुई है, जो प्राचीन रोम के विशेषज्ञ के रूप में तेजी से अग्रणी स्थान प्राप्त कर रहे हैं। यद्यपि उन्होंने अपनी खोज को सबसे पहले प्रकाशित किया, ऐसा प्रतीत होता है कि एक कम भाग्यशाली व्यक्ति ने डॉ. बर्गर से पहले ही यह काम कर लिया था। कुछ महीने पहले, प्रसिद्ध अंग्रेज छात्र श्री कैनेडी, कोर्सो स्थित अपने कमरों से अचानक गायब हो गए थे, और यह अनुमान लगाया गया था कि हाल ही में हुए एक घोटाले में शामिल होने के कारण उन्होंने रोम छोड़ दिया था। अब यह स्पष्ट है कि वास्तव में वे पुरातत्व के प्रति उस तीव्र प्रेम का शिकार हो गए थे जिसने उन्हें जीवित विद्वानों के बीच एक विशिष्ट स्थान दिलाया था। उनका शव नए तहखानों के मध्य में मिला था, और उनके पैरों और जूतों की स्थिति से स्पष्ट था कि वे कई दिनों तक घुमावदार गलियारों में भटकते रहे थे। ये भूमिगत कब्रें खोजकर्ताओं के लिए बेहद खतरनाक हैं। मृतक सज्जन ने अविश्वसनीय जल्दबाजी में, जहाँ तक पता चला है, मोमबत्ती या माचिस लिए बिना ही इस भूलभुलैया में प्रवेश कर लिया था, इसलिए उनका दुखद अंत उनकी इस दुस्साहस का स्वाभाविक परिणाम था। इस मामले को और भी दुखद बात यह बनाती है कि डॉ. जूलियस बर्गर मृतक के घनिष्ठ मित्र थे। उन्हें जो असाधारण खोज करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था, उसकी खुशी उनके साथी और सहकर्मी के इस भयानक अंत से धूमिल हो गई है।

लेडी सन्नॉक्स का मामला

डगलस स्टोन और कुख्यात लेडी सन्नॉक्स के बीच के संबंध उन प्रतिष्ठित सामाजिक हलकों में बहुत अच्छी तरह से ज्ञात थे, जिनमें वह एक प्रतिभाशाली सदस्य थीं, और उन वैज्ञानिक संस्थाओं में भी, जिनमें वह अपने सबसे प्रतिष्ठित सहयोगियों में से एक थे। इसलिए, स्वाभाविक रूप से, जब एक सुबह यह घोषणा की गई कि लेडी सन्नॉक्स का निधन हो गया है और दुनिया उन्हें फिर कभी नहीं देख पाएगी, तो व्यापक स्तर पर लोगों में दिलचस्पी पैदा हो गई। जब इस अफवाह के ठीक अंत में यह पुष्टि हुई कि प्रसिद्ध ऑपरेशन सर्जन, फौलादी हौसले वाले व्यक्ति, को सुबह उनके नौकर ने अपने बिस्तर के एक तरफ बैठे हुए पाया, वे दुनिया पर मुस्कुरा रहे थे, उनके दोनों पैर उनकी पैंट के एक तरफ फंसे हुए थे और उनका महान मस्तिष्क दलिया से भरी एक टोपी जितना ही बेकार था, तो यह मामला उन लोगों के लिए भी काफी रोमांचक था जिन्होंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि उनके सुस्त हौसले ऐसी सनसनी पैदा कर सकते हैं।

अपने चरम पर डगलस स्टोन इंग्लैंड के सबसे असाधारण व्यक्तियों में से एक थे। वास्तव में, यह कहना मुश्किल है कि वे कभी अपने चरम पर पहुँचे भी थे, क्योंकि इस छोटी सी घटना के समय उनकी आयु मात्र उनतीस वर्ष थी। जो लोग उन्हें सबसे अच्छी तरह जानते थे, वे इस बात से अवगत थे कि एक सर्जन के रूप में वे जितने प्रसिद्ध थे, जीवन के किसी भी क्षेत्र में वे और भी अधिक तेजी से सफलता प्राप्त कर सकते थे। वे एक सैनिक के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त कर सकते थे, एक खोजकर्ता के रूप में संघर्ष कर सकते थे, अदालतों में अपनी बात मनवा सकते थे, या एक इंजीनियर के रूप में पत्थर और लोहे से निर्माण कर सकते थे। वे महान बनने के लिए ही पैदा हुए थे, क्योंकि वे वह योजना बना सकते थे जो कोई दूसरा करने की हिम्मत नहीं करता था, और वे वह कर सकते थे जो कोई दूसरा करने की हिम्मत नहीं करता था। शल्य चिकित्सा में उनका कोई अनुसरण नहीं कर सकता था। उनका साहस, उनका विवेक, उनकी अंतर्ज्ञान, अद्वितीय थे। बार-बार उनके चाकू ने मृत्यु को काट डाला, लेकिन ऐसा करते हुए जीवन के स्रोत को छू लिया, यहाँ तक कि उनके सहायक भी रोगी की तरह पीले पड़ गए।

उनकी ऊर्जा, उनका साहस, उनका अटूट आत्मविश्वास—क्या उनकी यादें आज भी मैरीलेबोन रोड के दक्षिण और ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट के उत्तर में गूंजती नहीं हैं?

उसके अवगुण उसके गुणों जितने ही भव्य और कहीं अधिक आकर्षक थे। उसकी आमदनी बहुत अधिक थी (लंदन के सभी पेशेवर पुरुषों में तीसरी सबसे अधिक), फिर भी वह उसके विलासितापूर्ण जीवन के सामने फीकी पड़ जाती थी। उसके जटिल स्वभाव में कामुकता की एक समृद्ध धारा छिपी थी, जिस पर उसने अपने जीवन के सारे पुरस्कार टिका रखे थे। आँख, कान, स्पर्श, स्वाद, सब उसके स्वामी थे। पुरानी शराब की खुशबू, दुर्लभ विदेशी सुगंध, यूरोप की सबसे सुंदर मिट्टी के बर्तनों की बनावट और रंग, इन्हीं में सोने की तेज़ बहती धारा समा जाती थी। और फिर लेडी सन्नॉक्स के लिए उसका अचानक पागलपन भरा जुनून जागा, जब दो चुनौती भरी निगाहों और फुसफुसाए शब्दों से हुई एक मुलाकात ने उसे आग लगा दी। वह लंदन की सबसे सुंदर महिला थी और उसके लिए एकमात्र। वह लंदन के सबसे सुंदर पुरुषों में से एक था, लेकिन उसके लिए एकमात्र नहीं। उसे नए अनुभवों का शौक था और जो भी पुरुष उसे लुभाने की कोशिश करते, वह उनके प्रति विनम्र रहती थी। यह कारण हो सकता है या परिणाम हो सकता है कि लॉर्ड सन्नॉक्स पचास वर्ष के दिखते थे, जबकि उनकी आयु केवल छत्तीस वर्ष थी।

यह लॉर्ड एक शांत, मौन और तटस्थ स्वभाव के व्यक्ति थे, जिनके होंठ पतले और पलकें भारी थीं। उन्हें बागवानी का बहुत शौक था और वे घरेलू आदतों से परिपूर्ण थे। एक समय उन्हें अभिनय का शौक था, यहाँ तक कि उन्होंने लंदन में एक थिएटर भी किराए पर लिया था, और उसी के मंच पर उन्होंने मिस मैरियन डॉसन को पहली बार देखा था, जिन्हें उन्होंने अपना हाथ, अपनी उपाधि और एक काउंटी का तीसरा हिस्सा देने की पेशकश की थी। विवाह के बाद से उनका यह पुराना शौक उन्हें अरुचिकर लगने लगा था। यहाँ तक कि निजी नाट्य प्रस्तुतियों में भी उन्हें अपनी उस प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना असंभव हो गया था, जिसे वे अक्सर प्रदर्शित करते थे। वे अपने ऑर्किड और गुलदाउदी के बीच आलू और पानी देने वाले डिब्बे के साथ अधिक खुश रहते थे।

यह एक बेहद दिलचस्प सवाल था कि क्या वह पूरी तरह से अविवेकी था, या फिर उसमें आध्यात्मिकता की घोर कमी थी। क्या वह अपनी प्रेमिका के तौर-तरीकों को जानता था और उन्हें स्वीकार करता था, या वह महज़ एक अंधा, मोहित मूर्ख था? यह एक ऐसा मुद्दा था जिस पर आरामदायक छोटे ड्राइंग रूम में चाय की चुस्कियों के बीच या क्लबों की खिड़कियों में सिगार की मदद से चर्चा की जाती थी। पुरुषों के बीच उसके आचरण पर तीखी और स्पष्ट टिप्पणियाँ होती थीं। केवल एक ही व्यक्ति था जिसने उसके बारे में अच्छी बातें कही थीं, और वह धूम्रपान कक्ष का सबसे शांत सदस्य था। उसने उसे विश्वविद्यालय में घोड़े को प्रशिक्षण देते हुए देखा था, और ऐसा लगता था कि इसका उसके मन पर गहरा प्रभाव पड़ा था।

लेकिन जब डगलस स्टोन पसंदीदा उम्मीदवार बन गए, तो लॉर्ड सन्नॉक्स के ज्ञान या अज्ञानता को लेकर सभी संदेह हमेशा के लिए दूर हो गए। स्टोन में कोई छल-कपट नहीं था। अपने दबंग और उतावले स्वभाव में उन्होंने सारी सावधानी और विवेक को दरकिनार कर दिया। यह घोटाला कुख्यात हो गया। एक विद्वान संस्था ने संकेत दिया कि उपाध्यक्षों की सूची से उनका नाम हटा दिया गया है। दो मित्रों ने उनसे अपनी पेशेवर साख पर विचार करने की विनती की। उन्होंने उन तीनों को कोसते हुए चालीस गिनी खर्च करके एक चूड़ी खरीदी जिसे वे अपनी प्रेमिका के पास ले गए। वे हर शाम उनके घर जाते थे और दोपहर में वह उनकी गाड़ी में सफर करती थीं। दोनों पक्षों ने

अपने संबंधों को छिपाने का प्रयास नहीं किया; लेकिन अंत में एक छोटी सी घटना ने उनके रिश्ते में खलल डाल दिया।

वह एक उदास, सर्द रात थी, बेहद ठंडी और तूफानी हवा चल रही थी, चिमनियों से हवा की गड़गड़ाहट गूंज रही थी और खिड़कियों के शीशों से टकरा रही थी। हर बार हवा के झोंके के साथ बारिश की हल्की बूंदें शीशे पर पड़ रही थीं, जिससे छज्जों से टपकती धीमी गड़गड़ाहट और टपकने की आवाज़ कुछ पल के लिए दब जाती थी। डगलस स्टोन ने अपना खाना खत्म कर लिया था और अध्ययन कक्ष में अपनी आग के पास बैठे थे, उनकी कोहनी के पास मैलाकाइट की मेज पर एक गिलास बढ़िया पोर्ट वाइन रखा था। जैसे ही उन्होंने गिलास को होठों तक उठाया, उन्होंने उसे लैंप की रोशनी में ऊपर उठाया और एक पारखी की नज़र से उसमें तैरते हुए नन्हे-नन्हे पक्षियों के पंखों को निहारा। आग की लपटें उनके गंजे, साफ-सुथरे चेहरे पर रुक-रुक कर रोशनी डाल रही थीं, उनकी खुली हुई भूरी आँखें, मोटे लेकिन दृढ़ होंठ और गहरा, चौकोर जबड़ा, जिसमें कुछ रोमन जैसी मजबूती और पशुवतता थी। अपनी आलीशान कुर्सी पर आराम से बैठते हुए वे बीच-बीच में मुस्कुरा रहे थे। वास्तव में, उन्हें गर्व महसूस करने का पूरा अधिकार था, क्योंकि छह सहकर्मियों की सलाह के विरुद्ध जाकर उन्होंने उस दिन एक ऐसा ऑपरेशन किया था जिसके केवल दो ही मामले दर्ज थे, और परिणाम सभी अपेक्षाओं से कहीं अधिक शानदार रहा था। लंदन में किसी अन्य व्यक्ति में इतनी हिम्मत या इतने कौशल की क्षमता नहीं होती कि वह इस तरह के साहसिक कार्य की योजना बना सके।

लेकिन उन्होंने लेडी सन्नाक्स से उस शाम मिलने का वादा किया था और साढ़े आठ बज चुके थे। गाड़ी बुलाने के लिए उनका हाथ घंटी की ओर बढ़ा ही था कि उन्हें खटखटाहट की धीमी सी आवाज सुनाई दी। एक पल बाद ही हॉल में कदमों की आहट सुनाई दी और एक दरवाजा जोर से बंद हो गया।

“महोदय, परामर्श कक्ष में आपसे मिलने के लिए एक मरीज आया है,” बटलर ने कहा।

“अपने बारे में?”

"नहीं, महोदय; मुझे लगता है कि वह चाहते हैं कि आप बाहर जाएं।"

“बहुत देर हो चुकी है,” डगलस स्टोन ने चिढ़कर कहा। “मैं नहीं जाऊंगा।”

"यह उनका कार्ड है, महोदय।"

बटलर ने इसे सोने की थाली में रखकर पेश किया, जो उसके मालिक को एक प्रधानमंत्री की पत्नी ने उपहार में दी थी।

“‘हामिल अली, स्मिरना।’ हम्म! मुझे लगता है कि वह एक तुर्क है।”

"जी हाँ, महोदय। ऐसा लगता है जैसे वह विदेश से आया हो। और उसकी हालत बहुत खराब है।"

“अरे! मेरा एक कार्यक्रम है। मुझे कहीं और जाना होगा। लेकिन मैं उससे मिलूंगा। उसे अंदर बुलाओ, पिम।”

कुछ क्षण बाद, नौकर ने दरवाज़ा खोला और एक छोटे कद के, दुर्बल व्यक्ति को अंदर लाया, जो झुकी हुई पीठ और चेहरे के आगे की ओर धंसे हुए, तथा आँखों के बार-बार झपकने के साथ चल रहा था, जो अत्यधिक कमज़ोर दृष्टि के लक्षण थे। उसका चेहरा सांवला था, और उसके बाल और दाढ़ी गहरे काले रंग के थे। एक हाथ में उसने लाल धारियों वाली सफेद मलमल की पगड़ी और दूसरे हाथ में चमड़े का एक छोटा थैला पकड़ रखा था।

जब बटलर ने दरवाजा बंद कर दिया, तो डगलस स्टोन ने कहा, "शुभ संध्या। मुझे लगता है कि आप अंग्रेजी बोलते हैं?"

"जी सर। मैं एशिया माइनर से हूं, लेकिन जब मैं धीरे-धीरे बोलता हूं तो अंग्रेजी बोल लेता हूं।"

"मैं समझ गया, आप चाहते थे कि मैं बाहर जाऊं?"

जी हां, महोदय। मैं बहुत चाहता था कि आप मेरी पत्नी से मिलें।

"मैं सुबह आ सकता था, लेकिन मेरा एक काम तय है जिसकी वजह से मैं आज रात आपकी पत्नी से नहीं मिल पाऊंगा।"

तुर्क का जवाब अनोखा था। उसने चमड़े के थैले का मुंह बंद करने वाली डोरी खींची और मेज पर सोने की बाढ़ आ गई।

“वहाँ सौ पाउंड हैं,” उसने कहा, “और मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि इसमें एक घंटा भी नहीं लगेगा। मेरे पास दरवाजे पर एक टैक्सी तैयार खड़ी है।”

डगलस स्टोन ने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। लेडी सन्नॉक्स से मिलने में एक घंटे का समय ज़्यादा नहीं था। वह पहले भी वहाँ जा चुका था। और फीस भी बहुत ज़्यादा थी। हाल ही में उसके लेनदारों ने उस पर काफी दबाव डाला था, और वह ऐसा मौका हाथ से जाने नहीं दे सकता था। वह जाएगा।

“मामला क्या है?” उसने पूछा।

“ओह, यह तो बहुत दुखद है! बहुत दुखद! आपने शायद अल्मोहादियों के खंजरों के बारे में नहीं सुना होगा?”

"कभी नहीं।"

“अरे, ये तो बहुत पुराने पूर्वी खंजर हैं, जिनका आकार अनोखा है, इनकी मूठ रकाब जैसी है। आप समझ रहे हैं ना, मैं अनोखी चीज़ों का व्यापारी हूं, और इसीलिए स्मरना से इंग्लैंड आया हूँ, लेकिन अगले हफ्ते मैं वापस जा रहा हूं। मैं अपने साथ बहुत सी चीज़ें लाया था, और कुछ चीज़ें अभी भी बची हैं, लेकिन बड़े दुख की बात है कि उनमें से एक ये खंजर भी है।”

“आपको याद होगा कि मेरी एक अपॉइंटमेंट है, महोदय; कृपया आवश्यक विवरणों तक ही सीमित रहें।”

“आप देखेंगे कि यह आवश्यक है। आज मेरी पत्नी उस कमरे में बेहोश होकर गिर पड़ी जहाँ मैं अपना सामान रखता हूँ, और अल्मोहादेस के इस शापित खंजर से उसके निचले होंठ पर चोट लग गई।”

“मैं समझ गया,” डगलस स्टोन उठते हुए बोला। “और आप चाहते हैं कि मैं घाव पर पट्टी बांध दूं?”

नहीं, नहीं, यह उससे भी बदतर है।

"तो क्या?"

“ये खंजर विषैले हैं।”

“जहर दिया गया!”

“हां, और पूरब हो या पश्चिम, अब कोई भी यह नहीं बता सकता कि ज़हर क्या है और इलाज क्या है। लेकिन जो कुछ भी ज्ञात है, वह मुझे पता है, क्योंकि मेरे पिता मुझसे पहले इस पेशे में थे, और इन ज़हरीले हथियारों से हमारा बहुत वास्ता रहा है।”

"क्या लक्षण हैं?"

"गहरी नींद, और तीस घंटे में मृत्यु।"

"और आप कहते हैं कि इसका कोई इलाज नहीं है। तो फिर आप मुझे यह भारी भरकम फीस क्यों दे रहे हैं?"

"कोई दवा इलाज नहीं कर सकती, लेकिन चाकू शायद कर सकता है।"

“और कैसे?”

"यह जहर धीरे-धीरे अवशोषित होता है। यह घाव में घंटों तक बना रहता है।"

तो क्या धान से यह साफ हो जाएगा?

"यह सांप के काटने से ज्यादा खतरनाक नहीं है। यह बहुत सूक्ष्म और बहुत घातक होता है।"

तो फिर घाव को काटकर निकालना पड़ेगा?

"बस यही बात है। अगर उंगली पर चोट लगी है, तो उंगली काट दो। मेरे पिताजी हमेशा यही कहते थे। लेकिन सोचो यह घाव कहाँ है, और यह मेरी पत्नी को लगा है। यह बहुत भयानक है!"

लेकिन ऐसे गंभीर मामलों से परिचित होने पर व्यक्ति की सहानुभूति कम हो सकती है। डगलस स्टोन के लिए यह पहले से ही एक दिलचस्प मामला था, और उन्होंने पति की कमजोर आपत्तियों को अप्रासंगिक मानकर खारिज कर दिया।

"ऐसा लगता है कि या तो यही करना है या कुछ नहीं," उसने रूखेपन से कहा। "जान गंवाने से बेहतर है होंठ गंवाना।"

"अरे हाँ, मुझे पता है कि तुम सही कह रहे हो। खैर, ये तो किस्मत है, और इसका सामना करना ही होगा। मेरे पास टैक्सी है, और तुम मेरे साथ आओगे और ये काम करोगे।"

डगलस स्टोन ने दराज से बिस्कुटों का डिब्बा निकाला और उसे पट्टी के रोल और रुई के टुकड़े के साथ अपनी जेब में रख लिया। लेडी सन्नॉक्स से मिलने के लिए उसे अब और समय बर्बाद नहीं करना था।

"मैं तैयार हूँ," उसने अपना ओवरकोट पहनते हुए कहा। "इस ठंडी हवा में बाहर जाने से पहले क्या आप एक गिलास वाइन लेंगे?"

उनका आगंतुक पीछे हट गया, और उसने विरोध में हाथ ऊपर उठा लिया।

"तुम भूल गए हो कि मैं मुसलमान हूँ, और पैगंबर का सच्चा अनुयायी हूँ," उसने कहा। "लेकिन मुझे बताओ कि तुम्हारी जेब में रखी हरे रंग की कांच की बोतल क्या है?"

"यह क्लोरोफ़ॉर्म है।"

"अरे, वह भी हमारे लिए वर्जित है। वह एक आत्मा है, और हम ऐसी चीजों का उपयोग नहीं करते हैं।"

"क्या! आप अपनी पत्नी को बिना एनेस्थेटिक के ऑपरेशन करवाने देंगे?"

"अरे! बेचारी को कुछ महसूस नहीं होगा। गहरी नींद तो आ ही चुकी है, जो ज़हर का पहला असर है। और फिर मैंने उसे स्मिरना की अफ़ीम दे दी है। आइए, महोदय, एक घंटा बीत चुका है।"

जैसे ही वे अंधेरे में बाहर निकले, बारिश की तेज़ बूँदें उनके चेहरों पर पड़ीं और संगमरमर की कैरिएटिड प्रतिमा की भुजा से लटकता हुआ हॉल का दीपक हवा के झोंके के साथ बुझ गया। पिम, जो कि बटलर था, ने भारी दरवाज़े को धक्का दिया, हवा के विपरीत अपने कंधे पर ज़ोर लगाते हुए, जबकि दोनों आदमी उस पीली रोशनी की ओर टटोलते हुए आगे बढ़े जहाँ टैक्सी इंतज़ार कर रही थी। एक पल बाद ही वे अपनी यात्रा पर निकल पड़े।

"क्या यह दूर है?" डगलस स्टोन ने पूछा।

"ओह, नहीं। हमारे पास यूस्टन रोड से थोड़ी दूर एक बहुत ही शांत और छोटा सा घर है।"

सर्जन ने अपने रिपीटर की स्प्रिंग दबाई और समय बताने वाली हल्की-हल्की आवाज़ों को सुना। सवा नौ बज रहे थे। उन्होंने दूरी का हिसाब लगाया और सोचा कि इस मामूली ऑपरेशन को पूरा करने में कितना कम समय लगेगा। उन्हें दस बजे तक लेडी सन्नॉक्स पहुंच जाना चाहिए। धुंधली खिड़कियों से उन्हें धुंधली गैस की बत्तियाँ नाचती हुई दिखाई दीं, कभी-कभी दुकानों की तेज़ रोशनी भी नज़र आती थी। बारिश

गाड़ी के चमड़े के ऊपरी हिस्से पर ज़ोर से पड़ रही थी और पहिए कीचड़ और पानी में से गुज़रते हुए छलक रहे थे। उनके सामने उनके साथी की सफ़ेद टोपी धुंध में हल्की-हल्की चमक रही थी। सर्जन ने अपनी जेबें टटोलीं और सुइयां, पट्टियाँ और सेफ्टी पिन व्यवस्थित किए ताकि पहुँचने पर समय बर्बाद न हो। वे बेचैनी से पैर पटक रहे थे।

लेकिन टैक्सी आखिरकार धीमी हुई और रुक गई। पलक झपकते ही डगलस स्टोन बाहर निकला, और स्मरना के व्यापारी का पैर का अंगूठा उसकी एड़ी से सटा हुआ था।

“आप इंतज़ार कर सकते हैं,” उसने ड्राइवर से कहा।

एक संकरी और गंदी गली में बना वह घर देखने में बदसूरत सा था। लंदन को अच्छी तरह जानने वाले सर्जन ने परछाइयों में एक सरसरी नज़र डाली, लेकिन वहां कुछ भी खास नहीं था - न कोई दुकान, न कोई हलचल, बस एक कतार में खड़े बेजान, सपाट चेहरे वाले घर, लैंप की रोशनी में चमकते गीले पत्थरों का एक और हिस्सा, और नालियों में बहता पानी जो घूमता और गड़गड़ाता हुआ सीवर की जाली की ओर जा रहा था। उनके सामने वाला दरवाज़ा धब्बों से भरा और बदरंग था, और ऊपर लगे शीशे में हल्की रोशनी से उस पर जमी धूल और गंदगी साफ दिख रही थी। ऊपर एक शयनकक्ष की खिड़की में हल्की पीली रोशनी चमक रही थी। व्यापारी ने ज़ोर से दस्तक दी, और जैसे ही उसने अपना सांवला चेहरा रोशनी की ओर किया, डगलस स्टोन समझ गया कि वह चिंता से सिकुड़ा हुआ है। कुंडी लगी हुई थी, और एक बुजुर्ग महिला मोमबत्ती लिए दरवाज़े पर खड़ी थी, अपने झुर्रीदार हाथ से मोमबत्ती की पतली लौ को थामे हुए।

“क्या सब ठीक है?” व्यापारी ने हांफते हुए पूछा।

"वह वैसी ही है जैसी आपने उसे छोड़ी थी, महोदय।"

“उसने कुछ नहीं कहा?”

नहीं, वह गहरी नींद में सो रही है।

व्यापारी ने दरवाजा बंद कर दिया, और डगलस स्टोन संकरे गलियारे से नीचे उतर गया, चलते हुए वह कुछ हैरानी से चारों ओर देख रहा था। वहां न तो कोई कपड़ा था, न चटाई, न ही टोपी टांगने का स्टैंड। हर तरफ गहरी भूरी धूल और मकड़ी के जालों की मोटी लटें उसकी नज़र में छाई हुई थीं। बूढ़ी औरत के पीछे घुमावदार सीढ़ियों पर चढ़ते हुए, उसके मजबूत कदमों की आहट खामोश घर में कर्कश गूंज रही थी। वहाँ कोई कालीन नहीं था।

कमरा दूसरी मंजिल पर था। डगलस स्टोन बूढ़ी नर्स के पीछे-पीछे कमरे में दाखिल हुआ, व्यापारी उसके ठीक पीछे था। कम से कम यहाँ तो फर्नीचर था, और वह भी ज़रूरत से ज़्यादा। फर्श पर सामान बिखरा पड़ा था और कोनों में तुर्की अलमारियाँ, जड़ाऊ मेजें, चेन मेल के कोट, अजीबोगरीब पाइप और भद्दे हथियार ढेर लगे थे। दीवार पर एक ब्रैकेट पर एक छोटा सा लैंप रखा था। डगलस स्टोन ने उसे नीचे उतारा, और सामान के ढेर में से रास्ता बनाते हुए कोने में रखे सोफे तक गया, जिस पर तुर्की फैशन के कपड़े पहने एक महिला लेटी थी, जिसने यशमक और नकाब पहना हुआ था। चेहरे का निचला हिस्सा खुला हुआ था, और सर्जन ने निचले होंठ की सीमा पर एक टेढ़ा-मेढ़ा कट देखा।

तुर्क ने कहा, "तुम यशमक को माफ कर दोगे। तुम पूरब में महिलाओं के बारे में हमारे विचार जानते हो।"

लेकिन सर्जन यशमक के बारे में नहीं सोच रहा था। उसके लिए अब वह कोई महिला नहीं थी। वह एक मामला था। वह झुका और घाव का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा, "जलन के कोई लक्षण नहीं हैं। स्थानीय लक्षण विकसित होने तक हम ऑपरेशन को स्थगित कर सकते हैं।"

पति ने अनियंत्रित बेचैनी में अपने हाथ मलने शुरू कर दिए।

“ओह! श्रीमान, श्रीमान,” वह चिल्लाया। “माफ़ कीजिए। आपको पता नहीं है। यह जानलेवा है। मुझे पता है, और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि ऑपरेशन बिल्कुल ज़रूरी है। केवल सर्जरी ही उसे बचा सकती है।”

“फिर भी मैं इंतजार करने को इच्छुक हूं,” डगलस स्टोन ने कहा।

“बस करो,” तुर्क ने गुस्से से चिल्लाते हुए कहा। “हर मिनट कीमती है, और मैं यहाँ खड़े होकर अपनी पत्नी को मरते हुए नहीं देख सकता। अब बस इतना ही बचा है कि मैं आपके आने के लिए धन्यवाद दूं, और इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, किसी दूसरे सर्जन को बुला लूं।”

डगलस स्टोन हिचकिचाया। सौ पाउंड वापस करना कोई सुखद बात नहीं थी। लेकिन अगर वह मामला छोड़ देता, तो उसे पैसे लौटाने ही पड़ते। और अगर तुर्क सही था और महिला की मौत हो गई, तो फोरेंसिक जांच में उसकी स्थिति शर्मनाक हो सकती थी।

“क्या आपको इस जहर का व्यक्तिगत अनुभव हुआ है?” उसने पूछा।

"मेरे पास है।"

और आप मुझे आश्वस्त करते हैं कि ऑपरेशन आवश्यक है।

मैं उन सभी चीजों की कसम खाता हूँ जिन्हें मैं पवित्र मानता हूँ।

"यह विकृति भयावह होगी।"

मैं समझ सकता हूं कि उस मुंह को चूमना उतना अच्छा नहीं लगेगा।

डगलस स्टोन गुस्से से उस आदमी की ओर मुड़ा। उसकी बातें बेहद तीखी थीं। लेकिन तुर्क की बोलने और सोचने का अपना ही तरीका था, और बहस करने का समय नहीं था। डगलस स्टोन ने अपने सूटकेस से एक बिस्टौरी निकाली, उसे खोला और अपनी तर्जनी उंगली से उसकी धार को महसूस किया। फिर उसने लैंप को बिस्तर के पास किया। यशमक की दरार से दो काली आँखें उसे घूर रही थीं। वे पूरी तरह से पुतली थीं, और आँख की पुतली मुश्किल से दिखाई दे रही थी।

आपने उसे अफीम की बहुत भारी खुराक दी है।

"हां, उसे अच्छी मात्रा में खुराक मिल चुकी है।"

उसने एक बार फिर उन गहरी आँखों पर नज़र डाली जो सीधे उसकी आँखों में देख रही थीं। वे आँखें बेजान और चमकहीन थीं, लेकिन जैसे ही उसने उन्हें देखा, उनमें एक हल्की सी चमक आ गई और होंठ कांप उठे।

उन्होंने कहा, "वह पूरी तरह से बेहोश नहीं है।"

"क्या दर्द रहित समय में चाकू का इस्तेमाल करना बेहतर नहीं होगा?"

सर्जन के मन में भी यही विचार आया था। उसने चिमटी से घायल होंठ को पकड़ा और दो झटके में काटकर उसका एक चौड़ा, वी-आकार का टुकड़ा निकाल लिया। औरत एक भयानक चीख के साथ सोफे पर उछल पड़ी। उसके चेहरे से कपड़ा फट गया था। यह वही चेहरा था जिसे वह जानता था। उभरे हुए ऊपरी होंठ और खून के छींटों के बावजूद, यह वही चेहरा था जिसे वह पहचानता था। वह बार-बार अपना हाथ उस खाली जगह पर रखकर चीख रही थी। डगलस स्टोन अपने चाकू और चिमटी के साथ सोफे के नीचे बैठ गया। कमरा घूम रहा था और उसे अपने कान के पीछे किसी फटी हुई सिलाई जैसी कोई चीज महसूस हुई। कोई राहगीर कहता कि दोनों में से उसका चेहरा ज़्यादा भयानक था। मानो सपने में हो, या मानो नाटक में कुछ देख रहा हो, उसे होश था कि तुर्क के बाल और दाढ़ी मेज पर पड़े हैं और लॉर्ड सन्नॉक्स दीवार से

टिके हुए, हाथ बगल में रखे, चुपचाप हंस रहे हैं। अब चीखें थम चुकी थीं, और वह भयानक सिर वापस तकिए पर गिर गया था, लेकिन डगलस स्टोन अभी भी बिना हिले-डुले बैठा था, और लॉर्ड सन्नॉक्स अभी भी धीरे से खुद ही हंस रहा था।

उन्होंने कहा, "मैरियन के लिए यह ऑपरेशन वास्तव में बहुत जरूरी था, शारीरिक रूप से नहीं, बल्कि नैतिक रूप से।"

डगलस स्टोन कई गज तक झुके और चादर के किनारे से खेलने लगे। उनका चाकू ज़मीन पर गिर पड़ा, लेकिन उनके हाथ में अभी भी चिमटी और कुछ और था।

“मैं काफी समय से एक छोटा सा उदाहरण पेश करना चाहता था,” लॉर्ड सन्नॉक्स ने विनम्रता से कहा। “बुधवार का आपका पत्र नहीं पहुंचा, और वह मेरे पर्स में रखा है। मैंने अपने इस विचार को साकार करने में काफी मेहनत की। वैसे, चोट तो मेरी अंगूठी से लगी थी, इससे ज्यादा खतरनाक कुछ नहीं।”

उसने अपने मौन साथी पर पैनी नज़र डाली और अपनी कोट की जेब में रखी छोटी रिवॉल्वर को लोड किया। लेकिन डगलस स्टोन अभी भी चादर को खुरच रहा था।

“देखा आपने आखिरकार अपना वादा निभाया,” लॉर्ड सन्नॉक्स ने कहा।

और तभी डगलस स्टोन हंसने लगा। वह देर तक और ज़ोर से हंसता रहा। लेकिन लॉर्ड सन्नॉक्स अब नहीं हंसे। उनके चेहरे पर डर के भाव उभर आए। वह कमरे से बाहर निकल गए, और दबे पांव चलने लगे। बूढ़ी औरत बाहर इंतज़ार कर रही थी।

"जब आपकी मालकिन जाग जाए तो उसकी देखभाल करना," लॉर्ड सन्नॉक्स ने कहा।

फिर वह सड़क पर नीचे गया। टैक्सी दरवाजे पर खड़ी थी, और ड्राइवर ने अपना हाथ अपनी टोपी की ओर उठाया।

“जॉन,” लॉर्ड सन्नॉक्स ने कहा, “तुम पहले डॉक्टर को घर ले जाओ। मुझे लगता है कि उन्हें नीचे ले जाने की ज़रूरत होगी। उनके बटलर को बता देना कि वह किसी काम के दौरान बीमार पड़ गए हैं।”

"बहुत बढ़िया, महोदय।"

"फिर आप लेडी सन्नॉक्स को घर ले जा सकते हैं।"

"और आप कैसे हैं, महोदय?"

“अगले कुछ महीनों के लिए मेरा पता वेनिस का होटल डि रोमा होगा। बस यह सुनिश्चित कर लें कि पत्र भेज दिए जाएं। और स्टीवंस को बता दें कि वह अगले सोमवार को सभी बैंगनी गुलदाउदी की प्रदर्शनी लगाएं और मुझे परिणाम तार से भेज दें।”

ब्लू जॉन गैप का आतंक

डॉ. जेम्स हार्डकैसल के कागजातों में निम्नलिखित विवरण मिला, जिनकी मृत्यु 4 फरवरी, 1908 को तपेदिक से हुई थी। उनका निधन 36, अपर कोवेंट्री फ्लैट्स, साउथ केंसिंग्टन में हुआ था। जो लोग उन्हें सबसे अच्छी तरह जानते थे, वे इस विशेष कथन पर कोई राय व्यक्त करने से इनकार करते हुए भी, इस बात पर एकमत हैं कि वे एक गंभीर और वैज्ञानिक सोच वाले व्यक्ति थे, कल्पना से पूरी तरह रहित थे, और किसी भी असामान्य घटनाक्रम को गढ़ने की संभावना बहुत कम थी। यह लेख एक लिफाफे में था, जिस पर "पिछले वर्ष वसंत ऋतु में उत्तर-पश्चिम डर्बीशायर में मिस एलर्टन के फार्म के पास घटी घटनाओं का संक्षिप्त विवरण" लिखा था। लिफाफा सीलबंद था, और दूसरी तरफ पेंसिल से लिखा था -

प्रिय सीटॉन,—

“यह जानकर शायद आपको दिलचस्पी हो, और शायद दुख भी हो, कि मेरी कहानी पर आपके अविश्वास ने मुझे इस विषय पर दोबारा बोलने से रोक दिया है। मैं

यह रिकॉर्ड अपनी मृत्यु के बाद छोड़ रहा हूं, और शायद अजनबी मुझ पर मेरे मित्र से अधिक विश्वास करें।"

जांच से यह पता नहीं चल पाया है कि यह सीट्टॉन कौन था। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मृतक का एलर्टन फार्म जाना और वहां हुई अफरा-तफरी का सामान्य स्वरूप, उनके द्वारा दिए गए विशेष स्पष्टीकरण के अलावा, पूरी तरह से सिद्ध हो चुका है। इस प्रस्तावना के साथ मैं उनका विवरण ठीक उसी रूप में संलग्न कर रहा हूं जैसा उन्होंने छोड़ा था। यह एक डायरी के रूप में है, जिसमें कुछ प्रविष्टियों को विस्तारित किया गया है, जबकि कुछ को मिटा दिया गया है।

17 अप्रैल— इस शानदार पहाड़ी हवा का लाभ मुझे अभी से महसूस होने लगा है। एलर्टन का फार्म समुद्र तल से चौदह सौ बीस फीट ऊपर स्थित है, इसलिए यहां का मौसम काफी ताजगी भरा होगा। सुबह की सामान्य खांसी के अलावा मुझे कोई खास तकलीफ नहीं है, और ताजा दूध और घर में पाले गए भेड़ के मांस की वजह से मेरा वजन बढ़ने की पूरी संभावना है। मुझे लगता है कि सान्डर्सन खुश होंगे।

दोनों मिस एलर्टन बेहद प्यारी और दयालु हैं, दो मेहनती और स्नेहशील बूढ़ी कुंवारी औरतें, जो अपने पति और बच्चों के लिए जितना स्नेह रखतीं, उतना स्नेह एक बीमार अजनबी पर लुटाने को तैयार हैं। सचमुच, बूढ़ी कुंवारी औरतें बहुत उपयोगी होती हैं, समाज की एक महत्वपूर्ण सदस्य। वे फालतू औरत की बात करती हैं, लेकिन बेचारा फालतू आदमी उनकी दयालु उपस्थिति के बिना क्या करेगा? वैसे, अपनी सादगी में ही उन्होंने जल्दी से यह कारण बता दिया कि सान्डर्सन ने उनके फार्म की सिफारिश क्यों की थी। प्रोफेसर खुद भी निचले तबके से ऊपर उठे थे, और मेरा मानना है कि अपनी जवानी में वे इन्हीं खेतों में कौवों को डराने से भी पीछे नहीं हटते थे।

यह एक बेहद एकांत जगह है, और यहां के रास्ते बेहद खूबसूरत हैं। यह फार्म एक टेढ़ी-मेढ़ी घाटी के निचले हिस्से में स्थित चरागाह भूमि है। इसके दोनों ओर चूना पत्थर की शानदार पहाड़ियां हैं, जो इतनी नरम चट्टानों से बनी हैं कि उन्हें हाथों से तोड़ा जा सकता है। यह सारा इलाका खोखला है। अगर आप इस पर किसी विशाल हथौड़े से प्रहार करें तो यह ढोल की तरह गूंजेगा, या शायद पूरी तरह से ढह जाए और कोई विशाल भूमिगत सागर दिखाई दे। यहां अवश्य ही कोई विशाल सागर होगा, क्योंकि चारों ओर की नदियां पहाड़ में समा जाती हैं और फिर कभी प्रकट नहीं होतीं। चट्टानों के बीच हर जगह दरारें हैं, और जब आप उनसे गुजरते हैं तो आप खुद को विशाल गुफाओं में पाते हैं, जो धरती के भीतरी हिस्सों में उतरती जाती हैं। मेरे पास एक छोटी साइकिल की बत्ती है, और इन विचित्र एकांतों में इसे ले जाना और जब मैं इसकी रोशनी ऊंची छतों पर लटके हुए स्टैलेक्टाइट्स पर डालता हूं तो अद्भुत चांदी और काले रंग का प्रभाव देखना मेरे लिए हमेशा एक सुखद अनुभव होता है। बत्ती बंद कर दें, तो आप घोर अंधेरे में डूब जाते हैं। इसे चालू करें, और यह अरेबियन नाइट्स की कहानी का एक दृश्य है।

लेकिन धरती में बनी इन विचित्र दरारों में से एक विशेष रुचि की है, क्योंकि यह प्रकृति की नहीं, बल्कि मनुष्य की रचना है। जब मैं यहां आया था, तब मैंने ब्लू जॉन के बारे में कभी नहीं सुना था। यह एक विशेष प्रकार के सुंदर बैंगनी रंग के खनिज का नाम है, जो दुनिया में केवल एक या दो स्थानों पर ही पाया जाता है। यह इतना दुर्लभ है कि ब्लू जॉन के एक साधारण फूलदान की कीमत बहुत अधिक होती है। रोमनों ने अपनी असाधारण सूझबूझ से इसी घाटी में इसके मिलने का पता लगाया और पहाड़ की ढलान में एक क्षैतिज शाफ्ट खोदा। उनकी खदान के मुहाने को ब्लू जॉन गैप कहा जाता है, जो चट्टान में एक साफ-सुथरा मेहराब है, जिसका मुंह झाड़ियों से पूरी तरह ढका हुआ है। यह एक अच्छा मार्ग है जिसे रोमन खनिकों ने बनाया है, और यह पानी से बनी कुछ बड़ी

गुफाओं को काटता है, इसलिए यदि आप ब्लू जॉन गैप में प्रवेश करते हैं, तो अपने कदमों को चिह्नित करना और पर्याप्त मोमबत्तियाँ रखना बेहतर होगा, अन्यथा आप शायद कभी भी उजाले में वापस न आ सकें। मैंने अभी तक इसमें गहराई से प्रवेश नहीं किया है, लेकिन आज ही मैं मेहराबदार सुरंग के प्रवेश द्वार पर खड़ा था, और नीचे की ओर मौजूद काले गड्ढों में झांकते हुए, मैंने यह प्रतिज्ञा की कि जब मेरा स्वास्थ्य ठीक हो जाएगा तो मैं छुट्टी की कुछ समय उन रहस्यमय गहराइयों की खोज में व्यतीत करूंगा और स्वयं पता लगाऊंगा कि रोमन लोग डर्बीशायर की पहाड़ियों में कितनी दूर तक प्रवेश कर चुके थे।

ये लोग कितने अंधविश्वासी हैं, ये देखकर हैरानी होती है! मुझे युवा आर्मिटेज के बारे में कुछ और ही सोचना चाहिए था, क्योंकि वह पढ़ा-लिखा और चरित्रवान व्यक्ति है, और अपनी हैसियत के हिसाब से बहुत ही नेक इंसान है। मैं ब्लू जॉन गैप पर खड़ा था जब वह खेत पार करके मेरे पास आया।

"खैर, डॉक्टर," उसने कहा, "वैसे भी, आपको डरने की जरूरत नहीं है।"

"डर लग रहा है!" मैंने जवाब दिया। "किस बात से डर लग रहा है?"

"उसकी," उसने अपने अंगूठे को काले गुंबद की ओर इशारा करते हुए कहा, "ब्लू जॉन गुफा में बसने वाले आतंक की।"

किसी सुनसान ग्रामीण इलाके में किंवदंती का जन्म होना कितना आसान है! मैंने उससे उसके इस अजीबोगरीब विश्वास के कारणों के बारे में पूछा। आर्मिटेज के अनुसार, समय-समय पर खेतों से भेड़ें गायब हो जाती थीं, मानो उन्हें उठाकर ले जाया गया हो। यह स्पष्टीकरण कि वे अपनी मर्जी से भटक गई हों और पहाड़ों में गायब हो गई हों, वह सुनने को तैयार नहीं था। एक बार खून का एक धब्बा और ऊन के कुछ गुच्छे मिले थे। मैंने उसे बताया कि इसकी भी पूरी तरह से स्वाभाविक व्याख्या की जा सकती है। इसके अलावा, जिन रातों में भेड़ें गायब होती थीं, वे हमेशा बहुत अंधेरी, बादलों से घिरी और बिना चाँद वाली रातें होती थीं। इस पर उसने स्पष्ट जवाब दिया कि ये वे रातें हैं जिन्हें एक आम भेड़ चोर स्वाभाविक रूप से अपने काम के लिए चुनता है। एक बार एक दीवार में दरार बन गई थी और कुछ पत्थर काफी दूर तक बिखर गए थे। मेरे विचार में, यह फिर से मानवीय हस्तक्षेप था। अंत में, आर्मिटेज ने मुझे यह कहकर अपने सभी तर्कों को पुख्ता किया कि उसने वास्तव में उस प्राणी की आवाज सुनी थी - वास्तव में, जो कोई भी उस दरार पर काफी देर तक रहता, वह उसकी आवाज सुन सकता था। यह एक दूर से आती हुई, बेहद तीव्र गर्जना थी। मैं इस पर मुस्कुराए बिना नहीं रह सका, क्योंकि मैं चूना पत्थर की गहरी दरारों के बीच बहने वाली भूमिगत जल प्रणाली से निकलने वाली विचित्र प्रतिध्वनियों को जानता था। मेरी हैरानी देखकर आर्मिटेज चिढ़ गया और अचानक मुड़कर चला गया।

और अब आता है इस पूरे मामले का सबसे अजीब पहलू। मैं गुफा के मुहाने के पास खड़ा था, आर्मिटेज के विभिन्न कथनों पर विचार कर रहा था और सोच रहा था कि उन्हें कितनी आसानी से नकारा जा सकता है, तभी अचानक मेरे बगल में सुरंग की गहराई से एक बेहद असाधारण आवाज़ आई। मैं उसका वर्णन कैसे करूं? सबसे पहले तो, ऐसा लगा जैसे वह बहुत दूर से आ रही हो, धरती के गर्भ में बहुत नीचे से। दूसरे, दूरी का आभास होने के बावजूद, वह बहुत तेज़ थी। अंत में, वह न तो कोई गड़गड़ाहट थी, न ही कोई धमाका, जैसा कि गिरते पानी या लुढ़कती चट्टान से होता है, बल्कि वह एक तेज़, कांपती और कंपन करती हुई आवाज़ थी, लगभग घोड़े की हिनहिनाहट जैसी। यह निश्चित रूप से एक बहुत ही अद्भुत अनुभव था, और मुझे मानना पड़ेगा कि एक पल के लिए इसने आर्मिटेज के शब्दों को एक नया अर्थ दे दिया। मैं ब्लू जॉन गैप के पास आधे घंटे या उससे अधिक समय तक इंतज़ार करता रहा, लेकिन वह आवाज़ वापस

नहीं आई, इसलिए अंत में मैं जो कुछ हुआ था उससे थोड़ा हैरान होकर फार्महाउस लौट आया। जब मेरी ताकत वापस आ जाएगी, तो मैं निश्चित रूप से उस गुफा का पता लगाऊंगा। बेशक, आर्मिटेज की व्याख्या चर्चा के लायक नहीं है, फिर भी वह आवाज़ वाकई बहुत अजीब थी। लिखते समय भी वह मेरे कानों में गूंज रही है।

20 अप्रैल— पिछले तीन दिनों में मैंने ब्लू जॉन गैप में कई बार जाने की कोशिश की है और कुछ दूर तक अंदर भी गया हूँ, लेकिन मेरी साइकिल की लालटेन इतनी छोटी और कमजोर है कि मैं ज़्यादा दूर जाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा हूँ। अब मैं इसे और व्यवस्थित तरीके से करूँगा। मुझे कोई आवाज़ सुनाई नहीं दी और मुझे लगभग यकीन हो गया कि शायद आर्मिटेज की बातों से मुझे कोई भ्रम हो गया है। बेशक, यह पूरा विचार बेतुका है, फिर भी मुझे मानना पड़ेगा कि गुफा के प्रवेश द्वार पर उगी झाड़ियाँ ऐसी दिखती हैं मानो कोई भारी जीव उनमें से जबरदस्ती रास्ता बना रहा हो। मेरी दिलचस्पी बढ़ने लगी है। मैंने मिस एलर्टन को कुछ नहीं बताया है, क्योंकि वे पहले से ही काफी अंधविश्वासी हैं, लेकिन मैंने कुछ मोमबत्तियाँ खरीद ली हैं और खुद जाँच करने का इरादा रखता हूँ।

आज सुबह मैंने देखा कि गुफा के पास झाड़ियों में पड़े भेड़ों के ऊन के कई गुच्छों में से एक पर खून के धब्बे लगे हुए थे। ज़ाहिर है, मेरा विवेक कहता है कि अगर भेड़ें ऐसी पथरीली जगहों पर भटकती हैं तो उन्हें चोट लग सकती है, फिर भी खून के उस छींटे ने मुझे अचानक चौंका दिया और एक पल के लिए मैं डर के मारे उस पुराने रोमन मेहराब से पीछे हट गया। ऐसा लगा जैसे उस काली गहराई से दुर्गंध आ रही हो जिसमें मैंने झाँका। क्या सच में ऐसा हो सकता है कि कोई अज्ञात प्राणी, कोई भयानक शक्ति, वहाँ नीचे छिपी हो? स्वस्थ रहते हुए तो मुझमें ऐसे भाव आना असंभव था, लेकिन जब सेहत खराब होती है तो इंसान ज़्यादा घबरा जाता है और तरह-तरह की बातें सोचने लगता है।

फिलहाल मेरा संकल्प डगमगा गया था, और मैं उस पुरानी खदान के रहस्य को, यदि कोई रहस्य मौजूद भी था, हमेशा के लिए अनसुलझा छोड़ने को तैयार था। लेकिन आज रात मेरी रुचि फिर से जाग उठी है और मेरा हौसला बढ़ गया है। मुझे उम्मीद है कि कल मैं इस मामले की और गहराई से जांच कर लूंगा।

22 अप्रैल— कल के अपने असाधारण अनुभव को यथासंभव सटीक रूप से लिखने का प्रयास करें। मैंने दोपहर में अपनी यात्रा शुरू की और ब्लू जॉन गैप की ओर बढ़ा। मैं स्वीकार करता हूँ कि इसकी गहराई में झाँकते ही मेरी आशंकाएँ फिर से जाग उठीं और मेरी इच्छा हुई कि काश मेरे साथ कोई साथी होता जो मेरे इस अन्वेषण में मेरा साथ देता। अंततः, दृढ़ निश्चय के साथ, मैंने अपनी मोमबत्ती जलाई, झाड़ियों को चीरते हुए आगे बढ़ा और चट्टानी घाटी में उतर गया।

यह लगभग पचास फीट तक एक तीव्र कोण पर नीचे की ओर जाता था, जिसका फर्श टूटे हुए पत्थरों से ढका हुआ था। वहाँ से ठोस चट्टान में कटा हुआ एक लंबा, सीधा मार्ग आगे बढ़ता था। मैं भूविज्ञानी तो नहीं हूँ, लेकिन इस गलियारे की परत निश्चित रूप से चूना पत्थर से कहीं अधिक कठोर पदार्थ की थी, क्योंकि कुछ जगहों पर मुझे पुराने खनिकों द्वारा खुदाई में छोड़े गए औजारों के निशान साफ दिखाई दे रहे थे, मानो वे कल ही बनाए गए हों। इस विचित्र, पुराने जमाने के गलियारे में मैं लड़खड़ाता हुआ आगे बढ़ा, मेरी कमज़ोर लौ मेरे चारों ओर एक धुंधला प्रकाश का घेरा बना रही थी, जिससे दूर की परछाइयाँ और भी भयावह और अस्पष्ट लग रही थीं। अंत में, मैं एक ऐसी जगह पर पहुँचा जहाँ रोमन सुरंग एक जलभराव से बनी गुफा में खुलती थी - एक विशाल हॉल, जो चूने के जमाव से बनी लंबी सफेद बर्फ की डंडियों से लटका हुआ था। इस केंद्रीय कक्ष से मैं धुंधला सा देख पा रहा था कि भूमिगत धाराओं द्वारा बनाए गए कई मार्ग पृथ्वी

की गहराई में जाते हुए दिखाई दे रहे थे। मैं वहां खड़ा सोच रहा था कि क्या मुझे वापस लौट जाना चाहिए, या क्या मुझे इस खतरनाक भूलभुलैया में और आगे जाने की हिम्मत करनी चाहिए, तभी मेरी नजर मेरे पैरों के पास किसी ऐसी चीज पर पड़ी जिसने मेरा ध्यान पूरी तरह से आकर्षित कर लिया।

गुफा का अधिकांश भाग चट्टानों या चूने की कठोर परत से ढका हुआ था, लेकिन इस विशेष स्थान पर दूर की छत से कुछ टपका था, जिससे नरम मिट्टी का एक धब्बा बन गया था। इसके ठीक बीच में एक बड़ा सा निशान था - एक अस्पष्ट धब्बा, गहरा, चौड़ा और अनियमित, मानो कोई बड़ा पत्थर उस पर गिर गया हो। हालाँकि, आसपास कोई ढीला पत्थर नहीं था, और न ही कोई ऐसी चीज़ थी जिससे इस निशान का कारण समझ में आए। यह किसी जानवर के कारण होने के लिए बहुत बड़ा था, और इसके अलावा, केवल एक ही जानवर था, और मिट्टी का धब्बा इतना बड़ा था कि कोई भी सामान्य कदम उसे पार नहीं कर सकता था। जब मैंने उस अनोखे निशान का निरीक्षण करने के बाद उठकर अपने चारों ओर फैली काली छायाओं में देखा, तो मुझे यह स्वीकार करना होगा कि एक पल के लिए मेरा दिल बहुत बुरी तरह बैठ गया, और लाख कोशिश करने के बावजूद, मेरे फैले हुए हाथ में मोमबत्ती कांप रही थी।

हालाँकि, जल्द ही मेरा हौसला वापस आ गया, जब मैंने सोचा कि इतने विशाल और बेढंगे निशान को किसी ज्ञात जानवर के पदचिह्न से जोड़ना कितना बेतुका था। यहाँ तक कि एक हाथी भी ऐसा निशान नहीं बना सकता था। इसलिए मैंने ठान लिया कि मैं अस्पष्ट और बेबुनियाद आशंकाओं से डरकर अपनी खोज जारी रखूँगा। आगे बढ़ने से पहले, मैंने दीवार में बनी एक विचित्र चट्टान संरचना पर ध्यान दिया, जिससे मुझे रोमन सुरंग का प्रवेश द्वार दिखाई दिया। सावधानी बरतना बहुत ज़रूरी था, क्योंकि जहाँ तक मैं देख सकता था, विशाल गुफा कई रास्तों से कटी हुई थी। अपनी स्थिति की पुष्टि करने और अपनी अतिरिक्त मोमबत्तियों और माचिस की जाँच करके खुद को आश्वस्त करने के बाद, मैं गुफा की पथरीली और ऊबड़-खाबड़ सतह पर धीरे-धीरे आगे बढ़ा।

और अब मैं उस जगह पर आता हूँ जहाँ मेरे साथ अचानक और भयानक हादसा हुआ। लगभग बीस फुट चौड़ी एक धारा मेरे रास्ते में बह रही थी, और मैं सूखे पैरों से पार करने के लिए किनारे पर थोड़ी दूर तक चला। आखिरकार, मैं एक ऐसी जगह पर पहुंचा जहाँ बीच में एक सपाट चट्टान पड़ी थी, जिस तक मैं एक कदम में पहुंच सकता था। लेकिन संयोग से, धारा के तेज बहाव से चट्टान कट कर ऊपर से भारी हो गई थी, जिससे मेरे उस पर उतरते ही वह पलट गई और मैं बर्फीले ठंडे पानी में गिर गया। मेरी मोमबत्ती बुझ गई, और मैं घोर अंधेरे में छटपटाने लगा।

मैं लड़खड़ाते हुए फिर से खड़ा हुआ, अपनी इस घटना से डरने के बजाय मुझे हंसी आ रही थी। मोमबत्ती मेरे हाथ से गिरकर नदी में खो गई थी, लेकिन मेरी जेब में दो और थीं, इसलिए कोई खास फर्क नहीं पड़ा। मैंने उनमें से एक मोमबत्ती निकाली और उसे जलाने के लिए माचिस की डिब्बी निकाली। तभी मुझे अपनी स्थिति का एहसास हुआ। नदी में गिरने से माचिस की डिब्बी पूरी तरह भीग गई थी। माचिस जलाना नामुमकिन था।

जैसे ही मुझे अपनी स्थिति का एहसास हुआ, मानो किसी ठंडी मुट्ठी ने मेरे दिल को जकड़ लिया हो। अँधेरा घना और भयानक था। इतना गहरा कि चेहरा ढकने के लिए हाथ उठाना पड़ता था, मानो किसी ठोस चीज़ को हटाना हो। मैं वहीं खड़ा रहा और बड़ी मुश्किल से खुद को संभाला। मैंने गुफा के तल का नक्शा, जैसा मैंने आखिरी बार देखा था, अपने मन में फिर से बनाने की कोशिश की। अफसोस! जो दिशा-निर्देश मेरे मन में बसे हुए थे, वे दीवार पर बहुत ऊपर थे और छूकर नहीं मिल सकते थे। फिर भी, मुझे मोटे तौर पर याद था कि किनारे कैसे स्थित थे, और मुझे उम्मीद थी कि उन पर

टटोलते हुए मैं आखिरकार रोमन सुरंग के मुहाने तक पहुँच जाऊँगा। बहुत धीरे-धीरे चलते हुए और लगातार चट्टानों से टकराते हुए, मैं इस जोखिम भरी खोज पर निकल पड़ा।

लेकिन मुझे जल्द ही एहसास हो गया कि यह कितना असंभव था। उस घने, मखमली अंधेरे में पल भर में ही रास्ता भटकने लगता था। कुछ कदम चलने से पहले ही मैं पूरी तरह से भ्रमित हो गया था कि मैं कहाँ हूँ। नदी की हल्की आवाज़, जो एकमात्र सुनाई देने वाली ध्वनि थी, मुझे नदी का पता बता रही थी, लेकिन जैसे ही मैं उसके किनारे से दूर हुआ, मैं पूरी तरह से खो गया। उस चूना पत्थर की भूलभुलैया में घोर अंधेरे में वापस रास्ता ढूंढने का विचार स्पष्ट रूप से असंभव था।

मैं एक चट्टान पर बैठ गया और अपनी बदकिस्मती पर सोचने लगा। मैंने किसी को नहीं बताया था कि मैं ब्लू जॉन खदान में जाने वाला हूँ, और यह भी मुमकिन नहीं था कि कोई खोज दल मेरे पीछे आए। इसलिए मुझे खतरे से निकलने के लिए अपने दम पर ही काम करना होगा। बस एक ही उम्मीद थी, और वो ये कि माचिस सूख जाए। जब मैं नदी में गिरा, तो मेरा आधा शरीर ही पूरी तरह भीगा था। मेरा बायाँ कंधा पानी से ऊपर था। इसलिए मैंने माचिस की डिब्बी उठाई और उसे अपनी बाईं बगल में रख लिया। गुफा की नम हवा का असर शायद मेरे शरीर की गर्मी से कम हो जाए, लेकिन फिर भी, मैं जानता था कि मुझे कई घंटों तक रोशनी नहीं मिल पाएगी। तब तक इंतज़ार करने के अलावा कोई चारा नहीं था।

सौभाग्य से मैंने फ़ार्महाउस से निकलने से पहले कुछ बिस्कुट अपनी जेब में रख लिए थे। अब मैंने उन्हें चट कर खाया और उस बदकिस्मत नाले से एक घूंट पानी पीकर उन्हें पी लिया, जो मेरी सारी मुसीबतों का कारण था। फिर मैंने चट्टानों के बीच बैठने के लिए एक आरामदायक जगह ढूंढी और जब मुझे पीठ टिकाने के लिए एक जगह मिल गई, तो मैंने अपने पैर फैलाए और आराम से बैठ गया। मैं बुरी तरह भीगा हुआ और ठंडा था, लेकिन मैंने यह सोचकर खुद को तसल्ली देने की कोशिश की कि आधुनिक विज्ञान मेरी बीमारी के लिए हर मौसम में खुली खिड़कियां और सैर करने की सलाह देता है। धीरे-धीरे, नाले की एकरस कलकल ध्वनि और घोर अंधेरे से नींद में डूबते हुए, मैं एक बेचैन नींद में चला गया।

यह कब तक चला, मैं कह नहीं सकता। शायद एक घंटा रहा हो, या कई घंटे। अचानक मैं अपने पत्थर के सोफे पर बैठ गया, मेरी हर नस फड़क रही थी और हर इंद्रिय पूरी तरह सतर्क थी। मुझे कोई आवाज़ सुनाई दी थी - पानी की कलकल से बिल्कुल अलग कोई आवाज़। वह आवाज़ गुज़र चुकी थी, लेकिन उसकी गूंज अभी भी मेरे कानों में गूंज रही थी। क्या कोई खोज दल था? वे ज़रूर चिल्लाते, और जिस आवाज़ ने मुझे जगाया था, वह भले ही अस्पष्ट थी, लेकिन किसी इंसान की आवाज़ से बिल्कुल अलग थी। मैं कांप रहा था और मुश्किल से सांस ले पा रहा था। फिर से वही आवाज़! और फिर से! अब वह लगातार हो रही थी। वह किसी के कदमों की आहट थी - हाँ, ज़रूर किसी जीवित प्राणी के कदमों की आहट थी। लेकिन कैसी आहट थी! ऐसा लग रहा था जैसे कोई स्पंज जैसे मुलायम पैरों पर भारी वज़न ढो रहा हो, जिससे एक धीमी लेकिन कानों में गूंजने वाली आवाज़ निकल रही हो। अंधेरा हमेशा की तरह घना था, लेकिन आहट नियमित और स्पष्ट थी। और वह निस्संदेह मेरी ही दिशा में आ रही थी।

उस धीमी और भारी पदचाप को सुनकर मेरी त्वचा ठंडी पड़ गई और मेरे रोंगटे खड़े हो गए। वहाँ कोई प्राणी था, और उसकी गति से तो यही लग रहा था कि वह अंधेरे में भी देख सकता है। मैं अपनी चट्टान पर दुबक गया और खुद को उसमें छिपाने की कोशिश की। कदम और करीब आते गए, फिर रुक गए, और थोड़ी देर बाद मुझे पानी के छलकने और गड़गड़ाहट की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। वह प्राणी नदी से पानी पी रहा

था। फिर सन्नाटा छा गया, जो ज़ोरदार और ऊर्जा से भरी लंबी-लंबी सूंघने और फुफ़कारने की आवाज़ों से टूटा। क्या उसने मेरी गंध पहचान ली थी? मेरी नाक में एक दुर्गंध भर गई, जो घिनौनी और भयानक थी। फिर मुझे कदमों की आहट सुनाई दी। अब वे नदी के मेरे किनारे पर थे। पत्थर मेरे लेटे होने से कुछ ही गज की दूरी पर खड़खड़ा रहे थे। साँस लेने की भी हिम्मत न करते हुए, मैं अपनी चट्टान पर दुबक गया। फिर कदम दूर चले गए। नदी के उस पार लौटते समय मुझे पानी के छपछपाने की आवाज़ सुनाई दी, और वह आवाज़ उसी दिशा में दूर जाकर गायब हो गई जहाँ से आई थी।

काफ़ी देर तक मैं चट्टान पर लेटा रहा, इतना भयभीत था कि हिल भी नहीं पा रहा था। मुझे गुफा की गहराई से आती हुई आवाज़, आर्मिटेज के डर, कीचड़ में बने अजीब निशान, सब याद आ रहे थे। अब मेरे सामने यह अंतिम और पुख्ता सबूत आ गया था कि वाकई कोई अकल्पनीय राक्षस, कोई अलौकिक और भयानक चीज़, पहाड़ की खोखली जगह में छिपी हुई है। उसके स्वरूप या बनावट के बारे में मैं कुछ सोच ही नहीं पा रहा था, सिवाय इसके कि वह फुर्तीला और विशालकाय था। लेटे-लेटे मेरे भीतर मेरा विवेक, जो कहता था कि ऐसी चीजें हो ही नहीं सकतीं, और मेरी इंद्रियां, जो कहती थीं कि वे हैं, के बीच ज़बरदस्त संघर्ष चल रहा था। अंत में, मैं लगभग खुद को यह समझाने ही वाला था कि यह अनुभव किसी बुरे सपने का हिस्सा था, और मेरी असामान्य स्थिति ने शायद मुझे मतिभ्रम का शिकार बना दिया था। लेकिन एक आखिरी अनुभव बचा था जिसने मेरे मन से संदेह की आखिरी गुंजाइश भी मिटा दी।

मैंने अपनी बगल से माचिस निकाली और उन्हें छुआ। वे एकदम सख्त और सूखी लग रही थीं। चट्टानों की एक दरार में झुककर मैंने उनमें से एक को आज़माया। मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा कि वह तुरंत जल उठी। मैंने मोमबत्ती जलाई और गुफा की अँधेरी गहराइयों में डर के मारे पीछे मुड़कर देखते हुए रोमन मार्ग की ओर तेज़ी से बढ़ा। ऐसा करते हुए मैं उस कीचड़ के टुकड़े के पास से गुज़रा जिस पर मैंने विशाल निशान देखा था। अब मैं उसके सामने अचंभित खड़ा था, क्योंकि उसकी सतह पर तीन समान निशान थे, आकार में विशाल, अनियमित आकृति वाले, जिनकी गहराई उनके भारी वज़न का संकेत दे रही थी। तभी मुझ पर एक भयानक भय छा गया। झुककर और हाथ से मोमबत्ती को ढकते हुए, मैं डर के मारे पागलों की तरह चट्टानी मेहराब की ओर भागा, उस पर तेज़ी से चढ़ा और तब तक नहीं रुका जब तक कि थके हुए पैरों और हांफते फेफड़ों के साथ, मैं पत्थरों की अंतिम ढलान पर नहीं चढ़ गया, झाड़ियों के जाल को तोड़कर, तारों की शांत रोशनी में नरम घास पर थककर गिर पड़ा। जब मैं फार्महाउस पहुँचा तो सुबह के तीन बज रहे थे, और आज मैं अपने उस भयानक अनुभव के बाद बहुत तनावग्रस्त और कांप रहा हूं। अभी तक मैंने किसी को नहीं बताया है। मुझे इस मामले में बहुत सावधानी बरतनी होगी। अगर मैं यहां की अकेली औरतों या अनपढ़ देहातियों को अपना अनुभव बता दूं तो वे क्या सोचेंगे? मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के पास जाना चाहिए जो मेरी बात समझ सके और मुझे सलाह दे सके।

25 अप्रैल— गुफा में अपने अविश्वसनीय अनुभव के बाद मैं दो दिन बिस्तर पर पड़ा रहा। मैं इस विशेषण का प्रयोग एक विशेष अर्थ में कर रहा हूं, क्योंकि इसके बाद मुझे एक ऐसा अनुभव हुआ जिसने मुझे लगभग उतना ही चौंका दिया जितना कि वह दूसरा। मैंने कहा था कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहा था जो मुझे सलाह दे सके। कुछ मील दूर डा. मार्क जॉनसन का एक क्लिनिक है, जिनके लिए मुझे प्रोफेसर सॉन्डर्सन से सिफारिश का पत्र मिला था। जब मैं चलने-फिरने लायक हुआ, तो मैं उनके पास गया और उन्हें अपना पूरा अजीब अनुभव सुनाया। उन्होंने ध्यान से सुना और फिर मेरी सावधानीपूर्वक जाँच की, विशेष रूप से मेरी प्रतिक्रियाओं और आँखों की पुतलियों

पर ध्यान दिया। जाँच पूरी होने के बाद, उन्होंने मेरे अनुभव पर चर्चा करने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि यह उनके बस की बात नहीं है, लेकिन उन्होंने मुझे कैसलटन में श्री पिक्टन का कार्ड दिया और सलाह दी कि मैं तुरंत उनके पास जाऊँ और उन्हें ठीक वही कहानी सुनाऊं जो मैंने उन्हें सुनाई थी। मेरे सलाहकार के अनुसार, वही व्यक्ति थे जो मेरी मदद करने के लिए सबसे उपयुक्त थे। इसलिए मैं स्टेशन गया और वहाँ से लगभग दस मील दूर उस छोटे से कस्बे की ओर चल पड़ा। श्री पिक्टन एक महत्वपूर्ण व्यक्ति प्रतीत होते थे, क्योंकि कस्बे के बाहरी इलाके में एक बड़ी इमारत के दरवाजे पर उनकी पीतल की पट्टिका लगी हुई थी। मैं उनकी घंटी बजाने ही वाला था कि तभी मेरे मन में कुछ शंका आई और पास की एक दुकान में जाकर मैंने काउंटर के पीछे बैठे व्यक्ति से पूछा कि क्या वह मुझे श्री पिक्टन के बारे में कुछ बता सकते हैं। उन्होंने कहा, "अरे, वह डर्बीशायर के सबसे अच्छे पागल डॉक्टर हैं, और उनका पागलखाना वहीं है।" आप कल्पना कर सकते हैं कि कैसलटन की धूल झाड़कर मैं जल्द ही खेत लौट आया और उन सभी कल्पनाहीन विद्वानों को कोसने लगा जो यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि सृष्टि में ऐसी चीजें भी हो सकती हैं जो अभी तक उनकी नजरों में नहीं आई हैं। आखिरकार, अब जब मैं शांत हो गया हूँ, तो मैं यह स्वीकार कर सकता हूँ कि मैं आर्मिटेज के प्रति उतना ही उदासीन रहा हूँ जितना डॉ. जॉनसन मेरे प्रति रहे हैं।

27 अप्रैल। जब मैं विद्यार्थी था, तब मेरी ख्याति एक साहसी और उद्यमशील व्यक्ति के रूप में थी। मुझे याद है कि जब कोल्टब्रिज में भूत-प्रेत की खोज चल रही थी, तब मैं ही उस प्रेतबाधित घर में रात भर जागा रहा था। क्या यह बढ़ती उम्र का असर है (आखिरकार, मैं तो केवल पैंतीस वर्ष का हूँ), या यह शारीरिक बीमारी है जिसने मुझे कमजोर बना दिया है? उस पहाड़ी की भयानक गुफा के बारे में सोचकर मेरा दिल काँप उठता है, और यह निश्चित है कि उसमें कोई भयानक आत्मा रहती है। मैं क्या करूं? दिन का एक भी घंटा ऐसा नहीं बीतता जब मैं इस प्रश्न पर विचार न करता हूँ। अगर मैं कुछ नहीं कहता, तो रहस्य अनसुलझा ही रहेगा। अगर मैं कुछ कहता हूँ, तो मेरे पास दो विकल्प हैं: या तो पूरे इलाके में दहशत फैल जाएगी, या फिर लोग मुझ पर बिल्कुल विश्वास नहीं करेंगे और शायद मुझे पागलखाने भेज दिया जाएगा। कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि मेरे लिए सबसे अच्छा यही है कि मैं प्रतीक्षा करूँ, और किसी ऐसे अभियान की तैयारी करूं जो पिछले अभियान से कहीं अधिक सुनियोजित और योजनाबद्ध हो। पहले कदम के तौर पर मैं कैसलटन गया और कुछ जरूरी चीजें हासिल कीं—एक बड़ी एसिटिलीन लालटेन और दूसरी एक अच्छी दो बैरल वाली स्पोर्टिंग राइफल। राइफल मैंने किराए पर ली है, लेकिन एक दर्जन भारी शिकार कारतूस खरीदे हैं, जिनसे एक गैंडे को भी गिराया जा सकता है। अब मैं अपने गुफावासी दोस्त के लिए तैयार हूँ। मुझे बेहतर स्वास्थ्य और थोड़ी ऊर्जा मिल जाए, तो मैं उससे निपटने की कोशिश करूँगा। लेकिन वह कौन है और क्या है? आह! यही सवाल है जो मेरी नींद के बीच खड़ा है। मैं कितने सिद्धांत बनाता हूँ, और हर एक को बारी-बारी से खारिज कर देता हूँ! यह सब इतना अकल्पनीय है। और फिर भी वह चीख, वह पदचिह्न, गुफा में कदमों की आहट—कोई तर्क इन्हें पार नहीं कर सकता। मैं अजगरों और अन्य राक्षसों की पुरानी कहानियों के बारे में सोचता हूँ। क्या वे शायद उतनी काल्पनिक कहानियां नहीं थीं जितना हमने सोचा है? क्या ऐसा हो सकता है कि उनके पीछे कोई सच्चाई हो, और क्या मैं, सभी मनुष्यों में से, वह चुना गया व्यक्ति हूँ जो इसे उजागर करेगा?

3 मई—कई दिनों से मैं इंग्लैंड की वसंत ऋतु के अजीबोगरीब मौसम के कारण बीमार पड़ा हूँ, और इन दिनों में कुछ ऐसी घटनाएँ घटी हैं जिनका असली और भयावह अर्थ मेरे सिवा कोई नहीं समझ सकता। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि हाल ही में

बादल छाए रहे और चाँदनी रातें नहीं गुज़रीं, जो मेरी जानकारी के अनुसार भेड़ों के गायब होने का मौसम होता है। और हाँ, भेड़ें गायब हो गई हैं। मिस एलर्टन की दो, केट वॉक के बूढ़े पियर्सन की एक और श्रीमती मौल्टन की एक। कुल मिलाकर तीन रातों में चार भेड़ें गायब हो गईं। उनका कोई निशान नहीं बचा है, और पूरे इलाके में खानाबदोशों और भेड़ चोरों की अफ़वाहें फैल रही हैं।

लेकिन इससे भी कहीं ज़्यादा गंभीर बात है। युवा आर्मिटेज भी लापता हो गया है। वह बुधवार की रात को अपने पहाड़ी इलाके वाले घर से निकला और तब से उसका कोई पता नहीं चला है। वह अविवाहित था, इसलिए इस मामले में उतनी सनसनी नहीं है जितनी आम तौर पर होती। आम धारणा यह है कि उस पर कर्ज़ है और उसने देश के किसी दूसरे हिस्से में रहने की जगह ढूंढ ली है, जहाँ से वह जल्द ही अपने सामान के लिए पत्र लिखेगा। लेकिन मुझे इस पर संदेह है। क्या यह ज़्यादा संभव नहीं है कि भेड़ों के साथ हुई हालिया त्रासदी ने उसे कुछ ऐसे कदम उठाने पर मजबूर किया हो, जिनका नतीजा उसकी अपनी मौत हो? उदाहरण के लिए, हो सकता है कि वह उस जानवर का इंतज़ार कर रहा हो और वह उसे पहाड़ों की गहराई में ले गया हो। बीसवीं सदी के एक सभ्य अंग्रेज़ के लिए यह कितना अकल्पनीय अंत होगा! फिर भी मुझे लगता है कि यह संभव है और यहाँ तक कि इसकी संभावना भी है। लेकिन अगर ऐसा है, तो उसकी मौत और किसी भी अन्य दुर्घटना के लिए मैं कितना ज़िम्मेदार हूँ? निश्चित रूप से, मेरे पास जो जानकारी है, उसके आधार पर यह मेरा कर्तव्य है कि मैं कुछ करूँ, या ज़रूरत पड़ने पर खुद करूँ। यह शायद दूसरा ही कारण है, क्योंकि आज सुबह मैं स्थानीय पुलिस स्टेशन गया और अपनी कहानी सुनाई। इंस्पेक्टर ने सारी बात एक बड़ी किताब में दर्ज कर ली और मुझे बड़ी गंभीरता से विदा किया, लेकिन मेरे उनके बगीचे के रास्ते से बाहर निकलने से पहले ही मुझे ज़ोरदार हँसी सुनाई दी। निस्संदेह वह मेरे इस कारनामे के बारे में अपने परिवार को बता रहे होंगे।

10 जून— मैं यह पत्र बिस्तर पर लेटे हुए लिख रहा हूँ, इस डायरी में अपनी पिछली प्रविष्टि के छह सप्ताह बाद। मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से एक भयानक आघात लगा है, जो एक ऐसे अनुभव से उत्पन्न हुआ है जो शायद ही किसी मनुष्य के साथ पहले कभी हुआ हो। लेकिन मैं अपने लक्ष्य तक पहुंच चुका हूं। ब्लू जॉन गैप में बसे आतंक का खतरा अब हमेशा के लिए टल गया है। कम से कम इतना तो मैंने, एक टूटे-फूटे रोगी ने, जनहित के लिए किया है। अब मैं यथासंभव स्पष्ट रूप से जो कुछ हुआ उसका वर्णन करता हूँ।

शुक्रवार, 3 मई की रात अंधेरी और बादलों से घिरी थी—ठीक वही रात जब राक्षस घूमने निकला था। लगभग ग्यारह बजे मैं अपने फार्महाउस से लालटेन और राइफल लेकर निकला। इससे पहले मैंने अपने शयनकक्ष की मेज पर एक नोट छोड़ा था जिसमें मैंने लिखा था कि अगर मैं लापता हो जाऊं तो मुझे खाई की दिशा में खोजा जाए। मैं रोमन शाफ्ट के मुहाने तक पहुंचा और मुहाने के पास चट्टानों के बीच छिपकर, मैंने अपनी लालटेन बुझा दी और अपनी भरी हुई राइफल हाथ में लिए धैर्यपूर्वक इंतजार करने लगा।

यह एक उदासी भरी रात थी। घुमावदार घाटी में दूर-दूर तक मुझे खेतों की बिखरी हुई रोशनी दिखाई दे रही थी, और चैपल-ले-डेल चर्च की घड़ी की धीमी-धीमी आवाज़ मेरे कानों में गूंज रही थी। मेरे साथी मनुष्यों के ये संकेत केवल मेरी स्थिति को और भी अकेलापन भरा बना रहे थे, और मुझे उस भय पर काबू पाने के लिए और अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित कर रहे थे जो मुझे लगातार खेत में वापस जाने और इस खतरनाक खोज को हमेशा के लिए छोड़ने के लिए ललचा रहा था। फिर भी, हर इंसान में आत्मसम्मान की एक गहरी भावना होती है जो उसे एक बार शुरू किए गए काम से

पीछे हटने नहीं देती। आत्मसम्मान की यही भावना अब मेरी मुक्ति थी, और यही एकमात्र चीज़ थी जिसने मुझे तब थामे रखा जब मेरी प्रकृति की हर प्रवृत्ति मुझे दूर खींच रही थी। अब मुझे खुशी है कि मुझमें वह शक्ति थी। चाहे मुझे कितनी भी कीमत चुकानी पड़ी हो, कम से कम मेरा पुरुषत्व तो निर्विवाद है।

दूर स्थित गिरजाघर में बारह बज गए, फिर एक, फिर दो। रात का घना अंधेरा था। बादल नीचे की ओर बह रहे थे और आसमान में एक भी तारा नहीं था। चट्टानों के बीच कहीं एक उल्लू बोल रहा था, लेकिन हवा की हल्की सरसराहट के अलावा कोई और आवाज़ मेरे कानों तक नहीं पहुंच रही थी। और फिर अचानक मैंने उसे सुना! दूर सुरंग से दबी हुई कदमों की आहट सुनाई दी, इतनी कोमल और फिर भी इतनी भारी। मैंने पत्थरों के टूटने की आवाज़ भी सुनी, जैसे वे उस विशाल पदचाप के नीचे धंस रहे हों। वे करीब आते गए। वे मेरे बिल्कुल पास आ गए थे। मैंने प्रवेश द्वार के चारों ओर झाड़ियों के गिरने की आवाज़ सुनी, और फिर धुंधले अंधेरे में मुझे किसी विशाल आकृति, किसी भयानक अविकसित प्राणी की झलक दिखाई दी, जो सुरंग से तेज़ी से और बहुत चुपचाप बाहर निकल रहा था। मैं भय और आश्चर्य से स्तब्ध रह गया। मैंने चाहे कितनी भी देर प्रतीक्षा की हो, अब जब वह सचमुच आ गया था, तो मैं इस सदमे के लिए तैयार नहीं था। मैं बेसुध और सांसहीन पड़ा रहा, जबकि वह विशालकाय काला पिंड मेरे पास से तेज़ी से गुजरा और रात के अंधेरे में विलीन हो गया।

लेकिन अब मैंने उसके लौटने के लिए खुद को तैयार किया। सोए हुए ग्रामीण इलाके से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी जो उस भयानक आतंक का संकेत दे सके। मैं यह बिल्कुल नहीं बता सकता था कि वह कितनी दूर है, क्या कर रहा है, या कब वापस आएगा। लेकिन अब दोबारा मेरा हौसला नहीं टूटेगा, अब दोबारा वह बिना चुनौती के नहीं गुजरेगा। मैंने दांत भींचते हुए कसम खाई और अपनी भरी हुई राइफल को चट्टान पर रख दिया।

और फिर भी, यह लगभग हो ही गया था। अब उस प्राणी के घास के ऊपर से गुज़रते समय उसके आने का कोई आभास नहीं था। अचानक, एक गहरी, बहती हुई परछाई की तरह, वह विशालकाय आकृति एक बार फिर मेरे सामने प्रकट हुई, गुफा के प्रवेश द्वार की ओर बढ़ती हुई। एक बार फिर वही इच्छाशक्ति का लकवा छा गया जिसने मेरी टेढ़ी तर्जनी उंगली को ट्रिगर पर बेबस कर दिया। लेकिन मैंने हताशा भरे प्रयास से उसे झटक दिया। जैसे ही झाड़ियाँ सरसराईं और वह भयानक जानवर खाई की परछाई में घुलमिल गया, मैंने पीछे हटते हुए उस आकृति पर गोली चला दी। बंदूक की चमक में मैंने एक विशाल, झबरा आकृति देखी, जिसके बाल खुरदुरे और नुकीले थे, मुरझाए हुए भूरे रंग के, जो नीचे के हिस्सों में सफेद होते जा रहे थे, और उसका विशाल शरीर छोटी, मोटी, मुड़ी हुई टांगों पर टिका हुआ था। मुझे बस एक झलक मिली, और फिर मैंने पत्थरों के खड़कने की आवाज़ सुनी क्योंकि वह प्राणी अपने बिल में घुस गया। एक पल में, भावनाओं के विजयी उत्कट के साथ, मैंने अपने डर को हवा में उड़ा दिया, और अपनी शक्तिशाली लालटेन को उजागर करते हुए, हाथ में राइफल लिए, मैं अपनी चट्टान से नीचे कूद गया और उस राक्षस का पीछा करते हुए पुराने रोमन शाफ्ट में नीचे की ओर दौड़ पड़ा।

मेरे शानदार लैंप से मेरे सामने तेज़ रोशनी की एक चमकदार किरण निकल रही थी, जो बारह दिन पहले उसी रास्ते पर मेरी मदद करने वाली पीली रोशनी से बिल्कुल अलग थी। दौड़ते हुए मैंने उस विशालकाय जानवर को अपने सामने लड़खड़ाते हुए देखा, जिसका भारी-भरकम शरीर दीवार से दीवार तक पूरे स्थान को भर रहा था। उसके बाल खुरदुरे, फीके ओकम जैसे लग रहे थे और लंबे, घने गुच्छों में लटके हुए थे जो उसके चलने पर लहरा रहे थे। वह ऊन से लथपथ एक विशाल, बिना कटी भेड़ की

तरह था, लेकिन आकार में वह सबसे बड़े हाथी से भी कहीं बड़ा था, और उसकी चौड़ाई लगभग उसकी ऊंचाई के बराबर लग रही थी। अब यह सोचकर मुझे आश्चर्य होता है कि मैंने ऐसी भयानक चीज़ का पीछा करते हुए धरती के भीतरी हिस्सों में जाने की हिम्मत कैसे की, लेकिन जब खून खौल रहा हो और शिकार भागता हुआ प्रतीत हो, तो आदिम शिकार की भावना जाग उठती है और विवेक हवा में उड़ जाता है। हाथ में राइफल लिए, मैं उस राक्षस के पीछे अपनी पूरी गति से दौड़ पड़ा।

मैंने देखा था कि वह प्राणी बहुत फुर्तीला था। अब मुझे अपने ही अनुभव से पता चला कि वह बहुत चालाक भी था। मैंने सोचा था कि वह घबराकर भाग रहा है और मुझे बस उसका पीछा करना है। यह ख्याल मेरे उत्तेजित दिमाग में कभी नहीं आया कि वह मुझ पर हमला कर सकता है। मैं पहले ही बता चुका हूं कि जिस रास्ते से मैं भाग रहा था, वह एक विशाल गुफा में खुलता था। मैं उसमें कूद पड़ा, इस डर से कि कहीं मैं उस जानवर का पीछा करना छोड़ न दूं। लेकिन वह अपने ही रास्ते पर मुड़ गया और पल भर में हम आमने-सामने आ गए।

लालटेन की चमकदार सफेद रोशनी में देखा गया वह दृश्य मेरे दिमाग में हमेशा के लिए अंकित हो गया है। वह भालू की तरह अपने पिछले पैरों पर खड़ा हो गया था और मेरे ऊपर विशालकाय, भयावह रूप में खड़ा था—ऐसा प्राणी जिसकी कल्पना मैंने किसी बुरे सपने में भी नहीं की थी। मैंने कहा है कि वह भालू की तरह खड़ा हुआ था, और उसमें कुछ भालू जैसी बात थी—अगर कोई ऐसे भालू की कल्पना कर सकता है जो धरती पर देखे गए किसी भी भालू से दस गुना बड़ा हो—उसके पूरे हावभाव और मुद्रा में, उसके बड़े-बड़े टेढ़े अगले पैरों में, जिन पर हाथीदांत जैसे सफेद पंजे थे, उसकी खुरदरी त्वचा में, और उसके लाल, खुले मुंह में, जो भयानक नुकीले दांतों से घिरा हुआ था। केवल एक बात में वह भालू से, या धरती पर चलने वाले किसी भी अन्य प्राणी से भिन्न था, और उस चरम क्षण में भी मेरे शरीर में भय की एक सिहरन दौड़ गई जब मैंने देखा कि मेरी लालटेन की रोशनी में चमकती हुई उसकी आंखें विशाल, उभरे हुए बल्बों जैसी थीं, सफेद और दृष्टिहीन। एक पल के लिए उसके बड़े-बड़े पंजे मेरे सिर के ऊपर झूले। अगले ही पल वह मुझ पर आगे की ओर गिर पड़ा, मैं और मेरी टूटी हुई लालटेन दोनों जमीन पर गिर पड़े, और मुझे उसके बाद कुछ याद नहीं है।

जब मुझे होश आया तो मैं एलर्टन के फार्महाउस में वापस आ गया था। ब्लू जॉन गैप में उस भयानक घटना को दो दिन बीत चुके थे। ऐसा लगता है कि मैं पूरी रात गुफा में बेहोश पड़ा रहा, मस्तिष्क में गंभीर चोट के कारण, मेरी बाईं बांह और दो पसलियां बुरी तरह टूट गई थीं। सुबह मेरी चिट्ठी मिली, एक दर्जन किसानों का एक खोज दल इकट्ठा हुआ, और मुझे ढूंढकर मेरे बेडरूम में वापस लाया गया, जहां मैं तब से बेहोशी की हालत में पड़ा था। ऐसा लगता है कि उस जीव का कोई निशान नहीं था, और न ही खून का कोई धब्बा था जिससे पता चलता कि मेरी गोली उसे लगी थी। मेरी अपनी दुर्दशा और मिट्टी पर बने निशानों के अलावा, ऐसा कुछ भी नहीं था जो यह साबित करता कि मैंने जो कहा वह सच था।

अब छह सप्ताह बीत चुके हैं, और मैं एक बार फिर धूप में बैठ सकता हूँ। मेरे ठीक सामने खड़ी ढलान वाली पहाड़ी है, जो सीपियों से बनी धूसर चट्टान से ढकी है, और उसके किनारे पर वह गहरी दरार है जो ब्लू जॉन गैप के प्रवेश द्वार को चिह्नित करती है। लेकिन अब यह भय का स्रोत नहीं है। उस अशुभ सुरंग से फिर कभी कोई अजीब आकृति मनुष्यों की दुनिया में नहीं निकलेगी। शिक्षित और वैज्ञानिक, डा. जानसन जैसे लोग, मेरी कहानी पर शायद मुस्कुराएँ, लेकिन ग्रामीण इलाकों के गरीब लोगों को इसकी सच्चाई पर कभी संदेह नहीं था। मेरे होश में आने के अगले दिन वे सैकड़ों की संख्या में ब्लू जॉन गैप के चारों ओर इकट्ठा हुए। जैसा कि कैसलटन कूरियर ने कहा:

हमारे संवाददाता या मेटलॉक, बक्सटन और अन्य जगहों से आए किसी भी साहसी सज्जन के लिए गुफा में उतरकर अंत तक खोजबीन करना और डा. जेम्स हार्डकैसल की असाधारण कहानी की सच्चाई की जांच करना व्यर्थ था। ग्रामीण लोगों ने मामला अपने हाथ में ले लिया था और सुबह तड़के से ही सुरंग के प्रवेश द्वार को बंद करने में जुट गए थे। जहां से सुरंग शुरू होती है, वहां एक तीव्र ढलान है, और कई लोगों ने बड़ी-बड़ी शिलाखंडों को लुढ़काकर नीचे धकेला, जब तक कि सुरंग पूरी तरह से बंद नहीं हो गई। इस तरह उस घटना का अंत हुआ जिसने पूरे देश में सनसनी मचा दी थी। इस विषय पर स्थानीय लोगों की राय बुरी तरह बंटी हुई है। एक ओर वे लोग हैं जो डा. हार्डकैसल के बिगड़े स्वास्थ्य और तपेदिक से उत्पन्न मस्तिष्क की चोटों की संभावना की ओर इशारा करते हैं, जिससे अजीब मतिभ्रम उत्पन्न होते हैं। इन सज्जनों के अनुसार, किसी निश्चित विचार के कारण डॉक्टर सुरंग में भटक गए और चट्टानों के बीच गिरने से ही उन्हें चोटें आईं। दूसरी ओर, सुरंग में एक अजीब प्राणी की किंवदंती प्रचलित है। यह मामला कुछ महीनों पहले से मौजूद है, और किसान डा. हार्डकैसल के बयान और उनकी व्यक्तिगत चोटों को अंतिम प्रमाण मानते हैं। स्थिति यही है, और आगे भी यही रहेगी, क्योंकि हमें अभी कोई निश्चित समाधान संभव नहीं लगता। कथित तथ्यों को वैज्ञानिक रूप से समझाना मानवीय समझ से परे है।

शायद कूरियर अखबार द्वारा ये शब्द प्रकाशित करने से पहले उनके लिए यह बुद्धिमानी होती कि वे अपना प्रतिनिधि मुझसे मिलने भेजते। मैंने इस मामले पर गहराई से विचार किया है, जैसा कि किसी और ने नहीं किया है, और संभव है कि मैं इस वृत्तांत की कुछ स्पष्ट कठिनाइयों को दूर कर सकता था और इसे वैज्ञानिक स्वीकृति के एक कदम और करीब ला सकता था। तो चलिए, मैं वह एकमात्र स्पष्टीकरण लिखता हूँ जो मुझे उन तथ्यों की श्रृंखला को स्पष्ट करने में सहायक प्रतीत होता है जिन्हें मैंने अपने अनुभव से जाना है। मेरा सिद्धांत अत्यंत असंभावित लग सकता है, लेकिन कम से कम कोई यह कहने का साहस नहीं कर सकता कि यह असंभव है।

मेरा मानना है—और जैसा कि मेरी डायरी से पता चलता है, यह मेरी व्यक्तिगत यात्रा से पहले ही बन गया था—कि इंग्लैंड के इस हिस्से में एक विशाल भूमिगत झील या समुद्र है, जिसे चूना पत्थर से होकर बहने वाली असंख्य धाराओं से पानी मिलता है। जहाँ पानी का बड़ा भंडार होता है, वहाँ वाष्पीकरण, कोहरा या बारिश और वनस्पति की संभावना भी होती है। इससे यह संकेत मिलता है कि यहाँ जीव-जंतु भी हो सकते हैं, जो वनस्पति की तरह ही उन बीजों और प्रजातियों से उत्पन्न हुए होंगे जो विश्व के इतिहास के प्रारंभिक काल में लाए गए थे, जब बाहरी वातावरण से संपर्क आसान था। इस स्थान ने तब अपनी एक अलग जीव-जंतु और वनस्पति विकसित की थी, जिसमें मेरे द्वारा देखे गए विशालकाय जीव भी शामिल थे, जो संभवतः पुराना गुफा-भालू रहा होगा, जो अपने नए वातावरण में बहुत बड़ा और रूपांतरित हो गया था। अनगिनत युगों तक आंतरिक और बाहरी सृष्टि अलग-अलग रही, एक-दूसरे से लगातार दूर होती गईं। फिर पहाड़ की गहराई में एक दरार आई जिससे एक जीव ऊपर की ओर भटकता हुआ आया और रोमन सुरंग के माध्यम से खुली हवा तक पहुँच गया। सभी भूमिगत जीवों की तरह, इसने भी अपनी दृष्टि खो दी थी, लेकिन प्रकृति ने अन्य तरीकों से इसकी भरपाई अवश्य कर ली थी। निश्चित रूप से इसके पास अपना रास्ता खोजने और पहाड़ी पर भेड़ों का शिकार करने का कोई न कोई साधन तो था ही। जहाँ तक अंधेरी रातों में रहने की इसकी पसंद का सवाल है, मेरा मानना है कि प्रकाश इसकी विशाल सफेद आँखों के लिए कष्टदायक था, और यह केवल घोर अंधकारमय संसार को ही सहन कर सकता था। शायद, वास्तव में, मेरे लालटेन की चकाचौंध ने ही उस भयानक क्षण में मेरी जान बचाई जब हम आमने-सामने थे। इस प्रकार मैंने पहेली को समझा। मैं इन तथ्यों को

यहीं छोड़ रहा हूँ, और यदि आप इन्हें समझा सकते हैं, तो समझाएँ; या यदि आप इन पर संदेह करना चाहें, तो करें। न तो आपका विश्वास और न ही आपका अविश्वास इन्हें बदल सकता है, और न ही उस व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है जिसका कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

इस प्रकार डॉ. जेम्स हार्डकैसल की विचित्र कहानी का अंत हुआ।

ब्राज़ीलियाई बिल्ली

किसी नौजवान के लिए यह दुर्भाग्य की बात होती है कि उसके शौक महंगे हों, उम्मीदें बड़ी हों, खानदानी संबंध हों, लेकिन जेब में कोई पैसा न हो और कोई ऐसा पेशा न हो जिससे वह कमा सके। असलियत यह थी कि मेरे पिता, जो एक अच्छे, आशावादी और सहज स्वभाव के व्यक्ति थे, अपने अविवाहित बड़े भाई, लॉर्ड साउथर्टन की दौलत और उदारता पर इतना भरोसा करते थे कि उन्हें यह पक्का यकीन था कि मुझे, उनके इकलौते बेटे को, कभी खुद कमाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्हें लगता था कि अगर साउथर्टन की विशाल जागीर में मेरे लिए कोई पद खाली नहीं हुआ, तो कम से कम मुझे उस राजनयिक सेवा में कोई पद तो मिल ही जाएगा जो आज भी हमारे विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों के लिए आरक्षित है। उनकी मृत्यु इतनी जल्दी हो गई कि वे यह जान भी नहीं पाए कि उनका अनुमान कितना गलत था। न तो मेरे चाचा ने और न ही सरकार ने मेरी ओर जरा भी ध्यान दिया और न ही मेरे करियर में कोई दिलचस्पी दिखाई। कभी-कभार मिलने वाले दो तीतर या खरगोशों की टोकरी ही मुझे यह याद दिलाती थी कि मैं ओटवेल हाउस और देश की सबसे समृद्ध जागीरों में से एक का वारिस हूँ। इसी दौरान, मैं ग्रोसवेनर मेंशन्स में एक अपार्टमेंट में रहने लगा और कुंवारा बन गया। मेरा एकमात्र काम कबूतरों का शिकार करना और हर्लिंगहैम में पोलो खेलना था। हर महीने मुझे एहसास होता जा रहा था कि दलालों से अपने बिलों का नवीनीकरण करवाना या किसी गैर-वसीयती संपत्ति पर मृत्यु के बाद मिलने वाले किसी भी भुगतान को भुनाना और भी मुश्किल होता जा रहा था। बर्बादी मेरे सामने खड़ी थी, और हर दिन वह मुझे और भी स्पष्ट, करीब और अपरिहार्य लगने लगी थी।

मुझे अपनी गरीबी का एहसास और भी ज्यादा इसलिए हुआ क्योंकि लॉर्ड साउथर्टन की अपार दौलत को छोड़कर मेरे बाकी सभी रिश्तेदार काफी संपन्न थे। इनमें सबसे करीबी एवर्ड किंग थे, जो मेरे पिता के भतीजे और मेरे चचेरे भाई थे। उन्होंने ब्राजील में एक साहसिक जीवन बिताया था और अब अपनी दौलत पर बसने के लिए इस देश लौट आए थे। हमें कभी पता नहीं चला कि उन्होंने पैसा कैसे कमाया, लेकिन ऐसा लगता था कि उनके पास काफी धन था, क्योंकि उन्होंने सफ़ोक के क्लिप्टन-ऑन-द-मार्श के पास ग्रेयलेंड्स की जागीर खरीद ली थी। इंग्लैंड में रहने के पहले साल उन्होंने मेरी उतनी ही अनदेखी की जितनी मेरे कंजूस चाचा ने की थी; लेकिन आखिरकार एक गर्मी की सुबह, मुझे बहुत राहत और खुशी हुई जब मुझे एक पत्र मिला जिसमें मुझे उसी दिन ग्रेयलेंड्स कोर्ट में थोड़ी देर के लिए आने का न्योता दिया गया था। उस समय मैं दिवालियापन अदालत में काफी लंबे समय तक रहने की उम्मीद कर रहा था, और यह रुकावट मानो किसी वरदान से कम नहीं थी। अगर मैं अपने इस अनजान रिश्तेदार से संबंध सुधार पाता, तो शायद मैं बच जाता। परिवार की इज्जत के लिए वह मुझे पूरी तरह बर्बाद नहीं होने दे सकते थे। मैंने अपने नौकर को अपना सूटकेस पैक करने का आदेश दिया, और मैं उसी शाम क्लिप्टन-ऑन-द-मार्श के लिए रवाना हो गया।

इप्सविच में ट्रेन बदलने के बाद, एक छोटी स्थानीय ट्रेन ने मुझे एक छोटे, सुनसान स्टेशन पर उतार दिया, जो हरे-भरे मैदानों के बीच स्थित था। वहाँ एक धीमी गति से

बहने वाली नदी घाटियों के बीच से होकर गुजरती थी, जिसके ऊंचे, गाद से भरे किनारे थे, जो यह दर्शाते थे कि हम ज्वार-भाटे के करीब थे। कोई गाड़ी मेरा इंतज़ार नहीं कर रही थी (मुझे बाद में पता चला कि मेरा टेलीग्राम देर से पहुँचा था), इसलिए मैंने स्थानीय सराय से एक गाड़ी किराए पर ली। ड्राइवर, एक बेहतरीन व्यक्ति, मेरे रिश्तेदार की बहुत प्रशंसा कर रहा था, और मैंने उससे जाना कि श्री एवार्ड किंग उस इलाके में पहले से ही एक जाना-माना नाम थे। उन्होंने स्कूली बच्चों का मनोरंजन किया था, उन्होंने अपनी ज़मीन आगंतुकों के लिए खोल दी थी, उन्होंने दान-पुण्य में योगदान दिया था - संक्षेप में, उनकी परोपकारिता इतनी व्यापक थी कि मेरे ड्राइवर ने इसका कारण केवल यही अनुमान लगाया कि उनकी संसदीय महत्वाकांक्षाएँ थीं।

मेरे ड्राइवर की प्रशंसा भरी बातों से मेरा ध्यान तब हट गया जब सड़क के किनारे एक टेलीग्राफ के खंभे पर एक बहुत ही सुंदर पक्षी आकर बैठ गया। पहले तो मुझे लगा कि यह एक नीलकंठ है, लेकिन यह उससे बड़ा था और इसके पंख ज़्यादा चमकीले थे। ड्राइवर ने तुरंत बताया कि यह उसी व्यक्ति का है जिससे हम मिलने जा रहे थे। ऐसा लगता है कि विदेशी जीवों को वातावरण के अनुकूल ढालना उनका शौक था और वे ब्राज़ील से कई पक्षी और जानवर अपने साथ लाए थे जिन्हें वे इंग्लैंड में पालने की कोशिश कर रहे थे। ग्रेयलेंड्स पार्क के द्वार पार करते ही हमें उनके इस शौक का भरपूर सबूत मिल गया। घुमावदार सड़क पर चलते हुए मैंने कुछ छोटे चित्तीदार हिरण, एक अजीब सा जंगली सूअर जिसे शायद पेकरी कहते हैं, एक बेहद खूबसूरत पंखों वाला ओरिओल, एक तरह का आर्मडिलो और एक अजीब सा भारी-भरकम जानवर देखा जो मोटे बेजर जैसा लग रहा था।

मेरे अनजान चचेरे भाई, श्री एवार्ड किंग, अपने घर की सीढ़ियों पर खड़े थे, क्योंकि उन्होंने हमें दूर से देख लिया था और अंदाज़ा लगा लिया था कि मैं ही हूँ। उनका रूप-रंग बहुत ही सरल और दयालु था; कद छोटा और मोटा, लगभग पैंतालीस वर्ष का, गोल, हंसमुख चेहरा, जो उष्णकटिबंधीय धूप से भूरा पड़ गया था और झुर्रियों से भरा हुआ था। उन्होंने बागान मालिक की शैली में सफेद सूती कपड़े पहने थे, होंठों के बीच सिगार था और सिर पर एक बड़ी पनामा टोपी थी। उनका व्यक्तित्व किसी बरामदे वाले बंगले जैसा था, और इस विशाल, पत्थर से बने अंग्रेजी हवेली के सामने, जिसके मजबूत पंख और दरवाजे के सामने पैलाडियो के खंभे थे, वह अजीब तरह से बेमेल लग रहा था।

"मेरे प्यारे!" उसने कंधे के ऊपर से देखते हुए कहा; "मेरे प्यारे, ये रहे हमारे मेहमान! ग्रेयलेंड्स में आपका स्वागत है! चचेरे भाई मार्शल, आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई है, और यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है कि आपने इस शांत छोटे से ग्रामीण इलाके को अपनी उपस्थिति से सम्मानित किया है।"

उनका व्यवहार अत्यंत सौहार्दपूर्ण था और उन्होंने मुझे पल भर में सहज महसूस करा दिया। लेकिन उनकी पत्नी, एक लंबी, थकी-हारी महिला, जो उनके बुलावे पर आगे आई, के ठंडेपन और यहाँ तक कि असभ्य व्यवहार की भरपाई करने के लिए उनके इस सौहार्दपूर्ण व्यवहार की आवश्यकता थी। मेरा मानना है कि वह ब्राज़ील मूल की थीं, हालांकि वह बहुत अच्छी अंग्रेज़ी बोलती थीं, और मैंने हमारे रीति-रिवाज़ों से उनकी अनभिज्ञता के कारण उनके व्यवहार को क्षमा कर दिया। फिर भी, उन्होंने न तो तब और न ही बाद में यह छिपाने का प्रयास किया कि ग्रेयलेंड्स कोर्ट में मेरा कोई विशेष स्वागत नहीं था। उनके शब्द आमतौर पर विनम्र थे, लेकिन उनकी गहरी, भावपूर्ण आँखें थीं, और मैंने उनमें पहली ही नज़र में स्पष्ट रूप से पढ़ लिया कि वह दिल से चाहती थीं कि मैं एक बार फिर लंदन लौट आऊँ।

हालांकि, मेरे कर्ज बहुत भारी थे और अपने धनी रिश्तेदार पर मेरा अधिकार इतना गहरा था कि मैं उनकी पत्नी के चिड़चिड़ेपन से उन्हें बर्बाद नहीं होने देना चाहता था।

इसलिए मैंने उनकी बेरुखी को नजरअंदाज कर दिया और उनके गर्मजोशी भरे स्वागत का जवाब दिया। उन्होंने मुझे आराम देने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। मेरा कमरा बहुत ही सुंदर था। उन्होंने मुझसे विनती की कि मैं उन्हें कुछ भी बताऊं जिससे मेरी खुशी और बढ़ सके। मैं उन्हें यह बताने ही वाला था कि एक ब्लैंक चेक इस काम में काफी मददगार साबित होगा, लेकिन मुझे लगा कि हमारी जान-पहचान के इस दौर में यह कहना शायद जल्दबाजी होगी। खाना बहुत बढ़िया था, और बाद में जब हम उनके हवाना सिगार और कॉफी पर साथ बैठे, जिसके बारे में उन्होंने बाद में बताया कि यह उनके अपने बागान में विशेष रूप से तैयार की गई थी, तो मुझे लगा कि मेरे ड्राइवर की सारी तारीफें सही थीं, और मैंने कभी इतना उदार और मेहमाननवाज इंसान नहीं देखा था।

लेकिन, उनके हंसमुख स्वभाव के बावजूद, वे दृढ़ इच्छाशक्ति और उग्र स्वभाव के व्यक्ति थे। इसका एक उदाहरण मुझे अगली सुबह मिला। श्रीमती एवरार्ड किंग के मन में मेरे प्रति जो अजीब सी घृणा थी, वह इतनी प्रबल थी कि नाश्ते के समय उनका व्यवहार लगभग अपमानजनक था। लेकिन जब उनके पति कमरे से चले गए, तो उनका असली मतलब स्पष्ट हो गया।

“दिन की सबसे अच्छी ट्रेन बारह बजकर पंद्रह मिनट पर है,” उसने कहा।

"लेकिन मैं आज जाने के बारे में नहीं सोच रहा था," मैंने स्पष्ट रूप से जवाब दिया - शायद चुनौती भरे अंदाज में भी, क्योंकि मैं इस महिला द्वारा भगाए जाने के लिए दृढ़ संकल्पित नहीं था।

"ओह, अगर यह आप पर निर्भर करता है तो—" उसने कहा और अपनी आँखों में एक अत्यंत उद्दंड भाव के साथ रुक गई।

मैंने जवाब दिया, "मुझे पूरा यकीन है कि अगर मैं यहां जरूरत से ज्यादा देर तक रुका हुआ हूं तो श्री एवर्ड किंग मुझे जरूर बता देंगे।"

“ये क्या? ये क्या?” एक आवाज़ आई और वह कमरे में आ गया। उसने मेरे आखिरी शब्द सुन लिए थे, और हमारे चेहरों को देखकर ही उसे बाकी सब समझ आ गया था। पल भर में उसका गोल-मटोल, हंसमुख चेहरा एकदम गुस्से से भर गया।

“क्या मैं आपको बाहर चलने की अनुमति दे सकता हूं, मार्शल?” उसने कहा। (मैं यह भी बताना चाहूंगा कि मेरा नाम भी मार्शल किंग है।)

मेरे पीछे उसने दरवाज़ा बंद कर दिया, और फिर एक पल के लिए मैंने उसे अपनी पत्नी से धीमी, भावुक आवाज़ में बात करते सुना। आतिथ्य सत्कार के इस घोर उल्लंघन ने स्पष्ट रूप से उसके दिल को छू लिया था। मैं छुपकर बातें सुनने वाला नहीं था, इसलिए मैं बाहर लॉन में चला गया। तभी मुझे अपने पीछे तेज़ कदमों की आहट सुनाई दी, और वहाँ वह महिला थी, उत्तेजना से उसका चेहरा पीला पड़ गया था और उसकी आँखें आँसुओं से लाल थीं।

"मेरे पति ने मुझसे कहा है कि मैं आपसे माफी मांगूं, श्रीमान मार्शल किंग," उसने झुकी हुई निगाहों से मेरे सामने खड़े होकर कहा।

"श्रीमती किंग, कृपया एक शब्द भी न कहें।"

उसकी गहरी आंखें अचानक मेरी ओर चमक उठीं।

“तुम मूर्ख हो!” वह उग्र गुस्से से फुफकारते हुए बोली और मुड़कर तेजी से घर की ओर भाग गई।

वह अपमान इतना घिनौना और असहनीय था कि मैं बस हैरानी से उसे देखती रह गई। मैं अभी भी वहीं थी जब मेरे मेज़बान मेरे पास आए। वे एक बार फिर अपने हंसमुख और गोल-मटोल रूप में थे।

उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि मेरी पत्नी ने अपनी मूर्खतापूर्ण टिप्पणियों के लिए माफी मांग ली होगी।"

“ओह, जी हाँ—हाँ, बिल्कुल!”

उसने अपना हाथ मेरी बाँह में डाला और मेरे साथ लॉन में इधर-उधर चलने लगा।

“इसे गंभीरता से मत लो,” उसने कहा। “अगर तुम अपनी मुलाकात एक घंटा भी कम कर दोगे तो मुझे असहनीय दुःख होगा। असल बात यह है—रिश्तेदारों के बीच कुछ भी छिपाने की कोई ज़रूरत नहीं है—कि मेरी प्यारी पत्नी हद से ज़्यादा ईर्ष्यालु है। उसे यह बिल्कुल पसंद नहीं कि कोई भी—चाहे पुरुष हो या स्त्री—एक पल के लिए भी हमारे बीच आ जाए। उसका सपना है किसी सुनसान द्वीप पर जाकर हमेशा अकेले में बातें करना। इससे तुम्हें उसके कामों का अंदाज़ा लग जाएगा, जो, मैं मानता हूँ, इस मामले में पागलपन से ज़्यादा दूर नहीं हैं। मुझे बताओ कि तुम इसके बारे में और नहीं सोचोगे।”

नहीं, नहीं; बिलकुल नहीं।

"तो फिर इस सिगार को जलाओ और मेरे साथ आओ और मेरा छोटा सा चिड़ियाघर देखो।"

पूरा दोपहर इसी निरीक्षण में बीत गया, जिसमें उनके द्वारा आयात किए गए सभी पक्षी, जानवर और यहाँ तक कि सरीसृप भी शामिल थे। कुछ खुले में थे, कुछ पिंजरों में, और कुछ तो घर के अंदर ही थे। वे उत्साह से अपनी सफलताओं और असफलताओं, अपने जन्मों और मृत्युओं के बारे में बताते रहे, और जब हम चलते-चलते कोई रंग-बिरंगा पक्षी घास से उड़ता या कोई अनोखा जानवर झाड़ियों में छिप जाता, तो वे स्कूली बच्चे की तरह खुशी से चिल्ला उठते। अंत में वे मुझे घर के एक हिस्से से जुड़े एक गलियारे में ले गए। इसके अंत में एक भारी दरवाज़ा था जिसमें स्लाइडिंग शटर लगा था, और उसके बगल में दीवार से एक लोहे का हैंडल निकला हुआ था जो एक पहिये और ड्रम से जुड़ा था। गलियारे के आर-पार मजबूत सलाखों की एक कतार लगी हुई थी।

“मैं आपको अपने संग्रह का सबसे अनमोल रत्न दिखाने जा रहा हूँ,” उन्होंने कहा। “रोटरडैम का शावक मर चुका है, इसलिए यूरोप में इसका केवल एक ही नमूना बचा है। यह एक ब्राज़ीलियाई बिल्ली है।”

"लेकिन यह अन्य बिल्लियों से किस प्रकार भिन्न है?"

“आप इसे जल्द ही देखेंगे,” उसने हंसते हुए कहा। “क्या आप कृपया उस शटर को खोलकर उसमें से देखेंगे?”

मैंने ऐसा किया और पाया कि मैं एक विशाल, खाली कमरे में देख रहा था, जिसमें पत्थर की फर्श थी और दूर की दीवार पर छोटी-छोटी जालीदार खिड़कियाँ थीं। इस कमरे के बीचोंबीच, सुनहरी धूप के बीचोंबीच, एक विशालकाय प्राणी लेटा हुआ था, जो बाघ जितना बड़ा था, लेकिन आबनूस की तरह काला और चिकना था। यह बस एक बहुत बड़ी और सलीके से रखी हुई काली बिल्ली थी, और वह उस पीली रोशनी में ठीक उसी तरह आराम से बैठी थी जैसे कोई बिल्ली बैठती है। वह इतनी सुंदर, इतनी तगड़ी और इतनी कोमल और शातिर थी कि मैं अपनी नज़रें उस खिड़की से हटा ही नहीं पा रहा था।

“क्या वह शानदार नहीं है?” मेरे मेजबान ने उत्साहपूर्वक कहा।

“शानदार! मैंने ऐसा महान प्राणी पहले कभी नहीं देखा।”

“कुछ लोग इसे काला प्यूमा कहते हैं, लेकिन असल में यह प्यूमा बिल्कुल नहीं है। इसकी पूंछ से लेकर सिरे तक की लंबाई लगभग ग्यारह फीट है। चार साल पहले यह काले रंग के रोएँदार गोले जैसा था, जिसकी दो पीली आँखें बाहर झाँक रही थीं। इसे मुझे रियो नीग्रो नदी के उद्गम स्थल पर जंगली इलाके में नवजात शावक बताकर बेचा गया

था। उसकी माँ ने उनमें से एक दर्जन को मार डाला था, जिसके बाद उन्होंने भाले से उसकी हत्या कर दी।”

तो क्या वे बेहद खूंखार हैं?

“ये धरती पर सबसे क्रूर और खून के प्यासे जीव हैं। अगर आप किसी देहाती भारतीय से ब्राज़ीलियाई बिल्ली के बारे में बात करें, तो देखिए वो कितना डर जाता है। ये शिकार से ज़्यादा इंसानों को पसंद करते हैं। इस बिल्ली ने अभी तक खून का स्वाद नहीं चखा है, लेकिन जब चखेगी तो खौफ का कारण बनेगी। फिलहाल तो ये मेरे अलावा किसी को भी अपने मांद में नहीं आने देती। यहां तक कि उसका रखवाला बाल्डविन भी उसके पास जाने की हिम्मत नहीं करता। मैं तो उसकी मां-बाप दोनों हूं।”

जैसे ही वह बोला, अचानक, मेरी हैरानी के बीच, उसने दरवाजा खोला और अंदर घुस गया, और तुरंत उसे अपने पीछे बंद कर लिया। उसकी आवाज़ सुनते ही वह विशाल, फुर्तीला प्राणी उठा, जम्हाई ली और अपने गोल, काले सिर को प्यार से उसकी बगल में रगड़ा, जबकि वह उसे थपथपाता और सहलाता रहा।

“अब, टॉमी, अपने पिंजरे में जाओ!” उसने कहा।

वह विशालकाय बिल्ली कमरे के एक कोने में गई और एक जाली के नीचे कुंडली मारकर बैठ गई। एवर्ड किंग बाहर आया और उसने लोहे का वह हैंडल उठाया जिसका मैंने पहले ज़िक्र किया था, और उसे घुमाने लगा। जैसे ही उसने ऐसा किया, गलियारे की सलाखों की कतार दीवार में बने एक छेद से गुज़रने लगी और उस जाली के सामने वाले हिस्से को बंद कर दिया, जिससे एक प्रभावी पिंजरा बन गया। जब वह अपनी जगह पर पूरी तरह से बंद हो गई, तो उसने एक बार फिर दरवाज़ा खोला और मुझे कमरे में आने का न्योता दिया, जो उस विशाल मांसाहारी जानवर की तीखी, दुर्गंध से भरा हुआ था।

“हम ऐसा ही करते हैं,” उन्होंने कहा। “हम उसे व्यायाम के लिए पूरे कमरे में घूमने देते हैं, और फिर रात को उसे उसके पिंजरे में डाल देते हैं। आप गलियारे से हैंडल घुमाकर उसे बाहर निकाल सकते हैं, या जैसा कि आपने देखा है, आप उसे उसी तरह से पिंज़रे में बंद कर सकते हैं। नहीं, नहीं, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए!”

मैंने सलाखों के बीच अपना हाथ डालकर उसकी चमकदार, हिलती हुई कमर को थपथपाया। उसने गंभीर चेहरे के साथ अपना हाथ वापस खींच लिया।

“मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि वह सुरक्षित नहीं है। यह मत सोचो कि मेरे द्वारा उसके साथ मनमानी करने से कोई और भी कर सकता है। वह अपने दोस्तों के मामले में बहुत ही सीमित है — है ना, टॉमी? आह, उसे अपने खाने की आहट सुनाई दे रही है! है ना, बेटा?”

पत्थर के फर्श वाले गलियारे में एक आहट सुनाई दी, और वह प्राणी उछलकर खड़ा हो गया और संकरे पिंजरे में इधर-उधर चक्कर लगाने लगा। उसकी पीली आँखें चमक रही थीं और उसकी लाल जीभ उसके नुकीले दांतों की सफेद रेखा पर लहरा रही थी और काँप रही थी। एक रखवाला एक खुरदुरा मांस का टुकड़ा थाली में लेकर अंदर आया और उसे पिंजरे की सलाखों के बीच से उसे दे दिया। वह उस पर हल्के से झपटा, उसे कोने में ले गया और वहां, उसे अपने पंजों के बीच पकड़कर नोचने और झटकने लगा, बीच-बीच में अपना खून से सना थूथन उठाकर हमारी ओर देखता रहा। यह एक भयावह और फिर भी आकर्षक दृश्य था।

“आपको आश्चर्य नहीं होगा कि मैं उससे इतना लगाव रखता हूँ, है ना?” कमरे से निकलते हुए मेरे मेज़बान ने कहा, “खासकर तब जब आप यह सोचें कि मैंने उसे पाला-पोसा है। उसे दक्षिण अमेरिका के मध्य से लाना कोई आसान काम नहीं था; लेकिन यहाँ वह सुरक्षित और स्वस्थ है — और जैसा कि मैंने कहा, यूरोप में सबसे उत्तम नमूना है।

चिड़ियाघर वाले उसे पाने के लिए बेताब हैं, लेकिन मैं सचमुच उससे अलग नहीं हो सकता। अब, मुझे लगता है कि मैंने आपको अपने शौक से काफ़ी परेशान कर दिया है, इसलिए टॉमी की तरह हमें भी दोपहर का भोजन करने चलना चाहिए।"

मेरे दक्षिण अमेरिकी रिश्तेदार अपने खेतों और उनमें रहने वाले विचित्र जीवों में इतने मग्न थे कि पहले तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि उनकी दिलचस्पी खेतों के बाहर भी हो सकती है। लेकिन उनकी दिलचस्पी थी, और वो भी बेहद ज़रूरी, यह बात मुझे उनके पास आने वाले अनगिनत टेलीग्रामों से समझ में आ गई। टेलीग्राम हर समय आते थे और वो उन्हें बड़ी उत्सुकता और चिंता के साथ खोलते थे। कभी मुझे लगता था कि ये घुड़दौड़ से जुड़े होंगे, तो कभी शेयर बाजार से, लेकिन निश्चित रूप से उनके पास कोई बहुत ज़रूरी काम था जो सफ़ोक की पहाड़ियों पर नहीं हो रहा था। मेरे छह दिनों के दौरे के दौरान उन्हें रोज़ाना कम से कम तीन-चार टेलीग्राम तो मिलते ही थे, और कभी-कभी तो सात-आठ तक भी।

मैंने ये छह दिन इतने अच्छे से बिताए थे कि इनके अंत तक मेरे चचेरे भाई से मेरे बहुत अच्छे संबंध बन गए थे। हर रात हम बिलियर्ड रूम में देर तक बैठे रहते थे, और वो मुझे अमेरिका में अपने कारनामों की बेहद अनोखी कहानियाँ सुनाता था— इतनी बेताब और जोखिम भरी कहानियाँ कि मैं उन्हें अपने सामने बैठे उस छोटे, गोल-मटोल आदमी से जोड़कर देख ही नहीं पाता था। बदले में, मैंने भी लंदन के अपने जीवन की कुछ यादें साझा कीं, जिनमें उसकी इतनी दिलचस्पी थी कि उसने ग्रोसवेनर मेंशन में आकर मेरे साथ रहने का वादा किया। वो शहर के जीवन की चकाचौंध देखना चाहता था, और सच कहूँ तो, उसे मुझसे बेहतर मार्गदर्शक नहीं मिल सकता था। अपनी यात्रा के आखिरी दिन ही मैंने हिम्मत करके वो बात कही जो मेरे मन में थी। मैंने उसे अपनी आर्थिक तंगी और अपने आसन्न पतन के बारे में खुलकर बताया, और उससे सलाह माँगी—हालाँकि मुझे कुछ ठोस सलाह की उम्मीद थी। उसने ध्यान से सुना, और अपनी सिगार का कश ज़ोर से लेता रहा।

"लेकिन निश्चित रूप से," उसने कहा, "आप हमारे रिश्तेदार, लॉर्ड साउथर्टन के उत्तराधिकारी हैं?"

"मेरे पास ऐसा मानने के हर कारण हैं, लेकिन वह मुझे कभी कोई रियायत नहीं देगा।"

नहीं, नहीं, मैंने उनके कंजूस स्वभाव के बारे में सुना है। मेरे बेचारे मार्शल, आपकी स्थिति बहुत कठिन रही है। वैसे, क्या आपने हाल ही में लॉर्ड साउथर्टन के स्वास्थ्य के बारे में कोई खबर सुनी है?

"बचपन से ही उनकी हालत हमेशा गंभीर रही है।"

"बिल्कुल सही — अगर कभी कोई चरमराती हुई कब्ज़ा जैसी चीज़ हुई हो, तो वो यही है। आपकी विरासत अभी बहुत दूर है। हे भगवान, आप कितनी अजीब स्थिति में हैं!"

"मुझे कुछ उम्मीद थी, महोदय, कि आप सभी तथ्यों को जानते हुए, आगे बढ़ने के लिए इच्छुक होंगे।"

"मेरे प्यारे बेटे, एक शब्द भी मत बोलो," उसने अत्यंत आत्मीयता से कहा; "हम आज रात इस पर बात करेंगे, और मैं तुम्हें वचन देता हूँ कि जो कुछ भी मेरे बस में होगा, वह किया जाएगा।"

मुझे इस बात का ज़रा भी अफ़सोस नहीं था कि मेरी यात्रा समाप्त हो रही थी, क्योंकि यह महसूस करना अप्रिय होता है कि घर में कोई एक व्यक्ति ऐसा है जो बेसब्री से आपके जाने की कामना करता है। श्रीमती किंग का पीला चेहरा और डरावनी आँखें मुझे दिन-ब-दिन और भी ज़्यादा घृणास्पद लगने लगी थीं। वह अब खुलकर असभ्य

व्यवहार नहीं करती थीं - अपने पोते के डर ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा था - लेकिन उन्होंने अपनी बेतहाशा ईर्ष्या को इस हद तक बढ़ा दिया था कि वह मुझे नज़रअंदाज़ करती थीं, मुझसे कभी बात नहीं करती थीं, और हर तरह से ग्रेयलेंड्स में मेरे प्रवास को यथासंभव असहज बनाने की कोशिश करती थीं। उस आखिरी दिन उनका व्यवहार इतना अपमानजनक था कि अगर शाम को मेरे मेज़बान से वह मुलाक़ात न हुई होती, तो मैं निश्चित रूप से वहाँ से चला गया होता, और मुझे उम्मीद थी कि वह मुलाक़ात मेरी बिगड़ी हुई किस्मत को फिर से संवार देगी।

यह घटना काफी रात में घटी, क्योंकि मेरे रिश्तेदार, जिन्हें दिन भर सामान्य से कहीं अधिक टेलीग्राम मिल रहे थे, भोजन के बाद अपने अध्ययन कक्ष में चले गए और तभी बाहर आए जब घरवाले सो चुके थे। मैंने उन्हें रात के रिवाज के अनुसार दरवाजे बंद करते हुए सुना और अंत में वे बिलियर्ड रूम में मेरे साथ आ गए। उनका हट्टा-कट्टा शरीर ड्रेसिंग गाउन में लिपटा हुआ था और उन्होंने बिना हील वाली लाल तुर्की चप्पलें पहन रखी थीं। एक आरामकुर्सी पर बैठते हुए उन्होंने अपने लिए एक गिलास शराब बनाई, जिसमें मैंने गौर किया कि पानी की तुलना में व्हिस्की की मात्रा कहीं अधिक थी।

“अरे वाह!” उसने कहा, “क्या रात थी!”

सचमुच, ऐसा ही था। घर के चारों ओर हवा ज़ोर-ज़ोर से चल रही थी और जालीदार खिड़कियाँ ऐसे खड़खड़ा रही थीं मानो हवा अंदर आ रही हो। पीले लैंप की रोशनी और हमारी सिगार की महक इस विपरीतता के कारण और भी ज़्यादा चमकदार और सुगंधित लग रही थी।

“अब, मेरे बेटे,” मेरे मेज़बान ने कहा, “यह घर और रात हम दोनों के लिए है। मुझे अपने मामलों की स्थिति के बारे में बता दो, और मैं उन्हें सुलझाने के लिए जो कुछ भी किया जा सकता है, वह देखूंगा। मैं हर बात विस्तार से सुनना चाहता हूँ।”

इससे उत्साहित होकर, मैंने एक लंबा-चौड़ा विवरण देना शुरू किया, जिसमें मेरे सभी व्यापारी और लेनदार, मेरे मकान मालिक से लेकर मेरे नौकर तक, बारी-बारी से शामिल हुए। मेरे पास मेरी जेब में नोट्स थे, और मैंने अपने तथ्यों को व्यवस्थित किया, और मुझे लगता है कि मैंने अपने ही गैर-व्यावसायिक व्यवहार और दयनीय स्थिति का बहुत ही व्यावहारिक वर्णन किया। हालाँकि, मुझे यह देखकर निराशा हुई कि मेरे साथी की आँखें खाली थीं और उसका ध्यान कहीं और था। जब कभी-कभार वह कोई टिप्पणी करता भी था, तो वह इतनी सतही और निरर्थक होती थी कि मुझे यकीन था कि उसने मेरी बातों पर ज़रा भी ध्यान नहीं दिया था। बीच-बीच में वह थोड़ा सा ध्यान आकर्षित करता और रुचि दिखाने का नाटक करता, मुझसे दोहराने या अधिक विस्तार से समझाने के लिए कहता, लेकिन हमेशा की तरह वह फिर से उसी गहरी सोच में डूब जाता। अंत में वह उठा और अपनी सिगार का सिरा चूल्हे में फेंक दिया।

“मैं तुम्हें बताता हूं, मेरे बेटे,” उसने कहा। “मुझे गणित में कभी महारत हासिल नहीं रही, इसलिए मुझे माफ़ कर देना। तुम्हें यह सब कागज़ पर लिख लेना और मुझे रकम का एक नोट दे देना। जब मैं इसे लिखित रूप में देखूंगा तो मुझे समझ आ जाएगा।”

यह प्रस्ताव उत्साहवर्धक था। मैंने ऐसा करने का वादा किया।

“और अब सोने का समय हो गया है। हे भगवान, हॉल में एक बज रहा है।”

तेज आंधी के शोर के बीच घड़ी की झंकार सुनाई दी। हवा किसी विशाल नदी के प्रवाह की तरह बह रही थी।

“सोने से पहले मुझे अपनी बिल्ली को देखना है,” मेरे मेज़बान ने कहा। “तेज़ हवा उसे उत्तेजित कर देती है। क्या आप आएंगे?”

“बिल्कुल,” मैंने कहा।

“तो धीरे से चलो और कुछ मत बोलो, क्योंकि सब सो रहे हैं।”

हम चुपचाप लैंप की रोशनी से जगमगाते, खुरदुरे फ़ारसी शैली के हॉल से गुज़रे और दूसरे छोर पर स्थित दरवाज़े से अंदर चले गए। पत्थर के गलियारे में चारों ओर अंधेरा था, लेकिन एक हुक पर एक छोटी सी लालटेन लटकी हुई थी, जिसे मेरे मेज़बान ने उतारकर जलाया। गलियारे में कोई जाली दिखाई नहीं दे रही थी, इसलिए मुझे पता चल गया कि जानवर अपने पिंजरे में है।

"अंदर आओ!" मेरे रिश्तेदार ने कहा और दरवाजा खोल दिया।

जैसे ही हम अंदर दाखिल हुए, एक गहरी गुर्राहट सुनाई दी जिससे पता चला कि तूफान ने उस जीव को सचमुच उत्तेजित कर दिया था। लालटेन की टिमटिमाती रोशनी में हमने उसे देखा; एक विशालकाय काला पिंड अपने मांद के कोने में कुंडली मारकर बैठा था और सफेदी की हुई दीवार पर एक छोटी, भद्दी सी छाया डाल रहा था। उसकी पूंछ भूसे के बीच गुस्से से हिल रही थी।

"बेचारा टॉमी आज बहुत गुस्से में है," एवरार्ड किंग ने लालटेन ऊपर उठाते हुए और उसकी ओर देखते हुए कहा। "कितना भयानक लग रहा है, है ना? मुझे उसे थोड़ा खाना खिलाना पड़ेगा ताकि उसका मूड ठीक हो जाए। क्या आप थोड़ी देर के लिए लालटेन पकड़ सकते हैं?"

मैंने उसके हाथ से वह चीज ले ली और वह दरवाजे की ओर बढ़ गया।

"उसका भंडारघर यहीं बाहर है," उसने कहा। "क्या आप मुझे एक पल के लिए माफ़ करेंगे?" वह बेहोश हो गया, और उसके पीछे दरवाजा एक तेज़ धातुई आवाज़ के साथ बंद हो गया।

उस कर्कश, तीखी आवाज़ ने मेरे दिल की धड़कन रोक दी। अचानक मेरे मन में भय की लहर दौड़ गई। किसी भयानक धोखे की आशंका ने मुझे स्तब्ध कर दिया। मैं दरवाजे की ओर भागा, लेकिन अंदर की तरफ कोई हैंडल नहीं था।

"यहाँ!" मैं चिल्लाया। "मुझे बाहर निकालो!"

"ठीक है! हंगामा मत करो!" गलियारे से मेरे मेज़बान ने कहा। "तुम्हें बत्ती तो मिल ही गई है।"

"हाँ, लेकिन मुझे इस तरह अकेले बंद रहने की परवाह नहीं है।"

"है ना?" मैंने उसकी दिल खोलकर हंसने की आवाज सुनी। "तुम ज्यादा देर अकेले नहीं रहोगे।"

"मुझे बाहर निकालिए, महोदय!" मैंने गुस्से से दोहराया। "मैं आपको बता दूं कि मैं इस तरह के मज़ाक बर्दाश्त नहीं करता।"

"व्यावहारिक ही सही शब्द है," उसने एक और घृणास्पद हंसी के साथ कहा। और फिर अचानक, तूफान की गर्जना के बीच, मुझे चरखी के हैंडल के घूमने की चरमराहट और सरसराहट सुनाई दी, और जाली के खांचे से गुजरते समय उसकी खड़खड़ाहट सुनाई दी। हे भगवान! वह ब्राज़ीलियाई बिल्ली को छोड़ रहा था!

लालटेन की रोशनी में मैंने सलाखों को धीरे-धीरे अपने सामने सरकते देखा। दूर वाले छोर पर पहले से ही एक फुट चौड़ा छेद बन चुका था। चीखते हुए मैंने आखिरी सलाख को अपने हाथों से पकड़ा और पागलों जैसी ताकत से खींचा। मैं सचमुच क्रोध और भय से पागल हो गया था। एक मिनट से भी ज़्यादा समय तक मैंने उसे स्थिर रखा। मैं जानता था कि वह हैंडल पर अपनी पूरी ताकत लगा रहा है, और उस बल से मैं निश्चित रूप से हार मान लूंगा। मैं धीरे-धीरे पीछे हटता गया, मेरे पैर पत्थरों पर फिसलते गए, और हर पल मैं इस निर्दयी राक्षस से मुझे इस भयानक मौत से बचाने की भीख मांगता रहा। मैंने उससे उसके रिश्ते का हवाला देते हुए प्रार्थना की। मैंने उसे याद दिलाया कि मैं उसका मेहमान हूं; मैंने उससे पूछा कि मैंने उसका क्या बिगाड़ा है। उसके जवाब में बस हैंडल पर झटके और धक्के थे, जिनमें से हर एक, मेरे तमाम

संघर्षों के बावजूद, एक और सलाख को छेद से खींच लाता था। जकड़े और जकड़े हुए, मुझे पिंजरे के पूरे सामने घसीटा गया, जब तक कि अंत में, दर्द से कराहती कलाइयों और ज़ख्मी उंगलियों के साथ, मैंने इस निराशाजनक संघर्ष को छोड़ दिया। जैसे ही मैंने उसे छोड़ा, दरवाज़े की घंटियाँ ज़ोर से बज उठीं, और एक पल बाद मुझे गलियारे में तुर्की चप्पलों की सरसराहट और दूर के दरवाज़े के ज़ोर से बंद होने की आवाज़ सुनाई दी। फिर सब कुछ शांत हो गया।

इस दौरान वह प्राणी बिल्कुल नहीं हिला था। वह कोने में स्थिर पड़ा था, और उसकी पूंछ हिलना बंद हो गई थी। ऐसा लग रहा था मानो किसी आदमी को सलाखों से चिपका हुआ और चीखता हुआ घसीटा जा रहा हो, इस दृश्य ने उसे विस्मित कर दिया था। मैंने उसकी बड़ी-बड़ी आँखों को अपनी ओर टकटकी लगाए देखा। सलाखों को पकड़ते समय मुझसे लालटेन गिर गई थी, लेकिन वह अभी भी फर्श पर जल रही थी, और मैंने उसे पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया, इस उम्मीद में कि शायद उसकी रोशनी मेरी रक्षा करे। लेकिन जैसे ही मैं हिला, उस जानवर ने एक गहरी और डरावनी गुर्राहट मारी। मैं रुक गया और डर से कांपते हुए वहीं खड़ा रह गया। वह बिल्ली (अगर इतने भयानक प्राणी को इतना साधारण नाम दिया जा सकता है) मुझसे दस फीट से ज़्यादा दूर नहीं थी। अँधेरे में उसकी आँखें फास्फोरस की दो डिस्क की तरह चमक रही थीं। वे मुझे भयभीत भी कर रही थीं और आकर्षित भी। मैं अपनी नज़रें उनसे हटा नहीं पा रहा था। प्रकृति ऐसे तीव्र क्षणों में हमारे साथ अजीबोगरीब खेल खेलती है, और वे टिमटिमाती रोशनी एक स्थिर उतार-चढ़ाव के साथ घटती-बढ़ती रहती हैं। कभी-कभी वे अत्यंत चमकते हुए छोटे-छोटे बिंदुओं की तरह लगते थे—घोर अंधकार में छोटी-छोटी बिजली की चिंगारियाँ—फिर वे फैलते जाते और कमरे का वह कोना उनकी बदलती और भयावह रोशनी से भर जाता। और फिर अचानक वे पूरी तरह से गायब हो जाते।

उस जानवर ने अपनी आँखें बंद कर ली थीं। मुझे नहीं पता कि मानव दृष्टि के प्रभुत्व के पुराने विचार में कोई सच्चाई है या वह विशाल बिल्ली बस ऊंघ रही थी, लेकिन तथ्य यह है कि मुझ पर हमला करने का कोई संकेत देने के बजाय, उसने बस अपना चिकना, काला सिर अपने विशाल अगले पंजों पर टिका दिया और सो गई। मैं खड़ा रहा, हिलने से डर रहा था, कहीं मैं उसे फिर से हिंसक बना न दूं। लेकिन कम से कम अब मैं साफ़ सोच पा रहा था क्योंकि उसकी बुरी निगाहें मुझसे हट गई थीं। मैं उस खूंखार जानवर के साथ रात भर के लिए बंद था। मेरी अपनी अंतरात्मा, और उस चालाक खलनायक के शब्दों की तो बात ही छोड़िए जिसने मेरे लिए यह जाल बिछाया था, मुझे चेतावनी दे रही थी कि वह जानवर अपने मालिक की तरह ही क्रूर है। मैं सुबह तक उसे कैसे रोक सकता था? दरवाज़ा बेकार था, और संकरी, सलाखों वाली खिड़कियाँ भी। उस खाली, पत्थर के फ़र्श वाले कमरे में कहीं भी कोई आश्रय नहीं था। मदद के लिए चिल्लाना बेवकूफ़ी थी। मुझे पता था कि यह कमरा एक बाहरी कमरा था, और घर से इसे जोड़ने वाला गलियारा कम से कम सौ फ़ीट लंबा था। इसके अलावा, बाहर तेज़ आंधी चल रही थी, इसलिए मेरी चीखें शायद ही किसी को सुनाई देतीं। मेरे पास भरोसा करने के लिए केवल मेरा साहस और मेरी बुद्धि ही थी।

फिर, भय की एक नई लहर के साथ, मेरी नज़र लालटेन पर पड़ी। मोमबत्ती धीमी जल रही थी और बुझने लगी थी। दस मिनट में यह पूरी तरह बुझ जाएगी। मेरे पास कुछ करने के लिए केवल दस मिनट थे, क्योंकि मुझे लगा कि अगर मैं उस भयानक जानवर के साथ अंधेरे में रह गया तो मैं कुछ भी करने में असमर्थ हो जाऊंगा। इस विचार मात्र से ही मैं स्तब्ध रह गया। मैंने अपनी निराशा भरी निगाहों से मृत्यु के इस कक्ष में चारों ओर

देखा, और मेरी नज़र एक ऐसी जगह पर टिकी जो मुझे सुरक्षा का वादा करती हुई प्रतीत हुई, लेकिन खुले मैदान की तुलना में कम तात्कालिक और आसन्न खतरे का।

मैंने बताया था कि पिंजरे का एक ऊपरी भाग और एक सामने का भाग था, और जब सामने का भाग दीवार में बने खांचे से निकाला जाता था, तो ऊपरी भाग खड़ा रहता था। इसमें कुछ इंच के अंतराल पर सलाखें लगी थीं, जिनके बीच मजबूत तार की जाली थी, और यह दोनों सिरों पर मज़बूत खंभों पर टिका था। अब यह कोने में दुबके हुए व्यक्ति के ऊपर एक विशाल लोहे की छतरी की तरह खड़ा था। इस लोहे की शेल्फ और छत के बीच की जगह शायद दो या तीन फीट रही होगी। अगर मैं किसी तरह ऊपर चढ़ पाता, सलाखों और छत के बीच दबकर, तो मेरी केवल एक ही तरफ से सुरक्षा होती। मैं नीचे से, पीछे से और हर तरफ से सुरक्षित होता। केवल इसके खुले हिस्से से ही मुझ पर हमला हो सकता था। यह सच है कि वहाँ मुझे कोई सुरक्षा नहीं मिलती; लेकिन कम से कम, जब वह जानवर अपने मांद में चक्कर लगाना शुरू करता, तो मैं उसके रास्ते से हट जाता। उसे मुझ तक पहुँचने के लिए अपना रास्ता बदलना पड़ता। अब करो या मरो की स्थिति थी, क्योंकि एक बार रोशनी चली गई तो यह असंभव हो जाता। गले में अटकी एक गहरी सांस के साथ मैं उछल पड़ा, ऊपर के लोहे के किनारे को पकड़ा और हाँफते हुए उस पर झूल गया। मैं पेट के बल नीचे की ओर छटपटाया और खुद को बिल्ली की भयानक आँखों और खुले हुए जबड़ों के सामने पाया। उसकी दुर्गंधयुक्त सांसें किसी गंदे बर्तन से निकलती भाप की तरह मेरे चेहरे पर आ रही थीं।

लेकिन ऐसा लग रहा था कि वह गुस्से से ज़्यादा जिज्ञासु था। अपनी लंबी, काली पीठ को लहराते हुए वह उठा, अंगड़ाई ली और फिर अपने पिछले पैरों पर खड़ा हो गया। एक अगला पंजा दीवार से टिकाकर उसने दूसरा पंजा उठाया और मेरे नीचे बिछी तार की जाली पर अपने पंजे चलाए। उसका एक नुकीला, सफेद पंजा मेरी पतलून को चीरता हुआ मेरे घुटने पर गहरा निशान बना गया। यह हमला नहीं था, बल्कि एक प्रयोग था, क्योंकि दर्द से चीखते ही वह फिर से नीचे गिर गया और फुर्ती से कमरे में उछलकर, तेज़ी से घूमने लगा, बीच-बीच में मेरी तरफ देखता रहा। मैं पीछे हटता चला गया, यहां तक कि दीवार से पीठ सटाकर लेट गया और खुद को जितना हो सके छोटी जगह में समेट लिया। मैं जितना पीछे हटता गया, उसके लिए मुझ पर हमला करना उतना ही मुश्किल होता गया।

अब जब वह हिलने-डुलने लगा था, तो वह और भी ज़्यादा उत्साहित लग रहा था। वह तेज़ी से और चुपचाप मांद के चारों ओर चक्कर लगा रहा था, बार-बार उस लोहे के पलंग के नीचे से गुज़र रहा था जिस पर मैं लेटी थी। इतने बड़े शरीर को परछाई की तरह गुज़रते देखना अद्भुत था, उसके मखमली पंजों की हल्की सी भी आहट सुनाई नहीं दे रही थी। मोमबत्ती धीमी जल रही थी - इतनी धीमी कि मैं उस जीव को मुश्किल से देख पा रही थी। और फिर, एक आखिरी लौ और चिंगारियों के साथ वह पूरी तरह बुझ गई। मैं अंधेरे में बिल्ली के साथ अकेली रह गई!

जब इंसान को पता होता है कि उसने हर संभव कोशिश कर ली है, तो उसे खतरे का सामना करने में मदद मिलती है। तब परिणाम का चुपचाप इंतज़ार करने के अलावा कोई चारा नहीं बचता। इस मामले में, जहां मैं था, उस जगह के अलावा कहीं भी सुरक्षित होने की कोई गुंजाइश नहीं थी। इसलिए, मैं लेट गया और चुपचाप, लगभग सांस रोककर, इस उम्मीद में कि अगर मैं कुछ न करूं जिससे उसे मेरी मौजूदगी का एहसास हो, तो शायद वह जानवर मेरी मौजूदगी को भूल जाए। मुझे लगा कि अब तक दो बज चुके होंगे। चार बजे तक पूरी सुबह हो जाएगी। मुझे उजाला होने का इंतज़ार करने के लिए दो घंटे से ज़्यादा का समय नहीं था।

बाहर, तूफान अभी भी भयंकर था, और बारिश लगातार छोटी खिड़कियों पर बरस रही थी। अंदर, जहरीली और दुर्गंधयुक्त हवा दम घोंट रही थी। मैं बिल्ली को न तो सुन पा रहा था और न ही देख पा रहा था। मैंने दूसरी बातों के बारे में सोचने की कोशिश की—लेकिन केवल एक ही बात में इतनी शक्ति थी कि मेरा ध्यान मेरी इस भयानक स्थिति से हट सके। वह थी मेरे चचेरे भाई की दुष्टता, उसका बेमिसाल पाखंड, और मेरे प्रति उसकी द्वेषपूर्ण घृणा। उस हंसमुख चेहरे के पीछे एक मध्ययुगीन हत्यारे की आत्मा छिपी थी। और जैसे-जैसे मैं इसके बारे में सोचता गया, मुझे और स्पष्ट रूप से समझ में आया कि यह सब कितनी चालाकी से रचा गया था। वह जाहिर तौर पर दूसरों के साथ सोने चला गया था। निस्संदेह उसके पास इसे साबित करने के लिए कोई गवाह होगा। फिर, उनकी जानकारी के बिना, वह चुपके से नीचे गया, मुझे अपने कमरे में बुलाया, और मुझे वहीं छोड़ दिया। उसकी कहानी बहुत सरल होगी। वह मुझे बिलियर्ड रूम में अपनी सिगार खत्म करने के लिए छोड़कर चला गया था। मैं अपनी मर्जी से बिल्ली को आखिरी बार देखने के लिए नीचे गया था। मैंने ध्यान दिए बिना कमरे में प्रवेश किया कि पिंजरा खुला हुआ था, और मैं पकड़ा गया। उसे इस तरह के अपराध का भेद कैसे खुल सकता था? शायद शक के बल पर—लेकिन सबूत के आधार पर तो कभी नहीं!

वे भयानक दो घंटे कितनी धीमी गति से गुज़रे! एक बार मुझे एक धीमी, कर्कश आवाज़ सुनाई दी, जिसे मैंने उस जीव के अपने फर को चाटने की आवाज़ समझा। कई बार उसकी हरी आँखें अंधेरे में मेरी ओर चमकीं, लेकिन कभी भी टकटकी लगाकर नहीं देखा, और मेरी उम्मीदें और मज़बूत होती गईं कि शायद वह मेरी मौजूदगी को भूल गया हो या अनदेखा कर दिया हो। आखिरकार खिड़कियों से हल्की सी रोशनी आई - पहले तो मुझे वे धुंधली सी काली दीवार पर दो धूसर चौकोर आकृतियों के रूप में दिखाई दीं, फिर धूसर रंग सफ़ेद में बदल गया, और मैं अपने भयानक साथी को एक बार फिर देख सका। और अफ़सोस, वह मुझे देख सकता था!

मुझे तुरंत समझ आ गया कि वह पिछली बार की तुलना में कहीं अधिक खतरनाक और आक्रामक मूड में था। सुबह की ठंड ने उसे चिढ़ा दिया था और वह भूखा भी था। लगातार गुर्राते हुए वह कमरे के उस हिस्से में तेज़ी से इधर-उधर चक्कर लगा रहा था जो मेरे छिपने की जगह से सबसे दूर था, उसकी मूंछें गुस्से से खड़ी थीं और उसकी पूंछ लगातार हिल रही थी। जैसे ही वह कोनों पर मुड़ता, उसकी क्रूर आँखें हमेशा एक भयानक धमकी के साथ मेरी ओर देखतीं। तब मैं समझ गया कि वह मुझे मारना चाहता है। फिर भी उस पल भी मैं उस शैतानी जीव की लचीली सुंदरता, उसकी लंबी, लहराती, लहरदार चाल, उसके सुंदर पार्श्वों की चमक, और उसके काले थूथन से लटकती चमकदार जीभ के चमकीले, धड़कते लाल रंग की प्रशंसा कर रहा था। और हर समय वह गहरी, धमकी भरी गुर्राहट लगातार बढ़ती जा रही थी। मैं जानता था कि संकट निकट है।

ऐसी मौत का सामना करना एक भयानक घड़ी थी—इतनी ठंड, इतना दर्द, मैं अपने हल्के कपड़ों में कांप रहा था, उस यातना के जाल पर जिस पर मुझे लिटाया गया था। मैंने खुद को इससे उबरने की कोशिश की, अपनी आत्मा को इससे ऊपर उठाने की कोशिश की, और साथ ही, एक पूरी तरह से हताश व्यक्ति को जो स्पष्टता मिलती है, उसी के साथ मैंने बचने का कोई रास्ता खोजने की कोशिश की। एक बात मुझे स्पष्ट थी। अगर पिंजरे का अगला हिस्सा अपनी जगह पर वापस आ जाए, तो मैं उसके पीछे सुरक्षित शरण पा सकता हूँ। क्या मैं उसे वापस खींच सकता हूँ? मुझे डर था कि कहीं वह जानवर मुझ पर हमला न कर दे, इसलिए मैं हिलने की हिम्मत भी नहीं कर पा रहा था। धीरे-धीरे, बहुत धीरे-धीरे, मैंने अपना हाथ आगे बढ़ाया जब तक कि वह अगले हिस्से के किनारे, दीवार से बाहर निकली आखिरी छड़ तक नहीं पहुंच गया। मुझे

आश्चर्य हुआ कि वह मेरे झटके से आसानी से बाहर आ गई। बेशक, उसे बाहर निकालने में मुश्किल इसलिए आ रही थी क्योंकि मैं उससे चिपका हुआ था। मैंने फिर खींचा, और उसका तीन इंच हिस्सा बाहर आ गया। वह मानो पहियों पर चल रहा था। मैंने फिर खींचा... और तभी बिल्ली उछल पड़ी!

यह सब इतनी जल्दी और अचानक हुआ कि मैंने इसे होते हुए देखा ही नहीं। मैंने बस एक भयानक गुर्राहट सुनी, और पल भर में ही उसकी धधकती पीली आँखें, चपटा काला सिर, लाल जीभ और चमकते दाँत मेरे बिल्कुल करीब आ गए। उस जीव के प्रभाव से वे सलाखें हिल गईं जिन पर मैं लेटा हुआ था, यहाँ तक कि मुझे लगा (उस समय मैं जितना सोच सकता था) कि वे नीचे गिर रही हैं। बिल्ली एक पल के लिए वहीं डगमगाई, उसका सिर और अगले पंजे मेरे बिल्कुल करीब थे, पिछले पंजे जाली के किनारे पर पकड़ बनाने के लिए ज़ोर लगा रहे थे। मैंने उसके पंजों की खुरदरी आवाज़ सुनी जब वे तार की जाली से चिपके हुए थे, और उस जानवर की साँस से मुझे घिन आ रही थी। लेकिन उसकी छलांग का अंदाज़ा गलत था। वह अपनी जगह पर टिक नहीं पाई। धीरे-धीरे, गुस्से से मुस्कुराते हुए, और सलाखों को पागलों की तरह खरोंचते हुए, वह पीछे की ओर झूली और ज़मीन पर ज़ोर से गिर पड़ी। एक गुर्राहट के साथ वह तुरंत मेरी ओर मुड़ी और एक और छलांग लगाने के लिए झुक गई।

मुझे पता था कि अगले कुछ पल ही मेरा भाग्य तय करेंगे। उस प्राणी ने अनुभव से सीख ली थी। वह दोबारा ऐसी गलती नहीं करेगा। अगर मुझे अपनी जान बचानी है तो मुझे तुरंत और निडर होकर कार्रवाई करनी होगी। पल भर में मैंने अपनी योजना बना ली। अपना कोट उतारकर मैंने उसे उस जानवर के सिर पर फेंक दिया। उसी क्षण मैं दीवार के किनारे से नीचे कूद गया, सामने की जाली का सिरा पकड़ा और उसे पूरी ताकत से दीवार से खींचकर निकाल दिया।

यह मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा आसानी से हो गया। मैं उसे अपने साथ लिए कमरे के उस पार भागा; लेकिन भागते समय, मेरी स्थिति ऐसी थी कि मैं बाहर की तरफ़ आ गया। अगर ऐसा न होता, तो शायद मैं बाल-बाल बच जाता। लेकिन, मैंने उसे रोका और जो जगह मैंने छोड़ी थी, वहाँ से अंदर जाने की कोशिश की, तो एक पल का विराम लगा। वह एक पल उस जीव को मेरे द्वारा उसे अंधा करने के लिए इस्तेमाल किए गए कोट को उतारने और मुझ पर झपटने का समय देने के लिए काफ़ी था। मैंने खुद को उस दरार से फेंका और रेलिंग को अपने पीछे खींच लिया, लेकिन इससे पहले कि मैं अपना पैर पूरी तरह से खींच पाता, उसने मेरा पैर पकड़ लिया। उसके विशाल पंजे के एक ही वार से मेरी पिंडली ऐसे फट गई जैसे लकड़ी का छिलका किसी विमान के सामने से मुड़ जाता है। अगले ही पल, खून बह रहा था और मैं बेहोश पड़ा था, गंदी भूसी के बीच, मेरे और उस जीव के बीच में मित्रवत सलाखों की एक पंक्ति थी, जो उन पर बेतहाशा उछल रहा था।

इतना ज़ख्मी कि हिल भी नहीं सकता था, और इतना कमज़ोर कि डर का एहसास भी नहीं हो रहा था, मैं बस लेटा रहा, जैसे ज़िंदा से ज़्यादा मुर्दा, और उसे देखता रहा। उसने अपनी चौड़ी, काली छाती सलाखों से सटा दी और अपने टेढ़े पंजों से मेरी तरफ ऐसे झुकी जैसे मैंने किसी बिल्ली के बच्चे को चूहेदानी के सामने झुकते देखा हो। उसने मेरे कपड़े फाड़ दिए, लेकिन लाख कोशिश करने पर भी वह मुझ तक नहीं पहुंच पाई। मैंने बड़े मांसाहारी जानवरों के घावों से होने वाले अजीब सुन्न कर देने वाले असर के बारे में सुना था, और अब मुझे इसका अनुभव करना था, क्योंकि मैं अपनी सारी चेतना खो चुका था, और बिल्ली की कामयाबी या नाकामी में मेरी उतनी ही दिलचस्पी थी जैसे मैं कोई शिकार देख रहा हूँ। और फिर धीरे-धीरे मेरा मन अजीब धुंधले सपनों में खो गया, जिनमें हमेशा वह काला चेहरा और लाल जीभ वापस आ जाते थे, और इस तरह मैं

प्रलाप के निर्वाण में खो गया, जो उन लोगों के लिए एक सुकून भरी राहत है जो बहुत ज़्यादा परेशान होते हैं।

बाद में हुई घटनाओं का विश्लेषण करने पर, मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि मैं लगभग दो घंटे तक बेहोश रहा होगा। मुझे होश में लाने वाली आवाज़ उस तेज़ धातुई क्लिक की थी जो मेरे भयानक अनुभव का पूर्व संकेत थी। यह स्प्रिंग लॉक के खुलने की आवाज़ थी। फिर, इससे पहले कि मेरी इंद्रियाँ पूरी तरह से समझ पातीं कि क्या होश में आ रहा है, मुझे अपने चचेरे भाई का गोल, दयालु चेहरा खुले दरवाजे से अंदर झांकता हुआ दिखाई दिया। जो उसने देखा, उससे वह स्पष्ट रूप से चकित रह गया। बिल्ली ज़मीन पर दुबकी हुई थी। मैं पिंजरे के अंदर अपनी कमीज़ की आस्तीनों में पीठ के बल लेटा हुआ था, मेरी पतलून फटी हुई थी और मेरे चारों ओर खून का एक बड़ा तालाब था। सुबह की धूप में उसका चकित चेहरा अब भी मुझे याद है। उसने मुझे देखा, और फिर देखा। फिर उसने अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया और यह देखने के लिए पिंजरे की ओर बढ़ा कि क्या मैं सचमुच मर गया हूँ।

मैं यह नहीं बता सकता कि वास्तव में क्या हुआ था। मैं उस समय ऐसी स्थिति में नहीं था कि ऐसी घटनाओं का साक्षी बन सकूं या उनका विवरण दे सकूं। मैं केवल इतना कह सकता हूँ कि मुझे अचानक यह अहसास हुआ कि उसका चेहरा मुझसे दूर था—वह जानवर की ओर देख रहा था।

"प्यारा टॉमी!" वह चिल्लाया। "प्यारा टॉमी!"

फिर वह सलाखों के पास आया, उसकी पीठ अभी भी मेरी ओर थी।

"नीचे बैठ जा, मूर्ख जानवर!" वह दहाड़ा। "नीचे बैठ जा, महाराज! क्या आपको अपने स्वामी का पता नहीं?"

अचानक मेरे भ्रमित मस्तिष्क में भी उसके वे शब्द याद आ गए जब उसने कहा था कि खून का स्वाद बिल्ली को दरिंदा बना देगा। मेरे खून ने ही यह कर दिखाया था, लेकिन उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

"दूर हटो!" वह चिल्लाया। "दूर हटो, शैतान! बाल्डविन! बाल्डविन! हे भगवान!"

फिर मैंने उसे गिरते, उठते और फिर गिरते सुना, ऐसी आवाज़ जैसे बोरी फट रही हो। उसकी चीखें धीरे-धीरे कम होती गईं, यहां तक कि उस भयानक गुर्राहट में खो गईं। और फिर, जब मुझे लगा कि वह मर चुका है, तो मैंने एक बुरे सपने की तरह, एक अंधा, फटा हुआ, खून से लथपथ व्यक्ति कमरे में बेतहाशा भागता हुआ देखा - और बेहोश होने से पहले यही उसकी आखिरी झलक थी जो मैंने देखी।

मुझे ठीक होने में कई महीने लग गए—वास्तव में, मैं यह नहीं कह सकता कि मैं कभी पूरी तरह ठीक हुआ, क्योंकि जीवन भर मैं उस ब्राज़ीलियाई बिल्ली के साथ बिताई रात की निशानी के तौर पर एक छड़ी अपने साथ रखूंगा। बाल्डविन, जो नौकर था, और अन्य नौकर यह नहीं बता पा रहे थे कि क्या हुआ था, जब अपने मालिक की मृत्यु-पुकार सुनकर वे मुझे सलाखों के पीछे और उसके अवशेषों—या जिन्हें उन्होंने बाद में उसके अवशेष पाया—को उस जानवर के चंगुल में पाया जिसे उसने पाला था। उन्होंने उसे गर्म लोहे से बांधकर रोक दिया, और बाद में मुझे छुड़ाने से पहले दरवाजे के छेद से उसे गोली मार दी। मुझे मेरे शयनकक्ष में ले जाया गया, और वहां, मेरे भावी हत्यारे की छत के नीचे, मैं कई हफ्तों तक जीवन और मृत्यु के बीच जूझता रहा। उन्होंने क्लिफ्टन से एक सर्जन और लंदन से एक नर्स को बुलाया, और एक महीने में मुझे थाने ले जाया जा सका, और फिर मुझे वापस ग्रोसवेनर मैंशन ले जाया गया।

मुझे उस बीमारी की एक ही याद है, जो शायद मेरे दिमाग में बसी धुंधली सी तस्वीर का हिस्सा होती, अगर वो मेरी स्मृति में इतनी पक्की तरह से अंकित न होती। एक रात, जब नर्स कमरे में नहीं थी, मेरे कमरे का दरवाजा खुला और गहरे काले शोक वस्त्र पहने

एक लंबी महिला कमरे में दाखिल हुई। वो मेरे पास आई और जैसे ही उसने अपना पीला चेहरा झुकाया, मैंने रात की हल्की रोशनी में देखा कि वो वही ब्राज़ीलियाई महिला थी जिससे मेरे चचेरे भाई ने शादी की थी। उसने ध्यान से मेरे चेहरे को देखा और उसके चेहरे पर पहले से कहीं अधिक दयालु भाव थे।

"क्या तुम होश में हो?" उसने पूछा।

मैंने कमजोरी से सिर हिलाया—क्योंकि मैं अभी भी बहुत कमजोर था।

"अच्छा, तो मैं बस इतना ही कहना चाहती थी कि इसके लिए आप खुद ही ज़िम्मेदार हैं। क्या मैंने आपके लिए अपनी पूरी कोशिश नहीं की? शुरू से ही, मैंने आपको घर से निकालने की कोशिश की। अपने पति को धोखा देने के अलावा, मैंने हर संभव तरीके से आपको उससे बचाने की कोशिश की। मुझे पता था कि आपको यहाँ लाने के उसके पास कोई कारण था। मुझे पता था कि वह आपको फिर कभी जाने नहीं देगा। उसे कोई उतना नहीं जानता था जितना मैं जानती थी, जिसने उससे इतना दुख झेला था। मैंने आपको ये सब बताने की हिम्मत नहीं की। वह मुझे मार डालता। लेकिन मैंने आपके लिए अपनी पूरी कोशिश की। जैसा कि हुआ, आप मेरी सबसे अच्छी दोस्त साबित हुईं। आपने मुझे आज़ाद किया, और मुझे लगता था कि मौत के सिवा कोई और ऐसा नहीं कर सकता। अगर आपको दुख हुआ हो तो मुझे खेद है, लेकिन मैं खुद को दोष नहीं दे सकती। मैंने आपसे कहा था कि आप मूर्ख हैं - और आप मूर्ख ही थीं।" वह कमरे से चुपके से निकल गई, वह कड़वी, अकेली औरत, और मेरी किस्मत में उसे फिर कभी न देखना लिखा था। अपने पति की संपत्ति में जो कुछ बचा था, उसे लेकर वह अपने जन्मस्थान लौट गई, और मैंने सुना है कि बाद में उसने पर्नाम्बुको में संन्यास ले लिया।

लंदन लौटने के कुछ समय बाद ही डॉक्टरों ने मुझे व्यापार करने के लिए पूरी तरह स्वस्थ घोषित किया। यह अनुमति मेरे लिए बहुत सुखद नहीं थी, क्योंकि मुझे डर था कि इससे लेनदारों की भीड़ उमड़ पड़ेगी; लेकिन इसका सबसे पहले फायदा मेरे वकील समर्स ने उठाया।

उन्होंने कहा, "यह देखकर मुझे बहुत खुशी हुई कि आपकी सेहत में काफी सुधार हुआ है। मैं आपको बधाई देने के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहा था।"

"समर्स, तुम्हारा क्या मतलब है? यह मजाक करने का समय नहीं है।"

"मैं जो कह रहा हूँ, वही कह रहा हूँ," उन्होंने जवाब दिया। "आप पिछले छह हफ्तों से लॉर्ड साउथर्टन रहे हैं, लेकिन हमें डर था कि अगर आप इसे सीख लेते तो इससे आपकी रिकवरी में बाधा आ सकती थी।"

लॉर्ड साउथर्टन! इंग्लैंड के सबसे धनी रईसों में से एक! मुझे अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ। और फिर अचानक मुझे बीते हुए समय का ख्याल आया, और यह भी कि यह मेरे ज़ख्मों के साथ कैसे मेल खाता था।

"तो लॉर्ड साउथर्टन की मृत्यु भी लगभग उसी समय हुई होगी जब मुझे चोट लगी थी?"

"उसी दिन उनकी मृत्यु हुई थी।" जब मैं बोल रहा था, समर्स ने मुझे ध्यान से देखा, और मुझे पूरा विश्वास है—क्योंकि वह बहुत चतुर व्यक्ति थे—कि उन्होंने मामले की सच्चाई का अंदाज़ा लगा लिया था। वह एक पल के लिए रुके, मानो मुझसे कोई राज़ जानने की प्रतीक्षा कर रहे हों, लेकिन मुझे समझ नहीं आया कि इस तरह के पारिवारिक घोटाले को उजागर करने से क्या लाभ होगा।

"जी हाँ, यह तो एक बड़ा अजीब संयोग है," उन्होंने उसी रहस्यमयी अंदाज़ में आगे कहा। "बेशक, आप जानते ही होंगे कि आपके चचेरे भाई एवार्ड किंग जागीरों के अगले वारिस थे। अब, अगर उनकी जगह आप होते और उस बाघ या जो भी वह था, ने

आपको टुकड़े-टुकड़े कर दिया होता, तो ज़ाहिर है कि इस समय लॉर्ड साउथर्टन वहीं होते।”

“इसमें कोई शक नहीं,” मैंने कहा।

“और उन्हें इसमें बहुत दिलचस्पी थी,” समर्स ने कहा। “मुझे पता है कि स्वर्गीय लॉर्ड साउथर्टन का नौकर उनके वेतन पर काम करता था, और उन्हें हर कुछ घंटों में उनसे टेलीग्राम मिलते थे जिसमें वे उन्हें बताते थे कि उनका हालचाल क्या चल रहा है। यह लगभग उसी समय की बात है जब आप वहाँ थे। क्या यह अजीब नहीं था कि वे इतनी जानकारी रखना चाहते थे, जबकि वे जानते थे कि वे सीधे उत्तराधिकारी नहीं थे?”

मैंने कहा, "बहुत अजीब बात है। और अब, समर्स, अगर आप मुझे मेरे बिल और एक नई चेकबुक लाकर देंगे, तो हम चीजों को व्यवस्थित करना शुरू कर देंगे।"

द लॉस्ट स्पेशल

मार्सिले में मौत की सजा पाए हर्बर्ट डी लेर्नाक के इकबालिया बयान ने सदी के सबसे रहस्यमय अपराधों में से एक पर प्रकाश डाला है - एक ऐसी घटना जो, मेरा मानना है, किसी भी देश के आपराधिक इतिहास में अभूतपूर्व है: हालांकि आधिकारिक हलकों में इस मामले पर चर्चा करने में हिचकिचाहट है, और प्रेस को बहुत कम जानकारी दी गई है, फिर भी ऐसे संकेत हैं कि इस कुख्यात अपराधी का बयान तथ्यों से मेल खाता है, और हमने अंततः एक बेहद चौंकाने वाले मामले का हल ढूंढ लिया है। चूंकि यह मामला आठ साल पुराना है, और उस समय जनता का ध्यान आकर्षित करने वाले राजनीतिक संकट के कारण इसका महत्व कुछ हद तक कम हो गया था, इसलिए तथ्यों को यथासंभव बताना उचित होगा। ये तथ्य उस समय के लिवरपूल के समाचार पत्रों, इंजन चालक जॉन स्लेटर की जांच की कार्यवाही और लंदन और वेस्ट कोस्ट रेलवे कंपनी के अभिलेखों से संकलित किए गए हैं, जो मुझे सहर्ष उपलब्ध कराए गए हैं। संक्षेप में, वे इस प्रकार हैं:

3 जून, 1890 को, लुई काराटल नाम के एक सज्जन ने लिवरपूल स्थित लंदन और वेस्ट कोस्ट सेंट्रल स्टेशन के अधीक्षक श्री जेम्स ब्लैंड से मिलने की इच्छा जताई। वे कद में छोटे, अधेड़ उम्र के और सांवले थे, और उनकी कमर इतनी झुकी हुई थी कि रीढ़ की हड्डी में किसी विकृति का आभास होता था। उनके साथ उनका एक मित्र भी था, जो कद-काठी में प्रभावशाली था। उसका विनम्र व्यवहार और निरंतर ध्यान यह दर्शाता था कि वह आश्रित था। इस मित्र या साथी का नाम पता नहीं चल पाया, लेकिन वह निश्चित रूप से एक विदेशी था, और संभवतः अपने सांवले रंग से स्पेनिश या दक्षिण अमेरिकी प्रतीत होता था। उसमें एक विचित्रता देखी गई। उसने अपने बाएं हाथ में चमड़े का एक छोटा काला डिब्बा रखा हुआ था, और सेंट्रल स्टेशन के एक तेज नजर वाले क्लर्क ने देखा कि यह डिब्बा उसकी कलाई से एक पट्टे से बंधा हुआ था। उस समय इस तथ्य को कोई महत्व नहीं दिया गया, लेकिन बाद की घटनाओं ने इसे कुछ महत्व दिया। श्रीमान काराटल को श्री ब्लैंड के कार्यालय में लाया गया, जबकि उनका साथी बाहर ही रहा।

श्री कैराटल का काम तुरंत निपटाया गया। वे उसी दोपहर मध्य अमेरिका से आए थे। अत्यंत महत्वपूर्ण मामलों के चलते उन्हें एक घंटा भी बर्बाद किए बिना पेरिस पहुंचना था। उनकी लंदन एक्सप्रेस छूट गई थी। उनके लिए एक विशेष ट्रेन का इंतजाम करना जरूरी था। पैसे की कोई परवाह नहीं थी। समय ही सब कुछ था। अगर कंपनी उन्हें जल्दी भेज दे, तो वे अपनी शर्तें मनवा सकते हैं।

श्री ब्लैंड ने बिजली की घंटी बजाई, यातायात प्रबंधक श्री पॉटर हुड को बुलाया और पाँच मिनट में मामला सुलझा लिया। ट्रेन पौने घंटे में रवाना होगी। यह सुनिश्चित करने में इतना समय लगेगा कि पटरी साफ़ हो। रोशडेल नामक शक्तिशाली इंजन (कंपनी के

रजिस्टर में नंबर 247) को दो डिब्बों से जोड़ा गया था, जिनके पीछे गार्ड का डिब्बा था। पहला डिब्बा केवल कंपन से होने वाली असुविधा को कम करने के लिए था। दूसरा डिब्बा हमेशा की तरह चार डिब्बों में विभाजित था: एक प्रथम श्रेणी, एक प्रथम श्रेणी धूम्रपान डिब्बा, एक द्वितीय श्रेणी और एक द्वितीय श्रेणी धूम्रपान डिब्बा। इंजन के सबसे नज़दीक वाला पहला डिब्बा यात्रियों के लिए आरक्षित थी। बाकी तीन डिब्बे खाली थे। विशेष ट्रेन का गार्ड जेम्स मैकफ़र्सन था, जो कंपनी में कई वर्षों से कार्यरत था। इंजन चालक विलियम स्मिथ नया कर्मचारी था।

महाशय काराटल अधीक्षक के कार्यालय से निकलते ही अपने साथी से मिले और दोनों ही वहाँ से जाने के लिए बेहद बेचैन थे। उन्होंने तय की गई रकम, जो पचास पाउंड पांच शिलिंग थी (पांच शिलिंग प्रति मील की सामान्य विशेष दर से), चुका दी और तुरंत गाड़ी दिखाने की मांग की, हालांकि उन्हें आश्वासन दिया गया था कि लाइन साफ़ होने में लगभग एक घंटा लगेगा। इसी बीच, महाशय काराटल जिस कार्यालय से निकले थे, वहाँ एक विचित्र संयोग घटित हुआ।

किसी समृद्ध व्यापारिक केंद्र में विशेष ट्रेन की मांग होना कोई असामान्य बात नहीं है, लेकिन एक ही दोपहर में दो विशेष ट्रेनों की मांग होना अत्यंत असामान्य था। हालांकि, हुआ यूं कि श्री ब्लैंड ने पहले यात्री को विदा किया ही था कि दूसरा यात्री भी इसी तरह की मांग लेकर आ गया। ये श्री होरेस मूर थे, जो सैन्य वेशभूषा वाले एक सभ्य व्यक्ति थे। उन्होंने बताया कि लंदन में उनकी पत्नी की अचानक गंभीर बीमारी के कारण उनके लिए यात्रा शुरू करने में एक पल भी देरी न करना अत्यंत आवश्यक था। उनकी व्याकुलता और चिंता इतनी स्पष्ट थी कि श्री ब्लैंड ने उनकी इच्छा पूरी करने के लिए हर संभव प्रयास किया। दूसरी विशेष ट्रेन भेजना संभव नहीं था, क्योंकि पहली विशेष ट्रेन के कारण सामान्य स्थानीय सेवा पहले ही कुछ हद तक बाधित हो चुकी थी। हालांकि, एक विकल्प यह था कि श्री मूर, श्री कैराटल की ट्रेन का खर्च वहन करें और यदि श्री कैराटल को अपने पहले वाले डिब्बे में यात्रा करने पर आपत्ति हो, तो वे दूसरे खाली प्रथम श्रेणी के डिब्बे में यात्रा करें। इस तरह की व्यवस्था पर आपत्ति करना मुश्किल था, फिर भी श्री पॉटर हूड द्वारा यह सुझाव दिए जाने पर महाशय काराटल ने इस पर एक पल के लिए भी विचार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेन उनकी है और वे इस पर अपना एकाधिकार चाहते हैं। उनके कठोर विरोध को दूर करने के लिए सभी तर्क विफल रहे और अंततः योजना को छोड़ना पड़ा। श्री होरेस मूर को जब पता चला कि उनके पास एकमात्र विकल्प लिवरपूल से सुबह छह बजे निकलने वाली साधारण धीमी ट्रेन है, तो वे बहुत दुखी होकर स्टेशन से चले गए। स्टेशन की घड़ी के अनुसार ठीक चार बजकर 31 मिनट पर, विकलांग महाशय काराटल और उनके विशालकाय साथी को ले जाने वाली विशेष ट्रेन लिवरपूल स्टेशन से रवाना हुई। उस समय लाइन खाली थी और मैनचेस्टर से पहले कोई ठहराव नहीं होना चाहिए था।

लंदन और वेस्ट कोस्ट रेलवे की ट्रेनें इस कस्बे तक एक अन्य कंपनी की पटरियों पर चलती हैं, जहाँ विशेष ट्रेन को छह बजे से कुछ पहले पहुँच जाना चाहिए था। सवा छह बजे मैनचेस्टर से एक टेलीग्राम मिलने पर लिवरपूल के अधिकारियों में काफी आश्चर्य और कुछ घबराहट फैल गई, जिसमें बताया गया था कि ट्रेन अभी तक नहीं पहुँची है। दोनों शहरों के बीच एक तिहाई दूरी पर स्थित सेंट हेलेन्स से पूछताछ करने पर निम्नलिखित उत्तर प्राप्त हुआ —

"जेम्स ब्लैंड, अधीक्षक, सेंट्रल एल. एंड डब्ल्यू. सी., लिवरपूल को।— विशेष ट्रेन यहाँ से 4:52 बजे गुजरी, समय पर।— डाउस्टर, सेंट हेलेन्स।"

यह टेलीग्राम सुबह छह बजकर चालीस मिनट पर प्राप्त हुआ। सुबह छह बजकर पचास मिनट पर मैनचेस्टर से दूसरा संदेश प्राप्त हुआ।

"आपके द्वारा बताए गए विशेष संकेत नहीं मिले हैं।"

और फिर दस मिनट बाद एक तीसरी, और भी अधिक हैरान करने वाली घटना हुई—

“प्रस्तावित विशेष ट्रेन के संचालन को लेकर कुछ गलती हो गई है। सेंट हेलेंस से आने वाली लोकल ट्रेन, जो इसके पीछे चलने के लिए निर्धारित समय पर है, अभी-अभी पहुंची है और उसे इसके बारे में कुछ भी पता नहीं चला है। कृपया जानकारी भेजें।—मैनचेस्टर।”

मामला बेहद चौंकाने वाला होता जा रहा था, हालांकि कुछ मायनों में लिवरपूल के अधिकारियों के लिए आखिरी टेलीग्राम राहत की बात थी। अगर स्पेशल ट्रेन के साथ कोई दुर्घटना हुई थी, तो यह लगभग असंभव ही था कि लोकल ट्रेन उसी लाइन पर बिना उसे देखे गुजर गई हो। फिर भी, विकल्प क्या था? ट्रेन कहाँ हो सकती थी? क्या धीमी गति वाली ट्रेन को आगे निकलने देने के लिए उसे किसी कारण से पटरी से उतार दिया गया था? अगर कोई छोटी-मोटी मरम्मत करनी पड़ी हो तो ऐसी व्याख्या संभव थी। सेंट हेलेंस और मैनचेस्टर के बीच के प्रत्येक स्टेशन पर एक टेलीग्राम भेजा गया, और अधीक्षक और यातायात प्रबंधक बड़ी उत्सुकता से उत्तरों की प्रतीक्षा कर रहे थे, जिससे उन्हें पता चल सके कि लापता ट्रेन का क्या हुआ है। उत्तर प्रश्नों के क्रम में आए, जो कि सेंट हेलेंस छोर से शुरू होकर स्टेशनों का क्रम था।

“यहां से स्पेशल ट्रेन पांच बजे गुजरी थी।— कॉलिन्स ग्रीन।”

“यहाँ से विशेष ट्रेन पाँच बजकर छह मिनट पर गुजरी।— अर्ल्सटाउन।”

“स्पेशल ट्रेन यहाँ से 5:10 बजे गुजरी।— न्यूटन।”

“स्पेशल ट्रेन यहां से 5:20 बजे गुजरी।— केन्योन जंक्शन।”

“यहां से कोई विशेष ट्रेन नहीं गुजरी है।— बार्टन मॉस।”

दोनों अधिकारी हैरानी से एक-दूसरे को घूरने लगे।

श्री ब्लैंड ने कहा, "मेरे तीस वर्षों के अनुभव में यह एक अनोखी घटना है।"

“बिल्कुल अभूतपूर्व और समझ से परे घटना है, महोदय। केन्योन जंक्शन और बार्टन मॉस के बीच स्पेशल ट्रेन में गड़बड़ी हो गई है।”

“और जहाँ तक मुझे याद है, दोनों स्टेशनों के बीच कोई साइडिंग नहीं है। स्पेशल ट्रेन ट्रैक से उतर गई होगी।”

लेकिन चौरासी संसदीय सदस्य बिना इसका पालन किए उसी रेखा को कैसे पार कर सकते थे?

“कोई दूसरा विकल्प नहीं है, श्रीमान हुड। यही होना चाहिए। हो सकता है कि स्थानीय ट्रेन ने कुछ ऐसा देखा हो जिससे इस मामले पर कुछ रोशनी पड़ सके। हम अधिक जानकारी के लिए मैनचेस्टर को तार भेजेंगे और केन्योन जंक्शन को निर्देश देंगे कि बार्टन मॉस तक लाइन की तुरंत जांच की जाए।” मैनचेस्टर से कुछ ही मिनटों में जवाब आ गया।

“लापता विशेष ट्रेन के बारे में कोई खबर नहीं है। धीमी गति वाली ट्रेन के चालक और गार्ड ने पुष्टि की है कि केन्योन जंक्शन और बार्टन मॉस के बीच कोई दुर्घटना नहीं हुई है। पटरी बिल्कुल साफ है, और किसी भी असामान्य चीज का कोई संकेत नहीं है। — मैनचेस्टर।”

श्री ब्लैंड ने गंभीर स्वर में कहा, “उस ड्राइवर और गार्ड को जाना ही होगा। दुर्घटना हुई है और वे इसे देख नहीं पाए। स्पेशल ट्रेन स्पष्ट रूप से पटरी से उतरे बिना ही धातु की पटरियों से उतर गई है - ऐसा कैसे हो सकता है, यह मेरी समझ से परे है - लेकिन ऐसा ही होना था, और हमें जल्द ही केन्योन या बार्टन मॉस से एक तार मिलेगा कि उन्होंने उसे एक तटबंध के तल में पाया है।”

लेकिन श्री ब्लैंड की भविष्यवाणी पूरी नहीं हो सकी। आधा घंटा बीत गया, और फिर केन्योन जंक्शन के स्टेशन मास्टर की निम्नलिखित संदेश आया —

"लापता विशेष ट्रेन का कोई सुराग नहीं मिला है। यह बिल्कुल निश्चित है कि वह यहाँ से गुजरी थी और बार्टन मॉस नहीं पहुँची थी। हमने मालगाड़ी से इंजन को अलग कर दिया है और मैंने खुद भी पटरी पर जाकर देखा है, लेकिन सब कुछ ठीक है और किसी दुर्घटना का कोई संकेत नहीं है।"

श्री ब्लैंड ने अपनी हैरानी में अपने बाल नोच लिए।

"यह तो सरासर पागलपन है, हूड!" वह चिल्लाया। "क्या इंग्लैंड में दिन दहाड़े कोई ट्रेन हवा में गायब हो सकती है? यह तो सरासर बेतुका है। एक इंजन, एक टेंडर, दो डिब्बे, एक वैन, पाँच लोग — और सब एक सीधी रेल पटरी पर गायब! अगर अगले एक घंटे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिली तो मैं इंस्पेक्टर कॉलिन्स को लेकर खुद नीचे जाऊंगा।"

और फिर अंततः कुछ सकारात्मक घटना घटी। यह केन्योन जंक्शन से एक और टेलीग्राम के रूप में सामने आई।

हमें खेद है कि विशेष ट्रेन के चालक जॉन स्लेटर का शव जंक्शन से सवा दो मील की दूरी पर कंटीली झाड़ियों के बीच मिला है। वह अपने इंजन से गिर गए थे, ढलान से नीचे लुढ़कते हुए झाड़ियों में जा गिरे। गिरने से सिर में लगी चोट उनकी मृत्यु का कारण प्रतीत होती है। जमीन की सावधानीपूर्वक जांच की गई है, लेकिन लापता ट्रेन का कोई सुराग नहीं मिला है।

जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है, देश एक राजनीतिक संकट से जूझ रहा था, और जनता का ध्यान पेरिस में घट रही महत्वपूर्ण और सनसनीखेज घटनाओं की ओर और भी भटक गया था, जहाँ एक बड़े घोटाले ने सरकार को गिराने और फ्रांस के कई प्रमुख व्यक्तियों की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की धमकी दी थी। अखबार इन घटनाओं से भरे हुए थे, और विशेष ट्रेन के रहस्यमय ढंग से गायब होने की घटना ने शांतिपूर्ण समय की तुलना में कम ध्यान आकर्षित किया। घटना की विचित्र प्रकृति ने इसके महत्व को कम करने में योगदान दिया, क्योंकि अखबारों को उन तथ्यों पर विश्वास करने में कठिनाई हो रही थी जो उन्हें बताए गए थे। लंदन के कई अखबारों ने इस मामले को एक चालाकी भरी साजिश के रूप में लिया, जब तक कि दुर्भाग्यपूर्ण चालक की कोरोनर की जांच (एक जांच जिसमें कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं निकला) ने उन्हें घटना की त्रासदी के बारे में आश्वस्त नहीं कर दिया।

श्री ब्लैंड, कंपनी के वरिष्ठ जासूस अधिकारी इंस्पेक्टर कॉलिन्स के साथ उसी शाम केन्योन जंक्शन गए और उनकी खोज अगले दिन तक जारी रही, लेकिन परिणाम पूरी तरह नकारात्मक रहे। लापता ट्रेन का कोई सुराग तो नहीं मिला, साथ ही ऐसा कोई अनुमान भी नहीं लगाया जा सका जो तथ्यों की व्याख्या कर सके। उसी समय, इंस्पेक्टर कॉलिन्स की आधिकारिक रिपोर्ट (जो मेरे सामने है) से पता चला कि संभावनाएं अपेक्षा से कहीं अधिक थीं।

"इन दोनों बिंदुओं के बीच रेलवे लाइन के इस हिस्से में," उन्होंने कहा, "पूरा इलाका लौह कारखानों और कोयला खदानों से भरा पड़ा है। इनमें से कुछ चालू हैं और कुछ बंद हो चुकी हैं। कम से कम बारह ऐसी खदानें हैं जिनमें छोटी गेज की लाइनें हैं जो ट्राली-कार को मुख्य लाइन तक ले जाती हैं। इन्हें बेशक नज़रअंदाज़ किया जा सकता है। इनके अलावा, सात ऐसी खदानें हैं जिनमें पहले या अभी भी ऐसी ही हैं, जिनमें मुख्य लाइन तक जाने वाली और उससे जुड़ने वाली उचित लाइनें हैं, ताकि खदान के मुहाने से लेकर बड़े वितरण केंद्रों तक उनका उत्पादन पहुंचाया जा सके। हर मामले में ये लाइनें कुछ ही मील लंबी हैं। इन सात में से चार खदानें ऐसी हैं जो बंद हो चुकी हैं, या

कम से कम उन शाफ्ट तक जाती हैं जिनका अब उपयोग नहीं होता है। ये रेडगॉन्टलेट, हीरो, स्लो ऑफ डेस्पोंड और हार्टसीज़ खदानें हैं, जिनमें से हार्टसीज़ खदान दस साल पहले लंकाशायर की प्रमुख खदानों में से एक थी। इन चार सहायक लाइनों को हमारी जांच से हटाया जा सकता है, क्योंकि संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, मुख्य लाइन के सबसे नज़दीक की रेल पटरियों को हटा दिया गया है, और अब वहां कोई अतिरिक्त रेल लाइन नहीं है। अब कोई संबंध नहीं रह गया है। तीन अन्य सहायक मार्ग शेष हैं जो आगे बढ़ते हैं —

(a) कार्नस्टाक आयरन वर्क्स को;
(b) बिग बेन कोलियरी को;
(c) परसेवरेंस कोलियरी को।

"इनमें से बिग बेन लाइन एक चौथाई मील से अधिक लंबी नहीं है, और खदान के मुहाने से निकाले जाने वाले कोयले के एक ढेर पर समाप्त होती है। वहाँ कुछ भी खास देखा या सुना नहीं गया था। कार्नस्टाक आयरन वर्क्स लाइन 3 जून को पूरे दिन सोलह ट्रक हेमेटाइट के कारण अवरुद्ध रही। यह एक सिंगल लाइन है, और वहाँ से कुछ भी गुजरना संभव नहीं था। जहाँ तक परसेवरेंस लाइन की बात है, यह एक बड़ी डबल लाइन है, जिस पर काफी यातायात होता है, क्योंकि खदान का उत्पादन बहुत अधिक है। 3 जून को यह यातायात सामान्य रूप से चल रहा था; रेलवे प्लेट बिछाने वालों के एक दल सहित सैकड़ों लोग लाइन की कुल लंबाई, यानी सवा दो मील पर काम कर रहे थे, और यह अकल्पनीय है कि कोई अप्रत्याशित ट्रेन वहाँ बिना सबका ध्यान आकर्षित किए आ सकती थी। अंत में यह उल्लेख किया जा सकता है कि यह शाखा लाइन उस बिंदु की तुलना में सेंट हेलेन्स के अधिक निकट है जहाँ इंजन चालक को पाया गया था, इसलिए हमारे पास यह मानने का पूरा कारण है कि दुर्घटना होने से पहले ट्रेन उस बिंदु को पार कर चुकी थी।

"जॉन स्लेटर के बारे में, उनकी शक्ल-सूरत या चोटों से कोई सुराग नहीं मिलता। हम बस इतना ही कह सकते हैं कि जहाँ तक हम देख सकते हैं, उनकी मृत्यु इंजन से गिरने से हुई, हालाँकि वे क्यों गिरे या उनके गिरने के बाद इंजन का क्या हुआ, यह एक ऐसा प्रश्न है जिस पर मैं अपनी राय देने के लिए खुद को योग्य नहीं समझता।" अंत में, लंदन के अखबारों में अक्षमता के आरोप से बेहद परेशान होकर इंस्पेक्टर ने बोर्ड को अपना इस्तीफा दे दिया।

एक महीना बीत गया, इस दौरान पुलिस और कंपनी दोनों ने अपनी जांच जारी रखी, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इनाम की घोषणा की गई और अपराध साबित होने पर माफी का वादा किया गया, लेकिन दोनों ही दावों पर किसी ने दावा नहीं किया। जनता हर दिन इस उम्मीद के साथ अखबार खोलती थी कि आखिरकार इस विचित्र रहस्य का समाधान हो जाएगा, लेकिन सप्ताह दर सप्ताह बीतते गए और समाधान पहले की तरह ही दूर रहा। जून की एक दोपहर, इंग्लैंड के सबसे घनी आबादी वाले इलाके में, दिन दहाड़े एक ट्रेन अपने यात्रियों सहित इस तरह गायब हो गई मानो किसी सूक्ष्म रसायनशास्त्री ने उसे गैस में बदल दिया हो। दरअसल, सार्वजनिक समाचार पत्रों में कई अटकलें लगाई गईं, जिनमें से कुछ ने गंभीरता से दावा किया कि अलौकिक, या कम से कम असाधारण शक्तियों का इसमें हाथ था, और विकृत दिखने वाला श्री कैराटल शायद कोई ऐसा व्यक्ति था जो किसी कम सभ्य नाम से जाना जाता था। कुछ अन्य लोगों ने उसके सांवले साथी को इस गड़बड़ी का ज़िम्मेदार ठहराया, लेकिन उसने वास्तव में क्या किया था, इसे कभी भी स्पष्ट रूप से शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सका।

विभिन्न समाचार पत्रों या निजी व्यक्तियों द्वारा दिए गए अनेक सुझावों में से एक-दो सुझाव ऐसे थे जो व्यावहारिक प्रतीत होते थे और जनता का ध्यान आकर्षित करने में

सक्षम थे। ऐसा ही एक सुझाव 'द टाइम्स' में प्रकाशित हुआ, जिस पर उस समय के एक प्रसिद्ध शौकिया तर्कशास्त्री के हस्ताक्षर थे। इस लेख का संक्षिप्त अंश ही पर्याप्त होगा, हालांकि जिज्ञासु लोग 3 जुलाई के अंक में पूरा पत्र देख सकते हैं।

उन्होंने टिप्पणी की, "व्यावहारिक तर्क के मूलभूत सिद्धांतों में से एक यह है कि जब असंभव को हटा दिया जाता है, तो शेष, चाहे वह कितना भी असंभावित क्यों न हो, सत्य को समाहित करता है। यह निश्चित है कि ट्रेन केन्योन जंक्शन से चली। यह निश्चित है कि वह बार्टन मॉस तक नहीं पहुँची। यह अत्यंत असंभावित है, लेकिन फिर भी संभव है कि उसने उपलब्ध सात सहायक लाइनों में से किसी एक का सहारा लिया हो। यह स्पष्ट रूप से असंभव है कि कोई ट्रेन वहां चले जहां रेल की पटरियाँ ही न हों, और इसलिए, हम अपने असंभावित तथ्यों को तीन खुली लाइनों तक सीमित कर सकते हैं, अर्थात कार्नस्टॉक आयरन वर्क्स, बिग बेन और परसेवरेंस। क्या कोयला खनिकों का कोई गुप्त संगठन है, कोई अंग्रेज़ी कैमोरा, जो ट्रेन और यात्रियों दोनों को नष्ट करने में सक्षम है? यह असंभावित है, लेकिन असंभव नहीं है। मैं स्वीकार करता हूं कि मैं कोई अन्य समाधान सुझाने में असमर्थ हूँ। मैं निश्चित रूप से कंपनी को सलाह दूंगा कि वे अपनी सारी ऊर्जा इन तीनों लाइनों और उनके अंत में काम करने वाले श्रमिकों की निगरानी पर केंद्रित करें। जिले की गिरवी की दुकानों की सावधानीपूर्वक निगरानी से संभवतः कुछ हल निकल सकता है। कुछ संकेत देने वाले तथ्यों को सामने लाएं।"

ऐसे मामलों के एक मान्यता प्राप्त विशेषज्ञ द्वारा दिए गए सुझाव ने काफी दिलचस्पी पैदा की और उन लोगों ने इसका कड़ा विरोध किया जो इसे ईमानदार और योग्य व्यक्तियों के समूह पर एक बेतुका मानहानि मानते थे। इस आलोचना का एकमात्र जवाब आपत्तिकर्ताओं को जनता के सामने कोई और अधिक तर्कसंगत स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने की चुनौती देना था। इसके जवाब में दो अन्य सुझाव आए (टाइम्स, 7 और 9 जुलाई)। पहले सुझाव में कहा गया कि ट्रेन पटरियों से उतरकर लंकाशायर और स्टैफोर्डशायर नहर में डूबी हो सकती है, जो रेलवे लाइन के समानांतर कुछ सौ गज तक चलती है। नहर की प्रकाशित गहराई के कारण यह सुझाव पूरी तरह से खारिज हो गया, क्योंकि नहर इतनी बड़ी वस्तु को छिपाने के लिए बिल्कुल अपर्याप्त थी। दूसरे संवाददाता ने उस बैग की ओर ध्यान दिलाया जो यात्रियों का एकमात्र सामान प्रतीत होता था, और सुझाव दिया कि उसमें कोई अत्यंत शक्तिशाली विस्फोटक छिपा हो सकता है। हालांकि, यह मानना कि पूरी ट्रेन धूल में बदल जाए जबकि पटरियां सुरक्षित रहें, स्पष्ट रूप से हास्यास्पद था और इस तरह के किसी भी स्पष्टीकरण को हास्यास्पद बना दिया। जांच इस निराशाजनक स्थिति में पहुंच चुकी थी कि तभी एक नई और सबसे अप्रत्याशित घटना घटित हो गई।

यह पत्र श्रीमती मैकफर्सन को उनके पति जेम्स मैकफर्सन का मिला था, जो लापता ट्रेन में गार्ड थे। यह पत्र 5 जुलाई, 1890 को न्यूयॉर्क से भेजा गया था और 14 जुलाई को उन्हें प्राप्त हुआ। इसकी प्रामाणिकता पर कुछ संदेह व्यक्त किए गए, लेकिन श्रीमती मैकफर्सन को लिखावट पर पूरा भरोसा था, और इसमें पांच-पांच डॉलर के नोटों में सौ डॉलर की राशि का उल्लेख होना ही धोखे की संभावना को खारिज करने के लिए पर्याप्त था। पत्र में कोई पता नहीं दिया गया था, और यह इस प्रकार था:

मेरी प्रिय पत्नी,—

मैं बहुत सोच रहा हूँ, और तुम्हें छोड़ना मेरे लिए बहुत मुश्किल है। लिज़ी के साथ भी ऐसा ही है। मैं इससे लड़ने की कोशिश करता हूं, लेकिन यह हमेशा मेरे पास लौट आता है। मैं तुम्हें कुछ पैसे भेज रहा हूं जो बीस अंग्रेज़ी पाउंड में बदल जाएँगे। यह लिज़ी और तुम्हें अटलांटिक पार लाने के लिए पर्याप्त होना चाहिए, और तुम्हें हैम्बर्ग की नावें जो साउथेम्प्टन में रुकती हैं, बहुत अच्छी और लिवरपूल से सस्ती लगेंगी। अगर तुम यहां

आकर जॉनस्टन हाउस में रुक सको तो मैं तुम्हें मिलने का तरीका बताने की कोशिश करूंगा, लेकिन इस समय मेरी हालत बहुत खराब है, और मैं खुश नहीं हूं, तुम दोनों को छोड़ना मेरे लिए बहुत मुश्किल है। तो अभी के लिए बस इतना ही, तुम्हारा प्यारा पति।

"जेम्स मेकफर्सन।"

कुछ समय के लिए यह पूरी उम्मीद थी कि इस पत्र से सारा मामला सुलझ जाएगा, खासकर इसलिए क्योंकि यह पता चला था कि लापता गार्ड से काफी मिलता-जुलता एक यात्री 7 जून को रवाना हुए हैम्बर्ग और न्यूयॉर्क जाने वाले जहाज विस्तुला में समर्स नाम से साउथैम्प्टन से यात्रा कर रहा था। श्रीमती मेकफर्सन और उनकी बहन लिज़ी डॉल्टन निर्देशानुसार न्यूयॉर्क गईं और जॉनस्टन हाउस में तीन सप्ताह तक रहीं, लेकिन लापता व्यक्ति से उन्हें कोई खबर नहीं मिली। संभव है कि प्रेस में छपी कुछ अनुचित टिप्पणियों से उसे आगाह हो गया हो कि पुलिस उन्हें मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, जो भी हो, यह निश्चित है कि उसने न तो पत्र लिखा और न ही आया, और अंततः दोनों महिलाओं को लिवरपूल लौटना पड़ा।

और मामला यहीं रुका रहा, और 1898 तक यही स्थिति बनी रही। यह अविश्वसनीय लग सकता है, लेकिन इन आठ वर्षों में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ जिससे महाशय काराटल और उनके साथी को ले जा रही विशेष ट्रेन के रहस्यमय ढंग से गायब होने पर कोई प्रकाश डाला जा सके। दोनों यात्रियों के इतिहास की सावधानीपूर्वक जांच से केवल यही पता चला है कि महाशय काराटल मध्य अमेरिका में एक प्रसिद्ध वित्तपोषक और राजनीतिक एजेंट थे, और यूरोप की अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने पेरिस पहुंचने की असाधारण उत्सुकता दिखाई थी। उनके साथी, जिनका नाम यात्री सूची में एडुआर्डो गोमेज़ के रूप में दर्ज था, एक हिंसक व्यक्ति थे, और उनकी छवि एक दबंग और गुंडे की थी। हालांकि, इस बात के प्रमाण मिले हैं कि वह महाशय काराटल के हितों के प्रति पूरी तरह समर्पित थे, और चूंकि महाशय काराटल दुबले-पतले थे, इसलिए उन्होंने उन्हें अपने रक्षक के रूप में नियुक्त किया था। यह भी जोड़ा जा सकता है कि पेरिस से इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली कि श्री कैराटल की जल्दबाजी वाली यात्रा का उद्देश्य क्या हो सकता है। इसमें हर्बर्ट डी लेर्नाक के हालिया इकबालिया बयान के मार्सिले के अखबारों में प्रकाशित होने तक के सभी तथ्य शामिल हैं, जिसे अब बोनवालोट नामक व्यापारी की हत्या के लिए मौत की सजा सुनाई गई है। इस कथन का शाब्दिक अनुवाद इस प्रकार है:

"मैं यह जानकारी महज़ घमंड या शेखी बघारने के लिए नहीं दे रहा हूँ, क्योंकि अगर मेरा यही उद्देश्य होता, तो मैं अपने ऐसे दर्जनों कारनामों का ज़िक्र कर सकता था जो इससे कहीं ज़्यादा शानदार हैं; लेकिन मैं यह इसलिए दे रहा हूं ताकि पेरिस के कुछ सज्जन समझ सकें कि मैं, जो यहां श्री कैराटल के भाग्य के बारे में बता सकता हूँ, यह भी बता सकता हूं कि यह कृत्य किसके हित में और किसके कहने पर किया गया था, बशर्ते मुझे जल्द ही वह माफ़ी न मिल जाए जिसका मैं इंतज़ार कर रहा हूं। महोदय, सावधान हो जाइए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए! आप हर्बर्ट डी लर्नैक को जानते हैं, और आप जानते हैं कि उनके कर्म उनके शब्दों की तरह ही तत्पर होते हैं। इसलिए जल्दी कीजिए, वरना आप खो जाएंगे!"

"फिलहाल मैं किसी का नाम नहीं लूंगा— अगर आप उन नामों को सुन लें, तो आप क्या सोचेंगे!— मैं बस इतना बताऊंगा कि मैंने यह काम कितनी चतुराई से किया। मैं उस समय अपने मालिकों के प्रति वफादार था, और मुझे पूरा यकीन है कि वे भी अब मेरे प्रति वफादार होंगे। मुझे यही उम्मीद है, और जब तक मुझे यह यकीन नहीं हो जाता कि उन्होंने मुझे धोखा दिया है, तब तक ये नाम, जो पूरे यूरोप को हिला देंगे, उजागर नहीं किए जाएंगे। लेकिन उस दिन... खैर, मैं और कुछ नहीं कहूंगा!"

संक्षेप में कहूं तो, 1890 में पेरिस में राजनीति और वित्त से जुड़े एक भयंकर घोटाले के सिलसिले में एक प्रसिद्ध मुकदमा चला था। वह घोटाला कितना भयंकर था, यह केवल मेरे जैसे गुप्त एजेंटों को ही पता हो सकता है। फ्रांस के कई प्रमुख व्यक्तियों की प्रतिष्ठा और करियर दांव पर लगे थे। आपने नौ पिनों का एक समूह देखा होगा, जो बिल्कुल स्थिर, सधे हुए और अडिग खड़े होते हैं। फिर दूर से एक गेंद आती है और पॉप, पॉप, पॉप - आपके सारे पिन ज़मीन पर गिर जाते हैं। कल्पना कीजिए कि फ्रांस के कुछ महानतम व्यक्ति इन नौ पिनों की तरह हैं और फिर यह महाशय कैराटल वह गेंद हैं जो दूर से आती हुई दिखाई देती है। यदि वह आ जाता, तो उन सभी के लिए पॉप, पॉप, पॉप की आवाज़ आती। यह तय किया गया था कि वह नहीं आएगा।

"मैं उन सभी पर यह आरोप नहीं लगाता कि वे आने वाली घटनाओं से अवगत नहीं थे। जैसा कि मैंने कहा है, इसमें बड़े वित्तीय और राजनीतिक हित दांव पर लगे थे, और इस काम को संभालने के लिए एक सिंडिकेट बनाया गया था। कुछ लोगों ने सिंडिकेट में सदस्यता ली, जिन्हें इसके उद्देश्यों की शायद ही समझ थी। लेकिन अन्य लोग इसे अच्छी तरह समझते थे, और वे इस बात पर भरोसा कर सकते हैं कि मैं उनके नाम नहीं भूला हूं। उन्हें श्री कैराटल के दक्षिण अमेरिका छोड़ने से बहुत पहले ही चेतावनी मिल गई थी कि वह आ रहे हैं, और वे जानते थे कि उनके पास जो सबूत हैं, वे निश्चित रूप से उन सभी के लिए विनाशकारी साबित होंगे। सिंडिकेट के पास असीमित धन था - बिल्कुल असीमित, आप समझ रहे हैं। उन्होंने एक ऐसे एजेंट की तलाश की जो इस विशाल शक्ति का उपयोग करने में सक्षम हो। चुना गया व्यक्ति आविष्कारशील, दृढ़ निश्चयी, अनुकूलनशील होना चाहिए - लाखों में एक। उन्होंने हर्बर्ट डी लेर्नाक को चुना, और मैं मानता हूं कि वे सही थे।"

"मेरा कर्तव्य था अपने अधीनस्थों का चयन करना, धन से मिलने वाली शक्ति का भरपूर उपयोग करना और यह सुनिश्चित करना कि महाशय काराटल कभी पेरिस न पहुंच सकें। अपनी विशिष्ट ऊर्जा के साथ मैंने निर्देश प्राप्त होने के एक घंटे के भीतर ही अपना कार्य शुरू कर दिया, और मैंने जो कदम उठाए वे इस उद्देश्य के लिए सर्वोत्तम संभव थे।"

"एक भरोसेमंद आदमी को तुरंत दक्षिण अमेरिका भेजा गया ताकि वह महाशय काराटल के साथ घर लौट सके। अगर वह समय पर पहुंच जाता तो जहाज़ लिवरपूल कभी नहीं पहुंचता; लेकिन अफ़सोस! मेरे एजेंट के पहुंचने से पहले ही जहाज़ रवाना हो चुका था। मैंने उसे रोकने के लिए एक छोटा सशस्त्र जहाज़ तैयार किया, लेकिन फिर भी मैं नाकाम रहा। हालांकि, सभी महान योजनाकारों की तरह, मैं भी असफलता के लिए तैयार था और मैंने कई विकल्प तैयार रखे थे, जिनमें से कोई न कोई ज़रूर सफल होता। आपको मेरे इस काम की कठिनाइयों को कम नहीं आंकना चाहिए और न ही यह सोचना चाहिए कि एक साधारण हत्या से काम चल जाएगा। हमें न केवल महाशय काराटल को नष्ट करना था, बल्कि उनके दस्तावेज़ों और उनके साथियों को भी, अगर हमें यह मानने का कारण मिलता कि उन्होंने अपने रहस्य उन्हें बताए हैं। और आपको यह याद रखना चाहिए कि वे सतर्क थे और ऐसे किसी भी प्रयास को लेकर बेहद संशय में थे। यह एक ऐसा काम था जो हर तरह से मेरे लिए उपयुक्त था, क्योंकि मैं हमेशा उन कामों में सबसे कुशल होता हूं जहां कोई और घबरा जाता है।"

"मैं लिवरपूल में महाशय काराटल के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार था, और मेरी उत्सुकता इसलिए और भी बढ़ गई थी क्योंकि मुझे पूरा विश्वास था कि उन्होंने लंदन पहुंचते ही उनके लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था कर रखी थी। जो भी काम करना था, वह लिवरपूल घाट पर उनके कदम रखने से लेकर लंदन और वेस्ट कोस्ट टर्मिनल पर उनके पहुंचने के बीच ही करना था। हमने छह योजनाएँ तैयार की थीं, हर एक पिछली

योजना से ज़्यादा विस्तृत थी; कौन सी योजना लागू होगी, यह उनके खुद के आने-जाने पर निर्भर करता था। वे जो भी करते, हम उनके लिए तैयार थे। चाहे वे लिवरपूल में ही रुकते, हम तैयार थे। चाहे वे साधारण ट्रेन लेते, एक्सप्रेस ट्रेन लेते या स्पेशल ट्रेन, सब कुछ तैयार था। हर बात का पहले से ही अनुमान लगा लिया गया था और उसके लिए व्यवस्था कर ली गई थी।"

आप सोच सकते हैं कि मैं यह सब खुद नहीं कर सकता था। मुझे अंग्रेजी रेलवे लाइनों के बारे में क्या पता होता? लेकिन पैसा दुनिया भर में इच्छुक एजेंटों को जुटा सकता है, और जल्द ही मुझे इंग्लैंड के सबसे तेज दिमाग वाले लोगों में से एक की मदद मिल गई। मैं किसी का नाम नहीं लूंगा, लेकिन सारा श्रेय खुद लेना अनुचित होगा। मेरा अंग्रेज सहयोगी इस तरह के गठबंधन के योग्य था। वह लंदन और वेस्ट कोस्ट लाइन को अच्छी तरह जानता था, और उसके पास भरोसेमंद और बुद्धिमान कर्मचारियों का एक दल था। विचार उसका था, और मुझे केवल बारीकियों में ही निर्णय लेने की आवश्यकता थी। हमने कई अधिकारियों को अपने पक्ष में कर लिया, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण जेम्स मैकफर्सन थे, जिनके बारे में हमने पता लगाया था कि वे विशेष ट्रेन पर काम करने के लिए सबसे उपयुक्त गार्ड थे। स्टोकर स्मिथ भी हमारे साथ काम कर रहा था। इंजन चालक जॉन स्लेटर से संपर्क किया गया था, लेकिन वह जिद्दी और खतरनाक पाया गया, इसलिए हमने उससे संपर्क तोड़ दिया। हमें इस बात का कोई यकीन नहीं था कि महाशय कैराटल विशेष ट्रेन लेंगे, लेकिन हमें इसकी बहुत संभावना लग रही थी, क्योंकि यह हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। हमने उन्हें आश्वस्त किया था कि वे बिना किसी देरी के पेरिस पहुँच जाएँ। इसीलिए हमने विशेष तैयारियाँ की थीं—ये तैयारियाँ उनके जहाज़ के इंग्लैंड के तट पर पहुँचने से बहुत पहले ही पूरी तरह से संपन्न हो चुकी थीं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि उस जहाज़ को उसके बंदरगाह तक लाने वाली नौका में मेरा एक प्रतिनिधि भी था।

"जैसे ही कारटल लिवरपूल पहुंचा, हम समझ गए कि उसे खतरे का आभास हो गया है और वह सतर्क हो गयी है। वह अपने साथ एक खतरनाक आदमी, गोमेज़ को लेकर आया था, जो हथियार रखता था और उनका इस्तेमाल करने के लिए तैयार था। यह आदमी कारटल के गोपनीय कागजात अपने पास रखता था और उनकी या अपने मालिक की रक्षा करने के लिए तैयार था। संभावना यही थी कि कारटल ने उसे अपने सलाहकारों में शामिल कर लिया था, और गोमेज़ को हटाए बिना कारटल को हटाना व्यर्थ ही ऊर्जा की बर्बादी होती। यह आवश्यक था कि दोनों का भाग्य एक जैसा हो, और इस दिशा में हमारी योजना को उनकी विशेष ट्रेन की माँग से काफ़ी सुविधा मिली। आप समझ सकते हैं कि उस विशेष ट्रेन में कंपनी के तीन नौकरों में से दो वास्तव में हमारे कर्मचारी थे, इतनी कीमत पर कि वे जीवन भर के लिए स्वतंत्र हो गए। मैं यह तो नहीं कहता कि अंग्रेज किसी भी अन्य राष्ट्र से अधिक ईमानदार हैं, लेकिन मैंने पाया है कि उन्हें खरीदना अधिक महंगा पड़ता है।"

"मैं अपने अंग्रेज़ एजेंट के बारे में पहले ही बता चुका हूँ—जो एक उज्ज्वल भविष्य वाला व्यक्ति है, जब तक कि गले की किसी बीमारी के कारण उसकी असमय मृत्यु न हो जाए। लिवरपूल में सभी व्यवस्थाओं का ज़िम्मा उसी के पास था, जबकि मैं केन्योन के सराय में तैनात था, जहाँ मैं कारवाई के लिए गुप्त संकेत की प्रतीक्षा कर रहा था। जब विशेष ट्रेन का इंतज़ाम हो गया, तो मेरे एजेंट ने तुरंत मुझे टेलीग्राम भेजा और मुझे आगाह किया कि मुझे सब कुछ कितनी जल्दी तैयार रखना होगा। उसने खुद होरेस मूर के नाम से तुरंत एक विशेष ट्रेन के लिए आवेदन किया, इस उम्मीद में कि उसे महाशय कैराटल के साथ भेजा जाएगा, जो कुछ परिस्थितियों में हमारे लिए मददगार साबित हो सकता था। उदाहरण के लिए, यदि हमारा बड़ा अभियान विफल हो जाता, तो मेरे एजेंट

का कर्तव्य होता कि वह उन दोनों को गोली मार दे और उनके कागज़ात नष्ट कर दे। हालांकि, केराटल सतर्क था और उसने किसी अन्य यात्री को अंदर आने से मना कर दिया। तब मेरा एजेंट स्टेशन से निकला, दूसरे प्रवेश द्वार से लौटा, प्लेटफार्म से सबसे दूर वाले गार्ड के डिब्बे में दाखिल हुआ और गार्ड मैकफर्सन के साथ यात्रा की।"

"इस बीच, आपको यह जानकर दिलचस्पी होगी कि मैं क्या कर रहा था। सारी तैयारी कई दिनों पहले ही हो चुकी थी, बस अंतिम काम बाकी था। हमने जो साइड लाइन चुनी थी, वह कभी मुख्य लाइन से जुड़ी हुई थी, लेकिन अब अलग हो गई थी। हमें बस कुछ पटरियाँ बदलनी थीं ताकि उसे फिर से जोड़ा जा सके। इन पटरियों को बिना किसी का ध्यान खींचे जितना संभव हो सका, बिछा दिया गया था, और अब बस लाइन के साथ एक जंक्शन पूरा करना और पॉइंट्स को पहले की तरह व्यवस्थित करना बाकी था। स्लीपर कभी नहीं हटाए गए थे, और पटरियाँ, फिश-प्लेट और रिवेट सब तैयार थे, क्योंकि हमने उन्हें लाइन के छोड़े हुए हिस्से पर स्थित एक साइडिंग से लिया था। अपने छोटे लेकिन कुशल कामगारों के दल के साथ, हमने स्पेशल ट्रेन के आने से बहुत पहले ही सब कुछ तैयार कर लिया था। जब वह आई, तो वह छोटी साइड लाइन पर इतनी आसानी से चल पड़ी कि पॉइंट्स के झटके का उन दोनों यात्रियों को बिल्कुल भी पता नहीं चला।"

हमारी योजना यह थी कि इंजन चलाने वाला स्मिथ, ड्राइवर जॉन स्लेटर को क्लोरोफार्म सुंघा दे ताकि वह बाकी लोगों के साथ गायब हो जाए। इस मामले में, और केवल इसी मामले में, हमारी योजना विफल रही - सिवाय मैकफर्सन की अपनी पत्नी को घर पत्र लिखने की आपराधिक मूर्खता के। हमारे इंजन चलाने वाले ने अपना काम इतनी अनाड़ीपन से किया कि स्लेटर संघर्ष करते हुए इंजन से गिर गया, और हालांकि भाग्य ने हमारा साथ दिया और गिरने से उसकी गर्दन टूट गई, फिर भी वह उस योजना पर एक धब्बा बनकर रह गया जो अन्यथा उन बेहतरीन कृतियों में से एक हो सकती थी जिन्हें केवल मौन प्रशंसा के साथ देखा जा सकता है। आपराधिक विशेषज्ञ जॉन स्लेटर में हमारी सभी प्रशंसनीय योजनाओं में एकमात्र कमी पाएंगे। एक ऐसा व्यक्ति जिसने उतनी ही सफलताएँ प्राप्त की हैं जितनी मैं खुलकर कह सकता हूँ, और इसलिए मैं जॉन स्लेटर पर उंगली उठाता हूँ, और मैं उसे एक कमी घोषित करता हूँ।

"लेकिन अब हमारी विशेष ट्रेन दो किलोमीटर, या कहें एक मील से थोड़ी अधिक लंबी छोटी पटरी पर चल रही है, जो इंग्लैंड की सबसे बड़ी कोयला खदानों में से एक, परित्यक्त हार्टसीज़ खदान तक जाती थी, या यूँ कहें कि जाती थी। आप पूछेंगे कि इस अप्रयुक्त पटरी पर किसी ने ट्रेन को कैसे नहीं देखा? मैं जवाब देता हूँ कि इसकी पूरी लंबाई में यह एक गहरी खाई से होकर गुजरती है, और जब तक कोई उस खाई के किनारे पर न होता, वह इसे देख ही नहीं सकता था। उस खाई के किनारे पर कोई था। मैं वहाँ था। और अब मैं आपको बताता हूँ कि मैंने क्या देखा।"

"मेरा सहायक ट्रेन को बंद करने की प्रक्रिया पर नज़र रखने के लिए पॉइंट्स पर रुका हुआ था। उसके साथ चार हथियारबंद आदमी थे, ताकि अगर ट्रेन पटरी से उतर जाए — हमें इसकी संभावना लग रही थी, क्योंकि पॉइंट्स बहुत जंग खा चुके थे — तो भी हमारे पास बचाव के साधन मौजूद रहें। ट्रेन को सुरक्षित रूप से साइड लाइन पर देखकर उसने ज़िम्मेदारी मुझे सौंप दी। मैं खदान के मुहाने पर नज़र रखने वाले एक पॉइंट पर इंतज़ार कर रहा था, और मैं भी अपने दोनों साथियों की तरह हथियारबंद था। चाहे कुछ भी हो जाए, मैं हमेशा तैयार था।"

"जैसे ही ट्रेन लगभग किनारे पर पहुँची, इंजन चलाने वाले स्मिथ ने इंजन की गति धीमी कर दी, और फिर उसे पूरी गति से चालू करके, वह और मैकफर्सन, मेरे अंग्रेज़ लेफ्टिनेंट के साथ, समय रहते ही कूद पड़े। हो सकता है कि इसी धीमी गति ने यात्रियों

का ध्यान सबसे पहले आकर्षित किया हो, लेकिन उनके सिर खुली खिड़की से दिखाई देने से पहले ही ट्रेन फिर से पूरी गति से चल रही थी। यह सोचकर मुझे हंसी आती है कि वे कितने अचंभित हुए होंगे। ज़रा कल्पना कीजिए कि अगर आप अपने आलीशान डिब्बे से बाहर देखें और अचानक आपको पता चले कि जिस पटरी पर आप चल रहे हैं वह ज़ंग लगी हुई और जर्जर है, उपयोग न होने और क्षय के कारण लाल और पीली पड़ गई है! उनकी सांसें थम सी गई होंगी जब एक पल में उन्हें समझ आया कि उस भयावह पटरी के अंत में मैनचेस्टर नहीं बल्कि मौत उनका इंतज़ार कर रही है। लेकिन ट्रेन बेतहाशा गति से चल रही थी, सड़ी हुई पटरी पर लुढ़कती और डगमगाती हुई, जबकि पहिए जंग लगी सतह पर भयानक चीखने की आवाज़ कर रहे थे। मैं उनके करीब था, और उनके चेहरे साफ़ दिख रहे थे। मुझे लगता है कि केरटल प्रार्थना कर रहा था—उसके हाथ में माला जैसी कोई चीज लटक रही थी। दूसरा कसाईखाने का खून सूंघे बैल की तरह दहाड़ रहा था। उसने हमें किनारे पर खड़े देखा और पागलों की तरह हमें इशारा किया। फिर उसने अपनी कलाई झटककर अपना डिस्पेच-बॉक्स खिड़की से हमारी तरफ फेंक दिया। ज़ाहिर है, उसका इरादा साफ़ था। सबूत यहीं था, और अगर उनकी जान बख्श दी जाए तो वे चुप रहने का वादा करेंगे। अगर हम ऐसा कर पाते तो बहुत अच्छा होता, लेकिन धंधा तो धंधा है। इसके अलावा, ट्रेन अब हमारे और उनके नियंत्रण से बाहर थी।

“ट्रेन के खड़खड़ाते हुए मोड़ पर मुड़ने और खदान का काला मुँह सामने खुला देखकर उसका रोना बंद हो गया। हमने उसे ढकने वाले तख्ते हटा दिए थे और चौकोर प्रवेश द्वार को साफ़ कर दिया था। कोयला लोड करने की सुविधा के लिए रेल की पटरियाँ पहले शाफ़्ट के बहुत करीब बिछी थीं, और हमें शाफ़्ट के बिल्कुल किनारे तक पहुँचने के लिए केवल दो या तीन रेल की पटरियाँ जोड़नी पड़ीं। दरअसल, क्योंकि पटरियाँ पूरी तरह से फिट नहीं हो रही थीं, हमारी पटरी किनारे से लगभग तीन फीट बाहर निकली हुई थी। हमने खिड़की पर दो लोगों के सिर देखे: नीचे कारताल, ऊपर गोमेज़; लेकिन जो कुछ उन्होंने देखा उससे वे दोनों स्तब्ध रह गए थे। फिर भी वे अपना सिर पीछे नहीं हटा सके। ऐसा लग रहा था जैसे उस दृश्य ने उन्हें लकवा मार दिया हो।”

“मैं सोच रहा था कि तेज़ रफ़्तार से दौड़ती ट्रेन उस गड्ढे में कैसे जाएगी जिसमें मैंने उसे उतारा था, और मुझे उसे देखने में बहुत दिलचस्पी थी। मेरे एक साथी को लगा कि वह सचमुच गड्ढे को पार कर जाएगी, और सच में वह ऐसा करने से बहुत दूर नहीं थी। सौभाग्य से, वह चूक गई, और इंजन के बफ़र्स ज़ोरदार धमाके के साथ शाफ़्ट के दूसरे किनारे से टकरा गए। चिमनी हवा में उड़ गई। टेंडर, डिब्बे और वैन सब चकनाचूर होकर एक ढेर में बदल गए, जिसने इंजन के अवशेषों के साथ मिलकर लगभग एक मिनट तक गड्ढे का मुँह बंद कर दिया। फिर बीच में कुछ टूट गया, और हरे लोहे, सुलगते कोयले, पीतल के फिटिंग, पहिए, लकड़ी के काम और कुशन का पूरा ढेर एक साथ चूर-चूर होकर खदान में गिर गया। हमें खड़खड़ाहट की आवाज़ सुनाई दी, जैसे मलबा दीवारों से टकरा रहा हो, और फिर, काफी देर बाद, एक गहरी गर्जना सुनाई दी जब ट्रेन के अवशेष नीचे से टकराए। बॉयलर फट गया होगा, क्योंकि गर्जना के बाद एक ज़ोरदार धमाका हुआ, और फिर भाप का एक घना बादल छा गया। और काली गहराइयों से धुआँ उठता हुआ चारों ओर बारिश की तरह घनी फुहार बनकर गिरने लगा। फिर वह वाष्प पतली-पतली लपटों में बिखर गई, जो गर्मी की धूप में उड़ गई, और हार्टसीज़ खदान में फिर से शांति छा गई।

“और अब, अपनी योजनाओं को इतनी सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद, बस यही बचा था कि हम अपने पीछे कोई निशान न छोड़ें। दूसरे छोर पर हमारे छोटे से दल ने रेल की पटरियाँ उखाड़ दी थीं और साइड लाइन को काट दिया था, और सब कुछ पहले

जैसा कर दिया था। हम खदान में भी उतने ही व्यस्त थे। चिमनी और अन्य टुकड़े अंदर फेंक दिए गए, शाफ्ट को पहले की तरह तख्तों से ढक दिया गया, और उससे जुड़ी लाइनें उखाड़ कर हटा दी गईं। फिर, बिना किसी हड़बड़ी के, लेकिन बिना किसी देरी के, हम सब देश से बाहर निकल गए, हममें से अधिकांश पेरिस चले गए, मेरा अंग्रेज सहकर्मी मैनचेस्टर चला गया, और मैकफर्सन साउथेम्प्टन चला गया, जहाँ से वह अमेरिका चला गया। उस समय के अंग्रेजी अखबारों को बताने दीजिए कि हमने अपना काम कितनी कुशलता से किया था, और कैसे हमने उनके सबसे चतुर जासूसों को भी अपने रास्ते से पूरी तरह से हटा दिया था।"

आपको याद होगा कि गोमेज़ ने कागज़ों से भरा अपना थैला खिड़की से बाहर फेंक दिया था, और यह कहने की ज़रूरत नहीं है कि मैंने वह थैला सुरक्षित कर लिया और कागज़ अपने मालिकों के पास ले आया। हालांकि, अब मेरे मालिकों को यह जानकर शायद दिलचस्पी हो कि मैंने उस थैले में से एक-दो छोटे कागज़ यादगार के तौर पर रख लिए थे। मैं इन कागज़ों को प्रकाशित नहीं करना चाहता; लेकिन फिर भी, इस दुनिया में हर कोई अपने लिए है, और अगर मेरे दोस्त मेरी मदद के लिए तब नहीं आते जब मुझे उनकी ज़रूरत होती है, तो मैं क्या कर सकता हूँ? महोदय, आप विश्वास कर सकते हैं कि हर्बर्ट डी लर्नैक आपके विरुद्ध भी उतना ही शक्तिशाली है जितना आपके साथ होने पर, और वह तब तक गिलोटिन पर नहीं चढ़ेगा जब तक वह यह सुनिश्चित नहीं कर लेता कि आप सभी न्यू कैलेडोनिया के लिए रवाना हो गए हैं। अपने भले के लिए, भले ही मेरे लिए नहीं, जल्दी करें, महाशय डी ——, और जनरल ——, और बैरन —— (आप इसे पढ़ते समय रिक्त स्थान स्वयं भर सकते हैं)। मैं आपसे वादा करता हूँ कि अगले संस्करण में भरने के लिए कोई रिक्त स्थान नहीं होगा।

"पुनश्च— जब मैं अपने बयान पर नज़र डालता हूँ, तो मुझे केवल एक ही चूक नज़र आती है। यह उस दुर्भाग्यपूर्ण व्यक्ति मैकफर्सन से संबंधित है, जिसने अपनी पत्नी को पत्र लिखकर न्यूयॉर्क में उससे मिलने का समय तय करने की मूर्खता की। यह कल्पना की जा सकती है कि जब हमारे जैसे हित दांव पर लगे हों, तो हम उन्हें इस भरोसे पर नहीं छोड़ सकते थे कि उस वर्ग का कोई व्यक्ति अपने रहस्य किसी महिला को बताएगा या नहीं। अपनी पत्नी को पत्र लिखकर शपथ तोड़ने के बाद, हम उस पर और भरोसा नहीं कर सकते थे। इसलिए हमने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए कि वह अपनी पत्नी से न मिले। मैंने कभी-कभी सोचा है कि उसे पत्र लिखकर यह आश्वस्त करना एक तरह की दया होगी कि उसके दोबारा शादी करने में कोई बाधा नहीं है।"

भृंग-शिकारी

"एक विचित्र अनुभव?" डॉक्टर ने कहा। "जी हां, मेरे दोस्तों, मुझे एक बहुत ही विचित्र अनुभव हुआ है। मुझे दोबारा ऐसा अनुभव होने की कोई उम्मीद नहीं है, क्योंकि संयोग के सभी सिद्धांतों के विरुद्ध है कि किसी एक व्यक्ति के साथ एक ही जीवनकाल में दो ऐसी घटनाएं घटित हों। आप मेरी बात पर विश्वास करें या न करें, लेकिन यह घटना ठीक वैसे ही घटी जैसे मैं बता रहा हूं।"

मैं अभी-अभी डॉक्टर बना था, लेकिन मैंने अभी तक प्रैक्टिस शुरू नहीं की थी, और मैं गोवर स्ट्रीट में एक कमरे में रहता था। तब से उस गली का नंबर बदल गया है, लेकिन वह एकमात्र ऐसा घर था जिसमें धनुषाकार खिड़की थी, मेट्रोपॉलिटन स्टेशन से नीचे जाते समय बाईं ओर। उस समय मर्चिसन नाम की एक विधवा उस घर की मालकिन थी, और उसके यहाँ तीन मेडिकल छात्र और एक इंजीनियर किराएदार के रूप में रहते थे। मैं सबसे ऊपर वाले कमरे में रहता था, जो सबसे सस्ता था, लेकिन सस्ता होने के बावजूद वह मेरी हैसियत से ज़्यादा था। मेरी थोड़ी-बहुत आमदनी कम होती जा रही थी,

और हर हफ्ते मेरे लिए कुछ न कुछ काम ढूंढना और भी ज़रूरी होता जा रहा था। फिर भी मैं जनरल प्रैक्टिस में जाने के लिए बिल्कुल भी इच्छुक नहीं था, क्योंकि मेरी रुचि पूरी तरह से विज्ञान की ओर थी, और विशेष रूप से प्राणी विज्ञान की ओर, जिसके प्रति मेरा हमेशा से ही गहरा झुकाव रहा है। मैंने लगभग हार मान ली थी और जीवन भर एक डॉक्टर बनकर रहने का मन बना लिया था, तभी मेरे संघर्षों में एक बहुत ही असाधारण मोड़ आया।

एक सुबह मैंने स्टैंडर्ड अखबार उठाया और उसके पन्नों पर सरसरी नज़र डाल रहा था। उसमें कोई खबर नहीं थी, और मैं अखबार को फेंकने ही वाला था कि तभी मेरी नज़र व्यक्तिगत कॉलम के शीर्ष पर एक विज्ञापन पर पड़ी। उसमें कुछ इस तरह लिखा था:

"एक या अधिक दिनों के लिए एक चिकित्सक की आवश्यकता है। यह अनिवार्य है कि वह मजबूत शरीर, स्थिर मन और दृढ़ निश्चयी स्वभाव का हो। कीटविज्ञानी होना अनिवार्य है - भृंगविज्ञानी को प्राथमिकता दी जाएगी। 77B, ब्रुक स्ट्रीट पर व्यक्तिगत रूप से आवेदन करें। आवेदन आज दोपहर बारह बजे से पहले जमा करना होगा।"

जैसा कि मैं पहले ही बता चुका हूं, मुझे प्राणी विज्ञान में गहरी रुचि थी। प्राणी विज्ञान की सभी शाखाओं में, कीटों का अध्ययन मुझे सबसे अधिक आकर्षित करता था, और सभी कीटों में भृंग वह प्रजाति थी जिससे मैं सबसे अधिक परिचित था। तितलियों के संग्रहकर्ता तो अनेक हैं, लेकिन भृंग कहीं अधिक विविधतापूर्ण हैं और इन द्वीपों में तितलियों की तुलना में अधिक आसानी से उपलब्ध हैं। इसी तथ्य ने मेरा ध्यान भृंगों की ओर आकर्षित किया था, और मैंने स्वयं लगभग सौ किस्मों का संग्रह बनाया था। विज्ञापन की अन्य आवश्यकताओं के संबंध में, मैं जानता था कि मेरा आत्मविश्वास प्रबल है, और मैंने अंतर-अस्पताल खेल प्रतियोगिता में भार-फेंकने की प्रतियोगिता जीती थी। स्पष्ट रूप से, मैं इस पद के लिए बिल्कुल उपयुक्त व्यक्ति था। विज्ञापन पढ़ने के पाँच मिनट के भीतर ही मैं एक टैक्सी में बैठकर ब्रुक स्ट्रीट के लिए रवाना हो गया।

गाड़ी चलाते हुए मैं इस मामले पर बार-बार सोचता रहा और यह समझने की कोशिश करता रहा कि आखिर यह किस तरह की नौकरी हो सकती है जिसके लिए इतनी अजीब योग्यताओं की ज़रूरत है। मज़बूत शरीर, दृढ़ निश्चय, चिकित्सा की शिक्षा और भृंगों का ज्ञान—इन विभिन्न आवश्यकताओं का आपस में क्या संबंध हो सकता है? और फिर यह निराशाजनक तथ्य भी था कि यह नौकरी स्थायी नहीं थी, बल्कि विज्ञापन की शर्तों के अनुसार हर दिन बदल सकती थी। जितना ज़्यादा मैं इस पर विचार करता, उतना ही यह समझ से परे होता जाता; लेकिन अंत में मैं हमेशा इस बात पर लौट आता कि चाहे कुछ भी हो जाए, मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं था, मेरे पास अब और कोई साधन नहीं बचे थे, और मैं किसी भी जोखिम भरे काम के लिए तैयार था, चाहे वह कितना भी मुश्किल क्यों न हो, जिससे मेरी जेब में कुछ पैसे आ सकें। असफलता का खामियाजा भुगतने वाला व्यक्ति असफलता से डरता है, लेकिन भाग्य मुझसे कोई दंड नहीं वसूल सकता था। मैं उस जुआरी की तरह था जिसकी जेब खाली है, फिर भी उसे दूसरों के साथ अपनी किस्मत आज़माने की अनुमति है।

ब्रुक स्ट्रीट स्थित 77बी नंबर का मकान उन पुराने लेकिन प्रभावशाली मकानों में से एक था, जो मटमैले रंग के और सपाट दीवारों वाले थे, और जिनमें जॉर्जियाई शैली के मकानों की विशिष्ट गरिमा और संजीदगी झलकती थी। जैसे ही मैं टैक्सी से उतरा, एक युवक दरवाजे से बाहर आया और तेज़ी से गली में चला गया। मेरे पास से गुज़रते हुए मैंने देखा कि उसने मेरी ओर जिज्ञासा भरी और कुछ द्वेषपूर्ण नज़र से देखा। मैंने इसे एक शुभ संकेत समझा, क्योंकि उसका रूप-रंग एक अस्वीकृत उम्मीदवार जैसा था, और अगर उसे मेरे आवेदन से आपत्ति थी, तो इसका मतलब था कि रिक्ति अभी भरी

नहीं गई थी। आशा से भरा हुआ, मैं चौड़ी सीढ़ियों पर चढ़ा और भारी दरवाज़े की कुंडी खटखटाई।

पाउडर और वर्दी पहने एक नौकर ने दरवाजा खोला। स्पष्ट था कि मैं धनवान और फैशनेबल लोगों के संपर्क में था।

“जी साहब?” नौकर ने कहा।

मैं इसके जवाब में आया हूं ——”

“जी हां, महोदय,” सेवक ने कहा। “लॉर्ड लिंचमेरे आपसे तुरंत पुस्तकालय में मिलेंगे।”

लॉर्ड लिंचमेयर! मैंने उनका नाम धुंधला-सा सुना था, पर उस वक्त मुझे उनके बारे में कुछ याद नहीं आ रहा था। नौकर के पीछे-पीछे चलते हुए मुझे एक बड़े, किताबों से भरे कमरे में ले जाया गया, जहाँ एक लेखन मेज़ के पीछे एक छोटा सा आदमी बैठा था, जिसका चेहरा साफ-सुथरा, भावपूर्ण और लंबे बालों वाला था, जिनमें कुछ सफेद बाल भी थे, जिन्हें उसने माथे से पीछे की ओर कंघी करके संवारा था। उसने नौकर द्वारा दिए गए कार्ड को अपने दाहिने हाथ में पकड़े हुए, मुझे बड़ी तीक्ष्ण और पैनी नज़र से ऊपर से नीचे तक देखा। फिर वह मुस्कुराया, और मुझे लगा कि कम से कम बाहरी तौर पर तो मुझमें वे गुण मौजूद हैं जो वह चाहते थे।

“क्या आप मेरे विज्ञापन के जवाब में आए हैं, डॉ. हैमिल्टन?” उन्होंने पूछा।

"जी श्रीमान।"

क्या आप वहां निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं?

मुझे विश्वास है कि मैं ऐसा करता हूं।

"आप एक शक्तिशाली व्यक्ति हैं, या कम से कम आपके रूप-रंग को देखकर तो यही लगता है।"

मुझे लगता है कि मैं काफी मजबूत हूं।

और दृढ़ निश्चयी?

"मुझे ऐसा विश्वास है।"

क्या आपने कभी आसन्न खतरे का सामना करने का अनुभव किया है?

नहीं, मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी ऐसा किया है।

"लेकिन आपको लगता है कि आप ऐसे समय में फुर्तीले और शांत रह पाएंगे?"

"ऐसा ही हो।"

“खैर, मुझे पूरा विश्वास है कि आप ऐसा कर पाएंगे। मुझे आप पर और भी भरोसा है क्योंकि आप यह दिखावा नहीं करते कि आपको पता नहीं कि आप अपने नए पद पर क्या करेंगे। मेरा मानना है कि व्यक्तिगत गुणों के मामले में आप वही व्यक्ति हैं जिसकी मुझे तलाश है। यह तय हो जाने के बाद, हम अगले बिंदु पर चलते हैं।”

“वह क्या है?”

"मुझसे भृंगों के बारे में बात करने के लिए।"

मैंने यह देखने के लिए उसकी ओर देखा कि क्या वह मजाक कर रहा है, लेकिन इसके विपरीत, वह उत्सुकता से अपनी डेस्क के पार आगे की ओर झुका हुआ था, और उसकी आँखों में किसी प्रकार की चिंता का भाव था।

“मुझे डर है कि आप भृंगों के बारे में नहीं जानते,” वह चिल्लाया।

"इसके विपरीत, महोदय, यह एकमात्र वैज्ञानिक विषय है जिसके बारे में मुझे लगता है कि मैं वास्तव में कुछ जानता हूं।"

“यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई। कृपया मुझे भृंगों के बारे में बताएं।”

मैंने बात की। मैं यह दावा नहीं करता कि मैंने इस विषय पर कोई मौलिक बात कही है, लेकिन मैंने भृंग की विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण दिया और कुछ सामान्य

प्रजातियों के बारे में बताया, साथ ही अपने छोटे से संग्रह में मौजूद नमूनों और जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजिकल साइंस में प्रकाशित "ब्यूरिंग बीटल्स" नामक लेख का भी उल्लेख किया।

“क्या! आप संग्राहक नहीं हैं?” लॉर्ड लिंचमेयर ने हैरानी से कहा। “कहीं आप खुद संग्राहक तो नहीं हैं?” यह सोचकर उनकी आँखों में खुशी की चमक आ गई।

“लंदन में मेरी ज़रूरत के लिए आप ही सही व्यक्ति हैं। मुझे लगा था कि पाँच मिलियन लोगों में ऐसा कोई न कोई ज़रूर होगा, लेकिन मुश्किल तो उसे ढूँढ़ने की होती है। आपको पाकर मैं बेहद भाग्यशाली महसूस कर रहा हूँ।”

उसने मेज़ पर घंटा बजाया, और नौकर अंदर आया।

“लेडी रॉसिटर से अनुरोध कीजिए कि वे कृपया इधर आएं,” लॉर्ड ने कहा, और कुछ ही क्षणों बाद महिला को कमरे में लाया गया। वह कद में छोटी, अधेड़ उम्र की महिला थीं, दिखने में लॉर्ड लिंचमेयर से काफ़ी मिलती-जुलती, उन्हीं की तरह चुस्त-दुरुस्त चेहरे और भूरे-काले बाल। हालांकि, चिंता का जो भाव मैंने उनके चेहरे पर देखा था, वह उनके चेहरे पर कहीं अधिक स्पष्ट था। ऐसा लग रहा था मानो किसी गहरे दुख की छाया उनके चेहरे पर छाई हुई हो। जब लॉर्ड लिंचमेयर ने मेरा परिचय कराया, तो उन्होंने अपना चेहरा पूरी तरह मेरी ओर घुमाया, और मैं उनकी दाहिनी भौंह के ऊपर दो इंच तक फैले आधे ठीक हुए निशान को देखकर दंग रह गया। यह आंशिक रूप से प्लास्टर से ढका हुआ था, लेकिन फिर भी मैं देख सकता था कि यह एक गंभीर घाव था और हाल ही में लगा था।

“डॉ. हैमिल्टन हमारे उद्देश्य के लिए बिल्कुल उपयुक्त व्यक्ति हैं, एवलिन,” लॉर्ड लिंचमेरे ने कहा। “वे वास्तव में भृंगों के संग्राहक हैं, और उन्होंने इस विषय पर लेख भी लिखे हैं।”

“सचमुच!” लेडी रॉसिटर ने कहा। “तो आपने मेरे पति के बारे में ज़रूर सुना होगा। भृंगों के बारे में थोड़ी भी जानकारी रखने वाले हर व्यक्ति ने सर थॉमस रॉसिटर के बारे में ज़रूर सुना होगा।”

पहली बार इस अस्पष्ट विषय में आशा की एक पतली सी किरण दिखाई देने लगी। आखिरकार, इन लोगों और भृंगों के बीच एक संबंध स्थापित हो गया। सर थॉमस रॉसिटर - वे इस विषय के विश्व के सबसे बड़े विद्वान थे। उन्होंने इसे अपना जीवन भर का अध्ययन बना लिया था और इस पर एक अत्यंत विस्तृत ग्रंथ लिखा था। मैंने उन्हें आश्वस्त करने में जल्दी की कि मैंने इसे पढ़ा है और इसकी सराहना की है।

“क्या आप मेरे पति से मिले हैं?” उसने पूछा।

"नहीं, मेरे पास नहीं है।"

“लेकिन तुम करोगे,” लॉर्ड लिंचमेरे ने दृढ़ता से कहा।

वह महिला डेस्क के बगल में खड़ी थी और उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा। उनके चेहरों को एक साथ देखते ही मुझे स्पष्ट हो गया कि वे भाई-बहन थे।

“क्या तुम सचमुच इसके लिए तैयार हो, चार्ल्स? यह तुम्हारा नेक काम है, लेकिन तुम मुझे भयभीत कर रहे हो।” उसकी आवाज़ आशंका से काँप रही थी, और मुझे ऐसा लग रहा था कि वह भी उतना ही विचलित था, हालाँकि वह अपनी घबराहट को छिपाने की पूरी कोशिश कर रहा था।

"जी हां, प्रिय; सब कुछ तय हो चुका है, सब कुछ तय हो गया है; वास्तव में, मेरी राय में इसके अलावा कोई और रास्ता संभव ही नहीं है।"

“इसका एक स्पष्ट तरीका है।”

“नहीं, नहीं, एवलिन, मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा—कभी नहीं। सब ठीक हो जाएगा—इस पर भरोसा रखो; सब ठीक हो जाएगा, और निश्चित रूप से यह ईश्वर की कृपा ही

है कि इतना उत्तम साधन हमारे हाथों में सौंपा गया है।”

मेरी स्थिति शर्मनाक थी, क्योंकि मुझे लगा कि कुछ पल के लिए वे मेरी उपस्थिति को भूल गए थे। लेकिन लॉर्ड लिंचमेरे अचानक मेरी ओर और मेरे कार्यक्रम की ओर लौट आए।

“डॉ. हैमिल्टन, जिस काम के लिए मैं आपको चाहता हूँ, वह यह है कि आप पूरी तरह से मेरी सेवा में तत्पर रहें। मैं चाहता हूँ कि आप मेरे साथ एक छोटी यात्रा पर चलें, हमेशा मेरे साथ रहें और मुझसे जो भी करने को कहूँ, चाहे वह आपको कितना भी अनुचित क्यों न लगे, बिना किसी प्रश्न के उसका पालन करने का वादा करें।”

मैंने कहा, "यह तो अच्छी बात है।"

“दुर्भाग्यवश मैं इसे और स्पष्ट शब्दों में नहीं कह सकता, क्योंकि मुझे स्वयं नहीं पता कि परिस्थितियाँ क्या मोड़ लेंगी। यद्यपि आप निश्चिंत रहें कि आपसे ऐसा कुछ भी करने को नहीं कहा जाएगा जिसे आपका अंतरात्मा अस्वीकार करे; और मैं आपसे वादा करता हूँ कि जब सब कुछ समाप्त हो जाएगा, तो आपको इतने अच्छे कार्य में शामिल होने पर गर्व होगा।”

"अगर इसका अंत सुखद हो," महिला ने कहा।

“बिल्कुल; अगर इसका अंत सुखद हो,” उनके लॉर्डशिप ने दोहराया।

“और शर्तें?” मैंने पूछा।

“प्रतिदिन बीस पाउंड।”

मैं उस रकम को देखकर दंग रह गया, और मेरी हैरानी मेरे चेहरे पर साफ झलक रही थी।

“यह गुणों का एक दुर्लभ संयोजन है, जैसा कि आपने विज्ञापन को पहली बार पढ़ते ही महसूस किया होगा,” लॉर्ड लिंचमेयर ने कहा; “ऐसे विविध गुण निश्चित रूप से उच्च प्रतिफल दिला सकते हैं, और मैं आपसे यह नहीं छुपाता कि आपके कर्तव्य कठिन या यहां तक कि खतरनाक भी हो सकते हैं। इसके अलावा, यह भी संभव है कि एक या दो दिनों में ही मामला समाप्त हो जाए।”

“हे भगवान!” उसकी बहन ने आह भरी।

"तो अब, डॉ. हैमिल्टन, क्या मैं आपकी सहायता पर भरोसा कर सकता हूँ?"

मैंने कहा, "बिल्कुल।" "आपको बस मुझे यह बताना है कि मेरे कर्तव्य क्या हैं।"

“आपका पहला कर्तव्य अपने घर लौटना होगा। आप अपने साथ वह सब कुछ पैक कर लें जिसकी आपको देश की संक्षिप्त यात्रा के लिए आवश्यकता हो सकती है। हम आज दोपहर 3:40 बजे पैडिंगटन स्टेशन से एक साथ प्रस्थान करेंगे।”

क्या हम बहुत दूर तक जाएंगे?

“पैंगबोर्न तक। मुझसे 3:30 बजे बुकस्टॉल पर मिलें। मेरे पास टिकट होंगे। अलविदा, डॉ. हैमिल्टन! और हाँ, दो चीज़ें हैं जो अगर आप अपने साथ लाएँ तो मुझे बहुत खुशी होगी, अगर आपके पास हों तो। एक है भृंग इकट्ठा करने वाला आपका डिब्बा, और दूसरी है एक छड़ी, और जितनी मोटी और भारी हो उतना अच्छा।”

आप कल्पना कर सकते हैं कि ब्रुक स्ट्रीट से निकलने से लेकर पैडिंगटन में लॉर्ड लिंचमेयर से मिलने के लिए रवाना होने तक मेरे दिमाग में बहुत कुछ चल रहा था। यह सारा अजूबा मामला मेरे दिमाग में बहुरंगी रूपों में लगातार बदलता रहा, यहाँ तक कि मैंने एक दर्जन स्पष्टीकरण सोच लिए, जिनमें से हर एक पिछले वाले से कहीं अधिक विचित्र और असंभव था। फिर भी मुझे लगा कि सच्चाई भी कुछ विचित्र और असंभव ही होगी। अंततः मैंने समाधान खोजने के सभी प्रयास छोड़ दिए और जो निर्देश मुझे मिले थे, उनका ठीक-ठीक पालन करने में ही संतुष्ट रहा। एक हैंड सूटकेस, नमूना-पेटी और एक भरी हुई छड़ी के साथ, मैं पैडिंगटन के पुस्तक स्टॉल पर इंतजार कर रहा था जब

लॉर्ड लिंचमेयर आए। वे मेरी अपेक्षा से भी छोटे कद के थे - कमजोर और दुबले-पतले, और उनका व्यवहार सुबह की तुलना में कहीं अधिक घबराया हुआ था। उन्होंने एक लंबा, मोटा यात्रा वस्त्र पहना हुआ था, और मैंने देखा कि उनके हाथ में एक भारी कांटेदार लाठी थी।

"मेरे पास टिकट हैं," उसने कहा और मंच पर आगे बढ़ने लगा।

"यह हमारी ट्रेन है। मैंने एक डिब्बा बुक किया है, क्योंकि यात्रा के दौरान मैं आपको एक-दो बातें विशेष रूप से समझाना चाहता हूँ।"

फिर भी, जो कुछ वह मुझे समझाना चाहता था, वह एक वाक्य में कहा जा सकता था, क्योंकि बात बस इतनी थी कि मुझे याद रखना था कि मैं वहाँ उसकी सुरक्षा के लिए हूँ, और किसी भी हालत में उसे एक पल के लिए भी अकेला नहीं छोड़ना है। जैसे-जैसे हमारी यात्रा समाप्त होने लगी, उसने यह बात बार-बार दोहराई, उसकी ज़िद से साफ पता चलता था कि वह बुरी तरह घबराया हुआ था।

अंत में, मेरी बातों के बजाय मेरी नज़रों को देखकर उसने कहा, "हाँ, डॉ. हैमिल्टन, मैं घबराया हुआ हूँ। मैं हमेशा से डरपोक रहा हूँ, और मेरी यह डरपोकपन मेरी कमज़ोर शारीरिक सेहत की वजह से है। लेकिन मेरा मन दृढ़ है, और मैं उस खतरे का सामना करने की हिम्मत जुटा सकता हूँ जिससे कम डरपोक इंसान शायद पीछे हट जाए। मैं जो अभी कर रहा हूँ, वह किसी मजबूरी से नहीं, बल्कि कर्तव्य की भावना से कर रहा हूँ, और फिर भी यह निस्संदेह एक जानलेवा जोखिम है। अगर हालात बिगड़े, तो मैं शहीद कहलाने का हकदार होऊंगा।"

पहेलियों को लगातार पढ़ते रहना मेरे लिए असहनीय हो गया था। मुझे लगा कि अब मुझे इसे समाप्त करना ही होगा।

मैंने कहा, "मुझे लगता है कि अगर आप मुझ पर पूरी तरह भरोसा करें तो यह बहुत बेहतर होगा। जब तक मुझे यह पता न हो कि हमारा लक्ष्य क्या है या हम कहाँ जा रहे हैं, तब तक मेरे लिए प्रभावी ढंग से काम करना असंभव है।"

"ओह, हम कहाँ जा रहे हैं, इसमें कोई रहस्य रखने की ज़रूरत नहीं है," उन्होंने कहा; "हम डेलामेयर कोर्ट जा रहे हैं, जो सर थॉमस रॉसिटर का निवास स्थान है, जिनके काम से आप अच्छी तरह परिचित हैं। हमारी यात्रा के सटीक उद्देश्य के बारे में, मुझे नहीं लगता कि इस समय आपको पूरी तरह से अपने विश्वास में लेने से कोई लाभ होगा, डॉ. हैमिल्टन। मैं आपको बता सकता हूँ कि हम – मैं 'हम' इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मेरी बहन, लेडी रॉसिटर, भी मेरी ही राय रखती हैं – केवल एक ही उद्देश्य से काम कर रहे हैं ताकि परिवार में किसी भी तरह की बदनामी न हो। ऐसे में, आप समझ सकते हैं कि मैं कोई भी ऐसी व्याख्या देने से हिचकिचा रहा हूँ जो बिल्कुल ज़रूरी न हो। डॉ. हैमिल्टन, अगर मैं आपसे सलाह माँग रहा होता तो बात अलग होती। अभी तो मुझे केवल आपकी सक्रिय सहायता की आवश्यकता है, और मैं समय-समय पर आपको बताता रहूँगा कि आप मेरी सर्वोत्तम सहायता कैसे कर सकते हैं।"

अब और कुछ कहने को नहीं था, और एक गरीब आदमी बीस पाउंड प्रतिदिन के हिसाब से काफी कुछ बर्दाश्त कर सकता है, लेकिन फिर भी मुझे लगा कि लॉर्ड लिंचमेयर मेरे साथ कुछ नीच व्यवहार कर रहे थे। वे मुझे अपने हाथ में मौजूद कांटेदार झाड़ी की तरह एक निष्क्रिय औजार बनाना चाहते थे। हालांकि, उनके संवेदनशील स्वभाव को देखते हुए, मैं समझ सकता था कि बदनामी उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं होगी, और मुझे एहसास हुआ कि जब तक उनके पास कोई और रास्ता नहीं बचेगा, वे मुझे अपने भरोसे में नहीं लेंगे। मुझे इस रहस्य को सुलझाने के लिए अपनी आँखों और कानों पर ही भरोसा करना होगा, लेकिन मुझे पूरा विश्वास था कि मेरा भरोसा व्यर्थ नहीं जाएगा।

डेलामेयर कोर्ट पैंगबार्न स्टेशन से लगभग पाँच मील दूर है, और हमने इतनी दूरी खुली गाड़ी में तय की। लॉर्ड लिंचमेयर पूरे समय गहरी सोच में डूबे रहे और जब तक हम अपनी मंज़िल के करीब नहीं पहुँच गए, तब तक उन्होंने कुछ नहीं बोला। जब उन्होंने बात की, तो मुझे एक ऐसी जानकारी दी जिसने मुझे चौंका दिया।

उन्होंने कहा, "शायद आपको पता नहीं है कि मैं भी आपकी ही तरह एक चिकित्सक हूँ?"

"जी नहीं, महोदय, मुझे इसकी जानकारी नहीं थी।"

जी हां, मैंने युवावस्था में ही योग्यता प्राप्त कर ली थी, जब मेरे और कुलीन उपाधि के बीच कई जन्मों का फासला था। मुझे वकालत करने का अवसर तो नहीं मिला, लेकिन फिर भी मुझे यह शिक्षा उपयोगी लगी। मैंने चिकित्सा अध्ययन में जो वर्ष बिताए, उनका मुझे कभी पछतावा नहीं हुआ। ये डेलामेयर कोर्ट के द्वार हैं।

हम घुमावदार रास्ते के दोनों ओर बने दो ऊँचे खंभों के पास पहुँचे, जिनके ऊपर राजसी राक्षसों की आकृतियाँ बनी हुई थीं। लॉरेल और रोडोडेंड्रोन की झाड़ियों के ऊपर से मुझे एक लंबा, कई छतों वाला महल दिखाई दिया, जो आइवी लता से घिरा हुआ था और पुरानी ईंटों की गर्मजोशी भरी, खुशनुमा और सौम्य चमक से जगमगा रहा था। मेरी आँखें अभी भी इस मनमोहक घर की प्रशंसा में टिकी हुई थीं कि तभी मेरे साथी ने घबराकर मेरी आस्तीन खींच ली।

“ये रहे सर थॉमस,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “कृपया जितना हो सके भृंग के बारे में बात करें।”

लॉरेल की झाड़ियों के बीच से एक लंबा, पतला, अजीब तरह से कोणीय और हड्डियों से भरा हुआ व्यक्ति निकला। उसके हाथ में एक आलू था और उसने माली के दस्ताने पहने हुए थे। चौड़ी किनारी वाली धूसर टोपी ने उसके चेहरे को छाया में रखा हुआ था, लेकिन मुझे वह बेहद गंभीर और संयमित लगा, उसकी दाढ़ी कमज़ोर थी और चेहरे की बनावट कठोर और अनियमित थी। तभी मक्खी उड़ी और लॉर्ड लिंचमेयर बाहर निकल आए।

“मेरे प्यारे थॉमस, तुम कैसे हो?” उसने बड़े उत्साह से कहा।

लेकिन उनकी गर्मजोशी एकतरफ़ा थी। ज़मीन के मालिक ने अपने साले के कंधे के ऊपर से मुझे घूरा, और मुझे उनके अधूरे वाक्य सुनाई दिए—"सुप्रसिद्ध इच्छाएँ... अजनबियों से नफ़रत... अनुचित घुसपैठ... बिलकुल अक्षम्य।" फिर उन्होंने धीमी आवाज़ में कुछ समझाया, और वे दोनों मक्खी की तरफ़ चले गए।

“डॉ. हैमिल्टन, मैं आपको सर थॉमस रॉसिटर से मिलवाता हूँ। आप पाएंगे कि आप दोनों की रुचियाँ आपस में काफी मिलती-जुलती हैं,” लॉर्ड लिंचमेरे ने कहा।

मैंने झुककर अभिवादन किया। सर थॉमस एकदम अकड़े हुए खड़े थे और अपनी चौड़ी टोपी के नीचे से मुझे घूर रहे थे।

“लॉर्ड लिंचमेयर ने मुझे बताया है कि आपको भृंगों के बारे में कुछ जानकारी है,” उसने कहा। “आपको भृंगों के बारे में क्या पता है?”

“सर थॉमस, मुझे पता है कि मैंने आपके कोलियोप्टेरा पर किए गए कार्य से क्या सीखा है,” मैंने उत्तर दिया।

उन्होंने कहा, "मुझे ब्रिटिश स्कारैबी की अधिक ज्ञात प्रजातियों के नाम बताइए।"

मुझे परीक्षा की उम्मीद नहीं थी, लेकिन सौभाग्य से मैं इसके लिए तैयार था। मेरे जवाबों से वह प्रसन्न प्रतीत हुए, क्योंकि उनके गंभीर चेहरे पर नरमी आ गई।

“महोदय, लगता है आपने मेरी किताब को अच्छे से पढ़ा है,” उन्होंने कहा। “मुझे ऐसे लोगों से मिलना दुर्लभ है जो इन विषयों में रुचि रखते हों। लोग खेल या सामाजिक कार्यों जैसी तुच्छ बातों के लिए समय निकाल लेते हैं, लेकिन भृंगों को नज़रअंदाज़ कर

देते हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि इस क्षेत्र के अधिकांश मूर्खों को यह भी नहीं पता कि मैंने कभी कोई किताब लिखी है – मैं, वह पहला व्यक्ति जिसने पंखों के सही कार्य का वर्णन किया। आपसे मिलकर खुशी हुई, महोदय, और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं आपको कुछ ऐसे नमूने दिखा सकता हूँ जो आपको रुचिकर लगेंगे।" वे गाड़ी में बैठ गए और हमारे साथ घर तक चले गए, रास्ते में उन्होंने मुझे लेडीबर्ड की शारीरिक संरचना पर अपने हालिया शोधों के बारे में विस्तार से बताया।

मैंने बताया था कि सर थॉमस रॉसिटर अपनी भौंहों पर एक बड़ी टोपी पहने रहते थे। जैसे ही वे हॉल में दाखिल हुए, उन्होंने टोपी हटाई और मुझे तुरंत एक ऐसी अनोखी विशेषता का एहसास हुआ जिसे टोपी ने छिपा रखा था। उनका माथा, जो स्वाभाविक रूप से ऊंचा था और बालों के झड़ने के कारण और भी ऊंचा हो गया था, लगातार हिलता रहता था। किसी तंत्रिका कमजोरी के कारण मांसपेशियां लगातार फड़कती रहती थीं, जिससे कभी-कभी केवल फड़कन होती थी और कभी-कभी एक अजीबोगरीब गोलाकार गति होती थी, जो मैंने पहले कभी नहीं देखी थी। अध्ययन कक्ष में प्रवेश करने के बाद जब वे हमारी ओर मुड़े तो यह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया और उन फड़कती भौंहों के नीचे से झांकती उनकी कठोर, स्थिर, भूरी आंखों के विपरीत यह और भी अनोखा लगा।

"मुझे खेद है," उसने कहा, "कि लेडी रॉसिटर आपका स्वागत करने में मेरी मदद करने के लिए यहाँ नहीं हैं। वैसे, चार्ल्स, क्या एवलिन ने अपनी वापसी की तारीख के बारे में कुछ कहा?"

"वह कुछ और दिनों के लिए शहर में रुकना चाहती थी," लॉर्ड लिंचमेरे ने कहा। "आप जानते हैं कि अगर महिलाएं कुछ समय तक ग्रामीण इलाकों में रहती हैं तो उनके सामाजिक कर्तव्य कैसे बढ़ जाते हैं। मेरी बहन के लंदन में इस समय कई पुराने दोस्त हैं।"

"खैर, वह अपनी मर्जी की मालिक है, और मैं उसकी योजनाओं में कोई बदलाव नहीं करना चाहूंगी, लेकिन जब मैं उससे दोबारा मिलूंगी तो मुझे खुशी होगी। उसके बिना यहां बहुत अकेलापन लगता है।"

मुझे डर था कि आपको ऐसा लग सकता है, और इसी वजह से मैं जल्दी से नीचे आ गया। मेरे युवा मित्र, डॉ. हैमिल्टन, उस विषय में बहुत रुचि रखते हैं जिसे आपने अपना विषय बना लिया है, इसलिए मुझे लगा कि आपको उनके मेरे साथ आने से कोई आपत्ति नहीं होगी।

"डॉ. हैमिल्टन, मैं सेवानिवृत्त जीवन जी रहा हूँ और अजनबियों से मेरी अरुचि बढ़ती जा रही है," हमारे मेज़बान ने कहा। "कभी-कभी मुझे लगता है कि मेरी नसें पहले जैसी अच्छी नहीं रहीं। जवानी में भृंगों की खोज में की गई मेरी यात्राओं ने मुझे कई मलेरियाग्रस्त और अस्वस्थ स्थानों पर पहुंचाया। लेकिन आप जैसे भृंगों के विशेषज्ञ का हमेशा स्वागत है, और मुझे बहुत खुशी होगी यदि आप मेरे संग्रह को देखें, जिसे मैं बिना किसी अतिशयोक्ति के यूरोप का सर्वश्रेष्ठ संग्रह कह सकता हूं।"

और इसमें कोई शक नहीं था। उनके पास ओक की लकड़ी की एक विशाल अलमारी थी, जिसमें उथले दराज बने हुए थे, और उसमें करीने से चिह्नित और वर्गीकृत भृंग पृथ्वी के हर कोने से लाए गए थे - काले, भूरे, नीले, हरे और चित्तीदार। बीच-बीच में जब वे अपनी उंगली से बिछे हुए भृंगों की कतारों पर हाथ फेरते, तो उन्हें कोई दुर्लभ नमूना मिल जाता, और उसे इतनी कोमलता और श्रद्धा से संभालते जैसे वह कोई कीमती अवशेष हो, और उसकी विशेषताओं और उसके उनके पास आने के कारणों के बारे में विस्तार से बताते। जाहिर है, उनके लिए किसी सहानुभूतिपूर्ण श्रोता का मिलना एक असामान्य बात थी, और वे तब तक बोलते रहे जब तक वसंत की शाम ढल

कर रात में नहीं बदल गई, और घंटे ने भोजन के लिए तैयार होने का ऐलान कर दिया। इस पूरे समय लॉर्ड लिंचमेयर कुछ नहीं बोले, लेकिन वे अपने बहनोई के बगल में खड़े रहे, और मैंने उन्हें लगातार उत्सुकता भरी छोटी-छोटी, प्रश्नवाचक निगाहें उनके चेहरे पर डालते हुए देखा। और उनके चेहरे पर गहरी भावनाएँ, आशंकाएँ, सहानुभूति, उम्मीदें झलक रही थीं: मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं उन सभी को पढ़ सकता हूँ। मुझे पूरा यकीन था कि लॉर्ड लिंचमेरे किसी बात से डर रहे थे और किसी बात का इंतजार कर रहे थे, लेकिन वह बात क्या हो सकती थी, इसकी मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था।

शाम शांतिपूर्वक और सुखद ढंग से गुज़री, और अगर लॉर्ड लिंचमेयर की ओर से लगातार तनाव का भाव न होता तो मैं पूरी तरह से निश्चिंत होता। हमारे मेज़बान के बारे में मैंने पाया कि जान-पहचान बढ़ने पर उनका व्यवहार और भी निखर गया। वे अपनी अनुपस्थित पत्नी और अपने छोटे बेटे के बारे में लगातार स्नेहपूर्वक बातें करते रहे, जिसे हाल ही में स्कूल भेजा गया था। उन्होंने कहा कि उनके बिना घर पहले जैसा नहीं रहा। अगर उनकी वैज्ञानिक पढ़ाई न होती तो उन्हें नहीं पता कि वे दिन कैसे गुज़ार पाते। खाने के बाद हमने बिलियर्ड रूम में कुछ देर सिगरेट पी और अंत में जल्दी सो गए।

और तभी पहली बार मेरे मन में यह संदेह आया कि लॉर्ड लिंचमेयर पागल हैं। जब हमारे मेज़बान सोने चले गए, तो वह मेरे पीछे-पीछे मेरे शयनकक्ष में आ गए।

“डॉक्टर,” उसने धीमी और जल्दबाजी भरी आवाज में कहा, “आपको मेरे साथ चलना होगा। आपको आज रात मेरे शयनकक्ष में बितानी होगी।”

"आपका क्या मतलब है?"

“मैं इस बारे में ज़्यादा कुछ बताना नहीं चाहता। लेकिन यह आपके कर्तव्यों का हिस्सा है। मेरा कमरा पास ही है, और आप सुबह नौकर के बुलाने से पहले अपने कमरे में लौट सकते हैं।”

“लेकिन क्यों?” मैंने पूछा।

“क्योंकि मुझे अकेले रहने से डर लगता है,” उसने कहा। “यही कारण है, क्योंकि हर किसी के अकेले रहने का कोई न कोई कारण तो होता ही है।”

यह सरासर पागलपन लग रहा था, लेकिन उन बीस पाउंड का तर्क कई आपत्तियों को दूर कर देगा। मैं उसके पीछे-पीछे उसके कमरे में गया।

मैंने कहा, "अच्छा, उस बिस्तर में तो सिर्फ एक ही व्यक्ति के लिए जगह है।"

“इस पर केवल एक ही व्यक्ति का अधिकार होगा,” उसने कहा।

और दूसरा?

"निगरानी बनाए रखनी होगी।"

मैंने कहा, "क्यों?" "कोई सोचेगा कि आपको हमले की उम्मीद थी।"

"शायद मैं करता हूँ।"

"तो फिर आप अपना दरवाजा क्यों नहीं बंद कर लेते?"

"शायद मैं चाहता हूं कि मुझ पर हमला हो।"

यह सब कुछ पागलपन जैसा लग रहा था। लेकिन, मेरे पास हार मानने के अलावा कोई चारा नहीं था। मैंने कंधे उचकाए और खाली चिमनी के बगल वाली कुर्सी पर बैठ गया।

“तो मुझे पहरा देना होगा?” मैंने खेदपूर्वक कहा।

“हम रात को आपस में बाँट लेंगे। अगर तुम दो बजे तक जागोगे, तो मैं बाकी का समय देखूंगा।”

"बहुत अच्छा।"

"तो मुझे दो बजे फोन करना।"

"मैं ऐसा ही करूंगा।"

"अपने कान खुले रखो, और अगर तुम्हें कोई आवाज़ सुनाई दे तो मुझे तुरंत जगा देना - तुरंत, समझे?"

“आप इस पर भरोसा कर सकते हैं।” मैंने भी उनकी तरह ही गंभीर दिखने की कोशिश की।

“और भगवान के लिए, सोने मत जाना,” उसने कहा, और फिर केवल अपना कोट उतारकर, उसने अपने ऊपर कंबल ओढ़ लिया और रात के लिए लेट गया।

यह एक उदास जागरण था, और मेरी अपनी मूर्खता की भावना ने इसे और भी अधिक दुखद बना दिया था। मान लीजिए कि किसी भी कारण से लॉर्ड लिंचमेयर को सर थॉमस रॉसिटर के घर में खतरे का संदेह होता, तो भला वे अपना दरवाजा बंद करके खुद को सुरक्षित क्यों नहीं रख लेते? उनका यह जवाब कि वे हमला करवाना चाहते थे, बेतुका था। भला वे हमला क्यों करवाना चाहेंगे? और कौन उन पर हमला करना चाहेगा? स्पष्ट रूप से, लॉर्ड लिंचमेयर किसी अजीब भ्रम से ग्रसित थे, और इसका परिणाम यह हुआ कि एक मूर्खतापूर्ण बहाने पर मेरी रात की नींद छीन ली गई। फिर भी, चाहे यह कितना भी बेतुका क्यों न हो, मैं उनके अधीन रहते हुए उनके आदेशों का अक्षरशः पालन करने के लिए दृढ़ था। इसलिए, मैं खाली चिमनी के पास बैठा रहा, और गलियारे में कहीं बज रही एक घंटी की मधुर ध्वनि सुनता रहा जो हर पंद्रह मिनट पर बजती थी। यह एक अंतहीन जागरण था। उस एक घंटी को छोड़कर, पूरे बड़े घर में पूर्ण सन्नाटा छाया हुआ था। मेरी कोहनी के पास मेज पर एक छोटा सा दीपक रखा था, जिससे मेरी कुर्सी के चारों ओर रोशनी का एक घेरा बन रहा था, लेकिन कमरे के कोने अंधेरे में डूबे हुए थे। बिस्तर पर लॉर्ड लिंचमेयर शांति से सांस ले रहे थे। मुझे उनकी इस शांत नींद से ईर्ष्या हो रही थी, और बार-बार मेरी पलकें झुक रही थीं, लेकिन हर बार कर्तव्य की भावना ने मेरी मदद की, और मैं उठ बैठा, अपनी आँखें मलते हुए और खुद को चुटकी काटते हुए, इस अतार्किक प्रतीक्षा को समाप्त करने के दृढ़ संकल्प के साथ।

और मैंने वैसा ही किया। गलियारे से दो बजने की घंटी की आवाज़ आई, और मैंने सोते हुए व्यक्ति के कंधे पर हाथ रखा। पल भर में वह उठ बैठा, उसके चेहरे पर गहरी जिज्ञासा के भाव थे।

"क्या आपने कुछ सुना है?"

“नहीं, महोदय। अभी दो बजे हैं।”

बहुत बढ़िया। मैं देखूंगा। आप सो सकते हैं।

मैंने भी उनकी तरह ही चादर के नीचे लेटकर थोड़ी देर में बेहोशी का अनुभव किया। मेरी आखिरी याद उस दीपक की रोशनी के घेरे की थी, और उसके केंद्र में लॉर्ड लिंचमेरे की छोटी, झुकी हुई आकृति और तनावग्रस्त, चिंतित चेहरे की थी।

मुझे नहीं पता कि मैं कितनी देर सोया; लेकिन अचानक मेरी आस्तीन पर ज़ोर से झटका लगने से मेरी नींद खुल गई। कमरा अंधेरा था, लेकिन तेल की तेज़ गंध से मुझे पता चला कि दीपक अभी-अभी बुझा था।

“जल्दी! जल्दी!” लॉर्ड लिंचमेरे की आवाज मेरे कान में सुनाई दी।

मैं बिस्तर से उछलकर उठ गई, वह अब भी मेरी बांह पकड़े हुए था।

“इधर आओ!” उसने फुसफुसाते हुए कहा और मुझे कमरे के एक कोने में खींच लिया। “चुप रहो! सुनो!”

रात के सन्नाटे में मुझे साफ सुनाई दे रहा था कि कोई गलियारे से आ रहा है। कदमों की आहट दबी हुई, धीमी और रुक-रुक कर आ रही थी, मानो कोई आदमी हर कदम के बाद सावधानी से रुक रहा हो। कभी-कभी आधे मिनट तक कोई आवाज़ नहीं आती थी, और फिर पैरों की सरसराहट और चरमराहट सुनाई देती थी, जो किसी के आने का

संकेत थी। मेरा साथी उत्तेजना से कांप रहा था। उसका हाथ, जो अभी भी मेरी आस्तीन पकड़े हुए था, हवा में हिलती हुई शाखा की तरह फड़फड़ा रहा था।

मैंने फुसफुसाते हुए पूछा, "क्या बात है?"

"यह वह है!"

“सर थॉमस?”

"हाँ।"

वह क्या चाहता है?

“चुप रहो! जब तक मैं न कहूँ, कुछ मत करना।”

अब मुझे एहसास हो गया था कि कोई दरवाज़ा खोलने की कोशिश कर रहा है। हैंडल से हल्की सी खड़खड़ाहट हुई, और फिर मुझे धुंधली सी मंद रोशनी की एक पतली सी किरण दिखाई दी। गलियारे में कहीं दूर एक दीपक जल रहा था, और उसकी रोशनी से हमारे कमरे के अंधेरे में बाहर का दृश्य बस थोड़ा सा दिखाई दे रहा था। वह धूसर सी किरण धीरे-धीरे, बहुत कोमल ढंग से चौड़ी होती गई, और फिर उसके सामने मुझे एक आदमी की काली आकृति दिखाई दी। वह छोटा और गड़ा हुआ था, एक भारी-भरकम और बदसूरत बौने की तरह। धीरे-धीरे दरवाज़ा खुल गया और उसके बीचोंबीच वह डरावनी आकृति दिखाई दी। और फिर, पल भर में, वह गड़ा हुआ आदमी उछल पड़ा, कमरे में एक बाघ की तरह उछल पड़ा और धड़-धड़, धड़-धड़, धड़-धड़, किसी भारी वस्तु से बिस्तर पर तीन ज़ोरदार प्रहार हुए।

मैं आश्चर्य से इतना स्तब्ध था कि मैं वहीं खड़ा रहा और देखता रहा, जब तक कि मेरे साथी की मदद के लिए चिल्लाहट से मेरी नींद नहीं खुली। खुले दरवाज़े से इतनी रोशनी आ रही थी कि मैं चीजों की रूपरेखा देख सका, और वहाँ नन्हा लॉर्ड लिंचमेयर अपने बहनोई की गर्दन में बाहें डाले खड़ा था, उसे ऐसे जकड़े हुए था जैसे कोई शिकारी बुल-टेरियर किसी दुबले-पतले हिरण-शिकारी को अपने दाँतों से जकड़ लेता है। लंबा, दुबला-पतला आदमी अपने हमलावर को पकड़ने के लिए इधर-उधर छटपटा रहा था; लेकिन दूसरा, पीछे से जकड़ा हुआ, अपनी पकड़ बनाए हुए था, हालाँकि उसकी तीखी, भयभीत चीखें बता रही थीं कि वह इस लड़ाई को कितना असमान समझ रहा था। मैं बचाव के लिए दौड़ा, और हम दोनों ने मिलकर सर थॉमस को जमीन पर गिरा दिया, हालाँकि उसने अपने दाँत मेरे कंधे में गड़ा दिए। अपनी जवानी, वजन और ताकत के बावजूद, उसके उन्मादी संघर्षों पर काबू पाने से पहले यह एक कठिन संघर्ष था; लेकिन अंत में हमने उसके पहने हुए ड्रेसिंग-गाउन की कमर की डोरी से उसकी बाहों को जकड़ लिया। मैं उसके पैर पकड़े हुए था जबकि लॉर्ड लिंचमेयर दीपक जलाने की कोशिश कर रहे थे, तभी गलियारे में कई कदमों की आहट सुनाई दी और चीखों से घबराए हुए बटलर और दो नौकर दौड़कर कमरे में आ गए। उनकी मदद से हमें अपने कैदी को पकड़ने में कोई कठिनाई नहीं हुई, जो जमीन पर मुंह से झाग निकालते और घूरते हुए पड़ा था। उसके चेहरे को एक नज़र देखने से ही पता चल गया कि वह एक खतरनाक पागल था, जबकि बिस्तर के पास पड़ा छोटा, भारी हथौड़ा उसके जानलेवा इरादों को दर्शाता था।

“हिंसा का प्रयोग न करें!” लॉर्ड लिंचमेयर ने कहा, जब हमने छटपटाते हुए उस व्यक्ति को उठाया। “इस उत्तेजना के बाद वह कुछ समय के लिए बेहोश रहेगा। मुझे लगता है कि ऐसा होने ही वाला है।” जैसे ही उन्होंने यह कहा, ऐंठन कम हो गई और उस पागल आदमी का सिर उसकी छाती पर आगे की ओर झुक गया, मानो वह नींद में डूब गया हो। हम उसे गलियारे से नीचे ले गए और उसके अपने बिस्तर पर लिटा दिया, जहाँ वह बेहोश पड़ा था और ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रहा था।

“तुममें से दो लोग उस पर नज़र रखोगे,” लॉर्ड लिंचमेयर ने कहा। “और अब, डॉ. हैमिल्टन, अगर आप मेरे साथ मेरे कमरे में वापस चलेंगे, तो मैं आपको वह स्पष्टीकरण दूंगा जिसे बदनामी के डर से शायद मैंने बहुत देर से दिया है। चाहे कुछ भी हो जाए, आज रात के काम में अपनी भागीदारी पर आपको कभी पछतावा नहीं होगा।”

जब हम अकेले थे, तो उन्होंने आगे कहा, “मामला कुछ ही शब्दों में स्पष्ट हो सकता है। मेरे बेचारे जीजाजी दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं, एक प्यार करने वाले पति और एक सम्माननीय पिता हैं, लेकिन उनका परिवार पागलपन से बुरी तरह प्रभावित है। उन्हें कई बार हत्या करने का आवेग आया है, जो और भी दर्दनाक इसलिए है क्योंकि उनकी प्रवृत्ति हमेशा उसी व्यक्ति पर हमला करने की होती है जिससे वे सबसे अधिक लगाव रखते हैं। इस खतरे से बचने के लिए उनके बेटे को स्कूल भेज दिया गया था, और फिर उन्होंने मेरी बहन, उनकी पत्नी पर हमला करने की कोशिश की, जिससे वह बच निकलीं, उन्हें कुछ चोटें आई थीं जिन्हें आपने लंदन में उनसे मिलने पर देखा होगा। आप जानते हैं कि जब वे होश में होते हैं तो उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं होता, और वे इस सुझाव का मजाक उड़ाएंगे कि वे किसी भी परिस्थिति में उन लोगों को नुकसान पहुंचा सकते हैं जिनसे वे इतना प्यार करते हैं। जैसा कि आप जानते हैं, अक्सर ऐसी बीमारियों की यह विशेषता होती है कि पीड़ित व्यक्ति को उनके अस्तित्व के बारे में समझाना बिल्कुल असंभव होता है।”

“हमारा मुख्य उद्देश्य तो यही था कि खून बहाने से पहले ही उसे काबू में कर लिया जाए, लेकिन यह मामला बेहद पेचीदा था। वह एकांतप्रिय है और किसी भी चिकित्सक से मिलना नहीं चाहता। इसके अलावा, हमारे उद्देश्य के लिए यह आवश्यक था कि चिकित्सक उसकी मानसिक बीमारी की पुष्टि कर ले; और वह इन बहुत ही दुर्लभ मौकों को छोड़कर, आप या मेरे जितना ही समझदार है। लेकिन, सौभाग्य से, इन दौरों से पहले वह हमेशा कुछ पूर्वसूचक लक्षण दिखाता है, जो ईश्वरीय चेतावनी होते हैं और हमें सतर्क रहने के लिए प्रेरित करते हैं। इनमें सबसे प्रमुख है माथे का वह तंत्रिका संबंधी विकृति जिसे आपने अवश्य ही देखा होगा। यह एक ऐसी घटना है जो उसके उन्माद के दौरों से तीन-चार दिन पहले दिखाई देती है। जैसे ही यह लक्षण दिखाई दिया, उसकी पत्नी किसी बहाने से शहर आई और ब्रूक स्ट्रीट स्थित मेरे घर में शरण ली।”

सर थॉमस के पागलपन के बारे में किसी चिकित्सक को आश्वस्त करना मेरे लिए अब एकमात्र चुनौती थी, जिसके बिना उन्हें ऐसी जगह रखना असंभव था जहाँ वे कोई नुकसान न पहुँचा सकें। पहली समस्या यह थी कि उनके घर में चिकित्सक को कैसे लाया जाए। मुझे भृंगों के प्रति उनकी रुचि और उनके जैसी रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति के प्रति उनके स्नेह की याद आई। इसलिए मैंने विज्ञापन दिया और सौभाग्य से मुझे आप ही वह व्यक्ति मिल गए जिसकी मुझे तलाश थी। एक मजबूत साथी आवश्यक था, क्योंकि मैं जानता था कि पागलपन केवल जानलेवा हमले से ही सिद्ध हो सकता है, और मेरे पास यह मानने का हर कारण था कि वह हमला मुझ पर ही किया जाएगा, क्योंकि जब वह होश में होते थे तो मेरे प्रति उनका बहुत स्नेह होता था। मुझे लगता है कि आपकी बुद्धिमत्ता बाकी सब कुछ स्पष्ट कर देगी। मुझे नहीं पता था कि हमला रात में होगा, लेकिन मुझे इसकी बहुत संभावना लग रही थी, क्योंकि ऐसे मामलों में संकट आमतौर पर सुबह के शुरुआती घंटों में ही आते हैं। मैं स्वयं बहुत घबराता हूं, लेकिन मुझे अपनी बहन के जीवन से इस भयानक खतरे को दूर करने का कोई और तरीका नहीं दिख रहा था। मुझे आपसे यह पूछने की आवश्यकता नहीं है कि क्या आप पागलपन के कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं।

“निस्संदेह। लेकिन दो हस्ताक्षर आवश्यक हैं।”

“आप भूल रहे हैं कि मेरे पास स्वयं चिकित्सा की डिग्री है। मेरे पास यहां एक साइड टेबल पर कागज़ात रखे हैं, इसलिए यदि आप अभी उन पर हस्ताक्षर कर देंगे, तो हम सुबह मरीज को यहां से ले जा सकते हैं।”

तो यह थी मेरी सर थॉमस रॉसिटर से मुलाकात, जो मशहूर भृंग शिकारी थे, और यही सफलता की सीढ़ी पर मेरा पहला कदम भी था, क्योंकि लेडी रॉसिटर और लॉर्ड लिचमेयर मेरे पक्के दोस्त साबित हुए हैं, और उन्होंने मुश्किल समय में मेरी मदद को कभी नहीं भुलाया। सर थॉमस ठीक हो चुके हैं, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि अगर मुझे डेलामेयर कोर्ट में एक और रात बितानी पड़ी, तो मैं अपने दरवाजे को अंदर से बंद कर लूंगा।

घड़ियों वाला आदमी

बहुत से लोग आज भी उन विलक्षण परिस्थितियों को याद रखेंगे, जिन्होंने 1892 की वसंत ऋतु में 'रग्बी रहस्य' शीर्षक से दैनिक समाचार पत्रों के कई स्तंभों को भर दिया था। असाधारण नीरसता के दौर में घटित होने के कारण, इसने शायद अपनी आवश्यकता से कहीं अधिक ध्यान आकर्षित किया, लेकिन इसने जनता को सनकी और दुखद तत्वों का वह मिश्रण प्रस्तुत किया जो लोकप्रिय कल्पना को अत्यधिक उत्तेजित करता है। हालांकि, हफ्तों की निष्फल जांच के बाद जब यह पता चला कि तथ्यों का कोई अंतिम स्पष्टीकरण नहीं मिल रहा है, तो लोगों की रुचि कम हो गई, और तब से लेकर आज तक यह त्रासदी अनसुलझे और अनसुलझे अपराधों की अंधेरी सूची में अपना स्थान पा चुकी है। हालांकि, हाल ही में प्रकाशित एक सूचना (जिसकी प्रामाणिकता निर्विवाद प्रतीत होती है) ने इस मामले पर कुछ नया और स्पष्ट प्रकाश डाला है। इसे जनता के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले, शायद यह बेहतर होगा कि मैं उन्हें उन विलक्षण तथ्यों की याद दिला दूं जिन पर यह टिप्पणी आधारित है। ये तथ्य संक्षेप में इस प्रकार थे:

18 मार्च की शाम पांच बजे, यूस्टन स्टेशन से मैनचेस्टर के लिए एक ट्रेन रवाना हुई। वह दिन बारिश से भरा और तूफानी था, जो दिन बढ़ने के साथ और भी भयंकर होता गया। ऐसे में, मजबूरी के अलावा कोई भी ऐसे मौसम में यात्रा नहीं करता। हालांकि, मैनचेस्टर के व्यापारियों में, जो शहर से लौट रहे होते हैं, यह ट्रेन काफी लोकप्रिय है, क्योंकि यह चार घंटे बीस मिनट में यात्रा पूरी कर लेती है और रास्ते में केवल तीन जगह रुकती है। खराब मौसम के बावजूद, उस दिन ट्रेन में काफी भीड़ थी। ट्रेन का गार्ड कंपनी का एक अनुभवी कर्मचारी था - एक ऐसा व्यक्ति जिसने बिना किसी दाग या शिकायत के बाईस साल तक काम किया था। उसका नाम जॉन पामर था।

स्टेशन की घड़ी में पांच बजने ही वाले थे और गार्ड इंजन-चालक को रिवाज़ के मुताबिक संकेत देने ही वाला था कि उसने दो देर से आने वाले यात्रियों को प्लेटफार्म पर तेज़ी से आते देखा। उनमें से एक असाधारण रूप से लंबा आदमी था, जिसने एस्ट्राखान कॉलर और कफ़ वाला लंबा काला ओवरकोट पहना हुआ था। मैंने पहले ही बताया है कि शाम का मौसम सुहाना नहीं था, और उस लंबे यात्री ने मार्च की कड़ाके की ठंड से अपने गले को बचाने के लिए अपने ऊंचे, गर्म कॉलर को ऊपर कर रखा था। गार्ड ने जल्दी से देखकर जितना अंदाज़ा लगाया, उससे वह पचास से साठ साल की उम्र का लग रहा था, जिसने अपनी जवानी की काफी फुर्ती और चुस्ती बरकरार रखी थी। एक हाथ में उसने भूरे रंग का चमड़े का ग्लेडस्टोन बैग पकड़ा हुआ था। उसकी साथी एक महिला थी, लंबी और सीधी खड़ी, जो अपने बगल में चल रहे सज्जन से भी तेज़ कदमों से चल रही थी। उसने एक लंबा, हल्के भूरे रंग का डस्ट-क्लॉक, एक काली, चुस्त टोपी और एक गहरा घूंघट पहन रखा था जिससे उसका चेहरा लगभग ढका हुआ था। दोनों

को देखकर ऐसा लग रहा था मानो बाप-बेटी हों। वे गाड़ियों की कतार में तेजी से चलते रहे, खिड़कियों से अंदर झांकते रहे, जब तक कि गार्ड जॉन पामर ने उन्हें पकड़ नहीं लिया।

"तो अब, महोदय, ध्यान से देखिए, ट्रेन चल रही है," उसने कहा।

"फर्स्ट क्लास," उस आदमी ने जवाब दिया।

गार्ड ने पास के दरवाजे का हैंडल घुमाया। उसने जो डिब्बा खोला, उसमें एक छोटा आदमी सिगार मुंह में दबाए बैठा था। उसकी शक्ल गार्ड की याद में बस गई थी, क्योंकि बाद में वह उसका वर्णन करने या उसकी पहचान बताने के लिए तैयार था। वह चौंतीस या पैंतीस साल का आदमी था, जिसने भूरे रंग का कपड़ा पहना था, उसकी नाक नुकीली थी, वह चौकन्ना था, उसका चेहरा धूप से झुलसा हुआ और लालिमा लिए हुए था, और उसकी छोटी, कटी हुई काली दाढ़ी थी। दरवाजा खुलते ही उसने ऊपर देखा। लंबा आदमी सीढ़ी पर पैर रखकर रुक गया।

"यह धूम्रपान कक्ष है। महिला को धुंआ पसंद नहीं है," उसने पहरेदार की ओर देखते हुए कहा।

"ठीक है! लीजिए, महोदय!" जॉन पामर ने कहा। उन्होंने धुआँ उगल रहे डिब्बे का दरवाज़ा ज़ोर से बंद किया, अगले ख़ाली डिब्बे का दरवाज़ा खोला और दोनों यात्रियों को अंदर धकेल दिया। उसी क्षण उन्होंने सीटी बजाई और ट्रेन के पहिए चलने लगे। सिगार पी रहा व्यक्ति अपने डिब्बे की खिड़की पर था और जैसे ही गार्ड उसके पास से गुज़रा, उसने उससे कुछ कहा, लेकिन प्रस्थान की गहमागहमी में उसके शब्द सुनाई नहीं दिए। पामर गार्ड के डिब्बे में चढ़ गए, जैसे ही वह उनके पास आया, और उस घटना के बारे में और नहीं सोचा।

अपनी यात्रा शुरू करने के बारह मिनट बाद ट्रेन विल्सडन जंक्शन पहुंची, जहां वह थोड़ी देर के लिए रुकी। टिकटों की जांच से यह पुष्टि हुई कि इस दौरान कोई भी यात्री न तो ट्रेन में चढ़ा और न ही उतरा, और न ही किसी यात्री को प्लेटफार्म पर उतरते देखा गया। 5:14 बजे मैनचेस्टर के लिए यात्रा फिर से शुरू हुई और एक्सप्रेस ट्रेन पांच मिनट देरी से 6:50 बजे रग्बी पहुंची।

रग्बी स्टेशन पर स्टेशन अधिकारियों का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित हुआ कि प्रथम श्रेणी के एक डिब्बे का दरवाजा खुला हुआ था। उस डिब्बे और उसके बगल वाले डिब्बे की जांच करने पर एक उल्लेखनीय स्थिति का पता चला।

जिस धुआँ उगलने वाले डिब्बे में काले दाढ़ी वाले छोटे कद के लाल चेहरे वाले व्यक्ति को देखा गया था, वह अब खाली था। आधी जली सिगार के अलावा, उसमें हाल ही में यात्रा करने वाले व्यक्ति का कोई निशान नहीं था। इस डिब्बे का दरवाजा बंद था। अगले डिब्बे में, जिस पर पहले ध्यान दिलाया गया था, न तो एस्ट्राखान कॉलर वाले सज्जन का और न ही उनके साथ आई युवती का कोई पता चला। तीनों यात्री गायब हो चुके थे। दूसरी ओर, इसी डिब्बे के फर्श पर - जिसमें लंबा यात्री और युवती थे - एक फैशनेबल कपड़े पहने और सुरुचिपूर्ण दिखने वाला युवक मिला। वह घुटने मोड़कर लेटा हुआ था, उसका सिर दूर वाले दरवाजे से टिका हुआ था, और उसकी कोहनी दोनों सीटों पर टिकी हुई थी। एक गोली उसके दिल में लगी थी और उसकी मृत्यु तुरंत हो गई होगी। किसी ने भी ऐसे व्यक्ति को ट्रेन में चढ़ते नहीं देखा था, और उसकी जेब में कोई रेलवे टिकट नहीं मिला, न ही उसके कपड़ों पर कोई निशान था, न ही कोई कागज़ात या निजी सामान जिससे उसकी पहचान हो सके। वह कौन था, वह कहाँ से आया था, और उसकी मृत्यु कैसे हुई, ये सभी बातें उतनी ही रहस्यमय थीं जितनी कि उन तीन लोगों के साथ घटी घटना, जो डेढ़ घंटे पहले विल्सडन से उन दो डिब्बों में सवार होकर रवाना हुए थे।

मैंने कहा है कि ऐसा कोई निजी सामान नहीं था जिससे उसकी पहचान हो सके, लेकिन यह सच है कि इस अज्ञात युवक के बारे में एक ऐसी विचित्रता थी जिस पर उस समय काफी चर्चा हुई थी। उसकी जेबों में कम से कम छह कीमती सोने की घड़ियां मिलीं, तीन उसकी वेस्टकोट की अलग-अलग जेबों में, एक उसकी टिकट वाली जेब में, एक उसकी छाती की जेब में, और एक छोटी घड़ी चमड़े के पट्टे में जड़ी हुई थी और उसकी बाईं कलाई पर बंधी हुई थी। यह स्पष्ट अनुमान कि वह व्यक्ति जेबकतरा था और यह उसकी लूट थी, इस तथ्य से खारिज हो गया कि सभी छह घड़ियां अमेरिकी निर्मित थीं और इंग्लैंड में दुर्लभ प्रकार की थीं। उनमें से तीन पर रोचेस्टर वॉचमेकिंग कंपनी का निशान था; एक एल्मिरा के मेसन द्वारा निर्मित थी; एक पर कोई निशान नहीं था; और छोटी घड़ी, जो अत्यधिक रत्नों से जड़ी और अलंकृत थी, न्यूयॉर्क के टिफ़नी द्वारा निर्मित थी। उसकी जेब में अन्य वस्तुओं में शेफ़ील्ड के रॉजर्स द्वारा निर्मित एक कॉर्कस्क्रू वाला हाथीदांत का चाकू; एक छोटा, गोलाकार दर्पण, जिसका व्यास एक इंच था; लाईसियम थिएटर में दोबारा प्रवेश की पर्ची; वेस्ता माचिसों से भरा एक चांदी का डिब्बा, और दो सिगारों से भरा एक भूरे चमड़े का सिगार केस — साथ ही दो पाउंड चौदह शिलिंग नकद। इससे स्पष्ट था कि उसकी मृत्यु के पीछे जो भी कारण रहे हों, लूटपाट उनमें शामिल नहीं थी। जैसा कि पहले ही बताया गया है, उस व्यक्ति के कपड़ों पर कोई निशान नहीं थे, जो नए प्रतीत होते थे, और उसके कोट पर किसी दर्जी का नाम भी नहीं था। देखने में वह युवा, कद में छोटा, चिकने गालों वाला और नाजुक चेहरे वाला था। उसके सामने के दांतों में से एक में सोने की जड़ाई साफ दिखाई दे रही थी।

त्रासदी का पता चलते ही सभी यात्रियों के टिकटों की तुरंत जांच की गई और यात्रियों की संख्या गिनी गई। पता चला कि केवल तीन टिकट लापता थे, जो तीन लापता यात्रियों से संबंधित थे। इसके बाद एक्सप्रेस ट्रेन को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई, लेकिन उसके साथ एक नया गार्ड भेजा गया और जॉन पामर को रग्बी में गवाह के तौर पर हिरासत में ले लिया गया। जिस डिब्बे में दो डिब्बे थे, उसे अलग करके दूसरी तरफ ले जाया गया। फिर, स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर वेन और रेलवे कंपनी के जासूस श्री हेंडरसन के आने पर, सभी परिस्थितियों की गहन जांच की गई।

अपराध होना निश्चित था। गोली, जो किसी छोटी पिस्तौल या रिवॉल्वर से चलाई गई प्रतीत होती थी, कुछ दूरी से चलाई गई थी, क्योंकि कपड़ों पर जलने का कोई निशान नहीं था। डिब्बे में कोई हथियार नहीं मिला (जिससे आत्महत्या की संभावना पूरी तरह से खारिज हो गई), और न ही उस भूरे चमड़े के थैले का कोई निशान मिला जिसे गार्ड ने लंबे कद के सज्जन के हाथ में देखा था। रैक पर एक महिला की छतरी मिली, लेकिन दोनों डिब्बों में यात्रियों का कोई और सुराग नहीं मिला। अपराध के अलावा, यह सवाल कि विल्सडन और रग्बी के बीच बिना रुके चलने वाली ट्रेन में तीन यात्री (जिनमें से एक महिला थी) कैसे उतर गए और एक अन्य यात्री कैसे चढ़ गया, आम जनता के बीच अत्यधिक जिज्ञासा का विषय था और लंदन के अखबारों में इस पर खूब अटकलें लगाई गईं।

जांच के दौरान गार्ड जॉन पामर कुछ सबूत दे सका जिससे मामले पर थोड़ी रोशनी पड़ी। उसके बयान के अनुसार, ट्रिंग और चेडिंगटन के बीच एक जगह थी, जहां रेल पटरी की मरम्मत के कारण ट्रेन कुछ मिनटों के लिए धीमी होकर आठ या दस मील प्रति घंटे से अधिक नहीं रह गई थी। उस जगह पर किसी पुरुष या यहां तक कि किसी असाधारण रूप से फुर्तीली महिला के लिए भी बिना गंभीर चोट के ट्रेन से उतरना संभव हो सकता था। यह सच था कि वहां प्लेट बिछाने वाले मजदूरों का एक दल मौजूद था और उन्होंने कुछ नहीं देखा था, लेकिन उनकी आदत थी कि वे पटरियों के बीच में खड़े होते थे और खुला डिब्बा दूसरी तरफ था, इसलिए यह संभव था कि कोई बिना देखे

उतर गया हो, क्योंकि तब तक अंधेरा छाने लगता था। एक खड़ी ढलान मजदूरों की नजरों से किसी को भी तुरंत बचा लेती।

गार्ड ने यह भी बयान दिया कि विल्सडन जंक्शन के प्लेटफार्म पर काफी हलचल थी, और हालांकि यह निश्चित था कि वहां से कोई भी ट्रेन में चढ़ा या उतरा नहीं था, फिर भी यह संभव था कि कुछ यात्री चुपके से एक डिब्बे से दूसरे डिब्बे में चले गए हों। किसी सज्जन के लिए धूम्रपान वाले डिब्बे में अपनी सिगार खत्म करके साफ वातावरण वाले डिब्बे में जाना कोई असामान्य बात नहीं थी। मान लीजिए कि काली दाढ़ी वाले व्यक्ति ने विल्सडन में ऐसा ही किया था (और फर्श पर पड़ी आधी जली सिगार इस अनुमान को पुष्ट करती प्रतीत होती है), तो वह स्वाभाविक रूप से निकटतम डिब्बे में गया होगा, जिससे वह इस घटनाक्रम के दो अन्य पात्रों के संपर्क में आ गया होगा। इस प्रकार घटना के पहले चरण का अनुमान बिना किसी बड़ी त्रुटि के लगाया जा सकता था। लेकिन दूसरा चरण क्या था, या अंतिम चरण तक कैसे पहुंचा गया, यह न तो गार्ड और न ही अनुभवी जासूस अधिकारी बता सके।

विल्सडन और रग्बी के बीच की रेल पटरी की सावधानीपूर्वक जांच करने पर एक ऐसी खोज हुई जिसका इस त्रासदी से कुछ संबंध हो भी सकता है और नहीं भी। ट्रिंग के पास, ठीक उसी जगह पर जहां ट्रेन धीमी हुई थी, तटबंध के तल पर एक छोटी सी, बहुत ही जर्जर और घिसी-पिटी बाइबिल मिली। इसे लंदन की बाइबिल सोसाइटी ने छापा था और इसके पहले पृष्ठ पर लिखा था: “जॉन से एलिस को। 13 जनवरी, 1856”। इसके नीचे लिखा था: “जेम्स। 4 जुलाई, 1859” और उसके ठीक नीचे: “एडवर्ड। 1 नवंबर, 1869”, सभी प्रविष्टियाँ एक ही लिखावट में थीं। पुलिस को यही एकमात्र सुराग मिला, अगर इसे सुराग कहा जा सकता है, और कोरोनर का फैसला “अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा हत्या” एक अनोखे मामले का असंतोषजनक अंत था। विज्ञापन, इनाम और पूछताछ सभी व्यर्थ साबित हुए, और ऐसा कुछ भी ठोस नहीं मिला जिससे एक सफल जांच का आधार बन सके।

हालांकि, यह मानना गलत होगा कि तथ्यों की व्याख्या करने के लिए कोई सिद्धांत नहीं बनाए गए थे। इसके विपरीत, इंग्लैंड और अमेरिका दोनों के प्रेस में तरह-तरह के सुझाव और अटकलें लगाई गईं, जिनमें से अधिकतर स्पष्ट रूप से बेतुकी थीं। घड़ियों का अमेरिकी निर्मित होना और उसके सामने के दांत में लगे सोने के जोड़ से जुड़ी कुछ खास बातें इस ओर इशारा करती थीं कि मृतक संयुक्त राज्य अमेरिका का नागरिक था, हालांकि उसके कपड़े, वस्त्र और जूते निस्संदेह ब्रिटिश निर्मित थे। कुछ लोगों का अनुमान था कि उसे सीट के नीचे छिपाया गया था और जब उसे खोज लिया गया, तो संभवतः इसलिए कि उसने उनके गुप्त राज़ सुन लिए थे, उसके सहयात्रियों ने उसे मार डाला। अराजकतावादी और अन्य गुप्त संगठनों की क्रूरता और धूर्तता के बारे में आम धारणाओं के साथ, यह सिद्धांत किसी भी अन्य सिद्धांत जितना ही विश्वसनीय लगता था।

उसके पास टिकट न होना छिपने की कोशिश से मेल खाता है, और यह सर्वविदित था कि महिलाओं ने शून्यवाद के प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दूसरी ओर, गार्ड के बयान से यह स्पष्ट था कि उस व्यक्ति को अन्य लोगों के आने से पहले ही वहां छिपाया गया होगा, और यह कितना अजीब संयोग है कि षड्यंत्रकारी ठीक उसी डिब्बे में पहुंच गए जहां एक जासूस पहले से ही छिपा हुआ था! इसके अलावा, यह स्पष्टीकरण धूम्रपान डिब्बे में मौजूद व्यक्ति की बात को नज़रअंदाज़ करता है, और उसके एक साथ गायब होने का कोई कारण नहीं बताता। पुलिस को यह साबित करने में कोई कठिनाई नहीं हुई कि ऐसा सिद्धांत तथ्यों को सही नहीं ठहराता, लेकिन सबूतों के अभाव में वे कोई वैकल्पिक स्पष्टीकरण देने में असमर्थ थे।

डेली गजट में एक जाने-माने आपराधिक जांचकर्ता के हस्ताक्षर वाला एक पत्र छपा था, जिसने उस समय काफी चर्चा बटोरी थी। उन्होंने एक परिकल्पना प्रस्तुत की थी जो कम से कम चतुराई से भरी हुई थी, और मैं इसे उन्हीं के शब्दों में यहाँ प्रस्तुत करने से बेहतर कुछ नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा, "सत्य चाहे जो भी हो, वह घटनाओं के किसी विचित्र और दुर्लभ संयोजन पर निर्भर करता है, इसलिए हमें अपनी व्याख्या में ऐसी घटनाओं को शामिल करने में संकोच नहीं करना चाहिए। आंकड़ों के अभाव में हमें विश्लेषणात्मक या वैज्ञानिक जांच पद्धति को त्यागकर संश्लेषणात्मक पद्धति अपनानी होगी। संक्षेप में, ज्ञात घटनाओं को लेकर उनसे जो कुछ हुआ है उसका निष्कर्ष निकालने के बजाय, हमें एक काल्पनिक व्याख्या गढ़नी होगी, बशर्ते वह ज्ञात घटनाओं के अनुरूप हो। फिर हम इस व्याख्या का परीक्षण नए तथ्यों के आधार पर कर सकते हैं। यदि सभी तथ्य सही बैठते हैं, तो संभावना है कि हम सही रास्ते पर हैं, और प्रत्येक नए तथ्य के साथ यह संभावना ज्यामितीय रूप से बढ़ती जाती है जब तक कि प्रमाण अंतिम और पुख्ता न हो जाए।"

"अब, एक अत्यंत उल्लेखनीय और विचारोत्तेजक तथ्य है जिस पर उतना ध्यान नहीं दिया गया जितना दिया जाना चाहिए। हैरो और किंग्स लेंगली से होकर गुजरने वाली एक स्थानीय ट्रेन का समय इस प्रकार निर्धारित है कि एक्सप्रेस ट्रेन ने उसे लगभग उसी समय ओवरटेक किया होगा जब लाइन की मरम्मत के कारण उसकी गति आठ मील प्रति घंटे तक कम हो गई थी। उस समय दोनों ट्रेनें एक ही दिशा में लगभग समान गति से और समानांतर पटरियों पर चल रही होंगी। यह सर्वविदित है कि ऐसी परिस्थितियों में, प्रत्येक डिब्बे में बैठा यात्री अपने सामने वाले डिब्बों में बैठे यात्रियों को स्पष्ट रूप से देख सकता है। विल्सडन में एक्सप्रेस ट्रेन की बत्तियाँ जला दी गई थीं, जिससे प्रत्येक डिब्बा अच्छी तरह से रोशन था और बाहर से देखने वाले को स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था।

अब, घटनाओं का क्रम, जैसा कि मैं उनका पुनर्निर्माण कर रहा हूँ, कुछ इस प्रकार होगा। घड़ियों की असामान्य संख्या वाला यह युवक धीमी गति वाली ट्रेन के डिब्बे में अकेला था। उसका टिकट, कागजात, दस्ताने और अन्य सामान, संभवतः उसकी बगल वाली सीट पर थे। वह संभवतः एक अमेरिकी था, और संभवतः कम बुद्धि का व्यक्ति भी। अत्यधिक आभूषण पहनना कुछ प्रकार के उन्माद का प्रारंभिक लक्षण होता है।

"जब वह एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बों को देख रहा था, जो (रेलवे की खराब हालत के कारण) उसी गति से चल रहे थे, तभी अचानक उसने उसमें कुछ ऐसे लोगों को देखा जिन्हें वह जानता था। मान लीजिए कि ये लोग एक ऐसी महिला थीं जिससे वह प्यार करता था और एक ऐसा पुरुष था जिससे वह नफरत करता था और जो बदले में उससे नफरत करता था। वह युवक उत्तेजित और जल्दबाज़ था। उसने अपने डिब्बे का दरवाजा खोला, लोकल ट्रेन के फुटबोर्ड से एक्सप्रेस ट्रेन के फुटबोर्ड पर कदम रखा, दूसरा दरवाजा खोला और उन दोनों लोगों के सामने पहुँच गया। यह कारनामा (यह मानते हुए कि ट्रेनें एक ही गति से चल रही थीं) उतना खतरनाक नहीं है जितना लग सकता है।"

"हमारे युवक को बिना टिकट के उस डिब्बे में बिठाने के बाद जिसमें बुजुर्ग व्यक्ति और युवती यात्रा कर रहे थे, यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि वहाँ एक हिंसक झड़प हुई होगी। संभव है कि वे दोनों भी अमेरिकी थे, और यह अधिक संभावित है क्योंकि उस व्यक्ति के पास हथियार था - जो इंग्लैंड में एक असामान्य बात है। यदि हमारा यह अनुमान सही है कि युवक को मानसिक विकार हो गया था, तो संभवतः उसने दूसरे पर हमला किया होगा। झगड़े के परिणामस्वरूप बुजुर्ग व्यक्ति ने घुसपैठिए

को गोली मार दी और फिर युवती को साथ लेकर डिब्बे से भाग गया। हम मान लेते हैं कि यह सब बहुत तेजी से हुआ और ट्रेन इतनी धीमी गति से चल रही थी कि उनके लिए ट्रेन से उतरना मुश्किल नहीं था। एक महिला आठ मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही ट्रेन से उतर सकती है। वास्तव में, हम जानते हैं कि इस महिला ने ऐसा ही किया था।"

"और अब हमें धूम्रपान करने वाले डिब्बे में बैठे उस आदमी को भी शामिल करना होगा। मान लीजिए कि हमने अब तक त्रासदी का सही पुनर्निर्माण किया है, तो हमें इस दूसरे आदमी में ऐसा कुछ भी नहीं मिलेगा जिससे हमें अपने निष्कर्षों पर पुनर्विचार करना पड़े। मेरे सिद्धांत के अनुसार, इस आदमी ने उस युवक को एक ट्रेन से दूसरी ट्रेन में जाते देखा, उसे दरवाज़ा खोलते देखा, पिस्तौल की गोली की आवाज सुनी, दोनों भगोड़ों को पटरी पर कूदते देखा, समझ गया कि हत्या हो चुकी है, और खुद भी उनका पीछा करने के लिए ट्रेन से कूद गया। उसके बाद से उसका कोई पता क्यों नहीं चला - चाहे पीछा करते समय उसकी मृत्यु हो गई हो, या जैसा कि अधिक संभावना है, उसे यह एहसास दिलाया गया हो कि यह उसके हस्तक्षेप का मामला नहीं है - यह एक ऐसा विवरण है जिसका अभी हमारे पास कोई स्पष्टीकरण नहीं है। मैं मानता हूं कि इसमें कुछ कठिनाइयाँ हैं। पहली नज़र में, यह असंभव लग सकता है कि ऐसे क्षण में एक हत्यारा भागते समय अपने साथ भूरे रंग का चमड़े का थैला ले जाए। मेरा उत्तर यह है कि वह अच्छी तरह जानता था कि अगर थैला मिल गया तो उसकी पहचान स्थापित हो जाएगी। उसके लिए इसे अपने साथ ले जाना बिल्कुल आवश्यक था। मेरा सिद्धांत सही साबित हो या गलत। एक मुद्दे पर, मैं रेलवे कंपनी से आग्रह करता हूं कि वह इस बात की गहन जांच करे कि क्या 18 मार्च को हैरो और किंग्स लैंगली से गुजरने वाली स्थानीय ट्रेन में कोई लावारिस टिकट मिला था। यदि ऐसा टिकट मिल जाता है, तो मेरा मामला सिद्ध हो जाएगा। यदि नहीं, तो भी मेरा सिद्धांत सही हो सकता है, क्योंकि यह संभव है कि या तो उसने बिना टिकट यात्रा की हो या उसका टिकट खो गया हो।

इस विस्तृत और तर्कसंगत परिकल्पना के जवाब में पुलिस और कंपनी का पहला उत्तर यह था कि ऐसा कोई टिकट नहीं मिला; दूसरा, धीमी ट्रेन कभी भी एक्सप्रेस ट्रेन के समानांतर नहीं चल सकती थी; और तीसरा, लोकल ट्रेन किंग्स लैंगली स्टेशन पर खड़ी थी जब पचास मील प्रति घंटे की रफ्तार से एक्सप्रेस ट्रेन उसके पास से तेज़ी से गुज़री। इस तरह एकमात्र संतोषजनक स्पष्टीकरण समाप्त हो गया, और पाँच साल बीत चुके हैं बिना कोई नया स्पष्टीकरण दिए। अब, अंततः, एक ऐसा बयान सामने आया है जो सभी तथ्यों को समाहित करता है, और जिसे प्रामाणिक माना जाना चाहिए। यह न्यूयॉर्क से लिखे गए एक पत्र के रूप में था, जो उसी आपराधिक जांचकर्ता को संबोधित था जिसकी थ्योरी मैंने उद्धृत की है। इसे यहाँ विस्तार से दिया गया है, सिवाय शुरुआती दो पैराग्राफों के, जो व्यक्तिगत प्रकृति के हैं:

"अगर मैं नामों का खुलकर इस्तेमाल न करूँ तो मुझे माफ़ कर देना। अब उतना कारण नहीं है जितना पाँच साल पहले था, जब माँ ज़िंदा थीं। लेकिन फिर भी, मैं अपने सारे सबूत मिटाना चाहता हूँ। पर मुझे आपको स्पष्टीकरण देना ज़रूरी है, क्योंकि अगर आपका विचार गलत भी था, तो भी वह बहुत ही चालाकी भरा था। मुझे थोड़ा पीछे जाना होगा ताकि आप सब कुछ समझ सकें।"

मेरे माता-पिता इंग्लैंड के बक्स शहर से आए थे और 1950 के दशक की शुरुआत में अमेरिका में आकर बस गए। वे न्यूयॉर्क राज्य के रोचेस्टर में बस गए, जहाँ मेरे पिता एक बड़ा कपड़े-कढ़ाई का स्टोर चलाते थे। हमारे केवल दो बेटे थे: मैं, जेम्स, और मेरा भाई, एडवर्ड। मैं अपने भाई से दस साल बड़ा था, और पिता की मृत्यु के बाद मैंने एक बड़े भाई की तरह उसके लिए पिता की भूमिका निभाई। वह एक होशियार, जोशीला लड़का था, और दुनिया के सबसे प्यारे प्राणियों में से एक था। लेकिन उसके अंदर

हमेशा एक कोमल भावना छिपी रहती थी, जो पनीर में फफूंदी की तरह फैलती जाती थी, और आप कुछ भी कर लें, वह रुकती नहीं थी। माँ भी इसे मेरी तरह ही स्पष्ट रूप से देखती थीं, लेकिन फिर भी वह उसे खूब लाड़-प्यार करती रहीं, क्योंकि उसका स्वभाव ऐसा था कि आप उसे किसी भी बात के लिए मना नहीं कर सकते थे। मैंने उसे रोकने की हर संभव कोशिश की, और वह मेरी इस कोशिश से नफरत करता था।

अंततः उसका दिमाग पूरी तरह से खराब हो गया, और हम जो कुछ भी कर सकते थे, उसे रोक नहीं पाए। वह न्यूयॉर्क भाग गया, और उसकी हालत तेजी से बिगड़ती चली गई। पहले तो वह सिर्फ तेज दौड़ता था, फिर अपराधी बन गया; और फिर, एक-दो साल के भीतर, वह शहर के सबसे कुख्यात युवा बदमाशों में से एक बन गया। उसकी स्पैरो मैककॉय से दोस्ती हो गई थी, जो अपने पेशे में एक जालसाज, नौसिखिए माल व्यापारी और हर तरह के बदमाश के रूप में सबसे आगे था। वे ताश में हेराफेरी करने लगे, और न्यूयॉर्क के कुछ बेहतरीन होटलों में अक्सर जाते थे। मेरा भाई एक बेहतरीन अभिनेता था (अगर वह चाहता तो ईमानदारी से अपना नाम कमा सकता था), और वह एक रईस अंग्रेज, पश्चिम के एक सीधे-सादे लड़के, या कॉलेज के स्नातक की भूमिकाएँ निभाता था, जो भी स्पैरो मैककॉय के उद्देश्य के लिए उपयुक्त होता था। और फिर एक दिन उसने खुद को एक लड़की के रूप में तैयार किया, और उसने इसे इतनी अच्छी तरह से निभाया, और खुद को इतना मूल्यवान मोहरा बना लिया, कि बाद में यह उनका पसंदीदा खेल बन गया। उन्होंने टैमनी और पुलिस के साथ सुलह कर ली थी, इसलिए ऐसा लगता था मानो उन्हें कोई रोक ही नहीं सकता, क्योंकि ये लेक्सो आयोग के आने से पहले के दिन थे, और अगर आपके पास सिर्फ प्रभाव होता, तो आप लगभग वह सब कुछ कर सकते थे जो आप चाहते थे।

"अगर वे सिर्फ ताश और न्यूयॉर्क तक ही सीमित रहते तो उन्हें कोई नहीं रोक पाता, लेकिन उन्हें रोचेस्टर आना ही था और चेक पर जाली नाम लिखवाना था। यह मेरे भाई ने किया था, हालांकि सबको पता था कि यह स्पैरो मैककॉय के प्रभाव में किया गया था। मैंने वह चेक खरीदा, और इसके लिए मुझे अच्छी खासी रकम चुकानी पड़ी। फिर मैं अपने भाई के पास गया, उसे मेज पर रखा और कसम खाई कि अगर वह देश छोड़कर नहीं गया तो मैं उस पर मुकदमा चलाऊंगा। पहले तो वह बस हंस पड़ा। उसने कहा कि मैं मुकदमा नहीं चला सकता, क्योंकि इससे हमारी माँ का दिल टूट जाएगा, और वह जानता था कि मैं ऐसा नहीं करूंगा। हालांकि, मैंने उसे समझाया कि हमारी माँ का दिल तो हर हाल में टूटेगा, और मैंने ठान लिया था कि मैं उसे न्यूयॉर्क के होटल में देखने के बजाय रोचेस्टर की जेल में देखना पसंद करूंगा। आखिरकार वह मान गया, और उसने मुझसे वादा किया कि वह स्पैरो मैककॉय से फिर कभी नहीं मिलेगा, वह यूरोप जाएगा, और वह कोई भी ईमानदारी का काम करेगा जिसमें मैं उसकी मदद करूंगा। मैंने मैंने तुरंत अपने एक पुराने पारिवारिक मित्र, जो विल्सन से संपर्क किया, जो अमेरिकी घड़ियों और क्लॉक के निर्यातक हैं, और मैंने उनसे एडवर्ड को लंदन में एक एजेंसी दिलवाने में कामयाबी हासिल की, जिसमें कम वेतन और सभी सौदों पर 15 प्रतिशत कमीशन शामिल था। उनका व्यवहार और व्यक्तित्व इतना आकर्षक था कि उन्होंने तुरंत ही उस बुजुर्ग व्यक्ति का दिल जीत लिया, और एक सप्ताह के भीतर ही उन्हें नमूनों से भरा एक बक्सा लेकर लंदन भेज दिया गया।

मुझे लगा कि चेक के इस मामले ने मेरे भाई को सचमुच डरा दिया था, और अब उसके ईमानदारी का रास्ता अपनाने की कुछ संभावना थी। मेरी माँ ने उससे बात की थी, और उनकी बातों का उस पर गहरा असर हुआ था, क्योंकि वह हमेशा से उसके लिए सबसे अच्छी माँ रही थीं और वह उनके जीवन का सबसे बड़ा दुख था। लेकिन मैं जानती थी कि स्पैरो मैककॉय नाम के इस आदमी का एडवर्ड पर बहुत प्रभाव था और

लड़के को सही रास्ते पर रखने का मेरा एकमात्र उपाय उन दोनों के बीच का संबंध तोड़ना था। न्यूयॉर्क की पुलिस में मेरा एक दोस्त था, और उसके ज़रिए मैं मैककॉय पर नज़र रखती थी। जब मेरे भाई के जहाज़ से रवाना होने के दो हफ़्ते के भीतर मुझे पता चला कि मैककॉय ने एट्रुरिया में जगह ले ली है, तो मुझे उतना ही यकीन हो गया जितना कि अगर उसने मुझे बताया हो कि वह एडवर्ड को वापस उसी रास्ते पर लाने के लिए इंग्लैंड जा रहा है जिसे उसने छोड़ दिया था। पल भर में मैंने भी जाने का फ़ैसला कर लिया, और मैककॉय के खिलाफ़ अपना प्रभाव इस्तेमाल करने का सोचा। मैं जानती थी कि यह एक हारी हुई लड़ाई है, लेकिन मैंने सोचा, और मेरी माँ ने भी सोचा, कि यही मेरा एकमात्र उपाय है। कर्तव्य। हमने पिछली रात मेरी सफलता के लिए प्रार्थना करते हुए साथ बिताई, और उसने मुझे अपनी वह वसीयत दी जो मेरे पिता ने उन्हें उनके विवाह के दिन पुराने देश में दी थी, ताकि मैं इसे हमेशा अपने दिल के करीब रख सकूं।

"मैं स्पैरो मैककॉय के साथ स्टीमशिप पर सहयात्री था, और कम से कम मुझे उसकी यात्रा के दौरान उसके छोटे से खेल को बिगाड़ने की संतुष्टि तो मिली। पहली ही रात मैं स्मोकिंग रूम में गया और उसे ताश की मेज पर छह नौजवानों के साथ बैठा पाया, जो यूरोप जाते समय अपने भरे हुए पर्स और खाली दिमाग लेकर जा रहे थे। वह अपनी फसल काटने की तैयारी कर रहा था, और वह फसल बहुत अच्छी होती। लेकिन मैंने जल्द ही सब कुछ बदल दिया।"

मैंने कहा, "सज्जनों, क्या आप जानते हैं कि आप किसके साथ खेल रहे हैं?"

"'इससे तुम्हें क्या लेना-देना? तुम अपने काम से मतलब रखो!' उसने कसम खाते हुए कहा।

"'आखिर ये कौन है?' उनमें से एक लड़के ने पूछा।"

"'यह स्पैरो मैककॉय है, जो अमेरिका में ताश के खेल में सबसे कुख्यात धोखेबाज है।'"

"हाथ में बोतल लिए वह उछल पड़ा, लेकिन उसे याद आया कि वह पुराने, निष्प्रभावी देश के झंडे तले है, जहाँ कानून-व्यवस्था चलती है और टैमनी का कोई दबदबा नहीं है। जेल और फाँसी हिंसा और हत्या का इंतज़ार कर रहे हैं, और किसी समुद्री जहाज़ पर पिछले दरवाज़े से निकल जाने का कोई रास्ता नहीं है।"

"'अपनी बात साबित करो, तुम कमीने!' उसने कहा।

"'मैं करूंगा!' मैंने कहा। 'अगर तुम अपनी दाहिनी कमीज़ की आस्तीन कंधे तक ऊपर करोगे, तो मैं या तो अपनी बात साबित करूँगा या उसे खा जाऊँगा।'

"उसका चेहरा पीला पड़ गया और वह एक शब्द भी नहीं बोला। देखिए, मैं उसकी चालों से थोड़ा वाकिफ था, और मुझे उस तरकीब का भी पता था जो वह और उसके जैसे सभी ठग इस्तेमाल करते हैं - कलाई के ठीक ऊपर एक क्लिप लगी हुई बांह पर एक इलास्टिक होती है। इसी क्लिप की मदद से वे अपने हाथों से उन कार्डों को निकाल लेते हैं जिन्हें वे नहीं चाहते, और दूसरी जगह से दूसरे कार्ड निकालकर रख देते हैं। मुझे लगा था कि वह क्लिप वहीं होगी, और वह थी भी। उसने मुझे गाली दी, चुपके से सैलून से निकल गया, और पूरी यात्रा के दौरान फिर कभी दिखाई नहीं दिया। कम से कम एक बार तो मैं मिस्टर स्पैरो मैककॉय से आमने-सामने हो गया।"

लेकिन उसने जल्द ही मुझसे अपना बदला ले लिया, क्योंकि मेरे भाई को प्रभावित करने के मामले में वह हर बार मुझसे आगे निकल जाता था। एडवर्ड ने लंदन में पहले कुछ हफ्तों तक खुद को संयमित रखा था और अपनी अमेरिकी घड़ियों का कुछ कारोबार भी किया था, जब तक कि यह बदमाश एक बार फिर उसके रास्ते में नहीं आ गया। मैंने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की, लेकिन वह काफी नहीं थी। अगली खबर जो मुझे मिली, वह यह थी कि नॉर्थम्बरलैंड एवेन्यू के एक होटल में एक घोटाला हुआ था:

दो शातिर जुआरियों ने एक यात्री से बड़ी रकम ठग ली थी और मामला स्कॉटलैंड यार्ड के हाथ में था। मुझे इसकी पहली खबर शाम के अखबार में मिली और मैं तुरंत आश्वस्त हो गया कि मेरा भाई और मैककॉय अपने पुराने खेल में वापस आ गए हैं। मैं तुरंत एडवर्ड के कमरे की ओर भागा। उन्होंने मुझे बताया कि वह और एक लंबा आदमी (जिसे मैंने मैककॉय के रूप में पहचाना) एक साथ चले गए थे और वह कमरा छोड़कर अपना सामान अपने साथ ले गया था। मकान मालकिन ने उन्हें टैक्सी ड्राइवर को कई दिशा-निर्देश देते हुए सुना था, जिनमें से आखिरी यूस्टन स्टेशन था, और उसने गलती से उनकी बातचीत सुन ली थी। एक लंबा-चौड़ा सज्जन मैनचेस्टर के बारे में कुछ कह रहा था। उसे लगा कि वही उनकी मंज़िल है।

समय सारिणी पर एक नज़र डालने से मुझे पता चला कि सबसे संभावित ट्रेन पाँच बजे की थी, हालाँकि एक और ट्रेन 4:35 बजे थी जिसे वे पकड़ सकते थे। मेरे पास केवल बाद वाली ट्रेन पकड़ने का समय था, लेकिन मुझे उनका न तो डिपो पर और न ही ट्रेन में कोई निशान मिला। वे ज़रूर पहली ट्रेन से चले गए होंगे, इसलिए मैंने मैनचेस्टर तक उनका पीछा करने और वहाँ के होटलों में उनकी तलाश करने का निश्चय किया। माँ के प्रति अपने भाई के सभी दायित्वों का हवाला देते हुए, उससे आखिरी बार विनती करना शायद अब भी उसकी मुक्ति का कारण बन सकता था। मैं बहुत तनाव में था, और मैंने खुद को शांत करने के लिए एक सिगार जलाया। ठीक उसी क्षण, जैसे ही ट्रेन चलने लगी, मेरे डिब्बे का दरवाजा ज़ोर से खुला, और प्लेटफ़ॉर्म पर मैककॉय और मेरा भाई मौजूद थे।

वे दोनों भेस बदले हुए थे, और इसका एक अच्छा कारण था, क्योंकि वे जानते थे कि लंदन पुलिस उनका पीछा कर रही है। मैककॉय ने एक बड़ा सा एस्ट्राखान कॉलर ऊपर खींच रखा था, जिससे केवल उसकी आंखें और नाक ही दिखाई दे रही थीं। मेरा भाई औरत के कपड़े पहने हुए था, उसके चेहरे पर आधा काला घूंघट था, लेकिन ज़ाहिर है, इससे मुझे एक पल के लिए भी धोखा नहीं हुआ, और अगर मुझे यह पता न होता कि वह पहले भी कई बार ऐसे कपड़े पहनता था, तब भी नहीं होता। मैं चौंककर उठा, और जैसे ही मैं उठा, मैककॉय ने मुझे पहचान लिया। उसने कुछ कहा, कंडक्टर ने दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया, और उन्हें अगले डिब्बे में ले जाया गया। मैंने उनका पीछा करने के लिए ट्रेन रोकने की कोशिश की, लेकिन पहिए पहले ही चल रहे थे, और बहुत देर हो चुकी थी।

"जब हम विल्सडन स्टेशन पर रुके, तो मैंने तुरंत अपनी गाड़ी बदल ली। ऐसा लगता है कि मुझे ऐसा करते हुए किसी ने नहीं देखा, जो आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि स्टेशन लोगों से खचाखच भरा हुआ था। मैककॉय, ज़ाहिर है, मेरा इंतज़ार कर रहा था, और उसने यूस्टन और विल्सडन के बीच का समय मेरे भाई का दिल कठोर करने और उसे मेरे खिलाफ भड़काने में बिताया था। मुझे ऐसा ही लगता है, क्योंकि मैंने उसे इतना कठोर कभी नहीं पाया था कि वह पिघल जाए या प्रभावित हो जाए। मैंने हर तरीका आज़माया; मैंने उसके भविष्य की कल्पना एक अंग्रेजी जेल के रूप में की; मैंने उसकी माँ के उस दुख का वर्णन किया जब मैं खबर लेकर वापस आई थी; मैंने उसके दिल को छूने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन सब व्यर्थ। वह अपने सुंदर चेहरे पर एक स्थिर तिरस्कार का भाव लिए बैठा रहा, जबकि बीच-बीच में स्पेरो मैककॉय मुझ पर ताना मारता या मेरे भाई को उसके इरादों पर अडिग रखने के लिए कुछ प्रोत्साहन के शब्द कहता रहता।"

"'तुम संडे स्कूल क्यों नहीं चलाते?' वह मुझसे कहते थे, और फिर उसी क्षण कहते थे: 'उन्हें लगता है कि तुम्हारी अपनी कोई इच्छा नहीं है। उन्हें लगता है कि तुम बस छोटे

भाई हो और वह तुम्हें जहाँ चाहे ले जा सकते हो। उन्हें अभी-अभी पता चल रहा है कि तुम भी उनकी तरह एक पुरुष हो।'"

"उसके उन्हीं शब्दों ने मुझे कड़वाहट से भर दिया। हम विल्सडन से निकल चुके थे, आप समझ रहे हैं ना, क्योंकि इन सब में कुछ समय लग गया। मेरा गुस्सा मुझ पर हावी हो गया, और जीवन में पहली बार मैंने अपने भाई को अपना कठोर रूप दिखाया। शायद बेहतर होता अगर मैंने ऐसा पहले और बार-बार किया होता।"

"'एक आदमी!' मैंने कहा। 'अच्छा, मुझे खुशी है कि तुम्हारे दोस्त ने इसकी पुष्टि कर दी है, क्योंकि तुम्हें बोर्डिंग स्कूल की लड़की की तरह देखकर कोई शक नहीं करेगा। मुझे नहीं लगता कि इस पूरे देश में तुमसे ज़्यादा घिनौना दिखने वाला कोई और प्राणी होगा, जिस तरह तुम वहाँ उस डॉली एप्रन पहने बैठी हो।' यह सुनकर उसका चेहरा लाल हो गया, क्योंकि वह घमंडी आदमी था, और उपहास से वह सिकुड़ गया।

"'यह तो बस एक धूल से बचने वाला आवरण है,' उसने कहा और उसे उतार दिया। 'पुलिस को चकमा देना पड़ता है, और मेरे पास इसके अलावा कोई और तरीका नहीं था।' उसने टोपी को जाली समेत उतार दिया और उसे और आवरण दोनों को अपने भूरे थैले में रख लिया। 'वैसे भी, मुझे कंडक्टर के आने तक इसे पहनने की ज़रूरत नहीं है,' उसने कहा।

"'और तब भी नहीं,' मैंने कहा और थैला उठाकर पूरी ताकत से खिड़की से बाहर फेंक दिया। 'अब,' मैंने कहा, 'जब तक मैं कुछ कर सकता हूँ, तुम कभी भी भेस बदलकर मेरी ज़ेन नहीं बन पाओगे। अगर जेल से बचने के लिए सिर्फ यही भेस है, तो तुम जेल जाओगे।'"

"उसे संभालने का यही तरीका था। मुझे तुरंत अपना फ़ायदा समझ आ गया। उसका कोमल स्वभाव ऐसा था जो विनम्रता की बजाय सख़्ती से कहीं ज्यादा आसानी से झुक जाता था। वह शर्म से लाल हो गया और उसकी आँखों में आंसू भर आए। लेकिन मैककॉय ने भी मेरा फायदा भांप लिया और ठान लिया कि मैं इसका फायदा न उठाऊं।"

"'वह मेरा साथी है, और तुम उसे परेशान नहीं करोगे,' वह चिल्लाया।

मैंने कहा, "'वह मेरा भाई है, और तुम उसे बर्बाद नहीं करोगे। मेरा मानना है कि तुम्हें अलग रखने का सबसे अच्छा तरीका जेल की सजा है, और तुम्हें वह भुगतनी ही होगी, वरना इसमें मेरी कोई गलती नहीं होगी।'"

"'ओह, तुम तो चीख ही डालोगे, है ना?' वह चिल्लाया और पलक झपकते ही उसने अपना रिवाल्वर निकाल लिया। मैं उसका हाथ पकड़ने के लिए झपटा, लेकिन देखा कि बहुत देर हो चुकी थी, और मैं एक तरफ हट गया। उसी क्षण उसने गोली चला दी, और जो गोली मुझे लगनी थी, वह मेरे दुर्भाग्यशाली भाई के दिल को चीरते हुए निकल गई।"

वह बिना कराह के डिब्बे के फर्श पर गिर पड़ा, और मैं और मैककॉय, दोनों ही समान रूप से भयभीत होकर, उसके दोनों ओर घुटनों के बल बैठ गए, यह कोशिश करते हुए कि उसमें जीवन के कुछ अंश वापस आ जाएं। मैककॉय के हाथ में अभी भी भरी हुई रिवॉल्वर थी, लेकिन मेरे प्रति उसका गुस्सा और उसके प्रति मेरी नाराजगी, दोनों ही इस अचानक हुई त्रासदी में कुछ समय के लिए दब गए थे। स्थिति को सबसे पहले उसी ने समझा था। किसी कारणवश ट्रेन उस समय बहुत धीमी गति से चल रही थी, और उसने भागने का मौका देख लिया। पल भर में उसने दरवाजा खोल दिया, लेकिन मैं भी उतनी ही फुर्ती से उसके ऊपर कूद पड़ा, और हम दोनों फुटबोर्ड से नीचे गिर गए और एक-दूसरे की बाहों में लुढ़कते हुए एक ढलान से नीचे चले गए। नीचे पहुँचकर मेरा सिर एक पत्थर से टकराया, और मुझे उसके बाद कुछ याद नहीं रहा। जब मुझे होश आया तो मैं रेल की पटरी से कुछ ही दूरी पर कुछ छोटी झाड़ियों के बीच

लेटा हुआ था, और कोई मेरे सिर को गीले रूमाल से पोंछ रहा था। वह स्पैरो मैककॉय था।

"'मुझे लगता है मैं तुम्हें छोड़ नहीं सकता था,' उसने कहा। 'मैं एक ही दिन में तुम दोनों के खून से सना नहीं चाहता था। मुझे इसमें कोई शक नहीं कि तुम अपने भाई से प्यार करती थी; लेकिन तुम उससे एक पैसे से भी ज्यादा प्यार नहीं करती थी जितना मैं करता था, हालाँकि तुम कहोगी कि मैंने इसे दिखाने का एक अजीब तरीका अपनाया। खैर, अब जब वह चला गया है तो यह दुनिया बहुत खाली-खाली सी लगती है, और मुझे इस बात की ज़रा भी परवाह नहीं है कि तुम मुझे जल्लाद के हवाले करो या नहीं।'

गिरने से उसके टखने में मोच आ गई थी, और हम वहीं बैठे रहे, वह अपने बेकार पैर के साथ, और मैं अपने दर्द भरे सिर के साथ, और हम बातें करते रहे, यहाँ तक कि धीरे-धीरे मेरी कड़वाहट कम होने लगी और सहानुभूति में बदलने लगी। उस आदमी से बदला लेने का क्या फायदा जो मेरी ही तरह उस मौत से दुखी था? और फिर, जैसे-जैसे मेरी समझ वापस आने लगी, मुझे यह भी एहसास होने लगा कि मैं मैककॉय के खिलाफ कुछ भी नहीं कर सकता जो मेरी माँ और मुझ पर उल्टा न पड़े। हम उसे कैसे दोषी ठहरा सकते थे बिना मेरे भाई के पूरे जीवन का ब्योरा सार्वजनिक किए - वही बात जिससे हम सबसे ज्यादा बचना चाहते थे? इस मामले को दबाना वास्तव में उतना ही हमारा हित था जितना उसका, और अपराध का बदला लेने वाले से मैं न्याय के खिलाफ साजिश रचने वाला बन गया। जिस जगह हम थे, वह पुराने देश में आम तौर पर पाए जाने वाले तीतर अभयारण्यों में से एक था, और जैसे-जैसे हम उसमें रास्ता ढूंढते हुए आगे बढ़े, मैंने अपने भाई के हत्यारे से सलाह लेना शुरू कर दिया कि इस मामले को कितना दबाया जा सकता है।

"उसकी बातों से मुझे जल्द ही समझ आ गया कि जब तक मेरे भाई की जेब में कुछ ऐसे कागजात न हों जिनके बारे में हमें कुछ पता न हो, तब तक पुलिस के लिए उसकी पहचान करना या यह पता लगाना कि वह वहाँ कैसे पहुँचा, वास्तव में असंभव था। उसका टिकट मैककॉय की जेब में था, और साथ ही उस सामान का टिकट भी था जो उन्होंने डिपो में छोड़ा था। अधिकांश अमेरिकियों की तरह, उसे न्यूयॉर्क से कपड़े लाने की तुलना में लंदन में कपड़े खरीदना सस्ता और आसान लगा था, इसलिए उसके सभी लिनेन और कपड़े नए और बेदाग थे। धूल से बचाने वाला आवरण वाला बैग, जिसे मैंने खिड़की से बाहर फेंक दिया था, शायद किसी झाड़ी में गिर गया हो जहाँ वह अभी भी छिपा हुआ है, या किसी आवारा ने उठा लिया हो, या पुलिस के कब्जे में आ गया हो, जिसने इस घटना को अपने तक ही सीमित रखा। खैर, मैंने लंदन के अखबारों में इसके बारे में कुछ नहीं पढ़ा है। जहाँ तक घड़ियों की बात है, वे उन घड़ियों में से चुनी गई थीं जो उसे व्यापारिक उद्देश्यों के लिए सौंपी गई थीं। हो सकता है कि वह उन्हें उन्हीं व्यापारिक उद्देश्यों के लिए मैनचेस्टर ले जा रहा हो, लेकिन - खैर, अब बहुत देर हो चुकी है।" उसमें प्रवेश करें।

"मैं पुलिस को दोषी नहीं ठहराता। मुझे नहीं लगता कि ऐसा हो भी सकता था। एक छोटा सा सुराग था जिस पर वे कार्रवाई कर सकते थे, लेकिन वह बहुत छोटा था। मेरा मतलब है वह छोटा सा गोल दर्पण जो मेरे भाई की जेब में मिला था। किसी नौजवान के लिए इसे अपने साथ रखना कोई आम बात नहीं है, है ना? लेकिन एक जुआरी आपको बता सकता था कि ताश के खेल में हेराफेरी करने वाले के लिए ऐसे दर्पण का क्या महत्व होता है। अगर आप मेज से थोड़ा पीछे हटकर बैठें और दर्पण को ऊपर की ओर करके अपनी गोद में रखें, तो आप बांटते समय अपने प्रतिद्वंद्वी को दिए जाने वाले हर पत्ते को देख सकते हैं। यह कहना मुश्किल नहीं है कि आप किसी को देख रहे हैं या उसे बढ़ा रहे हैं, जब आप उसके पत्ते अपने पत्तों की तरह ही जानते हों। यह ताश के

खेल में हेराफेरी करने वाले के सामान का उतना ही अहम हिस्सा था जितना स्पैरो मैकक्वॉय के हाथ पर लगी इलास्टिक क्लिप। हाल ही में होटलों में हुई धोखाधड़ी के सिलसिले में इसे जोड़कर देखें तो पुलिस को शायद इस मामले की एक कड़ी मिल गई हो।"

"मुझे नहीं लगता कि मुझे और कुछ समझाने की ज़रूरत है। उस रात हम दो सज्जनों के वेश में एमशैम नामक गाँव पहुंचे, जो पैदल यात्रा पर निकले थे, और उसके बाद हम चुपचाप लंदन चले गए, जहाँ से मैकक्वॉय काहिरा चले गए और मैं न्यूयॉर्क लौट आई। मेरी माँ छह महीने बाद चल बसीं, और मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि अपनी मृत्यु तक उन्हें पता नहीं चला कि क्या हुआ था। उन्हें हमेशा यही भ्रम था कि एडवर्ड लंदन में ईमानदारी से अपना जीवन यापन कर रहा है, और मैंने कभी उन्हें सच बताने की हिम्मत नहीं की। उसने कभी पत्र नहीं लिखा; लेकिन, वैसे भी, उसने कभी भी पत्र नहीं लिखे, इसलिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उनका नाम ही उनकी जुबान पर आखिरी बार आया।"

"बस एक और बात है जो मुझे आपसे पूछनी है, महोदय, और अगर आप इसे मेरे लिए कर दें तो मैं इसे आपकी इस सारी व्याख्या के बदले में एक तरह का धन्यवाद समझूंगा। आपको वह वसीयतनामा याद होगा जो मिला था। मैं उसे हमेशा अपनी जेब में रखता था, और शायद गिरने के दौरान वह गिर गया होगा। मैं उसे बहुत महत्व देता हूं, क्योंकि वह पारिवारिक पुस्तक थी जिसमें मेरे और मेरे भाई के जन्म का उल्लेख मेरे पिता ने शुरुआत में किया था। मैं चाहता हूं कि आप उचित पते पर आवेदन करके उसे मेरे पास भेज दें। किसी और के लिए उसका कोई मूल्य नहीं हो सकता। अगर आप उसे X, Bassano's Library, Broadway, New York के पते पर भेज दें, तो वह निश्चित रूप से मुझ तक पहुंच जाएगा।"

जापानी बॉक्स

निजी शिक्षक ने कहा, "यह एक अजीब घटना थी; जीवन में घटने वाली उन विचित्र और विचित्र घटनाओं में से एक। इसकी वजह से मैंने अपनी सबसे अच्छी नौकरी खो दी। लेकिन मुझे खुशी है कि मैं थोर्प प्लेस गया, क्योंकि मुझे वहां से क्या मिला - खैर, जैसे-जैसे मैं आपको कहानी सुनाऊंगा, आपको पता चल जाएगा कि मुझे क्या मिला।"

मुझे नहीं पता कि आप मिडलैंड्स के उस हिस्से से परिचित हैं या नहीं, जहां एवन नदी बहती है। यह इंग्लैंड का सबसे विशिष्ट हिस्सा है। शेक्सपियर, जो पूरे इंग्लैंड के स्वर्णिम व्यक्तित्व थे, का जन्म ठीक इसी क्षेत्र में हुआ था। यह हरे-भरे चरागाहों की भूमि है, जो पश्चिम की ओर ऊँची-ऊँची पहाड़ियों में विलीन होकर मालवर्न हिल्स तक पहुँचती है। यहाँ कोई शहर नहीं है, बल्कि असंख्य गाँव हैं, जिनमें से प्रत्येक में एक धूसर रंग का नॉर्मन चर्च है। आप दक्षिणी और पूर्वी काउंटी की ईंटों को पीछे छोड़ आए हैं, और यहां सब कुछ पत्थर का है - दीवारें पत्थर की हैं, और छतें काई लगी पत्थर की पटियाओं की। यह सब कुछ गंभीर, ठोस और विशाल है, जैसा कि एक महान राष्ट्र के हृदय के लिए उपयुक्त है।

इसी देश के मध्य में, ईवेशम से कुछ ही दूरी पर, सर जॉन बोलमोर अपने पुराने पैतृक घर थोर्प प्लेस में रहते थे, और वहीं मैं उनके दो छोटे बेटों को पढ़ाने आया था। सर जॉन विधवा थे - उनकी पत्नी का तीन साल पहले निधन हो गया था - और उनके साथ आठ और दस साल के दो लड़के और सात साल की एक प्यारी सी बच्ची रह गई थी। मिस विदरटन, जो अब मेरी पत्नी हैं, उस बच्ची की देखभाल करती थीं। मैं उन दोनों लड़कों का शिक्षक था। क्या इससे बेहतर कोई और संकेत हो सकता है? अब वह मुझे

पढ़ाती हैं, और मैं अपने दो छोटे लड़कों को पढ़ाता हूँ। लेकिन, बस - मैंने बता ही दिया कि थोर्प प्लेस में मुझे क्या मिला!

यह बहुत ही पुराना घर था, अविश्वसनीय रूप से पुराना—कुछ हिस्सा तो नॉर्मन काल से भी पहले का था—और बोलमोर परिवार का दावा था कि वे विजय से भी बहुत पहले से इस घर में रह रहे थे। जब मैं पहली बार वहाँ गया, तो मेरी आत्मा सिहर उठी, उन मोटी-मोटी धूसर दीवारों, टूटे-फूटे पत्थरों और उस पुरानी इमारत के सड़ते प्लास्टर से आती बीमार जानवर जैसी बदबू को देखकर। लेकिन आधुनिक हिस्सा रोशन था और बगीचा अच्छी तरह से सजा हुआ था। जिस घर में एक सुंदर लड़की हो और सामने इतने सुंदर गुलाब खिले हों, वह घर उदास कैसे हो सकता है?

नौकरों के पूरे स्टाफ के अलावा, घर में हम चार ही लोग थे। इनमें मिस विदरटन थीं, जो उस समय 24 साल की थीं और बेहद खूबसूरत थीं—खैर, श्रीमती कोलमोर जितनी खूबसूरत अब हैं—मैं, फ्रैंक कोलमोर, जिनकी उम्र 30 साल थी, श्रीमती स्टीवंस, जो घर की देखभाल करने वाली एक गंभीर और शांत महिला थीं, और मिस्टर रिचर्ड्स, एक लंबे, फौज़ी जैसे दिखने वाले व्यक्ति, जो बोलमोर एस्टेट्स के प्रबंधक थे। हम चारों हमेशा साथ में खाना खाते थे, लेकिन सर जॉन आमतौर पर पुस्तकालय में अकेले खाना खाते थे। कभी-कभी वे हमारे साथ रात के खाने पर शामिल हो जाते थे, लेकिन कुल मिलाकर हमें उतना ही अच्छा लगता था जब वे नहीं आते थे।

वह एक बेहद प्रभावशाली व्यक्ति थे। कल्पना कीजिए एक ऐसे व्यक्ति की, जिसकी लंबाई छह फुट तीन इंच हो, राजसी कद-काठी हो, ऊँची नाक वाला, कुलीन चेहरा हो, चितकबरा बाल हों, घनी भौहें हों, छोटी, नुकीली और शैतानी दाढ़ी हो, और माथे व आँखों के चारों ओर ऐसी गहरी रेखाएँ हों मानो किसी छुरी से उकेरी गई हों। उनकी आँखें धूसर थीं, थकी हुई, निराशा से भरी, गर्वित और फिर भी दयनीय, ऐसी आँखें जो दया की भीख माँगती थीं और फिर भी आपको दया दिखाने की चुनौती देती थीं। अध्ययन के कारण उनकी पीठ झुकी हुई थी, लेकिन इसके अलावा वे अपनी उम्र के हिसाब से (शायद पचपन वर्ष के) उतने ही आकर्षक थे जितने किसी भी स्त्री को उन्हें देखकर प्रसन्न होना चाहिए।

लेकिन उनकी उपस्थिति खुशनुमा नहीं थी। वे हमेशा विनम्र और शालीन रहते थे, लेकिन असाधारण रूप से शांत और एकांतप्रिय थे। मैंने किसी भी व्यक्ति के साथ इतना लंबा समय नहीं बिताया और उनके बारे में इतना कम जाना। अगर वे घर के अंदर होते, तो अपना समय या तो पूर्वी टावर में स्थित अपने छोटे से अध्ययन कक्ष में बिताते, या आधुनिक विंग में स्थित पुस्तकालय में। उनकी दिनचर्या इतनी नियमित थी कि किसी भी समय यह ठीक-ठीक कहा जा सकता था कि वे कहाँ होंगे। दिन में दो बार वे अपने अध्ययन कक्ष में जाते, एक बार नाश्ते के बाद और एक बार रात लगभग दस बजे। भारी दरवाजे के बंद होने की आवाज़ से आप अपनी घड़ी मिला सकते थे। दिन के बाकी समय वे अपने पुस्तकालय में रहते थे - सिवाय दोपहर में एक-दो घंटे के लिए टहलने या सवारी करने के, जो उनके जीवन के बाकी हिस्सों की तरह ही एकांतपूर्ण होता था। वे अपने बच्चों से बहुत प्यार करते थे और उनकी पढ़ाई में उनकी गहरी रुचि थी, लेकिन वे उनके शांत, घनी भौंहों वाले व्यक्तित्व से थोड़ा भयभीत रहते थे और जितना हो सके उनसे बचते थे। वास्तव में, हम सभी ऐसा ही करते थे।

सर जॉन बोलमोर के जीवन के बारे में मुझे कुछ जानने में काफी समय लग गया, क्योंकि गृहस्वामी श्रीमती स्टीवंस और ज़मींदार श्री रिचर्ड्स अपने मालिक के मामलों पर आसानी से बात करने को तैयार नहीं थे। जहाँ तक गवर्नेस की बात है, उसे भी मुझसे ज्यादा कुछ नहीं पता था, और हमारी साझा रुचि ही हमें करीब लाने वाले कारणों में से एक थी। अंततः, एक ऐसी घटना घटी जिससे श्री रिचर्ड्स से मेरी जान-पहचान गहरी

हुई और मुझे उस व्यक्ति के जीवन के बारे में पूरी जानकारी मिली जिसकी मैं सेवा करता था।

इस घटना का तात्कालिक कारण मेरे सबसे छोटे शिष्य, मास्टर पर्सी का चक्की की नाली में गिर जाना था। उनकी और मेरी जान को तत्काल खतरा था, क्योंकि मुझे उन्हें बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ी। पसीने से तरबतर और थका हुआ - क्योंकि मैं उस बच्चे से कहीं ज्यादा थका हुआ था - मैं अपने कमरे की ओर जा रहा था, तभी शोर सुनकर सर जॉन ने अपने छोटे से अध्ययन कक्ष का दरवाजा खोला और मुझसे पूछा कि क्या हुआ है। मैंने उन्हें दुर्घटना के बारे में बताया, लेकिन उन्हें आश्वस्त किया कि उनका बच्चा खतरे में नहीं है। वे एक कठोर, भावहीन चेहरे के साथ मेरी बात सुनते रहे, जिसकी तीव्र आँखों और कसे हुए होंठों में वे सभी भावनाएँ झलक रही थीं जिन्हें वे छिपाने की कोशिश कर रहे थे।

“एक पल रुकिए! अंदर आइए! मुझे सारी जानकारी दीजिए!” उसने खुले दरवाजे से पीछे मुड़ते हुए कहा।

और इस तरह मैं उस छोटे से पवित्र स्थान में पहुँच गया, जिसके अंदर, जैसा कि मुझे बाद में पता चला, तीन साल से उस बूढ़े नौकर के अलावा किसी और ने कदम नहीं रखा था जो उसकी सफाई करता था। वह एक गोलाकार कमरा था, जो उस मीनार के आकार के अनुरूप था जिसमें वह स्थित था, जिसकी छत नीची थी, एक संकरी, बेलों से घिरी खिड़की थी, और सादा सा फर्नीचर था। एक पुराना कालीन, एक कुर्सी, एक लकड़ी की मेज और किताबों की एक छोटी सी अलमारी ही वहाँ मौजूद थीं। मेज पर एक महिला की पूरी लंबाई की तस्वीर रखी थी - मैंने चेहरे की विशेषताओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन मुझे याद है कि एक विशेष प्रकार की सौम्यता का आभास हुआ था। उसके बगल में एक बड़ा काला जापानी बक्सा और एक-दो चिट्ठियों या कागजों के बंडल थे जो लोचदार पट्टियों से बंधे हुए थे।

हमारी मुलाकात संक्षिप्त रही, क्योंकि सर जॉन बोलमोर ने महसूस किया कि मैं पूरी तरह भीग चुका था और मुझे तुरंत कपड़े बदल लेने चाहिए। हालांकि, इस घटना के कारण एजेंट रिचर्डस के साथ एक ज्ञानवर्धक बातचीत हुई, जो उस कमरे में कभी नहीं गए थे जो संयोगवश मेरे लिए खुल गया था। उसी दोपहर वे उत्सुकता से मेरे पास आए और मेरे साथ बगीचे के रास्ते पर इधर-उधर घूमने लगे, जबकि मेरे दोनों बच्चे हमारे बगल वाले लॉन पर टेनिस खेल रहे थे।

“आपको शायद ही इस बात का एहसास हो कि आपके पक्ष में कितनी छूट दी गई है,” उन्होंने कहा। “वह कमरा इतना रहस्यमय रखा गया है, और सर जॉन का वहाँ आना-जाना इतना नियमित और लगातार रहा है, कि घर में उसके बारे में लगभग अंधविश्वास सा पैदा हो गया है। मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि अगर मैं आपको वे सारी कहानियाँ सुनाऊं जो चारों ओर फैली हुई हैं, वहाँ आने वाले रहस्यमय आगंतुकों की कहानियाँ, और नौकरों द्वारा सुनी गई आवाज़ों की कहानियाँ, तो आपको शक हो सकता है कि सर जॉन अपने पुराने तौर-तरीकों पर लौट आए हैं।”

मैंने पूछा, "आप 'पुनरावर्ती' क्यों कह रहे हैं?"

उसने हैरानी से मेरी तरफ देखा।

उन्होंने कहा, "क्या यह संभव है कि सर जॉन बोलमोर के पिछले इतिहास के बारे में आपको जानकारी न हो?"

"बिल्कुल।"

“तुम मुझे अचंभित कर देते हो। मुझे लगा था कि इंग्लैंड में हर आदमी अपने पूर्वजों के बारे में कुछ न कुछ जानता है। अगर तुम अब हमारे ही एक सदस्य न होते तो मैं इस मामले का ज़िक्र ही न करता, और अगर मैं चुप रहता तो ये तथ्य तुम्हारे कानों तक और

भी कठोर रूप में पहुंच सकते थे। मैंने हमेशा यही मान लिया था कि तुम जानते हो कि तुम 'शैतान' बोलमोर की सेवा में हो।"

"लेकिन 'शैतान' ही क्यों?" मैंने पूछा।

"अरे, तुम अभी जवान हो और दुनिया बहुत तेज़ी से बदलती है, लेकिन बीस साल पहले 'डेविल' बोलमोर का नाम लंदन में सबसे प्रसिद्ध नामों में से एक था। वह सबसे तेज़ गिरोह का सरगना था, गुंडा, ड्राइवर, जुआरी, शराबी – पुराने ज़माने के लोगों का बचा हुआ रूप, और उनमें से सबसे बुरे लोगों जितना ही बुरा।"

मैं हैरानी से उसे देखता रहा।

"क्या!" मैं चिल्लाई, "वह शांत, अध्ययनशील, उदास चेहरे वाला आदमी?"

"इंग्लैंड का सबसे बड़ा अय्याश और व्यभिचारी! ये बात हम दोनों के बीच ही रहे, कोलमोर। लेकिन अब तुम समझ गए होगे कि मेरा मतलब क्या है जब मैं कहता हूं कि उसके कमरे में किसी महिला की आवाज़ भी अब संदेह पैदा कर सकती है।"

लेकिन किस चीज ने उसे इतना बदल दिया होगा?

छोटी बेरील क्लेयर ने जब उसकी पत्नी बनने का जोखिम उठाया, वही निर्णायक मोड़ था। वह इतनी तरक्की कर चुका था कि उसकी अपनी ही बुरी आदतों ने उसे गिरा दिया था। आप जानते हैं, एक शराबी और एक शराबी में ज़मीन-आसमान का फर्क होता है। सब लोग शराब पीते हैं, पर शराबी को बुरा-भला कहा जाता है। वह शराब का गुलाम बन चुका था—बेबस और लाचार। फिर उसने दखल दिया, उस बर्बाद इंसान में एक अच्छे इंसान की संभावनाएं देखीं, उससे शादी करने का जोखिम उठाया, जबकि उसके पास चुनने के लिए कई विकल्प थे, और अपना जीवन उसे समर्पित करके उसे फिर से मर्दानगी और शालीनता की राह पर ले आई। आपने देखा होगा कि घर में कभी शराब नहीं रखी जाती। ज़ब से उसने इस घर में कदम रखा है, तब से कभी नहीं रखी। आज भी शराब की एक बूंद शेर के खून के बराबर है।

"तो क्या अब भी उसका प्रभाव उस पर बना हुआ है?"

"यही तो इसकी खासियत है। जब तीन साल पहले उनकी मृत्यु हुई, तो हम सभी को आशंका और डर था कि वह फिर से अपने पुराने तौर-तरीकों पर लौट आएगा। उन्हें खुद भी इस बात का डर था, और यह सोचकर तो मौत भी खौफ खा जाती थी, क्योंकि वह उस आदमी के लिए किसी देवदूत जैसी थीं, और उनका जीवन सिर्फ एक ही मकसद के लिए था। वैसे, क्या आपने उनके कमरे में एक काले रंग का जापानी डिब्बा देखा?"

"हाँ।"

मुझे लगता है उसमें उसके पत्र होंगे। अगर कभी उसे कहीं जाना पड़ता है, चाहे एक रात के लिए ही सही, तो वह हमेशा अपना काला जापानी बक्सा अपने साथ ले जाता है। अच्छा, अच्छा, कोलमोर, शायद मैंने तुम्हें ज़रूरत से ज़्यादा बता दिया है, लेकिन अगर तुम्हें कोई दिलचस्प बात पता चले तो मैं तुमसे भी यही उम्मीद करूँगा।

मैं देख सकता था कि वह सज्जन जिज्ञासा से भरे हुए थे और इस बात से थोड़े नाराज़ भी थे कि मैं, एक नवागंतुक, उस अनछुए कक्ष में प्रवेश करने वाला पहला व्यक्ति था। लेकिन इस बात से उनके मन में मेरे लिए सम्मान बढ़ गया, और उस समय से मेरा उनसे अधिक विश्वासपूर्ण संबंध स्थापित हो गया।

और अब मेरे मालिक की शांत और राजसी आकृति मेरे लिए और भी अधिक रुचिकर हो गई। मैं उनकी आँखों में उस विचित्र मानवीय भाव को, उनके चिंताग्रस्त चेहरे पर पड़ी उन गहरी झुर्रियों को समझने लगा। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो निरंतर संघर्ष कर रहे थे, सुबह से शाम तक एक भयानक शत्रु को अपने वश में रखे हुए थे, जो हमेशा उन पर आक्रमण करने का प्रयास कर रहा था - एक ऐसा शत्रु जो उन्हें तन-मन

से नष्ट कर देगा यदि वह एक बार फिर उन पर अपना शिकंजा कस ले। जैसे ही मैंने उस गंभीर, झुकी हुई कमर वाले व्यक्ति को गलियारे में टहलते या बगीचे में चलते देखा, यह आसन्न खतरा साकार रूप धारण करता हुआ प्रतीत हुआ, और मैं लगभग कल्पना कर सकता था कि मैंने सभी राक्षसों में सबसे घृणित और खतरनाक राक्षस को उनकी परछाई में दुबका हुआ देखा, एक डरे हुए जानवर की तरह जो अपने रखवाले के बगल में दुबका रहता है, किसी भी असुरक्षित क्षण में उसके गले पर झपटने के लिए तैयार। और वह मृत महिला, वह महिला जिसने अपना जीवन इस खतरे को टालने में बिताया था, मेरी कल्पना में भी आकार लेने लगी, और मैंने उसे एक धुंधली लेकिन सुंदर उपस्थिति के रूप में देखा जो अपने प्रिय पुरुष की रक्षा के लिए बाहें ऊपर उठाकर हमेशा के लिए हस्तक्षेप करती रही।

उन्होंने बड़ी चतुराई से मेरे मन में उनके प्रति सहानुभूति को भांप लिया और अपने मौन भाव से यह प्रकट किया कि वे इसकी सराहना करते हैं। एक बार तो उन्होंने मुझे अपने साथ दोपहर की सैर पर चलने का निमंत्रण भी दिया। यद्यपि इस दौरान हमारे बीच कोई बातचीत नहीं हुई, फिर भी यह उनके प्रति ऐसा विश्वास था जो उन्होंने पहले कभी किसी को नहीं दिखाया था। उन्होंने मुझसे अपनी लाइब्रेरी की सूची बनाने का भी अनुरोध किया (यह इंग्लैंड की सर्वश्रेष्ठ निजी लाइब्रेरियों में से एक थी), और मैंने शाम के कई घंटे उनके साथ बिताए, भले ही मैं उनके साथ नहीं बैठा। वे अपनी मेज पर पढ़ते रहते और मैं खिड़की के पास एक कोने में बैठकर उनकी किताबों के बीच फैली अव्यवस्था को व्यवस्थित करता रहता। इन घनिष्ठ संबंधों के बावजूद, मुझे फिर कभी बुर्ज वाले कमरे में जाने के लिए नहीं कहा गया।

और फिर मेरे मन में घृणा का भाव जागा। एक घटना ने मेरी सारी सहानुभूति को घृणा में बदल दिया, और मुझे यह एहसास दिलाया कि मेरा मालिक आज भी वैसी ही है जैसा वह पहले था, बस उसमें पाखंड का अतिरिक्त दोष जुड़ गया है। जो कुछ हुआ वह इस प्रकार है।

एक शाम मिस विदरटन पास के गाँव ब्रॉडवे में किसी चैरिटी के लिए आयोजित एक संगीत कार्यक्रम में गाने गई थीं, और मैंने अपने वादे के मुताबिक उन्हें वापस लाने के लिए वहाँ तक पैदल चलकर गया था। रास्ता पूर्वी बुर्ज के नीचे से घूमता हुआ जाता है, और जब मैं वहाँ से गुज़रा तो मैंने देखा कि गोलाकार कमरे में बत्ती जल रही थी। गर्मी की शाम थी, और खिड़की, जो हमारे सिर से थोड़ी ऊँची थी, खुली हुई थी। संयोग से, हम उस समय अपनी-अपनी बातचीत में मग्न थे और पुराने बुर्ज के चारों ओर बने लॉन पर रुके हुए थे, तभी अचानक किसी चीज़ ने हमारी बातचीत में खलल डाला और हमारा ध्यान अपने कामों से हटा दिया।

यह एक आवाज़ थी—निस्संदेह एक महिला की आवाज़। यह धीमी थी—इतनी धीमी कि उस शांत रात के वातावरण में ही हम इसे सुन पाए, लेकिन धीमी होने के बावजूद, इसकी स्त्रीत्व की आवाज़ में कोई संदेह नहीं था। वह जल्दी-जल्दी, हांफते हुए कुछ वाक्य बोली, और फिर चुप हो गई—एक दयनीय, बेदम, विनती भरी आवाज़। मिस विदरटन और मैं एक पल के लिए एक-दूसरे को घूरते रहे। फिर हम तेज़ी से हॉल के दरवाजे की ओर चल पड़े।

मैंने कहा, "यह खिड़की से अंदर आया।"

“हमें छिपकर बातें सुनने वालों की भूमिका नहीं निभानी चाहिए,” उसने जवाब दिया। “हमें यह भूल जाना चाहिए कि हमने कभी यह सब सुना भी था।”

उसके हावभाव में आश्चर्य का अभाव था, जिससे मुझे एक नए विचार का संकेत मिला।

मैंने चिल्लाकर कहा, "तुमने यह पहले भी सुना है।"

“मैं कुछ नहीं कर सकता था। मेरा कमरा भी उसी बुर्ज में काफी ऊपर है। ऐसा अक्सर होता रहता है।”

वह महिला कौन हो सकती है?

मुझे कोई जानकारी नहीं है। मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता।

उसकी आवाज़ ही यह बताने के लिए काफ़ी थी कि वह क्या सोचती है। लेकिन मान लें कि हमारे मालिक का जीवन दोहरा और संदिग्ध था, तो वह रहस्यमयी महिला कौन हो सकती थी जो पुराने टावर में उसके साथ रहती थी? मैंने खुद देखा था कि वह कमरा कितना वीरान और खाली था। वह निश्चित रूप से वहाँ नहीं रहती थी। लेकिन अगर ऐसा है तो वह कहाँ से आई? वह घर की कोई सदस्य तो नहीं हो सकती। वे सभी श्रीमती स्टीवंस की कड़ी निगरानी में थे। आगंतुक बाहर से ही आई होगी। लेकिन कैसे?

फिर अचानक मुझे याद आया कि यह इमारत कितनी प्राचीन थी, और इसमें किसी मध्ययुगीन मार्ग के होने की कितनी संभावना थी। शायद ही कोई पुराना किला ऐसा हो जिसमें ऐसा कोई मार्ग न हो। वह रहस्यमय कमरा बुर्ज का तहखाना था, इसलिए अगर वहाँ ऐसा कुछ होता तो वह फर्श से होकर खुलता। आस-पास कई झोपड़ियाँ थीं। गुप्त मार्ग का दूसरा सिरा पास के जंगल में झाड़ियों के बीच छिपा हो सकता था। मैंने किसी को कुछ नहीं बताया, लेकिन मुझे महसूस हुआ कि मेरे मालिक का रहस्य मेरे बस में है।

और जैसे-जैसे मेरा यह विश्वास बढ़ता गया, वैसे-वैसे मुझे इस बात पर आश्चर्य होता गया कि वह अपने असली स्वभाव को किस तरह छुपाता था। अक्सर जब मैं उसकी गंभीर आकृति को देखता, तो खुद से पूछता कि क्या वाकई ऐसा संभव है कि कोई व्यक्ति यह दोहरा जीवन जी रहा हो, और मैं खुद को समझाने की कोशिश करता कि शायद मेरे संदेह निराधार साबित हों। लेकिन वहाँ एक महिला की आवाज़ थी, बुर्ज के कमरे में रात को होने वाली गुप्त मुलाकातें थीं—इन तथ्यों को भला निर्दोष कैसे माना जा सकता था? मुझे उस आदमी से घृणा होने लगी। मैं उसके गहरे, निरंतर पाखंड से घृणा से भर गया।

उन सभी महीनों के दौरान, केवल एक बार ही मैंने उन्हें उस उदास लेकिन भावहीन मुखौटे के बिना देखा, जो वे आमतौर पर अपने साथियों के प्रति धारण करते थे। एक पल के लिए मुझे उन भयंकर ज्वालाओं की झलक मिली, जिन्हें उन्होंने इतने लंबे समय से दबा रखा था। यह अवसर उपयुक्त नहीं था, क्योंकि उनके क्रोध का निशाना कोई और नहीं बल्कि वह बूढ़ी सफाईकर्मी थी, जिसका मैंने पहले ही उल्लेख किया है कि वही एकमात्र व्यक्ति थी जिसे उनके रहस्यमय कक्ष में प्रवेश करने की अनुमति थी। मैं उस गलियारे से गुज़र रहा था जो बुर्ज की ओर जाता था—क्योंकि मेरा कमरा उसी दिशा में था—तभी मैंने एक अचानक, चौंका देने वाली चीख सुनी, और उसमें एक ऐसे व्यक्ति की कर्कश, गुर्राती हुई आवाज़ घुल गई जो क्रोध से बेहाल था। यह एक उग्र जंगली जानवर की दहाड़ थी। फिर मैंने उनकी आवाज क्रोध से कांपती हुई सुनी। “तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई!” वे चिल्लाए। “तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मेरे निर्देशों का उल्लंघन करने की!” एक पल बाद सफाईकर्मी मेरे पास से गुजरी, सफेद चेहरे और कांपते हुए गलियारे से नीचे भागती हुई, जबकि उसके पीछे वह भयानक आवाज़ गूंज रही थी। “अपने पैसे के लिए श्रीमती स्टीवंस के पास जाओ! फिर कभी थोरपे प्लेस में कदम मत रखना!” जिज्ञासा से ग्रस्त होकर, मैं उस महिला का पीछा करने से खुद को रोक नहीं सका, और आखिरकार उसे कोने में दीवार से टेक लगाकर एक डरे हुए खरगोश की तरह कांपते हुए पाया।

“क्या बात है, श्रीमती ब्राउन?” मैंने पूछा।

“ये तो मालिक हैं!” वह हांफते हुए बोली। “ओह, उन्होंने मुझे कितना डरा दिया! अगर आपने उनकी आंखें देखी होतीं, श्रीमान कोलमोर, महोदय, तो मुझे लगा कि वे

मेरी जान ही ले लेंगे।”

लेकिन तुमने क्या किया था?

“हो गया, महोदय! कुछ नहीं। कम से कम इतना बड़ा मुद्दा तो नहीं। मैंने बस अपना हाथ उस काले बक्से पर रख दिया था—मैंने उसे खोला भी नहीं था कि वह अंदर आ गया और आपने सुना कि उसने क्या-क्या किया। मैं अपना आपा खो बैठा हूँ, और मुझे खुशी है कि ऐसा हुआ, क्योंकि मैं अब कभी भी उसके पास जाने का जोखिम नहीं उठाऊँगा।”

तो इस गुस्से का कारण वही जापानी शैली का बक्सा था—वह बक्सा जिससे वह कभी अलग नहीं होना चाहता था। क्या इसका उस महिला की गुप्त मुलाकातों से कोई संबंध था जिसकी आवाज़ मैंने सुनी थी? सर जॉन बोलमोर का क्रोध उग्र होने के साथ-साथ स्थायी भी था, क्योंकि उस दिन से सफाईकर्मी श्रीमती ब्राउन हमारी नजरों से ओझल हो गईं और थोर्प प्लेस में उनका कोई नामोनिशान नहीं रहा।

और अब मैं आपको उस अनोखे संयोग के बारे में बताना चाहता हूँ जिसने इन सभी अजीब सवालों का हल निकाल दिया और मेरे मालिक का रहस्य मेरे हाथ में आ गया। यह कहानी सुनकर शायद आपके मन में कुछ संदेह रह जाए कि कहीं मेरी जिज्ञासा ने मेरे सम्मान पर हावी होकर मुझे जासूसी करने के लिए विवश तो नहीं कर दिया। अगर आप ऐसा सोचते हैं तो मैं कुछ नहीं कर सकता, लेकिन मैं आपको केवल इतना ही आश्वस्त कर सकता हूं कि, भले ही यह असंभव लगे, मामला ठीक वैसे ही हुआ जैसा मैंने बताया है।

इस घटनाक्रम का पहला चरण यह था कि बुर्ज का छोटा कमरा रहने लायक नहीं रहा। ऐसा छत को सहारा देने वाली दीमक लगी ओक की बीम के गिरने से हुआ। उम्र के साथ सड़ चुकी वह बीम एक सुबह बीच से टूट गई और अपने साथ काफी सारा प्लास्टर भी गिरा दिया। सौभाग्य से सर जॉन उस समय कमरे में नहीं थे। उनका क़ीमती बक्सा मलबे के बीच से निकाल लिया गया और पुस्तकालय में ले जाया गया, जहाँ तब से उसे उनकी अलमारी में बंद करके रखा गया। सर जॉन ने नुकसान की मरम्मत के लिए कोई कदम नहीं उठाया, और मुझे उस गुप्त मार्ग को खोजने का कभी मौका नहीं मिला, जिसके अस्तित्व का मैंने अनुमान लगाया था। जहाँ तक उस महिला की बात है, मैंने सोचा था कि इससे उसका आना-जाना बंद हो जाएगा, अगर मैंने एक शाम मिस्टर रिचर्ड्स को श्रीमती स्टीवंस से यह पूछते हुए न सुना होता कि वह महिला कौन थी जिसे उन्होंने पुस्तकालय में सर जॉन से बात करते हुए सुना था। मैं उनका जवाब तो नहीं सुन पाई, लेकिन उनके हाव-भाव से मुझे समझ आ गया कि यह पहली बार नहीं था जब उन्हें इस सवाल का जवाब देना पड़ा था या इससे बचना पड़ा था।

“क्या तुमने वो आवाज सुनी है, कोलमोर?” एजेंट ने कहा।

मैंने स्वीकार किया कि मैंने ऐसा किया था।

और आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?

मैंने अपने कंधे उचका दिए और कहा कि यह मेरा मामला नहीं है।

"आइए, आइए, आप भी हम सब की तरह ही जिज्ञासु हैं। क्या यह एक महिला है या नहीं?"

“यह निश्चित रूप से एक महिला है।”

आपने यह आवाज किस कमरे से सुनी?

"छत गिरने से पहले, बुर्ज वाले कमरे से।"

लेकिन मैंने इसे कल रात ही पुस्तकालय से सुना। जब मैं सोने जा रहा था तो मैं दरवाज़े के पास से गुज़रा, और मैंने किसी के रोने और प्रार्थना करने की आवाज़ ठीक

वैसे ही सुनी जैसे मैं तुम्हारी आवाज़ सुन रहा हूँ। हो सकता है यह कोई महिला हो——"

"अरे, और क्या हो सकता है?"

उसने मुझे घूरकर देखा।

उन्होंने कहा, "स्वर्ग और पृथ्वी में और भी बहुत सी चीजें हैं। अगर वह एक महिला है, तो वह वहां कैसे पहुंचेगी?"

"मुझे नहीं पता।"

"नहीं, न ही मैं। लेकिन अगर बात दूसरी है तो— पर उन्नीसवीं सदी के अंत में एक व्यावहारिक व्यवसायी के लिए यह बातचीत का एक हास्यास्पद विषय है।" वह मुँह फेरकर चले गए, लेकिन मैंने देखा कि उन्होंने जितना कहा था उससे कहीं ज़्यादा महसूस किया। थॉर्प प्लेस की पुरानी भूत-प्रेत की कहानियों में एक नई कहानी हमारी आँखों के सामने जुड़ रही थी। शायद अब तक इसने अपनी स्थायी जगह बना ली थी, क्योंकि हालाँकि मुझे इसका स्पष्टीकरण मिल गया था, लेकिन दूसरों को कभी नहीं मिला।

और मैंने इसका स्पष्टीकरण इस प्रकार दिया। नसों के दर्द के कारण मुझे पूरी रात नींद नहीं आई थी, और दोपहर के आसपास मैंने दर्द कम करने के लिए क्लोरीडाइन की भारी खुराक ले ली थी। उस समय मैं सर जॉन बोलमोर के पुस्तकालय की अनुक्रमणिका का काम पूरा कर रहा था, और मेरी आदत थी कि मैं वहाँ शाम पाँच बजे से शाम सात बजे तक काम करता था। उस दिन मैं अपनी खराब रात और नशीली दवा के दोहरे प्रभाव से जूझ रहा था। मैंने पहले ही बताया है कि पुस्तकालय में एक अवकाश कक्ष था, और मेरी आदत थी कि मैं वहाँ काम करता था। मैं अपने काम में पूरी तरह से जुट गया, लेकिन थकान मुझ पर हावी हो गई और सोफे पर गिरते ही मैं गहरी नींद में सो गया।

मुझे नहीं पता कि मैं कितनी देर सोया, लेकिन जब मैं जागा तो काफी अंधेरा था। क्लोरीडाइन के असर से मैं भ्रमित था और अर्धचेतन अवस्था में बेसुध पड़ा था। किताबों से ढकी ऊँची दीवारों वाला विशाल कमरा मेरे चारों ओर अंधेरे में छाया हुआ था। दूर वाली खिड़की से चांदनी की हल्की रोशनी आ रही थी और इस हल्की रोशनी में मैंने देखा कि सर जॉन बोलमोर अपनी अध्ययन मेज पर बैठे थे। उनका सुगठित सिर और स्पष्ट चेहरा उनके पीछे टिमटिमाते चौकोर हिस्से पर साफ दिखाई दे रहा था। मेरी नज़र उन पर पड़ी और वे झुके, और मुझे चाबी के तेज घूमने और धातु पर धातु के रगड़ने की आवाज सुनाई दी। मानो सपने में, मुझे धुंधला सा एहसास हुआ कि यह वही जापानी रंग का डिब्बा था जो उनके सामने रखा था, और उन्होंने उसमें से कुछ निकाला था, कोई छोटी और भद्दी सी चीज, जो अब मेज पर उनके सामने पड़ी थी। मुझे कभी एहसास नहीं हुआ - मेरे भ्रमित और सुस्त दिमाग में कभी यह बात नहीं आई कि मैं उनकी निजता में दखल दे रहा था, कि वे खुद को कमरे में अकेला समझ रहे थे। और फिर, जैसे ही यह मेरे भयभीत मन पर हावी हुआ, और मैं अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आधा उठा ही था, तभी मैंने एक अजीब, तीखी, धातु जैसी क्लिक की आवाज सुनी, और फिर वह आवाज।

हाँ, यह एक स्त्री की आवाज़ थी; इसमें कोई संदेह नहीं था। लेकिन यह आवाज़ इतनी विनती और प्रेम की तीव्र अनुभूति से भरी थी कि यह हमेशा मेरे कानों में गूंजती रहेगी। यह एक अजीब सी दूर की झंकार के साथ आई, लेकिन हर शब्द स्पष्ट था, हालांकि धुंधला था—बहुत धुंधला, क्योंकि ये एक मरती हुई स्त्री के अंतिम शब्द थे।

"मैं सचमुच नहीं गई हूँ, जान," पतली, हांफती हुई आवाज़ ने कहा। "मैं यहीं तुम्हारे पास हूँ, और तब तक रहूँगी जब तक हम फिर से नहीं मिलते। मुझे इस बात की खुशी है

कि सुबह-शाम तुम मेरी आवाज़ सुनोगे। ओह, जॉन, हिम्मत रखो, हिम्मत रखो, जब तक हम फिर से नहीं मिलते।"

मैं कहती हूं कि मैं अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए उठी थी, लेकिन जब तक वह आवाज़ गूंज रही थी, मैं ऐसा नहीं कर सकी। मैं आधी लेटी, आधी बैठी, स्तब्ध, अचंभित, उन दूर से आती मधुर संगीतमयी आवाज़ों को सुनती रही। और वह—वह इतना मग्न था कि अगर मैं बोलती भी तो शायद वह मुझे सुन नहीं पाता। लेकिन आवाज़ के सन्नाटे के साथ ही मेरी अधूरी माफी और स्पष्टीकरण भी सुनाई दिए। वह कमरे में उछल पड़ा, बिजली की बत्ती जला दी, और उसकी तेज़ रोशनी में मैंने उसे देखा, उसकी आँखें क्रोध से चमक रही थीं, उसका चेहरा जुनून से भरा हुआ था, ठीक वैसे ही जैसे उस बेचारी सफाईकर्मी ने उसे कुछ हफ़्ते पहले देखा होगा।

"श्रीमान कोलमोर!" वह चिल्लाया। "आप यहाँ! इसका क्या मतलब है, महोदय?"

मैंने रुक-रुक कर बोलते हुए सब कुछ समझाया - मेरा नसों का दर्द, नशीली दवा, मेरी बदकिस्मती से नींद आना और अचानक जागना। जैसे-जैसे वह सुनता गया, उसके चेहरे से क्रोध की चमक फीकी पड़ती गई, और उसके चेहरे पर एक बार फिर उदासी और भावहीनता छा गई।

"मेरा राज़ आपका है, श्री कोलमोर," उन्होंने कहा। "अपनी सावधानियों में ढिलाई बरतने के लिए मैं स्वयं ही दोषी हूं। आधा-अधूरा राज़ न बताने से भी बदतर होता है, इसलिए आप सब कुछ जान सकते हैं क्योंकि आप इतना कुछ जानते हैं। मेरे मरने के बाद कहानी जहाँ चाहे वहाँ जा सकती है, लेकिन तब तक मैं आपके सम्मान की भावना पर भरोसा करता हूं कि कोई भी इंसान इसे आपके मुँह से न सुने। मैं अब भी स्वाभिमानी हूं—भगवान मेरी मदद करे!—या कम से कम इतना स्वाभिमानी तो हूं कि इस कहानी से मुझ पर जो दया आएगी, उससे मुझे घृणा होगी। मैंने ईर्ष्या पर मुस्कुराया है और घृणा को नज़रअंदाज़ किया है, लेकिन दया मेरे बस की बात नहीं है।"

"आपने उस स्रोत को सुना है जहाँ से यह आवाज़ आ रही है—वही आवाज़ जिसने, जैसा कि मैं समझता हूं, मेरे घर में इतनी जिज्ञासा जगा दी है। मैं उन अफवाहों से अवगत हूँ जो इसके कारण फैली हैं। ये अटकलें, चाहे अपमानजनक हों या अंधविश्वासपूर्ण, ऐसी हैं जिन्हें मैं अनदेखा कर सकता हूँ और क्षमा कर सकता हूँ। लेकिन मैं कभी भी किसी अवैध जिज्ञासा को संतुष्ट करने के लिए की गई विश्वासघाती जासूसी और छिपकर बातें सुनने को क्षमा नहीं करूँगा। लेकिन श्रीमान कोलमोर, मैं आपको इस मामले में निर्दोष मानता हूँ।"

"जब मैं जवान था, महोदय, आपसे कई साल छोटा, तब मैं बिना किसी मित्र या सलाहकार के शहर में आया, और मेरे पास इतना पैसा था कि मेरे साथ बहुत सारे झूठे मित्र और झूठे सलाहकार जुड़ गए। मैंने जीवन की शराब का भरपूर आनंद लिया—अगर कोई ऐसा व्यक्ति है जिसने मुझसे भी अधिक इसका आनंद लिया हो, तो वह ऐसा व्यक्ति नहीं है जिससे मैं ईर्ष्या करता हूं। मेरा पैसा कम हो गया, मेरा चरित्र बिगड़ गया, मेरा स्वास्थ्य खराब हो गया, उत्तेजक पदार्थ मेरे लिए आवश्यक हो गए, मैं एक ऐसा प्राणी बन गया था जिससे मेरी स्मृति भी घबरा जाती है। और यह वही समय था, मेरे सबसे बुरे पतन का समय, जब ईश्वर ने मेरे जीवन में सबसे कोमल, सबसे मधुर आत्मा को भेजा, जो स्वर्ग से एक सेवक देवदूत के रूप में अवतरित हुई। उसने मुझे, टूटे हुए रूप में, प्यार किया और अपना जीवन उस व्यक्ति को फिर से एक इंसान बनाने में व्यतीत किया जो जानवरों के स्तर तक गिर गया था।"

लेकिन एक भयानक बीमारी ने उसे घेर लिया और वह मेरी आँखों के सामने मुरझा गई। अपनी पीड़ा के उस क्षण में उसने कभी अपने बारे में, अपने कष्टों और अपनी मृत्यु के बारे में नहीं सोचा। वह पूरी तरह से मेरे बारे में सोच रही थी। उसके भाग्य ने उसे जो

एक पीड़ा दी, वह यह भय था कि जब उसका प्रभाव समाप्त हो जाएगा तो मैं फिर से वही बन जाऊंगा जो मैं पहले था। मैंने उससे जो शपथ ली थी कि शराब की एक बूंद भी मेरे होठों से नहीं लगेगी, वह व्यर्थ थी। वह भली-भांति जानती थी कि शैतान ने मुझ पर कितना गहरा प्रभाव जमा रखा था - वह जिसने उसे छुड़ाने के लिए इतना प्रयास किया था - और यह विचार उसे दिन-रात सताता रहता था कि कहीं मेरी आत्मा फिर से उसकी गिरफ्त में न आ जाए।

"बीमारों के कमरे में किसी दोस्त की गपशप से ही उसे इस आविष्कार—इस फ़ोनोग्राफ—के बारे में पता चला और एक दयालु स्त्री की सूझबूझ से उसने समझ लिया कि वह इसका इस्तेमाल अपने मकसद के लिए कैसे कर सकती है। उसने मुझे लंदन भेजा ताकि मैं सबसे बढ़िया फ़ोनोग्राफ ला सकूं। अपनी अंतिम सांस लेते हुए उसने वो शब्द कहे जिन्होंने मुझे तब से सीधा खड़ा रखा है। अकेला और टूटा हुआ, इस दुनिया में मुझे सहारा देने के लिए और क्या है? लेकिन यही काफी है। ईश्वर की कृपा से, जब वह हमें फिर से मिलाएगा, तो मैं बिना किसी शर्म के उसका सामना करूंगा! यही मेरा राज़ है, श्री कोलमोर, और जब तक मैं जीवित हूं, इसे आपके पास सुरक्षित रखता हूं।"

काला डॉक्टर

बिशप्स क्रॉसिंग लिवरपूल से दक्षिण-पश्चिम दिशा में दस मील दूर स्थित एक छोटा सा गांव है। सत्तर के दशक के आरंभ में यहां एलोयसियस लाना नामक एक चिकित्सक आकर बस गए। स्थानीय रूप से न तो उनके पूर्वजों के बारे में कुछ पता था और न ही उन कारणों के बारे में जिन्होंने उन्हें लंकाशायर के इस छोटे से गांव में आने के लिए प्रेरित किया था। उनके बारे में केवल दो बातें निश्चित थीं; एक यह कि उन्होंने ग्लासगो से चिकित्सा की योग्यता उत्कृष्ट अंकों के साथ प्राप्त की थी; दूसरी यह कि वे निस्संदेह किसी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र से थे, और उनका रंग इतना गहरा था कि मानो उनमें भारतीय मूल का अंश हो। हालाँकि, उनकी प्रमुख विशेषताएं यूरोपीय थीं, और उनमें एक गरिमापूर्ण शिष्टाचार और आचरण था जो स्पैनिश मूल का होने का संकेत देता था। सांवली त्वचा, काले बाल और घनी भौंहों के नीचे चमकती हुई गहरी आँखें इंग्लैंड के गोरे या भूरे रंग के ग्रामीण लोगों से बिल्कुल अलग थीं, और इस नवागंतुक को जल्द ही "बिशप्स क्रॉसिंग का काला डॉक्टर" के नाम से जाना जाने लगा। प्रारंभ में यह उपहास और निंदा का एक नाम था; जैसे-जैसे साल बीतते गए, यह एक सम्मानजनक उपाधि बन गई जो पूरे ग्रामीण क्षेत्र में प्रचलित हो गई और गांव की संकीर्ण सीमाओं से बहुत दूर तक फैल गई।

नवागंतुक डॉक्टर ने स्वयं को एक कुशल सर्जन और निपुण चिकित्सक साबित किया। उस क्षेत्र में प्रैक्टिस पहले लिवरपूल के सलाहकार सर विलियम रोवे के पुत्र एडवर्ड रोवे के हाथों में थी, लेकिन उन्हें अपने पिता की प्रतिभा विरासत में नहीं मिली थी, और डा. लाना ने अपने आकर्षक व्यक्तित्व और व्यवहार के बल पर जल्द ही उन्हें पीछे छोड़ दिया। डा. लाना की सामाजिक सफलता उनके पेशेवर करियर जितनी ही तीव्र थी। लॉर्ड बेल्टन के दूसरे पुत्र माननीय जेम्स लोरी के एक उल्लेखनीय सर्जिकल इलाज ने उन्हें काउंटी समाज में प्रवेश दिलाया, जहां वे अपनी आकर्षक बातचीत और सुरुचिपूर्ण व्यवहार के कारण सबके चहेते बन गए। पूर्ववृत्तों और रिश्तेदारों का अभाव कभी-कभी सामाजिक उन्नति में बाधा के बजाय सहायक होता है, और इस सुंदर डॉक्टर का विशिष्ट व्यक्तित्व स्वयं ही इसकी एक सिफारिश थी।

उनके मरीज़ों को उनमें बस एक ही कमी नज़र आती थी। वे पक्के कुंवारे प्रतीत होते थे। यह बात और भी आश्चर्यजनक थी क्योंकि उनका घर काफ़ी बड़ा था और यह सर्वविदित था कि वकालत में उनकी सफलता ने उन्हें काफी धन-संपत्ति बचाने में सक्षम

बनाया था। शुरू में स्थानीय विवाह कराने वाले लगातार उनका नाम किसी न किसी योग्य महिला से जोड़ते रहे, लेकिन जैसे-जैसे साल बीतते गए और डॉ. लाना अविवाहित रहे, यह आम धारणा बन गई कि किसी कारणवश वे कुंवारे ही रहेंगे। कुछ लोगों ने तो यहाँ तक दावा किया कि उनकी पहले से ही शादी हो चुकी है और किसी पुराने विवाह के दुराचार के परिणामों से बचने के लिए उन्होंने बिशप्स क्रॉसिंग में खुद को दफना लिया था। और फिर, जब विवाह कराने वालों ने आखिरकार उनसे उम्मीद छोड़ दी थी, तभी अचानक ली हॉल की मिस फ्रांसिस मॉर्टन से उनकी सगाई की घोषणा हो गई।

मिस मॉर्टन एक युवती थीं, जो ग्रामीण इलाकों में काफी प्रसिद्ध थीं। उनके पिता, जेम्स हाल्डेन मॉर्टन, बिशप्स क्रॉसिंग के जमींदार थे। हालांकि, उनके माता-पिता दोनों का निधन हो चुका था और वे अपने इकलौते भाई, आर्थर मॉर्टन के साथ रहती थीं, जिन्हें पारिवारिक संपत्ति विरासत में मिली थी। मिस मॉर्टन कद में लंबी और गरिमामयी थीं और अपने तेज, उग्र स्वभाव और दृढ़ चरित्र के लिए प्रसिद्ध थीं। उनकी मुलाकात डॉ. लाना से एक बगीचे में हुई और उनके बीच दोस्ती पनपी, जो जल्द ही प्यार में बदल गई। एक-दूसरे के प्रति उनका समर्पण बेमिसाल था। उम्र में थोड़ा अंतर था, वे सैंतीस वर्ष के थे और वे चौबीस वर्ष की; लेकिन इस एक बात को छोड़कर, इस रिश्ते में कोई आपत्ति नहीं थी। सगाई फरवरी में हुई और शादी अगस्त में तय की गई।

3 जून को डॉ. लाना को विदेश से एक पत्र मिला। एक छोटे से गाँव में डाकिया गपशप का भी मुखिया होता है, और बिशप्स क्रॉसिंग के श्री बैंक्ले को अपने पड़ोसियों के कई राज़ पता थे। इस पत्र के बारे में उन्होंने बस इतना ही कहा कि यह एक अजीब से लिफाफे में था, किसी पुरुष की लिखावट में था, पोस्टस्क्रिप्ट में ब्यूनस आयर्स लिखा था और उस पर अर्जेंटीना गणराज्य की मुहर लगी थी। यह पहला पत्र था जो उन्हें पता था कि डॉ. लाना को विदेश से मिला है, और इसी वजह से उन्होंने इसे स्थानीय डाकिया को सौंपने से पहले इस पर विशेष ध्यान दिया। यह उसी दिन शाम को डाक द्वारा पहुँचा दिया गया।

अगली सुबह—यानी 4 जून को—डॉ. लाना मिस मॉर्टन से मिलने गए और उनके बीच लंबी बातचीत हुई, जिसके बाद उन्हें बेहद परेशान हालत में लौटते देखा गया। मिस मॉर्टन उस दिन पूरे समय अपने कमरे में ही रहीं और उनकी नौकरानी ने उन्हें कई बार रोते हुए पाया। एक हफ्ते के भीतर पूरे गाँव में यह बात फैल गई कि सगाई टूट चुकी है, डॉ. लाना ने युवती के साथ शर्मनाक व्यवहार किया है और उनके भाई आर्थर मॉर्टन उन्हें कोड़े मारने की बात कर रहे हैं। डॉक्टर ने किस बात में बुरा बर्ताव किया था, यह अज्ञात था—कुछ लोगों का अनुमान कुछ और था, कुछ का कुछ और; लेकिन यह बात देखी गई और इसे दोषी अंतरात्मा का स्पष्ट संकेत माना गया कि वे ली हॉल की खिड़कियों के पास से गुजरने के बजाय मीलों का चक्कर लगाना पसंद करते थे और उन्होंने रविवार की सुबह की प्रार्थना सभा में जाना छोड़ दिया था, जहाँ उनकी मुलाकात युवती से हो सकती थी। लैंसेट अखबार में एक क्लिनिक की बिक्री का विज्ञापन भी छपा था, जिसमें किसी का नाम नहीं बताया गया था, लेकिन कुछ लोगों का मानना था कि यह बिशप्स क्रॉसिंग से संबंधित है और इसका मतलब यह है कि डॉ. लाना अपनी सफलता के केंद्र को छोड़ने की सोच रहे हैं। हालात कुछ ऐसे थे कि सोमवार, 21 जून की शाम को एक नया घटनाक्रम सामने आया जिसने एक मामूली गांव के विवाद को एक ऐसी त्रासदी में बदल दिया जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उस शाम की घटनाओं का पूरा महत्व समझने के लिए कुछ विस्तृत जानकारी आवश्यक है।

डॉक्टर के घर में केवल दो ही लोग रहते थे: उनकी गृहणी, मार्था वुड्स नाम की एक बुजुर्ग और अत्यंत सम्मानित महिला, और एक युवा नौकरानी - मैरी पिलिंग। कोचवान और शल्यचिकित्सा कर्मचारी बाहर सोते थे। डॉक्टर की आदत थी कि वे रात में अपने

अध्ययन कक्ष में बैठते थे, जो नौकरों के क्वार्टर से सबसे दूर वाले हिस्से में शल्यचिकित्सा कक्ष के बगल में था। मरीजों की सुविधा के लिए घर के इस हिस्से में एक अलग दरवाजा था, जिससे डॉक्टर बिना किसी को बताए आगंतुकों को अंदर आने दे सकते थे और उनसे मिल सकते थे। वास्तव में, जब मरीज देर से आते थे, तो डॉक्टर उन्हें शल्यचिकित्सा कक्ष के प्रवेश द्वार से ही अंदर-बाहर आने-जाने देते थे, क्योंकि नौकरानी और गृहणी जल्दी सो जाती थीं।

उस रात मार्था वुड्स साढ़े नौ बजे डॉक्टर के अध्ययन कक्ष में गईं और उन्हें अपनी मेज पर लिखते हुए पाया। उन्होंने डॉक्टर को शुभ रात्रि कहा, नौकरानी को सोने भेज दिया और पौने ग्यारह बजे तक घरेलू कामों में व्यस्त रहीं। जब वह अपने कमरे में गईं तो हॉल की घड़ी में ग्यारह बज रहे थे। वह वहाँ लगभग पंद्रह मिनट या बीस मिनट ही रही थीं कि उन्हें घर के अंदर से आती हुई एक चीख या पुकार सुनाई दी। उन्होंने कुछ देर इंतजार किया, लेकिन आवाज दोबारा नहीं आई। आवाज तेज और घबराहट भरी होने के कारण वह बहुत घबरा गईं, उन्होंने ड्रेसिंग गाउन पहना और पूरी रफ्तार से डॉक्टर के अध्ययन कक्ष की ओर दौड़ीं।

"कौन है?" दरवाजे पर दस्तक देते हुए एक आवाज आई।

“मैं यहाँ हूँ, महोदय – श्रीमती वुड्स।”

“मैं तुमसे विनती करती हूँ कि मुझे शांति से रहने दो। अभी इसी वक्त अपने कमरे में वापस जाओ!” आवाज आई, जो उसकी समझ के अनुसार उसके मालिक की थी। लहजा इतना कठोर और उसके मालिक के सामान्य व्यवहार से इतना अलग था कि वह हैरान और आहत हो गई।

“मुझे लगा आपने मुझे पुकारा था, महोदय,” उसने कहा, लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। श्रीमती वुड्स अपने कमरे में लौटते समय घड़ी की ओर देखने लगीं, तब साढ़े ग्यारह बज रहे थे।

ग्यारह और बारह बजे के बीच (उसे ठीक समय याद नहीं था) एक मरीज़ डॉक्टर से मिलने आया, लेकिन डॉक्टर ने कोई जवाब नहीं दिया। देर से आने वाली ये महिला श्रीमती मैडिंग थीं, जो गाँव के किराना व्यापारी की पत्नी थीं और टाइफाइड बुखार से गंभीर रूप से बीमार थीं। डॉ. लाना ने उनसे कहा था कि वे आखिरी समय में आकर अपने पति की हालत के बारे में बता दें। उन्होंने देखा कि अध्ययन कक्ष में बत्ती जल रही थी, लेकिन कई बार क्लिनिक का दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने सोचा कि डॉक्टर को बुलाया गया होगा और वे घर लौट गईं।

घर से सड़क तक एक छोटा, घुमावदार रास्ता जाता है जिसके अंत में एक लैंप लगा है। जैसे ही श्रीमती मैडिंग फाटक से बाहर निकलीं, एक आदमी पगडंडी पर आ रहा था। यह सोचकर कि शायद डॉक्टर लाना किसी पेशेवर मुलाकात से लौट रही हों, उन्होंने उसका इंतज़ार किया और यह देखकर आश्चर्यचकित रह गईं कि वह युवा जमींदार श्री आर्थर मार्टन थे। लैंप की रोशनी में उन्होंने देखा कि उनका हावभाव उत्तेजित था और उनके हाथ में एक भारी शिकार का चाबुक था। जब वह फाटक पर मुड़ रहे थे, तभी उन्होंने उनसे बात की।

“डॉक्टर साहब, अभी यहाँ नहीं हैं,” उसने कहा।

“तुम्हें यह कैसे पता चला?” उसने कठोर स्वर में पूछा।

"मैं सर्जरी के दरवाज़े तक जा चुकी हूँ, महोदय।"

“मुझे एक रोशनी दिखाई दे रही है,” युवा जमींदार ने ऊपर की ओर देखते हुए कहा। “यह उनके अध्ययन कक्ष में है, है ना?”

जी हाँ, महोदय; लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वह बाहर है।

“खैर, उसे फिर से अंदर आना होगा,” युवा मॉर्टन ने कहा और गेट से बाहर निकल गया जबकि श्रीमती मैडिंग अपने घर की ओर चल पड़ीं।

उस सुबह तीन बजे उनके पति की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे उनके लक्षणों से इतनी घबरा गईं कि उन्होंने तुरंत डॉक्टर को बुलाने का फैसला किया। जैसे ही वे फाटक से गुजरीं, उन्हें लॉरेल की झाड़ियों के बीच किसी को छिपा हुआ देखकर आश्चर्य हुआ। वह निश्चित रूप से एक आदमी था, और उनकी समझ के अनुसार वह श्री आर्थर मॉर्टन थे। अपनी परेशानियों में उलझी होने के कारण उन्होंने इस घटना पर विशेष ध्यान नहीं दिया और अपने काम के लिए आगे बढ़ गईं।

घर पहुंचकर उसने आश्चर्य से देखा कि अध्ययन कक्ष में बत्ती अभी भी जल रही थी। इसलिए उसने शल्यचिकित्सा कक्ष के दरवाजे पर दस्तक दी। कोई जवाब नहीं मिला। उसने कई बार दस्तक दी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उसे लगा कि डॉक्टर का इतनी तेज़ रोशनी छोड़कर बिस्तर पर जाना या बाहर जाना असंभव है, और श्रीमती मैडिंग को लगा कि शायद वह अपनी कुर्सी पर सो गए हों। इसलिए उसने अध्ययन कक्ष की खिड़की पर दस्तक दी, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। फिर, पर्दे और लकड़ी के काम के बीच एक छेद देखकर, उसने उसमें से झाँका।

छोटा कमरा बीच में रखी मेज पर लगे एक बड़े लैंप की तेज रोशनी से जगमगा रहा था, जिस पर डॉक्टर की किताबें और उपकरण बिखरे पड़े थे। कोई दिखाई नहीं दे रहा था, और न ही उसे कुछ असामान्य लगा, सिवाय इसके कि मेज की छाया में कालीन पर एक मैला सफेद दस्ताना पड़ा था। और फिर अचानक, जैसे ही उसकी आँखें रोशनी से अभ्यस्त हुईं, छाया के दूसरे छोर से एक जूता निकला, और वह भय से कांप उठी, जब उसे एहसास हुआ कि जिसे वह दस्ताना समझ रही थी, वह एक आदमी का हाथ था, जो फर्श पर पड़ा हुआ था। कुछ भयानक होने का अंदाजा लगाकर उसने सामने के दरवाजे की घंटी बजाई, नौकरानी श्रीमती वुड्स को जगाया, और दोनों महिलाएं पहले नौकरानी को पुलिस स्टेशन भेजकर अध्ययन कक्ष में गईं।

टेबल के किनारे, खिड़की से दूर, डॉ. लाना पीठ के बल लेटे हुए मृत पाए गए। यह स्पष्ट था कि उन पर हिंसा की गई थी, क्योंकि उनकी एक आंख काली पड़ गई थी और उनके चेहरे और गर्दन पर चोट के निशान थे। उनके चेहरे की हल्की सूजन और उभार से ऐसा प्रतीत होता था कि उनकी मृत्यु गला घोंटने के कारण हुई थी। उन्होंने अपने सामान्य पेशेवर कपड़े पहने हुए थे, लेकिन कपड़े की चप्पलें पहनी हुई थीं, जिनके तलवे बिल्कुल साफ थे। कालीन पर, विशेष रूप से दरवाजे के किनारे, गंदे जूतों के निशान थे, जो संभवतः हत्यारे द्वारा छोड़े गए थे। यह स्पष्ट था कि कोई सर्जरी के दरवाज़े से अंदर आया, डॉक्टर की हत्या की और फिर चुपके से भाग गया। पैरों के निशानों के आकार और चोटों की प्रकृति से यह निश्चित था कि हमलावर एक पुरुष था। लेकिन इसके आगे पुलिस को जांच करना बहुत मुश्किल लगा।

चोरी का कोई निशान नहीं था, और डॉक्टर की सोने की घड़ी उनकी जेब में सुरक्षित थी। उन्होंने कमरे में एक भारी नकद पेटी रखी हुई थी, जो बंद थी लेकिन खाली पाई गई। श्रीमती वुड्स को लगा था कि आमतौर पर उसमें बड़ी रकम रखी जाती थी, लेकिन डॉक्टर ने उसी दिन अनाज का एक बड़ा बिल नकद में चुकाया था, और यह अनुमान लगाया गया कि पेटी किसी चोर के कारण नहीं बल्कि इसी बिल के कारण खाली थी। कमरे में एक चीज़ गायब थी - लेकिन वह एक चीज़ संदिग्ध थी। मिस मॉर्टन का चित्र, जो हमेशा साइड टेबल पर रखा रहता था, फ्रेम से निकालकर ले जाया गया था। श्रीमती वुड्स ने उस शाम अपने मालिक से मिलने के दौरान उसे वहीं देखा था, और अब वह गायब थी। दूसरी ओर, फर्श से एक हरी पट्टी मिली, जिसे नौकरानी ने

पहले कभी नहीं देखा था। हालांकि, ऐसी पट्टी किसी डॉक्टर के पास हो सकती है, और ऐसा कुछ भी संकेत नहीं था जिससे पता चले कि इसका अपराध से कोई संबंध है।

शक सिर्फ एक ही दिशा में जा सकता था, और युवा जमींदार आर्थर मॉर्टन को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ सबूत परिस्थितिजन्य थे, लेकिन निर्णायक थे। वह अपनी बहन से बहुत प्यार करता था, और यह साबित हो गया था कि डॉ. लाना से उसके अलगाव के बाद से उसे बार-बार उसके पूर्व प्रेमी के प्रति बेहद प्रतिशोधी शब्दों में बोलते हुए सुना गया था। जैसा कि बताया गया है, उसे लगभग ग्यारह बजे डॉक्टर के घर में हाथ में एक चाबुक लिए हुए प्रवेश करते देखा गया था। पुलिस के सिद्धांत के अनुसार, उसने डॉक्टर पर हमला किया था, जिसकी डर या गुस्से भरी चीख इतनी तेज़ थी कि श्रीमती वुड्स का ध्यान उसकी ओर आकर्षित हो गया। जब श्रीमती वुड्स नीचे आईं, तो डॉ. लाना ने अपने आगंतुक से बात करने का फैसला कर लिया था, और इसलिए उन्होंने अपनी नौकरानी को उसके कमरे में वापस भेज दिया था। यह बातचीत काफी देर तक चली, और अधिक उग्र होती गई, और अंत में एक व्यक्तिगत संघर्ष में समाप्त हुई, जिसमें डॉक्टर की जान चली गई। पोस्टमार्टम से पता चला कि उनका हृदय गंभीर रूप से बीमार था—जो उनके जीवनकाल में किसी को भी संदेह नहीं था—इस तथ्य से यह संभव हो सकता है कि उनकी मृत्यु उन चोटों के कारण हुई हो जो एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए घातक नहीं होतीं। आर्थर मॉर्टन ने तब अपनी बहन की तस्वीर हटा दी और घर की ओर चल दिए, द्वार पर श्रीमती मैडिंग से बचने के लिए वे लॉरेल की झाड़ियों में चले गए। यह अभियोजन पक्ष का सिद्धांत था, और उन्होंने जो मामला पेश किया वह बेहद मजबूत था।

दूसरी ओर, बचाव पक्ष के कुछ मजबूत तर्क भी थे। मॉर्टन अपनी बहन की तरह उत्साही और उतावला था, लेकिन सभी उसका सम्मान करते थे और उसे पसंद करते थे, और उसका स्पष्टवादी और ईमानदार स्वभाव ऐसे अपराध के लिए असंभावित प्रतीत होता था। उसका अपना स्पष्टीकरण यह था कि वह डॉक्टर लाना से कुछ जरूरी पारिवारिक मामलों पर बात करना चाहता था (शुरू से अंत तक उसने अपनी बहन का नाम तक नहीं लिया)। उसने इस बात से इनकार करने की कोशिश नहीं की कि यह बातचीत शायद अप्रिय होती। उसने एक मरीज से सुना था कि डॉक्टर बाहर गए हैं, इसलिए वह सुबह लगभग तीन बजे तक उनके लौटने का इंतजार करता रहा, लेकिन उस समय तक उन्हें न देखकर उसने उम्मीद छोड़ दी और घर लौट आया। उनकी मृत्यु के बारे में, उसे उतना ही पता था जितना उसे गिरफ्तार करने वाले कांस्टेबल को। वह पहले मृतक का घनिष्ठ मित्र था; लेकिन कुछ ऐसी परिस्थितियाँ, जिनका वह जिक्र नहीं करना चाहता, ने उसके विचारों में बदलाव ला दिया था।

कई ऐसे तथ्य थे जो उनकी निर्दोषता का समर्थन करते थे। यह निश्चित था कि डॉ. लाना जीवित थे और रात साढ़े ग्यारह बजे अपने अध्ययन कक्ष में मौजूद थे। श्रीमती वुड्स शपथ लेकर यह कहने को तैयार थीं कि उन्होंने उसी समय उनकी आवाज़ सुनी थी। कैदी के मित्रों का तर्क था कि संभवतः उस समय डॉ. लाना अकेले नहीं थे। जिस आवाज़ ने सबसे पहले गृहणी का ध्यान आकर्षित किया था, और उसके मालिक की असामान्य बेचैनी कि वह उन्हें शांति से रहने दे, इसी ओर इशारा करती प्रतीत होती थी। यदि ऐसा था, तो यह संभव प्रतीत होता है कि गृहणी द्वारा उनकी आवाज़ सुनने और श्रीमती मैडिंग के पहली बार उनसे मिलने आने और उनका ध्यान आकर्षित करने में असमर्थ होने के बीच उनकी मृत्यु हो गई थी। लेकिन यदि यही उनकी मृत्यु का समय था, तो यह निश्चित था कि श्री आर्थर मॉर्टन दोषी नहीं हो सकते, क्योंकि इसके बाद ही श्रीमती मैडिंग की मुलाकात द्वार पर उस युवा जमींदार से हुई थी।

यदि यह परिकल्पना सही होती, और श्रीमती मैडिंग के श्री आर्थर मॉर्टन से मिलने से पहले कोई डॉ. लाना के साथ था, तो वह कौन था और डॉक्टर के प्रति दुर्भावना रखने के उसके क्या इरादे थे? यह सर्वमान्य था कि यदि आरोपी के मित्र इस पर प्रकाश डाल सकें, तो वे उसकी निर्दोषता साबित करने में बहुत सहायक होंगे। लेकिन इस बीच जनता के पास यह कहने का अधिकार था - जैसा कि उन्होंने कहा - कि इस बात का कोई प्रमाण नहीं था कि वहां उस युवा जमींदार के अलावा कोई और था; जबकि दूसरी ओर, इस बात के पर्याप्त प्रमाण थे कि उसके जाने के इरादे दुर्भावनापूर्ण थे। जब श्रीमती मैडिंग आईं, तो डॉक्टर अपने कमरे में चले गए होंगे, या जैसा कि उन्होंने उस समय सोचा था, वे बाहर गए होंगे और बाद में वापस आकर श्री आर्थर मॉर्टन को अपना इंतजार करते हुए पाया होगा। आरोपी के कुछ समर्थकों ने इस तथ्य पर जोर दिया कि उसकी बहन फ्रांसिस की तस्वीर, जिसे डॉक्टर के कमरे से हटा दिया गया था, उसके भाई के पास नहीं मिली थी। हालांकि, यह तर्क ज्यादा मायने नहीं रखता था, क्योंकि गिरफ्तारी से पहले उसके पास इसे जलाने या नष्ट करने के लिए पर्याप्त समय था। मामले में एकमात्र पुख्ता सबूत - फर्श पर कीचड़ से सने पैरों के निशान - कालीन की नरमी के कारण इतने धुंधले हो गए थे कि उनसे कोई विश्वसनीय निष्कर्ष निकालना असंभव था। बस इतना ही कहा जा सकता था कि उनकी बनावट इस सिद्धांत से मेल खाती थी कि वे निशान आरोपी के थे, और यह भी साबित हुआ कि उस रात उसके जूते बहुत कीचड़ से सने हुए थे। दोपहर में भारी बारिश हुई थी, और संभवतः सभी जूते इसी हालत में थे।

यह लंकाशायर की इस त्रासदी पर जनता का ध्यान केंद्रित करने वाली विलक्षण और रोमांचक घटनाओं की श्रृंखला का सीधा-सादा वर्णन है। डॉक्टर की अज्ञात उत्पत्ति, उनका विलक्षण और विशिष्ट व्यक्तित्व, हत्या के आरोपी व्यक्ति की स्थिति और अपराधों से पहले का प्रेम प्रसंग, इन सभी ने मिलकर इस मामले को उन नाटकीय घटनाओं में से एक बना दिया, जिन्होंने पूरे राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। तीनों राज्यों में लोग बिशप्स क्रॉसिंग के ब्लैक डॉक्टर के मामले पर चर्चा कर रहे थे, और तथ्यों को समझाने के लिए कई सिद्धांत सामने रखे गए; लेकिन यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि उनमें से कोई भी ऐसा नहीं था जिसने जनता के मन को उस असाधारण घटनाक्रम के लिए तैयार किया हो, जिसने मुकदमे के पहले दिन इतनी हलचल मचाई और दूसरे दिन चरम पर पहुंच गया। लिखते समय मेरे सामने लैंकेस्टर वीकली की लंबी फाइलें हैं जिनमें इस मामले की रिपोर्ट है, लेकिन मुझे मामले का संक्षिप्त विवरण ही देना होगा, उस बिंदु तक जब पहले दिन की शाम को मिस फ्रांसिस मॉर्टन की गवाही ने मामले पर एक विलक्षण प्रकाश डाला।

अभियोजन पक्ष के वकील श्री पोलॉक केर ने हमेशा की तरह कुशलता से तथ्यों को प्रस्तुत किया, और जैसे-जैसे दिन बीतता गया, यह स्पष्ट होता गया कि बचाव पक्ष के लिए नियुक्त श्री हम्फ्री के सामने कितना कठिन कार्य था। कई गवाहों को पेश किया गया जिन्होंने इस बात की गवाही दी कि युवा जमींदार ने डॉक्टर के बारे में उग्र शब्द कहे थे और अपनी बहन के साथ कथित दुर्व्यवहार पर उसने कितना आक्रोश व्यक्त किया था। श्रीमती मैडिंग ने मृतक से कैदी द्वारा देर रात की मुलाकात के बारे में अपने बयान को दोहराया, और एक अन्य गवाह ने यह दिखाया कि कैदी को पता था कि डॉक्टर घर के इस एकांत हिस्से में अकेले बैठे रहते थे, और उन्होंने इतनी देर रात को इसलिए बुलाया क्योंकि वे जानते थे कि उस समय उनका शिकार उनके रहमो-करम पर होगा। जमींदार के घर के एक नौकर को यह स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि उसने उस सुबह लगभग तीन बजे अपने मालिक को लौटते हुए सुना था, जिससे श्रीमती मैडिंग के इस बयान की पुष्टि हुई कि उन्होंने अपनी दूसरी यात्रा के दौरान उसे

द्वार के पास लॉरेल की झाड़ियों के बीच देखा था। कीचड़ से सने जूते और पैरों के निशानों में कथित समानता पर उचित रूप से चर्चा की गई, और अभियोजन पक्ष द्वारा मामला प्रस्तुत किए जाने पर यह महसूस किया गया कि चाहे सबूत कितने भी परिस्थितिजन्य क्यों न हों, वे इतने पूर्ण और इतने ठोस थे कि कैदी का भाग्य तय हो चुका था, जब तक कि बचाव पक्ष द्वारा कोई अप्रत्याशित खुलासा न हो जाए। अभियोजन पक्ष की कार्यवाही तीन बजे समाप्त हुई। साढ़े चार बजे, जब अदालत की कार्यवाही स्थगित हुई, तो एक नया और अप्रत्याशित घटनाक्रम घटित हुआ। मैं इस घटना, या इसके एक भाग को, उस डायरी से उद्धृत कर रहा हूँ जिसका मैंने पहले उल्लेख किया है, जिसमें वकील की प्रारंभिक टिप्पणियों को छोड़ दिया गया है।

खचाखच भरी अदालत में उस समय काफी सनसनी फैल गई जब बचाव पक्ष की ओर से पहली गवाह के रूप में कैदी की बहन मिस फ्रांसिस मॉर्टन को पेश किया गया। हमारे पाठकों को याद होगा कि इस युवती की सगाई डॉ. लाना से हुई थी, और माना जाता है कि उनकी सगाई अचानक टूट जाने से हुए गुस्से ने ही उनके भाई को इस अपराध को अंजाम देने के लिए प्रेरित किया था। हालांकि, मिस मॉर्टन का इस मामले में न तो पूछताछ के दौरान और न ही पुलिस अदालत की कार्यवाही में कोई सीधा संबंध था, और बचाव पक्ष की मुख्य गवाह के रूप में उनकी उपस्थिति जनता के लिए एक आश्चर्य की बात थी।

मिस फ्रांसिस मॉर्टन, जो लंबी और खूबसूरत थीं, ने धीमी लेकिन स्पष्ट आवाज में गवाही दी, हालांकि पूरी गवाही के दौरान यह स्पष्ट था कि वह अत्यधिक भावुक थीं। उन्होंने डॉक्टर से अपनी सगाई का जिक्र किया, संक्षेप में उसके टूटने का जिक्र किया, जिसका कारण उन्होंने बताया कि उनके परिवार से जुड़े निजी मामले थे, और अदालत को यह कहकर चौंका दिया कि उन्होंने हमेशा अपने भाई के गुस्से को अनुचित और उग्र माना था। अपने वकील के एक सीधे सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें डॉ. लाना के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है, और उनकी राय में उन्होंने पूरी तरह से सम्मानजनक तरीके से काम किया था। उनके भाई ने तथ्यों की अपर्याप्त जानकारी के कारण एक अलग दृष्टिकोण अपनाया था, और उन्हें यह स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि उनकी विनतियों के बावजूद, उन्होंने डॉक्टर के खिलाफ व्यक्तिगत हिंसा की धमकी दी थी, और त्रासदी की शाम को उन्होंने उनसे "मामला सुलझाने" का इरादा जताया था। उन्होंने उन्हें समझाने की पूरी कोशिश की थी, लेकिन भावनाओं या पूर्वाग्रहों के मामले में वह बहुत ज़िद्दी थे।

अब तक युवती की गवाही कैदी के पक्ष में नहीं बल्कि उसके विरुद्ध प्रतीत हो रही थी। हालांकि, उसके वकील के सवालों ने जल्द ही मामले को एक बिल्कुल अलग रूप दे दिया और बचाव की एक अप्रत्याशित रणनीति का खुलासा किया।

श्री हम्फ्री: क्या आपको लगता है कि आपका भाई इस अपराध का दोषी है?

न्यायाधीश: श्रीमान हम्फ्री, मैं इस प्रश्न की अनुमति नहीं दे सकता। हम यहाँ तथ्यों के प्रश्नों पर निर्णय लेने के लिए हैं, न कि विश्वासों के प्रश्नों पर।

श्री हम्फ्री: क्या आपको पता है कि आपका भाई डॉक्टर लाना की मौत का दोषी नहीं है?

मिस मॉर्टन: जी हाँ।

श्री हम्फ्री: आपको यह कैसे पता चला?

मिस मॉर्टन: क्योंकि डॉ. लाना मरी नहीं हैं।

इसके बाद अदालत में काफी देर तक हंगामा चलता रहा, जिससे गवाह की पूछताछ में बाधा उत्पन्न हुई।

श्री हम्फ्री: और आपको कैसे पता चला, मिस मॉर्टन, कि डॉ. लाना की मृत्यु नहीं हुई है?

मिस मॉर्टन: क्योंकि मुझे उनकी कथित मृत्यु की तारीख के बाद से उनसे एक पत्र मिला है।

श्री हम्फ्री: क्या आपके पास यह पत्र है?

मिस मॉर्टन: जी हाँ, लेकिन मैं इसे दिखाना पसंद नहीं करूंगी।

श्री हम्फ्री: क्या आपके पास लिफाफा है?

मिस मॉर्टन: जी हाँ, यह यहीं है।

श्री हम्फ्री: डाक टिकट की मुहर क्या होती है?

मिस मॉर्टन: लिवरपूल।

श्री हम्फ्री: और तारीख?

मिस मॉर्टन: 22 जून।

श्री हम्फ्री: यह उनकी कथित मृत्यु के अगले दिन की बात है। क्या आप इस लिखावट की गवाही देने को तैयार हैं, मिस मॉर्टन?

मिस मॉर्टन: बिल्कुल।

श्री हम्फ्री: मैं छह अन्य गवाहों को बुलाने के लिए तैयार हूं, मेरे प्रभु, जो इस बात की गवाही देंगे कि यह पत्र डॉक्टर लाना की लिखावट में है।

न्यायाधीश: तो आपको उन्हें कल फोन करना होगा।

श्री पोलॉक कैर (अभियोजन पक्ष के वकील): इस बीच, माननीय महोदय, हम इस दस्तावेज़ पर अपना अधिकार जताना चाहते हैं, ताकि हम इस बात की विशेषज्ञ गवाही प्राप्त कर सकें कि यह उस सज्जन की लिखावट की कितनी हद तक नकल है, जिनके बारे में हमें अब भी पूरा विश्वास है कि वे मृत हैं। यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि यह सिद्धांत, जो अचानक हमारे सामने आया है, कैदी के मित्रों द्वारा इस जांच को भटकाने के लिए अपनाया गया एक स्पष्ट हथकंडा साबित हो सकता है। मैं इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाना चाहूंगा कि युवती के अपने बयान के अनुसार, यह पत्र पूछताछ और पुलिस अदालत की कार्यवाही के दौरान उसके पास रहा होगा। वह चाहती है कि हम यह मानें कि उसने इन कार्यवाही को चलने दिया, जबकि उसकी जेब में ऐसे सबूत थे जो किसी भी क्षण इन्हें समाप्त कर सकते थे।

श्रीमान हम्फ्री। क्या आप इसे समझा सकती हैं, मिस मॉर्टन?

मिस मॉर्टन: डॉ. लाना चाहते थे कि उनका रहस्य सुरक्षित रहे।

श्री पोलॉक कैर: तो फिर आपने इसे सार्वजनिक क्यों किया है?

मिस मॉर्टन: अपने भाई को बचाने के लिए।

अदालत में सहानुभूति की हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी, जिसे न्यायाधीश ने तुरंत दबा दिया।

न्यायाधीश: इस बचाव पक्ष की दलील को स्वीकार करते हुए, श्री हम्फ्री, यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप इस व्यक्ति के बारे में जानकारी दें, जिसके शव को डॉ. लाना के इतने सारे मित्रों और रोगियों ने स्वयं डॉक्टर के शव के रूप में पहचाना है।

एक जूरी सदस्य: क्या अब तक किसी ने इस मामले पर कोई संदेह व्यक्त किया है?

श्री पोलॉक कैर: मेरी जानकारी में नहीं।

श्री हम्फ्री: हमें उम्मीद है कि हम इस मामले को स्पष्ट कर देंगे।

न्यायाधीश: तो अदालत कल तक के लिए स्थगित की जाती है।

मामले में आए इस नए घटनाक्रम ने आम जनता में अत्यधिक रुचि जगा दी। चूंकि मुकदमे का फैसला अभी नहीं हुआ था, इसलिए प्रेस की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की जा सकी, लेकिन हर जगह इस बात पर बहस छिड़ी हुई थी कि मिस मॉर्टन के बयान में

कितनी सच्चाई हो सकती है और यह उनके भाई को बचाने के लिए रची गई कोई सुनियोजित चाल हो सकती है। लापता डॉक्टर के सामने स्पष्ट दुविधा यह थी कि यदि किसी चमत्कारिक संयोग से वह जीवित हैं, तो उन्हें उस अज्ञात व्यक्ति की मृत्यु के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, जो उनसे हूबहू मिलता-जुलता था और जो उनके अध्ययन कक्ष में मृत पाया गया था। मिस मॉर्टन द्वारा प्रस्तुत न किया गया यह पत्र संभवतः अपराध स्वीकारोक्ति था, और वह खुद को ऐसी भयावह स्थिति में पा सकती थीं जहाँ वह अपने पूर्व प्रेमी की बलि देकर ही अपने भाई को फांसी से बचा सकती थीं। अगली सुबह अदालत खचाखच भरी हुई थी, और जब श्री हम्फ्री को भावुक अवस्था में प्रवेश करते देखा गया, जिसे उनके प्रशिक्षित धैर्य भी नहीं छिपा सके, और उन्होंने विरोधी वकील से परामर्श किया, तो अदालत में हलचल मच गई। उनके बीच कुछ जल्दबाजी में कहे गए शब्द - ऐसे शब्द जिनसे श्री पोलॉक कैर के चेहरे पर आश्चर्य का भाव आ गया - और फिर बचाव पक्ष के वकील ने न्यायाधीश को संबोधित करते हुए घोषणा की कि अभियोजन पक्ष की सहमति से, पिछली सुनवाई में गवाही देने वाली युवती को दोबारा नहीं बुलाया जाएगा।

न्यायाधीश: लेकिन श्री हम्फ्री, ऐसा प्रतीत होता है कि आपने मामले को बहुत ही असंतोषजनक स्थिति में छोड़ दिया है।

श्री हम्फ्री: शायद, मेरे प्रभु, मेरा अगला गवाह उन्हें स्पष्ट करने में मदद कर सकता है।

न्यायाधीश: तो फिर अपने अगले गवाह को बुलाइए।

श्री हम्फ्री: मैं डॉ. एलोयसियस लाना को बुलाता हूं।

विद्वान वकील ने अपने समय में कई प्रभावशाली टिप्पणियाँ की हैं, लेकिन उन्होंने इतने कम शब्दों में ऐसी सनसनी कभी नहीं फैलाई। अदालत उस व्यक्ति को गवाह के कटघरे में साक्षात देखकर विस्मित हो गई, जिसका भाग्य इतने विवाद का विषय रहा था। दर्शकों में से जो लोग उन्हें बिशप्स क्रॉसिंग में जानते थे, उन्होंने उन्हें अब दुबला-पतला और चिंता की गहरी लकीरों से भरा हुआ देखा। लेकिन उनके उदास हावभाव और हताश चेहरे के बावजूद, बहुत कम लोग कह सकते थे कि उन्होंने कभी इतने प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले व्यक्ति को देखा था। न्यायाधीश को प्रणाम करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या उन्हें बयान देने की अनुमति दी जा सकती है, और यह सूचित किए जाने पर कि वे जो कुछ भी कहेंगे उसका उपयोग उनके विरुद्ध किया जा सकता है, उन्होंने एक बार फिर प्रणाम किया और आगे बढ़े:

"मेरी इच्छा है," उसने कहा, "मैं कुछ भी न छिपाऊं, बल्कि 21 जून की रात जो कुछ भी हुआ, उसे पूरी ईमानदारी से बताऊं। अगर मुझे पता होता कि निर्दोषों को कष्ट सहना पड़ा है, और मेरे प्रिय लोगों पर इतना संकट आया है, तो मैं बहुत पहले ही सामने आ जाता; लेकिन कुछ कारण थे जिनकी वजह से ये बातें मुझ तक नहीं पहुंचीं। मेरी इच्छा थी कि वह अभागा व्यक्ति इस दुनिया से विदा हो जाए, लेकिन मैंने यह नहीं सोचा था कि मेरे कार्यों से दूसरों पर भी असर पड़ेगा। मैं अपनी पूरी क्षमता से अपने किए की भरपाई करने का प्रयास करूंगा।"

"अर्जेंटीना गणराज्य के इतिहास से परिचित किसी भी व्यक्ति के लिए लाना का नाम सर्वविदित है। मेरे पिता, जो प्राचीन स्पेन के सर्वोत्कृष्ट वंश से थे, ने राज्य के सभी सर्वोच्च पदों को संभाला और सैन जुआन के दंगों में उनकी मृत्यु न होती तो वे राष्ट्रपति बन सकते थे। मेरे जुड़वां भाई अर्नेस्ट और मेरे लिए एक शानदार करियर के अवसर खुले थे, यदि आर्थिक तंगी के कारण हमें अपनी आजीविका स्वयं न कमानी पड़ी होती। महोदय, यदि ये विवरण अप्रासंगिक प्रतीत हों तो क्षमा करें, लेकिन ये आगे आने वाली बातों की आवश्यक भूमिका हैं।"

जैसा कि मैंने बताया, मेरा एक जुड़वा भाई था जिसका नाम अर्नस्ट था, जो मुझसे इतना मिलता-जुलता था कि जब हम साथ होते थे तब भी लोग हम दोनों में कोई अंतर नहीं देख पाते थे। छोटी से छोटी बात तक हम बिल्कुल एक जैसे थे। जैसे-जैसे हम बड़े होते गए, यह समानता कम होती गई क्योंकि हमारे चेहरे के भाव एक जैसे नहीं रहे, लेकिन जब हमारे चेहरे शांत होते थे तो अंतर बहुत मामूली रह जाता था।

"मेरे लिए किसी दिवंगत व्यक्ति के बारे में अधिक कहना उचित नहीं है, विशेषकर इसलिए कि वह मेरा इकलौता भाई था, लेकिन मैं उसका चरित्र उन लोगों पर छोड़ता हूं जो उसे सबसे अच्छी तरह जानते थे। मैं केवल इतना ही कहूंगा—क्योंकि मुझे कहना ही होगा—कि अपनी युवावस्था में मुझे उससे घृणा थी, और मेरे मन में जो घृणा थी, उसका ठोस कारण था। उसकी हरकतों से मेरी प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुँची, क्योंकि हमारी शक्ल-सूरत में समानता के कारण कई बार मुझे भी उसकी हरकतों का दोषी मान लिया गया। अंततः, एक बेहद शर्मनाक घटना में, उसने सारा कलंक मुझ पर इस तरह मढ़ दिया कि मुझे अर्जेंटीना को हमेशा के लिए छोड़कर यूरोप में करियर तलाशने के लिए मजबूर होना पड़ा। उसकी घृणा से मुक्त होना मेरे लिए अपनी जन्मभूमि के खोने के दुख से कहीं अधिक था। मेरे पास ग्लासगो में चिकित्सा की पढ़ाई के लिए पर्याप्त धन था, और अंततः मैंने बिशप्स क्रासिंग में वकालत शुरू कर दी, इस दृढ़ विश्वास के साथ कि लंकाशायर के उस दूरस्थ गाँव में मुझे उसके बारे में फिर कभी सुनने को नहीं मिलेगा।"

"सालों तक मेरी उम्मीदें पूरी होती रहीं, और फिर आखिरकार उसने मुझे खोज ही लिया। ब्यूनस आयर्स घूमने आए लिवरपूल के किसी आदमी ने उसे मेरे बारे में बताया। उसने अपना सारा पैसा खो दिया था, और सोचा कि वह मेरे पास आकर मेरा पैसा बांट लेगा। मेरी उससे घृणा को जानते हुए, उसने सही अनुमान लगाया कि मैं उसे रिश्वत देने को तैयार हो जाऊँगा। मुझे उसका एक पत्र मिला जिसमें उसने बताया कि वह आ रहा है। उस समय मेरे अपने मामले संकट में थे, और उसके आने से उन लोगों के लिए मुसीबत और बदनामी भी आ सकती थी जिन्हें मैं विशेष रूप से ऐसी किसी भी चीज़ से बचाना चाहता था। मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए कि जो भी बुराई आए, वह केवल मुझ पर ही पड़े, और यही"—यहां वह मुड़ा और कैदी की ओर देखा—"मेरे उस आचरण का कारण था जिसकी बहुत कठोरता से आलोचना की गई है। मेरा एकमात्र मकसद उन लोगों को किसी भी संभावित बदनामी या अपमान से बचाना था जो मुझे प्रिय थे। मेरे भाई के साथ बदनामी और अपमान आना केवल यह कहने के लिए था कि जो हो चुका है, वही फिर से होगा।"

"मुझे पत्र मिलने के कुछ ही समय बाद एक रात मेरा भाई खुद आ गया। नौकरों के सोने के बाद मैं अपने अध्ययन कक्ष में बैठा था, तभी मुझे बाहर बजरी पर कदमों की आहट सुनाई दी और पल भर में मैंने खिड़की से उसका चेहरा अपनी ओर देखते हुए देखा। वह मेरी ही तरह दाढ़ी-मूंछ साफ किए हुए था, और हम दोनों में इतनी समानता थी कि एक पल के लिए मुझे लगा कि शीशे में मेरा ही प्रतिबिंब दिख रहा है। उसकी एक आंख पर काला धब्बा था, लेकिन हमारे चेहरे के हाव-भाव बिल्कुल एक जैसे थे। फिर उसने व्यंग्यात्मक मुस्कान दी, जो बचपन से ही उसकी एक खास आदत थी, और मैं समझ गया कि वह वही भाई है जिसने मुझे मेरी जन्मभूमि से निकाल दिया था और मेरे गौरवशाली नाम पर कलंक लगाया था। मैं दरवाजे पर गया और उसे अंदर आने दिया। उस रात करीब दस बजे का समय था।"

जब वो लैंप की रोशनी में आया, तो मैंने तुरंत समझ लिया कि उसके दिन बहुत बुरे चल रहे हैं। वो लिवरपूल से पैदल चलकर आया था, और थका हुआ व बीमार था। उसके चेहरे के हाव-भाव देखकर मैं दंग रह गया। मेरी चिकित्सा संबंधी जानकारी के

अनुसार, उसे कोई गंभीर आंतरिक बीमारी थी। उसने शराब भी पी रखी थी, और नाविकों के साथ हुई झड़प के कारण उसके चेहरे पर चोट के निशान थे। अपनी घायल आँख को ढकने के लिए उसने पट्टी बाँध रखी थी, जिसे उसने कमरे में आते ही हटा दिया। उसने खुद एक जैकेट और फलालेन की कमीज़ पहन रखी थी, और उसके जूते उसके पैरों से बाहर निकल रहे थे। लेकिन उसकी गरीबी ने उसे मेरे प्रति और भी क्रूर और प्रतिशोधी बना दिया था। उसकी नफरत पागलपन की हद तक बढ़ गई थी। उसके हिसाब से मैं इंग्लैंड में खूब पैसा कमा रहा था, जबकि वो दक्षिण अमेरिका में भूखा मर रहा था। मैं आपको उसकी धमकियों और गालियों का वर्णन नहीं कर सकती। मेरा मानना है कि कठिनाइयों और अय्याशी ने उसकी बुद्धि को अस्थिर कर दिया था। वो कमरे में इधर-उधर चक्कर लगा रहा था। एक जंगली जानवर की तरह, वह शराब और पैसे माँग रहा था, और वह भी बेहद गंदी भाषा में। मैं गुस्सैल स्वभाव का व्यक्ति हूँ, लेकिन ईश्वर का शुक्र है कि मैंने खुद पर काबू रखा और उस पर हाथ नहीं उठाया। मेरी इस खामोशी ने उसे और भी चिढ़ा दिया। वह बड़बड़ाया, गालियाँ दीं, मेरे चेहरे पर मुट्ठियाँ लहराईं, और फिर अचानक उसके चेहरे पर एक भयानक झटका लगा, उसने अपना हाथ बगल में रखा और ज़ोर से चिल्लाते हुए मेरे पैरों पर गिर पड़ा। मैंने उसे उठाया और सोफे पर लिटाया, लेकिन मेरी चीखों का कोई जवाब नहीं आया, और जिस हाथ को मैंने पकड़ा था वह ठंडा और पसीने से तर था। उसका बीमार दिल टूट गया था। उसकी अपनी ही हिंसा ने उसे मार डाला था।

काफी देर तक मैं किसी भयानक सपने में खोए हुए की तरह अपने भाई के शव को घूरता रहा। श्रीमती वुड्स की दस्तक से मेरी नींद खुली, जो उस अंतिम चीख से परेशान हो गई थीं। मैंने उन्हें बिस्तर पर भेज दिया। थोड़ी देर बाद एक मरीज ने क्लिनिक के दरवाज़े पर दस्तक दी, लेकिन चूंकि मैंने ध्यान नहीं दिया, वह चला गया। धीरे-धीरे, जब मैं वहां बैठा था, मेरे दिमाग में एक योजना बन रही थी, ठीक उसी अजीब स्वचालित तरीके से जैसे योजनाएं बनती हैं। जब मैं अपनी कुर्सी से उठा, तो मेरे आगे के कदम बिना किसी विचार प्रक्रिया के ही तय हो चुके थे। यह एक सहज प्रवृत्ति थी जिसने मुझे एक ही रास्ते की ओर अप्रतिरोध्य रूप से प्रेरित किया।

"जिस बदलाव का मैंने जिक्र किया है, उसके बाद से बिशप्स क्रॉसिंग मुझे बेहद नापसंद हो गया था। मेरी सारी योजनाएं धराशायी हो गई थीं, और जहां मुझे सहानुभूति की उम्मीद थी, वहां मुझे जल्दबाज़ी में लिए गए फैसले और निर्दयतापूर्ण व्यवहार का सामना करना पड़ा था। यह सच है कि मेरे भाई की मृत्यु के साथ ही उससे जुड़े किसी भी बदनामी का खतरा टल गया था; फिर भी, मैं अतीत को लेकर दुखी था, और महसूस करता था कि चीजें कभी पहले जैसी नहीं हो सकतीं। हो सकता है कि मैं जरूरत से ज्यादा संवेदनशील था, और मैंने दूसरों के प्रति पर्याप्त सहानुभूति नहीं दिखाई थी, लेकिन मेरी भावनाएं वैसी ही थीं जैसी मैंने बताया है। बिशप्स क्रॉसिंग और वहां के सभी लोगों से दूर जाने का कोई भी मौका मेरे लिए बेहद सुखद होता। और यहाँ मुझे ऐसा मौका मिला था जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, एक ऐसा मौका जो मुझे अतीत से पूरी तरह नाता तोड़ने में सक्षम बनाता।"

सोफे पर एक मृत व्यक्ति लेटा हुआ था, जो मुझसे इतना मिलता-जुलता था कि चेहरे की थोड़ी सी मोटाई और खुरदरेपन को छोड़कर कोई अंतर नहीं था। उसे आते हुए किसी ने नहीं देखा था और न ही किसी को उसकी कमी खलेगी। हम दोनों की दाढ़ी साफ थी और उसके बाल लगभग मेरे जितने ही लंबे थे। अगर मैं उसके साथ कपड़े बदल लेता, तो डॉ. एलोयसियस लाना अपने अध्ययन कक्ष में मृत पाए जाते और एक दुर्भाग्यशाली व्यक्ति और उसके बर्बाद करियर का अंत हो जाता। कमरे में काफी नकदी थी, जिसे मैं अपने साथ ले जा सकता था ताकि किसी दूसरे देश में नए सिरे से

शुरुआत कर सकूं। अपने भाई के कपड़ों में मैं रात में बिना किसी की नजर में आए लिवरपूल तक जा सकता था और उस बड़े बंदरगाह शहर में मुझे देश छोड़ने का कोई न कोई जरिया मिल जाता। अपनी खोई हुई उम्मीदों के बाद, मेरी राय में, गुमनाम रहकर सादा जीवन जीना, बिशप्स क्रॉसिंग में किसी भी सफल प्रैक्टिस से कहीं बेहतर था, जहां किसी भी क्षण मेरा सामना उन लोगों से हो सकता था जिन्हें मैं, अगर संभव हो तो, भूलना चाहता था। मैंने ठान लिया कि मैं यह करूंगा... परिवर्तन।

"और मैंने वैसा ही किया। मैं विस्तार से नहीं बताऊंगा, क्योंकि उस घटना की याद उतनी ही दर्दनाक है जितना वह अनुभव; लेकिन एक घंटे के भीतर मेरा भाई मेरे कपड़ों में पूरी तरह लिपटा हुआ पड़ा था, जबकि मैं चुपके से क्लिनिक के दरवाजे से बाहर निकला और खेतों से होकर जाने वाले पिछले रास्ते से लिवरपूल के लिए निकल पड़ा, जहां मैं उसी रात पहुंच गया। मैं घर से केवल पैसों का थैला और एक तस्वीर ही लेकर निकला, और जल्दबाजी में मैं अपने भाई की आँख पर बंधी पट्टी वहीं छोड़ आया। उसकी बाकी सारी चीजें मैं अपने साथ ले गया।"

"मैं आपको वचन देता हूं, महोदय, कि एक पल के लिए भी मेरे मन में यह विचार नहीं आया कि लोग सोचेंगे कि मेरी हत्या कर दी गई है, और न ही मैंने कभी कल्पना की कि इस चाल से, जिसके द्वारा मैंने दुनिया में एक नई शुरुआत करने का प्रयास किया, किसी को गंभीर खतरा हो सकता है। इसके विपरीत, दूसरों को मेरी उपस्थिति के बोझ से मुक्त करने का विचार हमेशा मेरे मन में सर्वोपरि था। उसी दिन लिवरपूल से कोरुन्ना के लिए एक जहाज रवाना हो रहा था, और मैंने उसमें अपनी यात्रा का टिकट ले लिया, यह सोचकर कि यात्रा मुझे अपना संतुलन वापस पाने और भविष्य के बारे में सोचने का समय देगी। लेकिन रवाना होने से पहले मेरा संकल्प बदल गया। मुझे याद आया कि दुनिया में एक व्यक्ति ऐसा है जिसे मैं एक पल का भी दुख नहीं पहुंचाना चाहता। वह अपने दिल में मेरे लिए शोक मनाएगी, चाहे उसके रिश्तेदार कितने भी कठोर और असंवेदनशील क्यों न हों। वह उन उद्देश्यों को समझती और सराहती है जिन पर मैंने कार्य किया था, और यदि उसके परिवार के बाकी सदस्य मुझे दोषी ठहराते हैं, तो कम से कम वह तो नहीं भूलेगी। इसलिए मैंने उसे निराधार दुःख से बचाने के लिए गुप्त रूप से एक पत्र भेजा। यदि दबाव में जिन घटनाओं के जरिए उसने उस गोपनीयता को तोड़ा, उसके प्रति मेरी पूरी सहानुभूति और क्षमा है।

"मैं कल रात ही इंग्लैंड लौटा हूं, और इस पूरे समय में मुझे अपनी कथित मृत्यु से मचे बवाल या श्री आर्थर मॉर्टन की संलिप्तता के आरोप के बारे में कुछ भी पता नहीं चला। कल शाम के अखबार में मुझे कल की घटनाओं का ब्योरा मिला, और मैं आज सुबह जितनी जल्दी हो सके एक्सप्रेस ट्रेन से सच्चाई की गवाही देने आया हूँ।"

डॉ. एलोयसियस लाना के इस उल्लेखनीय बयान ने मुकदमे को अचानक समाप्त कर दिया। बाद की जांच ने इसकी पुष्टि करते हुए उस जहाज का पता लगाया जिसमें उनके भाई अर्नेस्ट लाना दक्षिण अमेरिका से आए थे। जहाज के डॉक्टर ने गवाही दी कि यात्रा के दौरान उन्होंने हृदय की कमजोरी की शिकायत की थी और उनके लक्षण वर्णित मृत्यु के लक्षणों से मेल खाते थे।

डॉ. एलोयसियस लाना की बात करें तो, वे उस गाँव में लौट आए जहाँ से वे नाटकीय ढंग से गायब हो गए थे, और उनके और युवा जमींदार के बीच पूर्ण सुलह हो गई, क्योंकि जमींदार ने स्वीकार किया कि उसने अपने वादे से पीछे हटने के पीछे दूसरे के इरादों को पूरी तरह से गलत समझा था। एक और सुलह के बाद, मॉर्निंग पोस्ट के एक प्रमुख कॉलम से उद्धृत एक सूचना से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है:

"19 सितंबर को रेवरेंड स्टीफन जॉनसन द्वारा बिशप्स क्रॉसिंग के पैरिश चर्च में, अर्जेंटीना गणराज्य के पूर्व विदेश मंत्री डॉन अल्फ्रेडो लाना के पुत्र एलोयसियस जेवियर

लाना और ली हॉल, बिशप्स क्रॉसिंग, लंकाशायर के दिवंगत जेम्स मॉर्टन, ज.पी. की इकलौती पुत्री फ्रांसेस मॉर्टन के बीच विवाह संपन्न हुआ।"

यहूदी का कवच

मेरे खास दोस्त, वार्ड मोर्टिमर, प्राच्य पुरातत्व से जुड़े हर क्षेत्र में अपने समय के सर्वश्रेष्ठ विद्वानों में से एक थे। उन्होंने इस विषय पर बहुत कुछ लिखा था, किंग्स वैली में खुदाई करते हुए वे दो साल तक थेब्स के एक मकबरे में रहे थे, और अंत में उन्होंने फ़िलाए में होरस मंदिर के भीतरी कक्ष में क्लियोपेट्रा की कथित ममी को खोजकर सनसनी मचा दी थी। इकत्तीस वर्ष की आयु में ऐसे उत्कृष्ट रिकॉर्ड को देखते हुए, यह माना जाता था कि उनका भविष्य उज्ज्वल होगा, और जब उन्हें बेलमोर स्ट्रीट संग्रहालय के क्यूरेटर के पद पर चुना गया, तो किसी को आश्चर्य नहीं हुआ। इस पद के साथ ओरिएंटल कॉलेज में व्याख्याता का पद और एक ऐसी आय भी मिलती है जो ज़मीन की कीमतों में गिरावट के साथ कम हो गई है, लेकिन फिर भी एक शोधकर्ता को प्रोत्साहित करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन इतनी अधिक नहीं कि उसे थका दे।

बेलमोर स्ट्रीट संग्रहालय में वार्ड मोर्टिमर की स्थिति थोड़ी मुश्किल होने का केवल एक ही कारण था, और वह था उनके उत्तराधिकारी की अत्यधिक प्रतिष्ठा। प्रोफेसर एंड्रियास एक गहन विद्वान और यूरोपीय ख्यातिप्राप्त व्यक्ति थे। उनके व्याख्यानों में विश्व के कोने-कोने से छात्र आते थे, और उनके द्वारा संभाले गए संग्रह का उनका उत्कृष्ट प्रबंधन सभी विद्वान समाजों में प्रशंसनीय था। इसलिए, जब उन्होंने पचपन वर्ष की आयु में अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया और उन कर्तव्यों से सेवानिवृत्त हो गए जो उनकी आजीविका और आनंद दोनों थे, तो काफी आश्चर्य हुआ। उन्होंने और उनकी बेटी ने संग्रहालय से जुड़े अपने आधिकारिक निवास, आरामदायक कमरों का समूह छोड़ दिया, और मेरे मित्र मोर्टिमर, जो अविवाहित थे, ने वहीं अपना निवास स्थान बना लिया।

मोर्टिमर की नियुक्ति की खबर सुनकर प्रोफ़ेसर एंड्रियास ने उन्हें एक बहुत ही स्नेहपूर्ण और प्रशंसा भरा बधाई पत्र लिखा था। मैं वास्तव में उनकी पहली मुलाकात में मौजूद था, और मैं मोर्टिमर के साथ संग्रहालय घूमने गया था, जब प्रोफ़ेसर ने हमें अपना वह अद्भुत संग्रह दिखाया जिसे उन्होंने इतने लंबे समय से सहेज कर रखा था। प्रोफेसर की सुंदर बेटी और एक युवक, कैप्टन विल्सन, जो मेरी जानकारी के अनुसार जल्द ही उनके पति बनने वाले थे, हमारे साथ निरीक्षण में शामिल हुए। वहाँ पंद्रह कमरे थे, लेकिन बेबीलोनियन, सीरियाई और केंद्रीय हॉल, जिसमें यहूदी और मिस्र का संग्रह था, सबसे उत्तम थे। प्रोफेसर एंड्रियास एक शांत, गंभीर, बुजुर्ग व्यक्ति थे, जिनकी दाढ़ी साफ़ थी और व्यवहार भावहीन था, लेकिन उनकी गहरी आँखें चमक उठीं और उनके चेहरे पर उत्साह की चमक आ गई जब उन्होंने हमें अपने कुछ नमूनों की दुर्लभता और सुंदरता के बारे में बताया। उनका हाथ उन पर इतने स्नेह से ठहर रहा था कि कोई भी उनमें उनके प्रति गर्व और उनके दिल में उस दुःख को महसूस कर सकता था कि अब वे उनकी देखरेख से किसी और की देखरेख में जा रहे थे।

उन्होंने बारी-बारी से हमें अपनी ममी, अपने पपाइरी, अपने दुर्लभ स्कारैब, अपने शिलालेख, अपने यहूदी अवशेष और मंदिर के प्रसिद्ध सात शाखाओं वाले मोमबत्तीदान की अपनी प्रतिकृति दिखाई, जिसे टाइटस रोम लाया था और जिसके बारे में कुछ लोगों का मानना है कि वह इस समय टाइबर नदी के तल में पड़ा है। फिर वे हॉल के ठीक बीच में रखे एक बक्से के पास गए और श्रद्धापूर्वक उसके शीशे से नीचे देखने लगे।

"श्रीमान मॉर्टिमर, आप जैसे विशेषज्ञ के लिए यह कोई नई बात नहीं है," उन्होंने कहा; "लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि आपके मित्र, श्री जैक्सन, इसे देखकर रुचि लेंगे।"

डिब्बे पर झुककर मैंने एक वस्तु देखी, जो लगभग पांच इंच चौकोर थी। उसमें सोने के फ्रेम में बारह कीमती पत्थर जड़े हुए थे, और दो कोनों पर सोने के हुक लगे थे। पत्थर अलग-अलग प्रकार और रंग के थे, लेकिन उनका आकार एक जैसा था। उनकी आकृति, व्यवस्था और रंग की भिन्नता देखकर मुझे जलरंग के डिब्बों की याद आ गई। प्रत्येक पत्थर की सतह पर कुछ चित्रलिपि खुदी हुई थी।

"क्या आपने उरिम और थुम्मिम के बारे में सुना है, श्री जैक्सन?"

मैंने यह शब्द सुना तो था, लेकिन इसके अर्थ के बारे में मेरी धारणा बेहद अस्पष्ट थी।

"उरिम और थुम्मिम यहूदियों के महायाजक की छाती पर रखी जाने वाली रत्नजड़ित थाली का नाम था। यहूदियों में इसके प्रति विशेष श्रद्धा का भाव था—कुछ वैसा ही जैसा प्राचीन रोमनों में कैपिटल में रखी सिबिलिन पुस्तकों के प्रति होता था। जैसा कि आप देख रहे हैं, बारह भव्य पत्थर हैं जिन पर रहस्यमयी अक्षर खुदे हुए हैं। बाएं हाथ के ऊपरी कोने से गिनने पर, ये पत्थर हैं: कार्नेलियन, पेरिडॉट, पन्ना, माणिक, लैपिस लाजुली, गोमेद, नीलम, अगेट, एमेथिस्ट, पुखराज, बेरिल और जैस्पर।"

मैं पत्थरों की विविधता और सुंदरता को देखकर चकित रह गया।

मैंने पूछा, "क्या इस कवच का कोई विशेष इतिहास है?"

"यह बहुत पुराना और बेहद कीमती है," प्रोफेसर एंड्रियास ने कहा। "हालांकि हम निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकते, लेकिन हमारे पास यह मानने के कई कारण हैं कि यह सुलेमान के मंदिर के मूल उरिम और थुम्मिम हो सकते हैं। यूरोप के किसी भी संग्रह में इससे उत्तम वस्तु निश्चित रूप से नहीं है। मेरे मित्र, कैप्टन विल्सन, जो यहां हैं, कीमती पत्थरों के विशेषज्ञ हैं और वे आपको बता सकते हैं कि ये कितने शुद्ध हैं।"

गहरे रंग के, कठोर और तीक्ष्ण चेहरे वाले कैप्टन विल्सन, मामले के दूसरे पक्ष में अपनी मंगेतर के बगल में खड़े थे।

"हां," उसने संक्षिप्त लहजे में कहा, "मैंने इससे बेहतर पत्थर कभी नहीं देखे।"

"और सोने का काम भी ध्यान देने योग्य है। प्राचीन लोग इसमें माहिर थे..."— वह पत्थरों की सेटिंग की ओर इशारा करने ही वाले थे कि कैप्टन विल्सन ने उन्हें बीच में ही रोक दिया।

"इस मोमबत्ती स्टैंड में आपको उनके सोने के काम का एक बेहतरीन नमूना देखने को मिलेगा," उन्होंने दूसरी मेज की ओर मुड़ते हुए कहा, और हम सभी ने उनके साथ मिलकर इसके उभरे हुए तने और नाजुक ढंग से सजी शाखाओं की प्रशंसा की। कुल मिलाकर, इतने बड़े विशेषज्ञ द्वारा इतनी दुर्लभ वस्तुओं की व्याख्या सुनना एक रोचक और अनोखा अनुभव था; और जब अंत में, प्रोफेसर एंड्रियास ने मेरे मित्र को बहुमूल्य संग्रह औपचारिक रूप से सौंपकर हमारा निरीक्षण समाप्त किया, तो मुझे उन पर दया आई और उनके उत्तराधिकारी से ईर्ष्या हुई, जिसका जीवन इतने सुखद कर्तव्य में व्यतीत होने वाला था। एक सप्ताह के भीतर, वार्ड मॉर्टिमर को उनके नए कमरों में विधिवत रूप से स्थापित कर दिया गया, और वे बेलमोर स्ट्रीट संग्रहालय के निरंकुश शासक बन गए।

लगभग दो सप्ताह बाद मेरे दोस्त ने अपनी पदोन्नति का जश्न मनाने के लिए अपने छह अविवाहित मित्रों को एक छोटी सी दावत दी। जब उसके मेहमान जाने लगे तो उसने मेरी आस्तीन खींचकर मुझे इशारा किया कि वह चाहता है कि मैं वहीं रुकूं।

"आपको बस कुछ सौ गज ही चलना है," उन्होंने कहा—मैं अल्बानी में एक कमरे में रह रहा था। "आप यहीं रुककर मेरे साथ शांति से सिगार पी सकते हैं। मुझे आपकी

सलाह की बहुत ज़रूरत है।”
मैं आरामकुर्सी पर वापस बैठ गया और उनकी बेहतरीन मैट्रोनास सिगार में से एक जला ली। जब वे अपने आखिरी मेहमान को विदा करके लौटे, तो उन्होंने अपनी जैकेट से एक पत्र निकाला और मेरे सामने बैठ गए।
उन्होंने कहा, “यह एक गुमनाम पत्र है जो मुझे आज सुबह मिला। मैं इसे आपको पढ़कर सुनाना चाहता हूं और आपकी सलाह लेना चाहता हूं।”
"आप इसे अपनी इच्छानुसार ले सकते हैं।"
“नोट में लिखा था: ‘महोदय, मैं आपको दृढ़तापूर्वक सलाह देता हूँ कि आपके प्रभार में सौंपी गई बहुमूल्य वस्तुओं पर कड़ी निगरानी रखें। मुझे नहीं लगता कि एक ही चौकीदार की वर्तमान व्यवस्था पर्याप्त है। सतर्क रहें, अन्यथा एक अपूरणीय दुर्घटना हो सकती है।’”
"बस इतना ही?"
“हां, बस इतना ही।”
मैंने कहा, "खैर, यह तो कम से कम स्पष्ट है कि इसे उन गिने-चुने लोगों में से किसी एक ने लिखा है जिन्हें यह पता है कि रात में आपके पास केवल एक ही चौकीदार होता है।"
वार्ड मोर्टिमर ने एक जिज्ञासु मुस्कान के साथ मुझे वह नोट थमा दिया। उन्होंने कहा, "क्या तुम लिखावट को पहचानने में माहिर हो?" "अब इसे देखो!" उन्होंने मेरे सामने एक और पत्र रख दिया। "'कंग्रेचुलेट' में 'c' और 'कमिटेड' में 'c' को देखो। बड़े अक्षर 'I' को देखो। विराम चिह्न की जगह डैश लगाने की तरकीब को देखो!"
"ये निःसंदेह एक ही व्यक्ति द्वारा बनाए गए हैं - हालांकि पहले वाले चित्र को छिपाने का कुछ प्रयास किया गया है।"
वार्ड मोर्टिमर ने कहा, "दूसरी बात यह है कि प्रोफेसर एंड्रियास ने मुझे मेरी नियुक्ति मिलने पर बधाई पत्र लिखा था।"
मैं हैरानी से उसे देखता रहा। फिर मैंने अपने हाथ में मौजूद पत्र को पलटा और देखा कि दूसरी तरफ "मार्टिन एंड्रियास" के हस्ताक्षर थे। ग्राफोलॉजी (लेख विज्ञान) की थोड़ी सी भी जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति के मन में कोई संदेह नहीं हो सकता था कि प्रोफेसर ने अपने उत्तराधिकारी को चोरों से सावधान करने के लिए एक गुमनाम पत्र लिखा था। यह समझ से परे था, लेकिन निश्चित था।
मैंने पूछा, "वह ऐसा क्यों करेगा?"
"मैं भी आपसे यही पूछना चाहता था। अगर उन्हें ऐसी कोई आशंका थी, तो वे आकर मुझे सीधे क्यों नहीं बता सके?"
"क्या आप उससे इस बारे में बात करेंगे?"
“इस बात पर भी मुझे संदेह है। हो सकता है वह यह मानने से इनकार कर दे कि उसने इसे लिखा है।”
मैंने कहा, "खैर, यह चेतावनी तो मैंने दोस्ताना लहजे में दी है, और मैं इस पर अमल जरूर करूंगा। क्या मौजूदा सावधानियां आपको चोरी से बचाने के लिए काफी हैं?"
मुझे तो यही लगा था। आम जनता को केवल सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक ही प्रवेश की अनुमति है, और हर दो कमरों के लिए एक रक्षक तैनात रहता है। वह दोनों कमरों के बीच के दरवाजे पर खड़ा रहता है और इस तरह दोनों को आदेश देता है।
लेकिन रात में?
“जब लोग चले जाते हैं, तो हम तुरंत बड़े लोहे के शटर लगा देते हैं, जो चोरों से पूरी तरह सुरक्षित होते हैं। चौकीदार एक कुशल व्यक्ति है। वह लॉज में बैठता है, लेकिन

हर तीन घंटे में चक्कर लगाता है। हम हर कमरे में रात भर एक बिजली की बत्ती जलाकर रखते हैं।”

"रात भर दिन की निगरानी करने के अलावा और कुछ सुझाव देना मुश्किल है।"

हम ऐसा नहीं कर सकते थे।

मैंने कहा, “कम से कम मुझे पुलिस से संपर्क करना चाहिए और बेलमोर स्ट्रीट पर एक विशेष कांस्टेबल तैनात करवाना चाहिए। जहाँ तक पत्र की बात है, अगर लेखक गुमनाम रहना चाहता है, तो मुझे लगता है कि उसे ऐसा रहने का अधिकार है। हमें भविष्य पर भरोसा करना होगा कि वह उसके द्वारा अपनाए गए इस विचित्र कदम का कोई कारण बताएगा।”

तो हमने इस विषय को वहीं छोड़ दिया, लेकिन अपने कमरे में लौटने के बाद उस पूरी रात मैं इस बात को लेकर उलझन में रहा कि प्रोफेसर एंड्रियास ने अपने उत्तराधिकारी को गुमनाम चेतावनी पत्र क्यों लिखा होगा—क्योंकि मुझे यकीन था कि वह पत्र उन्हीं का था, मानो मैंने उन्हें सचमुच ऐसा करते हुए देखा हो। उन्हें संग्रह के लिए किसी खतरे का आभास था। क्या इसी आभास के कारण उन्होंने संग्रह का कार्यभार छोड़ दिया? लेकिन अगर ऐसा था, तो उन्होंने मॉर्टिमर को अपने नाम से चेतावनी देने में संकोच क्यों किया? मैं सोचता रहा, सोचता रहा, और अंत में एक बेचैन नींद में सो गया, जो मुझे मेरे सामान्य उठने के समय से कहीं आगे ले आई।

मुझे एक अनोखे और असरदार तरीके से होश आया, क्योंकि लगभग नौ बजे मेरा दोस्त मोर्टिमर घबराया हुआ सा मेरे कमरे में आया। वह आम तौर पर मेरे जान-पहचान वालों में सबसे साफ-सुथरा आदमी था, लेकिन अब उसका कॉलर एक तरफ से खुला हुआ था, टाई उड़ रही थी और टोपी सिर के पीछे लटकी हुई थी। मैंने उसकी घबराहट भरी आँखों में उसकी सारी कहानी पढ़ ली।

“संग्रहालय में चोरी हो गई!” मैं बिस्तर से उछलते हुए चिल्लाई।

“मुझे डर है! वो रत्न! उरिम और थुम्मिम के रत्न!” दौड़ते-दौड़ते उसकी सांस फूल गई थी, इसलिए वो हांफते हुए बोला। “मैं पुलिस स्टेशन जा रहा हूँ। जैक्सन, जितनी जल्दी हो सके संग्रहालय आ जाना! अलविदा!” वो बेसुध होकर कमरे से बाहर भागा और मुझे सीढ़ियों से उसके गिरने की आवाज़ सुनाई दी।

मैंने उनके निर्देशों का पालन करने में देर नहीं लगाई, लेकिन जब मैं वहाँ पहुँचा तो पाया कि वे एक पुलिस इंस्पेक्टर और एक अन्य बुजुर्ग सज्जन के साथ लौट चुके थे, जो श्री प्रविस निकले, जो प्रसिद्ध हीरा व्यापारी मॉर्सन एंड कंपनी के साझेदारों में से एक थे। हीरों के विशेषज्ञ होने के नाते वे पुलिस को सलाह देने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। वे उस बक्से के चारों ओर जमा थे जिसमें यहूदी पुजारी का कवच रखा हुआ था। कवच को बाहर निकालकर बक्से के कांच के ढक्कन पर रखा गया था, और तीनों के सिर उस पर झुके हुए थे।

“यह स्पष्ट है कि इसके साथ छेड़छाड़ की गई है,” मोर्टिमर ने कहा। “आज सुबह जब मैं कमरे से गुजरा तो मेरी नजर इस पर पड़ी। मैंने कल शाम को इसकी जांच की थी, इसलिए यह निश्चित है कि यह घटना रात के दौरान हुई है।”

जैसा कि उन्होंने कहा था, यह स्पष्ट था कि इस पर किसी ने काम किया था। सबसे ऊपर की पंक्ति में लगे चार पत्थरों - कार्नेलियन, पेरिडॉट, पन्ना और माणिक - की सेटिंग खुरदरी और नुकीली थी, मानो किसी ने उनके चारों ओर खरोंच लगाई हो। पत्थर तो अपनी जगह पर थे, लेकिन वह सुंदर सोने का काम जिसकी हमने कुछ ही दिन पहले प्रशंसा की थी, बहुत ही अनाड़ीपन से इधर-उधर कर दिया गया था।

पुलिस निरीक्षक ने कहा, "मुझे तो ऐसा लग रहा है जैसे कोई पत्थरों को निकालने की कोशिश कर रहा हो।"

“मुझे डर है,” मॉर्टिमर ने कहा, “कि उसने न केवल कोशिश की, बल्कि सफल भी हुआ। मेरा मानना है कि ये चारों पत्थर कुशल नकल हैं जिन्हें असली पत्थरों की जगह पर रख दिया गया है।”

विशेषज्ञ के मन में भी यही संदेह था, क्योंकि वह लेंस की सहायता से चारों पत्थरों की सावधानीपूर्वक जांच कर रहा था। उसने अब उन पर कई परीक्षण किए और अंत में प्रसन्नतापूर्वक मॉर्टिमर की ओर मुड़ा।

“महाराज, मैं आपको बधाई देता हूँ,” उसने हार्दिक भाव से कहा। “मैं अपनी प्रतिष्ठा की शपथ लेता हूँ कि ये चारों पत्थर असली हैं और असाधारण रूप से शुद्ध हैं।”

मेरे बेचारे दोस्त के भयभीत चेहरे पर धीरे-धीरे रंगत लौटने लगी और उसने राहत की एक लंबी सांस ली।

“भगवान का शुक्र है!” वह चिल्लाया। “तो फिर चोर आखिर चाहता क्या था?”

"शायद वह पत्थर लेने आया था, लेकिन उसे रोक दिया गया।"

"ऐसे में तो उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि वह उन्हें एक-एक करके बाहर निकालेगा, लेकिन इन सभी की सेटिंग ढीली हो गई है, और फिर भी सारे पत्थर यहीं मौजूद हैं।"

“यह तो वाकई बेहद असाधारण है,” इंस्पेक्टर ने कहा। “मुझे ऐसा मामला पहले कभी याद नहीं। चलिए चौकीदार को देखते हैं।”

कमिश्नर को बुलाया गया - एक सिपाही जैसा, ईमानदार चेहरे वाला आदमी, जो इस घटना को लेकर वार्ड मोर्टिमर जितना ही चिंतित प्रतीत हो रहा था।

“जी नहीं, महोदय, मैंने कोई आवाज़ नहीं सुनी,” उन्होंने निरीक्षक के सवालों के जवाब में कहा। “मैंने हमेशा की तरह चार बार गश्त लगाई, लेकिन मुझे कुछ भी संदिग्ध नहीं दिखा। मैं दस साल से इस पद पर हूं, लेकिन इससे पहले कभी ऐसी घटना नहीं हुई।”

“क्या खिड़कियों से कोई चोर अंदर आ सकता था?”

"असंभव, महोदय।"

"या दरवाजे पर आपसे आगे निकल गए?"

"नहीं, महोदय; मैंने गश्त लगाने के अलावा कभी भी अपना पद नहीं छोड़ा।"

"संग्रहालय में और कौन-कौन से पद खाली हैं?"

"यह मिस्टर वार्ड मोर्टिमर के निजी कमरों में जाने का दरवाजा है।"

मेरे दोस्त ने समझाया, "रात में उस पर ताला लगा दिया जाता है, और वहां तक पहुंचने के लिए सड़क से किसी को भी बाहर का दरवाजा भी खोलना पड़ेगा।"

“आपके सेवक?”

उनके कमरे पूरी तरह से अलग हैं।

निरीक्षक ने कहा, "अच्छा, अच्छा, यह तो वाकई बहुत अस्पष्ट है। हालांकि, श्री पुरविस के अनुसार, कोई नुकसान नहीं हुआ है।"

मैं शपथ लेकर कहता हूँ कि वे पत्थर असली हैं।

इसलिए यह मामला मात्र दुर्भावनापूर्ण क्षति का प्रतीत होता है। फिर भी, मुझे परिसर का सावधानीपूर्वक निरीक्षण करने और यह पता लगाने में बहुत खुशी होगी कि क्या हमें कोई ऐसा सुराग मिल सकता है जिससे हमें पता चले कि आपका आगंतुक कौन था।

उनकी जांच, जो पूरी सुबह चली, सावधानीपूर्वक और बुद्धिमत्तापूर्ण थी, लेकिन अंत में उससे कुछ भी हासिल नहीं हुआ। उन्होंने हमें बताया कि संग्रहालय में प्रवेश के दो संभावित रास्ते थे जिन पर हमने ध्यान नहीं दिया था। एक रास्ता तहखाने से था, जो गलियारे में बने एक गुप्त दरवाजे से होकर जाता था। दूसरा रास्ता गोदाम से रोशनदान

से होकर जाता था, जो ठीक उसी कमरे के ऊपर था जिसमें घुसपैठिया घुसा था। चूंकि तहखाने या गोदाम में तभी प्रवेश किया जा सकता था जब चोर पहले से ही बंद दरवाजों के अंदर मौजूद हो, इसलिए यह मामला व्यावहारिक रूप से महत्वपूर्ण नहीं था, और तहखाने और अटारी की धूल ने हमें आश्वस्त किया कि किसी ने भी इन रास्तों का इस्तेमाल नहीं किया था। अंततः, हम उसी स्थिति में समाप्त हुए जहां से शुरू हुए थे, इस बात का जरा भी सुराग नहीं मिला कि इन चार रत्नों के साथ छेड़छाड़ कैसे, क्यों और किसने की थी।

मोर्टिमर के पास अब एक ही रास्ता बचा था, और उसने वही रास्ता चुना। पुलिस को उनकी निष्फल जाँच जारी रखने के लिए छोड़कर, उसने मुझे उसी दोपहर प्रोफ़ेसर एंड्रियास से मिलने चलने के लिए कहा। वह अपने साथ दोनों पत्र ले गया था, और उसका इरादा अपने पूर्ववर्ती पर गुमनाम चेतावनी लिखने का आरोप लगाकर, उनसे यह स्पष्टीकरण मांगने का था कि उन्होंने जो कुछ हुआ उसकी इतनी सटीक भविष्यवाणी कैसे कर ली। प्रोफ़ेसर अपर नॉरवुड के एक छोटे से विला में रह रहे थे, लेकिन नौकरानी ने हमें बताया कि वे घर से बाहर हैं। हमारी निराशा देखकर उसने हमसे पूछा कि क्या हम मिस एंड्रियास से मिलना चाहेंगे, और हमें उनके सादे से ड्राइंग रूम में ले गई।

मैंने संयोगवश उल्लेख किया था कि प्रोफ़ेसर की बेटी बहुत सुंदर थी। वह सुनहरे बालों वाली, लंबी और आकर्षक थी, जिसकी त्वचा का रंग उस कोमल रंग जैसा था जिसे फ्रांसीसी लोग "मैट" कहते हैं, यानी पुराने हाथीदांत या सल्फर गुलाब की हल्की पंखुड़ियों जैसा। हालाँकि, जब वह कमरे में दाखिल हुई तो पिछले पखवाड़े में उसमें आए बदलाव को देखकर मैं दंग रह गया। उसका युवा चेहरा मुरझाया हुआ था और उसकी चमकीली आँखें दुख से भरी हुई थीं।

“पिताजी स्कॉटलैंड गए हैं,” उसने कहा। “वे थके हुए लग रहे हैं और उन्हें काफी चिंता रही है। वे कल ही हमसे विदा हुए हैं।”

“आप भी थोड़ी थकी हुई लग रही हैं, मिस एंड्रियास,” मेरी दोस्त ने कहा।

मुझे पिताजी को लेकर बहुत चिंता हो रही है।

"क्या आप मुझे उनका स्कॉटिश पता दे सकते हैं?"

"जी हां, वह अपने भाई, रेवरेंड डेविड एंड्रियास, 1, एरन विलास, अर्द्रोसन के साथ हैं।"

वार्ड मोर्टिमर ने पता नोट कर लिया, और हम अपनी यात्रा के उद्देश्य के बारे में कुछ भी बताए बिना ही वहां से चले गए। शाम को हम खुद को बेलमोर स्ट्रीट में ठीक उसी स्थिति में पाए जहाँ हम सुबह थे। हमारे पास एकमात्र सुराग प्रोफेसर का पत्र था, और मेरे मित्र ने अगले दिन अर्द्रोसन जाने और उस गुमनाम पत्र की तह तक जाने का मन बना लिया था, तभी एक नए घटनाक्रम ने हमारी योजनाओं को बदल दिया।

अगली सुबह तड़के ही मेरे शयनकक्ष के दरवाजे पर दस्तक से मेरी नींद टूट गई। मॉर्टिमर का एक संदेशवाहक एक पत्र लेकर आया था।

उसने कहा, "ज़रूर आइएगा; मामला दिन-ब-दिन और भी असाधारण होता जा रहा है।"

जब मैंने उसके बुलावे का पालन किया तो मैंने उसे केंद्रीय कमरे में उत्तेजित होकर इधर-उधर टहलते हुए पाया, जबकि परिसर की रखवाली करने वाला बूढ़ा सैनिक एक कोने में सैन्य सख्ती के साथ खड़ा था।

“मेरे प्यारे जेक्सन,” वह चिल्लाया, “मुझे बहुत खुशी है कि तुम आ गए हो, क्योंकि यह एक बेहद रहस्यमय मामला है।”

“तो फिर हुआ क्या है?”

उसने कवच वाले बक्से की ओर हाथ हिलाया।

“इसे देखो,” उसने कहा।

मैंने ऐसा किया और आश्चर्य से चीखने से खुद को रोक नहीं पाया। बीच वाली पंक्ति के कीमती पत्थरों की सेटिंग को भी ऊपर वाली पंक्तियों की तरह ही अपवित्र कर दिया गया था। बारह रत्नों में से आठ के साथ इस अनोखे तरीके से छेड़छाड़ की गई थी। नीचे के चार रत्नों की सेटिंग साफ-सुथरी और चिकनी थी। बाकी के रत्न खुरदुरे और अनियमित थे।

मैंने पूछा, "क्या पत्थरों में कोई बदलाव किया गया है?"

“नहीं, मुझे पूरा यकीन है कि ये ऊपर के चारों रत्न वही हैं जिन्हें विशेषज्ञ ने असली बताया था, क्योंकि मैंने कल ही पन्ना के किनारे पर थोड़ा सा रंग फीका पड़ते देखा था। चूंकि उन्होंने ऊपर के रत्न नहीं निकाले हैं, इसलिए यह मानने का कोई कारण नहीं है कि नीचे के रत्न बदले गए हैं। आप कहते हैं कि आपने कुछ नहीं सुना, सिम्पसन?”

“जी नहीं, महोदय,” आयुक्त ने उत्तर दिया। “लेकिन जब मैंने सुबह होने के बाद अपना निरीक्षण किया, तो मैंने इन पत्थरों को विशेष रूप से देखा और मुझे तुरंत पता चल गया कि किसी ने इनके साथ छेड़छाड़ की है। फिर मैंने आपको बुलाया, महोदय, और आपको बताया। मैं पूरी रात इधर-उधर भटकता रहा, और मुझे न तो कोई दिखाई दिया और न ही कोई आवाज़ सुनाई दी।”

“ऊपर आओ और मेरे साथ नाश्ता करो,” मोर्टिमर ने कहा और मुझे अपने कमरे में ले गया। “अब, जैक्सन, तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?” उसने पूछा।

“यह अब तक का सबसे निरर्थक, व्यर्थ और मूर्खतापूर्ण काम है जिसके बारे में मैंने सुना है। यह केवल किसी सनकी व्यक्ति का ही काम हो सकता है।”

क्या आप कोई सिद्धांत प्रस्तुत कर सकते हैं?

मेरे मन में एक अजीब सा विचार आया। मैंने कहा, “यह वस्तु एक अत्यंत प्राचीन और पवित्र यहूदी अवशेष है। यहूदी-विरोधी आंदोलन के बारे में क्या? क्या कोई कल्पना कर सकता है कि उस विचारधारा का कोई कट्टरपंथी इसे अपवित्र कर सकता है?”

“नहीं, नहीं, नहीं!” मोर्टिमर चिल्लाया। “यह बिलकुल नहीं चलेगा! ऐसा आदमी अपनी सनक को यहूदी अवशेष को नष्ट करने की हद तक तो बढ़ा सकता है, लेकिन वह हर पत्थर को इतनी सावधानी से क्यों कुतर रहा है कि एक रात में सिर्फ चार पत्थर ही कुतर पाए? हमें इससे बेहतर उपाय ढूंढना होगा, और हमें खुद ही ढूंढना होगा, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि हमारा इंस्पेक्टर हमारी मदद करेगा। सबसे पहले, आप कुली सिम्पसन के बारे में क्या सोचते हैं?”

क्या आपको उस पर शक करने का कोई कारण है?

"बस इतना ही कि वह परिसर में मौजूद एकमात्र व्यक्ति है।"

लेकिन वह इस तरह की अंधाधुंध तबाही क्यों मचाएगा? कुछ भी नहीं लूटा गया है। उसका कोई मकसद नहीं है।

“उन्माद?”

नहीं, मैं उसकी मानसिक स्थिति की शपथ लेता हूँ।

"क्या आपके पास कोई और सिद्धांत है?"

“अच्छा, उदाहरण के लिए, आप खुद। कहीं आप नींद में चलने वाले तो नहीं हैं?”

"ऐसा कुछ भी नहीं है, मैं आपको आश्वस्त करता हूं।"

"तो मैं इसे छोड़ देता हूँ।"

"लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता—और मेरे पास एक योजना है जिसके द्वारा हम सब कुछ स्पष्ट कर देंगे।"

"प्रोफ़ेसर एंड्रियास से मिलने के लिए?"

"नहीं, हमें स्कॉटलैंड से भी नज़दीक अपना हल मिल जाएगा। मैं आपको बताता हूँ कि हम क्या करेंगे। आपको वह रोशनदान याद है जो केंद्रीय हॉल की ओर खुलता है? हम हॉल की बिजली की बत्तियाँ जलाए रखेंगे, और हम, आप और मैं, कबाड़खाने में नज़र रखेंगे और खुद ही इस रहस्य को सुलझाएंगे। अगर हमारा रहस्यमय आगंतुक एक बार में चार पत्थर उठा रहा है, तो उसके पास अभी चार और उठाने बाकी हैं, और यह मानने का पूरा कारण है कि वह आज रात वापस आएगा और काम पूरा कर देगा।"

"शानदार!" मैंने खुशी से कहा।

"हम अपना राज़ गुप्त रखेंगे और न तो पुलिस को बताएंगे और न ही सिम्पसन को। क्या आप मेरे साथ आएँगे?"

मैंने कहा, "मुझे अत्यंत प्रसन्नता होगी"; और इस पर सहमति बन गई।

उस रात दस बजे मैं बेलमोर स्ट्रीट संग्रहालय लौटा। मॉर्टिमर, जैसा कि मैं देख सकता था, दबी हुई घबराहट और उत्तेजना की स्थिति में था, लेकिन अभी हमारी निगरानी शुरू करने का समय नहीं था, इसलिए हम लगभग एक घंटे तक उसके कमरे में रुके रहे और उस अनोखे मामले की सभी संभावनाओं पर चर्चा करते रहे जिसे सुलझाने के लिए हम मिले थे। आखिरकार, जैसे-जैसे आनंद लेने वाले लोग अपने स्टेशनों या अपने घरों की ओर बढ़ते गए, हैंसम कैब की गर्जना और भागते कदमों की आवाज धीमी और रुक-रुक कर होने लगी। लगभग बारह बज रहे थे जब मॉर्टिमर संग्रहालय के केंद्रीय हॉल के सामने स्थित कबाड़खाने की ओर आगे बढ़ा।

वह दिन में वहाँ आया था और उसने कुछ बोरी बिछा दी थी ताकि हम आराम से लेट सकें और सीधे संग्रहालय के अंदर देख सकें। रोशनदान बिना फ्रॉस्टेड कांच का था, लेकिन उस पर इतनी धूल जमी थी कि नीचे से ऊपर देखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह पता लगाना असंभव था कि उसे कोई देख रहा है। हमने हर कोने से थोड़ा-थोड़ा करके धूल हटाई, जिससे हमें नीचे के कमरे का पूरा दृश्य दिखाई देने लगा। बिजली के लैंप की ठंडी सफेद रोशनी में सब कुछ एकदम साफ और स्पष्ट दिखाई दे रहा था, और मैं विभिन्न बक्सों में रखी चीजों की छोटी से छोटी बारीकी भी देख सकता था।

इस तरह की निगरानी एक उत्कृष्ट सबक है, क्योंकि हमारे पास उन वस्तुओं को ध्यान से देखने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता जिन्हें हम आमतौर पर आधे-अधूरे मन से देखते हैं। अपनी छोटी सी खिड़की से मैंने घंटों हर नमूने का अध्ययन किया, दीवार से टिकी विशाल ममी की पेटी से लेकर उन गहनों तक, जो हमें यहाँ लाए थे और जो हमारे ठीक नीचे कांच के बक्से में चमक रहे थे। कई बक्सों में कीमती सोने का काम और बहुमूल्य पत्थर बिखरे हुए थे, लेकिन वे बारह अद्भुत गहने, जिनसे उरिम और थुम्मिम बने थे, ऐसी चमक से दमक रहे थे जो बाकी सभी को फीका कर देती थी। मैंने बारी-बारी से सिकारा के मकबरे के चित्रों, कार्नाक की नक्काशी, मेम्फिस की मूर्तियों और थेब्स के शिलालेखों का अध्ययन किया, लेकिन मेरी नज़रें हमेशा उस अद्भुत यहूदी अवशेष पर और मेरा मन उसके चारों ओर फैले अनोखे रहस्य पर लौट आता था। मैं उसी सोच में डूबा हुआ था कि अचानक मेरे साथी ने गहरी साँस ली और मेरा हाथ कसकर पकड़ लिया। उसी क्षण मुझे समझ आ गया कि किस बात ने उसे उत्तेजित किया था।

मैंने बताया है कि दीवार के सहारे—दरवाजे के दाहिनी ओर (देखने पर दाहिनी ओर, लेकिन अंदर जाते समय बाईं ओर)—एक बड़ा ममी-पेटी रखा था। हम अवाक रह गए और उसे धीरे-धीरे खुलते हुए देखकर हैरान रह गए। ढक्कन धीरे-धीरे पीछे की ओर खुलने लगा और खुलने वाली जगह पर बनी काली दरार चौड़ी होती जा रही थी।

यह इतनी कोमलता और सावधानी से किया गया था कि हलचल लगभग महसूस ही नहीं हुई। फिर, जब हम सांस रोककर उसे देख रहे थे, तभी खुलने वाली जगह पर एक पतला सफेद हाथ दिखाई दिया, जिसने रंगे हुए ढक्कन को पीछे धकेला, फिर दूसरा हाथ, और अंत में एक चेहरा—एक ऐसा चेहरा जो हम दोनों के लिए जाना-पहचाना था, प्रोफेसर एंड्रियास का। चुपके से वह ममी-पेटी से बाहर निकले, जैसे कोई लोमड़ी अपने बिल से निकलती है, उनका सिर लगातार बाएँ-दाएँ घूम रहा था, कदम बढ़ाते, फिर रुकते, फिर कदम बढ़ाते, मानो वह चालाकी और सावधानी का साक्षात उदाहरण हों। एक बार गली में कोई आवाज़ सुनकर वह स्तब्ध रह गए और कान लगाकर सुनने लगे, मानो पीछे बने आश्रय में वापस जाने के लिए तैयार हों। फिर वह दबे पांव, बहुत ही धीरे-धीरे आगे बढ़ा, जब तक कि वह कमरे के बीच में रखे बक्से तक नहीं पहुँच गया। वहाँ उसने अपनी जेब से चाबियों का गुच्छा निकाला, बक्सा खोला, यहूदी कवच निकाला और उसे अपने सामने लगे शीशे पर रखकर किसी छोटे, चमकदार औजार से उस पर काम करने लगा। वह हमारे ठीक नीचे था, इतना झुका हुआ सिर उसके काम को ढक रहा था, लेकिन हम उसके हाथ की हरकत से समझ गए कि वह उस अजीबोगरीब विकृति को पूरा करने में लगा हुआ था जिसे उसने शुरू किया था।

मेरे साथी की भारी सांसों और मेरी कलाई को जकड़े हुए उसके हाथ की फड़कन से मैं समझ गया कि उसके हृदय में कितना क्रोध भरा हुआ था, जब उसने इस बर्बरता को उस जगह देखा जहाँ उसे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी। वही व्यक्ति, जिसने दो सप्ताह पहले इस अद्वितीय अवशेष के ऊपर श्रद्धापूर्वक सिर झुकाया था और जिसने हमें इसकी प्राचीनता और पवित्रता का आभास कराया था, अब इस घिनौने अपमान में लिप्त था। यह असंभव, अकल्पनीय था - और फिर भी, हमारे नीचे बिजली की तेज़ रोशनी में, झुका हुआ सिर और फड़कती कोहनी वाला वह काला साया दिखाई दे रहा था। इन भयावह रात्रिकालीन कृत्यों के पीछे कितना अमानवीय पाखंड, अपने उत्तराधिकारी के प्रति कितनी घृणा और द्वेष छिपा होगा। इसके बारे में सोचना भी कष्टदायक था और इसे देखना भयावह। यहां तक कि मुझमें भी, जो एक कुशल कलाकार की तरह तीव्र भावनाएँ नहीं रखता था, इतने प्राचीन अवशेष के इस जानबूझकर किए गए विरूपण को देखना सहन नहीं कर सका। मुझे तब राहत मिली जब मेरे साथी ने मुझे इशारा करते हुए मेरी आस्तीन खींची और धीरे से कमरे से बाहर निकल गया। जब हम उसके कमरे में पहुँचे, तब जाकर उसने बोलना शुरू किया, और तब मैंने उसके परेशान चेहरे से उसकी घबराहट का गहरा अंदाजा लगाया।

“वह घिनौना गॉथ!” वह चिल्लाया। “क्या तुम इस पर विश्वास कर सकते थे?”

“यह अद्भुत है।”

“वह या तो खलनायक है या पागल – दोनों में से एक। हमें बहुत जल्द पता चल जाएगा कि कौन है। मेरे साथ आओ, जैक्सन, और हम इस काले धंधे की तह तक पहुँचेंगे।”

गलियारे से एक दरवाजा खुलता था जो उनके कमरों से संग्रहालय में जाने का निजी प्रवेश द्वार था। उन्होंने पहले अपने जूते उतारे और चाबी से उसे धीरे से खोला, मैंने भी उनका अनुसरण किया। हम एक-एक करके कमरों से होते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़े, जब तक कि हमारे सामने विशाल हॉल नहीं आ गया, जहाँ वह रहस्यमयी आकृति अभी भी झुकी हुई थी और केंद्रीय अलमारी पर काम कर रही थी। उनकी ही तरह सावधानी से आगे बढ़ते हुए हम उनके करीब पहुंचे, लेकिन धीरे-धीरे चलने के कारण हम उन्हें पूरी तरह से चौंका नहीं सके। हम उनसे अभी भी बारह गज की दूरी पर ही थे कि वे चौंककर पीछे मुड़े और डर के मारे कर्कश चीख निकालते हुए घबराकर संग्रहालय में इधर-उधर भागने लगे।

"सिम्पसन! सिम्पसन!" मॉर्टिमर दहाड़ा, और दूर बिजली की रोशनी से जगमगाते दरवाजों के बीच से अचानक बूढ़े सैनिक की अकड़ी हुई आकृति दिखाई दी। प्रोफेसर एंड्रियास ने भी उसे देखा और निराशा का भाव लिए दौड़ना बंद कर दिया। उसी क्षण हम दोनों ने उसके कंधे पर हाथ रखा।

"जी जी जी, सज्जनों," वह हांफते हुए बोला, "मैं आपके साथ चलूंगा। श्रीमान वार्ड मोर्टिमर, कृपया अपने कमरे में चलें! मुझे लगता है कि मुझे आपको स्पष्टीकरण देना चाहिए।"

मेरे साथी का आक्रोश इतना तीव्र था कि मैं समझ गया कि वह जवाब देने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था। हम बूढ़े प्रोफेसर के दोनों ओर चल रहे थे, और अचंभित कमिश्नर सबसे पीछे-पीछे आ रहा था। जब हम उस क्षतिग्रस्त मामले के पास पहुंचे, तो मोर्टिमर रुक गया और कवच की जाँच करने लगा। निचली पंक्ति के पत्थरों में से एक की सेटिंग पहले से ही बाकी पत्थरों की तरह उलट गई थी। मेरे मित्र ने उसे ऊपर उठाया और अपने कैदी पर गुस्से भरी नज़र डाली।

"तुम ऐसा कैसे कर सकते हो!" वह चिल्लाया। "तुम ऐसा कैसे कर सकते हो!"

"यह बहुत भयानक है—बहुत भयानक!" प्रोफेसर ने कहा। "मुझे आपकी भावनाओं पर आश्चर्य नहीं है। मुझे अपने कमरे में ले चलो।"

"लेकिन इसे ऐसे ही खुला नहीं छोड़ा जा सकता!" मोर्टिमर चिल्लाया। उसने कवच उठाया और उसे बड़े प्यार से अपने हाथ में थामे रखा, जबकि मैं प्रोफेसर के पीछे-पीछे ऐसे चल रहा था जैसे कोई पुलिसवाला किसी अपराधी के साथ चल रहा हो। हम मोर्टिमर के कमरे में दाखिल हुए, उस हैरान बूढ़े सिपाही को वहीं छोड़ दिया ताकि वह जितना समझ सके उतना समझ सके। प्रोफेसर मोर्टिमर की कुर्सी पर बैठ गए और उनका चेहरा इतना पीला पड़ गया कि पल भर के लिए हमारा सारा गुस्सा चिंता में बदल गया। एक गिलास ब्रांडी ने उनमें फिर से जान डाल दी।

"अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूँ!" उसने कहा। "पिछले कुछ दिन मेरे लिए असहनीय थे। मुझे यकीन है कि मैं इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकता था। यह एक बुरा सपना है—एक भयानक बुरा सपना—कि मुझे उस जगह चोर के रूप में गिरफ्तार किया जाए जो इतने लंबे समय से मेरा अपना संग्रहालय रहा है। फिर भी मैं आपको दोष नहीं दे सकता। आप कुछ और कर ही नहीं सकते थे। मेरी हमेशा से यही उम्मीद थी कि पकड़े जाने से पहले मैं सारा काम निपटा लूं। यह मेरी आखिरी रात का काम होता।"

"तुम अंदर कैसे आए?" मोर्टिमर ने पूछा।

"मैंने आपके निजी दरवाजे के साथ बहुत बड़ी छेड़छाड़ की। लेकिन उद्देश्य जायज़ था। उद्देश्य ने सब कुछ जायज़ ठहराया। जब आपको सब कुछ पता चलेगा तो आप नाराज़ नहीं होंगे—कम से कम, आप मुझसे नाराज़ नहीं होंगे। मेरे पास आपके बगल वाले दरवाजे की चाबी थी और संग्रहालय के दरवाजे की भी। मैंने जाते समय उन्हें नहीं छोड़ा। इसलिए आप देख सकते हैं कि मेरे लिए संग्रहालय में घुसना मुश्किल नहीं था। मैं सड़क से भीड़ हटने से पहले ही जल्दी आ जाता था। फिर मैं ममी के पिंजरे में छिप जाता था, और जब भी सिम्पसन आता, मैं वहीं शरण लेता था। मैं हमेशा उसके आने की आहट सुन सकता था। मैं जिस तरह से आता था, उसी तरह चला जाता था।"

आपने जोखिम उठाया।

"मुझे करना पड़ा।"

"लेकिन क्यों? आखिर तुम्हारा मकसद क्या था – तुमने ऐसा काम क्यों किया!" मोर्टिमर ने मेज पर रखी थाली की ओर तिरस्कारपूर्ण ढंग से इशारा किया।

"मेरे पास कोई और रास्ता नहीं था। मैंने बहुत सोचा, लेकिन एक भयंकर सार्वजनिक बदनामी और एक निजी दुख के अलावा कोई विकल्प नहीं था, जो हमारे

जीवन को अंधकारमय कर देता। मैंने सर्वोत्तम के लिए काम किया, भले ही यह आपको अविश्वसनीय लगे, और मैं आपसे केवल इतना अनुरोध करता हूँ कि आप मुझे इसे साबित करने में मदद करें।”

"आगे कोई कदम उठाने से पहले मैं आपकी बात सुनूंगा," मोर्टिमर ने गंभीर स्वर में कहा।

मैं कुछ भी छिपाने के लिए दृढ़ संकल्पित नहीं हूं, और आप दोनों को पूरी तरह से अपने विश्वास में लूंगा। मैं आपको जो तथ्य उपलब्ध कराऊंगा, उनका आप किस हद तक उपयोग करेंगे, यह मैं आपकी उदारता पर छोड़ता हूं।

"हमारे पास आवश्यक तथ्य पहले से ही मौजूद हैं।"

“फिर भी तुम कुछ नहीं समझते। मुझे कुछ सप्ताह पहले हुई घटना पर वापस जाने दो, और मैं तुम्हें सब कुछ स्पष्ट कर दूंगा। मेरा विश्वास करो कि मैं जो कह रहा हूं वह बिल्कुल सटीक सत्य है।”

“आप उस व्यक्ति से मिले हैं जो खुद को कैप्टन विल्सन कहता है। मैं 'खुद को कहता है' इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि अब मेरे पास यह मानने का कारण है कि यह उसका सही नाम नहीं है। अगर मैं उन सभी तरीकों का वर्णन करूं जिनसे उसने मुझसे परिचय प्राप्त किया और मेरी मित्रता और मेरी बेटी का स्नेह जीता, तो इसमें बहुत समय लग जाएगा। वह विदेशी सहयोगियों के पत्र लाया था, जिसने मुझे उस पर ध्यान देने के लिए मजबूर किया। और फिर, अपनी असाधारण प्रतिभा के बल पर, वह मेरे कमरे में एक बहुत ही स्वागत योग्य अतिथि बन गया। जब मुझे पता चला कि उसने मेरी बेटी का स्नेह जीत लिया है, तो मैंने शायद इसे जल्दबाजी समझा होगा, लेकिन मुझे आश्चर्य बिल्कुल नहीं हुआ, क्योंकि उसके व्यवहार और बातचीत में ऐसा आकर्षण था जो उसे किसी भी समाज में विशिष्ट बना देता।”

उन्हें प्राच्य पुरावशेषों में बहुत रुचि थी, और इस विषय पर उनका ज्ञान उनकी रुचि को उचित ठहराता था। अक्सर जब वे हमारे साथ शाम बिताते थे, तो वे संग्रहालय में नीचे जाने और विभिन्न नमूनों का निजी तौर पर निरीक्षण करने की अनुमति मांगते थे। आप कल्पना कर सकते हैं कि एक उत्साही होने के नाते, मैं उनके इस अनुरोध से सहमत था, और मुझे उनके लगातार आने पर कोई आश्चर्य नहीं हुआ। एलिस से उनकी सगाई के बाद, शायद ही कोई शाम ऐसी होती थी जो वे हमारे साथ न बिताते हों, और आमतौर पर एक या दो घंटे संग्रहालय में ही बीतते थे। उन्हें संग्रहालय में पूरी आज़ादी थी, और जब मैं शाम को बाहर होता था, तो मुझे उनके यहाँ जो चाहें करने पर कोई आपत्ति नहीं होती थी। यह सिलसिला केवल मेरे आधिकारिक कर्तव्यों से इस्तीफ़ा देने और नॉरवुड में सेवानिवृत्ति लेने के बाद ही समाप्त हुआ, जहाँ मुझे उम्मीद थी कि मुझे अपनी योजनाबद्ध महत्वपूर्ण रचना लिखने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

इसके तुरंत बाद—लगभग एक सप्ताह के भीतर—मुझे उस व्यक्ति के असली स्वभाव और चरित्र का पता चला जिसे मैंने इतनी नासमझी से अपने परिवार में शामिल कर लिया था। यह खुलासा मुझे विदेश में रहने वाले मेरे दोस्तों के पत्रों से हुआ, जिनसे पता चला कि मुझसे उसका परिचय कराना फर्जी था। इस खुलासे से मैं स्तब्ध रह गया, और मैंने खुद से पूछा कि इस आदमी ने मुझ पर इतना बड़ा धोखा क्यों किया होगा। मैं इतना गरीब था कि कोई भी धन-लोभी मुझे गिनने की सोच भी नहीं सकता था। तो फिर वह आया ही क्यों था? मुझे याद आया कि यूरोप के कुछ सबसे कीमती रत्न मेरी देखरेख में थे, और मुझे वे चालाकी भरे बहाने भी याद आए जिनसे इस आदमी ने उन बक्सों से खुद को परिचित कराया था जिनमें वे रखे थे। वह एक बदमाश था जो किसी बड़ी डकैती की योजना बना रहा था। मैं अपनी बेटी को, जो उस पर मोहित थी, बिना चोट पहुंचाए, उसकी किसी भी योजना को अंजाम देने से कैसे रोक सकता था? मेरा तरीका

भद्दा था, फिर भी मुझे इससे बेहतर कोई उपाय नहीं सूझा। अगर मैंने अपने नाम से पत्र लिखा होता, तो आप स्वाभाविक रूप से आपने मुझसे कुछ जानकारियाँ माँगी हैं जो मैं देना नहीं चाहता था। इसलिए मैंने गुमनाम पत्र लिखकर आप सभी से सतर्क रहने का अनुरोध किया।

मैं आपको बता दूं कि बेलमोर स्ट्रीट से नॉरवुड में मेरे रहने का उस आदमी के आने-जाने पर कोई असर नहीं पड़ा, जिसे मेरी बेटी से, मेरा मानना है, सच्चा और गहरा लगाव था। जहाँ तक मेरी बेटी की बात है, मैं यह सोच भी नहीं सकती थी कि कोई औरत किसी आदमी के इतने वश में हो सकती है, जितनी वह थी। उसका मजबूत स्वभाव उस पर पूरी तरह हावी था। मुझे इस बात का एहसास तब तक नहीं हुआ था कि यह कितना गंभीर था, या उनके बीच कितना गहरा विश्वास था, जब तक कि उस शाम पहली बार उसका असली चरित्र मेरे सामने उजागर नहीं हुआ। मैंने आदेश दिया था कि जब वह आए तो उसे ड्राइंग रूम के बजाय मेरे स्टडी रूम में बुलाया जाए। वहाँ मैंने उसे साफ-साफ कह दिया कि मैं उसके बारे में सब कुछ जानती हूँ, कि मैंने उसकी योजनाओं को नाकाम करने के लिए कदम उठाए हैं, और न तो मैं और न ही मेरी बेटी उसे फिर कभी देखना चाहती हैं। मैंने यह भी कहा कि मैं ईश्वर की आभारी हूँ कि मैंने उसे समय रहते पहचान लिया, इससे पहले कि वह उन अनमोल वस्तुओं को नुकसान पहुँचा पाता, जिनकी रक्षा करना मेरे जीवन भर का काम था।

"वह सचमुच लोहे के समान दृढ़ निश्चयी व्यक्ति थे। उन्होंने मेरी बातों को बिना किसी आश्चर्य या अवज्ञा के सुना, बल्कि गंभीरता और ध्यान से तब तक सुनते रहे जब तक मैंने अपनी बात पूरी नहीं कर ली। फिर वे बिना कुछ कहे कमरे के उस पार चले गए और घंटी बजा दी।"

"'मिस एंड्रियास से विनती कीजिए कि वे कृपया इधर आ जाएं,' उसने नौकर से कहा।

"मेरी बेटी अंदर आई, और उस आदमी ने उसके पीछे दरवाजा बंद कर दिया। फिर उसने उसका हाथ अपने हाथ में ले लिया।"

"'एलिसे,' उसने कहा, 'तुम्हारे पिता को अभी पता चला है कि मैं एक खलनायक हूँ। उन्हें अब वही पता चल गया है जो तुम्हें पहले से पता था।'"

वह चुपचाप खड़ी सुन रही थी।

"'वह कहता है कि हम हमेशा के लिए अलग होने वाले हैं,' उसने कहा।

उसने अपना हाथ नहीं हटाया।

"'क्या तुम मेरे प्रति सच्चे रहोगे, या मेरे जीवन में आने वाले अंतिम अच्छे प्रभाव को भी हटा दोगे?'"

"'जॉन,' वह भावुक होकर चिल्लाई। 'मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगी! कभी नहीं, कभी नहीं, चाहे पूरी दुनिया तुम्हारे खिलाफ ही क्यों न हो जाए।'"

मैंने उससे व्यर्थ ही बहस की और मिन्नतें कीं। सब सरासर व्यर्थ था। उसका पूरा जीवन मेरे सामने खड़े इस आदमी से जुड़ा हुआ था। सज्जनों, मेरी बेटी ही मेरी एकमीत्र प्रेमिका बची है, और जब मैंने देखा कि मैं उसे इस विनाश से बचाने में कितनी असमर्थ हूँ, तो मेरा दिल पीड़ा से भर गया। मेरी लाचारी उस आदमी को भी छू गई जो मेरी सारी परेशानियों का कारण था।

"'शायद यह उतना बुरा नहीं है जितना आप सोचते हैं, महोदय,' उसने अपने शांत, अटल अंदाज़ में कहा। 'मैं एलिस से इतना प्यार करता हूँ कि वह मुझ जैसे बुरे अतीत वाले व्यक्ति को भी बचा सकता है। कल ही मैंने उससे वादा किया था कि मैं अपने पूरे जीवन में फिर कभी ऐसा कुछ नहीं करूँगा जिससे उसे शर्म आए। मैंने यह निश्चय कर लिया है, और मैंने आज तक ऐसा कोई काम नहीं किया जिसे मैंने न किया हो।'"

"उसने ऐसे स्वर में बात की जिससे उसके लहजे में दृढ़ विश्वास झलक रहा था। अपनी बात समाप्त करते हुए उसने अपना हाथ अपनी जेब में डाला और एक छोटा सा गत्ते का डिब्बा निकाला।"

"'मैं तुम्हें अपने दृढ़ संकल्प का प्रमाण देने जा रहा हूँ,' उसने कहा। 'एलिस, यह मुझ पर तुम्हारे प्रभाव का पहला फल होगा। महोदय, आप सही हैं कि मेरी नज़र आपके पास मौजूद रत्नों पर थी। ऐसे कारनामों में मेरे लिए एक अलग ही आकर्षण रहा है, जो जोखिम और इनाम के मूल्य दोनों पर निर्भर करता है। यहूदी पुजारी के वे प्रसिद्ध और प्राचीन पत्थर मेरे साहस और चतुराई की परीक्षा थे। मैंने उन्हें पाने का निश्चय कर लिया था।'"

"'मुझे ऐसा ही अंदाजा था।'"

"'केवल एक ही बात थी जिसका आपने अनुमान नहीं लगाया।'"

"'और वह क्या है?'"

"'मुझे वो मिल गए। वो इस डिब्बे में हैं।'"

"उसने डिब्बा खोला और उसके अंदर की चीज़ें मेरी मेज़ के कोने पर उलट दीं। देखते ही मेरे रोंगटे खड़े हो गए और शरीर कांप उठा। उसमें बारह शानदार चौकोर पत्थर थे जिन पर रहस्यमयी अक्षर खुदे हुए थे। इसमें कोई शक नहीं था कि वे उरिम और थुम्मिम के रत्न थे।"

"'हे भगवान!' मैं चिल्लाई। 'तुम पकड़े जाने से कैसे बच गए?'"

"'बारह अन्य वस्तुओं के प्रतिस्थापन द्वारा, जो विशेष रूप से मेरे आदेश पर बनाई गई हैं, जिनमें मूल वस्तुओं की इतनी सावधानीपूर्वक नकल की गई है कि मैं आंखों को चुनौती देता हूं कि वे अंतर का पता लगा सकें।'

"'तो क्या ये पत्थर नकली हैं?' मैंने चिल्लाकर कहा।"

"'वे कुछ हफ्तों से ऐसा कर रहे हैं।'"

"हम सब खामोशी से खड़े थे, मेरी बेटी भावनाओं से पीली पड़ गई थी, लेकिन फिर भी उसने उस आदमी का हाथ पकड़ रखा था।"

"'एलिस, तुम देख सकती हो कि मैं क्या कर सकता हूँ,' उसने कहा।

"'मैं देखती हूं कि तुम पश्चाताप करने और क्षतिपूर्ति करने में सक्षम हो,' उसने उत्तर दिया।

"हाँ, आपके प्रभाव के कारण ही! मैं ये पत्थर आपके हाथों में छोड़ रहा हूँ, महोदय। आप जो चाहें करें। लेकिन याद रखें कि आप मेरे विरुद्ध जो भी करेंगे, वह आपकी इकलौती बेटी के भावी पति के विरुद्ध होगा। एलिस, आप जल्द ही मुझसे फिर संपर्क करेंगी। यह आखिरी बार है जब मैं आपके कोमल हृदय को पीड़ा पहुँचाऊंगा," और ये शब्द कहकर वह कमरे और घर दोनों से निकल गया।

मेरी स्थिति बेहद भयावह थी। ये अनमोल अवशेष मेरे पास थे, और मैं इन्हें बिना बदनामी और भेद खोले कैसे लौटा सकती थी? मैं अपनी बेटी के स्वभाव की गहराई को भली-भांति जानती थी, और यह सोचना भी असंभव था कि अब जब उसने अपना पूरा दिल उसे दे दिया था, तो मैं उसे उससे अलग कर पाऊँगी। मुझे यह भी समझ नहीं आ रहा था कि अगर उसका उस पर इतना सकारात्मक प्रभाव था, तो उसे उससे अलग करना कितना उचित था। मैं उसे बिना नुकसान पहुँचाए उसका भेद कैसे खोल सकती थी—और जब उसने स्वेच्छा से खुद को मेरे हवाले कर दिया था, तो उसका भेद खोलना कितना उचित था? मैं सोचती रही, सोचती रही, और अंत में मैंने एक ऐसा निर्णय लिया जो शायद आपको मूर्खतापूर्ण लगे, फिर भी, अगर मुझे यह दोबारा करना पड़े, तो मुझे लगता है कि यही मेरे लिए सबसे अच्छा रास्ता होगा।

"मेरा इरादा था कि मैं पत्थरों को बिना किसी को पता चले लौटा दूं। अपनी चाबियों से मैं किसी भी समय संग्रहालय में प्रवेश कर सकता था, और मुझे पूरा भरोसा था कि मैं सिम्पसन से बच जाऊंगा, जिसके काम करने का तरीका और समय मुझे अच्छी तरह से पता था। मैंने ठान लिया था कि मैं किसी को भी अपने विश्वास में नहीं लूंगा—यहां तक कि अपनी बेटी को भी नहीं—जिसे मैंने बताया कि मैं स्कॉटलैंड में अपने भाई से मिलने जा रहा हूं। मैं कुछ रातों के लिए पूरी तरह से आज़ाद रहना चाहता था, बिना किसी की पूछताछ के। इसी उद्देश्य से मैंने उसी रात हार्डिंग स्ट्रीट में एक कमरा किराए पर लिया, और यह संकेत दिया कि मैं एक प्रेसकर्मी हूं, और मुझे देर रात तक काम करना होगा।"

उस रात मैं संग्रहालय में गई और मैंने चार पत्थरों को वापस लगा दिया। यह बहुत मेहनत का काम था और पूरी रात लग गई। जब भी सिम्पसन आता, मैं उसके कदमों की आहट सुन लेती और ममी के पिंजरे में छिप जाती। मुझे सोने के काम की थोड़ी बहुत जानकारी थी, लेकिन चोर जितना कुशल मैं नहीं थी। उसने सेटिंग को इतनी सटीकता से बदला था कि कोई भी अंतर बता दे, मैं चुनौती देती हूं। मेरा काम भद्दा और अनाड़ी था। फिर भी, मुझे उम्मीद थी कि जब तक मेरा काम पूरा नहीं हो जाता, तब तक प्लेट की बारीकी से जाँच न हो और सेटिंग की खुरदरापन नज़र न आए। अगली रात मैंने चार और पत्थर लगाए। और आज रात तक मैं अपना काम पूरा कर चुकी होती, अगर वह दुर्भाग्यपूर्ण घटना न हुई होती जिसके कारण मुझे वह सब कुछ प्रकट करना पड़ा जिसे मैं छुपाए रखना चाहती थी। मैं आप सभी सज्जनों से, आपके सम्मान और करुणा की भावना से अपील करती हूं कि क्या मैंने जो कुछ आपको बताया है वह आगे जाना चाहिए या नहीं। मेरी अपनी खुशी, मेरी बेटी का भविष्य, इस आदमी के सुधार की उम्मीदें, सब कुछ आपके निर्णय पर निर्भर करता है।

मेरे मित्र ने कहा, "अंत भला तो सब भला, और यह सारा मामला यहीं और तुरंत समाप्त हो गया। कल एक कुशल सुनार ढीले जोड़ कस देगा, और इस तरह मंदिर के विनाश के बाद से उरिम और थुम्मिम पर मंडरा रहा सबसे बड़ा खतरा टल जाएगा। यह मेरा हाथ है, प्रोफेसर एंड्रियास, और मैं केवल यही आशा कर सकता हूँ कि ऐसी कठिन परिस्थितियों में भी मैंने निस्वार्थ भाव से और अच्छे से व्यवहार किया होगा।"

इस वृत्तांत में बस एक छोटी सी बात जोड़ना चाहूंगा। एक महीने के भीतर ही एलिस एंड्रियास की शादी एक ऐसे व्यक्ति से हो गई, जिसका नाम, अगर मैं उल्लेख करने की गलती करूं, तो मेरे पाठकों को यह जानकर अच्छा लगेगा कि वह अब व्यापक रूप से और उचित रूप से सम्मानित व्यक्ति हैं। लेकिन अगर सच्चाई यह होती कि यह सम्मान उन्हें नहीं, बल्कि उस कोमल लड़की को मिलना चाहिए जिसने उन्हें उस अंधकारमय रास्ते से वापस लाया, जिस पर से बहुत कम लोग लौटते हैं।